102वां
वार्षिक प्रतिवेदन
2024-25
भाग - I







दिल्ली विश्वविद्यालय

102वाँ
वार्षिक प्रतिवेदन
2024-2025

भाग-I

दिल्ली विश्वविद्यालय

प्राक्कथन

मुझे एक ऐसे समय में दिल्ली विश्वविद्यालय का 102वां वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है, जब विश्वविद्यालय अपने गौरवशाली अस्तित्व के 102 वर्ष पूर्ण करने के उपरांत, समयबद्ध रूप से संचालित सुधारों के साथ, विविध दिशाओं में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है और शैक्षणिक उत्कृष्टता का एक ऐसा नया मार्ग प्रशस्त कर रहा है, जिसका अकादमिक, अनुसंधान, विविधता और समावेशन पर दूरगामी प्रभाव पड़ने की आशा है।

03 महाविद्यालयों, 02 संकायों, 08 विभागों, 750 छात्रों और 1380 उपहारस्वरूप प्रदान की गई पुस्तकों से की गई सौम्य शुरुआत से लेकर 90 महाविद्यालयों, 16 संकायों, 86 विभागों, 20 छात्रावासों, 32 केंद्रों और संस्थानों और दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली के अंतर्गत 34 पुस्तकालयों और 06 लाख से अधिक छात्रों तक की विश्वविद्यालय की यह महायात्रा, पिछली शताब्दी में, स्वतंत्रता-पूर्व और स्वतंत्रता-पश्चात, दोनों ही कालों में, विश्वविद्यालय समुदाय के प्रत्येक हितधारक की अदम्य भावना और सतत शैक्षणिक प्रयासों का जीवंत प्रमाण है। ये उपलब्धियां हमारे संकाय सदस्यों, छात्रों और प्रशासन की शैक्षणिक दृढ़ता, अनुसंधान नवाचार और सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति हमारे अथक समर्पण की साक्षी हैं।

इस अवधि के दौरान विश्वविद्यालयों के मध्य एनआईआरएफ रैंक 06, क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंक 328, क्यूएस एशिया यूनिवर्सिटी रैंक 81, और टाइम्स ऑफ हायर एजुकेशन रैंक 801-1000 के रूप में विश्वविद्यालय की निरंतर बेहतर होती राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग हाल के समय में इस विश्वविद्यालय की अभूतपूर्व वृद्धि को स्पष्ट रूप से प्रतिबिंबित करती है। इसके अलावा, क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में विश्वविद्यालय को भारत के केंद्रीय विश्वविद्यालयों में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

स्नातकपूर्व पाठ्यक्रम फ्रेमवर्क 2022 (यूजीसीएफ 2022) के माध्यम से एनईपी 2020 का उत्कृष्ट और सफल कार्यान्वयन विश्वविद्यालय के विजन और मिशन प्रतिध्वनित करता है जो वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लिए राष्ट्रीय विकास और प्रगति के दृष्टिकोण के पूर्णत: अनुरूप है। धारा 8 के अंतर्गत गठित कंपनी उधमोदय फाउंडेशन नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्निहित सिद्धांतों के अनुरूप हमारे युवा राष्ट्र और भारत के युवाओं के मध्य नवाचार और उद्यमिता की भावना संपोषित करने के लिए स्टार्टअप और प्री-इनक्यूबेटेड उपक्रमों को सहयोग प्रदान कर रही है।

हमारी प्रवेश नीति के राष्ट्रीय स्वरूप ने प्रवेश प्रक्रिया को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया है तथा इसे और अधिक समावेशी बनाया है, जहां राष्ट्र के हर कोने से छात्रों को इस प्रतिष्ठित संस्थान में प्रवेश प्राप्त करने और इस विश्वविद्यालय के सर्वोत्तम शैक्षणिक परिवेश को आत्मसात करते हुए अकादमिक उत्कृष्टता का मार्ग प्रशस्त करने का समान अवसर प्राप्त होता है।

स्कोपस इंडेक्स्ड़ जर्नलों के प्रकाशन में 11% की वृद्धि तथा निरंतर उच्च होता एच-इंडेक्स विश्वविद्यालय के अत्याधुनिक अनुसंधान में हुए व्यापक विकास को स्पष्ट रूप से परिलक्षित करता है। विश्वविद्यालय अनुसंधान पहलों को और आगे बढ़ाने तथा संकाय सदस्यों, विशेष रूप से नवनियुक्त संकाय सदस्यों को प्रोत्साहित करने के लिए भौतिक अवसंरचना के विकास में निरंतर निवेश कर रहा है, जिसमें अत्याधुनिक भवन, अनुसंधान प्रयोगशालाएँ, आईसीटी सक्षम पुस्तकालय सुविधाएँ और बेहतर अनुसंधान परिवेश के लिए उन्नत आईटी क्षमताएँ शामिल हैं और इसके साथ-साथ पाठ्यक्रम शिक्षण-अधिगम को भी पर्याप्त महत्व प्रदान किया जा रहा है।

उच्च शिक्षा को और अधिक समावेशी बनाने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा प्रारंभ की गईं अनेक अग्रणी पहलों में एकल बालिकाओं के लिए कोटा और अनाथ छात्रों के लिए प्रवेश कोटा का प्रावधान किया जाना और छात्रों के लिए वित्तीय सहायता योजना का प्रावधान करना शामिल है। इसी प्रकार, 'कुलपति इंटर्नशिप योजना' का उद्देश्य विद्यार्थियों को अनुभवात्मक अधिगम के माध्यम से सशक्त बनाना है, जिससे उन्हें विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में कार्य-अनुभव का अमूल्य अवसर प्राप्त हो।

विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय पहुँच भी इसलिए उल्लेखनीय है कि हमने 35 देशों के साझीदार संस्थानों के साथ मौजूदा 78 समझौता ज्ञापनों के अतिरिक्त 12 नए अंतरराष्ट्रीय समझौते किए हैं, जिनका उद्देश्य संकाय और छात्र विनिमय, संयुक्त शोध और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्रोत्साहित करना है।

विश्वविद्यालय ने सदैव ही अपने पूर्व-छात्रों के साथ स्थापित अटूट संबंधों के महत्व को मान्यता प्रदान की है तथा इस पहल को अधिकाधिक प्रोत्साहित करने के लिए धारा 8 के अंतर्गत गठित कंपनी यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली फाउंडेशन, विश्वविद्यालय और पूर्व-छात्रों के मध्य संबंधों को अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में पूर्व की तुलना में कहीं बेहतर और उद्देश्यपूर्ण तरीके से अथक प्रयास कर रही है।

मुझे आशा है कि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक, पाठ्येतर क्रियाकलापों और सामाजिक आउटरीच पहलों में हासिल किया गया बहुमुखी विकास विश्वविद्यालय के प्रत्येक हितधारक के अटूट समर्थन से संपूरित होकर विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कार्यकलापों के प्रत्येक क्षेत्र में समानता और रचनात्मक जुड़ाव के साथ उत्कृष्टता की खोज में निरंतर आगे बढ़ते जाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

प्रो. योगेश सिंह
कुलपति

संपादकीय बोर्ड

102वीं वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत है, जिसमें वर्ष 2024-2025 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय की गतिविधियों और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया है।

रिपोर्ट में दो भाग हैं:

- भाग I में इस अवधि की उपलब्धियां और विशिष्ट कार्यकलाप, दिल्ली विश्वविद्यालय की सुविधाओं, विभागों, केंद्रों, महाविद्यालयों और वित्त सहित आकादमिक प्रगति की जानकारी है।
- भाग-II मे सूचना और आंकड़े है।

संपादकीय बोर्ड मे निम्नलिखित सदस्य है:

1. प्रो. नीरा अग्निमित्रा, सामाजिक-कार्य विभाग - **अध्यक्ष**
2. प्रो. संजय कपूर, पादप आणविक जीव-विज्ञान विभाग
3. प्रो. रूपम कपूर, वनस्पति-विज्ञान विभाग
4. प्रो. संदीप कौर, रसायन-विज्ञान विभाग
5. प्रो. दीप्ति तनेजा, संयुक्त संकायाध्यक्ष, सांस्कृतिक परिषद
6. डॉ. अंकित राजपाल, कंप्यूटर-विज्ञान विभाग
7. डॉ. रेणु बावेजा, शिवाजी महाविद्यालय
8. डॉ. उमा चौधरी, भास्कराचार्य अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय
9. डॉ. सोनिया कौशिक, भारती महाविद्यालय
10. डॉ. आशीष कुमार सिंह, प्राणी-विज्ञान विभाग
11. डॉ. देवी दयाल गौतम, समाजशास्त्र विभाग
12. डॉ. वैभव पुरी, श्री गुरु गोबिंद वाणिज्य महाविद्यालय
13. डॉ. अश्विनी सिवाल, विधि संकाय
14. डॉ. गीता मिश्रा, सतत शिक्षा एवं विस्तार विभाग
15. डॉ. अंशिका अग्रवाल, प्रबंधन अध्ययन संकाय
16. डॉ. चेतना गुप्ता, इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय
17. डॉ. सपना कुमारी, लेडी इरविन महाविद्यालय
18. श्री पीयूष चौधरी, हंसराज महाविद्यालय
19. श्री राजू नायर, संयुक्त कुलसचिव (परिषद)
20. श्री अखिलेश कुमार झा, सहायक कुलसचिव (परिषद) - **सदस्य-सचिव**

संपादकीय बोर्ड दिल्ली विश्वविद्यालय कंप्यूटर केंद्र की वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी श्रीमती सीमा सिरपाल और संयुक्त डीन (पुरालेख) प्रो. मनीषा चौधरी के योगदान के लिए आभार व्यक्त करता है। संपादकीय बोर्ड वार्षिक रिपोर्ट के संपादन में दस कुलपति प्रशिक्षुओं के प्रयासों और सहायता के गदान के लिए भी आभार व्यक्त करता है।

विषय सामग्री

विश्वविद्यालय के अधिकारी **1**

वर्ष 2024-25 की उपलब्धियां और गतिविधियां **4**

विभाग **71**

अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान और मानविकी संकाय **71**

वित्त और व्यवसाय अर्थशास्त्र 71

कला संकाय **79**

अरबी 79

बौद्ध अध्ययन 83

अंग्रेज़ी 85

जर्मनिक और रोमांस अध्ययन 89

हिंदी 94

पुस्तकालय और सूचना विज्ञान 103

भाषा विज्ञान 112

भारतीय भाषाएँ और साहित्य अध्ययन 120

फ़ारसी 126

दर्शनशास्त्र 128

मनोविज्ञान 141

पंजाबी 150

संस्कृत 157

स्लावोनिक और फिनो-यूग्रियन अध्ययन 164

उर्दू 168

आयुर्वेदिक और यूनानी चिकित्सा संकाय **171**

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान 171

आयुर्वेदिक और यूनानी तिब्बिया कॉलेज एवं अस्पताल 191

वाणिज्य और व्यवसाय संकाय **195**

वाणिज्य 195

शिक्षा संकाय **202**

शिक्षा 202

होम्योपैथिक मेडिसिन संकाय **212**

नेहरू होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल 212

अंतःविषय और अनुप्रयुक्त विज्ञान संकाय **215**

जैव रसायन 215

जैवभौतिकी 224

आनुवंशिकी	230
सूक्ष्मजीव-विज्ञान	245
पादप आण्विक जीव विज्ञान	251
इलेक्ट्रॉनिक्स विज्ञान	261
शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान	272
विधि संकाय	**274**
कैंपस लॉ सेंटर	274
विधि केंद्र -I	285
विधि केंद्र -II	290
प्रबंधन अध्ययन संकाय	**296**
व्यवसाय प्रबंधन एवं औद्योगिक प्रशासन	296
गणितीय विज्ञान संकाय	**314**
गणित	314
कंप्यूटर विज्ञान	324
परिचालन अनुसंधान	334
सांख्यिकी	346
चिकित्सा विज्ञान संकाय	355
निश्चेतन-विज्ञान (एनेस्थिसियोलॉजी) (एमएएमसी)	355
शरीररचना- (एनाटॉमी (एमएएमसी)	371
जैव-रसायन विज्ञान (गोविंद बल्लभ पंत संस्थान स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान)	375
जैव-रसायन विज्ञान (एमएएमसी)	385
कार्डियोलॉजी (गोविंद बल्लभ पंत संस्थान स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान)	389
त्वचाविज्ञान और रतिजरोग विज्ञान (एमएएमसी)	414
ईएनटी (एमएएमसी)	419
गैस्ट्रोएंटरोलॉजी (गोविंद बल्लभ पंत संस्थान स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान)	422
जीआई सर्जरी (गोविंद बल्लभ पंत स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान)	427
मौलाना आज़ाद दंत चिकित्सा विज्ञान संस्थान	431
सूक्ष्म जीव विज्ञान (गोविंद बल्लभ पंत स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान)	452
चिकित्सा (एमएएमसी)	459
लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज	479
नेत्र विज्ञान (एमएएमसी)	481
बाल चिकित्सा सर्जरी (एमएएमसी)	488
पैथोलॉजिस्ट (गोविंद बल्लभ पंत स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान)	494
बाल रोग (एमएएमसी)	499

औषध-विज्ञान (एमएएमसी).....512
शरीर-क्रिया विज्ञान (एमएएमसी).....518
मनोरोग विज्ञान (एमएएमसी).....523
रेडियोलॉजी (गोविंद बल्लभ पंत संस्थान स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान).....524
रेडियोलॉजी (एलएचएमसी).....525
रेडियोथेरेपी (एमएएमसी).....528
यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज (यूसीएमएस) 530
वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट..... 574
संगीत और ललित कला संकाय.....585
संगीत.....585
विज्ञान संकाय.....587
मानव विज्ञान.....587
वनस्पति विज्ञान.....598
रसायन विज्ञान.....608
पर्यावरण अध्ययन.....624
भूविज्ञान.....637
भौतिकी और खगोल भौतिकी.....649
प्राणीविज्ञान.....687
सामाजिक विज्ञान संकाय.....705
वयस्क, सतत शिक्षा और विस्तार 705
अफ्रीकी अध्ययन.....710
पूर्व एशियाई अध्ययन.....712
अर्थशास्त्र.....714
भूगोल.....727
इतिहास.....732
राजनीति विज्ञान.....736
समाजशास्त्र.....737
सामाजिक कार्य.....744
प्रौद्योगिकी संकाय.....754
कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग.....754
इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग..... 759
विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग.....764
शैक्षणिक केंद्र.....767
कृषि अर्थशास्त्र अनुसंधान केंद्र.....767

डिटेक्टर एवं संबंधित सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी केंद्र	769
अवक्रमित पारिस्थितिक तंत्र के पर्यावरण प्रबंधन केंद्र	770
फसल पादप आनुवंशिक परिवर्तन केंद्र	772
वैश्विक अध्ययन केंद्र	774
हिमालयन अध्ययन केंद्र	779
हिंदू अध्ययन केंद्र	781
स्वतंत्रता एवं विभाजन अध्ययन केंद्र	783
संक्रामक रोग अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण नवाचार केंद्र	785
पर्वत और पर्वतीय पर्यावरण अंतःविषयक अध्ययन केंद्र	787
सेंटर फ़ॉर प्रोफ़ेशनल डेवलपमेंट इन हायर एजुकेशन	788
जनजातीय अध्ययन केंद्र	798
क्लस्टर नवाचार केंद्र	803
दिल्ली कौशल संवर्धन और उद्यिमता विकास स्कूल	806
दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म	807
दिल्ली स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ (डीएसपीएच)	813
दिल्ली स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नेंस (डीएसपीपीजी)	817
दिल्ली स्कूल ऑफ ट्रांसनेशनल अफेयर्स	819
डॉ. बी.आर. अंबेडकर जैव-चिकित्सा अनुसंधान केंद्र	819
साइबर सुरक्षा और विधि संस्थान	824
सूचना विज्ञान एवं संचार संस्थान	826
आजीवन अध्ययन संस्थान	830
अंतःविषयक पादप जीनोमिक्स केंद्र	833
विश्वविद्यालय विज्ञान उपकरण केंद्र	836
महिला उन्नत अध्ययन और विकास केंद्र	837
महाविद्यालय	**840**
आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय	840
अदिति महाविद्यालय	875
अहिल्या बाई नर्सिंग महाविद्यालय	889
अमर ज्योति फिजियोथेरेपी संस्थान	891
आर्यभट्ट महाविद्यालय	897
आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय	904
भगिनी निवेदिता महाविद्यालय	948
भारती महाविद्यालय	952
भास्कराचार्य अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय	960

कला महाविद्यालय	977
नर्सिंग कॉलेज, आर्मी अस्पताल (अनुसंधान और रेफरल)	991
व्यवसायिक अध्ययन महाविद्यालय	994
दौलत राम महाविद्यालय	999
दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स	1018
दीनदयाल उपाध्याय महाविद्यालय	1025
देशबंधु महाविद्यालय	1041
डॉ. भीम राव अंबेडकर महाविद्यालय	1055
दुर्गाबाई देशमुख विशेष शिक्षा महाविद्यालय (दृश्य बाधित)	1067
दयाल सिंह महाविद्यालय	1070
दयाल सिंह सांध्य महाविद्यालय	1085
फ्लोरेंस नाइटिंगेल नर्सिंग महाविद्यालय	1090
गार्गी महाविद्यालय	1094
हंसराज महाविद्यालय	1127
हिंदू महाविद्यालय	1158
होली फैमिली नर्सिंग महाविद्यालय	1167
इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान	1171
इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय	1184
गृह-आर्थिकी संस्थान	1209
मानव व्यवहार एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान	1218
जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय	1221
जीसस और मैरी महाविद्यालय	1241
कालिंदी महाविद्यालय	1255
कमला नेहरू महाविद्यालय	1275
केशव महाविद्यालय	1282
किरोड़ी मल महाविद्यालय	1289
लेडी इरविन महाविद्यालय	1301
लेडी श्री राम महिला महाविद्यालय	1330
लक्ष्मीबाई महाविद्यालय	1356
महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय	1364
महर्षि वाल्मीकि शिक्षा महाविद्यालय	1373
मैत्रेयी महाविद्यालय	1376
माता सुंदरी महिला महाविद्यालय	1398
मिरांडा हाउस	1406

मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय.....1461
मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय (सांध्य)..... 1464
पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय शारीरिक दिव्यांगजन संस्थान.....1468
पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय.....1474
पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय (सांध्य) 1479
राजधानी महाविद्यालय.....1489
राजकुमारी अमृत कौर नर्सिंग महाविद्यालय.....1498
रामानुजन महाविद्यालय.....1502
रामजस महाविद्यालय.....1521
राम लाल आनंद महाविद्यालय.....1529
सत्यवती महाविद्यालय.....1541
सत्यवती महाविद्यालय (सांध्य) 1546
मुक्त शिक्षा विद्यालय.....1552
शहीद भगत सिंह महाविद्यालय.....1557
शहीद भगत सिंह महाविद्यालय (सांध्य)..... 1568
शहीद राजगुरु महिला अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय.....1570
शहीद सुखदेव व्यवसायिक अध्ययन महाविद्यालय.....1577
शिवाजी महाविद्यालय.....1585
श्री राम वाणिज्य महाविद्यालय.....1605
श्याम लाल महाविद्यालय.....1610
श्याम लाल महाविद्यालय (सांध्य) 1623
श्यामा प्रसाद मुखर्जी महिला महाविद्यालय.....1633
श्री अरबिंदो महाविद्यालय.....1644
श्री अरबिंदो महाविद्यालय (सांध्य)..... 1655
श्री गुरु गोबिंद सिंह वाणिज्य महाविद्यालय.....1661
श्री गुरु नानक देव खालसा महाविद्यालय.....1675
श्री गुरु तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय.....1681
श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय.....1707
सेंट स्टीफन महाविद्यालय.....1717
स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय.....1724
विवेकानंद महाविद्यालय.....1749
जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय 1761
ज़ाकिर हुसैन पोस्ट ग्रेजुएट इवनिंग कॉलेज.....1777
कॉलेजों/विभागों/केंद्रों के सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियों से संबंधित विवरण.....1781

सामान्य सुविधाएं.....1782
पूर्व छात्र संबंधित.....1782
सांस्कृतिक परिषद.....1783
डीन छात्र कल्याण.....1786
दिल्ली विश्वविद्यालय कंप्यूटर केंद्र.....1787
दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली 1789
दिल्ली विश्वविद्यालय सामाजिक केंद्र सह-शिक्षा विद्यालय.....1791
दिल्ली विश्वविद्यालय खेल परिषद.....1792
दिल्ली विश्वविद्यालय महिला संघ.....1803
हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय.....1805
समान अवसर प्रकोष्ठ.....1806
विदेशी छात्र रजिस्ट्री.....1807
गांधी भवन.....1807
उद्यान समिति.....1809
अंतर्राष्ट्रीय अतिथि-गृह.....1811
राष्ट्रीय कैडेट कोर.....1812
राष्ट्रीय सेवा योजना.....1814
नॉन-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड.....1815
विश्वविद्यालय अतिथि-गृह.....1817
विश्व विश्वविद्यालय सेवा स्वास्थ्य केंद्र.....1818
विश्वविद्यालय छात्रावास/हॉल.....1820
अंबेडकर-गांगुली महिला छात्रावास.....1820
अरावली स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास.....1822
केंद्रीय शिक्षा संस्थान छात्रावास.....1823
डी.एस. कोठारी छात्रावास.....1824
गीतांजलि छात्रावास.....1825
ग्वायर हॉल.....1826
अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास.....1829
अंतर्राष्ट्रीय महिला छात्रावास.....1831
जुबली हॉल.....1833
मानसरोवर छात्रावास.....1834
मेघदूत छात्रावास.....1836
पूर्वोत्तर महिला छात्रावास.....1837
स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास.....1839

राजीव गांधी बालिका छात्रावास	1840
सारामती स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास	1842
सामाजिक कार्य छात्रावास	1843
छात्राओं के लिए स्नातक-पूर्व छात्रावास	1844
विश्वविद्यालय महिला छात्रावास	1845
वी.के.आर.वी. राव छात्रावास	1847
डब्ल्यूयूएस विश्वविद्यालय छात्रावास	1849
वार्षिक लेखे	1851

विश्वविद्यालय के अधिकारी

(अप्रैल 2024 से मार्च 2025)

कुलाधिपति

माननीय श्री जगदीप धनखड़

सम-कुलाधिपति

न्यायमूर्ति धनंजय वाई चंद्रचूड़	10.11.2024 तक
न्यायमूर्ति संजीव खन्ना	11.11.2024 से

कुलपति

प्रो. योगेश सिंह

महाविद्यालयों के संकायाध्यक्ष

प्रो. बलराम पाणि

निदेशक, दक्षिण कैंपस

प्रो. श्री प्रकाश सिंह

निदेशक, मुक्त शिक्षा कैंपस

प्रो. पायल मग्गो

कोषाध्यक्ष

श्री नवल किशोर

कुलसचिव

डॉ. विकास गुप्ता

प्रॉक्टर

प्रो. रजनी अब्बी

पुस्तकालयाध्यक्ष

डॉ. राजेश सिंह

संकायाध्यक्ष

कला संकाय

प्रो. अमिताव चक्रवर्ती

अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान और मानविकी संकाय

प्रो. अनन्या घोष दस्तीदार

आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सा संकाय

प्रो. मंजूषा राजगोपाला

वाणिज्य और व्यवसाय संकाय

प्रो. अजय कुमार सिंह

शिक्षा संकाय

प्रो. पंकज अरोड़ा	13.05.2024 तक
प्रो. सुस्मिता वर्मा लख्यानी	दिनांक 14.05.2024 से

होम्योपैथिक चिकित्सा संकाय

प्रो. मंजूषा राजगोपाला	15.05.2024 से

अंत:-विषयक और अनुप्रयुक्त विज्ञान संकाय

प्रो. राजीव कौल	15.09.2024 तक
प्रो. हरसुप्रीत कौर	16.09.2024 से

विधि संकाय

प्रो. अंजू वली टिकू

प्रबंधन अध्ययन संकाय

प्रो. ए. वेंकट रमन

गणितीय विज्ञान संकाय

प्रो. नवीन कुमार	31.12.2024 तक
प्रो. नीलिमा गुप्ता	दिनांक 01.01.2025 से

चिकित्सा विज्ञान संकाय

प्रो. सुनीता कालरा

संगीत और ललित कला संकाय

प्रो. (श्रीमती) अलका नागपाल	31.01.2025 तक
प्रो. राजीव वर्मा	01.02.2025 से

मुक्त शिक्षा संकाय

प्रो. पायल मग्गो

विज्ञान संकाय

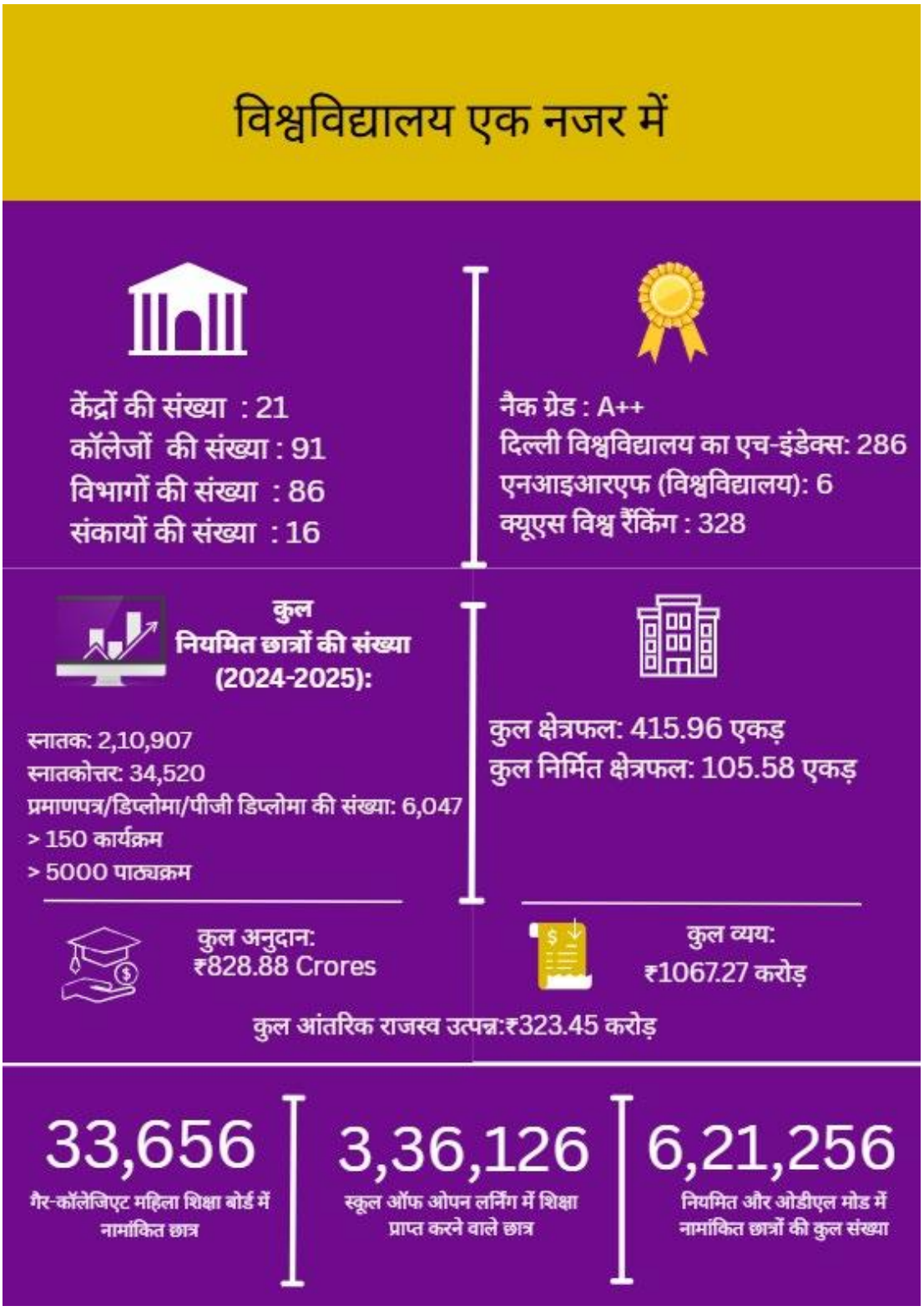
प्रो. देबज्योति चौधरी

सामाजिक विज्ञान संकाय

प्रो. प्रभु प्रसाद महापात्रा	11.12.2024 तक
प्रो. शालिनी शाह	12.12.2024 से 12.03.2025 तक
प्रो. संजय रॉय	13.03.2025 से

प्रौद्योगिकी संकाय

प्रो. संजीव सिंह


विश्वविद्यालय एक नजर में
केंद्रों की संख्या : 21
कॉलेजों की संख्या : 91
विभागों की संख्या : 86
संकायों की संख्या : 16
नैक ग्रेड : A++
दिल्ली विश्वविद्यालय का एच-इंडेक्स: 286
एनआइआरएफ (विश्वविद्यालय): 6
क्यूएस विश्व रैंकिंग : 328
कुल
नियमित छात्रों की संख्या
(2024-2025):
स्नातक: 2,10,907
स्नातकोत्तर: 34,520
प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/पीजी डिप्लोमा की संख्या: 6,047
> 150 कार्यक्रम
> 5000 पाठ्यक्रम
कुल क्षेत्रफल: 415.96 एकड़
कुल निर्मित क्षेत्रफल: 105.58 एकड़
कुल अनुदान:
₹828.88 Crores
कुल व्यय:
₹1067.27 करोड़
कुल आंतरिक राजस्व उत्पन्न:₹323.45 करोड़
33,656
गैर-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड में नामांकित छात्र
3,36,126
स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग में शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र
6,21,256
नियमित और ओडीएल मोड में नामांकित छात्रों की कुल संख्या

वर्ष 2024-25 की उपलब्धियाँ और गतिविधियाँ

वर्ष 2024-25 की उल्लेखनीय घटनाएँ

वर्ष 2024-25 में पूरे वर्ष कार्यक्रम आयोजित किए गए। दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए यह एक शानदार वर्ष रहा। विश्वविद्यालय में शताब्दी वर्ष का भव्य समारोह हुआ, जिसमें कई यादगार ऐतिहासिक क्षण शामिल थे, साथ ही कई प्रमुख कार्यक्रमों और पहलों का शुभारंभ भी हुआ, जिनका विश्वविद्यालय के समग्र विकास और प्रगति पर दूरगामी प्रभाव पड़ा। शिक्षण-अधिगम की गुणवत्ता में सुधार, उच्च-प्रभावी पत्रिकाओं में शोध प्रकाशनों को प्रोत्साहित करने, शिक्षा तक पहुँच बढ़ाने और मिशन मोड में स्थायी संकाय सदस्यों की भर्ती के लिए उठाए गए रणनीतिक कदमों के परिणामस्वरूप विश्वविद्यालय की क्यूएस विश्व रैंकिंग में पचहत्तर से अधिक स्थानों की वृद्धि हुई है।

रैंकिंग

अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग

दिल्ली विश्वविद्यालय ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 में 328 वां स्थान प्राप्त किया है, जो पिछले वर्ष की 407वीं रैंकिंग से उल्लेखनीय सुधार दर्शाता है। क्वाक्वेरेली साइमंड्स (क्यूएस) वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग: सस्टेनेबिलिटी 2025 में इसे भारत में (आईआईटी सहित 56 संस्थानों में से) प्रथम स्थान और विश्व स्तर पर (1,403 संस्थानों में से) 299 वां स्थान प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय की क्यूएस वर्ल्ड सस्टेनेबिलिटी रैंकिंग पिछले वर्ष की 381-400वीं रैंकिंग से इस वर्ष विश्व स्तर पर 220 वीं रैंकिंग पर पहुँच गई है। यह विश्व स्तर पर शीर्ष 250 में शामिल एकमात्र भारतीय संस्थान है।

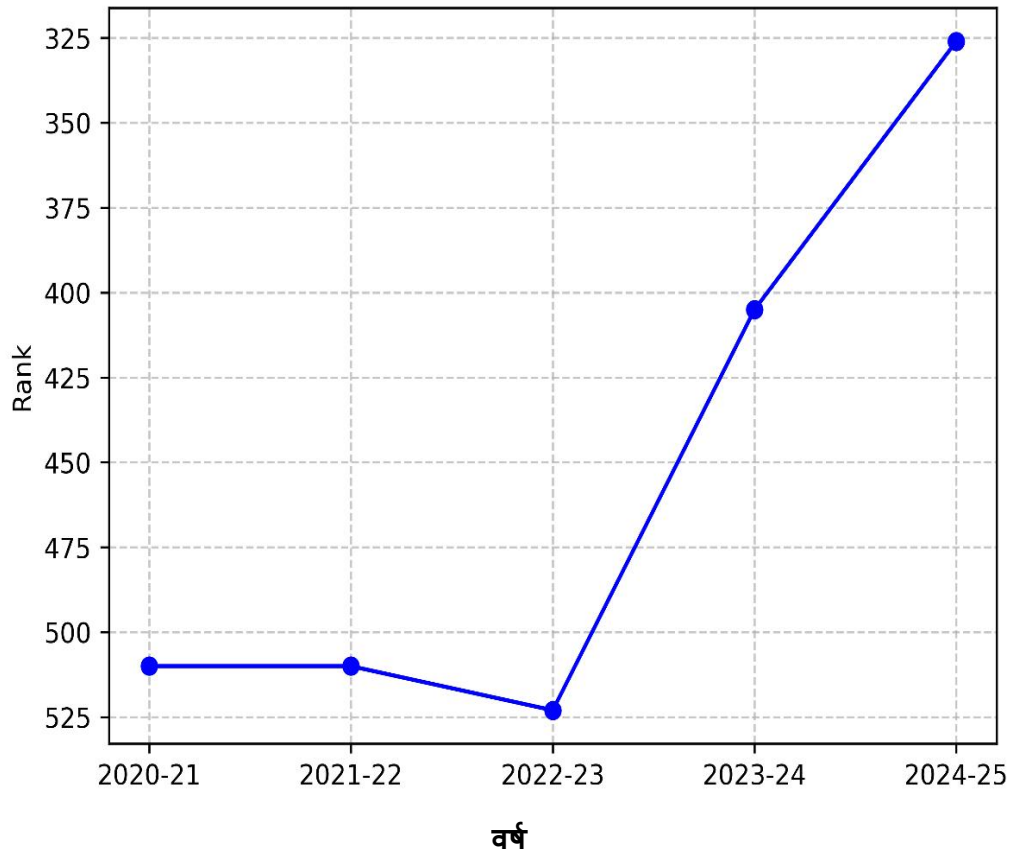
विश्वविद्यालय को 81 वीं रैंक मिली है और यह शीर्ष 11% में शामिल है। नौ संकेतकों में से, विश्वविद्यालय को तीन संकेतकों में वैश्विक स्तर पर 100 संस्थानों में स्थान दिया गया है: पर्यावरण शिक्षा में 16 वां, पर्यावरणीय स्थिरता में 66 वां और ज्ञान विनिमय में 93 वां । इसने गवर्नेंस संकेतक में भी उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है और 167 वीं रैंकिंग प्राप्त की है । टाइम्स हायर एजुकेशन: वर्ल्ड यूनिवर्सिटीज़ रैंकिंग 2025 में विश्वविद्यालय को 801-1000 रैंक मिली है, जो पिछले साल की रैंकिंग, जो 1001-1200 थी, की तुलना में उल्लेखनीय सुधार है।

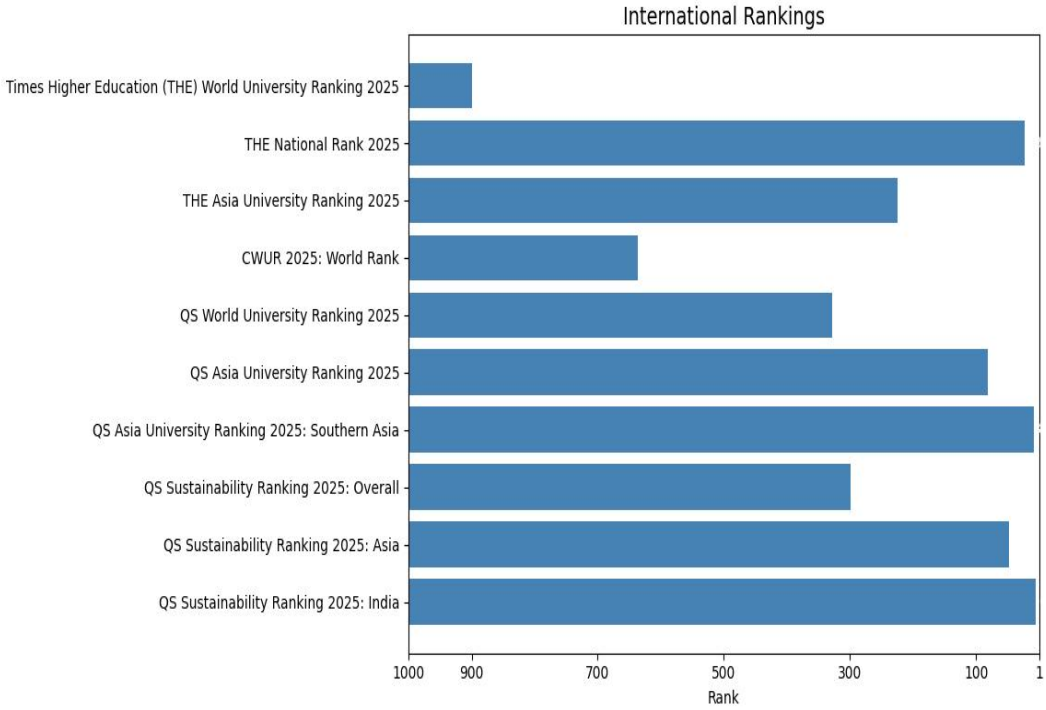
वर्ष 2025 के लिए विश्वविद्यालय की अंतर्राष्ट्रीय रैंक

रैंकिंग नाम	रैंक
टाइम्स हायर एजुकेशन (THE) वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025	801-1000
राष्ट्रीय रैंक 2025	23
एशिया विश्वविद्यालय रैंकिंग 2025	201-250

सीडब्ल्यूयूआर 2025: विश्व रैंक	636
क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025	328
क्यूएस एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025	81
क्यूएस एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025: दक्षिणी एशिया	8
क्यूएस सस्टेनेबिलिटी रैंकिंग 2025: समग्र	299
क्यूएस सस्टेनेबिलिटी रैंकिंग 2025: एशिया	48
क्यूएस सस्टेनेबिलिटी रैंकिंग 2025: भारत	6
वर्ष 2025 के लिए विषयवार क्यूएस विश्व विश्वविद्यालय रैंकिंग	
मानव विज्ञान	51-100
विकास अध्ययन	51-100
अंग्रेजी भाषा और साहित्य	101-150
इतिहास	101-150
आधुनिक भाषाएं	101-150
सामाजिक विज्ञान	101-150
अर्थशास्त्र और अर्थमिति	156
दर्शन	151-200
राजनीति और अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन	151-200
भूगोल	151-200
लेखांकन और वित्त	201-250
व्यवसाय और प्रबंधन अध्ययन	201-250
विधि	201-250
सांख्यिकी और परिचालन अनुसंधान	201-250
कृषि एवं वानिकी	201-250
गणित	201-250

पिछले पांच वर्षों की क्यूएस विश्व रैंकिंग





राष्ट्रीय रैंकिंग

दिल्ली विश्वविद्यालय ने एनआईआरएफ रैंकिंग 2024 में विश्वविद्यालय श्रेणी के साथ-साथ समग्र श्रेणी, दोनों में अपनी रैंकिंग में सुधार किया है। विश्वविद्यालय श्रेणी में, यह 11वें स्थान से छठे स्थान पर और समग्र श्रेणी में 22 वें स्थान से 15 वें स्थान पर पहुँच गया है। विश्वविद्यालय ने शिक्षण और अधिगम, संसाधन, अनुसंधान, व्यावसायिक अभ्यास, स्नातक परिणाम, और आउटरीच एवं समावेशिता सहित लगभग सभी मानकों पर अपने प्रदर्शन में सुधार किया है।

राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) - विश्वविद्यालयों के लिए भारत रैंकिंग

वर्ष	रैंक
2019-20	13
2020-21	11
2021-22	12
2022-23	12
2023-24	11
2024-25	6

प्रवेश

दिल्ली विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 के दौरान अपनी विशिष्ट प्रवेश रणनीतियों के साथ अनेक उपलब्धियाँ हासिल कीं। "राष्ट्रीय पहुँच" के लक्ष्य के साथ, प्रवेश शाखा ने देश भर से आवेदकों का सफलतापूर्वक पंजीकरण किया, जिससे देश की विविधता के प्रति विश्वविद्यालय की व्यापक अपील उजागर हुई।

1. इस वर्ष, प्रवेश प्रक्रिया को अधिक छात्र-अनुकूल और मजबूत बनाने के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म में कुछ महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं:

   क) शिकायतों में कमी, पारदर्शिता, निष्पक्षता और संचालन में आसानी सुनिश्चित करने के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर कई अतिरिक्त सुविधाएं जोड़ी गईं।

   ख) डेटा-आधारित पूर्वानुमानात्मक विश्लेषण किया गया। रुझानों और सीट आवंटन का पूर्वानुमान लगाने के लिए व्यापक डेटा विश्लेषण किया गया, जिससे न्यूनतम राउंड में सीटों को इष्टतम रूप से भरने के निर्णय लेने में मदद मिली (उदाहरण के लिए, शुरुआती राउंड में अतिरिक्त आवंटन)।

   ग) नकली रैंक को काफी पहले ही प्रदर्शित कर दिया गया था, जिससे अभ्यर्थियों को अपनी स्थिति का आकलन करने का पर्याप्त अवसर मिल गया।

घ) प्रत्येक राउंड के लिए प्रत्येक अभ्यर्थी के डैशबोर्ड पर कार्यक्रम-वार, महाविद्यालय-वार और श्रेणी-वार कटऑफ प्रदर्शित किए गए।

ङ) अभ्यर्थियों के साथ ऑनलाइन संवाद करने के लिए प्रश्न पूछने के प्रावधान में और सुधार किया गया, ताकि अभ्यर्थी बड़े फाइल प्रारूप में दस्तावेज अपलोड कर सकें।

च) महाविद्यालयों के बीच पारदर्शिता भी स्थापित की गई, क्योंकि प्रत्येक महाविद्यालय अन्य महाविद्यालयों की "स्वीकृति" और "अस्वीकृति" के कारणों को देख सकता था।

छ) अस्वीकृत किए गए प्रत्येक मामले को पुनर्विचार के लिए एक और मौका दिया गया, अर्थात प्रत्येक अस्वीकृत आवेदन की मैपिंग केंद्रीय स्तर पर की गई।

2. एक नए अतिरिक्त कोटे की शुरुआत: "एकल बालिका"

   बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना को प्रोत्साहित करते हुए: वर्ष 2024-25 से, प्रत्येक स्नातक कार्यक्रम में एकल बालिका के लिए विश्वविद्यालय के प्रत्येक महाविद्यालय के प्रत्येक कार्यक्रम में एक (1) अतिरिक्त सीट आरक्षित की गई। इसके परिणामस्वरूप, विश्वविद्यालय में प्रतिवर्ष लगभग 1500 एकल बालिकाओं का प्रवेश होता है।

3. शाखा की पहुँच पहल: प्रत्येक प्रवेश चक्र में उत्साही अभ्यर्थी आते हैं जिन्हें दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश पाने के लिए मार्गदर्शन और सहायता की आवश्यकता होती है। उनकी सुविधा के लिए, प्रवेश हेल्पडेस्क का गठन किया गया ताकि सक्रिय रूप से संपर्क किया जा सके और समय पर प्रश्नों का समाधान किया जा सके। यह विभिन्न माध्यमों जैसे एक इंटरैक्टिव प्लेटफ़ॉर्म (चैटबॉट्स), स्नातक-पूर्व/स्नातकोत्तर/पीएचडी कार्यक्रमों के लिए निर्दिष्ट ईमेल, ओपन-हाउस वेबिनार, कॉल-इन सेवा और सीयूईटी के चुनिंदा शोधपत्रों को प्रदर्शित करने वाले उदाहरणात्मक उदाहरणों के माध्यम से प्राप्त किया गया। प्रवेश के दौरान, अर्थात् 25-04-2024 से 31-10-2024 के बीच, प्रवेश शाखा ने अपने विभिन्न माध्यमों से कई अभ्यर्थियों की सहायता की:

   क) ईमेल के माध्यम से 47,929 (सैंतालीस हजार नौ सौ उनतीस) प्रश्नों का समाधान किया गया।
   ख) चैटबॉट्स के माध्यम से 83,189 (तिरासी हजार एक सौ अस्सी) चैट का उत्तर दिया गया।
   ग) 2,924 (दो हजार नौ सौ चौबीस) वॉक-इन अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों को आमने-सामने बातचीत के माध्यम से मदद की गई।
   घ) प्रवेश शाखा में असंख्य कॉल प्राप्त हुईं और उनका समुचित उत्तर दिया गया।

इस आयोजन को चार संकाय सदस्यों और एडमिशन सपोर्ट इंटर्न योजना के तहत पचास इंटर्न द्वारा संचालित किया गया। छात्र-इंटर्न ने उम्मीदवारों का मार्गदर्शन करने और उनकी शंकाओं का समाधान करने के लिए अथक प्रयास किया। प्रवेश संबंधी इसी तरह के प्रश्नों और महाविद्यालयों से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए, सभी महाविद्यालयों को एक हेल्पडेस्क बनाने का निर्देश दिया गया, जो प्रवेश प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाने में मदद कर सके। ऐसी सभी समितियों का विवरण

विश्वविद्यालय की वेबसाइट के साथ-साथ संबंधित महाविद्यालयों की वेबसाइटों पर भी प्रदर्शित किया गया।

प्रवेश का सारांश

1. स्नातक प्रवेश 2024-25:

   - कुल 69 महाविद्यालयों और 79 कार्यक्रमों में प्रवेश हुए। कुल मिलाकर, स्नातक स्तर पर 1559 कार्यक्रमों + महाविद्यालय संयोजनों के लिए प्रवेश हुए।
   - पंजीकृत उम्मीदवारों की संख्या: 2,46,194
   - प्राप्त प्राथमिकताओं की कुल संख्या: 1,72,18,187
   - आवंटन के लिए विचार किए गए अद्वितीय कटऑफ और रैंक की कुल संख्या: 5,68,20,017
   - कुल प्रवेश: 70,422
   - भर्ती किए गए अनाथ बच्चों की संख्या: 136 (61 महिलाएं, 75 पुरुष)
   - एसजीसी कोटे में भर्ती लड़कियों की कुल संख्या: 849

2. स्नातकोत्तर प्रवेश:

   - कार्यक्रमों की संख्या: 83
   - पंजीकृत उम्मीदवारों की संख्या: 87,673
   - अनूठे कार्यक्रमों के लिए कुल पंजीकरण: 1,00,358
   - कुल प्रवेश: 11,653
   - भर्ती हुई लड़कियों का प्रतिशत: 5,879 (50.4%)
   - भर्ती अनाथ बच्चों की संख्या: 33 (18 महिलाएं, 15 पुरुष)

3. बी.टेक. कार्यक्रम:

   - पंजीकृत उम्मीदवारों की संख्या: 11,660
   - निम्नलिखित कार्यक्रमों में प्रवेश जेईई (मेन्स) शोध-पत्र I में प्राप्त अंकों के आधार पर किया गया:
     बी.टेक कंप्यूटर विज्ञान इंजीनियरी: 147
     बी.टेक इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग: 103
     बी.टेक विद्युत इंजीनियरी: 48
   - एसजीसी कोटे में भर्ती लड़कियों की कुल संख्या: 02
   - भर्ती अनाथ बच्चों की संख्या: 04

4. चार वर्षीय बीएएलएलबी और बीबीए एलएलबी:

   - पंजीकृत उम्मीदवारों की संख्या: 8,245
   - कुल स्वीकृत प्रवेश: 115

5. पांच वर्षीय एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीईपी):

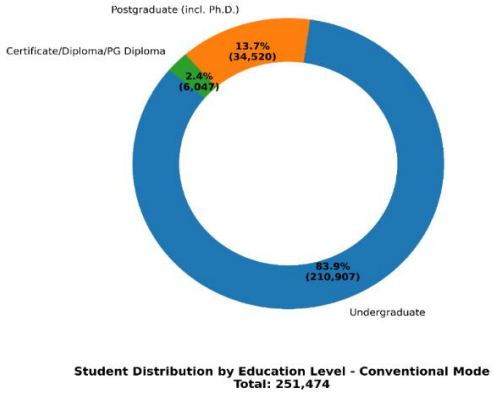
- पंजीकृत उम्मीदवारों की कुल संख्या: 1,348
- इस वर्ष, आईटीईपी में प्रवेश चार संस्थानों में हुआ, अर्थात्
  I. शिक्षा विभाग: 51
  II. माता सुंदरी महिला महाविद्यालय: 93
  III. श्यामलाल मुखर्जी महाविद्यालय: 50
  IV. जीसस एंड मैरी महाविद्यालय: 32
- भर्ती अनाथ बच्चों की संख्या: 01 महिला
- एसजीसी कोटे में भर्ती लड़कियों की कुल संख्या: 03

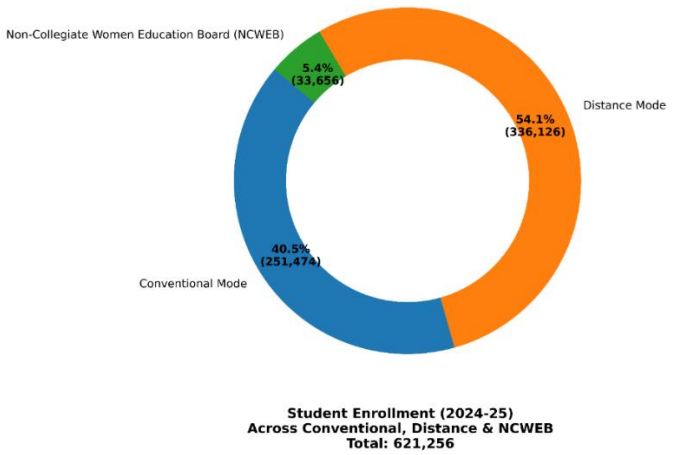
6. पीएच.डी. प्रवेश

- चरण 1
  i. पंजीकृत उम्मीदवारों की संख्या: 9,902
  ii. प्रथम चरण में कुल प्रवेश: 1,386 (712 महिलाएं, 674 पुरुष)
- फेस II
  i. पंजीकृत उम्मीदवारों की संख्या: 8,081

छात्र नामांकन

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के आंकड़ों के अनुसार, विश्वविद्यालय में 2,10,907 स्नातक छात्र, 34,520 स्नातकोत्तर छात्र (पीएचडी छात्रों सहित) और 6,047 प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/स्नातकोत्तर डिप्लोमा में नामांकित छात्र थे। पारंपरिक मोड में नामांकित छात्रों की कुल संख्या 2,51,474 थी। इसके अतिरिक्त, दूरस्थ शिक्षा मोड में 3,36,126 छात्र नामांकित थे, और 33,656 गैर-कॉलेजिएट छात्राएँ भी इस विशाल विश्वविद्यालय का हिस्सा थीं। 2024-25 के दौरान सभी कार्यक्रमों में पारंपरिक और दूरस्थ शिक्षा मोड में कुल नामांकन 6,21,256 था। वर्तमान में, आधे से अधिक छात्र दिल्ली के अलावा अन्य राज्यों से आते हैं।





परीक्षा विवरण

दिल्ली विश्वविद्यालय का 101वाँ वार्षिक दीक्षांत समारोह 22 फरवरी 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय खेल कैंपस (डीयूएससी) के बहुउद्देशीय हॉल में आयोजित किया गया। भारत सरकार के माननीय शिक्षा मंत्री, श्री धर्मेंद्र प्रधान इस समारोह के मुख्य अतिथि थे और विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति, प्रो. योगेश सिंह ने समारोह की अध्यक्षता की।

दीक्षांत समारोह में प्रदान किए गए पदक/पुरस्कार/डिग्रियां/डीएम आदि का विवरण निम्नानुसार है:

डिग्री/पुरस्कार	प्राप्तकर्ताओं की संख्या
पीएचडी की डिग्री	623
एम.फिल. परिणाम घोषित	262
एम.फिल. डिग्री	58
उन्नत डिग्री	229
एलएलबी डिग्री	2189
स्नातक-पूर्व और स्नातकोत्तर नियमित डिग्री	83902
वार्षिक दीक्षांत समारोह के लिए स्वर्ण पदक और पुरस्कार	194
विविध डिग्री (1 अप्रैल , 2024 से 31 मार्च , 2025 तक)	8383

छात्रों की विविधता

दिल्ली विश्वविद्यालय को अपने विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए पूरे भारत से आवेदन प्राप्त होते हैं। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय स्तर पर छात्र विविधता के संदर्भ में, आधे से अधिक छात्र राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के अलावा अन्य राज्यों से आते हैं। विश्वविद्यालय विदेशी छात्रों को विभिन्न कार्यक्रमों में नामांकन के लिए प्रोत्साहित भी करता है, इसके लिए प्रत्येक कार्यक्रम में कुल सीटों का 10% विदेशी छात्रों के लिए आवंटित किया जाता है। इस प्रावधान के माध्यम से, विभिन्न देशों के छात्र विश्वविद्यालय और उसके महाविद्यालयों में प्रवेश लेते हैं और उच्च शिक्षा प्राप्त करते हैं। नामांकित विदेशी छात्रों और उनके संबंधित देशों का एक दृश्य चित्रण नीचे दिया गया है:



1.0	Belarus Belize Bulgaria Burundi Chad Costa Rica Djibouti DPR Korea (South Korea) Ethiopia Finland France Germany Gambia Ghana Ireland Namibia Niger Palestine Peru Poland Portugal Seychelles Sierra Leone Somalia Togo Zimbabwe
2.0	Australia Bhutan China Egypt Jordan Madagascar Malawi Mali Nigeria Syria Uganda Ukraine Venezuela
3.0	Afghanistan Angola Eswatini/Swaziland Iran Iraq Laos Republic of Fiji Yemen
4.0	Canada Republic of Korea Sudan Tanzania United Kingdom (Britain)
5.0	Kazakhstan South Africa South Sudan Uzbekistan
6.0	Indonesia Tajikistan
7.0	Botswana Russia
8.0	Mongolia
9.0	Mauritius Myanmar
10.0	Thailand
11.0	Japan Kenya
12.0	Mozambique
26.0	Sri Lanka
32.0	United States of America
33.0	Cambodia
37.0	Vietnam
79.0	Tibet Origin
130.0	Bangladesh
147.0	Nepal

विदेशी छात्र रजिस्ट्री (एफएसआर) को 93 देशों से विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 3,000 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए। इसमें आईसीसीआर और स्व-भुगतान करने वाले डीयू पोर्टल से प्राप्त आवेदन भी शामिल थे। स्नातक-पूर्व पाठ्यक्रमों में प्रवेश पाने वाले विदेशी छात्रों की संख्या 396 थी। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में यह 228 और प्रमाणपत्र/डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में 27 थी। जहां तक पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश पाने वाले विदेशी छात्रों का प्रश्न है, यह पहली बार था कि एक शैक्षणिक सत्र में 50 प्रवेशों की संख्या पार हो गई, जिसमें 57 विद्वानों को प्रवेश दिया गया। एफएसआर ने उन्हें योग्यता के अनुसार महाविद्यालयों और विभागों में सीटें आवंटित करने के लिए अथक प्रयास किया। यह ध्यान देने योग्य है कि स्नातकोत्तर प्रवेश (मास्टर और पीएचडी दोनों) संबंधित विभागों द्वारा प्रशासित किए जाते हैं। अंतर्राष्ट्रीय छात्रावासों, जैसे आईएसएच और आईएसएचडब्ल्यू, और अन्य कैंपस के छात्रावासों में छात्रावास आवास पूरी क्षमता से आवंटित किए गए थे। पेरू के पहले से भर्ती छात्रों के अलावा, अब हमारे पास वेनेजुएला, कोस्टा रिका और ग्वाटेमाला के छात्र भी हैं। एफएसआर में वर्तमान में 2,000 से ज़्यादा विदेशी छात्र नामांकित हैं।

उल्लेखनीय पहल

विश्वविद्यालय समय-समय पर समाज के विभिन्न वर्गों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ शिक्षा प्रदान करने के लिए अग्रणी पहल करता रहा है। शताब्दी वर्ष में की गई कुछ पहलों का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है:

चिकित्सा पाठ्यक्रमों का निर्माण, 2024-25

यूसीएमएस के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग में नए पाठ्यक्रम बैचलर इन चिकित्सा प्रयोगशाला विज्ञान (बीएमएलएस) की शुरुआत के लिए अध्यादेश और पाठ्यक्रम का परिचय।

एलएचएमसी के निश्चेतन विभाग में डीएम (बाल चिकित्सा एवं नवजात निश्चेतन) पाठ्यक्रम के सुपर-स्पेशलिटी नए पाठ्यक्रम की शुरुआत के लिए अध्यादेश और पाठ्यक्रम का परिचय।

शैक्षणिक सत्र 2025-2026 से लेडी हार्डिंग मेडिकल महाविद्यालय (एलएचएमसी) में 10 (दस) सीटों के साथ बीएससी (मेडिकल टेक्नोलॉजी) रेडियोलॉजी पाठ्यक्रम की शुरुआत, वित्त पोषण एजेंसी अर्थात स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नियामक निकाय (परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड) और राष्ट्रीय संबद्ध और स्वास्थ्य सेवा पेशे आयोग (एनसीएएचपी) द्वारा अनुमति प्रदान करने के अधीन।

शैक्षणिक सत्र 2024-2025 से लेडी हार्डिंग मेडिकल महाविद्यालय (एलएचएमसी) के निश्चेतन विभाग में प्रति शैक्षणिक वर्ष दो (02) सीटों के साथ डीएम (बाल रोग और नवजात निश्चेतन) पाठ्यक्रम की शुरुआत, वित्त पोषण एजेंसी अर्थात स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार / राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग द्वारा अनुमति प्रदान करने के अधीन।

शैक्षणिक सत्र 2025-2026 से प्रति शैक्षणिक वर्ष तीस (30) सीटों के प्रवेश के साथ यूनिवर्सिटी महाविद्यालय ऑफ मेडिकल साइंसेज (यूसीएमएस) में सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग में स्नातक चिकित्सा

प्रयोगशाला (बीएमएलएस) की शुरुआत, संबंधित नियामक निकाय द्वारा लागू किए जाने पर एनसीएएचपी के अनुमोदन के अधीन।

वित्तीय सहायता योजना 2024-25

भारत के संविधान में अनिवार्य सकारात्मक कार्रवाई की आवश्यकता को आगे बढ़ाते हुए और आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को शिक्षा में समानता, पहुंच और गुणवत्ता के लाभों को अक्षरशः और भावना दोनों में विस्तारित करने के लिए, विश्वविद्यालय ने 2022 में एक वित्तीय सहायता योजना (एफएसएस) शुरू की थी। यह योजना सरकार के आदर्श वाक्य, "सबका साथ, सबका विकास" की भावना में आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए शुल्क माफी के माध्यम से परिलक्षित होती है।

शैक्षणिक सत्र 2024-25 में, विभागों/केंद्रों/संस्थानों में नामांकित कुल 1,741 छात्रों ने इस योजना के अंतर्गत वित्तीय सहायता के लिए आवेदन किया। आवेदन पत्रों की जाँच के बाद, निम्नलिखित मानदंडों के आधार पर सिफारिशें की गईं:

वर्ग	पारिवारिक आय (रु. में) प्रति वर्ष	शुल्क माफी (प्रतिशत)	टिप्पणी
1	4,00,000.00 रुपये से कम या उसके बराबर	100%	वास्तविक शुल्क या अधिकतम 12,000.00 रुपये तक
2	4,00,000.00 रुपये से 8,00,000.00 रुपये के बीच	50%	वास्तविक शुल्क या अधिकतम रु. 10,000.00 तक

कुल 1,741 छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई; जिनमें से 513 छात्राएँ और शेष 1,228 छात्र थे। इस योजना के तहत वितरित अनुदान का विवरण नीचे दिया गया है:

लिंग-वार सहायता की मात्रा	छात्रों की संख्या	कुल अनुदान (रु. में)
महिला छात्र	513	43,45,137
जिन्हें 50% समर्थन प्राप्त हुआ	147	9,61,627
जिन्हें 100% समर्थन मिला	366	33,83,510
पुरुष छात्र	1228	99,29,476
जिन्हें 50% समर्थन प्राप्त हुआ	275	15,15,003
जिन्हें 100% समर्थन मिला	953	84,14,473
कुल योग	1741	1,42,74,613

अनाथ छात्रों के लिए कोटा का निर्माण

विश्वविद्यालय ने स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों स्तरों पर, प्रत्येक अध्ययन कार्यक्रम में दो अनाथ बच्चों (एक छात्र और एक छात्रा) को प्रवेश देकर एक अनुकरणीय कदम उठाया है। ये दोनों सीटें अतिरिक्त हैं।

ऐसे छात्रों के प्रवेश और अध्ययन जारी रखने पर होने वाला व्यय, जिसमें विश्वविद्यालय या उसके महाविद्यालयों में छात्रावास व्यय भी शामिल है, विश्वविद्यालय कल्याण कोष या महाविद्यालय छात्र कल्याण कोष से, जैसा भी मामला हो, वहन किया जाएगा। शैक्षणिक सत्र 2024-25 में इस श्रेणी के अंतर्गत कुल 177 (स्नातकोत्तर-34 और स्नातक-143) अनाथ छात्रों को प्रवेश दिया गया।

सक्षमता संवर्धन योजना

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप, विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षा को और अधिक सुलभ बनाने के लिए अपने शताब्दी वर्ष में सक्षमता संवर्धन योजना (सीईएस) नामक एक नई योजना शुरू की।

यह योजना सभी वर्गों के लोगों को विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों और विभागों में प्रति सेमेस्टर एक या दो पाठ्यक्रमों में पंजीकरण कराकर अपने ज्ञान/क्षमता को बढ़ाने का अवसर प्रदान करती है। ऐसे व्यक्तियों को किसी अध्ययन कार्यक्रम में नामांकन कराए बिना ही, ऐसे पाठ्यक्रमों के नियमित छात्रों के साथ विश्वविद्यालय में अध्ययन का आनंद मिलता है। प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित सीटों की संख्या उस पाठ्यक्रम की कक्षा के आकार की अधिकतम 10% है। इन सीटों को अतिरिक्त सीटें माना जाता है।

1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक सीईएस के तहत प्रवेश का विवरण निम्नलिखित है :

1. समय अवधि: जनवरी 2024 से जून 2024
सेमेस्टर: IV और VI
विभागों द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रम: 19
महाविद्यालयों द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रम: 19
कुल पंजीकरण: 2024 में 174 पंजीकरण
प्रवेश लेने के इच्छुक छात्रों की संख्या: 05

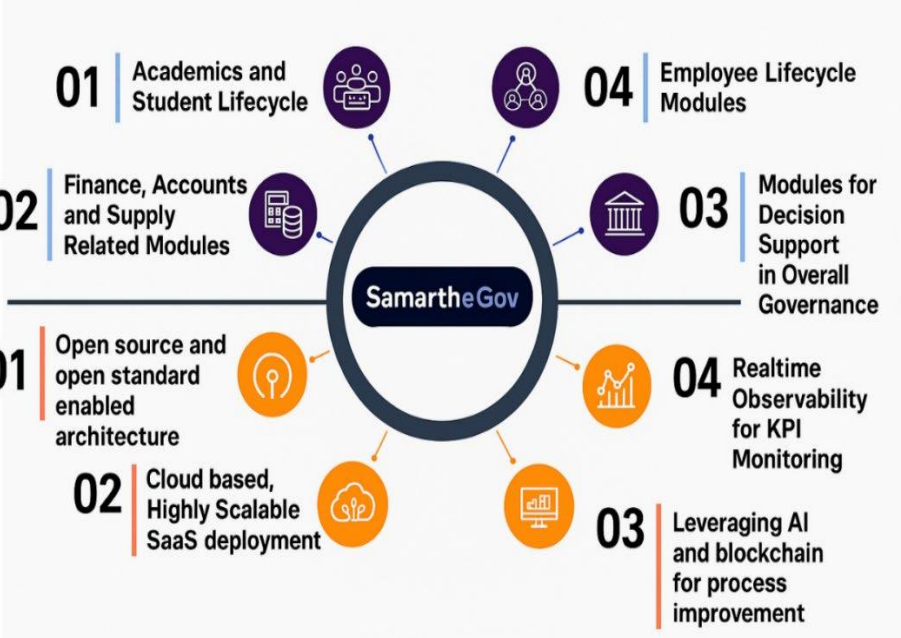
2. समय अवधि: अगस्त 2024 से दिसंबर 2024
सेमेस्टर: I, III और V
विभागों द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रम: 13
महाविद्यालयों द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रम: 30
कुल पंजीकरण: 2024 में 224 पंजीकरण
प्रवेश लेने के इच्छुक छात्रों की संख्या: 11

3. समय अवधि: जनवरी 2025 से जून 2025
सेमेस्टर: **I, III** और **V**
विभागों द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रम: 13
महाविद्यालयों द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रम: 30
कुल पंजीकरण: 2025 में 173 पंजीकरण
प्रवेश लेने के इच्छुक छात्रों की संख्या: 15

समर्थ ई-गवर्नेंस

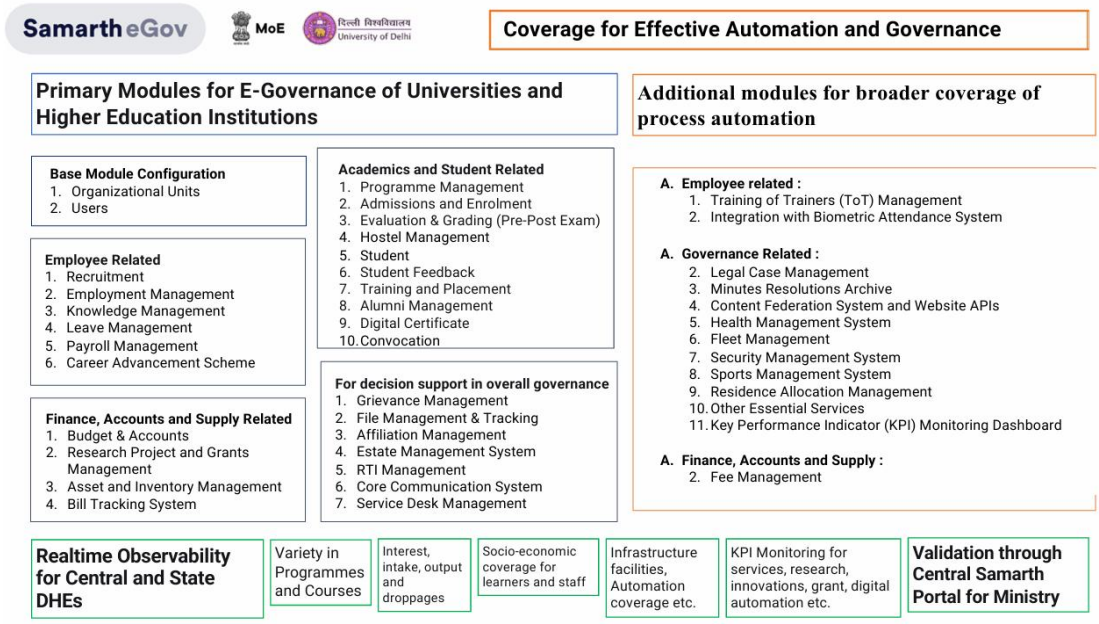
दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा विकसित समर्थ ई-गवर्नेंस सुइट, विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए सुशासन का डिजिटल ढांचा लागू करने हेतु एक उद्देश्य-निर्मित मंच है।

समर्थ विश्वविद्यालय संचालन और प्रशासन के 5 महत्वपूर्ण कार्यात्मक डोमेन में विभिन्न प्रकार के वर्कफ़्लो के प्रबंधन के लिए 40 से अधिक स्वचालन मॉड्यूल प्रदान करता है।

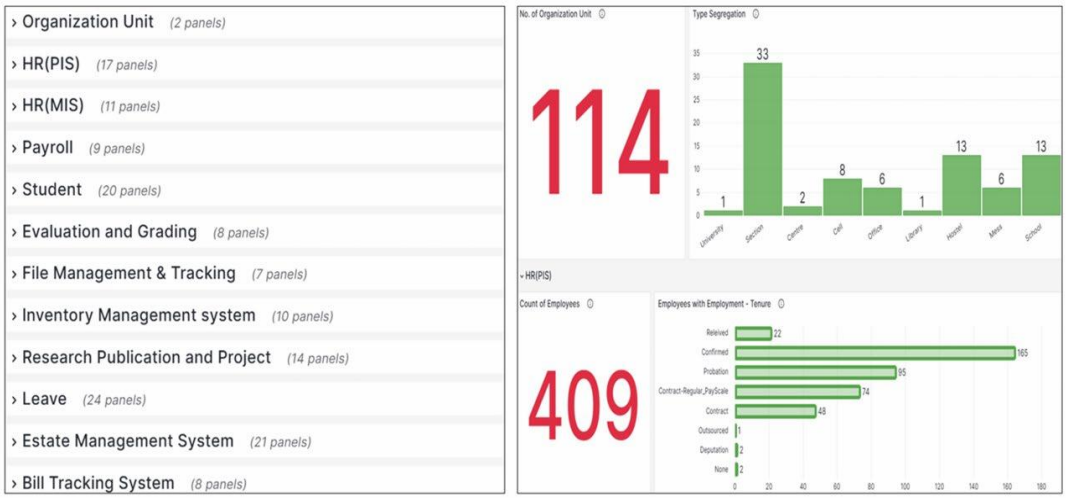


समर्थ की मुख्य बातें:

- समर्थ पर 13,000+ कुल उच्च शिक्षा संस्थान (HEI) (32 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों और 435 जिलों/शहरों में)
- 1.8 करोड़ छात्र रिकॉर्ड
- 77 लाख सक्रिय छात्र
- समर्थ के माध्यम से उच्च शिक्षा संस्थानों को 1.9 करोड़ सफल डिजिटल भुगतान लेनदेन
- समर्थ के माध्यम से उच्च शिक्षा संस्थानों को ₹ 6,700 करोड़ का सफल डिजिटल भुगतान किया गया
- 1.90 लाख कर्मचारी रिकॉर्ड
- 7.51 लाख पेरोल विवरण ऑनलाइन संसाधित किए गए
- 5.41 लाख पत्रावलियां ऑनलाइन संसाधित
- 2 लाख फाइलें ऑनलाइन दर्ज और ट्रैक की गईं
- 98.5K भर्ती आवेदन संसाधित



Real-time dashboards for KPI monitoring from the metrics generated by all other modules of SAMARTH applicable across different functions and departments of institutions.



शिक्षा मंत्रालय के लिए सीयू प्रशासन

1. अधीनस्थ विधान: विधियों और अध्यादेशों में संशोधन और मंत्रालय में उनके प्रसंस्करण के लिए सीयू से अनुरोध।
2. सांविधिक पद: रिकॉर्ड रखने, भर्ती प्रक्रिया की स्थिति पर नज़र रखने और शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत विभिन्न सांविधिक पदों (कुलाधिपति, उप-कुलपति और विभिन्न समितियों में विजिटर नामित) के लिए रिपोर्ट तैयार करने के लिए

3. वार्षिक रिपोर्ट और वार्षिक खाते: केंद्रीय विश्वविद्यालयों की वार्षिक रिपोर्ट और वार्षिक खातों का ट्रैकिंग और प्रबंधन।
4. पद सृजन: नए पद सृजन के लिए केंद्रीय विश्वविद्यालयों से अनुरोध प्राप्त करना तथा मंत्रालय में उसका प्रसंस्करण करना।
5. विजिटर नॉमिनी की मांग: केन्द्रीय विश्वविद्यालय विजिटर नॉमिनी पद के लिए अनुरोध प्रस्तुत कर सकते हैं, यदि पद रिक्त है या अगले 3 महीनों में रिक्त होने वाला है।
6. कुलपति भर्ती: केंद्रीय विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की भर्ती के लिए शिक्षा मंत्रालय के लिए एक विशेष भर्ती पोर्टल विकसित किया गया था।

समर्थ विशेषताएँ:

1. एनईपी-2020 को अपनाना
2. स्वदेशी और आत्मनिर्भर
3. परस्पर जुड़े और एकीकृत
4. कभी भी, कहीं भी

रोडमैप:

1. प्रमुख भारतीय भाषाओं में सॉफ्टवेयर का स्थानीयकरण
2. अंतर्राष्ट्रीय आउटरीच - जी20, अफ्रीका-भारत

वीसी इंटर्नशिप योजना (वीसीआईएस)

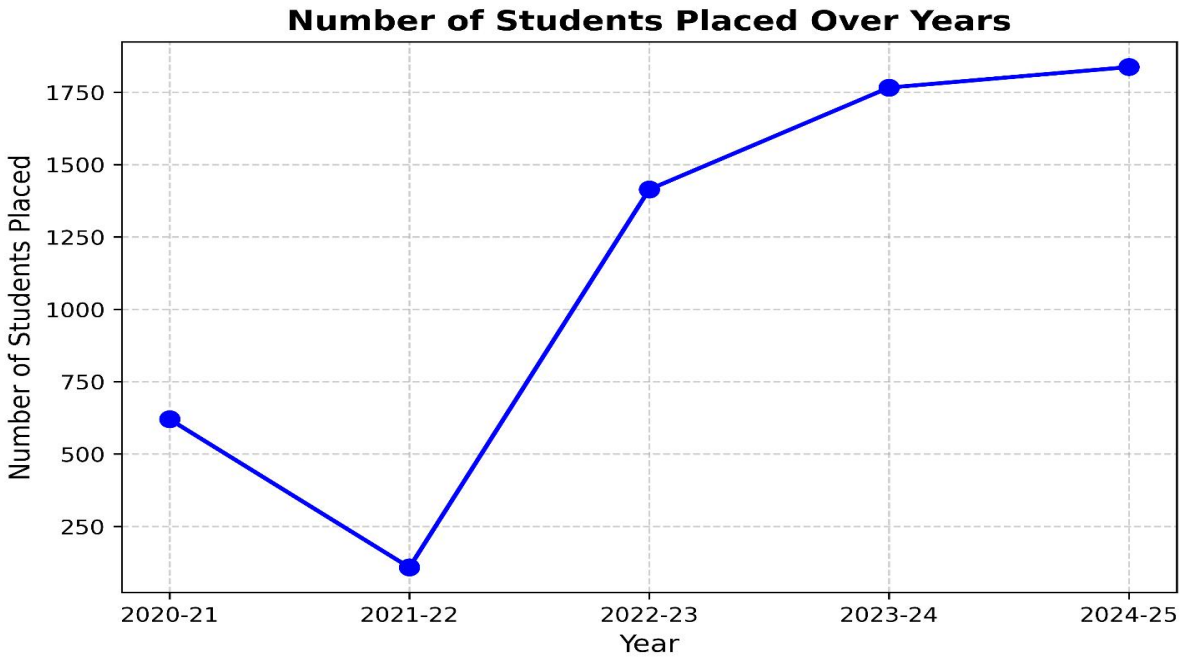
कुलपति इंटर्नशिप योजना (वीसीआईएस) का उद्देश्य विश्वविद्यालय के छात्रों को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करना है, जिससे उन्हें विश्वविद्यालय प्रणाली के विभिन्न क्षेत्रों, विशेष रूप से, और सामान्य रूप से सरकारी व्यवस्थाओं में आधिकारिक कामकाज को समझने में मदद मिलती है। यह योजना 'सीखते हुए अर्जन' की अवधारणा को भी आगे बढ़ाने का प्रयास करती है। इस इंटर्नशिप को करने वाले कुलपति प्रशिक्षुओं को विश्वविद्यालय में योगदान करने, नीतियों की बेहतर समझ विकसित करने और इस प्रकार विश्वविद्यालय के राजदूत के रूप में कार्य करने का अवसर मिला।

वीसीआईएस में नामांकित छात्रों की लिंग-वार कुल संख्या इस प्रकार है:

वीसीआईएस	छात्रों की संख्या
(i) कुलपति इंटर्नशिप योजना: अंशकालिक- 2024	महिलाएं- 122 और पुरुष- 62
(ii) कुलपति ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप 2025	महिलाएं - 110 और पुरुष - 49

नियोजन

डीन छात्र कल्याण कार्यालय ने नियोजन/इंटर्नशिप प्रदान करने के लिए भर्तीकर्ताओं/संगठनों तक पहुँचने में सहायता की। इस आउटरीच के माध्यम से 1,837 छात्रों का चयन हुआ। डीन छात्र कल्याण कार्यालय के माध्यम से नियुक्त छात्रों की संख्या का एक चित्रमय चित्रण नीचे दिया गया है (इसमें विभागीय स्तर के नियोजन शामिल नहीं हैं)।



नियोजन/ इंटर्नशिप/ जॉब मेला - 2024-25 के दौरान चयनित/ शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों का डेटा				
क्र. सं.	कंपनी का नाम	औसत वेतन (एलपीए)	शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों की संख्या	नियुक्ति की तिथि/ इंटर्नशिप/नियोजन मेला
1	इनोडाटा	4,50,000	38	11 जून, 2024
2	एक्सिस इंस्टिट्यूट	7,20,000	5	नियोजन मेला 4-5 दिसंबर, 2024
3	बैक बेंचर्स	4,35,000	9	
4	महाविद्यालय के बाद	2,00,000	30	
5	एफआरआर फॉरेक्स प्राइवेट लिमिटेड	4,25,000	55	
6	केआई ई स्क्वायर एनालिटिक्स	2,25,000	13	
7	पूंजीगत माल	4,25,000	70	
8	ऐस इंश्योरेंस कंपनी	5,00,000	78	
9	टीच फॉर इंडिया	3,75,000	63	

10	बजाज आलियांज	4,75,000	142	
11	मोबावेन्यू	3,50,000	24	
12	भारती भवन प्रकाशन	5,50,000	63	
13	पुनर्चक्रण	4,00,000	20	
14	जिद्दी फैक्ट्री	3,50,000	14	
15	डिट्टो इंश्योरेंस	4,50,000	36	
16	गति निर्धारक	3,50,000	13	
17	बर्गर सिंह	3,00,000	75	
18	डाकरूम	4,50,000	55	
19	एचडीबी वित्तीय सेवाएँ	2,54,000	125	
20	एक्सपर्ट्स ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड	6,00,000	87	
21	टीसीएस प्राइवेट लिमिटेड	2,50,000	167	
22	पैसा बाज़ार.कॉम	2,25,000	70	
23	पक्षी समूह (BWFS)	6,00,000	65	
24	नेत्रिका कंसल्टिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	4,00,000	35	
25	360 डिग्री समाधान	3,50,000	52	
26	प्लैनेट स्पार्क प्राइवेट लिमिटेड	4,00,000	37	
27	अगला आईएएस	3,36,000	58	
28	मित्र प्राइवेट लिमिटेड	6,00,000	64	
29	एक्यूटी प्रोफेशनल्स	3,75,000	75	
30	इन्फोजिनी कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड	2,25,000	30	
31	स्वस्तिक क्लासेस	2,25,000	94	
32	प्रीवेस्ट डेनप्रो लिमिटेड	3,00,000	30	
33	ओनूरेम	5,00,000	45	
	कुल	1,837		

अंतर्राष्ट्रीयकरण पहल

दिल्ली विश्वविद्यालय का अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग, वैश्विक साझेदारियों के निर्माण और रखरखाव, संकाय और छात्र विनिमय कार्यक्रमों को सुगम बनाने पर केंद्रित है। मूल्यांकन वर्ष 2024-25 में, दिल्ली विश्वविद्यालय ने FHEIs के साथ सहयोग किया और 12 नए समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। कुल मिलाकर, विश्वविद्यालय के दुनिया भर के 35 देशों के साथ लगभग 90 सक्रिय समझौता ज्ञापन

हैं (इनमें से, जर्मनी और जापान के साथ 07 समझौता ज्ञापन, फ्रांस और कोरिया के साथ 05 समझौता ज्ञापन और रूस के साथ 13 समझौता ज्ञापन शामिल हैं)।
अंतर्राष्ट्रीय संबंध कार्यालय के माध्यम से, विश्वविद्यालय के लगभग 30 छात्रों (स्नातक-पूर्व/स्नातकोत्तर/पीएचडी) को विभिन्न योजनाओं जैसे, सकुरा विज्ञान कार्यक्रम, भविष्य अनुसंधान प्रतिभा कार्यक्रम, इरास्मस+ मोबिलिटी, आदि के तहत अल्पकालिक गतिशीलता के लिए अंतर्राष्ट्रीय फेलोशिप प्राप्त हुई।

यद्यपि विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जा रहे हैं, फिर भी इस वार्षिक रिपोर्ट की अवधि के दौरान निम्नलिखित समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए:
1 अप्रैल, 2024 से 31 मार्च, 2025 के दौरान हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों की सूची

क्र.सं.	साझेदार विश्वविद्यालय	हस्ताक्षर की तिथि
1	मॉस्को सिटी यूनिवर्सिटी, रूस (नवीनीकरण)	अप्रैल 2024
2	एचएसई विश्वविद्यालय, रूस	अप्रैल 2024
3	हेलसिंकी विश्वविद्यालय, फ़िनलैंड (नवीनीकरण)	मई 2024
4	निगाता विश्वविद्यालय, जापान (छात्र विनिमय समझौता)	मई 2024
5	मिनिन निज़नी नोवगोरोड स्टेट पेडागोगिकल यूनिवर्सिटी, रूस	मई 2024
6	नैनटेस यूनिवर्सिटि (एसयूएल), फ़्रांस में सर्विस यूनिवर्सिटेयर डेस लैंग्यूज़	मई 2024
7.	डरहम विश्वविद्यालय, यूके	जून 2024
8.	वुप्पर्टल विश्वविद्यालय, जर्मनी (नवीनीकरण)	अगस्त 2024
9.	यूनिवर्सिटी पॉल-वैलेरी मोंटपेलियर 3, फ़्रांस (नवीनीकरण)	सितंबर 2024
10	टोक्यो विश्वविद्यालय, जापान	नवंबर 2024
11	वियना विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रिया (नवीनीकरण)	नवंबर 2024
12	यूनिवर्सिटे डी ब्रेटेन ऑक्सिडेंटेल, फ़्रांस	दिसंबर 2024
13	गोनकोर्ट चॉइस ऑफ इंडिया 2024-2025, इंस्टिट्यूट फ्रैंकैस एन इंडे	जनवरी 2025
14	एचएसई विश्वविद्यालय, रूस के साथ "अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों पर दर्पण प्रयोगशाला" के लिए आशय पत्र	जनवरी 2025
15	लिवरपूल विश्वविद्यालय, यूके	जनवरी 2025
16	लीड्स विश्वविद्यालय, यूके	जनवरी 2025
17	ग्रेनेडा विश्वविद्यालय, स्पेन	जनवरी 2025
18	इरास्मस+ आईआईए और एमओयू परिशिष्ट, इंस्टीट्यूटो पोलिटेकनिको डी तोमर (आईपीटी), पुर्तगाल	मार्च 2025
19	मिनिन निज़नी नोवगोरोड स्टेट पेडागोगिकल यूनिवर्सिटी, रूस (छात्र विनिमय समझौता)	मार्च 2025
20	इकोले डेस हाउट्स एट्यूड्स एन साइंसेज सोशलेस (ईएचईएसएस), फ्रांस	मार्च 2025

अनुसंधान

- प्रकाशन: स्कोपस-सूचीबद्ध पत्रिकाओं में शोध प्रकाशनों में 11% (3,730 से 4,120) की वृद्धि हुई है।
- एच-इंडेक्स: विश्वविद्यालय का एच-इंडेक्स 273 से बढ़कर 286 हो गया है, जो संकाय सदस्यों द्वारा अनुसंधान की बढ़ी हुई गुणवत्ता को दर्शाता है।

प्रतिष्ठित संस्थान

दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिष्ठित संस्थान (आईओई) भौतिक अवसंरचना के विकास, अनुसंधान प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों, केंद्रीय उपकरण सुविधाओं, आईटी और नेटवर्किंग सुविधाओं की स्थापना और उन्नयन तथा विश्वविद्यालय में अनुसंधान को प्राथमिकता देने के लिए प्रतिबद्ध है।

वित्तीय वर्ष 2024-2025 के दौरान IoE द्वारा की गई प्रमुख उपलब्धियां/महत्वपूर्ण गतिविधियां इस प्रकार हैं:

1. भौतिक अवसंरचना: शैक्षणिक और प्रशासनिक भवन, छात्रावास सह पारगमन आवास, स्वास्थ्य केंद्र और मनोरंजन सुविधाओं सहित विश्वविद्यालय की भौतिक अवसंरचना को मजबूत करने के लिए निम्नलिखित पहल की गईं:
    - आईओई ने सम्मेलन केंद्र के ऊर्ध्वाधर विस्तार और नए डब्ल्यूयूएस स्वास्थ्य केंद्र भवन के निर्माण के लिए 12.87 करोड़ रुपये जारी किए।
    - आईओई ने प्रौद्योगिकी संकाय स्थल पर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण के लिए एनबीसीसी को 10.56 करोड़ रुपये जारी किए।
    - आईओई ने प्रौद्योगिकी संकाय, विधि संकाय और वाणिज्य विभाग के लिए महर्षि कणाद भवन में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 0.22 करोड़ रुपये जारी किए।
    - आईओई ने बुनियादी ढांचे और प्रयोगशाला विकास के लिए प्रौद्योगिकी संकाय को 1.59 करोड़ रुपये जारी किए।
2. अनुसंधान अवसंरचना: दिल्ली विश्वविद्यालय और उसके घटक महाविद्यालयों के विज्ञान विभागों के छात्रों, शोधकर्ताओं और संकाय सदस्यों के लिए उच्च स्तरीय और परिष्कृत विश्लेषणात्मक उपकरणों के साथ केंद्रीय उपकरण सुविधाओं को मजबूत करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए:
    - उत्तरी कैंपस में विश्वविद्यालय विज्ञान उपकरण केन्द्र (यूएसआईसी) और दक्षिणी कैंपस में केन्द्रीय उपकरण सुविधा (सीआईएफ) में उच्च स्तरीय उपकरणों की खरीद के लिए लगभग 55.18 करोड़ रुपये जारी किए गए।
    - अनुसंधान उपकरणों के निर्बाध संचालन हेतु यूएसआईसी (उत्तरी कैंपस) में जनरेटर की खरीद के लिए 0.10 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

3. सूचना प्रौद्योगिकी एवं नेटवर्किंग: सूचना प्रौद्योगिकी एवं नेटवर्किंग, शैक्षणिक सॉफ्टवेयर की खरीद, क्लाउड सेवाओं के लिए उच्च प्रदर्शन वाले बुनियादी ढांचे और दिल्ली विश्वविद्यालय के घटक महाविद्यालयों को मजबूत करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए:

    - IoE ने विभिन्न शैक्षणिक सॉफ्टवेयर खरीदने के लिए DUCC को ₹ 10.17 करोड़ जारी किए।
    - IoE ने आईटी और क्लाउड-आधारित सेवाओं के लिए DUCC को 6.03 करोड़ रुपये जारी किए।

4. पुस्तकालय संसाधन: वैश्विक मानकों को पूरा करने के लिए मौजूदा पुस्तकालय सुविधाओं को उन्नत करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए, जिनमें विश्वविद्यालय के पुस्तकालयों में ई-पुस्तकें, डेटाबेस, भंडारण, संगठन और डिजिटल पुस्तकालय संसाधनों की पुनर्प्राप्ति शामिल है:

    - IoE ने विभिन्न ई-पुस्तकों (अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशकों से सतत डेटाबेस) और डिजिटल अभिलेखागार की खरीद के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली (DULS) को लगभग 29.49 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की।
    - IoE ने डेटाबेस सदस्यता की खरीद के लिए DULS को 5.96 करोड़ रुपये जारी किए।
    - आईओई ने स्टैंड-अलोन कंप्यूटर, कियोस्क, पैट्रन ट्रैफिक कंट्रोल, ब्लेंडेड सॉल्यूशन पैनल, फोटोकॉपियर और प्रिंटर की खरीद के लिए डीयूएलएस को 1.42 करोड़ रुपये जारी किए।

5. कंप्यूटर प्रयोगशाला: विश्वविद्यालय में शिक्षण, अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों के विकास और संवर्द्धन के लिए सामान्य कंप्यूटिंग सुविधाएं स्थापित करने हेतु निम्नलिखित कदम उठाए गए:

    - विभिन्न संकायों, एनसीवेब और पुस्तकालयों के लिए कंप्यूटर सहित सूचना प्रौद्योगिकी सुविधाओं के लिए पर्याप्त वित्तीय सहायता प्रदान की गई। कला संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली, प्रौद्योगिकी संकाय और एनसीवेब में विभिन्न कंप्यूटर प्रयोगशालाओं के विकास के लिए लगभग ₹5.654 करोड़ जारी किए गए हैं।

6. अनुसंधान गतिविधियाँ: विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों/केंद्रों में संकाय सदस्यों के अनुसंधान कार्य को मजबूत करने और बढ़ावा देने के लिए, आईओई द्वारा संकाय अनुसंधान कार्यक्रम (एफआरपी) और प्रमुख अनुसंधान परियोजना (एमआरपी) शुरू की गई।

    - संकाय अनुसंधान कार्यक्रम के अंतर्गत, IoE ने विश्वविद्यालय/महाविद्यालयों के संकाय सदस्यों को विभिन्न विषयों में परियोजनाओं को मंजूरी दी। इस उद्देश्य के लिए कुल ₹9.48 करोड़ जारी किए गए।

    - अंत:-विषयक अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए IoE ने विभिन्न विषयों में विश्वविद्यालय/महाविद्यालयों के 17 संकाय सदस्यों को प्रमुख अनुसंधान परियोजना के रूप में लगभग 0.60 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की।

7. अनुसंधान प्रकाशन पुरस्कार: IoE ने अनुसंधान प्रकाशन पुरस्कारों की स्थापना की है, ताकि शोधकर्ताओं को अपने गुणवत्तापूर्ण शोध कार्य को शीर्ष-रेटेड उच्च-प्रभावी पत्रिकाओं में प्रकाशित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके और उनके वैज्ञानिक अनुसंधान की गुणवत्ता को बढ़ाने में योगदान दिया जा सके।

    - शोध प्रकाशन पुरस्कारों के लिए 26 शोध पत्रों का चयन किया गया और ₹0.20 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई। ये पुरस्कार निम्नलिखित चार श्रेणियों में दिए गए: श्रेणी क (₹5 लाख): 02; श्रेणी ख (₹2 लाख): 04; श्रेणी ग (₹1 लाख): 13; श्रेणी घ (₹0.5 लाख): 07।

8. अनुसंधान फेलो और पोस्ट-डॉक: विश्वविद्यालय में उच्च स्तरीय अनुसंधान को गति देने में मदद करने वाले प्रतिभाओं का एक समूह बनाने के लिए, IoE ने महाविद्यालय फेलो और अनुसंधान फेलोशिप कार्यक्रम शुरू किए हैं।

    - IoE ने महर्षि कणाद पोस्ट-डॉक्टरल फेलोशिप नामक पोस्ट-डॉक्टरल फेलोशिप कार्यक्रम के लिए लगभग 2.76 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की है।

9. मरम्मत, रखरखाव और उन्नयन: IoE ने विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों/विभागों में उन्नयन/नवीनीकरण/रखरखाव के रूप में केंद्रीय इंस्ट्रूमेंटेशन सुविधाओं को मजबूत करने का कार्य शुरू किया है।

    - यूएसआईसी/सीआईएफ (उत्तर और दक्षिण) तथा विभागों और केंद्रों के सीआईएफ में पहले से स्थापित/मौजूदा उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव के लिए लगभग 2.13 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।

    - आईओई ने टैगोर हॉल, सर शंकर लाल कॉन्सर्ट हॉल और कन्वोकेशन हॉल में ध्वनि प्रणाली की स्थापना, बायोटेक बिल्डिंग (दक्षिण कैंपस) में केंद्रीकृत एसी संयंत्र की मरम्मत, सीसीटीवी कैमरों की स्थापना और वाइस रीगल लॉज में नवीकरण कार्य के लिए इंजीनियरिंग शाखा को ₹ 14.94 करोड़ की वित्तीय सहायता प्रदान की।

    - विभिन्न विभागों में 52 कक्षाओं को 2.1 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता से इंटरैक्टिव पैनल से सुसज्जित किया गया।

    - आईओई ने विश्वविद्यालय के बिजली और पानी के शुल्क के भुगतान के लिए इंजीनियरिंग शाखा को 1.56 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की।

    - IoE ने यूएसआईसी (उत्तरी कैंपस) और सीआईएफ (दक्षिणी कैंपस) में उच्च स्तरीय उपकरणों के संचालन हेतु तकनीकी जनशक्ति के लिए 0.7 करोड़ रुपये जारी किए।

10. अन्य गतिविधियाँ: IoE ने पेटेंट फाइलिंग शुल्क, शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण आदि के लिए सहायता के रूप में अन्य सुविधाओं को भी मजबूत करने का कार्य शुरू किया।

    - IoE ने पेटेंट फाइलिंग सहायता के लिए ₹ 0.022 करोड़ जारी किए।

- IoE ने कौशल संवर्धन पाठ्यक्रमों का समर्थन करने के लिए शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने हेतु दिल्ली स्कूल ऑफ स्किल एन्हांसमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट को ₹ 0.011 करोड़ जारी किए।

दिल्ली विश्वविद्यालय फाउंडेशन

क) जहाँ तक दिल्ली विश्वविद्यालय फाउंडेशन के माध्यम से प्राप्त दान का प्रश्न है, 31.03.2025 तक 109 दानदाताओं से कुल ₹ 7,21,74,482 (सात करोड़, इक्कीस लाख, चौहत्तर हज़ार, चार सौ बयासी रुपये मात्र) की राशि एकत्रित की गई। इसे दिल्ली विश्वविद्यालय के एंडोमेंट फंड में जमा कर दिया गया है।

ख) रीता भार्गव मुखर्जी मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट (आरबीएमएमसीटी) के तत्वावधान में ₹5,00,00,000/- (पाँच करोड़ रुपये) की धनराशि प्राप्त हुई। श्री उदयन मुखर्जी (सेवानिवृत्त आईपीएस) ने यह राशि अपनी दिवंगत पत्नी श्रीमती रीता भार्गव मुखर्जी की स्मृति में दान की, जो दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्तरी कैंपस स्थित प्रतिष्ठित प्रबंधन अध्ययन संकाय की पूर्व छात्रा थीं। यह बड़ी राशि एफएमएस विस्तार भवन की पहली मंजिल के निर्माण के लिए समर्पित है, जिससे प्रबंधन के छात्रों की भावी पीढ़ियों के लिए अत्याधुनिक सुविधाएँ और संसाधन उपलब्ध होंगे।

यह राशि तीन किस्तों में प्राप्त की जाएगी, जिसमें से पहली किस्त ₹ 50,00,000/- (पचास लाख रुपये) और ₹ 2,00,00,000/- (दो करोड़ रुपये) की दूसरी किस्त क्रमशः 27 मई 2024 और 4 जनवरी 2025 को प्राप्त हुई ।

ग) दिल्ली विश्वविद्यालय फाउंडेशन ने 4 जनवरी 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के दानदाताओं को सम्मानित करने और एलआईसी गोल्डन जुबली फाउंडेशन द्वारा दान की गई एम्बुलेंस, प्रोजेक्ट सशक्त बेटी, प्रोजेक्ट ई-दृष्टि और डोनर्स क्रॉनिकल 2024 के स्मारक वॉल्यूम को आधिकारिक रूप से लॉन्च करने के लिए समर्पण समारोह और सम्मान समारोह का आयोजन किया।

घ) जीवन बीमा निगम (एलआईसी) स्वर्ण जयंती फाउंडेशन ने दिल्ली विश्वविद्यालय के समुदाय के लिए एक एम्बुलेंस खरीदने हेतु 26,80,202/- रुपये का दान दिया है। एम्बुलेंस का अधिग्रहण, पंजीकरण और उसे दिल्ली विश्वविद्यालय, उत्तरी कैंपस, दिल्ली 110007 स्थित डब्ल्यूयूएस में तैनात किया गया है।

ङ) दिल्ली विश्वविद्यालय फाउंडेशन ने दो परियोजनाएँ शुरू कीं: सशक्त बेटी परियोजना और ई-दृष्टि परियोजना, जिसके अंतर्गत अनाथ छात्राओं और एकल अभिभावक छात्राओं, जिनकी पारिवारिक आय ₹ 4 लाख से कम है, को 300 लैपटॉप और विश्वविद्यालय के दृष्टिबाधित छात्र एवं छात्राओं को 454 टैबलेट वितरित किए गए। इन परियोजनाओं को बीएसईएस डिस्कॉम्स बीआरपीएल और बीवाईपीएल द्वारा ₹ 2.25 करोड़ के दान से सहायता मिली। इन

परियोजनाओं का आधिकारिक शुभारंभ माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान और सांसद श्री मनोज तिवारी ने 4 जनवरी 2025 को फाउंडेशन द्वारा आयोजित समर्पण समारोह में किया ।

च) दिल्ली विश्वविद्यालय फाउंडेशन ने डोनर्स क्रॉनिकल 2024 का स्मारक संस्करण लॉन्च किया, जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के पहले 100 दानदाताओं की जीवन गाथा पर प्रकाश डाला गया है।

छ) दिल्ली विश्वविद्यालय फाउंडेशन ने जापान स्थित निटोरी इंटरनेशनल स्कॉलरशिप फाउंडेशन के सहयोग से विश्वविद्यालय के घटक संकायों और विभागों के मेधावी छात्रों के लिए छात्रवृत्तियाँ शुरू की हैं। 14 जनवरी 2025 को विश्वविद्यालय के एंडोमेंट फंड में कुल ₹12 लाख की छात्रवृत्ति राशि प्राप्त हुई। संकाय /विभागों में अपने-अपने पाठ्यक्रमों में अव्वल रहे कुल 20 छात्रों को ₹1 लाख की छात्रवृत्ति प्रदान की गई। 28 अप्रैल 2025 को प्रत्येक को 60,000 रुपये (केवल एक बार)।

ज) दिल्ली विश्वविद्यालय फाउंडेशन को ₹ 10 लाख मिले विश्वविद्यालय के दृष्टिबाधित छात्रों के लिए ब्रेल एम्बॉसर की खरीद हेतु, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत एचबी स्टॉकहोल्डिंग्स से 3,75,000/- रुपये स्वीकृत किए गए हैं। ब्रेल एम्बॉसर खरीद लिया गया है और इसे विश्वविद्यालय के समान अवसर प्रकोष्ठ में स्थापित किया जाएगा।

उधमोदय फाउंडेशन

उद्यमोदय फाउंडेशन ने दिल्ली विश्वविद्यालय में स्टार्टअप्स को सहयोग देने और उद्यमिता को बढ़ावा देने के दो वर्ष सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं। महर्षि कणाद भवन की पाँचवीं मंजिल पर स्थित , यह फाउंडेशन शुरुआती उद्यमियों के लिए एक आधुनिक सह-कार्य और इनक्यूबेशन स्थान प्रदान करता है।

31 मार्च, 2025 तक, उद्यमोदय फाउंडेशन 24 स्टार्टअप्स (विभिन्न क्षेत्रों - लॉजिस्टिक्स, खेल, स्वास्थ्य तकनीक, सामाजिक प्रभाव, अपशिष्ट प्रबंधन, कृषि, सौंदर्य एवं कल्याण, एआई टूल्स) को फंडिंग, ऑफिस स्पेस, विशेषज्ञ मार्गदर्शन और नेटवर्किंग अवसरों के माध्यम से सहयोग प्रदान कर रहा है। 15 प्री-इन्क्यूबेटेड स्टार्टअप्स को नियमित मार्गदर्शन और सहायता मिल रही है। ये युवा उद्यमियों के शुरुआती चरण के विचार हैं जो शिक्षा, भोजन, स्वास्थ्य, त्वचा देखभाल, स्मार्ट वेंडिंग और यौन शिक्षा आदि क्षेत्रों में नए समाधानों पर काम कर रहे हैं।

उद्यमोदय फाउंडेशन महाविद्यालयों के छात्रों और शिक्षकों के लिए नियमित रूप से इनक्यूबेशन विजिट का आयोजन करता रहा है। ये विजिट उन्हें स्टार्टअप्स और उद्यमिता के बारे में सीधे संस्थापकों से बातचीत करके और अधिक जानने में मदद करती हैं। फाउंडेशन को मार्च 2025 में नवाचार और उद्यमिता पर एक संकाय विकास कार्यक्रम (FDP) आयोजित करने के लिए AICTE से अनुदान प्राप्त हुआ।

मजबूत समर्थन, बढ़ते बुनियादी ढांचे और वास्तविक प्रभाव पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, उधमोदय फाउंडेशन अगली पीढ़ी के स्टार्टअप और उद्यमियों के निर्माण में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभर रहा है।

वित्तीय डेटा

वित्त पोषण एजेंसी से प्राप्त अनुदान राशि (करोड़ में) इस प्रकार है:

वर्ष 2024-2025	2024-25 में प्राप्त अनुदान राशि (करोड़ में)	व्यय राशि 2024-25 (करोड़ में)
वेतन शीर्ष (OH:36)	₹ 473.00	₹ 478.72
आवर्ती शीर्ष (OH:31)	₹ 313.00	₹ 544.46
पूंजीगत संपत्तियां (OH:35), EWS सहित	₹ 42.88	₹ 44.09

उत्पन्न आंतरिक संसाधन की मात्रा ₹ 323.45 करोड़ थी।

बाह्य अनुदान

विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य कई वित्त पोषण एजेंसियों से अनुसंधान के लिए अनुदान प्राप्त करने में सक्षम रहे हैं।

जीआईए: 2024-25 के लिए ₹828.88 करोड़ रुपये आवंटित वेतन शीर्ष OH:36 ₹473.00 करोड़, आवर्ती शीर्ष OH:31 ₹313.00 करोड़ और पूंजीगत संपत्ति OH: 35 बुनियादी ढांचे के विकास के लिए ₹42.88 करोड़ रुपये की योजना।

हेफा: वित्त मंत्रालय द्वारा 7 परियोजनाओं के लिए HEFA से ₹938.33 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई।

विश्वविद्यालय ने ₹576.33 करोड़ की दो परियोजनाओं की मंजूरी के लिए HEFA को आवेदन किया है।

एंडोमेंट फंड: दिल्ली विश्वविद्यालय फाउंडेशन के माध्यम से ₹3,15,36,468/- एकत्रित किए गए।

नवीनीकरण / निर्माण

प्रमुख विशेष मरम्मत और नवीनीकरण:

परियोजना का नाम	राशि (करोड़ में)	टिप्पणी
कला संकाय	4	कार्य पूर्ण
ग्वेयर हॉल	2.4	कार्य पूर्ण
जुबली हॉल	4	कार्य जारी

विश्वविद्यालय का रिकॉर्ड रूम	2	कार्य पूर्ण
कला संकाय का कन्वेंशन हॉल, टैगोर हॉल, शंकर लाल हॉल	11	कार्य जारी

चल रहे निर्माण कार्य:

परियोजना का नाम	राशि (करोड़ में)
कंप्यूटर केंद्र का निर्माण	87 करोड़
भौतिकी और रसायन विज्ञान ब्लॉक का ऊर्ध्वाधर विस्तार	17 करोड़
प्रबंधन अध्ययन संकाय के पास प्रज्ञान भवन	29 करोड़
WUS स्वास्थ्य केंद्र भवन	36 करोड़
मौरिस नगर स्थित स्कूल	27 करोड़
मौरिस नगर में IoE का भवन	330 करोड़
पुस्तकालय का विस्तार	110 करोड़
प्रौद्योगिकी संकाय	195 करोड़
सत्यकाम भवन के पास उत्तरी कैंपस में छात्र गतिविधि केंद्र	7.5 करोड़

वैधानिक बैठकों का विवरण

विश्वविद्यालय ने 2024-25 में निम्नलिखित बैठकें आयोजित कीं:

वैधानिक निकाय का नाम	आयोजित बैठकों की संख्या
विश्वविद्यालय न्यायालय	01
कार्यकारी परिषद	05
शैक्षणिक परिषद	04
वित्त समिति	03

भर्ती और पदोन्नति

(i) विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों/महाविद्यालयों में 1,048 सहायक/एसोसिएट प्रो./प्रो./प्राचार्य/निदेशक नियुक्त किए गए।

(ii) विश्वविद्यालय में शिक्षकों के 1,389 मामलों पर कार्रवाई की गई और तत्पश्चात शिक्षकों को विधिवत पदोन्नति दी गई।

(iii) विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों में कुल 481 गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्ति/पदोन्नति/एमएसीपी प्रदान की गई।

सूचना का अधिकार (आरटीआई)

विश्वविद्यालय सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के सभी प्रासंगिक प्रावधानों और समय-समय पर उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों का पूर्णतः पालन करते हुए कार्य करता है। यह छात्रों, कर्मचारियों और

विभिन्न अन्य हितधारकों से संबंधित लगभग सभी क्षेत्रों की जानकारी को सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराने में सक्रिय रूप से शामिल है।

समय-समय पर, व्यापक जनसाधारण के लिए सूचना प्रसार की एक सुव्यवस्थित व्यवस्था के माध्यम से सभी व्यवस्थित प्रयास उचित रूप से किए जाते हैं। विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न माध्यमों से सूचना प्रसारित की जाती रही है, जिसमें इसकी वेबसाइट, सूचना पुस्तिका, विभिन्न पाठ्यक्रमों के विवरणिका, सार्वजनिक सूचनाएँ, प्रेस विज्ञप्तियाँ, पैम्फलेट, पुस्तिकाएँ, हैंडआउट आदि के माध्यम से सूचना का प्रकटीकरण शामिल है। यह सभी हितधारकों को विश्वविद्यालय के विकास के बारे में नियमित रूप से सूचित रखने के लिए किया जाता है। इसलिए, पारदर्शिता और जवाबदेही के पालन में विश्वविद्यालय अग्रणी है, जिससे एक शैक्षणिक संस्थान में सुशासन को बढ़ावा मिलता है।

वर्ष 2024-25 (1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025) के दौरान , विश्वविद्यालय को 6,052 मूल आवेदन और 791 प्रथम अपीलें प्राप्त हुईं, जिनका निर्णय सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के अनुसार किया गया। इस दौरान, विश्वविद्यालय द्वारा माननीय केंद्रीय सूचना आयोग के समक्ष 40 द्वितीय अपीलों का भी सफलतापूर्वक बचाव किया गया।

राजभाषा प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय का राजभाषा प्रकोष्ठ गृह मंत्रालय (राजभाषा विभाग) द्वारा निर्देशित सभी आदेशों का संकलन और क्रियान्वयन करता है। विश्वविद्यालय के राजभाषा विभाग द्वारा किए जाने वाले कार्यों का संक्षिप्त विवरण निम्नलिखित है:

1. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक: संघ की राजभाषा नीति के अनुपालन में, राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन के संबंध में निदेशक, दक्षिण कैंपस और अध्यक्ष (राभाकास) की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की त्रैमासिक बैठकें प्रत्येक तिमाही (जनवरी-मार्च, अप्रैल-जून, जुलाई-सितंबर और अक्टूबर-दिसंबर) में आयोजित की गईं।
2. हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन: संघ की राजभाषा नीति के अनुपालन में, विश्वविद्यालय में राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन के संबंध में, विश्वविद्यालय के उत्तर/दक्षिण परिसरों में 45 अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए प्रत्येक तिमाही (जनवरी-मार्च, अप्रैल-जून, जुलाई-सितंबर और अक्टूबर-दिसंबर) में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें आमंत्रित अनुभवी वक्ताओं द्वारा विभिन्न प्रासंगिक विषयों, जैसे संघ सरकार की राजभाषा नीति और तकनीकी शब्दावली, त्रैमासिक रिपोर्ट कैसे भरें, सरकारी पत्राचार के विभिन्न प्रारूप और नोट ड्राफ्टिंग और हिंदी वर्तनी और व्याकरण संबंधी गलतियों के मानकीकरण पर व्याख्यान दिए गए।
3. हिंदी पखवाड़ा का आयोजन: विश्वविद्यालय में राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों (संविदा अधिकारियों/कर्मचारियों सहित) को हिंदी में सरकारी कामकाज करने हेतु

प्रोत्साहित करने हेतु प्रतिवर्ष सितम्बर/अक्टूबर माह में नियमानुसार हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया जाता है। इस दौरान कुल पाँच प्रतियोगिताएँ (हिंदी निबंध, हिंदी श्रुतलेख, हिंदी आशु भाषण, हिंदी स्मृति परीक्षण एवं हिंदी प्रश्न मंच) आयोजित की गईं, जिनमें विश्वविद्यालय के अधिकारियों/कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

4. विश्व हिंदी दिवस एवं मातृभाषा दिवस: विश्वविद्यालय में राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी में सरकारी कामकाज करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु, विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर 10 जनवरी, 2025 को विश्वविद्यालय के उत्तरी कैंपस में राजभाषा वार्ता का आयोजन किया गया, जिसका विषय था: “क्या सरकारी कार्यालयों में राजभाषा हिंदी लागू करना सरकार के लिए उचित था?, पक्ष एवं विपक्ष में अपने विचार दें”। मातृभाषा दिवस, 21 फरवरी, 2025 को दक्षिणी कैंपस में एक वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसका विषय था: “विश्व में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रयोग का भविष्य में मानव जीवन पर क्या प्रभाव पड़ेगा?”

5. भारतीय भाषा महोत्सव का आयोजन: शिक्षा मंत्रालय (भारत सरकार) के आदेशानुसार, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने वाले प्रख्यात तमिल कवि, लेखक एवं पत्रकार श्री सुब्रमण्य भारती की जयंती के उपलक्ष्य में 11 दिसंबर, 2024 को 'भारतीय भाषा महोत्सव' मनाने का आदेश प्राप्त हुआ था। इस संबंध में, महर्षि कणाद भवन में विश्वविद्यालय के उत्तर एवं दक्षिण कैंपस के अधिकारियों/कर्मचारियों (संविदा/आउटसोर्स सहित) के लिए एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

6. हिंदी आशुलिपि/टंकण प्रशिक्षण की स्थिति: विश्वविद्यालय में कार्यरत वरिष्ठ सहायक/सहायक/कनिष्ठ सहायकों को केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, राजभाषा विभाग में हिंदी टंकण का दीर्घकालिक प्रशिक्षण प्रदान करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। अप्रैल 2025 तक कुल 78 कर्मचारियों को हिंदी टंकण का प्रशिक्षण दिया गया। इन्हें केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षित किया गया। विश्वविद्यालय के शेष कर्मचारियों को केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षित किया जा रहा है।

7. राजभाषा विभाग (गृह मंत्रालय) द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम: विश्वविद्यालय हर साल राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में दिए गए लक्ष्यों को पूरा करने के लिए प्रयासरत रहता है। इसके साथ ही, वार्षिक कार्यक्रम विश्वविद्यालय के सभी विभागों/अनुभागों/कार्यालयों और

महाविद्यालयों को वार्षिक कार्यक्रम में उल्लिखित अन्य सभी बिंदुओं का अनुपालन करने के लिए भी प्रतिबद्ध करता है।

8. राजभाषा प्रकोष्ठ का वेबपेज: विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर राजभाषा प्रकोष्ठ का एक वेबपेज बनाया गया है, जिसमें अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए राजभाषा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी समय-समय पर अपलोड की जाती रही।

9. वाचनालय एवं प्रशिक्षण केंद्र: राजभाषा को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में एक वाचनालय एवं हिंदी प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया गया। यह पूर्णतः क्रियाशील होने की ओर अग्रसर है। इसमें विश्वविद्यालय के अधिकारी/कर्मचारी भोजनावकाश के दौरान हिंदी समाचार-पत्र एवं पत्रिकाएँ पढ़ सकेंगे। इसके अतिरिक्त, अधिकारियों/कर्मचारियों को हिंदी भाषा/टंकण/आशुलिपि का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

10. मानक वाक्यांश एवं तकनीकी शब्दावली: राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने तथा अधिकारियों/कर्मचारियों को हिंदी में सरकारी कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा प्रत्येक माह के प्रथम सप्ताह में 10 प्रशासनिक वाक्यांशों एवं 10 तकनीकी शब्दों से संबंधित परिपत्र जारी किया जाता था।

11. विभागीय प्रशिक्षण में संघ सरकार की राजभाषा नीति, यूनिकोड और नवीन हिंदी सॉफ्टवेयर पर व्याख्यानों का समावेश: विश्वविद्यालय के अधिकारियों और संबद्ध महाविद्यालयों के प्रशासनिक अधिकारियों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में संघ सरकार की राजभाषा नीति, यूनिकोड और नवीन हिंदी सॉफ्टवेयर से संबंधित विषयों को भी शामिल किया गया।

12. राजभाषा निरीक्षण: शिक्षा मंत्रालय और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग भी समय-समय पर विश्वविद्यालय में राजभाषा हिंदी की प्रगति का निरीक्षण करते हैं। उक्त निरीक्षण में, विश्वविद्यालय ने मंत्रालय और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा दिए गए सुझावों को लागू करने का हर संभव प्रयास किया।

13. आंतरिक निरीक्षण: राजभाषा विभाग (गृह मंत्रालय), भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय, स्नातक-पूर्वसी के निर्देशानुसार तथा दिल्ली विश्वविद्यालय की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार, विश्वविद्यालय के विभागों, कार्यालयों एवं अनुभागों का आंतरिक निरीक्षण प्रत्येक छमाही में योजनाबद्ध तरीके से किया जाता है।

14. हिंदी कार्य करने वालों के लिए पुरस्कार: गृह मंत्रालय (राजभाषा विभाग) के कार्यालय ज्ञापन संख्या 12013/01/2011 - आरबी (नीति), दिनांक 14.09.2016 द्वारा संशोधित प्रोत्साहन

योजना को विश्वविद्यालय द्वारा भी वार्षिक आधार पर क्रियान्वित किया गया है। वर्ष के अंत में, संबंधित अधिकारी/कर्मचारी निर्धारित प्रपत्र पर अपने विवरण अपने अधिकारी से हस्ताक्षरित/सत्यापित करवाकर राजभाषा कार्यालय को भेजता है, जिसके लिए उसे निम्नानुसार पुरस्कार भी दिए जाते हैं:

पद	राशि (₹)
प्रथम (2 पुरस्कार)	5,000
द्वितीय (3 पुरस्कार)	3,000
तृतीय (5 पुरस्कार)	2,000

15. हिंदी पत्रिका ज्ञानलोक का प्रकाशन: विश्वविद्यालय की वार्षिक गृह पत्रिका (ज्ञानलोक) के दो संस्करण जारी हो चुके हैं, तथा तीसरे संस्करण पर काम चल रहा है।

पुरस्कार

पद्म पुरस्कार

- दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के पूर्व छात्र प्रो. बिबेक देबरॉय को भारत के तीसरे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के प्रो. केएल कृष्णा और प्रो. वीआर पंचमुखी को भारत के चौथे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

आगंतुक पुरस्कार

- प्रो. रीना चक्रवर्ती, जो वरिष्ठ प्रो. होने के साथ-साथ प्राणीशास्त्र विभाग की प्रमुख भी हैं, को सतत मीठे पानी की जलीय कृषि में उनके शोध योगदान के लिए जैविक विज्ञान में अनुसंधान के लिए विजिटर पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

नए कैंपस

3 जनवरी 2025 को इन परियोजनाओं का वर्चुअल माध्यम से शिलान्यास किया :

- सूरजमल विहार स्थित पूर्वी कैंपस: यह कैंपस पूर्वी दिल्ली में उच्च शिक्षा की बढ़ती मांग को पूरा करेगा।

- द्वारका सेक्टर 22 में पश्चिमी कैंपस: यह कैंपस पश्चिमी दिल्ली के छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच बढ़ाएगा।
- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए रोशनपुरा, नजफगढ़ में वीर सावरकर महाविद्यालय नामक एक नया महाविद्यालय स्थापित किया जा रहा है।

प्रमुख कार्यक्रम और आयोजन

'दिल्ली विश्वविद्यालय में हिंदू अध्ययन: हिंदू धर्म और हिंदूत्व को समझना' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन

"हिंदू धर्म और 'हिंदुत्व' को समझना" विषय पर एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन दिल्ली विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने किया, जो मुख्य अतिथि थे। मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता विश्व हिंदू परिषद के संयुक्त महासचिव और वर्ल्ड हिंदू फाउंडेशन के संस्थापक और वैश्विक अध्यक्ष स्वामी विज्ञानानंद जी थे। अपने उद्घाटन भाषण में, प्रो. योगेश सिंह ने भारतीय दृष्टिकोण और विश्वदृष्टि के माध्यम से शिक्षा को आकार देने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने प्राचीन भारतीय वास्तुकला के उदाहरणों का हवाला दिया, इसकी ऊर्जा-कुशल डिज़ाइन का उल्लेख किया, जो आधुनिक निर्माणों के विपरीत है जो शीतलन के लिए बिजली पर बहुत अधिक निर्भर करते हैं। उन्होंने व्यापार और ज्ञान प्रणालियों में भारत की समृद्ध विरासत पर भी प्रकाश डाला।





दिल्ली विश्वविद्यालय में 'हिंदू अध्ययन: हिंदू धर्म और हिंदूत्व को समझना' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन

पुस्तक विमोचन "*भक्ति संवेदना और मानव मूल्य*" लेखक: प्रो. अनिल राय

दिल्ली विश्वविद्यालय में 3 अप्रैल, 2024 को आयोजित एक पुस्तक विमोचन समारोह में माननीय कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि एक शिक्षक का मूल्यांकन समय के बदलते मानकों के आधार पर प्रतिदिन किया जाता है और इसलिए उसे निरंतर विकास और उत्कृष्टता के लिए प्रयास करना चाहिए।

"*भक्ति संवेदना और मानव मूल्य*" के विमोचन के दौरान की। भारत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत की इस पुस्तक में की गई गहन पड़ताल की सराहना करते हुए, प्रो. सिंह ने देश के प्राचीन गौरव, औपनिवेशिक अतीत की चुनौतियों और मूल्यों की स्थायी शक्ति पर इसके विचारशील चिंतन का उल्लेख किया, जो तुलसीदास और कालिदास जैसे दिग्गजों के जीवन और कार्यों के माध्यम से स्पष्ट होता है।

उन्होंने आगे कहा कि सच्ची उत्कृष्टता तब प्राप्त होती है जब व्यक्ति अपने विचारों को दृढ़ विश्वास के साथ व्यक्त करते हैं, जो सांस्कृतिक मूल्यों में गहराई से निहित होते हैं - एक ऐसा दृष्टिकोण जो व्यक्ति और राष्ट्र दोनों के उत्थान में योगदान देता है।





पुस्तक "*भक्ति संवेदना और मानव मूल्य*" का विमोचन

'कवि सम्मेलन' संस्था द्वारा 'संविधान अमृत महोत्सव: भारत गणराज्य के 75 वर्ष पूरे होने का उत्सव 'संविधान: विकसित भारत की राह करे आसान'

"संविधान अमृत महोत्सव: भारत गणराज्य के 75 वर्ष पूरे होने का समारोह" के तहत, दिल्ली विश्वविद्यालय ने एक *कवि सम्मेलन का आयोजन किया।" संविधान: विकसित"* विषय पर *सम्मेलन भारत की राह करे आसान "*।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. योगेश सिंह और 15 अप्रैल, 2024 को महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश के कुलाधिपति डॉ. नंद किशोर गर्ग विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

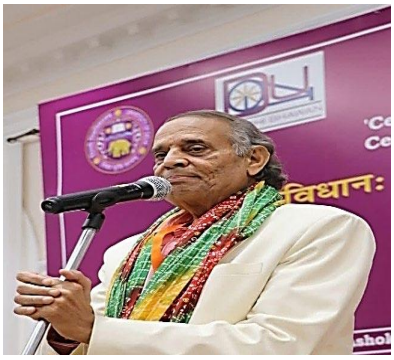
अपने संबोधन में, प्रो. योगेश सिंह ने राष्ट्र की प्रगति के मार्गदर्शन में भारतीय संविधान की स्थायी प्रासंगिकता पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज़ नहीं है, बल्कि एक जीवंत ढाँचा है जो न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व सुनिश्चित करता है - ये ऐसे सिद्धांत हैं जो भारत को एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर कर रहे हैं। उन्होंने लोकतांत्रिक संस्थाओं को मज़बूत करने और समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए युवाओं में संवैधानिक मूल्यों को स्थापित करने के महत्व पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर बोलते हुए, डॉ. नंद किशोर गर्ग ने संविधान निर्माताओं की प्रेरणादायक दृष्टि और भारत के विकास पथ को आकार देने में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने समाज की बदलती आकांक्षाओं के अनुरूप ढलते हुए संवैधानिक आदर्शों की रक्षा में सामूहिक जिम्मेदारी की आवश्यकता पर बल दिया।

कवि *सम्मेलन में* कवियों को एक मंच पर लाया गया, जिनकी कविताओं ने संविधान की भावना का समारोह मनाया, देशभक्ति, सांस्कृतिक गौरव और विकसित भारत के साझा सपने को एक साथ पिरोया।







संविधान अमृत महोत्सव का उत्सव: भारत गणराज्य के 75 वर्ष का समारोह

मुक्त शिक्षण विद्यालय का 62 वां स्थापना दिवस समारोह "विकसित भारत के निर्माण में मुक्त शिक्षा का योगदान" विषय पर आयोजित किया गया।

मुक्त शिक्षण विद्यालय (एसओएल) का 62 वां स्थापना दिवस समारोह 06 मई, 2024 को "*विकासशील भारत के निर्माण में मुक्त शिक्षा का योगदान*" विषय पर मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ उपस्थित थे, और अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने की। अपने संबोधन में, श्री जगदीप धनखड़ ने प्रगतिशील और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में मुक्त और दूरस्थ शिक्षा की परिवर्तनकारी भूमिका पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि शिक्षण के ऐसे तरीके गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुँच को लोकतांत्रिक बनाने, विविध सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के शिक्षार्थियों को सशक्त बनाने और उन्हें राष्ट्र निर्माण में सार्थक योगदान देने में सक्षम बनाने में सहायक रहे हैं। उन्होंने पिछले छह दशकों में शैक्षिक अवसरों के विस्तार और समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए मुक्त शिक्षण विद्यालय के निरंतर प्रयासों की सराहना की।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए, प्रो. योगेश सिंह ने शैक्षिक पहलों को ' विकसित भारत@2047' के दृष्टिकोण के साथ जोड़ने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि मुक्त शिक्षा को न केवल शैक्षणिक उन्नति के लिए बल्कि छात्रों को भारत के समग्र विकास के लिए आवश्यक कौशल, मूल्यों और दृष्टिकोणों से भी सुसज्जित करना चाहिए। उन्होंने एसओएल के संकाय, कर्मचारियों और छात्रों को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर बधाई दी और आशा व्यक्त की कि संस्थान दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और नेतृत्व करता रहेगा।



मुक्त शिक्षण विद्यालय का 62 वां स्थापना दिवस समारोह "विकसित भारत के निर्माण में मुक्त शिक्षा का योगदान" विषय पर आयोजित किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024

दिल्ली विश्वविद्यालय ने 21 जून, 2024 को "स्वयं और समाज के लिए योग" विषय के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) 2024 मनाया।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान और विशिष्ट अतिथि के रूप में माननीय लोकसभा सांसद (उत्तर पूर्वी दिल्ली) श्री मनोज कुमार तिवारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने की।

प्रसिद्ध योग गुरु श्री सुरक्षित गोस्वामी ने सत्र का नेतृत्व किया और प्रतिभागियों को विभिन्न योगिक अभ्यासों के माध्यम से मार्गदर्शन दिया तथा उनके शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभों पर जोर दिया।

इस कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को योग की प्राचीन भारतीय परंपरा और आधुनिक जीवन में इसकी प्रासंगिकता का समारोह मनाने के लिए एक साथ लाया गया, तथा व्यक्तिगत कल्याण और सामाजिक सद्भाव के बीच संतुलन लाने की इसकी शक्ति पर प्रकाश डाला गया।









21 जून, 2024 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (IDY) 2024, विषय के अंतर्गत "स्वयं और समाज के लिए योग"

"विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस" के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन, विषय: "भारत के विभाजन को उजागर करना"

दिल्ली विश्वविद्यालय के स्वतंत्रता एवं विभाजन अध्ययन केंद्र ने राष्ट्रीय सिंधी भाषा संवर्धन परिषद और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सहयोग से 14 अगस्त, 2024 को "विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस" के उपलक्ष्य में "भारत के विभाजन का प्रकटन" विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया । इस कार्यक्रम में माननीय विधि एवं न्याय मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति प्रो. कपिल कपूर ने मुख्य भाषण दिया। संगोष्ठी की अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने की।

अपने संबोधन में, श्री अर्जुन राम मेघवाल ने भारत के विभाजन के दुखद परिणामों पर विचार किया और प्रभावित लोगों के बलिदान और संघर्षों को याद रखने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र की एकता, अखंडता और लचीलेपन को मज़बूत करने के लिए इतिहास से सबक लेने का आग्रह किया।

मुख्य व्याख्यान देते हुए, प्रो. कपिल कपूर ने विभाजन पर एक गहन शैक्षणिक और सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत किया और इसके सभ्यतागत, सामाजिक और भाषाई प्रभावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने विभाजन के आघात और सबक को राष्ट्र की सामूहिक चेतना का हिस्सा बनाए रखने के लिए आख्यानों और स्मृतियों को संरक्षित करने के महत्व पर ज़ोर दिया।

अपने अध्यक्षीय भाषण में प्रो. योगेश सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह के आयोजनों से भारत की ऐतिहासिक यात्रा के बारे में जागरूकता बढ़ती है और राष्ट्र की एकता और विविधता की रक्षा करने की प्रतिबद्धता मजबूत होती है।





विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस का विषय: "भारत के विभाजन को उजागर करना"

परोपकार, समावेशिता और शैक्षणिक प्रगति के उत्सव के लिए "समर्पण समारोह"

दिल्ली विश्वविद्यालय फाउंडेशन ने 4 जनवरी, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के कन्वेंशन हॉल में “समर्पण समारोह” का आयोजन किया, जिसमें समाज के वंचित वर्गों के छात्रों के लिए दो परियोजनाएं सशक्त बेटी और ई-दृष्टि शुरू की गईं।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान और विशिष्ट अतिथि के रूप में माननीय केंद्रीय शिक्षा एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र राज्य मंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने की।

फाउंडेशन की पहल के तहत, 'सशक्त बेटी' कार्यक्रम के तहत अनाथ या एकल अभिभावक वाली छात्राओं को लैपटॉप वितरित किए गए। इसके अलावा, 'ई-दृष्टि' पहल के तहत दृष्टिबाधित छात्राओं को टैबलेट प्रदान किए गए।

इस कार्यक्रम में एक पूर्णतः सुसज्जित एम्बुलेंस का उद्घाटन तथा विश्वविद्यालय के दानदाताओं द्वारा दिए गए उदार सहयोग के सम्मान में डोनर क्रॉनिकल, 2024 के स्मारक खंड का लोकार्पण भी किया गया।









समर्पण समारोह

"मोदी बनाम खान मार्केट गैंग" पुस्तक का विमोचन

काउंसिल फॉर मीडिया एंड पब्लिक पॉलिसी रिसर्च, हियर द साइलेंस फाउंडेशन और दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से 16 जनवरी, 2025 को "मोदी बनाम खान मार्केट गैंग" पुस्तक का विमोचन समारोह आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव श्री शिव प्रकाश जी उपस्थित रहे और उन्होंने मुख्य भाषण दिया। विशिष्ट अतिथि पूर्व सांसद डॉ. ज्योति मिर्धा थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने की।

प्रो. योगेश सिंह ने शैक्षणिक जगत में ऐसे आयोजनों के महत्व पर प्रकाश डाला और छात्रों तथा विद्वानों को विविध राजनीतिक विचारों से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस आयोजन के

पीछे के प्रयासों की सराहना की और आशा व्यक्त की कि यह नेतृत्व, मीडिया और शासन के बारे में और अधिक बातचीत को प्रेरित करेगा।





"मोदी बनाम खान मार्केट गैंग" पुस्तक का विमोचन समारोह

76वें गणतंत्र दिवस का उत्सव

दिल्ली विश्वविद्यालय ने 26 जनवरी, 2025 को ऐतिहासिक वाइस रीगल लॉज में बड़े उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ 76 वां गणतंत्र दिवस मनाया। समारोह की शुरुआत प्रात: 10:05 बजे ध्वजारोहण समारोह के साथ हुई, जिसके बाद प्रात: 10:15 बजे दिल्ली विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने अपना संबोधन दिया।

अपने संबोधन में, प्रो. सिंह ने संविधान के महत्व और उसके मूल्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने और गणतंत्र की नींव रखने वाले न्याय, समानता और एकता के आदर्शों को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस कार्यक्रम में संकाय सदस्यों, छात्रों और प्रशासनिक कर्मचारियों की व्यापक भागीदारी देखी गई, सभी लोग राष्ट्र की भावना का सम्मान करने के लिए एक साथ आए।





76वां गणतंत्र दिवस समारोह

संकाय पुरस्कार और सम्मान

कला संकाय

- अंग्रेजी विभाग के प्रो. अनिल कुमार अनेजा को दिल्ली विश्वविद्यालय के विकलांगता अध्ययन केंद्र के अंग्रेजी विभाग का निदेशक नियुक्त किया गया।
- अंग्रेजी विभाग की प्रो. प्रेरणा मल्होत्रा को दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू अध्ययन केंद्र का संयुक्त निदेशक नियुक्त किया गया।
- जर्मनिक और रोमांस अध्ययन विभाग के प्रो. वी. वेंकटरमन ने 20 से 21 फरवरी, 2025 को 'एक विदेशी भाषा के रूप में स्पेनिश सीखना और सिखाना: चुनौतियां, परिप्रेक्ष्य और समकालीन अनुभव' विषय पर सम्मेलन के दौरान 'प्रोफेसोरेस डी लेंगुआस एक्सट्रानजेरस वाई एल औला: अन एस्पासियो पैरा ला इंवेस्टिगेशियन, एप्रेंडिज़ाजे वाई रिफ्लेक्सियन' पर एक मुख्य भाषण प्रस्तुत किया।
- हिंदी विभाग की प्रो. सुधा सिंह को पहल बहुउद्देशीय सामाजिक विज्ञान संगठन, एसएचडी रिसर्च फाउंडेशन और इंस्टिट्यूट ऑफ लाइफ लॉन्ग लर्निंग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा यंग अचीवर्स अवार्ड प्रदान किया गया।
- हिंदी विभाग के प्रो. अनिल कुमार राय को अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद और डीएवी महाविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा भारतीय युवा आइकन पुरस्कार 2024 प्रदान किया गया।
- पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के प्रो. के.पी. सिंह को विश्व पुस्तकालय नेता पुरस्कार से सम्मानित किया गया COLLNET स्पेशल लाइब्रेरी एसोसिएशन, एसएलए एशियन कम्युनिटी (फ्रांस) द्वारा पुरस्कार, 2024।
- पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के प्रो. के.पी. सिंह को *शिक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया गया- आद्य जगनीपीठ श्री 5 महामंगलपुरी धाम के संत*, सूरत, 2024.
- पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के प्रो. के.पी. सिंह को पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 2024 के लिए डीएलआईएस-प्रतिष्ठित संकाय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के प्रो. एम. मधुसूदन को सोसाइटी फॉर लाइब्रेरी प्रोफेशनल्स और स्पेशल लाइब्रेरीज़ एसोसिएशन, एशिया कम्युनिटी (इंडिया), 2024 द्वारा अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के प्रो. एम. मधुसूदन को सामाजिक विकास महासंघ, दयालबाग, आगरा (भारत) द्वारा 2024 के लिए शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

- दर्शनशास्त्र विभाग के प्रो. बालगणपति देवरकोंडा ने जमैका के वेस्ट इंडीज विश्वविद्यालय में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के भारतीय अध्ययन विभाग के अध्यक्ष के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व किया-जो विभाग की अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी को रेखांकित करने वाला एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।
- मनोविज्ञान विभाग के प्रो. एस.पी.के. जेना को एसजीटी विश्वविद्यालय, गुड़गांव के संकाय विकास बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्य करने के लिए आमंत्रित किया गया।
- मनोविज्ञान विभाग के डॉ. एस. मीणा ने एचआरडीसी-लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी द्वारा 18-23 नवंबर, 2024 को आयोजित संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी में मूल विश्वासों को समझने और संशोधित करने पर लघु अवधि पाठ्यक्रम में 'ओ' ग्रेड प्राप्त किया ।
- मनोविज्ञान विभाग के डॉ. एस. मीणा ने 29 नवंबर -1 दिसंबर, 2024 को नेशनल एसोसिएशन ऑफ साइकोलॉजिकल साइंस, चंडीगढ़ और मेंटल हेल्थ मिशन इंडिया, मेरठ, यूपी के सहयोग से सीसीएस यूनिवर्सिटी, मेरठ, यूपी के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित 3 दिवसीय 11 वें अंतर्राष्ट्रीय और 13 वें राष्ट्रीय भारतीय मनोवैज्ञानिक विज्ञान कांग्रेस के एक सत्र की अध्यक्षता की।
- मनोविज्ञान विभाग के डॉ. एस. मीणा ने 27-29 मार्च, 2025 को बिलबोंग हाई इंटरनेशनल स्कूल, नोएडा, दिल्ली, एनसीआर में एलआरएस वर्ल्ड महाविद्यालय, मुरादाबाद और एएचईएडी द्वारा आरसीआई द्वारा प्रायोजित 'जीवन को सशक्त बनाना: मनोवैज्ञानिक और पुनर्वास विज्ञान में प्रगति' विषय पर मनोविज्ञान और पुनर्वास विज्ञान पर 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के एक सत्र की अध्यक्षता की।
- पंजाबी विभाग के डॉ. बलजिंदर नसराली को साहित्य के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए डेरा घुनस में 12 अक्टूबर, 2024 को संत अत्तर सिंह घुनस पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।
- पंजाबी विभाग के डॉ. रविंदर कुमार को (24-05-2024 से 23-05-2026 तक) पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला में एमडी-एफवाईआईपी पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन लैंग्वेज में अध्ययन बोर्ड के सदस्य के रूप में नामित किया गया है।
- पंजाबी विभाग की डॉ. जसपाल कौर ने 14 सितंबर, 2024 को पंजाबी भवन, दिल्ली में साहित्यिक बैठक की अध्यक्षता की।
- 16 से 30 दिसंबर, 2024 तक एमएमटीटीसी, हैदराबाद विश्वविद्यालय में तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद अध्ययन में रिफ्रेशर पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए 'ए' ग्रेड से सम्मानित किया गया।
- पंजाबी विभाग के डॉ. रविंदर कुमार को पंजाबी गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में बोर्ड ऑफ स्टडीज (स्नातक-पूर्व) और (स्नातकोत्तर) के विषय विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया।

- पंजाबी विभाग की डॉ. जसपाल कौर को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा श्री गुरु नानक देव खालसा महाविद्यालय, देव नगर, दिल्ली में सीएएस के तहत प्रो. के पद पर पदोन्नति के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में नामित किया गया।
- पंजाबी विभाग के डॉ. नछत्तर सिंह को कला संकाय एनएएसी प्रस्तुति समिति, संकाय प्रस्तुति (डीन अकादमिक) एनएएसी टीम के सदस्य के रूप में नामित किया गया।
- पंजाबी विभाग के डॉ. रविंदर कुमार ने नैक दौरे के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति के सह-अध्यक्ष के रूप में भाग लिया।
- संस्कृत विभाग के प्रो. दया शंकर तिवारी को बिहार संस्कृत संजीवन समाज के सहयोग से संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित सत्यकाम भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय में "डॉ मिथिलेश कुमारी मिश्रा संस्कृत साधक सम्मान 2024" पुरस्कार प्राप्त हुआ, (1 दिसंबर, 2024)
- संस्कृत विभाग के प्रो. दया शंकर तिवारी को मैत्रेयी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस साइंसेज, यूएसए और काउंसिल ऑफ इंडिक स्टडीज सीआईएसआर दिल्ली के सहयोग से आयोजित चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएससी) के वेलिडेक्टरी सत्र में "सुरभारती समुपशाक सम्मान 2023" प्राप्त हुआ (16 दिसंबर, 2024)।
- संस्कृत विभाग के प्रो. रंजीत बेहरा ने भारतीय विद्वत परिषद, बैंगलोर, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय और श्री कृष्ण मठ, उडुपी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 51 वें अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की (24-26 अक्टूबर, 2024)
- तिवारी, डी.एस. (2025), संस्कृत विभाग, *पाटलिपुत्र जर्नल ऑफ इंडोलॉजी* (ISSN 2320-351X) [स्नातक-पूर्वसी अनुमोदित] के संपादकीय बोर्ड के सदस्य थे। पाटलिपुत्र इंडोलॉजिकल रिसर्च केंद्र।
- तिवारी, डी.एस. (2025), संस्कृत विभाग, दिल्ली। *वे इंटरनेशनल जर्नल ऑफ संस्कृत रिसर्च (अनंत)* (ISSN 2394-7519) के कार्यकारी संपादक थे।
- संस्कृत विभाग के डीएस (2025) तिवारी, संपादकीय बोर्ड, *दृष्टिकॉन* (आईएसएसएन 0975-119एक्स) के सदस्य थे। दृष्टिकोण प्रकाशन, नई दिल्ली।
- 2024 से दिल्ली विश्वविद्यालय में डीन छात्र कल्याण (डीएसडब्ल्यू) के रूप में नामित किया गया है। (कार्यालय आदेश संख्या - संदर्भ स्थापित। ii (I) /010/2000/04/609 दिनांक 13 मई , 2024)
- संस्कृत विभाग के प्रो. रंजन कुमार त्रिपाठी को देशबंधु महाविद्यालय में शासी निकाय के सदस्य के रूप में नामित किया गया, संदर्भ संख्या: Cs/Sdc/108/2025/Gb-Dbc/1114 (21 मई , 2024)
- 7 सितंबर , 2023 से 13 जनवरी, 2025 तक डीसीएसी महाविद्यालय , दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया।

- संस्कृत विभाग के प्रो. रंजन कुमार त्रिपाठी को नवंबर 2023 से जनवरी 2025 तक डीसीएसी महाविद्यालय का अध्यक्ष नामित किया गया।
- संस्कृत विभाग के प्रो. रंजीत बेहरा को शैक्षणिक सत्र (2023-24) और (2024-25) के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय में संयुक्त डीन, प्रवेश के रूप में नामित किया गया।
- 2 अक्टूबर , 2021 से अब तक दिल्ली विश्वविद्यालय के डब्ल्यूयूएस विश्वविद्यालय महिला छात्रावास का अध्यक्ष नामित किया गया।
- संस्कृत विभाग के प्रो. रंजीत बेहरा को शैक्षणिक सत्र (2019-20) से (2024-25) तक दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रवेश शाखा की केंद्रीय प्रवेश शिकायत निवारण समिति का संयोजक नामित किया गया।
- संस्कृत विभाग के एसोसिएट प्रो. डॉ. सोमवीर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के आजीवन सदस्य थे। भारतीय दर्शन - परिषद् , भोपाल , संस्था रैंक - S/012/2024, रशीद श्रेणी - 516, से (4 जुलाई , 2024)।
- संस्कृत विभाग के डॉ. विजय शंकर द्विवेदी ने उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, भारत द्वारा 07-02-2025 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अध्यक्ष के रूप में भाग लिया और 'कुंभपर्व एवं विज्ञान' विषय पर व्याख्यान दिया। डॉ. गिरीश मुंजाल, *द जर्नल ऑफ रशियन स्टडीज के* संपादकीय बोर्ड के सदस्य हैं । यह एक अंतरराष्ट्रीय समकक्ष-समीक्षित वैज्ञानिक पत्रिका है जो रूसी संघ की राष्ट्रीय आईएसएसएन एजेंसी के साथ पंजीकृत है, जिसका आईएसएसएन क्रमांक: 2713-2501 (मुद्रित) है। प्रकाशक: इंस्टिट्यूट ऑफ कल्चरल हेरिटेज, कज़ान, तातारस्तान गणराज्य, रूसी संघ।
- स्लोवेनिया विभाग के डॉ. गिरीश मुंजाल, रूसी वैज्ञानिक-विद्वता निधि संख्या 24-78-10046 के अंतर्गत "1920 के दशक में ए.एम. गोर्की के प्रकाशन और सांस्कृतिक शिक्षा परियोजनाओं में पूर्वी साहित्य" नामक शोध परियोजना में आमंत्रित विदेशी विशेषज्ञ थे। यह परियोजना रूसी विज्ञान अकादमी के एम. गोर्की विश्व साहित्य संस्थान द्वारा पूरी की जा रही है। वे दिए गए विषय पर व्यावहारिक संगोष्ठियाँ आयोजित करेंगे और प्रकाशनों में योगदान देंगे (2024-2026)।
- स्लोवेनिया विभाग के डॉ. आत्मोजा बोस को मध्यकालीन स्लाव समर स्कूल 2024 (एमएसएसआई 2024) से विजिटिंग स्कॉलर फेलोशिप प्राप्त हुई, जिसे हिलांडर रिसर्च लाइब्रेरी (एचआरएल), मध्यकालीन स्लाव अध्ययन संसाधन केंद्र (आरसीएमएसएस) और स्लाव और पूर्वी यूरोपीय भाषा और संस्कृति विभाग (एसईईएलसी), महाविद्यालय आर्ट्स एंड साइंस, ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी, ओहियो, कोलंबस, यूएसए द्वारा सह-प्रायोजित किया गया है।
- स्लोवेनिया विभाग की डॉ. मार्गिट कोवेस, तानुलमान्योक, दर्शनशास्त्र संकाय, नोवी साद विश्वविद्यालय, नोवी साद (सर्बिया गणराज्य) के संपादकीय बोर्ड की सदस्य थीं।

- स्लोवेनिया विभाग की सुश्री अंजू रानी ने 13 फरवरी 2024 को युवा अनुवादकों के लिए “शकोला मोलोडीख पेरेवोडचिकोव” नामक कार्यशाला का समन्वय किया ।
- मार्च 2024 को भारत में रूसी संघ के दूतावास के सहयोग से दिल्ली विश्वविद्यालय के स्लावोनिक और फिनो-उग्रियन अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित रूसी लोक महोत्सव "मास्लेनित्सा" का समन्वय किया।
- उर्दू विभाग के डॉ. अली अहमद इदरीसी को 10-11-2024 को उर्दू विकास संगठन, मुजफ्फर नगर, यूपी द्वारा मौलाना अबुल कलाम आज़ाद तालीमी-ओ-तदरीसी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- उर्दू विभाग के डॉ. अली अहमद इदरीसी को आलमी यौम ए उर्दू मुंतज़िमा कमेटी द्वारा 09-11-2024 को अल्लामा मोहम्मद इकबाल आलमी यौम ए उर्दू पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सा संकाय

- अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) के डॉ. महेश व्यास ने सह-लेखक के रूप में, आयुर्वेदिक चिकित्सा के इतिहास में एक लेख प्रकाशित किया है जिसका शीर्षक है “प्राणवेहस्रोतों पर कुल फेफड़े की क्षमता विश्लेषण का उपयोग करके तुलसी का ब्रोन्को-सुरक्षात्मक प्रभाव-एक केस सीरीज”
- अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) के प्रो. (डॉ.) योगेश बडवे को 21 से 22 मई 2024 को महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (एमयूएचएस), नासिक में आंतरिक परीक्षक (पीएचडी ओपन मौखिक परीक्षा और थीसिस की रक्षा) के रूप में आमंत्रित किया गया था।
- आयुर्वेदिक एवं यूनानी तिब्बिया महाविद्यालय के डॉ. अमित राय ने जेआरएएस जर्नल के जराचिकित्सा स्वास्थ्य देखभाल विषय पर विशेष अंक के लिए अतिथि संपादक के रूप में कार्य किया।
- आयुर्वेदिक एवं यूनानी तिब्बिया महाविद्यालय की डॉ. आयशा राजा को नियमित अध्ययन बोर्ड (बीयूएमएस फाइनल प्रो.) के लिए बोर्ड सदस्य नियुक्त किया गया।
- आयुर्वेदिक एवं यूनानी तिब्बिया महाविद्यालय की डॉ. फहमीदा कौसर और डॉ. शालिनी वार्ष्णेय को एनएमपीबी पौधा वितरण पहल के तहत आयुष निदेशालय द्वारा अश्वगंधा चैंपियन के रूप में मान्यता दी गई।
- आयुर्वेदिक एवं यूनानी तिब्बिया महाविद्यालय के प्रो. मोहम्मद जुबैर को मानवीय सेवा के प्रति उनकी उत्कृष्ट प्रतिबद्धता और योगदान के सम्मान में, 7 अप्रैल, 2024 को त्यागराज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में आयोजित 7वें रन4कॉज-तारे 2024 में विशेष अतिथि के रूप में सम्मानित किया गया।
-

वाणिज्य के शिक्षकगण

- वाणिज्य विभाग के प्रो. अमित कुमार सिंह को दिल्ली विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति द्वारा अनुकरणीय सेवा, समर्पण और योगदान के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ।
- वाणिज्य विभाग के प्रो. अमित कुमार सिंह को इस क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सेबी द्वारा निवेशक शिक्षा के चैंपियन के रूप में सम्मानित किया गया, आईआईटीएफ 2024 में सेबी और अन्य हितधारकों द्वारा स्थापित 'भारत का शेयर बाजार' मंडप में।
- वाणिज्य विभाग की प्रो. सुनैना कनौजिया को दिल्ली विश्वविद्यालय से प्रतिष्ठित उत्कृष्टता पुरस्कार मिला।

शिक्षा संकाय

- शिक्षा विभाग की प्रो. सुस्मिता लख्यानी को शिक्षा, समाज और संस्कृति में योगदान के लिए 'सम्मान पत्र, नारी शक्ति सम्मान 2025 विशिष्ट उत्कृष्टता पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। इसे 26 मार्च, 2025 को दिल्ली टीचर्स यूनिवर्सिटी, दिल्ली द्वारा प्रदान किया गया।

अंत:-विषयक और अनुप्रयुक्त विज्ञान संकाय

- बायोकेमिस्ट्री विभाग की प्रो. अमिता गुप्ता को सोसाइटी फॉर बैक्टीरियोफेज रिसर्च एंड थेरेपी, 2024 द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड मिला।
- बायोकेमिस्ट्री विभाग की प्रो. अमिता गुप्ता को दिल्ली स्कूल फॉर स्किल एन्हांसमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट (DSSEED), इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस (IoE), दिल्ली विश्वविद्यालय का निदेशक नियुक्त किया गया।
- जैव रसायन विभाग की प्रो. अमिता गुप्ता को भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा “एस एंड टी इन्फ्रास्ट्रक्चर के सुधार के लिए फंड (एफआईएसटी)” अनुदान से सम्मानित किया गया।
- जेनेटिक्स विभाग की प्रो. तपस्या श्रीवास्तव ने 3.10.2024 को FORCE-IICS सम्मेलन में 'फेफड़ों के कैंसर में निकोटिनामाइड एसिटाइलकोलाइन रिसेप्टर्स (nAChR): कभी धूम्रपान न करने वालों पर ध्यान केंद्रित' विषय पर एशियन जर्नल ऑफ ऑर्गेनिक केमिस्ट्री (AJOC, विले) व्याख्यान पुरस्कार प्रदान किया।

विधि संकाय

- कैम्पस विधि केंद्र की डॉ. अनीता यादव को ज़ियामेन अकादमी ऑफ इंटरनेशनल लॉ समर प्रोग्राम (8-19 जुलाई, 2024) के लिए फेलोशिप मिली, और पाठ्यक्रम के बाद उन्हें उत्कृष्ट प्रदर्शन पुरस्कार मिला।

- कैंपस लॉ सेंटर की डॉ. मेहपारा को 22 अक्टूबर 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के विधि संकाय द्वारा पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई।

गणितीय विज्ञान संकाय

- गणित विभाग की रूचि दास (i) विश्वविद्यालय में अनुसंधान संस्कृति को बढ़ावा देने और सुदृढ़ करने के लिए अनुसंधान उन्मुख शिक्षाविदों की पुन: नियुक्ति के लिए गठित समिति और डीयू महाविद्यालयों में अनुसंधान संस्कृति को बढ़ावा देने और मजबूत करने के लिए अनुसंधान उन्मुख शिक्षाविदों की पुन: नियुक्ति के लिए गठित समिति, (ii) डीएसटी के एक प्रमुख कार्यक्रम, महिला वैज्ञानिक योजना-ए के तहत भौतिक और गणितीय विज्ञान पर विषय विशेषज्ञ समिति, (iii) डीएसटी के WISE-PDF कार्यक्रम के तहत भौतिक और गणितीय विज्ञान पर विषय विशेषज्ञ समिति की सदस्य थीं।
- गणित विभाग की रुचि दास (i) गणितीय विज्ञान, इंस्पायर फेलोशिप, डीएसटी की विषय विशेषज्ञ थीं, और (ii) 07 जून, 2024 से तीन साल की अवधि के लिए इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज की अकादमिक परिषद की बाहरी सदस्य थीं।
- गणित विभाग के तरुण दास 13 अप्रैल, 2024 से डीयू के गणित विभाग के प्रमुख थे।
- गणित विभाग के तरुण दास (i) शैक्षणिक मामलों के लिए स्थायी समिति के सदस्य थे, (ii) डीयू और एयू की शैक्षणिक परिषद के सदस्य थे, (iii) भारतीय गणित इतिहास सोसायटी के मानद कोषाध्यक्ष थे, और (iv) देश में कई विश्वविद्यालयों के लिए कुलपति चयन के लिए एक विशेषज्ञ सदस्य थे।
- गणित विभाग के सुरेन्द्र कुमार को 2024 में अनुसंधान प्रकाशन पुरस्कार अनुदान प्राप्त हुआ।
- गणित विभाग की सीएस ललिता (i) डीएसटी की एफआईएसटी विशेषज्ञ समिति की सदस्य, 2024, और (ii) जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, भौतिक विज्ञान स्कूल की विशेष समिति की बाहरी सदस्य, 2024-2027 थीं।
- गणित विभाग के एल.के. वशिष्ठ इंटरनेशनल जर्नल ऑफ वेवलेट्स मल्टीरेजोल्यूशन एंड इंफॉर्मेशन प्रोसेसिंग के संपादकीय बोर्ड के सदस्य थे।
- कंप्यूटर विज्ञान विभाग के डॉ. अंकित राजपाल और प्रो. नवीन कुमार को शीर्ष 5% Q1 जर्नल में अपना शोध प्रकाशित करने के लिए IOE, दिल्ली विश्वविद्यालय से 5,00,000/- रुपये का शोध प्रकाशन पुरस्कार मिला।
- ऑपरेशनल रिसर्च विभाग के सीनियर प्रो. चंद्र के. जग्गी को 2024 में रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली अपटाउन द्वारा 'रोटरी शिक्षा वागेश्वरी सम्मान' से सम्मानित किया गया।
- ऑपरेशनल रिसर्च विभाग के सीनियर प्रो. पीसी झा को ऑप्टिमाइजेशन और ऑपरेशनल रिसर्च के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया, जैसा कि 26 फरवरी, 2025 को

भारत के आईआईटी रुड़की के एप्लाइड मैथमेटिक्स एंड साइंटिफिक कंप्यूटिंग विभाग द्वारा आयोजित 13वें इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन सॉफ्ट कंप्यूटिंग फॉर प्रॉब्लम सॉल्विंग (सोकपोस 2025) के दौरान सोकप्रोस 2025 कार्यकारी समिति द्वारा प्रदान किया गया।

- परिचालन अनुसंधान विभाग के वरिष्ठ प्रो. पंकज गुप्ता और प्रो. मुकेश कुमार महलावत को स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय और एल्सेवियर द्वारा 2024 में प्रकाशित रैंकिंग सूची में वर्ष 2023 के दौरान उद्धरण प्रभाव के आधार पर परिचालन अनुसंधान श्रेणी में शीर्ष 2% विश्व वैज्ञानिकों में शामिल किया गया है।
- ऑपरेशनल रिसर्च विभाग के सीनियर प्रो. चंद्र के. जग्गी, प्रो. अदिति खन्ना, डॉ. वंदना खेतान को इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा रिसर्च पब्लिकेशन अवार्ड ग्रांट प्राप्त हुआ।
- परिचालन अनुसंधान विभाग के डॉ. कौशल कुमार को क्लीनर लॉजिस्टिक्स एंड सप्लाई चेन पत्रिका द्वारा 2024 के सर्वश्रेष्ठ प्रारंभिक-कैरियर शोध पत्र के रूप में सम्मानित किया गया, जिसका शीर्षक था "ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन और आपूर्ति श्रृंखला लागत को विनियमित करने के लिए एक अनिश्चित टिकाऊ आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क डिजाइन" जिसके सह-लेखक अमित कुमार थे।
- सांख्यिकी विभाग की डॉ. ड्रीमली शर्मा को 21-23 दिसंबर, 2024 को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सांख्यिकी और परिचालन अनुसंधान विभाग द्वारा आयोजित आईएसपीएस के 44वें वार्षिक सम्मेलन में आईएसपीएस युवा सांख्यिकीविद् पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया।
- सांख्यिकी विभाग के डॉ. मनोज कुमार को सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र प्रस्तुति पुरस्कार, सांख्यिकी सिद्धांत और अनुप्रयोगों में हाल के रुझान - 2024 (डब्ल्यूएसटीए 2024) पर नौवें अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार को अंतर्राष्ट्रीय सांख्यिकीय बिरादरी (आईएसएफ), सांख्यिकी बिरादरी केरल (एसएफके), केरल सांख्यिकी संघ (केएसए), सांख्यिकी विभाग, भौतिक और गणितीय विज्ञान स्कूल, केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेंद्रम, भारत द्वारा आयोजित किया गया।

प्रबंधन अध्ययन संकाय

- व्यवसाय प्रबंधन और औद्योगिक प्रशासन विभाग के प्रो. ए. वेंकट रमन, प्रमुख और डीन, प्रबंधन अध्ययन संकाय, राष्ट्रीय तकनीकी कार्य समूह (एनटीडब्ल्यूजी), टीबी उन्मूलन में निजी क्षेत्र की भागीदारी, स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार के अध्यक्ष थे। (2018 से अब तक)।
- व्यवसाय प्रबंधन और औद्योगिक प्रशासन विभाग के प्रो. ए. वेंकट रमन, प्रबंधन अध्ययन संकाय के प्रमुख और डीन, तकनीकी सलाहकार समूह (टीएजी), निजी क्षेत्र शासन और सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज, डब्ल्यूएचओ, जिनेवा (अप्रैल 2018 से अब तक) के सदस्य थे।
- व्यवसाय प्रबंधन और औद्योगिक प्रशासन विभाग के प्रो. ए. वेंकट रमन, प्रबंधन अध्ययन संकाय के प्रमुख और डीन, टीबी देखभाल और रोकथाम के लिए सार्वजनिक-निजी मिश्रण पर

वैश्विक कार्य समूह (पीपीएम कार्य समूह), डब्ल्यूएचओ, जिनेवा (मई, 2024 से अब तक) के सदस्य थे।

- व्यवसाय प्रबंधन और औद्योगिक प्रशासन विभाग के प्रो. ए. वेंकट रमन, प्रबंधन अध्ययन संकाय के प्रमुख और डीन, भारत सरकार के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अधिकार प्राप्त कार्यक्रम समिति (ईपीसी) के सदस्य हैं (फरवरी 2025 से)।
- व्यवसाय प्रबंधन एवं औद्योगिक प्रशासन विभाग के प्रो. हर्ष वी. वर्मा को भारतीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क द्वारा 'मार्केटिंग उस्ताद' के रूप में मान्यता दी गई।
- व्यवसाय प्रबंधन एवं औद्योगिक प्रशासन विभाग के प्रो. हर्ष वी. वर्मा को आईआईएलएम द्वारा आयोजित 'विघटनकारी प्रौद्योगिकी के युग में ग्राहक केन्द्रितता' विषय पर मार्केटिंग कॉन्क्लेव 2025 में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के उधमोदय फाउंडेशन द्वारा आयोजित उद्यमिता के साथ विपणन सहभागिता पर सत्र के लिए व्यवसाय प्रबंधन एवं औद्योगिक प्रशासन विभाग के प्रो. हर्ष वी. वर्मा को वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।
- व्यवसाय प्रबंधन एवं औद्योगिक प्रशासन विभाग की सहायक प्रो., प्रबंधन अध्ययन संकाय की डॉ. अंशिका अग्रवाल को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर दिल्ली विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति द्वारा प्रशंसा पुरस्कार प्रदान किया गया।
- बिजनेस मैनेजमेंट और औद्योगिक प्रशासन विभाग के डॉ. विवेक सोनी, सहायक प्रो., प्रबंधन अध्ययन संकाय (2025) को इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, डीयू द्वारा अनुसंधान प्रकाशन पुरस्कार प्राप्त हुआ।

चिकित्सा विज्ञान संकाय

- शरीर संरचना विभाग (एमएएमसी) की डॉ. सबिता मिश्रा ने क्लिनिकल साइकोलॉजी में एग्जीक्यूटिव डिप्लोमा का पाठ्यक्रम पूरा किया।
- शरीर संरचना विभाग (एमएएमसी) की डॉ. दीपिका को 30वें यूपीएएसआईसीओएन अक्टूबर 2024 में प्रस्तुत सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र के लिए पुरस्कार मिला।
- शरीर संरचना विभाग (एमएएमसी) की डॉ. इंदु को एसओएमए जनवरी 2025 में प्रस्तुत सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र के लिए पुरस्कार मिला।
- जैव रसायन विभाग (एमएएमसी) की डॉ. बिनीता गोस्वामी को 2024 में एफएएमबीआई से सम्मानित किया गया।
- जैव रसायन विभाग (जीआईपीएमईआर) के डॉ. प्रदीप के. डबला एनएबीएल लीड और तकनीकी मूल्यांकनकर्ता मेडिकल लैबोरेटरीज आईएसओ 15189:2022 और आईएसओ 17043:2023 थे।

- जैव रसायन विभाग (जीआईपीएमईआर) के डॉ. प्रदीप के. डबला राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के निर्धारक थे
- डॉ. प्रदीप के. डबला, जैव रसायन विभाग (जीआईपीएमईआर) संपादकीय बोर्ड के सदस्य थे। जर्नल- *क्लिनिकल केमिस्ट्री एंड लेबोरेटरी मेडिसिन, ईएफएलएम का आधिकारिक जर्नल; वर्ल्ड जर्नल ऑफ डायबिटीज; इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री, एसीबीआई का आधिकारिक जर्नल*
- *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ जेनेटिक्स एंड कैंसर* , एडीआर जर्नल्स के सहायक संपादक थे।
- डॉ. प्रदीप के. डबला, जैव रसायन विभाग (जीआईपीएमईआर) कार्यकारी संपादक थे: वर्ल्ड रिसर्च जर्नल ऑफ बायोकेमिस्ट्री (वर्ल्ड रिसर्च जर्नल ऑफ बायोक), [पी आईएसएसएन:2279-0810, ई-आईएसएसएन:2279-0829]
- डॉ. प्रदीप के. डबला, जैव रसायन विभाग (जीआईपीएमईआर) संपादकीय बोर्ड के सदस्य थे: एडवांसेज इन बायोकेमिस्ट्री (एबी), आईएसएसएन प्रिंट: 2329-0870, आईएसएसएन ऑनलाइन: 2329-0862
- जैव रसायन विभाग (जीआईपीएमईआर) की डॉ. भावना महाजन ने तकनीकी मूल्यांकनकर्ता के रूप में एनएबीएल का प्रतिनिधित्व किया
- जैव रसायन विभाग (जीआईपीएमईआर) की डॉ. भावना महाजन आईजेएमबी की समीक्षक थीं
- डॉ. रंजना चावला, जैव रसायन विभाग (जीआईपीएमईआर), वैज्ञानिक अनुसंधान समिति बीएनसीएचएंडवाई की सदस्य थीं।
- डॉ. रंजना चावला, जैव रसायन विभाग (जीआईपीएमईआर) बीआर सुर अस्पताल, नई दिल्ली के लिए जैव रसायन उपकरणों की खरीद के लिए तकनीकी सलाहकार समिति की सदस्य थीं।
- डॉ. रंजना चावला, जैव रसायन विभाग (जीआईपीएमईआर), एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा के एमिटी इंस्टिट्यूट ऑफ शरीर-विज्ञान एंड एलाइड साइंसेज के बीएससी मेडिकल शरीर-विज्ञान और एमएससी मेडिकल शरीर-विज्ञान कार्यक्रमों की कार्यक्रम संरचना/पाठ्यक्रम समीक्षा के लिए क्षेत्रीय सलाहकार बोर्ड की बैठक के लिए बाहरी विशेषज्ञ थीं।
- डॉ. जितेंद्र शर्मा, जैव रसायन विभाग (जीआईपीएमईआर) बाह्य विशेषज्ञ और उन्नत विषाणु विज्ञान संस्थान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, केरल सरकार, भारत की चयन समिति के सदस्य थे।
- बायोकेमिस्ट्री विभाग (जीआईपीएमईआर) के डॉ. जितेंद्र शर्मा हमदर्द इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च (एचआईएमएसआर), नई दिल्ली में पहली व्यावसायिक एमबीबीएस वार्षिक और पूरक व्यावहारिक परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक थे।

- डॉ. जितेंद्र शर्मा, जैव रसायन विभाग (जीआईपीएमईआर) अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बठिंडा, पंजाब की चयन समिति में बाह्य विशेषज्ञ और सदस्य थे।
- डॉ. जितेंद्र शर्मा, जैव रसायन विभाग (जीआईपीएमईआर) *फ्रंटियर्स इन वायरोलॉजी* , फ्रंटियर्स मीडिया एसए के समीक्षक थे।
- डॉ. जितेंद्र शर्मा, जैव रसायन विभाग (जीआईपीएमईआर) *फ्रंटियर्स इन पब्लिक हेल्थ जर्नल* , फ्रंटियर्स मीडिया एसए के समीक्षक थे।
- डॉ. जितेंद्र शर्मा, जैव रसायन विभाग (जीआईपीएमईआर) *प्रयोगशाला चिकित्सा जर्नल* , अमेरिकन सोसाइटी फॉर क्लिनिकल पैथोलॉजी (एएससीपी) के समीक्षक थे।
- डॉ. जितेंद्र शर्मा, जैव रसायन विभाग (जीआईपीएमईआर) *फ्रंटियर्स इन मेडिसिन जर्नल* , फ्रंटियर्स मीडिया एसए के समीक्षक थे।
- कार्डियोलॉजी विभाग (जीआईपीएमईआर) के डॉ. जमाल यूसुफ को वर्ष 2025 में नई दिल्ली के एलजी द्वारा प्रेरणा दीप सम्मान पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- जीआईपीएमईआर के कार्डियोलॉजी विभाग के डॉ. विमल मेहता को सोसाइटी फॉर कार्डियोवैस्कुलर एंजियोग्राफी एंड इंटरवेंशन्स (एससीएआई) की फेलोशिप प्रदान की गई।
- डॉ. विमल मेहता, कार्डियोलॉजी विभाग (जीआईपीएमईआर) को पॉल डडली व्हाइट इंटरनेशनल स्कॉलर अवार्ड, अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन, फिलाडेल्फिया, यूएसए से सम्मानित किया गया।
- डॉ. विमल मेहता, कार्डियोलॉजी विभाग (जीआईपीएमईआर) अध्यक्ष निर्वाचित: एलएआई दिल्ली चैप्टर।
- कार्डियोलॉजी विभाग (GIPMER) के डॉ. मोहित गुप्ता को XOBAD द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड (2024) से सम्मानित किया गया
- कार्डियोलॉजी विभाग (जीआईपीएमईआर) के डॉ. विशाल बत्रा को कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (2024) द्वारा डीपी बसु मेमोरियल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- त्वचा विज्ञान और रतिजरोग विभाग (एमएएमसी) के विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्ण देब बर्मन को डॉ. सरदारीलाल मेमोरियल पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया
- गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग (जीआईपीएमईआर) के डॉ. बर्जेश चंद्र शर्मा (निदेशक-प्रो.) को आईएनएएसएल का अध्यक्ष चुना गया
- गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग (जीआईपीएमईआर) के डॉ. संजीव सचदेवा (निदेशक-प्रो.) आईएनएमए के उपाध्यक्ष थे।
- गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग (जीआईपीएमईआर) के डॉ. सैयद अहमद (सहायक प्रो.) को एएएसएलडी 2024 में 2024 अर्ली करियर इन्वेस्टिगेटर पुरस्कार मिला।

- गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग (GIPMER) के डॉ. वेंकटेश वी.एस. (सहायक प्रो.) को INMA, 2024 में मौखिक प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार मिला ।
- मौलाना आज़ाद इंस्टिट्यूट ऑफ डेंटल साइंस के डॉ. सुजॉय घोष को अक्टूबर-दिसंबर, 2024 में एलएचएमसी, नई दिल्ली में ओपीएमडी के लिए राष्ट्रीय संसाधन केंद्र के नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया।
- मौलाना आज़ाद इंस्टिट्यूट ऑफ डेंटल साइंस के डॉ. सुजॉय घोष को 23 जून, 2024 को इंटरनेशनल महाविद्यालय ऑफ डेंटिस्ट्स का फेलो पुरस्कार दिया गया।
- मौलाना आज़ाद इंस्टिट्यूट ऑफ डेंटल साइंस की डॉ. संगीता तलवार को 23-24 अप्रैल, 2024 को आईसीएमआर- मेडिकल डिवाइस और डायग्नोस्टिक्स मिशन सचिवालय (एमडीएमएस) आईसीएमआर मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा समन्वित आईसीएमआर - अन्वेषक द्वारा आरंभ किए गए अनुसंधान प्रस्ताव - लघु अनुदान के तहत चयनित लघु अनुदान परियोजनाओं के लिए पहली तकनीकी सलाहकार समिति की बैठक के लिए विशेषज्ञ के रूप में नामित किया गया था।
- मौलाना आज़ाद इंस्टिट्यूट ऑफ डेंटल साइंस की डॉ. रुचिका आर नवल को 2024 में जर्नल-एंडोडोंटोलॉजी के एसोसिएट एडिटर के रूप में नियुक्त किया गया था।
- मौलाना आज़ाद इंस्टिट्यूट ऑफ डेंटल साइंस की डॉ. रुचिका आर नवल को 19-21 अप्रैल, 2024 को लेजर डेंटिस्ट्री में एसोसिएट फेलोशिप डब्ल्यूसीएलआई से सम्मानित किया गया।
- मौलाना आज़ाद इंस्टिट्यूट ऑफ डेंटल साइंस की डॉ. रुचिका आर नवल को नवंबर, 2024 में इंटरनेशनल महाविद्यालय ऑफ डेंटिस्ट (आईसीडी) की फेलोशिप से सम्मानित किया गया।
- मौलाना आज़ाद इंस्टिट्यूट ऑफ डेंटल साइंस की डॉ. मृदुला गोस्वामी को जुलाई, 2024 में इंडियाना यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ डेंटिस्ट्री, संयुक्त राज्य अमेरिका में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बाल चिकित्सा दंत चिकित्सा विद्वानों के बीच समुदाय और समझ को बढ़ावा देने के लिए "विजिटिंग स्कॉलर" के रूप में सम्मानित किया गया।
- फरवरी, 2024 में *जर्नल ऑफ ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल पैथोलॉजी* का सह-संपादक नियुक्त किया गया।
- मौलाना आज़ाद इंस्टिट्यूट ऑफ डेंटल साइंस के डॉ. विक्रांत मोहंती को 23 अप्रैल, 2024 को सीएमसीएच, लुधियाना में FAIMER फेलोशिप से सम्मानित किया गया।
- मौलाना आज़ाद इंस्टिट्यूट ऑफ डेंटल साइंस के डॉ. विक्रांत मोहंती को 12-15 सितंबर, 2024 को थाईलैंड में इंडियन एसोसिएशन ऑफ पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री का उपाध्यक्ष चुना गया।
- मौलाना आज़ाद इंस्टिट्यूट ऑफ डेंटल साइंस की डॉ. अश्विनी वाई बलप्पनवर को 6 दिसंबर, 2024 को पियरा फौचर्ड अकादमी, बड़े पैमाने पर एशिया क्षेत्र के फेलो के रूप में चुना गया था।

- मौलाना आज़ाद इंस्टिट्यूट ऑफ डेंटल साइंस के डॉ. अश्विनी वाई बालप्पनवर को 12-15 सितंबर, 2024 को टीएसपीएचडी और थम्मासैट विश्वविद्यालय, बैंकॉक, थाईलैंड के सहयोग से 28वें आईएपीएचडी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दूसरे सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक शोध-पत्र से सम्मानित किया गया।
- मेडिसिन विभाग (एमएएमसी) की डॉ. सुनीता अग्रवाल को प्रतिष्ठित एफआरसीपी-एडिनबर्ग पुरस्कार मिला।
- मेडिसिन विभाग (एमएएमसी) की डॉ. एस. अनुराधा, कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और स्ट्रोक की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीएनसीडी) (एमओएचएफडब्ल्यू) के तहत तकनीकी संसाधन समूह (टीआरजी) की सदस्य - सह अध्यक्ष थीं।
- डॉ. एस. अनुराधा, मेडिसिन विभाग (एमएएमसी) सदस्य, राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम (एमओएचएफडब्ल्यू) की किट/उपकरण/दवाओं के लिए तकनीकी विनिर्देश समिति
- मेडिसिन विभाग (एमएएमसी) की डॉ. एस. अनुराधा एनटीईपी-एनएसीओ कार्यक्रम के लिए समन्वय समिति की सदस्य थीं।
- सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग (जीआईपीएमईआर) की डॉ. पूनम लूम्बा मार्च 2024 में बीएसएएमसीएच में द्वितीय प्रो. सूक्ष्मजीव विज्ञान के लिए एमबीबीएस बाहरी परीक्षक थीं।
- सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग (जीआईपीएमईआर) की डॉ. पूनम लूंबा ने 5 दिसंबर 2024 को जामिया में सॉफ्ट स्किल्स पर कार्यशाला आयोजित की ।
- सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग (GIPMER) की डॉ. पूनम लूम्बा 18/11/24 को जामिया में बीडीएस परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक थीं।
- सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग (जीआईपीएमईआर) की डॉ. पूनम लूम्बा ने 10/10/24 को एमजीआईएमएस जयपुर में फाउंडेशन पाठ्यक्रम के लिए अतिथि व्याख्यान दिया।
- डॉ. पूनम लूम्बा, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग (GIPMER) ने 16/1/24 को FAIMER के वैश्विक मंच का संचालन किया
- सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग (जीआईपीएमईआर) की डॉ. पूनम लूम्बा 19/9/24 को वीएमएमसी में ईजीएएसपी डब्ल्यूएचओएनईटी कार्यशाला की संसाधन संकाय थीं।
- सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग (जीआईपीएमईआर) की डॉ. पूनम लूंबा ने 22/10/24 को जामिया में 'योग्यता आधारित टीएलए और मूल्यांकन पद्धतियों' पर कार्यशाला का आयोजन किया।
- सितंबर 2024 को एआईएमएस, मोहाली में शैक्षणिक नेतृत्व पर अतिथि व्याख्यान दिया ।
- सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग (जीआईपीएमईआर) की डॉ. पूनम लूम्बा 9/10/24 को प्रथम वार्षिक क्लिनिकल वायरोलॉजी शिखर सम्मेलन में अध्यक्ष थीं ।

- सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग (जीआईपीएमईआर) की डॉ. पूनम लूंबा ने 20-27 अगस्त 2024 तक दूसरी एसीएमई कार्यशाला का आयोजन किया।
- सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग (जीआईपीएमईआर) की डॉ. पूनम लूंबा को 2024 सत्र के लिए सीएमएल लुधियाना के पहले आर-फेस कार्यक्रम के लिए संकाय से सम्मानित किया गया।
- सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग (जीआईपीएमईआर) की डॉ. पूनम लूंबा को 15-17 अप्रैल 2024 को सीएमसी लुधियाना में एफएआईएमईआर के लिए संकाय से सम्मानित किया गया ।
- सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग (जीआईपीएमईआर) की डॉ. पूनम लूंबा ने आदेश विश्वविद्यालय जनवरी 2024 के लिए पीएचडी थीसिस का मूल्यांकन किया।
- सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग (जीआईपीएमईआर) की डॉ. पूनम लूंबा ने 20-27 फरवरी 2024 तक एमएएमसी में पहला एसीएमई पाठ्यक्रम आयोजित किया ।
- 14 दिसंबर 2024 को एम्स में एचआईएसआई दिल्ली चैप्टर में 'सर्जिकल प्रैक्टिस में नेतृत्व' के लिए पैनलिस्ट थीं।
- 15/6/24 को बीएसएएमसीएच में द्वितीय वर्ष एमबीबीएस (सपल बैच) की सूक्ष्मजीव विज्ञान प्रैक्टिकल परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक थीं।
- 15-17 जुलाई 2024 को जेआईपीएमईआर, पांडिचेरी में एमडी सूक्ष्मजीव विज्ञान की व्यावहारिक परीक्षा और एमडी माइक्रो थ्योरी शोध-पत्र के मूल्यांकन के लिए बाहरी परीक्षक थीं।
- सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग (जीआईपीएमईआर) की डॉ. मनीषा जैन 21 नवंबर 2024 को एंटीबायोटिक जागरूकता सप्ताह के दौरान ईएसआई बसईसधरपुर, दिल्ली में अतिथि वक्ता थीं।
- सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग (जीआईपीएमईआर) की डॉ. मनीषा जैन ने एम्स दिल्ली के लिए एमडी थीसिस का मूल्यांकन किया।
- अक्टूबर 2024 में एफएमएस, एसजीटी विश्वविद्यालय में एमएससी तृतीय वर्ष की वार्षिक थ्योरी परीक्षा के लिए बाहरी प्रश्न पत्र सेटर थीं ।
- सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग (जीआईपीएमईआर) की डॉ. मनीषा जैन ने एफएमएस, एसजीटी विश्वविद्यालय के लिए एमएससी माइक्रो थीसिस का मूल्यांकन किया।
- सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग (जीआईपीएमईआर) की डॉ. आभा शर्मा को अगस्त 2024 में प्रो. के रूप में पदोन्नत किया गया।
- सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग (जीआईपीएमईआर) की डॉ. आभा शर्मा वीएमएमसी में 18-22 दिसंबर 2024 तक एमबीबीएस II प्रो. सूक्ष्मजीव विज्ञान के लिए बाहरी परीक्षक थीं।
- दिसंबर 2024 को जीआईपीएमईआर में जीएलपी कार्यशाला में 'प्रयोगशाला सुरक्षा' पर व्याख्यान दिया।

- दिसंबर 2024 को जीआईपीएमईआर में जीएलपी कार्यशाला में 'नैतिकता' पर व्याख्यान दिया ।
- सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग (जीआईपीएमईआर) की डॉ. शिवानी त्यागी बीएसएएमसीएच में मार्च 2024 में एमबीबीएस II प्रो. सूक्ष्मजीव विज्ञान (सप्लीमेंट्री) के लिए बाहरी परीक्षक थीं।
- सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग (जीआईपीएमईआर) की डॉ. शिवानी त्यागी बीएसएएमसीएच में 19-24 दिसंबर 2024 तक एमबीबीएस II प्रो. सूक्ष्मजीव विज्ञान के लिए बाहरी परीक्षक थीं।
- नेत्र विज्ञान विभाग (एमएएमसी) की डॉ. कीर्ति सिंह को वर्ष 2025 में ग्लूकोमा में अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान कॉलेजियम (एफएआईसीओ) की मानद फैलोशिप से सम्मानित किया गया।
- नेत्र विज्ञान विभाग (एमएएमसी) की डॉ. पुनीता के. सोढ़ी को डीओएस विंटर कॉन्फ्रेंस के फ्री शोध-पत्र सत्र "डायबिटिक मैक्युलर एडिमा में ओसीटीए मापदंडों का सीरम वीईजीएफ ए स्तर के साथ सहसंबंध" में प्रथम पुरस्कार मिला।
- नेत्र विज्ञान विभाग (एमएएमसी) की डॉ. अर्शी सिंह को वर्ष 2025 में ग्लूकोमा में ऑल इंडिया कॉलेजियम ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी (एफएआईसीओ) की मानद फैलोशिप से सम्मानित किया गया।
- नेत्र विज्ञान विभाग (एमएएमसी) की डॉ. ईशा गुप्ता को वर्ष 2025 में अपवर्तक सर्जरी में अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान कॉलेजियम (एफएआईसीओ) की मानद फैलोशिप से सम्मानित किया गया।
- नेत्र विज्ञान विभाग (एमएएमसी) के डॉ. प्रियदर्शी गुप्ता को वर्ष 2025 में रेटिना एसआर में अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान कॉलेजियम (एफएआईसीओ) की मानद फैलोशिप से सम्मानित किया गया।
- डॉ. कविता गुलाटी, निदेशक-प्रो. और प्रमुख, फार्माकोलॉजी विभाग, वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट ने अस्पतालों/क्लिनिकल प्रतिष्ठानों के समन्वयकों/उप समन्वयकों को जागरूक करने के लिए डिजिटल/वर्चुअल प्लेटफॉर्म के माध्यम से 12वें इंडक्शन-कम-ट्रेनिंग प्रोग्राम के दौरान समन्वयक के रूप में वीपीसीआई के एडीआर मॉनिटरिंग सेंटर का प्रतिनिधित्व किया, जिन्हें भारत के मैटेरियोविजिलेंस कार्यक्रम को मजबूत करने के लिए मेडिकल डिवाइस एडवर्स इवेंट मॉनिटरिंग सेंटर (एमडीएमसी) के रूप में नव मान्यता प्राप्त है, 30 जुलाई, 2024
- यूनिवर्सिटी महाविद्यालय ऑफ मेडिकल साइंसेज के बाल रोग विभाग की पूजा दीवान को भारतीय बाल चिकित्सा अकादमी (2024-2026) की आधिकारिक पत्रिका, भारतीय बाल चिकित्सा की प्रधान संपादक के रूप में चुना गया।
- बाल रोग विभाग (एमएएमसी) के डॉ. एम. जुनेजा को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आमंत्रित किया गया-सार्थक ग्लोबल रिसोर्स सेंटर में "प्रारंभिक हस्तक्षेप पैनल में शामिल होने का निमंत्रण", 07.12.24

- 6-8 दिसंबर 2024 को नई दिल्ली में आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी के 36वें वार्षिक सम्मेलन आईएसपीएनसीओएन 2024 में 5 दिसंबर को नेफ्रोडायग्नोस्टिक्स पर प्रीकॉन्फ्रेंस कार्यशाला का आयोजन किया।
- बाल रोग विभाग (एमएएमसी) के डॉ. एम. मंतन, 6-8 दिसंबर 2024 को नई दिल्ली में आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी के 36वें वार्षिक सम्मेलन आईएसपीएनसीओएन 2024 में वक्ता थे और उन्होंने "आईजीए नेफ्रोपैथी: विकसित चिकित्सीय परिदृश्य" पर एक व्याख्यान दिया।
- 6-8 दिसंबर 2024 को नई दिल्ली में आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी के 36 वें वार्षिक सम्मेलन आईएसपीएनसीओएन 2024 में "पीडियाट्रिक यूरोलिथियासिस" पर पैनल चर्चा के संचालक थे।
- बाल रोग विभाग (एमएएमसी) के डॉ. एम. मंतन, यंग किडनीज-2024 डॉ. जॉर्जी अब्राहम व्याख्यान में आमंत्रित वक्ता थे, जो 20 जुलाई 2024 को चेन्नई में आयोजित किया गया था और उन्होंने इस विषय पर व्याख्यान दिया: विशेष परिस्थितियों में डायलिसिस प्रिस्क्रिप्शन क्या हम इसे सही कर रहे हैं?
- बाल रोग विभाग (एमएएमसी) के डॉ. एम. मंतन, 21 जुलाई 2024 को चेन्नई में आयोजित यंग किडनीज-2024 डॉ. जॉर्जी अब्राहम व्याख्यान में आमंत्रित वक्ता थे और उन्होंने “बच्चों में आईजीए नेफ्रोपैथी के प्रबंधन” पर व्याख्यान दिया।
- बाल रोग विभाग (एमएएमसी) के डॉ. एम. मंतन ने 5-6 अप्रैल 2025 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी में आईपीएनए-एएसपीएनए जूनियर मास्टर क्लास (जेएमसी) में "आईपीएनए समर्थन के माध्यम से प्रशिक्षण के दो दशक" विषय पर संगोष्ठी में संकाय के रूप में भाग लिया।
- बाल रोग विभाग (एमएएमसी) के डॉ. एम. मंतन को 26-27 जुलाई 2024 को एम्स, भोपाल में आयोजित छठे बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी सम्मेलन में “आईजीए नेफ्रोपैथी: मैं कैसे संदेह करूं और प्रबंधन करूं?” विषय पर व्याख्यान देने के लिए संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया था।
- बाल रोग विभाग (एमएएमसी) के डॉ. एम. मंटन ने 14 जुलाई 2024 को वेलकमहोटल्स आईटीसी, द्वारका में आयोजित फीनिक्स ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी 2.0 में “यूटीआई दिशानिर्देश” पर पैन चर्चा में भाग लिया।
- बाल रोग विभाग (एमएएमसी) के डॉ. ए. डबास ने उत्तर भारत के बाल चिकित्सा सम्मेलन के पूर्व-सम्मेलन के भाग के रूप में 20 सितंबर 2024 को दिल्ली किशोर स्वास्थ्य अकादमी के साथ मौलाना आज़ाद मेडिकल महाविद्यालय के बाल रोग विभाग में स्ट्रॉन्ग माइंड्स-स्ट्रॉन्ग एडोलसेंट्स कार्यशाला का आयोजन किया।

- बाल रोग विभाग (एमएएमसी) के डॉ. ए. डबास ने 06 मार्च 2025 को मौलाना आज़ाद मेडिकल महाविद्यालय के बाल रोग विभाग में एक्सेल विद डेटा पर सेकेंड हैंड्स ऑन वर्कशॉप का आयोजन किया।
- फार्माकोलॉजी विभाग (एमएएमसी) की डॉ. वंदना रॉय को 5 मार्च 2025 को 65वें एमएएमसी वार्षिक दीक्षांत समारोह में प्रतिष्ठित एमएएमसी पूर्व छात्र पुरस्कार 2023 प्राप्त हुआ।
- फार्माकोलॉजी विभाग (एमएएमसी) की डॉ. वंदना रॉय को फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम, भारतीय फार्माकोपिया आयोग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 2024 से फार्माकोविजिलेंस में उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- 43वें वार्षिक सम्मेलन, मार्च 2025 में राष्ट्रपति प्रशंसा पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- फार्माकोलॉजी विभाग (एमएएमसी) की डॉ. वंदना रॉय को शिक्षक दिवस, सितंबर 2024 पर दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन से प्रशंसा-पत्र प्राप्त हुआ।
- शरीर-विज्ञान विभाग (MAMC) की डॉ. आरती सूद महाजन, दिल्ली विश्वविद्यालय में पाठ्यक्रम और अध्ययन समिति की सदस्य थीं; ICMR की परियोजना समीक्षा समिति की सदस्य; 2024 में स्नातकोत्तर प्रोटोकॉल सेल की सह-अध्यक्ष। वार्षिक रिपोर्ट समिति-2023। स्नातक स्वागत समिति की अध्यक्ष। महाविद्यालय के इंटर्नशिप कार्यक्रम की प्रभारी। 2024 के नए प्रवेशकों के बैच के ओरिएंटेशन कार्यक्रम से संबंधित प्रबंधन समिति की सदस्य। एम्स जम्मू और SKIMS, श्रीनगर में बाहरी परीक्षक।
- शरीर-विज्ञान विभाग (एमएएमसी) के डॉ. डी. रॉबिन्सन ने 15 से 17 नवंबर 2024 तक उभरते स्वास्थ्य मुद्दों और चुनौतियों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी: पूर्वोत्तर भारत के परिप्रेक्ष्य पर त्रिपुरा विश्वविद्यालय के मानव शरीर-विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित फिजियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (PHYSICON 2024) के 35 वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया; 28 और 29 जनवरी 2025 को एचबीटीएमसी और आरएन कूपर अस्पताल, जुहू, मुंबई, महाराष्ट्र में आयोजित शरीर-विज्ञान की विशेषता में व्यावहारिक परीक्षा के लिए परीक्षक।
- 26 सितंबर, 2024 को हमदर्द इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च (एचआईएमएसआर), नई दिल्ली के शरीर-विज्ञान विभाग के नेशनल कॉन्फ्रेंस: सोसाइटी फॉर नाइट्रिक ऑक्साइड एंड एलाइड साइंस में अध्यक्ष के रूप में भाग लिया ।
- शरीर-विज्ञान विभाग (एमएएमसी) की डॉ. प्रीति जैन, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीई) द्वारा विभिन्न स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षाओं जैसे नीट, एफएमजीई, डीएनबी (सीईटी) आदि के संचालन के लिए आयोजित प्रश्न बैंक कार्यशालाओं के सत्यापन में विषय विशेषज्ञ थीं; एनबीई, नई दिल्ली द्वारा अप्रैल और अक्टूबर, 2024 सत्र में डीएनबी/डीआरएनबी अंतिम सिद्धांत परीक्षाओं (शरीर-विज्ञान) के लिए उत्तर पुस्तिकाओं के ऑन-साइट/रिमोट डिजिटल मूल्यांकन के लिए परीक्षक; दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 2024 में बीपीटी और बीओटी पाठ्यक्रम के लिए

व्यावहारिक परीक्षा आयोजित करने के लिए बाह्य परीक्षक; प्रभारी अधिकारी: तकनीकी कर्मचारी (शरीर-विज्ञान), इंटर्नशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमबीबीएस)

- शरीर-विज्ञान विभाग (एमएएमसी) के डॉ. गौरव स्वामी अतिथि वक्ता थे, जिन्होंने 7 फरवरी को राजकॉन 2025, एसएस टांटिया मेडिकल महाविद्यालय एवं अनुसंधान संस्थान, श्री गंगा नगर, राजस्थान में 'ब्रेन कंप्यूटर इंटरफेस के लिए एक व्यावहारिक मार्गदर्शिका और अनुसंधान एवं शिक्षण में इसकी भूमिका' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- शरीर-विज्ञान विभाग (एमएएमसी) के डॉ. रवि कौशिक एनएबीएच अस्पताल मूल्यांकन कार्यक्रमों के लिए प्रधान मूल्यांकनकर्ता थे।
- रेडियोथेरेपी विभाग (एमएएमसी) की वरिष्ठ रेजिडेंट डॉ. तंशी दलजीत ने आईएलसीसी 2024 के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार और युवा अन्वेषक पुरस्कार जीता, 28/09/24
- रेडियोथेरेपी विभाग (एमएएमसी) की वरिष्ठ रेजिडेंट डॉ. तंशी दलजीत ने ओन्कोविज़न 2025, एएचआरआर, 19/01/25 में ई-पोस्टर में तीसरा स्थान प्राप्त किया।
- रेडियोथेरेपी विभाग (एमएएमसी) के सीनियर रेजिडेंट डॉ. तन्शी दलजीत, ऑनकोविज़न 2025, एएचआरआर, 19/01/25 में क्विज़ में दूसरे स्थान पर रहे।
- रेडियोलॉजी विभाग (एलएचएमसी) के डॉ. इब्राहिम इल्मी, डॉ. पूजा एबे और डॉ. आरएस सोलंकी ने 3 टी -एमआरआई पर मेसियल टेम्पोरल स्क्लेरोसिस (एमटीएस) वाले बच्चों में हिप्पोकैम्पल स्ट्रिएशन के नुकसान सहित गुणात्मक दृश्य मूल्यांकन मानदंडों के अनुप्रयोग पर अपने शोध-पत्र पर प्रथम पुरस्कार जीता, प्रथम पुरस्कार, एओसीआर 2025 आईआरआईए राष्ट्रीय सम्मेलन चेन्नई जनवरी 2025, मौखिक पेपर।
- रेडियोलॉजी विभाग (एलएचएमसी) के डॉ. इब्राहिम इल्मी, डॉ. विकास यादव ने द वांडरिंग ब्रेन: केस सीरीज ऑन एन्सेफेलोसील, आईआरआईए मासिक मीट मई 2024 ओरल पेपर पर प्रथम पुरस्कार जीता।
- डॉ. शुभम अरोड़ा, डॉ. आरएस सोलंकी, डॉ. भावना सतीजा, रेडियोलॉजी विभाग (एलएचएमसी), निदान और उपचार योजना में स्पष्टता बढ़ाने वाली लेरिंजियल कार्सिनोमा के लिए एक उदाहरणात्मक आरेख-आधारित रिपोर्टिंग प्रणाली, प्रथम पुरस्कार, एओसीआर 2025, पोस्टर।
- रेडियोलॉजी विभाग (एलएचएमसी) के डॉ. शुभम अरोड़ा, डॉ. आरएस सोलंकी, डॉ. भावना सतीजा ने सिर और गर्दन के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में प्रतिक्रियाशील और घातक ग्रीवा लिम्फ नोड्स को अलग करने के लिए मानक सीईसीटी और मात्रात्मक डीईसीटी मापदंडों का तुलनात्मक अध्ययन, एओसीआर 2025, मौखिक पेपर ने तीसरा पुरस्कार जीता।

- डॉ. मेघा एस. डॉ. चेतन कुमार वी. डॉ. सागर नायक, डॉ. पूजा एबे, रेडियोलॉजी विभाग (एलएचएमसी) द्वारा प्रतिरक्षाविहीन बच्चों में फंगल निमोनिया के सीटी स्कैन निष्कर्षों पर आधारित। आईआरआईए मासिक बैठक में मौखिक पेपर ने तृतीय पुरस्कार जीता।
- रेडियोलॉजी विभाग (एलएचएमसी) की डॉ. ईशा गर्ग, डॉ. निधि राय, डॉ. भावना सतीजा, एंडोमेट्रियल कैविटी के पॉलीपॉइडल घाव: एक नैदानिक चुनौती, आईआरआईए मासिक बैठक, ओरल पेपर ने दूसरा पुरस्कार जीता।
- सर्जरी विभाग (एमएएमसी) की डॉ. सिम्मी के रतन को डीडीएफ प्रो.शिप प्राप्त हुई।
- सर्जरी विभाग (एमएएमसी) की डॉ. सिम्मी के रतन दिल्ली विश्वविद्यालय के एम.सीएच. बाल चिकित्सा सर्जरी परीक्षा की आंतरिक परीक्षक थीं।
- सर्जरी विभाग (एमएएमसी) की डॉ. सिम्मी के रतन मौलाना आज़ाद मेडिकल महाविद्यालय के लिए नियमित आधार पर वरिष्ठ रेजिडेंटों के चयन के लिए पर्यवेक्षक थीं।
- *जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज और इनोवेटिव पब्लिकेशन्स के* संपादकीय बोर्ड में थीं ।
- सर्जरी विभाग (एमएएमसी) की डॉ. सिम्मी के रतन *इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स, जर्नल ऑफ इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन्स, इंडियन जर्नल ऑफ यूरोलॉजी, वर्ल्ड जर्नल ऑफ सर्जरी की समीक्षक थीं।*
- सर्जरी विभाग (एमएएमसी) के डॉ. सुजॉय नियोगी *इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स, जर्नल ऑफ इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन्स, इंडियन जर्नल ऑफ यूरोलॉजी, जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक सर्जरी, न्यू इंडियन जर्नल ऑफ सर्जरी में समीक्षक थे।*
- सर्जरी विभाग (एमएएमसी) के डॉ. सुजॉय नियोगी *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिकल पीडियाट्रिक्स एंड ऑन्कोलॉजी, जर्नल ऑफ प्रोग्रेस इन पीडियाट्रिक यूरोलॉजी, न्यू इंडियन जर्नल ऑफ सर्जरी, जर्नल ऑफ किडनी में संपादक थे।*
- डॉ. चिरंजीव कुमार सर्जरी विभाग (एमएएमसी) *जर्नल ऑफ के समीक्षक थे नवजात शल्य चिकित्सा.*
- *जर्नल ऑफ इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन्स*), पीईडीएन (*पीडियाट्रिक्स एंड नियोनटोलॉजी*), जेएनएस (*जर्नल ऑफ नियोनेटल सर्जरी*) जर्नल के समीक्षक थे।
- सर्जरी विभाग (एमएएमसी) की डॉ. सिम्मी के रतन को आईएपीएसकॉन 2024, ऋषिकेश में एफआईएपीएस (भारतीय बाल शल्य चिकित्सक संघ की फेलोशिप) प्राप्त हुई।
- सर्जरी विभाग (एमएएमसी) की डॉ. सिम्मी के रतन आईपी विश्वविद्यालय के लिए एम.सीएच. पीडियाट्रिक सर्जरी परीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक थीं।

- सर्जरी विभाग (एमएएमसी) की डॉ. सिम्मी के रतन एसएसआरजीपीएच नोएडा में संकाय चयन के लिए बाहरी विशेषज्ञ और पर्यवेक्षक थीं।
- यूनिवर्सिटी महाविद्यालय ऑफ मेडिकल साइंसेज के डॉ. एसवी मधु को भारत के राष्ट्रपति द्वारा 15 अगस्त, 2024 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति भवन में 'प्रख्यात डॉक्टर' के रूप में घरेलू स्वागत समारोह में आमंत्रित किया गया था।
- यूनिवर्सिटी महाविद्यालय ऑफ मेडिकल साइंसेज की डॉ. फराह खलीक ने अप्रैल 2024 में फाउंडेशन फॉर एडवांसमेंट ऑफ इंटरनेशनल मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (FAIMER) की 2 वर्षीय फेलोशिप पूरी की।
- यूनिवर्सिटी महाविद्यालय ऑफ मेडिकल साइंसेज के डॉ. सतेन्द्र सिंह को लैंसेट के प्रथम विकलांगता एवं स्वास्थ्य आयोग के 20 आयुक्तों में से एक के रूप में चुना गया।
- यूनिवर्सिटी महाविद्यालय ऑफ मेडिकल साइंसेज की डॉ. दीपिका पांधी को जयपुर में 6-9 फरवरी 2025 को आयोजित DERMACON 2025 में प्रतिष्ठित डॉ. एलके भूटानी पुरस्कार (क्लिनिकल डर्मेटोलॉजी में शिक्षण और अनुसंधान में उपलब्धि के लिए इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजी वेनेरोलॉजी एंड लेप्रोलॉजी द्वारा एक सदस्य को दिया जाने वाला राष्ट्रीय पुरस्कार) से सम्मानित किया गया।
- यूनिवर्सिटी महाविद्यालय ऑफ मेडिकल साइंसेज के डॉ. अमितेश अग्रवाल को 9 नवंबर 2024 को नई दिल्ली में 13वें अंतर्राष्ट्रीय कार्डियोलॉजी और डायबिटीज कांग्रेस में प्रतिष्ठित 'प्रो. हेलबर्ग मेडल' से सम्मानित किया गया।
- डॉ. अंकित अरोड़ा, सहायक प्रो., वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट ने एनएमसी द्वारा अनुमोदित चिकित्सा शिक्षा में बेसिक पाठ्यक्रम 25-27 सितंबर, 2024 को पूरा किया।
- वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट के डॉ. अंकित अरोड़ा ने इंडियन महाविद्यालय ऑफ एलर्जी, अस्थमा एंड एप्लाइड इम्यूनोलॉजी, वीपीसीआई, दिल्ली के 58वें वार्षिक सम्मेलन में 'खाद्य एलर्जी' पर एक सत्र की 19-22 दिसंबर, 2024 को अध्यक्षता की।
- वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट की प्रो. कविता गुलाटी को 19 अगस्त, 2024 को जामिया हमदर्द के स्कूल ऑफ केमिकल एंड लाइफ साइंसेज के जैव प्रौद्योगिकी विभाग में पीएचडी की वैज्ञानिक सलाहकार अनुसंधान समिति (एसएआरसी) के लिए विषय विशेषज्ञ बनाया गया,
- वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट की प्रो. कविता गुलाटी ने 26 सितंबर, 2024, को हमदर्द इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च (HIMSR) में सोसाइटी फॉर नाइट्रिक ऑक्साइड एंड एलाइड रेडिकल्स (SNOAR) के राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्ष थीं।
- वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट की प्रो. कविता गुलाटी 27 सितंबर, 2024 को वीपीसीआई दिल्ली में 'गुड क्लिनिकल लेबोरेटरी प्रैक्टिसेज (जीसीएलपी)' पर कार्यशाला की अध्यक्ष थीं।

- वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट की प्रो. कविता गुलाटी 14 अक्टूबर, 2024 को डीपीएसआरयू में विभागीय वैज्ञानिक अनुसंधान समिति में विशेषज्ञ थीं।
- वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट की प्रो. कविता गुलाटी 15 अक्टूबर, 2024 को जामिया हमदर्द के फार्माकोलॉजी विभाग, एसपीईआर के बोर्ड ऑफ स्टडीज मीटिंग में विषय विशेषज्ञ थीं।
- वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट की प्रो. कविता गुलाटी ICAAICON-2024, 19-22 दिसंबर, 2024 के दौरान एलर्जिक राइनाइटिस पर संगोष्ठी की अध्यक्ष थीं।
- वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट की प्रो. कविता गुलाटी, संयुक्त अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (जेआईसी)-2025, अहमदाबाद, गुजरात, 10-12 जनवरी, 2025 के दौरान सर्वश्रेष्ठ पोस्टर के लिए एनएस ढल्ला पुरस्कार की निर्णायक थीं।
- वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट की प्रो. कविता गुलाटी संयुक्त अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (जेआईसी)-2025, अहमदाबाद, गुजरात, 10-12 जनवरी, 2025 के दौरान प्लेनरी व्याख्यान और देवेंद्र के अग्रवाल व्याख्यान की अध्यक्ष थीं।
- वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट की प्रो. कविता गुलाटी, आईएचईसी, एबीवीआईएमएस, डॉ. आरएमएल अस्पताल, दिल्ली द्वारा 24.10.2024, 5.12.2024, 16.1.2025, 14.2.2025 को आयोजित संस्थागत मानव नैतिकता समिति (आईएचईसी) की बैठकों के लिए विशेषज्ञ थीं।
- वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट की प्रो. कविता गुलाटी, "ARTEMIS - मायोकार्डियल इन्फार्क्शन के रोगियों में कार्डियोवैस्कुलर परिणामों पर ज़िल्टिवेकिमैब बनाम प्लेसीबो का प्रभाव" शीर्षक वाले नैदानिक अध्ययन में रिपोर्ट की गई SAE मृत्यु तक पहुंचने के लिए उप-समिति की सदस्य थीं, IHEC, ABVIMS, डॉ आरएमएल अस्पताल, 05 फरवरी, 2025
- वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट की प्रो. कविता गुलाटी, सुश्री मोनिका शर्मा और श्री टी भानुतेजा, डीआईपीएएस, डीआरडीओ, 19 फरवरी, 2025 की डॉक्टरेट अनुसंधान समिति के लिए विषय विशेषज्ञ थीं।
- वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट की प्रो. कविता गुलाटी ने 20-21 मार्च, 2025 को भारत मंडपम, दिल्ली में आयोजित मेडिकल महाविद्यालय रिसर्च कनेक्ट-2025 के दौरान वीपीसीआई की बहुविषयक अनुसंधान इकाई (एमआरयू) का प्रतिनिधित्व किया।
- वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट की प्रो. कविता गुलाटी 24 मार्च, 2025 को सीसीआरयूएम में ग्रुप ए तकनीकी अधिकारियों के लिए विभागीय मूल्यांकन बोर्ड (डीएबी) की विशेषज्ञ थीं।
- डॉ. अंकित अरोड़ा सहायक प्रो. ने एनएमसी द्वारा अनुमोदित चिकित्सा शिक्षा में बुनियादी पाठ्यक्रम 25-27 सितंबर, 2024 को पूरा किया
- वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट की प्रो. मधु खन्ना को बिल एंड मेलिंडा गेट फाउंडेशन से ग्लोबल हेल्थ ट्रैवल अवार्ड मिला है। उन्हें 8 अप्रैल से 11 अप्रैल, 2024 तक जर्मनी के हनोवर

में एचआईवी और (पुनः) उभरते वायरस: महामारियों के बीच सबक को संरेखित करने पर कीस्टोन संगोष्ठी में भाग लेने का अवसर मिला है।

- वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट की प्रो. मधु खन्ना को आईवीएस-यंग साइंटिस्ट अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार डॉ. रूपाली राजपूत, रिसर्च एसोसिएट-II, के द्वारा प्रो. मधु खन्ना, वायरोलॉजी यूनिट, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग, वीपीसीआई को प्रदान किया गया। उन्हें डीआरडीओ - रक्षा अनुसंधान एवं विकास द्वारा आयोजित 'उभरते वायरस: महामारी और जैव सुरक्षा परिप्रेक्ष्य' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय VIROCON-2024 सम्मेलन में "इन्फ्लूएंजा ए वायरस एंटीजन के एपिटोप मैपिंग में इंजीनियर्ड फेज डिस्प्ले एंटीबॉडी की क्षमता" शीर्षक से शोध कार्य की मौखिक प्रस्तुति के लिए प्रदान किया गया।
- वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट की प्रो. मधु खन्ना को 24-25 फरवरी 2025 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत में आयोजित प्रतिष्ठित एशिया-पैसिफिक फोरम ऑन आरएनए थेरेप्यूटिक्स एंड वैक्सीन्स (एपीएफआरटीवी) में 'लीड लेक्चर' देने के लिए आमंत्रित किया गया था।
- वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट के प्रो. राज कुमार स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के शासी निकाय के लिए विश्वविद्यालय प्रतिनिधि, पुनर्नियुक्ति दिनांक 04.05.2024 दिनांक 24.04.2024 से प्रभावी थे।
- वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट के प्रो. राज कुमार को एटीएस पब्लिक सर्विस अवार्ड, उत्कृष्ट योगदान, वायु गुणवत्ता में सुधार, तंबाकू के उपयोग का उन्मूलन, एटीएस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सैन डिएगो कन्वेंशन सेंटर, अमेरिकन थोरेसिक सोसाइटी के दौरान फेफड़ों की बीमारी की रोकथाम के लिए 18.05.2024 को सम्मानित किया गया।
- वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट के प्रो. राज कुमार 20.07.2024 को गैर-संचारी रोगों (एनपी-एनसीडी) की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत 'क्रोनिक रेस्पिरेटरी डिजीज के लिए तकनीकी विशेषज्ञ समूह' के सदस्य थे।
- वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट के प्रो. राज कुमार को एलर्जी के क्षेत्र में योगदान के लिए स्वर्गीय डॉ. रामकृष्ण मोदी स्मृति सम्मान-2024 से सम्मानित किया गया, मोदी एलर्जी क्लिनिक, पटना दिनांक 18.09.2024।
- वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट के प्रो. राज कुमार सदस्य थे; शैक्षणिक वर्ष 2024-25 की नियुक्ति के लिए विधि संकाय में अतिथि संकायों के संबंध में कुलपति द्वारा 17 सितंबर, 2024 को नामित किया गया ।
- वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट के प्रो. राज कुमार मुख्य अतिथि थे, उन्हें 26 अक्टूबर, 2024 को एनवीएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल, दिलशाद गार्डन, दिल्ली में नूतन विद्या मंदिर के वार्षिक समारोह "प्रतिबिंब" में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था ।

- वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट के प्रो. राज कुमार को तंबाकू निवारण के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धि और उल्लेखनीय योगदान के लिए ईएसडीए राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार 2024, पर्यावरण और सामाजिक विकास संघ द्वारा दिनांक 17.11.2024 को प्रदान किया गया।
- वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट के प्रो. राज कुमार को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड मिला, आईसीएएआईसीओएन-2024 सम्मेलन (19 से 22 दिसंबर, 2024 तक) के दौरान श्वसन एलर्जी, अस्थमा और इम्यूनोलॉजी में बड़ी मान्यता और प्रशंसा, इंडियन महाविद्यालय ऑफ एलर्जी अस्थमा और एप्लाइड इम्यूनोलॉजी दिनांक 20.12.2024।
- वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट की डॉ. सोनम स्पालगैस को 19-24 दिसंबर, 2024 के दौरान वीपी चेस्ट इंस्टिट्यूट, दिल्ली में आयोजित 58वें आईसीएएआईकॉन 2024 के दौरान वी राजू पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट की डॉ. सोनम स्पालगैस को 19-24 दिसंबर, 2024 के दौरान वीपी चेस्ट इंस्टिट्यूट, दिल्ली में आयोजित आईसीएएआईसीओएन 2024 में सर्वश्रेष्ठ मौखिक शोध-पत्र प्रस्तुति का पुरस्कार दिया गया।
- वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट की डॉ. सोनम स्पालगैस को 19-24 दिसंबर, 2024 के दौरान वीपी चेस्ट इंस्टिट्यूट, दिल्ली में आयोजित आईसीएएआईसीओएन 2024 में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर शोध-पत्र प्रस्तुति का पुरस्कार दिया गया।
- वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट के प्रो. विश्वजीत रोहिल को आमंत्रित किया गया और उन्होंने "ड्रग डिलीवरी एंड थेरेप्यूटिक्स" सत्र के अध्यक्ष के रूप में भाग लिया, जो कि 7 दिसंबर 2024 को बायोकेमिस्ट्री विभाग, स्नातकोत्तरआईएमईआर चंडीगढ़ द्वारा 5 से 7 दिसंबर 2024 तक होटल माउंट व्यू, चंडीगढ़ में आयोजित एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्स ऑफ इंडिया (एसीबीआईसीओएन 2024) के स्वर्ण जयंती सम्मेलन में आयोजित होने वाले संगोष्ठी-23 में शामिल होगा।
- वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट के प्रो. विश्वजीत रोहिल को शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा, 201310 द्वारा 31 जनवरी से 5 फरवरी, 2025 तक "संकाय को सशक्त बनाना: अगली पीढ़ी की शिक्षा के लिए उत्कृष्टता को आगे बढ़ाना" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 1 फरवरी 2025 (प्रात: 11:45 - दोपहर 12:45) को "परिणाम-आधारित शिक्षण सीखने के लिए एआई का उपयोग" शीर्षक सत्र के लिए पैनल चर्चा में विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया और उन्होंने भाग लिया।
- वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट के प्रो. विश्वजीत रोहिल को शारदा विश्वविद्यालय के शिक्षण अधिगम केंद्र द्वारा शैक्षणिक दक्षता की व्यापक समीक्षा के लिए बाह्य विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था। यह आयोजन "बायोकेमिस्ट्री", "क्लिनिकल रिसर्च", "शरीर-विज्ञान" और "बीएमएलटी" कार्यक्रमों के लिए सभी स्तरों पर संकाय मानकों को बढ़ाने और बेहतर बनाने के

प्रयास के तहत किया गया था। इस कार्यक्रम में उन्होंने शनिवार, 1 मार्च 2025 को प्रात: 10:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक शारदा स्कूल ऑफ एप्लाइड हेल्थ साइंसेज, ग्रेटर नोएडा, 2013-10 में भाग लिया।

- वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट के प्रो. विश्वजीत रोहिल को 29 और 30 जनवरी 2025 को पोस्ट ग्रेजुएट एमडी (बायोकेमिस्ट्री) वार्षिक परीक्षा-2025 (बैच-2021) की परीक्षाओं के लिए परीक्षक नियुक्त किया गया था, जो यूनिवर्सिटी महाविद्यालय ऑफ मेडिकल साइंसेज, दिल्ली-110095 (प्रैक्टिकल परीक्षा केंद्र) में आयोजित की गई थी।
- वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट के प्रो. विश्वजीत रोहिल को आमंत्रित किया गया और उन्होंने 18 जनवरी, 2025 को प्रात: 11:00 बजे जेपी इंस्टिट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, ए-10, सेक्टर-62, नोएडा, यूपी, भारत में बाहरी विशेषज्ञ के रूप में पीएचडी ओपन डिफेंस वाइवा में भाग लिया।

संगीत संकाय

- संगीत विभाग के प्रो. टीवी मणिकंदन 02 मार्च 2025 को उदयज्योत म्यूजिक फाउंडेशन दिल्ली से लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड मिला।

सामाजिक विज्ञान संकाय

- सतत शिक्षा एवं विस्तार विभाग के प्रो. राजेश को 2025 में IAEA में मानद निदेशक नियुक्त किया गया
- सतत शिक्षा एवं विस्तार विभाग के प्रो. राजेश दिल्ली विश्वविद्यालय को ट्रांसजेंडर संसाधन एवं प्रशिक्षण प्रकोष्ठ के समग्र प्रभारी के रूप में नियुक्त किया गया।
- सतत शिक्षा एवं विस्तार विभाग की डॉ. गीता मिश्रा को दिल्ली विश्वविद्यालय के ट्रांसजेंडर संसाधन एवं प्रशिक्षण प्रकोष्ठ का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया।
- सतत शिक्षा एवं विस्तार विभाग की डॉ. गीता मिश्रा ने पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय, उत्तराखंड में पुलिस अधिकारियों के साथ ट्रांसजेंडर अधिनियम 2019 एवं नियम 2020 के कानूनी ढांचे; ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के विथड्रॉल लक्षण, रिलैप्स प्रबंधन एवं उनके पुनर्वास पर 18 नवंबर, 2024 को एक प्रशिक्षण संगोष्ठी का आयोजन किया।
- सतत शिक्षा एवं विस्तार विभाग की डॉ. गीता मिश्रा ने 21 जनवरी, 2025 को प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, माउंट आबू, राजस्थान में आयोजित 65वें IAEA सम्मेलन में 'भारतीय शैक्षिक परिदृश्य में परिवर्तन में आजीवन शिक्षा' विषय पर एक सत्र की अध्यक्षता की।
- सतत शिक्षा और विस्तार विभाग की डॉ. गीता मिश्रा ने 25 जनवरी, 2025 को एसीसीए यूके, मिडलसेक्स यूनिवर्सिटी दुबई और गोल्डस्मिथ्स, यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन, यूके के सहयोग से

एसीसीएफ, एमिटी यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एसजी और मूल्य निर्माण पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

- अर्थशास्त्र विभाग के डॉ. अनीश गुप्ता को एनआईईपीए, नई दिल्ली की अकादमिक परिषद के सदस्य के रूप में नामित किया गया।
- अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. दिब्येंदु मैती को भारत सरकार के सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) के तहत उद्यम सर्वेक्षण, एनएसएसओ के तकनीकी सलाहकार समूह के आधिकारिक सदस्य के रूप में नामित किया गया।
- अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. राम सिंह को जर्मनी के हैम्बर्ग विश्वविद्यालय के विधि एवं अर्थशास्त्र संस्थान में विजिटिंग रिसर्च प्रो. (2024) के रूप में नामित किया गया।
- अर्थशास्त्र विभाग की प्रो. रोहिणी सोमनाथन को 2024-2028 की अवधि के लिए इकोनोमेट्रिक सोसाइटी की परिषद के लिए चुना गया।
- इतिहास विभाग के प्रो. यासर अराफात ने अमेरिका के पेन्सिल्वेनिया विश्वविद्यालय में फुलब्राइट फेलोशिप पूरी की।
- इतिहास विभाग के रितेश जायप्रश्न को जर्मनी के बॉन विश्वविद्यालय में हम्बोल्ट फेलोशिप से सम्मानित किया गया।
- इतिहास विभाग के संतोष कुमार राय को गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, झांसी, इलाहाबाद (इलाहाबाद विश्वविद्यालय का एक घटक संस्थान) के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सदस्य के रूप में 20 जनवरी, 2023 से 19 जनवरी, 2025 तक नामित किया गया।
- राजनीति विज्ञान विभाग के प्रो. उज्ज्वल कुमार सिंह को 1-30 जून, 2024 तक जर्मनी के वुर्जबर्ग विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान और समाजशास्त्र संस्थान में विजिटिंग प्रो. के रूप में नामित किया गया।

विज्ञान संकाय

- मानव विज्ञान विभाग की डॉ. दुर्गा राव पेदादा ने 6 दिसंबर 2024 से जर्नल ऑफ क्रिमिनोलॉजी एंड फोरेंसिक स्टडीज (जेओसीएफएस), मेडविन पब्लिशर्स (आईएसएसएन: 2640-6578) के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्य किया।
- रसायन विज्ञान विभाग के प्रो. एमडी मिल्टन ने मार्च 2025 में सैन डिएगो, कैलिफोर्निया (यूएसए) में अमेरिकन केमिकल सोसाइटी (एसीएस) स्प्रिंग मीटिंग 2025 के दौरान रासायनिक सुरक्षा पर एसीएस समिति की बैठक में भाग लिया।
- रसायन विज्ञान विभाग के प्रो. एम.डी. मिल्टन ने रासायनिक सुरक्षा पर एसीएस समिति (2024, 2025) में एसोसिएट सदस्य के रूप में कार्य किया (भारत से एकमात्र सदस्य)।

- रसायन विज्ञान विभाग की प्रो. एम.डी. मिल्टन ने अपनी प्रयोगशाला से एक शोध लेख प्राप्त किया, जिसे रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री के थीम आधारित संग्रह में शामिल किया गया, जिसका शीर्षक था "अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 का उत्सव: पदार्थ विज्ञान में महिलाएं।"
- रसायन विज्ञान विभाग के प्रो. राजीव गुप्ता को भारतीय विज्ञान अकादमी का फेलो चुना गया- जनवरी 2025
- रसायन विज्ञान विभाग के प्रो. रामेंद्र प्रताप को दिल्ली विश्वविद्यालय, 2024-2025 का सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार प्रदान किया गया।
- रसायन विज्ञान विभाग की प्रो. संदीप कौर को "शी इज़-75 वीमेन इन केमिस्ट्री" पुस्तक में 75 महिलाओं में से एक के रूप में चुना गया, जो बियॉन्ड ब्लैक द्वारा प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय, भारत सरकार और रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री, यूके के सहयोग से "शी इज़" के चौथे संस्करण में प्रकाशित की गई है।
- रसायन विज्ञान विभाग के डॉ. पुष्पल घोष को 2025-2028 के कार्यकाल के लिए सोसाइटी फॉर मैटेरियल्स केमिस्ट्री (एसएमसी), (भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, भारत सरकार) की कार्यकारी परिषद के सदस्य के रूप में चुना गया।
- रसायन विज्ञान विभाग के डॉ. शिव कुमार को नए शोध सहयोग स्थापित करने के लिए रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री (आरएससी), यूके द्वारा 16 दिसंबर 2024 को £5000 का “आरएससी शोधकर्ता सहयोग अनुदान” प्रदान किया गया।
- पर्यावरण अध्ययन विभाग के प्रो. इंद्रजीत सिंह को जेसी बोस राष्ट्रीय फेलोशिप अनुदान 2024 से सम्मानित किया गया।
- पर्यावरण अध्ययन विभाग के प्रो. एसडी बीजू को भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (एफएनए, आईएनएसए), नई दिल्ली, भारत, 2024 का फेलो चुना गया।
- पर्यावरण अध्ययन विभाग के डॉ. भरत जी को तेलंगाना विज्ञान अकादमी 2024 के एसोसिएट फेलो के रूप में चुना गया।
- भूविज्ञान विभाग के प्रो. आशुतोष के सिंह को पैलियोन्टोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, लखनऊ, भारत में संयुक्त सचिव के रूप में चुना गया।
- भूविज्ञान विभाग की डॉ. अनिंदिता डे को ऑस्ट्रियाई विज्ञान निधि (परियोजना संख्या: ईएसपी 675-एन) से ईएसपीआरआईटी पोस्ट-डॉक्टरल फेलोशिप प्राप्त हुई, जिसके बाद उन्हें ऑस्ट्रिया के वियना विश्वविद्यालय में प्रवेश मिला।
- भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग के प्रो. बीसी चौधरी, प्रो. आशुतोष भारद्वाज, प्रो. कीर्ति रंजन, प्रो. मोहम्मद नईमुद्दीन, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. अरुण कुमार को 2025 में सीईआरएन,

जिनेवा, स्विट्जरलैंड में एलएचसी के लिए चार प्रयोगात्मक सहयोगों से मौलिक भौतिकी में ब्रेकथ्रू पुरस्कार प्राप्त हुआ।

- भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग के प्रो. बीसी चौधरी (ए) प्रवक्ता (2026 तक), भारतीय संस्थान: न्यूट्रिनो भौतिकी में फर्मिलैब सहयोग, (बी) 2024 में करियर 360 से भारत में प्रायोगिक उच्च ऊर्जा भौतिकी में उत्कृष्ट संकाय पुरस्कार के प्राप्तकर्ता थे।
- भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग के प्रो. देबज्योति चौधरी (ए) डीएसटी के पीएसी के सदस्य, (बी) इंस्पायर संकाय पुरस्कारों के लिए चयन समिति के सदस्य थे।
- भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग के प्रो. पैट्रिक दासगुप्ता 2020 से भारतीय सामान्य सापेक्षता और गुरुत्वाकर्षण संघ (IAGRG) के अध्यक्ष थे।
- भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की प्रो. एस. अन्नपूर्णी जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, पांडिचेरी विश्वविद्यालय और एमिटी इंस्टिट्यूट ऑफ नैनोटेक्नोलॉजी की अकादमिक परिषद की सदस्य थीं।
- भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग के प्रो. अजीत के. महापात्र को जनवरी 2025 से दक्षिण अफ्रीका के बेलविले स्थित वेस्टर्न केप विश्वविद्यालय के भौतिकी और खगोल विज्ञान विभाग में असाधारण प्रो. के रूप में नियुक्त किया गया।
- भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की प्रो. निवेदिता देव कॉम्प्लेक्स सिस्टम्स सोसाइटी (सीसीएस), इंक. की सदस्य थीं।
- भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग के प्रो. अवधेश प्रसाद डीएसटी की पीएसी के सदस्य थे।
- भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग के प्रो. समित के. मंडल, अंतर-विश्वविद्यालय त्वरक केंद्र, डीयू में जेआरएफ/अनुसंधान सहयोगी/वैज्ञानिक के लिए चयन समिति के सदस्य थे।
- भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की प्रो. श्यामा रथ, एल्सेवियर पब्लिकेशन्स के एप्लाइड सरफेस साइंस की संपादकीय बोर्ड की सदस्य थीं।
- डॉ. सौरव सूर, भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग, (क) विजिटिंग एसोसिएट, आईयूसीएए पुणे, (ख) सदस्य, भारतीय सामान्य सापेक्षता एवं गुरुत्वाकर्षण संघ (आईएजीआरजी)।
- प्राणि विज्ञान विभाग की प्रो. रीना चक्रवर्ती को 3 मार्च, 2025 को भारत की माननीय राष्ट्रपति, द्रौपदी मुर्मू द्वारा जैविक विज्ञान के क्षेत्र में 8वां विजिटर पुरस्कार प्रदान किया गया।
- प्राणि विज्ञान विभाग की प्रो. रीता सिंह को प्रजनन एंडोक्रिनोलॉजी, "पर्यावरण एस्ट्रोजेन, इम्यूनोमॉड्यूलेशन और प्रजनन क्षमता" के क्षेत्र में अनुसंधान योगदान के लिए प्रो. पेरा गोविंदराजुलु गोल्ड मेडल ओरेशन अवार्ड 2023 प्राप्त हुआ। यह पुरस्कार उन्हें "प्रजनन विज्ञान और आणविक चिकित्सा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: चिकित्सा विज्ञान और प्रौद्योगिकी में

नवाचार 2024" और 41वीं एसआरबीसीई वार्षिक बैठक, 15-17 नवंबर 2024 के दौरान दिया गया।

- प्राणि विज्ञान विभाग की प्रो. रीता सिंह को विजिटिंग रिसर्चर अवार्ड (फ्रांस), 2024 आईएनआरए, अनुसंधान निदेशक, सीएनआरएस, टूर्स सेंटर डी रिसर्चेस, वैल डी लॉयर, नौज़िली, फ्रांस, मई-जुलाई 2024 प्राप्त हुआ।
- प्राणि विज्ञान विभाग की प्रो. रीता सिंह को क्वाड संकाय (यूएसए), वर्ष 2022-2024 से उद्घाटन संकाय: क्वाड फैलोशिप (क्वाड देशों के एसटीईएम विद्वानों में) के लिए संकाय पैनल (समीक्षा समिति) के सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान, न्यूयॉर्क, यूएसए प्राप्त हुआ।
- प्राणी विज्ञान विभाग की प्रो. रीता सिंह आईसीआरएसएमएम-2024 और एसआरबीसीई-2024 की आयोजन अध्यक्ष थीं, जिसका शीर्षक था "प्रजनन विज्ञान और आणविक चिकित्सा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: चिकित्सा विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवाचार 2024 और 41वीं एसआरबीसीई बैठक, 15-17 नवंबर 2024"।
- प्राणि विज्ञान विभाग के प्रो. आलोक चंद्र भारती ने राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए), विश्वविद्यालय अनुदान आयोग राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (स्नातक-पूर्वसी-नेट), आयुर्वेद जीव विज्ञान और जैव चिकित्सा अनुसंधान पात्रता परीक्षा (बीआरईटी) (2024 से) में विषय क्षेत्र विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया है।
- प्राणि विज्ञान विभाग के प्रो. आलोक चंद्र भारती ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) में विषय क्षेत्र विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया (2024 से)।

प्रौद्योगिकी संकाय

- स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय और एल्सेवियर शोधकर्ताओं के एक समूह द्वारा अगस्त 2024 में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. राज सेनानी को विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में दुनिया के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों (कैरियर-वार) की सूची में शामिल किया गया था।
- इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. राज सेनानी को इंस्टीट्यूशन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियर्स (IETE), भारत द्वारा 2024 के लिए IETE लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। उन्हें सर्किट और सिस्टम के क्षेत्र में पांच दशकों से अधिक समय तक उत्कृष्ट शोध और IETE पत्रिकाओं के लिए विशिष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।
- विद्युत इंजीनियरी विभाग के डॉ. अर्जुन त्यागी को आईईईई के वरिष्ठ सदस्य के पद पर पदोन्नत कियागया।

अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी संकाय

वित्त एवं व्यवसाय अर्थशास्त्र विभाग

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

विभाग की प्रमुख उपलब्धि कैंपस प्लेसमेंट प्रक्रिया के माध्यम से एमबीए (बिजनेस इकोनॉमिक्स) और एमबीए (फाइनेंस) के अंतिम वर्ष के अधिकांश छात्रों का अंतिम प्लेसमेंट था। विभाग ने वार्षिक सम्मेलनों और एनालिटिक्स, वित्त, मानव संसाधन और मार्केटिंग पर आधारित अन्य विशिष्ट कार्यक्रमों जैसे कई आयोजनों के माध्यम से अपने कॉर्पोरेट-अकादमिक संबंधों को सुदृढ़ किया, जिससे छात्रों को वास्तविक दुनिया के विकास और कॉर्पोरेट क्षेत्र के अत्याधुनिक उपकरणों और प्रथाओं से परिचित होने का अवसर मिला।

विभाग के संकाय की प्रमुख उपलब्धियों में अनुसंधान परियोजनाएं और संगोष्ठी प्रस्तुतियों के माध्यम से शैक्षणिक समुदाय के साथ नियमित परिचर्चा और सम्मेलनों (राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों) में भागीदारी के अलावा नियमित शिक्षण-अधिगम गतिविधियों को सुचारू रूप से पूरा करना शामिल था।

प्रकाशन

- सिन्हा, ए., और सेदई, ए .के) .2025). भारत में राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना और जल प्रदूषक। *इकोनोमिक एनालाइसिस एंड पॉलिसी, एल्सेवियर, 85,* 2192-2206, स्कोपस इंडेक्स्ड, Q1 जर्नल
- कुमार, ए., मलिक, एस., और सिन्हा, ए) .2024). उभरती अर्थव्यवस्थाओं में राजकोषीय प्रसार : वास्तविक बनाम वित्तीय चैनल। *जर्नल ऑफ इंटरनेशनल मनी एंड फाइनेंस, 149, 103168.* स्कोपस इंडेक्स्ड, ABDC-A, Q1
- कुशवाह, एस., ठुकराल, एस) .2024). कोविड-19 का प्रकोप और स्टॉक एक्सचेंज के समग्र और लघु एवं मध्यम उद्यम सूचकांकों के बीच अस्थिरता का प्रसार :भारत से साक्ष्य। *रिव्यू ऑफ प्रोफेशनल मैनेजमेंट. 2(1). आईएसएसएन :0972-8686*
- सिक्का, आर., कुमार, एम., और ठुकराल, एस) .2024). महामारी के समय में बॉन्ड यील्ड स्प्रेड में वृद्धि :20 प्रभावित अर्थव्यवस्थाओं का एक अध्ययन। *मल्टीडिसिप्लिनरी साइंस जर्नल, 6, 2024ss0431. आईएसएसएन :2675-1240* स्कोपस) उद्धरण स्कोर :0.1)
- चौहान, के., सिंह, एस., दहिया, वी., और सिंह, बी) .2024). ईसीआरएम, ई-सेवा गुणवत्ता और संबंध गुणवत्ता के क्रमिक रूप से मध्यस्थता संयोजन के माध्यम से परिकल्पित वित्तीय

परिणाम :आधुनिक खुदरा बैंकिंग में डिजिटलीकरण का एक पहलू। *रिस्क गवर्नेंस एंड कंट्रोल : फाइनेंसियल मार्केट्स एंड इंस्टीट्यूशंस, 14(4), 68-77*

- सिंह, एस., दहिया, वी .और सिंह, बी .महिला उद्यमिता प्रवृत्ति पर एक अध्ययन : विज़ुअलाइज़ेशन और बिब्लियोमेट्रिक एनालाइसिस, आईपीई जर्नल ऑफ़ मैनेजमेंट में प्रकाशित : आईएसएसएन 2249-9040, आईएफ=7.138, खंड 14, संख्या 1 (9), जनवरी-जून 2024. यूजीसी केयर सूचीबद्ध जर्नल
- चौहान, एस., चौहान, के., सिंह, एस., महलावत, एस., कुमार, वी., और सिंह, एस) .2024). प्रेरक कारकों और स्थायी उद्यमशीलता के इरादों के बीच पारिवारिक समर्थन की मध्यस्थता की भूमिका का विश्लेषण :विश्वविद्यालय के छात्रों पर एक अध्ययन। *सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी एंड एंटरप्रेन्योरशिप, 3(3),100076.* (Q1, स्कोपस इंडेक्स्ड, प्रभाव कारक - 12.3) ऑनलाइन आईएसएसएन :2773-0328

पुस्तक में अध्याय

प्रदीप सिंह, बेंदनवापांग एओ, नेबज्योति डेका, चंद्र मोहन, छेतन छोइदुब, "फूड सिक्योरिटी इन ए डेवलपिंग वर्ल्ड: स्टेटस, चैलेंजेस, एंड अर्पोच्यूनिटिस" (2024) स्प्रिंगर।

सिंह, एस., चौहान, के., और सिंह, ए. (अगस्त, 2024)। फिनटेक स्ट्रेंग्थनिंग एंड हेल्थकेयर इंडस्ट्री: एन एडेप्टबिलिटी टूवार्ड्स द चैंजिंग गेम रूल्स। वी. चतुर्वेदी, पी. सिंह, ए. रामचंद्रन, और डी. अग्रवाल (संपादक), 21वीं सदी में स्वास्थ्य सेवा प्रशासन और प्रबंधकीय प्रशिक्षण (पृष्ठ 81-106)। आईजीआई ग्लोबल। https://doi.org/10.4018/979-8-3693-5523-7.ch003

अनुसंधान परियोजनाएँ

प्रो. संजय सहगल, वित्त एवं व्यवसाय अर्थशास्त्र विभाग को "इंपैक्ट ऑफ ईएसजी स्कोर एंड फर्म क्वालिटि ऑन कॉर्पोरेट परफॉरमेंस: ए स्टडी फॉर एशियन मार्केट्स" नामक एक प्रमुख शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 13,00,000/- रुपये की राशि मंजूर की गई है। यह अनुदान भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रदान किया गया है और फरवरी 2024 से फरवरी 2026 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. संजय सहगल, वित्त एवं व्यवसाय अर्थशास्त्र विभाग को "फैक्ल्टी रिसर्च प्रोग्राम ग्रांट आईओई, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली" के लिए 4,00,000/- रुपये की राशि मंजूर की गई है। यह अनुदान इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और सितंबर 2024 से मई 2025 तक की अवधि के लिए है।

वित्त एवं व्यवसाय अर्थशास्त्र विभाग की डॉ .अप्रा सिन्हा को सह-पीआई के रूप में “मेक इन इंडिया एंड इट्स चैलेंजेस :द पॉलिटिकल इकोनॉमी ऑफ द डिफेंस इंडस्ट्री” नामक शोध परियोजना के लिए 9,50,000 रुपये मंजूर किए गए हैं। यह अनुदान आईसीएसएसआर माइनर प्रोजेक्ट द्वारा प्रदान किया गया है और अप्रैल 2025 से अप्रैल 2026 तक की अवधि के लिए है।

आयोजित संगोष्ठी

डॉ .सुब्रतो बनर्जी ने 5 अप्रैल, 2024 को "कॉंफिडेंट एंड रॉंग: द रोल ऑफ़ डाउट इन शॉपिंग ओपिनियन " विषय पर एक व्याख्यान दिया।

फ्रैक्टिफाई की सह-संस्थापक और सीओओ, वरिष्ठ निवेश बैंकर, सुश्री उत्तरा शर्मा ने 16 अप्रैल, 2024 को 'इंवेस्टमेंट बैंकिंग एंड फिनटेक स्टार्टअप्स' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

वित्त एवं व्यवसाय अर्थशास्त्र विभाग ने 3 और 4 जून, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिणी परिसर के कला संकाय भवन में 'एडवांस्ड एक्सेल फॉर टिचर्स एंड रिसर्च स्कॉलर्स' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया। संसाधन व्यक्तियों में प्रो .सी.पी .गुप्ता और डॉ .सुनील कुमार शामिल थे।

एमबीए)वित्त (कार्यक्रम ने एलुमनी कनेक्ट सीरीज़ 2024 का आयोजन किया। चर्चा का विषय 'रेफ्लेक्शंस एंड लर्निंग्स' था। श्री अंकुश सक्सेना)बैच 2004-06), श्री देवेश जेरथ)बैच 2010-2012), श्री निशांत बनल)बैच 2011-13) और श्री अक्षय वर्मा)बैच 2012-14) ने 27 जुलाई, 2024 को कार्यक्रम में भाग लिया।

ट्रांसयूनियन में परामर्श एवं रणनीति, व्यवसाय एवं उत्पाद विभाग के श्री आभास देवढिया ने 10 अगस्त, 2024 को 'प्लेसमेंट पावर-अप, कंसल्ट बीई' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

पंच फाइनेंशियल सर्विसेज के वित्त प्रमुख श्री करण राठी ने 19 अगस्त, 2024 को "प्रैक्टिकल फंड-रेजिंग इनसाइट्स: डीलिंग विद वेंचर कैपिटल फंड्स" विषय पर एक व्याख्यान दिया।

रासनॉमिक्स के सह-संस्थापक श्री मुदित गंगल (1992 के पूर्व छात्र बैच) ने 20 अगस्त, 2024 को स्ट्रेटजिक मैनेजमेंट-रेस्पोंडिंग टू चेंज: लेसंस फ्रॉम वेल्थ मैनेजमेंट इंडस्ट्री' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

ब्लिस बाय अंजू की संस्थापक सुश्री अंजू कल्हन ने 24 अगस्त, 2024 को 'नेविगेटिंग द बिजनेस लैंड्सकेप: फ्रॉम स्टार्ट-अप टू एक्सपेंशन' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

वेटलैंड्स इंटरनेशनल साउथ एशिया के निदेशक डॉ. रितेश कुमार; सनटरी ग्लोबल स्पिरिट्स के ब्रांड एक्सटेंशन बिजनेस के प्रमुख श्री पृथ्वी हांडा; ज़र्सी के संस्थापक-निदेशक श्री सौरभ बंसल; बैन एंड

कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधक श्री अमोघ गुप्ता; अमेरिकन एक्सप्रेस में एंटरप्राइज़ सदस्यता निदेशक सुश्री मेघा चौहान; अमेरिकन एक्सप्रेस में उत्पाद प्रबंधन एवं ग्राहक वैयक्तिकरण निदेशक श्री निष्काम वर्मा; और गार्टनर में वरिष्ठ सलाहकार श्री अरहम वहाब ने 24 अगस्त, 2024 को 'एक्ससेलिंग इन द एमबीए एक्सपीरियंस: एसेंशियल इनसाइट्स फॉर सक्सेस' विषय पर एक पैनल चर्चा प्रस्तुत की।

जीएमएस के मुख्य राजस्व अधिकारी श्री अनुराग अग्रवाल ने 29 अगस्त, 2024 को 'बिजनेस नेटवर्किंग पोस्ट पैंडमिक टाइम्स' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

क्रिसिल लिमिटेड के टीम लीडर और लीड एनालिस्ट श्री राहुल जोशी और श्री सिद्धेश पाल ने 4 सितंबर, 2024 को 'एसेट बैक्ड सिक्योरिटीज एंड मॉर्गेज-बैक्ड सिक्योरिटीज' पर एक सत्र के साथ-साथ एक लीडरशिप वार्ता भी दी।

नियो एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड की सीईओ-इंटरनेशनल बिज़नेस और निदेशक सुश्री प्रेरणा सोनी ने 8 सितंबर, 2024 को "मैनेजिंग फाइनेंशियल रिस्क इन एसेट पोर्टफोलियो एमिड्स्ट टूडे अनप्रेडिक्टेबल इकोनॉमिक एनवायरमेंट" पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

प्रोस्पर्ट्स कॉन्सुल्को के पार्टनर और वाइस प्रेसिडेंट श्री उत्सव अग्रवाल (सीएफए) ने 28 सितंबर, 2024 को 'वेल्थ मैटर्स: इन्वेस्टिंग इन योर फ्यूचर' पर एक व्याख्यान दिया।

एचडीएफसी कैपिटल एडवाइजर्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और सीईओ श्री विपुल रूंगटा ने 1 अक्तूबर, 2024 को 'कैरियर इनसाइट्स' पर एक व्याख्यान दिया।

होम क्रेडिट इंडिया के सीएमओ श्री आशीष तिवारी ने 3 अक्तूबर, 2024 को 'ऑपरेटिंग इन द वीयूसीए वर्ल्ड' पर वार्ता दी।

ओक नॉर्थ के पूर्व निदेशक और आईसीआरए के पूर्व उपाध्यक्ष, श्री हर्ष जगनानी ने 17 अक्तूबर, 2024 को 'बेसिक्स ऑफ क्रेडिट एप्रैजल एंड कॉर्पोरेट लेसन' पर एक व्याख्यान दिया।

बीडीओ इंडिया के एसोसिएट निदेशक, श्री प्रांजल शुक्ला ने 19 अक्तूबर, 2024 को 'बिल्डिंग ए करियर इन सस्टेनेबिलिटी एंड ईएसजी' पर एक व्याख्यान दिया।

टेक महिंद्रा फाउंडेशन की मानव संसाधन और प्रशासन प्रमुख, सुश्री शर्मिष्ठा रे ने 19 अक्तूबर, 2024 को 'ऑर्गनाइजेशनल अलाएमेंट फॉर सोशल इंपेक्ट' पर एक व्याख्यान दिया।

एक्सा एक्सएल के परिचालन प्रमुख, श्री इंद्रनाथ मुखर्जी ने 24 अक्तूबर, 2024 को 'एआई इंटीग्रेशन ऑन कॉर्पोरेट प्लेटफॉर्म्स' पर एक व्याख्यान दिया।

सेक्रेटेरिएट के परामर्शदाता अर्थशास्त्री, श्री अभिजीत मुखोपाध्याय ने 09 जनवरी 2025 में 'फ्यूचर ऑफ ग्लोबल ट्रेड एंड बिजनेसेस अंडर ट्रम्प' पर एक व्याख्यान दिया।

वनटूवन आईएलओ कंसल्टिंग की निदेशक (विलय एवं अधिग्रहण) सुश्री बरखा छाबड़ा ने 16 जनवरी, 2025 को 'फंड रेजिंग फ्रेमवर्क: स्ट्रेटजिक एप्रोचेस टू विनिंग इनवेस्टर कॉंफिडेंस एंड सेक्यूरिंग कैपिटल' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष, श्री जिष्णु बरुआ ने 23 जनवरी, 2025 को 'क्राइसिस लीडरशिप एंड इम्पोर्टेंस ऑफ रेग्यूलेटरी अथॉरिटीज' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

एएसआई प्रभाग (एनएसएसओ, कोलकाता) के संयुक्त निदेशक, श्री सोमनाथ जाना ने 29 जनवरी, 2025 को 'यूजिंग यूनिट-लेवल एएसआई (एनुअल सर्वे ऑफ इंडस्ट्रीज)' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

माईग्लैम के एनालिटिक्स प्रमुख, श्री आदित्य सिन्हा ने 30 जनवरी, 2025 को 'डेमीसटीफाइंग फाइनेंस एंड एनालिटिक्स' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

आयोजित सम्मेलन

- एमबीए (वित्त) कार्यक्रम द्वारा 22 सितंबर, 2024 को 'फाइनेंशियल फॉर्टिट्यूड: इंडिया रिस्पोंस टू ग्लोबल हेडविंड्स' नामक सम्मेलन का आयोजन किया गया।
- एमबीए (व्यवसाय अर्थशास्त्र) कार्यक्रम द्वारा 26 अक्तूबर, 2024 को 'एनुअल कन्वेंशन' नामक सम्मेलन का आयोजन किया गया।
- एमबीए (व्यवसाय अर्थशास्त्र) कार्यक्रम की पूर्व छात्र संबंध एवं सांस्कृतिक समिति द्वारा 4 जनवरी, 2025 को 'इम्प्रिंट्स' नामक सम्मेलन का आयोजन किया गया।
- एमबीए (व्यवसाय अर्थशास्त्र) कार्यक्रम की प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट समिति द्वारा 18 जनवरी, 2025 को 'एचआर समिट' नामक सम्मेलन का आयोजन किया गया।
- एमबीए (व्यवसाय अर्थशास्त्र) कार्यक्रम द्वारा 1 फरवरी, 2025 को 'विश्लेषण+मूल्यांकन+मार्कक्वेस्ट' नामक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

अंतर्राष्ट्रीय

- डॉ .अप्रा सिन्हा ने 3-5 जनवरी, 2025 को सैन फ्रांसिस्को**,** कैलिफ़ोर्निया**,** अमेरिका में आयोजित ASSA/AEA 2025 बैठक में अमेरिकी एशियाई आर्थिक अध्ययन समिति के समक्ष

'डिजिटलाइजेशन एंड मेटेरियल वेल-विंग एट द हाउसहोल्ड लेवल' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। यह शोध-पत्र अमेरिकन इकोनॉमिक एसोसिएशन और अमेरिकन कमेटी ऑन एशियन इकोनॉमिक स्टडीज द्वारा आयोजित और आयोजित किया गया था।

- डॉ .अप्रा सिन्हा ने 3-5 जनवरी, 2025 को सैन फ्रांसिस्को, कैलिफ़ोर्निया में आयोजित एएसएसए/एईए 2025 बैठक में अमेरिकी एशियाई आर्थिक अध्ययन समिति के समक्ष डॉ . डोंगह्युन पार्क)प्रमुख अर्थशास्त्री, एशियाई विकास बैंक)एडीबी)) के शोध-पत्र "एडॉप्शन ऑफ डिजिटल टेक्नोलॉजीज, बिजनेस मॉडल इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरियल फर्म परफॉरमेंस :एविडेंस फ्रॉम आसियान स्टार्ट-अप्स "पर चर्चाकर्ता के रूप में कार्य किया। इस सत्र का आयोजन अमेरिकन इकोनॉमिक एसोसिएशन और अमेरिकन कमेटी ऑन एशियन इकोनॉमिक स्टडीज द्वारा किया गया था।
- डॉ .अप्रा सिन्हा ने ऑक्सफ़ोर्ड विश्वविद्यालय और सईद बिज़नेस स्कूल द्वारा आयोजित 29वें फोरकास्टिंग फ़ाइनेंशियल मार्केट्स एसोसिएशन सम्मेलन में, 11-13 सितंबर, 2024 को 'फ़ाइनेंशियल इनक्लूजन एंड कंजप्शन स्मूथिंग' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. अप्रा सिन्हा ने ब्रुनेल विश्वविद्यालय, लंदन में रिमिनी सेंटर फॉर इकोनॉमिक एनालिसिस (कैलिफ़ोर्निया रिवरसाइड विश्वविद्यालय और मिलानो-बिकोका विश्वविद्यालय) द्वारा आयोजित आरसीईए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "इकोनॉमिक्स, इकोनॉमेट्रिक्स, एंड फाइनेंश-आईसीईईएफ" में 'ट्रांजिट्री कंजप्शन, फ़ाइनेंशियल इनक्लूजन एंड डिजिटल इकोनॉमी' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। 20-22 मई, 2024
- डॉ. अप्रा सिन्हा ने बैंक ऑफ थाईलैंड, पुए उंगफाकोर्न इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक रिसर्च में 20 मई, 2024 को 'मोनेट्री एंड फिस्कल पॉलिसीस इन एमर्जिंग मार्केट्स अमिद हाइटेनेड अनसर्टैंटी' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। (सह-लेखक द्वारा प्रस्तुत)
- डॉ. सोनल ठुकराल ने 21 मई, 2024 को ब्रुनेल यूनिवर्सिटी लंदन में रिमिनी सेंटर फॉर इकोनॉमिक एनालिसिस, यूनिवर्सिटी ऑफ रिवरसाइड, कैलिफोर्निया और ब्रुनेल यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित 2024 आरसीई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस इन इकोनॉमिक्स, इकोनॉमेट्रिक्स एंड फाइनेंस में 'डू लीगल सिस्टम, गवर्नेंस, एंड बिजनेस रेगुलेशंस इंफ्लुएंस द क्रेडिट स्ट्रक्चर ऑफ एन इकोनॉमी?' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय

- प्रोअनन्या घोष दस्तीदार ., अप्रैल 13, को भारतीय सांख्यिकी संस्थान 2024, नई दिल्ली में आयोजित आर्थिक मॉडलिंग विशेषांक सम्मेलन में "इंडिया इकोनॉमिक ग्रोथपास्ट :, प्रेजेंट एंड फ्यूचरविषय पर पैनल चर्चा में पैनलिस्ट थीं। "
- प्रोफ़रवरी 12 अनन्या घोष दस्तीदार ने .,) को श्री अरबिंदो कॉलेज 2025प्रातः" में (फ्रॉम शोध-पत्र टू गवर्नेंस2025 द रियल इंपेक्ट ऑफ बजट :" विषय पर एक संगोष्ठी दी।
- प्रोअनन्या घोष दस्तीदार ., फ़रवरी 17, को 2025 जीजीएसआईपीयू में इंद्रप्रस्थ रणनीति और नीति अनुसंधान केंद्र " द्वारा आयोजित (आईसीएसपीआर)एलाइंग द पेडालॉजिकल एंड करीकुलर एप्रोच ऑफ एचईआई विद सस्टनेबल डेवलपमेंट गोल्सविषय पर पैनल चर्चा में पैनलिस्ट थीं। "
- प्रोमार्च 3 अनन्या घोष दस्तीदार ने .,को श्री अ 2025रबिंदो कॉलेज)संध्या" में (एक्सप्लोरिंग रियल एंड फाइनेंशियल सेक्टर इंटरलिंकजेस विषय पर एक संगोष्ठी दी। "
- प्रोमार्च 11 और 10 अनन्या घोष दस्तीदार ने ., को 2025'इफेक्टिवनेस ऑफ डीएवाई-एनयूएलएमप्रोग्राम' एंड 'इवेल्युटिंग द एंटरप्रेन्योरियल इंपैक्ट ऑफ द पीएम स्वनिधि स्कीम ऑन स्ट्रीट वेंडर्स' परियोजनाओं के लिए विशेषज्ञ सलाहकार के रूप में व्याख्यान दिए और हितधारकों के साथ परामर्श सत्र आयोजित किए। पी.आई., डॉवास्तुकला एवं योजना) नंद कुमार . विभाग, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुरने (भी इस अवसर पर व्याख्यान दिए।
- डॉ6 अप्रा सिन्हा ने .-जुलाई 7, आईआईटी के छठे -को आईआईटी धनबाद में आयोजित पैन 2024 अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय बाज़ार, कॉर्पोरेट वित्त सम्मेलन में 'हाउसहोल्ड मेटेरियल वेल विंग एंड कंजप्शन-शॉक्स' शीर्षक से एक शोधपत्र- प्रस्तुत किया।
- डॉजुलाई 7 और 6 अप्रा सिन्हा ने ., आईआईटी -को आईआईटी धनबाद में आयोजित पैन 2024 के छठे अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय बाज़ार, कॉर्पोरेट वित्त सम्मेलन में 'फैक्टर्स अफेक्टिंग वेंडर्स टू चूस गवर्मेंट स्कीम टू बिजनेस' शीर्षक से एक शोधपत्र- में चर्चाकर्ता की भूमिका निभाई।
- डॉ नेगी ने हिमाचल प्रदेश में .एम.सी .'द इंपैक्ट ऑफ मार्केटिंग चैनल ऑन द टोटल रिवेन्यू एंड प्राइस ऑफ द एप्पल क्रॉप' शीर्षक से एक शोधपत्र- प्रस्तुत किया। जिंदल स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नेंस, 4-जून 6, 2024।
- डॉदिसंबर 10 नेगी ने .एम.सी .,को दिल्ल 2024ी विश्वविद्यालय के हिमालय अध्ययन केंद्र में 'इंपैक्ट ऑफ क्लाइमेट चैंज ऑन द एग्रीक्लचर इन वेस्टर्न हिमालयन रीजन :अ केस स्टडी ऑफ हिमाचल प्रदेश' शीर्षक से एक शोधपत्र- प्रस्तुत किया।
- डॉ10 नेगी ने .एम.सी .-जनवरी 11, को विश्व भारती विश्वविद्यालय के कृषि 2025अर्थशास्त्र विभाग, पश्चिम बंगाल में 'द डिग्री एंड डेटर्मिनेंट ऑफ कॉमर्शियलाइजेशन ऑफ एग्रीकल्चर थ्रू

एप्पल इन द वेस्टर्न हिमालयन स्टेट ऑफ हिमाचल प्रदेश' शीर्षक से एक शोधपत्र- प्रस्तुत किया।

- डॉफ़रवरी 15 नेगी ने .एम.सी ., को नागालैंड विश्वविद्यालय के ग्र 2025ामीण विकास एवं योजना विभाग में 'द स्पाटियल टेम्पोरल इकोनॉमिक एनालाइसिस ऑफ एप्पल क्रॉप इन-हिमाचल प्रदेश' शीर्षक से एक शोधपत्र- प्रस्तुत किया।
- डॉनेगी ने मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय .एम.सी ., हैदराबाद में 13 जुलाई से 1 जुलाई, तक सहायक प्रो 2024फेसरों के लिए "एग्रीकल्चर डेवलपमेंट इन इंडिया सिंस इंडिपेंडेंस एंड वेय फॉरवर्डविषय पर एक एफडीपी व्याख्यान दिया। (ऑनलाइन) "
- डॉनेगी ने एमएमटीटीसी लक्ष्मीभाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान .एम.सी ., ग्वालियर में 28/08/25 से 2024/09/" तक 2024इकोनॉमिक फिलोसफी ऑफ इंडियन कंस्टीट्यूशनविषय पर " एक एफडीपी व्याख्यान दिया।
- डॉसोनल ठुकराल ने मई ., में यूजीसी महात्मा हंसराज मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण 2024 (एमएमटीटीसी-एमएच) केंद्र, हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित शोध पद्धति पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 'एम्बार्किंग द जर्नी ऑफ रीसर्च: सेलेक्टिंग टॉपिक, फ्रेमिंग ऑब्जेक्टिव्स एंड हाइपोथेसिस' शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।
- डॉफरवरी 11 सौरभ सिंह ने ., को प्रबंधन अध्ययन विभाग 2025, प्रबंधन अध्ययन संकाय जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएसएसआर)'एनॉलाइजिंग द बिहेवियरल फैक्टर्स एंड रिटेल इंवेस्टर डिसीजन मेकिंगए सिस्टमेटिक लिटरेचर रिव्यू यूजिंग पीआरआईएसएमए :, डिजिटल और स्वास्थ्य समावेशन को आगे बढ़ानाविकसित भारत :@की ओर कदम 2047' में 'व्यवहार कारकों और खुदरा निवेशक निर्णय लेने का विश्लेषणप्रिज्मा का उपयोग करके एक : व्यवस्थित साहित्य समीक्षा' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

औद्योगिक विकास अध्ययन संस्थान (आईएसआईडी), नई दिल्ली के साथ नवंबर 2022 से तीन वर्षों की अवधि के लिए एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। प्रो. अनन्या घोष दस्तीदार समन्वयक के रूप में कार्यरत हैं। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, 28 मार्च, 2024 को दोनों संस्थानों के संकाय सदस्यों और शोधार्थियों के लिए 'औद्योगिक एवं कॉर्पोरेट विश्लेषण हेतु डेटाबेस' पर एक क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं और कार्यशालाओं के संचालन हेतु अप्रैल 2024 से रूसी संघ सरकार के अंतर्गत वित्तीय विश्वविद्यालय, अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक एवं शैक्षिक परियोजना केंद्र के साथ सहयोग।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

एमबीए (वित्त)-48 में से 27 छात्र नियोजित (56%)

एमबीए (व्यवसाय अर्थशास्त्र)-74 में से 42 छात्र नियोजित (58%)

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

योग दिवस- दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिण परिसर के वित्त एवं व्यवसाय अर्थशास्त्र विभाग में 21 जून, 2024 को प्रातः 11 बजे योग दिवस मनाया गया। विभाग के संकाय सदस्यों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने योग सत्र में भाग लिया। प्रतिभागियों ने कपालभाती, अनुलोम-विलोम, भस्त्रिका और भ्रामरी जैसे श्वास प्राणायाम किए। प्रतिभागियों ने सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, वृक्षासन, अधोमुख शवासन, त्रिकोणासन, नौकासन, भुजंगासन आदि योगासन भी किए।

फुटबॉल प्रतियोगिता-13 अगस्त, 2024

बैडमिंटन टूर्नामेंट, एक्सौसिया-द स्पोर्ट्स क्लब ऑफ एमबीए (व्यवसाय अर्थशास्त्र) द्वारा आयोजित-16 नवंबर, 2024

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी. (वित्त)-2
पीएच.डी. (व्यवसाय अर्थशास्त्र)-0
एम.फिल-0

संकाय सदस्य संख्या

कुल: 14 (चौदह): (प्रोफ़ेसर-04, एसोसिएट प्रोफ़ेसर-02, सहायक प्रोफ़ेसर-08)

***

कला संकाय
अरबी विभाग

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

अरबी विभाग ने 29 मई, 2024 को जॉर्डन के विद्वान डॉ. अदनान अब्देल हमीद कादिम द्वारा "विदेशी भाषाओं का सीखना और अरबी भाषा के विशेष संदर्भ में अनुवाद विधि" विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया।

ईएफएलयू, हैदराबाद के प्रोफेसर इकबाल हुसैन, जेएमआई के प्रोफेसर फौजान अहमद और जेएनयू के प्रोफेसर मोहम्मद कुतुबुद्दीन द्वारा 30 मई, 2024 को "शोध पद्धति" पर तीन विस्तार व्याख्यान आयोजित किए।

विभाग ने 19 जुलाई, 2024 को सऊदी विद्वान, प्रोफेसर सारा अल कहतानी द्वारा "श्रवण कौशल" पर एक विशेष व्याख्यान का भी आयोजन किया।

इस्लामिक फ़िक़्ह अकादमी (भारत) के सहयोग से “अरबी अध्ययन में भारतीय महिलाओं का योगदान” विषय पर 21-22 अगस्त, 2024 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

16 जनवरी, 2025 को "विश्व अरबी दिवस" के अवसर पर एक कार्यक्रम आयोजित किया।

“अरबी भाषा और साहित्य में बीसवीं सदी के भारतीय विद्वानों का योगदान” विषय पर 12-13 फरवरी, 2025 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

सम्मान/विभूतियां

छात्र

एम.ए. अरबी (2024-2025) के छात्र आमिर अब्बास को फरवरी 2025 के दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

- अख्तर, एम. (2025). मुहम्मद मरमादुके पिकथॉल द्वारा पवित्र कुरान के अर्थों और उसकी विशिष्ट विशेषताओं के अनुवाद का अवलोकन। अल बास अल इस्लामी, 71 (मार्च), 59-65. आईएसएसएन: 2347-2456. https://albasulislami.com/
- अख्तर, एसएच (2024)। अरबी में मरसिया निगारी. सलूनी, (जून-अगस्त), आईएसएसएन: 2348-2567।

आयोजित संगोष्ठियां

- “अरबी अध्ययन में भारतीय महिलाओं का योगदान” विषय पर 21-22 अगस्त, 2024 के दौरान इस्लामिक फ़िक़्ह अकादमी (भारत) के सहयोग से दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।
- विभाग ने "अरबी भाषा और साहित्य में बीसवीं सदी के भारतीय विद्वानों का योगदान" विषय पर 12-13 फरवरी 2025 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

अंतरराष्ट्रीय

- प्रो. नैमुल हसन ने 10 से 12 अक्तूबर 2024 के दौरान दुबई (यूएई) में अरबी भाषा के लिए अंतर्राष्ट्रीय परिषद द्वारा आयोजित "अरबी भाषा" पर 10 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में"शेख अबुल वफ़ा सनाउल्लाह अल-अमृतसरी और अरबी भाषा और इस्लामी विज्ञान के विकास में उनका योगदान "शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय

- इस्लामिक फ़िक़्ह अकादमी (भारत) के सहयोग से अरबी विभाग द्वारा 21-22 अगस्त, 2024 के दौरान आयोजित “अरबी अध्ययन में भारतीय महिलाओं का योगदान” विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान “सत्वत रेहाना और उनकी खिदमत” शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।
- देश बंधु कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा "साहित्य में नरक" विषय पर 22 अक्तूबर 2024 को आयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी में "अरबी साहित्य में नरक" शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।
- डॉ. असगर महमूद ने 24 से 25 दिसंबर 2024 के दौरान इस्लामिक फ़िक़्ह अकादमी ऑफ़ इंडिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "इजेमाई अमन व हम अहंगी क़ाम रखने में दीनी इदारोन का रोल" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान "इज्तेमाई अमन व हम अहंगी की ज़रूरत व अहमियत-शरीयत-ए-इस्लामिया की रोशनी में" शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।
- डॉ. मुजीब अख्तर ने इस्लामिक फिकह अकादमी ऑफ इंडिया, नई दिल्ली द्वारा 24-25 दिसंबर 2024 के दौरान आयोजित "इजमाई अमन हम अहंगी कद रखने में दीनी इमारतों की भूमिका" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान "सांप्रदायिक शांति और सद्भाव बनाए रखने में मदरसों की भूमिका" शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के अरबी विभाग द्वारा फरवरी, 2025 के दौरान आयोजित "अरबी भाषा और साहित्य में बीसवीं सदी के भारतीय विद्वानों का योगदान" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान "मुहम्मद अलहसानी व मुसहमातुहु फी सहाफा अल अरबिया" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के अरबी विभाग द्वारा 12-13 फरवरी, 2025 के दौरान डॉ. मोहम्मद अकरम ने “अरबी भाषा और साहित्य में बीसवीं सदी के भारतीय विद्वानों का योगदान” विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान “मौलवी अब्दुर रहमान और उनकी अरबी खिदमत” शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के अरबी विभाग द्वारा 12-13 फरवरी, 2025 के दौरान डॉ. मुजीब अख्तर ने “अरबी भाषा और साहित्य में बीसवीं सदी के भारतीय विद्वानों का योगदान” विषय

पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान "मौलाना अब्दुल नूर नदवी: जीवन और अरबी भाषा और साहित्य में योगदान" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्लेसमेंट विवरण (नियुक्त छात्रों की संख्या एवं प्रतिशत)

90% छात्रों को प्लेसमेंट मिल गया।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी.डिग्रियों की संख्या

संकाय संख्या

पीएच.डी.	: 02
प्रोफेसर	: 02
एसोसिएट प्रोफेसर	: 0
सहायक प्रोफेसर	: 03
अतिथि	: 04
कुल	: 09

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- किंग सलमान इंटरनेशनल एकेडमी फॉर अरेबिक लैंग्वेज, रियाद, सऊदी अरब के एक प्रतिनिधिमंडल ने विभाग का दौरा किया। इस प्रतिनिधिमंडल का स्वागत प्रो. एस. हसनैन अख्तर (विभागाध्यक्ष), प्रो. नीरा अग्निमित्रा (अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय संबंध, दिल्ली विश्वविद्यालय), प्रो. चंद्रशेखर (पूर्व अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय संबंध) और प्रो. अमिताव चक्रवर्ती (डीन, कला संकाय) तथा विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने 18-07-2024 को किया।
- सरकारी डिग्री कॉलेज, थन्नामंडी, राजौरी जम्मू और कश्मीर के अरबी विभाग द्वारा 06-02-2025 को आयोजित एक राष्ट्रीय कार्यशाला के दौरान "डिजिटल युग में अरबी भाषा" पर एक व्याख्यान दिया।
- श्री जमालुद्दीन के नेतृत्व में बोहरा समुदाय के एक प्रतिनिधिमंडल ने विभाग का दौरा किया और प्रतिनिधिमंडल का स्वागत प्रो. एस. हसनैन अख्तर (विभागाध्यक्ष) और प्रो. अनिल राय (डीन, अंतर्राष्ट्रीय संबंध, दिल्ली विश्वविद्यालय) ने 25-08-2024 को किया।
- प्रो. एस. हसनैन अख्तर ने अरबी विभाग, ज़ाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज (सांध्य) द्वारा दिनांक 05.05.2015 को आयोजित "भारत में अरबी भाषा और साहित्य" विषय पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

***

बौद्ध विभाग

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

- आईआईएम जम्मू द्वारा 20 दिसंबर, 2024 के दौरान आयोजित एम.ए.मटीटीपी के तहत "नर्चरिंग फ्यूचर लीडरशिप प्रोग्राम (बैच-8)" में भागीदारी के लिए विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

सम्मान/विभूतियां

छात्र

- 22 फरवरी, 2025 को लालमणि-प्रोफेसर महेश तिवारी मेमोरियल गोल्ड मेडल से सम्मानित किया जाएगा।
- मास्टर ऑफ आर्ट्स (2024-2025) के छात्र गुयेन वान कुओंग को 22 फरवरी, 2025 को एम.ए. बौद्ध अध्ययन में विश्वविद्यालय पदक प्राप्त हुआ।

प्रकाशन

- शर्मा, एन. (2024). बौद्ध धर्म और सामाजिक न्याय: करुणा और समानता का मार्ग. आमनायिकी, 26.
- तिवारी, के.एन., और शर्मा, एन. (2024)। बौद्ध धर्म और अहिंसा: बौद्ध शिक्षाओं और संघर्ष समाधान के बीच संबंधों की खोज। जर्नल ऑफ विजुअल एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स, 5(6), 1389-1396। https://doi.org/10.29121/shodhkosh.v5.i6.2024.2332
- शर्मा, एन. (2024)। मध्य प्रदेश की पुरा विरासत मंदसौर की गुफाएँ [मध्यप्रदेश की प्राचीन धरोहर: मंदसौर की गुफाएँ। समकलीन हस्तक्षेपे का जर्नल, 17(4), 180-185।
- शर्मा, एन. (2024). अशोक का आदर्श और सामाजिक कल्याण. आमनायिकी, 25, 424-429.

अनुसंधान परियोजनाएँ

- इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ . निशांत कुमार, गैर-अस्तित्व पर गोर्गियास बनाम शून्यता पर नागार्जुन: शून्यवाद पर एक दार्शनिक अध्ययन, ₹ 3,00,000/-, अगस्त, 2024-मई 2025।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

अंतरराष्ट्रीय

- डॉ. निरजा शर्मा ने 5-6 नवंबर, 2024 को नई दिल्ली में आयोजित प्रथम एशियाई बौद्ध शिखर सम्मेलन 2024 में “एशिया को मजबूत बनाने में बुद्ध धर्म की भूमिका” पर “स्थायित्व से

संबंधित बौद्ध सिद्धांत" शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया। यह सम्मेलन भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय और अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) द्वारा आयोजित किया गया।

- डॉ. निरजा शर्मा ने अफ्रीकी अध्ययन विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 6-7 मार्च, 2024 को आयोजित "भारत-अफ्रीका संबंध: नए रास्ते तलाशना और भविष्य का मिलकर निर्माण करना" विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान "भारत-अफ्रीका संबंध: ऐतिहासिक संबंधों और समकालीन गतिशीलता की खोज" शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।
- डॉ. निशांत कुमार ने "वैज्ञानिक प्रकृतिवाद के संदर्भ में हम मोक्षविज्ञान को कैसे समायोजित करेंगे? एक बौद्ध उत्तर *"शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया। यह शोध-आलेख "*बुद्ध धम्म और शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान, स्वास्थ्य सेवा और कल्याण में इसके अनुप्रयोग" पर युवा बौद्ध विद्वानों के दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया। यह सम्मेलन अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 7 अगस्त, 2024 को डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय

- डॉ. निरजा शर्मा ने 16 मार्च, 2024 को हरिद्वार, उत्तराखंड में आयोजित भारतीय भाषा सम्मेलन के दौरान "पाली एक शास्त्रीय भाषा के रूप में" *शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।*

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

धर्मशाला और संघोल का एक शैक्षिक दौरा 28-02-2025 से 02-03-2025 के दौरान आयोजित किया गया।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी.डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी. : 22

संकाय संख्या

प्रोफेसर : 01

एसोसिएट प्रोफेसर : 01

सहायक प्रोफेसर :10

कुल **:**12

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

विभाग को ₹ 0.0276 करोड़ आवंटित किए गए, जिसमें से ₹ 0.017607327 करोड़ का उपयोग वित्तीय वर्ष 2024-25 में किया गया।

***

अंग्रेजी विभाग

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

अंग्रेजी विभाग की स्थापना का वर्ष दिल्ली विश्वविद्यालय के समान ही 1922 है।

यह विभाग एम.ए. और पीएच.डी.स्तर पर डिग्री प्रदान करता है और दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध 79 कॉलेजों में स्नातक शिक्षण की देखरेख करता है।

विभाग ने 1970 से दो परिसरों से कार्य करना शुरू किया: मुख्य परिसर कला संकाय, उत्तरी दिल्ली और दक्षिणी परिसर धौला कुआं, दक्षिणी दिल्ली।

विभाग गैर-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड में एम.ए. (अंग्रेजी) कार्यक्रम की भी देखरेख करता है।

विभाग अपने विद्यार्थियों को कक्षा के अंदर और बाहर विभिन्न मंचों पर गहन मार्गदर्शन प्रदान करता है; तथा इसका कैलेंडर विभिन्न विषयों पर निरंतर व्याख्यान, फिल्म स्क्रीनिंग, संगोष्ठियां, सम्मेलन और संगोष्ठी से बना है।

क्यूएस रैंकिंग 2024 में दिल्ली विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग को 101-150 के बीच स्थान दिया गया है।

सम्मान/विभूतियां

संकाय

- अनेजा, अनिल कुमार, निदेशक, विकलांगता अध्ययन केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय।
- प्रेरणा मल्होत्रा, संयुक्त निदेशक, हिंदू अध्ययन केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय।

प्रकाशन

- पौ, केबी वेयो (2024). स्मरणोत्सव: भारत के पूर्वोत्तर में 'भूली हुई लड़ाई' की यादें। *द क्राइटेरियन:* एन इंटरनेशनल जर्नल इन इंग्लिश, 15(5), 164-177. https://doi.org/10.5281/zenodo.14107991
- वत्स, एन., और गोयल, के. (2024). सांस्कृतिक सीमाओं की खोज: चयनित अंग्रेज़ी कथा साहित्य में मेटाफ़िक्शन और अनुवाद का अंतर्संबंध। शोधकोश: जर्नल ऑफ़ विज़ुअल एंड

परफ़ॉर्मिंग आर्ट्स, 5(4), 1285-1291.https://doi.org/10.29121/shodhkosh.v5.i4.2024.4176

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय/संपादित पुस्तकें

- अनेजा, ए.के., और वत्स, एन. (सं.) (2025)। साहित्य और दृश्य कला में विकलांगता अध्ययन को अग्रभूमि में लाना । ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, इंडिया। आईएसबीएन 978-93-6725-913-9। https://amzn.in/d/9zRJS1e
- चटर्जी, एस., और सहगल, ए. (2024). भारत में होलोकॉस्ट शिक्षा: शांतिपूर्ण, लचीले और समावेशी समाजों को बढ़ावा देना . नई दिल्ली: सीबीएसई और यूनेस्को. https://unesdoc.unesco.org/ark%3A/48223/pf0000388406?utm_
- चटर्जी, एस. (2024). "गोक्स, घर जाओ!": संयुक्त राज्य अमेरिका में वियतनामी। एम. लुनेनबोर्ग और बी. रोट्टेगर-रोसलर (सं.), द अफेक्टिव फॉर्मेशन ऑफ़ पब्लिक्स: प्लेसेस, नेटवर्क्स एंड मीडिया (पृष्ठ 231-251) में। रूटलेज। https://doi.org/10.4324/9781003365426-16
- देवदासन, सी.आर. (2025)। सतीश गुजराल और विकलांगता की प्रतिनिधित्वात्मक कठिनाइयाँ। ए.के. अनेजा और एन. वत्स (सं.), साहित्य और दृश्य कला में विकलांगता अध्ययन को अग्रभूमि में प्रस्तुत करना (पृष्ठ 171-180)। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस इंडिया। https://india.oup.com/product/foregrounding-disability-studies-in-literature-and-visual-arts-9789367259139/?utm
- पोउ, केबीवी (2024)। शहर में बेचैनी। एस. चौधरी और पी. गिल (सं.) में, लेकिन मैं आप में से एक हूँ: पूर्वोत्तर भारत और अपनेपन का संघर्ष (पृष्ठ 35-47)। हार्पर कॉलिन्स पब्लिशर्स इंडिया। https://harpercollins.co.in/product/but-i-am-one-of-you-2/?utm
- पोउ, केबीवी (2024)। 'साझा स्मृतियाँ, साझा कथा-कोष': अंग्रेजी में नागा लेखन पर कुछ अंतर्दृष्टियाँ। एम.ए.ल पचुआउ और ए. दैमारी (सं.), पूर्वोत्तर भारत के साहित्य की व्याख्या (पृष्ठ 174-187)। ब्लूम्सबरी इंडिया। https://www.bloomsbury.com/in/interpreting-literature-from-northeast-india-9789356408524/?utm
- राजा, आई. (2024). स्मृतियों से कहीं बढ़कर: तीन भारतीय लघु कथाओं में वृद्धावस्था और भौतिक वस्तुओं से लगाव। पी. चक्रवर्ती और के. बख्शी (संपादक), भारत में वृद्धावस्था और आयुवाद की संस्कृतियाँ (पृष्ठ 145-156)। रूटलेज।https://doi.org/10.4324/9780429352560-9
- सिंह, वी.के. (2024). 'हेनरी पंचम और युधिष्ठिर की तुलना: राजा हेनरी पंचम *और* महाभारत में राजत्व की राजनीति '। आर. बनर्जी और वाई. चेन (सं.), शेक्सपियर और राजनीति:

एलिज़ाबेथ की राजनीति और एशियाई ज़रूरतें (पृष्ठ 98-111). ब्लूम्सबरी इंडिया. https://doi.org/10.5040/9789356408951.ch-005

अनुसंधान परियोजनाएँ

- यूनेस्को, प्रोफेसर सुबर्नो चटर्जी, 'प्रलय और नरसंहार शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (आईपीएचजीई)' पीआई के रूप में।

आयोजित सम्मेलन

- सम्मेलन का शीर्षक, '20वीं सदी के साहित्य और संस्कृति में विकलांगता का मानचित्रण' विषय पर 17-18 अक्तूबर, 2024 के दौरान आयोजन किया गया ।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

अंतरराष्ट्रीय

- क्रिस्टेल आर देवडॉसन ने 'बीसवीं सदी के साहित्य और संस्कृति में विकलांगता का मानचित्रण' विषय पर अक्तूबर, 2024 में आयोजित आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'विकलांगता, लड़कियों के लिए कथा साहित्य और अनिच्छुक बीसवीं सदी' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

- सुबर्नो चटर्जी ने फरवरी, 2025 में एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला के दौरान 'राफ्टिंग टू बॉम्बे: नहूम लॉफर की विस्थापन, शरण और वापसी की कहानी' शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।

- सितंबर, 2024 में एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान, 'क्या मैं आपकी तुलना करूं..? ': डीयू अंग्रेजी विभाग में तुलनात्मक तत्वों का एक सर्वेक्षण' शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय

- क्रिस्टेल आर देवडॉसन ने एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया, जिसका शीर्षक था, जनवरी, 2025 में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान 'लिंग और साहित्य' पर चर्चा की।

- क्रिस्टेल आर देवडॉसन ने एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया, जिसका शीर्षक था, 'पेंट, प्रिंट और डिजिटल मीडिया के माध्यम से भारतीय दृश्य संस्कृतियों के लिए दृश्य संभावनाएँ और भारतीय प्रस्तावना: बदलते पैटर्न और संभावनाओं को आकार देना' जनवरी, 2025 में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

- क्रिस्टेल आर देवदासन ने 'उत्तर औपनिवेशिक भारत में चित्रण और दृश्यता की सीमाएं' शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया। जनवरी, 2025 में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

- सुबर्नो चट्टारजी ने जनवरी, 2025 में आयोजित एक संगोष्ठी के दौरान 'होलोकॉस्ट और नरसंहार शिक्षा पर यूनेस्को-यूएसएचएम.ए.म अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम के अनुभव' शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।

- सुबर्नो चत्तरजी ने एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया जिसका शीर्षक था, "हमारे युद्ध के बाद, प्रेम कैसे बोलेगा?" सितंबर, 2024 में विल्सन कॉलेज, मुंबई में वल्नरेबिलिटी स्टडीज ऑनलाइन कोर्स और हैदराबाद विश्वविद्यालय में यूनेस्को चेयर इन वल्नरेबिलिटी स्टडीज के दौरान "वियतनाम युद्ध कविता में वल्नरेबिलिटी का प्रतिनिधित्व" पर चर्चा की।

- सुबर्नो चट्टारजी ने जून, 2024 में नरसंहार सम्मेलन के परिप्रेक्ष्य-75 वर्ष बाद के दौरान 'अत्याचार अपराधों के इतिहास के बारे में शिक्षा' शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।

आमंत्रित वार्ता

- जुलाई, 2024 में हैदराबाद विश्वविद्यालय में एसडीजी, अनिश्चितता और साहित्यिक अध्ययन पर एक लघु-अवधि कार्यक्रम के दौरान इरा राजा ने 'बंद होने का विरोध: महामारी कविता में लाशें और संक्रमण' शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।

- इरा राजा ने जुलाई, 2024 में हैदराबाद विश्वविद्यालय में सतत विकास लक्ष्य, अनिश्चितता और साहित्यिक अध्ययन पर एक लघु-अवधि कार्यक्रम के दौरान 'अर्थ निर्माण: तीन भारतीय लघु कथाओं में जीवन के अंतिम चरण में वस्तुओं से लगाव' शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।

- इरा राजा ने दिसंबर 2024 में थीसिस इलेवन वार्षिक व्याख्यान के दौरान 'विउपनिवेशवाद से कौन डरता है?' शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।

एक्सचेंज प्रोग्राम के अंतर्गत छात्र : 0

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी.डिग्रियों की संख्या

एम.फिल : 60

पीएच.डी. : 06

संकाय संख्या

प्रोफेसर : 08

एसोसिएट प्रोफेसर : 12

सहायक प्रोफेसर : 06

कुल : 26

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

विभाग को ₹ 1949000.00 करोड़ की धनराशि आवंटित की गई, जिसमें से ₹1889626.00 करोड़ का उपयोग वित्तीय वर्ष 2024-2025 में किया गया।

***

जर्मनिक और रोमांस अध्ययन विभाग

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

जर्मनिक विभाग ने 21-22 फरवरी, 2025 को “जब सबाल्टर्न बोलता है...:हाशिये पर रहने वालों से पूछताछ” शीर्षक से एक वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

सम्मान/विभूतियां

संकाय

- प्रो. वी. वेंकटरमन ने 20वीं-21वीं को 'एक विदेशी भाषा के रूप में स्पेनिश सीखना और सिखाना: चुनौतियाँ, परिप्रेक्ष्य और समकालीन अनुभव' विषय पर सम्मेलन के दौरान 'प्रोफेसोरस डे लेंगुआस एक्सट्रानजेरस वाई एल औला: अन एस्पासियो पैरा ला इन्वेस्टिगेशन, एप्रेन्डिज़ाजे वाई रिफ्लेक्सियन' पर एक मुख्य भाषण प्रस्तुत किया। फरवरी, 2025.

प्रकाशन

- वेंकटरमन, वी. (2024)। विडास इमेजिनाडास, विडास रियल्स: ला बायोफिसियोन सर्वेंटिना डी एरियल डॉर्फमैन। हिपोग्रिफ़ो: रेविस्टा डे लिटरेचर वाई कल्टुरा डेल सिग्लो डी ओरो, 12(2), 645-663 । **https://doi.org/10.13035/H.2024.12.02.36**
- वेंकटरमन, वी. (2025). काल्पनिक स्थानों से साक्ष्य आवेग पर चर्चा: मीना कंदासामी की "द जिप्सी गॉडेस" और होरासियो कैस्टेलानोस मोया की "सेंसलेसनेस"। ट्रांसमॉडर्निटी: जर्नल ऑफ पेरिफेरल कल्चरल प्रोडक्शन ऑफ द लुसो-हिस्पैनिक वर्ल्ड, 12(2), 50-69. https://doi.org/10.5070/T4.42498

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय/संपादित पुस्तकें

- साहनी, एम. (2024)। लॉस पोयमस इंडिओस डे ऑक्टेवियो पाज़। इन इंडिया एन हिस्पानोअमेरिका: हिस्टोरिया वाई वेरिएसिओनेस डे अन इमेजिनेरियो कल्चरल (पीपी. 317-332)। यूनिवर्सिडैड नैशनल ऑटोनोमा डी मेक्सिको (यूएनएएम)।
- रिमाई, ए. (2024). ईस्टरीन कीर और टेम्सुला एओ की रचनाओं में नागाओं की सांस्कृतिक और सामाजिक-राजनीतिक पहचान: एक बहुसांस्कृतिक साहित्य। एस. पाल और आर. दत्ता (सं.), कला, संस्कृति और फिल्मों के माध्यम से वैश्विक बहुभाषावाद का सशक्तिकरण (पृष्ठ [पृष्ठ संख्या डालें])। लैंगर्स।
- वेंकटरमन, वी. (2024)। बीच के स्थानों में निवास: नजत अल हचमी के लेखन में खंडित पहचान और आत्म-प्रतिनिधित्व। एम. चतुर्वेदी (सं.), जीवन लेखन, प्रतिनिधित्व और पहचान: वैश्विक परिप्रेक्ष्य (पृष्ठ 317-332) में। रूटलेज।

अनुसंधान परियोजनाएँ

- इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रो. विजया वेंकटरमन (पीआई), ₹ 3,00,000/- (अक्तूबर 2024-15 फरवरी 2025)

आयोजित संगोष्ठी/वार्ता/सत्र

- कवि-राजनयिक अभय के. ने 18 अप्रैल, 2024 को 'काव्य संग्रह "लैटिन अमेरिका के अक्षर: कविताओं का एक उत्सव" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।
- विभाग के स्पेनिश अनुभाग द्वारा 9 अगस्त, 2024 को स्पेनिश शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- प्रो. किरण चौधरी और प्रो. एन. कमला, प्रोफेसर, सीएफएफएस, जेएनयू ने फ्रेंच शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया: सत्र 1: एप्रेंड्रे ए एप्रेंड्रे ए ट्रैवर्स यून एप्रोचे प्लुरिलिंग्यू सत्र 2: चैंटर ए एप्रेंड्रे 24 सितंबर, 2024.
- प्रोफेसर जूडिथ मिसराही-बराक, प्रोफेसर, पॉल-वैलेरी विश्वविद्यालय, मोंटपेलियर 3, फ्रांस ने 30 सितंबर, 1, 3 और 15 अक्टूबर 2024 के दौरान 'साहित्य में सबाल्टर्न का आंकड़ा' शीर्षक से व्याख्यान श्रृंखला आयोजित की।
- फर्नांडो गोंजालेज लोर्ट, अध्यक्ष, क्यूबा इंस्टीट्यूट ऑफ फ्रेंडशिप विद पीपल ने 5 नवंबर, 2024 को "क्यूबा टुडे" पर एक व्याख्यान दिया।
- जामिया मिलिया इस्लामिया के विदेशी भाषा विभाग में स्पेनिश और लैटिन अमेरिकी अध्ययन की प्रोफेसर सोनिया सुरभि गुप्ता ने 20 नवंबर, 2024 को "कैरिबियन से सबाल्टर्न आख्यान: दमित इतिहास के रूप में गवाही" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।

- वूस्टर पोलेटेक्निक इंस्टीट्यूट में स्पेनिश और अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन की एसोसिएट प्रोफेसर सुश्री आरती मदान ने ' अर्जेंटीना की दिव्य मां: एडेलिना डेल कैरिल के कॉस्मोपॉलिटन नारीवाद की वेदान्तिक उत्पत्ति' शीर्षक से 4 दिसंबर, 2024 को एक व्याख्यान दिया।
- प्रो. विभा मौर्य, डॉ. संजीव कुमार, प्रो. विजया वेंकटरमन और डॉ. मनीषा तनेजा ने 'ट्रांसलेटिंग गेब्रियल गार्सिया मार्केज़' पर 14 जनवरी, 2025 को व्याख्यान दिया।
- पीटर स्टैम, प्रसिद्ध स्विस जर्मन लेखक ने "मेरे पात्र पढ़ना भूल गए हैं" विषय पर 4 फरवरी, 2025 को व्याख्यान दिया ।
- डॉ. ग्रेसी पेरेज़ अमोरेस ने 12 फरवरी, 2025 को रेज़ांडो एन लास मोंटानास, कोस्टास वाई बैरानकोस: लास रेटेरिटोरियलिज़ेसिओनेस वाई रिजिग्निफिसिओनेस डेल एस्पासियो पब्लिको' विषय पर व्याख्यान दिया।
- प्रोफेसर रूथ विवियाना फाइन, स्पेनिश और लैटिन अमेरिकी अध्ययन विभाग, हिब्रू विश्वविद्यालय यरूशलेम ने 24, 25 और 28 फरवरी, 3,4,19, 20 और 21 मार्च 2025 के दौरान एक व्याख्यान सह कार्यशाला श्रृंखला: "लेक्टुरास वाई रिलेक्टुरास: सर्वेंटेस वाई सु ओबरा" आयोजित की।
- डॉ. बैशाली चौधरी, सहायक प्रोफेसर, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज एंड लैंग्वेजेज, वीआईटी, वेल्लोर ने 20 मार्च, 2025 को 'एल कुएरपो डे लास कॉन्डेनडास कोमो सुजेटो एन लॉस रिलेटोस डी लुइसा वालेंज़ुएला वाई महाश्वेता देवी' पर एक व्याख्यान दिया।

आयोजित सम्मेलन

- विभाग द्वारा 21-22 फरवरी, 2025 को “जब सबाल्टर्न बोलता है.:हाशिये पर रहने वालों से पूछताछ” विषय पर वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

अंतरराष्ट्रीय

- डॉ. ए. रिमाई ने 'XVII द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ऑफ सीएलएआई: वैकल्पिक मानविकी के रूप में तुलनात्मक साहित्य: नैतिकता, प्रभाव और रोजमर्रा का सामाजिक' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान ईस्टरीन कीर द्वारा 'ए टेरिबल मैट्रिआर्की में आधुनिकता और परंपरा का अंतर्संबंध और मारियामा बा द्वारा सो लॉन्ग ए लेटर' शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया, 10-12 सितंबर,' 2024.
- डॉ. ए. सैनी और डॉ. एस. सिन्हा ने 'शिक्षण और अनुसंधान में बहुविध विश्वव्यापीकरण: जर्मनिक और रोमांस अध्ययन विभाग, डीयू के प्रक्षेप पथ का मानचित्रण' शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया। यह शोध-आलेख दिल्ली विश्वविद्यालय में तुलनात्मक दृष्टिकोण के 100 वर्षों पर एक विशेष पैनल के दौरान 'XVII द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सीएलएआई सम्मेलन:

वैकल्पिक मानविकी के रूप में तुलनात्मक साहित्य: नैतिकता, प्रभाव और रोजमर्रा का सामाजिक', 10-12 सितंबर, 2024 को आयोजित किया गया।

- जनवरी, 2025 से 24 दिसंबर 2014 तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय शीतकालीन स्कूल में 'हेक्टर टोबार के द टैटूड सोल्जर में मौन और मौन का टूटना' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- 10-12 सितंबर , 2024 को 'फ्रेंच में समकालीन महिला लेखन में ट्रांसपोएटिक खानाबदोशवाद का तुलनात्मक अध्ययन' शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।
- फरवरी, 2025 को आयोजित '29वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: जब सबाल्टर्न बोलता है: हाशिये पर रहने वालों से पूछताछ' के दौरान 'आपराधिकता या प्रतिरोध? रोज़ाली ल'इन्फ़ेम, ले लिव्रे डी'एम्मा और मोई तथा टिटुबा, सोरसीयर में स्वयं का निर्माण' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. ई. पांडा ने एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'लेस एट्यूड्स फ़्रैन्काइज़ेस एट फ़्रैंकोफ़ोन्स: ब्रॉइलर लेस फ्रंटियर्स' के दौरान 'ला फॉर्मेशन डे ल'आइडेंटिटे डायलॉगिक पार ले बायस डु जॉनर एपिस्टोलेयर डान्स ल'एक्रिचर डेस ऑट्रिसेस फ़्रैंकोफ़ोन्स: यूने एट्यूड डे ल'एक्सिल सेलोन जूलिया, लेस लेट्रेस चिनॉइसेस एट शुनी' शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया। 'अनुशासनकर्ता', 6 मार्च , 2025।
- डॉ. एस. सिन्हा ने 30 सितंबर, 2024 को 'अनुवाद और व्याख्या अध्ययन में अकादमिक अध्ययन पर द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस' के दौरान 'लेस स्ट्रैटेजीज़ ट्रांसलेटिव्स डे ला प्रोडक्शन स्केनिक डेस पीसेस डी मोलिएर एन हिंदी: एल'अवारे, ले ट्रैटफ एट लेस फेम्स सेवेंटेस' शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।
- डॉ. एस. सिन्हा ने एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'ले कॉर्प्स परफॉर्मेटिफ डान्स लेस पीसेस डी मोलिएरे: ले टार्टफ़े, एल'अवारे एट लेस फेम्स सेवेंटेस' शीर्षक से एक शोध-आलेख 'लेस एट्यूड्स फ़्रैन्काइज़ेस एट फ़्रैंकोफ़ोन्स: ब्रॉइलर लेस फ्रंटियर्स डिसिप्लिनेयर्स', प्रस्तुत किया। 6 मार्च, 2025.
- प्रो. वी. वेंकटरमन ने 'XVII द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ऑफ सीएलएआई: वैकल्पिक मानविकी के रूप में तुलनात्मक साहित्य: नैतिकता, प्रभाव और रोजमर्रा का सामाजिक' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'अनआर्काइव्ड हिस्ट्रीज़: टेस्टिमोनियो इन द ग्लोबल साउथ' शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया। 10-12 दिसंबर सितंबर, 2024.
- सितंबर, 2024 को 'कन्वर्सेटेरियो सोबरे मिगुएल एंजेल ऑस्टुरियस' के दौरान 'एल सेनोर प्रेसिडेंट - एल टेस्टिमोनियो ह्यूमनो डे अन मोमेंटो हिस्टोरिको' शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।

आमंत्रित वार्ता

- प्रो. एम. साहनी ने 24 मई, 2024 को सोरिया में इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ हिस्पैनिस्ट्स की कार्यकारी परिषद की बैठक में इमर्जेंट हिस्पैनिज्म: कॉन्टैक्ट्स एंड माइग्रेशन्स शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।
- कैमिलो जोस सेला मैड्रिड विश्वविद्यालय में 'मोलिनोस वाई गिगेंटेस एन एल गंगा: पर्सपेक्टिवस प्रोफेशनल्स वाई डोसेंटेस डेल इडियोमा एस्पनॉल वाई सस कल्चरस एन ला इंडिया' शीर्षक से 27 मई, 2024 को एक व्याख्यान दिया।
- प्रो. वी. वेंकटरमन ने 11 फरवरी, 2025 को 'एना मेरिनो और मैनुअल विलास के साथ चर्चा' के दौरान 'स्पेनिश लेखकों की खोज' शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

- के मोंटपेलियर-III विश्वविद्यालय के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। जर्मेनिक और रोमांस अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष इसके समन्वयक थे। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, एक छात्र विनिमय कार्यक्रम शुरू किया गया, जिसके तहत चयनित छात्र जुलाई 2024 से मोंटपेलियर-III विश्वविद्यालय में इंटर्नशिप कर सकेंगे।
- ब्रेटेन ऑक्सिडेंटेल विश्वविद्यालय
- नैनटेस विश्वविद्यालय
- भारत में फ्रांसीसी संस्थान
- फ्रेंच भाषी विश्वविद्यालय एजेंसी
- वुप्पर्टल विश्वविद्यालय, जर्मनी
- फ्री यूनिवर्सिटी, बर्लिन, जर्मनी
- पोट्सडैम विश्वविद्यालय, जर्मनी
- बीलेफेल्ड विश्वविद्यालय, जर्मनी

एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत छात्र

- डॉ. एना पांडा की देखरेख में पाठ्यक्रम में लगी मुक्ता ठाकुर को पॉल वैलेरी मोंटपेलियर-III विश्वविद्यालय द्वारा 1 सितंबर 2024 -31 सितंबर 2024 को छात्रवृत्ति प्रदत्त।

प्लेसमेंट विवरण (नियुक्त छात्रों की संख्या एवं प्रतिशत)

नियुक्त छात्रों की संख्या : 26

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- शीतकालीन स्कूल: "हम भूल न जाएं: इतिहास और स्मृति की उलझनें" शीर्षक से 20-24 जनवरी , 2025 को आयोजित किया गया।
- आईबीएवी 2024- कविता पाठ का आयोजन जर्मनिक और रोमांस अध्ययन विभाग द्वारा इंस्टीट्यूटो सर्वेंटेस के सहयोग से 28 नवंबर, 2024 को किया गया ।
- साहित्य की लंबी रात: संकट 2024: यूरोप में आज की चुनौतियां और विकल्प दिल्ली विश्वविद्यालय, विभिन्न सांस्कृतिक केंद्रों और ईयूएनआईसी (यूरोपीय संघ के राष्ट्रीय संस्कृति संस्थान) द्वारा सह-आयोजित, 26 सितंबर , 2024.

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी.डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी.	: 0

संकाय संख्या

प्रोफेसर	: 03
एसोसिएट प्रोफेसर	: 02
सहायक प्रोफेसर	: 08
तदर्थ	: 7
अतिथि	: 5
कुल	**:** 25

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

विभाग को आवंटित निधि ₹ 15,32000/- करोड़ (पूंजीगत संपत्ति) उसमें से वित्तीय वर्ष 2024-2025 में ₹15,08918 करोड़ रुपये का उपयोग किया गया।

***

हिंदी विभाग

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

दिल्ली विश्वविद्यालय का हिंदी विभाग देश के अग्रणी विभागों में से एक है। यह अकादमिक उत्कृष्टता के उच्च मानकों का सृजन, नवाचार, पोषण और संवर्धन करता है।

हिंदी विभाग बदलते समय, ज्ञान में तीव्र वृद्धि और विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए यूजीसी के मानदंडों के अनुसार अनुसंधान के उच्च मानकों को बनाए रखता है।

सम्मान/विभूतियां

संकाय

- प्रो. सुधा सिंह को पहल बहुउद्देशीय सामाजिक विज्ञान संगठन, एसएचडी रिसर्च फाउंडेशन और इंस्टीट्यूट ऑफ लाइफ लॉन्ग लर्निंग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा यंग अचीवर्स अवार्ड मिला।
- प्रोफेसर अनिल कुमार राय को अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा, अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद और डीएवी कॉलेज, नई दिल्ली द्वारा भारतीय युवा आइकन पुरस्कार 2024 प्राप्त हुआ।

शोध प्रकाशन/शोध लेख

- सिंह, एस. (2024)। स्त्री चेतना और ज्ञानोपलब्धि की पुनर्गाथा: रेत समाधि। विश्वभारती पत्रिका, 89(1), 18-45।
- सिंह, एस. (2024)। परिस्थितिक एवं परिस्थितिक स्त्रीवादी आलोचना। नया ज्ञानोदय, (232), 60-66.
- कुमार, एस. (2024)। पहाड़ी प्रदेश से महानगर तक फैली यात्रा का विस्तार। बनास जनवरी, 73, 177-179।
- तिवारी, वी. (2024)। नई कविता का मन-आधार और मछलीघर। सृजन सरोकार, 20(2-3), 150-157।
- तिवारी, वी. (2024). प्रतिरोध की संस्कृति के निर्माण में सहयोगी. समकालीन जवाबदेही, 2, 39-44.
- तिवारी, वी. (2025). इक्कीसवीं सदी के पच्चीस वर्ष और हिंदी उपन्यास. तद्भव, 50, 357-377. https://www.amazon.in/Tadbhav-Magazine-50-Editor-Akhilesh/dp/B0DZMQ4MHF
- साही के कवि और आलोचक के बीच एक सुंदर प्रतिस्पर्धा है (चर्चा)। वागर्थ, 20(350), 7882. https://vagartha.bharatiyabhashaparishad.org/vagarth-jan25/
- तिवारी, वी. (2025). आलोचना और कटघरे में उसका पक्ष. समालोचना (ऑनलाइन), अंक 15 मार्च, 18. https://samalochan.com/category/samalochan/
- मिश्रा, ए. (2025). नारीवादी विमर्श और कृष्णा सोबती की कहानी ' *बहनें*" . आजकल, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली, (3), 26.
- प्रकाश, ओ. (2024)। आसनसर में संसार की कविताएँ। बनासजन, 73, 165-168।
- प्रकाश, ओ. (2024). फिल्मों के वैश्वीकरण में अनुवाद की भूमिका. अपनी माटी, 54, 255-259.
- प्रकाश, ओ. (2024)। भारत का संविधान और महिलाओं के अधिकार। राजभाषा भारती, 169, 42-46।
- प्रकाश, ओ. (2025)। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अनुवाद। अनुवाद, (203-204), 232-240।

- पुरी, एके (2024)। भारतीय स्वाधीनता संग्राम और वीर सावरकर। साहित्य अमृत, 01, 28-32.
- पुरी, एके (2024)। यशोधरा का काव्य वैभव. अक्षरा, 233, 53-56, https://www.waoar.org/akshara/
- पुरी, एके (2024)। भारतीय काव्यशास्त्र के आचार्य और रसनिष्पत्ति। विश्व भारती पत्रिका, 02, 149-158।
- पुरी, एके (2024)। रामदरश मिश्र की कविताओं में अभिव्यक्त देशज बोध। भाषा, 05, 88-93.
- पुरी, एके (2024)। दिनकर के काव्य की युगचेतना: पृष्टभूमि और व्याप्ति। गगनांचल, 06, 42-49. (प्रथम लेखक)
- पुरी, एके (2025)। हिंदुत्व और हिंदी साहित्य. अक्षरा, 239, 53-56। (प्रथम लेखक) https://www.waoar.org/akshara/
- पुरी, एके (2025)। 'ध्रुवस्वामिनी' पुरुष अभिव्यक्त भारतीय स्त्री की छवि। सांकल्य, 01, 102-105। (प्रथम लेखक)
- गिरि, आरआर (2024)। प्रेमचंद पंचायत और आधुनिक मन. मंथन, 45(4), 46-53। https://manthandigital.com/category/old-issues/2024/english/
- गिरि, आर.आर. (2025). संविधान सभा, आदिवासी मुद्दा और जयपाल सिंह. मंथन, 46(1), 30-38. https://manthandigital.com/category/old-issues/2025/english/
- कांति मोहन और प्रेमचंद. (2024, जुलाई-दिसंबर)। लमही, *(1-2)* , 149-155। आईएसएसएन 2278554एक्स। https://notnul.com/Pages/BooksByCategories.aspx?AuthorID=65&AuthorTypeID=1
- पांडे, जीडी (2024)। स्त्री विमर्श और हिंदी साहित्य में भारतीय नारी। संवाद पथ, 7(1), 81. https://sites.google.com/view/samvadpath-khs/home

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय/संपादित पुस्तकें

मिश्रा, ए. (2025)। सूरज सकुरा और सफ़र [यात्रा वृतांत]। वाणी प्रकाशन. आईएसबीएन 978-93-6944-967-5।

अनुसंधान परियोजनाएँ

- इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. अजीत कुमार पुरी (पीआई), 'आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य पुरुष अभिव्यक्त हिंदू जीवन मूल्य: विशेष संदर्भ स्वामी दयानंद सरस्वती, ₹300000/-,2024-25।

- आईसीएसएसआर, प्रोफेसर मंजू मुकुल कांबले 'साहित्य में दलित दखल के निर्माण और विकास में अनुवाद की भूमिका का समाज भाषा वैज्ञानिक अध्ययन'

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

अंतरराष्ट्रीय

- 23 से 25 अगस्त, 2024 तक इंडिया फाउंडेशन द्वारा आयोजित 8वें धर्म धम्म अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान डॉ. अजीत कुमार पुरी ने 'हिंदू सृष्टि चिंतन परंपरा और आर्य समाज' शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।
- 9-10 मार्च, 2025 को आयोजित 'स्वदेशी ज्ञान परंपरा और सतत विकास' पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'सांस्कृतिक विरासत की साहित्यिक परंपरा' शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।
- 19 अक्तूबर, 2024 के दौरान 'मध्यकालीन हिंदी साहित्य: सामाजिक स्वरूप और लोकरंग' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान डॉ. आशा कुमारी ने 'भक्तिकाल: विविध संदर्भ और प्रसंगिता' शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।
- 28 मार्च, 2025 तक आयोजित 'रचनात्मक लेखन कार्यशाला' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'रचनात्मक लेखन' शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।
- 24-25 फरवरी, 2025 को आयोजित 'हिंदी एवं रूसी साहित्य में मातृभूमि की अवधारणा' विषयक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'मातृभाषा की भूमिका: बाधाएं एवं समाधान' शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय

- 21-22 मार्च, 2025 के दौरान आयोजित 'समकालीन कविता और नवगीत में सांस्कृतिक प्रभुत्व के लिए संघर्ष' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान 'लोक संस्कृति और समकालीन कविता/नवगीत' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- 28-29 जनवरी, 2025 के दौरान आयोजित 'हिंदी भक्ति साहित्य: ऐतिहासिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान 'सगुण काव्य: ऐतिहासिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- 4-5 अगस्त, 2024 के दौरान आयोजित 'हिंदी साहित्य के विकास में बुंदेलखंड का योगदान' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान 'मध्यकालीन हिंदी कविता के विकास में बुंदेलखंड का योगदान' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- से 5 अगस्त, 2024 को 'हिंदी साहित्य के विकास में बुंदेलखण्ड का योगदान' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'हरिशंकर परसायी का साहित्य' शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।
- नवंबर 2024 को आयोजित 'भारत मंथन 2024' पर राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'भारतीय भाषाओं की वर्तमान स्थिति और वैश्वीकरण का प्रभाव' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

- 13-14 अप्रैल, 2024 के दौरान संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'विविध चुनौतियाँ: विजयदेव नारायण साही का रचनात्मक संसार' विषय पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- 10 सितंबर, 2024 को रज़ा फाउंडेशन, दिल्ली द्वारा आयोजित 'अंतःकरण का आयतन' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मुक्तिबोध की कहानियाँ' विषय पर एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।
- 7-8 अक्तूबर, 2024 के दौरान रज़ा फाउंडेशन, दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'साही और साखी' में 'साही की आलोचनात्मक दृष्टि' विषय पर एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।
- 15-16 नवम्बर, 2024 को आयोजित साहित्य उत्सव में 'उन्नीसवीं शताब्दी के बाद हिन्दी साहित्य-कितने परिवर्तन, कितने ठहराव' विषय पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

आमंत्रित वार्ता

- 12 अप्रैल, 2024 को मैत्रेयी कॉलेज द्वारा आयोजित एक संगोष्ठी के दौरान 'भक्ति काव्य की प्रासंगिकता' शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।
- 25 अप्रैल, 2024 को एम.ए.मटीटीसी, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'भक्ति कविता का महत्व: संदर्भ कबीर' शीर्षक से रिफ्रेशर कोर्स में व्याख्यान दिया।
- 25 अप्रैल, 2024 को एम.ए.मटीटीसी, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'भक्ति कविता और तुलसीदास' विषय पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में व्याख्यान दिया।
- 4 मई, 2024 को श्री अरबिंदो कॉलेज द्वारा आयोजित 'हिंदी का भविष्य' विषयक संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- प्रोफेसर अनिल राय ने श्यामलाल कॉलेज ईव (दिल्ली विश्वविद्यालय) द्वारा 6 मई, 2024 को आयोजित 'तुलसी और गांधी: सुंदर राम राज्य' विषयक संगोष्ठी में व्याख्यान दिया ।
- 22 मई, 2024 को चौधरी रणबीर सिंह सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन संस्थान, एमडीयू, रोहतक द्वारा आयोजित 'आदिकालीन साहित्य: शोध के आयाम' विषयक संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- 17 अगस्त, 2024 को साहित्य अकादमी, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी स्मारक ट्रस्ट, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'हजारी प्रसाद द्विवेदी के कबीर' विषयक संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- 11 सितंबर, 2024 को मिरांडा हाउस (दिल्ली विश्वविद्यालय) द्वारा आयोजित 'राजभाषा हिंदी: एक दृष्टि' संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- सितंबर, 2024 को आर्यभट्ट कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) द्वारा आयोजित 'हिन्दी का वैश्विक परिचय' विषयक संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।

- 13 सितंबर, 2024 को श्यामलाल कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) द्वारा आयोजित ' हिंदी: संभावनाओं के विविध आयाम' विषयक संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- 17 सितंबर, 2024 को इग्नू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'राजभाषा हिंदी: एक दृष्टि' संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- 18 सितंबर, 2024 को कालिंदी कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) द्वारा आयोजित 'वैश्वीकरण के दौर में हिंदी' संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- 20 सितंबर, 2024 को रचयिता साहित्य उत्सव, सत्यकामभवन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'तुलसी और कबीर भक्ति साहित्य के प्रसार पूरक या विरोधी' विषयक संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- प्रोफेसर अनिल राय ने काठमांडू, नेपाल में "साहित्य और धर्म के माध्यम से भारत-चीन संबंध" विषय पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया। यह संगोष्ठी आईआईएएस, सिंघुआ विश्वविद्यालय, बीजिंग, चीन द्वारा 3 दिसंबर 2024 को आयोजित की गई थी।
- 22 अक्तूबर, 2024 को मिरांडा हाउस (दिल्ली विश्वविद्यालय) द्वारा आयोजित 'मध्ययुगीन हिंदी साहित्य में पर्यावरण बोध के विविध बिन्दु' शीर्षक संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- प्रोफेसर अनिल राय ने 'रामदरश मिश्र की कथा' शीर्षक 'साहित्य' संगोष्ठी में व्याख्यान दिया एसजीटीबी खालसा कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) द्वारा 13 नवंबर 2024 को आयोजित।
- 28 नवंबर, 2024 को लक्ष्मीबाई कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) द्वारा आयोजित 'हिंदी साहित्य: भाषा, राजनीति, धर्म और दर्शन'- "साहित्य या धर्म" विषय पर एक व्याख्यान दिया ।
- 27 दिसंबर, 2024 को पेकिंग विश्वविद्यालय, बीजिंग, चीन में "हिंदी भक्ति काव्य की प्रासंगिकता" विषय पर एक संगोष्ठी में ऑनलाइन व्याख्यान दिया।
- 7 जनवरी, 2025 को एफआईपी, सीपीडीएचई, दिल्ली विश्वविद्यालय में "भक्ति आंदोलन और कबीर" शीर्षक से संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- 28 जनवरी, 2025 को हिंदी भवन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "हिंदी भक्ति साहित्य:ऐतिहासिक सांस्कृतिक परिचय" विषयक संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- फरवरी, 2025 को दौलतराम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संगोष्ठी "वर्तमान संदर्भ में विमर्शोंकी भूमिका" में व्याख्यान दिया।
- 8 फरवरी, 2025 को श्यामलाल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "भारतीय दर्शन हमारा भक्ति काव्य" नामक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- 10 फरवरी, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के विवेकानन्द कॉलेज द्वारा आयोजित "भक्ति साहित्य मुख्य सामाजिक समभाव" संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।

- 19 फरवरी, 2025 को केएमसी और रामानुजन कॉलेज द्वारा आयोजित "वैश्विकपरिप्रेक्ष्य में भारतीय भाषाओं की प्रस्तुति" शीर्षक संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- 1 मार्च, 2025 को साहित्य अकादमी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "भारतीय स्त्रीवाद: मीराबेनकी दृष्टि से" संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- 3 मार्च, 2025 को दिल्ली हिंदी साहित्य सम्मेलन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "कविता: कल, आज और कल" विषयक संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- मार्च, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के कला संकाय में "आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य मैं अभिव्यक्ति हिंदू जीवन मूलय हमारा आर्यसमाज" विषयक संगोष्ठी में प्रोफेसर अनिल राय लेक्चर ने व्याख्यान दिया।
- 20 मार्च, 2025 को मेलबर्न ग्लोबल सेंटर, दिल्ली में यूजीसी - एडसिल, - शिक्षा विभाग, ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग द्वारा "भारत में तीसरा अंतर्राष्ट्रीयकरण कार्यशाला अध्ययन" शीर्षक से एक कार्यशाला में भाग लिया।
- 25 मार्च, 2025 को पीजीडीएवी कॉलेज ईव, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "विरक्षित भारत के निर्माण में साहित्य हमारी अनुवाद की भूमिका" शीर्षक संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- .प्रो. अनिल राय ने 4 अप्रैल, 2025 को गौतम बुद्ध कॉलेज, कुशीनगर, यूपी द्वारा आयोजित "भक्ति साहित्य की प्रसंगिकता" संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- 8 अप्रैल, 2025 को शहीद भगत सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "कबीर हमारा आज का समय" नामक संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- 17 अप्रैल, 2025 को डॉ. बीआर अंबेडकर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "हिंदी का वैश्विक परिचय: राजनयिक, आर्थिक, शैक्षिक" शीर्षक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- 20 जनवरी, 2025 को एसएएए गवर्नमेंट पीजी कॉलेज, कालका द्वारा आयोजित संगोष्ठी 'भारतीय ज्ञान परंपरा और विविध अनुशासन' में व्याख्यान दिया।
- सितंबर, 2024 को मगध विश्वविद्यालय, बोधगया में आयोजित संगोष्ठी 'नई सदी की हिंदी: बदलाव और संभावनाएं' में व्याख्यान दिया।
- प्रो. अल्पना मिश्रा ने संगोष्ठी 'कथा साहित्य: चुनौतियाँ और संभावनाएँ' में व्याख्यान दिया, अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस, रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल, 7-10 अगस्त, 2024
- प्रो. अल्पना मिश्रा ने 'भारतीय ज्ञान परंपरा और कथा साहित्य' संगोष्ठी में व्याख्यान दिया, मालवीय मिशन, कोलकाता विश्वविद्यालय, कोलकाता, 9 दिसंबर, 2024.
- 28 सितंबर, 2024 को गिरमिटिया फाउंडेशन द्वारा 'गिरमिटिया की विरासत: सांस्कृतिक पहचान 'विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान डॉ. अजीत कुमार पुरी ने 'गिरमिटिया की सांस्कृतिक पहचान और आर्य समाज' विषय पर व्याख्यान दिया।

- 10 जनवरी, 2024 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति, इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रोफेसर मंजू मुकुल कांबले ने 'अंतरराष्ट्रीय संदर्भ में हिंदी: चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ' विषय पर वक्ता के रूप में भाग लिया।
- 9 अक्तूबर, 2024 को किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय और हिंदी अकादमी दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान 'स्वाधीनता आंदोलन में हिंदी और महात्मा गांधी' विषय पर व्याख्यान दिया।
- 6 नवंबर, 2024 को कालिंदी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय और हिंदी अकादमी द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान 'गांधी और हिंदी भाषा' विषय पर व्याख्यान दिया।
- 28 जनवरी, 2025 को राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय, राजघाट, नई दिल्ली द्वारा आयोजित संगोष्ठी के दौरान 'हिंदी, हिंदुस्तान और गांधी' विषय पर व्याख्यान दिया।
- 5-6 दिसंबर, 2024 को अश्गाबात, तुर्कमेनिस्तान में शिक्षा मंत्रालय, तुर्कमानिस्तान द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक और व्यावहारिक सम्मेलन के दौरान 'विदेशी भाषा शिक्षण के नवीन तरीके और प्रौद्योगिकियां' विषय पर व्याख्यान दिया।
- 20-21 फरवरी, 2025 को आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में मातृभाषा' विषय पर एक विस्तृत व्याख्यान दिया।
- 5 मार्च, 2025 को इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान 'स्त्री साहित्य: विविध आयाम' विषय पर एक विस्तृत व्याख्यान दिया।
- 16 मार्च, 2025 को इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान 'भारतीय मूल्यबोध और हिंदी सिनेमा' विषय पर एक विस्तृत व्याख्यान दिया।
- 17-18 मार्च, 2025 को विवेकानंद कॉलेज, डीयू और भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान 'हिंदी एवं भारतीय भाषा में प्रौद्योगिकी का योगदान' विषय पर उद्घाटन भाषण दिया ।
- 18 मार्च, 2025 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर द्वारा आयोजित एक संगोष्ठी के दौरान 'महिला सशक्तिकरण: वासना एक नदी का नाम' विषय पर व्याख्यान दिया।
- 22 मार्च, 2025 को शहीद भगत सिंह कॉलेज द्वारा आयोजित सम्मेलन के दौरान 'महिला सशक्तिकरण चुनौतियां और अवसर' विषय पर एक विस्तृत व्याख्यान दिया।

- 9 अप्रैल, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के जाकिर हुसैन कॉलेज द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान 'आदिवासी साहित्य इतिहास और परम्परा' विषय पर व्याख्यान दिया।
- 28 फरवरी-01 मार्च 2025 तक आर्यभट्ट कॉलेज, डीयू द्वारा आयोजित दलित साहित्य महोत्सव के सम्मेलन के दौरान 'आदिवासी एवं घुमंतु जनजाति के सवाल' विषय पर व्याख्यान दिया।
- 25 फरवरी , 2025 को शिक्षा विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित एक वेबिनार के दौरान 'आदिवासी ज्ञान परम्परा का महत्व' विषय पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया ।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के आईपी कॉलेज द्वारा आयोजित एक संगोष्ठी के दौरान 'भारतीय स्वाधीनता संग्राम में लोक की भूमिका' विषय पर व्याख्यान दिया। अगस्त, 2024.
- हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश द्वारा आयोजित 'भारतीय स्वाधीनता संग्राम और आदिवासी समाज' विषय पर व्याख्यान दिया। नवंबर, 2024.
- दिल्ली विश्वविद्यालय के एसपीएम कॉलेज द्वारा 13 नवंबर, 2024 को आयोजित एक संगोष्ठी के दौरान 'जल, जंगल व जमीन और आदिवासी अस्मिता' विषय पर व्याख्यान दिया।
- पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी द्वारा 10 अगस्त, 2024 को आयोजित वेबिनार के दौरान 'रामकथा: गंगा से ब्रह्मपुत्र तक' विषय पर व्याख्यान दिया।
- गवर्नमेंट कॉलेज पैनक्रास , मंडी , हिमाचल प्रदेश द्वारा 15 दिसंबर, 2024 को आयोजित एक वेबिनार के दौरान 'स्वाधीनता आंदोलन और आदिवासी समाज' विषय पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. सुनील कुमार वर्मा ने 7-8 फरवरी, 2025 को 'भारतीय दर्शन और भक्ति काव्य' विषय पर आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'कबीर के काव्य में अभिव्यक्ति महत्वपूर्ण आयाम' विषय पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. सुनील कुमार वर्मा ने 12 से 13 नवंबर, 2024 तक 'साहित्य की सती उपस्थिति: रामदरश मिश्र' विषय पर आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'राम दरश मिश्र का कथाकार गद्य-साहित्य' विषय पर व्याख्यान दिया ।

- डॉ. सुनील कुमार वर्मा ने 5 नवंबर, 2024 को 'वैश्विक स्टार पर हिंदी शिक्षण की चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'वैश्विक स्टार पर हिंदी शिक्षण की चुनौतियाँ' विषय पर व्याख्यान दिया ।

एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत छात्र

विभाग की ओर से चार छात्र एक्सचेंज कार्यक्रम के अंतर्गत थे ।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

शोध रूपरेखा तैयार करने में विभिन्न विषयों पर शोधकर्ताओं के साथ चर्चा और मार्गदर्शन।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी.डिग्रियों की संख्या

एम.फिल : 11

पीएच.डी. : 56

संकाय संख्या

प्रोफेसर : 14

एसोसिएट प्रोफेसर : 06

सहायक प्रोफेसर : 18

कुल : 38

***

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

- विभाग ने 7 फरवरी 2025 को "कॉर्पोरेट क्षेत्र में एलआईएस पेशेवरों के लिए कैरियर की संभावनाएं" विषय पर एक व्याख्यान श्रृंखला का सफलतापूर्वक आयोजन किया।
- 2 सितंबर, 2024 को माननीय कुलपति प्रो. योगेश सिंह जी द्वारा 30 उन्नत पीसी, स्मार्ट बोर्ड, अन्य बाह्य उपकरणों और फर्नीचर के साथ एक अत्याधुनिक कंप्यूटर प्रयोगशाला का उद्घाटन किया गया।
- विभाग को मार्च 2025 में टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस (मुंबई) और इंडियन एसोसिएशन ऑफ टीचर्स इन लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस (आईएटीएलआईएस) द्वारा देश में सर्वश्रेष्ठ एलआईएस स्कूल पुरस्कार प्राप्त हुआ।

सम्मान/विभूतियां

संकाय

- प्रो. के.पी. सिंह को विश्व पुस्तकालय नेता पुरस्कार से सम्मानित किया गया COLLNET स्पेशल लाइब्रेरी एसोसिएशन, एसएलए एशियन कम्युनिटी (फ्रांस) द्वारा पुरस्कार, 2024।
- प्रो. के.पी. सिंह को *शिक्षा पुरस्कार* से सम्मानित किया गया। *आद्य जगनीपीठ श्री 5 महामंगलपुरी धाम*, सूरत, 2024.
- प्रोफेसर केपी सिंह को दिल्ली विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा 2024 के लिए डीएलआईएस-प्रतिष्ठित संकाय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- प्रो. एम. मधुसूदन सोसाइटी फॉर लाइब्रेरी प्रोफेशनल्स और स्पेशल लाइब्रेरीज़ एसोसिएशन, एशिया कम्युनिटी (इंडिया), 2024 द्वारा रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया।
- प्रो. एम. मधुसूदन सामाजिक विकास महासंघ, दयालबाग, आगरा (भारत) द्वारा शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार, 2024 से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

- तिवारी, वी., और भट्ट, आर.के. (2024)। लाइब्रेरी मार्केटिंग में सोशल मीडिया के बारे में उपयोगकर्ताओं की धारणा: भारतीय प्रबंधन संस्थान, इंदौर का एक अध्ययन। लाइब्रेरी हेराल्ड, 62(3), 410-423। https://libraryherald.dlaindia.in/post/users-perception-on-social-media-in-the-library-marketing-a-study-of-indian-institute-of-managemen

- श्रीवास्तव, जीजी, और भट्ट, आरके (2024)। अभिनव सोशल मीडिया मार्केटिंग के माध्यम से स्थिरता को बढ़ावा देना: दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालयों के दृष्टिकोण। लाइब्रेरी हेराल्ड, 62(1), 50-61। https://libraryherald.dlaindia.in/post/fostering-sustainability-through-innovative-social-media-marketing-perspectives-from-university-lib

- अक्षय कुमार, के.एस., और वालिया, पी.के. (2024)। कर्नाटक के सार्वजनिक पुस्तकालयों में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) का अनुप्रयोग। जर्नल ऑफ इंडियन लाइब्रेरी एसोसिएशन, 60(4), 534-547। https://journal.ilaindia.net/index.php/lib/article/view/581

- अक्षय कुमार, के.एस., और वालिया, पी.के. (2024)। तमिलनाडु के जिला केंद्रीय पुस्तकालयों में आईसीटी का अनुप्रयोग। केल्प्रो बुलेटिन, 28(2), 19-36। https://kelprobulletin.in/Journals_more.php?page=68

- अक्षय कुमार, के.एस., और वालिया, पी.के. (2024)। तमिलनाडु के सार्वजनिक पुस्तकालयों में वेब 2.0 का उपयोग करते हुए आईसीटी-सक्षम सूचना सेवाएँ। डेसीडॉक जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, 44(4), 254-261। https://doi.org/10.14429/ djlit.44.4.19420

- गौर, के., और सिंह, के.पी. (2024)। विज्ञान के क्षेत्र में सूचना स्रोत। ओपन एक्सेस होराइज़न्स में: पुस्तकालय और सूचना विज्ञान के भविष्य की खोज, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी,5(7), 74-81, https://ijmrtjournal.com/wp-content/uploads/2024/08/National-Seminar-on-Open-Access-Horizons-Exploring-the-Future-of-Library-and-Information-Science.pdf

- गौर, के., और सिंह, के.पी. (2024)। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों और शोधार्थियों के बीच ई-संसाधन उपयोग। लाइब्रेरी हेराल्ड, 62(3), 384-409। https://libraryherald.dlaindia.in/post/e-resource-utilization-among-faculty-members-and-research-scholars-at-jawaharlal-nehru-university-an

- सिंह, केपी, और गुप्ता, डी. (2024). भारत में स्वास्थ्य विज्ञान सूचना प्रणाली: चिकित्सा पेशेवरों के लिए एक अपरिहार्य ज्ञान साथी. लाइब्रेरी हेराल्ड, 62(2), 164-181.

- कुमार, एस., और सिंह, के.पी. (2024)। दिल्ली के चुनिंदा सरकारी पुस्तकालयों में आईसीटी अनुप्रयोग/पुस्तकालय स्वचालन की स्थिति: एक अध्ययन। *जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन एंड मैनेजमेंट, 61* (2), 91-97। https://www.srels.org/index.php/ sjim/article/view/171371

- सिंह, केपी, और ठाकुर, एम. (2024)। साइटा-जर्नल ऑफ फूड का शोध परिणाम। डब्ल्यूई: एक बहु-विषयक और बहुभाषी सहकर्मी-समीक्षित शोध पत्रिका, 5(1), 43-52।

- सिंह, केपी (2024). मेटावर्स: नया तकनीकी विकास। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेटावर्स एंड वर्चुअल ट्रांसफॉर्मेशन, 1(1), 1-2. https://mvt.artahub.ir/article_193530_c32b83804ed79aed3deac467d6eb8995.pdf

- मार्गम, एम., और पांडे, पी. (2025)। स्मार्ट उपकरणों पर पुस्तकालयों के परिदृश्य की खोज: प्रिज़्मा का उपयोग करते हुए एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा। वैश्विक ज्ञान, स्मृति और संचार। अग्रिम ऑनलाइन प्रकाशन। https://doi.org/10.1108/GKMC-12-2023-0489

- कुमार, यू., और मधुसूदन, एम. (2025)। शोध दृश्यता बढ़ाना: एम्स, नई दिल्ली में एनेस्थीसिया संकाय का विश्लेषण, गूगल स्कॉलर पर। TULSSAA जर्नल, 12(1), 19-35। https://doi.org/10.3126/tulssaa.v12i1.77248

- प्रियंका, और मधुसूदन, एम. (2024)। विश्वविद्यालय पुस्तकालय वेबसाइटों का आकलन: जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय का एक तुलनात्मक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लाइब्रेरी इंफॉर्मेशन नेटवर्क्स एंड नॉलेज, 9(2), 1-21। https://slp.org.in/IJLINK/volumes/IJLINK-V9I2-1.pdf

- कुमार, एन., और मधुसूदन, एम. (2024)। पसंद और मजबूरी के बीच: पुस्तकालय और सूचना विज्ञान पेशेवरों द्वारा पसंद की जाने वाली ग्रंथसूची संदर्भ शैलियों की गतिशीलता। सीरियल्स रिव्यू, 50(1-2), 32-44। https://doi.org/10.1080/ 00987913. 2024. 2394329

- यादव, एम., मधुसूदन, एम., सोनी, एस., और पांडे, पी. (2024)। पुस्तकालय सूचना प्रणाली (एलआईएस) पेशेवरों के बीच आईसीटी कौशल और दक्षताओं की खोज: एक व्यवस्थित समीक्षा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लाइब्रेरी इंफॉर्मेशन नेटवर्क्स एंड नॉलेज, 9(2), 69-87। https://slp.org.in/IJLINK/volumes/IJLINK-V9I2-4.pdf

- पांडे, पी., और मधुसूदन, एम. (2024). पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान पेशेवरों में आईसीटी दक्षता: एक व्यवस्थित समीक्षा। अभिगम: नेपाल लाइब्रेरी एसोसिएशन का एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 3(1), 76-91. https://doi.org/10.3126/access.v3i1.69423

- मधुसूदन, एम., और पांडे, पी. (2024)। उत्कृष्टता की खोज: पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में व्यावसायिक विकास का एक व्यापक परीक्षण। सूचना खोज और वितरण। अग्रिम ऑनलाइन प्रकाशन। https://doi.org/10.1108/IDD-02-2024-0017

- मधुसूदन, एम., और सिंह, बी.पी. (2024)। पहली पीढ़ी के आईआईटी पुस्तकालयों में मोबाइल प्रौद्योगिकी एकीकरण: एक मूल्यांकनात्मक अध्ययन। विश्व डिजिटल पुस्तकालय, 17(1), 53-66। https://doi.org/10.18329/09757597/2024/17105

- सिंह, बी.पी., और मधुसूदन, एम. (2024)। उत्तर भारत में चुनिंदा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) के पुस्तकालयों में पुस्तकालय सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए मोबाइल-आधारित अनुप्रयोग। अंतर्राष्ट्रीय सूचना अध्ययन एवं पुस्तकालय पत्रिका, 9(1), 1-7। http://www.publishingindia.com/ijisl/107/mobile-based-applications-for-

enhancing-library-services-in-select-indian-institutes-of-technology-iits-libraries-in-north-india/32144/87575/

- मधुसूदन, एम. (2024). वास्तविकता से परे: मेटावर्स तकनीकें पुस्तकालयों में क्रांति ला रही हैं और उपयोगकर्ता जुड़ाव बढ़ा रही हैं। लाइब्रेरी हाई टेक न्यूज़, 41(6), 15-18. https://doi.org/10.1108/LHTN-12-2023-0217

- मधुसूदन, एम., पांडे, पी., और भारती, आर.के. (2025)। दिल्ली विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के छात्रों द्वारा चैटजीपीटी का उपयोग। डेसीडॉक जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, 45(2), 85-91। https://doi.org/10.14429/djlit.20570

- देवी, एस.एस., और मधुसूदन, एम. (2025)। सोशल मीडिया और संज्ञानात्मक रणनीतियों के माध्यम से पुस्तकालय सेवाओं का संवर्धन: दिल्ली विश्वविद्यालय में पुस्तकालय सूचना प्रणाली पेशेवरों का एक अध्ययन। कॉलेज लाइब्रेरीज़, 40(1)। (प्रकाशन में)

- पांडे, पी., और मधुसूदन, एम. (2024)। व्यावसायिक विकास को आगे बढ़ाना: नेपाल में पुस्तकालय सूचना प्रणाली (एलआईएस) पेशेवरों के लिए शैक्षिक संसाधनों और आईसीटी प्रशिक्षण का प्रभाव। आरबीयू जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस, 26. (प्रकाशन में)

- सिंह, बी.पी., और मधुसूदन, एम. (2024)। भारत में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों के पुस्तकालयों में लघु संदेश पुस्तकालय सेवाएँ। कॉलेज लाइब्रेरीज़, 39(3), 14-22। https://collegelibraries.in/index.php/CL/article/view/164/154

- झा, केएन, और मधुसूदन, एम. (2024)। वर्णरत्नाकर में ज्ञान संरचना: मैथिली का एक प्रस्तावित थिसारस। लाइब्रेरी हेराल्ड, 62(3), 370-383। https://doi.org/10.5958/0976-2469.2024.00029.2

- कुमार, एन., और मधुसूदन, एम. (2024)। संदर्भों पर पुनर्विचार: एम.ए.लए, एपीए और आईएस पर एक तुलनात्मक नज़र: आईडीबीआर। पुस्तकालय और सूचना अध्ययन के इतिहास, 71(3), 341-348। https://doi.org/10.56042/alis.v71i3.10353

- पांडे, पी., और मधुसूदन, एम. (2024)। ज्ञान संपदा का संरक्षण: आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए पुस्तकालयों का मार्गदर्शन। जर्नल ऑफ नॉलेज एंड कम्युनिकेशन मैनेजमेंट, 14(1), 24-36। https://doi.org/10.5958/2277-7946.2024.00003.8

- रुखसार, और मधुसूदन, एम. (2024)। साहित्यिक चोरी नियंत्रण में पुस्तकालयाध्यक्षों की भूमिका: दिल्ली के केंद्रीय विश्वविद्यालयों पर एक अध्ययन। केल्प्रो बुलेटिन, 28(1), 20-35। https://www.kelprobulletin.in/Journals_more.php?page=67

- पूजा, और मीरा (2024)। नैदानिक मनोविज्ञान क्षेत्र में वैश्विक शोध: वेब ऑफ़ साइंस पर आधारित एक साइंटोमेट्रिक मूल्यांकन। मेडिकल रिसर्च आर्काइव्स, 12(12), 1-17। https://doi.org/10.18103/mra.v12i12.6090

- यादव, एम., और पूजा। (2024, जुलाई-दिसंबर)। भारत में मनोविज्ञान ब्लॉग: एक मूल्यांकनात्मक अध्ययन। लाइब्रेरी प्रोग्रेस इंटरनेशनल, 44(3), 26443-26455। https://doi.org/10.48165/bapas.2024.44.2.1

- यादव, एम., और पूजा (2024)। जैव सूचना विज्ञान अनुसंधान में भारत-अमेरिका सहयोग पैटर्न। आईएएसएलआईसी बुलेटिन, 69(1), 25-34।

- खरघरिया, जी., और कुमार, एम. (2024)। दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी के दिव्यांग उपयोगकर्ताओं द्वारा ब्रेल लाइब्रेरी संसाधनों का उपयोग: एक अध्ययन। लाइब्रेरी हेराल्ड, 62(4), 529-541। https://libraryherald.dlaindia.in/post/use-of-braille-library-resources-by-specially-abled-users-of-delhi-public-library-a-study

- पाओजंगुल, एम., और कुमार, एम. (2024)। सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक और राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश, भारत के संकाय सदस्यों और शोधार्थियों द्वारा ऑनलाइन उद्धरण उपकरणों का उपयोग: एक अध्ययन। वीथिका- एक अंतर्राष्ट्रीय अंतःविषयक शोध पत्रिका, 10(4), 16-35। https://doi.org/10.48001/veethika.1004002

- विकास, और कुमार, एम. (2024). उपयोगकर्ताओं के दृष्टिकोण का अनावरण। वीथिका-एक अंतर्राष्ट्रीय अंतःविषयक शोध पत्रिका, 10(2), 8-17. https://doi.org/10.48001/veethika.2024.10.02.002

- पिंकी। (2024)। डेटा एनालिटिक्स और एलआईएस शिक्षा। वीथिका-एक अंतर्राष्ट्रीय अंतःविषय अनुसंधान पत्रिका, 10(3), 42-48। https://doi.org/10.48001/veethika.2024.10.03.005

- रानी, आर., और पिंकी (2024)। भारत में फर्जी खबरों का ग्रंथसूची विश्लेषण: एक अध्ययन। लाइब्रेरी हेराल्ड, 62(2), 227-241। https://doi.org/10.5958/0976-2469.2024.00018.8

- सिंह, पी., और पिंकी (2024)। एनएआई और आईजीएनसीए दिल्ली के चुनिंदा विशेष पुस्तकालयों में पुस्तकालय संसाधनों के संरक्षण और परिरक्षण के लिए प्रयुक्त तकनीक: एक तुलनात्मक अध्ययन। जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस, 49(1), 23-38।

- पिंकी, और मिश्रा, ए. (2024). भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार की डिजिटलीकरण प्रक्रिया और सेवाएँ: एक अध्ययन. जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस, 49(1), 68-82.

- रानी, आर., और शर्मा, पी. (2025)। मीडिया साक्षरता पर कोविड-पूर्व और कोविड-पश्चात साहित्य के बदलते प्रतिमान: एक ग्रंथसूची अध्ययन। लाइब्रेरी हेराल्ड, 62, 25-42। https://libraryherald.dlaindia.in/post/shifting-paradigms-of-pre-covid-and-post-covid-literature-on-media-literacy-a-bibliometric-study

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय/संपादित पुस्तकें

- कुमार, एन., भट्ट, आर.के., और ललिता (2024). दिल्ली लाइब्रेरीज़ @75. नरेंद्र पब्लिशिंग हाउस. आईएसबीएन 978-93-56519-47-3 .

- कंधासामी, के. और वालिया, पी.के. (2-4 दिसंबर 2024)। डिजिटल युग में मीडिया और सूचना साक्षरता मॉडल का विश्लेषण। एम. रघुनंदन, एट अल. (संपादक), इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन डिजिटल लैंडस्केप इन लाइब्रेरी 4.0 (डीएलएल 4.0), बैंगलोर विश्वविद्यालय, कर्नाटक, 623-634।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

अंतरराष्ट्रीय

कृपा नंद झा और मार्गम मधुसूदन ने 17-19 अक्तूबर, 2024 को आयोजित 'लिगेसी में गर्व - पुस्तकालय और विकसित भारत के लिए अभिलेखागार' पर केंद्रीय सरकार पुस्तकालय संघ (सीजीएलए-2024) के 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'पुस्तकालय और सूचना विज्ञान (एलआईएस) में उद्यमिता: एक भारतीय परिप्रेक्ष्य' शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।

कृपा नंद झा और मार्गम मधुसूदन ने 29-30 अगस्त, 2024 को आयोजित ' डिजिटल युग में पुस्तकालयों को सशक्त बनाने के लिए परिवर्तनकारी रणनीतियों' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

के दौरान 'डिजिटल युग में पुस्तकालयों को सशक्त बनाने के लिए परिवर्तनकारी रणनीतियों में सीबीएसई संबद्ध स्कूलों के लिए पुस्तकालय मानदंड' शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।

उमेश कुमार और मार्गम मधुसूदन ने 17-19 अक्तूबर, 2024 को आयोजित 'विविधता में गर्व - पुस्तकालय और विकसित भारत के लिए पुरालेख' पर केंद्रीय सरकार पुस्तकालय संघ (सीजीएलए-2024) के 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'डॉ. आरपी नेत्र विज्ञान केंद्र में संकायों की ऑनलाइन उपस्थिति: एम्स, नई दिल्ली: एक गूगल स्कॉलर दृश्यता अध्ययन' शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।

सावले, ए. और वालिया, पीके ने “डिजिटल वातावरण में पुस्तकालयों में तकनीकी एकीकरण के प्रभाव और चुनौतियां: एक साइंटोमेट्रिक दृष्टिकोण” शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया, “अकादमिक पुस्तकालयों में ज्ञान संगठन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (I KOAL-2025)” लाइब्रेरी प्रोफेशनल्स एसोसिएशन, नई दिल्ली और सेंट्रल लाइब्रेरी, डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, यूपी द्वारा संयुक्त रूप से 20-22 फरवरी, 2025 को आयोजित किया गया ।

राष्ट्रीय

अक्षय कुमार के.एस. और वालिया, पी.के. ने नए युग में प्रबुद्ध पुस्तकालय/सूचना उपयोगकर्ता समुदाय के विकास के लिए सूचना साक्षरता पर आईएएसएलआईसी के 30$^{वें}$ राष्ट्रीय संगोष्ठी में "सूचना साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए पुस्तकालय पेशेवरों के बीच आईसीटी कौशल और दक्षताएं: भारत में तमिलनाडु में सार्वजनिक पुस्तकालयों का एक केस स्टडी" शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, 21-23 नवंबर, 2024.

अक्षय कुमार के.एस. और वालिया, पी.के. ने "दक्षिण भारत में राज्य केंद्रीय सार्वजनिक पुस्तकालयों में सूचना सेवाओं का प्रावधान: डिजिटल युग में बहुसांस्कृतिक समुदायों की सूचना आवश्यकताओं को संबोधित करना: एआई तकनीकी युग में लाइब्रेरियनशिप को फिर से परिभाषित करना: नवाचार, चुनौतियां और अवसर" शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया, तंजावुर, तमिलनाडु, 20-21 मार्च, 2025.

आमंत्रित वार्ता

- प्रो. आर.के. भट्ट ने डॉ. बीआर अंबेडकर अध्ययन केंद्र, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित “शैक्षणिक लेखन” और “अनुसंधान में नैतिकता” विषय पर 05-03-2025 को व्याख्यान दिया।

- प्रोफेसर आर.के. भट्ट चौधरी रणबीर सिंह सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन संस्थान, एमडीयू, रोहतक द्वारा 13-02-2025 को आयोजित अनुसंधान पद्धति पर एक सप्ताह की कार्यशाला के लिए संसाधन व्यक्ति थे।
- प्रोफेसर आरके भट्ट ने राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा 13-01-20253 को आयोजित एलआईएस, यूजीसी-एम.ए.मटीटीसी में एक रिफ्रेशर कोर्स में “दक्षता और लक्ष्य प्राप्त करने के लिए व्यक्तित्व विकास” और “आईसीटी वातावरण में एलआईएस उत्पादों और सेवाओं का विपणन” शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।
- प्रो. आर.के. भट्ट ने 09-11-2024 को डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, (यूजीसी-एम.ए.मटीटीपी) द्वारा आयोजित एलआईएस में एक ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स में "एलआईएस पाठ्यक्रम में डिजिटल सूचना परिदृश्य" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।
- प्रोफेसर आरके भट्ट क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, एनसीईआरटी, अजमेर, राजस्थान द्वारा 07-08 फरवरी, 2025 को आयोजित दो दिवसीय "आईडीआर पर अपलोड किए जाने वाले दस्तावेजों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर समीक्षा कार्यशाला" में संसाधन व्यक्ति थे।
- प्रो. एम. मधुसूदन ने 'ई-सामग्री का डिजाइन, विकास और वितरण' विषय पर 27-03-2025 को व्याख्यान दिया (दिल्ली विश्वविद्यालय)
- प्रो. एम. मधुसूदन ने 'पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में अनुसंधान के लिए कौशल एवं दक्षता' विषय पर 19-03-2025 को व्याख्यान दिया (दिल्ली विश्वविद्यालय)
- प्रो. एम. मधुसूदन ने 'साहित्यिक चोरी, साहित्यिक चोरी सॉफ्टवेयर का उपयोग: टर्निटिन, प्रकाशन नैतिकता और सर्वोत्तम प्रथाएँ (सीओपीई, डब्ल्यूएएमई)' विषय पर 21-02-2025 को व्याख्यान दिया (दिल्ली विश्वविद्यालय)
- प्रो. एम. मधुसूदन ने 'सूचना और ज्ञान प्रबंधन के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपकरण' शीर्षक से 05-10-2024 को एक व्याख्यान दिया (दिल्ली विश्वविद्यालय)
- प्रो. एम. मधुसूदन ने 'शिक्षा और अनुसंधान के लिए एआई उपकरण' विषय पर 13-09-2024 को एक व्याख्यान दिया (दिल्ली विश्वविद्यालय)

नियुक्त छात्रों की संख्या और प्रतिशत

40% छात्र नियुक्त हुए।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

देश का एक प्रमुख संस्थान होने के नाते यह विभाग नियमित रूप से देश भर के अन्य एलआईएस विभागों से आने वाले छात्रों की मेजबानी करता है।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी.डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी. : 09

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर : 01

प्रोफेसर : 4

एसोसिएट प्रोफेसर: : 01

सहायक प्रोफेसर : 02)

कुल **:** 08

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

विभाग 1976 से 'जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस' नामक पत्रिका का सफलतापूर्वक प्रकाशन कर रहा है। नवीनतम खंड संख्या 49 प्रेस में है।

आवंटित निधियां : ₹ 4,22,000 लाख

उपयोगित निधियां : ₹ 3,12,573 लाख

***

भाषा-विज्ञान विभाग

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

विभाग के संकाय को आईसीएसएसआर और डीयू की आईओई जैसी जानी-मानी एजेंसियों से चार परियोजनाएं प्राप्त हुई हैं।

भाषा विज्ञान विभाग ने एक बड़ा सम्मेलन आयोजित किया है।

संकाय ने पूरे देश में बीस से अधिक आमंत्रित व्याख्यान दिए हैं।

संकाय ने बीस से अधिक सम्मेलन वार्ताएं भी प्रस्तुत की हैं।

पीएच.डी.और एम.ए. छात्रों ने छब्बीस से अधिक छात्र सम्मेलन प्रस्तुतियां दी हैं।

एक पीएच.डी.छात्र ने एक अंतरराष्ट्रीय प्रकाशन में एक शोध-पत्र प्रकाशित किया है।

विभाग ने 15वें एससीओएनएलआई सम्मेलन का आयोजन किया, जिसमें देश से बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया और यह सबसे बड़ा और सबसे सफल सम्मेलन है, जो 29 से 31 जनवरी, 2025 तक चलेगा।

आवंटित निधियां : ₹ 5200 करोड़

उपयोगित निधियां : ₹ 4816.39 करोड़

सम्मान/विभूतियां

संकाय

- संकाय को कई स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समितियों/बोर्डों में नियुक्त किया गया।

छात्र

- द्वितीय वर्ष की परास्नातक छात्रा सौमिनी बनर्जी और मेधा सारा सैम ने हिमालयन लैंग्वेज सिम्पोजियम, आईआईटी गुवाहाटी, 12-14 जून, 2024 में "जटिल क्रिया विन्यास को दर्शाते हुए दक्षिण मुंडा भाषाओं में प्रतिध्वनि संरचनाएँ" शीर्षक वाले पोस्टर के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर का पुरस्कार जीता। उन्हें 10,000/- रुपये की पुरस्कार राशि मिली।
- मौमा बानिक ने सहायक प्रोफेसरशिप के लिए यूजीसी-नेट 2024 जून चक्र उत्तीर्ण किया।
- भव्या सीपी ने यूजीसी-नेट (2024) और गेट (2025) के लिए अर्हता प्राप्त की।
- फ्रेंको टोंगब्राम, भाषा विज्ञान (पीएच.डी.द्वितीय वर्ष) को अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए राष्ट्रीय फैलोशिप (एनएफएससी), यूजीसी, 18 मार्च 2025 के लिए चुना गया।

प्रकाशन

भट्टाचार्य, टी. (2024). एकजुटता में: अपनी प्रिय मित्र अनीता घई को याद करते हुए, जो गंभीर विकलांगता अध्ययन में अग्रणी हैं। *द वायर* । https://thewire.in/rights/in-friendship-and-solidarity-for-my-dear-friend-anita-a-pioneer-in-critical-disability-studies

ममता, और ऐ, एल. (2024). बहुभाषी परिवेश में सुमी भाषी के प्रथम भाषा अर्जन में भाषा विकास. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज़ (आईजेआरएआर), 11(4), 638-653. http://www.ijrar.org/IJRAR24D2732.pdf

शर्मा, वी., शिवम, एस., और कुमार, एनएस (2024)। असमिया में संस्कृत प्रतिवर्त: ध्वनि परिवर्तन (असामी: लो: संस्कृतप्रतिबिम्बा: लु-ध्वनि मा:रपुलु)। औचित्यम जर्नल, 5(14) https://doi.org/10.5281/zenodo.14274291

शर्मा, वीएम.ए.स (2025)। भारतीय स्कूलों में शिक्षा की भाषाएँ: बहुभाषिकता (भारत पथशालालो बोधना भाषा (लु): बहु भाषात्मकता)। औचित्यम जर्नल। https://www.auchithyam.com/2025/feb_ 2025/full_papers/february25_15.php

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय/संपादित पुस्तकें

भट्टाचार्य, टी. (2024)। भारत में बच्चों के पारंपरिक खेल: अधीनता के गुणों को भूलना। टी. चतिका और डी. गुडली (सं.), द रूटलेज हैंडबुक ऑफ पोस्टकोलोनियल डिसेबिलिटी स्टडीज (पृष्ठ 190-201)। रूटलेज। https://doi.org/10.4324/9781003310709

अनुसंधान परियोजनाएँ

- इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. साक्षी भाटिया, (पीआई) 'हिंदी और पंजाबी में समझौता निर्भरता का प्रसंस्करण', ₹ 3,00,000. (2024 से 2025)
- आईसीएसएसआर, डॉ. एन सुशील कुमार (पीआई), "कोच पहचान और संस्कृति के संरक्षण में मौखिक परंपराओं की भूमिका" ₹ 17,00,000/. (मार्च 2025-2027)।
- आईसीएसएसआर, डॉ. एन सुशील कुमार (सह-पीआई), "आंध्र महाभारत उद्योग पर्व-दौत्य विधानम- समकालीन समन्वयम"। (महाभारत के उद्योग पर्व में वर्णित कूटनीति की प्रासंगिकता और अनुप्रयोग) (तेलुगु संस्करण ₹ 6,00,000/। (मार्च 2025-2026)।
- आईसीएसएसआर, डॉ. वी.एम. सुब्रह्मण्या शर्मा (सह-पीआई), कोच पहचान और संस्कृति के संरक्षण में मौखिक परंपराओं की भूमिका", ₹1700000 (मार्च 2025-2027)।

आयोजित संगोष्ठियां/ वार्ता

पोलैंड के पॉज़्नान विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और डीन, प्रो. क्रिज़्सटॉफ़ स्ट्रोन्स्की ने 22 *नवंबर*, 2024 *को 'दक्षिण एशिया में भाषाई विशेषताओं की डायक्रोनी और टाइपोलॉजी' पर एक व्याख्यान दिया।*

आयोजित सम्मेलन

'भारत में भाषा विज्ञान के छात्रों का सम्मेलन (एससीओएनएलआई-15)' शीर्षक से सम्मेलन का आयोजन केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) के सहयोग से आईसीएसएसआर और सेज प्रकाशन द्वारा 29-31 जनवरी, 2025 के दौरान किया गया।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

- ममता ने 'दिल्ली में द्विभाषी डिस्लेक्सिक स्कूली बच्चों द्वारा निर्मित मॉर्फो-फोनोलॉजिकल स्तर पर पढ़ने के विचलन पर एक अध्ययन' शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया। यह सम्मेलन भारतीय भाषा विज्ञान सोसायटी (आईसीओएलएसआई-46) के 46$^{वें}$ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान आयोजित किया गया था, जिसका आयोजन कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, भारत के

भाषा विज्ञान विभाग द्वारा 3 से 5 अक्तूबर, 2024 तक केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु (सीआईआईएल-मैसूरु), भारत के सहयोग से किया गया था।

- ममता ने भारतीय भाषा विज्ञान सोसायटी (आईसीओएलएसआई-46) के 46वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'हिंदी भाषी डिस्लेक्सिक्स में हिंदी संयुक्त व्यंजन' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। यह सम्मेलन कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, भारत के भाषा विज्ञान विभाग द्वारा 3 से 5 अक्तूबर, 2024 तक केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु (सीआईआईएल-मैसूरु), भारत के सहयोग से आयोजित किया गया ।
- फणी कृष्ण पी., सुंदर बुक्या और शिव राम माले ने मानव केंद्रित कंप्यूटिंग (मानव - 2025) पर तीसरे डॉक्टरेट संगोष्ठी के दौरान 'स्थानिक अनुभूति में लैंगिक असमानताएं: स्टीरियोप्सिस और मानसिक रोटेशन का प्रभाव' शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया, जिसका आयोजन कंप्यूटर सोसाइटी ऑफ इंडिया, कोलकाता चैप्टर और जेआईएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पश्चिम बंगाल द्वारा संयुक्त रूप से 28 मार्च, 2025 को किया गया।
- फणी कृष्ण पी. ने 7 से 8 फरवरी, 2025 तक ओडिशा के बरहामपुर विश्वविद्यालय के पीजी भाषा विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित 'भाषा, संस्कृति और पहचान (एनसीएलसीआई 2025)' पर राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'मौन की छाया में जुराई के अनकहे ज्ञान की खोज' शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।
- फणी कृष्ण पी. ने 26 से 28 फरवरी, 2025 तक उत्तर-पूर्वी पर्वतीय विश्वविद्यालय के भाषा विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित 'भारतीय भाषाई परंपरा और स्वदेशी ज्ञान प्रणाली' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'ज्यूरे की नृजातीय भाषाई विशेषताएं और भारतीय ज्ञान प्रणाली में इसका कलात्मक और सांस्कृतिक योगदान' शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।
- अमेरिका के फ्लोरिडा के सेंट पीट बीच में 22 मई, 2024 के दौरान आयोजित 2024 विजन साइंसेज सोसाइटी की वार्षिक बैठक के दौरान 'द्रविड़ भाषाओं में मोनोलेक्सेमिक रंग शब्दों के फीलोजेनेटिक विकास का एक बायेसियन विश्लेषण' शीर्षक से एक पोस्टर प्रस्तुत किया। यह प्रस्तुति 18 मई, 2024 को 'रंग, प्रकाश और सामग्री: कला, अनुभूति' सत्र के दौरान हुई।
- एस. भाटिया ने 12 दिसंबर, 2024 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'दक्षिण एशियाई भाषा अधिग्रहण और प्रसंस्करण मंच 5' (सफल 5) के दौरान पी. भारद्वाज के साथ 'हिंदी-उर्दू में कारक तत्वों का अधिग्रहण' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- शिव राम माले, फणी कृष्ण पी., और बस्कर थेगरायण ने 24 से 27 जुलाई, 2024 तक नीदरलैंड के रॉटरडैम स्थित पोस्टिलियन होटल और कॉन्फ्रेंस सेंटर में आयोजित संज्ञानात्मक विज्ञान सोसायटी की 46$^{वीं}$ वार्षिक बैठक के दौरान 'कम दृष्टि बाधित भारतीय स्कूली बच्चों में द्विभाषिकता के लाभ और भूमिका' शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई में 13 से 15 दिसंबर, 2024 तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ कॉग्निटिव साइंस 11' (एसीसीएस 11) के दौरान पी. भारद्वाज के साथ 'हिंदी-उर्दू कॉजेटिव इवेंट स्ट्रक्चर एक्विजिशन' शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।
- नागालैंड विश्वविद्यालय, कोहिमा परिसर, नागालैंड में 30 नवंबर, 2024 तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'दक्षिण एशियाई भाषा विश्लेषण गोलमेज सम्मेलन' (SALA-38) में प्रस्तुत किया गया।
- नागालैंड विश्वविद्यालय, कोहिमा परिसर, नागालैंड में 2024 में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'दक्षिण एशियाई भाषा विश्लेषण गोलमेज' (SALA-38) के दौरान वाई. सिन्हा और ए. अरविंद के साथ 'व्यापक गरीबी के माध्यम से लोलुपता जांच को बचाना' शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।
- भाषा विज्ञान विभाग, यूसीएएसएस, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में 21 से 22 जनवरी, 2025 तक भारतीय भाषा परिवार द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'एनईपी 2020 में भारतीय भाषाएँ: अवसर और चुनौतियाँ' शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।
- केरल के वालुमेल इंस्टीट्यूट ऑफ टीचर एजुकेशन द्वारा 24 जनवरी, 2025 को आयोजित 'भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने में एनईपी की भूमिका' पर व्याख्यान दिया।
- एन. सुशील कुमार ने 17-18 फरवरी, 2025 को केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा (नई दिल्ली केंद्र) द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'भोजपुरी में अंक' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- एन सुशील कुमार ने 24 मार्च 2025 को डॉ. बीआर अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा आयोजित 'भाषा और संस्कृति' पर व्याख्यान दिया।
- उस्मानिया विश्वविद्यालय में टीईएलएफ 2025 के 13$^{वें}$ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “वैक के चरण” (ऑनलाइन) शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।
- डॉ. वी.एम. सुब्रह्मण्या शर्मा ने उस्मानिया विश्वविद्यालय में टीईएलएफ 2025 के 13वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “तेलुगु और मलयालम में अंग्रेजी ऋणशब्द अनुकूलन का तुलनात्मक अध्ययन” (ऑनलाइन) शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।

आमंत्रित वार्ता

- लिटरेरी ड्यूड जर्नल ऑफ इंग्लिश लैंग्वेज एंड लिटरेचर, विरुधुनगर, तमिलनाडु, भारत द्वारा 26 अक्तूबर, 2024 को आयोजित एक दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम में 'भाषा सीखने और सिखाने में अनुसंधान के तरीके और नवाचार' शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- एस. भाटिया ने 24 से 25 अक्तूबर, 2024 तक बुखारेस्ट विश्वविद्यालय, टोरंटो विश्वविद्यालय, यूमास एमहर्स्ट, जेडएएस बर्लिन द्वारा आयोजित 'समझौते की पहेलियाँ:

वाक्यात्मक, अर्थगत और मनोभाषाई परिप्रेक्ष्य' पर एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला के दौरान 'कोपुलर एग्रीमेंट: विशेषताएँ और लोलुपता' शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया ।

- 24 फरवरी , 2025 को गार्गी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन मेकिंग विजिबल: डिसेबिलिटी रिप्रेजेंटेशन इन पॉपुलर कल्चर में एक आमंत्रित पूर्ण व्याख्यान "डिसेबिलिटी नॉलेज का क्षेत्र" व्याख्यान दिया।
- केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर में भाषा प्रलेखन पर शीतकालीन स्कूल में 'प्रलेखन में विधियाँ: कैसे (कितना) उपयोग करें?' विषय पर 20 जनवरी, 2025 को एक आमंत्रित विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के हिमालयन अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित *माउंटेन रेजिलिएंस: एंथ्रोपोसीन जलवायु परिवर्तन के युग में हिमालय के भविष्य को सुरक्षित करना सम्मेलन* में "हिमालय को समझने के लिए पुरातत्व, आनुवंशिकी और भाषा विज्ञान का उपयोग" विषय पर 10 दिसंबर, 2024 को मुख्य भाषण दिया।
- बीएचयू में *मानव स्वास्थ्य सफलताओं के लिए आर्कियोजेनेटिक्स, फोरेंसिक और मल्टी-ओमिक्स को एकीकृत करने* के शीर्षक से एडीएनएटी-2024 सम्मेलन में 28 नवंबर, 2024 को "एक राष्ट्र का भाषाई रूप से (अ)मानचित्रण कैसे करें: पूर्वोत्तर में एक अंतराल" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- हैदराबाद विश्वविद्यालय के मानविकी स्कूल में स्वर्ण जयंती पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला में "हमारे भाषाई अतीत की संकीर्णता को उजागर करना" विषय पर 8 नवंबर, 2024 को एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- आईआईटी गुवाहाटी में 27$^{वें}$ हिमालयन भाषा संगोष्ठी में "1980 के दशक के बाद वाक्यविन्यास पर एक संक्षिप्त परिचय" विषय पर 12 जून , 2024 को एक आमंत्रित व्याख्यान दिया ।
- टी. भट्टाचार्य ने भाषण दिया राजनीतिक रैली में दिया जाने वाला भाषण 25 अप्रैल, 2024 को राजधानी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में विकलांगता अध्ययन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "अकादमिक जगत के माध्यम से सक्रियता" पर चर्चा की।
- टी. भट्टाचार्य ने 2 अप्रैल, 2024 को आईआईटी दिल्ली में एचएसएस विभागीय श्रृंखला वार्ता (आमंत्रित) "व्याकरण हमारे अतीत को खोलता है" विषय पर व्याख्यान दिया।
- साहित्य अकादमी, नई दिल्ली में 2024 साहित्य महोत्सव में "विविधता का बचाव" विषय पर 16 मार्च, 2024 को एक आमंत्रित व्याख्यान दिया ।
- डॉ. वी.एम. सुब्रहमण्या शर्मा ने 24 दिसंबर, 2024 को तेलंगाना विश्वविद्यालय, निजामाबाद के तेलुगु अध्ययन विभाग में 18-12-2024 से 24-12-2024 तक आयोजित भाषा व्याख्याताओं (तेलुगु) के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में 'आदिवासी भाषाओं का दस्तावेजीकरण' पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया ।

- डॉ. वी.एम. सुब्रह्मण्या शर्मा ने 'भारतीय व्याकरण परंपरा' पर यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (जिसे पहले मानव संसाधन विकास केंद्र के नाम से जाना जाता था), उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा आयोजित "भाषा और भाषा विज्ञान में ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम" के प्रतिभागियों को, 1 फरवरी, 2025 को एक आमंत्रित व्याख्यान दिया
- डॉ. वी.एम. सुब्रह्मण्या शर्मा ने भारतीय भाषा समिति (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा बीबीएस, नई दिल्ली के कार्यालय में ऑनलाइन मोड के माध्यम से 12 नवंबर, 2024 को आयोजित 'ऑनलाइन अनुवादक प्रशिक्षण कार्यक्रम' पर चार दिवसीय कार्यशाला में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में 'भाषाई अनुवाद' पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया ।
- डॉ. वी.एम. सुब्रह्मण्या शर्मा ने भाषा विज्ञान विभाग, यूसीए एंड एसएस, उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद, में 'ध्वन्यात्मक आधार और उसके अनुप्रयोग' पर एक आमंत्रित 23 दिसंबर, 2024 को विस्तार व्याख्यान दिया।
- डॉ. वी.एम. सुब्रह्मण्या शर्मा ने भाषा विज्ञान विभाग, यूसीए एंड एसएस, उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद, में 'भारतीय भाषाओं में रूपध्वनि प्रक्रियाएँ' पर 20 जनवरी, 2025 को एक आमंत्रित विस्तार व्याख्यान दिया।
- डॉ. वी.एम. सुब्रह्मण्या शर्मा ने भाषा विज्ञान विभाग, यूसीए एंड एसएस, उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद, में 'सह-उच्चारण और द्वितीयक उच्चारण की अवधारणाएँ' पर 25 जनवरी , 2025 को एक आमंत्रित विस्तार व्याख्यान दिया।
- डॉ. वी.एम. सुब्रह्मण्या शर्मा ने 21 और 22 जनवरी 2025 को भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से भाषा विज्ञान विभाग, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड सोशल साइंसेज, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा आयोजित भारतीय भाषा परिवार पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में 'कुछ स्वदेशी भाषाओं में परस्पर विविधता' पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया ।
- डॉ. वी.एम. सुब्रह्मण्या शर्मा ने 'भारत की चुनिंदा भाषाओं में एकता और विविधता' पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। यह 'भाषाई सामंजस्य: भारतीय भाषाओं में एकता की खोज' विषय पर सम्मेलन, भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से, 23 जनवरी, 2025 को महिंद्रा विश्वविद्यालय, हैदराबाद में आयोजित किया गया।
- डॉ. वी.एम. सुब्रह्मण्या शर्मा ने भारतीय भाषा परिवार पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'बहुल विविधता, भाषाई एकता: येरुकला का तेलुगु और पड़ोसी भाषाओं के साथ संबंध' विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया, जिसका शीर्षक था "भारतीय भाषाएँ: साझा परंपराएँ और एकता के सूत्र" इसे भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से सीएएलटीएस, हैदराबाद विश्वविद्यालय में 24 जनवरी 2025 को आयोजित किया गया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

- डॉ. एस. भाटिया ने भारतीय भाषाओं में अफ़ेज़िया पर निरंतर शोध के लिए डॉ. अर्पिता बोस यूनिवर्सिटी ऑफ़ रीडिंग, यूके के साथ सहयोग स्थापित किया है। इस सहयोग का उद्देश्य न्यूरोलॉजिस्ट, स्पीच-लैंग्वेज पैथोलॉजिस्ट, न्यूरोलिंग्विस्ट और औपचारिक भाषाविदों की एक विविध टीम द्वारा व्यवस्थित डेटा संग्रह और विश्लेषण के माध्यम से भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक शोध को बढ़ावा देना है।
- डॉ. एस. भाटिया ने हिंदी रूप-वाक्य रचना से संबंधित सैद्धांतिक और प्रायोगिक मुद्दों पर अनुसंधान जारी रखने के लिए डॉ. अतुल्य अरविंद, मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, यूएसए के साथ सहयोग स्थापित किया।
- डॉ. एस. भाटिया ने हिंदी वाक्य प्रसंस्करण पर अनुसंधान जारी रखने के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली के डॉ. समर हुसैन के साथ सहयोग स्थापित किया, जिसमें भाषा प्रसंस्करण पर शीर्ष-अंतिम भाषाओं के विशिष्ट गुणों के प्रभाव पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- डॉ. एस. भाटिया ने हिंदी में संदर्भात्मक अभिव्यक्तियों के चयन को निर्देशित करने वाली क्रियाविधि पर शोध पूरा करने के लिए स्कॉटलैंड के स्टर्लिंग विश्वविद्यालय की डॉ. कुमिको फुकुमुरा के साथ सहयोग स्थापित किया।

संकाय संख्या

प्रोफेसर	: 01
एसोसिएट प्रोफेसर	: 0
सहायक प्रोफेसर `	: 05
अतिथि	: 01
कुल	**:** 07 सात

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- पी. फणी कृष्णा को चयन समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया: (बीबीएस) में अनुबंध के आधार पर अनुवादकों की भर्ती के लिए शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित एक उच्चस्तरीय समिति।
- एस. भाटिया को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई में भाषा अधिग्रहण और प्रसंस्करण पर 5वें दक्षिण एशियाई मंच के कार्यक्रम समिति सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया। 12 दिसंबर, 2024.
- एस. भाटिया को दिल्ली विश्वविद्यालय के कला संकाय की कला पुस्तकालय समिति का सदस्य नियुक्त किया गया।

- एस. भाटिया को दिल्ली विश्वविद्यालय के कला संकाय में सॉफ्टवेयर खरीद समिति का सदस्य नियुक्त किया गया।
- एस. भाटिया को अकादमिक समिति, आयोजन समिति, XVII तुलनात्मक साहित्य एसोसिएशन ऑफ इंडिया अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, कला संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय का सदस्य नियुक्त किया गया।
- एस. भाटिया को दिल्ली विश्वविद्यालय के कला संकाय में सेवानिवृत्त प्राध्यापकों की सुविधा के लिए समिति का सदस्य नियुक्त किया गया।
- टी. भट्टाचार्य को दिल्ली विश्वविद्यालय के कला संकाय में कला इतिहास समिति का संयोजक नियुक्त किया गया।
- *नेपाली भाषाविज्ञान*, नेपाल भाषाविज्ञान सोसायटी की पत्रिका के अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड के रूप में नियुक्त किया गया (26-10-24)।
- टी. भट्टाचार्य को अंबेडकर विश्वविद्यालय में जेआरएफ से एसआरएफ में उन्नयन के लिए मूल्यांकन समिति का सदस्य नियुक्त किया गया (23-10-24)।
- टी. भट्टाचार्य को कलकत्ता विश्वविद्यालय के सीएएस पदोन्नति के लिए चांसलर नामित नियुक्त किया गया (30.08.24)।
- टी. भट्टाचार्य को आईआईटी दिल्ली में पीएच.डी.समिति का बाहरी सदस्य नियुक्त किया गया (17-08-24)।
- क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बन्नेरघट्टा रोड कैंपस के अंग्रेजी और सांस्कृतिक अध्ययन सलाहकार बोर्ड का सदस्य नियुक्त किया गया (31-07-24)।
- विभाग को ₹ 5200 करोड़ आवंटित किए गए, जिसमें से ₹ 4816.39 करोड़ का उपयोग वित्तीय वर्ष 2024-25 में किया गया।
- मेंटर - मेंटी बैठकें हर सेमेस्टर में होती थीं।
- डॉ. साक्षी भाटिया ने अमेरिका, ब्रिटेन, स्कॉटलैंड और आईआईटी, दिल्ली के शोधकर्ताओं के साथ सहयोग किया।

***

भारतीय भाषा एवं साहित्यिक अध्ययन विभाग

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

यह विभाग एनईपी 2020 के तहत 17 भारतीय भाषाओं में यूजी एईसी पाठ्यक्रमों को पढ़ाने के लिए नोडल केंद्र है।

सम्मान/विभूतियां

छात्र

- एम.ए. तुलनात्मक भारतीय साहित्य (द्वितीय वर्ष) की छात्रा विधि जैन विश्वविद्यालय की टॉपर रहीं तथा उन्हें विश्वविद्यालय पदक से सम्मानित किया गया।
- एम.ए. बंगाली (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अनामिका दत्ता विश्वविद्यालय की टॉपर रहीं और उन्हें विश्वविद्यालय पदक से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

- बिजॉयकुमार, जी. (2024)। मणिपुरी रेडियो ड्रामागी इतिहास्ता महाराजकुमारी बिनोदिनीगी मपहम। वाखल,201(56),3-8. (केवल प्रिंट)
- बिजॉयकुमार, जी. (2024). सामाजिक परिदृश्य में बदलाव: मणिपुर में कलाकारों के सामने आने वाली चुनौतियाँ. *सम्प्रेषण,* 17(1),202-208. https://sampreshan.info/index.php/journals/article/view/80
- बिजॉयकुमार, जी. (2024). मणिपुरी रेडियो नाटक हास्य और व्यंग्य. *साहित्य लीचल* , 31(71), 26-37. (केवल प्रिंट)
- दास, आर. (2024)। भाषा, ध्रुपदी भाषा अरु हान कांग आर ज़हित्यार नोबेल। एएस पुजारी (सं.), सतसोरी (आईएसएसएन:2319-8893) में। गुवाहाटी। (केवल प्रिंट)
- दास, आर. (2024)। चर्यापदों में व्यवसाय पर सिद्धाचार्य की धारणा। एस. चंदर (सं.), आईपीई जर्नल ऑफ मैनेजमेंट (पी-आईएसएसएन 2240-9040) में। इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइज। https://www.ipeindia.org/the-journal-of-institute-of-public-enterprise/
- दास, आर. (2024)। मेरे सिर के लिए टेम्सुलर लैबुनम: एटा मे-मोहिया ज़ोनारुफुलिया गल्पा। ए.एस.पुजारी (एड.),सत्सोरी(ISSN2319-8893) गुवाहाटी में।
- दुग्गल, एम., बनर्जी, एस., मिश्रा, एस., और सिंह, एएच (2024)। काँच की छतों से परे: स्त्री-दृढ़ता का इतिहास। लाइब्रेरी प्रोग्रेस इंटरनेशनल, 44(3),12873-12879। https://bpasjournals.com/library-science/index.php/journal/article/view/2649
- कुमारी, एसके (2024)। तुलु नाडु की लोक खाद्य संस्कृति पर अन्य खाद्य संस्कृतियों का प्रभाव। अरिमा नुक्कू, 18(3), 173-178। https://share.google/mTtJ7vDz1254wHavU
- कुमारी, एस.के., और प्रकाश, ए. (2024). सतत कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था: भारत के कृषि क्षेत्र का भविष्य सुनिश्चित करना. आईपीई जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, 14(21), 217-225. https://www.ipeindia.org/ ipe-journal-of-management/
- वेंकट रमैया, जी. (2025)। शीर्षिके सर्वस्वम्: परिशोधन 'शीर्षिका'ल लक्षणालु। मुसी जर्नल /https://bmusimagazine.org/magazines-2025.html

- वेंकट रमैया, जी. (2025)। सैद्धान्तिका चित्रियाना। Auchityam.com.https://auchithyam.com/advanced/latest/search_new.php
- वेंकट रमैया, जी. (2025)। निज़ाम युगापु डिस्टोपिया: चिल्लारा देवुल्लू नवलालो बायोपॉलिटिक्स। Auchityam.com. https://auchithyam.com/advanced/latest/search_new.php
- वेंकट रमैया, जी. (2025)। तेलुगु भाषा साहित्यु: परिशोधन पद्धतुलु। मुसी जर्नल / https://musimagazine.org/magazines-2025.html
- वेंकट रमैया, जी. (2025)। चादुवु, संस्कृति आयुधलुगा प्रतिघथाना: बायोपॉलिटिक्स सिद्धांत नेपथ्यमलो *वेलुगुदारुलालो* आत्मकथा। मुसी जर्नल. https://musimagazine.org/magazines-2025.html
- वेंकट रमैया, जी. (2025)। ई दशबदापु उत्तम साहित्य समालोचना। तेलुगु साहित्य महासभा - 2024, नादुस्तुन्ना तेलंगाना। (केवल प्रिंट)
- वेंकट रमैया, जी. (2024)। मधुरांतकम नरेंद्र का भुचक्रम उपन्यास: रायलसीमा में व्यवसाय की कहानी। प्रबंधन के आईपीई जर्नल / https://www.ipeindia.org/ipe-journal-of-management/
- वेंकट रमैया, जी. (2024)। तेलुगु परिषोधन: शैलेपत्र समास्यालु। मुसी जर्नल, 7, 9-14। https://musimagazine.org/magazines-2025.html
- वेंकट रमैया, जी. (2024)। परिषोधनलो उल्लेखना पद्धति: ग्रंथचौर्य परिष्कारम्। Auchityam.com, 5, 107-120। https://auchithyam.com/advanced/latest/search_new.php
- वेंकट रमैया, जी. (2024)। स्त्रीला चरित्र पुनर्निर्मानिकी चरित्रका पात्रम् वेलुगुदारुलालो ... / भूमिका, 19, 8-12.
- वेंकट रमैया, जी. (2024)। तेलुगुलो प्रत्यम्नाय पत्रकारिता: प्रयोजनालु, समास्यालु। Auchityam.com, 5, 12-28. https://auchithyam.com/advanced/latest/search_new.php

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय/संपादित पुस्तकें

- दास, आर. (2024)। एजोन संतरसबदिर आत्मानुसंधान: दिश-संधान अरु दिश बिसलेशं। बी.बी. देव चौधरी (सं.), संतोष कुमार कर्माकर में: सृष्टि अरु ब्यक्ति (आईएसबीएन 978-81-966314-6-8)। पूर्वांचल प्रकाश.

अनुसंधान परियोजनाएँ

- इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रो. रत्नोत्तमा दास, मौखिक परंपरा में बाल साहित्य के तत्व: पूर्वोत्तर भारत से स्वदेशी कथाओं की खोज, 3,00,000, (सितंबर 2024 से फरवरी 2025)।

आयोजित सम्मेलन

- 10-12 सितंबर, 2024 को 'वैकल्पिक मानविकी के रूप में तुलनात्मक साहित्य: नैतिकता, प्रभाव और रोजमर्रा का सामाजिक' शीर्षक से अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।
- सदौ असोम सत्र महासभा, सदौ असोम संमिलितो युवत्रिथा, और ऐ कनकलता महिला तीर्थ, असम के सहयोग से 'मध्यकालीन युग में भक्ति आंदोलन और महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव: वैश्वीकरण के संदर्भ में अंतर्दृष्टि और विश्लेषण' शीर्षक पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 30 सितंबर-01 अक्तूबर 2024।
- 'पीड़ा और अस्तित्व की मेटा-कथाएँ: श्रीलंका तमिलों और कश्मीरी पंडितों के लिंग आधारित दृष्टिकोण' शीर्षक से अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन ऑस्ट्रेलियाई तमिल कांग्रेस, ऑस्ट्रेलिया के सहयोग से 27-01-2025 को किया गया।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

अंतरराष्ट्रीय

- डॉ. गुरुमयुम बिजॉयकुमार शर्मा ने 09 अक्तूबर, 2024 को 'पूर्वोत्तर भारत और उसके पड़ोसी देशों के बीच परिदृश्य और जीवन-जगत इंटरफेस' पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान, जीसी टोंगबरा के नाटक 'चाफुगा इवांगा' में पहचान, प्रवास और बहुसंस्कृतिवाद पर एक विहंगम दृष्टिकोण शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।
- डॉ. गुरुमयुम बिजॉयकुमार शर्मा ने 10 दिसंबर, 2024 को 'वैकल्पिक मानविकी के रूप में तुलनात्मक साहित्य: नैतिकता, प्रभाव और हर समाज' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'सुकुमार सेन के बंगाली साहित्य के इतिहास और चोंगथम मनिहार के मणिपुरी साहित्य के इतिहास का तुलनात्मक विश्लेषण: नैसर्गिक, परिप्रेक्ष्य और सांस्कृतिक अंतर्दृष्टि' शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।
- 'मध्यकालीन युग में भक्ति आंदोलन और महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव: वैश्वीकरण के संदर्भ में अंतर्दृष्टि और विश्लेषण' विषय पर 30 जनवरी, 2024 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान 'मध्यकालीन मणिपुरी ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में भक्ति आंदोलन' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- *मुगा* का महत्व: लखीमपुर जिले के नारायणपुर के मुगा पाम और स्वदेशी समुदायों पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय सहयोगात्मक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया, जिसका आयोजन 06-07 फरवरी, 2025 के दौरान काउंसिल हॉल, तेजपुर विश्वविद्यालय, असम में किया गया।
- डॉ. शिवप्रसाद पोन्नन ने 'श्री नारायण गुरु: केरल में उन्नीसवीं सदी के भक्ति आंदोलन के परिप्रेक्ष्य में एक अध्ययन' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। यह शोध-पत्र 'मध्यकालीन युग

में भक्ति आंदोलन और महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव: वैश्वीकरण के संदर्भ में अंतर्दृष्टि और विश्लेषण' विषय पर आधुनिक भारतीय भाषा और साहित्य अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 30 सितंबर-1 अक्तूबर, 2024 को आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किया गया।

- 25 जनवरी, 2025 को नागार्जुन मैनेजमेंट कॉलेज, बैंगलोर में भाषा सम्पदा II पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान डॉ. सुधा कुमारी के ने कन्नड़ नाटक का विकास नामक एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।
- डॉ. सुधा कुमारी के ने मध्यकालीन युग में भक्ति आंदोलन और महापुरुष श्रीमन शंकरदेव: वैश्वीकरण के संदर्भ में अंतर्दृष्टि और विश्लेषण पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान वचन साहित्य में भक्ति की परंपरा शीर्षक से, 30 सितंबर-1 अक्तूबर, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के एमआईएल विभाग में एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।
- 'कृष्णराव अर्जुन केलुस्कर द्वारा तुकाराम बाबा और हरि रामचंद्र दिवेकर द्वारा संत तुकाराम की जीवनियों का तुलनात्मक अध्ययन' शीर्षक से 10-13 सितंबर, 2024 के दौरान एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय

- साहित्य अकादमी, नई दिल्ली द्वारा 19-20 दिसंबर , 2024 के दौरान आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी (बीरेंद्र कुमार भट्टाचार्य पर जन्म शताब्दी संगोष्ठी) में "समकालीन असमिया और भारतीय साहित्य पर भट्टाचार्य का प्रभाव" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के ओडिया विभाग द्वारा 5 दिसंबर, 2024 के दौरान आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में “खैरी का अनुवाद” शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।
- केरल विश्वविद्यालय, तमिल विभाग द्वारा कलवेत्तियाल पर 29 जुलाई, 2024 को आयोजित पांच दिवसीय ऑनलाइन एफडीपी के दौरान कलवेत्तुका!इमपम सेयटिकाम शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।
- केरल विश्वविद्यालय, तमिल विभाग द्वारा 29 जुलाई, 2024 को आयोजित आधुनिक लेक्सियोग्राफी पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के दौरान कल्वेत्तुप पेयार्क कोल अकरतियुम पयि॒सीयुम शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।
- डॉ. शिवप्रसाद पोन्नन ने दिल्ली विश्वविद्यालय के आधुनिक भारतीय भाषा और साहित्यिक अध्ययन विभाग और आईक्यूएसी निर्मलागिरी कॉलेज के सहयोग से भाषा और साहित्य पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदर्भ में भाषा और साहित्यिक अध्ययन' शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया, जिसका आयोजन निर्मलागिरी कॉलेज, कन्नूर, केरल द्वारा 9-10 जनवरी 2025 को किया गया था।

- एचएचएम.ए.सपीबी एनएसएस कॉलेज फॉर विमेन, नीरमंकरा, तिरुवनंतपुरम, केरल के पीजी विभाग, मलयालम के पीजी विभाग द्वारा 21 मार्च 2024 को आयोजित कुमारानासन: कविथायुम कर्मवुम पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान 'आसन भारतीय नवोथानाथिन्ते कवि' शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।
- केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय, कासरगोड के भाषा विज्ञान विभाग द्वारा 19 मार्च, 2024 को आयोजित भद्रातीया भाषा सम्मेलन पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति और स्कूल प्रणाली' शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।
- डॉ. सुधा कुमारी के ने भारतीय भाषाओं का शास्त्रीय साहित्य: समकालीन पहलू शीर्षक से दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन, भारतीय भाषा: नवीन चिंतन और व्यवहार, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 25 मार्च, 2025 को प्रस्तुत किया।
- सत्यवती कॉलेज दिल्ली द्वारा 28 मार्च, 2025 को आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में विकासशील भारत @ 2047 कन्नड़ भाषा शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।

आमंत्रित वार्ता (राष्ट्रीय)

- डॉ. माज़ बिन बिलाल (एसोसिएट प्रोफेसर, ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, भारत) द्वारा 01-04-2024 को 'मेरी कल्पना का सोमनाथ: मिर्ज़ा ग़ालिब के बनारस का इंडो-फ़ारसी धार्मिक महानगरीयवाद' पर विशेष वार्ता का आयोजन किया गया।
- प्रो. एनाक्षी मित्रा (प्रोफेसर, दर्शनशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय) द्वारा 'वर्तमान समय में टैगोर के दर्शन की प्रासंगिकता' पर 08-05-2024 को विशेष वार्ता का आयोजन किया गया।

- अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर प्रो. नंदिनी साहू (कुलपति, हिंदी विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल) द्वारा 24-02-2025 को विशेष वार्ता का आयोजन किया गया।
- मराठी भाषा दिवस के अवसर पर डॉ. स्वाति गुहा (निदेशक, भाषा अध्ययन एवं शोध संस्थान, कोलकाता) द्वारा 27-02-2025 को विशेष वार्ता का आयोजन किया गया।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी.डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी. :05

संकाय संख्या

प्रोफेसर : 09,

एसोसिएट प्रोफेसर : 0

सहायक प्रोफेसर : 08,

तदर्थ : 1

अतिथि : 8)

कुल : 26

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

आवंटित निधियां ₹ 3,43,053

उपयोगित निधियां ₹ 1,48,947

***

फ़ारसी विभाग

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

- भारत में अल-मुस्तफा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के मुख्य प्रतिनिधि डॉ. रेजा शकेरी के लिए विदाई समारोह 11-11-2024 को विभाग के कमरा नंबर 79-ए में आयोजित किया गया।
- प्रथम श्रेणी आंतरिक शिकायत समिति के कक्षा प्रतिनिधि का चुनाव दिनांक 26-11-2024 को फ़ारसी विभाग के कमरा नं. 79-ए में आयोजित किया गया।
- शोध छात्र की मासिक बैठक दिनांक 26-11-2024 को कला संकाय विभाग के कक्ष संख्या 79-ए में आयोजित की गई।
- अल मुस्तफा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी (भारत शाखा) के मुख्य प्रतिनिधि के सम्मान में एक स्वागत समारोह, 30-01-2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के कला संकाय, कक्ष संख्या 79 ए में आयोजित किया गया।

सम्मान/विभूतियां

छात्र

श्री मोहम्मद शाहबाज की पीएच.डी.मौखिक परीक्षा 31 मई 2024 को विभाग के कमरा नंबर 79-ए में मिश्रित मोड में आयोजित की गई।

श्री मोहम्मद फ़राज़ खान की पीएच.डी.मौखिक परीक्षा 22 जनवरी 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के कला संकाय के कमरा नंबर 80 में आयोजित की गई ।

आयोजित संगोष्ठियां

- “भारत-फारसी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंध” शीर्षक से एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शैक्षणिक अनुसंधान केंद्र, इंस्टीट्यूट ऑफ लाइफलॉन्ग लर्निंग, एसजीटीबी खालसा कॉलेज के सामने, उत्तरी परिसर, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007, 10-02-2025 में आयोजित की गई थी।
- “भारत-फारसी साहित्यिक और सांस्कृतिक संबंध” शीर्षक से एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शैक्षणिक अनुसंधान केंद्र, इंस्टीट्यूट ऑफ लाइफलॉन्ग लर्निंग, एसजीटीबी खालसा कॉलेज के सामने, उत्तरी परिसर, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली- 110007, में 10-02-2025 को आयोजित की गई थी।
- श्री मोहम्मद समीर ने 24-04-2024 को कला संकाय के विभाग के कक्ष संख्या 79 ए में "फारसी-अरबी सुलेख के विकास में भारतीय उपमहाद्वीप के सुलेख स्कूलों का योगदान" शीर्षक से अपनी पीएच.डी. संगोष्ठी प्रस्तुत की।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

डीयू के फारसी विभाग ने अल-मुस्तफा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, ईरान के सहयोग से एक महीने की शैक्षिक यात्रा का आयोजन किया, जिसमें मास्टर्स और पीएच.डी.पाठ्यक्रमों के छात्रों ने 23 अप्रैल-27 मई, 2024 तक ईरान का दौरा किया।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी.डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी. : 02

संकाय संख्या

प्रोफेसर : 01

एसोसिएट प्रोफेसर : 03

सहायक प्रोफेसर : 02

अतिथि : 3

कुल : 09

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

जिसका शीर्षक है “फ्रेडरिक कार्ल एंड्रियास: किसी भी कीमत पर एक भाषाविद्”, प्रो. ईवा ऑर्थमैन, अध्यक्ष, ईरानी अध्ययन द्वारा 20-08-2024 को 42वां व्याख्यान, गोटिंगेन विश्वविद्यालय, जर्मनी, संगोष्ठी कक्ष, अरबी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

डॉ. मोहसिन अली द्वारा "दारा शुकोह: हिंदू मुस्लिम एकता का अग्रदूत" शीर्षक से एक विस्तार व्याख्यान, जामिया मिलिया इस्लामिया, कमरा नंबर। 79-ए विभाग,06-01-2025.

एक ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने 19-12-2024 को विभाग का दौरा किया।

विभाग को ₹ 4,92,000 करोड़ आवंटित किए गए, जिसमें से ₹ 4,84,000 करोड़ का उपयोग वित्तीय वर्ष 2024-25 में किया गया।

शोधार्थियों की मासिक बैठक 08-05-2024 को विभाग के कक्ष संख्या 79ए में आयोजित की गई।

***

दर्शनशास्त्र विभाग

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

- दर्शनशास्त्र विभाग ने उल्लेखनीय शैक्षणिक और सह-पाठ्यचर्या उपलब्धियों के साथ वर्ष का गौरव प्राप्त किया है। भारत में एक अग्रणी संस्थान के रूप में मान्यता प्राप्त, विभाग अपनी वैश्विक उपस्थिति को निरंतर बढ़ा रहा है और क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स बाय सब्जेक्ट और एनआईआरएफ सहित प्रतिष्ठित रैंकिंग में लगातार ऊपर की ओर बढ़ रहा है। उल्लेखनीय है कि विभाग ने क्यूएस वर्ल्ड सब्जेक्ट रैंकिंग (भारत) में दूसरा स्थान प्राप्त किया है।
- विभाग ने भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद के सहयोग से "पर्यावरणीय समस्याएं और संभावनाएं: नैतिक परिप्रेक्ष्य" शीर्षक से अपनी पहली एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया।
- विभाग प्रमुख दार्शनिकों की साप्ताहिक संगोष्ठी श्रृंखला का आयोजन जारी रखे हुए है। हाल ही में वक्ताओं में डॉ. श्रीविद्या नटराजन, प्रो. गोपाल गुरु, डॉ. ध्रुव राज नागर और प्रो. पॉल ब्लूमफील्ड शामिल थे।

सम्मान/विभूतियां

संकाय

- प्रोफेसर बालगणपति देवरकोंडा ने जमैका के वेस्ट इंडीज विश्वविद्यालय में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के भारतीय अध्ययन विभाग के अध्यक्ष के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व किया-जो विभाग की अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी को रेखांकित करने वाला एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

छात्र

- दर्शनशास्त्र में पीएच.डी.(2023-25) के छात्र अभिनव त्यागी ने ब्रिस्टल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ब्रिस्टल ट्रांसलेट्स समर स्कूल में भाग लिया और उन्हें 5 अप्रैल, 2024 को चार्ल्स वालेस इंडिया ट्रस्ट की बर्सरी से सम्मानित किया गया।

- एम.ए. दर्शनशास्त्र (2023-25) की छात्रा अंशिका जैन ने 17 अक्तूबर, 2024 को आईसीपीआर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता में भाग लिया।
- दर्शनशास्त्र में पीएच.डी.(2024-25) के छात्र दिव्यांशु मिश्रा को एम.ए. के लिए भारतीय दार्शनिक कांग्रेस पदक, 2024, डॉ. एस. राधाकृष्णन पदक, 2024 और डॉ. एनवी बनर्जी पुरस्कार, 2024, 22 फरवरी, 2025 को प्रदान किया गया।
- एम.ए. दर्शनशास्त्र (2023-25) के छात्र हिशाम ने 20 फरवरी, 2025 को हैदराबाद के वॉक्ससेन विश्वविद्यालय में छठे डीजीएसआईसी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।
- एम.ए. दर्शनशास्त्र (2023-25) की छात्रा जया गिरि को 1 अप्रैल, 2025 को पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया में सलाहकार के रूप में चुना गया।
- एम.ए. दर्शनशास्त्र (2024-26) की छात्रा कीर्तना वी ने आईआईटी दिल्ली में जाति और नस्ल पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और दक्ष द्वारा 18 फरवरी, 2025 को आयोजित एक शोध पद्धति कार्यशाला में भाग लिया।
- एम.ए. दर्शनशास्त्र (2021-23) की छात्रा कृति द्विवेदी को 16 मार्च, 2024 को एम.ए. के वर्ष 1 और वर्ष 2 दोनों में प्रथम स्थान हासिल करने के लिए भारतीय दार्शनिक कांग्रेस पदक और शैक्षणिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- दर्शनशास्त्र में पीएच.डी.(2023-25) की छात्रा कृतिका चरक को 31 दिसंबर, 2024 को यूजीसी जेआरएफ प्रदान किया जाएगा।
- दर्शनशास्त्र में पीएच.डी.(2023-24) की छात्रा लक्षिता को आईसीपीआर जेआरएफ की उपाधि मिली है और उन्होंने 28 फरवरी, 2025 को अमर ज्योति पुनर्वास एवं अनुसंधान केंद्र में इंटर्नशिप की है।
- लेनिन जोशुआ, एम.ए. दर्शनशास्त्र (2024-26) के छात्र, ने 31 दिसंबर, 2024 को आईआईटी तिरुपति और जयपुरिया संस्थान में परियोजनाओं के लिए एक शोध सहयोगी के रूप में कार्य किया।
- एम.ए. दर्शनशास्त्र (2021-23) की छात्रा निशात कासमी को 1 जनवरी, 2025 को संसद सदस्य के लिए विधायी सहायक (एलएएमपी) फेलोशिप के लिए चुना गया।
- एम.ए. दर्शनशास्त्र (2024-26) की छात्रा प्राची ने 27 अगस्त, 2024 को 8वीं राष्ट्रीय गतका प्रतियोगिता में भाग लिया।
- एम.ए. दर्शनशास्त्र (2023-25) की छात्रा रजनी ने 22 अगस्त, 2024 को रूसी प्रभाव भारतीय रंगमंच कार्यशाला में भाग लिया।
- एम.ए. दर्शनशास्त्र (2023-25) की छात्रा रितिका भारती ने उन्नत मानव संसाधन प्रबंधन कार्यशाला (विमर्श'24) में भाग लिया और 25 मार्च, 2025 को इंटर्नशाला और एनएसडीसी से प्रमाणपत्र प्राप्त किए।

- एम.ए. दर्शनशास्त्र (2024-26) की छात्रा सफा केएन ने 17 नवंबर, 2024 को टोक्यो विश्वविद्यालय में सकुरा विज्ञान कार्यक्रम में भाग लिया।
- दर्शनशास्त्र में पीएच.डी.(2023-25) की छात्रा सलोनी गोविल को 2 मार्च, 2025 को आईसीपीआर-जेआरएफ प्रदान किया जाएगा।
- एम.ए. दर्शनशास्त्र (2021-23) की छात्रा संजवाला मुकुंद, 2 मार्च, 2025 को अर्न्स्ट एंड यंग एलएलपी में एसोसिएट (रणनीति और लेनदेन) के रूप में पूर्णकालिक काम कर रही हैं।
- एम.ए. दर्शनशास्त्र (2024-26) की छात्रा शांभवी रावत ने 8 मार्च, 2025 को उत्तराखंड में 38वें राष्ट्रीय खेलों और विश्वविद्यालय ट्रायल में लॉन टेनिस में भाग लिया।
- एम.ए. दर्शनशास्त्र (2024-26) की छात्रा सुचित्रा कुमारी ने 19 मार्च, 2025 को स्पीक फॉर इंडिया प्रतियोगिता और विभिन्न कविता, वाद-विवाद और कबड्डी प्रतियोगिताओं में भाग लिया।
- तनिष्का राज, एम.ए. दर्शनशास्त्र (2024-26) की छात्रा, संस्कृति मंत्रालय में अनुसंधान और विकास प्रशिक्षु और सीडीईपी में नीति विश्लेषक प्रशिक्षु थीं, 28 अप्रैल, 2025।
- एम.ए. दर्शनशास्त्र (2022-24) की छात्रा तेजस्वी ने 12 अप्रैल, 2025 को अड्डा 24/7 द्वारा आयोजित एक महीने के इंटर्नशिप कार्यक्रम में भाग लिया।
- एम.ए. दर्शनशास्त्र (2023-25) की छात्रा वीथिका गुप्ता ने 15 अप्रैल, 2025 को एक शोध-आलेख प्रस्तुति प्रतियोगिता में भाग लिया।

प्रकाशन

- अभिजात, एस.आर. (2024)। वर्तमान पर्यावरणीय संकट के समाधान में धर्म और कर्म की भूमिका पर बल देते हुए। दर्शनिकी, 20, 195-207। (जुलाई 2023-जून 2024)। आईएसएसएन 2230-7435।
- देवराकोंडा, बी., और गौतम, एवी (2025)। दार्शनिक परामर्श में एक संवाद स्थान के रूप में भगवद गीता। धर्म, 16(3), 348. https://doi.org/10.3390/rel16030348
- देवरकोंडा, बी., और चटर्जी, ए. (2024). डिजिटल मित्रता की स्थिरता: प्रारंभिक बौद्ध मेत्ता से अंतर्दृष्टि। जर्नल ऑफ ह्यूमन वैल्यूज़, 31(2), 171-186. https://doi.org/10.1177/09716858241275723
- गुप्ता, ए.के., और मौर्य, एस.के. (2024)। रद्दीकरण संस्कृति और सार्वजनिक जवाबदेही की नैतिकता: न्याय, क्षमा और मुक्ति की राह। मानविकी और सामाजिक विज्ञान अध्ययन, 31(2), 333-360। आईएएएस शिमला। http://14.139.58.200/ojs/index.php/shss/ article/ view/1655/1688
- जयसवाल, आर. (2024). शिक्षा एवं मानव जीवन के विभिन्न अंगो में संजस्य: टैगोर के विचारों के सन्दर्भ पुरुष। सन्मति, 36-39.

https://drive.google.com/file/d/1oXo0nCBxiljvEvrlS_z3MNwLfihonXfl/view?usp=drive_link

- पुजारी, एन. (2024). भारतीय मीडिया के सैद्धांतिक इतिहास की ओर नोट्स: अभिजात वर्ग के व्यवहार और तकनीकी सामर्थ्य पर। पब्लिक कल्चर, 36(2), 279-302. https://doi.org/10.1215/08992363-11158986

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय/संपादित पुस्तकें

1. भौमिक, एन. (2025). ज्ञान के साथ समस्याएँ। एन.एन. चक्रवर्ती (सं.), पश्चिमी दर्शन की झलकियाँ (पृष्ठ 1-16)। नई दिल्ली: देव पब्लिशर्स।
2. गौतम, आयशा (2024)" युवा दर्शन की जांच-पड़ताल" संजय बासु मालिक, संतोष कीरो, रणेन्द्र, मोनिका रानी टूटी, अमृता प्रियंका एक्का द्वारा डो किताब' *जुबेनी दर्शन'* राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 343-355

अनुसंधान परियोजनाएँ

- भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), आदित्य के गुप्ता, भारतीय ज्ञान प्रणाली का विउपनिवेशीकरण: गैर-अनुवादनीयों का संदर्भ, 12,00,000, (2023-2025)।
- भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद (आईसीपीआर), बालगणपति डी., न्यूरो-दार्शनिक कल्याण समाधान का व्यवस्थित दृष्टिकोण और विश्लेषण, 5,00,000, (2021-2024)
- भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद (आईसीपीआर), सुजाता रॉय अभिजात, धार्मिक आस्था और चिकित्सा नैतिकता की चुनौतियाँ, 3,00,000, (2022-2025)।

आयोजित सम्मेलन

- भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद और शांतिगिरी रिसर्च फाउंडेशन के सहयोग से 05-03-2025 को आयोजित "भारतीय दर्शन में निहित संस्कृति" विषय पर सम्मेलन।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

अंतरराष्ट्रीय

- प्रोफेसर बालगणपति देवरकोंडा ने रोम में विश्व दर्शन कांग्रेस में आयोजित गोलमेज सम्मेलन में अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया, जिसका विषय था "आध्यात्मिकता और स्थिरता: अक्षर पुरुषोत्तम दर्शन की पर्यावरण संकट पर प्रतिक्रिया" पवित्र सृजन का सम्मान: आध्यात्मिक पारिस्थितिकी और अक्षर पुरुषोत्तम दर्शन पर आयोजित गोलमेज सम्मेलन, 1-8 अगस्त , 2024.

- प्रोफेसर बालगणपति देवरकोंडा ने विश्व दर्शन कांग्रेस, रोम में भारतीय दर्शन में आत्म-रूपांतरण के अभ्यास पर आयोजित गोलमेज सम्मेलन में "भ्रमर कीता न्याय: अपरोश अनुभूति के 15 चरण" विषय पर अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया, 1 से 8 अगस्त , 2024.

- प्रोफेसर बालगणपति देवरकोंडा ने रोम में विश्व दर्शन कांग्रेस में "कार्रवाई ही निष्क्रियता है: पर्यावरणीय संकट को संबोधित करना" विषय पर अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया। यह शोध-पत्र 1-8 अगस्त, 2024 को दर्शन और पारिस्थितिकी: समकालीन वैश्विक चिंताओं को संबोधित करने पर आयोजित गोलमेज सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया।

- प्रोफेसर बालगणपति देवरकोंडा ने रोम में विश्व दर्शन कांग्रेस में गोलमेज सम्मेलन में अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया, जिसका विषय था "दार्शनिक अभ्यास-सिद्धांत और व्यवहार: शरीर और दूसरे के साथ बंधन, 1-8 अगस्त, 2024.

राष्ट्रीय

- डॉ. एनाक्षी आर. मित्रा ने एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया: बनारस हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित व्यावहारिकता और बौद्ध धर्म पर एक सम्मेलन में *"बौद्ध शब्दार्थ और तर्क में व्यावहारिकता के पहलुओं पर नज़र रखना",* 24 दिसंबर, 2025.

- डॉ. केशव पी. कुमार ने नाद परगास, श्री अमृतसर द्वारा 3-6 मार्च, 2025 को आयोजित 10वें अमृतसर साहित्य महोत्सव में *'न्यू मैटेरियलिज्म'* शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।

- डॉ. केशव पी. कुमार ने 31 जनवरी, 2025 को स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड एस्थेटिक्स, जेएनयू द्वारा आयोजित *'द फेनोमेनन ऑफ गद्दार'* शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।

- डॉ. केशव पी. कुमार ने 18 दिसंबर, 2024 को कालीकट विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मार्क्सवाद के भविष्य पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में *'भारतीय सामाजिक वास्तविकता और मुक्ति की राजनीति: अम्बेडकरवाद और मार्क्सवाद का विचलन और अभिसरण' शीर्षक से* एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।

- 12 नवंबर 2024 को केके हंडिकु स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी में आयोजित "दर्शन, विज्ञान और नैतिकता: भारतीय और पश्चिमी परिप्रेक्ष्य" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "भौतिकवादी उद्भववाद के बचाव में" शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।

आमंत्रित वार्ता

- प्रोफेसर नागार्जुन जी. (पूर्व प्रोफेसर, होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केंद्र, टाटा विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (टीआईएफआर), मुंबई; विजिटिंग फैकल्टी, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं

अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर), पुणे) द्वारा "ग्राउंडिंग जनरेटिव ग्रामर" पर 06-11-2024 को व्याख्यान।

- "ईखोइगी यम" (हमारा घर) की स्क्रीनिंग के बाद रोमी मीतेई (राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता, पटकथा लेखक और गीतकार) के साथ 09-10-2025 को चर्चा।
- विभाग ने "समकालीन समय में सामाजिक न्याय और समानता पर पुनर्विचार" विषय पर 20-02-2025 को पैनल चर्चा आयोजित की।
- भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित "पर्यावरणीय समस्याएँ और संभावनाएँ: नैतिक परिप्रेक्ष्य" विषय पर 19-03-2025 को व्याख्यान श्रृंखला।
- आईसीपीआर प्रायोजित व्याख्यान के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया था *डीएवी कॉलेज, जालंधर द्वारा आयोजित ' भारतीय ज्ञान प्रणाली में मूल्य'* विषय पर 27 मार्च 2025 को कार्यशाला।
- एमजीएम विश्वविद्यालय, संभाजीनगर, महाराष्ट्र द्वारा 27 मार्च 2025 को आयोजित 'बुद्ध की ध्यानात्मक विपहचान पद्धति' (ऑनलाइन) नामक सत्र के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया था।
- डॉ. आदित्य के. गुप्ता को *सीपीडीएचई, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा* 1 मार्च 2025 को आयोजित 'अद्वैत जैव नैतिकता की ओर' शीर्षक सत्र एफडीपी कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।
- दिल्ली में सीपीडीटी-एसीई 2025 द्वारा 8 फरवरी, 2025 को आयोजित “भारतीय शिक्षा दर्शन” *विषय पर* व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।
- ऋषिहुड विश्वविद्यालय, सोनीपत द्वारा 7 फरवरी 2025 को आयोजित *'दार्शनिक परामर्श'* शीर्षक पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।
- केएम मायावती गवर्नमेंट गर्ल्स पीजी कॉलेज, बदलापुर द्वारा 26 नवंबर 2024 को आयोजित आधुनिक युग में ध्यान और तनाव प्रबंधन' विषय पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।
- डॉ. आदित्य के. गुप्ता ने पॉडकास्ट वार्ता दी *जिसका शीर्षक था* 'तंत्र, कामुकता और ओशो' स्पीकिंग ट्री, टाइम्स ऑफ इंडिया, 29 अक्तूबर, 2024.
- 25 अक्तूबर 2024 को एनआईडीईएम, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित आईडीईएस अधिकारियों के लिए 'नैतिकता और उन्नत नेतृत्व' विषय पर एक व्याख्यान दिया।
- विद्या भारती, नोएडा द्वारा आयोजित *'कैरियर परामर्श में पूर्व छात्रों की भूमिका' विषय पर* 29 सितंबर, 2024 को व्याख्यान दिया।
- लक्ष्मीबाई कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 10 सितंबर 2024 को आयोजित 'विदेश नीति और एकात्म मानववाद के लेंस' शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।

- डॉ. आदित्य के. गुप्ता ने एक व्याख्यान दिया *जिसका शीर्षक था* 'अहिंसा की गांधीवादी पद्धति को समझना' आईसीपीआर प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी, एनबीयू डीम्ड विश्वविद्यालय, प्रयागराज, 12 अगस्त 2024।
- डॉ. आदित्य के. गुप्ता ने रामजस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 15 जुलाई, 2024 को आयोजित "वैश्विक विचार में क्रांतिकारी बदलाव: दर्शन को उसकी रूढ़िवादी नींद से जगाने के लिए भारतीय ज्ञान" विषय पर एक व्याख्यान *दिया*।
- हिमालय और दर्शन' विषय पर व्याख्यान दिया, हिमालयन अध्ययन केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, 20 जून , 2024।
- डॉ. आयशा गौतम ने महात्मा हंसराज मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 7 दिसंबर 2024 को आयोजित एक रिफ्रेशर कोर्स में "फिल्मों *के* माध्यम से शिक्षण दर्शन" विषय पर एक व्याख्यान दिया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस स्थित दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा 26 नवंबर 2024 को आयोजित *"ट्रांसह्यूमनिज्म और टेक्नो-मिलेनियल इमेजिनेशन की नैतिकता"* विषय पर एक व्याख्यान दिया।
- एनआईटीटीटीआर (शिक्षा मंत्रालय), चेन्नई द्वारा 20 नवंबर 2024 को *आयोजित धरती आबा बिरसा मुंडा की विरासत* नामक व्याख्यान दिया।
- डॉ. आयशा गौतम ने 16 नवंबर, 2024 को राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार में धरती आबा बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. आयशा गौतम ने 28 फरवरी, 2025 को एक आमंत्रित व्याख्यान दिया *जिसका शीर्षक था* जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (बॉन विश्वविद्यालय और क्योटो इंस्टीट्यूट ऑफ फिलॉसफी के सहयोग से) द्वारा आयोजित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दर्शन पर एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में *"एआई एथिक्स पर अंतर-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य" पर चर्चा की गई* ।
- फेडरेशन ऑफ इंटरनेशनल सोसाइटीज ऑफ फिलॉसफी (एफआईएसपी), फिलॉसफी हाउस, फुजैरा, यूएई द्वारा 23-24 फरवरी 2025 को आयोजित *एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "दार्शनिक स्वास्थ्य की नींव की ओर" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।*
- एम.ए.एचई मणिपाल और हिल्डेशाइम विश्वविद्यालय, जर्मनी द्वारा 13-17 जनवरी, 2025 को आयोजित चिकित्सीय दर्शन पर *एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत में दार्शनिक परामर्श: दर्शन और मनोविज्ञान के बीच एक संवाद" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।*
- रोम के सैपिएंजा विश्वविद्यालय द्वारा 29-31 जुलाई, 2024 को आयोजित डिस्कर्निंग बाउंड्रीज़: फिलॉसफी एक्रॉस कल्चर्स विषय पर एक सम्मेलन में *"मानव अक्रिया का महत्व: पर्यावरणीय चिंताओं का समाधान" शीर्षक से एक सत्र आयोजित किया।*
- 1 वेस्ट इंडीज विश्वविद्यालय, जमैका द्वारा 5 अप्रैल, 2024 को आयोजित लाइफ वेबिनार श्रृंखला में *"जमैका में नागरिकों को वोट क्यों देना चाहिए?" शीर्षक से एक सत्र आयोजित किया।*

- एडना मैनली कॉलेज, किंग्स्टन, जमैका द्वारा 9 अप्रैल, 2024 को आयोजित क्यूरेटोरियल कोर्स प्रदर्शनी के उद्घाटन भाषण *में "अर्थ और सामग्री" पर एक सत्र आयोजित किया।*
- प्रोफेसर बालगणपति देवरकोंडा ने 27-28 फरवरी, 2025 को गोवा विश्वविद्यालय में वेलनेस टूरिज्म के लिए दार्शनिक परामर्श पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में *"रिट्रीट से रिफ्लेक्शन तक: परिवर्तनकारी वेलनेस टूरिज्म के लिए एक उपकरण के रूप में दार्शनिक परामर्श" शीर्षक से एक सत्र आयोजित किया।*
- प्रो. बालगणपति देवरकोंडा ने 3-5 जनवरी, 2025 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेदांत कांग्रेस में *"भारतीय दर्शन का भविष्य" विषय पर व्याख्यान दिया।*
- प्रो. बालगणपति देवरकोंडा ने दान को *एक गुण के रूप में पुनः देखना: भारतीय और पश्चिमी दृष्टिकोणों के बीच संवाद" विषय पर प्रस्तुति दी।* राष्ट्रीय संगोष्ठी, दर्शनशास्त्र विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय, 27-28 मार्च, 2025.
- *प्रो. बालगणपति देवरकोंडा ने "पूर्णता और कट्टरपंथी पारदर्शिता: एक भारतीय दार्शनिक परिप्रेक्ष्य" पर एक व्याख्यान दिया,* संगोष्ठी, स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स और टाइम्स स्कूल ऑफ मीडिया, बेनेट विश्वविद्यालय, 25 मार्च 2025।
- 24 मार्च 2025 को यूजीसी एम.ए.मटीटीसी, दिल्ली विश्वविद्यालय (इंडिया फाउंडेशन के साथ) द्वारा आयोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम में *"बौद्ध राजनीतिक विचार" पर एक सत्र आयोजित किया।*
- प्रो. बालगणपति देवरकोंडा ने *भाषण दिया* दर्शनशास्त्र विभाग, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, सिलीगुड़ी द्वारा आयोजित *"दर्शन आलोचनात्मक चिंतन और दार्शनिकता के रूप में"* विषय पर व्याख्यान, 10 मार्च, 2025।
- प्रो. बालगणपति देवरकोंडा, *"अनुसंधान और शिक्षण की नैतिकता"* पर व्याख्यान, ऑनलाइन संकाय प्रेरण कार्यक्रम, एम.ए.मटीटीसी, भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, 7 मार्च 2025।
- प्रोफेसर बालगणपति देवरकोंडा ने इंद्रप्रस्थ कॉलेज, दिल्ली के सहयोग से एम.ए.मटीटीसी रामानुजन कॉलेज द्वारा 12 फरवरी, 2025 को आयोजित एफडीपी *में "अनुसंधान और विकास: शैक्षणिक लेखन और प्रकाशन नैतिकता"* विषय पर व्याख्यान *दिया* ।
- प्रोफेसर बालगणपति देवरकोंडा ने तुलनात्मक दर्शन और धर्म अकादमी द्वारा 6-7 फरवरी, 2025 को आयोजित डॉ. आर.डी. रानाडे पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "*नाडे के रहस्यवाद की आलोचनात्मक प्रशंसा"* शीर्षक से व्याख्यान *भाषण दिया*।
- प्रोफेसर बालगणपति देवरकोंडा ने बौद्ध अध्ययन विभाग, आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, गुंटूर द्वारा 22-23 जनवरी, 2025 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "बौद्ध धर्म *और दार्शनिक परामर्श: सचेतन और नैतिक कल्याण के लिए एक रूपरेखा"* विषय पर व्याख्यान *दिया।*

- डॉ. एन. भौमिक ने इमैनुअल कांट के दर्शन पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा 22 मार्च, 2025 को आयोजित *"क्या कांट का सौंदर्य का विवरण अत्यधिक अनुज्ञेय है?" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।*
- डॉ. केशव पी. कुमार ने 26 नवंबर, 2024 को इग्नू, विशाखापत्तनम क्षेत्रीय केंद्र द्वारा आयोजित *'हम, लोग' शीर्षक से एक* आमंत्रित व्याख्यान *दिया।*
- डॉ. एन. भौमिक ने 13 मार्च, 2025 को उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित आईसीपीआर प्रायोजित सम्मेलन में *"स्वाद के विरोधाभास पर कांट" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।*
- डॉ. एन. भौमिक ने 17 फरवरी, 2025 को सावित्री बाई फुले विश्वविद्यालय, पुणे द्वारा आयोजित *"दर्शन में पद्धति की समस्या पर" विषय पर एक व्याख्यान दिया।*
- डॉ. एन. भौमिक ने 9 दिसंबर, 2024 को हंसराज कॉलेज द्वारा आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम में *"तर्क में शिक्षण पद्धति" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।*
- डॉ. एन. भौमिक ने 1 अक्तूबर , 2024 को रवींद्रनाथ टैगोर के रत्नों के उत्सव के रूप में रामजस कॉलेज द्वारा आयोजित *"टैगोर का प्रभाव" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।*
- डॉ. एन. भौमिक ने 10 अप्रैल, 2024 को दौलत राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित *"दर्शन हमें क्या ज्ञान दे सकता है?" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।*
- डॉ. एन. चोपड़ा ने *एक व्याख्यान दिया जिसका शीर्षक था* 19-20 नवंबर, 2024 को आईसीपीआर के साथ दर्शनशास्त्र विभाग, माता सुंदरी कॉलेज फॉर विमेन, डीयू द्वारा आयोजित *एक* परामर्श सम्मेलन *में "स्कूल शिक्षा में दर्शनशास्त्र को शामिल करने की वैचारिक आवश्यकताएं" पर चर्चा की गई।*
- डॉ. एन. चोपड़ा ने दार्शनिक परामर्श पर राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा 27-28 सितंबर, 2024 को आयोजित, आईसीपीआर द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में *व्याख्यान दिया जिसका शीर्षक था "प्रतीत्यसमुत्पाद, डीएसटी, वू-वेई"*।
- डॉ. एन. चोपड़ा ने *एक व्याख्यान दिया जिसका शीर्षक था* एसओआईटीएस इग्नू द्वारा आयोजित, आईसीएसएसआर और आईजीएनसीए द्वारा प्रायोजित, 25-26 अप्रैल, 2024 को एक राष्ट्रीय सम्मेलन में "संज्ञानात्मक विज्ञान और *दार्शनिक परामर्श में हाइडेगरियन घटना विज्ञान" पर चर्चा की।*
- दौलत राम कॉलेज, डीयू के दार्शनिक परामर्श, मूल्य और कल्याण केंद्र द्वारा 22-23 जुलाई, 2024 को आयोजित *"दार्शनिक परामर्श पर परिचयात्मक कार्यशाला"* पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में एक कार्यशाला का संचालन किया।
- डॉ. एनाक्षी आर. मित्रा ने 5 दिसंबर, 2025 को *एक व्याख्यान दिया जिसका शीर्षक था* हंसराज कॉलेज द्वारा आयोजित रिफ्रेशर कोर्स में *"भाषा दर्शन कैसे पढ़ाया जाए"*।
- प्रोफेसर रविन्द्र महिलाल सिंह ने 9 दिसंबर 2024 को हंसराज कॉलेज में "दर्शनशास्त्र की शिक्षण पद्धतियां" पर रिफ्रेशर कोर्स (आवासीय) के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में एक व्याख्यान दिया।

- प्रोफेसर रवींद्र महिलाल सिंह ने 14 नवंबर 2024 को गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी के दर्शनशास्त्र विभाग में विश्व दर्शन दिवस पर "निष्क्रिय और सक्रिय संश्लेषण के संबंध में हुसरल के विश्लेषण में प्रभावशीलता और निष्क्रियता का महत्व" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।
- एसजीएसएलएल, गोवा विश्वविद्यालय द्वारा 22-23 अगस्त, 2024 को आयोजित *"नारीवादी ज्ञानमीमांसा और ज्ञानमीमांसा अन्याय; ज्ञानमीमांसा हाशिए पर"* पर एक कार्यशाला का संचालन किया।
- डॉ. रीतू जयसवाल ने लक्ष्मीबाई कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 25 सितंबर, 2024 को आयोजित *"एपिस्टेमिक एजेंसी और लिंग" शीर्षक पर व्याख्यान दिया*।
- डॉ. रीतू जायसवाल ने आर एंड डी सेल, मिरांडा हाउस, डीयू द्वारा 15 अक्तूबर, 2024 को आयोजित एक संगोष्ठी और सर्टिफिकेट कोर्स में "एक मूल्य के रूप में पारिस्थितिक नारीवाद" पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में एक सत्र का *संचालन* किया।
- डॉ. रीतू जयसवाल ने स्कूल ऑफ लॉ, यूपीईएस, देहरादून द्वारा 7 फरवरी, 2025 को आयोजित *"लैंगिक न्याय और न्यायशास्त्र" शीर्षक पर व्याख्यान दिया*।
- डॉ. रीतू जयसवाल ने *"लिंग के माध्यम से अपने तरीके जानना" शीर्षक विषय पर* दर्शनशास्त्र विभाग, एनईएचयू द्वारा 8 मार्च, 2025 को आयोजित *व्याख्यान दिया*।
- पर्यावरण निदेशालय, उत्तर प्रदेश सरकार में पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन शमन में धार्मिक नेताओं की भूमिका पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में *"*कुंभ की आस्था और जलवायु परिवर्तन*"* पर 16 फरवरी, 2025 को एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- इंडिया फाउंडेशन द्वारा 22 फरवरी, 2025 को आयोजित कुंभ ग्लोबल समिट ऑन डेवलपमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में *"* डीप इकोलॉजी: ए फिलॉसॉफिकल अप्रोच टू सस्टेनेबल डेवलपमेंट" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- प्रोफेसर पॉल ब्लूमफील्ड (प्रोफेसर, कनेक्टिकट विश्वविद्यालय) द्वारा 'सद्गुण का विकास' विषय पर व्याख्यान का आयोजन, 10-01-2025.
- प्रोफेसर जॉर्जी चेर्नोविन (प्रोफेसर, स्कूल ऑफ फिलॉसफी एंड कल्चरल स्टडीज, एचएसई, मॉस्को) द्वारा "स्पष्ट की विचित्रता: घटना विज्ञान के प्रवाह पर" विषय पर वार्ता का आयोजन 15-01-2025 को किया गया।
- डॉ. ध्रुव राज नागर (जैन अध्ययन में पोस्टडॉक्टरल फेलो, एमोरी विश्वविद्यालय) द्वारा 'भाव, अस्तित्व और क्रिया: संस्कृत ब्रह्मांड में क्रिया का सिद्धांतीकरण' विषय पर 20-09-2024 को वार्ता आयोजित की गई।
- प्रोफेसर पुरुषोत्तम बिलिमोरिया (प्रोफेसर, सैन फ्रांसिस्को विश्वविद्यालय और सैन फ्रांसिस्को स्टेट यूनिवर्सिटी, कैलिफोर्निया, यूएसए) द्वारा "प्रारंभिक से मध्यकालीन ब्राह्मण-हिंदू विचार प्रणालियों में अ-अस्तित्व का भूत" विषय पर 12-08-2024 को एक वार्ता आयोजित की गई।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

विभाग ने हाल ही में भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) के साथ मिलकर एकीकृत प्रबंधन कार्यक्रम (आईपीएम) में नामांकित छात्रों के लिए एक विशेष रूप से तैयार दर्शनशास्त्र पाठ्यक्रम तैयार किया है। 15 मार्च से 10 अप्रैल 2025 तक चलने वाले इस पाठ्यक्रम का संचालन डॉ. रीतू जायसवाल ने किया और यह पारंपरिक शैक्षणिक सीमाओं से परे अंतःविषय शिक्षण और दार्शनिक अन्वेषण के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

नियुक्त छात्रों की संख्या और प्रतिशत

4

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- जेंडर चैंपियन समिति के तत्वावधान में प्रोफेसर वंदना सोनलकर द्वारा “इंटरसेक्शनैलिटी के साथ जुड़ाव” शीर्षक से 12 फरवरी, 2025 को एक विशिष्ट व्याख्यान दिया गया।
- दर्शनशास्त्र विभाग का मूवी क्लब, विभाग के शैक्षणिक दृष्टिकोण का एक अभिन्न अंग बना हुआ है, जो दार्शनिक और सामाजिक-राजनीतिक सरोकारों पर केंद्रित विविध प्रकार की फिल्मों और वृत्तचित्रों का चयन करता है। उल्लेखनीय प्रदर्शनों में रेने लालौक्स की फैंटास्टिक प्लैनेट (1973), आध्यात्मिक प्रश्नों की पड़ताल करती एक एनिमेटेड विज्ञान-कथा फिल्म; जिया झांगके की स्टिल लाइफ (2006), जो सामाजिक-आर्थिक उथल-पुथल के बीच परिवर्तन और लचीलेपन पर प्रकाश डालती है; और थॉमस विंटरबर्ग की द हंट (2012), जो नैतिक जटिलता, कलंक और न्याय की एक मार्मिक खोज है, शामिल हैं।
- मूवी क्लब रॉबर्ट कुहन द्वारा रचित और प्रस्तुत प्रशंसित श्रृंखला "क्लोज़र टू ट्रुथ" के अवलोकन सत्र भी आयोजित करता है। ये सत्र चेतना, मन-शरीर समस्या और वास्तविकता की प्रकृति जैसे गहन विषयों पर केंद्रित होते हैं, जिनमें प्रमुख दार्शनिकों, तंत्रिका विज्ञानियों और संज्ञानात्मक वैज्ञानिकों की अंतर्दृष्टि शामिल होती है।
- "एखोइगी यम" (हमारा घर) की एक विशेष स्क्रीनिंग के बाद, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता रोमी मेइतेई के साथ एक उपयोगी चर्चा हुई, जिन्होंने पारिस्थितिक संवेदनशीलता और सिनेमाई अभिव्यक्ति पर अपने बहुमूल्य विचार प्रस्तुत किए। इसके अतिरिक्त, माउंट सेंट विंसेंट विश्वविद्यालय के प्रो. अश्विनी कुमार द्वारा "दार्शनिक परामर्श और ध्यानात्मक अन्वेषण" शीर्षक से एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसने छात्रों की व्यावहारिक दर्शन की समझ को समृद्ध किया। यह कार्यशाला 18 मार्च, 2025 को आयोजित की गई थी।
- विभाग के इको-क्लब ने विश्व सामाजिक न्याय दिवस के अवसर पर विभिन्न विषयों के विद्वानों के लिए "समकालीन समय में सामाजिक न्याय और समता पर पुनर्विचार" विषय पर

एक पैनल चर्चा का आयोजन किया। 20 फरवरी 2025 को आयोजित इस पैनल चर्चा में प्रो. उज्ज्वल कुमार सिंह (दिल्ली विश्वविद्यालय), डॉ. हर्ष एस. वानखेड़े (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय), प्रो. जानकी अब्राहम (दिल्ली विश्वविद्यालय), और प्रो. सोनाझरिया मिंज (जेएनयू और पूर्व कुलपति, सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय) शामिल थे।

- विभाग का मूवी क्लब एक प्रमुख शैक्षणिक संसाधन बना हुआ है। फिल्मों और वृत्तचित्रों की चुनिंदा स्क्रीनिंग के माध्यम से, यह क्लब छात्रों को दार्शनिक, नैतिक और सामाजिक-राजनीतिक विषयों से जुड़ने का एक मंच प्रदान करता है, जिससे उनकी आलोचनात्मक सोच और चिंतनशील क्षमताएँ समृद्ध होती हैं।

ईसीए/खेल

- प्राची, एम.ए. की छात्रा, प्रथम वर्ष की छात्रा (2025), गतका सोसाइटी एसजीटीबी खालसा कॉलेज, डीयू का हिस्सा, 8वीं राष्ट्रीय गतका प्रतियोगिता (23 अगस्त-27 अगस्त, 2024) में दूसरा स्थान प्राप्त किया, साथ ही 9 वीं दिल्ली राज्य गतका प्रतियोगिता (9 अगस्त-11 अगस्त, 2024) डेमो (टी) में भी दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- आरती वर्मा, एम.ए. दर्शनशास्त्र (2024-26), दर्शनशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 17 अक्तूबर, 2024 को दृष्टि निबंध प्रतियोगिता में भाग लिया।
- आंचल, एम.ए. दर्शनशास्त्र (2024-26), दर्शनशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 21 नवंबर, 2024 को दर्शनशास्त्र दिवस कला प्रदर्शनी में भाग लिया।
- सुचित्रा कुमारी, एम.ए. दर्शनशास्त्र (2024-26), दर्शनशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 19 मार्च, 2024 को स्पीक फॉर इंडिया प्रतियोगिता में भाग लिया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग से एम.ए. दर्शनशास्त्र (2023-25) अंशिका जैन ने आईसीपीआर द्वारा 17 अक्तूबर, 2024 को आयोजित राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता में भाग लिया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग से एम.ए. दर्शनशास्त्र (2024-26) शाम्भवी रावत ने 8 मार्च, 2025 को उत्तराखंड में 38वें राष्ट्रीय खेलों में लॉन टेनिस (खेल) में भाग लिया, विश्वविद्यालय ट्रायल, क्वार्टर फाइनल ।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी.डिग्रियों की संख्या

एम.फिल : 14

पीएच.डी. : 13

संकाय संख्या

प्रोफेसर : 04

एसोसिएट प्रोफेसर : 03

सहायक प्रोफेसर : 09

कुल : 16

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- दर्शनशास्त्र विभाग को यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि प्रोफ़ेसर बालगणपति देवरकोंडा को इस क्षेत्र के अग्रणी वैश्विक संगठन, फेडरेशन ऑफ़ इंटरनेशनल सोसाइटीज़ ऑफ़ फिलॉसफी (FISP) की संचालन समिति के लिए चुना गया है। FISP हर पाँच साल में आयोजित होने वाले विश्व दर्शनशास्त्र सम्मेलन के आयोजन के लिए ज़िम्मेदार है। इस प्रतिष्ठित संस्था में प्रोफ़ेसर देवरकोंडा का चुनाव उनकी शैक्षणिक विशिष्टता को रेखांकित करता है और अंतर्राष्ट्रीय दार्शनिक विमर्श के साथ विभाग के निरंतर जुड़ाव को दर्शाता है।

- डॉ. सुजाता रॉय अभिजात ने महाकुंभ 2025 पर केंद्रित परियोजना "मेला के सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक और पर्यावरणीय प्रभाव का एक व्यापक दस्तावेजीकरण" में योगदान दिया। यह परियोजना प्रतिस्पर्धात्मकता संस्थान (आईएफसी) के सहयोग से शुरू की गई थी और इसमें स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय और डेटन विश्वविद्यालय, ओहियो, अमेरिका से संबद्ध विषय विशेषज्ञों का योगदान शामिल था।

- विभाग मासिक स्कॉलर्स संगोष्ठी मीट का आयोजन करता है, जो शोधार्थियों द्वारा आयोजित और संकाय सदस्यों की अध्यक्षता में आयोजित एक मंच है। यह पीएच.डी.उम्मीदवारों को अपने चल रहे शोध को प्रस्तुत करने, आलोचनात्मक संवाद में शामिल होने और रचनात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त करने का अवसर प्रदान करता है। हाल के सत्रों में कई विषयों पर चर्चा की गई है, जिनमें समकालीन दर्शन में दृष्टिकोण: भारतीय और पाश्चात्य, बौद्ध नैतिकता के विषय, भेदभाव का दर्शन (जाति, लिंग और नस्ल को संबोधित करते हुए), और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर दार्शनिक चिंतन शामिल हैं। ये पहल बौद्धिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने और प्रारंभिक चरण के शोध को समर्थन देने के लिए विभाग की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं।

आवंटित निधियां : ₹276 करोड़

उपयोगित निधियां : ₹1932 करोड़

***

मनोविज्ञान विभाग

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

- यूजीसी-एम.ए.मटीटीपी, रामानुजन कॉलेज द्वारा मनोविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के सहयोग से “उच्च शिक्षा संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण” पर दो सप्ताह का ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स 10-24 मार्च, 2025 तक आयोजित किया गया।
- प्रो. यूएन बिस्वास को मार्च, 2025 में वाराणसी, भारत स्थित सोसाइटी ऑफ इंडस्ट्रियल एंड ऑर्गनाइजेशनल साइकोलॉजी द्वारा डॉ. सफिया अहमद प्रतिष्ठित आई/ओ साइकोलॉजिस्ट पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- 5-9 अगस्त, 2024 को बाली, इंडोनेशिया में इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर क्रॉस-कल्चरल साइकोलॉजी की XXVII अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस में "मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण" पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

सम्मान/विभूतियां

संकाय

- प्रो. एस.पी.के. जेना एसजीटी विश्वविद्यालय, गुड़गांव के संकाय विकास बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्य करने के लिए आमंत्रित किया गया।
- डॉ. एस. मीना ने एचआरडीसी-लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी द्वारा 18-23 नवंबर, 2024 को आयोजित संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी में मूल विश्वासों को समझने और संशोधित करने पर लघु अवधि पाठ्यक्रम में 'ओ' ग्रेड प्राप्त किया।
- डॉ. एस. मीणा ने 29 नवंबर से 1 दिसंबर, 2024 तक सीसीएस विश्वविद्यालय, मेरठ, उत्तर प्रदेश के मनोविज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय मनोवैज्ञानिक विज्ञान संघ, चंडीगढ़ और मानसिक स्वास्थ्य मिशन इंडिया, मेरठ, उत्तर प्रदेश के सहयोग से आयोजित 3 दिवसीय 11$^{वें}$ अंतर्राष्ट्रीय और 13$^{वें}$ राष्ट्रीय भारतीय मनोवैज्ञानिक विज्ञान कांग्रेस के एक सत्र की अध्यक्षता की।
- डॉ. एस. मीणा ने 27-29 मार्च, 2025 को बिलबोंग हाई इंटरनेशनल स्कूल, नोएडा, दिल्ली, एनसीआर में एलआरएस वर्ल्ड कॉलेज, मुरादाबाद और एएचईएडी द्वारा आरसीआई द्वारा प्रायोजित 'जीवन को सशक्त बनाना: मनोवैज्ञानिक और पुनर्वास विज्ञान में प्रगति' विषय पर मनोविज्ञान और पुनर्वास विज्ञान पर 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के एक सत्र की अध्यक्षता की।

छात्र

एम.ए. मनोविज्ञान (2023-25) के छात्र अभिजीत सेठी को मनोविज्ञान में स्नातकोत्तर अध्ययन हेतु यूजीसी राष्ट्रीय छात्रवृत्ति के लिए चुना गया है। यह छात्रवृत्ति ₹15,000 प्रति माह की दर से दी जाएगी, जो कुल ₹3,00,000 (प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष में 10 महीने मानते हुए) होगी। यह छात्रवृत्ति

दोनों शैक्षणिक वर्षों–2023-24 (नए) और 2024-25 (नवीनीकरण)–के लिए संयुक्त रूप से प्रतिपूर्ति की गई है।

प्रकाशन

- बाबू, एन., फ़ातिमा, एम., और अरोड़ा, एम. (2024)। पालन-पोषण प्रथाओं की गतिशील प्रकृति: कोविड-19 के दौरान किशोरों के पालन-पोषण की गुणात्मक जाँच। फ्रंटियर्स इन साइकोलॉजी, 15, 1309786। https://doi.org/10.3389/fpsyg.2024.1309786
- भारती, पी., वर्मा, एस.के., और बाजपेयी, ए. (2024). कलंक से निपटना: भारतीय संदर्भ में पैमाने का विकास और प्रारंभिक सत्यापन. मनोवैज्ञानिक अध्ययन, 1-11.**https://doi.org/10.1007/s12646-024-00801-6**
- बिस्वास, यूएन, लीच, बी., जिजिना, पी., और निरौला, ए. (2024)। कुशल भारतीय महिला प्रवासियों (एसआईडब्ल्यूआई) के जीवंत अनुभव, कोविड-19 महामारी से जूझते हुए: कनाडा में आव्रजन की दिशाएँ। जर्नल ऑफ इंटरनेशनल माइग्रेशन एंड इंटीग्रेशन, 25, 595-619। https://doi.org/ 10.1007/ s12134-023-01078-w
- छाबड़ा, डी., परमार, एन., सभापंडित, बी., और चौधरी, टी. (2025)। प्राइम और दंड: धार्मिक प्राइमिंग और समूह सदस्यता का सामाजिक-समर्थक व्यवहार पर प्रभाव। धर्म के मनोविज्ञान का संग्रह, 00846724241309923 https://doi.org/10.1177/00846724241309923
- छाबड़ा, डी., तुष्य, पेनबर्थी, जे.एम., और डांग, एस. (2024)। दूरस्थ रूप से प्रदान की जाने वाली माइंडफुलनेस और स्वीकृति एवं प्रतिबद्धता चिकित्सा-आधारित धूम्रपान निवारण कार्यक्रमों की प्रभावशीलता: एक व्यवस्थित समीक्षा। करंट साइकोलॉजी, 43, 8158-8172। https://doi.org/10.1007/s12144-023-04967-6
- गर्ग, के., मिगलानी, के., और राणा, एस. (2025). मनोवैज्ञानिक कल्याण की खोज: घरेलू और पेशेवर भूमिकाओं में विवाहित महिलाओं की तुलना. जर्नल ऑफ द इंडियन एकेडमी ऑफ एप्लाइड साइकोलॉजी, 51(1), 154-159. https://jiaap.in/exploring-psychological-well-being-a-comparison-of-married-women-in-domestic-and-professional-roles/
- जैन, वाई., और राणा, एस. (2025). कार्यस्थल मित्रता और जुड़ाव: मनोवैज्ञानिक सुरक्षा वातावरण की मध्यस्थ भूमिका. जर्नल ऑफ द इंडियन एकेडमी ऑफ एप्लाइड साइकोलॉजी, 51(1), 526-536. https://jiaap.in/workplace-friendship-and-engagement-mediating-role-of-psychological-safety-climate/
- कौर, एम., मीना, एस., और शर्मा, पी. (2024)। डार्क ट्रायड व्यक्तित्व लक्षणों, मृत्यु की चिंता और आत्म-सम्मान के बीच परस्पर क्रिया का परीक्षण। साउथ ईस्टर्न यूरोपियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, 25(S1), 2593-2598। https://doi.org/10.70135/seejph.vi.2496
- खुराना, आर., और बाबू, एन. (2024)। संज्ञानात्मक और सामाजिक-संज्ञानात्मक कारकों के संबंध में बच्चों में झूठ बोलने और झूठ पकड़ने के व्यवहार का विकास। जर्नल ऑफ द इंडियन एकेडमी ऑफ

एप्लाइड साइकोलॉजी , 50(विशेषांक), 160-169। https://jiaap.in/childrens-development-of-lie-telling-and-lie-detecting-behaviour-in-relation-to-cognitive-and-socio-cognitive-factors/

- मुकुंद, बी., तिवारी, आर., और जेना, एस.पी.के. (2025)। 'कोपिंग कैट' - उच्च चिंता वाले भारतीय बच्चों के लिए एक सीबीटी पद्धति। क्लिनिकल चाइल्ड साइकोलॉजी एंड साइकियाट्री, 1-18। https:// doi.org/10.1177/1359104525132467
- नंबिसन, ए.एम., और राणा, एस. (2024). छात्रों की व्यक्तिगत एजेंसी का शैक्षणिक अनुपालन पर प्रभाव: एक प्रायोगिक अध्ययन. आईएएफओआर जर्नल ऑफ एजुकेशन, 12(3).https://doi.org/10.22492/ije.12.3.06
- पांडे, जे., भारती, पी., वर्मा, एस.के., बाजपेयी, ए., शंकर, एस., भारद्वाज, आई., त्रिपाठी, एन., और कपूर, पी. (दिसंबर, 2024)। कलंक और हाशिए पर डालना: भारत में विभिन्न कलंकित समूहों की तुलना। मनोवैज्ञानिक अध्ययन। अग्रिम ऑनलाइन प्रकाशन / https://doi.org/10.1007/s12646-024-00803-4
- राणा, एस., और ख़ुशी (2024)। स्नातक छात्रों में स्मार्टफोन की लत और स्क्रीन टाइम कम करने के लिए सहभागी हस्तक्षेप विधि। जर्नल ऑफ द इंडियन एकेडमी ऑफ एप्लाइड साइकोलॉजी, 50(2), 133-142। https://jiaap.in/participatory-intervention-method-to-reduce-smartphone-addiction-and-screen-time-of-undergraduates/
- राणा, एस., और इनायत, के. (2024)। स्कूल शिक्षकों के कार्य-संलग्नता का संगठनात्मक प्रतिबद्धता पर प्रभाव का परीक्षण। साउथ इंडिया जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज, 22(4), 7-14. https://doi.org/ 10.62656/SIJSS.v22i4.1062
- रतूड़ी, ए.के., श्रीलता, एस., नारायणन, एस.एन., और जेना, एस.पी.के. (2024)। प्रदर्शन निगरानी और त्रुटि पहचान: विभिन्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि वाले भारतीय किशोरों में मध्य ललाट थीटा और त्रुटि-संबंधी नकारात्मकता (ईआरएन) की भूमिका। अनुप्रयुक्त तंत्रिका मनोविज्ञान: बाल , 1-13। https://doi.org/10.1080/21622965.2024.2333809
- रतूड़ी, ए.के., श्रीलता, एस., नारायणन, एस.एन., और जेना, एस.पी.के. (2024)। उच्च-सुझाव क्षमता वाले व्यक्तियों में सुझाव-प्रेरित स्ट्रूप हस्तक्षेप न्यूनीकरण के ईईजी सहसंबंध: एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड एक्सपेरिमेंटल हिप्नोसिस, 1-36। https://doi.org/10.1080/00207144.2024.2356856
- सचान, टी., छाबड़ा, डी., और अब्राहम, बी. (2025). ऑनलाइन गेमिंग समुदायों में सामाजिक पूँजी: आभासी पहचानों की भूमिका की जाँच करती एक व्यवस्थित समीक्षा. साइबर मनोविज्ञान, व्यवहार और सामाजिक नेटवर्किंग, 28(3), 147-161. https://doi.org/10.1089/cyber.2024.0375

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय/संपादित पुस्तकें

- बिस्वास, यूएन, और बिस्वास, एसएन (2025)। एक लचीली और ज़िम्मेदार दुनिया का निर्माण: भारत से मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण। *स्प्रिंगर सिंगापुर,* आईएसबीएन 978-981-96-0107-3।

https://doi.org/10.1007/978-981-96-0108-0

- हिरयूर, एस., और बिस्वास, यूएन (2025)। माता-पिता, स्वास्थ्य सेवा और समुदाय: ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के अनुभव और लचीलापन। यूएन बिस्वास और एसएन बिस्वास (सं.), *एक लचीली और ज़िम्मेदार दुनिया का निर्माण* (पृष्ठ 221-243)। स्प्रिंगर सिंगापुर। आईएसबीएन 978-981-96-0107-3। https://doi.org/10.1007/978-981-96-0108-0_11
- जिजिना, पी., और बिस्वास, यूएन (2025)। समभाव के सैद्धांतिक ढाँचे और मनोसामाजिक स्वास्थ्य सहसंबंध: एक समीक्षा। यूएन बिस्वास और एसएन बिस्वास (सं.), *एक लचीली और ज़िम्मेदार दुनिया का निर्माण* (पृष्ठ 355-378)। स्प्रिंगर। आईएसबीएन 978-981-96-0107-3।https://doi.org/ 10. 1007/978-981-96-0108-0_17
- कवेशगर, एम., शाह, एफ., और बिस्वास, यूएन (2025)। सड़क पर ज़िम्मेदार और जोखिम भरा व्यवहार: विश्वविद्यालय के छात्रों के दृष्टिकोण को समझना। यूएन बिस्वास और एसएन बिस्वास (सं.), *बिल्डिंग ए रेसिलिएंट एंड रिस्पॉन्सिबल वर्ल्ड* (पृष्ठ 421-444) में। स्प्रिंगर। https://doi.org/10.1007/978-981-96-0108-0_20
- लीच, बी., बिस्वास, यूएन, जिजिना, पी., और निरौला, ए. (2024)। अज्ञात पथों पर आगे बढ़ना: कुशल भारतीय महिलाएँ कनाडा प्रवास कर रही हैं। *भारत प्रवासन रिपोर्ट 2024* (पृष्ठ 122-143) में। रूटलेज इंडिया। आईएसबीएन 9781003499787। https://doi.org/10.4324/9781003499787-9
- मिश्रा, जी., और सिंह, पी. (2025)। महिलाएँ, कार्य और स्वास्थ्य: भारत के परिप्रेक्ष्य। जी. मिश्रा और पी. सिंह (सं.), *वैश्वीकरण के युग में सामाजिक मनोविज्ञान* (पृष्ठ 165-182) में। रूटलेज इंडिया। आईएसबीएन 9781003461302। https://doi.org/10.4324/9781003461302
- शाह, ई., और बिस्वास, यूएन (2025)। संस्थागत वृद्धों में संज्ञानात्मक क्षीणता को रोकने और उनके स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए योग एक सुरक्षात्मक कारक है। *योग और ध्यान: अतीत और वर्तमान* (पृष्ठ 271-295) में। एप्पल एकेडमिक प्रेस। आईएसबीएन 9781003568308। https://doi. org/10.1201/9781003568308-11
- वर्मा, एस. (2024). सच्चा प्यार: अंतिम से पहले का भाव। जी. मिसरा और आई. मिसरा (सं.), *सांस्कृतिक संदर्भ में भावनाएँ* (पृष्ठ 453-461)। स्प्रिंगर नेचर। आईएसबीएन 978-3-031-46348-8। डीओआई: 10.1007/978-3-031-46349-5_26

अनुसंधान परियोजना

- इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. मनोज कुमार, उत्तर भारत में मध्यम आयु वर्ग के वयस्कों में हल्के संज्ञानात्मक हानि की व्यापकता और परिवर्तनीय जोखिम कारक: जनसंख्या आधारित अवलोकन अध्ययन, पीआई, 3,00,000, (अक्तूबर, 2024-अक्तूबर, 2025)।
- संज्ञानात्मक विज्ञान अनुसंधान पहल (सीएसआरआई), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार, एस.पी.के. जेना, किशोर अपराधियों में भावनात्मक विनियमन, आवेग और

आक्रामकता पर न्यूरो-फीडबैक हस्तक्षेप प्रशिक्षण मॉड्यूल (एनआईटीएम) के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए, सह-पीआई, 48, 99, 360 (26 अगस्त, 2019-22 नवंबर, 2024)।

- इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रो. यूएन बिस्वास, आकांक्षाओं और चुनौतियों को नेविगेट करना: दिल्ली विश्वविद्यालय में स्थानीय, प्रवासी और अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के बीच मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों की खोज, पीआई, 3,00,000, (अक्तूबर, 2024-अक्तूबर, 2025)।

आयोजित संगोष्ठियां

- मानसिक स्थिति परीक्षण पर कार्यशाला , डॉ. मनोज कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग, श्री अरबिंदो कॉलेज, 02-04-2024।
- एम.ए. मनोविज्ञान के छात्रों के लिए यौन उत्पीड़न की रोकथाम (पीओएसएच) प्रशिक्षण पर कार्यशाला, श्री अजय शर्मा, (जीएमई कंसल्टिंग के लिए मुख्य सलाहकार), समन्वयक, डॉ. एस. राणा, मनोविज्ञान विभाग, 11-02-2025।
- मूल्यांकन पर कार्यशाला: ओबी विशेषज्ञता वाले एम.ए. मनोविज्ञान छात्रों के लिए कौशल, गुण और विधियां, डॉ. विनोद डंबलकर, (संस्थापक और सीईओ, MANTIS), समन्वयक, डॉ. एस राणा, मनोविज्ञान विभाग, 14-02-2025।

आयोजित सम्मेलन

- मनोविज्ञान और पुनर्वास विज्ञान का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, डॉ. मनोज कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग, नोएडा, 27-29 मार्च , 2025 । संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

(राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

अंतरराष्ट्रीय

- डॉ. एस. मीना ने 3-5 मार्च, 2025 को महिला विकास अध्ययन केंद्र, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "अतीत पर चिंतन, भविष्य की ओर देखना: समानता की ओर पचास वर्षों की रिपोर्ट" विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "क्रोनिक दर्द के अनुभव और उसके विनाशकारी प्रभाव में लिंग और सांस्कृतिक मानदंडों का प्रभाव" शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रोफेसर यूएन बिस्वास ने 5 से 9 अगस्त, 2024 तक इंडोनेशिया के बाली में आयोजित इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर क्रॉस-कल्चरल साइकोलॉजी के 27 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत में वरिष्ठ नागरिकों के लिए देखभाल की आवश्यकताएं और देखभाल वितरण: सांस्कृतिक रूप से सक्षम मूल्य-आधारित बुजुर्ग देखभाल मॉडल की खोज" शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।
- इंडोनेशिया के बाली में 9 अगस्त, 2024 से आयोजित इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर क्रॉस-कल्चरल साइकोलॉजी के 27$^{वें}$ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "कनाडा में परिकल्पित जीवन बनाम जीए गए अनुभव: कुशल भारतीय महिला आप्रवासियों और आकांक्षियों का एक अध्ययन" शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय

- प्रोफेसर एस.पी.के. जेना ने मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान (आईएम.ए.चएएनएस), कोझिकोड द्वारा 10-10-2024 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "बेघरपन और मानसिक स्वास्थ्य" शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रोफेसर एस.पी.के. जेना ने क्लिनिकल साइकोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया (सीपीएसआई), रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय, गांधीनगर द्वारा 21-23 नवंबर, 2024 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में " यौन अपराधियों के उपचार में अनुप्रयुक्त व्यवहार विश्लेषण और बायो फीडबैक का उपयोग: वर्तमान मुद्दे, अनुसंधान और अनुप्रयोग" शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।
- डॉ. एस. मीना ने 11$^{वें}$ अंतर्राष्ट्रीय और 13$^{वें}$ राष्ट्रीय भारतीय मनोवैज्ञानिक विज्ञान कांग्रेस के दौरान 'मानसिक स्वास्थ्य: युगों-युगों में समग्र स्वास्थ्य के लिए देखभाल और संकट' विषय पर एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया। इसका आयोजन मनोविज्ञान विभाग, सीसीएस विश्वविद्यालय, मेरठ, उत्तर प्रदेश द्वारा राष्ट्रीय मनोवैज्ञानिक विज्ञान संघ, चंडीगढ़ और मानसिक स्वास्थ्य मिशन इंडिया, मेरठ, उत्तर प्रदेश के सहयोग से 29 नवंबर से 1 दिसंबर 2024 तक किया गया था।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

- विभाग ने टोक्यो विश्वविद्यालय के साथ अपने दीर्घकालिक शैक्षणिक सहयोग को नवीनीकृत किया, जिसमें क्रॉस-सांस्कृतिक मनोविज्ञान, साझा ऑनलाइन व्याख्यान मॉड्यूल और सहयोगी अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित किया गया।

एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत छात्र

इनबाउंड छात्र विनिमय

फुल ब्राइट नेहरू फ़ेलोशिप प्रोग्राम और यूएसआईईएफ के अंतर्गत, दिल्ली विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग ने अमेरिका से एक स्नातक छात्र का मार्गदर्शन किया, जो 10 अगस्त, 2024 से अप्रैल, 2025 तक दिल्ली विश्वविद्यालय आया। इस आदान-प्रदान का समन्वय प्रो. मनोज कुमार ने किया और यह शोध एवं शैक्षणिक विषयों पर केंद्रित था। छात्रों ने मुख्य व्याख्यानों में भाग लिया, दिल्ली के क्षेत्रीय दौरों में भाग लिया और एक अल्पकालिक शोध परियोजना पूरी की। इस आदान-प्रदान ने सार्थक शैक्षणिक संवाद और सांस्कृतिक तल्लीनता को बढ़ावा दिया, जिससे मनोविज्ञान और तंत्रिका विज्ञान में स्नातकोत्तर अध्ययन कार्यक्रम में योगदान मिला।

आउटबाउंड छात्र विनिमय

- जापान के शिक्षा, संस्कृति, खेल, विज्ञान और प्रौद्योगिकी (एमईएक्सटी) मंत्रालय के तहत, जापान विज्ञान और प्रौद्योगिकी (जेएसटी) एजेंसी द्वारा टोक्यो विश्वविद्यालय के मानविकी और समाजशास्त्र के ग्रेजुएट स्कूल में सकुरा विज्ञान विनिमय कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, जिसमें एम.ए. मनोविज्ञान (2023-25) के 2 स्नातकोत्तर छात्र ख़ुशी चोपड़ा और सिमरजीत कौर

अज्जी 'ज्ञान के अभिसरण के अग्रणी विकास' विषय पर केंद्रित छात्र विनिमय कार्यक्रम के लिए जापान गए थे।

- दिल्ली विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के दो स्नातकोत्तर छात्रों ने 17 नवंबर से 23 नवंबर, 2024 तक जापान का दौरा किया। **इस** आदान - प्रदान का समन्वय प्रो. ताकाहिरो काटो ने किया और इसका विषय था "ज्ञान के अभिसरण" का अग्रणी विकास: मानविकी और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी"। छात्रों ने डिजिटल मानविकी, 3डी मॉडलिंग के माध्यम से प्राचीन मूर्तिकला, शिक्षा जगत में कल्याण और देवनागरी लिपि के लिए एआई उपकरणों के विकास पर विशेष व्याख्यानों में भाग लिया। उन्होंने असाकुसा स्थित सेंसोजी मंदिर में विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लिया। इस आदान-प्रदान ने सार्थक शैक्षणिक संवाद और सांस्कृतिक तल्लीनता को बढ़ावा दिया, जिससे मानविकी और सामाजिक विज्ञान में उन क्षेत्रों की अंतःविषय समझ में वृद्धि हुई जहाँ अत्याधुनिक तकनीक को पारंपरिक शैक्षणिक विधियों के साथ एकीकृत किया जाता है।

प्लेसमेंट विवरण (नियुक्त छात्रों की संख्या एवं प्रतिशत)

21 छात्रों को नियुक्ति दी गई।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

मनस्थ-परामर्श केंद्र: सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य पहुँच की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, विभाग ने अपनी समर्पित परामर्श पहल, "मनस्थ" का उद्घाटन किया। इस केंद्र का उद्देश्य विश्वविद्यालय समुदाय, विशेष रूप से छात्रों, कर्मचारियों और संकाय सदस्यों को गोपनीय, पेशेवर मनोवैज्ञानिक सेवाएँ प्रदान करना है। मनस्थ, लाइसेंस प्राप्त मनोवैज्ञानिकों और नैदानिक संकाय के मार्गदर्शन में संचालित होता है और इसमें मनोविज्ञान विभाग के स्नातकोत्तर छात्र प्रशिक्षु और शोधार्थी कार्यरत हैं। यह केंद्र व्यक्तिगत परामर्श प्रदान करता है।
मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:
•छात्रों के लिए निःशुल्क और गोपनीय सत्र।
•मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता अभियानों के माध्यम से प्रचार-प्रसार।
•प्रशिक्षुओं के लिए अनुभवात्मक शिक्षण का एकीकरण।
7 फरवरी , 2025 को जीटीआई (गेल प्रशिक्षण संस्थान), नोएडा में एक क्षेत्रीय दौरा किया। जैसलमेर यात्रा: 64 छात्र और संकाय सदस्य जैसलमेर के क्षेत्रीय दौरे पर गए।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी.डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी. : 12

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर : 02

प्रोफेसर : 05

एसोसिएट प्रोफेसर : 05

सहायक प्रोफेसर : 06

कुल : 18

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- एमिटी विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में 25-26 जुलाई , 2024 को 'गुणात्मक जांच की नींव' पर संकाय विकास कार्यक्रम में 2 दिवसीय सत्र का संचालन किया।
- जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू में 26 जुलाई, 2024 को 4 सत्र देने के लिए एकीकृत अनुसंधान विधियों: गुणात्मक और मेटा-विश्लेषण और प्रायोगिक विधियों पर एक-सप्ताह के एफडीपी में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया था।
- डॉ. डी छाबड़ा ने एनईपी अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम के दौरान 08-17 जनवरी, 2025 को “भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य का प्रबंधन” शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- डॉ. डी छाबड़ा ने 04-13 फरवरी, 2025 को एनईपी अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम के दौरान “भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य का प्रबंधन” शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- डॉ. डी छाबड़ा ने मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण पर 10 से 24 मार्च , 2025 तक एक रिफ्रेशर कोर्स के दौरान "कल्याण और स्व-देखभाल" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण पर एक रिफ्रेशर कोर्स के दौरान 24 मार्च, 2025 को “मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों का आकलन” शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- डॉ. डी छाबड़ा को 26 जुलाई, 2024 को जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू में 4 सत्र देने के लिए एकीकृत अनुसंधान विधियों: गुणात्मक और मेटा-विश्लेषण और प्रायोगिक विधियों पर एक सप्ताह के एफडीपी में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया था।
- “क्या आपका बंदर मस्तिष्क आपको दुखी कर रहा है?” विषय पर संगोष्ठी/चर्चा, प्रो. सतिंदर सिंह रेखी, संस्थापक, रेखी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर द साइंस ऑफ हैप्पीनेस, समन्वयक, डॉ. डी छाबड़ा, 12-09-2024।
- 4 जनवरी, 2025 को प्रथम एनसीपीओ एम्स, नई दिल्ली में कैंसर रोगियों में संज्ञानात्मक कार्यप्रणाली पर एक व्याख्यान दिया।
- एम.ए.मटीटीपी-यूजीसी द्वारा 19 मार्च, 2025 को आयोजित स्वास्थ्य और कल्याण पर दो सप्ताह के रिफ्रेशर कोर्स में मानसिक स्वास्थ्य के लिए सीबीटी पर व्याख्यान दिया।
- आईसीपीआरएस, नोएडा में 27-29 मार्च, 2025 को पुनर्वास के न्यूरोसाइकोलॉजी पर व्याख्यान दिया।

- सैन्य अकादमी, कोटा में 30-31 जुलाई, 2024 को हैप्पीनेस कोशेंट संगोष्ठी में अधिकारियों/जेसीओ/ओआर और उनके परिवारों के लिए पारस्परिक संबंधों पर संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया।
- आपराधिक जांच में प्रत्यक्षदर्शी गवाही पर न्यायाधीशों, सीबीआई, आईओ के प्रशिक्षण के लिए व्याख्यान, डॉ. मनोज कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग, एनएफएसयू दिल्ली परिसर, 03-06-2024।
- क्लिनिकल साइकोलॉजी में मानसिक स्थिति परीक्षा पर अतिथि व्याख्यान, डॉ. मनोज कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग, श्री अरबिंदो कॉलेज, 14-11-2024।
- प्रोफेसर एन. बाबू ने 30-09-2024 को विवेकानंद कॉलेज के एप्लाइड साइकोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में डिजिटल युग में वृद्धावस्था: सामाजिक परिवर्तन और उससे आगे की यात्रा विषय पर उद्घाटन भाषण दिया।
- डीआरडीओ के कार्मिक प्रतिभा प्रबंधन केंद्र (सेप्टम) में 13 नवंबर, 2024 को कोपिंग स्टाइल्स पर व्याख्यान दिया।
- प्रो. एस.पी.के. जेना को द्वितीय सीपीएसआईसीओएन 2024 में एक वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया है, जिसका विषय है: "राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करना, डिजिटल युग में मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना", सम्मेलन के उप-विषय "स्वास्थ्य मनोविज्ञान और व्यवहार चिकित्सा" पर, 21-23 नवंबर, 2024।
- प्रो. एस.पी.के. जेना को मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान (आईएम.ए.चएएनएस) और उदयम परियोजना, कोझिकोड, 10 अक्तूबर, 2024 को "बेघरपन और मानसिक स्वास्थ्य" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में ऑनलाइन संसाधन वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया है।
- डॉ. एस. मीणा को मानसिक स्वास्थ्य फाउंडेशन इंडिया और दीपक चोपड़ा फाउंडेशन, यूएसए, एम्स नई दिल्ली के सहयोग से मनोचिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर एक वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था, 10-10-2024।
- डॉ. एस. मीना को मनोविज्ञान विभाग, वसंता कॉलेज फॉर वुमेन, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, यूपी, 25 से 26 नवंबर, 2024 तक व्याख्यान श्रृंखला में एक वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।
- डॉ. एस. मीणा को 29 नवंबर से 1 दिसंबर 2024 तक सीसीएस विश्वविद्यालय, मेरठ, उत्तर प्रदेश के मनोविज्ञान विभाग द्वारा नेशनल एसोसिएशन ऑफ साइकोलॉजिकल साइंस, चंडीगढ़ और मेंटल हेल्थ मिशन इंडिया, मेरठ, उत्तर प्रदेश के सहयोग से आयोजित 3 दिवसीय 11 वें अंतर्राष्ट्रीय और 13 वें राष्ट्रीय भारतीय मनोवैज्ञानिक विज्ञान कांग्रेस में "मानसिक स्वास्थ्य: संकट और देखभाल" पर एक पैनल चर्चा में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एम.ए.मटीटीसी) द्वारा 17 से 22 फरवरी 2025 तक आयोजित *भारतीय ज्ञान प्रणालियों (आईकेएस)* पर एक सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम में भाग लिया।

- डॉ. एस. मीणा ने 17 से 22 फरवरी 2025 तक दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एम.ए.मटीटीसी) द्वारा आयोजित भारतीय ज्ञान प्रणालियों (आईकेएस) पर एक सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम में भाग लिया।
- 'चलते मन, चलते शरीर: नृविज्ञान और मनोविज्ञान के बीच अंतर्संबंध' पर संगोष्ठी/चर्चा, प्रोफेसर ग्रिट किर्स्टिन कोएल्ट्ज़च, समन्वयक, डॉ. एस. मीना, स्वदेशी और औपनिवेशिक अध्ययन केंद्र, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ जुजुय, अर्जेंटीना, 13-02-2025।
- आवंटित निधि (करोड़) : 10,17,000.
- उपयोगित निधि (करोड़) : 8,10,216/-

***

पंजाबी विभाग

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

- पंजाबी विभाग ने नई शिक्षा नीति 2020 के तहत पीएच.डी. के पाठ्यक्रम को नया रूप दिया और सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों का नया पाठ्यक्रम तैयार किया।
- 23 अप्रैल, 2024 को प्रसिद्ध सूफी गायक मदन गोपाल सिंह द्वारा सूफी और लोक संगीत का आयोजन किया गया।
- विभाग ने 13 अगस्त, 2024 को प्रसिद्ध लोकगीतकार डॉ. एस.एस. वंजारा बेदी की जन्म शताब्दी पर एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया ।
- 5 सितंबर, 2024 को जसवंत सिंह जफर (निदेशक, भाषा विभाग पंजाब) द्वारा शिक्षक दिवस पर एक विशेष व्याख्यान दिया गया।
- 12 नवंबर, 2024 को प्रोफेसर हरजीत सिंह गिल का विस्तार व्याख्यान आयोजित किया गया।
- 13 फरवरी 2025 को साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता कवियत्री पाल कौर के साथ एक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस की पूर्व संध्या पर डॉ. स्वराजबीर (पंजाबी ट्रिब्यून के पूर्व संपादक और साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता) का एक विस्तार व्याख्यान 21 फरवरी, 2025 को आयोजित किया गया।
- 11 मार्च, 2025 को आतमजीत (सहिया अकादमी पुरस्कार विजेता, नाटककार) के साथ चर्चा का आयोजन किया गया ।
- 19$^{वां}$ डॉ. हरभजन सिंह स्मारक व्याख्यान 27 मार्च, 2025 को आयोजित किया गया।
- विभाग ने 2024-25 के दौरान हर महीने छात्रों के लिए पुस्तक चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया।

सम्मान/विभूतियां

संकाय

- डॉ. बलजिंदर नसराली को साहित्य के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए डेरा घुनस में संत अत्तर सिंह घुनस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अक्तूबर, 2024.
- रविंदर कुमार को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला में एमडी-एफवाईआईपी पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन लैंग्वेज में बोर्ड ऑफ स्टडीज के सदस्य के रूप में (24-05-2024 से 23-05-2026 तक) नामित किया गया है।
- 14 सितंबर, 2024 को पंजाबी भवन, दिल्ली में साहित्यिक बैठक की अध्यक्षता की ।
- 16-30 दिसंबर, 2024 तक एम.ए.मटीटीसी, हैदराबाद विश्वविद्यालय में तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद अध्ययन में रिफ्रेशर कोर्स सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए 'ए' ग्रेड से सम्मानित किया गया।
- डॉ. रविंदर कुमार को पंजाबी गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में बोर्ड ऑफ स्टडीज (यूजी) और (पीजी) के विषय विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया।
- डॉ. जसपाल कौर को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज, देव नगर, दिल्ली में CAS के अंतर्गत प्रोफेसर के पद पर पदोन्नति हेतु विषय विशेषज्ञ के रूप में नामित किया गया
- डॉ. नछत्तर सिंह को कला संकाय NAAC प्रस्तुति समिति, संकाय प्रस्तुति (डीन अकादमिक) NAAC टीम के सदस्य के रूप में नामित किया गया।
- डॉ. रविन्द्र कुमार ने नैक दौरे के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति के सह-अध्यक्ष के रूप में भाग लिया।

प्रकाशन

शोध लेख

- बाला, आर. (2024)। दूध विच कांजी: ठेठ पंजाबी दे हक विच हा दा नारा। जर्नल ऑफ सिख एंड पंजाब स्टडीज, 31, (वसंत-पतन), (1-2)। आईएसएसएन 0971-5223. https://giss.org/jsps_vol_31/000-contents_vol-31_nos-1-2_spring-fall-2024.pdf
- बाला, आर. (2025)। ध्वनि सिद्धांत दे प्रसंग विच हीर वारिस दा विष्लेशान। संवाद, (जनवरी-जून)। खालसा कॉलेज, अमृतसर, 21, आईएसएसएन: 2395 1273. https://www.sanvad.org/issue/sanvad/current-issue

- गोजरा, के. (2025)। कोई डालियां चो लंघिया हवा बनके: सुरजीत पातर नू चेते करदियां। जर्नल ऑफ सिख एंड पंजाब स्टडीज।
- कौर, जे. (2024)। भगत रविदास: अद्वैतवाद दा प्रवचन। आबरू (रेफ़रीड जर्नल)।
- कुमार, आर. (2024)। सुखजीत: शक्सियत खाय साहित। आलोचना, 264 (अक्तूबर- दिसंबर)। रेफरीड रिसर्च जर्नल, पंजाबी साहित्य अकादमी, लुधियाना। https://alochana.org/archives/
- कुमार, वी., और सिंह, एन. (2024)। सिनेमा दी सेहनात्मक पढत: सिद्धांतक पेरिपेख। आलोचना (खोज विशेष अंक, 263) (जुलाई-सितंबर)। पंजाबी साहित्य अकादमी, लुधियाना। आईएसएसएन 0569-1184।
- सिंह, वाई. (2024). बस्तीवादी प्रवचन: हिंसा बंदे दे देखन विच है। गोस्ट, 10. पंजाबी विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला।
- सिंह, वाई. (2024). इज़राइल-फिलिस्तीन मसाला एडवर्ड सईद ने खाया। संवाद, 20, 68-83. खालसा कॉलेज, अमृतसर। https://www.sanvad.org/issue/sanvad/volume-20-july-december2024/pdf
- सिंह, वाई. (2024). कागजी है परहन...! आलोचना, (अक्तूबर-दिसंबर) 264. पंजाबी साहित्य अकादमी, लुधियाना।
- सिंह, वाई. (2025). परछावियां दी जून भोगदे अकरन दा धुरदेस। संवाद, 21 (जनवरी-जून)। खालसा कॉलेज, अमृतसर। आईएसएसएन 2395-1273. https://www.sanvad.org/ issue/ sanvad/current-issue/pdf
- सिंह, एन., और पांधी, एनएस (2025)। नानकनवी दे नाटक रात वेले, सरघी वेले दिआन संवादी जुगतान। संवाद (डायलॉजिक), द्वि-वार्षिक रेफरीड शोध पत्रिका, 21 (जनवरी-जून)। स्नातकोत्तर पंजाबी अध्ययन विभाग, खालसा कॉलेज, अमृतसर। आईएसएसएन 2395-1273. https://www. sanvad.org/issue/sanvad/current-issue/pdf

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय/संपादित पुस्तकें

- बाला, आर. (2024)। गुरु तेग बहादुर जी दी बानी खाय मनुखी मान। मनमोहन (सं.) में, *गुरु तेग बहादुर द ग्रेट रिडीमर।* भारतीय उन्नत अध्ययन संस्थान, शिमला।
- बाला, आर. (2024)। श्री गुरु तेग बहादुर जी- इक परिपेख। मनमोहन (सं.) में, *गुरु तेग बहादुर: द ग्रेट रिडीमर।* भारतीय उन्नत अध्ययन संस्थान, शिमला।

- बाला, आर. (मई 12, 2024)। तकनीकी पुस्तक "एयरोनॉटिकल स्ट्रक्चर इक्विपमेंट फिटर" का अनुवाद और सत्यापन [कमीशन कार्य]। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार।
- बाला, आर. (22 सितंबर, 2024)। "दूध विच कांजी पंजाबी दा सत्यानास " पुस्तक की समीक्षा । देश सेवक. चंडीगढ़.
- कौर, जे. (2025). सुरिंदर गीत रचित साहित: चिंतानी परिपेख (सं.), रीथिंक पब्लिशर्स, संगरूर , पंजाब।

आयोजित संगोष्ठी/सम्मेलन

- दिल्ली विश्वविद्यालय के सम्मेलन केंद्र में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर 14 अगस्त, 2024 को भारत के विभाजन को उजागर करने के विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का संयोजक के रूप में आयोजन किया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के पंजाबी विभाग में “पाठ कैसे पढ़ें” विषय पर 15-16 अक्तूबर, 2024 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के पंजाबी विभाग में 15-16 अक्तूबर, 2024 के दौरान “पाठ कैसे पढ़ें” विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समन्वय किया।
- “पाठ कैसे पढ़ें” विषय पर 15-16 अक्तूबर, 2024 के दौरान दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

अंतरराष्ट्रीय

- दिल्ली विश्वविद्यालय में 11-09-2024 को भारतीय तुलनात्मक साहित्य संघ के सहयोग से दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सीएलएआई के 17$^{वें}$ द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “दैनिक सामाजिक जीवन में गुरु नानक देव जी के नैतिक योगदान की भूमिका” शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. रजनी बाला ने 1-10-2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय में आधुनिक भारतीय भाषाओं और साहित्यिक अध्ययन विभाग के सहयोग से ऐ कनकलता महिला तीर्थ के सहयोग से सदौ असोम सत्र महासभा और सदौ असोम संमिलितो युवतीर्थ द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "भक्ति आंदोलन में महिलाओं का योगदान" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

- डॉ. रांजू बाला ने 27-01-2025 को ऑस्ट्रेलियाई तमिल कांग्रेस के सहयोग से आधुनिक भारतीय भाषा और साहित्य अध्ययन, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "दमन के खिलाफ प्रतिरोध: सिख गुरु और कश्मीरी पंडित" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय

- सोहिन्दर सिंह वंजारा बेदी पर दो दिवसीय जन्म शताब्दी संगोष्ठी: साहित्य अकादमी और पंजाबी साहित्य सभा द्वारा 13-14 सितंबर, 2024 को आयोजित, डॉ. रजनी बाला ने "वंजारा बेदी दा स्वै-जीवनी साहित्य: मनुख ते लोकधारा दे अंतर-संबंध दी गाथा" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- रविंदर कुमार ने पंजाबी साहित्य अकादमी द्वारा गवर्नमेंट कॉलेज में आयोजित सुखजीत: साखसियत एते साहित विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया। माछीवाड़ा, 21-09-2024।
- रविंदर कुमार ने 10-10-2024 को गुरु नानक गर्ल्स कॉलेज, संतपुरा, यमुनानगर, हरियाणा द्वारा हरियाणे दा पंजाबी साहित अटे पंजाबी विच अनुवादित साहित विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया।
- भाई वीर सिंह साहित्य सदन, दिल्ली में साहित्य अकादमी द्वारा 22-23 अक्तूबर, 2024 को आयोजित प्रभजोत कौर और कर्नल नरिंदर पाल सिंह पर दो दिवसीय शताब्दी संगोष्ठी में डॉ. कुलवीर गोजरा ने "प्रभजोत दा कविता संसार" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. यादविंदर सिंह ने 24-01-2025 को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला के पंजाबी विभाग द्वारा आयोजित एक संगोष्ठी में "चुरासी लाख यादां दा धुर्देस" शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।
- डॉ. यादविंदर सिंह ने पंजाबी साहित्य अकादमी, लुधियाना द्वारा भाषा विभाग, पटियाला में आयोजित मोहनजीत: शेखसियत एते सिरजना विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "मोहनजीत दे रेखा चित्रां दी सिद्धांतक जमीन" शीर्षक से एक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

"पाठ कैसे पढ़ें" विषय पर 15 और 16 अक्तूबर , 2024 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

प्लेसमेंट विवरण (नियुक्त छात्रों की संख्या एवं प्रतिशत)

14

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

डॉ. रजनी बाला ने 16-11-2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के पंजाबी विभाग द्वारा आयोजित एम.ए. और पी.एच.डी. छात्रों के लिए संयोजक के रूप में दिल्ली से आगरा तक एक शैक्षिक यात्रा की व्यवस्था की।

छात्रों ने शैक्षिक भ्रमण के लिए 19.11.2024 को आगरा का दौरा किया।

पंजाबी विभाग के कई विद्यार्थियों ने भाई वीर सिंह साहित्य सदन और पंजाबी साहित्य सभा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी.डिग्रियों की संख्या

एम.फिल : 07

पीएच.डी. : 12

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	: 03
एसोसिएट प्रोफेसर	: 01
सहायक प्रोफेसर	: 04
कुल	**:** 08

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- डॉ. कुलवीर गोजरा ने 13 अगस्त 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के पंजाबी विभाग में संयोजक के रूप में एसएस सोहिंदर सिंह वंजारा शताब्दी विशेष व्याख्यान का आयोजन किया।
- डॉ. कुलवीर गोजरा ने अमरजीत चंदन की पुस्तक *'दश विच कांजी' पर* एक पुस्तक चर्चा का आयोजन किया। **6** सितंबर 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के पंजाबी विभाग में आयोजित एक कार्यक्रम में संयोजक के रूप में शामिल हुए।
- डॉ. कुलवीर गोजरा ने एक राजेश शर्मा द्वारा *'साहित्य शब्द संसार'* पर पुस्तक चर्चा 4 अक्तूबर 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के पंजाबी विभाग में आयोजित एक कार्यक्रम में संयोजक के रूप में शामिल होंगे ।
- *पुथ सिद्ध* पर संयोजक के रूप में 3 जनवरी, 2025 को एक पुस्तक चर्चा का आयोजन किया।
- *राइटर्स कॉलोनी* में संयोजक के रूप में 6 दिसंबर, 2024 को एक पुस्तक चर्चा का आयोजन किया ।
- डॉ. रविंदर कुमार ने संयोजक के रूप में 8-9 अक्तूबर, 2024 के दौरान पीजीडीएवी (सांध्य) कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में अंतर-कॉलेज साहित्यिक प्रतियोगिता (प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता और वाद-विवाद प्रतियोगिता) का आयोजन किया ।

- दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस में 5-16 अक्तूबर, 2024 के दौरान आयोजित अंतर-कॉलेज लोक/आदिवासी समूह और एकल शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता के संयोजक के रूप में आयोजन किया।
- 2 दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज में 1-22 अक्तूबर, 2024 के दौरान आयोजित अंतर-कॉलेज ललित कला प्रतियोगिता (ऑन द स्पॉट पेंटिंग, मेहंदी, कोलाज , पोस्टर मेकिंग, कार्टूनिंग, स्पॉट फोटोग्राफी और रंगोली) के संयोजक के रूप में आयोजन किया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के वाइस रीगल लॉज स्थित कन्वेंशन हॉल में एनएएसी पीयर टीम विजिट के संयोजक के रूप में 23 अक्तूबर, 2024 को एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया।
- संयोजक के रूप में साहित्य संवाद (मासिक साहित्यिक बैठक) का आयोजन किया, जिसका आयोजन पंजाबी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 3 जनवरी, 2025 को किया गया।
- 'पंजाबी क़िस्सा काव नु दामोदर दी देन' विषय पर 23 अगस्त, 2024 के लिए एक चर्चा रिकॉर्ड की।
- डॉ. रजनी बाला ने एक पुस्तक समीक्षा 'दूध विच कांजी पंजाबी दा सत्यानास' लिखी, जो देश सेवक, चंडीगढ़, 22 सितंबर, 2024 में प्रकाशित हुई ।
- 28 मार्च से 1 अप्रैल , 2024 के दौरान पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना, पंजाब में आयोजित 37$^{वें}$ अंतर-विश्वविद्यालय राष्ट्रीय युवा महोत्सव में दिल्ली विश्वविद्यालय के संयोजक के रूप में भाग लिया।
- 16 अप्रैल, 2024 के लिए 'पंजाबी किस्सा काव नु हाशिम शाह दी देन' विषय पर एक चर्चा रिकॉर्ड की।
- प्रो. रविंदर कुमार ने दिल्ली विश्वविद्यालय में 08 मई, 2024 को सह-संयोजक के रूप में विकसित भारत दौड़ का आयोजन किया।
- डॉ. रंजू बाला ने दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग के स्नातक पाठ्यक्रम के जीई पंजाबी 'पंजाब दी लोकधारा' की सामग्री तैयार की।
- दिल्ली विश्वविद्यालय में भारतीय तुलनात्मक साहित्य संघ के सहयोग से दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 12 सितंबर, 2024 के दौरान आयोजित सीएलएआई के XVII द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अकादमिक और पंजीकरण समिति में सदस्य के रूप में कर्तव्य निभाया ।
- 10 सितंबर, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय में भारतीय तुलनात्मक साहित्य संघ के सहयोग से दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सीएलएआई के XVII द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के एक सत्र का समन्वयन किया।
- 14 सितंबर, 2024 को पंजाबी भवन, दिल्ली में साहित्यिक बैठक की अध्यक्षता की।

***

संस्कृत विभाग

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

- विभाग ने भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद (आईसीपीआर), भारत सरकार, नई दिल्ली के सहयोग से 7-17 मार्च 2025 तक भर्तृहरि के वाक्यपदीय, तृतीय कांड (पदकांड) पर 10 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य भर्तृहरि के विचारों को प्रकाशित करना और भाषा एवं दर्शन के अध्ययन पर नए दृष्टिकोणों को प्रेरित करना था, जिसका मुख्य उद्देश्य संस्कृत और भारतीय दर्शन के क्षेत्र के प्रख्यात विद्वानों के मार्गदर्शन में पदकांड में प्रस्तुत सूक्ष्म तर्कों को उजागर करना था। कार्यशाला में पाठ विश्लेषण और दार्शनिक अन्वेषण के लिए पारंपरिक और समकालीन पद्धतियों का मिश्रण अपनाया गया।

सम्मान/विभूतियां

संकाय

- प्रोफेसर दया शंकर तिवारी को बिहार संस्कृत संजीवन समाज के सहयोग से संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित दिल्ली विश्वविद्यालय के सत्यकाम भवन में "डॉ मिथिलेश कुमारी मिश्रा संस्कृत साधक सम्मान 2024" पुरस्कार मिला, (1 दिसंबर ' 2024)
- प्रोफेसर दया शंकर तिवारी को मैत्रेयी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस साइंसेज, यूएसए और काउंसिल ऑफ इंडिक स्टडीज सीआईएसआर दिल्ली के सहयोग से आयोजित चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएससी) के वेलिडेक्टरी सत्र में "सुरभारती समुपशाक सम्मान 2023" प्राप्त हुआ (16 दिसंबर ' 2024)।
- प्रो. रंजीत बेहरा ने भारतीय विद्वत परिषद, बैंगलोर, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय और श्री कृष्ण मठ, उडुपी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 51$^{वें}$ अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की (24-26 अक्तूबर , 2024)
- *पाटलिपुत्र जर्नल ऑफ इंडोलॉजी (ISSN 2320-351X) [यूजीसी अनुमोदित]* के संपादकीय बोर्ड के सदस्य । पाटलिपुत्र इंडोलॉजिकल रिसर्च केंद्र।
- तिवारी, डी.एस. (2025). कार्यकारी संपादक, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ संस्कृत रिसर्च (अनंत)* (ISSN 2394-7519). दिल्ली.
- तिवारी, डीएस (2025)। संपादकीय बोर्ड के सदस्य, *दृष्टिकॉन* (ISSN 0975-119X)। दृष्टिकोण प्रकाशन, नई दिल्ली।
- दिल्ली विश्वविद्यालय में डीन छात्र कल्याण (डीएसडब्ल्यू) के रूप में 2024 से नामित किया गया (कार्यालय आदेश संख्या - संदर्भ स्थापना ii (I) /010/2000/04/609 दिनांक 13 मई ' 2024)

- प्रो. रंजन कुमार त्रिपाठी को देशबंधु कॉलेज में गवर्निंग बॉडी के सदस्य के रूप में नामित किया गया, संदर्भ संख्या: Cs/Sdc/108/2025/Gb-Dbc/1114 (21 मई, 2024)
- डीसीएसी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यक्ष के रूप में 7 सितंबर, 2023 से 13 जनवरी, 2025 तक नामित किया गया।
- प्रो. रंजन कुमार त्रिपाठी को नवंबर 2023 से जनवरी 2025 तक डीसीएसी कॉलेज के अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया।
- प्रोफेसर रंजीत बेहरा को शैक्षणिक सत्र (2023-24) और (2024-25) के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय में संयुक्त डीन, प्रवेश के रूप में नामित किया गया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के डब्ल्यूयूएस यूनिवर्सिटी हॉस्टल फॉर विमेन का 2 अक्तूबर, 2021 से अब तक अध्यक्ष नामित किया गया।
- प्रोफेसर रंजीत बेहरा को शैक्षणिक सत्र (2019-20) से (2024-25) तक दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रवेश शाखा की केंद्रीय प्रवेश शिकायत निवारण समिति का संयोजक नामित किया गया।
- अखिल भारतीय दर्शन-परिषद्, भोपाल, के आजीवन सदस्य हैं संस्था रैंक - S/012/2024, रशीद श्रेणी-516, से (4 जुलाई , 2024)।
- डॉ. विजय शंकर द्विवेदी ने उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, भारत द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अध्यक्ष के रूप में भाग लिया और 'कुंभपर्व एवं विज्ञान' शीर्षक से व्याख्यान दिया, दिनांक 07-02-2025।

प्रकाशन

- आर्य, एस., और सिंह, एस. (2024)। पाणिनीय व्याकरण मे अनुवृत्ति व्यवस्था। *षोधप्रज्ञा* , *11* (23), (जुलाई-दिसंबर)179-185। https://www.usvv.ac.in
- बेहरा, आर. (2024, अगस्त)। अथर्ववेदीय औषधिवनस्पतियोन कि मानव-जीवन मे उपादेयता। *अनुसंधान विश्लेषण और मूल्यांकन, 1* (8), 5-13।आईएसएसएन 2320-5482.
- बेहरा, आर. (2025, जनवरी)। अल्फ्रेडहिलेब्रांडत्वर्यस्य वैदिकी दृष्टीः। *ग्लोबल थॉट, 35* (1), 85-88.आईएसएसएन 2456-0898।
- चंद्रा, एस., और पाठक, डी.पी. (2025)। एक उन्नत संस्कृत शोध डेटाबेस का विकास: साहित्य समीक्षा और विद्वत्तापूर्ण शोध को सुगम बनाने हेतु एक सशक्त उपकरण। *संस्कृत विमर्श (ई-जर्नल्स), 25* (जुलाई-दिसंबर 2023), 411-423। https://www.sanskrit.nic.in/ Sanskrit_ Vimarsah/ v25.pdf

- डिंडोरिया, वीपी (2024, मई)। भगवदगीता मे प्रतिपादित वर्ण-व्यवस्था: वर्तमना सन्दर्भ मे। *वसमता* (एक सहकर्मी-समीक्षा शोध पत्रिका), *162*, 33-38। महात्मा गांधी संस्थान, मोका, मॉरीशस गणराज्य। आईएसएसएन 1694-4100।
- द्विवेदी, वीएस (2025)। प्रियदर्शिका का नाट्यशास्त्र समीक्षा। *नाट्यम* , *111-112* , 155-163। नाट्यपरिषद संस्कृत विभाग, सागर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश।
- द्विवेदी, वीएस (2024)। शूद्रक कृत मृक्षकटिकं मे लोकजीवन। *संस्कृत रूपको में लोकसंस्कृति* (पृ. 60-72)। प्रयागराज: कृष्णा कंप्यूटर संस्थान, मोरी दारागंज।
- नांगिया, एस., सिंह, एम., और रंजन, आर. (2025). लाल किताब की ज्योतिषीय परंपरा में कर्म ऋण पर एक व्याख्यान. *राष्ट्रीय हिंदी एवं संस्कृत शोध पत्रिका (ई-पत्रिकाएँ)*, *59*, (मार्च-अप्रैल). 172-175.ISSN 2454-9177.
- निगम, ए., सिंह, एपी, और चंद्रा, एस. (2024)। कौटिल्य अर्थशास्त्र में वर्ण : : का अनुक्रमण एवं तकनीकी शब्दों का निष्कर्ष.*ज्ञान गरिमा सिंधु*, *83-84* (जुलाई-दिसंबर), 1-8।https://cstt.education. gov.in/sites/default/files/ggs-83-84-finalcompressed.pdf
- रंजन, आर., और जैन, पी. (2024, अक्तूबर-दिसंबर)। भारतीय ज्ञान परम्परा में निर्मल कृषि एवं पर्यावरण 2. के : सिद्धांत का अध्ययन. *सात्राची*, *42* .ISSN 2348-8425
- सिंह, एस., और कुमारी, वी. (2024)। विश्वशांति के प्रयासम् की समीक्षा वैदिक सिद्धांतो के सन्दर्भ में। *शोधप्रज्ञा*, *11* (23), (जुलाई-दिसंबर),171-178। https://www.usvv.ac.in
- सिंह, एस. (2024). पापिनियन सूत्रों में विभक्ति कारक-अंत का महत्व. *शोधप्रज्ञा*, *11* (23), (जुलाई-दिसंबर), 297-303. https://www.usvv.ac.in
- सिंह, एस. (2024)। व्याकरण की परिभाषाओं की सामाजिक संदरभो में उपयोगिता। *वैदिक वाग् ज्योतिः*, *12* (22), (जनवरी-जून), 66-77। https://www.gkv.ac.in
- सुचित्रा, बी., और त्रिपाठी, आरके (2024, अक्तूबर)। हर्षकृत रूपकों में रस चिन्तन. *नाट्यम्*, *(111-112)*.
- तिवारी, डीएस (2024)। बौधायन सुलभसूत्र में गणित अवधारणः आधुनिक सन्दर्भ। *वैदिक वाग् ज्योति*, *12* (23) (जुलाई-दिसंबर), 49-54।
- तिवारी, डीएस (2024)। संस्कृत साहित्य में निरंजन मिश्र का योगदान, वाक सुधा, दिल्ली, अंक। 42, वर्ष-11, (अक्तूबर-दिसंबर) आईएसएसएन. 2347-6605, 47-51.
- तिवारी, डीएस (2025)। हर्ष के रूपकों का सांस्कृतिक सन्दर्भ. *नाट्यम*, *111-112*,100-103।
- त्रिपाठी, आरके (2024)। राष्ट्रीय शिक्षानीति)2020) की प्राचीन भारतीय शिक्षा व्यवस्था में सहित संदर्भ. *शोधप्रभार*, *49*, 512-526., यूजीसी केयर सूचीबद्ध

- त्रिपाठी, आरके (2024)। रामायणकालीन शैक्षिणिक व्यवस्था तथा उसका भारतीय सीटी पर प्रभाव . *संस्कृतविद्या*, *34*, 138-142.आईएसएसएन 0975-8348। यूजीसी केयर सूचीबद्ध।
- त्रिपाठी, आरके (2024)। रामायणकालीन शैक्षिणिक व्यवस्था तथा उसका भारतीय सीटी पर प्रभाव . *संस्कृतविद्या*, *34*, 138-142.आईएसएसएन 0975-8348। यूजीसी केयर सूचीबद्ध।
- त्रिपाठी, आरके (2024, जुलाई-सितंबर)। पाणिनिकालीन भारत की टीओ एवं समसमयिकता. *सत्राची*, *12* (41), 144-154.आईएसएसएन 2348-8425। यूजीसी केयर सूचीबद्ध।
- त्रिपाठी, आरके (2024-2025, अक्तूबर-मार्च)। रत्नावली नाटिका के श्लोकों का काव्यप्रकाश में सन्निहित संदर्भ. *नाट्यम्*, *(111-112)*, 278-284.आईएसएसएन 2229-5550। यूजीसी केयर सूचीबद्ध।

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय/संपादित पुस्तकें

- राठौड़, एमके (2024)। पदार्थ का अर्थ , विशेषताएँ , संख्या और त्रिविध धर्म . आर. गुप्ता (एड.) में, *रचना मीमांसा और ज्ञान मीमांसा (बीएसकेसी - 113)* (पृ. 101-112)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)। आईएसबीएन 978-93-6106-027-4. https://egyankosh.ac.in/handle/ 23456789/106868
- राठौड़, एमके (2024)। द्रव्य की परिभाषा , संख्या , लक्षण तथा सुविधाएँ . आर. गुप्ता (एड.) में, *रचना मीमांसा और ज्ञान मीमांसा (बीएसकेसी - 113)* (पृ. 113-124)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)। आईएसबीएन 978-93-6106-027-4. https://egyankosh. ac.in/handle/ 123456789/106868
- राठौर, एमके (2024). गुण व कर्म :परिभाषा और प्रकार .आर. गुप्ता (एड.) में, *रचना मीमांसा और ज्ञान मीमांसा)बीएसकेसी - 113)* (पृ. 125-138)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)। आईएसबीएन 978-93-6106-027-4. https://egyankosh.ac.in/ handle/123456789/ 106868
- राठौड़, एमके (2024)। पदार्थ विवेचन : सामान्य , विशेष , समवाय और अभाव . आर. गुप्ता (एड.) में, *रचना मीमांसा और ज्ञान मीमांसा (बीएसकेसी - 113)* (पृ. 139-150)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)। आईएसबीएन 978-93-6106-027-4. https://egyankosh.ac.in/ handle/123456789/106868
- राठौड़, एमके (2024)। द्रव्य विवेचन - पृथ्वी , जल , तेज और वायु . आर. गुप्ता (एड.) में, *रचना मीमांसा और ज्ञान मीमांसा (बीएसकेसी - 113)* (पृ. 151-158)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)। आईएसबीएन 978-93-6106-027-4. https://egyankosh.ac.in/ handle/123456789/106868
- राठौड़, एमके (2024)। द्रव्य विवेचन - आकाश , काल , दिक् , आत्मा और मन . आर. गुप्ता (एड.) में, *रचना मीमांसा और ज्ञान मीमांसा (बीएसकेसी - 113)* (पृ. 159-167)। इंदिरा गांधी

राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)। आईएसबीएन 978-93-6106-027-4. https://egyankosh.ac.in/ handle/123456789/106868

- राठौड़, एमके (2024)। षड्विधसन्निकर ।आर. गुप्ता (एड.) में, *रचना मीमांसा और ज्ञान मीमांसा) बीएसकेसी-113)* (पृ. 170-180)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)। आईएसबीएन 978-93-6106-027-4. https://egyankosh.ac.in/ handle/ 123456789/106868
- राठौड़, एमके (2024)। करना , कारण और प्रमा .आर. गुप्ता (एड.) में, *रचना मीमांसा और ज्ञान मीमांसा)बीएसकेसी - 113)* (पृ. 181-194)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)। आईएसबीएन 978-93-6106-027-4. https://egyankosh.ac.in/handle/123456789/106868
- राठौड़, मोनिका के. (2024), वैज्ञानिक विवेचन-प्रत्यक्ष, उपमान और डॉ. रीता गुप्ता (सं.), रचनाकार में शब्द मीमांसा और ज्ञान मीमांसा (बीएसकेसी-113), (पृष्ठ 195-205), भारत, https://egyankosh.ac.in/handle/123456789/106868
- राठौड़, एमके (2024)। अनुमान और हेतवाभास . आर. गुप्ता (एड.) में, *रचना मीमांसा और ज्ञान मीमांसा (बीएसकेसी- 13)* (पीपी. 206-219)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)। आईएसबीएन 978-93-6106-027-4. https://egyankosh.ac.in/handle/123456789/106868
- तिवारी, डीएस (एड.). (2025)। *श्रीमद्भगवद्गीता और भगवद्दर्शन* । अमृतब्रह्म प्रकाशन आईएसबीएन: 978-81-00000

अनुसंधान परियोजनाएँ

- केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (सीएसयू), प्रो. रंजन कुमार त्रिपाठी, आदि अंतिम और उनका आधुनिक का गहन 8, 7,00,000, (15.07.24 से 14.07.25)
- इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रो. रंजन कुमार त्रिपाठी, " संस्कृत।" 1. में भारतबोध की अवधारणा: एक अनुशीलन", 300000, 2024-2025।
- इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रो. रंजन कुमार त्रिपाठी, "रामायण, महाभारत, आदि।" कौटील्यीय अर्थशास्त्र में वर्ण लोकनीति एवं शासन व्यवस्था की समसामयिक प्रासङ्गिकता, (राष्ट्रीयशिक्षानीति 2020 के विशेष संदर्भ में)", 1274000, 2022-2025।
- फैकल्टी रिसर्च प्रोजेक्ट (एफआरपी), इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. सुभाष चंद्रा 'शुक्रनीति में कानूनी, राजनीतिक और आर्थिक प्रबंधन तकनीकों का अन्वेषण और एआई-आधारित अवधारणा खनन प्रणाली का विकास', 300,000,2024-2025।
- फैकल्टी रिसर्च प्रोजेक्ट (एफआरपी), इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. सुभाष चंद्र,' नारदस्मृति के लिए एक ऑनलाइन इंडेक्सिंग और कॉन्सेप्ट माइनिंग सिस्टम का विकास', 200,000, 2023 से मई, 2024।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

राष्ट्रीय

- प्रोफेसर रंजीत बेहरा ने 13-15 सितंबर 2024 को हिंदू विश्वविद्यालय, ऑरलैंडो, फ्लोरिडा, यूएसए में वेव्स इंटरनेशनल और वेव्स इंडिया द्वारा आयोजित वैदिक परंपराओं में संघर्षों की रोकथाम, प्रबंधन और समाधान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में *वेदोक्तोसमनस्यम संप्रतिकारराष्ट्रीयसमास्याश्च शीर्षक से शोध-आलेख प्रस्तुत किया।*
- प्रोफेसर रंजीत बेहरा ने भारतीय विद्वत परिषद, बैंगलोर, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय और श्री कृष्ण मठ, उडुपी द्वारा संयुक्त रूप से 24-26-10-2024 को आयोजित 51वें अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन में कपालिशस्त्रिनो वेदभाष्यशैली नामक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रोफेसर रंजीत बेहरा ने केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, संस्कृत भारती और सत्यवती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 15-17-11-2024 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय विधुशिसम्मेलन में पंडिता-रामबैवर्यः शिक्षादृष्टिः नामक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।
- आधुनिक समय में वैदिक ज्ञान परंपरा की प्रासंगिकता पर वेव्स सम्मेलन में वैदिक ज्ञान परंपरा की प्रासंगिकता शीर्षक से शोध-आलेख प्रस्तुत किया, जिसका आयोजन वेव्स-इंडिया और संस्कृत विभाग, दौलत राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से 06-12-2024 को किया गया था।
- डॉ. विजय शंकर द्विवेदी श्रीलाल बहादुर राष्ट्रीय संस्कृत विश्व विद्यालय नई दिल्ली में 28-29-12-2024 को श्री शंकर शिक्षायतन दिल्ली द्वारा आयोजित इंद्रविजय के सन्दर्भ में दस्यु के आधार पर भारतवर्ष का इतिहास नामक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।
- स्वामी समर्पणानंद वैदिक शोध संस्थान, गुरुकुल प्रभात आश्रम, मेरठ, यूपी द्वारा 13-01-2025 को आयोजित ऋग्वेद विविधविद्या पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रोफेसर रंजीत बेहरा ने ऋग्वेदे आदित्यस्य स्वरूपम नामक शोध-आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रोफेसर रंजीत बेहरा ने आईसीपीआर, भारत सरकार, नई दिल्ली के सहयोग से संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित भर्तृहरि के वाक्यपदीय, तृतीय कांड (पादकांड) पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया, दिनांक 07-17-03-2025.
- डॉ. विजय शंकर द्विवेदी 20-03-2025 को जम्मू विश्वविद्यालय के पीजी संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में रामायणमंजरी में प्राप्त भारतीय सामाजिक तथ्यो की समीक्षा शीर्षक से शोध-आलेख प्रस्तुत किया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

विभाग ने केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली और संस्कृत भारती, दिल्ली के सहयोग से 19 से 28 मार्च 2025 तक संस्कृत प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया । संस्कृत भारती ने अप्रैल-मई 2025 के दौरान दिल्ली में 1008 संस्कृत संभाषण शिविर भी आयोजित किए। संस्कृत प्रशिक्षण वर्ग में भाग लेने

के बाद, छात्र शिक्षण संस्थानों के साथ-साथ समाजों में भी संस्कृत संभाषण वर्ग आयोजित करने में सक्षम हुए। वे संस्कृत भाषा और साहित्य को पढ़ने, लिखने और बोलने में भी सक्षम हुए।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

19-28 मार्च 2025 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के कला संकाय के संस्कृत विभाग में संस्कृत प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी.डिग्रियों की संख्या

एम.फिल : 10

पीएच.डी. : 26

संकाय संख्या

प्रोफेसर : 10

एसोसिएट प्रोफेसर : 14

सहायक प्रोफेसर : 09

कुल : 33

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- प्रोफेसर रंजन कुमार त्रिपाठी को "अंतर्राष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन 2024" में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया, जिसका शीर्षक था पुस्तकालय और वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य की ब्रह्मांड विज्ञान में खोज मैत्रेयी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 14-12-2024।
- प्रो. रंजन कुमार त्रिपाठी ने काव्य एवं काव्यशास्त्र :भारतीय दृष्टि", पर व्याख्यान दिया, राम मनातन धर्म कॉलेज 18-10-2024.
- संस्कृत विभाग के प्रोफेसर रंजन कुमार त्रिपाठी ने अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास में "अपने हृदय स्वास्थ्य" की देखभाल के लिए व्यक्तियों को प्रेरित करने पर एक व्याख्यान संगोष्ठी दी। दिल्ली विश्वविद्यालय, 27-09-2024।
- "भारतीय सौन्दर्यबोध और कालिदास पर एकल व्याख्यान दिया.)मुख्य -वक्ता(, किरोडीमल कॉलेज दिनांक :01-10-2024.
- डॉ. विजय शंकर द्विवेदी ने 02-04-2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन 'दिल्ली विश्वविद्यालय में हिंदू अध्ययन: हिंदू धर्म और हिंदूपन को समझना' में भाग लिया।
- संस्कृत विभाग, एम.ए.मवी, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश द्वारा 28-29 -11-2024 को आयोजित भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र' विषय पर व्याख्यान दिया।

- एकीकृत एवं ऑनर्स अध्ययन संस्थान विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र द्वारा 06-12- 2024 को आयोजित शान्त मन एवं सुखद पर्यावरण: श्रीमद्भगवद्गीता के विचार में" विषय पर व्याख्यान दिया।
- संस्कृत एवं वैचारिक अध्ययन संस्थान, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र द्वारा 13-15 फरवरी - 2025 को आयोजित विकासशील राष्ट्रस्य" संकल्पना: वर्तमानपरिप्रेक्षे विषय पर व्याख्यान दिया।

आवंटित धनराशि : 2,60,000 (₹ करोड़)

उपयोगित धनराशि : 2,55,999/- (₹ करोड़)

पूंजीगत संपत्ति 2024-25 के अंतर्गत

***

स्लोवेनिक एवं फिनो-यूग्रियन विभाग

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

- डॉ. गिरीश मुंजाल हैदराबाद, भारत स्थित रूसी, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय के विभाग द्वारा प्रकाशित "रूसी भाषाशास्त्र" पत्रिका के संपादकीय एवं रेफरी बोर्ड के सदस्य हैं। आईएसएसएन 2231-1564।

सम्मान/विभूतियां

संकाय

- डॉ. गिरीश मुंजाल, द जर्नल ऑफ़ रशियन स्टडीज़ के संपादकीय बोर्ड के सदस्य हैं। यह एक अंतरराष्ट्रीय समकक्ष-समीक्षित वैज्ञानिक पत्रिका है और रूसी संघ की राष्ट्रीय आईएसएसएन एजेंसी के साथ पंजीकृत है। आईएसएसएन संख्या: 2713-2501 (प्रिंट)। प्रकाशक: इंस्टीट्यूट ऑफ़ कल्चरल हेरिटेज, कज़ान, तातारस्तान गणराज्य, रूसी संघ।
- डॉ. गिरीश मुंजाल रूसी वैज्ञानिक-विद्वता निधि संख्या 24-78-10046 के अंतर्गत "1920 के दशक में ए.एम. गोर्की के प्रकाशन एवं सांस्कृतिक शिक्षा परियोजनाओं में पूर्वी साहित्य" नामक शोध परियोजना में आमंत्रित विदेशी विशेषज्ञ हैं। यह परियोजना रूसी विज्ञान अकादमी के एम. गोर्की विश्व साहित्य संस्थान द्वारा संचालित की जा रही है। वे दिए गए विषय पर व्यावहारिक संगोष्ठियाँ आयोजित करेंगे और प्रकाशनों में योगदान देंगे (2024-2026)।
- डॉ. आत्मोजा बोस को मध्यकालीन स्लाव समर स्कूल 2024 (एम.ए.सएसआई 2024) से विजिटिंग स्कॉलर फेलोशिप प्राप्त हुई, जिसे हिलांडर रिसर्च लाइब्रेरी (एचआरएल), मध्यकालीन स्लाव अध्ययन संसाधन केंद्र (आरसीएम.ए.सएस) और स्लाव और पूर्वी यूरोपीय भाषा और संस्कृति विभाग (एसईईएलसी), कॉलेज आर्ट्स एंड साइंस, ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी, ओहियो, कोलंबस, यूएसए द्वारा सह-प्रायोजित किया गया है।

- तानुलमान्योक, दर्शनशास्त्र संकाय, नोवी साद विश्वविद्यालय, नोवी साद (सर्बिया गणराज्य) के संपादकीय बोर्ड की सदस्य हैं।
- सुश्री अंजू रानी ने युवा अनुवादकों के लिए "शकोला मोलोडीख पेरेवोडचिकोव" नामक कार्यशाला का 13-02- 2024 को समन्वय किया।
- भारत में रूसी संघ के दूतावास के सहयोग से दिल्ली विश्वविद्यालय के स्लावोनिक और फिनो-उग्रियन अध्ययन विभाग द्वारा मार्च 2024 को आयोजित रूसी लोक महोत्सव "मास्लेनित्सा" का समन्वय किया।

छात्र

- एम.ए. रूसी की छात्रा गरिमा को डॉ. शंकर दयाल शर्मा (भारत के पूर्व राष्ट्रपति) स्वर्ण पदक पुरस्कार, 2024 से सम्मानित किया गया।
- बीए (ऑनर्स) रूसी की छात्रा दीक्षा शर्मा ने रूसी हाउस, नई दिल्ली, 2025 में अंतर-राज्यीय रूसी पोशाक प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।
- सोबिरोवा ज़िलोला, निशांत कौशिक, अश्वनी, हर्षित-रूसी भाषा के छात्रों ने रूसी हाउस, नई दिल्ली, 2025 में अंतर-राज्य रूसी ओलंपियाड प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

अनुसंधान परियोजनाएँ

- संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, डॉ. आत्मोजा बोस (पीआई), एशियाटिक सोसाइटी में “एक रूसी इंडोलॉजिस्ट गेरासिम स्टेपानोविच लेबेदेव की अनकही यात्रा”, 3,41,980, (06-07-2021 -06-07-2026)।
- हंगरी में विदेश और व्यापार मंत्रालय, डॉ. मार्गिट कोवेस, मुंबई, जयपुर और दिल्ली में "हंगेरियन संस्कृति 2024" कविता, संगीत और प्रकृति के लिए अतिथि शिक्षक"।

आयोजित संगोष्ठियां

- 27-28 मार्च , 2025 को “अनुवाद: संचरण और तोड़फोड़” पर एक संगोष्ठी आयोजित की।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

- फरवरी, 2025 में उदमुर्ट स्टेट यूनिवर्सिटी, रूसी संघ के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- मॉस्को सिटी यूनिवर्सिटी,
- रूस की पीपुल्स फ्रेंडशिप यूनिवर्सिटी
- मास्को, रूस में विश्वविद्यालय।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत छात्र: 08

- गरिमा**,** एम.ए. रूसी-पी.एचडी., पुश्किन इंस्टीट्यूट, मॉस्को की पूर्व छात्रा, दिसंबर, 2024 से अब तक।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के एसएफयूएस विभाग के 02 छात्रों ने 14 जुलाई 2024 से 3 अगस्त 2024 तक चल रहे शैक्षणिक सहयोग के हिस्से के रूप में ग्रीष्मकालीन संगोष्ठी में भाग लिया**।**
- दिल्ली विश्वविद्यालय के एसएफयूएस विभाग के 05 छात्रों ने 15 जुलाई 2024 से 4 अगस्त 2024 तक चल रहे शैक्षणिक सहयोग के हिस्से के रूप में ग्रीष्मकालीन संगोष्ठी में भाग लिया।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी.डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी. :02

संकाय संख्या

प्रोफेसर	: 0
एसोसिएट प्रोफेसर	: 0
सहायक प्रोफेसर	: 05
तदर्थ	: 04
अतिथि	: 07
कुल	**:** 16

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- सीडीए (नौसेना/तट रक्षक) नई दिल्ली" नामक परियोजना पूरी की।
- डॉ. तातियाना सुर्जलेज, भारत-पोलिश राजनयिक संबंधों की स्थापना की 70वीं वर्षगांठ और डीयू में पोलिश भाषा के अध्यापन के 55 वर्षों के उपलक्ष्य में भारत से प्रेरित पोलिश साहित्य का अनुवाद। दो पुस्तकें प्रकाशित हुईं: अंग्रेज़ी में "पोलिश लिटरेचर ऑन इंडिया" (अंतिका प्रकाशन) और अंग्रेज़ी में " भारत"। विषयक पोलैंड का साहित्य" (अंतिका प्रकाशन) हिंदी में।
- इस्तांबुल, तुर्की में 19 अक्तूबर से 2024 तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय रूसी भाषा सप्ताह "पूर्व-पश्चिम" में भाग लिया।
- आत्मोजा बोस (संयोजक) ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला, "रूसी भाषा के चयनित व्यावहारिक आधार" स्लाव भाषा और साहित्य विभाग, वाशिंगटन विश्वविद्यालय, अमेरिका के सहयोग से, प्रोफेसर बोजन बेलिक द्वारा व्याख्यान दिए गए (18-22-11-2024)

- सुश्री बिलियाना परवानोवा, (समन्वयक)-10वां वियना बल्गेरियाई अध्ययन सम्मेलन, हॉस विट्गेन्स्टाइन, वियना, ऑस्ट्रिया में, बल्गेरियाई शिक्षा मंत्रालय, बल्गेरियाई सांस्कृतिक संस्थान, हॉस विट्गेन्स्टाइन वियना (ऑस्ट्रिया), फ्रीबर्ग विश्वविद्यालय (जर्मनी) और अन्य द्वारा वित्त-पोषित (4-6, -12-2024)
- डॉ. बिलियाना परवानोवा ने बर्लिन, हम्बोल्ट विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, बल्गेरियाई अध्ययन और समकालीन मानविकी, (27 -28-10-2024) में भाग लिया।
- डॉ. गिरीश मुंजाल ने एम. गोर्की इंस्टीट्यूट ऑफ वर्ल्ड लिटरेचर, रूसी विज्ञान अकादमी (IWL RAS), मॉस्को, रूस में रूसी भाषा में एक ऑनलाइन विशेष व्याख्यान दिया, जिसका विषय था: "रवींद्रनाथ टैगोर: एक आध्यात्मिक यात्रा" अवधि, (12-10-2024)
- अंतर्राष्ट्रीय व्यावसायिक विकास कार्यक्रम डॉ. गिरीश मुंजाल ने रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में वी.वी. मायाकोवस्की के नाम पर सेंट्रल सिटी लाइब्रेरी में आयोजित व्यावसायिक विकास कार्यक्रम "हमारे पुस्तकालय: रूसी में पढ़ना" सफलतापूर्वक पूरा किया, जिसका आयोजन सेंट पीटर्सबर्ग सरकार की संस्कृति समिति और विदेश संबंध समिति द्वारा किया गया था (26-30-08-2024)
- डॉ. गिरीश मुंजाल ने "अज़बुका ब्रिक्स-रूस 2024" परियोजना के अंतर्गत, रूस के एक विश्वविद्यालय टीवी को "द क्वेश्चन डी'ओरिएंट ऑफ़ लियो टॉल्स्टॉय" नामक एक अंतर्राष्ट्रीय टीवी साक्षात्कार दिया (https://vk.com/wall-22463417_29536)। विशेष अंतर्राष्ट्रीय आमंत्रित व्याख्यान, (11 अक्तूबर 2024)
- डॉ. गिरीश मुंजाल ने सेंट पीटर्सबर्ग, रूस में वी.वी. मायाकोवस्की के नाम पर सेंट्रल सिटी लाइब्रेरी में आयोजित "हमारे पुस्तकालय: रूसी भाषा में पठन" सम्मेलन में "रूसी संस्कृति और भारतीय युवा" विषय पर एक विशेष आमंत्रित प्रेरणादायक व्याख्यान दिया। यह सम्मेलन सेंट पीटर्सबर्ग, रूस सरकार की संस्कृति समिति और विदेश संबंध समिति द्वारा आयोजित किया गया था। (26 अगस्त , 2024)
- डॉ. गिरीश मुंजाल ने एम. गोर्की इंस्टीट्यूट ऑफ वर्ल्ड लिटरेचर, रूसी विज्ञान अकादमी (आईडब्ल्यूएल आरएएस), मॉस्को, रूस में रूसी भाषा में एक विशेष व्याख्यान दिया, जिसका विषय था "वैदिक ग्रंथ: उनका जप और अनुवाद", (4 सितंबर 2024)।
- डॉ. गिरीश मुंजाल ने रूसी विज्ञान अकादमी (आईडब्ल्यूएल आरएएस), मॉस्को, रूस के एम. गोर्की विश्व साहित्य संस्थान में "भारतीय साहित्य पर सर्गेई ओल्डेनबर्ग" विषय पर रूसी भाषा में एक विशेष व्याख्यान दिया (4 सितंबर 2024)।
- डॉ. मार्गिट कोवेस, हंगेरियन अनुभाग द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय में हंगेरियन अध्ययन के पचपन वर्ष पूरे होने के अवसर पर “बहुभाषावाद, स्थान, इतिहास” का आयोजन किया गया, जिसे हंगरी में विदेश और व्यापार मंत्रालय, कला संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित किया गया, (20-21-05-2024)

- डॉ. श्रद्धा पाल, (संयोजक) मिनिन निज़नी नोवगोरोड स्टेट पेडागोगिकल यूनिवर्सिटी, रूस के सहयोग से स्लावोनिक और फिनो-उग्रियन अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित रूसी भाषा, साहित्य और संस्कृति पर दो सप्ताह का रिफ्रेशर कोर्स, (10-19-09-2024)।
- डॉ. तातियाना सुर्जलेज ने नई दिल्ली में पोलिश इंस्टीट्यूट द्वारा वित्त पोषित छात्रों के लिए लोक शिल्प कार्यशाला का आयोजन किया, (14 मई 2024)
- डॉ. तातियाना सुर्जलेज, पोलिश राष्ट्रीय नृत्य कार्यशाला, आर्टुर प्रिज़िबिल्स्की द्वारा आयोजित, शास्त्रीय पोलिश और भारतीय नृत्यों के नर्तक, नई दिल्ली में पोलिश संस्थान द्वारा वित्त पोषित, (28 -09-2024)।
- 13-12-2024 को पोलिश संसद के प्रतिनिधियों के डीयू दौरे और छात्रों के साथ उनकी चर्चा का आयोजन किया ।

***

उर्दू विभाग

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

- बिहार/राजस्थान/मध्य प्रदेश में राज्य सेवा आयोग में विद्वान चयनित हुए।
- विद्वानों/छात्रों का राज्य सरकार में अनुवादक के रूप में चयन हुआ।

सम्मान/विभूतियां

संकाय

- डॉ. अली अहमद इदरीसी को 10-11-2024 को उर्दू विकास संगठन, मुजफ्फर नगर, यूपी द्वारा मौलाना अबुल कलाम आज़ाद तालीमी-ओ-तदरीसी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- डॉ. अली अहमद इदरीसी को 09-11-2024 को आलमी यौम ए उर्दू मुंतज़िमा कमेटी द्वारा अल्लामा मोहम्मद इकबाल आलमी यौम ए उर्दू पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

- आरा, ए. (2024, दिसंबर)। क्लासिक ग़ज़ल पढ़ने से पहले। *त्रैमासिक उर्दू अदब* , 68-69(270-274), 193-216, अंजुमन तरक़्क़ी उर्दू (हिन्द)। आईएसएसएन 0042-1057.
- आरा, ए. (2024, जनवरी-मार्च)। तरजुमे की मेरी दुनिया. *नया वरक़ (उर्दू त्रैमासिक)* , 25(59), 147-160, मुंबई।
- आरा, ए. (2024, नवंबर)। आपका आज्ञाकारी सेवक (युसेफ शारोनी की एक लघु कहानी का अनुवाद)। *प्रगतिशील वसुधा* , 102, 180-193। इंदौर. आईएसएसएन 2231-0460।

- आरा, ए. (2024, अक्तूबर)। क्लासिकी ग़ज़ल को पढ़ने से पहले... (उर्दू की शास्त्रीय ग़ज़ल पढ़ने के लिए आवश्यक)। *आलोचना* (हिन्दी में एक त्रैमासिक पत्रिका), 137-145। राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। आईएसएसएन 2231-6329.
- आरा, ए. (2024, मार्च-अप्रैल). शीशा-ए-दिल (फ़ेहमीदा रियाज़ के नॉर्वे यात्रा वृतांत का अनुवाद).
- आरा, ए. (2024, दिसंबर)। मीर: एक शाख और उसका एएचडी (राल्फ रसेल द्वारा *थ्री मुगल पोएट्स के एक अध्याय का अनुवाद*)। *त्रैमासिक उर्दू अदब* , 68-69(270-274), 144-177। अंजुमन तरक़्क़ी उर्दू (हिन्द)। आईएसएसएन 0042-1057.
- आरा, ए. (2024, जनवरी-मार्च)। दगड़ू परब का अश्वमेध (जयंत कैकिनी द्वारा कन्नड़ में लघु कहानी)। *नया वरक़ (उर्दू त्रैमासिक)* , 25(59), 48-55। मुंबई।
- आरा, ए. (2024, जनवरी-मार्च)। केदारी की मान (तमिल में कल्कि कृष्णमूर्ति द्वारा लघु कहानी)। *नया वरक़ (उर्दू त्रैमासिक)* , 25(59), 5-64। मुंबई।
- आरा, ए. (2024, जनवरी-मार्च)। मोहदी (पंजाबी में प्रेम प्रकाश की लघु कहानी)। *नया वरक़ (उर्दू त्रैमासिक)*, 25(59), 65-78। मुंबई।
- आरा, ए. (2024, अक्तूबर)। आज़ादी की जंग (मखदूम मोहिउद्दीन की कविता *जंग-ए-आज़ादी का अंग्रेज़ी अनुवाद)। रिवोल्यूशनरी डेमोक्रेसी*, 1(2), 94. नई दिल्ली।
- आरा, ए. (2024, अक्तूबर)। तेलंगाना (कैफ़ी आज़मी की कविता)। *क्रांतिकारी लोकतंत्र*, 1(2), 95-96। नई दिल्ली।
- इदरीसी, एए (2024)। जंग ए सकारिया और नज़्म तुलुए ए इस्लाम। *पेश्राफ़्ट*। यूजीसी केयर।
- इदरीसी, एए (2024)। महाराजा सर किशन प्रसाद की नातिया शायरी। *अजकल*.यूजीसी केयर।
- इदरीसी, एए (2024)। इक़बाल और राधाकृष्णन पर *तारीख ए अदब ए उर्दू*.यूजीसी केयर।
- इदरीसी, एए (2024)। दुनिया ए इल्म ओ अदब पर इक़बाल के असरात पर।*पेश्राफ़्ट*। यूजीसी केयर.
- इदरीसी, एए (2025)। इक़बाल की मन्वियत पर. *पेश्राफ़्ट*। यूजीसी केयर.
- काज़िम, एम. (2025)। उर्दू में मक़बूल आम अदब और इब्ने सफ़ी की फ़िक्र-ओ-फ़न्नी इंफ़रादियत। *तारीख-ए-अदब-ए-उर्दू*, 7(1), 12-23, आईएसएसएन: 2582-1229 / ई-आईएसएसएन: 2582-9157।
- खान, आईए (2024)। असर-ए-हाज़िर में "पंचव तंत्र" की मन्वियत। *ऐवान-ए-उर्दू* , अक्तूबर-नवंबर, 22-24। आईएसएसएन 2321-2888।
- उमैर, एस. (2024). नेसाई ग़ज़ल का सफ़र: एक तनक़ीदी जाइज़ा. *आजकल* , 83(1), 44-48. प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार. आईएसएसएन 0971-846X.
- उमैर, एस. (2025)। वक्त की नोक से तपाक्ता लम्हा: बानी. *उर्दू दुनिया* , 27(2), 51-53. एनसीपीयूएल (एम.ए.चआरडी), भारत सरकार, नई दिल्ली। आईएसएसएन 2249-0639।

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय/संपादित पुस्तकें

- अब्बाद, एबी (2024)। *उर्दू शायरी की तनक़ीद* (पहला संस्करण)। मरकज़ी प्रकाशन।

- अब्बाद, एबी (2024)। असरे हाज़िर में साइंस, सियासत और फिक्शन: इमरूज़. *इमरूज़*, *32* (4), 44.
- अब्बाद, एबी (2024)। मौज़ूदा अहद में क़लम करो की ज़िम्मेदारियाँ। *साग़र-ए-अदब*, *6* (20), 29.
- अब्बाद, एबी (2024)। सर सैय्यद और अल्लामा इक़बाल की फ़िक्र रवाबीत। *फ़िक्रो नज़र*, *(10)*, 119.
- अब्बाद, एबी (2024)। हाली की सावनेर निगारी. *शम्मे हयात*, *2047* (10), 57.
- अब्बाद, एबी (2024)। हिंदुस्तानी फ़िक्रो तमद्दुन का पहला तर्जुमन शायर मुहम्मद क़ुली कुतुब शाह। *अयवान-ए-उर्दू दिल्ली*, *38* (28), 137.
- अब्बाद, एबी (2024)। जिस्मानी तहज़ीब और जिन्सी तलज्जुज़ का शायर: मीर तकी मीर। *उर्दू जर्नल*, *15* (26), 369.
- काज़िम, एम. (2024)। मीर की ग़ज़ल मियां इश्क़ का तसव्वुर और शायर की अख़लाक़ियात-ओ-नफ़्सियात। एम.ए. जौहर और एस. साजिद (सं.), *तीन सौ साला जश्न-ए-मीर* (मजमुआ-ए-मकालात) (पीपी.177-183) में। उर्दू विभाग, अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय। आईएसबीएन 9788196957315।
- खान, आईए (2025)। अल्लामा शिबली की जिंदगी के जीरो बाम. एस जमालुदीन (सं.) में, *अल्लामा शिबली नुमानी: वाहिद-ए-अस्र* (पीपी. 386-396)। काजी प्रकाशक. आईएसबीएन 978-93-84-973-62-9.

संगोष्ठी/व्याख्यान/कार्यशालाएँ

आमंत्रित व्याख्यान

- प्रो. अर्जुमंद आरा ने बिलकिस ज़फीरुल हसन के काव्य संग्रह हेम्ड बाय फायर पर एक विशेष व्याख्यान दिया, नई दिल्ली, 05-07-2024, https://youtu.be/EYi-4l0fwkA?feature=shared
- डॉ. इरशाद अहमद खान की तकबली अदब के असासी तसौवरत (राष्ट्रीय) 8-10-11-2024 तक अनुसंधान, आलोचना और समकालीन उर्दू साहित्य के रचनात्मक पैनोरमा पर एनसीपीयूएल।
- 20-11-2024 को जेएनयूएसयू कार्यालय, जेएनयू, नई दिल्ली में एआईएसएफ द्वारा आयोजित *आज के दौर में फ़ैज़* नामक एक विशेष वार्ता दी ।
- 25-02-2025 को जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली के उर्दू विभाग में *साहित्यिक पाठ और अनुवाद की प्रक्रिया* शीर्षक से एक विस्तार व्याख्यान दिया।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी.डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी. :20

संकाय संख्या

प्रोफेसर	: 05
एसोसिएट प्रोफेसर	: 02
सहायक प्रोफेसर	: 04
अतिथि	: 5)
कुल	**:** 16

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- प्रोफेसर अर्जुमंद आरा के *ज़िक्र-ए फ़ैज़ ने* उपमहाद्वीप के सबसे प्रसिद्ध कवियों में से एक फ़ैज़ अहमद फ़ैज़ की 114वीं जयंती के उपलक्ष्य में एचएसएस रिसर्च स्कॉलर्स ग्रुप आईआईटी दिल्ली द्वारा आयोजित एक पैनल चर्चा में भाग लिया, 20-02-2025।

***

आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सा संकाय

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), नई दिल्ली ने 2024 में अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल कीं, जिससे आयुर्वेदिक शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार में इसकी अग्रणी भूमिका और मज़बूत हुई। शल्य तंत्र विभाग ने सुश्रुत जयंती के अवसर पर 13-15 जुलाई तक द्वितीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया, जिसमें शल्य तंत्र में हुई प्रगति पर चर्चा करने के लिए अनेक विशेषज्ञ एकत्रित हुए।

9 अक्टूबर को, माननीय अध्यक्ष श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने एआईआईए के 8वें स्थापना दिवस पर आयुष औषधि फार्मेसी कार्यक्रम और शाश्वत आयुष एक्सपो का शुभारंभ किया। उन्होंने एकीकृत स्वास्थ्य सेवा और आयुर्वेद के मनुष्यों, पशुओं और पर्यावरण पर समग्र प्रभाव पर बल प्रदान किया।

इसके अलावा, एआईआईए ने 17-19 अक्टूबर तक अपना पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आरोह-2024, आयोजित किया, जिसमें आयुर्वेद और स्वास्थ्य में नवाचारों को प्रदर्शित किया गया। माननीय मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने कार्यक्रम के दौरान माननीय मुख्य न्यायाधीश डॉ. न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ को सम्मानित किया।

9वें आयुर्वेद दिवस पर, नोडल संस्थान के रूप में नामित एआईआईए ने भारत के माननीय प्रधान मंत्री की मेजबानी की, जिन्होंने परिसर के दूसरे चरण और 12,850 करोड़ रु॰ से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इनमें एक पंचकर्म अस्पताल, आयुर्वेदिक फार्मेसी, खेल चिकित्सा इकाई, केंद्रीय पुस्तकालय, आईटी और स्टार्ट-अप इनक्यूबेशन केंद्र और 500 सीटों वाला एक सभागार शामिल था। सामूहिक रूप से, ये पहलकदम नवाचार, शिक्षा और एकीकृत स्वास्थ्य सेवा के माध्यम से आयुर्वेद के वैश्वीकरण में एआईआईए की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाते हैं।

सम्मान/विभूतियां

संकाय

- डॉ. महेश व्यास ने सह-लेखक के रूप में आयुर्वेदिक चिकित्सा के इतिहास में एक लेख प्रकाशित किया है जिसका शीर्षक है "प्राणवेग स्रोतों पर कुल फेफड़े की क्षमता विश्लेषण का उपयोग करके तुलसी का ब्रोन्को-सुरक्षात्मक प्रभाव - केस सीरीज़"
- प्रो. (डॉ.) योगेश बडवे को 21 से 22 मई, 2024 को महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (एमयूएचएस), नासिक में आंतरिक परीक्षक (पीएचडी ओपन वाइवा वोस और डिफेंस ऑफ थीसिस की रक्षा) के रूप में आमंत्रित किया गया था।

छात्र

- डॉ. विनोद कुमार, पीएच॰डी॰--(2022) के छात्र ने विश्व आयुर्वेद कांग्रेस और आरोग्य एक्सपो (डब्ल्यूएसी), देहरादून, उत्तराखंड, 12-15 दिसंबर में मौखिक पेपर प्रस्तुति और सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति पुरस्कार जीता।
- डॉ. सुमैया अकरम, पीजी--(2023) की छात्रा ने डॉ. डी वाई पाटिल आयुर्वेद कॉलेज और अनुसंधान केंद्र, पिंपरी, पुणे में 01-02 फरवरी, 2025 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय आयुर्वेद कांग्रेस में सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति पुरस्कार जीता।
- डॉ. नंद कुलकर्णी, पीजी--(2023) के छात्र ने देहरादून, उत्तराखंड में 12-15 दिसंबर में आयोजित विश्व आयुर्वेद कांग्रेस और आरोग्य एक्सपो (डब्ल्यूएसी) में मौखिक पेपर प्रस्तुति और सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति पुरस्कार जीता।
- डॉ॰ अंशु शर्मा, पीएच॰डी॰ आयुर्वेद के छात्र-(तृतीय वर्ष) ने कविता पाठ प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार, नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार, 21 जून, 2024।
- डॉ. शीतल श्रीवास्तव, एमडी--(आरएनवीवी) की छात्रा ने आरोह, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, एआईआईए, नई दिल्ली में पोस्टर प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार जीता, 19 अक्टूबर, 2024॰
- डॉ. दीपिका यादव, पीजी--आरएनवीवी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा ने ग्रीष्म 2024में नृत्य के लिए प्रथम पुरस्कार जीता, 06 जून, 2024॰
- डॉ. यशिका बंसल, पीजी--आरएनवीवी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा ने ग्रीष्म 2024में नृत्य के लिए प्रथम पुरस्कार जीता, 06 जून, 2024॰

- डॉ. शिबना एम.वी, पीएचडी--(2023) की छात्रा ने एआईआईए द्वारा आयोजित ग्रीष्म 2024 में नृत्य समूह प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता, 19 जून, 2024।
- डॉ. अनूप कुमार, पीजी--(द्वितीय वर्ष) के छात्र ने एआईआईए द्वारा आयोजित ग्रीष्म 2024 में योग आसन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता, 19 जून, 2024।
- डॉ. आयुष भारद्वाज, पीजी--(द्वितीय वर्ष) के छात्र ने एआईआईए द्वारा आयोजित ग्रीष्म 2024 में शतरंज में तृतीय पुरस्कार जीता, 19 जून, 2024।
- डॉ. अदीबा मलिक, पीजी--(द्वितीय वर्ष) की छात्रा ने एआईआईए द्वारा आयोजित ग्रीशम 2024 में कैरम में दूसरा पुरस्कार जीता, 19 जून, 2024।
- डॉ. हर्षिता बोनाल, पीजी--(द्वितीय वर्ष) की छात्रा ने एआईआईए द्वारा आयोजित ग्रीष्म 2024 में कैरम में प्रथम पुरस्कार जीता, 19 जून, 2024।
- डॉ. काजल सिंह, पीजी--(प्रथम वर्ष) की छात्रा, ने एआईआईए द्वारा आयोजित आयुर्मंथन में वाद-विवाद में भागीदारी पुरस्कार जीता, 02 सितंबर, 2024।
- डॉ. आकांक्षा हीर, पीजी--(III) की छात्रा, को में समग्र आयुर्वेद के लिए अनुसंधान और वैश्विक अवसरों में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'अनवीलिंग द सिनर्जी: हार्नेसिंग एआई एंड मशीन लर्निंग टू ट्रांसफिगर ट्रेडिशनल मेडिसिन' शीर्षक से सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार से सम्मानित किया गया, एआईआईए, 19 अक्टूबर, 2024।
- डॉ. ज्योति ढांडा, पीजी--(III) की छात्रा को एआईआईए द्वारा आयोजित समग्र आयुर्वेद के लिए अनुसंधान और वैश्विक अवसरों में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पेपर अवार्ड से सम्मानित किया गया, 19 अक्टूबर, 2024।
- डॉ. शिबना एम.वी., पीएचडी की छात्रा, समग्र आयुर्वेद के लिए अनुसंधान और वैश्विक अवसरों में प्रगति पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार से सम्मानित किया गया, एआईआईए, 19 अक्टूबर, 2024.
- डॉ. अदीबा मलिक, डॉ. पूजा, डॉ. आकांक्षा, डॉ. ज्योति और डॉ. राहुल, एमडी आयुर्वेद की छात्राएं डब्ल्यूएसी में स्वयंसेवक थीं, 14-15 दिसंबर, 2024।
- डॉ. शिबना एम.वी., पीएच॰डी॰ की छात्रा ने इंटीग्रेटिव ऑन्कोलॉजी केंद्र में आयोजित कैंसर जागरूकता सप्ताह 24 में रेसिपी प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार जीता, एआईआईए, फरवरी 2025।
- डॉ. ऐश्वर्या जोगलेकर, पीएच॰डी॰ आयुर्वेद की छात्रा ने पानक प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली, 18 मार्च, 2023।
- डॉ. ऐश्वर्या जोगलेकर, आयुर्वेद में पीएच॰डी॰ की छात्रा ने सर्वश्रेष्ठ थीसिस प्रतियोगिता में पुरस्कार जीता, एआईएमआईएल फार्मास्युटिकल्स, अक्टूबर 2024।

- डॉ. ऐश्वर्या जोगलेकर, आयुर्वेद में पीएच॰डी॰ (द्वितीय वर्ष) की छात्रा ने स्मृति-मेमोरी असेसमेंट एंड वेयरनेस प्रोग्राम में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता, क्रिया शरीर विभाग एआईआईए, 22 नवंबर, 2024॰
- डॉ. अनीता चौधरी, पीएच॰डी॰--आयुर्वेद (तृतीय वर्ष) की छात्रा ने राष्ट्रीय ई स्लोगन प्रतियोगिता - आईडीवाई 2024 में सांत्वना पुरस्कार जीता, 15 सितंबर, 2024.
- डॉ अभिषेक मिश्रा, एमडी--आयुर्वेद (द्वितीय वर्ष) के छात्र ने स्मृति-मेमोरी असेसमेंट एंड वेयरनेस प्रोग्राम में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार जीता, क्रिया शरीर विभाग, एआईआईए, नई दिल्ली, 22 नवंबर, 2024॰
- डॉ. कोमल शर्मा, एमडी (आयुर्वेद) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा ने योग प्रतियोगिता कार्यक्रम में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार जीता, स्वस्थवृत्त और योग विभाग, एआईआईए, नई दिल्ली, 10 जून, 2024॰
- डॉ. पल्लवी वानखेड़े, एमडी--आयुर्वेद (द्वितीय वर्ष) की छात्रा ने योग प्रतियोगिता कार्यक्रम में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार जीता, स्वास्थ्यवृत्त और योग विभाग, एआईआईए, नई दिल्ली, 10 जून, 2024॰
- डॉ. विनय कांबले, एमडी--आयुर्वेद (प्रथम वर्ष) की छात्रा ने योग प्रतियोगिता कार्यक्रम में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार जीता, स्वास्थ्यवृत्त और योग विभाग, एआईआईए, नई दिल्ली, 10 जून, 2024॰
- डॉ. पारुल गुप्ता, एमडी--आयुर्वेद (तृतीय वर्ष) की छात्रा ने स्मृति-मेमोरी असेसमेंट एंड वेयरनेस प्रोग्राम में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता, क्रिया शरीर विभाग, एआईआईए, 22 नवंबर, 2024॰
- डॉ. पल्लवी वानखेड़े, एमडी--आयुर्वेद (द्वितीय वर्ष) की छात्रा ने स्मृति-मेमोरी असेसमेंट एंड वेयरनेस प्रोग्राम में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार जीता, क्रिया शरीर विभाग, एआईआईए, 22 नवंबर, 2024॰
- डॉ. विनय कांबले, एमडी--आयुर्वेद (प्रथम वर्ष) की छात्रा ने स्मृति-मेमोरी असेसमेंट एंड वेयरनेस प्रोग्राम में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता, क्रिया शरीर विभाग, एआईआईए, 22 नवंबर, 2024॰

प्रकाशन

- ओहोल, एस. वी. (2024), आयुर्वेद अपडेट 2022 पर राष्ट्रीय संगोष्ठी - 9वीं विश्व कांग्रेस और एक्सपो का सेटेलाइट संगोष्ठी, *एनल्स ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन*, *13*(3), 235-239.https://www.bibliomed.org/mnsfulltext/70/70-1713781978.pdf?1748841219
- उइके, एस. (2024). कोविड-19 रोगियों के उपचार, प्रबंधन और बेहतर नैदानिक परिणामों में पारंपरिक भारतीय आयुर्वेदिक चिकित्सा की आशाजनक भूमिका: एक पूर्वव्यापी अध्ययन, 45. https://www.sciencedirect.com/science/article/abs/pii/S2210803324000253

- उइके, एस., महाराणा, एल. (2025), *भारतीय चिकित्सा पद्धति के लिए राष्ट्रीय आयोग की संस्कार पहल का स्नातकोत्तर स्कॉलरों पर प्रभाव: एआईआईए, दिल्ली में अनुभव*, (पृष्ठ 67-69), *6*(1). https://journals.lww.com/ijar/fulltext/2025/01000/effect_of_samskara_initiative_of_national.12.aspx
- राय, एस., नेसारी, टी., रथ, जी., मोरे, ए., और त्रिपाठी, आर. (2024), *कोविड-19 युग में सूर्य के प्रकाश का पुनरुत्थान: आयुर्वेद और पारंपरिक विज्ञान परिप्रेक्ष्य के माध्यम से स्वास्थ्य-जोखिम द्वंद्वों की समीक्षा। कोरोनावायरस, 5*(1). https://doi.org/10.2174/0126667975322692240927073026
- महाजन, बी., नाथ, आर., गौतम, एम. के., मंडल, एस., बोरा, एम., और गंगवार, एम. (2024), आयुर्वेद औषधियाँ और सुरक्षा संबंधी आशंकाएँ: एक समीक्षा। *आयुर्फार्माकोएपिडेमियोलॉजी को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता, 5.* https://doi.org/10.2174/0122150838299739240821165924
- सैनी, एच., गुप्ता, पी.के., महापात्रा, ए.के. (2024), स्तन कैंसर को लक्षित करने में हर्बल फाइटोकॉन्स्टिट्यूएंट्स के बहु-स्तरीय तंत्र को समझना: एक कम्प्यूटेशनल औषधीय परिप्रेक्ष्य। *साइंस रिपोर्ट 14*, 23795. https://doi.org/10.1038/s41598-024-75059-z
- सैनी एच, त्रिपाठी आर. (2024), अयूर जीनोमिक्स और अयूर प्रोटिओमिक्स का वर्तमान युग. *आयुष जर्नल ऑफ इंटीग्रेटिव ऑन्कोलॉजी. 1(*1&2), 10-2. https://doi.org/10.4103/ajio.ajio_3_24
- सैनी, एच., बसु, पी., नेसारी, टी., हुद्दार, वी. जी., रे, के., श्रीवास्तव, ए., गुप्ता, एस., मेहरोत्रा, आर. और त्रिपाठी, आर. (2024), स्तन कैंसर के उपचार में पादप-व्युत्पन्न जैवसक्रिय यौगिकों की चिकित्सीय और औषधीय प्रभावकारिता। *अमेरिकन जर्नल ऑफ ट्रांसलेशनल रिसर्च*, *16*(5), 1499-1520. https://doi.org/10.62347/NUZN4999
- नेसारी, टी., राजगोपाला, एस.के., कपूर, ए., कदम, एस., व्यास, एम., हुद्दार, वी.जी., प्रजापति, पी.के., राजगोपाला, एम., मोरे, ए., भट्टेड़, एस.के., यादव, आर.के., महंत, वी., महतो, आर.आर., कजारिया, डी., शेरखाने, आर., उइके, एस., बावलत्ती, एन., कुंडल, पी., धर्मराजन, पी., भोजानी, एम., भिड़े, बी., हरती, एस.के., रुकनुद्दीन, जी., राय, एस., घिल्डियाल, एस., यादव, पी.आर., देवगड़े, एम., कुमार, ए., सैनी, एच., और त्रिपाठी आर। कोविड-19 रोगियों के उपचार, प्रबंधन और बेहतर नैदानिक परिणामों में पारंपरिक भारतीय आयुर्वेदिक चिकित्सा की आशाजनक भूमिका: एक पूर्वव्यापी अध्ययन, 2023, *जर्नल ऑफ हर्बल मेडिसिन. 45*, जून 2024,100868.https://doi.org/10.1016/j.jaim.2024.100025
- गुप्ता, एन., मोरे, ए., और राय, एस. (2024)। प्रमेह पूर्वरूपा (प्रीडायबिटीज) के प्रबंधन में शुंथि धान्यका साधिता जल और जीवनशैली में संशोधन का प्रभाव: एक अवलोकन। *जर्नल ऑफ़ आयुर्वेद केस रिपोर्ट्स,, 7*(2), 79–83. 7(2), 79-83। https://doi.org/10.4103/jacr.jacr_169_23

- शर्मा, पी., मोरे, ए. बी., गालिब, आर., राय, एस., और उपाध्याय, ए. (*2024),* भूनिम्बादि चूर्ण का औषधीय गुण और विश्लेषणात्मक प्रोफ़ाइल: एक बहु-हर्बल सूत्रीकरण। *इंडियन जर्नल ऑफ आयुर्वेद एंड इंटीग्रेटिव मेडिसिन, 5*, 25–30. https://doi.org/10.4103/ijaim.ijaim_38_23
- नेसारी, टी. एम., कुरुविल्ला, एस., मैकडॉगल, एल., और पुजारी, एस., और अन्य (*2024),* वैश्विक स्वास्थ्य और पारंपरिक चिकित्सा के विकास के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई): कार्यवाही रिपोर्ट। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेदा रिसर्च, 5(*4), 320–323. https://doi.org/10.4103/ijar.ijar_296_24
- Nayak, A. R., Pal, J., & Samal, J. (2024). Ayurvedic Management of Mutrakrichra W.S.R. to UTI. *EPRA International Journal of Research & Development (IJRD),* ● नायक, ए.आर., पाल, जे., और सामल, जे. (*2024)*। मूत्रकृच्छरा का आयुर्वेदिक प्रबंधन डब्ल्यू.एस.आर. *se*यूटीआई को. *ईपीआरए इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आईजेआरडी), 9*(9), 1–5. https://doi.org/10.36713/epra2016
- सिंह, वी., हरती, एस., राय, एस., और अग्रवाल, वी. (*2024),* त्वचाविज्ञान संबंधी फ़ोटोग्राफ़ी - दिशानिर्देश। *जर्नल ऑफ आयुर्वेदा,18*(3), 189–193. https://doi.org/10.4103/joa.joa_343_21
- मिश्रा, पी., मोरे, ए., राय, एस., और गायकवाड़, पी. (*2024),* यकृत प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा कर रहे क्रोनिक हेपेटिक पैरेन्काइमल रोग के रोगी में जटिलताओं के विकास को रोकने में आयुर्वेद प्रबंधन प्रभावी है: एक केस रिपोर्ट। *जर्नल ऑफ इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन, 12*(2), 89–92. https://doi.org/10.4103/jism.jism_77_23
- गुप्ता, दिव्या, और हरती, एस. एस. (*2024),* काले सोयाबीन (काला भट्ट) और बाजरा से रेडी-टू-ईट न्यूट्री बार का विकास: उत्तराखंड के पारंपरिक खाद्य पदार्थों की खोज। *जर्नल ऑफ ड्रग रिसर्च इन आयुर्वेदिक साइंसेज, 9*(Suppl 1), S126–S132. https://doi.org/10.4103/jdras.jdras_288_24
- अंजना, हरती, और एस. एस. (*2025),* डिजिटल युग में मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा के लिए संवेदी अधिभार से निपटना। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद रिसर्च, 6(*1), 72–74. https://doi.org/10.4103/ijar.ijar_317_24

- कुलकर्णी, एम. (2024*), पथ्य विमर्श: उपचार हेतु आहार संबंधी ज्ञान (प्रथम संस्करण)*। अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान। आईएसबीएन: 978-81-974932-3-2
- मिश्रा, ए. के., ढांडा जे. (2024), *पीसीओडी के लिए योग: हार्मोनल संतुलन और स्वास्थ्य के लिए समग्र दृष्टिकोण (प्रथम संस्करण)।* अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान। आईएसबीएन: 978-81-974932-9-4.
- मिश्रा, ए. के., सिंह, पी. (2024), *मोटापे से जीवन शक्ति तक योग की यात्रा (प्रथम संस्करण)।* अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान। आईएसबीएन: 978-8-974932-0-1.
- मिश्रा, आशीष कुमार (2024), बच्चों के लिए माइंडफुलनेस और मूवमेंट गाइड (प्रथम संस्करण)। अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान। आईएसबीएन: 978-81-974932-4-9.

- मिश्रा, ए. के., हीर, ए. (2024), *माइंडफुल मदरहुड: नरिशिंग योर बॉडी एंड सोल (प्रथम संस्करण)।* अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान. आईएसबीएन: 978-81-974932-6-3.
- मिश्रा, ए. के., चौहान, आर. (2024), *स्वस्थ जीवन और नारीत्व के लिए योग (प्रथम संस्करण).* अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान. आईएसबीएन: 978-81-974932-7-0.
- शर्मा, आर. आर. (*2024),* आयुष कार्यक्षेत्र: भारत सरकार के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के अंतर्गत व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा में अग्रणी। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद रिसर्च,5*(4), 251–257. https://doi.org/10.4103/ijar.ijar_245_24
- शर्मा, आर. (*2025),* राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग की संस्कार पहल का स्नातकोत्तर छात्रों पर प्रभाव: अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, दिल्ली में एक अनुभव। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद रिसर्च , 6*(1), 67–69. https://doi.org/10.4103/ijar.ijar_24_25
- कुमार, ए., शिबना, एम. वी., कुलकर्णी, एम., और हरती, एस. एस. (2024), टाइप 2 डायबिटीज़ में आहार द्रव्य (खाद्य पदार्थ) के विशेष संदर्भ में न्यूट्रास्युटिकल्स की प्रभावकारिता और सुरक्षा पर व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण के लिए एक प्रोटोकॉल। *जर्नल ऑफ ड्रग रिसर्च इन आयुर्वेदिक साइंसेज*, 9 (सप्ल॰ 1), एस 133–एस 137. https://doi.org/10.4103/jdras.jdras_243_24
- व्यास, एम., कुमार, के., बघेल, ए.एस., और पी.ए. (*2024),* आयुर्वेद में पाठ्य-आलोचना पर एक समीक्षा। आईएएमजे, *12*(3). https://doi.org/10.46607/iamj1612032024
- व्यास, एम., कुमार, के., बघेल, ए.एस., और पी.ए. (*2024),* रास्नादि चूर्ण का शिरा (सिर के मध्य भाग) पर दैनिक प्रयोग। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एंड फार्मा रिसर्च, 12*(2). https://doi.org/10.47070/ijapr.v12i2.3035
- बुरोलिया, आर. के., और व्यास, एम. (2024), प्राणवेह स्रोतों पर फेफड़े की कुल क्षमता विश्लेषण का उपयोग करके तुलसी का ब्रोन्कोप्रोटेक्टिव प्रभाव - ए केस सीरीज़। एनल्स ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन,*13(*2). https://doi.org/10.5455/AAM.92550
- व्यास, एम., प्रजापति, पी. के., नेसारी, टी., और अन्य (2024), कोविड-19 रोगियों के उपचार, प्रबंधन और बेहतर नैदानिक परिणामों में पारंपरिक चिकित्सा, आयुर्वेदिक चिकित्सा की आशाजनक भूमिका: एक पूर्वव्यापी अध्ययन। *जर्नल ऑफ हर्बल मेडिसिन्स*, *45,* 100868.https://doi.org/10.1016/j.hermed.2024.100868
- व्यास, एम. (*2024),* अतिथि संपादकीय। *जर्नल ऑफ विश्व आयुर्वेद परिषद।* https://www.vishwaayurveda.org/committee
- ठाकुर, आर., शर्मा, एन. (2025), *प्रकृति के मनोवैज्ञानिक आयाम: आधुनिक मनो-शारीरिक विज्ञान के साथ तुलनात्मक विश्लेषण।* डीप साइंस पब्लिशिंग, डीप साइंस ओपन एक्सेस बुक, https://doi.org/10.70593/978-93-49307-81-0_4
- शर्मा, एन., ठाकुर, आर. (2025), *प्रकृति: एकीकृत चिकित्सा के लिए एक बहु-विषयक दृष्टिकोण।* डीप साइंस पब्लिशिंग, डीप साइंस ओपन एक्सेस बुक।

https://doi.org/10.70593/978-93-49307-81-0_1

- ठाकुर, आर. (2025), राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग की संस्कार पहल का स्नातकोत्तर विद्वानों पर प्रभाव: अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, दिल्ली में एक अनुभव। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद रिसर्च,* *6*(1), 67-69. https://doi.org/10.4103/ijar.ijar_24_25
- ठाकुर, आर. (2024), पोषण परिवर्तन: स्तनपान के रुझान, निहितार्थ और प्रगति पथों का खुलासा। *जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुर्वेदिक साइंसेज*, *8*(6), 276-285. https://doi.org/10.4103/jras.jras_236_23.
- जोगलेकर, ए. ए., व्यास, एम. के. (2024), वर्तमान परिदृश्य में कैंसर के प्रबंधन में आयुर्वेदिक स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र: एक व्यापक समीक्षा। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद रिसर्च*, *5*(3), 163-171. https://doi.org/10.4103/ijar.ijar_138_23
- मिश्रा, ए., कुमार, के., व्यास एम. के., शर्मा, एन., और हलदर, एस. (2025), भारत में वृद्धावस्था स्वास्थ्य सेवाओं के लिए पी5 दृष्टिकोण के कार्यान्वयन की खोज: आयुर्वेदिक दृष्टिकोण से एक व्यापक विश्लेषण। *एनल्स ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन*, *14* (2), 139-151. http://dx.doi.org/10.5455/AAM.233388
- कुमार, के., व्यास, एम., शर्मा, एन. जैन, एस., तिवारी, आर., और सिंह, वी. (2024), सतत विकास के दायरे में लोकपुरुष साम्य सिद्धांत का एक व्यापक मूल्यांकन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद रिसर्च* (पृष्ठ 17-22), https://doi.org/10.4103/ijar.ijar_104_23
- कुमार, के., व्यास, एम., शर्मा, एन., और तिवारी, आर., (2024), शतावरी घृत की बिंदु मात्रा का परिमाणीकरण: एक प्रायोगिक अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद रिसर्च*,*5*(4). https://doi.org/10.4103/ijar.ijar_166_24
- जोगलेकर, ए.ए., दुबे, बी., भोजानी, एम.के., मेहेरे, एन. (2025), अध्ययन के संबंध में राय: उच्च जोखिम वाले टाइप-II मधुमेह, कोविड-19 रोगियों में व्यक्तिगत अतिरिक्त आयुर्वेद उपचार का एक संभावित, नियंत्रित, प्रायोगिक अध्ययन। *एडवांसेस इन इंटेग्रेटिव मेडिसिन*, *4*(1). https://doi.org/10.1016/j.aimed.2025.01.004
- जोगलेकर, ए. ए., व्यास, एम. के. (2024), वर्तमान परिदृश्य में कैंसर के प्रबंधन में आयुर्वेदिक स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र: एक विस्तृत समीक्षा। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद रिसर्च*, *5*(3), 163-171. https://doi.org/10.4103/ijar.ijar_138_23
- मिश्रा, ए., कुमार, के., व्यास एम. के., शर्मा, एन., और हलदर, एस., (2025), भारत में वृद्धावस्था स्वास्थ्य सेवाओं के लिए पी5 दृष्टिकोण के कार्यान्वयन की खोज: आयुर्वेदिक दृष्टिकोण से एक व्यापक विश्लेषण। *एनल्स ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन*, *14* (2), 139-151. http://dx.doi.org/10.5455/AAM.233388

- कुमार, के., व्यास, एम., शर्मा, एन., और तिवारी, आर. (2024), शतावरी घृत की बिंदु मात्रा का परिमाणीकरण: एक प्रायोगिक अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद रिसर्च*, *5*(4). https://doi.org/10.4103/ijar.ijar_166_24

अनुसंधान परियोजनाएं

- प्रो. (डॉ.) आनंद बी. मोरे, डॉ. प्रतीक शर्मा और डॉ. शालिनी राय, रोग निदान एवं विकृति विज्ञान विभाग को "संधिगत वात के रोगियों में अमा स्थिति के आकलन और उन्नत ग्लाइकेशन अंत्य उत्पादों एवं लिपिड पेरोक्सीडेशन के साथ इसके सहसंबंध पर अध्ययन" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई, सह-पीआई और शोधार्थी के रूप में 4.3 लाख रु॰ की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान एआईआईए, नई दिल्ली द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि 2 वर्ष है।
- प्रो. (डॉ.) आनंद बी. मोरे, डॉ. ऋचा त्रिपाठी, डॉ. रूपश्री नाथ (पीआई), डॉ. संदीप सिंह, डॉ. शालिनी राय, तिवारी (सह-पीआई), रोग निदान एवं विकृति विज्ञान विभाग को "स्व-प्रतिरक्षित रोगों (प्लाक सोरायसिस, विटिलिगो और रुमेटीइड गठिया) में विरुद्ध आहार का आकलन और बायोमार्कर (एजीई और एचएससीआरपी) के साथ इसका संबंध - केस कंट्रोल स्टडी" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई और सह-पीआई के रूप में ₹5 लाख रु॰ की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान एआईआईए, नई दिल्ली द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि 1.5 वर्ष है।
- डॉ. अरुण महापात्रा (सह-पीआई), डॉ. रूपश्री नाथ (पीआई), डॉ. शिवकुमार एस. हरती, डॉ. शालिनी राय, प्रो. (डॉ.) तनुजा नेसारी (सह-पीआई), रोग निदान एवं विकृति विज्ञान विभाग को पीआई एवं सह-पीआई के रूप में 'नाड़ी नाड़ी यंत्र (पल्स असेसमेंट इक्विपमेंट) का सत्यापन' नामक शोध परियोजना के लिए 10 लाख रु॰ की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान एसआईआईसी आईआईटीके, आईआईटी कानपुर द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि 2 वर्ष है।
- डॉ. शालिनी राय (पीआई), प्रो. (डॉ.) आनंद बी. मोरे, डॉ. सरिता कुमारी, डॉ. ऋचा त्रिपाठी (सह-पीआई), रोग निदान एवं विकृति विज्ञान विभाग की को 'एआईआईए के विद्वानों और कर्मचारियों में सार्स कोविड-2 के विरुद्ध सीरम आईजीजी एंटीबॉडी की व्यापकता का अध्ययन' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई और सह-पीआई के रूप में 2.5 लाख रु॰ की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान एआईआईए, नई दिल्ली द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि 2 वर्ष है।
- डॉ. शालिनी राय, रोग निदान एवं विकृति विज्ञान विभाग को, 'आयुर्वेदिक शास्त्रीय चिकित्सा पद्धतियों की चुनिंदा जड़ी-बूटियों और हर्बोमिनरल तैयारियों की रोगाणुरोधी क्षमता: एक इन-विट्रो अध्ययन (परियोजना प्रस्ताव 2019-2020)' नामक शोध परियोजना के लिए 10 लाख रु॰ की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान एआईआईए, नई दिल्ली द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि 2 वर्ष है।
- डॉ. शिवकुमार हरती, स्वस्थ्य वित्त एवं योग विभाग को 'रात्रि पाली में काम करने वाले कर्मचारियों में एंटी इन्फ्लेमेटरी साइटोकाइन आईएल-10 पर आयुर्वेद मॉड्यूल के अतिरिक्त प्रभाव का मूल्यांकन करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण' नामक शोध परियोजना के लिए

प्रधान अन्वेषक (पीआई) के रूप में 9,10,200 रु॰ की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आयुष मंत्रालय द्वारा प्रदान किया गया है और 2023 से 2026 तक की अवधि के लिए है।

- डॉ. कमल कुमार और प्रो. डॉ. महेश व्यास, संहिता सिद्धांत विभाग को अन्वेषक के रूप में 'शैक्षणिक उद्देश्य हेतु ई-चरक मॉड्यूल सूत्रस्थान के 30 अध्यायों का विकास' नामक शोध परियोजना के लिए 12,00,000 रु॰ की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान एआईआईए, नई दिल्ली द्वारा आईएमआर के अंतर्गत प्रदान किया गया है और यह 2024 से 2025 तक की अवधि के लिए है।
- डॉ. रिंकी ठाकुर को आयुष-आईसीएमआर सहयोग परियोजना, "प्रजनन आयु वर्ग की गैर-गर्भवती महिलाओं में मध्यम आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया के उपचार में आयरन फोलिक एसिड की तुलना में पुनर्नवादि मंडूरा और द्राक्षावलेह के संयोजन की प्रभावकारिता और सुरक्षा: एक समुदाय-आधारित त्रि-भुजा बहुकेंद्र यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण" के समन्वयक के रूप में 7,80,46,648.90 रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आयुष मंत्रालय के अंतर्गत सीसीआरएएस द्वारा अक्टूबर 2023 से 3 वर्षों की अवधि के लिए प्रदान किया गया है।

आयोजित संगोष्ठियां

- राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय के प्राचार्य, प्रो. जी. एस. तोमर ने 24 अप्रैल, 2024 को 'जीवनशैली विकार डब्ल्यूएसआर से मधुमेह तक के प्रबंधन' पर एक संगोष्ठी दी।
- प्रोफेसर डॉ. उदय कुलकर्णी ने 30 अप्रैल, 2024 को 'विद्धाग्नि कर्म प्रदर्शन' पर एक व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया।
- एम्स, नई दिल्ली के जैव-रसायन विभाग की वरिष्ठ प्रदर्शक डॉ. निधि गुप्ता ने 26 जुलाई, 2024 को 'ओमिक्स के मूल सिद्धांत और स्वास्थ्य एवं अनुसंधान में ओमिक्स के अनुप्रयोग' पर संगोष्ठी में भाषण दिया।
- महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा के जैव-रसायन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नर सिंह चौहान ने 5 अगस्त, 2024 को 'सूक्ष्मजीव अध्ययन की अंतर्दृष्टि और एकीकृत अनुसंधान में सूक्ष्मजीव अध्ययन का दायरा' पर संगोष्ठी में भाषण दिया।
- अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) ने 09 अगस्त, 2024 को चरक जयंती समारोह के दौरान एक 'पाठन सत्र' आयोजित किया।
- प्रो. वीडी. अर्पण ए. भट्ट, प्रोफेसर एवं प्रमुख, स्वस्थवृत्त एवं योग विभाग और डीन योजना एवं विकास, आईटीआरए, आयुष मंत्रालय भारत सरकार, जामनगर ने 22 अगस्त, 2024 को 'संगीत चिकित्सा के मूल सिद्धांतों की अंतर्दृष्टि और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य में संगीत चिकित्सा के दायरे' पर संगोष्ठी में भाषण दिया।
- अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) ने 28 अगस्त, 2024 को जन्माष्टमी समारोह के दौरान 'संहिता पाठन और धन्वंतरि वंदना' का आयोजन किया।
- डॉ. बी. एस. शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, कौमारभृत्य, ए एंड यू तिब्बिया कॉलेज, दिल्ली ने 28 अगस्त, 2024 को 'कश्यप संहिता' पर एक अतिथि व्याख्यान दिया।

- एआईआईए, दिल्ली के कौमरभृत्य विभाग के डॉ. वेदप्रकाश व्यास ने 28 अगस्त, 2024 को 'कश्यप संहिता' पर अतिथि व्याख्यान दिया।
- अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) ने 07 से 11 सितंबर,2024 तक 'गणेश आरती, पूजन, 24 घंटे संहिता पाठन और गणपति अथर्वशीर्ष पाठन' का आयोजन किया।
- एम्स, दिल्ली के जैव-रसायन विभाग की प्रोफेसर अर्चना सिंह ने 11 सितंबर, 2024 को 'प्रोटीन: अनुप्रयुक्त पहलू पर एक अवलोकन' विषय पर एक भाषण दिया।
- एम्स, दिल्ली के जैव -सायन विभाग की प्रोफेसर अर्चना सिंह ने 13 सितंबर, 2024 को 'वसा: अनुप्रयुक्त पहलू पर एक अवलोकन' विषय पर एक भाषण दिया।
- एम्स, दिल्ली के जैव-रसायन विभाग की प्रोफेसर अर्चना सिंह ने 23 सितंबर, 2024 को 'कार्बोहाइड्रेट: अनुप्रयुक्त पहलू पर एक अवलोकन' विषय पर एक भाषण दिया।
- एम्स के फिजियोलॉजी विभाग की प्रोफेसर डॉ. अंजना तलवार ने 13 नवंबर, 2024 को 'स्वस्थ व्यक्तियों और फुफ्फुसीय और गैर-फुफ्फुसीय रोगों वाले रोगियों में कार्डियो-पल्मोनरी व्यायाम परीक्षण द्वारा वायुमार्ग फिजियोलॉजी और व्यायाम क्षमता का आकलन करने के लिए कार्डियो-पल्मोनरी परीक्षण और फेफड़ों की क्षमता का आकलन (श्वसन कार्य का आकलन, गैर-इनवेसिव तकनीक)' पर संगोष्ठी में वार्ता प्रस्तुत की
- डॉ. सुभा राजेश उदापुडी, प्रोफेसर, नैदानिक प्राकृतिक चिकित्सा विभाग, मुनियाल योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान ने 6 जनवरी, 2025 को 'निसर्गोपचार का इतिहास और भारतीय एवं पाश्चात्य प्राकृतिक चिकित्सा स्कूल द्वारा मूल सिद्धांत' पर संगोष्ठी में भाषण दिया।
- डॉ. सुभा राजेश उदापुडी, प्रोफेसर, नैदानिक प्राकृतिक चिकित्सा विभाग, मुनियाल योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान ने 7 जनवरी, 2025 को 'मड थेरेपी' पर संगोष्ठी में भाषण दिया।
- डॉ. सुभा राजेश उदापुडी, प्रोफेसर, नैदानिक प्राकृतिक चिकित्सा विभाग, मुनियाल योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान ने 8 जनवरी, 2025 को 'उपवास एवं क्रोमोथेरेपी, हीलियोथेरेपी' पर संगोष्ठी में भाषण दिया।
- डॉ. सुभा राजेश उदापुडी, प्रोफेसर, नैदानिक प्राकृतिक चिकित्सा विभाग, मुनियाल योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान ने 9 जनवरी, 2025 को 'हाइड्रोथेरेपी और मालिश' पर संगोष्ठी में भाषण दिया।
- अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) ने 03 फरवरी, 2025 को चरक सूत्रस्थान पर केंद्रित एक 'संहिता पाठन सत्र' आयोजित किया।
- दत्ता मेघे उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, मानित विश्वविद्यालय, वर्धा के अंतर्गत क्रिया शरीर महात्मा गांधी आयुर्वेद महाविद्यालय अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र की प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. प्रदन्या दांडेकर ने 25 अक्टूबर, 2025 को 'आयुर्वेद शिक्षा का अनुकूलन - शिक्षण रणनीतियों में परिवर्तन, आयुर्वेद चिकित्सा शिक्षा में सिद्धांत से व्यवहार तक मूल्यांकन' विषय पर वार्ता प्रस्तुत की।

- अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) ने 04 फरवरी, 2025 को 'श्लोक पाठ हेतु छंद प्रयोग' पर एक कार्यशाला आयोजित की।
- सीसीआरएएस के अनुसंधान अधिकारी डॉ. राकेश नारायण ने 04 फरवरी, 2025 को 'श्लोक पाठ हेतु छंद प्रयोग' पर अतिथि व्याख्यान दिया।
- सीसीआरएएस के अनुसंधान अधिकारी डॉ. विनोद लवानिया ने 04 फरवरी, 2025 को 'श्लोक पाठ हेतु छंद प्रयोग' पर अतिथि व्याख्यान दिया।

आयोजित सम्मेलन

- क्रिया शरीर विभाग द्वारा 12 अप्रैल, 2024 को 'वायु प्रदूषण नियंत्रण और श्वसन स्वास्थ्य' शीर्षक से राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।
- शल्य तंत्र विभाग, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 13-15 जुलाई, 2024 को 'वर्तमान युग में सुश्रुत की अवधारणाओं को बढ़ाकर युवा आयुर्वेद शल्य चिकित्सकों को सशक्त बनाने का विषय' शीर्षक से दूसरा संगोष्ठीसम्मेलन आयोजित किया गया।
- स्वस्थवृत्त और योग विभाग द्वारा 21-22 जुलाई, 2024 को 'आहार क्रांति राष्ट्रीय सम्मेलन 2024' शीर्षक से राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।
- क्रिया शरीर विभाग द्वारा 29 अगस्त से 2 सितंबर, 2024 तक 'स्लीप टेक्नोलॉजी' शीर्षक से राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।
- अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 17-19 अक्टूबर, 2024 तक 'अनुसंधान में प्रगति और समग्र स्वास्थ्य के लिए वैश्विक अवसर' शीर्षक से अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'आरोह-2024' का आयोजन किया गया।
- क्रिया शरीर विभाग द्वारा 20-22 नवंबर, 2024 को 'स्मृति मूल्यांकन एवं जागरूकता कार्यक्रम' शीर्षक से राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

अंतर्राष्ट्रीय

- डॉ. आकांक्षा हीर ने 'समग्र आयुर्वेद के लिए अनुसंधान और वैश्विक अवसरों में प्रगति' पर 17-19 अक्तूबर, 2024 तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'सिनर्जी का अनावरण: पारंपरिक चिकित्सा में परिवर्तन के लिए एआई और मशीन लर्निंग का उपयोग' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- डॉ. ऐश्वर्या जोगलेकर ने अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली में 17-19 अक्तूबर, 2024 तक 'समग्र आयुर्वेद के लिए अनुसंधान और वैश्विक अवसरों में प्रगति' पर आयोजित

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'संयोजन मूल्यांकन उपकरण: आरोहा-2024 में प्रयोगिक अध्ययन के परिणाम' पर मौखिक पेपर प्रस्तुति दी।

- डॉ. अनीता चौधरी ने 17-19 अक्तूबर, 2024 तक 'समग्र आयुर्वेद के लिए अनुसंधान और वैश्विक अवसरों में प्रगति' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'कपिंजल संहिता के ज्ञान का अनावरण: एक महत्वपूर्ण व्याख्या' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- डॉ. अंजना रॉय ने 17-19 अक्तूबर, 2024 तक 'समग्र आयुर्वेद के लिए अनुसंधान में प्रगति और वैश्विक अवसर' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'विरुद्धहारा' शीर्षक से एक पोस्टर प्रस्तुत किया।
- डॉ. अन्नुसुइया गोहिल ने 24-24 अगस्त, 2024 को अयोध्या धाम, अयोध्या में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान पेपर प्रेजेंटेशन सत्र में 'तनाव का आयुर्वेदिक प्रबंधन - एक केस रिपोर्ट' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- डॉ. अन्नुसुइया गोहिल ने 15-16 अक्तूबर, 2024 तक 'समग्र आयुर्वेद के लिए अनुसंधान में प्रगति और वैश्विक अवसर - 2024' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान पोस्टर मौखिक सत्र में 'सत्ववजय चिकित्सा - पुरानी अनिद्रा के उपचार के लिए एक आधुनिक दृष्टिकोण' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- डॉ. अन्नुसुइया गोहिल ने 15-16 नवंबर, 2024 तक आयोजित 'सोसाइटी फॉर एथनो फार्माकोलॉजी', भारत (सेकोन2024) के 11वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान पोस्टर ओरल सत्र में 'पारंपरिक किण्वित खाद्य पदार्थों का मूल्यांकन: एक समीक्षा लेख' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- डॉ. अविषेक मिश्रा ने 17-19 अक्तूबर, 2024 तक 'समग्र आयुर्वेद के लिए अनुसंधान में प्रगति और वैश्विक अवसर' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'पांडुलिपि अध्ययन की उन्नति में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका' पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- डॉ. करिश्मा पौड़ियाल ने 17-19 अक्तूबर, 2024 तक समग्र आयुर्वेद के लिए अनुसंधान और वैश्विक अवसरों में प्रगति पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "दिनचर्या: सर्केडियन रिदम को ट्यून करके मोटापे के उपचार का तरीका" नामक एक पोस्टर प्रस्तुत किया।
- डॉ. कोमल शर्मा ने 17-19 अक्तूबर, 2024 तक 'समग्र आयुर्वेद के लिए अनुसंधान और वैश्विक अवसरों में प्रगति' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'रस धातु का काइल के रूप में पुनर्संकल्पना और काइल को आयुर्वेदिक रूप से समझने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका' पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।
- डॉ. निधि शर्मा ने 17-19 अक्तूबर, 2024 तक एआईआईए दिल्ली में 'समग्र आयुर्वेद के लिए अनुसंधान और वैश्विक अवसरों में प्रगति' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'वैज्ञानिक समिति सदस्य' के रूप में भाग लिया।
- डॉ. निकिता शर्मा ने 17-19 अक्तूबर, 2024 तक एआईआईए दिल्ली में आयोजित 'समग्र आयुर्वेद के लिए अनुसंधान और वैश्विक अवसरों में प्रगति' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय

सम्मेलन में 'मानसिक विकारों के समाधान और मनोवैज्ञानिक कल्याण में सामंजस्य स्थापित करने में दैव-व्यापाश्रय चिकित्सा का व्यापक विश्लेषण' पर वैज्ञानिक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

- डॉ. पलवी शर्मा ने 17-19 अक्तूबर, 2024 तक 'समग्र आयुर्वेद के लिए अनुसंधान और वैश्विक अवसरों में प्रगति' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'हाइड्रेशन फैक्टर: वजन प्रबंधन के रहस्य का अनावरण' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. पारुल गुप्ता ने 17-19 अक्तूबर, 2024 तक 'समग्र आयुर्वेद के लिए अनुसंधान में प्रगति और वैश्विक अवसर' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'मोटापे के उपचार में उदवर्तन और मौखिक प्रशासन के माध्यम से यवमलका चूर्ण की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक नैदानिक परीक्षण' पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- प्रो. (डॉ.) सरिता वी. ओहोल ने देहरादून, उत्तराखंड में 12-15 दिसंबर, 2024 तक आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'एक अवलोकनात्मक अध्ययन - उच्च शैक्षणिक संगठन के कर्मचारियों में दोषज प्रकृति और नौकरी की संतुष्टि के बीच संबंध' (विश्व आयुर्वेद कांग्रेस और एक्सपो-2024) शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. शिबना एम.वी ने 17-19 अक्तूबर, 2024 तक 'समग्र आयुर्वेद के लिए अनुसंधान में प्रगति और वैश्विक अवसर' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'आयुर्वेद आहार, न्यूट्रास्युटिकल्स पर मूल्यांकन, दायरा और अद्यतन' शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. शिबना एम.वी. ने पलक्कड़ के अहलिया परिसर में 5-7 दिसंबर, 2024 तक 'प्रजनन क्षमता' विषय पर आयोजित विज्ञान सारणी 2024 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'प्राथमिक बांझपन वाले जोड़ों में जीवनशैली में बदलाव के लिए आयुर्वेदिक रणनीतियाँ' शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. शीतल ने 31 दिसंबर, 2024 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय 'स्वास्थ्य एवं कल्याण एक्सपो 2024' आरोग्य संगोष्ठी के दौरान 'रोग-आधारित दृष्टिकोणों पर रोगी-केंद्रित देखभाल को प्राथमिकता देना' शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. शेखर जी. उइके ने आयुष महाकवि कालिदास कला मंदिर, नासिक महाराष्ट्र भारत के माध्यम से 13-14 जून, 2024 तक आयोजित 'आयुष जिज्ञासा' अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2024 में 'फोकल थीम न्यायसंगत और सस्ती सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल कवरेज पर आधारित कल्याण से परे' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- डॉ. शिवकुमार एस. हरती को एसआईए एनएस एनआईएस, पटियाला में 22-23 मार्च, 2024 को 'हार्मोनाइजिंग मूवमेंट: उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए योग को खेल विज्ञान के साथ एकीकृत करना' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'पैनविद' के रूप में आमंत्रित किया गया था।

राष्ट्रीय

- डॉ. आकांक्षा हीर ने 13 दिसंबर, 2024 को डब्ल्यूएसी देहरादून में आयोजित 'पलाश पुष्प हिमा का निर्माण और विश्लेषण: एंटीऑक्सीडेंट और मधुमेह विरोधी गतिविधि के लिए एक पारंपरिक आयुर्वेदिक पेय' शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. अदीबा मलिक ने 13 दिसंबर, 2024 को डब्ल्यूएसी देहरादून में आयोजित 'पुरानी बीमारी प्रबंधन पर मोबाइल स्वास्थ्य हस्तक्षेप के प्रभाव का मूल्यांकन: एक अवलोकन' शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. ऐश्वर्या जोगलेकर ने 30 दिसंबर, 2024 को आयोजित 'आरोग्य संगोष्ठी' के 12वें संस्करण में 'संयोजन मूल्यांकन उपकरण: आयुर्वेद में नैदानिक तकनीकों की क्षमता का पता लगाना' नामक मौखिक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. अविषेक मिश्रा ने 12-15 दिसंबर, 2024 तक आयोजित '10वें विश्व आयुर्वेद कांग्रेस और आरोग्य एक्सपो' में 'खेल चिकित्सा में रसायन का एकीकरण: एथलेटिक स्वास्थ्य और प्रदर्शन के लिए एक समग्र दृष्टिकोण' पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।
- डॉ. गरिमा श्रीवास्तव ने 21-22 दिसंबर, 2024 तक एआईआईए, नई दिल्ली में आयोजित 'ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार वाले बच्चों का प्रबंधन' पर राष्ट्रीय स्तर की ट्रांसडिसिप्लिनरी कार्यशाला में 'संसाधन व्यक्ति' के रूप में कार्य किया।
- डॉ. गरिमा श्रीवास्तव ने 15-17 नवंबर, 2024 तक आयोजित राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा सम्मेलन 'संयोजनम 2024' के दौरान 'स्वस्थ व्यक्तियों में फेफड़ों की क्षमता और शारीरिक शक्ति पर प्रस्तावित सूर्यनमस्कार प्रोटोकॉल के प्रभाव की समीक्षा' शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. करिश्मा पौड़ियाल ने 12-15 दिसंबर, 2024 तक आयोजित 'दसवें विश्व आयुर्वेद सम्मेलन और आरोग्य एक्सपो' के दौरान मौखिक प्रस्तुति के रूप में 'तनाव प्रेरित अजीर्ण में आयुर्वेदिक प्रबंधन की भूमिका: एक केस रिपोर्ट' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. कोमल शर्मा ने 12-15 दिसंबर, 2024 तक आयोजित 'दसवें विश्व आयुर्वेद सम्मेलन और आरोग्य एक्सपो' के दौरान 'पंचमहाभूत की अवधारणा पर एक क्वांटम भौतिकी दृष्टिकोण' पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।
- डॉ. मनोज पटेल ने 13 दिसंबर, 2024 तक डब्ल्यूएसी देहरादून में आयोजित संगोष्ठी में 'प्रतिष्ठा डब्ल्यू.एस.आर. से लेकर क्रोनिक साइनसाइटिस तक में अनुतैल प्रतिमर्ष नास्य और जलनेति क्रिया की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक तुलनात्मक नैदानिक अध्ययन' शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- प्रो. (डॉ.) महेश व्यास, एनईआईएएच द्वारा 6 मई, 2024 को आयोजित संगोष्ठी में 'आयुर्वेद के मूल सिद्धांत' विषय पर मुख्य वक्ता थे।

- प्रो. (डॉ.) महेश व्यास, सरदार पटेल विश्वविद्यालय के यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र द्वारा 3 मई, 2025 को आयोजित कार्यक्रम में 'सार्वजनिक स्वास्थ्य उन्नति के लिए आयुर्वेद की शक्ति का उपयोग' विषय पर आयोजित मुख्य वक्ता थे।
- प्रो. (डॉ.) महेश व्यास, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 1 मई, 2023 को आयोजित कार्यक्रम 'भारतीय जनसंख्या में गुप्त क्षय रोग जाँच की आवश्यकता' विषय पर आयोजित में मुख्य वक्ता थे।
- प्रो. (डॉ.) महेश व्यास पंडित शिवशक्तिलाल शर्मा आयुर्वेदिक महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, रतलाम में 20 जनवरी, 2024 को आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता थे।
- डॉ. निधि शर्मा श्री कमलनयन प्राच्य विद्या संस्थान में 10-13 जून, 2024 तक आयोजित 'सप्त दिवसीय आवासीय संस्कृत व्यवहार शिविर' में वक्ता थीं।
- डॉ. निकिता शर्मा ने आर्य वैद्य फार्मेसी आयुर्वेद चिकित्सालय एवं प्रशिक्षण अकादमी पठानजलिपुरा द्वारा दिनांक 13-10-2024 से 26-10-2024 तक आयोजित वार्षिक आवासीय शैक्षणिक कार्यक्रम 'तत्वप्रकाशिनी' में दिनांक 25 अक्टूबर, 2024 को 'मूल सिद्धांत' पर अतिथि व्याख्यान दिया।
- डॉ. निकिता शर्मा ने भारतीय दूतावास, काहिरा द्वारा आयुर्वेद के विशेषज्ञों के साथ 28 अक्टूबर, 2024 को आयोजित वर्चुअल सत्र में अतिथि व्याख्यान दिया।
- डॉ. निकिता शर्मा ने 2024/2 के 22वें महीने में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन - पंच तत्व 2025 के दौरान 'आयुर्वेद, पोषण और योग में पंचमहाभूत की मूलभूत अवधारणाएँ' विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया।
- डॉ. निकिता शर्मा ने 15-17 फरवरी, 2024 तक राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, डीम्ड विश्वविद्यालय, जयपुर में आयोजित 'संयोजनम 2024' राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा सम्मेलन में 'मंत्र चिकित्सा के दायरे में दैवीय व्यापाश्रय चिकित्सा का आलोचनात्मक मूल्यांकन' विषय पर वैज्ञानिक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. निकिता शर्मा ने 19 फरवरी, 2024 को हिंदू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी में 'आयुर्वेद के मूलभूत सिद्धांत और उनकी प्रासंगिकता तथा निदान के तरीके' विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया।
- डॉ. पूजा ने 13 दिसंबर, 2024 को डब्ल्यूएसी देहरादून में आयोजित संगोष्ठी के दौरान 'स्वस्थवृत्त और योग के माध्यम से निवारक स्वास्थ्य देखभाल के लिए एक समग्र दृष्टिकोण' शीर्षक से एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

- डॉ. राहुल चौहान ने 13वें महीने, 2024/2012 को आयोजित डब्ल्यूएसी देहरादून में 'आयुर्वेद चिकित्सकों और अन्य स्वस्थ व्यक्तियों में जीवनशैली मूल्यांकन और जागरूकता' शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- रिंकी ठाकुर ने 'आधुनिक चिकित्सा के संदर्भ में आयुर्वेद की आम और शोथ की अवधारणा' विषय पर एक दिवसीय सम्मेलन में वक्ता के रूप में भाग लिया। यह सम्मेलन जैव प्रौद्योगिकी विद्यालय, जीवन विज्ञान विद्यालय और कम्प्यूटेशनल एवं एकीकृत विज्ञान विद्यालय, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से 24वें महीने, 2024/2012 को आयोजित किया गया था।
- डॉ. रिंकी ठाकुर ने 1वें महीने, 2024/2012-3 को आयोजित आयुर्वेद एवं प्रणाली चिकित्सा पर कार्यात्मक उत्कृष्टता केंद्र, जैव प्रौद्योगिकी विद्यालय, जीवन विज्ञान विद्यालय और कम्प्यूटेशनल एवं एकीकृत विज्ञान विद्यालय, जेएनयू, नई दिल्ली के अंतर्गत व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं कार्यशाला में भाग लिया।
- रिंकी ठाकुर ने 7 अक्तूबर, 2024 को आयोजित महिला दिवस समारोह में उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल में एक विशिष्ट वक्ता के रूप में अतिथि व्याख्यान दिया।
- रिंकी ठाकुर ने 19 अक्तूबर, 2022 को राजीव गांधी राजकीय स्नातकोत्तर आयुर्वेद महाविद्यालय पपरोला में नव-प्रवेशित स्नातकोत्तर विद्वानों के लिए आयोजित अभिप्रेरणा कार्यक्रम के दौरान 'आयुष संरचना और आयुष मंत्रालय की उपलब्धियाँ' पर अतिथि व्याख्यान दिया।
- रिंकी ठाकुर ने 21 नवंबर, 2024 को के.ए.टी.एस., आयुर्वेदिक महाविद्यालय एवं अस्पताल, अंकुशपुर, गंजम, ओडिशा में आयोजित 'संस्कार (स्नातकोत्तर अभिविन्यास कार्यक्रम)' के दौरान 'आयुष पहल और उपलब्धियों' पर अतिथि व्याख्यान दिया।
- प्रो. (डॉ.) सरिता वी. ओहोल ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में 29-30 सितंबर, 2024 को स्वास्थ्य और रोगों में त्रिदोष के फिजियो-क्लीनिकल पहलू विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'अपच की स्थिति में वात दोष का प्रभाव और वात प्रधान प्रकृति वाले व्यक्तियों में टेंडर टर्मिनलिया चेबुला का प्रभाव' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- डॉ. शेखर जी. उइके ने 13-14 जून, 2024 को आयोजित दो-दिवसीय 'राष्ट्रीय सम्मेलन - एनसीटी 2024' के दौरान 'स्वास्थ्य और रोग में त्रिदोष के फिजियो-क्लीनिकल पहलू, उपचार के लिए त्रिदोष के एकीकृत पूर्वानुमान' शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. शिवकुमार एस. हरती ने 10 फरवरी, 2024 को जीएस आयुर्वेद कॉलेज और अस्पताल, उत्तर प्रदेश में आयोजित उद्यमिता जागरूकता शिविर में 'विषय विशेषज्ञ' के रूप में भूमिका निभाई।

- डॉ. शिवकुमार एस. हरती ने 21-22 फरवरी, 2024 तक एआईआईए, नई दिल्ली में आयोजित 'ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर वाले बच्चों का प्रबंधन' विषय पर राष्ट्रीय स्तर की ट्रांसडिसिप्लिनरी कार्यशाला में 'विषय विशेषज्ञ' की भूमिका निभाई।
- डॉ. शिवकुमार एस. हरती को 5 अप्रैल, 2024 को राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में आयोजित 'आयुर्वेद आहार संग्रह के मार्गदर्शक दस्तावेज़ की तैयारी' से संबंधित बैठक में आमंत्रित किया गया था।
- डॉ. शिवकुमार एस. हरती ने 12 जुलाई, 2024 को सुमनदीप आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में आयोजित 'आविष्कार: आयुर्वेद में नवाचार और अनुसंधान' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार में 'विषय विशेषज्ञ' की भूमिका निभाई।
- डॉ. शिवकुमार एस. हरती ने 13-15 जुलाई, 2024 तक एआईआईए, नई दिल्ली में आयोजित 'सौश्रुतम् 2024' में आयोजक के रूप में कार्य किया।
- डॉ. शिवकुमार एस. हरती ने 05-09 अगस्त, 2024 तक आरएवी द्वारा आयोजित 'आयुर्वेद आहार एवं नियामक पहलुओं पर आधारित खाद्य, कार्यात्मक खाद्य पदार्थ एवं उद्यमिता पर 5-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम' में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- डॉ. सुषमा कुमारी ने 22-26 जुलाई, 2024 तक एआईआईए, नई दिल्ली में आयोजित 'वैज्ञानिक लेखन, अनुसंधान अखंडता और प्रकाशन नैतिकता कार्यशाला' में भाग लिया।
- डॉ. शिवकुमार एस. हरती ने 14-15 दिसंबर, 2024 तक डब्ल्यूएसी देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में 'गरुड़ की उड़ान - आयुर्वेद में स्टार्टअप, नवाचार और उद्यमी' विषय पर पूर्ण सत्र के संचालक थे।
- डॉ. शिवकुमार एस. हरती 23 दिसंबर, 2024 को एआईआईए द्वारा को आयोजित 'आयुर्वेद में स्टार्टअप और उद्यमिता' विषय पर अतिथि वक्ता थे।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

- डॉ. जोना एस., प्रोफेसर, कायाचिकित्सा विभाग एवं डीन, आयुर्वेद अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रकोष्ठ (आईसीसीए) ने आयुर्वेद में अकादमिक सहयोग स्थापित करने के लिए श्री वजेरा फाउंडेशन एवं संबद्ध संस्थानों, ब्राज़ील के साथ 09 जनवरी, 2024 को एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस सहयोग के परिणामस्वरूप: (1) ब्रह्मा विद्यालय ब्राज़ील के छात्रों के लिए दो व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम एआईआईए में आयोजित किए गए हैं, और अगले वर्ष एक और कार्यक्रम आयोजित करने पर विचार किया जा रहा है। (2) ब्राज़ील साझेदार द्वारा औषधीय पौधों और आयुर्वेद दंत चिकित्सा में प्रस्तावित अनुसंधान गतिविधियों पर चर्चा की जा रही है।
- ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (टीएचएसटीआई), फरीदाबाद के साथ 09 जनवरी, 2024 को एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। पंचकर्म विभाग के प्रोफेसर डॉ. आनंदरामन पीवी एवं एआईआईए अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक ने आयुर्वेद में अनुसंधान और शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग और सहभागिता पर प्रोफेसर के रूप में कार्य किया।

- सीएसआईआर, केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (सीएफटीआरआई) मैसूर के साथ 15 अक्टूबर, 2024 को राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। स्वस्थवृत्त विभाग के डॉ. शिवकुमार हरती ने शैक्षणिक, अनुसंधान और उद्यमिता कार्यक्रमों के लिए अतिरिक्त प्रोफेसर के रूप में कार्य किया।
- कर्मचारी राज्य बीमा निगम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (ईएसआईसी एमसी एंड एच), फरीदाबाद के साथ 20 फरवरी, 2024 को राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। पंचकर्म विभाग के प्रोफेसर डॉ. आनंदरामन पीवी और एआईआईए अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक ने कार्यात्मक संबंध को विस्तारित और मजबूत करने के लिए प्रोफेसर के रूप में कार्य किया।
- ग्लोबल इंडियन साइंटिस्ट्स एंड टेक्नोक्रेट्स फोरम (जीआईएसटी), भोपाल के साथ 20 जुलाई, 2024 को राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। शल्य विभाग के प्रो. डॉ. योगेश बडवे एवं एआईआईए अस्पताल के अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक ने सहयोग और प्रतिरक्षा के बारे में जागरूकता पैदा करने पर प्रोफेसर के रूप में कार्य किया। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, (1) 20-21 जुलाई, 2024 को आहार क्रांति राष्ट्रीय का आयोजन किया गया और 20-21 जुलाई, 2024 को जीआईएसटी के सहयोग से एआईआईए द्वारा संयुक्त रूप से बैठक आयोजित की गई।
- नाडिपल्स प्रोग्नोस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड, कानपुर के साथ 5 जुलाई, 2024 को राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। स्वस्थवृत्त विभाग के डॉ. शिवकुमार हरती ने नाड़ीपल्स प्रोग्नोस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विकसित नाड़ी परीक्षण उपकरण (एनपल्स) के नैदानिक सत्यापन के लिए एआईआईए द्वारा सहायता प्रदान करने के प्रयोजनार्थ अतिरिक्त प्रोफेसर के रूप में कार्य किया।
- राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान (निफ्टम), सोनीपत के साथ 20 जुलाई, 2024 को राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। स्वस्थवृत्त विभाग के डॉ. शिवकुमार हरती ने कार्यात्मक संबंध को विस्तारित और सुदृढ़ करने के लिए अतिरिक्त प्रोफेसर के रूप में कार्य किया।
- भारत के सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली के साथ 20 फरवरी, 2024 को राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। पंचकर्म विभाग के प्रोफेसर डॉ. आनंदरामन पीवी एवं एआईआईए अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक ने भारत के सर्वोच्च न्यायालय में आयुर्वेद के लिए आयुष समग्र कल्याण केंद्र के संचालन के संबंध में प्रोफेसर के रूप में कार्य किया।
- तिलक महाराष्ट्र विद्यापीठ के लोकमान्य तिलक अंतर्राष्ट्रीय आयुर्वेद और योग में मौलिक अनुसंधान अनुसंधान केंद्र, पुणे के साथ 28 जून, 2024 को राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। मौलिक सिद्धांत विभाग के प्रोफेसर डॉ. महेश व्यास एवं डीन पीएच॰डी॰ ने दवाओं की गुणवत्ता और मानकीकरण, सहयोगी अनुसंधान को बढ़ावा देने, गुणवत्ता प्रकाशनों, संयुक्त परियोजनाओं/कार्यशालाओं/सम्मेलन और पशु अध्ययन के लिए प्रोफेसर के रूप में कार्य किया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

- इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड डर्मेटोलॉजी, कासरगोड के साथ एक अकादमिक सहयोग के भाग के रूप में, दिल्ली विश्वविद्यालय के रोग निदान एवं विकृति विज्ञान विभाग की द्वितीय वर्ष की पीएच॰डी॰ स्कॉलर डॉ. अनघा एम.एस. ने 20 नवंबर से 30 नवंबर, 2024 तक 10-दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। यह सहयोग स्कॉलर के शोध कार्य को लाभान्वित करने के लिए किया गया था। प्रशिक्षण में वुड्स लैंप, डिजिटल फोटोग्राफी, प्रोफार्मा विकास और डेटा प्रबंधन सहित विटिलिगो प्रबंधन और अनुसंधान पद्धतियों पर ध्यान केंद्रित किया गया था। कार्यक्रम को उनके डॉक्टरेट थीसिस के भाग के रूप में लिया गया था जिसका शीर्षक था "श्वित्र की गंभीरता का आकलन करने और हस्तक्षेप के माध्यम से इसकी सहमति का मूल्यांकन करने के लिए एक उपकरण विकसित और मान्य करने के लिए एक विश्लेषणात्मक अध्ययन"।
- आयुष संरचना और पहलों पर एक परिचयात्मक कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए 19 अक्टूबर, 2024 से राजीव गांधी राजकीय स्नातकोत्तर आयुर्वेद महाविद्यालय, पपरोला के साथ सहयोग स्थापित किया गया। इस सहयोग से नव-प्रवेशित स्नातकोत्तर विद्वानों के लिए अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन संभव हुआ और शैक्षणिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिला।
- आहार क्रांति राष्ट्रीय सम्मेलन 2024 के लिए राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान (निफ्टेम-के) के साथ 05 अगस्त, 2024 से सहयोग स्थापित किया गया जिसका उद्देश्य आयुर्वेदिक आहार और विनियामक पहलुओं के आधार पर भोजन, कार्यात्मक भोजन और उद्यमिता पर अंतःविषयक संवाद को बढ़ावा देना है।

विनिमय कार्यक्रम के तहत छात्र

राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान (निफ्टेम) सोनीपत।

प्लेसमेंट विवरण (प्लेस किए गए छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

100%

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी॰ डिग्रियों की संख्या

स्नातकोत्तर : 74

संकाय सदस्यों की संख्या

कुल: 55 (पचपन) – (प्रोफेसर - 10 और अपर प्रोफेसर – 11, एसोसिएट प्रोफेसर – 14, सहायक प्रोफेसर – 17 और अतिथि – 03)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- पशु गृह (रेट)

- अयुरिन्फ़ोर्मेटिक्स प्रयोगशाला
- क्षेत्रीय रॉ ड्रग भंडार (आरआरडीआर)
- सिमुलेशन प्रयोगशाला

सोशल आउटरीच

- संस्कृति सप्ताह
- धन्वंतरि रथ (पुलिस लाइन)
- चिकित्सा शिविर
- रोगी जागरूकता व्याख्यान

ईसीए/खेल

- बैडमिंटन
- कैरम बोर्ड
- शतरंज
- क्रिकेट
- टेबल टेनिस
- वॉलीबॉल

उपयोग की गई निधि (करोड़)

243.20

आबंटित की गई निधि (करोड़)

243.20

***

आयुर्वेदिक एवं यूनानी टिबिया कॉलेज एवं अस्पताल

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 में, आयुर्वेदिक एवं यूनानी टिबिया कॉलेज एवं अस्पताल (एयूटीसीएच) ने अनेक महत्वपूर्ण शैक्षणिक और आउटरीच पहलकदम संचालित किए। आयुर्वेदिक चिकित्सा में कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए पंचकर्म तकनीशियन पाठ्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की गई। डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 3 मई, 2024 को आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। आपातकालीन देखभाल की तैयारियों को मज़बूत करने के लिए आयुष निदेशालय द्वारा 24 से 29 जून, 2024 तक एक प्राइमरी ट्रॉमा देखभाल कार्यशाला का आयोजन किया गया। महात्मा गांधी आयुर्वेद कॉलेज, वर्धा के सहयोग से 17 से 23 सितंबर, 2024 तक एक शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें संकाय विकास पर

ध्यान केंद्रित किया गया। 16 अक्टूबर, 2024 को, सीसीआरएएस द्वारा एएसयू और एच औषधियों में फार्माकोविजिलेंस पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसके बाद 24 अक्टूबर, 2024 को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से एक जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें एईएफआई और वीपीडी को शामिल किया गया। एयूटीसीएच ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह भी मनाया, नए संकाय सदस्यों के लिए एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया और 21 जून, 2024 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस और अक्टूबर के अंत में आयुर्वेद दिवस मनाया। 7 फरवरी, 2025 से शुरू होने वाले खेल सप्ताह के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया और 13 फरवरी, 2025 को अजमल दिवस मनाया गया। आयुष मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार, 60-दिवसीय 'देश का प्रकृति परीक्षण' जैव विविधता अभियान भी चलाया गया।

सम्मान/विभूतियां

संकाय

- डॉ. अमित राय ने जेआरएएस जर्नल के जेरिएट्रिक हेल्थकेयर विषय पर निकाले गए एक विशेष अंक के लिए अतिथि संपादक के रूप में कार्य किया।
- डॉ. आयशा राजा को नियमित अध्ययन बोर्ड (बीयूएमएस फाइनल प्रोफ॰) के लिए बोर्ड सदस्य नियुक्त किया गया।
- डॉ. फहमीदा कौसर और डॉ. शालिनी वार्ष्णेय को एनएमपीबी पौधा वितरण पहल के तहत आयुष निदेशालय द्वारा अश्वगंधा चैंपियन के रूप में सम्मानित किया गया।
- प्रो. मोहम्मद ज़ुबैर को 7 अप्रैल, 2024 को त्यागराज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में आयोजित सातवें रन4कॉज़–तारे 2024 में विशेष अतिथि के रूप में सम्मानित किया गया। यह सम्मान मानवीय सेवा के प्रति उनकी उत्कृष्ट प्रतिबद्धता और योगदान के लिए दिया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन डॉ. लाल सिंह के फाउंडेशन ह्यूमैनिटी फ़र्स्ट द्वारा किया गया था। वह दिल्ली सरकार के चौधरी ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान (सीबीपीएसीएस) की गवर्निंग काउंसिल के पदेन सदस्य के रूप में कार्यरत हैं और उन्होंने 9 जुलाई, 2024 को माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, दिल्ली सचिवालय के कार्यालय में आयोजित काउंसिल की बैठक में भी भाग लिया। उन्हें यूनानी शिक्षा के शैक्षणिक विकास में योगदान देने के लिए अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय और जामिया हमदर्द के यूनानी चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विद्यालय (एसयूएमईआर) के तशरीहु बदन विभाग में दो वर्ष (2024-2026) के कार्यकाल के लिए अध्ययन बोर्ड के सह-चयनित सदस्य के रूप में नामित किया गया है। उन्हें भारतीय चिकित्सा पद्धति के लिए चिकित्सा मूल्यांकन एवं रेटिंग बोर्ड (एमएआरबीआईएसएम) द्वारा एनसीआईएसएम, एनएबीईटी और क्यूसीआई के सहयोग से पश्चिम बंगाल, जम्मू और कश्मीर, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के यूनानी महाविद्यालयों की मान्यता और रेटिंग के लिए मूल्यांकनकर्ता के रूप में भी नियुक्त किया गया है।

छात्र

- अक्षिता वार्ष्णेय, बीएएमएस की छात्रा--(फ़र्स्ट प्रोफेश्नल), विश्वविद्यालय परीक्षा में टॉपर रहीं।
- आकांक्षा गुप्ता, बीएएमएस की छात्रा--(थर्ड प्रोफेश्नल), विश्वविद्यालय परीक्षा में टॉपर रहीं।
- तन्वी भारद्वाज, बीएएमएस की छात्रा--(फ़ाइनल प्रोफेश्नल), विश्वविद्यालय परीक्षा में टॉपर रहीं।
- ऐमन मलिका, बीयूएमएस की छात्रा--(फ़र्स्ट प्रोफेश्नल), विश्वविद्यालय परीक्षा में टॉपर रहीं।
- सलेहा आलम, बीयूएमएस की छात्रा--(थर्ड प्रोफेश्नल), विश्वविद्यालय परीक्षा में टॉपर रहीं।
- ज़ेबा बख्तियार, बीयूएमएस की छात्रा--(फ़ाइनल प्रोफेश्नल), विश्वविद्यालय परीक्षा में टॉपर रहीं।

प्रकाशन

- अंजुम, एस., वार्ष्णेय एस. (2024), व्यंग (मेलास्मा) का एक व्यापक विश्लेषण: आयुर्वेदिक और आधुनिक चिकित्सा परिप्रेक्ष्य। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नोवेल रिसर्च डेव*, 9(8), 420. https://ijnrd.org/papers/IJNRD2408420.pdf
- अंजुम, एस., वार्ष्णेय एस. (2024), वासा (अधतोडा वासिका) की समीक्षा: आयुर्वेद में चिकित्सीय लाभ और सूत्रीकरण। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेदा फार्मा रिसर्च*, *12*(10), 50–65. https://doi.org/10.47070/ijapr.v12i10.3402
- जिंदल एन. (2025), निचले जठरांत्र संबंधी मार्ग की तीव्र सूजन संबंधी स्थितियों के लिए एक औषधीय विकल्प के रूप में पिच्चा बस्ती: एक समीक्षा। *जे आयुर्वेदा*, *28*(1), 1-10. https://doi:10.1234/ja.2025.12345
- कुँवर एम., शर्मा एम., पाल एस., वार्ष्णेय एस., और मुंजाल, वाई. (2024), मानव रोगजनक कवक में भुरजाह (बेटुला यूटिलिस डी. डॉन) की छाल की एंटिफंगल गतिविधि। *आयुषधारा. 11*(3), 143–147. https://doi.org/10.47070/ayushdhara. v11i3.1576

अनुसंधान परियोजनाएँ

- डॉ. प्रशांत रसाले, शल्य विभाग को सीसीआरएएस, नई दिल्ली द्वारा 'वर्तमान युग में गुदा में भगंदर के रोगियों में पारंपरिक विधि की तुलना में खारसूत्र के बाद रोग की प्रभावकारिता और पुनरावृत्ति की समीक्षा' शीर्षक की स्पार्क शोध परियोजना के लिए 50,000/- रु॰ की राशि स्वीकृत की गई है और यह 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. प्रशांत रसाले, शल्य विभाग को सीसीआरएएस, नई दिल्ली द्वारा 'बवासीर में रक्तस्राव पर कुटज घन वटी का प्रभाव' शीर्षक की स्पार्क शोध परियोजना के लिए चुना गया है जिसकी राशि 50,000/- रु॰ है और इस पर कार्य प्रगति पर है।
- डॉ. शालिनी वार्ष्णेय, द्रव्यगुण विभाग को सीसीआरएएस, नई दिल्ली द्वारा 'अवृत वात आर्तव दुष्टि व पीसीओएस (फेनोटाइप डी) के रोगियों में आर्तव जनन (मासिक धर्म) के रूप में कृष्णतिलादि कषायम घनवटी की प्रभावकारिता' शीर्षक की स्पार्क शोध परियोजना के लिए के लिए चुना गया है जिसकी राशि 50,000/- रु॰ और इस पर कार्य प्रगति पर है।

दायर/अनुदत्त पेटेंट

- डॉ. शालिनी वार्ष्णेय, वीडीएन द्वारा कैनबिस सैटिवा एल. भांगा पतियों के चिकित्सीय उपयोग हेतु शुद्धिकरण विधि विकसित की गई है और इस पर कार्य चल रहा है। राष्ट्रीय।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियां (राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय)

- डॉ. अमित राय, सहायक प्रोफेसर, एयूटीसीएच ने 'कोविड-19 प्रबंधन में आयुष की भूमिका' विषय पर व्याख्यान दिया, जिसका आयोजन 07 दिसंबर, 2024 को किया गया था।
- डॉ. अमित राय, सहायक प्रोफेसर, एयूटीसीएच ने 'तपेदिक शमन और प्रबंधन में एटीटी के सहायक के रूप में आयुर्वेद की क्षमता' विषय पर व्याख्यान दिया, जिसका आयोजन 13 दिसंबर, 2024 को किया गया था।
- डॉ. फातिमा खान, एयूटीसीएच ने 'उन्नत चिकित्सीय व्यवस्थाओं के माध्यम से समग्र कल्याण और सशक्त वृद्धावस्था को बढ़ावा देना (इलाज बित तदबीर)' विषय पर व्याख्यान दिया, जिसका आयोजन 03 जनवरी, 2025 को किया गया था।
- डॉ. मोहम्मद जुबैर, प्रोफेसर, एयूटीसीएच ने 'विश्व यूनानी दिवस' पर एक व्याख्यान दिया, जिसका आयोजन 07 फरवरी, 2025 को किया गया था।

अन्य अंतर-संस्थागत सहभागिता

दिल्ली फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी (डीपीएसआरयू) के सहयोग से 5 फरवरी, 2024 को डॉ. शालिनी वार्ष्णेय द्वारा बी. फार्मा (आयुर्वेद) के छात्रों को द्रव्यगुण पर अतिथि व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया जिसका उद्देश्य आधारभूत आयुर्वेदिक ज्ञान को मजबूत करना और अंतःविषय शैक्षणिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना था।

दिल्ली फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी (डीपीएसआरयू) के सहयोग से 15 जनवरी, 2024 से डॉ. शालिनी वार्ष्णेय (एयूटीसीएच) की देखरेख में 'व्यांग (मेलास्मा) में अर्जुन, मंजिष्ठा और वासा (एएमवी) लेप और क्रीम की प्रभावकारिता का फार्मास्युटिकल विकास, मानकीकरण और नैदानिक मूल्यांकन' नामक स्नातकोत्तर अनुसंधान परियोजना के भाग के रूप में एएमवी क्रीम का विकास और मानकीकरण। इस सहयोग का उद्देश्य डॉ. आर्य लक्ष्मी मारिसेट्टी (डीपीएसआरयू) के सह-पर्यवेक्षण में वैज्ञानिक सत्यापन और निर्माण मानकीकरण सुनिश्चित करना था।

संकाय सदस्यों की संख्या

कुल: 78 (अठहत्तर) – (प्रोफेसर – 16, एसोसिएट प्रोफेसर – 15, सहायक प्रोफेसर – 36, तदर्थ – 03, अतिथि – 08)

उपयोग की गई निधि (करोड़)

616005385

आबंटित की गई निधि (करोड़)

662400000

****

वाणिज्य एवं व्यवसाय संकाय

वाणिज्य विभाग

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

वाणिज्य विभाग भारत में वाणिज्य शिक्षा में उत्कृष्टता के लिए प्रसिद्ध है। यह विशेष रूप से अपने शोध प्रयासों, सम्मानित संकाय और प्रेरित छात्र निकाय के लिए जाना जाता है। विभाग अपने प्रतिष्ठित पूर्व-छात्रों पर गर्व करता है जो विश्व स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इसका दृष्टिकोण सीखने की संस्कृति को बढ़ावा देने के इर्द-गिर्द घूमता है। शैक्षणिक उपलब्धियों के अलावा, संस्थान अपने छात्रों को पाठ्येतर गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल करता है। शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 के दौरान, विभाग ने अपने संकाय सदस्यों द्वारा नियमित कक्षा शिक्षण और प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशनों के माध्यम से शिक्षा और अनुसंधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जारी रखी। विभाग एम. कॉम., एमबीए (आईबी), एमबीए (एचआरडी), एमबीए (बी.ए.) और पीएच.डी. कार्यक्रम प्रदान करता है। हाल ही में, वाणिज्य विभाग, वाणिज्य और व्यवसाय संकाय, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स वर्ष 2024-25 के दौरान, विभाग ने दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ मिलकर 10$^{वें}$ वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य सम्मेलन (एआईसीसी) का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस दौरान, विभाग के कई शोध-पत्र प्रकाशित हुए हैं और संकाय सदस्यों को कई सम्मान प्राप्त हुए हैं।

सम्मान/विभूतियां

संकाय

- प्रो. अमित कुमार सिंह को दिल्ली विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति द्वारा अनुकरणीय सेवा, समर्पण और योगदान के लिए प्रशंसा प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।
- प्रो. अमित कुमार सिंह को इस क्षेत्र में उनके योगदान के लिए, आईआईटीएफ 2024 में सेबी और अन्य हितधारकों द्वारा स्थापित 'भारत का शेयर बाजार' मंडप में, सेबी द्वारा निवेशक शिक्षा के चैंपियन के रूप में सम्मानित किया गया।
- प्रो. सुनैना कनौजिया को दिल्ली विश्वविद्यालय से प्रतिष्ठित उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त हुआ।

प्रकाशित कार्य

जर्नल

1. कनौजिया, एस., कौर, एस., और भव्या। (2024)। फिनटेक और रेगटेक के युग में व्यावसायिक स्थिरता: एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा। *डिस्कवर सस्टेनेबिलिटी,* *5*(1). https://doi.org/10.1007/s43621-024-00767-5

2. कनौजिया, एस., और गुप्ता, एस. (2024)। भारत के दिवाला संहिता का एक अनुभवजन्य विश्लेषण: पूर्व-आर्थिक दक्षता पर आधारित परिप्रेक्ष्य। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लॉ एंड मैनेजमेंट.* https://doi.org/10.1108/IJLMA-04-2024-0107
3. सिंह, ए. के., श्रीवास्तव, आर. के., और हरजाई, पी. (2024)। मीडिया की धारणा और आईपीओ प्रदर्शन को आकार देने में इसकी भूमिका। *एफआईआईबी बिजनेस रिव्यू.* अग्रिम ऑनलाइन प्रकाशन। http://dx.doi.org/10.1177/23197145241279670
4. सिंह, ए. के., और अग्रवाल, ए. (2024)। फर्म-स्तरीय विनिमय दर जोखिम और इक्विटी रिटर्न: भारतीय परिप्रेक्ष्य। *फोकस डब्ल्यूटीओ, 26*(2), 31-47.
5. कालरा, एस., सिंह, ए. के., गुप्ता, एस., और स्नेहा, जी. जी. (2024)। भारतीय आईपीओ की सफलता पर कोविड-19 के डर के प्रभाव का खुलासा: एक व्यापक परीक्षण। *मुद्रा: जर्नल ऑफ फाइनेंस एंड अकाउंटिंग,* 11(1), 20-35। https://doi.org/10.17492/jpi.mudra.v11i1.1112402
6. सिंह, ए. के., और कालरा, एस. (2024)। मशीन लर्निंग पद्धतियों का उपयोग करके आईपीओ पूर्वानुमान: डिजिटल युग में वित्तीय बाजारों की एक व्यवस्थित समीक्षा। *अर्थशास्त्र: इंडियन जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड रिसर्च.* अग्रिम ऑनलाइन प्रकाशन। https://doi.org/10.17010/aijer/2024/v13i2/173502
7. गोयल, पी., और गर्ग, ए. (2025)। आभासी व्यक्तित्व, वास्तविक बंधन: मानवरूपी आभासी प्रभावशाली व्यक्तियों का विश्वास और जुड़ाव पर प्रभाव। *जर्नल ऑफ कंज्यूमर मार्केटिंग.* अग्रिम ऑनलाइन प्रकाशन। https://doi.org/10.1108/JCM-05-2024-6915
8. सिंह, आर. के., गोयल, पी., गर्ग, ए., और स्ट्रुवेग, आई. (2025)। मेटावर्स-आधारित खुदरा स्टोरों में भागीदारी के इरादों की खोज: आवागमन में कमी के निहितार्थ। *जर्नल ऑफ रिटेलिंग एंड कंज्यूमर सर्विसेज, 73*, 104177. https://doi.org/10.1016/j.jretconser.2024.104177
9. सिंह, ए. के., और कालरा, एस. (2024). मशीन लर्निंग पद्धतियों का उपयोग करके आईपीओ पूर्वानुमान: डिजिटल युग में वित्तीय बाजारों की एक व्यवस्थित समीक्षा। *अर्थशास्त्र इंडियन जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड रिसर्च, 13*(2), 23-40. https://doi.org/10.17010/aijer/2024/v13i2/173502
10. गोयल, पी., और कुमार, ए. (2024). यह जांच करना कि उपभोग मूल्य और स्थान की पहचान लंबी दूरी के ट्रक चालकों के सड़क किनारे विश्राम स्थलों पर जाने के इरादे को कैसे प्रभावित करती है। *ट्रांसपोर्टेशन रिसर्च पार्ट ए: पॉलिसी एंड प्रैक्टिस, 181*, 104265. https://doi.org/10.1016/j.tra.2024.104265
11. गोयल, पी., विसेंट, सी., राणा, एन. पी., और शर्मा, ए. (2024)। शाकाहार को अलमारी में लाना: उपभोक्ताओं की शाकाहारी चमड़ा खरीदने की मंशा की जाँच। *इंटरनेशनल स्टडीज एंड*

मैनेजमेंट एंड ऑर्गनाइजेशन, 54(1), 1-25. https://doi.org/10.1080/00208825.2024.2374117

12. अग्रवाल, बी., कपूर, डी., और गोयल, पी. (2024)। ई-सेवा गुणवत्ता और ग्राहक संतुष्टि: एक ग्रंथसूची संबंधी पूर्वव्यापी और भविष्य का शोध एजेंडा। *एनवायरमेंट एंड सोशल साइकोलॉजी, 9*(8), अनुच्छेद 2618 https://doi.org/10.59429/esp.v9i8.2618
13. सिंकू, एस., और नंदन, एस. पी. (2024)। भारत में फर्म के वित्तीय प्रदर्शन और विदेशी संस्थागत स्वामित्व पर ईएसजी रेटिंग का प्रभाव: एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा। *शोध कोष: जर्नल ऑफ विजुअल एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स, 5*(5), 1334-1345.
14. सिंकू, एस., और कोंगहे, एम. (2024)। मणिपुर के ग्रामीण लोगों द्वारा वित्तीय उत्पादों और सेवाओं का लाभ उठाने और उन तक पहुँचने में आने वाली चुनौतियों पर एक व्यावहारिक अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल फॉर साइंटिफिक रिसर्च एंड डेवलपमेंट, 12*(7), 40-45.
15. सिंकू, एस., और कुमार, एस. (2024)। बैंकों के भौतिक प्रदर्शन पर विलय और अधिग्रहण के प्रभाव पर एक विश्लेषणात्मक अध्ययन। *यूरोपियन इकोनॉमिक लेटर्स, 14*(2), 366-379. 11.
16. सिंकू, एस., और कुमार, पी. (2024)। शेयर बाजार में निवेशकों के व्यवहार को समझना: भारतीय निवेशकों का एक अनुभवजन्य मूल्यांकन। *द इंडियन इकोनॉमिक जर्नल, 6*(1), 724-734.
17. गोस्वामी, ए. के., सिन्हा, ए., गोस्वामी, एम., और कुमार, पी. (2024)। बिग डेटा और ज्ञान प्रबंधन के बीच मानचित्रण की व्याख्या: एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा और भविष्य की दिशाएँ। *बेंचमार्किंग: एन इंटरनेशनल जर्नल*। अग्रिम ऑनलाइन प्रकाशन। https://doi.org/10.1108/BIJ-09-2022-0550
18. कौर, एस., और पॉल, जे. (2024)। जैविक खाद्य बाजार में प्रौद्योगिकी, सोशल मीडिया और अवतार का दायरा। *ब्रिटिश फूड जर्नल, 126*(12), 4357-4374. https://doi.org/10.1108/BFJ-04-2024-0330
19. गुप्ता, एस., कौर, एस., गुप्ता, एम., और सिंह, टी. (2024)। एआई सशक्त शिक्षा: शैक्षणिक चुनौतियों के लिए एक अस्पष्ट प्राथमिकता ढाँचा। *जर्नल ऑफ इंटरनेशनल एजुकेशन इन बिज़नेस.* अग्रिम ऑनलाइन प्रकाशन। https://doi.org/10.1108/JIEB-06-2024-0071
20. झुनझुनवाला, एस., और फातिमा, एस. (2025)। आय प्रबंधन के साथ सीएसआर के संबंध पर दो दशकों का शोध: विविधता और भविष्य के एजेंडे का मानचित्रण। *कॉर्पोरेट सोशल रिस्पोंसबिलिटी एंड एनवायरमेंटल मैनेजमेंट, 32*(3), 3438-3453. https://doi.org/10.1002/csr.3115

21. मेंदीरत्ता, ए., और कुमार, ए. (2025). क्या उद्योग की उदारता मायने रखती है? ईएसजी विवाद और फर्म मूल्य। *जर्नल ऑफ एडवांसेज इन मैनेजमेंट रिसर्च.* अग्रिम ऑनलाइन प्रकाशन। https://doi.org/10.1108/JAMR-08-2024-0326
22. सिंह, ए. के., श्रीवास्तव, आर. के., और हरजाई, पी. (2024)। सतत वित्तपोषण प्रथाएँ और वित्तीय संस्थानों का प्रदर्शन: एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा। *रामानुजन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एंड रिसर्च, 9*(1), 78-90. https://doi.org/10. 51245/rijbr.v9i1.2024.1528
23. सिंह, ए. के., श्रीवास्तव, आर. के., और चपागैन, आर. (2024)। सतत वित्तपोषण पहल और बैंक प्रदर्शन: एक ग्रंथसूची विश्लेषण। *इंडियन जर्नल ऑफ फाइनेंस, 18*(8), 22-43.
24. लाहेरी, वी. के., लिम, डब्ल्यू. एम., आर्य, पी. के., और कुमार, एस. (2024)। पर्यावरणीय चेतना का एक बहुआयामी दृष्टिकोण: नियोजित व्यवहार के एक पर्यावरणीय रूप से जागरूक सिद्धांत की ओर। जर्नल ऑफ कंज्यूमर मार्केटिंग, 41(3), 281-297 https://doi.org/10.1108/JCM-03-2023-5875

पुस्तक और पुस्तक अध्याय

पुस्तक अध्याय

- प्रो. अमित कुमार सिंह - सिंह, ए.के., गर्ग, वी., और कौशिक, पी. (2025)। विकसित और विकासशील देशों में जलवायु तटस्थता और स्मार्ट इको नवाचारों का अंधकारमय पक्ष। जलवायु तटस्थता और स्मार्ट इको नवाचार और पर्यावरणीय स्थिरता, 299-316.
- प्रो. अमित कुमार सिंह - टैक्समैन पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा "निवेश प्रबंधन" शीर्षक से पुस्तक प्रकाशित।
- प्रो. अनिल कुमार - "कॉर्पोरेट गवर्नेंस: सिद्धांत और व्यवहार" शीर्षक से पुस्तक प्रकाशित।
- डॉ. रोहित कुमार श्रीवास्तव - टैक्समैन पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रकाशित "सभी के लिए वित्त" नामक पुस्तक के सह-लेखक।

शोध परियोजनाएं

- इंस्टीटूशन्स ऑफ़ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रो. अमित कुमार सिंह, ईएसजी लक्ष्यों को आकार देने में क्षेत्रीय प्रदर्शन और भावना योगदान का मानचित्रण: एक स्थिरता परिप्रेक्ष्य, ₹4,00,000।
- कॉर्पोरेट मामलों का मंत्रालय, भारत सरकार, प्रो. अनिल कुमार, प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना का समवर्ती मूल्यांकन, ₹10,00,000.

- इंस्टीटूशन्स ऑफ़ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. रोहित कुमार श्रीवास्तव, कार्बन उत्सर्जन नियमन और शेयर बाजार के प्रदर्शन की स्थिरता: निवेशकों की धारणा का विश्लेषण, ₹4,00,000.
- अरुण जेटली राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान (एजेएनआईएफएम), वित्त मंत्रालय, डॉ. अनिल कुमार गोस्वामी, सार्वजनिक खरीद अधिकारियों के लिए नैतिकता संवेदीकरण (परामर्श), ₹4,00,000.
- इंस्टीटूशन्स ऑफ़ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. सुप्रीत कौर, सतत पर्यटन को बढ़ावा देने में पर्यटन करों की प्रभावकारिता: एक मिश्रित पद्धति दृष्टिकोण, ₹4,00,000.
- इंस्टीटूशन्स ऑफ़ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रो. मदन लाल, सतत उपभोग व्यवहार को प्रभावित करने वाले सामाजिक कारकों का प्रभाव, ₹4,00,000.
- इंस्टीटूशन्स ऑफ़ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रो. आर.के. सिंह, भारत पर केंद्रित उभरते बाजारों में स्थिरता के लिए एआई का उपयोग करके मितव्ययी नवाचार का लाभ उठाना, ₹4,00,000.
- इंस्टीटूशन्स ऑफ़ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रो. विजय कुमार श्रोत्रिया, 2004-2024 के दौरान मानव कल्याण के रुझान: भारत में राजनीतिक प्राथमिकता और सार्वजनिक नीति का एक मामला, ₹4,00,000.

दायर/स्वीकृत पेटेंट

- डॉ. पुरुषोत्तम कुमार आर्य। *स्मार्ट शॉपिंग बैग विद वैक्यूम इंसुलेटेड एंड टेम्परेचर डिस्प्ले.* पेटेंट 437130-001। 3 फ़रवरी 2025.

आयोजित सम्मेलन

- *10वां वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य सम्मेलन (एआईसीसी): अमृत काल में शासन',* दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से 6-7 जनवरी, 2025 को आयोजित और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोजित।
- *12$^{वां}$ इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन बिजनेस एंड मैनेजमेंट, 2025',* शहीद भगत सिंह महाविद्यालय और वाणिज्य विभाग के विभाग-महाविद्यालय इंटरफेस के सहयोग से 18-19 फरवरी, 2025 को आयोजित और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोजित।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

- प्रो. अमित कुमार सिंह ने अंतर्राष्ट्रीय वित्त सम्मेलन में "कार्बन उत्सर्जन में कमी: देश-विशिष्ट अंतर्दृष्टि और पैनल डेटा विश्लेषण के साथ एलएमडीआई" शीर्षक से सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र प्रस्तुत किया और पुरस्कार जीता। इस शोध-पत्र का विषय था - वैश्विक जलवायु वित्त और तकनीकी वास्तुकला:

सतत व्यवसायों और अर्थव्यवस्थाओं के लिए हरित वित्त से नीले वित्त तक के दायरे का विस्तार (आईएफसीजीटीबी 2025)।

- प्रो. अमित कुमार सिंह ने 12-13 फ़रवरी 2025 को विवेकानंद महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, डीएमई मैनेजमेंट स्कूल और महाविद्यालय ऑफ़ बिज़नेस, बुरामी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "वैश्विक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना: सतत भविष्य के लिए उद्यमिता, समावेशन और नवाचार" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "क्या कीमत गलत है? मूल्य निर्धारण और प्रदर्शन में अंतर्दृष्टि" शीर्षक से सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र प्रस्तुत किया और पुरस्कार जीता।
- डॉ. पूजा गोयल ने अक्तूबर 2024 में 75वें अखिल भारतीय वाणिज्य सम्मेलन-2024 में "मूल्य सृजन से ब्रांड प्रतिबद्धता तक: विज्ञापन में सीजीआई की भूमिका" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. पूजा गोयल ने सनवे विश्वविद्यालय, मलेशिया में आयोजित आंशिक न्यूनतम वर्ग संरचनात्मक समीकरण मॉडलिंग (पीएलएस-एसईएम) पर पीएलएस-एसईएम 2024 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सड़क किनारे विश्राम स्थलों पर ट्रक चालक के उपयोग पर व्यक्तिगत और स्थान-आधारित मूल्यों का प्रभाव" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. रोहित कुमार श्रीवास्तव ने 7 अक्तूबर 2024 को गार्गी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वित्तीय साक्षरता: निवेश विकल्पों का रहस्य उजागर करने पर राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध-पत्र प्रस्तुत किया। इस सम्मेलन का विषय था, "इक्विटी बाजार में अस्थिरता पर बजट घोषणा का प्रभाव: एक भारतीय साक्ष्य"।
- डॉ. रोहित कुमार श्रीवास्तव ने 18-20 अक्तूबर, 2024 को गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बांसवाड़ा द्वारा ज्ञान सहयोगी पैसिफिक एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी, उदयपुर के सहयोग से आयोजित 'विकसित भारत @2047' विषय पर भारतीय वाणिज्य संघ के 75वें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी वार्षिक सम्मेलन में 'रोजगार चक्र और राजनीतिक व्यापार चक्र के बीच गतिशील संबंध: एक अनुभवजन्य अध्ययन' शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. रोहित कुमार श्रीवास्तव ने 18-20 अक्तूबर, 2024 को गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बांसवाड़ा द्वारा ज्ञान सहयोगी पैसिफिक एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी, उदयपुर के सहयोग से आयोजित 'विकसित भारत @2047' विषय पर भारतीय वाणिज्य संघ के 75वें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी वार्षिक सम्मेलन में 'वित्तीय बाजार पर एल्गोरिथम ट्रेडिंग का प्रभाव: अवसर और चुनौतियां' शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. रोहित कुमार श्रीवास्तव ने 'हेरिंग व्यवहार और वित्तीय संक्रमण: व्यवस्थित के लिए एक व्यवहारिक वित्त दृष्टिकोण' शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया। आईआईएफटी, कोलकाता परिसर द्वारा 12-13 दिसंबर, 2024 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और वित्त में अनुभवजन्य मुद्दों पर 9वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'नवाचार के लिए विविधता, समानता और समावेश का उपयोग: संगठनात्मक प्रथाओं और परिणामों का एक द्वितीयक डेटा विश्लेषण' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

- डॉ. रोहित कुमार श्रीवास्तव ने आईक्यूएसी और ई-सेल, विवेकानंद महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 12-13 फरवरी, 2025 को बिजनेस महाविद्यालय, बुरामी विश्वविद्यालय और डीएमई मैनेजमेंट स्कूल, जीजीएस इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली के सहयोग से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन-2025 में 'वैश्विक परिप्रेक्ष्य को बढ़ावा देना: सतत भविष्य के लिए उद्यमिता, समावेश और नवाचार' विषय पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. रोहित कुमार श्रीवास्तव ने 1 मार्च, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के गार्गी महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित 'विकसित भारत@2047' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन-2025 में 'ग्रीन बॉन्ड और सतत वित्त: भारतीय संदर्भ में स्टॉक रिटर्न असामान्यताओं का विश्लेषण' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। इस सम्मेलन का विशेष विषय 'हरित अर्थव्यवस्था और ऊर्ध्वाधर शहर: एक सतत भविष्य के लिए लचीले समाधान' था।
- डॉ. रोहित कुमार श्रीवास्तव ने 15 अप्रैल, 2024 को गार्गी महाविद्यालय द्वारा आयोजित "वित्तीय साक्षरता" विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 'ब्रिक्स देशों में वित्तीय बाजार अनुसंधान का ग्रंथसूची विश्लेषण' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. रोहित कुमार श्रीवास्तव ने 12-13 नवंबर, 2024 को जामिया हमदर्द, नई दिल्ली में स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड बिजनेस स्टडीज के प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ऑन सस्टेनेबिलिटी एंड डिजिटलाइजेशन (आईसीएसडी' 24) में "व्यावसायिक, आर्थिक और सामाजिक परिप्रेक्ष्य" विषय पर 'एआई और एल्गोरिथम ट्रेडिंग: ट्रेडिंग रणनीतियों का विश्लेषण और वित्तीय बाजार पर उनका प्रभाव' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- प्रो. सुनैना कनौजिया ने 5-6 दिसंबर, 2024 को बाली में आयोजित दूसरे एशिया सस्टेनेबिलिटी और ईएसजी शिखर सम्मेलन 2024 में "एसडीजी रिपोर्टिंग: सौदे जीतने या सस्टेनेबिलिटी को प्राथमिकता देने के लिए केक पर एक चेरी" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- प्रो. सुनैना कनौजिया ने "वित्तीय कल्याण को खत्म करने वाले व्यवहारिक पूर्वाग्रहों का आधिपत्य: भारत, अमेरिका और ब्रिटेन से साक्ष्य" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। यह शोध-पत्र ग्लोबल रिसर्च फाउंडेशन फॉर कॉर्पोरेट गवर्नेंस (जीआरएफसीजी) द्वारा लंदन, यूके के लॉफबोरो विश्वविद्यालय के सहयोग से 11-13 सितंबर, 2024 के दौरान आयोजित "कॉर्पोरेट प्रशासन, उत्तरदायित्व और पूंजीवाद की संस्थागत विविधता: वैश्विक संवाद की ओर" विषय पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया।
- डॉ. सुमिता सिंकू ने स्कूल ऑफ कॉमर्स, फाइनेंस एंड अकाउंटेंसी, क्राइस्ट (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), दिल्ली द्वारा डरबन यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, रिपब्लिक ऑफ साउथ अफ्रीका के प्रबंधन विज्ञान संकाय के लोक प्रबंधन और अर्थशास्त्र विभाग के सहयोग से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "निर्यात विकास प्राधिकरणों द्वारा प्रोत्साहन उपाय और विदेशी व्यापार और निवेश पर उनका प्रभाव" विषय पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्लेसमेंट विवरण (प्लेस किए गए छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

- एमबीए (आईबी)= 51 (79.69%)

- एमबीए (एचआरडी) = 37 (52.11. %)
- एमबीए (बी.ए.)= 17 (29.31%)
- एम. कॉम. = 81 (36.16%)

सामाजिक आउटरीच

- समाज के वंचित वर्गों की सहायता के उद्देश्य से, विभाग के एमबीए पाठ्यक्रम की टीम संकल्प द्वारा 6 सितंबर 2024 को मलका गंज के पास भो*जन वितरण अभियान चलाया गया।*
- *विभाग के एमबीए पाठ्यक्रम की टीम संकल्प द्वारा 11 अक्तूबर 2024 को डीएमआरसी बाल गृह, तीस हज़ारी में संकल्प स्थापना दिवस 2024 मनाया गया। यह दिन सार्थक गतिविधियों से भरा रहा, जिसमें भोजन वितरण, स्टेशनरी दान, विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रश्नोत्तरी और आकर्षक खेल शामिल थे।*
- *विभाग के एमबीए पाठ्यक्रम की टीम संकल्प द्वारा* शेयरबॉक्स गतिविधि में वंचित व्यक्तियों और परिवारों को वितरण के लिए भोजन, कपड़े और स्वच्छता उत्पादों सहित आवश्यक वस्तुओं का संग्रह शामिल था।

प्रदान की गई एम.फिल./पीएच.डी. डिग्रियों की संख्या

प्रदान की गई पीएच.डी. डिग्रियों की संख्या: 17

प्रदान की गई एम.फिल. डिग्रियों की संख्या: 6

संकाय सदस्य

वरिष्ठ/प्रोफ़ेसर/प्रोफ़ेसर/निदेशक:15

एसोसिएट प्रोफ़ेसर:03

सहायक प्रोफ़ेसर:15

अतिथि:1

आवंटित धनराशि (करोड़): 0.4834000

उपयोग की गई धनराशि (करोड़): 0.2294156

शिक्षा संकाय

शिक्षा विभाग

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

'भारत की जी-20 अध्यक्षता और वैश्विक आर्थिक नीतियाँ' विषय पर भाषण प्रतियोगिता

भारत की जी-20 अध्यक्षता पर रचनात्मक लेखन और चित्रकला प्रतियोगिता

डॉ. बी.आर. आंबेडकर का भारत का विचार: एक पैनल चर्चा

एनईपी 2020 के संदर्भ में शिक्षक शिक्षा की पुनर्कल्पना पर पैनल चर्चा

76वाँ स्थापना दिवस समारोह

सम्मान/विशिष्टताएँ

प्रोफेसर सुस्मिता लख्यानी को शिक्षा, समाज और संस्कृति में योगदान के लिए 'सम्मान-पत्र, नारी शक्ति सम्मान 2025 विशिष्ट उत्कृष्टता पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है। इसे 26 मार्च, 2025 को दिल्ली टीचर्स यूनिवर्सिटी, दिल्ली द्वारा प्रदान किया गया।

प्रकाशन

- अरोड़ा, पं. एंड पांडेय, रा. (2024). शिक्षक-शिक्षा का पुनरावलोकन एवं एकीकृत शिक्षक-शिक्षा कार्यक्रम. *सामाजिक विमर्श.* 6(2), 131-141. (स्कोपस) आईएसएसएन: 2581-6543
- भारद्वाज, एम., रंजन, ए., और शर्मा, जे. (2024) पाठ्यक्रम और एनईपी 2020: परिप्रेक्ष्य और अंतर्संबंध। *इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन,* 70(2) (2024), 237-255। (यूजीसी-केयर) आईएसएसएन: 0019-5561, ई-आईएसएसएन: 2457-0222
- गुप्ता, एस. (2024)। शिक्षा के लिए कक्षा आधारित मूल्यांकन पद्धतियाँ। *जर्नल ऑफ इंडियन एजुकेशन,* 48(4).171-185। (यूजीसी-केयर) आईएसएसएन: 0972-5628
- गुप्ता, एस. और सिंह, ए. (2024)। वित्तीय समावेशन के माध्यम से महिलाओं का वित्तीय सशक्तिकरण: एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा। *मध्य भारती* 85(5), 193-203। (यूजीसी-केयर I), आईएसएसएन 0974-0066।
- चौधरी, पी. और खिरवाडकर, ए. (2024)। शिक्षा में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के क्षेत्र में छात्र-शिक्षकों की उपलब्धि पर मल्टीमीडिया पैकेज की प्रभावशीलता। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंस्ट्रक्शन, 17. (वेब ऑफ साइंस लिस्टेड जर्नल) आईएसएसएन: 1308-1470
- चौधरी**,** पी. एवं चौधरी**,** जे. (2024). स्वामी विवेकानंद के शैक्षिक विचारों की राष्ट्रीय शिक्षा निती 2020 के संदर्भ में प्रासंगिकता. *ज्ञान गरिमा सिंधु.* 82, 255-260. (यूजीसी-केयर) आईएसएसएन: 2321-0443
- इंगोले, एम., मंडल, एच. (2024) महाराष्ट्र की वारली जनजाति की लड़कियों में उच्च शिक्षा: धारणाएँ और बाधाएँ, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशनल डेवलपमेंट।* आईएसएसएन: 0738-0593, ई-आईएसएसएन: 1873-4871
- कंवरिया, वी. के., और सूरज, एम. टी. (2024)। मिडिल स्कूल की गणित की उपलब्धि पर एआई के प्रभाव की खोज। *नेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन,* 22(1), 129-139। आईएसएसएन: 0972-9569

- कंवरिया, वी. के., और यादव, ए. (2024)। तकनीक-संचालित स्थिरता: एडटेक और सतत विकास के अभिसरण की खोज। *एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन: थ्योरी एंड प्रेक्टिस,* 30(4), 11145-11150। आईएसएसएन: 2148-2403
- कंवारिया, वी. के. (2024). प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस: संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ। *प्राथमिक शिक्षक,* अप्रैल 2024। आईएसएसएन: 0970-9312।
- कंवारिया, वी. के. , और यादव, ए. (2024)। शैक्षिक प्रतिमान: आधुनिक शिक्षा में रुझान और चुनौतियाँ। *आईपीई जर्नल ऑफ मैनेजमेंट,* 14(24), 110-119। आईएसएसएन: 2249-9040
- कंवारिया, वी. के. , और रितिका (2024). सेवा-पूर्व शिक्षकों के लिए पाठ योजना में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के एकीकरण की खोज। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशनल टेक्नोलॉजी (आईजेईटी, एनसीईआरटी),* 6(2), 340-345। आईएसएसएन: 2581-8325
- कनवरिया, वी. के., और सुनिधि। (2024)। शिक्षा में डिजिटल साक्षरता का एकीकरण: छात्रों को तकनीक-उन्मुख भविष्य के लिए तैयार करना। *डायलॉग,* 26(2), 90-97। आईएसएसएन: 0973-0095
- कनवरिया, वी. के., और जैन, पी. (2025)। स्कूली छात्रों के बीच शिक्षा की कमी को पूरा करने में यूट्यूब शैक्षिक वीडियो। *इंडियन जर्नल ऑफ एजुकेशनल टेक्नोलॉजी,* 7(1), 269-276। आईएसएसएन: 2581-8325
- कुकरेजा, डी. और एम. राजेंद्रन (2024)। डिजिटल नागरिकता, इंटरनेट दृष्टिकोण और कंप्यूटर आत्म-प्रभावकारिता: मिडिल स्कूल के छात्रों की ऑनलाइन भागीदारी को प्रभावित करने वाले कारकों का मानचित्रण। इंडियन जर्नल ऑफ एजुकेशनल टेक्नोलॉजी, 6(2)। (यूजीसी केयर लिस्टेड जर्नल्स) आईएसएसएन: 2581-8325
- कुमार, एम. एंड निवास, आर. (2024). गुठली और हिचकी: शैक्षिक और सामाजिक विमर्श. *अपनी माटी*, 58. आईएसएसएन: 2322-0724
- कुमार, एस. (2024). उच्च शिक्षा में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण पर छात्रों और शिक्षकों के दृष्टिकोण: एक तुलनात्मक अध्ययन। *तारीख-ए-अदब-ए-उर्दू:* खंड 6, अंक 4 (अक्तूबर-दिसंबर, 2024), पृष्ठ 347-61 (यूजीसी-केयर)। आईएसएसएन: 2582-9157
- हाज़रा, एस., दास, एस., रंजन, ए और भारती, एस. (2024)। विभिन्न एलएमएस के साथ छात्रों की संज्ञानात्मक ज़िम्मेदारी बढ़ाना: डिजिटल युग में व्यावहारिकता और अति-अपेक्षा। *तारीख-ए-अदब-ए-उर्दू:* खंड 6, अंक 4 (अक्तूबर-दिसंबर, 2024), पृष्ठ 347-61 (यूजीसी-केयर)। आईएसएसएन: 2582-9157
- सामल, एस. और चौधरी, पी. (2024). मूल्यांकन और दृष्टिबाधित भावी शिक्षक: एक खोजपूर्ण अध्ययन। *जर्नल ऑफ एजुकेशनल साइंसेज एंड साइकोलॉजी* (जेईएसपी)। खंड XV (LXXVII)। (वेब ऑफ साइंस जर्नल) e-ISSN: 2247-8558

- सिंह, एस. और प्रदीप। (2024)। बौद्धिक और विकासात्मक अक्षमताओं वाले व्यक्तियों के जीवन की पारिवारिक गुणवत्ता: केस स्टडी। *नेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन।* खंड XXII। (यूजीसी-केयर) आईएसएसएन: 2584-2595
- शर्मा, पी. और कुमार, एस. (2024) नृवंशविज्ञान के लिए बुनियादि शिक्षा और गणित की शिक्षा साहित्य समीक्षा, *ज्ञान गरिमा सिन्धु*, अंक 82, पृष्ठ 245-254, आईएसएसएन 2321-0445, यूजीसी-केयर
- कुमार, एस. (2024), स्कूल जाने वाले बच्चों के सकारात्मक मनोविज्ञान और मानसिक स्वास्थ्य की संबंधपरक स्थिति। *अफ़्रीकन जर्नल ऑफ़ बायोमेडिकल रिसर्च,* खंड 27(4s)। स्कोपस सूचीबद्ध, आईएसएसएन: 1119-5096
- कुमार, एस. और शर्मा, पी. (2025), सुगम्य अवसंरचनात्मक और शिक्षण वातावरण: स्थितियाँ और संभावनाएँ, *तारीख़-ए-आदबे उर्दू,* आईएसएसएन: 2582-1229, ई-आईएसएसएन: 2582-9157, खंड-7, अंक 1।
- कुमार, स. (2024). भारत का संविधान, शिक्षा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020. *ज्ञान गरिमा सिंधु,* अंक 81 यूजी सी केयर लिस्टिड. आईएसएसएन: 2321-0443

पुस्तक/पुस्तक में अध्याय

अरोड़ा, पं. (2024). *राजनीति विज्ञान का शिक्षण-शास्त्र.* हिंदी माध्यमिक कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली.

इंगोले, एम., (2023) *फोस्टरिंग मैथमेटिकल नॉलेज थ्रू यूसेज ऑफ मेटा-कॉग्निटिव स्ट्रेटजीस: एन एक्सप्लोरेटिव स्टडी* आईएसबीएन: 978-965-93112-1-7 मिशल अयालोन, बोरिस

अनुसंधान परियोजनाएँ

- शिक्षा विभाग के प्रो. संदीप कुमार को, पीआई के रूप में, 'एन एक्सप्लोरेशन ऑफ़ ब्राइकोलेज ऑफ़ सोशाइलिटी फ्रॉम ए पॉजिटिव साइकोलॉजी पर्सपेक्टिव' नामक शोध परियोजना के लिए 3,00,000 रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और सितंबर 2024 से मार्च 2025 तक की अवधि के लिए है।

आयोजित संगोष्ठी

प्रो. नियाज़ गबद्रखमानोव, प्रयोगशाला प्रमुख, विश्वविद्यालय विभाग, एचएसई विश्वविद्यालय, रूस और प्रो. एवगेनी टेरेंटयेव, निदेशक, शिक्षा संस्थान, एचएसई विश्वविद्यालय, रूस ने 25 नवंबर, 2024 को 'द कंट्रीब्यूशन ऑफ हायर एजुकेशन रिफॉर्म्स इन रीजनल डेवलपमेंट इन रूस: नेशनल प्रायोरिटीज़ एंड

इंडिविजुअल ऑर्पोच्यूनिटिस' रूस में क्षेत्रीय विकास में उच्च शिक्षा सुधारों का योगदान: राष्ट्रीय प्राथमिकताएँ और व्यक्तिगत अवसर' विषय पर व्याख्यान दिया।

डॉ. रूपम सरन, प्रोफ़ेसर, शिक्षा विद्यालय/बाल्यावस्था विभाग, मेडगर एवर्स कॉलेज, ब्रुकलिन, न्यूयॉर्क ने 10 दिसंबर, 2024 को 'कम्प्यूटेशनल प्रोफिसिएंसी एंड स्किल्स इन टीचर एजुकेशन' विषय पर विशेष व्याख्यान दिया।

प्रोफ़ेसर विमोलन मुदाली और प्रोफ़ेसर रोनिका मुदाली, क्वाज़ुलु-नताल विश्वविद्यालय, दक्षिण अफ्रीका ने 17 जनवरी, 2025 को 'सस्टेनबिलिटि एजुकेशन एंड स्कूल-बेस्ड वर्क इंटीग्रेटेड लर्निंग' विषय पर व्याख्यान दिया।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

अंतर्राष्ट्रीय

वी. के. कांवरिया ने 2 अप्रैल, 2024 को एनआईओएस, नोएडा, यूपी में 'पर्सपेक्टिव्स एंड इनोवेशंस इन ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग' विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'पर्सपेक्टिव्स एंड इनोवेशंस इन ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग' शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

वी. के. कांवरिया ने 7 जून, 2024 को त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू, नेपाल में वर्तमान वैज्ञानिक परिदृष्य में ज्ञान परंपरा पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'भारतीय ज्ञान परंपरा की शिक्षा में दिव्यांग विद्यार्थियों के जीवन में शैक्षिक तकनीकी की भूमिका' शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

वी. के. कंवारिया ने 5 जुलाई, 2024 को यूओएस, श्रीलंका और एमएसयू, तिरुनेलवेली, टीएन, भारत में उच्च शिक्षा को सशक्त बनाने पर वैश्विक शिखर सम्मेलन पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'अंडरस्टैंडिंग जंक्शन ऑफ एजुकेशनल टेक्नोलॉजी, हायर एजुकेशन एंड इंडस्ट्री डिमांड्स' शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

वी. के. कांवरिया ने 27 जुलाई, 2024 को त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू, नेपाल के दूरस्थ शिक्षा केंद्र में 'क्राफ्टिंग द फ्यूचर ऑफ एजुकेशन: मास्टरिंग एआई टूल्स फॉर ई-कंटेंट क्रिएशन' शीर्षक से विस्तार व्याख्यान दिया।

वी. के. कंवरिया ने 27 जुलाई, 2024 को त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू, नेपाल के ग्रेजुएट स्कूल ऑफ एजुकेशन में 'सस्टेनिंग इन द एआई एनवायरमेंट: ट्रांस्फॉर्मेटिवे टेक्नोलॉजिस इन हायर एजुकेशन' शीर्षक से व्याख्यान दिया।

वी. के. कंवरिया ने 28 नवंबर, 2024 को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला और कर्टिन विश्वविद्यालय, पर्थ, ऑस्ट्रेलिया में विज्ञान, गणित, प्रौद्योगिकी और शिक्षा पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'इग्जामिनिंग द इम्पैक्ट ऑफ द क्विज़िज़ प्लेटफ़ॉर्म ऑन एसेसमेंट इन ग्रेड 8 मैथेमेटिक्स' शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

वी. के. कंवरिया ने 29 नवंबर, 2024 को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला और कर्टिन विश्वविद्यालय, पर्थ, ऑस्ट्रेलिया में विज्ञान, गणित, प्रौद्योगिकी और शिक्षा पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'एडवांसिंग इनक्लूसिव प्रैक्टिस: द रोल ऑफ कस्टमाइज्ड एसीस्टीव टेक्नोलॉजी इन एजुकेशनल फ्रेमवर्क' शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

वी. के. कंवरिया ने 29 दिसंबर, 2024 को डीबीआरएयू, आगरा, उत्तर प्रदेश में बहु-विषयक अनुसंधान और अभ्यास पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से शैक्षणिक अनुसंधान का विकास: एक परिचय' शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

वी. के. कंवरिया ने 12 फरवरी, 2025 को जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'नीतिगत परिप्रेक्ष्य के प्रकाश में शिक्षक शिक्षा को अग्रभूमि में लाने पर 'इनोवेटिव पेडागॉगिस फॉर द डिजिटल ऐज: प्रेपरिंग टीचर्स फॉर '21st-सेंचुरी क्लासरूम्स' शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

वी. के. कंवरिया ने 13 फ़रवरी, 2025 को आदिवासी महिला उद्यमियों को सशक्त बनाने पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: उद्यमिता के माध्यम से सतत विकास लक्ष्य, सभ्य कार्य और आर्थिक विकास की उपलब्धि का आकलन, सीयूएचपी, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश में 'प्रमोटिंग ट्रिबल वूमेन एंटरप्रेन्योरशिप यूजिंग डिजिटल इनोवेशंस: एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी' शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

वी. के. कंवरिया ने 15 फ़रवरी, 2025 को भारतीय ज्ञान प्रणाली पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: शैक्षणिक विषयों के अभिसरण की खोज, एसजीजीसीएसी, वसई, महाराष्ट्र में 'बिल्डिंग सस्टनेबल रूरल फ्यूचर एंड एम्पावरिंग कम्युनिटिस थ्रू इंडियन नॉलेज सिस्टम' शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

वी. के. कंवरिया ने 27 फ़रवरी, 2025 को सीसीएसयू, मेरठ, उत्तर प्रदेश में डिजिटल युग में उच्च शिक्षा के परिवर्तन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'एआई-ड्राइवेन हायर एजुकेशन: पायोनीरिंग इनोवेशन इन लर्निंग एंड रिसर्च' शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

वी. के. कंवरिया ने 'ऑगमेंटेड रियेलिटि एंड वर्चुअल रियेलिटि इन एजुकेशन: ट्रांसफॉर्मिंग लर्निंग एक्सपीरियंसेस' शीर्षक से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस युग में उच्च शिक्षा की पुनर्कल्पना पर 01 मार्च, 2025 को अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी एसआईसीई, चेन्नई, तमिलनाडु में शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

वी. के. कंवरिया ने 07 मार्च, 2025 को तमिलनाडु के अलगप्पा विश्वविद्यालय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में शैक्षिक सुधारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'एआई इन एजुकेशनल रिसर्च: एथिकल डाइलेम्सस एंड ट्रांसफॉर्मेटिव पॉटेंशियल' शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

वी. के. कंवरिया ने 11 मार्च, 2025 को महाराष्ट्र के अमरावती में एसकेएलएम में बौद्धिक संपदा अधिकार और अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'इवॉल्विंग फ्रंटियर्स: रिसेंट ट्रेंड्स इन रिसर्च, इनोवेशन, एंड इंटलेक्चुअल प्रोपर्टी राइट्स' शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

वी. के. कंवरिया ने 26 मार्च, 2025 को यूपीआरटीओयू, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश में महाकुंभ: सनातन मूल्यों के माध्यम से मानव जीवन में परिवर्तन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'महा कुंभ: द सेक्रेड कोन्फ़्लुएन्स ऑफ डिवोशन, पीस एंड युनिवर्सल हार्मोनी' शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

वी. के. कंवरिया ने 26 मार्च, 2025 को यूपीआरटीओयू, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश में महाकुंभ: सनातन मूल्यों के माध्यम से मानव जीवन में परिवर्तन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'चेलैंजेस ऑफ आईकेएस इन एजुकेशन' शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

पी. चौधरी ने 14वें अंतर्राष्ट्रीय सीईएसआई सम्मेलन 2024 में 'सोसिओ-साइंटिफिक पेडागोजिकल कंटेंट नॉलेज कंसर्निंग रिप्रोडक्टिव एंड सेक्सुअल हैल्थ ऑफ वूमेन: ए स्टडी ऑन बायोलॉजी टीचर्स ऑफ ओडिशा' शीर्षक से पंजाब विश्वविद्यालय, पंजाब में, 22-24 नवंबर, 2024 को शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय

वी. के. कंवरिया ने 11 मई, 2024 को गुरुग्राम, हरियाणा के एसआईएएसटीई में '21वीं सदी में शिक्षकों, शिक्षण और अध्यापन के व्यावसायिक विकास पर राष्ट्रीय सम्मेलन' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'बिल्डिंग डिजिटल पेडागोग्युस: एनहांसिंग टीचर्स प्रोफेशनल डेवलपमेंट इन एजुकेशनल टेक्नोलॉजिस' शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

वी. के. कंवरिया ने 31 अगस्त, 2024 को मुंबई, महाराष्ट्र के केजेएससीएसी में प्राचीन काल से विकसित भारत तक भारत की यात्रा पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में *'डिजिटल एजुकेशन: ए फाउंडेशन फॉर विकसित भारत'* शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

वी. के. कंवरिया ने 8 अक्तूबर, 2024 को जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'यूज ऑफ ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फॉर रिसर्च' शीर्षक से व्याख्यान दिया।

वी. के. कंवरिया ने 18 अक्तूबर, 2024 को महावीर विश्वविद्यालय, मेरठ, उत्तर प्रदेश में अनुसंधान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर राष्ट्रीय सम्मेलन में *'ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स फॉर रिसर्चस'* शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

वी. के. कंवरिया ने 9 दिसंबर, 2024 को विज़न विकसित भारत 2047, वीबीयूएसएस और एसडीपीजीसी, जीबी नगर, यूपी पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 'विकसित भारत 2047 के लिए परामर्श हेतु दिव्यांग विद्यार्थियों की शिक्षा में सरकारी सहायता: एक अध्ययन'।

वी. के. कंवरिया ने 21 जनवरी, 2025 को चेन्नई, तमिलनाडु, भारत में एमसीसी द्वारा आयोजित विजन विकसित भारत 2047 पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 'द रोल ऑफ डिजिटल टेक्नोलॉजीस इन सपोर्टिंग वूमेन एजुकेटर्स इन इंडिया: ए केस अप्रोच' शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

वी. के. कंवरिया ने 21 जनवरी, 2025 को चेन्नई, तमिलनाडु, भारत में एमसीसी द्वारा आयोजित विजन विकसित भारत 2047 पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 'ब्रिजिंग द डिजिटल डिवाइड एमपावरिंग वूमेन इन द इनफार्मेशन ऐज' शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

वी. के. कंवरिया ने 14 फरवरी, 2025 को एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय, उत्तराखंड में आयोजित स्वदेशी ज्ञान, स्वदेशीता और शिक्षाशास्त्र: विजन विकसित भारत@2047 को मजबूत करने के लिए भारतीय ज्ञान प्रणाली का अन्वेषण और सशक्तिकरण पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 'डिजिटीजिंग इंडिजेनस नॉलेज: प्रेसर्विंग कल्चर फॉर फ्यूचर जेनरेशंस' शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

वी. के. कंवरिया ने 'एक्सप्लोरिंग द इंटीग्रेशन ऑफ इंडिजेनस नॉलेज सिस्टम इनटू कंटेम्परारी एसटीईएम एजुकेशन: ए रिसर्च पर्सपेक्टिव' शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया। समकालीन एसटीईएम शिक्षा: एक शोध परिप्रेक्ष्य' पर एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय, उत्तराखंड में 14 फरवरी, 2025 को स्वदेशी ज्ञान, स्वदेशीता और शिक्षाशास्त्र पर राष्ट्रीय सम्मेलन में चर्चा की गई।

वी. के. कंवरिया ने 14 फरवरी, 2025 को पीसीईआर, न्यू पनवेल, महाराष्ट्र में एआई और अल्फा पीढ़ी: प्रौद्योगिकी एकीकरण के माध्यम से डिजिटल विभाजन को पाटना विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 'ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन एजुकेशन: रोल ऑफ टीचर्स टू गाइड द अल्फा जेनरेशन' शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

वी. के. कंवरिया ने 15 फ़रवरी, 2025 को एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय, उत्तराखंड में स्वदेशी ज्ञान, स्वदेशीता और शिक्षाशास्त्र पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ब्रिजिंग ट्रेडिशन एंड मॉडर्निटी: इंडिजेनस नॉलेज एंड एनईपी 2020' शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

वी. के. कंवरिया ने 15 फ़रवरी, 2025 को एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय, उत्तराखंड में स्वदेशी ज्ञान, स्वदेशीता और शिक्षाशास्त्र पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ट्रांसफॉर्मिंग एसटीईएम थ्रू इंडिजेनस नॉलेज: एड्रेसिंग चैलेंजेस ऑफ द 21st सेंचुरी' शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

वी. के. कंवरिया ने 25 फरवरी, 2025 को अलीगढ़, उत्तर प्रदेश के एएमयू में सतत विकास प्राप्ति पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'सस्टनेबल लिवलीहुड्स: एलाइंग एम्प्लॉयमेंट, क्लाइमेट एक्शन एंड जेंडर' शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

वी. के. कंवरिया ने 28 फरवरी, 2025 को विकसित भारत के लिए युवाओं को सशक्त बनाने पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, एसवीसी, पुणे, महाराष्ट्र में 'सस्टनेबल स्टार्टअप्स: ट्रांसफॉर्मिंग चैलेंजेस इनटू ऑर्पोच्युनिटीस फॉर ए ग्रीनर फ्यूचर' शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

वी. के. कंवरिया ने 08 मार्च, 2025 को पटना में एसएक्ससीई में भारतीय ज्ञान प्रणाली और डिजिटल युग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मेडिएटिंग इन द डिजिटल ऐज: रोल ऑफ मोबाइल एप्लिकेशंस इन फोस्टरिंग स्पिरिच्अलिटी' शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

वी. के. कंवरिया ने 09 मार्च, 2025 को डीपीआईएएसई, गंजम, ओडिशा में एनईपी 2020 के तहत समानता, विविधता और समावेशिता को बढ़ावा देने पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'डिजिटल एजुकेशन फॉर एव्रीवन: ब्रेकिंग बेरियर्स, बिल्डिंग ब्रिजेस' शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

वी. के. कंवरिया ने 12 मार्च, 2025 को सीयूएच, महेंद्रगढ़, हरियाणा में शिक्षक शिक्षा में भारतीय ज्ञान प्रणाली के एकीकरण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इंडियन नॉलेज सिस्टम ओपन एजेकेशनल रिर्सोसेस: स्कोप इन टीचर एजुकेशन' शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

वी. के. कंवरिया ने 19 मार्च, 2025 को सीयूजे, जम्मू में स्वदेशी भाषाओं और एनईपी 2020: सतत शिक्षा के मार्ग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'टेक-मीट्स ट्रेडिशन: इनोवेटिंग फॉर इंडिजेनस लैंग्वेज रिवाइवल' शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

वी. के. कंवरिया ने 23 मार्च, 2025 को बीएचयू, वाराणसी, उत्तर प्रदेश में भारत में विकलांग महिलाओं के अधिकार, चुनौतियां और संभावनाएं पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ए फ्यूचर ऑफ डिग्निटी: पॉलिसी शिफ्ट्स एंड एक्शन फ्रेमवर्क्स फॉर वूमेन विद डिशएबिलिटी इन इंडिया' शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

वी. के. कंवरिया ने डीपीजीसी में भारतीय ज्ञान प्रणाली: शिक्षा और समृद्धि पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'चैलेंजेस ऑफ आईकेएस इन एजुकेशन' शीर्षक से हरिद्वार, उत्तराखंड में 29 मार्च, 2025 को शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

चौधरी, पी. ने मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद में महिलाओं और मातृत्व पर सहायक प्रजनन तकनीकों (एआरटी) के प्रभाव की खोज पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'ए स्टडी ऑन

पर्सपेक्टिव एंड अवेयरनेसेस फॉर पोस्ट ग्रेजुएट बायोलॉजी टीचर्स ऑफ ओडिशा ऑन असिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी' शीर्षक से 16-17 जनवरी, 2025 को शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

चौधरी, पी. ने भारतीय परीक्षा और मूल्यांकन प्रणाली: वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की संभावनाओं पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एटीट्यूड टूवार्ड्स द कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी): ए नोवल एंड इनोवेटिव इग्जामिनेशन सिस्टम फॉर एडमिशन टू हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस इन इंडिया' शीर्षक से बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में 18-19 अक्तूबर, 2024 को शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

पी. चौधरी ने 8-9 अप्रैल, 2024 को सिक्किम विश्वविद्यालय में शिक्षक और शिक्षण: व्यावसायिकता का निर्माण, आलोचनात्मक चिंतन और चिंतनशील शिक्षाशास्त्र पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 'इश्यूस एंड कंसर्नस ऑफ विजुअली इम्पेयर्ड स्टूडेंट-टीचर्स रिगार्डिंग एसेसमेंट: इम्पिलकेशंस फॉर टीचर एजुकेशन' शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्लेसमेंट विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

10

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

पूर्व-छात्र बसु स्मृति व्याख्यान 2025

विद्यालय अनुभव कार्यक्रम

क्षेत्र अवलोकन

परियोजनाएँ

स्वतंत्रता दिवस समारोह 2024

शैक्षिक सम्मेलन

ऑस्ट्रेलिया में शिक्षा और अनुसंधान पर चिंतन: डॉ. शिराली पोएड

मनरंजन (बाल मेला)

मनरंजन (खेल दिवस)

मनरंजन (सांस्कृतिक कार्यक्रम)

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी : 21

एम.फिल. : 09

संकाय संख्या

कुल: 38 (प्रोफ़ेसर-18, एसोसिएट प्रोफ़ेसर-06 और सहायक प्रोफ़ेसर-14)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

प्रोफ़ेसर पंकज अरोड़ा एनसीटीई में अध्यक्ष के रूप में शामिल हुए।

***

होम्योपैथिक चिकित्सा संकाय
नेहरू होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल

मुख्य गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

नेहरू होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल दिल्ली सरकार के अंतर्गत स्थापित है और 1992 से दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध है। यह संस्थान 5½ वर्ष का स्नातक-पूर्व कार्यक्रम संचालित करता है, जिससे बी.एच.एम.एस. डिग्री मिलती है और 2009 में शुरू किया गया तीन वर्ष का स्नातकोत्तर एम.डी. (होम्योपैथी) कार्यक्रम भी है, जो शुरू में मेडिसिन प्रैक्टिस में था और बाद में 2018-19 में इसे मेडिसिन के ऑर्गेनन और मटेरिया मेडिका को शामिल करने के लिए विस्तारित किया गया। होम्योपैथी राष्ट्रीय आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त, यह महाविद्यालय इसके नियामक दिशानिर्देशों का पालन करता है। इस संस्थान में 100 बेड वाला एक अस्पताल है जिसमें पूर्णत: कार्यशील ओपीडी और आईपीडी सुविधाएं हैं, जो वरिष्ठ संकाय और रेजिडेंट्स की टीमों की देखरेख में केस डॉक्यूमेंटेशन, डायग्नोस्टिक सपोर्ट और समग्र रोगी देखभाल सुनिश्चित करता है। डायटीशियन और योग प्रशिक्षक की भागीदारी और ओपीडी में चल रही अनुसंधान परियोजनाओं के साथ सेवाओं को और बेहतर बनाया गया है। अस्पताल ने जुलाई 2020 से इम्यून बूस्टर वितरण, कोविद-19 जागरूकता पहल और एक सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र के संचालन के माध्यम से भी जन स्वास्थ्य में योगदान दिया है।

प्रकाशित लेख

- मनचंदा, आर.के. (2024)। विश्व स्तर पर होम्योपैथिक शिक्षा का आधुनिकीकरण और मानकीकरण: एलएमएचआई की पहल। *होम्योपैथी यूरोप,* 26(7), 292. https://homeopathyeurope.org/

- मनचंदा, आर.के. (2024)। ध्वनिक, आयतनिक और विस्कोमेट्रिक विधियों का उपयोग करके विभिन्न तापमानों पर एसिडम लैक्टिकम होम्योपैथिक तनुकरण के भौतिक-रासायनिक व्यवहार पर अल्ट्रासोनिक जांच। *51*(4), 1-23.
- मनचंदा, आर.के. (2025)। होम्योपैथिक उत्पादों का मानकीकरण: चुनौतियाँ, लाभ और वैश्विक रुझान। होम्योपैथी फॉर ऑल, 27(1), 29-33। एचएफवाई एंटरप्राइजेज। https://standardsbis.bsbedge.com
- मनचंदा, आर.के. (2025)। होम्योपैथिक उत्पादों और सेवाओं का मानकीकरण: भारतीय मानक ब्यूरो की एक नई पहल। *10*(1), 9-13. https://doi.org/**10.48165/**ahr.2025.10.1.2
- जेठानी, बी., और जेठानी, ए. (जून 2024)। क्लिनिकल केस स्टडी के माध्यम से पीसीओएस में होम्योपैथी की भूमिका को समझना। *होम्योपैथी.*

अनुसंधान परियोजनाएँ

नेहरू होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल विभिन्न जागरूकता शिविरों, स्वास्थ्य शिविरों, जानकारीप्रद देने वाले कार्यक्रमों, प्रदर्शनियों और सेमिनार के माध्यम से सामान्य स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में कुशल रहा है। संकाय, नर्सिंग अधिकारी, कनिष्ठ रिसर्च फेलो, इंटर्न और छात्रों ने वर्ष 2024-2025 में सभी कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक आयोजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

- डॉ. सीमा राय, अदीबा जावेद आयरन की कमी वाले एनीमिया में मानक इलाज के साथ-साथ व्यक्तिगत होम्योपैथिक दवाओं का एक डबल ब्लाइंड रैंडमाइज्ड, प्लेसबो-नियंत्रित ट्रायल।
- डॉ. जॉर्ज मैथ्यू, डॉ. वैशाली जांगीड क्रोनिक ब्रोंकाइटिस के इलाज में व्यक्तिगत होम्योपैथिक दवा और सेनेगा मदर टिंचर की प्रभावशीलता की तुलना करने के लिए एक सिंगल ब्लाइंड, रैंडमाइज्ड नियंत्रित ट्रायल।
- डॉ. बिपिन जेठानी, डॉ. प्रिया गौतम घुटने के जोड़ के प्राइमरी ऑस्टियोआर्थराइटिस के इलाज में व्यक्तिगत होम्योपैथिक दवा बनाम एंगुस्टुरा वेरा की प्रभावशीलता: एक डबल आर्म, प्रोस्पेक्टिव क्लिनिकल ट्रायल।
- डॉ. बिपिन जेठानी, डॉ. अस्मिता दत्ता एलोपेसिया अरेटा में व्यक्तिगत होम्योपैथिक दवाओं की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक ओपन लेबल प्रोस्पेक्टिव इंटरवेंशनल प्रैग्मैटिक अध्ययन।

- डॉ. मोहित माथुर, डॉ. यास्मीन अंसारी सबक्लिनिकल हाइपोथायरायडिज्म के इलाज में व्यक्तिगत होम्योपैथिक दवा बनाम थायरॉइडिनम 3**x** की प्रभावशीलता: एक डबल आर्म प्रोस्पेक्टिव क्लिनिकल अध्ययन।
- डॉ. राकेश ठक्कर, डॉ. हर्षिका डूडेजा प्रीहाइपरटेंशन के इलाज में व्यक्तिगत होम्योपैथिक उपचार की प्रभावशीलता: एक डबल आर्म, रैंडमाइज्ड, प्लेसबो नियंत्रित ट्रायल।
- डॉ. राकेश ठक्कर, डॉ. डॉली एम लम्बर स्पोंडिलोसिस के इलाज में पोलैरिटी एनालिसिस पद्धति और पारंपरिक होम्योपैथिक पद्धति के परिणामों की तुलना करने के लिए एक प्रोस्पेक्टिव रैंडमाइज्ड दो आर्म पैरेलल क्लिनिकल अध्ययन।
- डॉ. थंकराज बी., डॉ. सुभि जैन एलर्जिक राइनाइटिस के इलाज में व्यक्तिगत होम्योपैथिक दवा बनाम हिस्टामिनम की प्रभावशीलता की तुलना करने के लिए एक रैंडमाइज्ड डबल आर्म पैरेलल क्लिनिकल अध्ययन।
- डॉ. रश्मि चौधरी, डॉ. जोशना विटिलिगो के इलाज में व्यक्तिगत होम्योपैथिक दवा के साथ आर्सेनिकम सल्फरम फ्लेवम 3**x** की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए: डबल ब्लाइंड, डबल आर्म रैंडमाइज्ड नियंत्रित ट्रायल।

आयोजित संगोष्ठी

नेहरू होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल ने विभिन्न जागरूकता शिविरों, स्वास्थ्य शिविरों, जागरूकता बैठकों, प्रदर्शनियों और संगोष्ठियों के माध्यम से सामान्य स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में दक्षता हासिल की है। संकाय, नर्सिंग अधिकारी, कनिष्ठ रेजिडेंट, इंटर्न और छात्रों ने 2024-2025 में सभी कार्यक्रमों की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

- 31.12.2024 को 100 दिनों के टीबी अभियान के तहत टीबी पर जागरूकता कार्यक्रम।
- 23.11.2024 को भगवान बिरसा मुंडा पर संगोष्ठि और भाषण।
- 28.05.2024 को विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस।
- 07.05.2024 को हीट वेव से संबंधित बीमारियों और पोषण पर जागरूकता कार्यक्रम।

आयोजित संगोष्ठियां/सम्मेलन

- 11.02.2025 को एनसीएच के सहयोग से संकाय विकास कार्यक्रम।

- 14.06.2024 को विश्व पर्यावरण दिवस।

विस्तार एवं आउटरीच गतिविधियाँ

नेहरू होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के सामुदायिक चिकित्सा विभाग ने निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए:

- 8 मार्च, 2024: पीएचसी नजफगढ़ का दौरा
- 23 जुलाई, 2024: मदर डेयरी का दौरा
- 13 अगस्त, 2024: एड्वेन इंडस्ट्री का दौरा
- 17 सितंबर, 2024: वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का दौरा
- 9 नवंबर, 2024: पिल्लंजी गाँव में स्वास्थ्य कैंप
- 10 जुलाई, 2024: डॉ. बी. आर. अम्बेडकर विशेष शिक्षा विद्यालय में डायरिया रोको अभियान
- 21 नवंबर, 2024: एनसीडीसी का दौरा
- 15 फरवरी, 2025: डॉ. बी. आर. अम्बेडकर नगर विशेष शिक्षा में स्वास्थ्य और जागरूकता कैंप
- 2 अप्रैल, 2025: पीएचसी महरौली का दौरा

संकाय संख्या

योग: 41-(प्रोफेसर-19, एसोसिएट प्रोफेसर-00, सहायक प्रोफेसर-10, और अतिथि संकाय-12)

अंत:विषयक और अनुप्रयुक्त विज्ञान संकाय

जैव रसायन विभाग

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

विभाग ने अपनी शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों को पूरी दृढ़ता के साथ संचालित किया है। जैव रसायन विभाग को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अवसंरचना सुधार निधि (एफआईएसटी) अनुदान प्रदान किया गया है। विज्ञापित पदों पर भर्ती के लिए आवेदनों की जांच चल रही है और यह जल्द ही पूरी हो जाएगी। विभिन्न कॉलेजों में जैव रसायन विभाग के शिक्षकों की पदोन्नति भी की गई।

एनएएसी टीम ने विश्वविद्यालय के मूल्यांकन के दूसरे दौर के भाग के रूप में विभाग का दौरा किया और टीम ने शिक्षण और अनुसंधान के लिए विभाग में अपनाई गई प्रथाओं के साथ-साथ चल रहे अनुसंधान और उपलब्धियों की पर्याप्त सराहना की। यूजी स्तर पर जैव रसायन में चौथे वर्ष में अनुसंधान के लिए पाठ्यक्रम संरचना और सामग्री पर चर्चा करने के प्रयोजनार्थ फरवरी 2025 में कॉलेज के शिक्षकों, प्राचार्यों और संकाय सदस्यों की एक वार्ता बैठक आयोजित की गई थी। जैव रसायन विज्ञान पर एक प्रस्ताव(एनईपी-2020 फ्रेमवर्क) तैयार कर विश्वविद्यालय को अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया गया। विभागीय गतिविधियों के लिए विभिन्न छात्र समितियों का गठन किया गया। फरवरी 2025 में विज्ञान दिवस और खेल दिवस का आयोजन किया गया।

सम्मान/विभूतियां

संकाय/विभाग

- प्रो. अमिता गुप्ता
- सोसाइटी फॉर बैक्टीरियोफेज रिसर्च एंड थेरेपी द्वारा 2024 का लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित संस्थान (आईओई), दिल्ली स्कूल फॉर स्किल एन्हांसमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट (डीएसएसईईडी) के निदेशक नियुक्त।
- विभाग को भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा "विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अवसंरचना सुधार निधि (एफआईएसटी)" अनुदान से सम्मानित किया गया है।

छात्र

- प्रो. अलो नाग की पीएच.डी. छात्रा सुश्री प्रीति ने भारतीय कैंसर अनुसंधान संघ द्वारा 22 जनवरी 2024 को "मूलभूत शोध आधार के बिना अनुवादात्मक शोध संभव नहीं है" विषय पर आयोजित निबंध-लेखन प्रतियोगिता में पुरस्कार जीता।
- प्रो. अलो नाग की पीएच.डी. छात्रा सुश्री नंदिनी साहनी ने 16-18 जनवरी 2025 को सीएनसीआई, कोलकाता द्वारा आयोजित "कैंसर चिकित्सा विज्ञान में मौलिक और अनुवादात्मक दृष्टिकोणों के अभिसरण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति का पुरस्कार जीता। उन्होंने "कैंसर की प्रगति और चिकित्सीय हस्तक्षेपों में फॉक्सएम1-एचटीईआरटी अक्ष की भूमिका को उजागर करना" विषय पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।
- प्रो. अलो नाग की पीएच.डी. छात्रा सुश्री प्रीति ने सीएनसीआई, कोलकाता द्वारा **16-18** जनवरी **2025** को आयोजित "कैंसर चिकित्सा विज्ञान में मौलिक और अनुवाद संबंधी दृष्टिकोणों के अभिसरण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में आईएसीआर निबंध प्रतियोगिता में

तीसरे सर्वश्रेष्ठ निबंध का पुरस्कार जीता। उनका निबंध "सिस्टम बायोलॉजी और जैव सूचना विज्ञान: कैंसर अनुसंधान और प्रबंधन में प्रगति और अनुप्रयोग" पर आधारित था।

प्रकाशित कार्य

- तंवर, एन., ओझा, आर., अग्रवाल, एस., प्रजापति, वी.के. और मुंडे, एम. (2024). प्रोटीन G-IgG क्रिस्टलोग्राफिक कॉम्प्लेक्स के अंतरापृष्ठीय ज्ञान और IgG के साथ उनके बंधन अध्ययन के आधार पर अवरोधक पेप्टाइड अनुक्रमों का डिज़ाइन। *यूरोपियन बायोफिज़िक्स जर्नल*/53(3):159-170। https://doi.org/10.1007/s00249-024-01704-0
- भालेराव पी., सिंह एस., प्रजापति वी.के., भट्ट टी.के. (2024). प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम के लिए अत्यधिक प्रतिरक्षाजनक बहु-एपिटोप सबयूनिट वैक्सीन विकसित करने हेतु मलेरिया परजीवी सतह प्रोटीन की खोज। *जर्नल ऑफ जेनेटिक इंजीनियरिंग एंड बायोटेक्नोलॉजी*/22, 100377. https://doi.org/10.1016/j.jgeb.2024.100377
- कलिता ई, पांडा एम, धर एस, मेहरोत्रा एस, प्रजापति वीके, (2025). फार्माकोइन्फॉर्मेटिक्स-आधारित स्क्रीनिंग और एक न्यूट्रलाइजिंग एंटी-SARS-CoV-2 कैमेलिडे नैनोबॉडी ड्रग कंजुगेट का निर्माण। *मोल डाइवर्स*/2025 जनवरी 28. doi: 10.1007/s11030-024-11086-2. https://doi.org/10.1016/j.jgeb.2024.100377
- कुमार के, क्रोबू एल, थियाम आर, मंडल सीसी, स्टर्कर्स वाई, प्रजापति वीके, (2025). लीशमैनिया डोनोवानी में एपोप्टोटिक प्रोटीन: सिलिको स्क्रीनिंग, मॉडलिंग और नॉक-आउट और जीन अभिव्यक्ति विश्लेषण द्वारा सत्यापन। *पैरासाइट*/32 (9)। https://doi: 10.1051/parasite/2024081.
- चीमा पी.एस., नंदी डी., नाग ए. (2025). कैम्पटोथेसिन फॉक्सएम1 अवरोध के माध्यम से कैंसर-रोधी प्रभाव डालता है। *इंडियन जर्नल ऑफ बायोकैम एंड बायोफिज़िक्स*, 62, 331-341. https://doi.org/10.56042/ijbb.v62i3.14131. (लेख के आंकड़े पत्रिका के कवर पेज के लिए चुने गए हैं)
- भट्ट एस, महापात्रा ए.के., राजेश ए.एस., मेहर एस, नाग ए, पांडा पी.के., नंदा आर.के. और कुंडू एस. (**2025).** क्या बिगड़ती एंटीऑक्सीडेंट सुरक्षा और बिगड़ा हुआ γ-ग्लूटामिल चक्र सिकल सेल रोग वाले व्यक्तियों में ऑक्सीडेटिव तनाव और हेमोलिसिस को प्रेरित करता है**?** एंटीऑक्सीडेंट रेडॉक्स सिग्नल. 42, 199-211. https://doi:10.1089/ars.2024.0594.
- रजा एम, भारती एच, चौहान, सी., सिंगल, ए., झा, डी., घोष, पीसी और नाग ए. (**2024).** प्रायोगिक सेरेब्रल मलेरिया के एक म्यूरिन मॉडल में कैशनिक लिपोसोम के माध्यम से दिए गए मेफ्लोक्वीन की बढ़ी हुई मलेरिया-रोधी प्रभावकारिता. यूरो. जे. फार्म. बायोफार्मा. 197, 114210. https://doi:10.1016/j.ejpb.

- नंगपाल पी**,** नागपाल एनएल**,** अंगरीश एन और खरे जी (**2025).** माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस संक्रमणों के अध्ययन के लिए मॉडल प्रणालियाँ: वैज्ञानिक क्षमता और बाधाओं का अवलोकन। फ्रंट सेल इंफेक्ट माइक्रोबायोल. 15, 1572547. https://doi.org/10.3389/fcimb.2025.1572547.
- सिमरन कौर**,** नूपुर अंगरीश**,** मदवन वासुदेवन**,** गरिमा खरे **(**2024). वैश्विक प्रोटिओमिक्स माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस द्वारा परिवर्तित मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं के मार्गों का खुलासा करता है। साइंटिफिक रिपोर्ट्स**,** 14(1), 30677. https://doi.org/10.1038/s41598-024-75722-5.
- दयाल डी. (**2024). lncRNA** और मोटापे के बीच संबंध को समझना: मनुष्यों और ड्रोसोफिला का दृष्टिकोण. हेलियॉन 10 (2024) e35327. https://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S2405844024113588

पुस्तक अध्याय:

- कलिता ई, पांडा एम, राव ए, पांडे आरके, प्रजापति वीके. (2024). वायरल मिमिक्री और अंतःस्रावी तंत्र: मेज़बान-सूक्ष्मजीव क्रॉसटॉक में महत्व का प्रकटीकरण। एडव प्रोटीन केम स्ट्रक्चर बायोल। 2024;142:421-436, एल्सेवियर एकेडमिक प्रेस। https://doi.org/10.1016/bs.apcsb.2024.03.005.
- राव ए., कुमारी डी., सिंह एस., कुमार के., प्रजापति वीके. (2024). क्वांटम-सक्षम दवा खोज प्रक्रिया। क्वांटम कंप्यूटिंग का उपयोग करते हुए दवा वितरण प्रणालियाँ, (पृष्ठ: 27-55) जॉन विले एंड संस, इंक. https://doi.org/10.1002/9781394159338.ch2.
- डडवाल एस, धर एस, बघेल के, मिश्रा ए, मेहरोत्रा एस, प्रजापति वीके. (2024)। अतीत से वर्तमान तक: इम्यूनोथेरेपी का विकास और इसकी आधुनिक पद्धतियाँ। एडवांस प्रोटीन केम स्ट्रक्चर बायोल। 2025;144:1-32, एल्सेवियर एकेडमिक प्रेस। https://doi.org/10.1016/bs.apcsb.2024.10.015.
- कार एस, मेहरोत्रा एस, प्रजापति वीके. (2025); संक्रमण से उपचार तक: कैंसर के उपचार में ऑन्कोलिटिक वायरस का उपयोग। एडवांस प्रोटीन केम स्ट्रक्चर बायोल। 2025;144:213-257। एल्सेवियर एकेडमिक प्रेस। https://doi.org/10.1016/bs.apcsb.2024.10.012.
- मालेमंगनबा टी**,** पांडे ए.के.**,** मिश्रा ए.**,** मेहरोत्रा एस.**,** प्रजापति वी.के. (**2025).** ठोस ट्यूमर ऑन्कोलॉजी में एंटीबॉडी-ड्रग संयुग्मों के साथ इम्यूनोथेरेपी की खोज। एडवांस प्रोटीन केम स्ट्रक्चर बायोल. 2025;144:259-286. एल्सेवियर एकेडमिक प्रेस. https://doi.org/10.1016/bs.apcsb.2024.10.016.

- बघेल के., मेहरोत्रा एस., प्रजापति वी.के. (**2025).** सीएआर-टी थेरेपी से अग्नाशय के कैंसर के उपचार में क्रांतिकारी बदलाव, एडवांस प्रोटीन केम स्ट्रक्चर बायोल. **2025;144:331-353.** एल्सेवियर एकेडमिक प्रेस. एल्सेवियर एकेडमिक प्रेस. **https://doi.org/10.1016/bs.apcsb.2024.10.008.**
- कार एस, वर्मा डी, मेहरोत्रा एस, प्रजापति वीके (**2025**). कैंसर को लक्षित करने के लिए प्रतिरक्षा प्रणाली का पुनर्गठन: टी कोशिकाओं, साइटोकिन्स और टीकों पर आधारित चिकित्सा। एडवांस प्रोटीन केम स्ट्रक्चर बायोल। **2025;144:77-150**। एल्सेवियर एकेडमिक प्रेस। **https://doi.org/10.1016/bs.apcsb.2024.10.017**.
- राय पी, मेहरोत्रा एस, प्रजापति वीके (**2025).** मानव संक्रामक रोगों को नियंत्रित करने के लिए इम्यूनोथेरेपी की खोज। एडवांस प्रोटीन केम स्ट्रक्चर बायोल। **2025;144:389-429**। एल्सेवियर एकेडमिक प्रेस। **https://doi.org/10.1016/bs.apcsb.2024.10.010**.
- कार एस, वर्मा डी, मेहरोत्रा एस, प्रजापति वीके. कैंसर को लक्षित करने के लिए प्रतिरक्षा प्रणाली का पुनर्गठन: टी कोशिकाओं, साइटोकिन्स और टीकों पर आधारित चिकित्सा (**2025**). एडव प्रोटीन केम स्ट्रक्चर बायोल. **2025;144:77-150.** एल्सेवियर एकेडमिक प्रेस.**https://doi.org/10.1016/bs.apcsb.2024.10.017.**

पुस्तकें

- प्रजापति, वी.के. (**2024).** इंजीनियरों के लिए इम्यूनोलॉजी: प्रोटीन रसायन विज्ञान और संरचनात्मक जीव विज्ञान में प्रगति (खंड **140).** एल्सेवियर एकेडमिक प्रेस. आईएसबीएन: **978-0-443-19350-7**
- प्रजापति, वी.के. (**2025).** इम्यूनोथेरेपी: भविष्य को बदलने के लिए जादुई गोली. चिकित्सा विज्ञान: प्रोटीन रसायन विज्ञान और संरचनात्मक जीव विज्ञान में प्रगति (खंड **144).** एल्सेवियर एकेडमिक प्रेस. आईएसबीएन: **978-0-443-15946-6.**

अनुसंधान परियोजनाएं

- डॉ. विजय कुमार प्रजापति, जैव रसायन विभाग को 'नवीन चिकित्सा पद्धति विकसित करने के लिए लीशमैनिया परजीवियों के एंटी-एपोप्टोटिक और प्रो-एपोप्टोटिक प्रोटीनों का परिमाणीकरण और अभिव्यक्ति' नामक शोध परियोजना के लिए **₹2.23** करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा प्रदान किया गया है और अप्रैल **2024** से अप्रैल **2028** तक की अवधि के लिए है।
- डॉ. विजय कुमार प्रजापति, जैव रसायन विभाग को 'संभावित लीशमैनियासिस उपचार के रूप में ग्लाइकोसोमल झिल्ली जैवजनन को रोकना' नामक शोध परियोजना के लिए **₹1.07**

करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा प्रदान किया गया है और अप्रैल **2024** से अप्रैल **2028** तक की अवधि के लिए है।

- डॉ. गरिमा खरे, जैव रसायन विभाग को "पशु मॉडलों में क्षय रोग के विरुद्ध विषमलैंगिक प्राइम बूस्ट वैक्सीन व्यवस्था का विकास एवं मूल्यांकन" नामक परियोजना के लिए पीआई के रूप में **14.90** लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान आईजीएनआईटीई लाइफ साइंस फाउंडेशन द्वारा प्रदान किया गया है और दिसंबर **2024** से दिसंबर **2026** तक की अवधि के लिए है।

आयोजित संगोष्ठियां

- अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के जैव-रसायन विभाग की प्रमुख प्रो. कल्पना लूथरा ने **20** मार्च, **2024** को सेमिनार में "एचआईवी-**1** संक्रमित बच्चों में परिसंचारी विषाणुओं और सुरक्षात्मक एंटीबॉडी प्रतिक्रियाओं का लक्षण वर्णन: टीका डिजाइन के लिए मार्गदर्शिका" विषय पर व्याख्यान दिया।
- सीएसआईआर जीनोमिक्स और एकीकृत जीव विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली की मुख्य वैज्ञानिक डॉ. नीरू सैनी ने **29** फरवरी, **2024** को विज्ञान दिवस के अवसर पर "माइक्रोआरएनए - मूल जीव विज्ञान से अनुवाद संबंधी प्रासंगिकता" विषय पर एक संगोष्ठी दी और प्रोफेसर पी.सी. घोष मेमोरियल लेक्चरर **2024** रहीं।
- आईआईटी, बीएचयू, वाराणसी के जैव रासायनिक इंजीनियरिंग स्कूल के डॉ. सुमित कुमार सिंह ने **11** दिसंबर, **2024** को सेमिनार में "सीएचओ में उत्पादित वीआरसी**01** के साइट-विशिष्ट एन-लिंक्ड ग्लाइकोसिलेशन पर महत्वपूर्ण प्रक्रिया मापदंडों का प्रभाव" विषय पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. प्रेम एस. कौशल, एसोसिएट प्रोफेसर, क्षेत्रीय जैव प्रौद्योगिकी केंद्र, फरीदाबाद, हरियाणा ने **19** अगस्त, **2024** को सेमिनार में "क्रायो-ईएम: परमाणु विवरणों में जैव अणुओं की संरचनाओं को समझने के लिए एक उपकरण" पर व्याख्यान दिया।

सेमिनारों/सम्मेलनों में प्रस्तुतिकरण (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

अंतर्राष्ट्रीय

राष्ट्रीय

- प्रो. अमिता गुप्ता ने "पूर्व-पैकेज्ड अल्ट्रा प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों के खतरों के बारे में जागरूकता और लेबल पढ़ने के महत्व" पर उद्घाटन भाषण दिया, शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, **24** अप्रैल, **2025**.

- प्रो. अमिता गुप्ता ने विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया और माइक्रोबायोलॉजिकल साइंसेज अकादमी (एएमएससी), आईआईटी दिल्ली सोनीपत परिसर द्वारा **15-16** फरवरी, **2025** को "एनईपी-**2020** के तहत उच्च शिक्षा शिक्षण-अधिगम मानकों को पूरा करने के लिए माइक्रोबायोलॉजी पाठ्यक्रमों की डिजाइनिंग और बेंचमार्किंग" पर आयोजित कार्यशाला में "स्नातक इम्यूनोलॉजी पाठ्यक्रम" पर एक व्याख्यान दिया।
- प्रो. अमिता गुप्ता ने "बायोकेमिस्ट्री: जीवन की क्रियाओं और प्रतिक्रियाओं की चल रही खोज" पर आयोजित **93**वीं एसबीसीआई बैठक में "माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस में टॉक्सिन-एंटीटॉक्सिन लोकी के रहस्यों को उजागर करना" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। बड़ौदा विश्वविद्यालय, वडोदरा, गुजरात में **27** से **29** दिसंबर, **2024** तक।
- प्रो. अमिता गुप्ता ने "शोध प्रस्ताव के लिए सफलता की रणनीतियाँ: संकल्पना से कार्यान्वयन तक" विषय पर आयोजित संगोष्ठी में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया, गृह अर्थशास्त्र संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, **22** नवंबर, **2024.**
- प्रो. अमिता गुप्ता ने "मानव कल्याण के लिए सूक्ष्मजीवों के परिप्रेक्ष्य" पर गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार, हरियाणा में **14** से **17** नवंबर, **2024** तक आयोजित **65**वें एएमआई वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस में विष-प्रतिविष स्थानों की अभिव्यक्ति के पैटर्न और कार्य" विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- प्रो. अमिता गुप्ता ने **8-9** नवंबर, **2024** तक भवन्स कॉलेज, मुंबई में आयोजित **5**वें अंतर्राष्ट्रीय बैक्टीरियोफेज अनुसंधान एवं रोगाणुरोधी प्रतिरोध सम्मेलन (आईसीबीआरएआर **2024)** में आयोजित वैज्ञानिक कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया और मौखिक व्याख्यान दिया।
- प्रो. अमिता गुप्ता ने देशबंधु कॉलेज के जैव रसायन विभाग, बायोस्पार्क**'24** द्वारा "नवाचारों, प्रौद्योगिकियों और रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) से निपटने की रणनीतियों में प्रगति" विषय पर **24** सितंबर, **2024** को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "तपेदिक में रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) का समाधान: दवा प्रतिरोधी माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस का पता लगाने के लिए एक आणविक विधि का विकास" विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- प्रो. अमिता गुप्ता ने एकेडमी ऑफ माइक्रोबायोलॉजिकल साइंसेज (एएमएससी), शारदा विश्वविद्यालय, नोएडा द्वारा **5-10** अगस्त, **2024** तक "परिणाम-आधारित शिक्षण और अधिगम के लिए एक उपकरण के रूप में विषय-विशिष्ट बेंचमार्किंग" विषय पर आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया और "स्नातक इम्यूनोलॉजी शिक्षा में क्रांति" विषय पर एक व्याख्यान दिया।

- प्रो. अमिता गुप्ता ने दिल्ली विश्वविद्यालय के शिवाजी कॉलेज के जैव रसायन विभाग द्वारा **25-26** अप्रैल**, 2024** को "आरएनए आधारित चिकित्सा विज्ञान: खोज से क्लिनिक तक" पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "विश्वविद्यालय पारिस्थितिकी तंत्र में नवाचार संचालित अनुसंधान: दूसरों को प्रशिक्षित करने की प्रेरणा" विषय पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. प्रजापति ने इंद्रशील विश्वविद्यालय**,** गुजरात**,** भारत के विज्ञान संकाय के जैव-विज्ञान विभाग द्वारा **23** से **25** जनवरी**, 2025** तक "एक स्थायी भविष्य के लिए जैविक विज्ञान: अनुसंधान नवाचार और समाधान" पर आयोजित पहले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "आंत के लीशमैनियासिस के खिलाफ संभावित अवरोधकों की पहचान करने के लिए दवा पुनर्प्रयोजन दृष्टिकोण" शीर्षक से शोध कार्य प्रस्तुत किया।
- प्रो. अलो नाग ने **21** फरवरी**, 2025** को एम्स**,** ऋषिकेश में "एकीकृत ऑन्कोलॉजी और सिस्टम मेडिसिन: उभरते रुझान और चिकित्सीय क्षमता" पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "आर्टेमिसिनीन के साथ लिवर कैंसर में ऑन्कोजेनिक मार्गों को बाधित करना" शीर्षक से शोध कार्य प्रस्तुत किया।
- प्रो. अलो नाग ने कश्मीर विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा **28** और **29** अगस्त**, 2024** को "एसटीईएम में महिलाओं का सशक्तिकरण: जम्मू और कश्मीर में अवसरों का निर्माण" पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान "गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के खिलाफ लड़ाई में तंत्र-आधारित दवा खोज: नवाचार का मार्ग" शीर्षक से शोध कार्य प्रस्तुत किया।
- डॉ. गरिमा खरे ने **25-26** अक्टूबर**, 2024** को आईआईएससी**,** बेंगलुरु में आयोजित इग्नाइट लाइफ साइंस फाउंडेशन की बैठक में आरएनए प्रौद्योगिदियों पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. गरिमा खरे ने **22-23** अगस्त**, 2024** को एनसीबीएस**,** बेंगलुरु में आयोजित एंटी-माइक्रोबियल रेजिस्टेंस (एआरसी**-2024)** सम्मेलन में व्याख्यान दिया।
- डॉ. गरिमा खरे ने में हेल्थ सिक्योरिटी पार्टनर्स और फेडरेशन ऑफ एशियन बायोटेक एसोसिएशन द्वारा **29-31** जुलाई**, 2024** को हैदराबाद**,** भारत में **'**विषाक्त पदार्थों के साथ काम करने वाली प्रयोगशालाओं के लिए जैव सुरक्षा: प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित करने का कार्यक्रम**'** विषय पर आयोजित कार्यशाला में एक प्रस्तुति दी।
- डॉ. गरिमा खरे ने **4-5** जुलाई**, 2024** को आईआईटी गांधीनगर में आयोजित छठी बायोग्रुप-इंडिया बैठक में व्याख्यान दिया।
- डॉ. गरिमा खरे ने डेलॉइट कंसल्टिंग (अमेरिका के विदेश विभाग द्वारा वित्त पोषित) द्वारा मनीला**,** फिलीपींस में **3-4** सितंबर**, 2024** को साक्ष्य-आधारित जैवसुरक्षा वैश्विक अनुसंधान एजेंडा शुरू करने के लिए आयोजित तकनीकी कार्यशाला में भाग लिया**।**

प्लेसमेंट विवरण (प्लेस किए गए छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

हमारे विभाग से एम.एससी. और पीएच.डी. पाठ्यक्रम पूरा करने वाले अधिकांश छात्र विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त करते हैं।

विस्तार एवं आउटरीच गतिविधियाँ

- गृह अर्थशास्त्र संस्थान, डीयू के बीएससी (ऑनर्स) बायोकेमिस्ट्री के छात्रों ने **13** फरवरी **2025** को विभाग का दौरा किया। छात्रों को संकायों द्वारा विभाग की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई, जिसके बाद उन्हें विभिन्न शोध प्रयोगशालाओं का दौरा कराया गया।
- शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के बीएससी (ऑनर्स) बायोकेमिस्ट्री के छात्रों ने **12** फरवरी **2025** को विभाग का दौरा किया। छात्रों को संकाय द्वारा विभाग की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई, जिसके बाद उन्हें विभिन्न शोध प्रयोगशालाओं का दौरा कराया गया।
- शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर विमेन (एसआरसीएएसडब्ल्यू), डीयू के बायोकेमिस्ट्री विभाग के छात्रों और संकाय सदस्यों द्वारा **23** अप्रैल **2024** को दौरा किया गया।
- डीयू कॉलेजों के बायोकेमिस्ट्री विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा लिखित और स्प्रिंगर नेचर द्वारा प्रकाशित "न्यूट्रिशनल बायोकेमिस्ट्री की पाठ्य पुस्तक" का **10** अप्रैल **2024** को पुस्तक विमोचन।
- एम.एससी. विभाग द्वारा उद्योग भ्रमण पहल के तहत, **18** मार्च **2025** को छात्रों का पैनेशिया बायोटेक, नई दिल्ली भ्रमण।
- **13** मार्च **2024** को भास्कराचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज, डीयू के प्राणीशास्त्र विभाग के छात्रों और संकाय सदस्यों का भ्रमण।
- विभाग द्वारा एमएससी और पीएचडी छात्रों के लिए **7** से **10** मार्च **2024** तक मसूरी में छात्र भ्रमण यात्रा का आयोजन किया गया।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी. : 05

संकाय सदस्य-संख्या

कुल: 06 (छह) - (प्रोफेसर - 03, एसोसिएट प्रोफेसर - 02, और सहायक प्रोफेसर - 01)

जैव-भौतिकी विभाग

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

जैव-भौतिकी विभाग में डीबीटी, डीएसटी, आईसीएमआर, सीएसआईआर, यूजीसी और दिल्ली विश्वविद्यालय के इंट्राम्यूरल अनुदानों से वित्त पोषित सुस्थापित अनुसंधान प्रयोगशालाएँ हैं। विभाग संरचनात्मक और कम्प्यूटेशनल जीवविज्ञान के क्षेत्रों में अनुसंधान के अवसर प्रदान करता है। प्रो. मनीष कुमार का शोध समूह अनेक समस्याओं/क्षेत्रों पर काम करता है, जो ट्रांसलेशनल शोध के लिए महत्वपूर्ण हैं। शोध के हितों में सूक्ष्मजीवों के बीच विषाणु और एंटीबायोटिक प्रतिरोध के विकास और प्रसार के पीछे के तंत्र को समझने के लिए जैव सूचना-विज्ञान, रसायन-सूचना विज्ञान और फ़ाइलोजेनोमिक्स उपकरणों का उपयोग करके माइक्रोबियल जीनोम और प्रोटिओम का विश्लेषण शामिल है। श्री कुमार की प्रयोगशाला विभिन्न जैविक भंडारों में एंटीबायोटिक प्रतिरोध जीन के भार का विश्लेषण करने के लिए नेक्स्ट जनरेशन सीक्वेंसिंग-आधारित मेटाजीनोमिक डेटा का भी उपयोग करती है वे सीआरआईएसपीआइ़ कार्य में शामिल **Cas** प्रोटीन की क्रियाविधि में भी रुचि रखते हैं। डॉ. हेमलता अग्निहोत्री की प्रयोगशाला कोशिका संकेतन, रिसेप्टर जीव विज्ञान और मेज़बान-रोगज़नक़ अंतःक्रियाओं पर काम करती है। डॉ. सुमित कुमार चतुर्वेदी की प्रयोगशाला प्रोटीन पर संरूपण और लिगैंड बंधन पर काम करती है। डॉ. सुमन टपर्याल की शोध रुचि मुख्य रूप से सबयूनिट टीके, प्रोटीन इंजीनियरिंग और अनुप्रयुक्त जैव प्रौद्योगिकी में है।

सम्मान/विभूतियां

छात्र

- एमएस.सी. जैव-भौतिकी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अलीशा गोयल को वर्ष **2023-24** के लिए जवाहर भवन ट्रस्ट मेरिट-कम-मीन्स छात्रवृत्ति प्रदान की गई, **2** जुलाई, **2024.**
- एमएस.सी. जैव-भौतिकी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुरवी भाया जापान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (जेएसटी) द्वारा आयोजित सकुरा विज्ञान विनिमय कार्यक्रम के लिए चयनित, सितंबर **2024.**
- गोविंदा राव दब्बूरू, पीएच.डी. छात्र को **22-25** अक्टूबर, **2024** को ओकिनावा, जापान में आयोजित एशिया प्रशांत संयुक्त जैव सूचना--विज्ञान सम्मेलन (एपीबीजेसी **2024)** और एएससीएस **2024** में अपने शोध को पोस्टर के रूप में प्रस्तुत करने के लिए इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी (आईएससीबी) से अनुदान प्राप्त हुआ।
- गोविंदा राव दब्बूरू, पीएचडी छात्र को जनवरी **2025** में यूके के ईएमबीएल-ईबीआई में आयोजित अल्फाफोल्ड शिक्षा शिखर सम्मेलन में भाग लेने और अपना शोध प्रस्तुत करने

के लिए यूरोपीय आणविक जीव विज्ञान प्रयोगशाला (ईएमबीएल) से यात्रा अनुदान प्राप्त हुआ।

- पीएच.डी. की छात्रा आकृति जैन को अक्टूबर **2024** में ओकिनावा, जापान में आयोजित एशिया प्रशांत जैव सूचना विज्ञान संयुक्त सम्मेलन (एपीबीजेसी **2024)** में अपना शोध प्रस्तुत करने के लिए डीएसटी एसईआरबी से यात्रा अनुदान प्राप्त हुआ, **22-25** अक्टूबर, **2024.**
- पीएच.डी. के छात्र गोविंदा राव दब्बूरू ने जनवरी **2024** से जनवरी **2025** तक इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी-स्टूडेंट काउंसिल रीजनल स्टूडेंट ग्रुप (आईएससीबी-एससी आरएसजी)-भारत के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।
- जैव-भौतिकी विभाग के पीएच.डी. के छात्र श्री गोविंदा राव दब्बूरू, सुश्री निकिता रे, श्री जतिन जोशी और सुश्री आकृति जैन ने ओकिनावा, जापान में हाइब्रिड मोड में आयोजित तीसरे एशियाई छात्र परिषद संगोष्ठी (एएससीएस **2024)** की आयोजन समिति के सदस्यों के रूप में कार्य किया। **22-25** अक्टूबर, **2024.**
- जतिन जोशी, पीएच.डी. छात्र (द्वितीय वर्ष) को जनवरी **2025** से इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी-स्टूडेंट काउंसिल रीजनल स्टूडेंट ग्रुप (आईएससीबी-एससी आरएसजी) - भारत का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।
- डॉ. सोमेंद्र सिंह नम्ब्रम, पोस्टडॉक्टरल फेलो को ईएससीएमआईडी ग्लोबल, यूरोपियन सोसाइटी ऑफ क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजी एंड इंफेक्शियस डिजीज **2024** में एक शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के गैर-आईसीएमआर वैज्ञानिकों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय यात्रा सहायता प्रदान की गई, बार्सिलोना, स्पेन, **27-30** अप्रैल, **2024.**
- डॉ. सोमेंद्र सिंह नम्ब्रम, पोस्टडॉक्टरल फेलो को ईएससीएमआईडी ग्लोबल, यूरोपियन सोसाइटी ऑफ क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजी एंड इंफेक्शियस डिजीज **2024** में एक शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर**)** मानव संसाधन विकास समूह से सीएसआईआर विदेश यात्रा अनुदान प्राप्त हुआ, बार्सिलोना, स्पेन, **27-30** अप्रैल, **2024.**
- डॉ. नीलजा सिंघल को ईएससीएमआईडी ग्लोबल, यूरोपियन सोसाइटी ऑफ क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजी एंड इन्फेक्शियस डिजीज **2024** में शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (**CSIR)** मानव संसाधन विकास समूह से सीएसआईआर विदेश यात्रा अनुदान प्राप्त हुआ, बार्सिलोना, स्पेन **27 - 30** अप्रैल, **2024**.

प्रकाशित कार्य

- सिद्दीकी एजे, एल्काहौई एस, अलशमरी एएम, पटेल एम, घोनीम एईएम, अब्दुल्ला आरएएच, द्विवेदी-अग्निहोत्री एच, बदरौई आर, अदनान एम., एस्परैगस रेसमोसस विल्ड की कैंसर-रोधी क्षमता में यांत्रिक अंतर्दृष्टि। ट्रिपल-नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर के खिलाफ: एक नेटवर्क फार्माकोलॉजी और प्रायोगिक सत्यापन अध्ययन। *फार्मास्युटिकल्स (बेसल)*। **2025** मार्च **19;18(3):433. https://doi.org/10.3390/ph18030433.**

- पांडे एसके, वर्मा एस, उप्रेती एस, मिश्रा ए, यादव एन, द्विवेदी-अग्निहोत्री एच., कैंसर दवा प्रतिरोध में साइटोक्रोम **P450 3A4** की भूमिका: चुनौतियां और अवसर। *कर्र ड्रग मेटाब*। **2024; 25(4):235-247.https://doi.org/10.2174/0113892002312369240703102215**.

- पांडे एसके, सभरवाल यू, त्रिपाठी एस, मिश्रा ए, यादव एन, द्विवेदी-अग्निहोत्री एच., प्रोस्टेट कैंसर में एंड्रोजन सिग्नलिंग: जब एक मित्र शत्रु बन जाता है। *एंडोक्र मेटाब इम्यून डिसऑर्डर ड्रग टार्गेट,* **2025;25(1):37-56. https://doi.org/1 0.2174/ 0118715303313528240523101940**.

- पांडे, एस.के., यादव, एन., मिश्रा, ए., सोहल, जे.एस., ठाकुर, के., और द्विवेदी-अग्निहोत्री, एच., **(2024)**। घातक प्ल्यूरल मेसोथेलियोमा: सामाजिक-आर्थिक और नैदानिक पहलू। *करंट कैंसर थैरेपी रिव्यूज़*, **https://doi.org/10.2174/0115733947315242240718074626.**

- हंसा एस, राजाराममोहन एस, असवाल एम, कुमार एम, और कौर जे. **(2024),** नेक्रोट्रॉफ़िक कवक अल्टरनेरिया ब्रैसिका के प्रति अरेबिडोप्सिस की ट्रांसक्रिप्टोम प्रतिक्रियाएँ प्रतिरोध से जुड़े मार्गों और संभावित जीनों का खुलासा करती हैं। *प्लांट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी*, **114(3):68. https://doi.org/10.1007/s11103-024-01453-w.**

- मंडल डी, पांडे डी, सरकार डीपी, और कुमार एम. **(2024)**। न्यूक्लियोसाइड और नॉन-न्यूक्लियोसाइड रिवर्स ट्रांसक्रिप्टेज़ इनहिबिटर ड्रग्स (एनआरटीआई और एनएनआरटीआई) चांदीपुरा वायरस पॉलीमरेज़ प्रोटीन (एल) को बाँधने और वायरस प्रतिकृति को रोकने में सक्षम हैं।*वायरस डिजीज़*। **35(3):420-427. https://doi.org/10.1007/s13337-024-00883-w.**

- दब्बूरू जीआर, गर्ग ए, सिंघल एन, और कुमार एम. **(2025)**। अफोबाज़ोल: एक संभावित औषधि उम्मीदवार जो **SARS CoV-2** को रोक सकता है और मानव श्वसन पेसमेकर प्रोटीन की नकल कर सकता है। इन *सिलिको फार्माकोलॉजी*। **2025;13(1):30. https://doi.org/10.1007/s40203-025-00316-6.**

- असवाल एम, सिंह एन, सिंघल एन, और कुमार एम. **(2025)**। एक एकीकृत प्रोटियो-ट्रांसक्रिप्टोमिक्स दृष्टिकोण बहु-औषधि प्रतिरोधी एस्चेरिचिया कोलाई के विरुद्ध नए औषधि

लक्ष्यों का खुलासा करता है। *फ्रंटियर्स इन माइक्रोबायोलॉजी,* **16:1531739. https://doi.org/10.3389/fmicb.2025.1531739.**

पुस्तकें

- सुमन टपरियाल**,** मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज़ - चिकित्सा विज्ञान का एक संग्रह**,** एडवांसेज़ इन प्रोटीनकेमिस्ट्री एंड स्ट्रक्चरल बायोलॉजी**,** खंड **144, 2025,** पृष्ठ **151-212, https://doi.org/10.1016/bs.apcsb.2024.11.001**
- चतुर्वेदी**,** एस. के.**,** और शुक**,** पी. (**2024)**। सांद्रित विलयनों में वृहत् आणविक आकार वितरण का विश्लेषण। रसायनविज्ञान विधियां**, 4(12), e202400035**.

अनुसंधान परियोजनाएं

- डॉ. हेमलता अग्निहोत्री, जैवभौतिकी विभाग को 'मस्तिष्क में व्यक्त सुपर-संरक्षित रिसेप्टर, एसआरईबी3 (जीपीआर173) की कार्यात्मक अंतर्दृष्टि को स्पष्ट करना' नामक शोध परियोजना के लिए 29,30,389 रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान एसईआरबी द्वारा प्रदान किया गया है और मार्च 2024 से मार्च 2026 तक की अवधि के लिए है।
- प्रो. मनीष कुमार, जैवभौतिकी विभाग को इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली की एक राष्ट्रीय नेटवर्क परियोजना के लिए 1,97,99,240 रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान जैव-प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) द्वारा प्रदान किया गया है और दिसंबर 2023 से दिसंबर 2028 तक की अवधि के लिए है।
- प्रो. मनीष कुमार, जैवभौतिकी विभाग को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ की एक राष्ट्रीय नेटवर्क परियोजना के लिए 1,55,80,000 रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान जैव-प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) द्वारा प्रदान किया गया है और सितंबर 2023 से दिसंबर 2028 तक की अवधि के लिए है।
- जैवभौतिकी विभाग के प्रो. मनीष कुमार को "नए औषधि लक्ष्यों की पहचान के लिए बहुऔषधि प्रतिरोधी एंटरोपैथोजेन्स का कृत्रिम बुद्धिमत्ता-सहायता प्राप्त जीनोमिक्स, ट्रांसक्रिप्टोमिक्स और प्रोटिओमिक्स विश्लेषण" नामक शोध परियोजना के लिए 29,37,538 रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है और फरवरी 2024 से जनवरी 2026 तक की अवधि के लिए है।
- जैव भौतिकी विभाग के प्रो. मनीष कुमार को "राष्ट्रीय कोविड**-19** परीक्षण डेटाबेस का उपयोग करके **SARS-CoV2** रोगियों और जनसांख्यिकीय समूहों के त्वरित प्राथमिकता निर्धारण/ट्राइएज हेतु मशीन लर्निंग मॉडल विकसित करना" नामक शोध परियोजना के लिए **35,16,810** रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है और अप्रैल **2022** से अप्रैल **2025** तक की अवधि के लिए है।

- जैव भौतिकी विभाग के प्रो. मनीष कुमार को "डेयरी पशुओं में नैदानिक चिकित्सीय उपयोग के लिए रोगाणुरोधी प्रतिरोधी मास्टिटिस रोगजनकों के विरुद्ध विशिष्ट एकल डोमेन एंटीबॉडी (**sdAbs)"** नामक शोध परियोजना के लिए **1,50,95,702** रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान डीबीटी द्वारा प्रदान किया गया है और मार्च **2022** से मार्च **2025** तक की अवधि के लिए है।
- जैव भौतिकी विभाग के प्रो. मनीष कुमार को एंटीबॉडी इंजीनियरिंग केंद्र: सेंटर फॉर इम्यूनो-डायग्नोस्टिक्स! थेरेप्यूटिक्स वेनीरिंग टेक्नोलॉजीज (सीआईवीईटी**)** के लिए **4,74,60,400** रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान डीबीटी द्वारा प्रदान किया गया है और मार्च **2022** से मार्च **2025** तक की अवधि के लिए है।
- जैव भौतिकी विभाग के डॉ. सुमन टपर्याल को 'असममित परिवर्तनों के लिए पुनर्चक्रण योग्य विषम जैव उत्प्रेरक के रूप में एल-प्रोलाइन संशोधित मैग्नेटोरिसेप्टर प्रोटीन-लेपित लौह मोतियों का विकास' नामक एक शोध परियोजना के लिए **14,18,000** रुपए कि राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान एसईआरबी द्वारा प्रदान किया गया है और जनवरी **2025** से सितंबर **2025** तक की अवधि के लिए है।
- जैव भौतिकी विभाग के डॉ. सुमित कुमार चतुर्वेदी को "पार्किंसंस रोग के लिए चिकित्सीय दृष्टिकोण" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में **83,91,081** रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है और फरवरी **2024** से फरवरी **2027** तक की अवधि के लिए है।

आयोजित संगोष्ठियां

- डॉ. मिंग "टॉमी" टैंग, निदेशक, कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी इम्यूनिटास थेरेप्यूटिक्स, संयुक्त राज्य अमेरिका के ने **27** अप्रैल, **2024** को आईएससीबी आरएसजी-इंडिया और बायोफिज़िक्स विभाग द्वारा आयोजित एक वेबिनार में "अकादमिक से उद्योग तक: कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी करियर सलाह और सुझाव" विषय पर एक व्याख्यान दिया।
- डॉ. प्रियंका दास गुप्ता, संचार अधिकारी, अंतर्राष्ट्रीय इलेक्ट्रोटेक्निकल आयोग, जिनेवा ने **15** जून, **2024** को आईएससीबी आरएसजी-इंडिया और बायोफिज़िक्स विभाग द्वारा आयोजित एक वेबिनार में "विज्ञान संचार के माध्यम से प्रभाव पैदा करना: कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी में अवसर" विषय पर एक व्याख्यान दिया।
- प्रो. राजा मजूमदार, प्रमुख अन्वेषक, जॉर्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय और प्रो. माइकल टिमेयर, प्रमुख अन्वेषक, जॉर्जिया विश्वविद्यालय, एथेंस, जॉर्जिया ने बायोइनफॉरमेटिशियन के साथ आईएससीबी आरएसजी-इंडिया और बायोफिज़िक्स विभाग द्वारा 'मीट एंड लर्न श्रृंखला (एमएलटीबी)' के **5** जुलाई, **2024** को आयोजित पहले संस्करण में 'ग्लाइजेन में ग्लाइकेन और प्रोटीन कार्यों की खोज' विषय पर एक व्याख्यान दिया। ।

- ईएमबीएल-ईबीआई, यूके की डॉ. सुदक्षिणा गांगुली और डॉ. पॉलिना मगना ने आईएससीबी आरएसजी-इंडिया और बायोफिज़िक्स विभाग द्वारा **26** जुलाई, **2024** को आयोजित मीट एंड लर्न विद द बायोइनफॉरमेटिशियन सीरीज़ (एमएलटीबी) के दूसरे संस्करण में **'PDBe** संसाधनों पर ध्यान केंद्रित करते हुए प्रोटीन डेटा बैंक के माध्यम से एक यात्रा' विषय पर एक व्याख्यान दिया, जिसमें यूरोप में प्रोटीन डेटा बैंक (**PDBe)** का उल्लेख किया गया था।
- दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिण परिसर के जैवभौतिकी विभाग ने जैव सूचना-विज्ञान सुविधा, श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय और जैव प्रौद्योगिकी विभाग, बेनेट विश्वविद्यालय (द टाइम्स ग्रुप) के सहयोग से **29** नवंबर, **2024** को नई दिल्ली, भारत में एशिया-प्रशांत जैव सूचना विज्ञान नेटवर्क (एपीबायोनेट) के तत्वावधान में जैव सूचना विज्ञान पर **8**वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (इनसायब **2024)** का आयोजन किया।

सेमिनारों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियां (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

अंतर्राष्ट्रीय

- प्रो. मनीष कुमार ने **3-5** मार्च, **2025** के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय में 'उन्नत कार्यात्मक सामग्री और उपकरणों (एएफएमडी**-2025)'** पर आयोजित तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- प्रो. मनीष कुमार ने "विकसित भारत के लिए सूक्ष्मजीवों की शक्ति का दोहन" शीर्षक से **18-19** मार्च, **2025** को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

राष्ट्रीय

प्रो. मनीष कुमार

- प्रो. मनीष कुमार ने बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा, रांची द्वारा **5-7** दिसंबर, **2024** तक आयोजित सम्मेलन **'**ट्रांसलेशनल बायोइन्फॉर्मेटिक्स में उभरते रुझान (ईंटी**2**बी**) 2024'** में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- प्रो. मनीष कुमार ने जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी**),** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमएसटी**),** भारत सरकार के अंतर्गत जैव विज्ञान एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग, वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान द्वारा **14-15** सितंबर, **2024** तक जैव सूचना-विज्ञान पर आयोजित संगोष्ठी के दौरान कार्यशाला में "बायोमॉलिक्यूलर इंटरैक्शन" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- प्रो. मनीष कुमार ने **22** अक्टूबर, **2024** को ओकिनावा, जापान में आयोजित एशियाई छात्र परिषद संगोष्ठी (एएससीएस) में "सीमाओं से परे जैव सूचना विज्ञान: वैश्विक सहयोग और डेटा सुलभता को बढ़ाना" विषय पर पैनल चर्चा में भाग लिया। यह कार्यक्रम **22** अक्टूबर,

2024 को ओकिनावा, जापान में आयोजित एशिया और प्रशांत जैव सूचना विज्ञान संयुक्त सम्मेलन (एपीबीजेसी**2024)** का एक भाग था।

- डॉ. सुमन टपर्याल ने अंतर्राष्ट्रीय केंद्र फॉर इंटरडिसिप्लिनरी द्वारा विज्ञान, **07** साइंस एवेन्यू, गेन रंग, क्वी नॉन, बिन्ह दीन्ह, वियतनाम के लिए **11-14** अगस्त, **2024** तक आयोजित 'माइक्रोबायोलॉजी एंड वन हेल्थ पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन' के दौरान 'चूहों में **Th 1** पक्षपाती प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए सबयूनिट-वैक्सीन ओलिगोमेराइजेशन को इम्यूनोमॉड्यूलेशन के साथ युग्मित करना' शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. सुमन टपर्याल ने **28** अगस्त, **2024** को फिजियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया की शिक्षा समिति द्वारा आयोजित एसएएपी अनुसंधान उपसमिति के **12**वें क्षेत्रीय वेबिनार के दौरान 'चार्ल्स रिचेट: उनके वैज्ञानिक योगदान और वायरल टीकों में हालिया रुझान' शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्लेसमेंट विवरण (प्लेस किए गए छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

हमारे विभाग से एमएस.सी. और पीएच.डी. पाठ्यक्रम पूरा करने वाले अधिकांश छात्र विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त करते हैं। इस वर्ष **75%** छात्रों को प्लेसमेंट प्राप्त हुआ।

विस्तार एवं आउटरीच गतिविधियाँ

- इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी रीजनल स्टूडेंट ग्रुप (इंडिया) के सहयोग से बायोफिज़िक्स विभाग द्वारा आयोजित "बायोइन्फॉर्मेटिशियन से मिलें" श्रृंखला सभी के लिए खुली है।
- इसमें सहकर्मी वैज्ञानिकों, पेटेंट टीम, उद्योग आदि द्वारा व्याख्यान दिए जाएँगे।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी. : 01

संकाय सदस्य-संख्या

कुल: 05 (पांच) - (प्रोफेसर - 2, एसोसिएट प्रोफेसर - 01 और सहायक प्रोफेसर - 02)

आनुवांशिकी विभाग

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

विभाग के उल्लेखनीय वैज्ञानिक योगदान हैं: प्रोफ़ेसर वर्मा का ग्रुप टेपेटम-विशिष्ट प्रमोटर विनियमन को सुलझाने पर काम कर रहा है। प्रोफ़ेसर सरकार का ग्रुप मानव न्यूरोडीजेनेरेटिव

मस्तिष्क विकारों के सेलुलर और आणविक आधार को सुलझाने, रोग के रोगजनन को प्रतिबंधित करने के लिए दवा योग्य लक्ष्यों और दवा पुनर्प्रयोजन की पहचान करने पर केंद्रित है। प्रोफ़ेसर कौर के ग्रुप ने प्रतिरोधी फसलों को विकसित करने में मदद करने के लिए अल्टरनेरिया ब्रैसिका के प्रतिरोध के अंतर्निहित आनुवंशिक वास्तुकला को उजागर करने के लिए भौगोलिक रूप से विविध अरेबिडोप्सिस एक्सेस (140 एक्सेस) के एक सेट का प्रयोग किया। प्रोफ़ेसर श्रीवास्तव की प्रयोगशाला दीर्घकालिक-कोविड परिणामों पर काम कर रही है, कैंसर के शमन के लिए प्राकृतिक उत्पादों (लैक्टोफेरिन) की खोज कर रही है और ल्यूकेमिया और अन्य कैंसर में हाइपोक्सिमिया की भूमिका का पता लगा रही है। डॉ. नाओरेम के ग्रुप का उद्देश्य वृद्धि और विकासात्मक प्रक्रियाओं में विनियामक प्रोटीनों: पीपीआईएज़, वी-फैमिली काइनेज आदि की भूमिका को समझना है। प्रो. प्रसाद की प्रयोगशाला **C**4 मॉडल फसल फॉक्सटेल बाजरा में अजैविक तनाव सहनशीलता के आणविक तंत्र को समझने पर केंद्रित है। प्रो. दत्त की प्रयोगशाला में व्यापक कैंसर जीनोम डेटासेट के विश्लेषण के लिए नवीन कम्प्यूटेशनल पद्धतियों को विकसित करने, नए सुरागों के लक्षण-निर्धारण और मानव कार्सिनोजेनेसिस में शामिल सूक्ष्मजीवी कारकों का पता लगाने जैसे बहुआयामी हित शामिल हैं।

सम्मान/विभूतियां

संकाय/विभाग

- प्रोफेसर तपस्या श्रीवास्तव ने **3.10.2024** को फोर्स-आईआईसीएस सम्मेलन में **'**फेफड़ों के कैंसर में निकोटिनामाइड एसिटाइलकोलाइन रिसेप्टर्स (**nAChR): धू**म्रपान न करने वालों पर ध्यान केंद्रण**'** विषय पर एशियन जर्नल ऑफ ऑर्गेनिक केमिस्ट्री (एजेओसी**,** विले) व्याख्यान पुरस्कार प्रदान किया।

छात्र

- एमएस.सी. जेनेटिक्स (द्वितीय वर्ष) के छात्र ऋतिक लाल एस. एमएससी जेनेटिक्स परीक्षा **2024** में टॉपर रहे और उन्हें विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।
- वीरेंद्र**,** प्रेरणा अग्रवाल और प्रो. सुरजीत सरकार (**2024)** ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान**,** नई दिल्ली में **13** से **15** दिसंबर **2024** तक आयोजित "एसोसिएशन ऑफ जेरोन्टोलॉजी (भारत) के **21**वें द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन"**-2024** में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार जीता। शीर्षक: बाधित निद्रा-अनिंद्रा चक्र मानव ताओपैथियों के ड्रोसोफिला मॉडल में शीघ्र प्रगति और अतिरंजित गंभीरता का कारण बनते हैं।
- शिखा कौशिक**,** पीएचडी छात्रा**,** जेनेटिक्स (पांचवां वर्ष)**,** जीनोम इंजीनियरिंग पर ईएमबीएल पाठ्यक्रम में भाग लेने के लिए चयनित**,** ईएमबीएल**,** हीडलबर्ग**, 31/08/2024 - 06/09/2024.**

- शिखा कौशिक, पीएचडी छात्रा, जेनेटिक्स (पांचवां वर्ष), ट्यूमर माइक्रोएन्वायरमेंट में लैक्टोफेरिन की कैंसर-रोधी गतिविधि पर अंतर्दृष्टि पर एक पोस्टर प्रस्तुत करने के लिए चयनित, एसीबीआईसीओएन **2024**, जैव-रसायन विभाग, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, **4/12/2024 - 7/12/2024.**
- पूजा घोरावत, पीएच.डी. छात्रा, आनुवंशिकी (चतुर्थ वर्ष) को जैव रसायन विभाग, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में आयोजित एसीबीआईसीओएन **2024** में टी-एएलएल के वंश और विभेदन जीनों में हाइपोक्सिमिक स्थिति-संचालित परिवर्तनों में डब्ल्यूएएसपी की भूमिका की जाँच पर मौखिक प्रस्तुति के लिए चुना गया। **4/12/2024 - 7/12/2024.**
- पवन बाबू, पीएच.डी. छात्र, आनुवंशिकी (तृतीय वर्ष) को आणविक मॉडलिंग, डॉकिंग और नेटवर्क जीव विज्ञान पर कार्यशाला के लिए चुना गया। ब्रिक - राष्ट्रीय कोशिका विज्ञान केंद्र, पुणे, **14/06/2024 - 15/06/2024.**
- पवन बाबू, पीएच.डी. छात्र, आनुवंशिकी (तृतीय वर्ष) को एसीबीआईसीओएन **2024**, जैव रसायन विभाग, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, **4/12/2024** में "डिजिटल पीसीआर" पर पूर्व-सम्मेलन कार्यशाला के लिए चुना गया।
- पवन बाबू, पीएच.डी. छात्र, आनुवंशिकी (तृतीय वर्ष) को आईआईटी कानपुर द्वारा डेटा साइंस, डेटा एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग और क्वांटम कंप्यूटिंग के लिए पायथन और क्यूआईएसकेआईटी कार्यक्रम के लिए चुना गया (ऑनलाइन), **01/03/2025 - 28/03/2025.**
- श्रुति खन्ना, पीएच.डी. छात्र, आनुवंशिकी (छठवां वर्ष) को नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन (भारत) और इंडियन चेस्ट सोसाइटी, पीएसजी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च, कोयंबटूर के **26**वें संयुक्त राष्ट्रीय फुफ्फुसीय रोगों के सम्मेलन में 'भारतीय आबादी में कोविड के बाद के लक्षणों के विकास और उनके बने रहने के कारणों को समझना' पर मौखिक प्रस्तुति के लिए चुना गया, , **21/11/2024-24/11/2024.**

प्रकाशित कार्य

- धारावत, बी., बटले, ए., चौधरी, ए., पाल, ए., देसाई, एस., चौधरी, ए., थोरात, आर., उपाध्याय, पी., नायर, एस., और दत्त, ए. (**2024**). सिर और गर्दन के कैंसर में बार-बार होने वाले **UBE3C-LRP5** ट्रांसलोकेशन के चिकित्सीय निहितार्थ। *एनपीजे प्रिसिजन ऑन्कोलॉजी*, **8(1), 63**.
- • देसाई, एस., अहमद, एस., बावस्कर, बी., रश्मि, एस., मिश्रा, आर., लखवानी, डी., और दत्त, ए. (**2024**).बड़े पैमाने पर कैंसर जीनोम अध्ययनों में सिंगलटन उत्परिवर्तन: कैंसर जीनोम की पूंछ को उजागर करना। *एनएआर कैंसर*, **6(1), zcae010**.

- प्रभाष, के., सलदान्हा, ई., पाटिल, वी., बाल, एम., रेड्डी पी., एस., संजीव, ए., कुमार, आर., पूजारी, डी., नोरोन्हा, वी., मेनन, एन., मित्तल, एन., त्रिवेदी, वी., नांबियार, के., मिश्रा, आर., तंवर, एन., मल्होत्रा, आर., पांगे, पी., गुप्ता, वी., वेल्डोर, वी.एच., चौगुले, ए.,... चंद्रानी, पी. (**2024**). आरईटी परिवर्तन मेडुलरी थायराइड कैंसर की आणविक प्रोफ़ाइल को अलग करते हैं। *जेसीओ प्रिसिजन ऑन्कोलॉजी*, **8**, ई**2300622**.

- केतकर, एम., देसाई, एस., राणा, पी., थोराट, आर., एपारी, एस., दत्त, ए., और दत्त, एस. (**2024**)। **PERK**-मध्यस्थ अनफ़ोल्डेड प्रोटीन प्रतिक्रिया का अवरोध अवशिष्ट जीर्णता को उलटने के लिए एक स्विच के रूप में और ग्लियोब्लास्टोमा में सेनोलिटिक थेरेपी के रूप में कार्य करता है। *न्यूरो-ऑन्कोलॉजी*, **26(11), 2027-2043**.

- नोरोन्हा, वी., बुदुख, ए., चतुर्वेदी, पी., ऐनी, एस., पंजाबी, ए., भास्कर, एम., साहू, टी.पी., मेनन, एन., शाह, एम., बत्रा, यू., नैथनी, एस., कुमार, आर., शेट्टी, ओ., घोडके, टी.पी., महाजन, ए., चक्रवर्ती, एन., हैट, एस., त्रिपाठी, एस.सी., चौगुले, ए., चंद्राणी, पी., ... प्रभाष, के. (**2024**). दक्षिण पूर्व एशिया में फेफड़ों के कैंसर की विशिष्टता। *द लैंसेट रीजनल हेल्थ, साउथ ईस्ट एशिया*, **27**, **100430**.

- हैट, एस., नोरोन्हा, वी., चौधरी, ए., चौधरी, ए., बावस्कर, बी., दहींबेकर, जी., अहमद, एस., जोशी, ए., पाटिल, वी., मेनन, एन., शाह, एम., कौशल, आर., चौघुले, ए., भारदे, ए., खंडारे, जे., शफी, जी., लखवानी, डी., देसाई, एस., चंद्रानी, पी., प्रभाष, के., ... दत्त, ए. (**2025**). फेफड़ों के कैंसर में पुनरावृत्ति के शुरुआती संकेतकों के रूप में **mEGFR** के साथ सहवर्ती ट्यूमर सप्रेसर म्यूटेशन का प्रभाव। *ईएसएमओ ओपन*, 10(4), 104479। अग्रिम ऑनलाइन प्रकाशन।

- वैशाखी त्रिवेदी, वनिता नोरोन्हा, मुनिता बल, प्रतीक चंद्राणी, दिशा पुजारी, एलवीरा सलदान्हा, अनुराधा चौगुले, प्रियंका पांगे, विनोद गुप्ता, नंदिनी शेरेल मेनन, विजय मारुति पाटिल, मिनित शाह, पंकज चतुर्वेदी, अमित दत्त, और कुमार प्रभाष (प्रेस में (अप्रैल **2025** तक) एनाप्लास्टिक थायराइड कैंसर की व्यापक जीनोमिक प्रोफाइलिंग टीएचआरए में बदलाव की पहचान करती है, जो सेलुलर प्लास्टिसिटी का एक संभावित संशोधक है।

- आर. आई. अनु, अमोल पटेल, नेहा पाठक, प्रशांत मेहता, अनुराधा चौगुले, हर्ष शेठ, विद्या वेल्डोर, मौसमी सूर्यवंशी, विनीत गोविंदा गुप्ता, उमुटडिसेल, तिलक टी.वी.एस.वी.जी.के., अमित दत्त, अंगुराजसदानंदम, भावना सिरोही, पद्मज कुलकर्ण (**2025**). अगली पीढ़ी की समान रिपोर्टिंग अनुक्रमण: इंडियन सोसाइटी ऑफ मेडिकल एंड पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी। थाइम मेडिकल एंड साइंटिफिक पब्लिशर्स।

- नंदा, एस., पांडे, आर., सरदार, आर., पांडा, ए., नाओरेम, ए., गुप्ता, डी., और मल्होत्रा, पी. (**2024**). दो प्रोटोजोआ डिक्टियोस्टेलियम डिस्कोइडम और प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम के तुलनात्मक जीनोमिक्स से मलेरिया के लिए नए चिकित्सीय लक्ष्यों की खोज के लिए

महत्वपूर्ण संरक्षित और विशिष्ट नियामक मार्गों का पता चलता है। *हेलियॉन*, **10(19), e38500**.

- परितोष, के., राजाराममोहन, एस., यादव, एस. के., शर्मा, एस., वर्मा, आर., माथुर, एस., मुखोपाध्याय, ए., गुप्ता, वी., प्रधान, ए. के., कौर, जे., और पेंटल, डी. (**2024**). ब्रैसिका कैरिनाटा (बीबीसीसी) परिग्रहण एचसी**20** का गुणसूत्र-स्तरीय संयोजन जिसमें अनेक रोगजनकों के प्रति प्रतिरोध क्षमता है और बी. जंसिया (एएबीबी) में अंतर्ग्रहण का प्रारंभिक पीढ़ी मूल्यांकन। *द प्लांट जर्नल: फॉर सैल एंड मोलिक्यूलर बायलॉजी*, **119(2), 762-782.**
- हंसा, एस., राजाराममोहन, एस., असवाल, एम., कुमार, एम., एवं कौर, जे. (**2024**). नेक्रोट्रॉफिक कवक अल्टरनेरिया ब्रैसिका के प्रति अरेबिडोप्सिस की ट्रांसक्रिप्टोम प्रतिक्रियाएँ प्रतिरोध से जुड़े मार्गों और संभावित जीनों का खुलासा करती हैं। *प्लांट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी*, **114(3), 68**.
- पंत, पी., एवं कौर, जे. (**2024**)। **SsPac1** और **SsSmk1** के आरएनए हस्तक्षेप (आरएनएआई)-मध्यस्थ लक्ष्यीकरण के माध्यम से स्क्लेरोटिनियास्क्लेरोटियोरम का नियंत्रण। *प्लांटा*, **259(6), 153.**
- कपिला, आर., मेहरा, यू., कौर, जे., वर्मा, वाई., जकर, एस., और दत्ता, के. (**2024).** सैक्रोमाइसिस सेरेविसिया में **Mtg3-**माइटोकॉन्ड्रियल राइबोसोम संबंध की अंतर्दृष्टि। *बायोकेमिकल और बायोफिजिकल रिसर्च कम्युनिकेशंस*, **737, 150502.**
- प्रुस्टी, ए., पंचाल, ए., सिंह, आर. के., और प्रसाद, एम. (**2024).** बाजरे में अजैविक तनाव प्रतिक्रिया को विनियमित करने के केंद्र में प्रमुख प्रतिलेखन कारक परिवार: एक व्यापक समीक्षा। *प्लांटा*, **259(5), 118.**
- बंद्योपाध्याय, टी., मौर्य, जे., बेंटले, ए. आर., ग्रिफिथ्स, एच., स्वार्ब्रेक, एस. एम., और प्रसाद, एम. (**2024).** दो विपरीत सेटेरियाइटालिका अभिगमों में नाइट्रोजन अनुक्रियाशीलता के यांत्रिक आधार की पहचान। *जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल बॉटनी*, **75(16), 5008-5020**.
- शर्मा, एस., और प्रसाद, एम. (**2024**). पादप-विषाणु अंतःक्रिया को नियंत्रित करने में फाइटोहार्मोनल संकेतन की विविध भूमिकाएँ। *जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल बॉटनी*, **erae468**. अग्रिम ऑनलाइन प्रकाशन।
- धत्तरवाल, पी., शर्मा, एन., और प्रसाद, एम. (**2024**). पादप प्रतिलेखन कारकों की क्रियाशीलता को समझना। *जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल बॉटनी*, **75(16), 4745-4759**.
- यादव, ओ.पी., सिंह, डी.वी., कुमारी, वी., प्रसाद, एम., सेनी, एस., सिंह, आर.के., सूद, एस., कांत, एल., राव, बी.डी., मधुसूदन, आर., भट, बी.वी., गुप्ता, एस.के., यादव, डी.के., और महापात्रा, टी. (**2024**). भारत में बाजरे का उत्पादन और खेती की गतिशीलता। *क्रॉप साइंस*, **64, 2459-2484.**

- मौर्य, जे., सिंह, आर.के. और प्रसाद, एम. फसलों में पोषक तत्व उपयोग दक्षता (एनटीयूई) में सुधार: एक अवलोकन। *प्लांट फिजियोलॉजी रिपोर्ट* **29, 786-792 (2024)**.
- शर्मा, आर., पांडे, एस., प्रसाद, एम., और प्रसाद, ए. (**2024**). पादप-विषाणु-संवाहक अंतःक्रिया के दौरान कैटेलेज विनियमन। *फिजियोलॉजी प्लांटारम*, **176(5), e14580.**
- धत्तरवाल, पी., प्रसाद, एम., मेहरोत्रा, एस. आदि। उपज हानि और वृद्धि-रक्षा व्यापार-नापसंद: इंजीनियरिंग अमीनो एसिड ट्रांसपोर्टरों का प्रभाव। *न्यूक्लियस*, **67, 631-635 (2024)**.
- पांडे एस., और प्रसाद एम. (**2024**). वायरस प्रतिरोध के लिए टमाटर आनुवंशिक इंजीनियरिंग में हालिया प्रगति: उपलब्धियाँ और सीमाएँ। सीएबीआई बायोटेक्नोलॉजी सीरीज़, **1-22.**
- टंडन, एस., अग्रवाल, पी., और सरकार, एस. (**2024**). पॉलीग्लूटामाइन विकार: रोगजनन और संभावित औषधि हस्तक्षेप। लाइफ साइंसेज़, **344, 122562**.
- प्रगति, और सरकार, एस. (**2025**). इंसुलिन संकेतन का लक्षित डाउनरेगुलेशन ड्रोसोफिला में असामान्य हेटरोक्रोमैटिन हानि और **mTOR/4EBP/S6K** मार्ग को बहाल करके मानव टाउ रोगजनन को प्रतिबंधित करता है। ब्रेन रिसर्च, **1849, 149347**.
- प्रसाद, पी., चोंगथम, जे., त्रिपाठी, एस. सी., गांगुली, एन. के., मित्तल, एस. ए., और श्रीवास्तव, टी. (**2024**)। **NRF2** का लक्षित अवरोध **HIP1** क्षीण फेफड़ों के कैंसर कोशिकाओं की आक्रामक और मेटास्टेटिक क्षमता को कम करता है। *बायोकैमिकल एंड बायोफिजिकल रिसर्च कम्युनिकेशंस*, **733, 150676.**

अनुसंधान परियोजनाएं

- डॉ. अरुणा नाओरेम को 'विकासात्मक प्रक्रियाओं में प्रोलिल आइसोमेराइजेशन की भूमिका: डिक्टियोस्टेलियम डिस्कोइडम का एक आदर्श जीव के रूप में उपयोग करते हुए अध्ययन' नामक शोध परियोजना के लिए **42.83** लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान एसईआरबी/एएनआरएफ द्वारा प्रदान किया गया है और **2023** से **2026** तक की अवधि के लिए है।
- प्रो. जगरीत कौर को "जीनोम वाइड एसोसिएशन स्टडीज (जीडब्ल्यूएएस) का उपयोग करके स्केलेरोटिनियास्क्लेरोटियोरम के विरुद्ध ब्रैसिका जंसिया जर्मप्लाज्म में सहिष्णुता की आनुवंशिकी का निर्धारण" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में **12** लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है और एक जेआरएफ प्रदान किया गया है। यह अनुदान सीएसआईआर-एस्पायर द्वारा प्रदान किया गया है और **2024** से **2027** तक की अवधि के लिए है।

- प्रो. जगरीत कौर और प्रो. दीपक पेंटल को एक शोध परियोजना "यूडीएससी-डीबीटी साझेदारी कार्यक्रम चरण **2"** के लिए पीआई और सह-पीआई के रूप में **1366.50** लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान डीबीटी द्वारा प्रदान किया गया है और **2023** से **2028** तक की अवधि के लिए है।

- प्रो. जगरीत कौर को एक शोध परियोजना "ओरोबैंचियाजिप्टियाका संक्रमणों के विरुद्ध ब्रैसिका जंसिया ग्लाइफोसेट प्रतिरोधी ट्रांसजेनिक वंशों की प्रभावकारिता का परीक्षण" के लिए पीआई के रूप में **38.10** लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान बीआईआरएसी द्वारा प्रदान किया गया है और **2023** से **2025** तक की अवधि के लिए है।

- प्रो. मनोज प्रसाद को "अत्यधिक ताप तनाव की स्थिति में फॉक्सटेल बाजरा (सेटारियाइटालिका एल) से प्राप्त एक नवीन तनाव-संबंधी प्रोटीन एन्कोडिंग जीन **SiSAP12** की भूमिका का निरूपण" नामक शोध परियोजना के लिए **38.17** लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान डीबीटी द्वारा प्रदान किया गया है और **2024** से **2027** तक की अवधि के लिए है।

- प्रो. मनोज प्रसाद को "टमाटर में टमाटर लीफ कर्ल रोग प्रतिरोधक क्षमता में इसकी भूमिका का निरूपण करने के लिए यूबिक्विटिन संयुग्मन मार्ग जीन का कार्यात्मक लक्षण वर्णन" नामक शोध परियोजना के लिए **95.00** लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान एएनआरएफ द्वारा प्रदान किया गया है और **2023** से **2028** तक की अवधि के लिए है।

- प्रो. तपस्या श्रीवास्तव को "फेफड़ों के कैंसर में चिकित्सकीय रूप से प्रासंगिक आनुवंशिक उत्परिवर्तनों की पहचान के लिए एक आशाजनक गैर-आक्रामक विधि के रूप में एक्सहेल्ड ब्रीथ कंडेनसेट (ईबीसी) का मूल्यांकन" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में **19,88,944/-** रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है और **2024** से **2025** तक की अवधि के लिए है।

- प्रो. तपस्या श्रीवास्तव को "ल्यूकेमिया के विभेदन और विकास को विनियमित करने में हाइपोक्सिया की भूमिका की जाँच" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में **1068000/-** रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान एएनआरएफ **(**एसईआरबी-पावर**)** द्वारा प्रदान किया गया है और **2024** से **2025** तक की अवधि के लिए है।

- प्रो. तपस्या श्रीवास्तव को "एक अनुदैर्ध्य बहु-प्रणाली अध्ययन में दीर्घ-कोविड परिणामों से जुड़े आनुवंशिक पूर्वानुमान जोखिम कारक की जाँच" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में **694620/-** रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान एमआरपी-आईओई**,** दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और **2024** से **2026** तक की अवधि के लिए है।

- प्रो. सुरजीत सरकार को "रोगजनक टाउ समुच्चयों और संबंधित विकारों के आयु-निर्भर ट्रांस-सेलुलर प्रसार को रोकने के लिए संशोधकों और दवाओं की पहचान हेतु एक नवीन रणनीति" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में **15.00** लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान इग्नाइट-लाइफ साइंस फाउंडेशन द्वारा प्रदान किया गया है और **2024** से **2025** तक की अवधि के लिए है।
- प्रो. सुरजीत सरकार को "ड्रोसोफिला रोग मॉडलों में मानव टाउ-मध्यस्थता वाले न्यूरोडीजेनेरेशन के शमन में प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया टोल-पाथवे की भूमिका को समझना" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में **50.00** लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान एसईआरबी द्वारा प्रदान किया गया है और **2024** से **2027** तक की अवधि के लिए है।
- प्रोफेसर अक्षय के. प्रधान को आईएनएसए के वरिष्ठ वैज्ञानिक के रूप में **13.8** लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईएनएसए द्वारा प्रदान किया गया है और **2021** से **2024** तक की अवधि के लिए है।
- प्रोफेसर बी. के. थेल्मा को राष्ट्रीय विज्ञान अध्यक्ष के रूप में **132** लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान एसईआरबी द्वारा प्रदान किया गया है और **2021** से **2024** तक की अवधि के लिए है।
- प्रोफेसर दीपक पेंटल को राष्ट्रीय विज्ञान अध्यक्ष के रूप में **132** लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईएनएसए द्वारा प्रदान किया गया है और **2022-2025** तक की अवधि के लिए है।

आयोजित संगोष्ठियां

- प्रो. एलिसिया हिडाल्गो, प्रोफ़ेसर, बर्मिंघम विश्वविद्यालय, यूके ने **4/4/2024** को 'मस्तिष्क प्लास्टिसिटी, डीजनरेशन और पुनर्जनन' पर एक व्याख्यान दिया।
- प्रोफ़ेसर अनिंद्य घोष रॉय, डीबीटी इंडिया एलायंस के वरिष्ठ फेलो, राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र, मानेसर, गुड़गांव ने **26/4/2024** को 'तंत्रिका परिपथ के कार्यात्मक पुनर्व्यवस्था' पर एक व्याख्यान दिया।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

राष्ट्रीय

- प्रोफ़ेसर अमित दत्त ने मर्क लाइफ साइंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित विश्व कैंसर दिवस: **'साइंस 2 सॉल्यूशंस'** के उपलक्ष्य में आयोजित एक सेमिनार में **22/02/2024** को

'कैंसर जीनोमिक्स का चिकित्सा में अनुवाद: फेफड़ों का कैंसर' शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

- प्रोफ़ेसर अमित दत्त ने जेएनयू कन्वेंशन सेंटर, जेएनयू, नई दिल्ली, भारत में आयोजित **'8**वें विश्व कैंसर कांग्रेस - **2024'** में **18/03/2024** को 'कैंसर में एकीकृत चिकित्सा और अनुवाद अनुसंधान: जीनोमिक विश्लेषण द्वारा मौखिक कैंसर में लिम्फ नोड मेटास्टेसिस को समझना' शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- प्रोफ़ेसर अमित दत्त ने देशबंधु कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभागीय वार्षिक उत्सव 'चिमेरा **2024'** में **16/04/2024** को 'कैंसर जीनोम की टेल और टैंगो: टेल और टैंगो नृत्य के आदर्श साथी हैं, लेकिन, अगर आप गलत टेल पर पैर रखेंगे, तो आप आपदा से जूझेंगे...' शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- प्रो. अमित दत्त ने आज़पायर **2024** द्वारा 'नैदानिक अनुसंधान विधियों और प्रोटोकॉल विकास पर आयोजित 'आज़पायर **2024** कार्यशाला' में **26/04/2024** को 'अनुसंधान में नैदानिक प्रगति, एनजीएस, सीटीडीएनए, द्रव बायोप्सी, बायोमार्कर खोज' शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- प्रो. अमित दत्त ने कोरे बेसिक साइंस रिसर्च सेंटर (बीएसआरसी), केएलई उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान अकादमी (**KAHER),** बेलगावी द्वारा "क्रैकिंग कोड ऑफ लाइफ - मॉलिक्यूलर बायोलॉजी इन एक्शन" पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान **26/04/2024** को 'द जीनोमिक जिगसॉ पज़ल: अनरेवलिंग हेड एंड नेक कैंसर थ्रू इंटीग्रेटिव अप्रोच' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- प्रो. अमित दत्त ने जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित 'वैज्ञानिक बैठक एवं द्विपक्षीय चर्चा - अमेरिका-भारत कैंसर मूनशॉट पहल' में **8/5/2024** को 'कैंसर जीनोमिक्स और सटीक चिकित्सा' शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- प्रो. अमित दत्त ने अमेज़न वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस**)** और राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान द्वारा आयोजित 'इंडिया जीनोमिक्स कॉन्क्लेव **2024'** के दौरान **9/6/2024** को 'द जीनोमिक जिग्सॉ पज़ल: अनरेवलिंग हेड एंड नेक कैंसर थ्रू इंटीग्रेटिव अप्रोच' शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- प्रो. अमित दत्त ने अमृता अस्पताल, इंडियन सोसाइटी ऑफ मेडिकल एंड पीडिएट्रिक्स ऑन्कोलॉजी, भारतीय सहकारी ऑन्कोलॉजी नेटवर्क द्वारा आयोजित 'इंडियन प्रिसिजन ऑन्कोलॉजी गुरुकुल **2024'** के दौरान **10/6/2024** को 'नेविगेटिंग द ग्रे ज़ोन: कॉम्प्लेक्सिटीज़ ऑफ वैरिएंट्स ऑफ अनसर्टेन सिग्निफिकेंस (वीयूएस**)** एंड वैरिएंट एलील फ़्रीक्वेंसी (वीएएफ**)** इन क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी' शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

- प्रोफ़ेसर अमित दत्त ने आर्टेमिस अस्पताल, गुरुग्राम द्वारा 'फेफड़ों के कैंसर पर चर्चा' पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान **11/7/2024** को 'एनएससीएलसी का आणविक जीव विज्ञान: चिकित्सकों को क्या जानना चाहिए**?**' शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- प्रोफ़ेसर अमित दत्त ने **13/07/2024** को लिलाक इनसाइट्स द्वारा 'प्राराडॉक्स **2** कंसेंसस' पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान 'सीजीपी - प्रारंभिक या अग्रिम**?** लिक्विड बायोप्सी कब**?**' शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- प्रोफ़ेसर अमित दत्त ने कैंसर रिसर्च एंड स्टैटिस्टिक्स फाउंडेशन, मुंबई द्वारा द लर्निंग गैलेक्सी में आयोजित 'फेफड़ों के कैंसर पर **7**वें मास्टरक्लास' के दौरान **20/07/2024** को 'एनजीएस की व्याख्या: एक चिकित्सक को क्या जानना चाहिए**?**' शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- प्रो. अमित दत्त ने इंडियन कैंसर जीनोम एटलस (आईसीजीए) फाउंडेशन द्वारा आयोजित '**5**वें इंडियन कैंसर जीनोम एटलस (आईसीजीए) वार्षिक सम्मेलन' के दौरान **21/09/2024** को 'अनलॉकिंग इनसाइट्स: डेटा-ड्रिवेन डिस्कवरी इन इंडियन कैंसर लैंडस्केप' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- प्रो. अमित दत्त ने एमजीआई, शेन्ज़ेन, चीन द्वारा आयोजित 'द फ्यूचर ऑफ़ ओमिक्स' के दौरान **24/09/2024** को 'फेफड़ों के कैंसर में सटीक चिकित्सा को प्रेरित करने वाली जीनोमिक अंतर्दृष्टि' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- प्रो. अमित दत्त ने राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'फेफड़ों के मास्टरक्लास: थिंक लंग, थिंक जीनोमिक्स' के दौरान **28/09/2024** को 'भारत में जीनोमिक्स और अनुसंधान का एकीकरण' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- प्रो. अमित दत्त ने आईएसएमपीओ-सीओएन **2024** द्वारा सर गंगा राम अस्पताल, दिल्ली में आयोजित 'कैंसर जीनोमिक्स प्रिसिजन' के दौरान **18/10/2024** को 'एनएससीएलसी में उभरते बायोमार्कर' शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- प्रो. अमित दत्त ने एम्स मदुरै के पैथोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित 'पैथोलॉजी **4.0** - डिजिटल और एआई क्रांति' के दौरान **23/11/2024** को 'आणविक पैथोलॉजी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता' शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- प्रो. अमित दत्त ने आईएचएस, प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा आयोजित 'जीवन का आणविक आधार: स्वास्थ्य, रोग और विविधता' के दौरान **28/11/2024** को 'मौखिक कैंसर में लिम्फ नोड मेटास्टेसिस में जीनोमिक अंतर्दृष्टि' शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- प्रो. अमित दत्त ने भारतीय मानव आनुवंशिकी सोसायटी द्वारा 'भारतीय मानव आनुवंशिकी सोसायटी के **49**वें वार्षिक सम्मेलन और अंतर्राष्ट्रीय न्यूरोजेनेटिक्स कॉन्क्लेव

(आईएसएचजी**-2025)** सम्मेलन/सेमिनार**'** के दौरान **21/01/2025** को **'**जटिल विकारों/एपिजेनेटिक्स/जीन-पर्यावरण अंतःक्रियाओं का आनुवंशिकी**'** शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

- प्रो. अमित दत्त ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज द्वारा **'**जीवन विज्ञान में संभावनाएं**-2025'** पर आयोजित सम्मेलन/सेमिनार के दौरान **24/01/2025** को **'**सिर**,** गर्दन और फेफड़ों के कैंसर में सटीक चिकित्सा को आगे बढ़ाने वाली जीनोमिक अंतर्दृष्टि**'** शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- प्रो. अमित दत्त ने सीईएफआईपीआरए**,** डीएसए के सहयोग से इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज (आईएलबीएस**)** और आईएनएसईआरएम द्वारा **'**इंडो-फ्रेंच सेंटर फॉर द प्रमोशन ऑफ एडवांस्ड रिसर्च **2025 (**आईएफसीपीएआर**/**सीईएफआईपीआरए**)'** पर आयोजित सम्मेलन/सेमिनार के दौरान **29/01/2025** को **'**ईआरबीबी**2** और केआरएएस परिवर्तन प्रारंभिक चरण के पित्ताशय के कैंसर में ईजीएफआर अवरोधकों की प्रतिक्रिया को मध्यस्थ करते हैं**'** शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- प्रो. अमित दत्त ने **30/01/2025** को जीसीसी साउथ एशिया चैप्टर और एमिटी यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित सम्मेलन/सेमिनार के दौरान **'**कैंसर और कैंसर इम्यूनोथेरेपी में प्रगति**'** शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- प्रो. अमित दत्त ने इम्यूनो-ऑन्कोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया (आई-ओएसआई**)** द्वारा आयोजित इम्यूनो-ऑन्कोलॉजी सोसाइटी के छठे वार्षिक सम्मेलन (आई-ओसिकॉन **2025)** के दौरान **31/01/2025** को **'**इम्यूनो-ऑन्कोलॉजी-बुद्धिमानी और सटीकता से चयन**'** शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- प्रो. अमित दत्त ने कैंसर रिसर्च एंड स्टैटिस्टिक्स फाउंडेशन और सर गंगा राम अस्पताल द्वारा आयोजित **'**कैंसर कनेक्ट **2025'** सम्मेलन/सेमिनार में **2/2/2025** को **'**डिकोडिंग जीनोमिक प्रोफाइलिंग रिपोर्ट्स**'** शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- प्रो. अमित दत्त ने मॉलिक्यूलर पैथोलॉजी एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित **'12**वें वार्षिक सम्मेलन (एमपीएआईसीओएन **2025)'** में **14/02/2025** को **'**एडवांस इन मॉलिक्यूलर पैथोलॉजी: बेंच टू बेडसाइड**'** शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- प्रो. अमित दत्त ने आईआईएसईआर बरहामपुर द्वारा **'**कम्प्यूटेशनल ऑन्कोलॉजी: सिस्टम्स एंड एडवांस्ड ओमिक्स अप्रोचेज इन कैंसर बायोलॉजी**'** पर आयोजित कार्यशाला में **18/02/2025** को **'**टेल एंड टैंगो ऑफ द कैंसर जीनोम**,** अलोंग द डांस ऑफ क्लोनल इवोल्यूशन**'** शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

- प्रो. अमित दत्त ने आरजीसीओएन **2025** द्वारा आयोजित **'**ब्रीदिंग ब्रिलिएंस - द लंग सिम्पोजियम**,** आरजीसीओएन **2025'** के दौरान **22/03/2025** को **'**लिक्विड बायोप्सी - आल्वेज़ दि ब्राइडमेड**,** नेवर दि ब्राइड**?** शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- प्रो. अमित दत्त ने शिव नादर इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस के जीवन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में **26/03/2025** को **'**कैंसर को समझना: जीव विज्ञान**,** संगणना और मॉडल प्रणाली के माध्यम से एक एकीकृत दृष्टिकोण**'** विषय पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- प्रो. अमित दत्त ने साउथ एशियन यूनिवर्सिटी (एसएयू**),** दिल्ली द्वारा आयोजित **'**इंटरऑन्क **2025 -** अंतःविषय ऑन्कोलॉजी सम्मेलन**'** के दौरान **28/03/2025** को **'**फेफड़ों के कैंसर में लक्षित चिकित्सा के प्रतिरोध में आनुवंशिक अंतर्दृष्टि**'** विषय पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- प्रो. अमित दत्त ने प्रथम प्रिसिशन ऑन्कोलॉजी लीडरशिप समिट (पीओएलईएस**)** 2025 द्वारा आयोजित **'**पायनियरिंग प्रिसिशन: ट्रांसफॉर्मिंग ऑन्कोलॉजी थ्रू इनोवेशन**'** के दौरान 5/4/2025 को **'**ईजीएफआर-म्यूटेंट फेफड़ों के कैंसर में पुनरावृत्ति के प्रारंभिक भविष्यवाणियों के रूप में सह-आवृत ट्यूमर सप्रेसर म्यूटेशन की अनुदैर्ध्य जीनोमिक निगरानी**'** शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- प्रो. अमित दत्त ने **6/5/2025** को आईआईएसईआर पुणे द्वारा आयोजित **'**जीनोमिक्स एंड ट्रांसलेशनल कॉन्फ्रेंस (जीएटीसी) **2025'** के दौरान **'**फेफड़ों के कैंसर में लक्षित थेरेपी के प्रति प्रतिरोध**'** शीर्षक से शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- प्रोफ़ेसर जगरीत कौर ने कलकत्ता विश्वविद्यालय**,** कोलकाता के वनस्पति विज्ञान विभाग**,** भारतीय माइकोलॉजिकल सोसाइटी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में **'**अरुण कुमार शर्मा जन्म शताब्दी व्याख्यान**'** के दौरान **6/12/2024** को **'**तना सड़न और अल्टरनेरिया ब्लाइट के प्रति रोग प्रतिरोधक क्षमता के आनुवंशिकी और जीनोमिक्स को समझना**'** शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- प्रोफ़ेसर जगरीत कौर ने जैव प्रौद्योगिकी विभाग**,** डीटीयू**,** नई दिल्ली द्वारा आयोजित **'**अटल-प्रायोजित एफडीपी: स्वास्थ्य देखभाल और चिकित्सा प्रौद्योगिकी: नवाचार**,** चुनौतियाँ और नई दिशाएँ (ऑनलाइन)**'** में **14/12/2024** को **'**पौधे के रोगाणुओं के परस्पर क्रिया के दौरान क्रॉसटॉक को समझने के लिए जीनोमिक्स में प्रगति**'** शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- प्रोफ़ेसर जगरीत कौर ने एग्री बायोटेक फाउंडेशन (एबीएफ)**,** हैदराबाद**;** फेडरेशन ऑफ एशियन बायोटेक्नोलॉजी एसोसिएशन (एफएबीए)**,** हैदराबाद तथा भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईआईआरआर)**,** हैदराबाद द्वारा "फसल सुधार: प्रजनन से जीनोम संपादन तक" नामक एक ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में **5/3/2025** को **'**स्क्लेरोटिनिया तना सड़न

(एसएसआर) संक्रमणों के प्रति पादप प्रतिरोधकता प्रदान करने हेतु आरएनएआई-आधारित प्रबंधन रणनीतियों की खोज' शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

- प्रोफेसर जगरीत कौर ने फोर्स-इंटरडिसिप्लिनरी इनिशिएटिव इन केमिकल साइंसेज द्वारा अलप्पुझा, केरल में आयोजित बैठक के दौरान 'द एशियन जर्नल ऑफ ऑर्गेनिक केमिस्ट्री (एजेओसी, विले)' लेक्चर अवार्ड में **10/3/2024** को एक पेपर प्रस्तुत किया। इस पेपर का शीर्षक था, 'फेफड़ों के कैंसर में निकोटिनामाइड एसिटाइलकोलाइन रिसेप्टर्स (**nAChR):** धूम्रपान न करने वालों पर ध्यान'।
- प्रोफ़ेसर तपस्या श्रीवास्तव ने आईआईटी-कानपुर द्वारा **3/10/2024** को आयोजित 'फोर्स-इंटरडिसिप्लिनरी इनिशिएटिव इन केमिकल साइंसेज' के दौरान 'फेफड़ों के कैंसर में निकोटिनामाइड एसिटाइलकोलाइन रिसेप्टर्स (**nAChR):** धूम्रपान न करने वालों पर ध्यान', शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- प्रोफ़ेसर तपस्या श्रीवास्तव ने पीजीआई, चंडीगढ़ द्वारा **6/12/2024** को आयोजित भारतीय नैदानिक जैव रसायनज्ञ संघ (एक्बिकॉन **2024)** के **50**वें राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'ट्यूमर माइक्रोएन्वायरमेंट द्वारा संचालित प्रमुख रिसेप्टर्स के कोशिकीय यातायात में आणविक परिवर्तन गैस्ट्रिक कैंसर की प्रगति को प्रभावित करते हैं' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- प्रोफ़ेसर तपस्या श्रीवास्तव ने एम्स ऋषिकेश, नेहरू पर्वतारोहण संस्थान द्वारा आयोजित भारतीय हाइपोक्सिया एवं पर्वतीय चिकित्सा सोसायटी के राष्ट्रीय सम्मेलन में **17/3/2025** को 'आनुवंशिक प्रवृत्ति, धूम्रपान की स्थिति और हाइपोक्सिक ट्यूमर सूक्ष्म वातावरण - फेफड़ों के कैंसर की प्रगति में नवीन अंतर्दृष्टि' शीर्षक से एक शोध-प्रबंध प्रस्तुत किया।

विस्तार एवं आउटरीच गतिविधियाँ

- प्रोफ़ेसर प्रदीप कुमार बर्मा, राष्ट्रीय विज्ञान एवं शिक्षा अनुसंधान संस्थान, भुवनेश्वर, ओडिशा में **8** से **10** अप्रैल **2024** तक आयोजित एनआईएसईआर आउटरीच शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में एक विषय विशेषज्ञ के रूप में कार्यरत रहे।
- प्रोफ़ेसर बर्मा को **11** जुलाई, **2024** को यूएसआईसी द्वारा आयोजित "प्रयोगशाला एवं तकनीकी कर्मचारियों के लिए एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम" में शिक्षण प्रयोगशालाओं के सुरक्षा उपायों और रखरखाव पर व्याख्यान देने के लिए विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था।
- प्रोफ़ेसर मनोज प्रसाद न केवल स्कूल और कॉलेज दोनों स्तरों पर छात्रों के लिए शैक्षिक परियोजनाएँ विकसित करने में सक्रिय रूप से शामिल हैं, बल्कि उन्होंने विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों में युवा विद्वानों और छात्रों को एसटीएएम के प्रति प्रेरित करने के लिए व्याख्यान भी दिए हैं।

- प्रोफ़ेसर सुरजीत सरकार को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़-यूपी के प्राणि विज्ञान विभाग में आयोजित "जैविक विज्ञान में प्रगति: अणुओं से जीवों तक" सम्मेलन में "मानव तंत्रिका-अपक्षयी विकारों के लिए संयुक्त चिकित्सीय औषधि लक्ष्य(लक्ष्यों) का विकास: ड्रोसोफिला रोग मॉडल से सबक" विषय पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था। **28-29** दिसंबर, **2024**.
- प्रोफ़ेसर तपस्या श्रीवास्तव की प्रयोगशाला ने **25** जुलाई **2024** को एएनडीसी छात्रों के लिए पीसीआर पर एक-दिवसीय प्रायोगिक कार्यशाला का आयोजन किया।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी. : 03

संकाय सदस्य-संख्या

कुल: 08 (आठ) - (प्रोफेसर - 06, एसोसिएट प्रोफेसर - 01 और सहायक प्रोफेसर - 01)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

प्रोफ़ेसर बर्मा

- मनोनीत सदस्य. एनआईआई, नई दिल्ली की शैक्षणिक समिति।
- सदस्य सचिव, आईबीएससी, एफआईएएस।

प्रोफ़ेसर श्रीवास्तव

- सदस्य सचिव, एफआईएएस के आईईसी और यूडीएससी में न्यूड माइस सुविधा।
- सदस्य, राम लाल आनंद कॉलेज का शासी निकाय, **14** जून, **2024**
- विशेषज्ञ सदस्य, डीएचआर नॉन-मेडिकल फ़ेलोशिप के लिए परीक्षा पाठ्यक्रम तैयार करने हेतु।
- आईक्यूएसी नोडल अधिकारी, **2024**
- सदस्य, सेंट जॉन्स अस्पताल, बैंगलोर; एम्स और आईजीआईबी में अनुसंधान समिति।
- एमएससी थीसिस मूल्यांकनकर्ता, एम्स, मई, **2024.**

प्रोफ़ेसर सरकार

- प्रभारी प्रोफ़ेसर, सीआईएफ, यूडीएससी, **(2023-)**।
- सदस्य, न्यूरोबायोलॉजी टास्क फोर्स (**2023-)** और डीबीटी-स्टार कॉलेज का चयन (**2019-),** डीबीटी, भारत सरकार, नई दिल्ली (**2018-20; 2023-)**।

- एसोसिएट एडिटर: द न्यूक्लियस, प्रकाशक: स्प्रिंगर नेचर

प्रो. प्रसाद, सदस्य

- सीएसआईआर-एसआरएबी, आईसीएआर-एसआरबी, नई दिल्ली
- डीबीटी-कृषि जैव प्रौद्योगिकी टास्क फोर्स समिति, नई दिल्ली
- जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू तवी (जम्मू और कश्मीर) के एमएससी जैव प्रौद्योगिकी कार्यक्रम (डीबीटी समर्थित) की सलाहकार समिति।
- डीएसटी-एफआईएसटी कार्यक्रम (जीव विज्ञान), नई दिल्ली
- डीबीटी-आरए, नई दिल्ली की चयन समिति
- एसईआरबी-पावर अनुदान प्रस्तावों की स्क्रीनिंग और निगरानी समिति
- डीबीटी नामित, असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट, असम में जैव प्रौद्योगिकी/संबद्ध विज्ञान में डीबीटी समर्थित स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए वार्षिक सलाहकार समिति की बैठक; आईसीएआर-आईएआरआई में गठित आईबीएससी; जैव प्रौद्योगिकी विभाग, इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

प्रो. अमित दत्त

- सीएसआईआर विशेषज्ञ निगरानी समिति: अखिल सीएसआईआर कैंसर अनुसंधान कार्यक्रम और भारतीय स्तन कैंसर जीनोम एटलस।
- भारत सरकार के एसईआरबी कार्यक्रमों के लिए मुख्य विशेषज्ञ समिति सदस्य: ईएमईक्यू, ईसीआरए, एसआरजी, एनपीडीएफ, सीआरजी, एसआईआरई और सुप्रा।
- आईसीएमआर के मुख्य सदस्य
- विशेषज्ञ, कैंसर जीनोमिक्स के लिए डीबीटी-एनसीआई/एम्स इंडिया ट्रांसलेशनल एंड क्लिनिकल रिसर्च पार्टनरशिप सेंटर।
- वैज्ञानिक समीक्षक, टीटीसीआरसी, टीएमसी, कोलकाता।
- कंपनियों और संस्थानों में वैज्ञानिक सलाहकार समिति
- जूरी सदस्य, सन फार्मा साइंस फाउंडेशन, साइंस स्कॉलर अवार्ड्स के लिए।
- संयुक्त सचिव, मॉलिक्यूलर पैथोलॉजिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया।

सूक्षम जीवविज्ञान विभाग

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

विभाग आणविक सूक्ष्म जीवविज्ञान, परजीवी विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी से जुड़ी विविध शोध गतिविधियों का संचालन करता है। प्रो. स्वाति साहा की प्रयोगशाला लीशमैनिया में डीएनए जीव विज्ञान और एपिजेनेटिक नियमन का अध्ययन करती है, जिसमें हाल ही में डीएनए प्रतिकृति में शामिल दो परजीवी-विशिष्ट प्रोटीनों की खोज की गई है। प्रो. राजीव कौल का ग्रुप रोगजनन में पेस्टे डेस पेटिट्स रुमिनेंट्स (पीपीआर) वायरस प्रोटीन की भूमिका को समझने पर केंद्रित है। प्रो. वाई. पी. खासा की प्रयोगशाला पुनःसंयोजक प्रोटीन उत्पादन और जैवप्रक्रिया अनुकूलन में विशेषज्ञता रखती है, जिसमें साइटोकाइन्स और चिकित्सीय प्रोटीनों की बड़े पैमाने पर अभिव्यक्ति पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। डॉ. अश्विनी चौहान का शोध बायोफिल्म-संबंधित संक्रमणों और प्रतिरोध तंत्रों पर केंद्रित है, जबकि डॉ. राम करण की प्रयोगशाला पर्यावरणीय, जैव-चिकित्सा और जैव-प्रौद्योगिकीय अनुप्रयोगों के लिए नए सूक्ष्मजीवों और उनके जैव-अणुओं की खोज में लगी हुई है। डॉ. विजय के. वर्मा तनाव की स्थिति में लगातार संक्रमण और परपोषी-रोगज़नक़ सह-अस्तित्व के अंतर्निहित आणविक तंत्रों का अन्वेषण करते हैं। इसके अतिरिक्त, डॉ. पाऊ बियाक सांग की प्रयोगशाला कैंडिडा ग्लाब्रेटा में डीएनए मरम्मत तंत्र पर ध्यान केंद्रित करती है और रोगाणुरोधी प्रतिरोध के लिए त्वरित पता लगाने के तरीके विकसित कर रही है।

सम्मान/विभूतियां

छात्र

एमएससी माइक्रोबायोलॉजी की छात्रा मानसी जोशी ने प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

प्रकाशित कार्य

- शर्मा, वी., पाल, जे., दशोरा, वी., चट्टोपाध्याय, एस., कपूर, वाई., सिंघा, बी., अरिम्बसेरी, जी.ए. और साहा, एस. (**2025**). लीशमैनिया डोनोवानी के एसईटी**29** और एसईटी-**7** प्रोटीन ऑक्सीडेटिव तनाव के प्रति परजीवी की प्रतिक्रिया को नियंत्रित करने में गैर-अनावश्यक अभिसारी और सहयोगी कार्य करते हैं। *जे बायोल केम* **301:108208https://www.jbc.org/article/S0021-9258(25)00055-9/fulltext.**
- सिंह आर., गौर एस.के., नागर आर., कौल आर. (**2024**). मॉर्बिलिवायरस द्वारा मध्यस्थता वाले ऑटोफैगी और एपोप्टोसिस के विभिन्न तंत्रों की अंतर्दृष्टि। *वायरोलॉजी.* खंड **603,** फ़रवरी **2025, 110371. https://doi.org/10.1016/j.virol.2024.110371.**

- गौर एस.के., जैन जे., चौधरी वाई., कौल आर. (**2024).** मॉर्बिलिवायरस प्रेरित प्रतिरक्षा दमन की क्रियाविधि की अंतर्दृष्टि। *वायरोलॉजी*, खंड **600,** दिसंबर **2024.https://doi.org/10.1016/j.virol.2024.110212.**
- गौर एस.के., चौधरी वाई., जैन जे., सिंह आर., कौल आर. (**2024).** विभिन्न इन-सिलिको दृष्टिकोणों का उपयोग करके पेस्टे डेस पेटिट्स रुमिनेंट्स वायरस कोडित हीमाग्लगुटिनिन प्रोटीन का संरचनात्मक और कार्यात्मक लक्षण वर्णन। *फ्रंट माइक्रोबायोल*, **2024** जून **20;15:1427606. https://doi/10.3389/fmicb.2024.1427606.**
- जैन के., मोनिका, चंद्रा के., जैसवार जी., चक्रवर्ती एस., चौहान ए., डबास एन., "ट्रेकिस्पर्मम अम्मी समर्थित नैनो-सीईओ**2** का संश्लेषण और पानी में इबुप्रोफेन के फोटोकैटलिटिक अपघटन में इसका दायरा। *केमिस्ट्री अफ्रीका* **8, 669-685 (2025)।https://doi.org/10.1007/s42250-025-01187-2**.
- वर्गीज आर.टी., चेरियन आर.एम., एंटनी टी., चिरायिल सी.जे., कर्जरज़ादेह एच., मल्होत्रा ए., चौहान ए., थॉमस एस. (**2024)**. एक सरल हल्के एसिड हाइड्रोलिसिस द्वारा जी. टिलिफ़ोलिया पौधे की छाल के लिग्नोसेल्यूलोसिक बायोमास से ऊष्मीय रूप से स्थिर, अत्यधिक क्रिस्टलीय सेल्यूलोज़ नैनोफाइब्रिल्स पृथक किए गए। *बायोमास कन्व. बायोरेफ.* **14, 31591-31605.https://doi.org/10.1007/s13399-023-05049-0.**
- चक्रवर्ती एस, रोहित ए, प्रशांति एसजे, चौहान ए (**2024).** कार्बापेनम प्रतिरोधी क्लेबसिएला न्यूमोनिया क्लिनिकल आइसोलेट्स के बायोफिल्म्स को निष्क्रिय करने के लिए अस्पताल के सीवेज से पृथक किया गया एक नया कैसजेन्सविरिडे बैक्टीरियोफेज। *फार्मास्यूटिक्स.* **16(7):904. https://doi.org/10.3390/pharmaceutics16070904.**
- चक्रवर्ती, एस., और चौहान, ए. (**2023).** फ्लू से लड़ना: एंटी-इन्फ्लूएंजा एजेंटों पर एक संक्षिप्त समीक्षा। *बायोटेक्नोलॉजी एंड जेनेटिक इंजीनियरिंग रिव्यूज़*, **40(2), 858-909.https://doi.org/10.1080/**02648725.2023.2191081.
- भौमिक ए., चक्रवर्ती एस., रोहित ए., चौहान ए., **(2024)**. एन-एसिटाइल सिस्टीन के प्रति व्यापक रूप से दवा-प्रतिरोधी क्लेबसिएला न्यूमोनिया की ट्रांसक्रिप्टोमिक प्रतिक्रियाओं से प्रमुख जैवजनन मार्गों का दमन प्रकट होता है जिससे बैक्टीरिया नष्ट होते हैं और बायोफिल्म उन्मूलन होता है। *जर्नल ऑफ एप्लाइड माइक्रोबायोलॉजी*, **135:lxae136**. **https://doi.org/10.1093/jambio/lxae136**.
- करण, आर.*, रेन, डी., एलर्स, टी., और रूपिंग, एम. (**2024)**. प्रोटीन शुद्धिकरण के लिए हेलोआर्कियल अभिव्यक्ति प्रणाली, हेलोफेरैक्स वोल्केनी में आत्मीयता टैग का एक व्यवस्थित विश्लेषण। *फ्रंटियर्स इन माइक्रोबायोलॉजी*, **15:1403623**। **https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/38873150/**.

- यादव एम, बेहरा डीके, गुप्ता एन, वर्मा वीके (**2024).** हेलिकोबैक्टर पाइलोरी में गैर-कोडिंग आरएनए का नियामक नेटवर्क: एक व्यवस्थित दृष्टिकोण। *लाइफ साइंसेज, खंड **359,*** दिसंबर **2024, 123194**. **29** अक्टूबर **2024**. **https://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S0024320524007847**.

- बब्बल, मोहंती एस और खासा वाईपी (**2025).** फोर्स्टर रेजोनेंस एनर्जी ट्रांसफर (एफआरईटी) परख का उपयोग करके तीव्र-क्रियाशील स्किज़ोसैक्रोमाइसेस पोम्बे यूएलपी**1** उत्प्रेरक डोमेन के एंजाइम गतिज मापदंडों का निर्धारण। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स*, **301:140312**। **https://doi.org/10.1016/j.ijbiomac.2025.140312**।

- मोहंती एस, बब्बल, तलवार एम, चौहान एस, सिन्हा पी, शर्मा एस, खासा वाईपी (**2025).** ई. कोलाई में फ़ेड-बैच रणनीति का उपयोग करके अत्यधिक कुशल पुनः संयोजक एंडो-**β-**नेसिटाइलग्लुकोसामिनिडेस-एच के लिए एक लागत प्रभावी और स्केलेबल अभिव्यक्ति प्लेटफ़ॉर्म डिज़ाइन करना। *प्रोसेस बायोकैमिस्ट्री।* **150:21-32**. **https://doi.org/10.1016/j.procbio.2024.12.019**.

पुस्तक अध्याय:

- पांडे, एस., परमार, बी., यादव, एस., नायर, ए.ए., हूआंग, ए., और करण, आर.* (**2025**). जलवायु परिवर्तन शमन में एक्सट्रीमोफाइल्स: एक स्थायी भविष्य के लिए लचीले सूक्ष्मजीवों का उपयोग। जलवायु परिवर्तन के लिए सूक्ष्मजीवों के लचीलेपन में। *स्प्रिंगर नेचर।* **https://link.springer.com/chapter/10.1007/978-981-96-3748-5_11**.

- मोहंती एस, बब्बल, चौहान एस, तलवार एम, और खासा वाईपी (**2024).** मिथाइलोट्रोफिक यीस्ट पिचिया पास्टोरिस में निरंतर कोशिका पुनर्चक्रण और फीड-बैच किण्वन रणनीति, वॉल्यूमेट्रिक उत्पाद पैदावार बढ़ाने के लिए: यारोविया लिपोलिटिका लाइपेस लिप**2** के साथ एक केस स्टडी। जैव प्रौद्योगिकी और जैवप्रक्रिया इंजीनियरिंग। **https://doi.org/10.1007/s12257-024-00149-8.**

अनुसंधान परियोजनाएं

- प्रो. स्वाति साहा को **'**बायोइन्क्यूबेशन के माध्यम से नवाचार और प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देना**'** नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में **4,44,67,000/-** रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान बीआईआरएसी द्वारा प्रायोजित बायोनेस्ट कार्यक्रम द्वारा प्रदान किया गया है और जुलाई **2022** से जुलाई **2026** तक की अवधि के लिए है।

- प्रो. स्वाति साहा को **'**प्रोटोजोआ परजीवी लीशमैनिया डोनोवानी में एसईटी**26** और एसईटी**27** की भूमिकाओं की जाँच**'** नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में **68,89,000/-**

रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान एसईआरबी द्वारा प्रदान किया गया है और मार्च **2024** से मार्च **2027** तक की अवधि के लिए है।

- प्रो. स्वाति साहा को 'प्रोटोजोआ लीशमैनिया डोनोवानी में डीएनए प्रतिकृति में शामिल परजीवी-विशिष्ट प्रोटीन की पहचान' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में **68,89,000/-** रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान डीबीटी द्वारा प्रदान किया गया है और अगस्त **2022** से अगस्त **2025** तक की अवधि के लिए है।
- प्रो. राजीव कौल को 'एंटीबॉडी इंजीनियरिंग केंद्र: इम्यूनो-डायग्नोस्टिक्स/थेरेप्यूटिक्स वेनीरिंग टेक्नोलॉजीज (सीआईवीईटी) केंद्र' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में **1,87,00,000/-** रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान डीएसटी-एसईआरबी द्वारा प्रदान किया गया है और मार्च **2022** से मार्च **2025** तक की अवधि के लिए है।
- प्रोफ़ेसर राजीव कौल को 'डेयरी पशुओं में नैदानिक चिकित्सीय उपयोग के लिए रोगाणुरोधी प्रतिरोधी मास्टिटिस रोगज़नक़ के विरुद्ध विशिष्ट एकल डोमेन एंटीबॉडी (**sdAbs)**' नामक एक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में **59,60,000/-** रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान डीएसटी-एसईआरबी द्वारा प्रदान किया गया है और मार्च **2022** से मार्च **2025** तक की अवधि के लिए है।
- प्रोफ़ेसर वाई.पी. ख़ासा को 'ई. कोलाई और पिचिया पास्टोरिस में इम्यूनोथेरेपी के लिए चिकित्सीय रूप से महत्वपूर्ण मानव इंटरल्यूकिन-**2 (hIL-2)** के अतिउत्पादन हेतु एक स्केलेबल अभिव्यक्ति प्लेटफ़ॉर्म का विकास' नामक एक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में **61,98,000/-** रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है और अप्रैल **2025** से मार्च **2028** तक की अवधि के लिए है।
- डॉ. अश्विनी चौहान को 'बायोफिल्म उपनिवेशण और संक्रमणों को रोकने के लिए सीवीसी हेतु बहु-विशेषता सतह कोटिंग्स का विकास' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में **56,50,000/-** रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है और अप्रैल **2021** से मार्च **2025** तक की अवधि के लिए है।
- डॉ. अश्विनी चौहान को 'औषधि प्रतिरोधी के. निमोनिया की बायोफिल्मों को नियंत्रित करने के लिए बैक्टीरियोफेज और उनके उत्पाद' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में **29,00,000/-** रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान डीएसटी-एसईआरबी द्वारा प्रदान किया गया है और मार्च **2022** से अगस्त **2024** तक की अवधि के लिए है।
- डॉ. अश्विनी चौहान को 'बहु-औषधि प्रतिरोधी जीवाणुओं के लिए एंटीबायोफिल्म एजेंट के रूप में शुद्ध मानव दूध ओलिगोसेकेराइड्स की भूमिका की जाँच' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में **90,00,000/-** रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान

आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है और मार्च **2022** से अगस्त **2024** तक की अवधि के लिए है।

- डॉ. विजय वर्मा को 'जीवाणुजनित स्थाई संक्रमण के रहस्य को उजागर करना: हेलिकोबैक्टर पाइलोरी के टॉक्सिन-एंटीटॉक्सिन प्रणालियों की जीनोम-व्यापी पहचान और लक्षण वर्णन' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में **47,00,000/-** रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है और मार्च **2021** से अगस्त **2025** तक की अवधि के लिए है।
- डॉ. पाउ बियाक सांग को 'एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस का तेजी से पता लगाने की एक नई विधि' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में **91,00,000/-** रुपए की राशि मंजूर की गई है। यह अनुदान आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है और अप्रैल **2024** से मार्च **2025** तक की अवधि के लिए है।
- डॉ. राम करण को 'हरित ऊर्जा को आगे बढ़ाना: निम्न-कार्बन जैव ईंधन उत्पादन के लिए अगली पीढ़ी के सूक्ष्मजीवों और एंजाइमों की जांच' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में **20,000/-** रुपए की राशि मंजूर की गई है। यह अनुदान केएयूएसटी द्वारा प्रदान किया गया है और **2024** से **2025** तक की अवधि के लिए है।

आयोजित संगोष्ठियां

- प्रोफ़ेसर बैरी टी. राउज़, प्रोफ़ेसर, कॉलेज ऑफ़ वेटरनरी मेडिसिन, यूनिवर्सिटी ऑफ़ टेनेसी, नॉक्सविले, यूएसए, ने **14** नवंबर, **2024** को 'वायरल इम्यूनोपैथोलॉजी को नियंत्रित करने की चुनौतियों का सामना करना' विषय पर सेमिनार/व्याख्यान दिया।
- डॉ. राजेश कुमारी, सहायक प्रोफेसर, प्राणीशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश **211002** भारत, ने **27** जनवरी, **2025** को **'SARS-CoV2** के विरुद्ध हाल ही में **mRNA** वैक्सीन के विकास में **RNA** संशोधनों की भूमिका' विषय पर एक सेमिनार/व्याख्यान दिया।
- डॉ. मनीष कुमार, रिसर्च एसोसिएट, लाइफ साइंसेज विभाग, इंपीरियल कॉलेज लंदन, यूके, ने **6** मार्च, **2025** को 'जानवर रोगजनकों को कैसे शांत करते हैं**?** सी. एलिगेंस में ऊमाइसीट रोगजनकों के विरुद्ध प्रतिरक्षा संकेतन को समझना' विषय पर एक सेमिनार/व्याख्यान दिया।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

राष्ट्रीय

- डॉ. अश्विनी चौहान ने **11-13** नवंबर, **2024** तक 'एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (एएमआर): अनुसंधान प्राथमिकताएँ और कार्य योजना' विषय पर आयोजित सम्मेलन के दौरान **6**

अप्रैल, **2024** को 'मेडिकल बायोफिल्म्स से निपटने की रणनीतियाँ, एक एएमआर तंत्र' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

- डॉ. अश्विनी चौहान ने 'फेज बायोलॉजी एंड एप्लीकेशन्स' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'उभरते वायरस: महामारी और जैव सुरक्षा परिप्रेक्ष्य वायरोकॉन **2024'** के दौरान 'एमडीआर क्लेबसिएला न्यूमोनिया के बायोफिल्म्स को खत्म करने के लिए फेज' विषय पर एक व्याख्यान दिया।
- डॉ. अश्विनी चौहान ने 'फेज थेरेपी: जीवाणु संक्रमण के उपचार में एक नया प्रतिमान' पर **18** अक्टूबर, **2024** को आयोजित 'एक-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी' के दौरान 'एमडीआर क्लेबसिएला न्यूमोनिया के बायोफिल्म्स को खत्म करने के लिए फेज' विषय पर एक व्याख्यान दिया।
- प्रोफ़ेसर राजीव कौर ने **27** फ़रवरी, **2024** को दिल्ली विश्वविद्यालय के आरएलए कॉलेज में आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम के दौरान, 'विकसित भारत **2047** के लिए भारत में विज्ञान के विकास' शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।
- डॉ. राम करण ने एक्सट्रीमोफाइल्स और उनके जैव-अणुओं पर वर्तमान परिप्रेक्ष्य पर **24-26** मार्च, **2025** को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'चरम स्थितियों से बचना: प्रोटीन और एंजाइम कैसे एलियन जैसी परिस्थितियों के अनुकूल होते हैं' शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।
- डॉ. विजय वर्मा ने 'एससीएमएम में एससीएमएम रजत जयंती मनाने के लिए एक दिवसीय लघु संगोष्ठी' विषय पर **9** सितंबर, **2024** को आयोजित एक सम्मेलन में 'मानव रोगजनक हेलिकोबैक्टर पाइलोरी के विष-प्रतिविष मॉड्यूल: पहचान से लेकर जैविक भूमिकाओं तक' शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।
- डॉ. विजय वर्मा 'कश्मीर विश्वविद्यालय द्वारा कोशिकाओं और जीवों में जीन साइलेंसिंग और नॉकआउट रणनीतियों पर ने **5-6** नवंबर, **2024** को आयोजित सम्मेलन के दौरान दो-दिवसीय कार्यशाला' में 'गैस्ट्रिक रोगजनक हेलिकोबैक्टर पाइलोरी में जीन विलोपन' शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।

एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत छात्र

जापानी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एजेंसी द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए, दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिणी परिसर के सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग की एक स्नातकोत्तर छात्रा (सुश्री कीर्तन प्रदीप) ने 18 से 14 सितंबर, 2024 तक आयोजित एक आदान-प्रदान कार्यक्रम में भाग लिया। छात्र प्रयोगशाला-आधारित अनुसंधान कार्य में संलग्न थे। अंतर्राष्ट्रीय संबंध विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा समन्वित इस कार्यक्रम को जापानी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एजेंसी द्वारा वित्त-पोषित किया गया था। छात्रों ने अपनी अंतर-सांस्कृतिक समझ को बढ़ाया और मूल्यवान शोध कौशल विकसित किए।

प्लेसमेंट विवरण (प्लेस किए गए छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

हमारे विभाग से एमएस.सी. और पीएच.डी. पाठ्यक्रम पूरा करने वाले अधिकांश छात्र विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त करते हैं।

विस्तार एवं आउटरीच गतिविधियाँ

विभाग ने कॉलेज के छात्रों के लिए अनेक कार्यशालाएँ आयोजित कीं। इन कार्यशालाओं में, छात्रों को बुनियादी आणविक जीवविज्ञान तकनीकों, पशु कोशिका संवर्धन तकनीकों, किण्वन तकनीक और एचपीएलसी के उपयोग का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इन कार्यशालाओं के अंतर्गत, पिछले वर्ष कुल 70 छात्रों को प्रत्यक्ष व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी. : 05

संकाय सदस्य-संख्या

कुल: 07 (सात) - (प्रोफेसर - 03, एसोसिएव प्रोफेसर - 02, और सहाय्क प्रोफेसर - 02)

पादप आण्विक जीवविज्ञान विभाग

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग ने 2024-2025 में मौलिक और अनुप्रयुक्त पादप जीवविज्ञान के विविध क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की। अनुसंधान ने तनाव सहनशीलता के अंतर्निहित आणविक संकेतन तंत्रों, विशेष रूप से कैल्शियम संकेतन, प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन प्रजातियों के समस्थिति, और लवण एवं सूखा तनाव प्रतिरोध में योगदान देने वाले एबीए मार्गों, के बारे में गहन अंतर्दृष्टि प्रदान की। आनुवंशिक विश्लेषणों ने प्रजनन विकास और अर्धसूत्रीविभाजन प्रक्रियाओं में प्रतिलेखन विनियामकों और मध्यस्थ जटिल उपइकाइयों की महत्वपूर्ण भूमिकाओं का प्रकटन किया। प्रतिलेखन विनियमन पर अध्ययनों ने प्रमुख प्रतिलेखन कारकों, सामान्य प्रतिलेखन तंत्र, मिथाइल-सीपीजी-बाइंडिंग-डोमेन प्रोटीन और लंबे गैर-कोडिंग आरएनए सहित एपिजेनेटिक कारकों की संरचनात्मक और कार्यात्मक भूमिकाओं को और स्पष्ट किया। मेटाबोलोमिक्स-संचालित अनुसंधान ने जैविक तनाव के प्रति पादप रक्षा प्रतिक्रियाओं पर प्रकाश डाला, और बेहतर टेरपेनॉइड उत्पादन के लिए उपापचयी अभियांत्रिकी में प्रगति हुई। पादप-रोगज़नक़ और पादप-कीट अंतःक्रियाओं के अध्ययन ने अनुवादात्मक पुनर्प्रोग्रामिंग, एमएपी काइनेज संकेतन, और हार्मोनल क्रॉसटॉक तंत्रों से जुड़ी जटिल रक्षा रणनीतियों का प्रकटन किया। कृषि और वानिकी संदर्भों में कीटों और रोगजनकों के प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने के लिए जीनोम संपादन और ट्रांसजेनिक रणनीतियों जैसे अनुप्रयुक्त जैव प्रौद्योगिकी दृष्टिकोणों का लाभ उठाया गया। इसके अतिरिक्त, विशिष्ट जैव सूचना विज्ञान संसाधनों, विशेष रूप से मीडिएटर कॉम्प्लेक्स इंटरेक्शन डेटाबेस, के निर्माण के प्रयास किए गए, जिससे आगे के

कार्यात्मक जीनोमिक्स अनुसंधान को समर्थन मिला। सामूहिक रूप से, ये बहु-विषयक उपलब्धियाँ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर समकालीन पादप आणविक जीव विज्ञान में विभाग के महत्व की पुष्टि करती हैं।

सम्मान/विभूतियां

छात्र

- दीक्षा बिष्ट पीएच.डी. 2024 को अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ), एसईआरबी द्वारा 24-28 जून, 2024 के दौरान केर्न्स, क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया में आयोजित 13वें अंतर्राष्ट्रीय प्लांट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (आईपीएमबी) कांग्रेस में भाग लेने के लिए अंतर्राष्ट्रीय यात्रा सहायता (आईटीएस) अनुदान प्रदान किया गया।
- दीक्षा बिष्ट पीएच.डी. 2024 को 24-28 जून, 2024 के दौरान केर्न्स, क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया में आयोजित 13वें अंतर्राष्ट्रीय प्लांट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (आईपीएमबी) कांग्रेस द्वारा आयोजित पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- सोनम पाहुजा पीएच.डी. 2025 को मिल्वौकी, विस्कॉन्सिन, अमेरिका में अमेरिकन सोसाइटी ऑफ प्लांट बायोलॉजिस्ट (एएसपीबी) द्वारा आयोजित प्लांट बायोलॉजी 2025 सम्मेलन में भाग लेने के लिए एएसपीबी यात्रा पुरस्कार प्रदान किया गया।

प्रकाशित कार्य

- भेरी, एम., कुमार, ए., और पांडे, जी. के. (**2024**). टीओआरसी: के+ सिग्नलिंग लीग में नवीनतम जोड़। *ट्रेंड्स इन प्लांट साइंस*, **29(9), 952-954.https://doi.org/ 10.1016/j.tplants.2024.05.002.**
- बिष्ट, डी., मिश्रा, एस., बिहानी, एस. सी., सेठ, टी., श्रीवास्तव, ए. के., और पांडे, जी. के. (**2024**). लवण तनाव सहनशीलता और कैल्शियम सिग्नलिंग घटक: हम कहाँ खड़े हैं और हम कितनी दूर जा सकते हैं**?** *जर्नल ऑफ प्लांट ग्रोथ रेगुलेशन*, **1-19. https://doi.org/10.1007/s00344-024-11235-9.**
- धारा, ए., गुप्ता, एम., भट्टाचार्य, ए. और चक्रवर्ती, एस.बी., **(2024)**. आयुर्वेदिक सूत्रीकरण "दशमूल" चूहों में फ्रायंड के पूर्ण सहायक-प्रेरित प्रायोगिक गठिया को कम करता है, *प्रोसीडिंग्स ऑफ जूलॉजिकल सोसाइटी*, **1-12, https://doi.org/10.1007/ s12595-024 - 00545-1**.
- गंभीर, पी., रघुवंशी, यू., कुमार, आर., और शर्मा, ए.के. (**2024**). टमाटर के फल पकने का प्रतिलेखन नियमन। *फिजियोलॉजी एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी ऑफ प्लांट्स*, **30(2), 289-303। https://doi.org/10.1007/s12298-024-01424-x।**

- उच्च-अभिव्यक्त **BCL-2A1/BFL1** प्रोटीन का एक अवरोधक, जो स्तन कैंसर में खराब रोगनिदान से जुड़ा है। जर्नल ऑफ बायोमॉलिक्युलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स, **42(22), 12122-12132.https://doi.org/10.1080/07391102.2023.2268176.**

- जामरा, जी., घोष, एस., सिंह, एन., त्रिपाठी, एम. के., अग्रवाल, ए., सिंह, आर. डी. आर., श्रीवास्तव, ए. के., कुमार, ए., और पांडे, जी. के. (**2024**). एल्यूसिन कोराकाना **CAX3** का एक्टोपिक अतिअभिव्यक्ति, यीस्ट और एराबिडोप्सिस में धातु और आयन तनाव के प्रति सहनशीलता प्रदान करता है। प्लांट फीजियोलॉजी एंड बायोकैमिस्ट्री, **211, 108613. https://doi.org/10.1016/j.plaphy.2024.108613.**

- कुमारी, ए., शर्मा, पी., रानी, एम., लक्ष्मी, वी., साहिल, साही, सी., सतुरू, वी., कटियार-अग्रवाल, एस., और अग्रवाल, एम. (**2024**). मेटा-क्यूटीएल और ऑर्थो विश्लेषण चावल में अंकुरण अवस्था में शीत सहनशीलता के लिए आनुवंशिक संरचना और प्रमुख संभावित जीनों का पता लगाता है। *फीजियोलॉजी एंड मॉलीक्यूलर बायोलॉजी ऑफ प्लांट्स*, **30(1), 93-108.https://doi.org/10.1007/s12298-024-01412-1.**

- कुमारी, एम., चेकर, वी. जी., कठपालिया, आर., श्रीवास्तव, वी., सिंह, आई. के., और सिंह, ए. (**2024**)। टेरपेनॉइड उत्पादन में वृद्धि के लिए मेटाबोलिक इंजीनियरिंग: पुरानी तकनीक से नए क्षितिज का लाभ उठाना। *प्लांट फिजियोलॉजी एंड बायोकैमिस्ट्री*, **108511.https://doi.org/10.1016/j.plaphy.2024.108511.**

- कुमारी, एम., याज्ञनिक, के. एन., गुप्ता, वी., सिंह, आई. के., गुप्ता, आर., वर्मा, पी. के., और सिंह, ए. (**2024**). कीटों और रोगाणुओं के आक्रमण के विरुद्ध पौधों की रक्षा प्रतिक्रिया की मेटाबोलोमिक्स-संचालित जाँच। *फिजियोलोजिया प्लांटारम*, **176(2), e14270. https://doi.org/10.1111/ppl.14270.**

- महिवाल, एस., पाहूजा, एस., और पांडे, जी. के. (**2024**). समीक्षा: डब्ल्यूआरकेवाई प्रतिलेखन कारकों का संरचनात्मक-कार्यात्मक संबंध: पौधों में डब्ल्यूआरकेवाई की भूमिका का प्रकटीकरण। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स*, **257, 128769. https://doi.org/10.1016/j.ijbiomac.2023.128769.**

- महमूद, एस., सिंह, आई. के., और सिंह, ए. (**2024**). एबीसीबी**19** ट्रांसपोर्टर: झिल्ली लचीलेपन के माध्यम से ब्रैसिनोस्टेरॉइड परिवहन को बढ़ावा देना। प्लांट साइंस में रुझान, **29(10), 1046-1048**. **https://doi.org/10.1016/j.tplants.2024.06.005**.

- माजी, एस., वसीम, एम., शर्मा, एम. के., सिंह, एम., सिंह, ए., द्विवेदी, एन., ठाकुर, पी., कूपर, डी. जी., बिष्ट, एन. सी., फास्लर, जे. एस., भावेश, एन. एस., और ठाकुर, जे. के. (**2024**). मेडिएटरवेब: आरएनए पॉलीमरेज़ **II** मेडिएटर कॉम्प्लेक्स के लिए एक प्रोटीन-प्रोटीन

इंटरैक्शन नेटवर्क डेटाबेस। *एफईबीएस जर्नल*, **291(17), 3938-3960**। **https://doi.org/10.1111/febs.17225.**

- मणि, बी., कौर, आई., ढींगरा, वाई., सक्सेना, वी., कृष्णा, जी. के., कुमार, आर., चिन्नुसामी, वी., अग्रवाल, एम., और कटियार-अग्रवाल, एस. (**2025**)। टेट्रास्पैनिन **5** चावल में आयन और प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन प्रजातियों के होमियोस्टेसिस के नियमन के माध्यम से लवण तनाव के प्रति लचीलापन बनाए रखता है। *प्लांट बायोटेक्नोलॉजी जर्नल*, **23(1), 51-71**। **https://doi.org/10.1111/pbi.14476**.
- मिश्रा, एस., गणपति, टी. आर., पांडे, जी. के., फ़ोयर, सी. एच., और श्रीवास्तव, ए. के. (**2024**). एंटीऑक्सीडेंट म्यूटेंट के मेटा-विश्लेषण से पौधों में अजैविक तनाव-प्रेरित ट्रांसक्रिप्टोम को आकार देने के लिए सामान्य अलार्म संकेतों का पता चलता है। *एंटीऑक्सीडेंट और रेडॉक्स सिग्नलिंग*, **41(1-3), 42-55**। **https://doi.org/10.1089/ars.2023.0361**.
- नागर, जी., गुप्ता, एस. आर. आर., रुस्तगी, वी., प्रमोद, आर. के., सिंह, ए., पाहूजा, एम., और सिंह, आई. के. (**2024**). दुर्लभ स्थितियों में सटीक चिकित्सा के द्वार खोलना: मिसेंस एसीवीआर**1** वेरिएंट के संरचनात्मक और कार्यात्मक परिणाम। *ओमिक्स ए जर्नल ऑफ इंटीग्रेटिव बायोलॉजी*, **28(10), 526-536. https://doi.org/10.1089/omi.2024.0140.**
- प्रसाद, के., खाटू, एन. एफ., हसन, आई., रघुवंशी, एस., और कुमार, वी. (**2024**). छिटपुट एएलएस और **C9orf72-**संबंधित एएलएस के बीच आनुवंशिक ओवरलैप का पता लगाना: एक व्यापक तुलनात्मक जाँच*. मिनर्वा बायोटेक्नोलॉजी एंड बायोमॉलिक्युलर रिसर्च*, **36(2), 41-53. https://doi.org/10.23736/S2724-542X.24.03066-9.**
- प्रुस्टी, ए., मेहरा, पी., शर्मा, एस., मलिक, एन., अग्रवाल, पी., परिदा, एस. के., कपूर, एस., और त्यागी, ए. के. (**2024**). **OsMED14_2,** मीडिएटर कॉम्प्लेक्स का एक टेल मॉड्यूल सबयूनिट, चावल के विकास को नियंत्रित करता है और इसमें जैस्मोनिक एसिड शामिल होता है। *प्लांट साइंस*, **346, 112146. https://doi.org/10.1016/j.plantsci.2024.112146.**
- राजन, के., पॉल, आर., चौधरी, आई.आर., पाल, डी., बंसल, आर., शेखर, ए. और गुप्ता, एम. (**2025**). डेन्चर क्लींजिंग एजेंट के रूप में वैकल्पिक प्राकृतिक फ़ॉर्मूलेशन की एंटी-कैंडिडल प्रभावकारिता - क्या आयुर्वेद इसका उत्तर है**? -** एक इन-विट्रो अध्ययन। *जर्नल ऑफ़ फ़ार्मेसी एंड बायोएलाइड साइंसेज*, **10-4103.https://DOI:10.4103/jpbs.jpbs_123_25.**
- रवि, एस., शर्मा, ए., और शर्मा, ए.के. (**2025**). पौधों में जैविक प्रक्रियाओं के नियमन में मिथाइल-सीपीजी-बाइंडिंग-डोमेन (एमबीडी) प्रोटीन की भूमिकाएँ। *फिजियोलॉजी एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी ऑफ़ प्लांट्स*, **31(2), 163-171. https://doi.org/10.1007/s12298-025-01556-8.**

- रुस्तगी, वी., गुप्ता, एस. आर. आर., सिंह, ए., और सिंह, आई. के. (**2025).** परीक्षण और त्रुटि से परे: चिकित्सीय खोज के लिए उन्नत सॉफ़्टवेयर का लाभ उठाना. *केमिकल बायोलॉजी लेटर्स*, **12(1), 1251. https://doi.org/10.62110/sciencein.cbl.2025.v12.1251.**
- शरण, एस., चक्रवर्ती, ए., रॉय, ए., सिंह, आई. के., और सिंह, ए. (**2024).** जंगलों में कीट और रोगाणुओं के हमले के प्रति प्रतिरोध के लिए ट्रांसजेनिक चिनार: एक अवलोकन. *फ्रंटियर्स इन फॉरेस्ट्स एंड ग्लोबल चेंज*, **7, 1490562. https://doi.org/10.3389/ffgc.2024.1490562.**
- शर्मा, एस., कपूर, एस., अंसारी, ए., और त्यागी, ए. के. (**2024**). आरएनए पॉलीमरेज़ **II** के सामान्य प्रतिलेखन कारक (जीटीएफ) और पादप विकास एवं तनाव प्रतिक्रियाओं में उनकी भूमिकाएँ। *क्रिटिकल रिव्यूज़ इन बायोकैमिस्ट्री एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी*, **59(5), 267-309**. **https://doi.org/10.1080/10409238.2024.2408562**.
- शर्मा, एस., प्रुस्टी, ए., दानसाना, पी. के., कपूर, एस., और त्यागी, ए. के. (**2025**). सामान्य प्रतिलेखन कारक **OsTFIIB5** की अधिक अभिव्यक्ति चावल के विकास और बीज की गुणवत्ता को प्रभावित करती है। *प्लांट सेल रिपोर्ट्स*, **44(2), 1-21**. **https://doi.org/10.1007/s00299-025-03423-y**.
- सिंह, ए., गुरुसामी, डी., और सिंह, आई. के. (**2024**). संपादकीय: कैल्शियम संकेतन: कीटों और रोगजनकों के विरुद्ध एक प्रारंभिक पादप रक्षा प्रतिक्रिया। *फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस*, **15, 1400006. https://doi.org/10.3389/fpls.2024.1400006.**
- सिंह, ए., कुमार, एस., यादव, एम., कुमारी, एम., और सिंह, आई. के. (**2024**). ज़ीया मेयस पर भोजन करने वाले स्पोडोप्टेरा लिटुरा (लेपिडोप्टेरा: नोक्टुइडे) में अनुरूपित मध्य-आंत जीन अभिव्यक्ति एक रस्साकशी का संकेत देती है। आर्थ्रोपोडा-प्लांट इंटेरेक्शंस, **18(3), 547-567. https://doi.org/10.1007/s11829-024-10048-7.**
- सिंह, ए., सिंघल, सी., शर्मा, ए. के., और खुराना, पी. (**2024**). एक ऑक्सिन-नियंत्रित यूनिवर्सल स्ट्रेस प्रोटीन (**TaUSP_3B-1**) **TaGolS** के साथ परस्पर क्रिया करता है और सूखे के तनाव और ईआर तनाव के तहत सहनशीलता प्रदान करता है। *फिजियोलोजिया प्लांटारम*, **176(3), e14390. https://doi.org/10.1111/ppl.14390.**
- सिंह, ए., याज्ञिक, के. एन., मोगिलिचेरला, के., और सिंह, आई. के. (**2024**). शाकाहार के विरुद्ध पादप प्रतिरक्षा को बढ़ाने में वृद्धि नियामकों की भूमिका का निर्धारण। *फिजियोलोजिया प्लांटारम*, **176(6), e14604.https://doi.org/10.1111/ppl.14604.**
- सिंह, एन., रवि, बी., सैनी, एल. के., और पांडे, जी. के. (**2024**). वोल्टेज-निर्भर ऋणायन चैनल **3 (**वीडीएसी**3)** अरेबिडोप्सिस थालियाना में पी. सिरिंजे प्रेरित एबीए**-**एसए सिग्नलिंग

क्रॉसटॉक की मध्यस्थता करता है। *प्लांट फिजियोलॉजी एंड बायोकैमिस्ट्री*, **206, 108237. https://doi.org/10.1016/j.plaphy.2023.108237.**

- सिंह, एस., सिंह, आई. के., और सिंह, ए. (**2024).** स्पोडोप्टेरा लिटुरा-संक्रमित ज़िया मेस के तुलनात्मक प्रोटिओम विश्लेषण से कीट पेरिट्रोफिक झिल्ली को लक्षित करने वाली एक मजबूत रक्षा रणनीति का पता चलता है। *प्लांट फिजियोलॉजी एंड बायोकैमिस्ट्री*, **213, 108835**. **https://doi.org/10.1016/j.plaphy.2024.108835**.
- सिंघल, सी., सिंह, ए., शर्मा, ए. के., और खुराना, पी. (**2024**). मोरसिन्डिका सीवी **K2** में **CKX** जीन परिवार की पहचान और अजैविक तनाव के दौरान **MiCKX4** का कार्यात्मक लक्षण वर्णन। *स्ट्रेस बायोलॉजी*, **4(1), 35**. **https://doi.org/10.1007/s44154-024-00173-x**.
- श्रीवास्तव, ए. के., सिंह, आर. डी., पांडे, जी. के., मुखर्जी, पी. के., और फ़ोयर, सी. एच. (**2025**). लाभकारी सूक्ष्मजीव-पादप अंतःक्रियाओं के आणविक संवाद को उजागर करना। प्लांट, सैल एंड एनवायर्नमेंट, **48(4), 2534-2548**. **https://doi.org/10.1111/pce.15245.**
- तनेजा, एम., याजनिक, के.एन., कुमारी, एम., सिंह, आई.के., और सिंह, ए. (**2024**). हेलिकोवर्पा आर्मिगेरा-संक्रमण पर सिसर एरीटिनम में एमएपी किनेसे मार्ग का निर्णय लेना। *प्लांट स्ट्रेस*, **13, 100527. https://doi.org/10.1016/j.stress.2024.100527.**
- ठाकरो, वी., वार्ष्णेय, एन., मलिक, एन., दवारे, ए., श्रीवास्तव, आर., मोहंती, जे.के., बसु, यू., नारनोलिया, एल., झा, यू.सी., त्रिपाठी, एस., त्यागी, ए.के., और परिदा, एस.के. (**2024**). पालतू बनाने के दौरान चयनित मेट जीन का कार्यात्मक एलील चने में बीज के रंग को नियंत्रित करता है। *प्लांट जर्नल*, **117(1), 53-71. https://doi.org/10.1111/tpj.16469.**
- वशिष्ठ, वी., शर्मा, जी., गिरि, जे., शर्मा, ए. के., और त्यागी, ए. के. (**2024).** चावल का **A20/AN1** प्रोटीन, **OsSAP10**, प्रोटीसोम मार्ग के माध्यम से जल-घाटे के तनाव सहिष्णुता और अरेबिडोप्सिस में एबीए सिग्नलिंग के सकारात्मक विनियमन प्रदान करता है। *प्लांट सेल रिपोर्ट्स*, **43(9), 215.https://doi.org/10.1007/s00299-024-03304-w.**
- वाधवा, एन., कपूर, एस., और कपूर, एम. (**2024).** टीआरडीएमटी**1**/डीएनएमटी**2** में प्रभावित अरेबिडोप्सिस टी-डीएनए म्यूटेंट भिन्न प्रोटीन संश्लेषण और कम तनाव सहिष्णुता दर्शाते हैं। *एफ़ईबीएस जर्नल*, **291(1), 92-113. https://doi.org/10.1111/febs.16935.**
- जू, ज़ेड., पांडे, जी. के., अली, ज़ेड., और झांग, डी. (**2024).** संपादकीय: पौधों में तनाव प्रतिरोधी संकेत पारगमन का आणविक आधार: जलवायु-प्रतिरोधी फसलें विकसित करने के लिए एक जैव-प्रौद्योगिकीय हस्तक्षेप. *फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस*, **15, 1356520.https://doi.org/10.3389/fpls.2024.1356520.**

- यादव, एम., कुमारी, एम., सिंह, आई. के., और सिंह, ए. (**2025**). यांत्रिक घाव के दौरान ग्लाइसिन मैक्स का तुलनात्मक स्थानान्तरणीय पुनर्प्रोग्रामिंग। *फीजियोलॉजी एंड मॉलिक्यूलर बायलॉजी ऑफ प्लांट्स*, **31(2), 263-282**। **https://doi.org/10.1007/s12298-025-01562-w**.
- यादव, एम., और सिंह, ए. (**2024**). स्पोडोप्टेरा लिटुरा (सामान्य कटवर्म)-संक्रमण की प्रतिक्रिया में ग्लाइसिन मैक्स (सोयाबीन) प्रोटीन का पुनर्प्रोग्रामिंग। *जर्नल ऑफ प्लांट ग्रोथ रेगुलेशन*, **43(6), 1934–1953**. **https://doi.org/10.1007/s00344-023-11232-4**.
- याज़िक, के. एन., गुप्ता, एस. आर. आर., तनेजा, एम., सिंह, आई. के., और सिंह, ए. (**2024**). निकोटियाना एटेनुआटा में कीटों के हमले के दौरान सक्रिय माइटोजन सक्रिय प्रोटीन काइनेज मार्ग का गूढ़ रहस्य। *जर्नल ऑफ बायोमॉलिक्युलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स*, **42(21), 11586-11602**. **https://doi.org/10.1080/07391102.2023.2263795**.
- याज़िक, के. एन., सिंह, आई. के., और सिंह, ए. (**2024**). **lncRNAs** और एपिजेनेटिक्स जैविक तनावों के प्रति पौधों की लचीलापन को नियंत्रित करते हैं। *प्लांट फिजियोलॉजी एंड बायोकैमिस्ट्री*, **108892. https://doi.org/10.1016/j.plaphy.2024.108892.**
- याज़िक, के., यादव, एम., कुमारी, एम., गुप्ता, वी., सिंह, आई. के., और सिंह, ए. (**2024).** जीनोम संपादन और पादप-रोगज़नक़ अंतःक्रिया. *प्लांट पैथोजन इंटरेक्शन* में, **311-340.https://doi.org/10.1007/978-981-99-4890-1_12.**
- सिंह, ए. के., चौधरी, के. ए., और शेन, डब्ल्यू. एच. (**2025).** एसडीजी**8** और एचयूबी**2** जमा करने वाले यूक्रोमैटिन हिस्टोन चिह्न अर्धसूत्रीविभाजन और क्रॉसिंग-ओवर विनियमन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। *प्लांट जर्नल*, **121(3), e17241.https://doi.org/10.1111/tpj.17241.**

अनुसंधान परियोजनाएं

- प्रो. संजय कपूर, पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग को डीबीटी द्वारा **"**चावल में प्रारंभिक बीज विकास के दौरान भ्रूण और भ्रूणपोष विभेदन में स्थानान्तरण विनियमन की भूमिका का निर्धारण**"** नामक शोध परियोजना के लिए **19-10-2023** से **18-10-2026** तक **87.47** लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।
- प्रोफ़ेसर गिरधर के. पांडे, पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग को **"**खनिज पोषक तत्वों की कमी सहिष्णु चावल विकसित करने के लिए मशीनरी पर पोटेशियम अवशोषण/वितरण में सटीक जीन संपादन**" [Hi"K"E]** नामक शोध परियोजना के लिए **88.15** लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान डीबीटी, भारत द्वारा दिसंबर **2023** से **2** दिसंबर **2026** तक प्रदान किया गया है।

- प्रोफ़ेसर गिरधर के. पांडे, पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग को "अजैविक तनाव प्रतिक्रियाओं में डब्ल्यूआरकेवाई प्रतिलेखन कारक को विनियमित करने में सीबीएल-सीआईपीके की भूमिका को समझना" नामक शोध परियोजना के लिए **38.53** लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान एसईआरबी, भारत द्वारा जुलाई **2023** से जुलाई **2026** तक की अवधि के लिए प्रदान किया गया है।
- प्रोफेसर गिरधर के. पांडे, पादप आण्विक जीवविज्ञान विभाग को सीआरआईएसपीआर/**Cas9** मध्यस्थता जीनोम संपादन दृष्टिकोण का उपयोग करके तनाव सहनशील चावल के विकास के लिए कैल्शियम और प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन प्रजातियों के संकेतन को एकीकृत करना" नामक शोध परियोजना के लिए **92** लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान डीबीटी, भारत द्वारा मई **2023** से मई **2027** तक प्रदान किया गया है।
- प्रो. सौरभ रघुवंशी, पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग को "आनुवंशिक संसाधनों के लक्षण वर्णन" के मिशन कार्यक्रम के तहत "जीनोम-व्यापी संघ अध्ययन के माध्यम से विभिन्न विकास में चावल की भूमि प्रजातियों की विविधता को मुख्यधारा में लाना: चावल के जीन बैंक संग्रह के बड़े पैमाने पर उपयोग के लिए एक मॉडल" नामक एक शोध परियोजना के लिए डीबीटी द्वारा **05-03-2023** से **04-03-2027** तक की अवधि के लिए **603.04** लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।
- प्रो. सुरेखा के-अग्रवाल, पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग को " पौधों में ताप-तनाव प्रतिक्रिया को विनियमित करने के लिए आरएनए स्यूडोयूरिडाइलेशन की भूमिका का प्रकटीकरण" नामक एक शोध परियोजना के लिए **18.50** लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान एसईआरबी-डीएसटी द्वारा अगस्त **2023** से अगस्त **2026** तक की अवधि के लिए प्रदान किया गया है।
- डॉ. कमल कुमार, पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग को एसईआरबी योजना स्टार्ट-अप रिसर्च (एसआरजी) **[**एसआरजी/**2023/002216]** द्वारा प्रायोजित "फ्यूजेरियम विल्ट रोग के विरुद्ध चना प्रजाति-विशिष्ट प्रतिरोधी जीन की पहचान और प्रजनन हेतु आणविक मार्करों का निर्माण" नामक शोध परियोजना के लिए जनवरी **2024** से जनवरी **2026** तक की अवधि के लिए **28.70** लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

दायर/प्रदत्त पेटेंट

डॉ. अर्चना सिंह, प्लांट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर, प्लांट पैथोजन डिटेक्शन डिवाइस (डिज़ाइन; क्लास 10-05); भारतीय आवेदन संख्या 419700-001 [2024]:

स्थिति : प्रदत्त।

डॉ. अर्चना सिंह, प्लांट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर, सब्जियों और फलों के लिए एमएल-संचालित ताजगी विश्लेषक उपकरण (डिज़ाइन); भारतीय आवेदन संख्या **407518-001[2024]:**

स्थिति : प्रदत्त।

आयोजित संगोष्ठियां

- डॉ. सुधीर कुमार, आयोवा स्टेट यूनिवर्सिटी एम्स, आईए यूएसए द्वारा पीएमबी अतिथि व्याख्यान और वार्ता का शीर्षक था **"**प्लाज्मोडियम निषेचन: पौधे जैसे युग्मक फ्यूसोजेन्स की भूमिका**", 6** मई, **2024.**
- प्रो. ज्ञानेश्वर प्रसाद, प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, जैविक विज्ञान, कॉलेज ऑफ लेटर्स एंड साइंसेज, यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कॉन्सिन, मिल्वौकी यूएसए द्वारा पीएमबी अतिथि व्याख्यान। इस व्याख्यान का शीर्षक था, **"**मित्र और लाभ: राइज़ोबियम-पौधे की परस्पर क्रिया की कहानियाँ**", 22** मई, **2024**.
- डॉ. कल्पना पन्नीरसेल्वम, लीड-इंटैक्ट इंटैक्ट द्वारा पीएमबी अतिथि व्याख्यान और व्याख्यान का शीर्षक था "आणविक परस्पर क्रिया डेटाबेस", **7** जनवरी, **2025**.
- डॉ. जितेश सिंह राठी, बायो-साइंस ग्रुप बीएआरसी द्वारा पीएमबी अतिथि व्याख्यान और व्याख्यान का शीर्षक था "राष्ट्र की सेवा में परमाणु: इसका भविष्य और कैरियर के अवसर", **15** जनवरी, **2025.**
- प्रो. क्रिस्टीन एच. फ़ोयर, एफआरएस; एडजंक्ट फैकल्टी, डीपीएमबी, स्कूल ऑफ बायोसाइंसेज, यूनिवर्सिटी ऑफ बर्मिंघम, यूके द्वारा पीएमबी अतिथि व्याख्यान और व्याख्यान का शीर्षक था "पौधे उच्च **CO2** वाले विश्व के साथ कैसे तालमेल बिठाएँगे", **24** मार्च, **2025.**

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

राष्ट्रीय

- प्रोफेसर संजय कपूर ने एनपीएल पूसा कॉम्प्लेक्स में **11-13** दिसंबर **2024** को आयोजित द्वितीय राष्ट्रीय आनुवंशिकी सम्मेलन में "चावल में बीज विकास के दौरान एमएडीएस-बॉक्स ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर फंक्शन के बहु-स्तरीय नियामक तंत्र की एक आवश्यक भूमिका" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- प्रोफेसर गिरधर के. पांडे ने दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में **19-20** मार्च **2025** को आयोजित विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन:

विकसित भारत का एक परिप्रेक्ष्य**@2047** में "जलवायु परिवर्तन और खाद्य सुरक्षा पर आणविक जीवविज्ञानी के दृष्टिकोण" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

- प्रोफेसर गिरधर के. पांडे ने श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में **27** फरवरी **2025** को आयोजित "जलवायु परिवर्तन और खाद्य सुरक्षा: एक पादप आणविक जीवविज्ञानी का दृष्टिकोण" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- प्रोफ़ेसर गिरधर के. पांडे ने यूजीसी मालवीय मिशन-शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएम-टीटीपी), एनआईईपीए, 'एक सतत भविष्य के लिए ज्ञान का विस्तार' के दौरान 'जलवायु परिवर्तन शमन: हम पादप जैव-प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप के माध्यम से खाद्य सुरक्षा कैसे प्राप्त कर सकते हैं**?'** शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया, **23** नवंबर **2024**.
- प्रोफ़ेसर गिरधर के. पांडे ने ड्राउट स्ट्रेस एंड सिग्नलिंग पर भारत-फ्रांस कार्यशाला, ऑरलियन्स विश्वविद्यालय, फ्रांस में **'**पौधों में माइटोकॉन्ड्रियल रेट्रोग्रेड सिग्नलिंग और ऑक्सीडेटिव तनाव: कैल्शियम और आरओएस का परस्पर क्रिया**'** शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया, **6-8** नवंबर **2024**.
- डॉ. अर्चना शर्मा ने भास्कराचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज के प्राणीशास्त्र विभाग द्वारा जैव सूचना विज्ञान: बुनियादी से उन्नत पर एक अल्पकालिक पाठ्यक्रम में **'**इन सिलिको प्रोटीन-प्रोटीन इंटरैक्शन और अनुप्रयोग**'** पर एक अतिथि व्याख्यान दिया। दिनांक: **23** सितंबर (सोमवार), **2024**.
- डॉ. अर्चना शर्मा ने श्री वेंकटेश्वर कॉलेज के प्राणीशास्त्र विभाग द्वारा **22** जनवरी, **2025** को आयोजित कार्यक्रम में "जैविक विज्ञान में करियर के अवसरों की खोज" विषय पर एक अतिथि व्याख्यान दिया।
- डॉ. अर्चना शर्मा ने **23** अप्रैल, **2024** को ज़ाकिर हुसैन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में "ओमिक्स की समझ: प्रोटिओमिक्स, ट्रांसक्रिप्टोमिक्स और आणविक औषधि डिज़ाइन" विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन-सह-कार्यशाला में "अजैविक/जैविक तनाव सहनशीलता की जाँच हेतु एकीकृत बहु-ओमिक्स दृष्टिकोण" विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- डॉ. अर्चना शर्मा ने **13** अप्रैल, **2024** को डीबीटी द्वारा प्रायोजित दो-दिवसीय राष्ट्रीय पादप ऊतक संवर्धन कार्यशाला में "पादप ऊतक संवर्धन: आनुवंशिक अभियांत्रिकी और जर्मप्लाज्म संरक्षण में अनुप्रयोग" विषय पर एक आमंत्रित समापन व्याख्यान दिया।
- डॉ. अमित कुमार ने **27** जनवरी **2025** को केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय में पादप विज्ञान में हाल के रुझानों पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "अर्धसूत्री विभाजन और पादप प्रजनन के दौरान हिस्टोन संशोधन की भूमिका" विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

अन्य अंतर्सांस्थानिक सहयोग

एसईआरबी-डीएसटी वज्र (विजिटिंग एडवांस्ड जॉइंट रिसर्च) फैकल्टी स्कीम के अंतर्गत, प्रोफ़ेसर गिरधर के. पांडे और प्रोफ़ेसर क्रिस्टीन एच. फ़ोयर, बर्मिंघम विश्वविद्यालय, यूके का सहयोग। प्रोफ़ेसर क्रिस्टीन ने संयुक्त शोध कार्य/परियोजना पूर्ण करने के लिए मार्च **2025** के दौरान दो सप्ताह के लिए डीपीएमबी, यूडीएससी का दौरा किया।

प्लेसमेंट विवरण (प्लेस किए गए छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

हमारे विभाग से एमएस.सी. और पीएच.डी. पाठ्यक्रम पूरा करने वाले अधिकांश छात्र विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त करते हैं। इस वर्ष **67%** पीएचडी (**6** में से **4)** छात्रों को विभिन्न संस्थानों में प्लेसमेंट प्राप्त हुआ।

विस्तार एवं आउटरीच गतिविधियाँ

विभाग द्वारा एमएस.सी. और पीएच.डी. छात्रों के लिए जनवरी **2025** में चंडीगढ़ मोहाली क्षेत्र के विभिन्न संस्थानों में छात्र भ्रमण दौरा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी. : 06

संकाय सदस्य-संख्या

कुल : 08 (आठ) - (प्रोफेसर - 05, एसोसिएट प्रोफेसर - 01 और सहायक प्रोफेसर - 02)

इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान विभाग

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

विभाग सुदृढ़ शैक्षणिक और अनुसंधान जुड़ाव का प्रदर्शन जारी रखे हुए है, जिसमें संकाय सदस्य माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स, पदार्थ विज्ञान, माइक्रोवेव, फोटोनिक्स और संबंधित विषयों जैसे क्षेत्रों में अत्याधुनिक अनुसंधान और पीएच.डी. पर्यवेक्षण में सक्रिय रूप से शामिल हैं। उनके शोध संबंधी परिणामों में प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में उच्च-गुणवत्ता वाले प्रकाशन और स्वीकृत पेटेंट शामिल हैं, जो नवाचार और शैक्षणिक सुदृढ़ता, दोनों ही विशेषताओं को दर्शाते हैं। अनेक चल रही शोध परियोजनाओं को सीएसआईआर, डीआरडीओ और इसरो सहित प्रमुख राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा समर्थित किया जाता है, और विभाग राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ मजबूत सहयोग बनाए रखता है।

उद्योग के साथ संपर्क और छात्र-संपर्क में वृद्धि करने के लिए, मार्च 2025 में एप्लाइड इलेक्ट्रोमैग्नेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड का एक शैक्षिक दौरा आयोजित किया गया था। 22 मार्च,

2025 को आयोजित वार्षिक आगंतुक कार्यक्रम और पूर्व छात्र मिलन समारोह, पूर्व छात्रों के साथ पुनः जुड़ने और विभागीय उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा।

विभाग नियमित रूप से सेमिनार, आमंत्रित व्याख्यान और विशेषज्ञ वार्ता आयोजित करता है ताकि छात्रों के शैक्षणिक क्षितिज को व्यापक बनाया जा सके और उनके पेशेवर कौशल को निखारा जा सके। इस वर्ष विभाग के संस्थापक प्रमुख *प्रोफ़ेसर जी. पी. श्रीवास्तव* के सम्मान में एक विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला की शुरुआत की गई। *प्रथम प्रोफ़ेसर जी. पी. श्रीवास्तव स्मारक व्याख्यान* 21 फ़रवरी, 2025 को प्रोफ़ेसर के. पी. रे, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग के प्रमुख और रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईएटी), पुणे में रडार प्रौद्योगिकी स्कूल के निदेशक द्वारा दिया गया था। विभाग के एम.टेक. (माइक्रोवेव इलेक्ट्रॉनिक्स) कार्यक्रम के पहले बैच के एक प्रतिष्ठित पूर्व छात्र, प्रोफ़ेसर रे ने अपने विशिष्ट करियर के बारे में उपस्थित प्रतिभागियों के साथ जानकारी साझा की।

विभाग ने अनेक अन्य प्रख्यात विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान भी आयोजित किए, जिनमें आईआईटी बॉम्बे के सेवानिवृत्त प्रोफेसर प्रो. गिरीश कुमार, कलकत्ता विश्वविद्यालय के रेडियो भौतिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स संस्थान के प्रोफेसर देबातोष गुहा और आईआईटी कानपुर के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर एम. जलील अख्तर शामिल थे। ये सभी आईईईई के फेलो और अपने-अपने क्षेत्रों के अग्रणी विशेषज्ञ हैं। इन सत्रों ने विभाग के शैक्षणिक वातावरण और छात्रों के सीखने के अनुभव को महत्वपूर्ण रूप से समृद्ध किया।

प्रकाशित कार्य

- सैनी एस., कुमार पी., गुप्ता पी., कांत आर., खन्ना एम.के., झाझरिया पी., कुमार बी., कुमार वी. "भविष्य की रक्षा: विद्युत चुम्बकीय हस्तक्षेप न्यूनीकरण में नवीन सामग्रियों की भूमिका" *जर्नल ऑफ अलॉयज़ एंड कंपाउंड्स, खंड **1022***, **2025, 179969,** आईएसएसएन **0925-8388, https://doi.org/10.1016/j.jallcom.2025.179969.**
- शर्मा एस., पांडे ए., कुमार ए., सिंह बी., तिवारी सी., दीक्षित ए., दत्ता एस., खन्ना एम.के., **"**सेंसर अनुप्रयोगों के लिए स्पटरेड मल्टीफ़ेज़ टंगस्टन-ऑक्साइड पतली फिल्मों की संरचनात्मक और विद्युत विशेषताओं की जाँच**"**, *फिजिका बी: कंडेंस्ड मैटर, खंड **704***, **2025, 417025,** आईएसएसएन **0921-4526 https://doi.org/10.1016/j.physb.2025.417025.**
- अल्दाहिरी आर.एच., अलसेबाई एन.एम., अल-गामदी ए.ए., खन्ना एम.के., हफीज एस., अलजाहरानी ई.ए., और सेउंगडे ओह "ईओसिन येलो एड्जॉर्प्शन एप्लिकेशन के लिए प्राकृतिक फेनोलिक-एरोमैटिक-यौगिक-आधारित **Fe-Zr** बाइनरी ऑक्साइड नैनोकण"। *वाटर, **2025, खंड: 17,*** संख्या: **521 https://doi.org/10.3390/w17040521.**

- फातिमा बी., अहमद आर., अलसेबाई एन.एम., अल-गामदी ए.ए., अल्दाहिरी आर.एच., अलजाहरानी ई.ए., खन्ना एम.के., सेउंगडे ओह और शार्फ़ इलाही सिद्दीकी, "अपशिष्ट जल से बिस्मार्क ब्राउन आर के अवशोषण के लिए कार्यात्मक **W5O14** नैनोरोड्स का संश्लेषण"। *वाटर, 2025, खंड: 17*, संख्या: **196 https://doi.org/10.3390/w17020196.**

- कुमार, पी., कुमार, आर., शर्मा, मनोज के. खन्ना, वी. एट अल., स्पटरेड **Ni** थिन फिल्म के संरचनात्मक, आकारिकी और चुंबकीय गुणों पर वृद्धि तापमान का प्रभाव। *जे. इलेक्ट्रॉन. मैटर.* **54, 164-171 (2025) https://doi.org/10.1007/s11664-024-11512-z.**

- गुप्ता, डी., उपाध्याय, एस., राणा, मनोज के. खन्ना. ए.एस. एट अल., **Kr** आयन बीम-जनित सतह दोषों के माध्यम से **MoS2** थिन फिल्म ट्रांजिस्टर में बढ़ी हुई गतिशीलता। *जे. इलेक्ट्रॉन. मैटर.* **54, 191-204 (2025)**। **https://doi.org/10.1007/s11664-024-11533-8.**

- भारती, ए., गुप्ता, डी.,मनोज के खन्ना, दीपिका एट अल., स्पटरड **MoS2** थिन फिल्म्स के ऑप्टिकल, इलेक्ट्रॉनिक, स्ट्रक्चरल और मॉर्फोलॉजिकल गुणों में कम-ऊर्जा **Xe** आयन बीम-मध्यस्थता दोष इंजीनियरिंग, *जे. इलेक्ट्रॉन. मैटर.* **53, 7456-7467 (2024)**। **https://doi.org/10.1007/s11664-024-11458-2.**

- कुमार एम., कुमार ए., सैनी आर., भट्ट जी., और खन्ना एम.के. (**2024**). **Ge-**क्लैड ऑप्टिकल वेवगाइड में सुपरस्ट्रेट परत के प्रभाव का उपयोग करते हुए उच्च विलोपन अनुपात **TE-**पास ध्रुवीकरण। *इंजीनियरिंग रिसर्च एक्सप्रेस*, **6:10.https://doi.org/1088/2631-8695/ad5e5e.**

- कुमार पी., कुमार आर., शर्मा वी., खन्ना एम.के., कुआंर बी.के., "विभिन्न सबस्ट्रेट्स पर स्पटरेड **CoFeB** पतली फिल्मों के चुंबकीयकरण गतिकी पर वृद्धि तापमान का प्रभाव और उनकी माइक्रोवेव डिवाइस कार्यक्षमता", *जर्नल ऑफ अलॉयज़ एंड कंपाउंड्स, खंड 988*,**2024, 174314, ISSN 0925-8388, https://doi.org/10.1016/j.jallcom.2024.174314.**

- गोयल, पी. और कौर, एच., **(2024)**. डबल फिन चैनलों और दबे हुए ऑक्साइड के माध्यम से *Ga2O3* फिनफेट्स के प्रदर्शन को बढ़ाना, *माइक्रो एंड नैनोस्ट्रक्चर्स*, *खंड 196,* दिसंबर *2024, 208014*. *https://doi.org/10.1016/j.micrna.2024.20801.*

- गोयल, पी. और कौर, एच., **(2024)**. उच्च शक्ति अनुप्रयोगों के लिए *Ga2O3* मोस्फेट पर स्प्लिट-स्टेप्ड गेट फील्ड प्लेट डिज़ाइन की व्यवहार्यता की जाँच, *जर्नल ऑफ़ इलेक्ट्रॉनिक मैटेरियल्स*, *खंड* **53**, पृष्ठ *4544-4552*. *https://doi.org/10.1007/s11664-024-11225.*

- गोयल, पी. और कौर, एच., **(2024)**. एक नए स्प्लिट-रिसेस्ड-गेट *β-Ga2O3* मोस्फेट-आधारित अधिकतम-लाभ वाले माइक्रोवेव एम्पलीफायर का डिज़ाइन, *जर्नल ऑफ़ फ़िज़िक्स*

डी: एप्लाइड फ़िज़िक्स, *खंड* ***57,*** संख्या ***37, https://doi.org/10.1088/1361-6463/ad520f.***

- गोयल, पी. और कौर, एच., **(2024)**. सब-टेराहर्ट्ज़ अनुप्रयोगों के लिए एक अल्ट्रा-स्केल्ड नए ***Ga2O3 FinFET*** का निर्माण, *सेमीकंडक्टर साइंस एंड टेक्नोलॉजी*, *खंड* ***39,*** संख्या ***6\, https://doi.org/10.1088/1361-6641/ad3d0.***

- कौशल, वी., बीरवाल, ए., पटेल, एस. एम., और पटेल, के. *(***2024)**. ***RFID*** अनुप्रयोगों के लिए सब-***6 GHz*** में दोहरे-ध्रुवीकृत ***MIMO*** एंटीना का विविध पथ-हानि प्रदर्शन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स*, ***111(7), 1196-1212. https://doi.org/10.1080/00207217.2023.2221455.***

- बीरवाल, ए., शाक्य, ए., कश्यप, एस., और पटेल, के. (***2024).*** दूर-क्षेत्र अनुप्रयोगों के लिए एक कॉम्पैक्ट स्लॉट-आधारित द्वि-दिशात्मक यूएचएफ आरएफआईडी रीडर एंटीना. आईईईई *जर्नल ऑफ रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन. https://doi.org/10.1109/JRFID.2024.3457691.*

- अम्ब्रेश, पी. ए., और बीरवाल, ए. (**2024)**. शरीर में प्रत्यारोपण योग्य अनुप्रयोगों के लिए शॉर्टिंग-पिन लोडेड नवीन आकार के लघुकृत मोनोपोल एंटीना का पैरामीट्रिक अध्ययन। *इंडियन जर्नल ऑफ प्योर एंड एप्लाइड फिजिक्स (आईजेपीएपी)*, **62(12), 1129-1137**. **https://doi.org/10.56042/ijpap.v62i12.13438.**

- बोराह, आर., पाल, एन., झा, ए., जयंत, एस., राय, जी., बीरवाल, ए., और पटेल, के. (**2025)**. **5.8** गीगाहर्ट्ज़ पर वायरलेस इमेज ट्रांसफर के लिए मेटामटेरियल-आधारित ट्रांसमिट और रिसीव एंटेना। *फ्रीक्वेंज़*, **79(1-2), 81-90**। **https://doi.org/10.1515/freq-2024-0071.**

- मिश्रा एम., गुप्ता पी.के., तिवारी जी., कुमार ए., मुखर्जी बी., "एक लो-प्रोफाइल पर्टब्ड कॉन्वेक्स कॉन्फॉर्मल सीडीआरए", आरएफ, माइक्रोवेव और मिलीमीटर वेव टेक्नोलॉजीज, *स्प्रिंगर सिंगापुर*, पृष्ठ **93-106**, जुलाई **2024 https://link.springer.com/ chapter/10.1007/978-3-031-62526-8_7.**

- मिश्रा एम., तिवारी जी., गुप्ता पी.के., कुमार ए., मुखर्जी बी., "बायोमेडिकल अनुप्रयोगों के लिए कॉन्फॉर्मल एफएसएस से लोडेड कॉन्केव कॉन्फॉर्मल जीपी पर सीडीआरए", आईईईई *सेंसर्स लेटर्स, खंड* ***8***, संख्या **11**, पृष्ठ **1-4, 2024 https://ieeexplore.ieee.org/ document/10717433.**

- गुप्ता पी.के., तिवारी जी., मिश्रा एम., मुखर्जी बी., "निम्न-प्रोफ़ाइल अनुप्रयोगों के लिए एकीकृत फ़ीड वाला एक कॉम्पैक्ट, कॉन्फ़ॉर्मल डाइइलेक्ट्रिक रेज़ोनेटर एंटीना", *प्रोग्रेस इन*

इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रिसर्च सी, खंड 151, पृष्ठ **113-121, 2025 https://www.jpier.org/issues/volume.html?paper=24101404.**

- शुभम, खंडेलवाल एम.के. , येलिज़ारोव ए.ए. , शर्मा यू. और शर्मा वी., "यूडब्ल्यूबी विवाल्डी एंटेना में पुन: कॉन्फ़िगर करने योग्य नॉच फ़िल्टरिंग की डिज़ाइन रणनीतियाँ और प्रदर्शन मूल्यांकन," *फिजिका स्क्रिप्टा, खंड 100*, अंक **2**. **https://iopscience.iop.org/article/10.1088/1402-4896/adab9d/meta.**
- शर्मा यू., श्रीवास्तव जी., खंडेलवाल एम.के., और चौरसिया पी., **"4G/5G** वायरलेस अनुप्रयोगों के लिए दोहरे एकीकृत वृत्ताकार ध्रुवीकृत बैंड के साथ क्वाड-बैंड दोहरे-पोर्ट एमआईएमओ माइक्रोस्ट्रिप एंटेना" *फिजिका स्क्रिप्टा, खंड 99*, अंक **9, 2024**. **https://iopscience.iop.org/article/10.1088/1402-4896/ad6ec0/meta.**
- राय, जी., सहगल, पी., पटेल, के. (**2024**). **5.8** गीगाहर्ट्ज़ पर ट्रांसमीटर और रिसीवर मॉड्यूल का उपयोग करके विभिन्न एंटेना द्वारा वायरलेस इमेज ट्रांसफर। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ माइक्रोवेव एंड वायरलेस टेक्नोलॉजीज*, **16 (7), 1248 - 1259**। **https://doi.org/10.1017/S1759078724000618.**
- सहगल, पी. और पटेल, के. (**2024**). डब्ल्यूएलएएन/वाई-मैक्स/वाई-फाई **6** अनुप्रयोगों के लिए ट्राइबैंड डुअल पोर्ट एच-एसआरआर एमआईएमओ एंटीना। *प्रोग्रेस इन इलेक्ट्रोमैग्नेटिक्स रिसर्च एम*, **123, 35-43**. **https://doi.org/10.2528/PIERM23102402.**
- आनंद ए. नारंग, आर. रावल, डी. एस. मिश्रा, एम. सक्सेना एम और गुप्ता, एम (**2024**). फील्ड प्लेट इंजीनियरिंग माइक्रो और नैनोस्ट्रक्चर **188, 207773** का उपयोग करके **Ku-**बैंड अनुप्रयोगों के लिए **150** एनएम **GaN** एचईएमटी का अनुकूलन। **https://doi.org/10.1016/j.micrna.2024.207773.**
- सेहरा के. चंचल, मलिक, ए., कुमारी, वी., गुप्ता, एम., मिश्रा, एम., रावल, डी. एस. और सक्सेना, एम. (**2024**). डूबे हुए स्रोत-संबद्ध फ़ील्ड प्लेट आर्किटेक्चर वाले **GaN** एचईएमटी का एकल-घटना बर्नआउट प्रदर्शन. आईईईई *ट्रांज़ैक्शन इलेक्ट्रॉन डिवाइसेस*, **71(7) 1-7 https://doi.org/10.1109/TED.2024.3396781.**
- कुमारी, वी. प्रुध्वी पवन, वाईवीएसएस गुप्ता, एम और सक्सेना एम. (**2024**). स्लैंट फ़ील्ड प्लेट एमआईएसएचईएमटी (एसएफपी- एमआईएसएचईएमटी) में रैखिकता और विकिरण विशेषताओं की खोज, *मैटीरियल साइंस एंड इंजीनियरिंग बी*, **307, 117489 https://doi.org/10.1016/j.mseb.2024.117489.**
- कुमारी, वी. गुप्ता एम. और सक्सेना एम. (**2024**). हेवी-आयन वातावरण में कैप परत के साथ **InAlN** एचईएमटी की एकल घटना अपसेट संवेदनशीलता का आकलन, *माइक्रोसिस्टम टेक्नोलॉजीज*, **https://doi.org/10.1007/s00542-024-05723-x.**

- कुमारी, वी. सक्सेना, एम. गुप्ता, एम. (**2024). DG-InAlN/GaN** एचईएमटी का उपयोग करके आरएफ प्रदर्शन संवर्धन, आईईईईई ट्रांस. *ऑन इलेक्ट्रॉन डिवाइसेस*, **71, 5289-5295 https://doi.org/10.1109/TED.2024.3430251.**
- सिंह, आर. प्रताप, वाई. गुप्ता. एम. (**2024**). तटस्थ जैव-अणुओं के लेबल-मुक्त पता लगाने के लिए डाइइलेक्ट्रिकली मॉड्यूलेटेड जंक्शनलेस आयताकार गेट ऑल-अराउंड एफईटी बायोसेंसर का प्रदर्शन मूल्यांकन, *माइक्रोसिस्टम टेक्नोलॉजीज*, **30, 1623-1635 https://doi.org/10.1007/s00542-024-05751-7.**
- गुप्ता, एस. प्रताप, वाई. गुप्ता एम. (**2025**). नक्काशीदार दोहरे नैनोकैविटी **GaN** जंक्शनलेस **FinFET** का उपयोग करके स्तन कैंसर का पता लगाना, *बायोसेंसर सेंसिंग एंड इमेजिंग* **26, 15https://doi.org/10.1007/s11220-025-00544-2.**
- जैन, वी., पिल्लई, एम.एस., जैन, ए. और दुबे, ए.के. (**2025**). पैच-आधारित इमेज क्लासिफायर और ग्रेडिएंट इंपोर्टेंस मैप का उपयोग करके अनसुपरवाइज्ड ऑब्जेक्ट डिटेक्शन, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी*, **https://doi.org/10.1007/s41870-025-02412-4**
- खान, ए.एम., मलिक, एस.के. और जैन*, वी. (**2024**). आरडीएफ प्रेडिकेट चयन के लिए स्पीच-आधारित सिमेंटिक समानता का भाग: एक बेंचमार्किंग दृष्टिकोण। *जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन एंड ऑप्टिमाइजेशन साइंसेज,* **45(08), 2179-2192**। **https://doi.org/10.47974/JIOS-1781.**
- तनेजा, एच., जैन*, वी., जैन, ए., दुबे, ए.के., तप्लामासिओग्लू, एम.सी. और डेमिरसी, एम. (**2024**). 'रिग्रेशन एल्गोरिथम और न्यूरल नेटवर्क तकनीक का उपयोग करके मौसम की भविष्यवाणी'। *इंटरनेशनल जर्नल ऑन "टेक्निकल एंड फिजिकल प्रॉब्लम्स ऑफ इंजीनियरिंग"*.**16 (2),303-312. https://39-IJTPE-Issue59-Vol16-No2-Jun2024-pp303-312.pdf.**
- मलिक, एन., मलिक, एस.के. और जैन* वी. (**2024**). 'एआई तकनीकों का उपयोग करके प्रदूषण मापन और सत्यापन अंतरसंचालनीयता के लिए सिमेंटिक वेब ऑफ थिंग्स', *जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन एंड ऑप्टिमाइजेशन साइंसेज,* **45(3), 765-784**. **https://doi.org/10.47974/JIOS-1517.**
- कुमार, एन., अंसारी, एम.डी. आर., खालदकर, एस., मौर्य, ओ., कालेकर, ए., पेटा, के.आर. और दाश, जे.के. (**2025**). असममित सुपरकैपेसिटर अनुप्रयोगों के लिए संभावित इलेक्ट्रोड सामग्री के रूप में **CuFe2O4** नैनोकण, *जर्नल ऑफ पावर सोर्सेज*, **642, 236960. https://doi.org/10.1016/j.jpowsour.2025.236960.**

- पांडा, डी. और पेटा, के.आर. (**2025).** बायोमार्कर अनुप्रयोगों के लिए **CNT/MoS2** कम्पोजिट पर आधारित वाष्पशील कार्बनिक यौगिक गैसों के लिए स्प्लिट इलेक्ट्रोड **SAW** सेंसर का डिज़ाइन और **FEM** विश्लेषण, *जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल इलेक्ट्रॉनिक्स*, **24(2), 60. https://doi.org/10.1007/s10825-025-02296-4.**

- सिन्हा, एस., शर्मा, आर., अंसारी, एम.डी. आर., सिंह, आर., पाठक, एस., जहान, एन. और पेटा, के.आर. (**2025).** चुंबकीय पुनर्चक्रण के साथ जीवाणुरोधी और डाई क्षरण अनुप्रयोगों के लिए बहुक्रियाशील ओलिक एसिड क्रियाशील आयरन ऑक्साइड नैनोकण, *मैटेरियल्स एडवांस*, **6(7), 2253-2268**. **https://doi.org/10.1039/D5MA00036J.**

- अंसारी, एम.डी. आर., खालदकर, एस., कालेकर, ए., पाथी, पी. और पेटा, के.आर. (**2025).** **BaFe2O4** नैनोक्रिस्टल्स के संरचनात्मक और प्रकाशिक गुणों पर तापानुशीतन तापमान का प्रभाव: ऊर्जा भंडारण अनुप्रयोग, *जर्नल ऑफ एनर्जी स्टोरेज*, **113, 115650. https://doi.org/10.1016/j.est.2025.115650.**

- जैन, पी., अंसारी, एम.आर. और पेटा, के.आर. (**2025).** उन्नत जलविद्युत कोशिकाओं और स्यूडोकैपेसिटर के लिए **Al3⁺-**प्रतिस्थापित मैग्नीशियम फेराइट्स (**MgAlₓFe2-xO4):** संरचनात्मक, रूपात्मक और विद्युत अध्ययनों में अंतर्दृष्टि, *मैटेरियल्स रिसर्च बुलेटिन*, **183, 113196**. **https://doi.org/10.1016/j.materresbull.2024.113196.**

- पांडा, डी., केम, ए., भंडारी, एस., हुसैन, एस., और पेटा, के.आर. (**2024).** डाइमेथोएट कीटनाशक के चयनात्मक संवेदन के लिए **MoS2/PANI** मिश्रित-आधारित फोटोल्यूमिनेसेंस सेंसर, *एप्लाइड मैटेरियल्स टुडे*, **41, 102477**. **https://doi.org/10.1016/j.apmt.2024.102477.**

- प्रिया, जी. एच., श्रीवास्तव, एस. के., शंकर, एम. वी., श्रीवत्स, के. एम. के., जोशी, ए. जी. और पेटा, के. आर. (**2024).** सोल-जेल में उगाई गई उच्च-**k CeO2** परतों के पोस्ट-एनीलिंग द्वारा **Al/CeO2/Si** उपकरण की इंटरफ़ेस गुणवत्ता का ट्यूनिंग, *माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग*, **292, 112212. https://doi.org/10.1016/j.mee.2024.112212.**

- कुमार, एन., अंसारी, एम. आर., खालदकर, एस., मौर्य, ओ., पेटा, के. आर., कालेकर, ए., सिंघा, एम. के. और दाश, जे. के. (**2024). NiFe2O4** नैनोकण सुपरकैपेसिटर में ऑक्सीजन न्यूनीकरण प्रतिक्रिया और ऊर्जा भंडारण के लिए अत्यधिक कुशल उत्प्रेरक के रूप में, *मैटीरियल्स कैमिस्ट्री एंड फिजिक्स,* **316, 129072. https://doi.org/10.1016/ j.matchemphys.2024.129072.**

अनुसंधान परियोजनाएं

- डॉ. मुकेश कुमार खंडेलवाल को **"**सॉफ्टवेयर परिभाषित रेडियो का उपयोग करके संचार के लिए उच्च-लाभ वाले एंटीना का डिज़ाइन और विकास**"** नामक शोध परियोजना के लिए

पीआई के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा पीआई के रूप में **2024** से **2025** की अवधि के लिए **6** लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है।

- डॉ. अमित बीरवाल को **"**स्पिनट्रॉनिक्स डिवाइस के लिए आयन-प्रत्यारोपित चुंबकीय सामग्री पतली फिल्म का निर्माण और लक्षण वर्णन**"** नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा पीआई के रूप में **2024** से **2025** की अवधि के लिए **6** लाख लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है।
- विक्रम कुमार को **"**आईएसएम बैंड में जैव चिकित्सा अपशिष्ट कीटाणुशोधन के लिए मल्टी-मोड माइक्रोवेव कैविटी डिज़ाइन का अध्ययन**"** नामक एक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में भारत सरकार के एएनआरएफ-डीएसटी द्वारा **2024** से **2026** की अवधि के लिए पीआई के रूप में **29,78,310/-** रुपए की राशि स्वीकृत की गई है।
- विक्रम कुमार को **"**बायोमेडिकल वेस्ट के कीटाणुशोधन में अनुप्रयोग हेतु माइक्रोवेव अवशोषित सामग्री का अध्ययन**"** नामक शोध परियोजना के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा पीआई के रूप में **2024** से **2025** की अवधि के लिए **6** लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है।
- वरिष्ठ प्रो. मृदुला गुप्ता को **"**अंतरिक्ष अनुप्रयोग के लिए विकिरण कठोर एचईएमटी डिजाइन और ऊर्जा-कुशल उपकरणों के मॉडलिंग और सिमुलेशन में क्षमता निर्माण**"** नामक शोध परियोजना के लिए डीयू-आईओई द्वारा पीआई के रूप में अगस्त **2022** से मार्च **2025** की अवधि के लिए **23.03** लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है।
- वरिष्ठ प्रो. मृदुला गुप्ता को **"**क्यू बैंड अनुप्रयोग के लिए विकिरण कठोर उप **0.15** माइक्रोन गेट लंबाई **InAlN/GaN** एचईएमटी का डिजाइन**,** अनुकूलन और निर्माण**"** नामक शोध परियोजना के लिए डीएसटी-एसईआरबी द्वारा पीआई के रूप में सितंबर **2022** से सितंबर **2025** तक की अवधि के लिए **58.83** लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है।
- वनिता जैन को "आदिवासी आबादी में सिकल सेल रोग प्रबंधन को बढ़ाने के लिए एआई-संचालित अनुप्रयोग का विकास" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में **6** लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा प्रदान किया गया है और **2024** से **2025** तक की अवधि के लिए है।

दायर/प्रदत्त पेटेंट

- विक्रम कुमार**,** शिववेंकटेश्वर राव वी**,** प्रदीप के. जैन**,** कोएक्सियल हॉर्न एंटीना में सेक्टोरल प्लेटों के एकीकरण पर आधारित एक उन्नत विद्युतचुंबकीय रेडिएटर**,** राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान पटना**, 534672, 24** अप्रैल **2024,** राष्ट्रीय। **https://drive.google.com/file/d/14Kl85j3DW8rqY49pKKgjdFPE-tuBgnwJ/view?usp= sharing.**

- विक्रम कुमार, स्मृति द्विवेदी, प्रदीप के. जैन, उच्च शक्ति माइक्रोवेव सेक्टोरल वेवगाइड मोड कनवर्टर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान वाराणसी, **556063, 11** दिसंबर **2024,** भारतीय पेटेंट। **https://drive.google.com/file/d/1ro6JmXmB3rZyWHlVo3ETivK5GmlunUI0/view ? usp=drive_link.**
- बिस्वजीत मुखर्जी और मोनिका चौहान, डाइइलेक्ट्रिक रेज़ोनेटर एंटीना (डीआरए) प्रणाली और इसके डिजाइन की विधि, पेटेंट संख्या: **542625,** दाखिल करने की तारीख: **14/9/2020,** अनुदान की तारीख: **24/06/2024,** भारतीय पेटेंट **https://iprsearch.ipindia.gov.in/PatentSearch/PatentSearch/ViewApplicationStatus**।
- शिवांगी पांडे, पी. डी. अखिल कुमार, बिस्वजीत मुखर्जी, तनाव कम करने वाले हैंड बैंड के साथ असममित छाता। पेटेंट संख्या: **545802,** दाखिल करने की तारीख: **22/03/2021,** अनुदान की तारीख: **24/07/2024,** भारतीय पेटेंट **https://iprsearch.ipindia.gov.in/PatentSearch/PatentSearch/ViewApplicationStatus**।

आयोजित संगोष्ठियां

- एमएटीएलबी एंटीना और आरएफ पीसीबी टूलबॉक्स का अवलोकन: **18** अप्रैल, **2024** को मैथवर्क्स के विशेषज्ञों (सुश्री चंद्रा अम्मा पलानीसामी, श्री विनोद द्वारपुडी, सुश्री सृजना नंदीगामा और सुश्री संगीता बालासुब्रमण्यम) द्वारा ऑनलाइन।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

राष्ट्रीय

- जयंत, एस., बीरवाल, ए., पटेल, एस. एम., और पटेल, के. (**2024,** मार्च). वाइडबैंड अनुप्रयोगों के लिए चार-पोर्ट मल्टी-रिंग-आधारित एमआईएमओ एंटीना। **2024** में, डिवाइस इंटेलिजेंस, कंप्यूटिंग और संचार प्रौद्योगिकी (डीआईसीसीटी) पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (पृष्ठ **01-05**). आईईईई।
- कश्यप, एस., बीरवाल, ए., और पटेल, के. (**2024,** जून). **24 GHz** रडार मॉड्यूल से रेंज और स्पीड डेटा का निष्कर्षण। **2024** में, एकीकृत सर्किट, संचार और कंप्यूटिंग सिस्टम (आईसीआईसी**3**एस) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (खंड **1**, पृष्ठ **1-6**), आईईईई।
- कश्यप, एस., बीरवाल, ए., और पटेल, के. (**2024,** जून). **24** गीगाहर्ट्ज़ रडार मॉड्यूल से रेंज और स्पीड डेटा का निष्कर्षण। **2024** में, इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इंटीग्रेटेड सर्किट्स, कम्युनिकेशन एंड कंप्यूटिंग सिस्टम्स (**ICIC3S**) (खंड **1**, पृष्ठ **1-6**) में। आईईईई ।

- कुमार, ए., और बीरवाल, ए. (**2024,** दिसंबर). नियंत्रित ट्रांसमिशन ज़ीरो के साथ उच्च-प्रदर्शन कॉम्पैक्ट लोपास फ़िल्टर। **2024** में, आईईईई माइक्रोवेव्स, एंटेना और प्रोपेगेशन कॉन्फ्रेंस (मैपकॉन) **(**पृष्ठ **1-4)** में। आईईईई।
- एम. कौशिक, जे. के. धनोआ और एम. के. खंडेलवाल, **"**शॉर्टिंग पिन पर आधारित सब-**6** गीगाहर्ट्ज वायरलेस संचार अनुप्रयोगों के लिए एक नया कॉम्पैक्ट सीपी एमआईएमओ एंटीना,**" 2024** में, *इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इंटीग्रेटेड सर्किट्स, कम्युनिकेशन एंड कंप्यूटिंग सिस्टम्स (आईसीआईसी3एस)*, ऊना, भारत, **2024,** पृष्ठ **1-5, doi: 10.1109/ICIC3S61846.2024.10603009.**
- बी. के. बारो, वी. के. चौधरी और के. पटेल, **"5G** अनुप्रयोगों के लिए उच्च लाभ वाले तीर के आकार के लघुगणक-आवधिक द्विध्रुवीय ऐरे एंटीना,**" 2024** में, द्वितीय विश्व संचार एवं कंप्यूटिंग सम्मेलन (डब्ल्यूकॉन्फ**),** रायपुर, भारत, **2024,** पृष्ठ **1-5.**
- वी. के. चौधरी और के. पटेल, **"**डब्ल्यूएलएएन, ब्लूटूथ और वाइ-मैक्स अनुप्रयोगों के लिए त्रि-बैंड षट्कोणीय स्प्लिट-रिंग रेज़ोनेटर एंटेना का प्रदर्शन,**" 2024** में, द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय डिवाइस इंटेलिजेंस, कंप्यूटिंग और संचार प्रौद्योगिकी सम्मेलन (डीआईसीसीटी**),** देहरादून, भारत, **2024,** पृष्ठ **111-114.**
- पेटा, के. आर. ऊर्जा रूपांतरण और ऊर्जा भंडारण अनुप्रयोगों के लिए धातु ऑक्साइड नैनोसंरचनाएँ, **"**सतत विकास के लिए उन्नत कार्यात्मक सामग्री और उपकरण" पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एएफएमडी**-2025), 03-05-** मार्च **2025,** नई दिल्ली, भारत।
- पेटा, के. आर. **III-**नाइट्राइड अर्धचालक: अवसर और चुनौतियाँ, **"**नवीकरणीय ऊर्जा और सतत प्रौद्योगिकियाँ" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, **04-06** जुलाई **2024,** नई दिल्ली, भारत।
- मोहम्मद रेहान अंसारी और कोटेश्वर राव पेटा, "कार्यात्मक नैनोमटेरियल और उनके अनुप्रयोग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन " (आईसीएफएनए**-2024), 16-18** नवंबर **2024.**
- मोहम्मद रेहान अंसारी और कोटेश्वर राव पेटा, "नैनोमटेरियल और नैनोप्रौद्योगिकी में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन " (आईसीएनएन**-2025), 4-6** मार्च **2025.**
- शादांग, वाई., कुमार, वी., और शेख, एम. ओ. (**2024)**. परिमित-अंतर समय-डोमेन (एफडीटीडी) सिमुलेशन का उपयोग करके पोर्ट उत्तेजन का विश्लेषण। **2024 men,** आईईईई माइक्रोवेव, एंटेना और प्रसार सम्मेलन (मैपकॉन**), 1-5.**
- सिंघल, बी., कुमार, वी., और सिंह, ई. (**2024)**. माइक्रोवेव ओवन में पोर्ट एक्साइटेशन का तुलनात्मक विश्लेषण। *वैक्यूम इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और अनुप्रयोगों में उभरते रुझानों पर राष्ट्रीय सम्मेलन (वीईडीए-**2024)***।

- *बेहतर माइक्रोवेव ओवन प्रदर्शन के लिए बेहतर आकार वाले वेवगाइड का डिज़ाइन और विश्लेषण*। डीआरडीओ यूएनएमईएसएच **2025**.
- ऋतिक, एम. के. ओझा और एम. के. मुकुल, "एसएसवीईपी मस्तिष्क संकेतों से लक्ष्य आवृत्ति का पता लगाने के लिए पावर स्पेक्ट्रम अनुमान विधि," **2024** में, *इलेक्ट्रॉनिक्स, संचार और सिग्नल प्रोसेसिंग पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीईसीएसपी)*, नई दिल्ली, भारत, **2024**, पृष्ठ **1-6, doi: 10.1109/ICECSP61809.2024.10698268**.
- वनिता जैन, वी., अरुण कुमार दुबे, ए.के. और अचिन जैन, ए. (**2024**). 'रेसनेट और रैंडम फ़ॉरेस्ट क्लासिफायर का उपयोग करके सिकल सेल रोग निदान के लिए हाइब्रिड डीप लर्निंग और मशीन लर्निंग दृष्टिकोण'। सिस्टम मॉडलिंग और शोध प्रवृत्तियों में उन्नति पर **13**वां आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय, मुरादाबाद, **06-07** दिसंबर **2024.**
- शर्मा, पी., मलिक, एस.के. और जैन, वी. 'छवियों में भावना विश्लेषण: बहु-मॉडल दृष्टिकोण पर पुनर्विचार'। सिस्टम मॉडलिंग और शोध प्रवृत्तियों में उन्नति पर **13**वां आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय, मुरादाबाद, **06-07** दिसंबर **2024.**

प्लेसमेंट विवरण (प्लेस किए गए छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

हमारे विभाग से एमएस.सी. और पीएच.डी. पाठ्यक्रम पूरा करने वाले अधिकांश छात्र विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त करते हैं। इस वर्ष, कुल छात्रों का **40%** था अर्थात् **16** छात्रों को विभिन्न पदों पर प्लेस किया गया है।

विस्तार एवं आउटरीच गतिविधियाँ

दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिणी परिसर के इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान विभाग ने आईईईई ईडीएस दिल्ली चैप्टर और आईईईई एपीएस दिल्ली सेक्शन के सहयोग से **16** अक्टूबर, **2024** को सुबह **10:30** बजे से दोपहर **12:30** बजे तक स्कूली छात्रों के लिए एक आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का विषय था "आईओटी-आधारित रीयल-टाइम प्रयोगों का प्रशिक्षण और प्रदर्शन"।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी. : 11

संकाय सदस्य-संख्या

कुल: 13 (तेरह) - (प्रोफेसर - 04, एसोसिएट प्रोफेसर - 06 और सहायक प्रोफेसर - 03)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- *सहज गंभीर*, एमएससी इलेक्ट्रॉनिक्स - उन्होंने राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र, दिल्ली द्वारा आयोजित इनोवेशन फेयर, **2024** में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- *सहज गंभीर,* एमएससी इलेक्ट्रॉनिक्स - उन्होंने संस्कृति मंत्रालय और राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय एक्सपो **2024** में "द यंग इनोवेटर्स" कार्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

संकाय सदस्य

- डॉ. विक्रम कुमार को आईईईई क्षेत्र **10** द्वारा आईईईई केरल सेक्शन की स्टार्टअप और करियर मार्गदर्शन समिति के सहयोग से आयोजित "बोल्ड बिगिनिंग्स" वेबिनार क्विज़ श्रृंखला में उद्यमी चैंपियन के रूप में सम्मानित किया गया।
- प्रो. हरसुप्रीत कौर को **2024** में सेमीकंडक्टर विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उनके योगदान के लिए (भौतिकी संस्थान) आईओपी पब्लिशिंग से उत्कृष्ट समीक्षक पुरस्कार प्राप्त हुआ।

शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग

प्रमुख कार्यकलाप और उप्लब्धियां

2005 में स्थापित शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग (डीपीईएसएस), विभिन्न स्तरों पर खिलाड़ियों और शारीरिक शिक्षा पेशेवरों के विकास के लिए आवश्यक मूल्यों और गुणों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके प्राथमिक उद्देश्यों में शारीरिक शिक्षा और खेलों में विविध प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना, शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान के विविध पहलुओं पर शोध के अवसर प्रदान करना, और व्यावसायिक एवं सामाजिक रूप से प्रासंगिक स्नातकोत्तर शिक्षण कार्यक्रम प्रदान करना शामिल है। ये शैक्षणिक पहलक़दम स्वतंत्र रूप से या अन्य विभागों के सहयोग से उठाए जाते हैं, जिनमें मनोविज्ञान, योग और स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा के अन्य संबंधित क्षेत्र भी शामिल हैं।

प्रकाशित कार्य

- शर्मा जे.पी. और रहमान, मो. हमीदुर (**2024).** कोर्ट स्पोर्ट्स में हाथ की तर्जनी, अंगुलियों के अनुपात (**2**डी:**4**डी) और पकड़ की मजबूती की जांच। **87(3):33-45**. **https://doi.org/10.18778/1898-6773.87.3.03**.
- शर्मा जे.पी. और कुमार, एच (**2024). "**ओलंपियन हॉकी खिलाड़ी श्री सुमित वाल्मीकि की उपलब्धियां और योगदान: एक केस स्टडी", *कुए*, **30(5), 4095 https://kuey.net/**.

- त्यागी, एस.; भागी, जे. और कौर, के. (**2024**). उच्च प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय के पुरुष छात्रों में मोटर फिटनेस घटकों में भिन्नता की पहचान करना। शारीरिक शिक्षा सिद्धांत और कार्यप्रणाली, **24(6), 865-872**। **https://doi.org/10.17309/tmfv.2024.6.02.**

- त्यागी, एस.; भागी, जे.एस.; कौर, के. सिंह, विक्रम (**2024).** उच्च प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ने वाली महिला स्कूली छात्राओं की पीठ और हैमस्ट्रिंग लचीलेपन का एक खोजपूर्ण अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स (आईजेपीईएस)*, पृष्ठ **8906-8912**. **https://10.17051/ilkonline.2021.01.915,http://ilkogretim-online.org.**

- त्यागी, एस., वनायक, ए.के., वासुजा, एम., और मोला, डी.डब्ल्यू. (**2025**). पुरुष खो-खो पोजीशन में शारीरिक विशेषताओं के अंतर की तुलना। शारीरिक शिक्षा सिद्धांत और कार्यप्रणाली, **25(1), 66-71**. **https://doi.org/10.17309/tmfv.2025.1.08.**

- त्यागी, एस.; मोला, डी.डब्ल्यू.; रहमान, एम.डी.एच.; उविन्हा, आर.आर.; अदाने, ए.के.; आदिली, डी.; इस्लाम, एम.एस. (**2025).** लंबी कूद के खिलाड़ियों की फिटनेस और प्रदर्शन पर **12-**सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रभाव। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ काइन्सियोलॉजी एंड स्पोर्ट्स साइंस, खंड **13***, सं. **1. https://doi.org/10.7575/aiac.ijkss.v.13n.1p.45.**

आयोजित संगोष्ठियां

- वाशिंगटन विश्वविद्यालय, अमेरिका के फार्मेसी विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजश्री पांडे ने **20** जून, **2024** को "अध्ययन डिजाइन और सांख्यिकीय विधियों का परिचय" पर एक कार्यशाला आयोजित की।

- शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान विभाग (डीयू) की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सरिता त्यागी ने **5-6** अगस्त, **2024** को "खेलों में मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप" पर एक व्याख्यान दिया।

- शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान विभाग (डीयू) की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सरिता त्यागी ने **7-8** अगस्त, **2024** को "अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता" पर एक व्याख्यान दिया।

- शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान विभाग (डीयू) की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सरिता त्यागी ने **9** अगस्त, **2024** को "युवाओं में स्वास्थ्य संबंधी फिटनेस मूल्यांकन" पर एक व्याख्यान दिया।

- प्रोफ़ेसर सरिता त्यागी और प्रोफ़ेसर ललित शर्मा, विभागाध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान (डीयू) ने **12-13** अगस्त, **2024** को "शारीरिक शिक्षा में वर्णनात्मक शोध" पर एक व्याख्यान दिया।

- • प्रोफ़ेसर सरिता त्यागी और प्रोफ़ेसर ललित शर्मा, विभागाध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान (डीयू) ने **14** अगस्त, **2024** को "योगिक अभ्यासों का शरीरक्रिया विज्ञान" पर एक व्याख्यान दिया।

- डॉ. विवेक जंगीरा, लेडी हार्डिंग मेडिकल अस्पताल ने **18** मार्च, **2025** को "खेल संबंधी चोटें और पुनर्वास" पर एक व्याख्यान दिया।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

राष्ट्रीय

- सरिता त्यागी, सीआईईटी, एनसीईआरटी के लिए **4** फ़रवरी, **2024** को अनुकूलित शारीरिक शिक्षा पर लाइव इंटरेक्शन के लिए विषय विशेषज्ञ। यह एनसीईआरटी के **1-12** चैनलों पर उपलब्ध है।
- सरिता त्यागी, **19** फ़रवरी, **2025** को सत्यवती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "ईट, स्मार्ट, मूव मोर, थिंक बेटर" विषय पर सेमिनार के लिए विषय विशेषज्ञ।
- सरिता त्यागी, **10** मार्च, **2025** को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा आयोजित "खेल और मानवाधिकार" विषय पर सेमिनार के लिए विषय विशेषज्ञ।
- सरिता त्यागी ने पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला द्वारा **28-29** मार्च, **2025** को आयोजित "खेल और योग के माध्यम से दिव्यांगों की दुनिया को आकार देना" विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार में "एक समावेशी कक्षा में शारीरिक गतिविधियाँ और खेल" विषय पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी. : 17

संकाय सदस्य-संख्या

कुल: 07 (सात) - (प्रोफेसर - 07)

विधि संकाय

कैंपस लॉ सेंटर

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

कैंपस लॉ सेंटर को सीएलसी के नाम से भी जाना जाता है। यह देश के प्रमुख विधि शिक्षा केंद्रों में से एक है। इसकी स्थापना 1922 में, दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान में हुई थी। वर्ष 1975 में, विधि संकाय की एलएलबी की दैनिक कक्षाओं का नाम बदलकर इसे कैंपस लॉ सेंटर का नया नाम दिया गया। अपनी महान उपलब्धियों के लिए प्रसिद्ध, कैंपस लॉ सेंटर या सीएलसी को सबसे पुराने और प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक होने का गौरव प्राप्त है, जो अपनी 100 वर्षों की समृद्ध विरासत और प्रख्यात

वकीलों, शिक्षाविदों, केंद्रीय कैबिनेट मंत्रियों, मुख्य न्यायाधीशों और न्यायाधीशों को तैयार करने की परंपरा को आज भी संजोए हुए है।

कैंपस लॉ सेंटर (सीएलसी) ने 21-23 फरवरी, 2025 तक 21वीं केके लूथरा मेमोरियल मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस वर्ष की प्रतियोगिता में देश-विदेश की 127 टीमों ने भाग लिया।

सीएलसी ने 5 और 6 मार्च, 2025 को अपनी सांस्कृतिक संस्था के प्रमुख कार्यक्रम, रंगमंच 2.0 का आयोजन किया, वरिष्ठ अभिनेता श्री पीयूष मिश्रा इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

विशिष्टता प्राप्त छात्र

- अनुष्का शर्मा (वक्ता), मेहुल (वक्ता) और सेहरिश जाफरी (शोधकर्ता) राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय और न्यायिक अकादमी, असम द्वारा **24-26** मई, **2024** को आयोजित **5**वीं गुरजीत सिंह मेमोरियल राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता में विजेता रहे।
- अनंत कुमार सिंघी (वक्ता), अरिवरसन एम (वक्ता) और सचिन यादव (शोधकर्ता) **7-9** फरवरी, **2025** को न्यूजीलैंड के वाइकाटो विश्वविद्यालय के सहयोग से बेनेट विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित द्वितीय बेनेट अंतर्राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता के विजेता रहे।
- बशर खान (वक्ता), प्रिया बंसल (वक्ता) और फरदीन नसीम अंसारी (शोधकर्ता) लीगल लॉक्स द्वारा **8-9** फरवरी, **2025** को आयोजित चौथी राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- श्रेया नंदा (वक्ता), वृंदा मित्तल (वक्ता) और नंदिनी दुबे (शोधकर्ता) ने क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बैंगलोर द्वारा **28** फरवरी से **2** मार्च, **2025** तक आयोजित **15**वें एसएलसीयू सीएएम अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण कानून मूट में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- कुणाल राज (वक्ता), निखिल चौधरी (वक्ता) और रितिक चौधरी (शोधकर्ता), **24-25** मई, **2024** को हिमाचल प्रदेश के कैरियर प्वाइंट विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित **5**वीं राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- मैडोना (सदस्य), युगांतर नेगी (सदस्य), अंशिका भटनागर (सदस्य), नंदिनी दुबे (सदस्य) और सुमेधा तिवारी (सदस्य), फरवरी **2025** में एआई और आईपी पर चौथे वार्षिक बोस्टन इंटरनेशनल इनोवेशन मूट में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- एलएलबी के छात्र अमन कुमार (वक्ता) को **22**वीं टीएसवी राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता, **21-23** फरवरी, **2025** में सर्वश्रेष्ठ वक्ता का पुरस्कार दिया गया।

- रितिक चौधरी (शोधकर्ता) को कैरियर प्वाइंट यूनिवर्सिटी द्वारा **24-25** मई**, 2024** को आयोजित **5**वीं राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता का पुरस्कार दिया गया।
- सेहरिश जाफरी (शोधकर्ता) को एनएलयूजेए, असम द्वारा **24-26** मई**, 2024** को आयोजित **5**वीं गुरजीत सिंह मेमोरियल राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता का पुरस्कार दिया गया।
- सेहरिश जाफरी (शोधकर्ता) ने **23-26** जनवरी**, 2025** को सरकारी लॉ कॉलेज**,** तिरुवनंतपुरम द्वारा आयोजित **19**वीं अखिल भारतीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता का पुरस्कार प्राप्त किया।
- एलएलबी की छात्रा श्रेष्ठा वर्मा (शोधकर्ता) ने स्कूल ऑफ लॉ**,** क्राइस्ट (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी)**,** दिल्ली एनसीआर कैंपस द्वारा **21-23** मार्च**, 2025** को आयोजित **5**वीं मूट कोर्ट प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता का पुरस्कार प्राप्त किया।
- एलएलबी के छात्र कृतिका कुशावाहा (वक्ता)**,** प्रिया गोयल (वक्ता) और सिद्धांत सिंह (शोधकर्ता) को आईसीएफएआई**,** देहरादून द्वारा **15-16** फरवरी**, 2025** को आयोजित **6**वीं आईसीएफएआई अंतर विश्वविद्यालय मूट कोर्ट प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ मेमोरियल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- आराध्या यादव (वक्ता)**,** प्रभसिमरन कौर सरन (वक्ता) और स्नेहिल हिमांशु (शोधकर्ता) को आरजीएनयूएल द्वारा अगस्त **2024** में आयोजित **7**वीं सुराना एंड सुराना और आरजीएनयूएल अंतर्राष्ट्रीय लॉ मूट कोर्ट प्रतियोगिता में तीसरा सर्वश्रेष्ठ स्मारक पुरस्कार प्रदान किया गया।
- एलएलबी के छात्र सक्षम राय (मध्यस्थ) को महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा **8-23** मार्च**, 2025** को आयोजित पाँचवीं एमएआईएमएस मध्यस्थता प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ मध्यस्थ का पुरस्कार दिया गया।

शोध प्रकाशन

यादव, ए. और श्रीवास्त, यू. (2024)। द यूनाइटेड स्टेट असाल्ट आन मल्टीलेटरलिज्म: द क्राइसिस इन डब्ल्यूएचओ, डब्ल्यूटीओ एंड आईसीसी । *ब्रवीजया लॉ जर्नल,11,* 91-111. https://doi.org/10.21776/ub.blj.2024.011.01.05

कौर, एच. (2025). जेंडरिंग ऑफ इंडियन ज्यूडिशियरी एज ए रोडमैप टुवर्ड्स एन इक्विटेबल लीगल सिस्टम एंड प्रोग्रेसिव जेंडर-सेंसिटिव ज्यूरिप्रूडेंस। *फ्रंटियर्स इन सोशियोलॉजी, 10,* 1-11. https://doi.org/10.3389/fsoc.2025.1475043

कौर, एच. और सिन्हा, ए. (2024)। मिल्क एडल्टरेशन इन डेल्ही-एलसीआर: ए मिथ आर रियल्टीएन एनालिसिस ऑफ एक्जिस्टिंग लीगल एंड रेगुलेटरी फ्रेमवर्क्स इन कर्बिंग मिल्क एडल्तरेशन। *शोधकोश : जर्नल ऑफ विजुअल एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स, 5* (1), 924-942। https://www.granthaalayahpublication.org/Arts-Journal/ShodhKosh/article/view/3851/3470

त्रिपाठी, ए., और कौर, एच. (2024)। नेविगेटिंग क्रॉसरोड्स ऑफ कन्सेंसुअल एडोलसेंट रिलेशनशिप्स एंड सेक्सुअल ऑटोनॉमी इन इंडिया: द नीड फॉर हैविंग ए क्लोज्ड-इन-एज एक्सेप्शन।*कश्मीर जर्नल ऑफ लीगल स्टडीज,खंड XI* (2),343-370। https://kashmirjournaloflegalstudies.edu.in/JWS/Default.aspx

सिंह, के.के. (2024). इनोवेशन कननड्रम इन एंटीमाइक्रोवायल सेक्टर:ए क्यूरियस केस फॉर इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स। *जर्नल ऑफ इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स, 29* (6), 507-515. https://doi.org/10.56042/jipr.v29i6.14004

उबेरॉय, डी., व अन्य. (क्षितिज के. सिंह सहित) (2024)। द की फीचर्स ऑफ ए जेनेटिक नॉनडिस्क्रिमिनेशन पॉलिसी: ए डेल्फी कान्सेन्सस स्टेटमेंट। जेएएमए *नेटवर्क ओपन, 7,* e2435355. https://doi.org/10.1001/jamanetworkopen.2024.35355

नेहा, डी., और सोनी, सी. (2024). ब्रेकिंग बैरियर्स: ए पायलट इंपिरिकल स्टडी ऑन एकेसेसेबिलिटी एंड अवेयरनेस फॉर स्टूडेंट्स विद डिसएबिलिटीज इन हायर एजुकेशन। *कश्मीर जर्नल ऑफ लीगल स्टडीज, खंड XI* (2),151-160। https://kashmirjournaloflegalstudies.edu.in/JWS/Default.aspx

यादव, एस. (2024). थ्योरेटिकल फाउंडेशन्स ऑफ ग्लोबल कान्स्ट्रेन्स आन वुमेन्स आटोनॉमी *इंडिका: जर्नल ऑफ हेरास इंस्टीच्यूट।*

यादव, एस., चौधरी, आर. (2024)। इमर्जिंग ट्रेंड्स इन ह्यूमेनिटेरियन इंटरवेंशन एंड द रेस्पान्सबिलिटी टू प्रोटेक्ट: ए क्रिटिकल एनालिसिस अंडर इंटरनेशनल क्रिमिनल लॉ। *जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन एप्लाइड साइंसेज एंड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी, 6* (2), 219-231। https://jaraset.com/emerging-trends-in-humanitarian-intervention-and-the-responsibility-to-protect-a-critical-analysis-under-international-criminal-law/

चौधरी, आर. यादव, एस. (2024)। क्लाइमेट जस्टिस एंड कॉरपोरेट सोशल रेस्पॉन्सबिलिटी इन इंडिया: निगल फ्रेमवर्क्स, गवर्नेंस चैलेंजेज एंड डेवलपमेंटल स्ट्रेटेजीज। *जर्नल ऑफ ओरिएंटल रिसर्च मद्रास, खंड XCV* (IX), 152-165।

चौधरी, आर. और यादव, एस. (2024)। द वैलिडिटी एंड इंपैक्ट ऑफ टेक्नोलॉजी: एक आलोचनात्म-एसिस्टेड रिप्रोडक्टिव मेजर्स: ए क्रिटिकल एनालिसिस। एनल्स ऑफ *भंडारकर ओरिएंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट, सीवीआई* (5), 110-117।

यादव, एस., और शिवाली (2024)। इज लीगलीज ए गुड मिडियम ऑफ कम्यूनिकेशन? एन इंपिरिकल स्टडी। *शोधकोश : जर्नल ऑफ विजुअल एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स,* 770-781। https://www.granthaalayahpublication.org/Arts-Journal/ShodhKosh/article/view/2680/2409

9876825177

यादव, एस. (2024). शोध सार : हिंदू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम 2005 के तहत महिलाओं के संपत्ति अधिकार। *अपनी माटी, अंक 53,* 274-282. https://www.apnimaati.com/2024/10/2005.html

यादव, एस. (2024). डिजिटल युग में सेंसरशिप: ओटीटी प्लेटफार्म पर नियंत्रण की चुनौतियाँ। *अपनी माटी, अंक 58,* 221-227. https://www.apnimaati.com/2025/01/blog-post_31.html

संगोष्ठियाँ आयोजित

- बीएसएम एंड एसोसिएट्स के पार्टनर एडवोकेट रजत माथुर, 6 अप्रैल, 2024 को कैंपस लॉ सेंटर द्वारा *मास्टरिंग द आर्ट ऑफ ड्राफ्टिंग लीगल नोटिसेज एंड कामर्शियल सुट्स पर* आयोजित संगोष्ठी में एक संसाधन व्यक्ति थे।
- श्री गौहर मिर्जा और अभिना मिश्रा, अधिवक्ता, 26 अप्रैल, 2024 को एलएएस द्वारा आयोजित संगोष्ठी , *एम्पावरिंग थ्रू लॉ: ए फर्स्ट जेनरेशन लायर्स जर्नी एंड लीगल एड इनिशिएटिव्स* संगोष्ठी में संसाधन व्यक्ति थे।
- प्रोफेसर (डॉ.) सतेंद्र सिंह, निदेशक, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज और गुरु तेग बहादुर अस्पताल, 5 दिसंबर, 2024 को एनेबलिंग यूनिट द्वारा *एम्पावर्ड आर रेस्ट्रिक्टेड? डिसएबिलिटी लॉ एं द पाथ टु जस्टिस पर* आयोजित संगोष्ठी में एक संसाधन व्यक्ति थे।
- श्री सिद्धान्त सिंह, कैम्पस एम्बेसडर, एस.सी.सी. ई.बी.सी., कैम्पस लॉ सेंटर द्वारा 1-2 फरवरी, 2025 को *एस.सी.सी. ऑनलाइन के मूल सिद्धांतों को समझने पर* आयोजित संगोष्ठी में एक संसाधन व्यक्ति थे (एस.सी.सी. ई.बी.सी. द्वारा वित्तपोषित/प्रायोजित)।
- डॉ. ओमपाल शौकीन, न्यायाधीश, 15 फरवरी, 2025 को *लीगल एड इन द डिजिटल एज* पर एलएएस द्वारा आयोजित संगोष्ठी में एक संसाधन व्यक्ति थे।

- भारत के सर्वोच्च न्यायालय की एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड, एडवोकेट संचिता आइन, 24 फरवरी, 2025 को एनेबलिंग यूनिट द्वारा आयोजित संगोष्ठी, *एम्पावरिंग फ्यूचर्स:एक्सप्लोरिंग कैरियर आपार्च्यूनिटीज इन द इंडियन लीगल सिस्टम' में एक संसाधन व्यक्ति थीं।*
- डॉ. शिवा परिहार, उप पुस्तकालयाध्यक्ष, विधि संकाय पुस्तकालय के प्रभारी और समन्वयक विधि केंद्र-I, विधि केंद्र-II और सीएलसी, 28 मार्च, 2025 को एनेबलिंग यूनिट द्वारा आयोजित संगोष्ठी *'योर गेटवे टू नॉलेज: असेसिंग लीगल रिसोर्सेज एंड स्टडी मटिरियल्स विद इज़' में एक संसाधन व्यक्ति थे।*

आयोजित सम्मेलन

- एरिक्सन में नीति वकालत की निदेशक और भारतीय प्रमुख डॉ. शीतल चोपड़ा, 26 अप्रैल, 2024 को विश्व आईपी दिवस पर *इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स एंड एसडीजीएस* द्वारा आयोजित पैनल चर्चा में एक संसाधन व्यक्ति थीं।
- फ्रेशर्स इंडक्शन मूट 2024 का आयोजन 5 अक्टूबर, 2024 को किया गया, जिसके निर्णायक कई अधिवक्ता थे।
- प्रथम राष्ट्रीय वर्चुअल मूट कोर्ट प्रतियोगिता 9-10 अक्टूबर, 2024 को आयोजित की गई, जिसके निर्णायक कई अधिवक्ता (फिक्की द्वारा वित्त पोषित/प्रायोजित) थे।
- कॉमन इंडक्शन मूट 2024 का आयोजन 16 नवंबर, 2024 को किया गया, जिसमें निर्णायक की भूमिका कई अधिवक्ताओं ने निभाई।
- सुश्री दीपांशी गुप्ता, एसोसिएट, इन्फ्लेक्शन पॉइंट वेंचर्स, और श्री हार्दिक पाठक, एडवोकेट, 10 दिसंबर, 2024 को कैंपस लॉ सेंटर द्वारा लॉ एंड एकेडमिक्स पर आयोजित मेंटरशिप प्रोग्राम में संसाधन व्यक्ति थे।
- कैम्पस लॉ सेंटर द्वारा 21-23 फरवरी, 2025 को(निर्मल लूथरा फाउंडेशन के सहयोग से और वित्त पोषित/प्रायोजित) इक्कीसवीं के के लूथरा मेमोरियल मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमें कई अधिवक्ताओं और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों द्वारा निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई गई थी ।
- श्री रजत शाह, एडवोकेट, ट्रस्टी, नारायणी पब्लिक स्कूल, विजिटिंग प्रोफेसर, मास्टर्स यूनियन, 25 फरवरी, 2025 को कैंपस लॉ सेंटर द्वारा आयोजित *लॉ स्कूल डन राइट* पर मेंटरशिप प्रोग्राम में एक संसाधन व्यक्ति थे।
- श्री तपन चौहान और सुश्री अंतिका प्रियदर्शिनी, 27 फरवरी, 2025 को कैम्पस लॉ सेंटर द्वारा आयोजित प्री-प्लेसमेंट वार्ता में संसाधन व्यक्ति थे।

- सुश्री श्रृंखला जैन, 7 मार्च, 2025 को कैंपस लॉ सेंटर द्वारा आयोजित *कॉन्ट्रैक्ट ड्राफ्टिंग एंड द रोल ऑफ द इन-हाउस काउंसल* की भूमिका पर मेंटरशिप प्रोग्राम में एक संसाधन व्यक्ति थीं।

संगोष्ठी /सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

- डॉ. अनीता यादव ने एसओएलएस, केआर मंगलम विश्वविद्यालय द्वारा **2-3** अप्रैल, **2024** को आयोजित राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में *"कम्यूनिटी एंगेजमेंट एंड इंटरसेक्शनेलिटी"* पर एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।
- डॉ. अनीता यादव ने **4-5** अक्टूबर, **2024** को सविता स्कूल ऑफ लॉ, चेन्नई द्वारा आयोजित *"द रिप्रेजेंटेशन ऑफ विमेन इन द कंचेंपरेरी इंडियन ज्यूडिशियरी:इश्यूज, चैलेंजेज एंड पॉलिटिक्स"* विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान एक पेपर प्रस्तुत किया।
- डॉ. क्षितिज कुमार सिंह ने **27** अप्रैल, **2024** को पर्यावरण अध्ययन विभाग, पीजीडीएवी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा सेंटर फॉर इंटरडिसिप्लिनरी स्टडीज ऑन माउंटेन एंड हिल एनवायरनमेंट, डीयू और इंस्टीट्यूशन ऑफ माउंटेन एनवायरनमेंट, जम्मू विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित "हिमालया इन एंथ्रोपोसीन: लीगल गेज थ्रो द लेंस ऑफ एसडीजीज" शीर्षक पेपर प्रस्तुत किया।
- डॉ. क्षितिज कुमार सिंह ने **24** अप्रैल, -इंडस्ट्री **2024** को फिक्की द्वारा आयोजित विश्व आईपी दिवस **2024 (**वक्ता और पैनलिस्ट के रूप में) के दौरान "सिग्निफिकेन्स ऑफ एकेडेमिया-इंडस्ट्री लिंकेजेज इन प्रोमोटिंग सस्टेनेबल इनोवेशन" शीर्षक पेपर प्रस्तुत किया।
- डॉ. क्षितिज कुमार सिंह ने **19** जून, **2024** को कोपेनहेगन विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सहयोगात्मक जैव विज्ञान नवाचार और कानून (इंटर- सीईबीआईएल) रिट्रीट के दौरान "द ग्लोबल साउथ पर्सपेक्टिव आन एआई, एएमआर, पेनडेमिक प्रिपरेशन एंड सस्टेनेबिलिटी" शीर्षक पेपर प्रस्तुत किया।
- डॉ. क्षितिज कुमार सिंह ने **25** सितंबर, **2024** को पर्यावरण अध्ययन विभाग, पीजीडीएवी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय और पर्वतीय एवं पहाड़ी पर्यावरण पर अंतःविषय अध्ययन केंद्र, डीयू द्वारा आयोजित "द लीगल पर्सपेक्टिव ऑफ सस्टेनेबिलिटी एंड क्लाइमेट चेंज इन ग इंडियन हिमालयन रिजन" पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला के दौरान "भारतीय हिमालयी क्षेत्र में स्थिरता और जलवायु परिवर्तन का कानूनी परिप्रेक्ष्य" शीर्षक पेपर प्रस्तुत किया।
- डॉ. क्षितिज कुमार सिंह ने **17** दिसंबर, **2024** को मैकगिल विश्वविद्यालय, कनाडा के जीनोमिक्स और नीति केंद्र द्वारा आयोजित जेनेटिक डिस्क्रिमिनेशन ऑब्ज़र्वेटरी (जीडीओ) की **5**वीं वार्षिक वैज्ञानिक बैठक के दौरान "एप्लीकेशन ऑफ एआई इन ह्यूमन जेनेटिक्स एंड इट्स

इंपैक्ट आन जेनेटिक डिस्क्रिमिनेशन: इंडियाज इथिकल, लीगल एंड पॉलिसी फ्रेमवर्क" शीर्षक पेपर प्रस्तुत किया।

- डॉ. क्षितिज कुमार सिंह ने गुजरात राज्य जैव प्रौद्योगिकी मिशन के सहयोग से गुजरात राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (जीएनएलयू) द्वारा **10** जनवरी**, 2025** को "रेगुलेटरी चैलेंजेज इन इमर्जिंग बायोटेक्नोलॉजीज" विषय पर आयोजित वेबिनार के दौरान "रेगुलेटरी चैलेंजेज इन इमर्जिंग बायोटेक्नोलॉजीज" शीर्षक पेपर प्रस्तुत किया।
- डॉ. क्षितिज कुमार सिंह ने **9** मार्च**, 2025** को डॉ. राजेंद्र प्रसाद राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय**,** प्रयागराज द्वारा आयोजित कानून**,** प्रौद्योगिकी और सतत विकास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स, सस्टेनेबल इनोवेशन एंड एसडीजी: एक्ज़ामिनिंग द इंटरसेक्शन फ्रॉम लीगल एंड पॉलिसी पर्सपेक्टिव" शीर्षक पेपर प्रस्तुत किया।
- डॉ. मेहपरा ने राष्ट्रीय महिला आयोग**,** नई दिल्ली के सहयोग से एमिटी लॉ स्कूल**,** नोएडा द्वारा **8** जनवरी**, 2025** को आयोजित क्षेत्रीय कानून समीक्षा परामर्श के दौरान "जस्टिस ऑफ वुमेन प्रिजनर्स: अपहोल्डिंग देयर राइट टू लीगल एड एंड मदरहूड राइट्स" शीर्षक पेपर प्रस्तुत किया।
- डॉ. मेहपारा ने **28** अगस्त**, 2024** को दयाल सिंह कॉलेज**,** दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक संगोष्ठी के दौरान "इंडियन ज्युडिशियरी एंड द कंटेंपरेरी चैलेंजेज" शीर्षक पेपर प्रस्तुत किया।
- डॉ. मेहपारा ने एमिटी लॉ स्कूल**,** नोएडा द्वारा **9-10** सितंबर**, 2024** को आयोजित "इमर्जिंग ट्रेंड्स इन गवर्नेंस एंड ग्लोबल प्लुरलिटी**:** इंविजनिंग इक्वलिब्रियम " विषय पर ट्रांसडिसिप्लिनरी इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस के दौरान तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।
- डॉ. नरेंद्र नागरवाल ने **11** जुलाई**, 2024** को हो ची मिन्ह सिटी ओपन यूनिवर्सिटी**,** हो ची मिन्ह सिटी**,** वियतनाम द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "एन ओवरव्यू ऑफ कांस्टिच्यूशनल लॉ इन इंडिया" शीर्षक पेपर प्रस्तुत किया।
- डॉ. नेहा ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के सहयोग से भारतीय विधि संस्थान द्वारा **27** जुलाई**, 2024** को आयोजित प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेटों के लिए "ह्यूमन राइट्स**:** इश्यूज एंड चैलेंजेज" विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान "ह्यूमन राइट्स ऑफ पर्सन्स विड डिसएबिलिटीजके मानवाधिकार" शीर्षक पेपर प्रस्तुत किया।
- डॉ. नेहा ने राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय**,** दिल्ली द्वारा **23** फरवरी**, 2025** को आयोजित "अफोर्डेबल हाउसिंग:बिल्डिंग इनक्लुसिव सोसाइटी फॉर द ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुर" विषय पर तीसरे राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान "अफोर्डेबल हाउसिंग स्कीम एंड डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स" शीर्षक पेपर प्रस्तुत किया।

- डॉ. रोहित मूनका ने शंकरराव चव्हाण लॉ कॉलेज, पुणे द्वारा **17** अगस्त**, 2024** को आयोजित "कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट**,** 2019**:** इश्यूज एंड चैलेंजेज" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान "कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट**,** 2019 एंड मेडियेशन: द वे फारवर्ड" शीर्षक पेपर प्रस्तुत किया।

सम्मान/विशिष्टताएँ

- डॉ. अनीता यादव को ज़ियामेन अकादमी ऑफ इंटरनेशनल लॉ समर प्रोग्राम (8 - 19 जुलाई, 2024) के लिए फेलोशिप मिली और कोर्स के बाद उत्कृष्ट प्रदर्शन पुरस्कार मिला।
- डॉ. मेहपारा को 22 अक्टूबर 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के विधि संकाय द्वारा पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई।

पुस्तकें/पुस्तकों में/अध्याय/संपादित पुस्तकें:

दीप, ए. (2024). द राइट टू हेल्थ: सिंड्रेला एमंग फंडामेंटल राइट्स एंड लेसन्स फ्रॉम कोविड-19 [अध्याय 10]। एम.ई. बारी और यू. शंकर (सं.) में, *ह्यूमन राइट्स ड्यूरिंग द कोविड-19 एपिडेमिक: द साउथ एशियन एक्सपिरियंस* (पृष्ठ 147-160)। स्प्रिंगर। आईएसबीएन: 978-981-97-1479-7

राणा, आई., और दीप, ए. (2025). द कोलेटरल कान्सिक्वेंसेज ऑफ ओवरक्रिमिनलाइजेशन: एनालाइजिंग द इफेक्ट ऑफ पैरेंटल इनकारसिरेशन आन चिल्ड्रेन। जी. पाल और सी. बाल्यान (सं.) में, *क्रिमिनलाइज़ेशन खंड II: व्हेयर डू वी गो फ्रॉम हियर?* (खंड 300, स्टडीज़ इन क्रिटिकल सोशल साइंसेज, पृष्ठ 22-35)। ब्रिल। आईएसबीएन: 978-90-04-71109-9

सिंह, के.के. (2024). इंडियाज लीगल एंड पॉलिसी एप्रोच टू पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एंड क्रॉस बार्डर डेटा ट्रान्सफर: ए क्रिटिकल स्टडी विद स्पेशल रेफरेन्स टू हेल्थ डेटी। एम. सी. कॉम्पैग्नुची और एम. फेनविक (सं.), *इंटरनेशनल ट्रांस्फर ऑफ हेल्थ डेटा: ए ग्लोबल पर्सपेक्टिव* (पृष्ठ 219-238)। स्प्रिंगर। आईएसबीएन: 978-981-97-9985-5 (ऑनलाइन), 978-981-97-9982-4 (हार्डकवर)

टंडन, यू., और मूनका, आर. (2024)। द मिडिएशन एक्ट, 2023: डॉन ऑफ ए न्यू एरा। यू. टंडन और ए. मिश्रा (सं.) में, *मिडिएशन: एन इफेक्टिव मेकनिज्म फॉर पीसफुल रिजोल्यूशन ऑफ डिस्पुट्स तंत्र* (पृष्ठ 14-28)। ब्लूम्सबरी। आईएसबीएन: 978-93-56404-72-4।

प्लेसमेंट विवरण (प्लेस किए गए छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

20 छात्र (सीएलसी प्लेसमेंट सहायता परिषद के माध्यम से)।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

प्लेसमेंट सहायता परिषद, कैम्पस लॉ सेंटर ने अक्टूबर से नवंबर 2024 के बीच इंटर्नशिप और भर्ती के अवसरों के लिए 135 से अधिक प्रतिष्ठित चैंबर्स, फर्मों और कंपनियों को निमंत्रण भेजे, जिनमें, माननीय न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा, न्यायाधीश, दिल्ली उच्च न्यायालय के विधि शोधकर्ता; मानसी भूषण, अधिवक्ताओं का चैंबर; अभिजात, प्रोसेनजीत बनर्जी और पवित्र कौर के चैंबर; एजेडबी एंड पार्टनर्स; डीएसके लीगल, शार्दुल अमरचंद मंगलदास एंड कंपनी; भरूचा एंड पार्टनर्स; खेतान एंड कंपनी; निशीथ देसाई एसोसिएट्स; वाडिया गांधी एंड कंपनी (मुंबई); कोफोर्ज ; डेलोइट; जीई स्टीम पावर; एचडीएफसी बैंक; हीरो मोटोकॉर्प; इंडिया टुडे ग्रुप; लार्सन एंड टुब्रो; फिलिप्स; सोनी और टेक महिंद्रा आदि शामिल हैं।

एनएसएस, कैंपस लॉ सेंटर यूनिट ने लॉ सेंटर I और II, निशा गोयल फाउंडेशन और रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली राजेंद्र प्लेस के सहयोग से 01 फरवरी, 2025 को उमंग भवन, छात्र मार्ग, दिल्ली में रक्तदान शिविर का आयोजन किया।

लीगल एड सोसाइटी, कैंपस लॉ सेंटर ने निम्नलिखित गतिविधियां आयोजित कीं: 10 अप्रैल, 2024 को मंडोली जेल का दौरा; 18 अप्रैल, 2024 को कड़कड़डूमा कोर्ट का दौरा, 14 दिसंबर, 2024 को राष्ट्रीय लोक अदालत (स्वयंसेवा); 31 जनवरी, 2025 को मुखर्जी नगर में कानूनी जागरूकता अभियान; 8 मार्च, 2025 को राष्ट्रीय लोक अदालत (स्वयंसेवी)।

कैंपस लॉ सेंटर ने फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सहयोग से 9 अक्टूबर, 2024 को पहली राष्ट्रीय वर्चुअल मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	05
एसोसिएट- प्रोफेसर	03
सहायक प्रोफेसर	31
अतिथि	31

सामाजिक आउटरीच

सीएलसी, विशेष रूप से अपनी विभिन्न सक्रिय सोसाइटियों और समितियों के माध्यम से, विभिन्न आउटरीच पहलों और गतिविधियों में शामिल है। इसकी लीगल एड सोसाइटी (एलएएस), का घोषित उद्देश्य उन लोगों को कानूनी सहायता प्रदान करना है जो पेशेवर कानूनी मदद नहीं ले सकते। लीगल

एड सोसाइटी ने वर्ष 2024-25 में कानूनी शिक्षा, सार्वजनिक जुड़ाव और न्याय तक पहुंच पर ध्यान केंद्रित करते हुए कई प्रभावशाली आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए। इसके प्रमुख घटकों में संगोष्ठी, लोक अदालतों में भागीदारी और कानूनी जागरूकता अभियान शामिल थे। एलएएस ने 11 मई, 2024, 14 दिसंबर, 2024 और 8 मार्च, 2025 को राष्ट्रीय लोक अदालतों में सक्रिय रूप से भाग लिया। छात्रों ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) और दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएसएलएसए) के मार्गदर्शन में विवाद समाधान प्रक्रियाओं में सहायता की और न्याय प्रदान करने में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। यह 'आवाज़ - द ब्लॉग' भी चलाता है, जो https://www.lasclc.in/ पर उपलब्ध है। ये पहलें सीएलसी की विभिन्न सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से कानूनी सशक्तिकरण और सामाजिक न्याय के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

ईसीए/खेल

कैम्पस लॉ सेंटर (सीएलसी) की सोसायटी और समितियां पूरे वर्ष विभिन्न पाठ्येतर कार्यक्रमों का आयोजन करती हैं। 2024-25 में, सीएलसी की क्विज़ सोसायटी ने लॉजिस्टिक्स फाउंडेशन के सहयोग से 7 मार्च, 2025 को महिला एवं न्याय ऑनलाइन राष्ट्रीय क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन किया। सीएलसी की स्पोर्ट्स सोसायटी एक जीवंत खेल संस्कृति को बढ़ावा देने और छात्रों और शिक्षकों के बीच समग्र विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह सोसायटी कार्यक्रमों के आयोजन के अलावा, नियमित खेल गतिविधियों, टूर्नामेंट और फिटनेस कार्यशालाओं के माध्यम से एक स्वस्थ, सक्रिय जीवन शैली को प्रोत्साहित करती है, जिससे छात्रों को पढ़ाई और शारीरिक स्वास्थ्य के बीच संतुलन बनाने में मदद मिलती है।
अक्टूबर 2024 में, इसने "स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव-2" की मेजबानी की, जो एक प्रमुख कार्यक्रम था, जिसमें छात्रों, शिक्षकों और मेहमानों को खेलों की परिवर्तनकारी शक्ति का जश्न मनाने के लिए एक साथ लाया गया 22 मार्च, 2025 को आयोजित एक अन्य प्रमुख कार्यक्रम, "शी रोअर्स", में खेलों और उससे परे महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाया गया। अतिथियों में राष्ट्रमंडल रजत पदक विजेता सुश्री तूलिका मान और प्रो. आभा जैन शामिल थीं। इस कार्यक्रम में विभिन्न खेल गतिविधियाँ, पैनल चर्चाएँ और प्रेरक वार्ताएँ शामिल थीं, जिसने एक प्रगतिशील शैक्षणिक संस्थान के रूप में समावेशिता और लैंगिक संवेदनशीलता के प्रति सीएलसी की प्रतिबद्धता को और पुष्ट किया।

कोष (फंड)

उपयोग की गई धनराशि (करोड़ में)	0.0742681
आवंटित धनराशि (करोड़ में)	0.1004

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

कैंपस लॉ सेंटर ने कई उल्लेखनीय पूर्व छात्रों को तैयार किया है। इनमें भारत के 50वें मुख्य न्यायाधीश डॉ. न्यायमूर्ति डी. वाई. चंद्रचूड़ (10 नवंबर 2024 तक सेवा की) और भारत के 51वें मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव खन्ना शामिल हैं। सीएलसी लाइब्रेरी छात्रों और संकाय के लिए समृद्ध भौतिक संसाधन और आवश्यक डिजिटल समाधान प्रदान करती है। सीएलसी शिक्षक निरंतर व्यावसायिक विकास के माध्यम से नवीनतम शैक्षणिक तकनीकों और तकनीकी प्रगति के साथ अद्यतित रहते हैं और पूरे वर्ष अकादमिक और छात्र उन्मुख पहलों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं।

सीएलसी में कक्षा में होनेवाली गतिविधियों के अलावा, कई जीवंत सोसायटी और समितियां भी शामिल हैं, जिनमें लीगल एड सोसायटी, प्लेसमेंट असिस्टेंस काउंसिल, डिबेट एंड डिस्कशन सोसायटी, मूट कोर्ट सोसायटी (एमसीएस), स्पोर्ट्स सोसायटी और इनेबलिंग यूनिट शामिल हैं, इनके पिछले वर्ष के प्रमुख कार्यक्रमों और पहलों का विवरण पिछले अनुभागों में दिया जा चुका है। उक्त अवधि में एमसीएस द्वारा आयोजित कुछ अन्य कार्यक्रमों में निम्नलिखित शामिल हैं: नए छात्रों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम और मूट डेमोन्स्ट्रेशन; नए छात्रों के लिए इंडक्शन मूट वर्कशॉप; विभिन्न विषयों पर कॉमन इंडक्शन मूट वर्कशॉप। सीएलसी की बिल्डिंग मेंटेनेंस कमेटी ने सीएलसी सेमिनार रूम के नवीनीकरण के लिए लिए व्यापक रूप से काम किया।

सीएलसी के संकाय सदस्य उच्च-गुणवत्ता युक्त शोध करते हैं, कई आमंत्रित व्याख्यान देते हैं, संसाधन व्यक्तियों के रूप में आमंत्रित होते हैं और अपने शोध पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संगोष्ठीयों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ देते हैं। उदाहरण के लिए, डॉ. क्षितिज कुमार सिंह को कोपेनहेगन विश्वविद्यालय में इंटरनेशनल कोलोबरेटिव बायोसाइंस इनोवेशन एंड लॉ (इंटर- सीईबीआईएल) कार्यक्रम के लिए अनुसंधान सहयोगी नियुक्त किया गया (28 मई, 2024) और डॉ. मेहपारा ने अक्टूबर 2024 में राष्ट्रीय विधि अध्ययन एवं अनुसंधान विश्वविद्यालय, रांची द्वारा आयोजित प्रथम एसएसआईए-एनयूएसआरएल नेशनल क्रिमिनल लॉ मूट कोर्ट प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका निभाई थी। सीएलसी अपने विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों आदि के वीडियो नियमित रूप से अपने आधिकारिक यूट्यूब चैनल: कैंपस लॉ सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय पर अपलोड करता है, जिसके वर्तमान में 4.3 हजार ग्राहक हैं।

लॉ सेंटर-I

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

लॉ सेंटर-I ने संगोष्ठी, कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और प्लेसमेंट गतिविधियों सहित सभी शिक्षण-शिक्षण गतिविधियों का आयोजन किया।

लॉ सेंटर-I ने अठारहवीं एलसी-I ऑल दिल्ली एनसीआर मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया और इस प्रतियोगिता में दिल्ली-एनसीआर के प्रमुख लॉ स्कूलों के छात्रों की भारी भागीदारी रही। लॉ सेंटर-I नॉर्थ-ईस्ट सेल ने "मोजाइक 2025: संस्कृति का जश्न और विरासत का सम्मान" विषय के तहके अंतर्गत एक कार्यक्रम आयोजित किया। इस थीम द्नारा पूर्वोत्तर क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लचीलेपन और पहचान का जश्न मनाने के लिए नॉर्थ-ईस्ट सेल की प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शैक्षणिक स्थान के भीतर पार-सांस्कृतिक समझ को प्रोत्साहित करते हुए समुदाय और अपनेपन की भावना को बढ़ावा देना है।

लॉ सेंटर-I के एंटरप्रेन्योरियल लॉ क्लिनिक ने "भारतीय विधि क्षेत्र में महिलाओं का सशक्तिकरण - विकसित भारत 2047 का विजन" विषय पर युवा संसद 2.0 का आयोजन किया। संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध पत्र और प्रतिष्ठित प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित पुस्तकों में अध्याय प्रकाशित किए हैं।

लॉ सेंटर-I ने आरटीआई प्रारूपण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान और सर्वश्रेष्ठ मध्यस्थ में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

शोध प्रकाशन

आनंद, पुष्कर (2024), "पुस्तक समीक्षा: प्रभाष रंजन, इंडिया एंड इन्वेस्टर स्टेट डिसप्यूट सेटलमेंट: एफ्रंटिंग सावरन्टी आर इंक्लूडिंग कप्रिसियसनेस एबिंगडन/न्यूयॉर्क: रूटलेज, 2024 आईएसबीएन 9781032349046" (खंड 25, पृष्ठ 767-777), *जर्नल ऑफ वर्ल्ड इन्वेस्टमेंट एंड ट्रेड*

कुमारी, मीना (2024), "लॉस्ट इन सिस्टम:डाक्यूमेंट डिस्क्रिपेन्सीज एंड अदर बैरियर्स टू आरटीई एडमिशन्स इन दिल्ली ",*बियॉन्ड क्लासरूम्स पॉलिसी एंड प्रैक्टिसेज वर्किंग पेपर सीरीज़,* सेंटर फॉर सिविल सोसाइटी

मिश्रा, सिद्धार्थ (2024), "प्रोटेक्शन ऑफ एनवायरमेंट ड्यूरिंग इंटरनेशनल आर्म्ड कंफ्लिक्ट्स", (खंड IV, अंक IV, पृष्ठ 25-39), *जर्नल ऑफ आर्मी लॉ कॉलेज,* आईएसएसएन: 2583-7036

सिंह, गुरप्रीत (2024), "इवाल्विंग द कान्सेप्ट ऑफ लीगल पर्सनेलिटी इन इकोलॉजी एंड एनिमल्स वेलफेयर लेजिस्लेशन: एन अल्टरनेटिव एप्रोच टू प्रोटेक्ट द एनवायरमेंट ", (खंड 66, संख्या 3, पृष्ठ 263-286), *जर्नल ऑफ द इंडियन लॉ इंस्टीट्यूट*

अनुसंधान परियोजनाएँ

- अंजू सिन्हा (2024), “राइट टू हेल्थ विज-अ-विज मिल्क अडल्टरेशन इन इंडिया: नीड फॉर ए रोबस्ट लीगल एंड रेगुलेटरी फ्रेमवर्क एलांग विद इफेक्टिव ज्यूडिशियल इंटरवेंशन” पर शोध परियोजना पूरी की, इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय।
- संजीवनी रैना, अमरेंद्र अजीत, शिवानी वर्मा, कविता, अपेक्षा कुमारी व अन्य (2025), "रेलेवेंस ऑफ भगवद्गीता इन इंडियन लीगल सिस्टम" पर सात महीने की शोध परियोजना। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी रिसर्च फाउंडेशन और दिल्ली विश्वविद्यालय विधि संकाय

सम्मान/विशिष्टताएँ

राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित उत्तरी क्षेत्र प्रो बोनो कॉन्क्लेव में, लॉ सेंटर-1 ने निम्नलिखित उपलब्धियां प्राप्त कीं:

- आरटीआई प्रारूपण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान
- 25-26 अप्रैल, 2025 को आयोजित सर्वश्रेष्ठ मध्यस्थ पुरस्कार के उपविजेता।
- मिश्रा, एस. (2024), *इंडियन प्रैक्टिस ऑफ इंटरनेशनल लॉ: ग्लोबल नार्म्स एंड देयर डोमेस्टिक एन्फोर्समेंट,* (प्रथम संस्करण), रूटलेज इंडिया, आईएसबीएन: 9781032432380
- राणा, पी. (2024), *ए डिकेड दैट रिडिफाइंड नारी शक्ति इन इंडिया,* यूनिवर्सिटी बुक हाउस
- देवा, सूर्या, आनंद, पुष्कर (2024), "ए ग्लोबल साउथ पर्सपेक्टिव आन लेबर राइट्स एंड सप्लाई चेन्स फॉर ए पोस्ट-ग्रोथ वर्ल्ड", निकोलस ब्यूनो, बेरिल टेर, हार और नुना ज़ेकिच (सं.) में, *लेबर लॉ यूटोपियाज़:पोस्ट-ग्रोथ और पोस्ट-प्रोडक्टिव वर्क अप्रोच,* ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।
- आनंद, पुष्कर (2025), *"कंपैरेबिलिटी ऑफ इंवेस्टर्स"*, थॉमस कॉटियर, क्रिस्टा नादाकावुकारेन शेफ़र (सं.) में, *एल्गर इनसाइक्लोपीडिया ऑफ़ इंटरनेशनल इकोनॉमिक लॉ,* एडवर्ड एल्गर
- आनंद, पुष्कर (2025), "मल्टीलिटरल रुल्स आन ट्रेड एंड ह्यूमन राइट्स", द इंटरनेशनल लॉ यॉफ इकोनॉमिक इंटीग्रेशन *में, जूलियन चैसे और क्रिस्टोफ़ हरमन* (सं.), ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस
- मिश्रा, एस. (2024), "एन्श्योरिंग सिक्योरिटी ऑफ एल्डरली पर्सन्स इन इंडियन मेट्रोज-एन एनालिटिकल स्टडी", अनुपमा गोयल, (सं.) में, *राइट्स ऑफ एल्डरली पिपल इन इंडिया: चैलेंजेज एंड प्रायोरिटीज,* नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली प्रेस, (पृष्ठ 12-27) आईएसबीएन: 978-93-84272-53-1

एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत छात्र

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

- मिश्रा, एस. (2024), *इंडियन प्रैक्टिस ऑफ इंटरनेशनल लॉ: ग्लोबल नार्म्स एंड देयर डोमेस्टिक एन्फोर्समेंट,* (प्रथम संस्करण), रूटलेज इंडिया, आईएसबीएन: 9781032432380
- राणा, पी. (2024), *ए डिकेड दैट रिडिफाइंड नारी शक्ति इन इंडिया,* यूनिवर्सिटी बुक हाउस
- देवा, सूर्या और आनंद, पुष्कर (2024), "ए ग्लोबल साउथ पर्सपेक्टिव आन लेबर राइट्स एंड सप्लाई चेन्स फॉर ए पोस्ट-ग्रोथ वर्ल्ड", निकोलस ब्यूनो, बेरिल टेर में हार और नुना ज़ेकिच (सं.), *लेबर लॉ यूटोपियाज़: पोस्ट-ग्रोथ और पोस्ट-प्रोडक्टिव वर्क अप्रोच,* ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।
- आनंद, पुष्कर (2025), *"कंपैरेबिलिटी ऑफ इंवेस्टर्स"*, थॉमस कॉटियर, क्रिस्टा नादाकावुकारेन में शेफ़र (सं.), *एल्गर एनसाइक्लोपीडिया ऑफ़ इंटरनेशनल इकोनॉमिक लॉ,* एडवर्ड एल्गर
- आनंद, पुष्कर (2025), "मल्टीलिटरल रुल्स आन ट्रेड एंड ह्यूमन राइट्स", *द इंटरनेशनल लॉ यॉफ इकोनॉमिक इंटीग्रेशन में, जूलियन चैसे और क्रिस्टोफ़ हरमन* (सं.), ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस
- मिश्रा, एस. (2024), "एन्श्योरिंग सिक्योरिटी ऑफ एल्डरली पर्सन्स इन इंडियन मेट्रोज-एन एनालिटिकल स्टडी", अनुपमा गोयल, (सं.) में, *राइट्स ऑफ एल्डरली पिपल इन इंडिया: चैलेंजेज एंड प्रायोरिटीज,* नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली प्रेस, (पृष्ठ 12-27) आईएसबीएन: 978-93-84272-53-1

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- 2 जून 2024, नंदलाल झुग्गी, दिल्ली में बाल दुर्व्यवहार और घरेलू हिंसा पर कानूनी जागरूकता और आउटरीच कार्यक्रम
- मलकागंज, दिल्ली में कानूनी जागरूकता और आउटरीच कार्यक्रम
- 24 अगस्त 2024, क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, दिल्ली एनसीआर परिसर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कानूनी सहायता क्लिनिक सम्मेलन। विवरण: लीगल सर्विसेज सोसाइटी के कार्यकारी सदस्यों ने सोसाइटी की कार्यप्रणाली और पहलों पर प्रस्तुति दी।
- 8 सितंबर 2024, महिला सुरक्षा: नई दिल्ली के निमरी कॉलोनी के पास जे जे कॉलोनी में एक कानूनी पहल आउटरीच कार्यक्रम।

- 6 अक्टूबर 2024, को वजीरपुर गाँव, अशोक विहार फेज-1, नई दिल्ली में, मेगा आउटरीच अभियान - नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ एकजुट: हमारे समुदाय की रक्षा के लिए एक कानूनी पहल।
- 19 अक्टूबर 2024, मूट कोर्ट हॉल, उमंग भवन में ओरिएंटेशन प्रोग्राम 2024।
- 1 फ़रवरी 2025 को लोक अदालतों, मध्यस्थता, तस्करी के शिकार लोगों और नशीली दवाओं के दुरुपयोग उन्मूलन पर आधारित, चित्रकला प्रतियोगिता।
- 2 फ़रवरी 2025 को पहाड़गंज, नई दिल्ली में, आवाज़ों का सशक्तिकरण: घरेलू कामगारों के अधिकारों की रक्षा पर आउटरीच कार्यक्रम।
- 11 फरवरी 2025 को एसपीवाईएम ड्रग डी-एडिक्शन सेंटर में नशीली दवाओं की लत और पुनर्प्राप्ति के बारे में कानूनी जागरूकता पर केंद्रित लघु फिल्म निर्माण प्रतियोगिता।
- 6 मार्च 2025, तिहाड़ जेल का दौरा, जिसमें जेल प्रणालियों और कैदियों के अधिकारों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए 50 छात्रों ने भाग लिया।
- 21 मार्च 2025 को आउट्राम लेन, जीटीबी नगर, दिल्ली में महिला सुरक्षा पर आउटरीच कार्यक्रम।
- 1 अप्रैल 2025, पुनर्वास केंद्र के कर्मचारियों और लाभार्थियों के साथ बातचीत करने के लिए *एसपीवाईएम नशा मुक्ति केंद्र का विशेष दौरा।*
- 25-26 अप्रैल 2025 को राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित *उत्तरी क्षेत्र प्रो बोनो कॉन्क्लेव।* उपलब्धियाँ: *(क) आरटीआई प्रारूपण* प्रतियोगिता में प्रथम स्थान, (ख) सर्वश्रेष्ठ मध्यस्थ पुरस्कार के लिए द्वितीय स्थान।
- 1 मई 2025, *भारत की संसद का दौरा,* संसदीय कार्यवाही का अवलोकन और विधायी प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	11
एसोसिएट- प्रोफेसर	03
सहायक प्रोफेसर	36
अतिथि	29

सामाजिक आउटरीच

- वोटाथॉन - चुनावी भागीदारी के लिए दौड़ (एसवीईईपी) 7 अप्रैल, 2024 को।

- 2 मई, 2024 को कन्वेंशन हॉल, वाइस रीगल लॉज, दिल्ली विश्वविद्यालय में तीन नए आपराधिक कानूनों पर अभियान।
- 8 मई, 2024 को विकसित भारत के लिए दौड़।
- 3 जून से 7 जून, 2024 तक परिसर में पक्षियों के लिए पानी के बर्तन भरना।
- 6 जून, 2024 को एनएसएस वार्षिक बैठक।
- 6 जून, 2024 को नए आपराधिक कानूनों पर कार्यशाला।
- 21 जून, 2024 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम।
- 29 जून, 2024 को मिरांडा हाउस में नए आपराधिक कानूनों पर चर्चा।
- 1 जुलाई, 2024 को वाइस रीगल लॉज, दिल्ली विश्वविद्यालय में नए आपराधिक कानूनों का कार्यान्वयन: आगे का रास्ता, ।
- 1 सितंबर से 10 सितंबर, 2024 तक गोद लिए गए गाँव में स्वतंत्रता दिवस समारोह, राष्ट्रीय साहसिक शिविर।
- 1 सितंबर, 2024 को गोद लिए गए गाँव में सोशल मीडिया के प्रभाव पर सामान्य जागरूकता शिविर।
- 14 सितंबर, 2024 को गोद लिए गए गाँव में छात्रों के लिए करियर परामर्श कार्यक्रम।
- 26 सितंबर, 2024 को गोद लिए गए गाँव में सम्मान कार्यक्रम।
- 29 सितंबर, 2024 को गोद लिए गए गाँव में करियर परामर्श चरण-II।
- 1 अक्टूबर, 2024 को परिसर में स्वच्छता अभियान।
- 4 अक्टूबर, 2024 को पशु आहार अभियान

ईसीए/खेल

कोष (फंड)

उपयोग की गई धनराशि (करोड़ में)	25,30,070
आवंटित धनराशि (करोड़ में)	25,69,500

लॉ सेंटर-II

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

लॉ सेंटर-II अपने छात्रों के सामाजिक और व्यावसायिक विकास के लिए विविध प्रकार की गतिविधियों का आयोजन करता रहा है। लॉ सेंटर-II की कुछ प्रमुख गतिविधियों की सूची देते हुए, हम आपको अवगत कराना चाहते हैं कि एलसी2 ने 22 से 23 नवंबर तक अपना वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय मूट कोर्ट

आयोजित किया, जो अत्यंत सफल रही। इस मूट कोर्ट प्रतियोगिता में पूरे भारत और अन्य देशों के प्रतिभागियों ने भी भाग लिया। विभिन्न उद्योग विशेषज्ञों और न्यायाधीशों ने प्रतिभागियों का मूल्यांकन करने के साथ ही छात्रों को बुनियादी मूटिंग कौशल सिखाने के लिए संस्थान का दौरा किया।

इसके अलावा, लॉ सेंटर-II की कानूनी सहायता संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस बहुत धूमधाम से मनाया गया। इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं के सामने आने वाली समस्याओं और आधुनिक समाज के बदलते आयामों के बारे में छात्रों को जागरूक करना था।

लॉ सेंटर ने अपने शिक्षकों के विकास के लिए, भारत के आपराधिक कानूनों में सुधार पर एक सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें पूरे भारत के शिक्षाविदों ने भारी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम अत्यंत सफल रहा।

लॉ सेंटर-II की एनएसएस समिति ने वृक्षारोपण अभियान और रक्तदान शिविर जैसे कई कार्यक्रम आयोजित किए।

शोध प्रकाशन

अनुपम झा वी. सहरावत (2024). एक्जामिनिंग द रोड टू दुबई (सीओपी 28): इंडियाज रोल एंड द वे फारवर्ड। *इंडियन जर्नल ऑफ इंटरनेशनल लॉ, 63* (3 और 4), 351-379। **https://isil-aca.org/publication-contents.php #**

जुपी गोगोई (2024). ट्रांजेक्शनल ज्योग्राफिकल इंडिकेशन्स इन इंडिया: इश्यूज एंड कंसर्न्स ऑफ 'पीआएससीओ'। *जर्नल ऑफ इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स, 29* (6), 534-539। **https://doi.org/10.56042/jipr.v29i6.70 46**

नमिता वशिष्ठ (2024). द लीगल एफिसिएंशी फ स्ट्रटेजीज फॉर प्रोटेक्टिंग कल्चरल हेरिटेज एंड प्रिवेंटिंग आर्ट क्राइम्स। *शोधकोश :जर्नल ऑफ विजुअल एंड परफार्मिंग आर्ट्स, 5* (5), 404-414। **https://doi.org/10.29121/shodhkosh.v 5.i 5.2024.3887**

निधि मिंज (2024). हैंडकफिंग थ्रो द फोर्स ऑफ न्यू क्रिमिनल लॉ: ए कंसर्न फॉर ह्यूमन डिग्निटी। *जर्नल ऑफ इंडियन लॉ इंस्टीट्यूट, 66* (3), 376-393. **http://hdl.handle.net/123456789/4829 3**

प्रमोद तिवारी, प्रणव (2024). सोशल मीडिया एंड इट्स इंपैक्ट आन द इलेक्टोरल प्रॉसेस इन इंडिया: ए क्रिटिकल स्टडी। *देहरादून लॉ रिव्यू, 16* (1), 119-130.

.... 2024). नीड टू इनकारपोरेट सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स इन हायर एजुकेशन कैरिकुला/ *सस्टेनिबिलिटी इन पब्लिक प्रोक्योरमेंट, कॉरपोरेट लॉ एंड हायर एजुकेशन*। रूटलेज, न्यूयॉर्क, आईएसबीएन: 978-1-032-15103-8, 259-270.

संगोष्ठी आयोजित

- 18 अक्टूबर, 2024 को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस: टेक्नो-लीगल पर्सपेक्टिव पर राष्ट्रीय कार्यशाला और क्षमता विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें वक्ता थे- माननीय न्यायमूर्ति एस. रवींद्र भट, माननीय न्यायमूर्ति रविशंकर झा, सुश्री मीनाक्षी लेखी, आदि।
- 16 नवंबर, 2024 को एक्सप्लोरिंग द रोल ऑफ इन-हाउस काउंसल: नेविगेटिंग लीगल स्ट्रेटेजी एंड डिस्प्यूट रिजोल्यूशन्स इन कॉर्पोरेट एनवायरमेंट पर उद्योग अंतर्दृष्टि सत्र आयोजित किया गया। वक्ता- अभिजीत मुखोपाध्याय, अध्यक्ष (कानूनी) और जनरल काउंसल, हिंदुजा समूह।
- 4 दिसंबर, 2024 को पोस्ट ग्रेजुएट इनसॉल्वेंसी प्रोग्राम पर इंटरैक्टिव सत्र आयोजित काया गया। वक्ता- डॉ. केएल ढींगरा, प्रमुख, दिवाला और शोधन अक्षमता केंद्र, भारतीय कॉर्पोरेट मामलों का संस्थान
- 7 दिसंबर, 2024 को रोल ऑफ कॉरपोरेट लायर्स इन नेशन बिल्डिंग पर संगोष्ठी आयोजित की गई थी। वक्ता- सुश्री पूर्ति मारवाह गुप्ता, पूर्ति मारवाह गुप्ता एवं सहयोगी, सुश्री मनीषा चौधरी, प्रबंध साझेदार, यूकेसीए, श्री अमित सिंघानिया, प्रबंध साझेदार, एरीटे लॉ ऑफिसेज।
- 24 से 28 फरवरी, 2025 तक चल रहे अंतर्राष्ट्रीय कानून सप्ताह के अंतर्गत 27 फरवरी, 2025 को टेकिंग इंटरनेशनल लॉ सिरियसली: सम रिफ्लेक्शन्स पर संगोष्ठी आयोजित की गई । वक्ता-प्रो. (डॉ.) भरत एच. देसाई, निदेशक, अंतर्राष्ट्रीय कानून और कूटनीति में उन्नत अध्ययन संस्थान

सम्मान/विशिष्टताएँ

एल.सी.-II की अंकिता गुप्ता को एल.एल.बी. पाठ्यक्रम के सफल अभ्यर्थियों में सर्वोच्च प्रतिशत अंक प्राप्त करने के लिए हीरा लाल डागा स्मारक पदक से सम्मानित किया गया।

प्लेसमेंट विवरण (प्लेस किए गए छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

12

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- “विकसित भारत के लिए उज्ज्वल भविष्य के नेताओं के निर्माण हेतु समग्र संस्कृति का समावेश"

  दिनांक -04-10-2024

  प्रतिभागियों की संख्या: 50 छात्र

  कार्यशाला-इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश, नेहरू प्लेस के पास आयोजित की गई थी।

- "युवा भारत स्वयं को जाने"

  दिनांक-05-10-2024

  प्रतिभागियों की संख्या:- 100 छात्र

  कार्यशाला विवेकानंद केंद्र, चाणक्यपुरी में आयोजित की गई थी।

- कानूनी जागरूकता कार्यशाला

  दिनांक-08-10-2024 प्रतिभागियों की संख्या: 250 छात्र

  कार्यशाला मूट कोर्ट हॉल, उमंग भवन, लॉ सेंटर - II में

- सक्षम एवं एलसी - II, एलएएस

  दिनांक-05-10-2024 और 06-10-2024

  विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन पर कानूनी जागरूकता अभियान

  प्रतिभागियों की संख्या: 15 छात्र

- एनएचआरसी दौरा

  दिनांक-

  प्रतिभागियों की संख्या :- 30 छात्र

- मेघधूत छात्रावास में कानूनी जागरूकता अभियान

  दिनांक-19-10-2024

  "ओटीपी धोखाधड़ी" के बारे में

  प्रतिभागियों की संख्या - 150

  अतिथि - देविना खोंगडुप, [राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य] मुख्य अतिथि

  सुश्री प्राची कौशिक (पैड वुमन); विशिष्ट अतिथि

  डॉ. नेहा गुप्ता (वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ, फोर्टिस नोएडा) विशिष्ट अतिथि

- दिवाली कार्निवल में कानूनी जागरूकता अभियान

  दिनांक-16-10-2024

दिल्ली विश्वविद्यालय महिला संघ द्वारा आयोजित

उपस्थिति-1000+

विषय - "ऑनलाइन भुगतान संबंधी समस्याएं"

"महिलाओं और बच्चों के अधिकार"

- इस्कॉन और दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "उद्गार" में 300 से अधिक कानूनी सहायता स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

  दिनांक-18.10.2024

  शीर्षक→ "भारत को व्यसन मुक्त बनाना"

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	06
एसोसिएट- प्रोफेसर	02
सहायक प्रोफेसर	35
अतिथि	25

प्रतिभागियों की संख्या - 8000+

सामाजिक आउटरीच

- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह कार्यक्रम + स्वयं सहायता समूह महिला स्टॉल प्रदर्शनी

  दिनांक- 6 मार्च 2025

  अतिथि: श्रीमती ममता कुमारी (एनसीडब्ल्यू सदस्य)

  श्रीमती मंजू प्रभा (दधीचि फाउंडेशन)

  डॉ. आयुषी केतकर (जेएनयू: प्रोफेसर)

  डॉ. गीता सहोरे (डीयूडब्ल्यूए)

  संकाय सम्मान पीके सर द्वारा किया गया

- कानूनी स्टार्टअप कार्यशाला

  "अर्न व्दाइल यू लर्न"

  स्थल मूट कोर्ट हॉल, उमंग भवन

  दिनांक- 19 मार्च 2025

- कला संकाय प्लाजा में मदारी के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक (राष्ट्रीय कला मंच द्वारा आयोजित नुक्कड़ नाटक)
  दिनांक-13 मार्च 2025
- श्री सचिन पुरी जी का सम्मान समारोह एवं आर्ट ऑफ लीगल ड्राफ्टिंग पर व्याख्यान
  दिनांक- 1 अप्रैल 2025
  अतिथि - श्री सचिन पुरी (उपाध्यक्ष, डीएचसीबीए)
  एडवोकेट विकास गोयल (सचिव, डीबीए)

ईसीए/खेल

एलसी-II की खेल समिति ने 10 दिसंबर, 2024 को उमंग भवन, विधि संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय में छात्रों और कर्मचारियों के लिए आउटडोर और इनडोर खेल गतिविधियों के लिए एक दिवसीय खेल कार्यक्रम "मस्ती, फिटनेस और उत्सव" का आयोजन किया।
एलसी-II की खेल समिति ने 7 मार्च, 2025 को उमंग भवन, विधि संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय में विजेता छात्रों को पदक और प्रमाण पत्र प्रदान करने और सम्मानित करने के लिए "मस्ती, फिटनेस और उत्सव" का एक दिवसीय पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- कानूनी शिक्षा और जागरूकता अभियान (लीड)
- कपड़ा/पुस्तकें स्टेशनरी दान अभियान
  स्थान उमंग भवन, एलसी-II
  दिनांक- 9, 10 और 11 अप्रैल 2025
- अनाथालय भ्रमण
  दिनांक- 12 अप्रैल 2025
  स्थान-डीएमआरसी चिल्ड्रन होम
- संजय बस्ती तिमारपुर में सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम
  दिनांक - 13 अप्रैल 2025
- मजबूत संबंध कैसे बनाएं: सामुदायिक आउटरीच के लिए एक मार्गदर्शिका पर कार्यशाला
  दिनांक- 15 अप्रैल 2025
- सुश्री मीनाक्षी लेखी द्वारा मुख्य ब्रोशर का विमोचन
  दिनांक - 15 अप्रैल 2025

- केंद्रीय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सहयोग से "हाऊ लॉज आर मेड एंड द फैक्टर्स इंफ्लुएंसिंग द प्रॉसेस" विषय पर सत्र
  दिनांक- 16 अप्रैल 2025
  अतिथि- श्री अंकित गोयल (क्षेत्रीय आयुक्त ईएफओ)
  सुश्री युक्ति राठी
  (वकील, सामाजिक कार्यकर्ता)
- सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम
  दिनांक- 17 अप्रैल 2025
  दिल्ली के 11 जिलों में
  डीएसएलएसए, नेक मिशन फाउंडेशन, दिल्ली बार काउंसिल के सहयोग से

प्रबंधन अध्ययन संकाय

व्यवसाय प्रबंधन एवं औद्योगिक प्रशासन विभाग

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रबंधन अध्ययन संकाय (एफएमएस) भारत के शीर्ष प्रबंधन विद्यालयों में से एक है, जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता के लिए ख्याति प्राप्त है। भारतीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (आईआईआरएफ) के अनुसार, एफएमएस को 2025 के लिए दूसरा सर्वश्रेष्ठ बिज़नेस स्कूल (समग्र) चुना गया और इसने बिज़नेस वर्ल्ड द्वारा बिज़नेस वर्ल्ड समावेशी कैंपस पुरस्कार-एमबीए कैंपस तक सर्वाधिक न्यायसंगत पहुँच के लिए सर्वश्रेष्ठ बिज़नेस स्कूल का पुरस्कार भी जीता।

प्रबंधन अध्ययन संकाय एक ऐसा संस्थान है जो भविष्य के नेताओं को सशक्त बनाने वाले एक सहयोगी और नवोन्मेषी वातावरण में समावेशी प्रबंधन शिक्षा प्रदान करने के लिए समर्पित है। सभी एमबीए छात्रों को भारत की सबसे प्रमुख कंपनियों में इंटर्नशिप करने का अवसर दिया जाता है। एफएमएस का छात्र प्लेसमेंट रिकॉर्ड बहुत अच्छा रहा है। पूर्णकालिक एमबीए कार्यक्रम के अलावा, एफएमएस रक्षा बलों के अधिकारियों के लिए एमबीए कार्यकारी कार्यक्रम, एमबीए कार्यकारी स्वास्थ्य सेवा प्रशासन कार्यक्रम, डॉक्टरेट कार्यक्रम और सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम भी संचालित करता है। एफएमएस के पूर्व छात्र राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों क्षेत्रों में व्यवसाय, शिक्षा, प्रशासन, नीति निर्माण और सार्वजनिक जीवन सहित जीवन के सभी क्षेत्रों में शीर्ष पदों पर आसीन हैं।

सम्मान/विभूतियां

संकाय

- प्रो. ए. वेंकट रमन, प्रमुख एवं डीन, प्रबंधन अध्ययन संकाय, राष्ट्रीय तकनीकी कार्य समूह (एनटीडब्ल्यूजी), टीबी उन्मूलन में निजी क्षेत्र की भागीदारी, स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार के अध्यक्ष हैं (2018 से अब तक)।
- प्रो. ए. वेंकट रमन, प्रमुख एवं डीन, प्रबंधन अध्ययन संकाय, तकनीकी सलाहकार समूह (टीएजी), निजी क्षेत्र शासन और सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज, डब्ल्यूएचओ, जिनेवा के सदस्य हैं (अप्रैल 2018 से अब तक)।
- प्रो. ए. वेंकट रमन, प्रमुख एवं डीन, प्रबंधन अध्ययन संकाय, टीबी देखभाल और रोकथाम के लिए सार्वजनिक-निजी मिश्रण पर वैश्विक कार्य समूह (पीपीएम कार्य समूह), डब्ल्यूएचओ, जिनेवा के सदस्य हैं (मई 2024 से अब तक)।
- प्रो. ए. वेंकट रमन, प्रमुख एवं डीन, प्रबंधन अध्ययन संकाय, भारत सरकार के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की अधिकार प्राप्त कार्यक्रम समिति (ईपीसी) के सदस्य हैं (फरवरी 2025 से)।
- प्रो. हर्ष वी. वर्मा को भारतीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क द्वारा 'द मार्केटिंग मेस्ट्रो' के रूप में मान्यता दी गई है।
- प्रो. हर्ष वी. वर्मा को आईआईएलएम द्वारा आयोजित मार्केटिंग कॉन्क्लेव 2025 में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया, जिसका विषय था 'कस्टमर सेंट्रिसिटी इन द एरा ऑफ डिसरप्टिव टेक्नोलॉजी'।
- प्रो. हर्ष वी. वर्मा को दिल्ली विश्वविद्यालय के उद्यमशीलता फाउंडेशन द्वारा आयोजित उद्यमिता के साथ विपणन सहभागिता पर एक सत्र के लिए वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।
- डॉ. अंशिका अग्रवाल, सहायक प्रोफेसर, प्रबंधन अध्ययन संकाय (2025), अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, 6 मार्च, 2025 पर प्रशंसा पुरस्कार।
- डॉ. विवेक सोनी, सहायक प्रोफेसर, प्रबंधन अध्ययन संकाय (2025), इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, डीयू द्वारा शोध प्रकाशन पुरस्कार।

छात्र

- एमबीए (प्रथम वर्ष) के छात्र अमन दुआ वर्ष 2024-25 के लिए महिंद्रा राइज़ चैलेंज में राष्ट्रीय फाइनलिस्ट थे।

- एमबीए (प्रथम वर्ष) के छात्र अमन दुआ वर्ष 2024-25 के लिए रेकिट करियर कम्पास में राष्ट्रीय फाइनलिस्ट थे।
- एमबीए (प्रथम वर्ष) के छात्र अमन दुआ वर्ष 2024-25 के लिए फ्लिपकार्ट वायर्ड 8.0 में कैंपस विजेता थे।
- एमबीए (प्रथम वर्ष) की छात्रा तान्या वर्मा वर्ष 2024-25 के लिए वीसीआईसी में राष्ट्रीय उपविजेता थीं।
- एमबीए (प्रथम वर्ष) की छात्रा ऐशू गोयल वर्ष 2024-25 के लिए एक्सेंचर बी-स्कूल चैलेंज सीज़न 8 में राष्ट्रीय प्रथम उपविजेता थीं।
- एमबीए (प्रथम वर्ष) के छात्र आर्यमन जैन वर्ष 2024-25 के लिए बीसीजी रीडिज़ाइन 2.0 में राष्ट्रीय विजेता रहे।
- एमबीए (द्वितीय वर्ष) की छात्रा गरिमा मलिक वर्ष 2024-25 के लिए लॉरियल ब्रांडस्टॉर्म'24 में राष्ट्रीय उपविजेता रहीं।
- एमबीए (प्रथम वर्ष) के छात्र ऐशू गोयल, मुदित अग्रवाल, करण ग्रोवर वर्ष 2024-25 के लिए सारेगामा केस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय सेमी फ़ाइनलिस्ट रहे।
- एमबीए (प्रथम वर्ष) के छात्र कुशल गुप्ता वर्ष 2024-25 के लिए इंश्योरथॉन 1.0 एचडीएफसी एर्गो में राष्ट्रीय प्रथम उपविजेता रहे।
- एमबीए (प्रथम वर्ष) के छात्र चिराग चौधरी वर्ष 2024-25 के लिए कैपजेमिनी ला निक 7.0 में राष्ट्रीय विजेता रहे।
- एमबीए (प्रथम वर्ष) की छात्रा सियाद्री चक्रधर वर्ष 2024-25 के लिए अमेज़न एसीई चैलेंज में राष्ट्रीय फाइनलिस्ट थीं।
- एमबीए (प्रथम वर्ष) की छात्रा मनुश्री सिंह वर्ष 2024-25 के लिए समग्र द गवर्नेंस चैलेंज में राष्ट्रीय फाइनलिस्ट रहीं।
- एमबीए (प्रथम वर्ष) की छात्रा मृत्युंजय ठाकुर वर्ष 2024-25 के लिए सेल्सफोर्स फ्यूचरफोर्स '24 में राष्ट्रीय फाइनलिस्ट रहीं।
- एमबीए (प्रथम वर्ष) की छात्रा अलीशा बोराली वर्ष 2024-25 के लिए श्याओमी समिट 6.0 में राष्ट्रीय फाइनलिस्ट रहीं।

- एमबीए (द्वितीय वर्ष) के छात्र चिराग खरबंदा वर्ष 2024-25 के लिए रीलीड 7.0 में राष्ट्रीय विजेता रहे।
- एमबीए (द्वितीय वर्ष) की छात्रा रितिका मेहता वर्ष 2024-25 के लिए टाटा इमेजिनेशन चैलेंज में राष्ट्रीय विजेता रहीं।
- एमबीए (द्वितीय वर्ष) के छात्र ईशान यादव वर्ष 2024-25 के लिए मोंडेलेज मास्ट्रोस 2025 में राष्ट्रीय प्रथम उपविजेता रहे।
- एमबीए (द्वितीय वर्ष) के छात्र सिद्धार्थ सिंह वर्ष 2024-25 के लिए एक्सेंचर बी-स्कूल चैलेंज सीजन 8 में राष्ट्रीय द्वितीय रनर अप रहे।

प्रकाशन

पत्रिका

- शेखर, दास, डी. (2024). गंतव्य प्रबंधन संगठनों में 'क्रिएटिंग शेयर्ड वैल्यू' का मार्ग: साहित्य समीक्षा से अंतर्दृष्टि। पर्यटन और आतिथ्य अनुसंधान। https://doi.org/10.1177/14673584241276275
- सरकार, ए., दास, डी., देबरॉय, ए. (2024). महामारी के दौरान घबराहट में खरीदारी, उत्पाद प्रतिस्थापन और चैनल-शिफ्टिंग व्यवहार. आईआईएम कोझिकोड सोसाइटी एंड मैनेजमेंट रिव्यू, 13(1), 25-43. https://doi.org/10.1177/22779752231170922
- सिंघारिया, के. और गुप्ता, जी. (2025). म्यूज़िक स्ट्रीमिंग ऐप सर्विस क्वालिटी (एमएसएएसक्यू) स्केल: म्यूज़िक स्ट्रीमिंग ऐप्स सर्विस क्वालिटी स्केल. बेंचमार्किंग: अंतर्राष्ट्रीय जर्नल. https://www.emerald.com/insight/content/doi/10.1108/bij-01-2024-0051/full/html?utm_source=smc_email_onboarding&utm_medium=email&utm_campaign=apa_author_journals_access_2025-3-3
- गुप्ता, जी. और नागपाल, एस. (2024). ओमनीचैनल खरीदारों को क्या प्रेरित करता है? उनके चैनल चयन और खरीदारी व्यवहार पर एक अंतर्दृष्टि। आईपीई जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, 14 (1), 11-25. https://www.ipeindia.org/wp-content/uploads/2025/03/IPE-JoM-Vol-14-No-1-Jan-Jun-2024-19-Feb-24-2.pdf
- श्रीवास्तव, एम. और गुप्ता, जी. (2024). हरित अनुकूलन और संगठन प्रदर्शन: पर्यावरणीय सक्रियता के प्रभाव का आकलन. आईआईटीएम जर्नल ऑफ बिज़नेस स्टडीज़, विशेषांक,

अक्तूबर, 192-208. https://iitmjp.ac.in/wp-content/uploads/2024/11/Final-PDF-Special-issue_22-10-2024.pdf

- बर्धन, ए. के., और अशरफ, एस. (2024). अधिक खरीदार या अधिक विक्रेता: प्रतिस्पर्धी दो-तरफ़ा प्लेटफ़ॉर्म की मार्केटिंग संसाधन आवंटन रणनीतियां. इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स रिसर्च, 24(4), 2579-2608. https://doi.org/10.1007/s10660-022-09643-8
- अशरफ, एस., और बर्धन, ए. के. (2024). नए ग्राहकों की तलाश कर रहे दो प्रतिस्पर्धी ऑनलाइन डिलीवरी प्लेटफ़ॉर्म के लिए एक स्थान और क्षमता-आवंटन गेम मॉडल। इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स रिसर्च, 1-35. https://doi.org/10.1007/s10660-024-09891-w
- अशरफ, एस., और बर्धन, ए. के. (2024). ऑनलाइन फ़ूड डिलीवरी प्लेटफ़ॉर्म की ऑर्डर पूर्ति प्रक्रियाओं के लिए निर्णय मॉडल: एक व्यवस्थित समीक्षा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ प्रोडक्शन रिसर्च, 1-39. https://doi.org/10.1080/00207543.2024.2440747
- बर्धन, ए. के., फगेडा, एक्स., और दास, ए. के. (2024). भारत में नए क्षेत्रीय हवाई अड्डों पर बेहतर कनेक्टिविटी के कारक और उनके निहितार्थ। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ट्रांसपोर्ट इकोनॉमिक्स: रिविस्टा इंटरनेशनल डि इकोनोमिया डेई ट्रांसपोर्टी: LI, 1/2, 127-156. डीओआई: 10.19272/202406702005
- कौर, जे., और डे, एस. (2024). क्रेडिट रेटिंग परिवर्तन घोषणाओं के आसपास मूल्य और मात्रा प्रभाव: भारत से साक्ष्य. ग्लोबल बिज़नेस रिव्यू, 09721509241299952. https://doi.org/10.1177/097215092412999
- कौर, जे., और डे, एस. (2025). क्या कॉर्पोरेट प्रशासन फर्मों की क्रेडिट रेटिंग को प्रभावित करता है? भारत से साक्ष्य। इंडियन जर्नल ऑफ फाइनेंस। 19 (1)। DOI: 10.17010/ijf/2025/v19i1/174694
- कोहली, डी. (2024). केंद्र-राज्य हस्तांतरण के राजनीतिक निर्धारक: भारतीय राज्यों में एक अनुभवजन्य विश्लेषण। जर्नल ऑफ गवर्नमेंट एंड इकोनॉमिक्स, 16, 1-21. https://doi.org/10.1016/j.jge.2024.100130
- दाश, एस., रंजन, एस., भारद्वाज, एन., और रस्तोगी, एस. के. (2024). कार्यस्थल बहिष्कार: एक गुणात्मक जाँच, कार्मिक समीक्षा, 53, 965-982.
- अग्रवाल, ए., एट अल. (2025)। आरंभिक सार्वजनिक निर्गमों (आईपीओ) के बाजार प्रदर्शन का मूल्यांकन और इसके प्रभावशाली कारक: भारतीय आईपीओ से अंतर्दृष्टि। इंडियन जर्नल ऑफ फाइनेंस। 19 (4)। DOI: 10.17010/ijf/2025/v19i4/174948

- सोनी, वी., एट अल. (2025). क्या एक छात्र की उपस्थिति और कक्षा में कोई कार्य सीखने के परिणामों को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाता है? प्रबंधन और प्रबंधन शिक्षा में नीति के निहितार्थ, द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट एजुकेशन, 23(2), 101163. https://doi.org/10.1016/j.ijme.2025.101163
- सोनी, वी., एट अल. (2025). वैकल्पिक टिकाऊ रणनीतियों और सुधार नीतियों की दिशा में ऊर्जा सुरक्षा के आर्थिक प्रदर्शन का सूचकांक: भारतीय ग्रामीण क्षेत्र से साक्ष्य, नेक्स्ट रिसर्च, 2(1), 100136. https://doi.org/10.1016/j.nexres.2025.100136
- गोस्वामी, ए. और आहूजा, आर. (2025). कुशल और अकुशल वेतन और वेतन असमानता पर महामारी का असममित प्रभाव। अर्थनीति: जर्नल ऑफ इकोनॉमिक थ्योरी एंड प्रैक्टिस, फरवरी 2025 ऑनलाइनफर्स्ट।
- शर्मा, डब्ल्यू., लिम, डब्ल्यू.एम., कुमार, एस., वर्मा, ए., और कुमरा, आर. (2024). खेल शुरू! गेमीफिकेशन के साथ व्यवसाय करने का एक अत्याधुनिक अवलोकन। तकनीकी पूर्वानुमान और सामाजिक परिवर्तन, 198, 122988. https://doi.org/10.1016/j.techfore.2023.122988
- लिम, डब्ल्यू. एम., दास, एम., शर्मा, डब्ल्यू., वर्मा, ए., और कुमरा, आर. (2025)। सतत उपभोग के लिए गेमीफिकेशन: एक अत्याधुनिक अवलोकन और भविष्य का एजेंडा। व्यावसायिक रणनीति और पर्यावरण, 34(1), 1510-1549. https://doi.org/10.1002/bse.4021
- वर्मा, ए., कुमार, डी. और शर्मा, डब्ल्यू (2023)। संगठनात्मक प्रदर्शन पर कार्यस्थल समावेशन के रणनीतिक प्रभाव और कार्यस्थल आध्यात्मिकता के मध्यस्थ प्रभाव की जाँच। अनुभवजन्य आर्थिक पत्र, 22(1), 167-174. https://doi.org/10.5281/zenodo.10241022
- मुखर्जी, एस. और सिंह कविता (2024). सामाजिक-समर्थन तलवार या ढाल? सामाजिक-संदर्भों में विभेदित सामाजिक-समर्थन की भूमिका–वैचारिक ढाँचा। बेसिक एंड एप्लाइड सोशल साइकोलॉजी, खंड 46, अंक 1, eISSN: 1532-4834; ISSN: 0197-3533 ऑनलाइन प्रकाशित: (स्कोपस, वेब ऑफ साइंस, श्रेणी बी)) प्रभाव कारक 1.518•
- मंगला, एन., सिंह, के. (2024). परिवर्तन प्रबंधन के लिए एक रणनीतिक दृष्टिकोण के रूप में सांस्कृतिक बुद्धिमत्ता और शिक्षण संगठन की मध्यस्थ भूमिका। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ग्लोबल बिज़नेस एंड कॉम्पिटिटिवनेस, 2024. https://doi.org/10.1007/s42943-024-00092-8h
- मुखर्जी, एस. सिंह, के. और राय, एस. (2025). भावनात्मक थकावट: परिवर्तनशील/सीमाहीन सूचना प्रौद्योगिकी पेशेवरों में प्रेरणा के लिए सहायता लेने की लागत. जर्नल ऑफ एम्प्लॉयमेंट काउंसलिंग, 2025; 0:1-13 https://doi.org/10.1002/joec.12242

- डेका, एन., और गोस्वामी, के. (2025). स्वदेशी उद्यमिता और कृषि विकास: पूर्वी हिमालय में 'दार्जिलिंग टी' के मामले से अंतर्दृष्टि। जलवायु और विकास, 1-16. https://doi.org/10.1080/17565529.2025.2482082
- सहगल, एस., अग्रवाल, टी.जे. और डेस्टिंग, एफ. (2025) दो प्रमुख उभरते बाजारों के लिए दो पूंछों और स्टॉक रिटर्न की कहानी। रेव क्वांट फ़ाइनेंस अकाउंट, 64, 163-189 https://doi.org/10.1007/s11156-024-01301-4
- सिंघानिया, एम., भान, आई. और सेठ, सुरभि (2025) डिजिटलीकरण और फ़र्म-स्तरीय ईएसजी प्रदर्शन और प्रकटीकरण: एक साइंटोमेट्रिक समीक्षा और अनुसंधान एजेंडा इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ फ़ाइनेंस एंड इकोनॉमिक्स https://doi.org/10.1002/ijfe.3118
- सिंघानिया, एम., चड्ढा, जी. और अनीशा गोयल (2024). तीन दशकों में स्थिरता लेखांकन अनुसंधान: एक साइंटोमेट्रिक मेटा-विश्लेषण। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और पर्यावरण प्रबंधन https://doi.org/10.1002/csr.3033
- सिंघानिया, एम. और भान, आई. (2024), "फर्म ऑनरशिप स्ट्रक्चर एंड वॉलन्टरी कार्बन डिस्क्लोजर: ए सिस्टमेटिक रिव्यू एंड मेटा-एनालाइसिस", सस्टेनेबिलिटी अकाउंटिंग, क्रिएटिंग शेयर्ड वैल्यू प्रबंधन और नीति जर्नल, अंक 1, प्रिंट से पहले। https://doi.org/10.1108/SAMPJ-08-2023-0613
- खरब, आर., सैनी, एन., और कुमार, डी. (2024). उभरती अर्थव्यवस्थाओं में पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देना: हरित वित्त, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, वित्तीय विकास और हरित प्रौद्योगिकी नवाचार का संबंध। व्यावसायिक रणनीति और विकास, 7(4), e70008. https://doi.org/10.1002/bsd2.70008
- सैनी, एन., कुमार, डी., और खरब, आर. (2024). भारतीय बैंकों के विलय और अधिग्रहण वित्तपोषण निर्णयों को प्रभावित करने वाले सक्षमकर्ताओं की पदानुक्रमित संरचना का विश्लेषण। ग्लोबल बिज़नेस रिव्यू, 09721509241227777. https://doi.org/10.1177/09721509241227777
- सैनी, एन. और खरब, आर. (2025), "स्ट्रेटजिक एनेब्लर्स फॉर ईएसजी एडॉप्शन: ए मॉडिफाइड टीआईएसएम पर्सपेक्टिव", जर्नल ऑफ फाइनेंशियल रिपोर्टिंग एंड अकाउंटिंग, खंड 1, प्रिंट से पहले, अंक 1, प्रिंट से पहले। https://doi.org/10.1108/JFRA-06-2024-0349
- खरब, आर., श्री, सी., सैनी, एन. और कुमार, डी. (2024), "स्ट्रेटजिस फॉर एनवायरमेंटल सस्टेनेबिलिटी: एनालाइजिंग द ग्रिन एंड डिजिटल ट्रांसिशन्स", सस्टेनेबिलिटी अकाउंटिंग,

मैनेजमेंट एंड पॉलिसी जर्नल, वॉल्यूम. प्रिंट से पहले, संख्या. प्रिंट से पहले। https://doi.org/10.1108/SAMPJ-04-2024-0328

- परिधि, रितिका, अरोड़ा, एच., अरोड़ा, पी., और सैनी, एन. (2024)। स्थिरता का मार्ग प्रशस्त करना: ईएसजी रिपोर्टिंग अपनाने में कॉर्पोरेट बाधाओं को समझने के लिए एक पदानुक्रमित मॉडल। जर्नल ऑफ रिस्क एंड फाइनेंशियल मैनेजमेंट, 17(12), 527. https://doi.org/10.3390/jrfm17120527
- खरब, आर., सिंह, पी., भाटिया, एस., और सैनी, एन. (2024)। पर्यावरणीय स्थिरता प्राप्त करने में हरित वित्तपोषण की बाधाओं का मॉडलिंग: टीआईएसएम का उपयोग करके एक विश्लेषण। पर्यावरण, विकास और स्थिरता, 1-34. https://doi.org/10.1007/s10668-024-05266-1
- गुप्ता, वी., गुप्ता, एस., और जैन, ए. (2024)। 'क्रसिंग द स्ट्रेस': भारतीय संदर्भ में आकस्मिक वीडियो गेम के सकारात्मक प्रभाव पर एक प्रायोगिक अध्ययन। साउथ ईस्टर्न यूरोपियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, 25(S1), 1831-1842. https://doi.org/10.70135/seejph.vi.2226
- सिन्हा, पी. और कुमार, ए. (2024)। क्या उभरते बाजारों में लाभांश आय की गुणवत्ता का संकेत देते हैं? भारत से बड़े नमूने के साक्ष्य। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, डीओआई: 10.1007/s13198-024-02473-x
- सिन्हा, पी., और वोडवाल, एस. (2024)। मशीन लर्निंग एल्गोरिदम "लासो" का उपयोग करके भारतीय फर्मों के वित्तपोषण निर्णयों पर एक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट। https://doi.org/10.1007/s13198-024-02554-x
- सिन्हा, पी., और कुमार, ए. (2024)। उभरते बाजारों में लाभांश भुगतान व्यवहार में बदलाव और लाभांश नीति की भविष्यवाणी: भारत से साक्ष्य। निवेश प्रबंधन और वित्तीय नवाचार, 21(1), 259-274. http://dx.doi.org/10.21511/imfi.21(1).2024.20
- सुनेजा, वी., और दास, डी. (2024)। सामाजिक प्राथमिकताओं, विश्वास और व्यवहार संबंधी मानदंडों का सहयोग पर प्रभाव: कैदी की दुविधा के खेल से प्रायोगिक साक्ष्य। सूक्ष्मअर्थशास्त्र में अध्ययन, सेज प्रकाशन https://doi.org/10.1177/23210222231174755
- भारती, एम. और सुनेजा, वी. (2024)। "क्या यह मुझे लाभ पहुँचा रहा है या पर्यावरण को? संदर्भ कैसे हरित उत्पाद विकल्पों को बढ़ावा देता है"। अंतर्राष्ट्रीय उपभोक्ता अध्ययन पत्रिका। विले.ऑनलाइन लाइब्रेरी, 48(6), . https://doi.org/10.1111/ijcs.13102
- कल्सी, ए. और यादव, ए. (2025)। मौद्रिक नीति से वित्तीय बाजारों तक: क्या भारत में रुख मायने रखता है? जर्नल ऑफ फाइनेंशियल इकोनॉमिक पॉलिसी। डीओआई: https://doi.org/10.1108/JFEP-10-2024-0329

- सांगवान, एन., और कल्सी, एन. (2025)। भारत में फिनटेक क्षेत्र का मानचित्रण: एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा। एकेडमी ऑफ मार्केटिंग स्टडीज जर्नल। 29(2)। 1-22.
- वैष्णव, डी.के., रमन, ए.वी. और नायर, पी. ऑनलाइन जेनेरिक दवाओं के विकल्पों के प्रति दीर्घकालिक रोगियों के खरीद व्यवहार पर संचार हस्तक्षेप के प्रभाव की जाँच करने वाला एक समूह अध्ययन। डिस्कोव पब्लिक हेल्थ 21, 188 (2024). https://doi.org/10.1186/s12982-024-00314-7
- कुमार, एस. (2024) आदि। "ओटिमाइजेशन ऑफ न्यूरल नेटवर्क यूजिंग मैथमेटिकल एल्गोरिथ्म्स: एन एलएसटीएम-बेस्ड मशीन लर्निंग एप्रोच टू लंग कैंसर डायग्नोसिस" नॉनलाइनियर वेरिएशनल इनइक्वैलिटीज में प्रगति। एल्सेवियर द्वारा प्रकाशित, 28(2) https://doi.org/10.52783/anvi.v28.2052
- गुप्ता, आर., और वर्मा एच. (2024)। "वेन ब्रेन मिट द हार्ट: इनसाइट्स एंड द रिसर्च डायरेक्शंस इन न्यूरोमार्केटिंग एंड कंज्यूमर न्यूरोसाइंस", *एएमएस रिव्यू।*
- गुप्ता, आर. और वर्मा, एच. (2024)। हृदय-मस्तिष्क संबंध: उपभोक्ता तंत्रिका विज्ञान में अंतर्दृष्टि और भविष्य की शोध दिशाएँ। *2024 विंटर अमेरिकन मार्केटिंग एसोसिएशन (एएमए): मार्केटिंग फॉर हायर ईडी एसआईजी स्पेशल इशू।*
- गुप्ता, आर. और वर्मा, एच. (2024)। क्या आप मुझे देख रहे हैं? ऑनलाइन उत्पाद अभिविन्यास की भूमिका। *न्यूरोमार्केटिंग साइंस एंड बिजनेस एसोसिएशन (एनएमएसबीए), नीदरलैंड्स।*
- कपूर, ए., गुप्ता, आर. और वर्मा, एच. (2024)। बहु-संवेदी अनुभव: बुनियादी निर्माण खंड। पुस्तक अध्याय, *आईजीआई ग्लोबल।*
- गुप्ता, आर. और वर्मा एच. (2024)। न्यूरोमार्केटिंग अनुसंधान में आक्रामक तरीकों के नैतिक निहितार्थ। पुस्तक अध्याय, *आईजीआई ग्लोबल।*
- गुप्ता, आर., वर्मा एच., और कपूर, ए.पी. (2024)। मतदान व्यवहार की भविष्यवाणी में न्यूरोमार्केटिंग: भारत में राष्ट्रीय चुनावों का एक मामला। *जर्नल ऑफ कंज्यूमर बिहेवियर, 23(2), 336-356.*

पुस्तकें और पुस्तक अध्याय

संपादित पुस्तक

- गुप्ता, जी. और कल्सी, ए. (2025). आधुनिक युग में विपणन और वित्त। प्रथम संस्करण। नई दिल्ली प्रकाशक। आईएसबीएन: 978-93-48120-77-9

- रजत अर्थव्यवस्था में समावेशिता: विकसित भारत 2047 की दिशा में पहल और प्रभाव। संपादक: प्रो. (डॉ.) रेशमा नसरीन, डॉ. नेहा सिंह, डॉ. पूर्वा श्रीवास्तव, डॉ. श्वेता सागर, डॉ. सचिता यादव।
- प्रदीप सिंह, बेंडांगवापांग एओ, नवज्योति डेका, चंद्र मोहन, और छेतन छोइदुब। (2024)। विकासशील दुनिया में खाद्य सुरक्षा: स्थिति, चुनौतियाँ और अवसर। प्रकाशक: स्प्रिंगर नेचर। ई-बुक आईएसबीएन: 978-3-031-57283-

पुस्तकें

- सिंघानिया, वी.के., और सिंघानिया, एम. (2024)। आयकर के लिए छात्र गाइड 2024 संस्करण। टैक्समैन प्रकाशन।
- सिंघानिया, वी.के., और सिंघानिया, एम. (2024)। आयकर के लिए छात्र गाइड: समस्या और समाधान 2024 संस्करण। टैक्समैन प्रकाशन।
- सिंघानिया, वी.के., और सिंघानिया, एम. (2024)। कॉर्पोरेट कर योजना और प्रबंधन 2024 संस्करण। टैक्समैन प्रकाशन।
- अग्रवाल, टी.जे. (2024)। वित्तीय बाजार और संस्थान (प्रथम संस्करण)। प्रकाशक: स्कॉलर टेक प्रेस। आईएसबीएन संख्या: 978-93-91720-12-4

अनुसंधान परियोजनाएँ

- भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), बर्धन ए.के., टेलीहेल्थ के अभ्यास पर कोविड-19 महामारी के प्रभाव पर एक अध्ययन और टेली-हेल्थकेयर के इष्टतम वितरण को लागू करने के लिए एक स्केलेबल मॉडल का विकास, 8,00,000.
- इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय, गुप्ता जी., द पैराडॉक्स ऑफ चॉइस एंड कंज्यूमर्स बिहेवियरल आउटकम्स: चुनिंदा मोबाइल ऐप श्रेणियों का आकलन, 2,70,000.
- इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय, नेहा भारद्वाज, एक्सेस टू एंगेजमेंट: सोशल मीडिया डायनेमिक्स एट द बॉटम ऑफ द पिरामिड, 4,00,000.
- इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय, विवेक सोनी, काले धन की मंशा के खतरे पर काबू पाने की रणनीतियाँ: भारत में समृद्धि परिदृश्य पर तकनीकी और सामाजिक-आर्थिक प्रभाव आकलन, 4,00,000.
- इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय, आस्था वर्मा, भारतीय विनिर्माण फर्मों में पर्यावरणीय प्रदर्शन के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता एकीकरण: संसाधन-आधारित और गतिशील क्षमता सिद्धांत परिप्रेक्ष्य, 2,50,000.

- इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय, मेघना गोस्वामी, क्या नेतृत्व शैली नवाचार को प्रभावित करती है: मेटा-विश्लेषण, 2,00,000.
- इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय, नवज्योति डेका, भारत में कृषि क्षेत्र से कार्बन ऋण पर आधारित मूल्य नेटवर्क का विकास और कार्बन खेती की क्षमता का परीक्षण, 4,00,000.
- इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय, अग्रवाल टी.जे., पुण्य बनाम पाप स्टॉक प्रदर्शन: एशियाई साक्ष्य, 4,00,000.
- इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय, मोनिका सिंघानिया, एआई और स्थिरता तालमेल: अनुसंधान सीमाओं का मानचित्रण, रुझानों का पूर्वानुमान, और व्यावसायिक शिक्षा में नवाचार, 4,00,000.
- इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय, नेहा सैनी (पीआई) और विभूति गुप्ता (सह-पीआई), प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के सुविधादाताओं और बाधाओं का आकलन: विकसित भारत 2047 की ओर मिशन, 4,00,000.
- इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय, अंशु मेहता (पीआई) और संतोष कुमार (सह-पीआई), उपभोक्ताओं की धारणा और स्व-सेवा चेकआउट (पीआई) का उपयोग करने की मंशा पर नवाचार की बाधाओं का प्रभाव, 4,00,000.
- विज़न विकसित भारत@2047, श्वेता सागर, दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के झुग्गी-झोपड़ियों वाले इलाकों में बुजुर्ग लोगों की वित्तीय स्वतंत्रता और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ाने में सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की भूमिका का आकलन (सह-पीआई), 17,00,000.

पेटेंट

- डॉ. अंशिका अग्रवाल-वैक्यूम इंसुलेटेड और तापमान डिस्प्ले वाला स्मार्ट शॉपिंग बैग। पेटेंट 437130-001. 3 फ़रवरी 2025.

आयोजित संगोष्ठियां

1. उबर इंडिया में भारत और दक्षिण एशिया के लिए सार्वजनिक नीति निदेशक श्री संजय चड्ढा ने 24 फरवरी 2025 को 'पॉलिसी इन एक्शन: ड्राइविंग चेंज इन बिजनेस एंड सोसाइटी' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

2. अपोलो हॉस्पिटल्स में स्थिरता, ईएसजी और सार्वजनिक मामलों के उपाध्यक्ष डॉ. करण ठाकुर ने 24 फरवरी 2025 को 'पॉलिसी इन एक्शन: ड्राइविंग चेंज इन बिजनेस एंड सोसाइटी' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

3. वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग की संयुक्त निदेशक, सुश्री गुरविंदर कौर, आईईएस ने 13 फरवरी 2025 को 'गवर्नमेंट बजट' पर एक व्याख्यान दिया।

4. श्री प्रथ्वीराज गुप्ता, अध्यक्ष, ओरटिवा रियल्टी एंड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड; डॉ. राहुल अमृतराज, प्रमुख-चिकित्सा नवाचार और ऊष्मायन केंद्र, सरकारी आयुर्विज्ञान संस्थान, ग्रेटर नोएडा, और श्री रुद्रांश गर्ग, धर्माक्षा इकोसोल्यूशंस को एफएमएस दिल्ली के थिंकएक्स-बिजनेस स्टार्टअप लैब के उद्घाटन समारोह में आमंत्रित किया गया था, और उन्होंने 27 फरवरी 2025 को "एंटरप्रेन्योरशिप थ्रू द एजेस-नेविगेटिंग एक्सपेक्टेशंस एंड कैरियर एस्पिरेशन फॉर फ्यूचर वर्क" विषय पर बात की।

सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

- प्रो. ए. वेंकट रमन अंतर-क्षेत्रीय बैठक में पैनल स्पीकर और होस्ट वर्ल्ड कैफे इवेंट थे: *इंटर-रीजनल मीटिंग: एडवांसिंग यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज एंड हेल्थ सैक्यूरिटी थ्रू प्राइवेट हेल्थ सैक्टर एंगेजमेंट,* डब्ल्यूएचओ-ईएमआरओ, 15-17 जुलाई 2024 काहिरा, मिस्र।
- प्रो. ए. वेंकट रमन ने *कोलेबरेटिव ऑन कांट्रेक्टिंग ऑर्गनाइजेशंस फॉर हेल्थ-रिलेटेड सर्विसेस,* यूएसएआईडी और संयुक्त शिक्षण नेटवर्क, नई दिल्ली, भारत, 1-3 अक्तूबर, 2024 के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की।
- डी. दास और राहुल कुमार ने 4-6 दिसंबर, 2024 के दौरान आईआईएम रांची में आयोजित पीओएमएस इंडिया अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "द चॉइस ऑफ पब्लिक हेल्थ डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क्स फॉर एसेंशियल मेडिसिन्स: इनसाइट्स फ्रॉम द सेलेक्ट इंडियन स्टेट्स" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- शेखर और डी. दास ने 4-6 दिसंबर, 2024 के दौरान आईआईएम रांची में आयोजित पीओएमएस इंडिया अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एसेसिंग द पोटेंशियल ऑफ क्रिएटिंग शेयर्ड वैल्यू ऑन एटैनिंग द सेलेक्ट सस्टनेबल डेवलपमेंट गोल्स: एन एम्पिरिकल स्टडी ऑफ ग्लोबल ऑर्गनाइजेशंस" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- के. कौर सरना और डी. दास ने 19-21 दिसंबर, 2024 के दौरान आईएमटी गाजियाबाद में आयोजित सोसाइटी ऑफ ऑपरेशंस मैनेजमेंट के XXVII वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "ए क्रॉस-कंट्री एनालाइसिस ऑफ ऑपरेशंस स्ट्रेटजिस एंड पब्लिक पॉलिसी फॉर रिडक्शन ऑफ फूड लॉस एंड वेस्ट इन फूड सप्लाई चैन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- शेखर, एस. और **गुप्ता, जी.** ने 28-29 जून, 2024 के दौरान विजय पाटिल स्कूल ऑफ मैनेजमेंट (डीवाई पाटिल विश्वविद्यालय, मुंबई) में आयोजित *वीपीएसएम-आईसीओएन 2024* में

"सोशल मीडिया मार्केटिंग एंड ब्रांड बिल्डिंग: स्ट्रेटजिस फॉर स्माल एंड मिडियम एंटरप्राइजेस(एसएमई)" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

- यादव, आर. और **गुप्ता, जी.** ने 'बिल्डिंग ए सेल्फ-रेलिएंट इंडिया' पर *2nd इंटरनेशनल कांफ्रेंस* में "मोबाइल फाइनेंशियल सर्विसेस: ए रिव्यू ऑफ द ट्रांजीशन टूवार्ड्स कैशलेस सर्कुलर इकोनॉमी" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। (आईसीबीएसआरआई) 22-23 अगस्त, 2024 के दौरान एमिटी विश्वविद्यालय पटना में आयोजित किया गया।
- यादव, आर. और **गुप्ता, जी.** ने 4-5 दिसंबर, 2024 के दौरान गुरुग्राम विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "ट्रांजिशनिंग टू ए सर्कुलर इकोनॉमी: ट्रिपल बॉटम लाइन एंड रोल ऑफ एंटरप्रेन्योरियल इकोसिस्टम्स (आईसी-एमजीएमटी)" में "टैक्नोलॉजी-लेड सर्कुलर इकोनॉमी: रिविविंग द स्कोप ऑफ मोबाइल फाइनेंशियल सर्विसेस" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- गुप्ता, जी. और डे, एस. (2024) ने 19-21 दिसंबर, 2024 के दौरान आईआईएम-नोएडा परिसर में आयोजित आईआईएम लखनऊ-ईएमसीबी 2024 सम्मेलन में "द ऑक्सीमोरोन ऑफ मोर चोइसेस एंड लेस सटिस्फैक्शन: प्रीलिमिनरी रिसर्च फाईडिंग्स" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- बर्धन ए.के. "ऑन एयरलाइन फ्रेक्वेंसी कॉम्पीटीशन फॉर रूट्स लिंकिग एमर्जिंग एयरपोर्ट", परिचालन अनुसंधान पर 33वां यूरोपीय सम्मेलन (यूरो 33वां), 30 जून-3 जुलाई, 2024 को डेनमार्क के तकनीकी विश्वविद्यालय, कोपेनहेगन, डेनमार्क में आयोजित किया गया।
- वर्मा, ए., श्री, सी और मुंजाल। एम (2025) ने भारतीय प्रबंधन संस्थान अमृतसर द्वारा डिंगमैन सेंटर फॉर एंटरप्रेन्योरशिप रॉबर्ट एच. स्मिथ स्कूल ऑफ बिजनेस, यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड, यूएसए के सहयोग से 17-19 जनवरी, 2025 तक आयोजित एमएसएमई के प्रबंधन पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंटीग्रेशन फॉर एनवायरमेंटल परफॉरमेंस इन इंडियन मैन्यूफैक्चरिंग फर्म्स: ए रिजोर्स-बेस्ड एंड डायनेमिक कैपेबलिटीस थ्योरी पर्सपेक्टिव" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- वर्मा, ए और शौकीन, जी (2024) ने 30 और 31 जनवरी 2024 को आईआईएम-शिलांग में आयोजित तीसरे अंतर्राष्ट्रीय विपणन सम्मेलन में "एम्ब्रेसिंग सस्टनेबल सोल्यूशंस: ओवरकमिंग बैरियर्स टू इको-फ्रेंडली पैकेजिंग एडॉप्शन फॉर बेटर फ्यूचर" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- शर्मा, डब्ल्यू और वर्मा, ए (2024) ने आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित प्रथम अंतर्राष्ट्रीय व्यावसायिक अनुसंधान और नवाचार सम्मेलन में "मॉडलिंग द बैरियर्स फॉर गैमीफिकेशन इन बिजनेस" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। (ब्रेन'24), 9 और 10 अगस्त को नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रबंधन अध्ययन विभाग में आयोजित

- शौकीन, जी और **वर्मा, ए** (2024) ने आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित प्रथम अंतर्राष्ट्रीय व्यावसायिक अनुसंधान एवं नवाचार सम्मेलन (ब्रेन'24) में "एचीविंग सस्टनेबल डेवलपमेंट गोल्स विद इको फ्रेंडली पैकेजिंग" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। यह सम्मेलन 9 और 10 अगस्त को नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रबंधन अध्ययन विभाग में आयोजित किया गया था।
- कौर, एन और **वर्मा, ए** (2024) ने आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित प्रथम अंतर्राष्ट्रीय व्यावसायिक अनुसंधान एवं नवाचार सम्मेलन (ब्रेन'24) में "मैपिंग सस्टनेबल एंटरप्रेन्योरशिप: लिटरेचर इनसाइट्स एंड फ्यूचर रिसर्च होरिजंस" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। यह सम्मेलन 9 और 10 अगस्त को नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रबंधन अध्ययन विभाग में आयोजित किया गया था।
- शौकीन, जी और **वर्मा, ए** (2024) ने 27 जून 2024 को पीआईईटी के प्रबंधन अध्ययन विभाग में आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'विकसित भारत @ 2047' में "कंज्यूमर परसेप्शन ऑफ इको-फ्रेंडली पैकेजिंग: ए कॉम्प्रिहेन्सिव रिव्यू" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- **संतोष कुमार** (2024) ने 15-17 अक्तूबर, 2024 के दौरान श्री गुरु तेगबहादुर खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के गणित विभाग द्वारा आयोजित गणितीय विज्ञान और इसके अनुप्रयोगों पर आंतरिक सम्मेलन में "द एनालाइसिस ऑफ परफॉरमेंस ड्यू टू बुलव्हिप इफैक्ट इन कोविड में: सेलेक्ट इंडिया सेक्टर पर्सपेक्टिव" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- **संतोष कुमार** (2024) ने श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के गणित विभाग द्वारा आयोजित गणितीय विज्ञान और उसके अनुप्रयोगों पर आंतरिक सम्मेलन में "ओटिमाइजेशन ऑफ न्यूरल नेटवर्क यूजिंग मैथमेटिकल एल्गोरिथ्म्स: एन एलएसटीएम-बेस्ड मशीन लर्निंग एप्रोच टू लंग कैंसर डायग्नोसिस" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। यह सम्मेलन 15-17 अक्तूबर, 2024 को आयोजित किया जाएगा।
- **सागर, एस.,** अमीन ए., नारायण पी. (2025) ने भारतीय प्रबंधन संस्थान अमृतसर द्वारा डिंगमैन सेंटर फॉर एंटरप्रेन्योरशिप रॉबर्ट एच. स्मिथ स्कूल ऑफ बिजनेस, यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड, यूएसए के सहयोग से 17-19 जनवरी, 2025 तक आयोजित एमएसएमई के प्रबंधन पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एंटीसिडेंट्स एंड कोंसीक्वींसेस ऑफ टीम साइकोलॉजिकल कैपिटल: ए कॉम्पिहेंसिव एनालाइसिस" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- सिंघानिया, एम. (2024) ने 9वें सीएसईएआर नॉर्थ अमेरिका 2024 में "कॉर्पोरेट गवर्नेंस एंड कार्बन डिस्क्लोजर: ए मेटा-एनालिटिक इंक्वायरी" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। 20-21 जून,

2024 लायंस स्कूल ऑफ अकाउंटिंग, रॉल्स कॉलेज ऑफ बिजनेस, टेक्सास टेक यूनिवर्सिटी, लुबॉक, टेक्सास

- विवेक सोनी (2024) ने "लीवरेजिंग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस: द पोटेंशियल यूज एंड एप्लिकेशंस फॉर सेफर डिफेंस ऑपरेशंस" 7-9 नवंबर, 2024 के दौरान जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हैदराबाद (जेएनटीयूएच) में आईईओएम सोसाइटी के चौथे भारतीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।
- विवेक सोनी (2024) ने 12-16 नवंबर, 2024 को बार्सिलोना, स्पेन में आयोजित और ऑनलाइन, द इंटरनेशनल एकेडमिक फोरम (आईएएफओआर), जापान द्वारा आयोजित बार्सिलोना शिक्षा सम्मेलन (बीसीई2024) में "लर्निंग आउटकम्स मेजरमेंट मॉडल फॉर पोस्टग्रेजुएट स्टुडेंट्स: एविडेंस फ्रॉम इंडियन एजुकेशन सिस्टम" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- विवेक सोनी (2024) ने 4-6 दिसंबर, 2024 को आईआईएम रांची में आयोजित डिजिटल दुनिया में लचीलेपन और स्थिरता के लिए संचालन के भविष्य की पुनर्कल्पना पर केंद्रित पीओएमएस इंडिया अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "मॉडलिंग रेसिलिएन्सी इन फ्यूचर सप्लाई चैन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- विवेक सोनी (2024) ने 10-12 दिसंबर, 2024 के दौरान आईआईएम शिलांग में आयोजित मानवता के सशक्तिकरण पर केंद्रित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, लीड-2024 में "एसेसिंग द इफिकेसी ऑफ मशीन लर्निंग एनालिटिक्स इन डिटेक्टिंग फाइनेंशियल फ्रॉड्स टू रिड्यूस ओवरफिटिंग ऑफ ट्रेडिशनल रूल-बेस्ड सिस्टम" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- विवेक सोनी (2024) ने दिसंबर के दौरान आईएमटी गाजियाबाद में आयोजित सोसाइटी ऑफ ऑपरेशंस मैनेजमेंट के XXVII वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "मॉडलिंग रेसिलिएंसी एलिमेंट्स ऑफ एजुकेशन फॉर फ्यूचर इंडस्ट्रियल ऑपरेशन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। 19-21, 2024।
- विवेक सोनी (2024) ने 39वें भारतीय इंजीनियरिंग कांग्रेस: अनूठा भारत, एक वैश्विक इंजीनियरिंग पावरहाउस, 20-22 दिसंबर, 2024, कोलकाता, पश्चिम बंगाल में "रोल ऑफ मशीन लर्निंग एनालिटिक्स टू सिक्योर फाइनेंशियल फ्रॉड ऑपरेशन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- एन. सैनी और वी. गुप्ता (2024) ने 13-14 फरवरी 2025 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (भारतीय खान विद्यालय), धनबाद के प्रबंधन अध्ययन एवं औद्योगिक इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित, विकासशील भारत@2047: वित्त, समावेशन और आर्थिक विकास में नवाचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ": एक्सप्लोरिंग द एनेब्ल्स ऑफ प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधी

परियोजना: इनसाइट्स फ्रॉम एम-टीआईएसएम एंड एमआईसीएमएसी एनालाइसिस" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

- नेहा सैनी (2024) ने आईसीएसएसआर (उत्तर पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ़) द्वारा प्रायोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "विकसित भारत @2047: ए बिजनेस द मैनेजमेंट पर्सपेक्टिव टूवार्ड्स डेवलपिंग इंडियन इकोनॉमी" में "अनवेलिंग द पाथ टू एनवायरमेंटल सस्टनेबिलिटि: ए कॉम्प्रिहेंसिव इवैल्यूशन ऑफ ग्रीन फाइनेनसिंग डेटरमिनेंट्स" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। यह संगोष्ठी 11 जून 2024 को पीआईईटी के प्रबंधन अध्ययन विभाग में आयोजित की गई थी।
- नेहा सैनी (2024) ने 9 और 10 अगस्त 2024 को नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, द्वारका द्वारा आयोजित व्यावसायिक अनुसंधान और नवाचार पर पहले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, ब्रायन के 24 में "एक्सप्लोरिंग द ड्राइवर्स ऑफ ग्रीन फाइनेंसिंग: ए पाथवे टू एनवायरमेंटल सस्टनेबिलिटि" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- **वी. गुप्ता** और ए. शाहरावत (2025) ने 11-13 अप्रैल 2025 को सिविल सेवा अधिकारी संस्थान (सीएसओआई), नई दिल्ली में "करैंट रीलाइटिस एंड फ्यूचर ट्रेंड्स एट द वर्कप्लेस" विषय पर भारतीय सीबीटी संघ (आईएसीबीटी) द्वारा आयोजित आईसीसीबीआई 2025 में "योर रिसोर्सेस डेटरमाइन हाउ सेफ यू फिल टू स्पीक अप: ए कंज़र्वेशन ऑफ व्यू ऑन साइकोलॉजिकल सेफ्टी" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- अंशु मेहता ने 11-13 अप्रैल 2025 को सशक्तीकरण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "इफैक्टिव गवर्नेंस ब्लॉकचेन एंड फिनटेक इनोवेशंस" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। विकसित भारत@2047: वित्त, समावेशन और आर्थिक विकास में नवाचार, 13-14 फरवरी 2025 को आयोजित, प्रबंधन अध्ययन और औद्योगिक इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (भारतीय खान विद्यालय), धनबाद द्वारा आयोजित।

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र

वित्तीय विश्वविद्यालय, रूस और एफएमएस, दिल्ली विश्वविद्यालय के बीच हुए समझौता ज्ञापन के अंतर्गत, वित्तीय विश्वविद्यालय के एक छात्र 'पावलोव अलेक्सांद्र एंड्रीविच' मास्टर ऑफ मैनेजमेंट (प्रबंधन और औद्योगिक व्यवसाय) प्रथम वर्ष, ने शैक्षणिक सत्र 2024-2025 के तीसरे सेमेस्टर (जुलाई-नवंबर, 2024) के लिए एक विदेशी विनिमय छात्र के रूप में मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) पूर्णकालिक कार्यक्रम में भाग लिया।

प्लेसमेंट विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

298 में से 260, 87.23%

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

गतिविधियाँ इस प्रकार हैं:

1. एक्सएलआरआई दिल्ली के सहयोग से 3दिवसीय स्पोर्ट्स फेस्ट-नॉर्दर्न ब्रॉल का आयोजन किया गया।
2. केस सॉल्वर्स के सहयोग से 2दिवसीय केस सॉल्वर्स कार्यशाला का आयोजन किया गया।
3. इंजेनियम कंसल्टेंसी के सहयोग से 'लाइव प्रोजेक्ट अवसर का शुभारंभ' का आयोजन किया गया।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी. : 11

संकाय संख्या

कुल: 45 (छह)-(वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर-17, एसोसिएट प्रोफेसर-00, सहायक प्रोफेसर-23 और अतिथि प्रोफेसर-05)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

लागू नहीं

सामाजिक आउटरीच

निम्नलिखित का आयोजन किया गया:

1. हेड्स अप फॉर टेल्स के सहयोग से "पीसफुल कोएक्सिस्टेंस ऑफ ह्यूमंस एंड एनिमल्स" पर जागरूकता सत्र, जिसमें 70 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
2. चाइल्ड राइट्स एंड यू (सीआरवाई) के सहयोग से सामाजिक इंटर्नशिप, जिसमें 17 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
3. मोबाइल क्रेच एनजीओ के सहयोग से सामाजिक इंटर्नशिप, जिसमें 28 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
4. गूंज, राहत अभियान के सहयोग से वस्त्र अभियान, जिसमें 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
5. मोबाइल क्रेच एनजीओ के सहयोग से "वाय अर्ली चाइल्डहुड डेवलपमेंट (ईसीडी) इज नॉट प्राइरीटाइज्ड इन इंडिया?" पर एक्सटेम्पोर प्रतियोगिता, जिसमें 148 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

6. शरणस्थान एनजीओ के सहयोग से विहान द्वारा आयोजित केस प्रतियोगिता, जिसमें 259 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
7. इंडियन एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड के सहयोग से कैट स्कोर बूस्टर सत्र, जिसमें 62 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
8. डॉ. युक्ति वधावन (एमबीबीएस, एमएस, एफआरएम, एफआईसीओजी, एफआईएमएसए, एफ.एमएएस) के सहयोग से पीसीओडी पर स्वास्थ्य जागरूकता सत्र, जिसमें 120 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
9. सामाजिक कार्यों के लिए धन जुटाने हेतु मौन नीलामी, जिसमें 119 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
10. एफएमएस थ्रिफ्ट एक्सचेंज, जिसमें 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
11. मोबाइल क्रेच के सहयोग से सामाजिक चेतना जगाने के लिए एनजीओ भ्रमण, जिसमें 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

ईसीए/खेल

भारतीय कॉलेजिएट और कॉर्पोरेट प्रतियोगिताओं की एक विस्तृत श्रृंखला में, एफएमएस दिल्ली दल ने पोडियम फिनिश की एक शानदार संख्या दर्ज की है–जिसमें शशांक त्यागी और अंकिता शांडिल्य की क्विज़ जोड़ी का दबदबा रहा। साथ मिलकर उन्होंने कई क्विज़ शैलियों–भारत, कानून, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, सामान्य, मेला, बिज़टेक और टीएलसी–में एनएएलएसएआर के इंटररोबैंग, आईआईटी दिल्ली के रेंडेज़वस, पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज के वर्व, आईआईएम लखनऊ के क्यूरियोसो और आईआईएम अहमदाबाद के क्विज़फेस्ट जैसे प्रमुख उत्सवों में 19 प्रथम स्थान, चार द्वितीय और एक तृतीय स्थान प्राप्त किया। उन्होंने राजगिरी बिज़नेस स्कूल के प्रतिष्ठित नेशनल बिज़नेस क्विज़ में राष्ट्रीय चैंपियनशिप भी जीती और एनटीपीसी के इलेक्ट्रॉन बिज़नेस क्विज़ में राष्ट्रीय उपविजेता रहे। उन्होंने आईआईटी रुड़की और आईआईटी दिल्ली में भी अपनी उपलब्धियाँ बढ़ाईं। टीम के साथी सुशांत अदलखा और मोहम्मद महताब ने इलेक्ट्रॉन क्विज़ के सेमीफाइनल में पहुँचकर इस रिकॉर्ड को और भी बेहतर बनाया, जबकि रिदिमा श्रीवास्तव-गरिमा मलिक की जोड़ी ने एफएमएस फोरम के थिंक डिबेट में 2024 का राष्ट्रीय ताज और 2025 का उपविजेता स्थान हासिल किया। क्विज़िंग के अलावा, एफएमएस ने केस प्रतियोगिताओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया: चिराग चौधरी और प्रगति जेनेथ टुडू ने कैपजेमिनी का लानियाक 7.0 जीता और आईआईएम नागपुर के प्रभाव 5.0 में कांस्य पदक हासिल किया; अलीशा भोराली ने टाटा प्रोडक्ट्स के ग्रो बियॉन्ड बेटर में चांदनी चौधरी के साथ राष्ट्रीय उपविजेता का खिताब जीता। चौधरी ने प्राइम टाइम टेलीविजन पर भी अपनी चमक बिखेरी और कौन बनेगा करोड़पति सीजन

16 में ₹26 लाख जीते। सामूहिक रूप से, इस जोड़ी ने उल्लेखनीय बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किया– राष्ट्रीय मंच पर क्विज़, वाद-विवाद और रणनीतिक व्यावसायिक चुनौतियों में अपना दबदबा बनाए रखा।

उपयोग की गई धनराशि: 1.12 करोड़ रुपये

उपयोगित निधियां: 1.93 करोड़ रुपये

गणितीय विज्ञान संकाय

गणित विभाग

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

दिल्ली विश्वविद्यालय में गणित विभाग की स्थापना 1947 में हुई थी और अपनी स्थापना के बाद से, विभाग ने हमेशा देश के सर्वश्रेष्ठ गणित विभागों में से एक होने का प्रयास किया है। विभाग वर्तमान में गणित में एम.एससी. और पीएचडी कार्यक्रम प्रदान करता है। विभाग को यूजीसी के एसएपी-डीआरएस, एसएपी-डीएसए, डीएसटी-एफआईएसटी, डीएसटी-पीयूआरसीई, एनबीएचएम, डीएई, भारत सहित विभिन्न समर्थन और अनुदान प्राप्त हो रहे हैं। गणित विभाग की क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग 2025 में 201-250 है और भारत में इसकी विषयवार क्यूएस रैंकिंग 2025 में 8वीं है। अप्रैल 2024 - मार्च 2025 के दौरान, विभाग के संकाय सदस्यों के पास लगभग 69.97 लाख रुपये की शोध परियोजनाएं हैं और उन्होंने अंतरराष्ट्रीय ख्याति की पत्रिकाओं में लगभग 63 शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। एक्सट्रिया, कोर्सलीप, आकाश, डेलोइट, मैथको आदि लगभग 19 कंपनियों ने विभाग का दौरा किया और 2024-25 में 13 एलपीए के रूप में उच्चतम पैकेज की पेशकश के साथ कई छात्रों का चयन किया।

सम्मान/विभूतियां

संकाय

- रुचि दास (i) विश्वविद्यालय में अनुसंधान संस्कृति को बढ़ावा देने और मजबूत करने के लिए अनुसंधान उन्मुख शिक्षाविदों की पुनर्नियुक्ति के लिए गठित समिति और दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों में अनुसंधान संस्कृति को बढ़ावा देने और मजबूत करने के लिए अनुसंधान उन्मुख शिक्षाविदों की पुनर्नियुक्ति के लिए गठित समिति, (ii) डीएसटी के एक प्रमुख कार्यक्रम, महिला वैज्ञानिक योजना-ए के अंतर्गत भौतिक और गणितीय विज्ञान पर विषय विशेषज्ञ समिति, (iii) डीएसटी के डब्ल्यूआईएसई-पीडीएफ कार्यक्रम के अंतर्गत भौतिक और गणितीय विज्ञान पर विषय विशेषज्ञ समिति की सदस्य हैं।
- रुचि दास (i) गणितीय विज्ञान, इंस्पायर फेलोशिप, डीएसटी की विषय विशेषज्ञ हैं और (ii) 07 जून, 2024 से तीन साल की अवधि के लिए इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज की अकादमिक परिषद की बाहरी सदस्य हैं।

- तरुण दास 13 अप्रैल, 2024 से दिल्ली विश्वविद्यालय के गणित विभाग के प्रमुख हैं।
- तरुण दास (i) शैक्षणिक मामलों की स्थायी समिति के सदस्य, (ii) डीयू और एयू की शैक्षणिक परिषद के सदस्य, (iii) गणित के इतिहास की भारतीय सोसायटी के मानद कोषाध्यक्ष और (iv) देश में कई विश्वविद्यालयों के लिए कुलपति चयन हेतु विशेषज्ञ सदस्य हैं।
- सुरेन्द्र कुमार को 2024 में अनुसंधान प्रकाशन पुरस्कार अनुदान प्राप्त हुआ।
- सीएस ललिता (i) वर्ष 2024 तक डीएसटी की एफआईएसटी विशेषज्ञ समिति और (ii) 2024-2027 तक जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, भौतिक विज्ञान स्कूल की विशेष समिति की बाहरी सदस्य हैं।
- एल. के. वशिष्ठ इंटरनेशनल जर्नल ऑफ वेवलेट्स मल्टीरेजोल्यूशन एंड इंफॉर्मेशन प्रोसेसिंग के संपादकीय बोर्ड के सदस्य हैं।

प्रकाशन

- मावी, एस., बिश्नोई, ए. (2025). आन कैरेक्टराइजेशन ऑफ एप्रोक्सीमेशन टाइप्स यूज़िंग मैकलेन-वैकी चेन्स. *जर्नल ऑफ अलजेब्रा एंड इट्स* एप्लिकेशन्स, *24* (01), 2550008.
- महाजन, ए., ठाकुर, आर., दास, आर. (2024). सेंसिटिविटी एंड अनप्रेडिक्टीबिलिटी इनसेमीफ्लोज़ आन टोपोलॉजिकल स्पेस, कम्युनिकेशन इन नॉनलिनियर *साइंस एंड न्यूमेरिकल सिमुलेशन,133*, 107949.
- कुमार, डी., दास, आर. (2024). टोपोलॉजिकल स्यूडो ऑर्बिट ट्रेसिंग प्रॉपर्टी, टोपोलॉजिकल सेंसिटिविटी एंड टोपोलॉजिकल एन्ट्रॉपी. *फिलोमैट*, *38* (14), 5041-5049.
- कुमार, डी., दास, आर. (2024). एन ओपन कवर स्पेसिफिकेशन प्रॉपर्टी, *जर्नल ऑफ डायनेमिकल एंड कंट्रोल सिस्टम्स*, *30* (4), 41.
- महाजन, ए., ठाकुर, आर., दास, आर. (2024). हाइपरस्पेशल एंड प्रोडक्ट सिस्टम्स वाया फ़र्स्टनबर्ग फैमिली. *टोपोलॉजी एंड इट्स एप्लिकेशन, 349,* 108907.
- नागेश्वर, आर., खान, ए.जी., दास, टी. (2024). बाइ-असिम्टोटिक सी-एक्सपेन्सिविटी. *जर्नल ऑफ़* मैथेमेटिकल *एनालिसिस एंड* एप्लिकेशन्स, *532* (1), 127955.
- खान, ए. जी., कुमार, आर., दास, टी. (2025). वीक फार्म्स ऑफ शैडोइंग एंड स्टेबिलिटी फॉर सेट-वैल्यू मैप्स. *टोपोलॉजी एंड इट्स* एप्लिकेशन्स, *361* , 109182.
- खान, ए. जी., मोरालेस, सी. ए., दास, टी. (2024). परसिस्टेंट प्रॉपर्टी फ्रॉम द ग्रोमोव-हॉसडॉर्फ व्यूपॉइंट। *प्रोसिडिंग्स ऑफ द एडिनबर्ग* मैथेमेटिकल *सोसाइटी*, *67* (4), 1229-1240.
- कुमार, आर., गौर, ए., सिंह, ए. (2023). कम्पेयरेबल ओवररिंग्स ऑफ ए कम्यूटेटिव रिंग. *बिएट्राज ज़ुर अल्जेब्रा एंड ज्यामेट्री/कंट्रीब्यूशन्स टू अल्जेब्रा एंड ज्यामेट्री*, 1-18.
- गौर, ए., कुमार, आर. (2024). मैक्सिमल नॉन-वेल्यूएटिव डोमेन्स. *प्रोसिडिंग्स-मैथेमेटिकल साइंसेज*, *134* (1), 13.
- कुमार, वाई., मिश्रा, पी.आर., सामंत, एस., गौर, ए. (2024). ए सिस्टमेटिक कन्स्ट्रक्शन एप्रोच फॉर ऑल 4×4 इनवोल्यूटरी एमडीएस मैट्रिसेस. *जर्नल ऑफ एप्लाइड* मैथेमेटिक्स *एंड कंप्यूटिंग*, *70* (5), 4677-4697.

- मोहित, जैन, आर. (2024). बिरखॉफ-जेम्स ऑर्थोगोनैलिटी इन सर्टेन टेंसर प्रॉडक्ट्स ऑफ बानेक स्पेसेज II. *बानेक जर्नल ऑफ़ मैथेमेटिकल एनालिसिस*, *18* (3), 47.
- कुमार, एस., उपाध्याय, ए. (2025). द सॉल्वेबिलिटी एंड सेंसिटिविटी ऑफ नॉनऑटोनॉमस फ्रैक्शनल डिफरेंशियल इंक्लूजन्स स्टीरड बाय मिक्स्ड ब्राउनियन मोशन. मैथेमेटिकल *मेथड्स इन द एप्लाइड साइंसेज*.
- शर्मा, पी., कुमार, एस., निसार, के. एस. (2025). एक्जिस्टेंस एंड कंवर्जेंस ऑफ एप्रोक्सिमेट सॉल्यूशन्स फॉर नॉनलाइनर मेजर ड्राइवेन डिफरेंशियल सिस्टम्स. *एशियन-यूरोपियन जर्नल ऑफ मैथेमेटिक्स*.
- रानी, एस., कुमार, एस. (2025). डायनामिक्स ऑफ सॉलिटन सॉल्यूशन्स एंड वेरियस इवॉल्विंग फार्मेशन्स ऑफ जौलेंट-मियोडेक एंड ज़खारोव-कुज़ेत्सोव इक्वेशनेस यूटिलाइजिंग द न्यूली प्रोपोज्ड एक्स्टेंडेड जेनरलाइज्ड एप्रोच. *क्वालिटेटिव थ्योरी ऑफ डायनामिकल सिस्टम्स*, *24* (2), 101.
- कुमार, एस., और धीमान, एस.के. (2025). डायनामिक्स ऑफ वेरियस सॉलिटनिक फार्मेशन्स एंड अदर सॉलिटन्स ऑफ ए (4+1)-डायमेंशनल डेवी-स्टीवर्टसन-कडोमत्सेव-पेटविआश्विली इक्वेशन यूजिंग ए न्यूली डिजाइन्ड एनालिटिकल मेथड. *मॉडर्न फिजिक्स लेटर्स बी*, 2550126.
- कुमार, एस., रानी, एस., मान, एन. (2025). एनालिटिकल सॉलिटन सॉल्यूशन्स टू ए (2+1)-डायमेंशनल वेर्एबल कोएफिसिएंट्स ग्राफीन शीट्स इक्वेशन यूजिंग द एप्लिकेशन ऑफ लाइ सिमेट्री एप्रोच: बाइफरकेशन थ्योरी, सेंसिटिविटी एनालिसिस एंड काओटिक विहैवियर *क्वालीटेटिव थ्योरी ऑफ डायनामिकल सिस्टम्स*, *24* (2), 80.
- मान, एन., कुमार, एस. (2025). इन डेप्थ एनालिसिस एंड एक्सप्लोरेशन ऑफ रॉग वेव, लंप वेव एंड डिफरेंट सॉलिटानिक पैटर्न्स टू द पेनलेव-इंटीग्रेबल (3+1) डी नॉनलिनियर इवोल्यूशन इक्वेशन यूजिंग ए न्यू एक्सटेंडेड मेथडोलॉजी. *मॉडर्न फिजिक्स लेटर्स बी*, 2550093.
- मोहन, बी., कुमार, एस., कुमार, आर. (2025). आन इंवेस्टिगेशन ऑफ किंक-सोलिटॉन्स एंड रोग वेव्स टू ए न्यू इंटीग्रेबल (3+1)-डायमेंशनल केडीवी-टाइप जेनरलाइज्ड इक्वेशन इन *नॉन-लिनियर* साइंसेज. *नॉन-लिनियर डायनामिक्स*, *113* (9), 10261-10276.
- मोहम्मद, एम., ट्रौनेव, ए., कुमार, एस. (2024). हाई-प्रिसिसन यूलर वेवलेट मेथड्स फॉर फ्रैक्शनल नेवियर-स्टोक्स इक्वेशन्स एंड टू-डायमेंशनल फ्लुइड डायनामिक्स. *फिजिक्स ऑफ फ्लुइड्स*, *36* (12).
- मोहन, बी., कुमार, एस. (2025). पेनलेव एनालिसिस, रेस्ट्रिक्टेड ब्राइट डार्क एन-सॉलिटॉन्स एंड एन-रॉग वेव्स ऑफ ए (4+1)-डायमेंशनल वेरिएबल-को-एफिसिएंट जेनरलाइज्ड केपी इक्वेशन इन नॉन-लिनियर साइंसेज. *नॉन-लिनियर डायनेमिक्स, 113* (10), 11893-11906.
- माजिद, एस. ज़ेड, असजद, एम. आई, कुमार, एस., मुहम्मद, टी. (2025). डायनामिकल स्टडी विद एक्जेक्ट ट्रेवलिंग वेव्स विद हाई एम्प्लीट्यूड सॉलिटॉन्स टू क्लानिश रैंडम वॉकर्स पैरावोलिक इक्वेशन. *क्वालिटेटिव थ्योरी ऑफ डायनामिकल सिस्टम्स, 24* (1), 14.
- रानी, एस., कुमार, एस., कुमार, आर. (2024). डायनामिकल स्टडी ऑफ न्यूली क्रियेटेड एनालिटिकल सॉल्यूशन्स, वाइफरकेशन्स एनालिसिस एंड काओटिक नेचर ऑफ द कॉम्प्लेक्स क्रेनकेल-मन्ना-मर्ले सिस्टम. *क्वालिटेटिव थ्योरी ऑफ डायनामिकल सिस्टम्स, 23* (पूरक 1), 287.

- मोहन, बी., कुमार, एस. (2024). रॉग वेव स्ट्रक्चर्स फॉर ए जेनरलाइज्ड (3+1)- डायमेंशनल नॉन-लिनियर वेव इक्वेशन इन लिक्विड विद गैस बबल्स. *फिजिका स्क्रिप्टा* , *99* (10), 105291.
- हामिद, आई., कुमार, एस. (2025). न्यूली फार्म्ड सॉलिटरी वेव सॉल्यूशन्स एंड अदर टू सॉलिटॉन्स टू द (3+ 1)-डायमेंशनल एमकेडीवी-जेडके इक्वेशन यूटिलाइजिंग ए न्यू मॉडिफाइड सरदार सब-इक्वेशन एप्रोच. *मॉडर्न फिजिक्स लेटर्स बी*, *39* (18), 2550027.
- मोहन, बी., कुमार, एस. (2024). जेनरालाइजेशन एंड एनालिटिक एक्सप्लोरेशन ऑफ सॉलिटॉन सॉल्यूशन्स फॉर नॉन-लिनियरलाइनर इवोल्यूशन इक्वेशन्स वाया ए नोवल सिम्बॉलिक एप्रोच इन फ्लुइड्स नॉन-लिनियर साइंसेज. *चाइनीज़ जर्नल ऑफ़ फ़िज़िक्स*, *92* , 10-21.
- कुमार, एस., रानी, एस., मा, डब्ल्यू. एक्स. (2024). लाइ सिमिट्रीज, मॉड्यूलेशन इनस्टेबिलिटी, कंवर्शन लॉज एंड द डायनामिक वेवफार्म पैटर्न्स ऑफ सेवरल इनवेरिएंट सॉल्यूशन्स टू ए (2+1)-डायमेंशनल हिरोटा वाइलाइनर इक्वेशन. डिस्क्रीट एंड कांटिनिवस डायनामिकल सिस्टम्स-एस, 0-0.
- कुमार, एस., और कुक्कर, ए. (2025). डायनामिक्स ऑफ सेवरल आप्टिकल सॉलिटॉन सॉल्यूशन्स ऑफ ए (3+ 1)-डायमेंशनल नॉन-लिनियर श्रोडिंगर इक्वेशन विद पैराबलिक ल़ इन ऑप्टिकल फाइबर्स, *मॉडर्न फिजिक्स लेटर्स बी*, *39* (09), 2450453.
- कुमार, एस., हामिद, आई. (2024). न्यू इंटरएक्शन्स बिटविन वेरियस सॉलिटॉन सॉल्यूशन्स, इनक्लुडिंग बेल, किंक एंड मल्टीपल सॉलिटॉन प्रोफाइल्स फॉर द (2+1)-डायमेंशनल नॉन-लिनियर इलेक्ट्रिकल ट्रान्समिशन लाइन इक्वेशन.*ऑप्टिकल और क्वांटम इलेक्ट्रॉनिक्स*, *56* (7), 1173.
- मान, एन., कुमार, एस., मा, डब्ल्यूएक्स (2024). डायनामिक्स ऑफ एनालिटिकल सॉल्यूशन्स एंड सॉलिटॉन लाइक प्रोफाइल्स फॉर द नॉन-लिनियर काम्प्लेक्स -कपल्ड हिग्स फील्ड इक्वेशन, *पार्शियल डिफरेंशियल इक्वेशन्स इन एप्लाइड मैथेमेट्क्स,10,* 100733.
- कुशवाहा, एम. एस., राघवन, के. एन., विश्वनाथ, एस. (2025). सिम्पल प्रॉसिड्योर फॉर लेफ्ट एंड राइट कीज ऑफ सेमी-स्टैंडर्ड यंग टेबलॉक्स, *अल्जेब्रा एंड रिप्रेजेंटेशन थ्योरी*, 1-23.
- कुशवाहा, एम.एस., राघवन, के.एन., विश्वनाथ, एस. (2025). क्रिस्टल फॉर कोस्टैंट-कुमार मॉड्यूल ऑफ sl2^. *इंडियन जर्नल ऑफ प्योर एंड एप्लाइड* मैथेमेटिक्स, 1-21.
- मोर, ए., ललिता, सी. एस. (2025), एन एल्गोरिदम टू सॉल्व पॉलीटॉपिक सेट आप्टिमाइजेशन प्रोब्लम बेस्ड आन ए पार्शियल सेट आर्डर रिलेशन, *पॉजिटिविटी*, *29* (1), 1-26।
- ललिता, सी.एस. (2025). स्ट्रांग सेकेंड-आर्डर ऑप्टिमेलिटी कंडीशन्स फॉर नॉनस्मूथ कंस्ट्रेन्ट वेक्टर इन नॉनस्मूथ कंस्ट्रेनन्ड वेक्टर ऑप्टिमाइज़ेशन. *एनल्स ऑफ़ ऑपरेशंस रिसर्च*, 1-19.
- नाज़, ए., नागपाल, एस., रविचंद्रन, वी. (2024), एक्सपोनेंशियल रैडि ऑफ स्टारलाइकनेस एंड कॉन्वेक्सिटी ऑफ सम स्पेशल फंकिशन्स. *रामानुजन जर्नल, 65* (1), 391-427।
- राज, ए., नागपाल, एस. (2024). स्टेबल-क्लोज-टू-कन्वेक्सिटी एंड रेडियस ऑफ फुल कनेवेक्सिटी फॉर सेंस-प्रिजर्विंग हार्मोनिक मैपिंग्स. *रॉकी माउंटेन जर्नल ऑफ* मैथेमेटिक्स , *54* (2), 525-540.
- खपरा, डी., पटेल, ए. (2025). शॉक वेव स्ट्रक्चर इन कार्बन डाइऑक्साइड यूजिंग वन एंड मल्टटी-टेंप्रेचर मॉडल. *इंडियन जर्नल ऑफ फिजिक्स*, 1-17.

- कुमार, वी., पटेल, ए., कुमार, एम. (2025). डायनामिक्स ऑफ सॉलिटॉन्स एंड मॉड्यूलेशन इनस्टेविलिटी इन ए (2+1)-डायमेंशनल कपल्ड नॉन-लिनियर श्रोडिंगर इक्वेशन, *मैथेमेटिक्स एंड कंप्यूटर इन सिमुलेशन*, *235,* 95-113.
- पटेल, ए., गर्ग, वाई. (2024). लाइ ग्रुप ऑफ सिमिलरिटी एनालिसिस ऑफ शॉक वेव्स इन विस्कस फ्लो अंडर मैग्नेटिक फील्ड. *चाइनीज़ जर्नल ऑफ़ फ़िज़िक्स*, *92*, 1531-1547.
- पटेल, ए., पांडे, के. (2024). सेल्फ सिमिलर फ्लो बिहाइंड ए शॉक वेव इन ए गैस अंडर द इफेक्ट ऑफ विस्कोसिटी, हीट कंडक्शन एंड वेरियेबल एंबियेंट डेन्सिटी. *फिजिका स्क्रिप्टा, 99* (10), 105202.
- यादव, आर. पी., राय, पी., शर्मा, के.के. (2025). एनालिसिस ऑफ फिनिट एलीमेंट मेथड फॉर अनस्टेडी कन्वेक्शन रिएक्शन-डिफ्यूजन प्रॉब्लम विद डिसकाटिनिवस डेटा. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ कंप्यूटर मैथेमेटिक्स*, 1-33.
- आसना, और राय, पी. (2025). एरर एनालिसिस ऑफ एसडीएफईएम फॉर टाइम- डिपेंडेंट सिंगुलरली परटर्ब्ड प्रॉब्लम विद इंटीरियर टर्निंग पॉइंट. *जर्नल ऑफ एप्लाइड मैथेमेटिक्स एंड कंप्यूटिंग* , 1-36.
- कुमार, एस., पांडे, आर.के., राय, पी. (2024).शार्प बाउंड्स आन हैंकेल एंड हर्मिटियन-टोप्लिट्ज़ डिटरमिनेंट्स ऑफ एसोसिएटेड सकागुची फंक्शन्स. *जर्नल ऑफ लिथुआनियन मैथेमेटिक्स*, 1-16.
- राय, पी., और कुमार, एस. (2024). डिफरेंशियल सबार्डिनेशन एंड कोएफिशिएंट फंक्शन्लस ऑफ यूनिवेलेंट फंक्शन्स रिलेटेड टू $\cos z$. *अर्मेनियन जर्नल ऑफ मैथेमेटिक्स*,*16* (9),1-18.
- शर्मा, ए., राय, पी. (2024). न्यूमरिकल एप्रोक्सिएसन ऑफ पैराबोलिक सिंगुलरली परटर्ब्ड प्रॉब्लम्स विद लार्ज स्पेटियल डिले एंड टर्निंह पॉइंट. *इंजीनियरिंग कंप्यूटेशन्स*, *41* (5), 1141-1170.
- कुमार, एस., पांडे, आर.के., राय, पी. (2024). सर्टेन शार्प एस्टिमेट्स ऑफ ओज़ाकी क्लोज-टू-कन्वेक्स फंक्शन्स. *एशियन-यूरोपियन जर्नल ऑफ मैथेमेटिक्स*, *17* (06), 2450047.
- आनंद, एस., राय, पी., कुमार, एस. (2024). क्लोज-टू-कन्वेक्स फंक्शन्स एसोसियेटेड विद ए रेशनल फंक्शन. *मैथेमेटिका स्लोवाका*, *74* (2), 339-354.
- आसना, और राय, पी. (2024). एसडीएफईएम टाइम डिपेंडेंट सिंगुलरली परटर्ब्ड बीउंड्री टर्निंग पॉइंट प्रॉब्लम. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल मेथड्स* , 2450062.
- डिम्पी, और सिंह, एच.के. (2025). कनेक्टेड फिक्स्ड पॉइंट सेट्स ऑफ इनवोल्यूशन्स आन एचपी$n\times S\ m$. *बुलेटिन ऑफ द ईरानियन मैथेमेटिकल सोसायटी 51* (1), 20.
- कुमारी, ए., सिंह, एच. के. (2024). फिनिटिस्टिक स्पेसेज विद द आर्बिट स्पेस $\mathbb{F}\ \mathbb{P}\ n\times \mathbb{S}\ m$. *जर्नल ऑफ अलजेब्रा एंड इट्स एप्लिकेशन्स,* 2550311.
- कुमारी, ए., सिंह, एच.के. (2023). फ़िनिटिस्टिक स्पेसेज विद ऑर्बिट स्पेस ए प्रोडक्ट ऑफ प्रोजेक्टिव स्पेसेज, *arXiv preprint arXiv:2306.03724* .
- शर्मा, डी., और सिंह, आर. (2024). इवोल्यूशन ऑफ कैरेक्टरिस्टिक शॉक्स इन टू-फ़ेज मॉडिफाइड चैप्लिगिन फ्लो कंसिस्टिंग ऑफ सोर्स टर्म. *कन्यूनिकेशन्स इन साइंस एंड न्यूमेरिकल सिमुलेशन*, *131,* 107891.
- चौधरी, बी.के., सिंह, आर. (2024).स्फेरिकल स्टीपेंड वेव इन इंटरसेटेलर वैन डेर वाल्स डस्टी गैस क्लाउड्स. *फिजिक्स ऑफ फ्लुइड्स, 36* (8).

- शर्मा, डी., सिंह, आर. (2025). इंटरएक्शन ऑफ एन एक्सीलरेशन वेव विद ए कैरेक्टरिस्टिक शॉक इन टू-फ़ेज रियल मॉडिफाइड चैप्लिगिन मॉडल कंटेनिंग ए वेरियेबल सोर्स टर्म. मैथेमेटिक्स *एंड कंप्यूटर्स इन सिमुलेशन*, *230,* 53-67.
- चिल, आर., शर्मा, पी., श्रीवास्तव, एस. (2024). रियल इंटरपोलेशन ऑफ फंक्शन्स विद एप्लिकेशन्स टू एसर्टिव ऑपरेटर्स आन बानेक स्पेसेज. *जर्नल ऑफ डिफरेंशियल इक्वेशन्स, 402,* 554-592.
- आनंद, जे., लता, एस., श्रीवास्तव, एस. (2024). वेटेड एंड अनवेटेड कंपोजिशन ऑपरेटर्स क्लोज टू आइसमेट्रिक्स. *मेडिटेरेनियन जर्नल ऑफ़ मैथेमेटिक्स*, *21* (5), 144.
- कुमार, डी., श्रीवास्तव, एस. (2024, दिसंबर). क्वांटम एक्स्टेंशन्स ऑफ क्लासिकल जैकोबी सेमीग्रुप्स. *इन सेमीग्रुप फोरम* (खंड 109, अंक 3, पृष्ठ 513-536)। स्प्रिंगर यू.एस.
- रस्तोगी, एस., श्रीवास्तव, एस. (2025). इवेन्चुअल पॉजिटिविटी, परटर्बेसन्स एंड डिले सेमीग्रुप्स. *पॉजिटिविटी*, *29* (1), 1-24.
- ज्योति, वशिष्ठ, एल.के. (2024). मैट्रिक्स-वेल्यूड राइजेज बासेज ओवर एलसीए ग्रुप्स. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ वेवलेट्स, मल्टीरेज़ोल्यूशन एंड इंफॉर्मेशन प्रोसेसिंग*, *22* (05), 2450019.
- ज्योति, और वशिष्ठ, एल.के. (2024). ए नोट आन मैट्रिक्स-वेल्यूड ऑर्थोनॉर्मल बेसेज ओवर एलसीए ग्रुप्स. *इंफिनिट डायमेंशनल एनालिसिस, क्वांटम प्रोबेबिलिटी एंड रिलेटेड टॉपिक्स*, 2450006.
- जर्राह, ए.एम., खन्ना, एन., ज़ोथानसंगा, ए., कुमार, डी. (2024). ए शार्ट नोट आन जेनरलाइज्ड वेरियेशन डिमिनिशिंग वेवलेट्स. *ईरानियन जर्नल ऑफ साइंस*, *48* (5), 1299-1305.

अनुसंधान परियोजनाएँ

- संकाय अनुसंधान कार्यक्रम अनुदान - आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रो. रुचि दास, सेंसिटिविटी एंड इट्स स्ट्रांगर फार्म्स इन नॉन-आटोनॉमस टोपोलॉजिकल डायनेमिकल सिस्टम्स ₹ 5,00,000
- संकाय अनुसंधान कार्यक्रम अनुदान - आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रो. तरुण दास, आन कान्सिक्वेंसेज ऑफ एक्सपेन्सिविटी एंड शैडोइंग वाया एसिम्पॉटिक बिहैवियर, ₹ 5,00,000
- विज्ञान एवं इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), डीएसटी, डॉ. अतुल गौर, एफ-रिंग्स पर (सह-पीआई के रूप में), ₹ 17,97,400
- संकाय अनुसंधान कार्यक्रम अनुदान - आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. अतुल गौर, मैक्सिमल नॉन-पी सबरिंग्स/ एक्स्टेंशन्स फॉर सम रिंग थ्योरेटिक प्रॉपर्टीज, ₹ 3,00,000
- संकाय अनुसंधान कार्यक्रम अनुदान - आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. अतुल गौर, मैक्सिमल नॉन-पी सबरिंग्स/ एक्स्टेंशन्स फॉर सम रिंग थ्योरेटिक प्रॉपर्टीज, ₹ 3,00,000.
- संकाय अनुसंधान कार्यक्रम अनुदान - आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. सुरेंद्र कुमार, कंट्रोलेबिलिटी एनालिसिस ऑफ नॉन-आटोनॉमस इंपल्सिव डिफरेंशियल सिस्टम्स, ₹ 5,00,000.
- संकाय अनुसंधान कार्यक्रम अनुदान - आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. सचिन कुमार, सिम्बॉलिक कंप्यूटेशन एंड डायनामिक स्ट्रक्चरल एनालिसिस ऑफ एक्जेक्ट एनालिटिकल सॉल्यूशन्स फॉर नॉनलाइनर पार्शियल डिफरेंशियल इक्वेशन्स यूजिंग ए वेराइटी ऑफ मैथेमेटिकल

मेथडालॉजीज, ₹ 5,00,000.

- संकाय अनुसंधान कार्यक्रम अनुदान - आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रो. सीएस ललिता, एब्स्ट्रैक्ट कन्वेक्सिटी एंड स्टेबिलिटी सेट ऑप्टिमाइजेशन, ₹ 5,00,000.
- संकाय अनुसंधान कार्यक्रम अनुदान - आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. सुमित नागपाल, कंस्ट्रक्शन टेकनिक्स फॉर यूनिवेलेंट हार्मोनिक मैपिंग, ₹3,00,000.
- संकाय अनुसंधान कार्यक्रम अनुदान - आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. अरविंद पटेल, शॉक वेव्स इन ए विस्कॉस गैस अंडर द एफेक्ट ऑफ हीट कंडक्शन एंड मैग्नेटिक फील्ड, ₹ 3,00,000
- संकाय अनुसंधान कार्यक्रम अनुदान - आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. प्रतिमा राय, बाउंड्स आन हर्मिटियन-टोप्लेट्ज़ डिटरमिनेंट्स एंड अदर कोएफिशिएंट फंक्शनल्स ऑफ सर्टेन एनालिटिक फंक्शन्स, ₹ 5,00,000
- संकाय अनुसंधान कार्यक्रम अनुदान-आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. हेमंत कुमार सिंह, सर्कल ग्रुप एक्शन्स आन स्पेसेज विद कोमोलॉजी आइसोमार्फिक टू द प्रोडक्ट ऑफ थ्री स्फियर्स, ₹ 5,00,000
- संकाय अनुसंधान कार्यक्रम अनुदान - आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. रणधीर सिंह, डेल्टा शॉक्स एंड सिमिलरिटी मेथड्स फॉर क्वासिलिनियर गैस डायनामिक्स, ₹ 5,00,000.

आयोजित संगोष्ठी

- डॉ. अक्षत दास, सहायक प्रोफेसर, यूनाइटेड स्टेट्स मिलिट्री अकादमी न्यूयॉर्क, यूएसए ने 12 जून, 2024 को इनवेस्टिगेशन ऑफ गैप्स प्रॉब्लम्स इन डायोफैंटाइन एप्रोक्सिमेशन पर एक व्याख्यान दिया।
- आईआईटी गुवाहाटी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. प्रत्यूष कुमार ने 2 दिसंबर, 2024 को द हार्डी-लिटिलवुड मैक्सिमल थ्योरम बियांड यूक्लिडियन स्पेस पर एक व्याख्यान दिया।
- डॉ. प्रेम प्रकाश पांडे, एसोसिएट प्रोफेसर ने 20 जनवरी, 2025 को आईआईएसईआर बेरहमपुर प्राइम जेनरेटिंग फंक्शन्स पर एक व्याख्यान दिया।
- प्रोफेसर ए. लेरॉय, प्रोफेसर, यूनिवर्सिटी ऑफ आर्टोइस, अरास ने 21 जनवरी, 2025 को फ्रांस इवोल्यूशन्स ऑफ पॉलीनॉमिल्स इन नॉनकम्यूटेटिव सेटिंग्स पर एक व्याख्यान दिया।
- प्रोफेसर एस. के. जैन, प्रोफेसर, ओहियो विश्वविद्यालय, ओहियो, यूएसए ने 21 जनवरी, 2025 को रेग्युलर रिंग्स एंड सेपरेटिविटी प्रॉब्लम फॉर पीआई, पीएम, जीपीआई, सेल्फ-स्यूडो इंजक्टिव, और सी* अल्जेब्रा के लिए नियमित रिंग्स और पृथक्करण समस्या पर एक व्याख्यान दिया।
- प्रोफेसर डॉ. अभय जिंदल आईआईएससी बेंगलुरु के एसोसिएट प्रोफेसर ने 23 जनवरी, 2025 को एप्रोक्सिमेशन बाई इनर फंक्शन्स पर एक व्याख्यान दिया।
- प्रोफेसर एकनाथ घाटे, प्रोफेसर, टीआईएफआर, मुंबई ने 18 फरवरी, 2025 को साउथ कैंपस में रामानुजन के टाउ पर व्याख्यान दिया।

- प्रोफेसर मलय बनर्जी आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर ने 28 फरवरी, 2025 को स्ट्रक्चरल सेंसिटिविटी एंड ग्लोबल बायफरकेशन्स एसोसिएटेड विद काओटिक डायनेमिक्स पर एक व्याख्यान दिया।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

- रुचि दास ने 5 जून, 2024 को आईआईएसईआर बेहरामपुर, ओडिशा के गणितीय विज्ञान विभाग के विभागीय संगोष्ठी में "एक्सपेंडिंग होराइजन विद बटरफ्लाई इफेक्ट इन सेमीफ्लोज इन सेमीफ्लोज" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- तरुण दास ने 01 अक्टूबर, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के सीपीडीएचई में टोपोलॉजी, डायनेमिकल सिस्टम एप्लिकेशन्स पर रिफ्रेशर कोर्स में 'रिअकरेंस एंड बियांड वाया टोरल ऑटोमोर्फिज्म" शीर्षक व्याख्यान दिया। यह व्याख्यान दिया गया।
- तरुण दास ने 12 दिसंबर, 2024 को "एक्सपेंडिंग होराइजन्स ऑफ स्ट्रक्चरल स्टेबिलिटी एंड एन्ट्रॉपी ऑफ डायनामिकल सिस्टम्स"शीर्षक प्रोफेसर टी. त्रिविक्रमण मेमोरिया एंडॉवमेंट व्याख्यान दिया।
- तरुण दास ने 18 मार्च, 2025 को डीडीयू कॉलेज, दिल्ली में "इवोल्यूशन ऑप सिस्टम्स फ्रॉम पोइनकेयर इरा" शीर्षक मुख्य भाषण दिया।
- तरुण दास ने 22 मार्च, 2025 को एमडीयू, रोहतक में हरियाणा राज्य विज्ञान प्रौद्योगिकी और नवाचार परिषद द्वारा प्रायोजित एक संगोष्ठी में "होमोक्लिनिक क्लासेस एंड काओटिक डायनामिकल सिस्टम्स" शीर्षक व्याख्यात्मक व्याख्यान दिया।
- सचिन कुमार ने 30 अगस्त, 2024 को एनआईटी जमशेदपुर, झारखंड के गणित विभाग में "सिमिट्री रिडक्शन्स एंड डायनामिक्स ऑफ कॉग वेव्स फॉर द स्पेसिपिक हायर-आर्डर नॉनलिनियर पार्शियल डिफरेंशियल इक्वेशन्स" पर मुख्य व्याख्यान दिया।
- सचिन कुमार ने 15-17 अक्टूबर, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज के गणित विभाग में "मैथेमेटिकल साइंस एंड इट्स एप्लिकेशन्स" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एंड कोट सिमिट्री रिडक्शन्स एंड सॉलिटॉनिक फार्म्स ऑफ वेरियस क्लोज्ड-फार्म सॉल्यूशन्स ऑफ हायर-आर्डर नॉन-लिनियर इवोल्यूशेनरी इक्वेशन्स एंड कोट;" विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- सचिन कुमार को 05 - 07 नवंबर, 2024 को पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पुडुचेरी, तमिलनाडु के गणित विभाग में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया और उन्होंने "सिमिट्रीज एंड इंटीग्रेबिलिटी ऑफ डायनामिकल सिस्टम्स एंड कोट" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र की अध्यक्षता की और "एबंडंट क्लोज्ड-फार्म इन्वेरिएंट सॉल्यूशन्स विग लाइ सिमिट्री एनालिसिस फॉर द हायर आर्डर नॉन-लिनियर इवोल्यूशेनरी इक्वेशन्स एंड कोट;" पर व्याख्यान दिया।
- सचिन कुमार ने 13-14 नवंबर, 2024 को पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, भटिंडा, पंजाब के गणित और सांख्यिकी विभाग में "फ्रंटियर्स इन इंडस्ट्रियल एंड एप्लाइड मैथेमेटिक्स (एफआईएएम-2024)" विषय पर 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "लाइ सिमिट्री ऑफ द (3+1)-

डाइमेंशनल नॉनलिनियर पार्शियल इक्वेशन्स विद डायनामिक्स ऑफ एक्जेक्ट सॉल्यूशन्स" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

- सचिन कुमार ने 29 नवंबर - 01 दिसंबर, 2024 को दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय, दिल्ली के गणित विभाग में "डिफरेंशियल इक्वेशन्सः थ्योरी, कंप्यूटेशन एंड एप्लिकेशन्स" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एनालिटिकल सॉलिटॉन सॉल्यूशन्स, लाइ सिमिट्री एनालिसिस, बाइफरकेशन एंड काओटिक बिहैवियर ऑफ द हाइली नॉनलिनियर पार्शियल डिफरेंशियल इक्वेशन्स यूटिलाइजिंग सिम्बॉलिक कंप्यूटेशन" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- सचिन कुमार ने गणित विभाग, दावणगेरे विश्वविद्यालय, शिवगंगोत्री, कर्नाटक में 03-05 फरवरी, 2025 को एक आमंत्रित व्याख्यान श्रृंखला, "डायनामिक्स एंड इंवेस्टीगेशन ऑफ क्वासी-पिरियाडिक बिहैवियर, बाइफर्केशन एंड ट्रेवलिंग वेव साल्यूशन्स इन द डबल-चेन डीएनए मॉडल" दी।
- सचिन कुमार ने गणित विभाग, हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 07 - 08 फरवरी, 2025 को "रिसेंट ट्रेंड्स इन मैथ्मेटिक्स (आईसीआरटीएम-25)" पर द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "स्टडी ऑफ डायनामिक परफार्मेंस ऑफ द हायर-डायमेंशनल नॉनलिनियर जेनरलाइज्ड बीकेपी इक्वेशन यूजिंग लाइ सिमिट्री एनालिसिस" पर मुख्य व्याख्यान दिया।
- सुरेन्द्र कुमार ने पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पुडुचेरी, भारत में 5-7 नवंबर, 2024 को "सिमिट्रीज एंड इंटरग्रेबिलिटी ऑफ डायमेंशनल सिस्टम्स" पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एप्रोक्सिमेट कंट्रोलेबिलिटी ऑफ नॉन-आटोनॉमस मेजर ड्राइवेन सिस्टम्स विद नॉन इंस्टेंटेनस इंपल्सेज", शीर्षक पेपर प्रस्तुत किया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिण परिसर के गणित विभाग की वरिष्ठ प्रोफेसर सीएस ललिता ने 17 दिसंबर, 2024 को थापर इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, पटियाला के गणित विभाग में "बेसिक्स आन नॉनलिनियर ऑप्टिमाइजेशन" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- सी.एस. ललिता, वरिष्ठ प्रोफेसर, गणित विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिण परिसर ने भारतीय सांख्यिकी संस्थान के दिल्ली केंद्र में 21-23 जनवरी, 2025 तक "कम्प्यूटेशनल ऑपरेशंस रिसर्च और एल्गोरिथम गेम थ्योरी" पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "पेनलेव कुराटोव्स्की कन्वर्जेंस ऑफ सॉल्यूशन सेट्य इन सेट ऑप्टिमाइजेशन" पर 23 जनवरी को एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- प्रतिमा राय ने 29 नवंबर, 2024 से 1 दिसंबर, 2024 तक दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय में "इंडियन सोसायटी फॉर मैथेमेटिकल मॉडलिंग एंड कंप्यूटर सिमुलेशन (आईएसएमएमएसीएस)" के वार्षिक सम्मेलन और "डिफरेंशियल इक्वेशन्स : थ्योरी, कंप्यूटेशन एंड एप्लिकेशन्स" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में हायर-आर्डर स्कीम्स फॉर1डी पैराबोलिक सिंगुलरली परबर्टेड डीले डिफरेंशियल इक्वेशन्स विद टर्निंग पॉइंट" पर एक व्याख्यान दिया।
- प्रतिमा राय ने 14 फरवरी से 15 फरवरी, 2025 तक डीआईटी देहरादून द्वारा आयोजित "रिसेंट एडवांसेज इन फिजिकल साइंस" पर छठे राष्ट्रीय सम्मेलन में "सिंगुलरली परबर्टेड प्रॉब्लम्स : न्यूमरिकल चैलेंजेज एंड देयर सॉल्यूशन" विषय पर व्याख्यान दिया।

- प्रतिमा राय ने, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग - मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (यूजीसी-एमएमटीटीपी) द्वारा प्रायोजित और मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी), रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 1 फरवरी, 2025 से 10 फरवरी, 2025 तक आयोजित ऑनलाइन एनईपी ओरियेंटेशन ट्रेनिंग प्रोग्राम में "हायर एजुकेशन एंड सोसायटी" पर एक व्याख्यान दिया।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- विभाग ने (I) 14 अगस्त, 2024 को “विकसित भारत” विषय पर प्रश्नोत्तरी, पोस्टर और नारा लेखन प्रतियोगिता और (ii) 24 जनवरी, 2025 को “अतुल्य भारत” विषय पर प्रश्नोत्तरी और पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता आयोजित की।
- तरुण दास ने 18 सितंबर, 2024 से 1 अक्टूबर, 2024 के बीच दिल्ली विश्वविद्यालय के सीपीडीएचई में मैथमेटिका के रिफ्रेशर कोर्स में “रिआकरेंस एंड बियांड वाया टोरल ऑटोमोर्फिज्म” विषय पर एक व्याख्यान दिया।
- रंजना जैन ने (i) 20 मार्च, 2025 को केशव महाविद्यालय कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में "रिसर्च मेथडलॉजी इन मैथेमेटिक्स फॉर अंडर ग्रेजुएट्स" और (ii) 26 मार्च, 2025 को आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के वार्षिक गणित उत्सव 'टैंगेन्टिया -25' में "सम एप्लिकेशन्स ऑफ लिनियर अल्जेब्रा" पर एक व्याख्यान दिया।
- रतिकांत पांडा ने 18 सितंबर, 2024 से 1 अक्टूबर, 2024 के बीच दिल्ली विश्वविद्यालय के सीपीडीएचई में मैथमेटिका के रिफ्रेशर कोर्स में "ब्राउडर्स फिक्स्ड-पॉइंट थ्योरम" पर एक व्याख्यान दिया।
- अरविंद पटेल ने (I) 26 मार्च, 2025 को श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में, “कंजर्वेशन लॉज, कैरेक्टरिस्टिक्स एंड शॉक्स” पर (ii) 5 मार्च, 2025 को दौलत राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में, “वेल-प्वायज्ड प्रॉब्लम्स इन डिफरेंशियल इक्वेशन्स” पर और (iii) 2 मई, 2024 को राजधानी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में “ एक्जिस्टेंस, यूनिकनेस एंड स्टेबिलिटी ऑफ सॉल्यूशन्स ऑफ आईवीपी” पर व्याख्यान दिया।
- हेमंत कुमार सिंह ने 18 सितंबर, 2024 से 1 अक्टूबर, 2024 के दौरान सीपीडीएचई, दिल्ली विश्वविद्यालय में गणित के एक रिफ्रेशर कोर्स में “अल्जेब्रिक टोपोलॉजी: ए ब्रिज बिटवीन टोपोलॉजी और बीजगणित के बीच एक सेतु” विषय पर एक व्याख्यान दिया।

प्रदत्त एम.फिल./पीएचडी डिग्रियों की संख्या

पीएच. डी. : 21

संकाय संख्या

कुल: 20 (बीस) - वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर - 07, एसोसिएट प्रोफेसर - 04 और सहायक प्रोफेसर - 09)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- तरुण दास ने 18 सितंबर, 2024 से 1 अक्टूबर, 2024 तक पाठ्यक्रम समन्वयक के रूप में गणितीय विज्ञान (गणित/सांख्यिकी/संचालन अनुसंधान/कंप्यूटर विज्ञान) में दो सप्ताह का ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स आयोजित किया।
- रुचि दास ने 18 सितंबर, 2024 से 1 अक्टूबर, 2024 के दौरान आयोजित गणितीय विज्ञान (गणित/सांख्यिकी/संचालन अनुसंधान/कंप्यूटर विज्ञान) में दो सप्ताह के ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स में प्रतिभागियों द्वारा दी गई प्रस्तुति का मूल्यांकन किया।
- ललित कुमार ने 18 सितंबर, 2024 से 1 अक्टूबर, 2024 के दौरान आयोजित गणितीय विज्ञान (गणित/सांख्यिकी/संचालन अनुसंधान/कंप्यूटर विज्ञान) में दो सप्ताह के ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स में प्रतिभागियों द्वारा दी गई प्रस्तुति का मूल्यांकन किया।
- अरविंद पटेल ने 18 सितंबर, 2024 से 1 अक्टूबर, 2024 के दौरान आयोजित गणितीय विज्ञान (गणित/सांख्यिकी/संचालन अनुसंधान/कंप्यूटर विज्ञान) में दो सप्ताह के ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स में प्रतिभागियों द्वारा दी गई प्रस्तुति का मूल्यांकन किया।
- रतिकांत पांडा ने 18 सितंबर, 2024 से 1 अक्टूबर, 2024 के दौरान आयोजित गणितीय विज्ञान (गणित/सांख्यिकी/संचालन अनुसंधान/कंप्यूटर विज्ञान) में दो सप्ताह के ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स में प्रतिभागियों द्वारा दी गई प्रस्तुति का मूल्यांकन किया।
- हेमंत कुमार सिंह ने 18 सितंबर, 2024 से 1 अक्टूबर, 2024 तक सह-समन्वयक के रूप में गणितीय विज्ञान (गणित/सांख्यिकी/संचालन अनुसंधान/कंप्यूटर विज्ञान) में दो सप्ताह का ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स आयोजित किया।

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

एमएससी कंप्यूटर साइंस के विनायक बंसल ने सकुरा साइंस प्रोग्राम 2024 के अंतर्गत क्योटो, जापान का दौरा किया।

सम्मान/विभूतियां

संकाय

- डॉ. अंकित राजपाल और प्रो. नवीन कुमार को शीर्ष 5% Q1 जर्नल में अपना शोध प्रकाशित करने के लिए आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय से 5,00,000/- रुपये का शोध प्रकाशन पुरस्कार मिला।

छात्र

- टीम: डेटा मावेरिक्स, सदस्य (एमएससी 2024- 26): शाद जमील, यश डबराल, जयश्री शुक्ला, सलोनी कुशवाह, पोजिशन: 1, कार्यक्रम: हैकएरेना'25, दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिनांक: 28 फरवरी, 2025

प्रकाशन

- सिंह, ए., शर्मा, डी., सिंह, वी.के. (2025). इमोजीफ़: ए मल्टीमॉडल एप्रोच टू डिटेक्ट इमोशनल सपोर्ट इन एनिमेटेड जीआईएफएस. आईईईई ट्रांज़ैक्शन आन कम्प्यूटेशनल सोशल सिस्टम्स, 1-13.
- मिश्रा, आर., कविता, राजपाल, ए., भाटिया, वी., राजपाल, एस., अग्रवाल, एम., कुमार, एन. (2024). आई-एलडीडी: एन इंटरप्रिटेबल लीफ डिजीज डिटेक्टर. *सॉफ्ट कंप्यूटिंग* , *28* (3), 2517-2533.
- राजपाल, ए., कुमार, एस., शर्मा, एन.के., अब्राहम, ए., मिश्रा, ए., कुमार, एन. (2024). सीएक्सआरमार्क: ए वॉटरमार्किंग स्कीम फॉर एक्स-रेज यूजिंग ऑनलाइन सीक्वेंशियल रिड्यूस्ड कर्नेल ईएलएम *सर्किट, सिस्टम और सिग्नल प्रोसेसिंग*, *43* (2), 965-993.
- द्विवेदी, के., राजपाल, ए., राजपाल, एस., कुमार, वी., अग्रवाल, एम., कुमार, एन. (2024). एनलाइटनिंग द पॉथ टू एनएससीएलसी बायोमार्कर्स: यूटिलाइजिंग द पावर ऑफ एक्सएआई-गाइडेड डीप लर्निंग. *कंप्यूटर* मेथड्स एंड प्रोग्राम्स इन *बायोमेडिसिन*, *243*, 107864.
- द्विवेदी, के., राजपाल, ए., राजपाल, एस., कुमार, वी., अग्रवाल, एम., कुमार, एन. (2024). एक्सएल1आर-नेट: एक्सप्लेनेबल एआई-ड्राइवेन इंप्रूव्ड एल1-रेग्यूलराइज्ड डीप न्यूरल आर्किटेक्चर फॉर एनएससीएलसी बायोमार्कर्स आइडेंटीफिकेशन. *कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी एंड केमिस्ट्री*, *108*, 107990.
- राजपाल, ए., मिश्रा, आर., राजपाल, एस., कविता, भाटिया, वी., कुमार, एन. (2024). एक्सप्लेनिंग डीप लर्निंग-बेस्ड लीफ डिजीज आइडेंटीफिकेशन. *सॉफ्ट कंप्यूटिंग*, 1-24.
- पांडे, जी., बागड़ी, आर., गुप्ता, आर., राजपाल, ए., अग्रवाल, एम., कुमार, एन. (2024). रॉबस्ट वेटेड जेनरल परफार्मेंस स्कोर फॉर वेरियस क्लासीफिकेशन सिनेरियोज. *इंटेलिजेंट डिसीजन टेक्नोलॉजीज*, *18* (3), 2033-2054.
- अग्रवाल, एस., अग्रवाल, आर. के., कुमारन, एस.एस., राणा, बी., श्रीवास्तव, ए.के. (2024). इंटीग्रेशन ऑफ ग्राफ नेटवर्क विद कर्नेल एसवीएम एंड लॉजिस्टिक रिग्रेशन फॉर आइडेंटीफिकेशन ऑफ बायोमार्कर्स इन एससीए12. *सेरेब्रल कॉर्टेक्स*, *34* (4), bhae132.
- कुमारी, एस., राणा, बी., कुमारन, एस.एस., चौधरी, एस., जैन, एस., श्रीवास्तव, ए.के., राजन, आर. (2024). ग्रे मैटर एट्रोफी इन ए 6-ओएचडीए-इंड्यूस्ड मॉडल ऑफ पार्किंसंस डिजीज. *न्यूरोसाइंस*, *551*, 217-228.
- लोहानी, डी.सी., राणा, बी. (2024). रोल ऑफ पर्सनल कैरेस्टरिस्टिक्स डेटा फॉर क्लासीफिकेशन ऑफ अटेंशन-डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिस्आर्डर. *इंटेलिजेंट डिसीजन टेक्नोलॉजीज*, *18* (3), 2559-2575.
- प्रिया, ए., अग्रवाल, आर.के., राणा, बी. (2024). न्वॉयज एंड क्लस्टर साइज इंसेंसिटिव रॉबस्ट वेटेड फज़ी कल्स्टरिंग फॉर मेडिकल इमेज सेगमेंटेशन। *सॉफ्ट कंप्यूटिंग*, *28* (23), 13615-13638.

- लोहानी, डी.सी., चावला, वी., राणा, बी. (2025). ए सिस्टमेटिक लिटरेचर रिव्यू ऑफ मशीन लर्निंग टेक्निक्स फॉर द डिटेक्शन ऑफ अटेंशन-डेफिसिट/ हाइपरएक्टिविटी डिस्आर्डर यूजिंग एमआरआई एंड/आर ईईजी डेटा. *न्यूरोसाइंस.*
- तिवारी, के., सेनापति, डी. (2025). स्टोकेस्टिक फिट्ज़ह्यू-नागुमो न्यूरॉन मॉडल विद गामा डिस्ट्रीब्यूटेड डिले कर्नेल. *कैओस, सोलिटन्स और फ्रैक्टल्स*, *196*, 116378.
- मीना, एस.के., सिंह, एस.एस., सिंह, के. (2025). डीसीडीआईएम: डाइवर्सिफाइड इंफ्लुएंस मैक्सीमाइजेशन आन डायनामिक सोशल नेटवर्क. *कंप्यूटर कम्यूनिकेशन्स, 232* 108045.
- मीना, एस.के., सिंह, एस.एस., सिंह, के. (2024). डाइवर्सीफाइड बजटेड इंफ्लुएंस इन डायनामिक सोशल नेटवर्क. आईईईई *ट्रांज़ैक्शन्स आन कम्प्यूटेशनल सोशल सिस्टम्स.*
- मीना, एस.के., सिंह, एस.एस., सिंह, के. (2024). डीसीडीआईएमबी: डायनामिक कम्यूनिटी-बेस्ड डाइवर्सिफाइड इंफ्लुएंस मैक्सीमाइजेशन यूजिंग ब्रिज नोड्स. *एसीएम ट्रांजेक्शन आन द वेब*, *18* (4), 1-32.
- कुमार मीणा, एस., शेषर सिंह, एस., सिंह, के. (2024). गतिशील सामाजिक नेटवर्क में कोयल खोज अनुकूलन-आधारित प्रभाव अधिकतमीकरण कुकू सर्च ऑप्टिमाइजेशन-बेस्ड इंफ्लुएंस मैक्सिमाइजेशन इन डायनामिक सोशल नेटवर्क्स. *एसीएम ट्रांजेक्शन आन द वेब*, *18* (4), 1-25.
- डबास, आर., गुप्ता, एन., इनामदार, टी. (2025). एफपीटी एप्रोक्सिमेशन फॉर कैपेसिटेटेड क्लस्टरिंग विद आउटलायर्स. *थ्योरेटिकल कंप्यूटर* साइंस,*1027*, 115026.
- श्याम, ए., कुमार, वी., कगीता, वी.आर., पुजारी, ए.के. (2024). यूनीरेक्सिस: ए यूनिफाइड फ्रेमवर्क फॉर पर्सनलाइज्ड, ग्रूप, पैकेज एंड पैकेज टू ग्रुप रिकमेंडेशन्स. *नॉलेज-बेस्ड सिस्टम्स, 289*, 111552.
- खुराना, ए., भटनागर, वी., कुमार, वी. (2025). पर्सनलाइज्ड समराइजेशन ऑफ साइंटिफिक स्कॉलरली टेक्स्ट्स. *एक्सपर्ट सिस्टम्स विद* एप्लिकेशन्स, *277*, 127177.
- श्याम, ए., कमानी, आर., कगीता, वी.आर., कुमार, वी. (2025). मल्टीमॉडल डोमेन अनुकूलन के माध्यम से क्रॉस-डोमेन रिकमेंडर सिस्टम्स वाया मल्टीमॉडल डोमेन एडॉप्शन. *कंप्यूटर्स और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग*, *123*, 110300.
- चंदोलिया, एल., सिंह, पी., पाल, ओ., मिस्बाहुद्दीन, एम., कुमार, वी., प्रकाश, आर. (2025). आथेंटिकेशन एंड सिक्योरिटी चैलेंजेज फॉर अनमैन्ड एरियल व्हीकल्स: ए सर्वे. *एड हॉक नेटवर्क्स*, 103842.
- गुप्ता, के., कुमार, वी., प्रकाश, आर., पाल, ओ. (2025). एसएलएमएएस: ए सिक्योर एंड लाइटवेट म्यूचुअल आथेंटिकेशन स्कीम फॉर टेलीकेयर मेडिकल इंफार्मेशन सिस्टम बेस्ड आन ईसीसी. *द जर्नल ऑफ सुपरकंप्यूटिंग*, *81* (5), 639।
- द्विवेदी, आर.के., नंद, पी., पाल, ओ. (2025). अटेंशन बेस्ड इंग्लिश टू इंडो-आर्यन एंड द्राविदियन लैंग्वेज ट्रांस्लेशन यूजिंग स्पर्सली फैक्टर्ड न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन. *इंडोनेशियन जर्नल ऑफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एंड कंप्यूटर साइंस, 37* (1)
- द्विवेदी, आर.के., नंद, पी., पाल, ओ. (2025). हाइब्रिड एनएमटी मॉडल एंड कंपेरिजन विद एक्जिस्टिंग मशीन ट्रांस्लेशन एप्रोचेज. *मल्टीडिसिप्लिनरी साइंस जर्नल*, *7* (4), 2025146-2025146.

- गुप्ता, ओ.पी., अग्रवाल, ए.पी., पाल, ओ. (2025). इनोवेटिव एप्रोच ऑफ मास्क्ड फेशियल रिकग्निशन. *इलेक्ट्रॉनिक गवर्नमेंट, एन इंटरनेशनल जर्नल*, *21* (1), 35-67.
- गुप्ता, ओ.पी., अग्रवाल, ए.पी., पाल, ओ. (2024). मास्क्ड फेशियल रिकग्निशन यूजिंग एन्सेम्बल कन्वोल्यूशनल न्यूरल नेटवर्क (सीएनएन) एंड ग्रे-लेवल को-ऑकरेंस मैट्रिक्स (जीएलसीएम). *इंडोनेशियन जर्नल ऑफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एंड कंप्यूटर साइंस, 34* (1).
- तनेजा, एस.बी., जायसवाल, एस., बिष्ट, एस., जिंदल, वी., बेदी, पी. (2025). एमओपी-एन: ए हाइब्रिड एआई मॉडल फॉर ऑटोमेटेड डिप्लॉयमेंट ऑफ गन्स इन डायनामिक वारगेमिंग सिनेरियो. *डिफेंस साइंस जर्नल*, *75* (2)।
- बेदी, पी., रानी, एस., गुप्ता, बी., भसीन, वी., गोले, पी. (2025). एपिब्रकैन-लाइट: ए लाइटवेट डीप लर्निंग मॉडल फॉर ब्रेस्ट कैंसर सबटाइप क्लासीफिकेशन यूजिंग एपिजेनोमिक डेटा. *कंप्यूटर मेथड्स एंड प्रोग्राम्स इन बायोमेडिसिन*, *260*, 108553.
- बेदी, पी., दुआ, ए., जिंदल, वी. (2025). एफआईएचआईएम: ए फ्रेमवर्क फॉर इंफारमेशन हाइडिंग इन आईपीवी6 यूजिंग माइक्रो-प्रोटोकॉल्स. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी*, *17* (1), 347-366.
- दुआ, ए., जिंदल, वी., बेदी, पी. (2025). एलसी-आईपीएल: लोकेटिंग कवर्ट डेटा इन द आईपीवी4 हेडर यूजिंग एलएसटीएम. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी*, *17* (2), 689-702.
- खुराना, पी., गुप्ता, बी., शर्मा, आर., बेदी, पी. (2024). ए सेंटीमेंट गाइडेड सेशन-अवेयर रिकमेंडर सिस्टम. *द जर्नल ऑफ सुपरकंप्यूटिंग*, *80* (19), 27204-27243.
- सिंघल, ए., बेदी, पी. (2024). यूएसटेग-डीएसई: यूनिवर्सल क्वांटेटिव स्टेगएनालिसिस फ्रेमवर्क यूजिंग डेंसनेट मर्ज्ड विद स्क्वीज़ और एक्साइटेशन नेट. *सिग्नल प्रोसेसिंग: इमेज कम्युनिकेशन*, *128*, 117171.
- खुराना, पी., गुप्ता, बी., शर्मा, आर., बेदी, पी. (2024). सेशन-अवेयर रिकमेंडर सिस्टम यूजिंग डबल डीप रीइन्फोर्समेंट लर्निंग. *जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम्स*, *62* (2), 403-429।
- बेदी, पी., गोले, पी., मारवाह, एस. (2024). पीडीएसई-लाइट: लाइटवेट फ्रेमवर्क फॉर प्लांट डिजीज सिवियर्टी एस्टीमेशन बेस्ड आन कन्वोल्यूशनल ऑटोएनकोडर और फ्यू-शॉट लर्निंग.*फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस*, *14*, 1319894.
- कुमार, ए., शर्मा, आर., बेदी, पी. (2024). टुवर्ड्स ऑप्टिमल एएलपी सॉल्यूशन्स: एनलाइजिंग जीपीटी एंड एलएलएएमए-2 मॉडल्स एक्रास मॉडेल स्केल, डेटासेट साइज एंड टास्क डायवर्सिटी. *इंजीनियरिंग, टेक्नोलॉजी एंड एप्लाइड रिसर्च,14* (3), 14219-14224.
- ऋचा, बेदी, पी., गुप्ता, एस., कुमार, आर. (2024). इनकॉरपोरेशन ऑफ टू-फोल्ड ट्रस्ट इन ग्रुप रिकमेंडर सिस्टम टू हैंडल पॉपुलरिटी बायस, *एसएन कंप्यूटर साइंस*, *5* (2), 259.

संपादित पुस्तक के अध्याय

- सिंह, ए., कनौजिया, ए., सिंह, वी.के. (2024, दिसंबर). डेटा टू डिसीजन्स: ए कंप्यूटेशनल फ्रेमवर्क टू आइडेंटीफाई स्किल रिक्वायमेंट्स फ्रॉम एडवरटोरियल डेटा। *इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस आन*

एडवांस्ड नेटवर्क टेक्नोलॉजीज एंड इंटेलिजेंट कंप्यूटिंग में (पृष्ठ 435-458)। चैम: स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंड।

- बागड़ी, आर., राजपाल, ए., कुमार, एन. (2024, दिसंबर). एन इंप्रूव्ड फ्रेमवर्क फॉर प्रिसिजन ग्रेडिंग ऑफ रेनल सेल कार्सिनोमा यूजिंग हिस्टोपैथोलॉजिकल इमेजेज। *प्रोसिडिंग्स ऑफ द फिफ्टीन्थ इंडियन कॉन्फ्रेंस आन कंप्यूटर विज़न ग्राफ़िक्स और इमेज प्रोसेसिंग* (पृष्ठ 1-10)।
- द्विवेदी, के., गुप्ता, ए., राजपाल, ए., और कुमार, एन. (2024). डीप लर्निंग-बेस्ड एनएससीएलसी क्लासीफिकेशन फ्रॉम होल-स्लाइड इमेजेज: लेवरेजिंग एक्सपेक्टेशन-मैक्समाइजेशन एंड इंसेप्शन वी3 (V3). *प्रोसीडिया कंप्यूटर साइंस*, *235*, 2422-2433.
- कशानिया, एम., राजपाल, ए., राजपाल, एस., कुमार, एन. (2024, जून). अदृश्य को उजागर करना: व्याख्या योग्य एआई-संचालित मास्क्ड फेस रिकग्निशन। रिवीलिंग द अनसीन : एक्सप्लेनेबल एआई-ड्राइवेन मास्क्ड फेस रिकग्निशन। *2024 इंटरनेशनल जॉइंट कॉन्फ्रेंस आन न्यूरल नेटवर्क्स (आईजेसीएनएन) में* (पृष्ठ 1-7). आईईईई।
- डबास, आर., गर्ग, एन., गुप्ता, एन. (2024, मई)। कैप्सिटेटेड फैसिलिटी लोकेशन विद आउटलायर्स एंड यूनिफार्म फैसिलिटी कास्ट्स। *इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस आन इंटीजर प्रोग्रामिंग एंड कॉम्बिनेटोरियल ऑप्टिमाइज़ेशन में* (पृष्ठ 85-98). चैम: स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंड।
- हामिद , एम., आलम , बी. पाल , ओ (2025) "चैप्टर: क्वांटम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फॉर साइबर थ्रेट मिटिगेशन एंड इन्हेंस्ड साइबर डिफेंस। *क्वांटम एल्गोरिदम फॉर इन्हेंसिंग साइबर सिक्योरिटी इन कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस इन हेल्थकेयर*: पुस्तक में, सीआरसी प्रेस (टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप) द्वारा।आईएसबीएन 9781032980508.
- बेदी, पी., ठुकराल, ए., धीमान, एस. (2024). एक्सप्लेनेबल एआई इन डिजीज डायग्नोसिस। अलुवालु, आर., मेहता, एम., सियारी, पी. (सं.) में: *एक्सप्लेनेबल एआई इन हेल्थ इंफार्मेटिक्स. कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस मेथड्स एंड एप्लिकेशन्स।* स्प्रिंगर, सिंगापुर,https://doi.org/10.1007/978-981-97-3705-5_5

अनुसंधान परियोजनाएँ

- इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा डॉ. अंकित राजपाल को रीइंफोर्समेंट एंड डीप लर्निंग बेस्ड कंट्रोलर फॉर टाइप1 डायबिटीज के लिए 5,00,000 रुपये मंजूर किए गए।
- एएनआरएफ (पूर्ववर्ती एसईआरबी), डॉ. भारती को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एप्लिकेशन्स फॉर अफोर्डेबल एंड एसेसेबल हेल्थकेयर फॉर डिफरेंशियल डायग्नोसिस ऑफ साइकियाट्रिक डिस्आर्डस पर अनुसंधान के लिए 32,75,221 रुपये मंजूर किए गए।

- प्रमुख शोध परियोजना (एमआरपी), इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. भारती, डिफरेंशियल डायग्नोसिस ऑफ एससीए1, 2, 3, 6 एंड 12 यूजिंग स्ट्रक्चरल एमआरआई और रेस्टिंग स्टेट एमआरआई पर अनुसंधान के लिए 15,90,000 रुपये मंजूर किए गए।
- प्रमुख शोध परियोजना (एमआरपी), इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. कुलदीप सिंह, माइनिंग ऑफ हाई यूटिलिटी सीक्वेंसियल पैटर्न्स यूजिंग इवोल्यूशेनरी टेक्निक्स पर अनुसंधान के लिए 10,30,000 रुपये मंजूर किए गए।
- इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. ओम पाल, डेवलपमेंट ऑफ ए लाइटवेट कम्यूनिकेशन प्रोटोकाल फॉर द इंटरनेट ऑफ ड्रोन्स (आईओडी) के लिए एक हल्के संचार प्रोटोकॉल का विकास पर अनुसंधान के लिए 5,00,000 रुपये मंजूर किए गए।
- आईआईटी गुवाहाटी - टेक्नोलॉजी इनोवेशन एंड डेवलपमेंट फाउंडेशन, डॉ. रीना कसाना (सह-पीआई) को डेवलपमेंट ऑफ एन अंडरवाटर आरओवी फॉर इंस्पेक्शन ऑफ डैम्स एंड ब्रिजेज पर अनुसंधान के लिए 15,00,000 रुपये मंजूर किए गए।

दायर/स्वीकृत पेटेंट

- नवीन कुमार, रश्मि मिश्रा, अंकित राजपाल शीतल राजपाल। एन इंटरप्रिटेबल लीफ डिजीज डिटेक्शन डिवाइस (आई-एलडपडप)। जर्मन पेटेंट ऑफिस, समनुदेशिती। 202024103925। 20 अगस्त 2024.
- मनोज अग्रवाल, नवीन कुमार, वीरेंद्र कुमार, अंकित राजपाल, शीतल राजपाल, अर्पिता सग्गर, अशोक कुमार वैद। एन एक्सप्लेनेबल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-बेस्ड बायोमार्कर डिस्कवरी सिस्टम। जर्मन पेटेंट ऑफिस, समनुदेशिती, 202024100861. 18 अप्रैल 2024.
- ओम पाल, बशीर आलम, सेंट्रलाइज्ड डिजिटल सिस्टम फॉर पीपीवी एंड पीपीसी मल्टीमीडिया सर्विसेज फॉर कंडीशनल एक्सेस सिस्टम, भारतीय पेटेंट संख्या: 515115, अनुदान की तिथि: 26.02.2024.
- ओम पाल, बशीर आलम, मेथड एंड सिस्टम फॉर सिक्योर ग्रुप कम्यूनिकेशन फॉर डायनामिक, भारतीय पेटेंट संख्या: 514965, अनुदान की तिथि: 26.02.2024.

आयोजित सम्मेलन

1. **अंकित राजपाल**
   - 12-13 अप्रैल, 2024 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के गणितीय विज्ञान संकाय द्वारा आयोजित 'विकसित भारत@2047 के लिए गणितीय विज्ञान' पर दो दिवसीय कार्यशाला में आयोजन समिति के सदस्य के रूप में योगदान दिया।
2. **नीलिमा गुप्ता**
   - उनकी अध्यक्षता और पर्यवेक्षण में, एनआईटी पटना के सहयोग से और मेइटी (MeitY) द्वारा प्रायोजित “क्वांटम कंप्यूटिंग एंड पोस्ट-क्वांटम क्रिप्टोग्राफी” पर एक सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम 3 फरवरी से 9 फरवरी, 2025 तक दिल्ली विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान विभाग में आयोजित किया गया था।

- उनकी अध्यक्षता और पर्यवेक्षण में, सी-डैक नोएडा के सहयोग से, दिल्ली विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान विभाग में साइबर सुरक्षा जागरूकता सप्ताह (25 मार्च से 31 मार्च, 2025) का आयोजन किया गया।

3. **ओम पाल**

- एनआईटी पटना के सहयोग से और मेइटी (MeitY) द्वारा प्रायोजित, दिल्ली विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान विभाग में 3 फरवरी से 9 फरवरी, 2025 तक आयोजित "क्वांटम कंप्यूटिंग और पोस्ट-क्वांटम क्रिप्टोग्राफी" पर एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम के लिए समन्वयक रहे।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान विभाग में सी-डैक नोएडा के सहयोग से साइबर सुरक्षा जागरूकता सप्ताह (25 मार्च से 31 मार्च, 2025) के लिए समन्वयक।

4. रीना कसाना

- एनआईटी पटना के सहयोग से और मेइटी (MeitY) द्वारा प्रायोजित, दिल्ली विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान विभाग में 3 फरवरी से 9 फरवरी, 2025 तक आयोजित "क्वांटम कंप्यूटिंग और पोस्ट-क्वांटम क्रिप्टोग्राफी" पर एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम के लिए आयोजक सदस्य।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान विभाग में सी-डैक नोएडा के सहयोग से साइबर सुरक्षा जागरूकता सप्ताह (25 मार्च से 31 मार्च, 2025) के लिए समन्वयक।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

1. अंकित राजपाल

- समर्थ भारत के सहयोग से दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज में 17 फरवरी, 2025 को आयोजित “आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग” पर 40 घंटे के अतिरिक्त पाठ्यक्रम में उद्घाटन व्याख्यान दिया।
- 18 फरवरी, 2025 को समर्थ भारत के सहयोग से दिल्ली विश्वविद्यालय के देशबंधु कॉलेज में आयोजित “आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग” पर 40 घंटे के अतिरिक्त पाठ्यक्रम में उद्घाटन व्याख्यान दिया।
- 30 जनवरी, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज में “डिकोडिंग डेटा: डेटा एनालिसिस यूजिंग पायथन” पर तीन दिवसीय कार्यशाला में दो सत्र प्रस्तुत किए।
- “रीइन्वेंटिंग पेडागोजी इन द एज ऑफ एआई: मेथड्स, एप्रोचेज एंड पर्सपेक्टिव्स” पर एक सप्ताह के एफडीपी में 19 जनवरी, 2025 को “प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग इन एकेडमिया” शीर्षक से एक सत्र दिया।

- महात्मा हंसराज मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएच-एमएमटीटीसी), हंसराज कॉलेज द्वारा आयोजित “आईसीटी इन एकेडमिक्स एंड रिसर्च” पर दो सप्ताह के (ऑनलाइन) अंतःविषय रिफ्रेशर कोर्स में 26 दिसंबर, 2024 को “प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग” शीर्षक से एक सत्र दिया।
- 19 दिसंबर, 2024 को बॉयोफार्मेटिक्स एंड ड्रग डिजाइन: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग-बेस्ड मेथड्स (बीआईएफ-डीडी-2024) पर 12वीं कार्यशाला में "मशीन लर्निंग एप्लिकेशन्स इन ओमिक्स डेटा एनालिसिस एंड हिस्टोपैथोलॉजिकल इमेज प्रोसेसिंग" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।
- 10 दिसंबर, 2024 को सेंट मार्क सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल में आयोजित वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय कंप्यूटर तकनीकी-उत्सव 'गीक-ए-हर्ट्ज 2024' में रोबोटिक्स इवेंट के मूल्यांकन के लिए एक जज के रूप में योगदान दिया।
- 17 जुलाई, 2024 को दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से साइबरएक्स, दिल्ली पब्लिक स्कूल, आरके पुरम द्वारा आयोजित 'साइबर सुरक्षा' पर एक अल्पकालिक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम में "क्रिप्टोग्राफिक एल्गोरिदम इन साइबर सिक्योरिटी" शीर्षक सत्र दिया।
- 30 जून से 5 जुलाई, 2024 के बीच जापान के योकोहामा में आयोजित आईईईई वर्ल्ड कांग्रेस आन कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस के अंतर्गत न्यूरल नेटवर्क पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संयुक्त सम्मेलन में "रिवीलिंग द अनसीन: एक्सप्लेनेबल एआई-ड्रिवेन मास्क्ड फेस रिकॉग्निशन" शीर्षक पेपर प्रस्तुत किया।

2. ओम पाल

- 30 सितंबर, 2024 को आईआईआईटी दिल्ली में सी-डैक नोएडा और आईआईआईटी दिल्ली द्वारा आयोजित "वन डे क्वांटम टेकट्रेंड्स सिम्पोजियम 2024" में "क्वांटम कंप्यूटिंग एंड सिक्योरिटी" पर एक व्याख्यान दिया।
- 5 से 6 अगस्त, 2024 को डॉ. बी. आर. अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, पोर्ट ब्लेयर, अंडमान और निकोबार द्वीप द्वारा आयोजित सुरक्षा, संचार और सतत विकास के लिए कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "अपार्चुनिटीज एंड चैलेंजेज इन क्वांटम कंप्यूटिंग टेक्नोलॉजी" पर एक व्याख्यान दिया और सत्र की अध्यक्षता की।
- 28-29 जून, 2024 को स्कूल ऑफ कंप्यूटर एंड सिस्टम साइंसेज, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस आन इंटेलिजेंट कंप्यूटिंग एंड कम्युनिकेशन टेक्निक्स (आईसीआईसीसीटी-2024) में "क्वांटम कंप्यूटिंग" पर एक व्याख्यान दिया।
- 8 अप्रैल, 2025 को भगवान परशुराम प्रौद्योगिकी संस्थान, रोहिणी में "अपार्चुनिटीज एंड चैलेंजेज इन क्वांटम कंप्यूटिंग टेक्नोलॉजी" पर एक व्याख्यान दिया।

- 8 फरवरी से 28 फरवरी, 2025 तक (ऑनलाइन मोड में) कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग, एनआईटी वारंगल, वारंगल में आयोजित एफडीपी "फंडामेंटल्स ऑफ क्वांटम कंप्यूटिंग" में 20 फरवरी, 2025 को 'ड्यूश-जोज़ा एल्गोरिदम' पर एक व्याख्यान दिया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान विभाग में 3 से 9 फरवरी, 2025 तक आयोजित एफडीपी "क्वांटम कंप्यूटिंग और पोस्ट-क्वांटम क्रिप्टोग्राफी" में 4 फरवरी, 2025 को "ड्यूश और डॉयच-जोज़ा एल्गोरिदम" पर एक व्याख्यान दिया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान विभाग में 3 फरवरी से 9 फरवरी, 2025 तक आयोजित एफडीपी "क्वांटम कंप्यूटिंग और पोस्ट-क्वांटम क्रिप्टोग्राफी" में 6 फरवरी, 2025 को "साइमन्स एल्गोरिदम" पर एक व्याख्यान दिया।
- 7-11 अक्टूबर, 2024 को एनआईटी रायपुर में "क्वांटम कंप्यूटिंग और एल्गोरिदम" पर एफडीपी में 'क्वांटम सिक्योरिटी एंड अपार्चुनिटीज' पर एक व्याख्यान दिया।
- 16 अक्टूबर, 2024 को गुरु तेग बहादुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, आईपी यूनिवर्सिटी में एआईसीटीई-संकल्प के अंतर्गत “हाई परफार्मेंस कंप्यूटिंग” पर एक व्याख्यान दिया।
- 14 अगस्त, 2024 को दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में “रिसेंट इनोवेशन्स इन क्वांटम क्रिप्टोग्राफी” पर एक व्याख्यान दिया।
- 16 अप्रैल, 2024 को बीएसए कॉलेज मथुरा में “क्वांटम कंप्यूटिंग और पोस्ट-क्वांटम क्रिप्टोग्राफी” पर एक व्याख्यान दिया।

3. **रीना कसाना**

- इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और व्यवसाय प्रबंधन में हालिया रुझानों पर 19-21 फरवरी, 2025 तक आयोजित चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआरटीईटीबीएम-2025) स्प्रिंगर में 'फ्रॉम डिबगिंग टू डीप लर्निंग: ए बिबिलोमेट्रिक स्टडी ऑफ फोर डिकेड्स ऑफ सॉफ्टवेयर रिलाइबिलिटी ग्रोथ मॉडल्स' शीर्षक पेपर प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

1. **नीलिमा गुप्ता**

- अधोहस्ताक्षरी के नेतृत्व एवं पर्यवेक्षण में, दिल्ली विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान विभाग ने दिल्ली विश्वविद्यालय और सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ़ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक) के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 5 मार्च, 2025 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, (i) कुछ अनुसंधान एवं विकास संयुक्त परियोजना प्रस्ताव वित्त पोषण एजेंसियों को प्रस्तुत किए गए हैं। (ii) कंप्यूटर विज्ञान विभाग के कुछ छात्र सी-डैक में परियोजना इंटर्नशिप कर रहे हैं।

2. **ओम पाल**

- दिल्ली विश्वविद्यालय और सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ़ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक) के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान विभाग के समन्वयक/संयोजक रहे। 5 मार्च, 2025 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, (i) कुछ अनुसंधान एवं विकास संयुक्त परियोजना प्रस्ताव वित्त पोषण एजेंसियों को प्रस्तुत किए गए हैं। (ii) कंप्यूटर विज्ञान विभाग के कुछ छात्र सी-डैक में परियोजना इंटर्नशिप कर रहे हैं।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

1. **नीलिमा गुप्ता**
    - उनके नेतृत्व और पर्यवेक्षण में, कंप्यूटर विज्ञान विभाग ने विश्वेश्वरैया पीएचडी सीटों (सत्र 2025-2026 के लिए) के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) को प्रस्ताव प्रस्तुत करने की प्रक्रिया शुरू की। प्रस्ताव सफलतापूर्वक प्रस्तुत किया गया और दिल्ली विश्वविद्यालय को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार से वर्ष 2025 के लिए 1,14,93,600/- रुपये के बजट की तीन विश्वेश्वरैया पीएचडी फेलोशिप (पीएचडी-04/03-2025/57 दिनांक 26.03.2025) प्राप्त हुईं।
2. **ओम पाल**
    - 'पीएचडी योजना इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय' के नोडल अधिकारी के रूप में, दिल्ली विश्वविद्यालय ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को विश्वेश्वरैया पीएचडी सीटों (2025-2026 सत्र के लिए) के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करने की प्रक्रिया शुरू की। प्रस्ताव सफलतापूर्वक प्रस्तुत किया गया और दिल्ली विश्वविद्यालय को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार से वर्ष 2025 के लिए 1,14,93,600/- रुपये के बजट की तीन विश्वेश्वरैया पीएचडी फेलोशिप (पीएचडी-04/03-2025/57 दिनांक 26.03.2025) प्राप्त हुईं।
    - जनवरी 2025 से भारतीय मानकों के रूप में अपनाने के लिए आईएसओ मानक 16340 (एप्लिकेशन ऑफ ब्लॉकचेन-बेस्ड ट्रेसेबिलिटी प्लेटफॉर्म फॉर कोल्ड चेन फूड) और आईएसओ मानक आईएसओ 20415 (ट्रस्टेड मोबाइल ई-डाक्युमेंट फ्रेमवर्क - रिक्वायरमेंट्स, फंक्शनेलिटी एंड क्राइटेरिया फॉर इनश्योरिंग रिलायबल एंड सेफ मोबाइल ई-बिजनेस) की समीक्षा के लिए भारतीय मानक ब्यूरो, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार में सदस्य संयोजक।
    - मार्च, 2025 से श्री रामकृष्ण इंजीनियरिंग कॉलेज (अन्ना विश्वविद्यालय), कोयंबटूर के कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग में बाह्य शैक्षणिक सलाहकार।

प्लेसमेंट विवरण (नियुक्त छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

कुल ऑफर 61: कुल नियुक्त छात्र 58: (कुल नियुक्त एमसीए छात्र 38, कुल नियुक्त एमएससी छात्र 20)

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- दिल्ली विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित वार्षिक तकनीकी महोत्सव, संकल्प 2025, 19-20 अप्रैल, 2025 को आयोजित किया गया। इस दो दिवसीय आयोजन को ज़बरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जिसमें 2,173 पंजीकरण हुए और 700 से ज़्यादा प्रतिभागियों ने विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया। पहले दिन कुल 170 और दूसरे दिन 380 प्रतिभागी ऑफ़लाइन उपस्थित रहे। पूरे क्षेत्र के छात्रों को एक साथ लाकर, संकल्प 2025 एक बार फिर प्रतिभा, नवाचार और उत्साह के प्रदर्शन के लिए एक जीवंत मंच साबित हुआ।
- पहाड़ों की ओर! 7 से 11 मार्च, 2025 तक, विभाग ने रोमांच और आपसी जुड़ाव से भरी एक यादगार यात्रा की। उन्होंने तुंगनाथ-चंद्रशिला ट्रेक से शुरुआत की, जहाँ उन्होंने 13,000 फीट की ऊँचाई तक पहुँचकर मनमोहक दृश्यों का आनंद लिया। इसके बाद, उन्होंने हिमालय से घिरी एक शांत झील, देवरिया ताल तक ट्रेकिंग की। उनकी यात्रा ऋषिकेश में एक शांतिपूर्ण प्रवास के साथ समाप्त हुई, जहाँ उन्होंने देवप्रयाग संगम और धारी देवी मंदिर जैसे आध्यात्मिक स्थलों की खोज की। इस अनुभव ने हमें स्मरण कराया कि साझा चुनौतियों और अनुभवों से ही बेहतरीन टीमें बनती हैं।

प्रदत्त एम.फिल./पीएचडी डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी. :10

संकाय संख्या

कुल: 12 (बारह) - (वरिष्ठ प्रोफेसर - 3 + 1 (सेवानिवृत्ति के बाद), प्रोफेसर - 1 (प्रतिनियुक्ति पर), एसोसिएट प्रोफेसर - 04 और सहायक प्रोफेसर - 04)

परिचालन अनुसंधान विभाग

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

एनईपी के अनुरूप, विभाग ने पीजीसीएफ ढांचे के अंतर्गत परिचालन अनुसंधान में दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम के विकास की पहल करके एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक प्रगति की है। यह पाठ्यक्रम विभागीय संकाय और उद्योग एवं शिक्षा जगत के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों की भागीदारी में व्यापक विचार-विमर्श के बाद सोच-समझकर तैयार किया गया है। प्रस्तावित पाठ्यक्रम अंतःविषय शिक्षण, उद्योग समन्वय और कौशल-संचालित शिक्षा पर ज़ोर देता है, जिसका उद्देश्य छात्रों को पेशेवर और शोध दोनों क्षेत्रों में गतिशील भूमिकाओं के लिए तैयार करना है।

शैक्षणिक मोर्चे पर, शोध गतिविधियों में तेज़ी आई, जिसके परिणामस्वरूप प्रकाशन और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भागीदारी में वृद्धि हुई। शोध विषय नवाचार और वास्तविक दुनिया की प्रयोज्यता पर केंद्रित थे, जिससे विभाग की शैक्षणिक दृढ़ता और मज़बूत हुई। उद्योग जगत की मज़बूत भागीदारी के कारण प्लेसमेंट परिदृश्य में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। नियमित भर्ती भागीदारों के अलावा, कई नई कंपनियों ने भी प्लेसमेंट प्रक्रिया में भाग लिया–जिससे छात्रों के करियर की संभावनाओं का विस्तार हुआ। शिक्षा जगत और उद्योग जगत के बीच की खाई को और पाटने के लिए, विभाग ने उद्योग विशेषज्ञों के नेतृत्व में सेमिनारों और कार्यशालाओं की एक श्रृंखला आयोजित की। इन आयोजनों ने वर्तमान रुझानों और तकनीकों के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान की, जिससे छात्रों के व्यावहारिक ज्ञान और उद्योग की तैयारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। सामूहिक रूप से, ये पहलें समग्र शिक्षा, वैश्विक सहयोग और शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति विभाग की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं।

सम्मान/विभूतियां

संकाय

- सीनियर प्रो. चंद्र के. जग्गी को 2024 में रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली अपटाउन द्वारा 'रोटरी शिक्षा वागेश्वरी सम्मान' से सम्मानित किया गया।
- वरिष्ठ प्रोफेसर पी.सी. झा को 26 फरवरी, 2025 को सॉफ्ट कंप्यूटिंग फॉर प्रॉब्लम सॉल्विंग पर 13वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (सोकपोस 2025) में सोकप्रोस 2025 कार्यकारी समिति द्वारा अनुकूलन और परिचालन अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया, इस सम्मेलन का आयोजन डिपार्टमेंट ऑफ एप्लाइड मैथेमेटिक्स एंड साइंटिफिक कंप्यूटिंग , आईआईटी रुड़की, भारत द्वारा किया गया था।
- वरिष्ठ प्रोफेसर पंकज गुप्ता और प्रोफेसर मुकेश कुमार महलावत को स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय और एल्सेवियर द्वारा 2024 में प्रकाशित रैंकिंग सूची में वर्ष 2023 के दौरान उद्धरण प्रभाव के आधार पर संचालन अनुसंधान श्रेणी में शीर्ष 2% विश्व वैज्ञानिकों में शामिल किया गया है।
- सीनियर प्रो. चंद्र के. जग्गी, प्रो. अदिति खन्ना, डॉ. वंदना खेतान को इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा रिसर्च पब्लिकेशन अवार्ड ग्रांट प्राप्त हुआ।
- डॉ. कौशल कुमार को क्लीनर लॉजिस्टिक्स एंड सप्लाई चेन पत्रिका द्वारा 2024 के सर्वश्रेष्ठ प्रारंभिक-कैरियर शोध पत्र के रूप में सम्मानित किया गया है, उनके पेपर का शीर्षक है "एन अनसर्टेन सस्टेनेबल सप्लाई चेन डिजाइन फॉर रेगुलेटिंग ग्रीनहाउस गैस एमिशन एंड सप्लाई चेन कास्ट" अमित कुमार इसके सह-लेखक हैं।

प्रकाशन

- कौर, जी., टंडन, ए., मित्तल, आर., सिंह, ए. (2025). रिलायबिलिटी एसेसमेंट ऑफ कवरेज एक्सक्यूशन ओरियेंटेड सॉफ्टवेयर ग्रोथ मॉडल एंड जेनेटिक एल्गोरिदम ड्राइवेन रिलीज प्लानिंग। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट*, 1-11.
- दिव्या, आनंद, ए., भट्ट, एन., जौहरी, पी. (2024). आस्किंग द इंपैक्ट ऑफ सॉफ़्टवेयर पैचिंग आन वल्नेरेबिलिटीज: ए कम्प्रहेन्सिव फ्रेमवर्क फॉर फ़ॉल्टी एंड सेफ पैचेज। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्वालिटी एंड रिलायबिलिटी मैनेजमेंट*, 2450031.
- आनंद, ए., गुप्ता, पी., तमुरा, वाई., पापिक, एल. (2024). इंपैक्ट ऑफ कोड स्मेल्स आन सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट एन्वायरमेंट्स: ए स्टडी ऑफ बेस्ड आन एन्ट्रॉपी-कोडास। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्वालिटी एंड रिलायबिलिटी मैनेजमेंट* , *41* (9), 2386-2399.
- बब्बर, जी., आनंद, ए., और अग्रवाल, एन. (2024). मॉडलिंग एंड एनालाइजिंग व्यू ग्रोथ पैटर्न ऑफ यूट्यूब वीडियोज इनकलकेटिंग द इंपैक्ट ऑफ सब्सक्राइबर्स। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़* मैथेमेटिकल*, इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट साइंसेज*, *9* (3).
- आनंद, ए., चंचल, कपूर, पी.के., तमुरा, वाई. (2024). क्वांटिफिकेशन ऑफ नंबर ऑफ एडॉप्टर्स: ए स्टडी ऑफ शोकेज प्रॉडक्ट्स-सोल्ड एंड प्रॉडक्ट्स-इन-यूज। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट*, *15* (5), 1861-1873.
- गुप्ता, पी., आनंद, ए., अग्रवाल, डी., राम, एम.(2024). यूजिंग एएनएन टू स्टडी द रिलायबिलिटी ऑफ मल्टीपल वर्शन्स ऑफ सॉफ़्टवेयर सिस्टम्स। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिलायबिलिटी*, *क्वालिटी एंड सेफ्टी इंजीनियरिंग जर्नल*, 2440004.
- आनंद, ए., कुमति, ए., सिंह, ओ., चोपड़ा, आर. (2024). पोटेंशियल एडॉप्टर डोमेन डिपेंडेंट इनोवेशन डिफ्यूजन मॉडल्स। मैथेमेटिक्स *इन इंजीनियरिंग, साइंस एंड एयरोस्पेस (एमईएसए), 15* (2).
- अंकिता, ए., खन्ना, ए. (2024). इंटीग्रेटिंग एनवायरमेंटल इंपैक्ट एंड डिजिटल मार्केटिंग स्ट्रेटेजीज फॉर डिटोरिएटिंग आइटम्स विद प्रिजर्वेशन टेक्नोलॉजी इंवेस्टमेंट। *प्रॉसेस इंटीग्रेशन एंड ऑप्टिमाइजेशन फॉर स्स्टेनेबिलिटी*, *8* (4), 1131-1148.
- गुप्ता, ए., खन्ना, ए. (2024). ए होलिएस्टिक एप्रोच टू सस्टेनेबल मैन्यूफैक्चरिंग: रिवर्क, ग्रीन टेक्नोलॉजी एंड कार्बन पॉलिसीज। *एक्सपर्ट सिस्टम्स विद एप्लिकेशन्स, 244*, 122943.
- गुप्ता, ए., खन्ना, ए. (2025). सस्टेनेबल प्रोडक्शन एंड वेस्ट मैनेजमेंट मॉडल कंसिडरिंग वार्म-अप पिरियड विद प्रोडक्ट रिकवरी, *प्रॉसेस इंटीग्रेशन एंड ऑप्टिमाइजेशन फॉर स्स्टेनेबिलिटी*,, *9* (2), 737-758.
- मंडल, के., गुप्ता, ए., खन्ना, ए. (2025). ऑप्टिमाइजिंग सर्कुलरिटी इंडेक्स इन एन एमिशन-कंट्रोल्ड स्मार्ट प्रोडक्शन इंवेंटरी सिस्टम विद प्रोडक्ट रिकवरी। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट*, 1-25.

- अग्रवाल, एजी, तोमर, एस., आनंद, एस., आकाश, ए. (2024). एनालाइजिंग द इंपैक्ट ऑफ फीचर्स एंबेडेड इन कस्टमर्स रिव्यूज ऑफ रीफर्बिश्ड मोबाइल फ़ोन्स आन कस्टमर सेटिस्फेक्शन <? show [AQ ID= GQ3 POS= 24pt]?>. *इंटेलिजेंट डिसीजन टेक्नोलॉजीज़*, 18724981251318456.
- बिब्यान, आर., आनंद, एस., जायसवाल, ए., अग्रवाल, ए.जी.(2024). बग सेवरिटी प्रिडिक्शन यूजिंग एलडीए एंड सेंटीमेंट स्कोर्स: ए सीएनएन एप्रोच। *एक्सपर्ट* सिस्टम्स *प्रणालियाँ*, *41* (7), e13264.
- अग्रवाल, ए.जी., कौर, जी., और यादव, एस. (2024). ए स्टडी ऑफ फैक्टर्स एफेक्टिंग बिहैवियर इंटेंशन ऑफ टूरिस्ट्स टुवर्डस यूनिफाइडड पेमेंट्स इंटरफेस एडॉप्शन इन डेल्ही-एनसीआर रिजन।*इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट*, 1-18.
- अग्रवाल, एजी, आनंद, एस., बिब्यान, आर., वर्मा, वी. (2024). एनालाइजिंग द इफेक्ट्स ऑफ व्हाइट नॉइज़ आन सॉफ़्टवेयर रिलीज़ प्लानिंग यूजिंग एसडीई-बेस्ड एसआरजीएम। *फ़्लक्चुएशन एंड नॉइज़ लेटर्स*, *23* (02), 2440003.
- सिंह, जे., जग्गी, सी. के. (2025). इंटीग्रेटेड ऑप्टिमाइजेशन ऑफ ह्यूमेनिटेरियन रिलीफ चेन्स: ए मल्टी-प्रोडक्ट नॉनलिनियर प्रोग्रामिंग एप्रोच फॉर डिजास्टर लॉजिस्टिक्स अंडर अनसर्टेनिटी।*इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट*, *16* (2), 425-445.
- गौतम, पी., कामना, के.एम., जग्गी, सी. के.(2024). ए होलिस्टिक ऑप्टिमाइजेशन फ्रेमवर्क फॉर प्रोडक्शन, प्राइसिंग एंड प्रिजरवेशन ऑफ डिटोरिएटिंग प्रोडक्ट्स अंडर कार्बन एमिशन पॉलिसीज। *एनवायरमेंट, डेवलपमेंट एंड सस्टेनबिलिटी*, 1-21.
- जग्गी, सी.के., गौतम, पी., अरोड़ा, आर. (2024). ए न्यू एप्रोच फॉर सॉल्विंग वाइलेवल फ्रैक्शनल/क्वडरेटिक ग्रीन ट्रांसपोर्टेशन प्रॉब्लम विद मल्टी-चॉइस पैरामीटर्स अंडर अनसर्टेनिटी। *पेसक्विसा ऑपरेशनल*, *44*, e286992.
- माहेश्वरी, एस., जग्गी, सी. के. (2024). एन्हेंसिंग सप्लाई चेन रेजिलेन्स थ्रू इंडस्ट्री- स्पेसिफिक एप्रोचेज टू मिटिगेटिंग डिसरप्शन्स। *ऑप्सर्च*, 1-34.
- हसन, ए., कौसर, ए., जग्गी, सी.के. (2024). इंवेस्टिगेटिंग द इफेक्ट ऑफ सरकुलेटरी इंडेक्स आन ए क्लोज्ड लूप सप्लाई चेन विद मल्टी-शिपमेंट पॉलिसी। *जर्नल ऑफ क्लीनर प्रोडक्शन*, *470*, 143368.
- अली, एच., नसरीन, आर., अर्नेजा, एन., जग्गी, सी.के. (2024). पीरियाडिक इंवेंट्री मॉडल विद क्ट्रोलेबल लीड टाइम एंड बैक आर्डर डिस्काउंट फॉर डिकेइंग आइटम्स। *ऑप्सर्च*, *61* (3), 1441-1471.
- कामना, के.एम., प्रियंवदा, सिंह, जे., जग्गी, सी.के. (2024). ए ग्रीन स्ट्रेटेजिक एप्रोच टुवर्ड्स ए स्मार्ट प्रोडक्शन सिस्टम विद प्रोमोशनल एंड एन्वायरमेंट सेंसिटिव डिमाण्ड। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट*, *15* (8), 3672-3687।

- गौतम, पी., माहेश्वरी, एस., हसन, ए., जग्गी, सी.के. (2024). ए सिस्टमेटिक लिटरेचर रिव्यू ऑफ इम्परफेक्ट क्वालिटी आइटम्स: चैलेंजेज, अपार्चुनिटीज एंड इनसाइट्स विद रेफरेन्स टू एसडीजीएस। *एनल्स ऑफ ऑपरेशन रिसर्च*, 1-49।
- कौसर, ए., हसन, ए., माहेश्वरी, एस., गौतम, पी., जग्गी, सी.के. (2024). सस्टेनेबल प्रोडक्शन मॉडल विद एडवरटाइजमेंट एंड मार्केट प्राइस डिपेंडेंट डिमाण्ड अंडर साल्वेज ऑप्शन फॉर डिफेक्टिव्स *ऑप्सर्च*, *61* (1), 315-333.
- अग्रवाल, ए.जी., कौर, जी., यादव, एस. (2024). ए स्टडी ऑफ फैक्टर्स एफेक्टिंग बिहैवियर इंटेंशन ऑफ टूरिस्ट्स टूवर्ड्स यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस एडॉप्शन इन दिल्ली-एनसीआर रीजन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट*, 1-18.
- कौर, जी., टंडन, ए., मित्तल, आर., सिंह, ए. (2025). रिलायबिलिटी एसेसमेंट ऑफ कवरेज एक्सक्यूशन ओरियेंटेड सॉफ्टवेयर ग्रोथ मॉडल एंड जेनेटिक एल्गोरिदम-ड्राइवेन रिलीज प्लानिंग। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट*, 1-11.
- बंसल, एस., गर्ग, एन., सिंह, जे., वैन डेर वॉल्ट, एफ. (2024). साइबरबुलिंग एंड मेंटल हेल्थ: पास्ट, प्रेजेंट एंड फ्यूचर। *फ्रंटियर्स इन साइकोलॉजी*, *14*, 1279234.
- बंसल, एस., गर्ग, एन., सिंह, जे. (2025). परपेट्रेटर्स पर्सपेक्टिव आन साइबरबुलिंग:ए क्वालिटेटिव सिस्टमेटिक रिव्यू विद बिबिलोमेट्रिक एनालिसिस। *लाइब्रेरी हाई टेक*, *43* (1), 423-455.
- कुमार, के., कुमार, ए. (2024). एप्लिकेशन ऑफ ऑप्टीमाइजेशन मॉडल्स इन सस्टेनेबल सप्लाई चेन मैनेजमेंट: ए सिस्टमेटिक रिव्यू बेस्ड आन पीआरआईएसएमए गाइडलाइन्स। *प्रॉसेस इंटीग्रेशन एंड ऑप्टिमाइजेशन फॉर* सस्टेनेबिलिटी, 1-28.
- अग्रवाल, के.के., अहमद, एस. (2024). ऑप्टिमाइजिंग आर्डरिंग, प्राइसिंग एंड रिटर्न स्ट्रेटेजीज इन एन एडवांस्ड सेल्स इंवेंटरी सिस्टम विद प्रोडक्ट स्क्रीनिंग। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट*, 1-26.
- अग्रवाल, के.के., अहमद, एस., मलिक, एफ. (2024). एन ईओक्यू मॉडल फॉर जॉइंट आर्डरिंग, प्राइसिंग एंड रिटर्न पॉलिसी विद एडवान्स बुकिंग डिस्काउंट। *ओपीसर्च* , 1-35।
- खान, ए.जेड., गुप्ता, पी., महलावत, एम.के. (2024). ए फ़ज़ी रुल-बेस्ड सिस्टम फॉर पोर्टफोलियो सेलेक्शन यूजिंग टेक्निकल एनालिसिस। *आईईईई ट्रांज़ैक्शन्स* आन *फ़ज़ी सिस्टम्स* , *32* (9), 4861-4875.
- अग्रवाल, यू., महलावत, एम.के., गुप्ता, पी., चार्ल्स, वी. (2024). एन ऑप्टिमाइजेशन मॉडल फॉर सस्टेनेबल मल्टी-कमोडिटी ट्रांसपोर्टेशन प्लानिंग राइरो-ऑपरेशंस रिसर्च। *राइरो-ऑपरेशंस रिसर्च*, *58* (2), 1835-1869.

- यादव, एस., गुप्ता, पी., महलावत, एम.के., कुमार, ए. (2024). ए मल्टीआब्जेक्टिव मल्टी पिरियड पोर्टफोलियो सेलेक्शन एप्रोच विद डिफरेंट इंवेस्टर एटीट्यूड्स अंडर एन अनसर्टेन एनवायरमेंट। *सॉफ्ट कंप्यूटिंग*, *28* (13), 8013-8050.
- शर्मा, पी., महलावत, एम.के., गुप्ता, पी., पामुकर, डी. (2025). क्लस्टर-बेस्ड डिसीजन मेकिंग: ए नोवल एप्रोच फॉर हैंडलिंग लार्ज-स्केल अल्टरनेटिव्स इन रूफटॉप सोलर पीवी साइट सेलेक्शन। *आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रिव्यू*, *58* (4), 1-45.
- आनंद, ए., कुमति, ए., सिंह, ओ., चोपड़ा, आर. (2024). पोटेंशियल एडॉप्टर डोमेन डिपेंडेंट इनोवेशन डिफ्यूजन मॉडल्स। मैथेमेटिक्स इन *इंजीनियरिंग,* साइंस एंड *एयरोस्पेस (एमईएसए) 15* (2).
- सिंह, जे.एन., यादव, ए., सिंह, ओ., आनंद, ए. (2024). एनवायरमेंटल फैक्टर एंड चेंज पॉइंट बेस्ड मॉडलिंग फॉर स्टडिंग रिलायबिलिटी ऑफ ए सॉफ्टवेयर सिस्टम। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट*, 1-11.
- खान, ए.जेड., गुप्ता, पी., महलावत, एम.के. (2024). ए फ़ज़ी रूल- बेस्ड सिस्टम फॉर पोर्टफोलियो सेलेक्शन यूजिंग टेक्निकल एनालिसिस। *आईईईई ट्रांज़ैक्शन्स आन फ़ज़ी सिस्टम्स*, *32* (9), 4861-4875.
- अग्रवाल, यू., महलावत, एम.के., गुप्ता, पी., चार्ल्स, वी. (2024). एन ऑप्टिमाइजेशन मॉडल फॉर सस्टेनेबल मल्टी-कमोडिटी ट्रांस्पोर्टेशन ट्रांसपोर्टेशन प्लानिंग राइरो-ऑपरेशंस रिसर्च। *राइरो-ऑपरेशंस रिसर्च*, *58* (2), 1835-1869.
- यादव, एस., गुप्ता, पी., महलावत, एम.के., कुमार, ए. (2024). ए मल्टीआब्जेक्टिव मल्टी पिरियड पोर्टफोलियो सेलेक्शन एप्रोच विद डिफरेंट इंवेस्टर एटीट्यूड्स अंडर एन अनसर्टेन एनवायरमेंट। *सॉफ्ट कंप्यूटिंग*, *सॉफ्ट कंप्यूटिंग*, *28* (13), 8013-8050।
- शर्मा, पी., महलावत, एम.के., गुप्ता, पी., पामुकर, डी. (2025). क्लस्टर-बेस्ड डिसीजन मेकिंग: ए नोवल एप्रोच फॉर हैंडलिंग लार्ज-स्केल अल्टरनेटिव्स इन रूफटॉप सोलर पीवी साइट सेलेक्शन। *आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रिव्यू* , *58* (4), 1-45.
- शर्मा, आर., कन्नन, डी., दरबारी, जे.डी., झा, पी.सी. (2024). ग्रुप डिसिजन मेकिंग मॉडल फॉर सेलेक्शन ऑफ परफार्मेंस इंडिकेटर्स फॉर सस्टेनेबल सप्लायर इवोल्यूशन इन एग्रो-फुड सप्लाई चेन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्रोडक्शन इकोनॉमिक्स*, *277* , 109353.
- सोलंकी, आर., कन्नन, डी., दरबारी, जे.डी., झा, पी.सी. (2024). आइडेंटिफिकेशन एंड एनालिसिस ऑफ ड्राइवर्स फॉर कार्बन रेगुलेटरी एनवायरमेंटल पॉलिसीज इंप्लेंटेशन इन मैन्यूफैक्चरिंग सप्लाई चेन:ए जीरो कार्बन पर्सपेक्टिव। *क्लीनर लॉजिस्टिक्स और आपूर्ति श्रृंखला*, *11*, 100150.
- गोविंदन, के., झा, पी. सी. (2024). मॉडलिंग ऑफ बैरियर्स इन इंप्लीमेंटिंग सस्टेनेबल मैन्युफेक्चर-सप्लायर कोलेबोरेशन एंड कोपिंग स्ट्रेटेजीज। *जर्नल ऑफ क्लीनर प्रोडक्शन*, *434*, 139635.

- श्रीवास्तव, पीडब्लू, और रानी, एस., पार्शियली एक्सीलरेटेड रिलायबिलिटी डिमान्स्ट्रेशन टेस्ट्स फॉर ए पैरालल सिस्टम विद वेइबुल डिस्ट्रिब्युटेड कंपोनेंट्स अंडर पिरियाडिक इंस्पेक्शन। सेटेटिस्टिक्स एप्लिकेशन, 219.
- आनंद, एस., जायसवाल, ए., वर्मा, वी., सिंह, ए. (2024). मॉडलिंग द इंपैक्ट ऑफ न्वॉइस एंड अनसर्टेन ऑपरेशनल एन्वायरमेंट आन सॉफ्टवेयर रिलीज डिसिजन्स कंसिडरिंग टेस्टिंग कवरेज-बेस्ड एसआरजीएम। *इंटेलिजेंट डिसीजन टेक्नोलॉजीज*, *18* (3), 2339-2352।
- अरोड़ा, आर., मित्तल, आर., आनंद, एस., कपूर, पी.के. (2024). अंडरस्टैंडिंग द इंपैक्ट ऑफ चेंजेज इन एप्लिकेशन कैरेक्टरिस्टिक्स आन एसआरजीएम। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिलायबिलिटी, क्वालिटी एंड सेफ्टी इंजीनियरिंग*, *31* (03), 2450011.
- शर्मा, पी., महलावत, एम.के., गुप्ता, पी., वर्मा, एस. (2025). सेलेक्टिंग ए हेल्थ इमरजेन्सी स्ट्रेटेजी थ्रू लार्ज-स्केल मल्टी-क्राइटीरिया डिसीजन-मेकिंग इंट्यूसनिस्टिक फजी सेल्फ-कांफिडेन्स डेटा। *एप्लाइड सॉफ्ट कंप्यूटिंग*, 113085.
- गुप्ता, एस., खेतान नी गुप्ता, वी. (2024). रिलायबिलिटी एंड परफार्मेंस एनालिसिस ऑफ व्हीक्यूलर फॉग कंप्यूटिंग। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट*, *15* (9), 4355-4369.
- बिष्ट, ए., खेतान, वी. (2025). ए मल्टीपल-इनपुट क्यू मॉडल फॉर परफार्मेंस इवेल्यूशन ऑफ फॉग सर्वर इन एन इंटेलिजेंट व्हीक्यूलर नेटवर्क। *एक्सपर्ट सिस्टम्स विद* एप्लिकेशन्स, *261*, 125538.

पुस्तकें

- आनंद, ए., भट्ट, एन., और अलहाज़मी, ओ.एच. (2025). *सॉफ़्टवेयर वल्नरबिलिटी डिस्कवरी प्रॉसेस: कॉन्सेप्ट्स एंड एप्लिकेसन्स*" रिवर पब्लिशर्स सीरीज़ इन मैथेमेटिकल, स्टैटिस्टिकल एंड कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग फ़ॉर इंजीनियरिंग, रिवर पब्लिशर्स।

संपादित पुस्तक में अध्याय

- बिष्ट, ए. और खेतान, वी. (2025). चैप्टर1 "क्लाउड-इनेबल्ड एचएपी फॉर नेक्स्ट-जेनरेशन रिलायबल नेटवर्क्स: ए डिपेंडेबिलिटी एनालिसिस"। अग्रवाल, डी., आनंद, ए., तमुरा, वाई. और अग्रवाल, एम. (सं.) में। *ऑपरेशनल पर्सपेक्टिव ऑफ मॉडलिंग सिस्टम रिलायबिलिटी: रिसर्च टूल्स फॉर सिस्टम डायनेमिक्स* (पृष्ठ 1-24), डी ग्रुइटर, बर्लिन, बोस्टन।
- नेहा, टंडन, ए., कौर, जी., कपूर, पी.के. (2024). मॉडलिंग सॉफ़्टवेयर रिलायबिलिटी ग्रोथ इनकॉरपोरेटिंग टेस्टिंग कवरेज फ़ंक्शन एंड फॉल्ट फैक्टर। कपूर, पी.के., फाम, एच., सिंह, जी., कुमार, वी. (सं.) में। *रिलायबिलिटी इंजीनियरिंग फॉर इंडस्ट्रियल प्रॉसेसेज। स्प्रिंगर सीरीज इन रिलायबिलिटी इंजीनियरिंग*, (पृष्ठ 181-188)। स्प्रिंगर, चैम।

अनुसंधान परियोजनाएँ

- इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आदर्श आनंद को *सम मॉडलिंग पिक्युलरिटीज इन रिलायबिलिटी ग्रोथ एंड एसेसमेंट ऑफ सॉफ़्टवेयर सिस्टम्स* पर अनुसंधान के लिए 5,00,000 रुपये की स्वीकृति दी गई है।
- इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा अदिति खन्ना को *डेवलपिंग मैन्युफैक्चरिंग सिस्टम्स फॉर एनवायरमेंटल एंड इकोनॉमिक ग्रोथ* पर अनुसंधान के लिए 5,00,000 रुपये की स्वीकृति दी गई है।
- इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा चंद्रा के. जग्गी को *एसेसिंग द इफेक्ट ऑफ सरकुलेटरी इंडेक्स इन एन इंपरफेक्ट प्रोडक्शन सिस्टम विदइन ए क्लोज्ड-लूप सप्लाई चेन* पर अनुसंधान के लिए 5,00,000 रुपये की स्वीकृति दी गई है।
- इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा गुरजीत कौर (सह-पीआई) को *ऑप्टिमाइजिंग रिलीज डिसीजन ऑफ मल्टी-रिलीज सॉफ्टवेयर यूजिंग रिलायबिलिटी ग्रोथ मॉडल विद डायवर्स फ्लो एक्सक्यूशन* पर अनुसंधान के लिए 5,00,000 रुपये की स्वीकृति दी गई है।
- इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा जगविंदर सिंह को *जेंडर डायवर्सिटी आन बोर्ड एंड फर्म्स फिनांसियल डिस्ट्रेस: एविडेंस फ्रॉम इंडिया* पर अनुसंधान के लिए 5,00,000 रुपये की स्वीकृति दी गई है।
- इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा कौशल कुमार को *इंपैक्ट ऑफ वर्चुअल हेल्थकेयर प्रैक्टिस आन पॉलिसी मेकिंग इन हेल्थकेयर* पर अनुसंधान के लिए 5,00,000 रुपये की स्वीकृति दी गई है।
- इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा मुकेश कुमार महलावत को *मल्टी-क्राइटेरिया डिसीजन-मेकिंग मेथड्स टू मॉडल अनसर्टेन रियल-वर्ल्ड सिचुएशन्स* पर अनुसंधान के लिए 5,00,000 रुपये की स्वीकृति दी गई है।
- इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा पंकज गुप्ता को *अनसर्टेन सस्टेनेबल सप्लाई चेन मैनेजमेंट ऑफ पेरिशेबल गुड्स* पर अनुसंधान के लिए 5,00,000 रुपये की स्वीकृति दी गई है।
- इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा समीर आनंद को *एनालाइजिंग द इंफ्लुएंस ऑफ एक्सटर्नल फऐक्टर्स आन सॉफ्टवेयर रिलायबिलिटी एंड डेवलपिंग रिलीज प्लानिंग स्ट्रेटेजीज* पर अनुसंधान के लिए 5,00,000 रुपये की स्वीकृति दी गई है।

- इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय, शिल्पी वर्मा (सह-पीआई), संकाय अनुसंधान कार्यक्रम (एफआरपी) लघु अनुसंधान अनुदान के लिए 5,00,000 रुपये की स्वीकृति दी गई है।

संगोष्ठी आयोजित

- नूतन साहू ने 13 अप्रैल, 2024 को "चर्न प्रिडिक्शन: फ्रॉम डेटा टू डिसीजन्स" विषय पर संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- एचएसबीसी के वरिष्ठ एवीपी - ऑपरेशनल रिसर्च, धर्मेंद्र यादव ने 22 जून, 2024 को "एलिवेट योर प्लेसमेंट प्रॉसपेक्ट्स" विषय पर संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- एक्सेंचर की रिस्पॉन्सिबल एआई लीड अर्चना मंगतानी वालिया ने 29 सितंबर, 2024 को "डाइविंग इनटू रिस्पॉन्सिबल एआई" विषय पर संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- डॉ. बोर्जा मेनेंडेज़, लीड ऑपरेशन्स रिसर्च इंजीनियर, ट्रकस्टर्स ने 13 फरवरी, 2025 को "द इंपैक्ट ऑफ ऑपरेशनल रिसर्च आन बिजनेस" विषय पर संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- डॉ. दीपमाला शर्मा, एसोसिएट डायरेक्टर, एक्सीडेंस ने 28 मार्च, 2025 को एलुमस्फेयर 1.0 में "एकाडेमिया एंड इंडस्ट्री" पर संगोष्ठी में व्याख्यान दिया दिया।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

- डॉ. आदर्श आनंद ने 07 मई, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स के आईक्यूएसी के सहयोग से गणित विभाग में *मैथेमेटिकल मॉडलिंग एंड करियर गाइडेंस* पर एक व्याख्यान में "एप्लिकेशन ऑफ डिफरेंशियल इक्वेशन्स फॉर अंडरस्टैंडिंग टेक्नोलॉजिकल प्रोडक्ट्स एडाप्शन" पर एक व्याख्यान दिया।
- डॉ. आदर्श आनंद ने 21-23 दिसंबर, 2024 तक कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, हरियाणा, भारत द्वारा आयोजित *इंटरनेशनल कान्फ्रेंस आन इनोवेटिव ट्रेंड्स इन स्टेटिस्टिक्स, ऑप्टिमाइजेशन एंड डेटा साइंस (आईसी-आईटीएसओडीएस-2024) के दौरान "*स्ट्रेटेजिक डिसीजन-मेकिंग फॉर कस्टमर रिक्वायरमेंट्स एंड यूटिलिटी थ्योरी-बेस्ड प्रोडक्ट सेलेक्शन*" पर एक व्याख्यान दिया।*
- वरिष्ठ प्रोफेसर चंद्रा के. जग्गी ने 31 जनवरी, 2025 को *'रिसर्च मेथोडोलॉजी'* पर एक सप्ताह की कार्यशाला में 'अंडरस्टैंडिंग रेफरेन्सिंग: कॉन्सेप्ट एंड मैक्सिमाइजिंग ऑनलाइन काइटेशन टूल्स' पर एक व्याख्यान दिया।
- वरिष्ठ प्रोफेसर चंद्रा के. जग्गी ने 21 जनवरी, 2025 को '*अनलॉकिंग एजुकेटर पोटेंशियल: एसेंशियल डेटा एनालिटिक्स स्किल्स एंड एप्लिकेशन्स इन बिजनेस मैनेजमेंट'* विषय पर

ऑनलाइन 6-दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम अनुसूची में 'सप्लाई चेन ऑप्टिमाइजेशन' पर एक व्याख्यान दिया।

- वरिष्ठ प्रोफेसर चंद्रा के. जग्गी ने 21 से 23 दिसंबर, 2024 तक *इनोवेटिव ट्रेंड्स इन स्टेटिस्टिक्स, ऑप्टिमाइजेशन एंड डेटा साइंस (आईसी-आईटीएसओडीएस-2024)* पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'एनहेंसिंग ह्युमेनिटेरियन रिस्पान्स विद एन एडवान्स्ड इन्वेंट्री रिलीफ चेन मॉडल' पर एक व्याख्यान दिया।
- वरिष्ठ प्रोफेसर चंद्रा के. जग्गी ने 22 दिसंबर, 2024 को '*डेटा साइंस इन फाइनेंशियल स्चेटिस्टिक्स एंड प्रिडिक्टिव एनालिसिस विद आर'* पर एक सप्ताह के ऑनलाइन राष्ट्रीय स्तर के संकाय विकास कार्यक्रम में 'एनहेंसिंग ह्युमेनिटेरियन रिस्पान्स विद एन एडवान्स्ड इन्वेंट्री रिलीफ चेन मॉडल' पर एक व्याख्यान दिया।
- वरिष्ठ प्रोफेसर चंद्रा के. जग्गी ने 4-6 अप्रैल, 2024 को '*रिसेंट एडवान्सेज इन मैटेरियल्स साइंस* एंड *कम्प्यूटेशनल टेकनिक्स*' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'इंवेस्टिगेटिंग द सर्कुलेटरी इंडेक्स आन ए क्लोज्ड लूप सप्लाई चेन विद मल्टी-शिपमेंट पॉलिसी' पर एक व्याख्यान दिया।
- डॉ. गुरजीत कौर ने 24-26 फरवरी, 2025 को आईआईटी रुड़की के अनुप्रयुक्त गणित और वैज्ञानिक कंप्यूटिंग विभाग में आयोजित, 13वें *इंटरनेशनल कान्फ्रेंस आन सॉफ्ट कंप्यूटिंग फॉर प्रॉब्लम सॉल्विंग सोकप्रोस 2025* में ' एप्लिकेशन ऑफ सॉफ्ट कंप्यूटिंग इन ऑप्टिमाइजेशन डिसीजन्स फॉर सॉफ्टवेयर यूजिंग रिलायबिलिटी ग्रोथ मॉडल हैविंग डायवर्स कंट्रोल फ्लोज' पर एक व्याख्यान दिया।
- डॉ. गुरजीत कौर ने 21-23 दिसंबर, 2024 के दौरान कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के सांख्यिकी और परिचालन अनुसंधान विभाग में आयोजित *इनोवेटिव ट्रेंड्स इन स्टेटिस्टिक्स, ऑप्टिमाइजेशन एंड डेटा साइंस (आईसी-आईटीएसओडीएस-2024*) *में '* कंट्रोल फ्लो डायवर्सिटी इन रिलायबिलिटी मॉडलिंग फॉर *मल्टी-रिलीज़ सॉफ्टवेयर* ऑप्टिमाइजेशन' शीर्षक पेपर प्रस्तुत किया।
- डॉ. जगविंदर सिंह ने 03 मार्च, 2025 को महाराजा अग्रसेन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'एप्लिकेशन्स ऑफ स्टेटिस्टिक्स इन मैनेजमेंट साइंस' पर एक व्याख्यान दिया।
- डॉ. जगविंदर सिंह ने 19-21 फरवरी, 2025 के दौरान *25वें बिजनेस होराइजन इनबुश एरा वर्ल्ड समिट 2025* में एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'सॉफ्टवेयर रिलायबिलिटी लिटरेचर रिव्यू थ्रू बिब्लियोमेट्रिक एनालिसिस' शीर्षक पेपर प्रस्तुत किया।

- डॉ. कौशल कुमार ने 27 फरवरी, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स में 'फेसिलिटी लोकेशन प्रॉब्लम्स फॉर हेल्थ सिस्टम्स' विषय पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. कौशल कुमार ने आयोजन शैलेश जे. मेहता स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, आईआईटी बॉम्बे द्वारा 12-14 दिसंबर, 2024 तक, *ऑपरेशनल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया (बीएएमएस-ओआरएसआई 2024) के 57 वें वार्षिक सम्मेलन* के हिस्से के रूप में, *'इमर्जिंग ट्रेंड्स इन बिजनेस एनालिटिक्स एंड मैनेजमेंट साइंसेज' पर* आयोजित *अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन* में *'* मैक्सिमम *एन्ट्रॉपी* एप्रोच टू हैंडल अनसर्टेनिटी इन ए फाइव-लेवल क्लोज्ड-लूप सप्लाई चेन*' शीर्षक एक पेपर प्रस्तुत किया।*
- प्रो. मुकेश कुमार महलावत ने 21 जनवरी, 2025 को *'इफेक्टिव ऑपरेशनालाइजेशन ऑफ द समर्थ प्रोजेक्ट'* पर एक दिवसीय कार्यशाला में 'इंट्रोडक्शन टू समर्थ' पर व्याख्यान दिया।
- वरिष्ठ प्रोफेसर पंकज गुप्ता ने 21 से 23 जनवरी, 2025 तक भारतीय सांख्यिकी संस्थान, दिल्ली केंद्र में आयोजित *'कम्प्यूटेशनल ऑपरेशंस रिसर्च एंड एल्गोरिथम गेम थ्योरी'* पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'फ़ज़ी लार्ज-स्केल डिसीजन-मेकिंग मॉडल' पर एक व्याख्यान दिया।
- वरिष्ठ प्रोफेसर पंकज गुप्ता ने 21 से 23 दिसंबर, 2024 तक कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, हरियाणा में आयोजित '*इनोवेटिव ट्रेंड्स इन स्टेटिस्टिक्स, ऑप्टिमाइजेशन एंड डेटा साइंस*' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'ऑप्टिमाइजिंग एसेट पोर्टफोलियोज विद सस्टेनेबल क्राइटेरिया' विषय पर एक व्याख्यान दिया।
- वरिष्ठ प्रोफेसर पीसी झा ने 30 सितंबर, 2024 को *ऑप्टिमाइजेशन विद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड सॉफ्ट-कंप्यूटिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीओएआईएससी-2024) में* 'असेसिंग द इंपैक्ट ऑफ ओमनी-चैनल रिटेलिंग: इवेलुएटिंग स्टोर परफॉर्मेंस पोस्ट बीओपीएस इंपलिमेंटेशन यूजिंग डीईए' विषय पर एक व्याख्यान दिया।
- वरिष्ठ प्रोफेसर पी.सी. झा ने 21 दिसंबर, 2024 को '*इनोवेटिव ट्रेंड्स इन स्टेटिस्टिक्स, ऑप्टिमाइजेशन एंड डेटा साइंस पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसी-आईटीएसओडीएस-2024)* में 'ओमनी-चैनल रिटेल ऑपरेशंस मैनेजमेंट: एन ओवरव्यू एंड फ्यूचर रिसर्च डायरेक्शन्स' पर एक व्याख्यान दिया।
- वरिष्ठ प्रोफेसर पी. सी. झा ने 05 मार्च, 2025 को रिसेंट ट्रेंड्स एंड इनोवेशन्स इन मैथेमेटिक्स, *स्टेटिस्टिक्स एंड साइंटिफिक कंप्यूटिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसी-आरटीआईएमएसएससी-2025) में* 'टोटल क्वालिटी मैनेजमेंट एंड सिक्स सिग्मा: केटालिस्ट्स फॉर आर्गेनाइजेशनल एक्जीलेंस' पर एक व्याख्यान दिया।

- डॉ. शिल्पी वर्मा ने 22 दिसंबर, 2024 को '*इनोवेटिव ट्रेंड्स इन स्टेटिस्टिक्स, ऑप्टिमाइजेशन एंड डेटा साइंस पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसी-आईटीएसओडीएस-2024)* में 'मल्टी-एट्रीब्यूट ग्रुप डिसीजन-मेकिंग अंडर ट्रायंगुलर पाइथागोरस फ़ज़ी एनवायरमेंट' पर एक व्याख्यान दिया।
- डॉ. वंदना खेतान ने 25 फरवरी, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के जीसस एंड मैरी कॉलेज के गणित विभाग के वार्षिक कार्यक्रम *मथारेना '25* के हिस्से के रूप में आयोजित *'मैथेमेटिकल होराइजन्स: एन एक्सपर्ट टॉक सीरीज'* में 'मार्कोव चेन इन डेटा साइंस' पर एक व्याख्यान दिया।
- डॉ. वंदना खेतान ने 24 मार्च, 2025 को बेनेट विश्वविद्यालय में *जेनरेटिव एआई एंड इट्स इंपैक्ट आन कंप्यूटिंग एप्लिकेशन्स पर संकाय विकास कार्यक्रम* में 'फंडामेंटल्स ऑफ प्रोबेबलिटी डिस्ट्रिब्यूशन्स' पर एक व्याख्यान दिया।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

दिल्ली विश्वविद्यालय का ऑपरेशनल रिसर्च विभाग, पूरे वर्ष सक्रिय रूप से विभिन्न प्रकार की विस्तार और आउटरीच गतिविधियों में व्यस्त रहा, विभाग अपनी समृद्ध परंपरा और विरासत का उत्सव मनाते हुए सामाजिक जिम्मेदारी की संस्कृति को बढ़ावा दे रहा है। 3 फरवरी, 2025 को पूर्व छात्र संबंध प्रकोष्ठ के छात्रों द्वारा सरस्वती पूजा का आयोजन किया गया। 1 मार्च, 2025 को विभाग ने ओरियन - द एलुमनाई मीट 2025 की मेजबानी की, जिसमें कई बैचों के पूर्व छात्रों की उत्साही भागीदारी देखी गई। वरिष्ठ पूर्व छात्रों ने अपने कार्य जीवन की यात्रा और सुखद यादों को साझा करने के लिए मंच संभाला और छात्रों को आत्मविश्वास और दृढ़ भरोसे के साथ ऑपरेशनल रिसर्च के अनुशासन को अपनाने के लिए प्रेरित किया। यह विभाग शैक्षणिक शिक्षा को सामाजिक जागरूकता के साथ मिश्रित करने के अपने निरंतर प्रयासों में, शिक्षा जगत और उद्योग से वक्ताओं को आमंत्रित करता है

प्रदत्त एम.फिल./पीएचडी डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी. :3

संकाय संख्या

कुल: 17 (सत्रह) - (वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर - 10, एसोसिएट प्रोफेसर - 04 और सहायक प्रोफेसर - 03)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- सीनियर प्रोफेसर चंद्र के. जग्गी को दो साल (1 जनवरी, 2025 से 31 दिसंबर, 2026) के लिए ऑपरेशनल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया (ओआरएसआई) का अध्यक्ष चुना गया।

- एमओआर के छात्र आयुष रावत ने एक सुलभ मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के उद्देश्य से मेंटकुरा नामक एक मानसिक स्वास्थ्य स्टार्टअप शुरू किया है। यह उद्यम वर्तमान में दिल्ली विश्वविद्यालय के उद्यमशीलता फाउंडेशन के मार्गदर्शन में प्री-इन्क्यूबेशन चरण में है। मेंटकुरा अब निवेश के लिए तैयार है और अपने विकास और पहुँच को गति देने के लिए, सक्रिय रूप से संभावित निवेशकों से वित्तपोषण के अवसरों की तलाश कर रहा है, इस प्रयास में उद्यमशीलता फाउंडेशन का सहयोग भी शामिल है।
- प्रो. ओमपाल सिंह ने दो सम्मेलनों में सत्रों की अध्यक्षता की: आईसी-आईटीएसओडीएस-2024 (21-23 दिसंबर, 2024) और आईसीआरटीईटीबीएम-2025 (19-21 फरवरी, 2025), ये सत्र सांख्यिकी, अनुकूलन, इंजीनियरिंग और व्यवसाय प्रबंधन पर केंद्रित थे।
- डॉ. कौशल कुमार ने ऑपरेशनल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया (बीएएमएस-ओआरएसआई 2024) के 57वें वार्षिक सम्मेलन के हिस्से के रूप में आयोजित 'बिजनेस एनालिटिक्स और मैनेजमेंट साइंसेज में उभरते रुझान' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की। इसका आयोजन शैलेश जे. मेहता स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, आईआईटी बॉम्बे द्वारा 12-14 दिसंबर, 2024 तक किया गया था।
- डॉ. जगविंदर सिंह ने 19-21 फरवरी, 2025 को एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा में आयोजित '25वें बिजनेस होराइजन इनबुश एरा वर्ल्ड समिट 2025' में एक सत्र की अध्यक्षता की।
- डॉ. गुरजीत कौर ने 12-13 अप्रैल, 2024 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के गणितीय विज्ञान संकाय द्वारा आयोजित 'विकसित भारत@2047 के लिए गणितीय विज्ञान' पर दो दिवसीय कार्यशाला में आयोजन समिति के सदस्य के रूप में योगदान दिया। उन्होंने फरवरी 2025 में दो अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों: एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा में आईसीआरटीईटीबीएम-2025, और आईआईटी रुड़की में सोकप्रोएस 2025 में सत्रों की अध्यक्षता भी की, जिसे अनुप्रयुक्त गणित और वैज्ञानिक कंप्यूटिंग विभाग द्वारा आयोजित किया गया था।

सांख्यिकी विभाग

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

सांख्यिकी विभाग सांख्यिकी के विविध क्षेत्रों में अनुसंधान और अध्यापन में संलग्न है। इसने अनुसंधान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए सांख्यिकी की शक्ति और कंप्यूटर के ज्ञान का उपयोग किया है। विभाग का मुख्य उद्देश्य सांख्यिकी के क्षेत्र में बुनियादी और अनुप्रयुक्त अनुसंधान करना और प्रशिक्षित जनशक्ति का विकास करना है। विभाग सांख्यिकी में दो डिग्री-उन्मुख कार्यक्रम, अर्थात् एमए/एमएससी और पीएचडी, प्रदान करता है, जिनके पाठ्यक्रम में सांख्यिकी के विभिन्न क्षेत्रों के उभरते और प्रमुख क्षेत्रों को शामिल किया जाता है। विभाग भारत और विदेश के प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा विशेष आमंत्रित वार्ताओं का भी आयोजन करता है। प्रतिष्ठित प्रोफेसरों ने शोध वार्ता देने और संकाय सदस्यों और छात्रों के साथ बातचीत करने के

लिए विभाग का दौरा किया। विभाग ने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों/संगठनों में छात्रों को उपयुक्त प्लेसमेंट दिलाने में बड़ी सफलता प्राप्त की है।

सम्मान/विभूतियां

संकाय

- डॉ. ड्रीमली शर्मा को 21-23 दिसंबर, 2024 को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सांख्यिकी और परिचालन अनुसंधान विभाग द्वारा आयोजित आईएसपीएस के 44वें वार्षिक सम्मेलन में आईएसपीएस युवा सांख्यिकीविद् पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया।

- डॉ. मनोज कुमार को अंतर्राष्ट्रीय सांख्यिकीय बिरादरी (आईएसएफ), सांख्यिकी बिरादरी केरल (एसएफके), केरल सांख्यिकी संघ (केएसए), सांख्यिकी विभाग, भौतिक और गणितीय विज्ञान स्कूल, केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेंद्रम, भारत द्वारा आयोजित रिसेंट ट्रेंड्स इन स्टेटिस्टिकल थ्योरी एंड एप्लिकेशन्स -2024 (डब्ल्यूएसटीए 2024) पर नौवें अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति पुरस्कार प्रदान किया गया।

प्रकाशन

- भंडारी, एम.एस., मैखुरी, एस., बिष्ट, ए., चंद्रा, जी. (2024). सिम्पल एडिटिव वेटिंग मेथड (एसएडब्ल्यू) ऑफ डिसीजन मेकिंग लीड्स टू द जेनेटिक इवोल्यूशन ऑफ द मेच्योर्ड पैरेंटल एंड प्रोजेनी ट्रायल्स इन यूकेलिप्टस, *इंडियन फॉरेस्टर*, *150* (5)।
- भोज, डी. एस., चंद्रा, जी. (2024). वेटेड रैंक्ड सेट सैम्पलिंग फॉर स्क्यूड डिस्ट्रीब्यूशन्स. मैथेमेटिक्स, *12* (13), 2023.
- देवेंद्रन, आर., कुमार, एम., घोष, डी., योगिंद्रन, एस., करीम, एमजे, चक्रवर्ती, एस. (2022). कैप्सिकम-इंफेक्टिंग बेगोमावायरस एज ग्लोबल पैथोजेन्स: होस्ट-वायरस इंटरप्ले, पैथोजेनेसिस एंड मैनेजमेंट. *ट्रेंड्स इन माइक्रोबायोलॉजी*, *30* (2), 170-184.
- साहा, एम., पारीक, पी., माहेश्वरी, एस., पांडे, ए. (2024). टाइम ट्रंकेटेड एट्रिब्यूट मीडियन कंट्रोल चार्ट्स फॉर लॉजिस्टिक-एक्सपोनेंशियल प्रोसेस डिस्ट्रीब्यूशन. *स्टोकेस्टिक्स एंड क्वालिटी कंट्रोल*, *39* (2), 91-104.
- सिंह, पी., शुक्ला, एच. (2023). यूनिफार्म मिक्स्चर डिजाइन्स यूजिंग डिज़ाइन्स इन 2-डायमेंशनल स्फेरिकल रीजन. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट*, *14* (5), 1888-1897.
- सिंह, पूनम, मजूमदार, एम.डी., बाबू, एस. (2023). मैपेबल नियरली ऑर्थोगोनल ऐरेज यूजिंग प्रोजेक्टिव ज्योमेट्री. *टर्किश जर्नल ऑफ कंप्यूटर एंड मैथेमेटिक्स एजुकेशन (टीयूआरसीओएमएटी), 14 (03),* 454-464.
- कृष्णम्बिका, एन., चंद्रा, जी., थियाहराजन, एम., डिमरी, बी.एम. (2024). कैन फॉरेस्ट फायर कॉग्निजेन्स गार्नर कम्युनिटी सपोर्ट फॉर पायर प्रिवेन्शन? एविडेंस फ्रॉम द साल फॉरेस्ट ऑफ नॉदर्न इंडिया। *ह्युमन इकोलॉजी*, *52* (3), 579-589.

- कृष्णम्बिका, एन., चंद्रा, जी., थियाहराजन, एम., डिमरी, बी.एम. (2024). इफेक्ट्स ऑफ फॉरेस्ट फायर आन कम्युनिटी स्ट्रक्चर इन साल (शोरिया रोबस्टा गार्टन) डोमिनेटेड फॉरेस्ट्स ऑफ देहरादून. *इंडियन फॉरेस्टर*, *150* (9).
- डे, एस., वांग, एल., साहा, एम. (2024). इन्फ़रेंस ऑफ एसएमपीके (S pmk′) बेस्ड आन बायेस-करेक्टेड मेथड्स ऑफ एस्टिमेशन फॉर जेनरलाइज्ड एक्सपोनेंटल डिस्ट्रीब्यूशन. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट*, *15* (11), 5265-5278।
- साहा, एम., और दत्ता, एस., बायेसियन नॉन-बायेसियन इन्फ़रेंस ऑफ द प्रॉसेस कैपेसिटी इंडेक्स एसपीके (S'_{pk}) अंडर प्रोग्रेसिव टाइप-II राइट सेंसर्ड स्कीम. *क्वालिटी एंड रिलायबिलिटी इंजीनियरिंग इंटरनेशनल*, *41* (1), 449-463.
- सिंह, पी., मजूमदार, एम., बाबू, एस. (2024). कंस्ट्रक्शन ऑफ नियरली ऑर्थोगोनल ऐरेज मैपेबल टू टाइट ऑर्थोगोनल ऐरेज ऑफ स्ट्रेंथ टू यूजिंग प्रोजेक्टिव ज्योमेट्री. *स्टेटिस्टिक्स एंड एप्लिकेशन्स,* 22, 307–322.
- सिंह, पी., शुक्ला, एच. (2024). यूनिफार्म मिक्स्चर डिजाइन इन एलिपस्वायडल रीजन फॉर अनकंस्ट्रेन्ड मिक्स्चर एक्स्पेरिमेंट्स. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ* एग्रीकल्चर एंड स्टेटिस्टिकल साइंसेज, *20* (2).
- पांडे, ए., सिंह, पी.के., साहा, एम., ए न्यू लाइफ टाइम डिस्ट्रीब्यूशन: स्टेटिस्टिकल इन्फ़रेंस एंड इट्स एप्लिकेशन्स. *स्टेटिस्टिक्स एंड एप्लिकेशन्स, 22* (2), 91-108.
- मीतेई, केबी, त्सोपो, एम., चंद्रा, जी., मुखोपाध्याय, डी., गिरि, के. (2025) इकोसिस्टम प्रोडक्टिविटी एंड कार्बन डायनेमिक्स इन केइबुल लामजाओ नेशनल पार्क, मणिपुर, इंडिया: ए ग्रे रिलेशनल एनालिसिस पर्सपेक्टिव. एन्वायरमेंटल मॉनिटरिंग एंड एसेसमेंट, *197* (2), 1-18.
- तिवारी, एन., चंद्रा, जी., भारी, एस., बनर्जी, जे. (2025). एस्टिमेशन ऑफ लोकेशन एंड स्केल पैरामीटर्स ऑफ लॉगनॉर्मल डिस्ट्रीब्यूशन यूजिंग मीडियन विद एक्सट्रीम रैंक्ड सेट सैंपलिंग, *सांख्य बी*, 1-27.
- तिवारी, एन., चंद्रा, जी., भारी, एस., रैंक्ड सेट सेम्पलिंग मॉडल फॉर रेस्पान्स एस्टीमेशन ऑफ डेवलपमेंटल प्रोग्राम्स विद एक्स्पोनेंशियल इंपैक्ट्स।
- कुमारा, डी., गोयल, ए., पारीक, पी., साहा, एम. (2024). न्यू एक्स्टेंशन ऑफ इन्वर्टेड मॉडिफाइड लिंडले डिस्ट्रीब्यूशन विद एप्लिकेशन्स. *रिलायबिलिटी: थ्योरी एंड एप्लिकेशन्स*, *19* (3 (79)), 788-804.
- निवास, आर., बुरा, जी.एस. (2025). रिलायबिलिटी एंड प्रॉफिट एनालिसिस ऑफ ए ज्योमेट्रिक प्रॉसेस रिपेयर मॉडल विद फेल्योर फ्री वारंटी पॉलिसी. *लाइफ साइकल रिलायबिलिटी* एंड *सेफ्टी इंजीनियरिंग*, 1-10.
- साहा, एम., कुमार, एस., पारीक, पी., डूडवाल, जी., मीना, बी. (2025). पैरामेट्रिक कॉन्फिडेंस इंटरवेल्स ऑफ जेनरलाइज्ड प्रॉसेस कैपेबिलिटी इंडेक्स फॉर फिनिट मिक्स्चर डिस्ट्रिब्यूशन्स. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट* , 1-10।
- गर्ग, एस., पात्रो, आर.के., बेहरा, एस., तिग्गा, एनपी, और पांडे, आर. (2025). एन ओवरलैपिंग स्लाइडिंग विंडो एंड कंबाइन्ड फीचर्स बेस्ड इमोशन रिकग्नेशन सिस्टम फॉर ईईजी सिग्नल्स. *एप्लाइड कंप्यूटिंग एंड इंफॉर्मेटिक्स* , *21* (1/2), 114-130।

अनुसंधान परियोजनाएँ

- इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा डॉ. गिरीश चंद्र को 5,00,000 रुपए के संकाय अनुसंधान कार्यक्रम (एफआरपी) अनुदान की स्वीकृति दी गई।
- इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा डॉ. देवेंद्र कुमार को 5,00,000 रुपए के संकाय अनुसंधान कार्यक्रम (एफआरपी) अनुदान की स्वीकृति दी गई।
- इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा डॉ. महेंद्र साहा को 5,00,000 रुपए के संकाय अनुसंधान कार्यक्रम (एफआरपी) अनुदान की स्वीकृति दी गई।
- इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. मनोज कुमार, संकाय अनुसंधान कार्यक्रम (एफआरपी) अनुदान, ₹ 5,00,000
- इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा डॉ. सुमित कुमार को 5,00,000 रुपए के संकाय अनुसंधान कार्यक्रम (एफआरपी) अनुदान की स्वीकृति दी गई।

संगोष्ठी/सम्मेलन आयोजित

दिल्ली विश्वविद्यालय के गणितीय विज्ञान संकाय की ओर से, सांख्यिकी विभाग (संयोजक के रूप में) ने संकाय की स्वर्ण जयंती के अवसर पर 12-13 अप्रैल, 2024 को “विकसित भारत 2047 के लिए गणितीय विज्ञान” पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

- प्रो. पूनम सिंह

    - 21-23 दिसंबर, 2024 के दौरान कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में "इनोवेटिव ट्रेंड्स इन स्टेटिस्टिक्स, ऑप्टिमाइजेशन एंड डेटा साइंस" पर आईएसपीएस सम्मेलन में "यूनिफार्म मिक्स्चर डिजाइन्स फॉर एलपस्वायडल रीजन्स" पर एक व्याख्यान दिया।

- प्रो. रंजीता पांडे

    - 13-16 दिसंबर, 2024 के दौरान सांख्यिकी विभाग, केरल विश्वविद्यालय, भारत द्वारा 21वीं सदी -2024 के लिए सांख्यिकी पर दसवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएसटीसी-2024) में *रिलिजन वाइज पॉपुलेशन ट्रांजिशन इन इंडिया* पर एक व्याख्यान दिया।
    - 06-08 जनवरी, 2025 को सांख्यिकी विभाग, विज्ञान संस्थान, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी-221005 द्वारा आयोजित, *रिसेंट डेवलपमेंट्स इन द टेक्निक्स ऑफ बायेसियन पैराडाइम* पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "बायेस प्रैक्टिस: असाइनिंग प्रायर्स एंड मेकिंग डिसीजन्स " विषय पर व्याख्यान दिया।

- डॉ. गिरीश चंद्र

    - 23 अप्रैल, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के पीजीडीएवी कॉलेज की सांख्यिकी सोसाइटी द्वारा *एसकेईडब्ल्यूएसआईओएन'एस (SKEWSION'S) 24* पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला के दौरान "सम एप्लाइड स्टेटिस्टिकल मेथड्स फॉर फॉरेस्ट्री एक्स्पेरिमेंट्स" पर एक व्याख्यान दिया।
    - 24-26 मई, 2024 को एसबीपी पुणे विश्वविद्यालय में "एडवान्सेज इन डेटा एनालिटिक्स एंड ऑफिसियल स्टेटिस्टिक्स" पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "आन ऑप्टिमल रैंक्ड सेट सैंपलिंग" विषय पर एक व्याख्यान दिया।
    - 03-09 जुलाई, 2024 को शेर-ए-कश्मीर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय जम्मू के कृषि सांख्यिकी विभाग में राष्ट्रीय प्रशिक्षण के दौरान " डिजिटल लिटरेसी: एम्पावरिंग एग्रीकल्चरल स्टूडेंट्स" पर एक सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में "नॉन पैरामीट्रिक मेथड्स एंड एप्लिकेशन्स" पर एक व्याख्यान दिया।
    - 27-31 दिसंबर, 2024 के दौरान सीयूएसएटी, केरल और आईआईएसए द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "आईआईएसए वार्षिक सम्मेलन" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "रैंक्ड सेट सैंपलिंग बेस्ड आन ऑप्टिमल वेट" पर एक व्याख्यान दिया।
    - 21-23 दिसंबर, 2024 के दौरान कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र द्वारा "इनोवेटिव ट्रेंड्स इन स्टेटिस्टिक्स, ऑप्टिमाइजेशन एंड डेटा साइंस" पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "नॉन-डिस्ट्रक्टिव मेथड्स फॉर डेवलपिंग रिग्रेशन मॉडल्स टु एस्टिमेट टिम्बर वॉल्यूम ऑफ ट्रीज: ए केस स्टडी" पर एक व्याख्यान दिया।

- डॉ. देवेंद्र कुमार

    - 29 जून, 2024 को केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेंद्रम के सांख्यिकी विभाग द्वारा "रिसेंट ट्रेंड्स इन स्टेटिस्टिकल थ्योरी एंड एप्लिकेशन" पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में "एन एक्स्टेंशन ऑफ लॉग-लॉजिस्टिक डिस्ट्रीब्यूशन: प्रॉपर्टीज एंड डिफरेंट मेथड्स ऑफ एस्टिमेशन विद एप्लिकेशन" पर एक व्याख्यान दिया।
    - 23-28 सितंबर, 2024 तक मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेरठ के कंप्यूटर एप्लिकेशन विभाग द्वारा "रिसेंट ट्रेंड्स इन डेटा साइंस एंड बिजनेस एनालिटिक्स" पर 6 दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया।
    - दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, गया के गणित, सांख्यिकी और कंप्यूटर विज्ञान स्कूल द्वारा 24-26 अक्टूबर, 2024 तक यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत "रिसेंट एडवांसमेंट्स इन मैथेमेटिक्स, स्टेटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस" पर दो सप्ताह का पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।

- डॉ. महेंद्र साहा

    - 27-31 दिसंबर, 2024 को कलकत्ता विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग द्वारा कलकत्ता संभाव्यता और सांख्यिकी पर आयोजित ग्यारहवीं अंतर्राष्ट्रीय त्रिवार्षिक संगोष्ठी, 2024 में "आन द एस्टिमेशन ऑफ जेनरलाइज्ड लाइफटाइम परफार्मेंस इंडेक्स बेस्ड आन एक्सपोनेंशिएटेड एक्सपोनेंशियल डिस्ट्रीब्यूटेड कैरेक्टरिस्टिक्स अंडर प्रोग्रेसिव सेंसरिंग" विषय पर व्याख्यान दिया।

- डॉ. गुलाब सिंह

    - 21-23 दिसंबर, 2024 के दौरान कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में "इनोवेटिव ट्रेंड्स इन स्टेटिस्टिक्स, ऑप्टिमाइजेशन एंड डेटा साइंस" पर आयोजित आईएसपीएस सम्मेलन में "मैक्सिमम लाइकलीहूड एंड बायेसियन एस्टिमेशन आन M/M/1 क्यूइंग मॉडल विद बाल्किंग" पर एक व्याख्यान दिया।

- डॉ. ड्रीमली शर्मा

    - एमएमटीटीसी, हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा 18 जून से 15 जुलाई, 2024 तक आयोजित चार सप्ताह का ऑनलाइन "संकाय प्रेरण कार्यक्रम" पूरा किया और ग्रेड 'ए+' प्राप्त किया।
    - 5 नवंबर से 9 नवंबर 2024 तक आईआईसी और ईडीसी के सहयोग से बेंगट कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के आईटी, सीएसई, सीएसई (एआई/एमएल) और सीएसई 9डेटा साइंस विभाग द्वारा आयोजित "नेक्स्ट जेनरेशन टेक्लोलॉजीज इन इंफार्मेशन एंड कम्यूनिकेशन" पर संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) में संसाधन व्यक्ति रहीं।
    - 05-06 दिसंबर, 2024 को सांख्यिकी विभाग, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, डिब्रूगढ़, असम द्वारा आयोजित रिसेंट एडवांसमेंट इन स्टेटिस्टिक्स एंड इट्स एप्लिकेशन्स (आईसीआरएएसए) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "मॉडलिंग, एस्टिमेशन एंड एप्लिकेशन्स ऑफ एन एक्सटेंडेड इनवर्स डिस्ट्रिब्यूशन" पर एक व्याख्यान दिया।

- डॉ. मनोज कुमार

    - "रिसेंट ट्रेंड्स इन स्टेटिस्टिकल थ्योरी एंड एप्लिकेशन्स-2024" (डब्ल्यूएसटीए-2024) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "ई-बायेसियन इंफेरेंस फॉर एक्सपोनेंशियेटेड एक्सपोनेंशियल डिस्ट्रिब्यू शन अंडर प्रोग्रेसिव टाइप- II सेंसरिंग विद बीटा-बाइनोमियल रिमुवल्स" पर एक व्याख्यान दिया।

- गणित विभाग, जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा द्वारा 15-19 जुलाई, 2024 को "प्रोबेबिलिटी एंड स्टेटिस्टिक्स: एन एक्सप्लोरेशन ऑफ टूल्स एंड टेक्निक्स विद देयर रियल-लाइफ एप्लिकेशन्स" विषय पर आयोजित पांच दिवसीय एफडीपी में संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया।
- 15-17 अक्टूबर, 2024 को गणित विभाग, श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007 द्वारा आयोजित गणितीय विज्ञान और उसके अनुप्रयोगों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएमएस 2024) में "बायेसियन एंड ई-बायेसियन इनफरेंसेज फॉर लाइफ टाइम डिस्ट्रीब्यूशन अंडर सेंसर्ड डेटा" पर एक व्याख्यान दिया।
- 21-23 दिसंबर, 2024 को सांख्यिकी विभाग और डीएसटी-सीआईएमएस, विज्ञान संस्थान, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी-221005 द्वारा आयोजित रिलायबिलिटी थ्योरी एंड सरवाइवल एनालिसिस पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला (आईडब्ल्यूआरटीएसए 2024) में "कंपरेटिव एनालिसिस ऑफ बायेसियन एंड ई-बायेसियन इनफेरेंस फॉर लाइफ टाइम मॉडल अंडर प्रोग्रेसिवली सेंसर्ड डेटा" पर एक व्याख्यान दिया।
- सांख्यिकी विभाग, विज्ञान संस्थान, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी-221005 द्वारा आयोजित, 06-08 जनवरी, 2025 को बायेसियन प्रतिमान की तकनीकों में हालिया विकास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "ई-बायेसियन इनफेरेंस फॉर इंवर्टेड एक्सपोनेंशियल डिस्ट्रीब्यूशन अंडर एडेप्टिव प्रोग्रेसिव टाइप- II सेंसरिंग" पर एक व्याख्यान दिया।
- अंतर्राष्ट्रीय सांख्यिकी बिरादरी (आईएसएफ), सांख्यिकी बिरादरी केरल (एसएफके), केरल सांख्यिकी एसोसिएशन (केएसए), सांख्यिकी विभाग, भौतिक और गणितीय विज्ञान स्कूल, केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनंतपुरम, भारत द्वारा सांख्यिकीय सिद्धांत और अनुप्रयोगों में हालिया रुझानों पर आयोजित नौवें अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार-2024 (डब्लूएसटीए 2024) में "ई-बायेसियन इनफेरेंस फॉर एक्सपोनेंशिएटेड एक्सपोनेंशियल डिस्ट्रीब्यूशन अंडर प्रोग्रेसिव टाइप-II सेंसरिंग विद बीटा-बाइनोमियल रिमूवल" पर एक व्याख्यान दिया।
- यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्गत एनईपी अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम में "रिसर्च स्किल" पर व्याख्यान दिया। यह कार्यक्रम 28 मार्च, 2025 से 9 अप्रैल, 2025 तक ऑनलाइन आयोजित किया गया था।

डॉ. सुमित कुमार

- क्राइस्ट यूनिवर्सिटी बैंगलोर द्वारा 22-28 अक्टूबर, 2024 के दौरान आयोजित राष्ट्रीय स्तर की एफडीपी - एडवांस्ड स्टेटिस्टिकल टेक्निक फॉर एकेडमिक एक्जीलेंस इन डेटा एनालिटिक्स (एफडीपीएएसटीएईडीए-2024)।

- सांख्यिकी विभाग, बीएचयू, वाराणसी, भारत द्वारा 21-23 दिसंबर, 202 को आयोजित इंटरनेशनल वर्कशॉप आन रिलायबिलिटी थ्योरी एंड सरवाइवल एनालिसिस।
- कलकत्ता विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग और कलकत्ता सांख्यिकी संघ द्वारा 27 से 30 दिसंबर, 2024 तक आयोजित प्रोबेबिलिटी एंड स्टेटिस्टिक्स पर ग्यारहवीं अंतर्राष्ट्रीय त्रिवार्षिक कलकत्ता संगोष्ठी, 2024 में "टाइम ट्रंकेटेड एट्रीब्यूट मीन कंट्रोल चार्ट फॉर फिनिट मिक्स्चर डिस्ट्रिब्यूशन्स" शीर्षक पेपर प्रस्तुत किया।
- एनआईटी कालीकट, भारत के गणित विभाग द्वारा 30 जनवरी से 1 फरवरी, 2025 तक आयोजित अनुप्रयुक्त संभाव्यता, सांख्यिकी और स्टोकेस्टिक प्रक्रियाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "पैरामीट्रिक कॉन्फिडेंस इंटरवल्स ऑफ कैपेबिलिटी इंडेक्स फॉर एक्सगामा एंड आकाश डिस्ट्रिब्यूशन्स" पर व्याख्यान दिया।

- डॉ. सुमन जायसवाल

    - एमएमटीटीसी, हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा 18 जून से 15 जुलाई, 2024 तक आयोजित चार सप्ताह का ऑनलाइन "संकाय प्रेरण कार्यक्रम" पूरा किया और ग्रेड 'ए+' प्राप्त किया।
    - सांख्यिकी विभाग, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, डिब्रूगढ़, असम द्वारा 05-06 दिसंबर, 2024 को आयोजित सांख्यिकी और उसके अनुप्रयोगों में हालिया प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "कास्ट बेनिफिट एनालिसिस ऑफ ए स्टोकेस्टिक मॉडल ऑफ ए नुडल्स मैन्युफैक्चरिंग सिस्टम" पर एक व्याख्यान दिया।

- डॉ. जुबेर अख्तर

    - 21-23 दिसंबर, 2024 के दौरान कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र द्वारा आयोजित "सांख्यिकी, अनुकूलन और डेटा विज्ञान में नवीन रुझान" विषय पर आईएसपीएस सम्मेलन में "इंफेरेंस बेस्ड आन आर्डर स्टेटिस्टिक्स फ्रॉम द जेनरलाइज्ड बिलाल डिस्ट्रीब्यूशन एंड एप्लिकेशन" शीर्षक पेपर प्रस्तुत किया।

प्लेसमेंट विवरण (नियुक्त छात्रों की संख्या एवं प्रतिशत)

49 और 53%

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- उड़ान- सामाजिक-सांस्कृतिक प्रकोष्ठ
    - उड़ान-सामाजिक-सांस्कृतिक प्रकोष्ठ ने 2 अप्रैल, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग में रक्तदान अभियान का आयोजन किया।

- सांख्यिकी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के उड़ान-सामाजिक-सांस्कृतिक प्रकोष्ठ द्वारा 5 सितंबर, 2024 को शिक्षक दिवस का आयोजन।
- सांख्यिकी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के उड़ान-सामाजिक-सांस्कृतिक प्रकोष्ठ द्वारा 22 नवंबर, 2024 को फ्रेशर्स x उल्हास का आयोजन।
- सांख्यिकी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के उड़ान-सामाजिक-सांस्कृतिक प्रकोष्ठ ने ने 15 जनवरी से 17 जनवरी, 2025 तक कपड़ा संग्रह अभियान का आयोजन किया।
- सांख्यिकी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के उड़ान-सामाजिक-सांस्कृतिक प्रकोष्ठ ने 31 जनवरी, 2025 को सरस्वती पूजा का आयोजन किया।
- उड़ान-सामाजिक-सांस्कृतिक प्रकोष्ठ ने 24 फरवरी, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग में रक्तदान अभियान का आयोजन किया।

- हेरिटेज क्लब
    - 20 अप्रैल 2024 को हेरिटेज वॉक।
    - 27 फरवरी, 2024 को आईएसएस वेबिनार।
    - 23 अक्टूबर 2024 को दीपावली के अवसर पर रंगोली उत्सव।
    - 9 दिसंबर, 2024 को वार्षिक खेल दिवस मनाया गया।
    - 21 फरवरी 2025 को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया गया।
    - 29 मार्च 2025 को हेरिटेज वॉक।
- प्लेसमेंट सेल
    - एसक्यूएल: बेसिक से एडवांस्ड कार्यशाला 6 अप्रैल से 7 अप्रैल, 2024 तक।
    - 20 अप्रैल, 2024 को हमारे दो पूर्व छात्रों के साथ "डेट इंडस्ट्री में प्रवेश: एक मार्गदर्शन सत्र"।
    - मास्टरिंग इंटरव्यू: 30 जून, 2024 को एक मार्गदर्शन सत्र || पूर्व छात्र संस्करण ।

प्रदत्त एम.फिल./पीएचडी डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी. :2

संकाय संख्या

कुल: 11 (ग्यारह) - (वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर - 2, एसोसिएट प्रोफेसर - 04 और सहायक प्रोफेसर - 05)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- विभाग का अपना प्लेसमेंट सेल, क्रेडेंस, 2004 में स्थापित किया गया था, जिसका उद्देश्य दिल्ली विश्वविद्यालय में सांख्यिकी में एमए/एमएससी कर रहे छात्रों को प्लेसमेंट के लिए एक

समर्पित मंच प्रदान करना है। इस सेल के माध्यम से, छात्रों को कॉर्पोरेट जगत के विभिन्न संगठनों के साथ बातचीत करने के अवसर मिलते हैं। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में, अब तक कुल 49 छात्रों ने क्रेडेंस के माध्यम से प्लेसमेंट प्राप्त किया है।

- विभाग statistics.du.ac.in, नामक एक व्यापक वेबसाइट भी चलाता है, जो संकाय, शोधार्थियों, विभागीय कर्मचारियों, शैक्षणिक कार्यक्रमों, पाठ्यक्रम और अन्य प्रासंगिक संसाधनों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करती है।
- शैक्षणिक और शोध गतिविधियों को सहयोग देने के लिए, विभाग में दो सुव्यवस्थित, पूर्णतः कम्प्यूटरीकृत प्रयोगशालाएँ हैं जिनमें नवीनतम कंप्यूटिंग सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, विभाग में एक इन्फिनिटी सेल भी है जो फेसबुक, इंस्टाग्राम और लिंक्डइन जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर विभाग की उपस्थिति का प्रबंधन करता है। यह सेल विभाग के सभी कार्यक्रमों और उपलब्धियों को सक्रिय रूप से अपडेट और प्रचारित करता है।

चिकित्सा विज्ञान संकाय

निश्चेतन-विज्ञान (एनेस्थिसियोलॉजी) (एमएएमसी)

प्रकाशन

- सक्सेना के.एन. प्रसव पीड़ानाशक की गैर-औषधीय तकनीकें। जर्नल ऑफ इंडियन कॉलेज एनेस्थीसिया 2024; 3(1): 4-9।
- गुप्ता एल, बस्सी ए, तिरुपकुझी विजयराघवन बी, आदि। कोविड-19 से गंभीर रूप से बीमार न होने वाले रोगियों में मानक देखभाल की तुलना में सकारात्मक दबाव चिकित्सा प्रदान करने के लिए एक निष्क्रिय गैर-आक्रामक सकारात्मक अंत-श्वसन दबाव (पीईईपी) उपकरण का पायलट यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण। क्यूरियस 2024; 16(10): e71267. doi:10.7759/cureus.71267
- हुसैन एफ, गहलोत डी, वधावन एस, *एट अल.* स्नातकोत्तर मेडिकल छात्रों में परीक्षा संबंधी चिंता पर ग्रहणशील संगीत चिकित्सा का प्रभाव. जे मेड साइंस 2024; 10(1-4):00250.
- सक्सेना केएन, मिश्रा डी, साहा एम, वाधवा बी. लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी से ग्रसित मरीज़ों में पेरिऑपरेटिव एनेस्थीसिया की ज़रूरत पर संगीत चिकित्सा का प्रभाव। इंडियन जे क्लिन एनेस्थ 2025; 12(1):132-8.
- महेंद्रू, के., वाधवा, बी; सक्सेना, के. एन. निश्चित खुराक वाले सादे 0.5% लेवोबुपीवाकेन से स्पाइनल एनेस्थीसिया के प्रसार पर उदर परिधि और कशेरुका स्तंभ की लंबाई का प्रभाव। जर्नल ऑफ इंडियन कॉलेज एनेस्थीसिया 2024; 3(2): 60-63.

- लालर ए, गुप्ता एल, सक्सेना केएन, गर्ग एच. साइलेंट इंट्रूडर: एक बच्चे में विदेशी वस्तु के प्रवेश का मामला जो पिछले वायुमार्ग विकृति को जटिल बना रहा है। इंडियन जे क्लिन एनेस्थ 2025; 12(1):166-8.
- चौधरी के, अग्रवाल एम, भटनागर जी. संवर्धित वास्तविकता: बच्चों में प्रीऑक्सीजनेशन के लिए एक संभावित सहायता. इंडियन जे क्लिन एनेस्थ 2024; 11 (4):611-2.
- रॉय आर, चौधरी के, अग्रवाल एम, प्रभाकर एन, मनचंदा जी, करीम डब्ल्यू. साइटस इनवर्सस टोटलिस के साथ डेक्सट्रोकार्डिया में एनेस्थेटिक विचार: एक उलटा कार्डियोपल्मोनरी एब्डोमिनल परिदृश्य। इंडियन जे क्लिन एनेस्थ 2023:10(4);417-419.
- सिंह आर, भालोत्रा एआर, शर्मा एस. स्वास्थ्य सेवा कर्मियों (एचसीडब्ल्यू) के बीच गहन चिकित्सा इकाई के रोगियों में एंडोट्रेकियल सक्शनिंग के अभ्यासों का ऑडिट। इंडियन जे क्रिट केयर मेड 2024; 28(1):58-65.
- सिंह ए, शर्मा के, भालोत्रा ए.आर. नॉन-डिपोलराइज़िंग ब्लॉकेड से न्यूरोमस्कुलर रिकवरी को बढ़ाने के लिए कम खुराक वाले नियोस्टिग्माइन के साथ कैल्शियम ग्लूकोनेट का उपयोग: एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन। इंडियन जे क्लिन एनेस्थ 2024; 11(3):284-288.
- भालोत्रा ए.आर., आर्य एम., सिंह आर., धीमान एस. जागृत फ़ाइबरऑप्टिक नासोट्रेकियल इंटुबैशन के दौरान इंटुबैटिंग स्थितियों पर नेबुलाइज़्ड बनाम अंतःशिरा डेक्समेडेटोमिडाइन का तुलनात्मक मूल्यांकन। जे क्लिन एनेस्थ. 2024; 95:111461. doi: 10.1016/j.jclinane.2024.111461.
- गौर के, भालोत्रा एआर, देसाई एसडी। इंट्रामौखिक मास्क और पारंपरिक फेस मास्क का उपयोग करके एक-हाथ से वेंटिलेशन की तुलना: एक यादृच्छिक सिंगल-ब्लाइंड क्रॉसओवर अध्ययन। जे इमर्ज मेड ट्रॉमा एक्यूट केयर 2024(4):24 https://doi.org/10.5339/jemtac.2024.24.
- कुमार पी, भालोत्रा एआर, सिंह आर. सामान्य संज्ञाहरण के तहत वयस्कों में फेस मास्क वेंटिलेशन पर सिर के घुमाव के प्रभाव का मूल्यांकन: एक यादृच्छिक, एकल-अंधा, क्रॉसओवर अध्ययन। जे इमर्ज मेड ट्रॉमा एक्यूट केयर। 2024(7):35. https://doi.org/10.5339/jemtac.2024.35.
- सिंह एस, भालोत्रा ए.आर. लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी से ग्रसित मरीज़ों में हेमोडायनामिक प्रतिक्रियाओं पर मैग्नीशियम सल्फेट बनाम डेक्समेडेटोमिडाइन के पेरिऑपरेटिव इन्फ्यूजन का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। एशियन जे मेड साइंस *2024; 15* (9): 15-20. https://doi.org/10.3126/ajms. v15i9. 66194.
- गुप्ता एम, भालोत्रा एआर, धीमान एस, सिंह आर. एटोमिडेट, प्रोपोफोल-केटामाइन या प्रोपोफोल-एटोमिडेट के साथ लैरींगोस्कोपी और इंट्यूबेशन के दौरान हेमोडायनामिक प्रतिक्रियाओं की तुलना: एक यादृच्छिक परीक्षण। ट्रेन एनेस्थ क्रिट केयर 2024; 59 (3): 101504. DOI: 10.1016/j.tacc.2024.101504.

- कोडकानी ए, भालोत्रा एआर, सिंह आर. *एट अल.* टोटल नी रिप्लेसमेंट से ग्रसित मरीज़ों में सबराचनोइड एनेस्थीसिया पर अंतःशिरा लिडोकेन इन्फ्यूजन का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। *जे एनेस्थ* (2024)। https://doi.org/10. 1007/s00540-024-03430-5.
- बोरा आर, रतन एस.के., भालोत्रा ए.आर., नियोगी एस., कुमार पी., सक्सेना जी. ऑपरेशन से पहले मापे गए उदर दोष के आकार और उदर परिधि के बीच के अनुपात से गैस्ट्रोस्किसिस से पीड़ित नवजात शिशुओं में बंद होने के प्रकार का अनुमान लगाया जा सकता है। जर्नल ऑफ इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन, 2024;30(2):170-176.
- कोडकानी, ए., भालोत्रा, एआर, सिंह, आर. *एट अल*/ डॉ. हूआंग एट अल. जर्नल एनेस्थ द्वारा संपादक को लिखे गए पत्र का उत्तर। https://doi.org/10.1007/ s00540-025-03479-w.
- कुमारी पी, भालोत्रा एआर, सिंह आर, आर्य एम, धीमान एस. स्पाइनल एनेस्थीसिया के तहत निचले अंगों की सर्जरी करवा रहे मरीजों में प्रोपोफोल के लक्ष्य-नियंत्रित इन्फ्यूजन और मैनुअल इन्फ्यूजन का उपयोग करके बेहोश करने की क्रिया की विशेषताओं की तुलना; एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। पेरिओपर केयर ऑप रूम मैनेज 2025; 39: 100482.
- भालोत्रा ए.आर. क्या हमें बीच में ही रुक जाना चाहिए: फेस मास्क और सुप्राग्लॉटिक एयरवे के बीच। ट्रॉमा इमर्ज मेड. 2025; 2(1):1-4.
- एआर अजय सरन, भालोत्रा एआर. एनेस्थीसिया से प्रभावित बच्चों में सफल कॉडल एपिड्यूरल ब्लॉक के संकेतक के रूप में परफ्यूज़न इंडेक्स: एक अवलोकनात्मक अध्ययन। ट्रेन एनेस्थ क्रिटिकल केयर। 2025;62:101550.
- कालरा पी, केराई एस, गुप्ता एल, चौधरी के, गोस्वामी बी. सेप्सिस से ग्रस्त गहन चिकित्सा इकाई के रोगियों में परिणाम की भविष्यवाणी में प्रोकैल्सीटोनिन के साथ अनुक्रमिक अंग विफलता मूल्यांकन स्कोर बनाम अकेले अनुक्रमिक अंग विफलता मूल्यांकन स्कोर का तुलनात्मक मूल्यांकन। जे इंडियन कॉलेज एनेस्थेसियोल 2024; 3(2):64-71.
- कीर्ति शर्मा, आदि। वृद्ध लोगों के लिए सुप्राग्लॉटिक वायुमार्ग उपकरण चयन में 'उम्र के हिसाब से छोटे' की धारणा पर पुनर्विचार। जर्नल ऑफ क्लिनिकल रिसर्च, पेन एनेस्थीसिया 2024, 5(1): 180047.
- दोशी एसएस, गुप्ता एल, कुमार के, सिंधु के, मंडल आरएन, रंगनाथन वी. ऑपरेटिंग थिएटर में रोगी सुरक्षा प्रथाओं पर सर्वेक्षण-एक बहुकेंद्रित अध्ययन। जर्नल ऑफ मेड डेंटिस्ट, 2024; 1(2):63-70.
- चटर्जी आर, गुप्ता एल. गंभीर रूप से बीमार लोगों में प्रगतिशील एकेआई के निदान में एक नए बायोमार्कर के रूप में फ़्यूरोसेमाइड तनाव परीक्षण में मूत्र स्पॉट सोडियम और मूत्र स्पॉट सोडियम क्रिएटिनिन अनुपात के मूल्यांकन की वास्तविकता। इंडियन जे क्रिट केयर मेड 2024;28(12):1089-1090.

- गुप्ता एल. द साइलेंट थ्रेट: थकान, बर्नआउट और एनेस्थीसिया में रोगी सुरक्षा। इंडियन जे क्लिन एनेस्थ 2024; 11(3):271-273.
- डायलानी ए, गुप्ता एल, शर्मा ए. प्रोस्टेट के ट्रांसयूरेथ्रल रिसेक्शन के दौरान पेरिऑपरेटिव शिरापरक वायु एम्बोलिज्म। इंडियन जे क्लिन एनेस्थ 2024; 11(3):440-44.
- गुप्ता एल. कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का पर्दाफ़ाश: एआई मॉडल द्वारा लिखे गए लेखों की पहचान। इंडियन जे क्लिन एनेस्थीसिया 2024;11(2):122-124
- चौधरी आर, शर्मा आर, गुप्ता एल. यूएसजी पेरिफेरल नर्व ब्लॉक में वास्तविक समय मार्गदर्शन के रूप में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक्वीसेंस-समय की आवश्यकता। इंडियन जे क्लिन एनेस्थ 2024; 11(2):269-270.
- पंवार एस, आर्य एम, डाली जेएस, चौधरी के, नियोगी एस. लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी से ग्रसित मरीज़ों में ऑपरेशन के बाद दर्द से राहत के लिए उच्च-मात्रा, कम-सांद्रता वाले इंट्रापेरिटोनियल बुपीवाकेन सिंचाई की प्रभावकारिता। एनेस्थिसियोल रिसर्च प्रैक्ट 2024: 4545400.
- डॉ. अंजू भालोत्रा और डॉ. राहिल सिंह ने क्लिनिकल कीज़ इन एनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर-वॉल्यूम I में डायाफ्रामिक हर्निया और ट्रेकिआ-ओसोल-फेजल फिस्टुला पर पुस्तक अध्याय में योगदान दिया। प्रकाशक: स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर, 2024.
- डॉ. अंजू भालोत्रा और डॉ. राहिल सिंह ने पुस्तक के अध्याय 59 "डीएसडी से ग्रस्त बच्चों में एनेस्थिसियोलॉजी संबंधी विचार" "लिंग विकास में अंतर वाले बच्चे" में योगदान दिया। प्रकाशक: स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर, 2024.
- डॉ. ललित गुप्ता सह संपादक: चिकित्सा विज्ञान में भविष्यवादी रुझान खंड 3 पुस्तक 21.
- डॉ. ललित गुप्ता अध्याय: चटर्जी आर, गुप्ता एल. किडनी ट्रांसप्लांट रोगियों में गर्भावस्था: गंभीर रूप से बीमार गर्भवती महिला की किडनी में विचार और प्रबंधन। एल्सेवियर; 2025. पृष्ठ 201-12.

अनुसंधान परियोजना

- बाल रोगियों में शल्यक्रिया-पूर्व चिंता पर ध्यान भटकाने वाली तकनीक के रूप में संवर्धित वास्तविकता के मूल्यांकन हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। डॉ. निशा, डॉ. कपिल चौधरी, डॉ. मुनीषा अग्रवाल, डॉ. ललित गुप्ता।
- सामान्य एनेस्थीसिया के तहत वैकल्पिक सर्जरी करवा रहे मरीजों में टाइडल वॉल्यूम चैलेंज के दौरान इंट्राऑपरेटिव द्रव प्रतिक्रिया के पूर्वानुमान के रूप में आंतरिक जुगुलर नस फैलाव सूचकांक का मूल्यांकन: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। डॉ. अगथियन, डॉ. मुनीषा अग्रवाल, डॉ. कपिल चौधरी।

- स्पाइनल एनेस्थीसिया के तहत सिजेरियन डिलीवरी करवाने वाली प्रसूताओं में चिंता, तनाव और दर्द के भयावह स्कोर पर ऑपरेशन के दौरान बाहरी दृश्य-श्रव्य अवरोध, गहन ध्यान और मानक देखभाल के प्रभाव की तुलना करने वाला एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन। डॉ. शैव्या श्रीवास्तव, डॉ. कपिल चौधरी, डॉ. मुनीषा अग्रवाल, डॉ. ललित गुप्ता।
- सामान्य एनेस्थीसिया के तहत वैकल्पिक सर्जरी करवाने वाले मोटे रोगियों में प्रेरित ऑक्सीजन सांद्रता पर कम प्रवाह और न्यूनतम प्रवाह डेसफ्लुरेन एनेस्थीसिया का प्रभाव: एक यादृच्छिक समानांतर समूह अध्ययन। डॉ. शेरिगर महेशा रवि, डॉ. मुनीषा अग्रवाल, डॉ. कपिल चौधरी।
- दबाव नियंत्रित फेस मास्क वेंटिलेशन के दौरान गैस्ट्रिक इंसफ्लेशन पर पीईईपी के विभिन्न स्तरों का प्रभाव। डॉ. अंजलि रावत, डॉ. मुनीषा अग्रवाल, डॉ. कपिल चौधरी।
- सुप्राक्लेविक्युलर ब्रेकियल प्लेक्सस ब्लॉक के तहत अस्थि ऊपरी अंग की सर्जरी के बाद एनाल्जेसिक की अवधि पर मौखिक बनाम अंतःशिरा डेक्सामेथासोन का प्रभाव। डॉ. अक्षय शर्मा, डॉ. अंजू आर. भालोत्रा, डॉ. मोना आर्य, डॉ. राहिल सिंह।
- लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी के दौरान शोर कम करने वाले हेडफ़ोन का उपयोग करने से ऑपरेशन के बाद के दर्द पर प्रभाव। डॉ. वी. विमलनाथन, डॉ. अंजू आर. भालोत्रा, डॉ. मोना आर्या, डॉ. राहिल सिंह।
- न्यूरैक्सियल एनेस्थीसिया के तहत निचले अंगों की आर्थोपेडिक सर्जरी करवा रहे बुजुर्ग मरीजों में शरीर के मुख्य तापमान में बदलाव पर मौखिक कार्बोहाइड्रेट प्रीलोडिंग का प्रभाव। डॉ. कामना शर्मा, डॉ. अंजू आर. भालोत्रा, डॉ. मोना आर्य, डॉ. राहिल सिंह।
- स्त्री-रोग संबंधी घातक बीमारियों के लिए सर्जरी करवा रहे मरीजों में पोस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिक के लिए इरेक्टर स्पाइना ब्लॉक की तुलना इंट्राथेकल मॉर्फिन से की गई। डॉ. राहिल सिंह, डॉ. अंजू आर. भालोत्रा, डॉ. सुख्यंती केराई।
- मोटे रोगियों में लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी के बाद पोस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिया के लिए अल्ट्रासाउंड निर्देशित बाहरी तिरछा इंटरकोस्टल फेसियल प्लेन ब्लॉक की पोर्ट साइट लोकल एनेस्थेटिक घुसपैठ के साथ तुलना। डॉ. राहिल सिंह, डॉ. अंजू आर भालोत्रा, डॉ. अमित कोहली, डॉ. सुखयंती केराई।
- प्रॉक्सिमल पेनाइल हाइपोस्पेडिया के लिए एकल और चरणबद्ध मरम्मत करवाने वाले रोगियों में कॉस्मेटिक और कार्यात्मक परिणाम पर एक तुलनात्मक अध्ययन। डॉ संजय कुमार पाल, डॉ सिमी रतन, डॉ सुजॉय, डॉ मुनीषा अग्रवाल, डॉ अंजू आर भालोत्रा।
- प्रोपोफोल के साथ प्रेरण के बाद हाइपोटेंशन के निर्धारकों के रूप में परफ्यूजन इंडेक्स और प्लेथिस्मोग्राफिक परिवर्तनशीलता सूचकांक का मूल्यांकन डॉ. राहिल सिंह, डॉ. अंजू आर भालोत्रा।

- कठिन वायुमार्ग वाले रोगियों में जागते फ़ाइब्रोऑप्टिक ऊष्मायन के दौरान आराम स्तर पर डेक्समेडटोमिडाइन के साथ संगीत चिकित्सा का तुलनात्मक मूल्यांकन। डॉ. दीन बंधु चौधरी, डॉ. सोनिया वधावन, डॉ. नीलम प्रसाद, डॉ. सुक्यांती केराई और डॉ. स्मिता कौशिक।
- स्पाइनल एनेस्थीसिया के तहत सिजेरियन डिलीवरी कराने वाली प्रसूताओं के रक्तसंचार पर कम खुराक वाली अंतःशिरा केटामाइन का प्रभाव। डॉ. हिमांशु सिंह, डॉ. सोनिया वधावन, डॉ. नीलम प्रसाद और डॉ. सुखयंती केराई।
- सामान्य एनेस्थीसिया के तहत वीडियो असिस्टेड थोरैकोस्कोपिक सर्जरी करवा रहे बच्चों में पेरिऑपरेटिव एनाल्जेसिक के लिए कंबाइंड रॉम्बॉइड इंटरकोस्टल ब्लॉक और सब सेरेटस प्लेन ब्लॉक। डॉ. शुभेश्वरी अनुपम, डॉ. सोनिया वधावन, डॉ. नीलम प्रसाद, डॉ. सुख्यंती केराई और डॉ. सुजॉय नियोगी।
- लम्बर स्पाइन सर्जरी से ग्रसित मरीज़ों में रिकवरी की गुणवत्ता पर इरेक्टर स्पाइना प्लेन ब्लॉक का प्रभाव। डॉ. असद अहमद, डॉ. सुखयंती केराई, डॉ. सोनिया वधावन, डॉ. राहिल सिंह और डॉ. अभिषेक कश्यप।
- स्तन कैंसर की सर्जरी करवा रहे मरीज़ों में ऑपरेशन के बाद की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया पर इरेक्टर स्पाइना प्लेन ब्लॉक बनाम पेरिट्यूमोरल लोकल एनेस्थेटिक इन्फ़िल्ट्रेशन का प्रभाव। डॉ. पठान आरिफ़, डॉ. सुख्यंती केराई, डॉ. सोनिया वधावन, डॉ. सुशांतो नियोगी और डॉ. बिनीता गोस्वामी।
- कोर्टिसोल/डीहाइड्रोएपिएंड्रोस्टेरोन सल्फेट (डीएचईएएस) अनुपात का उपयोग करके पेट की सर्जरी करवा रहे मधुमेह रोगियों में कुल अंतःशिरा संज्ञाहरण (टीआईवीए) और अंतःश्वसन संज्ञाहरण तकनीक के बीच तनाव प्रतिक्रिया की तुलना। डॉ. शिविका मलिक, डॉ. सोनिया वाधवान, डॉ. मोना आर्य, डॉ. बिनीता गोस्वामी।
- सामान्य एनेस्थीसिया के तहत मॉडिफाइड रेडिकल मास्टेक्टॉमी से ग्रसित मरीज़ों में सूजन की प्रतिक्रिया पर अल्ट्रासाउंड निर्देशित इरेक्टर स्पाइना प्लेन ब्लॉक और सेरेटस एंटीरियर प्लेन ब्लॉक का प्रभाव। डॉ. संदीप जे., डॉ. सोनिया वधावन, डॉ. मोना आर्या, डॉ. अनुभूति।
- एक्सप्लोरेटरी लैपरोटॉमी करवाने वाले रोगियों में पोस्टऑपरेटिव तीव्र किडनी की चोट का शीघ्र पता लगाने के लिए प्लाज्मा माइक्रोआरएनए-21 का मूल्यांकन। डॉ. सुखयंती केराई, डॉ. असद अहमद, डॉ. आदित्य त्रिपाठी, डॉ. पल्लवी डोडा, डॉ. सोनिया वधावन, डॉ. फराह हुसैन, डॉ. मुनीषा अग्रवाल।

ख) चालू वर्ष के दौरान पूर्ण किए गए शोध प्रबंध का विवरण;

- उपवास करने वाले बाल रोगियों में गैस्ट्रिक वॉल्यूम पर प्रीऑपरेटिव कार्बोहाइड्रेट लॉलीपॉप का प्रभाव। डॉ. शेरी मारक।

- स्पाइनल एनेस्थीसिया के दौरान बाइस्पेक्ट्रल इंडेक्स (बीआईएस) निर्देशित बेहोशी के लिए मिडाज़ोलम की आवश्यकता पर आई मास्क और संगीत के प्रभाव का तुलनात्मक मूल्यांकन। डॉ. अनुराधा डायलानी।
- लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी से ग्रसित मरीज़ों में ऑपरेशन के बाद दर्द से राहत के लिए अल्ट्रासाउंड गाइडेड इरेक्टर स्पाइना प्लेन ब्लॉक बनाम सबकोस्टल ट्रांसवर्सस एब्डोमिनिस ब्लॉक की तुलना। डॉ. अंकुर शर्मा।
- GABRA1 और GABRA2 जीनों के आनुवंशिक बहुरूपताओं और वैकल्पिक सर्जरी से ग्रसित मरीज़ों में प्रोपोफ़ोल के प्रति रक्तसंचारी प्रतिक्रियाओं का संबंध। डॉ. समीक्षा सुमन।
- मॉडिफाइड रेडिकल मास्टेक्टॉमी में ऑपरेशन के बाद दर्द से राहत के लिए डीप बनाम सुपरफिशियल इरेक्टर स्पाइन प्लेन ब्लॉक का तुलनात्मक मूल्यांकन। डॉ. कुबेर भिंडे।
- सामान्य एनेस्थीसिया के तहत लेप्रोस्कोपिक पेट की सर्जरी करवाने वाले मरीजों में फेफड़ों के अनुपालन और ड्राइविंग दबाव पर सकारात्मक अंत श्वसन दबाव के विभिन्न स्तरों के प्रभाव का मूल्यांकन। डॉ. रिधि रॉय, डॉ. मुनीषा अग्रवाल, डॉ. कपिल चौधरी।
- वृद्ध रोगियों में डेसफ्लुरेन के सेवन और रिकवरी प्रोफ़ाइल पर न्यूनतम एल्वियोलर सांद्रता (MAC) बनाम बाइस्पेक्ट्रल इंडेक्स (BIS) निर्देशित एनेस्थेटिक प्रबंधन का तुलनात्मक मूल्यांकन। डॉ. वर्निंत सैनी, डॉ. मुनीषा अग्रवाल, डॉ. कपिल चौधरी।
- सीज़ेरियन सेक्शन से गुज़र रही प्रसूति में पोस्ट स्पाइनल हाइपोटेंशन पर पारंपरिक क्रिस्टलॉयड प्रशासन बनाम निर्देशित आंतरिक जुगुलर शिरा संकुचन सूचकांक का तुलनात्मक मूल्यांकन। डॉ. अनुराग सिंह, डॉ. मुनीषा अग्रवाल, डॉ. कपिल चौधरी।
- बाल रोगियों में शल्यक्रिया-पूर्व चिंता पर ध्यान भटकाने वाली तकनीकों के रूप में संवर्धित वास्तविकता और आभासी वास्तविकता का तुलनात्मक मूल्यांकन। डॉ. गर्विता भटनागर, डॉ. कपिल चौधरी, डॉ. मुनीषा अग्रवाल, डॉ. ललित गुप्ता।
- कठिन वेंटिलेशन की भविष्यवाणी के लिए सर्जिकल मास्क पहने हुए रोगी के साथ कोंडाइल ट्रागस की दूरी का पूर्व-संचालन मूल्यांकन। डॉ. हर्षिता, डॉ. कपिल चौधरी, डॉ. मुनीषा अग्रवाल, डॉ. ललित गुप्ता।
- गैस्ट्रोस्किसिस से पीड़ित नवजात शिशुओं में उदर दोष के आकार, उदर परिधि और आयतन और उदर भित्ति के बंद होने के प्रकारों के बीच संबंध। डॉ. राजीब बोरा, डॉ. सिम्मी रतन, डॉ. सुजॉय नियोगी, डॉ. अंजू आर. भालोत्रा।
- वैकल्पिक शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं से ग्रसित मरीज़ों में सामान्य एनेस्थीसिया देने के बाद प्री-एनेस्थेटिक सबक्लेवियन वेन कोलैप्सिबिलिटी इंडेक्स और औसत धमनी दाब में कमी के बीच संबंध। डॉ. अभिषेक अहिरवार, डॉ. अंजू आर. भालोत्रा, डॉ. मोना आर्य, डॉ. राहिल सिंह।

- प्रोपोफोल के साथ पूर्ण अंतःशिरा एनेस्थीसिया और सेवोफ्लुरेन के साथ इनहेलेशन एनेस्थीसिया के बाद प्रोसील लेरिंजियल मास्क वायुमार्ग को हटाने के बाद बच्चों में श्वसन संबंधी घटनाओं की घटना। डॉ. प्रियंका त्यागी, डॉ. अंजू आर. भालोत्रा, डॉ. मोना आर्य, डॉ. राहिल सिंह।
- निचले अंगों की हड्डी की सर्जरी करवा रहे मरीज़ों में अंतःशिरा डेक्समेडेटोमिडाइन के साथ और उसके बिना स्पाइनल एनेस्थीसिया के संवेदी अवरोध की अवधि की तुलना। डॉ. सिमरन चहल, डॉ. अंजू आर. भालोत्रा, डॉ. मोना आर्य, डॉ. राहिल सिंह।
- फ्रैक्चर हिप सर्जरी से ग्रसित मरीज़ों में पोस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिक के लिए अल्ट्रासाउंड निर्देशित पेरी-कैप्सुलर नर्व ग्रुप ब्लॉक की लेटरल क्यूटेनियस फीमोरल नर्व ब्लॉक के साथ और उसके बिनाप्रभावकारिता की तुलना। डॉ. पेंडुम चिंडू कुमार, डॉ. राहिल सिंह, डॉ. अंजू आर. भालोत्रा, डॉ. सुख्यंती केराई।
- सामान्य एनेस्थीसिया के तहत वयस्क रोगियों में फेसमास्क की तुलना में उच्च प्रवाह वाले नासिका ऑक्सीजन कैनुला के साथ प्री-ऑक्सीजनेशन के दौरान ऑपरेटर की सहजता और रोगी की सुविधा। डॉ. अभिजीत, डॉ. मोना आर्य, डॉ. अंजू आर. भालोत्रा, डॉ. नीलम प्रसाद।
- निचले खंड सिजेरियन सेक्शन के बाद ट्रांसमस्कुलर क्वाड्रेटस लुम्बोरम ब्लॉक के सबफेशियल और एक्स्ट्राफेशियल दृष्टिकोण का उपयोग करके पोस्ट-ऑपरेटिव एनाल्जेसिया की तुलना। डॉ. हेमाश्री, डॉ. मोना आर्य, डॉ. अंजू भालोत्रा, डॉ. सुखयंती केराई, डॉ. निहारिका धीमान।
- सबराक्नॉइड ब्लॉक के अंतर्गत निचले खंड के सीज़ेरियन सेक्शन में ऑपरेशन के बाद दर्द से राहत के लिए अल्ट्रासाउंड निर्देशित इरेक्टर स्पाइनी प्लेन ब्लॉक और ट्रांसवर्सस एब्डोमिनिस प्लेन ब्लॉक का तुलनात्मक मूल्यांकन। डॉ. निष्ठा नारंग, डॉ. सोनिया वधावन, डॉ. नीलम प्रसाद और डॉ. अमित कोहली।
- सामान्य एनेस्थीसिया के तहत वीडियो असिस्टेड थौरैकोस्कोपिक सर्जरी करवाने वाले बच्चों में इंट्राऑपरेटिव ओपिओइड आवश्यकता पर अल्ट्रासाउंड निर्देशित इरेक्टर स्पाइना प्लेन ब्लॉक का प्रभाव। डॉ. अंशुल, डॉ. सोनिया वधावन, डॉ. नीलम प्रसाद और डॉ. सुजॉय नियोगी।
- बाल रोगियों में आकस्मिक प्रलाप की घटना पर माँ की रिकॉर्ड की गई आवाज़ और अजनबी की रिकॉर्ड की गई आवाज़ के प्रभाव का तुलनात्मक मूल्यांकन। डॉ. निशिता चंद्रा, डॉ. सोनिया वधावन, डॉ. नीलम प्रसाद और डॉ. सिम्मी के. रतन।
- एक्सिलरी ब्रेकियल प्लेक्सस ब्लॉक के दौरान विभिन्न नसों की पहचान के लिए डायनामिक अल्ट्रासाउंड। डॉ. नूर सभा, डॉ. नीलम प्रसाद, डॉ. सोनिया वधावन।
- पूर्ण-कालिक गर्भवती महिलाओं में गैस्ट्रिक खाली होने के समय का अल्ट्रासाउंड मूल्यांकन। डॉ. अपूर्वा, डॉ. नीलम प्रसाद, डॉ. सोनिया वधावन, डॉ. मोना आर्य, डॉ. शकुन त्यागी।

- लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी के बाद पोस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिक के लिए पोर्टसाइट लोकल इन्फिल्ट्रेशन के साथ पेरीकॉन्ड्रल एप्रोच द्वारा संशोधित थौरैकोएब्डॉमिनल नर्व ब्लॉक की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन। डॉ. शालिनी चौधरी, डॉ. सुखयंती केराई, डॉ. कीर्ति एन. सक्सेना, डॉ. राहिल सिंह।
- ऑर्थोपेडिक सर्जरी करवा रहे वृद्ध रोगियों में ऑपरेशन के बाद प्रलाप की भविष्यवाणी के लिए पशु प्रवाह परीक्षण और छह-आइटम स्क्रीनर का उपयोग करके संक्षिप्त प्रीऑपरेटिव संज्ञानात्मक जांच की प्रभावकारिता; एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन। डॉ. ग़ज़ाला अनीस फ़ातिमा, डॉ. सुखयंती केराई, डॉ. सोनिया वधावन, डॉ. राहिल सिंह, डॉ. फ़राह हुसैन, डॉ. मुनीषा अग्रवाल, डॉ. रमिता कश्यप।
- प्रोपोफोल के साथ प्रेरण के बाद हाइपोटेंशन के निर्धारकों के रूप में परफ्यूज़न इंडेक्स और प्लेथिस्मोग्राफी परिवर्तनशीलता सूचकांक का मूल्यांकन। डॉ. राहिल सिंह, डॉ. अंजू आर. भालोत्रा।
- गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती मरीजों में केंद्रीय शिरापरक कैथेटर की नोक के स्थानीयकरण के लिए पॉइंट-ऑफ-केयर अल्ट्रासाउंड और छाती के एक्स-रे की तुलना। डॉ. राहिल सिंह, डॉ. सुखयंती केराई।

आयोजित संगोष्ठियां

- लेबर एनाल्जेसिया सीएमई शनिवार, 4 मई 2024 को एमएएमसी में (आयोजन अध्यक्ष: डॉ. मुनीषा अग्रवाल, वैज्ञानिक अध्यक्ष: डॉ. कीर्ति एन. सक्सेना, आयोजन सचिव: डॉ. भारती वाधवा, कोषाध्यक्ष: डॉ. प्राची गाबा)।
- युवाकॉन 2024, एमएएमसी, दिल्ली में 5-6 अप्रैल 2024 (आयोजन अध्यक्ष: डॉ. मुनीषा अग्रवाल, आयोजन सचिव: डॉ. अमित कोहली)।
- जुलाई 2024 में जीबीपीएच, दिल्ली में आयोजित आईसीए नई दिल्ली स्नातकोत्तर असेंबली 2024 की आयोजन अध्यक्ष (आयोजन अध्यक्ष डॉ. मुनीषा अग्रवाल)।
- एमबीबीएस स्नातकों (70 प्रतिनिधियों) के लिए एमएएमसी स्नातक-पूर्व साइंटिफिक सोसाइटी बेसिक लाइफ सपोर्ट कार्यशाला 29-30 अप्रैल 2024 को एमएएमसी, दिल्ली में (डॉ. मुनीषा अग्रवाल, डॉ. सोनिया वधावन)।
- 14 सितंबर 2024 को एएमएफ की 7$^{वीं}$ अंतर्राष्ट्रीय एयरवे कांग्रेस में बुनियादी वायुमार्ग प्रबंधन पर कार्यशाला (डॉ अंजू आर भालोत्रा, डॉ कपिल चौधरी)।
- एमएएमसी स्नातक-पूर्व सिनैप्स बेसिक एयरवे मैनेजमेंट एंड एक्यूट क्राइसिस वर्कशॉप' 7-10 अक्तूबर 2024 को एमएएमसी, दिल्ली में (डॉ. मुनीषा अग्रवाल, डॉ. सोनिया वधावन)।

- 27 नवंबर 2024 को ISACON 2024 के लिए एनेस्थिसियोलॉजी विभाग में 'एनेस्थीसिया में सिमुलेशन' कार्यशाला आयोजित की गई (डॉ मुनीषा अग्रवाल आयोजन अध्यक्ष, डॉ कपिल चौधरी और डॉ ललित गुप्ता आयोजन सचिव)।
- एमएएमसी एनेस्थीसिया अपडेट 2024 15-19 अक्तूबर 2024 (आयोजन अध्यक्ष: डॉ मुनीषा अग्रवाल, वैज्ञानिक अध्यक्ष: डॉ सोनिया वधावन, आयोजन सचिव: डॉ नीलम प्रसाद, कोषाध्यक्ष: डॉ सुखयंती केराई)।
- अगस्त 2024 में एमएएमसी में स्नातक छात्रों के लिए BLS पाठ्यक्रम।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक : 12
एसोसिएट प्रोफेसर : 0
सहायक प्रोफेसर : 7
तदर्थ संकाय सदस्य : 5

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

<u>डॉ. मुनीषा अग्रवाल</u>

- अक्तूबर 2024 में "इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट", दिल्ली की अध्यक्ष निर्वाचित।
- सितंबर 2024 में आईएसए अध्यक्ष प्रशंसा पुरस्कार से सम्मानित।

<u>डॉ. सोनिया वधावन</u>

- सितंबर 2024 में लखनऊ में ICACON 2024 में इंडियन कॉलेज ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट की फेलोशिप प्राप्त की।
- आईएसए दिल्ली शाखा के उपाध्यक्ष का 16 अक्तूबर 2024 को पदभार ग्रहण किया।
- किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, यूपी, लखनऊ में 6 फरवरी 2025 को एनेस्थिसियोलॉजी विषय में संकायों की पदोन्नति के लिए विषय विशेषज्ञ।
- सह-प्रस्तुतकर्ता के रूप में अप्रैल 2024 में आईएसए दिल्ली युवाकॉन में मौखिक प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार जीता और अप्रैल 2024 में आईएसए दिल्ली युवाकॉन में पोस्टर प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार जीता।

<u>डॉ. कपिल चौधरी</u>

- इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनेस्थीसिया की समीक्षा के लिए उत्कृष्टता प्रमाणपत्र प्राप्त किया।
- ISA YUVACON अप्रैल 2024 में 2 निःशुल्क शोध-पत्रों में प्रथम पुरस्कार जीता और ISACON 2024 में 3 निःशुल्क शोध-पत्रों में प्रथम पुरस्कार जीता:

- -बैग मास्क वेंटिलेशन की कठिनाई का अनुमान लगाने के लिए वायुमार्ग का पूर्व-संचालन अल्ट्रासाउंड मूल्यांकन (आईएसए युवाकॉन, दिल्ली, अप्रैल 2024)। लेखक: रूपल जैन, कपिल चौधरी, मुनीषा अग्रवाल, ललित गुप्ता।
- -ऑपरेशन से पहले आवाज़ के मापदंडों का उपयोग करके एनेस्थीसिया के तहत मास्क वेंटिलेशन के दौरान ऑरोफरीन्जियल वायुमार्ग के उपयोग की आवश्यकता का पूर्वानुमान (आईएसए युवाकॉन, दिल्ली, अप्रैल 2024)। लेखक: श्वेता प्रजापति, कपिल चौधरी, मुनीषा अग्रवाल, ललित गुप्ता।
- - शल्यक्रिया-पूर्व चिंता पर ध्यान भटकाने वाली तकनीकों के रूप में आभासी वास्तविकता और संवर्धित वास्तविकता का तुलनात्मक मूल्यांकन (आईएसएकॉन दिल्ली, सितंबर 2024) लेखक: गर्विता भटनागर, कपिल चौधरी, मुनीषा अग्रवाल, ललित गुप्ता।
- - सामान्य एनेस्थीसिया के तहत लेप्रोस्कोपिक पेट की सर्जरी में गतिशील अनुपालन और ड्राइविंग दबाव पर पीईईपी के विभिन्न स्तरों के प्रभाव का मूल्यांकन (आईएसएकॉन दिल्ली, सितंबर 2024) लेखक: रिद्धि रॉय, मुनीषा अग्रवाल, कपिल चौधरी।
- - बैग मास्क वेंटिलेशन की कठिनाई का अनुमान लगाने के लिए वायुमार्ग का पूर्व-संचालन अल्ट्रासाउंड मूल्यांकन (आईएसएसीओएन दिल्ली, सितंबर 2024) लेखक: रूपल जैन, कपिल चौधरी, मुनीषा अग्रवाल और ललित गुप्ता।
- अप्रैल 2024 में आईएसए युवाकॉन दिल्ली में "आर्टेरियोवेनस मालफॉर्मेशन में ब्लेओमाइसिन इंजेक्शन: एनेस्थेटिक विचार" शीर्षक वाले पोस्टर के लिए दूसरा पुरस्कार जीता। लेखक: हर्षिता, कपिल चौधरी, मुनीषा अग्रवाल, गुंजन मनचंदा, दिव्या गहलोत।

फेलोशिप- डॉ. सोनिया वधावन और डॉ. भारती वधवा को सितंबर 2024 में लखनऊ में ICACON 2024 में इंडियन कॉलेज ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट की फेलोशिप प्राप्त हुई।

विशेषज्ञ समितियों/निकायों में प्रतिनिधित्व:

<u>डॉ. कीर्ति एन सक्सेना</u>

पदोन्नति

- दिनांक 14.10.24 के आदेश द्वारा एचएजी स्केल पर।

विशेषज्ञ निकायों में प्रतिनिधित्व

- एनेस्थेटिक, रिससिटेशन और संबद्ध उपकरण अनुभागीय समिति और भारतीय मानक ब्यूरो के चिकित्सा उपकरण और अस्पताल योजना विभाग के चिकित्सा वस्त्रों के विशेषज्ञ।
- दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड के लिए विशेषज्ञ संसाधन व्यक्ति।
- भारतीय एनेस्थिसियोलॉजी कॉलेज की शिक्षा समिति की बैठक के सदस्य।
- राष्ट्रीय शिक्षा बोर्ड के विशेषज्ञ।

- आयुष्मान भारत के एनएचए मेडिकल सेल के सदस्य, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) भारत सरकार।
- एम्स रायपुर में विभिन्न संकाय पदों पर भर्ती के लिए 23.9.24 को निर्धारित साक्षात्कार के लिए 'विषय विशेषज्ञ' (ऑनलाइन मोड में)।
- 19 दिसंबर, 2024 को आईएलबीएस, नई दिल्ली में प्रोफेसर (एनेस्थीसिया) और सहायक प्रोफेसर (एनेस्थीसिया) के पद के लिए साक्षात्कार आयोजित किए गए।
- अक्तूबर 2024 में दिल्ली सरकार के सभी अस्पतालों में एनेस्थीसिया में संविदा विशेषज्ञ पदों के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में साक्षात्कार आयोजित किए गए।
- अक्तूबर 2024 में दिल्ली सरकार के सभी अस्पतालों में नेत्र विज्ञान में संविदा विशेषज्ञ पदों के लिए अध्यक्ष के रूप में साक्षात्कार आयोजित किए।
- अक्तूबर 2024 में दिल्ली सरकार के सभी अस्पतालों में एनेस्थीसिया में संविदा सहायक पदों के लिए अध्यक्ष के रूप में साक्षात्कार आयोजित किए।
- भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों के शोध-प्रबंधों के लिए बाह्य परीक्षक रहे।

कार्य प्रोफ़ाइल

- नैदानिक कार्य जिसमें रोगियों को एनेस्थीसिया देना, एनेस्थीसिया से पूर्व जांच, ऑपरेशन के बाद की देखभाल, गहन देखभाल, तीव्र और दीर्घकालिक दर्द प्रबंधन शामिल है।
- स्नातक-पूर्व और स्नातकोत्तर मेडिकल छात्रों, नर्सिंग और डेंटल छात्रों को पढ़ाना।
- स्नातकोत्तर छात्रों के शोध प्रबंध और वरिष्ठ निवासियों के शोध का मार्गदर्शन करना।
- वरिष्ठ एवं कनिष्ठ रेजीडेंटों एवं प्रशिक्षुओं का प्रशिक्षण।
- दिल्ली विश्वविद्यालय में एनेस्थीसिया पाठ्यक्रम समिति के सदस्य।
- स्नातक चिकित्सा छात्रों, एनेस्थीसिया विभाग के स्नातकोत्तर छात्रों और तकनीकी कर्मचारियों का शिक्षण और प्रशिक्षण।
- एनेस्थीसिया विभाग के स्नातकोत्तर छात्रों के अनुसंधान प्रोटोकॉल और थीसिस का मार्गदर्शन करना।
- मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज की भवन रखरखाव समिति के सदस्य।

पत्रिकाओं का संपादकीय बोर्ड

- जर्नल ऑफ ऑब्सटेट्रिक एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।
- डी.वाई. पाटिल विश्वविद्यालय के मेडिकल जर्नल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।

- जर्नल ऑफ इंडियन कॉलेज ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट के मुख्य संपादक।

<u>डॉ. मुनीषा अग्रवाल</u>

परीक्षक/मूल्यांकनकर्ता/विषय विशेषज्ञ

- 10 मई 2024 को एम्स, दिल्ली में डीएम ऑन्कोएनेस्थीसिया और पैलिएटिव केयर के लिए परीक्षक और पेपर सेटर।
- अप्रैल 2024 को हीरानंदानी अस्पताल, मुंबई में डीएनबी क्रिटिकल केयर शुरू करने के लिए डीएनबी मूल्यांकनकर्ता।
- 2 मार्च 2024 को जबलपुर मेडिकल कॉलेज में एपी के लिए संकाय साक्षात्कार हेतु विषय विशेषज्ञ।
- जून 2024 को नोएडा सुपरस्पेशलिटी चिल्ड्रन हॉस्पिटल में एपी के लिए संकाय साक्षात्कार के लिए विषय विशेषज्ञ।
- 5 जुलाई 2024 को दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान में ऑन्कोएनेस्थीसिया और गहन देखभाल के लिए संकाय साक्षात्कार के लिए विषय विशेषज्ञ।
- जुलाई 2024 को एम्स, बिलासपुर के लिए संकाय साक्षात्कार हेतु विषय विशेषज्ञ।

<u>डॉ. अंजू आर. भालोत्रा</u>

विशेषज्ञ समितियाँ/निकाय

- 18.05.2024 को शारदा विश्वविद्यालय में उम्मीदवार के ऑनलाइन प्रमोशन साक्षात्कार के लिए बाहरी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।
- 24.2.2025-एम्स बिलासपुर के एनेस्थिसियोलॉजी विभाग में सीधी भर्ती/प्रतिनियुक्ति/अनुबंध के आधार पर संकाय (समूह ए) के पदों पर भर्ती के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में नामित।
- अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान/विभिन्न सरकारी मेडिकल कॉलेजों और एनबीई से प्राप्त शोध-प्रबंधों के मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञ।
- पीजीआई चंडीगढ़/अहमदाबाद से थीसिस का नियमित मूल्यांकन।
- प्रश्न बैंक में योगदान देने के लिए एनबीईएमएस द्वारा विषय विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया।
- डीएसडी से पीड़ित बच्चों के लिए सोसायटी के संस्थापक सदस्य।
- एनेस्थिसियोलॉजी एनबीई की विशेषता में विशेषज्ञ बोर्ड के सदस्य।
- राष्ट्रीय दुर्लभ रोग नीति के लिए एनेस्थिसियोलॉजी विभाग से प्रतिनिधि के रूप में नामित।

- कई पत्रिकाओं के समीक्षक बोर्ड पर: करेंट मेडिसिन रिसर्च एंड प्रैक्टिस, जर्नल ऑफ नियोनेटल सर्जरी, जर्नल ऑफ क्लिनिकल केस स्टडीज, जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च इंटरनेशनल, जर्नल ऑफ एडवांसेज इन मेडिसिन एंड मेडिकल रिसर्च, जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनेस्थीसिया, बीएमसी एनेस्थिसियोलॉजी, मेडिसिन, जर्नल ऑफ एडवांसेज इन मेडिसिन एंड मेडिकल रिसर्च, क्लिनिकल जर्नल ऑफ पेन, एक्सपर्ट रिव्यू ऑफ मेडिकल डिवाइसेज, यूरोपियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनेस्थीसिया एडवांसेज, पेरिऑपरेटिव मेडिसिन।

<u>डॉ. सोनिया वधावन</u>

- 05/04/2024 को कार्डियक एनेस्थीसिया, न्यूरो एनेस्थीसिया, नियोनेटोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, बाल चिकित्सा सर्जरी विभागों के लिए प्रोटोकॉल चर्चा और अनुमोदन समिति की बैठक के लिए सह-अध्यक्ष।
- 24 और 25 अप्रैल 2024 को स्पर्श सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, बेंगलुरु में एनेस्थिसियोलॉजी में डिप्लोमा प्रैक्टिकल परीक्षा के लिए परीक्षक।
- मई और जून 2024 में एनेस्थिसियोलॉजी पेपर I और II के लिए फॉर्मेटिव असेसमेंट टेस्ट के प्रश्न पत्र तैयार करने के लिए परीक्षक।
- जून 2024 को NEET PG 2024 परीक्षा के संचालन के मूल्यांकन के लिए उड़न दस्ते के सदस्य।
- जून 2024 में NEET-PG 2024 की परीक्षा के बाद प्रश्नपत्र समीक्षा कार्यशाला के लिए विशेषज्ञ।
- 6 जुलाई 2024 को एफएमजीई जून 2024 के संचालन का मूल्यांकन करने के लिए फ्लाइंग स्क्वायड के सदस्य।
- 30 जुलाई 2024 को आयोजित कार्यशाला में स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा के बहुविकल्पीय प्रश्नों के सत्यापन के लिए विशेषज्ञ।
- 5 अगस्त 2024 को नोएडा के स्नातकोत्तर इंस्टीट्यूट ऑफ चाइल्ड हेल्थ के बाल चिकित्सा एनेस्थीसिया विभाग द्वारा आयोजित सीएमई में संकाय।
- अगस्त 2024 में NBEMS द्वारा आयोजित डिप्लोमा एनेस्थिसियोलॉजी परीक्षा के लिए मूल्यांकित सिद्धांत उत्तर पत्रक।
- 7 सितंबर 2024 को सर गंगा राम अस्पताल द्वारा आयोजित फॉर्मेटिव असेसमेंट टेस्ट (एनबीईएमएस) के लिए बाहरी मूल्यांकनकर्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।
- 3 और 4 सितंबर 2024 को बीएन पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल एंड साइंस, आनंद के दौरे के लिए NAAC पीयर टीम के सदस्य समन्वयक।

- सितंबर 2024 में एनेस्थिसियोलॉजी डीएनबी फाइनल प्रैक्टिकल के ओएससीई स्टेशनों का मूल्यांकन किया गया।
- अक्तूबर 2024 में बाबा फ़रीद विश्वविद्यालय, पंजाब के लिए डिप्लोमा एनेस्थीसिया परीक्षा के लिए सिद्धांत पत्रों की तैयारी।
- 25 और 26 नवंबर को कोलकाता में आयोजित डिप्लोमा एनेस्थिसियोलॉजी प्रैक्टिकल परीक्षा (एनबीईएमएस) के लिए परीक्षक।
- 27 नवंबर 2024 को डिप्लोमा थ्योरी पेपर (एनबीईएमएस) का मॉडरेशन।
- एनेस्थिसियोलॉजी, दिसंबर 2024 के लिए स्नातकोत्तर एग्जिट एमसीक्यू तैयार करने के लिए विशेषज्ञ।
- जनवरी 2025 में एरा मेडिकल कॉलेज और यूनिवर्सिटी, लखनऊ के लिए एनेस्थिसियोलॉजी एमडी अंतिम परीक्षा के लिए सिद्धांत पत्रों का मूल्यांकनकर्ता।
- फरवरी 2025 में एनेस्थिसियोलॉजी पोस्ट-डॉक्टरल के लिए ओएससीई की तैयारी के लिए विशेषज्ञ।
- 19 और 20 फरवरी 2025 को इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज और अनुसंधान संस्थान, पुडुचेरी में आयोजित एनेस्थिसियोलॉजी में डीएनबी अंतिम व्यावहारिक परीक्षा के लिए परीक्षक।
- फरवरी 2025 में स्नातकोत्तर एग्जिट परीक्षा के लिए एनेस्थिसियोलॉजी में MCQs के लिए सत्यापन कार्यशाला में विशेषज्ञ।
- 20 फरवरी 2025 को आयोजित डीएनबी एनेस्थिसियोलॉजी व्यावहारिक परीक्षा के लिए ओएससीई का मूल्यांकन किया गया।
- लोक नायक अस्पताल के प्रसूति एवं स्त्री-रोग विभाग की मातृ मृत्यु समीक्षा समिति की सदस्य।
- एलएनएच में यौन उत्पीड़न समिति के सदस्य।
- पीजीएमईटी सेल, एमएएमसी की प्रशासनिक समिति के सदस्य

<u>डॉ. नीलम प्रसाद</u>

- जीआईएमएस ग्रेटर नोएडा में संकाय चयन के लिए एनेस्थीसिया विशेषज्ञ।
- एनएमसी और एनबीई बोर्ड के सदस्य।
- विभिन्न राज्य स्तरीय स्नातकोत्तर परीक्षाओं के लिए परीक्षक।

<u>डॉ. ललित गुप्ता</u>

विशेषज्ञ निकायों में प्रतिनिधित्व

- तकनीकी वस्त्रों के लिए मानकों और विनियमों पर 6वें MoT-FICCI-BIS राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए पैनल सदस्य; भारतीय मानक ब्यूरो (BIS)"।
- राष्ट्रीय शिक्षा बोर्ड के विशेषज्ञ।
- भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों के शोध प्रबंधों के लिए बाह्य परीक्षक।

कार्य प्रोफ़ाइल

- नैदानिक कार्य जिसमें रोगियों को एनेस्थीसिया देना, एनेस्थीसिया से पूर्व जांच, ऑपरेशन के बाद की देखभाल, गहन देखभाल, तीव्र और दीर्घकालिक दर्द प्रबंधन शामिल है।
- स्नातक-पूर्व और स्नातकोत्तर मेडिकल छात्रों, नर्सिंग और डेंटल छात्रों को पढ़ाना।
- स्नातकोत्तर छात्रों के शोध प्रबंध और वरिष्ठ निवासियों के शोध का मार्गदर्शन करना।
- स्नातक चिकित्सा छात्रों, एनेस्थीसिया विभाग के स्नातकोत्तर छात्रों और तकनीकी कर्मचारियों का शिक्षण और प्रशिक्षण।
- लोक नायक अस्पताल की क्रय समिति के सदस्य।
- मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज की रिसर्च सोसाइटी के सदस्य।

पत्रिकाओं का संपादकीय बोर्ड

- इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनेस्थीसिया के प्रधान संपादक।
- पीएलओएस वन के अकादमिक संपादक।
- वर्ल्ड जर्नल ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी के एसोसिएट एडिटर।
- एशियन पेसिफिक जर्नल ऑफ कैंसर प्रिवेंशन (एपीजेसीपी) के समीक्षक।
- जर्नल ऑफ क्लिनिकल केस रिपोर्ट्स के वरिष्ठ एसोसिएट संपादक।
- इमरजेंसी मेडिसिन जर्नल के लिए समीक्षक (स्कॉलर वन: बीएमजे जर्नल)।
- जर्नल ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी क्लिनिकल औषध-विज्ञान के एसोसिएट एडिटर।
- इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी रिसर्च के एसोसिएट एडिटर।
- फार्मा इनसाइट: जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल साइंस एंड टेक्नोलॉजी के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।

नई सुविधाएं: 7 मई 2024 को "एनेस्थीसिया सिमुलेशन और क्लिनिकल स्किल्स लैब" का उद्घाटन किया गया।

अन्य उल्लेखनीय कार्य:

- एनेस्थीसिया के स्नातकोत्तर छात्रों के नियमित शिक्षण एवं प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में "एनेस्थीसिया में सिमुलेशन" कक्षाओं को शामिल किया गया है। द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के स्नातकोत्तर छात्रों के लिए हर माह 3 कक्षाएं संचालित की जाती हैं।
- प्रशिक्षुओं के लिए नियमित रूप से बुनियादी जीवन समर्थन और सिमुलेशन कक्षाएं आयोजित की जा रही हैं।

***

शरीररचना - (एनाटॉमी (एमएएमसी)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

दिल्ली सरकार के अधीन एनाटॉमी विभाग शवलेपन के लिए एक केंद्रीकृत सुविधा है। विभाग स्वैच्छिक शरीर दान के लिए मान्यता प्राप्त केंद्र है। विभाग में एक आधुनिक आणविक और साइटोजेनेटिक्स प्रयोगशाला है जहाँ अनुसंधान परियोजनाएँ प्रगति पर हैं। विभाग ने एक प्लास्टिनेशन इकाई शुरू की है। विभाग भ्रूण शव परीक्षण के लिए संस्थागत केंद्र है। शरीररचना- विभाग निम्नलिखित शिक्षण कार्यक्रमों के लिए एक केंद्र है:-क. एमबीबीएस बैचलर ऑफ मेडिसिन और बैचलर ऑफ सर्जरी। ख. बैचलर ऑफ डेंटल साइंसेज। ग. बीएससी नर्सिंग। घ. एमएएमसी और जीआईपीएमईआर के न्यूरोसर्जरी, कार्डियो-थोरेसिक सर्जरी विभाग के अंतःविषय स्नातकोत्तर और सुपरस्पेशलिटी शिक्षण। ङ. एमएएमसी और एलएनएच के ईएनटी, ऑर्थोपेडिक्स और सर्जरी विभाग के अंतःविषय स्नातकोत्तर शिक्षण।

सम्मान/विभूतियां

- डॉ. सबिता मिश्रा ने क्लिनिकल साइकोलॉजी में एग्जीक्यूटिव डिप्लोमा का पाठ्यक्रम पूरा किया।
- डॉ. दीपिका को 30वें UPASICON अक्तूबर 2024 में प्रस्तुत सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र के लिए पुरस्कार मिला।
- डॉ. इंदु को जनवरी 2025 में SOMA में प्रस्तुत सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र के लिए पुरस्कार मिला।

विभूतियां प्राप्त छात्र:

- बैच 2023 के 22 एमबीबीएस छात्रों ने एनाटॉमी में विशिष्ट अंक प्राप्त किए।

प्रकाशन

- कुमार, डी., जीना, एलएम, टेम्पे, ए., तंवर, आर., कुमार, एस., आदि (2024)। भारत के उत्तरी क्षेत्र में एस्थेनोजोस्पर्मिया रोगियों में DNAH6 और ATPase6 (माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए) जीन

का आणविक लक्षण वर्णन। *बीएमसी यूरोल,* 24(1), 180. https://doi: 10.1186/s12894-024-01505-9.

- कुमार, डी., पोलिपल्ली, एस.के. (2024)। डीएसडी में साइटोजेनेटिक और आणविक आनुवंशिक जाँच। रतन, एस.के. (संपादक) लिंग विकास में अंतर वाले बच्चे। स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-97-1639-5_12.
- मिश्रा, एस., वाधवा, एस., और सैनी, एस. (2024). स्टीरियोलॉजी में ऊतक प्रसंस्करण: स्टीरियोलॉजिकल तकनीकों का एक मैनुअल, नोवा साइंस पब्लिशर्स।
- पुस्तक अध्याय https://doi.org/10.52305/EIGK126.
- मिश्रा, एस., और वाधवा, एस. (2024)। सामान्य गोनाडल विकास। रतन, एस.के. (संपादक) में। लिंग-भिन्न विकास वाले बच्चे: बहु-विषयक प्रबंधन। स्प्रिंगर, सिंगापुर। पुस्तक अध्याय https://doi.org/10.1007/978-981-97-1639-5_1.
- पूनिया, डी., रमन, एस., सैनी, एस., और मिश्रा, एस. (2024)। मध्य कपाल फोसा तक ट्रांसऑर्बिटल पहुँच के अनुकूलन के लिए सूखी खोपड़ियों का मॉर्फोमेट्रिक विश्लेषण: शल्य चिकित्सा योजना के लिए शारीरिक अंतर्दृष्टि। *जर्नल ऑफ एनाटॉमिकल साइंस, यूपी चैप्टर, एनाटॉमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया,* 32(2), 66-77। https://doi.org/10.46351/jas.v32i2pp66-77.
- शर्मा, आर.के., पूनिया, डी., और सिंह, एच. (2024)। अग्रबाहु और हाथ में वैरिएंट एक्सटेंसर मांसपेशियों का द्विपक्षीय संयोजन। *आईजेएसआर,* 13(7), 22-23। https://doi: https://doi: 10.36106/ijsr/2410139.
- चक्रवर्ती, ए., पोरवाल, के., रमन, एस., एट अल. (2024)। सुपरपैरामैग्नेटिक आयरन ऑक्साइड नैनोपार्टिकल इम्प्लांटेशन और चुंबकीय क्षेत्र एक्सपोजर वयस्क नर चूहों में रीढ़ की हड्डी की चोट के बाद अस्थि माइक्रोआर्किटेक्चर को नियंत्रित करते हैं। *एनल्स ऑफ न्यूरोसाइंसेज,* 0(0)। डोई:10.1177/0972753123 122 3569.
- कुमार, एस., रमन, एस., शेषम, के., गुप्ता, ए., यादव, आर.के., आदि (2024)। स्वर्ण नैनोकण युग्मित लूप-मध्यस्थ समतापी प्रवर्धन (नैनोलैम्प) का उपयोग करके गुर्दे प्रत्यारोपित रोगियों के लिए दृश्य, तीव्र और लागत प्रभावी बीके वायरस पहचान प्रणाली। *जे वायरोल मेथड्स,* 325, 114889। doi: 10.1016/ j.jviromet.2024.114889.
- गुप्ता, पी. और सिंह, एस. (2024). ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन रेगुलेशन-2023 पर एक अपडेट. *आईएपी जर्नल ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, 1(1*)

- मंगला, एन., वाधवा, एस., सुराल, एस., मिश्रा, एस., और वासुदेव, एन. (2025)। इलियाक हड्डियों की आकृतिमिति-अस्थि प्रत्यारोपण के लिए एक उपयोगी मार्गदर्शिका। *प्राग मेडिकल रिपोर्ट,* 126, 9-16। https://doi.org/10.14712/ 23362936.2025.2
- कालरा, एस., यादव, एस., वाधवा, एस., और जैन, एस. (2024). कारमेल रंग विरोधाभास: क्या यह एक सुरक्षित प्राकृतिक भोजन है या एक रसायन? *यूजेएमएस,* (1), 24-27.

अनुसंधान परियोजना

डॉ. अनीता महाजन, शरीर रचना विज्ञान विभाग, को "मस्तिष्क खंड का प्लास्टिनेशन: शव के नमूने को संरक्षित करने का एक प्रभावी तरीका" नामक शोध परियोजना के लिए 1,68,000 रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार द्वारा "एमएएमसी में चिकित्सा अनुसंधान को सुदृढ़ बनाने" की योजना के तहत प्रदान किया गया है और 2023 से शुरू होकर आज तक जारी है।

डॉ. बबीता पांगटे, शरीर रचना विज्ञान विभाग, को "गर्भावधि मधुमेह में सीरम गैलेक्टिन 3-स्तरों का उसके प्लेसेंटल अभिव्यक्ति और हिस्टोमॉर्फोलॉजिकल परिवर्तनों के साथ संबंध" नामक शोध परियोजना के लिए 2,95,400 रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार द्वारा "एमएएमसी में चिकित्सा अनुसंधान को सुदृढ़ बनाने" की योजना के तहत प्रदान किया गया है और 2023 से शुरू होकर आज तक जारी है।

डॉ. दिनेश कुमार, शरीर रचना विज्ञान विभाग, को "भारत के उत्तरी क्षेत्र के बांझ दंपत्तियों के पुरुषों (गैर-अवरोधक ओलिगो या एज़ोस्पर्मिया) में वाई गुणसूत्र के एजेडएफ क्षेत्र का इन विट्रो आणविक लक्षण वर्णन" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 3,00,000 रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार द्वारा "एमएएमसी में चिकित्सा अनुसंधान को सुदृढ़ बनाने" की योजना के तहत प्रदान किया गया है और 2023 से शुरू होकर आज तक प्रगति पर है।

डॉ. प्रीति गोस्वामी, शरीर रचना विज्ञान विभाग, को "प्रीक्लेम्पसिया में सीरम वैस्कुलर एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर के स्तर का उसके प्लेसेंटल एक्सप्रेशन और हिस्टोमॉर्फोलॉजिकल परिवर्तनों के साथ संबंध" नामक शोध परियोजना के लिए 3,00,000 रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार द्वारा "एमएएमसी में चिकित्सा अनुसंधान को सुदृढ़ बनाने" की योजना के तहत प्रदान किया गया है और 2023 से शुरू होकर आज तक जारी है।

डॉ. सबिता मिश्रा और डॉ. सुरभि वाधवा, शरीर रचना विज्ञान विभाग, को "मानव कर्णावर्त तंत्रिका के रक्त तंत्रिका अवरोध का विकास" नामक शोध परियोजना के लिए क्रमशः पीआई और को-पीआई के रूप में एक वर्ष के लिए 13,35,168 रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है।

डॉ. शिखा सिंह, शरीर रचना विज्ञान विभाग, को "एक नए दृष्टिकोण से हृदय और गुर्दे की शारीरिक रचना: शिक्षण और अनुसंधान के लिए एक वैज्ञानिक पद्धति के रूप में प्लास्टिनेशन" नामक शोध परियोजना के लिए 1,31,300 रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार द्वारा "एमएएमसी में चिकित्सा अनुसंधान को सुदृढ़ बनाने" की योजना के तहत प्रदान किया गया है और 2024 से शुरू होकर आज तक जारी है।

आयोजित सम्मेलन

- DASMOS का आयोजन 27 अप्रैल 2024 को शरीर-रचना विभाग, एमएएमसी द्वारा किया गया था।
- शरीररचना- विभाग, एमएएमसी द्वारा 7-8 फरवरी 2025 को द्वितीय भ्रूण शव परीक्षण कार्यशाला 2025 का आयोजन किया गया।
- एमएएमसी के शरीररचना- विभाग द्वारा 19 फरवरी 2025 को न्यूरोसर्जरी विभाग, जीआईपीएमईआर के सहयोग से व्हाइट फाइबर ट्रैक्ट विच्छेदन पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया।
- चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रमुख डॉ. दिनेश कुमार ने ईआरए मेडिकल कॉलेज लखनऊ में नवंबर 2024 में स्वास्थ्य व्यवसाय शिक्षा पर 15$^{वें}$ राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीएचपीई 2024) में एक पूर्व-सम्मेलन कार्यशाला: 'इसे वास्तविक बनाएं: सिमुलेशन डिजाइनिंग 'दिखाने के तरीके से परे' का आयोजन किया।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

देहदान जागरूकता अभियान

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	: 7
एसोसिएट प्रोफेसर	: 2
सहायक प्रोफेसर	: 2
तदर्थ	: 1

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- डॉ. सबिता मिश्रा एमएएमसी में अकादमिक अधिकारी हैं
- डॉ. सबिता मिश्रा राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड में शरीररचना- विषय की संयोजक हैं।

- डॉ. सबिता मिश्रा भारतीय मानक ब्यूरो के चिकित्सा उपकरण और अस्पताल योजना प्रभाग परिषद (एमएचडीसी) के अंतर्गत एनाटॉमी और फोरेंसिक विज्ञान उपकरण अनुभागीय समिति, एमएचडी 23 की अध्यक्ष हैं।
- डॉ. दिनेश कुमार और डॉ. स्वाति तिवारी भारतीय मानक ब्यूरो के चिकित्सा उपकरण और अस्पताल योजना प्रभाग परिषद (एमएचडीसी) के अंतर्गत एनाटॉमी और फोरेंसिक विज्ञान उपकरण अनुभागीय समिति, एमएचडी 23 के सदस्य हैं।
- डॉ. सबिता मिश्रा और डॉ. दिनेश कुमार भारतीय चिकित्सा परिषद के ई-संसाधन व्यक्ति हैं।
- डॉ. दिनेश कुमार मेडिकल शिक्षा विभाग एमएएमसी के प्रमुख हैं, जो पूरे भारत के मेडिकल संकाय को पढ़ाने के लिए राष्ट्रीय शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम और एमसीआई बुनियादी कार्यशालाएं आयोजित करता है।
- डॉ. दिनेश कुमार एमएएमसी के लिए एनएमसी आईटी पहल के नोडल अधिकारी हैं।
- डॉ. दिनेश कुमार एमएएमसी में परीक्षा अधीक्षक और एमएएमसी में खेल समिति के सदस्य हैं।
- डॉ. अनीता महाजन: बालिका छात्रावास की प्रोवोस्ट तथा ललित कला समिति और पुस्तकालय समिति की संकाय सलाहकार।
- डॉ. अनीता महाजन को एफएमजीई परीक्षा के प्रश्नपत्रों के सत्यापन के लिए एनबीई में विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था।
- डॉ. सुरभि वाधवा: स्पंदन पत्रिका समिति की कोषाध्यक्ष और कॉलेज साहित्यिक समिति की संकाय सलाहकार।
- डॉ. बबिता पंगटेई एमएएमसी में यौन उत्पीड़न समिति की सदस्य हैं।
- डॉ. शिखा सिंह चिकित्सा शिक्षा विभाग की सदस्य हैं।
- डॉ. शिखा सिंह विभिन्न अन्य मेडिकल कॉलेजों में बीसीएमई के आयोजन और संचालन के लिए एनएमसी समन्वयक हैं।
- डॉ. दीपिका स्नातकोत्तर प्रोटोकॉल समिति की सदस्य थीं।

***

जैव-रसायन विज्ञान (गोविंद बल्लभ पंत संस्थान स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

परीक्षण का नाम और संख्या:

- यकृत प्रोफ़ाइल

- गुर्दे की प्रोफ़ाइल
- वसा प्रोफ़ाइल
- जमावट प्रोफ़ाइल
- इलेक्ट्रोलाइट्स
- सीरम ग्लूकोज
- हार्मोन परख
- दवाएं और विशेष परीक्षण

परीक्षण	किए गए परीक्षणों की संख्या
नैदानिक रसायन विज्ञान परीक्षण	1832833
जमावट परीक्षण	95526
हार्मोन परीक्षण	63756
एचबीए 1 सी	6291

सम्मान/विभूतियां

- डॉ. प्रदीप के डाबला एनएबीएल लीड और तकनीकी मूल्यांकनकर्ता मेडिकल लेबोरेटरीज आईएसओ 15189:2022 और आईएसओ 17043:2023.
- डॉ. प्रदीप के. डबला, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के निर्धारक
- डॉ. प्रदीप के. डबला संपादकीय बोर्ड के सदस्य जर्नल्स- क्लिनिकल केमिस्ट्री एंड लेबोरेटरी मेडिसिन, ईएफएलएम की आधिकारिक जे; वर्ल्ड जे ऑफ डायबिटीज; इंडियन जे ऑफ क्लिनिकल जैव-रसायन, एसीबीआई की आधिकारिक जे
- डॉ. प्रदीप के डाबला सहायक संपादक पत्रिका के लिए-'इंटरनेशनल जर्नल ऑफ जेनेटिक्स एंड कैंसर', एडीआर जर्नल्स।
- डॉ. प्रदीप के. डबला कार्यकारी संपादक: वर्ल्ड रिसर्च जर्नल ऑफ जैव-रसायन (वर्ल्ड रिसर्च जर्नल ऑफ बायो), [p ISSN:2279-0810,e-ISSN:2279-0829]।
- डॉ. प्रदीप के. डबला, संपादकीय बोर्ड के सदस्य: एडवांसेज इन जैव-रसायन (एबी), आईएसएसएन प्रिंट: 2329-0870, आईएसएसएन ऑनलाइन: 2329-0862.
- डॉ. भावना महाजन ने तकनीकी मूल्यांकनकर्ता के रूप में एनएबीएल का प्रतिनिधित्व किया।
- आईजेएमबी के समीक्षक के रूप में डॉ. भावना महाजन।
- डॉ. रंजना चावला, वैज्ञानिक अनुसंधान समिति, बीएनसीएचएंडवाई की सदस्य हैं

- डॉ. रंजना चावला-बीआर सुर अस्पताल, नई दिल्ली के लिए जैव-रसायन उपकरणों की खरीद हेतु तकनीकी सलाहकार समिति की सदस्य।
- बीएससी मेडिकल फिजियोलॉजी और एमएससी मेडिकल फिजियोलॉजी कार्यक्रमों की कार्यक्रम संरचना/पाठ्यक्रम समीक्षा के लिए क्षेत्रीय सलाहकार बोर्ड की बैठक के लिए बाहरी विशेषज्ञ।
- डॉ. जितेंद्र शर्मा-बाह्य विशेषज्ञ एवं उन्नत विषाणु विज्ञान संस्थान, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, केरल सरकार, भारत की चयन समिति के सदस्य।
- डॉ. जितेंद्र शर्मा-हमदर्द इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च (HIMSR), नई दिल्ली में प्रथम व्यावसायिक MBBS वार्षिक और पूरक व्यावहारिक परीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक।
- डॉ. जितेंद्र शर्मा-बाह्य विशेषज्ञ एवं अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बठिंडा, पंजाब की चयन समिति के सदस्य।
- डॉ. जितेंद्र शर्मा- समीक्षक-फ्रंटियर्स इन वायरोलॉजी, फ्रंटियर्स मीडिया एसए।
- डॉ. जितेंद्र शर्मा- समीक्षक-फ्रंटियर्स इन पब्लिक हेल्थ जर्नल, फ्रंटियर्स मीडिया एसए।
- डॉ. जितेंद्र शर्मा-समीक्षक, प्रयोगशाला चिकित्सा जर्नल, अमेरिकन सोसाइटी फॉर क्लिनिकल पैथोलॉजी (एएससीपी)।
- डॉ. जितेंद्र शर्मा- समीक्षक-फ्रंटियर्स इन मेडिसिन जर्नल, फ्रंटियर्स मीडिया एसए।

प्रकाशन

- प्रदीप कुमार डबला, कमल उप्रेती, दिवाकर सिंह, अंजू सिंह, जितेंद्र शर्मा, आशिमा डबास, डेमियन ग्रूसन, बर्नार्ड गौगेट, सर्जियो बर्नार्डिनी, एवगेनिया होमसाक और संजा स्टेनकोविक (2022) आपातकालीन स्थितियों में नवीन बाल रोग पैटर्न का पता लगाने के लिए लक्ष्य संघ नियम खनन, स्कैंडिनेवियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड लेबोरेटरी इन्वेस्टिगेशन, 82:7-8, 595-600, DOI: 10.1080/00365513.2022.2148121.
- ग्रूसन, डेमियन, ग्रीव्स, रोंडा, डबला, प्रदीप, बर्नार्डिनी, सर्जियो, गौगेट, बर्नार्ड और ओज़, तुगबाकेमालोग्लू। "एक अलग दुनिया का नया द्वार: मेटावर्स से अवसर और मेटा-मेडिकल प्रयोगशालाओं का उदय" *क्लिनिकल केमिस्ट्री एंड लेबोरेटरी मेडिसिन (सीसीएलएम),* 2023। https://doi.org/10.1515/cclm-2023-0108.
- ब्लासुतिग आईएम, व्हीलर एसई, बैस आर, डबला पीके, लिन जे, पेरेट-लिआउडेट ए, थॉमस ए, सेंडेजस केए, जियानोली जेएम, वासॉल्ट ए, अमन ई, मेंग क्यूएच। चिकित्सा प्रयोगशालाओं में बाह्य गुणवत्ता मूल्यांकन पद्धतियाँ: सदस्य समाजों का एक आईएफसीसी वैश्विक सर्वेक्षण। क्लिनकेम लैब मेड। 2023. 13;61(8):1404-1410.

- श्रीवास्तव डी, डबला पीके, सिंह डीडी, मेहता वी. टाइप 2 डायबिटीज़ और कोरोनरी आर्टरी स्टेनोसिस: एक जोखिम पैटर्न एसोसिएशन अध्ययन। एक्सप्लोर मेड. 2023;4:336-42.
- श्रीवास्तव डी, डबला पीके, शर्मा जे, विश्वास ए, मीर आर. टाइप 2 डायबिटीज़ में एंटीऑक्सीडेंट चिकित्सीय रणनीतियों पर अंतर्दृष्टि: यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षणों की एक विस्तृत समीक्षा। *वर्ल्ड जे डायबिटीज़* 2023; 14(6): 919-929.
- व्हीलर एस.ई., ब्लासुतिग आई.एम., डबला पी.के., जियानोली जे.एम., वासॉल्ट ए., लिन जे., सेंडेजस के.ए., पेरेट-लियाडेट ए., बैस आर., थॉमस ए., अमन ई.पी., मेंग क्यू.एच.। चिकित्सा प्रयोगशालाओं में गुणवत्ता मानक और आंतरिक गुणवत्ता नियंत्रण पद्धतियाँ: सदस्य समाजों का एक आईएफसीसी वैश्विक सर्वेक्षण। क्लिनकेम लैब मेड. 2023. doi: 10.1515/cclm-2023-0492. मुद्रण से पहले ई-प्रकाशन। पीएमआईडी: 37327359.
- निमिषा सचान, आशिमा डबास, मुक्तमंतन और अन्य। टाइप 1 डायबिटीज मेलिटस में डायबिटिक नेफ्रोपैथी का पता लगाने के लिए मूत्र बायोमार्कर एनजीएएल और बीटा-2 माइक्रोग्लोबुलिन, 2023. [https://doi.org/10.21203/rs.3.rs-3417003/v1]
- एल्फाकी आई, मीर आर, तैयब एफ, अलालावी एआई, बरनावी जे, डबला पीके, मोआवध एमएस। रोगजनक क्रुप्पेल-जैसे कारक 14 (केएलएफ14) और एडिपोनेक्टिन (एडीआईपीओक्यू) एसएनवी का टी2डीएम के प्रति संवेदनशीलता के साथ संभावित संबंध। एंडोक्रामेटाब इम्यून डिसऑर्डर ड्रग टारगेट। 2024;24(9):1090-1100। doi: 10.2174/0118715303258744231117064253। PMID: 38031795।
- विस्वास, ए., डाबला, पी.के., गुप्ता, एस. *एट अल।* अज्ञातहेतुक सामान्यीकृत मिर्गी के रोगियों में SCN1A आनुवंशिक परिवर्तन और ऑक्सीडेटिव तनाव: दुर्दम्य मामलों में एक कारणात्मक विश्लेषण। *इंड जे क्लिनबायोकेम* (2023)। https://doi.org/10.1007/s12291-023-01164-x
- गौगेट बी, *डबला पीके, अमोर रोज़ा आईएस. " महामारी के बाद के युग में महिलाओं की सामाजिक और स्वास्थ्य असमानताएँ,"* संदर्भ संख्या 03/23, जर्नल लैबोरेटोरिजकामेडिसिना में प्रकाशन के लिए स्वीकृत।
- प्रदीप कुमार डी. एज-रेज अक्ष और कोरोनरी धमनी रोग में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका-व्यक्तिगत चिकित्सा का एक नया युग। संपादकीय। एपिडेमियोल पब्लिक हेल्थ। 2024; 7(1): 1116।
- बरजेश चंद्र शर्मा, सुधीर महर्षि, संजीव सचदेवा, भावना महाजन, अशोक शर्मा, सुषमा बारा, सिद्धार्थ श्रीवास्तव, अजय कुमार, अशोक दलाल, उज्जवल सोनिका। सिरोसिस के रोगियों में प्रत्यक्ष हेपेटिक एन्सेफैलोपैथी के समाधान के बाद लगातार संज्ञानात्मक हानि के लिए पोषण चिकित्सा: एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। जे गैस्ट्रोएंटेरोल हेपेटोल 2023 जून 24। doi: 10.1111/jgh.16266।

- गोविंदराजन एस, सक्सेना ए, महाजन बी, महतो, माला। सीरम एडिपोनेक्टिन स्तर और ADIPOQ SNP rs2241766 का भारतीय महिलाओं में स्तन कैंसर के जोखिम से संबंध। *जर्नल ऑफ कैंसर रिसर्च एंड थेरेप्यूटिक्स* 19(5):पृष्ठ 1379-1384, 2023। | *DOI:* 10.4103/jcrt.jcrt_2296_21

- अग्रवाल आर.एस., यूसुफ जे., महाजन बी., मेहता वी., मंडल एस., मुखोपाध्याय एस. फार्माकोइनवेसिव रणनीति अपना रहे मरीजों में कोरोनरी माइक्रोसर्कुलेशन पर प्रासुग्रेल बनाम टिकाग्रेलर का प्रभाव-तीव्र और अल्पकालिक परिणाम।__कोरोन आर्टरी डिस. 2023 सितंबर 1;34(6):381-388. doi: 10.1097/MCA.0000000000001265.

- शास्त्री एम, कोटरू एम, रायज़ादा ए, महाजन बी, जैन आर, सिक्का एम. वृद्धावस्था में एनीमिया में सूजन संबंधी मार्कर: उत्तर भारत का एक अध्ययन। जे फैमिली मेड प्राइम केयर। 2023 अगस्त;12(8):1663-1668। doi: 10.4103/jfmpc.jfmpc_2443_22। ई-प्रकाशन 2023 अगस्त 29। पीएमआईडी: 37767440.

- गुलाम मेहदी डार, एजाज अहमद, असगर अली, भावना महाजन, गुलाम मोहम्मद अशरफ, संदीप सिंह सलूजा। माइटोकॉन्ड्रियल रेस्पिरेटरी कॉम्प्लेक्स I के आनुवंशिक विपथन विश्लेषण का तंत्रिका संबंधी विकारों के विकास पर प्रभाव और उनका नैदानिक महत्व। एजिंग रिसर्च रिव्यू 2023. जून;87:101906। doi: 10.1016/j.arr.2023.101906। ई-प्रकाशन 2023 मार्च 9.

- अर्पण जैन , बरजेशचंदर शर्मा , भावनामहाजन , सिद्धार्थश्रीवास्तव तीव्र अग्नाशयशोथ के रोगियों में स्पर्शोन्मुख दीवार-बंद परिगलन का प्राकृतिक इतिहास। कुमार एम, सोनिका यू, सचदेवा एस, दलाल ए, नारंग पी, महाजन बी, सिंघल ए, श्रीवास्तव एस। क्यूरियस। 2023 फ़रवरी 5;15(2):e 34646. doi: 10.7759/cureus.34646. eCollection 2023 फ़रवरी. PMID: 36895535 .

- तीव्र अग्नाशयशोथ के रोगियों में स्पर्शोन्मुख दीवार-बंद परिगलन का प्राकृतिक इतिहास। कुमार एम, सोनिका यू, सचदेवा एस, दलाल ए, नारंग पी, महाजन बी, सिंघल ए, श्रीवास्तव एस। क्यूरियस। 2023 फ़रवरी 5;15(2):e 34646. doi: 10.7759/cureus.34646. eCollection 2023 फ़रवरी. PMID: 36895535.

- तीव्र गुर्दे की चोट के साथ विघटित सिरोसिस के रोगियों में मूत्र न्यूट्रोफिल जिलेटिनेस-संबंधित लिपोकेलिन और गुर्दे प्रतिरोधी सूचकांक की नैदानिक उपयोगिता।

- जॉर्ज आर, सोनिका यू, महाजन बी, शर्मा ए, दलाल ए, सचदेवा एस, कुमार ए. डिग लिवर डिस. 2023 सितंबर;55(9):1230-1235. doi: 10.1016/j.dld.2023.03.002. ईपब 2023 मई 25. PMID: 37244788 यौवन वृद्धि में तेजी के आकलन के लिए लार IGF-1 और विटामिन DBP स्तरों का संबंध, निदान सटीकता और इष्टतम सीमा: एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन. जीवी

वी, त्रिपाठी टी, राय पी, महाजन बी, कनासे ए. इंटऑर्थोड. 2023 सितंबर;21(3):100786. Doi. 10.1016/j.ortho.2023.100786. ईपब 2023 जून 22. पीएमआईडी: 37354889.

- सीकेडी से ग्रस्त बच्चों में डिस्लिपिडेमिया की शीघ्र पहचान के लिए सीरम एपोलिपोप्रोटीन (एपोए-1, एपोबी, और एपोबी/एपोए-1 अनुपात)। एम.ए.के., मंटन एम., महाजन बी. पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी। 2023 सितंबर 27। doi: 10.1007/s00467-023-06144-0। प्रिंट से पहले ऑनलाइन। पीएमआईडी: 37752382.
- राजपूत आर, पेरीवाल एन, मुखर्जी सी, वर्मा पी, शर्मा जे, अरोड़ा पी, कौर बी, सूद वी. जापानी एन्सेफलाइटिस वायरस संक्रमण के प्रति मेज़बान की प्रतिक्रियाओं के बारे में नई जानकारी: सार्वजनिक ट्रांसक्रिप्टोम और माइक्रोआरएनएओएम डेटासेट का पुनः विश्लेषण। वायरस रिसर्च। 2022 अक्तूबर 15;320:198887. doi: 10.1016/j.virusres.2022.198887. ई-प्रकाशन 2022 अगस्त 8. पीएमआईडी: 35953004 (आईएफ 6.28)
- शर्मा जे, राजपूत आर, भाटिया एम, अरोड़ा पी, सूद वी. कोविड-19 की गंभीरता और मृत्यु दर के नैदानिक पूर्वानुमान: एक परिप्रेक्ष्य। फ्रंट सेल इंफेक्ट माइक्रोबायोल। 2022. पीएमआईडी: 34760713; पीएमसीआईडी: पीएमसी8573222(आईएफ 6.07).

अनुसंधान परियोजनाएँ

- डॉ. प्रदीप के. डबला बीटा थैलेसीमिया मेजर के रोगियों में अस्थि टर्नओवर मार्कर और कंकाल संबंधी असामान्यताएं।
- डॉ. प्रदीप के. डबला मिर्गी और दवा प्रतिरोध में सोडियम चैनल SCN1A जीन परिवर्तन और ऑक्सीडेटिव तनाव की भूमिका का अध्ययन करना; जैव-रसायन विभाग, GIPMER।
- डॉ. प्रदीप के. डबला तीव्र कोरोनरी सिंड्रोम वाले रोगियों में एलडीएल-सी के स्तर को कम करने में उच्च खुराक स्टैटिन बनाम उच्च खुराक स्टैटिन प्लस एज़ेटीमीब का प्रभाव।
- डॉ. प्रदीप के. डबला कोरोनरी हृदय रोग के विकास में टाइप 2 मधुमेह और ऑक्सीडेटिव तनाव की भूमिका।
- डॉ. प्रदीप के. डबला संरक्षित इजेक्शन अंश वाले हृदय विफलता के रोगियों में सूजन मार्करों, गैर-आक्रामक इमेजिंग विधियों और कार्डियक कैथीटेराइजेशन मापदंडों के बीच सहसंबंध का अध्ययन करना; कार्डियोलॉजी विभाग, जीआईपीएमईआर।
- डॉ. प्रदीप के. डबला टाइप 1 मधुमेह से पीड़ित बच्चों और किशोरों में ग्लाइसेमिक नियंत्रण के साथ गुर्दे के प्रतिरोधक सूचकांक का संबंध

- डॉ. प्रदीप के. डबला मधुमेह मेलिटस से ग्रस्त कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों में उन्नत ग्लाइकेशन अंत उत्पाद (RAGE) और घुलनशील RAGE (sRAGE) के लिए रिसेप्टर की भूमिका।
- डॉ. भावना महाजन द्वारा तीव्र मायोकार्डियल इन्फार्क्शन में परिसंचारी डीएनए की मेथिलोम स्थिति का जैव सूचना विज्ञान विश्लेषण और इसके बायोमार्कर उपयोगिता की खोज।
- डॉ. भावना महाजन द्वारा लार में विटामिन डी बाइंडिंग प्रोटीन और IGF1 के स्तर का रेडियोग्राफिक कंकाल परिपक्वता संकेतकों के साथ संबंध-एक अवलोकन अध्ययन।
- डॉ. भावना महाजन सिरोसिस के रोगियों में तीव्र किडनी की चोट के प्रकार का निर्धारण करने में रीनल रेसिस्टिव इंडेक्स और बायोमार्कर (मूत्र एनजीएएल, सीरम आईएल 6) की भूमिका।
- डॉ. भावना महाजन द्वारा माइग्रेन में संवहनी जोखिम संबंधों का आकलन और एंडोथेलियल डिसफंक्शन के बायोमार्कर के साथ उनका सहसंबंध।
- डॉ. भावना महाजन ने 6 से 60 महीने के बच्चों में ज्वर के दौरों में प्रो और एंटी इन्फ्लेमेटरी साइटोकाइन के स्तर का तुलनात्मक अध्ययन किया।
- डॉ. भावना महाजन मिर्गी के रोगियों में होमोसिस्टीन, विटामिन बी12 और फोलिक एसिड के सीरम स्तर पर कार्बामाज़ेपाइन मोनोथेरेपी के प्रभाव का अध्ययन करेंगी।
- डॉ. भावना महाजन, सोड वैल्प्रोएट मोनोथेरेपी प्राप्त करने वाले मिर्गी से पीड़ित बच्चों में सीरम विटामिन डी के स्तर पर दैनिक विटामिन डी अनुपूरण का प्रभाव: एक डबल-ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
- डॉ. भावना महाजन द्वारा ट्विन ब्लॉक थेरेपी के साथ लार में इंसुलिन जैसे ग्रोथ फैक्टर-1 और बोन एल्कलाइन फॉस्फेट के स्तर का आकलन:एक अवलोकनात्मक अध्ययन।
- डॉ. भावना महाजन ने डायबिटिक रेटिनोपैथी में एंटी वैस्कुलर एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर के उपयोग के बाद ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी एंजियोग्राफी का मूल्यांकन किया।
- डॉ. जितेंद्र शर्मा, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), नई दिल्ली द्वारा स्वीकृत, एम्स बठिंडा, पंजाब के सहयोग से चल रही परियोजना "सिस्टिक फाइब्रोसिस के रोगियों में फुफ्फुसीय एंडोथेलियल डिसफंक्शन की ओर ले जाने वाली प्रो-इंफ्लेमेटरी प्रतिक्रिया में बाह्यकोशिकीय पुटिका मध्यस्थता प्रेरण " के सह-प्रमुख अन्वेषक हैं। परियोजना के लिए स्वीकृत निधि 32 लाख रुपये + ओवरहेड्स (बाह्य परियोजना)।
- डॉ. जितेंद्र शर्मा ने पुरानी गैर-विशिष्ट पीठ दर्द के लिए पारंपरिक उपचार ले रहे रोगियों में पीठ की विकलांगता, तनाव और सूजन संबंधी मार्करों का अनुदैर्ध्य मूल्यांकन किया।

पेटेंट

- आईपी ऑस्ट्रेलिया; नवाचार पेटेंट संख्या: 2021106418; आविष्कार का शीर्षक: प्रारंभिक अवस्था में कैड रोग के रोगियों में पूर्वानुमान और परिणामों के लिए प्रारंभिक जोखिम आकलन मशीन लर्निंग मॉडल का विकास। आविष्कारक का नाम: डबला, प्रदीप कुमार; स्टैनकोविक, संजा डीजे; मिश्रा, दुर्गेश; मेहता, विमल; उप्रेती, कमल और ग्रुसन, डेमियन। पेटेंट की अवधि: 22 अगस्त 2021 से आठ वर्ष।
- आईपी ऑस्ट्रेलिया; नवोन्मेष पेटेंट संख्या: 2021106431; आविष्कार का शीर्षक: डीप न्यूरल लर्निंग का उपयोग करके स्वायत्त रोगी निगरानी हेतु एक प्रणाली और विधि। आविष्कारक का नाम: डबला, प्रदीप कुमार; स्टैनकोविक, संजा डीजे; राउत, रंजना दिनकर; उप्रेती, कमल; यमुना, जी.; गौगेट, बर्नार्ड; ग्रुसन, डेमियन; बर्नार्डिनी, सर्जियो और चौधरी, अनिर्बान। पेटेंट की अवधि: 22 अगस्त 2021 से आठ वर्ष।

आयोजित संगोष्ठियां

- संयोजक एवं संकाय, प्रवीणता परीक्षण मान्यता ISO17043:2023 पर कार्यशाला, ACBICON 2024, PGI चंडीगढ़ में।
- दिल्ली में PATHCON 2024 में लिपिड से संबंधित हृदय जोखिम मूल्यांकन और प्रबंधन पर कार्यशाला के संयोजक और संकाय।
- संयोजक, प्रोफेसर किंग मिंग (टेक्सास विश्वविद्यालय, एमडी एंडरसन कैंसर सेंटर, यूएसए) द्वारा विजिटिंग लेक्चर, जैव-रसायन विभाग द्वारा आयोजित, 3 दिसंबर 2024, जीआईपीएमईआर, दिल्ली सरकार।
- आमंत्रित समीक्षक सार, यूरोमेडलैब 2025, ब्रुसेल्स, बेल्जियम।
- सदस्य आयोजन वैज्ञानिक समिति, आईएफसीसी वर्ल्डलैब 2026, दिल्ली भारत।
- संयोजक, विजिटिंग लेक्चर प्रोफेसर हरि शंकर शर्मा एक बायोमेडिकल वैज्ञानिक और प्रोफेसर हैं जो इरास्मसएमसी, यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर, रॉटरडैम से संबद्ध हैं। 7 मई 2025 को जीआईपीएमईआर, दिल्ली सरकार के जैव-रसायन विभाग द्वारा आयोजित किया गया।
- नवंबर 2022 में GIPMER में ACBICON 2022 दिल्ली के साथ "एप्लाइड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रिसर्च" पर कार्यशाला। विजिटर फैकल्टी: डॉ. बर्नार्ड गौगेट, IFCC MHBLM पेरिस; डॉ. सर्जियो बर्नार्डिनी IFCC ETD इटली; अन्य फैकल्टी विजिटर: डॉ. मौरिज़ियो फेरारी, यूनिवर्सिटी वीटा-सैल्यूट मिलान इटली; डॉ. अलेक्जेंडर हैलियासोस, अध्यक्ष और सीईओ, DIAMEDICA, एक ग्रीक संदर्भ प्रयोगशाला, ग्रीस।

- प्रोफेसर किंग मिंग (टेक्सास विश्वविद्यालय, एमडी एंडरसन कैंसर सेंटर, यूएसए) द्वारा विजिटिंग लेक्चर का आयोजन जैव-रसायन विभाग द्वारा 3 दिसंबर 2024 को किया गया, जीआईपीएमईआर, दिल्ली सरकार।
- हरि शंकर शर्मा, बायोमेडिकल वैज्ञानिक और प्रोफेसर हैं, जो इरास्मस एमसी, यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर, रॉटरडैम से संबद्ध हैं। 7 मई 2025 को जीआईपीएमईआर, दिल्ली सरकार के जैव-रसायन विभाग द्वारा आयोजित विजिटिंग लेक्चर।

आयोजित सम्मेलन

- संयोजक एवं संकाय, प्रवीणता परीक्षण मान्यता ISO17043:2023 पर कार्यशाला, ACBICON 2024, PGI चंडीगढ़ में।
- पैथकॉन 2024, दिल्ली में लिपिड से संबंधित हृदय संबंधी जोखिम मूल्यांकन एवं प्रबंधन पर कार्यशाला के संयोजक एवं संकाय।
- आमंत्रित समीक्षक सार, यूरोमेडलैब 2025, ब्रुसेल्स, बेल्जियम।
- सदस्य आयोजन वैज्ञानिक समिति, WASPaLM& ACBICON2025, पुणे भारत
- सदस्य आयोजन वैज्ञानिक समिति, आईएफसीसी वर्ल्डलैब 2026, दिल्ली भारत।

आउटरीच गतिविधियाँ

सभी रेजिडेंट और तकनीकी कर्मचारियों ने दिल्ली सरकार के चल रहे पल्स पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम में भाग लिया। इसके अलावा, रेजिडेंट एनएमसी नियमों के अनुसार जिला प्रशिक्षण कार्यक्रम और जिला अस्पताल रोगी देखभाल सहायता में भी भाग लेते हैं।

अन्य सहयोग

- डॉ. प्रदीप कुमार डबला सी-कैंप अंतर-संस्थागत बायोमेडिकल इनोवेशन प्रोग्राम (सीआईबीआईपी): एआईसीटीई द्वारा सीआईबीआईपी क्राइस्ट और जीबीपंत अंतर-संस्थागत बायोमेडिकल इनोवेशन प्रोग्राम, 2024 के लिए चिकित्सा समन्वयक के रूप में अनुमोदित।
- डॉ. प्रदीप कुमार डबला, बीटेक आईआईटी दिल्ली के अंतर्गत अल्पकालिक परियोजना "कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल का उपयोग करके आईसीयू में भर्ती मरीजों में नमूना निगरानी" के सह-पर्यवेक्षक, वर्ष 2024, मोदीट एंड अबिनोव, औद्योगिक इंजीनियरिंग विभाग।
- डॉ. प्रदीप कुमार डबला आईएफसीसी प्रोफेशनल साइंटिफिक एक्सचेंज प्रोग्राम (पीएसईपी), 2024 (जुलाई-अक्तूबर) जैव-रसायन विभाग, जीआईपीएमईआर में: ओजियोमाएबेरेओबियानिडो, अंतिम पीएच.डी. छात्र, और मेडिकल प्रयोगशाला विज्ञान विभाग, कॉलेज ऑफ मेडिसिन, नाइजीरिया विश्वविद्यालय, एनुगु परिसर में व्याख्याता के लिए 3 महीने के प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए मेजबान पर्यवेक्षक और मार्गदर्शक।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

नई सुविधाएँ जोड़ी गईं

- सम्मेलन कमरा।
- स्नातकोत्तर शिक्षण एवं अनुसंधान प्रयोगशाला (आणविक जीव विज्ञान सहित)
- स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, एलिसा रीडर और वॉशर, थर्मोसाइक्लर, डीप रेफ्रिजरेटर, डिजिटल कलरमीटर, मिनी सेंट्रीफ्यूज, कोएगुलेशन एनालाइजर, सेमी-ऑटो एनालाइजर, ऑटोक्लेव, बेंचटॉप सेंट्रीफ्यूज।
- टेलीकांफ्रेंस सुविधा और कैमरा, स्पीकर के साथ इंटरैक्टिव शिक्षण पैनल
- विभागीय पुस्तकालय।
- आणविक प्रयोगशाला-अनुसंधान एवं स्नातकोत्तर शिक्षण उद्देश्यों के लिए।

विभागीय अनुसंधान प्रयोगशाला

अंतरिक्ष	पर्याप्त	
अनुसंधान प्रयोगशाला में अभिकर्मकों के साथ उपकरण। *वांछनीय। केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला में हो सकता है	उपकरण	व्यावहारिक स्थिति
	1. वैद्युतकणसंचलन	कार्यात्मक
	2. क्रोमैटोग्राफी	कार्यात्मक
	3. अर्ध/स्वचालित विश्लेषक	कार्यात्मक
	4. इलेक्ट्रोलाइट विश्लेषक	कार्यात्मक
	5. एलिसा	कार्यात्मक
	6. पीसीआर*	कार्यात्मक
	7. एचपीएलसी*	कार्यात्मक
पिछले 3 वर्षों में पूरी की गई शोध परियोजनाएँ। विवरण प्रदान करें	1. तीव्र मायोकार्डियल इन्फार्क्शन में परिसंचारी डीएनए की मेथिलोम स्थिति का जैव सूचना विज्ञान विश्लेषण और इसकी बायोमार्कर उपयोगिता की खोज। 2. मिर्गी और दवा प्रतिरोध में सोडियम चैनल SCN1A जीन परिवर्तन और ऑक्सीडेटिव तनाव की भूमिका। 3. मायोकार्डियल इन्फार्क्शन में ट्यूमर नेक्रोसिस फैक्टर रिसेप्टर सुपरफैमिली मेंबर4 (TNFRSF4) की मिथाइलेशन स्थिति और स्तर। 4. ग्लियोमा में 33 (TRIM-33) जीन युक्त त्रिपक्षीय रूपांकन की अभिव्यक्ति और मिथाइलेशन स्थिति।	
अनुसंधान	1. मधुमेह के साथ कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों में उन्नत ग्लाइकेशन अंत	

प्रयोगशाला में चल रही अनुसंधान परियोजनाओं की सूची बनाएँ। विवरण प्रदान करें।	उत्पादों (RAGE) और घुलनशील RAGE (sRAGE) के लिए रिसेप्टर की भूमिका। 2. थ्रोम्बोस्पोंडिन-1 (टीएसपी-1) और ट्रांसफॉर्मिंग ग्रोथ फैक्टर-बीटा (टीजीएफ-बीटा) की अभिव्यक्ति और समय से पहले कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों में गंभीरता के साथ उनका सहसंबंध। 3. "सिस्टिक फाइब्रोसिस रोगियों में फुफ्फुसीय एंडोथेलियल डिसफंक्शन के लिए अग्रणी प्रो-भड़काऊ प्रतिक्रिया में एक्स्ट्रासेलुलर वेसिकल मध्यस्थता प्रेरण", भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) (एक्स्ट्राम्यूरल प्रोजेक्ट) द्वारा अनुमोदित। 4. मिर्गी और दवा प्रतिरोध में हाई मोबिलिटी ग्रुप बॉक्स 1 (HMGB1) और एटीपी बाइंडिंग कैसेट मेम्ब्रेन प्रोटीन 1 (ABCB1) जीन अभिव्यक्ति और ऑक्सीडेटिव तनाव की भूमिका 5. तीव्र मायोकार्डियल रोधगलन में CYP2C19 जीन बहुरूपता और mRNA अभिव्यक्ति।

जैव-रसायन विज्ञान (एमएएमसी)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

1. शैक्षणिक: सफलतापूर्वक संचालन 3 निर्वाचित प्रविष्टि program' के लिए एमबीबीएस छात्र जैसा एनएमसी दिशानिर्देशों के अनुसार

   i. नैदानिक निदान
   ii. मोलेकुलर निदान
   iii. इम्यूनोडायग्नोस्टिक्स

2. मरीज़ देखभाल: स्थापित मोलेकुलर डायग्नोस्टिक प्रयोगशाला को उपलब्ध करवाना रोगी देखभाल के लिए अत्याधुनिक आणविक परीक्षण। परीक्षणों का पैनल इस प्रकार है:

- तीव्र लिम्फोसाईटिक लेकिमिया (सभी) पैनल,
- तीव्र माइलॉयड लेकिमिया (एएमएल) पैनल
- थ्रोम्बोफिलिया पैनल शामिल कारक वी लीडेन
- बीसीआर- एबीएल
- बीआरएएफ वी600
- BRCA विस्तारित पैनल

- ईजीएफआर उत्परिवर्तन पैनल
- एफएसएचआर बहुरूपता
- HER 2 NEU स्थिति
- JAK- 2 उत्परिवर्तन
- MTHFR उत्परिवर्तन पैनल
- प्राथमिक प्रतिरक्षा-अक्षमता पैनल
- विटामिन ए और ई
- सीलिएक रोगों का जीनोटाइपिंग
- हीमोफीलिया वाहक स्क्रीनिंग

2. क्लीनिकल जीव रसायन प्रयोगशाला प्रदान किया गया एन ए बी एल 23/08/2024 को मान्यता।

3. नया उपकरण खरीदा गया: थर्मो फिशर फाडिया 200 एलर्जी सिस्टम दिसंबर 2024 में खरीदा जाएगा।

सम्मान/विभूतियां

डॉ. बिनीता गोस्वामी को 2024 में FAMBI से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

- शांतैया, डी.एम., चितकारा ए., मूर्ति, एस., श्रीवास्तव, डी., एचआईवी रोग की गंभीरता के सूचक के रूप में मूत्र मुक्त प्रकाश श्रृंखलाओं का मूल्यांकन और सीडी4 गणना के साथ इसका सहसंबंध: एक पायलट अध्ययन। 10.1089/AID. 2023.0100[1]
- गुप्ता, एन., कुंडू, एस., नंदी, के., सुचिता, ए., कोनेर, बी.सी., क्या फोटोमेट्रिक केमिकल एसे और इम्यूनोएसे के लिए रक्त के नमूने को विभाजित करने से केमिकल एसे के लिए टर्नअराउंड समय कम हो सकता है? 10.25259/JLP_ 111_2024[2]
- कंबोज, पी., अरोड़ा, ए.के., कौर, आर., बनर्जी, एस., धवन, जी., गुप्ता, एन., मुँहासे और/या इसकी गंभीरता में IGF-1R (rs2229765) का एकल न्यूक्लियोटाइड बहुरूपता। 10.25259ANAMS-2023-4-11-855[3]
- सिंह, आर., मंटन, एम., महाजन, ए., आदि (अन्य)। नेफ्रोटिक सिंड्रोम और क्रोनिक किडनी रोग वाले बच्चों में SARS-CoV-2 एंटीबॉडी का सीरोप्रिवलेंस: भारत में एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। https://doi.org/10.1007/s00467-024-06534-y

- जैन, एस., गुप्ता, एम., मुदुली, एस., और गोस्वामी, बी. (एनडी). तीव्र मायोकार्डियल इंफार्क्शन से पीड़ित रोगियों में परिसंचारी माइक्रोआरएनए स्तरों में लिंग-आधारित अंतर और उपचार के परिणाम और 30-दिवसीय मृत्यु दर के साथ उनका सहसंबंध।
- कालरा, पी., केराई, एस., गुप्ता, एल., चौधरी, के., और गोस्वामी, बी. (एनडी)। सेप्सिस से ग्रस्त गहन चिकित्सा इकाई के रोगियों में परिणाम की भविष्यवाणी में प्रोकैल्सीटोनिन के साथ अनुक्रमिक अंग विफलता मूल्यांकन स्कोर बनाम अकेले अनुक्रमिक अंग विफलता मूल्यांकन स्कोर का तुलनात्मक मूल्यांकन। https://doi.org/10.4103/jica.jica_29_24
- इरुंगबाम, एम., प्रिसी, एस., श्रीवास्तव, आर., और गोस्वामी, बी. (एनडी)। मेडिकल स्नातक छात्रों में ओपन बुक और पारंपरिक मूल्यांकन विधियों का तुलनात्मक मूल्यांकन। https://doi.org/10.1002/bmb.21831
- तायल, डी., जैन, पी., और गोस्वामी, बी. (एनडी). डी-डाइमर-एक बहुआयामी अणु. https://doi.org/10.1515/hmbci-2022-0093
- कुंडू, एस., मिश्रा, ए., नंदी, के., और गोस्वामी, बी. (एनडी)। एक नैदानिक जैव-रसायन प्रयोगशाला में गुणवत्ता अनुपालन के निर्धारकों के रूप में क्षमता सूचकांक और गुणवत्ता लक्ष्य सूचकांक अनुपात की उपयोगिता। https://doi.org/10.1002/ bmb.21756
- साहू, बी., डबास, ए., गोस्वामी, बी., अग्रवाल, ए., और कुरियन, एस. (एनडी). कंजेस्टिव हार्ट फेल्योर वाले बच्चों में नॉन-थायरॉइडल बीमारी।
- प्रिसी, एस., नंदी, के., जमातिया, ई., बिस्वास, बी.के., खुराना, वी., और गोस्वामी, बी. (एनडी)। उत्तर भारत में सी.के.डी. रोगियों में डिस्मैग्नेसीमिया का प्रचलन। https://doi.org/10.1007/s00467-023-05915-z
- सक्सेना, एस., राजेश्वरी, के., कुमार, डी., और गोस्वामी, बी. (एनडी)। बच्चों में सीरम मैग्नीशियम का स्तर और गंभीर निमोनिया से उनका संबंध। https://doi.org/10.4103/jopp.jopp_11_24
- शर्मा, एन.के., पांडा, एस.एस., रतन, एस.के., नियोगी, एस., गोस्वामी, बी., और कुमार, आर. (अन्य)। मूत्रमार्ग के बायोमार्करों (ट्रांसफ़ॉर्मिंग ग्रोथ फ़ैक्टर β1, न्यूट्रोफ़िल जिलेटिनेज़-एसोसिएटेड लिपोकेलिन, और सिस्टैटिन सी) की भूमिका पश्च मूत्रमार्ग वाल्व में गुर्दे के परिणाम के एक पूर्वानुमान कारक के रूप में। https://doi.org/10.4103/jiaps.jiaps_210_23
- डबला, पी.के., गुप्ता, एस., सिंह, एस., बिस्वास, ए., यादव, एम., सोनकर, एस.सी., और कोनेर, बी.सी. (एनडी)। सोडियम चैनल उत्परिवर्तन *SCN1A* T875M, D188V और दवा प्रतिरोधी मिर्गी से संबंधित शिथिलता।
- मिश्रा, ए., देवांगन, जी., धाकड़, एम.एस., सोनकर, एस.सी., दलाल, जे., प्रधान, एस., शर्मा,

डी., रॉय, वी., और कोनेर, बी.सी. (एनडी)। प्रजनन क्षमता और गर्भावस्था के परिणामों पर ट्रांसफ्लुथ्रिन के प्रभावों की खोज: चूहे पर एक इन-विवो अध्ययन।

- बिस्वास, ए., डबला, पी.के., गुप्ता, एस., यादव, एम., तंवर, ए., उप्रेती, के., और कोनेर, बी.सी. (एनडी)। अज्ञातहेतुक सामान्यीकृत मिर्गी के रोगियों में आनुवंशिक परिवर्तन और ऑक्सीडेटिव तनाव: दुर्दम्य मामलों में एक कारणात्मक विश्लेषण।
- कृष्णा, एस., तेवतिया, डी., यादव, एम., महिलकर, एस., सुचिता, ए., सक्सेना, ए., सोनकर, एससी, चंद्रा, एल., और कोनेर, बीसी (एनडी)। मंकीपॉक्स (एमपॉक्स): निदान और उभरती चुनौतियाँ।
- श्रीवास्तव, ए., महिलकर, एस., उपाध्याय, सी.पी., मिश्रा, पी.के., मलिंडा, आर.आर., सोनकर, एस.सी., और कोनेर, बी.सी. (एनडी)। अलखुमरा रक्तस्रावी बुखार वायरस (एएचएफवी): एक संक्षिप्त अवलोकन।
- कुमार, डी., ओबेरॉय, एच.एस., सोनकर, एस.सी., कोनेर, बी.सी., और श्रीवास्तव, टी.जी. (एनडी)। प्रेडनिसोलोन एलिसा में एंजाइम संयुग्मों, ब्रिज हेटेरोलॉजी और इम्युनोजेन्स के विश्लेषणात्मक चरों का निर्धारण कारक।
- माहेश्वरी, आर., उर्स, एबी, कुमार, पी., कोनेर, बीसी, गुरु, एसए, और रावत, जी. (एनडी)। मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में नैदानिक और रोगसूचक मार्कर के रूप में miR-155-5p और miR-1246 की खोज।
- बिस्वास, ए., डबला, पी.के., श्रीवास्तव, डी., गुप्ता, एस., यादव, एम., यादव, एस., और कोनेर, बी.सी. (एनडी). एससीएन1ए आरएस6732655ए/टी बहुरूपता: दवा-प्रतिरोधी मिर्गी के लिए नैदानिक और चिकित्सीय अंतर्दृष्टि।
- यादव, एम., सोनकर, एस., और कोनेर, बीसी (एनडी)। सैपोवायरस: बचपन के गैस्ट्रोएंटेराइटिस के लिए एक प्रचलित अपराधी।
- नवल, आर.आर., यादव, एस., डंकन, एच.एफ., तलवार, एस., कौशिक, ए., सिंह, वी.के., और कोनेर, बी.सी. (एनडी)। पल्पल इन्फ्लेमेटरी बायोमार्कर्स का विभेदक प्रदर्शन; प्रतिवर्ती और अपरिवर्तनीय पल्पिटिस के लक्षणों वाले रोगियों में इंटरल्यूकिन-8 और टीएनएफ-α: एक नैदानिक सटीकता अध्ययन।
- मिश्रा, ए., मिश्रा, जी., सोनकर, एस.सी., प्रधान, एस., यादव, एम., धाकड़, एम.एस., दलाल, जे., रॉय, वी., और कोनेर, बी.सी. (एनडी)। चूहों में साँस लेने और मुँह से लेने के बाद प्रजनन क्षमता और गर्भावस्था के परिणाम पर ट्रांसफ्लुथ्रिन का प्रभाव।
- कृष्णा, एस., कुर्रे, सी., यादव, एम., महिलकर, एस., सोनकर, एस.सी., विश्वकर्मा, एन.के., सोनकर, ए., चंद्रा, एल., और कोनेर, बी.सी.। मंकीपॉक्स वायरस के उद्भव और विकास में

अंतर्दृष्टि: ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, महामारी विज्ञान, आनुवंशिक विविधता, संचरण और निवारक उपाय।

अनुसंधान परियोजना

- आईसीएमआर, सह अनुकरणीय- डॉ. बिनीता गोस्वामी, पिट्यूटरी समारोह आकलन दर्दनाक घटना के बाद दिमाग चोट में बच्चे: ए भावी समूह अध्ययन। रु. 31,73,200/-
- डीएचआर, डॉ. बिनीता गोस्वामी, भारतीय बच्चों में प्रारंभिक यौवन के साथ अंतःस्रावी विघटनकर्ताओं (प्लास्टिसाइज़र) का संघ, 99,00,000/- रुपये।
- आईसीएमआर, सह-पीआई-डॉ. बिनीता गोस्वामी, बाल चिकित्सा गुर्दा रोग कार्यक्रम: प्रगति का शीघ्र पता लगाने के लिए सीरम और मूत्र। मेटाबोलोनोमिक्स द्वारा बायोमार्करों की पहचान। परियोजना प्रारंभ तिथि, रु. 59,21,227/-
- सरकारी का राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का दिल्ली, डॉ. एकता देबनाथ, भूमिका का कक्ष मुक्त भ्रूण डीएनए (सीएफएफडीएनए) प्री-एक्लेमप्सिया के पूर्वानुमानित बायोमार्कर के रूप में, 3 लाख रुपये।
- सरकारी का राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का दिल्ली, डॉ. काजल नंदी, संगठन का अभिव्यक्ति का एम आई ऊतक और संपूर्ण शरीर में आरएनए (mi RNA-128, mi RNA-138 और miRNA-21)।

****

कार्डियोलॉजी (गोविंद बल्लभ पंत संस्थान स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

- विभाग ने राष्ट्रीय सीएसआई सम्मेलन 2024 और दिल्ली सीएसआई सम्मेलन 2025 का आयोजन किया।
- अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी की प्रतिष्ठित फेलोशिप 2025 में प्रोफेसर डॉ. जमाल यूसुफ और प्रोफेसर डॉ. गिरीश एमपी को प्रदान की गई है।
- सोसाइटी फॉर कार्डियोवैस्कुलर एंजियोग्राफी एंड इंटरवेंशन की प्रतिष्ठित फेलोशिप 2024 में प्रोफेसर डॉ. विमल मेहता को प्रदान की गई है।
- प्रेरणा दीप सम्मान पुरस्कार 2025 में नई दिल्ली के उपराज्यपाल द्वारा प्रोफेसर डॉ. जमाल यूसुफ को प्रदान किया गया।
- देश में सबसे अधिक संख्या में कोरोनरी और गैर-कोरोनरी हस्तक्षेप विभाग द्वारा किए गए हैं। (एनआईसी डेटा 2024-2025)।

सम्मान/विभूतियां

- वर्ष 2025 में नई दिल्ली के एलजी द्वारा "डॉ. जमाल यूसुफ प्रेरणा दीप सम्मान पुरस्कार"।

- डॉ. जमाल यूसुफ कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा एफसीएसआई (2024)।
- अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी द्वारा डॉ. जमाल युसूफ एफएसीसी (2025)
- डॉ. विमल मेहता सोसाइटी फॉर कार्डियोवैस्कुलर एंजियोग्राफी एंड इंटरवेंशन्स (SCAI) की फेलोशिप।
- डॉ. विमल मेहता पॉल डडली व्हाइट इंटरनेशनल स्कॉलर अवार्ड, अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन, फिलाडेल्फिया, अमेरिका।
- डॉ. विमल मेहता निर्वाचित अध्यक्ष: एलएआई दिल्ली चैप्टर।
- डॉ. गिरीश एमपी एफसीएसआई, कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा।
- डॉ. गिरीश एमपी एफएसीसी अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी द्वारा (2025।
- XOBAD द्वारा डॉ. मोहित गुप्ता लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड (2024)।
- डॉ. विशाल बत्रा कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा डीपी बसु मेमोरियल पुरस्कार (2024)।

विभूति प्राप्त छात्र

- डॉ. बृजेश कुमार; डीएम एक्जिट परीक्षा (2025) में स्वर्ण पदक।
- डॉ. अभिषेक नागर, सीएसआई ट्रैवल अवार्ड (2024)।
- डॉ. श्रेयोशी सरकार, कर्नल केएल चोपड़ा पुरस्कार दिल्ली सीएसआई (2025)।
- डॉ. ब्रिजेश कुमार, सुजॉय बी रॉय पुरस्कार, दिल्ली सीएसआई (2025)।

प्रकाशन

- गुप्ता एमडी, अक्करपट्टी सी, कुणाल एस, एमपी जी, बंसल ए, बत्रा वी, त्यागी एस. एसटी-सेगमेंट एलिवेशन मायोकार्डियल इन्फार्क्शन (एसटीईएमआई) के रोगियों में एंडोथेलियल नाइट्रिक ऑक्साइड सिंथेज़ (ईएनओएस) जीन पॉलीमॉर्फिज्म (ग्लू298एएसपी) और नाइट्रिक ऑक्साइड (एनओ) का स्तर। इंडियन हार्ट जर्नल। 2024 जनवरी-फरवरी;76(1):67-70। doi: 10.1016/j. ihj.2024.01.017। ई-प्रकाशन 2024 फ़रवरी 2। पीएमआईडी: 38309470; पीएमसीआईडी: पीएमसी10943553।
- गुप्ता एमडी, गौतम ए, एमपी जी, बंसल ए, बत्रा वी. एक असामान्य तकनीक का उपयोग करके एक असामान्य वाहिका में प्राथमिक परक्यूटेनियस हस्तक्षेप: एक केस रिपोर्ट। यूर हार्ट जे केस रिपोर्ट। 2024 मार्च 7;8(3):ytae 098. doi: 10.1093/ehjcr/ytae098. PMID: 38454961; PMCID: PMC10919390.
- यूसुफ जे, बंसल ए, बत्रा वी, वर्मा ए, कथूरिया एस, गौतम ए. लगातार बाएँ सुपीरियर वेना कावा की उपस्थिति में बाएँ वेंट्रिकल को पुनः समकालिक करने के तरीके। हार्टरिदम केस रिपोर्ट।

2024 जुलाई 14;10(10):761-766. doi: 10.1016/j.hrcr.2024.07.009. PMID: 39664855; PMCID: PMC 11628831.

- गुप्ता एमडी, बत्रा वी, मुदुली एस, एमपी जी, कुणाल एस, बंसल ए; सफल; गौतम ए, मल्होत्रा आरके, गोयल डी, क़मर ए, यूसुफ जे. एसटीईएमआई से पीड़ित बहुत कम उम्र (<35 वर्ष) और कम उम्र (35-50 वर्ष) के रोगियों की महामारी विज्ञान प्रोफ़ाइल और नैदानिक परिणाम: नोरिन एसटीईएमआई रजिस्ट्री से जानकारी। इंडियन हार्ट जर्नल। 2024 मार्च-अप्रैल;76(2):128-132. doi: 10.1016/j.ihj.2024.04.002. ई-प्रकाशन 2024 अप्रैल 3. पीएमआईडी: 38574813; पीएमसीआईडी: पीएमसी11143511.

- मुखोपाध्याय एस, यूसुफ जे, बंसल ए, अग्रवाल आर, मेहता वी, गुप्ता एमडी, एमपीजी, निगम ए, सफल एस, बत्रा वी, कथूरिया एस, गौतम ए, मुदुली एसके, कुरियन एस. ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी मार्गदर्शन में असुरक्षित डिस्टल लेफ्ट मेन बाइफर्केशन में डबल किसिंग मिनी-कुलोटे स्टेंटिंग: तत्काल और अल्पकालिक परिणाम। अमेरिकन जर्नल ऑफ कार्डियोल। 2024 अक्तूबर 15;229:47-55. doi: 10.1016/j.amjcard.2024.08.010. ई-प्रकाशन 2024 अगस्त 22. पीएमआईडी: 39173990.

- कुणाल एस, गुप्ता एमडी, फैजुद्दीन एम, एमपी जी, बंसल ए, बत्रा वी, सफल, मुदुली एस, यूसुफ जे. स्पैकल ट्रैकिंग इकोकार्डियोग्राफी का उपयोग करके कोविड-19 से ठीक हुए मरीजों में बायवेंट्रिकुलर फ़ंक्शन का क्रमिक मूल्यांकन। इंडियन हार्ट जर्नल। 2024 जुलाई-अगस्त;76(4):297-302। doi: 10.1016/j.ihj.2024. 08.002। ई-प्रकाशन 2024 अगस्त 26। पीएमआईडी: 39197745; पीएमसीआईडी: पीएमसी11451411।

- गिरीश एमपी, गुप्ता एमडी, मेहरा ए, मात्सुमुरा एम, बंसल ए, कुणाल एस, बत्रा वी, मोहंती ए, क़मर ए, मिंट्ज़ जीएस, अली जेडए, यूसुफ जे. एसटीईएमआई से पीड़ित बहुत छोटे बनाम बड़े वयस्क रोगियों में अपराधी घाव आकृति विज्ञान का ओसीटी-आधारित तुलनात्मक मूल्यांकन। एशियाइंटरवेंशन। 2024 सितंबर 27;10(3):177-185. doi: 10.4244/AIJ-D-24-00013. PMID: 39347107; PMCID: PMC11413641.

- गुप्ता एमडी, कुणाल एस, एमपी जी, चालगेरी ई, कुमार डी, सिंह वी, बंसल ए, बत्रा वी, यूसुफ जे, तोमर आर, गुप्ता ए, गुप्ता ए. स्वास्थ्य सेवा कर्मियों में मनोवैज्ञानिक समस्याएँ और बर्नआउट: गैर-औषधीय जीवनशैली हस्तक्षेपों का प्रभाव। इंडियन हार्ट जर्नल। 2024 नवंबर-दिसंबर;76(6):385-389। doi: 10.1016/j.ihj.2024.11.245। ई-प्रकाशन 2024 नवंबर 20। पीएमआईडी: 39571931; पीएमसीआईडी: पीएमसी11705621.

- गुप्ता एमडी, अग्रवाल आर, कुणाल एस, मीनाहल्ली, पल्लेडा जी, कुमार बी, गोयल डी, बंसल ए, बत्रा वी, मल्होत्रा आरके, यूसुफ जे. हाइपरट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी के रोगियों में बाएं आलिंद तनाव और कार्यात्मक क्षमता के बीच स्पेकल ट्रैकिंग इकोकार्डियोग्राफी-आधारित सहसंबंध।

इकोकार्डियोग्राफी। 2025 जनवरी;42(1):e 70051. doi: 10.1111/echo.70051. PMID: 39692043.

- देवसेनापति, एन., बिस्वास, एस., किनी, पी., सतीश, एस., गुप्ता, एमडी, एमपी, जी., सेठी, आर., यादव, एस., असोत्रा, एस., गोपालकृष्णन, ए., गुप्ता, एस., कपूर, ए., मीना, सीबी, मैथ, आरएस, कृष्णन, एस., बंसल, एस., बूपथी, एन., झाझरिया, आर., कौशिक, बी., वाधवा, एन.,... कार्तिकेयन, जी. (2025)। आमवाती हृदय रोग में डिगोक्सिन-एक बहु-केंद्रीय, प्लेसीबो नियंत्रित डबल ब्लाइंड रैंडमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण (डिग-आरएचडी परीक्षण) का औचित्य और डिज़ाइन। *अमेरिकन हार्ट जर्नल,* S0002-8703(25)00162-0। अग्रिम ऑनलाइन प्रकाशन। https://doi.org/10.1016/j.ahj.2025.05.005

- मुहीब, जी., यूसुफ, जे., मेहता, वी., फैजुद्दीन, एम., कुरियन, एस., एमपी, जी., गुप्ता, एमडी, सफल, एस., गौतम, ए., और चौहान, एनके (2025)। तीव्र रोधगलन में प्रणालीगत प्रतिरक्षा सूजन प्रतिक्रिया सूचकांक (SIIRI)। *कोरोनरी धमनी रोग, 36* (2), 139-150। https://doi.org/10.1097/MCA. 000000000001454.

- गुप्ता, एमडी, गोयल, डी., कुणाल, एस., शेट्टी, एम.के., गिरीश, एमपी, बत्रा, वी., बंसल, ए., मिश्रा, पी., शुक्ला, एम., कोहली, वी., चड्ढा, ए., फातिमा, ए., मुदुली, एस., गुप्ता, ए., और यूसुफ, जे. (2025)। एसटी-सेगमेंट-एलिवेशन मायोकार्डियल इन्फार्क्शन रोगियों में मशीन लर्निंग मॉडल बनाम टीआईएमआई स्कोर का तुलनात्मक मूल्यांकन। इंडियन हार्ट जर्नल, S0019-4832(25)00056-2। अग्रिम ऑनलाइन प्रकाशन। https://doi.org/10.1016/j.ihj.2025.03.010.

- गुप्ता, एमडी, अग्रवाल, आर., कुणाल, एस., मीनाहल्ली, पल्लेडा, जी., कुमार, बी., गोयल, डी., बंसल, ए., बत्रा, वी., मल्होत्रा, आर.के., और यूसुफ, जे. (2025)। हाइपरट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी के रोगियों में बाएं आलिंद तनाव और कार्यात्मक क्षमता के बीच स्पेकल ट्रैकिंग इकोकार्डियोग्राफी-आधारित सहसंबंध। इकोकार्डियोग्राफी *(माउंट किस्को, न्यूयॉर्क), 42* (1), e70051। https://doi.org/ 10.1111/echo.70051

- गुप्ता, एम.डी., गौतम, ए., एम.पी., जी., बंसल, ए., और बत्रा, वी. (2024)। एक असामान्य तकनीक का उपयोग करके एक असामान्य वाहिका में प्राथमिक पर्क्यूटेनियस हस्तक्षेप: एक केस रिपोर्ट। यूरोपियन हार्ट जर्नल। केस रिपोर्ट, 8(3), ytae098। https://doi.org/10.1093/ehjcr/ytae098

- यूसुफ़ जमाल, गौतम ए. माइकोटिक कोरोनरी एन्यूरिज़्म में ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी पर टाइटल नाम-लुप्त स्टेंट घटना: एक केस रिपोर्ट। यूरोपियन हार्ट जर्नल-केस रिपोर्ट्स। 2025 अप्रैल;9(4):https://doi.org/10.1093/ehjcr/ytaf163

- मुहीब जी, यूसुफ़ जमाल, मेहता वी, फैज़ुद्दीन एम, कुरियन एस, एमपी जी, गुप्ता एमडी, सफल एस, गौतम ए, चौहान एनके. तीव्र रोधगलन में प्रणालीगत प्रतिरक्षा भड़काऊ प्रतिक्रिया

सूचकांक (एसआईआईआरआई)। कोरोनरी धमनी रोग। 2025 मार्च 1;36(2):139-50. https://doi: 10.1097/MCA.0000000000001454

- मोहित डी. गुप्ता, दीक्षित गोयल, शेखर कुणाल, यूसुफ जमाल, आदि। एसटी-सेगमेंट-एलिवेशन मायोकार्डियल इन्फार्क्शन में मशीन लर्निंग मॉडल बनाम टीआईएमआई स्कोर का तुलनात्मक मूल्यांकन, इंडियन हार्ट जर्नल। 2025 मार्च 27.https://doi.org/10.1016/j.ihj.2025.03.010
- यूसुफ़ जमाल, गौतम ए, जैन एस, निझावन आर, भार्गव के, मेहता वी. पॉलीमॉर्फिक वेंट्रिकुलर टैकीकार्डिया वाले संरचनात्मक रूप से सामान्य हृदय में गिटेलमैन सिंड्रोम का डिकोडिंग: एक केस रिपोर्ट। हार्ट रिदम केस रिपोर्ट्स। 2025 मार्च 1;11(3):206-9. https://doi.org/10.1016/j.hrcr.2024.11.012f
- मोहित डी. गुप्ता, दीक्षित गोयल, शेखर कुणाल, यूसुफ जमाल, आदि। एसटी-सेगमेंट-एलिवेशन मायोकार्डियल इन्फार्क्शन में मशीन लर्निंग मॉडल बनाम टीआईएमआई स्कोर का तुलनात्मक मूल्यांकन, इंडियन हार्ट जर्नल। 2025 मार्च 27.https://doi.org/10.1016/j.ihj.2025.03.010
- सिंह ए, गोयल ए, अग्रवाल आर, विरमानी एस, मेहरा पी, नकवी ई, यूसुफ जमाल, आदि। दरार को पाटना: मायोकार्डियल इन्फार्क्शन के बाद बाएं वेंट्रिकुलर स्यूडोएन्यूरिज्म का सफल सर्जिकल प्रबंधन। इंडियन जर्नल ऑफ थोरैसिक एंड कार्डियोवैस्कुलर सर्जरी। 2025 फ़रवरी;41(2):214-8.https://www.njppp.com/ mno=38946
- गुप्ता एमडी, अग्रवाल आर, कुणाल एस, मीनाहल्लीपल्लेडा जी, यूसुफ जमाल, एट अल. हाइपरट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी वाले मरीजों में बाएं आलिंद तनाव और कार्यात्मक क्षमता के बीच स्पेकल ट्रैकिंग इकोकार्डियोग्राफी-आधारित सहसंबंध। इकोकार्डियोग्राफी। 2025 जनवरी; 42 (1): ई 70051। https://doi.org/10. 1111/echo.70051
- मुखोपाध्याय एस, यूसुफ जमाल, बंसल ए, अग्रवाल आर, मेहता वी, गुप्ता एमडी, एमपी जी, निगम ए, सफल एस, बत्रा वी, कथूरिया एस. ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी मार्गदर्शन में असुरक्षित डिस्टल लेफ्ट मेन बाइफर्केशन में डबल किसिंग मिनी-कुलोटे स्टेंटिंग: तत्काल और अल्पकालिक परिणाम। द अमेरिकन जर्नल ऑफ कार्डियोलॉजी। 2024 अक्तूबर 15;229:47-55.https://www. Science direct.com/science/article/pii/S0002914924006003
- यूसुफ़ जमाल, चौधरी एमके, मुहीब जी, मेहता वी, मुखोपाध्याय एस. कम ग्रेडिएंट वाले गंभीर रूमेटिक माइट्रल स्टेनोसिस में बैलून माइट्रल वाल्वुलोप्लास्टी: तत्काल और अल्पकालिक परिणाम। आईजेसी हार्ट एंड वैस्कुलचर। 2024 अप्रैल 1;51:101394.https://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S2352906724000605
- यूसुफ़ जमाल, बंसल ए, बत्रा वी, वर्मा ए, कथूरिया एस, गौतम ए. लगातार बाएँ सुपीरियर वेना कावा की उपस्थिति में बाएँ वेंट्रिकल को पुनः समकालिक करने के तरीके। हार्टरिदम केस रिपोर्ट्स। 2024 अक्तूबर 1;10(10):761-6.https://doi. org/10.1016/j.hrcr.2024.07.009

- यूसुफ जमाल, प्रकाश जी, सफल एस, मेहता वी, मुखोपाध्याय एस. हल्के से मध्यम गुर्दे की शिथिलता वाले रोगियों में कंट्रास्ट-प्रेरित नेफ्रोपैथी की रोकथाम में निकोरैंडिल और रैनोलाज़ीन की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। कोरोनरी धमनी रोग। 2024 मई 1;35(3): 18692.https://journals.lww.com/ coronaryartery/fulltext/2024/05000/efficacy_of_nicorandil_and_ranolazine_in.3.aspx
- मुखोपाध्याय एस, मुहीब जी, यूसुफ जमाल, कथूरिया एस. डबल-किसिंग क्यूलोट तकनीक के दौरान डिस्टल लेफ्ट मेन स्टेंट का फ्रैक्चर और प्लास्टर: एक केस रिपोर्ट। यूरोपियन हार्ट जर्नल-केस रिपोर्ट्स। 2024 मई;8(5):ytae215.https:// doi.org/10.1093/ehjcr/ytae215
- मुखोपाध्याय एस, चौहान एनके, मुहीब जी, यूसुफ जमाल, मेहता वी, महाजन बी, कथूरिया एस, अग्रवाल आरएस। बाएं आलिंद उपांग निष्क्रियता के साथ साइनस लय में गंभीर रूमेटिक माइट्रल स्टेनोसिस वाले रोगियों में जमावट कारकों का आकलन। सीजेसी खुला। 2024 अक्तूबर 1;6(10):1231-9.https://doi.org/ 10.1016/j.cjco.2024.07.004
- पुरी आर, मेहता वी, बंसल एम, शेट्टी एस, यूसुफ जमाल, आदि। भारतीय रोगियों में हृदय संबंधी जोखिम और लिपिड प्रबंधन को समझना: लिपिड एसोसिएशन ऑफ इंडिया के 2024 के आम सहमति वक्तव्य IV के मुख्य संदेश। जे एसोसिएट फिजिशियन इंडिया। 2024 अगस्त;72(8):80-82। https://doi. 10.59556/japi.72.0614
- मेहरा पी, अग्रवाल आर, मेहता वी, सफल एस, ओझा वी, यूसुफ जमाल। छाया में: ट्रांसथोरेसिक इकोकार्डियोग्राफी द्वारा प्रकट रेट्रो-एओर्टिक एनोमल कोरोनरी धमनी। कोरोनरी आर्टरी डिजीज। 2024Sep1;35(6):5367.https://journals. lww.com/coronaryartery/fulltext/2024/09000/in_the_shadows__the_retroaortic_anomalous_coronary.16.aspx
- पुरी आर, बंसल एम, मेहता वी, डुएल पीबी, वोंग एनडी, अयंगर एसएस, कालरा डी, यूसुफ जमाल, आदि। लिपिड एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा भारतीय रोगियों में हृदय संबंधी जोखिम मूल्यांकन और लिपिड प्रबंधन पर 2023 का अद्यतन: सहमति कथन IV। जर्नल ऑफ क्लिनिकल लिपिडोलॉजी। 2024 मई 1;18(3):e 351-73.https://doi.org/10.1016/j.jacl.2024.01.006
- कुणाल एस, गुप्ता एमडी, फैजुद्दीन एम, एमपी जी, बंसल ए, बत्रा वी, मुदुली एस, यूसुफ जमाल, आदि। स्पेकल ट्रैकिंग इकोकार्डियोग्राफी का उपयोग करके कोविड-19 से ठीक हुए मरीजों में बायवेंट्रिकुलर फ़ंक्शन का क्रमिक मूल्यांकन। इंडियन हार्ट जर्नल। 2024 जुलाई 1;76(4):297-302.https://doi.org/10. 1016/j.ihj.2024.08.002
- देवसेनापति, एन., बिस्वास, एस., किनी, पी., सतीश, एस., गुप्ता, एमडी, एमपी, जी., सेठी, आर., यादव, एस., असोत्रा, एस., गोपालकृष्णन, ए., गुप्ता, एस., कपूर, ए., मीना, सीबी, मैथ,

आरएस, कृष्णन, एस., बंसल, एस., बूपथी, एन., झाझरिया, आर., कौशिक, बी., वाधवा, एन.,... कार्तिकेयन, जी. (2025)। आमवाती हृदय रोग में डिगोक्सिन-एक बहु-केंद्रीय, प्लेसीबो नियंत्रित डबल ब्लाइंड रैंडमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण (डिग-आरएचडी परीक्षण) का औचित्य और डिज़ाइन। *अमेरिकन हार्ट जर्नल,* S0002-8703(25)00162-0। अग्रिम ऑनलाइन प्रकाशन। https://doi.org/10.1016/j.ahj.2025.05.005

- मुहीब, जी., यूसुफ, जे., मेहता, वी., फैजुद्दीन, एम., कुरियन, एस., एमपी, जी., गुप्ता, एमडी, सफल, एस., गौतम, ए., और चौहान, एनके (2025)। तीव्र रोधगलन में प्रणालीगत प्रतिरक्षा सूजन प्रतिक्रिया सूचकांक (SIIRI)। *कोरोनरी धमनी रोग, 36* (2), 139-150। https://doi.org/10.1097/ MCA. 0000000000001454

- गुप्ता, एमडी, गोयल, डी., कुणाल, एस., शेट्टी, एम.के., गिरीश, एमपी, बत्रा, वी., बंसल, ए., मिश्रा, पी., शुक्ला, एम., कोहली, वी., चड्ढा, ए., फातिमा, ए., मुदुली, एस., गुप्ता, ए., और यूसुफ, जे. (2025)। एसटी-सेगमेंट-एलिवेशन मायोकार्डियल इन्फार्क्शन रोगियों में मशीन लर्निंग मॉडल बनाम टीआईएमआई स्कोर का तुलनात्मक मूल्यांकन। इंडियन हार्ट जर्नल, S0019-4832(25)00056-2। अग्रिम ऑनलाइन प्रकाशन। https://doi.org/10.1016/j.ihj.2025.03.010

- गुप्ता, एमडी, अग्रवाल, आर., कुणाल, एस., मीनाहल्ली, पल्लेडा, जी., कुमार, बी., गोयल, डी., बंसल, ए., बत्रा, वी., मल्होत्रा, आर.के., और यूसुफ, जे. (2025)। हाइपरट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी के रोगियों में बाएं आलिंद तनाव और कार्यात्मक क्षमता के बीच स्पेकल ट्रैकिंग इकोकार्डियोग्राफी-आधारित सहसंबंध। इकोकार्डियोग्राफी *(माउंट किस्को, न्यूयॉर्क), 42* (1), e70051। https://doi.org/ 10.1111/echo.70051

- कुमार, आर., नोलन, के., कासा, बी., चानना, एन., पाल्मो, टी., शर्मा, के., सिंह, के., मिकेल, सी., फोंसेका बल्लाडेरेस, डी., निल्सन, जे., प्रभाकर, ए., मिश्रा, ए., ली, एमएच, सैंडर्स, एल., कुमार, एस., मोलोफ्स्की, एबी, स्टेनमार्क, के.आर., शेपर्ड, डी., टुडर, आरएम, गुप्ता, एमडी, ... ग्राहम, बीबी (2025)। मोनोसाइट्स और इंटरस्टीशियल मैक्रोफेज हाइपोक्सिक पल्मोनरी हाइपरटेंशन में योगदान करते हैं। *जर्नल ऑफ क्लिनिकल इन्वेस्टिगेशन, 135* (6), e176865। https:// doi.org/10.1172/JCI176865

- यूसुफ जे, प्रकाश जी, सफल एस, मेहता वी, मुखोपाध्याय एस. हल्के से मध्यम गुर्दे की शिथिलता वाले रोगियों में कंट्रास्ट-प्रेरित नेफ्रोपैथी की रोकथाम में निकोरैंडिल और रैनोलाज़ीन की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। कोरोन आर्टरी डिस. 2024 मई 1;35(3):186-192. doi: 10.1097/MCA. 0000000000001347. ई-प्रकाशन 2024 फ़रवरी 20. PMID: 38411168.

- सफल**,** शमी एम. हृदय रोग के लिए उभरती हुई आशाजनक दवाएँ। अध्याय 218; 1565-70। सीएसआई कार्डियोलॉजी अपडेट 2024 में। संपादक: त्यागी एस. प्रकाशक: जेपी ब्रदर्स मेड पब (प्रा.) लिमिटेड (भारत)।

- द्विवेदी एस.के., शर्मा ए.के., अग्रवाल ए., सफल एस. नॉन-इस्केमिक रिवर्सिबल ब्रैडीरिद्मिया में पुनरावृत्ति दर और पूर्वानुमान। फ्रंटियर कार्डियोवास्कुलर मेडिसिन। 2024;(11)। doi: 10.3389/fcvm.2024.1455018
- मेहरा पी, अग्रवाल आर, मेहता वी, सफल एस, ओझा वी, यूसुफ जे. छाया में: ट्रांसथोरेसिक इकोकार्डियोग्राफी द्वारा प्रकट रेट्रोएओर्टिक असामान्य कोरोनरी धमनी। कोरोनरी आर्टरी डिस. 2024 मई 22. doi: 10.1097/MCA. 0000000000001371. मुद्रण से पहले ई-प्रकाशन। PMID: 38775043
- मुखोपाध्याय एस, यूसुफ जे, बंसल ए, अग्रवाल आर, मेहता वी, गुप्ता एमडी, गिरीश एमपी, निगम ए, सफल एस, बत्रा वी, कथूरिया एस, गौतम ए, मुदुली एस, कुरियन एस. ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी मार्गदर्शन में असुरक्षित डिस्टल लेफ्ट मेन बाइफर्केशन में डबल किसिंग मिनी-कुलोटे स्टेंटिंग: तत्काल और अल्पकालिक परिणाम। अमेरिकन जर्नल ऑफ कार्डियोल। 2024;229:47-55.
- मुहीब जी, यूसुफ जे, मेहता वी, फैजुद्दीन एम, कुरियन एस, एमपी गिरीश, गुप्ता एमडी, सफल एस, गौतम ए, और चौहान एनके (2024)। तीव्र रोधगलन में प्रणालीगत प्रतिरक्षा भड़काऊ प्रतिक्रिया सूचकांक (एसआईआईआरआई)। *कोरोनरी धमनी रोग,* 10.1097/MCA.0000000000001454। अग्रिम ऑनलाइन प्रकाशन। https://doi.org/10.1097/MCA.0000000000001454
- कुणाल एस, गुप्ता एमडी, फैजुद्दीन एम, एमपी गिरीश, बंसल ए, बत्रा वी, सफल, मुदुली एस, यूसुफ जे. स्पैकल ट्रैकिंग इकोकार्डियोग्राफी का उपयोग करके कोविड-19 से ठीक हुए मरीजों में बायवेंट्रिकुलर फ़ंक्शन का क्रमिक मूल्यांकन। इंडियन हार्ट जर्नल। 2024;S 0019-4832(24)00165-2। अग्रिम ऑनलाइन प्रकाशन। https://doi.org/10.1016/j.ihj.2024.08.002 ।
- मुखोपाध्याय एस, यूसुफ जे, बंसल ए, कुरियन एस. ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी मार्गदर्शन में असुरक्षित डिस्टल लेफ्ट मेन बाइफर्केशन में डबल किसिंग मिनी-कुलोटे स्टेंटिंग: तत्काल और अल्पकालिक परिणाम। अमेरिकन जर्नल ऑफ कार्डियोल। अगस्त 2024, 2024 https://doi.org/10.1016/j.amjcard. 2024. 08.010
- यूसुफ जे, बंसल ए, बत्रा वी, गौतम ए. लगातार बाएँ सुपीरियर वेना कावा की उपस्थिति में बाएँ वेंट्रिकल को पुनः समकालिक करने के तरीके। हार्टरिदम केस रिपोर्ट। जुलाई 2024, वर्ष 2024 https://doi.org/10.1016/j.hrcr.2024.07.009
- मुखोपाध्याय एस, चौहान एनके, मुहीब जी, अग्रवाल आरएस। बाएं आलिंद उपांग निष्क्रियता के साथ साइनस लय में गंभीर रूमेटिक माइट्रल स्टेनोसिस वाले रोगियों में जमावट कारकों का आकलन। सीजेसी खुला। जुलाई 2024। https:// doi.org/10.1016/j.cjco.2024.07.004

- मुखोपाध्याय एस, मुहीब जी, यूसुफ जे, कथूरिया एस. डबल-किसिंग क्यूलोट तकनीक के दौरान डिस्टल लेफ्ट मेन स्टेंट का फ्रैक्चर और प्लास्टर: एक केस रिपोर्ट। यूर हार्ट जे केस रिपोर्ट। 2024 अप्रैल। doi: 10.1016/j.cjco. 2024. 07.004
- मुखोपाध्याय एस, यूसुफ जे, गौतम ए, बत्रा वी. विशाल कोरोनरी स्यूडोएन्यूरिज्म के परक्यूटेनियस एक्सक्लूजन के बाद पुनरावृत्ति: एक केस रिपोर्ट। इजिप्ट हार्ट जे. 2024 सितंबर doi: 10.1186/s43044-024-00546-7.
- यूसुफ़ जमाल, गौतम ए. माइकोटिक कोरोनरी एन्यूरिज़्म में ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी पर टाइटल नाम-लुप्त स्टेंट घटना: एक केस रिपोर्ट। यूरोपियन हार्ट जर्नल-केस रिपोर्ट्स। 2025 अप्रैल;9(4)। https://doi.org/10.1093/ehjcr/ytaf163
- मुहीब जी, यूसुफ़ जमाल, मेहता वी, फैज़ुद्दीन एम, कुरियन एस, एमपी जी, गुप्ता एमडी, सफल एस, गौतम ए, चौहान एनके. तीव्र रोधगलन में प्रणालीगत प्रतिरक्षा भड़काऊ प्रतिक्रिया सूचकांक (एसआईआईआरआई)। कोरोनरी धमनी रोग। 2025 मार्च 1;36(2):139-50. https:// *doi:* 10.1097/MCA. 0000000000001454
- यूसुफ़ जमाल, गौतम ए, जैन एस, निझावन आर, भार्गव के, मेहता वी. पॉलीमॉर्फिक वेंट्रिकुलर टैकीकार्डिया वाले संरचनात्मक रूप से सामान्य हृदय में गिटेलमैन सिंड्रोम का डिकोडिंग: एक केस रिपोर्ट। हार्ट रिदम केस रिपोर्ट्स। 2025 मार्च 1;11(3):206-9. https://doi.org/10.1016/j.hrcr.2024.11.012f
- यूसुफ़ जमाल, बंसल ए, बत्रा वी, वर्मा ए, कथूरिया एस, गौतम ए. लगातार बाएँ सुपीरियर वेना कावा की उपस्थिति में बाएँ वेंट्रिकल को पुनः समकालिक करने के तरीके। हार्टरिदम केस रिपोर्ट्स। 2024 अक्तूबर 1;10(10):761-6.https://doi. org/10.1016/j.hrcr.2024.07.009
- मुखोपाध्याय एस, यूसुफ जमाल, बंसल ए, अग्रवाल आर, मेहता वी, गुप्ता एमडी, एमपी जी, निगम ए, सफल एस, बत्रा वी, कथूरिया एस, गौतम ए. ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी मार्गदर्शन में असुरक्षित डिस्टल लेफ्ट मेन बाइफर्केशन में डबल किसिंग मिनी-कुलोटे स्टेंटिंग: तत्काल और अल्पकालिक परिणाम। द अमेरिकन जर्नल ऑफ कार्डियोलॉजी। 2024 अक्तूबर 15;229:47-55. https://www. sciencedirect.com/science/article/pii/S0002914924006003. doi: 10.1016/j.amjcard.2024.08.010
- मुदुली एस, गुप्ता एमडी, एमपी जी, यादव आर. एथेरोस्क्लेरोटिक हृदय रोग में सूजनरोधी चिकित्सा: वर्तमान पुनर्मूल्यांकन। इंडियन हार्ट जर्नल। 2023 नवंबर-दिसंबर;75(6):391-397। doi: 10.1016/j.ihj.2023.10.007। ई-प्रकाशन 2023 अक्तूबर 26। पीएमआईडी: 37890557; पीएमसीआईडी: पीएमसी10774583।

- मुदुली, सुब्रत कुमार। पेरिपार्टम कार्डियोमायोपैथी पर पुनर्विचार: वर्तमान अवधारणाएँ। जर्नल ऑफ़ करेंट कार्डियोलॉजी 2(2): पृष्ठ 77-84, मई-अगस्त 2024. DOI: 10.4103/JCC.JCC_19_24
- गुप्ता एमडी, बत्रा वी, मुदुली एस, एमपी जी, कुणाल एस, बंसल ए; सफल; गौतम ए, मल्होत्रा आरके, गोयल डी, क़मर ए, यूसुफ जे. एसटीईएमआई से पीड़ित बहुत कम उम्र (<35 वर्ष) और कम उम्र (35-50 वर्ष) के रोगियों की महामारी विज्ञान प्रोफ़ाइल और नैदानिक परिणाम: नोरिन एसटीईएमआई रजिस्ट्री से जानकारी। इंडियन हार्ट जर्नल। 2024 मार्च-अप्रैल;76(2):128-132. doi: 10.1016/ j.ihj.2024.04.002. ई-प्रकाशन 2024 अप्रैल 3. पीएमआईडी: 38574813; पीएमसीआईडी: पीएमसी11143511.
- मुखोपाध्याय एस, यूसुफ जे, बंसल ए, अग्रवाल आर, मेहता वी, गुप्ता एमडी, एमपीजी, निगम ए, सफल एस, बत्रा वी, कथूरिया एस, गौतम ए, मुदुली एसके, कुरियन एस. ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी मार्गदर्शन में असुरक्षित डिस्टल लेफ्ट मेन बाइफर्केशन में डबल किसिंग मिनी-कुलोटे स्टेंटिंग: तत्काल और अल्पकालिक परिणाम। अमेरिकन जर्नल ऑफ कार्डियोल। 2024 अक्तूबर 15;229:47-55. doi: 10.1016/j.amjcard.2024.08.010. ई-प्रकाशन 2024 अगस्त 22. पीएमआईडी: 39173990.
- मुहीब जी, यूसुफ़ जमाल, मेहता वी, फैज़ुद्दीन एम, कुरियन एस, एमपी जी, गुप्ता एमडी, सफल एस, गौतम ए, चौहान एनके. तीव्र रोधगलन में प्रणालीगत प्रतिरक्षा भड़काऊ प्रतिक्रिया सूचकांक (एसआईआईआरआई)। कोरोनरी धमनी रोग। 2025 मार्च 1;36(2):139-50. https://doi: 10.1097/MCA. 0000000000001454
- मुखोपाध्याय एस, यूसुफ जमाल, बंसल ए, अग्रवाल आर, मेहता वी, गुप्ता एमडी, एमपी जी, निगम ए, कुरियन एस, सफल एस, बत्रा वी, कथूरिया एस। ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी मार्गदर्शन में असुरक्षित डिस्टल लेफ्ट मेन बाइफर्केशन में डबल किसिंग मिनी-कुलोटे स्टेंटिंग: तत्काल और अल्पकालिक परिणाम। द अमेरिकन जर्नल ऑफ कार्डियोलॉजी। 2024 अक्तूबर 15;229:47-55.https://www.
  sciencedirect.com/science/article/pii/S0002914924006003
- विश्वजीत साहू, आशिमा डबास, बिनीता गोस्वामी, अनुराग अग्रवाल, सुमोद कुरियन। कंजेस्टिव हार्ट फेलियर वाले बच्चों में गैर-थायराइडल बीमारी। जे क्लिन रेस पेड एंडो। 2024 16(2) 192-199. डीओआई: 10.4274/जेसीआरपीई. गैलेनोस.2024
- पैकर एम, ज़ाइल एमआर, क्रेमर सीएम, बॉम एसजे, लिटविन एसई, मेनन वी, जीई जे, वीरक्कोडी जीजे, ओयू वाई, बंक एमसी, हर्ट केसी, मुराकामी एम, बोरलॉग बीए; समिट ट्रायल स्टडी ग्रुप। संरक्षित इजेक्शन फ्रैक्शन और मोटापे के साथ हृदय गति रुकने के लिए

टिरज़ेपेटाइड। एन इंग्ल जर्नल मेड। 2025 जनवरी 30;392(5):427-437। DOI: 10.1056/NEJMoa2410027

- कोसिबोरोड एमएन, पेट्री एमसी, बोरलॉग बीए, एट अल; एसटीईपी-एचएफपीईएफ डीएम परीक्षण समितियाँ और अन्वेषक। मोटापे से संबंधित हृदय विफलता और टाइप 2 मधुमेह के रोगियों में सेमाग्लूटाइड। एन इंग्ल जर्नल मेड 2024 अप्रैल 18;390(15):1394-1407। डीओआई: 10.1056/NEJMoa2313917
- पुरी आर, बंसल एम, मेहता वी, आदि। लिपिड एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा भारतीय रोगियों में हृदय संबंधी जोखिम मूल्यांकन और लिपिड प्रबंधन पर 2023 का अद्यतन: सहमति वक्तव्य IV। जर्नल ऑफ क्लिन लिपिडोल। 2024 मई-जून;18(3):e 351-e373। DOI: 10.1016/j.jacl.2024.01.006
- यूसुफ जे, प्रकाश जी, सफल एस, मेहता वी, मुखोपाध्याय एस. हल्के से मध्यम गुर्दे की शिथिलता वाले रोगियों में कंट्रास्ट-प्रेरित नेफ्रोपैथी की रोकथाम में निकोरैंडिल और रैनोलाज़िन की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। कोरोन आर्टरी डिस. 2024 मई 1;35(3):186-192. DOI: 10.1097/ MCA. 0000000000001347
- राल एफजे, मेहता वी, कायिकियोग्लू एम, एट अल. पीसीएसके9 अवरोध (लिबरेट-एचओएफएच) के साथ समयुग्मीय पारिवारिक हाइपरकोलेस्ट्रोलेमिया के उपचार के लिए लेरोडालसिबेप और एवोलोकुमाब: एक चरण 3, यादृच्छिक, ओपन-लेबल, क्रॉसओवर, गैर-हीनता परीक्षण। लैंसेट डायबिटीज एंडोक्रिनोलॉजी। 2025 मार्च; 13(3):178-187। DOI: 10.1016/S2213-8587(24)00313-9
- पुरी आर, मेहता वी, बंसल एम, आदि। क्या पश्चिमी निम्न-घनत्व लिपोप्रोटीन कोलेस्ट्रॉल लक्ष्य अपनाने से भारतीयों में हृदय संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है? लिपिड एसोसिएशन ऑफ इंडिया की विशेषज्ञ राय। जे एसोसिएशन फिजिशियन इंडिया। 2024 अक्तूबर;72(10):71-76। DOI: 10.59556/japi. 72.0692
- मुहीब जी, यूसुफ जे, मेहता वी, फैजुद्दीन एम, कुरियन एस, एमपीजी, गुप्ता एमडी, सफल एस, गौतम ए, चौहान एनके। तीव्र रोधगलन में प्रणालीगत प्रतिरक्षा सूजन प्रतिक्रिया सूचकांक (SIIRI)। कोरोन धमनी डिस. 2025 मार्च 1;36 (2): 139-150। https://doi.org/10.1097/MCA.000000000001454

- डबला पी.के., उप्रेती के., श्रीवास्तव डी., मेहता वी., सिंह डी. छिपे हुए पैटर्न की खोज: टाइप 2 डायबिटीज़ में हृदय रोगों के लिए एसोसिएशन नियम। वर्ल्ड जर्नल ऑफ़ मेथोडॉल। 2024 जून 20;14(2):92608। DOI: 10.5662/ wjm.v14.i 2.92608
- डबला पी.के., श्रीवास्तव डी., मेहरा पी., मेहता वी. मधुमेहजन्य कोरोनरी धमनी रोग के पूर्वानुमान सूचक के रूप में लिम्फोसाइट-से-मोनोसाइट अनुपात की भूमिका: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। वर्ल्ड जर्नल ऑफ़ मेथोडोल। 2024 सितंबर 20;14(3):92807। DOI: 10.5662/ wjm.v14.i 3.92807
- गुप्ता, एमडी, गोयल, डी., कुणाल, एस., शेट्टी, एम.के., गिरीश, एमपी, बत्रा, वी., बंसल, ए., मिश्रा, पी., शुक्ला, एम., कोहली, वी., चड्ढा, ए., फातिमा, ए., मुदुली, एस., गुप्ता, ए., और यूसुफ, जे. (2025)। एसटी-सेगमेंट-एलिवेशन मायोकार्डियल इन्फार्क्शन रोगियों में मशीन लर्निंग मॉडल बनाम टीआईएमआई स्कोर का तुलनात्मक मूल्यांकन। इंडियन हार्ट जर्नल, S0019-4832(25)00056-2। अग्रिम ऑनलाइन प्रकाशन। https://doi.org/10.1016/j.ihj.2025.03.010
- गुप्ता, एमडी, अग्रवाल, आर., कुणाल, एस., मीनाहल्ली, पल्लेडा, जी., कुमार, बी., गोयल, डी., बंसल, ए., बत्रा, वी., मल्होत्रा, आर.के., और यूसुफ, जे. (2025)। हाइपरट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी के रोगियों में बाएं आलिंद तनाव और कार्यात्मक क्षमता के बीच स्पेकल ट्रैकिंग इकोकार्डियोग्राफी-आधारित सहसंबंध। इकोकार्डियोग्राफी *(माउंट किस्को, न्यूयॉर्क), 42* (1), e70051। https://doi. org/10.1111/echo.70051
- गुप्ता, एम.डी., गौतम, ए., एम.पी., जी., बंसल, ए., और बत्रा, वी. (2024)। एक असामान्य तकनीक का उपयोग करके एक असामान्य वाहिका में प्राथमिक पर्क्यूटेनियस हस्तक्षेप: एक केस रिपोर्ट। यूरोपियन हार्ट जर्नल। केस रिपोर्ट, 8(3), ytae098। https://doi.org/10.1093/ehjcr/ytae098
- गुप्ता, एम.डी., कुणाल, एस., एमपी, जी., चालगेरी, ई., कुमार, डी., सिंह, वी., बंसल, ए., बत्रा, वी., यूसुफ, जे., तोमर, आर., गुप्ता, ए., और गुप्ता, ए. (2024)। स्वास्थ्य सेवा कर्मियों में मनोवैज्ञानिक समस्याएँ और बर्नआउट: गैर-औषधीय जीवनशैली हस्तक्षेपों का प्रभाव। *इंडियन हार्ट जर्नल, 76* (6), 385-389। https://doi.org/10.1016/j.ihj.2024.11.245
- गिरीश, एम.पी., गुप्ता, एम.डी., मेहरा, ए., मत्सुमुरा, एम., बंसल, ए., कुणाल, एस., बत्रा, वी., मोहंती, ए., क़मर, ए., मिंट्ज़, जीएस, अली, जेडए, और यूसुफ, जे. (2024)। एसटीईएमआई से पीड़ित बहुत छोटे बनाम बड़े वयस्क रोगियों में अपराधी घाव आकृति विज्ञान का ओसीटी-आधारित तुलनात्मक मूल्यांकन। *एशियाइंटरवेंशन, 10* (3), 177-185। https://doi.org/10.4244/AIJ-D-24-00013

- गुप्ता, एम.डी., गौतम, ए., एम.पी., जी., बंसल, ए., और बत्रा, वी. (2024)। एक असामान्य तकनीक का उपयोग करके एक असामान्य वाहिका में प्राथमिक पर्क्यूटेनियस हस्तक्षेप: एक केस रिपोर्ट। यूरोपियन हार्ट जर्नल। केस रिपोर्ट, 8(3), ytae098। https://doi.org/10.1093/ehjcr/ytae098

- गुप्ता एमडी, बत्रा वी, मुदुली एस, एमपी जी, कुणाल एस, बंसल ए; सफल; गौतम ए, मल्होत्रा आरके, गोयल डी, क़मर ए, यूसुफ जे. एसटीईएमआई से पीड़ित बहुत कम उम्र (<35 वर्ष) और कम उम्र (35-50 वर्ष) के रोगियों की महामारी विज्ञान प्रोफ़ाइल और नैदानिक परिणाम: नोरिन एसटीईएमआई रजिस्ट्री से जानकारी। इंडियन हार्ट जर्नल। 2024 मार्च-अप्रैल;76(2):128-132. doi: 10.1016/ j.ihj.2024.04.002. ई-प्रकाशन 2024 अप्रैल 3. पीएमआईडी: 38574813; पीएमसीआईडी: पीएमसी11143511.

- मुखोपाध्याय एस, यूसुफ जे, बंसल ए, अग्रवाल आर, मेहता वी, गुप्ता एमडी, एमपीजी, निगम ए, सफल एस, बत्रा वी, कथूरिया एस, गौतम ए, मुदुली एसके, कुरियन एस. ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी मार्गदर्शन में असुरक्षित डिस्टल लेफ्ट मेन बाइफर्केशन में डबल किसिंग मिनी-कुलोटे स्टेंटिंग: तत्काल और अल्पकालिक परिणाम। अमेरिकन जर्नल ऑफ कार्डियोल। 2024 अक्तूबर 15;229:47-55. doi: 10.1016/j.amjcard.2024.08.010. ई-प्रकाशन 2024 अगस्त 22. पीएमआईडी: 39173990.

- यूसुफ़ जमाल, गौतम ए. माइकोटिक कोरोनरी एन्यूरिज़्म में ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी पर टाइटल नाम-लुप्त स्टेंट घटना: एक केस रिपोर्ट। यूरोपियन हार्ट जर्नल-केस रिपोर्ट्स। 2025 अप्रैल;9(4)। https://doi.org/10.1093/ehjcr/ytaf163

- मुहीब जी, यूसुफ़ जमाल, मेहता वी, फैज़ुद्दीन एम, कुरियन एस, एमपी जी, गुप्ता एमडी, सफल एस, गौतम ए, चौहान एनके. तीव्र रोधगलन में प्रणालीगत प्रतिरक्षा भड़काऊ प्रतिक्रिया सूचकांक (एसआईआईआरआई)। कोरोनरी धमनी रोग। 2025 मार्च 1;36(2):139-50. https:// *doi:* 10.1097/MCA. 0000000000001454

- यूसुफ़ जमाल, गौतम ए, जैन एस, निझावन आर, भार्गव के, मेहता वी. पॉलीमॉर्फिक वेंट्रिकुलर टैकीकार्डिया वाले संरचनात्मक रूप से सामान्य हृदय में गिटेलमैन सिंड्रोम का डिकोडिंग: एक केस रिपोर्ट। हार्ट रिदम केस रिपोर्ट्स। 2025 मार्च 1;11(3):206-9. https://doi.org/10.1016/j.hrcr.2024.11.012f

- यूसुफ़ जमाल, बंसल ए, बत्रा वी, वर्मा ए, कथूरिया एस, गौतम ए. लगातार बाएँ सुपीरियर वेना कावा की उपस्थिति में बाएँ वेंट्रिकल को पुनः समकालिक करने के तरीके। हार्टरिदम केस रिपोर्ट्स। 2024 अक्तूबर 1;10(10):761-6.https://doi. org/10.1016/j.hrcr.2024.07.009

- मुखोपाध्याय एस, यूसुफ जमाल, बंसल ए, अग्रवाल आर, मेहता वी, गुप्ता एमडी, एमपी जी, निगम ए, सफल एस, बत्रा वी, कथूरिया एस, गौतम ए. ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी मार्गदर्शन में असुरक्षित डिस्टल लेफ्ट मेन बाइफर्केशन में डबल किसिंग मिनी-कुलोटे स्टेंटिंग: तत्काल और अल्पकालिक परिणाम। द अमेरिकन जर्नल ऑफ कार्डियोलॉजी। 2024 अक्तूबर 15;229:47-55. https://www. sciencedirect.com/science/article/pii/S0002914924006003.I doi:10.1016/j.amjcard.2024.08.010

अनुसंधान परियोजनाएँ

- डॉ. अंकित बंसल, कार्डियोलॉजी विभाग को "मोटापे और स्थापित हृदय रोग वाले प्रतिभागियों में सप्ताह में एक बार सेमाग्लूटाइड 2.4 एमजी एससी (कैग्रिसेमा 2.4 एमजी/2.4 एमजी एससी) के साथ संयोजन में कैग्रिलिनटाइड 2.4 एमजी एससी की हृदय संबंधी सुरक्षा" नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है। (रीडिफाइन-3)" पीआई के रूप में।
- डॉ. अंकित बंसल, कार्डियोलॉजी विभाग को पीआई के रूप में “उत्तर भारत-तीव्र मायोकार्डियल इन्फार्क्शन रजिस्ट्री (एनओआरआईएन-एएमआई)” नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है।
- डॉ. अंकित बंसल, कार्डियोलॉजी विभाग को “हाइपरट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी के रोगियों में बाएं आलिंद विकृति मापदंडों द्वारा बाएं आलिंद मायोपैथी का आकलन” नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है। (एचओसीएम)” पीआई के रूप में।
- डॉ. गिरीश एमपी, कार्डियोलॉजी विभाग को "रूमेटिक हृदय रोग के रोगियों में डिगॉक्सिन-एक यादृच्छिक प्लेसीबो-नियंत्रित परीक्षण" नामक शोध परियोजना के लिए सह- पीआई के रूप में कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है। यह अनुदान आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. गिरीश एमपी, कार्डियोलॉजी विभाग को सह-पीआई के रूप में "एसटी-सेगमेंट-एलिवेशन मायोकार्डियल इन्फार्क्शन के 12-72 घंटों के बीच प्रस्तुत होने वाले रोगियों में नियमित आक्रामक बनाम इस्केमिया संचालित रणनीति" (लेटकोमर ट्रायल) नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है। यह अनुदान आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. गिरीश एमपी, कार्डियोलॉजी विभाग को "भारत में हृदय रोग से ग्रस्त गर्भवती महिलाओं के मातृ हृदय, प्रसूति और भ्रूण संबंधी परिणामों में सुधार हेतु प्रोटोकॉलयुक्त कार्डियो-प्रसूति देखभाल का विकास, कार्यान्वयन और मूल्यांकन" (एन-पीएसी परीक्षण) नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है। यह अनुदान आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।

- डॉ. गिरीश एमपी, कार्डियोलॉजी विभाग को " हाल ही में हुए मायोकार्डियल इंफार्क्शन के रोगियों में हृदय संबंधी घटनाओं को कम करने के लिए इन्फ्लुएंजा वैक्सीन: एक बहुकेंद्रीय यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित परीक्षण (फ्लुएंट-एमआई ट्रायल) " नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है। यह अनुदान आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. गिरीश एमपी, हृदय रोग विभाग को सह-पीआई के रूप में " भारत में हृदय रोग (सीवीडी) की रोकथाम के लिए एक सहयोगी गुणवत्ता सुधार पहल का विकास और परीक्षण (सीक्यूआईपी) " नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है। यह अनुदान भारतीय जनसंख्या स्वास्थ्य फाउंडेशन द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. गिरीश एमपी, कार्डियोलॉजी विभाग को "फुफ्फुसीय धमनी उच्च रक्तचाप के रोगियों में मैकिटेंटन 75 मिलीग्राम बनाम मैकिटेंटन 10 मिलीग्राम की प्रभावकारिता, सुरक्षा और सहनशीलता की तुलना करने के लिए एक चरण 3, संभावित, बहुकेंद्रीय, डबल-ब्लाइंड, डबल-डमी, यादृच्छिक, सक्रिय नियंत्रित, समानांतर-समूह, समूह-अनुक्रमिक, अनुकूली, घटना-संचालित अध्ययन, जिसके बाद मैकिटेंटन 75 मिलीग्राम के साथ एक ओपन-लेबल उपचार अवधि (यूएनआईएसयूएस) " नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है। यह अनुदान जॉनसन एंड जॉनसन द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. गिरीश एमपी, कार्डियोलॉजी विभाग को " मोटापे और स्थापित हृदय रोग से ग्रस्त प्रतिभागियों में सप्ताह में एक बार कैग्रिलिनटाइड 2.4 एमजी एससी के साथ संयोजन में कैग्रिलिंटाइड 2.4 एमजी एससी (कैग्रिसेमा 2.4 एमजी/2.4 एमजी एससी) की हृदय सुरक्षा" नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है। (रीडिफाइन-3) "सह-पीआई के रूप में। यह अनुदान नोवो नॉर्डिस्क द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. गिरीश एमपी, कार्डियोलॉजी विभाग को " उच्च जोखिम वाले प्राथमिक रोकथाम रोगियों में प्रमुख प्रतिकूल हृदय संबंधी घटनाओं की रोकथाम पर इंक्लिसिरन के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित बहुकेंद्रीय अध्ययन" नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है। (विक्टोरियन-1 प्रिवेंट) सह-पीआई के रूप में। यह अनुदान नोवार्टिस द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. गिरीश एमपी, कार्डियोलॉजी विभाग को " ज़िल्टिवेकिमैब बनाम प्लेसीबो का हृदय विफलता के लक्षणों और शारीरिक कार्यप्रणाली पर प्रभाव, हल्के रूप से कम या संरक्षित इजेक्शन अंश और प्रणालीगत सूजन वाले हृदय विफलता के रोगियों में" नामक शोध परियोजना के लिए कोई

बजट स्वीकृत नहीं किया गया है। (एथेना) "सह-पीआई के रूप में। यह अनुदान नोवो नॉर्डिस्क द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।

- डॉ. गिरीश एमपी, कार्डियोलॉजी विभाग को "एएनटी-010-एक चरण 3, बहुकेंद्रीय, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित, समानांतर-समूह अध्ययन" नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है, जिसका उद्देश्य एट्रियल फ़िब्रिलेशन से पीड़ित उच्च-जोखिम वाले उन रोगियों में एबेल-लैसिमैब की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करना है जिन्हें मौखिक एंटीकोएगुलेशन (LILAC) के लिए अनुपयुक्त माना गया है। यह अनुदान फोर्ट्रिया द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. गिरीश एमपी, कार्डियोलॉजी विभाग को पीआई के रूप में "उत्तर भारत-तीव्र मायोकार्डियल इन्फार्क्शन रजिस्ट्री (एनओआरआईएन-एएमआई)" नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है।
- डॉ. गिरीश एमपी, कार्डियोलॉजी विभाग को 2024-2025 की अवधि के लिए पीआई के रूप में “हाइपरट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी के रोगियों में बाएं आलिंद विकृति मापदंडों द्वारा बाएं आलिंद मायोपैथी का आकलन (एचओसीएम)” नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है।
- डॉ. जमाल यूसुफ, कार्डियोलॉजी विभाग को "मिशन दिल्ली-चरण 2: दिल्ली आपातकालीन जीवन हृदयाघात पहल" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹ 60,00,000/- स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. जमाल यूसुफ, कार्डियोलॉजी विभाग को 2024-2025 की अवधि के लिए पीआई के रूप में “कार्डियक रिपोलराइजेशन करंट चैनल एक्सप्रेशन इन रूमेटिक एट्रियल फिब्रिलेशन: एक संभावित अवलोकन अध्ययन” नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है।
- डॉ. जमाल यूसुफ, कार्डियोलॉजी विभाग को 2024-2025 की अवधि के लिए पीआई के रूप में “साइनस लय में गंभीर रूमेटिक माइट्रल स्टेनोसिस के रोगियों में बाएं आलिंद उपांग संकुचन कार्य के साथ बाएं आलिंद विरूपण मापदंडों के सहसंबंध का अध्ययन करने” नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है।
- डॉ. जमाल यूसुफ, कार्डियोलॉजी विभाग को 2024-2025 की अवधि के लिए पीआई के रूप में “माइक्रोकिर्युलेटरी रेजिस्टेंस के सूचकांक द्वारा मूल्यांकन किए गए गैर-एसटी सेगमेंट एलिवेशन मायोकार्डियल इन्फार्क्शन के रोगियों में कोरोनरी माइक्रोवैस्कुलर फ़ंक्शन पर टिकाग्रेलर बनाम प्रसुग्रेल का प्रभाव” नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है।
- डॉ. जमाल यूसुफ, कार्डियोलॉजी विभाग को 2024-2025 की अवधि के लिए पीआई के रूप में “पूर्ण हृदय ब्लॉक के पोस्ट पेसमेकर रोगियों में 3-डी इकोकार्डियोग्राफी द्वारा मूल्यांकित बाएं

वेंट्रिकुलर डिसफंक्शन की घटना और भविष्यवाणियां-एक अवलोकन संबंधी भावी अध्ययन" नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है।

- डॉ. जमाल यूसुफ, कार्डियोलॉजी विभाग को 2024-2025 की अवधि के लिए पीआई के रूप में "रूमेटिक माइट्रल वाल्व रोग में एट्रियल मायोपैथी के सूचकांक पर एसजीएलटी-2 अवरोधक का प्रभाव" नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है।
- डॉ. जमाल यूसुफ, कार्डियोलॉजी विभाग को "साइनस लय बनाम एट्रियल फिब्रिलेशन में निष्क्रिय एलएए के साथ माइट्रल स्टेनोसिस वाले रोगियों में जमावट कारकों का तुलनात्मक मूल्यांकन" नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है।
- डॉ. जमाल यूसुफ, कार्डियोलॉजी विभाग को 2024-2025 की अवधि के लिए पीआई के रूप में "संरक्षित इजेक्शन अंश के साथ हृदय विफलता में बाएं आलिंद इजेक्शन बल पर डैपाग्लिफ्लोज़िन का प्रभाव" नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है।
- डॉ. जमाल यूसुफ, कार्डियोलॉजी विभाग को 2024-2025 की अवधि के लिए पीआई के रूप में "साइनस लय में गंभीर रूमेटिक माइट्रल स्टेनोसिस के रोगियों में 12-लीड ईसीजी डेटा से बाएं आलिंद उपांग निष्क्रियता की भविष्यवाणी करने के लिए एक व्यापक संलयन मॉडल विकसित करना" नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट मंजूर नहीं किया गया है।
- डॉ. जमाल यूसुफ, कार्डियोलॉजी विभाग को 2024-2025 की अवधि के लिए पीआई के रूप में "विभिन्न हृदय रोगों में स्वायत्त तंत्रिका तंत्र की शिथिलता का गैर-आक्रामक और आक्रामक मूल्यांकन" नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है।
- डॉ. जमाल यूसुफ, कार्डियोलॉजी विभाग को 2024-2025 की अवधि के लिए पीआई के रूप में "आईसीई निर्देशित बनाम फ्लोरोस्कोपी निर्देशित बाएं बंडल शाखा क्षेत्र पेसिंग: एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण" नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट मंजूर नहीं किया गया है।
- डॉ. जमाल यूसुफ, कार्डियोलॉजी विभाग को 2024-2025 की अवधि के लिए पीआई के रूप में "पर्क्युटेनियस ट्रांसवेनस मिट्रल कमिसुरोटॉमी के दौरान मिट्रल वाल्व मूल्यांकन के लिए YEO का सूचकांक" नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है।
- डॉ. मोहित डी. गुप्ता, कार्डियोलॉजी विभाग को "रूमेटिक हृदय रोग के रोगियों में डिगॉक्सिन-एक यादृच्छिक प्लेसीबो-नियंत्रित परीक्षण" नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है। यह अनुदान आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. मोहित डी. गुप्ता, कार्डियोलॉजी विभाग को "एसटी-सेगमेंट-एलिवेशन मायोकार्डियल इन्फार्क्शन के रोगियों में लक्षण शुरू होने के 12-72 घंटों के बीच होने वाले रूटीन इनवेसिव

बनाम इस्केमिया ड्रिवेन स्ट्रैटेजी" (लेटकोमर ट्रायल) नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है। यह अनुदान आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।

- डॉ. मोहित डी. गुप्ता, कार्डियोलॉजी विभाग को "हाल ही में मायोकार्डियल इंफार्क्शन से पीड़ित रोगियों में हृदय संबंधी घटनाओं को कम करने के लिए इन्फ्लुएंजा वैक्सीन: एक बहुकेंद्रीय यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित परीक्षण (फ्लुएंट-एमआई ट्रायल)" नामक शोध परियोजना के लिए सह-पीआई के रूप में कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है। यह अनुदान आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. मोहित डी. गुप्ता, कार्डियोलॉजी विभाग को "भारत में हृदय रोग से ग्रस्त गर्भवती महिलाओं के मातृ हृदय, प्रसूति और भ्रूण संबंधी परिणामों में सुधार हेतु प्रोटोकॉलयुक्त कार्डियो-प्रसूति देखभाल का विकास, कार्यान्वयन और मूल्यांकन" (एन-पीएसी परीक्षण) नामक शोध परियोजना के लिए सह-पीआई के रूप में कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है। यह अनुदान आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. मोहित डी. गुप्ता, कार्डियोलॉजी विभाग को "भारत में हृदय रोग (सीवीडी) की रोकथाम के लिए एक सहयोगात्मक गुणवत्ता सुधार पहल का विकास और परीक्षण" (सीक्यूआईपी) नामक शोध परियोजना के लिए सह-पीआई के रूप में कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है। यह अनुदान भारतीय जनसंख्या स्वास्थ्य फाउंडेशन द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. मोहित डी. गुप्ता, कार्डियोलॉजी विभाग को "फुफ्फुसीय धमनी उच्च रक्तचाप के रोगियों में मैकिटेंटन 75 मिलीग्राम बनाम मैकिटेंटन 10 मिलीग्राम की प्रभावकारिता, सुरक्षा और सहनशीलता की तुलना करने के लिए एक चरण 3, संभावित, बहुकेंद्रीय, डबल-ब्लाइंड, डबल-डमी, यादृच्छिक, सक्रिय नियंत्रित, समानांतर-समूह, समूह-अनुक्रमिक, अनुकूली, घटना-संचालित अध्ययन, जिसके बाद मैकिटेंटन 75 मिलीग्राम के साथ एक ओपन-लेबल उपचार अवधि (यूएनआईएसयूएस)" नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है। यह अनुदान जॉनसन एंड जॉनसन द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. मोहित डी. गुप्ता, कार्डियोलॉजी विभाग को " मोटापे और स्थापित हृदय रोग से ग्रस्त प्रतिभागियों में सप्ताह में एक बार कैग्रिलिनटाइड 2.4 एमजी एससी के साथ संयोजन में कैग्रिलिंटाइड 2.4 एमजी एससी (कैग्रिसेमा 2.4 एमजी/2.4 एमजी एससी) की हृदय सुरक्षा" नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है। (रीडिफाइन-3) पीआई के रूप में। यह अनुदान नोवो नॉर्डिस्क द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।

- डॉ. मोहित डी. गुप्ता, कार्डियोलॉजी विभाग को "ज़िल्टिवेकिमैब बनाम प्लेसीबो का हृदय विफलता के लक्षणों और शारीरिक कार्यप्रणाली पर प्रभाव, हल्के रूप से कम या संरक्षित इजेक्शन अंश और प्रणालीगत सूजन वाले हृदय विफलता के रोगियों में" नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है। (एथेना) एएसपीआई। यह अनुदान नोवो नॉर्डिस्क द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. मोहित डी. गुप्ता, कार्डियोलॉजी विभाग को "एएनटी-010-एक चरण 3, बहुकेंद्रीय, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित, समानांतर-समूह अध्ययन" नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है। यह अध्ययन एट्रियल फ़िब्रिलेशन से पीड़ित उच्च जोखिम वाले रोगियों में एबेल-लैसिमैब की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए किया गया है, जिन्हें मौखिक एंटीकोएगुलेशन (LILAC) के लिए अनुपयुक्त माना गया है। यह अनुदान फोर्ट्रिया द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. मोहित डी गुप्ता, कार्डियोलॉजी विभाग को 2024-2025 की अवधि के लिए पीआई के रूप में “उत्तर भारत-तीव्र मायोकार्डियल इन्फार्क्शन रजिस्ट्री (एनओआरआईएन-एएमआई)” नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है।
- डॉ. मोहित डी गुप्ता, कार्डियोलॉजी विभाग को 2024-2025 की अवधि के लिए पीआई के रूप में “हाइपरट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी के रोगियों में बाएं आलिंद विकृति मापदंडों द्वारा बाएं आलिंद मायोपैथी का आकलन (एचओसीएम)” नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट मंजूर नहीं किया गया है।
- कार्डियोलॉजी विभाग के डॉ. सफल को "कोरोनरी धमनी रोग (सीएडी) से ग्रस्त सभी रोगियों में नियोहेक्सा सिरोलिमस-एल्यूटिंग कोरोनरी स्टेंट सिस्टम (एसईएस) की सुरक्षा और प्रदर्शन निर्धारित करने के लिए एक पूर्वव्यापी, अवलोकनात्मक अध्ययन" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 25,000 रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान एसएलटीएल द्वारा प्रदान किया गया है और 2023-2025 की अवधि के लिए है।
- 2024-2025 की अवधि के लिए सह-पीआई के रूप में “रूमेटिक एएफ के साथ लक्षणात्मक रोगियों के दीर्घकालिक परिणाम: आरएचडी एएफ रजिस्ट्री” नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है।
- कार्डियोलॉजी विभाग के डॉ. मोहित डी. गुप्ता को "उच्च जोखिम वाले प्राथमिक रोकथाम रोगियों में प्रमुख प्रतिकूल हृदय संबंधी घटनाओं की रोकथाम पर इंक्लिसिरन के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित बहुकेंद्रीय अध्ययन" (विक्टोरियन-1 प्रिवेंट) नामक शोध परियोजना के लिए सह-पीआई के रूप में कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है। यह अनुदान नोवार्टिस द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।

- डॉ. विमल मेहता, कार्डियोलॉजी विभाग को 2024-2025 की अवधि के लिए पीआई के रूप में "शीर्षक-LIB004: स्थिर लिपिड-कम करने वाली थेरेपी पर हेटेरोज़ीगस फैमिलियल हाइपरकोलेस्ट्रोलेमिया रोगियों में LIB003 की दीर्घकालिक प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित, चरण 3 अध्ययन" नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है।
- डॉ. विमल मेहता, कार्डियोलॉजी विभाग को 2024-2025 की अवधि के लिए पीआई के रूप में "शीर्षक-LIB005: स्थिर लिपिड-कम करने वाली थेरेपी पर हृदय रोग के रोगियों में LIB003 की दीर्घकालिक प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित, चरण 3 अध्ययन" नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है।
- डॉ. विमल मेहता, कार्डियोलॉजी विभाग को 2024-2025 की अवधि के लिए पीआई के रूप में "शीर्षक- EX6018-4758: ZEUS: स्थापित एथेरोस्क्लेरोटिक कार्डियोवैस्कुलर रोग, क्रोनिक किडनी रोग और प्रणालीगत सूजन वाले प्रतिभागियों में कार्डियोवैस्कुलर परिणामों पर ज़िल्टिवेकिमैब बनाम प्लेसीबो के प्रभाव" नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है।
- डॉ. विमल मेहता, कार्डियोलॉजी विभाग को 2024-2025 की अवधि के लिए पीआई के रूप में "शीर्षक-I8F-MC-GPID: रैंडमाइज्ड, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित, चरण 3 अध्ययन, संरक्षित इजेक्शन अंश और मोटापे (SUMMIT) के साथ हृदय विफलता वाले रोगियों में प्लेसीबो बनाम टिरज़ेपेटाइड की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना" नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है।
- डॉ. विमल मेहता, कार्डियोलॉजी विभाग को 2024-2025 की अवधि के लिए पीआई के रूप में "शीर्षक-अध्ययन शीर्षक: EX9536-4773: संरक्षित इजेक्शन अंश के साथ मोटापे से संबंधित हृदय विफलता और टाइप 2 मधुमेह वाले विषयों में कार्य और लक्षणों पर एक बार-साप्ताहिक सेमाग्लूटाइड 2.4 मिलीग्राम का प्रभाव" नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है।
- डॉ. विमल मेहता, कार्डियोलॉजी विभाग को 2024-2025 की अवधि के लिए पीआई के रूप में "शीर्षक-I8F-MC-GPGN: प्रोटोकॉल शीर्षक: टाइप 2 मधुमेह के रोगियों में प्रमुख प्रतिकूल हृदय संबंधी घटनाओं पर टिरजेपेटाइड बनाम डुलाग्लूटाइड का प्रभाव (SURPASS-CVOT)" नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है।
- डॉ. विमल मेहता, कार्डियोलॉजी विभाग को 2024-2025 की अवधि के लिए पीआई के रूप में "शीर्षक-"I8F-MC-GPIJ: मोटापे से ग्रस्त वयस्कों में रुग्णता और मृत्यु दर में कमी पर टिरजेपाटाइड के प्रभाव की जांच के लिए एक चरण 3, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित अध्ययन" नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट मंजूर नहीं किया गया है।

- डॉ. विमल मेहता, कार्डियोलॉजी विभाग को 2024-2025 की अवधि के लिए पीआई के रूप में "शीर्षक-LIB007: होमोज़ीगस और हेटेरोज़ीगस फैमिलियल हाइपरकोलेस्ट्रोलेमिया, कार्डियोवैस्कुलर रोग, या कार्डियोवैस्कुलर रोग के लिए उच्च जोखिम वाले रोगियों में LIB003 की दीर्घकालिक प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए ओपन-लेबल एक्सटेंशन चरण 3 अध्ययन" नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट मंजूर नहीं किया गया है।
- डॉ. विमल मेहता, कार्डियोलॉजी विभाग को 2024-2025 की अवधि के लिए पीआई के रूप में "शीर्षक-" EX6018-4915: HERMES: हल्के रूप से कम या संरक्षित इजेक्शन अंश और प्रणालीगत सूजन के साथ हृदय विफलता वाले रोगियों में रुग्णता और मृत्यु दर पर ज़िल्टिवेकिमैब बनाम प्लेसीबो के प्रभाव" नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है।
- डॉ. विमल मेहता, कार्डियोलॉजी विभाग को 2024-2025 की अवधि के लिए पीआई के रूप में "EX6018-4915: HERMES: हल्के रूप से कम या संरक्षित इजेक्शन अंश और प्रणालीगत सूजन के साथ हृदय विफलता वाले रोगियों में रुग्णता और मृत्यु दर पर ज़िल्टिवेकिमैब बनाम प्लेसीबो के प्रभाव" नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है।
- डॉ. विमल मेहता, कार्डियोलॉजी विभाग को 2024-2025 की अवधि के लिए पीआई के रूप में "D6970C00002: दो या अधिक दवाओं पर अनियंत्रित उच्च रक्तचाप वाले प्रतिभागियों में बैक्सड्रोस्टैट की प्रभावकारिता और सुरक्षा का आकलन करने के लिए एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित, समानांतर समूह अध्ययन" नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है।
- डॉ. विमल मेहता, कार्डियोलॉजी विभाग को 2024-2025 की अवधि के लिए पीआई के रूप में "D6402C00012: बैलेंसडी-एचएफ: एक चरण III, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड अध्ययन, जो डैपाग्लिफ्लोज़िन की तुलना में बाल्सिनरेनोन/ डैपाग्लिफ्लोज़िन के प्रभाव का मूल्यांकन करता है, हृदय विफलता और बिगड़ा हुआ किडनी फ़ंक्शन वाले रोगियों में हृदय विफलता की घटनाओं और हृदय संबंधी मृत्यु के जोखिम पर" नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है।
- डॉ. विमल मेहता, कार्डियोलॉजी विभाग को 2024-2025 की अवधि के लिए पीआई के रूप में “तीव्र कोरोनरी सिंड्रोम में उच्च तीव्रता वाले स्टैटिन की उच्च तीव्रता वाले स्टैटिन प्लस एज़ेटीमीब के साथ तुलना” नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है।
- डॉ. विमल मेहता, कार्डियोलॉजी विभाग को 2024-2025 की अवधि के लिए पीआई के रूप में “संरक्षित इजेक्शन अंश के साथ हृदय विफलता के निदान में इकोकार्डियोग्राफी, एमआरआई और कार्डियक कैथीटेराइजेशन की तुलना” नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है।

- डॉ. विशाल बत्रा, कार्डियोलॉजी विभाग को सह-पीआई के रूप में "एसटी-सेगमेंट-एलिवेशन मायोकार्डियल इन्फार्क्शन के 12-72 घंटों के बीच होने वाले रोगियों में नियमित आक्रामक बनाम इस्केमिया संचालित रणनीति" (लेटकोमर ट्रायल) नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है। यह अनुदान आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. विशाल बत्रा, कार्डियोलॉजी विभाग को "हाल ही में हुए मायोकार्डियल इंफार्क्शन के रोगियों में हृदय संबंधी घटनाओं को कम करने के लिए इन्फ्लुएंजा वैक्सीन: एक बहुकेंद्रीय यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित परीक्षण (फ्लुएंट-एमआई ट्रायल)" नामक शोध परियोजना के लिए सह-पीआई के रूप में कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है। यह अनुदान आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- कार्डियोलॉजी विभाग के डॉ. विशाल बत्रा को "उच्च जोखिम वाले प्राथमिक रोकथाम रोगियों में प्रमुख प्रतिकूल हृदय संबंधी घटनाओं की रोकथाम पर इंक्लिसिरन के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित बहुकेंद्रीय अध्ययन" नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है। (विक्टोरियन-1 प्रिवेंट) सह-पीआई के रूप में। यह अनुदान नोवार्टिस द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. विशाल बत्रा, हृदय रोग विभाग, को सह-पीआई के रूप में "भारत में हृदय रोग (सीवीडी) की रोकथाम के लिए एक सहयोगी गुणवत्ता सुधार पहल का विकास और परीक्षण (सीक्यूआईपी)" नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है। यह अनुदान भारतीय जनसंख्या स्वास्थ्य फाउंडेशन द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. विशाल बत्रा, कार्डियोलॉजी विभाग को "फुफ्फुसीय धमनी उच्च रक्तचाप के रोगियों में मैकिटेंटन 75 मिलीग्राम बनाम मैकिटेंटन 10 मिलीग्राम की प्रभावकारिता, सुरक्षा और सहनशीलता की तुलना करने के लिए एक चरण 3, संभावित, बहुकेंद्रीय, डबल-ब्लाइंड, डबल-डमी, यादृच्छिक, सक्रिय नियंत्रित, समानांतर-समूह, समूह-अनुक्रमिक, अनुकूली, घटना-संचालित अध्ययन, जिसके बाद मैकिटेंटन 75 मिलीग्राम के साथ एक ओपन-लेबल उपचार अवधि (यूएनआईएसयूएस)" नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है। यह अनुदान जॉनसन एंड जॉनसन द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. विशाल बत्रा, कार्डियोलॉजी विभाग को "मोटापे और स्थापित हृदय रोग से ग्रस्त प्रतिभागियों में सप्ताह में एक बार कैग्रिलिनटाइड 2.4 Mg SC के साथ संयोजन में कैग्रिलिंटाइड 2.4 Mg SC (कैग्रिसेमा 2.4 मि.ग्रा./2.4 Mg SC) की हृदय सुरक्षा" नामक शोध परियोजना के लिए

कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है। (REDEFINE-3)" सह-पीआई के रूप में। यह अनुदान नोवो नॉर्डिस्क द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।

- डॉ. विशाल बत्रा, कार्डियोलॉजी विभाग को "ज़िल्टिवेकिमैब बनाम प्लेसीबो का हृदय विफलता के लक्षणों और शारीरिक कार्यप्रणाली पर प्रभाव, हल्के रूप से कम या संरक्षित इजेक्शन अंश और प्रणालीगत सूजन वाले हृदय विफलता के रोगियों में" नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है। (एथेना) "सह-पीआई के रूप में। यह अनुदान नोवो नॉर्डिस्क द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. विशाल बत्रा, कार्डियोलॉजी विभाग को "एएनटी-010-एक चरण 3, बहुकेंद्रीय, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित, समानांतर-समूह अध्ययन" नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है, जिसका उद्देश्य एट्रियल फ़िब्रिलेशन से पीड़ित उच्च जोखिम वाले रोगियों में एबेल-लैसिमैब की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करना है, जिन्हें मौखिक एंटीकोएगुलेशन (LILAC) के लिए अनुपयुक्त माना गया है। यह अनुदान फोर्ट्रिया द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. विशाल बत्रा, कार्डियोलॉजी विभाग को 2024-2025 की अवधि के लिए सह-पीआई के रूप में “उत्तर भारत-तीव्र मायोकार्डियल इन्फार्क्शन रजिस्ट्री (एनओआरआईएन-एएमआई)” नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है।
- डॉ. विशाल बत्रा, कार्डियोलॉजी विभाग को 2024-2025 की अवधि के लिए सह-पीआई के रूप में “हाइपरट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी के रोगियों में बाएं आलिंद विकृति मापदंडों द्वारा बाएं आलिंद मायोपैथी का आकलन (एचओसीएम)” नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है।
- डॉ. अंकुर गौतम, कार्डियोलॉजी विभाग को 2024-2025 की अवधि के लिए सह-पीआई के रूप में “कार्डियक रिपोलराइजेशन करंट चैनल एक्सप्रेशन इन रूमेटिक एट्रियल फिब्रिलेशन: एक संभावित अवलोकन अध्ययन” नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है।
- डॉ. अंकुर गौतम, कार्डियोलॉजी विभाग को 2024-2025 की अवधि के लिए सह-पीआई के रूप में “साइनस लय में गंभीर रूमेटिक माइट्रल स्टेनोसिस के रोगियों में बाएं आलिंद उपांग संकुचन कार्य के साथ बाएं आलिंद विरूपण मापदंडों के सहसंबंध का अध्ययन करने” नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है।
- डॉ. अंकुर गौतम, कार्डियोलॉजी विभाग को 2024-2025 की अवधि के लिए सह-पीआई के रूप में "संरक्षित इजेक्शन अंश के साथ हृदय विफलता में बाएं आलिंद इजेक्शन बल पर डैपाग्लिफ्लोज़िन का प्रभाव" नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है।

- डॉ. अंकुर गौतम, कार्डियोलॉजी विभाग को 2024-2025 की अवधि के लिए सह-पीआई के रूप में "पर्क्युटेनियस ट्रांसवेनस मिट्रल कमिसुरोटॉमी के दौरान मिट्रल वाल्व मूल्यांकन के लिए YEO का सूचकांक" नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है।
- डॉ. अंकुर गौतम, कार्डियोलॉजी विभाग को 2024-2025 की अवधि के लिए सह-पीआई के रूप में “माइक्रोकिर्युलेटरी प्रतिरोध के सूचकांक द्वारा मूल्यांकन किए गए गैर-एसटी सेगमेंट एलिवेशन मायोकार्डियल इन्फार्क्शन के रोगियों में कोरोनरी माइक्रोवैस्कुलर फ़ंक्शन पर टिकाग्रेलर बनाम प्रसुग्रेल का प्रभाव” नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है।
- डॉ. अंकुर गौतम, कार्डियोलॉजी विभाग को 2024-2025 की अवधि के लिए सह-पीआई के रूप में “रुमेटिक माइट्रल वाल्व रोग में एट्रियल मायोपैथी के सूचकांक पर एसजीएलटी-2 अवरोधक का प्रभाव” नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है।
- डॉ. अंकुर गौतम, कार्डियोलॉजी विभाग को 2024-2025 की अवधि के लिए सह-पीआई के रूप में "साइनस लय में गंभीर रूमेटिक माइट्रल स्टेनोसिस के रोगियों में 12-लीड ईसीजी डेटा से बाएं आलिंद उपांग निष्क्रियता की भविष्यवाणी करने के लिए एक व्यापक संलयन मॉडल विकसित करना" नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है।
- डॉ. अंकुर गौतम, कार्डियोलॉजी विभाग को 2024-2025 की अवधि के लिए सह-पीआई के रूप में "आईसीई निर्देशित बनाम फ्लोरोस्कोपी निर्देशित बाएं बंडल शाखा क्षेत्र पेसिंग: एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण" नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है।
- 2024-2025 की अवधि के लिए सह-पीआई के रूप में "साइनस लय बनाम एट्रियल फाइब्रिलेशन में निष्क्रिय एलएए के साथ माइट्रल स्टेनोसिस वाले रोगियों में जमावट कारकों का तुलनात्मक मूल्यांकन" नामक शोध परियोजना के लिए कोई बजट स्वीकृत नहीं किया गया है।

आयोजित संगोष्ठियां

- डॉ. एंटोनियोस पेंटाज़िस, कंसल्टेंट कार्डियोलॉजिस्ट, रॉयल ब्रॉम्पटन और हेयरफील्ड हॉस्पिटल्स, लंदन, यूके ने 17/10/2024 को 'एचओसीएम के फार्माकोथेरेपी में नए मोर्चे' पर एक व्याख्यान दिया।
- डॉ. सेंथिल के. थंबीदोराई, कार्डियक इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी के क्षेत्रीय निदेशक, एचसीए ऑफ नॉर्थ टेक्सास, यूएसए ने 23/07/2024 को '3डी मैपिंग और आईसीई प्रौद्योगिकियों में प्रगति: केस-आधारित चर्चा' पर एक व्याख्यान दिया।
- ऑस्ट्रेलिया के ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी में कैनबरा हार्ट रिदम सेंटर के निदेशक डॉ. राजीव पाठक ने 04/09/2024 को 'कार्टो3 वी7- 3डी इलेक्ट्रो-एनाटॉमिकल मैपिंग (ईएएम) और इसकी विशेषताएं- केस-आधारित चर्चा' पर एक व्याख्यान दिया।

- डॉ. अनिरबन चौधरी, प्रोफेसर कार्डियोलॉजी, मॉरिसटन कार्डियक सेंटर, यूनाइटेड किंगडम ने 19/02/2025 को 'डीईएस प्रौद्योगिकी में नवाचार और सीटीओ मामलों के लिए टिप्स और ट्रिक्स' पर एक व्याख्यान दिया।
- डॉ. शनमुगा सुंदरम, प्रमुख इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिस्ट, वेलाम्मल मेडिकल कॉलेज, मदुरै ने 11/01/2025 को "आईसीई निर्देशित चालन प्रणाली पेसिंग" पर एक व्याख्यान दिया।

आयोजित सम्मेलन

- दिसंबर 2024 में प्रोफेसर डॉ. संजय त्यागी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सीएसआई।
- मार्च 2025 में प्रोफेसर डॉ. गिरीश एमपी की अध्यक्षता में दिल्ली सीएसआई।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

- ऑक्सफ़ोर्ड विश्वविद्यालय, लंदन, यूके के साथ 23/10/2024 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। जीआईपीएमईआर के कार्डियोलॉजी विभाग के डॉ. जमाल यूसुफ इसके समन्वयक हैं। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, 'साइनस रिदम में गंभीर रूमेटिक माइट्रल स्टेनोसिस के रोगियों में 12-लीड ईसीजी डेटा से बाएं आलिंद उपांग निष्क्रियता की भविष्यवाणी करने के लिए एक व्यापक संलयन मॉडल विकसित करना' विषय पर एक संयुक्त शोध परियोजना शुरू की गई। रोगियों का नामांकन मई 2025 में पूरा हो गया है और बहुत जल्द परिणाम और संपूर्ण विश्लेषण तैयार कर लिया जाएगा और उसके बाद इसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशन के लिए भेजा जाएगा।

अन्य सहयोग

- आईसीएमआर और आईआईटी दिल्ली के साथ कई परियोजनाएं चल रही हैं।

एक्सचेंज प्रोग्राम के अंतर्गत छात्र (इनबाउंड/आउटबाउंड)

- दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल के डीएनबी मेडिसिन रेजिडेंट नियमित रूप से रोटेशन के आधार पर कार्डियोलॉजी विभाग में 3 महीने की पोस्टिंग पर उपस्थित रहते हैं।
- बाबा साहब अंबेडकर अस्पताल, रोहिणी के डीएनबी मेडिसिन रेजिडेंट नियमित रूप से रोटेशन के आधार पर कार्डियोलॉजी विभाग में 3 महीने की पोस्टिंग पर उपस्थित रहते हैं।
- राजीव गांधी अस्पताल के डीएनबी मेडिसिन रेजिडेंट नियमित रूप से रोटेशन के आधार पर कार्डियोलॉजी विभाग में 3 महीने की पोस्टिंग पर उपस्थित रहते हैं।
- कार्डियोवैस्कुलर रेडियोग्राफी और इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी में प्रशिक्षण के लिए जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, नई दिल्ली; जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली; गलगोटिया विश्वविद्यालय, नोएडा, यूपी; शारदा विश्वविद्यालय, नोएडा, यूपी से तकनीशियन।

आउटरीच गतिविधियाँ

- दैनिक योग क्लिनिक
- जीवनशैली में बदलाव की गतिविधियाँ
- नियमित स्वास्थ्य जांच शिविर

संकाय संख्या

- प्रोफेसर और उससे ऊपर : 10
- एसोसिएट प्रोफेसर : 01

****

त्वचाविज्ञान और रतिजरोग विज्ञान (एमएएमसी)

सम्मान/विभूतियां

संकाय

डॉ. सरदारीलाल मेमोरियल वार्ड 2024 का विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्ण देब बर्मन को प्रदान किया गया।

छात्र

एमडी डीवीएल (2021) की छात्रा गैबी को 03 फरवरी, 2025 को यौन रोग और कुष्ठ रोग सहित त्वचाविज्ञान में उत्कृष्टता के लिए प्रो. वीएन सहगल पदक से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

- कौर ए, बर्मन केडी, साहू बी, चौधरी पी. स्थिर विटिलिगो के रोगियों में अकेले नैरोबैंड पराबैंगनी बी और माइक्रोनीडलिंग के साथ संयोजन में नैरोबैंड पराबैंगनी बी का तुलनात्मक हस्तक्षेप अध्ययन।
- सोलंकी बी, रेलहान वी, साहू बी, सरकार आर, चौधरी पी. मुँहासों के निशानों के उपचार में 15% ट्राइक्लोरोएसेटिक एसिड पील बनाम 25% पाइरुविक एसिड पील के संयोजन में माइक्रोनीडलिंग। डर्मेटोल सर्जन। 2023;49(2):155-60।
- अग्रवाल I, पाल V, साहू B. पारिवारिक हाइपरकोलेस्ट्रोलेमिया. कॉस्मोडर्मा 2023;3:161.
- मोनालिसा के, साहू बी. कॉस्मेटिक डर्मेटाइटिस के रोगियों में नैदानिक प्रोफ़ाइल और फोटोकॉन्टैक्ट संवेदनशीलता पैटर्न: एक संभावित अध्ययन। इंडियन जे डर्मेटोलवेनेरोललेप्रोल। 2024;90:479-85.
- गजानंद एम. अंताकनवर, बिजय लक्ष्मी साहू, प्रियदर्शिनी बी.वी., कृष्णा देब बर्मन, नंदिनी शर्मा। भारतीय परिदृश्य में स्वास्थ्य कर्मियों में व्यावसायिक त्वचा रोग। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च। अप्रैल-2025, खंड-14 अंक-04.

- अंताकनवर जीएम, कुमार एल.पी., यादव ए, हसन जेड, बर्मन केडी, साहू बी, तन्वी देव, वरुणा माल्या, पवनी गौड़ा। विविध प्रस्तुतियों वाला त्वचीय लियोमायोमा: एक अद्यतन और समीक्षा। जे क्लिन एक्सप डर्मेटोल रिसर्च। 2024:15:673.
- येनामंद्रा वी.के., खुटे पी. यादव डी, नारायणन ए, टेकुमल्ला एस, वीएस, काबरा एसके, शर्मा वीके, सेथुरमन जी. शिशु हेमांगीओमा के लिए मौखिक प्रोप्रानोलोल थेरेपी: दीर्घकालिक अनुवर्ती। इंडियन जे पीडियाट्रिक। 2023 सितंबर;90(9):937-939.
- यादव डी, सिंह एस, धवन बी, सूद एस, गुप्ता एस. बैक्टीरियल रोगजनकों का प्रयोगशाला में पता लगाना और सर्वाइकल डिस्चार्ज वाले रोगियों में सिंड्रोमिक प्रबंधन की नैदानिक और प्रयोगशाला प्रतिक्रिया: एक पूर्वव्यापी अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरोल-लेप्रोल। 2023 मई-जून;89(3):431-435.
- पटेल वी, यादव डी, पटेल एम, मोदी वी, बर्मन केडी, गौरव वी. मिडफेस टॉडलर एक्सकोरिएशन सिंड्रोम (एमआईटीईएस): एक समीक्षा। पीडियाट्रिक डर्मेटोल। 2025 मार्च 3. doi: 10.1111/pde.15917. प्रिंट से पहले ई-प्रकाशन। पीएमआईडी: 40033863.
- गौरव वी, बहादुर ए, त्यागी एच, देव टी, यादव डी, बर्मन केडी। दो मामलों में बेकर्स नेवस की डर्मोस्कोपी। कॉस्मोडर्मा। 2024;4:103। doi: 10.25259/ CSDM_108_2024
- पटेल वी, गौरव वी, राव ए, यादव डी, बर्मन केडी। रॉबर्ट विलन: व्यवस्थित त्वचाविज्ञान वर्गीकरण में अग्रणी और आधुनिक त्वचाविज्ञान को आगे बढ़ाने वाले। कॉस्मोडर्मा। 2025;5:2। doi: 10.25259/CSDM_193_2024.
- गौरव वी, पटेल वी, यादव डी. ज़ोस्टरिफ़ॉर्म लाइकेन प्लेनस: एक सामान्य स्थिति का एक असामान्य प्रस्तुतीकरण। कॉस्मोडर्मा। 2024;4:68. doi: 10.25259/ CSDM_75_2024.
- मित्तल ए, सिंह एम, सिंह एस, जैन ए, बर्मन केडी. मोनिलेथ्रिक्स: एक साइटोलॉजिस्ट का दृष्टिकोण. जे साइटोल. 2022;39(4):188-9.
- स्थिर विटिलिगो के रोगियों में अकेले नैरोबैंड अल्ट्रावायलेट बी और माइक्रोनीडलिंग के साथ नैरोबैंड अल्ट्रावायलेट बी का तुलनात्मक इंटरवेंशनल अध्ययन। फोटोडर्माटोलफोटोइम्यूनोलफोटोमेड। 2023;39:357-363.
- गजानंद एम. अंताकनवर, बिजयलक्ष्मी साहू, प्रियदर्शिनी बी.वी., कृष्णा देब बर्मन, नंदिनी शर्मा। भारतीय परिदृश्य में स्वास्थ्य कर्मियों में व्यावसायिक त्वचा रोग। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च। अप्रैल-2025, खंड-14| अंक-04
- जीएम अंताकनवर, एलपी कुमार, केडी बर्मन, वी माल्या, एन पांडे। क्या हिस्टॉइड कुष्ठ रोग में माइकोबैक्टीरियम लेप्री का ट्रांस-एपिडर्मल उन्मूलन, संचरण का एक जोखिम कारक है?-एक रिपोर्ट। इंडियन जे लेप्र 2025, 97: 57-60.

- अंताकनवर जीएम, कुमार एल.पी., यादव ए, हसन जेड, बर्मन केडी, साहू बी, तन्वी देव, वरुणा माल्या, पवनी गौड़ा। विविध प्रस्तुतियों वाला त्वचीय लियोमायोमा: एक अद्यतन और समीक्षा। जे क्लिन एक्सप डर्मेटोल रिसर्च। 2024:15:673.
- अग्रवाल आई, अग्रवाल डी, बर्मन केडी. ओवेरियन कार्सिनोमा के मार्कर के रूप में एकेंथोसिस निग्रिकेंस. इंडियन जे पोस्टग्रेड डर्मेटोल.
- पटेल वी, यादव डी, पटेल एम, मोदी वी, बर्मन केडी, गौरव वी. मिडफेस टॉडलर एक्सकोरिएशन सिंड्रोम (एमआईटीईएस): एक समीक्षा। पीडियाट्रिक डर्मेटोल। 3 मार्च 2025.
- पटेल वी, गौरव वी, राव ए, यादव डी, बर्मन केडी। रॉबर्ट विलन: व्यवस्थित त्वचाविज्ञान वर्गीकरण में अग्रणी और आधुनिक त्वचाविज्ञान को आगे बढ़ाने वाले। कॉस्मोडर्मा। 2025;5:2.
- गौरव वी, बहादुर ए, त्यागी एच, देव टी, यादव डी, बर्मन केडी। दो मामलों में बेकर्स नेवस की डर्मोस्कोपी। कॉस्मोडर्मा। 2024;4:103। doi: 10.25259/ CSDM_108_2024
- गौरव वी, गौड़ा पी, बहादुर ए, त्यागी एच, देव टी, बर्मन केडी. त्वचीय लघु-वाहिका वाहिकाशोथ का डर्मोस्कोपी-हिस्टोपैथोलॉजी सहसंबंध. कॉस्मोडर्मा. 2024;4:90.
- गौरव वी, पटेल वी, बहादुर ए, बर्मन केडी. नेवस कॉमेडोनिकस: नैदानिक और डर्मोस्कोपिक विशेषताएँ. कॉस्मोडर्मा. 2024;4:74.
- लालमुआनपुई जी, बर्मन केडी, दास एस, गौरव वी. ट्राइकोफाइटन मेंटाग्रोफाइट्स के कारण केरियन सेल्सी: नैदानिक, ट्राइकोस्कोपिक और सूक्ष्म विशेषताएं। कॉस्मोडर्मा। 2024;4:70.
- अंताकनवर जीएम, कुमार एल.पी., यादव ए, हसन जेड, बर्मन केडी, साहू बी, तन्वी देव, वरुणा माल्या, पवनी गौड़ा। विविध प्रस्तुतियों वाला त्वचीय लियोमायोमा: एक अद्यतन और समीक्षा। जे क्लिन एक्सप डर्मेटोल रिसर्च। 2024:15:673.
- बसवराजपुरा, विजय पी, दास एमके, बहादुर ए, शिवाजी सी, देव टी. बहुऔषधि प्रतिरोधी क्षय रोग में साइक्लोसेरिन के कारण पैच टेस्ट-पॉज़िटिव दवा प्रतिक्रिया, इओसिनोफिलिया और प्रणालीगत लक्षण सिंड्रोम: साहित्य की समीक्षा के साथ एक केस रिपोर्ट। द अमेरिकन जर्नल ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन एंड हाइजीन। 2025;112(4):854-855.
- गुगलानी ए, लालमुआनपुई जी, शर्मा आर, सिंह आई, देव टी. आवर्ती टाइप-2 कुष्ठ रोग प्रतिक्रिया: दवा-प्रतिरोधी माइकोबैक्टीरियम लेप्री के संदेह की सीमा कम रखना। अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ़ डर्मेटोलॉजी। 16 जनवरी, 2025 को ऑनलाइन प्रकाशित.
- अंताकनवर जीएम, बहादुर ए, देव टी, राहंगडाले एस, सिंह एच. कुष्ठ रोग में प्राथमिक बांझपन: एक उपेक्षित, कम निदानित परिणामी अभिव्यक्ति। इंट जे डर्मेटोल। 2025;64(1):208-209.

- गौरव वी, कुमार एल.पी., गोयल डी, जुयाल डी, देव टी. एक युवा लड़की में प्रुरिटिक वुल्वोवैजिनाइटिस: वुल्वोवैजिनल एंटरोबियासिस का एक मामला। पीडियाट्रिक डर्मेटोल। 2024 दिसंबर 28.
- गौरव वी, गौड़ा पी, बहादुर ए, त्यागी एच, देव टी, बर्मन केडी. त्वचीय लघु-वाहिका वाहिकाशोथ का डर्मोस्कोपी-हिस्टोपैथोलॉजी सहसंबंध. कॉस्मोडर्मा. 2024;4:90. doi: 10.25259/CSDM_113_2024
- गौरव वी, देव टी, ठाकुर एसएस, गुगलानी ए. नेवस सेबेसियस की डर्मोस्कोपी। कॉस्मोडर्मा। 2024;4:82। doi: 10.25259/CSDM_94_2024
- कौर ए, एससी, देव टी, कनुमिली पी, पल्लवी पी. सामान्य त्वचाविज्ञान और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा में त्वचाविज्ञान। *क्लिन एक्सप डर्मेटोल*। 2025;50 (4):886-887।
- बिकाश सी, सरकार आर, रेलहान वी, सिंह एस. मेलास्मा के उपचार में प्लेटलेट-रिच प्लाज़्मा थेरेपी की सहायक भूमिका। डर्मेटोल सर्जन। 2022;48:429-434।
- रेलहान वी, बंसल ए. तीव्र और दीर्घकालिक पैरोनिचिया पर पुनर्विचार: एक कथात्मक समीक्षा। जे क्यूटन एस्थेट सर्ज.2022;15(1):1-16.
- सोलंकी बी, रेलहान वी, साहू बी, सरकार आर, चौधरी पी. मुँहासों के निशानों के उपचार में 15% ट्राइक्लोरोएसेटिक एसिड पील बनाम 25% पाइरुविक एसिड पील के संयोजन में माइक्रोनीडलिंग। डर्मेटोल सर्जन। 2023;49(2):155-60.
- पटेल वी, यादव डी, पटेल एम, मोदी वी, बर्मन केडी, गौरव वी. मिडफेस टॉडलर एक्सकोरिएशन सिंड्रोम (एमआईटीईएस): एक समीक्षा। पीडियाट्रिक डर्मेटोल। 2025 मार्च 3. doi: 10.1111/pde.15917. प्रिंट से पहले ई-प्रकाशन। पीएमआईडी: 40033863.
- अग्रवाल, ईशान; गौरव, विशाल। ऑटोनोमिक डिनेर्वेशन डर्मेटाइटिस: दो मामलों की कहानी। इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी ( ):10.4103/ijd.ijd _519_24, 6 मार्च, 2025.
- अग्रवाल प्रथम, गौरव वी. लाइकेन प्लैनोपिलारिस की डर्मोस्कोपी। जे क्यूटन मेड सर्जन। 2025;29(2):202.
- गौरव वी, अग्रवाल आई. प्लांटर वार्ट की डर्मोस्कोपी. कॉस्मोडर्मा. 2024;4:107.
- गौरव वी. नेल-फोल्ड कैपिलारोस्कोपी क्विज़. इंडियन जे स्नातकोत्तर डर्मेटोल.
- पटेल वी, गौरव वी, राव ए, यादव डी, बर्मन केडी। रॉबर्ट विलन: व्यवस्थित त्वचाविज्ञान वर्गीकरण में अग्रणी और आधुनिक त्वचाविज्ञान को आगे बढ़ाने वाले। कॉस्मोडर्मा। 2025;5:2। doi: 10.25259/CSDM_193_2024.

- गौरव वी, कुमार एल.पी., गोयल डी, जुयाल डी, देव टी. एक युवा लड़की में प्रुरिटिक वुल्वोवैजिनाइटिस: वुल्वोवैजिनल एंटरोबियासिस का एक मामला। पीडियाट्रिक डर्मेटोलॉजी। 2024 दिसंबर 28। doi: 10.1111/pde.15834। मुद्रण से पहले ई-प्रकाशन। पीएमआईडी: 39731459.
- राव ए, गर्ग एस, गौरव वी. क्रोनिक अल्कोहलिज़्म में पेलाग्रा: आधुनिक नैदानिक अभ्यास में एक कम पहचानी गई स्थिति। एडिनबर्ग के रॉयल कॉलेज ऑफ़ फ़िज़िशियन का जर्नल। 2024;54(4):332-334. doi: 10.1177/ 14782715241298723
- गौरव वी, लालमुआनपुई जी, गौड़ा पी, आदि। नीलम आँखों के साथ सुनने की क्षमता में कमी का मामला: एक छोटी लड़की में वार्डेनबर्ग सिंड्रोम टाइप 1। बचपन में रोगों के अभिलेखागार, पहली बार ऑनलाइन प्रकाशित: 30 अक्तूबर 2024. doi: 10.1136/archdischild-2024-327905.
- गौरव वी., गौड़ा पी. संक्रामक त्वचा रोगों की डर्मोस्कोपी से प्रश्नोत्तरी प्रश्न (इन्फेक्टियसकॉपी/एंटोडर्मोस्कोपी)। जे स्किन सेक्स ट्रांसमिटेड डिस. 2024;6:227-33. doi: 10.25259/JSSTD_32_2024.
- गौरव वी. त्वचाविज्ञान में मूलभूत सिद्धांत और आधार-प्रश्नोत्तरी। इंडियन जे स्नातकोत्तर डर्मेटोल। doi: 10.25259/IJPGD_65_2024.
- गौरव वी, बहादुर ए, त्यागी एच, देव टी, यादव डी, बर्मन केडी। दो मामलों में बेकर्स नेवस की डर्मोस्कोपी। कॉस्मोडर्मा। 2024;4:103। doi: 10.25259/ CSDM_108_2024.
- गौरव वी, गौड़ा पी, बहादुर ए, त्यागी एच, देव टी, बर्मन केडी. त्वचीय लघु-वाहिका वाहिकाशोथ का डर्मोस्कोपी-हिस्टोपैथोलॉजी सहसंबंध. कॉस्मोडर्मा. 2024;4:90. doi: 10.25259/CSDM_113_2024.
- गौरव वी, बहादुर ए, त्यागी एच. स्कैल्प के सेबोरिक डर्मेटाइटिस और स्कैल्प सोरायसिस में अंतर करने में डर्मोस्कोपी की भूमिका। कॉस्मोडर्मा। 2024;4:80. doi: 10.25259/CSDM_101_2024.
- गौरव वी, देव टी, ठाकुर एसएस, गुगलानी ए. नेवस सेबेसियस की डर्मोस्कोपी। कॉस्मोडर्मा। 2024;4:82। doi: 10.25259/CSDM_94_2024.
- गौरव वी, पटेल वी, बहादुर ए, बर्मन केडी. नेवस कॉमेडोनिकस: नैदानिक और डर्मोस्कोपिक विशेषताएँ. कॉस्मोडर्मा. 2024;4:74. doi: 10.25259/CSDM_ 84_2024.
- गौरव वी, पटेल वी, यादव डी. ज़ोस्टरिफ़ॉर्म लाइकेन प्लेनस: एक सामान्य स्थिति का एक असामान्य प्रस्तुतीकरण। कॉस्मोडर्मा। 2024;4:68. doi: 10.25259/ CSDM_75_2024.

- लालमुआनपुई जी, बर्मन केडी, दास एस, गौरव वी. ट्राइकोफाइटन मेंटाग्रोफाइट्स के कारण केरियन सेल्सी: नैदानिक, ट्राइकोस्कोपिक और सूक्ष्म विशेषताएं। कॉस्मोडर्मा। 2024;4:70. doi: 10.25259/CSDM_69_2024.

आयोजित सम्मेलन

- भारतीय त्वचा विशेषज्ञ, वेनेरोलॉजिस्ट और लेप्रोलॉजिस्ट एसोसिएशन (IADVL)-दिल्ली राज्य शाखा (DSB) की 30 जून, 2024 को मासिक बैठक।
- 5 सितंबर, 2024 को मंकी पॉक्स पर सीएमई।
- दिसंबर, 2024 को स्नातकोत्तर प्रक्रियात्मक त्वचाविज्ञान प्रशिक्षण कार्यशाला (पीजीपीडीटी) का आयोजन किया गया।
- 22 मार्च, 2025 को फोटोडर्मेटोलॉजी पर सीएमई।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

1. एचआईवी जागरूकता कार्यक्रम
2. कुष्ठ रोग जागरूकता कार्यक्रम
3. आईएडीवीएल-डीएसबी के सहयोग से विश्व स्वास्थ्य दिवस शैक्षिक शिविर (7 अप्रैल 2024)

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	: 1
एसोसिएट प्रोफेसर	: 0
सहायक प्रोफेसर	: 2
तदर्थ संकाय सदस्य	: 2

नियुक्त छात्रों की संख्या और प्रतिशत

10

***

ईएनटी (एमएएमसी)

प्रकाशन

1. अहमद एस, मेहर आर, राठौर पीके, सिंह आई, वाधवा वी, गोयल पी, लोहिया एस, सहज ए. एंडोस्कोपिक डबल फ्लैप टिम्पेनोप्लास्टी. इंडियन जर्नल ऑफ़ ओटोलरिंगोल हेड नेक सर्जन. 2024 अक्तूबर;76(5):4499-4505.

2. शर्मा आर, कुमार पी, मेहर आर, श्रुति एन, गोपाल ए, मंडल एस. मैक्सिलरी साइनस का इविंग्स सारकोमा। इंडियन जर्नल ऑफ ओटोलरिंगोल हेड नेक सर्जन। 2024 अक्तूबर;76(5):4760-4764.

3. मिश्रा डी, मेहर आर, वाधवा वी, अग्रवाल ए. इंट्राऑर्बिटल फ़ॉरेन बॉडी- एंडोस्कोप असिस्टेड रिमूवल. इंडियन जर्नल ऑफ़ ओटोलरिंगोल हेड नेक सर्जन. 2024 अक्तूबर;76(5):4682-4685.

4. गौतम आर, सिंह एम, नैन जी, माल्या वी, कुशवाहा पी, सिंह एस, तोमर आर, मेहर आर, कुमार जे. लार ग्रंथि एनएचएल-एक एफएनएसी-फ्लो साइटोमेट्री अध्ययन। जर्नल साइटोल। 2024 अप्रैल-जून;41(2):131-134.

5. नेगी एस, सिंह आई, मेहर आर, शर्मा आर, कुमार जे, गोपाल ए, गोयल पी. मध्य कान का गुप्त क्षेत्र-साइनस टिम्पनी। इंडियन जे ओटोलरिंगोल हेड नेक सर्जन। 2024 अगस्त;76(4):3109-3113.

6. गोयल पी, मेहर आर, पासी जेसी, वाधवा वी, कुमार जे. स्क्वैमोसल प्रकार के क्रोनिक ओटिटिस मीडिया का ट्रांसकैनल एंडोस्कोपिक प्रबंधन। इंडियन जर्नल ऑफ ओटोलैरिंगोल हेड नेक सर्जन। 2024 अक्तूबर;76(5):4247-4254.

7. चतुर्वेदी ए, कुमारी जी, धनकर एन, माल्या वी, मंडल एस, मेहर आर. बाइफेनोटाइपिक साइनोनासल सारकोमा-साहित्य की समीक्षा के साथ एक केस सीरीज़। इंडियन जर्नल ऑफ़ ओटोलरिंगोल, हेड नेक सर्जन। 2024 अक्तूबर;76(5):4776-4780.

8. चतुर्वेदी ए, माल्या वी, मंडल एस, खुराना एन, मेहर आर, सिंह के. नाक गुहा का प्राथमिक म्यूकोसल घातक मेलेनोमा (पीएमएमएम): दो मामलों की एक रिपोर्ट। जे कैंसर रिसर्च थेर। 2024 अप्रैल 1;20(3):1053-1056.

9. शर्मा आर, कुमार पी, सिंह डी, मेहर आर, कुमार जे. कैरोटिडिनिया-ओटोलैरिंगोलॉजी प्रैक्टिस में एक अज्ञात इकाई: तीन केस रिपोर्ट और साहित्य की समीक्षा। इंडियन जर्नल ऑफ ओटोलैरिंगोलॉजी, हेड नेक सर्जन। 2024 अक्तूबर;76(5):4690-4695.

10. सिंह के, सिंह आई, मेहर आर, कुमार जे, गोपाल ए, साहू ए, शर्मा आर. थायरॉइडेक्टॉमी के बाद ध्वनिक स्वर विश्लेषण द्वारा निदान किए गए सुपीरियर लेरिंजियल तंत्रिका की बाहरी शाखा में चोट की घटना। इंडियन जर्नल ऑफ ओटोलरिंगोल, हेड नेक सर्जन। 2025 मार्च;77(3):1401-1409.

11. दीवान एजी, शर्मा आर, सोनी एस, सिंह आई, मेहर आर, खुराना एन, साजिद एस, सिंह डी, दीवान एडी. बार-बार होने वाले डर्मेटोफाइब्रोसारकोमा प्रोट्यूबरन्स का मामला- कारक और नुकसान. इंडियन जर्नल ऑफ ओटोलरिंगोल, हेड नेक सर्जन. 2025 जनवरी;77(1):482-486.

12. शर्मा आर, कुमार पी, रस्तोगी एस, मेहर आर, कुमार जे, गोपाल ए. साइनोनासल ऑर्गनाइज्ड हेमेटोमा: दो मामलों का प्रीऑपरेटिव और इंट्राऑपरेटिव डायग्नोस्टिक मूल्यांकन। इंडियन जर्नल ऑफ ओटोलरिंगोल हेड नेक सर्जन। 2024 दिसंबर;76(6):5972-5977.

13. वाधवा विक्रम, टंडन स्वाति, सिंह माया और बापट दामिनी। एक असामान्य मामला गर्दन में दांतों का रोग: एक दिलचस्प केस रिपोर्ट। इंडियन जर्नल ऑफ न्यूरोट्रॉमा 2025;22:93-95

14. वाधवा वी, टंडन एस, गुप्ता डी. श्रवण परीक्षण- चिकित्सकों के लिए व्याख्या। जर्नल, इंडियन एकेडमी ऑफ क्लिनिकल मेडिसिन. 2024;25(4):204-10.

    टंडन एस, वाधवा वी, राठौर पी.के. ईएनटी प्रैक्टिस में एर्गोनॉमिक्स। इंडियन जर्नल ऑफ़ मेडिसिन ओटोलरींगोल हेड नेक सर्ज. 2024 अक्तूबर;76(5):4891-4896.

15. टंडन एस, वाधवा वी, सहज ए, एट अल. हॉर्नर सिंड्रोम का एक असामान्य मामला: सर्वाइकल चेन श्वानोमा का एक दुर्लभ मामला। जे हेड नेक सर्ज 2024;5(1):223-225

    5.टंडन एस, अहमद एस, चौधरी डी, सहगल वी, वाधवा वी, पाराशर ए, राठौड़ पीके। ए

16. वोकल कॉर्ड पॉलीप: मोलस्कम कॉन्टैगिओसम का एक असामान्य मामला। भारतीय जे ओटोलरींगोल हेड नेक सर्ज. 2024 अक्तूबर;76(5):4653-4656.

17. पटेल डी, अरोड़ा एन, तनेजा एचसी, बंसल आर लेमियर सिंड्रोम कॉमन कैरोटिड आर्टरी स्यूडोएन्यूरिज्म विद सेंटिनल ब्लीड द्वारा जटिल-एक केस रिपोर्ट-स्वीकृत-मैक्सिलोफेशियल सर्जरी के इतिहास

18. डबास एस, देव टी, मोदी वी, तमांग वी, पटेल डी, अरोड़ा एन आवाज़ में क्या है? एक युवा लड़की के चेहरे पर वैरियोलिफ़ॉर्म निशानों के मामले में सुराग ढूँढना-त्वचाविज्ञान व्यावहारिक और वैचारिक

19. कुमार पी, अरोड़ा एन इंट्राऑर्बिटल एक्सटेंशन के साथ विशाल फ्रंटोएथमॉइड ऑस्टियोमा-प्रतिवर्ती प्रोप्टोसिस का एक कारण (भारतीय नेत्र विज्ञान जर्नल-केस रिपोर्ट)

आयोजित संगोष्ठियां

वर्टिगो में जांच पर आमंत्रित अतिथि व्याख्यान-10 सितंबर 2024

आयोजित सम्मेलन

- स्वरयंत्र विज्ञान पर व्यावहारिक कार्यशाला, एमएएमसी-19 अप्रैल
- मासिक क्लिनिकल बैठक, दिल्ली AOI- 20 अप्रैल
- ईएनटी में ऑडियोलॉजी-7 अगस्त, 2024
- अतिथि व्याख्यान-वर्टिगो रोगी में जांच की भूमिका, एमएएमसी-10 सितंबर, 2024

- 34वीं टेम्पोरल बोन कार्यशाला-4 दिसंबर, 2024
- ईएनटी अपडेट-5-7 दिसंबर
- स्वरयंत्र ग्रसनी कैंसर पर प्रथम मास्टरक्लास, एमएएमसी-8 मार्च 2025

***

गैस्ट्रोएंटरोलॉजी (गोविंद बल्लभ पंत संस्थान स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

- नवनिर्मित ईआरसीपी थिएटर में हाई-डेफिनिशन फ्लोरोस्कोपी मशीन स्थापित की गई।
- उन्नत तृतीय-स्थान एंडोस्कोपी प्रक्रिया शुरू हुई।
- गैस्ट्रो लैब में फेकल इलास्टेस अनुमान परीक्षण शुरू हुआ।

सम्मान/विभूतियां

- डॉ. बरजेश चंद्र शर्मा (निदेशक-प्रोफेसर) को आईएनएएसएल का अध्यक्ष चुना गया है।
- डॉ. संजीव सचदेवा (निदेशक-प्रोफेसर) आईएनएमए के वर्तमान उपाध्यक्ष हैं।
- डॉ. सैयद अहमद (सहायक प्रोफेसर) को एएएसएलडी 2024 में 2024 अर्ली करियर इन्वेस्टिगेटर पुरस्कार मिला।
- डॉ. वेंकटेश वी.एस. (सहायक प्रोफेसर) को INMA, 2024 में मौखिक प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार मिला।

संकाय संख्या

- प्रोफेसर और उससे ऊपर के प्रोफेसर: निदेशक प्रोफेसर: डॉ. बरजेश चंदर शर्मा, डॉ. संजीव सचदेवा, डॉ. सिद्धार्थ श्रीवास्तव।
- प्रोफेसर: डॉ. अजय कुमार, डॉ. अशोक दलाल, डॉ. उज्ज्वल सोनिका।
- सहायक प्रोफेसर: डॉ. वेंकटेश वी.एस., डॉ. सैयद अहमद, डॉ. रणदीप राणा।

विभूति प्राप्त छात्र

- डॉ. राहुल चित्तम, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी (द्वितीय वर्ष), ने पीजीआई चंडीगढ़ द्वारा आयोजित जीआई इमरजेंसी कॉन्फ्रेंस, क्विज में तीसरा पुरस्कार जीता।
- डॉ. दीप पटेल (द्वितीय वर्ष) ने ISGCON, 2024 में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार जीता।
- डॉ. श्रेय भट्ट और डॉ. दीप पटेल को एपीएएसएल, 2025 की यात्रा के लिए लिवर केयर फाउंडेशन पुरस्कार मिला।

प्रकाशन

- चौधरी, ए., कुलकर्णी, ए.वी., अरोड़ा, वी., सोइन, ए.एस., डोकमेसी, ए.के., चौधरी, ए., कोशी, ए., दुसेजा, ए., कुमार, ए., मिश्रा, ए.के., पटवा, ए.के., सूद, ए., रॉय, ए., शुक्ला, ए., चैन, ए., क्रैग, ए., मुकुंद, ए., मंडोट, ए., गोयल, ए., बट, ए.एस, एपीएएसएल-एसीएलएफ कार्य दल (2025) के लिए एपीएएसएल-एसीएलएफ अनुसंधान संघ (एएआरसी)। तीव्र-से-दीर्घकालिक यकृत विफलता (एसीएलएफ): 'क्योटो सहमति'-एशिया से कदम। *हेपेटोलॉजी इंटरनेशनल, 19* (1), 1-69। https://doi.org/10.1007/s12072-024-10773-4

- सिंह, ए.के., कृष्णप्रिया, वी., सचदेवा, एस., पुरी, ए.एस., कुमार, ए., सोनिका, यू., श्रीवास्तव, एस., और दलाल, ए. (2024)। सौम्य गैस्ट्रिक आउटलेट अवरोध के प्रबंधन के लिए स्व-विस्तार योग्य धातु स्टेंट की प्रभावकारिता और सुरक्षा-एक संभावित अध्ययन। *इंडियन जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी: इंडियन सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी का आधिकारिक जर्नल, 43* (5), 1030-1036. https://doi.org/10.1007/s12664-024-01639-6

- सिंह, ए.के., महानाईक, एस., श्रीवास्तव, एस., सचदेवा, एस., दलाल, ए., और सोनिका, यू. (2024)। गर्भावस्था के दौरान ईआरसीपी: उत्तर भारत के एक तृतीयक देखभाल अस्पताल का 10-वर्षीय अनुभव। *इंडियन जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी: इंडियन सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी का आधिकारिक जर्नल,* https://doi.org/10.1007/s12664-024-01590-6

- सिंह, ए.के., जॉर्ज, आर., वैथियम, वी., सुधींद्रन, एस., गोपालकृष्ण, आर., मेनन, आर., और चाको, ए. (2025)। पित्त में जीवाणु संबंधी स्पेक्ट्रम और तीव्र जीवाणुजनित पित्तवाहिनीशोथ के रोगियों में परिणाम। *इंडियन जर्नल ऑफ सर्जरी, 87* (3), 479-484। https://doi.org/10.1007/s12262-024-04181-z

- सिंह, ए.के., वैथियम, वी., सोनिका, यू., और गोयल, एस. (2024)। गंभीर तीव्र यकृत क्षति: सिस्टमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस का पहला लक्षण। *जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड एक्सपेरिमेंटल हेपेटोलॉजी, 14* (3), 101339। https://doi.org/10.1016/j.jceh.2023.101339

- अनीश, पी., सिंह, ए.के., वैथियम, वी., जॉर्ज, आर., लोन, एस., सचदेवा, एस., दलाल, ए., कुमार, ए., और शर्मा, बी.सी. (2024)। तीव्र-से-दीर्घकालिक यकृत विफलता से पीड़ित रोगियों का नैदानिक प्रोफ़ाइल और परिणाम: एक एकल-केंद्र अनुभव। *क्यूरियस, 16* (7), e64643. https://doi.org/10.7759/cureus.64643

- कुमार, ए., अरोड़ा, ए., चौधरी, ए., अरोड़ा, वी., रेला, एम., जोथिमनी, डी.के., महताब, एम.ए., देवरभवी, एच., इपेन, सी.ई., गोयल, ए., याघी, सी., निंग, क्यू., चेन, टी., जिया, जे., झोंगपिंग, डी., हामिद, एसएस, बट, एएस, जाफरी, डब्ल्यू., शुक्ला, ए., टैन, एसएस,... एपीएएसएल

एसीएलएफ वर्किंग पार्टी (2025) के लिए एपीएएसएल एसीएलएफ रिसर्च कंसोर्टियम (एएआरसी)। मधुमेह, दवा-प्रेरित यकृत क्षति और सेप्सिस का चयापचय संबंधी शिथिलता से जुड़े फैटी लिवर रोग से संबंधित तीव्र-से-दीर्घकालिक यकृत विफलता के परिणामों पर प्रभाव। *अमेरिकन जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, 120* (4), 816-826. https://doi.org/10.14309/ajg.0000000000002951

- चौहान, डी., गोयल, एस., वैथियम, वी., और सखुजा, पी. (2025)। सामान्य से परे: एसोफैजियल क्रिप्टोस्पोरिडिओसिस। *इंडियन जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी: इंडियन सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी का आधिकारिक जर्नल,* https://doi.org/ 10.1007/s12664-024-01730-y
- झांग, एच., टार्गर, जी., बायर्न, सीडी, किम, एसयू, वोंग, वीडब्ल्यू, वैलेंटी, एल., ग्लिकमैन, एम., पोंस, जे., मंट्ज़ोरोस, सीएस, क्रेस्पो, जे., ग्रोनबेक, एच., यांग, डब्ल्यू., इस्लाम, एम., वोंग, आरजे, मचाडो, एमवी, यू, एमएल, घनेम, ओएम, ओकानोए, टी., लियू, जेएफ, ली, वाईएच, एमएएफएलडी आईसीडी-11 कोडिंग सहयोगी (2024)। मेटाबॉलिक डिसफंक्शन से जुड़े फैटी लिवर रोग के लिए रोगों के अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण कोड के उपयोग पर एक वैश्विक सर्वेक्षण। *हेपेटोलॉजी इंटरनेशनल, 18* (4), 1178-1201। https://doi.org/10.1007/s12072-024-10702-5
- मीना, एन., गोयल, एस., अरोड़ा, पी., सचदेवा, एस., और सखुजा, पी. (2025). जठरांत्र संबंधी मार्ग का माइलॉयड सार्कोमा: भेड़ के भेष में भेड़िया! *इंडियन जर्नल ऑफ पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी,* https://doi.org/10.4103/ijpm.ijpm_477_24
- पटेल, डी., वैथियम, वी., और सचदेवा, एस. (2025). पेट का एक्स-रे: न्यूमोपेरिटोनियम के लिए एक अनमोल खजाना! *क्यूजेएम: एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन्स की मासिक पत्रिका,* hcaf072. अग्रिम ऑनलाइन प्रकाशन। https:// doi.org/10.1093/qjmed/hcaf072
- सचदेवा एस. (2025). प्रोफ़ेसर उदय सी. घोषाल: अध्यक्ष, इंडियन सोसाइटी ऑफ़ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी-2025. *इंडियन जर्नल ऑफ़ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी: इंडियन सोसाइटी ऑफ़ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी का आधिकारिक जर्नल, 44* (1), 1-3. https://doi.org/ 10.1007/s12664-025-01740-4
- सचदेवा, एस., रेड्डी, आर.टी., चित्तम, आर., और वैथियम, वी. (2024)। टाइप-3 अचलासिया के कारण कॉर्कस्क्रू एसोफैगस: एक दुर्लभ संयोजन। *इंडियन जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी: इंडियन सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी का आधिकारिक जर्नल,* https://doi.org/10.1007/s12664-024-01716-w

- सचदेवा, एस., रेड्डी, आर.टी., चित्तम, आर., और दलाल, ए. (2024)। स्टैंडअलोन पित्ताशय एस्कारियासिस: एक असामान्य अभयारण्य स्थल। *पाचन रोग और विज्ञान, 69* (11), 3988-3989। https://doi.org/10.1007/s10620-024-08665-6
- सचदेवा, एस., रेड्डी, आर.टी., चित्तम, आर., और वोरा, के. (2024)। सहज जुड़वां आंतरिक फिस्टुला: तीव्र अग्नाशयशोथ की एक दुर्लभ जटिलता। *पाचन रोग और विज्ञान, 69* (10), 3575-3576। https://doi.org/10.1007/s10620-024-08609-0
- सचदेवा, एस., पटेल, बी., दलाल, ए., और गोयल, एस. (2024)। हेनोच-शोनलेन पर्पुरा: वयस्कों में रक्तगुल्म का एक दुर्लभ कारण। *इंडियन जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी: इंडियन सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी का आधिकारिक जर्नल,* 10.1007/s12664-024-01627-w। अग्रिम ऑनलाइन प्रकाशन। https://doi. org/10.1007/s12664-024-01627-w
- सचदेवा, एस., कुंभार, सी., लोन, एस., दलाल, ए., और गोयल, एस. (2024)। गैस्ट्रिक कार्सिनोमा में फंगिंग अम्बिलिकल नोड्यूल। *इंडियन जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी: इंडियन सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी का आधिकारिक जर्नल, 43* (4), 857-859। https://doi.org/10.1007/s12664-023-01392-2
- सचदेवा, एस., रेड्डी, आर.टी., और वैथियम, वी. (2025). *सिग्नेट-रिंग कोलोनिक एडेनोकार्सिनोमा के कारण एप्पल-कोर घाव. क्यूजेएम: एन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिसिन, 118* (3), 177-178. https://doi.org/10.1093/qjmed/hcae196
- भट्ट, एस., वैथियम, वी., तेजा रेड्डी, आर., राघव अनीश, पी.एस., सचदेवा, एस., कुमार, ए., दलाल, ए., सिंह, एस., गोयल, एस., और सखुजा, पी. (2025)। पोर्टल हाइपरटेंशन प्राथमिक एमाइलॉयडोसिस का पहला लक्षण है। *जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड एक्सपेरिमेंटल हेपेटोलॉजी, 15* (3), 102502। https://doi.org/ 10.1016/j.jceh.2025.102502
- महर्षि, एस., और शर्मा, बी.सी. (2024)। यकृत एन्सेफैलोपैथी की रोकथाम: वर्तमान और भविष्य के औषधि लक्ष्य। *हेपेटोलॉजी इंटरनेशनल, 18* (4), 1096-1109। https://doi.org/10.1007/s12072-024-10647-9
- गोयल, एस., बर्मन, एस., सखुजा, पी., सचदेवा, एस., नारंग, पी., और नाग, एचएच (2025)। क्रोहन कोलाइटिस जैसा दिखने वाला जेजुनल स्ट्रॉन्गिलोइडियासिस: एक नैदानिक दुविधा! *इंडियन जर्नल ऑफ पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी, 68* (1), 161-164। https://doi.org/ 10.4103/ ijpm. ijpm_298_23
- पांडे, टी., सोनिका, यू., दलाल, ए., कुमार, ए., पल्ले, एसएच, गेरा, आर., चौधरी, एच., सचदेवा, एस., श्रीवास्तव, एस., और शर्मा, बीसी (2025)। दीर्घकालिक एंडोस्कोपिक फैलाव पर दुर्दम्य या

आवर्तक संक्षारक-प्रेरित ग्रासनली संकुचन वाले रोगियों के जीवन की गुणवत्ता और पोषण संबंधी स्थिति। *इंडियन जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी: इंडियन सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी का आधिकारिक जर्नल, 44* (1), 103-105। https://doi.org/10.1007/s12664-023-01484-z

- वैथियम, वी.एस., सचदेवा, एस., सिंह, ए.के., और दलाल, ए. (2024)। ईआरसीपी के बाद अग्नाशयशोथ के जोखिम पर अग्नाशयी स्टेटोसिस का नैदानिक प्रभाव: तथ्य या कल्पना! *गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल एंडोस्कोपी, 100* (3), 579. https://doi.org/ 10.1016/j.gie.2024.03.005

अनुसंधान परियोजनाएँ

गैर-वित्तपोषित परियोजनाएँ

- डॉ. अजय कुमार: विघटित सीएलडी रोगियों में एकेआई के प्रकारों को विभेदित करने में मूत्र एनजीएएल और आईएल-18 की प्रभावकारिता, एकेआई के साथ विघटित सिरोसिस वाले रोगियों में एल्ब्यूमिन इन्फ्यूजन बनाम कम खुराक एल्ब्यूमिन की अनुशंसित खुराक की प्रभावकारिता और सुरक्षा।
- डॉ. अशोक दलाल: अल्सरेटिव कोलाइटिस के रोगियों में नैदानिक छूट पर एंडोस्कोपिक उपचार के पूर्वानुमानों का मूल्यांकन, तीव्र गंभीर अल्सरेटिव कोलाइटिस के रोगियों में स्टेरॉयड गैर-प्रतिक्रियाशीलता की भविष्यवाणी करने में विभिन्न स्कोर की तुलना।
- डॉ. बरजेश चंदर शर्मा: न्यूनतम और ग्रेड 1 हेपेटिक एन्सेफैलोपैथी के साथ लिवर सिरोसिस की न्यूरोफिजियोलॉजिकल और न्यूरोसाइकोलॉजिकल विशेषताओं और प्राकृतिक इतिहास की तुलना, लिवर सिरोसिस में परिवर्तित मानसिक स्थिति के लिए एटियलजि का मूल्यांकन और उनके संबंधित परिणाम।
- डॉ. संजीव सचदेवा: कार्यात्मक अपच के रोगियों में छोटी आंत में बैक्टीरिया की अतिवृद्धि का मूल्यांकन: एक केस-कंट्रोल अध्ययन कार्यात्मक अपच के रोगियों में फ्रुक्टोज असहिष्णुता की व्यापकता।
- डॉ. सिद्धार्थ श्रीवास्तव: चुंबकीय अनुनाद स्पेक्ट्रोस्कोपी और सूजन मार्करों की तुलना और न्यूनतम और ग्रेड 1 यकृत एन्सेफैलोपैथी वाले सिरोसिस रोगियों के प्राकृतिक इतिहास, वॉन के साथ तीव्र अग्नाशयशोथ वाले रोगियों में पोषण और जीवन की गुणवत्ता का आकलन।
- डॉ. उज्ज्वल सोनिका: तीव्र विघटन के प्रकरण के साथ भर्ती सिरोसिस के रोगियों के नैदानिक परिणामों का अध्ययन, शराब से संबंधित यकृत सिरोसिस के रोगियों में नाल्ट्रेक्सोन की भूमिका।

आयोजित संगोष्ठियां

एंडोस्कोप सफाई और पुनर्प्रसंस्करण कार्यशाला

अन्य सहयोग

- डॉ. संजीव सचदेवा एशियाई अपच सहमति टीम का हिस्सा थे।
- डॉ. संजीव सचदेवा और डॉ. अजय कुमार एएआरसी-एसीएलएफ सर्वसम्मति टीम का हिस्सा थे।

एक्सचेंज प्रोग्राम (इनबाउंड/आउटबाउंड) के अंतर्गत छात्र

- डॉ. अमित शर्मा (प्रोफेसर), मेडिसिन विभाग, एलएचएमसी (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित) एंडोस्कोपी प्रशिक्षण के लिए गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग में आए।

***

जीआई सर्जरी (गोविंद बल्लभ पंत स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

8 से 10 नवंबर, 2024 तक AMASI के सहयोग से पहला 'मिनिमल एक्सेस सर्जरी में महारत-HPB' सम्मेलन आयोजित किया गया।

सम्मान/विभूतियां

छात्र

- जीआई सर्जरी एमसीएच पाठ्यक्रम (तृतीय वर्ष) के छात्र डॉ. थेकराजन ने टैलेंट यंग स्कॉलर अवार्ड (टीवाईएसए) प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त किया, अहमदाबाद, 12 जून, 2024.

आउटरीच गतिविधियाँ

12 जनवरी, 2025 को कर्नाटक संघ के सहयोग से एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

संकाय संख्या

क. प्रोफेसर और उससे ऊपर	: तीन
ख. एसोसिएट प्रोफेसर	: एक
ग. सहायक प्रोफेसर	: एक

शोध प्रकाशन

- नाइक, मकतुम और बी.जी., वागीश और सी.एच., नवीन और अनिल, (2024)। रेट्रोपेरिटोनियल ट्यूमर: एक ही सर्जिकल यूनिट में एक दशक में प्राप्त अंतर्दृष्टि। जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च एंड सर्जरी। 5. 130-135. https://doi.org/ 10. 52916/jmrs244152
- शेट्टी ए, वागीश बी.जी., जावेद ए, अग्रवाल ए. न्यूनतम इनवेसिव एसोफेजेक्टोमी: एज़ीगोस को केवल तभी विभाजित करें जब आपको करना ही पड़े ! जे गैस्ट्रोएंटेरोल रेस प्रैक्ट. 2024; 4(9): 1219. https://jjgastro.com/articles/ JJGR-v4-1219.pdf

- थेकराजन आर, वागीश, सरवनन, अग्रवाल ए. मेटास्टेटिक गैस्ट्रिक कैंसर में उपशामक सर्जरी: विश्लेषण (2007-2021)। बीएमजे सपोर्ट पैलियट केयर [इंटरनेट]। 2024;spcare-2024-005225. http://dx.doi.org/10.1136/spcare-2024-005225
- जैन वी, सखुजा पी, अग्रवाल ए.के., सिरदेशमुख आर., सिराज एफ, गौतम पी. गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कार्सिनोमा में लिम्फ नोड मेटास्टेसिस: प्रोटिओमिक्स के दृष्टिकोण से एक दृष्टिकोण। कर्र ऑन्कोल [इंटरनेट]। 2024;31(8):4455-75 http://dx.doi.org/10.3390/curroncol31080333
- कृष्ण आर, पांडे एस, सखुजा पी, गोयल एस, भारद्वाज के, वागीश बीजी, आदि। प्राथमिक यकृत मेलेनोमा: एक नैदानिक आश्चर्य। अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ सर्जिकल पैथोलॉजी [इंटरनेट]। 2025;33(1):117-24। http://dx.doi.org/10. 1177/10668969241236858
- जजल वी, सुधीर के, शारदा भट वी, अग्रवाल ए, जावेद ए, वागीश बी.जी., आदि। पोस्ट कोलेसिस्टेक्टोमी सौम्य पित्त संकुचन और कोलेडोकल सिस्ट में लेप्रोस्कोपिक हेपेटिक डुओडेनोस्टॉमी: समग्र अनुभव। एचपीबी (ऑक्सफोर्ड) [इंटरनेट]। 2024; 26:S 938. http://dx.doi.org/10.1016/j.hpb.2024.07.237
- अहमद एम, अग्रवाल ए, वागीश बी.जी., शर्मा एम. प्राइमरी हेपेटिक टेराटोमा-एक दुर्लभ प्रस्तुति। एचपीबी (ऑक्सफोर्ड) [इंटरनेट]। 2024; 26:एस 992. http://dx. doi.org/10.1016/j.hpb.2024.07.399
- देवेंद्र डी, अग्रवाल ए, भट वी, जावेद ए, वागीश बीजी, शर्मा एम. हेपेटिकोड्युडेनोस्टॉमी के साथ लेप्रोस्कोपिक कोलेडोकल सिस्ट एक्सिशन: हमारा अनुभव। एचपीबी (ऑक्सफोर्ड) [इंटरनेट]। 2024; 26:S 937-8. http:// dx.doi.org/10.1016/j.hpb.2024.07.235
- नाइक, एएच, गोयल, एस., बंसल, के. एट अल. गैस्ट्रिक ज़ैंथोग्रानुलोमा: गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल स्ट्रोमल ट्यूमर का एक दुर्लभ उदाहरण। इंडियन जर्नल ऑफ़ सर्जन्स (2024)। https://doi.org/10.1007/s12262-024-04134-6
- वर्तमान युग में लैप्रोस्कोपिक लेटरल पैंक्रियाटिकोजेजुनोस्टॉमी: एक कथात्मक समीक्षा राजेंद्रन, थेकराजन; नाइक, मकतुम; नाग, हिरदया हुलास लेखक जानकारी जर्नल ऑफ मिनिमल एक्सेस सर्जरी 21(1):पृष्ठ 1-6, जनवरी-मार्च 2025. https://doi.org/10.4103/jmas.jmas_153_24
- जेजुनल स्ट्रांगाइलोइडियासिस क्रोहन कोलाइटिस की नकल: एक नैदानिक दुविधा! गोयल, सुरभि; बर्मन, संदीप; सखूजा, पूजा; सचदेवा, संजीव1; नारंग, पूनम2; नाग, हृदय एच.3, इंडियन जर्नल ऑफ पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी https:// doi.org/10.4103/ijpm.ijpm_298_23

- इंडोसायनिन ग्रीन फ्लोरोसेंस इमेजिंग: गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी के लिए एक उपन्यास सहायक, आबिद हसन नाइक, हृदय हुलास नाग, पंकज मीना खंड: 5, अंक: 4। https://www.jsas.co.in/html-article/20921

- शेट्टी ए, नाग एचएच, गुप्ता वाई, सुनील जुलमारिया। (2025) सौम्य एम्पुलरी ट्यूमर के लिए नई प्रक्रिया: "एक्स्ट्राडुओडेनल दृष्टिकोण के साथ रेट्रोग्रेड एम्पुलरीक्टोमी"-एक केस रिपोर्ट। इंडियन जर्नल ऑफ सर्जरी। 2025 मई 13; https://doi.org/10.1007/s12262-025-04367-z

- दाश, एम., महाजन, बी., शाह, एस. आदि। एएमआई रोगियों में सीएफडीएनए की विशिष्ट मेथिलोम प्रोफ़ाइल हृदय पेशी संकुचन को नियंत्रित करने वाले सीएएमपी सिग्नलिंग मार्ग जीन में महत्वपूर्ण परिवर्तन दर्शाती है। क्लिन एपिजेनेटिक्स 16, 144 (2024)। https://doi.org/10.1186/s13148-024-01755-2

- मिश्रा डी, श्रीवास्तव ए, सलूजा एस, श्रीवास्तव एस, राठी ए. बुजुर्गों में एसोफैजियल कैंसर के "वास्तविक" परिणाम। क्लिन ऑन्कोल (आर कॉलेज रेडियोल) [इंटरनेट]। 2024;36(9):e 360-1 http://dx.doi.org/ 10.1016/ j.clon.2024.06.014

- रावल एन, हरिप्रसाद जी, बंद्योपाध्याय एस, रंजन दाश एन, कुमार एस, दास पी, आदि। पित्ताशय की थैली के सूजन संबंधी घावों के आक्रामक कैंसर में बदलने में शामिल आणविक बायोमार्कर: एक प्रोटिओमिक दृष्टिकोण। बायोमोल बायोमेड [इंटरनेट]। 2024;25(1):115-43। http://dx.doi.org/10.17305/bb.2024.10700

- अपूर्वा, निमिषा, शर्मा एके, कुमार ए, अहमद ई, संतोषी एस, एट अल। पेरीएम्पुलरी कार्सिनोमा के पूर्वानुमान में बीआरएफ और एचईआर2 के आणविक पहलू। अग्नाशयविज्ञान [इंटरनेट]। 2024;24(7):1084-96 http://dx.doi.org/10.1016/j.pan.2024.08.009

- श्रीवास्तव ए, नेकरकांति पीके, कंचोडु एस, श्रीवास्तव एस, मिश्रा पीके, सलूजा एसएस। रिसेक्टेड पेरियाम्पुलरी एडेनोकार्सिनोमा में सहायक चिकित्सा की भूमिका: एक प्रवृत्ति-मिलान केस-कंट्रोल अध्ययन। एन हेपेटोबिलरी पैन्क्रियाटसर्ज [इंटरनेट]। 2024;28(3):371-80। https://doi.org/10.14701/ahbps.24-032

- अहमद ई, अतहर ए, निमिशा, ज़िया क्यू, शर्मा ए.के., साजिद एम, आदि। प्रकृति की क्षमता का दोहन: अल्पिनिया गैलंगा मेथनॉलिक अर्क द्वारा मध्यस्थता से सिल्वर नैनोकणों का हरित संश्लेषण, एंटी-नियोप्लास्टिक गतिविधि का लक्षण वर्णन और मूल्यांकन। बायोप्रोसेस बायोसिस्ट इंजीनियरिंग [इंटरनेट]। 2024;47(8):1183-96 http://dx.doi.org/10.1007/s00449-024-02993-7

- दाश एम, महाजन बी, डार जीएम, साहू पी, सलूजा एसएस। कोरोनरी धमनी रोग के लिए एक गैर-आक्रामक बायोमार्कर के रूप में कोशिका-मुक्त डीएनए-व्युत्पन्न मेथिलोम पर एक अद्यतन। अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ बायोकेम सेल बायोल [इंटरनेट]। 2024;169(106555):106555. https://doi.org/10.1016/ j. biocel.2024.106555
- नाइक, मकतुम और बी.जी., वागीश और सी.एच., नवीन और अनिल, (2024)। रेट्रोपेरिटोनियल ट्यूमर: एक ही सर्जिकल यूनिट में एक दशक में प्राप्त अंतर्दृष्टि। जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च एंड सर्जरी। 5. 130-135. 10.52916/jmrs244152 https://doi.org/10.52916/jmrs244152
- शेट्टी ए, वागीश बी.जी., जावेद ए, अग्रवाल ए. न्यूनतम इनवेसिव एसोफेजेक्टोमी: एज़ीगोस को केवल तभी विभाजित करें जब आपको करना ही पड़े ! जे गैस्ट्रोएंटेरोल रेस प्रैक्ट. 2024; 4(9): 1219. https://jjgastro. com/articles/ JJGR-v4-1219.pdf
- थेकराजन आर, वागीश, सरवनन, अग्रवाल ए. मेटास्टेटिक गैस्ट्रिक कैंसर में उपशामक सर्जरी: विश्लेषण (2007-2021)। बीएमजे सपोर्ट पैलियट केयर [इंटरनेट]। 2024;spcare-2024-005225. http://dx.doi.org/10.1136/spcare-2024-005225
- कृष्ण आर, पांडे एस, सखुजा पी, गोयल एस, भारद्वाज के, वागीश बीजी, आदि। प्राथमिक यकृत मेलेनोमा: एक नैदानिक आश्चर्य। अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ सर्जिकल पैथोलॉजी [इंटरनेट]। 2025;33(1):117-24 http://dx.doi. org/ 10.1177/10668969241236858
- जजल वी, सुधीर के, शारदा भट वी, अग्रवाल ए, जावेद ए, वागीश बी.जी., आदि। पोस्ट कोलेसिस्टेक्टोमी सौम्य पित्त संकुचन और कोलेडोकल सिस्ट में लेप्रोस्कोपिक हेपेटिक डुओडेनोस्टॉमी: समग्र अनुभव। एचपीबी (ऑक्सफोर्ड) [इंटरनेट]। 2024; 26:S 938। उपलब्ध: http://dx.doi.org/10.1016/j.hpb.2024.07.237
- अहमद एम, अग्रवाल ए, वागीश बी.जी., शर्मा एम. प्राइमरी हेपेटिक टेराटोमा-एक दुर्लभ प्रस्तुति। एचपीबी (ऑक्सफोर्ड) [इंटरनेट]। 2024; 26:एस 992. http:// dx.doi.org/10.1016/j.hpb.2024.07.399
- जजल वी, सुधीर के, अग्रवाल ए, जावेद ए, वागीश बी.जी., शर्मा एम. पोस्ट कोलेसिस्टेक्टोमी सौम्य पित्त संकुचन का लेप्रोस्कोपिक प्रबंधन: एक अनुभव। एचपीबी (ऑक्सफोर्ड) [इंटरनेट]। 2024; 26:S 938. http://dx.doi.org/ 10.1016/j.hpb.2024.07.237
- अहमद एम, अग्रवाल ए, वागीश बी.जी., शर्मा एम. प्राइमरी हेपेटिक टेराटोमा-एक दुर्लभ प्रस्तुति। एचपीबी (ऑक्सफोर्ड) [इंटरनेट]। 2024; 26:एस 992। उपलब्ध: http://dx.doi.org/10.1016/j.hpb.2024.07.399

- जजल वी, सुधीर के, अग्रवाल ए, जावेद ए, वागीश बी.जी., शर्मा एम. पोस्ट कोलेसिस्टेक्टोमी सौम्य पित्त संकुचन का लेप्रोस्कोपिक प्रबंधन: एक अनुभव। एचपीबी (ऑक्सफोर्ड) [इंटरनेट]। 2024; 26:S 938. http://dx.doi. org/ 10.1016/j.hpb.2024.07.237
- देवेंद्र डी, अग्रवाल ए, भट वी, जावेद ए, वागीश बीजी, शर्मा एम. हेपेटिकोड्युडेनोस्टॉमी के साथ लेप्रोस्कोपिक कोलेडोकल सिस्ट एक्सिशन: हमारा अनुभव। एचपीबी (ऑक्सफोर्ड) [इंटरनेट]। 2024; 26:S 937-8 http:// dx.doi.org/10.1016/j.hpb.2024.07.235

आयोजित संगोष्ठियां

- प्रोफेसर डॉ. श्रीधर अय्यर, सलाहकार और समूह प्रमुख, एचपीबी सर्जरी विभाग, नेशनल यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल, सिंगापुर, ने 4 जून, 2024 को 'एचपीबी सर्जरी में मिश्रित वास्तविकता का उपयोग' पर एक व्याख्यान दिया।
- प्रोफेसर डॉ. अंजन धर, सलाहकार गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट और शिक्षा के अध्यक्ष, ब्रिटिश सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, यूके ने 31 जनवरी, 2025 को 'मोटापा प्रबंधन में एंडोबैरिएट्रिक्स' पर एक व्याख्यान दिया।

आयोजित सम्मेलन

- 8 से 10 नवंबर, 2024 तक एएमएएसआई के सहयोग से आयोजित किया गया।

एक्सचेंज प्रोग्राम (इनबाउंड/आउटबाउंड) के अंतर्गत छात्र

- रक्षा मंत्रालय और भारत सरकार के बीच समझौता ज्ञापन के तहत, दिल्ली विश्वविद्यालय ने सेना के एक छात्र (लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ. सुनील जुल्मरिया) के लिए दो वर्ष की अवधि के लिए इनबाउंड एक्सचेंज कार्यक्रम का समन्वय किया है।

***

मौलाना आज़ाद दंत चिकित्सा विज्ञान संस्थान

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

एमएआईडीएस ने दिल्ली में मौखिक हेल्थ केयर और प्रशिक्षण में निरंतरता का इतिहास रचते हुए अपनी रूबी जुबली मनाई। संस्थान को एनआईआरएफ में तीसरा स्थान मिला और उसने अपने एनएबीएच प्रमाणन को सफलतापूर्वक नवीनीकृत किया। बायो-मेडिकल डिवाइस एंड टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट (बीडीटीडी) कार्यक्रम के तहत विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा समर्थित 2024 में स्थापित “डेंटल टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब” जो कि एक आईसीएमआर-सेंटर फॉर एडवांस्ड रिसर्च (सीएआर) भी है, को आगे परियोजनाएं और वित्त पोषण प्राप्त हुआ है। संस्थान ने एनओएचपी, एमओएचएफडब्ल्यू, भारत

सरकार के तहत मौखिक हेल्थ एंड टोबैको सेसेशन के लिए नेशनल रिसोर्स सेंटर के लिए एमओएचएफडब्ल्यू के साथ अपने एमओयू को नवीनीकृत किया। एनएचएम के तहत 6 नए मोबाइल डेंटल वैन को मंजूरी दी गई और फेज 2 की इमारत चालू हो गई।

सम्मान/विभूतियां

- डॉ. सुजॉय घोष को अक्तूबर-दिसंबर, 2024 में एलएचएमसी, नई दिल्ली में ओपीएमडी के लिए राष्ट्रीय संसाधन केंद्र के नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया था।
- डॉ. सुजॉय घोष को 23 जून, 2024 को इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ डेंटिस्ट्स के फेलो से सम्मानित किया गया।
- डॉ. संगीता तलवार को 23-24 अप्रैल, 2024 को आईसीएमआर-मेडिकल डिवाइस और डायग्नोस्टिक्स मिशन सचिवालय (एमडीएमएस) आईसीएमआर मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा समन्वित आईसीएमआर-अन्वेषक द्वारा आरंभ किए गए अनुसंधान प्रस्ताव-लघु अनुदान के तहत चयनित लघु अनुदान परियोजनाओं के लिए पहली तकनीकी सलाहकार समिति की बैठक के लिए विशेषज्ञ के रूप में नामित किया गया था।
- डॉ. रुचिका आर नवल को 2024 में जर्नल- एंडोडोंटोलॉजी का एसोसिएट एडिटर नियुक्त किया गया।
- डॉ. रुचिका आर नवल को 19-21 अप्रैल, 2024 को लेजर दंत चिकित्सा में एसोसिएट फेलोशिप डब्ल्यूसीएलआई से सम्मानित किया गया।
- डॉ. रुचिका आर नवल को नवंबर, 2024 में इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ डेंटिस्ट (आईसीडी) की फेलोशिप से सम्मानित किया गया।
- डॉ. मृदुला गोस्वामी को जुलाई, 2024 में इंडियाना यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ डेंटिस्ट्री, संयुक्त राज्य अमेरिका में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बाल चिकित्सा दंत चिकित्सा विद्वानों के बीच समुदाय और समझ को बढ़ावा देने के लिए "विजिटिंग स्कॉलर" के रूप में सम्मानित किया गया।
- डॉ. आदित्य बी. उर्स को फरवरी, 2024 में जर्नल ऑफ मौखिक एंड मैक्सिलोफेशियल पैथोलॉजी का सह-संपादक नियुक्त किया गया।
- डॉ. विक्रांत मोहंती को 23 अप्रैल, 2024 को सीएमसीएच, लुधियाना में FAIMER फेलोशिप से सम्मानित किया गया।
- डॉ. विक्रांत मोहंती को 12-15 सितंबर, 2024 को थाईलैंड में इंडियन एसोसिएशन ऑफ पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री के उपाध्यक्ष के रूप में चुना गया।
- डॉ. अश्विनी वाई बलप्पनवार को 6 दिसंबर, 2024 को पियरा फौचर्ड अकादमी, बड़े पैमाने पर एशिया क्षेत्र के फेलो के रूप में चुना गया था।

- डॉ. अश्विनी वाई बालप्पनवर को 12-15 सितंबर, 2024 को टीएसपीएच.डी. और थम्मासैट विश्वविद्यालय, बैंकॉक, थाईलैंड के सहयोग से 28वें आईएपीएच.डी. अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दूसरे सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक शोध-पत्र से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

- उर्स, ए. बी., कुमार, पी., सिंह, एस., मोहंती, एस., और चौधरी, जेड. ओडोन्टोजेनिक केराटोसिस्ट: एक पूर्वव्यापी हिस्टोपैथोलॉजिकल अध्ययन। *नेशनल जर्नल ऑफ मैक्सिलोफेशियल सर्जरी,* 15(1), 136-141. https://doi.org/10. 4103/njms.njms_211_22
- मोहंती, एस., बंसल, एन., वर्मा, ए., और उर्स, ए. बी. लंबे समय-से मौजूद ओडोन्टोजेनिक केराटोसिस्ट से उत्पन्न मैंडिबुलर प्राइमरी इंट्राओसियस कार्सिनोमा। *मौखिक सर्जरी, मौखिक मेडिसिन, मौखिक पैथोलॉजी और मौखिक रेडियोलॉजी,* 137(2), e8-e15. https://doi.org/10.1016/j.oooo.2023.07.012
- सिंह, एच., कुमार, पी., उर्स, ए.बी., ऑगस्टाइन, जे., मोहंती, एस., कुमार, एस., और नारायण, बी. वर्तमान निदान युग में पारंपरिक ऊतक प्रसंस्करण पद्धति की तुलना में बहुउद्देशीय एएमईएक्स पद्धति का पुनर्जागरण: एक तुलनात्मक अध्ययन। *बायोटेक्निक और हिस्टोकेमिस्ट्री,* 1-5। https://doi.org/ 10. 1080/10520295.2024.2434743
- कृष्णा, आर., कुमार, पी., मोहंती, एस., और उर्स, ए. बी. किशोर ट्रैबेकुलर ऑसिफाइंग फ़ाइब्रोमा, जो केंद्रीय विशाल कोशिका ग्रैनुलोमा और एन्यूरिज़्मल अस्थि पुटी-जैसे परिवर्तनों से जुड़ा है–एक ट्रिपल हाइब्रिड ट्यूमर? *जर्नल ऑफ़ मौखिक एंड मैक्सिलोफ़ेशियल पैथोलॉजी,* 28(2), 337-342. https://doi.org/ 10.4103/jomfp.jomfp_554_23
- सिंह, के., उर्स, ए. बी., कोनेर, बी. सी., ऑगस्टाइन, जे., श्रीवास्तव, आर., और नारायण, बी. miRNA-196a और miRNA196b का अपरेगुलेशन मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में ब्राइन के प्रोग्नोस्टिक स्कोर से संबंधित है। *पैथोलॉजी, रिसर्च एंड प्रैक्टिस,* 253, 154954. https://doi.org/10.1016/j.prp.2023.154954
- माहेश्वरी, आर., उर्स, ए. बी., कुमार, पी., कोनेर, बी. सी., गुरु, एस. ए., और रावत, जी.- मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में निदान और रोगसूचक मार्कर के रूप में miR 1555p और miR1246 की खोज। *मॉलिक्यूलर बायोलॉजी रिपोर्ट्स,* 51(1), 341. https://doi.org/10.1007/s11033-024-09234-w
- प्रिया, बी., कुमार, पी., ऑगस्टाइन, जे., मल्होत्रा, आर., और उर्स, ए. बी. एडेनोमैटॉइड ओडोन्टोजेनिक ट्यूमर का दुर्लभ हिस्टोलॉजिकल प्रस्तुतीकरण: तीन अनोखे मामलों की एक श्रृंखला। *मौखिक ऑन्कोलॉजी रिपोर्ट्स,* 9(100167), 100167. https://doi.org/10.1016/j.oor.2024.100167

- ऑगस्टाइन, जे., उर्स, ए. बी., सिंह, के., और गुप्ता, एस. एक बाल चिकित्सा मामले में वेस्टिबुलर श्वानोमा–एक दुर्लभ इकाई। *जर्नल ऑफ मौखिक एंड मैक्सिलोफेशियल पैथोलॉजी (जेओएमएफपी),* 28(2), 297-300। https://doi.org/10.4103/jomfp.jomfp_489_22

- नारायण, बी., कुमार, पी., प्रिया, बी., उर्स, ए.बी., और ऑगस्टाइन, जे. एडेनोमैटॉइड ओडोन्टोजेनिक ट्यूमर: मिश्रित ओडोन्टोजेनिक उत्पत्ति का समर्थन करने वाले साक्ष्यों के साथ 43 मामलों का हिस्टोपैथोलॉजिकल प्रोफ़ाइल। *पैथोलॉजी, रिसर्च एंड प्रैक्टिस,* 257, 155322. https://doi.org/ 10. 1016/j.prp.2024.155322

- उर्स, ए. बी., कृष्णा, आर., सचदेवा, आर., और गुप्ता, एस. एक किशोर में तीक्ष्ण पैपिला का एंजियोलेयोमायोमैटस हैमार्टोमा। *जर्नल ऑफ डेंटिस्ट्री फॉर चिल्ड्रन (शिकागो, इलिनोइस),* 91(2), 108-112. https://doi.org/10.17796/2204-3

- सिंह, एस., उर्स, ए. बी., और कुमार, पी. मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में CX3CL1 केमोकाइन और CD57+ लिम्फोसाइट्स की अभिव्यक्ति और विश्लेषण तथा क्लिनिकोपैथोलॉजिकल विशेषताओं के साथ उनका सहसंबंध। *जर्नल ऑफ कैंसर रिसर्च एंड थेरेप्यूटिक्स,* 20(3), 770-775. https://doi.org/ 10.4103/ jcrt.jcrt_79_22

- कुमार, पी., नारायण, बी., उर्स, ए.बी., मोहंती, एस., ऑगस्टीन, जे., सिंह, पी., और खुराना, एन. टेलैंजिएक्टिक ओस्टियोसारकोमा ऑफ मेम्बिबल-एक दुर्लभ केस रिपोर्ट और विभेदक निदान में एक अंतर्दृष्टि। *रेविस्टा एस्पनोला डी पटोलोगिया,* 57(3), 225-229। https://doi.org/10.1016/j.patol.2024.05.001

- मोहंती, एस., कदानथोडे, एम., वर्मा, ए., उर्स, ए.बी., बंसल, एन., और कुमार, पी. एमेलोब्लास्टोमा की कहानी-दो दशकों का अनुभव। *जर्नल ऑफ मैक्सिलोफेशियल एंड मौखिक सर्जरी*/ https://doi.org/10.1007/s12663-024-02197-2

- कमल ज़ेड., सिंह सी., टंडन एस., लांबा ए.के., उर्स ए.बी., राजोरिया एस. मेटास्टेटिक सार्कोमेटॉइड रीनल सेल कार्सिनोमा: किडनी से मसूड़ों तक का सफ़र। *क्योरियस,* 16(7): e63827. https://doi.org/10.7759/cureus.63827

- माहेश्वरी ए., टंडन एस., लांबा ए. के., आदि। एस्कॉर्बिक एसिड बनाम स्केलपेल तकनीक से माइक्रो-नीडलिंग का उपयोग करके मसूड़ों के हाइपरपिग्मेंटेशन का प्रबंधन: एक तुलनात्मक स्प्लिट-माउथ अध्ययन। *जर्नल ऑफ डेंटल रिसर्च, डेंटल क्लिनिक्स, डेंटल प्रॉस्पेक्ट्स* (प्रकाशन से पहले)

- गुप्ता सी., लांबा ए. के., फ़राज़ एफ., टंडन एस., दत्ता ए., ढींगरा एस. फ़्रीज़-ड्राई रासायनिक उपचारित गोजातीय पेरीकार्डियम झिल्ली के विकोशिकीकरण का ऊतकवैज्ञानिक मूल्यांकन। *सेल टिशू बैंक* (मुद्रण से पहले ई-प्रकाशन)। https://doi.org/10.1007/s10561-024-10139-y

- अंसारी एन., फ़राज़ एफ., लांबा ए. के., टंडन एस., ढींगरा एस. नाखून खुजलाने की आदत के कारण असामान्य द्विपक्षीय मसूड़े की गिरावट के प्रबंधन के लिए एक बहु-विषयक दृष्टिकोण-: एक केस रिपोर्ट। *क्यूरियस,* 16(2): e53439. https://doi.org/10.7759/cureus.53439
- उड़िया बी., फ़राज़ एफ., लांबा ए. के., टंडन एस., ढींगरा एस. नॉनसिंड्रोमिक जन्मजात दोहरे होंठ के सर्जिकल सुधार और मौखिक स्वास्थ्य-संबंधी जीवन की गुणवत्ता का मूल्यांकन: एक केस रिपोर्ट और साहित्य समीक्षा। *क्यूरियस,* 16(2): e53446. https://doi.org/10.7759/cureus.53446
- गुप्ता आर., मोहंती वी., बलप्पनवर ए.वाई., चाहर पी., रिझवानी के., और भाटिया एस.-दिल्ली के एक तृतीयक देखभाल दंत चिकित्सालय में बाह्य रोगी विभाग के रोगियों में कोविड-19 सावधानियों के पालन में व्यक्तित्व लक्षणों की भूमिका-एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। *जर्नल ऑफ इंडियन एसोसिएशन ऑफ पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री,* 22(1), 89-? https://doi.org/10.4103/ jiaphd. jiaphd_125_22
- चहर पी., मोहंती वी. आर., बलप्पनवर ए. वाई., रिझवानी के. भारत में तंबाकू निवारण केंद्र पर आने वाले मरीजों में निकोटीन निर्भरता के सहसंबंध: एक पूर्वव्यापी विश्लेषण। *नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया,* 36, 301-304। https://doi.org/10.25259/NMJI_677_21
- कमल ज़ेड., सिंह सी., टंडन एस., लांबा ए.के., उर्स ए.बी., राजोरिया एस. मेटास्टेटिक सार्कोमेटॉइड रीनल सेल कार्सिनोमा: किडनी से मसूड़ों तक का सफ़र। *क्योरियस,* 16(7): e63827. https://doi.org/10.7759/cureus.63827
- माहेश्वरी ए., टंडन एस., लांबा ए. के., आदि।-एस्कॉर्बिक एसिड बनाम स्केलपेल तकनीक से माइक्रो नीडलिंग का उपयोग करके मसूड़ों के हाइपरपिग्मेंटेशन का प्रबंधन: स्प्लिटमाउथ अध्ययन। *जर्नल ऑफ डेंटल रिसर्च, डेंटल क्लिनिक्स, डेंटल प्रॉस्पेक्ट्स* (प्रकाशन से पहले)
- गुप्ता सी., लांबा ए. के., फ़राज़ एफ., टंडन एस., दत्ता ए., ढींगरा एस. फ़्रीज़-ड्राई रासायनिक उपचारित गोजातीय पेरीकार्डियम झिल्ली के विकोशिकीकरण का ऊतकवैज्ञानिक मूल्यांकन। *सेल टिशू बैंक* (मुद्रण से पहले ई-प्रकाशन)। https:// doi.org/10.1007/s10561-024-10139-y
- अंसारी एन., फ़राज़ एफ., लांबा ए. के., टंडन एस., ढींगरा एस. नाखून खुजलाने की आदत के कारण असामान्य द्विपक्षीय मसूड़े की गिरावट का बहु-विषयक प्रबंधन-: एक केस रिपोर्ट। *क्यूरियस,* 16(2): e53439. https://doi.org/10. 7759/cureus.53439
- उड़िया बी., फ़राज़ एफ., लांबा ए. के., टंडन एस., ढींगरा एस. नॉनसिंड्रोमिक जन्मजात दोहरे होंठ के सर्जिकल सुधार और मौखिक स्वास्थ्य-संबंधी जीवन की गुणवत्ता: एक केस रिपोर्ट। *क्यूरियस,* 16(2): e53446. https://doi.org/ 10.7759/cureus.53446

- स्थायी दाँत निकालने के बाद पारंपरिक विधि बनाम-Er,Cr:YSGG लेज़र उपचार का तुलनात्मक मूल्यांकन: एक इन विवो अध्ययन। *चिकित्सा विज्ञान में लेज़र,* 39(1), 284. https://doi.org/10.1007/s10103-024-04228-3

- पट्टू आर.एम., गोस्वामी एम., जुनेजा एम., कुमार जी., जौहर एस., नरूला वी., और जॉनसन आर.एम. सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित बच्चों में सिल्वर डायमाइन फ्लोराइड से दंत चिकित्सा की माता-पिता द्वारा स्वीकृति। *स्पेशल केयर इन डेंटिस्ट्री,* 44(6), 1804-1811. https://doi.org/10.1111/scd.13058

- नरूला वी., गोस्वामी एम., जुनेजा एम., और कुमार जी. ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम विकार वाले बच्चों की मौखिक स्वास्थ्य स्थिति और उपचार आवश्यकताओं का तुलनात्मक मूल्यांकन: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। *क्यूरियस,* 16(4): e58663. https://doi.org/10.7759/cureus.58663

- रामोस-गोमेज़ एफ., कुमार जी., माथुर वी. पी., गोस्वामी एम., उपाध्याय एस., गोयल वी., रविवरपु ए., रहमान एफ., नुव्वुला एस., और अशोकन एस. "एक वर्ष की आयु" में मौखिक स्वास्थ्य की रोकथाम के लिए दंत चिकित्सक के पास जाएँ: भारतीय दृष्टिकोण से एक प्रस्तावित नीति रिपोर्ट। *जर्नल ऑफ इंडियन सोसाइटी ऑफ पेडोडॉन्टिक्स एंड प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री,* 42(1), 3-8। https://doi.org/10. 4103/jisppd.jisppd_538_23

- कुमार पी., नारायण बी., उर्स ए.बी., मोहंती एस., ऑगस्टीन जे., सिंह पी., और खुराना एन. टेलैंगिएक्टिक ओस्टियोसारकोमा ऑफ मेम्बिबल-एक दुर्लभ केस रिपोर्ट और नैदानिक अंतर्दृष्टि। *रेविस्टा एस्पानोला डी पटोलोगिया,* 57(3), 225-229। https://doi.org/10.1016/j.patol.2024.05.001

- सिंह एच., कुमार पी., उर्स ए. बी., ऑगस्टाइन जे., मोहंती एस., कुमार एस., और नारायण बी. एएमईएक्स बनाम पारंपरिक ऊतक प्रसंस्करण का तुलनात्मक अध्ययन। *बायोटेक्निक और हिस्टोकेमिस्ट्री,* 1-5। https://doi.org/10. 1080/10520295.2024.2434743

- सिंह के., उर्स ए. बी., कोनेर बी. सी., ऑगस्टाइन जे., श्रीवास्तव आर., और नारायण बी. miRNA-196a/b अपरेगुलेशन, मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में ब्राइन के प्रोग्नोस्टिक स्कोर से सहसंबंधित है। *पैथोलॉजी, रिसर्च एंड प्रैक्टिस,* 253, 154954. https://doi.org/10.1016/j.prp.2023.154954

- प्रिया बी., कुमार पी., ऑगस्टाइन जे., मल्होत्रा आर., और उर्स ए. बी. एडेनोमैटॉइड ओडोन्टोजेनिक ट्यूमर का दुर्लभ हिस्टोलॉजिकल प्रस्तुतीकरण: तीन अनोखे मामले। *मौखिक ऑन्कोलॉजी रिपोर्ट्स,* 9(100167), 100167. https://doi. org/10.1016/j.oor.2024.100167

- ऑगस्टाइन जे., उर्स ए. बी., सिंह के., और गुप्ता एस. एक बाल चिकित्सा मामले में वेस्टिबुलर श्वाननोमा–एक दुर्लभ इकाई। *जेओएमएफपी,* 28(2), 297-300। https://doi.org/10.4103/jomfp.jomfp_489_22

- नारायण बी., कुमार पी., प्रिया बी., उर्स ए. बी., और ऑगस्टाइन जे. एडेनोमैटॉइड ओडोन्टोजेनिक ट्यूमर: मिश्रित उत्पत्ति का समर्थन करने वाले 43 मामलों की हिस्टोपैथोलॉजिक प्रोफ़ाइल। *पैथोलॉजी, रिसर्च एंड प्रैक्टिस,* 257, 155322. https://doi.org/10.1016/j.prp.2024.155322
- कुमार पी., नारायण बी., उर्स ए.बी., मोहंती एस., ऑगस्टीन जे., सिंह पी., और खुराना एन. टेलैंगिएक्टेटिक ओस्टियोसारकोमा ऑफ मेम्बिबल-एक दुर्लभ केस रिपोर्ट और निदान में अंतर्दृष्टि। *रेविस्टा एस्पनोला डी पटोलोगिया,* 57(3), 225-229। https://doi.org/10.1016/j.patol.2024.05.001
- चौधरी ज़ेड., शर्मा पी., एस. एच., जोशना ई. के., ऑगस्टाइन जे., विजयारागवन आर., नेहरा ए., और गर्ग वी. यूनिसिस्टिक अमेलोब्लास्टोमा:-प्रबंधन के साथ क्लिनिको रेडियोलॉजिकल और हिस्टोपैथोलॉजिकल सहसंबंध। *जर्नल ऑफ प्लास्टिक, रिकंस्ट्रक्टिव एंड एस्थेटिक सर्जरी (जेपीआरएएस),* 97, 296-301। https://doi.org/10.1016/j.bjps.2024.07.042
- बंसल एन., चौधरी ज़ेड., शर्मा पी., ऑगस्टाइन जे., डार जे. आई., और जोशी एच. विकृत मैंडिबुलर पोस्टीरियर बॉर्डर। *मौखिक सर्जरी, मौखिक मेडिसिन, मौखिक पैथोलॉजी और मौखिक रेडियोलॉजी,* 138(6), 678-685। https://doi.org/10.1016/j.oooo.2024.08.003
- लोहिया, एस., कुमार, जी., गोस्वामी, एम., जौहर, एस., सुल्तान, एफ., नरूला, वी., और जॉनसन, आरएम (2024)। स्थायी दांत निकालने के बाद पारंपरिक विधि से Er, Cr: YSGG लेज़र उपचार द्वारा उपचार का तुलनात्मक मूल्यांकन: एक इन-विवो अध्ययन। *लेज़र्स इन मेडिकल साइंस,* 39(1), 284. https:// doi.org/10.1007/s10103-024-04228-3
- पट्टू, आर.एम., गोस्वामी, एम., जुनेजा, एम., कुमार, जी., जौहर, एस., नरूला, वी., और जॉनसन, आर.एम. (2024)। सीपी से ग्रस्त बच्चों में एसडीएफ के साथ दंत चिकित्सा उपचार की माता-पिता की स्वीकृति। *स्पेशल केयर इन डेंटिस्ट्री,* 44(6), 1804-1811। https://doi.org/10.1111/scd.13058
- गोस्वामी, एम., नरूला, वी., और पांडियन, आर. (2024)। लैरींगोस्कोप-प्रेरित चिकित्सकजनित दंत चोट का प्रबंधन: एक केस सीरीज़। *बुलेटिन ऑफ़ इमरजेंसी एंड ट्रॉमा,* 12(4), 202-206। https://doi.org/10. 30476/ beat.2024. 100293.1466
- गोस्वामी, एम., पट्टू, एम., जौहर, एस., और नरूला, वी. (2024)। बाल चिकित्सा दंत चिकित्सा में बहु-ओडोन्टोमा के रहस्य का अनावरण: एक दुर्लभ नैदानिक प्रस्तुति। *क्यूरियस,* 16(6), e62654। https://doi.org/10.7759/ cureus.62654
- नरूला, वी., गोस्वामी, एम., जुनेजा, एम., और कुमार, जी. (2024)। ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम विकार वाले बच्चों की मौखिक स्वास्थ्य स्थिति और उपचार आवश्यकताओं का तुलनात्मक मूल्यांकन:

एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। *क्यूरियस,* 16(4), e58663. https://doi.org/10.7759/cureus.58663

- गोस्वामी, एम., जांगड़ा, बी., चौहान, एन., और खोखर, ए. (2024)। बाल चिकित्सा दंत चिकित्सा में सौंदर्यशास्त्र-बायोफ्लेक्स क्राउन: केस सीरीज़। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्लिनिकल पीडियाट्रिक डेंटिस्ट्री,* 17(3), 357-361। https://doi.org/10.5005/jp-journals-10005-2766
- गोस्वामी, एम., और जांगड़ा, बी. (2024)। हीमोफीलिया के रोगी में दर्दनाक दंत चोटों का प्रबंधन: एक चुनौती! नौ वर्षों के अनुवर्ती अध्ययन के साथ केस रिपोर्ट-। *जर्नल ऑफ फैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर,* 13(3), 1094-1098। https://doi.org/10.4103/jfmpc.jfmpc_1223_23
- गोस्वामी, एम., जौहर, एस., खोखर, ए., चौहान, एन., बिधान, आर., और नरूला, वी. (2024)। स्पेस मैनेजमेंट में तकनीकी प्रगति-प्रीफैब्रिकेटेड स्पेस मेंटेनर: एक केस सीरीज़। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्लिनिकल पीडियाट्रिक डेंटिस्ट्री,* 17(2), 191-197। https://doi.org/10.5005/jp-journals-10005-2762
- गोस्वामी, एम., और सिंह, ए. (2024)। सिल्वर डायमाइन फ्लोराइड (एसडीएफ) उपचार के बाद सौंदर्य में सुधार-समय की मांग! *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डेंटल मैटेरियल्स,* 6(1), 6-10. https://doi.org/10.37983/IJDM.2024.6102
- रामोस-गोमेज़, एफ., कुमार, जी., माथुर, वी. पी., गोस्वामी, एम., उपाध्याय, एस., गोयल, वी., रविवरपु, ए., रहमान, एफ., नुव्वुला, एस., और अशोकन, एस. (2024)। "एक वर्ष की आयु" में मौखिक स्वास्थ्य की रोकथाम के लिए दंत चिकित्सक के पास जाएँ: भारतीय दृष्टिकोण से एक प्रस्तावित नीति रिपोर्ट। *जर्नल ऑफ इंडियन सोसाइटी ऑफ पेडोडोंटिक्स एंड प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री,* 42(1), 3-8। https://doi.org/10.4103/jisppd.jisppd_538_23
- गुप्ता, ए., मोहंती, एस., शर्मा, पी., चौधरी, जेड., वर्मा, ए., और हेमावती, एस. (2024)। क्या-प्रभावित तीसरे दाढ़ की सर्जरी के बाद होने वाले पोस्टऑपरेटिव परिणामों को कम करने में इंट्रा मैसेटेरिक डेक्सामेथासोन इंट्राडेल्टॉइड इंजेक्शन से बेहतर है? एक यादृच्छिक नैदानिक अध्ययन। *जर्नल ऑफ मैक्सिलोफेशियल एंड मौखिक सर्जरी,* 23(5), 1226-1233। https://doi.org/10.1007/s12663-024-02308-z
- चौधरी, ज़ेड., शर्मा, पी., एस. एच., जोशना, ई. के., ऑगस्टाइन, जे., विजयरागवन, आर., नेहरा, ए., और गर्ग, वी. (2024)। यूनिसिस्टिक अमेलोब्लास्टोमा:-प्रबंधन के साथ नैदानिक-रेडियोलॉजिकल और हिस्टोपैथोलॉजिकल सहसंबंध। *जर्नल ऑफ प्लास्टिक, रिकंस्ट्रक्टिव एंड एस्थेटिक सर्जरी (जेपीआरएएस),* 97, 296-301। https://doi.org/ 10.1016/ j.bjps. 2024.07.042

- बंसल, एन., चौधरी, जेड., शर्मा, पी., ऑगस्टाइन, जे., डार, जे. आई., और जोशी, एच. (2024)। विकृत मैंडिबुलर पोस्टीरियर बॉर्डर। *मौखिक सर्जरी, मौखिक मेडिसिन, मौखिक पैथोलॉजी और मौखिक रेडियोलॉजी,* 138(6), 678-685। https://doi.org/ 10.1016/j.oooo.2024.08.003
- चतुर्वेदी, टी. पी., प्रियदर्शनी, पी., शर्मा, वी. के., आदि (2024)।-रक्त और लार के इन्फ्लेमेटरी बायोमार्कर प्रोफाइल के साथ अवरोधक स्लीप एपनिया के पूर्व और पश्चात उपचार के लिए मैंडिबुलर एडवांसमेंट डिवाइस के उपयोग पर आम सहमति बनाने के साक्ष्य। *स्लीप विजिलेंस,* 8, 329-335। https://doi.org/ 10.1007/s41782-024-00291-6
- कुमार, पी., नारायण, बी., उर्स, ए.बी., मोहंती, एस., ऑगस्टीन, जे., सिंह, पी., और खुराना, एन. (2024)। मेम्बिबल का टेलैंगिएक्टेटिक ओस्टियोसारकोमा-एक दुर्लभ मामले की रिपोर्ट और विभेदक निदान में एक अंतर्दृष्टि। *रेविस्टा एस्पानोला डी पटोलोगिया,* 57(3), 225-229। https://doi.org/10.1016/ j.patol. 2024.05.001
- उर्स, ए. बी., कुमार, पी., सिंह, एस., मोहंती, एस., और चौधरी, जेड. (2024)। ओडोन्टोजेनिक केराटोसिस्ट: एक पूर्वव्यापी हिस्टोपैथोलॉजिकल अध्ययन। *नेशनल जर्नल ऑफ मैक्सिलोफेशियल सर्जरी,* 15(1), 136-141। https://doi.org/ 10. 4103/njms.njms_211_22
- सिंह, एच., कुमार, पी., उर्स, ए. बी., ऑगस्टाइन, जे., मोहंती, एस., कुमार, एस., और नारायण, बी. (2024)। वर्तमान निदान युग में पारंपरिक ऊतक प्रसंस्करण पद्धति की तुलना में बहुउद्देशीय एएमईएक्स पद्धति का पुनर्जागरण: एक तुलनात्मक अध्ययन। *बायोटेक्निक और हिस्टोकेमिस्ट्री,* 1-5। https://doi.org/ 10.1080/10520295.2024.2434743
- कृष्णा, आर., कुमार, पी., मोहंती, एस., और उर्स, ए. बी. (2024)। किशोर ट्रैबेकुलर ऑसिफाइंग फ़ाइब्रोमा, जो केंद्रीय विशाल कोशिका ग्रैनुलोमा और एन्यूरिज़्मल अस्थि पुटी-जैसे परिवर्तनों से जुड़ा है–एक ट्रिपल हाइब्रिड ट्यूमर? *जर्नल ऑफ़ मौखिक एंड मैक्सिलोफ़ेशियल पैथोलॉजी,* 28(2), 337-342. https:// doi.org/10.4103/jomfp.jomfp_554_23
- माहेश्वरी, आर., उर्स, ए. बी., कुमार, पी., कोनेर, बी. सी., गुरु, एस. ए., और रावत, जी. (2024)।-मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में निदान और रोगसूचक मार्कर के रूप में miR 1555p और miR1246 की खोज। *मॉलिक्यूलर बायोलॉजी रिपोर्ट्स,* 51(1), 341. https://doi.org/10.1007/s11033-024-09234-w
- प्रिया, बी., कुमार, पी., ऑगस्टाइन, जे., मल्होत्रा, आर., और उर्स, ए. बी. (2024)। एडेनोमैटॉइड ओडोन्टोजेनिक ट्यूमर का दुर्लभ ऊतकवैज्ञानिक प्रस्तुतीकरण: तीन विशिष्ट मामलों की एक श्रृंखला। *मौखिक ऑन्कोलॉजी रिपोर्ट्स,* 9(100167), 100167. https://doi.org/10.1016/j.oor.2024.100167

- नारायण, बी., कुमार, पी., प्रिया, बी., उर्स, ए. बी., और ऑगस्टाइन, जे. (2024)। एडेनोमैटॉइड ओडोन्टोजेनिक ट्यूमर: मिश्रित ओडोन्टोजेनिक उत्पत्ति का समर्थन करने वाले साक्ष्यों के साथ 43 मामलों का हिस्टोपैथोलॉजिकल प्रोफ़ाइल। *पैथोलॉजी, रिसर्च एंड प्रैक्टिस,* 257, 155322। https://doi.org/10. 1016/ j.prp.2024.155322

- सिंह, एस., उर्स, ए. बी., और कुमार, पी. (2024)। मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में CX3CL1 केमोकाइन और CD57+ लिम्फोसाइट्स की अभिव्यक्ति और विश्लेषण तथा क्लिनिकोपैथोलॉजिकल विशेषताओं के साथ उनका सहसंबंध। *जर्नल ऑफ कैंसर रिसर्च एंड थेरेप्यूटिक्स,* 20(3), 770-775। https://doi.org/ 10.4103/jcrt.jcrt_79_22

- मोहंती, एस., कदनथोडे, एम., वर्मा, ए., उर्स, ए. बी., बंसल, एन., और कुमार, पी. (2024)। अमेलोब्लास्टोमा की कहानी-दो दशकों का अनुभव। *जर्नल ऑफ मैक्सिलोफेशियल एंड मौखिक सर्जरी*/ https://doi.org/10.1007/s12663-024-02197-2

- फ़ातिमा, के., सिंह, डी., गांधी, ए., राय, पी., और त्रिपाठी, टी. (2024)। कटे होंठ और तालु का वर्गीकरण-अतीत से वर्तमान तक। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ साइंटिफिक रिसर्च,* 13(04), 1-4। https://doi.org/10.36106/ijsr/9602734

- सिंह, डी., फ़ातिमा, के., गांधी, ए., त्रिपाठी, टी., और राय, पी. (2024)। परिमित तत्व विश्लेषण: ऑर्थोडॉन्टिक्स में एक बायोमैकेनिकल उपकरण। *आईपी इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोडॉन्टिक्स एंड डेंटोफेशियल रिसर्च,* 10(1), 11-15। https:// doi.org/10.18231/j.ijodr.2024.003

- सिंह, डी., त्रिपाठी, टी., और राय, पी. (2024)। 3डी नासोएल्वियोलर मोल्डिंग: एक संपूर्ण डिजिटल वर्कफ़्लो मॉडल। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड रिसर्च आर्काइव,* 11(2), 1713-1718। https://doi.org/10.30574/ ijsra. 2024. 11.2.0665

- सिंह, डी., जीवी वी., त्रिपाठी टी., फातिमा के., और राय पी. (2024)।-फांक तालु वाले शिशु को दूध पिलाने में सुविधा प्रदान करने वाला एक नया स्व-अवरोधक प्रसूति यंत्र: एक केस रिपोर्ट और साहित्य समीक्षा। *द क्लेफ्ट पैलेट-क्रेनियोफेशियल जर्नल*/ अग्रिम ऑनलाइन प्रकाशन। https://doi.org/10.1177/ 10556656241289893

- सिंह एस., गुप्ता आर., गिल एस., नाज़ ज़ेड., लोंगडो एम., पाठक ए., और कुसुमा जे. (2024)। दंत चिकित्सा छात्रों की वृद्धावस्था देखभाल के प्रति धारणा और दृष्टिकोण: एक प्रश्नावली-आधारित सर्वेक्षण। *क्यूरियस,* 16(8), e67297. https://doi.org/10.7759/cureus.67297

- मेहता ए., गुप्ता आर., गिल एस., और जेल्डी के. (2024)। सेक्शनल मैग्नेट रिटेन्ड कस्टम ट्रे का उपयोग करके फ्लैबी रिज के लिए संशोधित इंप्रेशन तकनीक। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड डेंटल साइंसेज,* 10(3), 89-92। https://doi.org/10.22271/oral.2024.v10.i3b.1988

- लोंगडो एम., मेहता ए., गुप्ता आर., और गिल एस. (2024). कस्टम-मेड ऑक्यूलर प्रोस्थेसिस: एक केस रिपोर्ट. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च,* 13(10). https://doi.org/10.36106/ijsr/0204528
- लोंगडो एम., कुसुमा जे., अहीर एस., गुप्ता आर., और गिल एस. (2024)।-सर्जरी के बाद स्पीच में सुधार: स्पीच बल्ब प्रोस्थेसिस का प्रभाव-एक केस रिपोर्ट। *जर्नल ऑफ प्रोस्थोडॉन्टिक्स एंड इम्प्लांटोलॉजी,* 10(2), 89-92।
- गुप्ता आर., मोहंती वी., बलप्पनवर ए. वाई., चाहर पी., रिझवानी के., और भाटिया एस. (2024)।-दिल्ली के एक तृतीयक देखभाल दंत चिकित्सालय में बाह्य रोगी विभाग के रोगियों में कोविड-19 सावधानियों के पालन में व्यक्तित्व लक्षणों की भूमिका-एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। *जर्नल ऑफ इंडियन एसोसिएशन ऑफ पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री,* 22(1), 89-? https://doi.org/10.4103/jiaphd.jiaphd_125_22
- 1966 से 2022 तक के 100 सर्वाधिक उद्धृत लेखों का ग्रंथसूची विश्लेषण।-*जर्नल ऑफ कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री एंड एंडोडोंटिक्स,* 27(11), 1098-1103। https://doi.org/10.4103/JCDE.JCDE_599_24
- अरुणिमा ए., नवल आर. आर., यादव एस., तलवार एस., श्रीराम के., और पुनीत एम. (2024)। रोटरी, रेसिप्रोकेटिंग और अनुकूली उपकरणों का उपयोग करके रूट कैनाल तैयार करने के बाद पहले से मौजूद डेंटिनल माइक्रोक्रैक का प्रसार: एक एक्स विवो माइक्रो-सीटी विश्लेषण। *एंडोडोंटोलॉजी,* 36(3), 285-292। https:// doi.org/10.4103/endo.endo_211_22
- नवल आर. आर., यादव एस., डंकन एच. एफ., तलवार एस., कौशिक ए., सिंह वी. के., और कोनेर बी. सी. (2024)।-प्रतिवर्ती बनाम अपरिवर्तनीय पल्पिटिस में पल्पल इन्फ्लेमेटरी बायोमार्कर (IL 8 और TNFα) का विभेदक प्रदर्शन: एक नैदानिक सटीकता अध्ययन। *इंटरनेशनल एंडोडॉन्टिक जर्नल,* 57(9), 1200-1211। https://doi.org/10.1111/iej.14125
- मेहता ए., गुप्ता आर., गिल एस., और जेल्डी के. (2024)। सेक्शनल मैग्नेट रिटेन्ड कस्टम ट्रे का उपयोग करके फ्लैबी रिज के लिए संशोधित इंप्रेशन तकनीक। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड डेंटल साइंसेज,* 10(3), 89-92। https://doi.org/10.22271/oral.2024.v10.i3b.1988
- लोंगडो एम., मेहता ए., गुप्ता आर., और गिल एस. (2024). कस्टम-मेड ऑक्यूलर प्रोस्थेसिस: एक केस रिपोर्ट. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च,* 13(10). https://doi.org/10.36106/ijsr/0204528
- लोंगडो एम., कुसुमा जे., अहीर एस., गुप्ता आर., और गिल एस. (2024)।-सर्जरी के बाद स्पीच में सुधार: स्पीच बल्ब प्रोस्थेसिस का प्रभाव-एक केस रिपोर्ट। *जर्नल ऑफ प्रोस्थोडॉन्टिक्स एंड इम्प्लांटोलॉजी,* 10(2), 89-92।

- गुप्त सी., लांबा ए. के., फ़राज़ एफ., टंडन एस., ऑगस्टाइन जे., दत्ता ए., और ढींगरा एस. (2024)। फ्रीज़--ड्राइड रासायनिक उपचारित गोजातीय पेरीकार्डियम झिल्ली के विकोशिकीकरण का ऊतकवैज्ञानिक मूल्यांकन। *सेल एंड टिशू बैंकिंग,* 25(3), 773-784। https://doi.org/10.1007/s10561-024-10139-y

- कमल ज़ेड., सिंह सी., टंडन एस., लांबा ए.के., उर्स ए.बी., राजोरिया एस. (2024). मेटास्टेटिक सार्कोमेटॉइड रीनल सेल कार्सिनोमा: गुर्दे से मसूड़ों तक की यात्रा. *क्यूरियस,* 16(7): e63827. https://doi.org/10.7759/cureus.63827

- माहेश्वरी ए., टंडन एस., लांबा ए. के., आदि (2024)।-एस्कॉर्बिक एसिड बनाम स्केलपेल तकनीक के साथ माइक्रो नीडलिंग का उपयोग करके मसूड़ों के हाइपरपिग्मेंटेशन का प्रबंधन: एक तुलनात्मक स्प्लिटमाउथ अध्ययन। *जर्नल ऑफ डेंटल रिसर्च, डेंटल क्लिनिक्स, डेंटल प्रॉस्पेक्ट्स* (प्रिंट से पहले)

- अंसारी एन., फ़राज़ एफ., लांबा ए. के., टंडन एस., और ढींगरा एस. (2024)। नाखून खुजलाने की आदत के कारण असामान्य द्विपक्षीय मसूड़े की गिरावट के प्रबंधन के लिए एक बहु-विषयक दृष्टिकोण-: एक केस रिपोर्ट। *क्यूरियस,* 16(2): e53439। https://doi.org/10.7759/cureus.53439

- उड़िया बी., फ़राज़ एफ., लांबा ए. के., टंडन एस., और ढींगरा एस. (2024)।-गैर-सिंड्रोमिक जन्मजात दोहरे होंठ के सर्जिकल सुधार और मौखिक स्वास्थ्य संबंधी जीवन की गुणवत्ता: एक केस रिपोर्ट और साहित्य समीक्षा। *क्यूरियस,* 16(2): e53446। https://doi.org/10.7759/cureus.53446

- 1966 से 2022 तक के 100 सर्वाधिक उद्धृत लेखों का ग्रंथसूची विश्लेषण।-*जर्नल ऑफ कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री एंड एंडोडोंटिक्स,* 27(11), 1098-1103। https://doi.org/10.4103/JCDE.JCDE_599_24

- अरुणिमा ए., नवल आर. आर., यादव एस., तलवार एस., श्रीराम के., और पुनीत एम. (2024)। रोटरी, रेसिप्रोकेटिंग और अनुकूली उपकरणों का उपयोग करके रूट कैनाल तैयार करने के बाद पहले से मौजूद डेंटिनल माइक्रोक्रैक का प्रसार: एक एक्स विवो माइक्रो-सीटी विश्लेषण। *एंडोडोंटोलॉजी,* 36(3), 285-292। https://doi.org/10.4103/endo.endo_211_22

- नवल आर. आर., यादव एस., डंकन एच. एफ., तलवार एस., कौशिक ए., सिंह वी. के., और कोनेर बी. सी. (2024)।-प्रतिवर्ती बनाम अपरिवर्तनीय पल्पिटिस में पल्पल इन्फ्लेमेटरी बायोमार्कर (IL 8 और TNFα) का विभेदक प्रदर्शन: एक नैदानिक सटीकता अध्ययन। *इंटरनेशनल एंडोडॉन्टिक जर्नल,* 57(9), 1200-1211। https://doi.org/10.1111/iej.14125

- गुप्ता एस., गुप्ता एस., शर्मा आर., घोष एस., कुमार जे., और झा ए. (2024)। ओरोफेशियल सिस्टीसर्कोसिस के इमेजिंग निष्कर्ष: साहित्य समीक्षा के साथ पाँच मामलों की रिपोर्ट। *मौखिक रेडियोलॉजी,* 40(1), 81-91। https://doi.org/ 10. 1007/s11282-022-00651-w
- ऑगस्टाइन जे., उर्स ए. बी., सिंह के., और गुप्ता एस. (2024)। बाल चिकित्सा मामले में वेस्टिबुलर श्वानोमा-एक दुर्लभ घटना। *जर्नल ऑफ मौखिक एंड मैक्सिलोफेशियल पैथोलॉजी (जेओएमएफपी),* 28(2), 297-300। https:// doi.org/10.4103/jomfp.jomfp_489_22
- उर्स ए. बी., कृष्णा आर., सचदेवा आर., और गुप्ता एस. (2024). एक किशोर में तीक्ष्ण पैपिला का एंजियोलेयोमायोमैटस हैमार्टोमा. *जर्नल ऑफ डेंटिस्ट्री फॉर चिल्ड्रन,* 91(2), 108-112. https://doi.org/10.17796/2204-3
- गुप्ता एस., गुप्ता एस., शर्मा आर., घोष एस., कुमार जे., और झा ए. (2024)। ओरोफेशियल सिस्टीसर्कोसिस के इमेजिंग निष्कर्ष: साहित्य समीक्षा के साथ पाँच मामलों की रिपोर्ट। *मौखिक रेडियोलॉजी,* 40(1), 81-91। https://doi.org/10. 1007/s11282-022-00651-w
- गुप्ता ए., मोहंती एस., शर्मा पी., चौधरी जेड., वर्मा ए., और हेमवती एस. (2024)। क्या-प्रभावित तीसरे दाढ़ की सर्जरी के बाद होने वाले दुष्प्रभावों को कम करने में इंट्रा मैसेटेरिक डेक्सामेथासोन इंट्राडेल्टॉइड इंजेक्शन से बेहतर है? *जर्नल ऑफ मैक्सिलोफेशियल एंड मौखिक सर्जरी,* 23(5), 1226-1233। https:// doi. org/10.1007/s12663-024-02308-z
- कुमार पी., नारायण बी., उर्स ए.बी., मोहंती एस., ऑगस्टीन जे., सिंह पी., और खुराना एन. (2024)। मेम्बिबल का टेलैंगिएक्टेटिक ओस्टियोसारकोमा-एक दुर्लभ केस रिपोर्ट और नैदानिक अंतर्दृष्टि। *रेविस्टा एस्पानोला डी पटोलोगिया,* 57(3), 225-229। https://doi.org/10.1016/j.patol.2024.05.001
- उर्स ए. बी., कुमार पी., सिंह एस., मोहंती एस., और चौधरी ज़ेड. (2024)। ओडोन्टोजेनिक केराटोसिस्ट: एक पूर्वव्यापी हिस्टोपैथोलॉजिकल अध्ययन। *नेशनल जर्नल ऑफ मैक्सिलोफेशियल सर्जरी,* 15(1), 136-141। https://doi.org/10. 4103/njms.njms_211_22
- मोहंती एस., बंसल एन., वर्मा ए., और उर्स ए. बी. (2024)। लंबे समय-से मौजूद ओडोन्टोजेनिक केराटोसिस्ट से उत्पन्न मैंडिबुलर प्राइमरी इंट्राओसियस कार्सिनोमा। *मौखिक सर्जरी, मौखिक मेडिसिन, मौखिक पैथोलॉजी और मौखिक रेडियोलॉजी,* 137(2), e8-e15. https://doi.org/10.1016/j.oooo.2023.07.012
- सिंह एच., कुमार पी., उर्स ए. बी., ऑगस्टाइन जे., मोहंती एस., कुमार एस., और नारायण बी. (2024)। बहुउद्देशीय एएमईएक्स विधि बनाम पारंपरिक ऊतक प्रसंस्करण विधि का पुनर्जागरण। *बायोटेक्निक और हिस्टोकेमिस्ट्री,* 1-5। https://doi.org/10.1080/10520295.2024.2434743

- कृष्णा आर., कुमार पी., मोहंती एस., और उर्स ए. बी. (2024)। किशोर ट्रैबेकुलर ऑसिफाइंग फ़ाइब्रोमा, जो केंद्रीय विशाल कोशिका ग्रैनुलोमा और एन्यूरिज़्मल अस्थि पुटी-जैसे परिवर्तनों से जुड़ा है–एक ट्रिपल हाइब्रिड ट्यूमर? *जर्नल ऑफ़ मौखिक एंड मैक्सिलोफ़ेशियल पैथोलॉजी,* 28(2), 337-342. https://doi. org/10. 4103/jomfp.jomfp_554_23

- मोहंती एस., कदनथोडे एम., वर्मा ए., एट अल. (2024)। अमेलोब्लास्टोमा की कहानी-दो दशकों का अनुभव। *जर्नल ऑफ मैक्सिलोफेशियल एंड मौखिक सर्जरी।* https://doi.org/10.1007/s12663-024-02197-2

- फ़ातिमा, के., सिंह, डी., गांधी, ए., राय, पी., और त्रिपाठी, टी. *कटे होंठ और तालु का वर्गीकरण-अतीत से वर्तमान तक। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ साइंटिफिक रिसर्च,* 13 (04), 1-4 (2024)। https://doi.org/10.36106/ijsr/9602734

- सिंह, डी., फ़ातिमा, के., गांधी, ए., त्रिपाठी, टी., और राय, पी. *परिमित तत्व विश्लेषण: ऑर्थोडॉन्टिक्स में एक बायोमैकेनिकल उपकरण। आईपी इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोडॉन्टिक्स एंड डेंटोफेशियल रिसर्च,* 10 (1), 11-15 (2024)। https://doi.org/10.18231/j.ijodr.2024.003

- सिंह, डी., त्रिपाठी, टी., और राय, पी. *3डी नासोएल्वियोलर मोल्डिंग: एक संपूर्ण डिजिटल वर्कफ़्लो मॉडल। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड रिसर्च आर्काइव,* **11** (2), 1713-1718 (2024)। https://doi.org/10.30574/ijsra.2024.11.2.06

- सिंह, डी., जीवी, वी., त्रिपाठी, टी., फातिमा, के., और राय, पी. *फांक तालु वाले शिशु को दूध पिलाने में सुविधा प्रदान करने वाला एक नया स्व-अवरोधक प्रसूतियंत्र: एक केस रिपोर्ट और साहित्य समीक्षा। द क्लेफ्ट पैलेट-क्रैनियोफेशियल जर्नल* (एडवांस ऑनलाइन प्रकाशन), (2024)। https://doi.org/10.1177/10556656241289893

- मोहंती, वी., और सरकार, सी. *भारत में तंबाकू नियंत्रण में समाप्ति की आवश्यकता: 360-डिग्री व्यापक रणनीति। जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ पॉलिसी* (2024)। https://doi.org/10.7759/cureus.34048

- गुप्ता, आर., मोहंती, वी., बलप्पनवर, ए.वाई., चाहर, पी., रिझवानी, के., और भाटिया, एस. *दिल्ली के तृतीयक देखभाल दंत चिकित्सालय में बाह्य रोगी विभाग के रोगियों में कोविड-19 सावधानियों के पालन में व्यक्तित्व लक्षणों की भूमिका-एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। जर्नल ऑफ इंडियन एसोसिएशन ऑफ पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री,* **22** (1), 89- (2024)। https://doi.org/10.4103/jiaphd.jiaphd_125_22

- वर्मा, एम., माथुर, एम.आर., और मोहंती, वी. *स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों का सशक्तिकरण: व्यापक मौखिक स्वास्थ्य असमानता मॉड्यूल का विकास। इंटरनेशनल डेंटल जर्नल,* 74, S223 (2024)। https://doi.org/10. 1016/ j.identj.2024.03.010
- गुप्ता, ए., मोहंती, एस., शर्मा, पी., चौधरी, जेड., वर्मा, ए., और हेमावती, एस. *क्या प्रभावित तीसरे दाढ़ की सर्जरी के बाद होने वाले दुष्प्रभावों को कम करने में इंट्रा-मैसेटेरिक डेक्सामेथासोन इंट्रा-डेल्टॉइड इंजेक्शन से बेहतर है? एक यादृच्छिक नैदानिक अध्ययन। जर्नल ऑफ मैक्सिलोफेशियल एंड मौखिक सर्जरी,* 23 (5), 1226-1233 (2024)। https://doi.org/10.1007/s12663-024-02308-z
- उर्स, एबी, कुमार, पी., सिंह, एस., मोहंती, एस., और चौधरी, जेड. *ओडोन्टोजेनिक केराटोसिस्ट: एक पूर्वव्यापी हिस्टोपैथोलॉजिकल अध्ययन। नेशनल जर्नल ऑफ मैक्सिलोफेशियल सर्जरी,* 15 (1), 136-141 (2024)। https://doi.org/10.4103/njms.njms_211_22
- बंसल, एन., चौधरी, ज़ेड., शर्मा, पी., ऑगस्टाइन, जे., डार, जेआई, और जोशी, एच. *विकृत मैंडिबुलर पोस्टीरियर बॉर्डर। मौखिक सर्जरी, मौखिक मेडिसिन, मौखिक पैथोलॉजी और मौखिक रेडियोलॉजी,* 138 (6), 678-685 (2024)। https://doi.org/10.1016/j.oooo.2024.08.003
- चौधरी, ज़ेड., शर्मा, पी., एस., एच., जोशना, ई.के., ऑगस्टाइन, जे., विजयारागवन, आर., नेहरा, ए., और गर्ग, वी. *यूनिसिस्टिक अमेलोब्लास्टोमा: प्रबंधन के साथ क्लिनिको-रेडियोलॉजिकल और हिस्टोपैथोलॉजिकल सहसंबंध।*
  जर्नल ऑफ प्लास्टिक, रिकंस्ट्रक्टिव एंड एस्थेटिक सर्जरी (जेपीआरएएस), 97, 296-301 (2024)। https://doi.org/10.1016/j.bjps.2024.07.042

अनुसंधान परियोजना

1. डॉ. अरुणदीप कौर लांबा, पेरियोडोंटिक्स विभाग को "मल्टीपल जिंजिवल रिसेशन के उपचार हेतु टाइटेनियम से तैयार प्लेटलेट रिच फाइब्रिन युक्त गम ड्रॉप तकनीक: एक नैदानिक अध्ययन" नामक शोध परियोजना के लिए ₹30,00,000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान सीएसआईआर द्वारा प्रदान किया गया है और मार्च 2021 से मार्च 2024 तक की अवधि के लिए है।
2. डॉ. अरुणदीप कौर लांबा, पीरियोडोंटिक्स विभाग को "क्रोनिक पीरियोडोंटाइटिस में इन्फ्राबोनी दोषों के उपचार हेतु स्वदेशी रूप से तैयार डिमिनरलाइज्ड फ्रीज़ ड्राइड बोन एलोग्राफ़्ट के साथ प्लेटलेट रिच फाइब्रिन का संयोजन: एक नैदानिक अध्ययन" नामक शोध परियोजना के लिए ₹28,00,000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा प्रदान किया गया है और जुलाई 2020 से जुलाई 2023 तक की अवधि के लिए है।

3. डॉ. फारुख फ़राज़, पेरियोडोंटिक्स विभाग को "मानव पुनर्जनन और मरम्मत के लिए उपयोग किए जाने वाले स्वदेशी रूप से तैयार ज़ेनोग्राफ्ट की सुरक्षा और प्रभावकारिता का आकलन-एक इन विट्रो अध्ययन" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹13,00,000/- स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान डीटीआईएच-आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है और 2024 से 2026 तक की अवधि के लिए है।

4. प्रोस्थोडॉन्टिक्स विभाग की डॉ. रेखा गुप्ता को "स्टेनलेस स्टील बैंड, डायनेमिक क्विक रिस्पांस और नियर फील्ड कम्युनिकेशन टैग्स का उपयोग करके डेन्चर लेबलिंग तकनीकों की नैदानिक और तकनीकी प्रभावकारिता का तुलनात्मक मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण" नामक शोध परियोजना के लिए ₹38,11,710/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान सीएसआईआर द्वारा प्रदान किया गया है।

5. कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री और एंडोडोंटिक्स विभाग की डॉ. रुचिका आर. नवल को "अल्ट्रासाउंड (यूएस)-आधारित टूथ पल्प वाइटैलिटी टेस्टर का डिज़ाइन और प्रोटोटाइप निर्माण" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹61,33,640/- स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान डीएसटी द्वारा प्रदान किया गया है।

6. डॉ. रुचिका आर. नवल, कंज़र्वेटिव डेंटिस्ट्री और एंडोडोंटिक्स विभाग को "गहरी क्षय से ग्रस्त रोगियों में पल्प की सूजन संबंधी स्थिति का पता लगाने के लिए पॉइंट-ऑफ-केयर टेस्ट किट का विकास" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹18,76,362/- स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है।

7. कंज़र्वेटिव डेंटिस्ट्री और एंडोडोंटिक्स विभाग की डॉ. संगीता तलवार को "चरण II-एंडोडोंटिक थेरेपी के दौरान अलग हुए उपकरणों को हटाने के लिए नए इंस्ट्रूमेंट रिट्रीवल उपकरणों का डिज़ाइन और विकास" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹5,56,000/- स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान डीएसटी द्वारा प्रदान किया गया है।

8. ऑर्थोडॉन्टिक्स विभाग की डॉ. तूलिका त्रिपाठी को "क्लास II मैलोक्लूज़न वाले बढ़ते रोगियों में ट्विन ब्लॉक उपकरण चिकित्सा के परिणामों के लिए कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) आधारित मूल्यांकन और भविष्यवाणी" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹35,33,124/- स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान सीएसआईआर द्वारा प्रदान किया गया है और अप्रैल 2023 से मार्च 2026 तक की अवधि के लिए है।

9. ऑर्थोडॉन्टिक्स विभाग की डॉ. तूलिका त्रिपाठी को "कंकाल की परिपक्वता का पूर्वानुमान लगाने हेतु लार आईजीएफ 1 के लिए लेटरल फ्लो इम्यूनोएसे आधारित पॉइंट-ऑफ-केयर डायग्नोस्टिक किट का विकास और सत्यापन" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में

₹35,33,124/- स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है और मार्च 2024 से मार्च 2027 तक की अवधि के लिए है।

10. मौखिक पैथोलॉजी विभाग के डॉ. जे. ऑगस्टाइन को "डिजिटल डेंटल कास्ट के साथ मुस्कान की तस्वीरों की स्वचालित 2डी-3डी तुलना हेतु एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता-आधारित उपकरण का विकास" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹61,13,316/- स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रदान किया गया है और 2023 से 2026 तक की अवधि के लिए है।

11. बाल चिकित्सा एवं निवारक दंत चिकित्सा विभाग की डॉ. मृदुला गोस्वामी को "प्राथमिक दाढ़ों में अप्रत्यक्ष पल्प कैपिंग औषधि के रूप में 38% सिल्वर डायमाइन फ्लोराइड की प्रभावकारिता का मूल्यांकन-एक यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण" नामक शोध परियोजना के लिए लगभग ₹25,00,000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है और 2021 से 2024 तक की अवधि के लिए है।

12. मौखिक पैथोलॉजी विभाग की डॉ. प्रिया कुमार को "संदेहास्पद मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा वाले मरीजों के निदान हेतु पॉइंट-ऑफ-केयर टेस्ट किट का विकास" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹13,11,922/- स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है और 2024 से 2027 तक की अवधि के लिए है।

13. डॉ. श्रुति टंडन, पीरियोडोंटिक्स विभाग को "पीरियोडोंटाइटिस से पीड़ित वयस्कों के उपचार में डॉक्सीसाइक्लिन हाइक्लेट और मेटफॉर्मिन हाइड्रोक्लोराइड जेल के निश्चित खुराक संयोजन (एफडीसी) की प्रभावकारिता, सुरक्षा और सहनशीलता का मूल्यांकन करने हेतु एक संभावित, बहु-केंद्रीय, यादृच्छिक, खुले लेबल वाला, सक्रिय नियंत्रित, चरण II अध्ययन" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹5,00,000/- (लगभग) की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान डॉ. रेड्डीज़ द्वारा प्रदान किया गया है और 2022 से 2023 तक की अवधि के लिए है।

14. मौखिक एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विभाग की डॉ. सुजाता मोहंती को " मैंडिबुलर थर्ड मोलर इम्पैक्शन सर्जरी में एंटीबायोटिक के प्रीऑपरेटिव, इंट्राऑपरेटिव और पोस्टऑपरेटिव प्रशासन की प्रभावकारिता का संभावित तुलनात्मक मूल्यांकन" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹1,20,000/- स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान सीएसआईआर द्वारा प्रदान किया गया है और 2023 से 2026 तक की अवधि के लिए है।

15. मौखिक एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विभाग की डॉ. सुजाता मोहंती को "टेम्पोरोमैंडिबुलर जॉइंट डिसऑर्डर के रोगियों में नवीन कृत्रिम टोटल टेम्पोरोमैंडिबुलर जॉइंट (टीएमजे) पुनर्निर्माण प्रणाली का विकास एवं डिजाइन" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹32,17,000 स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है और 2024 से 2027 तक की अवधि के लिए है।

16. मौखिक मेडिसिन एवं रेडियोलॉजी विभाग की डॉ. सुनीता गुप्ता को "मौखिक सबम्यूकोस फाइब्रोसिस (OSMF) के प्रबंधन में पाइरफेनिडोन के एंटीफाइब्रोटिक प्रभाव का आकलन: एक इन-विट्रो अध्ययन" नामक शोध परियोजना के लिए ₹30,00,000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान सीएसआईआर द्वारा प्रदान किया गया है और 2023 से 2026 तक की अवधि के लिए है।
17. मौखिक मेडिसिन एवं रेडियोलॉजी विभाग की डॉ. सुनीता गुप्ता को "मौखिक कार्सिनोमा में कीमो/रेडियोथेरेपी से प्रेरित मौखिक म्यूकोसाइटिस में त्रिफला रसायन और हरिद्रादि तैल गंडुष की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा का मूल्यांकन करने हेतु एक यादृच्छिक नैदानिक नियंत्रित परीक्षण" नामक शोध परियोजना के लिए ₹56,00,000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आयुष मंत्रालय द्वारा प्रदान किया गया है और 2024 से 2027 तक की अवधि के लिए है।
18. "मौखिक कैंसर सेल लाइनों पर करक्यूमिन के साथ ज़ेरुम्बोन/नैनो ज़ेरुम्बोन का चिकित्सीय मूल्यांकन" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹38,00,000/- स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान सीएसआईआर द्वारा प्रदान किया गया है।
19. मौखिक मेडिसिन और रेडियोलॉजी विभाग की डॉ. सुनीता गुप्ता को " मायोफेशियल पेन सिंड्रोम में ऑडियोमेट्रिक निष्कर्षों का मूल्यांकन, लार और सीरम कोर्टिसोल के पूर्व और पश्चात के स्तर और विभिन्न उपचार विधियों की प्रतिक्रिया" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹38,00,000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान सीएसआईआर द्वारा प्रदान किया गया है।

आयोजित संगोष्ठियां

1. डॉ. लोकेश सूरी ने 21 मार्च 2024 को एमएआईडीएस में "ऑर्थोडॉन्टिक ट्रीटमेंट प्लानिंग" पर व्याख्यान दिया।
2. डॉ. डेविड टीडब्ल्यू वोंग ने 18 अप्रैल 2024 को एमएआईडीएस, नई दिल्ली में "लार डायग्नोस्टिक्स: लार ओमिक्स, लार एक्सोमिक्स और लार लिक्विड बायोप्सी" पर एक व्याख्यान दिया।
3. डॉ. शरद गुप्ता ने 13 मई 2024 को एमएआईडीएस में "दंत चिकित्सा में लेजर के अनुप्रयोग" पर एक व्याख्यान दिया और एक व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया।
4. डॉ. अगम भटनागर ने 12 जून 2024 को एमएआईडीएस, नई दिल्ली में एक व्याख्यान दिया और सीडीई कार्यक्रम-"बाल चिकित्सा दंत चिकित्सा पद्धति में रोटरी एंडोडोंटिक्स" का संचालन किया।

5. डॉ. तारेक-एल बियाली ने 20 जून 2024 को एमएआईडीएस में एक व्याख्यान दिया और एक सीडीई कार्यक्रम-"विश्वविद्यालय निवासियों के लिए क्लियर एलाइनर्स ऑर्थो शिक्षा को सशक्त बनाना" का संचालन किया।

6. प्रोफेसर डॉ. अमीर मारूफ खान, प्रोफेसर डॉ. अल्पना रायजादा और प्रोफेसर डॉ. पीयूष गुप्ता ने 27 और 28 नवंबर 2024 को एमएआईडीएस, नई दिल्ली में एक व्याख्यान दिया और "थीसिस लेखन और बुनियादी शोध पद्धतियां" पर एक कार्यशाला आयोजित की।

आयोजित सम्मेलन

1. *लार निदान और उससे आगे'* शीर्षक से सीडीई का आयोजन 18 अप्रैल, 2024 को एमएआईडीएस, नई दिल्ली में किया गया।

2. 18 अप्रैल, 2024 को एमएआईडीएस, नई दिल्ली में मौखिक और मैक्सिलोफेशियल पैथोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी और फोरेंसिक ओडोंटोलॉजी विभाग द्वारा 'लार डायग्नोस्टिक्स: लारओमिक्स, लार एक्सोमिक्स और लार लिक्विड बायोप्सी' शीर्षक से सीडीई आयोजित किया गया।

3. *कमजोर समुदायों के बीच मौखिक स्वास्थ्य असमानताओं को संबोधित करना'* शीर्षक से सीडीई का आयोजन 24 अक्तूबर, 2024 को एमएआईडीएस, नई दिल्ली में किया गया।

4. 28$^{वें}$ WCOI जापान वार्षिक वैज्ञानिक सम्मेलन के संयोजन में '6वां वैश्विक AAID और 12वां WCOI सम्मेलन 2024' शीर्षक से सम्मेलन 8 से 10 नवंबर 2024 तक लीला एम्बिएंस कन्वेंशन होटल, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

5. '12वीं विश्व मौखिक इम्प्लांटोलॉजी कांग्रेस' नामक सम्मेलन 8-10 नवंबर 2024 को भारत के दिल्ली स्थित लीला एम्बिएंस कन्वेंशन होटल में आयोजित किया गया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

- इंडियन एंडोडॉन्टिक सोसाइटी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें 2024 में डेंटल टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब समन्वयक के रूप में कार्य करेगा। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, (1) नई एंडोडॉन्टिक सामग्रियों की संयुक्त रूप से अवधारणा तैयार की गई, और (2) विशेषज्ञ नैदानिक प्रतिक्रिया को डिज़ाइन पुनरावृत्तियों में एकीकृत किया गया।

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली के साथ 2024 में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, मौलाना आज़ाद दंत चिकित्सा संस्थान समन्वयक के रूप में कार्य करेगा। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, (1) एक विशिष्ट परियोजना ढाँचे के अंतर्गत संयुक्त उत्पाद विकास शुरू किया गया, और (2) अनुवादात्मक अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ाया गया।

- श्रीराम औद्योगिक अनुसंधान संस्थान के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिसके तहत मौलाना आज़ाद दंत चिकित्सा विज्ञान संस्थान (एम.डी.एस.आई.) ने 2024 में समन्वयक की भूमिका निभाई। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, (1) औद्योगिक सामग्रियों का उपयोग करके संयुक्त उत्पाद विकास अनुसंधान शुरू किया गया, और (2) सामग्री लक्षण वर्णन और परीक्षण सुविधाएँ सुलभ हुईं।
- एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ मॉलिक्यूलर साइंसेज एंड स्टेम सेल रिसर्च, एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा के साथ 2024 में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें मौखिक मेडिसिन और रेडियोलॉजी विभाग समन्वयक के रूप में कार्य करेगा। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, (1) ओएसएमएफ में पीआरपी और टीए थेरेपी पर एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण शुरू किया गया, और (2) एमआरएनए अभिव्यक्ति प्रोफाइलिंग पर सहयोगात्मक अनुसंधान किया गया।
- एलाइन यूनिवर्सिटी ग्रांट प्रोग्राम (एपीएसी) समझौते के तहत, 2024 में मेसर्स एलाइन टेक्नोलॉजी इंक. के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें मौलाना आज़ाद इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज ने समन्वयक के रूप में कार्य किया। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, (1) स्नातकोत्तर छात्रों को एलाइनर थेरेपी में व्यावहारिक प्रशिक्षण और प्रमाणन प्राप्त हुआ, और (2) शैक्षणिक अनुसंधान के लिए शैक्षिक संसाधनों और अनुदानों तक पहुँच प्रदान की गई।

अन्य सहयोग

- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (MoHFW), MAIDS और दिल्ली सरकार के साथ 5 दिसंबर, 2022 से MAIDS में मौखिक स्वास्थ्य एवं तंबाकू निषेध हेतु NOHP संसाधन केंद्र को सुदृढ़ बनाने और सामुदायिक आउटरीच एवं निषेध कार्यक्रमों का विस्तार करने हेतु सहयोग। इस साझेदारी का समन्वय MAIDS द्वारा किया गया और इसका उद्देश्य अंतर-संस्थागत सहयोग के माध्यम से मौखिक स्वास्थ्य सेवाओं के वितरण को बेहतर बनाना था।
- भारत में स्वास्थ्य संवर्धन को बढ़ावा देने हेतु संयुक्त शैक्षणिक सहयोग स्थापित करने हेतु 2 मार्च, 2023 से केंद्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के साथ सहयोग। यह साझेदारी अनुसंधान, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण में अंतःविषय सहयोग को सुगम बनाएगी, जिसका समन्वय अभिनय गुप्ता करेंगे।
- तंबाकू और गैर-संचारी रोगों पर नियंत्रण पर ध्यान केंद्रित करते हुए जन स्वास्थ्य में संयुक्त प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए 11 अक्तूबर, 2021 से अंतर्राष्ट्रीय क्षय रोग एवं फेफड़े संबंधी

रोग विरोधी संघ (द यूनियन) के साथ सहयोग। इस सहयोग का उद्देश्य पारस्परिक प्रयासों, पारस्परिक लाभ और निरंतर बातचीत के माध्यम से ज्ञान को आगे बढ़ाना है।

एक्सचेंज प्रोग्राम (इनबाउंड/आउटबाउंड) के अंतर्गत छात्र

(इनबाउंड)

1. बोस्टन विश्वविद्यालय, अमेरिका के साथ चल रहे शैक्षणिक सहयोग के अंतर्गत, छात्र विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत, छात्रों ने 3 सितंबर, 2024 से 4 सितंबर, 2024 तक मौलाना आज़ाद दंत विज्ञान संस्थान के कंज़र्वेटिव दंत चिकित्सा एवं एंडोडोंटिक्स विभाग द्वारा समन्वित ज्ञान विनिमय कार्यक्रम में भाग लिया। छात्रों ने अपनी अंतर-सांस्कृतिक समझ को बढ़ाया और अपने शोध प्रबंध कार्य के लिए प्रासंगिक मूल्यवान नैदानिक एवं शोध कौशल विकसित किए।

(आउटबाउंड)

2. वाइटल स्ट्रैटेजीज के साथ चल रहे अकादमिक सहयोग के हिस्से के रूप में दो छात्रों (डॉ. शुभद्रंगी और डॉ. महक जैन) ने 21 अक्तूबर, 2024 को एक ज्ञान विनिमय कार्यक्रम में भाग लिया और इसका समन्वय मौलाना आज़ाद इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज के पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभाग द्वारा किया गया।

3. केजीएमयू लखनऊ के साथ चल रहे शैक्षणिक सहयोग के हिस्से के रूप में, डॉ. शुभद्रंगी, स्नातकोत्तर छात्रा, ने 23 नवंबर, 2024 को एक ज्ञान विनिमय कार्यक्रम में भाग लिया और मौलाना आज़ाद इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज के पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभाग द्वारा समन्वित किया गया।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

2024 (जनवरी-दिसंबर) में सेवा प्रदान किए गए लोगों/मरीजों की संख्या

1. आउटरीच कार्यक्रम-शिविर (5620)

2. सैटेलाइट केंद्र-

बरवाला (340)

बाल विकास केंद्र/स्त्री-रोग (250)

3. मनाए गए दिवसों की संख्या- 08

4. स्कूल केंद्रों की संख्या-03-सेवा प्रदान किए गए मरीज-1200

5. एनजीओ- 02-सेवा प्रदान किए गए मरीज-958

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक : 31

एसोसिएट प्रोफेसर	: 0
सहायक प्रोफेसर	: 51
तदर्थ संकाय सदस्य	: 5
अतिथि	: 5

उत्तीर्ण छात्रों की संख्या और प्रतिशत48 :(100%)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

चरण 2 की इमारत में प्रयोगशाला सुविधाओं, नैदानिक सुविधाओं और विशेष क्लीनिकों की सुविधा उपलब्ध है। नए स्थान पर व्यापक क्लिनिक, सार्वजनिक स्वास्थ्य दंत चिकित्सा क्लिनिक, विकलांगता क्लिनिक और कटे होंठ और तालु क्लिनिक शुरू किए गए हैं। मौखिक पैथोलॉजी लैब, माइक्रो लैब, माइक्रोस्कोप लैब, प्रोस्थो और ऑर्थो लैब को आवास स्थान और सुविधा में वृद्धि के साथ स्थानांतरित कर दिया गया है। अधिक कंप्यूटर और बैठने की जगह के साथ चरण 2 में ई-लाइब्रेरी सुविधा का विस्तार किया गया। छात्रों के कॉमन रूम, योजना, खरीद और लेखा विभागों को बोर्ड रूम के साथ-साथ अपनी शाखाओं के लिए व्यापक स्थान मिला। चरण 2 की इमारत में CSSD पूरी तरह कार्यात्मक हो गया। उन्नत डायग्नोस्टिक्स और टिशू बैंक लैब को नए स्थान और सुविधाओं के साथ उन्नत किया गया। कई वित्त-पोषित परियोजनाओं के साथ DTIH के साथ अनुसंधान को बढ़ावा मिला। पेटेंट और प्रकाशन में वृद्धि देखी गई।

पुस्तकालय

मौलाना आज़ाद दंत विज्ञान संस्थान (MAIDS) में 17,600 वर्ग फुट में फैला एक आधुनिक पुस्तकालय है, जो वाई-फाई, एर्गोनॉमिक सीटिंग और केंद्रीकृत एयर कंडीशनिंग सहित अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। लगभग 7,000 पुस्तकों और 89 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दंत चिकित्सा पत्रिकाओं के शीर्षकों को अभिलेखागार के साथ रखते हुए, पुस्तकालय व्यापक शैक्षणिक सहायता सुनिश्चित करता है। यह राष्ट्रीय चिकित्सा पुस्तकालय, दिल्ली का सदस्य है और ERMED संघ तक पहुँच प्रदान करता है। LAN के माध्यम से जुड़े 40 डेस्कटॉप सिस्टम के साथ एक पूरी तरह कार्यात्मक ई-लाइब्रेरी डिजिटल शोध के लिए उपलब्ध है। छात्रों और शिक्षकों को वैश्विक प्रगति से अवगत रखने के लिए MAIDS अपने संग्रह को नवीनतम संस्करणों और दुर्लभ दंत चिकित्सा पुस्तकों के साथ लगातार अद्यतन करता है। सभी डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया (DCI) सहकर्मी-समीक्षित पत्रिकाओं और साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाले सॉफ्टवेयर के साथ एक पूर्ण-पाठ अनुसंधान डेटाबेस प्राप्त करने की योजना पर काम जारी, जिससे अनुसंधान क्षमताओं को और समृद्ध किया जा सकेगा।

****

सूक्ष्म जीव विज्ञान (गोविंद बल्लभ पंत स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

किए गए परीक्षणों का नाम और संख्या: विवरण नीचे दिया गया है

कुल प्राप्त नमूने = 783265

प्राप्त कुल नमूने	615074
जैव रासायनिक परीक्षण	39570
कल्चर प्लेटें	35083
स्वैब	44738
ट्यूब तैयार	84222
ग्राम अभिरंजन और प्रत्यक्ष सूक्ष्मदर्शी	150214
रोगाणुरोधी परख	19148
GPC और GNR के लिए विटेक द्वारा स्वचालित पहचान	4662
GPC और GNR के लिए विटेक द्वारा स्वचालित संवेदनशीलता	5912
मीडिया तैयार	164043
लियोफिलाइज्ड	175
एएफबी स्मीयर	1831
अवायवीय संवर्धन	6714
बायोफायर परख	284
शोध कार्य	58478

कवक विज्ञान	
कुल प्राप्त नमूने	22035
प्रत्यक्ष सूक्ष्मदर्शी	22032
ग्राम स्टेनिंग	22032
संस्कृति	44064
जैव रासायनिक परीक्षण	2100
लैक्टो फिनोल कॉटन ब्लू स्टेनिंग	500
भारत स्याही तैयारी	21135
कोह की तैयारी	11151

सीरम विज्ञान	
आसो	9578
सीआरपी	7908
विडाल	770
आरएफ	1400

वीडीआरएल	1154
एमपी	464
अमीबिक सीरोलॉजी	464
हाइडैटिड सीरोलॉजी	464
एना-एलिसा एना-लिया	1980 549
क्रिप्टोकोकल एंटीजन के लिए लेटेक्स	शून्य
डेंगू-आईजीएम डेंगू एनएस1 एंटीजन	1622 1325
एचआईवी I और II	17313
टाइफिडॉट	850
चिकनगुनिया	1534
रैपिड सिफलिस कार्ड	264
स्क्रब टाइफस के लिए वेइल फेलिक्स परीक्षण	21
स्क्रब टाइफस आईजीएम एलिसा	21
कुल	47681

अस्पताल में संक्रमण	
कुल	31344

एचआईवी रैपिड टेस्ट	21807
एचबीएसएजी	21807
एचसीवी	21807
सीआरपी	0
आसो	0
संस्कृति	650
कुल	66071
पीसीआर लैब एचबीवी डीएनए वायरल लोड एचसीवी आरएनए वायरल लोड	 909 151

सम्मान/विभूतियां

डॉ. पूनम लूम्बा

- मार्च 2024 में बीएसएएमसीएच में द्वितीय प्रोफेसर माइक्रोबायोलॉजी के लिए एमबीबीएस बाहरी परीक्षक।
- 5 दिसंबर 2024 को जामिया में सॉफ्ट स्किल्स पर कार्यशाला आयोजित की गई।
- जामिया में 18/11/24 को बीडीएस परीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक
- एमजीआईएमएस जयपुर में 10/10/24 को फाउंडेशन पाठ्यक्रम के लिए अतिथि व्याख्यान।
- FAIMER के वैश्विक मंच के लिए 16/1/24 को मॉडरेटर।
- VMMC में 19/9/24 को EGASP WHONET कार्यशाला के संसाधन संकाय।
- जामिया में 'योग्यता आधारित टीएलए और मूल्यांकन पद्धतियों' पर 22/10/24 को कार्यशाला आयोजित की गई।
- एआईएमएस, मोहाली में शैक्षणिक नेतृत्व पर 5 सितंबर 2024 को अतिथि व्याख्यान।
- प्रथम वार्षिक क्लिनिकल वायरोलॉजी शिखर सम्मेलन में 9/10/24 को अध्यक्ष।
- 20-27 अगस्त 2024 तक दूसरी ACME कार्यशाला आयोजित की गई।
- 2024 सत्र के लिए सीएमएल लुधियाना के पहले आर-फेस कार्यक्रम के लिए संकाय।
- सीएमसी लुधियाना में FAIMER के लिए संकाय 15-17 अप्रैल 2024
- आदेश विश्वविद्यालय के लिए पीएच.डी. थीसिस का मूल्यांकन जनवरी 2024.
- 20-27 फरवरी 2024 तक एमएएमसी में पहला एसीएमई पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।
- 14 दिसंबर 2024 को एम्स में एचआईएसआई दिल्ली चैप्टर में 'सर्जिकल प्रैक्टिस में नेतृत्व' के लिए पैनलिस्ट।

डॉ. मनीषा जैन

- बीएसएएमसीएच में द्वितीय वर्ष एमबीबीएस (सप्लीमेंट्री बैच) की माइक्रोबायोलॉजी प्रैक्टिकल परीक्षा के लिए 15/6/24 को बाह्य परीक्षक।
- जेआईपीएमईआर, पांडिचेरी में15-17 जुलाई 2024 को एमडी माइक्रोबायोलॉजी व्यावहारिक परीक्षा और एमडी माइक्रो थ्योरी पेपर के मूल्यांकन के लिए बाहरी परीक्षक।
- एंटीबायोटिक जागरूकता सप्ताह के दौरान 21 नवंबर 2024 को ईएसआई बसईसधरपुर, दिल्ली में अतिथि वक्ता।
- एम्स दिल्ली के लिए एमडी थीसिस का मूल्यांकन।
- एफएमएस, एसजीटी विश्वविद्यालय में अक्तूबर 2024 में एमएससी तृतीय वर्ष की वार्षिक सिद्धांत परीक्षा के लिए बाहरी पेपर सेटर।
- एफएमएस, एसजीटी विश्वविद्यालय के लिए एमएससी माइक्रो थीसिस का मूल्यांकन।

डॉ. आभा शर्मा-

- अगस्त 2024 में प्रोफेसर के पद पर पदोन्नत।
- वीएमएमसी में एमबीबीएस II प्रोफेसर माइक्रोबायोलॉजी के लिए बाहरी परीक्षक 18-22 दिसंबर 2024.

- 9 दिसंबर 2024 को जीआईपीएमईआर में जीएलपी कार्यशाला में 'प्रयोगशाला सुरक्षा' पर व्याख्यान दिया गया।

डॉ. शिवानी त्यागी-

- 9 दिसंबर 2024 को जीआईपीएमईआर में जीएलपी कार्यशाला में 'नैतिकता' पर व्याख्यान दिया जाएगा।
- माइक्रोबायोलॉजी (सप्लीमेंट्री) के लिए बाहरी परीक्षक मार्च 2024
- बीएसएएमसीएच में एमबीबीएस II प्रोफेसर माइक्रोबायोलॉजी के लिए बाहरी परीक्षक 19-24 दिसंबर 2024.

प्रकाशन

- रूपज्योति, लूम्बा पी, मिश्रा बी, शर्मा ए, बजाज ए और राठौड़ पी. एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में नैदानिक आइसोलेट्स में फॉस्फोमाइसिन संवेदनशीलता परीक्षण विधियों का मूल्यांकन। अंतर्राष्ट्रीय जर्नल एप्लाइड रिसर्च 2024; खंड 14(3):70-72।
- गोयनका, एस., वान्सवेट, डब्ल्यू., मिश्रा, बी., लूम्बा, पी., जैन, एम., शर्मा, ए. एक कमज़ोर प्रतिरक्षा वाले मरीज़ में कपाल अस्थि फ्लैप के एस्परगिलोसिस का एक दुर्लभ मामला: एक केस रिपोर्ट। अफ़्रो- इजिप्टियन जर्नल ऑफ़ इन्फ़ेक्शियस एंड एंडेमिक डिज़ीज़, 2024;14(4):504-509. doi: 10.21608/aeji.2024.321612.1411
- रेशी एस, शर्मा ए, लूम्बा पी, जैन एम, अग्रवाल टी, मिश्रा बी. एंटरोकॉकस आइसोलेट्स में उभरते प्रतिरोध के साथ यूरोपैथोजेन्स में फॉस्फोमाइसिन की इन विट्रो संवेदनशीलता। इंट जर्नल ऑफ रिस मेड साइंस 2024;12:2899-906
- गोयनका, एस., वान्सवेट, डब्ल्यू., जैन, एम., लूम्बा, पी., शर्मा, ए, त्यागी एस. कैंसर रोगियों में बीएसआई में सैप्रोफाइटिक बैक्टीरिया के नैदानिक महत्व की व्यापकता। 2024 जर्नल ऑफ करेंट ऑन्कोलॉजी एंड मेडिकल साइंसेज, वॉल्यूम 4(3):
- गोयनका, एस., वान्सवेट, डब्ल्यू., मिश्रा, बी., लूम्बा, पी., जैन, एम., शर्मा, ए. प्रतिरक्षाविहीन रोगी में कपाल अस्थि फ्लैप का एक दुर्लभ मामला: एक केस रिपोर्ट। 2024 एफ्रो-इजिप्ट जर्नल ऑफ इंफेक्ट एंडेम डिस.;14(4):504-509।
- 14: तंत्रिका संबंधी विकार" की सह-लेखिका। गहन चिकित्सा में प्रयोगशाला परीक्षणों की व्याख्या। चौधरी, ए.एच., और दास, बी. (सं.)। (प्रथम संस्करण)। सीआरसी प्रेस। 2024. https://doi.org/10.1201/9781003449713

अनुसंधान परियोजनाएँ

- चल रही परियोजनाएँ- दो एमडी माइक्रोबायोलॉजी थीसिस: डॉ. मन्यु ऋषि (पर्यवेक्षक डॉ. पूनम लूम्बा), डॉ. सबापथी (पर्यवेक्षक डॉ. मनीषा जैन)
- चालू वर्ष के दौरान पूरी की गई थीसिस का विवरण:-तीन एमडी माइक्रोबायोलॉजी थीसिस- डॉ अदिति (पर्यवेक्षक डॉ पूनम लूम्बा), डॉ वंशीशा (पर्यवेक्षक डॉ मनीषा जैन), डॉ आदर्श (पर्यवेक्षक डॉ आभा शर्मा)

आयोजित संगोष्ठियां

- डॉ. पूनम लूंबा ने 5 सितंबर 2024 को एआईएमएस, मोहाली में शैक्षणिक नेतृत्व पर अतिथि व्याख्यान।
- डॉ. पूनम लूंबा ने 10/10/24 को एमजीआईएमएस जयपुर में फाउंडेशन पाठ्यक्रम के लिए अतिथि व्याख्यान।
- डॉ मनीषा जैन 21 नवंबर 2024 को एंटीबायोटिक जागरूकता सप्ताह के दौरान ईएसआई बसईसधरपुर, दिल्ली में अतिथि वक्ता थीं।
- 5 दिसंबर 2024 को जामिया में सॉफ्ट स्किल्स पर कार्यशाला आयोजित की।
- 9 दिसंबर 2024 को जीआईपीएमईआर में जीएलपी कार्यशाला में 'प्रयोगशाला सुरक्षा' पर डॉ. आभा शर्मा का व्याख्यान।
- डॉ. पूनम लूम्बा ने मार्च 2025 में जीआईपीएमईआर में डब्ल्यूएचओएनईटी कार्यशाला में 'बैकलिंक' पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. आभा शर्मा ने मार्च 2025 में जीआईपीएमईआर में डब्ल्यूएचओएनईटी कार्यशाला में 'डेटा एंट्री' पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. शिवानी त्यागी ने जीआईपीएमईआर में 9 दिसंबर 2024 को जीएलपी कार्यशाला में 'नैतिकता' पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. शिवानी त्यागी ने मार्च 2025 में जीआईपीएमईआर में डब्ल्यूएचओएनईटी कार्यशाला में 'एएमएसपी' पर व्याख्यान दिया।

आयोजित सम्मेलन

- सभी संकायों, निवासियों और तकनीकी कर्मचारियों के लिए 6-8 मई 2024 को जीआईपीएमईआर में आईएसओ 15189:2022 के लिए क्यूसीआई प्रशिक्षण।
- 9 दिसंबर 2024 को जीआईपीएमईआर में स्नातकोत्तर के लिए जीएलपी कार्यशाला का आयोजन किया गया-समन्वयक डॉ. पूनम लूम्बा।

- मार्च 2025 में GIPMER माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा WHONET कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

विशेषज्ञ समिति/निकायों में प्रतिनिधित्व-

डॉ. पूनम लूंबा-

- 6/8/24 को जेएसएसएच में संकाय के लिए विशेषज्ञ, विशेषज्ञ ग्रेड 3 की भर्ती।
- आईएलबीएस में उपकरणों के लिए तकनीकी विशेषज्ञ।
- कार्यकारी सदस्य IAMM.
- चिकित्सा शिक्षा विभाग, एमएएमसी में प्रत्येक तिमाही में चार एमसीआई संशोधित बुनियादी पाठ्यक्रम कार्यशालाओं के लिए संसाधन व्यक्ति।
- एमएएमसी में चिकित्सा शिक्षा विभाग में वरिष्ठ निवासियों के लिए तीन कैप्सूल पाठ्यक्रमों के लिए संसाधन व्यक्ति।
- एमएएमसी में एनटीटीसी कार्यशाला के लिए संसाधन व्यक्ति।
- संकाय, चिकित्सा शिक्षा विभाग, एमएएमसी।
- अस्पताल उपकरण रखरखाव समिति के सदस्य।
- अध्यक्ष, रसोई और कैफेटेरिया समिति, संक्रमण नियंत्रण समिति।

डॉ. आभा शर्मा-

- आईएएमएम-दिल्ली चैप्टर के कार्यकारी सदस्य।
- जीबी पंत अस्पताल के उपभोग्य सामग्रियों की खरीद के लिए स्थायी क्रय समिति के सदस्य।
- सदस्य भौतिक सत्यापन समिति, अस्पताल का जनरल स्टोर।

डॉ. शिवानी त्यागी-

- थीसिस प्रोटोकॉल समिति के सदस्य।

नई सुविधाएँ जोड़ी गईं: एचबीवी, एचसीवी और डेंगू के लिए ट्रूनैट रैपिड पीसीआर टेस्ट शुरू। संस्थान के अनुरोध पर, जामिया हमदर्द, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, एनआईपीएम संस्थान, बाबा हरिदास कॉलेज ऑफ फार्मेसी, आदित्य पॉलिटेक्निक, मीरा बाई के 100 से अधिक प्रशिक्षुओं को माइक्रोबायोलॉजी में मेडिकल लैब तकनीक का व्यावहारिक प्रशिक्षण 12 सप्ताह से 6 महीने की अवधि के लिए दिया जाएगा।

***

चिकित्सा (एमएएमसी)

सम्मान/विभूतियां

- डॉ. सुनीता अग्रवाल को प्रतिष्ठित एफआरसीपी पुरस्कार मिला-एडिनबर्ग।
- डॉ. एस. अनुराधा सदस्य तकनीकी संसाधन समूह (टीआरजी)-सह अध्यक्ष: कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और स्ट्रोक (एनपीएनसीडी) (एमओएचएफडब्ल्यू) की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत।
- डॉ. एस. अनुराधा, सदस्य, राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम (एमओएचएफडब्ल्यू) की किट/उपकरण/दवाओं के लिए तकनीकी विनिर्देश समिति।
- डॉ. एस. अनुराधा सदस्य, एनटीईपी-एनएसीओ कार्यक्रम के लिए समन्वय समिति।

प्रकाशन

- क्रोनिक किडनी रोग में पल्मोनरी क्रिप्टोकॉकोसिस मासूम नैथानी, विकास मनचंदा, आकाश जोरवाल, सोनल सक्सेना, सुरेश कुमार । डी ओआई: 10.1016/जे.आईजेएमएमबी.2024। 100688 इंडियन जे मेड माइक्रोबायोलॉजी. 2024 सितंबर-अक्तूबर:51:100688.
- 19 से पीड़ित रोगियों में अपरिपक्व प्लेटलेट अंश। नेहा पाराशर 1, रश्मि जे गुप्ता, दिव्या गुप्ता, अलका सिरोहा, संदीप गर्ग, सुरेश कुमार। PMID: 39221897 DOI: 10.4103/ijpm.ijpm_365_24 इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोलॉजी। 2024 सितंबर 2. doi: 10.4103/ijpm.ijpm _365_24।
- गंभीर हीमोफीलिया रोगियों में बहुत कम खुराक वाली प्रोफिलैक्सिस की भूमिका सुनीता अग्रवाल, अंशुल तोमर, कपिल कुमार, अंकितेश कुमार, सुरेश कुमार, संदीप गर्ग, नरेश कुमार, सुदीप्त नंदी। PMID: 39687953 PMCID: PMC11698291 DOI: 10. 41 03 /ijp.ijp_333_24. एनडियन जे फार्माकोल। 2024 सितम्बर 1;56(5):312-316। doi: 10.4103/ijp.ijp_333 _24. ईपीयूबी 2024 दिसंबर 16.
- सितंबर 2024 में कोविड-19 से पीड़ित रोगियों में अपरिपक्व प्लेटलेट अंश इंडियन जर्नल ऑफ पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी DOI: 10.4103/ijpm.ijpm_365_24 नेहा पाराशर, रश्मि जे. गुप्ता दिव्या गुप्ता, सुरेश कुमार।
- औषधि प्रभावकारिता और मृत्यु दर विश्लेषण के लिए व्याख्या योग्य एआई का लाभ उठाना: एक अवलोकन डेटासेट से अंतर्दृष्टि मनु कुमार शेट्टी1, 2,*, आलोके मोजुमदार3, सौरभ गुप्ता3, ललित गुप्ता2,4, कपिल चौधरी2,4, वंदना रॉय1, सुरेश कुमार2,5, भूपिंदर सिंह कालरा1,2, संजीव खांथ पीई1,2 और अनुभा गुप्ता। प्राप्त: 17 जनवरी 2025 | संशोधित: 17 मार्च 2025 | स्वीकृत: 16 अप्रैल 2025 | ऑनलाइन प्रकाशित: 30 अप्रैल 2025

मेडिनफॉरमैटिक्स 2025, वॉल्यूम। 00(00) 1-10 डीओआई: 10.47852/बोनव्यूमेडिन52025243।

- COVID-19 रोगियों के कमरे की वायुमंडलीय हवा में वायरल लोड को कम करने में एयर प्यूरीफायर की प्रभावशीलता। मोनिका इरुंगबाम रितिका श्रीवास्तव जितेंद्र प्रसाद आशीष मुद्गल अभिषेक दुबे
- विजय कुमार सिंह, सुभाष चंद्र सोनकर, अनुभूति अनुभूति, विकास मल्होत्रा, सुरेश कुमार। मंकीपॉक्स वायरस से संक्रमित मरीजों का हेमाटोलॉजिकल प्रोफाइल अप्रैल 2024 एशियन जर्नल ऑफ रिसर्च इन इंफेक्शियस डिजीज 15(5):24-28 DOI: 10.9734/ajrid/2024/v15i5347.
- नेहा पाराशर रश्मि जैन गुप्ता, विनीत रेलहान, सुरेश कुमार। गुर्दे का पतन: एक अंतर्निहित उच्च-श्रेणी के हेमटोलॉजिकल दुर्दमता की झलक-एक केस रिपोर्ट पारस महाजन*, सुरेश कुमार, हरप्रीत सिंह, निधि आनंद, और अभिलाष पटवारी DOI: https://doi.org/10.30574/wjbphs.2024.20.3.1039 वर्ल्ड जर्नल ऑफ बायोलॉजी फार्मेसी एंड हेल्थ साइंसेज, 2024, 20(03), 429-434।
- पेट की कराह से लेकर मानसिक कराह तक: हाइपरकैल्सीमिया का एक विचित्र मामला डॉ. अभिलाष पटोवरी1, डॉ. रघु आरवी1, डॉ. निधि आनंद1, डॉ. हरप्रीत सिंह 1, डॉ. सुरेश कुमार डीओआई: 10.9790/0853-2309054750 आईओएसआर जर्नल ऑफ डेंटल एंड मेडिकल साइंसेज (आईओएसआर-जेडीएमएस) ई-आईएसएसएन: 2279-0853, पी-आईएसएसएन: 2279-0861.खंड 23, अंक 9 क्रमांक। 5 (सितंबर 2024), पीपी 47-50
- दिल्ली में लेप्टोस्पायरोसिस की नैदानिक प्रस्तुतियों के विविध स्पेक्ट्रम: तृतीयक देखभाल अस्पताल और मेडिकल कॉलेज से 2023 बाढ़ के बाद के मामलों की श्रृंखला चितरंजन पांडा, पारस महाजन, प्रखर बंसल, एंद्रिला सिंघारोय, अभिलाष पटोवारी, ऋषभ शैलेश, विपुल गर्ग, आशीष कुमार नायक, रघु आर वेक्टाटेश, शतभिषा मंडल, सुरेश कुमार, हरप्रीत सिंह, निधि आनंद डीओआई: 10.5005/जेपी-जर्नल्स-10045-00302 द जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज, खंड 10 अंक 1-4 (जनवरी-दिसंबर 2024)।
- दोहरे अपराधी का अनावरण: केंद्रीय तंत्रिका तंत्र तपेदिक तीव्र रक्तस्रावी एन्सेफलाइटिस की नकल चितरंजन पांडा, आरवी रघु, विपुल गर्ग, सुरेश कुमार, हरप्रीत सिंह, निधि आनंद, चैतन्य गुलाटी, एंद्रिला सिंघा रॉय DOI:10.4103/injms.injms _186_24
- इंट्राक्रैनील रक्तस्राव के साथ संयुक्त टाइप 2 ऑटोइम्यून हेपेटाइटिस और एंटीफॉस्फोलिपिड सिंड्रोम की एक केस रिपोर्ट: नैदानिक और चिकित्सीय दुविधा शतभिषा मंडल, चित्तरंजन पांडा, हरप्रीत सिंह, निधि आनंद, सुरेश कुमार
- द्रविड़ ए, पिलावन एएस, एस अनुराधा, मोरकर डीएन, रामपुरम जेटी, मधुकरराव केएम, नाइक केएस, भृसुंदी एम, केआरआर, नागेश्वरम्मा एस, कुलकर्णी वी. एचआईवी-1 संक्रमण वाले

भारतीय वयस्क रोगियों में टेनोफोविर और लैमिवुडिन संयोजन के साथ ली जाने वाली 400 मिलीग्राम एफेविरेंज़ बनाम मानक 600 मिलीग्राम खुराक की प्रभावकारिता और सुरक्षा: एक ओपन-लेबल, इंटरवेंशनल, यादृच्छिक, गैर-हीनता परीक्षण। मेडिसिन 2022;101:48 (e31982)।

- अमीत द्रविड़, ज्ञानेश मोरकर, द्विजेंद्र प्रसाद, जॉन टी रामापुरम, कार्तिक विक्रमभाई पटेल, के सुनील नाइक, मिलिंद भुरुसुंडी, मिलिंद कुलकर्णी, संजीव हेगड़े, एस अनुराधा, सिद्दबाथुनी नागेश्वरम्मा, सुरभि मदान, थम्मीसेट्टी जयप्रकाश, विनय कुलकर्णी। डोल्यूटेग्रेविर, लैमिवुडिन और की सुरक्षा, सहनशीलता और प्रभावकारिता पर एक चरण IV का अध्ययन उपचार में टेनोफोविर डिसप्रॉक्सिल फ्यूमरेट एचआईवी के साथ रहने वाले भोले वयस्क भारतीय रोगी- 1. व्यावहारिक और अवलोकन अनुसंधान 2022;1: 75-84।
- श्रेया एस, चावला आर, अनुराधा एस, सिंह एमएम, मनचंदा वी, सक्सेना एस. तृतीयक देखभाल अस्पताल के एकीकृत परामर्श और परीक्षण केंद्र में उपस्थित लोगों में सिफलिस और हेपेटाइटिस बी और सी वायरस संक्रमण का अनुपात। इंडियन जे सेक्स ट्रांसमिटेड डिस 2023; 44:35-9.
- गौतम एस, कुमार आर, भदौरिया डीपी, मावारी जी, कुमार एन, डागा एमके, पंडित एस, एस. अनुराधा, प्रधान जीएस, गर्ग एस, शर्मा जी, रघु आरवी, रिची एन, जयमसुलेखा डी. अस्पताल में भर्ती मध्यम श्रेणी के कोविड-19 रोगियों का नैदानिक प्रोफ़ाइल-: दिल्ली के एक तृतीयक देखभाल केंद्र में किया गया एक संक्षिप्त अध्ययन। जे फैमिली मेड प्राइम केयर 2023;12:1644-53।
- गौतम पूजा, राकेश शाह यश, सिंगला सुमीत, एस अनुराधा ऑटोइम्यून एन्सेफलाइटिस: स्पष्ट से परे देखें। JIACM 2023; 24 (2): 146-8
- चटर्जी, आर., मुखर्जी, एस., अनुराधा, एस., नस्कर, पी., बसु, डी. ट्यूबरकुलस मेनिनजाइटिस में पिट्यूटरी हार्मोन की भागीदारी। एफ्रो-मिस्र जर्नल ऑफ इंफेक्शियस एंड एंडेमिक डिजीज, 2023; doi: 10.21608/aeji. 2023. 231865.1316
- द्रविड़ एएन, पिलावन एएस, अनुराधा एस, मोरकर डीएन, रामापुरम जेटी, मधुकरराव केएम, नाइक केएस, भुरुसुंडी एम, रवीन्द्र केआर, नागेश्वरम्मा एस, कुलकर्णी वी। एचआईवी-1 संक्रमण वाले भारतीय वयस्कों में कम खुराक वाले एफेविरेंज़ आहार की सुरक्षा: चरण 4 के पारंपरिक यादृच्छिक परीक्षण से अंतर्दृष्टि। मेडिसिन 2023;102:44 (ई35643)।
- मेहता ए, हलदर एस, पंडित एस, अनुराधा एस. कमज़ोरी का आकलन: एचआईवी (पीएलएचआईवी) से ग्रस्त वृद्ध लोगों में एक उभरती हुई अवधारणा। जे फैमिली मेड प्राइम केयर 2023; 12: 3149-55.
- चटर्जी आर, चक्रवर्ती ए, बिस्वास एम, मुखर्जी एस, चक्रवर्ती बी, चटर्जी एन, पार्थ सारथी कर्मकार, एस. अनुराधा, नेताई प्रमाणिक।-एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में मूत्र पथ संक्रमण

के रोगियों में बहु-औषधि प्रतिरोधी एंटरोकोकी पर क्लिनिको-माइक्रोबायोलॉजिकल प्रोफ़ाइल। एनवायरन डिस 2024;9:23-8.

- चटर्जी आर, चटर्जी एन, मुखर्जी एस, कर्माकर पीएस, नेताई प्रमाणिक, सुब्रमण्यम अनुराधा। पूर्वी भारत के एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में आने वाले मरीजों में यात्रा से जुड़ी ज्वर संबंधी बीमारी पर एक अध्ययन। बंगाल फिजिशियन जर्नल 2024;11(1):3-7.
- एम चार्टियन, एस सिंह, एन धनखड़, पी गौतम, एस अनुराधा, एस सिंगला। एक्स्ट्रापल्मोनरी सारकॉइडोसिस के साथ-साथ सुलगता हुआ मल्टीपल मायलोमा जो प्लाज्मा सेल मायलोमा में बदल रहा है: एक असामान्य संबंध की केस रिपोर्ट। ओमान मेड जर्नल 2024; 10.5001/omj.2026.18.
- के. राजेश्वरी, जतन जागरूक, सोमिल जैन, दीपक कुमार, सपना सिंह, सुजॉय नियोगी, एस.अनुराधा। ब्रोंको-पित्त फिस्टुला के माध्यमिक बिलियोप्टाइसिस- एक बाल रोगी में लीवर की अनुपस्थिति की एक दुर्लभ जटिलता: एक व्यापक मामले की रिपोर्ट। इंट क्लिनिक मेड केस प्रतिनिधि पत्रिका। 2024;3(10):1-8.
- राजेश्वरी के, सोमकुमार वी, सचान एस, चेट्टी वाई, कुमार डी, अनुराधा एस पैन्सीटोपेनिया कॉम्प्लिकेटिंग वैरिसेला जे केस रिपोर्ट 2025;15(1):18-20.
- रागिनी राम, अनुराधा सुब्रमण्यन, राजेश्वरी के. उत्तर भारत के एक तृतीयक स्तर के शिक्षण अस्पताल में एचआईवी देखभाल उत्कृष्टता केंद्र में भाग लेने वाले एचआईवी संक्रमित लोगों में मेटाबोलिक डिसफंक्शन-एसोसिएटेड स्टेटोटिक लिवर डिजीज (एमएएसएलडी)-एक पायलट अध्ययन। एड्स देखभाल प्रदाताओं के अंतर्राष्ट्रीय संघ की पत्रिका 2025; 24:1-10.
- वर्मा ए, कुमार एन, अग्रवाल एस. क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज में पल्मोनरी नोकार्डियोसिस: इम्यूनोडेफिशिएंसी से परे। इंडियन जे चेस्ट डिस अलाइड साइंस 2024;66(2):60-63.
- एपीआई पाठ्यपुस्तक 2024 का अध्याय-सुबह रक्तचाप में वृद्धि। प्रीतम गुप्ता, कमल गर्ग, अंकुर गुप्ता, सुनीता अग्रवाल। अध्याय 126, मेडिसिन अपडेट 2024, खंड 34, 649-654.
- एपीआई पाठ्यपुस्तक 2024 का अध्याय-मोटापे के प्रबंधन में दोहरे ग्लूकागन जैसे पेप्टाइड एनालॉग्स की भूमिका। संदीप गर्ग, कुलदीप गुर्जर, सुनीता अग्रवाल। अध्याय 172, मेडिसिन अपडेट 2024, खंड 34, 883-889.
- एपीआई पाठ्यपुस्तक 2024 में अध्याय-बुजुर्ग थ्रोम्बोसाइटोपेनिया। सुनीता अग्रवाल, सुदीप्त नंदी, संदीप गर्ग, अंशुल तोमर, धनंजय खर्चे। अध्याय 44, चिकित्सा में प्रगति 2024, खंड 34,242-247.

- नंदी एस, अग्रवाल एस, सिंह आर, कुमार पी, तोमर ए, बत्रा वीवी. डायग्नोस्टिक दुविधा: सिस्टमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस के साथ इम्यूनोग्लोबुलिन ए नेफ्रोपैथी. एनएनरुमेटोल ऑटोइम्यून 2024;4:84-8.
- तोमर ए, सुनीता अग्रवाल, रणविजय सिंह, सौम्या एम, और अंचित अग्रवाल। 2024. "हीमोफिलिक स्यूडोट्यूमर की खोज: एक व्यापक केस सीरीज़"। एशियन जर्नल ऑफ मेडिसिन एंड हेल्थ 22 (11):12-19. https://doi.org/10.9734/ ajmah/2024/v22i111112
- अग्रवाल एस, तोमर ए, कुमार के, कुमार ए, कुमार एस, गर्ग एस, आदि। गंभीर हीमोफीलिया रोगियों में बहुत कम खुराक वाले प्रोफिलैक्सिस की भूमिका। इंडियन जे फार्माकोल 2024;56:312-6.
- गुप्ता एन, सेठ टी, अग्रवाल एस, आदि। ऊतक कारक मार्ग अवरोधक के अवरोधन के माध्यम से उपचार रणनीतियों में क्रांतिकारी बदलाव: हीमोफीलिया प्रबंधन के लिए एक आशाजनक चिकित्सीय दृष्टिकोण। जे एसोसिएट फिजिशियन इंडिया 2025;73(4):e 47-e55.
- सुनीता अग्रवाल, भारती आर्य, मानसी हंस, प्रदीप कुमार, एम. सौमिया, आनंदस्वरूप चौधरी। प्लाज़्मा सेल विकारों की एक दुर्लभ प्रस्तुति-स्क्लेरेडेमा: केस रिपोर्ट इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड रिसर्च (आईजेएसआर) आईएसएसएन: 2319-7064। डीओआई: https://dx.doi.org/10.21275/SR25430212648.
- सुनीता अग्रवाल, राहुल यादव, संदीप गर्ग, सौम्या एम. हाइपरकोएग्युलेबल स्टेट्स: क्लिनिकल क्लूज़ एंड डायग्नोस्टिक अप्रोच. मेडिसिन अपडेट एपीआईकॉन 2025, वॉल्यूम 35-279-282.
- प्रीतम गुप्ता, गेजी लोचन राजीव, सुनीता अग्रवाल, अंकुर गुप्ता: उच्च रक्तचाप के प्रबंधन में चुनौतियाँ और समस्याएँ। मेडिसिन अपडेट एपीआईकॉन 2025, खंड 35-372-375.
- संदीप गर्ग, मुस्कान गर्ग, सुनीता अग्रवाल: रेस्मेटिरोम: लिवर फाइब्रोसिस के साथ MASH का क्रांतिकारी उपचार। मेडिसिन अपडेट APICON 2025, खंड 35-293-298.
- ख्याति ए, वी. मनचंदा, पी. पुम्मा, आर. चावला, एस. गर्ग, एस. सक्सेना। एक नैदानिक उपकरण के रूप में लार आरटी-पीसीआर परीक्षण का नैदानिक प्रदर्शन और विभिन्न रोगी विशेषताओं में SARS-CoV-2 के फैलाव का पता लगाने में इसकी उपयोगिता: संभावित अवलोकन अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, 47 (2024) 100490।.
- प्रियंका बेलिचुकी, प्रेरणा अरोड़ा, संदीप गर्ग। तीव्र ल्यूकेमिया में विल्म्स ट्यूमर वन जीन, साइक्लिन डी1 और पी53 की अभिव्यक्ति। उत्तर भारत के एक तृतीयक देखभाल केंद्र में

एक इम्यूनोहिस्टोकेमिकल अध्ययन। जर्नल ऑफ हेमेटोलॉजी एंड एलाइड साइंसेज। जनवरी-अप्रैल 2024; खंड 4; अंक 1: पृष्ठ 16-22.

- सिंह आर, गर्ग एस, अग्रवाल एस, महाजन बी, पंडित एस, मस्तभक्ति बी, विजयकुमार एस. थायरॉइड विकारों में अस्थि खनिज चयापचय के मार्कर। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल स्पेशियलिटीज़। 2024:10-4103.
- पाराशर, नेहा; गुप्ता, रश्मि जे.; गुप्ता, दिव्या1; सिरोहा, अलका; गर्ग, संदीप; कुमार, सुरेश। कोविड-19 से पीड़ित रोगियों में अपरिपक्व प्लेटलेट अंश। इंडियन जर्नल ऑफ पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी (2024):10.4103/ijpm. ijpm_365_24, 2 सितंबर, 2024। | DOI: 10.4103/ijpm.ijpm_365_24
- सुनीता अग्रवाल, अंशुल तोमर, कपिल कुमार, अंकितेश कुमार, सुरेश कुमार, संदीप गर्ग, नरेश कुमार, सुदीप्ता नंदी। गंभीर हीमोफीलिया रोगियों में अति निम्न खुराक प्रोफिलैक्सिस की भूमिका-। इंडियन जर्नल ऑफ औषध-विज्ञान-खंड 56, अंक 5, सितंबर-अक्तूबर 2024; पृष्ठ 312-316.
- नेहा पाराशर, रश्मि जैन गुप्ता, अदिति सजवान, सुनील कुमार, संदीप गर्ग, सुरेश कुमार। कोविड-19 से पीड़ित रोगियों में श्वेत रक्त कोशिका पैरामीटर। एशियन जे. रेस. इंफेक्ट. डिस.2024; खंड 15: संख्या 4: पृष्ठ 44-50.
- सचिन गौतम, गोविंद मावारी, मृदुल कुमार डागा, नरेश कुमार, हरप्रीत सिंह, संदीप गर्ग, सुरेश कुमार, मोनिका गजेंद्रकुमार, महक गोलानी, ईशान रोहतगी, सायन सरकार, शुभम कौशिक, मनीष कुमार झा, स्वीटी मेहरा। मध्यम से गंभीर रूप से बीमार अस्पताल में भर्ती कोविड-19 रोगियों में अंतःशिरा इम्युनोग्लोबुलिन (आईवीआईजी) की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन: एक यादृच्छिक, ओपन-लेबल समानांतर समूह अध्ययन। कैनेडियन जर्नल ऑफ इंफेक्शियस डिजीज एंड मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, खंड 2024, लेख आईडी 7209380, 11 पृष्ठ, https://doi.org/10.1155/2024/7209380.
- रिया रतन, संदीप गर्ग, श्रेया सहगल, ज्योति कुमार, प्रज्ञा शर्मा, रुचिर रुस्तगी, भावना महाजन। थायरॉइड डिसफंक्शन वाले युवा वयस्कों में ग्लाइकोसिलेटेड हीमोग्लोबिन का स्तर कैरोटिड इंटिमा मीडियल थिकनेस से संबंधित है। यूरोपियन जर्नल ऑफ कार्डियोवैस्कुलर मेडिसिन। 2024. खंड 14; अंक 3. पृष्ठ 1269-1277.
- सौरव मंडल, वंदना रॉय, गिरीश गुलाब मेश्राम, अश्विनी खन्ना, तिरुमूर्ति वेलपांडियन, संदीप गर्ग। फार्माकोकाइनेटिक्स:-प्रथम श्रेणी की क्षयरोग रोधी दवाओं की औषध विज्ञान: मधुमेह मेलिटस के साथ और उसके बिना क्षयरोग रोगियों में एक तुलनात्मक अध्ययन।

यूरोपियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल औषध-विज्ञान https://doi.org/10.1007/s00228-024-03754-x. 17 सितंबर 2024.

- अमित कुमार, संदीप गर्ग, प्रवीण भारती, मणिदीपा मंडल। फेफड़ों के एडेनोकार्सिनोमा का कार्डियक टैम्पोनैड और शिरापरक थ्रोम्बोम्बोलिज़्म के रूप में असामान्य प्रस्तुतीकरण: एक केस रिपोर्ट। कैंसर में वर्तमान समस्याएँ: केस रिपोर्ट 17 (2025) 100331 https://doi.org/10.1016/ j.cpccr. 2024.100331.
- गर्ग एस, शर्मा पी. फुफ्फुसीय थ्रोम्बोम्बोलिज़्म का प्रबंधन। नैदानिक चिकित्सा में हालिया प्रगति। इवेंजेल प्रकाशन। अध्याय 27. पृष्ठ 159-168.
- गर्ग एस, गर्ग एम, अग्रवाल एस. रेस्मेटिरोम: लिवर फाइब्रोसिस के साथ एमएएसएच का एक क्रांतिकारी उपचार। प्रोग्रेस इन मेडिसिन, एपीआईकॉन 2025। खंड 35: अध्याय 67: 293-298.
- श्रीवास्तव एस, गर्ग एस, मंडल एम. उच्च रक्तचाप के उपचार का वैयक्तिकरण। प्रोग्रेस इन मेडिसिन एपीआईकॉन 2025। खंड 35: अध्याय 90:3293-399.
- अग्रवाल एस, यादव आर, गर्ग एस, सौम्या एम. हाइपरकोएग्युएबल अवस्थाएँ: नैदानिक संकेत और निदानात्मक दृष्टिकोण। प्रोग्रेस इन मेडिसिन एपीआईकॉन 2025। खंड 35: अध्याय 64: 279-282.
- खान उल्मा, पंडित संजय, चावला किशोर। रहस्य से पर्दा उठाना: सिस्टमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस, पैंक्रियाटाइटिस और प्ल्यूरल इफ्यूज़न। रुमेटोलॉजी और ऑटोइम्यूनिटी के इतिहास; 4(2)पृष्ठ 50-54, मई-अगस्त 2024.
- अग्रवाल रूपल, पंडित संजय, धर्रा गौरव। रबडोमायोलिसिस-कोविड-19 की एक दुर्लभ प्रस्तुति। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल स्पेशलिटीज़। 15(3):पी 203-205, जुलाई-सितंबर 2024.
- खान उल्मा, पंडित संजय, चावला किशोर। जब गिलियन-बैरे सिंड्रोम उम्मीदों पर खरा नहीं उतरता: असामान्य लक्षणों का एक मामला। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल स्पेशियलिटीज। 15(4): पृष्ठ 279-282, अक्तूबर-दिसंबर 2024.
- ऑटोइम्यून हेमोलिटिक एनीमिया से जटिल आंत्र क्षय रोग: एक दुर्लभ केस रिपोर्ट और उपचार परिणाम उलमा खान, संजय पंडित, श्री अरविंदन। जर्नल ऑफ क्लिनिकल इन्फेक्शियस डिजीज सोसाइटी। 2024.2:320-4 प्रकाशन तिथि: दिसंबर 2024.
- एस.पंडित, गौरव धर्रा, किशोर कुमार ट्यूबरकुलर मेनिंगोएन्सेफलाइटिस विद लॉन्गिट्यूडिनल एक्सटेंसिव ट्रांसवर्स मायलाइटिस (एलईटीएम): एक नैदानिक दुविधा इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल मेडिसिन। खंड 14 अंक 2 दिसंबर 2024 प्रकाशन तिथि: दिसंबर 2024.

- जैन ए, बाली ओ, रिची एन, सिंगला एस. वयस्कों में माइग्रेन (ऑरा के साथ या बिना) के निदान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस: एक व्यवस्थित समीक्षा.जे इंड एकेड क्लिन मेड. 2024;25(3):87-99.
- मिश्रा आर, सिंगला एस. गर्भावस्था और स्वप्रतिरक्षी विकार: जटिल अंतर्क्रिया। मेडिसिन अपडेट IACMCON 2024 में प्रकाशित अध्याय।
- गोलानी, एम., पंडित, एस. और सिंगला, एस. टाइप 2 डायबिटीज़ के मरीज़ों में मौखिक एंटी-डायबिटिक्स लेने पर स्व-रिपोर्ट की गई हाइपोग्लाइसीमिया। अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ़ डायबिटीज़ डेवलपमेंट (2024)। https://doi.org/10. 1007/s13410-024-01326-4
- भटनागर एन, सिंह एमएम, शर्मा एच, मिश्रा एस, सिंह जी, राव एस, बोरले ए, आनंद टी, कुमार एन, गोस्वामी बी, सिंह एस, कपूर एम, सिंगला एस, खुरैजम बी, खुराना एन, शर्मा यू, गर्ग एस। दिल्ली, भारत में ठीक हुए मरीजों में कोविड-19 के बाद के लक्षणों की व्यापकता और पैटर्न: एक जनसंख्या-आधारित अध्ययन। ओसॉन्ग पब्लिक हेल्थ रिसर्च पर्सपेक्ट। 2024 जून;15(3):229-237। doi: 10.24171/j.phrp.2023.0251। ई-प्रकाशन 2024 मई 17। पीएमआईडी: 38988026; पीएमसीआईडी: पीएमसी11237315.
- रश्मि मिश्रा, अनुराग रोहतगी, एस अनुराधा, नरेश कुमार, सुमीत सिंगला तूफान का पर्दाफाश: सिस्टमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस में हीमोफैगोसाइटिक लिम्फोहिस्टियोसाइटोसिस-एक केस सीरीज़, शेरोन टी मैथ्यूज, सौरव कुमार, पूजा गौतम, P022 रुमेटोलॉजी, खंड 63, अंक अनुपूरक_1, अप्रैल 2024, keae 163.064, https://doi.org/10.1093/rheumatology/keae163.064.
- बाली ओ, सिंगला एस. उत्तर भारत के एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में पारंपरिक रोग-संशोधित एंटी-रूमेटिक दवाओं का उपयोग करते हुए एंकिलोज़िंग स्पॉन्डिलाइटिस और रूमेटाइड आर्थराइटिस की बीमारी की लागत और जेब से होने वाला खर्च। इंडियन जर्नल ऑफ रूमेटोलॉजी। 2024;19(3):170-183. doi: 10.1177/09733698241239709.
- चार्टेन एम, सिंह एस, धनकर एन, गौतम पी, अनुराधा एस, सिंगला एस. एक्स्ट्रापल्मोनरी सारकॉइडोसिस विद कॉन्कर्रेंट सुलगते हुए मल्टीपल मायलोमा का प्लाज्मा सेल मायलोमा में रूपांतरण: एक असामान्य संबंध की केस रिपोर्ट। ओमान मेड जे 2024;39 (1): DOI 10.5001/omj.2026.18.
- मिश्रा आर, सिंगला एस. उच्च रक्तचाप का इलाज मुश्किल-चिकित्सकों के लिए टूलकिट। मेडिसिन अपडेट IACMCON 2023 में प्रकाशित अध्याय।
- बोहानिया एन, सिंगला एस, पंडित एस, अच्युत बान ए, अग्रवाल आर, जैन पी. डायबिटीज़ मेलिटस में नेल फोल्ड केशिका परिवर्तन और डायबिटिक रेटिनोपैथी के साथ उनका सहसंबंध। एमएएमसी जे मेड साइंस 2022;8:153-7.

- कौर बी, अग्रवाल वाई, भटनागर एन, सिंगला एस। भारत में COVID-19 महामारी के दौरान स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के जीवन की गुणवत्ता। एमएएमसी जे मेड साइंस 2022;8:121-6.
- चावला आर, ठाकुर पी, मोहन कोचर ए, सिंगला एस. लेप्रोमेटस कुष्ठ रोग के एक मामले में प्रोज़ोन घटना के साथ वीडीआरएल परीक्षण पर झूठी सकारात्मक प्रतिक्रिया। एमएएमसी जे मेड साइंस 2022;8:158-62.
- कलानी केआर, बान एए, सिंगला एस। सह-मौजूदा अल्सरेटिव कोलाइटिस और ताकायासु धमनीशोथ: ए केस-आधारित समीक्षा. इंडियन जे रुमेटोल 2022; 17:416-26.
- बाली ओ, सिंगला एस. उत्तर भारत के एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में पारंपरिक रोग-संशोधित एंटी-रूमेटिक दवाओं का उपयोग करते हुए एंकिलोज़िंग स्पॉन्डिलाइटिस और रूमेटाइड आर्थराइटिस की बीमारी की लागत और जेब से होने वाला खर्च। इंडियन जर्नल ऑफ रूमेटोलॉजी। 2024;19(3):170-183. doi: 10.1177/09733698241239709.
- सिंगला एस. रूमेटिक रोगों में एएससीवीडी का जोखिम: एक साहसिक नया आयाम। इंडियन जर्नल ऑफ रूमेटोलॉजी। 2025;20(2):201-203. doi: 10.1177/09733698251313614.
- जैन ए, बाली ओ, रिची एन, सिंगला एस. वयस्कों में माइग्रेन (ऑरा के साथ या बिना) के निदान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता: एक व्यवस्थित समीक्षा। जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल एकेड क्लिन मेड. 2024;25(3): 87-99.
- चितरंजन पांडा1, पारस महाजन2, प्रखर बंसल3, एंद्रिला सिंघारॉय4, अभिलाष पटोवरी5, ऋषभ शैलेश6, विपुल गर्ग7, आशीष कुमार नायक8, रघु आर वेकटेश9, शतभिषा मंडल10, सुरेश कुमार11, हरप्रीत सिंह12, निधि आनंद13। दिल्ली में लेप्टोस्पायरोसिस की नैदानिक प्रस्तुतियों के विविध स्पेक्ट्रम: तृतीयक देखभाल अस्पताल और मेडिकल कॉलेज से 2023 बाढ़ के बाद के मामलों की श्रृंखला डीओआई: 10.5005/जेपी-जर्नल्स-10045-00302। द जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज, खंड 10 अंक 1-4 (जनवरी-दिसंबर 2024)।
- एचआईवी नेगेटिव क्रोनिक किडनी रोग के रोगी में क्रिप्टोकोकल प्ल्यूरल इफ्यूशन-: एक असामान्य प्रस्तुति का खुलासा। चित्तरंजन पांडा, आर.वी. रघु, सुरेश कुमार, हरप्रीत सिंह, निधि आनंद, ऐंद्रिला सिंहा रॉय। DOI: 10.4103/ upjimi.upjimi_7_24। जर्नल ऑफ इंटरनल मेडिसिन ऑफ इंडिया-खंड 16, अंक 2, जुलाई-दिसंबर 2022
- दोहरी हीमोग्लोबिनोपैथी लिम्फैडेनोपैथी के रूप में प्रस्तुत होती है: एक नैदानिक चुनौती। प्रखर बंसल, ऋषभ शैलेश, अभिषेक विश्वकर्मा, हरप्रीत सिंह, निधि आनंद, सुरेश कुमार। डीओआई: 10.4103/upjimi.upjimi_9_24। जर्नल ऑफ इंटरनल मेडिसिन ऑफ इंडिया-खंड 16, अंक 2, जुलाई-दिसंबर 2022.
- गैस्ट्रिक दुर्दमता की नकल करने वाला प्राथमिक गैस्ट्रिक तपेदिक: अज्ञात उत्पत्ति के ज्वर का एक दुर्लभ कारण। पारस महाजन, केशव गर्ग, आर.वी. रघु, निधि आनंद, हरप्रीत सिंह, सुरेश

कुमार। DOI:10.4103/upjimi.upjimi _5_24. जर्नल ऑफ इंटरनल मेडिसिन ऑफ इंडिया-खंड 17, अंक 1, जनवरी-जून 2023.

- गुर्दे का पतन: एक अंतर्निहित उच्च-श्रेणी के रक्त संबंधी दुर्दमता की झलक-एक केस रिपोर्ट। पारस महाजन*, सुरेश कुमार, हरप्रीत सिंह, निधि आनंद, और अभिलाष पटवारी। https://doi.org/10.30574/wjbphs.2024.20.3.1039 । वर्ल्ड जर्नल ऑफ बायोलॉजी, फार्मेसी एंड हेल्थ साइंसेज, 2024, 20(03), 429-434
- पेट की कराह से लेकर मानसिक कराह तक: हाइपरकैल्सीमिया का एक विचित्र मामला। डॉ. अभिलाष पटोवरी1, डॉ. रघु आरवी1, डॉ. निधि आनंद1, डॉ. हरप्रीत सिंह 1, डॉ. सुरेश कुमार1। डीओआई: 10.9790/0853-2309054750। आईओएसआर जर्नल ऑफ डेंटल एंड मेडिकल साइंसेज (आईओएसआर-जेडीएमएस) ई-आईएसएसएन: 2279-0853, पी-आईएसएसएन: 2279-0861। वॉल्यूम 23, अंक 9 क्रमांक। 5 (सितंबर 2024), पीपी 47-50
- दोहरे अपराधी का खुलासा: केंद्रीय तंत्रिका तंत्र क्षय रोग जो तीव्र रक्तस्रावी मस्तिष्क ज्वर जैसा दिखता है। चित्तरंजन पांडा, आर.वी. रघु, विपुल गर्ग, सुरेश कुमार, हरप्रीत सिंह, निधि आनंद, चैतन्य गुलाटी, ऐंद्रिला सिंहा रॉय। DOI:10.4103/injms.injms _186_24. इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल स्पेशलिटीज़।
- इंट्राक्रैनील रक्तस्राव के साथ संयुक्त टाइप 2 ऑटोइम्यून हेपेटाइटिस और एंटीफॉस्फोलिपिड सिंड्रोम की एक केस रिपोर्ट: नैदानिक और चिकित्सीय दुविधा, शतभिषा मंडल, चित्तरंजन पांडा, हरप्रीत सिंह, निधि आनंद, सुरेश कुमार DOI: क्यूरियस।
- इडियोपैथिक मल्टीसेंट्रिक कैसलमैन रोग (आईएमसीडी) के साथ रिफ्रैक्टरी फोकल सेगमेंटल स्क्लेरोसिस (एफएसजीएस) का एक दुर्लभ मामला: सामान्यीकृत लिम्फैडेनोपैथी के साथ वयस्क-प्रारंभ नेफ्रोटिक सिंड्रोम के रूप में प्रस्तुत जून 2024, सचिन गौतम, संदीप गर्ग, अमित कुमार, विनीता बत्रा।
- संजीत कुमार, संदीप गर्ग, प्रवीण भारती, आरती साह। कृंतकनाशक विषाक्तता जो तीव्र शिथिल चतुर्धुवीयता और हृदय अतालता के रूप में प्रकट होती है। जर्नल ऑफ न्यूरोलॉजी एंड न्यूरोलॉजी, 2023; 12(4): 555843। DOI: 10.19080/JAICM.2023.12.555843।
- सुनीता अग्रवाल, अभिषेक वर्मा, सुरेंद्र तिवारी, स्मिता कौशिक, संदीप गर्ग, सुरेश कुमार। आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया के रोगियों में विटामिन ए की स्थिति का आकलन। एमएएमसी जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज, अप्रैल 2023, अंक (9):1:50-56.
- सचिन गौतम, प्राची बागड़हट्टा, रघु आर.वी., संदीप गर्ग, प्रवीण भारती, रोहित गुप्ता। एक्यूट मार्शियाफावाबिग्नामी रोग पर एक केस रिपोर्ट। जर्नल ऑफ प्राइमरी केयर स्पेशलिटीज़। खंड 4, अंक 3, सितंबर-दिसंबर 2023.

- रश्मि मिश्रा, संदीप गर्ग, रघु वी. गौड़ा, प्रवीण भारती, प्रिया शर्मा। मल्टीड्रग रेसिस्टेंट एस्चेरिचिया कोलाई और एस्परगिलस सह-संक्रमण के कारण होने वाले नॉन-रिसॉल्विंग निमोनिया के साथ अलग-थलग प्रत्यक्ष हाइपरबिलिरुबिनमिया के रूप में अल्कोहलिक लिवर रोग का असामान्य प्रस्तुतीकरण: एक केस रिपोर्ट। जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च। 2023 मई, खंड-17(5): पृष्ठ 1-4.
- रिमझिम बरसैन, देवेंद्र मिश्रा, मोनिका जुनेजा, देवेंद्र कुमार, संदीप गर्ग। गर्भावधि मधुमेह से ग्रस्त और रहित महिलाओं के शिशुओं की प्रारंभिक शैशवावस्था में तंत्रिका-विकासात्मक स्थिति की तुलना। इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स, 2023। https://doi.org/10.1007/s12098-023-04639-0
- नंदिनी शर्मा, सौरव बसु, हीना लालवानी, शिवानी राव, मानसी मलिक, संदीप गर्ग, राहुल श्रीवास्तव, मोंगजाम मेघचंद्र सिंह। भारत के दिल्ली में एक शहरी झुग्गी-झोपड़ी और पुनर्वास कॉलोनी में वृद्धों में कोविड-19 बूस्टर खुराक कवरेज और हिचकिचाहट। वैक्सीन्स 2023, 11, 1177 पृष्ठ 1-14. https://doi.org/10.3390/vaccines11071177.
- गौतम, एस., कुमार आर., भदौरिया, डीपी, मावारी, जी., कुमार, एन., डागा, एमके, पंडित, एस., अनुराधा, एस., प्रधान, जीके, गर्ग, एस., शर्मा, जी., रघु, आरवी, रिची, एन., दसारी, जयमसुलेखा। अस्पताल में भर्ती मध्यम श्रेणी के कोविड-19 रोगियों का नैदानिक प्रोफ़ाइल: दिल्ली के एक तृतीयक देखभाल केंद्र में किया गया एक संक्षिप्त अध्ययन। जर्नल ऑफ़ फ़ैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर। खंड 12: अंक 8: अगस्त 2023। पृष्ठ 1644-1653.
- शर्मा, वी., चावला, एस., गर्ग, एस., सिंह, बी., टाइप 2 डायबिटीज़ के मरीज़ों में मेटफ़ॉर्मिन के साथ अतिरिक्त थेरेपी के रूप में विल्डाग्लिप्टिन और रेमोग्लिफ़्लोज़िन की प्रभावकारिता और सुरक्षा। एक ओपन-लेबल तुलनात्मक अध्ययन। सुल्तान मेडिकल जर्नल DOI: https://doi.org/10.18295/ squmj.1.2024.006 ।
- ख्याति, ए., मनचंदा, वी., पुम्मा, पी., चावला, आर., गर्ग, एस., सक्सेना, एस., एक नैदानिक उपकरण के रूप में लार आरटी-पीसीआर परीक्षण का नैदानिक प्रदर्शन और विभिन्न रोगी विशेषताओं में SARS-CoV-2 के रिसाव का पता लगाने में इसकी उपयोगिता: संभावित अवलोकन अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, 47 (2024) 100490।
- सिंह, एम.एम., बसु, एस., लालवानी, एच., राव, एस., माहेश्वरी, वी., गर्ग, एस., शर्मा, एन., दिल्ली, भारत में एक शहरी पुनर्वास कॉलोनी और मलिन बस्तियों में उच्च रक्तचाप देखभाल कास्केड: एक क्रॉस सेक्शनल सर्वेक्षण। बीएमजे पब्लिक हेल्थ (2023) 23:2116। https://doi.org/10.1186/s12889-023-17021-8

- मिश्रा, आर., गर्ग, एस., भारती, पी., मल्ला, डीआर, रोहतगी, आई., गौतम, एस., क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकेमिया में एक्स्ट्रामेडुलरी ब्लास्ट संकट की असामान्य प्रस्तुति: एक केस रिपोर्ट। वर्ल्ड जे हेमटोल 2023 दिसंबर 29; 10(4): 42-47
- पाराशर, एन., गुप्ता, एन.एच., सजवान, ए., कुमार, एस., गर्ग, एस., कुमार, एस., कोविड-19 से पीड़ित रोगियों में श्वेत रक्त कोशिका पैरामीटर। एशियन जे. रेस. इंफेक्ट. डिस.2024; खंड 15: संख्या 4: पृष्ठ 44-50।
- तोमर, ए., अग्रवाल, एस., गर्ग, एस., गुप्ता, एस., कुमार, एन., नंदी, एस., अग्रवाल, ए., हीमोफीलिया में शल्य चिकित्सा संबंधी पहलू: एक नई शुरुआत। एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया का जर्नल, फरवरी 2024
- अग्रवाल, एस., नंदी, एस., गर्ग, एस., तोमर, ए., खर्चे, डी., बुजुर्गों में थ्रोम्बोसाइटोपेनिया। एपीआई प्रोग्रेस इन मेडिसिन 2024 खंड 34: अध्याय 44: 242-247
- गर्ग, एस., गुर्जर, के., अग्रवाल, एस., मोटापे के प्रबंधन में दोहरे जीएलपी एनालॉग्स की भूमिका। एपिकॉन मेडिसिन अपडेट 2024। खंड 34: अध्याय 172: 883-889

अनुसंधान परियोजना

संकाय: डॉ. एस. अनुराधा, निदेशक, चिकित्सा प्रोफेसर

अनुसंधान योजना:

- NACP के अंतर्गत "सामुदायिक वायरल लोड परीक्षण" के लिए ART का प्रभाव मूल्यांकन NACO/ICMR (NARI)
- एएचडी पैकेज का चरणबद्ध कार्यान्वयन: क्रिप्टोकोकल मेनिन्जाइटिस.- क्लिंटन हेल्थ एक्सेस इनिशिएटिव (CHAI)
- एआरटी केंद्र में आने वाले पीएलएचआईवी के बीच एनसीडी और मानसिक स्वास्थ्य की जांच (आई टेक और वाशिंगटन विश्वविद्यालय)

सह-अन्वेषक

- एचआईवी/एड्स से पीड़ित लोगों में नए मापदंडों सहित रक्त संबंधी परिवर्तन और एआरटी थेरेपी और सीडी4 स्तरों के साथ उनका सहसंबंध: एक संभावित अध्ययन

पर्यवेक्षक:

- रोग (एनसीडी) सह-रुग्णताओं का आकलन और जीवन की गुणवत्ता पर उनका प्रभाव।
- एचआईवी (पीएलएचआईवी) से पीड़ित लोगों में सार्कोपेनिया और इसके निर्धारकों का आकलन।
- एचआईवी (पीएलएचआईवी) के साथ रहने वाले लोगों में नींद की गुणवत्ता और नींद में गड़बड़ी का आकलन और जीवन की गुणवत्ता (क्यूओएल) पर इसका प्रभाव।

- उपचार (एआरटी) के पालन पर इसका प्रभाव। (जारी)
- तीव्र ज्वरीय मस्तिष्क विकृति के नैदानिक स्पेक्ट्रम और एटियलजि का मूल्यांकन। (जारी)
- एचआईवी से ग्रस्त लोगों में थकान का आकलन और जीवन की गुणवत्ता पर इसका प्रभाव। (जारी)
- एचआईवी (पीएलएचआईवी) से पीड़ित लोगों में फुफ्फुसीय कार्यों का मूल्यांकन (जारी)
- तपेदिक मैनिंजाइटिस (टीबीएम) और इसके पूर्वानुमानों के परिणाम का आकलन। (जारी)

सह-पर्यवेक्षक:

- एचआईवी/एड्स से पीड़ित लोगों में साइटोमेगालोवायरस पर एक सूक्ष्मजीवविज्ञानी और महामारी विज्ञान संबंधी अध्ययन (2024 में प्रस्तुत)।
- सोरायसिस के रोगियों में सोरायटिक गठिया का बोझ। (2024 में प्रस्तुत)
- परिधीय ट्यूबरकुलर लिम्फैडेनाइटिस के रोगियों की नैदानिक प्रोफ़ाइल और उपचार के प्रति प्रतिक्रिया (2024 में प्रस्तुत)।
- लक्षणात्मक एचआईवी सेरोपॉजिटिव रोगियों में सोनोग्राफी और कंप्यूटेड टोमोग्राफी पर एब्डोमिनोपेल्विक निष्कर्ष। (2024 में प्रस्तुत)।
- टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस के रोगियों में संज्ञानात्मक हानि का ग्लाइसेमिक नियंत्रण से संबंध (2024 में प्रस्तुत)।
- रुमेटी गठिया में विटामिन डी का स्तर और रोग गतिविधि के साथ इसका संबंध (जारी)।
- एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी केंद्र में एचआईवी से पीड़ित व्यक्तियों में यौन संचारित संक्रमण (जारी)
- सक्रिय फुफ्फुसीय क्षय रोग में हृदय संबंधी शिथिलता और उपचार के प्रति इसकी प्रतिक्रिया (जारी)
- तपेदिक मैनिंजाइटिस के उपचारित रोगियों में अवशिष्ट तंत्रिका संबंधी परिणाम और संज्ञानात्मक शिथिलता (जारी)
- टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस के रोगियों में नींद की गुणवत्ता (जारी)
- एचआईवी पॉजिटिव बच्चों में डोलुटेग्राविर आधारित एंटीरेट्रोवाइरल उपचार की प्रभावकारिता (जारी)

संकाय: डॉ. सुनीता अग्रवाल

प्रमुख अन्वेषक:

- स्थापित एथेरोस्क्लेरोटिक हृदय रोग, क्रोनिक किडनी रोग और प्रणालीगत सूजन वाले रोगियों में हृदय संबंधी परिणामों पर ज़िल्टिवेकिमैब बनाम प्लेसीबो का परीक्षण।

सह-अन्वेषक:

- एनएन9535-4386, सस्टेन 11: टाइप 2 मधुमेह वाले विषयों में मेटफॉर्मिन और अनुकूलित इंसुलिन ग्लार्गिन (यू100) के अतिरिक्त, सप्ताह में एक बार सेमाग्लूटाइड बनाम इंसुलिन एस्पार्ट दिन में तीन बार का प्रभाव।

  EX9536-4388: "अधिक वजन या मोटापे से ग्रस्त लोगों में हृदय संबंधी परिणामों पर सेमाग्लूटाइड के प्रभाव" का चयन करें।

1. **थीसिस कार्य**

- वॉनविलेब्रांड रोग के रोगियों में नैदानिक प्रोफ़ाइल।
- उत्तर भारत के तृतीयक देखभाल केंद्रों में प्रस्तुत तीव्र विषाक्तता के मामलों का नैदानिक स्पेक्ट्रम।
- हीमोफीलिया के रोगियों में सर्जिकल हस्तक्षेप के स्पेक्ट्रम पर एक अध्ययन।
- एनीमिया के मूल्यांकन में रेटिकुलोसाइट हीमोग्लोबिन सामग्री पर एक अध्ययन।
- हीमोफिलिया में सार्कोपेनिया पर एक अध्ययन।
- क्रोनिक लिम्फो-प्रोलिफेरेटिव विकारों में माइक्रो आरएनए की अभिव्यक्ति पर एक अध्ययन।
- नियमित प्रतिस्थापन चिकित्सा प्राप्त करने वाले हीमोफीलिया रोगियों के जीवन की गुणवत्ता।
- हीमोफीलिया वाहकों के नैदानिक और मनोवैज्ञानिक प्रोफाइल का स्पेक्ट्रम।

संकाय: डॉ. संदीप गर्ग

पर्यवेक्षक के रूप में

- हाइपोथायरायडिज्म के रोगियों में एपिकार्डियल वसा की मोटाई का मूल्यांकन।
- युवा टाइप II मधुमेह रोगियों में एंड्रोपोज़ की व्यापकता।
- उत्तर भारत में मोटापे के विभिन्न लक्षणप्ररूपी समूहों पर एक अध्ययन।
- संरक्षित इजेक्शन अंश वाले हृदय विफलता वाले रोगियों में सीरम। गैलेक्टिन-3 के स्तर के आकलन पर अध्ययन।
- टाइप 2 मधुमेह रोगियों में एपेलिन के स्तर के आकलन पर एक अध्ययन

सह-पर्यवेक्षक के रूप में।

- तपेदिक रोगियों में प्रथम श्रेणी की क्षयरोगरोधी दवाओं की फार्माकाइनेटिक्स: मधुमेह मेलिटस वाले या न होने वाले रोगियों में एक तुलनात्मक अध्ययन।
- क्रोनिक किडनी रोगियों में थायरॉइड फ़ंक्शन परीक्षण और अन्य मेटाबोलाइट्स का अध्ययन।
- सैक्रोइलियक जोड़ों के मूल्यांकन में 3 टेस्ला चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग पर एक अध्ययन।
- मधुमेह रोगियों में अग्नाशय की कठोरता के अल्ट्रासाउंड आधारित इलास्टोग्राफिक मूल्यांकन पर एक अध्ययन।
- कोरोनरी धमनी रोग में GATA-4 प्रमोटर मिथाइलेशन के साथ सीरम विटामिन A स्तर का संबंध।
- टाइप 2 मधुमेह के रोगियों में सरगोलिटाज़र के एंटीडिसलिपिडेमिक और इंसुलिन संवेदीकरण प्रभावों पर अध्ययन।

अन्वेषक के रूप में

- अधिक वजन या मोटापे से ग्रस्त प्रतिभागियों में सप्ताह में एक बार सेमाग्लूटाइड्स.सी. 2.4 मिलीग्राम (कैग्रिसेमास.सी. 2.4 मिलीग्राम/2.4 मिलीग्राम) के साथ संयोजन में कैग्रिलिनटाइड्स.सी. 2.4 मिलीग्राम की प्रभावकारिता और सुरक्षा।
- स्थापित एथेरोस्क्लेरोटिक हृदय रोग, क्रोनिक किडनी रोग और प्रणालीगत सूजन वाले रोगियों में हृदय संबंधी परिणामों पर ज़िल्टिवेकिमैब बनाम प्लेसीबो का परीक्षण (ZEUS अध्ययन)।

सह-अन्वेषक के रूप में

- नंदिनी शर्मा, वारिशा मरियम, सौरव बसु, राहुल श्रीवास्तव, शिवानी राव, प्रज्ञा शर्मा, संदीप गर्ग। दिल्ली, भारत में एक निम्न-आय वाले शहरी समूह में टाइप 2 मधुमेह और उच्च रक्तचाप के रोगियों में उपचार अनुपालन और स्वास्थ्य परिणामों के निर्धारक: एक गुणात्मक अध्ययन। 2023 शर्मा एवं अन्य। क्यूरियस 15(2): e34826। DOI 10.7759/cureus. 34826.P1-9

आयोजित संगोष्ठियां

डॉ. एस. अनुराधा, कार्यक्रम निदेशक, एचआईवी उत्कृष्टता केंद्र ने राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के लिए 01 दिसंबर-2024 को चिकित्सा विभाग के तत्वावधान में विश्व एड्स दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया।

डॉ. सुमीत सिंगला ने 21 दिसंबर, 2024 को ऑटोएंटीबॉडी परीक्षण-सरलीकृत दृष्टिकोण पर सीएमई का आयोजन किया।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	: 11
एसोसिएट प्रोफेसर	: 0
सहायक प्रोफेसर	: 3
तदर्थ संकाय सदस्य	: 1

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ. एस. अनुराधा:

- एनबीई-डीएनबी मेडिसिन पाठ्यक्रम के समन्वयक।
- भारत में टीबी उन्मूलन हेतु राष्ट्रीय रणनीतिक योजना 2020-2025 के सदस्य, सीटीडी/एनटीईपी/एमओएचएफडब्ल्यू।
- सदस्य, एआरटी दिशानिर्देश विकास समिति, नाको, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय।
- डॉ.एनबी (आईडी) के लिए संक्रामक रोगों के विशेषज्ञ बोर्ड के सदस्य, एमओएचएफडब्ल्यू।
- चिकित्सा और पारिवारिक चिकित्सा विषयों के लिए एनबीई के तकनीकी सलाहकार।
- डीएनबी (चिकित्सा) के लिए राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड के लिए निरीक्षण आयोजित किया गया।
- नाको, भारत सरकार और इग्नू के लिए एचआईवी चिकित्सा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के लिए पाठ्यक्रम संशोधन समिति के मुख्य सदस्य।
- राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस कार्यक्रम, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तकनीकी विनिर्देशन के सदस्य के रूप में नियुक्त
- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के क्षेत्रीय समन्वयकों और परामर्शदाताओं (सीएसटी) के साक्षात्कार के लिए चयन समिति के सदस्य।
- पीएलएचआईवी में एनसीडी के लिए तकनीकी कार्य समूह के सदस्य।
- यूपीएससी चिकित्सा अधिकारी सेवा परीक्षा के लिए व्यक्तित्व परीक्षण बोर्ड के सदस्य।
- दिल्ली विश्वविद्यालय, चिकित्सा के लिए यूसीएमएस हेतु डीएसीपी हेतु साक्षात्कार बोर्ड के सदस्य।

- भारत सरकार के राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम (एनएसीपी) में तकनीकी विशेषज्ञ और सलाहकार तथा कार्यक्रम के लिए मास्टर ट्रेनर के रूप में योगदान दिया।

    1. एमएएमसी में एचआईवी उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) के कार्यक्रम निदेशक। यह सीओई राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (एनएसीओ), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की सभी शोध और प्रशिक्षण गतिविधियों के लिए ज़िम्मेदार है। एनएसीपी के सभी स्वास्थ्य सेवा कर्मियों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किए गए।

    2. राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (एनएसीओ), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एमएएमसी में राज्य एड्स क्लिनिकल विशेषज्ञ पैनल (एसएसीईपी) का नेतृत्व, उत्तर, उत्तर पश्चिम और मध्य भारत के 52 एआरटी केंद्रों के लिए द्वितीय पंक्ति और तृतीय पंक्ति एआरटी, और वैकल्पिक प्रथम पंक्ति एआरटी और एआरटी से संबंधित विषाक्तता की समीक्षा और परामर्श के लिए।

- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के लिए एंटीरेट्रोवाइरल उपचार हेतु राष्ट्रीय दिशा-निर्देशों और नीतियों की समीक्षा और विकास के लिए एंटीरेट्रोवाइरल उपचार (एआरटी) पर तकनीकी संसाधन समूह (टीआरजी) के सह-अध्यक्ष।
- पूरे भारत से संदर्भित मामलों की समीक्षा और प्रबंधन के लिए एनएसीईपी- राष्ट्रीय एड्स क्लिनिकल विशेषज्ञ पैनल के सदस्य।
- सदस्य, टीआरजी निगरानी और महामारी विज्ञान, नाको, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।
- सदस्य, तकनीकी संसाधन समूह, एचआईवी परामर्श और परीक्षण सेवाएं (एचसीटीएस), एनएसीओ।
- सिफलिस और एचआईवी के लिए माँ से बच्चे में संचरण ईएमटीसीटी के उन्मूलन पर तकनीकी कार्य समूह के सदस्य, एनएसीओ।
- NACO की वायरल लोड दिशानिर्देश समिति के सदस्य।
- नाको के चिकित्सा अधिकारियों और विशेषज्ञों के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के संशोधन के लिए तकनीकी समीक्षक और संसाधन व्यक्ति।
- एनएसीपी के लिए सीएसटी सलाहकारों की चयन समिति के सदस्य।

- इग्नू के सहयोग से नाको के एचआईवी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएचआईवी) के लिए पाठ्यक्रम विकास हेतु पाठ्यक्रम समिति के समन्वयक।
- सीएसटी प्रभाग के पदों के लिए साक्षात्कार हेतु सदस्य चयन पैनल:
- तकनीकी अधिकारी, नाको के कार्यक्रम अधिकारी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।
- NACO-ITECH राष्ट्रीय दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम श्रृंखला (NDLS) के लिए संसाधन व्यक्ति।
- न्यू मैक्सिको विश्वविद्यालय, अमेरिका और राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (एनएसीओ), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से दिशा-इको टेलीमेडिसिन परियोजना के समन्वयक। टेलीहेल्थ कार्यक्रम सभी रेफरल एआरटी केंद्रों को एक शिक्षण कार्यक्रम के लिए जोड़ता है जिसमें उपदेशात्मक और केस-आधारित शिक्षण शामिल है।
- नाको के लिए एआरटीसी के परिचालन दिशानिर्देशों के संशोधन के लिए तकनीकी सलाहकार समूह के सदस्य।
- राष्ट्रीय एचआईवी और एआरटी दिशानिर्देशों के संशोधन के लिए तकनीकी समीक्षक और संसाधन व्यक्ति।
- NACO के चिकित्सा अधिकारियों और विशेषज्ञों के लिए मिश्रित नैदानिक पाठ्यक्रम के लिए तकनीकी विशेषज्ञ।
- भारत में टीबी उन्मूलन हेतु राष्ट्रीय रणनीतिक योजना 2020-2025 के सदस्य, 2020 से सीटीडी/एनटीईपी/एमओएचएफडब्ल्यू।
- टीबी संक्रमण (टीबीआई) पर अंतर्राष्ट्रीय क्षय रोग एवं फेफड़े रोग विरोधी संघ (द यूनियन) के ऑनलाइन पाठ्यक्रम के समीक्षक।
- मैकमास्टर की आंतरिक चिकित्सा पाठ्यपुस्तक (दक्षिण एशियाई संस्करण) के समीक्षक।

डॉ. सुनीता अग्रवाल

- मैं राष्ट्रीय सम्मेलन APICON 2024 की आयोजन समिति का हिस्सा था।
- एमएएमसी में विश्व हीमोफीलिया दिवस मनाया गया।
- हीमोफीलिया सम्मेलन-आयोजक, आईएचसी, दिल्ली में वक्ता।
- अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "व्यावसायिक और पर्यावरणीय स्वास्थ्य में वर्तमान चुनौतियाँ" में अध्यक्ष।
- 16 मार्च को देहरादून में हीमोफीलिया मीट में वक्ता।

- "अपीलीय चिकित्सा बोर्ड/अपीलीय विकलांगता चिकित्सा बोर्ड" के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य करना।2022, 2023, 2024.

डॉ. संदीप गर्ग

- राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग और दिल्ली मेडिकल काउंसिल द्वारा चिकित्सा लापरवाही के मामलों पर राय देने के लिए गठित विभिन्न समितियों के सदस्य के रूप में कार्य करना।
- एसएई स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति के सदस्य, डीसीजीआई के केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन, भारत सरकार।
- लोकनायक अस्पताल, दिल्ली के यूनिट VI (वार्ड 28) के प्रमुख
- आरटीआई, मेडिकोलीगल मामलों, मेडिसिन विभाग से संबंधित अदालती मामलों से संबंधित मामलों के लिए पीआईओ।
- मानव अंगों और ऊतकों के प्रत्यारोपण के नियम 12 के अंतर्गत अस्पताल आधारित प्राधिकरण समिति के लिए स्वास्थ्य सचिव द्वारा नामित।
- मेडिकल पूल के अंतर्गत सरकारी आवास के आवंटन के लिए चिकित्सा समिति के सदस्य के रूप में डीन एमएएमसी द्वारा नामित।
- सर्जरी विभाग में स्टोर की वस्तुओं के वार्षिक सत्यापन के लिए डीन एमएएमसी द्वारा गठित समिति के सदस्य थे।
- एलएनएच के ईडीएल के उन्नयन के लिए समिति के सदस्य।
- एनएमसी अधिनियम 2019 के प्रावधान के तहत विभिन्न संस्थानों द्वारा दायर दूसरी अपील की जांच के लिए तकनीकी विशेषज्ञ समूह के सदस्य के रूप में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा नामित।
- विभाग के लिए एसआर/जेआर की भर्ती के लिए बोर्ड के सदस्य।
- 10.3.24 को एलएचएमसी द्वारा आयोजित ईडीईसीके सम्मेलन में ट्विनक्रेटिन्स-वर्तमान स्थिति पर व्याख्यान दिया।
- एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया के फिजिशियन रिसर्च फॉर्म के सदस्य (2018 और 2021)
- वह मेडिसिन अपडेट के संपादकीय बोर्ड और APICON 2023 की वैज्ञानिक समिति के सदस्य थे।
- विभिन्न अनुदान योजनाओं के अंतर्गत एसआरएफ हेतु अनुसंधान अनुदान के अनुमोदन हेतु सीएसआईआर चयन समिति के सदस्य।

- एसएई स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति के सदस्य, डीसीजीआई के केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन, भारत सरकार।
- सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली की आचार समिति के सदस्य।
- सीएचएस, निर्माण भवन द्वारा गठित विभिन्न समिति के सदस्य।
- दिल्ली विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम और अध्ययन समिति (सीसीएस) और विभागीय अनुसंधान समिति (डीआरसी) की बैठकों के सदस्य, चिकित्सा विज्ञान संकाय, वीपी चेस्ट इंस्टीट्यूट।
- "स्वास्थ्य पेशेवरों की दक्षताओं और विशेषज्ञता में सुधार" पर रिपोर्ट का मसौदा तैयार करने के लिए NAMS टास्क फोर्स के सदस्य
- निर्माण भवन में इंसुलिन पंप के उपयोग के लिए सीजीएचएस दिशानिर्देश तैयार करने वाली समिति के सदस्य।
- चिकित्सा विज्ञान संकाय के अंतर्गत पीएच.डी. कार्यक्रम के लिए गठित समिति के सदस्य, ।
- पीजीडीजीएम कार्यक्रम के प्रभारी नोडल अधिकारी।

डॉ. हरप्रीत सिंह

- ईएसआईसी अस्पताल रोहिणी, नई दिल्ली में संकाय चयन के लिए सदस्य मनोनीत किया गया।
- लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम, एमएएमसी के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य
- आईटी समिति के सदस्य, एलएनएच।
- बोर्ड, एलएनएच के सदस्य।
- कॉलेज पत्रिका स्पंदन के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।
- संकाय चिकित्सा शिक्षा इकाई-वर्ष 23/24 में आयोजित सभी सीआईएसपी/ बीसीएमई कार्यशालाओं के लिए एफडीपी (संकाय) और एसआर कार्यशाला दोनों में व्याख्यान दिए।
- सह-पीआई- दिवाली के दौरान पटाखे फोड़ना और AQI पैरामीटर- 5 साल से चल रही परियोजना-पर्यावरण केंद्र-एमएएमसी।
- 2024 एलएनएच के दौरान जेआर/एसआर साक्षात्कार के लिए चयन पैनल।
- एम्स, नई दिल्ली के लिए थीसिस मूल्यांकन।
- एम्स, नई दिल्ली में बाह्य परीक्षक-एमबीबीएस परीक्षा।
- डेंगू वैक्सीन के विकास के लिए को-पीआई-ट्रायल-चरण 3-को-पीआई-एडल्ट आर्म।

डॉ. शेरोन टी. मैथ्यूज

- एलएनएच में डायलिसिस के प्रभारी।
- एलएनएच में नेफ्रोलॉजी ओपीडी का संचालन।
- एमएएमसी के डीन सम्मेलन कक्ष में समय-समय पर आयोजित बैठकों में अंग प्रत्यारोपण के लिए राज्य स्तरीय प्राधिकरण समिति के सदस्य।

***

लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

एलएचएमसी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शवों के परिवहन के लिए एक अधिकृत शवलेपन केंद्र है। रेडियोलॉजी विभाग में 1000mA डिजिटल एक्स-रे सिस्टम डिजिटल फ्लैट पैनल डिटेक्टर MARS 80 स्थापित किया गया था। रेडियोथेरेपी उपकरण खरीद लिए गए हैं और रोगी की देखभाल के लिए सक्रिय कर दिए गए हैं। ईएनटी विभाग ने सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की एडीआईपी योजना के तहत 70 कोक्लेयर इम्प्लांट सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी की है।

कलावती सरन चिल्ड्रेन हॉस्पिटल में, हमने यूडब्ल्यूआईएन पोर्टल के शुभारंभ, बाल स्वास्थ्य और टीकाकरण को बढ़ावा देने सहित नई पहलों को अपनाया है। हमारे बाल रोग विभाग ने एचआईवी, टीबी, कुपोषण और ऑन्कोलॉजी जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्टता के केंद्र संचालित करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

कुछ अन्य प्रमुख उपलब्धियां हैं: राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के लिए बाल चिकित्सा दवा प्रतिरोधी टीबी दिशानिर्देशों का शुभारंभ।

हमने ई-ऑफिस प्रणाली को सफलतापूर्वक लागू किया है, जिससे हज़ारों इलेक्ट्रॉनिक फ़ाइलें तैयार हुई हैं और प्रशासनिक दक्षता में वृद्धि हुई है।

एक संस्थान के रूप में लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज ने भविष्य के लिए एक दृष्टिकोण रखा है जिसमें गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा प्रदान करना और इस लक्ष्य को पूरा करना शामिल है।

सम्मान/विभूतियां

हमारे कई छात्रों और शिक्षकों ने शोध-पत्र प्रस्तुति पुरस्कारों के माध्यम से ख्याति अर्जित की है।

प्रतिष्ठित पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड में प्रतिनिधित्व, विभिन्न साक्षात्कार पैनल, विभिन्न समितियों में तकनीकी विशेषज्ञ, विभिन्न विश्वविद्यालयों के बाह्य परीक्षक। कई संकाय सदस्यों को शोधपत्र प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त हुए हैं और कई संकाय सदस्यों ने संदर्भ वर्ष के दौरान राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न समितियों का प्रतिनिधित्व किया है, जिनमें शामिल हैं:

- डॉ. सरिता बेरी, नेत्र रोग विभाग, वर्तमान में एलएचएमसी की निदेशक।
- डॉ. अंजू सेठ, बाल रोग विभाग, वर्तमान में एलएचएमसी की प्राचार्य।
- डॉ. वरिंदर सिंह, बाल रोग विभाग।
- डॉ. श्रीकांत बसु, बाल रोग विभाग।
- डॉ. ललित कुमार गुप्ता, औषध-विज्ञान विभाग।
- डॉ. संगीता पाहुजा, इम्यूनोहेमेटोलॉजी एवं रक्त आधान विभाग।
- डॉ. अरविंद कुमार, फोरेंसिक विज्ञान विभाग।
- डॉ. प्रेरणा कुकरेती, मनोचिकित्सा विभाग।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक : 193
एसोसिएट प्रोफेसर : 15
सहायक प्रोफेसर : 33
तदर्थ संकाय सदस्य : 31

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

1. वर्ष 2024-25 में पुस्तकालय सदस्यों की संख्या में वृद्धि: 390.
2. वर्ष में जोड़ी गई पुस्तकों की संख्या: 425 और 5000+ ई-पुस्तकें।
3. वर्ष में जोड़े गए जर्नलों की संख्या: 129 (प्रिंट/ऑनलाइन जर्नल) ।
4. एक राष्ट्र एक सदस्यता (ओएनओएस) की शुरुआत और कार्यान्वयन।
5. मायलोफ्ट रिमोट एक्सेस सॉफ्टवेयर के माध्यम से वर्ष में ऑनलाइन ई संसाधन जोड़े गए।
    - अपटूडेट एडवांस डेटाबेस
    - क्लिनिकल की फिजिशियन फ्लैक्स
    - क्लिनिकल की छात्र संस्करण
    - जेपी डिजिटल ई-संसाधन
    - क्लिनिकल 3डी एनाटॉमी
    - एक्सेस एनेस्थीसिया
    - प्रसूति एवं स्त्री-रोग विशेषज्ञ तक पहुँच
    - एक्सेस पीडियाट्रिक्स
    - लिपिनकॉट मेडिकल एजुकेशन
6. 2024-25 में स्नातक-पूर्व/ स्नातकोत्तर/नर्सिंग छात्रों और संकाय के लिए चार अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।
7. संकाय वाचनालय में हाल ही में जोड़ी गई सुविधा-72 मॉड्यूलर कार्य स्टेशन तथा कुर्सियां स्थापित की गईं।

8. पुस्तकालय के वाचनालय के लिए 104 मॉड्यूलर कार्य केंद्र का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

***

नेत्र विज्ञान (एमएएमसी)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

गुरु नानक आई सेंटर, नेत्र विज्ञान विभाग, एमएएमसी (i) बच्चों में मायोपिया बढ़ाने पर ध्यान देने के साथ अनुसंधान और प्रकाशन युक्तियों पर जून 2024 के महीने में एक सीएमई आयोजित की गई थी। (ii) हमारे स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ताओं के लिए शारीरिक और रचनात्मक गतिविधियों द्वारा शरीर और मन की देखभाल करने के लिए 11 अगस्त 2024 को खेल दिवस का आयोजन किया गया था। (iii) जीएनईसी फार्माकोविजिलेंस सप्ताह (17 से 23 सितंबर, 2024) के दौरान अस्पताल परिसर में वॉकथॉन और नुक्कड़ नाटक में भाग लेता है। (iv) 22 सितंबर को जीएनईसी ऑडिटोरियम में मासिक डीओएस सीएमई का आयोजन "नेत्र विज्ञान में रोगाणुरोधी प्रबंधन दिशानिर्देश" के शुभारंभ के साथ किया गया था, जो कि माइक्रोबायोलॉजी औषध-विज्ञान विभाग एमएएमसी के साथ एलडी डीन डॉ पूनम नारंग और प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ रमनजीत सिहोटा द्वारा एक अंतर-विभागीय सहयोग था। (v) जीएनईसी में चौबीसों घंटे काम करने वाले रेजिडेंट डॉक्टरों के मानसिक तनाव को ध्यान में रखते हुए, 21 दिसंबर, 2024 को जीएनईसी के निदेशक प्रोफेसर कीर्ति सिंह द्वारा रीडिंग और मनोरंजन कक्ष की कल्पना की गई थी। (vi) मार्च, 2025 में गुरु नानक आई सेंटर (जीएनईसी) में एक जीएपी कार्यशाला और कॉर्निया सीएमई का आयोजन किया गया था। (vii) दिल्ली ऑप्थल्मोलॉजिकल सोसाइटी (डीओएस) के समन्वय में दूसरा डीओएस कुशल स्थानांतरण कार्यक्रम 22.3.2025 को जीएनईसी में वर्चुअल रियलिटी फेको इमल्सीफिकेशन सर्जरी और इंट्राविट्रियल इंजेक्शन तकनीकों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण के साथ आयोजित किया गया था।

सम्मान/विभूतियां

संकाय

- ग्लूकोमा में अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान कॉलेजियम (एफएआईसीओ) की मानद फैलोशिप वर्ष 2025 में डॉ. कीर्ति सिंह को प्रदान की गई।
- डॉ. पुनीता के. सोढ़ी को डॉस विंटर कॉन्फ्रेंस के शोध-पत्र सत्र "डायबिटिक मैक्युलर एडिमा में ओसीटीए मापदंडों का सीरम वीईजीएफ ए स्तर के साथ सहसंबंध" में प्रथम पुरस्कार मिला।
- ग्लूकोमा में अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान कॉलेजियम (एफएआईसीओ) की मानद फैलोशिप वर्ष 2025 में डॉ. अर्शी सिंह को प्रदान की गई।

- डॉ. ईशा गुप्ता को वर्ष 2025 में अपवर्तक सर्जरी में अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान कॉलेजियम (एफएआईसीओ) की मानद फैलोशिप प्रदान की गई।
- रेटिना में अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान कॉलेजियम (FAICO) की मानद फैलोशिप वर्ष 2025 में डॉ. प्रियदर्शी गुप्ता, एसआर को प्रदान की गई।

छात्र

i. डॉ. अमन सिंह राणा, डॉ. दिव्या डी. एमएस (नेत्र विज्ञान) (2022-2025) के छात्र, को वार्षिक डीओएस सम्मेलन "रानीबिजुमाब बायोसिमिलर के बाद डायबिटिक मैक्यूलर एडिमा में ओसीटीए मापदंडों का मूल्यांकन", अप्रैल, 2024 में सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र पुरस्कार मिला।

ii. डॉ. अमन सिंह राणा, डॉ. दिव्या डी, एमएस (नेत्र विज्ञान) (2022-2025) की छात्रा, को शीतकालीन डीओएस सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र पुरस्कार मिला, "डायबिटिक मैक्यूलर एडिमा में ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी एंजियोग्राफी मापदंडों का सीरम वीईजीएफ-ए स्तरों के साथ सहसंबंध", 23-24 नवंबर, 2024।

iii. डॉ. अपूर्व गोयल, डॉ. हितेन, एमएस (नेत्र विज्ञान) के छात्र (2023-2026), को शीतकालीन डीओएस सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र पुरस्कार मिला, "डायबिटिक मैक्यूलर एडिमा में ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी एंजियोग्राफी मापदंडों का सीरम वीईजीएफ-ए स्तरों के साथ सहसंबंध", 23-24 नवंबर, 2024.

प्रकाशन

- सोढ़ी, पी.के., शर्मा, ए., (2024). आघातजन्य पूर्ण मोटाई वाले मैक्यूलर छिद्र में लक्ष्य चिह्न। नेत्र शल्य चिकित्सा और लेज़र इमेजिंग रेटिना, 56(1), 60-61. doi: 10.3928/23258160-20240624-04.
- गोयल, ए., सिंह, ए., सोढ़ी, पी.के., प्रवीणभाई एम.एच. (2025)। मेबोमियन ग्रंथि की शिथिलता-निदान और प्रबंधन पर अद्यतन जानकारी। दिल्ली जर्नल ऑफ़ ऑप्थाल्मोलॉजी, 35:10-6। *DOI:* 10.4103/DLJO.DLJO_1_25
- सोढ़ी, पी.के., आर्य, ए., अग्रवाल, पी., सक्सेना, एस., एसिनेटोबैक्टर बाउमानी के कारण होने वाला क्रोनिक पोस्टऑपरेटिव एंडोफ्थालमिटिस-एक केस प्रेजेंटेशन। नेपाल जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी।
- वाधवानी, एम., शर्मा, एस., सिंह, आर., वर्नल केराटोकोनजंक्टिवाइटिस से पीड़ित बच्चों में सीरम विटामिन डी का स्तर-उत्तर भारत के एक तृतीयक देखभाल बाल चिकित्सा अस्पताल द्वारा किया गया एक अध्ययन, इंडियन जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी 72 (सप्ल 4): पृष्ठ S634-S638, जुलाई 2024 | DOI: 10.4103/IJO.IJO_773_23

- गुप्ता, वी., वशिष्ठ, पी., सरथ, एस., गुप्ता, एन., सेनजम, एस.एस., शुक्ला, पी., ग्रोवर, एस., शमन्ना, बीआर, वेम्पराला, आर., वाधवानी, एम., भारद्वाज, ए., गुप्ता, पी., टिटियाल, जेएस, भारत में मोतियाबिंद की प्रभावी शल्य चिकित्सा कवरेज: 31 जिलों से साक्ष्य। इंडियन जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी, 2024 जुलाई 1;72(सप्लिमेंट 4):S 650-S657. doi: 10.4103/IJO.IJO_2835_23. ई-प्रकाशन 2024 अप्रैल 16. PMID: 38622863; PMCID: PMC11338407.
- वाधवानी, एम., कुमार, वी., क्रच ग्लास असेंबली। इंडियन जर्नल ऑफ़ ऑप्थल्मोलॉजी। 2024 अक्तूबर 1;72(10):1516-1517. doi: 10.4103/IJO.IJO_928_24. ई-प्रकाशन 2024 सितंबर 27. PMID: 39331445; PMCID: PMC11573018.
- भारतीय, एस., वाधवानी, एम., इच्छापुजानी, पी., परमार, यूपीएस, उत्तर भारतीय शहरी झुग्गी बस्ती में स्कूल न जाने वाले बच्चों की नेत्र संबंधी रुग्णता प्रोफ़ाइल। इंडियन जर्नल ऑफ़ ऑफ़्थैल्मोलॉजी। 2024 जुलाई 1;72(सप्लिमेंट 4):S 617-S622। doi: 10.4103/IJO.IJO_622_23। ई-प्रकाशन 2024 अप्रैल 16। PMID: 38622857; PMCID: PMC11338416।
- दादिया, एस., अग्रवाल, एच., शारदा, एस., रघुवंशी, ए., और बोडवाल, डी. (2024)। मोनोक्युलर एलिवेशन डेफिसिट के असामान्य और दुर्लभ कारण। *स्ट्रैबिस्मस, 32* (2), 108-114।
- सिंह, के., सैनी, ए., तोमर, वी., पांडे, के., खुराना, एम., सुल्तान, टी., दादेया, एस., "स्ट्रैबिस्मस रीऑपरेशन के मामलों में पूर्ववर्ती खंड ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी माप की विश्वसनीयता का आकलन: एक तृतीयक देखभाल केंद्र अध्ययन।" *स्ट्रैबिस्मस,* 1-9. 4 जून 2025, doi:10.1080/09273972. 2025.251278.
- वर्मा, पी., खुराना, एम., तोमर, वी., पांडे, के., दडेया, एस., दत्ता, पी., "प्री-ऑपरेटिव प्रिज्म अनुकूलन परीक्षण के साथ और उसके बिना प्रबंधित तीव्र अधिग्रहित कॉमिटेंट एसोट्रोपिया में सर्जिकल परिणामों का तुलनात्मक मूल्यांकन।" *स्ट्रैबिस्मस,* 1-6. 25 अप्रैल 2025, doi:10.1080/09273972.2025.2495010.
- सहाय, पी., तोमर, वी., वर्मा, पी., दादेया, एस., " भौगोलिक कंजंक्टिवल अल्सर का अनावरण: हर्पेटिक नेत्र रोग का एक दुर्लभ नैदानिक प्रस्तुतीकरण।" *बीएमजे केस रिपोर्ट्स* खंड 17,12 e263113. 4 दिसंबर 2024, doi:10.1136/bcr-2024-263113.
- तोमर, वी., सहाय, पी., सिंह। के., ददेया, एस., अति-परिपक्व वृद्ध मोतियाबिंद में सहज लेंस अवशोषण और खाली कैप्सूलर बैग *बीएमजे केस रिपोर्ट सीपी* 2025; **18:** ई262202।

- तोमर, वी., सुल्तान, टी., पांडे, के., खुराना, एम., सिंह, ए., सहाय, पी., रिफ्रेक्टिव सर्जरी में निर्णय लेना। दिल्ली जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी 34(4): पृष्ठ 254-260, अक्तूबर-दिसंबर 2024 | DOI: 10.4103/DLJO.DLJO_175_24.
- कुमारी, एस., गाँवकर, टी., और दत्ता, पी. (2024). मंदी के दौर से गुज़रते हुए. क्लिनिकल और प्रायोगिक ऑप्टोमेट्री1
- धर, टी., तोमर, वी., दादेया, एस., बीटा-थैलेसीमिया के एक मरीज़ में डिफेरासिरॉक्स के साथ द्विपक्षीय न्यूक्लियर मोतियाबिंद: एक केस रिपोर्ट और साहित्य समीक्षा। दिल्ली जर्नल ऑफ़ ऑप्थल्मोलॉजी 34(2): पृष्ठ 139-141, अप्रैल-जून 2024। | DOI: 10.4103/DLJO.DLJO_10_24।
- तोमर, वी., अग्रवाल, आर., वर्मा, पी., दादेया, एस., गोल्डनहार सिंड्रोम के एक मामले में लिम्बल डर्मॉइड, लिपोडर्मॉइड और टाइप 1 डुएन रिट्रैक्शन सिंड्रोम। दिल्ली जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी 34(1): पृष्ठ 52-54, जनवरी-मार्च 2024। | DOI: 10.4103/DLJO.DLJO_148_23.
- वर्मा, पी., खुराना, एम., तोमर, वी., पांडे, के., दडेया, एस., दत्ता, पी., प्री-ऑपरेटिव प्रिज्म अनुकूलन परीक्षण के साथ और उसके बिना प्रबंधित तीव्र अधिग्रहित कॉमिटेंट एसोट्रोपिया में सर्जिकल परिणामों का तुलनात्मक मूल्यांकन। स्ट्रैबिस्मस। 2025 अप्रैल 25:1-6। doi: 10.1080/09273972.2025.2495010। मुद्रण से पहले ई-प्रकाशन। पीएमआईडी: 40275810
- ठाकर, एम., त्रिपाठी, एस.पी., दत्ता, पी., भट्टाचार्य, एस., ढाका, यू., मधुमेह रोगियों में मात्रात्मक स्वचालित पुतलीमिति और रेटिना तंत्रिका तंतु परत की मोटाई के साथ सहसंबंध। नेत्र (लंदन)। 2025 अप्रैल 10. doi: 10.1038/s41433-025-03793-3. मुद्रण से पहले ई-प्रकाशन। PMID: 40211015
- गाँवकर, टी., यादव, यू., दत्ता, पी., टर्सल कंजंक्टिवा का एंकिलोब्लेफेरॉन। *डिजिट जे ऑफ्थैल्मोलॉजी।* 2025;31(1)। 19 मई, 2025 को अभिगमित।
- दत्ता, पी., गुप्ता, पी., द्विपक्षीय ऑप्टिक शोष और स्रावी अंतःस्रावी ट्यूमर। क्लिन एक्सप ऑप्टोम। 2025 मार्च 17:1-2। doi: 10.1080/08164622.2025. 2479544। मुद्रण से पहले ई-प्रकाशन। पीएमआईडी: 40094161।
- भयाना, एए, नौसरन, के., दत्ता, पी., पैपिलो-फोवियल बंडल दोष: ऑप्टिक न्यूरिटिस में एक कोर्स टाइमलाइन। ओफ्थाल्मोल रेटिना। 2024 जुलाई 1:एस 2468-6530(24)00271-9। doi: 10.1016/j.oret.2024.06.002.

- सोन्टाके, आर., और दत्ता, पी. (2024)। ओटा के नेवस में आइरिस परिवर्तन और प्यूपिलोमेट्री। क्लिन एक्सप ऑप्टोम। 2024 नवंबर 20:1। doi: 10.1080/08164622.2024.2430629। मुद्रण से पहले ई-प्रकाशन। PMID: 39567239।
- दत्ता, पी., गॉनकर, टी., गुप्ता, आर., शंटेड हाइड्रोसिफ़लस में आवर्ती पैरिनाड्स। बीएमजे केस रिपोर्ट। 2024 नवंबर 21;17(11):e 262321. doi: 10.1136/bcr-2024-262321. PMID: 40017422.
- कुमारी, एस., गाँवकर, टी., दत्ता, पी., मेल्टडाउन के दौरान। क्लिन एक्सप ऑप्टोम। 2024 नवंबर 20:1. doi: 10.1080/08164622.2024.2430629. प्रिंट से पहले ई-प्रकाशन। पीएमआईडी: 39567239।
- गाँवकर, टी., जैन, ए., दत्ता, पी., कॉन्करेंट ऑप्टिक डिस्क साइटस इनवर्सस और प्रीपैपिलरी वैस्कुलर लूप। *जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक ऑप्थल्मोलॉजी एंड स्ट्रैबिस्मस।* 2024;61(6):452. doi:10.3928/01913913-20240508-01।
- जैन, पी., घोष, एस., गुप्ता, पी., रहस्यमयी झिल्ली: एक नैदानिक दुविधा। ओमान जे ऑफ़थैल्मोलॉजी। 2023 अक्तूबर 18;16(3):573-574. doi: 10.4103/ojo.ojo_247_22. PMID:38059090; PMCID: PMC10697243.
- गुप्ता, आर., अरोड़ा, आर., गुप्ता, आई., जैन, पी., वर्नल केराटोकोनजंक्टिवाइटिस से पीड़ित बच्चों की आँखों में टियर फिल्म पैरामीटर और मेबोग्राफी। इंडियन जर्नल ऑफ़ ऑप्थल्मोलॉजी। 2025 जनवरी 1;73(1):110-114. doi: 10.4103/IJO.IJO_24_24. ई-प्रकाशन 2024 सितंबर 10. PMID: 39291432; PMCID: PMC11831951.
- जैन, पी., गुप्ता, आई., हरियानी, ए., रेड्डी, जी., एहलर्स-डानलोस सिंड्रोम से पीड़ित एक मरीज़ में अभिघातज के बाद कॉर्निया फटने की समस्या। ओमान जे ऑफ़थलमोल। 2025 फ़रवरी 25;18(1):58-60. doi: 10.4103/ojo.ojo_153_24. PMID: 40124461; PMCID: PMC11925382.
- ठाकर, पी., अग्रवाल, आर., रस्तोगी, ए., जून, ए., अग्रवाल, एच., अग्रवाल, पीए, गंभीर जन्मजात पटोसिस के प्रबंधन में सिलिकॉन स्लिंग की प्रभावकारिता का पूर्वव्यापी विश्लेषण। क्युरियस। 2025 जनवरी 8;17(1):e 77134. doi: 10.7759/cureus.77134. PMID: 39925520; PMCID: PMC11805594.

- सिंह, ए., सिंह, के., सिंह, ए., सिस्टीसर्कस सेलुलोसी एक एनकैप्सुलेटेड ब्लेब के रूप में प्रच्छन्न। नेत्र विज्ञान चित्र और परिप्रेक्ष्य नेत्र विज्ञान, प्रेस में 9 अक्तूबर, 2024 पीएमआईडी: 39387746, डीओआई: 10.1016/j.ophtha.2024.09.006।

अनुसंधान परियोजना

डॉ. पुनिता के. सोढ़ी, निदेशक प्रोफेसर शीर्षक से निम्नलिखित थीसिस प्रस्तुत की गई

क) गैर-समाधानकारी केंद्रीय सीरस कोरियोरेटिनोपैथी में एंटी-वैस्कुलर एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर के उपयोग के बाद ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफ एंजियोग्राफी मापदंडों का मूल्यांकन।

ख) शाखा रेटिनल शिरा अवरोधन में रैनिबिजुमैब बायोसिमिलर के उपयोग के बाद ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी एंजियोग्राफी मापदंडों का मूल्यांकन।

ग) दिल्ली के एक ग्रामीण क्षेत्र में किशोरों में दृष्टिबाधितता और संबंधित कारकों का एक महामारी विज्ञान संबंधी अध्ययन।

घ) प्रीक्लेम्पसिया में अंतःनेत्र दाब और ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी एंजियोग्राफी मापदंडों का मूल्यांकन।

ङ) कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों में कोरोनरी सिंटैक्स स्कोर के साथ एंडोस्कोपिक रेटिनल आर्टेरियोवेनस अनुपात के बीच सहसंबंध।

डॉ. पुनिता के. सोढ़ी भी शीर्षक से थीसिस का मार्गदर्शन कर रही हैं।

क) मधुमेह रेटिनोपैथी में नेत्र छिड़काव बायोमार्कर का मूल्यांकन।

ख) शाखा रेटिनल शिरा अवरोधन में एडेनोसिन डाइफॉस्फेट प्रेरित प्लेटलेट। एकत्रीकरण और संवहनी एंडोथेलियल वृद्धि कारक विमोचन के बीच संबंध।

ग) रेटिना शिरा अवरोधन के विषयों में एगोनिस्ट के प्रति प्लेटलेट एकत्रीकरण प्रतिक्रिया का मूल्यांकन।

घ) डिजिटल उपकरणों का उपयोग और नेत्र संबंधी रुग्णता-दिल्ली के एक ग्रामीण क्षेत्र की वयस्क आबादी पर एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन।

ङ) नेत्र संबंधी रुग्णताएँ और घर के अंदर वायु प्रदूषण-दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाली वयस्क महिलाओं पर एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन।

च) फुच के एंडोथेलियल कॉर्नियल डिस्ट्रोफी (FECD) में टॉपिकल रोकिनेज अवरोधक के साथ या उसके बिना एंडोथेलियल केराटोप्लास्टी (DWEK) के बिना डेसेमेटोरहेक्सिस के बीच प्रभावकारिता की तुलना।

छ) केराटोकोनस के रोगियों में त्वरित उपकला-बंद और त्वरित उपकला-ऑन कॉर्नियल

कोलेजन क्रॉस लिंकिंग के बीच Kmax में परिवर्तन की तुलना।

ज) ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी एंजियोग्राफी के साथ सफलतापूर्वक मरम्मत किए गए रेटिना डिटेचमेंट में मैक्यूलर माइक्रोवैस्कुलर परिवर्तनों का मूल्यांकन

झ) मधुमेह में गंभीर नैदानिक रूप से महत्वपूर्ण मैक्यूलर एडिमा में इंट्राविट्रियल बायोसिमिलर रैनिबिजुमाब के उपचार की प्रतिक्रिया का मूल्यांकन।

ञ) मैक्युलर एडिमा वाले रोगियों में इंट्राविट्रियल एंटी-वैस्कुलर एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर थेरेपी की प्रभावकारिता पर विट्रियोमैक्युलर आसंजन के प्रभाव का मूल्यांकन।

आयोजित संगोष्ठियां

(i) जून 2024 के महीने में बच्चों में मायोपिया बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए अनुसंधान और प्रकाशन युक्तियों पर एक सीएमई आयोजित की गई थी।

(ii) 22 सितंबर, 2024 को जीएनईसी ऑडिटोरियम में मासिक डीओएस सीएमई का आयोजन किया गया, जिसमें "नेत्र विज्ञान में रोगाणुरोधी प्रबंधन दिशानिर्देश" का शुभारंभ किया गया, जो कि माइक्रोबायोलॉजी औषध-विज्ञान विभाग एमएएमसी के साथ एक अंतर-विभागीय सहयोग है, जो कि डीन डॉ पूनम नारंग और प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ रमनजीत सिहोटा द्वारा किया गया था।

(iii) मार्च 2025 में ग्लूकोमा सप्ताह के दौरान एक GAP (गोनियोस्कोपी और पेरीमेट्री) कार्यशाला।

(iv) 16 मार्च, 2025 को गुरु नानक आई सेंटर (जीएनईसी) में कॉर्निया सीएमई का आयोजन किया गया।

(v) दूसरा डीओएस कुशल स्थानांतरण कार्यक्रम 22.3.2025 को जीएनईसी में आयोजित किया गया, जिसमें वर्चुअल रियलिटी फेको इमल्सीफिकेशन सर्जरी और इंट्राविट्रियल इंजेक्शन तकनीकों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

पोस्ट ग्रेजुएट छात्र रोस्टर के अनुसार प्रति वर्ष जिला रेजीडेंसी कार्यक्रम (डीआरपी) में जाते हैं।

• रोस्टर के अनुसार प्रत्येक सोमवार और शुक्रवार को एक सीनियर रेजिडेंट उच्च न्यायालय में ड्यूटी पर जाता है।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक : 4
एसोसिएट प्रोफेसर : 2

सहायक प्रोफेसर : 5
तदर्थ संकाय सदस्य : 3

****

बाल चिकित्सा सर्जरी (एमएएमसी)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

बाल रोग विभाग ने स्नातक और स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा प्रदान करना जारी रखा। संकाय सदस्यों ने स्नातकोत्तर शोध प्रबंधों का पर्यवेक्षण और बाल रोग में आधारभूत अनुसंधान जारी रखा। विभाग ने बच्चों के कल्याण के लिए भारत सरकार के सभी कार्यक्रमों में भी सक्रिय रूप से भाग लिया।

सम्मान/विभूतियां

i. डॉ. सिम्मी के. रतन को डीडीएफ प्रोफेसरशिप प्राप्त हुई।
ii. डॉ. सिम्मी के. रतन दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए एम.सीएच. पीडियाट्रिक सर्जरी परीक्षा की आंतरिक परीक्षक थीं।
iii. डॉ. सिम्मी के. रतन मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज के लिए नियमित आधार पर सीनियर रेजिडेंट के चयन हेतु पर्यवेक्षक थीं।
iv. डॉ. सिम्मी के. रतन एमएएमसी जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड ऑफ इनोवेटिव पब्लिकेशन्स के संपादकीय बोर्ड में हैं।
v. डॉ. सिम्मी के. रतन निम्नलिखित की समीक्षक हैं:
    क) इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स
    ख) जर्नल ऑफ इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन्स
    ग) इंडियन जर्नल ऑफ यूरोलॉजी
    घ) वर्ल्ड जर्नल ऑफ सर्जरी
vi. डॉ. सुजॉय नियोगी-

निम्नलिखित में समीक्षक थे-

क) इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स
ख) बाल चिकित्सा सर्जनों की पत्रिका का भारतीय संगठन
ग) इंडियन जर्नल ऑफ यूरोलॉजी
घ) बाल चिकित्सा सर्जरी की पत्रिका
ङ) न्यू इंडियन जर्नल ऑफ़ सर्जरी

निम्नलिखित में संपादक थे -

च. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिकल पीडियाट्रिक्स एंड ऑन्कोलॉजी

छ. जर्नल ऑफ प्रोग्रेस

छ. एस.एस. इन पीडियाट्रिक यूरोलॉजी

झ. न्यू इंडियन जर्नल ऑफ सर्जरी

झ. जर्नल ऑफ किडनी

vii. डॉ. चिरंजीव कुमार नवजात शल्य चिकित्सा पत्रिका के समीक्षक है।

viii. डॉ. फहीम अहमद एमडी. पत्रिका के समीक्षक है।

क) जेआईएपीएस (बाल चिकित्सा सर्जन के भारतीय संगठन का जर्नल)

ख) पीईडीएन (बाल रोग और नवजात विज्ञान)

ग) जेएनएस (नवजात शल्य चिकित्सा का जर्नल)

ix. डॉ. सिम्मी के रतन को आईएपीएसकॉन 2024, ऋषिकेश में एफआईएपीएस (भारतीय बाल शल्य चिकित्सक संघ की फेलोशिप) प्राप्त हुई।

x. डॉ. सिम्मी के रतन-

- आई.पी. विश्वविद्यालय के लिए एम.सीएच. बाल चिकित्सा शल्य चिकित्सा परीक्षा हेतु बाह्य परीक्षक थी।
- एसएसआरजीपीएच नोएडा में संकाय चयन हेतु बाह्य विशेषज्ञ एवं पर्यवेक्षक थी।

प्रकाशन

- किंजल्क एम, जैन एन, नियोगी एस, रतन एसके, पांडा एसएस, सहगल एम, अरोड़ा वी बाल चिकित्सा आयु-समायोजित शॉक इंडेक्स (एसआईपीए): चोट से लेकर कुंद उदर आघात में परिणाम तक। जे इंडियन एसोसिएशन पीडियाट्रिक सर्जन। 2024;29(1):33-38।

- किंजल्क एम, सहगल एम, रतन एसके, जैन एन, गुप्ता सीके, नियोगी एस, कुमार पी, भोरिया डी, अरोड़ा वी, चेलानी जी. बच्चों में विदेशी वस्तु का अंतर्ग्रहण: दिल्ली के एक तृतीयक देखभाल केंद्र में 99 मामलों का अनुभव। जे इंडियन एसोसिएशन पीडियाट्रिक सर्जन। 2024;29(3):223-232।

- शर्मा एनके, पांडा एसएस, रतन एसके, नियोगी एस, गोस्वामी बी, कुमार आर. मूत्र बायोमार्कर की भूमिका (रूपांतरण विकास कारक β1, न्युट्रोफिल जिलेटिनेज-संबद्ध लिपोकेलिन, और सिस्टैटिन सी) जैसा ए शकुन कारक का गुर्दे नतीजा में पीछे मूत्रमार्ग वाल्व. जे इंडियन

एसोसिएशन पीडियाट्रिक सर्जन. 2024;29(3):204-212.

- बोरा आर, उप्रेती एस, सक्सेना जी, नियोगी एस, रतन एस.के. ए उपन्यास संगठन का कोलोनिक एक किशोर लड़की में मेयर-रोकिटांस्की-कस्टर-हाउसर सिंड्रोम के साथ दोहराव। जे इंडियन एसोसिएशन पीडियाट्रिक सर्जन। 2024;29(4):387-389।
- सक्सेना जी, बोरा आर, कुमार एन, नियोगी एस। जन्मजात पूर्वकाल का मूत्रमार्ग वाल्व: ए दुर्लभ मामला रिपोर्ट. अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ साइंस रिसर्च. 2024;13(4):60-61.
- किंजल्क एम, गोयल डी, नियोगी एस, रतन एस.के. अविरल समापन का दोहरा बैरल इलियोस्टॉमी लैपरोटॉमी के बाद एक लड़के में। इंडियन एसोसिएशन पीडियाट्रिक सर्जन जर्नल। 2024;29(1):88-89.
- जैन एन, रतन एस.के. जातविष्ठा पेरियोरकाइटिस - एक असामान्य कारण का अंडकोष संबंधी द्रव्यमान में ए नवजात शिशु. पीडियाट्रिक नियोनैट बायोल. 2024;9(1):000197.
- बमोरिया पी, उप्रेती एस, नाहिद ई, अहमद एमएफ, कुमार पी, रतन एसके। नवजात शिशु की आंतों में रुकावट माध्यमिक को मेकेल का डायवर्टीकुलम साथ संबंधित बैंड और इलिअल निंदा: एक केस रिपोर्ट. नियोनेटल सर्जन जर्नल 2024;13:30.
- रतन एस.के., अहमद एम.एफ., जैन एन., कुमार एन., नियोगी एस., मंडल एस. सहज अंतःवक्षीय टूटना का पेट न्यूरोब्लास्टोमा में ए 2 वर्षीय बच्चा: ए दुर्लभ मामला प्रतिवेदन। भारतीय एसोसिएट पीडियाट्रिक सर्जन जर्नल 2024;29:623 -6.
- रतन एसके, नियोगी एस, अहमद एमएफ, दास के, रमन वी, बेंद्रे पी, बनर्जी ए, शर्मा एस, आचार्य एच, अग्रवाल वी, बाबू आर। ए पायलट सर्वे का भारतीय हितधारक: अभिभावक, डॉक्टर, और वयस्क रोगियों का विकारों का यौन भेदभाव पर प्रबंध फैसले और संबंधित जेंडर डिस्फोरिया. जे इंडियन एसोसिएशन पीडियाट्रिक सर्जन जर्नल. 2024;29:370-5.
- गोस्वामी डी, बमोरिया पी, गोयल डी, उप्रेती एस, नियोगी एस, रतन एस.के. इलीअल ट्राइकोबेज़ोअर प्रस्तुत करते हुए तीव्र पथरी और आंतों बाधा: दुर्लभ मामला प्रतिवेदन और समीक्षा का साहित्य। जे इंडियन एसोसिएशन पीडियाट्रिक सर्जन जर्नल. 2024;29:295 -7.
- तृतीयक देखभाल केंद्र में न्यूरल ट्यूब दोष की मरम्मत वाले बच्चों के परिणामों का अल्पकालिक लेखा परीक्षा। इंडियन जे एपल रेस 2024; 14:1-3
- गोस्वामी डी, उप्रेती एस, सक्सेना जी, नियोगी एस, रतन एसके। तेजी से बढ़ने वाली पेल्विक

गांठ: वर्कअप या लकीर को रोकना आसन्न पेट कम्पार्टमेंट सिंड्रोम. भारतीय एप्पल रेस. जर्नल 2024;41-2.

- उप्रेती एस, दोस्त एसके, सक्सेना जी, नियोगी एस, रतन एसके, कुमार पी, कुमार सी। का लेप्रोस्कोपी बाल चिकित्सा चिपकने वाली भूमिका आंत्र रुकावट में एक तृतीयक देखभाल केंद्र में हमारा अनुभव। ईरान कोलोरेक्टल रिसर्च जर्नल। 2024;12:92-5।
- किंजल्क एम, गोयल डी, उप्रेती एस, सक्सेना जी, भोरिया डी, नियोगी एस, रतन एस.के. ए सामान्य ट्यूमर एक में असामान्य जगह में एक 10 वर्षीय लड़का: प्रतिवेदन मामला और समीक्षा का साहित्य। भारतीय एप्पल रेस. जर्नल 2024;55-7.
- बोरा आर, रतन एस.के., भालोत्रा ए.आर., नियोगी एस., कुमार पी., सक्सेना जी. गैस्ट्रोस्किसिस से पीड़ित नवजात शिशुओं में ऑपरेशन से पहले मापे गए उदर दोष के आकार और उदर परिधि के बीच का अनुपात, बंद होने के प्रकार का अनुमान लगा सकता है। इंडियन एसोसिएशन पीडियाट्रिक सर्जन जर्नल। 2025;30(2):170-6. doi: 10.4103/jiaps.jiaps_154_24.
- बमोरिया पी, रतन एस.के., पांडा एस.एस., नियोगी एस., मंडल एस., कुमार सी., सक्सेना जी. पुरुष गुदा-मलाशय विकृति रोगियों में चरणबद्ध मरम्मत के दौरान रंध्र निर्माण के बाद सिग्मॉइड रंध्र अंगों और दूरस्थ मलाशय में काजल और नाड़ीग्रन्थि कोशिका वितरण की अंतरालीय कोशिकाएँ। इंडियन एसोसिएशन पीडियाट्रिक सर्जन जर्नल। 2025;30(1): 22-7. doi:10.4103/jiaps. jiaps_155_24.
- गोस्वामी डी, सक्सेना जी, नियोगी एस, रतन एसके, कुमार पी, कुमार सी, अहमद एम.एफ. न्यूरोजेनिक ब्लैडर के साथ लंबोसैक्रल मायलोमेनिंगोसील के पश्चात के मामलों में वीडियो-यूरोडायनामिक प्रोफ़ाइल। जर्नल ऑफ इंडियन एसोसिएशन पीडियाट्रिक सर्जन। 2025;30(1):59-65. doi: 10.4103/jiaps. jiaps_156_24.
- रतन एस.के., भोमज एच., जैन एन., उप्रेती एस. एट अल., योनि दोहराव पुटी-एक दुर्लभ पृथक विसंगति जो बृहदांत्र दोहराव पुटी के रूप में प्रच्छन्न है। जर्नल ऑफ इंडियन एसोसिएशन पीडियाट्रिक सर्जन, 2025;30(3): 415-17. DOI: 10.4103/jiaps.jiaps_295_24
- जैन एन, रतन एस.के. जन्मजात गर्भनाल हर्निया का टाइप IIIa इलियल एट्रेसिया और आंत के मैलरोटेशन के साथ एक दुर्लभ संबंध। यूसीएमएस जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज। 2025; 2(2): 103-5।

पुस्तकें/अध्याय/योगदान:

i. पांडा एसएस, किंजल्क एम, रतन एसके. हाइपोस्पेडिया प्रबंधन का इतिहास और विकास। बाल चिकित्सा मूत्रविज्ञान में प्रगति। संपादक: बाजपेयी एम. (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)

ii. रतन एस.के., संपादक। लिंग-भिन्न विकास वाले बच्चे: बहु-विषयक प्रबंधन दृष्टिकोण अपनाना। चैम: स्प्रिंगर; सिंगापुर 2024.

डॉ. सिम्मी के. रतन ने इस पुस्तक में छह अध्यायों का योगदान दिया है

क) अध्याय 5- लिंग पहचान और भूमिका-मनोसामाजिक मोज़ेक का पुनरीक्षण (इशिता यू भारद्वाज, मेहरमीत कौर, और सिम्मी के रतन)

ख) अध्याय- 17- यौन विकास विकारों के निदान में त्रुटि जाल (सिम्मी के रतन और नितिन जैन)

ग) अध्याय- 33- 46 XX डीएसडी के दुर्लभ कारण (महक सहगल, मेघना किंजल्क, सिम्मी के रतन)

घ) अध्याय- 55- डीएसडी बनाम ट्रांसजेंडर आबादी में लिंग असंगति का न्यूरोफिजियोलॉजिकल आधार (अस्मिता पाटिल, सिम्मी के रतन, और देवेंद्र यादव)

ङ) अध्याय- 57- डीएसडी से ग्रस्त बच्चों के प्रबंधन के लिए एल्गोरिदम (कनिका शर्मा और सिम्मी के रतन)

च) अध्याय- 61- डीएसडी के लिए अभिभावक सहायता समूह का गठन (आंचल आनंद, मीरा लूथरा और रिया रतन, सिम्मी के रतन)

iii. लूथरा एम, पांडे ए, कुमार सी. बाल चिकित्सा गुर्दे संबंधी रसौली। सेठी एस.के., एट अल., संपादक। बाल चिकित्सा गुर्दे संबंधी विकारों में रेडियोलॉजी का एटलस। चैम: स्प्रिंगर; 2024.पृष्ठ 191-217।

iv. एप्लाइड पीडियाट्रिक यूरोलॉजी पुस्तक: "आईएपीएस टेक्स्टबुक ऑफ पीडियाट्रिक सर्जरी द्वितीय संस्करण " जिसका संपादन डॉ. रमेश बाबू, डॉ. सुमित्रा कुमार बिस्वास, डॉ. विकेश अग्रवाल द्वारा किया जाएगा, तथा डॉ. राजीव रेडकर और डॉ. प्रकाश अग्रवाल द्वारा सह-संपादित किया जाएगा और जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रकाशित किया जाएगा। (प्रकाशित होने के लिए)

अनुसंधान परियोजना

- डॉ सिम्मी के रतन को " पी53 उत्परिवर्तन की घटना" नामक शोध परियोजना के लिए 2,77,200/- रुपये मंजूर किए गए हैं। गुणसूत्र ठोस ट्यूमर वाले बच्चों में 1p की विसंगतियाँ को एक पीआई के रूप में शामिल किया गया है। यह अनुदान एमएएमसी द्वारा प्रदान किया गया है,

जिसकी शुरुआत 2020 से हुई थी।

- डॉ सिम्मी के रतन को “सीरम मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनेज-7 एज़ ए डायग्नोस्टिक एंड प्रोग्नोस्टिक बायोमार्कर फॉर” नामक शोध परियोजना के लिए 1,82,400/- रुपये मंजूर किए गए हैं। एक्स्ट्राहेपेटिक बिलियरी एट्रेसिया” को पीआई के रूप में मान्यता दी गई है। यह अनुदान एमएएमसी द्वारा प्रदान किया गया है, जो 2021 से शुरू हुआ है।
- डॉ सिम्मी के. रतन को एक शोध परियोजना के लिए 2,58,085/- रुपये स्वीकृत किए गए हैं, जिसका शीर्षक है " प्रवेश के समय सीरम प्रोकैल्सीटोनिन और सी रिएक्टिव का पूर्वानुमानात्मक मूल्य और शल्यक्रिया के बाद की जटिलताओं के लिए शल्यक्रिया के बाद की अवधि में नवजात शिशुओं की देखभाल"। यह अनुदान एमएएमसी द्वारा प्रदान किया गया है।

आयोजित सम्मेलन

- 16वां बाल चिकित्सा सर्जरी अद्यतन सम्मेलन बाल चिकित्सा सर्जरी विभाग, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज और संबद्ध लोक नायक अस्पताल, नई दिल्ली द्वारा 8 से 11 फरवरी 2024 तक आयोजित किया गया था, जिसमें डॉ. सिम्मी के. रतन आयोजन अध्यक्ष, डॉ. सुजॉय नियोगी आयोजन सचिव, डॉ. चिरंजीव कुमार, डॉ. प्रफुल्ल कुमार सह-आयोजन सचिव और डॉ. गौरव सक्सेना, डॉ. मोहम्मद फहीम अहमद और डॉ. शीतल उप्रेती संयुक्त आयोजन सचिव थे।
- मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज और संबद्ध लोक नायक अस्पताल, नई दिल्ली के बाल चिकित्सा सर्जरी विभाग द्वारा 7 फरवरी 2024 को प्रथम बाल चिकित्सा सर्जरी अद्यतन-संबद्ध विषय सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. सिम्मी के. रतन आयोजन अध्यक्ष, डॉ. चिरंजीव कुमार आयोजन सचिव, डॉ. सुजॉय नियोगी, डॉ. प्रफुल्ल कुमार सह-आयोजन अध्यक्ष, डॉ. गौरव सक्सेना और डॉ. मोहम्मद फहीम अहमद संयुक्त आयोजन सचिव और डॉ. शीतल उप्रेती समन्वयक थीं।
- इस अवधि के दौरान बाल चिकित्सा सर्जरी विभाग द्वारा कई बार स्थानीय डीएसडी एमडीटी बैठकें आयोजित की गईं। (मार्च, जुलाई, सितंबर, अक्तूब, नवंबर 2024)
- मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज और संबद्ध लोक नायक अस्पताल, नई दिल्ली के बाल चिकित्सा विभाग द्वारा 5 से 9 फरवरी 2025 तक ज़ूम लिंक प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से 17वें बाल चिकित्सा सर्जरी अपडेट सहित द्वितीय बाल चिकित्सा सर्जरी अपडेट-संबद्ध विषय सम्मेलन का ऑनलाइन आयोजन किया गया। इस सम्मेलन की आयोजन अध्यक्ष डॉ. सिम्मी के. रतन, आयोजन सचिव डॉ. सुजॉय नियोगी, सह-आयोजन सचिव डॉ. चिरंजीव कुमार, डॉ. प्रफुल्ल कुमार और संयुक्त आयोजन सचिव डॉ. गौरव सक्सेना, डॉ. मोहम्मद फहीम अहमद और डॉ. नितेश कुमार शर्मा थे।

विस्तार एवं आउटरीच गतिविधियाँ

नई सुविधाएँ जोड़ी गईं:

i) मरीजों के लिए लोक निर्माण विभाग द्वारा वार्ड के विभिन्न कक्षों में ऑक्सीजन पाइपलाइनें बिछाई गईं।

ii) वार्ड 5ए और 5बी के सभी बिस्तरों पर मल्टीपारा मॉनिटर लगाए गए।

iii) वार्ड 5ए और 5बी में क्रमशः नवजात एचडीयू और बाल चिकित्सा एचडीयू शुरू किए गए।

संकाय सदस्यों की संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	: 2
एसोसिएट प्रोफेसर	: 1
सहायक प्रोफेसर	: 1
तदर्थ	: 2

***

पैथोलॉजिस्ट (गोविंद बल्लभ पंत स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान)

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

7 शोध परियोजनाएँ, 3 स्नातकोत्तर शोध प्रबंध जारी हैं और पिछले एक वर्ष में अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 17 प्रकाशन।

सम्मान/विभूतियां

- डॉ. पूजा सखुजा - सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल एंड हेपेटो-पैनक्रिएटोबिलरी पैथोलॉजिस्ट्स (भारत) की अध्यक्ष।

संकाय सदस्यों की संख्या

क. प्रोफेसर और उच्च	: 4
ख. एसोसिएट प्रोफेसर	: 0
ग. सहायक प्रोफेसर	: 2

प्रकाशित कार्य

- गोयल, एस., बर्मन, एस., सखुजा, पी., सचदेवा, एस., नारंग, पी., और नाग, एच.एच. (2024, 10 मई)। क्रोहन कोलाइटिस जैसा दिखने वाला जेजुनल स्ट्रॉन्गिलोइडियासिस: एक नैदानिक

दुविधा! इंडियन जर्नल ऑफ पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी। https://doi.org/10.4103/ijpm.ijpm_298_23

- कृष्ण, आर., पांडे, एस., सखुजा, पी., गोयल, एस., भारद्वाज, के., वागीश, बी.जी., और अग्रवाल, ए.के. (2024, 3 अप्रैल)। प्राथमिक यकृत मेलेनोमा: एक नैदानिक आश्चर्य। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सर्जिकल पैथोलॉजी। https://doi.org/10.1177/10668969241236858
- विजयनिर्मला, पी., यादव, आर., गोयल, एस., बरवाड़, ए., भौमिक, एस., मलिक, आर., पाल, एस., शर्मा, आर., सखुजा, पी., और दास, पी. (2024, 1 अप्रैल)। यकृत और पेरिहेपेटिक पेकोमा: पाँच दुर्लभ मामलों की एक श्रृंखला का वर्णन करने वाला एक अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी, 67(2), 355-361। https://doi.org/10.4103/ijpm.ijpm_587_23
- चौहान, डी., गोयल, एस., सखुजा, पी., और सोनिका, यू. (2024, 17 मई)। रसेल बॉडी टाइफिलाइटिस: घातक बीमारी का एक असामान्य अनुकरणकर्ता! जर्नल ऑफ क्लिनिकल पैथोलॉजी, 77(6), 384-386. https://doi.org/10.1136/jcp-2023-209308
- चौधरी, ए, सखुजा, पी, कुमार, जी, शिना, एस, वेई, एल, ओमाटा, एम, सरीन, एस.के. (2025). एक्यूट-ऑन-क्रोनिक लिवर फेल्योर (एसीएलएफ): 'क्योटो सर्वसम्मति'–एशिया से कदम. हेपेटोलॉजी इंटरनेशनल, 19(1), 1-69. https://doi.org/10.1007/s12072-024-10773-4
- मीना, एन., गोयल, एस., अरोड़ा, पी., सचदेवा, एस., और सखुजा, पी. (2025). जठरांत्र संबंधी मार्ग का माइलॉयड सार्कोमा: भेड़ के भेष में भेड़िया! इंडियन जर्नल ऑफ पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी, 68(1), 1-4. https://doi.org/10.4103/ijpm.ijpm_477_24
- चौहान, डी., गोयल, एस., वैथियम, वी., और सखुजा, पी. (2025, 27 जनवरी)। सामान्य से परे: एसोफैजियल क्रिप्टोस्पोरिडिओसिस। इंडियन जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी। https://doi.org/10.1007/s12664-024-01730-y
- जैन, वी., सखुजा, पी., अग्रवाल, ए.के., सिरदेशमुख, आर., सिराज, एफ., और गौतम, पी. (2024)। गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कार्सिनोमा में लिम्फ नोड मेटास्टेसिस: प्रोटिओमिक्स के दृष्टिकोण से एक दृष्टिकोण। करंट ऑन्कोलॉजी, 31(8), 4455-4475। https://doi.org/10.3390/curroncol31080333

- सखुजा, पी., और गोयल, एस. (2024, 18 जनवरी)। ऑटोइम्यून हेपेटाइटिस: विकास से वर्तमान स्थिति तक–एक रोगविज्ञानी का दृष्टिकोण। डायग्नोस्टिक्स, 14(2), 210. https://doi.org/10.3390/diagnostics14020210
- घोष, एस., अरोड़ा, आर., हरियानी, ए., सरन, आर., और जैन, पी. (2024)। पेटीगियम में बायोमार्कर p53, Ki-67, Bcl-2 और VEGF का अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी, 72(सप्ल 3), S448-S452। https://doi.org/10.4103/IJO.IJO_2148_23
- सचदेवा, एस., पटेल, बी., दलाल, ए., और गोयल, एस. (2024, 15 जून)। हेनोच-शोनलेन पर्पुरा: वयस्कों में हेमेटोचेजिया का एक दुर्लभ कारण। इंडियन जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी। https://doi.org/10.1007/s12664-024-01627-w
- गोयल, एस., बर्मन, एस., सखुजा, पी., सचदेवा, एस., नारंग, पी., और नाग, एच.एच. (2024, 10 मई)। क्रोहन कोलाइटिस की नकल करने वाला जेजुनल स्ट्रॉन्गिलोइडियासिस: एक नैदानिक दुविधा! इंडियन जर्नल ऑफ पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी। https://doi.org/10.4103/ijpm.ijpm_298_23
- कृष्ण, आर., पांडे, एस., सखुजा, पी., गोयल, एस., भारद्वाज, के., वागीश, बी.जी., और अग्रवाल, ए.के. (2024, 3 अप्रैल)। प्राथमिक यकृत मेलेनोमा: एक नैदानिक आश्चर्य। सर्जिकल पैथोलॉजी के इंटरनेशनल जर्नल. https://doi.org/10.1177/10668969241236858
- विजयनिर्मला, पी., यादव, आर., गोयल, एस., बरवाड, ए., भौमिक, एस., मलिक, आर., पाल, एस., शर्मा, आर., सखुजा, पी., और दास, पी. (2024, 1 अप्रैल)। हेपेटिक और पेरीहेपेटिक पेकोमास: पांच दुर्लभ मामलों की एक श्रृंखला का वर्णन करने वाला एक अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी, 67(2), 355-361. https://doi.org/10.4103/ijpm.ijpm_587_23
- चौहान, डी., गोयल, एस., सखुजा, पी., और सोनिका, यू. (2024, मई 17)। रसेल बॉडी टाइफिलाइटिस: दुर्दमता का एक असामान्य अनुकरणकर्ता! जर्नल ऑफ क्लिनिकल पैथोलॉजी, 77(6), 384-386. https://doi.org/10.1136/jcp-2023-209308
- सिंह, ए. के., वैथियम, वी., सोनिका, यू., और गोयल, एस. (2024, मई-जून)। गंभीर तीव्र यकृत क्षति: प्रणालीगत ल्यूपस एरिथेमेटोसस का पहला प्रकटीकरण। जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड एक्सपेरिमेंटल हेपेटोलॉजी, 14(3), 101339. https://doi.org/10.1016/j.jceh.2023.101339

- मीना, एन., गोयल, एस., अरोड़ा, पी., सचदेवा, एस., और सखुजा, पी. (2025). जठरांत्र संबंधी मार्ग का माइलॉयड सार्कोमा: भेड़ के भेष में भेड़िया! इंडियन जर्नल ऑफ पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी, 68(1), 1-4. https://doi.org/10.4103/ijpm.ijpm_477_24
- चौहान, डी., गोयल, एस., वैथियम, वी., और सखुजा, पी. (2025, 27 जनवरी). सामान्य से परे: एसोफैजियल क्रिप्टोस्पोरिडिओसिस. इंडियन जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी. https://doi.org/10.1007/s12664-024-01730-y
- सखुजा, पी., और गोयल, एस. (2024, 18 जनवरी)। ऑटोइम्यून हेपेटाइटिस: विकास से वर्तमान स्थिति तक–एक रोगविज्ञानी का दृष्टिकोण। डायग्नोस्टिक्स, 14(2), 210. https://doi.org/10.3390/diagnostics14020210
- नंदी, एस., अग्रवाल, एस., सिंह, आर., कुमार, पी., तोमर, ए., और बत्रा, वी.वी. (2024)। डायग्नोस्टिक दुविधा: सिस्टमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस के साथ इम्यूनोग्लोबुलिन ए नेफ्रोपैथी। रुमेटोलॉजी और ऑटोइम्यूनिटी के इतिहास, 4(3), 84-88। https://doi.org/10.4103/ara.ara_23_24
- स्वर्णिम, एस., घोरुई, ए., कुमार, एस., बत्रा, वी., सेनगुप्ता, एस., और कुमार, सी. एम. (2025, 25 फ़रवरी)। स्कूली बच्चे में पोडोसाइट इनफ़ोल्डिंग ग्लोमेरुलोपैथी

शोध परियोजनाएं

- डॉ. पूजा सखुजा को एक सह-पीआई के रूप में "पित्ताशय के कैंसर का शीघ्र पता लगाने के लिए रक्त आधारित आणविक परीक्षण का विकास" नामक परियोजना के लिए एक ग्राफ प्रदान किया गया है। यह अनुदान आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है जो 3 वर्षों की अवधि के लिए है।
- डॉ. पूजा सखुजा को एक सह-पीआई के रूप में आईसीएमआर और एनआईपी के साथ पित्ताशय के कैंसर का शीघ्र पता लगाने के लिए बाह्य कोशिकीय पुटिकाओं-आधारित संचार miRNAs की पहचान नामक परियोजना के लिए 1.5 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की गई है। यह अनुदान आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है जो 3 वर्षों की अवधि के लिए है।
- डॉ. पूजा सखुजा को एक सह-पीआई के रूप में डीएसटी-एसईआरबी और एनआईओपी के साथ नए चिकित्सीय लक्ष्यों की पहचान करने के लिए लिम्फ नोड मेटास्टेटिक पित्ताशय का कैंसर का डीरेगुलेटेड प्रोटिओम विश्लेषण 3 वर्ष।

- डॉ. पूजा सखुजा को पित्ताशय कार्सिनोमा में ब्रेन डिराइव्ड न्यूरोट्रॉफिक फैक्टर (BDNF) और इसके रिसेप्टर, TrkB: संभावित बायोमार्कर और रोगसूचक मार्कर नामक परियोजना के लिए अनुदान प्रदान किया गया है। एक सह-पीआई के रूप में। यह अनुदान आईसीएमआर द्वारा 3 वर्षों की अवधि के लिए प्रदान किया गया है।
- डॉ. आर के सरन को ग्लियोब्लास्टोमा में GnRH सिग्नलिंग नामक परियोजना के लिए एक पीआई के रूप में अनुदान प्रदान किया गया है। यह अनुदान आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है।
- डॉ. विनीता बत्रा को एक पीआई के रूप में बेहतर निदान को सक्षम करने के लिए C3 ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस वाले भारतीय रोगियों में आनुवंशिक, सीरोलॉजिकल और अल्ट्रास्ट्रक्चरल मानचित्र बनाना नामक परियोजना के लिए 1,04,00,000 रुपये का अनुदान प्रदान किया गया है। यह अनुदान आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है जो 3 वर्षों की अवधि के लिए है।
- डॉ. विनीता बत्रा को एक पीआई के रूप में बेहतर निदान को सक्षम करने के लिए C3 ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस वाले भारतीय रोगियों में आनुवंशिक, सीरोलॉजिकल और अल्ट्रास्ट्रक्चरल मानचित्र बनाना नामक परियोजना के लिए 6,20,000 रुपये का अनुदान प्रदान किया गया है। एसएलई और ल्यूपस नेफ्रैटिस के रोगजनन और रोग गतिविधि में सूक्ष्म कणों और मोनोसाइट्स की भूमिका एक पीआई के रूप में। यह अनुदान आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है जो 3 वर्षों की अवधि के लिए है।
- डॉ. अनुज पाल, डॉ. आर. के. सरन, विसरित एस्ट्रोसाइटोमा और ग्लियोब्लास्टोमा में सीडीकेएन2ए विलोपन के लिए सरोगेट मार्कर के रूप में इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री द्वारा पी16 की अभिव्यक्ति।
- डॉ. वर्षिता, डॉ. पूजा सखुजा, गैस्ट्रो-एंटरो-पैंक्रियाटिक न्यूरोएंडोक्राइन नियोप्लाज्म के विभिन्न ग्रेडों में नए आईएचसी मार्कर एटीआरएक्स, डीएएक्सएक्स और पी16 की अभिव्यक्ति।
- डॉ. साई शंकरी, डॉ. विनीता वी. बत्रा, ल्यूपस नेफ्रैटिस में रोग गतिविधि के साथ मूत्र बायोमार्कर टीडब्ल्यूईएके, एमसीपी1 और एनजीएएल का संघ।

आयोजित संगोष्ठियां

- डॉ. तथागत चटर्जी, निदेशक, ईएसआई फरीदाबाद, ने 18-19 जुलाई, 2024 तक एक हेमेटोलॉजी कार्यशाला आयोजित की।

- डॉ. दीप्ति करमचंदानी, दक्षिणी टेक्सास विश्वविद्यालय, ने 18 दिसंबर, 2024 को एक स्लाइड सेमिनार आयोजित किया।
- डॉ. पूजा सखुजा: ने 13 दिसंबर 2024 को ओडिशा में आयोजित भारतीय पैथोलॉजिस्ट और माइक्रोबायोलॉजिस्ट एसोसिएशन के 72वें वार्षिक सम्मेलन, एपीसीओएन 2024 में "सूजन आंत्र रोग में नैदानिक दृष्टिकोण, कमियाँ और स्कोरिंग प्रणालियाँ - एक केस आधारित दृष्टिकोण" विषय पर एक सीएमई का आयोजन किया।

निवासियों द्वारा भाग लिए गए सम्मेलन

- 1 और 2 फ़रवरी 2025 - DNACON 2025 विवांता द्वारका, दिल्ली
- 22 फ़रवरी 2025 - CME आणविक कोशिकाविकृति विज्ञान, एमएएमसी दिल्ली
- 24 मार्च 2025 - संक्रमणों के विकृति विज्ञान पर कार्यशाला, एमएएमसी दिल्ली

एक्सचेंज प्रोग्राम (इनबाउंड/आउटबाउंड) के अंतर्गत छात्र

आउटबाउंड छात्र एक्सचेंज

मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली के साथ चल रहे शैक्षणिक सहयोग के एक भाग के रूप में, विभाग के स्नातकोत्तर छात्र समय-समय पर होने वाले घूर्णन आदान-प्रदान में भाग लेते हैं। छात्र नियमित प्रयोगशाला कार्य के साथ-साथ स्नातक शिक्षण गतिविधियों में भी भाग लेते हैं।

इनबाउंड छात्र एक्सचेंज

1. मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली के साथ चल रहे शैक्षणिक सहयोग के एक भाग के रूप में, विभाग के स्नातकोत्तर छात्र आवधिक रोटेशनल एक्सचेंज में भाग लेते हैं। ये छात्र नियमित प्रयोगशाला कार्य के साथ-साथ स्नातक शिक्षण गतिविधियों में भी भाग लेते हैं।
2. लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली के अंतिम वर्ष के स्नातकोत्तर छात्रों को जीआई पैथोलॉजी, न्यूरोपैथोलॉजी और रीनल पैथोलॉजी के अनुभव के लिए एक महीने के लिए तैनात किया जाता है।
3. एमएलटी प्रशिक्षुओं को रोटेशनल आधार पर तैनात किया जाता है और वे नियमित प्रयोगशाला कार्य में भाग लेते हैं।

***

बाल रोग (एमएएमसी)

सम्मान/विभूतियां

- डॉ. एम. जुनेजा ऑटिज़्म विकार पर जागरूकता बढ़ा रहे हैं, एम्स, गुवाहाटी 22.4.24 - 24.4.24

- डॉ. एम. जुनेजा बच्चों में ऑटिज़्म विकार की विकासात्मक जाँच और पहचान में स्वास्थ्य पेशेवरों की क्षमता निर्माण, नई दिल्ली 06.02.2025 - 07.02.2025
- डॉ. एम. जुनेजा शहर-आधारित टाइफाइड बुखार निगरानी, नई दिल्ली 19.12.24
- डॉ. एम. जुनेजा भारत निर्वाचन आयोग - सार्थक ग्लोबल रिसोर्स सेंटर में "प्रारंभिक हस्तक्षेप पैनल" में शामिल होने का निमंत्रण, 07.12.24
- डॉ. एम. जुनेजा भारतीय लीड जागरूकता एवं अनुसंधान सोसाइटी, लीडकॉन 2024, सर गंगा राम, नई दिल्ली, 23.10.24
- डॉ. एम. जुनेजा न्यूरोडेवलपमेंटल विकारों का शीघ्र पता लगाना और शीघ्र हस्तक्षेप, केरल 20.10.24 - 22.10.24
- डॉ. एम. मंटन ISPNCON 2024, भारतीय बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी सोसायटी का 36वाँ वार्षिक सम्मेलन, 6-8 दिसंबर 2024 तक नई दिल्ली में आयोजित किया गया। एम. मंटन आयोजन समिति के मुख्य सदस्य और वैज्ञानिक समिति के सह-अध्यक्ष भी थे।
- डॉ. एम. मंटन ने 5 दिसंबर को ISPNCON 2024, भारतीय बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी सोसायटी के 36वें वार्षिक सम्मेलन, 6-8 दिसंबर 2024 तक नई दिल्ली में आयोजित किया गया, में नेफ्रोडायग्नोस्टिक्स पर पूर्व-सम्मेलन कार्यशाला का आयोजन किया।
- एम. मंटन ISPNCON 2024, भारतीय बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी सोसायटी के 36वें वार्षिक सम्मेलन, 6-8 दिसंबर 2024 तक नई दिल्ली में आयोजित किया गया, में वक्ता थे और उन्होंने "IgA नेफ्रोपैथी: विकसित हो रहा चिकित्सीय परिदृश्य" विषय पर व्याख्यान दिया।
- एम मंटन 6-8 दिसंबर 2024 को नई दिल्ली में आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी के 36वें वार्षिक सम्मेलन ISPNCON 2024 में "पीडियाट्रिक यूरोलिथियासिस" पर पैनल चर्चा के संचालक थे।
- एम मंटन 20 जुलाई 2024 को चेन्नई में आयोजित यंग किडनीज़-2024 डॉ. जॉर्जी अब्राहम व्याख्यान में आमंत्रित वक्ता थे और उन्होंने "विशेष परिस्थितियों में डायलिसिस प्रिस्क्रिप्शन: क्या हम इसे सही कर रहे हैं?" विषय पर व्याख्यान दिया।
- एम मंटन, 21 जुलाई 2024 को चेन्नई में आयोजित यंग किडनीज़-2024 डॉ. जॉर्जी अब्राहम व्याख्यान में आमंत्रित वक्ता थे और उन्होंने "बच्चों में आईजीए नेफ्रोपैथी का प्रबंधन" विषय पर व्याख्यान दिया।

- एम मंटन ने 5-6 अप्रैल 2025 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी में आईपीएनए-एएसपीएनए जूनियर मास्टर क्लास (जेएमसी) में "आईपीएनए समर्थन के माध्यम से प्रशिक्षण के दो दशक" विषय पर संगोष्ठी में संकाय के रूप में भाग लिया।
- एम मंटन को "आईजीए नेफ्रोपैथी: मैं कैसे संदेह करूँ और कैसे प्रबंधित करूँ?" विषय पर व्याख्यान देने के लिए संकाय के रूप में 26-27 जुलाई 2024 को एम्स, भोपाल में आयोजित छठे बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी सम्मेलन में आमंत्रित किया गया था।
- एम. मंटन ने 14 जुलाई 2024 को वेलकमहोटल्स आईटीसी, द्वारका में आयोजित फीनिक्स ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी 2.0 में "यूटीआई दिशानिर्देश" पर पैन चर्चा में संकाय के रूप में भाग लिया।
- डॉ. ए. डबास ने उत्तर भारत के बाल चिकित्सा सम्मेलन के पूर्व-सम्मेलन के भाग के रूप में 20 सितंबर 2024 को दिल्ली किशोर स्वास्थ्य अकादमी के साथ मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज के बाल चिकित्सा विभाग में "मजबूत दिमाग-मजबूत किशोर" कार्यशाला का आयोजन किया।
- डॉ. ए. डबास ने 06 मार्च 2025 को मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज के बाल चिकित्सा विभाग में "एक्सेल विद डेटा" पर "सेकंड हैंड्स ऑन वर्कशॉप" का आयोजन किया।

प्रकाशित कार्य

- यादव, एस., मिश्रा, डी., और जुनेजा, एम. (2025)। 3 महीने से 12 साल की उम्र के बच्चों में अस्पताल में होने वाले दौरे: एक संभावित समूह अध्ययन। भारतीय बाल चिकित्सा, 62(2), 143-147। https://doi.org/10.1007/s13312-025-3380-8
- कुमार, वी., जुनेजा, एम., कौशिक, एस., और गुप्ता, ए. (2024)। ध्यान अभाव अतिसक्रियता विकार वाले बच्चों में आयरन अनुपूरण: एक एकल केंद्र अध्ययन। भारतीय बाल चिकित्सा, 61(8), 745-749। https://doi.org/10.1007/s13312-024-3258-1
- सुथार, एम., मिश्रा, डी., जुनेजा, एम., कालरा, बी.एस., और आर्य, वाई. (2024)। मिर्गी से ग्रस्त बच्चों में क्रोनिक नॉन-एपिलेप्सी ड्रग उपयोग की रूपरेखा: एकल केंद्र अनुभव। भारतीय बाल रोग, 61(8), 768-770। https://doi.org/10.1007/s13312-024-3258-1
- पट्टू, आर.एम., गोस्वामी, एम., जुनेजा, एम., कुमार, जी., जौहर, एस., नरूला, वी., और जॉनसन, आर.एम. (2024)। सीपी से ग्रस्त बच्चों में एसडीएफ के साथ दंत चिकित्सा की माता-पिता द्वारा स्वीकृति। दंत चिकित्सा में विशेष देखभाल: अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ़ हॉस्पिटल

डेंटिस्ट्स, द एकेडमी ऑफ़ डेंटिस्ट्री फ़ॉर द हैंडीकैप्ड, और अमेरिकन सोसाइटी फ़ॉर जेरिएट्रिक डेंटिस्ट्री का आधिकारिक प्रकाशन, 44(6), 1804-1811। https://doi.org/10.1111/scd.13058

- नरूला, वी., गोस्वामी, एम., जुनेजा, एम., और कुमार, जी. (2024)। ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम विकार वाले बच्चों की मौखिक स्वास्थ्य स्थिति और उपचार आवश्यकताओं का तुलनात्मक मूल्यांकन: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। क्यूरियस। https://doi.org/10.7759/cureus.58663
- कौर, ए., लाल, जी., मीनल अभिलाषी, लवंगी नैथानी, वर्मा, एम., रॉय, आर., जुनेजा, एम., गुलाटी, एस., टेलर, सी., लीडबिटर, के., पटेल, वी., ग्रीन, जे., और दीवान, जी. (2024)। लॉक डाउन-लॉक इन: दिल्ली, भारत में ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम विकार वाले छोटे बच्चों के परिवारों के अनुभव। फ्रंटियर्स इन पब्लिक हेल्थ, 12. https://doi.org/10.3389/fpubh.2024.1294538
- सिंह, आर., मंटन, एम., महाजन, ए., त्यागी, वी., और गोस्वामी, बी. (2025)। नेफ्रोटिक सिंड्रोम और क्रोनिक किडनी रोग वाले बच्चों में SARS-CoV-2 एंटीबॉडी का सीरोप्रिवलेंस: भारत में एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी, 40(2), 441-447। doi: 10.1007/s00467-024-06534-y। ई-पब 2024 सितंबर 27। पीएमआईडी: 39327265
- विवरेली एम, सैमुअल एस, कोप्पो आर, बैरेट जे, बोनिला-फेलिक्स एम, हैफनर डी, गिब्सन के, हास एम, अब्देल-हाफ़िज़ एमए, एड्राग्ना एम, ब्रोगन पी, किम एस, लियू आई, लियू जेडएच, मंटन एम, शिमा वाई, शिमुज़ु एम, शेन क्यू, त्रिमार्ची एच, हैन डी, हॉडसन ई, फ़िस्टर के, अलादिन ए, बॉयर ओ, नाकानिशी के; इंटरनेशनल पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी एसोसिएशन। पीडियाट्रिक नेफ्रोल. 2025 फ़रवरी;40(2):533-569. doi: 10.1007/s00467-024-06502-6.
- जन्मजात पोर्टोसिस्टमिक शंट वाले बच्चे में मेम्ब्रेनोप्रोलिफेरेटिव ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस. पीडियाट्रिक नेफ्रोल. 2024 दिसंबर;39(12):3459-3462. doi: 10.1007/s00467-024-06448-9. ई-पब 2024 जुलाई 4. पीएमआईडी: 38963555
- त्यागी वी, मंटन एम, बत्रा वीवी. फुफ्फुसीय तपेदिक और वृक्क एमिलॉयडोसिस: बच्चों में एक दुर्लभ समस्या. ट्रॉप डॉक्ट. 2025 जनवरी;55(1):71-72. doi: 10.1177/00494755241293181
- मंटन एम. बिना ऑपरेशन वाले संरचनात्मक जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित बच्चों में तीव्र गुर्दे की क्षति: लेखक का उत्तर। इंडियन जे पीडियाट्रिक. 2025 मार्च;92(3):330. doi: 10.1007/s12098-024-05396-4
- रानी एस, साही पीके, मंटन एम, सिंह एस, बत्रा वीवी. क्रोनिक किडनी रोग से ग्रस्त गैर-डायलिसिस वाले बच्चों में पूर्ण और कार्यात्मक आयरन की कमी की व्यापकता। इंडियन जे पीडियाट्रिक. 2025 मार्च;92(3):337. doi: 10.1007/s12098-024-05408-3. ईपब 2025 जनवरी 18.

- मेय्यान ए, त्यागी वी, डबास ए, मंटन एम, मनचंदा वी. क्रोनिक किडनी रोग से ग्रस्त बच्चों और किशोरों में खसरा, कण्ठमाला और रूबेला के लिए सीरोसर्वेक्षण। इंडियन पीडियाट्रिक. 2025 जनवरी 15;62(1):49-52. doi: 10.1007/s13312-025-3357-7. पीएमआईडी: 39754431.
- मीना वी, महाजन ए, मंटन एम. तृतीयक देखभाल केंद्र के बाह्य रोगी विभाग में गैर-गुर्दे संबंधी शिकायतों के साथ आने वाले बच्चों की मूत्र डिपस्टिक जाँच। इंडियन जे पीडियाट्रिक. 2025 मई;92(5):568. doi: 10.1007/s12098-025-05491-0.
- लोहचब वाई, महाजन ए, मंटन एम. हीमोफीलिया ए से ग्रस्त बच्चे में आईजीए वास्कुलिटिस। इंडियन जे पीडियाट्रिक. 2025 अप्रैल 23 doi: 10.1007/s12098-025-05542-6. मुद्रण से पहले ई-प्रकाशन। पीएमआईडी: 40266507
- कुमार के, सिंह आर, मंटन एम. प्रतिरक्षाविहीनता वाले शिशु में दुर्लभ केंद्रीय तंत्रिका तंत्र संक्रमण। इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स, 2024 अप्रैल;91(4):412. doi: 10.1007/s12098-023-04886-1.
- मुरलीधर एपी, महाजन ए, मंटन एम, अग्रवाल ए. बिना ऑपरेशन वाले संरचनात्मक जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित बच्चों में तीव्र गुर्दे की चोट। इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स, 2024 सितंबर;91(9):978. doi: 10.1007/s12098-024-05090-5. ई-पब 2024 मार्च 6. पीएमआईडी: 38446326
- मित्तल एम, त्यागी वी, मारू बीआर, दबास ए, मंटन एम. भारतीय स्नातक चिकित्सा छात्रों में जर्नल-रीडिंग प्रथाएँ। नेशनल मेड जर्नल इंडिया। 2024 मार्च-अप्रैल;37(2):118-119. doi: 10.25259/NMJI_988_2023. पीएमआईडी: 39222535
- कृष्णा जीएम, दबास ए, मंटन एम, कुमार एम ए, गोस्वामी बी. कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स से उपचारित नेफ्रोटिक सिंड्रोम वाले बच्चों में एड्रेनोकोर्टिकल दमन। पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी। 2024 जून;39(6):1817-1824. doi: 10.1007/s00467-024-06294-9. ईपब 2024 जनवरी 23. पीएमआईडी: 38253887
- त्यागी वी, मंटन एम, बत्रा वीवी. फुफ्फुसीय तपेदिक और वृक्क एमिलॉयडोसिस: बच्चों में एक दुर्लभ समस्या। ट्रॉप डॉक्ट. 2025 जनवरी;55(1):71-72 doi: 10.1177/00494755241293181. ईपब 2024 नवंबर 15. पीएमआईडी: 39544082
- यादव डी, मंटन एम, महाजन बी. एसएसएनएस और कैल्सीन्यूरिन अवरोधक-उपचारित एसआरएनएस वाले बच्चों में मूत्र बीटा-2 माइक्रोग्लोब्युलिन के स्तर की तुलना। इंडियन जर्नल ऑफ नेफ्रोलॉजी। 2024 मार्च-अप्रैल;34(2):149-154. doi: 10.4103/ijn.ijn_339_22. ईपब 2023 अगस्त 18. पीएमआईडी: 38681018; पीएमसीआईडी
- सचान एन, डबास ए, मंटन एम, डबला पीके. टाइप 1 डायबिटीज मेलिटस वाले बच्चों में मूत्र संबंधी बायोमार्कर एनजी एएल और बीटा-2 माइक्रोग्लोब्युलिन। जे पीडियाट्रिक एंडोक्रिनोल मेटाब.

2024 अगस्त 20;37(9):764-772 doi: 10.1515/jpem-2024-0172. पीएमआईडी: 39166792.

- बेहरा, एस., मिश्रा, डी., महाजन, बी., मंटन, एम., और बंसल, एस. (2024). भारतीय बच्चों में विटामिन डी के स्तर पर दौरे-रोधी दवा मोनोथेरेपी का प्रभाव: एक दीर्घकालिक समूह अध्ययन। जर्नल ऑफ एपिलेप्सी रिसर्च, 14(2), 73-80. doi: 10.14581/jer.24013. PMID: 39720196; PMCID: PMC11664055
- यादव, एस., मिश्रा, डी., और जुनेजा, एम. (2025). 3 महीने से 12 साल की उम्र के बच्चों में अस्पताल में शुरू होने वाले दौरे: एक संभावित समूह अध्ययन। भारतीय बाल चिकित्सा, 62(2), 143-147. https://doi.org/10.1007/s13312-025-3380-8
- सुथार, एम., मिश्रा, डी., जुनेजा, एम., कालरा, बी.एस., और आर्य, वाई. (2024). मिर्गी से ग्रस्त बच्चों में पुरानी गैर-मिर्गी दवा के उपयोग की रूपरेखा: एकल केंद्र अनुभव। भारतीय बाल चिकित्सा, 61(8), 768-770. पीआईआई:S097475591600665
- चंद्रा जे, मंगलानी एम, अनेजा एस, विनयन केपी, सिन्हा ए, मंडल पी, मिश्रा डी, आदि। विशेष स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं वाले युवाओं के लिए देखभाल में बदलाव पर आईएपी और डीजीएचएस, भारत सरकार का श्वेत पत्र। भारतीय बाल चिकित्सा, 61(5), 475-481।
- शर्मा एच, पारेख एस, पुजारी पी, शेवाले एस, देसाई एस, कवाडे ए, अग्रवाल ए एट अल। शिशुओं में DTwP-HepB-IPV-Hib वैक्सीन (HEXASIIL®) की सुरक्षा और इम्युनोजेनेसिटी का चरण III यादृच्छिक-नियंत्रित अध्ययन। एनपीजे टीके. 2024 फ़रवरी 22;9(1):41.
- हित शर्मा, समीर पारेख, प्रमोद पुजारी, सुनील शेवाले, शिवानी देसाई, आनंद कवाडे, संजय लालवानी, एम.डी. रवि, पद्मासनी वेंकट रामानन, वीणा कामथ, अनुराग अग्रवाल, और अन्य।
- भारतीय शिशुओं में पूर्णतः तरल DTwP-HepB-IPV-Hib हेक्सावैलेंट वैक्सीन (HEXASIIL®) की सुरक्षा और प्रतिरक्षाजनकता का आकलन करने के लिए एक यादृच्छिक, सक्रिय-नियंत्रित, बहु-केंद्रित, चरण-II नैदानिक अध्ययन, वैक्सीन, खंड 42, अंक 26, 2024, 126380, ISSN 0264-410X,
- अनुराग अग्रवाल, प्रियंका दास, सुरेंद्र बहादुर माथुर, महमूद हनीफ, कौशल कुमार द्विवेदी, अश्विनी खन्ना, रीमा अरोड़ा, आशिमा डबास,
- बच्चों और किशोरों में रिफैम्पिसिन-संवेदनशील फुफ्फुसीय तपेदिक में आइसोनियाज़िड प्रतिरोध, इंडियन जर्नल ऑफ़ ट्यूबरकुलोसिस, 2024, ISSN0019-5707
- शरण्या, पी., मिश्रा, डी., अग्रवाल, ए. आदि। SARS-CoV-2 संक्रमण के छह महीने बाद बच्चों में स्पाइरोमेट्री: एक एकल-केंद्र अध्ययन। इंडियन पीडियाट्रिक 60, 1008-1012 (2023)

- अग्रवाल अनुराग, स्तुति शर्मा, अश्विनी खन्ना, राघवेंद्र सिंह, और रीमा अरोड़ा। 2024. "ट्यूबरकुलर मेनिन्जाइटिस का पता लगाने के लिए पारंपरिक जीन एक्सपर्ट के साथ नए चिप आधारित परीक्षण - ट्रूनेट का मूल्यांकन"। एशियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक रिसर्च 14 (7):47-53।
- मुरलीधर एपी, महाजन ए, मंटन एम, अग्रवाल ए. बिना ऑपरेशन वाले संरचनात्मक जन्मजात हृदय रोग के साथ अस्पताल में भर्ती बच्चों में तीव्र गुर्दे की चोट।
- इंडियन जे पीडियाट्रिक 2024 सितंबर;91(9):978. doi: 10.1007/s12098-024-05090-5. ईपब 2024 6 मार्च। पीएमआईडी: 38446326
- अग्रवाल ए, अग्रवाल ए, मोहन ए, दत्ता टी, महाजन एम, देसाई एस, आदि। विश्व स्वास्थ्य संगठन श्रेणी III के पशु दंश रोगियों में दो मोनोक्लोनल एंटीबॉडी के विश्व के पहले नए कॉकटेल का सुरक्षा मूल्यांकन। जे फैमिली मेड प्राइम केयर 2024;13:4493-8।
- माथुर एसबी, अग्रवाल ए। बाल चिकित्सा मायोकार्डिटिस में आईवीआईजी के लिए साक्ष्य आधार का विस्तार: व्यावहारिकता का आह्वान। इंडियन पीडियाट्रिक। 2025 मार्च;62(3):249-250। doi: 10.1007/s13312-025-00021-9। पीएमआईडी: 40126845
- अनुराग अग्रवाल, शिवानंद होसट्टी, दीपक कुमार, अश्विनी खन्ना, विशाल खन्ना, शीलू लोहिया, टीबी-रोधी दवाओं के दैनिक सेवन से उपचारित बच्चों में दो वर्ष बाद फुफ्फुसीय क्षय रोग के नैदानिक परिणाम, इंडियन जर्नल ऑफ ट्यूबरकुलोसिस, 2025, आईएसएसएन 0019-5707, https://doi.org/10.1016/j.ijtb.2025.04.005.
- वर्मा जे, अग्रवाल ए. रेबीज की रोकथाम के लिए सूचना, शिक्षा और संचार उपकरण के रूप में सोशल मीडिया। इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ 2024;68:577.
- मेय्यान, ए., त्यागी, वी., डबास, ए., मंटन, एम., और मनचंदा, वी. (2025)। क्रोनिक किडनी रोग से ग्रस्त बच्चों और किशोरों में खसरा, कण्ठमाला और रूबेला के लिए सीरोसर्वेक्षण। भारतीय बाल चिकित्सा, 62(1), 49-52. https://doi.org/10.1007/s13312-025-3357-7
- झा, एस., गुप्ता, एस., और डबास, ए. (2024). क्या पीपीआई बाल चिकित्सा उपयोग के लिए असुरक्षित है?. वैश्विक बाल चिकित्सा स्वास्थ्य, 11, 2333794X241307187. https://doi.org/10.1177/2333794X241307187
- राव, डी. के., जिंदल, ए., डबास, ए., सैत, एच., यादव, एस., और कपूर, एस. (2024). गर्भावस्था के दौरान मातृ आयोडीन की अधिकता का नवजात थायरॉइड फ़ंक्शन और 12 सप्ताह

में तंत्रिका-विकासात्मक स्थिति पर प्रभाव। जर्नल ऑफ द आसियान फेडरेशन ऑफ एंडोक्राइन सोसाइटीज, 39(2), 27-32. https://doi.org/10.15605/jafes.039.02.12

- मित्तल, एम., त्यागी, वी., मारू, बी. आर., डबास, ए., और मंटन, एम. (2024)। भारतीय स्नातक चिकित्सा छात्रों में जर्नल पढ़ने की प्रथाएँ। द नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ़ इंडिया, 37(2), 118-119। https://doi.org/10.25259/NMJI_988_2023
- सचान, एन., डबास, ए., मंटन, एम., और डबला, पी. के. (2024)। टाइप 1 मधुमेह से ग्रस्त बच्चों में मूत्र संबंधी बायोमार्कर एनजी एएल और बीटा-2 माइक्रोग्लोब्युलिन। जर्नल ऑफ़ पीडियाट्रिक एंडोक्रिनोलॉजी एंड मेटाबॉलिज़्म: जेपीईएम, 37(9), 764-772। https://doi.org/10.1515/jpem-2024-0172
- अग्रवाल, ए., दास, पी., माथुर, एस. बी., हनीफ, एम., द्विवेदी, के. के., खन्ना, ए., अरोड़ा, आर., और डबास, ए. (2024)। बच्चों और किशोरों में रिफैम्पिसिन-संवेदनशील फुफ्फुसीय तपेदिक में आइसोनियाज़िड प्रतिरोध। द इंडियन जर्नल ऑफ़ ट्यूबरकुलोसिस, 71 सप्लीमेंट 1, S145-S148। https://doi.org/10.1016/j.ijtb.2024.05.002
- मित्तल, एम., त्यागी, वी., मारू, बी. आर., डबास, ए., और मंटन, एम. (2024)। भारतीय स्नातक चिकित्सा छात्रों में जर्नल-रीडिंग प्रथाएँ। द नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ़ इंडिया, 37(2), 118-119। https://doi.org/10.25259/NMJI_988_2023
- गुप्ता, आर., डबास, ए., कोहली, एस., रामोत, आर., ज्योत्सना, वी.पी., गोयल, ए., गुप्ता, वाई., और खडगावत, आर. (2024)। छोटे कद में वृद्धि हार्मोन उत्तेजना परीक्षणों का व्यावहारिक मूल्यांकन। इंडियन जर्नल ऑफ एंडोक्रिनोलॉजी एंड मेटाबोलिज्म, 28(2), 137-144। https://doi.org/10.4103/ijem.ijem_326_23
- ग्रेवाल, ए., बंसल, बी., मित्तल, सी., गुप्ता, एच., ससी, ए., गणेशन, पी., डबास, ए., साही, पी., राममूर्ति, एल., ललथंथुआमी, एच. टी., राममूर्ति, जे., सिंधु, ए., अरोड़ा, एस., भुक्या, ए., हेपजीबाह, एम., देवी, के., कृष्णमूर्ति, के., राय, एस. के., मेहता, एन., अंतिल, के.,... गांगुली, एस. (2024)। स्वास्थ्य देखभाल प्रशिक्षुओं के बीच बचपन के कैंसर से बचे रहने पर ज्ञान और दृष्टिकोण: भारत से एक बहुकेंद्रीय अध्ययन। पारिवारिक चिकित्सा और सामुदायिक स्वास्थ्य, 12(पूरक 2), e002618 https://doi.org/10.1136/fmch-2023-002618
- सक्सेना, शिवी; राजेश्वरी, के.; कुमार, दीपक; गोस्वामी, बिनीता1. बच्चों में सीरम मैग्नीशियम का स्तर और गंभीर निमोनिया से उनका संबंध। जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक पल्मोनोलॉजी 3(2):पृष्ठ 40-44, मई-अगस्त 2024

- बी. अग्रवाल ए, अग्रवाल ए, मोहन ए, दत्ता टी, महाजन एम, देसाई एस, कुमार डी. विश्व स्वास्थ्य संगठन श्रेणी-III के पशु-काट रोगियों में दो मोनोक्लोनल एंटीबॉडी के दुनिया के पहले नए कॉकटेल का सुरक्षा मूल्यांकन। जे फैमिली मेड प्राइम केयर। 2024 अक्तूब;13(10):4493-4498।
- चौधरी एस, कृष्णन आर, कुमार डी, गोस्वामी बी. तीव्र ब्रोन्कियल अस्थमा से ग्रस्त बच्चों में सीरम मैग्नीशियम का स्तर। कैस जे पेड 2024; 10 (10):
- दिव्या गोयल, दीपक कुमार, के. राजेश्वरी। एचआईवी से संक्रमित बाल रोगियों में पोषण संबंधी स्थिति का आकलन: कुपोषण की व्यापकता और प्रभावों का विश्लेषण। एचआईवी और एड्स समीक्षा। स्वीकृत 2024-07-04
- कुणाल कुमार, अभिषेक श्रीनिवास और दीपक कुमार। हेपेटाइटिस ए संक्रमण से ग्रस्त बच्चे में तीव्र खुजली और असहनीय खांसी: नाल्ट्रेक्सोन की प्रतिक्रिया। एपीजीएच. 2024. खंड 6(2):15-16.
- कुमार, के., कुमार, डी., और माथुर, एस. बी. (2024)। एक बच्चे में हेमिप्लेजिक माइग्रेन के रूप में प्रकट होने वाला मोयामोया रोग: भारत से एक केस रिपोर्ट: मोयामोया रोग हेमिप्लेजिक माइग्रेन के रूप में प्रस्तुत होता है। द जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक एकेडमी, 5(2), 70-72
- राम वी, कुमार के, राजेश्वरी के, कुमार डी. कैफ़ी रोग: 2 महीने के भारतीय शिशु की आनुवंशिक रूप से सिद्ध केस रिपोर्ट। जर्नल ऑफ ऑर्थो जॉइंट सर्ज 2024; 6 (1):82-83.d. मेहता, पार्थ; चौधरी, समृद्धि; राजेश्वरी, के.; कुमार, दीपक। डाउन सिंड्रोम फेनोटाइप वाले बच्चे में डबल एन्यूप्लॉइडी (ट्राइसोमी 21 और XXX): साहित्य की समीक्षा के साथ एक केस रिपोर्ट। इंडियन पीडियाट्रिक्स केस रिपोर्ट्स 4(1):पृष्ठ 15-18, जनवरी-मार्च 2024
- दिव्यांशी, वरुण कुमार, दीपक कुमार, के. राजेश्वरी। एचआईवी/एड्स से ग्रस्त बच्चों में त्वचा संबंधी अभिव्यक्तियाँ और उनका प्रतिरक्षात्मक स्थिति से संबंध। एचआईवी और एड्स समीक्षा। स्वीकृत 2024-06-18
- पीके साही, वी कुमार, ए गुप्ता, एम दास, पी मीना, डी दिव्यांशी। कैंसर से ग्रस्त और कैंसर रहित बाल रोगियों में कोविड-19 संक्रमण की रूपरेखा और परिणाम: एक केस-कंट्रोल अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल एंड पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी 46 (02), 150-159 DOI: 10.1055/s-0044-1786162
- रानी एस, साही पीके, मंटन एम, सिंह एस, बत्रा वीवी। क्रोनिक किडनी रोग से ग्रस्त गैर-डायलिसिस वाले बच्चों में पूर्ण और कार्यात्मक आयरन की कमी की व्यापकता। इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक। 2025;92(3):337। doi:10.1007/s12098-024-05408-3

- साही पी.के., राजपाल एन. एक बच्चे में फ्लैगेलेट डर्मेटोसिस। इंडियन जे डर्मेटोल। 2024;69(3):280-281। doi:10.4103/ijd.ijd_627_23
- ग्रेवाल ए., बंसल बी., मित्तल सी., आदि। स्वास्थ्य सेवा प्रशिक्षुओं में बाल कैंसर उत्तरजीविता पर ज्ञान और दृष्टिकोण: भारत से एक बहुकेंद्रीय अध्ययन। फैम मेड कम्युनिटी हेल्थ। 2024;12(सप्ल 2):e002618। 4 अप्रैल 2024 को प्रकाशित। doi:10.1136/fmch-2023-002618
- पी.के. साही, एस. मित्तल, डी. गुलाटी। एक बच्चे में जालीदार दाने के साथ एनीमिया (उत्तर)। भारतीय बाल चिकित्सा केस रिपोर्ट 4 (2), 134-135. DOI:10.4103/ipcares.ipcares_16_24
- एस मित्तल, डी गुलाटी, पीके साही. एक बच्चे में जालीदार दाने के साथ एनीमिया (प्रश्न). भारतीय बाल चिकित्सा केस रिपोर्ट 4 (1), 64-65. DOI:10.4103/ipcares.ipcares_16_24
- सक्करवाल एम, पल्लवी पी, झाम्ब यू, सक्सेना आर. लेखक का उत्तर: विटामिन डी की उच्च खुराक का विटामिन डी की कमी वाले बाल चिकित्सा आईसीयू रोगी की मृत्यु दर पर कोई प्रभाव नहीं पड़ सकता है।

शोध परियोजनाएं

- डॉ. एम. जुनेजा, ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम विकार वाले बच्चों में भाषा विकास पर उच्च खुराक वाले फोलिनिक एसिड का प्रभाव: एक डबल ब्लाइंड रैंडमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल
- डॉ. वी. कुमार क्लिनिको - 5 दिनों या उससे अधिक समय तक बुखार से पीड़ित बच्चों का एटियलॉजिकल प्रोफाइल। (पीआई)
- डॉ. सीमा कपूर सरकारी अस्पतालों के सेवा चिकित्सक और आकांक्षी जिलों के लिए आउटरीच कार्यक्रम"
- डॉ. सीमा कपूर हाइपोक्सिक इस्केमिक एन्सेफैलोपैथी (एचआईई) में उपचार योग्य न्यूरोमॉर्बिडिटी
- डॉ. सीमा कपूर दुर्लभ और अन्य वंशानुगत विकारों के लिए राष्ट्रीय रजिस्ट्री
- डॉ. सीमा कपूर हाइपोक्सिक इस्केमिक एन्सेफैलोपैथी (एचआईई) में उपचार योग्य न्यूरोमॉर्बिडिटी
- डॉ. एम. मंटन गुर्दे की बीमारियों से ग्रस्त बच्चों और किशोरों में SARS-COV2 एंटीबॉडी का सीरोसर्वेक्षण (जीएनसीटी, दिल्ली द्वारा वित्त-पोषित) परियोजना के लिए (अगस्त 2023 में पूरा हुआ)।
- डॉ. एम. मंटन को "बाल चिकित्सा क्रोनिक किडनी रोग कार्यक्रम: प्रगति की शीघ्र पहचान के लिए सीरम और मूत्र मेटाबोलोनोमिक्स द्वारा बायोमार्कर की पहचान" नामक परियोजना के लिए

आईसीएमआर अनुदान मिला है। (3 वर्षों के लिए वित्त पोषण)। जनवरी 2023 से दिसंबर तक जारी। 2025

- डॉ. एम. मंटन परियोजना का शीर्षक है "बच्चों में स्टेरॉयड-संवेदनशील नेफ्रोटिक सिंड्रोम के पुनरावर्तन के लिए कम खुराक, लघु अवधि के प्रेडनिसोलोन उपचार की प्रभावकारिता: एक बहुकेंद्रीय, यादृच्छिक, प्लेसीबो-नियंत्रित परीक्षण।" - डीएचआर (एम्स, दिल्ली से पीआई) द्वारा समर्थित बहुकेंद्रीय अध्ययन (3 वर्षों से चल रही परियोजना)
- डॉ. डी. मिश्रा सोडियम वैल्प्रोएट मोनोथेरेपी प्राप्त करने वाले मिर्गी से पीड़ित बच्चों में सीरम विटामिन डी और कैल्शियम के स्तर पर दैनिक विटामिन डी और कैल्शियम पूरकता का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण: आईसीएमआर-डॉ. देवेंद्र मिश्रा/डॉ. आशिमा डबास
- डॉ. अनुराग अग्रवाल निमोनिया अनुसंधान और वैक्सीन प्रभाव लीग" ("प्रीवेल") भारत में 1-35 महीने के बच्चों में निमोनिया और न्यूमोकोकल कैरिज परिणामों पर न्यूमोकोकल संयुग्म वैक्सीन के प्रभाव का मूल्यांकन। सह-अन्वेषक के रूप में
- डॉ. अनुराग अग्रवाल, रेबीज के बाद के जोखिम की रोकथाम में दो मोनोक्लोनल एंटीबॉडी के मिश्रण पर विपणन-पश्चात अध्ययन, मुख्य अन्वेषक के रूप में
- डॉ. अनुराग अग्रवाल, भारतीय बच्चों में निमोनिया और आक्रामक न्यूमोकोकल रोग (आईपीडी) का कारण बनने वाले स्ट्रेप्टोकोकस न्यूमोनिया के रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) के रुझान और सीरोटाइप लक्षण वर्णन। आईसीएमआर द्वारा वित्त-पोषित बहुकेंद्रीय अनुसंधान परियोजना। सह-अन्वेषक के रूप में
- डॉ. आशिमा डबास (पीआई) बच्चों में अभिघातजन्य मस्तिष्क क्षति के बाद पिट्यूटरी कार्य मूल्यांकन: एक संभावित समूह अध्ययन - आईसीएमआर द्वारा वित्त-पोषित
- डॉ. आशिमा डबास (सह-पीआई) भारतीय बच्चों में शीघ्र यौवन के साथ अंतःस्रावी विघटनकर्ताओं (प्लास्टिसाइज़र) का संबंध - डीबीटी द्वारा वित्त-पोषित
- डॉ. आशिमा डबास, केंद्रीय असामयिक यौवन वाले बच्चों में विकास और यौवन संबंधी परिणाम और जीवन की गुणवत्ता - अल्पकालिक छात्रवृत्ति अध्ययन (आईसीएमआर)- पूर्ण
- डॉ. आशिमा डबास द्वारा पीआई के रूप में अकादमिक अध्ययन - टाइप 1 मधुमेह वाले बच्चों में खान-पान संबंधी विकार और पोषण संबंधी मूल्यांकन
- डॉ. आशिमा डबास, बाल चिकित्सा वृक्क और उपापचयी विकारों पर सीएमई की सह-आयोजन सचिव

- डॉ. तमोगना माजी, डॉ. एम. जुनेजा: हाइपोक्सिक इस्केमिक एन्सेफैलोपैथी से ग्रस्त पूर्ण अवधि के नवजात शिशुओं में न्यूरोइमेजिंग की रूपरेखा और 3 महीने में उनके विकासात्मक परिणाम
- डॉ. वाणी, डॉ. एम. जुनेजा: दिल्ली के शहरी झुग्गी-झोपड़ियों और ग्रामीण क्षेत्रों के 3 महीने से 3 वर्ष की आयु के बच्चों में प्रारंभिक शिक्षा के अवसर - एक समुदाय आधारित अध्ययन
- डॉ. पूर्णिमा मित्तल, डॉ. एम. जुनेजा: डाउन सिंड्रोम वाले बच्चों में संवेदी रूपरेखा
- डॉ. मेघा, डॉ. यू. झाम्ब: बच्चों में द्रव प्रतिरोधी सेप्टिक शॉक के प्रबंधन के लिए प्रथम-पंक्ति इनोट्रोपिक एजेंट के रूप में डोपामाइन बनाम एपिनेफ्रीन: एक डबल-ब्लाइंड रैंडमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण
- डॉ. संप्रति, डॉ. यू. झाम्ब: बच्चों में पोस्ट-एक्सट्यूबेशन स्ट्रिडोर की भविष्यवाणी में स्वरयंत्र अल्ट्रासाउंड की भूमिका
- डॉ. शेखर गुप्ता, डॉ. यू. झाम्ब: तृतीयक देखभाल अस्पताल में आने वाले बच्चों में विषाक्तता का बोझ और नैदानिक-एटिऑलॉजिकल प्रोफ़ाइल
- डॉ. विष्णु सोमकुमार, डॉ. के. राजेश्वरी: बच्चों में एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम में नैदानिक-महामारी विज्ञान प्रोफ़ाइल और मृत्यु दर के पूर्वानुमानों का एक अध्ययन
- डॉ. एम. एस. यशवंत, डॉ. के. राजेश्वरी: सेरेब्रल पाल्सी के रोगियों में अस्पताल में भर्ती होने की प्रोफ़ाइल
- डॉ. शिखा सचान, डॉ. के. राजेश्वरी: थीसिस- जन्मजात हृदय रोग वाले बच्चों में स्वास्थ्य संबंधी जीवन की गुणवत्ता
- डॉ. अर्जिता गिरी, डॉ. सीमा कपूर: यूथायरोक्सिनेमिया वाले शिशुओं में एल-थायरोक्सिन की इष्टतम खुराक का निर्धारण चिकित्सा शुरू होने के 4 सप्ताह बाद जन्मजात हाइपोथायरायडिज्म
- डॉ. अभिलाषा, डॉ. सीमा कपूर: 1 महीने से 5 वर्ष की आयु के बच्चों में पूर्व-भाषिक श्रवण हानि की नैदानिक-एटिऑलॉजिकल प्रोफ़ाइल
- डॉ. सुजीता, डॉ. सीमा कपूर: ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी से पीड़ित 7-12 वर्ष की आयु के बच्चों में हड्डियों के स्वास्थ्य के संकेतक
- डॉ. सिंडी लालरामचुआनी, एम. मंटन: क्रोनिक किडनी रोग से पीड़ित बच्चों और किशोरों (10-18 वर्ष की आयु) में निरंतर चलित रक्तचाप निगरानी की प्रोफ़ाइल।
- डॉ. ऋचा सिंह, एम. मंटन: सार्स-कोव-2 एंटीबॉडी के लिए अंतर्निहित गुर्दे की स्थिति वाले (1-18 वर्ष) के बच्चों और किशोरों

- डॉ. विकास मीणा, एम. मंटन: तृतीयक देखभाल अस्पताल के बाह्य रोगी विभाग में उपस्थित बच्चों (5-15 वर्ष) में मूत्र संबंधी असामान्यताओं की जाँच, जो गैर-गुर्दे संबंधी समस्याओं के साथ मूत्र डिपस्टिक का उपयोग करके उपस्थित होते हैं।
- डॉ. दीपशिखा, डॉ. डी. मिश्रा: डाउन सिंड्रोम वाले बच्चों में मस्कुलोस्केलेटल विसंगतियों की रूपरेखा
- डॉ. शैली मित्तल, डॉ. डी. मिश्रा: ट्यूबरकुलस मेनिन्जाइटिस से पीड़ित बच्चों में स्ट्रोक के लिए नैदानिक-एटिऑलॉजिकल रूपरेखा और जोखिम कारक
- डॉ. देवांशु गुलाटी, डॉ. डी. मिश्रा: नवजात शिशुओं में दौरे पड़ने वाले शिशुओं में 3.5 महीने की उम्र में प्रारंभिक मिर्गी का जोखिम
- डॉ. शिवानंद होसट्टी, डॉ. ए. अग्रवाल: उपचार पूरा होने के 2 साल बाद दैनिक दवा व्यवस्था के साथ इलाज किए गए बच्चों और किशोरों में दवा के प्रति संवेदनशील फुफ्फुसीय तपेदिक के नैदानिक परिणाम
- डॉ. चारु सिंह, डॉ. ए. अग्रवाल: बिना किसी ज्ञात प्रतिरक्षा-क्षमता वाले बच्चों में त्वरित दो खुराक वाली अंतःत्वचीय पूर्व-प्रसार रेबीज प्रोफिलैक्सिस व्यवस्था की प्रतिरक्षाजनकता बनाम प्रतिरक्षादमनकारी चिकित्सा के संपर्क में आए बच्चे
- डॉ. श्वेता सजलान, डॉ. ए. अग्रवाल: 9 से 12 वर्ष की आयु के गैर-टीकाकृत किशोरों में हेपेटाइटिस ए एंटीबॉडी का सीरोप्रिवलेंस
- डॉ. एम.डी. जावेद, डॉ. आशिमा डबास: बीटा थैलेसीमिया मेजर के रोगियों में अस्थि टर्नओवर मार्कर और कंकाल संबंधी असामान्यताएँ
- डॉ. ज्योति, डॉ. आशिमा डबास: अस्पताल में भर्ती बीमार बच्चों में स्ट्रेस हाइपरग्लाइसीरेमिया की घटना

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- डॉ. राघवेंद्र सिंह ने अगस्त 2023 से अगस्त 2024 तक टोरंटो विश्वविद्यालय, टोरंटो, ओंटारियो, कनाडा के द हॉस्पिटल फॉर सिक चिल्ड्रन (सिककिड्स) में बाल चिकित्सा गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, हेपेटोलॉजी और पोषण में प्रतिष्ठित एक वर्षीय क्लिनिकल फेलोशिप पूरी की।

संकाय सदस्यों की संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक : 7
एसोसिएट प्रोफेसर : 2
सहायक प्रोफेसर : 2

तदर्थ संकाय सदस्यों : 1

***

औषध-विज्ञान (एमएएमसी)

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

औषध-विज्ञान विभाग ने जून 2024 के महीने में लोक नायक अस्पताल के मरीजों को सेवाएं प्रदान करते हुए एक चिकित्सीय दवा निगरानी (टीडीएम) प्रयोगशाला सफलतापूर्वक स्थापित की है। टीडीएम लैब मुख्य रूप से चिकित्सीय परिणामों और रोगी सुरक्षा को बढ़ाने के लिए एंटी-एपिलेप्टिक दवाओं और एंटीबायोटिक दवाओं की निगरानी पर केंद्रित है। पिछले वर्ष में, 274 रोगी नमूनों का विश्लेषण किया गया था। विभाग एमबीबीएस, स्नातकोत्तर, बीडीएस और बीएससी नर्सिंग छात्रों के लिए मजबूत शैक्षणिक कार्यक्रम संचालित करना जारी रखता है। इस वर्ष, एमबीबीएस छात्रों के लिए दो नई वैकल्पिक पोस्टिंग सफलतापूर्वक आयोजित की गईं: (1) ड्रग डिस्कवरी एंड डेवलपमेंट, (2) फार्माकोविजिलेंस। फार्माकोविजिलेंस के लिए एक क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र के रूप में, विभाग 70 से अधिक एडीआर निगरानी केंद्रों की देखरेख करता है राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस सप्ताह 2024 के दौरान, एमएएमसी परिसर में वॉकथॉन, पोस्टर प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और 9 नुक्कड़ नाटकों के साथ-साथ 3 सामुदायिक जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की गईं। एमएएमसी के पाँच प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में, गतिविधियों में एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, जागरूकता व्याख्यान, 6 स्वास्थ्य वार्ताएँ और 4 नुक्कड़ नाटक शामिल थे। कुल 2197 सामुदायिक सदस्यों को जागरूक किया गया।

सम्मान/विभूतियां

- डॉ. वंदना रॉय को 5 मार्च 2025 को 65वें एमएएमसी वार्षिक दीक्षांत समारोह में विशिष्ट एमएएमसी पूर्व छात्र पुरस्कार 2023 प्राप्त हुआ।
- डॉ. वंदना रॉय को भारतीय फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम, भारतीय फार्माकोपिया आयोग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 2024 से फार्माकोविजिलेंस में उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- डॉ. वंदना रॉय को भारतीय चिकित्सा संघ, दक्षिण दिल्ली शाखा, 43वें वार्षिक सम्मेलन, मार्च 2025, 28 को अध्यक्ष प्रशंसा पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- डॉ. वंदना रॉय को शिक्षक दिवस, सितंबर 2024 पर दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन से प्रशंसा पत्र प्राप्त हुआ।

प्रकाशित कार्य

- मिश्रा, ए., हक, आई., कोनेर, बी. के., खुराना, एन., और रॉय, वी. (2025)। चूहों में थाइमोक्विनोन द्वारा कोलिस्टिन प्रेरित गुर्दे की क्षति में सुधार। *इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी एंड फार्माकोलॉजी*। https://doi.org/10.25259/IJPP_26_2023
- विरमानी, ए., रॉय, वी., मेश्राम, जी. जी., और सुराल, एस. (2024)। आर्थोपेडिक इम्प्लांट सर्जरी में सर्जिकल एंटीमाइक्रोबियल प्रोफिलैक्सिस: प्रक्रियाओं, परिणामों और लागतों का विश्लेषण। *इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स, 59*(2), 198-207। https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/39886274/
- मोंडल, एस., रॉय, वी., मेश्राम, जी. जी., खन्ना, ए., वेलपांडियन, टी., और गर्ग, एस. (2024)। प्रथम-पंक्ति क्षयरोग रोधी दवाओं की फार्माकोकाइनेटिक्स-फार्माकोडायनामिक्स: मधुमेह मेलिटस के साथ और बिना तपेदिक रोगियों में एक तुलनात्मक अध्ययन। *यूरोपियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल फार्माकोलॉजी, 80*(12), 1945-1958। https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/39287783/
- कालरा, बी. एस., मिश्रा, ए., मंडल, एस., और चावला, एस. (2024)। चूहों में सिस्प्लैटिन-प्रेरित गुर्दे की क्षति में बायोकरक्यूमिन और *फिलैंथस एम्ब्लिका* का नेफ्रोप्रोटेक्टिव प्रभाव। *जीवन विज्ञान छात्र पत्रिका, 2*(3). https://journals.fmsbi.com/LSSJ/article/view/128
- तायल, वी., मंडल, ए., हक, एम. आई., मिश्रा, ए., कालरा, बी. एस., और रॉय, वी. (2025). मिर्गी के पशु मॉडल में कार्बामाज़ेपाइन और वैल्प्रोएट के संयोजन में रोसुवास्टेटिन की आक्षेपरोधी क्षमता. *वर्ल्ड जर्नल ऑफ़ मेथोडोलॉजी, 15*(2), 99580. https://www.wjgnet.com/2222-0682/full/v15/i2/99580.htm
- सुथार, एम., मिश्रा, डी., जुनेजा, एम., और कालरा, बी. एस. (2024). मिर्गी से ग्रस्त बच्चों में पुरानी गैर-मिर्गी दवा के उपयोग का विवरण: एकल केंद्र अनुभव. *इंडियन पीडियाट्रिक्स, 61*, 768-770. https://link.springer.com/article/10.1007/s13312-024-3258-1
- बाला, के. ई., तायल, वी., एगंबरामे, वी., और रॉय, वी. (2024). लिथियम प्रेरित एमेनोरिया: एक प्रथम केस रिपोर्ट। *एक्टा मेडिका लिटुआनिका, 31*(1), 33-36. https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/38978861/
- बाला, के. ई., तायल, वी., और पाटिल, ए. (2024). कैलामाइन लोशन को गलती से एंटासिड समझकर निगल लेना: एक केस रिपोर्ट। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिकल केस रिपोर्ट्स एंड रिव्यूज़, 3*(5). https://bioresscientia.com/article/accidental-ingestion-of-calamine-lotion-mistaken-for-an-antacid-a-case-report

- घोष, ए., होसट्टी, एस., तायल, वी., झाम्ब, यू., और रॉय, वी. (2024)। विषाक्त एपिडर्मल नेक्रोलिसिस और क्लोरोक्वीन के साथ इसका संभावित संबंध: तीन साल के बच्चे में एक दुर्लभ केस रिपोर्ट। *जर्नल ऑफ वेक्टर बोर्न डिजीजेज*। https://doi.org/10.4103
- घोष, ए., अजित, ए., और प्रदीप, ए. (2025)। मानव आबादी में अनुकूली आनुवंशिक लक्षण: मलेरिया के प्रति विकासवादी प्रतिक्रियाएँ। *नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन्स जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज, 3*(1), 49-55। https://doaj.org/article/b0e80072e66c4798baeaa526da1aef8e
- मिश्रा, ए., मिश्रा, जी., सोनकर, डी. सी., दलाल, जे., प्रधा, एस., शर्मा, डी., रॉय, वी., और कोनेर, बी. के. (2025)। प्रजनन क्षमता और गर्भावस्था के परिणामों पर ट्रांसफ्लुथेरिन के प्रभावों की खोज: चूहों में एक इन विवो अध्ययन। *कीटनाशक जैव रसायन और शरीर-क्रिया विज्ञान, 207*, 106220। https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/39672653/
- गुप्ता, ए., गुप्ता, ए., शेट्टी, एम., गोयल, डी., जी., एम. पी., और गुप्ता, एम. (2025, अप्रैल)। कार्डियोरिस्कनेट: STEMI में जोखिम की भविष्यवाणी के लिए ध्यान-आधारित CVAE-सक्षम GCN। *ICASSP 2025-IEEE अंतर्राष्ट्रीय ध्वनिकी, वाक् और संकेत प्रसंस्करण सम्मेलन* (पृष्ठ 1-5) में। https://ieeexplore.ieee.org/document/10890505/
- गुप्ता, एम.डी., गोयल, डी., कुणाल, एस., शेट्टी, एम.के., जी., एम.पी., बत्रा, वी., आदि (2025)। एसटी-सेगमेंट-एलिवेशन मायोकार्डियल इन्फार्क्शन रोगियों में मशीन लर्निंग मॉडल बनाम TIMI स्कोर का तुलनात्मक मूल्यांकन। *इंडियन हार्ट जर्नल*। अग्रिम ऑनलाइन प्रकाशन। https://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S0019483225000562

शोध परियोजनाएं

1. डॉ. गिरीश मेश्राम, फार्माकोलॉजी विभाग (संदर्भ से माना गया, एमएएमसी) को "प्रयोगशाला चूहों में ट्रांसफ्लुथ्रिन एक्सपोजर के न्यूरोबिहेवियरल, टॉक्सिकोलॉजिकल प्रभावों का अध्ययन" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹3,00,000 मंजूर किए गए हैं। अनुदान एमआरयू, एमएएमसी द्वारा प्रदान किया गया है और एक ऐसी अवधि को कवर करता है जिसके लिए प्रारंभ और समाप्ति वर्ष निर्दिष्ट नहीं हैं।
2. डॉ. वंदना रॉय, फार्माकोलॉजी विभाग (संदर्भ से माना गया) को "एडेनिन प्रेरित क्रोनिक रीनल फेल्योर में सल्फोराफेन का प्रभाव" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹3,00,000 मंजूर किए गए हैं। 3. डॉ. भूपिंदर कालरा, फार्माकोलॉजी विभाग (संदर्भ से माना जाता है, एमएएमसी) को "चूहा मॉडल में गैर-अल्कोहल फैटी लिवर रोग पर रेमेग्लिफ्लोज़िन की क्षीणन क्षमता" नामक एक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹3,00,000 मंजूर किए

गए हैं। अनुदान एमआरयू, एमएएमसी द्वारा प्रदान किया गया है और एक ऐसी अवधि को कवर करता है जिसके लिए प्रारंभ और समाप्ति वर्ष निर्दिष्ट नहीं हैं।

3. डॉ. अखिलेश मिश्रा, फार्माकोलॉजी विभाग (संदर्भ से माना जाता है, एमएएमसी) को "चूहों में डायपर के दीर्घकालिक संपर्क की सुरक्षा और विषाक्तता का मूल्यांकन" नामक एक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹3,00,000 मंजूर किए गए हैं।
4. डॉ. मनु कुमार को "नई दवा के गुणों का पूर्वानुमान लगाने के लिए इन-सिलिको एआई मॉडल" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹6,00,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईआईआईटी-दिल्ली द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि के लिए, प्रारंभ और समाप्ति वर्ष निर्दिष्ट नहीं हैं।

आयोजित संगोष्ठियां

- मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज की निदेशक-प्रोफ़ेसर और फार्माकोलॉजी विभाग की प्रमुख डॉ. वंदना रॉय ने 7 मार्च, 2025 को भारतीय फार्माकोपिया आयोग के राष्ट्रीय समन्वय केंद्र में फार्माकोविजिलेंस में 32वें कौशल विकास कार्यक्रम के अवलोकन पर एक संगोष्ठी/भाषण दिया।
- मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज की निदेशक-प्रोफ़ेसर और फार्माकोलॉजी विभाग की प्रमुख डॉ. वंदना रॉय ने 6 फ़रवरी, 2025 को एम्स भोपाल द्वारा आयोजित रोगी सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और भारतीय फार्माकोविजिलेंस सोसायटी के 22वें वार्षिक सम्मेलन में "समुदाय में फार्माकोविजिलेंस: एक अवलोकन" पर एक संगोष्ठी/भाषण दिया।
- मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज की निदेशक-प्रोफ़ेसर और फार्माकोलॉजी विभाग की प्रमुख डॉ. वंदना रॉय ने "आवश्यक दवाओं की उपलब्धता और उनका तर्कसंगत उपयोग: क्या यह प्राप्त करने योग्य है?" 28-30 नवंबर, 2024 को एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय फार्माकोलॉजी सम्मेलन और भारतीय फार्माकोलॉजी सोसायटी के 54वें राष्ट्रीय सम्मेलन में।
- मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज की निदेशक-प्रोफेसर और फार्माकोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. वंदना रॉय ने 26-28 सितंबर, 2024 को सरकारी मेडिकल कॉलेज, अनंतनाग द्वारा आयोजित आईएसआरपीटी 2024 में एक आमंत्रित वक्ता और अध्यक्ष के रूप में "ड्रग सेफ्टी की निगरानी के लिए सहज रिपोर्टिंग सिस्टम से आगे देखना" विषय पर एक सेमिनार/भाषण दिया।
- मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज की निदेशक-प्रोफेसर और फार्माकोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. वंदना रॉय ने 17-18 मई, 2024 को हीमोफीलिया एंड हेल्थ कलेक्टिव ऑफ नॉर्थ द्वारा आयोजित हीमोफीलिया कॉन्क्लेव 2024 में "हीमोफीलिया के लिए दवा उत्पादों में चुनाव करना" विषय पर एक आमंत्रित पैनलिस्ट के रूप में कार्य किया।
- मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज की निदेशक-प्रोफ़ेसर और फार्माकोलॉजी विभाग की प्रमुख डॉ. वंदना रॉय ने 21 अप्रैल, 2024 को पंडित बी.डी. शर्मा पीजीआईएमएस रोहतक के फार्माकोलॉजी

विभाग द्वारा आयोजित AICON 2024 में "फार्माकोविजिलेंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस" पर एक सेमिनार/भाषण दिया।

- मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज की निदेशक-प्रोफ़ेसर और फार्माकोलॉजी विभाग की प्रमुख डॉ. वंदना रॉय ने "हमारी दवाएँ, हमारे उपकरण, हम कितने सुरक्षित हैं?" विषय पर एक आमंत्रित पैनलिस्ट के रूप में कार्य किया। 15 अप्रैल, 2024 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में उपभोक्ता फोरम द्वारा आयोजित।
- डॉ. वंदना रॉय, कार्यस्थलों पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज, 17 मार्च 2025।
- मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज में फार्माकोलॉजी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मनु कुमार ने 28 फरवरी, 2025 को नॉर्थ डीएमसी मेडिकल कॉलेज और हिंदू राव अस्पताल में एनसीसी पीवीपीआई प्रायोजित सीएमई में "फार्माकोविजिलेंस और हेल्थकेयर में एआई की भूमिका" पर एक सेमिनार/भाषण दिया।
- मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज में फार्माकोलॉजी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मनु कुमार ने 25 जनवरी, 2025 को रमैया यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज, बेंगलुरु द्वारा आयोजित "फार्माकोलॉजी और हेल्थकेयर में एआई और एमएल की भूमिका" पर एक वेबिनार के लिए एक सेमिनार/भाषण दिया।
- डॉ. मनु कुमार को विभाग द्वारा आयोजित "मेडिकल रिसर्च डेटा विश्लेषण के लिए उन्नत एक्सेल" पर कार्यशाला के लिए वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। 6 फ़रवरी 2025 को बाल रोग, एमएएमसी में आयोजित कार्यशाला के अध्यक्ष डॉ. भूपिंदर कालरा थे।
- डॉ. भूपिंदर कालरा आईसीएमआर के सहयोग से 11 से 13 दिसंबर 2024 तक एमएएमसी में आयोजित अनुसंधान पद्धति पर कार्यशाला के अध्यक्ष थे।
- डॉ. भूपिंदर कालरा को फोरेंसिक जेनेटिक्स में आणविक जीव विज्ञान तकनीकों के अनुप्रयोग के अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया था: फोरेंसिक मेडिसिन विभाग, एमएएमसी द्वारा 22 से 23 नवंबर 2024 तक आयोजित।
- डॉ. भूपिंदर कालरा को 18 मार्च 2025 को एमएएमसी के जैव रसायन विभाग में आयोजित जैव रासायनिक तकनीकों में प्रगति पर सीएमई के अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया था।

आयोजित सम्मेलन

राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस सप्ताह, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, लोक नायक अस्पताल, जीबी पंत अस्पताल, एमएआईडीएस के सहयोग से 17 सितंबर से 22 सितंबर 2024 तकआयोजित किया गया, जिसे एनसीसी फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया द्वारा प्रायोजित किया गया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

आईआईआईटी दिल्ली के साथ 20 अप्रैल, 2024 से अब तक वित्त-पोषित परियोजना शीर्षक "नई दवा के गुणों की भविष्यवाणी करने के लिए इन-सिलिको एआई मॉडल" के लिए सहयोग।

नियोजन विवरण

चार, 100%

विस्तार एवं आउटरीच गतिविधियाँ

सामुदायिक आउटरीच प्रयासों में, विभाग ने सामुदायिक चिकित्सा विभाग के साथ मिलकर दवा सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस सप्ताह के दौरान वार्ता, पोस्टर और नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से 2197 व्यक्तियों तक पहुँच बनाई। मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज से जुड़े पाँच परिधीय स्वास्थ्य केंद्रों में नुक्कड़ नाटक, स्वास्थ्य वार्ता, पोस्टर निर्माण और सामुदायिक भ्रमण का आयोजन किया गया। लोक नायक अस्पताल, जीआईपीएमईआर, एमएआईडीएस और जीएनईसी अस्पताल की ओपीडी में भी ये कार्यक्रम आयोजित किए गए।

संकाय सदस्यों की संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	: 4
एसोसिएट प्रोफेसर	: 1
सहायक प्रोफेसर	: 4
तदर्थ संकाय सदस्यों	: 1

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

चिकित्सीय औषधि निगरानी प्रयोगशाला की स्थापना औषधि खुराक में सटीकता सुनिश्चित करके मिर्गी की देखभाल में नैदानिक परिणामों को बेहतर बनाने के लक्ष्य के साथ की गई थी। मिरगी-रोधी औषधि के स्तर की लक्षित निगरानी के माध्यम से, प्रयोगशाला चिकित्सकों को व्यक्तिगत रोगी प्रोफ़ाइल के आधार पर उपचार पद्धति को परिष्कृत करने में सक्षम बनाती है–प्रभावकारिता को अधिकतम करते हुए प्रतिकूल प्रभावों को कम करती है।

वर्तमान में, प्रयोगशाला चिकित्सीय औषधि परीक्षणों के अंशांकन और गुणवत्ता नियंत्रण में सक्रिय रूप से संलग्न है। आज तक, 250 से अधिक रोगी नमूनों का सफलतापूर्वक विश्लेषण किया जा चुका है, जो प्रयोगशाला की संचालन क्षमता और इसके वास्तविक नैदानिक प्रभाव, दोनों को प्रदर्शित करता है।

नैदानिक प्रयासों के अलावा, नवाचार निरंतर फल-फूल रहा है। डॉ. मनु कुमार शेट्टी को "रक्त शर्करा और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को मापने के लिए कलाई बैंड" (पेटेंट संख्या 447562-001, पेटेंट कार्यालय, भारत सरकार द्वारा 10/02/2025 को प्रदान किया गया) नामक एक राष्ट्रीय पेटेंट प्रदान किया गया है।

यह पहनने योग्य उपकरण अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से व्यक्तिगत स्वास्थ्य सेवा को आगे बढ़ाने के लिए प्रयोगशाला की व्यापक प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

फार्माकोलॉजी विभाग ने हाल ही में अपने पुस्तकालय का उन्नयन किया है। अब, इसमें फार्माकोलॉजी पर 338 पुस्तकें और 545 विभिन्न पत्रिकाएँ हैं। ये पत्रिकाएँ फार्माकोलॉजी से संबंधित विषयों को कवर करती हैं और 2022 तक उपलब्ध रहेंगी। यह उन्नत पुस्तकालय छात्रों और शोधकर्ताओं दोनों के लिए एक बेहतरीन संसाधन प्रदान करता है, जिससे उन्हें इस क्षेत्र की नवीनतम जानकारी से अपडेट रहने में मदद मिलती है।

आवंटित निधियां (करोड़ ₹ में) : 0.12

उपयोगित निधियां (करोड़ ₹ में) : 0.06

***

शरीर-क्रिया विज्ञान (एमएएमसी)

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

शरीर-क्रिया विज्ञान विभाग शिक्षण, अनुसंधान और प्रशासनिक कार्यों से संबंधित है। एमबीबीएस, बीडीएस, नर्सिंग, एमएलटी, बीएससी रेडियोलॉजी के स्नातक छात्रों को यहाँ पढ़ाया जाता है। एमबीबीएस के तृतीय चरण के स्नातक छात्र विभाग में वैकल्पिक प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। स्नातकोत्तर एमडी (शरीर-क्रिया विज्ञान) छात्रों को विभिन्न शिक्षण-अधिगम विधियों के साथ-साथ वैज्ञानिक अनुसंधान परियोजनाओं में पढ़ाया, प्रशिक्षित और निर्देशित किया जाता है। विभाग ने 7 मार्च, 2025 को 'श्रृंखलाएँ तोड़ना: व्यसन को समझना, रोकना और उस पर विजय पाना' विषय पर एक संगोष्ठी और कार्यशाला का आयोजन किया। डॉ. आरती सूद महाजन, निदेशक प्रो. और वर्तमान विभागाध्यक्ष, एमएएमसी की चिकित्सा शिक्षा इकाई की मानद सदस्य हैं। डॉ. डी. रॉबिन्सन वर्तमान में संस्थान के आरटीआई अपीलीय अधिकारी हैं। डॉ. प्रीति जैन, निदेशक प्रो., एमएएमसी जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज के संपादकीय बोर्ड की सदस्य हैं। डॉ. अकील अहमद एमएएमसी के स्टोर प्रभारी हैं।

सम्मान/विभूतियां

संकाय

- डॉ. आरती सूद महाजन - दिल्ली विश्वविद्यालय में पाठ्यक्रम और अध्ययन समिति की सदस्य; आईसीएमआर की परियोजना समीक्षा समिति की सदस्य; 2024 में स्नातकोत्तर प्रोटोकॉल सेल की सह-अध्यक्ष। वार्षिक रिपोर्ट समिति-2023। स्नातक स्वागत समिति की अध्यक्ष। कॉलेज के इंटर्नशिप कार्यक्रम की प्रभारी। 2024 के नए प्रवेशकों के बैच के ओरिएंटेशन

कार्यक्रम के संबंध में प्रबंधन समिति की सदस्य। एम्स जम्मू और एसकेआईएमएस, श्रीनगर में बाहरी परीक्षक।

- डॉ. डी. रॉबिन्सन - 15 से 17 नवंबर 2024 तक उभरते स्वास्थ्य मुद्दे और चुनौतियां: पूर्वोत्तर भारत के परिप्रेक्ष्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी पर मानव शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित फिजियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (PHYSICON 2024) के 35वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया; 28 और 29 जनवरी 2025 को एचबीटीएमसी और आरएन कूपर अस्पताल, जुहू, मुंबई, महाराष्ट्र में आयोजित फिजियोलॉजी विषय में प्रायोगिक परीक्षा के लिए परीक्षक।
- डॉ. मोना बेदी: 26 सितंबर, 2024 को हमदर्द इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च (एचआईएमएसआर), नई दिल्ली के फिजियोलॉजी विभाग, सोसाइटी फॉर नाइट्रिक ऑक्साइड एंड एलाइड साइंस के राष्ट्रीय सम्मेलन में अध्यक्ष के रूप में भाग लिया।
- डॉ. प्रीति जैन: राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीई) द्वारा एनईईटी, एफएमजीई, डीएनबी (सीईटी) आदि सहित विभिन्न स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षाओं के संचालन के लिए आयोजित प्रश्न बैंक कार्यशालाओं के सत्यापन में विषय विशेषज्ञ; एनबीई, नई दिल्ली द्वारा अप्रैल और अक्तूब, 2024 सत्र में डीएनबी/डीआरएनबी अंतिम सैद्धांतिक परीक्षा (फिजियोलॉजी) के लिए उत्तर पुस्तिकाओं के ऑन-साइट/रिमोट डिजिटल मूल्यांकन के लिए परीक्षक; दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा बीपीटी और बीओटी पाठ्यक्रम 2024 के लिए प्रायोगिक परीक्षा आयोजित करने हेतु बाह्य परीक्षक; पत्रिका में प्रकाशन हेतु भेजे गए लेखों की समीक्षा हेतु आईजेपीपी द्वारा समीक्षक नियुक्त। प्रभारी अधिकारी--- तकनीकी कर्मचारी (शरीर क्रिया विज्ञान), इंटर्नशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमबीबीएस)। सदस्य: संस्थागत एमबीबीएस यूजी अभिविन्यास समिति। सह-अध्यक्ष-- संस्थागत स्नातकोत्तर प्रोटोकॉल समिति। एमएएमसी जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज के संपादकीय बोर्ड के सदस्य। पंडित दीन दयाल उपाध्याय राष्ट्रीय शारीरिक विकलांग व्यक्ति संस्थान, नई दिल्ली की संस्थागत नैतिकता समिति के सदस्य।
- डॉ. गौरव स्वामी: अतिथि वक्ता थे, जिन्होंने 7 फरवरी को राजकॉन 2025, एस.एस. टांटिया मेडिकल कॉलेज एवं अनुसंधान संस्थान, श्री गंगा नगर, राजस्थान में 'ब्रेन कंप्यूटर इंटरफेस और अनुसंधान एवं शिक्षण में इसकी भूमिका के लिए एक व्यावहारिक मार्गदर्शिका' शीर्षक से व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- डॉ. रवि कौशिक: एनएबीएच अस्पताल मूल्यांकन कार्यक्रमों के लिए मुख्य मूल्यांकनकर्ता।

प्रकाशित कार्य

- महाजन, ए.एस., महाजन, ए. (2024)। योग्यता आधारित चिकित्सा शिक्षा: दो विषयों का एकीकरण - शैशवावस्था का शरीर-क्रिया विज्ञान। जे. बांग्लादेश सोसाइटी ऑफ फिजियोलॉजिस्ट, 19(1), 35-45।
- निगाडे, पी., बेदी, एम., और वार्ष्णेय, वी.पी. (2024)। स्वायत्त कार्य परीक्षण की एक व्यापक समीक्षा। अंतर्राष्ट्रीय शरीर-क्रिया विज्ञान, 12(3-4), 43-49।
- जैदी, ए.एस., बेदी, एम., और वार्ष्णेय, वी.पी. (2025)। टाइप II मधुमेह से पीड़ित संतानों में भोजन के बाद रक्त शर्करा और हृदय संबंधी प्रतिक्रियाशीलता पर व्यायाम के तीव्र दौर का प्रभाव। जर्नल ऑफ एडवांस्ड मेडिकल एंड डेंटल साइंसेज रिसर्च, 13(2)
- बंसल, एस., जैन, पी., तोमर, आर., और कपूर। एम. (2024). इंटरनेट की लत से ग्रस्त युवा वयस्कों में संज्ञानात्मक कार्यों और जीवन की गुणवत्ता पर राजयोग ध्यान की प्रभावशीलता, इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी एंड फार्माकोलॉजी, 68(4), 288-297. https://dx.doi.org/10.25259/IJPP_188_2024
- कोयल के, सिंह पीके, कौशिक आर, हक आर, खान जेड, मेहरोत्रा आर, सिद्दीकी के, पोखरेल एस. बांग्लादेश, भारत और पाकिस्तान में धूम्ररहित तंबाकू के उपयोग का आजीवन स्वास्थ्य और आर्थिक बोझ: एस्ट्रामोड के परिणाम. निकोटीन तंबाकू अनुसंधान. 2025 मार्च 24;27(4):684-692. https://doi.org/10.1093/ntr/ntae067
- मिशु एमपी, जैक्सन सी, मैकनील ए, गर्ग एस, बोरले ए, देशमुख सी, सिंह एमएम, भटनागर एन, कौशिक आर, हक आर, फ़िरोज़ एफ, कानन एस, अब्दुल्ला एसएम, मज़हर एल, अख्तर जेड, रहमान के, उल्लाह एस, हान एल, रीडशॉ ए, शेख ए, गिल पी, सिद्दीकी के, कानन एम, इकबाल आर। बांग्लादेश, भारत और पाकिस्तान में स्कूली बच्चों के बीच तंबाकू नियंत्रण सर्वेक्षण आयोजित करना: एक व्यवहार्यता अध्ययन। पीएलओएस ग्लोब पब्लिक हेल्थ। 2024 अक्तूब 3;4(10):e0003784। https://doi.org/10.1371/journal.pgph.0003784

शोध परियोजनाएं

- डॉप्रजनन आयु वर्ग में शारीरिक संरचना " सोनिया मोहरीवाल .आरती सूद महाजन और डॉ . विश्लेषण, रजोनिवृत्ति संक्रमण और रजोनिवृत्त भारतीय महिलाओंनामक एक शोध परियोजना " पर काम कर रही हैं।
- डॉक्रोनिक किडनी रोग में थायरॉइड डिसफंक्शन " शादाब नैयर ने .आरती सूद महाजन और डॉ . नामक एक शोध परियोजना पर काम किया है। इस शोध "और इंसुलिन प्रतिरोध का अध्ययन की अवधि अप्रैल2023 से नवंबर 2024 तक है।

- डॉगर्भावस्था के पहले भाग में जुड़वां " अबूबकर .अलीना एस .आरती सूद महाजन और डॉ . नामक एक शोध परियोजना पर काम कर रही "बच्चों वाली महिलाओं में थायरॉइड फंक्शन टेस्ट हैं। इस शोध की अवधि मार्च2024 से अगस्त 2025 तक है।
- डॉगजप्रिय .आरती सूद महाजन और डॉ .ा एसमय से पहले जन्मे बीमार नवजात शिशुओं में " . नामक एक शोध परियोजना पर काम कर रही हैं। इस शोध "थायरॉइड फंक्शन का एक अध्ययन की अवधि मार्च2024 से अगस्त 2025 तक है।
- डॉदिल्ली की शहरी आबादी में वयस्कों में " मोहम्मद असलम ने .आरती सूद महाजन और डॉ . शीर्षक से एक शोध परियोजना की है "सेक्शनल अध्ययन-थायरॉइड डिसफंक्शन पर एक क्रॉस और इस परियोजना की अवधि मई2023 से दिसंबर 2024 तक थी।
- डॉआरती सूद महाजन ., डॉशाद .पायल भल्ला और डॉ .ाब अहमद सिद्दीकी हेमटोलॉजी " प्रैक्टिकल टीचिंग में पारंपरिक दृष्टिकोण बनाम संशोधित पेटन की4-चरणीय विधि का उपयोग करके सहकर्मीशीर्षक से एक शोध परियोजना कर रहे हैं। "सहायता प्राप्त शिक्षा की तुलना-
- डॉसीओपीडी रोगियों में" आबिद अहमद ने .दयाराम हल्द्वानी और डॉ . थायरॉइड फंक्शन टेस्ट और इन्फ्लेमेटरी मार्करों का एक अध्ययनशीर्षक से एक थीसिस शोध परियोजना की है और " इस परियोजना की अवधि अप्रैल2023 से नवंबर 2024 तक थी।
- डॉशीर्षक से एक शोध "एक अध्ययन" नीथू मैरी जॉर्ज को .दयाराम हल्द्वानी और डॉ . परियोजना के लिए40,000 रुपये मंजूर किए गए हैं। तीव्र मायोकार्डियल रोधगलन रोगियों में थायरॉइड फ़ंक्शन परीक्षणों और सूजन प्रतिक्रिया मार्करों का अध्ययन। यह निधि वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान योजना के तहत राज्य निधि द्वारा प्रदान "चिकित्सा अनुसंधान के चरण" की गई है।2023-24 और अप्रैल 2023 से दिसंबर 2024 तक की अवधि के लिए है।
- डॉमोना बेदी ., डॉयुवा वयस्कों में कार्डियोवैस्कुलर और कोर्टिसोल तनाव " जीतेंद्र सिंह . प्रतिक्रियाशीलता पर चलने के एक संक्षिप्त, एकल दौर का प्रभावशीर्षक से एक थीसिस शोध " परियोजना कर रहे हैं और परियोजना की अवधिमार्च 2024 से अगस्त 2025 तक है।
- डॉमोना बेदी ., डॉसामान्य" ऋषव राज ., अधिक वजन और मोटे विषयों में तंत्रिका चालन वेग का एक अध्ययन और डिस्लिपिडेमिया के साथ इसका संबंधशीर्षक से एक थीसिस शोध " परियोजना कर रहे हैं और परियोजना की अवधि मार्च2024 से अगस्त 2025 तक है।
- डॉमोना बेदी ., डॉलार पर एक संक्षिप्त हृदय गति " तंगिराला शिव शंकर रेड्डी को . शीर्षक वाली शोध परियोजना के लिए "परिवर्तनशीलता बायोफीडबैक सत्र का प्रभाव33,600 की राशि मंजूर की गई है। कोर्टिसोल, इलेक्ट्रोडर्मल गतिविधि और मानसिक तनाव के प्रति हृदय संबंधी प्रतिक्रिया। यह अनुदान चिकित्सा अनुसंधान के लिए राज्य निधि से एसटीजी के अंतर्गत " प्रदान किया गया था और इसकी अवधि अप्रैल2023 से नवंबर 2024 तक है।

- डॉप्रीति जैन ., डॉअवसादग्रस्त रोगियों में शारीरिक गतिविधि स्तर" अक्षरा अवस्थी ., आहार पैटर्न और बायोमार्करशीर "ृषक से शोध परियोजना पर काम कर रही हैं और इस परियोजना की अवधि मार्च 2024 से अगस्त 2025 तक है।
- डॉप्रीति जैन ., डॉइंटरनेट की लत वाले वयस्कों में संज्ञानात्मक कार्यों और " सुदेश कुमार को . शीर्षक से शोध परियोजना के लिए "व्यक्तिपरक कल्याण पर ध्यान की भूमिका₹35,000 की राशि स्वीकृत की गई है और इसकी अवधि मार्च 2024 से अगस्त 2025 तक है।
- डॉप्रीति जैन ., डॉक्रिया और पहेली के बीच संज्ञान" सुशांत शेखर कटियार को ., व्यक्तित्व और मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य मापदंडों की तुलना शीर्षक से शोध परियोजना के लिए "₹40,000 की राशि स्वीकृत की गई है। मोबाइलपीआई के रूप में नियुक्त किया गया /पीआई-को सह "गेमर्स-है। यह अनुदान चिकित्सा अनुसंधान के लिए एसटीजी के तहत राज्य निधि से प्रदान किया गया था और इसकी अवधि अप्रैल2023 से नवंबर 2024 तक है।
- डॉमेडिकल इंटर्न मे" पारुल होरो .रवि कौशिक और डॉ .ं सहानुभूति और संचार कौशल का मूल्यांकन और नैदानिक अनुभव के साथ उनका संबंधनामक एक शोध परियोजना पर काम " कर रहे हैं और इस परियोजना की अवधि सितंबर2024 से सितंबर 2025 तक है।

आयोजित सम्मेलन

- 7 मार्च**,** 2025 को **'**जंजीरें तोड़ना: नशे को समझना**,** रोकना और उस पर काबू पाना**'** शीर्षक से संगोष्ठी और कार्यशाला आयोजित की गई।

नियोजन विवरण (नियुक्त छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

स्नातकोत्तर: 3(100%)

विस्तार एवं आउटरीच गतिविधियाँ

विभाग एनबीई, एम्स, एचबीटीएमसी, एचआईएमएसआर, एसकेआईएमएस और अन्य राज्य स्तरीय विश्वविद्यालयों जैसे अन्य संस्थानों के साथ सहयोग करता है। हमारे संकाय परीक्षक हैं और शोध गतिविधियों, सम्मेलनों और प्रशासनिक कार्यों में भाग लेते हैं।

संकाय सदस्यों की संख्या

योग: 11 - (प्रोफेसर - 09, एसोसिएट प्रोफेसर - 02)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

हमारे पास इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी लैब, ऑटोनोमिक फंक्शन टेस्ट लैब, बॉडी कंपोजिशन एनालिसिस लैब, पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट लैब, एक्सरसाइज फिजियोलॉजी लैबोरेटरी जैसी विशेष प्रयोगशालाएं हैं।

***

मनोरोग विज्ञान (एमएएमसी)

शोध परियोजनाएं

- डॉ. राज कुमार: 'विघटनकारी और/या रूपांतरण विकार वाले बच्चों और किशोरों में दुर्व्यवहार की व्यापकता'।
- डॉ. फ़्रीडा तमुत: 'युवा वयस्कों में शारीरिक असंतोष, खान-पान और सामाजिक तुलना के साथ सोशल मीडिया के उपयोग का संबंध'।
- डॉ. भावना: 'सिज़ोफ्रेनिया और मनोविकृति उन्माद के अनुवर्ती रोगियों में अंतर्दृष्टि और भ्रमपूर्ण विश्वास का तुलनात्मक अध्ययन'।
- 'सिज़ोफ्रेनिया, भ्रमात्मक विकार, मनोविकृति उन्माद और मनोविकृति अवसाद के अनुवर्ती रोगियों में भ्रम के समाधान पर एक तुलनात्मक अध्ययन'।
- तृतीयक देखभाल सामान्य अस्पताल मनोचिकित्सा इकाई में मानसिक रूप से बीमार व्यक्तियों के नैदानिक प्रोफ़ाइल और परिणाम पर संशोधित इलेक्ट्रो-कन्वल्सिव (MECT) उपचार के प्रभाव का अध्ययन'।
- 'पुरुष और महिला मनोरोग रोगियों में मनोविकृति के उपयोग का एक अध्ययन'।
- 'विघटनकारी दौरे (स्यूडोसीज़र) के लक्षणों के समाधान पर एक अध्ययन सहायक अल्पकालिक गतिशील रूप से उन्मुख संज्ञानात्मक व्यवहार चिकित्सा द्वारा उपचारित।'
- इनमें से कोई भी परियोजना प्रायोजित या वित्तीय रूप से समर्थित नहीं है।

आयोजित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम/सम्मेलन/कार्यशाला:

- कार्यस्थल पर 08.10.24 को मानसिक स्वास्थ्य पर हीरक जयंती सीएमई।

सम्मेलन/कार्यशालाओं/संगोष्ठियों में भाग लिया

- डॉ. एम. कपूर ने मैसूर में सम्मेलन में भाग लिया।
- डॉ. गोयल ने सम्मेलन में भाग लिया।

अन्य सहयोग

- नर्सिंग छात्र अहियाबाई नर्सिंग कॉलेज, नई दिल्ली सेंट स्टीफंस कॉलेज ऑफ नर्सिंग आरएके कॉलेज ऑफ नर्सिंग, नई दिल्ली कुल 2 महीने (लगभग) ।
- पीजीडीजीएम इग्नू, नई दिल्ली, कुल 1 महीने (लगभग) ।
- फोरेंसिक मेडिसिन विभाग के पीजी फोरेंसिक मेडिसिन विभाग, एमए एक सप्ताह।

नई सुविधाएँ जोड़ी गईं

ईईजी निगरानी के साथ नया संशोधित ईसीटी

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

प्रयोगशाला डेटा:-

क) प्रयोगशाला का नाम: ईसीटी ओटी: सत्रों की संख्या: 245

ख) परीक्षण किए गए व्यक्ति का नाम: 85 रोगियों में ईईजी किया गया

ग) पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि का प्रतिशत: 25%

***

रेडियोलॉजी (गोविंद बल्लभ पंत संस्थान स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान)

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

- रेडियोलॉजी विभाग, जीआईपीएमईआर द्वारा 4 मई 2024 को दिल्ली आईआरआईए मासिक बैठक का आयोजन किया गया।
- फरवरी 2025 में डॉ. गिरीश बाथला द्वारा न्यूरोइमेजिंग पर अंतर्राष्ट्रीय अतिथि संकाय व्याख्यान।
- एमडी रेडियोलॉजीरेडियोलॉजी विभाग जीआईपीएमईआर में पहली बार जनवरी 2025 में वार्षिक डीयू परीक्षा आयोजित की गई।
- सभी संकाय सदस्यों ने कई राज्य और राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया
- संकाय ने राज्य और राष्ट्रीय सम्मेलनों में कई व्याख्यान दिए।
- संकाय को विभिन्न राज्य और राष्ट्रीय सम्मेलनों में अध्यक्ष के रूप में भी आमंत्रित किया गया
- पीडीसीसी और एमडी परीक्षाओं के लिए फैकल्टी को एक्सटर्नल एग्जामिनर के रूप में आमंत्रित किया गया।
- निवासियों ने विभिन्न राष्ट्रीय सम्मेलनों में मौखिक कागज और पोस्टर प्रस्तुत किए।

प्रकाशित कार्य

- अग्रवाल एस, पटवारी ए, सिंघल एस, बंसल के, नारंग पी. एक बच्चे में स्पाइनल इ्यूरल धमनीशिरापरक फिस्टुला: एक दुर्लभ प्रस्तुति। सूडान जे पीडियात्र। 2024; 24 (1):63-68. 10.24911/एसजेपी.106-1681991530। पीएमआईडी: 38952619;

- युवा महिलाओं में स्तन के फाइलोडेस्टुमर पर गुप्ता जे, भयाना ए, गुप्ता पी, बागरी एन, मलिक आर केस सीरीज: असामान्य आयु वर्ग में असामान्य क्लिनिक-रेडियोलॉजिकल प्रस्तुतियाँ-फाइब्रोएडीनोमा से परे सोच। मिस्र जे रेडियोलन्यूकल मेड. 2024; 55:33 https://doi.org/10.1186/s43055-024-01207-0

- मैगो के, भयाना ए, गुप्ता पी, गुप्ता वी, वर्मा ए, मलिक ए, जन्मजात हृदय रोग में डबल ट्रबल-दोहरी बहिर्वाह पथ की बाधा: एक केस रिपोर्ट। बीएमसी कार्डियोवैस्कुलर डिसऑर्डर 2024; 24:188 https://doi.org/10.1186/s12872-024-03842

आयोजित संगोष्ठियां

- रेडियोलॉजी विभाग, जीआईपीएमईआर द्वारा 4 मई 2024 को दिल्ली आईआरआईए मासिक बैठक का आयोजन किया गया

- हार्वर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. गिरीश बाथला ने 15 फरवरी, 2025 को न्यूरोइमेजिंग, वेसल वॉल इमेजिंग और स्ट्रोक में इमेजिंग पर दो वार्ता दी।

संकाय सदस्यों की संख्या

- प्रोफेसर और उच्च - डॉ. पूनम नारंग

- एसोसिएट प्रोफेसर - डॉ. कल्पना बंसल

- सहायक प्रोफेसर **-** डॉ. अंजू रंगा**,** डॉ. प्रणव गुप्ता

***

रेडियोलॉजी (एलएचएमसी)

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

विभाग हमारे विशेषज्ञ और अनुभवी वरिष्ठ संकाय के मार्गदर्शन में नैदानिक और अनुसंधान कार्य करता है। छात्रों को मामलों की एक विस्तृत विविधता से अवगत कराया जाता है, जो सीखने के अच्छे अवसर प्रदान करते हैं।

सम्मान/विभूतियां

- डॉ. इब्राहिम इल्मी, डॉ. पूजा एबे और डॉ. आर.एस. सोलंकी, 3टी-एमआरआई पर मेसियल टेम्पोरल स्केलेरोसिस (एमटीएस) वाले बच्चों में हिप्पोकैम्पस स्ट्रिएशन के नुकसान सहित गुणात्मक दृश्य मूल्यांकन मानदंड का अनुप्रयोग, प्रथम पुरस्कार, एओसीआर 2025 आईआरआईए राष्ट्रीय सम्मेलन चेन्नई जनवरी 2025, मौखिक पेपर।
- डॉ. इब्राहिम इल्मी, डॉ. विकास यादव, द वांडरिंग ब्रेन: केस सीरीज़ ऑन एन्सेफेलोसेले, प्रथम पुरस्कार, आईआरआईए मासिक बैठक मई 2024 मौखिक पेपर।
- डॉ. शुभम अरोड़ा, डॉ. आर.एस. सोलंकी, डॉ. भावना सतीजा, निदान और उपचार योजना में स्पष्टता बढ़ाने वाले स्वरयंत्र कार्सिनोमा के लिए एक उदाहरणात्मक आरेख-आधारित रिपोर्टिंग प्रणाली, प्रथम पुरस्कार, एओसीआर 2025, पोस्टर।
- डॉ. शुभम अरोड़ा, डॉ. आर.एस. सोलंकी, डॉ. भावना सतीजा, सिर और गर्दन स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में प्रतिक्रियाशील और घातक सर्वाइकल लिम्फ नोड्स को अलग करने के लिए मानक सीईसीटी और मात्रात्मक डीईसीटी मापदंडों का तुलनात्मक अध्ययन, तीसरा पुरस्कार, एओसीआर 2025, मौखिक पेपर।
- डॉ. मेघा एस. डॉ. चेतन कुमार वी. डॉ. सागर नायक, डॉ. पूजा एबे, सीटी निष्कर्षों में फंगल निमोनिया इन इम्यूनोकॉम्प्रोमाइज्ड चिल्ड्रन। 3 पुरस्कार, आईआरआईए मासिक बैठक, मौखिक पेपर।
- डॉ. ईशा गर्ग, डॉ. निधि राय, डॉ. भावना सतीजा, एंडोमेट्रियल कैविटी के पॉलीपोइडल घाव: एक डायग्नोस्टिक चैलेंज, 2 पुरस्कार, आईआरआईए मासिक बैठक, मौखिक पेपर।

प्रकाशित कार्य

- अमीना एन, घोष ए, प्रकाश ए, रविना। असामान्य संदिग्ध: एक दुर्लभ वृक्क नियोप्लाज्म की एक केस रिपोर्ट। केस प्रतिनिधि क्लिन रेडियोल। https://doi.org/ 10.25259/CRCR_188_2023
- महल एस, पुरी एस, अमीना एन।मिनरलाइजिंग माइक्रोएंगिपैथी: बाल रोगियों में स्ट्रोक का एक दुर्लभ कारण। केस आरईपी क्लिन रेडियोल। https://doi.org/ 10.25259/CRCR_1_2025
- तीसरे वेंट्रिकुलर अरकोनॉइड सिस्ट का एक असामान्य मामला एक बच्चे में जानबूझकर झटके के साथ पेश किया गया डॉ. साक्षी अग्रवाल , डॉ. अनुष्का मित्तल, डॉ. अनु माहेश्वरी , डॉ. साकिब अली, डॉ. आर.एस. सोलंकी ग्लोबल जर्नल फॉर रिसर्च एनालिसिस वॉल्यूम 14 अंक 4 अप्रैल 2025। https://doi.org/10.36106/gjra

- गर्दन के द्रव्यमान के मूल्यांकन में परफ्यूजन सीटी डॉ. निशात अमीना, डॉ. सत्य प्रकाश, डॉ. मनकीरत सिंह ग्लोबल जर्नल फॉर रिसर्च एनालिसिस वॉल्यूम 13, अंक 12 दिसंबर 2024। https://doi.org/10.36106/जीजेआरए/5805261

- कौर एन, सतीजा बी, महल एस, अरोड़ा एस. एक युवा महिला में एकतरफा वंक्षण सूजन: एमयूआरसीएस की एक असामान्य प्रस्तुति. जेएचयूएम रिप्रोड साइंस 2025;18:54-6. https://doi.org/10.4103/jhrs.jhrs_190_24

- अल्वी सलूजा, समरिन हक, प्रतीक करक, सयानी महल, पीओएलजी उत्परिवर्तन में हाइपरट्रॉफिक अवर ओलिवरी न्यूक्लियस डिजनरेशन और पेरी-डेंटेट हाइपरइंटेंसिटी, *क्यूजेएम: एन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिसिन*, 2025;, एचसीएएफ020। https://doi.org/10.1093/qjmed/hcaf020
- सतीजा बी. रुग्ण मोटापे से ग्रस्त रोगियों में लेप्रोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी के बाद कैरोटिड इंटिमा-मीडिया की मोटाई पर प्रभाव। सर्ज एंडोस्कोपिक। 2024 मई;38(5):2879-2886। https://doi.org/10.1007/s00464-024-10779-x
- सतीजा बी. डॉपलर अल्ट्रासाउंड अध्ययन द्वारा मूल धमनी शिरापरक फिस्टुला की परिपक्वता का प्रारंभिक पूर्वानुमान। इंडियन जर्नल ऑफ वैस्कुलर एंड एंडोवास्कुलर सर्जरी 11(3): पृष्ठ 169-173, जुलाई-सितंबर 2024। https://doi.org/10.4103/ijves.ijves_45_24
- यादव वी, आनंद आर, एबे पी, हक एस। "हॉर्सशू फेफड़े का इमेजिंग स्पेक्ट्रम: चार मामलों की एक श्रृंखला"। एसए जे रेडियोल. 2024; 28(1),ए2766. https://doi.org/10.4102/sajr.v28i1.2766

आयोजित संगोष्ठियां

- लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेजको एम्स 2024 मार्च 31 पूजा एबे ने .दिल्ली की प्रोफेसर डॉ , आउटरीच (आईएसपीआर) ऋषिकेश में आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक रेडियोलॉजी विषय पर व्याख्यान 'बाल चिकित्सा छाती एक्स रे की पहेली को सरल बनाना' सीएमई के लिए दिया।

- लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज ,दिल्ली की प्रोफेसर डॉ ,जून 5 पूजा एबे को .2024 को आयोजित आईसीआरआई टीचिंग्स 2024(पीडियाट्रिक इमेजिंगबाल चिकित्सा ' के एक भाग के रूप में (पर एक संकाय व्याख्यान वेबिनार के लिए 'व्याख्या के लिए दृष्टिकोण -छाती रेडियोग्राफ आमंत्रित किया गया।

- लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज21 पूजा एबे ने .दिल्ली की प्रोफेसर डॉ ,- ,सितंबर 222024 को लखनऊ में आयोजित पर 'बाल चिकित्सा रेडियोलॉजी में आईसीयू में छाती की इमेजिंग' व्याख्यान दिया।

- लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज 2025 मार्च 2 फरवरी से 26 पूजा एबे ने .दिल्ली की प्रोफेसर डॉ , तक ऑस्ट्रिया के वियना में आयोजित यूरोपियन कांग्रेस ऑफ रेडियोलॉजी (ईसीआर), 2025 पर व्याख्यान दिया। "में संवहनी विकृतियों के प्रकार

आयोजित सम्मेलन

अप्रैल 2024 के महीने में एलएचएमसी मिनी-ऑडिटोरियम में दिल्ली राज्य चैप्टर की मासिक बैठक आईआरआईए का आयोजन किया गया

संकाय सदस्यों की संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	: 6
एसोसिएट प्रोफेसर	: 0
सहायक प्रोफेसर	: 2
तदर्थ संकाय सदस्यों	: 1

***

रेडियोथेरेपी (एमएएमसी)

सम्मान/विभूतियां

छात्र

- रेडियोथेरेपी के सीनियर रेजिडेंट विभाग डॉ. तांशी दलजीत ने आईएलसीसी 2024, 28/09/24 के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार और युवा अन्वेषक पुरस्कार जीता।
- डॉ. तानशी दलजीत, रेडियोथेरेपी के सीनियर रेजिडेंट विभाग ने ONCOVISION 2025, AHRR, 19/01/25 में ई-पोस्टर में तीसरा स्थान हासिल किया।
- डॉ. तानशी दलजीत, रेडियोथेरेपी के सीनियर रेजिडेंट विभाग ने ONCOVISION 2025, AHRR, 19/01/25 में क्विज में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- एमडी रेडियोथेरेपी के द्वितीय वर्ष के छात्र डॉ. राजीव दहीवाल ने फरवरी 2025 में एफआरसीआर क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी पार्ट I परीक्षा सफलतापूर्वक पास की।
- एमडी रेडियोथेरेपी के द्वितीय वर्ष के छात्र डॉ. राजीव दहीवाल ने 28 से 30 दिसंबर, 2024 तक स्वास्थ्य अनुसंधान में नमूना आकार निर्धारण और शक्ति विश्लेषण पर उन्नत प्रशिक्षण पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया।
- एमडी रेडियोथेरेपी के द्वितीय वर्ष के छात्र डॉ. राजीव दहीवाल ने 1-2 जून 2024 को टीएमसी हाइब्रिड फिजिक्स-रेडियोबायोलॉजी- जेनेटिक्स पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया।
- एमडी रेडियोथेरेपी के द्वितीय वर्ष के छात्र डॉ. सार्थक मिगलानी ने ONCOVISION 2025, AHRR, 19/01/25 में क्विज में दूसरा स्थान हासिल किया।

- एमडी रेडियोथेरेपी के द्वितीय वर्ष के छात्र डॉ. सार्थक मिगलानी ने 30/03/25 को ऑन्कोपल्स 2025 क्विज में क्विज में चौथा स्थान हासिल किया।

प्रकाशित कार्य

- अग्रवाल ,एन., राठी ,ए.के., कपूर ,एस., सिंह ,के., अरोड़ा ,एस., जिंदल ,ए., ...और कौशिक , एच) .2024(।" सिर और गर्दन के कैंसर के रोगियों का बायोडोसिमेट्रिक विश्लेषण ,जो डायसेंट्रिक क्रोमोसोम विपथन परख द्वारा रेडियोथेरेपी से गुजर रहे हैं। जर्नल ऑफ कैंसर रिसर्च एंड थेरेप्यूटिक्स ,20)1(, 321-326।https ://doi.org/ 10.4103/jcrt.jcrt_2058_22.

- श्रीवास्तव ,ए ,.नेकरकांति ,पी.के., कंछोड्डु ,एस., श्रीवास्तव ,एस., मिश्रा ,पी.के., और सलूजा , एस.एस) .2024(।" resected periampullary adenocarcinoma में सहायक चिकित्सा की भूमिका :एक प्रवृत्ति मिलान केस-नियंत्रण अध्ययन ."एनल्स ऑफ हेपेटो-बिलियरी-अग्नाशय सर्जरी ,28)3(, 371-380।https ://doi.org/10.14701/ahbps.24-032.

- मिगलानी एस., श्रीवास्तव ए., राठी ए.के).2024 (कैंसर रोगियों के बीच जीवन और नींद की गुणवत्ता :रुझानों को उजागर करना ,विविध। जे कैन रेस20 :एस187-200।___ https://doi.org/10.4103/jcrt.jcrt_2133_24.

- मिश्रा डी.एस., श्रीवास्तव ए., सलूजा एस.एस., राठी ए.के).2024 (एम्पुलरी कार्सिनोमा में पुनरावृत्ति पैटर्न :योगदान कारकों की एक परीक्षा। जठरांत्र। जर्नल ऑफ कैंसर रिसर्च एंड थेरेप्यूटिक्स20 (सप्ल1):p S40-S58।https ://doi.org/10.4103/jcrt.jcrt_2115_24.

- मिश्रा डी ,श्रीवास्तव ए ,सलूजा एस ,श्रीवास्तव एस ,राठी ए) .2024 (बुजुर्गों में एसोफेजेल कैंसर का" वास्तविक "परिणाम। क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी सितम्बर1 ; 36(9):360-12)।https ://doi.org/ 10.1016/जे.क्लोन.2024.06.014.

शोध परियोजनाएं

- डॉ. अनुरिता श्रीवास्तव, प्रोफेसर, रेडियोथेरेपी विभाग, एमएएमसी को अस्पताल आधारित कैंसर रजिस्ट्री के संचालन के लिए 38,00,000/- रुपये का वार्षिक बजट स्वीकृत किया गया है। यह अनुदान स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की टीसीसीसी योजना के तहत एनसीडीआईआर-आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया जाता है।

- एमएएमसी के रेडियोथेरेपी विभाग की प्रोफेसर डॉ. अनुरिता श्रीवास्तव को जुलाई 2024 में संपन्न आईसीएमआर द्वारा "भारत में एसोफेजेल कैंसर रोगियों में उपचार प्रतिक्रिया मूल्यांकन के कम्प्यूटेशनल प्रेडिक्टिव एनालिसिस के लिए डेटाबेस निर्माण" नामक बहु-केंद्र परियोजना के संचालन के लिए 26,76,944/- रुपये का वार्षिक बजट मंजूर किया गया था।

- डॉ. अनुरिता श्रीवास्तव, प्रोफेसर, रेडियोथेरेपी विभाग, एमएएमसी ने जून 2024 में "एसोफेजेल कैंसर में उपचार प्रतिक्रिया की भविष्यवाणी करने के लिए एससीसी एंटीजन के साथ अनुदैर्ध्य

विश्लेषण" परियोजना पूरी की। इस परियोजना को एमआरयू एमएएमसी द्वारा मंजूरी दी गई थी।

- डॉ. मोहम्मद आज़म: योजना के अंतर्गत अनुसंधान परियोजना: वर्ष 2021-22 के लिए चिकित्सा अनुसंधान को सुदृढ़ करना, जिसका शीर्षक है ट्रिपल नेगेटिव स्तन कैंसर में एंड्रोजन रिसेप्टर, ई कैडहेरिन और Ki67 की अभिव्यक्ति की आवृत्ति और नैदानिक महत्व
- डॉ. सविता अरोड़ा : प्रसूति एवं स्त्री-रोग विभाग द्वारा संचालित भारतीय आबादी के बीच डिम्बग्रंथि के कैंसर में एक्सिनी जीन का आनुवंशिक विश्लेषण नामक एक परियोजना में सह-अन्वेषक

नियोजन विवरण (नियुक्त छात्रों की संख्या और प्रतिशत):

4

संकाय सदस्यों की संख्या

योग: 06 - (प्रोफेसर - 03, एसोसिएट प्रोफेसर - 03)

***

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज (यूसीएमएस), दिल्ली विश्वविद्यालय का एक एनएएसी मान्यता प्राप्त घटक महाविद्यालय है, जिसे भारत के शीर्ष मेडिकल कॉलेजों में स्थान दिया गया है। कॉलेज कई शैक्षणिक कार्यक्रम चला रहा है, और 25 अक्तूब, 2024 को अपना 53वां स्थापना दिवस और दीक्षांत समारोह मनाया। इस प्रतिष्ठित समारोह के दौरान, 146 एमबीबीएस छात्रों, 145 एमडी/एमएस छात्रों, 17 B.Sc (एमटी) रेडियोलॉजी छात्रों और 4 M.Sc (आर एंड एमआईटी) छात्रों को डिग्री प्रदान की गई; और माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा द्वारा मेधावी छात्रों को 62 पुरस्कार वितरित किए गए। यूसीएमएस के संकाय ने इस अवधि में 300 से अधिक शोध लेख प्रकाशित किए हैं और आईसीएमआर और डीबीटी जैसी विभिन्न एजेंसियों द्वारा वित्त-पोषित कई अनुसंधान परियोजनाओं में शामिल हैं। UCMS की मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च यूनिट (MRU) को मेडिकल कॉलेज रिसर्च कनेक्ट 2025 में स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग-ICMR द्वारा 'एक्सीलेंस अवार्ड' से सम्मानित किया गया। अकादमिक अनुसंधान के अलावा, यूसीएमएस ने अपने संकाय और छात्रों के लिए विभिन्न व्याख्यान श्रृंखला, सेमिनार और कार्यशालाओं का आयोजन किया जैसे आईडीईएएस, चिकित्सा शिक्षा में बुनियादी पाठ्यक्रम (बीसीएमई) कार्यशाला, अनुसंधान अनुदान कार्यशाला के लिए

प्रस्ताव लेखन और प्रसंस्करण, चिकित्सा सिमुलेशन प्रशिक्षण, और अपने संकाय, छात्रों और आम जनता के लिए जन जागरूकता व्याख्यान।

सम्मान/विभूतियां

- डॉ. एसवी मधु को भारत के राष्ट्रपति ने 15 अगस्त, 2024 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति भवन में 'प्रख्यात चिकित्सक' के रूप में स्वागत समारोह में आमंत्रित किया था।
- बाल रोग विभाग की डॉ. पूजा दीवान को इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (2024-2026) के आधिकारिक जर्नल में एडिटर-इन-चीफ, इंडियन पीडियाट्रिक्स, चुना गया।
- डॉ. फराह खलीक ने अप्रैल 2024 में फाउंडेशन फॉर एडवांसमेंट ऑफ इंटरनेशनल मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (FAIMER) की 2 वर्षीय फेलोशिप पूरी की।
- डॉ. सतेंद्र सिंह को लैंसेट के विकलांगता और स्वास्थ्य पर पहले आयोग के 20 आयुक्तों में से एक के रूप में चुना गया था।
- डॉ. दीपिका पांधी को जयपुर में 6-9 फरवरी 2025 तक आयोजित DERMACON 2025 में प्रतिष्ठित डॉ. एलके भूटानी पुरस्कार (इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरियोलॉजी एंड लेप्रोलॉजी द्वारा क्लिनिकल डर्मेटोलॉजी में शिक्षण और अनुसंधान में उपलब्धि के लिए एक सदस्य को दिया जाने वाला राष्ट्रीय पुरस्कार) से सम्मानित किया गया।
- डॉ. अमितेश अग्रवाल को 9 नवंबर 2024, नई दिल्ली में 13वीं कार्डियोलॉजी एंड डायबिटीज इंटरनेशनल कांग्रेस में प्रतिष्ठित 'प्रो. हैलबर्ग मेडल' से सम्मानित किया गया।

प्रकाशित कार्य

- अग्रवाल, ए., राणा, डी., मोर, एस., एट अल (2024)। CD38 और CD58: कम संसाधन वाली प्रयोगशालाओं में एक वीर उद्धारकर्ता। *क्योरियस, 16*(11), ई72968। https://doi.org/10.7759/cureus.72968
- अग्रवाल, बी., बिशेरवाल, के., त्यागी, एम., और सिंगल, ए. (2025)। "दो भाई-बहनों में ट्राइकोथियोडिस्ट्रॉफी और इसके निदान में ध्रुवीकृत ट्रांसिल्यूमिनेटिंग डर्मोस्कोपी की उपयोगिता"। *इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी, एंड लेप्रोलॉजी, 6*(1), 1-3।
- अग्रवाल, ए., शर्मा, आर., तेज, केएम, और चावला, डी. (2025)। नर्सों के बीच आपदा प्रबंधन ज्ञान और अभ्यास: एक क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन। नेशनल *एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (इंडिया) के इतिहास।*
- अग्रवाल, ए., दिवाकर, पी., दीक्षित, एस., रोहतगी, जे., और अरोड़ा, वीके (2024)। कोविड-19 के बाद के रोगियों में राइनो-ऑर्बिटल-सेरेब्रल म्यूकोर्मिकोसिस में ऑर्बिटल फैट नेक्रोसिस का

स्पेक्ट्रम। *इंडियन जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी, 72*(10), 1478-1482। https://doi.org/10.4103/ijo.ijo_1576_23

- अग्रवाल, एस., बिशेरवाल, के., सिंगल, ए., तनवीर, एन., कुमार, पी.एस., और अग्रवाल, एच. (2024)। एक्स्ट्रा-मैमरी पगेट की एक्सिला की बीमारी: एक दुर्लभ घटना। *इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरियोलॉजी एंड लेप्रोलॉजी*। https://doi.org/10.25259/IJDVL_1322_2024
- अग्रवाल, एस., सिंगल, ए., तनवीर, एन., और फिलिप, एसी (2024)। स्तन पर प्रगतिशील, स्पर्शोन्मुख पट्टिका। *इंडियन डर्मेटोलॉजी ऑनलाइन जर्नल, 15*(6), 1072-1073। https://doi.org/10.4103/idoj.idoj_1123_24
- अग्रवाल, ए., दिवाकर, पी., दीक्षित, एस., रोहतगी, जे., और अरोड़ा, वीके (2024)। कोविड-19 के बाद के रोगियों में राइनो-ऑर्बिटल-सेरेब्रल म्यूकोर्मिकोसिस में ऑर्बिटल फैट नेक्रोसिस का स्पेक्ट्रम। *इंडियन जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी, 72*(10), 1478-1482। https://doi.org/10.4103/ijo.ijo_1576_23
- आलम, के.के., गंगवानी, एन., और मोहन, एम. (2024)। योग शिक्षकों में योग के आठ अंगों की धारणा और अभ्यास: एक क्रॉस-सेक्शनल वर्णनात्मक अध्ययन। जर्नल *ऑफ़ फैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर, 13*(4), 1500-1506। https://doi.org/10.4103/jfmpc.jfmpc_1711_23
- अल्मेडा, ईए, मेहंदीरत्ता, एम., मधु, एस.वी., और कर, आर. (2024)। उच्च बॉडी मास इंडेक्स टाइप 2 मधुमेह मेलेटस के रोगियों में बढ़े हुए ऑक्सीडेटिव तनाव से जुड़ा हुआ है। *इंडियन जर्नल ऑफ एंडोक्रिनोलॉजी एंड मेटाबॉलिज्म, 28*(5), 517-521। https://doi.org/10.4103/ijem.ijem_474_23
- अलसुलिमनी, ए., दास, एस., अख्तर, एन., अहमद, ए., जावेद, ए., बेग, एस., ज़मज़मी, एमए, अल-थवाडी, एस., अल्फौद, एमवाई, बनर्जी, बी.डी., और डार, एसए (2025, फरवरी)। कीटनाशक जोखिम लिम्फोप्रोलिफेरेटिव गतिविधि को कम करके और प्रणालीगत स्केलेरोसिस रोगियों में आईएल -4 उत्पादन को बढ़ाकर रोग गतिविधि को बढ़ावा देता है। *इम्यूनोफार्माकोलॉजी और इम्यूनोटॉक्सिकोलॉजी, 47*(1), 112-119। https://doi.org/10.1080/08923973.2024.2445731

- आनंद, जे., और पाल, सीके (2024)। मस्तिष्क के लिए दूर के मेटास्टेसिस के साथ मुख श्लेष्म के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा. *जर्नल ऑफ कैंसर रिसर्च एंड थेरेप्यूटिक्स, 20*(6), 1897-1900। https://doi.org/10.4103/jcrt.jcrt_134_24
- अंगमो, डी., संधू, एस., बेरी, एन., और दादा, टी. (2024, 1 अक्तूब)। द्वितीयक ग्लूकोमा के साथ दुर्दम्य स्टर्ज-वेबर सिंड्रोम की ट्यूबों से निपटना: एक सर्जन का दुःस्वप्न! *इंडियन जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी-केस रिपोर्ट्स, 4*(4), 865-866। https://doi.org/10.4103/ijoc.ijoc_149_24
- एंग्मो, डी., थुलकर, टी., शॉ, ई., और बेरी, एन. (2024)। पूर्वकाल खंड dysgenesis के साथ जन्मजात pterygium: Rubinstein-Taybi सिंड्रोम में दुर्लभ नेत्र अभिव्यक्ति. *बीएमजे केस रिपोर्ट, 17*(4), ई257962। https://doi.org/10.1136/bcr-2024-257962
- अरोड़ा, एम., मेहंदीरत्ता, एम., अल्मेडा, ईए, कोटरू, एम., और गुप्ता, बी. (2024)। लोहे के ट्रांसपोर्टरों की जीन अभिव्यक्ति, संवहनी के मार्कर, और एनीमिया के साथ और बिना माताओं के प्लेसेंटा में संरचनात्मक अखंडता। आणविक *जीवविज्ञान रिपोर्ट, 51*(1), 652। https://doi.org/10.1007/s11033-024-07829-1
- अरुण, ए., अग्रवाल, ए., रायज़ादा, ए., और शर्मा, आर. (2024)। दिल्ली में एक तृतीयक देखभाल शिक्षण अस्पताल के मेडिसिन आउट पेशेंट विभाग में आने वाले वयस्क रोगियों के बीच डिस्लिपिडेमिया के बारे में ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास। *इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल स्पेशलिटीज, 15*(4), 240-247। https://doi.org/10.4103/ijms.ijms_217_24
- अस्थाना, ए., त्रिपाठी, एस., और अग्रवाल, आर. (2024)। "अल्जाइमर रोग में एक सुरक्षात्मक कारक के रूप में नॉनस्टेरॉइडल एंटी-इंफ्लेमेटरी दवाओं की भूमिका: एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण"। *न्यूरोलॉजी इंडिया, 72*(6), 1144-1151। https://doi.org/10.4103/ni.ni_1073_22
- अतीक, ए., शाह, डी., शर्मा, एस., मीना, आर.के., कपूर, एस., और गुप्ता, पी. (2025)। गंभीर तीव्र कुपोषण वाले बच्चों में विटामिन बी 12 की कमी की व्यापकता और भविष्यवक्ता, और विकास के साथ इसका संबंध। *इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स, 92*(1), 15-21। https://doi.org/10.1007/s12098-024-03160-4

- अज़ीज़ातुन्निसा, एल., रोटेनबर्ग, एस., शेक्सपियर, टी., सिंह, एस., और स्माइथ, टी. (2024)। स्वास्थ्य में विकलांगता समावेशन के लिए स्वास्थ्य कार्यकर्ता शिक्षा। *लैंसेट, 403*(10421), 11-13। https://doi.org/10.1016/S0140-6736(24)32855-0
- बजाज, आई., रोहतगी, जे., और प्रसाद, आर. (2024)। एक्सयूडेटिव रेटिना डिटेचमेंट के साथ कक्षीय सेल्युलाइटिस: एक दुर्लभ खोज। *" द पैन-अमेरिकन जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी, 6*(3), 70-72। https://doi.org/10.4103/pajophthalmol.pajophthalmol_142_23
- बजाज, आई., और रोहतगी, जे. (2024)। ओकुलर मायोसिटिस-एक नैदानिक दुविधा। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी, 17*(6), 1171-1172। https://doi.org/10.4103/ijo.ijo_1123_24
- बंसल, ए., और भास्कर, वी. (2024)। उत्तर भारत के तृतीयक देखभाल केंद्र में बच्चों के बीच जलने की चोटों का नैदानिक प्रोफाइल और परिणाम। *इंडियन जर्नल ऑफ चाइल्ड हेल्थ, 11*(8), 78-81। https://doi.org/10.4103/ijch.ijch_312_24
- बंसल, डी., दिवाकर, पी., गोगोई, पी., सिंह, एम., सिंह, ए.के., और सिंह, बी. (2024)। उत्तर भारत के तृतीयक देखभाल अस्पताल में दाता अधिसूचना और एचआईवी-प्रतिक्रियाशील दाताओं के परामर्श की प्रभावशीलता: एक ऑडिट। *एशियन जर्नल ऑफ ट्रांसफ्यूजन साइंस, 18*(2), 203-207। https://doi.org/10.4103/ajts.ajts_98_24
- बत्रा, ए., ढींगरा, एस., पुजानी, एम., खंडेलवाल, ए., और सिंह, के. (2024)। पैलेटिन टॉन्सिल का ऑस्टियोकार्टिलैजिनस कोरिस्टोमा: एक दुर्लभ इकाई। *एनल्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (इंडिया), 60*, 278-281। https://doi.org/10.4103/annals.annals_29_24
- बेनीवाल, आर., बत्रा, पी., भास्कर, वी., और हरित, डी. (2024)। घरघराहट वाले बच्चों में गहन देखभाल प्रवेश की भविष्यवाणी करने के लिए SpO2/FiO2 और PaO2/FiO2: एक अवलोकन अध्ययन। *भारतीय बाल रोग, 61*(7), 632-636।
- बेरी, एन., बुक्के, ए.एन., गुप्ता, ए., और दादा, टी. (2024)। चित्र और वीडियो: नहर-आधारित न्यूनतम इनवेसिव ग्लूकोमा सर्जरी के लिए ट्रैब्युलर मेशवर्क का डाई-एन्हांस्ड विज़ुअलाइज़ेशन। *नेत्र विज्ञान के डिजिटल जर्नल।*
- बेरी, एन., बुके, ए.एन., गुप्ता, ए., हुआंग, एएस, अंगमो, डी., शर्मा, एन., और दादा, टी. (2024, 1 जुलाई)। "ग्लूकोमा में जलीय एंजियोग्राफी के नैदानिक अनुप्रयोग"। *इंडियन जर्नल*

ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी, 72 (सप्ल 4), एस553-एस560। https://doi.org/10.4103/ijo.ijo_103_24

- बेरी, एन., और दादा, टी. (2024, जनवरी)। क्या मुस्लिम प्रार्थना की स्थिति आईओपी को प्रभावित कर रही है? *अंतर्राष्ट्रीय ग्लूकोमा समीक्षा*/https://www.glaucomareview.com से लिया गया [उद्धृत 2024 सितंबर 17]।
- बेरी, एन., पाटिल, ए., एंगमो, डी., और दादा, टी. (2025)। जलीय एंजियोग्राफी का उपयोग करके अस्थायी ट्रैब्युलर कटिंग एमआईजीएस का इंट्राऑपरेटिव कार्यात्मक मूल्यांकन। *बीएमजे केस रिपोर्ट, 18*(3), ई263543। https://doi.org/10.1136/bcr-2024-263543
- बेरी, एन., पाटिल, ए., वर्मा, एस., और दादा, टी. (2024)। इंडोसायनिन ग्रीन डाई द्वारा कांच का धुंधला हो जाना, जलीय एंजियोग्राफी के बाद। *बीएमजे केस रिपोर्ट, 17*(5), ई259610। https://doi.org/10.1136/bcr-2024-259610
- बेरी, एन., वर्मा, एस., शर्मा, एन., और दादा, टी. (2024)। वायरल केराटोकोनजंक्टिवाइटिस की महामारी के दौरान ब्लीब से संबंधित एंडोफ्थाल्माइटिस। *बीएमजे केस रिपोर्ट, 17*(12), ई258874। https://doi.org/10.1136/bcr-2024-258874
- बेरी, एन. (2025)। जलीय एंजियोग्राफी निर्देशित MIGS। *चरण-दर-चरण नेत्र प्रशिक्षण मॉड्यूल में: मिनिमली इनवेसिव ग्लूकोमा सर्जरी* (एआईओएस वैज्ञानिक समिति)।
- बेरी, एन. (2025)। "इंट्राओकुलर दबाव और ग्लूकोमा गतिकी में अंतर्दृष्टि"। आर. पी. वी. रमेश और एस. वी. रमेश (सं.) में, *ओकुलस रेस गेस्टे: ए नियोफाइट्स एनिमेटिव एंड वीडियोग्राफिक कम्पेंडियम* (पीपी. 109-110)। जेपी ब्रदर्स।
- भास्कर, वी., खलील, एस., राज, एम., और बत्रा, पी. (2024)। हृदय रोग के मार्कर के रूप में बाल रोगियों में बी-प्रकार के नैट्रियूरेटिक पेप्टाइड के स्तर की देखभाल का बिंदु। *समकालीन बाल रोग के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 11*, 1110-1114। https://doi.org/10.18203/2349-3291.ijcp20242391
- भोई, ए.के., चंदर, जी., सिंघल, ए., कश्यप, बी., और दिव्यश्री, डी. (2024)। "चयापचय सिंड्रोम के साथ नाखून सोरायसिस का संबंध: एक क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन"। *त्वचा उपांग विकार, 10*(6), 512-519। https://doi.org/10.1159/000539150
- भोई, ए.के., ग्रोवर, सी., सिंगल, ए., कश्यप, बी., और दिव्यश्री। (2024). नाखून सोरायसिस के रोगियों में ट्यूमर नेक्रोसिस फैक्टर (टीएनएफ-α) और इंटरल्यूकिन-17 (आईएल-17) का सीरम

स्तर: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। *इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी एंड लेप्रोलॉजी, 90*, 453-457। (सर्वश्रेष्ठ IJDVL पुरस्कार लेख)

- बिस्वास, एस., लो, जीएच, मेहता, एस., एलीहेस, ए., वोंग, वाईजे, वैष्णव, एम., अरोड़ा, यू., द्वारकानाथन, वी., स्वरूप, एस., अग्रवाल, ए., अग्रवाल, ए., सिंह, पी., चव्हाण, ए., त्रिपाठी, एस., धीबर, डी.पी., अली, एसएम, शर्मा, वी., कुमार, ए., अग्रवाल, एस., और शालीमार। (2025). वासोएक्टिव एजेंटों की संक्षिप्त अवधि के परिणाम यकृत सिरोसिस और वैरिसियल रक्तस्राव वाले रोगियों में चिकित्सा की मानक अवधि के समान होते हैं: एक व्यक्तिगत रोगी डेटा मेटा-विश्लेषण। *पाचन रोग और विज्ञान*। अग्रिम ऑनलाइन प्रकाशन। https://doi.org/10.1007/s10620-025-08851-0

- बिस्वास, एस., सिंह, आर., और राधिका, एजी (2024)। गर्भवती महिलाओं के बीच माइग्रेन और प्री-एक्लेमप्सिया के बीच संबंध: भारत में एक एकल अस्पताल-आधारित केस-कंट्रोल अध्ययन। *बीएमसी गर्भावस्था और प्रसव, 24*(1), 373। https://doi.org/10.1186/s12884-024-04588-2

- बुक्के, ए.एन., मिधा, एन., महालिंगम, के., बेरी, एन., अंगमो, डी., शर्मा, एन., पांडे, एस., और दादा, टी. (2024)। मध्यम से गंभीर प्राथमिक ओपन-एंगल ग्लूकोमा में फेकोइमल्सीफिकेशन के साथ मुड़ा हुआ अब इंटरनो सुई गोनीक्टोमी के परिणाम। *इंडियन जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी, 72*(9), 1280-1284। https://doi.org/10.4103/ijo.ijo_697_24

- चौहान, वी., जैन, के., पुजानी, एम., अग्रवाल, सी., सिंह, के., सिंह, एम., और चंडोके, आरके (2025)। "मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में हेमेटोलॉजिकल और जमावट मापदंडों का मूल्यांकन: एक तृतीयक देखभाल केंद्र में एक अध्ययन"। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ साइंसेज एंड रिसर्च, 14*(2), 297-298।

- चिलकोटी, जीटी, बेनीवाल, एम., सक्सेना, ए.के., एट अल (2025)। रिकवरी की गुणवत्ता -15 (QoR-15) प्रश्नावली के हिंदी संस्करण का अनुवाद और सत्यापन: एक संभावित समूह अध्ययन। *इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी, 69*, 393-401। https://doi.org/10.4103/ija.ija_138_24

- चिलकोटी, जीटी (2025)। एपिड्यूरल ब्लॉक। एन. गुप्ता, आरएस उबरदका, और ए. गुप्ता (सं.), *एनेस्थीसिया, गहन देखभाल और आपातकालीन चिकित्सा में तकनीक* (पहला संस्करण, पृष्ठ 315-328)। स्प्रिंगर।

- चिलकोटी, जीटी, गुप्ता, ए., भंडारी, पी., और मोहता, एम. (2024)। थायराइड सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में आवर्तक स्वरयंत्र तंत्रिका पक्षाघात का पता लगाने की तकनीक: मोती और नुकसान। *जर्नल ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी एंड क्लिनिकल फार्माकोलॉजी, 40*(2), 199-205। https://doi.org/10.4103/joacp.joacp_50_24।
- चिलकोटी, जीटी, नंदनन, जे., सक्सेना, ए.के., सेठ, वी., कौर, एन., और मौर्य, पी. (2025)। कम खुराक डेक्सामेथासोन के साथ डेक्सामेथासोन के साथ कम खुराक मतली और लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी के बाद उल्टी के लिए: एक यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड अध्ययन। जर्नल *ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी, क्लिनिकल फार्माकोलॉजी, 41*(1), 84-89। https://doi.org/10.4103/joacp.joacp_357_23
- चिलकोटी, जी.टी., गुलाबी, एम., चटर्जी, आर., शर्मा, सीएस, और शेरावत, पी. (2024)। उच्च प्रवाह नाक प्रवेशनी (HFNC) एक स्तंभ के रूप में ऑक्सीजन की सहायता करने के लिए perioperatively: एक कथा समीक्षा। *इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनेस्थिसियोलॉजी, 11*(4), 581-587। https://doi.org/10.18231/ijca.2024.089
- चिलकोटी, जीटी, मुंडाकेल, एनएम, कटारिया, एन., और अरोड़ा, वी. (2024)। ट्रेकियोस्टोमी डिकैनुलेशन के लिए ओक्लूसिव टाइट स्ट्रैपिंग: क्या यह सुरक्षित है? *इंडियन जर्नल ऑफ ओटोलरींगोलॉजी एंड हेड एंड नेक सर्जरी, 76*, 3583-3585। https://doi.org/10.1007/s12070-024-02188-5
- डिसूजा, एस., घाटोले, बी., सिंह, एस., एट अल (2024)। COVID-19 वैक्सीन निर्णय लेना: भारत में ट्रांसजेंडर और विकलांगता समुदायों के बीच विश्वास। जर्नल *ऑफ कम्युनिटी हेल्थकेयर, 1-10*। https://doi.org/10.1080/23312059.2024.1890786
- डिसूजा, एस., घाटोले, बी., सिंह, एस., एट अल (2024)। भारत में विकलांगता, ट्रांसजेंडर और लिंग-विविध समुदायों के बीच COVID-19 वैक्सीन की पहुंच और उत्थान में संरचनात्मक असमानताओं को समझना। *वैक्सीन, 42*(सप्ल 5), 126174। https://doi.org/10.1016/j.vaccine.2024.02.091
- दास, जी., कश्यप, बी., बहल, ए., यादव, पी., सिंह, बी., और सिंह, एन. (2024)। दिल्ली में नेत्रश्लेष्मलाशोथ का प्रकोप: रोगाणुरोधी प्रबंधन में उल्लंघन से निपटने के लिए सबक सीखा। *ट्रॉपिकल डॉक्टर, 54*(2), 202-203। https://doi.org/10.1177/00494755241227464

- दास, जी., कृष्ण, और कश्यप, बी., बहल, ए., यादव, पी., सिंह, बी., सिंह, एन. (2023)। दिल्ली में नेत्रश्लेष्मलाशोथ के प्रकोप पर एक बहुकेंद्रित आणविक अध्ययन: "गुलाबी आंख" पर नजर रखना। *अस्पताल अभ्यास और अनुसंधान, 8*(4), 362-368। https://doi.org/10.30491/hpr.2024.429955.1410

- दास, एस., राय, जी., गुप्ता, सी., गुप्ता, एन., अरोड़ा, वी., सिंह, पीके, महापात्र, एस., अंसारी, एमए, हकामी, जेडएच, और डार, एसए (2024)। मधुमेह में म्यूकोर्मिकोसिस: Th17 और T नियामक मार्गों की एक सुझाई गई भूमिका। *नैदानिक अभ्यास में संक्रामक रोग, 32*(4), ई1381। https://doi.org/10.1097/IDP.0000000000001381।

- दीवान, पी., खलील, एस., और गुप्ता, पी. (2024)। शिक्षण और मूल्यांकन के लिए वस्तुनिष्ठ संरचित नैदानिक परीक्षा: साक्ष्य-आधारित आलोचना। *क्लिनिकल एपिडेमियोलॉजी एंड ग्लोबल हेल्थ, 25*, 101477। https://doi.org/10.1016/j.cegh.2024.101477

- धालीवाल, यू., और सिंह, एस. (2025)। स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए तीन घंटे की कविता कार्यशाला के दौरान नैतिकता और पाठ्यचर्या दक्षताएं। *इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल एथिक्स, एक्स* (1), 48-53। https://doi.org/10.20529/IJME.2025.009

- दिव्यश्री, डी., गोयल, एन., यादव, आर., सिंह, एन.पी., स्वैन, के., मनचंदा, वी., और सिंह, पी. (2024)। हरपीज ज़ोस्टर ऑप्थाल्मिकस के साथ एक रोगी में न्यूमोकोकल केराटाइटिस का एक दुर्लभ मामला और प्रतिरक्षा स्थिति से समझौता किया। *माइक्रोबायोलोजिया मेडिका, 39*(1)। [ऑनलाइन] https://www.microbiologiamedica.com से लिया गया

- दीक्षित, एस., तनवीर, एन., शर्मा, एस., जिंदल, एम., अरोड़ा, वी., और डूडानी, पी. (2025)। राइनो-ऑर्बिटल-सेरेब्रल म्यूकोर्मिकोसिस के कोविड-19 के बाद के प्रकोप के मामलों में फंगल संक्रमण की गंभीरता के हिस्टोपैथोलॉजिकल भविष्यवक्ता। *जर्नल ऑफ माइक्रोस्कोपी एंड अल्ट्रास्ट्रक्चरल स्टडीज, 10*, 128-133। https://doi.org/10.4103/jmau.jmau_128_24

- दत्त, एस., रानी, पी., गुप्ता, आर., दीवान, पी., और कोटरू, एम. (2024)। "लोहे की कमी के कार्यात्मक अर्थ: पूर्वस्कूली बच्चों में न्यूट्रोफिल ऑक्सीडेटिव फट गतिविधि पर प्रभाव"। *अमेरिकन जर्नल ऑफ ब्लड रिसर्च, 14*(4), 22-31।

- दत्ता, डी., जिंदल, आर., रायज़ादा, एन., नागेंद्र, एल., कमरुल, एचए, और शर्मा, एम. (2025)। "अवरोधक स्लीप एपनिया में ग्लूकागन-जैसे पेप्टाइड-1 रिसेप्टर एगोनिज़्म-आधारित उपचारों की

प्रभावकारिता और सुरक्षा: एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण"। *इंडियन जर्नल ऑफ एंडोक्रिनोलॉजी एंड मेटाबॉलिज्म, 29*(1), 4-12। https://doi.org/10.4103/ijem.ijem_365_24

- फातिमा, ओ.वी., शास्त्री, एम., कोट्टू, एम., जैन, आर., गोयल, ए., और सिक्का, एम. (2024)। वृद्धावस्था एनीमिया में एरिथ्रोपोइटिन का स्तर। *जर्नल ऑफ़ फैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर, 13*(10), 4347-4353।
- फातिमा, एन., सिंगला, ए., अल्मेडा, ईए, भाटिया, एमएस, और जैन, एस. (2025)। "कम जोखिम वाली गर्भवती आबादी में मातृ प्लाज्मा ऑक्सीटोसिन स्तर और प्रसवोत्तर अवसाद का एक अध्ययन: एक नेस्टेड केस-कंट्रोल अध्ययन"। *यूरोपियन जर्नल ऑफ बायोमेडिकल एंड फार्मास्युटिकल साइंसेज, 12*, 1-5।
- गंगर, एस., निर्मल, के., लकड़ा, ए.के., स्वैन, के., और दास, एस. (2024)। नैदानिक अभ्यास: ध्वजांकित BacT/अलर्ट ब्लड कल्चर बोतलों का उपयोग करके EUCAST तेजी से रोगाणुरोधी संवेदनशीलता परीक्षण के लिए ब्रेकप्वाइंट का अनुमान लगाना। *यूरोपियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड बायोमेडिकल साइंसेज, 10*(3), 42-50। https://doi.org/10.11648/j.ejcbs.20241003.12
- गांगर, एस., सिंह, एन.पी., गोयल, एन., महापात्र, एस., दास, एस., और बत्रा, पी. (2024)। कार्बापेनेमेस-एन्कोडिंग जीन की आणविक महामारी विज्ञान और क्लेबसिएला में जीनोटाइपिक कार्बापेनेम प्रतिरोध के साथ कार्बापेनेम एमआईसी का तुलनात्मक मूल्यांकन नवजात सेप्सिस मामलों से अलग हो जाता है। *जर्नल ऑफ लेबोरेटरी फिजिशियन, 16*, 200-206। https://doi.org/10.25259/JLP_23_2023
- गंगर, एस., अहमद, एन., गोमा, एम., और दास, एस. (2024)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में एक तृतीयक देखभाल संस्थान में विडाल टिटर का उपयोग करने वाले रोगियों में साल्मोनेला एंटीबॉडी के प्रसार *का व्यापक विश्लेषण।इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग एप्लाइड साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, 9*(4), 127-134। https://doi.org/10.33564/ijeast.2024.v09i04.016
- गंगवानी, एन., खालिक, एफ., और सिंह, एस. (2025)। चिंतनशील लेखन आकलन में निष्पक्षता का मूल्यांकन: नीमी और चंद्रमा के दृष्टिकोण विधियों का तुलनात्मक अध्ययन। *इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी एंड फार्माकोलॉजी*, ईपब अहेड ऑफ प्रिंट: 05 फरवरी 2025
- नांबियार, जी., महाजन, पी., तनवीर, एन., शर्मा, एस., और गुप्ता, बी. (2025)। "गर्भाशय ग्रीवा का आक्रामक स्तरीकृत म्यूसिन-उत्पादक कार्सिनोमा: एक केस रिपोर्ट और साहित्य की समीक्षा"।

इंडियन जर्नल ऑफ पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी, 10.4103/ijpm.ijpm_408_24। https://doi.org/10.4103/ijpm.ijpm_408_24

- गौरव, वी., निर्मल, के., सिंह, पी., दास, एस., और राय, जी. (2024)। दो फीट-एक हाथ सिंड्रोम *ट्राइकोफाइटन मेंटाग्रोफाइट्स* के कारण होता है। *जर्नल ऑफ़ स्किन एंड सेक्सुअली ट्रांसमिटेड डिजीज,* 0, 1-2। https://doi.org/10.25259/jsstd_22_2024
- गौरव, वी., ग्रोवर, सी., और शर्मा, एस. (2024)। हाइपरकेराटोसिस लेंटिकुलरिस पर्स्टन्स (फ्लेगेल रोग): नैदानिक, डर्मोस्कोपिक और हिस्टोपैथोलॉजिकल विशेषताएं। *इंडियन डर्मेटोलॉजी ऑनलाइन जर्नल, 16*(2), 323-325।
- गौरव, वी., त्यागी, एम., दास, एस., और पांधी, डी. (2025)। क्राइसोम्या बेज़ियाना के कारण खोपड़ी का फुरुनकुलर मायियासिस। *बाल चिकित्सा त्वचाविज्ञान, 42*(2), 420-422। https://doi.org/10.1111/pde.15794
- गौरव, वी., त्यागी, एम., ग्रोवर, सी., और शर्मा, एस. (2025)। "एक्वायर्ड यूनिवर्सल मेलेनोसिस: एक केस रिपोर्ट और साहित्य की समीक्षा"। *इंडियन डर्मेटोलॉजी ऑनलाइन जर्नल*। https://doi.org/10.4103/idoj.idoj_275_24
- गौरव, वी., त्यागी, एम., ग्रोवर, सी., और शर्मा, एस. (2024)। प्रुरिटिक ट्राइकोस्टेसिस स्पिनुलोसा: एक दुर्लभ संस्करण। *इंडियन डर्मेटोलॉजी ऑनलाइन जर्नल, 15*(3), 487-491।
- गौतम, पी., जैन, पी., नाकरा, टी., और गुप्ता, बी. (2024)। डिम्बग्रंथि के एंडोमेट्रियोइड एडेनोकार्सिनोमा में फैला हुआ पेरिटोनियल केराटिनाइजेशन, जो मेटास्टेटिक जमाव के रूप में प्रकट होता है। इंडियन जर्नल ऑफ पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी। (हाल ही में स्वीकृत)।
- गोगोई, पी., दिवाकर, पी., कपूर, आर., नारंग, एस., और गोस्वामी, एस. जे. (2024)। कोविड-19 में गंभीरता के पूर्वानुमान के रूप में रक्त संबंधी मापदंडों की तुलना: एक एकल-केंद्रीय क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज के इतिहास, 60(2), 164-167।
- गोयल, एन., गंगर, एस., सरकार, के., सिंह, एन.पी., दास, एस., और द्विवेदी, एएन (2024, 28 मई)। कोलिस्टिन, अंतिम उपाय एंटीबायोटिक: इसके नियमित संवेदनशीलता परीक्षण के कार्यान्वयन में चुनौतियां। *माइक्रोबायोल मेड*, 39(1)।
- ग्रोवर, सी., गुप्ता, पी., अरोड़ा, आर., और जैन, पी. (2025)। फ्लेक्सर कण्डरा म्यान का विशाल सेल ट्यूमर: सबंगुअल विकास के रूप में एक दिलचस्प नैदानिक प्रस्तुति। *त्वचा उपांग विकार, 11*(1), 87-92।

- गुप्ता, ए., दिवाकर, पी., अरोड़ा, वी.के., और शर्मा, एस. (2025, फरवरी)। सर्वाइविन और संवहनी endothelial वृद्धि कारक सर्वाइकल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा की इम्यूनोहिस्टोकेमिकल अभिव्यक्ति. *इंडियन जर्नल ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, 16*(1), 134-142।

- गुप्ता, ए., गुलाबी, एम., और गुप्ता, एन. (2024)। "एनेस्थीसिया में पेरीऑपरेटिव जोखिम मूल्यांकन"। एच. जोन्स, जे. अग्रवाल, पी. गुप्ता, और पी. पॉल (सं.), *स्टोल्टिंग की संज्ञाहरण और सह-मौजूदा बीमारी* (चौथा दक्षिण एशिया संस्करण, पृष्ठ 707-717) में।

- गुप्ता, ए., पाल, सी.के., प्रकाश, एस., और राठी, वी. (2024)। एक दुर्लभ न्यूरल ट्यूब दोष के रहस्य को उजागर करना: एक संक्षिप्त साहित्य समीक्षा के साथ प्रसवपूर्व सोनोग्राफिक निदान। *क्लिनिकल रेडियोलॉजी में केस रिपोर्ट।* https://doi.org/10.25259/CRCR_39_2024

- गुप्ता, ए., पाल, सी.के., प्रकाश, एस., और भट्ट, एस. (2024)। प्रसवपूर्व उदर शरीर की दीवार दोष की दुविधा को डिकोड करना: एक केस रिपोर्ट और साहित्य की समीक्षा। *क्लिनिकल रेडियोलॉजी में केस रिपोर्ट।*

- गुप्ता, ए., और टंडन, ए. (2024)। ट्विस्ट और टर्न: पूर्व गर्दन के संक्रमण के मामले में असामान्य गर्भाशय ग्रीवा अस्थिरता को उजागर करना। *क्लिनिकल रेडियोलॉजी में केस रिपोर्ट।* https://doi.org/10.25259/CRCR_52_2024

- गुप्ता, ए., कुमार, एस., और भटनागर, एके (2024)। "रिफैम्पिसिन-संवेदनशील फुफ्फुसीय तपेदिक-एचआईवी सह-संक्रमित रोगियों में उपचार के परिणामों को प्रभावित करने वाले निर्धारकों का आकलन"। *जर्नल ऑफ द इंडियन एकेडमी ऑफ क्लिनिकल मेडिसिन, 25*(1-2), 45-48।

- गुप्ता, ए., और वर्मा, ए.के. (2024)। "अस्पताल-आधारित अध्ययन में थूक-पॉजिटिव दवा-संवेदनशील फुफ्फुसीय तपेदिक रोगियों के सामाजिक-जनसांख्यिकीय निर्धारकों का मूल्यांकन"। जर्नल *ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन मेडिसिन, 11*(2), 1-5।

- गुप्ता, सी., दास, एस., और डार, एसए (2024, 1 दिसंबर)। "पोस्ट-टीबी सीक्वेल वाले रोगियों में क्रोनिक पल्मोनरी एस्परगिलोसिस"। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ट्यूबरकुलोसिस एंड लंग डिजीज, 28*(12), 600-602। https://doi.org/10.5588/ijtld.24.0163

- गुप्ता, सी., मुंडन, एनजी, दास, एस., जावेद, ए., डार, एसए, और दैला, एचजी (2024, 12 नवंबर)। हेमटोपोइएटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण में साइटोमेगालोवायरस संक्रमण: आणविक निदान से परे इम्यूनोडायग्नोस्टिक्स की ओर बढ़ना। *डायग्नोस्टिक्स (बेसल), 14*(22), 2523। https://doi.org/10.3390/diagnostics14222523

- गुप्ता, के., तनवीर, एन., शर्मा, एस., नीहारिका, दास, एस., और नाज़, एफ. (2024)। कोविड-19 के बाद के आक्रामक फंगल संक्रमणों के हिस्टोपैथोलॉजी नमूनों में एस्परगिलस कोनिडियल हेड्स की उपयोगिता की खोज। इंडियन जे पैथोलमाइक्रोबायोल। 2024 जुलाई 1;67(3):717-719। https://doi.org/10.4103/ ijpm.ijpm_920_22। ई-प्रकाशन 2023 जुलाई 19। पीएमआईडी: 38391308।
- गुप्ता, एस., गुप्ता, एम., गोयल, बी., यादव, एस. आर. एम., मिर्ज़ा, ए. ए., गुप्ता, ए., राव, एस., कुमारी, के., नंदा, एस., और कोटरू, एम. (2024)। फेफड़ों के कैंसर के रोगियों के परिधीय रक्त में रियल-टाइम पॉलीमरेज़ चेन रिएक्शन द्वारा सर्वाइविन, सीके7, एएसएच1, एचएमजीबी3, एल587एस और सीएलसीए2 की अभिव्यक्ति। क्यूरियस, 16(7), e64386. https://doi.org/10.7759/cureus.64386गुप्ता, एस., कोटरू, एम., गोयल, ए., और गुप्ता, आर. (2024)। "बुजुर्गों में अस्पष्टीकृत एनीमिया में एरिथ्रोइड परिपक्वता पैटर्न का मूल्यांकन"। *इंडियन जर्नल ऑफ हेमेटोलॉजी एंड ब्लड ट्रांसफ्यूजन*, 1-8/https://doi.org . s12288-024-01583-1/10.1007
- गुप्ता, एस., यादव, आई., सक्सेना, ए., बागला, आरके, और नज़ीर, एन. (2024)। कार्यात्मक एंडोस्कोपिक साइनस सर्जरी के दौरान प्रेरित हाइपोटेंशन के लिए डेक्समेडेटोमिडीन बनाम लैबेटालोल: एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड अध्ययन। *एनेस्थीसिया, दर्द और गहन देखभाल, 28*(4), 652-657।
- गुप्ता, एस., यादव, आई., सक्सेना, ए., और कुमार, एस. (2024)। "प्रोस्टेट के ट्रांसयूरेथ्रल लकीर के लिए स्पाइनल एनेस्थीसिया में हाइपरबेरिक बुपिवाकेन के साथ हाइपरबेरिक रोपिवाकेन की नैदानिक प्रभावकारिता की तुलना: एक यादृच्छिक और डबल-ब्लाइंड अध्ययन"। *एशियन जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज, 15*(2), 8-13।
- गुप्ता, एस., कोटरू, एम., गोयल, ए., और गुप्ता, आर. (2024)। "बुजुर्गों में अस्पष्टीकृत एनीमिया में एरिथ्रोइड परिपक्वता पैटर्न का मूल्यांकन"। *इंडियन जर्नल ऑफ हेमेटोलॉजी एंड ब्लड ट्रांसफ्यूजन*। https://doi.org/10.1007/s12288-024-01583-1
- गुप्ता, ए., दिवाकर, पी., अरोड़ा, वी. के., और शर्मा, एस. (2025)। सर्वाइकल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में सर्वाइविन और वैस्कुलर एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर की इम्यूनोहिस्टोकेमिकल अभिव्यक्ति। इंडियन जर्नल ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, 16(1), 134-142। https://doi.org/10.1007/s13193-024-00488-5

- गुप्ता, एन., चंद, एस., सिंह, एम., और आदित्य, एस. (2024)। शून्य सिस्टोरेथ्रोग्राफी छवियों को समझना: बाल रोग विशेषज्ञ के लिए। *भारतीय बाल रोग केस रिपोर्ट, 4*, 126-130। https://doi.org/ 10.4103/ ipcares.ipcares_18_24
- गुप्ता, एन., मोना, एच., दास, एस., घोष, सी., और वैद, एल. (2024)। क्रोनिक राइनोसिनिटिस के विकास में पर्यावरणीय कारकों की भूमिका। *यूजेएमएस, 2*(3), 119-125।
- हू, एल., मार्कस, के., शॉर्ट, एसडी, और सिंह, एस. (2024)। ग्लोबल नॉर्थ और ग्लोबल साउथ में पाठ्यक्रम में विकलांगता अधिकारों के लिए विकलांगता दक्षताएं। *विकलांगता और वैश्विक स्वास्थ्य की रूटलेज इंटरनेशनल हैंडबुक* में (पीपी 146-166)। रूटलेज।
- हुडा, आर.के., कुमार, पी., गुप्ता, आर., शर्मा, ए.के., तोतेजा, जीएस, और बाबू, बीवी (2024)। जोधपुर, राजस्थान के शहरी क्षेत्रों में कम लागत वाले सेंसर का उपयोग करके वायु गुणवत्ता की निगरानी। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनवायरनमेंटल रिसर्च एंड पब्लिक हेल्थ,* 21(5), 623। https://doi.org/10.3390/ ijerph 21050623
- हुमीदान, एमएल, बेंटोव, आई., रूक, जीए, और चिलकोटी, जीटी (2025)। पुराने रोगियों के लिए एनेस्थीसिया। एन. गुप्ता और ए. गुप्ता (सं.), *क्लिनिकल एनेस्थीसिया* (दक्षिण एशियाई संस्करण, दूसरा संस्करण, पृष्ठ 907-929)। वोल्टर्स क्लूवर।
- हुसैन, ए., कुमार, ए., वर्मा, एस.के., और कुमारी, डी. (2024)। मानव शव में मैलियस हड्डी के मॉर्फोमेट्रिक अध्ययन द्वारा लिंग का निर्धारण। *आईपी इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फोरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजिकल साइंसेज, 9*(4), 138-146।
- जग्गी, आई.के., दीवान, पी., हरित, डी., कौशिक, जेएस, और यादव, एम. (2024)। एक बच्चे में मायस्थेनिक संकट: प्रारंभिक पहचान और हस्तक्षेप के बाद सफल रिकवरी। *भारतीय बाल चिकित्सा मामले की रिपोर्ट, 4*, 110-113।
- जग्गी, आई.के., हरित, डी., दीवान, पी., और कर, आर. (2024)। सामान्य बीएमआई वाले भारतीय बच्चों में हाइपरयूरिसीमिया। *बाल चिकित्सा में हार्मोन अनुसंधान, 97*(पूरक 2), 202।
- जैन, सी., सिन्हा, एस., शाह, ए., बिरमन, एन., सिंह, एनपी, और दास, एस. (2024, दिसंबर)। पूर्वी दिल्ली में डेंगू सीरोटाइप का सह-प्रसार: एक नया खतरा। *मेडिकल जर्नल आर्म्ड फोर्सेज इंडिया, 80* (सप्ल 1), एस395-एस397। https://doi.org/10.1016/j.mjafi.2023.05.002। ईपीयूबी 2023 जून 12।

- जैन, पी., यादव, पी., दीक्षित, एस., ग्रोवर, सी., और शर्मा, एस. (2024)। त्वचीय लाइकेन प्लेनस की बुलस प्रस्तुति की जटिलताओं के माध्यम से नेविगेशन: एक तुलनात्मक अध्ययन। *इंडियन जर्नल ऑफ पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी।*

- जैन, एस., और चिलकोटी, जीटी (2024)। पुनर्वास: एनेस्थेसियोलॉजिस्ट की भूमिका और भविष्य की दिशाएं। *आईएसए-दिल्ली न्यूज बुलेटिन,* मई जारी हो सकता है।

- जैन, ए., दक्ष, एस., रंजन, के., तनवीर, एन., मंगला, पी., रायज़ादा, एन., एट अल (2024)। उच्च रक्तचाप की अनुपस्थिति में कैटेकोलामाइन-स्रावित अधिवृक्क मायलोलिपोमा: एक दुर्लभ मामले की रिपोर्ट। *आईजेईएम केस रिपोर्ट, 2*(3), 88-91।

- जैन, ए.के., जैन, पी., जग्गी, के., एट अल (2024)। दवा प्रतिरोधी हड्डी, जोड़ और रीढ़ की हड्डी तपेदिक: निदान और उपचार का विकास। जर्नल *ऑफ ऑर्थोपेडिक एंड इंफेक्शियस डिजीज, 58*, 661-668।

- जैन, डी.एस., दिव्या, डी., चौधरी, डीए, टंडन, डीए, और मल्होत्रा, डीडी (2024)। भ्रूण में तंत्रिका नलिका दोष: स्क्रीनिंग, पहचान, निदान और प्रबंधन। *भारतीय प्रसूति एवं स्त्री-रोग, 14*(2)। https://iog.org.in/journal/index.php/iog/article/view/499

- जैन, एल., कौर, डी., खलील, एस., प्रधान, पी., मलिक, एम., डोगरा, एस. और मैथ्यू, जेएल (2025)। "बच्चों में तीव्र वायरल मायोकार्डिटिस में अंतःशिरा इम्युनोग्लोबुलिन (आईवीआईजी) की प्रभावकारिता और सुरक्षा: यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षणों की एक व्यवस्थित समीक्षा। *भारतीय बाल रोग, 62*(1), 56-62।

- जैन, एम., पटनायक, एल., मंगला, पी., और रायज़ादा, एन. (2024)। एक लड़की में छोटे कद के साथ असामयिक यौवन! वैन विक-ग्रुंबैक सिंड्रोम का एक दुर्लभ मामला। *भारतीय बाल रोग केस रिपोर्ट, 4*, 230-233।

- जैन, एस., मल्होत्रा, डी., और मेहरा, एम. (2025)। लेफोर्ट का आंशिक कोल्पोक्लेसिस। *पैन एशियन जर्नल ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी, 8*(1), 26-29।

- जैन, एस., माथुर, डी., चौधरी, ए., टंडन, ए., और मल्होत्रा, डी. (2024)। भ्रूण में तंत्रिका नलिका दोष: स्क्रीनिंग, पहचान, निदान और प्रबंधन। *भारतीय प्रसूति एवं स्त्री-रोग, 14*(2), 31-36.

- जेस्वानी, जे., भारद्वाज, ए., और भट्ट, एस. (2024)। संपादक की पसंद: क्रोनिक किडनी रोग और हेमोडायलिसिस के प्रभाव वाले रोगियों में रोग की गंभीरता के साथ त्वचीय अभिव्यक्तियों

का सहसंबंध: एक अवलोकन अध्ययन। *एएमजे त्वचाविज्ञान, 1*(1), 52-62। https://doi.org/10.33590/ dermatolamj/ HZSA8667

- झा, डी.के., सिंह, ए., कुमार, ए., प्रकाश, एस., और प्रिया, बी. (2025)। माइकोबैक्टीरियम का प्रदर्शन: माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस का पता लगाने के लिए ग्रोथ इंडिकेटर ट्यूब (एमजीआईटी 960)। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लाइफ साइंसेज, बायोटेक्नोलॉजी एंड फार्मा रिसर्च, 14*(1), 284-290।
- झा, टी., महापात्रा, एस., दिवाकर, पी., अरोड़ा, वी.के., और शर्मा, एस. (2024)। ऊतक माइक्रोएरे निर्माण को नेविगेट करना: नुकसान से बचने और प्रमुख तकनीकी पहलुओं में महारत हासिल करने के लिए एक गाइड। *18*(4), ईजी01-ईजी06।
- जोलिफ, डीए, कैमार्गो, सीए, जूनियर, स्लूटर, जेडी, एग्लिपे, एम., अलोइया, जेएफ, बर्गमैन, पी., बिस्चॉफ-फेरारी, एचए, बोरज़ुट्ज़की, ए., बुब्स, वीवाई, डैम्सगार्ड, सीटी, डुचार्म, एफएम, डबनोव-रज़, जी., एस्पोसिटो, एस., गनमा, डी., गिलहम, सी., गिंडे, एए, गोलन-ट्रिप्टो, आई., गुडॉल, ईसी, ग्रांट, सीसी, ग्रिफ़िथ्स, सीजे, हिब्स, एएम, जानसेंस, डब्ल्यू., खाडिलकर, ए.वी., लाक्सी, आई., ली, एमटी, लोएब, एम., मैगुइरे, जेएल, माजाक, पी., मानासेकी-हॉलैंड, एस., मैनसन, जेई, मौगर, डीटी, मर्डोक, डीआर, नकाशिमा, ए., नील, आरई, फाम, एच., रेक, सी., रीस, जेआर, रोसेंडाहल, जे., स्क्रैग, आर., शाह, डी., शिमिज़ु, वाई., सिम्पसन-याप, एस., त्रिलोक-कुमार, जी., उराशिमा, एम., और मार्टिनो, एआर (2025)। "तीव्र श्वसन संक्रमण को रोकने के लिए विटामिन डी पूरकता: स्तरीकृत समग्र डेटा की व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण"। *द लैंसेट डायबिटीज एंड एंडोक्रिनोलॉजी, 13*(4), 307-320।
- कपूर, आर., और लक्ष्मी, आर. (2024)। वैकल्पिक सिजेरियन सेक्शन के लिए प्रस्तुत पेटेंट फोरामेन ओवल के साथ एक पक्षपाती का सफल प्रबंधन: एक मामले की रिपोर्ट।
- करुणा, ए., मारूफ, केए, उपाध्याय, एम., और शाह, डी. (2025)। दक्षिण पश्चिम दिल्ली के नगरपालिका क्षेत्र में 6 महीने के सवैतनिक मातृत्व अवकाश के साथ कामकाजी महिलाओं के बीच स्तनपान और पूरक आहार की प्रथाएं। *इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन*।
- कश्यप, बी., सरकार, के., बनिक, डी., और हयांकी, पी. (2024)। कार्ट्रिज-आधारित न्यूक्लिक एसिड प्रवर्धन परीक्षण परख का उपयोग करके एक्स्ट्रापल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस के नैदानिक प्रदर्शन का मूल्यांकन: भारत में एक तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल सेटअप में एक पूर्वव्यापी क्रॉस-

अनुभागीय अध्ययन। *यूरोपीय मेडिकल जर्नल, 9*(4), 89-96। https://doi.org/10.33590/emj/KBFU2758

- कश्यप, बी., अहमद, एन., झांब, आर., और चौधरी, के. (2024)। COVID-19 रोगियों में विडाल परीक्षण व्याख्या: एक समर्पित COVID केंद्र से एक अध्ययन। *स्वास्थ्य के सामाजिक निर्धारक, 10*(1), 1-9। https://doi.org/10.22037/sdh.v10i1.41166
- कटारिया, पी., भसीन, एस.के., उपाध्याय, एम.के., और मधु, एस. (2024)। पूर्वी दिल्ली, भारत में मध्यम और उच्च आय वाले समूहों से संबंधित टाइप 2 मधुमेह रोगियों में स्वास्थ्य संबंधी जीवन की गुणवत्ता (एचआरक्यूओएल)। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड रिसर्च, 13*(3), 768-772।
- कौशल, ए., गोयल, एन., अरोड़ा, आर., जैन, ए.के., सिंह, एन.पी., और दास, एस. (2024)। "अनुक्रमिक नमूनाकरण द्वारा आर्थोपेडिक संक्रमण पैदा करने वाले बैक्टीरिया के रोगाणुरोधी संवेदनशीलता पैटर्न में परिवर्तन का आकलन: एक संभावित समूह अध्ययन"। *जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रॉमा, 55*, 102510। https://doi.org/10.1016/j.jcot.2024.102510
- खैरवा, ए., गौतम, पी., और गुप्ता, आर. (2024)। वीर्य विश्लेषण नमूनों के वीडियो और छवियों को कैप्चर करने के लिए स्मार्टफोन तकनीक की नैदानिक सटीकता: एक क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन। *यूरोलॉजी के अरब जर्नल*। https://doi.org/10.1016/j.ajur.2024.12.001
- खैरवा, ए., कोटरू, एम., दीवान, पी., और जैन, एस. (2024)। क्लिनिको-हेमेटोलॉजिकल प्रोफाइल और बचपन के तीव्र ल्यूकेमिया के इम्यूनोफेनोटाइपिक पैटर्न: रोगनिरोधी सहसंबंध के साथ। *ट्यूमर डिस्कवरी, 3*(2), 2545।
- खैरवा, ए., कोटरू, एम., दीवान, पी., और नारंग, एस. (2024)। "तीव्र ल्यूकेमिया और मायलोइड्सप्लास्टिक सिंड्रोम में क्रोमोसोमल अस्थिरता के आकृति विज्ञान मार्करों का रोगनिरोधी महत्व"। *घाना मेडिकल जर्नल, 58*(2), 148-155।
- खैरवा, ए., कोटरू, एम., और दीवान, पी. (2024)। "आधान से स्वतंत्र एचबी ई और बीटा थैलेसीमिया का एक यौगिक विषमयुग्मजी: एक दुर्लभ मामले की रिपोर्ट"। *ईरानी जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक हेमेटोलॉजी एंड ऑन्कोलॉजी, 14*(4), 315-319।
- खैरवा, ए., स्वाति, महाजन, पी., दिवाकर, पी., और मारूफ, केए (2025)। "पेरिस प्रणाली का एक तुलनात्मक अध्ययन और साइटो-ऊतक विज्ञान सहसंबंध के साथ मूत्र कोशिका विज्ञान के

लिए सामान्य रिपोर्टिंग प्रणाली: 829 मूत्र कोशिका विज्ञान नमूनों का एक अध्ययन। *डायग्नोस्टिक साइटोपैथोलॉजी, 53*(2), 51-57।

- खैरवा, ए., और तनवीर, एन. (2024)। मुंह के तल का घातक दानेदार सेल ट्यूमर (मूल रूप से गैर-तंत्रिका) - एक दुर्लभ मामले की रिपोर्ट और साहित्य की समीक्षा। *सेज ओपन मेडिकल केस रिपोर्ट, 12*, 2050313X241302255। https://doi.org/10.1177/2050313X241302255
- खैरवा, ए. (2025)। डिडिफरेंटेड एंडोमेट्रियोइड कैंसर गर्भाशय के कैंसर का एक दुर्लभ रूपात्मक रूप है। *इंडियन जर्नल ऑफ गायनेकोलॉजिकल ऑन्कोलॉजी, 23*, 8.
- खैरवा, ए. (2024)। न्यूरोएंडोक्राइन भेदभाव के साथ फेफड़े के एडेनोकार्सिनोमा (LANED) इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री द्वारा पता चला: एक मामले की रिपोर्ट। *बायोलॉजिको, 4*(1), 01-04।
- खैरवा, ए., गौतम, पी., और गुप्ता, आर. (2024)। वीर्य विश्लेषण नमूनों के वीडियो और छवियों को कैप्चर करने के लिए स्मार्टफोन तकनीक की नैदानिक सटीकता: एक क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन। *अरब जर्नल ऑफ यूरोलॉजी*, 1-7। https://doi.org/10.1016/j.ajur.2024.12.001
- खैरवा, ए., कोटरू, एम., और दीवान, पी. (2024)। "आधान से स्वतंत्र एचबी ई और बीटा थैलेसीमिया का एक यौगिक विषमयुग्मजी: एक दुर्लभ मामले की रिपोर्ट"। *ईरानी जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक हेमेटोलॉजी एंड ऑन्कोलॉजी, 14*(4), 315-319।
- खलील, एस. (2024)। बाल रोग विशेषज्ञ का दृष्टिकोण। *भारतीय बाल रोग, 61*(6), 574-575।
- खलील, एस. (2024)। आमवाती बुखार और आमवाती हृदय रोग: 50 साल का परिप्रेक्ष्य। *भारतीय बाल रोग, 61*(9), 890-893।
- खालिक, एफ., गंगवानी, एन., और सिंह, एस. (2024)। "डॉक्टर-रोगी संबंध सिखाने के लिए ट्रिगर फिल्मों का एक अर्ध-प्रयोगात्मक अध्ययन"। *इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल एथिक्स, IX*(4), 288-295।
- खालिक, एफ. (2024)। योग्यता-आधारित चिकित्सा शिक्षा में संरेखण और एकीकरण को लागू करना। *यूसीएमएस जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज, 2*(3), 144-147।
- खन्ना, एस., अल्हयान, पी., बत्रा, पी., और भास्कर, वी. (2024)। नवजात शिशुओं में प्रक्रियात्मक दर्द प्रबंधन: एक कथा समीक्षा। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिटिकल इलनेस एंड इंजरी साइंस, 14*(4), 221-228।

- कोरू, एम., और चटर्जी, टी. (2024)। चिकित्सा मानविकी: आत्मनिरीक्षण का समय। *यूसीएमएस जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज, 2*(4), 210-212।
- कुलकर्णी, एस., खत्री, ए., त्यागी, आर., कालरा, एन., रायज़ादा, एन., और खंडेलवाल, डी. (2024)। दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में 11-14 वर्ष के आयु वर्ग में टाइप 1 मधुमेह मेलिटस वाले बच्चों के बीच मौखिक स्वास्थ्य की स्थिति और मौखिक स्वास्थ्य से संबंधित जीवन की गुणवत्ता। *जर्नल ऑफ इंडियन सोसाइटी ऑफ पेडोडॉन्टिक्स एंड प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री, 42*, 176-183। https://doi.org/10.4103/jisppd.jisppd_139_24
- कुमार, ए.सी., नईम, एमएस, संध्या, बी.के., और सिंह, जे. (2024)। "शल्य चिकित्सा रोगियों में पोस्टऑपरेटिव बचाव एनाल्जेसिक आवश्यकताओं को कम करने में प्रीमेप्टिव और निवारक एनाल्जेसिया की प्रभावकारिता"। *जर्नल ऑफ पॉपुलेशन थेरेप्यूटिक्स एंड क्लिनिकल फार्माकोलॉजी*। https://doi.org/ 10.53555/jptcp.v31i3.4940
- कुमार, के., बोरदोलोई, टी., नारंग, एस., कोटरू, एम., और सिंह, ए. (2024)। प्रकार के साथ नए निदान रोगियों में ग्लाइसेमिक नियंत्रण पर विटामिन डी पूरकता का प्रभाव 2 मधुमेह मेलेटस: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण. *क्योरियस, 16*(9), ई70224। https://doi.org/10.7759/cureus.70224
- कुमार, एमआर, और शाह, डी. (2024)। शिशु आहार और पालन-पोषण की प्रथाएं: स्वस्थ बचपन की नींव। *भारतीय बाल रोग, 61*(10), 994-996।
- कुमार, आर., गुप्ता, आर., दीवान, पी., कश्यप, बी., और कोटरू, एम. (2024)। बाल चिकित्सा तपेदिक में उठाया गया संचार टी नियामक कोशिकाएं-जीवाणु दृढ़ता के लिए एक वातावरण? *इंडियन जर्नल ऑफ ट्यूबरकुलोसिस, 71*(1), 12-18। https://doi.org/10.1016/j.ijtb.2023.03.021
- कुमार, एस., तनवीर, एन., शर्मा, एस., और नाज़, एफ. (2025)। पेरिट्यूमरल CD117 प्रोस्टेटिक एडेनोकार्सिनोमा में इम्यूनोपोजिटिव मस्तूल सेल घनत्व और नए ग्लीसन स्कोर के साथ इसका सहसंबंध। *इंडियन जर्नल ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी*। https://doi.org/10.1007/s13193-024-02174-8 (प्रिंट से आगे Epub).
- कुमार, ए., हलदर, एस., श्रीवास्तव, एस., और गुप्ता, आर. (2024)। मानसिक विकारों के रोगियों पर लागत का बोझ खराब दवा पालन के साथ सहसंबद्ध है: COVID-19 महामारी के

दौरान उत्तर भारत के एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में एक क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन। इंटरनेशनल *जर्नल ऑफ करंट फार्मास्युटिकल रिसर्च, 16*(6), 96-98।

- कुमार, के., बोरदोलोई, टी., नारंग, एस., और एट अल (2024, 26 सितंबर)। प्रकार के साथ नए निदान रोगियों में ग्लाइसेमिक नियंत्रण पर विटामिन डी पूरकता का प्रभाव 2 मधुमेह मेलेटस: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण. *क्योरियस, 16*(9)। https://doi.org/10.7759/cureus.70224
- कुमार, के., सिंह, ए., रंगा, जी., कोटरू, एम., मारूफ, केए, और बोरदोलोई, टी. (2024)। "गैर-मधुमेह आबादी में HbA1c के माप पर लोहे की कमी से होने वाले एनीमिया का प्रभाव"। *एशियन हेमेटोलॉजी रिसर्च जर्नल, 7*(2), 75-82।
- कुमार, एन.पी., चंदन कुमार, बेटगेरी, एस.एस., और मुकुंद, ए. (2024)। स्यूडोएन्यूरिज्म गर्दन का ट्रांसएन्यूरिज्मल टांके: जटिल ऊरु स्यूडोएन्यूरिज्म के उपचार के लिए उपन्यास और छद्म तकनीक नहीं। *इंडियन जर्नल ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग, ईफिर्स्ट*। https://doi.org/10.1055/s-0044-1793810
- कुमारी, आर., सिंह, ए., बनर्जी, बी.डी., ग्रोवर, सी., और गुलेरिया, के. (2025)। "पॉलीसिस्टिक अंडाशय सिंड्रोम में क्रोनिक इंफ्लेमेटरी मार्करों सीरम फ्रैक्टल्किन और सीआरपी स्तरों पर मेटफॉर्मिन थेरेपी का प्रभाव: क्रोनिक इंफ्लेमेटरी मार्करों और नैदानिक परिणामों पर एक पायलट अध्ययन"। *द जर्नल ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी ऑफ इंडिया*। 13 फरवरी, 2025 को ऑनलाइन प्रकाशित।
- कुमारी, पी., परवीन, एन., गुप्ता, बी., राजाराम, एस., कर, आर., गोगोई, पी., जैन, एस., और मुदस्सिर, एम. (2024)। कैल्शियम-सक्रिय पोटेशियम चैनल (KCNMA1) पूर्व-इनवेसिव और इनवेसिव सर्वाइकल कैंसर के बायोमार्कर के रूप में। *इंडियन जर्नल ऑफ गायनेकोलॉजिकल ऑन्कोलॉजी, 22*. https://doi.org/10.1007/s40944-024-00822-z
- कुमारी, आर., सिंह, ए., बनर्जी, बी.डी., ग्रोवर, सी., और गुलेरिया, के. (2025)। "पॉलीसिस्टिक अंडाशय सिंड्रोम में क्रोनिक इंफ्लेमेटरी मार्करों सीरम फ्रैक्टल्किन और सीआरपी स्तरों पर मेटफॉर्मिन थेरेपी का प्रभाव: क्रोनिक इंफ्लेमेटरी मार्करों और नैदानिक परिणामों पर एक पायलट अध्ययन"। *द जर्नल ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी ऑफ इंडिया*।
- कुमारी, आर., सिंगला, ए., अग्रवाल, आर., और गर्ग, पी. (2024)। अंडाशय का एंजियोसारकोमा: एक केस रिपोर्ट और साहित्य की समीक्षा। *इंडियन जर्नल ऑफ गायनेकोलॉजिकल ऑन्कोलॉजी, 22*.

- कुमारी, एस., लोंगकुमेर, आई., शर्मा, एम., और त्रिपाठी, एस. (2025)। "माइक्रोबियल प्रतिरोध के विकास को रोकने के लिए महामारी केराटोकोनजंक्टिवाइटिस में एंटीबायोटिक दवाओं का साक्ष्य-आधारित उपयोग"। *जर्नल ऑफ़ फैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर, 14*(1), 412-418। https://doi.org/10.4103/ jfmpc. jfmpc_1123_24
- कुंदन, एस., शर्मा, ए., साहू, पी.के., दास, जी.के., सिंह, ए., और अमीर, पीए (2024)। "नेत्र आघात की महामारी विज्ञान"। *लैटिन अमेरिकन जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी, 7*(17), 1-5।
- लक्ष्मी, आर., आराधना, -, मेहंदीरत्ता, एम., शाह, डी., और गुप्ता, पी. (2024)। माइटोकॉन्ड्रियल डिसफंक्शन, ऑक्सीडेटिव तनाव, और पोषण संबंधी रिकेट्स वाले बच्चों में समय से पहले बूढ़ा होना। *भारतीय बाल रोग, 61*(8), 750-755।
- लालमुआनपुई, जी., बर्मन, केडी, दास, एस., और गौरव, वी. (2024)। *ट्राइकोफाइटन मेंटाग्रोफाइट्स* के कारण होने वाला केरियन सेल्सी: नैदानिक, ट्राइकोस्कोपिक और सूक्ष्म विशेषताएं। *कॉस्मोडर्मा, 4*, 70. https://doi.org/10.25259/CSDM_69_2024
- लोबो, ए., कॉलिन्स, के., कौशल, एस., अकोस्टा, एएम, अकगुल, एम., आध्या, ए.के., अल-अहमदी, एचए, अल-ओबैदी, केआई, अमीन, ए., अमीन, एमबी, एरॉन, एम., बाल्ज़र, बीएल, बिस्वाल, आर., मोहंती, एस., ब्राउनिंग, एल., चक्रवर्ती, आई., सिमा, एल., सिमाडामोर, ए., देसाई, एस., ढिल्लों, जे., और मोहंती, एसके (2024)। यूरोथेलियल कार्सिनोमा (यूसी) के पारंपरिक और उपप्रकार ऊतक विज्ञान के बीच आणविक विषमता की प्रगति, मान्यता और व्याख्या: मूत्र रोग विज्ञानियों के बीच एक सर्वेक्षण और साहित्य की व्यापक समीक्षा। *हिस्टोपैथोलॉजी, 85*(5), 748-759।
- लोबो, ए., झा, एस., कपूर, आर., दिवाकर, पी., अकगुल, एम., अरोड़ा, एस., प्रधान, एम., साहू, बी., निगम, एलके, और मोहंती, एसके (2024)। शुद्ध गोल कोशिका विशेषताओं के साथ गुर्दे का एकान्त रेशेदार ट्यूमर: साहित्य की समीक्षा के साथ एक केस रिपोर्ट। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सर्जिकल पैथोलॉजी, 32*(4), 851-855।
- भारत में मधुमेह के अध्ययन के लिए रिसर्च सोसाइटी के लिए मधु, एस.वी., राव, पी.वी., चंदलिया, एच.बी., जोथीदेव, के., और गुप्ता, ए.। (2024). योग और टाइप 2 मधुमेह की रोकथाम - मधुमेह की भारतीय रोकथाम अध्ययन (आईपीडीएस)। *डायबिटीज मेटाब सिंडर, 18*(7), 103088। https://doi.org/10.1016/j.dsx.2024.103088

- मधु, एस.वी., शुक्ला, पी., कौर, टी., और धालीवाल, आरएस (2024)। टाइप 1 मधुमेह मेलिटस में मृत्यु दर: आईसीएमआर से एक एकल-केंद्र अनुभव- भारत में युवा मधुमेह रजिस्ट्री। *डायबिटीज रेस क्लिन प्रैक्टिस, 217*, 111868। https://doi.org/10.1016/j.diabres.2024.111868
- माहेश्वरी, ए., गुप्ता, आर., वर्मा, एनएस, नरसिंगन, एसएन, सिंह, आरबी, साबू, एट अल (2024)। इंडियन सोसाइटी ऑफ हाइपरटेंशन, 2023 द्वारा उच्च रक्तचाप पर स्थिति वक्तव्य। जर्नल *ऑफ ह्यूमन हाइपरटेंशन, 38*, 736-744।
- मल्होत्रा, डी., चौधरी, ए., जैन, एस., और टंडन, ए. (2024)। भ्रूण में हाइड्रोसिफ़लस: स्क्रीनिंग, पहचान, निदान और प्रबंधन। जे *पेड्स ऑब्स्टेट गाइनेकोल, 15*(1), 5-10।
- मंगला, पी., और रायज़ादा, एन. (2025)। चिकित्सा और नर्सिंग छात्रों के लिए मधुमेह जागरूकता और ज्ञान परीक्षण का सत्यापन। *साउथ ईस्टर्न यूरोपियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, 26*(S1), 5774-5784।
- मंगला, पी., रायज़ादा, एन., कौर, एच., और मधु, एसवी (2025)। मधुमेह जागरूकता: दिल्ली में मेडिकल और नर्सिंग छात्रों के बीच महत्वपूर्ण ज्ञान अंतर। *साउथ ईस्टर्न यूरोपियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, 27*, 993-1004।
- मारवाहा, एस., अग्रवाल, आर., त्रिपाठी, एम., और त्रिपाठी, एस. (2025)। विटामिन पहेली को अनलॉक करना: व्यवस्थित समीक्षा और नेटवर्क मेटा-विश्लेषण के माध्यम से अल्जाइमर रोग बनाम स्वस्थ नियंत्रण वाले लोगों में स्तरों की जांच करना। जर्नल *ऑफ ह्यूमन न्यूट्रिशन एंड डायटेटिक्स, 38*, e70007। https://doi.org/10.1111/jhn.70007
- मासिनेनी, आर., रायज़ादा, ए., गोयल, ए., शर्मा, आर., और दीवान, पी. (2025)। भारत में एचआईवी के साथ रहने वाले किशोरों के बीच स्वास्थ्य से संबंधित जीवन की गुणवत्ता का संघ। *इंडियन जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च, 15*(2), 10-13।
- मैथे, पी., सामंत, पी., और अग्रवाल, आर. (2024)। "द्विपक्षीय मल्टीपल मेच्योर सिस्टिक टेराटोमा: एक असामान्य केस रिपोर्ट"। *जर्नल ऑफ ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी कनाडा, 102712।*
- माथुर, एस.बी., और खान, एएम (2025)। "नटक्रैकर सिंड्रोम में स्वायत्त शिथिलता का आकलन करने में अध्ययन डिजाइन के बारे में चिंताएं"। *भारतीय बाल रोग, 62*(1), 81.

- मीना, एम., नारंग, एम., मीना, आर., और अग्रवाल, ए. (2024)। कब्ज वाले बच्चों में सीलिएक रोग की व्यापकता और भविष्यवक्ता। *भारतीय बाल रोग, 61*(4), 331-336।
- मीना, एमसी, सेलामुथु, एच., कुमार, एम., बंसल, एमके, और वर्मा, एसके (2025)। संचारी रोगों के संबंध में हिरासत में मौतें: उत्तर पूर्वी दिल्ली में 5 साल का पूर्वव्यापी विश्लेषण। जर्नल *ऑफ फोरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी, 41*(2), 37-40।
- मेहंदीरत्ता, एम., सुनेजा, ए., अल्मेडा, ईए, गर्ग, एस., कर, आर., गुप्ता, बी., एट अल (2024)। "इडियोपैथिक अपरिपक्व समय से पहले झिल्लियों का टूटना, सहज समय से पहले जन्म और टर्म बर्थ वाले रोगियों के मातृ रक्त में विटामिन ए, ई और सी का स्तर। *एनल्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (इंडिया), 60*, 213-217।
- मेहता, ए., और कालरा, एस. (2024)। फोरामेन मैग्नम: शुष्क वयस्क मानव खोपड़ी में मॉर्फोमेट्रिक विश्लेषण। *नेशनल जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनाटॉमी, 13*(3), 143-148।
- मिगलानी, एस., और भूटियानी, एन. (2025)। एंडोडोंटिक्स और ऑर्थोडॉन्टिक्स में सामंजस्य स्थापित करना: सामान्य जटिलताओं को रोकना और प्रबंधित करना। पी. आर. जैन (सं.), *एंडोडोंटिक्स में आम जटिलताएं* (पीपी. 1-15). स्प्रिंगर। https://doi.org/10.1007/978-3-031-83394-6_11
- मिंज, ईई, सल्होत्रा, आर., त्यागी, ए., अग्रवाल, ए.एन., मेहंदीरत्ता, एम., मधु, एस.वी., टोप्पो, वीजी, और अल्मेडा, ईए (2024)। हिप फ्रैक्चर निर्धारण के दौर से गुजर रहे भारतीय रोगियों में पेरीऑपरेटिव हाइपरग्लेसेमिया पर प्रीऑपरेटिव मौखिक कार्बोहाइड्रेट सेवन का प्रभाव। *टर्किश जर्नल ऑफ़ एनेस्थिसियोलॉजी एंड रीएनिमेशन, 52*(2), 68-75। https://doi.org/10.4274/TJAR.2024.231506
- मिश्रा, एचपी, और गुप्ता, आर. (2024)। दवा सुरक्षा और फार्माकोविजिलेंस के लिए जनरेटिव एआई का लाभ उठाना। *क्लिनिकल एंड एक्सपेरिमेंटल फार्माकोलॉजी में वर्तमान समीक्षाएं, 20*(2), 89-97।
- मिश्रा, एचपी, और गुप्ता, आर. (2024)। ब्लॉकचेन: दवाओं के लिए एक आदर्श सुरक्षा जांच। *जर्नल ऑफ फार्माकोविजिलेंस एंड ड्रग रिसर्च, 5*(2), 1-7।
- मोचन, एस., चौधरी, आर., और खान, एमए (2024)। स्कैपुला हड्डी में सुप्रास्कैपुलर पायदान की शारीरिक भिन्नता। *अफ्रीकन जर्नल ऑफ बायोमेडिकल रिसर्च, 27*(3एस), 6897-6902।

- मोचन, एस., पाल, सी.के., चौधरी, आर., स्वरूप, वी., मल्होत्रा, एल., और खान, एमए (2024)। प्रीक्लेम्पटिक माताओं में ऊंचा सीरम sFlt-1 प्लेसेंटा में GRP78 को सक्रिय करता है। *अफ्रीकन जर्नल ऑफ बायोमेडिकल रिसर्च, 27*(4s), 13117-13123।
- मोहन, एम., और बत्रा, पी. (2025)। डेंगू में एल्ब्यूमिन की पहेली को सुलझाना। *भारतीय बाल रोग, 62*(2), 96-97।
- मोहता, एम., अग्रवाल, ए., चिलकोटी, जीटी, मल्होत्रा, आरके, अग्रवाल, आर., और अग्रवाल, डी. (2025)। "स्पाइनल एनेस्थीसिया के तहत वैकल्पिक सिजेरियन डिलीवरी के दौरान रोगनिरोधी फेनिलफ्राइन बोलस बनाम परिवर्तनीय दर जलसेक: एक यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड अध्ययन"। *एनेस्थीसिया और एनाल्जेसिया*। https://doi.org/10.1213/ANE.0000000000007511
- मोहता, एम., कुमारी, एन., चिलकोटी, जीटी, अग्रवाल, डी., मल्होत्रा, आर.के., और अग्रवाल, आर. (2024)। "वैकल्पिक सिजेरियन डिलीवरी के दौरान पोस्ट-स्पाइनल हाइपोटेंशन की रोकथाम के लिए मेफेंटरमाइन और नॉरपेनेफ्रिन जलसेक की तुलना: एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड परीक्षण"। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑब्स्टेट्रिक एनेस्थीसिया, 61*, 104285 https://doi.org/10.1016/j.ijoa.2024.104285
- मुखुटी, के., हरित, डी., गोम्बर, एस., और राठी, वी. (2024)। एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी पर एचआईवी वाले बच्चों में कैरोटिड इंटिमा-मीडिया मोटाई और चयापचय संबंधी जटिलताएं: एक क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन। *इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स, 91*(9), 887-892।
- मुकिम, वाई., सोनिया, के., जैन, सी., बिरहमान, एन., और कौर, आईआर (2024)। एक भारतीय तृतीयक देखभाल अस्पताल के रोगियों के बीच एमआरएसए की व्यापकता और रोगाणुरोधी संवेदनशीलता पैटर्न: एक आंख खोलने वाला। जर्नल *ऑफ़ प्योर एंड एप्लाइड माइक्रोबायोलॉजी, 18*(3), 1700-1707। https://doi.org/10.22207/jpam.18.3.19
- नईम, एमएस, पुनीत, एसटी, और यादव, आई. (2024)। प्रतिगामी प्रकाश-निर्देशित लैरींगोस्कोपिक इंटुबैषेण का मूल्यांकन और आपातकालीन ओटी में पारंपरिक प्रत्यक्ष लैरींगोस्कोपिक इंटुबैषेण के साथ इसकी तुलना। *यूरोपियन जर्नल ऑफ कार्डियोवास्कुलर मेडिसिन, 14*, 948-956।
- नागेंद्र, एल., दत्ता, डी., रायज़ादा, एन., सुराना, वी., सेलवन, सी., और भट्टाचार्य, एस. (2024)। "कुशिंग सिंड्रोम के प्रबंधन में ओसिलोड्रोस्टैट की प्रभावकारिता और सुरक्षा: एक व्यवस्थित

समीक्षा और मेटा-विश्लेषण"। *इंडियन जर्नल ऑफ एंडोक्रिनोलॉजी एंड मेटाबॉलिज्म, 28*(3), 232-238। https://doi.org/ 10.4103/ ijem.ijem_260_23

- नागरल, एस., दुग्गल, आर., सिंह, एस., और शेख, ए. (2024)। भारत की नई सरकार के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली प्राथमिकता होनी चाहिए। *बीएमजे*, 386, क्यू1479।
- नजीब, ए., गौरव, वी., दुदानी, पी., दास, एस., और गुप्ता, एस. (2025)। APECED सिंड्रोम के साथ जुड़वां भाइयों में अड़ियल व्यापक डर्मेटोफाइटोसिस. *बाल चिकित्सा त्वचाविज्ञान, 42*(1), 145-149। https://doi.org/10.1111/pde.15736
- नंदा, ए., घोष, एम., भारद्वाज, एस., वर्मा, एम., और कौर, एच. (2024)। पूर्ण डेन्चर की गुणवत्ता और जीवन की गुणवत्ता पर बायोइलेक्ट्रिक और मैनुअल इंप्रेशन का प्रभाव: एक क्रॉस-ओवर पायलट अध्ययन। जर्नल *ऑफ मौखिक बायोलॉजी एंड क्रैनियोफेशियल रिसर्च, 14*(4), 441-445।
- नस्कर, एस., तनवीर, एन., शर्मा, एस., और कौर, एन. (2024)। p16 की साइटोप्लाज्मिक अभिव्यक्ति कार्सिनोमा स्तन से जुड़ी है: यह एक कलाकृति नहीं है। *ईरानी जर्नल ऑफ पैथोलॉजी, 19*(2), 160-169।
- नाज़, एफ., तनवीर, एन., वर्मा, एच., अरवा, एस., कक्कड़, ए., पांडे, एस., गोयल, एच., रंजन, ए., चोपड़ा, ए., और तंवर, पी. (2024)। मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में p16 इम्यूनोपॉजिटिविटी और p16/HPV डीएनए सह-सकारात्मकता की हिस्टोमोर्फोलॉजी आधारित भविष्यवाणी। *एनल्स ऑफ डायग्नोस्टिक पैथोलॉजी, 73*, 152389. https://doi.org/10.1016/j.anndiagpath.2024.152389
- नेड, एल., वेलार्डे, एमआर, सिंह, एस., स्वार्ट्ज, एल., और सोल्डाटिक, के. (2024)। *विकलांगता और वैश्विक स्वास्थ्य की रूटलेज इंटरनेशनल हैंडबुक*। टेलर और फ्रांसिस।
- निर्मल, के., सरकार, के., चौधरी, डी., और दास, एस. (2024)। दिल्ली में एक तृतीयक देखभाल शिक्षण अस्पताल की गहन देखभाल इकाइयों में पृथक किए गए ESKAPE रक्त संस्कृति रोगजनकों की घटना: एक वर्णनात्मक क्रॉस-अनुभागीय विश्लेषण। *हॉस्पिटल प्रैक्टिस रिसर्च, 8*(3), 284-289।
- ओझा, वी., जगिया, पी., गंगा, के.पी., सेठ, एस., नाकरा, टी., अरवा, एस., कुमार, एस., और रे, आर. (2024)। तीव्र कार्डियक एलोग्राफ़्ट अस्वीकृति का पता लगाने के लिए हृदय प्रत्यारोपण

प्राप्तकर्ताओं में एक गैर-विपरीत रैपिड कार्डियक चुंबकीय अनुनाद प्रोटोकॉल की व्यवहार्यता: एक विकासशील देश से प्रारंभिक अनुभव। *जर्नल ऑफ कार्डियोवास्कुलर मैग्नेटिक रेजोनेंस , 26*.

- पद्मनाथन, जे., मीणा, एम.सी., सूफा, ए., और जुथिका, के. (2024)। सेलफोस विषाक्तता में एक कलाकृति: एक मामले की रिपोर्ट। *एशिया पैसिफिक जर्नल ऑफ मेडिकल टॉक्सिकोलॉजी, 9*, 41।
- पाल, वी., सिंगल, ए., और दिवाकर, पी. (2024)। ओवरलैप सिंड्रोम: एक बच्चे में प्रणालीगत ल्यूपस एरिथेमेटोसस और ल्यूपस हेपेटाइटिस के साथ किशोर डर्माटोमायोसिटिस: एक असामान्य प्रजेशन। *कॉस्मोडर्मा, 4*, 118.
- पाल, सीके, कुमार, आरबी, गोयल, एस. (2025)। "पेट के आघात में यकृत और प्लीहा की चोटें: निदान और प्रबंधन चुनौतियाँ"। *जर्नल ऑफ कार्डियोवास्कुलर डिजीज*। https://doi.org/10.48047/ jcdr. 2025.16.01.46
- पाल, चंदन कुमार और सुमित कुमार। (2025). रेडियोलॉजिकल छवि व्याख्याओं और रिपोर्टिंग में सामान्य स्रोतों और त्रुटियों के प्रकारों की जांच करना। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एंड क्लिनिकल रिसर्च*। https://doi.org/10.5281/zenodo।
- पाल, पी., पसरिका, एन., सूद, आर., बलूनी, पी., और सिंह, ए. (2024)। "शराबी यकृत रोग वाले रोगियों में गोनाडल कार्यों की खोज: रोग की गंभीरता के साथ एक सहसंबंधी विश्लेषण"। *क्योरियस, 16*(11), ई73178।
- पांधी, डी., गुप्ता, पी., सिंगल, ए., गांधी, वी., ग्रोवर, सी., और कुमार, आर. (2025)। बाल चिकित्सा बनाम वयस्क कुष्ठ रोग में अंतर्दृष्टि: भारत से एक तुलनात्मक, विश्लेषणात्मक अध्ययन। *इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, 70*(2), 75-81।
- परवीन, एन., और गुप्ता, बी. (2024)। कोल्पोस्कोपी स्कोरिंग सिस्टम। *जर्नल ऑफ कोल्पोस्कोपी और लोअर जेनिटल ट्रैक्ट पैथोलॉजी, 2*(2), 51-59।
- परवीन, एन., और जैन, एस. (2024)। प्रसूति में हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन: नए दृष्टिकोण। *नैदानिक प्रसूति और स्त्री-रोग, 25*(1-2), 53।
- पटेल, ए., सुनेजा, ए., गुप्ता, बी., और शर्मा, एस. (2024)। गर्भाशय ग्रीवा के प्रीमैलिग्नेंट और घातक घावों का पता लगाने के लिए फ्लोरेसिन सोडियम के साथ क्रोमो कोल्पोस्कोपी: एक क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन। *स्त्री-रोग और प्रसूति विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 165*(1), 169-175।

- पटनायक, एल., मंगला, पी., रायज़ादा, एन., और मधु, एसवी (2025)। जबड़े के ट्यूमर की पहेली। *इंडियन जर्नल ऑफ एंडोक्रिनोलॉजी एंड मेटाबॉलिज्म, 29*(1), 125-126। https://doi.org/10.4103/ ijem.ijem_342_24
- पात्रा, एस., दत्ता, डी., नागेंद्र, एल., और रायज़ादा, एन. (2024)। कुशिंग सिंड्रोम के प्रबंधन में लेवोकेटोकोनाज़ोल की प्रभावकारिता और सुरक्षा: एक व्यवस्थित समीक्षा। *इंडियन जर्नल ऑफ एंडोक्रिनोलॉजी एंड मेटाबॉलिज्म, 28*(4), 343-349। https://doi.org/10.4103/ijem.ijem_477_23
- फिलिप, एस., नागेश, एस., और सिंह, एस. (2024)। पहुंच दरवाजे पर दस्तक: स्वास्थ्य व्यवसायों में विकलांग शिक्षार्थी। द *रूटलेज इंटरनेशनल हैंडबुक ऑफ डिसएबिलिटी एंड ग्लोबल हेल्थ* (पीपी 431-445) में। रूटलेज।
- पिपिल, के., त्यागी, ए., त्यागी, एस., निगम, सी., और दास, एस. (2024)। गंभीर रूप से बीमार प्रसूति रोगियों में तीव्र गुर्दे की चोट: न्यूट्रोफिल जिलेटिनेज से जुड़े लिपोकैल्सिन की घटना और भूमिका - एक संभावित अवलोकन समूह अध्ययन। *इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी, 68(*8), 680-685। https://doi.org/10.4103/ija.ija_1029_23
- प्रभाकर, पी., फरीदी, एमएमए, अग्रवाल, ए., अग्रवाल, आर., मधु, एसवी, और मल्होत्रा, आर. (2024)। 6 महीने की उम्र में विशेष रूप से स्तनपान करने वाले शिशुओं में सीरम 25 (ओएच) डी एकाग्रता पर प्रसवपूर्व मौखिक विटामिन डी पूरकता का प्रभाव: एक यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड प्लेसबो-नियंत्रित परीक्षण। *भारतीय बाल रोग, 61*(6), 533-539।
- प्रिया, बी., वर्मा, यू., राजाराम, एस., एट अल (2025)। "स्त्री-रोग संबंधी सर्जरी में सर्जिकल साइट संक्रमण रोकथाम बंडल का कार्यान्वयन: एक गुणवत्ता नियंत्रण पहल"। *इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ रिसर्च एंड डेवलपमेंट, 16*(1), 94-102।
- राधिका, एजी, और कीपनासेरिल, ए. (2024)। स्त्री-रोग और प्रसूति में साक्ष्य-आधारित अभ्यास की संस्कृति विकसित करना। *क्लिनिकल एपिडेमियोलॉजी एंड ग्लोबल हेल्थ, 26*, 101509।
- राधिका, एजी, गुप्ता, आर., कश्यप, पी., और बख्शी, आर. (2024)। गलत पीपीआईयूसीडी और पीपीआईयूसीडी हटाने के परिणामस्वरूप कारकों का उपयोगकर्ता परिप्रेक्ष्य: गुणात्मक पायलट अध्ययन। *ओपन जर्नल ऑफ एपिडेमियोलॉजी, 14*(3), 517-532।
- राधिका, ए.जी., गुप्ता, आर., सुनेजा, ए., दोराईराजन, जी., अग्रवाल, पी., अशोक, वी., सूरी, वी., सिंगला, आर., नंदा, एस., चौहान, एम., रानी, वी., अरोड़ा, एन., चौधरी, आर., गुप्ता, ए.,

मल्होत्रा, आर.के., और सिंह, एस. (2024)। छह मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में PPIUCD उपयोगकर्ताओं के बीच दीर्घकालिक नैदानिक परिणामों का मूल्यांकन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिप्रोडक्शन, गर्भनिरोधक, प्रसूति और स्त्री-रोग, 13*(11), 3255-3267।

- राधिका, एजी, सुनेजा, ए., गुप्ता, आर., दोराईराजन, जी., अग्रवाल, पी., और अशोक, एस. (2025)। भारत में छह मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में सेंटक्रोमैन उपयोगकर्ताओं के बीच नैदानिक परिणाम। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ गायनोकोलॉजी एंड ऑब्स्टेट्रिक्स*।
- रघुराम, एच., डिसूजा, एस., घाटोले, बी., सिंह, एस., एट अल (2024)। टीकाकरण में "लिंग-मुख्यधारा" में ट्रांसजेंडर और लिंग विविध लोगों को शामिल किया जाना चाहिए। *वैश्विक महिला स्वास्थ्य में सीमाएं, 5*.
- रघुराम, एच., पारख, एस., सिंह, एस., एट अल (2024)। भारत में नियमित स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचने में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के अनुभव: एक सहभागी गुणात्मक अध्ययन के निष्कर्ष। *पीएलओएस ग्लोबल पब्लिक हेल्थ, 4*(2), ई0002933।
- राय, एस., और त्रिपाठी, एस. (2024)। प्रमुख कोविड-19 टीकों की तुलनात्मक प्रभावकारिता: एक नेटवर्क मेटा-विश्लेषण। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, 161(1), 9-20।रायज़ादा, एन., और मधु, एसवी (2024)। जन्मजात अधिवृक्क हाइपरप्लासिया देखभाल में सफलता - क्षितिज पर आशा। *इंडियन जर्नल ऑफ एंडोक्रिनोलॉजी एंड मेटाबॉलिज्म, 28*(4), 333-335। https://doi.org/10.4103/ ijem. ijem_333_24
- रायज़ादा, एन., और मधु, एसवी (2024)। क्या बाजरा मधुमेह को कम कर सकता है? *इंडियन जर्नल ऑफ एंडोक्रिनोलॉजी एंड मेटाबॉलिज्म, 28*(6), 551-553। https://doi.org/10.4103/ijem. ijem_514_24
- रायज़ादा, एन., और मधु, एसवी (2024)। छाया में दुबका हुआ। *इंडियन जर्नल ऑफ एंडोक्रिनोलॉजी एंड मेटाबॉलिज्म, 28*(3), 229-231। https://doi.org/10.4103/IJEM.IJEM_239_24
- राजगोपाल, जे., दास, जी. के., शर्मा, एस., और साहू, पी. के. (2024)। प्रीऑपरेटिव टॉपिकल माइटोमाइसिन सी और 5-फ्लूरोयूरेसिल आईड्रॉप्स के बाद पेटीगियम की पुनरावृत्ति। जर्नल फ्रांसेज़ डी'ऑप्थाल्मोलोजी, 47(9), 104272।

- राजाराम, एस., गुप्ता, बी., सिंघानिया, एम., एट अल (2024)। बायोमार्कर, एंथ्रोपोमेट्रिक और मेटाबोलिक पैरामीटर एंडोमेट्रियल कैंसर के भविष्यवक्ताओं के रूप में। *इंडियन जर्नल ऑफ गायनेकोलॉजिकल ऑन्कोलॉजी।*
- राजाराम, एस., गुप्ता, बी., सिंघानिया, एम., हेडा, ए., मधु, एस.वी., जग्गी, वी.के., और टंडन, ए. (2024)। बायोमार्कर, एंथ्रोपोमेट्रिक और मेटाबोलिक पैरामीटर एंडोमेट्रियल कैंसर के भविष्यवक्ताओं के रूप में। *इंडियन जर्नल ऑफ गायनेकोलॉजिकल ऑन्कोलॉजी, 23*(1), 10. https://doi.org/10.1007/s40944-024-00939-1
- राजाराम, एस., वर्मा, ए., गुप्ता, बी., कर, आर., अरोड़ा, वीके, जैन, एस., सिंह, एल. (2025)। उपकला डिम्बग्रंथि के कैंसर के निदान के लिए तरल बायोप्सी: सेल मुक्त डीएनए और p53 उत्परिवर्तन विश्लेषण का परिमाणीकरण। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ गायनेकोलॉजिकल कैंसर, 35*(1), 100022।
- रजनीश, आर.के., कुमार, पी., श्रीवास्तव, ए., यादव, एस.के., कांतिवाल, पी., राठौर, के., और एहलेंस, ए. (2024)। समचतुर्भुज बनाम उल्टे त्रिकोण विन्यास में ऊरु गर्दन फ्रैक्चर निर्धारण: एक व्यवस्थित समीक्षा। जर्नल *ऑफ क्लिनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रॉमा, 53.*
- राजपूत, जे., जैन, एम., सिंह, के., सिंह, ए., सरोही, एम., और त्यागी, वी. (2024)। "प्लीहा का स्क्लेरोज़िंग एंजियोमैटॉइड गांठदार परिवर्तन: एक दुर्लभ मामले की रिपोर्ट"। *इंडियन जर्नल ऑफ पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी, 67*(3), 691-694।
- रंगा, जीएस, सिंह, एस., टंडन, ए., और गोयल, ए. (2024)। तृतीयक देखभाल अस्पताल में भर्ती SARS-CoV-65 रोगियों के डेल्टा संस्करण में तीव्र शारीरिक और दीर्घकालिक स्वास्थ्य मूल्यांकन (APACHE-II), अनुक्रमिक अंग विफलता आकलन (SOFA), और CURB-2 स्कोर की तुलना। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंटेम्परेरी मेडिसिन एंड रिसर्च, 44*(1), 2.
- रानी, एस., और भाटिया, एमएस (2024)। प्रीगैबलिन निर्भरता: एक बढ़ती चिंता। *औद्योगिक मनोचिकित्सा जर्नल, 10*, 4103।
- राठी, वी., रावत, आर., कुमार, एस., श्रीवास्तव, ए., और टंडन, ए. (2025)। फेफड़े का अल्ट्रासाउंड-बच्चों में फुफ्फुसीय तपेदिक के निदान के लिए एक पूरक उपकरण। जर्नल *ऑफ क्लिनिकल अल्ट्रासाउंड*। https://doi.org/10.1002/jcu.23932

- राठौड़, ओ., सिंह, एस., धवन, पी., और बजाज, आर. (2025)। समावेशन के लिए मूल्यांकन: भारत में विकलांगता मूल्यांकन बोर्डों में समानता और न्याय को बढ़ावा देना। *इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल एथिक्स*।
- राठौर, ए., कालरा, एन., त्यागी, आर., खत्री, ए., श्रीवास्तव, एस., और खंडेलवाल, डी. (2024)। बच्चों में दंत निष्कर्षण के दौरान दर्द प्रबंधन के लिए एक सहायक के रूप में नेत्र आंदोलन डिसेन्सिटाइजेशन और पुनर्प्रसंस्करण चिकित्सा: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण। *जर्नल ऑफ डेंटल एनेस्थीसिया एंड पेन मेडिसिन, 24*(5), 329-340। https://doi.org/10.17245/jdapm.2024.24.5.329
- राठौर, ए., खत्री, ए., त्यागी, आर., कालरा, एन., और खंडेलवाल, डी. (2024)। विषाक्त एपिडर्मल नेक्रोलिसिस (लिएल सिंड्रोम) के साथ एक बाल रोगी में दंत चुनौतियों को नेविगेट करना: नैदानिक मामले की अंतर्दृष्टि और साहित्य की समीक्षा। *जर्नल ऑफ एडवांस्ड मेडिकल एंड डेंटल साइंसेज रिसर्च, 12*(9), 18-23। https://www.jamdsr.com/uploadfiles/3vol12issue9pp18-2320240904103827. pdf
- रौतेला, आरएस, गुप्ता, वी., सिंघल, आर., राल्होत्रा, एस., त्यागी, ए., और मैथ्यू, एनए (2024)। "सबराचोनोइड ब्लॉक के तहत निचले पेट की सर्जरी में डेक्सामेथासोन के साथ या उसके बिना लेवोबुपिवाकेन की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता की तुलना: एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण"। *जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च, 18*(9), UC06-UC10। https://doi.org/10.7860/ JCDR/2024/71233/19864
- रावत, एस., कुमार, पी., और वाधवा, एल. (2025)। वैश्विक प्रसूति और स्त्री-रोग पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्डों में लिंग विविधता। *एबीआर, 17*, 43-57।
- रायचौधरी, एस., सिदाम, डी., वाधवा, आर., सिंह, के., पुजानी, एम., और चंडोके, आरके (2024)। डायग्नोस्टिक सटीकता और एक भारतीय परिदृश्य में थायराइड साइटोपैथोलॉजी (टीबीएसआरटीसी), 2017 की रिपोर्टिंग के लिए बेथेस्डा सिस्टम की उपयोगिता: एक तृतीयक देखभाल मूल्यांकन। *अल अमीन जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज, 17*(1), 39-49।
- रिजवी, एम., मल्होत्रा, एस., अग्रवाल, जे., सिद्दीकी, एएच, देवी, एस., पुजारी, ए., गोयल, एन., एट अल (2024)। भारत में समुदाय-अधिग्रहित यूरोपैथोजेनिक *एस्चेरिचिया कोलाई की रोगाणुरोधी संवेदनशीलता में क्षेत्रीय* विविधताएं: स्थानीय एंटीबायोग्राम के महत्व पर प्रकाश डालने वाले एक बहुकेंद्रित अध्ययन के निष्कर्ष। *आईजेआईडी क्षेत्र, 11*, 100370।

- रूपेश्वर, चौधरी, एस., कुमार, ए., और वर्मा, एसके (2024)। अनदेखी की जांच: असामान्य चोट के साथ असामान्य स्थान पर दुर्लभ हत्या। *इंडियन इंटरनेट जर्नल ऑफ फोरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी, 22*(2), 2-4।
- साहू, पी.के., गौतम, पी., दास, जी.के., गोगोई, पी., बेरी, एन., और भाटिया, आर. (2024)। रेटिना शिरापरक रोड़ा के लिए एक जोखिम कारक के रूप में विटामिन डी की कमी की उभरती भूमिका और इसकी रोकथाम के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों की आवश्यकता। *जर्नल ऑफ फैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर, 13*(8), 3298-3303।
- सैनी, ए., रोहतगी, जे., प्रसाद, आर., और टंडन, ए. (2025). ट्यूबरकुलर ऑस्टियोमाइलाइटिस जो एक्यूट डैक्रियोएडेनाइटिस के रूप में प्रकट होता है। बीएमजे केस रिपोर्ट्स सीपी, 18(4), e264740.
- सल्होत्रा, आर., बोस, ए., श्रीवास्तव, एस., मोहता, एम., पंडारीनाथन, के., और रौतेला, आरएस (2024)। प्रलाप के निदान के लिए गहन देखभाल इकाई (सीएएमआईसीयू) के लिए भ्रम मूल्यांकन विधि के हिंदी संस्करण की विश्वसनीयता और वैधता: एक समूह अध्ययन। *इंडियन जर्नल ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन, 28*(10), 958-962।
- सल्होत्रा, आर., शरहुदीन, ए., त्यागी, ए., रौतेला, आरएस, और केमप्राई, आर. (2024)। सेप्टिक शॉक में हाइड्रोकार्टिसोन की निरंतर जलसेक बनाम बोलस खुराक का प्रभाव: एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन। *इंडियन जर्नल ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन, 28*(9), 837-841।
- सल्होत्रा, आर., ठक्कर, के., रौतेला, आर.एस., चौहान, जे., और अजीब, एस. (2024)। रोगी के सामने और सिर-छोर से LMA ProSeal की सम्मिलन विशेषताओं की तुलना: एक यादृच्छिक पायलट अध्ययन। जर्नल *ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी एंड क्लिनिकल फार्माकोलॉजी, 40*, 95-100।
- सलूजा, आई., श्रीवास्तव, एस., रायज़ादा, ए., और नाथ, एस. (2025)। "ऑटोइम्यून हेपेटाइटिस-प्राथमिक पित्तवाहिनीशोथ ओवरलैप सिंड्रोम की नैदानिक दुविधा"। *इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल स्पेशलिटीज*, एडवांस ऑनलाइन प्रकाशन।
- सलूजा, एस., और टिग्गा, एसआर (2024)। शरीर रचना विज्ञान शिक्षा में ChatGPT की क्षमताएं और सीमाएँ: ChatGPT के साथ एक बातचीत। *क्योरियस, 16*(9), ई69000।
- संगमा, आरवीएन, और रसानिया, एसके (2025)। 5 साल से कम उम्र के बच्चों में दस्त की व्यापकता और दिल्ली, भारत की एक पुनर्वास कॉलोनी में माताओं का स्वास्थ्य-मांग व्यवहार:

एक समुदाय-आधारित क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। *इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन.* https://doi.org/10.4103/ijcm.ijcm_90_24

- शंकरन, एस.एस., दीवान, पी., मल्होत्रा, आर.के., हरित, डी., कश्यप, बी., यादव, एम., और खालसा, एमएस (2025)। "तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया वाले बच्चों में मेथोट्रेक्सेट-प्रेरित म्यूकोसाइटिस को रोकने के लिए ग्लूटामाइन माउथवॉश: एक यादृच्छिक क्रॉस-ओवर परीक्षण"। *भारतीय बाल रोग।* https://doi.org/10.1007/s13312-025-00042-4
- सान्याल, के., कुमार, के.जे., कोटरू, एम., अग्रवाल, एम., और दीवान, पी. (2024)। जन्मजात डिसेरिथ्रोपोएटिक एनीमिया जो वंशानुगत स्फेरोसाइटोसिस के रूप में प्रकट होता है। पीडियाट्रिक हेमेटोलॉजी ऑन्कोलॉजी जर्नल, 9(3), 173-175।
- सरकार, ए., भास्करन, एस., सुनेजा, ए., सिंगल, ए., और शर्मा, एस. (2024)। "तीन रिंग वल्वोस्कोपी (TRIV) का उपयोग करके वल्वोस्कोपी इंडेक्स और N-S-P योजना द्वारा वुल्वर विकारों का मूल्यांकन। *जर्नल ऑफ ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी ऑफ इंडिया, 74*(6), 505-512।
- सरकार, के., कश्यप, बी., झांब, आर., मधु, एस.वी., अवस्थी, आर., और ह्यांकी, पी. (2024)। "फुफ्फुसीय तपेदिक में सूक्ष्मजीवविज्ञानी मापदंडों के साथ सीरम एडेनोसिन डेमिनेज स्तर का सहसंबंध"। *इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्री, 39*(3), 380-386। https://doi.org/10.1007/s12291-023-01116-5
- सरकार, के., निर्मल, के., याज, एच., चौधरी, डी., और दास, एस. (2024)। *बर्कहोल्डरिया सेपेसिया* जटिल रक्तप्रवाह संक्रमण का एक दुर्लभ मामला राममुसेन एन्सेफलाइटिस और सुपर दुर्दम्य स्थिति मिर्गी. *एसवीयू-इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज, 7*(2), 197-201। https://doi.org/ 10. 21608/svuijm.2024.296626.1893
- सक्सेना, ए.के., चौधरी, एस., और चिलकोटी, जीटी (2024)। न्यूरोपैथिक दर्द का जीन अभिव्यक्ति हस्ताक्षर: दर्द आनुवंशिकी और जीनोम-वाइड एमआरएनए प्रोफाइल के माध्यम से करुणा का अनावरण। *इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया, 68*(11), 937-940।
- सक्सेना, ए.के., गोंडोडे, पी., चिलकोटी, जीटी, एट अल (2024)। योग हस्तक्षेप के बाद पोस्ट-मास्टेक्टॉमी दर्द सिंड्रोम में माइक्रोआरएनए -133 का मॉड्यूलेशन। *जर्नल ऑफ़ सेल एंड मॉलिक्यूलर एनेस्थीसिया*, e146528।

- सक्सेना, आर., गुप्ता, एम., सक्सेना, ए., जैन, एस., और शंकर, एन. (2024)। महिलाओं के जीवन की गुणवत्ता पर क्रोनिक पैल्विक दर्द का प्रभाव और मोटापे के साथ इसका संबंध। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लाइफ साइंसेज, बायोटेक्नोलॉजी एंड फार्मा रिसर्च, 13*(8), 333-337।
- सक्सेना, आर., गुप्ता, एम., सक्सेना, ए., जैन, एस., शंकर, एन., जैन, एस., और शंकर, एन. (2024)। जेसीडीआर, 15(8), 1790-1802।
- सेल्लामुथु, एच., मीणा, एम.सी., सोलंकी, आर.के., चौधरी, एस., और सिंह, टी.के. (2024)। फ्लैश बर्न फैटलिटी: फ्लेम बर्न्स का विशिष्ट संस्करण-एक ऑटोप्सी-आधारित केस सीरीज। जर्नल *ऑफ फोरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी, 41*(1), 114-118।
- सेठी, ए., उदेनिया, एच., बेरी, एन., अंगमो, डी., बारी, ए., शर्मा, एन., और दादा, टी. (2024)। साइक्लोडायलिसिस फांक का सर्जिकल प्रबंधन: एक अद्यतन। *जर्नल ऑफ़ करंट ग्लूकोमा प्रैक्टिस* (प्रकाशन के लिए स्वीकृत)।
- शाह, आर., अग्रवाल, ए., नारंग, एम., शर्मा, एस., और मल्होत्रा, आर. (2025)। मिर्गी वाले बच्चों में नींद संबंधी विकार वैल्प्रोएट थेरेपी प्राप्त करना। *चिकित्सा अनुसंधान अभिलेखागार, 13*, 1.
- शर्मा, एके (2025)। पर्यावरणीय स्वास्थ्य में एट्रिब्यूशन के महामारी विज्ञान के नुकसान: वायु प्रदूषण से चित्रण। *इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, 69*, 1-2।
- शर्मा, पी., जैन, पी., गर्ग, ए., और शर्मा, एस. (2024)। कार्सिनोमा क्यूनिकुलटम यूमाइसेटोमा के रूप में बहाना: एक अपरिचित इकाई जो एक नैदानिक दुविधा पैदा कर रही है। *पैथोलॉजी के तुर्की जर्नल, 10*, प्रिंट से पहले Epub.
- शर्मा, ए.के., कुमार, एम., गुप्ता, एस., डधवाल, वी., गुलेरिया, के., राणा, ए., कुकल, एच., और खुराना, ए. (2024)। मूत्र कांगो रेड प्रीक्लेम्पसिया डिटेक्शन पॉइंट-ऑफ-केयर डिवाइस का सत्यापन। *गर्भावस्था उच्च रक्तचाप, 38*.
- शर्मा, पी., अग्रवाल, आर., बनर्जी, बी.डी., गोगोई, पी., और शर्मा, आर. (2025)। "प्लेसेंटल विटामिन डी रिसेप्टर लक्ष्य जीन अभिव्यक्ति में अज्ञातहेतुक भ्रूण विकास प्रतिबंध गर्भावस्था और गर्भकालीन आयु-मिलान स्वस्थ नियंत्रण: एक केस-नियंत्रण अध्ययन"। जर्नल *ऑफ क्लिनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च, 19*(3), QC01-QC05।

- शर्मा, वी., खलील, एस., शाह, डी., और गुप्ता, पी. (2024)। 5 साल से कम उम्र के बच्चों में मध्यम और गंभीर तीव्र कुपोषण के लिए कमर की परिधि और कमर से ऊंचाई के अनुपात की नैदानिक सटीकता। *भारतीय बाल रोग, 61*(7), 643-648।
- शास्त्री, एम., ओडिवालुगे, एफ., जैन, आर., और कोट्टू, एम. (2024)। वृद्धावस्था एनीमिया में पोषक तत्वों की कमी: एक जटिल प्रभाव का एक सरल कारण। जर्नल *ऑफ माइक्रोस्कोपी एंड अल्ट्रास्ट्रक्चर*, 10.4103।
- सिद्दीकी, एन.ए., नारंग, एस., अग्रवाल, ए., गुप्ता, आर., और गोयल, वी. (2025)। अपरिपक्व प्लेटलेट अंश और टाइप 2 मधुमेह मेलेटस में अन्य प्लेटलेट सूचकांक। *क्योरियस, 17*(2), ई79093।
- सिंधर, जे., सिंधु, पी., अग्रवाल, ए., और नारंग, एस. (2025)। सोडियम नाइट्राइट आकस्मिक व्यावसायिक साँस लेना विषाक्तता। *इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल स्पेशलिटीज, 16*, 67-70।
- सिंगल, ए. (2024)। IJDVL: सफलता की कहानी! *इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी एंड लेप्रोलॉजी, 90*(5), 567-568।
- सिंह, पी.के., राय, जी., दास, एस., अंसारी, एमए, अशगर, आर.आई., गुप्ता, एन., अरोड़ा, वी., शर्मा, एस., और डार, एसए (2025)। कोविड-19 के बाद राइनो-ऑर्बिटल म्यूकोर्मिकोसिस मामलों में माइलॉयड-व्युत्पन्न सप्रेसर और टीएच17/ट्रेग कोशिकाओं की भूमिका। *इम्यूनोफार्माकोलॉजी और इम्यूनोटॉक्सिकोलॉजी, 47*(1), 94-100। https://doi.org/10.1080/08923973.2024.2437482
- सिंह, एस., भट्ट, आर., और राशिद, एमए (2024)। एक कदम आगे, दो कदम पीछे: चिकित्सा शिक्षा प्रणालियों में विकलांगता और समलैंगिक स्वास्थ्य को एम्बेड करने के लिए तत्काल प्राथमिकताएं। *द लैंसेट रीजनल हेल्थ - दक्षिण पूर्व एशिया, 32*, 100515।
- सिंह, एस., फिलिप, एस., और नागेश, एस. (2024)। विकलांगता आवास: समानता और न्याय की ओर। *विकलांगता और वैश्विक स्वास्थ्य की रूटलेज इंटरनेशनल हैंडबुक* में (पीपी 446-463)। रूटलेज।
- सिंह, एस., और त्रिपाठी, एस. (2024)। कार्यस्थल पर विकलांग व्यक्तियों के लिए आवास। *विकलांगता अध्ययन और व्यावसायिक स्वास्थ्य* (व्यावसायिक स्वास्थ्य में मास्टर ऑफ आर्ट्स) में। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

- सिंह, एस. (2024)। भारतीय नर्सिंग परिषद द्वारा संरचनात्मक सक्षमता को चुनौती दी जानी चाहिए। *जर्नल ऑफ साइकोसोशल नर्सिंग एंड मेंटल हेल्थ सर्विसेज, 62*(9), 4.
- सिंह, के., जैन, एस., अग्रवाल, आर., और प्रिया, बी. (2024)। योनि प्रसव के दौरान पेरिनियल आँसू की भविष्यवाणी में मातृ एनोजेनिटल दूरी माप की भूमिका: एक संभावित समूह अध्ययन। जर्नल *ऑफ क्लिनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च, 18*(11), 06-09।
- सिंह, के., निर्मल, के., गंगर, एस., और दास, एस. (2024)। "रक्त संस्कृति के *साल्मोनेला एंटरिका* की रोगाणुरोधी संवेदनशीलता प्रोफ़ाइल ज्वर के रोगियों के बीच अलग हो जाती है: डेढ़ साल का अस्पताल-आधारित पूर्वव्यापी अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंसेज, 13*(5), 102-108।
- सिंघल, ए., गांधी, वी., पांधी, डी., और साहू, पीके (2025)। "ऑटोइम्यून संयोजी ऊतक विकारों में ओकुलर भागीदारी-ऑप्टिकल सुसंगतता टोमोग्राफी का उपयोग करके एक संभावित अवलोकन अध्ययन"। नैदानिक *और प्रायोगिक त्वचाविज्ञान के अभिलेखागार, 7*(1), 174।
- सिंगला, ए., बगला, जे., गोथी, डी., कुमारी, एस., और दुबे, एपी (2025)। भारतीय बच्चों में लगातार अस्थमा की गंभीरता और नियंत्रण के साथ नींद अव्यवस्थित श्वास का संबंध। *नींद की दवा, 128*, 82-88।
- सिंगला, ए., कुमारी, आर., मेहता, एस., और सान्याल, के. (2025)। ट्यूबरकुलर गर्भाशयग्रीवाशोथ - एक नैदानिक दुविधा: पांच मामलों की रिपोर्ट और साहित्य की समीक्षा। *इंडियन जर्नल ऑफ ट्यूबरकुलोसिस, 72*(1), 89-93।
- सीतारमण, एस., पांडा, ए.के., और शर्मा, ए. (2024)। एपिक्रानिया फुगाक्स का फेशियल वेरिएंट सेरिबैलोपोंटाइन एंगल मेनिंगिओमा के लिए माध्यमिक होता है। *सिरदर्द, 00*, 1-2।
- श्रीवास्तव, एच., रावत, एस., मलिक, आर., राज, आर., भट्ट, एस., और श्रीवास्तव, एस. (2024)। गर्भावधि मधुमेह बनाम सामान्य गर्भावस्था के साथ गर्भावस्था में भ्रूण के मध्य मस्तिष्क धमनी के डॉपलर प्रवाह मापदंडों की तुलना: एक कोहोर्ट अध्ययन। *जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च, 18*(8), QC04-QC07।
- श्रीवास्तव, एच., रावत, एस., मलिक, आर., राज, आर., भट्ट, एस., और श्रीवास्तव, एस. (2024)। गर्भावधि मधुमेह बनाम सामान्य गर्भावस्था के साथ गर्भावस्था में भ्रूण के मध्य मस्तिष्क धमनी के डॉपलर प्रवाह मापदंडों की तुलना: एक कोहोर्ट अध्ययन। *जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च, 18*(8), QC04-QC07।

- श्रीवास्तव, एस., शर्मा, ए., नाथ, एस., रायज़ादा, ए., और शर्मा, आर. (2023)। भ्रामक अभिव्यक्तियाँ: सदमे और पीछे के सबकैप्सुलर मोतियाबिंद के साथ ताकायासु धमनीशोथ। जर्नल ऑफ इंटरनल मेडिसिन ऑफ इंडिया, 17(1), 13-16।
- सुदेशना, डी., और कीर्ति, एन. (2024)। रक्तप्रवाह संक्रमणों में पारंपरिक तरीकों और क्रोमागर माध्यम से एमआरएसए का फेनोटाइपिक पता लगाना: प्रयोगशाला-आधारित क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी रिलेटेड रिसर्च, 10(2), 73-80। https://doi.org/10.21088/ jmrr. 2395. 6623.10224.4सुनेजा, पी., नांबियार, के., तनवीर, एन., दिवाकर, पी., कुमारी, आर., और गांधी, वी. (2025)। एक वयस्क में एकान्त त्वचीय मास्टोसाइटोमा कोशिका विज्ञान पर निदान किया गया: एक दुर्लभ मामले की रिपोर्ट। *डायग्नोस्टिक साइटोपैथोलॉजी, 53*(1), ई1-ई4।
- सुसरला, एस.के., नारंग, एम., खंडगवे, पी.एन., पटनायक, एल., राजपंतुला, वी., सतीश, एम., राजशेखर, बी.सी., साहू, डी.पी., और कनकसपपति, ए.के. (2024)। 10-60 वर्ष की आयु के स्वस्थ विषयों में ह्यूमन बायोलॉजिकल इंस्टीट्यूट के टेडीवैक™ वैक्सीन का चरण II/III बहुकेंद्र यादृच्छिक एकल-अंधा गैर-हीनता, इम्यूनोजेनेसिटी और सुरक्षा अध्ययन। *संक्रामक रोग*, 1-15।
- सिन्नाह, एम., चौधरी, एस., और मीना, एमसी (2025)। पहेली का अनावरण - असामान्य बंदूक की गोली गोदने और प्रवेश/निकास घाव की अनुपस्थिति के साथ छुरा घोंपने की चोट का बहाना। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च, 14*(2), 1-2।
- टंडन, ए., चंदेल, एम., सिहाग, पी., कुदरी, बी., और चौधरी, आर. (2024)। निशान एंडोमेट्रियोसिस: एक लाल विशालकाय की एक श्वेत-श्याम समीक्षा। *जर्नल ऑफ साउथ एशियन फेडरेशन ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी, 16*(S1), S25-S30। https://doi.org/10.5005/jp-journals-10006-2396
- टंडन, ए., रजा, एफ., टंडन, आर., और आलम, ए. (2024)। एक शिशु में कैफ़ी रोग। *बीएमजे केस रिपोर्ट, 17*(11), ई261909। https://doi.org/10.1136/bcr-2024-261909
- टंडन, ए., यादव, आर., दास, पी., नारायण, ए., और पाल, एस. (2024, सितंबर)। E-PS-04-053 अग्न्याशय के ठोस स्यूडोपैपिलरी नियोप्लाज्म पर पुनरीक्षण: एक विस्तृत क्लिनिकोपैथोलॉजिकल और इम्यूनोहिस्टोकेमिकल मूल्यांकन। *विर्चोव्स आर्चिव* में (खंड 485, पृष्ठ S243-S243)। स्प्रिंगर।

- तेज, के.एम., अग्रवाल, ए., नारंग, एस., शर्मा, आर., और गुप्ता, ए.के. (2024)। "तपेदिक मेनिन्जाइटिस के साथ वयस्क रोगियों के बीच रुग्णता और मृत्यु दर पर बीसीजी टीकाकरण का प्रभाव: एक संभावित समूह विश्लेषण"। *जर्नल ऑफ द इंडियन एकेडमी ऑफ क्लिनिकल मेडिसिन, 25*, 167-171।

- ठाकोर, एम., सिंह, वी., मैनीफील्ड, जे., ओरमे, एमडब्ल्यू, भारद्वाज, पी., चौहान, एनके, बैराडेल, एसी, अहमद, जेड., भाटी, वाई., मैथेसन, जे., बार्टन, ए., शर्मा, ए.के., और सिंह, एसजे (2025)। जोधपुर, भारत के आर्थिक रूप से वंचित क्षेत्र में समुदाय-आधारित फुफ्फुसीय पुनर्वास: एक मिश्रित-तरीकों का व्यवहार्यता परीक्षण। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज, 20*, 473-478।

- थॉमस, जे., सचदेवा, एम., धर, एस., गंजू, ए., शाह, बी., पांधी, डी., लाहिड़ी, के., अग्रवाल, आर., जगदीशन, एस., माने, पी., नायर, आर., कोरुकोंडा, केआर (2024)। एटोपिक जिल्द की सूजन के उपचार में प्रोबायोटिक्स की भूमिका पर डेल्फी आम सहमति का बयान। *क्योरियस, 16*(7), ई64583।

- थुलुवा, एस., मातुर, आर.वी., गुन्नेरी, एस., मोगुल्ला, आर., धार, सी., येरोजू, वी., बालने, एन., चक्रवर्ती, बीएस, नारंग, एम., महंतशेट्टी, एनएस, पांडे, एके (2025)। बायोलॉजिकल ई के टाइफाइड संयुग्म वैक्सीन की सुरक्षा और इम्यूनोजेनेसिटी TYPHIBEV™ को खसरा रूबेला वैक्सीन के साथ सहवर्ती रूप से प्रशासित किया गया: एक चरण IV संभावित, बहुकेंद्रीय अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंफेक्शियस डिजीज, 15*, 100611।

- त्रिपाठी, एस., कौशिक, एम., द्विवेदी, आर., तिवारी, पी., त्रिपाठी, एम., और दादा, आर. (2024)। हल्के संज्ञानात्मक हानि और अल्जाइमर रोग में चुनिंदा संज्ञानात्मक डोमेन पर प्रोबायोटिक्स का प्रभाव: एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण। *जर्नल ऑफ अल्जाइमर रोग रिपोर्ट, 8*(1), 1422-1433। https://doi.org/10.1177/25424823241289039

- त्रिपाठी, एस., त्रिपाठी, एस., और सिंह, एस. (2024)। जेल प्रणालियों को विकलांगता अधिकारों को मानवाधिकार अनिवार्यता के रूप में अपनाना चाहिए। *इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल एथिक्स, IX*(4), 301-307।

- त्रिपाठी, एम., शर्मा, एस., गणपुले, ए., द्विवेदी, आर., कौर, के., शुक्ला, वी., गोमती, एस., चंद्रा, पी., सिंह, आर.के., विभा, डी., सागर, आर., सूद, एम., नेहरा, ए., और त्रिपाठी, एस. (2024)। हिंदी में कार्यात्मक विघटनकारी दौरे (एफडीएस) के लिए एक निर्देशात्मक मॉड्यूल:

भारत में संचार और प्रबंधन को बढ़ाना। *एनल्स ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी, 27*(5), 520-523। https://doi.org/10.4103/aian.aian_305_24

- त्यागी, ए., और बोध, पी. (2025)। प्रतिक्रिया: प्रसव रोगियों में सिजेरियन सेक्शन के दौरान गर्भाशय के प्रायश्चित को रोकने के लिए वजन-आधारित बनाम निश्चित खुराक ऑक्सीटोसिन जलसेक: एक यादृच्छिक परीक्षण। *स्त्री-रोग और प्रसूति विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल।* https://doi.org/ 10.1002/ ijgo.70084
- त्यागी, ए., थंबुरु, एस., निगम, सी., रौतेला, आर.एस., मल्होत्रा, आर.के., और सुनेजा, ए. (स्वीकृत)। "प्रीक्लेम्पसिया के साथ और बिना सिजेरियन डिलीवरी के रोगियों में गर्भाशय के प्रायश्चित को रोकने के लिए कार्बेटोसिन की न्यूनतम प्रभावी खुराक: एक पक्षपाती अनुक्रमिक आवंटन अध्ययन"। *एनेस्थीसिया के कनाडाई जर्नल*।
- त्यागी, आर., खत्री, ए., कालरा, एन., खंडेलवाल, डी., गर्ग, एन., यांगडोल, पी., एट अल (2024)। "दुर्लभ क्रैनियोफ्रंटोनासल सिंड्रोम वाले बच्चे में दंत प्रभाव को ओवरहाल करना: एक केस रिपोर्ट"। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंटेम्परेरी पीडियाट्रिक्स, 11*(10), 1. https://doi.org/10.18203/2349-3291.ijcp20242663
- त्यागी, ए., अथंबुरु, एस., चंचल, आर., रौतेला, आरएस, मल्होत्रा, आरके, और सुनेजा, ए. (2025)। "प्रीक्लेम्पसिया के साथ और बिना सिजेरियन डिलीवरी के रोगियों में गर्भाशय के प्रायश्चित को रोकने के लिए कार्बेटोसिन की न्यूनतम प्रभावी खुराक: एक पक्षपाती अनुक्रमिक आवंटन अध्ययन"। *एनेस्थीसिया के कनाडाई जर्नल*। प्रकाशन के लिए स्वीकार किया गया।
- उपाध्याय, एन., अलमेडा, ई.ए., सिंह, ए., मधु, एस.वी., पुरी, डी., और मेहंदीरत्ता, एम. (2024)। "पॉलीसिस्टिक डिम्बग्रंथि सिंड्रोम में सीआरपी/एल्ब्यूमिन अनुपात का मूल्यांकन"। *जर्नल ऑफ ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी इंडिया, 74*(2), 165-169। https://doi.org/10.1007/s13224-023-01897-y
- वर्मा, बी., छाबड़ा, पी., मारूफ, ए.के., और अग्रवाल, ए. (2024)। पूर्वी दिल्ली के शहरी पुनर्वास क्षेत्र में प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं में भाग लेने वाले 9 महीने और 18 महीने के बच्चों के बीच विकास में देरी और इससे जुड़े कारक। जर्नल *ऑफ़ फैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर, 13*(12), 5674-5679।
- वर्मा, यू., अग्रवाल, आर., प्रिया, बी., जैन, एस., सिंगला, ए., प्रकाश, एस., और पवार, आर. (2024)। गर्भकालीन ट्रोफोब्लास्टिक नियोप्लासिया की असामान्य प्रस्तुति सबक प्रदान करना:

एक केस श्रृंखला और साहित्य की समीक्षा। *जर्नल ऑफ साउथ एशियन फेडरेशन ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी, 16*(4), 437-442।

- वांगू, डीपी, यादव, एस., गोयल, एस., कटारिया, पी., और अग्रवाल, सी. (2025)। दिल्ली में स्कूल जाने वाली किशोरियों के बीच मासिक धर्म की समझ: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन एंड पब्लिक हेल्थ, 12*(2), 740-745।
- यादव, एस., गांधी, वी., और शर्मा, एस. (2024)। असामान्य फेफड़ों की भागीदारी के साथ आर्सेनिक केराटोसिस। *इंडियन डर्मेटोलॉजी ऑनलाइन जर्नल, 15*(2), 334-336।
- यादव, ए.के., रायज़ादा, ए., खान, ए.पी., महला, वी., और ग्रोवर, सी. (2024)। प्रारंभिक प्रणालीगत काठिन्य डिजिटल टिप गैंग्रीन के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। *क्लिनिकल डर्मेटोलॉजी रिव्यू, 8*(4), 365-367।
- यादव, जे., शर्मा, आर., गुलेरिया, के., और राधिका, एजी (2025)। जटिलताओं को नेविगेट करना: दिव्यांग युवा, अविवाहित महिलाओं में हिस्टेरेक्टॉमी की सामाजिक, नैतिक और चिकित्सकीय दुविधाएं। *"जर्नल ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी ऑफ इंडिया, 75*(1), 89-91।
- यादव, जे., शर्मा, आर., गुलेरिया, के., और राधिका, एजी (2025)। जटिलताओं को नेविगेट करना: दिव्यांग युवा, अविवाहित महिलाओं में हिस्टेरेक्टॉमी की सामाजिक, नैतिक और चिकित्सकीय दुविधाएं। *" जर्नल ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी ऑफ इंडिया, 75*(1), 89-91।
- यादव, एस., और खोखर, ए. (2025)। दिल्ली में स्कूल जाने वाले किशोरों के बीच मधुमेह की स्वास्थ्य साक्षरता पर सूचना, शिक्षा और संचार गतिविधि का प्रभाव। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन एंड पब्लिक हेल्थ, 12*(2), 726-733।
- यांगडोल, पी., कालरा, एन., त्यागी, आर., एट अल (2024)। कोविड-19 महामारी के दौरान बच्चों में उभरती दंत समस्याओं और बदलते मौखिक स्वच्छता पैटर्न का प्रबंधन करने के लिए उपयोग किए जाने वाले विभिन्न तौर-तरीकों का एक विहंगम दृश्य। *जर्नल ऑफ़ मौखिक हेल्थ एंड कम्युनिटी डेंटिस्ट्री, 18*(2), 43-52।
- यास्मीन, पी., परवीन, एन., गुप्ता, बी., टंडन, ए., और गोगोई, पी. (2024)। एडनेक्सल द्रव्यमान के मूल्यांकन में जीआई-आरएडीएस अल्ट्रासाउंड स्कोरिंग सिस्टम के साथ एडीनेक्स

मॉडल की तुलना। *द जर्नल ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी ऑफ इंडिया*। https://doi.org/10.1007/s13224-024-02000-9

शोध परियोजनाएं

- डॉ. विपिन अरोड़ा को एक शोध परियोजना के लिए 96,79,800 रुपये दिए गए हैं, जिसका शीर्षक है, "क्लिनिकल हेटेरोजेनेटी को समझने के लिए मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा से रोगी व्युत्पन्न सिंगल सेल स्फेरॉइड का कार्यात्मक लक्षण: ड्रग स्क्रीनिंग और विकिरण संवेदनशीलता के लिए एक उपकरण।" एक सह-पीआई के रूप में यह अनुदान एसईआरबी द्वारा प्रदान किया गया है और यह 2024-2027 तक की अवधि के लिए है।
- डॉ. शुक्ला दास को पीआई के रूप में "एमओयू यूसीएमएस एंड जीटीबी अस्पताल दिल्ली और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र फॉर नेशनल सेंटर फॉर नेशनल प्रोग्राम ऑन एएमआर कंटेनमेंट" नामक एक शोध परियोजना के लिए 31 लाख रुपये का अनुदान दिया गया है। यह अनुदान एनसीडीसी द्वारा प्रदान किया गया है और इसमें 2024 से 2027 की अवधि शामिल है
- डॉ. राजेश अरोड़ा को एक शोध परियोजना के लिए 6,00,000/- रुपये की राशि दी गई है, जिसका शीर्षक है, "*लंबी हड्डियों के गैर-मिलन के रोगियों में ऑटोलॉगस बोन ग्राफ्ट बनाम एलोजेनिक बोन ग्राफ्ट के लिए टी और बी सेल प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं की तुलना: एक पायलट अध्ययन।*" एक पीआई के रूप में अनुदान आईजीआईबी और एमआरयू-यूसीएमएस द्वारा प्रदान किया गया है जो 2025-2027 की अवधि के लिए है।
- डॉ. धीरज शाह को पीआई के रूप में "डब्ल्यूएचओ एनपीएसएन ट्रांजिशन फ्रॉम पोलियो टू पब्लिक हेल्थ सिस्टम इन इंडिया, नाको वी मिड-टर्म असेसमेंट" नामक एक शोध परियोजना के लिए 41.155 लाख रुपये का अनुदान दिया गया है। यह अनुदान नाको द्वारा प्रदान किया गया है जो 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. निशांत रायजादा को पीआई के रूप में "भारतीयों के बीच जीन-पर्यावरण और पॉलीजेनिक जोखिम स्कोर-पर्यावरण इंटरैक्शन की पहचान जो प्रीडायबिटीज और टाइप 2 मधुमेह मेलिटस के जोखिम को निर्धारित करता है" नामक एक शोध परियोजना के लिए 6,96,25,805 प्रदान किए गए हैं। यह अनुदान आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है जो 2024-2028 की अवधि के लिए है।
- डॉ. एजी राधिका को पीआई के रूप में "स्कोपिंग रिव्यू कॉमन बैक्टीरियल ऑर्गेनिज्म दैट कॉज वेजाइनल डिस्चार्ज एंड देयर एंटीबायोटिक ससेप्टिबिलिटी प्रोफाइल इन इंडियन सबकॉन्टिनेंट" शीर्षक वाली एक शोध परियोजना के लिए 5.135 लाख रुपये का अनुदान दिया गया है। यह अनुदान स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है जो 2025-2025 की अवधि के लिए है।

- डॉ. दीपिका पांधी को "डायग्नोस्टिक एंड थेराप्यूटिक वैलिडेशन ऑफ डर्मेटोलॉजी स्टैंडर्ड ट्रीटमेंट वर्कफ़्लो इन एन अर्बन हेल्थ एंड ट्रेनिंग सेंटर इन एन अर्बन हेल्थ एंड ट्रेनिंग सेंटर" नामक एक शोध परियोजना के लिए 22,81,828 अनुदान दिया गया है। यह अनुदान आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है जो 2024-2025 की अवधि को कवर करता है
- डॉ. दीपिका पांधी को "एटोपिक जिल्द की सूजन वाले भारतीय रोगियों में फिलाग्रिन जीन म्यूटेशन की व्यापकता और प्रभाव पर एक बहुकेंद्रित क्रॉस-सेक्शनल ऑब्जर्वेशनल अध्ययन" नामक एक शोध परियोजना के लिए 15,00,000 रुपये दिए गए हैं। अनुदान सोसाइटी फॉर एक्जिमा स्टडीज द्वारा प्रदान किया गया है जो 2024-2025 की अवधि को कवर करता है

आयोजित संगोष्ठियां

- राज्य सम्मेलन ISACON दिल्ली 2024 के हिस्से के रूप में 26 सितंबर 2024 को UCMS में "प्रसूति आपात स्थिति और श्रम एनाल्जेसिया" पर पूर्व-सम्मेलन कार्यशाला।
- यूसीएमएस के पैथोलॉजी विभाग के कोटरू एम द्वारा 4 दिसंबर 2024 को यूसीएमएस में ड्रॉपलेट डिजिटल पीसीआर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
- चिकित्सा में एआई: डॉ. अनिर्बान भट्टाचार्य, मेडिसिन के सहायक प्रोफेसर, मेयो क्लिनिक, यूएसए द्वारा 10/03/2025 को एलटी-1, यूसीएमएस में बुद्धिमत्ता और अंतर्दृष्टि का विकास करना।
- डॉ. धीरज शाह ने 16 दिसंबर 2024 को एनआईएचएफडब्ल्यू और प्राइमस भागीदारों द्वारा वित्त-पोषित "आईसीएमआर-एनआईएन आहार दिशानिर्देश (दक्षिण क्षेत्र), एनआईएन हैदराबाद पर राष्ट्रीय परामर्श" का आयोजन किया।
- त्वचाविज्ञान विभाग ने नवंबर 2024 में IADVL DSB क्लिनिकल मीट का आयोजन किया।

आयोजित सम्मेलन

- आईसीएमआर द्वारा प्रायोजित एनाटॉमी, फोरेंसिक मेडिसिन और प्लास्टिक सर्जरी विभागों के सहयोग से आयोजित हैंड्स-ऑन हेड एंड नेक कैडेवरिक डिसेक्शन एंड रिकंस्ट्रक्शन वर्कशॉप 21-22 दिसंबर, 2024 को यूसीएमएस में आयोजित की गई।
- एसईआरबी द्वारा प्रायोजित ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी और हेड एंड नेक डिपार्टमेंट, शिकागो विश्वविद्यालय, शिकागो, यूएसए के सहयोग से आयोजित सिर और गर्दन के कैंसर पर यूसीएमएस-यूशिकागो अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 23-24 दिसंबर, 2024 को दिल्ली में यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो सेंटर में आयोजित किया गया।
- सामुदायिक चिकित्सा विभाग द्वारा 08.06.2024 को गाजीपुर स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र में डॉ. अपर्णा (सीएमओ प्रभारी) और विभागाध्यक्ष प्रोफेसर एसके भसीन की देखरेख में आशा कार्यकर्ताओं के लिए "यू-विन नागरिक स्व-पंजीकरण" पर एक कार्यशाला आयोजित की गई।

- 2.12.2024 से 6.12.2024 तक यूसीएमएस और जीटीबीएच में वीआरडीएल (डीएचआर-आईसीएमआर) द्वारा "वायरल डायग्नोसिस के लिए सीरोलॉजिकल और आणविक तकनीक" पर 05 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- वीआरडीएल में 2-दिवसीय कार्यशाला "वायरल डायग्नोसिस के लिए आणविक तकनीक" वीआरडीएल (डीएचआर-आईसीएमआर) द्वारा यूसीएमएस और जीटीबीएच में आयोजित की जा रही है" (26-27 नवंबर 2024) /
- एमईएलएपी के सहयोग से वीआरडीएल, माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा स्नातकोत्तर छात्रों के लिए गुड क्लिनिकल प्रैक्टिस पर एक दिवसीय पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया (24.08.2024 और 06.09.2024)
- अनुसंधान अनुदान के लिए प्रस्ताव लेखन और प्रसंस्करण" का आयोजन 24 अप्रैल, 2024 को एमआरयू-यूसीएमएस और आईसीएमआर द्वारा यूसीएमएस में किया गया।
- यूसीएमएस, यूसीएमएस के सहयोग से 26 अप्रैल 2024 को यूसीएमएस, दिल्ली में चिकित्सा शिक्षा इकाई, यूसीएमएस के सहयोग से मूडल, एक लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम पर संकाय विकास परिचयात्मक कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- मेडिकल शिक्षा इकाई, यूसीएमएस दिल्ली के सहयोग से मेडिकल स्नातकोत्तरों के लिए डिजिटल लॉगबुक (ई-पोर्टफोलियो सहित) पर संकाय विकास कार्यशाला 5 नवंबर 2024 को आयोजित की जाएगी।
- यूसीएमएस के पैथोलॉजी विभाग के डॉ. एन तनवीर और डॉ. एस शर्मा द्वारा 22 सितंबर 2024 को यूसीएमएस में "निवासियों के लिए बेसिक डर्मेटोपैथोलॉजी" पर सीएमई की प्रस्तुति दी गई।
- स्तन विकृति विज्ञान पर सीएमई: यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज में निवासियों के लिए आवश्यक। 23 नवंबर 2024 को डॉ. एन तनवीर और डॉ. एस शर्मा, पैथोलॉजी विभाग, यूसीएमएस द्वारा
- डॉ. धीरज शाह ने 6-7 फरवरी 2025 को एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा वित्त-पोषित “बच्चों में ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकारों (एएसडी) की विकासात्मक जांच और पहचान में स्वास्थ्य पेशेवरों की क्षमता निर्माण” का आयोजन किया।
- डॉ. दीपिका पंधी एस्टिकॉन 2024 का आयोजन 30 अगस्त से 1 सितंबर 2024 तक इरोस होटल नेहरू पैलेस में डॉ. दीपिका पांधी द्वारा आईएएसएसटीडी और एड्स के साथ किया गया।
- डॉ. आराधना ने 10 अक्तूब 2024 को यूसीएमएस और जीटीबीएच में किशोर स्वास्थ्य देखभाल जागरूकता सप्ताह पर एक सीएमई का आयोजन किया। कार्यक्रम में किशोरों में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर एक भाषण शामिल था। प्रोफेसर मोनिका जुनेजा (एचओडी बाल रोग, एमएएमसी), और

किशोर स्वास्थ्य मूल्यांकन पर एक पैनल चर्चा: निदेशक प्रोफेसर हरीश पेमडे (एमएस केएससीएच) और सम्मानित पैनलिस्टों द्वारा संचालित एक समग्र दृष्टिकोण।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर:

माइक्रोबायोलॉजी विभाग ने रोगाणुरोधी प्रतिरोध कार्यक्रम पर एनसीडीसी के तहत स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

माइक्रोबायोलॉजी विभाग ने एएमआर जीनोम परियोजना पर अशोका विश्वविद्यालय के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

अन्य सहयोग

सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग का कवक रोगजनकों के जीनोमिक, प्रोटिओमिक अध्ययन के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स इंटीग्रेटेड बायोलॉजी (आईजीआईबी, दिल्ली) के साथ एक संस्थागत सहयोग है

एक्सचेंज प्रोग्राम (इनबाउंड/आउटबाउंड) के अंतर्गत छात्र

फर्स्ट मॉस्को मेडिकल यूनिवर्सिटी (सेचेनोव विश्वविद्यालय) के अंतिम वर्ष के मेडिकल छात्र श्री इस्लामुद्दीन एल्दानोव ने ECRC-EAFO स्टूडेंट रिसर्च फेलोशिप के तहत 3-8 फरवरी 2025 तक पैथोलॉजी विभाग का दौरा किया।

विस्तार एवं आउटरीच गतिविधियाँ

दिल्ली का आयोजन 27 और 28 नवंबर 2024 को मौलाना आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज, नई दिल्ली में किया गया था। इस हाथों पर इंटरैक्टिव कार्यशाला अनुसंधान पद्धति की अनिवार्यता और थीसिस और थीसिस प्रोटोकॉल लिखने के तरीके पर केंद्रित है।

- संगठन भोपाल हब की आईहियर पहल के तहत, चिकित्सा शिक्षकों को सकारात्मक दक्षताओं के बारे में संवेदनशील बनाने के लिए, दो 1-दिवसीय कार्यशालाएं आयोजित की गईं, एक 27 अक्तूब 2024 को मालाबार मेडिकल कॉलेज में और दूसरी 28 अक्तूब 2024 को सरकारी मेडिकल कॉलेज, कोझिकोड में। एमईयू, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल के प्रोफेसर सतेंद्र सिंह और प्रोफेसर खान आमिर मारूफ इन कार्यशालाओं के लिए संसाधन संकाय थे।
- 8 मार्च, 2025 को यूएचटीसी गाजीपुर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाते हुए, सामुदायिक चिकित्सा विभाग ने महिलाओं के अधिकारों और कल्याण का सम्मान करने के लिए एक सशक्त स्वास्थ्य वार्ता की मेजबानी की।
- रेड रिबन क्लब (आरआरसी), यूसीएमएस और जीटीबीएच ने एआरटी सेंटर और सामुदायिक चिकित्सा विभाग के सहयोग से क्रमशः 6 और 7 सितंबर, 2024 को ग्रामीण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र (आरएचटीसी), सिंघोला और शहरी स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र (यूएचटीसी), दिलशाद गार्डन में एचआईवी/एड्स की रोकथाम और नियंत्रण पर स्वास्थ्य वार्ता आयोजित की।

- सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग पूर्वी दिल्ली के औषधालयों और अस्पतालों के लिए एंटी-एचबी एंटीबॉडी टाइट्रे सेवाएं प्रदान करता है।
- सामुदायिक चिकित्सा विभाग दो शहरी स्वास्थ्य और प्रशिक्षण केंद्र चला रहा है: पूर्वी दिल्ली में दिलशाद गार्डन और गाजीपुर में एक-एक, और ताहिरपुर सराय, दिलशाद गार्डन से सटे ताहिरपुर गांव और गाजीपुर के शहरी गांव के आउटरीच क्षेत्रों को सेवा प्रदान कर रहा है।

पुस्तकालय विकास

वर्ष 2024-2025 के दौरान, यूसीएमएस कॉलेज पुस्तकालय ने 376 पाठ्यपुस्तकें और संदर्भ पुस्तकें खरीदीं और ₹ 34,77,711.53/- में 45 पत्रिकाओं (28 विदेशी पत्रिकाओं और 17 भारतीय पत्रिकाओं) की सदस्यता ली। पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या 21,554 है। इसके अलावा, पुस्तकालय में 26,074 बाउंड जर्नल्, 1,534 डब्ल्यूएचओ प्रकाशन, 1,148 थीसिस और 416 सीडी की संपत्ति है। पुस्तकालय एनएमएल-ईआरएमईडी कंसोर्टियम का सदस्य है, जिसके माध्यम से उपयोगकर्ता पांच प्रकाशकों से 242+ ई-पत्रिकाओं तक पहुंच सकते हैं, जैसे ब्रिटिश मेडिकल जर्नल (बीएमजे), कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस (सीयूपी), लिपिंकॉट विलियम्स और विल्किंस (एलडब्ल्यूडब्ल्यू), ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस (ओयूपी) और विली। इसके अलावा, ईआरएमईडी कंसोर्टियम के माध्यम से हमारे उपयोगकर्ताओं के पास तीन प्रमुख डेटाबेस तक भी पहुंच है, यानी मैकग्रा हिल का एक्सेस मेडिसिन डेटाबेस, एल्सेवियर का क्लिनिकलकी और थिएम का मेडवन। कॉलेज भारत सरकार द्वारा ओएनओएस (वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन) पहल का भी एक हिस्सा है, जिसके माध्यम से 30 प्रतिष्ठित प्रकाशकों से 13,000+ ई-पत्रिकाओं तक पहुंच प्रदान की जाती है।

संकाय सदस्यों की संख्या

योग: 182: वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक: 84, एसोसिएट प्रोफेसर: 46, सहायक प्रोफेसर: 46, **तदर्थ**: 6

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- यूसीएमएस ने एक पर्यावरण-अनुकूल गोल्फ कार्ट पेश किया, जो कम गतिशीलता वाले छात्रों का समर्थन करने के लिए पहुंच और समावेशिता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
- पैथोलॉजी विभाग में बीडी फैक्सलिरिक फ्लो साइटोमेट्री की शुरुआत के साथ रोगी देखभाल में और सुधार किया गया था, जो विभिन्न हेमेटोलॉजिकल विकारों के निदान के लिए एक अत्याधुनिक उपकरण है।
- बाल रोग विभाग और नियोनेटोलॉजी विभाग में इंट्राम्यूरल एनआईसीयू सुविधा का उद्घाटन किया गया।
- यूसीएमएस और जीटीबीएच में तंबाकू मुक्ति केंद्र (टीसीसी) का उद्घाटन 24.09.2024 को माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री द्वारा वर्चुअल माध्यम से किया गया था।

- संस्थान में रोगाणुरोधी प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा न्यूजलेटर और एंटीबायोग्राम 2025 का विमोचन।
- यूसीएमएस ने स्वच्छता और उच्च शिक्षा संस्थानों में लंबित मामलों को कम करने के लिए विशेष अभियान 4.0 के हिस्से के रूप में पूरे परिसर में स्वच्छता सर्वेक्षण का आयोजन किया, सफाई के लिए स्थानों की पहचान की गई, कर्मचारियों और छात्रों को परिसर में स्वच्छता और स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया गया।
- कॉलेज ने 12-18 अगस्त 2024 के बीच एंटी-रैगिंग सप्ताह मनाया और एक परामर्श कार्यक्रम शुरू किया गया जिसमें एमबीबीएस बैच 2024-25 के छात्रों (मेंटी) को फैकल्टी मेंटर आवंटित किए गए।
- सार्वजनिक व्याख्यान श्रृंखला 8 अक्तूब, 2024 को शुरू की गई थी, "यह कार्य स्थल पर मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का समय है" और एक सार्वजनिक व्याख्यान महीने के दूसरे मंगलवार को दोपहर 3-4 बजे से लेक्चर थिएटर में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज के यू ट्यूब चैनल पर लाइव स्ट्रीमिंग की जाएगी।

उपयोगित निधियां (करोड़ ₹ में) : 229.16

आवंटित निधियां (करोड़ ₹ में) : 229.53

***

वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

वीपीसीआई ने अपनी 'शिक्षा', 'अनुसंधान' और 'रोगी देखभाल' गतिविधियों को जारी रखा। स्नातकोत्तर चिकित्सा पाठ्यक्रम जैसे चेस्ट मेडिसिन और अन्य प्री और पैरा-मेडिकल विषयों में एमडी, डीएम और पीएचडी, प्रतिष्ठित संस्थानों के स्नातक/स्नातकोत्तर छात्रों को अल्पकालिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कुल 07 एमडी (2020-23 बैच) के छात्र पास आउट हुए। रोल पर छात्र थे: एमडी (2022-25): 09; एमडी(2023 26): 10; एमडी(2024 27): 10; डीएम (2021-24): 02; डीएम (2022-25): 02; डीएम (2023-26): 02; एमएससी (2023-25): 01; एमएससी (2024-26): 02; और पीएचडी: 04 छात्र। वीपीसीआई के पास स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, डीएचआर, आईसीएमआर, डीएसटी, डीआरडीओ, सीसीआरवाईएन, डब्ल्यूएचओ, एनसीडीसी आदि द्वारा वित्त-पोषित 16 चालू परियोजनाएं थीं, जिन्हें 3.23 करोड़ रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ था। वीपीसीआई को मई 2023 में एनएबीएच-ईएल मान्यता से सम्मानित किया गया है। वीपीसीआई में डीएचआर-एमआरयू अपनी स्थापना के बाद से विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल है। 2024-2025 में 15 परियोजनाएं चालू थीं, जिनमें से 03 पूरी हो गईं। अस्पताल विंग ने 9,719 नए रोगियों और 47,841 अनुवर्ती रोगियों को पंजीकृत किया। इंडोर जनरल वार्ड में 13,771 मरीजों को भर्ती किया गया और आपातकालीन वार्ड में

25,502 रोगियों का उपचार किया गया। आरआईसीयू ने गहन देखभाल के लिए 1,547 रोगियों को भर्ती किया। नहीं। किए गए नैदानिक परीक्षणों में 8,298 स्पाइरोमेट्री, 1,101 पूर्ण पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट, 24,025 एक्स रे, 9,187 बायोकैमिस्ट्री टेस्ट, 15,045 पैथोलॉजी टेस्ट, 6,534 इम्यूनोलॉजी टेस्ट, 2,915 वायरोलॉजी टेस्ट, 7,740 माइक्रोबायोलॉजी टेस्ट, 56 आरटी-पीसीआर टेस्ट और 164 पॉलीसोम्नोग्राम शामिल हैं।

सम्मान/विभूतियां

संकाय

- डॉ. अंकित अरोड़ा सहायक प्रोफेसर ने एनएमसी द्वारा स्वीकृत बेसिक कोर्स इन मेडिकल एजुकेशन पूरा किया सितम्बर 25-27, 2024.
- डॉ. अंकित अरोड़ा ने 19-22 दिसंबर, 2024 को इंडियन कॉलेज ऑफ एलर्जी, अस्थमा एंड एप्लाइड इम्यूनोलॉजी, वीपीसीआई, दिल्ली के 58वें वार्षिक सम्मेलन में 'खाद्य एलर्जी' पर एक सत्र की अध्यक्षता की।
- डॉ. कविता गुलाटी ने निदेशक-प्रोफेसर और प्रमुख, फार्माकोलॉजी विभाग ने 12 वें प्रेरण-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान समन्वयक के रूप में वीपीसीआई के एडीआर निगरानी केंद्र का प्रतिनिधित्व किया, जो अस्पतालों/नैदानिक प्रतिष्ठानों के जागरूक समन्वयकों/उप समन्वयकों को जागरूक करते हैं, जिन्हें भारत के मातृविज्ञान कार्यक्रम को मजबूत करने के लिए मेडिकल डिवाइस प्रतिकूल घटना निगरानी केंद्र (एमडीएमसी) के रूप में मान्यता प्राप्त है, 30 जुलाई, 2024.
- प्रो. कविता गुलाटी 19 अगस्त, 2024 को जामिया हमदर्द के जैव प्रौद्योगिकी स्कूल ऑफ केमिकल एंड लाइफ साइंसेज में पीएचडी की वैज्ञानिक सलाहकार अनुसंधान समिति (एसएआरसी) के विषय विशेषज्ञ थीं।
- प्रो. कविता गुलाटी सोसाइटी फॉर नाइट्रिक ऑक्साइड एंड एलाइड रेडिकल्स (SNOAR), हमदर्द इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च (HIMSR) के राष्ट्रीय सम्मेलन में 26 सितंबर, 2024 को अध्यक्ष थीं।
- प्रो. कविता गुलाटी 'गुड क्लिनिकल लेबोरेटरी प्रैक्टिसेज (जीसीएलपी)' पर कार्यशाला के दौरान अध्यक्ष थीं, वीपीसीआई दिल्ली, 27 सितंबर, 2024.
- प्रो. कविता गुलाटी 14 अक्तूब, 2024 को डीपीएसआरयू में विभागीय वैज्ञानिक अनुसंधान समिति की विशेषज्ञ थीं।
- प्रो. कविता गुलाटी 15 अक्तूब, 2024 को जामिया हमदर्द के फार्माकोलॉजी विभाग के बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक में विषय विशेषज्ञ थीं।
- प्रो. कविता गुलाटी आईसीएआईकॉन -2024, 19-22 दिसंबर, 2024 के दौरान एलर्जिक राइनाइटिस पर संगोष्ठी की अध्यक्ष थीं।

- प्रोफेसर कविता गुलाटी संयुक्त अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (जेआईसी)-2025, अहमदाबाद, गुजरात, 10-12 जनवरी, 2025 के दौरान सर्वश्रेष्ठ पोस्टर के लिए एनएस धल्ला पुरस्कार के लिए जज थीं।
- प्रो. कविता गुलाटी संयुक्त अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (जेआईसी)-2025, अहमदाबाद, गुजरात, 10-12 जनवरी, 2025 के दौरान पूर्ण व्याख्यान और देवेंद्र के अग्रवाल व्याख्यान की अध्यक्ष थीं।
- प्रो. कविता गुलाटी 24.10.2024, 5.12.2024, 16.1.2025, 14.2.2025, 14.2.2025 को IHEC, ABVIMS, डॉ. आरएमएल अस्पताल, दिल्ली द्वारा आयोजित संस्थागत मानव आचार समिति (IHEC) की बैठकों की विशेषज्ञ थीं।
- प्रो. कविता गुलाटी "ARTEMIS - मायोकार्डियल रोधगलन वाले रोगियों में हृदय परिणामों पर ज़िल्टिवेकिमैब बनाम प्लेसबो का प्रभाव" शीर्षक वाले नैदानिक अध्ययन में रिपोर्ट की गई एसएई मौत तक पहुंचने के लिए उप-समिति की सदस्य थीं, आईएचईसी, एबीवीआईएमएस, डॉ आरएमएल अस्पताल, 05 फरवरी, 2025.
- प्रो. कविता गुलाटी सुश्री मोनिका शर्मा और श्री टी भानुतेजा, डीआरडीओ, डीआईपीएएस की डॉक्टरेट अनुसंधान समिति के लिए विषय विशेषज्ञ थीं, 19 फरवरी, 2025.
- प्रोफेसर कविता गुलाटी ने मेडिकल कॉलेज रिसर्च कनेक्ट-2025, भारत मंडपम, दिल्ली, 20-21 मार्च, 2025 के दौरान वीपीसीआई की बहु-विषयक अनुसंधान इकाई (एमआरयू) का प्रतिनिधित्व किया।
- प्रो. कविता गुलाटी 24 मार्च, 2025 को सीसीआरयूएम में ग्रुप ए तकनीकी अधिकारियों के लिए विभागीय मूल्यांकन बोर्ड (डीएबी) की विशेषज्ञ थीं।
- डॉ. अंकित अरोड़ा सहायक प्रोफेसर ने एनएमसी अनुमोदित बेसिक कोर्स इन मेडिकल एजुकेशन, 25-27 सितंबर, 2024 पूरा किया।
- प्रोफेसर मधु खन्ना को एचआईवी पर कीस्टोन संगोष्ठी में भाग लेने के लिए बिल एंड मेलिंडा गेट फाउंडेशन से ग्लोबल हेल्थ ट्रैवल अवार्ड से सम्मानित किया गया था और (पुनः) उभरते वायरस: महामारी में सबक संरेखित करना 8 अप्रैल-11 अप्रैल, 2024.
- प्रोफेसर मधु खन्ना को आईवीएस-यंग साइंटिस्ट अवार्ड से सम्मानित किया गया, जो वीपीसीआई के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के वायरोलॉजी यूनिट के प्रोफेसर मधु खन्ना के नेतृत्व में रिसर्च एसोसिएट-II डॉ. रूपाली राजपूत को दिया गया। उन्हें डीआरडीओ-रक्षा अनुसंधान एवं विकास द्वारा आयोजित 'उभरते वायरस: महामारी और जैव सुरक्षा परिप्रेक्ष्य' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय VIROCON-2024 सम्मेलन में "इन्फ्लूएंजा ए वायरस एंटीजन के एपिटोप मैपिंग में इंजीनियर्ड फेज डिस्प्ले एंटीबॉडी की क्षमता" शीर्षक से शोध कार्य की मौखिक प्रस्तुति के लिए यह पुरस्कार दिया गया।

- प्रोफेसर मधु खन्ना को 24-25 फरवरी 2025 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत में आयोजित प्रतिष्ठित एशिया-पैसिफिक फोरम ऑन आरएनए थेरेप्यूटिक्स एंड वैक्सीन्स (एपीएफआरटीवी) में 'लीड लेक्चर' देने के लिए आमंत्रित किया गया था।
- प्रोफेसर राज कुमार स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के शासी निकाय के लिए विश्वविद्यालय प्रतिनिधि, पुनर्नियुक्ति दिनांक 04.05.2024 दिनांक 24.04.2024 से प्रभावी थे।
- प्रोफेसर राज कुमार को एटीएस इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस के दौरान एटीएस पब्लिक सर्विस अवार्ड, उत्कृष्ट योगदान, वायु गुणवत्ता में सुधार, तंबाकू के उपयोग का उन्मूलन, फेफड़ों की बीमारी की रोकथाम, सैन डिएगो कन्वेंशन सेंटर, अमेरिकन थोरैसिक सोसाइटी दि. 18.05.2024.
- प्रोफेसर राज कुमार 20.07.2024 को गैर-संचारी रोगों (एनपी-एनसीडी) की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत 'क्रोनिक रेस्पिरेटरी डिजीज के लिए तकनीकी विशेषज्ञ समूह' के सदस्य थे।
- प्रो. राज कुमार को एलर्जी के क्षेत्र में योगदान के लिए स्वर्गीय डॉ. रामकृष्ण मोदी स्मृति सम्मान-2024, मोदी एलर्जी क्लिनिक, पटना दिनांक 18.09.2024 को प्रदान किया गया।
- प्रोफेसर राज कुमार को 17 सितंबर, 2024 को शैक्षणिक वर्ष 2024-25 की नियुक्ति के लिए विधि संकाय में अतिथि संकायों के संबंध में कुलपति द्वारा सदस्य नामित किया गया था।
- प्रो. राज कुमार मुख्य अतिथि थे, जिन्हें 26 अक्तूब, 2024 को एनवीएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल, दिलशाद गार्डन, दिल्ली में नूतन विद्या मंदिर के वार्षिक समारोह "प्रतिबिंब" में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।
- प्रो. राज कुमार को ईएसडीए नेशनल प्राइड अवार्ड 2024 तंबाकू निरोधक के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धि और उल्लेखनीय योगदान, पर्यावरण और सामाजिक विकास संघ दिनांक 2024 से सम्मानित किया गया। 17.11.2024.
- प्रो. राज कुमार को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड मिला आईसीएआईआईसीओएन-2024 सम्मेलन (19 से 22 दिसंबर, 2024 तक), इंडियन कॉलेज ऑफ एलर्जी अस्थमा एंड एप्लाइड इम्यूनोलॉजी दि. 20.12.2024.
- डॉ. सोनम स्पालगिस ने 19-24 दिसंबर, 2024 के दौरान वीपी चेस्ट इंस्टीट्यूट, दिल्ली में आयोजित 58वें आईसीएआईकॉन 2024 के दौरान वी राजू पुरस्कार प्राप्त किया।
- डॉ. सोनम स्पालगिस को 19-24 दिसंबर, 2024 के दौरान वीपी चेस्ट इंस्टीट्यूट, दिल्ली में आयोजित सर्वश्रेष्ठ मौखिक पेपर प्रस्तुति आईसीएआईकॉन 2024 से सम्मानित किया गया।
- डॉ. सोनम स्पालगिस को 19-24 दिसंबर, 2024 के दौरान वीपी चेस्ट इंस्टीट्यूट, दिल्ली में आयोजित सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पेपर प्रेजेंटेशन आईसीएआईकॉन 2024 से सम्मानित किया गया।

- प्रो. विश्वजीत रोहिल को आमंत्रित किया गया था और उन्होंने शनिवार, 7 दिसंबर 2024 को होटल माउंट व्यू में एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल बायोकेमिस्ट ऑफ इंडिया (ACBICON 2024) के स्वर्ण जयंती सम्मेलन में शनिवार, 7 दिसंबर 2024 को होने वाले "ड्रग डिलीवरी एंड थेरेप्यूटिक्स", संगोष्ठी-23 पर सत्र के लिए अध्यक्ष के रूप में भाग लिया। चंडीगढ़।
- प्रोफेसर विश्वजीत रोहिल को शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा, 201310 द्वारा 31 जनवरी से 5 फरवरी, 2025 तक "संकाय को सशक्त बनाना: अगली पीढ़ी की शिक्षा के लिए उत्कृष्टता को आगे बढ़ाना" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 1 फरवरी 2025 (सुबह 11:45-दोपहर 12:45) को "परिणाम-आधारित शिक्षण सीखने के लिए एआई का उपयोग" शीर्षक सत्र के लिए पैनल चर्चा में विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया और उन्होंने भाग लिया।
- प्रो. विश्वजीत रोहिल को शारदा विश्वविद्यालय के शिक्षण अधिगम केंद्र द्वारा शैक्षणिक दक्षता की व्यापक समीक्षा के लिए बाह्य विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था, जिसका उद्देश्य "बायोकेमिस्ट्री", "क्लिनिकल रिसर्च", "फिजियोलॉजी" और "बीएमएलटी" कार्यक्रमों के लिए सभी स्तरों पर संकाय मानकों को बढ़ाने और बेहतर बनाने का है। यह आयोजन शनिवार, 1 मार्च 2025 को सुबह 10:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक शारदा स्कूल ऑफ एप्लाइड हेल्थ साइंसेज, ग्रेटर नोएडा, 2013-10 में किया गया था।
- प्रो. विश्वजीत रोहिल को 29 और 30 जनवरी 2025 को स्नातकोत्तर एमडी (जैव रसायन) वार्षिक परीक्षा-2025 (बैच-2021) की परीक्षाओं के लिए परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया था, जो यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज, दिल्ली-110095 (व्यावहारिक परीक्षा केंद्र) में आयोजित की गई थी।
- प्रो. विश्वजीत रोहित को 18 जनवरी, 2025 को सुबह 11:00 बजे जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, ए-10, सेक्टर-62, नोएडा, उत्तर प्रदेश, भारत में एक बाहरी विशेषज्ञ के रूप में पीएचडी ओपन डिफेंस वाइवा के रूप में आमंत्रित किया गया था और उन्होंने भाग लिया।
- एमडी की छात्रा डॉ. विष्णु प्रिया वी. को जेआईपीएमईआर में आयोजित एसीबीआई द्वारा आयोजित दक्षिण क्षेत्र एसीबीआई सम्मेलन में "बेंच से बेडसाइड तक अनुवाद: रोगी परिणामों में सुधार के लिए नैदानिक जैव रसायन में उभरते रुझान" विषय पर "पीएक्सआर जीन बहुरूपता और सीरम एमिनोफिलाइन एकाग्रता के साथ इसके संबंध का अध्ययन करने के लिए" शीर्षक वाले पेपर के लिए सर्वश्रेष्ठ ई-पोस्टर प्रस्तुति से सम्मानित किया गया। पुडुचेरी में 24 से 25 जनवरी 2025 तक

छात्र

- एमडी (फार्माकोलॉजी) 2021-24 सत्र की छात्रा डॉ. नवनिका कपूर ने सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम पूरा किया।
- एमडी (पल्मोनरी मेडिसिन) 2021-24 सत्र के छात्र डॉ. प्रणब सरमा ने पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया।

- एमडी (पल्मोनरी मेडिसिन) 2021-24 सत्र के छात्र डॉ. लहर बत्रा ने सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम पूरा किया।
- एमडी (पल्मोनरी मेडिसिन) 2021-24 सत्र की छात्रा डॉ. अनुश्री केसरवानी ने सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम पूरा किया।
- एमडी (पल्मोनरी मेडिसिन) 2021-24 सत्र की छात्रा डॉ. कटासानी गिरिधर रेड्डी ने सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम पूरा किया।
- एमडी (पल्मोनरी मेडिसिन) 2021-24 सत्र के छात्र डॉ. आरती जयकुमार ने सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम पूरा किया।
- एमडी (बायोकेमिस्ट्री) 2021-24 सत्र की छात्रा डॉ. करिश्मा बर्डे ने पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया।
- एमडी फार्माकोलॉजी के छात्र डॉ. सुमित बिस्वास ने बेसिक कोर्स इन बायोमेडिकल रिसर्च (बीसीबीआर-80%) पूरा किया, 16 मार्च, 2025
- डॉ. अंकित अरोड़ा ने फिट इंडिया सप्ताह, दिसंबर 2024 के दौरान आयोजित निबंध प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया

प्रकाशित कार्य

- चौहान, एम., गुलाटी, के., और रे, ए. (2025)। ब्रोन्कियल अस्थमा में नाइट्रिक ऑक्साइड (NO) की भूमिका में नई अंतर्दृष्टि: एक प्रयोगात्मक अध्ययन। *ईसी फार्माकोलॉजी एंड टॉक्सिकोलॉजी, 13*(4), 1-13। https://ecronicon.net/ecpt/newer-insights-into-the-role-of-nitric-oxide-no-in-bronchial-asthma-an-experimental-study.php
- दुबे, एच., रे, ए., दुबे, ए., और गुलाटी, के. (2024)। एस-नाइट्रोसोग्लूटाथियोन ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करता है और बीडीएनएफ और एनआरएफ-2 एंटीऑक्सीडेंट सिग्नलिंग मार्ग के सक्रियण के माध्यम से छिटपुट अल्जाइमर रोग के इंट्रासेरेब्रोवेंट्रिकुलर-स्ट्रेप्टोज़ोटोसिन चूहे मॉडल में प्रतिधारण स्मृति शिथिलता में सुधार करता है। *न्यूरोसाइकोबायोलॉजी, 83*(2), 101-113। https://doi.org/10. 1159/000538348
- दत्ता, एस., गोयल, एन., और कुमार, आर. (2024)। क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज में कमजोरी और इसके भविष्यवक्ताओं का आकलन। * लंग इंडिया, 41*(1), 17-24।
- दत्ता, एस., गोयल, एन., और कुमार, आर. (2024)। "क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज में कमज़ोरी मूल्यांकन के लिए कमज़ोरी फेनोटाइप और लघु शारीरिक प्रदर्शन बैटरी का तुलनात्मक अध्ययन"। *इंडियन जर्नल ऑफ चेस्ट डिजीज एंड एलाइड साइंसेज, 66*(4), 124-131।

- गुलाटी, के., दुबे, एच., तंवर, ए., अरोड़ा, ए., और रे, ए. (2024, दिसंबर)। "मेटाबोलिक सिंड्रोम और संबंधित संज्ञानात्मक शिथिलता: एक औषधीय परिप्रेक्ष्य"। *सीएनएस ट्यूमर के आणविक लक्ष्य* (पीपी. 327-346) में। स्प्रिंगर। https://doi.org/10.1007/978-3-031-75686-3_23
- गुलाटी, के., और अरोड़ा, ए. (2024, अप्रैल)। हर्बल दवाएं *क्लिटोरिया टर्नेटिया* (बटरफ्लाई मटर) और *इवोल्वुलस एल्सिनोइड्स* (ड्वार्फ मॉर्निंग ग्लोरी) पारंपरिक उपयोग से लेकर वैज्ञानिक मूल्यांकन तक, विशेष रूप से अल्जाइमर और पार्किंसंस रोगों में। में *न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों के लिए हर्बल चिकित्सा में प्रगति* (पीपी. 225-241)। सीआरसी प्रेस। https://doi.org/10.1201/9781003392941-13
- गुलाटी, के., शर्मा, एच., थोकचोम, एस., वर्मा, पी., और रे, ए. (2024)। ब्रोन्कियल अस्थमा के प्रयोगात्मक मॉडल में *हेडिचियम स्पिकेटम* के पारंपरिक हर्बल दवा निकालने के सेलुलर और आणविक तंत्र के सेलुलर और आणविक तंत्र का औषधीय मूल्यांकन। *एशियन जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च एंड डेवलपमेंट, 12*(3), 257-266। https://doi.org/10.22270/ ajprd. v12i3.1429
- अग्रवाल, जे., बत्रा, जे., मिधा, यू., अग्रवाल, ए., खान, एमए, और रोहिल, वी. (2025)। "अपरिपक्व और अवधि के शिशुओं के गर्भनाल रक्त में कुछ जैविक मार्करों का अध्ययन और नवजात सेप्सिस के साथ उनका संबंध"। *बाल चिकित्सा एंडोक्रिनोलॉजी मधुमेह और चयापचय, 31*(1), 17-24। https://doi.org/10.5114/pedm.2025.148398
- कुमार, आर., कुमार, एम., और अरिशम, डीके (2024)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस: स्वास्थ्य विज्ञान में जादुई उपकरण। *इंडियन जर्नल ऑफ एलर्जी, अस्थमा एंड इम्यूनोलॉजी, 38*(1), 1-2. https://doi.org/ 10.4103/ijaai.ijaai_10_24
- कुमार, आर., कुमार, एम., राज, एस., रचना, आर., मिश्रा, जे., दुबे, एसएम, कुमार, एस., अरिशम, डी.के., गौतम, जी., और मावी, ए.के. (2024)। क्विटलाइन सेवाओं के माध्यम से तंबाकू छोड़ना: भारत में प्रभाव। *छाती रोग के लिए मोनाल्डी अभिलेखागार, 94*(1), अनुच्छेद 2976। https://doi.org/ 10.4081/monaldi.2024.2976

दायर पेटेंट

- वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट और आईसीएमआर/डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ, पाइरिडोन नैनो-कंपोजिशंस एंड देयर यूज़ इन पल्मोनरी, वायुमार्ग और फुफ्फुस रोग की स्थिति, आईडी नंबर-202411044031, 7 जून, 2024, राष्ट्रीय (भारतीय पेटेंट दायर)।

आयोजित संगोष्ठियां

- एमएम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च, सोलन (हिमाचल प्रदेश) के पल्मोनरी मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर एके जन्मेजा ने 07 अप्रैल, 2024 को 23वां प्रोफेसर रमन विश्वनाथन व्याख्यान दिया।
- मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के उत्कृष्टता के पूर्व प्रोफेसर सीपी बावेजा ने 13 जनवरी 2025 को "एचआईवी रोकथाम" पर 9वां प्रोफेसर एचएस रंधावा व्याख्यान दिया।
- वीपीसीआई के निदेशक प्रोफेसर राज कुमार ने 27 सितंबर, 2024 को 'गुड क्लिनिकल लेबोरेटरी प्रैक्टिसेज (जीसीएलपी)' पर एक व्याख्यान दिया।
- वीपीसीआई के पूर्व प्रोफेसर अशोक शाह ने 24 सितंबर, 2024 को "कृतज्ञता के साथ प्रतिबिंब: वीपीसीआई मेरा मार्गदर्शक प्रकाशस्तंभ" विषय पर 18वां प्रो. औतार सिंह पेंटल स्मृति व्याख्यान दिया।
- वीपीसीआई के निदेशक प्रो. राज कुमार ने 25 अक्तूब, 2024 को श्वसन एलर्जी: निदान और प्रबंधन पर 48वीं कार्यशाला के दौरान 'एलर्जी डायग्नोसिस इन-विवो' पर व्याख्यान दिया।
- वीपीसीआई के निदेशक प्रो. राज कुमार ने 19-22 दिसंबर, 2024 के दौरान 58वें आईसीएआईआईसीओएन-2024 में 'खाद्य एलर्जी का निदान और प्रबंधन' पर व्याख्यान दिया।
- प्रोफेसर कविता गुलाटी ने 19 सितंबर, 2024 को वीपीसीआई दिल्ली में 'फार्माकोविजिलेंस: कॉन्सेप्ट्स एंड एप्लीकेशन' पर एक व्याख्यान दिया

आयोजित सम्मेलन

- वीपीसीआई द्वारा 04 अप्रैल, 2024 को "23वां प्रो. रमन विश्वनाथन-वीपीसीआई व्याख्यान" शीर्षक से सम्मेलन का आयोजन किया गया था।
- वीपीसीआई द्वारा 31 मई, 2024 को "विश्व तंबाकू निषेध दिवस" शीर्षक से सम्मेलन का आयोजन किया गया था।
- वीपीसीआई द्वारा 24 सितंबर, 2024 को "18वां प्रो. औतार सिंह पेंटल मेमोरियल ओरेशन" शीर्षक से सम्मेलन का आयोजन किया गया था
- वीपीसीआई द्वारा 24 सितंबर, 2024 को "श्वसन एलर्जी निदान और प्रबंधन पर 48वीं कार्यशाला" शीर्षक से सम्मेलन का आयोजन किया गया था
- वीपीसीआई द्वारा 29 नवंबर, 2024 से 01 दिसंबर, 2024 तक "श्वसन एलर्जी और इम्यूनोथेरेपी के निदान पर सर्टिफिकेट कोर्स" शीर्षक से सम्मेलन का आयोजन किया गया था।

- वीपीसीआई द्वारा 28 अक्तूब, 2024 को "8वां डॉ. वीके विजयन ओरेशन" शीर्षक वाला सम्मेलन आयोजित किया गया था।
- वीपीसीआई द्वारा 19 से 22 दिसंबर, 2024 को "इंडियन कॉलेज ऑफ एलर्जी, अस्थमा एंड एप्लाइड इम्यूनोलॉजी का 58वां वार्षिक सम्मेलन" शीर्षक से सम्मेलन का आयोजन किया गया था।
- वीपीसीआई फार्माकोलॉजी विभाग द्वारा सितंबर गतिविधियों, 2024 से दैनिक आधार पर "राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस सप्ताह गतिविधियां" शीर्षक से सम्मेलन आयोजित किया गया

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

- "महामारी और राष्ट्रीय आपदाओं के प्रबंधन के लिए प्रयोगशालाओं का राष्ट्रव्यापी नेटवर्क स्थापित करने" के लिए वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट, डीयू और स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के बीच वायरल रिसर्च डायग्नोस्टिक लेबोरेटरी (वीआरडीएल) की स्थापना के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

अन्य सहयोग

- प्रो. रितु कुलश्रेष्ठ ने स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से अनुसंधान सलाहकार समिति (एलआरएसी) के सह-अध्यक्ष के रूप में कल्पना चावला सरकारी मेडिकल कॉलेज, करनाल के सहयोग से खोटपुरा, पानीपत, हरियाणा में मॉडल ग्रामीण स्वास्थ्य अनुसंधान इकाई (एमआरएचआरयू) की स्थापना की है।
- प्रो. रितु कुलश्रेष्ठ ने स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से आईसीएमआर-एनआईसीपीआर, नोएडा के मार्गदर्शन में धाधा, गौतम बुद्ध नगर में मॉडल ग्रामीण स्वास्थ्य अनुसंधान इकाई (एमआरएचआरयू) की अनुसंधान सलाहकार समिति (एलआरएसी) के सह-अध्यक्ष के रूप में स्थापना की है।
- प्रो. रितु कुलश्रेष्ठ ने आईएनएमएएस, डीआरडीओ के साथ मिलकर 29वें 'सैनिक स्वास्थ्य एवं औषधि विकास' के बाहरी सदस्य के रूप में विशेषज्ञ पैनल सदस्य के रूप में और 5 दिसंबर 2024 और 15 जनवरी 2025 को आईएनएमएएस, डीआरडीओ, दिल्ली में आयोजित समीक्षा बैठकों में टास्क निगरानी समिति (टीएमसी) के विशेषज्ञ सदस्य के रूप में काम किया है।
- प्रो. रितु कुलश्रेष्ठ ने स्कूल ऑफ एलाइड साइंसेज, दिल्ली स्किल एंड एंटरप्रेन्योरशिप यूनिवर्सिटी (डीईएसयू) के साथ मिलकर बोर्ड ऑफ स्टडीज के सदस्य के रूप में काम किया है
- प्रो. रितु कुलश्रेष्ठ ने पैरामेडिकल साइंसेज विभाग, संकाय संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान, एसजीटी विश्वविद्यालय, गुड़गांव के साथ बोर्ड ऑफ स्टडीज के सदस्य के रूप में काम किया है।

- प्रो. रितु कुलश्रेष्ठ ने 13 जून, 2024 से संस्थान जैव सुरक्षा समिति के लिए जैव-सुरक्षा अधिकारी के रूप में अम्बेडकर सेंटर ऑफ बायोमेडिकल रिसर्च (एसीबीआर), दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से काम किया है।
- प्रो. रितु कुलश्रेष्ठ ने जैव विज्ञान विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली के साथ संस्थागत जैव सुरक्षा समिति (आईबीएससी) के जैव सुरक्षा अधिकारी के रूप में काम किया है।

नियुक्त छात्रों की संख्या और प्रतिशत :

7(100%)

विस्तार एवं आउटरीच गतिविधियाँ

- स्वच्छ भारत मिशन के तत्वावधान में 01-15 अप्रैल, 2025 के दौरान स्वच्छता पखवाड़ा आयोजित किया गया था। इस अभियान में विभिन्न स्वच्छता जागरूकता अभियानों के साथ-साथ संस्थान, अस्पताल और आवासीय परिसरों में व्यापक स्वच्छता अभियान और सौंदर्यीकरण शामिल था।
- सेमिनार और सार्वजनिक व्याख्यान आयोजित किए गए जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन, हाथ धोने की स्वच्छता, अच्छी प्रयोगशाला प्रथाएं, प्रदूषण और स्वास्थ्य प्रभाव।
- स्वच्छता शपथ ग्रहण समारोह, स्वच्छता रैली और समुदाय में जागरूकता अभियान, अग्नि सुरक्षा पर संगोष्ठी सह मॉक ड्रिल आदि सहित जागरूकता अभियान चलाए गए।

पुस्तकालय विकास

1955 में स्थापित, वीपीसीआई लाइब्रेरी बायोमेडिकल साइंसेज, विशेष रूप से फुफ्फुसीय रोगों और संबद्ध क्षेत्रों में शैक्षणिक और अनुसंधान सहायता के लिए एक आवश्यक केंद्र है। यह 10,142 से अधिक पुस्तकों, 25,026 बाउंड जर्नल्स, 595 थीसिस, 178 सीडी और 32 रिपोर्टों के साथ संकाय, निवासी डॉक्टरों, शोधकर्ताओं और छात्रों की सेवा करता है। पुस्तकालय में प्रसिद्ध चिकित्सा पत्रिकाओं का पूरा रन है, जिनमें से कुछ एक सदी से भी अधिक पुरानी हैं। यह आदान-प्रदान और पूरक कार्यक्रमों के माध्यम से 20 पत्रिकाएं प्राप्त करता है और अंग्रेजी और हिंदी में समाचार पत्रों की सदस्यता लेता है। 2018 से ERMED कंसोर्टियम का सदस्य, यह INFED के माध्यम से कोक्रेन लाइब्रेरी और ONOS के साथ-साथ 238+ई-जर्नल और एक्सेस मेडिसिन, बीएमजे, क्लिनिकलकी और मेडवन जैसे डेटाबेस तक पहुंच प्रदान करता है। पुस्तकालय LibSys 4.0 के साथ पूरी तरह से स्वचालित है और DUCC LAN और 10 एमबीपीएस MTNL लीज्ड लाइन से सुसज्जित है। यह वर्तमान जागरूकता, एसडीआई, अंतर-पुस्तकालय ऋण और रिप्रोग्राफी प्रदान करता है। यह डीयू से संबद्ध शोधकर्ताओं और छात्रों के लिए सोमवार से शनिवार तक खुला रहता है।

संकाय सदस्यों की संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक :10

एसोसिएट प्रोफेसर : 8

सहायक प्रोफेसर : 3

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- रोगी शिक्षा केंद्र ने 4,840 रोगियों को सेवाएं प्रदान कीं। कार्डियो-पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन क्लिनिक ने 348 रोगियों को सांस लेने के लिए प्रशिक्षण और शिक्षा प्रदान की और 31 रोगियों को पर्यवेक्षित पुनर्वास के लिए नामांकित किया। तंबाकू समाप्ति क्लिनिक ने 200 नए और 43 अनुवर्ती मामले दर्ज किए। 500 से अधिक रोगियों ने वीपीसीआई द्वारा दी जाने वाली टेलीमेडिसिन सेवाओं का लाभ उठाया। पराग गणना स्टेशन पर, कुल 730 स्लाइडों को माउंट किया गया और उनका विश्लेषण किया गया। नेशनल टोबैको क्विट लाइन सर्विस में 3.20 लाख से अधिक आईवीआर इनबाउंड टेली-कॉल का जवाब परामर्शदाताओं द्वारा दिया गया, जिनमें से 22,570 उपयोगकर्ताओं ने सफलतापूर्वक नौकरी छोड़ दी, जिसमें सफलता दर 24 प्रतिशत थी।
- मंत्रालय द्वारा केन्द्र सरकार के अस्पतालों और संस्थानों के लिए कायाकल्प योजना शुरू किए जाने के बाद से, वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट (वीपीसीआई) ने समय-समय पर कायाकल्प योजना में निहित दिशा-निर्देशों के अनुसार संस्थान के परिसर में और उसके आस-पास स्वच्छता और साफ-सफाई में सुधार के लिए स्वतंत्र रूप से कई पहलें की हैं।
- स्वच्छता पखवाड़ा हर साल मनाया जाता है, जिसमें नर्सिंग और प्रयोगशाला कर्मचारियों के लिए सेमिनार, स्वास्थ्य विषयों पर सार्वजनिक व्याख्यान, समुदाय में स्वच्छता रैलियों और स्वच्छता से संबंधित विषयों पर भागीदारी प्रतियोगिताओं के अलावा व्यापक स्वच्छता अभियान आयोजित किए जाते हैं।
- संस्थान में कायाकल्प आंतरिक मूल्यांकन, संक्रमण नियंत्रण और जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन के लिए आंतरिक प्रशासनिक समितियां हैं जो स्थापित दिशानिर्देशों और प्रथाओं के अनुसार नियमित रूप से स्वच्छता और स्वच्छता मापदंडों की निगरानी करती हैं।
- रोगियों/आगंतुकों से सुझाव और शिकायतें प्राप्त करने के लिए एक फीडबैक तंत्र मौजूद है और मुद्दों के समाधान पर प्रगति की नियमित रूप से निगरानी की जाती है।
- वर्षा जल संचयन प्रणाली (लगभग 200 घन लीटर प्रति मौसम), खाद के माध्यम से जैव-अपघटनीय वनस्पति अपशिष्ट का पुनर्चक्रण (लगभग 50 किलोग्राम प्रति दिन)।
- एनटीक्यूएलएस के माध्यम से तंबाकू छोड़ने के लिए परामर्श सेवाएं)
- रोगी शिक्षा केंद्र इनहेलर, नेबुलाइज़र आदि जैसे चिकित्सा सहायता के उचित उपयोग के बारे में ऑडियो-विजुअल माध्यमों के माध्यम से रोगियों को परामर्श और शिक्षा प्रदान करता है;
- एक समर्पित "क्या मैं आपकी मदद कर सकता हूं" के माध्यम से रोगियों और आगंतुकों को मार्गदर्शन प्रदान करना।

उपयोगित निधियां (करोड़ ₹ में) : 74.07

आवंटित निधियां (करोड़ ₹ में) : 7

****

संगीत एवं ललित कला संकाय

संगीत विभाग

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

सर शंकर लाल फाउंडेशन से अनुदान प्राप्त कर 1960 में स्थापित संगीत एवं ललित कला संकाय ने प्रो. आर.एल. रॉय, श्री. सी.एस. पंथ, श्री. प्राण नाथ, प्रो. वी.वी. शदगोपन, श्रीमती अंबुजम, प्रो. देबू चौधरी, प्रो. वी.के. अग्रवाल और प्रो. टी.एन. कृष्णन जैसे क्षेत्र के दिग्गजों के कुशल मार्गदर्शन में अनेक उपलब्धियाँ हासिल की हैं। इसने क्षेत्र में कई होनहार प्रतिभाओं को जन्म दिया है जिन्होंने पहले ही इस क्षेत्र में अपनी पहचान बना ली है; जिनमें से कई ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं। हमारे छात्र सामान्य रूप से समाज और विशेष रूप से विश्वविद्यालय के लिए अनेक सेवाएँ कर रहे हैं। वर्तमान में संगीत एवं ललित कला संकाय में पाँच सौ से अधिक नियमित छात्र और सौ से अधिक शोध छात्र हैं, जो शिक्षा जगत में अच्छी स्थिति में हैं।

विभूति प्राप्त छात्र

- निहाल पीके, एम.ए. फाइनल (2025), राष्ट्रीय विजेता द्वितीय स्थान, 03/06/2025
- संदीप मोहंती, एम.ए. फाइनल (2024), हरिवल्लभ संगीत सम्मेलन प्रतियोगिता 27/12/2024
- संदीप मोहंती, एम.ए. फाइनल (2025), वाह उस्ताद वाह रियलिटी शो, 04/19/2025
- खुर्रम अली, एम.ए. प्रीवियस (2025), गोल्ड मेडलिस्ट एआईयू, 02/2025

प्रकाशित शोध कार्य

मणिकंदन टीवी डॉ. प्रो. (2024) कर्नाटक संगीत संगीतकार का देशभक्तिपूर्ण स्वरूप, संगीतिका, आईएसएसएन-2348-5892 (यूजीसी देखभाल सूचीबद्ध जर्नल) 21, 13-22

सोरेन एन. सुरेंद्र डॉ. (2024), राग गायन परंपरा का बदलता स्वरूप, संगीतिका, आईएसएसएन-2348-5892 (यूजीसी केयर लिस्टेड जर्नल) 21, 07-11

सोरेन एन. सुरेंद्र डॉ. (2024), संगीत चिकित्सा द्वार तनव प्रबंधन, अनहदलोक

सोरेन एन. सुरेंद्र डॉ. (2024), आधुनिक परिप्रक्ष में तुलसीदास कृत रामचरित मानस के गायन की प्रसंगिकता एवं उपादेयता, अनहदलोक

सोरेन एन. सुरेंद्र डॉ. (2025), भारतीय संगीत में बंदिश का महत्व, एसटीओएम

सिंह राजपाल डॉ. कई संस्करणों के साथ रागों का एक तुलनात्मक अध्ययन: (2024), संगीतिका, आईएसएसएन-2348-5892 (यूजीसी देखभाल सूचीबद्ध जर्नल) 20, 12-17

सिंह राजपाल डॉ. भारतीय शास्त्रीय संगीत के हार्मोनिक आधार का एक अध्ययन, अनहदलोक

सिंह राजपाल डॉ. (2025), राग - विस्तार में अलंकारों का प्रयोग, एसटीओएम,

एम.वी. बिंदू डॉ. (2024) केरल के मधुर और लयबद्ध लोक वाद्ययंत्र। वागीश्वरी, आईएसएसएन-0975-7872, 38, 34-49

दास नाथ नबींद्र डॉ. (2024) संगीत और समाजशास्त्र, इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ़ मैनेजमेंट सोशियोलॉजी एंड ह्यूमैनिटीज़, 15

त्रिपाठी स्मृति डॉ. (2024), रामायण कल में संगीत विषयों का संक्षिप्त विश्लेषण, वागीश्वरी, आईएसएसएन-0975-7872, 38, 27-33

कृष्ण गोपाल डॉ. (2024), हिंदुस्तानी रागदारी संगीत में चलन की भूमिका, वागीश्वरी, आईएसएसएन-0975-7872, 38, 22-26

पाई जी. प्रशांत डॉ. (2024), 'तलास' और 'अया' की संकल्पना; भारतीय शास्त्रीय संगीत में इसका विकास, वागीश्वरी, आईएसएसएन-0975-7872, 38, 76-88

आयोजित संगोष्ठियां

संगीत एवं ललित कला संकाय के संगीत विभाग द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन, विषय:- शास्त्रीय संगीत के विभिन्न शास्त्रीय रूपों में रागों एवं तालों की कलात्मक प्रस्तुति (21 से 22 नवंबर 2024)

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

- दभाड़े दीपक डॉ. फरुखाबाद घराने की अभिव्यक्ति रचनावों में "गट" का स्थान एवं महत्त्व, कलाकारी, विविधता और राष्ट्रीय पहचान: भारतीय प्रदर्शन कला, दृश्य कला और साहित्य की भूमिका, (2025), 21 से 22 फ़रवरी 2025 तक
- कौर सिमरप्रीत डॉ. हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत का मानव मस्तिष्क पर शारीरिक प्रभाव, IPAC 2025, 20 से 21 मार्च 2025 तक
- कृष्ण गोपाल डॉ. मानसून राग भारतीय शास्त्रीय संगीत में, रचनात्मक ललित कलाएँ (2024), 22 से 23 अगस्त 2024 तक
- मणिकंदन वी. टी. डॉ. प्रो. वृद्धजन सशक्तिकरण और सुंदर वृद्धावस्था एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, एजीआई का 21वां द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (2024), 13 से 15 दिसंबर 2024 तक

- त्रिपाठी स्मृति डॉ. जसरंगी: भारतीय शास्त्रीय संगीत में द्वि-गायन की एक अभिनव शैली, आईपीएसी 2025, 20 से 21 मार्च 2025 तक

सम्मान/विभूतियां

प्रो. टी.वी. मणिकंदन-उदयज्योत संगीत फाउंडेशन, दिल्ली की ओर से लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड, 02 मार्च 2025

प्लेसमेंट विवरण (नियुक्त छात्रों की संख्या एवं प्रतिशत)
14 (15%)

प्रदत्त एम.फिल. उपाधियों की संख्या
प्रदत्त पीएच.डी. उपाधियों की संख्या 16
संकाय सदस्यों की संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक

वरिष्ठ प्रोफेसर-00, **प्रोफेसर** - 07

एसोसिएट प्रोफेसर 04

सहायक प्रोफेसर 13

तदर्थ 00

अतिथि संकाय 03

निधियां

उपयोगित निधियां (करोड़ ₹ में) 0.1898 (करोड़)

आवंटित निधियां (करोड़ ₹ में) 0.1898 (करोड़)

विज्ञान संकाय

मानव विज्ञान विभाग

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

मानव विज्ञान विभाग ने 2025 में विषयवार 51-100 क्यूएस विश्व विश्वविद्यालय रैंकिंग में स्थान प्राप्त करके एक बार फिर अपनी वैश्विक शैक्षणिक प्रतिष्ठा की पुष्टि की है। इसे निरंतर प्राप्त हुई यह मान्यता अकादमिक विशिष्टता और वैश्विक मान्यता के प्रति विभाग की सतत प्रतिबद्धता को दर्शाती है। शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 के दौरान, विभाग ने शिक्षण, अनुसंधान,

आउटरीच और समग्र शैक्षणिक उत्कृष्टता के क्षेत्रों में कई उपलब्धियाँ हासिल कीं, जिनका विवरण निम्नलिखित खंडों में दिया गया है।

सम्मान/विभूतियां

संकाय

- डॉ. दुर्गा राव पेदादा जर्नल ऑफ क्रिमिनोलॉजी एंड फोरेंसिक स्टडीज (जेओसीएफएस), मेडविन पब्लिशर्स (आईएसएसएन: 2640-6578) के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में 6 दिसंबर 2024 से कार्य कर रहे हैं।

छात्र

- सुश्री मोनिका बिष्ट को अमेरिका के हार्वर्ड टी. एच. चैन स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ में चार महीने के एनआईएच-वित्त पोषित शैक्षणिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के लिए चुना गया, जहाँ उन्होंने डॉ. जैमे हार्ट (2024-2025) के अधीन पर्यावरणीय स्वास्थ्य में उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- सुश्री श्रोमोना दास को यूके के रीडिंग विश्वविद्यालय में प्रो. विमल करणी के अधीन SAAgeNet द्वारा वित्त-पोषित दो सप्ताह के ज्ञान आदान-प्रदान प्रशिक्षण के लिए चुना गया (अक्टूबर 2024)।
- सुश्री इंद्रदीप कौर को यूके के लैंकेस्टर विश्वविद्यालय में प्रो. कैरोल हॉलैंड के अधीन संज्ञानात्मक दुर्बलता मूल्यांकन पर SAAgeNet द्वारा वित्त-पोषित एक सप्ताह के प्रशिक्षण के लिए चुना गया (नवंबर 2024)।
- श्री अभिजीत सिंह देवारी (एमएससी छात्र) ने आईसीएसएसआर, नई दिल्ली और शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय तर्कपूर्ण निबंध लेखन प्रतियोगिता 'भारत में एक साथ चुनाव: एक राष्ट्र, एक चुनाव' में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रकाशन

- देवारी, ए. एस., और चंदेल, एस. (2025), स्वस्थ दीर्घायु की ओर बढ़ते कदम: वृद्धों में संज्ञानात्मक कमज़ोरी से निपटने के लिए सामाजिक भागीदारी के माध्यम से खेलों की शक्ति और भारतीय शास्त्रीय नृत्य-शैली कथक के तत्वों का उपयोग। एजिंग रिसर्च रिव्यूज़, 102671. https://doi.org/10.1016/j.arr.2025.102671.
- देवारी, ए. एस., बोगिन, बी., और चंदेल, एस. (2024), भावपूर्ण लय, नृत्य करते शरीर: भारत के शास्त्रीय कथक नर्तकों में आध्यात्मिकता, दर्द सहनशीलता और निचले अंगों की मस्कुलोस्केलेटल और पीठ की चोटों के जोखिम की एक समीक्षा। मानव जीवविज्ञान और जन स्वास्थ्य, 1, https://doi.org/10.52905/hbph2024.1.79.

- देवारी, ए.एस., चक्रवर्ती, डी., गोस्वामी, वी., और चंदेल, एस. (2025), अकेलापन और जीवन: 45+ आयु वर्ग के वयस्कों में रहने की व्यवस्था और स्व-रिपोर्ट किए गए स्वास्थ्य का ट्रिगर प्रभाव - एक एलएएसआई क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। जर्नल ऑफ ह्यूमन बिहेवियर इन द सोशल एनवायरनमेंट,, 1-19. https://doi.org/10.1080/10911359.2024.2447855.
- हाउ, के.पी., और प्रसाद, डी. (2024), सिकुड़ते सामुदायिक रिहायशी स्थल : पूर्वोत्तर भारत में ज़ेमे के रेहांगकी का एक नृवंशविज्ञान अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ एंथ्रोपोलॉजिकल रिसर्च, 3(1), 27-43. https://DOI:10.47509/IJAR.2024.v03i01.03.
- कौर, आई., दास, एस., चंदेल, एस., और चंदेल, एस. (2025), संभावित सार्कोपेनिया, सार्कोपेनिक मोटापे के लक्षण और मधुमेह से उनका संबंध: एलएएसआई वेव-1 (2017-18) से साक्ष्य। मधुमेह और मेटाबोलिक सिंड्रोम: नैदानिक अनुसंधान और समीक्षा, 19(2), 103185. https://doi.org/10.1016/j.dsx.2025.103185.
- कुलश्रेष्ठ, एम., और चंदेल, एस. (2024), भारतीय शास्त्रीय नृत्य शैली कथक, हाथ की पकड़ की शक्ति की समरूपता बनाए रखने और उच्च रक्तचाप के जोखिम को कम करने में सहायक। कला और स्वास्थ्य, 1-13. https://doi.org/10.1080/17533015.2024.2355137.
- कुलश्रेष्ठ, एम., और चंदेल, एस. (2025), शारीरिक रूप से सक्रिय लोगों में रक्तचाप के वर्गीकरण के लिए माध्य धमनी दाब एक मूल्यवान उपकरण हो सकता है: उत्तर भारत की महिलाओं पर एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। क्लिनिकल एपिडेमियोलॉजी एंड ग्लोबल हेल्थ, 31, 101912. https://doi.org/10.1016/j.cegh.2025.101912.
- प्रसाद, डी. वी., छत्तीसगढ़ के गोंडों में लोक कलाओं की निरंतरता। https://doi.org/10.21276/smprt.202408.1s1.a.
- सील, एस., साहनी, आर., दास, डी., पाल, एस., गुलेरिया, ए., चितारा, एन., ... और कृष्ण, के. (2025)। उत्तर-पश्चिम भारत की आबादी में पैरों के आयामों से लिंग और कद का आकलन करने के लिए मानवशास्त्रीय उपाय। यूरो. जे. एनेट, 29, 181-191. https://doi.org/10.52083/UJQE5909.
- शिमराह, सी., गोस्वामी, वी., देवी, टी. एस., और चंदेल, एस. (2025), हरियाणा के जाट किसानों में विभिन्न मानवशास्त्रीय चर और मस्कुलोस्केलेटल विकारों के साथ हाथ की पकड़ की ताकत का संबंध। एन्थ्रोपोलॉजिशर एन्ज़ीगर, 82(1). https://doi.org/10.1127/anthranz/2024/1725.
- शिमराह, सी., लाल मलिक, एस. एच. ए. एन. टी. आई., और चंदेल, एस. (2024), किसान होने के निशान: भारत के हरियाणा के एक कृषक समुदाय में मस्कुलोस्केलेटल विकारों पर एक अध्ययन। एंथ्रोपोलॉजी, 62(2). https://doi.org/10.26720/anthro.24.04.04.1.

- लेयरी, वी. जी., और सिंह, एम. के. (2025), लुरुरिस की मिट्टी के बर्तन बनाने की परंपरा: उत्तर-पूर्व भारत के नागालैंड की पोचुरी जनजाति पर एक नृवंश-पुरातात्विक परिप्रेक्ष्य। आर्कियालॉजीज़, 21(1), 152-180. https://doi.org/10.1007/s11759-024-09520-w.
- बनर्जी, डी., और मरी, बी. (2024). भारत के टोटोज़: एक विशेष रूप से कमजोर जनजाति की सामाजिक-आर्थिक और जनसांख्यिकीय संरचना। जर्नल ऑफ इकोफिजियोलॉजी एंड ऑक्यूपेशनल हेल्थ, 157-168. http://doi.org/10.18311/jeoh/2024/35726.
- बनर्जी, डी., कुमार, आर., त्रिपाठी, एस., और मर्री, बी. (2024), जैविक अध्ययनों में बाइनरी लॉजिस्टिक रिग्रेशन का अनुप्रयोग। जर्नल ऑफ द प्रैक्टिस ऑफ कार्डियोवैस्कुलर साइंसेज, 10(1), 48-52. http://doi.org/10.4103/jpcs.jpcs_82_23.
- बनर्जी, डी., त्रिपाठी एस., फातिमा, आर.एल., मर्री, बी. (2025). ग्रामीण भारत में स्तन कैंसर के बारे में जन स्वास्थ्य जागरूकता: एक व्यापक समीक्षा। नेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन, 16(5):514-524. http://doi.org/10.55489/njcm.160520255048.
- प्रसाद, डी.वी. (2024), छोटे गणराज्यों की लुप्त आत्मा: पाँचवीं अनुसूची के क्षेत्रों में ग्राम पंचायत का एक अध्ययन। साउथ एशियन एंथ्रोपोलोजिस्ट, 24 (1) 53-64. ISSN 0257-7348।
- रथ, एस., झिमो, ए.जी., और किपगेन, एम. (2024), साओरा कला का अभिकरण, सौंदर्यशास्त्र और वस्तुकरण। द ईस्टर्न एंथ्रोपोलॉजिस्ट, 77(1–2), 139–160.
- वर्मा, पी., गोस्वामी, वी., देवी, एन. के., चंदेल, एस., और शिमराह, सी. (2024), हाथ की पकड़ की मज़बूती और उसके जोखिम कारक: उत्तर भारत की सुन्नी मुस्लिम आबादी के बीच एक व्यापक अध्ययन। इंड. जर्नल ऑफ़ फ़िज़िक्स, एंथ्रोपोलॉजी एंड ह्यूमैनिटोलॉजी, वॉल्यूम, 43(1), 1-12.

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

- प्रसाद, डी. वी., जनजाति और जनजातीय धर्म: मध्य प्रदेश की पनिका जनजाति पर एक अध्ययन। द रूटलेज हैंडबुक ऑफ़ ट्राइब एंड रिलिजन्स इन इंडिया (पृष्ठ 351-367), रूटलेज इंडिया।
- साहू, बी., और प्रसाद, डी. वी. (2025), जल प्रबंधन में बाइसन हॉर्न मारिया की आस्थाएँ और व्यवहार। द रूटलेज हैंडबुक ऑफ़ ट्राइब एंड रिलिजन्स इन इंडिया (पृष्ठ 382-398), रूटलेज इंडिया।

अनुसंधान परियोजनाएं

- डॉ. दुर्गा राव पेदादा, मानव विज्ञान विभाग को “उत्तर प्रदेश में प्रजनन आयु की महिलाओं में स्वास्थ्य व्यवहार निर्धारक: एक मिश्रित पद्धति दृष्टिकोण” नामक शोध परियोजना के लिए 16,00,000 रु॰ की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रदान किया गया है और मार्च 2025 से मार्च 2027 तक की अवधि के लिए है।
- डॉ. डी.वी. प्रसाद, मानव विज्ञान विभाग को "स्वतंत्रता संग्राम में गुंडा धुर की भूमिका: बस्तर में अंग्रेजों के विरुद्ध धुरवा आंदोलन का मानवशास्त्रीय अध्ययन" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 5,00,000 रु॰ की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रदान किया गया है और 2024 से 2025 तक की अवधि के लिए है।
- डॉ. नाओरेम किरणमाला देवी, प्रो. के.एन. सरस्वती और डॉ. अबीगैल लालनुनेंग, मानव विज्ञान विभाग को "उच्च रक्तचाप नियंत्रण कार्यक्रमों में बाधाएँ और सहायक: भारत के उच्च जोखिम वाले राज्य, सिक्किम में एक अध्ययन" नामक शोध परियोजना के लिए 24,00,000 रु॰ की राशि स्वीकृत की गई है। परियोजना के प्रो. के.एन. सरस्वती को लिए पीआई के रूप में और डॉ. अबीगैल लालनुनेंग को सह-पीआई के रूप में नियुक्त किया गया है। यह अनुदान भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रदान किया गया है और सितंबर 2024 से सितंबर 2025 तक की अवधि के लिए है।
- डॉ. शिवानी चंदेल, मानव विज्ञान विभाग को “दिल्ली-एनसीआर के वृद्ध वयस्कों के दो समुदायों में शारीरिक दुर्बलता, संज्ञानात्मक दुर्बलता और इससे जुड़े जैव-सामाजिक जोखिम कारक” नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 16,00,000 रु॰ की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रदान किया गया है और फरवरी 2024 से फरवरी 2026 तक की अवधि के लिए है।
- डॉ. शिवानी चंदेल, मानव विज्ञान विभाग को “मणिपुर की बुजुर्ग आबादी में मस्कुलोस्केलेटल विकार” नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 3,00,000 रु॰ की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और अगस्त 2024 से फरवरी 2025 तक की अवधि के लिए है (जारी)।

दायर/प्रदत्त पेटेंट

- डॉ. पुलकेस पुरकैत, सुश्री ज्योति गढ़वाल, प्रीतम दास, विवेक नेवार, डॉ. रमेश साहनी, न्यूट्रीजेनेटिक्स एवं न्यूट्रीजेनोमिक्स अनुसंधान संस्थान, ट्रांसलेशनल स्वास्थ्य विज्ञान संस्थान, भ्रूणजनन-बांझपन निदान एवं अनुसंधान। डिजिटल बायोथेसियोमीटर। डॉ. पुलकेस पुरकैत, सुश्री ज्योति ग्रेवाल, प्रीतम दास, विवेक नेवार, डॉ. रमेश साहनी। पेटेंट वर्ग 24-01. 05-02-2024. राष्ट्रीय।

आयोजित संगोष्ठियां

- प्रो. एस.एम. पटनायक, अध्यक्ष, मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय (संयोजक), ने 9 से 11 जुलाई 2024 तक दिल्ली विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग में राष्ट्रीय स्तर की डॉक्टरेट शोध संगोष्ठी का आयोजन किया।
- प्रो. एस.एम. पटनायक, अध्यक्ष, मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय (संयोजक), ने 10 सितंबर 2024 को जनजातीय अध्ययन केंद्र (सीटीएस), दिल्ली विश्वविद्यालय और स्वदेशी और औपनिवेशिक अध्ययन केंद्र (सीईआईसी), जुजुय राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, अर्जेंटीना के सहयोग से "स्वदेशी और जनजातीय अध्ययन: वैश्विक दक्षिण के परिप्रेक्ष्य" पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।
- प्रो. एस.एम. पटनायक, अध्यक्ष, मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय (संयोजक), और डॉ. अवितोली जी. झिमो (सह-संयोजक) ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में 16 नवंबर 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के सम्मेलन केंद्र में 'जनजातीय गौरव दिवस' का आयोजन किया।
- डॉ. शिवानी चंदेल, मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 25 से 27 नवंबर 2024 तक दिल्ली विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग में ग्लोबल पार्टनरिंग अवार्ड-एजिंग नेटवर्क: साउथ एशिया (SAAgeNet) की तीसरी ज्ञान विनिमय बैठक और शोध संगोष्ठी की मेजबानी और आयोजन किया।
- 20 मार्च 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग में "फोरेंसिक विज्ञान में नए मोर्चे" पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। दिल्ली विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. एस.एम. पटनायक ने अध्यक्ष के रूप में; प्रो. पी.आर. मंडल ने संयोजक के रूप में; और डॉ. मीनल ढल और डॉ. अबीगैल लालनुनेंग ने सह-संयोजक के रूप भूमिकाएँ निभाईं।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग की डॉ. नाओरेम किरणमाला देवी, प्रो. के.एन. सरस्वती और डॉ. अबीगैल लालनुनेंग द्वारा 'हाइपरटेंशन इन फोकस: स्वास्थ्य और कल्याण के लिए मानवशास्त्रीय अन्वेषण' विषय पर 25-26 मार्च, 2025 को सम्मेलन का आयोजन किया गया था। मानव विज्ञान विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय की डॉ. करिश्मा के. लेप्चा के सहयोग से आयोजन 21-22 अक्टूबर, 2024 तक आयोजन किया गया था और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोजित किया गया था।
- प्रोफेसर एस.एम. पटनायक, अध्यक्ष, मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय (संयोजक) और डॉ. अवितोली जी. झिमो (सह-संयोजक), जनजातीय अध्ययन केंद्र और

मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 25-26 मार्च, 2025 को 'भारतीय जनजातियाँ, संविधान और शासन' विषय पर सम्मेलन का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

अंतर्राष्ट्रीय

- डॉ. शिवानी चंदेल ने यूके के लैंकेस्टर विश्वविद्यालय में 10 से 11 मार्च 2025 तक आयोजित ग्लोबल पार्टनरिंग अवार्ड एजिंग नेटवर्क: साउथ एशिया (एसएएजीनेट) के चौथी शोध संगोष्ठी और ज्ञान विनिमय बैठक पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी में "दिल्ली-एनसीआर (पीएफसीएआई) के वृद्ध वयस्कों के दो समुदायों के बीच शारीरिक कमजोरी, संज्ञानात्मक हानि और इसके संबद्ध जैव-सामाजिक जोखिम कारक - एक प्रमुख परियोजना का परिचय" शीर्षक से एक अंतरराष्ट्रीय आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- डॉ. शिवानी चंदेल ने सनवे यूनिवर्सिटी, मलेशिया द्वारा आयोजित ग्लोबल पार्टनरिंग अवार्ड एजिंग नेटवर्क: साउथ एशिया (एसएएजीनेट) की दूसरी नॉलेज एक्सचेंज मीटिंग और रिसर्च संगोष्ठी में "समुदाय में रहने वाली भारतीय आबादी के मध्य नींद की गुणवत्ता और स्वास्थ्य एजिंग इंडेक्स (एचएआई) के बीच संबंध: एलएएसआई वेव-1 (2017-18) के निष्कर्ष" पर एक अंतरराष्ट्रीय आमंत्रित व्याख्यान दिया।

राष्ट्रीय

- डॉ. अबीगैल लालनुनेंग "मानव विज्ञान, मानव युग और पारिस्थितिकी तंत्र" विषय पर आयोजित आईएनसीएए गोलमेज सम्मेलन की पैनलिस्ट थीं और उन्होंने 21 फरवरी, 2025 को भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय, कोलकाता में "परिवर्तन का युग: पृथ्वी के भविष्य पर मानव प्रभाव" विषय पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. डी.वी. प्रसाद ने मानव विज्ञान विभाग, 2024 द्वारा 'अनुसूचित जनजाति और आजीविका: भूमि, श्रम और रोजगार' विषय पर संयुक्त रूप से आयोजित पैनल चर्चा में 'छत्तीसगढ़ में पीवीटीजी की आजीविका पर खनन का प्रभाव' शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. दुर्गा राव पेदादा ने मानव विज्ञान विभाग, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश द्वारा 8-9 मार्च, 2025 को आयोजित स्वदेशी ज्ञान और सतत समाज पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "वन संसाधन संरक्षण में स्वदेशी ज्ञान और विश्वास प्रणालियाँ: आंध्र प्रदेश के पूर्वी घाटों में विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के बीच एक अध्ययन" विषय पर एक व्याख्यान दिया।
- डॉ. दुर्गा राव पेदादा ने 21-22 अक्टूबर 2024 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित विजन विकसित भारत @2047 के अंतर्गत उच्च रक्तचाप

पर ध्यान केंद्रित: स्वास्थ्य और कल्याण के लिए मानवशास्त्रीय अन्वेषण पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "महामारी विज्ञान, रोग निवारण और पारंपरिक उपचारात्मक उपायों पर मानवशास्त्रीय दृष्टिकोण" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

- डॉ. मिताश्री श्रीवास्तव 5 नवंबर 2024 को अशोक होटल, नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ द्वारा आयोजित “एशिया को मजबूत बनाने में बुद्ध धम्म की भूमिका" विषय पर प्रथम एशियाई बौद्ध शिखर-सम्मेलन (एबीएस) में एक आमंत्रित वक्ता थीं और उन्होंने 'बोधगया में अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध धर्म: एक डिजिटल नृवंशविज्ञान से अंतर्दृष्टि' शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया (सत्र-1, दोपहर 12:30-13:40) तथा 6 नवंबर 2024 को एक प्रतिनिधि के रूप में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भी भाग लिया।
- डॉ. रमेश साहनी ने 21-23 फरवरी, 2025 तक आयोजित भारतीय मानव विज्ञान कांग्रेस, 2025 में "बाजरा: स्वास्थ्य और पर्यावरणीय मुद्दों के लिए चमत्कारी और कम लागत वाला समाधान" प्रस्तुत किया।
- डॉ. रमेश साहनी ने जनजातीय अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "भारतीय जनजातियाँ, संविधान और शासन" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "पूर्वी और मध्य भारत की जनजातियों के बीच स्वास्थ्य और पोषण विकास से संबंधित मुद्दे" प्रस्तुत किए। एवं मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 25-26 मार्च, 2025 तक आयोजित किया जाएगा।
- डॉ. शिवानी चंदेल ने 25-27 नवंबर 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत के मानव विज्ञान विभाग में आयोजित ग्लोबल पार्टनरिंग अवार्ड एजिंग नेटवर्क: साउथ एशिया (SAAgeNet) की तीसरी ज्ञान आदान-प्रदान बैठक और अनुसंधान संगोष्ठी में "एजिंग इन प्लेस: इंटीग्रेटिंग सोशल, एनवायर्नमेंटल एंड टेक्नोलॉजिकल सॉल्यूशंस" विषय पर एक व्याख्यान दिया।
- डॉ. शिवानी चंदेल ने दिल्ली विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग द्वारा 'हाइपरटेंशन इन फोकस: स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक मानवशास्त्रीय अन्वेषण' पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "वृद्ध वयस्कों में संज्ञानात्मक गिरावट में हाइपरटेंशन" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- प्रो. एस.एम. पटनायक ने 11 जुलाई 2024 को आदिवासी और जनजातीय अध्ययन अनुसंधान समिति 07, इंडियन सोशियोलॉजिकल सोसायटी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में 'भारत में जनजातीय नीति के लिए वर्तमान चुनौतियाँ: कुछ मुद्दे' विषय पर मुख्य भाषण दिया।
- प्रो. एस.एम. पटनायक 23 फरवरी, 2025 को भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से आईएनसीएए (भारतीय राष्ट्रीय परिसंघ और मानव

विज्ञान अकादमी) द्वारा आयोजित भारतीय मानव विज्ञान कांग्रेस 2025 (आईएसी) में भारतीय मानव विज्ञान कांग्रेस, 2025 गोलमेज "जाति-आधारित और 'मुख्यधारा' समुदायों से जनजातीय आबादी की पहचान करने के लिए एक पैमाना विकसित करना" के लिए एक पैनलिस्ट थे।

एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत छात्र

विदेश जाने वाले छात्र

- हार्वर्ड टी. एच. चैन स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ (एचएसपीएच), अमेरिका के साथ एक अकादमिक सहयोग के तहत, दिल्ली विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग की पीएचडी स्कॉलर सुश्री मोनिका बिष्ट ने सितंबर 2024 से जनवरी 2025 तक चार माह के विनिमय कार्यक्रम में भाग लिया। डॉ. विपियन गुप्ता के मार्गदर्शन में, इस कार्यक्रम को एनआईएच, अमेरिका द्वारा वित्त पोषित किया गया था। उन्होंने डॉ. जैमे हार्ट, एसोसिएट प्रोफेसर, पर्यावरण स्वास्थ्य विभाग, एचएसपीएच, बोस्टन, अमेरिका से पर्यावरणीय स्वास्थ्य में जोखिम आकलन पर उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग में डॉ. शिवानी चंदेल के मार्गदर्शन में कार्यरत पीएच॰डी॰ शोधार्थी सुश्री श्रोमोना दास ने अक्टूबर 2024 में यूनाइटेड किंगडम के रीडिंग विश्वविद्यालय में दो सप्ताह का ज्ञान विनिमय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया। इस कार्यक्रम को ग्लोबल पार्टनरिंग अवार्ड के दक्षिण एशियाई भागीदार - एजिंग नेटवर्क: साउथ एशिया (SAAgeNet) द्वारा वित्त-पोषित किया गया था। इस दौरान, उन्होंने रीडिंग विश्वविद्यालय में न्यूट्रीजेनेटिक्स और न्यूट्रीजेनोमिक्स के प्रोफेसर, प्रो. विमल करणी से प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग में डॉ. शिवानी चंदेल के मार्गदर्शन में डॉक्टरेट शोध अध्येता सुश्री इंद्रदीप कौर ने नवंबर 2024 में लैंकेस्टर विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम का एक सप्ताह का ज्ञान विनिमय प्रशिक्षण दौरा पूरा किया। ग्लोबल पार्टनरिंग अवार्ड के दक्षिण एशियाई भागीदार - एजिंग नेटवर्क: साउथ एशिया (SAAgeNet) द्वारा वित्त पोषित इस कार्यक्रम में प्रो. कैरोल हॉलैंड के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण शामिल था। इस दौरे के दौरान, उन्होंने सामुदायिक परिवेश में संज्ञानात्मक कमज़ोरी के मूल्यांकन के तरीकों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया, जिससे दिल्ली विश्वविद्यालय और लैंकेस्टर विश्वविद्यालय के बीच अंतर-सांस्कृतिक अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने में मदद मिली।

एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत भारत आने वाले छात्र

- लैंकेस्टर विश्वविद्यालय, यूके और दिल्ली विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग के बीच समझौता ज्ञापन के तहत, डॉ. डैनी कॉलिंग्रिज मूर, इंटरनेशनल ऑब्ज़र्वेटरी ऑन एंड ऑफ लाइफ, लैंकेस्टर विश्वविद्यालय में पोस्ट-डॉक्टरल फेलो ने 23 सितंबर से 11 अक्टूबर 2024 तक दिल्ली विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग का दौरा किया। इस आदान-प्रदान का समन्वयन SAAgeNet के छात्र विनिमय कार्यक्रम के तहत डॉ. शिवानी चंदेल द्वारा किया गया।
- लैंकेस्टर विश्वविद्यालय, यूके और दिल्ली विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग के बीच समझौता ज्ञापन के तहत, लैंकेस्टर विश्वविद्यालय मेडिकल स्कूल, यूके के वरिष्ठ अनुसंधान सहयोगी, डैनियल एलन ने 25 से 29 नवंबर 2024 तक दिल्ली विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग का दौरा किया। इस आदान-प्रदान का समन्वय SAAgeNet के छात्र विनिमय कार्यक्रम के तहत डॉ. शिवानी चंदेल ने किया।
- लैंकेस्टर विश्वविद्यालय, यूके और दिल्ली विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग के बीच समझौता ज्ञापन के तहत, लैंकेस्टर विश्वविद्यालय, यूके के पीएचडी छात्र, जेम्स स्मिथ ने 25 से 29 नवंबर 2024 तक दिल्ली विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग का दौरा किया। इस आदान-प्रदान का समन्वय SAAgeNet के छात्र विनिमय कार्यक्रम के तहत डॉ. शिवानी चंदेल ने किया।
- लैंकेस्टर विश्वविद्यालय, यूके और दिल्ली विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग के बीच समझौता ज्ञापन के तहत, जेम्स स्मिथ, डॉ. प्रियंका चौरसिया, सहायक प्रोफेसर, स्कूल ऑफ कंप्यूटिंग, इंजीनियरिंग और इंटेलिजेंट सिस्टम, अल्स्टर विश्वविद्यालय, यूके ने 18 से 22 मार्च 2025 तक दिल्ली विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग का दौरा किया। इस आदान-प्रदान का समन्वय डॉ. शिवानी चंदेल ने SAAgeNet के छात्र विनिमय कार्यक्रम के तहत किया।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियां

- पर्यावरण संबंधी पहल के तहत, विभाग ने गिव मी ट्रीज़ ट्रस्ट (पीपल बाबा) को मौलश्री के लगभग 2500 पौधे दान किए।
- डॉ. डी.वी. प्रसाद ने जगदलपुर स्थित बस्तर महिला महाविद्यालय में विश्व मानव विज्ञान दिवस के अवसर पर एक लोकप्रिय व्याख्यान दिया।

सामाजिक आउटरीच

- दिल्ली विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग ने रैगिंग के खिलाफ जागरूकता और एकता को बढ़ावा देने के लिए 12 अगस्त, 2024 को एंटी-रैगिंग दिवस मनाया, जिसके बाद 12 से 18 अगस्त, 2024 तक एंटी-रैगिंग सप्ताह मनाया गया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के जनजातीय अध्ययन केंद्र ने 9 अगस्त, 2024 को "विश्व मूलनिवासी व्यक्ति अंतर्राष्ट्रीय दिवस" का आयोजन किया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग ने 29 अक्टूबर, 2024 को प्रोफेसर मोहिंदर कुमार भसीन की स्मृति में एक शोक सभा आयोजित की।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के जनजातीय अध्ययन केंद्र ने 16 नवंबर, 2024 को जनजातीय गौरव दिवस 2024 का आयोजन किया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के जनजातीय अध्ययन केंद्र ने 26 नवंबर, 2024 को "75 वर्ष पूरे होने का महोत्सव" विषय के साथ संविधान दिवस 2024 का आयोजन किया।
- “भारतीय लोकतंत्र के वर्ष: मौलिक कर्तव्य और नागरिकों की ज़िम्मेदारियाँ: एक चर्चा" विषय के साथ संविधान दिवस 2024 का आयोजन किया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग ने 8 मार्च, 2025 को "महिलाओं का सम्मान" विषय के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. उपाधियों की संख्या

पीएच॰डी॰ : 15

संकाय सदस्यों की संख्या

कुल: 19 (उन्नीस) - (वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक - 06, एसोसिएट प्रोफेसर - 10 और सहायक प्रोफेसर - 03)

उपयोग की गई निधि (करोड़)

0.343844

आबंटित की गई निधि (करोड़)

0.3910871

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

मानव विज्ञान विभाग ने पिछले पाँच वर्षों (2019-2023) की शैक्षणिक गतिविधियों का दस्तावेजीकरण किया। अभिलेखीय सामग्रियों की हार्ड कॉपी संकलित कर प्रदर्शित की गई,

जिनमें पूर्व छात्रों की सहभागिता, छात्र जीवन के इतिहास, पीएच॰डी॰ शोधार्थियों की संख्या, शोध प्रकाशन, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और संबंधित फोटोग्राफिक रिकॉर्ड जैसे विषय शामिल थे।

विभाग ने 1 अप्रैल, 2024 से 31 मार्च, 2025 के बीच 10 से अधिक व्याख्यान आयोजित किए और वार्ताएँ आमंत्रित कीं। डॉ. एम.ए. कलाम ने प्रवासन अध्ययनों में प्रमुख चिंताओं का निराकरण किया; डॉ. रितु गैरोला खंडूरी (टेक्सास विश्वविद्यालय, अर्लिंग्टन) ने जनजातीय अध्ययनों में मानव विज्ञान के माध्यम से शिक्षा और उद्योग को जोड़ने पर व्याख्यान दिया; प्रो. ग्रिट किर्स्टिन कोएल्त्ज़्च (नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ़ जुजुय, अर्जेंटीना) ने सन्निहित नृवंशविज्ञान प्रथाओं और सांस्कृतिक ज्ञानमीमांसा पर दो व्याख्यान दिए; डॉ. डैनी कोलिंग्रिज मूर (लैंकेस्टर विश्वविद्यालय) ने वृद्धावस्था पर व्याख्यान दिया; और प्रो. थॉमस रॉयटर (मेलबर्न विश्वविद्यालय) ने संस्कृति और स्थिरता पर अपने व्याख्यानों को और आगे बढ़ाया। प्रो. रजत पावा (मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी) ने उपशामक देखभाल पर जानकारी साझा की, और डॉ. सीमाश्री बोरा (कॉटन यूनिवर्सिटी) ने माजुली, असम में द्वीप अध्ययनों की पड़ताल की। विधि विशेषज्ञ नौशिना अली ने नए आपराधिक कानूनों के फोरेंसिक निहितार्थों पर चर्चा की, और प्रोफेसर सौम्या वेंकटेशन (मैनचेस्टर विश्वविद्यालय) ने मानव विज्ञान में नैतिकता पर विचार व्यक्त किए; डॉ. क्रिथिगा श्रीधर ने भारत में कैंसर के कलंक पर अपनी बात रखी, प्रोफेसर एम.सी. अरुणकुमार (मणिपुर विश्वविद्यालय) ने भारत-म्यांमार सीमा पर पहचान का अन्वेषन प्रस्तुत किया; येशे चोडेन (भूटान की शाही सरकार) ने भूटान में सांस्कृतिक और शैक्षिक परिवर्तन के लिए उत्प्रेरक के रूप में अंतरिक्ष विज्ञान पर, और डॉ. प्रियंका चौरसिया (अल्स्टर विश्वविद्यालय) ने स्वास्थ्य के लिए सहायक प्रौद्योगिकियों पर चर्चा की।

इन शैक्षणिक आयोजनों के अलावा, विभाग ने आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से एसजीटीबी खालसा कॉलेज में यूजीसी-एमएमटीटीसी के तत्वावधान में 6-18 अप्रैल 2024 तक फोरेंसिक विज्ञान पर एक ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया, इस कार्यक्रम का नेतृत्व प्रो. एस.एम. पटनायक ने किया, जिसमें प्रो. पी.आर. मोंडल, डॉ. दुर्गा राव पेदादा, डॉ. रमेश साहनी और डॉ. अबीगैल लालनुनेंग ने प्रमुख समन्वय प्रदान किया।

***

वनस्पति विज्ञान विभाग

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

वनस्पति विज्ञान विभाग शिक्षण और अनुसंधान दोनों ही क्षेत्रों में निरंतर सक्रिय है। एम॰एससी॰ वनस्पति विज्ञान कार्यक्रम छात्रों को समग्र, प्रयोगात्मक और अंतःविषय शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से पादप विज्ञान से संबंधित विविध विषयों में शिक्षा प्रदान करता है। संकाय सदस्यों द्वारा प्रस्तुत अंतःविषय शोधपत्र शैवाल, ब्रायोफाइट्स, टेरिडोफाइट्स और जिम्नोस्पर्म से लेकर फसल पौधों और वनों तक, विभिन्न पादप प्रजातियों पर उच्च-गुणवत्तापूर्ण शोध में संलग्न हैं।

शोध प्रतिमानों में रूपात्मक, शारीरिक, आनुवंशिक, शारीरिक और जैव-रासायनिक अध्ययन, पारिस्थितिकी और पर्यावरण विज्ञान, व्यवस्थित विज्ञान और विकास, जीनोमिक्स, प्रोटिओमिक्स और ट्रांसजेनिक प्रौद्योगिकियों का उपयोग, पारिस्थितिक तंत्र का अध्ययन, संरक्षण, कृषि और पादप आधारित नैनो तकनीकी दृष्टिकोण शामिल हैं। शोध प्रतिमानों की यह व्यापक विविधता छात्रों को बहु-विषयक दृष्टिकोण और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है। संकाय सदस्यों के पास सक्रिय प्रकाशन प्रोफ़ाइल है और उनके कार्य को विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर मान्यता प्राप्त है। विभाग छात्रों और संकाय सदस्यों के लाभ के लिए पादप जीव विज्ञान के सभी पहलुओं के अग्रणी विशेषज्ञों द्वारा नियमित रूप से सेमिनार/व्याख्यान आयोजित करता है।

सम्मान/विभूतियां

छात्र

- एम.एससी. वनस्पति विज्ञान (अंतिम वर्ष) की छात्रा नमिता पठानिया ने शैक्षणिक सत्र 2024-2025 के दौरान एम.एससी. के प्रथम वर्ष में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए प्रो. एस. एस. भोजवानी पदक से सम्मानित किया गया, वनस्पति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 24 अप्रैल, 2025।
- एम.एससी. वनस्पति विज्ञान (अंतिम वर्ष) की छात्रा नमिता पठानिया ने शैक्षणिक सत्र 2024-2025 के दौरान पादपों का विकासात्मक जीव-विज्ञान विषय में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए प्रो. आर. एन. कपिल पदक से सम्मानित किया गया, वनस्पति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 24 अप्रैल, 2025।
- वनस्पति विज्ञान (अंतिम वर्ष) की छात्रा नमिता पठानिया ने शैक्षणिक सत्र 2024-2025 के दौरान फसल पादपों के रोगजनक और कीट विषय में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए प्रो. के. जी. मुखर्जी पदक से सम्मानित किया गया, वनस्पति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 24 अप्रैल, 2025।
- एम.एससी. वनस्पति विज्ञान (अंतिम वर्ष) की छात्रा नमिता पठानिया ने शैक्षणिक सत्र 2024-2025 के दौरान कोशिका और आणविक जीव-विज्ञान विषय में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए प्रो. एस.सी. गुप्ता पदक से सम्मानित किया गया, वनस्पति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 24 अप्रैल, 2025।
- एम.एससी. वनस्पति विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा शिवानी यादव ने आनुवंशिकी में प्रो. यू. के. सिन्हा पदक से सम्मानित किया गया, 24 अप्रैल, 2025।
- एम.एससी. वनस्पति विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा नेहा सहरावत ने प्रो. के.जी. मुखर्जी पदक से सम्मानित किया गया, 24 अप्रैल, 2025।

- एम.एससी. (द्वितीय वर्ष) की छात्रा स्तुति महेंद्र को अप्रैल 2025 में प्लांट बायोटेक्नोलॉजी और संसाधन उपयोग में प्रो. एच.वाई. मोहन राम पदक से सम्मानित किया गया।
- एम.एससी. (द्वितीय वर्ष) की छात्रा स्तुति महेंद्र को जेनेटिक्स और साइटोजेनेटिक्स में प्रो. यू.के. सिन्हा पदक से सम्मानित किया गया।
- एम.एससी. (द्वितीय वर्ष) की छात्रा शिप्रा शर्मा ने ग्रीन केमिस्ट्री नेटवर्क सेंटर, हिंदू कॉलेज द्वारा 9-10 नवंबर, 2023 को आयोजित ग्रीन केमिस्ट्री के बारह सिद्धांतों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और कार्यशाला में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति (पीजी श्रेणी) जीती।
- एम.एससी. की छात्रा शिप्रा शर्मा (द्वितीय वर्ष) को वनस्पति विज्ञान विभाग में पादप जैव प्रौद्योगिकी और संसाधन प्रबंधन में शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए प्रो. एच. वाई. मोहन राम पदक से सम्मानित किया गया, 24 अप्रैल, 2025।
- वनस्पति विज्ञान विभाग में एम.एससी. छात्रा जेसिका कन्ननथनम (द्वितीय वर्ष), 'जेनेटिक्स और साइटोजेनेटिक्स' पेपर में टॉपर रहीं और उन्हें इसके लिए प्रो. यू.के. सिन्हा पदक से सम्मानित किया गया।
- एम.एससी. वनस्पति विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा निशिका रवि को एम.एससी. वनस्पति विज्ञान प्रीव में रैंक 1 प्राप्त करने के लिए हिंदू कॉलेज द्वारा शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 17 फ़रवरी, 2025।

प्रकाशन

- राजपाल, वी. आर., प्रकाश, एस., मेहता, एस., मिंकिना, टी., राजपूत, वी. डी., और देसवाल, आर. (2024), धात्विक नैनोमटेरियल द्वारा पौधों में अजैविक तनावों को कम करने पर एक व्यापक समीक्षा: संभावनाएँ और चिंताएँ। स्वच्छ प्रौद्योगिकी और पर्यावरण नीति, 26(11), 3595-3633. https://doi.org/10.1007/s10098-023-02561-9 ।
- सैनी, एन., मोडोलो, एल. वी., देसवाल, आर., सेहरावत, ए., यादव, एन., और सांगवान, एन. एस. (2024), पौधों में अजैविक तनाव के तहत हाइड्रोजन सल्फाइड और नाइट्रिक ऑक्साइड के बीच क्रॉसटॉक की भूमिकाओं का विस्तार। पादप शरीरक्रिया विज्ञान और जैव रसायन, 108852. https://doi.org/10.1016/j.plaphy.2024.108852 ।
- बाबूता, पी., और देसवाल, आर. (2024), ब्रैसिका जंसिया से प्राप्त शुद्ध एस-नाइट्रोसोग्लूटाथियोन रिडक्टेस (जीएसएनओआर) का विभेदक एस-नाइट्रोसिलेशन और लक्षण वर्णन एंजाइमों के कई रूपों को दर्शाता है। पादप शरीरक्रिया विज्ञान और जैव रसायन, 108404. https://doi.org/10.1016/j.plaphy.2024.108404 ।

- ध्यानी, ए., कसाना, एस. और उनियाल, पी.एल. (2025). बारकोड से जीनोम तक: ब्रायोफाइट अनुसंधान में आणविक अन्वेषण का एक नया युग। पादप विज्ञान में अग्रणी। 15,1500607.15:1500607. https://doi.org/10.3389/fpls.2024.1500607 ।
- एरन, के., गिरी, पी., रॉय, एच. और उनियाल, पी.एल. (2024). भारत में अरुणाचल प्रदेश से सेलाजिनेला की कुछ प्रजातियों में मेगास्पोर्स का वर्गिकीय महत्व. माइक्रोस्कोपी अनुसंधान और तकनीकें. 87(7), 1413-1428. https://doi.org/10.1002/jemt.24513।
- चेतिया, टी., रॉय, एच. और उनियाल, पी.एल. (2024), डाइफिसियम म्यूक्रोनिफोलियम (ब्रायोफाइटा, डाइफिसियल्स, डाइफिसियासी): असम (भारत) के ब्रायोफाइट फ्लोरा में वर्धन, लिलोआ 61 (2), 167-171. https://doi.org/10.30550/j.lil/1962 ।
- चिम्यांग, एन., मोसांग, पी., ध्यानी, ए., एवलिन, एच., उनियाल, पी.एल., सिंह, डी., पॉल, एम. और नसीम, अली, एस.के. (2024), अरुणाचल प्रदेश, भारत के लिवरवॉर्ट फ्लोरा (मार्चेंटियोफाइटा) में वर्धन। जर्नल ऑफ थ्रेटन्ड टैक्सा, 16(6), 25410-25421. https://doi.org/10.11609/jott.9044.16.6.25410-25421 ।
- कुमारी, पी., भाटिया, एम., गिरि, पी. और उनियाल, पी.एल. (2024), माइकोराइजल एसोसिएशन और टेरिडोफाइट्स के साथ इसका संबंध। फ्रंटियर्स इन माइक्रोबायोलॉजी, 15,1406891. https://doi.org/10.3389/fmicb.2024.1406891 ।
- यादव, पी., खत्री, एन., गुप्ता, आर. और मुदगिल, वाई. (2024), नमक तनाव के तहत एराबिडोप्सिस जी-प्रोटीन β सबयूनिट AGB1 उत्परिवर्ती की प्रोटिओमिक प्रोफाइलिंग। पौधों का शरीरक्रिया विज्ञान और आणविक जीव-विज्ञान, 30(4) 571-576.https://doi.org/10.1007/s12298-024-01448-3 ।
- शर्मा, पी., कौशल, एस., टंडन, आर., गोयल, एस., और बैश्य, आर. (2025)। विथानिया सोम्नीफेरा (एल.) डनल में पादप वृद्धि को बढ़ावा देने वाले जीवाणुओं और अर्बुस्कुलर माइकोराइजल कवक द्वारा प्रेरित लवणता सहनशीलता। जर्नल ऑफ प्लांट ग्रोथ रेगुलेशन, https://doi.org/10.1007/s00344-025-11672-0 ।
- कौशल, एस. और बैश्य, आर. (2024), समावेशी भारतीय मध्य हिमालयी मृदा कार्बन अनुमान महत्वपूर्ण एसआईसी योगदान और कालिक गतिशीलता को रेखांकित करते हैं: कार्बन पृथक्करण पर प्रभाव। जर्नल ऑफ एनवायरनमेंटल मैनेजमेंट. 372: 123312. https://doi.org/10.1016/j.jenvman.2024.123312 ।
- शिल्की, बैश्य, आर. और सैकिया, पी. (2024), विभिन्न जैव-रासायनिक मापदंडों के आधार पर हरित पट्टी विकास और प्रदूषण न्यूनीकरण हेतु दिल्ली के शहरी स्ट्रीट वृक्षों की पहचान। पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान, 31, 54962–54978 https://doi.org/10.1007/s11356-024-34802-9 ।

- मृदा सूक्ष्मजीवी जैवभार और एंजाइमी गतिविधि पर मौसमी, काई आवरण और वन प्रकारों का प्रभाव: हिमालय से एक पर्यावरणीय परिप्रेक्ष्य। कैटेना, 244:108269 https://doi.org/10.1016/j.catena.2024.108269 ।
- कसाना, एस. (2025), रॉक्सबर्ग के प्रमुख नाम रॉक्सब (एनाकार्डिएसी) के नामकरण को स्पष्ट करना। जर्नल ऑफ थ्रेटेंड टैक्सा, 17(3), 26744–26746. https://doi.org/10.11609/jott.9443.17.3.26744-26746 ।
- अनिष्या और कसाना, एस. (2025), आश्चर्यजनक जल शो: मगरमच्छ बार्क ट्री के रहस्यों को उजागर करना। साइंस रिपोर्टर, 62, 36-37. https://sciencereporter.niscpr.res.in/home/article/1300 ।
- अनिष्या, देवी, आर. एस., और कसाना, एस. (2024), डेरिस सेकुंडा बेकर (फैबेसी) का प्रकारीकरण। प्लीओन, 18(2), 232–233. https://doi.org/10.26679/pleione.18.2.2024.232-233
- लुंगफी, पी., कंगना, एस., सिंह, ए. वी., दास, ए. पी., और कसाना, एस. और अरूप के. दास (2024), ज़िंगिबर सियांगिनेंस टैटम (ज़िंगिबरेसी) की वर्गीकरण पहचान और ज़िंगिबर ऑफ़िसिनेल रोस्को के पर्याय से इसका पुनरुत्थान। प्लीओन, 18(3), 387–392. https://doi.org/10.26679/Pleione.18.3.2024.387-392
- पांडे, ए. के., चौधरी, आर. के., द्विवेदी, एम. डी., और कसाना, एस. (2024), पादप आणविक प्रणाली विज्ञान: प्रयोगशाला मैनुअल (प्रथम संस्करण)। दीपिका बुक एजेंसी, भारत।
- कसाना, एस., उनियाल, पी.एल., और पांडे, ए.के. (2024), भारत में उप-जनजाति सॉसुरेनी (एस्टेरेसी, कार्डुएई)। "पादपों और सूक्ष्मजीवों की विविधता: संरक्षण और पारंपरिक उपयोग" नामक पुस्तक में (पृष्ठ 77-92), बिशन सिंह महेंद्र पाल सिंह, देहरादून, भारत।

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

- पांडे, ए.के., चौधरी, आर., द्विवेदी, एम.डी., और कसाना, एस. (2024), पादप आणविक प्रणाली विज्ञान - प्रयोगशाला मैनुअल। दीपिका बुक एजेंसी, आईएसबीएन:: 978-81-976745-1-8.

अनुसंधान परियोजनाएं

- डॉ. रतुल बैश्य को पीआई के रूप में “मृदा स्वास्थ्य को बढ़ाने में जैविक मृदा क्रस्ट (बीएससी) की भूमिका का मूल्यांकन: शुष्क और अर्ध-शुष्क पारिस्थितिकी प्रणालियों में मृदा श्वसन, पोषक चक्रण और एंजाइमेटिक गतिविधियों पर प्रभाव” नामक शोध परियोजना के लिए 6 लाख रुपये मंजूर किए गए हैं। यह अनुदान इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस (आईओई), एफआरपी अनुदान द्वारा प्रदान किया गया है और सितंबर 2024 से मई 2025 तक की अवधि को कवर करता है।

- प्रो. रेणु देसवाल को "रूढ़िवादिता से परे: फेलोशिप का तुलनात्मक विश्लेषण, भारतीय विज्ञान अकादमियों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व" नामक शोध परियोजना के लिए 71,145/- रुपये (£625) की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान बायोकेमिकल सोसाइटी के विज्ञान में विविधता अनुदान द्वारा प्रदान किया गया है और जुलाई, 2024 से फरवरी 2025 तक की अवधि के लिए है।
- प्रो. रेणु देसवाल को "नैनो-प्रोटिओमिक्स दृष्टिकोण का अनुसरण करते हुए भारतीय सरसों (ब्रैसिका जंसिया) में नैनो-जैव अंतःक्रियाओं को समझना" नामक शोध परियोजना के लिए 6,00,000/- रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, डीयू द्वारा प्रदान किया गया है और सितंबर, 2024 से मार्च 2025 तक की अवधि के लिए है।
- प्रो. यशवंती मुदगिल को 'अरबीडोप्सिस थालियाना में जी प्रोटीन के एनडीएल1-एजीबी1 मॉड्यूल के मेटल स्ट्रेस इंटरैक्टोम का लक्षण वर्णन: फसल सुधार के लिए उपकरण रणनीतियाँ' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 5494148/- रुपये का अनुदान स्वीकृत किया गया है। यह अनुदान अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान प्रतिष्ठान द्वारा प्रदान किया गया है और दिसंबर 2024 से नवंबर 2027 तक की अवधि के लिए है।

आयोजित संगोष्ठियां

- दिल्ली विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग (डीयूबीएस) के सहयोग से "नैनो-प्रोटिओमिक्स कार्यशाला: टिकाऊ और तनाव-प्रतिरोधी फसल उत्पादन के लिए कार्यबल प्रशिक्षण" पर 5वीं पादप प्रोटिओमिक्स कार्यशाला 24 से 30 दिसंबर, 2024 तक दिल्ली विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में आयोजित की गई जिसका प्रायोजन जैव प्रौद्योगिकी विभाग तथा भारतीय प्रोटिओमिक्स सोसाइटी द्वारा किया गया था।
- अनुदान आयोग (यूजीसी), नई दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष प्रो. वेद प्रकाश ने 11 नवंबर, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में "प्रोफेसर पंचानन माहेश्वरी स्मृति व्याख्यान - 2024" में एक स्मारक व्याख्यान दिया।
- प्रो. शेखर सी. मांडे, पूर्व महानिदेशक, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), नई दिल्ली को गुरुवार, 14 नवंबर, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में आयोजित दिल्ली विश्वविद्यालय वनस्पति सोसायटी (डीयूबीएस) के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के पर्यावरण अध्ययन विभाग की पर्यावरण प्रदूषण प्रयोगशाला (ईपीएल) के सहयोग से "शहरी ऊष्मा द्वीप और शहरी पारिस्थितिकी तंत्र में मानव स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की उभरती चुनौतियों के बारे में जागरूकता का प्रसार" विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला 5-6 अगस्त, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में आयोजित की गई।

- बागवानी प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएचटी), ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश के सहयोग से दिल्ली विश्वविद्यालय वनस्पति विज्ञान सोसायटी (डीयूबीएस), वनस्पति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007, भारत द्वारा आयोजित 'हाइड्रोपोनिक्स में जैव-उद्यमिता' शीर्षक से कार्यशाला और व्यावहारिक प्रशिक्षण, दिनांक: 4-5 अक्टूबर, 2024, स्थान: वनस्पति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

सेमिनार/सम्मेलन में प्रस्तुति (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

अंतर्राष्ट्रीय

- ए., सिवाच, वाई., रुई, आर. बैश्य, और ई. जे., क्लादिवको ने "सॉइल साइंस सोसाइटी ऑफ अमेरिका 2024 बौयूकोस समर कॉन्फ्रेंस" पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "दक्षिणपूर्वी इंडियाना में मक्का-सोयाबीन रोटेशन में जैविक मृदा स्वास्थ्य पर अनाज राई कवर फसलों का दीर्घकालिक प्रभाव" शीर्षक से एक पोस्टर प्रस्तुति दी, सैन जुआन, प्यूर्टो रिको, यूएसए, 10-12 जून, 2024.
- ए., सिवाच, बी., जोशी, वाई., रुई, आर. बैश्य, और ई.जे., क्लादिवको ने एसएसएसए अंतर्राष्ट्रीय वार्षिक बैठक पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "मृदा जैविक गुण: कवर फसलों और टेम्पोरल पैटर्न का प्रभाव" शीर्षक से एक पोस्टर प्रस्तुति दी, सैन एंटोनिया, टेक्सास, यूएसए, 10-13 नवंबर, 2024।
- ए., सिवाच, वाई., जू, आर., बैश्य, जे. पंपानेन, और क्यू., झुआंग ने "अमेरिकन जियोफिजिकल यूनियन (एजीयू) 2024 वार्षिक बैठक" पर तक आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "कनाडा में मिट्टी के थर्मल, नमी और कार्बन गतिशीलता में काई की भूमिका को निर्धारित करना" शीर्षक से एक पोस्टर प्रस्तुति दी, वाशिंगटन, डीसी, यूएसए, 9 से 13 दिसंबर, 2024।

राष्ट्रीय

- पी.एल. उनियाल और महक कौर ने थापर विश्वविद्यालय, पटियाला, भारत द्वारा जैव प्रौद्योगिकी, जैव विनिर्माण और जैव अर्थव्यवस्था (बायो 3) पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "फंगस से फैब्रिक तक: टिकाऊ माइक्रोबियल टेक्सटाइल डाई के विकास के लिए एंडोफाइटिक फंगस टैलारोमाइसीज सीपीईएफ04 की खोज" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। 20-22 फरवरी, 2025।
- पी. एल. उनियाल ने सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ द्वारा 9-11 दिसंबर, 2024 के दौरान क्रिप्टोगैम अनुसंधान में प्रगति और परिप्रेक्ष्य पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "उत्तराखंड के गैप और गैर-गैप क्षेत्रों में विविधता और प्रदर्शन" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।

- आर. देसवाल ने तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय के जीवन-विज्ञान संकाय और आईएआरआई-चावल प्रजनन एवं आनुवंशिकी अनुसंधान केंद्र में 18 मार्च, 2025 को आयोजित संगोष्ठी में "जीवन के लिए प्रोटिओमिक्स पर राष्ट्रीय संगोष्ठी: पौधों और सूक्ष्मजीवों में प्रोटीनों की अंतर और अंतर-क्रिया" में एक सत्र की अध्यक्षता की और "प्रोटिओम विश्लेषण: ब्रैसिका पत्ती क्यूटिकल एक जीवंत आवरण दर्शाता है" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।
- आर. देसवाल ने ग्राफिक एरा (मानित विश्वविद्यालय), देहरादून में 5 से 6 मार्च, 2025 तक आयोजित "हिमालय में मूल्य श्रृंखला के विकास और पर्यावरण संरक्षण हेतु सीबकथॉर्न प्रौद्योगिकियों के चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन" में एक सत्र की अध्यक्षता की और "विभिन्न ऊँचाइयों पर तनाव के तहत शारीरिक अनुकूलन को समझने हेतु भारतीय सीबकथॉर्न के प्रोटीन विश्लेषण" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- बंसल एस. और देसवाल आर. ने दिल्ली विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में 4 मार्च 2025 को आयोजित "शहरी पारिस्थितिकी तंत्र में मानव स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की उभरती चुनौतियों के बारे में जागरूकता फैलाने के तत्वावधान में शहरी अपशिष्ट प्रबंधन और सतत समाधान पर राष्ट्रीय सम्मेलन" विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला में "पर्यावरण-अनुकूल नैनो प्रौद्योगिकी: सतत नैनो-अपशिष्ट न्यूनीकरण हेतु हरित-संश्लेषित नैनोकण" पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।
- खट्टा यू. और देसवाल आर. दिल्ली विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में ने 4 मार्च 2025 को आयोजित "शहरी पारिस्थितिकी तंत्र में मानव स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की उभरती चुनौतियों के बारे में जागरूकता फैलाने के तत्वावधान में शहरी अपशिष्ट प्रबंधन और सतत समाधान पर राष्ट्रीय सम्मेलन" पर राष्ट्रीय कार्यशाला में "बुद्धिमान पैकेजिंग के लिए कृषि अपशिष्ट उपयोग: खराब होने का पता लगाने और एंटीऑक्सीडेंट गुणों के साथ एक बायोडिग्रेडेबल फिल्म" पर पोस्टर प्रस्तुत किया।
- आर. देसवाल ने पालमपुर, भारत में 25 से 28 फरवरी, 2025 तक आयोजित ईएमबीओ कार्यशाला "बदलती जलवायु में उच्च उन्नयन पादप अनुकूलन" (एचईपीएसी) में "भारतीय सीबकथॉर्न के शीत/हिम सहनशीलता लक्षणों के विश्लेषण हेतु प्रोटीन विश्लेषण" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- आर. देसवाल ने दिल्ली विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में 27 दिसंबर 2024 को आयोजित "नैनो-प्रोटिओमिक्स कार्यशाला: सतत और तनाव-प्रतिरोधी फसल उत्पादन हेतु कार्यबल का प्रशिक्षण" में "पौधों में प्रोटीन कोरोना अनुसंधान का वर्तमान परिदृश्य" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

- आर. देसवाल ने 21 नवंबर 2024 को आयोजित "प्रोटिओमिक्स सोसाइटी, भारत की 16वीं वार्षिक बैठक और जैविक अनुसंधान को समझने के लिए एकीकृत ओमिक्स दृष्टिकोण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" के एक सत्र की अध्यक्षता की।
- आर. देसवाल ने राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान संस्थान (एनआईपीजीआर), नई दिल्ली, भारत में डीबीटी-सहज अवसंरचना द्वारा मुक्त कणों के मापन पर 17 सितंबर 2024 को आयोजित पहली व्यावहारिक कार्यशाला में "पौधों में एक शारीरिक चौराहे पर आरओएस और आरएनएस" पर एक मुख्य व्याख्यान दिया।
- आर. देसवाल ने राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान संस्थान (एनआईपीजीआर), नई दिल्ली, भारत में डीबीटी-सहज अवसंरचना द्वारा मुक्त कणों के मापन पर 17 सितंबर 2024 को पहली व्यावहारिक कार्यशाला में "आरओएस एंड आरएनएस एट ए फीजिओलॉजिकल क्रॉसरोड इन प्लांट्स" पर एक मुख्य व्याख्यान दिया।
- आर. देसवाल ने हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत के वनस्पति विज्ञान विभाग और एमएच-एमएमटीटीसी द्वारा 1 अप्रैल 2024 को आयोजित "कृषि में क्रांति; तकनीकी नवाचारों पर नवीन परिप्रेक्ष्य" विषय पर संकाय विकास कार्यक्रम में "नैनो-जैव अंतःक्रिया को समझने और नैनो-जैव अभियांत्रिकी को समझने के लिए पादप (ब्रैसिका जंसिया) प्रोटीन कोरोना का विच्छेदन" विषय पर एक उद्घाटन व्याख्यान दिया।
- एस. कसाना ने गुवाहाटी विश्वविद्यालय, असम के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा 26-28 सितंबर, 2024 को आयोजित "वर्गीकरण के विशेष संदर्भ में सतत भविष्य के लिए जैव विविधता" विषय पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन में "पादप विज्ञान में अनुसंधान पद्धति: वर्तमान रुझान और चुनौतियाँ" शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- एस. कसाना ने केटीएचएम कॉलेज, नासिक, महाराष्ट्र द्वारा उभरते विद्वानों के लिए अनुसंधान पद्धति पर 18-19 अक्टूबर, 2024 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "पादप विज्ञान में अनुसंधान पद्धति: वर्तमान रुझान और चुनौतियाँ" शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

अन्य अंतर-सांस्थानिक सहयोग

- असम में ब्रायोफाइट विविधता की खोज के लिए 15 अप्रैल, 2024 से कॉटन यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी, असम के साथ सहयोग। इस साझेदारी का उद्देश्य छात्रों को ब्रायोफाइट बायोसिस्टमेटिक्स में प्रशिक्षित करना है। इस सहयोग का उद्देश्य क्षमता निर्माण कार्यशालाओं और साझा प्रकाशनों को भी समर्थन देना है।
- असम के उधमपुर जिले में ब्रायोफाइट विविधता और पारिस्थितिक अध्ययन की खोज के लिए 12 सितंबर, 2024 से जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू के साथ सहयोग। इस साझेदारी का

उद्देश्य छात्रों को ब्रायोफाइट बायोसिस्टमेटिक्स में प्रशिक्षित करना है। इस सहयोग का उद्देश्य क्षमता निर्माण कार्यशालाओं और साझा प्रकाशनों को भी समर्थन देना है।

आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र

पईयू विश्वविद्यालय, यूएसए और दिल्ली विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के साथ चल रहे शैक्षणिक सहयोग के एक भाग के रूप में, पीएच॰डी॰ छात्रा सुश्री अंशु सिवाच ने अगस्त 2023 से अगस्त 2024 तक एक वर्ष के विदेशी प्रशिक्षण में भाग लिया। प्रशिक्षण के अंतर्गत छात्राओं ने "वर्तमान और भविष्य के जलवायु परिदृश्यों में स्थलीय पारिस्थितिकी तंत्र मॉडल (टीईएम) का उपयोग करके मिट्टी के ताप, नमी और कार्बन गतिकी पर काई के प्रभाव का मॉडलिंग" पर केंद्रित प्रयोगशाला-आधारित शोध में भाग लिया। एसईआरबी और पईयू विश्वविद्यालय द्वारा समन्वित, इस कार्यक्रम को पईयू विश्वविद्यालय में भारत के विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (SERB) ओवरसीज विजिटिंग डॉक्टरेट फेलोशिप प्रोग्राम (ओवीडीएफ) के अंतर्गत वित्त-पोषित किया गया था। छात्रा की अंतर-सांस्कृतिक समझ का संवर्धन हुआ और उसने अपने शोध कार्य से संबंधित बहुमूल्य शोध कौशल विकसित किए। इस योजना के परिणामस्वरूप छात्राओं ने सीएटीईएनए, एल्सेवियर पत्रिका में एक लेख प्रकाशित किया।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियां

- ज़ाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज के 35 छात्र 5 मई, 2024 को शैक्षिक उद्देश्य से वनस्पति विज्ञान विभाग की हर्बेरियम सुविधा देखने आए।
- दिल्ली विश्वविद्यालय वनस्पति विज्ञान सोसाइटी (डीयूबीएस) का समापन समारोह गुरुवार, 24 अप्रैल, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में आयोजित किया गया।
- एसजीटीबी खालसा कॉलेज के छात्र 11 अप्रैल, 2025 को शैक्षिक उद्देश्य से वनस्पति विज्ञान विभाग की हर्बेरियम सुविधा देखने आए।
- भास्कराचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज के 41 छात्र 5 अप्रैल, 2024 को शैक्षिक उद्देश्य से वनस्पति विज्ञान विभाग की हर्बेरियम सुविधा देखने आए।
- मिरांडा हाउस के 38 छात्र 28 मार्च, 2025 को शैक्षिक उद्देश्य से वनस्पति विज्ञान विभाग की हर्बेरियम सुविधा देखने आए।
- सीपीए कॉलेज ऑफ ग्लोबल स्टडीज, पुथनाथानी, मलप्पुरम जिला, केरल (कालीकट विश्वविद्यालय, केरल से संबद्ध) के 27 छात्र 29.01.2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में हर्बेरियम, संग्रहालय, पुस्तकालय और अनुसंधान प्रयोगशालाओं को देखने आए।

- दिल्ली विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में खेल दिवस समारोह - "प्रयास" का आयोजन 25 जनवरी, 2025 को किया गया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में दिल्ली विश्वविद्यालय वनस्पति सोसायटी (डीयूबीएस) का उद्घाटन समारोह 14 नवंबर, 2024 को आयोजित किया गया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में 'दिल्ली विश्वविद्यालय वनस्पति सोसायटी (यूबीएस) के 75 वर्ष, पूर्व-छात्र और वनस्पति विज्ञान शिक्षक सम्मेलन' नामक बैठक 9 नवंबर, 2024 को आयोजित की गई।

प्रदान की गईं एम.फिल./पीएच.डी. डिग्रियों की संख्या

पीएच॰डी॰ : 13

संकाय सदस्य संख्या

कुल: 19 (उन्नीस) - (वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक - 13, एसोसिएट प्रोफेसर - 03 और सहायक प्रोफेसर - 03)

उपयोग की गई निधियां (करोड़)

1.40 करोड़ रु॰

आबंटित की गई निधियां (करोड़)

0.75 करोड़ रु॰

***

रसायन विज्ञान

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

रसायन विज्ञान विभाग देश के प्रमुख शिक्षण और अनुसंधान विभागों में से एक है। यहाँ अनुसंधान के क्षेत्रों का दायरा व्यापक है, जिसमें रासायनिक जीव विज्ञान, सिंथेटिक कार्यप्रणाली विकास, इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री, पॉलिमर, जैव-कार्बनिक, समन्वय, हरित पदार्थ, औषधीय, प्राकृतिक उत्पाद, नैनो- और सिंथेटिक रसायन विज्ञान पर प्रायोगिक से लेकर सैद्धांतिक अध्ययन शामिल हैं। पिछले एक वर्ष में, संकाय सदस्यों ने उच्च-प्रभावी समकक्ष-समीक्षित पत्रिकाओं में 150 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए और 39 पीएच॰डी॰ उपाधियाँ प्रदान की गईं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग करने के अलावा, संकाय सदस्यों को राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और विभिन्न संस्थानों में मुख्य भाषण, पूर्ण-सत्र और आमंत्रित व्याख्यानों के माध्यम से अपने काम को साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया। संकाय द्वारा प्राप्त

बाह्य अनुसंधान परियोजनाओं ने अत्याधुनिक प्रयोगशाला सुविधाओं के विकास और उन्नयन और युवा शोध विद्वानों के प्रशिक्षण में सहायता की। कई संकाय सदस्यों को प्रतिष्ठित पदक, सम्मान और पुरस्कार प्रदान किए गए। विभाग से स्नातक करने वाले कई एम.एससी. छात्रों ने प्रतिष्ठित वैश्विक संस्थानों में रसायन विज्ञान में पीएच॰डी॰ करने का विकल्प चुना।

सम्मान/विशिष्टताएं

संकाय

प्रो. एम. डी. मिल्टन - मार्च 2025 में सैन डिएगो, कैलिफ़ोर्निया (अमेरिका) में अमेरिकन केमिकल सोसाइटी (एसीएस) की स्प्रिंग मीटिंग 2025 के दौरान रासायनिक सुरक्षा पर एसीएस समिति की बैठक में भाग लिया।

प्रो. एम. डी. मिल्टन - रासायनिक सुरक्षा पर एसीएस समिति (2024, 2025) में एसोसिएट सदस्य के रूप में कार्य कर रहीं हैं (भारत से एकमात्र सदस्य)।

प्रो. एम. डी. मिल्टन - उनकी प्रयोगशाला का "अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 का उत्सव: पदार्थ विज्ञान में महिलाएँ" शीर्षक से एक शोध लेख रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री के विषय आधारित संग्रह में शामिल किया गया था।

प्रो. राजीव गुप्ता - भारतीय विज्ञान अकादमी के निर्वाचित फेलो - जनवरी 2025॰

प्रो. रामेंद्र प्रताप - दिल्ली विश्वविद्यालय, 2024-2025 का सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार।

प्रोफेसर संदीप कौर - भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय और रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री, यूके के सहयोग से बियॉन्ड ब्लैक द्वारा प्रकाशित पुस्तक "शी इज़ - 75 वीमेन इन केमिस्ट्री" के चौथे संस्करण में 75 महिलाओं में से एक के रूप में चयनित।

डॉ. पुष्पपाल घोष - 2025-2028 के कार्यकाल के लिए सोसाइटी फॉर मैटेरियल्स केमिस्ट्री (एसएमसी), (भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, भारत सरकार) की कार्यकारी परिषद के सदस्य चुने गए।

डॉ. शिव कुमार - रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री (आरएससी), यूके द्वारा 16 दिसंबर 2024 को "आरएससी शोधकर्ता सहयोग अनुदान" से सम्मानित, नए शोध सहयोग स्थापित करने के लिए £5000॰

छात्र

प्रकाशन

ठाकुर, डी., मीना, एस. ए., सुष्मिता, और वर्मा, ए. के. (2025), ऑर्थो-एल्काइनिलएल्डिहाइड्स की प्रतिक्रियाशीलता का उपयोग: फॉस्फोनिलेटेड फ्लोरोसेंट अणुओं का सिल्वर ट्राइफ्लेट उत्प्रेरित रीजियोसेलेक्टिव संश्लेषण। *सिंथेसिस, 57*, 176-188. http://dx.doi.org/10.1055/a-2356-8347

मीना, एस. ए., ठाकुर, डी., नंदी, ए., रंजन, आर., राय, ए., बनर्जी, एस. और वर्मा, ए. के. (2024), 1,6-एनाइन साइक्लोप्रोपेनेशन का संक्रमण-धातु मुक्त, मूलक ऑक्सीकरण: एज़ा-बाइसाइक्लो [4.1.0] हेप्टेन व्युत्पन्नों का संश्लेषण। *कैमिकल कमन्यु 60*, 9230-9233. https://doi.org/10.1039/D4CC02639J

ठाकुर, डी., सुष्मिता, मीना, एस. ए., और वर्मा, ए. के. (2024), फॉस्फोरस हेटरोसाइकल्स की सिंथेटिक रणनीतियों में उन्नति: संश्लेषण से ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक पदार्थों के उभरते वर्ग तक की हालिया प्रगति। *केम. रेक., 24,* e202400058. https://doi.org/10.1002/tcr.202400058

शर्मा, एम., ठाकुर, डी., निधि, और वर्मा, ए. के. (2024), धातु-उत्प्रेरित युग्मन अभिक्रियाओं में एक स्थायी लिगैंड के रूप में बेंज़ोट्रियाज़ोल का उपयोग। *कैमिकल कमन्यु., 60,* 12840-12851. https://doi.org/10.1039/D4CC04450A

मीना, एस. ए., ठाकुर, डी., पांडा, डी., रंजन, आर., और वर्मा, ए. के. (2025), दृश्य प्रकाश ने एज़ा-1,6-एनाइंस से क्रियाशील सक्सिनिमाइड्स के धातु और ऑक्सीडेंट-मुक्त त्रिविम-चयनात्मक संश्लेषण को बढ़ावा दिया। *आरएससी सस्टेनेबिलिटी*,, *3,* 592-598. https://doi.org/10.1039/D4SU00753K

मुस्कान, और वर्मा, ए. के. (2025), आणविक आयोडीन-मध्यस्थ एक-पॉट अनुक्रमिक आयोडोसाइक्लाइज़ेशन-डीकार्बोक्सिलेटिव प्रोटोडिआयोडिनेशन: सघन रूप से क्रियाशील बेंजोफुलवेन्स तक पहुँच। *ऑर्ग. लेट.*, *27*, 2328-2333. https://doi.org/10.1021/acs.orglett.4c04837

ठाकुर, डी., मीना, एस. ए., शर्मा, एम., और वर्मा, ए. के. (2025), 1,3-एलिल प्रवास के माध्यम से एन-एलिल-2-एल्काइनिलैनिलिन और α-डायज़ो यौगिकों से क्रियाशील इंडोल्स का स्वर्ण/चाँदी-उत्प्रेरित संश्लेषण। *केम. कम्यून.*, *61*, 5313-5316. https://doi.org/10.1039/D5CC00461F

पांडा, डी., मीना, एस. ए., शर्मा, एम., ठाकुर, डी., और वर्मा, ए. के., (2025), 2-एल्काइनिल इंडोल-3-कार्बोनाइट्राइल्स: क्रियाशील 4-एमिनोकार्बाज़ोल्स के रीजियोसेलेक्टिव संश्लेषण के लिए संश्लेषण। *जे. ऑर्ग. केम.*, *90*, 4606-4619. https://pubs.acs.org/doi/10.1021/acs.joc.4c03163

मनीषा, कुमार, ए., आबिद, एम., अहमदी, डी., मंज़ूर, एन., आलम, आर., और जैन, पी. (2025), बाइडेंटेट शिफस बेस (E-4-क्लोरो-2-((2-हाइड्रॉक्सी-3-मेथॉक्सीबेंजाइलिडाइन)एमिनो) बेंजोइक एसिड) के धातु(II) संकुलों का संश्लेषण, लक्षण वर्णन, जैविक गतिविधि, डीएफटी, आणविक डॉकिंग और एडीएमई

अध्ययन। *जर्नल ऑफ डिस्पर्शन साइंस एंड टेक्नोलॉजी*, 1.14. https://doi.org/10.1080/01932691.2025.2461124

प्रधान, एस., हुसैन, एफ., मालेकी, जे. जी., और दास, टी. एम. (2024), पाइरीडीन हाइड्राजाइड ग्लाइकोकोनजुगेट-आधारित जेलेटर: सरल संश्लेषण और आयोडाइड सेंसिंग में उनके अनुप्रयोग की खोज। *जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर लिक्विड्स*, *416*, 126529. https://doi.org/10.1016/j.molliq.2024.126529

निशाना, एल., शक्तिवेल, ए., प्रतापचंद्र कुरुप, एम. आर., और हुसैन, एफ. (2024), सैलिसिल्डिहाइड-3-मेथॉक्सीबेन्ज़हाइड्राज़ोन से युक्त एक डाइऑक्सीडोमोलिब्डेनम (VI) कॉम्प्लेक्स: संश्लेषण, क्रिस्टल संरचना और उत्प्रेरक गतिविधि। *जे. ऑर्गेनोमेटोमीट्रिक केम.*, *1016*, 123251. https://doi.org/10.1016/j.jorganchem.2024.123251

कृतिका, दीपिका, कुमार, एल., यादव, एम., कामरा वर्मा, ए., और रॉय, आई. (2024)। 2D MoS_2 नैनोशीट की एनआईआर सक्रिय प्रकाशतापीय के साथ युग्मित मानव हीमोग्लोबिन के साथ परस्पर क्रिया का जैवभौतिकीय और अभिकलनात्मक विश्लेषण चिकित्सा। *न्यू जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 48*, 10990-11002. https://doi.org/10.1039/D4NJ01535E

चक्रवर्ती, एन., रॉय, आई., कुमार, पी., सिंह, एस., पाठक, आर., गौतम, वी., गौतम, और एच.के. (2024), नैनोस्केल प्रशियन ब्लू और इसके एनालॉग्स: संक्रमण नियंत्रण, घाव भरने और उससे आगे के क्षेत्रों में डिज़ाइन और अनुप्रयोग। *फार्मास्यूटिक्स*, 16(12), 1616. https://doi.org/10.3390/pharmaceutics16121616

रुवुबू, एस. बी., और रॉय, आई. (2024), प्यूरेरिया मोंटाना जड़ के अर्क का उपयोग करके ZnO नैनोकणों का पर्यावरण-अनुकूल संश्लेषण और सतह संशोधन: ट्राइसोडियम पाइरोफॉस्फेट के साथ बेहतर प्रकाश उत्प्रेरक प्रदर्शन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल एनालिटिकल केमिस्ट्री*, 1–43, https://doi.org/10.1080/03067319.2024.2419947

रुवुबू, एस.बी., और रॉय, आई. (2025), प्रदूषक अवशोषण हेतु नवीन नैनोकंपोजिट: पॉलीएनिलिन-लेपित चिटोसन ट्राइसोडियम साइट्रेट नैनोकंपोजिट का उपयोग करके रोडामाइन बी डाई का अवशोषण। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स*, 292, 139293, https://doi.org/10.1016/j.ijbiomac.2024.139293

कुमार, जे., और रॉय, आई. (2025), जल में आर्सेनिक (III) का चयनात्मक और संवेदनशील पता लगाने के लिए Eu (III) डोप्ड डाउनकन्वर्टिंग नैनोफॉस्फोर (GdVO4:Eu3+)। पर्यावरण विज्ञान: नैनो, उन्नत लेख, https://doi.org/10.1039/D4EN00885E

ठाकुर, वी., थॉमस, जे. एम., अदनान, एम., शिवशंकर, सी., विजया प्रकाश, जी., और तिरुपति, एन. (2024), एसिटाइलएसीटोनेट और पिकोलिनेट सहायक लिगैंड वाले हेटेरोलेप्टिक साइक्लोप्लाटिनेटेड ग्वानिडिनेट(1−)

संकुलों का संश्लेषण, संरचनात्मक, प्रकाशभौतिकीय और सैद्धांतिक अध्ययन। आरएससी एडव., 14, 13291–13305, https://doi.org/10.1039/D4RA00828F

यादव, पी., और तिरुपति, एन. (2024)। पैलेडियम(0) उत्प्रेरित एन-एरिलगुआनिडाइन्स के एमिनोकार्बोनिलीकरण से एन-एरोइलगुआनिडाइन्स बनाम 2-एमिनोक्विनाज़ोलिनोन्स का आयोडोएनिलिन-आश्रित निर्माण। यूरो. जर्नल ऑफ ऑर्ग. केम., 27(46), e202400803. https://doi.org/10.1002/ejoc.202400803

परिहार, एच., यादव, पी., और तिरुपति, एन. (2024)। 1,3-डायनों के साथ एन-एरिलगुआनिडाइन्स का रीजियोसेलेक्टिव कोबाल्ट(II) उत्प्रेरित C–H क्रियाशीलता और [3 + 2] एनुलेशन। जर्नल ऑफ ऑर्ग. केम., 89(11), 7376–7393। https://pubs.acs.org/doi/10.1021/acs.joc.3c02252

लामोरिया, एम., मन्ना, डी., और मिल्टन, एम. डी. (2025)। बहु-उत्तेजना अनुक्रियाशील स्मार्ट कार्बनिक पदार्थों के रूप में AIEE सक्रिय द्वि-अवस्था उत्सर्जक त्रिविध पाइरिडोपाइराज़िन व्युत्पन्न। जे. मैटर. केम. सी, 13, 6907-6921। https://doi.org/10.1039/D4TC04692G

कुमारी, आर., और मिल्टन, एम. डी. (2025)। गैर-डोप्ड, ठोस-अवस्था लाल-उत्सर्जक फेनोथियाज़ीन-पाइरीन चाल्कोन: संश्लेषण, एकत्रीकरण-प्रेरित उत्सर्जन वृद्धि और मेकेनोफ्लोरोक्रोमिज़्म। जे. फोटोकेम. फोटोबायोल., ए, 462, 116222. https://doi.org/10.1016/j.jphotochem.2024.116222

लामोरिया, एम., मन्ना, डी., और मिल्टन, एम. डी. (2025). एआईई सक्रिय नीला प्रकाश उत्सर्जक पाइरीडीन क्रियाशील क्विनॉक्सैलाइन और पाइरिडोपाइराज़िन व्युत्पन्न, जो प्रतिवर्ती अम्लोफ्लोरोक्रोमिज़्म और तापीय संवेदनशीलता प्रदर्शित करते हैं। जे. मोल. स्ट्रक्चर., 1319, 139385. https://doi.org/10.1016/j.molstruc.2024.139385

लामोरिया, एम., और मिल्टन, एम. डी. (2024). गैर-डोप्ड नीला प्रकाश उत्सर्जक डी-π–ए प्रकार एआईईई सक्रिय नवीन क्विनॉक्सैलाइन व्युत्पन्न और अम्लोक्रोमिज़्म तथा डेटा संरक्षण में उनका अनुप्रयोग। डाईज़ एंड पिगमेंट्स, 229, 112303. https://doi.org/10.1016/j.dyepig.2024.112303

कुमारी, आर., और मिल्टन, एम. डी. (2024), बहु-उत्तेजना-प्रतिक्रियाशील ठोस-अवस्था लाल-उत्सर्जक फेनोथियाज़ीन-आधारित A-π-D-π-A’ व्युत्पन्नों का संश्लेषण और उनके अनुप्रयोग। *जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर, 1309*, 138202. https://doi.org/10.1016/j.molstruc.2024.138202

पूजा, वाई., दीक्षा, डी., चोई, वाई. जे., हुह, वाई. एस., और वेंकटेश, पी. (2025), हीमोग्लोबिन और 2डी एमएक्सीन के बीच जैव-आणविक अंतःक्रियाओं का पता लगाना: जैव-चिकित्सा दृष्टिकोण में एक सफलता, *एसीएस एप्लाइड बायो मैटेरियल्स*, *8*, 3279−3289. https://doi.org/10.1021/acsabm.5c00068

यादव, एस., और गुप्ता, आर., (2025), एमाइड-अम्ल/एस्टर लिगैंड के रु-हाइड्राइड संकुलों द्वारा उत्प्रेरित अमीनों का ग्राही रहित ऑक्सीडेंट-मुक्त विहाइड्रोजनीकरण। *डाल्टन ट्रांजेक्शन*, *54*, 5675-5684. https://doi.org/10.1039/D4DT03201B

अहलावत, डी., पचीसिया, एस., आशीष, और गुप्ता, आर. (2025)। हाइड्रोजन बॉन्डिंग कैविटी प्रदान करने वाले लैंथेनाइड-आधारित धातु-कार्बनिक ढाँचे: ल्यूमिनसेंट विशेषताएँ और संवेदन अनुप्रयोग। *केमिस्ट्री - एन एशियन जर्नल*, *20*, e202401213. https://doi.org/10.1002/asia.202401213

गुप्ता, आर., आशीष, उपमा, मजूमदार, एस., चौधरी, पी. के., और गुप्ता, आर. (2024), लैंथेनाइड धातु-कार्बनिक ढाँचों द्वारा दृश्य प्रकाश-मध्यस्थ प्रकाश-उत्प्रेरक: उन्नत विशिष्टता और यांत्रिक अंतर्दृष्टि। *कैमिकल साइंस*, *15*, 18952–18968. https://doi.org/10.1039/D4SC04105D ,

गुप्ता, आर., और गुप्ता, आर. (2024), बायोमास-व्युत्पन्न कार्बोनिल यौगिकों के क्षार-मुक्त स्थानांतरण हाइड्रोजनीकरण हेतु एक स्थायी उत्प्रेरक के रूप में कोबाल्ट-आधारित धातु-कार्बनिक ढाँचा। *आरएससी सस्टेनेबिलिटी*, *2*, 3409-3423. https://doi.org/10.1039/D4SU00368C

कुमार, पी., भरत, एम., रसूल, ए., देमेश्को, एस., बोम्माकांति, एस., मुखोपाध्याय, एन., गुप्ता, आर., डार, एम. ए., और घोष, एम. (2024), इलेक्ट्रोकैटेलिटिक हाइड्रोजन विकास के लिए प्रोटॉन शटलिंग और रेडॉक्स-सक्रिय लिगैंड के साथ जैव-प्रेरित डायआयरन कॉम्प्लेक्स। *इनऑर्गेनिक कैमिस्ट्रि*, *63*, 16146-16160. https://doi.org/10.1021/acs.inorgchem.4c01112

अन्नान, आई., सिंह, डी., कुमार, पी., और गुप्ता, आर. (2024), दो संबंधित कौमारिन-आधारित कीमोसेंसरों द्वारा Mg2+ और Zn2+ आयनों के विभेदक पता लगाने पर प्रतिस्थापन प्रभाव। *इनऑर्गेनिका चिमिका एक्टा*, 571, 122235, (आमंत्रित लेख: *ऑप्टिकल और इलेक्ट्रोकेमिकल सेंसर में हालिया विकास: संवेदी सामग्री, यांत्रिक मार्ग और अनुप्रयोग*), https://doi.org/10.1016/j.ica.2024.122235

पचीसिया, एस., गोयल, एच., आशीष, कुमार, जी., और गुप्ता, आर. (2024), कोबाल्ट समन्वय बहुलक युग्मन अभिक्रियाओं के लिए कुशल उत्प्रेरक के रूप में हाइड्रोजन बंधन गुहाओं की पेशकश करते हैं। *केमकैटकेम*, 16, e202301123. (आमंत्रित लेख: *छिद्रयुक्त पदार्थों के अनुप्रयोगों पर विशेष संग्रह*), https://doi.org/10.1002/cctc.202301123

सिंह, पी., और नाथ, एम. (2024), एरोमैटिकली π-विस्तारित कौमारिन-फ्यूज्ड मेसो-टेट्राफेनिलपाइरिडोपोर्फिरिन का संश्लेषण और वर्णक्रमीय गुण। *इंडियन जर्नल ऑफ केमिस्ट्री*, *63*(12), 1294-1300. https://doi.org/10.56042/ijc.v63i12.14524

सिंह, पी., सिंह, ए., सिंह, डी. के., और नाथ, एम. (2024), कार्बनिक संश्लेषण में क्लॉसन-कास अभिक्रिया के अनुप्रयोग। *द केमिकल रिकॉर्ड*, 24(11), e202400112. https://doi.org/10.1002/tcr.202400112

सिंह, जे., सिंह, ए., और नाथ, एम. (2024), β-थायोफीन-संलयन पोर्फिरिन बनाने के लिए एक अपसारी वन-पॉट थायोल-माइकल रणनीति। *ऑर्गेनिक एंड बायोमॉलिक्युलर केमिस्ट्री*, *22*, 4369-4377. https://doi.org/10.1039/D4OB00598H

सिंह, ए., और नाथ, एम. (2024), कैस्केड रेडिकल पाथवे-सक्षम नाइट्रोजन-सल्फर युग्मन: आइसोथियाज़ोलो[3,4-b]-मेसो-टेट्राएरिलपोर्फिरिन तक पहुँच। *द जर्नल ऑफ ऑर्गेनिक केमिस्ट्री*, 89(12), 8610-8619. https://doi.org/10.1021/acs.joc.4c00548

धनका, ए. के., पानी, बी., और अगस्ती, एन. (2025), दोष-समृद्ध CuO/CeO2 नैनोसंरचना: गहन संरचनात्मक लक्षण वर्णन और प्रकाश उत्प्रेरक प्रदर्शन. *आरएससी एडव.*, 15, 11774. https://doi.org/10.1039/D5RA00640F

धनका, ए. के., कोहलरॉश, ई. सी., सामंत्रे, आर., कुमार, वी., पानी, बी., और अगस्ती, एन. (2025), जल में एंटीबायोटिक के उन्नत प्रकाश उत्प्रेरकीय अपघटन के लिए Ag/CeO2 में दोषों का उपयोग: संरचनात्मक विशेषताएँ, क्रियाविधि पर गहन अंतर्दृष्टि, अपघटन मार्ग। *केमिकल इंजीनियरिंग जर्नल एडवांसेज*, 21, 100706। https://doi.org/10.1016/j.ceja.2025.100706

पॉल, एस., चौधरी, टी., दास, एस., प्रताप, आर., और बागड़ी, ए. के. (2024), जल में इमिडाज़ोहेटेरोसाइकल्स का ट्यूनेबल रीजियोसेलेक्टिव एलिलिक एल्किलेशन/आयोडीनीकरण, *द जर्नल ऑफ ऑर्गेनिक केमिस्ट्री*, 89(3), 1492-1504। https://doi.org/10.1021/acs.joc.3c02091

शर्मा, आर., शर्मा, आर., यादव, एल., साहू, एन. के., माथुर, एम., यादव, डी. के., प्रताप, आर., अबू यूसुफ, एफ., इप्पागुंटा, एस. के., और सालेह, एन. (2024), नए स्पाइरूऑक्सिंडोल-पाइरोलिडाइन्स/स्पिरूऑक्सिंडोल-पाइरोलिज़िन्स का कीमो-/क्षेत्रीय-चयनात्मक अल्ट्रासाउंड-सहायता प्राप्त संश्लेषण: संश्लेषण, रोगाणुरोधी और क्षयरोगरोधी गतिविधियाँ, एसएआर और सिलिको में अध्ययन, *जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर*, 1311, 138377। https://doi.org/10.1016/j.molstruc.2024.138377

राणा, एस., शॉ, आर., और प्रताप, आर. (2024), 1, 4-बनाम 1, 6-माइकल योग पर स्थैतिक बाधा का प्रभाव: फ्यूरान और पेंटाप्रतिस्थापित बेंजीन का संश्लेषण। *ऑर्गेनिक एंड बायोमॉलिक्युलर केमिस्ट्री*, 22(26), 5361-5373। https://doi.org/10.1039/D4OB00686K

शॉ, आर., तिवारी, आर., यादव, एम., पांडे, ई., त्रिपाठी, के., रानी, जे., अल्थागाफी, आई. और प्रताप, आर. (2024), संलयित थायनोपायरीडीन के संश्लेषण और उनके चिकित्सीय अनुप्रयोगों में हालिया प्रगति, *यूरोपियन जर्नल ऑफ मेडिसिनल केमिस्ट्री रिपोर्ट्स*, 12, 100185। https://doi.org/10.1016/j.ejmcr.2024.100185

साहू, एस. एन., शॉ, आर., अल्थागाफी, आई., और प्रताप, आर. (2025), कीटीन डाइथियोएसीटल्स से एन-एरिलेटेड पाइपरिडोन्स और उनके कीटल्स के संश्लेषण के लिए संक्रमण-धातु-मुक्त दृष्टिकोण,

सिनलेट, 36(5), 488-495। https://doi.org/10.1055/a-2370-6625

शाह, सी., नेमेश, वी., अल्थागाफी, आई., राय, आर., यादव, डी. के., और प्रताप, आर. (2024), PPAR-γ एगोनिस्ट के रूप में पृथक और थायोफीन संलयित 2H-पाइरान-2-ओन्स का डिज़ाइन, संश्लेषण और कम्प्यूटेशनल अंतर्दृष्टि, *केमिस्ट्रीसेलेक्ट,* 9(41), e202401900। https://doi.org/10.1002/slct.202401900

शॉ, आर., और प्रताप, आर. (2024)। ErbB4-kinase अवरोध के लिए संरचना-आधारित फार्माकोफोर मॉडलिंग: स्तन कैंसर के लिए छोटे अणु दवा खोज हेतु एक व्यवस्थित कम्प्यूटेशनल दृष्टिकोण, एसएआर एंड क्यूएआर एनवायर्नमेंटल रिसर्च, 35(11), 1027-1043, https://doi.org/10.1080/1062936x.2024.2434565

अनंत, शाह, सी., पाल, डी., अल्थागाफी, आई., प्रताप, आर., यादव, डी. के., और कुमार, एस. (2025), तीव्र ल्यूकेमिया कोशिकाओं के उपचार के लिए क्रियाशील 1, 2, 3, 4-टेट्राहाइड्रोइसोक्विनोलिन का डिज़ाइन, संश्लेषण और अनुकरण। *केमिस्ट्रीसेलेक्ट*, 10(7), e202404024. https://doi.org/10.1002/slct.202404024

साहू, एस. एन., शॉ, आर., यादव, एस., अल्थागाफी, आई., उपाध्याय, एम. के., और प्रताप, आर. (2025). बहुक्रियाशील 3-एमिनो/हाइड्रॉक्सी थिएनो [3, 2-सी] पाइरान्स के जल-आधारित संश्लेषण के प्रति एक हरित दृष्टिकोण. *आरएससी एडवांसेज़*, 15(16), 12117-12124. https://doi.org/10.1039/D5RA01296A

शॉ, आर., सिंह, ए., अल्थागाफी, आई., प्रताप, आर., यादव, डी. के. (2025), एल्काइन्स का स्टीरियो-डाइवर्जेंट फंक्शनलाइज़ेशन: एक व्यापक समीक्षा. *आरएससी एडवांसेज*, 15(16), 12202-12245. https://doi.org/10.1039/D5RA01579K

प्रकाश, ए., शर्मा, ए., यादव, ए., और शर्मा, आर. के. (2025), धातु आयन अवशोषण और जीवाणुरोधी अनुप्रयोगों के लिए मेलामाइन-आधारित हाइड्रोजन-बंधित कार्बनिक नैनोफ्रेमवर्क. कोलाइड्स एंड सरफेसेस सी: एनवायर्नमेंटल आस्पेक्ट्स, 3, 100059. https://doi.org/10.1016/j.colsuc.2025.100059

शर्मा, ए., गुप्ता, ए., गोयल, ए., शर्मा, आर. के., और सूद, डी. (2024), पेपर पल्प मिल में प्रचलित क्लोरोफेनोल्स के खनिजीकरण हेतु Bi2O3 नैनो-फोटोकैटेलिस्ट का ज़ैंथन गम टेम्प्लेटेड हाइड्रोथर्मल संश्लेषण, *रिएक्शन काइनेटिक्स, मेकेनिज़्म एंड कैटालिसिस*, 137, 2933-2951। https://doi.org/10.1007/s11144-024-02724-9

प्रकाश, ए., शर्मा, ए., यादव, ए., और शर्मा, आर. के. (2024), कार्बनिक रंगों के कुशल अवशोषण के लिए ज़िरकोनियम-आधारित मिश्रित लिगैंड धातु-कार्बनिक ढाँचा, *जे नैनोपार्ट रिसर्च*, 26, 220. https://doi.org/10.1007/s11051-024-06133-w

गोयल, एस., रागुई, पी., यादव, ए., द्विवेदी, पी., और शर्मा, आर. के. (2024), कांगो रेड को प्रभावी ढंग से हटाने के लिए द्विधात्विक Ni/Co-BTC खोखले MOFs का एक सरल संश्लेषण, सेपेरेशन साइंस एंड टेक्नेलॉजी, 59(10-14), 1202-1215। https://doi.org/10.1080/01496395.2024.2366901

शर्मा, ए., शारोत्री, एन., कंडवाल, पी., शर्मा, आर. के., सूद, डी., राय, आर., और हनीडियुक-स्टीफन, ए. (2024) एक आशाजनक दृश्य प्रकाश फोटोकैटेलिस्ट और चयनात्मक फ्लोरोसेंसिंग प्लेटफ़ॉर्म के रूप में नैनोस्ट्रक्चर्ड TiO2:SeO2 की दोहरी क्षमता की खोज। विज्ञान रिपोर्ट, 14, 13677. https://doi.org/10.1038/s41598-024-64167-5

गहल्यान, पी., चौहान, टी., झाझरिया, पी., पानी, बी., और कुमार, आर. (2025)। कैंसर रोधी कारकों के रूप में आइसैटिन हाइब्रिड की क्षमता की खोज: हालिया प्रगति और भविष्य की संभावनाएँ। चौहान। औषधीय रसायन विज्ञान अनुसंधान, 34(4), 827-848. https://doi.org/10.1007/s00044-025-03385-6

टक्कर, पी., नेगी, एस., कक्कर, आर., और कुमार, आर. (2025). निकल आयन की चयनात्मक पहचान के लिए रोडामाइन-आधारित टर्न-ऑन ड्यूल मोड केमोसेंसर: व्यावहारिक और सैद्धांतिक अनुप्रयोग. आरएससी एडवांस, 15,1641-1657. https://doi.org/10.1039/D4RA08258C

नेगी, एस., टक्कर, पी., गहल्यान, पी., और कुमार, आर. (2025), बायोथिओल्स की चयनात्मक पहचान के लिए एक नया पाइरानोपाइराज़ोल-आधारित वर्णमिति रसायन संवेदक: वास्तविक जीवन में अनुप्रयोग। *आरएससी एनालाइटिक मेथड्स*, 17, 377-387। https://doi.org/10.1039/D4AY02099E

देसवाल, एन., टक्कर, पी., कौर, एल., ओझा, एच., और कुमार, आर. (2024), नए डाइहाइड्रोपाइरीडीन और टेट्राहाइड्रोपाइरीडीन आधारित ग्लाइकोमेटिक एज़ाशुगर का संश्लेषण और जैव-मूल्यांकन। *बायोऑर्गेनिक केमिस्ट्री*, 145,107224। https://doi.org/10.1016/j.bioorg.2024.107224

फोगट, पी., बंसल, ए., नैन, एन., खान, एस., सासो, एल., और कुकरेती, एस. (2025), अंतरिक्ष की खोज: अंतःकोशिकीय भीड़भाड़ वाले वातावरण में डीएनए, प्रोटीन और लिपिड मैक्रोमोलेक्यूल्स की दृढ़ता। *बायोमॉलिक्युलर कॉन्सेप्ट्स*, 16(1)। https://doi.org/10.1515/bmc-2025-0053

पॉल, पी. आर., मिश्रा, एम. के., बोरा, एस., कुकल, एस., सिंह, ए., कुकरेती, एस., और कुकरेती, आर. (2025), पी-ग्लाइकोप्रोटीन का सीएनएस ड्रग एफ्लक्स और प्रतिक्रिया में परिवर्तनशीलता पर प्रभाव। *जर्नल ऑफ बायोकेमिकल एंड मॉलिक्यूलर टॉक्सिकोलॉजी*, 39, e70190. https://doi.org/10.1002/jbt.70190

मीना, एच.एम., कुकरेती, एस., और जस्सल, पी.एस. (2025), अपशिष्ट जल विलयन से सीसा (II) के अवशोषण के लिए रिकिनस कम्युनिस पौधों का उपयोग करके नवीन हरित मैग्नेटाइट-चिटोसन

अधिशोषक: एनोडिक लीनियर स्वीप वोल्टामेट्री, समतापी और गतिकी अध्ययन, *एनवायर्नमेंटल साइंस एंड पौलुशन रिसर्च*, 32, 6198-6220. https://doi.org/10.1007/s11356-025-36107-x

मीना, एच.एम., कुकरेती, एस., और जस्सल, पी.एस. (2025), अपशिष्ट जल से एल्युमिनियम (III) को हटाने के लिए नवीन चिटोसन-टैनिक अम्ल अधिशोषक का संश्लेषण: लक्षण वर्णन, गतिकी, संतुलन समतापी और ऊष्मागतिक अध्ययन। *एडजौर्पशन*, 31(2), 46. https://doi.org/10.1007/s10450-025-00604-9

सिंह, एस., सेवरिया, एस., गोयल, टी., पांचाल, एस., सिंह, ए., कुकरेती, एस., तिवारी, एम., और चंद्रा, आर. (2025), (H1299) नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर के विरुद्ध द्वैध औषधि 9-हाइड्रॉक्सीमिथाइल नोस्कैपाइन और टेल्मिसर्टन-भारित स्टीयरिक अम्ल नैनोकणों का आकलन और गोजातीय सीरम एल्ब्यूमिन के साथ इसकी यांत्रिक अंतःक्रिया। *मैटीरियल्स एडव.*, 6, 1364-1378. https://doi.org/10.1039/D4MA00958D

कनोजिया, एन., गुइन, डी., मचाहारी, एन., ठकरान, एस., कुकल, एस., ठाकुर, जे., पांडा, बी., सिंह, पी., श्रीवास्तव, ए., सिंह, पी., ग्रोवर, एस., सिंह, ए., सरदाना, वी., सासो, एल., कुकरेती, एस., और कुकरेती, आर. (2025), मिर्गी से ग्रस्त पुरुषों और महिलाओं में अंतर्जात यौन हार्मोनल प्रोफ़ाइल पर मिर्गी-रोधी दवा मोनोथेरेपी का प्रभाव। *एपिलेप्सी एंड बिहेवियर*, 163, 110220. https://doi.org/10.1016/j.yebeh.2024.110220

यादव, एस., सिंह, एम. बी., सेवरिया, एस., यादव, एस. बी., सिंह, पी., चंद्रा, आर., कुकरेती, एस., सिंह, एस. के., जैन, पी., और कुमारी, के. (2024), स्पेक्ट्रोस्कोपिक, इलेक्ट्रोकेमिकल और सिलिको विधियों का उपयोग करके हीमोग्लोबिन के साथ एसिक्लोफेनाक की परस्पर क्रिया की जानकारी। *डिस्कवर इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री*, 1(1), 8. https://doi.org/10.1007/s44373-024-00008-4

कोमल, सोनिया, कुकरेती, एस., और कौशिक, एम. (2024), टैनिक एसिड-सहायता प्राप्त सिल्वर नैनोकणों के माध्यम से कोरलीन और बछड़े-थाइमस डीएनए का क्रमिक पता लगाने के लिए सरल वर्णमिति सेंसर का विकास। *एनालिटिकल केमिस्ट्री लेटर्स*, 14(4), 590-606। https://doi.org/10.1080/22297928.2024.2396326

मीना, एच. एम., कुकरेती, एस., और जस्सल, पी. एस. (2024), अपशिष्ट जल से मेथिलीन ब्लू धनायनिक रंजक को हटाने के लिए एक कुशल अधिशोषक के रूप में एक नवीन चिटोसन-TiO2 नैनोकंपोजिट का संश्लेषण। *जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर*, 1319, आर्ट नंबर 139420। https://doi.org/10.1016/j.molstruc.2024.139420

मीना, एच. एम., कुकरेती, एस., और जस्सल, पी. एस. (2024)। वोल्टामेट्रिक विश्लेषण, कंप्यूट्रेस, समतापी और गतिज अध्ययन के साथ क्रॉस-लिंक्ड चिटोसन-एसटीपीपी नैनोकणों का उपयोग करके

अपशिष्ट जल से as (III) का अधिशोषण और आकलन। रिजल्ट्स इन साइंस, 23, 102467. https://doi.org/10.1016/j.rineng.2024.102467

यादव, एस., सेवरिया, एस., सिंह, एम. बी., सचदेवा, बी., सिंह. पी., चंद्रा, आर., कुकरेती, एस., सिंह, एस. के., कुमारी, के. (2024), हीमोग्लोबिन के साथ जीवाणुरोधी दवा, ओफ़्लॉक्सासिन की परस्पर क्रिया की जाँच के लिए स्पेक्ट्रोस्कोपिक, इलेक्ट्रोकेमिकल और इन-सिलिको अनुसंधान का उपयोग। *केमिस्ट्री सेलेक्ट*, 9(20), e202400770. https://doi.org/10.1002/slct.202400770

फ्रैंगविले, पी., तंवर, ए.एस., कुमार, एस., गेल्बके, एम., वॉथोज़, एन., बसोव, एस., बेल, एम.जे.वी., हेके, के.वी., और मेयर, एफ. (2024)। हैलोजन-बंधित बहु-उत्तेजना अनुक्रियाशील पदार्थों में विविधता का संवेदन: प्रकाश, pH, चुंबकत्व और इलेक्ट्रॉन-समृद्ध प्रजातियाँ। *मैटेरियल्स टुडे केमिस्ट्री*, 40, 102234। https://doi.org/10.1016/j.mtchem.2024.102234

सैंटोस, जे.एम.डी., हॉल, डी., बसुमतारी, बी., ब्रायडेन, एम., चेन, डी., चौधरी, पी., कॉमरफोर्ड, टी., क्रोविनी, ई., डैनोस, ए., डी, जे., डाइसिंग, एस., फताही, एम., ग्रिफिन, एम., गुप्ता, ए.के., हफीज, एच., हैमरलिंग, एल., हनोवर, ई., हॉग, जे., हील, टी., कार्तिक, डी., कुमार, एस., ली, ओ., ली, एच., लुकास, एफ., मैकेंज़ी, सी.एफ.आर., मैरिको, ए., मैटुलाइटिस, टी., मिलवर्ड, एफ., ओलिवियर, वाई., क्यूई, क्यू., सैमुअल, आई.डी.डब्ल्यू., शर्मा, एन., सी., सी., स्पियरलिंग, एल., सुधाकर, पी., सन, डी., टैंकेलेविसीउटे, ई., टोनेट, एम. डी., वांग, जे., वांग, टी., वू, एस., जू, वाई., झांग, एल., और ज़ाइसमैन-कोलमैन, ई. (2024), तापीय रूप से सक्रिय विलंबित प्रतिदीप्ति पदार्थों का स्वर्ण युग: डिज़ाइन और उपयोग। *केमिकल रिव्यूज़*, 124 (24), 13736-14110। https://doi.org/10.1021/acs.chemrev.3c00755

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

दास, वी., शिवानी, और हुसैन, एफ. (2024), हेटेरोमेटेलिक पॉलीऑक्सोटंगस्टेट नैनोक्लस्टर और उनके अनुप्रयोग। बी. कुमार (सं.), स्मार्ट नैनोसिस्टम्स-अनुसंधान और व्यवहार में प्रगति। *इंटेकओपन*, 10.5772/intechopen.113124

राम, वी. जे., प्रताप, आर. और यादव, पी. (2024), संलयित पाइरानोन: आणविक विविधता के लिए बहुआयामी निर्माण खंड (प्रथम संस्करण) / *एल्सेवियर साइंस,* 10.1016/C2019-0-02674-X

अनुसंधान परियोजनाएं

प्रो. ए. के. वर्मा को 'एनीनेस-एएनआरएफ से फार्मास्युटिकल रुचि के छोटे कार्बनिक अणुओं की इंजीनियरिंग' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 49,20,000/- रु॰ की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान एएनआरएफ, नई दिल्ली द्वारा प्रदान किया गया है और मार्च 2025 से मार्च 2028 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. ए. के. वर्मा को 'वास्तविक समय द्रव्यमान निगरानी द्वारा क्षणभंगुर/स्थिर मध्यवर्ती को कैप्चर करके कार्बनिक प्रतिक्रिया का यांत्रिक विश्लेषण/पुष्टिकरण' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 59,48,080/- रु॰ की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान एसईआरबी, नई दिल्ली द्वारा प्रदान किया गया है और अप्रैल 2023 से अप्रैल 2025 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. ए. के. वर्मा को 'जैविक महत्व वाले छोटे विषमचक्रीय मचानों का निर्माण' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 6,00,000/- रु॰ की राशि मंजूर की गई है। यह अनुदान आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और जुलाई 2024 से फरवरी 2025 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. एस. कुकरेती को 'कॉक्स-20 जीन के प्रमोटर क्षेत्र में स्थित ग्वानिन-समृद्ध संरचनाओं का संरचनात्मक लक्षण वर्णन और पहचान' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 6,00,000/- रु॰ की राशि मंजूर की गई है। यह अनुदान आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और जुलाई 2024 से फरवरी 2025 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. एस. कुकरेती को 'ऑक्सीडेटिव तनाव और एबीसीसी2 गतिविधि में एंटीएपिलेप्टिक दवा की भूमिका और एंटीऑक्सीडेंट के रूप में अल्फा-लिपोइक एसिड की क्षमता की इन विट्रो जांच' नामक शोध परियोजना के लिए 15,00,000/- रु॰ की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी, भारत सरकार) के विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड के संरक्षक के रूप में टीएआरई (अनुसंधान उत्कृष्टता के लिए शिक्षक सहयोगी) अनुदान द्वारा मार्च 2023 से मार्च 2026 तक प्रदान किया गया है।

प्रो. राकेश कुमार को 'रोडामाइन, बार्बिट्यूरेट और कूमारिन-आधारित वर्णमिति और फ्लोरोमेट्रिक कीमोसेंसर का विकास: कम्प्यूटेशनल मूल्यांकन, साइटोटॉक्सिसिटी मूल्यांकन और उन्नत कोशिका इमेजिंग' नामक शोध परियोजना के लिए 6,00,000/- रु॰ की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और जुलाई 2024 से फरवरी 2025 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. एम. डी. मिल्टन को 'नवीन फेनोथियाज़ीन-आधारित लाल प्रकाश उत्सर्जक रंगों का संश्लेषण और लक्षण वर्णन और उनके अनुप्रयोग' नामक शोध परियोजना के लिए 6,00,000/- रु॰ की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और जुलाई 2024 से फरवरी 2025 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. राकेश के. शर्मा को 'चिकित्सीय अनुप्रयोगों के लिए नैनोस्केल सामग्रियों पर होम्योपैथिक चिकित्सा में सक्रिय घटकों के अवशोषण व्यवहार का अध्ययन' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में

57,16,548/- रु॰ की राशि मंजूर की गई है। यह अनुदान केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद द्वारा प्रदान किया गया है और अगस्त 2024 से अगस्त 2027 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. एन. तिरुपति को 'इमिडाज़ोक्विनोलिन के निर्माण की ओर ले जाने वाले इंडोल एन-कार्बोक्सिमिडामाइड्स के आधार मध्यस्थ कंकाल पुनर्व्यवस्था' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 5,00,000/- रु॰ की राशि मंजूर की गई है। यह अनुदान आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि जुलाई 2024 से फरवरी 2025 तक है।

प्रो. फिरासत हुसैन को 'सिलिको टंगस्टेट एम्बेडेड 3d-4f पॉलीऑक्सोमेटालेट्स और इसके चुंबकीय गुण' नामक शोध परियोजना के लिए 10,00,000/- रु॰ की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान सीएसआईआर, नई दिल्ली द्वारा प्रदान किया गया है और सितंबर 2021 से सितंबर 2024 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. शिव कुमार को 'ऑर्गेनिक इलेक्ट्रोकेमिकल ट्रांजिस्टर-आधारित न्यूरोमॉर्फिक मेमरिस्टिव उपकरणों के लिए ऑर्गेनिक मिश्रित आयनिक-इलेक्ट्रॉनिक कंडक्टरों का संश्लेषण और अन्वेषण' नामक शोध परियोजना के लिए 6,00,000/- रु॰ की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और जुलाई 2024 से फरवरी 2025 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. शिव कुमार को 'ऑर्गेनिक इलेक्ट्रोकेमिकल ट्रांजिस्टर-आधारित न्यूरोमॉर्फिक उपकरणों के लिए ऑर्गेनिक मिश्रित आयनिक-इलेक्ट्रॉनिक कंडक्टरों का संश्लेषण और जांच' नामक शोध परियोजना के लिए £5000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री (आरएससी-आरएससी रिसर्चर कोलैबोरेशन ग्रांट) द्वारा प्रदान किया गया है और मार्च 2025 से फरवरी 2026 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. सुरजीत घोष को 'झिल्ली-विशिष्ट कोशिकीय घटनाओं की जांच के लिए फिजियोलॉजिकल बायोमेम्ब्रेन मॉडल' नामक शोध परियोजना के लिए 6,00,000/- रु॰ की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा सितंबर 2024 से फरवरी 2025 तक की अवधि के लिए प्रदान किया गया है।

डॉ. सुरजीत घोष को 'बायोमिमेटिक बैक्टीरियल आउटर मेम्ब्रेन मॉडल्स फॉर एंटीबायोटिक पर्मिबिलिटी असेसमेंट' नामक शोध परियोजना के लिए 45000/- रु॰ (प्रथम वर्ष) की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान यूजीसी-डीएई कंसोर्टियम द्वारा प्रदान किया गया है और मार्च 2025 से मार्च 2028 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. सुमंत सरकार को 'न्यूट्रॉन विवर्तन द्वारा नए पॉलीएनियोनिक लिथियम आधारित ठोस-अवस्था चालकों में संरचना-गुण सहसंबंधों की जाँच' नामक शोध परियोजना के लिए 40,000/- रु॰ (प्रथम वर्ष) की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान यूजीसी-डीएई कंसोर्टियम द्वारा प्रदान किया गया है और मार्च 2025 से मार्च 2028 तक की अवधि के लिए है।

दाखिल/प्रदान किए गए पेटेंट

राकेश कुमार, संजय कुमार डे, केशव कुमार सैनी, रवींद्र कुमार उपाध्याय और दीक्षा रैनी, जैविक रूप से सक्रिय कैंसर-रोधी यौगिक और उसके व्युत्पन्न, तथा उसका हरित संश्लेषण। पेटेंट आवेदन संख्या: 202411007373 (पेटेंट कार्यालय जर्नल संख्या 07/2024), 16/02/2024, राष्ट्रीय।

राकेश कुमार, ट्रायज़ोल आधारित स्प्रियो-ऑक्सिंडोल्स और उसके व्युत्पन्न तथा उसके संश्लेषण की विधि। पेटेंट आवेदन संख्या: 202411059481। 06/08/2024, राष्ट्रीय।

आयोजित संगोष्ठियां

डॉ. केविन शौघनेसी, प्रोफेसर, रसायन विज्ञान और जैव रसायन विभाग, अलबामा विश्वविद्यालय, अमेरिका ने 19 जुलाई, 2024 को 'एमएससी छात्रों के लिए कार्बनिक रसायन विज्ञान सेमिनार' पर एक वार्ता (प्रो. टी. आर. शेषाद्रि स्मारक व्याख्यान) प्रस्तुत की।

डॉ. एच. इला, प्रोफेसर ने 8 मार्च, 2025 को 'रासायनिक विज्ञान में महिलाओं को सशक्त बनाना' पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

डॉ. दीप्ति के. ठुकराल, वैज्ञानिक जी, एएनआरएफ, ने 8 मार्च, 2025 को 'रासायनिक विज्ञान में महिलाओं को सशक्त बनाना' पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

डॉ. अखिला के. साहू, प्रोफेसर, रसायन विज्ञान स्कूल, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद ने 22 मार्च, 2025 को 'डबल सी (एसपी2 और एसपी3)-एच सक्रियण के माध्यम से डाय-फंक्शनलाइजेशन' पर एक सेमिनार/वार्ता (प्रो. टी. आर. शेषाद्रि मेमोरियल व्याख्यान) दिया।

आयोजित संगोष्ठियां

भारतीय रासायनिक सोसायटी और रसायन विज्ञान विभाग, जेईसीआरसी विश्वविद्यालय, जयपुर के सहयोग से 19-21 दिसंबर, 2024 को 'विकसित भारत @ 2047 (रसायनज्ञों का वार्षिक सम्मेलन-एसीसी 2024) के लिए भारतीय रासायनिक उद्योगों में क्रांति लाने के लिए रसायन विज्ञान में उभरते रुझान' शीर्षक से सम्मेलन आयोजित किया गया।

सेमिनार/सम्मेलन मेन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

एफ. हुसैन ने गार्गी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'नैनोसाइंस और नैनोटेक्नोलॉजी, नवाचार, अनुप्रयोग और सतत विकास की दिशा में भविष्य के पहलू' विषय पर जनवरी-अप्रैल, 2025 तक आयोजित अल्पकालिक प्रमाणपत्र/अतिरिक्त पाठ्यक्रम के दौरान 'एसईएम और टीईएम इंस्ट्रूमेंटेशन के मूल सिद्धांत' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

आई. रॉय ने भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर) बरहामपुर द्वारा 9-13 नवंबर, 2024 तक आयोजित पॉलिमर और उन्नत सामग्री के सीमाओं पर 16वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएफपीएएम) के दौरान 'कैंसर-रोधी और जीवाणुरोधी अनुप्रयोगों के लिए बायोफोटोनिक नैनोप्लेटफॉर्म' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

एम. डी. मिल्टन ने हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, बोस्टन, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा 5 अगस्त 2024 को एकत्रीकरण-प्रेरित उत्सर्जन (एआईई 6) पर आयोजित छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'एआईई-सक्रिय लाल उत्सर्जक फेनोथियाज़ीन अणुओं का संश्लेषण और उनके अनुप्रयोग' शीर्षक से एक पेपर (ऑनलाइन आमंत्रित व्याख्यान) प्रस्तुत किया।.

एन. तिरुपति ने आईआईटी खड़गपुर के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा 14-17 दिसंबर, 2024 तक 'अकार्बनिक रसायन विज्ञान XXI में आधुनिक रुझान' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'कोबाल्ट (II) उत्प्रेरित C–H क्रियाशीलता/एल्काइन, क्विनोलिल निर्देशित एन-एरिलगुआनिडाइन के 1,3-डायने एनुलेशन और उनकी प्रतिक्रियाशीलता के माध्यम से इंडोल एन-कार्बोक्सिमिडामाइड्स का निर्माण' शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।

एन. तिरुपति ने आईआईटी बॉम्बे के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा 'मुख्य-समूह अणुओं से पदार्थ-4' पर 9-12 फरवरी, 2025 तक आयोजित सम्मेलन के दौरान 'सीएनएन पैलेडियम (II) पिनसर कॉम्प्लेक्स ऑफ डायरेक्टिंग ग्रुप टेथर्ड एन-एरिलगुआनिडाइन' शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।

पी. घोष ने डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर द्वारा 'रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान के इंटरफेस में प्रगति (एआईसीबी - 2025)' पर 10-11 मार्च, 2025 को आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'आयनिक तरल पदार्थों के माध्यम से ऊर्जा कुशल और कार्यात्मक सामग्री' शीर्षक से एक पेपर (आमंत्रित वार्ता) प्रस्तुत किया।

राकेश के. शर्मा ने ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश में दिल्ली पब्लिक स्कूल सोसाइटी के मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा दिल्ली पब्लिक स्कूल के शिक्षकों के लिए 23-24 अक्टूबर, 2024 तक आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में एक व्याख्यान दिया।

आर. कुमार ने आर.बी. नारायणराव बोरावके कॉलेज, श्रीरामपुर द्वारा 2025 से आयोजित 'नैनोटेक्नोलॉजी और क्वांटम यांत्रिकी में हालिया रुझान' विषय पर एक राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार में एक पेपर प्रस्तुत किया।

एस. कुकरेती ने रसायन विज्ञान विभाग, एसआरएम आईएसटी, दिल्ली, एनसीआर परिसर, गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) द्वारा 'विकसित भारत 2047: रासायनिक और जैविक विज्ञान के माध्यम से अछूते लोगों तक पहुँच (वीबीसीबी-2025)' विषय पर 18-20 फरवरी, 2025 तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'मानव β-ग्लोबिन जीन क्लस्टर के एलसीआर में अर्ध-पैलिंड्रोमिक एसएनपी साइट (जी→ए) पर अनुक्रमिक आधार प्रतिस्थापन द्वारा संरचनात्मक स्विचिंग/बहुरूपता' शीर्षक से एक पेपर (आमंत्रित व्याख्यान) प्रस्तुत किया।

अन्य अंतर्संस्थानिक सहयोग

शिव कुमार का प्रोफ़ेसर योरी वैन डे बर्गट, आइंडहोवन प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, नीदरलैंड के साथ सहयोग।

एफ. हुसैन का हिरोशिमा विश्वविद्यालय, जापान और सीएनआरएस अनुसंधान प्रयोगशाला, पेरिस के साथ सहयोग।

आई. रॉय का पी.एन. लेबेदेव भौतिक विज्ञान संस्थान, मास्को, रूस की प्रोफ़ेसर इरिना ज़ावेस्तोवाकाया के साथ परमाणु नैनोमेडिसिन के लिए नई सामग्रियों के विकास विषय पर सहयोग।

प्लेसमेंट विवरण (प्लेस किए गए छात्रों के संख्या और प्रतिशत)

10

प्रदान की गई एम.फिल./पीएच.डी. डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी. : 16

संकाय सदस्य संख्या

कुल: 50 (सैंतालीस) - (वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर - 29, एसोसिएट प्रोफेसर - 15 और सहायक प्रोफेसर - 7)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

प्रो. राकेश कुमार - प्राकृतिक एवं अप्राकृतिक पदार्थों के लिए 12वां एशियाई नेटवर्क (वर्ष-XII), रसायन विज्ञान विभाग, आईआईटी बॉम्बे (अध्यक्ष) 2024॰

प्रो. राकेश के. शर्मा - सत्र अध्यक्ष - 'बायोमिमिक्री' पर भारत-ऑस्ट्रेलियाई सम्मेलन एवं कार्यशाला, स्थायी भविष्य की रूपरेखा तैयार करने के लिए प्रकृति की आदर्श नवाचार प्रणाली (एमएचआरडी-एसपीएआरसी के तत्वावधान में), जामिया मिलिया इस्लामिया, 31 जनवरी, 2025 - 7 फ़रवरी, 2025॰

डॉ. शिव कुमार - 13 नवंबर 2024 को ऑनलाइन आयोजित "वेबिनार यूरोपीय अनुसंधान परिषद: भारतीय शोधकर्ताओं के लिए आवश्यक सुझाव और मार्गदर्शन" में भाग लिया।

13-14 नवंबर 2024 को आईआईटी दिल्ली में आयोजित "डिवाइस निर्माण और लक्षण वर्णन पर 17वीं उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यशाला (वर्चुअल)" में प्रतिभागिता की।

27 नवंबर 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित "नैनोमेडिसिन पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी: किफायती स्वास्थ्य सेवा पर नैनोमेडिकल विज्ञान आधारित नई पीढ़ी" में स्थानीय सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में प्रतिभागिता की।

10 मार्च 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित "स्कोपस के साथ उच्च-गुणवत्ता वाली पत्रिकाओं में प्रकाशन के मार्ग प्रशस्त करना" में प्रतिभागिता की।

***

पर्यावरण अध्ययन

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

विभाग पर्यावरण अध्ययन में अपने दो स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों (पर्यावरण अध्ययन में एम.ए. और पर्यावरण अध्ययन में एम.एससी.) और पीएच.डी. कार्यक्रम के माध्यम से अध्यापन और शोध संचालित करता है। हर वर्ष, हम राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा आयोजित अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से विभिन्न विषयों में विविध शैक्षणिक पृष्ठभूमि वाले 68 छात्रों (एमएससी 39 और एम.ए. 29) को प्रवेश देते हैं। विभाग में पंद्रह नियमित संकाय सदस्य हैं जो पारिस्थितिकी और पर्यावरण के मूलभूत और व्यावहारिक पहलुओं में अध्यापन और शोध में संलग्न हैं। विभाग राष्ट्रीय विकास और पर्यावरणीय स्वास्थ्य से जुड़े सामाजिक रूप से प्रासंगिक शोध में सक्रिय रूप से शामिल है, जिससे पर्यावरणीय क्षरण से उत्पन्न होने वाली समस्याओं का समाधान होता है। संकाय ने वर्षों से सफलतापूर्वक बाह्य शोध परियोजनाएँ हासिल की हैं, जिनसे अत्याधुनिक प्रयोगशाला सुविधाओं के विकास और शोधार्थियों को प्रशिक्षित करने में मदद मिली है, जिसके परिणामस्वरूप नेचर, साइंस और अन्य उच्च-प्रभावी पत्रिकाओं जैसे शीर्ष-स्तरीय पत्रिकाओं में प्रकाशन हुए हैं। संकाय सदस्य विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त हैं, अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ व्यापक रूप से सहयोग करते हैं, और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों/सम्मेलनों में अपने शोध निष्कर्षों पर मुख्य और प्लेनरी व्याख्यान देते हैं।

सम्मान/विभूतियां

संकाय

प्रोफेसर इंद्रजीत सिंह - जे.सी. बोस राष्ट्रीय फेलोशिप अनुदान 2024 से सम्मानित।

प्रोफेसर एस.डी. बीजू - भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (एफएनए, आईएनएसए), नई दिल्ली, भारत, 2024 के निर्वाचित फेलो।

डॉ. भरत जी. - तेलंगाना विज्ञान अकादमी 2024 के एसोसिएट फेलो के रूप में चयनित।

छात्र

एंजेलिना गुरुआरिबम, एम.एससी. (पर्यावरण अध्ययन), (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, आईएएससी-आईएनएसए-एनएएसआई ग्रीष्मकालीन अनुसंधान फेलोशिप, भारतीय विज्ञान अकादमी, के लिए चयनित,10 जून, 2024।

जोसविन पी. जॉय, एम.एससी. (पर्यावरण अध्ययन), (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, विश्वविद्यालय की टॉपर रहीं और उन्हें विश्वविद्यालय पदक प्रदान किया गया।

कमलजीत कौर, एम.ए. (पर्यावरण अध्ययन) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, विश्वविद्यालय की टॉपर रहीं और उन्हें विश्वविद्यालय पदक प्रदान किया गया।

जोसविन पी. जॉय, एम.एससी. (पर्यावरण अध्ययन) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, ने यूजीसी-जेआरएफ, 2024 में अर्हता प्राप्त की।

फहद टी. के, एम.एससी. (पर्यावरण अध्ययन) (द्वितीय वर्ष) के छात्र, ने यूजीसी-जेआरएफ, 2024 में अर्हता प्राप्त की।

देवांश रुघवानी, एम.एससी. (पर्यावरण अध्ययन) (द्वितीय वर्ष), यूजीसी-जेआरएफ, 2024 में अर्हता प्राप्त की।

साहिल बुरी, एम.एससी. (पर्यावरण अध्ययन) (द्वितीय वर्ष) के छात्र, यूजीसी-जेआरएफ, 2024 में अर्हता प्राप्त की।

अमल नारायण, एम.ए. (पर्यावरण अध्ययन) (द्वितीय वर्ष) के छात्र, यूजीसी-जेआरएफ, 2024 में अर्हता प्राप्त की।

संथासीलन एम, एम.एससी. (पर्यावरण अध्ययन) (द्वितीय वर्ष) के छात्र, यूजीसी-जेआरएफ, 2024 में अर्हता प्राप्त की।

अभिलाषा शर्मा, एम.एससी. (पर्यावरण अध्ययन) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, यूजीसी-जेआरएफ, 2025 में अर्हता प्राप्त की।

प्रकाशन

अहमद, पी., और उर्फी, ए. जे. (2024), चित्रित सारस (माइक्टेरिया ल्यूकोसेफला) के घोंसलों वाली कॉलोनियों में सतर्कता व्यवहार के पर्यावरणीय चालक, *साइंटिफिक रिपोर्ट्स*, 14(1), 28498. https://doi.org/10.1038/s41598-024-8276-8

अहमद, पी., और उर्फी, ए. जे. (2024), चित्रित सारस (माइक्टेरिया ल्यूकोसेफला) के घोंसलों के तापमान नियामक व्यवहार में लिंग-आधारित अंतर, दैनिक और मौसमी रुझान। व्यवहारिक प्रक्रियाएँ, 223, 105115. https://doi.org/10.1016/j.beproc.2024.105115

यादव, एस. के., रामनाथन, ए. एल., सबरथिनम, सी., कुमार, ए., कुमार, एम., और धीमान, ए. (2024), जलोढ़ जलभृतों में आर्सेनिक के व्यवहार को समझना: तलछट भू-रसायन, विलेय रसायन और पर्यावरणीय समस्थानिकों से साक्ष्य, *जियोसाइंस फ्रंटियर्स*, 15(5), 101844. https://doi.org/10.1016/j.gsf.2024.101844

शिवहरे, वी., कुमार, ए., कुमार, आर., शास्त्री, एस., मलिक, जे., और सिंह, सी. के. (2024), भू-स्थानिक वातावरण में एएचपी और सेंटिनल-1 एसएआर डेटा का उपयोग करके, भारत के निचले कोसी बेसिन के लिए बाढ़ की संवेदनशीलता और बाढ़ आवृत्ति मॉडलिंग, नेचर हज़ार्ड्स, 120(13), 11579-11610। https://doi.org/10.1007/s11069-024-06614-0

गर्ग, वी., कुमार, एम., दशोरा, एम., कुमार, आर., सिंह, ए., और कुमार, ए. (2025)। राजस्थान, भारत के अर्ध-शुष्क पूर्वी मैदानों में संभावित भूजल पुनर्भरण क्षेत्रों का परिसीमन, क्लीन - सॉइल, एयर, वाटर, 53(1), e202400013। https://doi.org/10.1002/clen.202400013

रे, ए. के., शुक्ला, ए., यादव, ए., कौर, यू., सिंह, ए. के., मागो, पी., ... और मलिक, एम. जेड. (2024), विशिष्ट आंत माइक्रोबियल संरचना और हृदय-चयापचय रोगों में इसके कार्यात्मक महत्व को स्पष्ट करने के लिए एक व्यापक पायलट अध्ययन, बायोकेमिकल जेनेटिक्स, 1-27। https://doi.org/10.1007/s10528-024-10847-w

प्रिया, ए., मोल, एन., सिंह, ए. के., आदित्य, ए. के., और रे, ए. के. (2025)। पशु मॉडलों में हृदय स्वास्थ्य पर जलवायु संबंधी ठंडी घटनाओं के प्रभावों का खुलासा। साइंस ऑफ दि टोटल एनवायरनमेंट, 971, 179028. https://doi.org/10.1016/j.scitotenv.2025.179028

जोशी, एस., रस्तोगी, एन., और सिंह, ए. (2024), कृषि अवशेषों के जलने से होने वाले उत्सर्जन से द्वितीयक कार्बनिक एरोसोल के निर्माण की अंतर्दृष्टि: कक्ष-आधारित अध्ययनों की समीक्षा, साइंस ऑफ दि टोटल एनवायरनमेंट, 175932. https://doi.org/10.1016/j.scitotenv.2024.175932

हिर्श, एल. ओ., गंडू, बी., चिलिवेरु, ए., डबरोविन, आई. ए., जुकांति, ए., शेचटर, ए., और काहन, आर. (2024), एक फ़िल्टर बैग में समाहित एल्जिनेट हाइड्रोजेल बायोएनोड का उपयोग करके माइक्रोबियल इलेक्ट्रोलिसिस कोशिकाओं में हाइड्रोजन उत्पादन, पॉलिमर्स, 16(14), 1996. https://doi.org/10.3390/polym16141996

यादव, एन., मोहनकृष्ण, जी., गंडू, आर., काहन, आर., और गंडू, बी. (2024), बायोगैस उत्पादन के लिए खाद्य अपशिष्ट के अवायवीय पाचन को बढ़ाना: प्रत्यक्ष अंतर-प्रजाति इलेक्ट्रॉन स्थानांतरण तंत्र पर ग्राफीन नैनोकणों और बहुदीवार वाले नैनोट्यूब का प्रभाव, सेफ़्टी प्रोसेस एंड एनवायरनमेंटल प्रोटेक्शन, 191, 2335-2349. https://doi.org/10.1016/j.psep.2024.09.089

घोष, सी., बिष्ट, के., शैली, ए., और कुमारी, आर. (2024), शैक्षणिक संस्थान के व्यक्तियों में आकार-पृथक बायोएरोसोल सांद्रता, निक्षेपण अंश और अंतःश्वसन खुराक का मूल्यांकन: स्वास्थ्य जोखिम मूल्यांकन के लिए एक केस स्टडी. एयर क्वालिटी, एटमोस्फेयर एंड हेल्थ, 17(11), 2693-2709. https://doi.org/10.1007/s11869-024-01601-7

थॉमस, पी. डब्ल्यू., और कोथामासी, डी. (2025). शिकारी कुत्तों का व्यवहार ट्रफल की कटाई की मात्रा और गुणवत्ता को प्रभावित करने वाला एक प्रमुख कारक है। साइंटिफ़िक रिपोर्ट्स, 15(1), 8662. https://doi.org/10.1038/s41598-025-93116-z

गोस्वामी, वी., दीपिका, एस., शर्मा, पी., और कोथमासी, डी. (2024), कृषि में उर्वरक के रूप में स्टील स्लैग का पुनर्चक्रण एक अच्छी चक्रीय अर्थव्यवस्था है, लेकिन यह मिट्टी में पादप सूक्ष्मजीवों के सहजीवन को बाधित करती है, साइंस ऑफ दि टोटल एनवायरनमेंट, 954, 176750। https://doi.org/10.1016/j.scitotenv.2024.176750

शाह, के., शर्मा, जी. पी., और सागर, आर. (2024), तरकश में एक तीर: विभिन्न प्रकाश स्तरों में हाइप्टिस सुवेओलेंस (एल.) पोइट के प्रदर्शन का मूल्यांकन, एकोलोजिकल प्रोसेसेज़, 13(1), 30. https://doi.org/10.1186/s13717-024-00504-w

सिंह, आर. के., शाह, के., और शर्मा, जी. पी. (2024), भारत में हिमालय की तलहटी में विकसित होते सड़क नेटवर्क और शहरी परिदृश्य परिवर्तन। एनवायरनमेंटल मॉनिटरिंग एंड एसेस्मेंट, 196(12), 1164। https://doi.org/10.1007/s10661-024-13303-9

राठौड़, पी. बी., कुमार, के. ए., यक्कला, के., सिंह, एम. पी., अठावले, ए. ए., और पांडे, ए. के. (2025), कार्बनिक प्रतिक्रियाओं में उत्प्रेरण के लिए टिकाऊ अगली पीढ़ी की सामग्री के रूप में नाइट्रोजन-समृद्ध डेंड्रिमर-जैसे हेक्सामेथिलीनटेट्रामाइन ग्राफ्टेड मैग्नेटाइट नैनोरिएक्टर, *नेक्स्ट नैनोटेक्नोलॉजी*, 8, 100148. https://doi.org/10.1016/j.nxnano.2025.100148

मिश्रा, वी., मुखर्जी, पी., भट्टाचार्य, एस., और शर्मा, आर.एस. (2025), उन्नत ऑक्सीकरण और जैविक विधियों का उपयोग करके कपड़ा उद्योग के अपशिष्टों को विषमुक्त करने के लिए नवीन और स्थायी समाधान, *जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल मैनेजमेंट*, 380, 124804. https://doi.org/10.1016/j.jenvman.2025.124804

छछिया, एन., तिवारी, ए., शर्मा, आर.एस., राय, पी.के., आनंद, एस., और मिश्रा, वी. (2025)। खतरनाक रासायनिक अपशिष्ट के पर्यावरण-अनुकूल प्रबंधन के लिए अनुकूलित माइक्रोबियल ईंधन सेल डिज़ाइन और सामग्रियों की परिवर्तनकारी क्षमता, *जर्नल ऑफ वॉटर प्रोसेस इंजीनियरिंग*, 69, 106647. https://doi.org/10.1016/j.jwpe.2024.106647

पु, एस., बुशनाक, एच., मुनरो, सी., गिबर्ट, वाई., शर्मा, आर., मिश्रा, वी., और डुमी, एल. एफ. (2024), मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका (एमईएनए) क्षेत्र में माइक्रोप्लास्टिक के परिवहन मार्गों पर परिप्रेक्ष्य, एनपीजे क्लीन वाटर, 7(1), 114. https://doi.org/10.1038/s41545-024-00410-w

कर्मकार, एस., मुखर्जी, पी., मिश्रा, वी., गुप्ता, आर. के., कुमार, आर., श्रीवास्तव, पी., और शर्मा, आर. एस. (2024), पारिस्थितिकी पुनर्स्थापन हेतु एक परित्यक्त खदान में फेज-बैक्टीरिया गतिशीलता पर माइक्रोहैबिटेट प्रभाव, जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल मैनेजमेंट, 370, 122659. https://doi.org/10.1016/j.jenvman.2024.122659

मुखर्जी, पी., शर्मा, आर. एस., और मिश्रा, वी. (2024), जल-तलछट सूक्ष्म जगत में सूक्ष्मजीव समुदाय विश्लेषण के माध्यम से एज़ो डाई प्रदूषण के पारिस्थितिक प्रभाव का निर्धारण, एनवायर्नमेंटल साइंस एंड पोलूशन रिसर्च, 1-19। https://doi.org/10.1007/s11356-024-34445-w

मुखर्जी, पी., शर्मा, आर. एस., रावत, डी., शर्मा, यू., कर्माकर, एस., यादव, ए., और मिश्रा, वी. (2024), सूक्ष्मजीव समुदाय जल-तलछट प्रणाली में एसिड ऑरेंज 7 और क्रिस्टल वायलेट रंगों के प्रवाह को संचालित करते हैं, जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल मैनेजमेंट, 351, 119699. https://doi.org/10.1016/j.jenvman.2023.119699

कुशवाह, ए.एस., दीक्षित, एच., उपाध्याय, वी., वर्मा, एस.के., और प्रसाद, आर. (2024), फ्यूजेरियम ऑक्सीस्पोरम के आयरन और कॉपर-बाइंडिंग प्रोटिओम और इसके प्रभावकारी कारकों का अध्ययन। प्रोटीन: संरचना, कार्य और जैव सूचना विज्ञान, 92(9), 1097-1112. https://doi.org/10.1002/prot.26696

दीक्षित, एच., उपाध्याय, वी., कुल्हारिया, एम., और वर्मा, एस.के. (2024)। डीएनए वायरस के मेटालोप्रोटिओम का अध्ययन: वायरल मेटल-बाइंडिंग प्रोटीन की पहचान, कार्यात्मक व्याख्या और विविधता विश्लेषण, जर्नल ऑफ प्रोटिओम रिसर्च, 23(9), 4014-4026। https://doi.org/10.1021/acs.jproteome.4c00358

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. आलोक कुमार को 'राजस्थान के अर्ध-शुष्क क्षेत्र के जलीय पारिस्थितिक तंत्रों में प्रतिक्रियाशील नाइट्रोजन प्रजातियों के जैव-भू-रासायनिक परिवर्तन और भाग्य' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 44,56,208/- रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान

सुविधा (पूर्व में एसईआरबी) द्वारा प्रदान किया गया है और फरवरी 2023 से फरवरी 2026 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. आलोक कुमार को 'भारत के राजस्थान की अंतर्देशीय खारी झील में कार्बन और नाइट्रोजन जैव-भू-रासायनिक प्रक्रियाओं का पता लगाना' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 6,00,000/- रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान दिल्ली विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस द्वारा प्रदान किया गया है और सितंबर 2024 से मार्च 2025 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. अश्विनी कुमार रे को 'कैनोरहेबडाइटिस एलिगेंस को एक पशु मॉडल के रूप में उपयोग करके हृदय गति रुकने पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को समझने के लिए एक बहु-ओमिक्स दृष्टिकोण' नामक शोध परियोजना के लिए 39,68,360/- रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा प्रदान किया गया है और फरवरी 2023 से फरवरी 2026 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. अश्विनी कुमार रे को 'सी. एलिगेंस को एक पशु मॉडल के रूप में ताप तनाव के प्रभाव को समझना' नामक शोध परियोजना के लिए 6,00,000/- रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान दिल्ली विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस द्वारा प्रदान किया गया है और सितंबर 2024 से मार्च 2025 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. अतिंदरपाल सिंह को 'लेंसिंग प्रभाव के कारण ब्लैक कार्बन अवशोषण में वृद्धि' नामक शोध परियोजना के लिए 25,40,000/- रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान दिल्ली विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस द्वारा प्रदान किया गया है और अगस्त 2022 से मार्च 2025 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. चिराश्री घोष को 'शहरी पारिस्थितिकी तंत्र में मानव स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की उभरती चुनौतियों के बारे में जागरूकता फैलाना' नामक शोध परियोजना के लिए 39,94,900/- रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रदान किया गया है और जून 2023 से जून 2025 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. चिराश्री घोष को सह-पीआई के रूप में 'कैनोरहेबडाइटिस एलिगेंस को एक पशु मॉडल के रूप में उपयोग करके हृदय गति रुकने पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को समझने के लिए एक बहु-ओमिक्स दृष्टिकोण' नामक शोध परियोजना के लिए 39,68,360/- रुपए की राशि मंजूर की गई है। यह अनुदान स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा प्रदान किया गया है और फरवरी 2023 से फरवरी 2026 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. चिराश्री घोष को 'फसल सूक्ष्म प्लास्टिक की गतिशीलता पर अध्ययन, एमपी-भारी धातु संपर्क और कृषि उपज में इसकी प्राकृतिक प्रचुरता का आकलन' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 6,00,000/- रुपए की राशि मंजूर की गई है। यह अनुदान दिल्ली विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस द्वारा प्रदान किया गया है और सितंबर 2024 से मार्च 2025 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. अतिंदरपाल सिंह को 'लेंसिंग प्रभाव के कारण ब्लैक कार्बन अवशोषण में वृद्धि' नामक शोध परियोजना के लिए 25,40,000/- रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान दिल्ली विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस द्वारा प्रदान किया गया है और अगस्त 2022 से मार्च 2025 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. चिराश्री घोष को 'शहरी पारिस्थितिकी तंत्र में मानव स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की उभरती चुनौतियों के बारे में जागरूकता फैलाना' नामक शोध परियोजना के लिए 39,94,900/- रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रदान किया गया है और जून 2023 से जून 2025 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. चिराश्री घोष को सह-पीआई के रूप में 'कैनोरहेबडाइटिस एलिगेंस को एक पशु मॉडल के रूप में उपयोग करके हृदय गति रुकने पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को समझने के लिए एक बहु-ओमिक्स दृष्टिकोण' नामक शोध परियोजना के लिए 39,68,360/- रुपए की राशि मंजूर की गई है। यह अनुदान स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा प्रदान किया गया है और फरवरी 2023 से फरवरी 2026 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. चिराश्री घोष को 'फसल सूक्ष्म प्लास्टिक की गतिशीलता पर अध्ययन, एमपी-भारी धातु संपर्क और कृषि उपज में इसकी प्राकृतिक प्रचुरता का आकलन' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 6,00,000/- रुपए की राशि मंजूर की गई है। यह अनुदान दिल्ली विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस द्वारा प्रदान किया गया है और सितंबर 2024 से मार्च 2025 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. शैलेंद्र कुमार वर्मा को 'जलवायु परिवर्तन, जंगली पौधे और सतत विकास लक्ष्य: हिमाचल प्रदेश में एक दीर्घकालिक अध्ययन' नामक शोध परियोजना के लिए सह-पीआई के रूप में 150,00,000/- रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रदान किया गया है और सितंबर 2024 से सितंबर 2029 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. शैलेंद्र कुमार वर्मा को 'रोटी गेहूं और उसके जलवायु-लचीले जंगली रिश्तेदारों की रासायनिक फिंगरप्रिंटिंग, अनाज में Zn की मात्रा के विपरीत स्तरों के साथ' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 6,00,000/- रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और सितंबर 2024 से मार्च 2025 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. वंदना मिश्रा को पीआई के रूप में 'माइक्रोबियल ईंधन कोशिकाओं में कपड़ा अपशिष्ट जल के सतत उपचार के लिए शैवाल बायोकैथोड का उपयोग' नामक एक शोध परियोजना के लिए 6,00,000/- रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और सितंबर 2024 से मार्च 2025 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. वंदना मिश्रा को पीआई के रूप में 'शरवती पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट, कर्नाटक का ईआईए' नामक एक शोध परियोजना के लिए 6,00,000/- रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान जल एवं विद्युत परामर्श सेवा लिमिटेड द्वारा प्रदान किया गया है और अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. वंदना मिश्रा को 'शरवती पंप भंडारण परियोजना, कर्नाटक का पर्यावरण प्रभाव आकलन' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 18,00,000/- रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान जल एवं विद्युत परामर्श सेवा लिमिटेड द्वारा प्रदान किया गया है और अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक की अवधि के लिए है।

आयोजित संगोष्ठियां

पद्मश्री प्रो. महेश वर्मा, कुलपति, इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय ने 4 अप्रैल, 2024 को 'शहरी पारिस्थितिकी तंत्र में मानव स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की उभरती चुनौतियों के बारे में जागरूकता के प्रसार पर राष्ट्रीय कार्यशाला' में एक व्याख्यान दिया।

डॉ. विजय सोनी, प्रमुख, ईएमआरसी, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने 4 अप्रैल, 2024 को 'शहरी पारिस्थितिकी तंत्र में मानव स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की उभरती चुनौतियों के बारे में जागरूकता के प्रसार पर राष्ट्रीय कार्यशाला' में एक व्याख्यान दिया।

प्रो. वरुण जोशी, डीन यूएसईएम ने 4 अप्रैल, 2024 को 'शहरी पारिस्थितिकी तंत्र में मानव स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की उभरती चुनौतियों के बारे में जागरूकता के प्रसार पर राष्ट्रीय कार्यशाला' में एक व्याख्यान दिया।

डॉ. रणित चटर्जी, सह-संस्थापक, आरआईकेए इंडिया ने 5-6 अगस्त, 2024 को 'शहरी पारिस्थितिकी तंत्र में मानव स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की उभरती चुनौतियों के बारे में जागरूकता के प्रसार पर राष्ट्रीय कार्यशाला' में एक व्याख्यान दिया।

डॉ. संजुक्ता साहू, सहायक प्रोफेसर, केआईआईटी विश्वविद्यालय ने 5-6 अगस्त, 2024 को 'शहरी पारिस्थितिकी तंत्र में मानव स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की उभरती चुनौतियों के बारे में जागरूकता के प्रसार पर राष्ट्रीय कार्यशाला' में एक व्याख्यान दिया।

डॉ. शैलेश अग्रवाल, कार्यकारी निदेशक, निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकी संवर्धन परिषद ने 9-13 सितंबर, 2024 को 'एनआईडीएम के सहयोग से चरम मौसम की घटनाओं के संदर्भ में शहरी अवसंरचना के लचीलेपन पर एक सप्ताह के राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम' में एक व्याख्यान दिया।

डॉ. अमीर अली, विभागाध्यक्ष, आरआईडी, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान ने 9-13 सितंबर, 2024 को 'एनआईडीएम के सहयोग से चरम मौसम की घटनाओं के संदर्भ में शहरी अवसंरचना के लचीलेपन पर एक सप्ताह के राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम' में एक व्याख्यान दिया।

डॉ. अंशु शर्मा, सह-संस्थापक, सीड्स एशिया ने 9-13 सितंबर, 2024 को 'एनआईडीएम के सहयोग से चरम मौसम की घटनाओं के संदर्भ में शहरी अवसंरचना के लचीलेपन पर एक सप्ताह के राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम' में एक व्याख्यान दिया।

डॉ. स्मिता नाथ, यूसीएमएस, दिल्ली विश्वविद्यालय, ने एनआईडीएम के सहयोग से 9-13 सितंबर, 2024 को 'चरम मौसम की घटनाओं के संदर्भ में शहरी अवसंरचना के लचीलेपन पर एक सप्ताह के राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम' में व्याख्यान दिया।

डॉ. सूर्यकांत, प्रोफेसर और प्रमुख, श्वसन चिकित्सा विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश ने 11 नवंबर, 2024 को 'शहरी पारिस्थितिकी तंत्र में मानव स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की उभरती चुनौतियों के बारे में जागरूकता के प्रसार पर राष्ट्रीय कार्यशाला' में एक व्याख्यान दिया।

डॉ. जी सी किस्कू, प्रमुख, पर्यावरण निगरानी प्रभाग, घेरू परिसर के प्रभारी वैज्ञानिक, सीएसआईआर-आईआईटीआर लखनऊ, उत्तर प्रदेश ने 11 नवंबर, 2024 को 'शहरी पारिस्थितिकी तंत्र में मानव स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की उभरती चुनौतियों के बारे में जागरूकता के प्रसार पर राष्ट्रीय कार्यशाला' में एक व्याख्यान दिया।

प्रो. मधु उपाध्याय, यूसीएमएस, दिल्ली ने 3-4 मार्च, 2025 को 'शहरी पारिस्थितिकी तंत्र में मानव स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की उभरती चुनौतियों के बारे में जागरूकता के प्रसार के तत्वावधान में शहरी अपशिष्ट प्रबंधन और स्थायी समाधान पर राष्ट्रीय सम्मेलन' में एक व्याख्यान दिया।

डॉ. भूपिंदर सिंह, आईएआरआई, पूसा, दिल्ली ने 3-4 मार्च, 2025 को 'शहरी पारिस्थितिकी तंत्र में मानव स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की उभरती चुनौतियों के बारे में जागरूकता के प्रसार के तत्वावधान में शहरी अपशिष्ट प्रबंधन और टिकाऊ समाधान पर राष्ट्रीय सम्मेलन' में एक वार्ता।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

राष्ट्रीय

डॉ. अश्विनी कुमार रे ने आयोजित 'पर्यावरणीय स्थिरता, जलवायु कार्रवाई और पारिस्थितिक-मानव स्वास्थ्य के लिए भारतीय ज्ञान प्रणाली' विषय पर 20-21 सितंबर, 2024 को दूसरे राष्ट्रीय ईएनओ सम्मेलन के दौरान एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. भरत गंडू ने आयोजित 'नेट-ज़ीरो की ओर प्रौद्योगिकी और लचीलापन' विषय पर 17-18 अगस्त 2024 को गोलमेज सम्मेलन में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

प्रो. चिराश्री घोष ने मणिपुर विश्वविद्यालय में 28 फरवरी, 2025 को आयोजित 12-दिवसीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

प्रो. चिराश्री घोष ने सीपीडीएचई, डीयू में 24 फरवरी, 2025 को आयोजित ऑनलाइन एफडीपी कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

प्रो. चिराश्री घोष ने 8 फरवरी को मिरांडा हाउस कॉलेज, डीयू में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आरबीबीएस-2025 में जैव प्रौद्योगिकी में महिलाओं पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

प्रो. चिराश्री घोष ने जाकिर हुसैन कॉलेज, डीयू में 29 जनवरी, 2025 को महिला वैज्ञानिकों की भूमिका: विकसित भारत का स्तंभ विषय पर आयोजित एक विषय विशेषज्ञ के रूप में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

प्रो. चिराश्री घोष ने दिल्ली के भारत मंडपम में आईएमडी के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 15 जनवरी, 2025 को आयोजित राष्ट्रीय हितधारक बैठक में एक पैनल वक्ता के रूप में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

प्रो. चिराश्री घोष ने मिरांडा हाउस कॉलेज में 14 अक्टूबर, 2024 को "बायोमेडिकल रिसर्च में उभरते मोर्चे" विषय पर आयोजित कार्यशाला में एक विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

प्रो. चिराश्री घोष ने 9 अक्टूबर, 2024 को भारतीय विद्या भवन कॉलेज, दिल्ली में "एक स्थायी दुनिया बुनना: ज्ञान, संस्कृति और समाधान का एकीकरण" विषय पर आयोजित एक-दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में एक विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

प्रो. चिराश्री घोष ने सीएसआरडी, जेएनयू, दिल्ली में 20 सितंबर, 2024 को "हिमालय में आपदा जोखिम न्यूनीकरण: हालिया प्रगति" विषय पर आयोजित कार्यक्रम में एक विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

प्रो. चिराश्री घोष ने जेडीएमसी कॉलेज, डीयू में 23 अगस्त, 2024 को भारतीय ज्ञान प्रणाली में पर्यावरण नैतिकता और जागरूकता विषय पर आयोजित कार्यक्रम में एक विषय विशेषज्ञ के रूप में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

प्रो. चिराश्री घोष ने असम डॉन बॉस्को विश्वविद्यालय, असम में 22 अगस्त, 2024 को आयोजित आईसीएमएई सम्मेलन में एक विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

प्रो. चिराश्री घोष ने आई.पी. विश्वविद्यालय, दिल्ली में 21 अगस्त, 2024 को आयोजित एफडीपी कार्यक्रम में एक विषय विशेषज्ञ के रूप में एक विशेष व्याख्यान दिया।

प्रो. चिराश्री घोष ने आई.पी. विश्वविद्यालय, दिल्ली में 5 जून, 2024 को आयोजित "विश्व पर्यावरण दिवस" समारोह में एक विषय विशेषज्ञ के रूप में एक विशेष व्याख्यान दिया।

प्रो. चिराश्री घोष ने एमिटी विश्वविद्यालय में 3 जून, 2024 को आयोजित पाँच-दिवसीय एफडीपी कार्यक्रम में एक विषय विशेषज्ञ के रूप में एक विशेष व्याख्यान दिया।

अंकिता शैली, रेखा कुमारी, चिराश्री घोष ने पर्यावरण अध्ययन विभाग और वनस्पति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत द्वारा 03-04 मार्च 2025 को संयुक्त रूप से आयोजित "शहरी अपशिष्ट प्रबंधन और टिकाऊ समाधान" पर दो-दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत में दिल्ली के बलवा सैनिटरी लैंडफिल में जैव स्रोत, आकलन और प्राधिकरण" विषयक सार प्रस्तुत किया।

अंकिता शैली, रेखा कुमारी, चिराश्री घोष ने 06-08 फरवरी 2025 को “जैविक विज्ञान में जैव प्रौद्योगिकी की भूमिका” पर आयोजित तीन-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत में दिल्ली के भलस्वा सैनिटरी लैंडफिल में जैव स्रोतों का आकलन और लक्षण वर्णन" विषय पर पोस्टर प्रस्तुत किया। यह सम्मेलन दिल्ली विश्वविद्यालय, मिरांडा हाउस के प्राणिविज्ञान विभाग द्वारा भारतीय मृदा संदूषण अनुसंधान नेटवर्क, जामिया हमदर्द, अंतर्राष्ट्रीय माइक्रोबियल पारिस्थितिकी सोसायटी और महर्षि मार्कंडेश्वर (मानद) के सहयोग से संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था।

अंकिता शैली, रेखा कुमारी, चिराश्री घोष ने यह सम्मेलन आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा “सूक्ष्मजीव जगत की खोज: मानव स्वास्थ्य से पर्यावरणीय स्थिरता तक” विषय पर आयोजित सिलिएट जीव विज्ञान पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के साथ 03-05 अप्रैल 2024 को भारतीय नेटवर्क मृदा संदूषण अनुसंधान के तीन-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “शैक्षणिक संस्थागत वातावरण में जैव सांद्रता का आकलन; दिल्ली, भारत के शहरी शहर से एक केस स्टडी” विषय पर पोस्टर प्रस्तुत किया।

एच. पंत और ज्ञान प्रकाश शर्मा (2025), अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, भोपाल, भारत में 21 और 22 फ़रवरी 2025 को भारत में आक्रामक प्रजातियों के हितधारक जुड़ाव विषय पर आयोजित कार्यक्रम में "ल्यूकेना ल्यूकोसेफाला और प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा का ऊँचाई प्रवणता के साथ प्रदर्शन" पर प्रस्तुति।

आर. पाखरे, ए. दत्ता और ज्ञान प्रकाश शर्मा (2024), जैव विविधता के लिए नागरिक विज्ञान पर 12 और 13 दिसंबर 2024 को आयोजित 5वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन : सिटसाइ इंडिया 2024 (ऑनलाइन) में "अनुसंधान संस्थानों के सूचना रंग नागरिक विज्ञान को गति देते हैं: आक्रामक प्रजातियों पर परिप्रेक्ष्य" पर प्रस्तुति।

ज्ञान प्रकाश शर्मा (2025), अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, भोपाल, भारत में 21 और 22 फ़रवरी 2025 को आयोजित कार्यक्रम में “पादप आक्रमण: संक्रमण के प्रक्षेप पथ की खोज, भारत में आक्रामक प्रजातियों के हितधारक जुड़ाव” पर आमंत्रित व्याख्यान।

अन्य अंतर्सांस्थानिक सहयोग

विभिन्न पारिस्थितिक तंत्रों के भू-रसायन विज्ञान के अन्वेषन के लिए जनवरी 2021 से टेरी स्कूल ऑफ एडवांस्ड स्टडीज के प्राकृतिक संसाधन विभाग और राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग के साथ सहयोग किया जा रहा है। इस साझेदारी का उद्देश्य उच्च-थ्रूपुट उपकरणों तक पहुँच को सुगम बनाना है, जिससे पर्यावरणीय नमूनों का संयुक्त विश्लेषण संभव हो सके। इस सहयोग का उद्देश्य भू-रसायन विज्ञान पर साझा प्रकाशनों को भी बढ़ावा देना है। (डॉ. आलोक कुमार)

आंत माइक्रोबायोम और पर्यावरणीय तनावों की खोज के लिए जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के जैव प्रौद्योगिकी विद्यालय; एम्स, नई दिल्ली के गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग; मथुरा के के.डी. मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र के मेडिसिन विभाग; कुवैत सिटी, कुवैत के दासमान मधुमेह संस्थान के आनुवंशिकी एवं जैव सूचनाविज्ञान विभाग; नई दिल्ली, भारत के अंतर्राष्ट्रीय आनुवंशिक अभियांत्रिकी एवं जैव प्रौद्योगिकी केंद्र के साथ जनवरी 2021 से सहयोग किया जा रहा है। इस साझेदारी का उद्देश्य उच्च-थ्रूपुट अनुक्रमण प्लेटफार्मों और जैव सूचना विज्ञान में विशेषज्ञता तक पहुँच को सुगम बनाना है, जिससे पर्यावरणीय नमूनों का संयुक्त विश्लेषण संभव हो सके। इस सहयोग का उद्देश्य आंत माइक्रोबायोम और पर्यावरणीय तनावों पर क्षमता निर्माण कार्यशालाओं और साझा प्रकाशनों को भी बढ़ावा देना है। (डॉ. अश्विनी कुमार रे)

जैव ऊर्जा की खोज के लिए जनवरी 2021 से एरियल विश्वविद्यालय-इज़राइल; केएलई टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, हुबली, कर्नाटक के साथ सहयोग। इस साझेदारी का उद्देश्य उच्च-थ्रूपुट रिएक्टरों तक पहुँच को सुगम बनाना है, जिससे पर्यावरणीय नमूनों का संयुक्त विश्लेषण संभव हो सके। इस सहयोग का उद्देश्य जैव ऊर्जा पर साझा प्रकाशनों को भी बढ़ावा देना है। (डॉ. भरत गंडू)

माइक्रोप्लास्टिक्स की खोज और उपचार के लिए खलीफा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, अबू धाबी, संयुक्त अरब अमीरात के साथ सहयोग। इस साझेदारी का उद्देश्य उच्च-थ्रूपुट उपकरणों तक पहुँच को सुगम बनाना है, जिससे पर्यावरणीय नमूनों का संयुक्त विश्लेषण संभव हो सके। इस सहयोग का उद्देश्य उपचार पर साझा प्रकाशनों को भी बढ़ावा देना है। (प्रो. राधेश्याम शर्मा और प्रो. वंदना मिश्रा)

स्मार्ट और जलवायु-अनुकूल कृषि की खोज हेतु वारविक विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम के साथ 11.04.2024 से 10.06.2024, 21.06.2024 से 20.07.2024 और 09.03.2024 से 15.04.2025 तक सहयोग। इन सहयोगात्मक यात्राओं का वित्तपोषण रॉयल सोसाइटी (लंदन) द्वारा न्यूटन इंटरनेशनल फेलोशिप्स के पूर्व छात्र अनुदान के अंतर्गत किया जा रहा है। इस सहयोग का उद्देश्य साझा प्रकाशनों को भी बढ़ावा देना है। (डॉ. शैलेंद्र कुमार वर्मा)

आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र

संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी स्थित खलीफा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के साथ चल रहे शैक्षणिक सहयोग के एक भाग के रूप में, दिल्ली विश्वविद्यालय के पर्यावरण अध्ययन विभाग के एक पीएच॰डी॰ छात्र, अभिषेक भारती ने 1 सितंबर, 2024 से 15 जनवरी, 2025 तक एक सेमेस्टर-लंबे विनिमय कार्यक्रम में भाग लिया। छात्रों ने स्थायी उपचार तकनीकों पर केंद्रित पाठ्यक्रम और प्रयोगशाला-आधारित शोध में भाग लिया। छात्रों ने अपनी अंतर-सांस्कृतिक समझ में वृद्धि की और अपने शोध प्रबंध से संबंधित मूल्यवान शोध कौशल विकसित किए।

प्लेसमेंट विवरण (प्लेस किए गए छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

06 और 15%

विस्तार और आउटरीच गतिविधियां

.प्रो. चिराश्री घोष, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा प्रायोजित वायु गुणवत्ता कार्यक्रम, सफर (एसएएफएआर) का नेतृत्व कर रही हैं।

प्रो. वंदना मिश्रा, दिल्ली विश्वविद्यालय-डीडीए जैव विविधता पार्क कार्यक्रम, दिल्ली की प्रधान अन्वेषक के रूप में नेतृत्व कर रही हैं।

प्रदान की गई एम.फिल./पीएच.डी॰ डिग्रियों की संख्या

पीएचडी: 03

संकाय सदस्य संख्या

कुल: 15 (पंद्रह) - (वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर - 03/06, एसोसिएट प्रोफेसर - 00 और सहायक प्रोफेसर - 06)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

सामाजिक आउटरीच - प्रो. वंदना जलविद्युत संयंत्रों पर विकासात्मक परियोजनाओं के लिए परामर्श सेवाएँ प्रदान कर रही हैं।

उपयोगित निधियां (करोड़ ₹ में)

0.54148

आवंटित निधियां (करोड़ ₹ में)

0.5432

***

भूविज्ञान विभाग

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

दिल्ली विश्वविद्यालय का भूविज्ञान विभाग, अपने शैक्षणिक, शोध और इंटरैक्टिव कार्यक्रमों के निरंतर संशोधन और विस्तार के माध्यम से उच्चतम स्तर की शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है जिससे कि भूविज्ञान के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों को छूने में सक्षम सुप्रशिक्षित, सक्षम, शैक्षणिक और पेशेवर भूवैज्ञानिक तैयार किए जा सकें। भूविज्ञान विभाग को दिनांक 20 दिसंबर 2024 के स्वीकृति पत्र संख्या एसआर/एफएसटी/ईएस-II/2024/155 के माध्यम से डीएसटी 2024 (टीपीएन-107283) के फिस्ट कार्यक्रम के लिए चुना गया था।

सम्मान/विभूतियां

संकाय

प्रो. आशुतोष के. सिंह

- भारतीय पैलियोन्टोलॉजिकल सोसाइटी, लखनऊ, भारत में संयुक्त सचिव के रूप में चयनित
- दिल्ली विश्वविद्यालय के दिल्ली स्कूल ऑफ क्लाइमेट चेंज में ओएसडी के रूप में नियुक्त।

- इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, हरियाणा के भूविज्ञान विभाग में स्नातकोत्तर अध्ययन बोर्ड की सदस्य।

डॉ. अनिंदिता डे

- ऑस्ट्रियाई विज्ञान कोष (परियोजना संख्या: ईएसपी 675-N) से ESPRIT पोस्ट-डॉक्टरल फ़ेलोशिप प्राप्त की और वियना विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रिया में प्रवेश लिया।

छात्र

- निरंजना जॉय एम को ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी द्वारा फ्यूचर रिसर्च टैलेंट ट्रैवल अवार्ड 2024 प्राप्त हुआ।

- श्रेष्ठा गुप्ता को ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी द्वारा फ्यूचर रिसर्च टैलेंट ट्रैवल अवार्ड 2024 प्राप्त हुआ।

प्रकाशन

- अख्तर, एस., संतोष, एम., गाओ, पी., यांग, सी. एक्स., और सैकिया, ए. (2024), भारतीय प्लेट के दक्षिण-पूर्वी किनारे पर स्थित दक्षिण अंडमान द्वीप ओपियोलाइट समूह से डायबेस, गैब्रोस, एनोर्थोसाइट्स और अल्ट्रामैफिक चट्टानों का भू-रसायन विज्ञान और जिरकोन यू-पीबी भू-कालक्रम, लिथोस, 482, 107711. https://doi.org/10.1016/j.lithos.2024.107711
- बसु, ए., मिश्रा, वी. एन., डे, एन., और सिंह, वी. (2024), मृदा संसाधनों का सतत निष्कर्षण और संरक्षण: प्राकृतिक गामा-किरण स्पेक्ट्रोमेट्री आधारित प्रॉक्सिमल सेंसिंग विधि के माध्यम से नई अंतर्दृष्टि, एप्लाइड रेडियशन एंड आइसोटॉप्स, 211, 111400. https://doi.org/10.1016/j.apradiso.2024.111400
- बसु, ए., मिश्रा, वी. एन., डे, एन., और सिंह, वी. (2023), मृदा सिकुड़न और दरार व्यवहार में भिन्नताओं का पता लगाने के लिए एक त्वरित संवेदन विधि के रूप में प्राकृतिक गामा-किरण स्पेक्ट्रोमेट्री: एक अनुप्रयोग केस अध्ययन. एप्लाइड रेडियशन एंड आइसोटॉप्स, 201, 111016. https://doi.org/10.1016/j.apradiso.2023.111016
- भौमिक, एस. के., बोस, एस., चट्टोपाध्याय, ए., कर्मकार, एस., और पंत, एन. सी. (2024), प्रोटेरोज़ोइक गतिशील पट्टियाँ - मैग्माटिज़्म, कायांतरण, भू-कालक्रम और विवर्तनिकी, वृहत्तर भारतीय भूभाग के निर्माण के संदर्भ में। भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की कार्यवाहियाँ, 90(2), 209-240.http://dx.doi.org/10.1007/s43538-024-00284-z

- ब्राइस, अतुल, आर. जयंगोंडापेरुमल, राव सिंह प्रियंका, अर्जुन पांडे, राजीब लोचन मिश्रा, ईश्वर सिंह, मधुसूदन सती, पंकज कुमार, और संदीप प्रसाद दास, "दार्जिलिंग-सिक्किम हिमालय में मुख्य हिमालयी थ्रस्ट के विभाजन के पुराभूकंपीय साक्ष्य।" साइंटिफिक रिपोर्ट्स 14, अंक. 1 (2024): 14537. http://dx.doi.org/10.1038/s41598-024-63539-1
- ब्राइस, ए., पांडे, ए., जयंगोंडापेरुमल, आर., मोहंता, ए., प्रियंका, आर.एस., सती, एम., और सुंदरियाल, वाई. (2024), पूर्वी भारतीय उपमहाद्वीप के विनाशकारी भूकंप और भूकंपीय खतरे की संभावना: पुराभूकंप विज्ञान से अंतर्दृष्टि। इंटेरनेशनल जूलौजी रिव्यू, 66(20), 3481-3503. http://dx.doi.org/10.1080/00206814.2024.2341240
- चटर्जी, एस., मुखर्जी, एस., सान्याल, एस., और सेनगुप्ता, पी. (2024), छोटानागपुर ग्रेनाइट नीसिक कॉम्प्लेक्स (सीजीजीसी), पूर्वी भारतीय शील्ड के कुछ हिस्सों से मैग्मैटिक चार्नोकाइट-बायोटाइट ग्रेनाइट सूट का पेट्रोजेनेसिस: कोलंबिया सुपरकॉन्टिनेंट के विघटन पर प्रभाव, लिथोस, 488, 107802. https://doi.org/10.1016/j.lithos.2024.107802
- चौहान, एन., कुमार, वी., सुंदरियाल, वाई., कौशिक, एस., सुब्रमण्यन, एस. एस., मेलो, आर., और राणा, एन. (2024), भारतीय हिमालय में मलबा प्रवाह: उभरती अवसंरचना के लिए एक खतरा। बुलेटिन ऑफ इंजीनियरिंग जियोलॉजी एंड द एनवायरनमेंट, 83(11), 428. https://doi.org/10.1007/s10064-024-03923-3
- चक्रवर्ती, पी. पी., बरकत, आर., शर्मा, ए., दास, के., और शिबाता, टी. (2024). 'सीक्वेंस स्ट्रैटिग्राफी' विश्लेषण और डेट्राइटल जिरकोन जियोक्रोनोलॉजी का उपयोग करके भारत के कुरनूल समूह के नियोप्रोटेरोज़ोइक पैनियम सैंडस्टोन फॉर्मेशन से प्रतिगामी निक्षेपण इतिहास का डिकोडिंग, सेडिमेंटरी जियोलॉजी, 471, 106730. https://doi.org/10.1016/j.sedgeo.2024.106730
- देवरानी, आर., सिंह, वी., सैनी, एच. एस., और मुजतबा, एस. ए. आई. (2023). विस्तृत पर्वतीय घाटियों में तलछट भंडारण पर नियंत्रण–श्रीनगर (गढ़वाल) घाटी, उत्तर-पश्चिम हिमालय से एक केस स्टडी, जियोसाइंसेज जर्नल, 27(1), 23-43. https://doi.org/10.1007/s12303-022-0023-0
- देशमुख, जी.जी., जैन, ए.के., मुखर्जी, पी.के., सिंघल, एस., दीक्षित, आर. और श्रीवास्तव, डी.सी., 2024, दक्षिण तिब्बती डिटैचमेंट सिस्टम (एसटीडीएस), उत्तर-पश्चिम हिमालय: एक संभावित कैम्ब्रो-ऑर्डोविशियन टेक्टोनिक टेरेन सीमा, और इसका सेनोज़ोइक रीमोबिलाइज़ेशन, गोंडवाना रिसर्च, 136, पृष्ठ 142-168. https://doi.org/10.1016/j.gr.2024.08.008

- धीमान, एच., और प्रसाद, जी. वी. (2024)। भारत के दक्कन ज्वालामुखी प्रांत के जीवाश्म जीवों पर हाल के शोध का अवलोकन। भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की कार्यवाहियाँ, 90(2), 332-346। http://dx.doi.org/10.1007/s43538-024-00304-y
- दीक्षित, आर., श्रीवास्तव, डी. सी., देशमुख, जी. जी., और जैन, ए. के. (2024), मुनस्यारी और वैकृत थ्रस्ट ज़ोन, गढ़वाल हिमालय, भारत की संरचनात्मक शारीरिक रचना, टेक्टोनोफिजिक्स, 880, 230334. https://doi.org/10.1016/j.tecto.2024.230334
- गोगोई, बी., सैकिया, ए., चौहान, एच., ताये, सी. डी., और सैकिया, एस. (2025), पूर्वी हिमालय सिंटैक्सिस के अबोर ज्वालामुखी-तलछटी अनुक्रम में संभावित साइडराइट जमा का भू-रासायनिक लक्षण वर्णन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ अर्थ साइंस, 1-17, http://dx.doi.org/10.1007/s00531-025-02492-4
- हटुई, के., चट्टोपाध्याय, ए., सातो, एच., दास, के., और भौमिक, एस.के. (2025), भारत के अरावली-दिल्ली मोबाइल बेल्ट के पश्चिमी भाग में स्पंदित पर्वत उत्पत्ति और नियोप्रोटेरोज़ोइक क्रस्टल वास्तुकला: संरचनात्मक, कायापलट और यू-पीबी ज़िरकोन भू-कालक्रम संबंधी आंकड़ों से नए साक्ष्य, इंटेरनेशनल जूलौजी रिव्यू, 67(4), 411-439। http://dx.doi.org/10.1080/00206814.2024.2393637
- जैन, ए.के., मुकुल, एम., पंत, एन.सी., मुखर्जी, पी.के., सिंह, पी., सिंह, टी., राजेंद्रन, सी.पी., पेबम, जे., सिंह, पी., देशमुख, जी.जी. और दीक्षित, आर., 2024, उत्तर-पश्चिमी, सिक्किम और पूर्वी हिमालय की टेक्टोनिक्स। भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की कार्यवाहियां, 90(2), पृष्ठ 266-280, http://dx.doi.org/10.1007/s43538-024-00255-4
- कर्माकर, एस., मुखर्जी, पी., मिश्रा, वी., गुप्ता, आर. के., कुमार, आर., श्रीवास्तव, पी., और शर्मा, आर. एस. (2024), पारिस्थितिकी पुनर्स्थापन हेतु एक परित्यक्त खदान में फेज-बैक्टीरिया गतिकी पर सूक्ष्म आवासों का प्रभाव, जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल मैनेजमेंट, 370, 122659, https://doi.org/10.1016/j.jenvman.2024.122659
- कपूर, वी. वी., सागर, आर., सिंह, के., और प्रसाद, जी. वी. (2024), भारत के ऊपरी ट्राइएसिक टिकी संरचना से एक नया माइक्रोकोप्रोलाइट संयोजन: इचनोटैक्सोनॉमी, और उत्पादक संघ (एस), ऐतिहासिक जीवविज्ञान, 1-15, http://dx.doi.org/10.1080/08912963.2024.2402263
- कौशिक, एस., बागड़ी, डी. एस., सुंदरियाल, वाई., कुमार, एस., चौहान, एन., और राणा, एन. (2024), भारत के उत्तर-पश्चिम हिमालय की धौली गंगा नदी के किनारे अचानक आने वाली बाढ़ के खतरों में स्थलाकृति, जलवायु और तलछट परिवहन गतिशीलता की भूमिका को समझना, जर्नल ऑफ अर्थ सिस्टम साइंस, 133(4), 233.https://doi.org/10.1007/s12040-024-02444-7

- क्षेत्रीमयुम, डी. एस., परमार, वी., लौरेम्बम, आर. एस., और प्रसाद, जी. वी. (2024), भारत के मालवा पठार के निचले नर्मदा बेसिन के मास्ट्रिचियन इंटरट्रैपियन तलों के गैर-समुद्री ऑस्ट्राकोड जीवों का वर्गीकरण, जैवस्तरीकरण और पुरापाषाण पारिस्थितिकी। पैलियोवर्ल्ड, 33(1), 162-187। https://doi.org/10.1016/j.palwor.2022.12.006
- कुमार, वी., सुंदरियाल, वाई., चौहान, एन., पुनिया, एम. के., कौशिक, एस., कुमार, एस., ... और राणा, एन. (2023), मानव बस्ती से जुड़े पहाड़ी ढलानों के टूटने के संभावित कारणों का पता लगाना: अलकनंदा घाटी, उत्तराखंड, उत्तर-पश्चिमी हिमालय, भारत से एक केस स्टडी, जर्नल ऑफ द जियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, 99(8), 1141-1148। https://doi.org/10.1007/s12594-023-2443-5
- कुमार, पी., और शेखर, एस. (2024), विविध भू-स्थलों का संरक्षण और सुरक्षा: कच्छ बेसिन का पश्चिमी भाग, भारत, जियोहेरिटेज, 16(4), 1-16, http://dx.doi.org/10.1007/s12371-024-00999-x
- कुमारी, वी., टंडन, एस. के., घटक, ए., श्रीवास्तव, पी., बेरा, एम. के., और चक्रवर्ती, आर. (2025)। मध्य भारत के लैमेटा फॉर्मेशन का एक दक्कन वृहद आग्नेय प्रांत से संबंधित मास्ट्रिचियन रेगोलिथ: कैल्क्रीट प्रोफाइल की उत्पत्ति और विकास और पुराजलवायु परिवर्तनशीलता के निहितार्थों पर अंतर्दृष्टि, सेडिमेंटोलॉजी, 72(3), 763-795, https://doi.org/10.1111/sed.13255
- कुमार, आर., हमीद, ए., तिवारी, पी., कुमार, एन., और श्रीवास्तव, पी. (2024), भारत के भीलवाड़ा सुपरग्रुप के तनवान समूह की चट्टानों के आर्कियन कार्बोनेट तलछटों का प्रमुख, सूक्ष्म और दुर्लभ मृदा तत्व भू-रसायन: समुद्री जल भू-रसायन और निक्षेपण पर्यावरण पर प्रभाव। कार्बोनेट्स एंड इवेपोराइट्स, 39(2), 14. http://dx.doi.org/10.1007/s13146-024-00927-8
- लाकड़ा, डी., पिपिल, एस., श्रीवास्तव, पी. के., सिंह, एस. के., गुप्ता, एम., और प्रसाद, आर. (2025), मशीन लर्निंग और सेंटिनल 1 प्रेक्षणों के माध्यम से कृषि क्षेत्र में मृदा नमी पुनर्प्राप्ति। फ्रंटियर्स इन रिमोट सेंसिंग, 5, 1513620, http://dx.doi.org/10.3389/frsen.2024.1513620
- मिश्रा, एस. आर., चक्रवर्ती, पी. पी., दास, के., साहा, एस., शिबाता, टी., मोहंती, एस. पी., और त्रिपाठी, एस. सी. (2024), उत्तर-पश्चिमी हिमालय के गढ़वाल फोरलैंड बेसिन के क्रेटेशियस-पैलियोजीन तलछटी अनुक्रम में तलछट भू-रसायन विज्ञान और यू-पीबी डेट्रिटल ज़िरकोन भू-कालक्रम का उपयोग करके उद्गम परिवर्तन का पता लगाना। जर्नल ऑफ एशियन अर्थ साइंसेज, 264, 106067. https://doi.org/10.1016/j.jseaes.2024.106067

- नेगी, आर., राणा, एन., सती, एस. पी., शुक्ला, ए., जुयाल, एन., और शर्मा, एस. (2024), व्यास नदी बाढ़ 2023: उच्च हिमालयी घाटियों में शहरीकरण और विकास की दिशा में बदलाव का निर्णायक क्षण. करेंट साइंस, 127(1), 65-77. http://dx.doi.org/10.18520/cs/v127/i1/65-77
- सरकार, ए., सिंह, वी., और परिदा, एस. (2024), एक पर्वतीय जलग्रहण क्षेत्र की ढलानों पर तलछट भंडारण क्षमता और संचलन का भू-आकृतिक आकलन: प्राणमती जलग्रहण क्षेत्र, उत्तर-पश्चिम हिमालय से एक उदाहरण। जियोमोर्फ, 463, 109351. https://doi.org/10.1016/j.geomorph.2024.109351
- सैकिया, ए., और किसो, ई. (2024), उत्तर-पूर्वी भारत के नागालैंड-मणिपुर हिल ओफियोलाइट (एनएमएचओ) परिसर की बेसाल्टिक चट्टानों के लिए विषम मेंटल स्रोत: स्रोत गलन मॉडल से निष्कर्ष, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ अर्थ साइंसेज, 113(3), 757-777। http://dx.doi.org/10.1007/s00531-024-02399-6
- साहा, एस., इबकर, ए., सरकार, ए., यादव, ए. के., और शेखर, एस. (2025), सुदूर संवेदन तकनीकों का उपयोग करके शहरी विकास के प्रति भूजल गतिशीलता की प्रतिक्रिया की जाँच, जर्नल ऑफ अर्थ सिस्टम साइंस, 134(2), 67. https://doi.org/10.1007/s12040-025-02531-3
- शर्मा, ए., और चक्रवर्ती, पी. पी. (2024), प्रायद्वीपीय भारत के प्रोटेरोज़ोइक बेसिनों से हालिया निष्कर्ष और आगे की रूपरेखा। भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की कार्यवाहियाँ, 90(2), 241-252। http://dx.doi.org/10.1007/s43538-024-00258-1
- श्रीवास्तव, पी., अरुचे, एम., पाल, डी. के., कुमार, आर., हमीद, ए., आर्य, ए., और सिंह, एल. पी. (2025), 2000 किलोमीटर लंबे ट्रांसेक्ट के साथ गंगा बेसिन की मृदा-भू-रसायन विज्ञान: स्रोत, जलवायु और नव-विवर्तनिकी द्वारा प्रभावित पेडोजेनेसिस के दौरान रासायनिक अपक्षय के निहितार्थ। एप्लाइड जियोकैमिस्ट्रि, 180, 106275। https://doi.org/10.1016/j.apgeochem.2024.106275
- श्रीवास्तव, पी., और पाल, डी. के. (2024)। भारतीय उष्णकटिबंधीय मृदाओं में पैलीगोर्स्काइट: पेडोजेनिक, जियोजेनिक या जलवायु-प्रेरित उत्पत्ति का एक मृदा खनिज - एक यांत्रिक समीक्षा। क्लेज़ एंड क्ले मिनरल्स, 72, पृष्ठ 11. https://doi.org/10.1017/cmn.2024.8
- सुंदरियाल, वाई., कुमार, एस., कौशिक, एस., चौहान, एन., वासन, आर., अग्रवाल, एस., ... और चौहान, ए. (2024)। मशीन लर्निंग का उपयोग करके भूस्खलन के खतरे, भेद्यता और जोखिम का मूल्यांकन; अलकनंदा घाटी, उत्तर-पश्चिम हिमालय से एक केस स्टडी, पर्यावरण, विकास और स्थिरता, 1-26, https://doi.org/10.1007/s10668-024-05523-3

- तिवारी, ए., राणा, एन., और जी.पी., एस. (2024)। वाराणसी शहर (भारत) के लिए एक पीजीए प्रवर्धन अध्ययन: भूकंपीय खतरे के आकलन के लिए निहितार्थ, जर्नल ऑफ इंडियन जियोफिजिकल यूनियन, 28(6), 417-429। https://doi.org/10.71122/jigu.vol.28.issue.06.2024.003
- यादव, ए.के., शेखर, एस., नाज़, ए., कौल, एम., यादव, एच.के., कुमार, पी., और चौधरी, ए. (2024)। भूजल में संभावित विषैले तत्व: उत्तरी दिल्ली के कुछ हिस्सों में स्वास्थ्य जोखिम। भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की कार्यवाहियाँ, 1-16। https://doi.org/10.1007/s43538-024-00358-y
- कुमार, वी. और शेखर, शशांक. (2024), बिहार, भारत के बूढ़ी गंडक बेसिन के भूजल तंत्र में विद्युत चालकता और pH परिवर्तन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग रिसर्च इन मैकेनिकल एंड सिविल इंजीनियरिंग (IJERMCE), 11(7): 61-64.
- रे, जे., यांग, क्यू. वाई., शु, एल., संतोष, एम., डे, ए., घोष, बी.,... और मुखोपाध्याय, एस. (2024), एलागिरी क्षारीय संकुल, दक्षिणी ग्रैनुलाइट टेरेन, भारत से अवशेष नियोआर्कियन सिलिको-कार्बोनेटाइट, करंट साइंस (00113891), 127(5)।

पुस्तक अध्याय

- प्रसाद, जी.वी.आर., धीमान, एच. और गोस्वामी, ए. दक्षिण भारत के कावेरी बेसिन के क्रेटेशियस निक्षेपों पर कशेरुकी जीवाश्म विज्ञान संबंधी शोध का एक संक्षिप्त दृष्टिकोण। प्रेस में। जैन, एस. और चक्रवर्ती, एन. (संपादक), दक्षिण भारत में कावेरी बेसिन का भूविज्ञान, सीआरसी प्रेस, डीओआई: 10.1201/9781032710488-17।
- कैपेलो, एम.ए., कैसलिन, ई., स्टीवर्ट, आई.एस., कॉक्स, डी.एम., शौघनेसी, ए.सी., अटेकवाना, ई.ए., बाकमजियन, टी., वाउटर्स, एल., विंस्टन, एम., सिंह, वी., और म्होपजेनी, के. (2023), क्रियाशील भूविज्ञान - सतत विकास को आगे बढ़ाना। यूनेस्को और अमेरिकी भूभौतिकीय संघ द्वारा प्रकाशित।

अनुसंधान परियोजनाएं

- प्रो. अनुपम चट्टोपाध्याय को “सीआईटीजेड के कुछ हिस्सों से ग्रेनाइट चट्टानों के भूतापीय क्षमता का आकलन करने के लिए उनके संरचनात्मक और पेट्रोग्राफिक अध्ययन” नामक एक परामर्श परियोजना के लिए पीआई के रूप में 12,15,000/- रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, नवी मुंबई द्वारा प्रदान किया गया है और मार्च 2023 से मई 2024 तक की अवधि के लिए है।
- प्रो. अनुपम चट्टोपाध्याय को “सोहागपुर पश्चिम ब्लॉक, एमपी में दोषों और फ्रैक्चर के एकीकृत उपसतह लक्षण वर्णन” नामक एक परामर्श परियोजना के लिए पीआई के रूप में

10,20,000/- रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, नवी मुंबई (डीयू-आरआईएल परामर्श परियोजना) द्वारा मार्च 2024 से प्रदान किया गया है।

- प्रोफ़ेसर आशुतोष के सिंह को "लेट नियोजीन-क्वाटर्नेरी मल्टी-प्रॉक्सी रिकॉर्ड्स ऑफ़ अल नीनो वेरिएबिलिटी: इंप्लीकेशंस ऑन ट्रॉपिकल इंडियन ओशन पेलियोक्लाइमेट एंड पेलियोसियनोग्राफी" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 38 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस), नई दिल्ली, भारत सरकार द्वारा प्रदान किया गया है और फरवरी 2020 से मार्च 2024 तक की अवधि के लिए है।

- प्रो. आशुतोष के. सिंह को "क्वाटर्नेरी के दौरान इंडियन ओशन सरफेस हीट रीडिस्ट्रीब्यूशन पर इंटरओशनिक एक्सचेंज की भूमिका और भारतीय मानसून पर इसके प्रभाव की जांच: एक मल्टीप्रॉक्सी दृष्टिकोण" नामक शोध परियोजना के लिए सह-पीआई के रूप में 48 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान आरयूएसए प्रायोजित है।

- प्रो. विमल सिंह, प्राणमती बेसिन, हिमालय क्रिटिकल ज़ोन को "नई वेधशाला (2021-24) 5.34 करोड़ (डीयू घटक - 2.42 करोड़)' नामक पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की शोध परियोजना के लिए 38 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

- डॉ. आशिमा सैकिया को "उत्तर पश्चिम हिमालय के निडार ओपियोलाइट में बेसाल्ट उत्पादन के स्रोत लिथोलॉजी और दबाव तापमान की स्थिति पर अंतर्दृष्टि" नामक एक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 6 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि 2024 से 31.3.2025 तक है।

- डॉ. आशिमा सैकिया को “पूर्वी भारत के छोटानागपुर ग्रेनाइट गनीस कॉम्प्लेक्स के गया और औरंगाबाद क्षेत्र के मैफिक-अल्ट्रामैफिक कॉम्प्लेक्स के निर्माण में मैग्मा गतिशीलता को समझना: वृहत्तर भारतीय भूभाग के समामेलन और विखंडन पर प्रभाव” शीर्षक की शोध परियोजना के लिए 4348696/- रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग - विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (पावर ग्रांट) द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि 11-9-2023 से 11-9-2026 तक है।

- डॉ. मोनिका गुप्ता को “सतह और उप-सतही मृदा नमी के बेहतर पूर्वानुमान के लिए गहन शिक्षण के माध्यम से मौसम अनुसंधान और पूर्वानुमान मॉडल में माइक्रोवेव उपग्रह डेटा का समावेश” शीर्षक वाली शोध परियोजना के लिए सह-पीआई के रूप में अनुदान प्राप्त हु। है। यह अनुदान एएनआरएफ, 2541240/- सीआरजी/2022/006070, 2/03/2023 द्वारा प्रदान किया गया है।

- डॉ. प्रियंका सिंह राव को “फ्रंटल थ्रस्ट, पूर्वोत्तर हिमालय के साथ सक्रिय दोषों की भू-आकृतिक अभिव्यक्ति की विशेषता” नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 47,99,696/- रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग-विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (डीएसटी-एसईआरबी), विज्ञान में उत्कृष्टता के लिए सशक्तिकरण और समानता के अवसर (ईईओईएस) द्वारा प्रदान किया गया है और मार्च, 2023 से मार्च, 2026 तक की अवधि के लिए है।
- डॉ. प्रियंका सिंह राव को "इनएसएआर मापन का उपयोग करके पूर्वी हिमालय के दीर्घकालिक अंतर-भूकंपीय विरूपण का आकलन: भूकंपीय क्षमता पर अंतर्दृष्टि" विषय पर प्रशिक्षण के लिए एसईआरबी अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान अनुभव फेलोशिप प्राप्त हुई। स्वीकृत राशि 16 लाख रुपये है। परियोजना की अवधि फरवरी 2024 से जुलाई 2024 तक है।
- डॉ. साकिब अब्दुल्ला को "नागालैंड मणिपुर ओपियोलाइट पूर्वोत्तर भारत की पेट्रोलॉजिकल, भू-रासायनिक और बनावट संबंधी विशेषताएं: नियो-टेथियन टेक्टोनिक्स और इंडो-म्यांमार रेंज के विकास पर प्रभाव" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 3025000 रुपये मंजूर किए गए हैं। यह अनुदान विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग- विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (डीएसटी-एसईआरबी) (स्टार्टअप अनुदान) द्वारा प्रदान किया गया है।
- डॉ. शुभम मुखर्जी को "क्रस्टल विकास के प्रतिनिधि के रूप में जिरकोन और मोनाज़ाइट: भारत के प्रोटेरोज़ोइक गतिशील बेल्ट के कुछ हिस्सों में अनुप्रयोग" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 35 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी-इंस्पायर) द्वारा प्रदान किया गया है और 2020-2025 की अवधि के लिए है।

दायर/प्रदान किए गए पेटेंट

- प्रोफेसर सुमन कुंडू - "लोरेम इप्सम डोलर सिट अमेट, कंसेटेट्यूअर एडिपिसिंग एलीट, सेड डायम नॉनमी निभ यूइस्मोड टिनसीडंट यूटी लॉरेट डोलोर मैग्ना अलिकम एराट वोलुटपैट), अंतिम भारतीय पेटेंट प्रस्तुत (आईडी 201711036983), 16 अक्टूबर, 2018; पेटेंट का सार दिनांक 21/06/2019 को जर्नल क्रमांक 25/2019 में 25766 पृष्ठ संख्या पर प्रकाशित हुआ: दिनांक 04/01/2021 को परीक्षण हेतु दाखिल किया गया।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

- प्रो. अनुपम चट्टोपाध्याय ने आईआईएसईआर भोपाल में आयोजित 8वें रॉक डिफॉर्मेशन एंड स्ट्रक्चर राष्ट्रीय सम्मेलन (22-24 अक्टूबर 2024) में 'स्यूडोटैकिलाइट: एक रहस्यमय भ्रंश-

चट्टान और क्रस्टल सीस्मोजेनेसिस की एक खिड़की' पर एक आमंत्रित मुख्य व्याख्यान दिया।

- प्रो. अनुपम चट्टोपाध्याय ने प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय, कोलकाता में आयोजित 'पृथ्वी की गतिशील प्रक्रियाओं: गहन आंतरिक भाग से सतह तक' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (21-22 मार्च 2025) में 'प्रोटेरोज़ोइक टेरेन सीमा शियर ज़ोन में दर्ज गहन क्रस्टल विरूपण-कायापलट-मैग्मैटिक घटनाएँ: मध्य और पश्चिमी भारत के उदाहरण' पर एक आमंत्रित मुख्य व्याख्यान दिया।
- प्रो. पार्थ प्रतिम चक्रवर्ती ने 11-13 दिसंबर, 2024 के बीच बीरबल साहनी पुराविज्ञान संस्थान (बीएसआईपी) में आयोजित 40वें भारतीय तलछट विज्ञानी संघ (आईएएस) सम्मेलन में मुख्य भाषण दिया।
- प्रो. शशांक शेखर ने 2 मार्च 2025 को राष्ट्रीय संगोष्ठी "भूजल स्थिरता पर पृथ्वी विज्ञान परिप्रेक्ष्य - हालिया प्रगति" में "भारत के औद्योगिक और खनन क्षेत्र में भूजल संसाधनों का मॉडल-सहायता प्राप्त सतत विकास: नियामक ढाँचा और कार्यप्रणालियाँ" विषय पर पूर्ण वक्ता के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया। यह संगोष्ठी आईएंसी-आईएएच, एमिटी विश्वविद्यालय और भूजल विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई थी। स्थान: एमिटी विश्वविद्यालय, जयपुर, 1-2 मार्च, 2025 (2 मार्च 2025 को दिया गया व्याख्यान)।
- डॉ. अनिंदिता डे ने 2-4 सितंबर 2024 को एनसेंस, त्रिवेंद्रम में आयोजित राष्ट्रीय भूविज्ञान महिला सम्मेलन: अवसर, चुनौतियाँ और उपलब्धियाँ में 'कावेरी शियर प्रणाली, दक्षिण भारत से ब्लैक-वॉल एम्फिबोलाइट्स के भीतर सैफिरिन-स्पिनल-कोरंडम का निर्माण' पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- डॉ. आशिमा सैकिया ने 2-4 सितंबर 2024 को एनसेंस, त्रिवेंद्रम में आयोजित राष्ट्रीय भूविज्ञान महिला सम्मेलन: अवसर, चुनौतियाँ और उपलब्धियाँ में 'भारत के असम के पश्चिम कार्बी आंगलोंग जिले के मिकिर हिल्स मैसिफ के ए प्रकार के ग्रेनाइट के पेट्रोजेनेसिस और टेक्टोनिक महत्व पर भू-रसायन विज्ञान और भू-कालक्रम से उत्पन्न बाधाएं' पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. आशिमा सैकिया ने 14 से 16 नवंबर, 2024 तक पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी और कृष्णुन्नी मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन "उत्तर पूर्वी भारत के सतत विकास पर एक भूविज्ञान परिप्रेक्ष्य: एक भूविज्ञान परिप्रेक्ष्य" में 'पूर्वोत्तर भारत के मिकिर हिल्स के जसरा क्षारीय परिसर से पाइरोक्सेनाइट्स के पेट्रोजेनेसिस: आरईई से क्रैबोनाइट्स में स्थानांतरण में पाइरोक्सेनाइट की भूमिका के निहितार्थ' पर व्याख्यान दिया।

- डॉ. मोनिका गुप्ता ने 3 से 6 फरवरी, 2025 तक बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, भारत में पर्यावरण और सतत विकास संस्थान में 'हाई-कैच (V 1.01) में शामिल डेटा एसिमिलेशन मॉड्यूल के प्रभाव' पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. मोनिका गुप्ता ने 03 से 05 दिसंबर, 2024 को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, भारत में आयोजित आईजीयू के "मौसम और जलवायु के विशेष संदर्भ में पृथ्वी प्रणाली विज्ञान में प्रगति" पर आयोजित 61वें वार्षिक सम्मेलन में 'हाई-कैच: बेहतर सतही प्रवाह भविष्यवाणियों के लिए एकल प्रोफ़ाइल से जलग्रहण क्षेत्र तक मॉडल विकास' पर व्याख्यान दिया।

अन्य अंतरसांस्थानिक सहयोग

- प्रोफेसर पार्थ प्रतिम चक्रवर्ती ने जादवपुर विश्वविद्यालय (कोलकाता), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (खड़गपुर), हिरोशिमा विश्वविद्यालय (जापान) और निगाता विश्वविद्यालय (जापान) के साथ अनुसंधान सहयोग किया है।
- डॉ. आशिमा सैकिया ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (पटना, बिहार), भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (गुवाहाटी, असम), कॉटन यूनिवर्सिटी (गुवाहाटी, असम), तस्मानिया विश्वविद्यालय (ऑस्ट्रेलिया) और स्कूल ऑफ अर्थ साइंस एंड रिसोर्सेज, चाइना यूनिवर्सिटी ऑफ जियोसाइंसेज (बीजिंग, चीन) के साथ अनुसंधान सहयोग किया है।

प्रदान की गई एम.फिल./पीएचडी डिग्रियों की संख्या

पीएच॰डी॰: 06
एम.फिल.: 01

संकाय सदस्य संख्या

कुल: 18 (अठारह) - (वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक - 09, एसोसिएट प्रोफेसर - 02 और सहायक प्रोफेसर - 07)

उपयोगित निधियां (करोड़ ₹ में)

0.4418926 रु॰

आवंटित निधियां (करोड़ ₹ में)

Rs. 0.846

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

- प्रो. अनुपम चट्टोपाध्याय आईएएससी-आईएनएसए-एनएएसआई ग्रीष्मकालीन शोध फेलोशिप (2011 से) के राष्ट्रीय संरक्षक हैं।

- प्रो. अनुपम चट्टोपाध्याय, राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार 2023, खान मंत्रालय, भारत सरकार की स्क्रीनिंग-सह-जांच समिति के अध्यक्ष हैं।
- प्रो. अनुपम चट्टोपाध्याय, वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान, देहरादून (2022-2025) के शासी निकाय के सदस्य हैं।
- प्रो. अनुपम चट्टोपाध्याय, एसईआरबी-आईआरएचपीए कार्यक्रम (2022-2027) पर विशेषज्ञ समिति के सदस्य हैं।
- प्रो. पार्थ प्रतिम चक्रवर्ती ने जनवरी, 2025 में अंडमान द्वीप समूह में ओएनजीसी और ऑयल इंडिया के भूवैज्ञानिकों के लिए क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की।
- प्रो. शशांक शेखर, भूजल निष्कर्षण के लिए एनओसी प्राप्त करने हेतु परियोजना प्रस्तावकों द्वारा प्रस्तुत प्रभाव आकलन रिपोर्टों और जल-भूवैज्ञानिक रिपोर्टों की समीक्षा हेतु गठित विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (ईएसी), केंद्रीय भूजल प्राधिकरण (सीजीडब्ल्यूए), जल संसाधन विभाग, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य (09-04-2021 से आगे) हैं।
- प्रो. शशांक शेखर, एनओसी की मात्रा से अधिक अतिरिक्त मात्रा भत्ते और पर्यावरण क्षतिपूर्ति एवं जल लेखा परीक्षा से संबंधित मुद्दों हेतु गठित समिति, केंद्रीय भूजल प्राधिकरण, भारत सरकार (2024) के सदस्य हैं।
- प्रो. शशांक शेखर, भूजल मॉडलिंग रिपोर्ट प्रारूप के मानकीकरण और भूजल मॉडलिंग के लिए मौजूदा एसओपी की समीक्षा हेतु गठित समिति, केंद्रीय भूजल प्राधिकरण, भारत सरकार (2024) के सदस्य हैं।
- डॉ. आशिमा सैकिया ने एनसीईएसएस, त्रिवेंद्रम में 2-4 सितंबर 2024 को आयोजित भूविज्ञान में महिलाएं: अवसर, चुनौतियां और उपलब्धियां विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र IV-मेटामॉर्फिज्म की अध्यक्षता की।
- डॉ. आशिमा सैकिया ने पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी और कृष्णुन्नी मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा 14 से 16 नवंबर, 2024 तक 'पूर्वोत्तर भारत का सतत विकास : एक भूविज्ञान परिप्रेक्ष्य' पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'सत्र 1 - एनईआर के टेक्टोनिक और जियोडायनामिक विकास' की अध्यक्षता की।
- डॉ. प्रमोद कुमार वर्ष 2013 में शुरू हुए अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ पेट्रोलियम जियोलॉजिस्ट (एएपीजी) स्टूडेंट चैप्टर, दिल्ली विश्वविद्यालय के संकाय सलाहकार हैं। इसमें भूविज्ञान विभाग से 226 से अधिक छात्र सदस्य हैं। गतिविधियों में प्रख्यात वैज्ञानिकों द्वारा वैज्ञानिक वार्ता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, शोधकर्ताओं के लिए इंटरैक्टिव सत्र और क्षेत्र भ्रमण शामिल हैं।
- श्री राहुल दीक्षित ने 1 से 5 सितंबर 2024 तक "एमसीटी (वैकृता थ्रस्ट) और उत्तराखंड के तपोबन क्षेत्र के भूतापीय शासन पर इसके प्रभाव" पर भूवैज्ञानिक क्षेत्र कार्यशाला के लिए संकाय विशेषज्ञ के रूप में काम किया।

***

भौतिकी और खगोल भौतिकी

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग ने भारत में सर्वोच्च क्यूएस रैंकिंग वाले विश्वविद्यालय भौतिकी विभाग के रूप में अपना स्थान बनाए रखा है। यह देश के सबसे बड़े भौतिकी विभागों में से एक है, जिसमें वर्तमान में 53 नियमित संकाय सदस्यों के अलावा लगभग 780 एमएस॰सी॰ छात्र और 180 से अधिक पीएच॰डी॰ छात्र यहाँ अध्ययनरत हैं। इसने अनुसंधान में अपनी उच्च गुणवत्ता को कायम रखा है, जो वर्ष के दौरान 200 से अधिक शोध प्रकाशनों से स्पष्ट है। विभाग के संकाय सदस्यों ने अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अनुदान प्राप्त किए हैं और दुनिया भर में अनेक सहयोगी परियोजनाओं में भाग लिया है। विभाग ने अनेक प्रतिष्ठित शोधकर्ताओं की भी मेजबानी की है जिन्होंने युवा छात्रों को प्रेरित करने के लिए प्रेरक व्याख्यान दिए हैं। विभाग का मास्टर पाठ्यक्रम अंतःविषय विषयों सहित वैकल्पिक विषयों का विस्तृत विकल्प प्रदान करता है। इसके अलावा, सीखने के अनुभवों को बेहतर बनाने के लिए समय-समय पर विभिन्न प्रकार की कार्यप्रणाली लागू की जाती है, जैसे,-

(1) ऑनलाइन संसाधन, जैसे व्याख्यान नोट्स, वीडियो व्याख्यान या प्रयोगात्मक प्रदर्शनों के लिंक, और अन्य अध्ययन सामग्री जो छात्रों को ऑनलाइन कक्षाओं, गूगल कक्षाओं या माइक्रोसॉफ्ट टीम्स प्लेटफॉर्म पर प्रदान की जाती है।

(2) इंटरैक्टिव कक्षा सत्र, जिसमें त्वरित प्रश्नोत्तरी, समूह चर्चा, साथ ही समयबद्ध असाइनमेंट शामिल होंगे, जिसमें छात्रों के आत्म-मूल्यांकन के प्रावधान पर जोर दिया जाएगा।

सम्मान/विशिष्टताएं

संकाय

प्रो. बी.सी. चौधरी, प्रो. आशुतोष भारद्वाज, प्रो. कीर्ति रंजन, प्रो. मोहम्मद नईमुद्दीन, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. अरुण कुमार: 2025 में सीईआरएन, जिनेवा, स्विट्जरलैंड में एलएचसी के लिए चार प्रायोगिक सहभागियों से मौलिक भौतिकी में ब्रेकथ्रू पुरस्कार से सम्मानित।

प्रो. बी.सी. चौधरी: (क) प्रवक्ता (2026 तक), भारतीय संस्थान: न्यूट्रिनो भौतिकी में फर्मिलैब सहयोग, (ख) 2024 में करियर 360 से भारत में प्रायोगिक उच्च ऊर्जा भौतिकी में उत्कृष्ट संकाय से सम्मानित।

प्रो. देबज्योति चौधरी: (क) सदस्य, डीएसटी की पीएसी, (ख) सदस्य, इंस्पायर संकाय पुरस्कारों के लिए चयन समिति।

प्रो. पैट्रिक दासगुप्ता: भारतीय सामान्य सापेक्षता एवं गुरुत्वाकर्षण संघ (आईएजीआरजी) के अध्यक्ष, 2020 से।

प्रो. एस. अन्नपूर्णी: जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, पांडिचेरी विश्वविद्यालय और एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ नैनोटेक्नोलॉजी की अकादमिक परिषद के सदस्य।

प्रो. अजीत के. महापात्र: पश्चिमी केप विश्वविद्यालय, बेलविले, दक्षिण अफ्रीका के भौतिकी एवं खगोल विज्ञान विभाग में एक्सट्राओर्डिनरी प्रोफेसर, जनवरी 2025 से।

प्रो. निवेदिता देव: सदस्य, कॉम्प्लेक्स सिस्टम्स सोसाइटी (सीसीएस), इंक.

प्रो. अवधेश प्रसाद: सदस्य, डीएसटी की पीएसी।

प्रो. समित के. मंडल: सदस्य, जेआरएफ/रिसर्च एसोसिएट/वैज्ञानिक, इंटर-यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर, डीयू की चयन समिति।

प्रो. श्यामा रथ: सदस्य, संपादकीय बोर्ड, एप्लाइड सरफेस साइंस, एल्सेवियर पब्लिकेशन्स।

डॉ. सौरव सूर: (क) विजिटिंग एसोसिएट, आईयूसीएए पुणे, (ख) सदस्य, इंडियन एसोसिएशन ऑफ जनरल रिलेटिविटी एंड ग्रेविटेशन (आईएजीआरजी)।

छात्र

एमएस॰सी॰ भौतिकी (अंतिम वर्ष, 2024) की छात्रा सुश्री उमंग रावत विश्वविद्यालय की टॉपर रही हैं और उन्हें भौतिकी में एमएस॰सी॰ परीक्षा में सीजीपीए - 9.250 के साथ प्रथम श्रेणी हासिल करने के लिए 101वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा डॉ. के.एस. कृष्णन स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

मोहंती सी.के., कुमार पी., वेदेश्वर ए.जी.; उन्मुख टीआईआई फिल्मों के बैंड गैप (0 4 0) की दाब निर्भरता; (2024) मैटेरियल्स लेटर्स, 359, संख्या 135928. डीओआई: 10.1016/j.matlet.2024.135928

कुमार पी., वेदेश्वर ए.जी., CaI2 के दाब-निर्भर इलेक्ट्रॉनिक, प्रकाशीय और प्रत्यास्थ गुणों के परिणामस्वरूप सिंटिलेटर दक्षता वृद्धि क्षमता: प्रथम-सिद्धांत गणना; (2024) हाइ प्रेशर रिसर्च, 44 (1), पृष्ठ 69. डीओआई: 10.1080/08957959.2024.2311919

सिंह एन., खान एन.ए., ताहा ए., जोशी एम.सी., कुमार पी., वेदेश्वर ए.जी., हाशमी ए.ए.; ओ-वैनिलिन से व्युत्पन्न ट्राइडेंटेट शिफ बेस लिगैंड के नए संक्रमण धातु संकुलों का संश्लेषण, स्पेक्ट्रोस्कोपिक लक्षण वर्णन, डीएफटी गणना और रोगाणुरोधी अध्ययन; (2025), जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर, 1332, आर्ट. सं. 141722. डीओआई: 10.1016/j.molstruc.2025.141722

सिंह ए., कुमार पी., पाठक एस., जैन के., गर्ग पी., पंत एम., महापात्र ए.के., सिंह आर.के., राजपूत पी., किम एस.के., मौर्य के.के., पंत आर.पी.; चुंबकीय अतिताप के लिए अनुकूलित नैनोकण: बेहतर तापन दक्षता के लिए डबल सर्फेक्टेंट कोटिंग द्वारा Mn-प्रतिस्थापित मैग्नेटाइट सुपरपैरामैग्नेटिक नैनोकणों का अत्यधिक स्थिर जलीय फैलाव; (2024) जर्नल ऑफ अलॉयज एंड कंपाउंड्स, 976, आर्ट. सं. 172999. डीओआई: 10.1016/j.jallcom.2023.172999

कुमार डी., महापात्रो ए.के., सिंह एस.के.; भूस्खलन पूर्व चेतावनी प्रणाली के लिए ध्वनिक उत्सर्जन प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए सक्रिय वेवगाइड विरूपण गतिकी; (2024) बुलेटिन ऑफ इंजीनियरिंग जियोलॉजी एंड द एनवायरनमेंट, 83 (2), अनुच्छेद संख्या 68. DOI: 10.1007/s10064-024-03548-6

पंत एम., महापात्रो ए.के.; अत्यधिक शुद्ध कैल्शियम मैंगनीज ऑक्साइड से बने पूर्णतः सघन सिरेमिक; (2024) सिरेमिक्स इंटरनेशनल, 50 (11), पृष्ठ 20348 - 20357. डीओआई: 10.1016/j.ceramint.2024.03.158

गोयल डी., संथिया डी., कुमार एस., कुमार महापात्रो ए.; कैंसर के चुंबकीय अतिताप उपचार हेतु मेसोपोरस कोर शैल मैग्नेटाइट बायोएक्टिव ग्लास नैनोकणों का संश्लेषण; (2024) केमिस्ट्रीसेलेक्ट, 9 (4), आर्ट. सं. e202302119. डीओआई: 10.1002/slct.202302119

देव के., कादियान ए., मणिकंदन वी., पंत एम., महापात्रो ए.के., अन्नपूर्णी एस.; चुंबकीय अतिताप अनुप्रयोगों के लिए FeNi3 नैनोकणों के चुंबकीय और तापीय स्थायित्व पर तापानुशीतन प्रभाव; (2025) मैटेरियल्स टुडे कम्युनिकेशंस, 43, कला. सं. 111669. डीओआई: 10.1016/j.mtcomm.2025.111669

कुमार डी., महापात्रो ए.के., सिंह एस.के.; प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के लिए ध्वनिक उत्सर्जन सक्रिय वेवगाइड के साथ भूस्खलन वेग पैमानों का आकलन; (2025) प्राकृतिक खतरे। डीओआई: 10.1007/s11069-025-07316-x

इस्सार एस., पांडे ए., भूषण आर., पंत एम., कुमार वी., चमोली एस.के., महापात्रो ए.के.; यांत्रिक रूप से रोल्ड गोल्ड समर्थित नियोबियम लक्ष्य के क्रिस्टलोग्राफिक और विद्युत गुण; (2024) वैक्यूम, 224, कला. सं. 113135. डीओआई: 10.1016/j.vacuum.2024.113135

कुमार डी., महापात्रो ए.के., सिंह एस.के.; मृदा ढलान विरूपण निगरानी के लिए ध्वनिक उत्सर्जन विशेषताओं पर महत्वपूर्ण सक्रिय वेवगाइड मापदंडों के प्रभावों का विश्लेषण; (2024) बुलेटिन ऑफ इंजीनियरिंग जियोलॉजी एंड द एनवायरनमेंट, 83 (9), आर्ट. संख्या 367. डीओआई: 10.1007/s10064-024-03857-w

गुप्ता एस., रविकांत सी., कौर ए.; प्रवाहकीय ग्रेफाइट शीट पर जमा rGO/ZIF-8 कंपोजिट पर आधारित नवीन लचीले रसायन प्रतिरोधी अमोनिया सेंसर; (2024) डायमंड एंड रिलेटेड मैटेरियल्स, 148, आर्ट. संख्या 111473. डीओआई: 10.1016/j.diamond.2024.111473

गुप्ता एस., रविकांत सी., कौर ए.; उन्नत कक्ष-तापमान अमोनिया गैस संसूचन हेतु नाइट्रोजन-मिश्रित अपचयित ग्राफीन ऑक्साइड/जिंक ऑक्साइड नैनोकंपोजिट का सरल संश्लेषण; (2024) जर्नल ऑफ मैटेरियल्स साइंस: मैटेरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स, 35 (2), अनुच्छेद संख्या 151. डीओआई: 10.1007/s10854-023-11854-0

सिंह के., कौर ए.; ठोस-अवस्था सुपरकैपेसिटर के लिए इलेक्ट्रोड सामग्री के रूप में मिथाइल-ऑरेंज/अपचयित ग्राफीन ऑक्साइड कंपोजिट; (2024) इंटरनेशनल जर्नल ऑफ केमिकल रिएक्टर इंजीनियरिंग, 22 (1), पृष्ठ 59. डीओआई: 10.1515/ijcre-2023-0068

राव ए.के., कौर ए.; विभिन्न सहायक और साइक्लोमेटलेटेड लिगैंड्स पर आधारित इरिडियम धातु संकुलों की एक श्रृंखला में प्रत्यक्ष धारा आवेश परिवहन तंत्र का अध्ययन; (2024) सिंथेटिक मेटल्स, 307, आर्ट. सं. 117680. डीओआई: 10.1016/j.synthmet.2024.117680

कुमार आर., कौर ए.; सिल्वर (Ag8+) आयनों के तीव्र भारी आयन विकिरण से संशोधित हाइड्रैज़ीन हाइड्रेट कम किए गए ग्राफीन ऑक्साइड फिल्मों की उल्लेखनीय रूप से बढ़ी हुई प्रकाश प्रतिक्रिया; (2024) ऑप्टिकल मैटेरियल्स, 152, आर्ट. सं. 115528. डीओआई: 10.1016/j.optmat.2024.115528

नेगी एस., चंद्रा ए.; बहुलक झिल्ली में बहुल नैनोचैनलों के आयन धारा सुधार और आयन धारा संतृप्ति का समायोजन; (2024) कोलाइड्स और सतहें A: भौतिक-रासायनिक और इंजीनियरिंग पहलू, 690, आर्ट. सं. 133764. डीओआई: 10.1016/जे.कोलसर्फा.2024.133764

अंजना, चंद्रा ए.; एक्स-बैंड में कुशल माइक्रोवेव अवशोषण के लिए CoFe2O4@MCM 41 से अलंकृत अपचयित ग्राफीन ऑक्साइड से युक्त P(VDF-TrFE)-आधारित बहुलक नैनोकंपोजिट; (2024) जर्नल ऑफ एप्लाइड पॉलिमर साइंस, 141 (7), अनुच्छेद संख्या e54954. डीओआई: 10.1002/app.54954

सिंह वी.के., चंद्रा ए.; Na-आयन सुपरकैपेसिटर के लिए अकार्बनिक और कार्बनिक लवणों के साथ बहुलक इलेक्ट्रोलाइट; (2025) इलेक्ट्रोकेमिका एक्टा, 512, अनुच्छेद संख्या 145377. डीओआई: 10.1016/j.electacta.2024.145377

सिंह वी.के., चंद्रा ए.; Na-रिचार्जेबल बैटरी के लिए PVdF-HFP-NaTFSI-[BMPYr][TFSI] पॉलीमर-सॉल्ट-IL इलेक्ट्रोलाइट की विद्युत-रासायनिक जाँच; (2024) सॉलिड स्टेट आयोनिक्स, 405, आर्ट. सं. 116448. डीओआई: 10.1016/j.ssi.2023.116448

अंजना, चंद्रा ए.; 'इन-सीटू' सह-अवक्षेपण विधि द्वारा तैयार RGO-CoFe2O4 युक्त PEO आधारित नैनोकंपोजिट का उपयोग करके उच्च-प्रदर्शन वाला हल्का माइक्रोवेव अवशोषक; (2025) मैटेरियल्स साइंस एंड इंजीनियरिंग: B, 318, आर्ट. सं. 118298. डीओआई: 10.1016/j.mseb.2025.118298

लतियन एस., यादव डी.के., दास एम.आर., सिंह ए., राजपूत पी., डेका एस.; उन्नत आवेश पृथक्करण और स्थानांतरण के माध्यम से उच्च दक्षता वाले प्रकाश उत्प्रेरक H2 उत्पादन और O2 न्यूनीकरण के लिए CuCo2S4 नैनोशीट उत्प्रेरकों के साथ Pd एकल परमाणुओं की अधिकतम सहक्रियात्मक अंतःक्रिया; (2025) एडवांस्ड फंक्शनल मैटीरियल्स। डीओआई: 10.1002/adfm.202507783

झांग एस., ली क्यू., ज़ू सी., हुआंग एच.-वाई., सिंह ए., यान एच., झोउ एक्स., हुआंग डी.-जे., पेंग वाई.; अत्यधिक अल्पडोपित Bi2Sr2-xLaxCuO6+δ में आवेश क्रम का उद्भव; (2024), फिजिकल रिव्यू बी, 110 (12), अनुच्छेद सं. 125108. डीओआई: 10.1103/PhysRevB.110.125108

जैन सी., शर्मा पी., दत्ता ए.; NuSTAR प्रेक्षणों का उपयोग करते हुए 2023 के टाइप II विस्फोट के दौरान Be/X-रे क्षणिक 4U 0115 + 63 का समय विश्लेषण; (2025) एडवांसेज इन स्पेस रिसर्च, 75 (1), पृ. 1490. डीओआई: 10.1016/j.asr.2024.10.021

अवोगा ओ.ए., इयोनिडिस आई., मिश्रा ए., लीजन्से एम., ट्रिफ एम., पॉस्के टी.; चुंबकीय श्रृंखला-अतिचालक प्रणालियों में मेजराना संकरण को नियंत्रित करना; (2024) फिजिकल रिव्यू रिसर्च, 6 (3), आर्ट. नं. 033154. डीओआई: 10.1103/PhysRevResearch.6.033154

फोगट ए., प्रकाश सी., कुमार ए., नैमुद्दीन एम.; काँच-आधारित आरपीसी डिटेक्टरों के लिए पर्यावरण-अनुकूल CO2 गैस मिश्रणों की खोज; (2025) भौतिकी अनुसंधान में परमाणु उपकरण और विधियाँ, खंड A: त्वरक, स्पेक्ट्रोमीटर, डिटेक्टर और संबंधित उपकरण, 1072, अनुच्छेद संख्या 170170. डीओआई: 10.1016/j.nima.2024.170170

गोगोई पी.बी., घोष आर., घोषाल डी., प्रसाद ए., रामास्वामी आर.; मनमाने आयामों में पूर्णतः हल करने योग्य स्टुअर्ट-लैंडौ मॉडल; (2024) फिजिकल रिव्यू ई, 110 (3), अनुच्छेद संख्या L032202. डीओआई: 10.1103/PhysRevE.110.L032202

मोनीश बी., ठाकुर ए., सरकार आर., सिंह के.यू., शर्मा जे., तिवारी आई., कुमारसामी एस., गद्रे एस.डी., परमानंद पी., प्रसाद ए.; दो युग्मित रोटरों में स्थिर और लिब्रेशन गति: सैद्धांतिक और प्रायोगिक अध्ययन; (2024) फिजिकल रिव्यू ई, 110 (6), आर्ट. सं. 064208. डीओआई: 10.1103/PhysRevE.110.064208

चोगल एफ., वर्गीस एस.एस., इब्राहिम ए.-बी.एम.ए., प्रसाद ए., एल्यूच एच.; कैविटी सहायता प्राप्त दो-चैनल नॉनलाइनियर कपलर में अराजकता और नियमितताएँ; (2024) अराजकता, सोलिटन्स और फ्रैक्टल्स, 189, आर्ट. सं. 115650. डीओआई: 10.1016/j.chaos.2024.115650

अग्रवाल एस., घोष आर., दीक्षित एस., प्रसाद ए., श्रीमाली एम.डी.; रैखिक वृद्धि के माध्यम से विस्फोटक वृद्धि को नियंत्रित करना; (2024) ईपीएल, 148 (2), अनुच्छेद संख्या 23002. डीओआई: 10.1209/0295-5075/ad7f84

भिंडवार एम., वार्ष्णेय वी., कुमारसामी एस., श्रीमाली एम.डी., प्रसाद ए.; छिपे हुए आकर्षकों की विशेषता बताने में यूपीओ की भूमिका: स्व-उत्तेजित आकर्षकों के साथ तुलना; (2024) इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बाइफर्केशन एंड कैओस, 34 (8), अनुच्छेद संख्या 2430016. डीओआई: 10.1142/एस0218127424300167

पुनेथा एन., खातून ए.ए., जाफरी एच.एच., प्रसाद ए., श्रीमाली एम.डी.; अरैखिक प्रणालियों की संवर्धित गतिशीलता: ए रिव्यू; (2024) ईपीएल, 145 (1), अनुच्छेद संख्या 13001. डीओआई: 10.1209/0295-5075/ad0bc7

रावत डी., कुमारसामी एस., प्रसाद ए.; समय-स्केलिंग के साथ अरैखिक प्रणालियों में द्विभाजन विलंब; (2025) कैऑस, 35 (5), अनुच्छेद संख्या 053103. डीओआई: 10.1063/5.0266598

वतनबे एम., प्रसाद ए., सकाई के.; जंपिंग अरैखिकता वाले क्वार्टर कार मॉडल में कैओस के लिए विलंबित फीडबैक सक्रिय निलंबन नियंत्रण; (2024) कैऑस, सोलिटन्स और फ्रैक्टल्स, 186, लेख क्रमांक 115236. डीओआई: 10.1016/j.chaos.2024.115236

एसेरो एम.ए., आचार्य बी., एडमसन पी., अलियागा एल., ..., चौधरी बी.सी., ...; नोवा प्रयोग के साथ सीपी-उल्लंघनकारी न्यूट्रिनो गैर-मानक अंतःक्रियाओं की खोज; (2024) फिजिकल रिव्यू लेटर्स, 133 (20), आर्ट. क्रमांक 201802. डीओआई: 10.1103/PhysRevLett.133.201802

एसेरो एम.ए., आचार्य बी., एडमसन पी., अलियागा एल., ..., चौधरी बी.सी., ...; नोवा प्रयोग में अप्रतिबंधित और प्रतिबंधित उपद्रव मापदंडों के साथ विश्वास अंतराल के निर्माण के लिए मोंटे कार्लो विधि; (2025) जर्नल ऑफ इंस्ट्रूमेंटेशन, 20 (2), आर्ट. क्रमांक T02001. डीओआई: 10.1088/1748-0221/20/02/T02001

एसेरो एम.ए., आचार्य बी., एडमसन पी., एन्फिमोव एन.,..., चौधरी बी.सी., ...; बायेसियन दृष्टिकोण का उपयोग करके NOvA में न्यूट्रिनो दोलन पैरामीटर मापन का विस्तार; (2024) फिजिकल रिव्यू डी, 110 (1), आर्ट. नं. 012005. डीओआई: 10.1103/PhysRevD.110.012005

एसेरो एम.ए., आचार्य बी., एडमसन पी., अलियागा एल., ..., चौधरी बी.सी., ...; नोवा निकट संसूचक का उपयोग करके Eν=1.86 GeV पर आवेशित धारा νμ-नाभिकीय अंतःक्रियाओं में d2σ/d | q → |dE उपलब्ध का मापन; (2025) फिजिकल रिव्यू डी, 111 (5), अनुच्छेद सं. 052009. डीओआई: 10.1103/PhysRevD.111.052009

एसेरो एम.ए., आचार्य बी., एडमसन पी., एन्फिमोव एन., ..., चौधरी बी.सी., ...; नोवा में सक्रिय-से-बाँझ न्यूट्रिनो दोलनों के लिए द्वैध-आधाररेखा खोज; (2025) फिजिकल रिव्यू लेट॰, 134 (8), लेख सं. 081804. डीओआई: 10.1103/PhysRevLett.134.081804

सागर पी., सिन्हा एन., यादव टी., शुक्ला एम., कुमार आर., कुमार बी.; लचीले पीजोइलेक्ट्रिक नैनोजनरेटरों के निर्माण हेतु ZnS माइक्रोस्फीयर का गैर-सेंट्रोसिमेट्रिक नैनोप्लेट्स में रूपांतरण: आउटपुट प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए इलेक्ट्रोड सतह क्षेत्र संशोधन; (2024) जर्नल ऑफ अलॉयज़ एंड कंपाउंड्स, 985, आर्ट. सं. 174074. डीओआई: 10.1016/j.jallcom.2024.174074

त्यागी एन., सिन्हा एन., यादव एच., कुमार पी., कुमार बी.; क्रिस्टल संरचना, हिर्शफेल्ड टोपोलॉजी विश्लेषण, संवर्धन अनुपात, ऊर्जा ढाँचा और पीजोइलेक्ट्रिक l-हिस्टिडिनियम टेट्राफ्लोरोबोरेट एकल क्रिस्टल का DFT कम्प्यूटेशनल अध्ययन; (2024) एप्लाइड फिजिक्स ए: मैटेरियल्स साइंस एंड प्रोसेसिंग, 130 (4), आर्ट. नं. 231. डीओआई: 10.1007/s00339-024-07369-y

सागर पी., कुमार बी.; स्व-संचालित पहनने योग्य इलेक्ट्रॉनिक्स और संवेदन के लिए PANI-प्रबलित-ZnS/PDMS-आधारित लचीला हाइब्रिड पीजो-ट्राइबोइलेक्ट्रिक नैनोजनरेटर; (2025) मैटेरियल्स रिसर्च बुलेटिन, 190, आर्ट. सं. 113482. 10.1016/j.materresbull.2025.113482

यादव टी., सिन्हा एन., शुक्ला एम., सागर पी., कुमार बी.; ऊर्जा अधिग्रहण और संचयन के लिए कमरे के तापमान के पास R–T चरण सीमा स्थापित करने हेतु बहुघटक संशोधित पेरोव्स्काइट सीसा रहित KNN सिरेमिक; (2024) जर्नल ऑफ मैटेरियल्स साइंस: मैटेरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स, 35 (26), आर्ट. सं. 1765. 10.1007/s10854-024-13519-y

कुमार आर., सिन्हा एन., यादव टी., शुक्ला एम., सागर पी., कुमार बी.; कार्बनिक डाई डोप्ड धातु-समन्वित एकल क्रिस्टल का व्यापक विश्लेषण: संरचनात्मक, प्रकाशिक, तापीय, परावैद्युत, पीजोइलेक्ट्रिक और यांत्रिक विशेषताओं का एक अध्ययन; (2024) इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री कम्युनिकेशंस, 169, लेख सं. 113065. डीओआई: 10.1016/j.inoche.2024.113065

सागर पी., सिन्हा एन., कुमार बी.; ऊर्जा संचयन और संवेदन अनुप्रयोगों के लिए हाइड्रोथर्मली रूप से विकसित शुद्ध और Er-डोप्ड ZnS नैनोक्रिस्टल आधारित लचीला पीजोइलेक्ट्रिक नैनोजनरेटर; (2024) जर्नल ऑफ क्रिस्टल ग्रोथ, 632, लेख सं. 127646. 10.1016/j.jcrysgro.2024.127646

यादव टी., सिन्हा एन., सागर पी., शुक्ला एम., कुमार आर., कुमार बी.; ऊर्जा संचयन हेतु पीज़ोइलेक्ट्रिक Na0.46K0.46Li0.08NbO3 सिरेमिक के रूपात्मक और विद्युत गुणों को संशोधित करने में वैनेडियम डोपिंग की भूमिका का अनावरण; (2024) सिरेमिक्स इंटरनेशनल, 50 (6), पृष्ठ 8669. डीओआई: 10.1016/j.ceramint.2023.12.137

कुमार आर., कुमार बी.; कार्बनिक डाई डोपिंग द्वारा जिंक ट्रिस-थायोयूरिया सल्फेट एकल क्रिस्टल के प्रकाशिक, यांत्रिक और द्वि-/पीजो-विद्युत गुणों में वृद्धि; (2025) जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर, 1337, लेख संख्या 142238. डीओआई: 10.1016/j.molstruc.2025.142238

कुमार आर., सिन्हा एन., कुमार बी.; द्विसंयोजी धातु आयन डोपिंग द्वारा एन्थ्रासीन क्रिस्टल में संरचनात्मक, रमन और ल्यूमिनेसेंस गुणों में परिवर्तन के परिणाम और विश्लेषण; (2024) जर्नल ऑफ मैटेरियल्स साइंस: मैटेरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स, 35 (9), अनुच्छेद संख्या 639. डीओआई: 10.1007/s10854-024-12374-1

कुमार आर., कुमार बी.; डाई प्रसंस्करण द्वारा ट्राइग्लिसिन सल्फेट एकल क्रिस्टल के यांत्रिक, तापीय, प्रकाशिक और डाइ-/पीजो-/फेरो-विद्युतीय गुणों में वृद्धि; (2025) सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग: बी, 313, कला. सं. 117977. डीओआई: 10.1016/j.mseb.2024.117977

सागर पी., सिन्हा एन., कुमार बी.; बायोमैकेनिकल ऊर्जा संचयन, पोर्टेबल इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य निगरानी के लिए GO नैनोशीट-रैप्ड ZnS-नैनोप्लेट-आधारित अत्यधिक कुशल पहनने योग्य पीजोइलेक्ट्रिक नैनोजनरेटर; (2024) ACS एप्लाइड नैनो मटेरियल, 7 (19), पृष्ठ 23162. डीओआई: 10.1021/acsanm.4c04145.

शुक्ला एम., सिन्हा एन., यादव टी., सागर पी., भुक्कल एस., कुमार बी.; संशोधित ज़ोक्राल्स्की तकनीक द्वारा इमिडाज़ोल के बड़े आकार के एकल क्रिस्टल को विकसित करने का एक कुशल तरीका और इसके प्रकाशीय और यांत्रिक गुणों का अध्ययन; (2024) ऑप्टिकल मैटीरियल, 156, लेख सं. 115964. डीओआई: 10.1016/j.optmat.2024.115964

शुक्ला एम., सिन्हा एन., सागर पी., यादव टी., कुमार आर., कुमार बी.; शुद्ध और क्रोमियम-मिश्रित एल-एस्पेरेजिन मोनोहाइड्रेट एकल क्रिस्टल के संरचनात्मक, प्रकाशीय और यांत्रिक व्यवहार की जाँच; (2024) स्पेक्ट्रोकेमिक एक्टा - भाग ए: आणविक और जैव-आणविक स्पेक्ट्रोस्कोपी, 321, लेख सं. 124722. 10.1016/j.saa.2024.124722

सागर पी., सिन्हा एन., शुक्ला एम., यादव टी., कुमार बी.; मानव शरीर की गतिविधियों का पता लगाने और पहनने योग्य इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए एनडी-जेडएनएस नैनोप्लेट्स पर आधारित लचीला

पीजोइलेक्ट्रिक नैनोजनरेटर; (2025) जर्नल ऑफ अलॉयज एंड कंपाउंड्स, 1010, लेख सं. 178035. डीओआई: 10.1016/j.jallcom.2024.178035

यादव टी., कुमार बी.; नवीन KNNS-BNKT-BG पीजोइलेक्ट्रिक सिरेमिक में शॉकवेव प्रेरित परिवर्तन और ऊर्जा संचयन हेतु शॉकवेव के प्रभाव का अध्ययन; (2024) जर्नल ऑफ फिजिक्स एंड केमिस्ट्री ऑफ सॉलिड्स, 193, आर्ट. सं. 112205. डीओआई: 10.1016/j.jpcs.2024.112205

तिवारी एम., मिश्रा डी.; वृत्ताकार ध्रुवीकृत प्रकाश द्वारा प्रेरित स्पिन-आधारित ऑप्टोइलेक्ट्रोकेमिकल डीएनए हाइब्रिडाइजेशन सेंसर में उन्नत स्पिन-ध्रुवीकरण और संसूचन सीमा; (2024) सेंसर्स एंड डायग्नोस्टिक्स, 3 (7), पृष्ठ 1159. डीओआई: 10.1039/d4sd00109e

तिवारी एम., मिश्रा डी.; हरित हाइड्रोजन उत्पादन के लिए ट्राइबोइलेक्ट्रिक नैनो-जनरेटर का उपयोग करके स्व-संचालित जल-विभाजन: हालिया प्रगति और परिप्रेक्ष्य; (2024) इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हाइड्रोजन एनर्जी, 76, पृष्ठ 234. डीओआई: 10.1016/j.ijhydene.2024.03.338

भारतीय पी.के., मिश्रा डी.; किरल-चालित स्पिन-आधारित Ni/Al द्विकार्यात्मक इलेक्ट्रोकैटेलिस्ट; (2024) एप्लाइड सरफेस साइंस, 655, आर्ट. नं. 159661. डीओआई: 10.1016/j.apsusc.2024.159661

बंगरूवा एन., तिवारी एम., शांडिल्य ए., गुटिरेज़ आर., पेराल्टा एम., वरेला एस., क्यूनिबर्टी जी., मिश्रा डी.; डीएनए हाइब्रिडाइजेशन डिटेक्शन के लिए चिरल-प्रेरित स्पिन चयनात्मकता मॉड्युलेटेड समय-सहसंबद्ध एकल-फोटॉन गणना; (2024) जर्नल ऑफ फिजिकल केमिस्ट्री लेटर्स, 15, पृष्ठ 2384. डीओआई: 10.1021/acs.jpclett.3c03479.

मिश्रा डी., तिवारी एम.; ऊर्जा संचयन हेतु नैनो-जनरेटरों में उपयोग हेतु पॉलिमर कम्पोजिट; (2024) इंजीनियरिंग मैटेरियल्स, 2024, पृ. 399. डीओआई: 10.1007/978-981-97-2075-0_13

तिवारी एम., भारतीय पी.के., बंगरुवा एन., सरकार एस.के., मिश्रा डी.; Ni50Mn18Ga25Cu7 फेरोमैग्नेटिक शेप मेमोरी ह्यूस्लर मिश्रधातु का उपयोग करके स्पिन ध्रुवीकरण और कला परिवर्तन-सहायता प्राप्त कुशल समग्र जल विभाजन; (2024) एसीएस एप्लाइड मैटेरियल्स एंड इंटरफेसेस, 16 (50), पृ. 69398. डीओआई: 10.1021/acsami.4c15932

चौधरी डी., डेका के., सैनी एल.के.; एलएचसी में चार-शीर्ष उत्पादन में वृद्धि: रैंडल-सुंदरम या विस्तारित रंग समरूपता की एक झलक; (2024) फिजिकल रिव्यू डी, 110 (7), आर्ट. सं. 075020. डीओआई: 10.1103/PhysRevD.110.075020

कौर एम., नंदी डी., चौधरी डी., शेषाद्रि टी.आर.; ब्रह्मांड मुद्रास्फीति की ओर बढ़ रहा है; (2024) इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मॉडर्न फिजिक्स डी, 33 (2), आर्ट. सं. 2450006. डीओआई: 10.1142/S0218271824500068

कुमार आर., सरमा बी., गुप्ता डी.एन.; प्लाज़्मा स्पटरिंग तकनीक का उपयोग करके Ag/Cu नैनोकणों से युक्त वस्त्र-आधारित लचीले, पर्यावरण-अनुकूल दबाव सेंसर का डिज़ाइन; (2024) इलेक्ट्रॉनिक वस्त्रों में चुनौतियों, अवसरों, नवाचारों और अनुप्रयोगों पर 2024 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, ई-टेक्सटाइल्स 2024, पृष्ठ 294. डीओआई: 10.23919/E-Textiles63767.2024.10914136

यादव पी., गुप्ता डी.एन., शर्मा जे.; लेज़र-प्लाज्मा अंतःक्रियाओं में घनत्व-संग्राहक इलेक्ट्रॉन किरण द्वारा प्रेरित रमन अस्थिरता का विकास; (2025) कम्युनिकेशंस इन थियोरेटिकल फिजिक्स, 77 (1), अनुच्छेद संख्या 015502. डीओआई: 10.1088/1572-9494/ad77ae

सिंह ए.पी., गोपाल के., गुप्ता डी.एन., कुंडू एम., वार्ष्णेय पी.; टेराहर्ट्ज़ क्षेत्र निर्माण से संबंधित इलेक्ट्रॉन-होल प्लाज़्मा के साथ लेज़र बीट-वेव इंटरैक्शन; (2024) इंडियन जर्नल ऑफ फिजिक्स, 98 (1), पृष्ठ 383. डीओआई: 10.1007/s12648-023-02832-7

चमोली ए., गुप्ता डी.एन., कुमार वी.; लेज़र बीट-वेव और टेराहर्ट्ज़ निर्माण का उपयोग करके सतही प्लाज़्मा तरंग उत्तेजना; (2024), Radiation Effects and Defects in Solids रेडिएशन इफैक्ट्स एंड डिफ़ेक्ट्स इन सोलिड्स, 179 (7-8), पृ. 962. डीओआई: 10.1080/10420150.2024.2378414

जैन ए., योफ़े एस.आर., एर्सफ़ेल्ड बी., होल्ट जी.के., गुप्ता डी.एन., जारोसिंस्की डी.ए.; लेज़र वेकफ़ील्ड त्वरक में डाउन-रैंप इंजेक्शन पर लेज़र पल्स विकास का प्रभाव; (2024) साइंटिफिक रिपोर्ट्स, 14 (1), आर्ट. सं. 19127. डीओआई: 10.1038/s41598-024-69049-4

चमोली ए., गुप्ता डी.एन., कुमार वी.; चुंबकीय धात्विक सतह के साथ लेज़र इंटरैक्शन से टेराहर्ट्ज़ सतह प्लाज़्मोन जनन; (2025) प्लास्मोनिक्स, 20 (3), पृ. 1229. डीओआई: 10.1007/s11468-024-02358-6

सरमा बी., कुमार आर., गुप्ता डी.एन.; जल शोधन प्रक्रिया के लिए नाइट्रोजन प्लाज्मा उपचारित सूती कपड़ों पर SiO2 की परत चढ़ाई गई और उसके बाद RGO निक्षेपण किया गया; (2024) केमिकल फिजिक्स इम्पैक्ट, 8, कला. सं. 100612. डीओआई: 10.1016/j.chphi.2024.100612

आशीष, गोपाल के., गुप्ता डी.एन., सिंह एस., विजय ए.; चुंबकीय प्लाज्मा के साथ आयाम-संग्राहक लेज़र तंतु की अन्योन्यक्रिया से टेराहर्ट्ज़ विकिरण उत्पादन; (2024) मॉडर्न फिजिक्स लेटर्स बी, 38 (23), लेख संख्या 2450192। डीओआई: 10.1142/S0217984924501926

चमोली ए., गुप्ता डी.एन., सिंह ए.आर., कुमार वी.; आयाम-संग्राहक लेज़र का उपयोग करके चुंबकीय धात्विक सतह से ऑप्टिकल टेराहर्ट्ज़ उत्सर्जन; (2025) जर्नल ऑफ़ ऑप्टिक्स (इंडिया)। डीओआई: 10.1007/s12596-025-02705-8

सरमा बी., रानी के.वी., गुप्ता डी.एन.; ऑक्सीजन प्लाज्मा उपचार को शामिल करते हुए आरजीओ आसंजन के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रेशमी कपड़ों का निर्माण; (2024) इंजीनियरिंग प्रोसीडिंग्स, 52 (1), आर्ट. सं. 5. डीओआई: 10.3390/engproc2023052005

गुर्जर एम.सी., गुप्ता डी.एन.; एक स्व-संचालित चुंबकीय लेज़र-प्लाज्मा चैनल में टेराहर्ट्ज़ क्षेत्र निर्माण; (2024) लेज़र फ़िज़िक्स लेटर्स, 21 (9), आर्ट. सं. 095301. डीओआई: 10.1088/1612-202X/ad6e65

यादव पी., गुप्ता डी.एन.; संलयन प्लाज़्मा में गर्म-प्रवाहित इलेक्ट्रॉनों द्वारा संचालित प्लाज़्मा तरंग की दो-धारा अस्थिरता; (2024) जर्नल ऑफ़ ऑप्टिक्स (भारत)। डीओआई: 10.1007/s12596-024-02179-0

गुप्ता डी.एन., कुमार एस., कर एस.; मिश्रित ध्रुवीकरण वाले तीव्र लेज़रों का उपयोग करके निकट-क्रांतिक घनत्व वाले लक्ष्यों से प्रोटॉन त्वरण में वृद्धि; (2025) प्लाज़्मा का भौतिकी, 32 (1), लेख संख्या 013106. डीओआई: 10.1063/5.0232626

दयाल जी.; एक मेटामटेरियल में ध्रुवीकरण-निर्भर कंपनात्मक प्रबल युग्मन; (2025) जर्नल ऑफ़ ऑप्टिक्स (यूनाइटेड किंगडम), 27 (2), लेख संख्या 025102. डीओआई: 10.1088/2040-8986/ada9ff

दयाल जी., प्रताप डी.; मेटामटेरियल में क्रांतिक युग्मन द्वारा सक्षम निकट-पूर्ण आणविक अवशोषण; (2025) ऑप्टिक्स एक्सप्रेस, 33 (3), पृष्ठ 4992. डीओआई: 10.1364/OE.543503

अवदीवा ए., टैन के., जोशी एस., कोवालेवा डी., सिंह एच.पी., लुओ ए., माल्कोव ओ.; मीरा वेरिएबल्स और अल्ट्रा-कूल ड्वार्फ्स का रंग-आधारित विघटन; (2024) पेरेमेनिये ज़्वेज़्डी, 44 (5), पीपी. 50. डीओआई: 10.24412/2221-0474-2024-44-50-54

कुमार एन., भारद्वाज ए., सिंह एच.पी., रेजकुबा एम., मार्कोनी एम., प्रुग्निएल पी.; गोलाकार क्लस्टर एनजीसी 5272 (मेसियर 3) में आरआर लाइरा वेरिएबल्स का मल्टीवेवलेंथ फोटोमेट्रिक अध्ययन; (2024) मंथली नोटिसेस ऑफ रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी, 531 (3), पृ. 2976. डीओआई: 10.1093/mnras/stae1334

भारद्वाज ए., रेजकुबा एम., नेगियो सी.-सी., मार्कोनी एम., रिपेपी वी., सामंतराय ए.एस., सिंह एच.पी.; निकटवर्ती आकाशगंगाओं में निकट-अवरक्त में तारकीय परिवर्तनशीलता और दूरी सूचक। I. ड्रेको ड्वार्फ स्फेरोइडल में आरआर लाइरे और विषम सेफिड्स; (2024) एस्ट्रोनॉमिकल जर्नल, 167 (5), लेख नं. 247. डीओआई: 10.3847/1538-3881/ad38b6

राज ए., बिष्ट एम.एस., वाल्टर एफ.एम., पांडे आर., वुडवर्ड सी.ई., हार्कर डी.ई., बिष्ट डी., सिंह एच.पी., अग्रवाल ए., पांडे जे., जोशी ए., बेलवाल के., बुइल सी.; एक तीव्र नोवा के धूल भरे परिणाम: V5579 Sgr; (2024) पब्लिकेशंस ऑफ एस्ट्रोनौमिकल सोसायटी ऑफ ऑस्ट्रेलिया, 41, लेख सं. e051. डीओआई: 10.1017/pasa.2024.65

कुमार एन., प्रुग्नियल पी., सिंह एच.पी.; एएनएन-आधारित प्रक्षेप और पूर्ण स्पेक्ट्रम फिटिंग का उपयोग करके एनजीसी 6397 में तारों के भौतिक पैरामीटर; (2025) न्यू एस्ट्रोनॉमी, 119, लेख सं. 102416. डीओआई: 10.1016/j.newast.2025.102416

दास एस., मोलनार एल., कंबुर एस.एम., जॉयस एम., भारद्वाज ए., सिंह एच.पी., मार्कोनी एम., रिपेपी वी., स्मोलेक आर.; बीएल हर तारों के लिए एक सैद्धांतिक ढाँचा: II. गैया पासबैंड में नए आवर्त-दीप्ति संबंध; (2024)। एस्ट्रोनौमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स, 684, लेख संख्या A170. डीओआई: 10.1051/0004-6361/202348280

पंवार एन., ऋषि सी., शर्मा एस., ओझा डी.के., सामल एम.आर., सिंह एच.पी., यादव आर.के.; युवा तारामंडल बर्कले 59 की कम द्रव्यमान वाली तारकीय और उपतारकीय सामग्री; (2024) एस्ट्रोनौमिकल जर्नल, 168 (2), लेख संख्या 89. डीओआई: 10.3847/1538-3881/ad5552

दास एस., मोलनार एल., स्ज़ाबो आर., सिंह एच.पी., कंबुर एस.एम., भारद्वाज ए., मार्कोनी एम., स्मोलेक आर.; बीएल हर तारों के लिए एक सैद्धांतिक ढाँचा: IV. रुबिन-एलएसएसटी फ़िल्टरों में नए आवर्त-दीप्ति संबंध; (2025), एस्ट्रोनौमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स, 695, अनुच्छेद संख्या A38. डीओआई: 10.1051/0004-6361/202452465

दास एस., मोलनार एल., कोवाक्स जी.बी., स्मोलेक आर., जॉयस एम., कंबुर एस.एम., स्ज़क्लेनार टी., भारद्वाज ए., सिंह एच.पी., मार्कोनी एम., रिपेपी वी.; बीएल हर सितारों III के लिए एक सैद्धांतिक ढाँचा। एक केस स्टडी: बड़े मैगेलैनिक बादल में मजबूत प्रकाश वक्र अनुकूलन; (2025), एस्ट्रोनौमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स, 694, लेख संख्या A255। डीओआई: 10.1051/0004-6361/202452182

राजपूत जी., रावत ए., चौरसिया एन.के., जलेंद्र जी., गुप्ता जी., यादव ए., कुलरिया पी.के.; सोने के नैनोकणों की सजावट द्वारा Ti3C2Tx MXene के क्षय काल की इंजीनियरिंग; (2025) नैनोटेक्नोलॉजी, 36 (15), लेख संख्या 155702. डीओआई: 10.1088/1361-6528/adb4f9

लटियान एस., यादव डी.के., दास एम.आर., सिंह ए., राजपूत पी., डेका एस.; उन्नत आवेश पृथक्करण और स्थानांतरण के माध्यम से उच्च दक्षता वाले प्रकाश उत्प्रेरक H2 उत्पादन और O2 न्यूनीकरण के लिए CuCo2S4 नैनोशीट उत्प्रेरकों के साथ Pd एकल परमाणुओं की अधिकतम सहक्रियात्मक अंतःक्रिया; (2025) एडवांस्ड फंक्शनल मैटीरियल्स। डीओआई: 10.1002/adfm.202507783

राजपूत जे., स्टिंडल जे., कैसीमी ए., गेरवाइस बी., किरचर एम., कस्तिरके जी., मैकगिनिस ओ.डी., एनोकी आर., विलियम्स जे.बी., डेविस वी., साहा आर., कुमार एस., कोस्टको ओ., शेख एम., वेबर टी., स्लॉटर डी.एस., इवामोटो एन., बागडिया सी., बेन-इत्ज़ाक आई., शॉफ़लर एम.एस., सफ़वान सी.पी.; मीथेन के कोर आयनीकरण में अवस्था चयनात्मकता; (2025) फिजिकल रिव्यू रिसर्च, 7 (2), लेख संख्या L022021. डीओआई: 10.1103/PhysRevResearch.7.L022021

कुमारी पी., सफवान सी.पी., दीक्षित ए., यादव जे., पिएकास्र्की डी.जी., राजपूत जे.; 1,3-ब्यूटाडाइन डाइकेशन से हाइड्रोजन स्क्रैम्बलिंग और बहु-तटस्थ उत्सर्जन की उच्च प्रवृत्ति; (2025), जर्नल ऑफ केमिकल फिजिक्स, 162 (16), आर्ट. सं. 164302. डीओआई: 10.1063/5.0244970

हैरापेट्यान, ए., रंजन, के. एट अल. (2024), एलएचसी रन 2 के दौरान सीएमएस उच्च-स्तरीय ट्रिगर का प्रदर्शन; जर्नल ऑफ इंस्ट्रूमेंटेशन, 19, पृ.11021. डीओआई: 10.1088/1748-0221/19/11/P11021

हैरापेट्यान, ए., रंजन, के. एट अल. (2025), सीएमएस सहयोग; √s = 13TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में अर्ध-लेप्टोनिक B+ c मेसॉन क्षय में लेप्टॉन फ्लेवर सार्वभौमिकता का परीक्षण; जर्नल ऑफ इंस्ट्रूमेंटेशन, 19, पृष्ठ 11021. डीओआई: 10.1103/PhysRevD.111.L051102

दास्तिर एस.जी., हल्दर के.के., मोंडल के.; उन्नत एचईआर और ओईआर प्रदर्शन के लिए M-NC (M = Fe, Co, Ni, Cu) प्रकार के उत्प्रेरकों पर Zn-समावेशन के प्रभाव का निरूपण; (2025), फिजिकल कैमिस्ट्री कैमिकल फिजिक्स, 27 (14), पृष्ठ 7240. डीओआई: 10.1039/d5cp00751h

अहमद आई., दास्तिदर एस.जी., रॉय ए., मोंडल के., हल्दर के.के.; द्वितीय-क्रम हाइड्रोजन विकास अभिक्रिया को बढ़ावा देने के लिए NiS/Ni3S4 नैनोवायर-आधारित इलेक्ट्रोकैटेलिस्ट में नाइट्रोजन डोपिंग; (2024) एसीएस एप्लाइड नैनो मैटेरियल्स, 7 (1), पृष्ठ 661. डीओआई: 10.1021/acsanm.3c04807

त्रिवेदी वी., जैन एस., बिस्वास आर., दस्तीदर एस.जी., मंडल के., भट्टाचार्य एस., विशाल वी., दत्ता ए.; एक विशिष्ट CO2-से-CO परिवर्तित करने वाला एकल-स्टैक इलेक्ट्रोलाइज़र, जो बायोमास-व्युत्पन्न N-डोपेड कार्बन-आधारित द्विधात्विक इलेक्ट्रोकैटेलिस्ट द्वारा संचालित होता है; (2025), जर्नल ऑफ मैटेरियल्स केमिस्ट्री ए. डीओआई: 10.1039/d4ta07452a

श्रीहरि एम.एस., विजयन ए.के., कौर एस., दस्तीदर एस.जी., मंडल के., शर्मा ए.एल.; सुपरकैपेसिटर के लिए संक्रमण धातु डोप्ड कोबाल्ट डाइसेलेनाइड की इलेक्ट्रॉनिक संरचना और क्वांटम कैपेसिटेंस विश्लेषण; (2024), जर्नल ऑफ फिजिक्स एंड केमिस्ट्री ऑफ सॉलिड्स, 188, लेख सं. 111885. डीओआई: 10.1016/j.jpcs.2024.111885

सिंह वी., दास एम., मंडल के., बरुआ एस., सान्याल डी., रे पी.पी., धर जे.; क्वासी-2डी डबल पेरोव्स्काइट्स के प्रकाशिक, विद्युतीय और प्रकाश-प्रतिक्रिया गुणों पर सीसा प्रतिस्थापन के प्रभाव की

जांच; (2024), जर्नल ऑफ फिजिक्स एंड केमिस्ट्री ऑफ सॉलिड्स, 192, लेख सं. 112082. डीओआई: 10.1016/j.jpcs.2024.112082

अहमद आई., दस्तीदर एस.जी., बिस्वास आर., रॉय ए., मंडल के., हलधर के.के.; जल विभाजन हेतु उच्च-प्रदर्शन विद्युत उत्प्रेरक के रूप में छिद्रयुक्त संरचनाओं वाले Co3O4/WO3/C नैनोरॉड; (2024) एसीएस एप्लाइड नैनो मटेरियल्स, 7 (4), पृष्ठ 4035. डीओआई: 10.1021/acsanm.3c05592

वरुण सारथी एम.टी., तंवर एस., श्रीहरि एम.एस., मंडल के., शर्मा ए.एल.; क्वांटम धारिता में प्रथम सिद्धांत अंतर्दृष्टि के साथ सुपरकैपेसिटर के लिए FeSe2 इलेक्ट्रोड के विद्युत-रासायनिक गुणों पर सर्फेक्टेंट का प्रभाव; (2024), सिरेमिक्स इंटरनेशनल, 50 (5), पृ. 7266. डीओआई: 10.1016/j.ceramint.2023.11.305

बनर्जी ए., जैन एस., दस्तीदर एस.जी., बिस्वास आर., दास एस., मंडल के., विशाल वी., लाहिड़ी जी.के., दत्ता ए.; कुशल विद्युत-रासायनिक CO2 को द्रव ईंधन में रूपांतरित करने के लिए कॉपर ऑक्साइड/N-डोप्ड कार्बन नैनोकैटेलिस्ट का माइक्रोवेव-सहायता प्राप्त निर्माण; (2025), स्मॉल, 21 (7), लेख सं. 2406765. डीओआई: 10.1002/smll.202406765

पहुजा एम., दस्तीदर एस.जी., ज्योति, आलम के., रानी एस., दास एस., उरकुडे आर., अफशान एम., रानी डी., चौधरी एन., सिद्दीकी एस.ए., रियाजुद्दीन एस.के., घोष आर., मोंडल के., घोष के.; गहरे नीले रंग से हरित हाइड्रोजन का संचयन: सार्वभौमिक pH के अंतर्गत समुद्री जल-संगत SnSe-P अलंकृत ग्राफीन-CNTs आधारित इलेक्ट्रोकैटेलिस्ट; (2024) स्मॉल, 20 (49), लेख संख्या 2406113. डीओआई: 10.1002/smll.202406113

कुमार जांगिड़ डी., दस्तीदर एस.जी., मंडल एस., कुमार पी., कुमारी पी., कांता हलधर के., मंडल के., सिंह धायल आर.; फेरोसेनिल डाइथियोफॉस्फोनेट Ag(I) कॉम्प्लेक्स: संश्लेषण, संरचनाएँ, ल्यूमिनेसेंस, और इलेक्ट्रोकैटेलिटिक जल विभाजन, नाभिकीयता और लिगैंड द्वारा ट्यून किया गया; (2024), केमिस्ट्री - एन यूरोपियन जर्नल, 30 (68), लेख सं. e202402900. डीओआई: 10.1002/chem.202402900

पाणिग्रही ए.आर., साहू ए., यादव पी., बेउरा एस.के., सिंह जे., मंडल के., सिंह एस.के.; कार्बन आधारित नैनोमटेरियल के साथ रक्त प्लाज्मा प्रोटीन की परस्पर क्रिया में नैनोसूचना विज्ञान आधारित अंतर्दृष्टि: जैव चिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए निहितार्थ; (2024), एडवांसेज़ इन प्रोटीन केमिस्ट्री एंड स्ट्रक्चरल बायोलॉजी, 139, पृष्ठ 263. डीओआई: 10.1016/bs.apcsb.2023.11.015

चौधरी एम.; प्लाज़्मा माध्यम में वरटेक्स और कोहेरेंट संरचनाओं पर समीक्षा; (2025) जर्नल ऑफ़ प्लाज़्मा फ़िज़िक्स, 91 (1), लेख. सं. E7. डीओआई: 10.1017/S0022377824001636

प्रकाश सी., अहमद ए., कुमार ए., सैनी एम.के., नईमुद्दीन एम.; इष्टतम प्रदर्शन के लिए गैस इलेक्ट्रॉन गुणक के सेंसर-सक्षम सतत संचालन का विकास; (2024) स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन फिजिक्स, 304 एसपीपीएचवाई, पृ. 1132. डीओआई: 10.1007/978-981-97-0289-3_313

कुमारी आर., भदोला पी., देव एन.; प्रोटीन परिवारों का सांख्यिकीय विश्लेषण: एक नेटवर्क और यादृच्छिक मैट्रिक्स दृष्टिकोण; (2024) यूरोपियन फिजिकल जर्नल बी, 97 (10), आर्ट. सं. 148. DOI: 10.1140/epjb/s10051-024-00781-6

यादव एन., देव एन.; फर्मी सतह की टर्निंग संख्या एक से अधिक वाले पतली फिल्म वेइल सेमीमेटल्स; (2024) फिजिका ई: निम्न-आयामी प्रणालियाँ और नैनोसंरचनाएँ, 158, आर्ट. सं. 115901. डीओआई: 10.1016/जे.फिज.2024.115901

कुमारी आर., देव एन.; संपत्ति-आधारित सहसंबंध मैट्रिक्स में पैटर्न से आईजीपीडी प्रोटीन परिवार की संरचनात्मक साइटों का निर्धारण; (2024) ईपीएल, 148(4), लेख सं॰ 41001. डीओआई: 10.1209/0295-5075/ad8c7a

हेतिनेन जे., रोन्जानी ए., लोरेटो आर.पी., मायक्कानेन ई., केम्पिनेन ए., विइसानेन के., रैनटेनेन टी., गीजर जे., लेहटिनेन जे.एस., रिबेरो एम., कैकोनेन जे.पी., प्रकाश ओ., वेस्टरिनेन वी., फ़ोरबॉम सी., मन्निला ई.टी., केर्विनेन एम., गोवेनियस जे., प्रूनिला एम.; नाइओबियम-आधारित सुपरकंडक्टिंग टनल जंक्शनों द्वारा कुशल इलेक्ट्रॉनिक शीतलन; (2024) फिजिकल रिव्यू एप्लाइड, 22 (6), लेख सं. 064048. डीओआई: 10.1103/PhysRevApplied.22.064048

दास गुप्ता पी., इंदुमति डी.; कण भौतिकी में प्रयुक्त शब्दों की शब्दावली; (2025) रेजोनेंस, 30 (3), पृ. 313. डीओआई: 10.1007/s12045-025-1758-5

दास गुप्ता पी.; प्रोफ़ेसर ए. एन. मित्रा (1929-2022); (2024) रेजोनेंस, 29 (4), पृ. 437. डीओआई: 10.1007/s12045-024-0437-2

भारती ए., कुमार ए., सिंह एम., शर्मा एल., चौहान वी., सिंह एस., कुमार आर., सहारे पी.डी.; γ-रे डोसिमेट्री के लिए Li3PO4 का संश्लेषण और एमएल अध्ययन; (2025) जर्नल ऑफ रेडियोएनालिटिकल एंड न्यूक्लियर केमिस्ट्री, डीओआई: 10.1007/s10967-024-09929-1

वर्था ए.डी., पाटनकर पी.आर., सहारे पी.डी., शर्मा एल., काचेरे ए.आर., काकड़े पी.एम., बाई बी., ढोले एस.डी., मांडलिक एन.टी.; उच्च-खुराक डोसिमेट्री अनुप्रयोग के लिए Dy3+ डोप किए गए ZnAl2O4 फॉस्फोर का संश्लेषण और थर्मोल्यूमिनेसेंस अध्ययन; (2024) जर्नल ऑफ रेडियोएनालिटिकल एंड न्यूक्लियर केमिस्ट्री, 333 (9), पृष्ठ 4503. डीओआई: 10.1007/s10967-024-09571-x

सरन एम., सहारे पी.डी., अली एन.; उच्च-ऊर्जा विकिरण की उच्च खुराक के आकलन के लिए NaLi2PO4:Ce3+ TLD फॉस्फोर का थर्मोल्यूमिनेसेंस: कण आकार का प्रभाव; (2025) जर्नल ऑफ रेडियोएनालिटिकल एंड न्यूक्लियर केमिस्ट्री, लेख नं. 109080. डीओआई: 10.1007/s10967-024-09864-1

पाटनकर पी.आर., सहारे पी.डी., शर्मा एल., वर्था ए.डी., काचेरे ए.आर., काकड़े पी.एम., ढोले एस.डी., मांडलिक एन.टी.; SrB4O7: Eu फॉस्फोर की प्रकाशिक रूप से प्रेरित चमक, ऊष्मा चमक और प्रकाश चमक विशेषताएँ; (2024) जर्नल ऑफ रेडियोएनालिटिकल एंड न्यूक्लियर केमिस्ट्री, 333 (8), पृष्ठ 4397. डीओआई: 10.1007/s10967-024-09536-0

सहारे ए., सहारे पी.डी., शर्मा एल., चेन एच.-एल.; मेकेनोल्यूमिनेसेंस तकनीक का उपयोग करके SrAl2O4:Eu की UV-डोसिमेट्री विशेषताओं पर अपचायक और ऑक्सीकरणकारी वायुमंडल में चरण परिवर्तन, कण आकार और तापानुशीतन का प्रभाव; (2025), जर्नल ऑफ अलॉयज़ एंड कंपाउंड्स, 1010, लेख सं. 177830. डीओआई: 10.1016/j.jallcom.2024.177830

शर्मा एल., सहारे ए., सहारे पी.डी.; SrAl2O4:Eu,Dy में मेकेनोल्यूमिनेसेंस (एमएल) और थर्मोल्यूमिनेसेंस (टीएल) अध्ययन: कण आकार और रेडॉक्स प्रतिक्रियाओं का प्रभाव; (2025) इंडियन जर्नल ऑफ फिजिक्स, लेख सं. 111407. डीओआई: 10.1007/s12648-025-03588-y

टम्टा एस., कुमार पी.एस.; उन्नत प्लाज़्मोनिक अनुप्रयोगों के लिए सिलिका गोले पर सजाए गए Ag@Au जर्दी के गोले; (2024) कोलाइड्स एंड सरफेसेस ए: फिजियोकेमिकल एंड इंजीनियरिंग आस्पेक्ट्स, 689, लेख सं. 133625. डीओआई: 10.1016/j.colsurfa.2024.133625

शर्मिला, पांडे ए., सिंह एन., गर्ग पी., रमन आर., कुमार पी.एस.; नाइट्रोजन-प्रत्यारोपित GaN एपि-परतों में सतह और इंटरफ़ेस फ़ोनॉन ध्रुवीकरण की जाँच; (2025) जर्नल ऑफ़ एप्लाइड फ़िज़िक्स, 137 (12), लेख सं. 125302. डीओआई: 10.1063/5.0251583

टम्टा एस., जलेंद्र जी., कुमार पी.एस.; डाइइलेक्ट्रिक सिलिका गोले पर एम्बेडेड Au नैनोस्टार्स का सिनर्जेटिक SEIRA संवेदन और उत्प्रेरक प्रदर्शन; (2025) सरफेसेस एंड इंटरफ़ेसेस, 64, लेख सं. 106378. डीओआई: 10.1016/j.surfin.2025.106378

टम्टा एस., जलेंद्र जी., कुमार पी.एस.; बेहतर SERS और RI संवेदन के लिए सतह युग्मित धातु नैनोकण; (2024) एआईपी कॉन्फ्रेंस प्रोसीडिंग्स, 3149 (1), लेख सं. 020004. डीओआई: 10.1063/5.0224357

शर्मा ए., मिश्रा आर.के.; विभिन्न मोलर सांद्रताओं पर डिकरसन डीएनए अनुक्रम पर मैग्नीशियम द्विसंयोजी आयनों के प्रभावों का एक संक्षिप्त अध्ययन; (2025) यूरोपियन फिजिकल जर्नल प्लस, 140 (1), लेख संख्या 60. डीओआई: 10.1140/epjp/s13360-025-06000-0

शब्बीर ए., खान एफ., होर ए.ए., हाशमी एस.ए., जूलियन सी.एम., इस्लाम एस.एस.; उच्च-प्रदर्शन लिथियम-आयन बैटरियों के लिए एनोड के रूप में समान रूप से वितरित मुड़े हुए MoS2 पेपर वड्स के लिए स्कैफोल्ड में ग्राफीन सामग्री का अनुकूलन; (2024) नैनोटेक्नोलॉजी, 35 (37), लेख संख्या 375402. डीओआई: 10.1088/1361-6528/एडी5686

शब्बीर ए., होर ए.ए., हाशमी एस.ए., जूलियन सी.एम., इस्लाम एस.एस.; स्थिरता का अनावरण: ली-आयन बैटरी एनोड के रूप में सिलिकॉन/रिड्यूस्ड ग्राफीन ऑक्साइड (Si/RGO) कंपोजिट में कम आयतन परिवर्तनों के लिए सतही एमिडेशन-मध्यस्थ सहसंयोजक युग्मन; (2024), फ्लैटकेम, 45, आर्ट. सं. 100657. डीओआई: 10.1016/j.flatc.2024.100657

मोहित, हाशमी एस.ए.; बायो-डिग्रेडेबल पोरस पॉलीमर इलेक्ट्रोलाइट से निर्मित उच्च क्षमता वाली सोडियम-आयन बैटरी के लिए पूर्व-उपचारित जैव-अपशिष्ट गन्ने की खोई से प्राप्त कठोर कार्बन एनोड; (2024) जर्नल ऑफ एनर्जी स्टोरेज, 83, आर्ट. सं. 110694. डीओआई: 10.1016/j.est.2024.1106

कुमारी पी., हाशमी एस.ए.; मैग्नीशियम बैटरियों में अनुप्रयोग के लिए PVdF-HFP/PMMA मिश्रण पर आधारित अत्यधिक लचीला और विद्युत-रासायनिक रूप से स्थिर Mg-आयन चालक जेल पॉलीमर इलेक्ट्रोलाइट; (2025), जर्नल ऑफ एनर्जी स्टोरेज, 111, लेख सं. 115389. डीओआई: 10.1016/j.est.2025.115389

होर ए.ए., अहमद एन., हाशमी एस.ए.; उच्च प्रदर्शन वाले अर्ध-ठोस-अवस्था सुपरकैपेसिटर के लिए फिशटेल-ताड़ के पेड़ की छाल से पदानुक्रमित छिद्रयुक्त कार्बन इलेक्ट्रोड; (2025), जर्नल ऑफ एनर्जी स्टोरेज, 117, लेख सं. 116143. DOI: 10.1016/j.est.2025.116143

सिंह एस., झांग वाई., हाशमी एस.ए., यांग एफ.; कॉटन शेल-व्युत्पन्न सक्रिय कार्बन और छिद्रयुक्त पॉलीमर इलेक्ट्रोलाइट फ़िल्मों वाले सुपरकैपेसिटर; (2025) आरएससी एडवांसेज़, 15 (13), पृष्ठ 9787. DOI: 10.1039/d5ra00696a

परवीन एस., कुमार ए., हाशमी एस.ए.; सोडियम-आयन बैटरियों में अनुप्रयोग के लिए ग्रीन-ग्लाइम डाइ(प्रोपाइलीन ग्लाइकॉल) डाइमिथाइल ईथर युक्त एक आशाजनक जेल पॉलीमर इलेक्ट्रोलाइट संरचना; (2024) एसीएस एप्लाइड एनर्जी मैटेरियल्स, 7 (22), पृ. 10441. DOI: 10.1021/acsaem.4c01984

कुमारी पी., यादव एन., हाशमी एस.ए.; मैग्नीशियम आयन बैटरियों के लिए उच्च फ़्लैश पॉइंट विलायक एडिपोनिट्राइल पर आधारित Mg-आयन चालक जेल पॉलिमर इलेक्ट्रोलाइट; (2024) ऊर्जा भंडारण, 6 (6), अनुच्छेद संख्या e70029. DOI: 10.1002/est2.70029

रानी ए., मंडल एस., अभिलाष एस.आर., कबीराज डी., नूर एस.; भारी-आयन नाभिकीय अभिक्रिया मापन हेतु महीन 120,124Sn फिल्मों का निर्माण और विशेषता वर्णन; (2024) वैक्यूम, 221, लेख सं. 112883. डीओआई: 10.1016/j.vacuum.2023.112883

भूषण आर., पांडे ए., रोहिल्ला ए., कुमार ए., गोविल आई.एम., चमोली एस.के.; 187Hg के यरस्ट बैंड में जीवनकाल मापन; (2024) फिजिका स्क्रिप्टा, 99 (6), लेख सं. 065308. डीओआई: 10.1088/1402-4896/ad48ca

इस्सर एस., पांडे ए., भूषण आर., पंत एम., कुमार वी., चमोली एस.के., महापात्रो ए.के.; यांत्रिक रूप से रोल्ड गोल्ड समर्थित नियोबियम लक्ष्य के क्रिस्टलोग्राफिक और विद्युत गुण; (2024) वैक्यूम, 224, लेख सं. 113135. डीओआई: 10.1016/j.vacuum.2024.113135

टेपेंडर, कुमार एस., वर्मा एस.; टाइप-I सीसॉ फ्रेमवर्क के भीतर सामान्यीकृत सीपी समरूपता वाले मॉडल में न्यूट्रिनो घटना विज्ञान; (2024) फिजिकल रिव्यू डी, 109 (1), लेख सं. 015004. डीओआई: 10.1103/PhysRevD.109.015004

नोंगजाई आर., बाला एम., खान एस., अन्नपूर्णी एस., कंदासामी ए.; $CoFe_2O_4$ पतली फिल्मों में इलेक्ट्रॉनिक उत्तेजना द्वारा प्रेरित संशोधन: संरचनात्मक, रूपात्मक और चुंबकीय गुण; (2024) एप्लाइड रिसर्च, 3 (5), आर्ट. सं. e202300136. डीओआई: 10.1002/appl.202300136

गुप्ता आर., गोयल आर., मेडवाल आर., अन्नपूर्णी एस.; Ag एडिटिव्स के साथ Fe_3Pt/Pt महीन फिल्मों का अनुकूलन: संरचनात्मक और चुंबकीय विश्लेषण; (2025) जर्नल ऑफ मैटेरियल्स इंजीनियरिंग एंड परफॉर्मेंस, लेख सं. 213908. डीओआई: 10.1007/s11665-025-11042-7

मणिकंदन वी., कादियान ए., सिंह ए., अन्नपूर्णी एस.; क्रोमियम-डोपेड सेरियम ऑक्साइड नैनोकणों पर आधारित अति-संवेदनशील HCHO सेंसर, जिसमें पूर्ण पुनर्प्राप्ति और निर्णायक आर्द्रता-रोधी क्षमता है; (2024) सरफेसेस एंड इंटरफेसेस, 44, लेख सं. 103598. डीओआई: 10.1016/j.surfin.2023.103598

वशिष्ठ जी., गांधी ए.सी., कुमार वी., मैथ्यू ए.जे., डोंग सी.-एल., चेन सी.-एल., अशोकन के., वू एस.वाई., फुकुमा वाई., अन्नपूर्णी एस.; नैनो-कॉन्फ़ाइन्ड क्रिस्टलोग्राफ़िक विकृतियों द्वारा संचालित FeCo/FePt में उभरता हुआ विचित्र स्पिन ग्लास चरण; (2024) जर्नल ऑफ़ फ़िज़िक्स डी: एप्लाइड फ़िज़िक्स, 57 (46), लेख सं. 465304. डीओआई: 10.1088/1361-6463/ad6e9a

देव के., रेड्डी वी.आर., मेडवाल आर., गुप्ता एस., डोंग सी.एल., चेन सी.एल., अशोकन के., अन्नपूर्णी एस.; इलेक्ट्रोडेपोजिटेड पर्मलॉय पतली फिल्मों में चुंबकत्व गतिकी और डोमेन उत्क्रमण: मोटाई और एनीलिंग उपचार का प्रभाव; (2024) फिजिका स्क्रिप्टा, 99 (7), लेख सं. 075533. डीओआई: 10.1088/1402-4896/ad5519

मोटला ए., कुमारवेलु टी.ए., डोंग सी.-एल., कंडासामी ए., अवस्थी डी.के., अन्नपूर्णी एस.; सतह-संवर्धित रमन अध्ययनों के लिए Ag-ZnO नैनोकम्पोजिट पतली फिल्मों की संरचनात्मक और प्रकाशीय ट्यूनेबिलिटी; (2024) प्लास्मोनिक्स, 19 (1), पृ. 335. डीओआई: 10.1007/s11468-023-01965-z

देव के., कादियान ए., मणिकंदन वी., पंत एम., महापात्रो ए.के., अन्नपूर्णी एस.; चुंबकीय अतिताप अनुप्रयोगों के लिए FeNi3 नैनोकणों के चुंबकीय और तापीय स्थायित्व पर एनीलिंग प्रभाव; (2025) मैटेरियल्स टुडे कम्युनिकेशंस, 43, लेख सं. 111669. डीओआई: 10.1016/j.mtcomm.2025.111669.

मोदित्मा, अन्नपूर्णी एस.; X-बैंड में विद्युत चुम्बकीय ढाल के रूप में FeCo/PANI कंपोजिट: हानि तंत्र की समझ; (2024) मैटेरियल्स केमिस्ट्री एंड फिजिक्स, 323, लेख सं. 129599. डीओआई: 10.1016/j.matchemphys.2024.129599

मोटला ए., कुमार आर., उमापति जी.आर., सिंह आर., सोमा वी.आर., अवस्थी डी.के., अन्नपूर्णी एस.; SERS अनुप्रयोगों के लिए आयन बीम-संशोधित लचीले प्लास्मोनिक-आधारित Au-ITO-PET सबस्ट्रेट्स का निर्माण; (2024) प्लास्मोनिक्स। डीओआई: 10.1007/s11468-024-02497-w

मोटला ए., कुमारवेलु टी.ए., डोंग सी.-एल., चेन सी.-एल., अशोकन के., अन्नपूर्णी एस.; जिंक ऑक्साइड फिल्मों के स्थानीय इलेक्ट्रॉनिक और ऑप्टिकल गुणों पर एनीलिंग वातावरण की भूमिका; (2024) जर्नल ऑफ मैटेरियल्स साइंस: मैटेरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स, 35 (4), लेख संख्या 267. डीओआई: 10.1007/s10854-024-12018-4

मोटला ए., शर्मा डी., सोमा वी.आर., अन्नपूर्णी एस.; एजी नोबल मेटल एम्बेलिश्ड हेक्सागोनल ZnO नैनोरॉड्स के साथ एसईआरएस का उपयोग करके कार्बनिक रंगों का युग्मन प्रभाव और उन्नत पता लगाना; (2024) ऑप्टिकल मटेरियल्स, 149, लेख सं. 115110. डीओआई: 10.1016/j.optmat.2024.115110

मणिकंदन वी., कादियान ए., देव के., अन्नपूर्णी एस.; Sr-प्रतिस्थापित सेरिया ऑक्साइड नैनोपेटल्स पर आधारित कमरे के तापमान पर बेंजीन गैस संवेदन गुण; (2024), जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल केमिकल इंजीनियरिंग, 12 (2), लेख सं. 112205. डीओआई: 10.1016/j.jece.2024.112205

कादियान ए., मणिकंदन वी., चेन सी.एल., डोंग सी.एल., अन्नपूर्णी एस.; Co3O4-G/GO नैनोकंपोजिट के सहक्रियात्मक रूप से उन्नत प्रकाश उत्प्रेरक गुण: एक्सएएस का उपयोग करके उनकी अंतःक्रियाओं और आवेश-स्थानांतरण गतिकी का खुलासा; (2024), डाल्टन ट्रांजेक्शन्स, 53 (32), पृष्ठ 13550. डीओआई: 10.1039/d4dt01405g

देव के., कादियान ए., रेड्डी वी.आर., मेडवाल आर., अन्नपूर्णी एस.; इलेक्ट्रोडेपोजिटेड Fe–Ni पतली फिल्मों की चुंबकीयकरण स्विचिंग गतिकी; (2024) जर्नल ऑफ सुपरकंडक्टिविटी एंड नॉवेल मैग्नेटिज्म, 37 (5-7), पृ. 1243. डीओआई: 10.1007/s10948-024-06766-x

कुंज एस., अरोड़ा एम., मुरुगावेल एस.; यिट्रियम डोप्ड ZnO नैनोकणों में दोष निष्क्रियता और यूवी उत्सर्जन विशेषताएँ; (2024) इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री कम्युनिकेशंस, 161, लेख सं. 112046. डीओआई: 10.1016/j.inoche.2024.112046

मनीषा, गुप्ता एम., रेड्डी वी.आर., मुरुगावेल एस.; LiFePO4 की इलेक्ट्रॉनिक संरचना और ध्रुवीय चालकता पर तनाव का प्रभाव; (2024) फिजिकल कैमिस्ट्री कैमिकल फिजिक्स, 27 (5), पृ. 2692. डीओआई: 10.1039/d4cp03106g

बालेंद्र, अली एम., संयुक्ता, मुरुगावेल एस.; कैडमियम और मैग्नीशियम-आधारित समन्वय बहुलकों के परावैद्युत गुणों पर समन्वित और जालक उदासीन सह-लिगैंडों का प्रभाव; (2025) क्रिस्टेंगकॉम, 27 (14), पृ. 2136. डीओआई: 10.1039/d4ce01238k

गुप्ता जी., जोज़विक पी., ओझा एस., उमापति जी.आर., पांडे ए., रथ एस.; 4H-SiC में Si आयन आरोपण प्रेरित विकार और तनाव की गहराई से रूपरेखा और तापीय एनीलिंग पुनर्प्राप्ति; (2024), अप्लाइड सरफेस साइंस, 665, लेख सं. 160296. डीओआई: 10.1016/j.apsusc.2024.160296

दास एन.एम., चौहान ए., भारती एम.एस.एस., बेरा के., कुमार एस.एस., सोमा वी.आर., चावला ए.के., रथ एस., अवस्थी डी.के.; सतह-संवर्धित रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी-आधारित संवेदन अनुप्रयोग के लिए नैनोसंरचित द्वि-धात्विक पीडी-एजी मिश्रधातु फिल्में; (2024) जर्नल ऑफ वैक्यूम साइंस एंड टेक्नोलॉजी ए: वैक्यूम, सरफेसेस एंड फिल्म्स, 42 (5), लेख सं. 053403. डीओआई: 10.1116/6.0003748

वानी डब्ल्यू.ए., गुप्ता जी., रथ एस., वेंकटरमन एच., रामास्वामी के.; फोटॉन अपरूपांतरण सहायक फेरोइलेक्ट्रिक फोटोवोल्टिक्स: BiFeO3 पतली-फिल्म सौर कोशिकाओं की फोटोवोल्टिक प्रतिक्रिया को

बढ़ाने में बहुआयामी प्रभाव वाला उपकरण विन्यास; (2024), फोटोवोल्टिक्स में प्रगति: अनुसंधान और अनुप्रयोग, 32 (8), पृष्ठ 556. डीओआई: 10.1002/pip.3793

सिंह एस.एस.; परिमित रासायनिक क्षमता पर एक लूप सुधार के तहत अवस्था का ऊष्मागतिक समीकरण; (2024) ब्राज़ीलियन जर्नल ऑफ़ फ़िज़िक्स, 54 (6), लेख संख्या 251. डीओआई: 10.1007/s13538-024-01615-7

सिंह एस.एस.; परिमित बारियोनिक घनत्व पर 2+1 फ्लेवर के चुंबकीयकृत पीएनजेएल मॉडल की अवस्था का ऊष्मागतिक समीकरण; (2024) इंडियन जर्नल ऑफ फिजिक्स, डीओआई: 10.1007/s12648-024-03435-6

दास एस., सुर एस.; न्यूटन के स्थिरांक में परिवर्तन: गुरुत्वाकर्षण संबंधी विकृतियों का इलाज? (2024) यूरोपियन फिजिकल जर्नल प्लस, 139 (11), लेख संख्या 1049, डीओआई: 10.1140/epjp/s13360-024-05827-3

दास एस., फ्रिडमैन एम., सुर एस.; गुरुत्वाकर्षण का विलक्षणता-मुक्त शास्त्रीय सिद्धांत; (2025) फिजिक्स, रेव. डी 111 (6), पृ. 064047. डीओआई: 10.1103/PhysRevD.111.064047

पॉल एस., धर ए., चौधरी डी.; सक्रिय कणों की एक हार्मोनिक श्रृंखला में गतिकीय क्रॉसओवर और सहसंबंध; (2024) सॉफ्ट मैटर, 20 (43), पृ. 8638. डीओआई: 10.1039/d4sm00350k

मजूमदार एस., पॉल एस., जैन्के डब्ल्यू.; खराब विलायक में एक सक्रिय बहुलक का संवर्धित विसरण और सार्वभौमिक राउज़-जैसी स्केलिंग; (2024), फिजिकल रिव्यू मैटेरियल्स, 8 (7), लेख सं. 075601. डीओआई: 10.1103/PhysRevMaterials.8.075601

सैनी आर., रॉय एस.; क्वांटम परिरोध व्यवस्था में पॉलीक्रिस्टलाइन बिस्मथ पतली फिल्मों के ऑप्टिकल बैंड गैप पर सूक्ष्म संरचनाएं और उनका प्रभाव; (2024), ऑप्टिकल मटेरियल, 155, लेख सं. 115820. डीओआई: 10.1016/j.optmat.2024.115820

मजूमदार ए., चौधरी एस., आहूजा आर.; रुडल्सडेन-पॉपर पेरोव्स्काइट Cs2SnI2Br2 में अल्ट्रालो थर्मल कंडक्टिविटी और बड़े थर्मोइलेक्ट्रिक फिगर ऑफ मेरिट का मार्ग प्रशस्त करने वाला विशुद्ध रूप से आयनिक रूप से बंधित धनायन; (2024), जर्नल ऑफ फिजिक्स कंडेंस्ड मैटर, 36 (34), लेख सं. 345901. डीओआई: 10.1088/1361-648X/ad4aac

वर्मा एस., संतरा बी., चट्टराज ए., सामंत ए., चौधरी एस., श्रीवास्तव एस., सागदेव ए., कांजीलाल ए., कथारिया वाई.एस.; एल्यूमिना नैनोपार्टिकल से सजे ग्राफीन ऑक्साइड सतहों की दो-चरणीय वृद्धि:

फोटोकैटलिटिक गतिविधि पर प्रभाव; (2024), जर्नल ऑफ एप्लाइड फिजिक्स, 135 (6), लेख सं. 064901. डीओआई: 10.1063/5.0180885

प्रियंका, चौधरी एस., रितु, कुमार वी., कुमार आर., चांद एफ.; 1T-PdS2 मोनोलेयर की स्थिरता और ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक विशेषताओं पर विस्तृत जाँच; (2024), फिजिका स्क्रिप्टा, 99 (2), लेख सं. 025945. डीओआई: 10.1088/1402-4896/ad1a0f

सैन एस., चौधरी एस., मैती एस., मैती जी., रॉय एस.एस.; ऊर्जा भंडारण अनुप्रयोग के लिए स्पटरड थिन फिल्म डिपोजिटेड लेजर इंड्यूस्ड ग्राफीन आधारित नॉवेल माइक्रो-सुपरकैपेसिटर डिवाइस; (2024) साइंटिफिक रिपोर्ट्स, 14 (1), लेख सं. 16289. डीओआई: 10.1038/s41598-024-62192-y

असफाकुज्जमां, घोष एम., चौधरी एस., जन डी.; फाग्राफीन मोनोलेयर में बेहतर तापीय परिवहन के लिए बीएन सह-डोपिंग का उपयोग; (2024), जर्नल ऑफ फिजिक्स डी: एप्लाइड फिजिक्स, 57 (40), लेख सं. 405301. डीओआई: 10.1088/1361-6463/ad5dcb

कुमार जे., गुप्ता आर.के., कार एस., रंग एन., सिंह एस.; मरोड़ संशोधित गुरुत्वाकर्षण में रीस्नर-नॉर्डस्ट्रॉम स्पेसटाइम: आइसोमेट्री और पेरिहेलियन प्रीसेशन; (2024), सामान्य सापेक्षता और गुरुत्वाकर्षण, 56 (10), लेख सं. 123. डीओआई: 10.1007/s10714-024-03315-8

गोयल पी., मलिक एस., यादव जे.के., शेषाद्रि टी.आर.; SDSS-IV eBOSS DR16 क्वासर कैटलॉग के मल्टीफ्रैक्टल विश्लेषण का उपयोग करके ब्रह्मांडीय समरूपता की जाँच; (2024), सोम. नॉट. रॉय. एस्ट्रोन. सोसायटी. 530 (3), पृ. 2866. डीओआई: 10.1093/mnras/stae1041

श्रीवास्तव पी., नाजा एम., भारद्वाज पी., कुमार आर., राजवार एम.सी., शेषाद्रि टी.आर.; मध्य हिमालयी क्षेत्र में जीवाश्म ईंधन और बायोमास के जलने से कार्बन डाइऑक्साइड के योगदान का अनुमान लगाने के लिए कार्बन डाइऑक्साइड अवलोकनों का उपयोग; (2024), पर्यावरण प्रदूषण, 341, लेख संख्या 122975. डीओआई: 10.1016/j.envpol.2023.122975

साहू ए., मिश्रा यू., रक्षित डी.; स्थानीयकरण-संचालित क्वांटम संवेदन; (2024) भौतिक समीक्षा ए, 109 (3), लेख संख्या L030601. डीओआई: 10.1103/PhysRevA.109.L030601

डागर एन., सक्सेना एस., वासवन एच.एन., दास ए.के., गामी पी., देसवाल एस., कुमार पी., चिन्नाथम्बी के., राठी वी., कुमार एस.; P2-प्रकार Na2/3Mn2/3Ni1/3O2 Na-आयन बैटरी कैथोड में ऋणायनिक रेडॉक्स और चक्र स्थिरता को सुगम बनाने वाला Ti-प्रतिस्थापन; (2025), ऊर्जा और ईंधन, 39 (6), पृष्ठ 3348. डीओआई: 10.1021/acs.energyfuels.4c05945

बागबी वाई., सारस्वत ए., कुमार आर., पांडा ए.के., मोहन डी., सोलंकी पी.आर.; ज़्विटर आयनों (−NH3+ और −COO-) का उपयोग करके जल से लेड (II) और क्रोमियम (VI) का उत्कृष्ट अवशोषण: क्रियाशील नैनो लैंथेनम ऑक्साइड: गतिज, समतापी, ऊष्मागतिक और सतही क्रियाविधि; (2024) लैंगमुइर, 40 (22), पृष्ठ 11558. डीओआई: 10.1021/acs.langmuir.4c00690

बागबी वाई., सोलंकी पी.आर.; जल से लेड (Pb2+) के प्रभावी निष्कासन हेतु मेसोपोरस सिलिका नैनोपार्टिकल-सज्जित ग्राफीन ऑक्साइड शीट का निर्माण; (2024) एसीएस ओमेगा, 9 (1), पृ. 304. डीओआई: 10.1021/acsomega.3c05228

बागबी वाई., योमगाम पी., लिबांग ई., बोरुआ बी., कौर जे., जयंती एस., कुमार एस., धनिया एन.के.; अपशिष्ट बाँस से प्राप्त चुंबकीय रूप से पृथक करने योग्य बाँस-सक्रिय कार्बन: जल से फ्लोराइड (F−) आयनों के लक्षण-निर्धारण से लेकर प्रभावी उपचार तक; (2024) आरएससी एडवांसेज़, 14 (34), पृ. 24952. डीओआई: 10.1039/d4ra03752a

अंतर्राष्ट्रीय सीएमएस सहयोग में:

प्रो. बी. सी. चौधरी, प्रो. एम. नईमुद्दीन, प्रो. आशुतोष भारद्वाज, प्रो. कीर्ति रंजन, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. अरुण कुमार

$\sqrt{s}$ = 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में वेक्टर बोसॉन प्रकीर्णन के माध्यम से WH उत्पादन का अध्ययन और हिग्स बोसॉन के लिए W और Z युग्मन के सापेक्ष चिह्न का निष्कर्षण; (2025) फिजिक्स पेपर बी, 860, 139202. https://doi.org/10.1016/j.physletb.2024.139202

$\sqrt{s}$ = 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में क्षय अवस्था में हिग्स बोसॉन युग्म उत्पादन की खोज; (2024) जे. हाई एनर्जी फिजिक्स, 2024, 293. https://doi.org/10.1007/JHEP07(2024) 293

$\sqrt{s}$ = 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में WW चैनल का उपयोग करके इसके उत्पादन और क्षय से असामान्य हिग्स बोसोन युग्मन पर प्रतिबंध; (2024) यूरोपियन फिजिक्स जर्नल सी 84, 779. https://doi.org/10.1140/epjc/s10052-024-12925-0

√s = 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में H → bb ¯ क्षय चैनल में W या Z बोसोन के साथ उत्पादित हिग्स बोसोन के लिए मानक मॉडल प्रभावी क्षेत्र सिद्धांत पर प्रतिबंध; (2025) जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 03, 114. https://doi.org/10.1007/JHEP03(2025)114

√s = 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में B 0 → K∗(892) 0 μ+μ− क्षय का कोणीय विश्लेषण; (2025) फिजिक्स लेटर्स बी, 864, 139406. https://doi.org/10.1016/j.physletb.2025.139406

$\sqrt{s}$ = 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में एक ऊर्जावान जेट और दो इलेक्ट्रॉनों, दो म्यूऑन, या लुप्त अनुप्रस्थ संवेग वाली घटनाओं में Z और एक हिग्स बोसोन में क्षय होने वाले एक भारी अनुनाद की खोज; (2025), जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 02, 89. https://doi.org/10.1007/JHEP02(2025)089

सीएमएस सहयोग, रंजन, के.. √s = 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में Z बोसॉन के साथ टॉप क्वार्क उत्पादन के लिए समावेशी और विभेदक क्रॉस सेक्शन का मापन; (2025), जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 02, 177.

https://doi.org/10.1007/JHEP02(2025)177

सीएमएस सहयोग; √s = 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में लेप्टॉन+जेट अंतिम अवस्था में एक टॉप क्वार्क और एक ग्लूऑन में क्षय होने वाले भारी कणों के युग्म उत्पादन की खोज; (2025), द यूरोपियन फिजिकल जर्नल सी, 85, 342. https://doi.org/10.1140/epjc/s10052-024-13729-y

सीएमएस सहयोग; $\sqrt{s}$ = 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में ρ0, φ, या K∗0 मेसन और एक फोटॉन में क्षय होने वाले हिग्स बोसॉन की खोज; (2025), फिजिक्स लेटर्स बी, 862, 139296.

https://doi.org/10.1016/j.physletb.2025.139296

सीएमएस सहयोग; $\sqrt{s}$ = 13.6 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में W बोसॉन के साथ एकल शीर्ष क्वार्क उत्पादन के समावेशी और विभेदक क्रॉस सेक्शन का मापन; (2025) जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 01, 107. https://doi.org/10.1007/JHEP01(2025)107

सीएमएस सहयोग; $\sqrt{s}$NN =5.36 TeV पर सीसा-सीसा टकराव में आवेशित हैड्रॉन का छद्म रैपिडिटी वितरण; (2025) भौतिकी पत्र बी, 861, 139279. https://doi.org/10.1016/j.physletb.2025.139279

सीएमएस सहयोग; √s = 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में बॉटम क्वार्क के एक जोड़े के साथ उत्पन्न डार्क मैटर की खोज; (2025), जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 02, 50. https://doi.org/10.1007/JHEP02(2025)050

सीएमएस सहयोग; $\sqrt{s}$ = 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में लेप्टॉन के साथ अंतिम अवस्थाओं में मानक मॉडल हिग्स बोसॉन के बॉटम क्वार्क से जुड़े उत्पादन की खोज; (2025), फिजिक्स लेटर्स बी, 860, 139173. https://doi.org/10.1016/j.physletb.2024.139173

सीएमएस सहयोग; √s = 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में म्यूऑन में विघटित होने वाले नए बोसॉन के युग्म निर्माण हेतु मॉडल-स्वतंत्र खोज; (2024), जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, (12), 172. https://doi.org/10.1007/JHEP12(2024)172

सीएमएस सहयोग; √s = 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव से B0s → J/ψK0S के प्रभावी जीवनकाल का मापन; (2024), जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 10, 247. https://doi.org/10.1007/JHEP10(2024)247

सीएमएस सहयोग; √s = 13 TeV पर LHC प्रोटॉन-प्रोटॉन टक्कर डेटा का उपयोग करके H → bb ¯ क्षय मोड में वेक्टर बोसॉन संलयन या ग्लून संलयन के माध्यम से उत्पादित बूस्टेड हिग्स बोसॉन का मापन; (2024), जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 12, 35. https://doi.org/10.1007/JHEP12(2024)035

अनुसंधान परियोजनाएं

प्रो. अजीत कुमार महापात्र को "थर्मोइलेक्ट्रिक उत्पादन के लिए जिंक ऑक्साइड नैनोवायर" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹6,00,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान द्वारा प्रदान किया गया है और 2024 से 2025 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. अमरजीत कौर को "उच्च प्रदर्शन वाली अर्ध-ठोस अवस्था जिंक आयन बैटरियों के निर्माण हेतु वैनेडियम ऑक्साइड और ग्राफीन नैनोरिबन कंपोजिट की जाँच" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹6,00,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस द्वारा प्रदान किया गया है और 2024 से 2025 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. अमोल सिंह को "क्वांटम सामग्रियों की इलेक्ट्रॉनिक संरचनाओं को उजागर करना: अनुनाद इनैलास्टिक एक्स-रे स्कैटरिंग (RIXS) के माध्यम से एक सिंक्रोट्रॉन स्पेक्ट्रोस्कोपी अध्ययन" नामक एक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹35,88,000 मंजूर किए गए हैं। यह अनुदान एएनआरएफ द्वारा प्रदान किया गया है और 2024 से 2027 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. अमोल सिंह को "एक्स-रे अवशोषण और एक्स-रे फोटोएमिशन स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करके दबाव-प्रेरित संभावित इलेक्ट्रॉनिक और परमाणु संरचना संक्रमण अध्ययन" नामक एक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹6,00,000 मंजूर किए गए हैं। यह अनुदान दिल्ली विश्वविद्यालय के IoE द्वारा प्रदान किया गया है और 2024 से 2025 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. आभास कुमार को "प्राइमोर्डियल ब्लैक होल, बैरियोजेनेसिस और इन्फ्लेशन के बीच संबंध" नामक एक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹35,00,000 स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रदान किया गया है और 2021 से 2026 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. बी. सी. चौधरी को "सर्न में सीएमएस प्रयोग में भारतीय भागीदारी: रखरखाव, संचालन और उन्नयन" नामक एक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹3,46,00,000 स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान SERB-DST द्वारा प्रदान किया गया है और 2022 से 2027 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. बी. सी. चौधरी, प्रो. देबज्योति चौधरी और प्रो. समित के. मंडल को "भारतीय संस्थान - न्यूट्रिनो भौतिकी में फर्मिलैब सहयोग" नामक एक शोध परियोजना के लिए पीआई और सह-पीआई के रूप में ₹2,80,00,000 मंजूर किए गए हैं। यह अनुदान DST द्वारा प्रदान किया गया है और 2019 से 2024 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. बिनय कुमार को "ऊर्जा संचयन अनुप्रयोगों के लिए पीजोइलेक्ट्रिक नैनोकणों का संश्लेषण" नामक एक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹6,00,000 मंजूर किए गए हैं। यह अनुदान दिल्ली विश्वविद्यालय के IoE द्वारा प्रदान किया गया है और 2024 से 2025 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. देवव्रत मिश्रा को "ऊर्जा संचयन और जैव-संवेदी अनुप्रयोगों के लिए स्पिन-आधारित इलेक्ट्रोड और लचीले उपकरणों का डिज़ाइन और विकास" नामक एक शोध परियोजना के लिए ₹6,00,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान दिल्ली विश्वविद्यालय के IoE द्वारा प्रदान किया गया है और 2024 से 2025 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. डी. एन. गुप्ता को "नए लेज़र तीव्रता सीमांत पर क्वांटम इलेक्ट्रोडायनामिक प्लाज़्मा की खोज" नामक एक शोध परियोजना के लिए ₹25,33,696 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान एएनआरएफ द्वारा प्रदान किया गया है और 2023 से 2026 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. डी. एन. गुप्ता को "कपड़ों पर पीवीडी आधारित प्लाज्मा जमाव और स्वास्थ्य सेवा में इसका अनुप्रयोग" नामक एक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹25,33,696 मंजूर किए गए हैं। यह अनुदान आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और 2024 से 2025 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. डी. एन. गुप्ता को "कोल्ड प्लाज्मा पीवीडी तकनीक के साथ एंटी-माइक्रोबियल टेक्सटाइल कपड़ों का निर्माण" नामक एक शोध परियोजना के लिए सह-पीआई/संरक्षक के रूप में ₹6,00,000 मंजूर किए गए हैं। यह अनुदान डीएसटी द्वारा प्रदान किया गया है और 2022 से 2025 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. गोविंद दयाल सिंह को "आणविक जांच के लिए नैनो पैटर्न वाले सिलिकॉन पर ग्राफीन मोनोलेयर" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 1 जेआरएफ + बीम समय स्वीकृत किया गया है। यह अनुदान आईयूएसी द्वारा प्रदान किया गया है और 2025 से 2028 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. कीर्ति रंजन और प्रो. एम. नईमुद्दीन को "सर्न में सीएमएस प्रयोग में भारतीय भागीदारी: रखरखाव, संचालन और उन्नयन" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई और सह-पीआई के रूप में ₹15,05,00,000 स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान एसईआरबी-डीएसटी द्वारा प्रदान किया गया है और 2022 से 2027 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. कृष्णकांत मंडल को "CO2 शमन के लिए MOF में लिगैंड और धातु के प्रभाव को समझना" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹5,00,000 स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान दिल्ली विश्वविद्यालय के IoE द्वारा प्रदान किया गया है और 2024 से 2025 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. मांगीलाल चौधरी, भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग, डीयू को "गैर-तापीय वायुमंडलीय दबाव (क्षणिक स्पार्क डिस्चार्ज) प्लाज्मा का उपयोग करके कार्बनिक प्रदूषकों (सिंथेटिक रंगों) का अपघटन" नामक एक शोध परियोजना के लिए ₹20,40,802 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान एसईआरबी द्वारा प्रदान किया गया है और 2024 से 2026 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. ओम प्रकाश को "हाफ-ह्यूस्लर यौगिकों में टोपोलॉजिकल सुपरकंडक्टिविटी और क्वांटम क्रिटिकलिटी" नामक एक शोध परियोजना के लिए ₹60,00,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान एएनआरएफ पीएम अर्ली करियर रिसर्च ग्रांट द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि 2025 से 2028 तक है।

प्रो. एस. अन्नपूर्णी को "एक्सचेंज-युग्मित द्वि-चरणीय चुंबकीय बहुपरतों और नैनो-कंपोजिट में स्पेसर परत की भूमिका" नामक एक शोध परियोजना के लिए ₹20,81,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान एसईआरबी-डीएसटी द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि 2023 से 2028 तक है।

प्रो. एस. ए. हाशमी को "स्थायी कार्बन इलेक्ट्रोड और जैव-अपघटनीय बहुलक-आधारित इलेक्ट्रोलाइट्स के साथ पर्यावरण के अनुकूल सोडियम-आयन भंडारण उपकरणों का विकास" नामक एक शोध परियोजना के लिए ₹27,00,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान दिल्ली विश्वविद्यालय के IoE द्वारा प्रदान किया गया है और 2022 से 2025 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. सेवी मुरुगावेल को "अत्यधिक दोषपूर्ण पॉलीएनियोनिक ठोसों के विलक्षण संरचनात्मक और आवेश परिवहन गुण" नामक शोध परियोजना के लिए ₹1,35,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान UGC-DAE CSR द्वारा प्रदान किया गया है और 2022 से 2025 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. श्यामा रथ को "नई क्वांटम प्रौद्योगिकियों के लिए सिलिकॉन कार्बाइड में प्रकाशीय रूप से पता योग्य बिंदु दोषों का निर्माण और मूल्यांकन" नामक शोध परियोजना के लिए ₹42,46,000 की राशि

स्वीकृत की गई है। यह अनुदान SERB-DST द्वारा प्रदान किया गया है और 2021 से 2024 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. श्यामा रथ को "क्वांटम मेट्रोलॉजी के लिए 4H-SiC में ऑप्टिकली और स्पिन एक्टिव VSi और NC-VSi दोषों का नियंत्रण" नामक एक शोध परियोजना के लिए PI के रूप में ₹10,11,000 स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान IUAC, UGC द्वारा प्रदान किया गया है और 2024 से 2027 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. श्यामा रथ को "नैनोस्ट्रक्चर फैब्रिकेशन के लिए HeCd लेज़र का उपयोग करके लेज़र इंटरफेरेंस लिथोग्राफी" नामक एक शोध परियोजना के लिए PI के रूप में ₹5,00,000 स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस द्वारा प्रदान किया गया है और 2024 से 2025 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. सौरव सूर को "डार्क एनर्जी-मैटर इंटरैक्शन के माध्यम से मौजूदा ब्रह्मांड संबंधी पहेलियों और तनावों के संभावित समाधानों की ओर" नामक एक शोध परियोजना के लिए ₹5,00,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान दिल्ली विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस द्वारा प्रदान किया गया है और 2024 से 2025 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. सुभाजीत पॉल को "जड़त्वीय सक्रिय पॉलिमरों के संरूपण और गतिकी" नामक एक शोध परियोजना के लिए ₹4,85,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान दिल्ली विश्वविद्यालय के IoE द्वारा प्रदान किया गया है और 2024 से 2025 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. सुमलय रॉय को "मैग्नेटो-टोपोलॉजिकल इंसुलेटर इंटरफेस: संश्लेषण और संरचना-गुण सहसंबंध अध्ययन" नामक एक शोध परियोजना के लिए ₹1,35,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान UGC-DAE CSR और RRCAT, इंदौर, भारत द्वारा प्रदान किया गया है और 2022 से 2025 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. सुमन चौधरी को "बोरॉन-आर्सेनाइड नैनोट्यूब के थर्मोइलेक्ट्रिक और थर्मल ट्रांसपोर्ट गुण" नामक एक शोध परियोजना के लिए ₹5,00,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान दिल्ली विश्वविद्यालय के IoE द्वारा प्रदान किया गया है और 2024 से 2025 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. उत्कर्ष मिश्रा को "QUBO और क्वांटम एनीलिंग का उपयोग करके जटिल क्वांटम प्रणालियों का अनुकूलन: घनत्व फलनात्मक सिद्धांत और सैद्धांतिक भौतिकी सिमुलेशन में अनुप्रयोग" नामक शोध परियोजना के लिए ₹5,00,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान दिल्ली विश्वविद्यालय के IoE द्वारा प्रदान किया गया है और 2024 से 2025 तक की अवधि के लिए है।**आयोजित संगोष्ठियां**

डॉ. निष्ठा अरोड़ा क्वींसलैंड विश्वविद्यालय ऑस्ट्रेलिया की ने 5 अप्रैल, 2024 को 'नैनोमैकेनिक्स: नैनो फ्रंटियर पर भौतिकी और अनुप्रयोगों की जाँच' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

वीज़मैन विज्ञान संस्थान की डॉ. अनु गुप्ता ने 2 मई, 2024 को 'ऑक्सीजन न्यूनीकरण अभिक्रिया (ओआरआर): इलेक्ट्रॉनों में समरूपता और श्वसन एवं सामान्य संज्ञाहरण के बीच संबंध की जाँच के लिए एक संभावित उपकरण' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

टीसीजी क्रेस्ट, कोलकाता के डॉ. अविजित मिश्रा ने 20 जुलाई, 2024 को 'क्वांटम ऑप्टिकल सेटअप में कार्य निष्कर्षण और उत्तेजन ट्रैपिंग' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

आईएसीएस कोलकाता के प्रो. कौशिक रे ने 26 जुलाई, 2024 को 'स्केल इनवेरिएंस और सुपरफ्लुइड टर्बुलेंस' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता के प्रो. फारूक रहमान ने 'विकसित होते ट्रैवर्सेबल वर्महोल' विषय पर एक व्याख्यान दिया। 29 जुलाई, 2024 को।

डॉ. मुदित राय, भौतिकी एवं खगोल विज्ञान विभाग, टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्यालय, ने 9 अगस्त, 2024 को 'प्राकृतिकता से गुरुत्वाकर्षण तरंगें' पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. तानिया पॉल, मैगटॉप, भौतिकी संस्थान, वारसॉ, पोलैंड, ने 16 अगस्त, 2024 को 'स्पिन क्वांटम हॉल प्रभाव में एक्साइटॉन का प्रभाव' पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. दिब्या चक्रवर्ती, पोस्टडॉक, आईआईटी मद्रास, ने 20 अगस्त, 2024 को 'पर्टर्बेटिव एलवीएस में मुद्रास्फीति मॉडल' पर एक व्याख्यान दिया।

प्रो. वाई. फुकुमा, क्यूशू प्रौद्योगिकी संस्थान, लिज़ुका, जापान, ने 29 अगस्त, 2024 को 'स्पिनोर्बिटरोनिक्स' पर एक व्याख्यान दिया।

प्रो. गौतम बसु, जैवभौतिकी विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय और जीव विज्ञान विभाग, आईआईएसईआर कोलकाता, ने 'मद्रास ट्रिपल हेलिक्स' पर एक व्याख्यान दिया। 2 सितंबर, 2024 को ‘कलकत्ता इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप और भारत में बायोफिज़िक्स अनुसंधान का जन्म’ विषय पर व्याख्यान दिया जाएगा।

डॉ. आकाशरूप बनर्जी, नाभिकीय भौतिकी प्रभाग, साहा नाभिकीय भौतिकी संस्थान, ने 9 सितंबर, 2024 को ‘फ्रेना (FRENA): भारत का पहला 3MV नाभिकीय खगोल भौतिकी त्वरक’ पर व्याख्यान दिया।

डॉ. रामकिशोर शर्मा, सीईआईसीओ, भौतिकी संस्थान, चेक अकादमी ऑफ साइंसेज, प्राग, ने 17 अक्टूबर, 2024 को ‘गुरुत्वाकर्षण तरंग पृष्ठभूमि: प्रारंभिक ब्रह्मांड के लिए एक जांच’ विषय पर व्याख्यान दिया।

प्रो. माधवन वरदराजन, रमन अनुसंधान संस्थान ने 22 नवंबर, 2024 को 'गोलाकार पतन और ब्लैक होल वाष्पीकरण' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

स्प्रिंगर नेचर के डिस्कवर जर्नल्स के एसोसिएट एडिटर डॉ. उन्मेष मंडल ने 26 नवंबर, 2024 को 'डिस्कवर: स्प्रिंगर नेचर द्वारा एक पूरी तरह से ओपन-एक्सेस, समावेशी ब्रांड' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

प्रो. हंस राधो और प्रो. शीतल के. भारद्वाज, विट्रोटेम, एम्स्टर्डम, नॉर्थ हॉलैंड, नीदरलैंड ने 13 दिसंबर, 2024 को 'स्वचालित ग्राफीन लिक्विड सेल (जीएलसी) निर्माण' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

प्रो. सुदीप जाना, हरीश चंद्र अनुसंधान संस्थान ने 17 दिसंबर, 2024 को 'न्यूट्रिनो पर प्रकाश डालना: विद्युत चुम्बकीय गुणों की खोज' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. अरित्रा घोष, आईआईटी भुवनेश्वर ने 9 जनवरी, 2025 को 'समविभाजित स्पेक्ट्रम के साथ कुछ शास्त्रीय और क्वांटम सटीक रूप से हल करने योग्य प्रणालियाँ विषय पर व्याख्यान दिया।

डॉ. बृज मोहन, आईआईएसईआर, मोहाली ने 20 जनवरी, 2025 को 'सुसंगत ऊष्मा स्थानांतरण सतत इंजनों के प्रदर्शन में वास्तविक क्वांटम वृद्धि की ओर ले जाता है' विषय पर व्याख्यान दिया।

डॉ. तारक नाथ मैती, सिडनी विश्वविद्यालय ने 21 जनवरी, 2025 को 'प्रत्यक्ष संसूचन पर न्यूट्रिनो: मित्र या शत्रु?' पर व्याख्यान दिया।

डॉ. रजीबुल इस्लाम, अलबामा विश्वविद्यालय, बर्मिंघम ने 4 फरवरी, 2025 को 'अगली पीढ़ी की तकनीक के लिए क्वांटम चरणों की खोज और भविष्यवाणी: एक आरंभिक दृष्टिकोण' विषय पर व्याख्यान दिया।

डॉ. शिशिर खंडेलवाल, लुंड विश्वविद्यालय, स्वीडन ने 10 फरवरी, 2025 को 'स्वायत्त क्वांटम विकास के माध्यम से अधिकतम उलझी हुई अवस्थाओं का निर्माण' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. कॉनराड रिज़ल, सीड नैनोटेक इंटरनेशनल इंक, ओंटारियो, कनाडा ने 14 फरवरी, 2025 को 'भारत और कनाडा में अनुसंधान व्यावसायीकरण का तुलनात्मक विश्लेषण' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. रिशव रोशन, भौतिकी और खगोल विज्ञान स्कूल, साउथेम्प्टन विश्वविद्यालय, ब्रिटेन ने 18 फरवरी, 2025 को 'प्रारंभिक ब्रह्मांड को देखने के लिए गुरुत्वाकर्षण तरंगों का उपयोग' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

प्रो. देशदीप सहदेव, निदेशक, क्वाज़र टेक्नोलॉजीज, नई दिल्ली (आईआईटी कानपुर में भौतिकी के पूर्व प्रोफेसर) ने 27 फरवरी, 2025 को 'भौतिकी में एमएससी या पीएचडी वाले लोगों के लिए अपरंपरागत नौकरी के विकल्प' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

सिंगापुर विश्वविद्यालय, आईबीएम/हिताचीजीएसटी, सैन जोस, सीए, और यूसी बर्कले, बर्कले, सीए ने 3 मार्च, 2025 को 'चुंबकीय रिकॉर्डिंग अनुसंधान में सीमाएँ: 10 टेराबिट्स/इंच² की ओर (नवाचार वैश्विक प्रभाव को प्रेरित करता है)' पर एक व्याख्यान दिया।

प्रोफेसर चरणजीत एस. भाटिया, स्पिन एंड एनर्जी लैब (एसईएल), ईसीई विभाग, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर, आईबीएम/हिताचीजीएसटी, सैन जोस, सीए, और यूसी बर्कले, बर्कले, सीए ने 3 मार्च, 2025 को 'फ्रंटियर्स इन मैग्नेटिक रिकॉर्डिंग रिसर्च: टुवर्ड्स 10 टेराबिट्स/इन² (इनोवेशन ड्राइविंग ग्लोबल इम्पैक्ट)' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. अमितायस बानिक, पोस्टडॉक्टरल फेलो, चुंगबुक नेशनल यूनिवर्सिटी, दक्षिण कोरिया ने 6 मार्च, 2025 को 'पल्सर टाइमिंग एरेज़ में डार्क सेक्टर्स की ध्वनि' पर एक व्याख्यान दिया।

आयोजित सम्मेलन

आईसीपीडीपी सोसाइटी और आईपीआर, भारत द्वारा वित्त पोषित, 'प्लाज्मा विज्ञान में संभावनाएं और चुनौतियां' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 5-6 अप्रैल 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग में किया गया। [संयोजक: प्रो. डी. एन. गुप्ता]

'गुरुत्वाकर्षण, कण-खगोल भौतिकी और ब्रह्मांड विज्ञान' विषय पर अर्ध-दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन (प्रोफेसर पैट्रिक दास गुप्ता के सम्मान में) 22 अप्रैल 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग में किया गया। [संयोजक: डॉ. सौरव सूर]

बीआरएनएस, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित, 'परमाणु भौतिकी और इसके अनुप्रयोग' (आईसीपीएनए-2024) विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 21-25 अक्टूबर 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग में किया गया। [अध्यक्ष: प्रो. संजय कुमार चमोली, संयोजक: प्रो. डी.एन. गुप्ता, प्रो. अजीत कुमार महापात्रो और प्रो. सुरेश कुमार]

सेमिनार/सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

प्रो. अमरजीत कौर ने दिल्ली विश्वविद्यालय के दौलत राम कॉलेज के भौतिकी विभाग द्वारा 9 अप्रैल 2024 को आयोजित "सेलेस्टे '24" में 'कंडक्टिंग पॉलिमर और उनके अनुप्रयोगों का परिचय' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

प्रो. अमरजीत कौर ने दिल्ली विश्वविद्यालय के कालिंदी कॉलेज की भौतिकी सोसायटी द्वारा 17 मई 2024 को आयोजित कार्यक्रम - फिजिथॉन में "ऑर्गेनिक इलेक्ट्रॉनिक्स, एक साथ भविष्य की खोज" विषय पर एक व्याख्यान दिया।

प्रो. अमरजीत कौर ने दिल्ली विश्वविद्यालय के श्याम लाल कॉलेज द्वारा 10 जुलाई 2024 को राष्ट्रीय ग्रीष्मकालीन विद्यालय एवं 'सेमीकंडक्टर्स: स्नातक छात्रों के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण' पर आयोजित कार्यशाला में "विभिन्न अर्धचालकों और उपकरणों का परिचय" विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. अर्चना मिश्रा ने आईओपी, भुवनेश्वर के स्वर्ण जयंती समारोह में "क्वांटम संघनित पदार्थ भौतिकी में उभरते रुझान" विषय पर 21 अगस्त 2024 को आयोजित कार्यक्रम में "चुंबकीय श्रृंखला-अतिचालक प्रणालियों में मेजराना संकरण को नियंत्रित करना" विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. अर्चना मिश्रा ने आईओपी, भुवनेश्वर द्वारा 13 नवंबर 2024 को आयोजित 'आईओपी स्वर्ण जयंती युवा महिला वैज्ञानिक सम्मेलन-2024' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "सुपरकंडक्टर्स में यू-शीबा-रुसिनोव अवस्थाओं के साथ क्वांटम कंप्यूटिंग" विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. अर्चना मिश्रा ने दिल्ली विश्वविद्यालय के कणाद भवन में भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग द्वारा 19 फरवरी 2025 को आयोजित 'क्वांटम कंप्यूटिंग, सामग्री और उपकरण' विषय पर आगंतुक कार्यक्रम में "क्वांटम कंप्यूटिंग के लिए नवीन चुंबक-सुपरकंडक्टर हाइब्रिड प्लेटफार्मों की खोज" विषय पर एक व्याख्यान दिया।

प्रो. बिनय कुमार ने एसआरएम आईएसटी, दिल्ली एनसीआर कैंपस, गाजियाबाद में 30 अगस्त 2024 को 'पदार्थ विज्ञान और प्रौद्योगिकी नवाचारों की खोज' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीईएमएसटीआई-2024) में मुख्य वक्ता के रूप में "पहनने योग्य इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए लचीले पीजोइलेक्ट्रिक नैनोजनरेटर के लिए उच्च प्रदर्शन नैनोमटेरियल" विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

प्रो. बिनय कुमार ने 17 अक्टूबर 2024 को हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में "विज्ञान, समाज और अनुप्रयोगों के लिए क्रिस्टल" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

प्रो. बिनय कुमार ने 6 दिसंबर 2024 को भारतीयार विश्वविद्यालय, कोयंबटूर द्वारा आयोजित पीएसजीआर कृष्णम्मल महिला कॉलेज में "समाज में अनुप्रयोगों के लिए एकल क्रिस्टल" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।

प्रो. बिनय कुमार ने झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा 17 दिसंबर 2024 को फेरोइलेक्ट्रिक्स और डाइइलेक्ट्रिक्स पर आयोजित XXIII राष्ट्रीय संगोष्ठी में "ऊर्जा संचयन अनुप्रयोगों के लिए उच्च प्रदर्शन पीजो-/फेरोइलेक्ट्रिक एकल क्रिस्टल और नैनोक्रिस्टल" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।

प्रो. बिनय कुमार ने भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुंबई द्वारा 7 फरवरी 2025 को क्रिस्टल वृद्धि और अनुप्रयोगों पर आयोजित 27वें राष्ट्रीय संगोष्ठी में "क्रिस्टल विज्ञान में सूक्ष्मदर्शी की भूमिका" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

प्रो. देवकी नंदन गुप्ता ने बेल्जियम के गेन्ट विश्वविद्यालय द्वारा 8 सितंबर 2024 को प्लाज्मा भौतिकी पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीपीपी-2024) में "प्लाज्मा में लेजर पल्स के चेपरोनिंग प्रसार और लेजर वेकफील्ड त्वरण" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

प्रो. ज्योति राजपूत ने आईआईटी (आईएसएम) धनबाद तथा भारतीय परमाणु और आणविक भौतिकी सोसायटी द्वारा 8 जनवरी 2025 को आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में संयुक्त रूप से आयोजित "परमाणु एवं आणविक भौतिकी पर 24वें राष्ट्रीय सम्मेलन" में “आयन-प्रभाव आयनीकरण और मीथेन का फोटो-आयनीकरण” शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

प्रो. ज्योति राजपूत ने टीआईएफआर मुंबई में परमाणु एवं परमाणु भौतिकी विभाग द्वारा 6 मार्च 2025 को "ईसीआर और त्वरक आधारित परमाणु एवं आणविक भौतिकी तथा संबंधित विषय" पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान "मीथेन डाइकेशन का निर्माण एवं क्षय" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

प्रो. निवेदिता देव ने ब्राउन विश्वविद्यालय, प्रोविडेंस, आरआई 02912, यूएसए के भौतिकी विभाग में 24 जुलाई 2024 को ब्राउन सैद्धांतिक भौतिकी केंद्र द्वारा आयोजित 'आईडीईए सेमिनार श्रृंखला' में "रैंडम मैट्रिक्स सिद्धांत और प्रोटीन संरचना के मल्टीप्लेक्स नेटवर्क" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

प्रो. निवेदिता देव ने थाईलैंड के नाखोन सावन स्थित नाखोन सावन परिसर में सैद्धांतिक भौतिकी और प्राकृतिक दर्शन केंद्र द्वारा 18 मार्च 2025 को आयोजित 'नेक्सस 2025, नेटवर्क विज्ञान और जटिलता पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन' में "रैंडम मैट्रिक्स सिद्धांत और प्रोटीन संरचना के मल्टीप्लेक्स नेटवर्क" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

डॉ. ओम प्रकाश ने दिल्ली विश्वविद्यालय के कणाद भवन में भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग द्वारा 19 फ़रवरी 2025 को आयोजित 'क्वांटम कंप्यूटिंग, सामग्री और उपकरण' विषय पर विज़िटर प्रोग्राम में "परम शून्य तापमान के निकट विज्ञान और प्रौद्योगिकी" शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. संजय जैन ने लर्निंग प्लैनेट इंस्टीट्यूट, पेरिस, फ्रांस में 10 जुलाई 2024 को 'कोशिका जीव विज्ञान में आर्थिक सिद्धांत' विषय पर आयोजित समर स्कूल में "जीवन की उत्पत्ति" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान (ऑनलाइन) दिया।

प्रो. संजय जैन ने ब्राउन यूनिवर्सिटी, प्रोविडेंस, आरआई 02912, यूएसए के भौतिकी विभाग में 25 जुलाई 2024 को द ब्राउन थ्योरेटिकल फिजिक्स सेंटर द्वारा आयोजित 'आईडीए सेमिनार सीरीज़' में "जीवन की उत्पत्ति: एक सैद्धांतिक भौतिकी परिप्रेक्ष्य" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

प्रो. संजय जैन ने ओकिनावा, जापान के ओकिनावा इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में थ्योरेटिकल साइंसेज विजिटिंग प्रोग्राम द्वारा 3 मार्च 2025 को आयोजित विषयगत कार्यक्रम 'जैविक सूचना प्रसंस्करण की कम्प्यूटेशनल और भौतिक समझ' में "ऑटोकैटेलिटिक सेट और जीवन की उत्पत्ति" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

प्रो. संजय जैन ने ओकिनावा इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, ओकिनावा, जापान में थ्योरेटिकल साइंसेज विजिटिंग प्रोग्राम द्वारा 6 मार्च 2025 को 'जैविक सूचना प्रसंस्करण की कम्प्यूटेशनल और भौतिक समझ' पर आयोजित संगोष्ठी में इसी विषय पर संचालित विषयगत कार्यक्रम के दौरान "प्रोटोसेल में ऑटोकैटेलिटिक सेट के उद्भव के लिए एक मॉडल" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

प्रो. संजय जैन ने ओकिनावा, जापान के ओकिनावा इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में सैद्धांतिक विज्ञान विजिटिंग प्रोग्राम द्वारा 10 मार्च 2025 को 'जैविक सूचना प्रसंस्करण की कम्प्यूटेशनल और भौतिक समझ' पर आयोजित विषयगत कार्यक्रम में "जीवाणु कोशिकाओं में संतुलित वृद्धि, घातीय प्रक्षेप पथ और आकार भिन्नता की उत्पत्ति" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

प्रो. संजय जैन ने महिडोल विश्वविद्यालय, नाखोन सावन परिसर, नाखोन सावन, थाईलैंड में सैद्धांतिक भौतिकी और प्राकृतिक दर्शन केंद्र द्वारा 17 मार्च 2025 को आयोजित 'नेक्सस 2025, नेटवर्क विज्ञान और जटिलता पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन' में "जीवन की उत्पत्ति: जटिलता की उत्पत्ति और विकास के लिए एक पहेली" शीर्षक से एक आमंत्रित मुख्य व्याख्यान दिया।

प्रो. श्यामा रथ ने वुझेन, चीन में 17 जून 2024 को अनुप्रयुक्त सतह विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "द्वि-आयामी MoSe 2 के परत-निर्भर प्रकाशीय और तापीय गुण" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

प्रो. श्यामा रथ ने ब्रागा, पुर्तगाल में यूरोपीय भौतिक सोसायटी के संघनित पदार्थ प्रभाग के सीएमडी31 महासम्मेलन में 2 सितंबर 2024 को "सिलिकॉन कार्बाइड में आयन-आरोपण प्रेरित नाइट्रोजन रिक्तिका दोष केंद्र" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

डॉ. सौरव सुर ने "एक एकीकृत ब्रह्मांडीय बिट्स पिलानी राजस्थान परिसर में बिट्स पिलानी द्वारा 3 जनवरी 2025 को आयोजित भारतीय सामान्य सापेक्षता एवं गुरुत्वाकर्षण संघ (आईएजीआरजी) की 33वीं बैठक में “बोस-आइंस्टीन संघनन से डार्क सेक्टर” पर व्याख्यान दिया जाएगा।

डॉ. सुभाजीत पॉल ने थापर इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, पटियाला, पंजाब द्वारा 13 मई 2024 को आयोजित सैद्धांतिक विज्ञान पर संगोष्ठी में “एक्टिविटी मीडिएटेड कॉन्फॉर्मेशनल ट्रांजिशन एंड डायनेमिक्स ऑफ ए फ्लेक्सिबल पॉलीमर इन पुअर सॉल्वेंट” शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

डॉ. सुभाजीत पॉल ने भुवनेश्वर स्थित भौतिकी संस्थान में 3 दिसंबर 2024 को "सक्रिय ब्लॉक कॉपोलिमर की विषम गतिशीलता" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

डॉ. सुभाजीत पॉल ने एनआईएसईआर, भुवनेश्वर में 5 दिसंबर 2024 को "सक्रियता-मध्यस्थ संरूपण संक्रमण और खराब विलायक में एक लचीले बहुलक की गतिशीलता" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

डॉ. सुभाजीत पॉल ने जेएनसीएएसआर, बैंगलोर में 6 फरवरी 2025 को "सक्रियता-मध्यस्थ संरूपण संक्रमण और खराब विलायक में एक लचीले बहुलक की गतिशीलता" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

डॉ. सुमलय रॉय ने अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग, दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 'अनुप्रयोगों सहित परमाणु, आणविक, पदार्थ, नैनो और प्रकाशीय भौतिकी (आईसीएएमएनओपी-2023)' पर 20 दिसंबर 2024 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "विभिन्न तरीकों से संश्लेषित बिस्मथ महीन फिल्मों और अल्ट्राथिन परतों की संरचनात्मक जांच" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

डॉ. उत्कर्ष मिश्रा ने दिल्ली विश्वविद्यालय के कणाद भवन में भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग द्वारा आयोजित 'क्वांटम कंप्यूटिंग, सामग्री और उपकरण' विषय पर आगंतुक कार्यक्रम में 19 फरवरी 2025 को "आवधिक रूप से संचालित प्रणालियों के साथ क्वांटम संवर्धित संवेदन" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।

अन्य अंतर्सांस्थानिक सहयोग

दिल्ली विश्वविद्यालय का भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग, विगत अनेक वर्षों से स्विट्जरलैंड के जिनेवा स्थित सर्न में लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर (एलएचसी) पर कार्यरत अंतर्राष्ट्रीय सीएमएस प्रयोग समूह के साथ सहयोग कर रहा है। विशेष रूप से, बीएआरसी, मुंबई के सहयोग से, दिल्ली विश्वविद्यालय ने सीएमएस प्रयोग के पहले चरण के लिए सिलिकॉन सेंसर की आपूर्ति की है। दिल्ली विश्वविद्यालय की भौतिकी विश्लेषण टीम ने वर्ष 2012 में हिग्स "गॉड" कण की खोज के लिए विश्लेषण योजनाओं को अनुकूलित करने के प्रयोजनार्थ लंबे समय तक काम किया, जिसके लिए वर्ष 2013 में भौतिकी का नोबेल पुरस्कार दिया गया। इसके अलावा, दिल्ली विश्वविद्यालय की टीम के सदस्य इस वर्ष के "2025 फंडामेंटल फिजिक्स ब्रेकथ्रू पुरस्कार" के लेखकों में से हैं। वर्तमान में छह स्थायी संकाय सदस्य (अर्थात,

प्रो. ब्रजेश चंद्र चौधरी, प्रो. कीर्ति रंजन, प्रो. मोहम्मद नईमुद्दीन, प्रो. आशुतोष भारद्वाज, डॉ. अशोक कुमार और डॉ. अरुण कुमार), अपने पीएच॰डी॰ स्टंट के साथ, सीएमएस प्रयोग के चरण-2 उन्नयन के लिए काम कर रहे हैं, और चरण-2 सीएमएस प्रयोग के आगामी इनर ट्रैकर के लिए सिलिकॉन सेंसर को मान्य करने के लिए एक उच्च तकनीक सिलिकॉन योग्यता केंद्र (एसक्यूसी) की मेजबानी कर रहे हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय के भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग में भी जीईएम आधारित म्यूऑन डिटेक्टरों के निर्माण और परीक्षण हेतु एक उत्पादन सुविधा उपलब्ध है, और इसने हाल ही में सीएमएस प्रयोग के जीई1/1 स्टेशन के लिए 16 जीईएम डिटेक्टरों की आपूर्ति की है। वर्तमान में यह सुविधा सीएमएस के एमई0 स्टेशन के लिए जीईएम आधारित डिटेक्टरों का उत्पादन कर रही है। प्रो. ब्रजेश चंद्र चौधरी म्यूऑन आईबी (उप अध्यक्ष) हैं, प्रो. मोहम्मद नईमुद्दीन जीईएम (परियोजना प्रबंधक - उप) हैं और डॉ. अशोक कुमार ने हाल ही में सीईआरएन, जिनेवा, स्विट्जरलैंड में जीईएम परियोजना के तकनीकी समन्वयक के रूप में 3 वर्ष का कार्यकाल पूरा किया है।

व्यक्तिगत संकाय सदस्यों द्वारा अनेक अन्य (या तो जारी या नए शुरू किए गए) शोध सहयोग किए गए हैं, जैसे:

प्रो. ब्रजेश चंद्र चौधरी अंतर्राष्ट्रीय नोवा सहयोग के प्रमुख सदस्यों में से एक हैं। नोवा एक लॉन्ग-बेसलाइन न्यूट्रिनो दोलन प्रयोग है जिसमें दो कार्यात्मक रूप से समान संसूचक हैं, जो 810 किमी की दूरी पर हैं (एक फर्मिलैब, इलिनॉय में और दूसरा ऐश नदी, मिनेसोटा में) और फर्मिलैब नूएमआई किरण-अक्ष से 14.6 मिली-रेडियन दूर हैं। इस प्रयोग का उद्देश्य थ्री-फ्लेवर न्यूट्रिनो दोलनों का अध्ययन करना, न्यूट्रिनो द्रव्यमान क्रम को सुलझाना और न्यूट्रिनो (म्यू) के लुप्त होने और न्यूट्रिनो (म्यू) से न्यूट्रिनो (ई) के प्रकट होने के माध्यम से लेप्टोनिक सीपी उल्लंघन को समझने में मदद करना है। भारतीय संस्थानों के प्रवक्ता के रूप में डीयू के प्रोफेसर ब्रजेश चौधरी के नेतृत्व में भारत में नौ संस्थान (एएमयू-अलीगढ़, पीयू-चंडीगढ़, यूओएच-हैदराबाद, सीयूएसएटी-कोच्चि, सीयूएसबी-गया, डीयू-दिल्ली, एनआईएसईआर-भुवनेश्वर, आईआईटी-गुवाहाटी और आईआईटी-हैदराबाद) वर्ष 2012 से डीएसटी द्वारा वित्त-पोषित परियोजना "न्यूट्रिनो भौतिकी में भारतीय संस्थान फर्मिलैब सहयोग" के अधीन नोवा सहित कई न्यूट्रिनो प्रयोगों पर फर्मिलैब के साथ सहयोग कर रहे हैं।

प्रो. एस. अन्नपूर्णी ने (i) प्रो. यासुहिरो फुकुमा, ग्रेजुएट स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड सिस्टम्स इंजीनियरिंग, क्यूशू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कावाज़ू, इज़ुका, फुकुओका, जापान, और (ii) प्रो. श्याम एस. पांडे ने ग्रीन इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग, ग्रेजुएट स्कूल ऑफ लाइफ साइंस एंड सिस्टम्स इंजीनियरिंग, क्यूशू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, हिबिकिनो, वाकामात्सु, किताक्यूशु-शी, फुकुओका, जापान के साथ सहयोग किया।

प्रो. श्यामा रथ ने (i) इंटर-यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर, भारत, (ii) नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर क्वांटम साइंस एंड टेक्नोलॉजी (QST), जापान, (iii) यूनिवर्सिटी ऑफ लिस्बन, पुर्तगाल, (iv) यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज, देहरादून, भारत, (v) नेशनल सेंटर फॉर न्यूक्लियर रिसर्च, ओटवॉक, पोलैंड, और (vi) सॉलिड स्टेट फिजिकल लेबोरेटरी (SSPL), भारत के साथ सहयोग किया।

प्रो. ज्योति राजपूत ने डॉ. डेरियस जी. पाइकार्स्की, इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल केमिस्ट्री, पोलिश एकेडमी ऑफ साइंसेज, 01-224 वारसॉ, पोलैंड के साथ सहयोग किया।

डॉ. सौरव सूर ने भौतिकी और खगोल विज्ञान विभाग और क्वांटम अल्बर्टा, लेथब्रिज विश्वविद्यालय, अल्बर्टा, कनाडा के प्रोफेसर सौर्य दास के साथ सहयोग किया।

आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत छात्र

सर्न, जिनेवा, स्विट्जरलैंड के साथ चल रहे अकादमिक सहयोग के एक भाग के रूप में, दिल्ली विश्वविद्यालय के भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग के अनेक पीएच॰डी॰ छात्रों ने 1 अप्रैल 2024 से 31 दिसंबर 2024 तक की अवधि के दौरान, 15 - 60 दिन की अवधि के लिए सर्न में अल्पकालिक विजिटिंग फेलो के रूप में भाग लिया है। ये छात्र सर्न में डिटेक्टर अनुरक्षण, डिटेक्टर संचालन, भौतिकी विश्लेषण आदि कार्यों में लगे हुए हैं। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा समन्वित इस कार्यक्रम को भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा वित्त पोषित (एक उपयुक्त शोध परियोजना के अंतर्गत) किया गया है। यह उन छात्रों के लिए अत्यंत लाभकारी रहा है क्योंकि इससे उनकी अंतर-सांस्कृतिक समझ में वृद्धि हुई और उनके शोध-कार्य से संबंधित मूल्यवान शोध कौशल विकसित हुए।

प्लेसमेंट विवरण (प्लेस किए गए छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

06 & 15%

विस्तार और आउटरीच गतिविधियां

वार्षिक प्रतियोगिता: स्वागत समारोह (नवंबर 2024), जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग के लगभग 450 एम.एससी. और पीएच.डी. छात्र शामिल हुए।

फिटनेस सप्ताह (2-6 दिसंबर 2024), जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग के शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों के साथ-साथ पीएच॰डी॰ छात्र भी शामिल हुए।

विज्ञान दिवस समारोह (19-20 फरवरी 2025), जिसमें शामिल होंगे: 'स्वरांजलि' (19 फरवरी 2025, शाम 5-7 बजे), पोस्टर प्रस्तुति एवं प्रश्नोत्तरी, तारा दर्शन, जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग से 120 प्रतिभागी शामिल हुए।

छात्रों के प्लेसमेंट को सुगम बनाने के लिए निम्नलिखित कार्यक्रम भी आयोजित किए गए हैं:

(i) "एमएस॰सी॰ भौतिकी से आगे स्टेम : स्टेम में करियर के अवसरों की खोज", करियर प्लान बी के सहयोग से, सुश्री शहनाज़ हुसैन, करियर प्लान बी की संस्थापक और सीईओ द्वारा, 8 फरवरी 2025,

शाम 4:30 बजे से शाम 6:00 बजे तक, डी एस कोठारी लेक्चर हॉल (डीएसकेएल), भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में।

(ii) "अनुसंधान और फैलोशिप के अवसर: भारत और विदेश", श्री कपिल चंडोक, संस्थापक निदेशक, केएएआईएसईआर, ऑस्ट्रेलियाई शिक्षा विशेषज्ञ, 3 मार्च 2025, दोपहर 3:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक, डी एस कोठारी लेक्चर हॉल (डीएसकेएल), भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. उपाधियों की संख्या

पीएच.डी. : 33

संकाय सदस्य संख्या

कुल: 57 (सत्तावन) - (वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर - 03, सहायक प्रोफेसर - 17 और 4 (3 इंस्पायर फैकल्टी और 1 महिला वैज्ञानिक)

ईसीए/खेल

फुटबॉल टूर्नामेंट (नवंबर 2024 से फरवरी 2025), दिल्ली विश्वविद्यालय के खेल मैदान में आयोजित किया गया, जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग के 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

बैडमिंटन टूर्नामेंट (फरवरी 2025), स्पर्धाएँ: पुरुष युगल, महिला युगल और मिश्रित युगल, दिल्ली विश्वविद्यालय के इंडोर स्टेडियम में आयोजित किया गया, जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग के 90 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

क्रिकेट मैच (दिसंबर 2024), जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग के 30 पीएच॰डी॰ छात्रों ने भाग लिया।

उपयोगित निधियां (करोड़ ₹ में)

0.77

आवंटित निधियां (करोड़ ₹ में)

0.81

***

प्राणिविज्ञान विभाग

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

प्राणिविज्ञान विभाग देश के प्रमुख शोध-प्रधान विभागों में से एक है। यहाँ पर सूक्ष्म जीवों से लेकर मनुष्यों तक विविध क्षेत्रों में अनुसंधान किया जाता है। पिछले वर्ष, विभाग ने उच्च उत्कृष्टता वाली सहकर्मी-समीक्षित पत्रिकाओं में 45 से अधिक शोध लेख प्रकाशित किए हैं। उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भी अपने निष्कर्ष प्रस्तुत किए हैं। उनमें से अनेक को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों तरह की विभिन्न फंडिंग एजेंसियों से पर्याप्त धन प्राप्त हुआ है। प्राणि विज्ञान विभाग को डीएसटी-एफआईएसटी, यूजीसी-एसएपी/सीएएस योजनाओं के लिए मान्यता प्राप्त है। विभाग प्राणिविज्ञान के उन्नत क्षेत्रों में एम.एस. शिक्षण और प्रशिक्षण प्रदान करता है। पिछले वर्ष सत्र 2024-25 में 119 उम्मीदवारों ने प्राणिविज्ञान में मास्टर डिग्री प्राप्त की। इनमें से तीस से ज़्यादा छात्र नेट/जेआरएफ़ उत्तीर्ण कर चुके हैं और अनेक प्रतिष्ठित संस्थानों/विश्वविद्यालयों से डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त कर रहे हैं। इसके अलावा, 19 छात्रों को पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई है।

सम्मान/विशिष्टताएं

संकाय

- प्रो. रीना चक्रवर्ती को 3 मार्च, 2025 को भारत की माननीय राष्ट्रपति, आदरणीय मैडम द्रौपदी मुर्मू द्वारा जैविक विज्ञान के क्षेत्र में 8वाँ विजिटर अवार्ड प्रदान किया गया।
- प्रो. रीता सिंह को "प्रजनन विज्ञान और आणविक चिकित्सा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: चिकित्सा और प्रौद्योगिकी में नवाचार 2024" और 41वीं एसआरबीसीई वार्षिक बैठक, 15-17 नवंबर 2024 के दौरान प्रजनन एंडोक्रिनोलॉजी, "पर्यावरणीय एस्ट्रोजेन, इम्यूनोमॉड्यूलेशन और प्रजनन क्षमता" के क्षेत्र में उनके शोध योगदान के लिए प्रो. पेरा गोविंदराजुलु स्वर्ण पदक ओरेशन 2023 प्रदान किया गया।
- प्रो. रीता सिंह को विजिटिंग रिसर्चर अवार्ड (फ्रांस), 2024 आईएनआरए, अनुसंधान निदेशक, सीएनआरएस, टूर्स सेंटर डे रिसर्चेस, वैल डे लॉयर, नौज़िली, फ्रांस प्राप्त हुआ, मई-जुलाई 2024.
- प्रो. रीता सिंह को क्वाड फैकल्टी (यूएसए), वर्ष 2022-2024 से इनॉग्रल फैकल्टी: क्वाड फेलोशिप (क्वाड देशों के एसटीईएम स्कॉलर्स में) के लिए फैकल्टी पैनल की सदस्य (समीक्षा समिति), अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान, न्यूयॉर्क, यूएसए प्राप्त हुआ।
- प्रो. रीता सिंह "प्रजनन विज्ञान और आणविक चिकित्सा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: चिकित्सा विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवाचार 2024" विषय पर आईसीआरएसएमएम-2024 और

एसआरबीसीई-2024 और 41वीं एसआरबीसीई बैठक की आयोजन अध्यक्ष थीं, जिसका शीर्षक था, 15-17 नवंबर 2024।

- प्रो. आलोक चंद्र भारती राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए), विश्वविद्यालय अनुदान आयोग राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (यूजीसी-नेट), आयुर्वेद जीव विज्ञान और जैव चिकित्सा अनुसंधान पात्रता परीक्षा (बीआरईटी) (2024 से) में विषय विशेषज्ञ हैं।
- प्रो. आलोक चंद्र भारती संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) (2024 से) में विषय विशेषज्ञ हैं।

प्रकाशन

- नक़वी, आई., बंद्योपाध्याय, ए., पांडा, ए., हरेरामदास, बी. (2025), पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम: मल्टी-ओमिक्स विश्लेषणों की समीक्षा। प्रजनन विज्ञान, 32(3): 618-646. https://doi.org/10.1007/s43032-025-01789-8
- कुमार पी., खान पी.के., कुमार ए. (2025), वैशाली ज़िले, बिहार (भारत) के विभिन्न लिंग और आयु वर्ग के व्यक्तियों में भूजल आर्सेनिक के संपर्क में आने पर स्वास्थ्य जोखिम का आकलन। विष विज्ञान रिपोर्ट। https://doi.org/10.1016/j.toxrep.2025.102024
- थपियाल, ए., सिंह, एम.बी., कुमारी, के., डे, एस.के., मौर्य, एस.के. (2025), आणविक डॉकिंग और सिमुलेशन अध्ययनों द्वारा न्यूरोइन्फ्लेमेटरी प्रतिक्रिया के लिए ज़िम्मेदार माइक्रोग्लिया-विशिष्ट प्रोटीन के नए अवरोधकों की पहचान, इंटरनेशनल जर्नल मॉडलिंग एंड सिमुलेशन, (स्वीकृत)। https://doi.org/10.1080/02286203.2025.2484300
- सिंह, एम.बी., असलम, एम., अरुण, सिंह, आर., वर्मा, सी., जैन, पी., अलफंटाज़ी, ए., सिंह, पी., कुमारी, के. (2025), बेहतर घुलनशीलता के साथ पैरासिटामोल के ईएम के गठन और ग्राफीन ऑक्साइड के साथ इसके संयोजन का पता लगाने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण। *जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर लिक्विड्स*, 425, 127220. https://doi.org/10.1016/j.molliq.2025.127220
- यादव, एस., सेवरिया, एस., रमन, ए.पी.एस., सिंह, पी. चंद्रा, आर., जैन, पी. सिंह, ए. कुमारी, के. (2024) हीमोग्लोबिन के साथ थिफ्लुज़ामाइड की परस्पर क्रिया की जाँच के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स*, 282, 136736.https://doi.org/10.1016/j.ijbiomac.2024.136736
- यादव, एस., असलम, ए., प्रजापत, ए., मैसी, आई., नंद, बी., कुमार, डी., कुमारी, के., पांडे, जी., वर्मा, सी., सिंह पी. अलफंटाज़ी, ए. (2024), आणविक डॉकिंग और आणविक गतिशीलता सिमुलेशन का उपयोग करके स्तनधारियों और ज़ेब्राफ़िश में पाए जाने वाले

टीएलआर4 रिसेप्टर प्रोटीन के साथ कीटनाशकों के बंधन की जाँच, *वैज्ञानिक रिपोर्ट*, 14, 24504. https://doi.org/10.1038/s41598-024-75527-6

- राणा, आई., असलम, एम., रंजन, के.आर., सिंह, पी., कुमारी, के. (2024), जैव चिकित्सा विज्ञान में एमएक्सीन/कार्बोनेसियस पदार्थों के साथ एक प्राकृतिक प्रोटीन, रेशम फ़ाइब्रोइन के संयोजनों के उपयोग पर एक समीक्षा, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स*, 278, 135101. https://doi.org/10.1016/j.ijbiomac.2024.135101
- मेसी, आई., यादव, एस., कुमार, डी., महारिया, आर., कुमारी, के., सिंह, पी. (2025), आणविक डॉकिंग और आणविक गतिशीलता सिमुलेशन की खोज के माध्यम से करक्यूमिन का उपयोग करके ज़ेब्राफ़िश में चिंता-निवारक और ऐंठन-रोधी प्रभावों के निषेध के लिए एक अंतर्दृष्टि, पेपटाइड्स, 29, 439-455. https://doi.org/10.1007/s11030-024-10865-1
- बनर्जी, ए., चौहान, वी., अनामिका, त्रिपाठी, एम., और राय, यू. (2024), चूहों में डिम्बग्रंथि कार्यों का एस्प्रोसिन-मध्यस्थता विनियमन: एक आयु-निर्भर अध्ययन। पेप्टाइड्स, 171293. https://doi.org/10.1016/j.peptides.2024.171293
- डोटानिया, के., त्रिपाठी, एम. और राय, यू. नेस्फैटिन-1 सरीसृप, हेमिडैक्टाइलस फ्लेविविरिडिस में ग्लूकोज होमियोस्टेसिस के एक महत्वपूर्ण मध्यस्थ के रूप में। साइंस रेप 14, 31565 (2024)। https://doi.org/10.1038/s41598-024-74371-y
- चौहान, वी., राय, यू., त्रिपाठी, एम., और कुमार, एस. (2025), मौसमी प्रजनन करने वाले सरीसृप, हेमिडैक्टाइलस फ्लेविविरिडिस में नर प्रजनन कार्यों के चौराहे पर न्यूरोपेप्टाइड Y। तुलनात्मक जैव रसायन और शरीरक्रिया विज्ञान, भाग-ए, मोलेक्यूलर एंड इंटेग्रेटिव फीज़िओलॉजी, 303, 111826, https://doi.org/10.1016/j.cbpa.2025.111826
- चोंगथम ए, अग्रवाल एन., ट्रांसजेनिक ड्रोसोफिला मॉडल का उपयोग करके पॉलीग्लूटामाइन-मध्यस्थता वाले न्यूरोडीजेनेरेटिव रोग में यूजेनॉल की न्यूरोप्रोटेक्टिव क्षमता। डोज़ रिस्पोंस, 2024; 22(4), https://doi.org/10.1177/15593258241291652
- यादव एम, गुप्ता जे, चटर्जी डी, मित्तल पी, श्रीवास्तव ए, अग्रवाल एन. वयस्क ड्रोसोफिला के हीमोलिम्फ से प्लाज़्माटोसाइट्स के पृथक्करण हेतु एक उच्च-प्रवाह विधि। प्लोस वन, 20(5)। https://doi.org/10.1371/journal.pone.0322707
- शर्मा, मोनिका, दुर्गेश नारायण सिंह, गुंजन उत्तम, पूनम शर्मा, शिवम ए. मीना, अखिलेश के. वर्मा, और राम कृष्ण नेगी। "स्फिंगोपाइक्सिस प्रजाति एमसी4 के अनुकूली विकास ने स्थायी β-और δ-हेक्साक्लोरोसाइक्लोहेक्सेन (एचसीएच) समावयवों के लिए अपघटन क्षमता प्रदान की।" जर्नल ऑफ हैज़र्डस मैटेरियल्स 461 (2024): 132545. https://doi.org/10.1016/j.jhazmat.2023.132545

- मोडील, सोनाक्षी, राम कृष्ण नेगी, मोनिका शर्मा, पद्मा डोलकर, शीतल यादव, स्नेहा सिवाच, पंकज यादव और तराना नेगी, "सिंधु नदी प्रणाली, ब्यास की भारतीय मीठे पानी की मछलियों का एक व्यापक डीएनए बारकोडिंग।" साइंटिफिक रिपोर्ट्स 14, सं॰ 1 (2024): 2763, https://doi.org/10.1038/s41598-024-52519-0
- मोडील, एस., डोलकर, पी., सिवाच, एस., यादव, पी., नेगी, आर.के. (2024), सतत जलीय कृषि विकास और जलीय पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका। सोबती, आर.सी. (संपादक), सतत भविष्य में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका में। स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-97-0710-2_17
- सिवाच, स्नेहा, मेघाली भारती, शीतल यादव, पद्मा डोलकर, सोनाक्षी मॉडल, पंकज यादव, तराना नेगी और राम कृष्ण नेगी। "जीवों पर माइक्रोप्लास्टिक्स के इकोटॉक्सिकोलॉजिकल प्रभाव का अनावरण - लगातार कार्बनिक प्रदूषक (पीओपी): एक व्यापक समीक्षा।" जर्नल ऑफ़ कॉन्टामिनेंट हाइड्रोलॉजी (2024): 104397, https://doi.org/10.1016/j.jconhyd। 2024.104397
- डोलकर, पद्मा, मोनिका शर्मा, सोनाक्षी मॉडल, शीतल यादव, स्नेहा सिवाच, मेघाली भारती, पंकज यादव, पुष्प लता, तराना नेगी और राम कृष्ण नेगी। "जलीय पारिस्थितिकी तंत्र में एंटीबायोटिक संदूषण की चुनौतियाँ और प्रभावी ट्रैकिंग रणनीतियाँ।" पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान 31, संख्या 44 (2024): 55935-55957. https://doi.org/10.1007/s11356-024-34806-5
- तलवार, चांदनी, शेखर नागर, और राम कृष्ण नेगी, "आंत माइक्रोबायोटा के तुलनात्मक विश्लेषण से साइप्रिनस कार्पियो किस्म स्पेकुलरिस में अमोनिया विषहरण और नाइट्रोजन आत्मसात का पता चलता है।" फोलिया माइक्रोबायोलॉजिका 69, सं॰ 5 (2024): 1029-1041। https://doi.org/10.1007/s 12223-024-01151-6
- भारती, मेघाली, मोनिका शर्मा, स्टैनज़िन चोकस्केट, हिमानी खुराना, स्नेहा सिवाच, सोनाक्षी मोडेल, सुरेश कोरपोले, और राम कृष्ण नेगी। "स्पोरोसारसिना हाइपोफथाल्मिचथिस प्रजाति का नोव. मछली हाइपोफथाल्मिचथिस मोलिट्रिक्स (वैलेंसिएन्स, 1844) के जठरांत्र पथ से पृथक।" जर्नल ऑफ बेसिक माइक्रोबायोलॉजी 64, सं॰ 12 (2024): e2400226. https://doi.org/10.1002/jobm.202400226
- गहलोत, बी., चंद्रा, एस., जोशी, आर., आर्य, एम. और चक्रवर्ती, आर. (2024). भारत के उत्तराखंड में कोसी नदी की एक मध्य हिमालयी सहायक नदी शिप्रा में प्लवक समुदायों और पर्यावरणीय कारकों में समय-समय पर होने वाले बदलाव। पर्यावरण निगरानी और मूल्यांकन, 196, 326. https://doi.org/10.1007/s10661-024-12513-5

- सूद, यू., मुलर, एम.टी., गर्ग, जी., सिंघवी, एन., हीरा, पी., सिंह, पी., निगम, ए., वर्मा, एम., लता, पी., कौर, एच., कुमार, ए., रावत, सी., लाल, एस., एल्ड्रिच, सी., बेचथोल्ड, ए और लाल, आर. 2024 "एमीकोलेटोप्सिस मेडिटेरेनी: स्ट्रेन अलगाव से लेकर कॉम्बिनेटरियल बायोसिंथेसिस द्वारा रिफामाइसिन एनालॉग उत्पादन की इसकी क्षमता को अनलॉक करने तक की साठ साल की यात्रा" जर्नल ऑफ नेचुरल प्रोडक्ट्स 87 (2) 424-438. https://doi.org/10.1021/acs.jnatprod.3c00686
- लता, पी., भार्गव, वी., गुप्ता, एस., सिंह, ए., बाला, के. और लाल, आर. 2024, "सीककोड: प्रोकैरियोट्स के लिए एक नामकरण कोड" आईएनजेएम. https://doi.org/10.1007/s12088-024-01315-5
- कौर, जे., वर्मा, एच., कौर, जे., लता, पी., ढींगरा, जी. और लाल, आर. 2024, "स्फिंगोबियम इंडिकम बी90ए: एक हेक्साक्लोरोसाइक्लोहेक्सेन अपघटनकारी जीवाणु की फाईलोजेनेटिक और शारीरिक विशेषताओं का सिलिको विश्लेषण" करेंट माइक्रोबायोलॉजी ईएमआईडी: 24f2671de3c32a9e. https://doi.org/10.1007/s00284-024-03762-1
- भार्गव, वी., लाहोन, डी., गुप्ता, एस., कौर, जे. और लता, पी. 2024, "स्पाइरोप्लाज्मा एट्रीकोपोगोनिस कोएर्बर एट अल. 2005 का जीनोम-आधारित पुनर्वर्गीकरण, स्पाइरोप्लाज्मा मिरम टुली एट अल. 1982 के बाद के हेटरोटाइपिक पर्याय के रूप में" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्ट एनवोल माइक्रोबायोल. 74 (11). https://doi.org/10.1099/ijsem.0.006589
- थपलियाल, ए., सिंह, एम. बी., कुमारी, के., डे, एस. के., और मौर्य, एस. के. (2025), आणविक डॉकिंग और सिमुलेशन अध्ययनों द्वारा न्यूरोइन्फ्लेमेटरी प्रतिक्रिया के लिए जिम्मेदार माइक्रोग्लिया-विशिष्ट प्रोटीन के नए अवरोधकों की पहचान। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मॉडलिंग एंड सिमुलेशन, 1-15. https://doi.org/10.1080/02286203.2025.2484300
- शर्मा, के., राय, पी., मौर्य, एस. के., और तापड़िया, एम. जी. (2025), मधुमेह-रोधी दवा पियोग्लिटाज़ोन ड्रोसोफिला तंत्रिका कोशिकाओं में आइलेट एमिलॉइड एकत्रीकरण अधिभार को कम करती है। नौनिन-श्मीडेबर्ग के औषध विज्ञान अभिलेखागार, 398(5), 6031-6041, https://doi.org/10.1007/s00210-024-03632-4
- थपलियाल, ए., सूरी, के., चौहान, आर., मुरुगन, एन. ए., और मौर्य, एस. के. (2024), नेटवर्क औषध विज्ञान और आणविक गतिकी सिमुलेशन का उपयोग करके ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम विकार में फाइटोकेमिकल्स की भूमिका का खुलासा। मेटाबोलिक ब्रेन डिजीज, 40(1), 34. https://doi.org/10.1007/s11011-024-01467-9
- पुष्पम, एम., तालुकदार, ए., अनिलकुमार, एस., मौर्य, एस. के., इसाक, टी. जी., और दिवाकर, एल. (2024), आवर्ती एंडोथेलिन-1 मध्यस्थता संवहनी आघात से संज्ञानात्मक

हानि होती है जो ट्रॉफिक कारक प्लियोट्रोफिन द्वारा संरक्षित होती है। प्रायोगिक तंत्रिका विज्ञान, 381, 114938. https://doi.org/10.1016/j.expneurol.2024.114938

- यादव, एच., बख्शी, ए., अनामिका, सिंह, वी., पॉल, पी., मुरुगन, एन. ए., और मौर्य, एस. के. (2024)। चूहों के मस्तिष्क में Iba1 के साथ Olfml3 का सह-स्थानिकीकरण और सह-अभिव्यक्ति। जर्नल ऑफ न्यूरोइम्यूनोलॉजी, 394, 578411. https://doi.org/10.1016/j.jneuroim.2024.578411
- सिंह, एस., वर्मा, पी., गौर, एम. एट अल. (2025), माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के विरुद्ध एक नवीन टीएलआर2-मध्यस्थ बहु-एपिटोप वैक्सीन का सिलिको में विकास। सिलिको फार्माकोलॉजी में, 13, 34. https://doi.org/10.1007/s40203-025-00322-8
- थॉमस एस, कौर जे, कंबोज आर, थंगरियाल एस, यादव आर, कुमार के, धनिया एनके, सी. एलिगेंस से बाह्यकोशिकीय पुटिकाओं के पृथक्करण के लिए आकार अपवर्जन क्रोमैटोग्राफी की प्रभावकारिता की जाँच। जे क्रोमैटोग्र बी एनालिट टेक्नोलॉजी बायोमेड लाइफ साइंस. 2024 फ़रवरी 1;1233:123982. https://doi.org/ 10.1016/ j.jchromb.2023.123982
- कौर, जे., अग्रवाल, जे., बेहरा, एम., दहिया, टी. आर., कुमार, डी., और धनिया, एन. के. (2025)। आकार बहिष्करण क्रोमैटोग्राफी: कीट हीमोलिम्फ से hsEV पृथक्करण के लिए एक कुशल उपकरण। जर्नल ऑफ क्रोमैटोग्राफी बी, 1257, 124570। https://doi.org/10.1016/j.jchromb.2025.124570
- मेहता पी. और मजूमदार एस. (2025), miR-146a मछलियों में सूजनरोधी और एम2 मैक्रोफेज प्रतिक्रियाओं के माध्यम से माइकोबैक्टीरियम फोर्टुइटम के अस्तित्व को व्यवस्थित करने के लिए महत्वपूर्ण है। फिश शेलफिश इम्यूनोलॉजी, 161, 110271. https://doi.org/10.1016/j.fsi.2025.110271
- कुमार एम, शर्मा एस, कुमार एस, बारिक एस, मजूमदार एस. (2024), मैक्रोफेज रीप्रोग्रामिंग में माइटोकॉन्ड्रियल इलेक्ट्रॉन ट्रांसपोर्ट चेन: जीवाणुरोधी प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया में संभावित भूमिका. इम्यूनोलॉजी में वर्तमान शोध, 5, 100077. https://doi.org/10.1016/j.crimmu.2024.100077
- सिंह, एस., रावत, एन., कौशिक, ए., चौहान, एम., देवी, पी.पी., साबू, बी., कुमार एन, राजगोपाल, आर. (2025), उत्तर भारत के ब्रॉयलर पोल्ट्री फार्मों में बहुऔषधि प्रतिरोधी, ईएसबीएल-उत्पादक एस्चेरिचिया कोलाई के वाहक के रूप में घरेलू मक्खियाँ (मस्का डोमेस्टिका): एंटीबायोटिक प्रतिरोध संचरण पर प्रभाव। पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान, 1-15, https://doi.org/10.1007/s11356-025-35921-7

- पांडे, एन., राजगोपाल, आर., धारा, एस. (2024), पैन-जीनोम विश्लेषण से एंटरोकोकस मुंडटी स्ट्रेन में मूल-विशिष्ट जीनोम विस्तार का पता चला। माइक्रोबायोल. बायोटेक्नोलोजी. लेट; 52:163-178. https://doi.org/10.48022/mbl.2306.06005
- रावत एन., अंजलि, श्रेयाता, साबू बी., बंद्योपाध्याय ए. और राजगोपाल आर. (2024), एंटीबायोटिक-मुक्त चिह्नित चिकन मांस में एंटीबायोटिक प्रतिरोध का आकलन: एस्चेरिचिया कोलाई और क्षैतिज रूप से संक्रामक एंटीबायोटिक प्रतिरोध जीन पर ध्यान केंद्रित, एलडब्ल्यूटी, 194: 115751। https://doi.org/10.1016/j.lwt.2024.115751
- जामवाल, आर., देवी, पी.पी., रानी, वी. रावत, एन., दैमेई, जी., सौरव, जी.के., रेणुकादेवी पी., यादव, के., अंजलि और राजगोपाल आर. (2024), कम्प्यूटेशनल और जैव-रासायनिक दृष्टिकोणों का उपयोग करते हुए मूंगफली कली परिगलन वायरस (GBNV) का संरचनात्मक और कार्यात्मक विश्लेषण। आणविक जैव प्रौद्योगिकी, 67(1), 246-259। https://doi.org/10.1007/s12033-024-01046-4
- यादव, के., सौरव, जी.के., राणा, वी.एस., रावत, एन., अंजलि, जामवाल, आर. सिंह ओपी, बंद्योपाध्याय, ए. और राजगोपाल आर. (2024), डेंगू वायरस लिफाफा प्रोटीन के इंटरैक्टिंग पार्टनर के रूप में एडीज एजिप्टी का पॉलीयूबिकिटिन प्रोटीन। मेडिकल एंड वेटेनिररी एंटोमोलॉजी, 38(1), 48-58। https://doi.org/10.1111/mve.12696
- अग्रवाल, एन., जंजुआ, डी., चौधरी, ए., जोशी, यू., त्रिपाठी, टी., चंद्र केशवम, सी., यादव, जे., छोकर, ए., और भारती, ए.सी. (2025), एचपीवी16 एलसीआर-संबंधित प्रतिलेखन कारकों की अभिव्यक्ति और स्थानीयकरण और एचएनएससीसी में एलसीआर गतिविधि के साथ संबंध की अंतर्दृष्टि। आणविक चिकित्सा। ऑन्कोलॉजी, 33(1), 200926. https://doi.org/10.1016/j.omton.2024.200926
- यादव, जे., त्रिपाठी, टी., चौधरी, ए., जंजुआ, डी., जोशी, यू., अग्रवाल, एन., छोकर, ए., केशवम, सी. सी., सेनरुंग, ए., और भारती, ए. सी. (2025), सिर और गर्दन के कैंसर के एक्सोसोम का मैक्रोफेज ध्रुवीकरण पर प्रभाव। साइटोकाइन, 186, 156831. https://doi.org/10.1016/j.cyto.2024.156831
- यादव, जे., चौधरी, ए., त्रिपाठी, टी., जंजुआ, डी., जोशी, यू., अग्रवाल, एन., छोकर, ए., केशवम, सी. सी., सेनरुंग, ए., और भारती, ए. सी. (2024), एक्सोसोमल ट्रांसक्रिप्ट कार्गो और एचएनएससीसी रोगियों के जीवित रहने के साथ कार्यात्मक सहसंबंध। बीएमसी कैंसर, 24(1), 1144. https://doi.org/10.1186/s12885-024-12759-9
- सेनरुंग, ए., त्रिपाठी, टी., अग्रवाल, एन., जंजुआ, डी., छोकर, ए., यादव, जे., चौधरी, ए., ठाकुर, के., सिंह, टी., और भारती, ए.सी. (2024), इन विवो चिकन कोरियोएलैंटोइक मेम्ब्रेन मॉडल में ट्रांस-चाल्कोन की एंटी-एंजियोजेनिक क्षमता: अनुमानित रक्त-मस्तिष्क अवरोध

पारगम्यता के साथ वीईजीएफआर का एक एटीपी प्रतिपक्षी। औषधीय रसायन विज्ञान में हृदय और रक्त संबंधी एजेंट, 22(2), 187-211। https://doi.org/10.2174/0118715257250417231019102501

- नगासैनो, एम. आर., शर्मा, जे. जी., चंद्रा, एस., और चक्रवर्ती, आर. (2024), स्नो ट्राउट स्किज़ोथोरैक्स रिचर्डसनी (ग्रे) का भ्रूणीय और प्रारंभिक लार्वा विकास: एक शोध नोट। जलीय कृषि और अंतर्देशीय शीतजल मछलियों के संरक्षण में (पृष्ठ 83-100)। सिंगापुर: स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-97-1790-3_6
- सिंह, पी. (सं.) (2024), कृषि अपशिष्ट से जैव ईंधन उत्पादन में उभरते रुझान और तकनीकें। स्प्रिंगर। https://doi.org/10.1007/978-981-99-8244-8
- चक्रवर्ती, आर., गुड्डू, के., चक्रवर्ती, पी. और शर्मा, जे. जी. (2024), स्नो ट्राउट स्किज़ोथोरैक्स रिचर्ड्सोनी लार्वा के आहार में लेम्ना माइनर को शामिल करने के प्रभाव पर एक अध्ययन। लार्वी'24, फिश एंड शेलफिश लार्वीकल्चर सिम्पोजियम (हेंड्री, सी. आई. सं.), लघु शोधपत्र, पृष्ठ 19-21।
- शर्मा, जे. जी., संदन, एस., चक्रवर्ती, पी. और चक्रवर्ती, आर. (2024), मीठे पानी के मैक्रोफाइट्स को शामिल आहार में शामिल रोहू लेबियो रोहिता लार्वा का प्रदर्शन। लार्वी'24, फिश एंड शेलफिश लार्वीकल्चर सिम्पोजियम (हेंड्री, सी. आई. सं.), लघु शोधपत्र, पृष्ठ 209-211।

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

- भारती, ए. सी. (2024), कैंसर के विरुद्ध चिकित्सीय एजेंट के रूप में फाइटोकेमिकल्स। करेंट मेडिसिनल केमिस्ट्री, 31(32), 5111-5112।
- सेनरुंग, ए., कुमार, ए., सेठी, जी., भारती, ए. सी. (2025)। विकासात्मक जीव विज्ञान के आवश्यक तत्व - प्रयोग और व्यावहारिक अंतर्दृष्टि। स्प्रिंगर नेचर।
- सिंह आर., पाठक ए., यादव एस., अपरूपा ए., अण्डोजनजनन, अण्डोत्सर्ग और बांझपन का शरीरक्रिया विज्ञान, "बुनियादी बातों से उन्नत प्रजनन तकनीक तक बांझपन" नामक पुस्तक में, इवेंजेल प्रकाशन (एफओजीएसआई के सहयोग से), आईएसबीएन: 9788197821660, मेडिकल बुक संपादक: रोया रोज़ाती, आर. एस. शर्मा, नीना मल्होत्रा, अध्याय 1-7, 22 जनवरी, 2025।
- सिंह, पी. (सं.) (2024), कृषि अपशिष्ट से जैव ईंधन उत्पादन में उभरते रुझान और तकनीकें. स्प्रिंगर. https://doi.org/10.1007/978-981-99-8244-8

अनुसंधान परियोजनाएं

- प्रो. आलोक चंद्र भारती, प्राणिविज्ञान विभाग को "गर्भाशय ग्रीवा कैंसर रोधी और एचपीवी रोधी क्रियाशीलता वाली होम्योपैथिक औषधियों की पहचान (द्वितीय चरण)" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 84 लाख रु॰ स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद द्वारा प्रदान किया गया है और मई 2024 से मई 2027 तक की अवधि के लिए है।

- प्रो. आलोक चंद्र भारती, प्राणिविज्ञान विभाग को "मोरसिन की गर्भाशय ग्रीवा रोधी स्टेम कोशिका क्रियाशीलता का आकलन" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 6 लाख रु॰ स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान दिल्ली विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस (आईओई) द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि अगस्त 2024 से मई 2025 तक है।

- प्रो. आलोक चंद्र भारती, प्राणिविज्ञान विभाग को "एसटीएटी3 - एचपीवी फ्लो-एफआईएसएच: ट्रांसक्रिप्शनल रूप से सक्रिय उच्च जोखिम वाले एचपीवी संक्रमणों का पता लगाने के लिए अभिनव एकल अणु आरएनए (smRNA) पहचान, फ्लोसाइटोमेट्री-आधारित मात्रात्मक और नैदानिक परख का विकास" नामक शोध परियोजना के लिए 2.2 करोड़ लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएमआर-आईसीआरसी द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि जनवरी 2021 से दिसंबर 2024 तक है।

- प्रो. आलोक चंद्र भारती, प्राणिविज्ञान विभाग को "गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर में परिसंचारी ट्यूमर कोशिकाएं: ओमिक्स दृष्टिकोण द्वारा दूरस्थ मेटास्टेसिस की भविष्यवाणी में पहचान, लक्षण वर्णन और रोगनिदान मूल्यांकन" नामक शोध परियोजना के लिए 99 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएमआर-एडहॉक द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि अक्टूबर 2023 से अक्टूबर 2026 तक है।

- डॉ. आशीष कुमार सिंह, प्राणिविज्ञान विभाग को, "जेमिनीवायरस संक्रमण के बाद पादप और कीट वाहक में यूकेरियोटिक ट्रांसलेशन इनिशिएशन फैक्टर 5A (eIF5A) की भूमिका और नियमन को स्पष्ट करना" नामक शोध परियोजना के लिए 28,98,226/- रु॰ की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड द्वारा प्रदान किया गया है और 24 जनवरी 2024 से 23 जनवरी 2026 तक की अवधि के लिए है।

- डॉ. कमलेश कुमारी, प्राणिविज्ञान विभाग को, "ज़ेब्राफिश (डैनियो रेरियो) के विकास पर डाइनोटेफ्यूरान के प्रभाव का अध्ययन: इन विवो, इन-सिलिको, यूवी स्पेक्ट्रोस्कोपिक और इलेक्ट्रोकेमिकल अध्ययन" नामक शोध परियोजना के लिए 6,00,000/- रु॰ की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस (आईओई) द्वारा प्रदान किया गया है और 1 सितंबर 2024 से 31 मई 2025 तक की अवधि के लिए है।

- डॉ. कमलेश कुमारी, प्राणीशास्त्र विभाग को, "भारत के हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले में उच्च ऊंचाई वाले गर्म झरनों से थर्मोजाइम्स की एकीकृत पारिस्थितिक प्रोफाइलिंग और अलगाव; सीक्कोड वर्गीकरण के साथ एक संवर्धित और असंवर्धित दृष्टिकोण" नामक शोध परियोजना के लिए सह-पीआई के रूप में 41,04,000/- रु॰ की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ) द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि 9 सितंबर 2024 से 9 सितंबर 2026 तक है।
- डॉ. ममता त्रिपाठी को 'गर्भकालीन मधुमेह के मादा संतान चूहों के एडिपोकाइन प्रोफाइल और डिम्बग्रंथि कार्यों पर प्रभाव की खोज' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 54,50,000/- रु॰ की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि जनवरी 2024 से जनवरी 2027 तक है।
- प्रो. नमिता अग्रवाल, प्राणिविज्ञान विभाग की परियोजना को 'ड्रोसोफिला मेलानोगास्टर के ट्रांसजेनिक मॉडल का उपयोग करके एचडी प्रगति के दौरान निगरानी प्रतिरक्षा कोशिकाओं की प्रतिक्रिया को समझना' नामक शोध परियोजना के लिए 6,00,000 रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान दिल्ली विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस द्वारा प्रदान किया गया है और अगस्त 2024 से मई 2025 तक की अवधि के लिए है।
- डॉ. नरेंद्र, प्राणिविज्ञान विभाग को "कैनोरहैबडाइटिस एलिगेंस के घाव की प्रतिक्रिया और मरम्मत में बाह्यकोशिकीय पुटिकाओं की भूमिका" नामक शोध परियोजना के लिए 4438196/- रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान एसईआरबी द्वारा प्रदान किया गया है और 14 मार्च 2023 से 13 मार्च 2026 तक की अवधि के लिए है।
- डॉ. पुष्प लता, प्राणिविज्ञान विभाग की परियोजना को "भारत के हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले में उच्च ऊंचाई वाले गर्म झरनों से थर्मोजाइम्स का एकीकृत पारिस्थितिक प्रोफाइलिंग और अलगाव: सीक्कोड टैक्सोनॉमी के साथ एक संवर्धित और असंवर्धित दृष्टिकोण" नामक शोध परियोजना के लिए 41,04,000/- रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा सितंबर 2024 से सितंबर 2026 तक की अवधि के लिए प्रदान किया गया है।
- प्रो. राम कृष्ण नेगी, प्राणिविज्ञान विभाग की परियोजना को "मछली आंत माइक्रोबायोम के मेटाबोलोमिक्स और मेटाजीनोमिक प्रोफाइलिंग: मछली के स्वास्थ्य परिणामों को समझने के लिए प्रमुख मेटाबोलोमिक मार्गों और अंतःक्रियाओं को उजागर करना" नामक एक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 43,12,000/- रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान डीएसटी-एसईआरबी द्वारा प्रदान किया गया है।
- प्रो. राम कृष्ण नेगी, प्राणि विज्ञान विभाग को "संस्कृति-निर्भर और स्वतंत्र दृष्टिकोणों का उपयोग करके मछली की आंत से जुड़ी सूक्ष्मजीव विविधता का अध्ययन" नामक शोध

परियोजना के लिए 32,52,300/- रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएआर-एनबीएआईएम: माइक्रोबियल जेनेटिक रिसोर्स पोर्टल द्वारा प्रदान किया गया है।

- प्रो. रीना चक्रवर्ती, प्राणिविज्ञान विभाग को "मैक्रोफाइट्स-आधारित आहार पर आधारित विकास, आंत्र शरीरक्रिया विज्ञान, डीएचए और ईपीए के जैवसंश्लेषण में शामिल विशिष्ट जीनों की अभिव्यक्ति और गुणवत्तापूर्ण मीठे पानी की मछलियों के उत्पादन" नामक शोध परियोजना के लिए 70 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), नई दिल्ली द्वारा प्रदान किया गया है और 2021 से 2025 तक की अवधि के लिए है।
- प्रो. रीना चक्रवर्ती, प्राणिविज्ञान विभाग को "सजावटी मछलियों के आहार के निर्माण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का अनुप्रयोग" नामक शोध परियोजना के लिए 6 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान दिल्ली विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस द्वारा प्रदान किया गया है और 2024 से 2025 तक की अवधि के लिए है।
- प्रो. रीता सिंह, प्राणिविज्ञान विभाग को "पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम: गोनैडोट्रोपिन हार्मोन असंतुलन का प्रभाव: मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पर इसके परिणाम" नामक शोध परियोजना के लिए 84 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है और 2021 से 2024 तक की अवधि के लिए है।
- प्रो. आर. राजगोपाल, प्राणिविज्ञान विभाग को "थ्रिप्स पाल्मी साइक्लोफिलिन प्रोटीन की ग्राउंड नट बड नेक्रोसिस वायरस (जीबीएनवी) एनकोडेड न्यूक्लियोकैप्सिड (एन) प्रोटीन के साथ परस्पर क्रिया को स्पष्ट करना" नामक शोध परियोजना के लिए 600000/- रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान दिल्ली विश्वविद्यालय के आईओई द्वारा प्रदान किया गया है और अगस्त 2024 से मार्च 2025 तक की अवधि के लिए है।
- डॉ. शशांक कुमार मौर्य, प्राणिविज्ञान विभाग को 'ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (एएसडी) में कैनाबिडिओल-युक्त नैनो वेसिकल्स की चिकित्सीय भूमिका को समझना' नामक शोध परियोजना के लिए 52,24,744/- रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा प्रदान किया गया है और दिसंबर 2023 से दिसंबर 2026 तक की अवधि के लिए है।

दायर/प्रदान किए गए पेटेंट

- आलोक चंद्र भारती, गर्भाशय ग्रीवा के घावों में ऑन्कोजीन और बायोमार्कर का पता लगाना, पेटेंट (टीईएमपी/ई-1/116615/2024-डीईएल), 18/12/2024, राष्ट्रीय
- डॉ. कमलेश लुमारी, क्रोमियम आयनों का पता लगाने की एक विधि (आवेदन संख्या 202411080393 ए) भारतीय पेटेंट 2024।

- शर्मा, जे. जी., चक्रवर्ती, आर. और चक्रवर्ती, पी. 2024, एमीनो एसिड परख के लिए एक पुन: प्रयोज्य पाचन नली। भारतीय पेटेंट आवेदन, पेटेंट संख्या: 551061, अनुदान की तारीख: 25 सितंबर, 2024 (राष्ट्रीय)।
- चक्रवर्ती, आर., शर्मा, जे. जी. और चक्रवर्ती, पी. एक आईओटी-आधारित इनडोर-आउटडोर हाइब्रिड एक्वापोनिक्स प्रणाली। भारतीय पेटेंट आवेदन, पेटेंट आवेदन संख्या: 202411043730, दाखिल करने की तारीख: 5 जून, 2024, प्रकाशन की तारीख: 28 जून, 2024, आवेदन की स्थिति: जांच के अधीन (राष्ट्रीय)।

आयोजित सम्मेलन

- प्रो. आलोक चंद्र भारती ने 24-26 मार्च, 2025 तक एम्स, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित "इंडियन सोसाइटी फॉर एक्स्ट्रासेलुलर वेसिकल्स (इनएसईवी) - ईवोल्व-2025 का उद्घाटन सम्मेलन" शीर्षक से सम्मेलन का आयोजन किया जिसका प्रायोजन डीएसटी-एसईआरबी, सीएसआईआर, आईएनएसए द्वारा किया था।
- प्रो. रीता सिंह ने 'प्रजनन विज्ञान और आणविक चिकित्सा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: चिकित्सा विज्ञान और प्रौद्योगिकियों में नवाचार (आईसीआरएसएमएम-2024)' शीर्षक से सम्मेलन का आयोजन किया। सोसाइटी फॉर रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी एंड कम्पेरेटिव एंडोक्रिनोलॉजी (एसआरबीसीई) का 41वां वार्षिक सम्मेलन 15-17 नवंबर, 2024 को आयोजित किया गया।
- डॉ. कमलेश कुमारी ने 12-14, 2024 को 'जीवन विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी में हाल के रुझानों पर सह-संयोजक के रूप में 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन' सम्मेलन का आयोजन किया।
- डॉ. ममता त्रिपाठी 22 अक्टूबर से 25 अक्टूबर, 2024 तक जम्मू विश्वविद्यालय के प्राणिविज्ञान विभाग में आयोजित “अंतर्गर्भाशयी विज्ञान, चयापचय और प्रजनन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: नई सीमाओं की खोज” की आयोजन समिति की सदस्य।
- डॉ. पुष्प लता, मृदा संदूषण अनुसंधान के लिए भारतीय नेटवर्क के 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और सिलिएट जीव विज्ञान पर 4वें अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन सचिव थे, 3 अप्रैल से 5 अप्रैल 2024, सम्मेलन केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय।
- डॉ. पुष्प लता 15 नवंबर से 17 नवंबर 2024 तक प्रजनन विज्ञान और आणविक चिकित्सा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: चिकित्सा विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवाचार (आईसीआरएमएम-2024) की आयोजन समिति की सदस्य रहीं जिसका आयोजन दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग द्वारा किया गया।
- प्रो. राम कृष्ण नेगी ने 1 मार्च, 2025 को प्राणिविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007 में "मछली आंत माइक्रोबायोम की मेटाबोलोमिक्स और मेटाजीनोमिक

प्रोफाइलिंग: मछली के स्वास्थ्य परिणामों को समझने के लिए प्रमुख मेटाबोलोमिक्स मार्गों और अंतःक्रियाओं को उजागर करना" नामक परियोजना के लिए डीएसटी एसईआरबी-वैज्ञानिक सामाजिक उत्तरदायित्व के तत्वावधान में मछली आणविक जीवविज्ञान पर एक-दिवसीय कार्यशाला और व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय)

अंतरराष्ट्रीय

- प्रोफेसर आलोक चंद्र भारती ने एम्स, ऋषिकेश में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'इंटीग्रेटिव ऑन्कोलॉजी एंड सिस्टम्स मेडिसिन: इमर्जिंग ट्रेंड्स एंड थेराप्यूटिक पोटेंशियल' (सीआरसीए-2025) के दौरान "मोरसिन के साथ कैंसर स्टेम कोशिकाओं को लक्षित करके गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की पुनरावृत्ति पर काबू पाना" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। 20-21 फरवरी, 2025।

- प्रो. आलोक चंद्र भारती ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली (सीआरसीए-2025), भारत में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी "माइटोकॉन्ड्रिया, कोशिका मृत्यु और मानव रोग: कैंसर अनुसंधान में अग्रिम" में "सर्वाइकल कैंसर के नैदानिक प्रबंधन में उन्नत परिशुद्ध चिकित्सा: सीटीसी के इन विट्रो पता लगाने के लिए एक "मल्टी-मार्कर इम्यूनो-फ्लोसाइटोमेट्री स्पाइक-इन प्रोटोकॉल का विकास" शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया, 17-18 फरवरी, 2025।

- प्रो. आलोक चंद्र भारती ने मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय में "जैव विज्ञान में जैव प्रौद्योगिकी की भूमिका" पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सर्वाइकल कैंसर में परिसंचारी ट्यूमर कोशिकाएं: रोग निदान के लिए कोशिकीय विषमता" शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया, 5-7 फरवरी, 2025।

- प्रो. आलोक चंद्र भारती ने एमिटी सेंटर फॉर ट्रांसलेशनल रिसर्च में अंतर्राष्ट्रीय वैश्विक कैंसर कंसोर्टियम सम्मेलन और इम्यूनोफार्माकोलॉजी की कार्यशाला "कैंसर और कैंसर इम्यूनोथेरेपी में प्रगति' (जीसीसी-2025)" में "सर्वाइकल कैंसर स्टेम कोशिकाओं को लक्षित करने के लिए फाइटोकेमिकल्स: भविष्य की कैंसर-रोधी चिकित्साएँ" पर पत्र प्रस्तुत किया, 28-31 जनवरी, 2025।

- प्रो. आलोक चंद्र भारती ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के विज्ञान संस्थान के प्राणिविज्ञान विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी "रोग जीव विज्ञान और उभरती चिकित्सा विज्ञान में हालिया प्रगति (आरएडीबीईटी-2025)" में "मानव पेपिलोमा वायरस और कार्सिनोजेनेसिस का

ट्रांसक्रिप्शनल विनियमन: एसटीएटी3 की भूमिका" शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया, 17-19 जनवरी, 2025।

- प्रो. आलोक चंद्र भारती ने यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) में राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (एनआईईपीए), नई दिल्ली और प्राणिविज्ञान विभाग, दयालबाग शैक्षणिक संस्थान, आगरा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित पुनश्चर्या कार्यक्रम "शोध पद्धति: सतत भविष्य के लिए ज्ञान का विकास" में "महिलाओं में गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का उन्मूलन: सतत भविष्य के लिए इसकी रोकथाम और प्रबंधन में प्रगति" शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया, 19 नवंबर, 2024।

- प्रो. आलोक चंद्र भारती ने चारुसैट, गुजरात, भारत में आयोजित और जीएसबीटीएम द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय स्तर का व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम "पशु कोशिका संवर्धन और साइटोटॉक्सिसिटी परख" में "कोशिका संवर्धन और आईसी50 गणना में साइटोटॉक्सिसिटी परख: महत्व और अनुप्रयोग" शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया, 7 अगस्त, 2024।

- प्रो. आलोक चंद्र भारती ने चारुसैट, गुजरात, भारत में आयोजित और जीएसबीटीएम द्वारा "पशु कोशिका संवर्धन और साइटोटॉक्सिसिटी परख" विषय पर प्रायोजित राष्ट्रीय स्तर के व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में "कार्सिनोजेनेसिस का आणविक आधार: ट्रांसक्रिप्शनल डिसरेग्यूलेशन और इसका चिकित्सीय लक्ष्यीकरण" शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया, 7 अगस्त, 2024।

- प्रो. आलोक चंद्र भारती ने मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद, प्रयागराज, भारत में विज्ञान एवं इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी) द्वारा प्रायोजित कार्यशाला "कैंसर प्रतिरक्षा विज्ञान और आणविक कार्सिनोजेनेसिस" में "मानव पेपिलोमावायरस (एचपीवी)-प्रेरित कार्सिनोजेनेसिस में एसटीएटी3 की भूमिका" शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया, 18-19 मई, 2024।

- प्रो. आलोक चंद्र भारती ने विश्व होम्योपैथी दिवस 2024, यशोभूमि द्वारका, नई दिल्ली में सीसीआरएच द्वारा आयोजित कार्यक्रम में "गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर-रोधी और एचपीवी-रोधी गतिविधियों वाली होम्योपैथिक तैयारियाँ" शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया, 10-11 अप्रैल, 2024।

- डॉ. कमलेश कुमारी ने हरियाणा राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, पंचकूला द्वारा “वित्तपोषित विज्ञान, इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से सततता को सशक्त बनाना” वियहसी पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीईएस²ईटी-2025) में मुख्य वक्ता के रूप में "हीमोग्लोबिन के साथ थिफ्लुजामाइड की परस्पर क्रिया की जाँच के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण" शीर्षक से अपना कार्य प्रस्तुत किया। यह सम्मेलन 20 मार्च 2025 से 21 मार्च

2025 तक मानव रचना अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान एवं अध्ययन संस्थान (मानद विश्वविद्यालय) फरीदाबाद, हरियाणा, भारत के अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग, इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी स्कूल द्वारा आयोजित किया गया था।

- डॉ. कमलेश कुमारी ने 18 से 20 फरवरी, 2025 तक एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, दिल्ली-एनसीआर कैंपस, उत्तर प्रदेश के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित 'विकसित भारत 2047: रासायनिक और जैविक विज्ञान के माध्यम से अछूते लोगों तक पहुँचना' (वीबीसीबी - 2025) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित वक्ता के रूप में अपना कार्य प्रस्तुत किया।

- डॉ. कमलेश कुमारी ने 3 से 5 मार्च, 2025 तक दिल्ली विश्वविद्यालय के एआरएसडी कॉलेज में उन्नत कार्यात्मक सामग्री और उपकरणों पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एएफएमडी-2025) में “प्लैटीक्लैडस ओरिएंटलिस के फल के अर्क का उपयोग करके सिल्वर नैनोकणों के समय और तापमान पर निर्भर जैवसंश्लेषण” विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

- डॉ. ममता त्रिपाठी ने 22 अक्टूबर से 25 अक्टूबर, 2024 तक आयोजित एंडोक्रिनोलॉजी, मेटाबॉलिज्म और प्रजनन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: नए क्षेत्रों की खोज में 'टेस्टिकुलर बोन मॉर्फोजेनेटिक प्रोटीन 15: वॉल लिज़र्ड, हेमिडैक्टाइलस फ्लेविविरिडिस में इसकी भूमिका और विनियमन' शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

- एन. अग्रवाल 17 जनवरी, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री वेंकटेश्वर कॉलेज के प्राणिविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित "अनुसंधान में आदर्श जीव" कार्यशाला में आमंत्रित वक्ता थे।

- एन. अग्रवाल 28 मार्च, 2025 को सेज विश्वविद्यालय, इंदौर के विज्ञान संस्थान द्वारा आयोजित "अनुसंधान और सतत विकास में जैविक विज्ञान में उन्नति और नवाचार" विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य वक्ता थे।

- डॉ. पुष्प लता ने दिल्ली विश्वविद्यालय के सम्मेलन केंद्र में 3 से 5 अप्रैल 2024 तक मृदा संदूषण अनुसंधान के लिए भारतीय नेटवर्क के 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और सिलिएट जीव विज्ञान पर संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया।

- डॉ. पुष्प लता ने 17 से 18 जनवरी 2025 तक केआईआईटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, ओडिशा में आयोजित भारतीय मृदा संदूषण अनुसंधान नेटवर्क के 9वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

- डॉ. पुष्प लता ने 6 से 8 फरवरी 2025 तक दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस कॉलेज के प्राणिविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित "जैविक विज्ञान में जैव प्रौद्योगिकी की भूमिका: एक सतत भविष्य के लिए प्रयास" (आरबीबीएस-2025) पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

- डॉ. पुष्प लता ने 29 मार्च 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के दौलत राम कॉलेज के प्राणीशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित जूलॉजिकल सोसाइटी उत्सव में एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

- आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से फेडरेशन ऑफ यूरोपियन माइक्रोबायोलॉजिकल सोसाइटीज़ (एफईएमएस) द्वारा 2 अप्रैल, 2024 को आयोजित "वैज्ञानिक लेखन और संचार की कला" पर एक दिवसीय कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ।

- डॉ. पुष्प लता भास्कराचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 26 सितंबर 2024 को आयोजित "माइक्रोएरे तकनीक में गहन अन्वेषण: जीन अभिव्यक्ति के रहस्यों को उजागर करना" बायोइन्फॉर्मेटिक्स: बेसिक से एडवांस्ड" पर एक माह की अल्पकालिक पाठ्यक्रम कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ थीं।

- डॉ. पुष्प लता भास्कराचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 27 सितंबर 2024 को आयोजित "बायेसियन इंफरेंस तकनीक का उपयोग करके फाइलोजेनी की खोज" बायोइन्फॉर्मेटिक्स: बेसिक से एडवांस्ड" पर एक माह की अल्पकालिक पाठ्यक्रम कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ थीं।

- डॉ. पुष्प लता भारतीय मृदा संदूषण अनुसंधान नेटवर्क (आईएनएससीआर) के सहयोग से फिक्सजेन प्राइवेट लिमिटेड और आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज (एएनडीसी) दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 21 और 22 मार्च, 2025 को आयोजित "कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी और फंक्शनल जीनोमिक्स: टूल्स एंड एप्लीकेशन" पर दो दिवसीय व्यावहारिक कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति थीं।

- प्रो. राम कृष्ण नेगी ने 15 से 19 जुलाई, 2024 को बिलबाओ, स्पेन में "ओएमएनआईसीएस के माध्यम से मत्स्य पारिस्थितिकी, प्रबंधन और पूर्वानुमान को आगे बढ़ाना" विषय पर आयोजित एफएसबीआई 2024 वार्षिक संगोष्ठी -में "भारत में ब्यास नदी में मीठे पानी की मछली प्रजातियों की पहचान के लिए डीएनए बारकोडिंग" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

- प्रो. राम कृष्ण नेगी ने 21-22 मार्च 2025 को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला के बायोसाइंसेज विभाग में "दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया की आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण

साइप्रिनिड मछली लेबियो रोहिता (हैमिल्टन, 1822) में माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए से उथली जनसंख्या आनुवंशिक संरचना का पता चलता है" शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

- प्रोफ़ेसर रीना चक्रवर्ती ने 9 से 12 सितंबर, 2024 के दौरान बेल्जियम के ओस्टेंड में आर्टेमिया रेफरेंस सेंटर, गेन्ट विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 8वें मछली और शेलफ़िश लार्वीकल्चर संगोष्ठी "लार्वी 2024" में "स्नो ट्राउट स्किज़ोथौरैक्स रिचर्ड्सोनी लार्वा के आहार में लेम्ना माइनर को शामिल करने के प्रभाव पर एक अध्ययन" शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

- आर. चक्रवर्ती ने 12-15 फरवरी, 2025 के दौरान नई दिल्ली, भारत में आयोजित 14वें एशियाई मत्स्य पालन और जलीय कृषि फोरम (14एएफएएफ) में “कैटफ़िश क्लेरियस बैट्राचस में जीन संबंधी प्रतिरक्षा की अभिव्यक्तियों अचिरांथेस एस्पेरा पूरक आहार के विकास, जन्मजात प्रतिरक्षा, एंटीऑक्सीडेंट स्थिति और प्रभाव का मूल्यांकन" शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

- प्रो. रीता सिंह ने 5 जून, 2024 को न्यू ऑरलियन्स, फ्रांस में लॉयर वैली इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ले स्टडीयम में “प्रजनन क्षमता और डिम्बग्रंथि पुटी विकास में एफएसएच और एलएच की भूमिका, वैज्ञानिक परिषद बैठक 2024” शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

- प्रो. रीता सिंह ने प्रजनन विज्ञान और आणविक चिकित्सा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: चिकित्सा विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवाचार 2024 और एसआरबीसीई की 41वीं वार्षिक बैठक के दौरान गोल्ड मेडल ओरेशन-2023, एसआरबीसीई प्रस्तुत किया, जिसका शीर्षक था "पर्यावरण एस्ट्रोजेन, इम्यूनोमॉड्यूलेशन और प्रजनन क्षमता"। इसका आयोजन दिल्ली विश्वविद्यालय और सोसाइटी ऑफ रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी एंड कम्पेरेटिव एंडोक्रिनोलॉजी (एसआरबीसीई) द्वारा 15-17 नवंबर, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय में किया गया था।

- प्रो. रीता सिंह ने शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा द्वारा आयोजित जैव प्रौद्योगिकी और खाद्य इंजीनियरिंग में उभरते रुझानों पर राष्ट्रीय सम्मेलन (04-05 अप्रैल, 2024) के दौरान "जीवित कोशिकाओं में इंसुलिन रिसेप्टर सबस्ट्रेट्स (आईआरएस-1 और आईआरएस-2) के साथ जी-प्रोटीन युग्मित रिसेप्टर (जीपीसीआर) इंटरैक्शन की बायोल्यूमिनेसेंस रेजोनेंस एनर्जी ट्रांसफर (बीआरईटी)-आधारित इमेजिंग" शीर्षक से 04.04.2024 को एक पेपर प्रस्तुत किया।

- डॉ. शशांक कुमार मौर्य ने 1-2 मार्च, 2024 को 'सतत विकास के लिए जैविक विज्ञान में प्रगति (ICABSSD 2024)' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'चूहों के मस्तिष्क में Olfml3 Iba1 के साथ अंतःक्रिया करता है' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

- डॉ. शशांक कुमार मौर्य ने 25-26 अप्रैल, 2024 को 'न्यूरोसाइंस और न्यूरोकेमिस्ट्री में हालिया प्रगति' विषय पर आयोजित संगोष्ठी के दौरान 'आणविक डॉकिंग और एमडी सिमुलेशन द्वारा समर्थित नेटवर्क फार्माकोलॉजी-आधारित दृष्टिकोण का उपयोग करके ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम विकार में फाइटोकेमिकल्स की भूमिका का अनावरण' शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. शशांक कुमार मौर्य ने 26-28 सितंबर, 2024 को 'न्यूरोकेमिस्ट्री में नवाचार और भविष्य के दृष्टिकोण' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'Olfml3 और Tmem119 माइक्रोग्लियल कार्यों में नए विकल्प हो सकते हैं' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- डॉ. शशांक कुमार मौर्य ने 16-17 अप्रैल, 2025 को 'न्यूरोकेमिस्ट्री और उभरती चिकित्सा: तंत्रिका विज्ञान में चुनौतियाँ और अवसर' विषय पर आयोजित संगोष्ठी के दौरान 'माइक्रोग्लिया के आनुवंशिक हस्ताक्षर माइक्रोग्लिअल कार्यों में नए विकल्प हो सकते हैं' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- एस. मजूमदार ने 'टीएलआर22 सिग्नलिंग और माइटोकॉन्ड्रियल डिसफंक्शन: बैक्टीरियल पैथोजेनेसिस में निहितार्थ' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया और 17-20 अक्टूबर, 2024 को आईआईएससी, बैंगलोर में भारतीय प्रतिरक्षा विज्ञान सोसायटी (इम्यूनोकॉन) की वार्षिक बैठक के दौरान एक सत्र की अध्यक्षता की।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियां

- प्रो. रीता सिंह ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्राणिविज्ञान विभाग द्वारा 21.09.2024 को आयोजित कार्यक्रम मेन "पीसीओएस/पीसीओडी: युवा महिलाओं में प्रजनन स्वास्थ्य, मानसिक और शारीरिक कल्याण के लिए एक खतरा" विषय पर एक जागरूकता व्याख्यान दिया।
- प्रो. रीता सिंह ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रसूति तंत्र विभाग और प्राणीशास्त्र विभाग द्वारा 3.04.2024 को आयोजित आधुनिक जीवनशैली और महिला प्रजनन स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय वेबिनार में "जीवनशैली और हार्मोन: युवाओं में कम प्रजनन क्षमता, बांझपन और/या मानसिक गड़बड़ी का एक प्रमुख विज्ञान" विषय पर एक जागरूकता व्याख्यान दिया।
- प्रो. रीना चक्रवर्ती ने 22 नवंबर, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के दौलत राम कॉलेज में आयोजित छात्र विकास कार्यक्रम में "सजावटी मछली पालन" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. उपाधियों की संख्या

पीएच॰डी॰ : 19

संकाय सदस्य संख्या

कुल: 21 (इक्कीस) - (वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक - 11 और सहायक प्रोफेसर - 10)

सामाजिक आउटरीच

प्रो. रीता सिंह ने इंडियन सोसाइटी फॉर द स्टडी ऑफ रिप्रोडक्शन एंड फर्टिलिटी (आईएसएसआरएफ) के तत्वावधान में सीनियर स्कूल बिरला बालिका विद्या पीठ बीबीवीपी, बिट्स परिसर, पिलानी, राजस्थान में 28-29 सितंबर, 2024 को आयोजित किशोर स्वास्थ्य अनुसंधान में तकनीकी प्रगति पर राष्ट्रीय सम्मेलन के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। व्याख्यान का विषय था "किशोर स्वास्थ्य पर अंतःस्रावी विघटनकारी रसायनों का प्रभाव"।

उपयोगित निधियां (करोड़ ₹ में)

0.348

आवंटित निधियां (करोड़ ₹ में)

0.357

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

विभाग के संकाय सदस्य, शिक्षण और अनुसंधान के अलावा, सरकारी अनुसंधान निधि निकायों में विशेषज्ञ के रूप में भी कार्य करते हैं। हमारे सम्मानित संकाय सदस्य अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त उच्च-प्रभावी पत्रिकाओं की संपादकीय टीम का भी भाग हैं और विभिन्न केंद्रीय एवं राज्य चयन आयोगों में विशेषज्ञ के रूप में सूचीबद्ध हैं।

****

सामाजिक विज्ञान संकाय
वयस्क, सतत शिक्षा और विस्तार विभाग

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

आजीवन शिक्षा में एम.ए. कार्यक्रम के पाठ्यक्रम में ऐसे विषय शामिल हैं जो स्थानीय, राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और वैश्विक विकासात्मक आवश्यकताओं के लिए अत्यधिक प्रासंगिक हैं। यह संरेखण विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रमों के कार्यक्रम परिणामों (पीओ), कार्यक्रम विशिष्ट परिणामों (पीएसओ) और पाठ्यक्रम परिणामों (सीओ) में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है।

सतत शिक्षा एवं विस्तार विभाग पाठ्यक्रम में निरंतर अंतर्संबंधित मुद्दों को शामिल करता है। इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों को संबोधित करने के लिए लैंगिकता और विकास, मानवाधिकार, और जनसंख्या एवं विकास शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया है।

विभाग नियमित रूप से संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी), सेमिनार और सम्मेलन आयोजित करता है ताकि शिक्षा जगत और उद्योग जगत के बीच की खाई को पाटा जा सके। पिछले कुछ वर्षों में, संकाय सदस्यों द्वारा स्कोपस-सूचीबद्ध प्रकाशनों की संख्या में लगातार वृद्धि हुई है। संकाय सदस्य विभिन्न शोध पद्धति कार्यक्रमों में भागीदारी के माध्यम से आत्म-सुधार में भी सक्रिय रूप से संलग्न हैं। प्रकाशनों की गुणवत्ता और परियोजनाओं के लिए प्राप्त शोध अनुदानों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके अलावा, कई संकाय सदस्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित पत्रिकाओं के संपादकीय और समीक्षा बोर्डों में भी कार्यरत हैं।

समावेशिता और लैंगिक समानता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, विभाग ने एक ट्रांसजेंडर संसाधन केंद्र भी स्थापित किया है। इस केंद्र का उद्देश्य लैंगिक समानता को बढ़ावा देना और सभी विभागीय गतिविधियों और नीतिगत पहलों में लैंगिक-संवेदनशील दृष्टिकोण का एकीकरण सुनिश्चित करना है।

विभूति प्राप्त छात्र

- सिया बिहारी, शोधार्थी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, डिजिटल लाइब्रेरी रिसर्च प्रोजेक्ट इंटर्नशिप, एएसईएम लाइफलॉन्ग लर्निंग हब, 30 अप्रैल, 2024 के लिए चयनित।
- नितीश आनंद, शोधार्थी (पीएच.डी. उपाधि प्राप्त 2024) के छात्र, डिजिटल लाइब्रेरी रिसर्च प्रोजेक्ट इंटर्नशिप, एएसईएम लाइफलॉन्ग लर्निंग हब, 30 अप्रैल, 2024 के लिए चयनित।
- आयशा सिद्दीकी, एम.ए. (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, डिजिटल लाइब्रेरी रिसर्च प्रोजेक्ट इंटर्नशिप, एएसईएम लाइफलॉन्ग लर्निंग हब, 30 अप्रैल, 2024 के लिए चयनित।
- निधि सरगम, एम.ए. (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, डिजिटल लाइब्रेरी रिसर्च प्रोजेक्ट इंटर्नशिप, एएसईएम लाइफलॉन्ग लर्निंग हब, 30 अप्रैल, 2024 के लिए चयनित।
- एम.ए. (द्वितीय वर्ष) की छात्रा टिम्सी गर्ग को डिजिटल लाइब्रेरी रिसर्च प्रोजेक्ट इंटर्नशिप, एएसईएम लाइफलॉन्ग लर्निंग हब, 30 अप्रैल, 2024 के लिए चुना गया।
- एम.ए. (द्वितीय वर्ष) की छात्रा आयशा सिद्दीकी को विशालाक्षी फाउंडेशन की निदेशक के रूप में उनके असाधारण कार्य के लिए सम्मानित किया गया। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय की 25 से अधिक कॉलेज टीमों में 4000 से अधिक स्वयंसेवकों का नेतृत्व किया, उच्च प्रभाव वाली परियोजनाओं (प्रोजेक्ट हंगर, प्रोजेक्ट सीएनजी, ड्रीम स्लम, ड्रीम स्कूल) का प्रबंधन किया, ग्लोबल रोटी डे के लिए 40 से अधिक सहयोग प्राप्त किए और 2024 में दिल्ली विश्वविद्यालय से सिफारिश पत्र, ट्रॉफी और प्रशंसा प्रमाणपत्र प्राप्त किए।

सम्मान/विभूतियां

प्रो राजेश को .2025 में आईएईए में मानद निदेशक नियुक्त किया गया।

प्रकाशित कार्य

पुस्तक/पुस्तक अध्याय

कुमार, आर., मिश्रा, जी., और खंडाई, एस. (सं.). (2024)। *उन्नत भारत अभियान टू विकसित भारत 2047:ए जर्नी ऑफ हायर एजुकेशन सिंस 2014.* ग्लोबल बुक्स ऑर्गनाइजेशन, नई दिल्ली। https://www.researchgate.net/publication/380826412

जर्नल लेख

भट्ट, के., गंगोटिया, ए., काबिया, एस. के., आशुतोष, के., चरक, एन., और राणा, के. (2024)। भारतीय व्यावसायिक शिक्षा में इंटर्नशिप और छात्रों की धारणा: पर्यटन और आतिथ्य स्नातकों का एक मामला। *अनाइस ब्रासीलिरोस डी एस्टुडोस टूरिस्टिकोस/एबीईटी, 14* (विशेष अंक), 1-8। https://doi.org/10.5281/zenodo.14112037

भट्ट, के., सीबरा, सी., कुमार, जे., आशुतोष, के., और काबिया, एस. के. (2024)। उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में पर्यटन-आधारित समावेशी विकास: एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा। *एसएजीई ओपन, 14*(2), 1-12। https://doi.org/10.1177/21582440241252516

गुप्ता, एम., और मिश्रा, जी. (2025). आजीवन शिक्षा को सशक्त बनाने के लिए महिला नेतृत्व और कृत्रिम बुद्धिमत्ता. *इंडियन जर्नल ऑफ एडल्ट एजुकेशन, 86*(1). http://iaea-india.in/archives.php?catid=2

गुप्ता, आर. (2024)। भारत के जयपुर और अहमदाबाद शहरों के भू-सतही तापमान और भू-सतही विशेषताओं का भू-स्थानिक और सांख्यिकीय विश्लेषण। *जर्नल ऑफ जियोसाइंस एंड एनवायरनमेंट प्रोटेक्शन, 12*(08), 1-19। DOI: 10.4236/gep.2024.128001

कौर, एस., सिसोदिया, वी., सिसोदिया, ए., और सिंह, ए. के. (2024)। रजनीगंधा में ईएमएस की विभिन्न खुराकों से प्रभावित वृद्धि और बल्ब के गुणधर्मों का आकलन। *एनवायरमेंट एंड इकोलॉजी, 42*(4सी), 2075-2080। DOI: https://doi.org/10.60151/envec/MBTM6745

कुमार, आर., और सिंह, ए. (2024)। दिल्ली-एनसीआर में उच्च शिक्षा में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के एकीकरण पर छात्रों का दृष्टिकोण: एक तुलनात्मक अध्ययन। *इंडियन जर्नल ऑफ एडल्ट एजुकेशन, 85*(2), 173-189।

मिश्रा, जी., और कुमार, आर. (2024). सतत विकास के लिए भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली: एनईपी 2020 के आलोक में एक खोजपूर्ण अध्ययन। *इंडियन जर्नल ऑफ एडल्ट एजुकेशन, 85*(1), 57-68. https://www.researchgate.net/publication/381926471

सिसोदिया, ए., सिसोदिया, वी., सिंह, ए. के., और लमसल, ए. (2024)। ग्लेडियोलस सीवी मालवीय किरण में वृद्धि और कंद उपज पर लौह की विभिन्न सांद्रताओं का प्रभाव। *एनवायरमेंट एंड इकोलॉजी, 42*(4बी), 1967-1971। DOI: https://doi.org/10.60151/envec/SHCU8008

एक्सचेंज प्रोग्राम के अंतर्गत छात्र
7

नियुक्त छात्रों की संख्या एवं प्रतिशत
70%

विस्तार एवं आउटरीच गतिविधियाँ

संकाय और छात्रों ने सामुदायिक मुद्दों पर विचार करने और समानता एवं न्याय के संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप, जमीनी हकीकत से जुड़ने के लिए जगतपुर, झारोदा और मुकुंदपुर गाँवों का दौरा किया। विभाग ने समावेशिता को बढ़ावा देने और दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों और सम्मान के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विज़न दिव्यांग फाउंडेशन के साथ सहयोग किया।

"उन्नत भारत अभियान" पहल के अंतर्गत सितंबर और अक्तूबर 2024 के दौरान पाँच गाँवों के 486 परिवारों और लगभग 2,000 व्यक्तियों को शामिल करते हुए एक घरेलू आवश्यकता मूल्यांकन सर्वेक्षण किया गया। इसी पहल के अंतर्गत, 18 अक्तूबर, 2024 को झारोदा गाँव की हरिजन बस्ती में एक आदर्श शिक्षण केंद्र और सामुदायिक पुस्तकालय का उद्घाटन किया गया। सामाजिक समावेश को बढ़ावा देने के लिए, अक्तूबर 2024 से अप्रैल 2025 तक एक क्षेत्र-आधारित सामुदायिक इंटर्नशिप का आयोजन किया गया, जिसमें क्लस्टर इनोवेशन सेंटर (सीआईसी) और ज़ाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज के 12 छात्र प्रशिक्षु शामिल थे। मॉडल लर्निंग सेंटर बच्चों को शैक्षिक खेलों और कहानी सुनाने जैसी गतिविधि-आधारित और खेल-उन्मुख शिक्षा पद्धतियों के माध्यम से समावेशी शिक्षा प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, किशोरों और युवाओं को जीवन कौशल प्रशिक्षण और आजीविका परामर्श सत्र प्रदान किए गए, जिससे सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिला। हरिजन बस्ती स्थित चौपाल में साप्ताहिक रविवारीय आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए गए, और सहयोग और विश्वास को मज़बूत करने के लिए 23 मार्च, 2025 को एक महत्वपूर्ण सामुदायिक बैठक निर्धारित की गई। इसके अलावा, एक विभाग-संबद्ध निदेशक के नेतृत्व में, विशालाक्षी फाउंडेशन ने दिल्ली विश्वविद्यालय की 25 से अधिक कॉलेज टीमों के 4,000 से अधिक स्वयंसेवकों को-एमएआईएमएस और अन्य शहर-आधारित टीमों जैसे साझेदारों के साथ-उच्च-प्रभावी सामाजिक विकास परियोजनाओं के लिए संगठित किया।

संकाय सदस्यों की संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक

3

एसोसिएट प्रोफेसर

3

सहायक प्रोफेसर

1

प्रदत्त उपाधि

प्रदत्त पीएच.डी. उपाधियों की संख्या

6

प्रदत्त एम.फिल. उपाधियों की संख्या

1

सामाजिक आउटरीच

समावेशी शिक्षा और सशक्तिकरण कार्यक्रमों के माध्यम से, सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के साथ सामुदायिक हस्तक्षेपों को रणनीतिक रूप से संरेखित किया गया, जिसमें एसडीजी 4 (गुणवत्तापूर्ण शिक्षा) और एसडीजी 10 (असमानताओं में कमी) पर विशेष ध्यान दिया गया। स्थायी सामुदायिक प्रथाओं को बढ़ावा देने के प्रयास किए गए, जिससे हाशिए के क्षेत्रों में पर्यावरणीय और सामाजिक लचीलापन दोनों में वृद्धि हुई। विभाग ने उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत पाँच गाँवों में समग्र विकास सुनिश्चित करते हुए, स्थानीय निवासियों और शैक्षणिक संस्थानों के साथ साझेदारी को बढ़ावा देकर सामुदायिक पहलों को मज़बूत किया। प्रो. राजेश के दृष्टिकोण के अनुरूप, सामुदायिक शिक्षा के स्थायी मॉडलों को संस्थागत बनाने के उद्देश्य से, आगामी इंटर्नशिप कार्यक्रमों में अधिक छात्रों को शामिल करके इन प्रयासों का विस्तार करने के लिए और कदम उठाए गए।

ईसीए/खेल

छात्र कार्यक्रम आयोजित करते रहते हैं और समाज से संबंधित मुद्दों पर पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता, रोल प्ले, नुक्कड़ नाटक जैसी पाठ्येतर गतिविधियों में भाग लेते हैं। छात्रों ने दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित एक राष्ट्रीय एक चुनाव दौड़ में भी भाग लिया।

उपयोगित निधियां (करोड़ में)

₹740576

आवंटित निधियां (करोड़ में)

₹800000

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

संकाय सदस्य बेहतर उद्योग-शैक्षणिक संपर्क के लिए निरंतर एफडीपी, सेमिनार और सम्मेलनों के आयोजन में संलग्न रहते हैं। इसके अलावा, विभाग में एक ट्रांसजेंडर संसाधन केंद्र भी है जिसका उद्देश्य सभी संकाय सदस्यों और कर्मचारियों में लैंगिक समानता और संवेदनशीलता को बढ़ावा देना है।

***

अफ़्रीकी अध्ययन

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

विभाग ने बौद्धिक रूप से आकर्षक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की जिसका उद्देश्य आलोचनात्मक चर्चाओं और सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देना था। इनमें *कश्मीर और अबेई को समझना* पर एक कार्यशाला, और *"द बैटल ऑफ़ अल्जीयर्स"* और *"बाब'अज़ीज़: द प्रिंस हू कंटेम्पलेटेड हिज़ सोल"* फिल्मों का प्रदर्शन शामिल था। *इंडियन जर्नल ऑफ़ अफ्रीकन स्टडीज़* के नवीनतम संस्करण का विमोचन किया गया, जिसके बाद *21वीं सदी में भारत-अफ्रीका संबंधों और वियोगों पर* एक पैनल चर्चा हुई। *21वीं सदी में भारत-इथियोपिया संबंधों पर* एक वार्ता ने समकालीन राजनयिक संबंधों की अंतर्दृष्टि प्रदान की, जबकि नामीबिया के स्वतंत्रता दिवस के सम्मान में एक विद्वतापूर्ण चर्चा का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त, विभाग ने *"अफ्रीका के अक्षर"* शीर्षक से एक वार्ता और "उन्नीसवीं और बीसवीं सदी के घाना में *भोजन और पहचान: भोजन, झगड़े और क्षेत्रवाद" पर एक पुस्तक चर्चा का आयोजन किया, जिससे सांस्कृतिक पहचान और क्षेत्रीय राजनीति पर अकादमिक चर्चा समृद्ध हुई।*

प्रकाशित कार्य

पुस्तक/पुस्तक अध्याय

कुमार, एस. (2024). हिंद महासागर को जोड़ना: भारत और दक्षिण अफ्रीका की नई भू-राजनीतिक रणनीति। एस. परवीन (सं.), इंडिया एंड द जियोपॉलिटिक्स ऑफ सब-*सहारन अफ्रीका (पृष्ठ xx-xx)। चित्र और छापें।* आईएसबीएन: 978-81-970072-8-6

कुमार, एस. (2024)। अफ्रीकी संघ का जी-20 में प्रवेश: भारत और दक्षिण अफ्रीका के बहुपक्षवाद को मज़बूत करना। एम. सी. आर्य (सं.), *सोसाइटी, आर्ट एंड कल्चर ऑफ इंडिया* (पृष्ठ xx-xx)। विद्या प्रकाशन। आईएसबीएन: 978-81-972624-4-9

जर्नल लेख

कपूर, एस., और सिंह, जी. (2024)। मॉरीशस में भारतीय प्रवासियों की धार्मिक प्रथाओं और अनुष्ठानों में निरंतरता और परिवर्तन। *ह्यूमनिटीस एंड सोशल साइंस स्टडीज, 13* (1, संख्या 2), 160-164।

अफ्रीका महाद्वीप की चुनौतियाँ एवं समाधान: समसामयिक विक्षुब्ध वैश्विक परिदृश्य के सन्दर्भ में. *शोध-प्रभा, 49*(2[I]), 52-59.

कपूर, एस., और सिंह, जी. (2024)। अफ्रीका महाद्वीप की चुनौतियाँ एवं समाधान: समसामयिक विक्षुब्ध विश्व परिदृश्य के सन्दर्भ में। *शोध-प्रभा, 49* (2[I]), 52-59.

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

रश्मि के. ने 'आतंकवाद-विरोध के लिए डिजिटल उपकरणों का उपयोग: पश्चिम अफ्रीका का एक मामला अध्ययन' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। अफ्रीका में डिजिटल विकास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। अफ्रीकी अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 31 मई, 2024.

रश्मि के. ने 'विकसित भारत 2047 एजेंडा की प्राप्ति में हस्तशिल्प का संयोजन: संभावनाएँ, चुनौतियाँ और नीतिगत समाधान' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। "विकसित भारत और सामूहिक आत्मनिर्भर अफ्रीका: एक साथ यात्रा" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। अफ्रीकी अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 29 नवंबर, 2024.

रश्मि के. ने 'श्रीलंका का गृहयुद्ध: युद्ध में महिलाओं के अनुभवों का एक नारीवादी आख्यान' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। "पीड़ा और उत्तरजीविता के मेटा-आख्यान: श्रीलंकाई तमिलों और कश्मीरी पंडित", आधुनिक भारतीय भाषाएँ एवं साहित्यिक अध्ययन, दिल्ली विश्वविद्यालय, और ऑस्ट्रेलियाई तमिल कांग्रेस, 27 जनवरी, 2025.

रश्मि के. ने "रणनीतिक स्वायत्तता और वैश्विक साझेदारी के बीच संतुलन स्थापित करने वाला भारत का भू-राजनीतिक परिप्रेक्ष्य" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। "भारत के विचार @ 2047: विदेश नीति और सुरक्षा रणनीति की उभरती रूपरेखा" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन एवं प्रवासी स्कूल (एसएसडी), गुजरात विश्वविद्यालय, 17-18 फ़रवरी, 2025.

सुरेश, के. पृथ्वी दिवस समारोह में आमंत्रित वक्ता। गांधी अध्ययन मंडल द्वारा आयोजित। किरोड़ीमल कॉलेज। दिल्ली विश्वविद्यालय, 22 अप्रैल, 2024.

संदीपनी डी. ने 'भारत-अफ्रीका साझेदारी: उप-मृदा संसाधन क्षेत्र में प्रगति और संभावना' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। पाँचवाँ भारत-अफ्रीका रणनीतिक संवाद, भारत और अफ्रीका: अगले दशक में साझेदारी, मनोहर पर्रिकर रक्षा अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान, नई दिल्ली, 25-26 मार्च, 2025.

संदीपनी डी. ने भारतीय ज्ञान परंपरा, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम: भारतीय ज्ञान परंपरा, नैतिकता और मानवीय मूल्य, यूजीसी-एमएमटीटीसी, जेएनयू और ज़ाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 28 जनवरी, 2025 पर व्याख्यान दिया।

संकाय सदस्यों की संख्या
वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक
3
एसोसिएट प्रोफेसर
1
सहायक प्रोफेसर
2

प्रदत्त उपाधि
प्रदत्त पीएच.डी. उपाधियों की संख्या
15

प्रदत्त एम.फिल. उपाधियों की संख्या
11

***

पूर्वी एशियाई अध्ययन

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां
दिल्ली विश्वविद्यालय के जापानी भाषा के तीन छात्रों ने 2024 में भारतीय जापानी भाषा शिक्षक संघ (जेएएलटीएआई) द्वारा आयोजित अखिल भारतीय जापानी भाषा निबंध प्रतियोगिता में पुरस्कार जीते:

- सुश्री सान्वी रस्तोगी, सेंट स्टीफंस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, *तृतीय पुरस्कार*
- श्री प्रियांशु त्रिपाठी, दौलत राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, *तृतीय पुरस्कार- वरिष्ठ वर्ग*
- सुश्री गीतिका बिंद्रा, पूर्वी एशियाई अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, *तृतीय पुरस्कार*

विभूति प्राप्त छात्र
1. अनिल मेहता, एम.ए. जापानी (2024) के छात्र, 02/22/2025 को स्वर्ण पदक विजेता रहे।
2. नोंगलेम्बी थांगजाम, एम.ए. पूर्वी एशियाई अध्ययन (2024) के छात्र, 02/22/2025 को स्वर्ण पदक विजेता रहे।

3. अंकित रामायण दुबे, एम.ए. पूर्वी एशियाई अध्ययन (2024) के छात्र, 02/22/2025 को स्वर्ण पदक विजेता रहे।

आयोजित संगोष्ठियां

1. लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) राकेश शर्मा ने 15 अप्रैल, 2024 को 'भारत-चीन संबंध: भविष्य की कल्पना' विषय पर व्याख्यान दिया।
2. कोरिया गणराज्य दूतावास के मिशन उप प्रमुख महामहिम सांग वू लिम ने 22 अप्रैल, 2024 को 'कोरिया की हिंद-प्रशांत रणनीति: चुनौतियाँ और अवसर' विषय पर व्याख्यान दिया।
3. प्रो. एंथनी जे. स्पाइर्स, मेलबर्न विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया ने 19 सितंबर, 2024 को 'वैश्विक नागरिक समाज और चीन: प्रभाव और संभावनाएँ' विषय पर व्याख्यान दिया।
4. के.के. वेंकटरमन, रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज वेलिंगटन के पूर्व छात्र, ने 21 अक्तूबर, 2024 को 'चीनी पीएलए पर शोध: स्रोत और विधि' विषय पर व्याख्यान दिया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

1. कोरिया फाउंडेशन और दिल्ली विश्वविद्यालय (पूर्वी एशियाई अध्ययन विभाग) के बीच समझौता-ज्ञापन, 5 अक्तूबर, 2023 से फरवरी 2025 तक।
2. क्यूंगपुक राष्ट्रीय विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय (पूर्वी एशियाई अध्ययन विभाग) के बीच समझौता-ज्ञापन, 26 फरवरी, 2024.
3. टोक्यो विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय (पूर्वी एशियाई अध्ययन विभाग सहित) के बीच समझौता-ज्ञापन, 2024.

एक्सचेंज प्रोग्राम के अंतर्गत छात्र (आवक/जावक)

शैक्षिक सहयोग हेतु समझौते के संबंध में समझौता-ज्ञापन, पूर्वी एशियाई अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत और अंतर्राष्ट्रीय संबंध संकाय, दैतो बुंका विश्वविद्यालय, जापान के बीच। अक्तूबर 2024 में 40 घंटे लंबे आदान-प्रदान कार्यक्रम में पाँच छात्रों ने भाग लिया। छात्रों ने गहन हिंदी अध्ययन पाठ्यक्रम में भाग लिया। डॉ. आलोक चंदन द्वारा समन्वयित।

एक्सचेंज प्रोग्राम के अंतर्गत छात्र

17

नियुक्त छात्रों की संख्या एवं प्रतिशत

5%

संकाय सदस्यों की संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक

6

एसोसिएट प्रोफेसर

1

सहायक प्रोफेसर

6

प्रदत्त उपाधि

प्रदत्त पीएच.डी. उपाधियों की संख्या

17

ईसीए/खेल

अखिल भारतीय जापानी भाषा भाषण प्रतियोगिता में जापानी भाषा के एक छात्र को तृतीय पुरस्कार मिला। क्योंग पूक राष्ट्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कोरियाई भाषा भाषण प्रतियोगिता में दो छात्रों को पुरस्कार मिला।

***

अर्थशास्त्र

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

लगातार दसवें वर्ष, अर्थशास्त्र विभाग को आरईपीईसी द्वारा भारत के विश्वविद्यालय अर्थशास्त्र विभागों में सर्वोच्च स्थान दिया गया है, जो अर्थशास्त्र में कार्य-पत्रों और प्रकाशनों का एक विश्व-मान्यता प्राप्त इलेक्ट्रॉनिक संग्रह है। अर्थशास्त्र और अर्थमिति के क्षेत्र में, दिल्ली विश्वविद्यालय राष्ट्रीय स्तर पर दूसरे स्थान पर है और समय के साथ अपनी रैंकिंग में लगातार सुधार कर रहा है।

प्रमुख गतिविधियां:

विंटर स्कूल 2024 का आयोजन 12 से 14 दिसंबर, 2023 तक किया गया। इस कार्यक्रम में प्रतिष्ठित आमंत्रित वक्ताओं द्वारा व्याख्यानों की एक श्रृंखला के साथ-साथ अन्य प्रतिभागियों द्वारा भी योगदान दिया गया। प्रत्येक आमंत्रित वक्ता–रोहिणी पांडे (येल विश्वविद्यालय), सैमुअल कोर्टम (येल विश्वविद्यालय), थॉमस पिकेटी (पेरिस स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स), अरविंद पनगढ़िया (कोलंबिया विश्वविद्यालय), और जूलिया कैगे (साइंसेज पो पेरिस)–ने ऐसे व्याख्यान दिए जिनसे गहन अंतर्दृष्टि प्राप्त हुई और उनके संबंधित शोध क्षेत्रों में हालिया प्रगति का सर्वेक्षण किया गया।

युवा विद्वान संगोष्ठी 2025 का आयोजन 28 फरवरी और 1 मार्च, 2025 को किया गया। विभिन्न संस्थानों के पीएच.डी. विद्वानों को अपने शोध प्रस्तुत करने के लिए दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स परिसर में आमंत्रित किया गया था। यह संगोष्ठी रचनात्मक प्रतिक्रिया, बौद्धिक आदान-प्रदान और दिल्ली विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के संकाय सदस्यों एवं विद्वानों के साथ नेटवर्किंग के लिए एक मंच के रूप में कार्य करती है।

सम्मान/विभूतियां

- अनीश गुप्ता
- एनआईईपीए, नई दिल्ली की अकादमिक परिषद के सदस्य के रूप में मनोनीत।
- हैदराबाद विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद के लिए कुलाध्यक्ष के नामिती के रूप में मनोनीत।
- हैदराबाद विश्वविद्यालय के न्यायालय के लिए कुलाध्यक्ष के नामिती के रूप में मनोनीत।
- भारतीय ज्ञान प्रणालियों (आईकेएस) को एकीकृत करने के लिए अर्थशास्त्र में अधिगम परिणाम-आधारित पाठ्यचर्या रूपरेखा (एलओसीएफ) बनाने हेतु यूजीसी समिति में विषय विशेषज्ञ के रूप में मनोनीत।
- एलओसीएफ में एनईपी 2020 की सिफारिशों को लागू करने के लिए यूजीसी द्वारा समन्वयक के रूप में मनोनीत।

दिब्येंदु मैती

- भारत सरकार के सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई), एनएसएसओ के उद्यम सर्वेक्षण के लिए तकनीकी सलाहकार समूह के आधिकारिक सदस्य के रूप में नामित।

राम सिंह

- विजिटिंग रिसर्च प्रोफेसर, इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ एंड इकोनॉमिक्स, हैम्बर्ग यूनिवर्सिटी, जर्मनी (2024)।
- सदस्य, मौद्रिक नीति समिति, भारतीय रिज़र्व बैंक।
- भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य के रूप में मनोनीत।

रोहिणी सोमनाथन

- 2024-2028 की अवधि के लिए इकोनॉमेट्रिक सोसाइटी की परिषद के लिए निर्वाचित।
- यूरोपीय अनुसंधान परिषद में सामाजिक विज्ञान के पैनल सदस्य।
- येल विश्वविद्यालय में कुज़नेट्स विज़िटर प्रोग्राम के अंतर्गत 11-20 नवंबर, 2024 को आमंत्रित विज़िटर।
- सीआईआई आर्थिक मामलों की परिषद के सदस्य, 2024-2025।

प्रकाशित कार्य

जर्नल लेख

दूआ, पी., और टुटेजा, डी. (2024)। भारतीय वित्तीय बाजारों पर संकटों का प्रभाव। *बुलेटिन ऑफ मोनेटरी इकोनॉमिक्स एंड बैंकिंग, 27*, 557-572. https://doi.org/10.59091/2460-9196.2284

दूआ, पी., और टुटेजा, डी. (2025)। वित्तीय बाजारों में सहसंबंधों पर पारंपरिक और अपरंपरागत मौद्रिक नीति का प्रभाव: एक उभरती अर्थव्यवस्था से साक्ष्य। *एमर्जिंग मार्केट्स फाइनेंस एंड ट्रेड.* https://doi.org/10.1080/1540496X.2024.2448512

दूआ, पी., और वर्मा, एन. (2024)। पूंजी प्रवाह और वैश्विक कारकों की गतिशीलता: उभरती अर्थव्यवस्थाओं का मामला। *जर्नल ऑफ क्वांटिटेटिव इकोनॉमिक्स, 23*, 945-975. https://doi.org/10.1007/s40953-024-00409-7

दूआ, पी., और गर्ग, एन. के. (2024)। भारत में उत्पादकता वृद्धि पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव। *इंडियन इकोनॉमिक रिव्यू, 59*, 259-286. https://doi.org/10.1007/s41775-024-00229-9

दूआ, पी., वर्मा, एन., और गोयल, डी. (2024)। दक्षिण एशिया में व्यापार, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और उत्सर्जन: वैश्विक और क्षेत्रीय संबंधों की भूमिका। *साउथ एशिया इकोनॉमिक जर्नल, 25*, 103-125. https://doi.org/10.1177/13915614241279093

कुमार, एन., और मैती, डी. (2025)। क्या ग्लोबल वार्मिंग लैंगिक समानता को बिगाड़ती है? उप-राष्ट्रीय आंकड़ों से साक्ष्य। *फाइनेंस रिसर्च लेटर्स.* https://doi.org/10.1016/j.frl.2025.107318

मैती, डी., और सिन्हा, यू. बी. (2024)। आईसीटी अपनाना, व्यापार संरचना और कल्याण। *इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स एंड इकोनॉमिक पॉलिसी, 22*(1), 1-25. https://doi.org/10.1007/s10368-024-00638-4

मैती, डी. (2024)। सामान्यीकृत अल्पाधिकार संतुलन मॉडल में व्यापार, श्रम बाजार कठोरता और वितरणीय हिस्सा। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोनॉमिक थ्योरी, 20*(4), 454-477. https://doi.org/10.1111/ijet.12407

मैती, डी., और नियोगी, सी. (2024)। बाजार की अपूर्णताओं के साथ अंतर्जातता-संशोधित स्टोकेस्टिक सीमांत। *एम्पिरिकल इकोनॉमिक, 64*, 1149-1183. https://doi.org/10.1007/s00181-024-02577-0

मुखर्जी, ए., और सिन्हा, यू. बी. (2024)। उत्तल लागत वाले कौरनो अल्पाधिकार में रणनीतिक व्यापार नीति। *फॉरेन ट्रेड रिव्यू.* https://doi.org/10.1177/00157325241266040

मुखर्जी, ए., और सिन्हा, यू. बी. (2024)। नैश सौदेबाजी के अंतर्गत द्विपक्षीय एकाधिकार में कल्याण कम करने वाला ऊर्ध्वाधर एकीकरण। *जर्नल ऑफ पब्लिक इकोनॉमिक थ्योरी, 26*(3), e12701. https://doi.org/10.1111/jpet.12701

परमजीत, एस. एस., गोयल, एस., और गुप्ता, ए. (2024)। भारत के शहरी अनौपचारिक क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं के शैक्षिक स्तर और व्यावसायिक विकल्पों के बीच संबंधों की जाँच। *वर्क: ए जर्नल ऑफ प्रेवेंशन, एसेसमेंट एंड रिहैबिलिटेशन, 79*(4), 1637-1652. https://doi.org/10.3233/WOR-220483

सैनी, एस., और परिदा, वाई. (2025)। क्या प्राकृतिक आपदाएँ व्यापारिक आपदाओं में तब्दील होती हैं? *इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स.* https://doi.org/10.1016/j.inteco.2025.100581

सरकार, एस. (2025)। विधानसभा के लिए रणनीति प्रमाण और बजट-संतुलित तंत्र। *ऑपरेशंस रिसर्च लेटर्स, 60*, 107256. https://doi.org/10.1016/j.orl.2025.107256

सरकार, एस., और सोमनाथन, आर. (2024). आजीविका और परिवार: समानता की ओर महिलाओं की शताब्दी भर की यात्रा, क्लाउडिया गोल्डिन द्वारा। *इंडिया इकोनॉमिक रिव्यू.* https://doi.org/10.1007/s41775-024-00215-1

शास्त्री, एम. एच., और सिन्हा, यू. बी. (2024)। सार्वजनिक बजट की बाध्यता के अंतर्गत निजीकरण और लाइसेंसिंग। *जर्नल ऑफ इंडस्ट्री, कॉम्पिटिशन एंड ट्रेड, 24*(1), 9. https://doi.org/10.1007/s10842-024-00411-y

सिंह, आर. (2025). क्या धनी लोग अपनी आय कम बताते हैं: भारत में आय-संपत्ति संबंध का अध्ययन। *रिव्यू ऑफ इंकम एंड वैल्थ, 72*(2), 1-24. https://doi.org/10.1111/roiw.70011

सिंघल, ए., और बाग, एस. (2024). पक्षपातपूर्ण संबंध या उम्मीदवार की विशेषताएँ: मतदाताओं के लिए क्या मायने रखता है? भारतीय मतदाताओं का एक अध्ययन। *इंडियन इकोनॉमिक रिव्यू, 59*, 385-409.

सिंह, आर., दारी-मैटियाची, जी., ओन्डरस्टल, एस., और पेरिसी, एफ. (2024). मौन का मूल्य: अनुबंध कानून में इष्टतम प्रकटीकरण डिफ़ॉल्ट नियम। *अमेरिकन लॉ एंड इकोनॉमिक्स रिव्यू,* 26(2). https://surl.li/seywjk

शोध परियोजनाएं

- अर्थशास्त्र विभाग के डॉ. अनीश गुप्ता को परियोजना समन्वयक के रूप में *"माइग्रेशन पैटर्न्स एंड इंक्लूसिविटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन्स ऑफ केरल"* नामक एक शोध परियोजना के लिए ₹800000/- मंजूर किए गए हैं। यह अनुदान आईसीएसएसआर द्वारा प्रदान किया गया है और एक चालू परियोजना के रूप में सितंबर 2024 से 5 वर्ष तक की अवधि को कवर करता है। परियोजना निदेशक: डॉ. संदीप दत्ता (डीएसई), सुधाकर वेणुकापल्ली (आईईडीएस), डॉ. सैमसन आर. विक्टर (आईजीएनटीयू), डॉ. विनोद सेन (आईजीएनटीयू), और विष्णु अच्युत मेनन (आईईडीएस)।
- अर्थशास्त्र विभाग के डॉ. अनीश गुप्ता को परियोजना निदेशक के रूप में "लक्षित हस्तक्षेपों के माध्यम से ई-कचरा संग्राहकों के सामाजिक-आर्थिक कल्याण को बढ़ाना" नामक एक शोध परियोजना के लिए ₹8000000/- मंजूर किए गए हैं।
- अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. दिब्येंदु मैती को "विकास, विकास और उत्पादकता - 75 वर्षों के भारतीय अनुभव" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹3,00,000/- स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान आईसीएसएसआर (सेमिनार अनुदान) द्वारा प्रदान किया गया है और 21 से 23 मार्च 2024 तक की अवधि के लिए है।
- अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. परमजीत को सह-पीआई के रूप में "एनएफएसएम योजना की समवर्ती प्रतिक्रिया" नामक एक शोध परियोजना के लिए ₹46,72,800 मंजूर किए गए हैं। यह अनुदान कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय (एमओएएंडएफडब्ल्यू), भारत सरकार द्वारा एईआर, डीईएस आवंटित अध्ययन (2024) के अंतर्गत प्रदान किया गया है, और 2024 से जारी अवधि को कवर करता है। परियोजना निदेशक: प्रो. परमजीत और योगेश भट्ट। एमओएएंडएफडब्ल्यू की समेकित रिपोर्ट वर्तमान में प्रगति पर है।

- अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. परमजीत को सह-पीआई के रूप में "पीएम-किसान योजना की समवर्ती प्रतिक्रिया" नामक एक शोध परियोजना के लिए ₹6.85,208 मंजूर किए गए हैं। परियोजना निदेशक: प्रो. परमजीत और योगेश भट्ट। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के लिए सहभागी केंद्र और क्षेत्र सर्वेक्षण पूरा हो चुका है।

- अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. परमजीत को सह-पीआई के रूप में "पीएमएफबीवाई योजना की समवर्ती प्रतिक्रिया" नामक एक शोध परियोजना के लिए ₹5,08,345 मंजूर किए गए हैं। यह अनुदान कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय (एमओएएंडएफडब्ल्यू), भारत सरकार द्वारा एईआर, डीईएस आवंटित अध्ययन (2024) के अंतर्गत प्रदान किया गया है, और 2024 से चालू वर्ष तक की अवधि को कवर करता है। परियोजना निदेशक: प्रो. परमजीत और योगेश भट्ट। एमओएएंडएफडब्ल्यू के लिए सहभागी केंद्र और क्षेत्र सर्वेक्षण पूरा हो चुका है।
- अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. राम सिंह को "क्या निजीकरण से सड़कों की गुणवत्ता बेहतर होगी?" नामक शोध परियोजना के लिए मुख्य अन्वेषक के रूप में 33,000 डॉलर की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान हार्वर्ड विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और मार्च 2020 से सितंबर 2024 तक की अवधि के लिए है। सह-अन्वेषक: एडवर्ड ग्लेसर (हार्वर्ड विश्वविद्यालय) और आंद्रेई श्लेफ़र (हार्वर्ड विश्वविद्यालय)।
- अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. राम सिंह को "भारत में आय, संपत्ति और कर भुगतान के बीच संबंध" नामक शोध परियोजना के लिए प्रधान अन्वेषक के रूप में ₹1400000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएसएसआर द्वारा प्रदान किया गया है और सितंबर 2022 से जून 2025 तक की अवधि के लिए है।
- अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. राम सिंह को "2047 में भारत के लिए समावेशी विकास और रोज़गार के इंजन के रूप में एमएसएमई को उत्प्रेरित करना" नामक शोध परियोजना के लिए प्रधान अन्वेषक के रूप में ₹10,504,400/- और संस्थागत शुल्क स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय द्वारा प्रदान किया गया है और मार्च 2024 से मार्च 2026 तक की अवधि के लिए है।
- अर्थशास्त्र विभाग के डॉ. संदीप दत्ता को परियोजना समन्वयक के रूप में "*माइग्रेशन पैटर्न्स एंड इंक्लूसिविटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन्स ऑफ केरल*" नामक एक शोध परियोजना के लिए ₹800000/- मंजूर किए गए हैं। यह अनुदान आईसीएसएसआर द्वारा प्रदान किया गया है और एक चालू परियोजना के रूप में सितंबर 2024 से 5 वर्षों तक की अवधि को कवर करता है। परियोजना निदेशक: डॉ. अनीश गुप्ता (डीएसई), सुधाकर वेणुकापल्ली (आईईडीएस), डॉ. सैमसन आर. विक्टर (आईजीएनटीयू), डॉ. विनोद सेन (आईजीएनटीयू), और विष्णु अच्युता मेनन (आईईडीएस)।
- अर्थशास्त्र विभाग की प्रो. रोहिणी सोमनाथन को प्रधान अन्वेषक के रूप में "भारत में कोविड-19 लॉकडाउन के वितरणात्मक प्रभाव" नामक एक शोध परियोजना के लिए SEK 591,840 मंजूर किए गए हैं। यह अनुदान गोथेनबर्ग विश्वविद्यालय के विकास के लिए पर्यावरण पहल (ईडीआई) द्वारा प्रदान किया गया है और जनवरी 2021 से जून 2025 तक की अवधि के लिए है।

- अर्थशास्त्र विभाग की प्रो. रोहिणी सोमनाथन को "वैक्सीन बाज़ार मॉडल का अध्ययन" नामक एक शोध परियोजना के लिए प्रधान अन्वेषक के रूप में 114,304 अमेरिकी डॉलर की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान बिल एंड मेलिंडा गेट्स फ़ाउंडेशन द्वारा प्रदान किया गया है और 3 अगस्त, 2020 से अक्तूबर 2024 तक की अवधि के लिए है।

आयोजित संगोष्ठियां

आईआईआईटी दिल्ली की किरीटी कांजीलाल ने 25 जुलाई, 2024 को 'प्रदूषणकारी उद्योगों में विलय दिशानिर्देश: इनका महत्व कब है?' विषय पर व्याख्यान दिया।

आईएसआई के अभिरूप मुखोपाध्याय ने 22 अगस्त, 2024 को 'गतिशील विज्ञान: 'अनुभवजन्य शिक्षा' मानव पूंजी को कैसे आकार देती है' विषय पर व्याख्यान दिया।

मद्रास स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के नीलांजन सेन ने 25 सितंबर, 2024 को 'उत्पाद विभेदीकरण और मूल्य प्रतिस्पर्धा के अंतर्गत अंतर्जात विलय: उच्च-गुणवत्ता वाले उत्पादक की भूमिका' विषय पर व्याख्यान दिया।

शिव नादर विश्वविद्यालय के पार्थ चटर्जी ने 7 नवंबर, 2024 को 'कम श्रम बल भागीदारी दर: एक खोज मॉडल में व्यापक आर्थिक और घरेलू कारक' पर व्याख्यान दिया।

शिव नादर विश्वविद्यालय के अनूप प्रमाणिक ने 28 नवंबर, 2024 को 'ऐसे क्षेत्र जहाँ स्थानीय रणनीति-प्रमाणता तानाशाही का संकेत देती है' पर व्याख्यान दिया।

वर्जीनिया विश्वविद्यालय के गौरव चिपलूनकर ने 7 जनवरी, 2025 को 'लैंगिक बाधाएँ, संरचनात्मक परिवर्तन और आर्थिक विकास' पर व्याख्यान दिया।

केंट विश्वविद्यालय के अनिर्बान मित्रा ने 23 जनवरी, 2025 को 'राजनीतिक राजवंश और आर्थिक विकास: भारत से सिद्धांत और साक्ष्य' पर व्याख्यान दिया।

ऋत्विक बनर्जी, आईआईएम बैंगलोर ने 14 फरवरी, 2025 को 'असहिष्णुता की व्याख्या' पर व्याख्यान दिया।

डोनाल्ड आर. डेविस, कोलंबिया विश्वविद्यालय ने 25 मार्च, 2025 को 'पृथक्करण, फैलाव और नस्लीय परिवर्तन का केंद्र' पर व्याख्यान दिया।

आयोजित सम्मेलन

'विंटर स्कूल 2024' नामक सम्मेलन, इकोनॉमेट्रिक सोसाइटी के सहयोग से आयोजित किया जाएगा और आईसीएसएसआर, नाबार्ड और मूर्ति ट्रस्ट द्वारा 12-14 दिसंबर, 2024 को प्रायोजित किया जाएगा।

'यंग स्कॉलर सेमिनार 2025' नामक सम्मेलन, आईसीएसएसआर, नाबार्ड और मूर्ति ट्रस्ट द्वारा प्रायोजित, सेंटर फॉर डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स के सहयोग से 28 फरवरी और 1 मार्च, 2025 को आयोजित किया जाएगा।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

- अनीश गुप्ता ने 22 जुलाई, 2024 को एमएमटीटीसी, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय (आईजीएनटीयू), अमरकंटक, मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित कौशल विकास और उद्यमिता पर अल्पकालिक कार्यक्रम के दौरान 'कौशल विकास और उद्यमिता' शीर्षक से एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।
- अनीश गुप्ता ने 30 सितंबर, 2024 को एमएमटीसी, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी (एनईएचयू), शिलांग द्वारा आयोजित एनईपी अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम के दौरान 'छात्र विविधता और समावेशी शिक्षा' शीर्षक से एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।
- अनीश गुप्ता ने 8 नवंबर, 2024 को चिन्मय विश्व विद्यापीठ, केरल द्वारा आयोजित आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित एक राष्ट्रीय अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम (आरएमसी) के दौरान 'डेटा विश्लेषण' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- अनीश गुप्ता ने 7 नवंबर, 2024 को चिन्मय विश्व विद्यापीठ, केरल द्वारा आयोजित आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम (आरएमसी) के दौरान 'डेटा इंटरप्रिटेशन' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- अनीश गुप्ता ने 30 मार्च, 2025 को क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु द्वारा आयोजित आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय शोध पद्धति पाठ्यक्रम (आरएमसी) के दौरान 'भेदभाव का आकलन' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- अनीश गुप्ता ने 29 मार्च, 2025 को क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु द्वारा आयोजित आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय शोध पद्धति पाठ्यक्रम (आरएमसी) के दौरान 'डेटा को समझना' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- अनीश गुप्ता ने 14-15 जुलाई, 2024 को एमपीआईएसएसआर, उज्जैन द्वारा आयोजित आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय शोध पद्धति पाठ्यक्रम (आरएमसी) के दौरान 'डेटा को समझना' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- दिब्येंदु मैती ने 23 अगस्त, 2024 को जैन यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु में 'उभरते देशों में जलवायु परिवर्तन का दीर्घकालिक समष्टि आर्थिक प्रभाव' शीर्षक से एक विशिष्ट व्याख्यान दिया।

- दिब्येंदु मैती ने भारत में डिजिटल प्रौद्योगिकी, उत्पादकता और आर्थिक विकास पर केएलईएमएस (डीईपीआर-आरबीआई) सम्मेलन, जयपुर, 13-14 नवंबर, 2024 तक।
- दिब्येंदु मैती ने 12 फ़रवरी, 2025 को आईआईटी टोपर में "संस्था, प्रौद्योगिकी और समृद्धि" शीर्षक से एक नोबेल थीम पर व्याख्यान दिया।
- दिब्येंदु मैती ने 18 मार्च, 2025 को बंगाल आर्थिक संघ सम्मेलन के दौरान 'संस्था, प्रौद्योगिकी और प्रगति-नोबेल विचार' शीर्षक से एक विशेष व्याख्यान दिया।
- दिब्येंदु मैती ने 5 दिसंबर, 2024 को भारत सरकार के सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय में एएसआई उपयोगकर्ता डेटा पर एक विशेष व्याख्यान दिया।
- दिब्येंदु मैती ने 30 अप्रैल, 2024 को कालिंदी कॉलेज में 'भारतीय राज्यों में जलवायु परिवर्तन और विकास' शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।
- दिब्येंदु मैती ने 19 अप्रैल, 2024 को XXVI अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक और व्यावहारिक सम्मेलन-वैश्विक अर्थव्यवस्था के वर्तमान मुद्दे के दौरान 'क्रॉसरोड्स पर सतत विकास के लिए ब्रिक्स एकीकरण: मुद्दे और चुनौतियाँ' पर एक पैनल चर्चा में भाग लिया।
- दिब्येंदु मैती ने 20 दिसंबर, 2024 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी), नई दिल्ली में आयोजित भारत-नेपाल आर्थिक सम्मेलन के दौरान 'भारत के विकास अनुभव और दक्षिण एशिया' विषय पर एक पैनल चर्चा में भाग लिया।
- दिब्येंदु मैती ने 23 अप्रैल, 2024 को आईआईएफटी, नई दिल्ली में 'भारत-यूके व्यापार को खोलना: व्यवसायों और उपभोक्ताओं के लिए इसमें क्या है?' विषय पर एक पैनल चर्चा में भाग लिया।
- दिब्येंदु मैती ने 23 जनवरी, 2025 को ससेक्स विश्वविद्यालय में जीएसपी और भारत-यूके व्यापार पर एक कार्यशाला में भाग लिया।
- दिब्येंदु मैती ने 21-22 मार्च, 2025 को शिव नादर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित व्यापार और पर्यावरण पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'व्यापार श्रम बाजार कठोरता और कल्याण' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- दिब्येंदु मैती 14 मार्च, 2025 को ईजीआरओडब्ल्यू द्वारा आयोजित नोबेल वार्ता, "शक्ति और प्रगति (प्रोफ़ेसर साइमन जॉनसन)" में चर्चाकर्ता थे।
- दिब्येंदु मैती दक्षिण अफ्रीका के डरबन में क्वाज़ुलु-नताल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "सुरक्षा और अर्थव्यवस्था के बीच संबंध: ब्रिक्स परिप्रेक्ष्य" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य वक्ता थे।
- दिब्येंदु मैती 6-7 जून, 2024 को ग्लोबल ओ.पी. जिंदल विश्वविद्यालय, सोनीपत, भारत में "जलवायु परिवर्तन, भारतीय राज्य और विषम प्रभाव" विषय पर एक आमंत्रित वक्ता थे।
- मनीष कुमार ने 15 जुलाई, 2024 को सामाजिक विकास परिषद, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'तराजू को संतुलित करना: कृषि मूल्य निर्धारण और विपणन गतिशीलता की पुनर्कल्पना' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

- मनीष कुमार ने 26 सितंबर, 2024 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में आयोजित ग्लोबल लेबर यूनिवर्सिटी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'समकालीन भारत में सार्वजनिक क्षेत्र का कमजोर होना और श्रम भेद्यता' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- मनीष कुमार ने 28 दिसंबर, 2024 को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में आयोजित भारतीय आर्थिक संघ सम्मेलन के दौरान 'भारत में कृषि विविधीकरण: चुनौतियाँ, कारक और मार्ग' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- मनीष कुमार ने 3 फरवरी, 2025 को सैम मोयो अफ्रीकन इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रेरियन स्टडीज, हरारे, जिम्बाब्वे द्वारा आयोजित समर स्कूल कॉन्फ्रेंस के दौरान 'स्वतंत्रता के 75 वर्ष बाद का भारत: विकास और सतत चुनौतियों पर विचार' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- मनीष कुमार ने 3 मार्च, 2025 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के आर्थिक अध्ययन एवं योजना केंद्र द्वारा आयोजित सुखमय चक्रवर्ती चेयर कॉन्फ्रेंस के दौरान 'भारत में कृषि विविधीकरण पर चर्चा' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- पम्मी दूआ ने मार्च 2025 में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में आयोजित भारतीय अर्थमितीय सोसायटी (टीआईईएस) के 59वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान प्रोफेसर वी.एन. पंडित के योगदान पर एक विशेष सत्र की अध्यक्षता की।
- पम्मी दूआ ने मई 2024 में ईजीआरओडब्ल्यू फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित भारतीय अर्थव्यवस्था में मुद्दे: आगामी राह विषय पर कार्यशाला के दौरान "भारत की उभरती अर्थव्यवस्था के लिए व्यापक आर्थिक नीति" शीर्षक से एक पैनल चर्चा की अध्यक्षता की और उसमें भाग लिया।
- पम्मी दूआ ने सितंबर 2024 में दयालबाग शैक्षणिक संस्थान, आगरा में आयोजित दयालबाग चेतना विज्ञान सम्मेलन के दौरान "सतत विकास के लिए जीवनशैली: दयालबाग मॉडल से अंतर्दृष्टि" शीर्षक से मुख्य भाषण दिया।
- पम्मी दूआ ने अगस्त 2024 में भारतीय विदेश व्यापार संस्थान, नई दिल्ली में "भारत में मौद्रिक नीति: एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य" शीर्षक से व्याख्यान दिया।
- पम्मी दूआ ने फरवरी 2025 में शारदा विश्वविद्यालय, नोएडा में आयोजित विज्ञान, अध्यात्म और स्वास्थ्य: अंतर्संबंधों की खोज पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "सतत विकास के लिए जीवनशैली: दयालबाग मॉडल से अंतर्दृष्टि" शीर्षक से एक पूर्ण भाषण दिया।
- पम्मी दूआ ने फरवरी 2025 में भारतीय विदेश व्यापार संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित 'सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर का उपयोग करके डेटा विश्लेषण' पर अनुसंधान पद्धति कार्यशाला के दौरान "अर्थमिति: कीमिया या विज्ञान" शीर्षक से एक उद्घाटन भाषण दिया।
- पम्मी दूआ ने नवंबर 2024 में रियो डी जनेरियो, ब्राज़ील से वर्चुअल रूप से आयोजित टी20/जी20 साइड इवेंट के दौरान "जी20 चुनौतियाँ" पर एक पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया।
- पम्मी दूआ ने "अनुसंधान अगस्त 2024 में शिक्षा 'ओ'अनुसन्धान, भुवनेश्वर, ओडिशा में आयोजित विज्ञान और शिक्षा में अनुसंधान अखंडता पर स्प्रिंगर नेचर कॉन्क्लेव के दौरान

"अखंडता - वैश्विक अनुसंधान समुदाय में भारत की स्थिति को ऊंचा करने का एक साधन" पर चर्चा की गई।

- पम्मी दूआ ने सितंबर 2024 में दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय में "भारतीय अनुसंधान उत्पादन को सुदृढ़ बनाने में अनुसंधान अखंडता और इसकी भूमिका" विषय पर एक पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया।
- पम्मी दूआ ने अप्रैल 2024 में भारतीय सांख्यिकी संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित "भारत का आर्थिक विकास: अतीत, वर्तमान और भविष्य" विषय पर एक पैनल चर्चा में भाग लिया।
- पम्मी दूआ ने अप्रैल 2024 में बैंक इंडोनेशिया के मौद्रिक अर्थशास्त्र और बैंकिंग बुलेटिन द्वारा आयोजित कार्यशाला के दौरान "भारतीय वित्तीय बाजारों पर संकट का प्रभाव" विषय पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। (वर्चुअल)
- पम्मी दूआ ने जून 2024 में एफएमआर ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस द्वारा वित्त और अर्थशास्त्र पर वर्चुअल रूप से आयोजित शोध संगोष्ठी के दौरान "वित्तीय बाजारों में सहसंबंधों पर मौद्रिक नीति का प्रभाव: भारतीय मामला" विषय पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- राम सिंह ने 'निवेश, ब्याज दरें और समावेशी विकास' विषय पर सितंबर 2024 में नई दिल्ली में आयोजित भारतीय अर्थव्यवस्था पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान पूर्ण व्याख्यान दिया।
- राम सिंह ने मई 2024 में हैम्बर्ग विश्वविद्यालय के विधि एवं अर्थशास्त्र संस्थान में 'क्या कर कानून धनी समूहों को अपनी आय कम बताने के लिए प्रोत्साहित करते हैं?' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- राम सिंह ने मार्च 2025 में जीएनएलयू, गांधीनगर द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय विधि, अर्थशास्त्र और लोक नीति सम्मेलन में 'सर्कुलर इकोनॉमी का विधि और अर्थशास्त्र' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- राम सिंह ने जून 2024 में हैम्बर्ग में जर्मन विधि और अर्थशास्त्र संघ की वार्षिक बैठक में 'कर चोरी को लक्षित करना' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- राम सिंह ने 13 फ़रवरी, 2025 को भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल में "सर्कुलर इकोनॉमी प्रौद्योगिकियों के माध्यम से 2047 में विजन विकसित भारत" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- रोहिणी सोमनाथन ने 4 दिसंबर, 2024 को आईईजी विंटर स्कूल में कारण अनुमान पर मुख्य व्याख्यान दिया।
- रोहिणी सोमनाथन ने 21 जून, 2024 को बेल्जियम के नामुर विश्वविद्यालय में थ्रेड सम्मेलन के दौरान "नकद हस्तांतरण के माध्यम से विवाह मानदंडों को बढ़ावा देना" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- रोहिणी सोमनाथन ने 22 नवंबर, 2024 को इलिनोइस विश्वविद्यालय, अर्बाना-शैम्पेन में "नकद हस्तांतरण के माध्यम से विवाह मानदंडों को बढ़ावा देना" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

- रोहिणी सोमनाथन ने 18 दिसंबर, 2024 को अशोक विश्वविद्यालय में वार्षिक अर्थशास्त्र सम्मेलन के दौरान "नकद हस्तांतरण के माध्यम से विवाह मानदंडों को बढ़ावा देना" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- रोहिणी सोमनाथन ने 30 जनवरी, 2025 को सीएएफआरएएल, भारतीय रिज़र्व बैंक, मुंबई में "नकद हस्तांतरण के माध्यम से विवाह मानदंडों को बढ़ावा देना" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- रोहिणी सोमनाथन ने 11 मार्च, 2025 को हैदराबाद विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में "नकद हस्तांतरण के माध्यम से विवाह मानदंडों को बढ़ावा देना" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- रोहिणी सोमनाथन 2 अगस्त, 2024 को आईआईटी कानपुर द्वारा आयोजित सार्वजनिक नीति सम्मेलन में एक मुख्य वक्ता थीं।
- रोहित परासर ने 2 मार्च, 2025 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के आर्थिक अध्ययन एवं योजना केंद्र द्वारा आयोजित सुखमय चक्रवर्ती चेयर सम्मेलन के दौरान एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- संदीप दत्ता ने 3 जनवरी, 2025 को विद्यासागर महिला महाविद्यालय में "धारणा-संचालित मोड़: भारतीय माध्यमिक शिक्षा में निजी स्कूल नामांकन पैटर्न की जाँच" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- संदीप दत्ता ने 10-11 फ़रवरी, 2025 को क्वींसलैंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, ब्रिस्बेन, ऑस्ट्रेलिया में आयोजित एडीईए सम्मेलन के दौरान "स्वास्थ्य की राजनीति: राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और भारत के स्वास्थ्य सेवा बोझ को कम करने में इसकी भूमिका" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- सौमेंदु सरकार ने 2024 में आईआईटी जोधपुर में एक व्याख्यान दिया।
- उदय भानु सिन्हा ने 16 मार्च, 2025 को गुलमोहर हॉल, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग द्वारा आयोजित प्रतिस्पर्धा कानून के अर्थशास्त्र पर राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "विलय की खोज: संरचना, प्रतिस्पर्धा और तालमेल" शीर्षक से एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।
- उदय भानु सिन्हा ने 7 नवंबर, 2024 को इंदिरा गांधी विकास अनुसंधान संस्थान, मुंबई में आयोजित "संपादकों से मिलें" शीर्षक से एक पैनल चर्चा में भाग लिया।
- उदय भानु सिन्हा ने 16 अप्रैल, 2025 को आर्थिक विकास संस्थान, नई दिल्ली द्वारा वित्त और बाज़ारों पर आयोजित पहली वार्षिक कार्यशाला के दौरान "बहु-बाज़ार संपर्क और मिलीभगत" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- वरुण कुमार दास ने 13 फ़रवरी, 2025 को दयाल सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक संगोष्ठी के दौरान 'केंद्रीय बजट 2025 पर चर्चा: कुछ विचार और परिप्रेक्ष्य' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

- वरुण कुमार दास ने 4-6 दिसंबर, 2024 को मॉस्को स्थित हायर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ वर्ल्ड इकोनॉमी द्वारा आयोजित वैश्विक अर्थव्यवस्था पर बारहवें वार्षिक सम्मेलन के दौरान 'इतिहास एक प्रकाश स्तंभ के रूप में-अतीत से सीख: भारत के अनुभव से कुछ दृष्टिकोण और विचार' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- वरुण कुमार दास ने 27-28 मार्च, 2025 को डॉ. बी.आर. अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित 'लचीले पूर्वोत्तर समुदायों के लिए विजन विकसित भारत@2047 के साथ पारंपरिक ज्ञान और सतत आजीविका को संरेखित करना' शीर्षक वाले राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'पूर्वोत्तर भारत की अर्थव्यवस्था को समझना: विकसित भारत@2047 के लिए कुछ विचार और दृष्टिकोण' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

नियुक्त छात्रों की संख्या एवं प्रतिशत
70%

संकाय सदस्यों की संख्या
वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक
11
एसोसिएट प्रोफेसर
2
सहायक प्रोफेसर
12
प्रदत्त उपाधि
प्रदत्त पीएच.डी. उपाधियों की संख्या
3

उपयोगित निधियां (करोड़ में)
₹ 1709750

आवंटित निधियां (करोड़ में)
₹ 1720000

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. परमजीत, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय (एमओएएंडएफडब्ल्यूW), भारत सरकार द्वारा वित्त-पोषित कई शोध परियोजनाओं के लिए सह-पीआई के रूप में कार्यरत हैं, जो एईआर,

डीईएस आवंटित अध्ययन (2024-वर्तमान) के अंतर्गत हैं। इनमें *प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान): प्रदर्शन, समस्याएँ और संभावनाएँ* (सी.एस.सी. शेखर और योगेश भट्ट के साथ), *पशुपालन और मत्स्य पालन क्षेत्रों के विशेष संदर्भ में किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) का मूल्यांकन, भारत में बाजरा मूल्य श्रृंखला का विस्तृत विश्लेषण,* और *आकांक्षी जिला कार्यक्रम के अंतर्गत कृषक समुदाय विकास का एक अनुभवजन्य अध्ययन शामिल हैं।* इन परियोजनाओं के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के लिए विभिन्न रिपोर्ट और क्षेत्र सर्वेक्षण या तो प्रगति पर हैं या पूरे हो चुके हैं।

***

भूगोल

प्रकाशित कार्य

पुस्तक/पुस्तक अध्याय

दत्ता, ए. (2024). अपने लिए जगह बनाना: श्वेत क्षेत्र में नस्ल, लैंगिकता और स्थान पर बातचीत। ए. कोबायाशी (सं.) में, *हाउ टू फोस्टर डायवर्सिटी, इक्विटी, इंक्लूसियन, एंड जस्टिस इन जियोग्राफी* (पृष्ठ 49-59)। एडवर्ड एल्गर पब्लिशिंग।

पीक, एल., एडेनियी-ओगुनयांकिन, जी., और दत्ता, ए. (2024)। परिचय: लैंगिकता और शहर। एल. पीक, जी. एडेनियी-ओगुनयांकिन, और ए. दत्ता (सं.) में, *हैंडबुक ऑन जेंडर एंड सिटीस* (पृष्ठ 1-22)। एडवर्ड एल्गर पब्लिशिंग।

दत्ता, ए., और बसु, एस. (2024)। शहर निर्माण के रूप में महिलाओं का कार्य। एल. पीक, जी. एडेनियी-ओगुनयांकिन, और ए. दत्ता (सं.) में, *हैंडबुक ऑन जेंडर एंड सिटीस* (पृष्ठ 263-273)। एडवर्ड एल्गर पब्लिशिंग।

भट्टाचार्य, आर., आनंद, एस., और दास, एम. (2023)। पूर्वोत्तर भारत में सतत विकास लक्ष्य - चुनौतियाँ और उपलब्धियाँ। आर. भट्टाचार्य, एस. आनंद, और एम. दास (सं.) में, *सस्टनेबल डेवलपमेंट गोल्स इन नार्थईस्ट इंडिया: चैलेंजेस एंड अचीवमेंट्स* (पृष्ठ 1-17)। स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर।

कुमार, पी., परमजीत, और आनंद, एस. (2023)। भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के प्रदर्शन का विश्लेषण: एक आर्थिक परिप्रेक्ष्य। आर. भट्टाचार्य, एस. आनंद, और एम. दास (सं.) में, *सस्टनेबल डेवलपमेंट गोल्स इन नार्थईस्ट इंडिया: चैलेंजेस एंड अचीवमेंट्स* (पृष्ठ 71-99)। स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर।

सुल्ताना, एस. एफ. एस., साहा, पी., भुयान, सी., दास, एम., भट्टाचार्य, आर., और आनंद, एस. (2023)। न्यायसंगत परिवर्तन, (पुनः) विजन 2020–अब तक की कहानी। आर. भट्टाचार्य, एस. आनंद,

और एम. दास (सं.), *सस्टनेबल डेवलपमेंट गोल्स इन नार्थईस्ट इंडिया: चैलेंजेस एंड अचीवमेंट्स* (पृष्ठ 33-68)। स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर।

आनंद, एस., दास, एम., भट्टाचार्य, आर., और सिंह, आर. बी. (सं.)। (2023)। *सस्टनेबल डेवलपमेंट गोल्स इन नार्थईस्ट इंडिया: चैलेंजेस एंड अचीवमेंट्स.* स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर।

पांडे, बी. डब्ल्यू., अग्रवाल, यू., और श्रीवास्तव, एस. (2025)। विविधीकरण के माध्यम से आजीविका की भेद्यता और लचीलेपन को समझना: हिमालयी क्षेत्र में कल्पा तहसील का एक मामला अध्ययन। एन. बानू और एफ. शाहेब (सं.), *लिवलीहुड्स एंड वेल-विंग इन द एरा ऑफ क्लाइमेट चेंज: रिस्क टू रेजिलिएंस अक्रोस इंडिया* (पृष्ठ 91-102)। स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंड।

मौर्य, आर., यादव, जी., पांडे, बी. डब्ल्यू., और नेगी, वी. एस. (2024)। भारत के हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले के आदिवासी समुदाय की सतत आजीविका सुरक्षा में ईंधन की लकड़ी की भूमिका। ए. के. श्रीवास्तव और आर. के. मंडल (सं.), *सस्टनेबल लोकल डेवलपमेंट फॉर एनवायरमेंट एंड सोशल सस्टनेबिलिटी* (पृष्ठ 31-46)। स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग।

प्रसाद, ए.एस., पांडे, बी.डब्ल्यू., अभय, आर.के., और प्रियंका। (2024)। दिल्ली के उच्च शिक्षण संस्थानों में अग्नि आपदा जोखिम न्यूनीकरण का आकलन। ए.एस. प्रसाद (सं.) में, *मेकिंग इंडिया डिजास्टर रेजिलिएंट: चैलेंजेस एंड फ्यूचर पर्सपेक्टिव्स* (पृष्ठ 165-184)। स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग।

अरोड़ा, एम., हसीजा, ए.एम., और पांडे, बी.डब्ल्यू. (2023)। परि-नगरीय कृषि और खाद्य आपूर्ति। एस. भट्टाचार्य और आर. सिंह (सं.) में, *सस्टनेबल हैल्थ थ्रू फूड, नुट्रिशन, एंड लाइफस्टाइल* (पृष्ठ 71-82)। स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर।

डे, ए., और त्रिपाठी, वी. (2023)। राष्ट्रवाद खतरे में: नया मीडिया और भय और विदेशी-द्वेष को बढ़ावा देना। जेनोसाइड्स एंड जिनोफोबिया इन साउथ *एशिया एंड बियोंड* में (पृष्ठ 33-51)। रूटलेज इंडिया।

सिंह, बी. वी. आर., सेन, ए., प्रसाद, आर., और मिश्रा, आर. (2024)। राजस्थान, भारत के बाघ गलियारे में वन क्षरण का आकलन: भूमि उपयोग परिवर्तन और स्थानीय स्थिरता के संदर्भ में। *सस्टनेबल लोकल डेवलपमेंट फॉर एनवायरमेंटल एंड सोशल सस्टनेबिलिटी* में (पृष्ठ 47-65)। स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग।

सेनगुप्ता, एस., और सेन, ए. (2024)। पर्यावरण के अनुकूल ईंधन संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) को लोकप्रिय बनाकर ग्लोबल वार्मिंग का मुकाबला करना। *मेकिंग इंडिया डिजास्टर रेजिलिएंट: चैलेंजेस एंड फ्यूचर पर्सपेक्टिव्स में* (पृष्ठ 71-85)। स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग।

जमाल, एस., और सेन, ए. (2024)। शहरी बाढ़ एक उभरती चुनौती के रूप में: चेन्नई शहर से साक्ष्य। *मेकिंग इंडिया डिजास्टर रेजिलिएंट: चैलेंजेस एंड फ्यूचर पर्सपेक्टिव्स* (पृष्ठ 15-26)। स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग।

सिंह, बी. वी. आर., सेन, ए., सिंह, एम., प्रसाद, आर., और मिश्रा, आर. (2023)। बाघ गलियारे के आवास में मानव-वन्यजीव संघर्ष का आकलन: भारत के रणथंभौर बाघ अभयारण्य का एक केस अध्ययन। *प्रोमोटिंग सस्टनेबिलिटी थ्रू वाटर मैनेजमेंट एंड क्लाइमेट चैंज एडॉप्टेशन* (पृष्ठ 183-196)। स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर।

कुमार, पी., और अश्विनी। (2025)। हिमाचल प्रदेश, भारत के लाहौल और स्पीति जिले में आजीविका भेद्यता और जलवायु परिवर्तन धारणा का आकलन। *लिवलीहुड्स एंड वेल-विंग इन द एरा ऑफ क्लाइमेट चैंज: रिस्क टू रेजिलिएंस अक्रॉस इंडिया* (पृष्ठ 67-89)। स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंड।

कुमार, पी., कुमार, एम., आनंद, एस., वर्मा, एन. के., और त्रिपाठी, डी. के. (2025)। ह्यूमनिटीस एंड सस्टनेबिलिटी फ्रॉम ग्लोकल पर्सपेक्टिव्स*: टूवार्ड्स फ्यूचर अर्थ-प्रोसिडिंग्स ऑफ आईजीयू थीमेटिक कॉफ्रेंस 2022, इंडिया* (भौगोलिक और पर्यावरण विज्ञान में प्रगति)। स्प्रिंगर, सिंगापुर।

कुमार, एम., कुमार, पी., आनंद, एस., वर्मा, एन. के., और त्रिपाठी, डी. के. (2024)। *जियोग्राफिकल डायमेंशंस ऑफ एनवायरमेंटल सस्टनेबिलिटी-प्रोसिडिंग्स ऑफ आईजीयू थीमेटिक कॉफ्रेंस 2022, इंडिया* पर्यावरणीय स्थिरता के भौगोलिक आयाम - आईजीयू विषयगत सम्मेलन 2022 की कार्यवाही, भारत (भौगोलिक और पर्यावरण विज्ञान में प्रगति)। स्प्रिंगर, सिंगापुर।

कुमार, पी. (2024)। उच्चभूमि, मध्यभूमि, निम्नभूमि: लंबवत रूप से विभेदित क्षेत्रों का अध्ययन करने के लिए स्थानिक स्पष्ट मॉडल। एफ. ओ. सरमिएंटो और ए. गुन्या (सं.), *माउंटेन लेक्सिकॉन* (मोंटोलॉजी, खंड 2) में। स्प्रिंगर। https://doi.org/10.1007/978-3-031-64884-7_24

दास, पी., रुद्र, एस., मैती, बी., मलिक, एस. के., शिकारी, सी., और साहू, एन. (2024)। शहरी विकास, माँग-आपूर्ति गतिशीलता और जलवायु लचीलापन का मॉडलिंग: पूर्वी भारत के एक प्रथम श्रेणी के शहर का अध्ययन। *"सिटीज़ ऑफ़ टुमॉरो: अर्बन रेजिलिएंस एंड क्लाइमेट चेंज प्रेटेंडनेस"* (पृष्ठ 107-130) में। स्प्रिंगर सिंगापुर।

जर्नल लेख

अग्रवाल, वी., विश्वेंद्र राज सिंह, बी., मार्श, एस., किन, जेड., सेन, ए., और कुल्हारी, के. (2025)। उन्नत सूखा आकलन के लिए एकीकृत सुदूर संवेदन: राजस्थान, भारत में एक बहु-सूचकांक दृष्टिकोण। *अर्थ एंड स्पेस साइंस, 12*(2), e2024EA003639.

आनंद, एस., कुमार, एच., कुमार, पी., और कुमार, एम. (2025)। सुदूर संवेदन और एआई तकनीकों का उपयोग करके भूदृश्य परिवर्तनों और भूमि सतह के तापमान और वनस्पति सूचकांकों के साथ उनके संबंधों का विश्लेषण। *जियोसाइंस लैटर्स, 12*(1), 7।

बैद्य, ए., और साहा, ए. के. (2024)। जलवायु परिवर्तन और सतत विकास में अनुसंधान प्रवृत्तियों की खोज: एक ग्रंथसूची संबंधी अध्ययन। *क्लीनर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, 18*, 100720.

बरहादिया, जी., पुरकायस्थ, जे., साहा, ए. के., और घोष, सी. (2024). शहरी दिल्ली, भारत में साँपों के संपर्क का स्थानिक और लौकिक मूल्यांकन. *साइंटिफिक रिपोर्ट्स, 14*(1), 5506.

चौधरी, एस., चांदना, वी., पाठक, यू. के., और पांडे, बी. डब्ल्यू. (2023). महिलाओं के प्रजनन और मासिक धर्म स्वास्थ्य की स्थिति: राजस्थान के करौली के मीणा आदिवासी समुदाय का एक सामाजिक-मनोवैज्ञानिक घरेलू पूर्वानुमान। *जर्नल ऑफ द एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, 72*(1), 21-41.

चौधरी, एस., पांडे, बी. डब्ल्यू., और चंदना, वी. (2024)। उत्तराखंड के देवप्रयाग स्थित कंडी गाँव में झरनों की जल उपलब्धता में कमी का सामाजिक-आर्थिक प्रभाव: एक जन-धारणा दृष्टिकोण। *जर्नल ऑफ द एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, 73*(2), 210-221.

दास, पी., रुद्र, एस., मैती, बी., मलिक, एस. के., शिकारी, सी., और साहू, एन. (2025)। शहरी विकास, माँग-आपूर्ति गतिशीलता और जलवायु लचीलापन का मॉडलिंग: एक प्रथम श्रेणी के शहर का अध्ययन। *सिटीस ऑफ टूमोरो, 107*.

झा, एस. के., नेल्सन, वी. के., सूर्यदेवरा, पी. आर., पांडा, एस. पी., पुल्लैया, सी. पी., नुली, एम. वी., ... और जाफरी, एस. एम. (2024)। कैनाबिडियोल और न्यूरोडीजेनेरेशन: आणविक तंत्र से नैदानिक लाभों *तक। एजिंग रिसर्च रिव्यूज़, 100*, 102386.

जॉनसन, आर.एम., पांडे, बी.डब्ल्यू., चांद, के., डेविस, सी.एल., एडवर्ड्स, डी., एडवर्ड्स, ई., ... और सिंह, आर.बी. (2025). 'हाईफ्लो-डीएटी': कुल्लू जिले, हिमाचल प्रदेश, भारतीय हिमालय के लिए बाढ़ जोखिम घटना-आपदा डेटाबेस। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डिजास्टर रिस्क रिडक्शन, 120*, 105336.

कुमार, पी., अश्विनी, डेका, डी., राय, ए., राय, वी.के., और राय, ए.के. (2024). भारत के उत्तर प्रदेश के लखनऊ शहर में वायु प्रदूषण और मानव स्वास्थ्य पर जलवायु कारकों का प्रभाव। *इकोसाइकल्स, 10*(2), 51-69. https://doi.org/10.19040/ecocycles.v10i2.454

कुमार, पी., डेका, डी., हुसैन, एम. ए., कुमार, एम., चौधरी, पी., सिंह, एस., ... और बनर्जी, ए. (2025)। हिमाचल प्रदेश, भारत के लाहौल-स्पीति जिले में वर्षा और तापमान का प्रवृत्ति विश्लेषण। *फ्रंटियर्स इन क्लाइमेट, 6*, 1348132.

कुमार, पी., डेका, डी., यादव, ए., कुमार, एम., दास, जे. पी., सिंह, ए., और गुर्जर, ए. (2024)। संभावित और वास्तविक वाष्पोत्सर्जन और लैंडसैट-व्युत्पन्न सूचकांक। *ग्लोबल जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल साइंस एंड मैनेजमेंट, 10*(3), 1227-1248. https://doi.org/10.22034/gjesm.2024.03.18

कुमार, पी., मिश्रा, एस., ठाकुर, एस., कुमार, डी., और रमन, वी. ए. वी. (2024)। हिमाचल प्रदेश, भारत के लाहौल और स्पीति में जलवायु परिवर्तनशीलता के प्रति जनजातीय समुदायों की संवेदनशीलता। *कोग्राफ्या डेरगिसी, (47)*, 29-43.

कुमार, पी., सारदा, आर., यादव, ए., अश्विनी, गोनेन्गिल, बी., और राय, ए. (2025)। भारत के हिमाचल प्रदेश, हिमालय के ठंडे रेगिस्तानी क्षेत्र में टिकाऊ कृषि सुनिश्चित करने के लिए जलवायु परिवर्तन और अनुकूलन रणनीतियों को निर्धारित करने वाले कारकों के बारे में किसानों की धारणा। *सस्टेनेबिलिटी, 17*(6), 2548.

कुमार, पी., ठाकुर, एस., अश्विनी, आदि (2024)। दिल्ली, भारत में वर्षा की तीव्रता के बदलते पैटर्न के अंतर्गत शहरी जलभराव जोखिम की संवेदनशीलता। *एक्टा जियोफिजिका, 72*, 4525-4543. https://doi.org/10.1007/s11600-024-01336-0

माजिद, एस. आई., कुमार, एम., साहू, एन., कुमार, पी., और त्रिपाठी, डी. के. (2024)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, भारत में शहरी बाढ़ मॉडलिंग और वार्ड प्राथमिकता निर्धारण हेतु युग्मित जोखिम (सीआर) सूचकांक के लिए साक्ष्य-समर्थन वेक्टर मशीन (फ़ज़ी डब्लूओएफई-एसवीएम) के समूह फ़ज़ी भार का अनुप्रयोग। *एनवायरमेंट, डेवलपमेंट एंड सस्टनेबिलिटी, 1*-39.

मलिक, एस. के., साहू, एन., दास, पी., मैती, बी., वरुण, ए., कुमार, ए., ... और रुद्र, एस. (2024)। दिल्ली में शहरी विकास और इसके उप-नगरीय वातावरण का शहरी ताप जोखिम पर प्रभाव। *अर्बन क्लाइमेट, 56*, 102010.

मीना, आर. के., भंडारी, एम. एस., ठाकुर, पी. के., नेगी, एन., पांडे, एस., कांत, आर., शर्मा, आर., साहू, एन., और अवतार, आर. (2024)। उत्तर-पश्चिमी हिमालय में एक अल्पाइन बांस *थैम्नोकैलेमस स्पैथिफ्लोरस* के लिए भविष्य के जलवायु परिदृश्यों के अंतर्गत मैक्सएंट-आधारित संभावित वितरण मानचित्रण और सीमा परिवर्तन। *लैंड, 13*(7), 931.

मंडल, बी., भोमिया, आर. के., साहा, ए. के., और मैकेंज़ी, आर. ए. (2024)। अंडमान द्वीप, हिंद महासागर में तटीय और मैंग्रोव भेद्यता का आकलन। *जियोसाइंस फ्रंटियर्स, 15*(5), 101820.

संकाय सदस्यों की संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक
6

एसोसिएट प्रोफेसर
2

सहायक प्रोफेसर
1

प्रदत्त उपाधि
प्रदत्त पीएच.डी. उपाधियों की संख्या
21

***

इतिहास

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

मूल्यांकन अवधि के दौरान इतिहास विभाग ने महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं। इसे वैश्विक स्तर पर 101-150 की श्रेणी में स्थान दिया गया है, जिससे यह भारत में सर्वोच्च रैंक वाला इतिहास विभाग बन गया है। संकाय सदस्यों ने दो सबसे प्रतिष्ठित फैलोशिप–फुलब्राइट फैलोशिप और हम्बोल्ट फैलोशिप–प्राप्त करके विभाग को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। विभाग की संगोष्ठी समिति ने अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विद्वानों के व्याख्यानों और चर्चाओं की एक श्रृंखला का सक्रिय रूप से आयोजन किया, जिससे शैक्षणिक वातावरण समृद्ध हुआ। विद्वत्तापूर्ण उत्पादन के संदर्भ में, संकाय सदस्यों ने प्रसिद्ध वैश्विक प्रकाशकों के साथ पाँच पुस्तकें, 16 स्कोपस-इंडेक्स्ड या सहकर्मी-समीक्षित जर्नल लेख और प्रमुख शैक्षणिक प्रेस के साथ चार पुस्तक अध्याय प्रकाशित किए हैं।

विभाग प्रभावशाली छात्र और संकाय उपलब्धियों के माध्यम से अपनी शैक्षणिक शक्ति का प्रदर्शन जारी रखता है। छात्रों की शैक्षणिक क्षमता इस अवधि के दौरान प्राप्त यूजीसी-जेआरएफ जैसी बड़ी संख्या में शोध फेलोशिप में भी परिलक्षित होती है। इसके अलावा, कई छात्रों को यूरोप और संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों, जिनमें स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय जैसे आइवी लीग संस्थान भी शामिल हैं, में पीएच.डी. कार्यक्रमों में प्रवेश मिला है।

सम्मान/विभूतियां

यासर अराफात - अमेरिका के पेन्सिल्वेनिया विश्वविद्यालय से फुलब्राइट फेलोशिप पूरी की।

रितेश जायसवाल - जर्मनी के बॉन विश्वविद्यालय से हम्बोल्ट फेलोशिप प्राप्त की।

संतोष कुमार राय - गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, झूंसी, इलाहाबाद (इलाहाबाद विश्वविद्यालय का एक घटक संस्थान) के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सदस्य, 20 जनवरी, 2023 - 19 जनवरी, 2025।

प्रकाशित कार्य

पुस्तक/पुस्तक अध्याय

देशपांडे, ए. (2025). *किंग, कंट्री एंड वॉर: आइडियोलॉजी, मेमोरी एंड रिटन इंडियन हिस्ट्री, 1600-1900.* प्राइमस बुक्स।

गुप्ता, सी. (2025)। *हिंदी हिंदू हिसट्रीस: कास्ट, आयुर्वेद,ट्रेवल, एंड कम्यूनिज्म इन अर्ली ट्वंटींथ-सेंचुरी इंडिया।* परमानेंट ब्लैक; स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ़ न्यूयॉर्क प्रेस। आईएसबीएन: 978-81-7824-687-1

मिश्रा, एस. (2024). द लॉन्ग कांक्वेष्ट: टेरिटोराइलाइजेशन, रिबिलियन एंड द 'ट्राइब' इन इस्टर्न इंडिया, सिरका 1760 टू 1900. रूटलेज.

त्यागी, जे. (2025)। *साउथ एशिया बिफॉर द कॉमन एरा. प्राइम्स बुक्स.*

चौधरी, एम. (2024)। रिप्रेजेंटिंग द एनीमल्स*: किंग्स, किंगडम एंड शिकार.* अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स (प्रा.) लिमिटेड।

चौधरी, एम. (2024). *केन एनीमल्स स्पीक?: एमपायर्स, मिलिटरिस एंड एनीमल्स.* सनराइज़ पब्लिशर.

देशपांडे, ए. (2024). सीमा सुरक्षा बल। एम. वैष्णव (सं.) में, *इंस्टिट्यूशनल रूट्स ऑफ इंडिया सिक्योरिटी पॉलिसी* (पृष्ठ 199-2230). ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

गुप्ता, सी. (2024)। स्थानीय भाषा में सेक्स का कास्टिंग और अनुवाद: संतराम बी.ए. के हिंदी लेखन। डी. एस. मिनी और ए. के. बैश्य (सं.) में, *साउथ एशियन पॉर्नोग्रफिक्स: वर्नाकुलर फोर्मेशन्स ऑफ द पर्मिशाइबल एंड द ऑबसेंस* (पृष्ठ 25-41)। रूटलेज। https://doi.org/10.4324/ 9781003359708

राय, एस. के. (2024)। बीसवीं सदी के आरंभ में उत्तर भारत में सहकारी नेटवर्क और हथकरघा बुनाई। जे. एस. त्यागी, एस. जेड. एच. जाफरी, और ए. फारूकी (सं.) में, *पुशिंग द बाउंड्रीस ऑफ साउथ एशियन हिस्ट्री: एसेस इन हावर्स ऑफ द्विजेंद्र नारायण झा* (पृष्ठ 411-437)। प्राइमस बुक्स।

जैन, एस. (2024)। प्रारंभिक आधुनिक दक्षिण एशिया में जैन व्यापारियों की महानगरीय दुनिया। जे. एस. त्यागी, एस. जेड. एच. जाफरी, और ए. फारूकी (सं.) में, *पुशिंग द बाउंड्रीस ऑफ साउथ एशियन हिस्ट्री: एसेस इन हावर्स ऑफ द्विजेंद्र नारायण झा* (पृष्ठ 362-385)। प्राइमस बुक्स।

अराफात, वाई. (2024)। बतूता से बारबोसा तक: मालाबार तट पर सवर्ण आवास, भौतिक ढाल और जाति ध्वनिकी। पी. बनर्जी (सं.) में, *टेक्सुअल लाइव्स ऑफ कास्ट.* ब्लूम्सबरी।

अराफात, वाई. (2025)। हलाल पहेली: केरल के अतीत और वर्तमान में आहार, भोजन संबंधी राजनीति और सामुदायिक जीवन का टकराव। *रिसर्च इन द सोशल साइंटिफिक स्टडी ऑफ रिलीजन: इंटरसेक्शनलिटी इन द स्टडी ऑफ रिलीजन* (खंड 34, पृष्ठ 224-)। ब्रिल।

जर्नल लेख

झा, बी. (2024)। श्यामजी कृष्णवर्मा और प्रवासी भारतीय क्रांतिकारी संरचना। *लमही (लमही), 16*(4), 41-65.

गुप्ता, सी. (2024)। औपनिवेशिक उत्तर भारत में स्वदेशी, खादी और महिलाओं के कपड़े। *जर्नल ऑफ़ पीपुल्स हिस्ट्री एंड कल्चर, 10*(2), 216-233. https://gsmp.in/wp-content/uploads/2025/02/10-224-241.pdf

गुप्ता, सी. (2024)। रसोई फार्मेसी: महिला चिकित्सक, घरेलू नुस्खे, और यशोदा देवी। *एशियन मेडिसिन, 19*(2), 273-309.

गुप्ता, सी. (2024)। रसोई हिंदू धर्म: औपनिवेशिक उत्तर भारत में खाद्य राजनीति और हिंदी रसोई की किताबें। *मॉडर्न एशियन स्टडीज*, *58*(3), 739-763. https://doi.org/10.1017/S0026749X24000209

गुप्ता, सी. (2024)। देवियों और राक्षसों के गीत: औपनिवेशिक उत्तर भारत में दलित लोक धर्म और संस्कृति के राग-विराग [देवी और महिलाओं के गीत: औपनिवेशिक उत्तर भारत में दलित लोक धर्म और संस्कृति का माधुर्य और उदासी]। *सबद निरंतरर, 2-3*(3-6), 64-88.

चौधरी, एम. (2024)। अस्थायी निरंतरता: मंदिर, रंगमंच और मानवविज्ञान। इंडियन हिस्टोरिकल रिव्यू, https://doi.org/10.1177/03769836241287051

चौधरी, एम. (2024)। मुग़ल साम्राज्य: छवि, भूदृश्य, शिक्षा और ज्ञान-निर्माण। *इतिहास दृष्टि,* 24-25.

चौधरी, एम. (2024)। थार रेगिस्तान और उसके यात्री। *जर्नल ऑफ द सोसाइटी ऑफ साउथ एशियन आर्कियोलॉजी, वॉल्यूम. 15, 43-54*.

अराफात, वाई. और धार। डी. (2024)। प्रवासी के रूप में गीत: दक्षिण एशियाई जातीय साहित्य में विस्थापन, अलगाव, दर्द और 'पीछे छूट गया'। एशियन एथनिसिटी, 1-31. https://doi.org/10.1080/14631369.2024.2447806

संकाय सदस्यों की संख्या
वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक
18

एसोसिएट प्रोफेसर
5

सहायक प्रोफेसर
4

प्रदत्त उपाधि
प्रदत्त पीएच.डी. उपाधियों की संख्या
18

प्रदत्त एम.फिल. उपाधियों की संख्या
12

उपयोगित निधियां (करोड़ में)
₹ 208,000

आवंटित निधियां (करोड़ में)
₹ 389,666

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

संतोष कुमार राय: डॉ. बी. आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली के स्कूल ऑफ लिबरल स्टडीज (एसएलएस) के अध्ययन बोर्ड के सदस्य, 21 मार्च, 2023 से 20 मार्च, 2026 तक।

संकाय सदस्यों ने छात्रों के साथ भारत के विभिन्न हिस्सों के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थलों की विभिन्न शैक्षिक यात्राएँ आयोजित की हैं।

***

राजनीति विज्ञान

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

विभाग ने 9-10 जनवरी, 2025 को "*मोदी 3.0 के अंतर्गत भारत की विदेश नीति: चुनौतियां और अवसर*" शीर्षक से एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। यह कार्यक्रम दिल्ली स्कूल ऑफ ट्रांसनेशनल अफेयर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित किया गया था, और मौलाना अबुल कलाम आज़ाद इंस्टीट्यूट ऑफ एशियन स्टडीज (एमएकेएआईएएस), कोलकाता; भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली; और भारतीय विश्व मामलों की परिषद (आईसीडब्ल्यूए), नई दिल्ली द्वारा सह-प्रायोजित किया गया था।

सम्मान/विभूतियां

उज्ज्वल कुमार सिंह, राजनीति विज्ञान और समाजशास्त्र संस्थान, वुर्जबर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी में विजिटिंग प्रोफेसर, 1-30 जून, 2024.

प्रकाशित कार्य

जर्नल लेख

कौर, जी., और मिज़ो, आर. (2025). वैश्विक दक्षिण में महिलाएँ और जलवायु कार्रवाई: एक परिघटना-संबंधी जाँच। *इंडियन जर्नल ऑफ जेंडर स्टडीज.* https://doi.org/10.1177/09715215251323841

सिंह, यू., और रॉय, ए. (2024). भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और चुनाव: नियामक मानदंडों पर विवाद। *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 59*(22). https://ojs.epw.in/index.php/epw/article/view/396

संकाय सदस्यों की संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक

11

एसोसिएट प्रोफेसर
2

सहायक प्रोफेसर
14

प्रदत्त उपाधि
प्रदत्त पीएच.डी. उपाधियों की संख्या
20

उपयोगित निधियां (करोड़ में)
₹531146

आवंटित निधियां (करोड़ में)
₹871000

***

समाज शास्त्र

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

शोध संगोष्ठियाँ

शैक्षणिक वर्ष के दौरान, विभाग ने चौबीस शोध संगोष्ठियों का आयोजन किया, जिससे बौद्धिक आदान-प्रदान के लिए एक जीवंत मंच उपलब्ध हुआ। इन सत्रों में भारत और विदेश के प्रतिष्ठित विद्वानों ने प्रस्तुतियाँ दीं, जिससे शैक्षणिक वातावरण समृद्ध हुआ और विद्वानों के बीच संवाद को बढ़ावा मिला।

पूर्व-छात्र संपर्क कार्यक्रम

11 अक्तूबर 2024 को एक पूर्व छात्र संपर्क कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें एक प्रतिष्ठित पूर्व छात्र श्री ए.पी. पारिगी ने *"नेतृत्व और संचार: एक अपरंपरागत परिप्रेक्ष्य"* शीर्षक से एक ज्ञानवर्धक सत्र का संचालन किया। इस कार्यक्रम ने वर्तमान छात्रों और पूर्व छात्रों के बीच संवाद को सुगम बनाया और नेतृत्व एवं व्यावसायिक विकास पर बहुमूल्य दृष्टिकोण प्रस्तुत किए।

आयोजित कार्यशालाएँ

विभाग ने छात्रों में शोध क्षमताओं और शैक्षणिक कौशल को बढ़ाने के लिए कार्यशालाओं की एक श्रृंखला आयोजित की:

- **30 अगस्त 2024**: शोध विद्वानों की कार्यशाला - शोध पद्धतियों और सहकर्मी अधिगम पर केंद्रित।
- **8 नवंबर 2024**: शिव लाल साहनी छात्रवृत्ति पर कार्यशाला - छात्रवृत्ति के अवसरों और आवेदन प्रक्रियाओं पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया।
- **5 फरवरी 2025**: सामाजिक वैज्ञानिकों के लिए आर में प्रोग्रामिंग पर एक दिवसीय व्यावहारिक कार्यशाला - प्रतिभागियों को आर का उपयोग करके डेटा विश्लेषण से परिचित कराया गया।
- **4 मार्च 2025**: शोध प्रस्ताव लेखन पर कार्यशाला - एमए अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए शैक्षणिक लेखन और प्रस्ताव विकास को मजबूत करने के लिए डिज़ाइन की गई।

प्रकाशित कार्य

पुस्तक/पुस्तक अध्याय

- *फैमिली स्टडीज.* ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस। https://academic.oup.com/book/58844
- अग्रवाल, ए. (2024). परिचय। ए. अग्रवाल (सं.), *फैमिली स्टडीज.* (पृष्ठ 01-44)। ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस। https://academic.oup.com/book/58844/chapter/489742096
- अग्रवाल, ए. (2024). लैंगिकता-पृथक/पृथक सार्वजनिक परिवहन: प्रथाओं और नीतियों का एक महत्वपूर्ण अवलोकन। वी. प्रेस्टन, एस. मैक्लाफ़र्टी, एम. मैसीजेवस्का, और बी. योह (सं.), *हैंडबुक ऑफ़ जेंडर एंड मोबिलिटीज़* (पृष्ठ 388-399)। एडवर्ड एल्गर पब्लिशिंग। https://doi.org/10.4337/ 9781035300860.00039
- अग्रवाल, ए. (2024). इच्छा और घरेलूपन के बीच: भारत में लिव-इन संबंध। पी. भंडारी (सं.), डिसेंट विद लव: एंबीग्यूटी*, एफेक्ट एंड ट्रांसफोर्मेशन इन साउथ एशिया* (प्रथम संस्करण, अध्याय 6)। रूटलेज इंडिया। https://doi.org/10.4324/9781032614410
- कुमार, वी. (2025)। *कास्ट एंड क्लास आइडियोलॉजी इन कंटेम्पररी इंडिया.* स्प्रिंगर। आईएसबीएन 978-981-2107-1. https://doi.org/10.1007/978-981-96-2108-8

जर्नल लेख

- सिंह, एस. बी. (2024). लोकतंत्र की पहेलियाँ: दक्षिण बिहार पंचायत में चुनाव और प्रभुत्व का पुनरुत्पादन, *जर्नल ऑफ रूरल डेवलपमेंट,* खंड 43 (1), 27-39.

- कुमार, वी. (2024). टाटा पावर डीडीएल की सीएसआर पहलों के अंतर्गत आभा परियोजना के सामाजिक और आर्थिक प्रभाव का मूल्यांकन, *शोधकोश जर्नल ऑफ विजुअल एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स,* जनवरी-जून 2024 5 (1), पृ. 2228-2235, आईएसएसएन (ऑनलाइन): 2582-7472

- कुमार, वी., कुमारी, पी., प्रसाद, डी., गुलाम, आर. और राम, ए. (2024). कन्हेरी: प्रारंभिक भारत का एक प्रमुख बौद्ध केंद्र, *लाइब्रेरी प्रोग्रेस इंटरनेशनल,* खंड 44, अंक 2, जुलाई-दिसंबर 2024: पृ.1708-1717, ऑनलाइन संस्करण आईएसएसएन 2320 -317X.

- कुमार, वी. (2024)। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के माध्यम से जल सुरक्षा: टाटा पावर डीडीएल द्वारा आरओ जल संयंत्रों का एक मामला अध्ययन, *शोधकोश जर्नल ऑफ विजुअल एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स,* खंड जनवरी-जून 2024 5 (1), पृ. 2220-2227, ISSN (ऑनलाइन): 2582-7472

- प्रसाद, डी., आसिफ, एम., यादव, पी., कुमार, वी., कुमार, पी., कुमार, जे. और सद्दू, टी. (2024)। गिरमिटिया: भारतीय गरीब प्रवासी मजदूरों की एक अपरिचित गाथा, *लाइब्रेरी प्रोग्रेस इंटरनेशनल,* खंड 44 संख्या 3, जुलाई-दिसंबर 2024: पृ. 19298-19306, ऑनलाइन संस्करण आईएसएसएन 2320 -317X।

- कुमार, वी. (2025). विकलांगता, *साइकोलॉजी एंड एजुकेशन* पर समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण, 62(2), 571-607.

- वासन, एस. (2025). पर्यावरण शासन में विविधता, पैमाना और संदर्भ. *इकोलॉजी, इकोनॉमी एंड सोसाइटी-आईएनएसईई जर्नल,* 8(1), 1-4.https://doi.org/10.37773/ees.v8i1.1585

शोध परियोजनाएं

समाजशास्त्र विभाग की प्रो. सुधा वासन को परियोजना समन्वयक के रूप में 'जलवायु परिवर्तन, जंगली पौधे और सतत विकास लक्ष्य: हिमाचल प्रदेश में एक दीर्घकालिक अध्ययन' नामक शोध परियोजना के लिए 15 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रदान की गई है और सितंबर 2024 से सितंबर 2029 तक की अवधि के लिए है।

आयोजित संगोष्ठियां

डॉ. मैत्री डेका, समाजशास्त्र की वरिष्ठ व्याख्याता, एसेक्स विश्वविद्यालय, इंग्लैंड, यूके ने 2 अप्रैल, 2024 को 'बाज़ार एक आर्थिक श्रेणी के रूप में' विषय पर व्याख्यान दिया।

डॉ. सुब्रत कुंडू, आईटी पेशेवर, राष्ट्रीय नवाचार परिषद, भारत सरकार ने 12 अप्रैल, 2024 को 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के युग में समाज' विषय पर व्याख्यान दिया।

डॉ. साइबा वर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, मनोवैज्ञानिक/चिकित्सा मानव विज्ञान विभाग, कैलिफ़ोर्निया विश्वविद्यालय, सैन डिएगो ने 13 सितंबर, 2024 को 'उत्तर-निरसन कश्मीर में मानव और ऐतिहासिक चेतना' विषय पर व्याख्यान दिया।

प्रो. यिंगहोंग हुआंग, प्रोफेसर, जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल, ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, हरियाणा ने 11 अक्तूबर, 2024 को 'नव-उदारीकरण की द्वंद्वात्मकता: भारत और चीन में भूमि अधिग्रहण' विषय पर व्याख्यान दिया।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली के कला एवं सौंदर्यशास्त्र संकाय में सिनेमा अध्ययन की प्रोफेसर, प्रो. रंजनी मजूमदार ने 24 जनवरी, 2025 को 'जीवन के एक अंश' फिल्म में बॉम्बे का संयोजन' विषय पर व्याख्यान दिया।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में भारतीय कला एवं वास्तुकला के प्रोफेसर नमन पी. आहूजा ने 21 फ़रवरी, 2025 को 'चंदायन: भाषाओं, संस्कृतियों और लोगों के बीच इश्क की एक सूफ़ी कहानी' पर व्याख्यान दिया।

लेखिका, अनुवादक और साहित्यिक इतिहासकार रख्शंदा जलील ने 21 मार्च, 2025 को 'हसरत मोहानी: एक अलग मौलाना' पर व्याख्यान दिया।

आयोजित सम्मेलन

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित, 27 जनवरी, 2025 को जी.बी. पंत राष्ट्रीय पर्यावरण संस्थान, हिमाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, मोहल (हिमाचल प्रदेश) में जैव विविधता, जलवायु परिवर्तन और स्थानीय ज्ञान: सतत विकास के लिए एक सहयोगात्मक दृष्टिकोण पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

25 फरवरी, 2025 को आईसीएसएसआर परियोजना 'जलवायु परिवर्तन, जंगली पौधे और सतत विकास लक्ष्य: हिमाचल प्रदेश में एक दीर्घकालिक अध्ययन' के अंतर्गत समाजशास्त्र विभाग में शोधार्थियों और शिक्षकों के लिए एक दिवसीय आर प्रोग्रामिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया।

4 मार्च 2025 को आईसीएसएसआर परियोजना 'जलवायु परिवर्तन, जंगली पौधे और सतत विकास लक्ष्य: हिमाचल प्रदेश में एक दीर्घकालिक अध्ययन' के अंतर्गत एमए के छात्रों के लिए समाजशास्त्र विभाग में शोध प्रस्ताव लेखन पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

8 नवंबर, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग में शिव लाल साहनी छात्रवृत्ति पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

ए. अग्रवाल ने 'परिवार: "मानक" और "गैर-मानक" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया, तेजपुर विश्वविद्यालय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, 11 दिसंबर, 2024।

ए. अग्रवाल ने 'परिवारों पर पुनर्विचार: समाजशास्त्रीय अंतर्दृष्टि' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। यह शोध-पत्र 14 नवंबर, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के लेडी श्री राम महिला महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में प्रस्तुत किया गया।

ए. अग्रवाल ने 'युवा लचीलापन: भारतीय संदर्भ में एक लैंगिक परिप्रेक्ष्य' शीर्षक से युवा अध्ययन केंद्र (एचएसई विश्वविद्यालय - सेंट पीटर्सबर्ग) के 15वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'नई वैश्विक चुनौतियों के युग में युवा एजेंसी और लचीलापन' विषय पर अपना पूर्ण भाषण दिया, जो 1 नवंबर, 2024 को एचएसई विश्वविद्यालय-सेंट पीटर्सबर्ग, ग्रिबोयेदोव नहर तटबंध स्ट्रीट में आयोजित किया गया था।

ए. अग्रवाल ने कमला नेहरू कॉलेज, विश्वविद्यालय में विशेष व्याख्यान श्रृंखला में 'समाजशास्त्र: एक विज्ञान या एक कला' शीर्षक से दिल्ली में 9 अक्तूबर, 2024 को उद्घाटन व्याख्यान दिया।
।
ए. अग्रवाल ने 'विमुक्त और खानाबदोश जनजातियों में 'महिला प्रश्न' शीर्षक से बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में 18 सितंबर, 2024 को एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

ए. अग्रवाल ने 'इच्छा, घरेलूपन और परिवार निर्माण: भारत में लिव-इन संबंधों पर पुनर्विचार' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। यह शोध-पत्र हैदराबाद विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान संकाय के समाजशास्त्र विभाग में 23 अगस्त, 2024 को प्रस्तुत किया गया।

सी. शर्मा ने 10 मई, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के समाजशास्त्र विभाग के शुक्रवार के संगोष्ठी में 'नवाचार और प्लेटफ़ॉर्म अर्थव्यवस्था संयोजन के

रूप में: वैश्विक वित्त, प्रौद्योगिकी और एक नई भाषा के अंतर्संबंधों की खोज' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डी. डी. गौतम ने 23-24 जनवरी, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के सत्यवती कॉलेज द्वारा आयोजित प्राचीन भारत में जनपद व्यवस्था और सुशासन प्रथाओं पर आईसीएसएसआर प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'शासन और सामाजिक न्याय' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

एस. वासन ने 5 अप्रैल, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के समाजशास्त्र विभाग की संगोष्ठी में 'जलवायु नैतिकता और बाज़ार वास्तविकता: हिमाचल प्रदेश के कुल्लू घाटी में कृषि निर्णय' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

एस. वासन ने 1-2 मार्च, 2025 को लखनऊ के खुन-खुन जी गर्ल्स पीजी कॉलेज के साथ भारतीय समाजशास्त्रीय सोसायटी के आरसी-15 और आरसी-08, "क्या भारतीय गांव लुप्त हो रहे हैं? ग्रामीण जीवन में बदलाव लाना" विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार में 'ग्रामीण पर पुनर्विचार: हिमाचल प्रदेश में बहु-स्थानीय परिवार और गैर-निवासी समुदाय' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

एस. वासन ने 27 फ़रवरी, 2025 को अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली में लचीले पूर्वोत्तर समुदायों के लिए विजन विकसित भारत@2047 के साथ पारंपरिक ज्ञान और सतत आजीविका को संरेखित करने पर आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में, 'सन्निहित ज्ञान और बदलती परंपराएँ: कुछ पद्धतिगत चुनौतियाँ' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

एस. वासन ने 7 फ़रवरी, 2025 को हिमालयन काउंसिल फॉर साइंटिफिक रिसर्च द्वारा हिमालय की बदलती गतिशीलता: अर्थव्यवस्था, पारिस्थितिकी और समाज पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, 'गतिशील पर्वत: प्रवास, बदलती ग्रामीणता और जलवायु परिवर्तन' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

एस. वासन ने जैव विविधता, जलवायु परिवर्तन और स्थानीय ज्ञान: सतत विकास के लिए एक सहयोगात्मक दृष्टिकोण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एथ्नोबोटनी के लिए एक समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। यह संगोष्ठी जी.बी. पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, मोहल, हिमाचल प्रदेश में 27 जनवरी, 2025 को आयोजित की गई थी।

एस. वासन ने 27 जनवरी, 2025 को जी.बी. पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, मोहल, हिमाचल प्रदेश में जैव विविधता, जलवायु परिवर्तन और स्थानीय ज्ञान: सतत विकास के लिए एक सहयोगात्मक दृष्टिकोण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'जलवायु परिवर्तन, असिंचित पौधे और सतत विकास लक्ष्य: हिमाचल प्रदेश में एक दीर्घकालिक अध्ययन' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

एस. वासन ने 26 दिसंबर, 2024 को भारतीय समाजशास्त्रीय सोसायटी के राष्ट्रीय सम्मेलन में 'संरक्षण में समुदाय: एक नई ग्रामीणता से चुनौतियां' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

एस. वासन ने उच्च हिमालय और पर्यावरण न्याय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'जलवायु परिवर्तन और बाज़ार अनिश्चितता: हिमालय में जोखिम संबंध और कृषि परिवर्तन' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। यह सम्मेलन तिब्बत हाउस, नई दिल्ली द्वारा इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 14 जुलाई, 2024 को आयोजित किया गया था।

एस. वासन ने दक्षिण एशिया में एलसीएलयूसी की वृक्ष आधारित प्रणालियों में प्राकृतिक जलवायु समाधानों के वैज्ञानिक आधारों पर संश्लेषण बैठक में 'वृक्ष, काश्तकार और क्षेत्र/वन सीमा: दक्षिण एशिया में कृषि परिदृश्य और वन पुनर्स्थापन के संबंध को समझना' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। यह सम्मेलन नासा भूमि आवरण और भूमि उपयोग परिवर्तन (एलसीएलयूसी) कार्यक्रम के दक्षिण/दक्षिण पूर्व एशिया अनुसंधान पहल (एसएआरआई) द्वारा अशोक विश्वविद्यालय, सोनीपत, हरियाणा में 9-11 अप्रैल, 2024 को आयोजित किया गया था।

एस. वासन ने हैदराबाद विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा 1-3 अप्रैल, 2024 को आयोजित भारत में समाजशास्त्र के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'संकटग्रस्त ग्रह के लिए एक समाजशास्त्रीय कल्पना' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

एक्सचेंज प्रोग्राम के अंतर्गत छात्र

4

संकाय सदस्यों की संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक

4

एसोसिएट प्रोफेसर

1

सहायक प्रोफेसर
8

प्रदत्त उपाधि
प्रदत्त पीएच.डी. उपाधियों की संख्या
10

प्रदत्त एम.फिल. उपाधियों की संख्या
11

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी
डॉ. देवी दयाल गौतम वर्तमान में आईसीएसएसआर अनुसंधान परियोजना (सहयोगी) के परियोजना निदेशक के रूप में कार्यरत हैं, जिसका शीर्षक है "*डिफेरिंग एंसिएंट विस्डम: एक्सट्रैक्टिंग बेस्ट प्रेक्टिसेस फ्रॉम द जनपद सिस्टम फॉर कंटेम्पररी गवर्नेंस*" (2024-25)। इसके अतिरिक्त, डॉ. गौतम *जल जीवन मिशन* (2024-25) पर केंद्रित एक अन्य आईसीएसएसआर सहयोगात्मक अनुभवजन्य अनुसंधान परियोजना के सह-परियोजना निदेशक भी हैं।

***

सामाजिक कार्य

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

इंडिया टुडे और *आउटलुक-आईसीएआरई* 2024 रैंकिंग में, सामाजिक कार्य विभाग (डीएसएसडब्ल्यू) ने शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए भारत के सर्वश्रेष्ठ सामाजिक कार्य विभागों में तीसरा स्थान हासिल किया, जो शिक्षण, अनुसंधान और सामुदायिक जुड़ाव में इसकी निरंतर उत्कृष्टता को दर्शाता है। इसके प्रमुख छात्र-नेतृत्व वाली पहलों में से एक, *ग्रीन ड्रीम्स क्लब,* को मार्च 2025 में *द बेटर इंडिया* पर अपने अभिनव वर्टिकल गार्डन प्रोजेक्ट के लिए दिखाया गया था, जो स्थिरता और पर्यावरणीय चेतना के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

शैक्षणिक वर्ष में कई प्रभावशाली कार्यक्रम हुए। 27 सितंबर, 2024 को, विभाग ने "राष्ट्रीय स्वाभिमान दिवस" का उत्सव शुरू किया। बाद में, 26 नवंबर, 2024 को, *फिटनेस वॉरियर्स* पहल ने 3 किमी और 5 किमी की वॉक-एंड-रन इसके अतिरिक्त, एक मार्गदर्शन कार्यक्रम छात्रों को अनुभवी पेशेवरों से जोड़ता है ताकि कार्यबल में उनका संक्रमण आसान हो सके।

सामुदायिक भावना और पूर्व छात्रों की भागीदारी डीएसएसडब्ल्यू के मिशन का केंद्र-बिंदु बनी हुई है। क्राउडफंडिंग प्रयासों के माध्यम से, विभाग ने मूल सामाजिक कार्य मूल्यों के प्रतीक के रूप में एक *प्लेज प्लेग्यु* स्थापित की। चल रही ऑनलाइन *एल्युमनी टॉक* श्रृंखला छात्रों को विभिन्न प्रासंगिक विषयों पर अंतर्दृष्टि प्रदान करके प्रेरित करती रहती है। इसके अतिरिक्त, दिल्ली में आयोजित हेरिटेज वॉक ने प्रतिभागियों को शहर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की खोज करते हुए अंतर-पीढ़ीगत संबंध बनाने में मदद की। *बैठक* नामक एक रचनात्मक मंच ने छात्रों और सदस्यों को गायन, कविता और *शायरी* में अपनी कलात्मक प्रतिभा दिखाने का अवसर दिया, जिससे विभाग का जीवंत सामुदायिक जीवन और समृद्ध हुआ।

विभूति प्राप्त छात्र

- एल्मिना ल्यूके पुरस्कार - *सुश्री पूर्णिमा एम:* दोनों वर्षों में फील्डवर्क में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र को प्रदान किया जाता है।
- ज्ञान पंडित पुरस्कार - *सुश्री आस्था द्राल और श्री दीप राज शर्मा:* एम.ए. अंतिम वर्ष के छात्र को एम.ए. की पिछली परीक्षा में प्रदर्शन के आधार पर प्रदान किया जाता है।
- बी.एस. कुमेदान पुरस्कार - *श्री शंभू कुमार जायसवाल:* पुस्तकालय संसाधनों के सर्वोत्तम उपयोग के लिए एम.ए. अंतिम वर्ष के छात्र को प्रदान किया जाता है।
- सुधीर ई. मिशिगन मेमोरियल पदक - *श्री दीप राज शर्मा: सोशल वर्क विद ग्रुप्स* (पाठ्यक्रम एसडब्लू 201) में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र को प्रदान किया जाता है।
- एल.डी. मेहता स्मृति पुरस्कार - *सुश्री पलक देसवाल: क्वांटेटिव रिसर्च मेथड्स* (पाठ्यक्रम एसडब्लू 202) में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्रा को प्रदान किया जाता है।
- बी.सी. जैन स्मृति पुरस्कार - *सुश्री अनुष्का सारस्वत: सोशल वेल्फेयर एडमिनिस्ट्रेशन* (पाठ्यक्रम एसडब्लू 301) में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्रा को प्रदान किया जाता है।
- सुश्री जानकी देवी आहूजा स्मृति पुरस्कार - *सुश्री आस्था द्राल: सोशल जस्टिस एंड एम्पावरमेंट* (पाठ्यक्रम एसडब्लू 203) में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्रा को प्रदान किया जाता है।
- सुश्री मधु पांडे नागपाल स्मृति छात्रवृत्ति - *सुश्री ज्योति:* आवश्यकता-सह-योग्यता के आधार पर एम.ए. अंतिम वर्ष की छात्रा को प्रदान की जाती है, अधिमानतः महिला उम्मीदवार को।
- डॉ. सुदर्शन कुमारी छात्रवृत्ति - *सुश्री शाहीन खान:* आवश्यकता-सह-योग्यता के आधार पर एम.ए. अंतिम वर्ष की छात्रा को प्रदान की जाती है, अधिमानतः महिला उम्मीदवार को।
- फिलिस गोर पदक - *सुश्री अनुष्का सारस्वत:* एम.ए. प्रीवियस में शैक्षणिक और पाठ्येतर गतिविधियों में सर्वांगीण प्रदर्शन के लिए प्रदान किया गया।
- श्रीमती कुंदा दातार स्वर्ण पदक - *सुश्री संचिता मोदी:* एम.ए. (अंतिम) में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा को प्रदान किया गया।
- सोसाइटी फॉर डेवलपमेंटल एक्शन स्वर्ण पदक और सुश्री कुसुम गुप्ता स्मृति पुरस्कार - *सुश्री पूर्णिमा* एम: दोनों वर्षों में फील्डवर्क में सर्वोच्च अंकों के लिए प्रदान किया गया।

- राष्ट्रीय कार्मिक प्रबंधन संस्थान पुरस्कार - *सुश्री आस्था द्राल: आर्गनाइजेशनल बिहेवियर एंड एम्प्लॉय डेवलपमेंट* (पाठ्यक्रम एसडब्ल्यू 3024) में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने के लिए प्रदान किया गया।
- दिव्यज्ञान पुरस्कार - *श्री अभिषेक सिंह वर्मा: सोशल वर्क विद द एल्डर्ली* (पाठ्यक्रम एसडब्ल्यू 4013) में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र को प्रदान किया गया।
- शंकर एच. पाठक स्मृति पुरस्कार - *सुश्री आस्था द्राल: सोशल पॉलिसी* (पाठ्यक्रम SW 302) में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र को प्रदान किया गया।
- प्रो. के.डी. गंगराडे पुरस्कार - *सुश्री आस्था द्राल: सोशल जस्टिस एंड एम्पावरमेंट* (पाठ्यक्रम SW 203) में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र को प्रदान किया गया।

प्रकाशित कार्य

जर्नल लेख

अदुसुमल्ली, एम., और लिंगदोह, जे. (2025)। स्वदेशी ज्ञान के लिए स्थान: खासी समुदाय में सहभागी वैचारिक दृष्टिकोण और प्रथाओं का परीक्षण। *कॉजेंट सोशल साइंसेज, 11*(1),2491697. https://doi.org/10.1080/23311886.2025.2491697

आनंद, एम. (2025)। मानसिक स्वास्थ्य सामाजिक कार्य की कल्पना: भारत से अनुभवात्मक अंतर्दृष्टि। *प्रेक्टिस,* 1-19. https://doi.org/10.1080/09503153.2025.2475897

आनंद, एम., और चंडोक, जी. (2024)। अंतरंग साथी हिंसा की पुनः जाँच: नारीवादी सामाजिक कार्य चिंतन। *सोशल वर्क एंड सोसाइटी, 22*(1). http://nbn-resolving.de/urn:nbn:de:hbz:464-sws-3254

आनंद, एम. और बुरागोहेन, जे. (2024)। महिला चाय बागान श्रमिकों के आत्म और मनोसामाजिक परिवेश पर नारीवादी सामाजिक कार्य की अंतर्दृष्टि: असम के गोलाघाट जिले से विचार। *जर्नल ऑफ सोशल वर्क एंड सोशल डेवलपमेंट, 15*(1), 1-17.

ईएस, एस., और आनंद, एम. (2024)। स्कूल शिक्षकों के मासिक धर्म के अनुभव और अभ्यास: ग्रामीण राजस्थान, भारत से विचार। *कल्चर, हैल्थ एंड सेक्स्युलिटी,* 1–12. https://doi.org/10.1080/13691058.2024.2382225

कौशिक, ए. (2024)। एक धीमी विदाई की गूँज: एक बेटी के अपने पिता की लाइलाज बीमारी से निपटने के अनुभव। इलनेस, *क्राइजिस एंड लॉस।* https://doi.org/10.1177/10541373241279913

मास्के, एस., रॉय, एस., और थॉमस, एस. एस. (2024)। सेवा वितरण में अंतराल को पाटना: सामाजिक कार्य अभ्यास के उपकरण के रूप में सामाजिक लेखापरीक्षा का उपयोग - अल्पकालिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम से अंतर्दृष्टि। इंटरनेशनल सोशल वर्क. https://doi.org/10.1177/00208728241267801

रॉय, एस. (2024). डिजिटल तकनीकों की जाँच: सामाजिक संपर्क पर प्रभाव. *नैनोटेक्नोलॉजी परसेप्शन, 20*(7), 1–9. https://doi.org/10.62441/nano-ntp.v20i7.5085

रॉय, एस. (2024). प्रतिरोध का अधिकार: भारतीय संदर्भ। *पोलीटेक्निक इंटरनेशनल,* 14, 6–8. https://politeknik-international.org/

रॉय, एस., मास्के, एस. और थॉमस, एस. एस. (2024). सेवा वितरण में अंतराल को पाटना: सामाजिक कार्य अभ्यास के उपकरण के रूप में सामाजिक अंकेक्षण का उपयोग - अल्पकालिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम से अंतर्दृष्टि। *इंटरनेशनल सोशल वर्क, 67*(5), 1-6. https://doi.org/10.1177/00208728241267801

रॉय, एस., और अन्य. (2024). अनुसंधान नैतिकता: एक नया प्रतिमान। *कैहियर्स मैगेलैनेस-एनएस, 6*(2), 1524-1537. https://doi.org/10.6084/m9.figshare.26312127

सुबुद्धि, सी., पॉल, एफ.ए., मोहराना, के.सी., और सैकिया, पी. (2024)। मानसिक रोग और स्वास्थ्य-प्राप्ति व्यवहार: भारत में पारंपरिक उपचार पद्धतियों की एक व्यवस्थित समीक्षा। *जर्नल ऑफ स्पिरिचुअलिटी इन मेंटल हेल्थ,* 1-16. https://doi.org/10.1080/19349637.2024.2434551

सुबुद्धि, सी., बिस्वाल, आर., और पाठक, ए. (2024)। भारत में मानसिक विकारों से ग्रस्त आदिवासी रोगियों में मनोरोग सहायता के मार्ग। *इंडियन जर्नल ऑफ साइकियाट्रिक नर्सिंग, 21*(1), 22-28. https://doi.org/10.4103/iopn.iopn_21_23

वाघमारे, एच., मास्के, एस., और गैगावारे, पी. (2024)। बांग्लादेश में महिलाओं और बच्चों में पोषण संबंधी स्थिति: स्वास्थ्य सामाजिक कार्य अभ्यास पर प्रभाव। *सोशल वर्क एंड सोसाइटी, 22*(1). http://nbn-resolving.de/urn:nbn:de:hbz:464-sws-3301

थॉमस, एन. टी. (2024)। भारत में सामाजिक कार्य शिक्षा और स्वास्थ्य समानता: एक आलोचनात्मक समीक्षा। *सोशल वर्क एंड सोसाइटी, 22*(1). https://ejournals.bib.uni-wuppertal.de/index.php/sws/article/view/987/1465

थॉमस, एन. टी. (2025)। पौमाई समाज में लैंगिक श्रम विभाजन: असमान कार्य पर एक उत्तर-औपनिवेशिक दृष्टिकोण। *सोशल एक्शन, 75*(1), 77-88. https://insoin.org/social-action/

युमनाम, वी., सिंह, एस., और पाठक, एस. (2025)। घर, काम और जीवनयापन: दिल्ली में महिला गृह-आधारित श्रमिकों के जीवन और कार्य स्थितियों का एक अध्ययन। *सोशल एक्शन, 75*(1), 103-115. https://insoin.org/social-action/

शोध परियोजनाएं

डॉ. चित्तरंजन सुबुद्धि, समाज कार्य विभाग को 'विकसित भारत के लिए बाजरे के माध्यम से सतत आजीविका, खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण परिवर्तन' नामक शोध परियोजना के लिए 23,00,000/- रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएसएसआर दिल्ली द्वारा प्रदान किया गया है और 2024 से 2025 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. मालती अदुसुमल्ली, समाज कार्य विभाग को 'आधारभूत आवश्यकता और क्षमता आकलन' नामक शोध परियोजना के लिए 54,796/- रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान सेवा-टीएचडीसी द्वारा प्रदान किया गया है और 2024 से 2025 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. नगाओपुनी त्रिचाओ थॉमस, समाज कार्य विभाग को 23,00,000/- रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। 'सामाजिक कार्य व्यवसायियों का सशक्तिकरण, सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए कौशल और दक्षताओं का संवर्धन: एक सामाजिक कार्य अनुसंधान अध्ययन' नामक शोध परियोजना के लिए सह-पीआई के रूप में 1800000/- रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएसएसआर द्वारा प्रदान किया गया है और 2024 से 2 वर्षों की अवधि के लिए है।

डॉ. पुष्पांजलि झा, सामाजिक कार्य विभाग को 'सीएसआर परियोजनाओं के बाह्य प्रभाव आकलन अध्ययन' नामक परियोजना के लिए पीआई के रूप में 6,25,400/- रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान पावरग्रिड, डब्ल्यूआरटीएस-II, बड़ौदा द्वारा प्रदान किया गया है और 2024 से 2025 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. पुष्पांजलि झा, सामाजिक कार्य विभाग को 'गांव दौलताबाद और चांदला डूंगरवास, गुरुग्राम, हरियाणा में तालाब के पुनरुद्धार का बाह्य प्रभाव आकलन अध्ययन' नामक परियोजना के लिए पीआई के रूप में 1,47,500/- रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

प्रोफ़ेसर संजय रॉय, समाज कार्य विभाग को (प्रमुख) परियोजना निदेशक के रूप में, 'जेंडर-केंद्रित विकास एजेंडे में लड़कियों की समृद्धि: भारत के चार राज्यों में सुकन्या समृद्धि योजना का बहुआयामी अध्ययन' नामक शोध परियोजना के लिए 15 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएसएसआर (पूर्ण) द्वारा प्रदान किया गया है।

प्रोफेसर संजय रॉय, समाज कार्य विभाग को 'सामाजिक कार्य व्यवसायियों का सशक्तिकरण, सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए कौशल और दक्षताओं का संवर्धन: एक सामाजिक कार्य अनुसंधान अध्ययन' नामक शोध परियोजना के लिए सह-पीआई के रूप में 1800000/- रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएसएसआर द्वारा प्रदान किया गया है और 2024 से 2 वर्षों की अवधि के लिए है।

प्रोफेसर संजय रॉय, समाज कार्य विभाग को 'भारत के दक्षिणी राज्यों में धर्मांतरित लोगों के कानून, जीवन और हाशिए पर रहने की स्थिति को समझना' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 1400000/- रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएसएसआर द्वारा प्रदान किया गया है और 2024 से 2 वर्षों की अवधि के लिए है।

प्रोफेसर सीमा शर्मा, समाज कार्य विभाग को 'पावरग्रिड के प्रभाव मूल्यांकन' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 5 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान पावरग्रिड द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि 1 (एक) महीने है।

डॉ. सुधीर मस्के, समाज कार्य विभाग को 'सामाजिक कार्य व्यवसायियों का सशक्तिकरण, सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए कौशल और दक्षताओं का संवर्धन: एक क्रियात्मक शोध अध्ययन' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 18,00,000/- रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान आईसीएसएसआर, दिल्ली द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि 2024 से 2 वर्ष है।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

एम. अदुसुमल्ली ने 12-14 मार्च, 2025 को आयोजित 14वें यूरोपीय सामाजिक कार्य अनुसंधान सम्मेलन में 'सांस्कृतिक संदर्भों में समुदायों के साथ सामाजिक कार्य अभ्यास और अनुसंधान का समावेश: भारत के परिप्रेक्ष्य' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

एम. आनंद ने 21-22 जनवरी, 2025 को आयोजित 'महिलाओं के आर्थिक पदचिह्न में तेजी लाना: भारत की विकास गाथा में एक महत्वपूर्ण लुप्त कड़ी को संबोधित करना' उप-विषय के अंतर्गत 'विज़न विकसित भारत @ 2047' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'असम में चाय बागान उद्योग की महिला श्रमिक: चुनौतियाँ और रणनीतियाँ' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

एम. आनंद ने 31 जुलाई, 2025 को आयोजित 'नई सहस्राब्दी में अंतर-सांस्कृतिक विविधता और समावेश' पर ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'महामारी के बाद की दुनिया में मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना: सामाजिक कार्य हस्तक्षेप के क्षेत्र' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

एम. आनंद ने 'मानसिक स्वास्थ्य की परिकल्पना' 15-16 मई, 2024 को आयोजित 'वैश्विक चुनौतियों का सामना करने वाले सामाजिक कार्य' विषय पर ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'वैश्विक मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक कार्य: जमीनी स्तर के दृष्टिकोण' विषय पर पैनल प्रस्तुति में "महामारी के बाद के युग में स्वास्थ्य सामाजिक कार्य: भारतीय अंतर्दृष्टि" विषय पर चर्चा की।

एम. आनंद ने 15-16 मई, 2024 को आयोजित 'वैश्विक चुनौतियों का सामना करने वाले सामाजिक कार्य' विषय पर ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "समृद्धि या पतन? सामाजिक कार्य द्वारा युवा मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिक्रिया" विषय पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

एन. पांडे ने 27 फरवरी से 1 मार्च 2025 तक आयोजित 'भारतीय भाषाई परंपरा और स्वदेशी ज्ञान प्रणाली' विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'लोक कथाओं के माध्यम से लैंगिक धारणाओं का सामाजिक निर्माण' विषय पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

एन. पांडे ने 'सुधार सम्मेलन में महिलाएँ (डब्ल्यूआईसीसी)' विषय पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'कैद जीवन और छवियाँ: केरल में विचाराधीन महिलाओं के आख्यान' विषय पर 19-21 फ़रवरी, 2025 तक एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

एन. पांडे ने 12 जनवरी, 2025 को आयोजित 'शैक्षणिक संस्थानों के सामाजिक उत्तरदायित्व' पर दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में 'युवा आकांक्षाओं के साथ कार्य करने के लिए पहुँच और प्रयास' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

एन. पांडे ने 7-10 अगस्त, 2024 को आयोजित 'वैश्विक अपराध विज्ञान और पीड़ित विज्ञान (आईसीजीसीवी)' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'नारीवादी अपराध विज्ञान: महिला अपराध और आपराधिक न्याय प्रणाली में लैंगिक गतिशीलता को संबोधित करना' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

पी. सिंगला ने विश्व सामाजिक कार्य माह, 26 फ़रवरी 2025 के उपलक्ष्य में फरहाग विश्वविद्यालय और शिक्षा, संस्कृति एवं अनुसंधान शैक्षणिक केंद्र द्वारा आयोजित सम्मेलन में ऑनलाइन एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

पी. सिंगला ने 'कल्याण प्रणालियाँ: उभरते हुए समाज से सीख' विषयगत सत्र में 'सतत भविष्य की खोज में: सामाजिक कार्य के परिप्रेक्ष्य' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। 16 जनवरी, 2025 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय क्षमता निर्माण कार्यशाला में 'मॉडल' पर चर्चा की गई।

पी. सिंगला ने 4 से 7 अप्रैल, 2024 तक आयोजित 'सामाजिक कार्य, शिक्षा और सामाजिक विकास' पर संयुक्त अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, लैंगिकता और विविधता पर तकनीकी सत्र में शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

एस. रॉय ने 14 से 16 नवंबर, 2024 तक आयोजित 7वें अंतर्राष्ट्रीय डब्ल्यूएसडब्ल्यूडी 2024 सम्मेलन में, "भारत में ग्रामीण युवाओं के सतत रोजगार सृजन हेतु ग्रामीण उद्यमिता: अभिनव मॉडल के माध्यम से" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

एस. रॉय ने 4 से 7 अप्रैल, 2024 तक मध्य अमेरिका के पनामा में 'सामाजिक कार्य, शिक्षा और सामाजिक विकास' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, 'भारत में मानवाधिकार और दमन-विरोधी पेशे के रूप में सामाजिक कार्य की समीक्षा' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

एस. रानी देव ने 'हाशिए के समूहों में पोषण संबंधी स्थिति: भारत में सामाजिक स्वास्थ्य सेवा और राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएफएचएस) के माध्यम से स्वास्थ्य परिणामों की एक आलोचनात्मक समीक्षा' शीर्षक से एक 24-26 अक्तूबर, 2024 तक आयोजित '12वां भारतीय सामाजिक कार्य सम्मेलन' में शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

एस. मस्के ने 8-11 जून, 2024 तक लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (एलएसई), लंदन, यूके में आयोजित 'रुपये की समस्या: वैश्विक शताब्दी सम्मेलन' विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'बढ़ती सामाजिक-आर्थिक असमानताएँ: मानव विकास के लिए एक गंभीर चिंता और समाजवादी लोकतांत्रिक ढाँचे के लिए संकट' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

वी. युमनाम ने 28 फरवरी, 2025 को आयोजित 'छत्तीसगढ़ में आदिवासी समुदायों के सतत विकास के लिए पारंपरिक और सांस्कृतिक ज्ञान का लाभ उठाना' विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'मणिपुर के आदिवासी और गैर-आदिवासी जिलों में नियमित टीकाकरण कवरेज में असमानताओं की जाँच: सामाजिक-सांस्कृतिक कारकों की खोज' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

1. नवंबर **2024** को सेंटम फाउंडेशन के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग के परिणामस्वरूप**,** प्रमुख परिणामों में शामिल हैं:

क. संरचित शिक्षण हस्तक्षेपों के माध्यम से सामाजिक कार्य के छात्रों की व्यावसायिक दक्षताओं और रोजगार क्षमता को मजबूत करना**,** और

ख. क्षमता निर्माण सत्रों और विशेषज्ञ-नेतृत्व वाले प्रशिक्षण मॉड्यूल के माध्यम से छात्रों को आवश्यक कार्यस्थल**,** संचार**,** तकनीकी और प्रबंधकीय कौशल से सशक्त करना।

2. 15 जनवरी**, 2025** को साइबर पीस फाउंडेशन के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग के परिणामस्वरूप**,** प्रमुख परिणामों में शामिल हैं:

क. सामाजिक कार्य के क्षेत्र में सामाजिक प्रभाव और क्षमता निर्माण के लिए साझेदारी को मजबूत करना**,** और

ख. पारस्परिक हित के क्षेत्रों में संयुक्त पहल और परियोजनाओं के अवसरों की खोज करना।

अन्य सहयोग **:**

डीएसएसडब्ल्यू ने बिसलेरी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के साथ 12 फरवरी, 2025 से अपशिष्ट प्रबंधन और प्लास्टिक रीसाइक्लिंग पर एक सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए। 18 फरवरी, 2025 को समाज कार्य विभाग ने बिसलेरी के सहयोग से "अपशिष्ट प्रबंधन" विषय पर एक अभिविन्यास सत्र का आयोजन किया। ग्रीन ड्रीम्स, पर्यावरण क्लब, समाज कार्य विभाग।

डीएसएसडब्ल्यू ने अंतर-संस्थागत संबंधों को मजबूत करने, छात्रों के वैश्विक दृष्टिकोण को बढ़ाने और अंतर-सांस्कृतिक शिक्षा और नेटवर्किंग को बढ़ावा देने के लिए 28 फरवरी से 10 मार्च, 2025 तक उत्तरी मिशिगन विश्वविद्यालय, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय और विश्व युवक केंद्र के साथ सहयोग किया। प्रमुख योगदानकर्ताओं में डॉ. विकास कुमार, प्रो. संजय रॉय, श्री उदय शंकर और डॉ. सुधीर मस्के शामिल थे। कार्यक्रम में एक उद्घाटन सत्र, सामुदायिक दौरों के साथ एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी और एक समापन सत्र शामिल था। एनएमयू संकाय (प्रो. सारा कार्लसन, डॉ. एशले प्रोवोस्ट) ने भी भाग लिया।

नियुक्त छात्रों की संख्या एवं प्रतिशत
90%

विस्तार एवं आउटरीच गतिविधियाँ
समाज कार्य शिक्षा के एक प्रमुख संस्थान के रूप में, विभाग ने जटिल सामाजिक मुद्दों के समाधान में समाज कार्य हस्तक्षेपों की व्यावहारिक प्रासंगिकता को प्रदर्शित करने के लिए सक्रिय रूप से क्षेत्रीय कार्य परियोजनाएँ शुरू की हैं। दो प्रमुख पहल - *बाल एवं किशोर कल्याण केंद्र (सीसीएडब्ल्यू) और सामुदायिक विकास एवं कार्य केंद्र (सीसीडीए)* - व्यावहारिक शिक्षा और सामुदायिक सहभागिता के लिए जीवंत प्रयोगशालाओं के रूप में कार्य करते हैं।

संकाय सदस्यों की संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक

8

एसोसिएट प्रोफेसर

3

सहायक प्रोफेसर

6

अतिथि संकाय

2

प्रदत्त उपाधि

प्रदत्त पीएच.डी. उपाधियों की संख्या

17

सामाजिक आउटरीच

दिल्ली स्कूल ऑफ सोशल वर्क के ग्रीन ड्रीम्स क्लब ने मार्च 2025 में अपनी पहली वर्षगांठ मनाई, जिसके सक्रिय सदस्यों की संख्या 18 से बढ़कर 55 हो गई। इस दौरान, क्लब ने कई प्रभावशाली पहलों का नेतृत्व किया, जिनमें वर्टिकल गार्डन का निर्माण और पर्यावरण-अनुकूल समारोहों को बढ़ावा देना शामिल है, जिससे पर्यावरण जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता को प्रभावी ढंग से बढ़ावा मिला। अपने अभिनव कार्यों के लिए *द बेटर इंडिया* द्वारा मान्यता प्राप्त, यह क्लब स्थिरता और पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर प्रयासरत है। यह पर्यावरण के प्रति जागरूक नेतृत्व को पोषित करने और छात्रों में सामाजिक एवं पर्यावरणीय उत्तरदायित्व की प्रबल भावना जगाने के लिए एक जीवंत मंच के रूप में खड़ा है।

ईसीए/खेल

डॉ. एन.टी. थॉमस के नेतृत्व में फिटनेस वॉरियर्स पहल ने 50 से अधिक संकाय सदस्यों और छात्रों को 3 किमी और 5 किमी की पैदल-दौड़ प्रतियोगिता के लिए एक साथ लाया, जिसका उद्देश्य शारीरिक फिटनेस, सामुदायिक जुड़ाव और समग्र कल्याण को बढ़ावा देना था। राष्ट्रीय स्वाभिमान दिवस समारोह के हिस्से के रूप में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य आत्म-सम्मान, गरिमा और सामुदायिक गौरव की भावना को बढ़ावा देना था।

विभागीय बैडमिंटन टूर्नामेंट भी एक और शानदार सफलता रही, जिसमें सभी बैचों के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस टूर्नामेंट ने न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को प्रोत्साहित किया, बल्कि खेल भावना, टीम वर्क और सौहार्द के मूल्यों को भी पोषित किया, जिससे एक स्वस्थ और संतुलित जीवनशैली के महत्व पर बल मिला।

करुणा और एकजुटता के प्रदर्शन में, विभाग ने वंचितों के लिए कपड़े और आवश्यक वस्तुएँ एकत्र करने के लिए एक दान अभियान भी शुरू किया। छात्रों ने उदारतापूर्वक योगदान दिया और एकत्रित वस्तुओं को इंदिरा बस्ती और उसके आसपास के निवासियों में वितरित किया गया। इस पहल ने सामाजिक उत्तरदायित्व, सहानुभूति और सामुदायिक सेवा के प्रति विभाग की गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाया।

उपयोगित निधियां (करोड़ में)
₹863697

आवंटित निधियां (करोड़ में)
₹884300

प्रौद्योगिकी संकाय

कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

शैक्षणिक वर्ष के दौरान, विभाग ने छात्र और संकाय विकास के संवर्धन के लिए विभिन्न शैक्षणिक और सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया। कई विशेषज्ञ वार्ताएँ आयोजित की गईं, जिनमें शिक्षा जगत और उद्योग जगत के प्रतिष्ठित वक्ताओं ने वर्तमान रुझानों और तकनीकों पर बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की। संकाय सदस्यों और छात्रों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में सक्रिय रूप से भाग लिया, शोध-पत्र प्रस्तुत किए और विद्वत्तापूर्ण चर्चाओं में भाग लिया। हमारे छात्रों ने कोडिंग प्रतियोगिताओं, गेमिंग प्रतियोगिताओं और हैकाथॉन सहित विभिन्न तकनीकी कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भाग लिया, जहाँ उन्होंने अपनी रचनात्मकता और समस्या-समाधान कौशल का प्रदर्शन किया। उल्लेखनीय रूप से, कुछ छात्रों ने इन आयोजनों में सराहनीय परिणाम और मान्यता प्राप्त की। कुछ छात्रों ने प्रतिष्ठित संगठनों के साथ इंटर्नशिप भी पूरी की, जहाँ उन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में व्यावहारिक अनुभव और व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया। इन इंटर्नशिप ने उनके पेशेवर विकास और उद्योग के लिए तैयारी में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इन गतिविधियों के माध्यम से, विभाग ने छात्रों के बीच शैक्षणिक उत्कृष्टता, नवाचार और समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है। ज्ञान-साझाकरण प्लेटफार्मों और प्रतिस्पर्धी कार्यक्रमों में संकाय और छात्रों की सक्रिय भागीदारी एक जीवंत शैक्षिक वातावरण को दर्शाती है जो निरंतर सीखने और वास्तविक दुनिया से जुड़ाव को बढ़ावा देता है।

सम्मान/विशिष्टता

छात्र

- आर्यन गुप्ता, बी.टेक सीएसई- (प्रथम वर्ष) के छात्र, गौरी दहिया, ईसीई - बी- (प्रथम वर्ष) की छात्रा, प्रवीण कुमार माझी, विधि संकाय - (द्वितीय वर्ष) के छात्र, मोहम्मद मुजम्मिल, सीएसई, डीटीयू - (प्रथम वर्ष) के छात्र, मंतव्य अरुण कुमार, सीएसई, एनएसयूटी - (प्रथम वर्ष) के छात्र, मेडी रक्षक स्टार्टअप आइडिया के लिए, आईआईटी गुवाहाटी के UDGAM'25 DISRUPT स्टार्टअप बूटकैंप में फाइनलिस्ट और टीम लीडर थे, जिन्हें फरवरी 2025 में 600+ टीमों में से शीर्ष 15 टीमों में स्थान दिया गया था।
- बी.टेक सीएसई बी- (प्रथम वर्ष) के छात्र आर्यन गुप्ता, भीड़ प्रबंधन, टिकट प्रक्रिया और छात्रों और अभिभावकों (10,000+ उपस्थित) के लिए प्रवेश समन्वय के लिए जिम्मेदार युवा स्वयंसेवक थे, UDGAAR महोत्सव 2024, दिल्ली विश्वविद्यालय, 18 अक्तूबर, 2024।
- बीटेक सीएसई- (प्रथम वर्ष) के छात्र आदित्य कुमार यादव ने यूपीएससी एनडीए I 2024 लिखित, 21 अप्रैल, 2024 और यूपीएससी एनडीए I 2025 लिखित, 13 अप्रैल, 2025 उत्तीर्ण की।
- अनीश कुमार, अवि पांडे, रोनित जयसवाल, प्रियांशी मीना, अनिमेष कुमार, ऋषभ देव प्रसाद, बी.टेक सीएसई- (द्वितीय वर्ष), स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2024, 11-12 दिसंबर, 2024 में फाइनलिस्ट थे।
- बी.टेक. सीएसई- (द्वितीय वर्ष) के छात्र अर्शदीप सिंह को अक्तूबर 2024 में कठोर साक्षात्कार प्रक्रिया के बाद नेतृत्व और नवाचार पर केंद्रित एचपीएआईआर हार्वर्ड सम्मेलन 2025 के लिए प्रतिनिधि के रूप में चुना गया है।
- बी.टेक. सीएसई- (द्वितीय वर्ष) के छात्र अर्शदीप सिंह, तुषार चोपड़ा और धैर्य जैन ने डिजिटल सुरक्षा और क्रिप्टोकरेंसी विनियमन पर केंद्रित समाधान विकसित करके 100 से अधिक टीमों में से चौथा स्थान प्राप्त किया। इन्नोक्षेत्र हैकाथॉन , एनआईटी कुरुक्षेत्र , सितंबर 2024।
- आयुष बी.टेक सीएसई- बी- (द्वितीय वर्ष) के छात्र महलावत ने 10 जून, 2024 से 9 अगस्त, 2024 तक हाइब्रिड मोड में मैपअप.एआई में इंटर्नशिप पूरी कर ली है।
- बृजेश कुमार मोर्य, बी.टेक सीएसई- (द्वितीय वर्ष) के छात्र, 25वें भारत नवाचार और प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन (इंडियासॉफ्ट 2025), 19-20 मार्च, 2025 में भागीदार थे।
- बी.टेक सीएसई- (द्वितीय वर्ष) के छात्र देबज्योति रॉय को 29-31 जनवरी, 2025 को एनआईटी सिलचर में सर्वश्रेष्ठ शोध से सम्मानित किया गया ।
- बी.टेक सीएसई (द्वितीय वर्ष) के छात्र गुरहंस ग्रोवर ने 3 दिसंबर, 2023 को हैकररैंक बैज पर सी के लिए गोल्ड बैज जीता।
- बी.टेक सीएसई- (द्वितीय वर्ष) के छात्र हर्ष नारायण, क्राफ्टन इंडिया के बीजीएमआई इवेंट (इंडिया गेमिंग शो 2025, भारत मंडपम) में गेमिंग एडमिन थे, स्नैपड्रैगन प्रो सीरीज ईएसएल 2025 (नोएडा

इंडोर स्टेडियम) में प्रोडक्शन टीम का हिस्सा थे, और वी इंडिया के कॉल ऑफ ड्यूटी इवेंट (आईएमसी 2025) के गेमिंग एडमिन थे।

- हर्ष नाथ त्रिपाठी , बी.टेक (कंप्यूटर इंजीनियरिंग)- (प्रथम वर्ष) के छात्र, ने 5 दिसंबर, 2024 को अमेरिकी दूतावास, नई दिल्ली में आयोजित डिप्लोमैटिक सिमुलेशन में भाग लिया।
- हर्ष नाथ त्रिपाठी , बी.टेक (कम्प्यूटर इंजीनियरिंग) के छात्र- (प्रथम वर्ष), को इंडीराइज रिसर्च लैब्स में जेनएआई इंटर्नशिप के लिए चुना गया है । यह आईआईटी मद्रास रिसर्च पार्क में 1 मई से 31 जुलाई, 2025 तक इनक्यूबेट किया गया एक स्टार्टअप है, जो वास्तविक दुनिया के जनरेटिव एआई प्रोजेक्ट्स में योगदान देता है, ।
- बीटेक सीएसई- (द्वितीय वर्ष) के छात्र हर्षित यादव 27 फरवरी, 2025 से डूसू के सांस्कृतिक अध्यक्ष थे।
- इब्राहिम इब्न तनवीर अलमदानी , बी.टेक सीएसई- (द्वितीय वर्ष) के छात्र, ने 9.75 सीजीपीए के साथ डेटा साइंस में आईआईटी मद्रास बीएस डिग्री का फाउंडेशन स्तर पूरा किया, 15 सितंबर, 2024.
- बी.टेक सीएसई- (द्वितीय वर्ष) के छात्र जस सिमरजीत सिंह ने एनपीटीईएल पाठ्यक्रम डेटाबेस प्रबंधन प्रणाली, 21 सितंबर, 2024, डेटा संरचनाएं और एल्गोरिदम जावा का उपयोग करते हुए, 26 अक्तूबर, 2024 और जावा में प्रोग्रामिंग, 27 अप्रैल, 2024 को पूरा किया।
- बी.टेक सीएसई- (द्वितीय वर्ष) की छात्रा , 24-26 फरवरी, 2025 को रक्षा मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और भारतीय सेना के संयुक्त उद्यम सीयूएनपीके द्वारा आयोजित ग्लोबल साउथ की महिला शांति सैनिकों के सम्मेलन में स्वयंसेवी कार्यक्रम प्रबंधक थीं।
- जशवंत बी, बीटेक सीएसई - (प्रथम वर्ष) के छात्र, कोड कैटेलिस्ट वर्कशॉप कार्यक्रम, प्रौद्योगिकी संकाय, 6 फरवरी, 2025 में मुख्य सदस्य थे।
- बी.टेक सीएसई- (द्वितीय वर्ष) के छात्र निशांत गुप्ता, रोनित जायसवाल और हर्ष वर्मा ने न्यूटनियन में प्रथम पुरस्कार जीता । हैकाथॉन , केएमसी, दिल्ली विश्वविद्यालय, 24 फरवरी, 2025।
- निशांत गुप्ता, रोनित जयसवाल, हर्ष वर्मा , दीपाली तलरेजा और बी.टेक सीएसई की छात्रा आकांक्षा सिंह ने टेक क्राइसिस प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार जीता, आईआईआईटी दिल्ली, 22 मार्च, 2025।
- प्रांजल गुप्ता, सीएसई के छात्र- (द्वितीय वर्ष), इंडियन डेफस्पेस संगोष्ठी, इंडियन स्पेस एसोसिएशन, 07- 09 अप्रैल, 2025 में 3 दिनों के लिए स्वयंसेवक थे।
- बी.टेक सीएसई- (प्रथम वर्ष) के छात्र रामचंद्र ने ब्लाइंड कोडिंग में दूसरा स्थान प्राप्त किया, संकल्प 2025, सीएसई विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 19-20 अप्रैल, 2025।
- बी.टेक (सीएसई-ए) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा शुभिका ने 15 जुलाई, 2024 से 5 अगस्त, 2024 तक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आईबीएम स्किल्सबिल्ड समर इंटर्नशिप प्रोग्राम पूरा किया।
- बी.टेक.सीएसई- (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सिद्धि श्रीवास्तव और देबोज्योति रॉय ने "विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवाचार: विकसित भारत @2047 का एक परिप्रेक्ष्य" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में

"सिलिकॉन एमओएसएफईटी में प्रोटॉन प्रेरित विकिरण क्षति की भविष्यवाणी के लिए प्रतिगमन मॉडल पर" शोध प्रस्तुत करने के लिए सर्वश्रेष्ठ शोध प्रस्तुति पुरस्कार जीता, डीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय, 19-21 मार्च, 2025।

- बी.टेक. सीएसई- सेक्शन बी- (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सिद्धि श्रीवास्तव को डीबीटी स्टार महाविद्यालय प्रयोगशाला, दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में "विदेशी वातावरण में विश्वसनीय संचालन के लिए प्लेन एमओएसएफईटी" विषय पर शोध इंटर्नशिप के लिए 15 जून, 2024 से 31 जुलाई, 2024 तक चयनित किया गया है।
- बी.टेक सीएसई (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुजैन, बी.टेक ईसीई - (द्वितीय वर्ष) के छात्र अंश गुप्ता ने 27 मार्च, 2025 को कोड फैंटम 1.0 में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.टेक सीएसई- (द्वितीय वर्ष) के छात्र तुषार चोपड़ा ने 3 अक्तूबर, 2024 से 5 दिसंबर, 2024 तक एआई/एमएल इंटर्न के रूप में इंफोसिस स्प्रिंगबोर्ड के साथ अपनी इंटर्नशिप पूरी की।

प्रकाशन

संकाय

- पुंडीर, ए., सक्सेना, जी.जे., अग्रवाल, एन., सिंह, एस., शुक्ला, यू., और मेहरा, वी. (2024)। मृत्युदंड प्राप्त अपराधियों की मौखिक अभिव्यक्ति में निरंतरता: भावनाओं के साथ जीवन का समापन। *फ्रंटियर्स इन कंप्यूटर साइंस, 6* , 1463692। https://doi.org/10.3389/fcomp.2024.1463692
- पुंडीर, ए., शुक्ला, ए., सक्सेना, जी.जे., अग्रवाल, एन., सिंह, एस., और शुक्ला, यू. (2024)। WADCAT: डेटा संग्रह और विषयों के विश्लेषण के लिए वेब अनुप्रयोग। *अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी सम्मेलन में* (पृष्ठ 173–183) सिंगापुर: स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर, *1280 /* https://link.springer.com/chapter/10.1007/978-981-97-9045-6_15

छात्र

- सिंह, ए., श्रीवास्तव, एच., बसु, के., और श्रीवास्तव , एस. (2025)। उन्नत ध्वनि पहचान के लिए व्याख्यात्मक एआई का लाभ उठाना: ध्वनि नमूनों का उपयोग करके विशेषता परीक्षण। "विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवाचार: विकसित भारत का एक परिप्रेक्ष्य @2047" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। स्वीकृत
- श्रीवास्तव, एस., रॉय, डी. (2025). "सिलिकॉन MOSFETs में प्रोटॉन प्रेरित विकिरण क्षति की भविष्यवाणी के लिए प्रतिगमन मॉडल पर। विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवाचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: विकासशील भारत का एक परिप्रेक्ष्य @2047। स्वीकृत

आयोजित संगोष्ठी

- 'बिग डेटा एनालिटिक्स' पर 26 नवंबर, 2024 को एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

- श्री अनुव्रत पाराशर , संस्थापक, एसेंशिया. देव ने 6 फरवरी, 2025 को 'साइबर सुरक्षा के मूल सिद्धांतों' पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- प्रोफेसर मेरलीन डी सूजा, प्रोफेसर, शेफील्ड विश्वविद्यालय, यूके ने 18 मार्च, 2025 को 'भौतिक जलाशय कंप्यूटिंग' पर एक IEEE विशिष्ट व्याख्यान दिया।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

राष्ट्रीय

- वाई. संगीता को आईआईएससी बैंगलोर में 14-18 महीने, 2024/12 से आयोजित सम्मेलन सीएएसएमएल 2024 के लिए प्लेनरी टॉक स्पीकर के रूप में आमंत्रित किया गया।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

विभाग छात्रों को कक्षा के बाहर सामाजिक रूप से प्रभावशाली पहलों में भाग लेने के लिए सक्रिय रूप से प्रोत्साहित करता है ताकि उनमें नागरिक जिम्मेदारी और राष्ट्रीय चेतना की भावना विकसित हो सके। इस दृष्टिकोण के अनुरूप, कई छात्रों ने "उद्गार- अच्छाई और आनंद की अभिव्यक्ति" में उत्साहपूर्वक भाग लिया, जो भारत को व्यसन मुक्त बनाने की थीम पर केंद्रित एक मेगा युवा उत्सव था। यह कार्यक्रम 18 अक्तूबर, 2024 को भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के सहयोग से एथिकक्राफ्ट क्लब और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया था। सांस्कृतिक प्रदर्शनों, इंटरैक्टिव सत्रों और सार्वजनिक प्रतिज्ञाओं के माध्यम से, छात्रों ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग की रोकथाम के बारे में जागरूकता फैलाने और युवाओं में मानसिक और भावनात्मक कल्याण को बढ़ावा देने में योगदान दिया। इसके अतिरिक्त, विभाग के छात्रों ने स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन (SIH) 2024 में भाग लिया, इन गतिविधियों ने छात्रों को राष्ट्रीय स्तर के मंचों से परिचित कराया और उन्हें अपने कौशल को सामाजिक कल्याण के लिए उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। विभाग ऐसी आउटरीच पहलों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो न केवल समाज की बेहतरी में योगदान देती हैं, बल्कि छात्रों को एक ज़िम्मेदार, जागरूक और सक्रिय नागरिक बनने में भी मदद करती हैं।

संकाय संख्या

सहायक प्रोफेसर	: 03
अतिथि	: 06
कुल	**:** 09

सामाजिक आउटरीच

विभाग छात्रों को दिल्ली विश्वविद्यालय और अन्य संगठनों द्वारा आयोजित सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रेरित करता है।

ईसीए/खेल

विभाग पाठ्येतर और खेल गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करके छात्रों के समग्र विकास पर ज़ोर देता है। एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में, प्रौद्योगिकी संकाय ने अपना पहला सांस्कृतिक उत्सव, स्पंदन, आयोजित किया, जिसमें छात्रों ने बड़े उत्साह और ऊर्जा के साथ भाग लिया। इस कार्यक्रम में संगीत, नृत्य, कविता और अन्य रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से विविध प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया गया। छात्रों ने उत्कृष्ट नेतृत्व, टीम वर्क और संगठनात्मक कौशल का प्रदर्शन करते हुए, कार्यक्रम के आयोजन और प्रबंधन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। खेल के क्षेत्र में, छात्रों ने शतरंज, क्रिकेट आदि जैसी विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया, जिससे एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धी भावना और शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा मिला। इन आयोजनों ने छात्रों को मनोरंजन और स्वस्थ्यता के साथ पढ़ाई के बीच संतुलन बनाने का एक मंच प्रदान किया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुरूप, विभाग ने छात्रों के शारीरिक और मानसिक विकास में सहायता के लिए विभिन्न मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम (वीएसी) भी पेश किए। 'स्पोर्ट्स फॉर लाइफ' और 'फिट इंडिया' जैसे पाठ्यक्रम कई छात्रों द्वारा सफलतापूर्वक पूरे किए गए, जिससे उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और अपने समग्र स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद मिली। ऐसी गतिविधियों के माध्यम से, विभाग एक जीवंत और समावेशी परिसर संस्कृति को बढ़ावा देता है जो छात्रों के बीच व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास दोनों का समर्थन करता है।

उपयोगित निधियां (करोड़ में) : 0.5

आवंटित निधियां (करोड़ में) : 0.54

***

इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग (ईसीई) विभाग ने 2024-2025 के दौरान कई महत्वपूर्ण शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर, आमंत्रित वार्ताओं का समन्वय डॉ. दीप्ति रंजन सामंतराय और श्री खुशवंत सेहरा , जिसमें प्रो. लाडिसलाऊ का मेटासर्फेस पर माटेकोविट्स (2 अक्तूबर, 2024) एक सत्र भी शामिल है और भौतिक जलाशय कंप्यूटिंग पर शेफ़ील्ड विश्वविद्यालय की प्रोफ़ेसर मर्लिन डी सूज़ा (18 मार्च, 2025) द्वारा एक और व्याख्यान दिया गया। राष्ट्रीय स्तर पर, सेमीकंडक्टर्स में एआई पर प्रोफ़ेसर मनोज सक्सेना द्वारा 9 अक्तूबर, 2024 को एक व्याख्यान आयोजित किया गया। विभाग ने विशेषज्ञ व्याख्यान भी आयोजित किए, जैसेकि डॉ. एनडी कौशिका द्वारा ऊर्जा भविष्य पर व्याख्यान (14 नवंबर, 2024), और सीएसआईआर-एनपीएल के वैज्ञानिकों द्वारा ई-टेक्सटाइल्स में मेमरिस्टर पर व्याख्यान (9 अगस्त, 2024)। तकनीकी कार्यशालाएँ और प्रशिक्षण कार्यक्रम CADFEM Ansys (13 नवंबर, 2024), CST स्टूडियो (18-20 सितंबर, 2024),

और NI मल्टीसिम (12-13 अगस्त, 2024) में आयोजित किए गए, जिससे छात्रों और शिक्षकों को व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ। आईईईई चैप्टर और दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रौद्योगिकी संकाय के तत्वावधान में आयोजित इन कार्यक्रमों से शैक्षणिक सहभागिता, अंतःविषयक शिक्षा और उद्योग जगत से परिचय में वृद्धि हुई।

सम्मान/विशिष्टता

संकाय

प्रो. राज सेनानी

- स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय और एल्सेवियर शोधकर्ताओं के एक समूह द्वारा अगस्त 2024 में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दुनिया के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों (कैरियर-वार) की सूची में शामिल।
- 14 सितंबर, 2024 को, उन्हें इंस्टीट्यूशन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियर्स (IETE), भारत द्वारा सर्किट और सिस्टम के क्षेत्र में पांच दशकों से अधिक के उत्कृष्ट शोध और IETE पत्रिकाओं के लिए विशिष्ट सेवाओं के लिए 'IETE लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड 2024' से सम्मानित किया गया।

छात्र

- आर्यन गुप्ता, बी.टेक सीएसई- (प्रथम वर्ष) के छात्र, गौरी दहिया, ईसीई - बी - (प्रथम वर्ष) की छात्रा, प्रवीण कुमार माझी, विधि संकाय - (द्वितीय वर्ष) के छात्र, मोहम्मद मुज़म्मिल, सीएसई, डीटीयू - (प्रथम वर्ष) के छात्र, मंतव्य अरुण कुमार, सीएसई, एनएसयूटी - (प्रथम वर्ष) के छात्र, यूडीजीएएम'25 डिसरप्ट स्टार्टअप में फाइनलिस्ट और टीम लीडर थे। मेडिकल छात्रों के लिए आईआईटी गुवाहाटी में बूटकैंप रक्षक स्टार्टअप आइडिया को 600+ टीमों में से शीर्ष 15 टीमों में स्थान दिया गया, फरवरी 2025।
- बी.टेक सीएसई बी- (प्रथम वर्ष) के छात्र आर्यन गुप्ता, 18 अक्तूबर, 2024 को सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा प्रायोजित, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित UDGAAR महोत्सव 2024 में छात्रों और अभिभावकों (10,000+ उपस्थित) के लिए भीड़ प्रबंधन, टिकट प्रक्रिया और प्रवेश समन्वय के लिए जिम्मेदार युवा स्वयंसेवक थे।
- बीटेक सीएसई- (प्रथम वर्ष) के छात्र आदित्य कुमार यादव ने यूपीएससी एनडीए I 2024 लिखित, 21 अप्रैल, 2024 और यूपीएससी एनडीए I 2025 लिखित, 13 अप्रैल, 2025 को उत्तीर्ण किया है।
- अनीश कुमार, अवि पांडे , रोनित जायसवाल, प्रियांशी मीना, अनिमेष कुमार, ऋषभ देव प्रसाद, बी.टेक सीएसई-(द्वितीय वर्ष), 11-12 दिसंबर, 2024 को स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2024 के फाइनलिस्ट थे।
- बी.टेक. सीएसई- (द्वितीय वर्ष) के छात्र अर्शदीप सिंह को अक्तूबर 2024 में कठोर साक्षात्कार प्रक्रिया के बाद नेतृत्व और नवाचार पर केंद्रित एचपीएआईआर हार्वर्ड सम्मेलन 2025 के लिए प्रतिनिधि के रूप में चुना गया है।

- बी.टेक. सी.एस.ई. (द्वितीय वर्ष) के छात्र अर्शदीप सिंह, तुषार चोपड़ा और धैर्य जैन ने इन्नोक्षेत्र में हैकाथॉन, एनआईटी कुरुक्षेत्र द्वारा डिजिटल सुरक्षा और क्रिप्टोकरेंसी विनियमन पर केंद्रित समाधान विकसित करके एक टीम के रूप में चौथा स्थान प्राप्त किया।, सितंबर 2024।
- आयुष महलावत , बी.टेक सीएसई - बी - (द्वितीय वर्ष) के छात्र, को 10 जून , 2024 से 9 अगस्त, 2024 तक हाइब्रिड मोड में मैपअप.एआई में इंटर्नशिप के लिए चुना गया।
- बृजेश कुमार मोर्य, बी.टेक सीएसई- (द्वितीय वर्ष) के छात्र, 25वें भारत नवाचार और प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन (इंडियासॉफ्ट 2025), 19-20 मार्च, 2025 में भागीदार थे।
- बी.टेक सीएसई- (द्वितीय वर्ष) के छात्र देबोज्योति रॉय ने एमएनडीसीएस 25 में शोध प्रस्तुत किया और एनआईटी सिलचर में 29-31 जनवरी, 2025 को सर्वश्रेष्ठ शोध से सम्मानित किया गया ।
- बी.टेक सीएसई- (द्वितीय वर्ष) के छात्र गुरहंस ग्रोवर ने 3 दिसंबर, 2023 को हैकर रैंक बैज पर सी के लिए गोल्ड बैज जीता।
- बी.टेक सीएसई- (द्वितीय वर्ष) के छात्र हर्ष नारायण, क्राफ्टन इंडिया के बीजीएमआई इवेंट (इंडिया गेमिंग शो 2025, भारत मंडपम) में गेमिंग एडमिन थे, स्नैपड्रैगन प्रो सीरीज ईएसएल 2025 (नोएडा इंडोर स्टेडियम) में प्रोडक्शन टीम का हिस्सा थे, और वी इंडिया के कॉल ऑफ ड्यूटी इवेंट (आईएमसी 2025) के गेमिंग एडमिन थे।
- हर्ष नाथ त्रिपाठी, बी.टेक (कंप्यूटर इंजीनियरिंग)- (प्रथम वर्ष) के छात्र, ने 5 दिसंबर, 2024 को अमेरिकी दूतावास, नई दिल्ली में आयोजित डिप्लोमैटिक सिमुलेशन में भाग लिया।
- हर्ष नाथ त्रिपाठी, बी.टेक (कंप्यूटर इंजीनियरिंग) के छात्र- (प्रथम वर्ष) ने इंडीराइज रिसर्च लैब्स में जेनएआई इंटर्नशिप हासिल की, जो आईआईटी मद्रास रिसर्च पार्क में इनक्यूबेट किया गया एक स्टार्टअप है, जो वास्तविक दुनिया के जेनरेटिव एआई प्रोजेक्ट्स में योगदान देता है, 1 मई से 31 जुलाई, 2025.
- बीटेक सीएसई (द्वितीय वर्ष) के छात्र हर्षित यादव 27 फरवरी, 2025 से डूसू के सांस्कृतिक अध्यक्ष थे।
- इब्राहिम इब्न तनवीर बी.टेक सीएसई - (द्वितीय वर्ष) के छात्र अलमदानी ने 15 सितंबर, 2024 को 9.75 सीजीपीए के साथ डेटा साइंस में आईआईटी मद्रास बीएस डिग्री का फाउंडेशन स्तर पूरा किया।
- बी.टेक सीएसई-(द्वितीय वर्ष) के छात्र जस सिमरजीत सिंह को एनपीटीईएल पाठ्यक्रम डेटाबेस प्रबंधन प्रणाली, 21 सितंबर, 2024, डेटा संरचनाएं और एल्गोरिदम जावा का उपयोग करते हुए, 26 अक्तूबर, 2024 और जावा में प्रोग्रामिंग, 27 अप्रैल, 2024 के लिए चुना गया है।
- जस सिमरजीत सिंह, बी.टेक सीएसई- (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, 24-26 फरवरी, 2025 को रक्षा मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और भारतीय सेना के संयुक्त उद्यम , सीयूएनपीके, ग्लोबल साउथ की महिला शांति सैनिकों के सम्मेलन में स्वयंसेवी कार्यक्रम प्रबंधक थीं।
- जशवंत बी, बीटेक सीएसई- (प्रथम वर्ष) के छात्र, कोड कैटेलिस्ट वर्कशॉप कार्यक्रम, प्रौद्योगिकी संकाय, 6 फरवरी, 2025 में कोर सदस्य थे।

- निशांत गुप्ता, रोनित जायसवाल और हर्ष वर्मा, बी.टेक सीएसई- (द्वितीय वर्ष) के छात्र ने न्यूटनियन में प्रथम पुरस्कार जीता हैकाथॉन , केएमसी, दिल्ली विश्वविद्यालय, 24 फरवरी, 2025।
- निशांत गुप्ता, रोनित जयसवाल, हर्ष वर्मा , दीपाली तलरेजा और बी.टेक सीएसई की छात्रा आकांक्षा सिंह ने टेक क्राइसिस प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार जीता, आईआईआईटी दिल्ली, 24 फरवरी, 2025।
- प्रांजल गुप्ता, सीएसई के छात्र - (द्वितीय वर्ष), इंडियन डेफस्पेस संगोष्ठी, इंडियन स्पेस एसोसिएशन, 07- 09 अप्रैल, 2025 में 3 दिनों के लिए स्वयंसेवक थे ।
- बी.टेक सीएसई- (प्रथम वर्ष) के छात्र रामचंद्र ने ब्लाइंड कोडिंग इवेंट, संकल्प 2025, सीएसई विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 19-20 अप्रैल, 2025 में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- शुभिका, बी.टेक (सीएसई-ए)- (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आईबीएम स्किल्सबिल्ड समर इंटर्नशिप प्रोग्राम के लिए चुना गया है, 15 जुलाई, 2024 से 5 अगस्त, 2024 तक
- सिद्धि श्रीवास्तव और देबोज्योति रॉय, बी.टेक.सीएसई - (द्वितीय वर्ष), ने डीन दयाल में "विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवाचार: विकसित भारत @2047 का एक परिप्रेक्ष्य" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सिलिकॉन एमओएसएफईटी में प्रोटॉन प्रेरित विकिरण क्षति की भविष्यवाणी के लिए प्रतिगमन मॉडल पर" शोध प्रस्तुत करने के लिए सर्वश्रेष्ठ शोध प्रस्तुति पुरस्कार जीता। 19-21 मार्च, 2025, दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय।
- बी.टेक.सीएसई- (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सिद्धि श्रीवास्तव को डीबीटी स्टार कॉलेज प्रयोगशाला, में "विदेशी वातावरण में विश्वसनीय संचालन के लिए प्लेन एमओएसएफईटी" विषय पर शोध इंटर्नशिप के लिए चुना गया है। दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय 15 जून 2024 से 31 जुलाई 2024 तक।
- बी.टेक सीएसई (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुजैन , बी.टेक ईसीई- (द्वितीय वर्ष) के छात्र अंश गुप्ता ने 27 मार्च, 2025 को कोड फैंटम 1.0 में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- तुषार चोपड़ा, बी.टेक सीएसई- (द्वितीय वर्ष) के छात्र, को इन्फोसिस स्प्रिंगबोर्ड में एआई/एमएल इंटर्न के रूप में इंटर्नशिप के लिए चुना गया, 3 अक्तूबर, 2024 से 5 दिसंबर, 2024 तक।

प्रकाशन

संकाय

- पुंडीर , ए., सक्सेना, जी.जे., अग्रवाल, एन., सिंह, एस., शुक्ला, यू., और मेहरा , वी. (2024)। मृत्युदंड प्राप्त अपराधियों की मौखिक अभिव्यक्ति में संगति: भावनाओं के साथ जीवन का समापन। *फ्रंटियर्स इन कंप्यूटर साइंस, 6* , 1463692. https://doi.org/10.3389/fcomp.2024.1463692
- शुक्ला, ए., पुंडीर , ए., सक्सेना, जी.जे., अग्रवाल, एन., सिंह, एस., और शुक्ला, यू. (2024)। WADCAT: डेटा संग्रह और विषयों के विश्लेषण के लिए वेब अनुप्रयोग */ अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी सम्मेलन में*

(पृष्ठ 173-183) सिंगापुर: स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर , *1280* / https://link.springer.com/chapter/10.1007/978-981-97-9045-6_15

छात्र

- रॉय, डी., और श्रीवास्तव, एस. (2025). सिलिकॉन MOSFETs में प्रोटॉन प्रेरित विकिरण क्षति की भविष्यवाणी के लिए प्रतिगमन मॉडल पर। विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवाचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: विकसित भारत का एक परिप्रेक्ष्य @2047।
  स्वीकृत
- सिंह, ए., श्रीवास्तव, एच., बसु , के. और श्रीवास्तव , एस. (2025)। उन्नत ध्वनि पहचान के लिए व्याख्यात्मक एआई का लाभ उठाना: ध्वनि नमूनों का उपयोग करके फ़ीचर परीक्षण। "विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवाचार: 2047 में विकसित भारत का एक परिप्रेक्ष्य" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ।
  स्वीकृत

आयोजित संगोष्ठी

- डॉ. प्रवीण सिंह ठाकुर ने 26 नवंबर, 2024 को 'बिग डेटा एनालिटिक्स' पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- श्री अनुव्रत पाराशर , संस्थापक, एसेंशिया . देव ने 6 फरवरी, 2025 को 'साइबर सुरक्षा के मूल सिद्धांतों' पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- प्रोफेसर मेरलीन डी सूजा, प्रोफेसर, शेफील्ड विश्वविद्यालय, यूके ने 18 मार्च, 2025 को 'भौतिक जलाशय कंप्यूटिंग' पर एक IEEE विशिष्ट व्याख्यान दिया।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

राष्ट्रीय

- वाई. संगीता को आईआईएससी बैंगलोर में 14-18 महीने, 2024/12 से आयोजित सम्मेलन सीएएसएमएल 2024 के लिए प्लेनरी टॉक स्पीकर के रूप में आमंत्रित किया गया था।

संकाय संख्या

एसोसिएट प्रोफेसर	: 01
सहायक प्रोफेसर	: 02
अतिथि	: 06
कुल	**:** 09

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग (ईसीई) विभाग के संकाय सदस्य सम्मेलनों, कार्यशालाओं और संकाय विकास कार्यक्रमों में शैक्षणिक और व्यावसायिक विकास गतिविधियों की एक श्रृंखला में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं।

डॉ. दीप्तिरंजन सामंतराय ने दो प्रतिष्ठित सम्मेलनों में सत्र अध्यक्ष के रूप में कार्य किया: माइक्रोवेव, एंटीना और संचार (MAC) सम्मेलन 2024 और सिग्नल एवं डेटा प्रोसेसिंग पर स्प्रिंगर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICSDP-2024)। इसके अतिरिक्त, उन्होंने दो आमंत्रित व्याख्यान भी दिए। पहला व्याख्यान 10-11 मार्च, 2025 को ओडिशा के बालासोर स्थित श्रीराम महाविद्यालय में "ग्रीन इलेक्ट्रॉनिक्स: भविष्य के लिए स्थायी समाधान" विषय पर दिया। दूसरा व्याख्यान 12 मार्च, 2025 को ओडिशा के सेंचुरियन प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन विश्वविद्यालय में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में दिया, जहाँ उन्होंने "अगली पीढ़ी के माइक्रोवेव और मेटासरफेस प्रौद्योगिकी: सिद्धांत से वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों तक" विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

श्री खुशवंत सेहरा ने अकादमिक क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भागीदारी दिखाई। उन्होंने दीन दयाल उपाध्याय द्वारा आयोजित विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के एक सत्र में भाग लिया और उसकी अध्यक्षता की। दयाल उपाध्याय महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, 19-20 मार्च, 2025। उन्होंने 29 मार्च, 2025 को उसी संस्थान में सेमीकंडक्टर डिवाइस सिमुलेशन के लिए टीसीएडी पर आयोजित एक व्यावहारिक कार्यशाला के दौरान " GaN और GaN- आधारित उपकरणों (HEMTs) का प्रभुत्व और सिल्वाको के साथ व्यावहारिक " शीर्षक वाले ट्यूटोरियल सत्र के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया। व्यावसायिक विकास के क्षेत्र में, श्री सेहरा ने इलेक्ट्रॉनिक्स और आईसीटी अकादमी, सी-डैक हैदराबाद द्वारा संचालित दो संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) पूरे किए। पहला एफडीपी, जिसका शीर्षक "डेटा विश्लेषण के लिए पायथन प्रोग्रामिंग" था, 20-24 नवंबर, 2024 तक हुआ। दूसरा, "मशीन लर्निंग के फंडामेंटल", 20-24 दिसंबर, 2024 तक आयोजित किया गया।

उपयोगित निधियां (करोड़ में) : 0.40

आवंटित निधियां (करोड़ में) : 19.73

***

विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

शैक्षणिक वर्ष के दौरान, संकाय सदस्यों ने प्रतिष्ठित संकाय विकास कार्यक्रमों (एफडीपी), कार्यशालाओं और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में सक्रिय रूप से भाग लिया और स्मार्ट ग्रिड, इलेक्ट्रिक वाहन, नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग जैसे उन्नत विषयों में अपनी विशेषज्ञता को बढ़ाया। कई

संकाय सदस्यों ने प्रतिष्ठित सम्मेलनों में आमंत्रित व्याख्यान दिए और सत्रों की अध्यक्षता की, जिससे शैक्षणिक समुदाय में उनकी मान्यता परिलक्षित हुई।

संकाय ने राष्ट्रीय स्तर के एफडीपी के लिए संसाधन व्यक्तियों के रूप में कार्य किया, जिससे पूरे भारत में सहकर्मियों के व्यावसायिक विकास में और अधिक योगदान मिला। वैश्विक शिखर सम्मेलनों और तकनीकी आयोजनों, जैसे कि ELECRAMA और IEEE सम्मेलनों में विभाग की सक्रिय भागीदारी ने इसके शैक्षणिक और उद्योग संबंधों को और मजबूत किया।

सम्मान/विशिष्टता

संकाय

- डॉ. अर्जुन त्यागी को आईईईई के वरिष्ठ सदस्य के पद पर पदोन्नत किया गया है।

छात्र

- बी.टेक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के छात्र श्री हरदीप (द्वितीय वर्ष) ने 23-25 फरवरी, 2025 को वर्ल्ड यूटिलिटी समिट 2025, एक सह-स्थित कार्यक्रम, इलेक्रामा 2025 में भाग लिया था।
- श्री विवेक तोमर , बी.टेक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के छात्र - (द्वितीय वर्ष) ने वर्ल्ड यूटिलिटी समिट 2025, एक सह-स्थित कार्यक्रम, ELECRAMA 2025, 23-25 फरवरी, 2025 में भाग लिया था।

प्रकाशन

- **गौरव, ए., त्यागी, ए., झा, एस.के., और कुमार, बी. (2025)। द्वीप पर स्वास्थ्य सेवा सुविधा को संचालित करने वाली हाइब्रिड ऊर्जा प्रणालियों की एमसीडीएम तकनीकों का उपयोग करके व्यवहार्यता विश्लेषण। *ऊर्जा रूपांतरण और प्रबंधन* , *327* , 119549।**

  https://doi.org/10.1016/j.enconman.2025.119549
- फ़िरदौस, ए., त्यागी, ए., कुमार, बी., और त्यागी, वी.वी. (2024). वितरण प्रणाली में स्थायी वितरित ऊर्जा संसाधनों के लिए पर्यावरणीय प्रभाव समावेशी लागत का अनुकूलन, *न्यूरल कंप्यूटिंग और अनुप्रयोग*। https://doi.org/10.1007/s00521-024-10531-5
- गौरव, ए., त्यागी, ए., कुमार, बी., और झा, एस.के. (2024)। भारत में विश्वसनीय ग्रामीण विद्युतीकरण के लिए ग्रिड से जुड़े सक्रिय वितरण नेटवर्क का इष्टतम आकार और आर्थिक मूल्यांकन। *ऊर्जा रूपांतरण और प्रबंधन*, *311*, 118505। https://doi.org/10.1016/j.enconman.2024.118505
- मिश्रा, ए ., त्यागी , ए., कुमार, बी., और बशिस्ता , पी. (2024)। डायनामिक शेडिंग स्थितियों में अधिकतम पावर पॉइंट ट्रैकिंग के लिए सिंगल-सेंसर आधारित सीएसपीओ एल्गोरिथम। *इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (भारत) की पत्रिका: श्रृंखला बी (स्प्रिंगर), 105* (4)। https://doi.org/10.1007/s40031-024-01012-3

अनुसंधान परियोजनाएँ

डॉ. अर्जुन त्यागी, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, प्रौद्योगिकी संकाय को 'सतत ई-मोबिलिटी के लिए परिवर्तन को पुनर्जीवित करने हेतु आधुनिक वितरण प्रणालियों में मूल्यांकन और सुधार' नामक शोध परियोजना के लिए प्रधान अन्वेषक के रूप में 5,00,000/- रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान यूओडी के इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस द्वारा प्रदान किया गया है और 2024 से 2025 तक की अवधि को कवर करता है।

दायर/स्वीकृत पेटेंट

- भवनेश कुमार, अर्जुन त्यागी, अंकित कुमार सिंह और अंजनी मिश्रा, 'एक बैटरी थर्मल प्रबंधन प्रणाली और उसकी विधि,' भारतीय पेटेंट आवेदन संख्या 202411018158 ए, पेटेंट कार्यालय जर्नल संख्या (अंक संख्या) 15/2024, 12 अप्रैल , 2024, राष्ट्रीय।
- उज्जल सूर, शर्मी गांगुली , नंदन बनर्जी , तवाल कुमार कोइराला , संदीप चंदा, 'इलेक्ट्रिकल पैरामीटर्स और डेटा लॉगिंग मापने के लिए स्मार्ट मीटर', बौद्धिक संपदा कार्यालय, यूनाइटेड किंगडम, संख्या 6412033, 27 दिसंबर, 2024, अंतर्राष्ट्रीय।
- उज्जल सूर, रुद्रशंकर धर, मनोज कुमार दत्ता, पल्लव दत्ता, पायल भारद्वाज, 'वॉल-माउंटेड कॉम्पैक्ट इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग यूनिट', बौद्धिक संपदा कार्यालय, यूनाइटेड किंगडम, संख्या 6431507, 26 मार्च, 2025, अंतर्राष्ट्रीय।

आयोजित संगोष्ठी

प्रो. मनोज सक्सेना, इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग, दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 9 अक्तूबर, 2024 को 'आईईईई विशिष्ट व्याख्यान' दिया।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

अंतरराष्ट्रीय

- अर्जुन त्यागी ने मापन, इंस्ट्रूमेंटेशन, नियंत्रण और स्वचालन (आईसीएमआईसीए) पर दूसरे आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'ऑफ-ग्रिड हाइब्रिड सिस्टम पर विभिन्न बैटरी प्रौद्योगिकी का तुलनात्मक विश्लेषण' शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया, जो एनआईटी कुरुक्षेत्र, हरियाणा, भारत में 03-05 महीने, 2024/5 से आयोजित किया गया था।
- जीतेन्द्र प्रसाद ने 'सूखने के दौरान गीले पहनने योग्य कपड़े के माध्यम से हरित बिजली उत्पादन' शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया। ऊर्जा प्रबंधन और नवीकरणीय संसाधन में नवाचार पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 2024, कोलकाता, भारत में 19-21 महीने, 2024/9 से आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय

उज्जल सुर ने दिसंबर, 2024 से कोलकाता, भारत में आयोजित IEEE कलकत्ता सम्मेलन (CALCON 2024) की प्रक्रिया में 'छोटे पैमाने के वितरण नेटवर्क में वोल्टेज सैग में कमी के लिए इष्टतम रूफटॉप सौर प्रवेश' शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

संकाय संख्या

सहायक प्रोफेसर	: 04
अतिथि	: 05
कुल	**:** 09

उपयोगित निधियां (करोड़ में) : 0.36

आवंटित निधियां (करोड़ में) : 6.36

***

शैक्षणिक केंद्र

कृषि अर्थशास्त्र अनुसंधान केंद्र

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

एईआरसी दिल्ली ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान अनुसंधान और नीतिगत गतिविधियाँ जारी रखीं। कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय की विभिन्न प्रमुख कृषि योजनाओं पर चल रही नियमित अनुसंधान परियोजनाओं के साथ-साथ समवर्ती फीडबैक सर्वेक्षणों के रूप में योगदान दिया गया है। केंद्र की अनुसंधान टीम ने कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के चल रहे नियमित और समवर्ती शोध अध्ययनों के लिए अप्रैल 2024 से मार्च 2025 के अंत तक हरियाणा और उत्तराखंड के विभिन्न जिलों में पूरे वर्ष क्षेत्र सर्वेक्षण के विभिन्न दौर आयोजित किए। प्रो. सुरेंद्र कुमार, अध्यक्ष, जीबी और प्रो. परमजीत,केंद्र निदेशक (कार्यवाहक) के कुशल मार्गदर्शन में केंद्र निरंतर प्रगति कर रहा है, जो दिल्ली विश्वविद्यालय के दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में वरिष्ठ संकाय सदस्य हैं।

अनुसंधान परियोजनाएं

परमजीत और योगेश भट्ट, कृषि अर्थशास्त्र अनुसंधान केंद्र, दिल्ली को "प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम किसान): प्रदर्शन, समस्याएं और संभावनाएं" नामक परियोजना के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय से नियमित आधार पर पीआई और सह-पीआई के रूप में अनुदान स्वीकृत किया गया

है। यह अनुदान कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रदान किया गया है और अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक की अवधि के लिए है।

परमजीत और योगेश भट्ट, कृषि अर्थशास्त्र अनुसंधान केंद्र, दिल्ली को "भारत में पशुपालन और मत्स्य पालन क्षेत्रों के विशेष संदर्भ में किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) का आकलन" नामक परियोजना के लिए कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय से नियमित आधार पर पीआई और सह-पीआई के रूप में अनुदान स्वीकृत किया गया है। यह अनुदान कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रदान किया गया है और अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक की अवधि के लिए है।

परमजीत और योगेश भट्ट, कृषि अर्थशास्त्र अनुसंधान केंद्र, दिल्ली को “भारत में बाजरा मूल्य श्रृंखला का विस्तृत विश्लेषण-उत्पादन, प्रसंस्करण, उपभोग और निर्यात” नामक परियोजना के लिए कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा नियमित आधार पर पीआई और सह-पीआई के रूप में अनुदान स्वीकृत किया गया है। यह अनुदान कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रदान किया गया है और अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक की अवधि के लिए है।

परमजीत और योगेश भट्ट, कृषि अर्थशास्त्र अनुसंधान केंद्र, दिल्ली को "परमजीत एवं योगेश भट्ट (2024) : भारत के आकांक्षी जिला कार्यक्रम के अंतर्गत कृषक समुदाय विकास का एक अनुभवजन्य अध्ययन" नामक परियोजना के लिए कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय से नियमित आधार पर अनुदान स्वीकृत किया गया है। यह अनुदान कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रदान किया गया है और अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक की अवधि के लिए है।

परमजीत और योगेश भट्ट, कृषि अर्थशास्त्र अनुसंधान केंद्र, दिल्ली को "राष्ट्रीय कृषि मिशन योजना की समवर्ती प्रतिक्रिया" नामक प्रमुख कृषि योजनाओं की समवर्ती प्रतिक्रिया के लिए कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय से अनुदान स्वीकृत किया गया है। यह अनुदान कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रदान किया गया है और अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक की अवधि के लिए है।

परमजीत और योगेश भट्ट, कृषि अर्थशास्त्र अनुसंधान केंद्र, दिल्ली को प्रमुख कृषि योजनाओं की समवर्ती प्रतिक्रिया के लिए कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय का अनुदान स्वीकृत किया गया है। इस परियोजना का शीर्षक "पीएम-किसान योजना का समवर्ती फीडबैक" है। यह अनुदान कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रदान किया गया है और अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक की अवधि के लिए है।

परमजीत और योगेश भट्ट, कृषि अर्थशास्त्र अनुसंधान केंद्र, दिल्ली को प्रमुख कृषि योजनाओं की समवर्ती प्रतिक्रिया के लिए कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय का अनुदान स्वीकृत किया गया है। इस परियोजना का शीर्षक "पीएमएफबीवाई योजना का समवर्ती फीडबैक" है। यह अनुदान कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रदान किया गया है और अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक की अवधि के लिए है।

संकाय सदस्य संख्या

सहायक प्रोफेसर	1
तदर्थ	1
अतिथि	0
उपयोगित निधियां (करोड़ ₹ में)	**1.46**
आवंटित निधियां (करोड़ ₹ में)	**1.49**

***

डिटेक्टर एवं संबंधित सॉफ्टवेर प्रौद्योगिकी केंद्र

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

केंद्र, अन्य बातों के अलावा, स्विट्जरलैंड के सर्न में सीएमएस प्रयोग के उन्नयन के लिए अत्याधुनिक सिलिकॉन माइक्रो स्ट्रिप डिटेक्टरों से संबंधित कार्यों पर काम कर रहा है। इस उद्देश्य के लिए, डीयू में सिलिकॉन डिटेक्टरों के लिए एक सेंसर योग्यता केंद्र स्थापित किया गया है, जहाँ सिलिकॉन सेंसरों को अर्हता प्रदान की जाती है। ये सेंसर दूसरे चरण के दौरान सीएमएस प्रयोग में लगाए जाएँगे। केंद्र सीएमएस डिटेक्टर के रखरखाव और 13.6 टेव पर पीपी टकरावों से प्राप्त सीएमएस डेटा का उपयोग करके भौतिकी विश्लेषण में भी शामिल रहा है। डेटा संग्रह और डिटेक्टर प्रबंधन में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए संकाय और शोध छात्र नियमित रूप से सर्न आते हैं।

अनुसंधान परियोजनाएं

भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग के प्रो. कीर्ति रंजन को 'सर्न में सीएमएस प्रयोग में भारतीय भागीदारी: रखरखाव, संचालन और उन्नयन' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 15,05,80,000/- रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि दिसंबर 2022 से जून 2027 तक है।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

सौम्या ने 19-23 दिसंबर, 2024 तक आयोजित डीएई-बीआरएनएस उच्च ऊर्जा भौतिकी (एचईपी) संगोष्ठी में 'सीएमएस प्रयोग के साथ 13.6 टीईवी पर डब्ल्यूडब्ल्यू उत्पादन क्रॉस-सेक्शन का मापन' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

कल्पना तिवारी ने 19-23 दिसंबर, 2024 तक आयोजित डीएई-बीआरएनएस उच्च ऊर्जा भौतिकी (एचईपी) संगोष्ठी में 'प्रोटॉन विकिरणित पतले एलजीएडी के व्यवहार को समझने के लिए टीसीएडी सिमुलेशन अध्ययन' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत छात्र (आवक/जावक)	**3**
संकाय सदस्य संख्या	
वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	3
एसोसिएट प्रोफेसर	1
उपयोगित निधियां (करोड़ ₹ में)	2
आवंटित निधियां (करोड़ ₹ में)	15

***

अवक्रमित पारिस्थितिक तंत्र के पर्यावरण प्रबंधन केंद्र

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

अवक्रमित पारिस्थितिकी तंत्र के पर्यावरण प्रबंधन केंद्र (सीईएमडीई) विश्वविद्यालय का एक प्रमुख केंद्र है और यह आक्रामक विदेशी प्रजातियों की पारिस्थितिकी और समकालीन पर्यावरणीय समस्याओं के क्षेत्रों में कार्रवाई अनुसंधान और कार्रवाई अनुसंधान में क्षमता निर्माण पर काम कर रहा है। प्रोफेसर इंद्रजीत, निदेशक आक्रमण पारिस्थितिकी के विभिन्न पहलुओं पर काम कर रहे हैं। प्रोफेसर सी आर बाबू, सीईएमडीईमें प्रोफेसर एमेरिटस, जैव विविधता कार्यक्रम चला रहे हैं और सीवेज के उपचार के लिए और डिस्टिलरी से निकलने वाले अपशिष्ट जल से दूषित मिट्टी और सतही और भूजल के परिशोधन के लिए बायोरेमेडिएशन तकनीक विकसित कर रहे हैं। दिल्ली विकास प्राधिकरण से वित्तीय सहायता द्वारा सात जैव विविधता पार्क विकसित किए गए हैं। सीईएमडीईजैव विविधता पार्कों के लिए डीडीएया अन्य एजेंसियों से प्राप्त धन के प्रबंधन में सीधे तौर पर शामिल नहीं है

शैक्षिक और गैर-शैक्षणिक स्टाफ को सम्मान/विभूतियां

प्रोफेसर इंद्रजीत सिंह, निदेशक को 2023 में जे. सी. बोस राष्ट्रीय फैलोशिप, विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड, भारत सरकार से सम्मानित किया गया। फैलोशिप अक्टूबर 2024 में शुरू की गई थी।

अनुसंधान परियोजनाएं

उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी), उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वित्त पोषित "सिंभावली क्षेत्र (फुलडेरा ड्रेन और स्याना एस्केप नहर सहित) में और उसके आसपास के खराब हो चुके परिदृश्यों और जल परिदृश्यों के जीर्णोद्धार और पुनर्स्थापना तथा प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण पर एकीकृत परियोजना" शीर्षक वाली परियोजना के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के पर्यावरण अध्ययन विभाग में

प्रोफेसर सी आर बाबू और प्रोफेसर राधेश्याम शर्मा को सह-पीआई के रूप में मंजूरी दी गई है। सीईएमडीई के पास वित्तीय विवरण नहीं है। अधिक जानकारी के लिए प्रोफेसर बाबू से संपर्क किया जा सकता है।

प्रोफेसर इंद्रजीत ने 2023 में जे. सी. बोस राष्ट्रीय फैलोशिप, विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड, भारत सरकार के तहत स्वीकृत आकस्मिक अनुदान (प्रति वर्ष 15 लाख रुपये) जारी करने के लिए विश्वविद्यालय के माध्यम से कागजात प्रस्तुत किए हैं।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

कोलकाता में 13-14 फ़रवरी, 2023 को आयोजित पादप वर्गीकरण, नृजातीय-वनस्पति विज्ञान और वनस्पति उद्यान (बीएसआई आईएसपीटीईबीजी-2023) पर द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभागिता की और "जैव विविधता पार्क: पारंपरिक औषधियाँ प्रदान करने वाले जीवित पौधों के वर्गीकरण अध्ययन और बाह्य-स्थल संरक्षण हेतु एक जीवंत संग्रहालय-सह-प्रयोगशाला" पर एक आमंत्रित मुख्य व्याख्यान दिया।

कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता में 25-27 नवंबर, 2023 को आयोजित "पादप वर्गीकरण, जैवभूगोल और जैव विविधता संरक्षण में प्रगति" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और "पादप वर्गीकरण और अनुप्रयुक्त विज्ञान" पर एक मुख्य व्याख्यान दिया।

प्रोफ़ेसर इंद्रजीत ने 7 फ़रवरी, 2023 को मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट फॉर केमिकल इकोलॉजी, जेना, जर्मनी के जैव रसायन विभाग में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

अन्य सहयोग

प्रोफेसर सीआर बाबू जैव विविधता पार्कों के विकास और सीवेज के उपचार के लिए निर्मित आर्द्रभूमि के विकास के लिए उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और बिहार के राज्य सरकार के विभागों को तकनीकी सलाह प्रदान कर रहे हैं।

प्रो. इंद्रजीत ने मोंटाना विश्वविद्यालय, अमेरिका, टोरंटो विश्वविद्यालय, कनाडा, मोंटाना स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ मोंटाना, अमेरिका, मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट फॉर केमिकल इकोलॉजी, जर्मनी, मार्टिन-लूथर यूनिवर्सिटी हाले, जर्मनी और वनस्पति विज्ञान संस्थान, चेक गणराज्य के साथ सहयोग किया है।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियां

जैव विविधता पार्क कार्यक्रम पूरी तरह से डीडीए द्वारा वित्त-पोषित है, जिसका वार्षिक अनुदान लगभग 12 करोड़ रुपये है (प्रोफ़ेसर बाबू द्वारा दिए गए आँकड़े)। यह विश्वविद्यालय का सबसे बड़ा आउटरीच कार्यक्रम है और हर साल डीयू के छात्रों सहित 2 लाख छात्रों को व्यावहारिक पर्यावरण शिक्षा प्रदान करने के केंद्र के रूप में कार्य करता है (विवरण प्रोफ़ेसर बाबू द्वारा दिए गए)। सीईएमडीई के निदेशक के पास वित्त-पोषण के बारे में कोई विवरण नहीं है। विवरण प्रोफ़ेसर सीआर बाबू के पास उपलब्ध हैं।

संकाय सदस्य संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक

निदेशक जो पर्यावरण अध्ययन विभाग में स्थायी पद पर हैं।

सामाजिक आउटरीच

विभिन्न कॉलेजों और स्कूलों के छात्र जैव विविधता पार्कों का दौरा करते हैं। डीडीए कर्मचारी और अन्य प्रतिष्ठित लोग भी समय-समय पर पार्कों का दौरा करते हैं।

उपयोगित निधियां (करोड़ ₹ में)

सीईएमडीईके पास विश्वविद्यालय रखरखाव अनुदान से आवंटित कोई धनराशि नहीं है। जैव विविधता पार्कों को डीडीएऔर अन्य एजेंसियों से धनराशि मिलती है, जिसका प्रबंधन प्रोफेसर सी.आर. बाबू करते थे और वे अपना रिकॉर्ड स्वयं रखते हैं। सीईएमडीईके पास कोई रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

सीईएमडीई को विश्वविद्यालय रखरखाव अनुदान से कोई धनराशि नहीं मिलती। प्रोफ़ेसर सी.आर. बाबू के नेतृत्व वाले जैव विविधता पार्कों को डीडीए और अन्य एजेंसियों से नियमित रूप से धन मिलता है। सीईएमडीई के निदेशक के पास कोई विवरण उपलब्ध नहीं है।

***

फसल पादप आनुवंशिक परिवर्तन केंद्र

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

सीजीएमसीपी पारंपरिक और आणविक प्रजनन के माध्यम से तिलहन सरसों (ब्रैसिका जंसिया) के आनुवंशिक सुधार में शामिल रहा है। क्षेत्र प्रजनन, प्रजनन में माइक्रोस्पोर-व्युत्पन्न द्विगुणित (डीएच) के अनुप्रयोग, ट्रांसजेनिक विकास और मार्कर-सहायता प्राप्त प्रजनन में आणविक मानचित्रण और जीनोम अनुक्रमण के अनुप्रयोग पर व्यापक कार्य किया गया है। इस कार्य से कुछ सीएमएस-आधारित और जीएम-आधारित उत्पादक संकर, बेहतर गुणवत्ता और सफेद रतुआ प्रतिरोधी लाइनों के साथ कई शुद्ध लाइनें और हेटेरोसिस प्रजनन के लिए कुछ आशाजनक संयोजकों की पहचान हुई है। एक ट्रांसजेनिक सरसों संकर डीएमएच-11 को भारत सरकार द्वारा पर्यावरणीय रिलीज के लिए अनुमोदित किया गया है। ब्रैसिका सुधार अनुसंधान डीबीटी-यूडीएससी साझेदारी चरण- II (2023-2028) कार्यक्रम के तहत किया जा रहा है।यह एक बहु-संस्थागत कार्यक्रम है जिसमें पांच सहयोगी शामिल हैं- एनआईपीजीआर दिल्ली; एनआईपीबी, मोहाली; आईसीएआर-आईआईआरएमआर, भरतपुर; जीबीपीयूएटी, पंत नगर।

सम्मान/विभूतियां

प्रोफ़ेसर दीपक पेंटल - एएनआरएफ-राष्ट्रीय विज्ञान चेयर (2022-2025) से सम्मानित।

प्रकाशन

कुमार, पी., शिवसुब्रमण्यम, आर., यादव, एस. के., शर्मा, एस., वर्मा, आर., माथुर, एस., मुखोपाध्याय, ए., गुप्ता, वी., प्रधान, ए. के., कौर, जे., और पेंटल, डी. (2024)। *ब्रैसिका कैरिनाटा* (बीबीसीसी) परिग्रहण एचसी20 का गुणसूत्र-स्तरीय संयोजन जिसमें अनेक रोगजनकों के प्रति प्रतिरोध है और *बी. जंसिया* (एएबीबी) में अंतर्ग्रहण का प्रारंभिक पीढ़ी मूल्यांकन। *द प्लांट जर्नल*,https://doi.org/10.1111/tpj.16794

हंसा, जी. एस., शिवसुब्रमण्यम, आर., असवाल, एम., कुमार, एम., और कौर, जे. (2024)। नेक्रोट्रॉफ़िक कवक *अल्टरनेरिया ब्रैसिका* के प्रति अरेबिडोप्सिस की ट्रांसक्रिप्टोम प्रतिक्रियाएँ प्रतिरोध से जुड़े मार्गों और संभावित जीनों का खुलासा करती हैं। *प्लांट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी*, 114(3), 1-14. https://doi.org/10.1007/s11103-024-01453-w

पंत, पी., और कौर, जे. (2024). SsPac1 और SsSmk1 के आरएनए इंटरफेरेंस (RNAi)-मध्यस्थ लक्ष्यीकरण के माध्यम से *स्क्लेरोटिनिया स्क्लेरोटियोरम* का नियंत्रण। *प्लांटा*, 259. https://doi.org/10.1007/s00425-024-04430-1

अनुसंधान परियोजनाएं

प्रोफेसर जगरीत कौर, सीजीएमसीपी को डीबीटी-यूडीएससी पार्टनरशिप सेंटर ऑन जेनेटिक मैनिपुलेशन ऑफ ब्रैसिकास फेज II नामक शोध परियोजना के लिए 13.66 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की गई है। यह अनुदान डीबीटी, भारत सरकार द्वारा प्रदान किया गया है और दिसंबर 2023 से दिसंबर 2028 तक की अवधि के लिए है।

प्रोफेसर जगरीत कौर, सीजीएमसीपी को "*ओरोबैंच एजिपियाका* संक्रमणों के खिलाफ ब्रैसिका जंसिया ग्लाइफोसेट प्रतिरोधी ट्रांसजेनिक लाइनों की प्रभावकारिता का परीक्षण" नामक एक शोध परियोजना के लिए 38.1 लाख रुपये की राशि मंजूर की गई है। यह अनुदान डीबीटी-बीआईआरएसी, भारत सरकार द्वारा प्रदान किया गया है और सितंबर 2023 से सितंबर 2028 तक की अवधि के लिए है।

प्रोफेसर जगरीत कौर, सीजीएमसीपी को "जीडब्ल्यूएएस का उपयोग करके *एस. स्क्लेरोटियोटम* के खिलाफ बी. जंसिया जर्मप्लाज्म की सहनशीलता की आनुवंशिकी को समझना" नामक एक शोध परियोजना के लिए 27.0 लाख रुपये की राशि मंजूर की गई है।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियां

शैक्षिक भ्रमण:

राम लाल आनंद कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के छात्रों ने संक्रमित पत्तियों के नमूने एकत्र करने और ब्रैसिका प्रजनन कार्यक्रम के बारे में जानने के लिए बवाना स्थित सीजीएमसीपी के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र का दौरा किया।

संकाय सदस्य संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	डॉ॰ जगरीत कौर
तदर्थ	परियोजना में वैज्ञानिक: प्रोफेसर ए.के. प्रधान; डॉ विभा गुप्ता; डॉ. सतीश यादव; डॉ. लक्ष्मी के पद्मजा; डॉ. पारुल अग्रवाल, डॉ. शिखा माथुर; डॉ रश्मि वर्मा।

सामाजिक आउटरीच

सीजीसीएमपी द्वारा विकसित तीन सफेद रतुआ प्रतिरोधी प्रजातियों को कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा खेती के लिए अधिसूचित किया गया है, तथा ये प्रजातियां आईसीएआर और कई बीज कंपनियों को व्यावसायीकरण के लिए उपलब्ध कराई गई हैं।

***

वैश्विक अध्ययन केंद्र

हमारे बारे में

वैश्विक अध्ययन केंद्र, जिसे पहले विकासशील देश अनुसंधान केंद्र (डीसीआरसी) के नाम से जाना जाता था, की स्थापना दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 20 अप्रैल, 1993 को अंतःविषय कार्यक्रम बोर्ड के अंतर्गत अध्यादेश XV-A के माध्यम से की गई थी। इस प्रकार गठित शैक्षणिक संस्थान शीघ्र ही एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के विकासशील समाजों पर शोध करने वाले शिक्षकों, छात्रों और शोधकर्ताओं का केंद्र बन गया। वर्ष 2004 डीसीआरसी के जीवन का एक ऐतिहासिक क्षण था। अध्यादेश XX (9) के तहत इसे सामाजिक विज्ञान संकाय के एक घटक का दर्जा प्राप्त हुआ, हालाँकि इसका औपचारिक उद्घाटन यूजीसी के अध्यक्ष प्रोफेसर जी. राम रेड्डी द्वारा 5 अगस्त, 1994 को किया था। प्रारंभिक वर्षों में इसे यूजीसी द्वारा सहायता प्रदत्त थी।

अपने उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए, केंद्र ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर संगोष्ठियों और सम्मेलनों का आयोजन किया है। कई बार इसने नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय, उप्साला

विश्वविद्यालय (स्वीडन) के एकेयूटी समूह, मैक्समूलर भवन, विकासशील समाज अध्ययन केंद्र (सीएसडीएस), अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अंतर्राष्ट्रीय इतिहास कांग्रेस, वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान, केंद्रीय समाज कल्याण बोर्ड, महिला अध्ययन एवं विकास केंद्र, योजना आयोग, मानव विकास संस्थान, लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस का डीईएसटीआईएन, डीएफआईडी,जापान फाउंडेशन, विद्याज्योति और दिल्ली विश्वविद्यालय के घटक महाविद्यालयों जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के सहयोग से कार्यक्रम आयोजित किए हैं। इस प्रयास में राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, इतिहास, भूगोल, शिक्षा, दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान, साहित्य, फिल्म और मीडिया अध्ययन जैसे विविध क्षेत्रों के विद्वान शामिल रहे हैं। इसका मुख्य उद्देश्य इस प्रकार प्राप्त ज्ञान को विषयगत बनाना और दिल्ली विश्वविद्यालय के विशाल नेटवर्क में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर अध्यापन करते हुए छात्रों को ऐसी अंतर्दृष्टि से जोड़ना है। सबसे बढ़कर, इसका उद्देश्य डीसीआरसी को एक ऐसे केंद्र के रूप में स्थापित करना है जो आलोचनात्मक और रचनात्मक सिद्धांत के लिए एक आधारशिला का काम कर सके। केंद्र मुख्य रूप से दो प्रमुख बातों को शामिल करके अपने शैक्षणिक कार्यों में आलोचनात्मकता और रचनात्मकता सुनिश्चित करता है। यह अपनी शैक्षणिक गतिविधियों को इस तरह से संरचित करता है कि शिक्षाविदों और जमीनी कार्यकर्ताओं से प्राप्त इनपुट के बीच एक अंतरापृष्ठ का निर्माण होता है, जो सिद्धांत और व्यवहार, दोनों के लिए ज्ञान की पुष्टि करने वाली एक महत्वपूर्ण प्रयोगशाला बन जाता है। दूसरा प्रमुख पहलू यह है कि केंद्र विद्वानों को शैक्षणिक जुड़ाव के ऐसे तरीके अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है जो ज्ञान उत्पादन में भटकाव को दूर करते हैं, जो आमतौर पर विकासशील समाजों का अध्ययन पश्चिम के प्रमुख प्रतिमानों से करते समय होता है। इसका बड़ा प्रयास संस्कृति, राष्ट्रवाद, लिंग, लैंगिकता, धार्मिक अल्पसंख्यकों और अन्य आख्यानों से संबंधित मुद्दों को देखने का एक वैकल्पिक विश्व-दृष्टिकोण विकसित करना है।

जुलाई 2015 से, प्रो. सुनील के. चौधरी केंद्र के निदेशक बने। केंद्र में सह-संयोजकों की अध्यक्षता में सात समितियाँ हैं। इन समितियों में क्रय, संगोष्ठी/सम्मेलन, पुस्तकालय, वेबसाइट, लैंगिक संवेदनशीलता, मुद्रण/प्रकाशन और स्क्रैप शामिल हैं। माननीय कुलपति की अध्यक्षता वाली सलाहकार समिति केंद्र का सर्वोच्च निर्णय लेने वाला निकाय है, जबकि सह-अध्येता परिषद और शोध समिति शैक्षणिक हित के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के लिए हैं। सभी सह-अध्येता इन समितियों के सदस्य हैं। सह-अध्येता और संयोजक अपनी-अपनी समितियों में नियमित रूप से बैठकें करते हैं और केंद्र के कॉर्पोरेट जीवन में योगदान देते हैं।

फेलो काउंसिल की बैठक हर महीने की 14 तारीख को होती है। फेलो काउंसिल की चर्चा से पहले समकालीन प्रासंगिकता के मुद्दों पर अकादमिक चर्चा होती है। शोध संबंधी सभी निर्णयों के लिए, केंद्र में एक शोध समिति है जो शोध संबंधी मुद्दों पर चर्चा, विचार-विमर्श और निर्णय लेने के लिए तिमाही बैठक करती है। इस प्रतिष्ठित केंद्र के निदेशक के अथक प्रयासों और अनुसरण से, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 14 सितंबर, 2021 की अपनी अधिसूचना में, कार्यकारी परिषद के प्रस्ताव संख्या 8-6 के माध्यम से, विकासशील देश अनुसंधान केंद्र [डीसीआरसी] का नाम बदलकर **वैश्विक अध्ययन केंद्र [सीजीएस]** कर दिया है।

2024-2025 के दौरान केंद्र में शैक्षणिक गतिविधियाँ और कार्यक्रम

केंद्र ने शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जो अपने आप में एक उपलब्धि है। वार्षिक रिपोर्ट केंद्र के कार्यक्रमों का अवलोकन प्रस्तुत करने के अलावा**,** पाठकों को पिछले वर्ष केंद्र की प्रमुख गतिविधियों की झलक भी प्रदान करती है।

सम्मेलन, **संगोष्ठी और कार्यशालाएँ**

डॉ. पार्थ प्रतिम बोस, चिकित्सा वृत्तिक के साथ मुलाक़ात

वरिष्ठ सलाहकार और पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. पार्थ प्रतिम बोस ने 14 जून, 2024 को केंद्र में 'स्किलिंग इज़ स्केलिंग: एम्ब्रेस, एजुकेट, एम्पावर एंड एंगेज' शीर्षक से एक प्रस्तुति दी। डॉ. पार्थ ने गुणवत्ता, विश्वसनीयता, विश्वास, नवाचार और सहानुभूति जैसे मौलिक मूल्यों के माध्यम से लोगों तक पहुँचने और उनके जीवन में बदलाव लाने के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने 'मानव श्रृंखला के माध्यम से बदलाव' के मिशन पर प्रकाश डाला। उन्होंने सार्वजनिक बनाम निजी स्वास्थ्य सेवा व्यय की चुनौतियों और 2047 तक भारत में स्वास्थ्य सेवा कार्यबल को मज़बूत करने के लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित किया। डॉ. बोस ने सक्षम पहल के माध्यम से किए जा रहे जमीनी स्तर के कार्यों पर भी प्रकाश डाला।

सीजीएस वेबिनार : योग और जीवन

दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर, केंद्र ने 21 जून, 2024 को प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु, प्रोफ़ेसर पवन सिन्हा द्वारा दिए गए एक ज्ञानवर्धक सत्र के माध्यम से योग के महत्व पर जानकारी प्रदान की। इस सत्र में बोलते हुए, प्रोफ़ेसर पवन ने प्राचीन और आधुनिक दर्शन में प्रचलित योग के अर्थ के बीच अंतर पर प्रकाश डाला। उन्होंने पतंजलि द्वारा प्रतिपादित अष्टांग योग पर ज़ोर दिया, जहाँ योग आंतरिक और बाह्य, दोनों पहलुओं को समाहित करता है।

यूके चुनावों पर सीजीएस वेबिनार

चूंकि यूनाइटेड किंगडम (यूके) में 04 जुलाई, 2024 को राष्ट्रीय चुनाव आयोजित किए जाने थे,केंद्र ने 'यूके चुनाव 2024: परिवर्तन और चुनौतियां' शीर्षक से एक वेबिनार आयोजित किया। चर्चा का नेतृत्व यूके के इंटरनेशनल बार एसोसिएशन के वरिष्ठ कानूनी सलाहकार श्री अनुराग बाना ने किया। सत्र का परिचय केंद्र के पूर्व निदेशक प्रोफेसर सुनील के चौधरी ने दिया। प्रोफेसर सुनील ने फेलो और स्कॉलर्स के समक्ष यूनाइटेड किंगडम की जनसांख्यिकीय और चुनावी रूपरेखा को संक्षेप में प्रस्तुत किया। यूके के आम चुनाव का मोटे तौर पर चार अलग-अलग क्षेत्रों अर्थात इंग्लैंड, वेल्स, स्कॉटलैंड और उत्तरी आयरलैंड में विश्लेषण किया जाता है। वेस्टमिंस्टर सरकार प्रणाली के तहत, कानून बनाने वाली संस्था हाउस ऑफ कॉमन में 650 सदस्य होते हैं जो प्रधानमंत्री का चुनाव करते हैं।

चुनाव चर्चा में, सत्र के मुख्य वक्ता, श्री अनुराग बाना ने शोधकर्ताओं को यूके की लोकतांत्रिक राजनीति में देखे गए बदलावों और चुनौतियों से अवगत कराया।

नए आपराधिक कानूनों पर सीजीएस वेबिनार: 'दंड से न्याय' की ओर बदलाव की पड़ताल

भारतीय न्याय प्रणाली में 1 जुलाई, 2024 से नए आपराधिक कानूनों को लागू करने के अवसर पर, केंद्र ने 'दंड से न्याय' की ओर बदलाव पर प्रकाश डालते हुए एक वेबिनार का आयोजन किया। राजनीति विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के अध्ययन से आगे बढ़ते हुए, केंद्र ने सामाजिक विज्ञान विमर्श की बौद्धिक श्रृंखला के क्षितिज को विधि विमर्श की ओर व्यापक बनाने का प्रयास किया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के विधि संकाय में सीजीएस फेलो और सहायक प्रोफेसर डॉ. रुचिता चक्रवर्ती द्वारा संबोधित इस वेबिनार में नए आपराधिक कानूनों की व्याख्या करने और दंड से न्याय की ओर उनके बदलाव का पता लगाने का प्रयास किया गया।

डॉ॰ रुचिता ने तीन नए आपराधिक कानून प्रस्तुत किए, जिन्हें भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) के रूप में परिभाषित किया गया है, जो क्रमशः तीन औपनिवेशिक युग की आपराधिक संहिताओं, भारतीय दंड संहिता 1860 (आईपीसी), आपराधिक प्रक्रिया संहिता 1973 (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 (आईईए) को प्रतिस्थापित करते हैं। डॉ रुचिता ने तर्क दिया कि किसी भी आपराधिक कानून को समझने के लिए, उसके आशय की पहचान की जानी चाहिए क्योंकि यह कानूनों के मूल तत्वों को जानने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पहला कानून, बीएनएस एक मूलभूत कानून है जो समुदाय को यौन अपराधों से लेकर हिट रन मामलों तक विभिन्न प्रकार की सजा की सेवाएं प्रदान करता है। दूसरा और तीसरा कानून बीएनएसएस और बीएसए प्रक्रियात्मक कानून हैं जो मामलों में कार्यवाही और साक्ष्य की आवश्यकताओं को समझाते हैं। इसमें एफआईआर दर्ज करने से लेकर साक्ष्य एकत्र करने तक की प्रक्रिया शामिल है।

बांग्लादेश पर सीजीएस वेबिनार

केंद्र ने 'बांग्लादेश संकट: भारत पर प्रभाव' शीर्षक पर एक वेबिनार आयोजित किया। इस सत्र के मुख्य वक्ता जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन विद्यालय के प्रोफेसर संजय के. भारद्वाज थे। यह वेबिनार देश में राजनीतिक संकट के मध्य आयोजित किया गया था, जहाँ लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित प्रधानमंत्री को छात्र विद्रोह के माध्यम से पद से हटा दिया गया था। सत्र की अध्यक्षता सीजीएस के पूर्व निदेशक प्रोफेसर सुनील के. चौधरी ने की।

सीजीएस स्थापना दिवस समारोह और शैक्षणिक संवाद

केंद्र ने 14 सितंबर, 2024 को अपना स्थापना दिवस मनाया। डीसीआरसी (विकासशील देश अनुसंधान केंद्र) से वैश्विक अध्ययन केंद्र में केंद्र के परिवर्तन पर चर्चा करते हुए, पूर्व निदेशक ने इस यात्रा के

दौरान हासिल की गई प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और केंद्र के नए दृष्टिकोण और मिशन का संकेत दिया।

स्थापना दिवस समारोह के बाद, प्रतिष्ठित जापानी विद्वान श्री नाकागावा कोज़ी की उपस्थिति में एक शैक्षणिक संवाद का आयोजन किया गया।

सीजीएस समीक्षा 2024: क्षेत्र दौरा, पूर्वानुमान और अभिनंदन

सीजीएस समीक्षा 2024: जम्मू और कश्मीर तथा हरियाणा विधान सभा चुनाव सर्वेक्षण

सीजीएस समीक्षा, 2017 से केंद्र सरकार का एक उत्कृष्ट प्रमुख चुनाव अध्ययन कार्यक्रम रहा है। यह केंद्र द्वारा अपनी सीजीएस समीक्षा श्रृंखला के अंतर्गत किया गया बारहवाँ प्रमुख चुनाव सर्वेक्षण था। केंद्र ने अपनी अनूठी पद्धति के आधार पर किए गए सर्वेक्षण अध्ययन द्वारा जम्मू और कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस और हरियाणा चुनावों में कांग्रेस की जीत पर प्रकाश डाला।

केंद्र द्वारा चुनाव परिणामों का यह रुझान 11 सितंबर से 3 अक्टूबर, 2024 के दौरान जम्मू और कश्मीर की 90 सीटों और हरियाणा की 90 सीटों के 8,429 मतदाताओं के अध्ययन पर आधारित था। यह सर्वेक्षण केंद्र द्वारा दिल्ली और चुनावी राज्यों के विभिन्न कॉलेजों/संस्थानों/विश्वविद्यालयों के लगभग 700 छात्रों और शोधार्थियों के सहयोग से किया गया था।

सीजीएस समीक्षा 2024: महाराष्ट्र और झारखंड चुनाव सर्वेक्षण

हाल ही में हुए महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनावों का अध्ययन करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर ग्लोबल स्टडीज द्वारा एक व्यवस्थित, वैज्ञानिक और वस्तुनिष्ठ ऑनलाइन सर्वेक्षण किया गया। यह 'सीजीएस समीक्षा' श्रृंखला में केंद्र द्वारा किया गया चौदहवाँ प्रमुख चुनाव सर्वेक्षण है। केंद्र अपनी अनूठी पद्धति के आधार पर किए गए सर्वेक्षण अध्ययन के आधार पर महाराष्ट्र में महायुति और झारखंड चुनावों में एनडीए की जीत का अनुमान लगाया।

सीजीएस समीक्षा 2024: दिल्ली चुनाव सर्वेक्षण

दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर ग्लोबल स्टडीज़ द्वारा दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 का अध्ययन करने के लिए एक वस्तुनिष्ठ ऑफ़लाइन क्षेत्र सर्वेक्षण किया गया। यह 'सीजीएस समीक्षा' श्रृंखला में केंद्र द्वारा किया गया पंद्रहवाँ प्रमुख चुनाव सर्वेक्षण है। छात्र सर्वेक्षणकर्ताओं ने 24 दिनों तक चले इस विस्तृत सर्वेक्षण के दौरान मतदान के रुझान को प्रभावित करने वाले विभिन्न मुद्दों का अध्ययन करने का प्रयास किया। इनमें विकास, शासन, प्रदूषण, भ्रष्टाचार, शिक्षा और कल्याणकारी योजनाएँ शामिल थीं।

सीजीएस सलाहकार समिति की बैठक

वैश्विक अध्ययन केंद्र (सीजीएस) की सलाहकार समिति की बैठक मंगलवार, 8 अक्टूबर, 2024 को अपराह्न 3:00 बजे कुलपति कार्यालय, वाइसरीगल लॉज, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित की गई।

सलाहकार बैठक में सभी आंतरिक और बाह्य सदस्यों ने भाग लिया और एजेंडे के प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की। सलाहकार बैठक में ही माननीय कुलपति ने केंद्र के कार्यों की सराहना की और अपने आदर्श वाक्य *"ऊँचा लक्ष्य, आकाश को छूना"* को प्राप्त करने की दिशा में इसके प्रयासों की सराहना की।

नैक सहकर्मी दल का दौरा

केंद्र ने 23-25 अक्टूबर, 2024 के दौरान नैक सहकर्मी दल के दौरे के स्वागत के लिए व्यापक तैयारियाँ कीं। इस दौरान केंद्र के कुछ मुख्य आकर्षण फेलो रूम का नवीनीकरण, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का सक्रियण, पिछले पाँच वर्षों के रिकॉर्ड का दस्तावेज़ीकरण और केंद्र की शैक्षणिक यात्रा की प्रस्तुति रहे।

सीजीएस चर्चा में

इस तिमाही के दौरान केंद्र लगातार चर्चा में रहा। इसके मीडिया समन्वयकों - श्री विकास और सुश्री दृष्टि के अथक और गंभीर प्रयासों से, केंद्र की समीक्षा श्रृंखला को इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट और सोशल मीडिया में महत्वपूर्ण स्थान मिला। केंद्र की गतिविधियों और पुस्तक चर्चाओं के समाचार राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्रों में भी प्रकाशित हुए। केंद्र के पूर्व निदेशक, प्रोफेसर सुनील के. चौधरी और उप निदेशक, डॉ. महेश कौशिक ने संसद टीवी के तहत बजट, ब्रिटेन के चुनाव आदि जैसे विषयों पर विभिन्न चर्चाओं में विषय पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया।

वैश्विक अध्ययन केंद्र के नए निदेशक

प्रोफ़ेसर अमरजीव लोचन ने 7 फ़रवरी, 2025 को वैश्विक अध्ययन केंद्र के मानद निदेशक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। प्रोफ़ेसर अमरजीव लोचन दिल्ली विश्वविद्यालय में डीन, एफएसआर और संयुक्त डीन, अंतर्राष्ट्रीय संबंध के रूप में भी कार्यरत हैं। वे इतिहास विभाग में प्रोफेसर के रूप में पढ़ाते हैं। हाल ही में, उन्हें विदेश मंत्रालय की विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला के लिए नोडल अधिकारी भी नियुक्त किया गया है।

***

हिमालयन अध्ययन केंद्र

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

हिमालयी भू-तंत्र: समाज और स्थिरता' का आयोजन 24 मई, 2024 को किया गया।

हिमोत्सव 2024: 'हिमालय: जीवन और संस्कृति का मुकुट' का आयोजन 9 सितंबर, 2024 को किया गया।

'पर्वतीय लचीलापन: मानवजनित जलवायु परिवर्तन के युग में हिमालय के भविष्य को सुरक्षित करना' का आयोजन 10 दिसंबर, 2024 को किया गया।

'भारत और विस्तारित दक्षिण (दक्षिण-पूर्व) एशियाई देशों के बीच बढ़ते सहयोग का पाँचवाँ एचएचआरएस महत्व' का आयोजन 30-31 जनवरी, 2024 को किया गया।

संगोष्ठी आयोजित

प्रोफेसर ग्रिट किर्स्टिन कोएल्त्ज़्च,प्रोफेसर, मानव विज्ञान, जुजुय राष्ट्रीय विश्वविद्यालय,अर्जेंटीना ने 13 सितंबर, 2024 को 'सांस्कृतिक प्रथाओं का शारीरिक ज्ञान: एक सन्निहित ज्ञानमीमांसा की ओर विश्लेषणात्मक उपकरण' विषय पर एक संगोष्ठी/भाषण प्रस्तुत किया।

सम्मेलन आयोजित

'हिमालयी भू-तंत्र: समाज एवं स्थिरता' 24 मई, 2024 को आयोजित किया गया।

हिमोत्सव 2024: 'हिमालय: जीवन एवं संस्कृति का मुकुट' 9 सितंबर, 2024 को आयोजित किया गया।

'पर्वतीय लचीलापन: मानवजनित जलवायु परिवर्तन के युग में हिमालय के भविष्य की सुरक्षा' 10 दिसंबर, 2024 को आयोजित किया गया।

'भारत और विस्तारित दक्षिण (दक्षिण-पूर्व) एशियाई राष्ट्रों के बीच बढ़ते सहयोग का पाँचवाँ एचएचआरएस महत्व' 30-31 जनवरी, 2024 को आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर

25 अप्रैल, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। भूगोल विभाग के डॉ. राजन मौर्य समन्वयक थे।

1 अगस्त, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। भूगोल विभाग के प्रो. नीरज सिंह समन्वयक थे।

17 अक्टूबर, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। भूगोल विभाग के डॉ. ओम जी रंजन समन्वयक थे।

1 फरवरी, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के किरोड़ीमल महाविद्यालय के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। भूगोल विभाग की डॉ. सुमन दास समन्वयक थीं।

4 अप्रैल, 2025 को दयाल सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। भूगोल विभाग के डॉ. अभय शंकर प्रसाद समन्वयक के रूप में भूमिका निभाई।

17 अप्रैल, 2025 को कमला नेहरू, दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। भूगोल विभाग की डॉ. अतिथि पंत समन्वयक के रूप में भूमिका निभाई।

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक 01

***

हिन्दू अध्ययन केंद्र

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

02 अप्रैल, 2024: राष्ट्रीय हिंदू अध्ययन सम्मेलन: हिंदू धर्म और हिंदूत्व को समझना, मुख्य अतिथि: प्रो. योगेश सिंह, माननीय कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय, विशिष्ट अतिथि और मुख्य वक्ता: स्वामी विज्ञानानंद, संस्थापक, विश्व हिंदू फाउंडेशन, विशिष्ट अतिथि: प्रो. बलराम पाणि, डीन ऑफ कॉलेज़ेज और प्रो. श्री प्रकाश सिंह, निदेशक, दक्षिण दिल्ली परिसर, दिल्ली विश्वविद्यालय।

22 मई, 2024: हिंदू धर्म में विज्ञान और मनोविज्ञान पर संगोष्ठी, विषय विशेषज्ञ: प्रो. बी.एन. मिश्रा, पूर्व निदेशक, एनएसआईटी, प्रो. धनंजय जोशी- कुलपति, दिल्ली शिक्षक विश्वविद्यालय।

22 अगस्त, 2024: श्रीरामचरितमानस दोहा वचन प्रतियोगिता, एक राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता जिसमें प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुतियाँ दी गईं।

23 अगस्त, 2024: मानवता के लिए श्री रामचरितमानस पर राष्ट्रीय सम्मेलन, मुख्य अतिथि: श्री गजेंद्र सिंह शेखावत, संस्कृति और पर्यटन मंत्री, भारत सरकार, विशेष अतिथि: श्री अनिल गुप्ता, प्रांत कार्यवाह, दिल्ली प्रांत, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, अध्यक्ष: प्रोफेसर बलराम पाणि, डीन ऑफ कॉलेज़ेज, दिल्ली विश्वविद्यालय।

04-19 मार्च, 2025: राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन, दिल्ली और तत्वम फाउंडेशन के सहयोग से पांडुलिपि प्रतिलेखन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम। 50 छात्रों का चयन किया गया।

08 मार्च, 2025: राष्ट्रीय संगोष्ठी: भारतीय विमर्श में महिलाएँ। भारतीय इतिहास संकलन योजना समिति, रामानुजन कॉलेज और आईसीपीआर के सहयोग से। 80 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

26 मार्च, 2025: आर्यन आक्रमण पहेली पर विशेष व्याख्यान, संसाधन व्यक्ति: डॉ. कोएनराड एल्स्ट, प्राच्य भाषाविद् और इतिहासकार।

सम्मान/विभूतियां

हिमांशु मिश्रा,एमए हिंदू अध्ययन (द्वितीय वर्ष) के छात्र ने हिंदू अध्ययन विषय में यूजीसी-राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा, दिसंबर 2024 (सहायक प्रोफेसर और पीएच॰डी॰ के लिए पात्र) में अर्हता प्राप्त की।

सौरव सुमन,एमए हिंदू अध्ययन (द्वितीय वर्ष) के छात्र ने हिंदू अध्ययन विषय में यूजीसी-राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा, दिसंबर 2024 (सहायक प्रोफेसर और पीएच॰डी॰ के लिए पात्र) में अर्हता प्राप्त की।

कादंबरी पांडे,एमए हिंदू अध्ययन (द्वितीय वर्ष) की छात्रा ने हिंदू अध्ययन विषय में यूजीसी-राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा, दिसंबर 2024 (पीएच॰डी॰ में प्रवेश के लिए पात्र) में अर्हता प्राप्त की।

साक्षी कुमारी,एमए हिंदू अध्ययन (द्वितीय वर्ष) की छात्रा ने हिंदू अध्ययन विषय में यूजीसी-राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा, दिसंबर 2024 (पीएच॰डी॰ के लिए पात्र) में अर्हता प्राप्त की।

दिव्यांशु, एमए हिंदू अध्ययन (द्वितीय वर्ष) के छात्र, ने हिंदू अध्ययन विषय में यूजीसी-राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा, दिसंबर 2024 (पीएच॰डी॰ के लिए पात्र) में अर्हता प्राप्त की।

हिमांशु उपाध्याय, एमए हिंदू अध्ययन (प्रथम वर्ष) के छात्र, ने कानून विषय में यूजीसी-राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा, दिसंबर 2024 (सहायक प्रोफेसर और पीएच॰डी॰ के लिए पात्र) में अर्हता प्राप्त की।

सतारकर गणेश श्रीरंग, एमए हिंदू अध्ययन (प्रथम वर्ष) के छात्र, ने कानून विषय में महाराष्ट्र राज्य पात्रता परीक्षा, अप्रैल 2024 (सहायक प्रोफेसर के लिए पात्र) में अर्हता प्राप्त की।

विभूतियां प्राप्त करने वाले छात्र

हिमांशु मिश्रा, एमए हिंदू अध्ययन (द्वितीय वर्ष) के छात्र, ने हिंदू अध्ययन विषय में यूजीसी-राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा, दिसंबर 2024 (सहायक प्रोफेसर और पीएच॰डी॰ के लिए पात्र) में अर्हता प्राप्त की।

सौरव सुमन, एमए हिंदू अध्ययन (द्वितीय वर्ष) के छात्र, ने हिंदू अध्ययन विषय में यूजीसी-राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा, दिसंबर 2024 (सहायक प्रोफेसर और पीएच॰डी॰ के लिए पात्र) में अर्हता प्राप्त की।

कादंबरी पांडे, एमए हिंदू अध्ययन (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, ने हिंदू अध्ययन विषय में यूजीसी-राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा, दिसंबर 2024 (पीएच॰डी॰ में प्रवेश के लिए पात्र) में अर्हता प्राप्त की।

साक्षी कुमारी, एमए हिंदू अध्ययन (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, ने हिंदू अध्ययन विषय में यूजीसी-राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा, दिसंबर 2024 (पीएच॰डी॰ के लिए पात्र) में अर्हता प्राप्त की।

दिव्यांशु, एमए हिंदू अध्ययन (द्वितीय वर्ष) के छात्र, ने हिंदू अध्ययन विषय में यूजीसी-राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा, दिसंबर 2024 (पीएच॰डी॰ के लिए पात्र) में अर्हता प्राप्त की।

हिमांशु उपाध्याय, एमए हिंदू अध्ययन (प्रथम वर्ष) के छात्र, ने कानून विषय में यूजीसी-राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा, दिसंबर 2024 (सहायक प्रोफेसर और पीएच॰डी॰ के लिए पात्र) में अर्हता प्राप्त की।

सतारकर गणेश श्रीरंग, एमए हिंदू अध्ययन (प्रथम वर्ष) के छात्र, ने कानून विषय में महाराष्ट्र राज्य पात्रता परीक्षा, अप्रैल 2024 (सहायक प्रोफेसर के लिए पात्र) में अर्हता प्राप्त की।

नियुक्त छात्रों की संख्या और प्रतिशत 01, बैंक में पीओ के पद पर

संकाय सदस्य संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक 01 निदेशक, 01संयुक्त निदेशक

***

स्वतंत्रता एवं विभाजन अध्ययन केंद्र

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

सीआईपीएस ने 43 विभाजन उत्तरजीवियों का साक्षात्कार लिया है।

केंद्र के कार्यों की दार्शनिक और क्रियात्मक विषयवस्तु पर चर्चा के लिए बुधवार, 24 जुलाई, 2024 को एक अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में बुधवार, 14 अगस्त, 2024 को एनसीपीएसएल और आईजीएनसीए के सहयोग से 'भारत के विभाजन को उजागर करना' विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि, श्री अर्जुन राम मेघवाल, माननीय विधि और न्याय मंत्री, भारत सरकार, तथा प्रो. योगेश सिंह, माननीय कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा एक फोटोग्राफी प्रदर्शनी के उद्घाटन के साथ हुई।

14 अगस्त, 2024 को पुस्तकों और शोध-प्रबंधों की एक सूची भी जारी की गई।

सीआईपीएस की आधिकारिक वेबसाइट भी लॉन्च की गई।

सीआईपीएसने जुलाई-अगस्त 2024 में छात्रों के लिए एक लोगो डिज़ाइनिंग प्रतियोगिता आयोजित की। विजेता लोगो को सीआईपीएसद्वारा आधिकारिक रूप से अपनाया गया।

सितंबर 2024 में एक वीडियोग्राफी प्रतियोगिता आयोजित की गई।

सीआईपीएसके यूट्यूब चैनल का आधिकारिक शुभारंभ सोमवार, 9 दिसंबर, 2024 को माननीय कुलपति द्वारा किया गया।

सीआईपीएसको गुरुवार, 6 फरवरी, 2025 को श्री सांवल धामी के एक आश्चर्यजनक दौरे से सम्मानित किया गया। श्री सांवल धामी अपने यूट्यूबचैनल, संतालीनामा के माध्यम से विभाजन के पीड़ितों की कहानियाँ प्रस्तुत करते हैं।

संगोष्ठी आयोजित

केंद्र ने कॉलेजों के साथ मिलकर एक-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन किया।

सीआईपीएस ने दयाल सिंह कॉलेज के पंजाबी विभाग के सहयोग से 18 फरवरी, 2025 को 'भारत का विभाजन और मानवीय रिश्तों के हनन की दास्तान' विषय पर एक-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

एसजीटीबी खालसा कॉलेज के सहयोग से शुक्रवार, 21 मार्च, 2025 को एक और संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का विषय था '1947 के विभाजन पर पुनर्विचार: ऐतिहासिक, सामाजिक-सांस्कृतिक और राजनीतिक परिप्रेक्ष्य'।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियां

सीआईपीएस ने राष्ट्रपति भवन में एक शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया। दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों/विभागों में अनाथ श्रेणी के अंतर्गत प्रवेश प्राप्त लगभग 28 छात्रों ने शुक्रवार, 28 मार्च, 2025 को भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी से मुलाकात की। यह भ्रमण केंद्र और छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष कार्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था।

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व दिल्ली विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी और सांस्कृतिक परिषद के अध्यक्ष श्री अनूप लाठर ने किया, जिनके साथ प्रोफेसर रंजन कुमार त्रिपाठी, डीन, छात्र कल्याण और प्रोफेसर रविंदर कुमार, निदेशक, सीआईपीएसभी मौजूद थे। इस दल में प्रोफेसर ज्योति त्रेहन शर्मा, संयुक्त निदेशक, सीआईपीएस, प्रोफेसर संगीता गद्रे, संयुक्त डीन, छात्र कल्याण, प्रोफेसर हेना सिंह, संयुक्त डीन, छात्र कल्याण और डॉ. हेमंत वर्मा, संयुक्त डीन, सांस्कृतिक परिषद के साथ-साथ 28 स्नातक और स्नातकोत्तर छात्र भी शामिल थे।

श्री अनूप लाठर ने भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को एक स्मारिका भेंट की। प्रो. रविंदर कुमार ने अन्य पहलों के अलावा, विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. योगेश सिंह द्वारा सशक्तिकरण पहल के रूप में अनाथ श्रेणी की शुरुआत पर प्रकाश डाला। माननीय राष्ट्रपति ने दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा की गई इस पहल की सराहना की। उन्होंने छात्रों के साथ बातचीत भी की और उन्हें कॉलेज जीवन के अपने अनुभव साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया। यह बातचीत एक ग्रुप फोटोग्राफ के साथ समाप्त हुई, जिसके बाद राष्ट्रपति भवन द्वारा जलपान का आयोजन किया गया।

टीम को अमृत उद्यान, राष्ट्रपति भवन के निर्देशित भ्रमण और राष्ट्रपति भवन संग्रहालय देखने का अवसर मिला। राष्ट्रपति भवन के अधिकारियों ने अत्यंत विनम्रता के साथपूरे दल की मेजबानी की।

संकाय सदस्य संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक

निदेशक और प्रोफेसर - 1

प्रोफेसर - 1

सामाजिक आउटरीच

सीआईपीएस विभाजन उत्तरजीवियों की पहचान करने और उन तक पहुँचने की प्रक्रिया में है। केंद्र वीडियोग्राफी के माध्यम से उनके मौखिक विवरण एकत्र करता है। अब तक 43 साक्षात्कार लिए जा चुके हैं। ये साक्षात्कार केंद्र के यूट्यूब चैनल और वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

उपयोगित निधियां (करोड़ ₹ में) **1,83,411.00 रु.**

आवंटित निधियां (करोड़ ₹ में) **10,74,000.00 रु.**

***

संक्रामक रोग अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण नवाचार केंद्र

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

संक्रामक रोग अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण नवाचार केंद्र (सीआईआईडीआरईटी) की स्थापना अक्टूबर 2015 में दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश XV-एके अंतर्गत की गई थी। स्थापना के बाद से आठ वर्षों में, अपने अधिदेश के अनुसार, सीआईआईडीआरईटीने बेहतर मानव स्वास्थ्य के लिए संक्रामक रोगों में पथ-प्रदर्शक नवाचार-संचालित आधारभूत वैज्ञानिक अनुसंधान किया है। सीआईआईडीआरईटीविज्ञान के कॉलेज के छात्रों के साथ बातचीत करने वाली आउटरीच गतिविधियों को संचालित कर रहा है ताकि उन्हें शोध करियर अपनाने के लिए प्रेरित किया जा सके। सीआईआईडीआरईटीने उद्योग विशेषज्ञों के सहयोग से जीनोमिक्स और प्रोटिओमिक्स के विभिन्न पहलुओं को कवर करने वाले अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय वैज्ञानिकों द्वारा सार्वजनिक व्याख्यान, 'उद्यमिता अतिथि सार्वजनिक व्याख्यान श्रृंखला' और व्यावहारिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के माध्यम से उद्योग-अकादमिक संपर्क का आयोजन किया है। सीआईआईडीआरईटीवैज्ञानिकों को विशेषज्ञ सलाह के साथ अत्याधुनिक प्रोटिओमिक और जीनोमिक सेवाएं प्रदान करता है

सम्मान/विभूतियां **-**

प्रो. अमिता गुप्ता को दिल्ली स्कूल फॉर स्किल एन्हांसमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट (डीएसएसईईडी), इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय का निदेशक नियुक्त किया गया।डॉ. विजय चौधरी को दिल्ली स्कूल फॉर स्किल एन्हांसमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट (डीएसएसईईडी), इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय का सलाहकार नियुक्त किया गया। प्रो. अमिता गुप्ता को सोसाइटी फॉर बैक्टीरियोफेज रिसर्च एंड थेरेपी द्वारा 2024-लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियां

अखिल भारतीय वैज्ञानिक समुदाय को डीएनए सीक्वेंसिंग सेवाएं प्रदान की गईं।

संकाय सदस्य संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक 2

अनुसंधान परियोजना:

सीआईआईडीआरईटी की प्रो. अमिता गुप्ता को "निपा वायरस संक्रमण में कोशिकीय और ह्यूमरल प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाएँ और निपाह वायरस के विरुद्ध मोनोक्लोनल एंटीबॉडी का विकास" नामक शोध परियोजना के लिए **1.6856** करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है और फरवरी **2025** से जनवरी **2026** तक की अवधि के लिए है।

सम्मेलन आयोजित

दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिण परिसर के सीआईआईडीआरईटी में 15-20 जुलाई, 2024 तक छात्रों के लिए "रीकॉम्बिनेंट प्रोटीन एक्सप्रेशन और एंजाइम लिंक्ड इम्यूनोसॉर्बेंट एसे (एलिसा)" पर व्यावहारिक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

सीआईआईडीआरईटी में 8-13 जुलाई, 2024 तक छात्रों के लिए "जीनोमिक्स, पीसीआर और अनुक्रमण में अनुप्रयोग हेतु न्यूक्लिक एसिड के हेरफेर की तकनीकें" पर व्यावहारिक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी/सम्मेलनों में प्रस्तुतियां

आईसीएमआर, भारत सरकार द्वारा 18-19 मार्च, 2025 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित इंडिया इनोवेशन समिट - टीबी के उन्मूलन के लिए अग्रणी समाधान में "मल्टीप्लेक्स टार्गेटेड सीक्वेंसिंग का उपयोग करके दवा प्रतिरोधी तपेदिक (डीआर-टीबी) का व्यापक पता लगाने की तकनीक" नामक नवाचार प्रस्तुत किया।

आईसीएमआर, भारत सरकार द्वारा 18-19 मार्च, 2025 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित इंडिया इनोवेशन समिट - टीबी के उन्मूलन के लिए अग्रणी समाधान में "माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस का तेजी से और विशिष्ट पता लगाने के लिए अगली पीढ़ी का कोलाइडल गोल्ड आधारित इम्यूनोसे" नामक नवाचार प्रस्तुत किया।

प्रो. विजय के. चौधरी ने 8 मार्च, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिणी परिसर में आयोजित "अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस संगोष्ठी-विकास के लिए विज्ञान को सशक्त बनाने में महिलाओं की भूमिका (डॉ. मंजू शर्मा के विजन और विरासत का प्रचार)" में "भारतीय जैव प्रौद्योगिकी और स्वास्थ्य विज्ञान" विषय पर व्याख्यान दिया।

प्रो. विजय के. चौधरी ने 19 फरवरी, 2025 को आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय में आयोजित "चिकित्सा निदान में हालिया प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: रसायनों से कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक" में "निदान और चिकित्सा विज्ञान में एंटीबॉडी - प्रयोगशाला से बाजार तक" विषय पर व्याख्यान दिया।

दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिणी परिसर में 29 नवंबर, 2024 को आयोजित 8वें अंतर्राष्ट्रीय जैव सूचना विज्ञान संगोष्ठी (InSyB) में "Fvमॉडलिंग और अनुक्रम अनुकूलन के माध्यम से फेज-प्रदर्शित पुनः संयोजक एंटीबॉडी की विकास क्षमता को बढ़ाना" विषय पर पोस्टर प्रस्तुत किया।

प्रो. विजय के. चौधरी ने 14-17 नवंबर, 2024 को गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार, हरियाणा में आयोजित 65वें एएमआई वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "मानव कल्याण के लिए सूक्ष्मजीवों के परिप्रेक्ष्य" में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

प्रो. विजय के. चौधरी ने केंद्रीय अनुसंधान संस्थान, कसौली हिमाचल प्रदेश द्वारा आयोजित "हाइपरइम्यून सीरा उत्पादन (सर्प दंश और रेबीज) में हालिया प्रगति और चुनौतियों पर पहला राष्ट्रीय परामर्श" में "फेज ने मानव एंटीबॉडी लाइब्रेरी प्रदर्शित की: सांप के जहर के विषाक्त पदार्थों और वायरल संक्रमणों के लिए न्यूट्रलाइजिंग एंटीबॉडी के अलगाव के लिए एक संसाधन" पर एक व्याख्यान दिया, 8-10 सितंबर, 2024।

प्रो. विजय के. चौधरी ने शारदा विश्वविद्यालय, नोएडा में माइक्रोबायोलॉजिकल साइंसेज अकादमी (एएमएससी) द्वारा आयोजित "परिणाम-आधारित शिक्षण और अधिगम के लिए एक उपकरण के रूप में विषय-विशिष्ट बेंचमार्किंग" पर संकाय विकास कार्यक्रम में "विषय की मेरी समझ और आणविक जीव विज्ञान के लिए सुझाव" पर एक व्याख्यान दिया, 5-10 अगस्त, 2024।

***

पवर्त और पवर्तीय पयार्वरण अंतःविषयक अध्ययन केंद्र

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

पर्यावरणीय प्रभाव आकलन और वहन क्षमता अध्ययन का उपयोग करते हुए विकास परियोजनाओं पर भारत सरकार को परामर्श प्रदान करना।

संकाय सदस्य संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	1
एसोसिएट प्रोफेसर	1

सामाजिक आउटरीच

दिल्ली में जैव-विविधता पार्क कार्यक्रम के प्रधान अन्वेषक के रूप में कार्यरत

उपयोगित निधियां (करोड़ में)	0.30
आवंटित निधियां (करोड़ में)	0.30

***

सेंटर फ़ॉर प्रोफ़ेशनल डेवलपमेंट इन हायर एजुकेशन

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

सीपीडीएचई देश के सर्वश्रेष्ठ एमएमटीटीसी में से एक है और पूरे वर्ष अपने गतिशील और अंतःविषय कार्यक्रमों के लिए प्रतिष्ठित है। इस प्रकार, यह अपने अभिनव प्रथाओं के माध्यम से अन्य एमएमटीटीसी के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत करता है और काम के किसी भी दोहराव की तुलना में देश में अपने लिए एक जगह बना चुका है। यह प्रति वर्ष प्रति कोर्स प्राप्त होने वाले आवेदनों की संख्या से बहुत अधिक परिलक्षित होता है। इस प्रकार, सीपीडीएचई सबसे अभिनव और जीवंत पाठ्यक्रम और प्रथाओं (संसाधन व्यक्तियों और प्रतिभागियों की प्रतिक्रिया के अनुसार) की कोशिश करता है। यूजीसी दिशानिर्देशों के अनुसार, प्रत्येक कार्यक्रम का पाठ्यक्रम भारतीय शैक्षिक दर्शन और राष्ट्रीय एकता के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है। शिक्षकों के समग्र व्यावसायिक विकास और बौद्धिक विकास में योगदान देने के उद्देश्य से, ये पाठ्यक्रम बदले में अपने शिक्षकों के विकास के माध्यम से छात्रों के विकास में भी मदद करते हैं

सीपीडीएचई ने वर्ष 2024-25 के दौरान 3674 प्रतिभागियों के साथ 31 कार्यक्रम आयोजित किए:

19 एनईपी अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (8-दिवसीय, 2679 प्रतिभागी),

3 संकाय प्रेरण कार्यक्रम (4-सप्ताह, 239 प्रतिभागी),

5 पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (2-सप्ताह, 373 प्रतिभागी), और

4 लघु अवधि पाठ्यक्रम (1-सप्ताह/3-दिवसीय/1-दिवसीय, 383 प्रतिभागी)

सम्मेलन आयोजित

15 अप्रैल, 2024 से 25 अप्रैल, 2024 तक यूजीसी द्वारा प्रायोजित एनईपी अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम।

7 मई, 2024 से 16 मई, 2024 तक यूजीसी द्वारा प्रायोजित एनईपी अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम।

20 मई, 2024 से 30 मई, 2024 तक यूजीसी द्वारा प्रायोजित एनईपी अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम।

4 जून, 2024 से 13 जून, 2024 तक यूजीसी द्वारा प्रायोजित एनईपी अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम।

18 जून, 2024 से 27 जून, 2024 तक यूजीसी द्वारा प्रायोजित एनईपी अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम।

2 जुलाई, 2024 से 11 जुलाई, 2024 तक यूजीसी द्वारा प्रायोजित एनईपी अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम।

16 जुलाई, 2024 से 26 जुलाई, 2024 तक यूजीसी द्वारा प्रायोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम।

23 जुलाई, 2024 से 20 अगस्त, 2024 तक यूजीसी द्वारा प्रायोजित संकाय अभिप्रेरण कार्यक्रम (एफआईपी-5)।

23 जुलाई, 2024 से 20 अगस्त, 2024 तक यूजीसी द्वारा प्रायोजित संकाय अभिप्रेरण कार्यक्रम (एफआईपी-6)।

5 अगस्त, 2024 से 14 अगस्त, 2024 तक यूजीसी द्वारा प्रायोजित एनईपी अभिमुखीकरण और जागरूकता कार्यक्रम।

27 अगस्त, 2024 से 9 सितंबर, 2024 तक यूजीसी द्वारा प्रायोजित पर्यावरण अध्ययन और पारिस्थितिक विकास (आईडीसी) में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम।

3 सितंबर, 2024 से 12 सितंबर, 2024 तक यूजीसी द्वारा प्रायोजित एनईपी अभिमुखीकरण और जागरूकता कार्यक्रम।

18 सितंबर, 2024 से 27 सितंबर, 2024 तकयूजीसी द्वारा प्रायोजित एनईपी अभिमुखीकरण और जागरूकता कार्यक्रम।

18 सितंबर, 2024 से 1 अक्टूबर, 2024 तक यूजीसी द्वारा प्रायोजित गणितीय विज्ञान (गणित/सांख्यिकी/संचालन अनुसंधान/कंप्यूटर विज्ञान) में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम ।

8 अक्टूबर, 2024 से 17 अक्टूबर, 2024 तक यूजीसी द्वारा प्रायोजित एनईपी अभिमुखीकरण और जागरूकता कार्यक्रम कार्यक्रम ।

यूजीसी द्वारा प्रायोजित शैक्षणिक नेतृत्व, शासन और प्रबंधन (आईडीसी) में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम 15 अक्टूबर, 2024 से 28 अक्टूबर, 2024 तक।

21 अक्टूबर, 2024 से 30 अक्टूबर, 2024 तक यूजीसी द्वारा प्रायोजित एनईपी अभिमुखीकरण और जागरूकता कार्यक्रम।

7 अक्टूबर, 2024 से 14 अक्टूबर, 2024 तक यूजीसी द्वारा प्रायोजित पुनरुत्थान हेतु अनुसंधान पर अल्पकालिक कार्यक्रम।

5 नवंबर, 2024 से 14 नवंबर, 2024 तक यूजीसी द्वारा प्रायोजित एनईपी अभिमुखीकरण और जागरूकता कार्यक्रम।

19 नवंबर, 2024 से 28 नवंबर, 2024 तक यूजीसी द्वारा प्रायोजित एनईपी अभिमुखीकरण और जागरूकता कार्यक्रम।

3 दिसंबर, 2024 से 12 दिसंबर, 2024 तक यूजीसी द्वारा प्रायोजित एनईपी अभिमुखीकरण और जागरूकता कार्यक्रम।

9 दिसंबर, 2024 से 12 दिसंबर, 2024 तक महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय, कटनी, मध्य प्रदेश के सहयोग से अनुसंधान पद्धति पर 10-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन 19, 2024.

17 दिसंबर, 2024 से 27 दिसंबर, 2024 तक यूजीसी द्वारा प्रायोजित एनईपी अभिमुखीकरण और जागरूकता कार्यक्रम ।

26 दिसंबर, 2024 से 22 जनवरी, 2025 तक यूजीसी द्वारा प्रायोजित संकाय अभिप्रेरण कार्यक्रम (एफआईपी-7) ।

6 जनवरी, 2025 से 15 जनवरी, 2025 तक यूजीसी द्वारा प्रायोजित एनईपी अभिमुखीकरण और जागरूकता कार्यक्रम ।

21 जनवरी, 2025 से 30 जनवरी, 2025 तक यूजीसी द्वारा प्रायोजित एनईपी अभिमुखीकरण और जागरूकता कार्यक्रम ।

18 फरवरी, 2025 से 28 फरवरी, 2025 तक यूजीसी द्वारा प्रायोजित एनईपी अभिमुखीकरण और जागरूकता कार्यक्रम।

21 फरवरी, 2025 से 7 मार्च, 2025 तक यूजीसी द्वारा प्रायोजित भारतीय दर्शन, आध्यात्मिक एवं पर्यावरण (आईडीसी) में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम।

11 मार्च, 2025 से 18 मार्च, 2025 तक यूजीसी द्वारा प्रायोजित पंचकोश, योग एवं अध्यात्म पर लघु अवधि कार्यक्रम।

प्राचीन और मध्यकालीन भारत की राजनीतिक और सांस्कृतिक परंपराओं पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम 17 मार्च, 2025 से 29 मार्च, 2025 तक इंडिया फाउंडेशन और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के सहयोग से आयोजित किया गया।

इंडिक हिस्ट्री अवेयरनेस एंड रिसर्च एसोसिएशन (आईएचएआरए) के सहयोग से 18 मार्च, 2025 से 19मार्च, 2025 तक भगवान बुद्ध से सम्राट हर्षवर्द्धन तक - ऐतिहासिक कालक्रम पर प्रतीकों के आधार पर 2 दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।.

सम्मान/विभूतियां

03 अप्रैल, 2024 को खुशहाली फाउंडेशन द्वारा "शिक्षारत्न सांस्कृतिक गौरव सम्मान" से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

सिंह, जी., और द्विवेदी, एस. (सं.). (2024),*सांस्कृतिक काल गणना एवं मूल्यबोध*, हंस प्रकाशन. आईएसबीएन: 978-81-976382-9-9

सिंह, जी., और द्विवेदी, एस. (सं.). (2024),*स्थविर*, हंस प्रकाशन. आईएसबीएन: 978-81-976382-9-9

सिंह, जी. (2024),*भारत में इस्लाम (इस्लाम में जातियाँ)*। किताबवाले प्रकाशन. आईएसबीएन: 978-93-48029-72-0

संकाय सदस्य संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक :	1
उपयोगित निधियां (करोड़ में)	1,26,10,770
आवंटित निधियां (करोड़ में)	1,25,81,732

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

महात्मा हंसराज मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय की शैक्षणिक सलाहकार समिति के सदस्य (02 जनवरी, 2025 से 01 जनवरी, 2027)।

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा की शैक्षणिक सलाहकार समिति के कुलपति द्वारा नामनिर्दिष्ट (10 जुलाई, 2024 से 09 जून, 2026)।

यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश की शैक्षणिक सलाहकार समिति के कुलपति द्वारा नामनिर्दिष्ट (01 जून, 2024 से 31 मई, 2026)।

यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, जम्मू-कश्मीर की शैक्षणिक सलाहकार समिति के कुलपति द्वारा नामनिर्दिष्ट (30 मई, 2024 से 29 मई, 2026)।

यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली की शैक्षणिक सलाहकार समिति के कुलपति द्वारा नामनिर्दिष्ट (26 अप्रैल, 2024)।

एम.बी. मोरे फाउंडेशन के कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महिला महाविद्यालय, रोहा, महाराष्ट्र के सहकर्मी दल समीक्षा (एनएएसी) के सदस्य, 24-25 अप्रैल, 2024।

यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, कटरा, जम्मू-कश्मीर की शैक्षणिक सलाहकार समिति के कुलपति द्वारा नामित सदस्य (16 अप्रैल, 2024 से 15 अप्रैल, 2026 तक)।

भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली की चयन समिति के सदस्य (4 अप्रैल, 2024 तक)।

यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, कलापेट, पुदुचेरी की शैक्षणिक सलाहकार समिति के कुलपति द्वारा नामनिर्दिष्ट (01 अप्रैल, 2024 से 31 मार्च, 2026 तक)।

भारतीय ज्ञान, संस्कृत एवं योग केंद्र, एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, सर विट्ठलदास विद्याविहार, जुहू रोड, मुंबई, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित 'जागरण: नारी से नारायणी - भारतीय महिला ऋषियों की बौद्धिक विरासत की पुनर्खोज' विषय पर 23 मार्च, 2025 को आयोजित तीन-दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में व्याख्यान दिया।

अखिल भारतीय राष्ट्रवादी लेखक संघ द्वारा 28 अप्रैल, 2025 को आयोजित 'गुजरात का अज्ञात इतिहास' विषय पर वेबिनार में व्याख्यान दिया।

यूजीसी - मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी), बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश द्वारा 10 मार्च, 2025 को आयोजित 16वें संकाय प्रेरण कार्यक्रम में व्याख्यान दिया।

लीगल एड सोसाइटी और लॉ सेंटर-II, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 06 मार्च, 2025 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर व्याख्यान दिया।

यूजीसी - मानव संसाधन विकास केंद्र, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला द्वारा 04 मार्च, 2025 को आयोजित शिक्षक प्रशिक्षक एवं संस्थागत प्रबंधन पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में व्याख्यान दिया।

ऋषभ एजुकेशनल सोसाइटी, फरीदाबाद, हरियाणा द्वारा 03 मार्च, 2025 को आयोजित शोध पद्धति पर छह-दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में व्याख्यान दिया।

सीपीडीएचई (यूजीसी-एमएमटीटीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 28 फरवरी, 2025 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' पर व्याख्यान दिया।

सीपीडीएचई (यूजीसी-एमएमटीटीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 18 फरवरी, 2025 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'शैक्षणिक नेतृत्व, शासन एवं प्रबंधन' पर व्याख्यान दिया।

तक श्री कोट्टाला बसवेश्वर भारतीय शिक्षा समिति, भारत विकास संगम और विकास अकादमी द्वारा 29 जनवरी, 2025 से 6 फरवरी, 2025 संयुक्त रूप से कलबुर्गी, कर्नाटक में आयोजित भारतीय संस्कृति उत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में 29 जनवरी, 2025 और 31 जनवरी, 2025 को व्याख्यान दिया।

सीपीडीएचई (यूजीसी-एमएमटीटीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 30 जनवरी, 2025 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' पर व्याख्यान दिया।

सीपीडीएचई (यूजीसी-एमएमटीटीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 21 जनवरी, 2025 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'शैक्षणिक नेतृत्व, शासन और प्रबंधन' पर व्याख्यान दिया।

सीपीडीएचई (यूजीसी-एमएमटीटीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 15 जनवरी, 2025 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' पर व्याख्यान दिया।

सीपीडीएचई (यूजीसी-एमएमटीटीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 06 जनवरी, 2025 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'शैक्षणिक नेतृत्व, शासन और प्रबंधन' पर व्याख्यान दिया।

सीपीडीएचई (यूजीसी-एमएमटीटीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 27 दिसंबर, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' पर व्याख्यान दिया।

सीपीडीएचई (यूजीसी-एमएमटीटीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 17 दिसंबर, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास औरजागरूकताकार्यक्रम में 'शैक्षणिक नेतृत्व, शासन और प्रबंधन' पर व्याख्यान दिया।

सीपीडीएचई (यूजीसी-एमएमटीटीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 12 दिसंबर, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' पर व्याख्यान दिया।

सीपीडीएचई (यूजीसी-एमएमटीटीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 03 दिसंबर, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'शैक्षणिक नेतृत्व, शासन और प्रबंधन' पर व्याख्यान दिया।

श्याम लाल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 29 नवंबर, 2024 को आयोजित "स्वस्थ जीवन के लिए आयुर्वेद" विषय पर आयुर्वेद और पोषण पर संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।

सीपीडीएचई (यूजीसी-एमएमटीटीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 28.11.2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास औरजागरूकताकार्यक्रम में 'शैक्षणिक नेतृत्व, शासन और प्रबंधन' पर व्याख्यान दिया।

यूजीसी - मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी), कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल, उत्तराखंड द्वारा 23 नवंबर, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास औरजागरूकताकार्यक्रम में 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' पर व्याख्यान दिया।

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के भाषा विद्यालय द्वारा 20 नवंबर, 2024 को आयोजित और आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम, "शिक्षण और अनुसंधान में भारतीय ज्ञान परंपराओं का समावेश: परिप्रेक्ष्य, चुनौतियाँ और आगे का रास्ता" में मुख्य अतिथि के रूप में व्याख्यान दिया।

सीपीडीएचई (यूजीसी-एमएमटीटीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 19 नवंबर, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' पर व्याख्यान दिया।

सीपीडीएचई (यूजीसी-एमएमटीटीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 14 नवंबर, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'शैक्षणिक नेतृत्व, शासन और प्रबंधन' पर व्याख्यान दिया।

सीपीडीएचई (यूजीसी-एमएमटीटीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 5 नवंबर, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास औरजागरूकता कार्यक्रम में 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' पर व्याख्यान दिया।

सीपीडीएचई (यूजीसी-एमएमटीटीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 30 अक्टूबर, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'शैक्षणिक नेतृत्व, शासन एवं प्रबंधन' पर व्याख्यान दिया।

यूजीसी - मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी), कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल, उत्तराखंड द्वारा 27 अक्टूबर, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास औरजागरूकता कार्यक्रम में 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' पर व्याख्यान दिया।

यूजीसी - मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी), बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश द्वारा 25 अक्टूबर, 2024 को आयोजित भारतीय ज्ञान प्रणाली में द्वितीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' पर व्याख्यान दिया।

यूजीसी - मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी), कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल, उत्तराखंड द्वारा 24 अक्टूबर, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' पर व्याख्यान दिया।

23 अक्टूबर, 2024 को महायोगी गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय, पौड़ी गढ़वाल और विश्व संवाद केंद्र उत्तराखंड द्वारा 'हिंदी भाषा का वैश्वीकरण' पर आयोजित दोदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।

सीपीडीएचई (यूजीसी-एमएमटीटीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 21 अक्टूबर, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' पर व्याख्यान दिया।

सीपीडीएचई (यूजीसी-एमएमटीटीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 17 अक्टूबर, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'शैक्षणिक नेतृत्व, शासन एवं प्रबंधन' पर व्याख्यान दिया।

यूजीसी - मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी), बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश द्वारा 08 अक्टूबर, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'उच्च शिक्षा एवं समाज' पर व्याख्यान दिया।

सीपीडीएचई (यूजीसी-एमएमटीटीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 08 अक्टूबर, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' पर व्याख्यान दिया।

सीपीडीएचई (यूजीसी-एमएमटीटीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 27 सितंबर, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम में 'शैक्षणिक नेतृत्व, शासन और प्रबंधन' पर व्याख्यान दिया।

फरीदाबाद एजुकेशनल चैप्टर द्वारा 26 सितंबर, 2024 को आयोजित सहोदय उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार में मुख्य अतिथि के रूप में कार्य किया।

को कालिंदी कॉलेज द्वारा 25 सितंबर, 2024 आयोजित एक-दिवसीय एकात्म मानव दर्शन सम्मेलन में व्याख्यान दिया।

सीपीडीएचई (यूजीसी-एमएमटीटीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 18 सितंबर, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' पर व्याख्यान दिया।

सीपीडीएचई (यूजीसी-एमएमटीटीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 12 सितंबर, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'शैक्षणिक नेतृत्व, शासन और प्रबंधन' पर व्याख्यान दिया।

यूजीसी - मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी), राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर, महाराष्ट्र द्वारा 5 सितंबर, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' पर व्याख्यान दिया।

सीपीडीएचई (यूजीसी-एमएमटीटीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 3 सितंबर, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' पर व्याख्यान दिया।

यूजीसी - मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी), बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर, बिहार द्वारा 30 अगस्त, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' पर व्याख्यान दिया।

सीपीडीएचई (यूजीसी-एमएमटीटीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 14 अगस्त, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'शैक्षणिक नेतृत्व, शासन और प्रबंधन' पर व्याख्यान दिया।

यूजीसी - मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी), कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल, उत्तराखंड द्वारा 07 अगस्त, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' पर व्याख्यान दिया।

सीपीडीएचई (यूजीसी-एमएमटीटीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 5 अगस्त, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' पर व्याख्यान दिया।

सीपीडीएचई (यूजीसी-एमएमटीटीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 26 जुलाई, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'शैक्षणिक नेतृत्व, शासन और प्रबंधन' पर व्याख्यान दिया।

यूजीसी - मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी), कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल, उत्तराखंड द्वारा 23 जुलाई, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' पर व्याख्यान दिया।

सीपीडीएचई (यूजीसी-एमएमटीटीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 16 जुलाई, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' पर व्याख्यान दिया।

सीपीडीएचई (यूजीसी-एमएमटीटीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 11 जुलाई, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'शैक्षणिक नेतृत्व, शासन और प्रबंधन' पर व्याख्यान दिया।

सीपीडीएचई (यूजीसी-एमएमटीटीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 02 जुलाई, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' पर व्याख्यान दिया।

सीपीडीएचई (यूजीसी-एमएमटीटीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 27 जून, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'शैक्षणिक नेतृत्व, शासन और प्रबंधन' पर व्याख्यान दिया।

यूजीसी - मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी), उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल द्वारा 26 जून, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'शैक्षणिक नेतृत्व, शासन और प्रबंधन' पर व्याख्यान दिया।

यूजीसी - मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी), बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर, बिहार द्वारा 22 जून, 2024 को आयोजित एनईपी और जागरूकता कार्यक्रम में 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' पर व्याख्यान दिया।

यूजीसी - मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी), कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल, उत्तराखंड द्वारा 18 जून, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' पर व्याख्यान दिया।

सीपीडीएचई (यूजीसी-एमएमटीटीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 18 जून, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' पर व्याख्यान दिया।

सीपीडीएचई (यूजीसी-एमएमटीटीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 13 जून, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'शैक्षणिक नेतृत्व, शासन और प्रबंधन' पर व्याख्यान दिया।

सीपीडीएचई (यूजीसी-एमएमटीटीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 04 जून, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' पर व्याख्यान दिया।

सीपीडीएचई (यूजीसी-एमएमटीटीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 30 मई, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'शैक्षणिक नेतृत्व, शासन और प्रबंधन' पर व्याख्यान दिया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के हिमालयन अध्ययन केंद्र द्वारा यूके के कुम्ब्रिया विश्वविद्यालय और यूके के बाथ स्पा विश्वविद्यालय के सहयोग से 24 मई, 2024 को आयोजित हिमालयन भू-तंत्र: समाज और स्थिरता 2023 पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग संगोष्ठी में विशेष अतिथि के रूप में व्याख्यान दिया।

सीपीडीएचई (यूजीसी-एमएमटीटीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 20 मई, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' पर व्याख्यान दिया।

सीपीडीएचई (यूजीसी-एमएमटीटीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 16 मई, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'शैक्षणिक नेतृत्व, शासन और प्रबंधन' पर व्याख्यान दिया।

यूजीसी - मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी), बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश द्वारा 13 मई, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' पर व्याख्यान दिया।

क्लस्टर विश्वविद्यालय श्रीनगर, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर द्वारा 10 मई, 2024 को आयोजित समारोह में 'महिला सशक्तिकरण' पर व्याख्यान दिया।

सीपीडीएचई (यूजीसी-एमएमटीटीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 07 मई, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' पर व्याख्यान दिया।

सीपीडीएचई (यूजीसी-एमएमटीटीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 25 अप्रैल, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'शैक्षणिक नेतृत्व, शासन और प्रबंधन' पर व्याख्यान दिया।

यूजीसी - मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी), ईश्वर शरण पीजी कॉलेज, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश द्वारा 22 अप्रैल, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' पर व्याख्यान दिया।

यूजीसी - मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी), बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश द्वारा 20 अप्रैल, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में व्याख्यान दिया।

यूजीसी - मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी), भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल, मध्य प्रदेश द्वारा 19 अप्रैल, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' पर व्याख्यान दिया।

सीपीडीएचई (यूजीसी-एमएमटीटीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 15 अप्रैल, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' पर व्याख्यान दिया।

यूजीसी - मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी), ईश्वर शरण पीजी कॉलेज, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश द्वारा 10 अप्रैल, 2024 को आयोजित एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम में 'शैक्षणिक नेतृत्व, शासन और प्रबंधन' पर व्याख्यान दिया।

***

जनजातीय अध्ययन केंद्र

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

“भारतीय जनजातियाँ, संविधान और शासन” पर राष्ट्रीय सम्मेलन

“भारतीय जनजातियाँ, संविधान और शासन” पर मानव विज्ञान विभाग में 25-26 मार्च, 2025 को एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय के डीन, प्रोफेसर देबज्योति चौधरी और विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय जनजातीय अनुसंधान संस्थान की विशेष निदेशक, प्रोफेसर नूपुर तिवारी उपस्थित रहीं। मुख्य भाषण दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के पूर्व प्रोफेसर, प्रो. वर्जिनियस ज़ाक्सा ने दिया। समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण के अध्यक्ष, प्रोफेसर किशोर के. बासा और हैदराबाद विश्वविद्यालय के सीडीएलटीआर के पूर्व मानद प्रोफेसर, प्रोफेसर शिव प्रसाद रामभटला ने समापन भाषण दिया। सत्रों की अध्यक्षता जनजातीय अध्ययन केंद्र के निदेशक और मानव विज्ञान विभाग के प्रमुख, प्रोफेसर एस. एम. पटनायक ने की। इसका उद्देश्य जनजातीय समुदायों के समक्ष आने वाली समस्याओं को दूर करना तथा संवैधानिक प्रावधानों और उनके वास्तविक क्रियान्वयन के बीच मौजूद अंतर को पाटना था।

जनजातीय गौरव दिवस 2024

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में 16 नवंबर, 2024 को गौरव दिवस मनाया गया। माननीय सांसद श्रीमती एस. फांगनोन कोन्याक, जो नागालैंड से राज्य सभा के लिए चुनी गई पहली आदिवासी महिला हैं, इस समारोह की मुख्य अतिथि थीं। दिल्ली विश्वविद्यालय के जनजातीय अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित जनजातीय सभा में आदिवासी प्रदर्शन और छात्रों द्वारा एक नाटक प्रस्तुत किया गया। मुख्य कार्यक्रम से पहले, 14 नवंबर, 2024 को "भगवान बिरसा मुंडा का जीवन और कार्य आज भी प्रेरणा का स्रोत हैं" विषय पर निबंध और चित्रकला प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिनमें दिल्ली विश्वविद्यालय के 200 से अधिक छात्र शामिल हुए।

निबंध लेखन प्रतियोगिता के विजेता:

मानव विज्ञान विभाग, डीयू से प्रत्यश्री दास

डीयू के अंग्रेजी विभाग से विप्रजा राव

लेडी श्री राम कॉलेज से अनुषा गर्ग

मिरांडा हाउस से प्रिया द्विवेदी

मैत्रियी कॉलेज से सलंगकृता सरमा

चित्रकला प्रतियोगिता के विजेता

राजधानी कॉलेज से डेविड कामलियानमांग सिमटे

इंद्रप्रस्थ महिला कॉलेज से साक्षी गुर्जर

रामानुजन कॉलेज से हरीश उराँव

किरोड़ीमल कॉलेज से आशुतोष किस्कू

हंसराज कॉलेज से पुनीत वर्मा

मिरांडा हाउस से जुवेरिया हाशमी।

संविधान दिवस का आयोजन : 26 नवम्बर, 2024

जनजातीय अध्ययन केंद्र और मानव विज्ञान विभाग ने 26 नवंबर, 2024 को संविधान दिवस के अवसर पर भारतीय लोकतंत्र के 78 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर, छात्रों और अन्य हितधारकों को इस तथ्य से कि 'राष्ट्र की इमारत भारत के संविधान पर कैसे आधारित है' अवगत कराने के उद्देश्य से एक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। दिल्ली विश्वविद्यालय के जनजातीय अध्ययन केंद्र (सीटीएस) ने विश्व के स्वदेशी मूल के लोगों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस के उपलक्ष्य में 9 अगस्त, 2024 को विश्व के स्वदेशी मूल के लोगों के एक उत्कृष्ट समारोह का आयोजन किया। मानव विज्ञान विभाग में आयोजित यह कार्यक्रम एक शानदार सफलता थी, जिसमें समावेशिता और सांस्कृतिक प्रशंसा के प्रति गहरी प्रतिबद्धता प्रदर्शित हुई। इस कार्यक्रम में मिरांडा हाउस की प्रधानाचार्या प्रो. बिजयलक्ष्मी नंदा की विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थिति ने कार्यक्रम को गौरवान्वित किया, जबकि प्रोफ़ेसर सुचेता सेन चौधरी (झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय) ने "मानवशास्त्र, स्वदेशी साहित्य और उससे आगे" विषय पर एक विचारोत्तेजक मुख्य भाषण दिया। सीटीएस के निदेशक प्रोफ़ेसर सौमेंद्र एम. पटनायक ने अपने उद्घाटन भाषण से कार्यक्रम की शुरुआत की और आदिवासी समुदायों के अध्ययन में पारंपरिक विकासवादी दृष्टिकोणों से हटकर एक अधिक समावेशी और सभ्यतागत दृष्टिकोण अपनाने की हिमायत की। अपने संबोधन में, प्रोफ़ेसर बिजयलक्ष्मी नंदा ने विशेषाधिकार प्राप्त समूहों द्वारा समावेशिता को सक्रिय रूप से बढ़ावा देने और हाशिए पर पड़े समुदायों को सम्मान और गरिमा की तलाश में सहयोग देने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। उनके प्रेरक शब्दों ने समान प्रगति प्राप्त करने में सामाजिक भागीदारी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

सांस्थानिक सहयोग

दिल्ली विश्वविद्यालय के जनजातीय अध्ययन केंद्र ने अर्जेंटीना के जुजुय राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के स्वदेशी और औपनिवेशिक अध्ययन केंद्र (सीईआईसी) के सहयोग से 10 सितंबर, 2024 को "स्वदेशी और जनजातीय अध्ययन: वैश्विक दक्षिण के परिप्रेक्ष्य" शीर्षक से एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। यह कार्यक्रम दिल्ली विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग में आयोजित हुआ और इसने वैश्विक दक्षिणी संदर्भों में स्वदेशी और जनजातीय दृष्टिकोणों के बारे में महत्वपूर्ण बातचीत में शामिल होने के लिए विद्वानों और छात्रों को एक मंच पर साथ आने का अवसर प्रदान किया।

विशेष वार्ता/व्याख्यान

टेक्सास विश्वविद्यालय, अर्लिंग्टन की डॉ. रितु गैरोला खंडूरा ने 31 जुलाई, 2024 को "आदिवासी अध्ययन को सशक्त बनाना: शिक्षा और उद्योग को मानव विज्ञान कौशल से जोड़ना" शीर्षक से एक

विशेष व्याख्यान दिया। यह कार्यक्रम दिल्ली विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग के संगोष्ठी हॉल में आयोजित किया गया था।

अर्जेंटीना के जुजुय राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग के प्रो. ग्रिट किर्स्टिन कोएल्ट्ज़च ने 13 सितंबर, 2024 को "सांस्कृतिक अभ्यास का शारीरिक ज्ञान: एक मूर्त ज्ञानमीमांसा की ओर विश्लेषणात्मक उपकरण" शीर्षक से एक सार्वजनिक व्याख्यान दिया। इस सत्र की अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय के शैक्षणिक मामलों के डीन प्रो. के. रत्नाबली ने की और यह दिल्ली विश्वविद्यालय के ड्रीम बिल्डिंग के कमरा नंबर 105 में आयोजित किया गया। मेलबर्न विश्वविद्यालय के प्रो. थॉमस रॉयटर ने 20 सितंबर, 2024 को "इंडोनेशिया के बाली द्वीप के मूल निवासी: इतिहास, रीति-रिवाज और सामाजिक संगठन" शीर्षक से एक सार्वजनिक व्याख्यान दिया। यह व्याख्यान दिल्ली विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग के पी.सी. बिस्वास हॉल में आयोजित किया गया था। डॉ. सीमाश्री बोरा ने 20 दिसंबर, 2024 को "भारत में द्वीप अध्ययन की स्थिति: माजुली, असम का एक परिप्रेक्ष्य" शीर्षक से एक विशिष्ट व्याख्यान दिया। यह सत्र दिल्ली विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग के संगोष्ठी हॉल में आयोजित किया गया।

अतिथि व्याख्याता/विषय विशेषज्ञ

डॉ. अवितोली जी. झिमो (संयुक्त निदेशक)

आमंत्रित वक्ता: स्वदेशी शासन प्रणाली: नागा जनजातियों का मामला; 25-26 मार्च, 2025 को भारतीय जनजातियाँ, संविधान और शासन पर राष्ट्रीय सम्मेलन में।

विशेष व्याख्यान: 25 फ़रवरी, 2025 को उत्कल विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग में 'दृश्य विधियाँ और नैतिकता' (ऑनलाइन मोड में)।

विषय विशेषज्ञ: एमएमटीटीसी उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर द्वारा 8 फ़रवरी, 2025 को आयोजित 'भारतीय ज्ञान प्रणाली में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम' में 'स्वदेशी शासन प्रणाली'।

आमंत्रित व्याख्यान: श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में पूर्वोत्तर छात्र संघ (एनईएसए) द्वारा आयोजित 'पूर्वोत्तर की सांस्कृतिक विरासत'। 13 नवंबर, 2024 को प्रात: 11:00 बजे।

विषय विशेषज्ञ: 'राष्ट्रीय जनजातीय नीति अनुसंधान और संसाधनों के माध्यम से भारत में जनजातीय नीति के लिए वर्तमान चुनौतियाँ: कुछ मुद्दे' विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला के दौरान, आदिवासी और जनजातीय अध्ययन अनुसंधान समिति 07, भारतीय समाजशास्त्रीय सोसायटी द्वारा आयोजित। 11 जुलाई, 2024.

13 अप्रैल, 2024 को आईजीएनसीए (केएन) में नृवंशविज्ञान विषय पर शोध पद्धति पर लघु अवधि प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम में आमंत्रित व्याख्यान।

14 मार्च, 2024 को आईजीएनसीए रांची द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला सप्ताह के उपलक्ष्य में 'भारतीय संस्कृति और लोक परंपरा में महिलाएँ' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान।

प्रकाशन

रथ, सोमेन, एविटोली जी झिमो और मर्सी किपगेन। 2024. 'एजेंसी, सौंदर्यशास्त्र और साओरा कला का वस्तुकरण'। द ईस्टर्न एंथ्रोपोलॉजिस्ट 77 (1-2): 139-160.

<u>अल्पावधिक लघु परियोजनाएँ</u>

शोध सलाहकार समिति की अनुशंसा के अनुसार अल्पकालिक लघु परियोजनाओं की घोषणा की गई। निम्नलिखित प्रस्तावों को इस शर्त पर वित्तीय सहायता प्रदत्त कि परियोजना के निष्कर्ष स्कोपस-सूचीबद्ध पत्रिकाओं में प्रकाशित किए जाने चाहिए।

विधि संकाय के प्रो. कोंगब्राइलात्पम रत्नबली, 31,000 रुपए की स्वीकृत राशि के साथ, "मणिपुर के 'उमंग लाई' और राजस्थान के *'ओरांस' के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परिदृश्य को समझना और उपलब्ध कानूनी संरक्षण"* शीर्षक से एक शोध परियोजना का नेतृत्व कर रहे हैं।

शहीद भगत सिंह कॉलेज के भूगोल विभाग के प्रो. वीरेंद्र नेगी, *"सिक्किम हिमालय में लेप्चा समुदाय की संस्कृति और स्वदेशी संरक्षण प्रथाएँ"* नामक एक अध्ययन पर काम कर रहे हैं, जिसे भी 31,000 रुपए की सहायता दी गई है।

हिंदू कॉलेज के दर्शनशास्त्र विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अनन्या बरुआ 31,000 रुपए की समान धनराशि से *"कामाख्या मंदिर, स्वदेशी समुदाय और नीलाचल पहाड़ियाँ: एक पवित्र स्थान का विकास"* विषय पर शोध कर रही हैं।

रामानुजन कॉलेज के दर्शनशास्त्र विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ. अर्चना जमालता, *"जमातिया जनजाति का पवित्र स्थान और आध्यात्मिकता"* नामक एक परियोजना पर काम कर रही हैं, जिसे भी 31,000 रुपए की धनराशि प्राप्त हुई है।

दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के वाणिज्य विभाग की डॉ. सुप्रीत कौर, *"आदिवासी उद्यमियों को सहायता देने में सूक्ष्म वित्त संस्थानों की भूमिका का आकलन"* विषय पर शोध कर रही हैं, जिसके लिए उन्हें 25,000 रुपए की स्वीकृत राशि मिली है।

दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री वेंकटेश्वर कॉलेज में सांख्यिकी विभाग से जुड़े डॉ. चेलन 25,000 रुपए के समान वित्त-पोषनण के साथ *"नियमगिरि पहाड़ियों के डोंगरिया कोंध की पारंपरिक प्रथाओं के माध्यम से सतत कृषि को प्राप्त करना"* नामक एक परियोजना का नेतृत्व कर रहे हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय के श्यामा प्रसाद मुखर्जी महिला कॉलेज के हिंदी विभाग की डॉ. शगुन अग्रवाल *"आदिवासी संस्कृति और साहित्य: संस्कृति के पाठ्यक्रम में आदिवासी साहित्य की उपस्थिति"* विषय पर काम कर रही हैं और उन्हें भी इस परियोजना के लिए 25,000 रूपए की धनराशि प्राप्त हुई है।

***

क्लस्टर नवाचार केंद्र

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

क्लस्टर नवाचार केंद्र ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक पाठ्यक्रम रूपरेखा 2022 के संदर्भ में स्नातक अनुसंधान और परियोजना-आधारित शिक्षण पर दिल्ली विश्वविद्यालय के घटक महाविद्यालयों के लिए ऑफ़लाइन मोड में कार्यशालाओं की एक श्रृंखला आयोजित की। इसका विवरण निम्नलिखित है:

क्लस्टर नवाचार केंद्र में 10-11 जनवरी, 2025 को 'स्नातक अनुसंधान और परियोजना-आधारित शिक्षण' नामक शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

आईक्यूएसी भारती कॉलेज के सहयोग से 4 फरवरी, 2025 को 'स्नातक अनुसंधान और परियोजना-आधारित शिक्षण' नामक शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

आईक्यूएसी कमला नेहरू कॉलेज के सहयोग से 6 मार्च, 2025 को 'परियोजना-आधारित शिक्षण' नामक एक क्षमता-निर्माण कार्यशाला आयोजित की गई।

क्लस्टर इनोवेशन सेंटर में 25-26 मार्च, 2025 को 'स्नातक अनुसंधान और परियोजना-आधारित शिक्षण' नामक शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

केंद्र ने जम्मू विश्वविद्यालय के लिए एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम भी आयोजित किया। केंद्रीय सूचना आयोग द्वारा 22-25 जनवरी, 2025 तक जम्मू विश्वविद्यालय में 'एनईपी 2020 के कार्यान्वयन हेतु नवीन शिक्षाशास्त्र में क्षमता निर्माण' शीर्षक से कार्यशाला आयोजित की गई।

सम्मान/विशिष्टतियाँ

एमएमई (द्वितीय सेमेस्टर) के छात्र स्पर्श चौहान को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा पीएम-यशस्वी (वाइब्रेंट इंडिया के लिए प्रधानमंत्री युवा उपलब्धि छात्रवृत्ति पुरस्कार योजना) छात्रवृत्ति के लिए 18 मार्च, 2025 को चुना गया।

बी.टेक. (आईटी और एमआई) के आठवें सेमेस्टर के छात्र राज वर्धन तोमर को संयुक्त अरब अमीरात के मोहम्मद बिन जायद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विश्वविद्यालय में स्नातक अनुसंधान इंटर्नशिप कार्यक्रम के 2024 के समूह से सम्मानित किया गया।

बी.टेक. (आईटी और एमआई) के आठवें सेमेस्टर की छात्रा कृतिका वर्मा को जून 2024 से अगस्त 2024 तक यूनिवर्सिटी ऑफ़ कोलोराडो एंशुट्ज़ मेडिकल कैंपस में 6,000 अमेरिकी डॉलर की फ़ेलोशिप के साथ एक अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान इंटर्नशिप से सम्मानित किया गया।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियां

केंद्र ने जम्मू विश्वविद्यालय के लिए एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम भी आयोजित किया। सीआईसी द्वारा जम्मू विश्वविद्यालय में 22-25 जनवरी, 2025 तक 'एनईपी 2020 के कार्यान्वयन हेतु नवीन शिक्षाशास्त्र में क्षमता निर्माण' शीर्षक से कार्यशाला आयोजित की गई।

एमएमई सेमेस्टर II के छात्रों ने दिल्ली के सरकारी स्कूलों में गणितीय गतिविधियाँ आयोजित कीं।

24 मई, 2024: छात्रों ने राजकीय सर्वोदय विद्यालय, लांसर रोड में "एनीमेशन बनाम गणित" शीर्षक से एक कार्यशाला का आयोजन किया।

09 मई, 2024: छात्रों ने राजकीय सर्वोदय विद्यालय, शक्ति नगर में "वैदिक गणित - सहज गणनाओं के प्राचीन रहस्य" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

संकाय सदस्य शृंखला

वरिष्ठ प्रोफेसर/ प्रोफेसर/निदेशक	6
एसोसिएट प्रोफेसर	2
सहायक प्रोफेसर	14
अतिथि	4

सामाजिक आउटरीच

एमएमई सेमेस्टर II के छात्रों ने दिल्ली के सरकारी स्कूलों में गणितीय गतिविधियाँ आयोजित कीं।

24 मई, 2024: छात्रों ने राजकीय सर्वोदय विद्यालय, लांसर रोड में "एनीमेशन बनाम गणित" शीर्षक से एक कार्यशाला का आयोजन किया।

09 मई, 2024: छात्रों ने राजकीय सर्वोदय विद्यालय, शक्ति नगर में "वैदिक गणित - सहज गणनाओं के प्राचीन रहस्य" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

ईसीए/खेल

सीआईसी ने 01-06 मार्च, 2024 तक पूरे उत्साह के साथ वार्षिक उत्सव का आयोजन किया, जिसमें कॉन्वोक, मैट्रिक्स और मृदंग शामिल थे।

सीआईसी के छात्र आकाश बरुआ ने हिंदू कॉलेज की सिविल सेवा सोसायटी, बुनियाद द्वारा आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

झावी त्सुरो, बीए (ऑनर्स) मानविकी और सामाजिक विज्ञान (सेम IV) - 02-05 अप्रैल, 2025 तक नागा छात्र संघ, दिल्ली द्वारा आयोजित 58वें वार्षिक खेलकूद मीट में महिला बास्केटबॉल में प्रथम स्थान।

झावी त्सुरो, बीए (ऑनर्स) मानविकी और सामाजिक विज्ञान (सेम IV) - सिक्किम छात्र संघ, दिल्ली द्वारा आयोजित कंचनजंगा कप 2024 में लड़कियों की बास्केटबॉल में प्रथम स्थान।

उपयोगित निधियां (करोड़ में) 6,87695

आवंटित निधियां (करोड़ में) 1837000

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

प्रो॰ शोभा बगई

आईआईटी बॉम्बे द्वारा आयोजित ई-यंत्र संगोष्ठी में "कॉलेज बनाम स्कूल में एनईपी 2020" पर आमंत्रित व्याख्यान, 06 अप्रैल, 2024॰

जम्मू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विश्लेषण और संबद्ध क्षेत्रों में हालिया रुझानों पर राष्ट्रीय सम्मेलन, 12 सितंबर, 2024, "एनईपी 2020 और अमृत कल 2027 के आलोक में स्नातक पाठ्यक्रमों में गणित पाठ्यक्रम" पर आमंत्रित व्याख्यान।

गणित शिक्षक संघ द्वारा आयोजित उत्तरी क्षेत्र सम्मेलन, 31 जनवरी, 2025, "गणित शिक्षा के लिए नवीन दृष्टिकोण: परियोजना आधारित अधिगम और कक्षा कथा" पर आमंत्रित व्याख्यान।

डॉ. असानी भादुड़ी

जेएनयू में 19 फ़रवरी, 2025 को जीआईएएन पाठ्यक्रम क्वाड्रपल हेलिक्स और मितव्ययी नवाचार के लिए ज्ञान अंतर्क्रियाओं को सुदृढ़ बनाने के एक भाग के रूप में आयोजित कार्यक्रम में "भारत में नागरिक विज्ञान और जन आंदोलन: हम कितने समावेशी हैं?" विषय पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित।

कश्मीर विश्वविद्यालय में 27-28 जनवरी, 2025 को 'कार्यक्रम परिणामों, कार्यक्रम-विशिष्ट परिणामों और पाठ्यक्रम परिणामों के निर्माण पर विशेष ध्यान देने के साथ परिणाम-आधारित शिक्षा'विषय पर दो-दिवसीय कार्यशाला के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित।

प्रोफ़ेसर महिमा कौशिक

एमबीयू विश्वविद्यालय में आईईईई सीआईएस कार्यक्रम के एक भाग के रूप में "नैनोबायोटेक्नोलॉजी में एआई-संचालित नवाचार: औषधि वितरण और पर्यावरणीय उपचार में प्रगति" विषय पर आमंत्रित व्याख्यान (21 दिसंबर, 2024; ऑनलाइन)।

दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस में प्रजनन जीव विज्ञान और आणविक चिकित्सा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआरएसएमएम-2024) में "नैनोकण, नैनोमेडिसिन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता: स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को आगे बढ़ाने में उनकी अभिसारी भूमिका" विषय पर आमंत्रित व्याख्यान (17 नवंबर, 2024)।

***

दिल्ली कौशल संवर्धन और उद्यिमता विकास स्कूल

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

दिल्ली विश्वविद्यालय में दिल्ली कौशल संवर्धन और संवर्धन विकास स्कूल (डीएसएसईईडी) की स्थापना विश्वविद्यालय के अध्यादेश XX-U के तहत दिल्ली विश्वविद्यालय को प्रदत्त इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस स्थिति के एक भाग के रूप में की गई थी। डीएसएसईईडीको कौशल संवर्धन पाठ्यक्रमों के माध्यम से अनुसंधान और शिक्षण उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और बढ़ावा देने के लिए प्रमुख मंच के रूप में सेवा करने और विभिन्न पाठ्यक्रमों और प्रेरणादायक बातचीत के माध्यम से सभी हितधारकों के बीच उद्यमशीलता की भावना पैदा करने का अधिकार है। डीएसएसईईडीका उद्देश्य डीयू में वर्तमान ज्ञान वितरण में अंतर को भरना है ताकि विज्ञान (जैविक, रासायनिक और भौतिक, गणित और सूचना विज्ञान), मानविकी, सामाजिक विज्ञान, वाणिज्य और अर्थशास्त्र, वित्त और प्रबंधन सहित संकायों में प्रशिक्षण के साथ शिक्षा की सभी धाराओं को शामिल करते हुए तत्काल और भविष्य की चुनौतियों का सामना किया जा सके।

सम्मान/विभूतियां

प्रो. अमिता गुप्ता को दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित संस्थान (आईओई) के अंतर्गत दिल्ली कौशल संवर्धन एवं उद्यमिता विकास विद्यालय (डीएसएसईईडी) का निदेशक नियुक्त किया गया।

डॉ. विजय चौधरी को दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित संस्थान (आईओई) के अंतर्गत दिल्ली कौशल संवर्धन एवं उद्यमिता विकास विद्यालय (डीएसएसईईडी) का सलाहकार नियुक्त किया गया।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियां

महर्षि कर्नाड भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय में 26 मार्च, 2025 को शिक्षकों के लिए दूसरी एक-दिवसीय अभिविन्यास कार्यशाला "उद्यमिता उत्कृष्टता हेतु शिक्षकों का सशक्तिकरण - विकसित भारत 2047 की ओर एक कदम" का आयोजन किया गया।

महर्षि कर्नाड भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय में शिक्षकों के लिए 26 सितंबर, 2024 को "उद्यमिता की अनिवार्यताएँ सिखाना" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

महर्षि कर्नाड भवन, उत्तरी परिसर, दिल्ली विश्वविद्यालय में शिक्षकों के लिए 6 अगस्त, 2024 को एक-दिवसीय अभिविन्यास कार्यशाला "उद्यमिता उत्कृष्टता हेतु शिक्षकों का सशक्तिकरण - विकसित भारत 2047 की ओर एक कदम" का आयोजन किया गया।

डीएसएसईईडीद्वारा यूजीसीएफ-एनईपी2020 के अंतर्गत उद्यमिता में जीई पाठ्यक्रम वर्तमान में दिल्ली विश्वविद्यालय के 12 कॉलेजों में चल रहे हैं।

डीएसएसईईडी ने उद्यमिता ट्रैक (यूजीसीएफ के 7वें और 8वें सेमेस्टर) के लिए पाठ्यक्रम का मसौदा तैयार किया है और इसे कार्यान्वयन के लिए शैक्षणिक परिषद और कार्यकारी परिषद द्वारा अनुमोदित किया गया है।

संकाय सदस्य संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक: 2

***

दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज़्म

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म के छात्रों ने शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में विभिन्न विषयों में कुल 65 पुरस्कार जीते।

डिबेट सोसाइटी ने 35 पुरस्कार प्राप्त किए, जिनमें सेंट स्टीफंस, एसआरसीसी और मेवाड़ विश्वविद्यालय में प्राप्त पुरस्कार शामिल हैं।

छात्रों ने कविता, विषय-वस्तु लेखन और पॉडकास्ट निर्माण में 10 पुरस्कार जीते।

फोटोग्राफी और वीडियो संपादन प्रविष्टियों ने 10 पुरस्कार अर्जित किए।

फिल्म निर्माण में निर्देशन, संपादन और कहानी कहने के लिए पाँच पुरस्कार अर्जित किए गए।

क्विज़ टीम ने 5 प्रमुख जीत हासिल कीं।

स्वामी विवेकानंद स्मारक राष्ट्रीय वाद-विवाद दिल्ली विश्वविद्यालय के वाइस रीगल लॉज में "एक राष्ट्र, एक चुनाव" विषय पर आयोजित किया गया था और इसमें 35 संस्थानों ने भाग लिया था।

दृष्टांत - फ्रेम बाय फ्रेम फिल्म फेस्टिवल में पुरस्कार विजेता छात्र वृत्तचित्र, फिक्शन और प्रयोगात्मक फिल्में प्रदर्शित की गईं और प्रतिष्ठित फिल्म निर्माताओं की उपस्थिति ने इसे गरिमामय बना दिया।

छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर स्वराज उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें उनकी कूटनीतिक क्षमता, दृढ़ता और वीरता पर प्रकाश डाला गया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के मदारी महोत्सव में, डीएसजे ने यौन उत्पीड़न पीड़ितों पर एक नुक्कड़ नाटक, आदमबार का प्रदर्शन किया।

विभूतियां प्राप्त करने वाले छात्र

एफवाईआईपीजे (प्रथम वर्ष) की छात्रा अंशिका शुक्ला, 3 फ़रवरी, 2025 को वसंतोत्सव में सर्वश्रेष्ठ कविता पाठ की विजेता रहीं।

एफवाईआईपीजे (चतुर्थ वर्ष) के छात्र मयंक शेखर, 20 मार्च, 2025 को काव्यांचल में विजेता रहे।

एफवाईआईपीजे (प्रथम वर्ष) की छात्रा कनिष्का झा, 20 मार्च, 2025 को काव्यांचल में उपविजेता रहीं।

एफवाईआईपीजे (प्रथम वर्ष) की छात्रा मेघा जोशी, 20 मार्च, 2025 को काव्यांचल में द्वितीय उपविजेता रहीं।

एफवाईआईपीजे (प्रथम वर्ष) की छात्रा प्रज्ञा, 20 मार्च, 2025 को काव्यांचल में विशेष उल्लेख प्राप्त किया।

एफवाईआईपीजे (द्वितीय वर्ष) के छात्र कलिलोउ कूलिबली, 20 मार्च, 2025 को काव्यांचल में विशेष उल्लेख प्राप्त किया।

एफवाईआईपीजे के छात्र अंकित कुमार (द्वितीय वर्ष), दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों में आयोजित कई कविता और स्लैम प्रतियोगिताओं में विजेता रहे।

एफवाईआईपीजे (द्वितीय वर्ष) की छात्रा मिस्बाह मोहसिन, डॉ. अखिलेश दास गुप्ता इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज में आयोजित कंटेंट राइटिंग प्रतियोगिता की विजेता रहीं।

एफवाईआईपीजे (द्वितीय वर्ष) के छात्र कार्तिकेय दिवाकर, कमला नेहरू कॉलेज में आयोजित पॉडकास्ट मेकिंग प्रतियोगिता के विजेता रहे।

एफवाईआईपीजे (तृतीय वर्ष) के छात्र दीपांशु झा, जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में आयोजित कन्वेंशनल डिबेट में सर्वश्रेष्ठ टीम रहे।

एफवाईआईपीजे (द्वितीय वर्ष) के छात्र हर्ष प्रकाश झा, कमला नेहरू कॉलेज में पारंपरिक वाद-विवाद प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ वक्ता रहे।

एफवाईआईपीजे (द्वितीय वर्ष) के छात्र यश वर्धन सिंह, सत्यवती कॉलेज में भाषण प्रतियोगिता में द्वितीय सर्वश्रेष्ठ वक्ता रहे।

एफवाईआईपीजे (तृतीय वर्ष) के छात्र हर्षित भाटिया, श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में अरुण जेटली स्मारक वाद-विवाद प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ वक्ता रहे।

एफवाईआईपीजे (प्रथम वर्ष) की छात्रा सिद्धि खुराना को रामजस कॉलेज के विकसित भारत एमयूएन में उच्च प्रशंसा पुरस्कार प्राप्त हुआ।

एफवाईआईपीजे (तृतीय वर्ष) के छात्र जयंत कुमार, 3 अप्रैल, 2025 को हेड्स अप के विजेता रहे।

एफवाईआईपीजे (तृतीय वर्ष) के छात्र स्नेह रिशव, 27 फरवरी, 2025 को पर्यायज्ञान - द इको क्विज़ के विजेता रहे।

एफवाईआईपीजे (वर्ष निर्दिष्ट नहीं) के छात्र मोहम्मद शफीउल इस्लाम माहिन, वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी की फोटोग्राफी प्रतियोगिता के विजेता रहे।

एफवाईआईपीजे (प्रथम वर्ष) की छात्रा अंशिका मिश्रा, किरोड़ीमल कॉलेज में आयोजित वीडियोग्राफी प्रतियोगिता की विजेता रहीं।

एफवाईआईपीजे (प्रथम वर्ष) की छात्रा श्रुति, डीएसजे के गॉट लेटेंट, 4 अक्टूबर, 2024 की विजेता रहीं।

एफवाईआईपीजे (द्वितीय वर्ष) के छात्र विवेक चिब, 4 अप्रैल, 2025 को आयोजित कैंपस-वुड के विजेता रहे।

एफवाईआईपीजे (प्रथम वर्ष) की छात्रा मिष्टी लोहारे, विश्व कैंसर दिवस, 4 फ़रवरी, 2025 पर आयोजित लेख लेखन प्रतियोगिता की विजेता रहीं।

एफवाईआईपीजे (वर्ष निर्दिष्ट नहीं) की छात्रा तनिष्का पंवार, 21 मार्च, 2025 को आयोजित रंग उत्सव - होली लघु वीडियो प्रतियोगिता की विजेता रहीं।

एफवाईआईपीजे (वर्ष निर्दिष्ट नहीं) के छात्र कृष, 29 जनवरी, 2025 को आयोजित इमेजिनी इनक्रेडिबिली के विजेता रहे।

एफवाईआईपीजे (प्रथम वर्ष) की छात्रा इशिता, 29 जनवरी, 2025 को आयोजित इमेजिनी इनक्रेडिबिली की उपविजेता रहीं।

एफवाईआईपीजे (वर्ष निर्दिष्ट नहीं) की छात्रा देविका, टीम "सेंको" के रूप में फ्रीज़ द बीट की विजेता रहीं।

एफवाईआईपीजे (प्रथम वर्ष) की छात्रा मेघा, टीम "सेंको" के रूप में फ्रीज़ द बीट की विजेता रहीं।

एफवाईआईपीजे (वर्ष निर्दिष्ट नहीं) की छात्रा रितिका रावत, "द बीट ब्रिगेड" टीम का हिस्सा थीं, जो फ्रीज द बीट के विजेताओं में से एक थी।

प्लेसमेंट

देवांशी वर्मा, एफवाईआईपीजे - मास्टर प्रोग्राम (अंतिम वर्ष) की छात्रा, मई 2025 में इंफॉर्मिस्ट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड में रिपोर्टर के रूप में चयनित।

नृपेंद्र कुमार मौर्य, एफवाईआईपीजे - मास्टर प्रोग्राम (अंतिम वर्ष) के छात्र, न्यूज़ नेशन नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड में प्रशिक्षु रिपोर्टर के रूप में चयनित। लिमिटेड, मई 2025।

अविरूप मजूमदार, एफवाईआईपीजे - मास्टर प्रोग्राम (अंतिम वर्ष) के छात्र ज़ी स्टूडियोज़ लिमिटेड (ज़ी टीवी कार्यक्रम के लिए) में रिसर्च एग्जीक्यूटिव के रूप में चयनित, मई 2025।

हर्षुल भाटिया, एफवाईआईपीजे - मास्टर प्रोग्राम (अंतिम वर्ष) के छात्र ज़ी स्टूडियोज़ लिमिटेड (ज़ी टीवी कार्यक्रम के लिए) में रिसर्च एग्जीक्यूटिव के रूप में चयनित, मई 2025।

शुभम गुप्ता, एफवाईआईपीजे - मास्टर प्रोग्राम (अंतिम वर्ष) के छात्र ज़ी स्टूडियोज़ लिमिटेड (ज़ी टीवी कार्यक्रम के लिए) में रिसर्च एग्जीक्यूटिव के रूप में चयनित, मई 2025।

स्नेहा जिंगला, एफवाईआईपीजे - मास्टर प्रोग्राम (अंतिम वर्ष) की छात्रा एनडीटीवी में इंटर्न (गैजेट्स 360 टीम) के रूप में चयनित, मई 2025।

ऋषभ,एफवाईआईपीजे - मास्टर प्रोग्राम (अंतिम वर्ष) के छात्र बजरबट्टू कंटेंट वाइब्स प्राइवेट लिमिटेड में जूनियर प्रोड्यूसर के रूप में चयनित, मई 2025।

राकेश कुमार झा, एफवाईआईपीजे - मास्टर प्रोग्राम (अंतिम वर्ष) के छात्र, बजरबट्टू कंटेंट वाइब्स प्राइवेट लिमिटेड में जूनियर प्रोड्यूसर के रूप में चयनित, मई 2025.

कृष्ण कांत, एफवाईआईपीजे - मास्टर प्रोग्राम (अंतिम वर्ष) के छात्र, बजरबट्टू कंटेंट वाइब्स प्राइवेट लिमिटेड में जूनियर प्रोड्यूसर के रूप में चयनित, मई 2025.

प्रांजल रॉय, एफवाईआईपीजे - मास्टर प्रोग्राम (अंतिम वर्ष) के छात्र, अमर उजाला लिमिटेड में प्रशिक्षु रिपोर्टर के रूप में चयनित, मई 2025.

संगोष्ठी आयोजित

श्री विलास तावड़े, सलाहकार, तेल एवं गैस पेशेवर -अपारंपरिकने 5 मार्च, 2025 को "छत्रपति शिवाजी महाराज: प्रबंधन गुरु" विषय पर एक संगोष्ठी/भाषण दिया।

डॉ. तिलक झा, एसोसिएट प्रोफेसर, पत्रकारिता, बेनेट विश्वविद्यालयने 19 मार्च, 2025 को मीडिया साक्षरता (फैक्टशाला कार्यशाला) पर एक संगोष्ठी/भाषण दिया।

डॉ. सौरभ रंजन, सचिव, पिरामिड मेडिटेशन चैनल हिंदी, और सुश्री अलका सिंह, सहायक प्रोफेसर, जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालयने 26 मार्च, 2025 को "योग और ध्यान के माध्यम से तनाव-मुक्त सफलता" विषय पर एक संगोष्ठी/भाषण दिया।

गरिमा शर्मा निझावन, संस्थापक, ओथेंटिसिटीने 7 अप्रैल, 2025 को "उद्योग के लिए तैयार कैसे रहें और अपनी मनचाही नौकरी कैसे पाएँ?" विषय पर एक संगोष्ठी/भाषण दिया।

सम्मान/विभूतियां

छात्रों ने परिसर और सार्वजनिक स्थानों पर चर्चाओं, प्रदर्शनों और जागरूकता अभियानों का नेतृत्व किया।

नियुक्त छात्रों की संख्या और प्रतिशत	75%

संकाय सदस्य संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	1
अतिथि	63

सामाजिक आउटरीच

दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म ने विभिन्न छात्र-नेतृत्व वाली कल्याणकारी पहलों के माध्यम से सशक्त सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रदर्शन किया।

मासिक धर्म स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन की स्थापना।

छात्रों ने मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया, जिसमें डॉ. निमेश जी. देसाई द्वारा एक संगोष्ठी भी शामिल थी।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर दो-दिवसीय आत्मरक्षा कार्यशाला आयोजित की गई।

ओखला पक्षी अभयारण्य में स्वच्छता अभियान चलाया गया।

शशिराज वृद्धाश्रम में पीढ़ियों के बीच जुड़ाव को प्रोत्साहित करने के लिए दीवार चित्रकला कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

विश्व कैंसर दिवस, विश्व रेड डे और अंतर्राष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस पर जागरूकता अभियान चलाए गए।

विश्वविद्यालय परिसर और उसके आसपास सफाई अभियान चलाए गए।

पशु आहार कार्यक्रम, आवारा पशुओं के लिए भोजन और पानी की सुविधा प्रदत्त।

पर्यावरण संरक्षण, यौन हिंसा, मानसिक स्वास्थ्य और अन्य सामाजिक मुद्दों पर नुक्कड़ नाटक आयोजित किए गए।

छात्रों ने परिसर और सार्वजनिक स्थानों पर चर्चाओं, प्रदर्शनों और जागरूकता अभियानों का नेतृत्व किया।

ईसीए/खेल

डिबेट सोसाइटी ने प्रतिष्ठित स्वामी विवेकानंद मेमोरियल राष्ट्रीय वाद-विवाद का आयोजन किया और दिल्ली तथा अन्य स्थानों पर 35 से अधिक पुरस्कार जीते।

लिटरेरी सोसाइटी ने कविता प्रतियोगिताओं, रचनात्मक लेखन कार्यशालाओं आदि के माध्यम से रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित किया।

फिल्म सोसाइटी ने सिनेमा और फिल्म निर्माण से संबंधित फिल्म निर्माण प्रतियोगिताएँ और चर्चाएँ आयोजित कीं।

एडिटिंग एंड फ़ोटोग्राफ़ी सोसाइटी ने दृश्य कथावाचन को बढ़ावा देने के लिए छात्रों के लिए फ़ोटोग्राफ़ी, फ़ोटो और वीडियो संपादन कार्यशालाएँ और प्रतियोगिताएँ जैसे कार्यक्रम आयोजित किए।

ड्रामा सोसाइटी ने इंटरैक्टिव थिएटर-आधारित गतिविधियों के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने के लिए सामाजिक मुद्दों पर प्रभावशाली नाटक प्रस्तुत किए।

म्यूजिक सोसाइटी और डांस सोसाइटी ने विभिन्न अवसरों पर प्रदर्शनों के माध्यम से परिसर में ऊर्जा और उत्साह लाकर छात्रों की संगीत और नृत्य प्रतिभा को पोषित किया।

फाइन आर्ट्स सोसाइटी ने रचनात्मक प्रतिष्ठानों और कला प्रतियोगिताओं के साथ परिसर के सौंदर्यीकरण में योगदान दिया।

क्विज़ सोसाइटी ने बौद्धिक रूप से आकर्षक ज्ञान-आधारित प्रतियोगिताओं का आयोजन किया।

सोशल आउटरीच सोसाइटी ने स्वच्छता, मानसिक स्वास्थ्य और सामुदायिक सेवा पर केंद्रित विभिन्न कल्याणकारी पहलों का नेतृत्व किया।

ईसीओ क्लब ने स्वच्छता अभियानों, जागरूकता अभियानों और हरित पहलों के माध्यम से स्थिरता को बढ़ावा दिया।

स्पोर्ट्स सोसाइटी ने इंट्रा कॉलेज बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट जैसे आयोजनों के माध्यम से परिसर की भावना को बढ़ावा दिया और अंतर-कॉलेज फुटबॉल, टेबल टेनिस और एथलेटिक्स में डीएसजे का प्रतिनिधित्व किया।

उपयोगित निधियां (करोड़ में)	93400000
आवंटित निधियां (करोड़ में)	175000000

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

श्री विलास तावड़े, सलाहकार, तेल एवं गैस पेशेवर - अपारंपरिकने 5 मार्च, 2025 को "छत्रपति शिवाजी महाराज: प्रबंधन गुरु" विषय पर एक संगोष्ठी/भाषण दिया।

डॉ. तिलक झा, एसोसिएट प्रोफेसर, पत्रकारिता, बेनेट विश्वविद्यालयने 19 मार्च, 2025 को मीडिया साक्षरता (फैक्टशाला कार्यशाला) पर एक संगोष्ठी/भाषण दिया।

डॉ. सौरभ रंजन, सचिव, पिरामिड मेडिटेशन चैनल हिंदी, और सुश्री अलका सिंह, सहायक प्रोफेसर, जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालयने 26 मार्च, 2025 को "योग और ध्यान के माध्यम से तनाव-मुक्त सफलता" विषय पर एक संगोष्ठी/भाषण दिया।

गरिमा शर्मा निझावन, संस्थापक, ओथेंटिसिटीने 7 अप्रैल, 2025 को "उद्योग के लिए तैयार कैसे रहें और अपनी मनचाही नौकरी कैसे पाएँ?" विषय पर एक संगोष्ठी/भाषण दिया।

***

दिल्ली स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ (डीएसपीएच)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

यह स्कूल प्रतिष्ठित संस्थान से संबद्ध है और इससे संबंधित गतिविधियाँ संचालित करता है। अनेक पोस्ट-डॉक्टरल फेलो विश्वविद्यालय के कई विभागों की विभिन्न शोध प्रयोगशालाओं में कार्यरत हैं।

सम्मान/विभूतियां

मेधावी वशिष्ठ, एमकेपीडीएफ, डीएसपीएच, आईओई ने आईयूपीएसी ग्लोबल वुमेन्स ब्रेकफास्ट और रसायन विज्ञान विभाग, मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 11-12 फरवरी, 2025को आयोजित रासायनिक जैविक और पर्यावरण विज्ञान 2025 (आईयूपीएसी-आईसीसीबीईएस 2025) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'एमडीआर एसिनेटोबैक्टर बाउमानी द्वारा निर्मित बायोफिल्म का बैक्टीरियोफेज मध्यस्थता उन्मूलन' शीर्षक से मौखिक प्रस्तुति के लिए दूसरा स्थान जीता।

उन्होंने डीआरडीओ- रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन द्वारा भारतीय वायरोलॉजिकल सोसाइटी (आईवीएस) के सहयोग से विकास प्रतिष्ठान (डीआरडीई), ग्वालियर, भारत में11-13 नवंबर, 2024 को ‘उभरते वायरस: महामारी और जैव सुरक्षा परिप्रेक्ष्य: विरकौन-2024’पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'बैक्टीरियल प्रोटीन संश्लेषण को लक्षित करने वाले एंटीबायोटिक दवाओं के उप-निरोधात्मक सांद्रता की उपस्थिति में बैक्टीरियोफेज की कम लिटिक गतिविधि' शीर्षक से मौखिक प्रस्तुति के लिए भी दूसरा स्थान जीता।

प्रकाशन

चक्रवर्ती, एस., दिनाकरन, आई., करुणासागर, ए., अहमद, डब्ल्यू., राज, जे.एम., करुणासागर, आई., वशिष्ठ, एम., और चौहान, ए. (2025), एक तृतीयक स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था में प्रचलित बायोफिल्म बनाने वाले कार्बापेनम-प्रतिरोधी क्लेबसिएला न्यूमोनिया को लक्षित करने वाले एक लिटिक फेज का डब्ल्यूएसजी,*माइक्रोबियल पैथोजेनेसिस*, 205, 107680,https://doi.org/10.1016/j.micpath.2025.107680

फैज़ान, एम., सिंह, ए., एरेन, ए., सुल्तान, एच., शर्मा, एम., दजालोविक, आई., और त्रिवन, जी. (2024), छोटे अणु, बड़े प्रभाव: टिकाऊ कृषि और खाद्य सुरक्षा के लिए नैनो-पोषक तत्व। *जर्नल ऑफ प्लांट फिजियोलॉजी*, 301, 154305. https://doi.org/10.1016/j.jplph.2024.154305

कंडारी, एस., गुप्ता, एस., पाल, एस., यादव, एम., कुमार, ए., और मुरुगावेल, एस. (2025). मेसोपोरस बायोएक्टिव ग्लास नैनोपार्टिकल्स में डोपेंट-प्रेरित हेमोस्टेसिस और ऑस्टियोजेनेसिस का पता लगाना। *एसीएस ओमेगा*, 10, 19922-19938. https://doi.org/10.1021/acsomega.5c01571

कुमार, जे., और रॉय, आई. (2025). विल्सन रोग के निदानात्मक तरीकों में प्रगति। *एनालाइटिक मेथड्स*, 17, 4228-4250. https://doi.org/10.1039/d5ay00118h

कुमार, जे., और रॉय, आई. (2025)। जल में आर्सेनिक(III) का चयनात्मक और संवेदनशील पता लगाने के लिए Eu(III)-डोप्ड डाउनकन्वर्टिंग नैनोफ़ॉस्फ़र ($GdVO_4:Eu^{3+}$)। *पर्यावरणविज्ञान: नैनो*, 12, 2699-2709। https://doi.org/10.1039/D4EN00885E

संगोष्ठी आयोजित

ग्रीष्मकालीन स्नातक अनुसंधान कार्यक्रम (एसयूआरपी) 12 जून से 12 जुलाई, 2024 तक आयोजित किया गया।
प्रो. अनुराग अग्रवाल,डीन बायोसाइंसेज और स्वास्थ्य अनुसंधान,अशोका विश्वविद्यालय ने 12 जून, 2024 को 'स्वास्थ्य के लिए डिजिटल परिवर्तन: एआई और उससे आगे' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफेसरप्रो. एम. एम. चतुर्वेदी ने 24 जून, 2024 को 'ऊर्जा, चयापचय और जीन अभिव्यक्ति के एपिजेनेटिक विनियमन' पर एक व्याख्यान दिया।

दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय की डीन (अनुसंधान एवं विकास) प्रो. रितु गौर ने 1 जुलाई, 2024 को 'वायरस की अदृश्य दुनिया' पर एक व्याख्यान दिया।

जेएन विश्वविद्यालय के प्रोफेसर आनंद रंगनाथन ने 8 जुलाई, 2024 को 'रोगजनक आक्रमणों को रोकने के लिए प्रोटीन-प्रोटीन अंतःक्रियाओं को बाधित करना' पर एक व्याख्यान दिया।

आईसीजीईबी के प्रोफेसर पवन मल्होत्रा ने 15 जुलाई,2024को 'प्लास्मोडियम में दवा लक्ष्यों और नए मलेरिया-रोधी दवाओं का विकास' पर एक व्याख्यान दिया।

एम्स के एसईआरबी विशिष्ट फेलोप्रो. टी. पी. सिंह ने 19 जुलाई, 2024 को 'आक्रमणकारी सूक्ष्मजीवों से डटकर मुकाबला करने के लिए जन्मजात प्रतिरक्षा प्रोटीनों को सशक्त बनाना और उनका उपयोग करना' पर एक व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम: एक दिवसीय व्यावहारिक पशु प्रबंधन कार्यशाला, 18 जून, 2024

एलएचएमसी के फार्माकोलॉजी विभाग के निदेशक एवं प्रमुख, प्रो. हरमीत सिंह रेहान और एनआईआई के पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेंद्र सिंह ने पशु कल्याण के सिद्धांतों, नैतिकता, रिकॉर्ड रखने, रिपोर्टिंग आवश्यकताओं और पशु प्रबंधन आदि पर व्याख्यान दिए।

संगोष्ठी/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

बुशरा यासीन ने "औषधीय पौधों से हरित-संश्लेषित क्वांटम डॉट्स: बायोमेडिसिन में प्रगति, चुनौतियाँ और संभावनाएँ" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। यह शोध पत्र जेवीएमजीआरआर कॉलेज, हरियाणा में 24-26 मार्च, 2025 को आयोजित तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ऑन रीसेंट ट्रेंड्स इन मैटेरियल्स एंड डिवाइसेस (आईसीआरटीएमडी-2025) में प्रस्तुत किया गया।

बुशरा यासीन ने "बायोमेडिकल सिस्टम्स में फाइटोकेमिकल घटकों और क्वांटम डॉट व्यवहार के बीच यांत्रिक परस्पर क्रिया की खोज" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। यह शोध पत्र आईआईटी (बीएचयू), वाराणसी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ऑन रीसेंट एडवांसेज इन कंपोजिट मैटेरियल्स (आईसीआरएसीएम-2025) में मौखिक प्रस्तुति के लिए प्रस्तुत किया गया।

मेधावी वशिष्ठ ने आईयूपीएसी ग्लोबल वूमेन ब्रेकफास्ट और रसायन विज्ञान विभाग, मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 11-12 फरवरी, 2025 के दौरान आयोजित रासायनिक जैविक और पर्यावरण विज्ञान 2025 (आईयूपीएसी-आईसीसीबीईएस 2025) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'एमडीआर एसिनेटोबैक्टर बाउमानी द्वारा निर्मित बायोफिल्म्स का बैक्टीरियोफेज मध्यस्थता उन्मूलन' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

मेधावी वशिष्ठ, सत्यब्रत कर, संबुद्ध चक्रवर्ती, अश्विनी चौहान, तरुणाआनंद ने डीआरडीओ-रक्षा अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीआरडीई), ग्वालियर, भारतद्वारा भारतीय विषाणु विज्ञान सोसायटी(आईवीएस) के सहयोग से 11-13 नवंबर, 2024 तक 'उभरते वायरस: महामारी और जैव सुरक्षा परिप्रेक्ष्य पर आयोजितअंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन:विरकौन-2024'में "जीवाणु प्रोटीन संश्लेषण को लक्षित करने वाले एंटीबायोटिक दवाओं की उप-अवरोधक सांद्रता की उपस्थिति में बैक्टीरियोफेज की कम लिटिक गतिविधि" विषय पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

मेधावी वशिष्ठ, सत्यब्रत कर, संबुद्ध चक्रवर्ती, अश्विनी चौहान, तरुणाआनंद ने जामिया मिलिया इस्लामिया के बहुविषयक उन्नत अनुसंधान एवं अध्ययन केंद्र द्वारा 18 अक्टूबर, 2024 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी - "फेज थेरेपी: जीवाणु संक्रमण उपचार में एक नया प्रतिमान" में "बायोफिल्म संक्रमण के उपचार के लिए बैक्टीरियोफेज थेरेपी: एक लिटिक बैक्टीरियोफेज एमडीआर स्यूडोमोनास एरुगिनोसा द्वारा निर्मित बायोफिल्म को विघटित करता है" विषय पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

जितेंद्र कुमार ने भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग के वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग द्वारा नवंबर 2024 में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "सतत रसायन विज्ञान: एक स्थिर वातावरण और तकनीकी शब्दावली की ओर एक कदम" शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

जितेंद्र कुमार ने दिल्ली विश्वविद्यालय के नैनोमेडिकल विज्ञान संस्थान (आईएनएमएस) में नवंबर 2024 में आयोजित "नैनोमेडिकल विज्ञान आधारित किफायती स्वास्थ्य सेवा की नई पीढ़ी" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

नेहा मौर्य और इंद्रजीत रॉय ने दिल्ली विश्वविद्यालय के नैनो मेडिकल विज्ञान संस्थान (आईएनएमएस) और महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय (एमएसबीयू), भरतपुर, राजस्थान द्वारा 27 नवंबर, 2024 को "नैनोमेडिसिन नैनोमेडिकल विज्ञान आधारित किफायती स्वास्थ्य सेवा की नई पीढ़ी" विषय पर आयोजितअंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "कोलीन-आधारित आयनिक द्रवों का नवीन संश्लेषण और औषधि वितरण में उनके अनुप्रयोग" शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

चोंसिंग शिमराह ने लैंकेस्टर विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम में 10-12 मार्च, 2025 को आयोजित SAAgeNetज्ञान विनिमय बैठक और अनुसंधान संगोष्ठी में 'भारत के मणिपुर राज्य में रहने वाले आदिवासी बुजुर्गों की सामान्य और संज्ञानात्मक स्वास्थ्य स्थिति' विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

चोंसिंग शिमराह ने एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा परिसर में 26-27 सितंबर, 2024 को आयोजित "मानव विज्ञान में वैश्विक परिप्रेक्ष्य: स्थिरता, समानता और प्रगति का संवर्धन" विषय पर भारतीय मानव विज्ञान सोसायटी के 54वें वार्षिक सम्मेलन में 'भारत में वृद्ध जनसंख्या के स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे और चुनौतियाँ' विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत छात्र (भारत आने वाले/विदेश जाने वाले)

अमेरिका के कोलंबिया स्थित जॉर्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय के बीच हुए समझौता-ज्ञापन के तहत, जॉर्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय के एक स्नातक छात्र 2 सितंबर, 2024 से 1 सितंबर, 2025 तक दिल्ली विश्वविद्यालय का दौरा किया। इस आदान-प्रदान का समन्वय प्रो. नीरा अग्निमित्रा और प्रो. सुनीत के. सिंह (संरक्षक) ने किया और इसका मुख्य विषय 'परिवार नियोजन के लिए सशक्तिकरण-आधारित स्वास्थ्य सेवा मॉडल की खोज' है। छात्र ने अपनी परियोजना के लिए पुणे और एम्स, नई दिल्ली के क्षेत्रीय दौरों में भाग लिया।

एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत छात्र (आवक/जावक))- 1

विस्तार और आउटरीच गतिविधियां

डीएसपीएच के निदेशक प्रोफेसर सुनीत के. सिंह के मार्गदर्शन में जॉर्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय, डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया, अमेरिका की सुश्री सेजिन सकमार को यूनाइटेड स्टेट्स-इंडिया एजुकेशनल फाउंडेशन (यूएसआईईएफ) की ओर से क्रिटिकल लैंग्वेज एन्हांसमेंट अवार्ड (सीएलईए/फुलब्राइट-नेहरू ग्रांट) प्रदान किया गया।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डीएसपीएच के छह एमकेपीडीएफ विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में कार्यरत हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित स्कोपस-सूचीबद्ध पत्रिकाओं में 6 प्रकाशन प्रकाशित किए हैं और सम्मेलनों/संगोष्ठियों में 10 शोधपत्र (मौखिक/पोस्टर) भी प्रस्तुत किए हैं।

***

दिल्ली स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नेंस (डीएसपीपीजी)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

डीएसपीपीजी ने डीएसपीपीजी, आईओई, डीयू में आईईएस अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण और विकास कार्यक्रम आयोजित किया। डीएसपीपीजी ने लीगल एड सोसाइटी के सहयोग से, आईओई, महर्षि कणाद भवन में 10-14 फरवरी, 2025 तक वैकल्पिक विवाद समाधान (एडीआर) पर एक सर्टिफिकेट कोर्स का आयोजन किया। यह पहल विश्वविद्यालय द्वारा समाज के व्यापक वर्गों तक शैक्षणिक ज्ञान का विस्तार करने और व्यावसायिक कौशल विकास के माध्यम से जन सहभागिता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के तहत की गई थी। यह पाठ्यक्रम प्रतिभागियों को मध्यस्थता, पंचनिर्णय और बातचीत जैसे एडीआर तंत्रों से परिचित कराने के लिए डिज़ाइन किया गया था। सत्र प्रख्यात उद्योग विशेषज्ञों द्वारा संचालित किए गए, जिससे विवाद समाधान के उभरते परिदृश्य में व्यावहारिक अंतर्दृष्टि सुनिश्चित हुई। इस पाँच-दिवसीय कार्यक्रम ने छात्रों, युवा पेशेवरों और विधिक प्रतिभागियों को एडीआर प्रक्रियाओं की व्यावहारिक समझ हासिल करने के लिए एक मंच प्रदान किया, जिससे उनकी औपचारिक शिक्षा को और भी बेहतर बनाया गया। इस पाठ्यक्रम ने न्याय तक पहुँच और कानूनी सशक्तिकरण के उद्देश्यों के अनुरूप, पारंपरिक अदालती व्यवस्था के बाहर विवादों को सुलझाने के लिए वैकल्पिक तंत्रों की बढ़ती आवश्यकता पर भी ध्यान केंद्रित किया। क्षमता निर्माण, कानूनी जागरूकता और आउटरीच पर विशेष ध्यान देते हुए, इस पाठ्यक्रम ने अंतःविषयक सहभागिता को प्रोत्साहित किया तथा वाणिज्यिक विवादों, पारिवारिक कानून और सार्वजनिक नीति जैसे विविध क्षेत्रों में एडीआर के अनुप्रयोग को बढ़ावा दिया।

सम्मान/विभूतियां

प्रो. राम सिंह (निदेशक-डीएसपीपीजी):

विजिटिंग रिसर्च प्रोफेसर, विधि एवं अर्थशास्त्र संस्थान, हैम्बर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी (2024)

सदस्य, मौद्रिक नीति समिति, भारतीय रिज़र्व बैंक

भारत शिक्षा सम्मान, 2025 से सम्मानित

सदस्य, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

प्रो. अमित कुमार सिंह (संयुक्त निदेशक-डीएसपीपीजी)

राजधानी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के शासी निकाय के अध्यक्ष नियुक्त (मार्च 2025 से प्रारंभ)।

वीकेआरवी राव छात्रावास, दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यक्ष।

सेबी के वित्तीय जागरूकता कार्यक्रम के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के नोडल अधिकारी।

पांडिचेरी विश्वविद्यालय में बैंकिंग प्रौद्योगिकी में स्नातक अध्ययन बोर्ड के सदस्य।

जेआईआईटी-नोएडा (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) में अध्ययन बोर्ड के सदस्य। हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के शासी निकाय के सदस्य।

आंतरिक शिकायत समिति में किए गए कार्यों के लिए कुलपति, प्रो. योगेश सिंह द्वारा सम्मानित और अभिनंदन।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, हरियाणा के अध्ययन बोर्ड के सदस्य, तीन शैक्षणिक सत्रों (2023-2026) के लिए विषय-विशेषज्ञ के रूप में।

संकाय सदस्य संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	2
सहायक प्रोफेसर	1

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डीएसपीपीजी में तीन महर्षि कणाद पोस्ट डॉक्टरल फेलो हैं जो अनुसंधान और नवाचार गतिविधियों में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं।

***

दिल्ली स्कूल ऑफ ट्रांसनेशनल अफेयर्स

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

दिल्ली स्कूल ऑफ ट्रांसनेशनल अफेयर्स द्वारा राजनीति विज्ञान विभाग के सहयोग से'मोदी 3.0 के तहत भारत की विदेश नीति: चुनौतियाँ और अवसर' विषय पर तीन-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 09-10 जनवरी, 2025 को आयोजित किया गया तथाइसका सह-प्रायोजन भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, भारतीय विश्व मामलों की परिषद, नई दिल्ली और मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान, कोलकाता द्वारा किया गया था।

11 सितंबर, 2024 को 21वीं सदी में भारत-जापान संबंधों पर एक विशिष्ट व्याख्यान।

27 नवंबर, 2024 को "नवउदारवादी युग में सुरक्षा/विकास का राजनीतिक अर्थशास्त्र: आर2पी और संयुक्त राष्ट्र" पर एक पुस्तक चर्चा।

संकाय सदस्य संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	2
सहायक प्रोफेसर	1

***

डॉ. बी.आर. अंबेडकर जैव-चिकित्सा अनुसंधान केंद्र

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

दिल्ली विश्वविद्यालय में एसीबीआर की स्थापना 1991 में हुई थी और यह 1998 में पूरी तरह से चालू हो गया था। यह केंद्र बीएमएस में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुसंधान (ई एंड आर) प्रदान करने में अपनी तरह का एक अनूठा केंद्र है। एमएस॰सी॰ बीएमएस पाठ्यक्रम एसीबीआर के छात्रों को रसायन विज्ञान-मानव जीव विज्ञान-रोग जीव विज्ञान इंटरफेस पर विविध विषयों में व्यावहारिक आधारित शिक्षा प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करते हैं। एसीबीआर अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए राष्ट्रीय महत्व के रोगों पर अनुसंधान के कार्य में लगा हुआ है। एसीबीआर के बारह संकाय सदस्यों के पास एथेरोस्क्लेरोसिस, मिर्गी, इस्केमिया, हाइपोक्सिया, अल्जाइमर, पार्किंसंस, तपेदिक, मलेरिया, फंगल और वायरल रोगों जैसे प्रमुख क्षेत्रों में अनुसंधान विशेषज्ञता है।

वर्तमान में रुचि के कुछ क्षेत्रों में कोशिकीय और अंग प्रणाली स्तर पर रोग प्रगति की क्रियाविधि/क्रियाएँ शामिल हैं, जो इन रोगों के रोगजनन, निदान, पूर्वानुमान और चिकित्सा विज्ञान से संबंधित हैं। संकाय जैव सूचना विज्ञान, रसायन सूचना विज्ञान, कार्बनिक औषधि संश्लेषण और प्राकृतिक उत्पाद रसायन विज्ञान में विशेषज्ञता के माध्यम से औषधि खोज और चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्रों में भी कार्य करता है।

विभिन्न क्षेत्रों में संकाय की विशेषज्ञता, अंतर्विभागीय अंतःविषयक अंतःक्रियाओं के साथ-साथ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ उत्पादक सहयोग के माध्यम से नवोदित अनुसंधान वैज्ञानिकों/पीएच॰डी॰ छात्रों के लिए एक शैक्षणिक रूप से समृद्ध वातावरण प्रदान करती है। एसीबीआर के प्रकाशनों, उद्धरणों और पेटेंटों की उच्च संख्या के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुसंधान का प्रदर्शन होता है।

विभूतियां प्राप्त करने वाले छात्र

श्री ओजस्वी शंकर, पीएच॰डी॰ (बायोमेडिकल साइंसेज) के छात्रने नई दिल्ली, भारत में 20-23 फरवरी, 2025 तक आयोजित 15वें एशियाई और ओशियन मिर्गी सम्मेलन मेंसर्वश्रेष्ठ मूल विज्ञान पोस्टर ताडोकोरो पुरस्कार जीता।

श्री पुलकित सोनी पीएच॰डी॰ (बायोमेडिकल साइंसेज) के छात्रने हिंदू राव अस्पताल और उत्तरी दिल्ली नगर निगम मेडिकल कॉलेज और दिल्ली-110007 (एमसीडी) में आयोजित आईएसएआर डीसीसीओएन 2024 में "संवहनी चिकनी पेशी कोशिकाओं में एमएससी विभेदन को प्रेरित करने के लिए टीजीएफ-βऔर पीडीजीएफ सिग्नलिंग का उपयोग: हृदय पुनर्जनन के लिए एक नवीन दृष्टिकोण" के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार जीता।

सुश्री सारिका बानो, पीएच॰डी॰ (बायोमेडिकल साइंसेज) की छात्राने जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा अक्टूबर 2024, दिल्ली, भारत (2024) में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2024 में "सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार" जीता।

सुश्री सारिका बानो, पीएच॰डी॰ (बायोमेडिकल साइंसेज) की छात्राने 28 फरवरी 2024 को दिल्ली, भारत में जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा आयोजित बायोफिजिका नेशनल कॉन्फ्रेंस 2024 से "सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार" जीता।

अनुसंधान परियोजनाएं

प्रो. के. नटराजन, एसीबीआर, परियोजना को 'माइकोबैक्टीरियल संक्रमण के दौरान पोटेशियम आयन चैनलों की भूमिका को समझना' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 37,40,000/- रुपए की राशि मंजूर की गई है। यह अनुदान जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रदान किया गया है और जुलाई 2024 से जुलाई 2027 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. मनीषा तिवारी, एसीबीआर, परियोजना को 'सर्वाइकल एडेनोकार्सिनोमा हेला और सिहा सेल लाइनों में करकुमा सीसिया अर्क की कैंसर-रोधी गतिविधि की जांच' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 6,00,000/- रुपए की राशि मंजूर की गई है। यह अनुदान दिल्ली विश्वविद्यालय से आईओई अनुदान प्रदान किया गया है और 2024 (एक वर्ष) की अवधि के लिए है।

डॉ. अपर्णा दीक्षित, एसीबीआर, परियोजना को 'टेम्पोरल लोब मिर्गी चूहे मॉडल में प्रोटीन टायरोसिन किनेज Pyk2 का औषधीय हस्तक्षेप, जब्ती की संवेदनशीलता और सिनैप्टिक प्लास्टिसिटी में इसकी भूमिका का मूल्यांकन' नामक शोध परियोजना के लिए 6,00,000/- रुपए की राशि मंजूर की गई है। यह अनुदान दिल्ली विश्वविद्यालय से आईओई अनुदान के रूप में प्रदान किया गया है और 2024 (एक वर्ष) की अवधि के लिए है।

डॉ. संजय कुमार डे, एसीबीआर, परियोजना को 'चिकित्सीय हस्तक्षेप के लिए उच्च रक्तचाप और एथेरोस्क्लेरोसिस से जुड़े हृदय संबंधी विकारों में उनकी भूमिका को समझने के लिए मानव रिसेप्टर्स की यांत्रिक जाँच (सीआरजी/2023/007380)' नामक शोध परियोजना के लिए52,80,000/- रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान एसईआरबी, एएनआरएफ द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि 2024-27 (तीन वर्ष) है।

डॉ. संजय कुमार डे, एसीबीआर, परियोजना को 'मानव ओआरएक्स की जाँच, ताकि स्तन कैंसर में चिकित्सीय अनुप्रयोग हेतु इसकी भूमिका का पता लगाया जा सके' नामक शोध परियोजनाके लिए 6,00,000/- रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान दिल्ली विश्वविद्यालय से आईओई अनुदान के रूप में प्रदान किया गया है और इसकी अवधि 2024 (एक वर्ष) है।

संगोष्ठी आयोजित

एसयूआरपी-2024 के अंतर्गत संगोष्ठी श्रृंखला 1 जून से 15 जुलाई, 2024 तक।

जैव सूचना-विज्ञान और औषधि डिज़ाइन पर 12वीं कार्यशाला: कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग-आधारित विधियाँ (बीआईएफ-डीडी-2024), 18-20 दिसंबर, 2024।

संगोष्ठी/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

प्रो. के. नटराजन ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी स्कूल में 28 फरवरी, 2025 कोआयोजित राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के दौरान 'माइकोबैक्टीरिया की बचाव रणनीतियाँ: समाधान तैयार करने का आगे का रास्ता' शीर्षक पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

प्रो. मनीषा तिवारी ने गुरुग्राम विश्वविद्यालय और सीएसआईआर द्वारा 13-14 नवंबर, 2024 को आयोजित एक नोटेशनल सम्मेलन के दौरान 'पारंपरिक ज्ञान का संचार और प्रसार' शीर्षक से एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

प्रो. अजय के. यादव ने बीबीआईएफ कैंसर केयर (बीबीआईएफसीसी) द्वारा दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय (एसएयू), दिल्ली के सहयोग से 28-29 मार्च, 2025 को आयोजित इंटरओएनसी 2025 के दौरान 'एचएनआरएनपीए1 उच्च आइसोफॉर्म एक और ग्लियोमा प्रतिरोधी मार्कर है, जो एमजीएमटी से स्वतंत्र है' शीर्षक से एक आमंत्रित वक्ता के रूप में व्याख्यान दियाऔर पेपर प्रस्तुत किया।

प्रो. अजय के. यादव सेंटर फॉर मॉलिक्यूलर मेडिसिन (एससीएमएम), जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), नई दिल्ली द्वारा बायोबैंक इंडिया फाउंडेशन कैंसर केयर (बीबीआईएफसीसी) के सहयोग से24-25 फरवरी, 2025 को आयोजित एशिया-पैसिफिक फोरम ऑन आरएनए थेरेप्यूटिक्स एंड वैक्सीन्स (APFRTV)में आमंत्रित वक्ता थे और उन्होंने 'ग्लियोब्लास्टोमा कैंसर से जुड़ा mRNA स्प्लिस्ड वैरिएंट कीमोथेरेपीटिक ड्रग रेजिस्टेंस में, एपिडर्मल ग्रोथ फैक्टर रिसेप्टर और डियूबिक्विटिनेटिंग एंजाइम को मैनेज करता है' विषय पर पेपर प्रेजेंटेशन टॉक प्रस्तुत की।

प्रोफेसर अजय के. यादव ने महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, जयपुर, भारत में सेंटर फॉर कैंसर इम्यूनोथेरेपी (सीसीआई) द्वारा 10-12 फरवरी, 2025 को आयोजित ट्रांसलेशनल कैंसर रिसर्च एंड इम्यूनोथेरेपी [डब्ल्यूसीटीआरआई-2025] पर विश्व कांग्रेस के दौरानआमंत्रित वक्ता थे और उन्होंने 'स्प्लिस फैक्टर फैमिली प्रोटीन (hnRNPA1) ग्लियोमा कोशिकाओं में टेमोज़ोलोमाइड प्रतिरोध प्रदान करते हैं, जो एमजीएमटी से स्वतंत्र है' विषय पर पेपर प्रेजेंटेशन टॉक प्रस्तुत की।

श्री नितिन यादव (पीएच॰डी॰ छात्र) ने नई दिल्ली, भारत में 20-23 फरवरी, 2025 को आयोजित15वीं एशियाई और ओशियन मिर्गी कांग्रेस' में 'फोकल कॉर्टिकल डिस्प्लेसिया (एफसीडी) और हिप्पोकैम्पल स्क्लेरोसिस (एमटीएलई-एचएस) के साथ मेसियल टेम्पोरल लोब मिर्गी में लिपिड बायोमार्कर' शीर्षक से पोस्टर प्रस्तुति दी।

सुश्री सोनाली (पीएचडी छात्र) नेनई दिल्ली, भारत में 20-23 फरवरी, 2025 को आयोजित 15वीं एशियाई और ओशियन मिर्गी कांग्रेस में 'टेम्पोरल लोब मिर्गी में हिस्टोन डीएसिटाइलेज 4-सीरम रिस्पांस फैक्टर-तत्काल प्रारंभिक जीन अक्ष का क्षेत्र-विशिष्ट डिसरेग्यूलेशन' शीर्षक से पोस्टर प्रस्तुति दी।

सुश्री प्रिया (पीएच॰डी॰ छात्र) ने नई दिल्ली, भारत में 20-23 फरवरी, 2025 तक आयोजित15वीं एशियाई और महासागरीय मिर्गी कांग्रेसमें 'टेम्पोरल लोब मिर्गी में मेसियल में सीके2 - डब्ल्यूएनटी/β-कैटेनिन सिग्नलिंग क्रॉसटॉक को समझना' शीर्षक से पोस्टर प्रस्तुति दी।

श्री ओजस्वी शंकर (पीएच॰डी॰ छात्र) नेनई दिल्ली, भारत में 20-23 फरवरी, 2025 तक आयोजित 15वीं एशियाई और महासागरीय मिर्गी कांग्रेसमें 'टेम्पोरल लोब मिर्गी में फॉस्फोराइलेटेड प्रोटीन टायरोसिन 12:45-12:45 काइनेज 2 (पीवाईके2) अभिव्यक्ति में क्षेत्र-विशिष्ट परिवर्तन: एक संभावित चिकित्सीय लक्ष्य' शीर्षक से पोस्टर प्रस्तुति दी।

सुश्री प्रिया (पीएच॰डी॰ छात्रा) ने शिकागो में 06 अक्टूबर, 2024 से आयोजित सोसाइटी फॉर न्यूरोसाइंस कॉन्फ्रेंस (एसएफएन, 2024) में'मेसियल टेम्पोरल लोब मिर्गी में क्रॉस टॉक सीके2 और डब्ल्यूएनटी सिग्नलिंग को उजागर करना' शीर्षक से पोस्टर प्रस्तुति दी।

श्री ओजस्वी शंकर (पीएच॰डी॰ छात्र) ने वियना, ऑस्ट्रिया मेंफेडरेशन ऑफ यूरोपियन न्यूरोसाइंस सोसाइटी (एफईएनएस 2024) द्वारा25-29 जून, 2024 तक आयोजितकार्यक्रम में 'फॉस्फोराइलेटेड प्रोटीन

टायरोसिन काइनेज 2 टेम्पोरल लोब मिर्गी में क्षेत्र-विशिष्ट तरीके से परिवर्तित अभिव्यक्ति प्रदर्शित करता है' शीर्षक से पोस्टर प्रस्तुति दी।

सुश्री सोनाली कुमार (पीएच॰डी॰ छात्र) ने वियना, ऑस्ट्रिया मेंफेडरेशन ऑफ यूरोपियन न्यूरोसाइंस सोसाइटी (एफईएनएस2024) द्वारा 25-29 जून, 2024 तक आयोजित कार्यक्रम में'टेम्पोरल लोब मिर्गी में हिस्टोन डीएसिटाइलेज 4-सीरम रिस्पांस फैक्टर एक्सिस का क्षेत्र-विशिष्ट डिस्रेग्यूलेशन' शीर्षक से पोस्टर प्रस्तुति दी।

सुश्री दीक्षा रानी (पीएच॰डी॰छात्रा) ने आईआईटी दिल्ली आयोजितसाथी शिखर सम्मेलन: एकल कण क्रायोईएम और सेलुलर टोमोग्राफी, और चौथी वार्षिक संगोष्ठी2024में'उच्च वसा वाले आहार से प्रेरित चूहे मॉडल का उपयोग करके एथेरोस्क्लेरोसिस के हस्तक्षेप और संवहनी स्वास्थ्य की बहाली के लिए एक गैर-कैनोनिकल पोटेशियम चैनल की क्षमता को अनलॉक करना' शीर्षक से पोस्टर प्रस्तुतिदी।

सुश्री दीक्षा रानी (पीएचडी छात्रा) ने आईआईटी-दिल्ली 2024 में एक्स-क्रिस्टलोग्राफी उद्घाटन कार्यशाला में 'उच्च वसा वाले आहार-प्रेरित चूहे मॉडल में एथेरोस्क्लेरोसिस का मुकाबला करने के लिए गैर-पारंपरिक पोटेशियम चैनलों का उपयोग' शीर्षक से पोस्टर प्रस्तुति दी।

श्री पुलकित एट॰अल. (पीएच॰डी॰ छात्र) ने हिंदू राव अस्पताल और उत्तरी दिल्ली नगर निगम मेडिकल कॉलेज और दिल्ली-110007 में आयोजित आईएसएआर डीसीसीओएन 2024 में 'टीजीएफ-βऔर पीडीजीएफ सिग्नलिंग का उपयोग करके एमएससी भेदभाव को संवहनी चिकनी मांसपेशी कोशिकाओं में संचालित करना: कार्डियोवैस्कुलर पुनर्जनन के लिए एक नया दृष्टिकोण' शीर्षक से पोस्टर प्रस्तुति दी।

श्री वैभव एट अल. (पीएच॰डी॰ छात्र) ने हिंदू राव अस्पताल और उत्तरी दिल्ली नगर निगम मेडिकल कॉलेज और दिल्ली-110007 में आयोजित आईएसएआर डीसीसीओएन 2024 में 'एथेरोस्क्लेरोसिस के लिए एक नए बायोमार्कर और संभावित चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में एक गैर-कैनोनिकल पोटेशियम चैनल केआईसीएक्स की खोज' शीर्षक से पोस्टर प्रस्तुति दी।

हस्ताक्षर किए गए राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

श्री गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली और डॉ. बी.आर. अंबेडकर सेंटर फॉर बायोमेडिकल रिसर्च, दिल्ली विश्वविद्यालय के बीच 04 मार्च, 2025 को समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

यह समझौता-ज्ञापन अनुसंधान और अनुसंधान मार्गदर्शन में सहयोग, सम्मेलनों और सेमिनारों के आयोजन और संयुक्त परियोजनाओं और प्रकाशनों के लेखन में सहायता करेगा।

सम्मान/विभूतियां

प्रो. सुनीत के. सिंह को विज्ञान संचार के लिए 2024 का पीएचएसएस फाउंडेशन पुरस्कार प्राप्त हुआ।

संकाय सदस्य संख्या

वरिष्ठ प्राध्यापक/प्राध्यापक/निदेशक	8
सहायक प्राध्यापक	4
अतिथि	2

प्रदत्त डिग्रियाँ

प्रदान की गईं पीएच॰डी॰ डिग्रियों की संख्या	14

उपयोगित निधियां (करोड़ में)	20064591
आवंटित निधियां (करोड़ में)	21795142

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

भारत भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों से 24 छात्रों का चयन, एसयूआरपी-2024.

***

साइबर सुरक्षा और विधि संस्थान

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

दिल्ली विश्वविद्यालय के साइबर सुरक्षा और विधि संस्थान (आईसीएसएल) तथा शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज के तत्वावधान में शैक्षणिक सत्र 2018-19 से साइबर सुरक्षा एवं विधि में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीसीएसएल) का पहला बैच शुरू हो गया है। यह एक स्व-वित्तपोषित पाठ्यक्रम है, जिसमें संकाय जीएफआर और सूचना प्रौद्योगिकी परियोजनाओं के लिए दिशानिर्देशों के अनुसार उद्योग के माध्यम से पाठ्यक्रम संचालित करता है। 2024-25 बैच में 34 छात्र नामांकित हैं।

विभूतियां प्राप्त करने वाले छात्र

पीजीडीसीएसएल (2024-25) के छात्र हर्षित कुमार का हैक्टिफाई इंटर्नशिप के लिए चयन, कार्य (सोशल मीडिया साइबरबुलिंग और साइबर खतरों पर शोध)।

पीजीडीसीएसएल (2024-25) के छात्र अंकित कुमार का कॉम्पटिया सिक्योरिटी +701 प्रमाणन के लिए चयन।

पीजीडीसीएसएल (2024-25) के छात्र नितिन यादव का हैक्टिफाई साइबर सिक्योरिटी इंटर्नशिप (पेनेट्रेशन टेस्टर) के लिए चयन।

पीजीडीसीएसएल (2024-25) के छात्र प्रियांशु यादव का हैक्टिफाई साइबर सिक्योरिटी इंटर्नशिप (पेनेट्रेशन टेस्टिंग) के लिए चयन।

पीजीडीसीएसएल (2024-25) के छात्र केशव कुमार का हैक्टिफाई साइबर सिक्योरिटी इंटर्नशिप (पेनेट्रेशन टेस्टिंग) के लिए चयन, आईएसओ 27001 प्रमाणन।

पीजीडीसीएसएल (2024-25) की छात्रा नेहा कृपलानी का हैक्टिफाई साइबर सिक्योरिटी (पेनेट्रेशन टेस्टिंग) के लिए चयन।

पीजीडीसीएसएल के छात्र संचित गंवार (2024-25) हैक्टिफाई साइबर सुरक्षा इंटर्नशिप (पेनेट्रेशन टेस्टिंग) के लिए चयनित।

दृष्टि रहेजा, पीजीडीसीएसएल (2024-25) की छात्रा, हैक्टिफाई साइबर सुरक्षा इंटर्नशिप (पेनेट्रेशन टेस्टिंग) के लिए चयनित।

अबाकर औस्माने, पीजीडीसीएसएल (2024-25) की छात्रा, हैक्टिफाई साइबर सुरक्षा इंटर्नशिप (पेनेट्रेशन टेस्टिंग) के लिए चयनित।

तिशा खानिजो, पीजीडीसीएसएल (2024-25) की छात्रा, टेनसिक्योर साइबर सुरक्षा ऑनसाइट इंटर्नशिप के लिए चयनित।

विवेक श्रीवास्तव, पीजीडीसीएसएल (2024-25) के छात्र, हैक्टिफाई साइबर सुरक्षा इंटर्नशिप/टेनसिक्योर साइबर सुरक्षा ऑनसाइट इंटर्नशिप के लिए चयनित।

संजय सिंह, पीजीडीसीएसएल (2024-25) के छात्र, टाइम्स स्क्वायर बिलबोर्ड पर प्रदर्शित।

topmate.io लैंडिंग पेज पर सामान्य साइबर सुरक्षा और एथिकल हैकिंग के अंतर्गत प्रदर्शित, हैक्टिफाई साइबर सुरक्षा इंटर्नशिप (पेनेट्रेशन टेस्टर)।

संगोष्ठी आयोजित

कर्नल राजेश शिवगोविंद दुबे, सीईएच और फोरेंसिक अन्वेषक ने 11 जनवरी, 2025 को 'भेद्यता आकलन और प्रवेश परीक्षण (वीएपीटी)' पर एक संगोष्ठी/भाषण दिया।

तल्हा पार्कर, सलाहकार,हैविश एम कंसल्टिंग ने 4 मार्च, 2025 को 'उद्योग में मशीन लर्निंग और एआई के वास्तविक-विश्व अनुप्रयोग' पर एक संगोष्ठी/भाषण दिया।

अन्य सहयोग

प्रमाणित एथिकल हैकिंग प्रमाणन परीक्षा और अन्य समान परीक्षाओं पर छूट के लिए जनवरी 2025 से ईसी-काउंसिल के साथ सहयोग।

सम्मान/विभूतियां

दिल्ली विश्वविद्यालय के बैनर तले अकादमिक-उद्योग साझेदारी में चलने वाला पहला पाठ्यक्रम।

नियुक्त छात्रों की संख्या और प्रतिशत **34,100%**

विस्तार और आउटरीच गतिविधियां

छात्रों के लिए संगोष्ठी और कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

संकाय सदस्य संख्या उद्योग वृत्तिक पाठ्यक्रम पढ़ा रहे हैं।

उपयोगित निधियां (करोड़ में) स्व-वित्तपोषित

आवंटित निधियां (करोड़ में) स्व-वित्तपोषित

***

सूचना विज्ञान एवं संचार संस्थान

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

संस्थान ने ईआरपी समर्थ की स्थापना और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह प्लेटफ़ॉर्म एक एकीकृत डिजिटल ढाँचे के माध्यम से प्रवेश, शैक्षणिक प्रबंधन, परीक्षा प्रक्रिया, मानव संसाधन, वित्तीय प्रणालियों आदि सहित अनेक प्रमुख संस्थागत आवश्यकताओं को पूरा करता है। समर्थ, विभागों में पारदर्शिता, डेटा-संचालित शासन और निर्बाध सूचना प्रवाह को बढ़ावा देकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के कार्यान्वयन में भी सहयोग करता है।

समर्थ के प्रमुख उद्देश्य:

उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए एक केंद्रीकृत डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करना।

संस्थागत दक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही में वृद्धि करना।

बेहतर सेवा वितरण के लिए शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्यप्रवाह को एकीकृत करना।

साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने और नीति कार्यान्वयन को बढ़ावा देना।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करना।

प्रकाशन

वज्रबोल, वी., अग्रवाल, एन., सक्सेना, जी. जे., सिंह, एस., और पुंडीर, ए. (2025), हाइब्रिड एमएफसीसी-क्रोमा एसटीएफटी और ट्रांसफॉर्मर एनकोडर का उपयोग करके कम संसाधन वाली बहुभाषी भाषाओं में स्पीकर पहचान को बेहतर बनाना। मल्टीमीडिया टूल्स और एप्लिकेशन, 1-35, https://doi.org/10.1007/s11042-025-20885-0

वज्रबोल, वी., सक्सेना, जी. जे., पुंडीर, ए., सिंह, एस., गुप्ता, बी. बी., गौरव, ए., और रहमान,एम. (2025), मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का उपयोग करके इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) वातावरण में स्पूफिंग हमलों की पहचान करना। जर्नल ऑफ हाई स्पीड नेटवर्क्स, 31(1), 61-70, https://doi.org/10.1177/09266801241295886

वज्रबोल, वी., सक्सेना, जी. जे., पुंडीर, ए., सिंह, एस., गौरव, ए., बंसल, एस., और गुप्ता, बी. बी.(2025), कम्प्यूटेशनलमानसिक स्वास्थ्य सेवा में फ़ेडरेटेड लर्निंग अनुप्रयोगों पर एक व्यापक सर्वेक्षण। सीएमईएस-इंजीनियरिंग और विज्ञान में कंप्यूटर मॉडलिंग, 142(1), https://doi.org/10.32604/cmes.2024.056500

वज्रबोल, वी., सक्सेना, जी. जे., सिंह, एस., पुंडीर, ए., गुप्ता, बी. बी., गौरव, ए., और चुई, के.टी.(2025), व्याख्यात्मक एआई के साथ एनसेंबल मेटा-लर्निंग मॉडल का उपयोग करके एडीएस-बी इंजेक्शन डिटेक्शन के माध्यम से विमानन नियंत्रण सुरक्षा को बढ़ाना। अलेक्जेंड्रिया इंजीनियरिंग जर्नल, 112, 63-73. https://doi.org/10.1016/j.aej.2024.10.042

मेहरा, वी., शुक्ला, यू., अग्रवाल, एन., पुंडीर, ए., सक्सेना, जी. जे., और सिंह, एस. (2024),मृत्युदंड प्राप्त अपराधियों की मौखिक अभिव्यक्ति में संगति: भावनाओं के साथ जीवन का समापन।फ्रंटियर्स इन कंप्यूटर साइंस, 6, 1463692. https://doi.org/10.3389/fcomp.2024.1463692

बुद्धिराजा, आर., कुमार, एम., दास, एम. के., बाफिला, ए. एस., पुंडीर, ए., और सिंह, एस. (2024),MaD-CoRN: कन्वोल्यूशनल रिज़र्वायर नेटवर्क का उपयोग करके डीपफेक का पता लगाने का एक कुशल और हल्का तरीका। मल्टीमीडिया टूल्स और अनुप्रयोग, 1-39,https://doi.org/10.1007/s11042-024-20223-w

अग्रवाल, एन., सक्सेना, जी. जे., सिंह, एस., और पुंडीर, ए. (2024)। पीपीएमआई ऑनलाइन डेटा का उपयोग करके पार्किंसंस रोग का शीघ्र पता लगाने के लिए व्याख्यात्मक एआई दृष्टिकोण। न्यूरल कंप्यूटिंग और अनुप्रयोग, 36(30), 19209-19230। https://doi.org/10.1007/s00521-024-10127-z

जैन, एस., पुंडीर, ए., सिंह, एस., और सक्सेना, जी. जे. (2024)। चेहरा पहचान को नेविगेट करना:मीट्रिक-आधारित अंतर्दृष्टि के माध्यम से कुछ-शॉट सीखने की शक्ति को उजागर करना। मल्टीमीडियाटूल्स और अनुप्रयोग, 83(33), 79939-79961,https://doi.org/10.1007/s11042-024-18671-5

संगोष्ठी आयोजित

डॉ. करमजीत एस गिल, प्रोफेसर एमेरिटस, ब्राइटन विश्वविद्यालय, यूके, प्रधान संपादक, एआई एंड सोसाइटी: जर्नल ऑफ नॉलेज, कल्चर एंड कम्युनिकेशन (स्प्रिंगर) ने 22 मार्च, 2024 को एआई ट्रैजेक्टरीज- फॉस्टियन बार्गेन या नटराज डांस पर एक व्याख्यान दिया।
श्री श्रेय चौहान, उत्पाद डिजाइनर, यम! डिजिटल एंड टेक इंडिया ने 12 जुलाई, 2024 को "उपयोगकर्ता-केंद्रित इंटरफेस डिजाइन करना: सर्वोत्तम अभ्यास और उभरते रुझान" पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. अमित के. शुक्ला, स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन, कंप्यूटर साइंस, वासा विश्वविद्यालय, फिनलैंड ने 24 अगस्त, 2024 को "व्याख्यात्मक, जिम्मेदार और स्वायत्त कृत्रिम बुद्धिमत्ता की ओर" पर एक व्याख्यान दिया।

संगोष्ठी/सम्मेलनों में प्रस्तुतियां

नितिशा अग्रवाल, गीतिका जैन सक्सेना, संजीव सिंह, अमित पुंडीर ने 'विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवाचार: विकसित भारत@2044 का एक परिप्रेक्ष्य' विषय पर 16-20 मार्च, 2025 तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'स्थायी एआई के माध्यम से विश्वसनीय ज्ञान प्रणालियों के लिए डेटा गुणवत्ता चुनौतियों का समाधान' शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

वज्रतिया वज्रबोल, नितिशा अग्रवाल, गीतिका जैन सक्सेना, संजीव सिंह, अमित पुंडीर ने 'विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवाचार: विकसित भारत@2045 का एक परिप्रेक्ष्य' विषय पर 17-20 मार्च, 2025 तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'अवसाद तीव्रता स्तर की ओर वृक्ष आधारित एल्गोरिदम के साथ थाई प्रासंगिक एम्बेडिंग' शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

पुष्कर बरनवाल, गीतिका जैन सक्सेना, संजीव सिंह, अमित पुंडीर ने 'विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवाचार: विकसित भारत@2046 का एक परिप्रेक्ष्य' पर 18-20 मार्च, 2025 को आयोजितअंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "एज डिवाइस हेतु ऑब्जेक्ट डिटेक्शन ऑप्टिमाइज़ करने के लिए कुशल अनुमान हेतु पूर्णतः क्वांटाइज्ड नेटवर्क का लाभ उठाना' शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

हर्षिता शर्मा, गीतिका जैन सक्सेना, संजीव सिंह, अमित पुंडीर ने 'विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवाचार: विकसित भारत@2047 का एक परिप्रेक्ष्य' पर 19-20 मार्च, 2025 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'ऑनलाइन मीम्स में महिलाओं के प्रति द्वेष का पता लगाने के लिए पाठ वर्गीकरण तकनीकों का उपयोग: महिलाओं के लिए सुरक्षित डिजिटल स्थानों की ओर एक कदम' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

सुशांत जैन, सुमुख गुप्ता, अमित पुंडीर, संजीव सिंह, गीतिका जैन सक्सेना ने 20 मार्च, 2025 को आयोजित 'विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवाचार: विकसित भारत@2048 का एक परिप्रेक्ष्य' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'स्वास्थ्य सेवा में संघीय शिक्षा पर एक संक्षिप्त समीक्षा' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

ओसामा मोहम्मद जसीम, वज़्रतिया वज़्रबोल, नितिशा अग्रवाल, गीतिका जैन सक्सेना, अमित पुंडीर, संजीव सिंह ने तुर्किये में 9-12 मार्च, 2024 को आयोजित सीयूकेयूआरओवीए 12वें अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक अनुसंधान सम्मेलन के दौरान 'इराक के उच्च शिक्षा में छात्रों के लिए ऑनलाइन स्व-विनियमित शिक्षा में योगदान देने में शैक्षणिक क्रेडिट प्रणाली' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षर किए गए राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

बिहार - उच्च शिक्षा विभाग, 15 अप्रैल, 2024।

भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय, 20 अप्रैल, 2024।

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, 20 अप्रैल, 2024।

छत्रपति साहूजी महाराज कानपुर विश्वविद्यालय (सीएसजेएम विश्वविद्यालय), 20 अप्रैल, 2024।

दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर 20 अप्रैल, 2024।

डॉ. बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा, 20 अप्रैल, 2024।

माँ शाकुंभरी विश्वविद्यालय, 20 अप्रैल, 2024।

मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, 20 अप्रैल, 2024।

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, 20 अप्रैल, 2024।

महात्मा ज्योतिबा फुले रोहिलखंड विश्वविद्यालय, बरेली, 20 अप्रैल, 2024।

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी, 21 अप्रैल, 2024.

डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, 21 अप्रैल, 2024।

डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद, 21 अप्रैल, 2024।

डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ, 21 अप्रैल, 2024।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय, लखनऊ (एकेटीयू), 21 अप्रैल, 2024।

हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी (एचबीटीयू), 21 अप्रैल, 2024।

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, 21 अप्रैल, 2024।

ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ, 21 अप्रैल, 2024.

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, 21 अप्रैल, 2024.

प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, 21 अप्रैल, 2024.

दयालबाग शिक्षा संस्थान, आगरा, 13 जुलाई, 2024.

आंध्र प्रदेश - राज्य उच्च शिक्षा परिषद (एपीएससीएचई), 10 सितंबर, 2024.

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला, 18 फरवरी, 2025.

नियुक्त छात्रों की संख्या और प्रतिशत 75% 16 और 36.36%

संकाय सदस्य संकया

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक 1

***

आजीवन अध्ययन संस्थान

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

अकादमिक लेखन कार्यक्रम (अंग्रेजी और हिंदी दोनों में)

क्षमता संवर्धन योजना - सीईएस 2023-24 के अंतर्गत प्रवेश सफलतापूर्वक पूरे हो चुके हैं और 2024-25 वर्तमान में जारी है।

कमला नेहरू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय और आजीवन शिक्षा संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, 13-17 जनवरी, 2025 को कमला नेहरू कॉलेज, डीयू में "शोध पद्धति, व्यवस्थित साहित्य समीक्षा और ग्रंथसूची विश्लेषण में तकनीकें" विषय पर एक संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) आयोजित कर रहे हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय के किरोड़ीमल कॉलेज का वाणिज्य विभाग, आजीवन शिक्षा संस्थान के सहयोग से 7-8 मार्च, 2025 को विकासशील भारत 2047: भविष्य के दूरदर्शी लोगों को सशक्त बनाने के कार्यक्रम में छात्रों के लिए आवश्यक कौशल प्रस्तुत कर रहा है।

दिल्ली विश्वविद्यालय का समाज कार्य विभाग, आजीवन शिक्षा संस्थान (आईएलएलएल), दिल्ली विश्वविद्यालय और उत्तरी मिशिगन विश्वविद्यालय, अमेरिका के समाज कार्य विभाग के सहयोग से "सामाजिक कार्य अभ्यास के एक उपकरण के रूप में सामाजिक अंकेक्षण" विषय पर एक अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।

अनुसंधान परियोजनाएं

आईसीएसएसआर परियोजना: 1400000/- रुपये की राशि स्वीकृत, परियोजना का शीर्षक: भारत के दक्षिणी राज्यों में कानून, जीवन और धर्मांतरित लोगों की सीमांतता को समझना। पीआई: प्रो. संजय रॉय, निदेशक, आईएलएलएल, डीयू, सह-पीआई: डॉ. संजीर कुमार, सहायक प्रोफेसर, एसपीएम कॉलेज,

फेलो, आईएलएलएल, दिल्ली विश्वविद्यालय और निदेशक, एसएचडी रिसर्च फाउंडेशन, अवधि: 2024-26।

संगोष्ठी आयोजित

एफडीपी: कमला नेहरू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय और इंस्टीट्यूट ऑफ लाइफलॉन्ग लर्निंग (प्रो. संजय रॉय, निदेशक), दिल्ली विश्वविद्यालय ने13 से 17 जनवरी,2025 तक कमला नेहरू कॉलेज, डीयू में "शोध पद्धति में तकनीकें, व्यवस्थित साहित्य समीक्षा और ग्रंथसूची विश्लेषण" विषय पर एक संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) आयोजित किया।

प्रो. संजय रॉय, निदेशक, आईएलएलएल द्वारा 21 जनवरी, 2025 को 'क्षमता संवर्धन योजना (सीईएस) और शोध पद्धति प्रशिक्षण' पर जागरूकता-सह-प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन (आईएलएलएल और एसएचडी रिसर्च फाउंडेशन)।

ऑनलाइन कार्यशाला: शैव ध्यान: शोध का दायरा 02 मार्च, 2025 को (आईएलएलएल और एसएचडी रिसर्च फाउंडेशन)।

कार्यशाला: दिल्ली विश्वविद्यालय के किरोड़ीमल कॉलेज के वाणिज्य विभाग द्वारा आजीवन शिक्षण संस्थान (प्रो. संजय रॉय, निदेशक) के सहयोग से 7-8 मार्च, 2025 को विकसित भारत 2047: भविष्य के दूरदर्शी लोगों का सशक्तिकरण विषय पर छात्रों के लिए आवश्यक कौशल प्रस्तुत किए गए।

पहल, बहुउद्देशीय समाज सेवा संगठन द्वारा एसएचडी रिसर्च फाउंडेशन और आजीवन शिक्षण संस्थान (प्रो. संजय रॉय, निदेशक), दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से नारीत्व का उत्सव: उपलब्धि प्राप्त करने वालों का सम्मान, अप्रैल, 2025।

आयोजित सम्मेलन (9) (1 अप्रैल, 2024 से 31 मार्च, 2025 तक कालानुक्रमिक रूप से आयोजित)

संगोष्ठी/सम्मेलनों में प्रस्तुतियां

शोध विधियों और डेटा संग्रहण पर 19 जनवरी, 2025 को एक दिवसीय ऑनलाइन व्यावहारिक प्रशिक्षण (आईएलएलएल और एसएचडी रिसर्च फाउंडेशन)।

डॉ. मधुरा दामले द्वारा शोध प्रस्ताव तैयार करने पर ऑनलाइन व्याख्यान (आईएलएलएल और एसएचडी रिसर्च फाउंडेशन, 27 जनवरी, 2025 को)।

डॉ. गरिमा धाभाई द्वारा नृवंशविज्ञान की खोज पर ऑनलाइन व्याख्यान (आईएलएलएल और एसएचडी रिसर्च फाउंडेशन, 27 जनवरी, 2025 को)।

डॉ. मनीष कुमार सिंह द्वारा डेटा प्रबंधन पर ऑनलाइन व्याख्यान (आईएलएलएल और एसएचडी रिसर्च फाउंडेशन, 2 फरवरी, 2025 को)।

डॉ. संजीव सिंह द्वारा शोध नैतिकता और साहित्यिक चोरी पर ऑनलाइन व्याख्यान (आईएलएलएल और एसएचडी रिसर्च फाउंडेशन, 15 फरवरी, 2025 को)।

संकाय सदस्य संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक

प्रोफेसर संजय रॉय, निदेशक, आईएलएलएल

प्रोफेसर युक्ति शर्मा, संयुक्त। निदेशक, आईएलएलएल

एसोसिएट प्रोफेसर

शैक्षणिक अध्येता:

प्रोफेसर ईश्वर सिंह, हंसराज कॉलेज,

प्रोफेसर मुकेश अग्रवाल, महाराजा अग्रसेन कॉलेज,

डॉ. मिनाक्षी लहकर, रामानुजन कॉलेज,

सहायक प्रोफेसर

अकादमिक फेलो: डॉ. संजीव कुमार, एसपीएम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

उपयोगित निधियां (करोड़ ₹ में) 10.5 लाख (लगभग)

आबंटितकी गई धनराशि (करोड़ ₹ में) 20 लाख (यूडीएफ)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

क्षमता संवर्धन योजना (सीईएस) दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह की एक प्रिय परियोजना है। आईएलएलएल द्वारा संचालित क्षमता संवर्धन योजना का उद्देश्य विभिन्न परिणाम प्राप्त करना है, जिनमें शामिल हैं: नए कौशल और प्रौद्योगिकी के माध्यम से उद्यमियों के व्यवसायों को बढ़ाना, मध्यम स्तर के कर्मियों के प्रबंधकीय कौशल में सुधार करना, उन लोगों को उच्च शिक्षा के अवसर प्रदान करना जो पहले इसे प्राप्त नहीं कर सके, वरिष्ठ नागरिकों के ज्ञान और कौशल को बढ़ाना, आधुनिक तकनीक के माध्यम से पारंपरिक कारीगरों और श्रमिकों को कुशल बनाना, छात्रों में आत्मविश्वास और उद्देश्य का निर्माण करना, विश्वविद्यालय के संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करना, छात्र गतिशीलता में संवृद्धि करना और समाज को विकसित व्यवसाय और कार्य आवश्यकताओं के अनुकूल बनाने में सक्षम बनाना। इस योजना का उद्देश्य आजीवन शिक्षा, कौशल विकास और

सामाजिक गतिशीलता को बढ़ावा देना है, जिससे व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास हो और समाज की बेहतरी में योगदान हो। इस योजना में सत्र 23-24 में 180 पंजीकरण हुए।

वर्तमान में, अगले सत्र (कॉलेजों और विभागों के लिए सेमेस्टर II, IV, VI) के लिए सीईएस 2024-25 के तहत कार्य प्रगति पर है।

***

अंतःविषयक पादप जीनोमिक्स केंद्र

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

पिछले वर्ष, अंतःविषयक पादप जीनोमिक्स केंद्र (ICPG) ने कार्यात्मक जीनोमिक्स और पादप जीवविज्ञान के विविध क्षेत्रों में महत्वपूर्ण शोध योगदान दिया है। पादप प्रणालियों के भीतर, मध्यस्थ उपइकाइयों और सामान्य प्रतिलेखन कारकों के कार्यात्मक लक्षण वर्णन ने विकास और तनाव प्रतिक्रिया में उनकी केंद्रीय भूमिकाओं को उजागर किया है। हार्मोनल संकेतन और बीज गुणवत्ता में प्रमुख विनियामकों के रूप में चावल OsMED14_2 और OsTFIIB5 की पहचान इस दिशा को रेखांकित करती है। तनाव-प्रतिक्रियाशील मार्गों के विश्लेषण में भी प्रगति हुई है, जैसे एबीए-मध्यस्थ जल-घाटे की सहनशीलता में ए20/एएन1 प्रोटीन की भूमिका, और अजैविक तनाव शमन में शामिल सार्वभौमिक तनाव प्रोटीन और साइटोकाइनिन ऑक्सीडेस की पहचान।

अन्य संस्थानों के समूहों के सहयोग से, शोधकर्ताओं ने यह स्थापित करने में योगदान दिया कि एमएटीई ट्रांसपोर्टर में एलील भिन्नताएँ चने में पालतू बनाने से जुड़े बीज के रंग परिवर्तनों से जुड़ी थीं। इसके अतिरिक्त, टीआरएनए मेथिलिकरण में दोषपूर्ण टी-डीएनए उत्परिवर्ती परिवर्तित स्थानान्तरण परिदृश्य और कम तनाव प्रतिरोधकता प्रदर्शित करते पाए गए। एक समर्पित प्रयास से मध्यस्थ संकुल के लिए एक व्यापक प्रोटीन-प्रोटीन अंतःक्रिया डेटाबेस का निर्माण हुआ, जो यूकेरियोट्स में प्रतिलेखन विनियमन के बारे में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

समानांतर जांच ने एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस (एएलएस) की आनुवंशिक संरचना के बारे में हमारी समझ को गहरा किया है, और छिटपुट और C9orf72-संबंधित रूपों के बीच प्रमुख ओवरलैप को स्पष्ट किया है।

प्रकाशन

माजी, एस., वसीम, एम., शर्मा, एम. के., सिंह, एम., सिंह, ए., द्विवेदी, एन., ठाकुर, पी., कूपर, डी. जी., बिष्ट, एन. सी., फास्लर, जे. एस., भावेश, एन. एस., और ठाकुर, जे. के. (2024), मेडिएटरवेब: आरएनए पॉलीमरेज़ II मेडिएटर कॉम्प्लेक्स के लिए एक प्रोटीन-प्रोटीन इंटरैक्शन नेटवर्क डेटाबेस, *एफईबीएस जर्नल*, 291(17), 3938-3960। https://doi.org/10.1111/febs.17225

प्रसाद, के., हसन, एम. आई., रघुवंशी, एस., और कुमार, वी. (2024),C9orf72-संबंधित एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस के सेरिबैलम और फ्रंटल-कॉर्टेक्स क्षेत्र के बीच संबंध को समझना: आनुवंशिक विशेषताओं का तुलनात्मक विश्लेषण। *पीएलओएस वन*, 19(5)। https://doi.org/10.1371/journal.pone.0301267

प्रसाद, के., खाटू, एन. एफ., हसन, आई., रघुवंशी, एस., और कुमार, वी. (2024), छिटपुट एएलएस और C9orf72-संबंधित एएलएस के बीच आनुवंशिक ओवरलैप का पता लगाना: एक व्यापक तुलनात्मक अध्ययन। *मिनर्वा बायोटेक्नोलॉजी एंड बायोमॉलिक्युलर रिसर्च*, 36(2), 41-53। https://doi.org/10.23736/S2724-542X.24.03066-9

प्रुस्ती, ए., मेहरा, पी., शर्मा, एस., मलिक, एन., अग्रवाल, पी., परिदा, एस. के., कपूर, एस., और त्यागी, ए. के. (2024),OsMED14_2, मीडिएटर कॉम्प्लेक्स का एक टेल मॉड्यूल सबयूनिट, चावल के विकास को नियंत्रित करता है और इसमें जैस्मोनिक एसिड शामिल होता है। *प्लांट साइंस*, 346. https://doi.org/10.1016/j.plantsci.2024.112146

शर्मा, एस., कपूर, एस., अंसारी, ए., और त्यागी, ए. के. (2024), आरएनए पॉलीमरेज़ II के सामान्य प्रतिलेखन कारक (जीटीएफ) और पादप विकास एवं तनाव प्रतिक्रियाओं में उनकी भूमिकाएँ। *क्रिटिकल रिव्यूज़ इन बायोकैमिस्ट्री एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी*, 59(5), 267-309। https://doi.org/10.1080/10409238.2024.2408562

शर्मा, एस., प्रुस्टी, ए., दानसाना, पी. के., कपूर, एस., और त्यागी, ए. के. (2025), सामान्य प्रतिलेखन कारक OsTFIIB5 की अतिअभिव्यक्ति चावल के विकास और बीज की गुणवत्ता को प्रभावित करती है। *प्लांट सेल रिपोर्ट्स*, 44(2)। https://doi.org/10.1007/s00299-025-03423-y

सिंह, ए., सिंघल, सी., शर्मा, ए. के., और खुराना, पी. (2024), एक ऑक्सिन-विनियमित सार्वभौमिक तनाव प्रोटीन (TaUSP_3B-1) TaGolSके साथ परस्पर क्रिया करता है और सूखे के दबाव और ईआर तनाव के तहत सहनशीलता प्रदान करता है। *फिजियोलोजिया प्लांटारम*, 176(3)। https://doi.org/10.1111/ppl.14390

सिंघल, सी., सिंह, ए., शर्मा, ए. के., और खुराना, पी. (2024), मोरस इंडिका cv K2 में CKX जीन परिवार की पहचान और अजैविक तनाव के दौरान MiCKX4 का कार्यात्मक लक्षण वर्णन। स्ट्रैस बायोलोजी, 4(1)। https://doi.org/10.1007/s44154-024-00173-x

ठाकरो, वी., वार्ष्णेय, एन., मलिक, एन., डावरे, ए., श्रीवास्तव, आर., मोहंती, जे. के., बसु, यू., नारनोलिया, एल., झा, यू. सी., त्रिपाठी, एस., त्यागी, ए. के., और परिदा, एस. के. (2024)। पालतू बनाने के दौरान चुने गए एमएटीए जीन का कार्यात्मक एलील चने में बीज के रंग को नियंत्रित करता है। *प्लांट जर्नल*, 117(1), 53-71। https://doi.org/10.1111/tpj.16469

वशिष्ठ, वी., शर्मा, जी., गिरि, जे., शर्मा, ए. के., और त्यागी, ए. के. (2024), चावल A20/AN1 प्रोटीन, OsSAP10, प्रोटीसोम मार्ग के माध्यम से जल-घाटे के तनाव सहिष्णुता और अरेबिडोप्सिस में ABA संकेतन के सकारात्मक विनियमन प्रदान करता है। *प्लांट सेल रिपोर्ट्स*, 43(9)। https://doi.org/10.1007/s00299-024-03304-w

वाधवा, एन., कपूर, एस., और कपूर, एम. (2024),TRDMT1/DNMT2 में प्रभावित अरेबिडोप्सिस T-DNA म्यूटेंट भिन्न प्रोटीन संश्लेषण और कम तनाव सहिष्णुता दर्शाते हैं। *एफईबीएसजर्नल*, 291(1), 92-113। https://doi.org/10.1111/febs.16935

अनुसंधान परियोजनाएं

आईसीपीजी के निदेशक, प्रो. संजय कपूर को 'चावल में प्रारंभिक बीज विकास के दौरान भ्रूण और भ्रूणपोष विभेदन में स्थानान्तरण विनियमन की भूमिका का निर्धारण' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 87,46,447/- रु॰ की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रदान किया गया है और अक्टूबर 2023 से अक्टूबर 2026 तक की अवधि के लिए है।

संगोष्ठी/सम्मेलनों में प्रस्तुतियां

प्रो. संजय कपूर (विभा वर्मा, नीलिमा बूरा, सांची भीमराजका, गौतम गवांडे और मीनू कपूर) ने 11-13 दिसंबर, 2024 को आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन, "द्वितीय राष्ट्रीय आनुवंशिकी कांग्रेस: बेहतर भविष्य के लिए आनुवंशिकी और जीनोमिक्स: सूक्ष्मजीवों से मानव तक" के दौरान 'चावल में बीज विकास के दौरान एमएडीएस-बॉक्स प्रतिलेखन कारक कार्य के बहु-स्तरीय नियामक तंत्र की एक आवश्यक भूमिका' शीर्षक से एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

प्रो. संजय कपूर ने सीएसआईआर - हिमालय जैवसंसाधन प्रौद्योगिकी संस्थान, पालमपुर के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के निमंत्रण पर 15 मार्च, 2024 को 'एक प्रमुख विकासात्मक नियामक की पहचान और परिसीमन के लिए अग्रणी उच्च थ्रूपुट ट्रांसक्रिप्टोमिक्स' शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।

नियुक्त छात्रों की संख्या और प्रतिशत

पिछले वर्ष स्नातक करने वाले सभी पीएच॰डी॰ छात्रों को पोस्ट-डॉक्टरल या उद्योगों में नियोजन प्राप्त हुए हैं।

संकाय सदस्य संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	प्रो. संजय कपूर (निदेशक) प्रो.सौरभ रघुवंशी,
अतिथि	प्रोफेसर ए.के. त्यागी (सेवानिवृत्त)

प्रो. परमजीत खुराना (सेवानिवृत)

प्रदत्त डिग्रियाँ

प्रदत्त पीएच॰डी॰ डिग्रियों की संख्या	आईसीपीजी छात्रों को पीएच॰डी॰ छात्रों के रूप में डिग्रियाँ प्रदान की गईं।
उपयोगित निधियां (करोड़ ₹ में)	~70 लाख

***

विश्वविद्यालय विज्ञान उपकरण केंद्र

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

दिल्ली विश्वविद्यालय के विज्ञान विभागों और घटक कॉलेजों के सभी शोधकर्ताओं और संकाय सदस्यों के लिए विश्वविद्यालय विज्ञान उपकरण केंद्र (यूएसआईसी) द्वारा परिष्कृत विश्लेषणात्मक उपकरणों के साथ एक केंद्रीकृत सुविधा का रखरखाव किया जाता है। यूएसआईसी, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित इन-कैंपस अनुसंधान सुविधा केंद्र है, जो भौतिक और जीवन विज्ञान के उभरते क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाले शोध कार्य को सुविधाजनक बनाने के लिए अत्याधुनिक परिष्कृत वैज्ञानिक उपकरण प्रदान करता है। विज्ञान संकाय के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभाग शिक्षण के अलावा विभिन्न विषयों में अनुसंधान करने में सक्रिय रूप से शामिल हैं। प्रायोगिक शोध कार्य करने के लिए, शोधकर्ताओं को विभिन्न वैज्ञानिक परिष्कृत विश्लेषणात्मक उपकरण सुविधाओं की आवश्यकता होती है। ये सुविधाएँ मुख्य रूप से यूएसआईसीद्वारा विभिन्न विभागों, केंद्रों और कॉलेजों को प्रदान की जाती हैं। यह वर्षों से अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पत्रिकाओं में लगातार प्रकाशित होने वाले शोध प्रकाशनों की बड़ी संख्या से परिलक्षित होता है।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियां

प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रयोगशाला कर्मचारी प्रशिक्षण कार्यक्रम 8-12 जुलाई, 2024

प्रयोगशाला कर्मचारी प्रशिक्षण कार्यक्रम 22-26 जुलाई, 2024

प्रयोगशाला कर्मचारी प्रशिक्षण कार्यक्रम 5-9 अगस्त, 2024

प्रयोगशाला कर्मचारी प्रशिक्षण कार्यक्रम 27-30 अगस्त, 2024

कार्यशाला/प्रशिक्षण कार्यक्रम

पीएच॰डी॰ छात्रों के लिए तापीय विश्लेषण (टीजीए/डीएससी/आईटीसी) पर दो-दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशाला, 11-12 नवंबर, 2024

पीएच॰डी॰ छात्रों के लिए एकल क्रिस्टल एक्स-रे विवर्तन और संरचनात्मक विश्लेषण पर दो-दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशाला, 5-6 दिसंबर, 2024

उपयोगित निधियां (करोड़ ₹ में) 88,00,000/- रु॰

उपयोगित निधियां (करोड़ ₹ में) 92,60,000/- रु॰

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

यूएसआईसी दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित इन-कैंपस अनुसंधान सुविधा केंद्र है, जो भौतिक और जीवन विज्ञान के उभरते क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाले शोध कार्य को सुविधाजनक बनाने के लिए अत्याधुनिक परिष्कृत वैज्ञानिक उपकरण प्रदान करता है। विज्ञान संकाय के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभाग शिक्षण के अलावा विभिन्न विषयों में अनुसंधान करने में सक्रिय रूप से शामिल हैं। प्रायोगिक शोध कार्य करने के लिए शोधकर्ताओं को विभिन्न वैज्ञानिक परिष्कृत विश्लेषणात्मक उपकरण सुविधाओं की आवश्यकता होती है। ये सुविधाएं मुख्य रूप से यूएसआईसी द्वारा विभिन्न विभागों, केंद्रों और कॉलेजों को प्रदान की जाती हैं। यह पिछले कई वर्षों में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पत्रिकाओं में लगातार प्रकाशित होने वाले शोध प्रकाशनों की भारी संख्या से परिलक्षित होता है। आंतरिक उपयोगकर्ताओं के अलावा, वर्तमान में यह सुविधा बाहरी उपयोगकर्ताओं (शैक्षणिक और उद्योग) को भुगतान के आधार पर दी जाती है। आधुनिक शोध सुविधाओं तक पहुंच प्रदान करने के अलावा, केंद्र शोधकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण और कार्यशालाओं के माध्यम से मेंटरशिप भी प्रदान करता है।

***

महिला उन्नत अध्ययन और विकास केंद्र

प्रमुख गतिविधिया और उपलब्धियां

16 जुलाई, 2024: डॉ. नुपुर गोसाईं, एचआरएफ, डब्ल्यूएसडीसी, डीयू ने मेपल रूम, इंडिया हैबिटेट सेंटर (आईएचसी), लोधी रोड, नई दिल्ली - 110003 में "भारत में लैंगिक समानता और सामाजिक समावेशन कानून और नीति सुधार" पर बहु-हितधारक परामर्श (गोलमेज) कार्यशाला में भाग लिया। यह कार्यशाला एशियाई विकास बैंक (एडीबी) दक्षिण एशिया विभाग (एसएआरडी) द्वारा प्रात: 9:30 बजे से दोपहर 2:00 बजे के बीच आयोजित की गई थी। इस कार्यशाला में शामिल होने के लिए केपीएमजी (भारत में) में मानव और सामाजिक सेवाएं, सरकारी और सार्वजनिक सेवाएं (जी एंड पीएस) में सलाहकार अंकिता राव को मेल द्वारा आमंत्रित किया गया था। +91 7249354148 | ankitharao@kpmg.com॰

29 सितंबर, 2024: महिला अध्ययन एवं विकास केंद्र, डीयू ने माल्टा उच्चायोग, नई दिल्ली के सहयोग से 'लिंग और पहचान को समझना: भारत और पश्चिम के साहित्यिक परिदृश्य' विषय पर एक व्याख्यान और माल्टीज़ लेखिका सुश्री लोरेन वेला द्वारा लिखित 'मार्टा मार्टा' पुस्तक वाचन सत्र का आयोजन

किया। वक्ता: प्रो. वसीराजू राज्यलक्ष्मी, एचआरएफ, डब्ल्यूएसडीसी, डीयू। यह सत्र 26-09-2024 को दोपहर 3:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक केंद्र के सम्मेलन कक्ष में आयोजित किया गया। व्याख्यान में कुल 125 पुरुष और महिला प्राध्यापक, शोधकर्ता और छात्र शामिल हुए। कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

1 दिसंबर, 2024: महिला अध्ययन एवं विकास केंद्र, डीयू ने केंद्र के सम्मेलन कक्ष में प्रातः 10:00 बजे से "बाल विवाह मुक्त भारत" विषय पर एक आंतरिक खुली चर्चा का आयोजन किया। इस चर्चा में डब्ल्यूएसडीसी, डीयू की निदेशक प्रो. पायल मागो ने भाग लिया। केंद्र के सभी मानद शोध अध्येताओं (एचआरएफ) ने भी भाग लिया। सभी छात्र, शोधार्थी और कर्मचारी भी इस चर्चा में शामिल हुए।

06 दिसंबर, 2024: महिला अध्ययन एवं विकास केंद्र, डीयू ने यूजीसी परिपत्र दिनांक 22 नवंबर, 2024 के दिशानिर्देशों के अनुसार तथा विनियमन अधिनियम 2013 और 2015 के तहत सम्मेलन कक्ष, डब्ल्यूएसडीसी, डीयू में प्रात: 10:00 बजे से "कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न को समझना" विषय पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रोफेसर पायल मागो, निदेशक, डब्ल्यूएसडीसी, डीयू ने मानद शोध अध्येताओं (एचआरएफ) के साथ इस विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में सभी छात्र, शोध विद्वान और कर्मचारी शामिल हुए।

19 दिसंबर, 2024: महिला अध्ययन एवं विकास केंद्र, डीयू ने प्रातः 10:00 बजे से "कौशल विकास पाठ्यक्रम" विषय पर एक परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया। इस परिचर्चा में डब्ल्यूएसडीसी, डीयू की निदेशक प्रो. पायल मागो ने मानद शोध अध्येताओं (एचआरएफ) के साथ भाग लिया। इस परिचर्चा कार्यक्रम में सभी छात्र, शोधार्थी और कर्मचारी शामिल हुए।

07 मार्च, 2025: महिला अध्ययन एवं विकास केंद्र (डब्ल्यूएसडीसी) ने कैंपस ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल), एसएचओडीएच, दिल्ली और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (आईडब्ल्यूडी) के अवसर पर 2047 तक विकसित भारत के लिए संवाद के सहयोग से "विकसित भारत 2047 को आकार देने में महिला नेतृत्व" पर एक चर्चा का आयोजन किया। इस अवसर पर प्रो. रीना चक्रवर्ती मुख्य अतिथि थीं तथासुश्री रामी निरंजन देसाई, लेखिका और स्तंभकार, प्रो. अमिता गुप्ता, विभागाध्यक्ष, जैव रसायन, दिल्ली विश्वविद्यालय प्रो. पायल मागो, निदेशक, डब्ल्यूसीडीसी और निदेशक, सीओएल, दिल्ली विश्वविद्यालय और प्रो. सुमन शर्मा, डब्ल्यूसीडीसीकी संयुक्त निदेशक ने विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ. नुपुर गोसाई, एचआरएफ, डब्ल्यूसीडीसीऔर डॉ. आलोक कुमार सिंह, एचआरएफ डब्ल्यूसीडीसी, डीयू ने कार्यक्रम के अतिथियों का प्रतिनिधित्व और मेजबानी की।

शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को सम्मान/विभूतियां

केंद्र का उन्नत पाठ्यक्रम विभिन्न विभागों के छात्रों के बीच लोकप्रिय है। यह केंद्र छात्रों को एक अद्वितीय अंतःविषयक वातावरण और संवाद प्रदान करता है।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

केंद्र ने डब्ल्यूएसडीसी फोरम की स्थापना के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के महिला विकास प्रकोष्ठों और संवेदीकरण इकाइयों के साथ सहयोग किया है।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियां

डब्ल्यूएसडीसी दिल्ली विश्वविद्यालय और भारत भर के अन्य राज्य और केंद्रीय विश्वविद्यालयों के विभिन्न घटक कॉलेजों, विभागों और संकायों से छात्रों को आकर्षित करता है। दिल्ली विश्वविद्यालय से चुने गए छात्र केंद्र को विभिन्न क्षेत्रों, राष्ट्रीयता, जातीयता के प्रतिभागियों के एक क्रॉस-सेक्शन के साथ प्रदान करते हैं, जो लिंग, जाति और पहचान के बावजूद समावेशी और समग्र शिक्षा को बढ़ावा देते हैं। प्राकृतिक विज्ञान, गणित, वाणिज्य, मानविकी और सामाजिक विज्ञान प्रबंधन में विविध विषयों में स्नातकोत्तर और शोध छात्र डब्ल्यूएसडीसी द्वारा पेश किए गए पाठ्यक्रमों में भाग लेते हैं। वे अपने साथ अपने क्षेत्रों से सीख और दृष्टिकोण लाते हैं जो केंद्र द्वारा पेश किए गए अंतःविषय दृष्टिकोण और महिला अध्ययन के क्षेत्र के साथ मिश्रित होते हैं। डब्ल्यूएसडीसी के कर्मचारियों और संकाय में सांस्कृतिक और क्षेत्रीय विविधता का सामंजस्यपूर्ण मिश्रण है। शिक्षण और अनुसंधान के लिए संचार और अधिगम के एक तरीके के रूप में द्विभाषिकता (अंग्रेजी और हिंदी दोनों) को बढ़ावा दिया जाता है और उसका पालन किया जाता है।

संकाय सदस्य संख्या

प्रो. पायल मागो, निदेशक, डब्ल्यूएसडीसी, डीयू

प्रो. सुमन शर्मा, संयुक्त निदेशक, डब्ल्यूएसडीसी, डीयू (3 मार्च, 2025 को कार्यभार ग्रहण)

***

महाविद्यालय

आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय (एएनडीसी) को एनएएसी द्वारा 3.29 के स्कोर के साथ ए + ग्रेड से मान्यता दी गई है। महाविद्यालय एनआईआरएफ में 18वां स्थान रखता है। एएनडीसी ने तीन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, पांच संकाय विकास कार्यक्रमों और कई कार्यशालाओं/संगोष्ठियों का आयोजन किया। महाविद्यालय के एक संकाय को प्रतिष्ठित पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। संकाय सदस्य भी सक्रिय रूप से अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान में कार्यरत हैं। महाविद्यालय को वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन-सह-प्रदर्शनी "कौशल, स्टार्ट-अप और उद्यमिता" में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शक पुरस्कार से सम्मानित किया गया था और एक स्टार्ट-अप इंडिया परियोजना को मंजूरी दी गई है। वर्तमान में महाविद्यालय में 4.58 करोड़ रुपये से अधिक की शोध परियोजनाएं चल रही हैं। इस वर्ष, चार छात्रों ने अपनी पीएच.डी. पूरी की, और चार और ने अपनी थीसिस जमा की। वर्तमान में, महाविद्यालय 43 पीएच.डी. विद्वानों और एक पोस्टडॉक्टोरल फेलो की मेजबानी करता है। संकाय ने कई पुस्तकों और सम्मेलन की कार्यवाही के साथ-साथ प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 145 प्रकाशन प्रकाशित किए है। स्नातक छात्रों को ग्रीष्मकालीन अनुसंधान परियोजनाओं और कार्यशालाओं के माध्यम से आईआईटी दिल्ली, जामिया मिलिया इस्लामिया और दिल्ली विश्वविद्यालय से पीएमआरएफ से मार्गदर्शन सहित मजबूत अनुसंधान परामर्श से लाभ होता है। एएनडीसी का एसपीआईई स्टूडेंट चैप्टर दुनिया भर में एसपीआईई प्रेसिडेंशियल अवार्ड 2024 का गौरवशाली फर्स्ट रनर अप है।

शिक्षण और शिक्षणेत्तर कार्मिक के सम्मान/विभूतियाँ

डॉ. सत्यपाल को एक प्रसिद्ध पैरा-एथलेटिक्स कोच होने के लिए पद्मश्री 2025 से सम्मानित किया गया। उनके प्रशिक्षित खिलाड़ियों ने कई पैरालंपिक पदक, विश्व चैम्पियनशिप पदक, एशियाई पदक और अर्जुन पुरस्कार जीते हैं।

प्रो. सरिता कुमार जारी वैज्ञानिक प्रयासों और नए परियोजना प्रस्तावों की समीक्षा के लिए आईसीएमआर-आरएमआरसी-एनई, डिब्रूगढ़, असम की वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एसएसी) की सदस्य हैं और परजीवी विज्ञान विभाग, चिकित्सा संकाय, इंडोनेशिया विश्वविद्यालय, इंडोनेशिया द्वारा निर्देशित दो अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान परियोजनाओं में सहयोगी हैं।

डॉ. सुनीता जेटली को 14 जून, 2024 को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और मौलाना आजाद मेडिकल महाविद्यालय (एमएएमसी) के तहत राज्य रक्त प्रकोष्ठ द्वारा थैलेसीमिया जागरूकता और स्क्रीनिंग शिविरों के लिए विश्वविद्यालय समन्वयक के रूप में सेवा करने के लिए प्रशंसा प्रमाणपत्र मिला।

प्रो. उर्मी बाजपेयी ने 06 अप्रैल, 2024 को स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखंड द्वारा आयोजित रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "एएमआर से निपटने के लिए उपन्यास हस्तक्षेप विकसित करने में उद्योगों, स्टार्ट-अप की भूमिका" सत्र की अध्यक्षता की।

मैत्रेयी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 20 से 21 मार्च, 2025 के दौरान आयोजित "विकसित भारत 2047: रिइमेजिनिंग मैनेजमेंट एंड बिजनेस प्रैक्टिसेज इन द एज ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस" विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रो. संदीप कुमार गोयल और डॉ. जितेंद्र गोयल को एआई-पावर्ड बिजनेस ट्रांसफॉर्मेशन: शेपिंग द फ्यूचर ऑफ मैनेजमेंट प्रैक्टिसेज फॉर विकसित भारत 2047" पर सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र का पुरस्कार मिला।

डॉ. शालू महाजन को 12वें आईसीबी.ए.म, 2025 सम्मेलन में सस्टेनेबल बिजनेस ट्रांसफॉर्मेशन: ड्राइविंग इनोवेशन इनोवेशन एंड इम्पैक्ट थ्रू टेक्नोलॉजी शीर्षक से शोध-पत्र के लिए सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसका आयोजन 18-19 फरवरी, 2025 के दौरान दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के सहयोग से वाणिज्य विभाग, शहीद भगत सिंह महाविद्यालय द्वारा किया गया।

प्रो. सीमा गुप्ता ने 21-30 जुलाई, 2024 को सऊदी अरब के रियाद में आयोजित 56वें अंतर्राष्ट्रीय रसायन-विज्ञान ओलंपियाड में एक पर्यवेक्षक के रूप में भाग लिया। प्रो. नीति मिश्रा के मार्गदर्शन में बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन-विज्ञान की तीन छात्राओं हृदया वारियर, निधि सिंह और ऋषिका ने 11-12 फरवरी, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस द्वारा आयोजित रासायनिक, जैविक और पर्यावरण विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 2025 (आईयूपीएसी-आईसीसीबीईएस, 2025) में पोस्टर प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार जीता।

प्रो. सीमा गुप्ता और प्रो. पूजा भगत के मार्गदर्शन में बी.एससी. लाइफ साइंसेज के तृतीय वर्ष के अरधी श्रीवास्तव और मुस्कान सैनी ने 12-13 नवंबर, 2024 को गार्गी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'कौशल संवर्धन: 'आत्मनिर्भर भारत का रोडमैप' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में मौखिक प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार जीता।

प्रोफेसर पंकज खन्ना अक्तूबर 2024 से दो वर्ष के लिए इंदिरा गांधी दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी फॉर वीमेन के अनुप्रयुक्त विज्ञान संकाय बोर्ड ऑफ स्टडीज के सदस्य हैं।

विभूति प्राप्त छात्र

बी.एससी. भौतिक-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा चेतना पांचाल, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2020-2023 में प्रथम स्थान धारक थीं।

अब्दुल हन्नान मल्लिक, बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स (प्रथम वर्ष) के छात्र, दिल्ली विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैंपस, 2023-2024 में प्रथम स्थान धारक थे।

बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स (तृतीय वर्ष) के छात्र शिमुख यादव 2023-2024 में दिल्ली विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैंपस में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.एससी. (ऑनर्स) जैव-चिकित्सा विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा अंशिका बंसल, दिल्ली विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय साउथ कैंपस, 2023-2024 में तीसरा स्थान धारक थीं।

बी.एससी. (ऑनर्स) जैव-चिकित्सा विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा रितु पापनी, दिल्ली विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय साउथ कैंपस, 2023-2024 में तीसरा स्थान धारक थीं।

बी.एससी. (ऑनर्स) जैव-चिकित्सा विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा रुचिका, दिल्ली विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय साउथ कैंपस, 2023-2024 में तीसरा स्थान धारक थी।

शशांक, बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) के छात्र, 2023-2024 में दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैंपस में दूसरा स्थान धारक था।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (प्रथम वर्ष) की छात्रा आरती कुमारी, 2023-2024 में दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैंपस में तीसरी टॉपर रहीं।

फैलोशिप/इंटर्नशिप/अनुसंधान कार्यक्रम

बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी के छात्र नंद गोपाल जेना को 2024 में विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा उच्च शिक्षा के लिए इंस्पायर-स्कॉलरशिप (एसएचई) के लिए चुना गया।

बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी के छात्र वैभव श्रीवास्तव को 2024 में विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा उच्च शिक्षा के लिए इंस्पायर-स्कॉलरशिप (एसएचई) के लिए चुना गया।

बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर विज्ञान (तृतीय वर्ष) के छात्र मयंक कुमार को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा विंटर इंटर्नशिप 2024-25 के लिए VC इंटर्नशिप स्कॉलरशिप के लिए चुना गया।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा शालिनी को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा विंटर इंटर्नशिप 2024-25 के लिए वीसी इंटर्नशिप स्कॉलरशिप के लिए चुना गया।

बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा अनन्या को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा विंटर इंटर्नशिप 2024-25 के लिए VC इंटर्नशिप स्कॉलरशिप के लिए चुना गया।

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2024-2025 के लिए बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन-विज्ञान के छात्र कल्यानी टी.एस., शशांक, हृदय एस वारियर और सनी कुमार का चयन किया गया।

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2024-2025 के लिए बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी के छात्र वैभव श्रीवास्तव, नमन ठाकुर, अभिजीत सिंह राजपूत और प्रसून कुमार पाल को मेरिटोरियस अवार्ड के लिए चुना गया।

बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति-विज्ञान के छात्र यश भार्गव, श्रेया गुप्ता, महिमा कुमारी और आयुष शुक्ला को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2024-2025 के लिए मेधावी पुरस्कार के लिए चुना गया।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान की छात्रा आरती कुमारी, निहारिका तालुकदार, शालिनी और शालिनी मौर्य को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2024-2025 के लिए मेधावी पुरस्कार के लिए चुना गया।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा अपर्णा चौधरी ने जून 2024 में इंटर्नशिप, इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोफेशनल्स एंटरप्राइज ग्लोबल पूरी की।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा मानवी कालरा ने आईआईटी रुड़की के सहयोग से डेटा विश्लेषक इंटर्नशिप पूरी की, 01 सितंबर, 2024.

दृष्टि, नमन सेरी, बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स (द्वितीय वर्ष) के छात्र, ने 13-14 अक्तूबर, 2024 को अरुडिनो, ईएसपी32, ब्लिंक क्लाउड और टिंकरकैड पर व्यावहारिक प्रशिक्षण पर टिंकरकैड-प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा किया, दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, 13-14 अक्तूबर, 2024.

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा देविका ने 2024 में कोचीन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में अपनी इंटर्नशिप पूरी की।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) के छात्र पुलकित देसवाल को जल संसाधन प्रबंधन इंटर्नशिप, सुरक्षित जल नेटवर्क और हरित नौकरियों के लिए कौशल विकास और उद्यमिता के लिए चुना गया, 24 अक्तूबर से 25 नवंबर, 2024.

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सिया गुप्ता ने 24 अक्तूबर, 2024 को सब्जेक्ट मैटर एक्सपर्ट (एसएमई) के रूप में इंटर्नशिप सफलतापूर्वक पूरी की।

बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स (द्वितीय वर्ष) के छात्र निखिल ने 4 फरवरी, 2025 को कैंपस कोड द्वारा आयोजित सात दिवसीय वेब डेवलपमेंट बूटकैंप को सफलतापूर्वक पूरा किया।

बी.एससी. (ऑनर्स)इलेक्ट्रॉनिक्स (द्वितीय वर्ष) के छात्र अनुज पुरोहित ने 18 नवंबर, 2024 से 11 जनवरी, 2025 तक नवोदित मेरिनर्स द्वारा पेश किए गए वीडियो एडिटर के रूप में अपनी इंटर्नशिप सफलतापूर्वक पूरी की।

बी.एससी. (ऑनर्स) जैव-चिकित्सा विज्ञान (प्रथम वर्ष) की छात्रा वंशिका जैन का चयन 15 फरवरी, 2025 को अग्निर्वा स्पेस इंटर्नशिप, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् के लिए किया गया।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अनुपमा ने 08 जनवरी से 19 फरवरी, 2025 तक डिजिटल आउटरीच टीम में इंटर्नशिप पूरी की।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सिया गुप्ता ने 13 जनवरी से 24 फरवरी, 2025 तक पैशनमोजो प्राइवेट लिमिटेड में मानव संसाधन प्रशिक्षु के रूप में इंटर्नशिप सफलतापूर्वक पूरी की।

बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स (द्वितीय वर्ष), गोविंद कुशवाहा और बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स (तृतीय वर्ष) के छात्र प्रिया रंजन, अब्दुल हन्नान मलिक, नसरीन, मिर्जा मोहम्मद ऐन अली और हिमांशु ने दिल्ली विश्वविद्यालय के दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय का उपयोग करके एफजीपीए पर

डिजिटल सर्किट डिजाइन के वेरिलॉग कार्यान्वयन पर 27 जनवरी, 2025 से 28 फरवरी, 2025 तक एक महीने का व्यावहारिक प्रशिक्षण पूरा किया।

पुरस्कार

बी.एससी. (ऑनर्स) जैव-चिकित्सा विज्ञान (प्रथम वर्ष) की छात्रा ऐशानी वशिष्ठ ने आईएनएससीआर इमर्जिंग रिसर्चर अवार्ड, 'मानव स्वास्थ्य से पर्यावरणीय स्थिरता तक माइक्रोबियल दुनिया की खोज' पर भारतीय मृदा संदूषण अनुसंधान (आईएनएससीआर-2024) का 8वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय द्वारा 03-05 अप्रैल, 2024 को आयोजित सिलिएट बायोलॉजी (आईएससीबी-2024) पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स (तृतीय वर्ष) के छात्र गोविंद कुशवाहा ने राजधानी महाविद्यालय, 02 अप्रैल, 2024 द्वारा आयोजित ब्रेन ड्रेन क्विज में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) जैव-चिकित्सा विज्ञान (द्वितीय वर्ष) के छात्र हरिओम चौधरी ने सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति, भारतीय मृदा संदूषण अनुसंधान (आईएनएससीआर-2024) का 8वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'मानव स्वास्थ्य से पर्यावरणीय स्थिरता तक माइक्रोबियल दुनिया की खोज' और आईएनएससीआर और आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय द्वारा 03-05 अप्रैल, 2024 को आयोजित सिलिएट बायोलॉजी पर चौथी अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (आईएससीबी-2024) जीती।

बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन-विज्ञान (तृतीय वर्ष) के छात्र शाश्वत ने निम्नलिखित पुरस्कार जीते:

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार, देशबंधु महाविद्यालय, 04 अप्रैल, 2024.

नीति प्रस्तुति प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार, शहीद भगत सिंह महाविद्यालय, 15 अप्रैल, 2024.

2024 में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, डीसीएसी में तीसरा पुरस्कार मिला।

कविता प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार, एसजीएनडी खालसा महाविद्यालय, 12 सितंबर, 2024.

वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार, एडीजीआईपीएस, 19 फरवरी, 2025.

भाषण प्रतियोगिता में प्रथम, जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय, 25 फरवरी, 2025.

वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार, एडीजीआईपीएस, 19 फरवरी, 2025.

मेरठ में आयोजित क्रिकेट चैंपियनशिप लीग में बी.एससी. प्राणी-विज्ञान (तृतीय वर्ष) के छात्र साहिल कुमार ने जीता।

2024-25 में इंटर महाविद्यालय वॉलीबॉल मैच में रामानुजन महाविद्यालय को तीन बार हराया।

इंटर महाविद्यालय वॉलीबॉल मैच 2024-25 में आईआईटी दिल्ली को दो बार हराया।

बी.एससी. प्राणी-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अनुपमा ने राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन भाषण प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार जीता, 07 जुलाई, 2024.

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अनुपमा ने 12 अगस्त, 2024 को राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन पारंपरिक वाद-विवाद प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा स्वस्तिका तिवारी ने आईएपीटी (इंडियन एसोसिएट ऑफ फिजिक्स टीचर्स) आर सी-01, 31 अगस्त, 2024 में शोध-पत्र "इनोवेटिव अप्रोच टू कार्टेशियन कोऑर्डिनेट" पर मौखिक प्रस्तुति के लिए दूसरा स्थान जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स (द्वितीय वर्ष) के छात्र नमन बेरी ने 31 अगस्त, 2024 को एमिटी इंटरनेशनल स्कूल द्वारा आयोजित आईएपीटी, आरसी-1 के 11वें वार्षिक सम्मेलन, 8-बिट कंप्यूटर के निर्माण में अनुभवात्मक शिक्षा और भौतिकी के एकीकरण नामक शोध-पत्र के लिए प्रथम स्थान प्राप्त किया।

संदीप गुप्ता, बी.एससी. (ऑनर्स) के छात्र। जैव-चिकित्सा विज्ञान (तृतीय वर्ष), ने हिंदी परिषद, एएनडीसी द्वारा आयोजित अंग्रेजी व्याकरण प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता, 14 सितंबर, 2024.

बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स (द्वितीय वर्ष) के छात्र मिर्जा मोहम्मद ऐन अली और अब्दुल हन्नान मलिक ने टेक-बायो आइडियाथॉन, आईआईएससी-सॉफ्टवेयर टीम, आईजीईएम 2024, 15-16 सितंबर, 2024 में सर्वश्रेष्ठ आइडिया पुरस्कार जीता।

बी.एससी. लाइफ साइंसेज (तृतीय वर्ष) के छात्रों आराधी श्रीवास्तव और मुस्कान सैनी ने 12-13 नवंबर, 2024 को गार्गी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'कौशल संवर्धन: आत्मनिर्भर भारत का एक रोडमैप' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में मौखिक प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स (द्वितीय वर्ष) के छात्र शाश्वत शुक्ला ने 26 नवंबर, 2024 को दक्षिण और किरोड़ीमल महाविद्यालय में फोटोग्राफी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.एससी. प्राणी-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा शैली पाल ने प्रथम पुरस्कार, 5 किमी मैराथन, इंटरनेशनल स्टूडेंट हाउस यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली 2024 जीता।

संदीप गुप्ता, बी.एससी. (ऑनर्स) के छात्र। जैव-चिकित्सा विज्ञान (तृतीय वर्ष), ने आईआईएसईआर पुणे द्वारा आयोजित मीमांसा 2025 प्रीलिम्स (एक राष्ट्रीय स्तर की वार्षिक विज्ञान प्रतियोगिता) में शीर्ष कैंपस समन्वयक का पुरस्कार जीता, 19 जनवरी, 2025.

बी.एससी. (ऑनर्स) जैव-चिकित्सा विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा आलिया सिद्दीकी ने 27 जनवरी, 2025 को भास्कराचार्य अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित साइंस विजन- साइंटिफिक पोस्टर प्रेजेंटेशन में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान के छात्र मुस्कान यादव ने सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति के लिए पुरस्कार जीता, आईएससीबी सम्मेलन, आर्चरिया नरेंद्र देव महाविद्यालय, 05-07 फरवरी, 2025.

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (तृतीय वर्ष) के छात्र महाप्रसाद नायक, प्रियांशु प्रधान और आदित्य राज मिश्रा ने आईएनएससीआर और आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 05-

07 फरवरी, 2025 को आयोजित आईएससीबी 2025 में "पारंपरिक एंटी-डायबिटिक पौधों की इन-सिलिको एंटीहाइपरग्लाइसेमिक क्षमता का मूल्यांकन" शीर्षक से पोस्टर प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) जैव-चिकित्सा विज्ञान (तृतीय वर्ष) के छात्र संदीप गुप्ता ने 07 फरवरी, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय द्वारा आयोजित इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन सिलिएट बायोलॉजी एंड इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च (आईएससीबी) 2025 में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति जीती।

बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन-विज्ञान (तृतीय वर्ष) के छात्रों हृदय वारियर, निधि सिंह और ऋषिका ने 11-12 फरवरी, 2025 को मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित रासायनिक, जैविक और पर्यावरण विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 2025 (आईयूपीएसी-आईसीसीबीईएस, 2025) में पोस्टर प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स (द्वितीय वर्ष) के छात्र अनुज पुरोहित और निखिल, 16 फरवरी, 2025 को आईआईटी दिल्ली में आयोजित BYLD, आईईईई और इलेक्ट्रोहोलिक्स द्वारा आयोजित इनफ्रोनिक्स हैकथॉन में भाग लेने वाली टीम का हिस्सा थे। उनकी टीम शीर्ष तीन टीमों में शामिल थी।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) के छात्र मानवी कालरा और गिफ्टी सैनी ने 17 फरवरी, 2025 को भारत मंडपम में आयोजित 'रेशम क्षेत्र में उभरती प्रौद्योगिकियां- सिल्कटेक-2025' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "सेरी ग्लो: ऑर्गेनिक शाइन-बूस्टिंग शैम्पू" नामक प्रस्तुति के लिए दूसरा पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स (द्वितीय वर्ष) के छात्र सुधांशु कुमार ने 19-21 फरवरी, 2025 को एआरएसडी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'पेशेंट रिकग्निशन एंड स्मार्ट हेल्थकेयर सिस्टम' शीर्षक से सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार जीता, 'मेडिकल डायग्नोस्टिक्स में हालिया प्रगति: रसायनों से एआई तक (रैमड-2025) पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अनुपमा ने 20 फरवरी, 2025 को देशबंधु महाविद्यालय के इंटर कोलिगेट टर्नकोट वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अनुपमा ने इंटर महाविद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता, देशबंधु महाविद्यालय, 27 फरवरी 2025 में द्वितीय पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अनुपमा ने 28 फरवरी, 2025 को महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में इंटर महाविद्यालय कविता प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा दीया बिलाहरी ने सेल्फ-एस्टीम बूस्ट मंथ फरवरी 2025 के लिए सशक्त द्वारा आयोजित अंग्रेजी एक्सटेम्पोर का द्वितीय पुरस्कार जीता।

आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय फुटबॉल टीम को एशियन एजुकेशन ग्रुप द्वारा आयोजित 11 असाइड फुटबॉल में एथलीमा टूर्नामेंट में प्रथम स्थान से सम्मानित किया गया, 27 फरवरी-01 मार्च, 2025. टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया और प्रतिष्ठित जसोला स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में 11000 रुपये के नकद पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

05 मार्च, 2025 को आयोजित राष्ट्रीय अश्वगंधा सम्मेलन में देशबंधु महाविद्यालय द्वारा आयोजित कविता प्रतियोगिता में बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सिया गुप्ता ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

ऋषभ ओझा, आरती कुमारी, निहारिका तालुकदार बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा ने देशबंधु महाविद्यालय, 05 मार्च, 2025 को एक स्वास्थ्य प्रमोटर अश्वगंधा पर राष्ट्रीय सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स (चतुर्थ सेमेस्टर) के छात्र निखिल उस टीम का हिस्सा थे, जिसने 07 से 14 मार्च तक हैकविथ इंडिया द्वारा आयोजित एक सप्ताह के हाइब्रिड बिल्डविदइंडिया हैकथॉन में भाग लिया था। उनकी टीम को 25000 भाग लेने वाली टीमों में से शीर्ष 5000 टीमों में शामिल होने के लिए प्रमाणित किया गया।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) के छात्र पुलकित देसवाल ने विज्ञापन वीडियो मेकिंग में तीसरा पुरस्कार जीता, राजधानी महाविद्यालय, 18 मार्च, 2025.

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) के छात्र पुलकित देसवाल ने 18 मार्च, 2025 को राजधानी महाविद्यालय में बिजनेस प्लान प्रतियोगिता में तृतीय पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सिया गुप्ता ने 18 मार्च, 2025 को राजधानी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मार्क्सोक, विज्ञापन वीडियो मेकिंग प्रतियोगिता में तृतीय पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सिया गुप्ता ने 18 मार्च, 2025 को राजधानी महाविद्यालय में आयोजित पिचवर्स, बिजनेस प्लान प्रतियोगिता में तृतीय पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स (द्वितीय वर्ष) के छात्र प्रतीक श्योख और सुधांशु कुमार ने 19-20 मार्च, 2025 को "विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवाचार: विकसित भारत @ 2047 का एक परिप्रेक्ष्य" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय द्वारा आयोजित 'इंटीग्रेटिंग मशीन लर्निंग एंड आईओटी फॉर सीमलेस फेस रिकग्निशन बेस्ड अटेंडेंस मैनेजमेंट सिस्टम' शीर्षक से सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.कॉम की छात्रा सुश्री श्रुति कुमारी और सुश्री अपर्णा चौरसिया। ऑनर्स ने मैत्रेयी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 20-21 मार्च, 2025 को आयोजित "विकसित भारत 2047: रीइमेजिनिंग मैनेजमेंट एंड बिजनेस प्रैक्टिसेज इन द एज ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "एआई-पावर्ड

बिजनेस ट्रांसफॉर्मेशन: शेपिंग द फ्यूचर ऑफ मैनेजमेंट प्रैक्टिसेज फॉर विकसित भारत 2047" पर शोध-पत्र के लिए सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र का पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर विज्ञान (तृतीय वर्ष) के छात्र आदित्य मौर्य, आदि मकसूद, मयंक कुमार और निशांत प्रताप सिंह को 304 टीमों में से 12 फाइनलिस्ट टीमों में से एक के रूप में चुना गया। इस टीम ने 28-29 मार्च, 2025 को ईवाईआईसी नेशनल फाइनल 2024-25 में "शहरी बाढ़ को कम करने के लिए स्मार्ट ड्रेनेज सिस्टम के साथ जीएनएन का संवर्धन" शीर्षक से अपनी परियोजना का प्रदर्शन किया।

आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय फुटबॉल टीम को मार्च 2025 में महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित महाराजा अग्रसेन कप में प्रथम स्थान से सम्मानित किया गया।

प्रकाशित कार्य

सूद, यू., गर्ग, जी., और लाल, आर.(2024). संपादकीय: रोगाणुओं के साथ पर्यावरण को संशोधित करने पर विषयगत मुद्दा। एफईएमएस माइक्रोब्स, 5, एक्सटीएई021। डीओआई:10.1093/फेमएसएमसी/एक्सटीएई021.

टिम्मिस, के., हॉल्सवर्थ, जेई, मैकजेनिटी, टीजे, आर्मस्ट्रांग, आर., कोलोम, एमएफ, करहान, जेडसी, सेर्ना, जेजी (2024). समाज में अंतरराष्ट्रीय सामाजिक रूप से प्रासंगिक सूक्ष्म जीव-विज्ञान शिक्षा और सूक्ष्म जीव-विज्ञान ज्ञान के प्रचार के लिए एक अवधारणा। माइक्रोबियल बायोटेक्नोलॉजी, 17(5), ई14456। डीओआई:10.1111/1751-7915.14456.

सोमसुंदरम, एस., अब्राहम, जे.एस., मौर्य, एस., सूद, यू., लाल, आर., मखीजा, एस., और तोतेजा, आर.(2024). "टेटमेमेना एसपी के एंटीऑक्सीडेंट एंजाइमों और मेटालोप्रोटीन में कम्प्यूटेशनल अंतर्दृष्टि"। एसईजे-2015 (स्पिरोट्रिकिया; सिलियोफोरा) भारी धातु तनाव का मुकाबला करने में। इंडियन जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी। डीओआई:10.1007/एस12088-024-01415-2.

कुमार, ए., सूद, यू., गर्ग, जी., लाल, आर., और रावत, सीडी (2024). विलियम्सिया मुरलिस के बाद के विषम पर्याय के रूप में विलियम्सिया मारियानेंसिस का जीनोम-आधारित पुनर्वर्गीकरण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टमैटिक एंड इवोल्यूशनरी माइक्रोबायोलॉजी, 74(8)। डीओआई:10.1099/आईजेएसईएम.0.006485.

लता, पी., भार्गव, वी., गुप्ता, एस., सिंह, ए., बाला, के., और लाल, आर.(2024). सेककोड: प्रोकैरियोट्स के लिए एक नामकरण कोड। इंडियन जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी, 64(3), 859-866। डीओआई:10.1007/एस12088-024-01315-5.

वर्मा, एच., कौर, जे., ठाकुर, वी., ढींगरा, जीजी, और लाल, आर.(2024). हेलोअल्केन डेहलोजेनेज़ (लिनबी) पर व्यापक समीक्षा: एक β-हेक्साक्लोरोसाइक्लोहेक्सेन (HCH) अपमानजनक एंजाइम। माइक्रोबायोलॉजी अभिलेखागार, 206(9), 380। डीओआई:10.1007/एस00203-024-04105-1.

मुलर, एम., बियालस, ई., स्टर्म, आई., सूद, यू., लाल, आर., और बेचथोल्ड, ए.(2024). "रिफामाइसिन व्युत्पन्न-उत्पादक एमाइकोलाटोप्सिस भूमध्यसागरीय S699 उपभेदों में बढ़ाया एंटीबायोटिक उत्पादन के लिए जीनोमिक संशोधन: रिफक्यू और rifO जीन पर ध्यान केंद्रित करना। एंटीबायोटिक दवाओं में फ्रंटियर्स, 3, 1399139। डीओआई:10.3389/फ्रैबी.2024.1399139.

आलम, एम., खान, एसआर, खान, आईआर, और सिद्दीकी, एक्यू (2024). डिजिटल फिल्म निर्माण और वितरण में साइबर सुरक्षा की भूमिका: चुनौतियां और समाधान। साइबर सिस्टम जर्नल, 1(2), 9-20। डीओआई:10.57238/सीएसजे.117पीएफडी77.

वर्मा, ए., सैनी, एस., कुमारी, एल., कुमार, एस., अवस्थी, के., वर्मा, एस.के., और आर्य, डीके (2025)। यूरोपियम-डोप्ड ZnO नैनोकणों को पुन: प्रयोज्य और पुन: प्रयोज्य विषम उत्प्रेरक के रूप में उपयोग करके स्पाइरोडीहाइड्रोपाइरीडीन के संश्लेषण के लिए एक कुशल और पर्यावरण की दृष्टि से सौम्य डोमिनोज़ प्रोटोकॉल। रासायनिक मध्यवर्ती पर अनुसंधान, 51(4), 1787-1807। डीओआई:10.1007/एस11164-025-05538-जेड.

वर्मा, ए., पाठक, जी., कुमार, एस., खत्री, वी., चटवाल, आरजे, और आर्य, डीके (2024). जलीय माध्यम में जैव-कार्बनिक उत्प्रेरक का उपयोग करके संरचनात्मक रूप से विविध स्पिरोहेटेरोसाइकिल का बहु-घटक संश्लेषण। वर्तमान ऑर्गेनोकैटलिसिस, 11(4), 321-329।
डीओआई:10.2174/0122133372287369240124062533.

आहूजा, एच., कौर, एस., सक्सेना, आर., और नारंग, एस.(2024). आपदा तैयारियों के लिए क्षेत्रों को रैंक करने के लिए नोवेल इंटेलिजेंट टीओपीएसआईएस संस्करण। TELKOMNIKA (दूरसंचार कंप्यूटिंग इलेक्ट्रॉनिक्स और नियंत्रण), 22(3), 587। डीओआई:10.12928/telkomnika.v22i3.25836.

अग्रवाल, जी., आहूजा, एच., नारंग, एस., और अग्रवाल, एस.(2024). निर्णय लेने में सहायता के लिए बाढ़ संवेदनशीलता सूचकांक। TELKOMNIKA (दूरसंचार कंप्यूटिंग इलेक्ट्रॉनिक्स और नियंत्रण), 22(6), 1431। डीओआई:10.12928/telkomnika.v22i6.26272.

रमन, सुनील के., रॉय, टी., वर्मा, के., यादव, सी., वर्मा, एस., देवरेड्डी, वी.एस.आर., मिश्रा, ए.(2025)। सूखी पाउडर माइकोबैक्टीरियमट्यूबरकुलोसिस के साथ संक्रमण के एक माउस मॉडल में सहायक चिकित्सा के लिए लिटिक माइकोबैक्टीरियोफेज का साँस लेना। क्षय रोग (एडिनबर्ग, स्कॉटलैंड), 152(102631), 102631। डीओआई:10.1016/जे.ट्यूब.2025.102631.

खान, जे., घोष, पी., बाजपेयी, यू., द्विवेदी, के., और सलूजा, डी.(2024). "स्तन, कोलोरेक्टल, फेफड़े और अग्नाशय के कैंसर में सेल चक्र और p53 सिग्नलैंगिक मार्गों से संबंधित जीन का एकीकृत विश्लेषण: चिकित्सीय क्षमता के लिए रोग का निदान और दवा संवेदनशीलता के लिए निहितार्थ"। खोजना। ऑन्कोलॉजी, 15(1), 832। डीओआई:10.1007/एस12672-024-01712-8.

अरोड़ा, आर., नादर, के., और बाजपेयी, यू. (2024). F2 उप-क्लस्टर माइकोबैक्टीरियोफेज RitSun से एक उपन्यास LysinB की खोज और लक्षण वर्णन। वैज्ञानिक रिपोर्ट, 14(1), 18073। डीओआई:10.1038/एस41598-024-68636-9.

रमन, सुनील कुमार, शिवा रेड्डी, डीवी, जैन, वी., बाजपेयी, यू., मिश्रा, ए., और सिंह, एके (2024). "माइकोबैक्टीरियोफेज: माइकोबैक्टीरियल संक्रमण के लिए चिकित्सीय दृष्टिकोण"। ड्रग डिस्कवरी टुडे, 29(7), 104049। डीओआई:10.1016/जे.ड्रुडिस.2024.104049.

सिंह, एम. बी., भगत, पी., और सिंह, पी. (2024). एचसीएन बंधन के प्रति डीईएस [सीएचसीएल-पीडी] की क्षमता को समझने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन। आयोनिक्स, 30(6), 3661-3677। doi:10.1007/s11581-024-05515-3.

सिंह, एमबी, भगत, पी., और सिंह, पी. (2024). एचसीएन बाइंडिंग की दिशा में डीईएस [सीएचसीएल-पीडी] की क्षमता को समझने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन। आयनिक्स, 30(6), 3661-3677। डीओआई:10.1007/एस11581-024-05515-3.

चौधरी, आर.,(2024) *साल्वाडोरा पर्सिका* (परिवार: साल्वाडोरेसी) भारत से पायनियर बेलेनोइस ऑरोटा (लेपिडोप्टेरा: पिएरिडे) के लिए एक नया लार्वा मेजबान पौधा। *जर्नल ऑफ़ द बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी (जेबी.ए.नएचएस), 121*. https://doi.org/10.17087/jbnhs/2024/v121/170673.

चौकियाल, ए.(2024). सुदृढीकरण सीखने में ट्रांसमिशन पावर कंट्रोल और अनुकूली सीखने की दरों द्वारा IoT अनुप्रयोगों में WSN के प्रदर्शन में सुधार। दूरसंचार प्रणाली। डीओआई:10.1007/एस11235-024-01191-डब्ल्यू

शर्मा, बी., गुप्ता, आर., शर्मा, ए., चौधरी, ए., और तोमर, एम. (2025बी)। गति में शक्ति: KNN-PDMS स्व-पक्षपाती लचीले पीजोइलेक्ट्रिक नैनोजेनरेटर। सामग्री आज। संचार, 44(112140), 112140। डीओआई:10.1016/जे.एमटीकॉम.2025.112140.

सिंह, जेपी, साव, एके, शर्मा, बी., गर्ग, एस., शर्मा, ए., गुप्ता, आर., चौधरी, ए. (2025)। हीरे की तरह कार्बन (डीएलसी) कोटिंग्स का उपयोग करके मेमने की लहर उच्च आवृत्ति वाले उपकरणों में प्रगति। रासायनिक भौतिकी प्रभाव, 10 (100833), 100833। डीओआई:10.1016/जे.सीएचपीएचआई.2025.100833.

शर्मा, बी., गुप्ता, आर., शर्मा, ए., चौधरी, ए., और तोमर, एम. (2025ए)। लीड फ्री KNN-PVDF नैनोकम्पोजिट का उपयोग करके ड्रॉपलेट आधारित ट्राइबोइलेक्ट्रिक नैनोजेनरेटर (डीबी-टीईएनजी) का निर्माण। रासायनिक भौतिकी प्रभाव, 10 (100813), 100813। डीओआई:10.1016/जे.सीएचपीएचआई.2025.100813.

लोचब, ए., बावेजा, एस., जिंदल, के., चौधरी, ए., तोमर, एम., और सक्सेना, आर.(2025)। शतावरी-संशोधित MWCNTs का उपयोग करके पेरासिटामोल की उपस्थिति में डाइक्लोफेनाक के विद्युत रासायनिक पता लगाने पर प्रायोगिक और कम्प्यूटेशनल अंतर्दृष्टि। माइक्रोकेमिकल जर्नल, विज्ञान की

सभी शाखाओं में माइक्रोटेक्निक के अनुप्रयोग के लिए समर्पित, 208(112430), 112430। डीओआई:10.1016/जे.माइक्रोसी.2024.112430.

नाओरेम, बीडी, सिंह, जेपी, शर्मा, बी., गर्ग, एस., अथिरा, शेरीन, एच., बत्रा, एन.(2025)। अभिकर्मक रहित यूरिक एसिड बायोसेंसर के लिए एक मंच के रूप में एमएन-डोप्ड जेडएनओ पतली फिल्में। रासायनिक भौतिकी प्रभाव, 10 (100823), 100823। डीओआई:10.1016/जे.सीएचपीएचआई.2025.100823.

सिंह, ए., महापात्र, एस., तोमर, एम., चौधरी, ए., और सिंह, वी.(2025)। कम तापमान NO2 गैस सेंसिंग मेसोपोरस SnO2 द्वारा प्राप्त किया गया। जर्नल ऑफ अलॉयज एंड कंपाउंड्स, 1013 (178592), 178592। डीओआई:10.1016/जे.जैलकॉम.2025.178592.

लामिछाने, एस., तोमर, एम., चौधरी, ए., और शर्मा, एस.(2025)। बाइलेयर BFO/WO3 पतली फिल्म संरचना की ऊर्जा भंडारण क्षमता पर लेजर ऊर्जा भिन्नता की भूमिका। सेमीकंडक्टर प्रोसेसिंग में सामग्री विज्ञान, 188 (109218), 109218। डीओआई:10.1016/जे.एमएसएसपी.2024.109218.

देवी, एल.आर., नाओरेम, बी., चौधरी, ए., और शर्मा, एचबी (2024). Ba1-xSrxTiO3 नैनोपाउडर के संरचनात्मक और विद्युत गुणों पर Sr2+ आयन सामग्री का प्रभाव। जर्नल ऑफ मैटेरियल्स साइंस: मैटेरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स, 35(32)। डीओआई:10.1007/एस10854-024-13841-5.

लोचब, ए., बावेजा, एस., जिंदल, के., चौधरी, ए., तोमर, एम., और सक्सेना, आर.(2025)। कार्यात्मक MWCNTs का उपयोग करके पेरासिटामोल की इलेक्ट्रोकेमिकल सेंसिंग: कम्प्यूटेशनल और प्रयोगात्मक तरीकों को एकीकृत करना। विश्लेषण और संवेदन, 5(2)। डीओआई:10.1002/एएनएसई.202400098.

शर्मा, बी., शर्मा, ए., गुप्ता, आर., चौधरी, ए., वर्मा, एम., और तोमर, एम.(2024). सीसा मुक्त KNN-PVDF समग्र की लचीली चादरें: एक स्थायी पायरोइलेक्ट्रिक ऊर्जा हार्वेस्टर। सेरामिक्स इंटरनेशनल,50(22), 46982-46992। डीओआई:10.1016/जे.सेरामिंट.2024.09.049.

सिंह, जे.पी., शर्मा, ए., तोमर, एम., और चौधरी, ए.(2024). NO3 गैस के कम तापमान का पता लगाने के लिए WO3 और WO2-SnO2 समग्र-आधारित सेंसर। जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक मैटेरियल्स, 53(11), 6688-6699। डीओआई:10.1007/एस11664-024-11381-6.

देवी, एलआर, नाओरेम, बीडी, चौधरी, ए., और शर्मा, एचबी (2024). यांत्रिक ऊर्जा संचयन अनुप्रयोग के लिए लचीला पीवीडीएफ / बी.ए.सटी नैनोकंपोजिट। जर्नल ऑफ़ अलॉयज एंड कंपाउंड्स, 1004 (175762), 175762। डीओआई:10.1016/जे.जैलकॉम.2024.175762.

गुप्ता, आर., राणा, एल., वर्मा, एम., शर्मा, ए., तोमर, एम., और चौधरी, ए.(2024). रासायनिक समाधान जमाव तकनीक का उपयोग करके PZT आधारित दोहरी ऊर्जा हार्वेस्टर। जर्नल ऑफ़ मैग्नेटिज्म एंड मैग्नेटिक मैटेरियल्स, 600 (172152), 172152। डीओआई:10.1016/जे.जेएमएमएम.2024.172152.

शर्मा, बी., गुप्ता, आर., चौधरी, ए., और तोमर, एम.(2024). एमजी में फोटो अपवर्तकता के तंत्र की जांच पंप और जांच तकनीक का उपयोग करके ZnO पतली फिल्मों को प्रतिस्थापित किया। सामग्री रसायन-विज्ञान और भौतिकी, 319 (129375), 129375। डीओआई:10.1016/जे.मैचएमफिस.2024.129375.

डू, वाई., बियान, वाई., बेकर, डी., धवन, जी., सेमघौली, ए., किस, एल., हान, जे. (2025)। फार्मास्युटिकल उद्योग में फ्लोरीन: 2024 में एफडीए-अनुमोदित फ्लोरीन युक्त दवाएं। रसायन-विज्ञान (वेनहेम एन डेर बर्गस्ट्रैस, जर्मनी), 31(25), ई202500662। डीओआई:10.1002/केम.202500662.

हान, जे., वज़ोरेक, ए., धवन, जी., झांग, डब्ल्यू., सोरोचिंस्की, ए., बेकर, डी., सोलोशोनोक, वी.(2025)। चिरल, फ्लोरीन युक्त फार्मास्यूटिकल्स। यूक्रेनी रसायन-विज्ञान जर्नल, 91(2), 55-90। डीओआई:10.33609/2708-129x.91.2.2025.55-90.

हान, जे., वज़ोरेक, ए., धवन, जी., झांग, डब्ल्यू., सोरोचिंस्की, ए., बेकर, डी., सोलोशोनोक, वी.(2024). दवा बाजार में नई दवाओं में फ्लोरीन और दर्जी अमीनो एसिड के अवशेष होते हैं। यूक्रेनी रसायन-विज्ञान जर्नल, 90(9), 31-56। डीओआई:10.33609/2708-129x.90.9.2024.31-56.

सिंह, आई., गौतम, एच.के., कुमार, पी., और धवन, जी.(2024). पॉलीडोपामाइन नैनोकॉन्जुगेट-लेपित मास्क: वायुजनित रोगजनकों के विरुद्ध एक कुशल बाधा। रसायन-विज्ञान, 9(37)। डीओआई:10.1002/एसएएलसीटी.202402467.

वांग, क्यू., बियान, वाई., धवन, जी., झांग, डब्ल्यू., सोरोचिंस्की, एई, मकारेम, ए., हान, जे.(2024). एफडीए ने 2023 में फ्लोरीन युक्त दवाओं को मंजूरी दी। झोंगगुओ हुआ ज़ू कुआई बाओ [चीनी रासायनिक पत्र], 35(11), 109780। डीओआई:10.1016/जे.सीसीएलईटी.2024.109780.

हान, जे., वज़ोरेक, ए., धवन, जी., झांग, डब्ल्यू., सोरोचिंस्की, एई, ओनो, टी., और सोलोशोनोक, वीए (2024). 2023 में बाजार में दिखाई देने वाली नई दवाएं: फ्लोरीन युक्त अणु और दर्जी अमीनो एसिड के टुकड़े। यूक्रेनिका बायोऑर्गेनिका एक्टा, 19(1), 3-20। डीओआई:10.15407/बायोऑर्गेनिका2024.01.003.

चौधरी, एमवाई, गुप्ता, एम., बंसल, पी., शर्मा, वाई.एस., धीर, एन., कांत, ए., यादव, एस. (2025)। एलिल ट्राइफेनिल फॉस्फोनियम ब्रोमाइड, हाइड्रोक्लोरिक एसिड में एल्यूमीनियम के क्षरण के लिए पर्यावरण के अनुकूल और हरे रंग के अवरोधक के रूप में एक आयनिक तरल: यंत्रवत अंतर्दृष्टि और प्रयोगात्मक सत्यापन। पर्यावरण के लिए सतत रसायन-विज्ञान, 9(100206), 100206। डीओआई:10.1016/जे.एससीईएनवी.2025.100206.

गौतम, डी., साया, एल., गंभीर, जी., और हुड्डा, एस.(2024). ग्राफीन ऑक्साइड और चुंबकीय मोतियों का उपयोग करके धनायनित रंगों का उन्नत पीजोकैटलिटिक क्षरण नैनोमैटेरियल्स: संश्लेषण, लक्षण वर्णन और यंत्रवत अंतर्दृष्टि। केमिकल इंजीनियरिंग जर्नल (लुसाने, स्विट्जरलैंड: 1996), 498, 154987। डीओआई:10.1016/जे.सीईजे.2024.154987.

हुड्डा, एस., साया, एमएल, दृश्य, एम., और गंभीर*, जी.(2024). बायोएनालिटिकल विधि: बायोएक्टिव झिल्ली-आधारित सेंसर, एंजाइम निषेध और यूवी-विस स्पेक्ट्रोफोटोमेट्री द्वारा टमाटर और मशरूम में कीटनाशक अवशेषों का निर्धारण। पर्यावरण रसायन-विज्ञान जर्नल में विश्लेषणात्मक तरीके, 7(3), 5-20। डीओआई:10.24200/एएमईसीजे.वी7.आई03.255

गर्ग, एस., झा, ए., राणा, ए., सिंह, ए. और **गर्ग, ए.** (2024). फेस मास्क डिटेक्शन एंड अलर्ट के लिए इंटेलिजेंट सिस्टम, *जर्नल ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज*, 35-42।

चतुर्वेदी, आर., और गर्ग, ए.(2024). सुपरकैपेसिटर के रूप में उपयोग के लिए rGO-TMD समग्र संश्लेषण के लिए पर्यावरण के अनुकूल दृष्टिकोण। बुलेटिन ऑफ मैटेरियल्स साइंस (इंडिया), 47(3). डीओआई:10.1007/एस12034-024-03310-4

राठी, एम., शुक्ला, आर.के., तिवारी, पी., कुशवाहा, जी., गुप्ता, पी., राणा, ए., और गर्ग, ए.(2024). कक्षा में किरण-प्रकाशिकी पढ़ाने का अभिनव दृष्टिकोण। भौतिकी शिक्षा, 59(5), 055019। डीओआई:10.1088/1361-6552/एडी6969

अंजू और **गर्ग, ए।** (2024). MoS2 नैनोशीट्स के संश्लेषण पर सोनिकेशन समय का प्रभाव। *एआईपी सम्मेलन की कार्यवाही में*। एआईपी पब्लिशिंग एलएलसी, 3149(1): 030025

मंगला, वाई., और गुप्ता, सीके (2025)। मृदा स्वास्थ्य और पादप फेनोलॉजी पर इसका प्रभाव। मृदा स्वास्थ्य और पोषण प्रबंधन में (पीपी 205-214)। डीओआई:10.1079/9781800624597.0012

गौर, वी., भंगलिया, ए., सिंघल, एस., और कौर, आर.(2024). वर्चुअल लैब के लिए एक स्मार्ट लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम। जर्नल ऑफ़ इंजीनियरिंग एजुकेशन ट्रांसफॉर्मेशन, 38(1), 164-177। डीओआई:10.16920/जीत/2024/वी38आई1/24184

कौर, आर., शर्मा, आर., झा, ए.ए., और गौर, वी.(2024). ऑनलाइन शिक्षा की गुणवत्ता के मूल्यांकन के लिए एक मात्रात्मक दृष्टिकोण। जर्नल ऑफ़ इंजीनियरिंग एजुकेशन ट्रांसफॉर्मेशन, 38(2), 17-33। डीओआई:10.16920/जीत/2024/v38i2/24187

कौर, आर., पंत, ए., अवी, एफ., जैन, पी., और गौर, वी.(2024). रैखिक सर्वांगसमता का उपयोग करके पाठ स्टेग्नोग्राफ़ी। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी कम्युनिकेशंस एंड कन्वर्जेंस, 4(3), 237-264। डीओआई:10.1504/आईजेआईटीसीसी.2024.145821

गुप्ता, आर., जोशी, आर.के., मिश्रा, ए., कुमार, एस., हंसदा, पी., और चंद्र गरकोटी, एस. (2024). ट्रीलाइन इकोटोन भारत के पश्चिमी हिमालय के अल्पाइन पारिस्थितिक तंत्र में मिट्टी के भौतिक, जैव-रासायनिक और स्टोइकोमेट्री गुणों को संचालित करता है। कैटेना, 239(107950), 107950। डीओआई:10.1016/जे.कैटेना.2024.107950

मिश्रा, ए., गुप्ता, आर., जोशी, आर.के., और गरकोटी, एससी (2024). स्थलाकृति-मध्यस्थता प्रकाश वातावरण प्रकाश संश्लेषक प्लास्टिसिटी और संयंत्र पारिस्थितिक अनुकूलन रणनीतियों के अंतर-विशिष्ट

मौसमी और दैनिक पैटर्न को नियंत्रित करता है। पौधों के शरीर विज्ञान और आणविक जीवविज्ञान: कार्यात्मक पादप जीवविज्ञान का एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 30(3), 435-452। डीओआई:10.1007/एस12298-024-01439-4

जोशी, आर.के., गुप्ता, आर., मिश्रा, ए., और गरकोटी, एससी (2024). मध्य हिमालय में सफेद ओक के जंगल में पत्ती पारिस्थितिकीय लक्षणों और सह-घटित सदाबहार और पर्णपाती पेड़ों की रणनीतियां मौसमी विविधताएं। पर्यावरण निगरानी और मूल्यांकन, 196(7), 634। डीओआई:10.1007/एस10661-024-12771-3

गुप्ता, आर., गरकोटी, एससी, बोरगांवकर, हिमाचल प्रदेश, पांडे, यू., मिश्रा, ए., और जोशी, आरके (2024). पश्चिमी हिमालय में डेंड्रोक्रोनोलॉजिकल अध्ययन: अवसर, चुनौतियां और संभावनाएं। उष्णकटिबंधीय पारिस्थितिकी, 65(2), 161-178। डीओआई:10.1007/एस42965-024-00336-एक्स

गुप्ता, एस., नसीम, एम., थोकचोम, एसडी, श्रीवास्तव, पीके, और कपूर, आर. (2024). गेहूं में आर्सेनिक विषाक्तता के राइजोफैगस इंट्राराडिस मध्यस्थता शमन में उप-कोशिकीय अंशों में आर्सेनिक का अंतर वितरण और पीएचटीएस और एबीसीसी की संशोधित अभिव्यक्ति शामिल है। जर्नल ऑफ़ हैज़र्डस मैटेरियल्स, 480 (136284), 136284। डीओआई:10.1016/जे.झाज़मत.2024.136284

साया, एल., सामल, आर.आर., कुमार, एस., वर्मा, एम., सिंह, डब्ल्यूआर, और हुड्डा, एस. (2024). एडीज एजिप्टी के विरुद्ध ग्राफीन ऑक्साइड और ग्वार गम-आधारित नैनोमटेरियल्स की बहुक्रियाशील गतिविधि का आकलन। केमोस्फीयर, 369 (143906), 143906। डीओआई:10.1016/जे.केमोस्फीयर.2024.143906

वर्मा, एम., रानी, एस., अनुग्रह, के.एस., सिंह, ए., साया, एल., और हुड्डा, एस. (2025)। अतिरिक्त मैग्नेटाइट नैनोकणों द्वारा कार्यात्मक संशोधित GO के ढांकता हुआ गुणों पर बायोपॉलिमर जोड़ का प्रभाव। जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर, 1325 (141014), 141014। डीओआई:10.1016/जे.मोलस्ट्रक.2024.141014

हुड्डा, एस., साया, एमएल, दृश्य, एम., और गंभीर, जी. (2024). बायोएनालिटिकल विधि: बायोएक्टिव झिल्ली-आधारित सेंसर, एंजाइम निषेध और यूवी-विस स्पेक्ट्रोफोटोमेट्री द्वारा टमाटर और मशरूम में कीटनाशक अवशेषों का निर्धारण। पर्यावरण रसायन-विज्ञान जर्नल में विश्लेषणात्मक तरीके, 7(3), 5-20। डीओआई:10.24200/एएमईसीजे.वी7.आई03.255

कनौजिया, आर., हुड्डा, एस., आर्य, बी., जोशी, ए., मिश्रा, एन., हिमांशु, ... धीर, एन. (2025)। H2SO4 पर्यावरण के तहत हल्के स्टील के क्षरण के नियंत्रण के लिए 1-(पाइरिडिल-2-एज़ो)-नेफ्थॉल -2 का विद्युत रासायनिक और सैद्धांतिक अध्ययन। पर्यावरण के लिए सतत रसायन-विज्ञान, 9(100202), 100202। डीओआई:10.1016/जे.एससीईएनवी.2024.100202

भारद्वाज, पी., यादव, एस.के., **जेटली, एस.**, सलूजा, डी., और तनेजा, जे. (2024). भारत में होम आइसोलेट कोविड-19 रोगियों के उपचार के तौर-तरीके: सबक सीखा। *इंडियन जर्नल ऑफ नेचुरल प्रोडक्ट्स एंड रिसोर्सेज (आईजेएनपीआर),* 15(2), 313-320।

भारद्वाज, पी., यादव, एस.के., जेटली, एस., सलूजा, डी., और तनेजा, जे. (2024). माता-पिता के दृष्टिकोण का अनावरण: भारत में बच्चों के लिए कोविड-19 टीकाकरण। जर्नल ऑफ़ फैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर, 13(4), 1481-1487। डीओआई:10.4103/jfmpc.jfmpc_1485_23

भारद्वाज, पी., जेटली, एस., यादव, एस., कौशिक, आर., नायडू, के., सलूजा, डी., और तनेजा, जे. (2024). भारत में कोविड-19 की तीन लहरों के दौरान टीकाकरण और गैर-टीकाकृत व्यक्तियों में लक्षणों, गंभीरता और ब्रेकथ्रू संक्रमणों का तुलनात्मक विश्लेषण। एक्टा विरोलोगिका, 68. डीओआई:10.3389/एवी.2024.13536

जोशी, आर. (2024). डेबी प्लाज्मा वातावरण में H@C 60 में दो-फोटॉन संक्रमण। स्पेक्ट्रोस्कोपी पत्र; रैपिड कम्युनिकेशन के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 57(4), 213-221। डीओआई:10.1080/00387010.2024.2342250

सिंह, एन., कालरा, जी., और भाटला, एससी (2025)। सूरजमुखी के अंकुरों में नमक के तनाव को कम करने में मेलाटोनिन होमियोस्टेसिस और एचओ -1 गतिविधि के साथ कोई मध्यस्थता प्रोटीन टायरोसिन नाइट्रेशन क्रॉसस्टॉक। जर्नल ऑफ प्लांट बायोकैमिस्ट्री एंड बायोटेक्नोलॉजी। डीओआई:10.1007/एस13562-025-00958-9

मुखर्जी, एस., कालरा, जी., और भाटला, एससी (2025)। वायुमंडलीय नाइट्रोजन ऑक्साइड (NOx), हाइड्रोजन सल्फाइड (H2S) और कार्बन मोनोऑक्साइड (CO): पौधों के चयापचय और विकास के लिए वरदान या अभिशाप? पर्यावरण प्रदूषण (बार्किंग, एसेक्स: 1987), 367 (125676), 125676। डीओआई:10.1016/जे.एनवीपीओएल.2025.125676

ठाकुर, ए., और कालरा, जी. (2025)। सूरजमुखी (हेलियनथस एनुअस एल.) बीज विकास कुल घुलनशील और तेल शरीर झिल्ली से जुड़े प्रोटीन के ग्लाइकोसिलेशन और फॉस्फोराइलेशन के साथ होता है। पादप विज्ञान आज। डीओआई:10.14719/पीएसटी.4238

कुमार, पी., परवीन, खातून, एस., कुमार, एम., राज, एन., हर्ष, कपूर, एमके (2025)। इन विट्रो में स्ट्रेप्टोमाइसेस एसपी का एंटिफंगल गतिविधि विश्लेषण. तनाव 196 कैंडिडा अल्बिकन्स और एस्परगिलस फ्लेवस के विरुद्ध। इंटरनेशनल माइक्रोबायोलॉजी: द ऑफिशियल जर्नल ऑफ द स्पैनिश सोसाइटी फॉर माइक्रोबायोलॉजी, 28(3), 553-562। डीओआई:10.1007/एस10123-024-00562-2

कुमार, पी., परवीन, राज, एन., कुमार, एम., फाखरी, केयू, कुमार, एस., कपूर, एमके (2024). SARS-CoV-2 प्रतिकृति के लिए प्रमुख कारकों (holoRdRp और nsp13) के संभावित अवरोधकों के रूप में स्ट्रेप्टोमाइसेस एसपीपी के प्राकृतिक उत्पाद: सिलिको दृष्टिकोण में। माइक्रोबायोलॉजी अभिलेखागार, 206(2), 88। डीओआई:10.1007/एस00203-023-03820-5

कुमार, एम., परवीन, राज, एन., खातून, एस., फाखरी, केयू, कुमार, पी., कपूर, एमके (2024). एस्परगिलस फ्लेवस के विरुद्ध स्ट्रेप्टोमाइसेस एसपी स्ट्रेन 130 से एंटिफंगल बायोएक्टिव यौगिकों का इन-सिलिको और इन-विट्रो मूल्यांकन। जर्नल ऑफ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स, 1-19। डीओआई:10.1080/07391102.2024.2313167

मानसी, बालियान, यू., भूटानी, सी., खन्ना, एल., राव, एस., सिंह, आर., और खन्ना, पी. (2024). अल्ट्रासाउंड-सहायता प्राप्त निष्कर्षण, अनुकूलन, फाइटोकेमिकल स्क्रीनिंग और साइकस ज़ेलानिका और एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि मूल्यांकन से फेनोलिक्स का विश्लेषण। रसायन-विज्ञान और जैव विविधता, 21(4), ई202301436। डीओआई:10.1002/सीबीडीवी.202301436

सिंह, ए., भूटानी, सी., खन्ना, पी., तलवार, एस., सिंह, एस.के., और खन्ना, एल. (2025)। दवा की खोज में एक विशेषाधिकार प्राप्त एंटी-वायरल मचान के रूप में इंडोल्स पर हालिया रिपोर्ट। यूरोपियन जर्नल ऑफ मेडिसिनल केमिस्ट्री, 281(117017), 117017। डीओआई:10.1016/जे.ईजेमेच.2024.117017

मानसी, खन्ना, पी., यादव, एस., सिंह, ए., और खन्ना, एल. (2024). माइकोबैक्टीरियम तपेदिक में संभावित मूर बी एंजाइम अवरोधकों के रूप में डाइकोमरोल्स की सिलिको स्क्रीनिंग में: आणविक डॉकिंग, एडीएमई, क्यूएसएआर और एमडी सिमुलेशन।जर्नल ऑफ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स,1-16। डीओआई:10.1080/07391102.2024.2443126

मानसी, खन्ना, पी., यादव, एस., सिंह, ए., और खन्ना, एल. (2025)। β-साइक्लोडेक्सट्रिन के साथ उपन्यास फॉर्माइल क्रोमोन शिफ बेस के समावेशन परिसर: संश्लेषण, लक्षण वर्णन, डीएनए बाध्यकारी अध्ययन और इन-विट्रो रिलीज अध्ययन।कार्बोहाइड्रेट पॉलिमर, 347(122667), 122667। डीओआई:10.1016/जे. कार्बपोल. 2024. 122667

यादव, एस., मानसी, मिश्रा, एन., खन्ना, पी., और खन्ना, एल. (2024). उपन्यास 10,11-डायहाइड्रो-5एच-डिबेंजो[बी,एफ] एज़ेपाइन ट्रायज़ोल संकर: संश्लेषण, इन विट्रो एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि और ज़ैंथिन ऑक्सीडेज निषेध और कम्प्यूटेशनल अध्ययन। जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर, 1312 (138639), 138639। डीओआई:10.1016/जे.मोलस्ट्रक.2024.138639

सैनी, के.एम., सोलंकी, के., कौशिक, बी., और राणा, पी. (2024). सीमाओं के बिना फोटोकैटलिसिस: धातु मुक्त हाइड्रोजन पेरोक्साइड संश्लेषण में प्रगति का चार्टिंग। जर्नल ऑफ एनवायरनमेंटल केमिकल इंजीनियरिंग, 12(6), 114425। डीओआई:10.1016/जे.जेसी.2024.114425

सिंह, सी., और कोहली, जे. (2024). रिवर्स लॉजिस्टिक्स के साथ दो स्तरीय ऋण नीति के लिए आपूर्ति श्रृंखला मॉडल का अनुकूलन। ऑपसर्च। ऑपरेशनल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया का त्रैमासिक जर्नल। डीओआई:10.1007/एस12597-024-00882-एक्स

सिंह, सी., राव अंबेडकर, जी., कोहली, जे., और टिहरी, आर.(2024). दो उत्पादों के प्रतिस्थापन के तहत समय पर निर्भर मांग के साथ अपूर्ण वस्तुओं के लिए ईओक्यू मॉडल का विश्लेषण करना। यूगोस्लाव जर्नल ऑफ ऑपरेशंस रिसर्च, (00), 45-45। डीओआई:10.2298/yjor230415045s

शंकर, एम., यादव, डी., और कुमार, एस. (2024). एडीज एजिप्टी के पर्यावरण-सुरक्षित प्रबंधन के लिए डिफ्लुबेंज़ुरोन-वेरापामिल संयोजन रणनीति का मूल्यांकन। फ्रंटियर्स इन फिजियोलॉजी, 15, 1476259। डीओआई:10.3389/एफपीएचवाईएस.2024.1476259

साया, एल., सामल, आर.आर., कुमार, एस., वर्मा, एम., सिंह, डब्ल्यूआर, और हुड्डा, एस. (2024). एडीज एजिप्टी के विरुद्ध ग्राफीन ऑक्साइड और ग्वार गम-आधारित नैनोमटेरियल्स की बहुक्रियाशील गतिविधि का आकलन। केमोस्फीयर, 369 (143906), 143906। डीओआई:10.1016/जे.केमोस्फीयर.2024.143906

शर्मा, ए., मिश्रा, एम., सामल, आरआर, डागर, वी.एस., कुमार, एम., शुक्ला, ए., और कुमार, एस. (2024). एडीज एजिप्टी (लिनिअस, 1762) के जीवन मापदंडों पर कैसिया ऑक्सिडेंटलिस पत्ती और तने के अर्क का प्रभाव। जर्नल ऑफ एप्लाइड एंड नेचुरल साइंस, 16(2), 752- मिश्रा, एम., शर्मा, ए., डागर, वी.एस., वारिकू, आर., और कुमार, एस. (2024). सहक्रियात्मक 761. डीओआई:10.31018/जंस.वी16आई2.5642

कपास के गोले के कीड़े के एक भारतीय तनाव पर ट्राइफ्लुमुरॉन के विकास निरोधात्मक प्रभावों पर β-सिटोस्टेरॉल की प्रभावकारिता, हेलिकोवर्पा आर्मिगेरा (लेपिडोप्टेरा: नोक्टुइडे)। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ट्रॉपिकल इंसेक्ट साइंस, 44(3), 1487-1498। डीओआई:10.1007/एस42690-024-01246-0

शंकर, एम., यादव, डी., और कुमार, एस. (2024). एडीज एजिप्टी के पर्यावरण-सुरक्षित प्रबंधन के लिए डिफ्लुबेंज़ुरोन-वेरापामिल संयोजन रणनीति का मूल्यांकन। फ्रंटियर्स इन फिजियोलॉजी, 15, 1476259। डीओआई:10.3389/एफपीएचवाईएस.2024.1476259

फाल्सवाल, जे., डे, डी., और कुमार, एस. (2024). क्लेप्टोपैरासिटिक जीनस स्फेकोड्स (हाइमनोप्टेरा: हैलिक्टिडे) की एक नई प्रजाति एक अद्यतन चेकलिस्ट और भारत से नए भौगोलिक रिकॉर्ड के साथ। जर्नल ऑफ़ एशिया-पैसिफिक बायोडायवर्सिटी, 17(3), 497-504। डीओआई:10.1016/जे.पी.बी.2023.12.015

मिश्रा, एम., शर्मा, ए., डागर, वी.एस., और कुमार, एस. (2024). हेलिकोवर्पा आर्मिगेरा हेमोलिम्फ में प्रोटीन विचलन अकेले आहार ट्राइफ्लुमुरॉन से प्रेरित और β-सिटोस्टेरॉल के साथ बाइनरी संयोजन में। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ट्रॉपिकल इंसेक्ट साइंस, 44(3), 1207-1219। डीओआई:10.1007/एस42690-024-01234-4

कुमार, एस., शर्मा, ए., सामल, आरआर, वर्मा, वी., सागर, आरके, सिंह, एसपी, और राघवेंद्र, के. (2024). एडीज एजिप्टी (लिनिअस) आबादी को नियंत्रित करने के लिए डेल्टामेथ्रिन-लेस्ड आकर्षक

जहरीली चीनी चारा का विकास। जर्नल ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन, 2024, 6966205। डीओआई:10.1155/2024/6966205

कुमार, वी., शर्मा, आर.के., सिंह, एस.के., अरोड़ा, के., जोशी, एमसी, रावत, पी., और सिंह, एम. (2024). आकृति विज्ञान, रासायनिक संरचना और एकोनिटम बालफोरी की जैविक गतिविधियाँ: महत्वपूर्ण हिमालयी और अत्यधिक शोषित औषधीय पौधों की व्यापक समीक्षा। वेजिटोस (बरेली, भारत), 37(5), 1690-1704। डीओआई:10.1007/एस42535-024-00995-0

अब्राहम, जे.एस., सोमसुंदरम, एस., मौर्य, एस., गुप्ता, आर., तोटेजा, आर., और मखीजा, एस. (2024). दिल्ली, भारत से तीन मीठे पानी के निकायों के भौतिक-रासायनिक मापदंडों और सिलिअट सामुदायिक संरचना में स्थानिक-अस्थायी विविधताओं पर एक अध्ययन। लिम्नोलॉजी, 25(3), 327-336। डीओआई:10.1007/एस10201-024-00747-8

सोमसुंदरम, एस., अब्राहम, जे.एस., मौर्य, एस., सूद, यू., लाल, आर., मखीजा, एस., और तोतेजा, आर. (2024). "टेटमेमेना एसपी के एंटीऑक्सीडेंट एंजाइमों और मेटालोप्रोटीन में कम्प्यूटेशनल अंतर्दृष्टि"। एसईजे-2015 (स्पिरोट्रिकिया; सिलियोफोरा) भारी धातु तनाव का मुकाबला करने में। इंडियन जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी। डीओआई:10.1007/एस12088-024-01415-2

सिंह, जे., थरेजा, आर., और मलिक, पी. (2025)। क्वांटम डॉट-संवेदी सौर कोशिकाओं की क्षमता की खोज: नवाचार और अंतर्दृष्टि। केमफिस्कीम: ए यूरोपियन जर्नल ऑफ केमिकल फिजिक्स एंड फिजिकल केमिस्ट्री, 26(10), e202400800। डीओआई:10.1002/सीपीएचसी.202400800

थरेजा, आर., सिंह, जे., मलिक, पी., और कक्कड़, आर. (2024). II-VI क्वांटम डॉट्स और उनके थोक समकक्षों के गुणों का अध्ययन करने के लिए विभिन्न कोर इलेक्ट्रॉन उपचारों की तुलना: एक डीएफटी अध्ययन। सैद्धांतिक रसायन-विज्ञान लेखा, 143(7)। डीओआई:10.1007/एस00214-024-03134-9

कनौजिया, आर., हुड्डा, एस., आर्य, बी., जोशी, ए., मिश्रा, एन., हिमांशु, ... धीर, एन. (2025)। H2SO4 पर्यावरण के तहत हल्के स्टील के क्षरण के नियंत्रण के लिए 1-(पाइरिडिल-2-एज़ो)-नेफ्थॉल -2 का विद्युत रासायनिक और सैद्धांतिक अध्ययन। पर्यावरण के लिए सतत रसायन-विज्ञान, 9(100202), 100202। डीओआई:10.1016/जे.एससीईएनवी.2024.100202

यादव, एस., मानसी, मिश्रा, एन., खन्ना, पी., और खन्ना, एल. (2024). उपन्यास 10,11-डायहाइड्रो-5एच-डिबेंजो[बी,एफ] एज़ेपाइन ट्रायज़ोल संकर: संश्लेषण, इन विट्रो एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि और ज़ैंथिन ऑक्सीडेज निषेध और कम्प्यूटेशनल अध्ययन। जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर, 1312 (138639), 138639। डीओआई:10.1016/जे.मोलस्ट्रक.2024.138639

पसरा, एस., सच्चिदानन्द, श्रीवास्तव, ए., यादव, एस., सनी, ए., तुवानी, एन., मित्तल, के. (2025)। सुजुकी मियाउरा प्रतिक्रिया में नैनो उत्प्रेरक के लिए ग्रीनर मीडिया। समन्वय रसायन-विज्ञान समीक्षा, 528 (216431), 216431। डीओआई:10.1016/जे.सीसीआर.2025.216431

आहूजा, एच., कौर, एस., सक्सेना, आर., और नारंग, एस. (2024). आपदा तैयारियों के लिए क्षेत्रों को रैंक करने के लिए नोवेल इंटेलिजेंट टीओपीएसआईएस संस्करण। TELKOMNIKA (दूरसंचार कंप्यूटिंग इलेक्ट्रॉनिक्स और नियंत्रण), 22(3), 587। डीओआई:10.12928/telkomnika.v22i3.25836

अग्रवाल, जी., आहूजा, एच., नारंग, एस., और अग्रवाल, एस. (2024). निर्णय लेने में सहायता के लिए बाढ़ संवेदनशीलता सूचकांक। TELKOMNIKA (दूरसंचार कंप्यूटिंग इलेक्ट्रॉनिक्स और नियंत्रण), 22(6), 1431। डीओआई:10.12928/telkomnika.v22i6.26272

प्रिया, पी., कुमार, पी., प्रसाद, आर., ओम, डी., और रजनी, आर. (2025)। एसबीईएम का उपयोग करते हुए परिवर्तनीय बाथीमेट्री के साथ विशाखापत्तनम बंदरगाह का कम्प्यूटेशनल विश्लेषण। एआईपी सम्मेलन कार्यवाही, 3283, 040020। शुद्ध और अनुप्रयुक्त गणित (आईसीएपीएएम) में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया, नई दिल्ली, भारत। डीओआई:10.1063/5.0265326

कुमार, आर., गुप्ता, एस., अधान, एस., खन्ना, ए., साहू, एस., फैजा, एम., चौधरी, यू. (2025)। ग्लूटामेट रेसमेज़ के संभावित अवरोधकों के रूप में प्राकृतिक यौगिकों की स्क्रीनिंग और पहचान, खाद्य रोगज़नक़ ई. कोलाई O157:H7 का एक उभरता हुआ दवा लक्ष्य: बढ़ती दवा प्रतिरोध का मुकाबला करने के लिए एक इन-सिलिको दृष्टिकोण। संक्रामक विकार दवा लक्ष्य, 25(2), e18715265306131. डीओआई:10.2174/ 0118715265306131240809095241

रंजन, आर., गोस्वामी, एस., शर्मा, एन., वशिष्ठ, एलएम, सिंह, एम., वर्मा, वाई., पांडे, ए. (2025)। बायोलुमिनसेंट बैक्टीरिया के लिए तीव्र आसमाटिक और पीएच शॉक ल्यूमिनेसेंस प्रतिक्रिया के संदर्भ में प्रतिवर्ती है। ल्यूमिनेसेंस: द जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल एंड केमिकल ल्यूमिनेसेंस, 40(1), ई70082। डीओआई:10.1002/बायो.70082

रंजन, आर., गोस्वामी, एस., शर्मा, एन., वशिष्ठ, एलएम, सिंह, एम., वर्मा, वाई., पांडे, ए. (2024). खाद्य-ग्रेड सिल्वर फ़ॉइल (E174) के खतरे के आकलन के लिए एक बायोलुमिनेसेंस-आधारित बायोसेंज़ और परमाणु अवशोषण स्पेक्ट्रोस्कोपी द्वारा इसका सत्यापन। माइक्रोकेमिकल जर्नल, विज्ञान की सभी शाखाओं में माइक्रोटेक्निक्स के अनुप्रयोग के लिए समर्पित, 207 (111893), 111893। डीओआई:10.1016/जे.माइक्रोसी.2024.111893

प्रसाद, एसएन, अब्दुल्ला, सिंह, बी., और शालिनी, के. (2024). CR3B समस्या में गैर-रैखिक स्थिरता परे-न्यूटनियन गतिशीलता और केर जैसे प्राइमरी के प्रभाव के तहत। खगोल विज्ञान रिपोर्ट, 68(3), 277-293। डीओआई:10.1134/s1063772924700227

यादव, पी., अब्दुल्ला, और प्रसाद, एसएन (2024). आवेशित निकायों के साथ एक नए प्रकार के वस्त्र की समस्या। आधुनिक भौतिकी पत्र ए. कण और क्षेत्र, गुरुत्वाकर्षण, ब्रह्मांड विज्ञान, परमाणु भौतिकी, 39(21n22)। डीओआई:10.1142/s0217732324500950

खोडा, पी., पाल बाजिया, वी., और प्रसाद, एसएन (2025)। "तपेदिक को नियंत्रित करने की दिशा में प्रभावी रणनीतियाँ: इष्टतम नियंत्रण और लागत-प्रभावशीलता विश्लेषण"। यूरोपीय भौतिक जर्नल प्लस, 140(1)। डीओआई:10.1140/ईपीजेपी/एस13360-025-05978-एक्स

अब्दुल्ला, और प्रसाद, एसएन (2025)। परेशान परिपत्र में सामान्यीकृत manev क्षमता क्षुद्रग्रहों बेल्ट के साथ चार बातचीत निकायों पहाड़ी समस्या को प्रतिबंधित कर दिया. आधुनिक भौतिकी पत्र ए कण और क्षेत्र, गुरुत्वाकर्षण, ब्रह्मांड विज्ञान, परमाणु भौतिकी, 40 (01)। डीओआई:10.1142/s0217732324501888

सिंह, बी., नंद प्रसाद, एस., और अब्दुल्ला। (2025). एक नए प्रकार के बागे की समस्या में अरेखीय स्थिरता। आधुनिक भौतिकी पत्र ए कण और क्षेत्र, गुरुत्वाकर्षण, ब्रह्मांड विज्ञान, परमाणु भौतिकी, 40 (03)। डीओआई:10.1142/s0217732324502122

वर्मा, एम., रानी, एस., अनुग्रह, के.एस., सिंह, ए., साया, एल., और हुड्डा, एस. (2025)। अतिरिक्त मैग्नेटाइट नैनोकणों द्वारा कार्यात्मक संशोधित GO के ढांकता हुआ गुणों पर बायोपॉलिमर जोड़ का प्रभाव। जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर, 1325 (141014), 141014। डीओआई:10.1016/जे.मोलस्ट्रक.2024.141014

कुमार, एस., शर्मा, ए., सामल, आरआर, वर्मा, वी., सागर, आरके, सिंह, एसपी, और राघवेंद्र, के. (2024). एडीज एजिप्टी (लिनिअस) आबादी को नियंत्रित करने के लिए डेल्टामेथ्रिन-लेस्ड आकर्षक जहरीली चीनी चारा का विकास। जर्नल ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन, 2024, 6966205। डीओआई:10.1155/2024/6966205

प्रसाद, एस.एन., और कुमार, आई. (2024). मेहतर के साथ स्टोकेस्टिक शिकारी-शिकार मॉडल का गतिशील विश्लेषण। *मलेशियाई जर्नल ऑफ मैथमेटिकल साइंसेज*, 18(1), 73-90। https://doi.org/10.47836/mjms.18.1

एडेकोया-कोल, टी., फर्नांडो, एस., मारोजू, ए., सामल, सी.के., अग्रवाल, एस., और ब्रह्मा, बी. (2025)। वास्तविक समय की भावना विश्लेषण के लिए ट्वीट्स को वर्गीकृत करने के लिए एक गतिशील राय डैशबोर्ड बनाना। सूचना प्रौद्योगिकी के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। https://doi.org/10.1007/s41870-025-02495-z

श्रोत्रिया, वी.के., और सरीन, ए. (2024). कार्य प्रदर्शन को मापने के लिए कर्मचारी स्व-मूल्यांकन की विश्वसनीयता: भारत में डेयरी उद्योग से साक्ष्य। आईयूपी जर्नल ऑफ ऑर्गनाइजेशनल बिहेवियर, 23(3), 86-104।

सेठी, जी., यादव, ए.एस., और **सिंह, सी.** (2025). बैक्टीरियल फोर्जिंग ऑप्टिमाइज़ेशन का उपयोग करके सामान्यीकृत घातीय मांग, आंशिक बैकलॉगिंग और मुद्रास्फीति के साथ बिगड़ती वस्तुओं के लिए दो-गोदाम इन्वेंट्री मॉडल का अनुकूलन। *विश्वसनीयता: सिद्धांत और अनुप्रयोग*, *20* (1 (82)), 800-813।

सिंह, सी., और कोहली, जे. (2024). रिवर्स लॉजिस्टिक्स के साथ दो स्तरीय ऋण नीति के लिए आपूर्ति श्रृंखला मॉडल का अनुकूलन। ऑपसर्च। ऑपरेशनल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया का त्रैमासिक जर्नल। डीओआई:10.1007/एस12597-024-00882-एक्स

सिंह, सी., अंबेडकर, जी., आर., कोहली, जे., और टिहरी, आर. (2024). दो उत्पादों के प्रतिस्थापन के तहत समय पर निर्भर मांग के साथ अपूर्ण वस्तुओं के लिए ईओक्यू मॉडल का विश्लेषण करना। यूगोस्लाव जर्नल ऑफ ऑपरेशंस रिसर्च, (00), 45-45। डीओआई:10.2298/yjor230415045s

आंबेडकर, जी., आर., सिंह, सी., और सरकार, बी. (2024). मुद्रास्फीति और कमी के तहत तेजी से बढ़ती मांग के लिए दो उत्पादों के मॉडल के प्रतिस्थापन को अनुकूलित करना। RAIRO संचालन अनुसंधान। डीओआई:10.1051/आरओ/2024081

कुमार एस., यादव, आर.के., सिंह**, सी.**, (2024) आंशिक बैकऑर्डरिंग के साथ मुद्रास्फीति और कार्बन उत्सर्जन के प्रभाव के तहत टीपीडी मांग के लिए फजी सेट-आधारित इन्वेंटरी मॉडल, जर्नल *ऑफ कम्प्यूटेशनल एनालिसिस एंड एप्लीकेशन*, 33(8), 285-301।

कुमार, ए., हुसैन, ए., जोसेफ, एजे, गोयल, एस., सिंह, एनएस, और सिंह, यू. (2024). Di-/piezo-/फेरो-इलेक्ट्रिक और Yttrium के चुंबकीय गुणों को MPB पर डोप 0.49BiFeO3-0.20Pb (Mg1/3Nb2/3)O3-0.31PbTiO3 टर्नरी सिरेमिक। जर्नल ऑफ मैटेरियल्स साइंस: मैटेरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स, 35(21)। डीओआई:10.1007/एस10854-024-13206-वाई

कुमार, डी., कुमार, पी., बोरा, एन.एन.के., सिद्धार्थ, सिंह, एम., और सिंह, यू. (2025)। पीवीडीएफ और हरे संश्लेषित धातु ऑक्साइड नैनोकम्पोजिट पतली फिल्मों के पीजोइलेक्ट्रिक गुण। इंडियन जर्नल ऑफ फिजिक्स एंड प्रोसीडिंग्स ऑफ द इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ साइंस (2004)। डीओआई:10.1007/एस12648-024-03526-4

अदित, ए., सिंह, वी.के., टंडन, आर., और शिवन्ना, केआर (2024). भारत में परागण अनुसंधान: वर्तमान स्थिति, भविष्य की दृष्टि और संरक्षण निहितार्थ। एकीकृत संरक्षण। डीओआई:10.1002/इंक3.74

ठाकुर, ए., और कालरा, जी. (2025)। सूरजमुखी (हेलियनथस एनुअस एल.) बीज विकास कुल घुलनशील और तेल शरीर झिल्ली से जुड़े प्रोटीन के ग्लाइकोसिलेशन और फॉस्फोराइलेशन के साथ होता है। पादप विज्ञान आज। डीओआई:10.14719/पीएसटी.4238

अब्राहम, जे.एस., सोमसुंदरम, एस., मौर्य, एस., गुप्ता, आर., तोटेजा, आर., और मखीजा, एस. (2024). दिल्ली, भारत से तीन मीठे पानी के निकायों के भौतिक-रासायनिक मापदंडों और सिलिअट सामुदायिक संरचना में स्थानिक-अस्थायी विविधताओं पर एक अध्ययन। लिम्नोलॉजी, 25(3), 327-336। डीओआई:10.1007/एस10201-024-00747-8

सोमसुंदरम, एस., अब्राहम, जे.एस., मौर्य, एस., सूद, यू., लाल, आर., मखीजा, एस., और तोतेजा, आर. (2024). "टेटमेमेना एसपी के एंटीऑक्सीडेंट एंजाइमों और मेटालोप्रोटीन में कम्प्यूटेशनल अंतर्दृष्टि"।

एसईजे-2015 (स्पिरोट्रिकिया; सिलियोफोरा) भारी धातु तनाव का मुकाबला करने में। इंडियन जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी। डीओआई:10.1007/एस12088-024-01415-2

साया, एल., सामल, आर.आर., कुमार, एस., वर्मा, एम., सिंह, डब्ल्यूआर, और हुड्डा, एस. (2024). एडीज एजिप्टी के विरुद्ध ग्राफीन ऑक्साइड और ग्वार गम-आधारित नैनोमटेरियल्स की बहुक्रियाशील गतिविधि का आकलन। केमोस्फीयर, 369 (143906), 143906। डीओआई:10.1016/जे.केमोस्फीयर.2024.143906

वर्मा, एम., रानी, एस., अनुग्रह, के.एस., सिंह, ए., साया, एल., और हुड्डा, एस. (2025)। अतिरिक्त मैग्नेटाइट नैनोकणों द्वारा कार्यात्मक संशोधित GO के ढांकता हुआ गुणों पर बायोपॉलिमर जोड़ का प्रभाव। जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर, 1325 (141014), 141014। डीओआई:10.1016/जे.मोलस्ट्रक.2024.141014

सिंह, ए, यशेश्वर, कौशिक, एनके, काला, डी, नागरिक, आर, गुप्ता, एस, नूरानी, एमएस (2025)। पादप वायरस का पता लगाने में पारंपरिक और अत्याधुनिक प्रगति: उभरते रुझान और तकनीकें। 3 बायोटेक, 15(4), 100. डीओआई:10.1007/एस13205-025-04253-1

जायसवाल, ए.के., यशेश्वर, सालार, एस., शमीम, यादव, डी.के., अग्रवाल, एम., गौरव। (2024). अल्सर रोधी गतिविधि और संबंधित जटिलताओं के लिए टैमरिक्स गैलिका फूलों की बहु-लक्षित चिकित्सीय खोज। जर्नल ऑफ आयुर्वेद एंड इंटीग्रेटिव मेडिसिन, 15(4), 100947। डीओआई:10.1016/जे.जैम.2024.100947

यादव, पी., नेहरा, ए., कलवन, जी., भारद्वाज, डी., यशेश्वर, रानी, वी., गिल, एसएस (2025)। फसल पौधों में अजैविक तनाव लचीलापन के लिए जैस्मोनेट, सैलिसिलेट और माइक्रोब तालमेल का उपयोग करना। जर्नल ऑफ़ प्लांट ग्रोथ रेगुलेशन, 44(1), 40-61। डीओआई:10.1007/एस00344-023-11218-2

यशेश्वर, गौरव, एकबाल, आर., गुप्ता, पी., और ग्यावली, आर. (2024). "गुर्दे की बीमारी के उपचार के लिए एपियम ग्रेवोलेंस एल. के फ़्यूरोकौमारिन के बहुलक्षित और चिकित्सीय प्रभाव की जांच और सत्यापन करने के लिए सिस्टम औषधीय दृष्टिकोण"। फार्माकोलॉजिकल और फार्मास्युटिकल साइंसेज में प्रगति, 2024, 5543561। डीओआई:10.1155/2024/5543561

पुस्तकों के लेखक/संपादन

कुमार, एस., शर्मा, ए. और सामल, आरआर (2024). *कृषि कीटों का प्रबंधन: रणनीतियाँ और बाधाएँ*। में: कीट नियंत्रण में कीटनाशक - प्रभाव, चुनौतियां और रणनीतियाँ (एड कुमार, एस.), इंटेकओपन, लंदन, यूनाइटेड किंगडम, https://doi.org/10.5772/intechopen.100607।

गोयल, एस.के. (संपादक) (2024). *"विकसित भारत @ 2047: वाणिज्य, प्रबंधन और प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी भूमिका"* (संस्करण- I), एमजीएम पब्लिशिंग हाउस, 978-81-974428-0-3, 2024.

यशेश्वर, मिश्रा, ए.के., कुमार, एम. (2024). *सतत कृषि पद्धतियों में हालिया प्रगति*, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर पीटीई लिमिटेड 978-981-97-2154-2।

कुमार, एस., हुड्डा, एस., वर्मा, एम। (2025). *द्वि साइंस,* एससीएस, सुल्तान चंद एंड संस (पी) लिमिटेड, आईएसबी.ए.न: 978-81-980938-5-1।

सिंह, बी. और सिंह, सी. (2025). *संचालन अनुसंधान*, प्रगति पब्लिकेशंस। आईएसबी.ए.न: 9789348613646

गोयल, एस.के. (सह-संपादक) (2025)। *विकसित भारत @ 2047: वाणिज्य, प्रबंधन और प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी भूमिका* (संस्करण- II), एमजीएम पब्लिशिंग हाउस, 978-81-981913-3-5।

कुमार, एस., भारद्वाज, ए., कुमार, ए., कुमार, ए., कुमार, ए. और सिंह, वी.के. (2025)। *विश्लेषण के लिए बायोस्टैटिस्टिक्स टूल्स पर एक पाठ्यपुस्तक,* SAAR पब्लिकेशंस; आईएसबी.ए.न: 978-81-984840-6-2।

पुस्तक में अध्याय

त्यागी, पी., पूजा, हुड्डा **, एस.** और साया एल. (2024). "अपशिष्ट जल उपचार प्रक्रियाओं में एआई अनुकूलन की क्षमता", *अपशिष्ट जल उपचार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का अनुप्रयोग* (पीपी 107-126)। https://doi.org/10.1007/978-3-031-69433-2

ताहूर, एम., पूजा, हुड्डा **,** एस., और साया, एल. (2024). अपशिष्ट जल उपचार संयंत्रों में स्वचालित जल नियंत्रण प्रणाली। पी. सिंह, वी. सिंह, और ए. कौशल (सं.), *अपशिष्ट जल उपचार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का अनुप्रयोग* (पीपी. 155-174)। स्प्रिंगर। https://doi.org/10.1007/978-3-031-69433-2

सिंघल, ए., पूजा, हुड्डा **,** एस**.,** और साया, एल. (2024). अपशिष्ट जल उपचार में उभरती एआई प्रौद्योगिकियां। पी. सिंह, वी. सिंह, और ए. कौशल (सं.), *अपशिष्ट जल उपचार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का अनुप्रयोग* (पीपी. 245-264)। स्प्रिंगर। https://doi.org/10.1007/978-3-031-69433-2

गौर, ए., पूजा, हुड्डा, एस**.**, और साया, एल. (2024). एआई के कार्यान्वयन के लिए सिफारिशें: उद्योग-व्यापी अपनाने की दिशा में कदम। पी. सिंह, वी. सिंह, और ए. कौशल (सं.), *अपशिष्ट जल उपचार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का अनुप्रयोग* (पृष्ठ 281-298)। स्प्रिंगर। https://doi.org/10.1007/978-3-031-69433-2

कुमार, एस. **(2024)** अध्याय - इन: कीट फिजियोलॉजी और विष विज्ञान, एम.एससी प्राणी-विज्ञान कोर्स मटेरियल, इग्नू, नई दिल्ली।

कुमार**,** एस. **(2024).** कीटनाशकों के समूह लक्षण**,** कार्य और विषाक्तता संबंधी लक्षण-**I** (**http://egyankosh.ac.in//handle/**123456789/113215)

कुमार**,** एस. (2024). कीटनाशकों के समूह लक्षण**,** कार्य और विषाक्तता संबंधी लक्षण-**II (** **http://egyankosh.ac.in//handle/**23456789/113216)

कुमार, एस. (2024). कीटनाशकों के समूह लक्षण, कार्य और विषाक्तता संबंधी लक्षण-**III (** **http://egyankosh.ac.in//handle/**123456789/113217)

कुमार, एस. (2024) कीटनाशकों का चयापचय (**http://egyankosh.ac.in//handle/**23456789/113222)

अहमद, एन., फ़ातिमा, आई., आलम, एम., खान, आई.आर., और महमूद, ए. (2024). स्मार्ट गाँवों के लिए डिजिटल ट्विन मॉडल डिज़ाइन। स्मार्ट शहरों और गाँवों के लिए डिजिटल ट्विन्स में (पृष्ठ 127-148)। एल्सेवियर। **https://doi.org/**10.1016/**B**978-0-443-28884-5.00006-3

आलम, एम., खान, आई.आर., सिद्दीकी, एफ., और आलम, एम.ए. (2024). समुद्री संसाधनों की सुरक्षा के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक प्रमुख प्रवर्तक है। 409-451. स्प्रिंगर। https://doi.org/**10.1007/978-3-031-64642-3_18**

ग्रोवर, वी., अहमद, एन., फ़ातिमा, आई., आलम, एम., और खान, आई.आर. (2024). डेटा संवर्द्धन के लिए जनरेटिव एआई के वास्तविक-विश्व अनुप्रयोग। ब्लॉकचेन, ***IoT*** और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के लिए एआई तकनीकों में (पृष्ठ 383-412)। एप्रेस। https://doi.org/10.1007/979-8-8688-0315-4_15

खान, आई.आर., ग्रोवर, वी., फातिमा, आई., आलम, एम. , और अहमद, एन. (2024). दवा खोज में एआई का अनुप्रयोग। वी. ग्रोवर, बी. बालुसामी, एनएमके, वी. आनंद, और एम. मिलानोवा (सं.) में, स्वास्थ्य सेवा और दवा उद्योग में व्याख्यात्मक एआई का विश्लेषण (पृष्ठ 181-198)। आईजीआई ग्लोबल। https://doi.org/10.4018/979-8-3693-5468-1.ch010

खान, आई.आर., मुफ़्ती, टी., आयशा, एस., और आलम, एम. (2024). शिक्षा में ब्लॉकचेन के अनुप्रयोग, चुनौतियाँ और संभावनाएँ। वर्चुअल आजीवन शिक्षा: आधुनिक संचार तकनीकों से समाज को शिक्षित करना (पृष्ठ 120-134)। बेंथम साइंस पब्लिशर्स। **https://doi.org/**10.2174/9789815196566124010012

फ़ातिमा, आई., आलम, एम., और खान, आई.आर. (2024). स्वास्थ्य सेवा में नैनोरोबोट। डिजिटल ट्रांसफ़ॉर्मेशन इन हेल्थकेयर 5.0 (पृष्ठ 209-236) में। डी ग्रुइटर। https://doi.org/10.1515/9783111398549-009 ।

हर्षा, के.एम., कुमार, पी., सोलंकी, आर., और कपूर, एम.के. (2024). विविध रोगजनक कवकों के विरुद्ध स्ट्रेप्टोमाइसेस प्रजाति की जैवसक्रिय क्षमता। मंजूर, एन. (संपादक) एंटीफंगल औषधि विकास में प्रगति। स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-97-5165-5_21 ।

मोहन, ए., सलूजा, डी., बाजपेयी, यू. (2024). "बैक्टीरियोफेज: एएमआर से लड़ने वाले प्राकृतिक योद्धा। एंटीबायोटिक-प्रतिरोधी संक्रमणों के लिए उभरते प्रतिमान: गोलियों से परे। स्प्रिंगर नेचर ग्रुप। (ई-बुक **ISBN**978-981-97-5272-0; प्रिंट ISBN 978-981-97-5271-3)

सिंह, ए.पी., सहदेव, चौहान, ए., आर्या, डी.डी. और राजोरिया, वाई.के. (2025). कार्बन उत्सर्जन संबंधी विचारों और नियोजित छूटों के साथ फ़ज़ी आर्थिक ऑर्डर मात्रा मॉडल (https://doi.org/**10.1201/9781003596721**).

मंगला, वाई., गुप्ता, सी.के. (2025). "मृदा स्वास्थ्य और पादप फेनोलॉजी पर इसका प्रभाव" - 'मृदा स्वास्थ्य और पोषण प्रबंधन' में (संपादक नवीन सी. जोशी एवं अन्य) सीएबी इंटरनेशनल, 205-214. **DOI:** 10.1079/9781800624597.0012

खान, आई.आर., आलम, एम. (2025). मानव संसाधन प्रबंधन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता में मानव संसाधन में एआई समाधानों का कार्यान्वयन (पृष्ठ 146-170)। रूटलेज। https://doi.org/10.4324/9781003474265-8

अहमद, एन., फ़ातिमा, आई., आलम, एम., खान, आई.आर., और महमूद, ए. (2025)। जनरेटिव एआई के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा में बदलाव। स्वास्थ्य सेवा में जनरेटिव इंटेलिजेंस (पृष्ठ 259-279)। सीआरसी प्रेस। **https://doi.org/**10.1201/9781003539483-11

खान, एसआर, रहमान, एमडी, और आलम, एम. (2025)। ब्लॉकचेन तकनीक और विकेन्द्रीकृत मीडिया शक्ति संरचनाएँ। सी. शर्मा और एम. जोन्जुआ (सं.), मीडिया मैट्रिक्स: संस्कृति, शक्ति और संचार (पृष्ठ 96-109)। मोहिंद्रा कैपिटल पब्लिशर्स। https://www.researchgate.net/publication/387906365

मान, डी., चौधरी, ए., गुप्ता, सी.के. (2025)। " भविष्य के लिए तैयार शिक्षार्थियों का डिज़ाइन: शिक्षा और प्रशिक्षण में नवाचार, रचनात्मकता और प्रौद्योगिकी का उपयोग" - 'विकसित भारत**@**2047: वाणिज्य, प्रबंधन और प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी भूमिका' में (संपादक-मुकेश कुमार जैन आदि), एमजीएम पब्लिशिंग हाउस, 191-204। DOI: 10.62823/MGM/2025/9788198191335।

संपादित पुस्तक में अध्याय

खान, आई.आर., ग्रोवर, वी., फ़ातिमा, आई., आलम, एम. , और अहमद, एन. (2024). दवा खोज में एआई का अनुप्रयोग । (2024), (वी. ग्रोवर, बी. बालुसामी, एनएमके, वी. आनंद, और एम. मिलानोवा, सं.), स्वास्थ्य सेवा और दवा उद्योग में व्याख्यात्मक एआई का विश्लेषण, 181-198। आईजीआई ग्लोबल साइंटिफिक पब्लिशिंग (पृष्ठ 181-198)। आईजीआई ग्लोबल। https://doi.org/10.4018/979-8-3693-5468-1.ch010 ।

साया, एल., सामल, आर.आर., पनमेई, के., लानबिलियु, पी., दिव्या, गौतम, डी., कुमार, एस., और हुड्डा, एस. (2024). उपयोगी जैव-चिकित्सा सामग्री के रूप में गेलन गम-आधारित हाइड्रोजेल। ए.के. नायक और एम.एस. हसनैन (सं.), जैव-चिकित्सा बहुलक के रूप में गेलन गम का अनुप्रयोग (अध्याय 6, 123-144)। अकादमिक प्रेस। https://doi.org/10.1016/B978-0-323-91815-2.00011-9 .

कोचर, डी.के., कुमार, एस. और कपूर, एन. (2024). मच्छरों का पर्यावरण-अनुकूल प्रबंधन। विषय: मच्छर: जीव-विज्ञान, रोगजनकता और प्रबंधन ; संपादक: ओमकार; स्प्रिंगर, सिंगापुर; अध्याय 14; 331-366; https://doi.org/10.1007/978-981-97-4163-2_14

अनुसंधान परियोजनाएँ

प्रोफेसर उर्मि बाजपेयी को बैक्टीरियोफेज नामक एक शोध परियोजना और मानव, पशुओं और पर्यावरण में एएमआर संक्रमण से निपटने वाली एक स्वास्थ्य परियोजना के लिए आईसीएमआर द्वारा 2025-2028 तक 3 वर्ष की अवधि के लिए पीआई के रूप में 46,81,404 रुपये मंजूर किए गए हैं।

प्रोफेसर उर्मि बाजपेयी को भारत-यूके-डीबीटी-बीबी.ए.सआरसी बहु-केंद्रित परियोजना: यूके और भारतीय पशुधन में एएमआर संक्रमण से निपटने के लिए एक तुलनात्मक एक-स्वास्थ्य दृष्टिकोण नामक शोध परियोजना के लिए डीबीटी-बीआईआरएसी द्वारा 2024-2027 तक तीन वर्षों के लिए पीआई के रूप में 71,87,000 रुपये मंजूर किए गए हैं।

डॉ. सुनीता जेटली को बिट्स बायोसाइटीएच फाउंडेशन द्वारा 2024-2025 तक 1 वर्ष की अवधि के लिए पीआई के रूप में मायलोइड ल्यूकेमिया (सीएमएल और एएमएल-एम 2) के आसान और किफायती पता लगाने के लिए मल्टीप्लेक्सिंग नामक शोध परियोजना के लिए 26,00,000 रुपये मंजूर किए गए हैं।

प्रो. सरिता कुमार हिबाह पुटी 2024 शोध परियोजना में सहयोगी हैं, जिसका शीर्षक है "क्यूलेक्स क्विंक्वेफैसिआटस लार्वा पर आइवरमेक्टिन और डी-लिमोनेन का प्रभाव: मृत्यु दर, ग्लूटाथियोन एस-ट्रांसफरेज़ और जीन अभिव्यक्ति" जिसका मार्गदर्शन डॉ. रिज़ल सुबाहार, परजीवी विज्ञान विभाग, चिकित्सा संकाय, इंडोनेशिया विश्वविद्यालय, इंडोनेशिया द्वारा किया जाता है।

प्रोफेसर सरिता कुमार हिबाह पुटी 2025 शोध परियोजना में सहयोगी हैं, जिसका शीर्षक है "एडीज एजिप्टी (डिप्टेरा: कुलिसिडे) के विरुद्ध गैलिक एसिड लोडेड चिटोसन / एल्जिनेट नैनोकणों की इन विट्रो विषाक्तता: ऑक्सीडेटिव तनाव, रोडोप्सिन, लार्वा के मध्य आंत, आंखों और एंटीना में हिस्टोपैथोलॉजिकल परिवर्तन" जो इंडोनेशिया विश्वविद्यालय, इंडोनेशिया के चिकित्सा संकाय, परजीवी विज्ञान विभाग के डॉ. रिजाल सुबाहार द्वारा निर्देशित है।

प्रोफेसर अरिजीत चौधरी को सतह ध्वनिक तरंगों का उपयोग करते हुए यूवी - ए, बी और सी सेंसिंग के लिए एमएक्सओवाई पतली फिल्म परतों के विकास नामक शोध परियोजना के लिए डीआरडीओ द्वारा सह-पीआई के रूप में 2025-2027 तक 2 वर्ष की अवधि के लिए 1,81,00,000 लाख रुपये मंजूर किए गए हैं [डीजीटीएम/ईआरआईपी/जीआईए/24-25/520/015 दिनांक 14 फरवरी, 2025]।

प्रोफेसर अरिजीत चौधरी को GaN आधारित जंक्शन रहित ट्रांजिस्टर के गेट स्टैक में फेरोइलेक्ट्रिक हैफनियम-जिरकोनियम ऑक्साइड (HZO) एम्बेड करने नामक शोध परियोजना के लिए 31,00,000 रुपये मंजूर किए गए हैं [SERB/F/14517-2023 - 2024 DST द्वारा सह-पीआई के रूप में 2024-2027 तक 3 वर्ष की अवधि के लिए।

प्रोफेसर अरिजीत चौधरी को ब्रॉडबैंड डीप यूवी फोटोडिटेक्टर के लिए क्रिस्टलीय एकल चरण Ga_2O_3 पतली फिल्म के विकास नामक शोध परियोजना के लिए सीएसआईआर द्वारा सह-पीआई के रूप में 2023-2025 तक 2 वर्ष की अवधि के लिए 10,00,000 रुपये मंजूर किए गए हैं [प्रस्ताव आईडी: 22571]।

प्रोफेसर अरिजीत चौधरी को डीआरडीओ द्वारा 2023-2025 तक 2 वर्ष की अवधि के लिए सह-पीआई के रूप में दिए गए विनिर्देश [1115/टीएस/एसपीएल/सीएआरएस-98/2022] के पैकेज्ड उच्च आवृत्ति वाले एसएडब्ल्यू उपकरणों के निर्माण नामक शोध परियोजना के लिए 36,00,000 रुपये मंजूर किए गए हैं।

प्रोफेसर अरिजीत चौधरी को इंडियम सेलेनाइड पतली फिल्मों का उपयोग करके थर्मोइलेक्ट्रिक ऊर्जा हार्वेस्टर का विकास [सीआरजी/2022/005474] नामक शोध परियोजना के लिए डीएसटी द्वारा 2023-2026 तक 3 वर्ष की अवधि के लिए सह-पीआई के रूप में 32,00,000 रुपये मंजूर किए गए हैं।

आयोजित संगोष्ठियां

दिल्ली विश्वविद्यालय के वनस्पति-विज्ञान विभाग के प्रमुख प्रोफेसर दीनबंधु साहू ने 30 अप्रैल, 2024 को पर्यावरण, विकास और खुशी पर एक व्याख्यान दिया।

दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत के वनस्पति-विज्ञान विभाग की प्रोफेसर रूपम कपूर ने 01 मार्च, 2025 को बोट्रीटिस सिनेरिया में विषाणु कारकों को समझना: एग्रोबैक्टीरियम ट्यूमेफेशियंस-मध्यस्थ परिवर्तन की शक्ति पर एक व्याख्यान दिया।

प्रो. के.सी. बंसल, जी.जे., विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार, भारत ने 01 मार्च, 2025 को जीनोम एडिटिंग: 21वीं सदी की एक परिवर्तनकारी तकनीक पर एक व्याख्यान दिया।

जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली के भौतिक-विज्ञान संकाय के प्रोफेसर मनीष कुमार ने 24 मार्च, 2025 को पेरोव्स्काइट सौर सेल: चुनौतियां और भविष्य के पहलू पर एक व्याख्यान दिया।

सीआईसी की प्रोफेसर सोभा भागी ने 24 मार्च, 2025 को अनुसंधान पद्धति पर एक व्याख्यान दिया।

आयोजित सम्मेलन

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

मृदा संदूषण अनुसंधान के लिए भारतीय नेटवर्क का 8वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएनएससीआर-2024) और सिलिएट बायोलॉजी पर 4वां अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, मृदा संदूषण अनुसंधान के लिए भारतीय नेटवर्क (आईएनएससीआर), आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय और फिक्सजेन द्वारा संयुक्त रूप से दिल्ली विश्वविद्यालय, सिम्बायोसिस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, देवभूमि उत्तराखंड विश्वविद्यालय और जामिया मिलिया इस्लामिया के विभिन्न महाविद्यालयों के सहयोग से 03-05 अप्रैल, 2024 तक सम्मेलन केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत में आयोजित किया गया था और भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी-आईयूएमएस, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया।

15-17 नवंबर, 2024 तक कॉन्फ्रेंस सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत में आणविक एंडोक्रिनोलॉजी और प्रजनन विभाग और दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राणी-विज्ञान विभाग के सहयोग से प्रजनन विज्ञान और आणविक चिकित्सा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: चिकित्सा विज्ञान और प्रौद्योगिकियों में नवाचार (आईसीआरएसएमएम 2024) और प्रजनन जीव-विज्ञान और तुलनात्मक एंडोक्रिनोलॉजी सोसाइटी (एसआरबीसीई) की 41वीं वार्षिक बैठक का सह-आयोजन किया।

डीबीटी स्टार महाविद्यालय स्कीम और आईक्यूएसी के तत्वावधान में आईएसओसीबी और आईएनएससीआर के सहयोग से सिलिएट जीव-विज्ञान और अंतःविषय अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (आईएससीबी 2025) नामक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह सम्मेलन पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी), भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (जेडएसआई), इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ प्रोटिस्टोलॉजी (आईएसओपी), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), अंतर्राष्ट्रीय जैविक विज्ञान संघ (आईयूबी.ए.स), वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस) द्वारा आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत में 5-7 फरवरी, 2025 तक प्रायोजित था।

कार्यशालाएं

02 अप्रैल, 2024 को फेडरेशन ऑफ यूरोपियन माइक्रोबायोलॉजिकल सोसाइटीज (एफईएमएस) और इंडियन नेटवर्क फॉर सॉइल कंटैमिनेशन रिसर्च (आईएनएससीआर) के सहयोग से वैज्ञानिक लेखन और संचार की कला पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

02 अप्रैल, 2024 को इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर माइक्रोबियल इकोलॉजी (आईएसएमई) और इंडियन नेटवर्क फॉर सॉइल कंटैमिनेशन रिसर्च (आईएनएससीआर) के सहयोग से माइक्रोबियल इकोलॉजी में जीनोमिक्स, मेटाजीनोमिक्स और बायोइनफॉरमैटिक्स पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएम-टीटीपी) के अंतर्गत एनईपी 2020 अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन यूजीसी-एमएमटीटीसी (जीएडी-एमएमटीटीसी), श्री गुरु तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 04-14 जून, 2024 तक किया गया।

आईआईटी दिल्ली की पीएमआर फेलो सुश्री विशाली पठानिया और सुश्री शुभांगी मजूमदार ने 21-22 सितंबर, 2024 को प्रकाश का जादू: यूवी-दृश्यमान, स्थिर अवस्था और समय-समाधानित प्रतिदीप्ति स्पेक्ट्रोस्कोपी पर कार्यशाला पर 6 घंटे की कार्यशाला का आयोजन किया।

आईआईटी दिल्ली के पीएमआर फेलो श्री राजू सेन और श्री अभिजीत सिंह ने 29 सितंबर से 5 अक्तूबर, 2024 तक 'जीसी और एचपीएलसी' पर 6 घंटे की कार्यशाला का आयोजन किया।

आईआईटी दिल्ली के पीएमआर फेलो श्री अंकित राय ने 17 अक्तूबर, 2024 को अकार्बनिक ठोसों की अभिलक्षणन तकनीक, भाग-1 पर कार्यशाला का आयोजन किया।

आईआईटी दिल्ली के पीएमआर फेलो श्री अंकित राय ने 24 अक्तूबर, 2024 को अकार्बनिक ठोसों की अभिलक्षणन तकनीक, भाग-2 पर कार्यशाला का आयोजन किया।

पर्यावरणविद् और सौंदर्य उत्पाद कंपनी IARI, नई दिल्ली की संस्थापक श्रीमती रंजू मिन्हास ने 11 नवंबर, 2024 को स्नातक छात्रों के लिए "त्वचा देखभाल उत्पादों का प्राकृतिक तरीका" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

आईआईटी दिल्ली के पीएमआर फेलो श्री अंकित राय ने 14 नवंबर, 2024 को पाउडर एक्स-रे विवर्तन के मूल सिद्धांतों की खोज पर एक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया।

03 फरवरी, 2025 को इंडियन सोसाइटी ऑफ सिलिएट बायोलॉजी (आईएसओसीबी) से संबद्ध भारतीय मृदा संदूषण अनुसंधान नेटवर्क (आईएनएससीआर) और इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ प्रोटिस्टोलॉजिस्ट (आईएसओपी) के सहयोग से सिलिएट बायोलॉजी और अंतःविषय अनुसंधान 2025 पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में पूर्व-संगोष्ठी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

12-13 फरवरी, 2025 को VLAB@ANDC के सहयोग से आईक्यूएसी

के तत्वावधान में बूटकैंप 3.1 **V** लैब डेवलपमेंट का आयोजन किया गया।

जब वी मेट: थर्मो एंड क्वांटम नामक कार्यशाला का आयोजन किया गया, थर्मोडायनामिक्स और क्वांटम अवधारणाओं पर एक प्रयोगशाला-आधारित प्रायोगिक भौतिकी कार्यशाला का आयोजन 24 फरवरी, 2025 को आईएपीटी आरसी 1 और बीवीएन-आईएपीटी अन्वेषिका के सहयोग से एसपीआईई छात्र अध्याय द्वारा किया गया।

आईआईटी दिल्ली के पीएमआर फेलो श्री विकास तिवारी और श्री दक्ष सिंह दावास ने 16 से 23 फरवरी, 2025 तक कम्प्यूटेशनल केमिस्ट्री, बायोलॉजी और मशीन लर्निंग पर 6 घंटे की कार्यशाला का आयोजन किया।

25 फरवरी से 4 मार्च, 2025 तक यूजीसी-एमएमटीटीसी, एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से आणविक जीव-विज्ञान तकनीकों पर राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग द्वारा यूजीसी-एमएमटीटीसी/जीएडी-एमएमटीटीसी, एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और उद्योग भागीदार ज़ेट्रेंस के सहयोग से 25 फरवरी, 2025 से 4 मार्च, 2025 तक एक सप्ताह का राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम, एआई एडवेंटेज: शेपिंग एजुकेटर्स विद स्मार्टर एआई टीचिंग स्किल्स का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

06 दिसंबर, 2021 को ऑबर्न यूनिवर्सिटी ऑफ़ मोंटगोमरी, अलबामा, अमेरिका (अंतर्राष्ट्रीय) के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। जैव-चिकित्सा विज्ञान विभाग की प्रो. उर्मि बाजपेयी समन्वयक के रूप में कार्यरत रहीं। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, (1) विभिन्न कार्यक्रमों में अकादमिक

अभिव्यक्ति समझौतों के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय क्रेडिट हस्तांतरण और प्रगति व्यवस्थाएँ स्थापित हुईं, जिससे छात्रों की निर्बाध गतिशीलता और पाठ्यक्रम की मान्यता को बढ़ावा मिला, और (2) शोध और अकादमिक सामग्री का आदान-प्रदान, सहयोगी शोध परियोजनाएँ, संकाय विशेषज्ञता साझाकरण, ई-लर्निंग मॉड्यूल का विकास और दूरस्थ शिक्षा के अनुप्रयोग जैसी पहलों को अकादमिक जुड़ाव और वैश्विक शिक्षण अवसरों को बढ़ाने के लिए शुरू किया गया।

05 नवंबर, 2018 को इंटरनेशनल बैक्टीरियोफेज रिसर्च कंसोर्टियम (आईबीआरसी) की स्थापना और सहयोगात्मक अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए ओपन हेल्थ सिस्टम लेबोरेटरी (ओएचएसएल), USA के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। जैव-चिकित्सा विज्ञान विभाग की प्रो. उर्मि बाजपेयी ने समन्वयक के रूप में कार्य किया। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, (क) ANDC में दवा खोज प्रयोगशाला और हरियाणा के झज्जर में OHSL के आगामी अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान केंद्र में अनुसंधान के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए वित्त-पोषण प्रस्तावों को विकसित करने के लिए संयुक्त प्रयास शुरू किए गए, और (ख) सहयोगात्मक शैक्षणिक गतिविधियाँ शुरू की गईं, जिसमें महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, SBRT, OSPF और KHERN के सहयोग से "क्लिनिकल अनुप्रयोगों के लिए बैक्टीरियोफेज के जीनोम विश्लेषण" पर एक ऑनलाइन कार्यशाला, साथ ही फेज थेरेपी के बारे में जागरूकता और नैदानिक उपयोग को बढ़ावा देने के लिए विश्व एंटीबायोटिक जागरूकता सप्ताह 2023 में मनाया गया।

04 सितंबर, 2021 को विज्ञान-सेतु कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान (एनआईआई) के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय की प्रो. सीमा मखीजा और डॉ. अर्चना पांडे समन्वयक रहीं। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, (क) एनआईआई में स्नातक जीव-विज्ञान शिक्षा को उन्नत अनुसंधान से जोड़ने के लिए एक एकीकृत कार्यक्रम शुरू किया गया, जिसमें छात्र और शिक्षक इंटर्नशिप, विज्ञान परियोजनाओं के लिए मार्गदर्शन और अत्याधुनिक वैज्ञानिक पद्धतियों से परिचय शामिल है, और (ख) वैज्ञानिक जिज्ञासा को पोषित करने और छात्रों को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में करियर के लिए मार्गदर्शन देने हेतु व्याख्यान, प्रयोगशाला अभ्यास, चर्चा और करियर मार्गदर्शन सत्र जैसी गतिविधियों की एक श्रृंखला शुरू की गई–जो ऑनलाइन और ऑन-साइट दोनों माध्यमों से आयोजित की गईं।

विज्ञान-सेतु कार्यक्रम के अंतर्गत 05 अगस्त, 2020 को ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (टीएचएसटीआई) के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। प्रो. उर्मि बाजपेयी, डॉ. अनुपमा शुक्ला, प्रो. सीमा मखीजा, डॉ. सतेंद्र सिंह, डॉ. सुमित साहनी और डॉ. राहुल देव समन्वयक के रूप में कार्यरत थे। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, (क) टीएचएसटीआई के वैज्ञानिकों के लिए आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय के स्नातक छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ शोध-केंद्रित संवादों के माध्यम से जुड़ने हेतु एक सुव्यवस्थित मंच की स्थापना हुई, और (ख) नवोदित जीवन विज्ञान के छात्रों में ट्रांसलेशनल स्वास्थ्य विज्ञान में रुचि बढ़ाने के लिए शोध प्रस्तुतियाँ, मार्गदर्शन और चर्चा जैसी शैक्षणिक संवर्धन गतिविधियाँ शुरू की गईं। इस समझौता-ज्ञापन को 2026 तक तीन वर्षों की अवधि के लिए नवीनीकृत किया गया है।

शिक्षा मंत्रालय की वर्चुअल लैब्स पहल (एनएमईआईसीटी) के तहत आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय में वर्चुअल लैब्स के निर्माण के लिए 13 सितंबर, 2021 को आईआईटी दिल्ली के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। प्रो. सीमा मखीजा, डॉ. सुमित साहनी, प्रो. शरणजीत कौर, डॉ. पूजा भगत और डॉ. विनीत कुमार सिंह ने समन्वयक के रूप में कार्य किया। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, (क) आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय का पहला संस्थान बन गया जिसने वी-लैब@एएनडीसी लॉन्च किया, जो स्नातक विज्ञान के छात्रों के लिए प्रयोगशाला प्रयोगों तक दूरस्थ पहुँच प्रदान करने वाला एक वर्चुअल प्लेटफॉर्म है, और (ख) एनईपी 2020 के साथ संरेखित भविष्य के लिए तैयार ई-सामग्री और सिमुलेशन की एक श्रृंखला विकसित की गई और चार डोमेन- जैविक, रासायनिक, भौतिक और इलेक्ट्रॉनिक्स विज्ञान- में होस्ट की गई, जिसमें सात विभाग शामिल हैं,

9 सितंबर, 2021 को दिल्ली विश्वविद्यालय के मुक्त शिक्षा विद्यालय के उद्यमिता प्रकोष्ठ के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। प्रो. संदीप कुमार गोयल समन्वयक के रूप में कार्यरत थे। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, (क) यूजीसी के राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचे के अंतर्गत उद्यमिता और स्टार्टअप्स में छह महीने का एक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शुरू किया गया, जो 10+2 उत्तीर्ण छात्रों के लिए खुला है, और (ख) एएनडीसी के संभावित उद्यमियों को विभिन्न केंद्रीय और राज्य सरकार की उद्यमिता योजनाओं तक पहुँचने के लिए समर्पित सहायता प्रदान की गई।

6 अगस्त, 2010 को आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय) और SPIE, प्रकाशिकी और फोटोनिक्स के लिए अंतरराष्ट्रीय समाज के बीच एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। भौतिकी विभाग के प्रो अमित गर्ग ने समन्वयक के रूप में कार्य किया। इस सहयोग के परिणामस्वरूप: (क) छात्र-नेतृत्व वाली तकनीकी और आउटरीच परियोजनाओं की एक श्रृंखला शुरू की गई थी, जिसमें स्मार्ट माइक्रो-सिंचाई प्रणाली, STEM शिक्षा में AR/VR अनुप्रयोग और लेजर-आधारित सुरक्षा प्रणालियों पर केंद्रित परियोजनाएं शामिल थीं, जिनमें से कई परियोजनाएं राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत की गईं और प्रकाशित कार्य के लिए निर्धारित की गईं; (ख) एक अकादमिक संवर्धन कार्यक्रम शुरू किया गया, जिससे छात्रों को विशेष कार्यशालाओं (जैसे, 3 डी प्रिंटिंग, IoT, मशीन लर्निंग) और संस्थागत दौरों (जैसे, IUAC, राष्ट्रपति भवन संग्रहालय) में भाग लेने में सक्षम बनाया गया।

30 जनवरी, 2018 को फिक्सजेन प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। प्रो. रवि टोटेजा और प्रो. सीमा मखीजा इस सहयोग के समन्वयक थे। इस साझेदारी के परिणामस्वरूप, (क) जैव सूचना विज्ञान कौशल को उन्नत करने और उनके ज़िम्मेदार वैश्विक अनुप्रयोग पर केंद्रित संयुक्त अनुसंधान गतिविधियाँ संचालित की जाएँगी, और (ख) जीनोमिक्स, ट्रांसक्रिप्टोमिक्स और प्रोटिओमिक्स में अगली पीढ़ी की अनुक्रमण परियोजनाओं के लिए सहायता सहित तकनीकी सेवाएँ, उन शुरुआती लोगों को प्रदान की जाएँगी जो अपनी परियोजनाओं में चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, (ग) जैव सूचना विज्ञान और संबंधित क्षेत्रों में स्नातकों, स्नातकोत्तरों और कॉर्पोरेट पेशेवरों के लिए ऑनसाइट और ऑनलाइन दोनों तरह से प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए जाएँगे।

29 अगस्त, 2023 को सिंगापुर स्थित संस्था टीएसडी कंसल्टिंग के साथ एएनडीसी-इनस्टार्ट फाउंडेशन टीएसडी एससीआईआई हब की स्थापना के लिए एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय (एएनडीसी) इनस्टार्ट फाउंडेशन (एआईएफ), एएनडीसी द्वारा होस्ट और प्रवर्तित एक बिजनेस इनक्यूबेटर, ने सहयोग का समन्वय किया। इस साझेदारी के परिणामस्वरूप, (क) उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) स्थापित किए जाएंगे, जिनमें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आजीवन शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास केंद्र (एलएलएल) और उद्यमिता, स्टार्टअप, उद्यम और निवेश केंद्र (ईएसवीआई) शामिल हैं। ये केंद्र विभिन्न सेवाएं प्रदान करेंगे जैसे अंतर्राष्ट्रीय विजिटिंग प्रोफेसर, उद्योग जगत के नेताओं के साथ कैंपस वार्ता, उद्यमिता फाउंडेशन मॉड्यूल, एक्सचेंज प्रोग्राम, इंटर्नशिप (ख) इसके अतिरिक्त, एआईएफ ने टीएसडी एससीआईआई हब का विस्तार करने और इनक्यूबेशन के लिए संसाधनों को साझा करने के लिए जगन्नाथ इंटरनेशनल मैनेजमेंट स्कूल (जेआईएमएस), कालकाजी और भगिनी निवेदिता महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ दो त्रिपक्षीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। (ग) साझेदार संस्थानों के 700 से अधिक छात्रों को समझौता-ज्ञापनों के तहत आयोजित संवेदीकरण सत्रों के माध्यम से कैरियर पथ के रूप में उद्यमिता के बारे में जागरूक किया गया है।

4 अगस्त, 2023 को जगन्नाथ इंटरनेशनल मैनेजमेंट स्कूल (JIMS), कालकाजी के साथ "JIMS ANDC इनस्टार्ट बिजनेस इनक्यूबेटर" की स्थापना के लिए एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जो आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय इनस्टार्ट फाउंडेशन (AIF) द्वारा प्रबंधित और संचालित एक संयुक्त इनक्यूबेशन सुविधा है। इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रो. अमित गर्ग ने समन्वयक के रूप में कार्य किया। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, (क) AIF ने अपने सह-कार्यशील स्थान का 15 सीटों तक विस्तार किया और अपने इनक्यूबेटेड स्टार्टअप्स को JIMS, कालकाजी के संस्थागत बुनियादी ढांचे तक पहुँच प्रदान की, जिसमें मीटिंग रूम, एक ऑडिटोरियम और कॉन्फ्रेंस रूम शामिल हैं। (ख) इसके अतिरिक्त, AIF ने JIMS, कालकाजी के छात्रों को इनक्यूबेशन सुविधाएँ प्रदान कीं। (घ) इस वर्ष, जेआईएमएस, कालकाजी के साथ समझौता-ज्ञापन की अवधि को अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ा दिया गया था। (ङ) एआईएफ वर्तमान में एडटेक, जैव प्रौद्योगिकी, गेमिंग, मीडिया, उपभोक्ता वस्तुओं, कृषि, खुदरा, ई-कॉमर्स और आईटी जैसे क्षेत्रों में 19 इनक्यूबेट और 7 प्री-इनक्यूबेट को समर्थन देता है, और अपनी ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया के हिस्से के रूप में अपने इनक्यूबेट और प्री-इनक्यूबेट के साथ इनक्यूबेशन समझौते करता है।

सितंबर 2022 में ब्रेकथ्रू ट्रस्ट के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिसका उद्देश्य महाविद्यालय के छात्रों में यौन उत्पीड़न, लैंगिक आधारित हिंसा, लैंगिक समानता और संबंधित अधिकारों व कानूनों से संबंधित मुद्दों के प्रति संवेदनशीलता और क्षमता निर्माण के उद्देश्य से एक सहकारी गठबंधन बनाना है। इस सहयोग का समन्वय सशक्त (महिला सशक्तिकरण समिति), एएनडीसी द्वारा किया गया। इस साझेदारी के परिणामस्वरूप, इन महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता कार्यक्रम और कार्यशालाएँ आयोजित की जाएँगी, जिससे लैंगिक संबंधी चुनौतियों और कानूनी ढाँचों की गहरी समझ विकसित होगी।

अन्य सहयोग

09 जनवरी, 2020 को एएनडीसी इनस्टार्ट फाउंडेशन और मर्जरडेमो के बीच समझौता-ज्ञापन।

04 अगस्त, 2023 को एएनडीसी इनस्टार्ट फाउंडेशन और टीएसडी कंसल्टिंग एलएलपी और जगन्नाथ इंटरनेशनल मैनेजमेंट स्कूल के बीच त्रिपक्षीय समझौता-ज्ञापन।

29 अगस्त, 2023 को एएनडीसी इनस्टार्ट फाउंडेशन और टीएसडी कंसल्टिंग एलएलपी और भगिनी निवेदिता महाविद्यालय के बीच त्रि-देशीय समझौता-ज्ञापन।

03 जनवरी, 2024 को एएनडीसी इनस्टार्ट फाउंडेशन और महाराजा अग्रसेन इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन फाउंडेशन के बीच समझौता-ज्ञापन।

14 फरवरी, 2025 को एएनडीसी इनस्टार्ट फाउंडेशन और समर्थ भारत के बीच समझौता-ज्ञापन।

22 फरवरी, 2025 को एएनडीसी इनस्टार्ट फाउंडेशन और जीके कंसल्टिंग के बीच समझौता-ज्ञापन।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

42 नियुक्त और 37 इंटर्नशिप

कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या: 08

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

24 जनवरी, 2025 को ग्रामीण आउटरीच कार्यक्रम BIAR पहल: एक स्कूल आउटरीच कार्यक्रम का सह-आयोजन किया गया।

स्वतंत्रता दिवस शिविर (आईडीसी 2024): युवा मामले और खेल मंत्रालय तथा रक्षा मंत्रालय के तहत व्यापक प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद, एनएसएस एएनडीसी के स्वयंसेवकों ने लाल किले में स्वतंत्रता दिवस समारोह में सक्रिय रूप से भाग लिया।

राष्ट्रीय साहसिक शिविर: इस पहल का उद्देश्य स्वयंसेवकों के बीच टीमवर्क, लचीलापन और नेतृत्व को बढ़ावा देना है।

सहयोग: दिवाली मेला तिथि: वंचित समुदायों को सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से, एनएसएस एएनडीसी इकाई ने सहयोग: दिवाली मेला नामक एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें सात गैर सरकारी संगठनों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय एकता शिविर - आईजीयू, रेवाड़ी तिथियां: 21-27 अक्तूबर, 2024: यह शिविर विभिन्न राज्यों के स्वयंसेवकों के बीच एकता और सामाजिक सामंजस्य को बढ़ावा देने में सहायक था।

सात दिवसीय विशेष शिविर की तिथियां: 22-28 मार्च, 2025: शिविर का उद्देश्य व्यापक कार्यशालाओं के माध्यम से स्वयंसेवकों के व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास को बढ़ाना है।

निःशुल्क शिक्षा कार्यक्रम - "प्रोजेक्ट विदिप्सा: इंटेलिजेंसिया" कार्यान्वयन: वर्ष भर जारी। एनएसएस स्वयंसेवकों ने गोविंदपुरी की झुग्गियों और आसपास के इलाकों के वंचित बच्चों को शिक्षित करने के लिए अपना प्रयास समर्पित किया।

इको-क्लब ने 30 अगस्त, 2024 को तुगलकाबाद जैव विविधता पार्क, एक पेड़ माँ के नाम पर वृक्षारोपण अभियान चलाया।

छात्रों ने 24 अक्तूबर, 2024 से 25 नवंबर, 2024 तक जल संसाधन प्रबंधन में कौशल विकास और उद्यमिता पर एक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम आयोजित किया।

महाविद्यालय की आईआईटी, दिल्ली में AIESEC के साथ प्रमोशनल साझेदारी है।

उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत थैलेसीमिया जागरूकता अभियान, मतदान जागरूकता सप्ताह, अमृत परियोजना: स्वच्छ जल, स्वच्छ मन सहित विभिन्न गतिविधियाँ

पुस्तकालय विकास

हमारे पुस्तकालय में वर्तमान में 35,438 पुस्तकों के साथ-साथ 18 पत्रिकाएँ और जर्नल हैं। पिछले वर्ष के दौरान, हमने अपनी अलमारियों में 589 नई पुस्तकें जोड़ीं। हमने दिल्ली विश्वविद्यालय ई-पुस्तकालय सिस्टम और एन-लिस्ट के लिए लॉगिन क्रेडेंशियल बनाकर अपने डिजिटल संसाधनों का विस्तार किया है, जो छात्रों और संकाय सदस्यों के अनुरोध पर उपलब्ध हैं। 17-18 अक्तूबर 2024 को, हमने अपनी वार्षिक पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया, जिसमें प्रेंटिस हॉल ऑफ इंडिया, यूनीलिब बुक डिस्ट्रीब्यूटर्स, एशियन बुक सेंटर, पियर्सन एजुकेशन, एस. चांद एंड कंपनी, सीबी.ए.स बुक्स, डीएसआर पब्लिकेशन्स, मोनिका बुक्स, उपकार पब्लिकेशन्स, टेक्नीज़ बुक्स इंटरनेशनल और टैक्समैन पब्लिकेशन्स सहित प्रतिष्ठित प्रकाशकों और पुस्तक विक्रेताओं ने भाग लिया। व्यावसायिक विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता हमारे इंटर्नशिप कार्यक्रम के माध्यम से जारी है, जिसने हाल ही में 27 जनवरी से 7 मार्च, 2025 तक मुक्त शिक्षा विद्यालय के बैचलर प्रोग्राम के पुस्तकालय और सूचना विज्ञान के छात्रों की मेजबानी की।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक:	41
सह-प्राचार्य:	26
सहायक प्रोफेसर:	1
तदर्थ:	36
अतिथि	51
उपयोगित निधियां (₹ करोड़ में)	**48**
आवंटित निधियां (₹ करोड़ में)	**48**

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

महाविद्यालय आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करता है।

महाविद्यालय ने **ELITE** जैसी छात्रवृत्तियाँ प्रदान करके युवा मस्तिष्कों को शोध के लिए प्रेरित किया है

महाविद्यालय ने कौशल विकास पाठ्यक्रमों के लिए बुनियादी ढाँचा तैयार कर लिया है। माननीय कुलपति प्रो. योगेंद्र सिंह ने 29 अगस्त, 2024 को इन सुविधाओं का दौरा किया।

महाविद्यालय रेशम उत्पादन कौशल एवं अनुसंधान केंद्र का नोडल केंद्र है।

इस वर्ष छह संकाय सदस्यों को प्रोफेसर ग्रेड में पदोन्नत किया गया है।

महाविद्यालय ने अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए डीबीटी स्टार स्टेटस परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया है, महाविद्यालय ने अनुसंधान कोष नाम से एक कॉर्पस फंड बनाया है

****

अदिति महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

अदिति महाविद्यालय ने शैक्षिक उत्कृष्टता, सामुदायिक जुड़ाव और सामाजिक नवाचार के शक्तिशाली मिश्रण के माध्यम से एनईपी 2020 के विजन को प्रभावी कार्रवाई में सक्रिय रूप से कार्यान्वित किया है, जैसे कि जियो-फेस्ट और एआई, डिजिटल मार्केटिंग और डिजिटल संचार पर सत्र: एनईपी का अभिनव पहलू, नौकरी की तत्परता, इंटर्नशिप ड्राइव और निवेशक जागरूकता ने अंतःविषय सीखने को बढ़ावा दिया, रोजगार क्षमता और उद्योग संरेखित कौशल को बढ़ावा दिया। हमारा प्रमुख आकर्षण प्रोफेसर माइकल लिन (ताइवान विश्वविद्यालय) का अंतर्राष्ट्रीय भाषण था, जिसमें छात्रों को वैश्विक प्रदर्शन की पेशकश की गई थी। हमारे इको-क्लब ने एसडीजी-संरेखित पहलों का नेतृत्व किया, जबकि ग्रीन, जेंडर और डिसेबिलिटी ऑडिट ने हितधारकों की जरूरतों के लिए समावेशिता और जवाबदेही सुनिश्चित की। हमने डीएलएसए के सहयोग से पूरी तरह से परिचालित कानूनी सहायता क्लिनिक के माध्यम से साप्ताहिक कानूनी जागरूकता सत्रों को बढ़ावा दिया। एनएसएस, एनसीसी, खेलकूद, बी.एल.एड. स्कूल इंटर्नशिप और सामाजिक कार्य समुदाय से जुड़े अनुभवों ने समग्र विकास को मज़बूत किया। एनईपी सारथी सुश्री संस्कृति को हमारे विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्रदान की गई। अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान समुदाय संघ द्वारा 8 और 9 दिसंबर, 2024 को आयोजित प्रथम सर्वोत्तम अभ्यास सम्मेलन में हमें दूसरा संस्थागत सर्वोत्तम अभ्यास पुरस्कार "ग्रीन जेनेसिस - कल्टिवेटिंग सस्टेनेबल फ्यूचर्स" प्रदान किया गया।

शिक्षण और शिक्षणेत्तर कार्मिकों के सम्मान/विभूतियाँ

प्रोफेसर ममता शर्मा, प्राचार्य को निम्नलिखित सम्मान/विभूतियाँओं से सम्मानित किया गया है:

29-31 दिसंबर, 2024 को आयोजित विश्व शांति कांग्रेस में विश्व शांति शिक्षा एवं संवर्धन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इंदिरा गांधी प्रौद्योगिकी एवं आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय अरुणाचल प्रदेश, भारतीय विश्वविद्यालय परिसंघ, भारतीय पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण संस्थान, विश्व उच्च शिक्षा एवं विकास अकादमी जीपीएफ-इंडिया, राष्ट्रीय स्वच्छता शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान तथा विश्व शांति के लिए शिक्षकों का अंतर्राष्ट्रीय संघ - संयुक्त राष्ट्र ईसीओएसओसी, डीपीआई की शासी परिषद द्वारा 21 नवंबर, 2024 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित इकोफिलॉसफी शिखर सम्मेलन एवं 34वें विश्व पर्यावरण कांग्रेस के अंतर्राष्ट्रीय सम्मान समारोह में पारिस्थितिक शिक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

25 अक्तूबर, 2024 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित भारत-इक्वाडोर मैत्री शिखर सम्मेलन 2024 में इक्वाडोर के राजदूत महामहिम श्री फर्नाडो बुचेली द्वारा सम्मान प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया।

10 अक्तूबर, 2024 को विश्व उच्च शिक्षा एवं विकास अकादमी, जीपीएफ-इंडिया, भारतीय विश्वविद्यालय परिसंघ (सीआईयू), भारतीय पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण संस्थान, राष्ट्रीय स्वच्छता शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईसीईआर) और संयुक्त राष्ट्र से संबद्ध विश्व शांति के लिए शिक्षकों के अंतर्राष्ट्रीय संघ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रम 'विकसित भारत@2047' के लिए वरिष्ठ राजदूत का सम्मान प्राप्त हुआ: ईसीओएसओसी, डीपीआई

29 अगस्त, 2024 को वर्ष 2023-24 के लिए प्रोजेक्ट कौशल में नवज्योति फाउंडेशन की ओर से डॉ. किरण बेदी द्वारा मान्यता प्रमाणपत्र ।

15 जुलाई, 2024 को विश्व युवा कौशल दिवस समारोह 2024 के अवसर पर उत्कृष्ट योगदान के लिए विश्व उच्च शिक्षा एवं विकास अकादमी, भारतीय पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण संस्थान, अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक संघ और राष्ट्रीय कौशल संस्थान द्वारा इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में राष्ट्रीय अभिनव कौशल प्रशिक्षण पहल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

28 मई, 2024 को गुणवत्ता शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. कलाम इंटरनेशनल फाउंडेशन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता शिक्षा संघ (श्रीलंका) के सहयोग से ग्लोबल फेमिना एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित। 2023-24। **AW.** इनकॉर्पोरेटेड सुधाकर पुरस्कार.pdf

अदिति महाविद्यालय के छात्रों की रोज़गार क्षमता बढ़ाने में योगदान के लिए फिन एक्स, एनएसडीसी बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज द्वारा प्रशंसा प्रमाणपत्र । 2023-24। एडब्ल्यू इनकॉर्पोरेटेड फिन एक्स बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज

I2OR इंडिया 2023-24 के साथ प्रमाणित अंतर्राष्ट्रीय मेंटर। AW इनकॉर्पोरेटेड पब्लिकेशंस 4-28.pdf

ग्रीन थिंकरज़, भारत और अंतर्राष्ट्रीय संगठित अनुसंधान संस्थान (**I2**OR), भारत द्वारा आयोजित सतत विकास 2024 (IRSD 2024) के लिए अंतःविषय अनुसंधान पर 13वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान IRSD प्रतिष्ठित शिक्षक पुरस्कार 2024 से सम्मानित; जामिया हमदर्द, नई दिल्ली, भारत; आईआईटी

बॉम्बे स्पोकन ट्यूटोरियल, भारत; सेंटर फॉर मॉडर्न कंस्ट्रक्शन, वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया; एल्सेवियर मेंडली और द इंटेलिजेंट इंडियन के सहयोग से 30 मई, 2024 को जामिया हमदर्द, नई दिल्ली, भारत में। 2023-24 AW NED 2023-19_19.pdf।

उच्च शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्ट योगदान के लिए, प्रो. नीलम राठी, डॉ. पुनीता गुप्ता और डॉ. माली देवी सांवरिया के साथ विकसित भारत @2047 के लिए राजदूत के रूप में सम्मानित किया गया, 05 अक्तूबर, 2024 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित विश्व शिक्षक दिवस समारोह के अवसर पर, विश्व उच्च शिक्षा और विकास अकादमी (W-AHEAD) द्वारा प्रदान किया गया।

विभूतियाँ प्राप्त छात्र

बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) की छात्रा सपना ने 10वीं राष्ट्रीय योग खेल चैंपियनशिप सूरत-गुजरात, 20-23 मार्च, 2025 में कांस्य पदक जीता।

बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) की छात्रा मनीषा ने 10वीं राष्ट्रीय योग खेल चैंपियनशिप सूरत-गुजरात, 20-23 मार्च, 2025 में कांस्य पदक जीता।

बी.ए. (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सोनम यादव ने 10वीं राष्ट्रीय योग खेल चैंपियनशिप सूरत-गुजरात, 20-23 मार्च, 2025 में कांस्य पदक जीता।

संध्या, छात्रा, बी.ए. (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) भागीदारी 10 राष्ट्रीय योग खेल चैंपियनशिप सूरत-गुजरात, 20-23 मार्च, 2025.

निशिगंधा मुद्गल, बी.ए. (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष), ने (64 किलोग्राम) भारोत्तोलन में रजत जीता- इंटर कॉलेजिएट रामानुजन महाविद्यालय, 21 नवंबर, 2024.

ऐश्वर्या, बी.ए. (कार्यक्रम). (द्वितीय वर्ष), (71 किग्रा) भारोत्तोलन में कांस्य पदक जीता- इंटर कॉलेजिएट रामानुजन महाविद्यालय, 21 नवंबर, 2024.

तानिया, बी.ए. (कार्यक्रम). (प्रथम वर्ष) ने (59 किग्रा) भारोत्तोलन में कांस्य पदक जीता - इंटर कॉलेजिएट रामानुजन महाविद्यालय, 21 नवंबर, 2024.

वंशिका जाखड़, बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी पत्रिका, (प्रथम वर्ष), ने 21-23 नवंबर, 2024 को बॉक्सिंग इंटर कॉलेजिएट दयाल सिंह महाविद्यालय में (65-70 किलोग्राम) में कांस्य पदक जीता।

वर्षा, बी.ए. (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष), ने कबड्डी में रजत जीता - जिला खेल मैदान जगतपुर दिल्ली - 110084, 24-25 नवंबर, 2024.

श्वेता, छात्रा बी.ए. (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष), ने कबड्डी में रजत पदक जीता - जिला खेल मैदान जगतपुर दिल्ली - 110084, 24-25 नवंबर, 2024.

रेणु तोमर, बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी पत्रिका (प्रथम वर्ष) ने कबड्डी में रजत जीता - जिला खेल मैदान जगतपुर दिल्ली - 110084 24-25 नवंबर, 2024.

सोनम मीना, बी.ई.एल. एड (प्रथम वर्ष), ने कबड्डी में रजत जीता - जिला खेल मैदान जगतपुर दिल्ली - 110084, 24-25 नवंबर, 2024.

बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) की छात्रा सपना ने 10वीं राष्ट्रीय योग खेल चैंपियनशिप सूरत-गुजरात, 20-23 मार्च, 2025 में कांस्य पदक जीता।

प्रकाशन

देसवाल, एन. (2025)। विकलांगों का सशक्तिकरण: डिजिटल समावेशन और सुगम्यता को अपनाना। ए. अनेजा और एन. वत्स (सं.), साहित्य और दृश्य कलाओं में विकलांगता अध्ययन को अग्रभूमि में रखना (पृष्ठ 14-23)। ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

लाकड़ा, पी. (2025). न्यूट्रास्युटिकल्स और फंक्शनल फ़ूड: प्रोत्साहक पोषण का मार्ग.

कौर, आर. (2024). मानव संसाधन प्रबंधन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता: परिवर्तनकारी प्रभाव और भविष्य की संभावनाएँ. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन, मॉडर्न मैनेजमेंट, एप्लाइड साइंस एंड सोशल साइंस, 6(03(**II**)), 89-98.

कौर, आर., खन्ना, पी. (2025). भारत का ई-कचरा प्रबंधन परिदृश्य: उभरते प्रतिमान, चुनौतियाँ और अवसर. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेशन एंड रिसर्च एनालिसिस, 5(1), 161-166

शर्मा, एम. (2025). स्नातकों के रोज़गार कौशल को विकासशील भारत के साथ जोड़ना: एक व्यापक विश्लेषण. फिजियोथेरेपी के उपाय, 54(3). **https://doi.org/**10.48047/15**grd**689

शर्मा, एम. (2025). उत्तर-मानव युग में जलवायु परिवर्तन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की जुड़वां सीमाएँ. फिजियोथेरेपी के उपाय, 54(3). **https://doi.org/**10.48047/**ty**7**pmx**50

शर्मा, एम. (2025). एनेंटिओमेरिकली शुद्ध बीटा अमीनो अल्कोहल के लिए 4-हाइड्रॉक्सी बेंजाइल अल्कोहल का सिंथेटिक अनुप्रयोग. जर्नल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च, 20(1).

जैन, ए., जैन, एस., और शर्मा, एम. (2025)। बाइट्स फॉर बाइट्स: नवीन तकनीकों के माध्यम से भारत में स्थायी आहार में क्रांतिकारी बदलाव। जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन एंड नॉलेज, 62(1), 41-46। **https://doi.org/**10.17821/**srels/**2025/**v**62**i**1/171645

ममता, एस. (2024). ट्रिप्टान और डाइहाइड्रोपाइरीडीन हेटरोसाइकल्स का विकास, संश्लेषण, लक्षण वर्णन और उनके अनुप्रयोग. डेर फार्मा केमिका, 16(5), 450-457.

ममता, एस. (2024). ऑक्साज़ोलिडीन और ऑक्साज़ोलिडीन-2-वन हेटरोसाइक्लिक यौगिकों का उनके प्रोड्रग अनुप्रयोग अध्ययन के लिए संश्लेषण। विज्ञान, प्रौद्योगिकी और विकास, 13(12), 27-42.

शर्मा, एम. (2024). पाइरिडो-पाइरिडाज़िनोन हेटरोसाइक्लिक डेरिवेटिव्स का संश्लेषण और बहुविध जैविक गतिविधियों के लिए उनकी एक साथ जाँच। हाई टेक्नोलॉजी लेटर्स, 30(12), 296-306. **https://doi.org/**10.37896/**HTL**30.12/11774

सिंह, जी., और शर्मा, एम. (2024). मानवोत्तर युग में एआई के प्रति एक नैतिक दृष्टिकोण। जर्नल ऑफ इन्फॉर्मेशन एंड नॉलेज, 61(5), 271-278. **https://doi.org/**10.17821/**srels/**2024/**v**61**i**5/171588

राजपूत, एन., शर्मा, एम., गर्ग, वी., और ओसवाल, जे. (2024, 9 मई)। पर्यावरणीय पदचिह्न कंप्यूटिंग के लिए एकीकृत दृष्टिकोण: बहुआयामी स्थिरता रणनीतियों की एक व्यवस्थित समीक्षा। 2024 अंतर्राष्ट्रीय संचार, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग सम्मेलन **(**IC**3**SE) में। **doi:**10.1109/**ic**3**se**62002.2024.10593232

राजपूत, एन., शर्मा, एम., गर्ग, वी., और ज्योत्सना। (2024, 4 जुलाई)। पर्यावरणीय, सामाजिक और शासन प्रथाओं में पैटर्न और समूहों की खोज: एक मानचित्रण और क्लस्टरिंग विश्लेषण। 2024 में एआई के बदलते परिदृश्य में सतत कंप्यूटिंग और एकीकृत संचार पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएससीएआई), 1-6 में। **doi:**10.1109/**icscai**61790.2024.10866773

जैन, एस., शर्मा, एम., और गुलाटी, बी. (2025)। उच्च शिक्षा में विभिन्न शिक्षण विधियों के प्रति स्नातक स्तर के शिक्षार्थियों की तैयारी और प्राथमिकताओं पर एक खोजपूर्ण अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ होम साइंस, 11(1), 415-421। **doi:**10.22271/23957476.2025.**v**11.**i**1**f.**1803

वर्मा, ए. (2024). भारतीय कक्षाओं में सीखने, साक्षरता और जीवन कौशल (21वीं सदी के कौशल के लिए रूपरेखा, सीबी.ए.सई) विकसित करने का नया शैक्षणिक दृष्टिकोण। इनोवेटिव थॉट्स इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल, 11(1), 110-138.

पुस्तकें

लोमेश, म. (2024). बदलते दौर में मीडिया सिद्धान्त और व्यवहार. के एल पचौरी पब्लिकेशंस. **ISBN** 978-81-961375-5-7.

कौर, आर. (2024). एक हरित भविष्य के लिए मानव संसाधन, विपणन और वित्त का एकीकरण: स्थायी व्यवसाय खाका। एस.के. गोयल और वाई. वर्मा (सं.), *विकसित भारत@2047 - वाणिज्य, प्रबंधन और प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी भूमिका* (प्रथम संस्करण, पृष्ठ 37-52)। एमजीएम पब्लिशिंग हाउस। **https://doi.org/**10.62823/MGM/2024/978-81-974-428-0-3

रेजी, बी.ए., और खन्ना, पी. (2025)। समुदायों का सशक्तिकरण: छात्र आउटरीच और इंटर्नशिप के माध्यम से सामुदायिक विकास। एने पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स एलएलपी, 195-210।

अनीश, टीवी (2024). विकास-प्रेरित विस्थापन और पुनर्वास (डीआईडीआर): सामाजिक कार्य के दृष्टिकोण। ए. कौशिक (सं.), *सामाजिक कार्य अभ्यास के क्षेत्र: सामाजिक कार्य के छात्रों के लिए एक आवश्यक पाठ्यपुस्तक* (पृष्ठ 293-315)। ब्लूम्सबरी।

ज्ञानवती, और रेजी, बी. (2024). सामुदायिक आउटरीच में पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन। बी.ए. रेजी और पी. खन्ना (सं.), *समुदायों का सशक्तिकरण: छात्र आउटरीच और इंटर्नशिप के माध्यम से सामुदायिक विकास* (पृष्ठ 177-192)। एने पब्लिशर्स।

कौर, आर. (2025). व्यावसायिक संचार। पी. खन्ना और बी. रेजी (सं.), *कॉर्पोरेट संचार में महारत प्राप्त करना: यूजीसीएफ, एनईपी 2020 के अनुसार बोलें, नेतृत्व करें और सफल हों* (प्रथम संस्करण, पृष्ठ 71-90)। एने पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स एलएलपी। आईएसबी.ए.न 978-81-976546-1-9।

कुमार, एन. (2025). नेतृत्व और संचार। पी. खन्ना और बी.ए. रेजी (सं.) में, *कॉर्पोरेट संचार में महारत प्राप्त करना: बोलें, नेतृत्व करें और सफल हों* (पृष्ठ **xx-xx)**। एने पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स एलएलपी। आईएसबी.ए.न 978-81-976546-1-9। (यदि उपलब्ध हो, तो **xx-xx** को वास्तविक पृष्ठ संख्याओं से बदलें)

राणा, एन., और कौर, आर. (2024). अप्रतिम भारत: आज़ादी का अमृत महोत्सव। एम. शर्मा और एन. राठी (सं.) में, *वित्तीय समावेशन: भारत में वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की संभावनाएं* (पीपी. 36-45)। स्वराज प्रकाशित कार्य.

राणा, एन., और कौर, आर. (2024). वित्तीय समावेशन: भारत में वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की संभावनाएँ। एम. शर्मा और एन. राठी (सं.) में, *अप्रतिम भारत: आज़ादी का अमृत महोत्सव* (प्रथम संस्करण, पृष्ठ 36-45)। स्वराज पब्लिकेशंस. आईएसबी.ए.न 978-93-95695-72-5.

शर्मा, ई., और ज्ञानवती, बी. (2024). सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम में संचार। बी.ए. रेजी और पी. खन्ना (सं.), *समुदायों का सशक्तिकरण: छात्र आउटरीच और इंटर्नशिप के माध्यम से सामुदायिक विकास* (पृष्ठ 161-176)। एने पब्लिशर्स।

शर्मा, एम. (2024). स्वास्थ्य के लिए योग: योग की उपचारात्मक शक्ति की खोज। ***BİLSEL*** *अंतर्राष्ट्रीय एस्पेंडोस वैज्ञानिक अनुसंधान कांग्रेस में, 29-30 जून, 2024 - अंतात्या/तुर्की: अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही।* आईएसबी.ए.न 978-625-6501-92-8।

सिंह, ए., और सिंह, के.एस. (2024). पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र में कृषि पर जलवायु परिवर्तनशीलता का प्रभाव। डी. सिंह और एस. कुमार (सं.), *21वीं सदी में भूगोल* (पृष्ठ 1-13)। शायरेन पब्लिकेशंस। आईएसबी.ए.न 978-81-19820-89-9।

अनुसंधान परियोजनाएँ

प्रो. बीना एंटनी रेजी

अदिति महाविद्यालय में TISS और NACO के साथ प्रमुख विकास अनुसंधान परियोजना "सक्षम प्रमाण" - 2024-25, सक्षम (जिसका अर्थ है "सक्षम बनाना") अंतर्राष्ट्रीय संगठन ग्लोबल फंड द्वारा समर्थित एक प्रमुख परियोजना है। ग्लोबल फंड अनुदान के प्रमुख प्राप्तकर्ता के रूप में, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (NACO) ने टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान (TISS) के साथ उप-प्राप्तकर्ता (SR) के

रूप में भागीदारी की है। बदले में, TISS "सक्षम-प्रमाण" परियोजना का कार्यान्वयन कर रहा है, जो सभी भारतीय राज्यों में लक्षित हस्तक्षेप और लिंक कार्यकर्ता योजना संगठनों के व्यापक बाह्य मूल्यांकन पर केंद्रित है। प्रभावी कार्यान्वयन और क्षेत्रीय पहुँच के लिए, TISS ने क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं मूल्यांकन संस्थान (RICE) के रूप में नामित पाँच संस्थानों के साथ सहयोग किया है। ये संस्थान उप-उप प्राप्तकर्ता (SSR) के रूप में कार्य करते हैं और अपने-अपने क्षेत्रों में मूल्यांकन का प्रबंधन करने के लिए देश के छह भौगोलिक क्षेत्रों में रणनीतिक रूप से स्थित हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय के अदिति महाविद्यालय को उत्तरी क्षेत्र के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के समन्वय के लिए चुना गया है। अदिति महाविद्यालय, NACO और TISS के साथ मिलकर आठ उत्तरी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लक्षित हस्तक्षेप समुदाय-आधारित संगठनों के मूल्यांकन के लिए राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। विकेन्द्रीकृत दृष्टिकोण न केवल मूल्यांकन की गुणवत्ता को मजबूत करता है, बल्कि भारत के सार्वजनिक स्वास्थ्य लक्ष्यों का समर्थन करने में सक्षम प्रशिक्षित संस्थानों और पेशेवरों का एक नेटवर्क भी बनाता है। सहयोग और ज्ञान-साझाकरण को बढ़ावा देकर, प्रोजेक्ट सक्षम प्रमाण एक अधिक समावेशी, डेटा-संचालित और समुदाय-केंद्रित सार्वजनिक स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र में योगदान दे रहा है। अदिति महाविद्यालय अन्य भागीदारों के साथ, जवाबदेही सुनिश्चित करने, कार्यक्रम कार्यान्वयन में सुधार करने और भारत की एचआईवी/एड्स प्रतिक्रिया में साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।, यूजी प्रोजेक्ट: महाविद्यालय के छात्रों के बीच एक विश्राम तकनीक के रूप में बागवानी: एक साक्ष्य-आधारित कार्रवाई अनुसंधान, सह-अन्वेषक

प्रो. भावना राजपूत,

परियोजनाएँ:

मिशन विकसित भारत में ग्रीन फाइनेंस की भूमिका

सह-अन्वेषक: डॉ. सुनीता दहिया, प्रो. ममता शर्मा

महिला सशक्तिकरण और विकसित भारत के बीच संबंध@2047, सह-अन्वेषक: सीए ज्योति, प्रो. ममता शर्मा

डॉ. बलदेव गुलाटी, परियोजना: उच्च शिक्षा में सीखने के विभिन्न तरीकों के लिए स्नातक शिक्षार्थियों की तैयारी और प्राथमिकताओं का एक खोजपूर्ण अध्ययन, सह-अन्वेषक: प्रो. साधना जैन, प्रो. ममता शर्मा

डॉ. ज्ञानवती, (पहले से ही प्रोफेसर बीना एंटनी रेजी के तहत सूचीबद्ध)

प्रो. मनीषा वाधवा, परियोजना: किशोरों में उनके दैनिक आहार में सूक्ष्म पोषक तत्वों के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना, सह-अन्वेषक: प्रो. पूनम लाकड़ा

प्रो. ममता शर्मा,

परियोजनाएँ:

उच्च शिक्षा में सीखने के विभिन्न तरीकों के लिए स्नातक शिक्षार्थियों की तैयारी और प्राथमिकताओं का एक खोजपूर्ण अध्ययन, सह-अन्वेषक: प्रो. साधना जैन, डॉ. बलदेव गुलाटी

मिशन विकसित भारत में ग्रीन फाइनेंस की भूमिका, सह-अन्वेषक: डॉ. सुनीता दहिया, प्रो. भावना राजपूत

दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों के शारीरिक, भावनात्मक और सामाजिक कल्याण पर योग का प्रभाव, सह-अन्वेषक: प्रो. पुण्यतोया पात्रा, डॉ. रश्मि गुप्ता

महिला सशक्तिकरण और विकसित भारत के बीच सांठगांठ@2047, सह-जांचकर्ता: सीए ज्योति, प्रोफेसर भावना राजपूत

डॉ. माली देवी सावरिया, परियोजना: दिल्ली के बवाना समुदाय में कार्यक्रम मीडिया विधियों के माध्यम से परिवारों को सशक्त बनाना: एक साक्ष्य-आधारित अध्ययन, सह-अन्वेषक: प्रो. सुनीता बहमनी

प्रो. पूनम लाकड़ा, (पहले से ही प्रो. मनीषा वाधवा के अंतर्गत सूचीबद्ध)

प्रो. पुण्यतोया पात्रा, परियोजना: दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों के शारीरिक, भावनात्मक और सामाजिक कल्याण पर योग का प्रभाव, सह-अन्वेषक: प्रो. ममता शर्मा, डॉ. रश्मि गुप्ता

प्रो. पुनीता गुप्ता को प्रदान की गई यह आईसीएसएसआर-वित्त-पोषित शोध परियोजना, उत्तराखंड में रामलीला मंचन के इतिहास और समकालीन प्रस्तुति शैलियों का तुलनात्मक अध्ययन करती है, साथ ही महिलाओं की भागीदारी के सामाजिक प्रभाव का आकलन भी करती है। इस परियोजना का विषय "लोक परंपराएं, कला और संस्कृति" है, जिसके लिए 2 वर्षों के लिए 62 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

प्रो. साधना जैन, परियोजना: उच्च शिक्षा में सीखने के विभिन्न तरीकों के लिए स्नातक शिक्षार्थियों की तैयारी और प्राथमिकताओं का एक खोजपूर्ण अध्ययन, सह-अन्वेषक: प्रो. ममता शर्मा, डॉ. बलदेव गुलाटी।

प्रो. सुनीता बहमनी, आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित संगोष्ठी, "अकादमिक जगत परंपरा से मिलता है: आईकेएस के माध्यम से वैश्विक कल्याण के लिए व्यक्तिगत विश्राम और लचीलापन विकसित करना"।

यूजी प्रोजेक्ट पहले से ही डॉ. माली देवी सांवरिया के तहत सूचीबद्ध है)

डॉ. सुनीता दहिया (प्रो. भावना राजपूत के अंतर्गत पहले से ही सूचीबद्ध)

सीए ज्योति (प्रो. भावना राजपूत के अंतर्गत पहले से ही सूचीबद्ध)

डॉ. रश्मी गुप्ता (पहले से ही प्रो. पुण्यतोय पात्र के अंतर्गत सूचीबद्ध)

आयोजित संगोष्ठियां

इलिनोइस विश्वविद्यालय, अर्बाना-शैंपेन की प्रोफेसर डॉ. टिफ़नी लॉरेन ने 18 मार्च, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के अदिति महाविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित "सामाजिक नवाचार और सामाजिक कार्य" पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट महाविद्यालय की सहायक प्रोफेसर: सुश्री आर्शभी ने 14 नवंबर, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के अदिति महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित “डिजिटल संचार: एनईपी का अभिनव पहलू” विषय पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग की अध्यक्ष डॉ. करुणा गुलाटी ने अखिल भारतीय साहित्य परिषद के सहयोग से अदिति महाविद्यालय की भाषा केंद्र एवं सांस्कृतिक समिति द्वारा आयोजित 14 अगस्त, 2024 को "1947 के विभाजन की विभीषिका" विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।

डॉ. सुरेंद्र सिंह बिष्ट (विभागाध्यक्ष, बाल रोग विभाग, स्वामी दयानंद अस्पताल) ने 13 अगस्त, 2024 को स्वामी दयानंद अस्पताल के सहयोग से समाज कार्य विभाग द्वारा आयोजित “विशेष आवश्यकता वाले बच्चे: हस्तक्षेप और पुनर्वास” विषय पर एक वेबिनार आयोजित किया।

भाषा केंद्र, हिंदी विभाग, सांस्कृतिक समिति, अदिति महाविद्यालय ने अखिल भारतीय साहित्य परिषद के सहयोग से " वैश्विक" विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। संदर्भ में राम " 19 जनवरी 2025 को।

आयोजित सम्मेलन

7 मार्च, 2024 को ‘गरीबी उन्मूलन में दीन दयाल अंत्योदय योजना के प्रभाव का अध्यन, शीर्षक से सम्म्लेन आयोजित किया गया।

7 मार्च, 2024 को ‘विकासात्मक आर्थोपेडिक विकलांगता पर वेबिनार: प्रारंभिक हस्तक्षेप की आवश्यकता" शीर्षक से वेबिनार आयोजित किया गया।

14 अप्रैल, 2024 को ‘विशिष्ट शिक्षण अक्षमताओं से निपटने पर वेबिनार’ शीर्षक से वेबिनार आयोजित किया गया।

17 अप्रैल, 2024 को 'सामाजिक कार्य को करियर के रूप में अपनाने के लिए विश्वविद्यालयों तक पहुंच: एक जागरूकता सत्र' शीर्षक से वेबिनार का आयोजन किया गया।

21 अप्रैल, 2024 को 'स्नातक के बाद प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कैसे करें' शीर्षक से वेबिनार का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

27 जून, 2019 को इग्नू के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। अदिति महाविद्यालय की प्राचार्या ने सहयोगी/समन्वयक की भूमिका निभाई। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, महाविद्यालय में शिक्षार्थी सहायता केंद्र की शुरुआत हुई, जो जून 2025 तक जारी रहेगा।

1 नवंबर, 2019 को यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। अदिति महाविद्यालय की प्रधानाचार्या ने सहयोगी/समन्वयक की भूमिका निभाई। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, अदिति महाविद्यालय परिसर में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का ऑफ-साइट एटीएम 2034 तक चालू रहा।

10 सितंबर, 2019 को राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद (एनसीपी) के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। अदिति महाविद्यालय की प्राचार्या ने सहयोगी/समन्वयक की भूमिका निभाई। इस सहयोग का उद्देश्य क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण, परामर्श और अनुसंधान प्रदान करना था जो 2025 तक जारी रहेगा।

23 सितंबर, 2021 को इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। अदिति महाविद्यालय की प्राचार्या ने सहयोगी/समन्वयक की भूमिका निभाई। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, महाविद्यालय को पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन की आपूर्ति 2026 तक जारी रही।

9 सितंबर, 2022 को भारतीय स्वास्थ्य अनुसंधान एवं कल्याण संघ के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जो 2025 तक जारी रहेगा। अदिति महाविद्यालय के एचडीएफई ने सहयोगी/समन्वयक के रूप में कार्य किया। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, 1) मनोविज्ञान और विशेष शिक्षा के क्षेत्रों में विभिन्न कार्यशालाएँ आयोजित की गईं और 2) देश के विभिन्न क्षेत्रों में नैदानिक, परामर्श और मानव संसाधन में इंटर्नशिप के लिए छात्रों का आदान-प्रदान हुआ।

22 सितंबर, 2022 को एवी फाइनेंशियल एक्सपर्ट्स नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड (फिनएक्स) के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। अदिति महाविद्यालय की प्राचार्या ने सहयोगी/समन्वयक की भूमिका निभाई। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, छात्रों के लिए कौशल विकास और उद्यमिता सहायता शुरू की गई और बी.एफ.ए.सआई उद्योग के लिए नौकरी के लिए तैयार पेशेवर तैयार किए गए, जो 2025 तक जारी रहेगा।

30 जनवरी, 2023 को नवयुग सूर्योदय सेवा समिति के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। अदिति महाविद्यालय की प्राचार्या ने सहयोगी/समन्वयक की भूमिका निभाई। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, छात्रों को योग और खेल पोषण में गुणवत्तापूर्ण व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

22 अगस्त, 2023 को डीएलएसए के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। अदिति महाविद्यालय की प्राचार्या और डॉ. माली देवी सांवरिया सहयोगी/समन्वयक के रूप में कार्यरत रहीं। इस

सहयोग के परिणामस्वरूप, महाविद्यालय परिसर में छात्रों और समुदाय के सदस्यों में कानूनी जागरूकता बढ़ाने के लिए एक कानूनी सहायता क्लिनिक कार्यरत है, जो 2025 तक जारी रहेगा।

31 मई, 2024 को एनआईआईटी फाउंडेशन के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। अदिति महाविद्यालय की प्राचार्या ने सहयोगी/समन्वयक की भूमिका निभाई। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, 1) छात्रों को कौशल उन्नयन पाठ्यक्रम प्रदान किए गए और 2) योग्य छात्रों को नियोजन के अवसर प्रदान किए गए। यह 2026 तक जारी रहेगा।

25 जून, 2024 को संभव फाउंडेशन के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। अदिति महाविद्यालय की प्राचार्या ने सहयोगी/समन्वयक की भूमिका निभाई। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, छात्रों को डिजिटल कौशल प्रशिक्षण और नियोजन सहायता प्रदान की गई, जो 2025 तक जारी रहेगी।

1 अगस्त, 2024 को एनेक्टस इंडिया के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। डॉ. माली देवी सांवरिया इसकी संयोजक थीं। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, छात्रों को आजीविका प्रशिक्षण और कौशल विकास प्रदान किया गया। यह 2025 तक जारी रहेगा।

3 अगस्त, 2024 को बिसलेरी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। अदिति महाविद्यालय की प्राचार्या और डॉ. माली देवी सांवरिया सहयोगी/समन्वयक रहीं। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, 1) हितधारकों को प्लास्टिक के पुन: उपयोग का प्रशिक्षण प्रदान किया गया और 2) सीएसआर परियोजनाओं के तहत छात्रों को इंटर्नशिप की पेशकश की गई, जो 2025 तक जारी रहेगी।

28 अगस्त, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय की प्रकृति सकारात्मक पहल को अपनाने के लिए एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। अदिति महाविद्यालय की प्राचार्या ने सहयोगी/समन्वयक की भूमिका निभाई। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, परिसरों के भीतर और बाहर जैव विविधता संरक्षण, पर्यावरणीय स्थिरता और प्रकृति-सकारात्मक प्रथाओं को बढ़ावा दिया गया और 2025 तक जारी रखा गया।

7 अक्तूबर, 2024 को गिफ्टेबल्ड के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। अदिति महाविद्यालय की प्राचार्या ने सहयोगी/समन्वयक की भूमिका निभाई। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, 1) अदिति महाविद्यालय की वेबसाइट दिव्यांगजनों के लिए सुलभ हो गई और 2) वेबसाइट की सुगम्यता का ऑडिट 2025 तक जारी रहा।

10 अक्तूबर, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय, मुक्त शिक्षा विद्यालय, भाऊराव देवरस सेवा न्यास के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। अदिति महाविद्यालय की प्राचार्या ने सहयोगी/समन्वयक की भूमिका निभाई। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, महाविद्यालय ने सभी छात्रों के लिए कौशल विकास, उद्यमिता और रोज़गार के क्षेत्रों में पहल की और यह 2025 तक जारी रहा।

2 नवंबर, 2024 को ग्लोबल पीस फाउंडेशन के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। अदिति महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. माली देवी सांवरिया सहयोगी/समन्वयक रहीं। इस सहयोग के

परिणामस्वरूप, महाविद्यालय के सभी विद्यार्थियों के लिए शांति एवं संघर्ष समाधान कार्यशालाओं की योजना बनाई गई, जो जून 2025 तक जारी रहेंगी।

3 फरवरी, 2025 को कॉमन सर्विस सेंटर-ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। अदिति महाविद्यालय की प्राचार्या और डॉ. माली देवी सांवरिया सहयोगी/समन्वयक के रूप में कार्यरत रहीं। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, महाविद्यालय में छात्राओं के लिए आधार कार्ड जैसे दस्तावेज़, वन नेशन वन कार्ड जैसे सरकारी कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता जैसी कई कल्याणकारी सेवाएँ शुरू की गईं, जो जून 2025 तक जारी रहेंगी।

उपासना स्पेशल स्कूल के साथ 7 फरवरी, 2025 को एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। अदिति महाविद्यालय की प्राचार्या सहयोगी/समन्वयक के रूप में कार्यरत रहीं। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, महाविद्यालय में सामुदायिक आउटरीच गतिविधियाँ और छात्रों की इंटर्नशिप जून 2026 तक जारी रही।

अन्य सहयोग

7 अक्तूबर, 2024 को उपहार स्वरूप प्रदान किया गया। अदिति महाविद्यालय की प्रधानाचार्या ने सहयोगी/समन्वयक की भूमिका निभाई। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, अदिति महाविद्यालय की वेबसाइट दिव्यांगजनों के लिए सुलभ हो गई।

दिल्ली विश्वविद्यालय के इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय में 28 अगस्त, 2024 को प्रकृति-सकारात्मक पहल को अपनाया गया। अदिति महाविद्यालय की प्राचार्या ने सहयोगी/समन्वयक की भूमिका निभाई। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, परिसरों के भीतर और बाहर जैव विविधता संरक्षण, पर्यावरणीय स्थिरता और प्रकृति-सकारात्मक प्रथाओं को बढ़ावा मिला।

बिसलेरी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के साथ 03 अगस्त, 2024 को एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। अदिति महाविद्यालय की प्राचार्या ने सहयोगी/समन्वयक के रूप में कार्य किया। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, 1) हितधारकों को प्लास्टिक के पुन: उपयोग का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

01 अगस्त, 2024 को एनेक्टस इंडिया के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। डॉ. माली देवी सांवरिया ने संयोजक के रूप में कार्य किया। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, छात्रों को आजीविका प्रशिक्षण और कौशल विकास प्रदान किया गया।

06 सितंबर, 2024 को शुक्रवार को “विकसित भारत: शहरीकरण” विषय पर व्याख्यान के लिए सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली-110001 के उत्कृष्टता केंद्र के रूप में डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (डीएआईसी) के साथ शैक्षणिक सहयोग।

कॉमन सर्विस सेंटर - ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड के सहयोग से, 03 फरवरी, 2024 को महाविद्यालय में महिला छात्रों के लिए कई कल्याणकारी सेवाएं जैसे आधार कार्ड जैसे दस्तावेज, वन नेशन वन मेट्रो कार्ड जैसे सरकारी कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता शुरू की गई, जो जून 2025 तक जारी रहेगी।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

बी.ई.एल.एड. विभाग के अंतिम वर्ष के 8 छात्रों को विभिन्न स्कूलों में रखा गया है, जैसे द हेरिटेज स्कूल, वसंत कुंज, नई दिल्ली- 70 (युक्ति जैन और विधि सिंह) हेरिटेज एक्सपीरियंसियल लर्निंग स्कूल, नोएडा (अदिति कौशिक), एमआर ग्लोबल स्कूल, बवाना, दिल्ली-39 (निधि स्वामी, स्वेता मिश्रा और रितु), डीएवी पब्लिक स्कूल, बुधपुर, दिल्ली 36 (मोनिका) और श्री सत्य साईं विद्या विहार, कालकाजी, नई दिल्ली 19 (पुरिता वडेरा) वाणिज्य विभाग के अंतिम वर्ष के 8 छात्रों (ऑनर्स और पास कोर्स दोनों सहित) को विभिन्न संगठनों में रखा गया है, जैसे बीटी ग्रुप (रश्मि लालन), सेलेक्ट सोर्स इंटरनेशनल प्राइवेट। लिमिटेड (युक्ति छिब्बर), एक्यूटी नॉलेज पार्टनर्स (ख्याति शर्मा), एडोर इंडिया (दीप प्रभ कौर), उम्मीद (सुरभि शर्मा, ऐश्वर्या करण और श्रेया जैन) और पहचान: द स्ट्रीट स्कूल (स्नेहा शर्मा)। बी.ए. (कार्यक्रम) अंतिम वर्ष के 2 छात्रों को पहचान: द स्ट्रीट स्कूल (हर्षिता नगर और यशिका शर्मा) में रखा गया। छात्रों के नियोजन का कुल प्रतिशत 2.67% है

कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या

एक्यूटी नॉलेज पार्टनर्स, एडोर इंडिया, बीटी ग्रुप, आईएनर्जाइजर, पहचान, सेलेक्ट सोर्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, टेलीपरफॉर्मेंस, उम्मीद

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

14 मई, 2024 को अदिति महाविद्यालय ने उन्नत भारत अभियान (यूबी.ए.) परियोजना के तहत जमीनी स्तर पर शिक्षा को समर्थन और प्रोत्साहित करने के लिए अपने गोद लिए गए गांवों में स्टेशनरी वितरण अभियान का आयोजन किया।

भूगोल विभाग ने क्षेत्र सर्वेक्षण किया: 25 फरवरी, 2025 को, 26 छात्रों के साथ दिल्ली के बवाना के हरेवली गांव में बी.एल.एड. तृतीय वर्ष (शोध-पत्र **II)** के छात्रों के साथ; 2-6 मार्च, 2025 से, जोधपुर, जैसलमेर और आसपास के क्षेत्र, राजस्थान में तृतीय वर्ष के बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल के छात्रों के लिए एक शैक्षिक यात्रा का आयोजन किया, 17 छात्रों के समूह को दो संकाय सदस्यों द्वारा सहायता प्रदान की गई; 06 मार्च, 2025 को, बी.ए. (ऑनर्स) तृतीय वर्ष के साथ, गाजीपुर (गाजियाबाद), यूपी में दिल्ली के एनसीआर क्षेत्र में आपदा प्रबंधन आधारित क्षेत्र सर्वेक्षण किया गया; 4, 5 और 16 अप्रैल, 2025 को, बी.ए. (ऑनर्स) तृतीय वर्ष के साथ, दिल्ली के बवाना जेजे कॉलोनी के एल ब्लॉक में आपदा प्रबंधन आधारित क्षेत्र सर्वेक्षण किया गया इंडिया गेट पर छात्रों के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

15 अगस्त 2024 को राष्ट्रीय सेवा योजना ने बवाना में एनएसएस स्वयंसेवकों और 25 छात्रों के साथ मिलकर हर घर तिरंगा अभियान चलाया।

20 सितंबर, 2024 को राष्ट्रीय सेवा योजना ने नई दिल्ली के बवाना में एनएसएस स्वयंसेवकों के साथ स्वच्छता सेवा अभियान के तहत मंडी में स्वच्छता अभियान चलाया। 15 छात्रों ने सभी एनएसएस टीम के सदस्यों के साथ इस कार्यक्रम का संचालन किया।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय समिति ने अगस्त, 2024 में एक ऑनलाइन पठन और अंतःक्रिया सत्र "वन नेशन रीडिंग टुगेदर" पहल का आयोजन किया। सुधा मूर्ति द्वारा चुनी गई पुस्तक, थ्री थाउजेंड स्टिचेज़, महिला शिक्षा, सामाजिक परिवर्तन और सशक्तिकरण के विषयों पर एक आकर्षक बातचीत के लिए उत्प्रेरक का काम करेगी। सितंबर 2024 में दो दिवसीय पुस्तकालय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया; पहले दिन पुस्तकालय और वाचनालय का निर्देशित दौरा किया गया, जहाँ पुस्तक जारी करने और वापस करने की प्रक्रिया, पुस्तकालय सूची का उपयोग और पुस्तकालय में शिष्टाचार बनाए रखने जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की गई। दूसरे दिन डिजिटल शिक्षा और ई-संसाधनों तक पहुँच पर ध्यान केंद्रित किया गया। समिति ने फरवरी 2025 में आयोजित दिल्ली विश्वविद्यालय के वार्षिक दीक्षांत समारोह के प्रकाशित कार्य कॉर्नर में प्रदर्शन के लिए संकाय सदस्यों द्वारा लिखित प्रकाशित पुस्तकें भेजने की पहल की।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक:	42
सह-प्राचार्य:	7
सहायक प्रोफेसर:	1
तदर्थ:	29
अतिथि:	53
उपयोगित निधियां (₹ करोड़ में)	**38.442**
आवंटित निधियां (₹ करोड़ में)	**36.168**

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

महाविद्यालय को प्रदत्त:

प्रमाणपत्र संख्या एनईआई/एचईआई/डीईसीए/008 दिनांक 05.06.2024 के अनुसार भारतीय राष्ट्रीय शिक्षा ट्रस्ट द्वारा जिला पर्यावरण चैम्पियनशिप पुरस्कार (उत्तर पश्चिम);

15 जुलाई, 2024 को विश्व युवा कौशल दिवस समारोह 2024 के अवसर पर उत्कृष्ट योगदान के लिए विश्व उच्च शिक्षा और विकास अकादमी, भारतीय पारिस्थितिकी और पर्यावरण संस्थान, अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक संघ और भारत अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में राष्ट्रीय कौशल संस्थान द्वारा राष्ट्रीय अभिनव कौशल प्रशिक्षण पहल पुरस्कार;

नीति आयोग के तहत पंजीकृत यूथ सोशल ग्राम फाउंडेशन द्वारा बी.ए. (कार्यक्रम) की सुश्री संस्कृति को राष्ट्रीय सामाजिक आइकन 2024 के रूप में चुना गया।

सीपीडीएचई के साथ दो एफडीपी आयोजित करने के लिए सहयोग; एक 18-27 जुलाई, 2024 तक "एनईपी 2020 और संवेदीकरण कार्यक्रम" पर; और दूसरा 21 फरवरी, 2025 से 07 मार्च, 2025 तक रिफ्रेशर कोर्स के रूप में, "भारतीय दर्शन, अध्यात्म एवं पर्यावरण"। और आईपी महाविद्यालय फॉर विमेन के साथ संयुक्त समझौता-ज्ञापन और जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता के नुकसान से निपटने में योगदान देने के लिए एनपीयू प्रतिज्ञा लेने के लिए भी सहयोग।

पांच छात्राओं सुश्री फरहीन, सुश्री संस्कृति सिंह, सुश्री कंचन, सुश्री वैशाली, सुश्री फौज़िया को 10 अक्तूबर, 2024 को संयुक्त राष्ट्र विश्व शिक्षक दिवस के अवसर पर "विकसित भारत@2047 के लिए युवा राजदूत" चुना गया। महाविद्यालय ने रोजगार संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत सेंटम फाउंडेशन के साथ सहयोग किया है।

शोध-पत्र लेखन के क्षेत्र में, 5 छात्रों अर्थात् सुश्री वंशिका, सुश्री गुंगन मलिक, सुश्री नाज़िया परवीन, सुश्री टीना और सुश्री संस्कृति सिंह को "विज़न फ़ॉर विकसित भारत (विविभा) - 2024", भारतीय शिक्षण मंडल, युवा आयाम, दिल्ली प्रांत द्वारा चुना गया।

कौशल विकास पाठ्यक्रम, कार्यशालाएं और अल्पकालिक पाठ्यक्रम आदि आयोजित करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के आदेशानुसार कैरियर विकास केंद्र (सीडीसी) खोलने के लिए समर्थ भारत के साथ समझौता-ज्ञापन।

संस्कृति सिंह (बी.ए. कार्यक्रम) 6 सेमेस्टर को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा एनईपी सारथी के रूप में प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हुआ।

****

अहिल्या बाई नर्सिंग महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

अहिल्या बाई नर्सिंग महाविद्यालय के सभी नर्सिंग विभागों में अनुभवी और समर्पित योग्य प्राचार्य हैं, जिनका कार्मिक-छात्र अनुपात INC मानदंडों के अनुसार बना हुआ है। संकाय सदस्य संगोष्ठियों और सम्मेलनों में भाग लेकर अपने ज्ञान और कौशल को उन्नत करते हैं। महाविद्यालय में मेडिकल सर्जिकल नर्सिंग, साइकियाट्रिक नर्सिंग, पीडियाट्रिक नर्सिंग, ऑब्स्टेट्रिकल नर्सिंग और कम्युनिटी हेल्थ नर्सिंग में विशेषज्ञता वाले 15 प्राचार्य हैं। डॉ. शोभा गुसाईं ने डॉ. मौली बाबू के साथ मिलकर *"मिडवाइफरी ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनी के छात्रों के लिए महत्वपूर्ण नोट्स के साथ क्लिनिकल केस रिकॉर्ड" का सह-लेखन किया और जर्नल ऑफ नर्स मिडवाइफरी एंड मेंटल हेल्थ , रेड फ्लावर पब्लिकेशन 2024, 10(2), पृष्ठ 59-65* में "स्तन और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के लिए गैर-परिवर्तनीय जोखिम कारक और नमूना विशेषताओं के साथ उनका संबंध" शीर्षक से एक शोध लेख प्रकाशित किया। उन्होंने 25 मई, 2024 को पल्स पोलियो ड्यूटी के दौरान और 5 फरवरी, 2025 को चुनाव ड्यूटी के दौरान छात्रों (प्रशिक्षुओं) का पर्यवेक्षण किया। श्रीमती निशा थॉमस ने 9 दिसंबर, 2024 को पल्स पोलियो ड्यूटी के दौरान प्रथम वर्ष के छात्रों का पर्यवेक्षण किया और सीएनई की सचिव के रूप में कार्य किया। सुश्री

योगिता ने एम्स दिल्ली कॉन से सर्वाइकल और ब्रेस्ट कैंसर (ईसीएचओ के तहत) पर 14 प्रमाणित सत्र और शोध पद्धति पर एक प्रमाणित सत्र पूरा किया। अहिल्या बाई नर्सिंग महाविद्यालय शिक्षा, खेल और पाठ्येतर गतिविधियों में एक प्रतिस्पर्धी, पोषण वातावरण को बढ़ावा देता है। संकाय और प्रिंसिपल समान अवसर सुनिश्चित करते हैं ताकि छात्र अपनी क्षमता का एहसास कर सकें। बी.एससी. (एन) के छात्रों ने पिछले शैक्षणिक वर्ष में 100% परिणाम प्राप्त किए। बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग पाठ्यक्रम के साथ-साथ, संकाय सदस्य मौलाना आज़ाद मेडिकल महाविद्यालय के एमबीबी.ए.स छात्रों को भी पढ़ाते हैं। छात्र लोक नायक अस्पताल, जीबी पंत, जीएनईसी और शहरी स्वास्थ्य केंद्र, मंडी हाउस और बरवाला गाँव, नई दिल्ली में सामुदायिक अनुभव से नैदानिक अनुभव प्राप्त करते हैं। विभिन्न समितियाँ सुचारू रूप से कार्य करती हैं: कर्मचारी कल्याण, छात्र कल्याण, एंटी-रैगिंग, छात्रावास कल्याण, अनुशासन समिति, पुस्तकालय समिति, खेल समिति और छात्र नर्स संघ (एसएनए)। एमएएमसी में 17 सितंबर, 2024 से 23 सितंबर, 2024 तक राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस सप्ताह का आयोजन किया गया। सभी प्रशिक्षुओं ने जीबी पंत अस्पताल में सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम में भाग लिया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने फार्माकोविजिलेंस सप्ताह की शुरुआत को चिह्नित करने के लिए 17 सितंबर, 2024 को वॉकथॉन में भाग लिया ।

सम्मान/विभूतियाँ

शिखा कुमारी - द्वितीय स्थान - हस्तनिर्मित पोस्टर प्रतियोगिता - *फार्माकोविजिलेंस सप्ताह*

वरुणा, विशाखा, यश्वी, युश्रा, पारुल - दूसरा स्थान - ग्रुप प्रोजेक्ट (प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया पर हस्तनिर्मित पोस्टर) - *सूक्ष्म जीव-विज्ञान विभाग, एमएएमसी*

भावना, भूमिका, डिमपाल, चेतना, गौरीशा - प्रथम स्थान - ग्रुप प्रोजेक्ट (प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया पर हस्तनिर्मित पोस्टर) - *सूक्ष्म जीव-विज्ञान विभाग, एमएएमसी*

भावना - भागीदारी प्रमाणपत्र - प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया पर ई-पोस्टर - *फार्माकोविजिलेंस सप्ताह*

भूमिका - भागीदारी प्रमाणपत्र - प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया पर ई-पोस्टर - *फार्माकोविजिलेंस सप्ताह*

भावना, भारती, अन्नू, अंकिता - भागीदारी प्रमाणपत्र - प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया पर समूह रंगोली - *सूक्ष्म जीव-विज्ञान विभाग, एमएएमसी*

चेतना मल्होत्रा - भागीदारी प्रमाणपत्र - वाद-विवाद प्रतियोगिता - *फार्माकोविजिलेंस सप्ताह*

दीपाली, अपर्णा, भूमिका, कंचन - प्रशंसा प्रमाणपत्र - रंगोली प्रतियोगिता - *फार्माकोविजिलेंस सप्ताह*

संध्या - द्वितीय पुरस्कार, प्रशंसा प्रमाणपत्र - स्तनपान पर हस्तनिर्मित पोस्टर - *फार्माकोविजिलेंस सप्ताह*

जसलीन कौर - द्वितीय पुरस्कार - सरस्वती वंदना रंगोली प्रतियोगिता - *7 फरवरी, 2024 को बाल चिकित्सा सर्जरी अपडेट*

प्रियंका गोयल - प्रशंसा प्रमाणपत्र - हस्तनिर्मित पोस्टर प्रतियोगिता - *फार्माकोविजिलेंस सप्ताह*

साज़िया - प्रशंसा प्रमाणपत्र - हस्तनिर्मित पोस्टर और रंगोली प्रतियोगिता - *फार्माकोविजिलेंस सप्ताह*

प्रीति - द्वितीय पुरस्कार, प्रशंसा प्रमाणपत्र - रंगोली और स्तनपान पोस्टर प्रतियोगिता - *फार्माकोविजिलेंस सप्ताह*

सोनिया - प्रशंसा प्रमाणपत्र - रंगोली प्रतियोगिता - *फार्माकोविजिलेंस सप्ताह*

कंचन - प्रथम पुरस्कार, प्रशंसा प्रमाणपत्र - पोस्टर और रंगोली प्रतियोगिता - *फार्माकोविजिलेंस सप्ताह*

सुलेखा वत्स - तीसरा स्थान (दूसरा कांस्य पदक) - दिल्ली राज्य जूडो चैम्पियनशिप (जूनियर और सीनियर वर्ग) - *दिल्ली जूडो परिषद*

शालू, पुष्पांजलि, प्रियंका चौधरी, शीतल त्यागी - भागीदारी प्रमाणपत्र - समूह रंगोली, हस्तनिर्मित पोस्टर और ई-पोस्टर प्रतियोगिता - *फार्माकोविजिलेंस सप्ताह*

शालू - भागीदारी प्रमाणपत्र - नारा लेखन - *रोगी सुरक्षा सप्ताह, ओबीजी विभाग, एलएनएच*

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत : 53

भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियों की संख्या : 2

पुस्तकालय

इस वर्ष पुस्तकालय में कई नए संस्करण और विशेष सुविधाएँ भी उपलब्ध हैं। पुस्तकालय में लगभग 2500 पुस्तकें, 70 अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाएँ-100 राष्ट्रीय पत्रिकाएँ, 130 संदर्भ पुस्तकें, 30 शोध प्रबंध और वर्ष 2021 में खरीदी गई 147 नई पुस्तकें उपलब्ध हैं।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक: 1

****

अमर ज्योति फिजियोथेरेपी संस्थान

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

एजेआईपीटी में स्काई कार्यक्रम पर सत्रः 09 सितंबर, 2024 को विश्व फिजियोथेरेपी दिवस के अवसर पर संस्थान के नैदानिक और शैक्षणिक संकाय के लिए स्काई कार्यक्रम पर एक परिचयात्मक सत्र आयोजित किया गया। जेनिथ 2024: फ्रेशर्स इवेंट, 9 नवंबर, 2024 को अमर ज्योति ऑडिटोरियम में प्रथम वर्ष के स्नातक और परास्नातक छात्रों के स्वागत के लिए आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नए छात्रों को संस्थान में एकीकृत करना, बातचीत और रचनात्मकता को बढ़ावा देना था। ब्रेन टीज़र: बीपीटी कोर्स के 4-वर्षीय पाठ्यक्रम पर आधारित एक इंटर हाउस क्विज़ प्रतियोगिता 24 फरवरी, 2025 को आयोजित की गई थी और मुख्य कार्यक्रम 25 फरवरी, 2025 को हुआ था। रिपल्स: रिपल्स; खेल और सांस्कृतिक सप्ताह 29 अक्तूबर, 2024 से 2 दिसंबर, 2024 तक आयोजित किया गया था

शिक्षण और शिक्षणेत्तर कार्मिकों के सम्मान/विभूतियाँ

डॉ. मानसी को आईएपी-महिला कोशिका और फिजियो मंथन के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन (21-22 सितंबर, 2024) में निर्णायक के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ. रवींद्र शर्मा ने मायोकाइनेटिक चेन और रिलीज पर कार्यशाला में भाग लिया था और उन्हें इसकी सुविधा प्रदान की गई थी। उन्हें एबीवीआईएमएस जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज के सार समीक्षक के रूप में भी आमंत्रित किया गया। डॉ. प्रेरणा सक्सेना को जनवरी 2025 को विश्व फिजियोथेरेपी कांग्रेस के लिए ऑनलाइन ई-शोध-पत्र और ई-पोस्टर के लिए निर्णायक के रूप में आमंत्रित किया गया। उन्होंने एसजीटी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम (11 जनवरी, 2025) में "वेस्टिबुलर सिस्टम को नेविगेट करना: मूल बातें से हैंड्स-ऑन प्रैक्टिस तक" पर एक दिवसीय व्याख्यान और कार्यशाला का संचालन किया। ऋचा महाजन को एशियन जर्नल ऑफ रिसर्च इन जैव-रसायन-विज्ञान के लिए 2 लेखों और बीपी इंटरनेशनल में 1 पुस्तक के लिए समीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया। मार्च 2025.

विभूतियाँ प्राप्त छात्र

बीपीटी चतुर्थ वर्ष की छात्रा दीपांशी शर्मा ने 4 अप्रैल , 2024 को मोती लाल नेहरू महाविद्यालय में आयोजित ओपन माइक प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

चतुर्थ वर्ष की छात्रा प्रेरणा यादव ने 8 मार्च 2024 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर ऑनलाइन पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

चतुर्थ वर्ष की छात्रा अदिति, पायल, प्राची और रितु ने 27-29 मार्च, 2025 को आयोजित रंगोत्सव प्रतियोगिता में केआरएमयू फिजिकॉन 2.0 में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन

यादव, ए. (2024). दर्जियों में हैमस्ट्रिंग की जकड़न की गंभीरता का शारीरिक संरचना और शारीरिक गतिविधि से संबंध। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑल रिसर्च एजुकेशन एंड साइंटिफिक मेथड्स* , 12(7). DOI: https://doi.org/10.56025/IJARESM.2024.1207241360

यादव, ए. (2024). जिम जाने वाले लोगों में व्यायाम के प्रति ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑल रिसर्च एजुकेशन एंड साइंटिफिक मेथड्स* , 12(7)। DOI: 10.56025/IJARESM.2024.1207241860

अग्रवाल, वी., एस., जे., और शर्मा, ए. (2025)। संपादक को पत्र: हाथ ऑस्टियोआर्थराइटिस के रोगियों के लिए उच्च घनत्व वाली एलईडी विकिरण चिकित्सा की प्रभावकारिता और सुरक्षा: एक एकल-केंद्र नैदानिक अध्ययन। *एनल्स ऑफ रिहैबिलिटेशन मेडिसिन* , *49* (1), 1-2। **doi:**10.5535/**arm.**240063

शर्मा, ए., और जयंती, एस. (2024). सबएक्यूट बेल्स पाल्सी के प्रबंधन में काबाट पुनर्वास, काइनेसियो-टेपिंग और न्यूरोमस्कुलर फैसिलिटेशन तकनीकों की प्रभावशीलता: एक केस रिपोर्ट। *जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च: जेसीडीआर* । **doi:**10.7860/**jcdr/**2024/75581.20085

शर्मा, ए., और जयंती, एस. (2024). संपादक को पत्र: रेडिकुलोपैथी के साथ प्रोलैप्स लम्बर इंटरवर्टेब्रल डिस्क के लिए प्लेटलेट-समृद्ध प्लाज़्मा बनाम स्टेरॉयड का लम्बर ट्रांसफोरामिनल इंजेक्शन: एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड नियंत्रित पायलट अध्ययन। *एशियन स्पाइन जर्नल* , *18* (3), 487-488। **doi:**10.31616/**asj.**2024.0109.**r**1

शर्मा, ए., और जयंती, एस. (2024). टाइप 2 मधुमेह रोगियों के परिधीय तंत्रिकाविकृति में तंत्रिका संबंधी विकारों और निचले अंगों के तंत्रिका चालन वेग पर टेकर थेरेपी का प्रभाव: छह सप्ताह का अनुवर्ती अध्ययन। *टर्किश जर्नल ऑफ फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन* , *70* (2), 289-290। **doi:**10.5606/**tftrd.**2024.14394

शर्मा, पी., कबीर, यू., और कुमारी, एस. (2025)। डेल्फी प्रक्रिया द्वारा हाई स्कूल के छात्रों में मानसिक थकान पैमाने की प्रश्नावली का सत्यापन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कन्वर्जेंस इन हेल्थकेयर* , 5(1)। **doi:**10.55487/**qazabg**73

माधवी, कबीर, यू., और शर्मा, पी. (2024). सामान्य पेरोनियल तंत्रिका आवरण ट्यूमर के शल्य चिकित्सा द्वारा निष्कासन के बाद ट्यूमर प्रेरित पैर के गिरने के व्यक्तिपरक और वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन के बीच तुलना: एक केस स्टडी। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कन्वर्जेंस इन हेल्थकेयर* , *4* (2)। **doi:**10.55487/3**qpjz**236

जिंदल, पी., मलिक, के., और कंकरवाल, जी. (2024). महाविद्यालय के छात्रों में पेक्टोरलिस माइनर की जकड़न और कंधे की गति की सीमा पर स्कैपुलर स्थिरीकरण अभ्यासों के साथ-साथ एक्टिव रिलीज़ तकनीक की प्रभावशीलता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ साइंसेज एंड रिसर्च* , *14* (5), 435-441। **doi:**10.52403/**ijhsr.**20240557

शर्मा, आर., अरोड़ा, एम., प्रोफेसर और डीन, एसबी.ए.स विश्वविद्यालय, देहरादून। पी. पांडे, डी., और विभागाध्यक्ष, मणिपाल अस्पताल, नई दिल्ली। (2025)। टर्मिनल शोल्डर फ्लेक्सन डिसफंक्शन वाले व्यक्तियों के उपचार में दो अलग-अलग सॉफ्ट टिशू रिलीज़ तकनीकों की प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए: एक पायलट अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एडवांस्ड रिसर्च* , *13* (01), 290-298। **doi:**10.21474/**ijar**01 **/** 20193

अनुसंधान परियोजनाएँ

डॉ. आदर्श शर्मा (पीटी), डॉ. जयंती एस, अमर ज्योति इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोथेरेपी, दिल्ली विश्वविद्यालय को "बेल्स पाल्सी के प्रबंधन में काबाट पुनर्वास, काइनेसियोटेपिंग और न्यूरोमस्कुलर फैसिलिटेशन तकनीकों की प्रभावशीलता" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में मंजूरी दी गई है। यह अनुदान अमर ज्योति संस्थागत समीक्षा बोर्ड-नैतिक समिति द्वारा प्रदान किया गया है और जून 2024 से मई 2026 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. आदर्श शर्मा (पीटी), डॉ. जयंती एस, अमर ज्योति इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोथेरेपी, दिल्ली विश्वविद्यालय को "किशोरों में शारीरिक गतिविधि के स्तर का संतुलन, प्रोप्रियोसेप्शन, एरोबिक क्षमता

और संज्ञानात्मक कार्य पर प्रभाव का अध्ययन: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में मंजूरी दी गई है। यह अनुदान अमर ज्योति इंस्टीट्यूशनल रिव्यू बोर्ड-एथिकल कमेटी द्वारा प्रदान किया गया है और जून 2024 से मई 2026 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. आदर्श शर्मा (पीटी), डॉ. जयंती एस, डॉ. पूजा सेठी (पीटी), समीक्षा केमवाल, याशिका बडोलिया, अमर ज्योति इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोथेरेपी, दिल्ली विश्वविद्यालय को "घुटने की विकृति और जीवन की गुणवत्ता पर मधुमेह का प्रभाव: एक व्यापक अध्ययन" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में मंजूरी दी गई है। यह अनुदान अमर ज्योति संस्थागत समीक्षा बोर्ड-नैतिक समिति द्वारा प्रदान किया गया है और जून 2024 से मई 2026 तक की अवधि के लिए है।

स्वीकृत पेटेंट

डॉ. आशीष यादव (पीटी), आशीष यादव, शिवम अरोड़ा, नंदिनी नारग, अभिषेक कुमार, पारुल राज, दिव्या कश्यप पेटेंट, हैमस्ट्रिंग आइसोमेट्रिक और मजबूत व्यायाम करने के लिए उपकरण। पेटेंट आवेदन संख्या 202411057825 ए. 06 सितम्बर 2024

डीआर। भव्या भावेजा (पीटी), भव्या बावेजा, दिव्या कश्यप, डीआर। रीटा शर्मा, अभिषेक कुमार सांडिल्य, शिवमरोरा, मिनहाज अहमद खान। ए लोअर लिम मसल स्ट्रेंगथनिंग, डिवाइस। 202431040101 ए। मे 22, 2024. इंडिया।

डॉ.मानसी मित्तल (पीटी), इर।नंदिनी कुशवाहा, प्रोफ। (डॉ.) अंचित गुगनानी, दानिशता, डॉ. निधि सिंह, डॉ.अंबरीन फातिमा, तरुणा सिंह, डॉ.मानसी मित्तल, के.बी.रणजीत सिंह चौधरी, डॉ. केएस रामनबरथ्वाज, नेहा कश्यप। बैलेंस बिल्ड फूटरेस। 172973। मे 06, 2024. राष्ट्रीय

पेटेंट दायर

डॉ. आदर्श शर्मा - डॉ. जयंती, डॉ. एस, मुथुकृष्णन पी, आदर्श शर्मा, आशीष यादव, शिवम अरोड़ा, भव्या बावेजा। एक बहु-कार्यात्मक ध्यान और संवेदी प्रशिक्षण उपकरण। 202541001845। 24 दिसंबर, 2024. राष्ट्रीय

डॉ. भव्या भवेजा (पीटी), डॉ. जयंती। एस, मुथुकृष्णन पी, आदर्श शर्मा, आशीष यादव, शिवम अरोड़ा, भाव्या बवेजा। एक बहु-कार्यात्मक ध्यान और संवेदी प्रशिक्षण उपकरण। 202541001845. 24 दिसंबर, 2024. राष्ट्रीय लेपित सब्सट्रेट। आवेदन संख्या- 202411069825. 16 सितंबर 2024 को आवेदन किया गया. भारतीय पेटेंट.

कॉपीराइट

डॉ. आदर्श शर्मा (पीटी)

माधवी, आदर्श शर्मा, जयंती। एस, वंशिका अग्रवाल, जी स्नेहा, दीपिका। रेट्रोकैल्केनियल बर्साइटिस (सीपीपी-आरसीबी) के लिए एक व्यापक फिजियोथेरेपी प्रोटोकॉल। एल-152585/2024. 14 अगस्त 2024. राष्ट्रीय

आदर्श शर्मा, जयंती एस, वंशिका अग्रवाल, तरुण कुमार, मिंक अनुष्का। लिम्ब-गर्डल मस्कुलर डिस्ट्रॉफी (सीपीपी-एलजीएमडी) के लिए एक व्यापक फिजियोथेरेपी प्रोटोकॉल। एल-151874। 25 जुलाई, 2024. राष्ट्रीय

जयंती. एस, आदर्श शर्मा, वंशिका अग्रवाल, निशिता तुली, इशिता। महिलाओं में तनाव मूत्र असंयम के प्रबंधन के लिए एक व्यापक फिजियोथेरेपी प्रोटोकॉल। एल-148712/2024. 31 मई 2024. राष्ट्रीय

डॉ. माधवी (पीटी), माधवी, आदर्श शर्मा, जयंती। एस, वंशिका अग्रवाल, जी स्नेहा, दीपिका। रेट्रोकैल्केनियल बर्साइटिस (सीपीपी-आरसीबी) के लिए एक व्यापक फिजियोथेरेपी प्रोटोकॉल। एल-152585/2024. 14 अगस्त 2024. राष्ट्रीय

डॉ. प्रेरणा मोहन सक्सेना (पीटी), राधिका सिन्हा। गर्भाशय ग्रीवाजनित सिरदर्द के उपचार के लिए प्रोटोकॉल, नेत्र ग्रीवा पुनर्शिक्षा कार्यक्रम। एल-162233/2025. 6 मार्च, 2025. राष्ट्रीय

डॉ. प्रेक्षा शर्मा (पीटी)

नंदिनी नारंग, प्रेक्षा शर्मा, जयंती एस., मोटे किशोरों में संज्ञानात्मक क्षमताओं, मेटाकॉग्निशन और शैक्षणिक उपलब्धियों का आकलन करने के लिए एक व्यापक मूल्यांकन प्रोटोकॉल **L-**148218/2024. 20 मार्च, 2024. राष्ट्रीय

ज्योत्सना नगर। प्रेक्षा शर्मा, जयंती एस, बिगड़ा हुआ कार्डियो-श्वसन कार्य वाले पूर्व-किशोर बच्चों के कार्यकारी कार्यों पर एरोबिक व्यायाम का प्रभाव - यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण एल-149931/2024. 14 अप्रैल, 2024. राष्ट्रीय

शिखा कुमारी, प्रेक्षा शर्मा, उर्वशी कबीर, संशोधित मानसिक थकान स्केल (एम-एमएफएस), एल-160192/2025. 05 दिसंबर 2024. राष्ट्रीय

डॉ. उर्वशी कबीर (पीटी), शिखा कुमारी, प्रेक्षा शर्मा, उर्वशी कबीर, संशोधित मानसिक थकान स्केल (एम-एमएफएस), एल-160192/2025. 05 दिसंबर 2024. राष्ट्रीय

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 40(100%)

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर के रूप में हमारा काम सामुदायिक सेवा के बिना अधूरा है। हमने 27 अप्रैल, 2024 को वंचित समुदाय के लिए कड़कड़डूमा गांव के सामुदायिक केंद्र में एक निःशुल्क सामुदायिक आउटरीच फिजियोथेरेपी शिविर का आयोजन किया। शिविर का उद्देश्य गांव के लोगों के शारीरिक फिटनेस स्तर का विश्लेषण करना था। शरीर की संरचना जिसमें प्रतिशत शरीर में वसा और दुबला शरीर द्रव्यमान, मांसपेशियों की ताकत, सहनशक्ति, लचीलापन और संतुलन शामिल है, का आकलन किया गया और आगे के पुनर्वास के लिए एजेसीटी को भेजा गया।

हमने विश्व डाउन डे जागरूकता के अवसर पर बच्चों के लिए अमर ज्योति परिसर में मजेदार गतिविधियों का भी आयोजन किया। (21 मार्च, 2024)

हमने विश्व ऑटिज्म दिवस जागरूकता के अवसर पर बच्चों के लिए अमर ज्योति परिसर में हैंड पेंटिंग का भी आयोजन किया। (2 अप्रैल, 2024) हमने विश्व योग दिवस के अवसर पर सभी उम्र के लोगों के लिए अमर ज्योति परिसर में योग सत्र का भी आयोजन किया। (21 जून, 2024) हमने विश्व फिजियोथेरेपी दिवस के अवसर पर अमर ज्योति परिसर में स्काई पर परिचयात्मक सत्र का भी आयोजन किया। (8 सितंबर, 2024) हमने क्रिसमस के अवसर पर विकास में देरी और अन्य जन्मजात विकलांगता वाले दिव्यांगजन छोटे बच्चों के लिए अमर ज्योति परिसर में क्रिसमस पार्टी का भी आयोजन किया। 15-24 मार्च, 2024)

पुस्तकालय विकास

कुल पुस्तकें : 4643
नई पुस्तकें जोड़ी गईं : 24
पत्रिकाएँ : 06

संकाय संख्या:

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	1
सह-प्राचार्य	1
सहायक प्रोफेसर	10
तदर्थ	0
अतिथि	22

उपयोगित निधियां (₹ करोड़ में) 0

आवंटित निधियां (₹ करोड़ में 0

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

अमर ज्योति इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोथेरेपी 1999 से स्नातक स्तर पर और 2016 से स्नातकोत्तर स्तर पर फिजियोथेरेपी शिक्षा प्रदान कर रहा है।
एजेआईपीटी अमर ज्योति चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में चल रहा है, जिसका प्रबंधन एक प्रख्यात विद्वान, एक सामाजिक कार्यकर्ता और एक पुनर्वास कार्यकर्ता पद्मश्री पुरस्कार विजेता डॉ. (श्रीमती) उमा तुली द्वारा किया जा रहा है, जो भारत सरकार में विकलांगता की पूर्व आयुक्त भी हैं।

****

आर्यभट्ट महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

अपने 11वें वर्ष में, आर्यभट्ट महाविद्यालय अपनी शैक्षणिक विभूतियाँ और समग्र विकास की विरासत को कायम रखे हुए है। संस्थान ने शिक्षा, शोध और छात्र जुड़ाव के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। महाविद्यालय ने इंडिया टुडे 2024 रैंकिंग में अपने अंग्रेजी, इतिहास और मनोविज्ञान विभागों के लिए शीर्ष स्थानों के साथ मजबूत राष्ट्रीय रैंकिंग का उत्सव मनाया। छात्र और संकाय की उपलब्धियाँ शानदार रहीं–एनेक्टस आर्यभट्ट ने टैको बेल फाउंडेशन का एम्बिशन एक्सेलेरेटर सीड प्राइज प्राप्त किया, जबकि छात्रा आयुश्री मलिक ने लिवा मिस दिवा सुपरनैशनल 2024 का ताज प्राप्त किया। महाविद्यालय ने एक महत्वपूर्ण आईसीएसएसआर-प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी की मेजबानी की और कौशल-आधारित पाठ्यक्रमों और इंटर्नशिप के लिए कई समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए, उल्लेखनीय रूप से, मानसिक स्वास्थ्य, प्राचीन भारतीय ज्ञान प्रणालियों और राष्ट्रवाद से संबंधित परियोजनाओं को प्रमुख अनुदान प्राप्त हुए। 2024 में आर्यभट्ट महाविद्यालय की प्रगति नवाचार और परंपरा के एक सहज मिश्रण को दर्शाती है, जो संकाय और छात्रों, दोनों के लिए व्यापक विकास के इसके दृष्टिकोण को पुष्ट करती है।

शिक्षण और शिक्षणेत्तर कार्मिकों के सम्मान/विभूतियाँ

प्रोफेसर-प्रिंसिपल डॉ. मनोज सिन्हा को नवंबर 2024 में आर्यभट्ट महाविद्यालय के प्राचार्य के रूप में फिर से नियुक्त किया गया। उन्हें 5 अक्तूबर, 2024 को शिक्षा में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए वेल्फ्रेड फाउंडेशन द्वारा डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राष्ट्रीय शिक्षाविद् पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. अंकित प्रकाश (परियोजना निदेशक) और डॉ. अनीशा जुनेजा (सह-परियोजना निदेशक) को हरियाणा में बुजुर्गों के मानसिक स्वास्थ्य पर एक परियोजना (2025-2026) के लिए 9,00,000 रुपये का आईसीएसएसआर अनुदान प्राप्त हुआ।

डॉ. प्रीति जगवानी, डॉ. कृष्ण मुरारी और डॉ. वर्षा सिंह को प्राचीन भारतीय गणित और खगोल विज्ञान (2023-2025) पर शोध के लिए शिक्षा मंत्रालय के आईकेएस प्रभाग द्वारा ₹18,00,000 से सम्मानित किया गया।

प्रोफेसर सतीश झा और सुश्री नमिता को भारत और ब्रिटेन (2025-2026) में राष्ट्रवाद पर अध्ययन के लिए आईसीएसएसआर से 7,50,000 रुपये का अनुदान मिला।

श्री बिनॉय भूषण अग्रवाल ने रॉयल कॉमनवेल्थ सोसाइटी, लंदन द्वारा आयोजित क्वीन्स कॉमनवेल्थ निबंध प्रतियोगिता 2024 के लिए रिटर्निंग निर्णायक के रूप में कार्य किया।

डॉ. शिवानी रहेजा को सितंबर 2024 में स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, सस्त्र विश्वविद्यालय, तंजावुर में डॉक्टरेट समिति सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।

संकाय सदस्यों द्वारा 70 से अधिक शोध-पत्र प्रकाशित किए गए–45 राष्ट्रीय पत्रिकाओं में और 25 अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में। यह शोध इंडियन जर्नल ऑफ फाइनेंस, साउथ एशिया इकोनॉमिक जर्नल और

एनल्स ऑफ द भंडारकर ओरिएंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट जैसी स्कोपस-सूचीबद्ध पत्रिकाओं में प्रकाशित हुआ।

संकाय ने यूनाइटेड किंगडम, चेक गणराज्य और मलेशिया में अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक मंचों पर शोध-पत्र प्रस्तुत किए, जो संस्थान की बढ़ती वैश्विक शैक्षणिक उपस्थिति को दर्शाते हैं।

विभूतियाँ प्राप्त छात्र

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (2024) के छात्र मोक्ष ने नॉर्थ कैंपस इंटर-महाविद्यालय डांस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (2024) के छात्र रुद्रांश कंडेलवाल ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2024-25 में निशानेबाजी में स्वर्ण पदक जीता।

बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी (2024) की छात्रा पारुल ने दिल्ली राज्य कबड्डी चैंपियनशिप 2024-25 में दूसरा स्थान प्राप्त किया

बी.ए. (कार्यक्रम) (2024) के छात्र जीवन अदलखा ने 38वें राष्ट्रीय खेल 2024 में जिम्नास्टिक में स्वर्ण पदक जीता

बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास (तृतीय वर्ष) के छात्र राजेश ने राष्ट्रीय खो-खो चैंपियनशिप में टीम के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया।

आर्यभट्ट महाविद्यालय वॉलीबॉल टीम ने 38वें राष्ट्रीय खेल 2024 में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

आर्यभट्ट महाविद्यालय के छात्र उदय और शगुन ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर-महाविद्यालय जूडो चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय द्वारा 5-6 अक्तूबर, 2024 को आयोजित संसदीय वाद-विवाद प्रतियोगिता, *रेज्म 2.0* में द्वितीय सर्वश्रेष्ठ निर्णायक का स्थान प्राप्त किया।

19-21 अक्तूबर, 2024 को शिवाजी महाविद्यालय में आयोजित *शिवाजी भोसले संसदीय बहस* के 10वें संस्करण में निर्णायक के रूप में उपस्थित हुईं।

प्रकाशन

अदलखा, एम., नाज़, एस., ज़फ़र, एस., और आलम, एम.ए. (2023, 23 नवंबर)। मधुमेह की सटीक भविष्यवाणी के लिए गहन शिक्षण दृष्टिकोण। *सूचना प्रबंधन और मशीन इंटेलिजेंस पर 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही* , 1-6। आईसीआईएमएमआई 2023: सूचना प्रबंधन और मशीन इंटेलिजेंस पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जयपुर, भारत में प्रस्तुत। doi:10.1145/3647444.3647832

देब, एस. (2024a). भारत में महिलाओं की चुनावी भागीदारी के संकेतक. *सामाजिक परिवर्तन* . doi:10.1177/00490857241277286

देब, एस. (2024b). भारत के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मातृ स्वास्थ्य संकेतक। *सामाजिक परिवर्तन* , *54* (3), 423-432. doi:10.1177/00490857241256799

देब, एस. (2025). भारत के राज्यों में सामाजिक क्षेत्र व्यय की अनिवार्यताएँ. *सामाजिक परिवर्तन* , *55* (1), 142-147. doi:10.1177/00490857241311002

कुमार, एन., और गोयल, डी. (2024). भारतीय शेयर बाजार में मूल्य गतिशीलता के समष्टि आर्थिक निर्धारक। *इंडियन जर्नल ऑफ फाइनेंस* , *18* (9), 25. doi:10.17010/ijf/2024/v18i9/174457

सिंह, एके, त्रिपाठी, एपी, जगवानी, पी., और अग्रवाल, एन. (2024). कोविड-19 टीकाकरण: सरकारी संचार के प्रति सोशल मीडिया के वैश्विक उपयोगकर्ताओं का दृष्टिकोण विश्लेषण। *द इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन: त्रैमासिक जर्नल ऑफ द इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन* , *70* (2), 318-331। doi:10.1177/00195561231221805

अंगराल, एस., क्रुमहोल्ज़, एचएम, और शुल्ज़, डब्ल्यूएल (2017)। ब्लॉकचेन तकनीक: स्वास्थ्य सेवा में अनुप्रयोग। *परिसंचरण। हृदय संबंधी गुणवत्ता और परिणाम* , *10* (9)। doi:10.1161/CIRCOUTCOMES.117.003800

अंगराल, एस., क्रुमहोल्ज़, एचएम, और शुल्ज़, डब्ल्यूएल (2017)। ब्लॉकचेन तकनीक: स्वास्थ्य सेवा में अनुप्रयोग। *परिसंचरण। हृदय संबंधी गुणवत्ता और परिणाम* , *10* (9)। doi:10.1161/CIRCOUTCOMES.117.003800

शोर्य, आर., और जगवानी, पी. (2025)। पीयर-टू-पीयर एनर्जी ट्रेडिंग में डिजिटल स्वायत्तता बढ़ाना: एक ब्लॉकचेन और पूर्वानुमानित विश्लेषण दृष्टिकोण। *प्रोसीडिया कंप्यूटर विज्ञान* , *254* , 230-239। doi:10.1016/j.procs.2025.02.082

झा, एस.के. (2024). भारत में चुनावों की निष्पक्षता पर सर्वोच्च न्यायालय के दो निर्णय। *भारतीय लोक प्रशासन पत्रिका: भारतीय लोक प्रशासन संस्थान की त्रैमासिक पत्रिका* , *70* (4), 935-941. doi:10.1177/00195561241277253

सिंह, ए., अरोड़ा, आर., और अरोड़ा, एस. (2024). टिकाऊ परिवहन में अनुप्रयोग के साथ एक नई फर्मेटियन फ़ज़ी बहु-उद्देश्यीय अनिश्चित द्विघात परिवहन समस्या। *ऑपरेशनल रिसर्च में अंतर्राष्ट्रीय लेनदेन: ऑपरेशनल रिसर्च सोसाइटीज़ के अंतर्राष्ट्रीय संघ का एक जर्नल* । doi:10.1111/itor.13513

सिंह, ए., अरोड़ा, आर., वर्मा, आर., और अरोड़ा, एस. (2024). एक नए रैंकिंग फ़ंक्शन पर आधारित न्यूट्रोसॉफ़िक संख्याओं के साथ परिवहन समस्याओं को अनुकूलित करने का एक तरीका। *नियंत्रण विज्ञान अभिलेखागार। पोलिश विज्ञान अकादमी। स्वचालित नियंत्रण और रोबोटिक्स समिति* , 625-640। doi:10.24425/acs.2024.149674

सिंह, डीबी (2025). मध्यम वर्ग खतरा और मुक्तिबोध की कहानियाँ . भाषण सुधा , 43(जनवरी - मार्च) , 95-9 आईएसएसएन 2347-660

अनुसंधान परियोजनाएँ

मनोविज्ञान विभाग के डॉ. अंकित प्रकाश को परियोजना निदेशक के रूप में *'मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण की सांस्कृतिक गतिशीलता: हरियाणा में वृद्धजनों का एक खोजपूर्ण अध्ययन' नामक शोध परियोजना के लिए ₹9,00,000/- की राशि स्वीकृत की गई है* । यह अनुदान आईसीएसएसआर द्वारा प्रदान किया गया है और अप्रैल 2025 से अप्रैल 2026 तक की अवधि के लिए है।

'प्राचीन भारतीय गणित और भारतीय खगोल विज्ञान हेतु आईकेएस शिक्षा प्रशिक्षण केंद्र' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹18,00,000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान शिक्षा मंत्रालय के आईकेएस प्रभाग द्वारा प्रदान किया गया है और अप्रैल 2023 से अप्रैल 2025 तक की अवधि के लिए है।

राजनीति-विज्ञान विभाग के प्रो. सतीश झा को *'21वीं सदी में नवयुगीन राष्ट्रवाद और उसकी सांस्कृतिक जड़ें: वैश्वीकरण के युग में भारत और ब्रिटेन का अध्ययन' नामक शोध परियोजना के लिए* पीआई के रूप में ₹7,50,000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएसएसआर द्वारा प्रदान किया गया है और अप्रैल 2025 से अप्रैल 2026 तक की अवधि के लिए है।

स्वीकृत पेटेंट

चंद्रशेखर निषाद। *विलंब विभेदक समीकरणों का उपयोग करके ट्यूमर वृद्धि और उपचार की गतिशीलता के मॉडलैंगिक के लिए एक प्रणाली और विधि* । पेटेंट कार्यालय, भारत सरकार। पेटेंट 202511015975। 24 फ़रवरी, 2025. राष्ट्रीय।

प्रदीप सिंह। *स्मार्ट ग्लास* । पेटेंट कार्यालय, भारत सरकार। पेटेंट 437415-001। 13 फ़रवरी, 2025. राष्ट्रीय।

आयोजित संगोष्ठियां

दिल्ली विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के संयोजक डॉ. अंकित प्रकाश ने दो दिवसीय आईसीएसएसआर प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान 25-27 फरवरी, 2025 को *'विउपनिवेशित भारत में अनुशासन निर्माण' पर एक संगोष्ठी/भाषण दिया।*

संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन (एसएनसीएफ) के सदस्यों ने 17 फरवरी, 2025 को प्रातः 11:30 बजे संगोष्ठी हॉल में 'जल संरक्षण' विषय पर एक संगोष्ठी/वार्ता आयोजित की। यह संगोष्ठी राष्ट्रीय सेवा योजना और पर्यावरण विज्ञान विभाग, आर्यभट्ट महाविद्यालय द्वारा "प्रोजेक्ट अमृत" के अंतर्गत आयोजित किया गया।

अंग्रेजी विभाग ने *'दलित साहित्य: हाशिये से मुख्यधारा तक - समानता की खोज' विषय पर एक संगोष्ठी/भाषण दिया।*

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

बीकन आईएएस, नई दिल्ली के साथ 2024-25 के लिए समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, आर्यभट्ट महाविद्यालय के प्रो. मनोज सिन्हा संयोजक के रूप में कार्यरत रहे। इस सहयोग के परिणामस्वरूप (1) एनईपी 2020 के इंटर्नशिप, अप्रेंटिसशिप और कम्युनिटी आउटरीच (आईएसी) दिशानिर्देशों के अंतर्गत इंटर्नशिप के अवसर (अवधि: 60 घंटे)। (2) संरचित कार्यशालाओं के माध्यम से सिविल सेवा की तैयारी में कौशल-आधारित प्रशिक्षण।

द माइंड गार्डन, नई दिल्ली के साथ 2024-25 के लिए समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, आर्यभट्ट महाविद्यालय के प्रो. मनोज सिन्हा संयोजक के रूप में कार्यरत रहे। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, (1) छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण में सहायता के लिए मनोवैज्ञानिक परामर्श सत्र आयोजित किए गए।

(2) व्यक्तिगत विकास और तनाव प्रबंधन पर केंद्रित कार्यशालाएं और संगोष्ठी।

2024-25 के लिए द माइंड गार्डन, नई दिल्ली के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, आर्यभट्ट महाविद्यालय के प्रो. मनोज सिन्हा संयोजक के रूप में कार्यरत रहे। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, (1) एनईपी 2020 के इंटर्नशिप, अप्रेंटिसशिप और कम्युनिटी आउटरीच (आईएसी) दिशानिर्देशों के अंतर्गत इंटर्नशिप के अवसर (अवधि: 60 घंटे) (2) छात्रों और पेशेवरों के लिए परामर्श और चिकित्सीय तकनीकों में कौशल-आधारित प्रशिक्षण।

एनईपी 2020 के इंटर्नशिप, अप्रेंटिसशिप और कम्युनिटी आउटरीच (आईएसी) दिशानिर्देशों के तहत इंटर्नशिप के अवसरों के लिए 2024-25, 2025-26 को यूनाइटेड किंगडम के नौवें चतुर्थांश के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए (अवधि: 60 घंटे)।

न्यू एज बैंकिंग में कौशल-आधारित प्रमाणपत्र कार्यक्रम (अवधि: 50 घंटे) के लिए 2025-26, 2026-27 को त्रिग्या स्कूल ऑफ फाइनेंस एंड मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

अन्य सहयोग

प्राचीन भारतीय ज्ञान प्रणालियों पर संकाय विकास कार्यक्रम और शोध पहल आयोजित करने के लिए 2023 से 2025 तक भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के आईकेएस केंद्र के साथ सहयोग। इस सहयोग का उद्देश्य समकालीन शैक्षणिक पाठ्यक्रम में पारंपरिक ज्ञान के एकीकरण को बढ़ावा देना, प्राचीन गणितीय अवधारणाओं की समझ को बढ़ाना और भारत की समृद्ध बौद्धिक विरासत के संरक्षण और प्रसार को प्रोत्साहित करना है। इसका उद्देश्य नवीन और सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक शैक्षिक अनुभव प्रदान करने में संकाय सदस्यों का समर्थन करना भी है।

यूजीसी के एमएम-टीटीपी के अंतर्गत 'आधुनिक युग में वैदिक ज्ञान परंपरा का महत्व' विषय पर 7-दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) सह अल्पकालिक कार्यक्रम के आयोजन हेतु एमएम-टीटीसी रामानुजन महाविद्यालय, दिल्ली के साथ 14-20 नवंबर, 2024 तक सहयोग किया गया। इस सहयोग

का उद्देश्य आधुनिक शिक्षा में वैदिक ज्ञान परंपराओं की प्रासंगिकता के बारे में संकाय सदस्यों की समझ को बढ़ाना, समकालीन शैक्षणिक प्रथाओं में प्राचीन ज्ञान के एकीकरण को प्रोत्साहित करना और गणित के क्षेत्र में नवीन शिक्षण पद्धतियों को बढ़ावा देना है।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत : 150

कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या : 112

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

नॉर्थईस्ट स्टूडेंट्स सोसाइटी द्वारा वार्मथ4ऑल शीतकालीन दान अभियान, वंचितों को आवश्यक वस्तुएं वितरित की गईं।

बेंगलुरु में राष्ट्रीय एकता शिविर और खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 में एनएसएस स्वयंसेवकों की भागीदारी, कार्यक्रम समन्वय और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में सहायता करेगी।

आर्यभट्ट के सामाजिक उद्यमों का समर्थन करें, जिनमें शामिल हैं:

प्रोजेक्ट आराजी - जैविक कीटनाशकों का विकास और परीक्षण किया गया।

प्रोजेक्ट इब्तिदा - कार्बन-नकारात्मक भांग-आधारित उत्पादों का शुभारंभ किया गया।

प्रोजेक्ट पलाश - पुष्प अपशिष्ट से धूपबत्ती का उत्पादन।

अभियान: अबीर (जैविक गुलाल), बंधन (पर्यावरण अनुकूल राखियां) और उत्सव (अत्तर मिश्रित सोया मोम मोमबत्तियां)।

सामुदायिक भावना को बढ़ावा देने के लिए एसएएम एनजीओ में लास्या का अर्ध-शास्त्रीय प्रदर्शन।

PICWIC की बाहरी पहुंच:

विकारा फाउंडेशन एनजीओ में दिवाली समारोह का कवरेज।

सांस्कृतिक प्रदर्शन को प्रोत्साहित करने वाली सहयोगात्मक फोटोग्राफी कार्यशालाएं और फोटोवॉक।

वित्त एवं निवेश प्रकोष्ठ की पहल 'समर्थ', वंचित समुदायों के बीच वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा दे रही है।

सहायना सहकर्मी सहायता पहल, मनोवैज्ञानिक सहकर्मी सहायता, अभिविन्यास सत्र, तथा कम लागत वाली मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की सूची प्रदान करती है।

हेरिटेज सोसाइटी द्वारा महरौली पुरातत्व पार्क का शैक्षिक भ्रमण तथा ओणम और नवरात्रि जैसे सांस्कृतिक उत्सवों का आयोजन किया जाएगा।

महाविद्यालय उत्सव के दौरान लैंगिक संवेदीकरण समिति की **POSH** कार्यशाला, मासिक धर्म जागरूकता सत्र और दृश्य/मौखिक अभियान।

स्वच्छ भारत अभियान, वैश्विक रोटी दिवस वॉक, नशा विरोधी अभियान और सामाजिक न्याय दिवस में एनसीसी कैडेटों की भागीदारी।

आर्यभट्ट इन्क्यूबेशन सेंटर का एडू-हब, अपने उपक्रमों के माध्यम से निःशुल्क शैक्षणिक संसाधन और छात्रवृत्तियां प्रदान करता है।

रंगमंच थिएटर सोसाइटी ने निर्मूल जैसे सामाजिक रूप से जागरूक प्रस्तुतियों का निर्माण किया, जिससे ज्वलंत मुद्दों पर जागरूकता बढ़ी।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय ने अपने विकास में उल्लेखनीय प्रगति की है, जिसमें 55,406 बारकोड वाली पुस्तकें, 11 पत्रिकाएँ और 2022-23 के लिए 1,143 नए शीर्षक शामिल हैं, जिनमें 207 अंग्रेजी में और 936 हिंदी में हैं। यह 11 समाचार पत्रों और पत्रिकाओं की सदस्यता लेता है और NLIST-INFLIBNET के माध्यम से 98,000 से अधिक ई-पुस्तकों और 10,000 से अधिक ई-पत्रिकाओं तक पहुँच प्रदान करता है। दृष्टिबाधित उपयोगकर्ताओं के लिए विशेष संसाधनों में किबो सॉफ्टवेयर और **NVDA** के साथ सुगम्य पुस्तकालय शामिल हैं। संकाय के शोध-प्रबंधों और प्रकाशन को संरक्षण हेतु सावधानीपूर्वक संग्रहीत किया जाता है।

प्रमुख सेवाओं में ओपीएसी, एक संकाय अनुसंधान कोना और छात्र सहायता कोष के माध्यम से उपलब्ध 8,000 से अधिक पुस्तकें शामिल हैं। DRILBRIT सॉफ़्टवेयर द्वारा साहित्यिक चोरी की जाँच की सुविधा उपलब्ध है। पुस्तकालय में एक ई-संसाधन अनुभाग, समाचार-पत्र स्टैंड, फ़िल्टर्ड पेयजल और अग्नि सुरक्षा उपकरण उपलब्ध हैं, जो उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाते हैं। गैलरी ऑफ़ फ़ेम कला और इतिहास को बढ़ावा देती है। पुस्तकालय को ILMS SOUL संस्करण 3.0 में भी अपग्रेड किया गया है, जिससे अंग्रेजी और हिंदी दोनों में संसाधनों की पहुँच सुनिश्चित होती है।

संकाय संख्या:

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	15
सह-प्राचार्य	23
सहायक प्रोफेसर	51
तदर्थ	0
अतिथि	21
उपयोगित निधियां (₹ करोड़ में)	2.86
आवंटित निधियां (₹ करोड़ में)	2.86

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

2014 में अपनी स्थापना के बाद से, आर्यभट्ट महाविद्यालय ने आधुनिक कक्षाओं, प्रयोगशालाओं और पूरी तरह कार्यात्मक पुस्तकालय के विकास सहित उल्लेखनीय अवसंरचनात्मक और शैक्षणिक प्रगति देखी है। एक प्रमुख आकर्षण उन्नत शिक्षण और सह-पाठ्यचर्या स्थानों के साथ एक नए सात-मंजिला शैक्षणिक ब्लॉक का लगभग पूरा होना है। स्थायित्व केंद्रीय बना हुआ है, जिसमें रूफटॉप सौर पैनल और वर्षा जल संचयन प्रणाली परिसर में एकीकृत हैं। नए खेल मैदान ने एथलेटिक्स में महाविद्यालय के प्रदर्शन को और आगे बढ़ाया है।

महाविद्यालय ने खेलों में एक उत्कृष्ट वर्ष मनाया है। रुद्रांश खंडेलवाल ने पैरालिंपिक शूटिंग गेम्स 2024 में भारत का प्रतिनिधित्व किया और खेलो इंडिया यूथ गेम्स में स्वर्ण पदक जीता। लाइफ अदलखा ने जिम्नास्टिक में 38वें राष्ट्रीय खेलों में स्वर्ण पदक जीता। छात्रों ने विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय स्तर पर कुश्ती, जूडो, वॉलीबॉल, कबड्डी और खो-खो में कई पुरस्कार अर्जित किए

एनसीसी कैडेटों ने अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिताओं में अपने सराहनीय प्रदर्शन के माध्यम से ख्याति प्राप्त की, गार्ड्स प्रतियोगिताओं, स्क्वाड ड्रिल्स, सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं और क्विज़ राउंड जैसी स्पर्धाओं में जीत प्राप्त की। कैडेट एलसीपीएल दुष्यंत और अभिषेक असीवाल ने क्रमशः गणतंत्र दिवस और पीएम रैली परेड में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया, और अनुकरणीय समर्पण का प्रदर्शन किया।

छात्रों ने सांस्कृतिक क्षेत्र में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। म्यूजिक सोसाइटी ने आईआईटी रुड़की, बिट्स पिलानी और एसआरसीसी जैसे संस्थानों में कई शीर्ष स्थान जीते। लास्य डांस सोसाइटी की शास्त्रीय और लोक शाखाओं ने कई पुरस्कार अर्जित किए, जिनमें एआरएसडी और स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय में
प्रथम स्थान शामिल हैं। वाद-विवाद करने वालों ने महाराजा अग्रसेन, जेएमसी और रामजस सहित प्रमुख प्रतियोगिताओं में सर्वश्रेष्ठ वक्ता और निर्णायक का पुरस्कार प्राप्त किया। निब्स एंड ब्रशेज़ सोसाइटी ने भित्ति चित्र कला के माध्यम से प्रभावशाली योगदान दिया है और विभिन्न कला समारोहों में पुरस्कार जीते हैं। सदस्य श्रेया चुघ की प्रकाशित पुस्तक सोसाइटी की साहित्यिक उपलब्धियों में और भी इज़ाफ़ा करती है।

****

आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

आत्मा राम सनातन धर्म (एआरएसडी) महाविद्यालय ने शिक्षा, अनुसंधान, स्थिरता और सांस्कृतिक गतिविधियों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं। इस महाविद्यालय को सभी डीयू महाविद्यालयों में सर्वोच्च NAAC मान्यता स्कोर प्राप्त है, जिसमें A++ ग्रेड और 7 का CGPA है।

राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2024 में, एआरएसडी ने महाविद्यालय श्रेणी में 984 के उत्कृष्ट शोध स्कोर के साथ पाँचवाँ स्थान प्राप्त किया, जो भारत में दूसरा सर्वोच्च स्कोर है। इसका परसेप्शन स्कोर 2014 के 17 से बढ़कर 2020 में 587 हो गया। विषयवार, बी.ए. राजनीति-विज्ञान में यह पाँचवाँ, बी.ए. इतिहास में सातवाँ, वाणिज्य में आठवाँ, कला में नौवाँ और विज्ञान में 15वाँ स्थान प्राप्त किया।

महाविद्यालय को एपेक्स एसडीजी, हैदराबाद द्वारा "इको-एसडीजी चैंप 2024" के रूप में सम्मानित किया गया है, और पर्यावरणीय स्थिरता में उत्कृष्ट प्रयासों के लिए भारत सरकार के एमएसएमई के तहत नेशनल एडुट्रस्ट ऑफ इंडिया द्वारा दक्षिण पश्चिम दिल्ली के लिए "जिला पर्यावरण चैम्पियनशिप पुरस्कार 2024-25" प्राप्त हुआ है।

एआरएसडी को कौशल-से-उद्यमिता कार्यक्रम के अंतर्गत एक्शन रिसर्च प्रोजेक्ट के उत्कृष्ट समापन के लिए "उत्कृष्टता प्रमाणपत्र" से सम्मानित किया गया। इसने 10वें रंगशीर्ष जयदेव रंगमंच महोत्सव (28-30 जनवरी, 2025) की भी मेजबानी की।

महाविद्यालय ने दिल्ली विश्वविद्यालय वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी में सात पुरस्कार जीते, जिनमें दो प्रथम पुरस्कार, एक तृतीय पुरस्कार और बागवानी में उत्कृष्टता के लिए चार प्रशस्ति पत्र शामिल हैं।

शिक्षण और शिक्षणेत्तर कार्मिकों के सम्मान/विभूतियाँ

भौतिकी विभाग के डॉ. मनीष कुमार को चंडीगढ़ विश्वविद्यालय के अनुसंधान एवं विकास केंद्र (यूसीआरडी) में “सहायक संकाय” के पद के लिए अनुशंसित किया गया।

विज्ञान और इंजीनियरिंग में महिला पोस्ट-डॉक्टरल फेलोशिप (WISE-PDF) डॉ. पूनम कुमारी, पूर्व पीएच.डी. छात्रा (प्रो. सुनीता भगत, रसायन-विज्ञान विभाग, एआरएसडी महाविद्यालय के मार्गदर्शन में) को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा 36,12,000/- रुपये के कुल परियोजना अनुदान के साथ प्रदान की गई।

अम्ब्रेला स्कीम एस एंड टी संस्थागत और मानव क्षमता निर्माण के तहत रासायनिक विज्ञान में अनुसंधान के लिए डीएसटी, भारत सरकार द्वारा प्रतिष्ठित फेलोशिप WISE-PDF के लिए 42,62,960/- रुपये (तीन वर्ष की अवधि के लिए) की निधि की मंजूरी एआरएसडी महाविद्यालय के रसायन-विज्ञान विभाग की प्रोफेसर सुनीता भगत के मार्गदर्शन में डॉ पूनम कुमारी, WISE-PDF को दी गई।

भौतिकी विभाग की डॉ. अंजलि शर्मा कौशिक ने पतली फिल्मों के लिए एक थर्मोइलेक्ट्रिक मापन सेटअप विकसित किया है और इस तकनीक को एक उद्योग मेसर्स ऑप्टोकेम इंटरनेशनल को हस्तांतरित कर दिया है।

दिल्ली विश्वविद्यालय के वार्षिक पुरस्कार समारोह में भौतिकी विभाग की डॉ. अंजलि शर्मा कौशिक को "सेवारत शिक्षक (45 वर्ष से कम आयु) के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार" से सम्मानित किया गया।

प्रोफेसर (कैप्टन) संदीप को एनसीसी में उनके उत्कृष्ट समर्पण और अनुकरणीय योगदान के लिए अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) एनसीसी पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया है।

विभूतियाँ प्राप्त छात्र

बी.ए. राजनीति-विज्ञान (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष के छात्र आदित्य अग्रहरि को 12 अक्तूबर, 2024 को राम लाल आनंद महाविद्यालय के सूक्ष्म जीव-विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित पारंपरिक वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम सर्वश्रेष्ठ वक्ता के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

बी.ए. राजनीति-विज्ञान (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष के छात्र क्षितिज कुमार ने 15 अक्तूबर, 2024 को गांधी स्टडी सर्कल, कमला नेहरू महाविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर-महाविद्यालय पारंपरिक वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.ए. राजनीति-विज्ञान (ऑनर्स) प्रथम वर्ष के छात्र हर्षवर्द्धन श्रीवास्तव ने विकसित भारत क्लब और अभिव्यक्ति वाद-विवाद समिति, जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय द्वारा 17 अक्तूबर, 2024 को आयोजित इंटर-महाविद्यालय टर्नकोट वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.ए. (कार्यक्रम) द्वितीय वर्ष के छात्र रजनीश कुमार को 19 अक्तूबर, 2024 को राजधानी महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित मंत्रणा: अंतर-महाविद्यालय द्विभाषी पारंपरिक वाद-विवाद प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ वक्ता (के लिए) से सम्मानित किया गया।

बी.ए. (कार्यक्रम) द्वितीय वर्ष के छात्र रजनीश कुमार को 22 अक्तूबर, 2024 को राजधानी महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित मंत्रणा: अंतर-महाविद्यालय द्विभाषी पारंपरिक वाद-विवाद प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ वक्ता (के लिए) से सम्मानित किया गया।

सिमर बग्गा, बी.कॉम तृतीय वर्ष। वेदिका जयसवाल इको (ऑनर्स) **III**वर्ष, और युवराज जिंदल, बी.एससी मैथ्स **II**, ने 23-27 अक्तूबर, 2024 को बिट्स पिलानी के फोटोग्राफी और फिल्म निर्माण क्लब द्वारा आयोजित मेटामोर्फोसिस: लघु फिल्म निर्माण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान जीता।

बी.ए. राजनीति-विज्ञान (ऑनर्स) प्रथम वर्ष के छात्र आयुष भारद्वाज और बी.ए. राजनीति-विज्ञान (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष के छात्र आदित्य अग्रहरि ने यूथ स्फीयर द्वारा 16-18 नवंबर, 2024 को आयोजित विवाद शिखर सम्मेलन: वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.ए. राजनीति-विज्ञान (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष की छात्रा रत्ना कुमारी ने यूथ स्फीयर द्वारा 16-18 नवंबर, 2024 को आयोजित विवाद शिखर सम्मेलन: वाद-विवाद प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार जीता।

बी.ए. राजनीति-विज्ञान (ऑनर्स) तृतीय वर्ष के छात्र करण किशोर ने यूथ स्फीयर द्वारा 16-18 नवंबर, 2024 को आयोजित विवाद शिखर सम्मेलन: वाद-विवाद प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार जीता।

आयुष भारद्वाज, बी.ए. राजनीति-विज्ञान (ऑनर्स) प्रथम वर्ष के छात्र, और मोहन मिश्रा, बी.ए. राजनीति-विज्ञान (ऑनर्स) प्रथम वर्ष के छात्र, ने आर्यभट्ट महाविद्यालय द्वारा 17-18 नवंबर, 2024

को आयोजित तत्वचिंतन: नौसिखिया संसदीय वाद-विवाद प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ टीम का पुरस्कार जीता।

बी.एससी.आईसी (पी) द्वितीय वर्ष की छात्रा सिमर बग्गा ने सिनेफाइल में सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र का पुरस्कार जीता: विवेकानंद स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज द्वारा 19 नवंबर, 2024 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव।

बी.कॉम (ऑनर्स) तृतीय वर्ष के छात्र प्रिंस ने 14 जनवरी, 2025 को सेंट स्टीफन महाविद्यालय की फोटोग्राफिक सोसाइटी द्वारा आयोजित ऑनलाइन फोटोस्टोरी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.ए. राजनीति-विज्ञान (ऑनर्स) प्रथम वर्ष के छात्र हर्षवर्धन श्रीवास्तव और बी.ए. राजनीति-विज्ञान (ऑनर्स) प्रथम वर्ष के छात्र आयुष भारद्वाज ने मैत्रेयी महाविद्यालय द्वारा 22-23 जनवरी, 2025 को आयोजित अंतर-महाविद्यालय पारंपरिक वाद-विवाद प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ टीम का पुरस्कार जीता।

बी.ए. (कार्यक्रम) द्वितीय वर्ष के छात्र रजनीश कुमार और बी.ए. राजनीति-विज्ञान (ऑनर्स) प्रथम वर्ष के छात्र हर्षवर्धन श्रीवास्तव ने 31 जनवरी, 2025 को पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर-महाविद्यालय पारंपरिक वाद-विवाद प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ टीम का पुरस्कार जीता।

बी.ए. राजनीति-विज्ञान (ऑनर्स) प्रथम वर्ष के छात्र हर्षवर्धन श्रीवास्तव को 31 जनवरी, 2025 को पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर-महाविद्यालय पारंपरिक वाद-विवाद प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ वक्ता (विरुद्ध) का पुरस्कार दिया गया।

बी.ए. (कार्यक्रम) द्वितीय वर्ष की छात्रा महक मौर्य और बी.ए. राजनीति-विज्ञान (ऑनर्स) प्रथम वर्ष के छात्र आदित्य अग्रहरि ने 2 फरवरी, 2025 को दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म द्वारा आयोजित स्वामी विवेकानंद मेमोरियल राष्ट्रीय द्विभाषी पारंपरिक वाद-विवाद प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ टीम का पुरस्कार जीता।

बी.ए. (कार्यक्रम) द्वितीय वर्ष की छात्रा नित्या आहूजा को मैत्रेयी महाविद्यालय द्वारा 11 फरवरी, 2025 को आयोजित अंतर-महाविद्यालय पारंपरिक वाद-विवाद प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ वक्ता के रूप में सम्मानित किया गया।

बी.एससी. भौतिकी (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष के छात्र अबीर भुंया को 14 फरवरी, 2025 को आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा आयोजित अंतर-महाविद्यालय द्विभाषी पारंपरिक वाद-विवाद प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ वक्ता के रूप में सम्मानित किया गया।

बी.ए. राजनीति-विज्ञान (ऑनर्स) प्रथम वर्ष के छात्र हर्षवर्धन श्रीवास्तव को 14 फरवरी, 2025 को आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा आयोजित अंतर-महाविद्यालय द्विभाषी पारंपरिक वाद-विवाद प्रतियोगिता में द्वितीय सर्वश्रेष्ठ वक्ता के रूप में सम्मानित किया गया।

बी.ए. (कार्यक्रम) द्वितीय वर्ष के छात्र ऋषि कांत ने दौलत राम महाविद्यालय की फिल्म और फोटोग्राफी सोसाइटी द्वारा 19 फरवरी, 2025 को आयोजित ऑनलाइन ग्राफिक डिजाइनिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (कार्यक्रम) द्वितीय वर्ष की छात्रा महक मौर्य और बी.ए. राजनीति-विज्ञान (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष के छात्र आदित्य अग्रहरि ने 21 फरवरी, 2025 को लेडी इरविन महाविद्यालय द्वारा आयोजित डॉ. कलाम सीरीज: राष्ट्रीय विज्ञान और पर्यावरण पारंपरिक वाद-विवाद प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ टीम का पुरस्कार जीता।

बी.ए. (कार्यक्रम) तृतीय वर्ष की छात्रा शिवांगी शर्मा और बी.एससी. आईसी (पी) तृतीय वर्ष के छात्र धीरज कुमार ने अंतर-महाविद्यालय पारंपरिक वाद-विवाद प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ टीम का पुरस्कार जीता।

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान की फोटोग्राफी सोसाइटी द्वारा आयोजित ऑनलाइन फोटोग्राफी प्रतियोगिता में बी.कॉम तृतीय वर्ष के छात्र प्रिंस ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

बी.ए. राजनीति-विज्ञान (ऑनर्स) प्रथम वर्ष के छात्र हर्षवर्धन श्रीवास्तव ने 24 फरवरी को जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा आयोजित अंतर-विश्वविद्यालय पारंपरिक वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.ए. (कार्यक्रम) द्वितीय वर्ष के छात्र रजनीश कुमार ने 24 फरवरी को जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा आयोजित अंतर-विश्वविद्यालय पारंपरिक वाद-विवाद प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार जीता।

बी.ए. (कार्यक्रम) द्वितीय वर्ष की छात्रा महक मौर्य और बी.ए. राजनीति-विज्ञान (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष के छात्र आदित्य अग्रहरि ने 2 मार्च, 2025 को दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म द्वारा आयोजित स्वामी विवेकानंद मेमोरियल राष्ट्रीय द्विभाषी पारंपरिक वाद-विवाद प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ टीम का पुरस्कार जीता।

बी.ए. राजनीति-विज्ञान (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष के छात्र रितेश डोंगरे ने 4 मार्च, 2025 को डॉ. बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर-महाविद्यालय एक्सटेम्पोर प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.कॉम (ऑनर्स) तृतीय वर्ष के छात्र प्रिंस ने 4 मार्च, 2025 को श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय की इफुलजेंस: फोटोग्राफी सोसाइटी द्वारा आयोजित स्पॉट फोटोस्टोरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.कॉम (ऑनर्स) तृतीय वर्ष के छात्र प्रिंस ने 4 मार्च, 2025 को भारती महाविद्यालय के इको-क्लब द्वारा आयोजित ऑनलाइन फोटोग्राफी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.कॉम (ऑनर्स) तृतीय वर्ष के छात्र प्रिंस ने 5 मार्च, 2025 को एआरएसडी महाविद्यालय के रसायन-विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित ऑन द स्पॉट फोटोग्राफी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय द्वारा आयोजित तेजस गुर्टू मेमोरियल डिबेट में बी.ए.पोल्ससी (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष की छात्रा उमंग और मिष्ठी ने सर्वश्रेष्ठ टीम का पुरस्कार जीता। फाइनल में मिष्ठी को सर्वश्रेष्ठ वक्ता का पुरस्कार दिया गया।

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय द्वारा आयोजित तेजस गुर्टू मेमोरियल डिबेट में बी.ए. राजनीति-विज्ञान (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष के छात्र सार्थक को सर्वश्रेष्ठ वक्ता का पुरस्कार दिया गया।

धर्मेन्द्र चौधरी, पूर्व कैडेट, को कठोर एसएसबी प्रक्रिया के माध्यम से 17 सशस्त्र बल सेवा चयन बोर्ड (एसएसबी) बैंगलोर से अनुशंसित किया गया।

प्रकाशन

रानी, ए., खान, जे., चौधरी, एल., कुमार, एम., झा, ए., पांडे, जी., और नंद, बी. (2025)। अल्जाइमर की दवाओं की चिकित्सीय क्षमता का पता लगाना: एक व्यापक समीक्षा। *टेट्राहेड्रॉन* , (134517), 13451 doi:11016/j.tet.202134517

रविंशु, पांडे, आर., और ठाकुर, ओ.पी. (2025)। निम्न-तापमान सिन्टर किए गए सीसा-रहित KxNa(1−x)NbO3 सिरेमिक के बैटरी-सदृश व्यवहार, प्रतिरोधक स्विचिंग और प्रकाशिक गुणों की जाँच। *इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री कम्युनिकेशंस* , *174* (113924), 11392 doi:11016/j.inoche.202113924

असलम, एम., रानी, ए., सिंह, आर., नंद, बी., वर्मा, सी., अलफंताज़ी, ए., ... सिंह, पी. (2025)। उन्नत संक्षारण सुरक्षा के लिए गहरे यूटेक्टिक सॉल्वैंट्स का उपयोग:एक समीक्षा। *जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर लिक्विड्स* , *422* (126919), 12691 doi:11016/j.molliq.202126919

रितु, कुमार, टी., जाह्नवी, कुमार, के., धीमान, एन., और शर्मा, एम.के. (2025)। फ़ज़ी परिवहन मॉडल को अनुकूलित करने के लिए नवीन पाइथागोरस फ़ज़ी स्कोर फ़ंक्शन। *रिजल्ट्स इन इंजीनियरिंग* , *25* (104048), 10404 doi:11016/j.rineng.202104048

श्रीवास्तव, ए.एन., मिलन, के., सिंह, एन.पी., सिंह, डी.वी., कुमार, एम., चौधरी, वी., और डबास, एस. (2024). समन्वय यौगिकों से डिज़ाइन किए गए विद्युत-रासायनिक बायोसेंसर: *हालिया प्रगति और भविष्य के दृष्टिकोण। ईसीएस सेंसर्स प्लस।* doi:11149/2754-2726/ada394

आलम, एस.एम., सरवर, एम., सादिक, एम., भट, एम.एन., तोमर, एम., और अली, जे. (2025)। धातु नैनोकणों से सजे छिद्रयुक्त बहुदीवार वाले कार्बन नैनोट्यूब में अमोनिया गैस संवेदन गुणों में वृद्धि: Mn की सांद्रता का प्रभाव। *एडवांसेज इन नेचुरल साइंसेज नैनोसाइंस एंड नैनोटेक्नोलॉजी, 16* (1), 01500 doi:11088/2043-6262/ada000

चौधरी, एम.वाई., गुप्ता, एम., बंसल, पी., शर्मा, वाई.एस., धीर, एन., कांत, ए., यादव, एस. (2025)। एलिल ट्राइफेनिल फॉस्फोनियम ब्रोमाइड, एक आयनिक द्रव जो हाइड्रोक्लोरिक अम्ल में एल्युमीनियम के संक्षारण के लिए एक पर्यावरण-अनुकूल और हरित अवरोधक है: *यांत्रिक अंतर्दृष्टि और प्रयोगात्मक*

सत्यापन। पर्यावरण के लिए सतत रसायन-विज्ञान, 9 (100206), 10020 doi:11016/j.scenv.202100206

ढींगरा, ए., ठाकुर, ओ.पी., और पांडे, आर. (2025)। एएल-डोप्ड स्ट्रोंटियम हेक्साफेराइट्स के चुंबकीय गुण, माइक्रोवेव अवशोषण और ईएमआई परिरक्षण अध्ययन। *इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री कम्युनिकेशंस, 173* (113810), 11381 doi:11016/j.inoche.202113810

सिंह, जेपी, शर्मा, ए., वर्मा, एम., तोमर, एम., और चौधरी, ए. (2025)। यूवी-सक्रिय MoO3 लेपित क्वार्ट्ज क्रिस्टल माइक्रोबैलेंस (QCM) सेंसर का उपयोग करके कमरे के तापमान पर डाइब्यूटाइल सल्फाइड (DBS) के ट्रेस-स्तर पर पता लगाने की क्रियाविधि। *सेंसर और एक्चुएटर्स। बी, केमिकल, 426* (137102), 13710 doi:11016/j.snb.202137102

जैन, पी., अंसारी, एम.आर., शंकर, एस., ठाकुर, ओ.पी., और पेटा, के.आर. (2025)। उन्नत जलविद्युत सेलों और स्यूडोकैपेसिटरों के लिए Al3+-प्रतिस्थापित मैग्नीशियम फेराइट ($MgAl_xFe2-xO4$): संरचनात्मक, रूपात्मक और विद्युतीय अध्ययनों में अंतर्दृष्टि। *मैटेरियल्स रिसर्च बुलेटिन, 183* (113196), 11319 doi:11016/j.materresbull.202113196

प्रिसिला, फिश, एमआर, मीना, एच., तोमर, एस., गथानिया, ए.के., कुमार, एस., ... सिंह, जी. (2025)। कम लागत वाले प्रदर्शन अनुप्रयोगों के लिए पारंपरिक संरेखण परतों के बिना आईटीओ नमूना कोशिकाओं में नेमैटिक लिक्विड क्रिस्टल 4-सायनो-4′-पेंटाइलबाइफिनाइल के संरेखण और परावैद्युत गुणों पर कार्बन डॉट्स के साथ डोपिंग का प्रभाव। *जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर, 1321* (139894), 13989 doi:11016/j.molstruc.202139894

कुमार, आर., साहू, एस., एल्फिकी, एम., पांडे, आर., यादव, आरएम, टैन, डब्ल्यूके, ... यूसरी, एसएम (2025)। सुपरकैपेसिटर में इलेक्ट्रोड के लिए माइक्रोवेव विकिरण-प्रेरित पैलेडियम नैनोकण-मध्यस्थता छिद्रण और अपचयित ग्रेफीन ऑक्साइड नैनोशीट्स कम्पोजिट की सजावट। *डायमंड एंड रिलेटेड मैटेरियल्स, 152* (111924), 11192 doi:11016/j.diamond.202111924

पप्पू, रस्तोगी, एस., और श्रीवास्तव, एस. (2025). अंतिम सकारात्मकता, विक्षोभ और विलंबित अर्धसमूह। सकारात्मकता। *सकारात्मकता के सिद्धांत और अनुप्रयोगों को समर्पित एक अंतर्राष्ट्रीय गणित पत्रिका, 29* (1)। doi:11007/s11117-024-01105-9

विधि, सादिक, एम., सिंह, ए.के., और ठाकुर, ओ.पी. (2025)। उच्च प्रदर्शन वाले सुपरकैपेसिटर के लिए उन्नत rGO-संशोधित त्रिगुण Cu-डोपेड $NiFe2O4/TiO_2$ इलेक्ट्रोड के निर्माण और विद्युत-रासायनिक अंतर्दृष्टि। *सिरेमिक्स इंटरनेशनल, 51* (5), 5679-569 doi:11016/j.ceramint.2021016

सैनी, के., शर्मा, आर., शर्मा, ए.के., पानी, बी., और सरकार, ए. (2025)। कुशल विद्युत-उत्प्रेरक और प्रकाश-उत्प्रेरक अनुप्रयोगों के लिए α-MoO3 की विषम-नैनो संरचनाओं के अनुकूलन का अन्वेषण। *कैटेलिसिस टुडे, 445* (115092), 11509 doi:11016/j.cattod.202115092

कुमार, पी., कुमार, एम., सिंह, डी.वी., डबास, एस., और द्विवेदी, डी.के. (2025)। चमकदार सीसा-रहित हैलाइड पेरोव्स्काइट्स पर आधारित श्वेत प्रकाश उत्सर्जक डायोड पर उभरते अद्यतन और भविष्य की दिशाएँ। *मैटेरियल्स लेटर्स* , *379* (137671), 13767 doi:11016/j.matlet.202137671

चौधरी, जे.एस., धारीवाल, एन., ग्रोवर, के., तोमर, एम., झा, आर., और शर्मा, ए. (2025)। लचीले पीईडीओटी: पीएसएस-आधारित फोटो-थर्मोइलेक्ट्रिक जनरेटर द्वारा उन्नत ऊर्जा संचयन। *एसीएस एप्लाइड एनर्जी मैटेरियल्स*, *8* (1), 611-62 doi:11021/acsaem.4c02925

वर्मा, ए.ए., द्विवेदी, डी.के., लोहिया, पी., सिंह, पी.के., यादव, आर.के., कुमार, एम., ... कुलश्रेष्ठ, यू. (2025)। सिनर्जिस्टिक डायोन-जैकबसन 2डी-3डी परत डिज़ाइन के माध्यम से पेरोव्स्काइट सौर कोशिकाओं में 316% दक्षता प्राप्त करना। *जर्नल ऑफ अलॉयज़ एंड कंपाउंड्स* , *1010* (177882), 17788 doi:11016/j.jallcom.202177882

जैन, पी., बिस्वास, आर., सैकिया, एल., दत्ता, ए., ठाकुर, ओ.पी., और शंकर, एस. (2025)। Mn/Gd सह-प्रतिस्थापित कोबाल्ट फेराइट हाइड्रोइलेक्ट्रिक सेलों और उनकी ऑक्सीजन विकास अभिक्रिया का उपयोग करके लागत-प्रभावी हरित ऊर्जा का उत्पादन। *जर्नल ऑफ अलॉयज़ एंड कंपाउंड्स* , *1010* (177419), 17741 doi:11016/j.jallcom.202177419

थैबेट, एम.जी., असलम, एम., सिंह, पी., और बॉन्डल, जी.एम. (2025)। सिलिका-समर्थित Bi2O3Cr2O3 नैनोकंपोजिट: पाइरानो[3,2-c]क्रोमीन्स संश्लेषण और डीएफटी अध्ययनों के लिए कुशल उत्प्रेरक। *जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर* , *1319* (139624), 13962 doi:11016/j.molstruc.202139624

वर्मा, ए.ए., द्विवेदी, डी.के., लोहिया, पी., अग्रवाल, एस., कुलश्रेष्ठ, यू., कुमार, एम., और पांडे, आर. (2025)। रैखिक और परवलयिक ग्रेडिंग रणनीतियों के माध्यम से सीसा-रहित सीएस $_2$ टीआईआई $_x$ बीआर $_{6-एक्स}$ पेरोव्स्काइट सौर कोशिकाओं की दक्षता बढ़ाना: 318% दक्षता की ओर। *प्रोग्रेस इन फोटोवोल्टिक्स* । doi:11002/pip.3895

पटवा, आर., रोहिल्ला, एस., ज्योति सैनी, और गोयल, एन. (2025)। धातु ऑक्साइड ZnO/CuO/Ag के नैनोकंपोजिट का सह-अवक्षेपण द्वारा संरचनात्मक और स्पेक्ट्रोस्कोपी विश्लेषण: प्रकाश-उत्प्रेरक में संभावित अनुप्रयोग। *सेरामिक्स इंटरनेशनल* । doi:11016/j.ceramint.2020242

सक्सेना, ए., गुप्ता, टी.के., श्रीवास्तव, ए.के., शर्मा, एस., विश्वकर्मा, ए.के., और कुमार, ए. (2025)। बाध्य सीमित विरूपण स्थितियों में घर्षण विक्षोभ प्रसंस्कृत मिश्रित पदार्थ के प्लास्टिक प्रवाह व्यवहार पर AlCoCrFeNiCuSn HEA सुदृढीकरण कणों का प्रभाव। *मैटेरियल्स टुडे। कम्युनिकेशंस* , *42* (111084), 11108 doi:11016/j.mtcomm.202111084

कुमार, एम., कुमार, एम., सिंह, डी.वी., शर्मा, एस., द्विवेदी, डी.के., अंशुल, ए., ... पुंडीर, एस.के. (2025)। Er-BiFeO3 आधारित पेरोव्स्काइट सौर सेल हेटरोस्ट्रक्चर की इंटरफेसियल जटिल गतिशील

प्रक्रियाओं पर जाँच। *इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री कम्युनिकेशंस* , *171* (113587), 11358 doi:11016/j.inoche.202113587

चित्रलेखा, शंकर, एस., और सिंह, ए.पी. (2024). दुर्लभ मृदा-आधारित कंपोजिट में घटकों के सहक्रियात्मक प्रभाव: जल विभाजक अनुप्रयोगों के लिए उन्नत संरचनात्मक, विद्युतीय और चुंबकीय गुण। *जर्नल ऑफ रेयर अर्थ्स* । doi:11016/j.jre.2020018

कुमार, वी., शर्मा, एच., यादव, एम.के., कुमार, एस., राणा, डी.के., सिंह, वी.एन., और सुरभि। (2025)। रोडामाइन ब्लू डाई के अपघटन के लिए सीबीडी द्वारा कॉपर-कोटेड CuS कोर-शेल नैनोकणों का संश्लेषण। *जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक मैटेरियल्स* , *54* (1), 499-50 doi:11007/s11664-024-11573-0

मिश्रा, यू., गौतम, बी., कुमारी, पी., माथुर, डी., जैन, पी., प्रीतम, ए., कुमार, आर. (2025)। सल्फोनिल हाइड्रैज़ाइड्स के माध्यम से सीएस बॉन्ड के संश्लेषण में हालिया प्रगति। *जर्नल ऑफ सल्फर केमिस्ट्री* , *46* (1), 94-14 doi:11080/17415992022420796

गुंजन, भगत, एन., चौधरी, ए., कुमारी, पी., कुमार, पी., और भगत, एस. (2024). फ्लोरीनेटेड अमीनो पाइरीमिडीन का वन-पॉट संश्लेषण: सार्स-सीओवी-2 एम $^{\text{प्रो}}$ अवरोधन के लिए आणविक डॉकिंग, एडीएमई और डीएफटी अंतर्दृष्टि। *केमिस्ट्रीसेलेक्ट* , *9* (47)। doi:11002/slct.202403683

मीना, एच., वार्ष्णेय, डी., मल, एस., प्रकाश, जे., कास्टाग्ना, आर., और सिंह, जी. (2024). साइनोबाइफिनाइल आधारित लिक्विड क्रिस्टल के आणविक संरेखण, परावैद्युत और स्मृति प्रभाव पर CsPbBr3 पेरोव्स्काइट क्वांटम डॉट्स का प्रभाव। *जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर लिक्विड्स* , *416* (126480), 12648 doi:11016/j.molliq.202126480

आचार्य, टीआर, चौधरी, डीके, लामिछाने, पी., जोशी, एसके, गौतम, एस., कौशिक, एन., … कौशिक, एनके (2024). ZnO पतली फिल्म की उन्नत इथेनॉल गैस संवेदन विशेषताओं पर एल्युमिनियम डोपिंग का प्रभाव। *सेरामिक्स इंटरनेशनल* , *50* (24), 55143-5515 doi:11016/j.ceramint.2021364

शगोलसेम, बी.ए.स, सिंह, एनएच, लीशांगथेम, एन., सिंह, एनआर, सिंह, एनपी, और सिंह, एनएम (2024). चुंबकीय सक्रियता वाले सह-डोप्ड टिन डाइऑक्साइड नैनोकंपोजिट का पादप-संश्लेषण और रंगों व कीटनाशकों पर इसके प्रकाश उत्प्रेरकीय प्रदर्शन का आकलन। *सेरामिक्स इंटरनेशनल* , *50* (24), 54420-5443 doi:11016/j.ceramint.2021297

डबास, एस., कुमार, एम., वीर सिंह, डी., और कुमार, पी. (2024). हरित ऊर्जा रूपांतरण और स्पिनट्रॉनिक अनुप्रयोगों के लिए बहुक्रियाशील पेरोव्स्काइट सामग्रियों पर अत्याधुनिक तकनीकें और हालिया आधुनिकीकरण। *मैटेरियल्स लेटर्स* , *377* (137389), 13738 doi:11016/j.matlet.202137389

तलरेजा, आर.के., सेबल, एच., चौधरी, वी., कादियान, एस., सिंह, एम., कुमार, एम., खोसला, ए. (2024). समीक्षा–पाँचवीं/छठी पीढ़ी के बुद्धिमान नैनोमटेरियल-सक्षम बायोसेंसरों के प्रयोगशाला से क्लिनिक में रूपांतरण की चुनौतियाँ । ईसीएस $^{\text{सेंसर्स}}$ प्लस , 3 (4), 04160 doi:11149/2754-2726/ad9f7e

प्रजापत, ए., असलम, एम., राणा, आई., रंजन, के.आर., सिंह, पी., वर्मा, सी., ... कुमारी, के. (2024). जलीय विलयन में ZnO/मिश्रित ZnO का उपयोग करके कांगो रेड के अवशोषण में कम्प्यूटेशनल समर्थित प्रयोगात्मक अंतर्दृष्टि। *साइंटिफिक रिपोर्ट्स* , *14* (1), 2718 doi:11038/s41598-024-77619-9

यादव, एस., सेवरिया, एस., रमन, एपीएस, अरुण, सिंह, पी., चंद्रा, आर., ... कुमारी, के. (2024). हीमोग्लोबिन के साथ थिफ्लुज़ामाइड की परस्पर क्रिया की जाँच के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स* , *282* (भाग 2), 13673 doi:11016/j.ijbiomac.202136736

सिंह, जे., गौतम, एस., सिंह, एम.बी., सिंह, पी., और कुमार, यू. (2024). नए इंडोल-थियोसेमीकार्बाज़ोन लिगैंड और उनके Fe(III), co(II), Ni(II), cu(II) के साथ संकुलों के संश्लेषण, DFT, आणविक डॉकिंग और रोगाणुरोधी अध्ययन। *रसायन-विज्ञान और जैव विविधता* , *21* (12), e20240130 doi:11002/cbdv.202401301

यादव, एस., असलम, एम., प्रजापत, ए., मैसी, आई., नंद, बी., कुमार, डी., अलफंताज़ी, ए. (2024). आणविक डॉकिंग और आणविक गतिकी सिमुलेशन का उपयोग करके स्तनधारियों और ज़ेब्राफ़िश में पाए जाने वाले टीएलआर4 रिसेप्टर प्रोटीन के साथ कीटनाशकों के बंधन की जाँच करें। *साइंटिफिक रिपोर्ट्स* , *14* (1), 2450 doi:11038/s41598-024-75527-6

प्रताप सिंह रमन, ए., कुमार, डी., कुमारी, के., जैन, पी., बहादुर, आई., अबेदिगम्बा, ओ.पी., ... सिंह, पी. (2024). डीएफटी गणनाओं और आणविक गतिकी सिमुलेशन के माध्यम से सीएचआईकेवी और हार्मोन के एनएसपी2 और एनएसपी3 के बीच परस्पर क्रिया के लिए कम्प्यूटेशनल अंतर्दृष्टि। *रसायन-विज्ञान और जैव विविधता* , *21* (12), e20240124 doi:11002/cbdv.202401241

यादव, एस., प्रजापत, ए., असलम, एम., कुमार, एस., कबाने, बी., बहादुर, आई., ... सिंह, टी. (2024). कार्बोक्जिलिक अम्लों के साथ डीईएस स्थिरता और प्रतिक्रियाशीलता की अंतर्दृष्टि: एक कम्प्यूटेशनल दृष्टिकोण। *जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल बायोफिज़िक्स एंड केमिस्ट्री* , *23* (10), 1303-132 doi:11142/s2737416524500443

चित्रलेखा, प्रतिभा, के., आनंद, ए., चौबे, आर.के., गौरव, एस., शंकर, एस., और सिंह, ए.पी. (2024). जल विखंडन की क्रियाविधि को समझने के लिए त्रि-आयामी प्रणालियों के बहुलौह गुणों का अन्वेषण। *सेरामिक्स इंटरनेशनल* , *50* (23), 51307-5132 doi:11016/j.ceramint.2021047

कुमार, टी., चौधरी, एस., कुमार, के., धनुक, के., और शर्मा, एम.के. (2024). अंतर्ज्ञानवादी टाइप-2 और टाइप-1 फ़ज़ी वातावरण में ट्रांसशिपमेंट लागत को अनुकूलित करने के लिए गतिशील रैंकिंग फ़ंक्शन। *सिस्टम और सॉफ्ट कंप्यूटिंग* , *6* (200153), 20015 doi:11016/j.sasc.202200153

जबीन, एफ., गुप्ता, एन.के., खान, एम.एस., पांडे, आर., सिंह, एम.एन., कुमार, ए., और शाहिद, आर. (2024). उच्च तापमान पीज़ोइलेक्ट्रिक अनुप्रयोगों के लिए 7Bi95Sm05Fe1-xGaxO3-3BaTiO3

मिश्रित सिरेमिक प्रणाली के विद्युत, परावैद्युत और बहुलौह गुणों का अध्ययन। *मैटेरियल्स टुडे। कम्युनिकेशंस* , *41* (110543), 11054 doi:11016/j.mtcomm.202110543

कुमार, आर., साहू, एस., पांडे, आर., जोआनी, ई., और यादव, आर.एम. (2024). ऊर्जा भंडारण और संवेदन अनुप्रयोगों के लिए ग्राफीन-आधारित पदार्थों का विद्युतचुंबकीय विकिरण-सहायता प्राप्त संश्लेषण, अपस्फीति और संशोधन। *पदार्थ विज्ञान और अभियांत्रिकी। आर., रिपोर्ट्स: एक समीक्षा पत्रिका* , *161* (100860), 10086 doi:11016/j.mser.202100860

मलिक, पी., मलिक, आर., और दुहान, एस. (2024). स्लीप हाइपोपनिया-एपनिया सिंड्रोम के निदान के लिए द्रवित पेट्रोलियम गैस और आर्द्रता का पता लगाने वाला 3D खोखला मेसोपोरस α-Fe2O3 सेंसर। *सेरामिक्स इंटरनेशनल* । doi:11016/j.ceramint.2020276

निवेदिता, अग्रवाल, एस., कुमार, टी., कुमार, के., शर्मा, एम.के., और मिश्रा, वी.एन. (2024). मधुमेह के निदान की सटीकता बढ़ाने में समलम्बाकार न्यूट्रोसोफिक शिक्षण-आधारित अनुकूलन। *नियंत्रण और अनुकूलन में परिणाम* , *17* (100464), 10046 doi:11016/j.rico.202100464

रमन, एपीएस, सिंह, एमबी, विश्वकर्मा, वीके, कुमारी, के., जैन, पी., और सिंह, पी. (2024). डीएफटी गणनाओं और आणविक गतिकी सिमुलेशन के माध्यम से एसिटिलीन संवेदन क्षमताओं के लिए जैव-प्रेरित डिज़ाइन किए गए डीईएस का अन्वेषण। *जर्नल ऑफ सॉल्यूशन केमिस्ट्री* , *53* (12), 1685-170 doi:11007/s10953-024-01407-2

यादव, एन., खरे, ए., और कुमार, एम. (2024). सौर चमक का प्रकटीकरण: ग्रेडिएंट डोपिंग द्वारा नवीन कार्बन-आधारित आरबी-डोप्ड सीएसएसएनआई3 पेरोव्स्काइट सौर सेलों के प्रदर्शन को अधिकतम करना। *मैटेरियल्स टुडे सस्टेनेबिलिटी* , *28* (100955), 10095 doi:11016/j.mtsust.202100955

यादव, एस., रमन, एपीएस, सेवारिया, एस., सिंह, पी., जैन, पी., चंद्रा, आर., और कुमारी, के. (2024). बहुविध विश्लेषणात्मक दृष्टिकोणों का उपयोग करके डाइनोटेफ्यूरान और गोजातीय सीरम एल्ब्यूमिन के बीच बंधन अध्ययन। *केमिस्ट्रीसेलेक्ट* , *9* (44)। doi:11002/slct.202402687

सेमथांगा, बी., जैन, एस.जी., और गांधी, एस.के. (2024). बैनच स्पेस में फ्रेम के ज्यामितीय गुणों पर कुछ परिणाम। *नॉनलाइनियर एनालिसिस में परिणाम* , *7* (4), 45-5doi:131838/rna/20200006

रानी, ए., असलम, एम., नंद, बी., पांडे, जी., और सिंह, पी. (2024). संक्षारण अवरोधकों के रूप में औषधीय औषधियों और मैक्रोसाइक्लिक यौगिकों पर अद्यतन जानकारी। *केमिस्ट्रीसेलेक्ट* , *9* (43)। doi:11002/slct.202403762

वर्मा, सी., सिंह, ए., सिंह, पी., योप री, के., और अल्फांटाज़ी, ए. (2024). कार्बनिक लिगैंड्स के विषम परमाणुओं और क्रियात्मक समूहों का रेजियोआइसोमेरिक प्रभाव: समन्वय बंधन और संक्षारण सुरक्षा प्रदर्शन पर प्रभाव। *समन्वय रसायन समीक्षा* , *515* (215966), 21596 doi:11016/j.ccr.202215966

कुमार, प्रज्ञा, बनर्जी, के., और कुमार, वाई. (2024). नए ग्लिसरॉल-पोटेशियम आयोडाइड डीप यूटेक्टिक सॉल्वैंट्स की टेलरिंग: भौतिक, संरचनात्मक और विद्युत-रासायनिक गुणों की एक व्यापक जाँच। *जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर लिक्विड्स* , *414* (126031), 12603 doi:11016/j.molliq.202126031

शर्मा, बी., शर्मा, ए., गुप्ता, आर., चौधरी, ए., वर्मा, एम., और तोमर, एम. (2024). सीसा रहित KNN-PVDF कम्पोजिट की लचीली चादरें: एक टिकाऊ पायरोइलेक्ट्रिक ऊर्जा संचयक। *सेरामिक्स इंटरनेशनल* , *50* (22), 46982-4699 doi:11016/j.ceramint.2020049

जैन, प्राची, शंकर, एस., और ठाकुर, ओ.पी. (2024c)। स्विचिंग क्षेत्र उच्च-आवृत्ति उपकरण अनुप्रयोगों के लिए Ca2+ डोप्ड मिश्रित स्पिनल फेराइट्स के संरचनात्मक, प्रकाशिक, विद्युतीय और लौहचुंबकीय गुणों का अनावरण। *सेरामिक्स इंटरनेशनल* , *50* (22), 48354-4837 doi:11016/j.ceramint.2020185

खंडेलवाल, डी., राणा, आई., मिश्रा, वी., रंजन, के.आर., और सिंह, पी. (2024). ज़ेब्राफ़िश के माध्यम से जलीय पारिस्थितिक तंत्र पर रंगों के प्रभाव का खुलासा - एक व्यापक समीक्षा। *पर्यावरण अनुसंधान* , *261* (119684), 11968 doi:11016/j.envres.202119684

सिंह, एनपी, और देवी, वाईआर (2024). Sm3+-डोपेड CdMoO4 फ़ॉस्फ़र की क्रिस्टल संरचना, आकारिकी और प्रकाश-प्रकाशिकता गुणों पर अभिक्रिया काल का प्रभाव। *जर्नल ऑफ़ नैनोपार्टिकल रिसर्च: नैनोस्केल विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए एक अंतःविषय मंच* , *26* (11)। doi:11007/s11051-024-06177-y

सिंह, एनपी, और देवी, वाईआर (2024). Sm3+-डोपेड CdMoO4 फ़ॉस्फ़र की क्रिस्टल संरचना, आकारिकी और प्रकाश-प्रकाशिकता गुणों पर अभिक्रिया काल का प्रभाव। *जर्नल ऑफ़ नैनोपार्टिकल रिसर्च: नैनोस्केल विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए एक अंतःविषय मंच* , *26* (11)। doi:11007/s11051-024-06177-y

सिंह, जेपी, शर्मा, ए., तोमर, एम., और चौधरी, ए. (2024). NO2 गैस के निम्न-तापमान पता लगाने के लिए WO3 और WO3-SnO2 मिश्रित-आधारित सेंसर। *जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक मैटेरियल्स* , *53* (11), 6688-669 doi:11007/s11664-024-11381-6

देवी, एम., कुमार, एम., और सिंह, डी.वी. (2024). द्वि-कार्यात्मक अणु को अंतरापृष्ठीय परत के रूप में सम्मिलित करने से पीएससी उपकरण के हरित ऊर्जा रूपांतरण और स्थिरता पर प्रभाव। *जर्नल ऑफ फिजिक्स एंड केमिस्ट्री ऑफ सॉलिड्स* , *194* (112247), 11224 doi:11016/j.jpcs.202112247

रमन, एपीएस, असलम, एम., नैना, वर्मा, सी., अलफंटाज़ी, ए., जैन, पी., ... कुमारी, के. (2024). ऊर्जा भंडारण और रूपांतरण में ग्राफीन ऑक्साइड पर आधारित मिश्रित नैनोआर्किटेक्टोनिक्स: स्थिति, चुनौतियाँ और अवसर। *जर्नल ऑफ इनऑर्गेनिक एंड ऑर्गेनोमेटेलिक पॉलिमर्स एंड मैटेरियल्स* । doi:11007/s10904-024-03154-9

श्रीवास्तव, ए., शर्मा, ए.के., झा, पी.के., कुमार, एम., चौरसिया, एन.के., और चौरसिया, आर.के. (2024). SCAPS-1D सिमुलेशन के माध्यम से नवीन हाइब्रिड ऑर्गेनो-पेरोव्स्काइट सौर सेल के प्रदर्शन विश्लेषण के लिए पैरामीट्रिक अनुकूलन। *हेलियॉन* , *10* (19), e3816 doi:11016/j.heliyon.202e38169

कुमार, विकेश, और त्यागी, बी.के. (2024). प्रक्षेप्य रूप से नियमित (T2, T1) दुर्बल रूप से विकसित होने योग्य अर्ध-टोपोलॉजिकल समूह। *टोपोलॉजी और उसके अनुप्रयोग* , *356* (109028), 10902 doi:11016/j.topol.202109028

चौधरी, जे.एस., ग्रोवर, के., तोमर, एम., शर्मा, ए., और झा, आर. (2024). एंटीमनी टेल्यूराइड वृद्धि के लिए स्व-संरेखित छाया मास्किंग: एकल-पैर वाले थर्मोइलेक्ट्रिक ऐरे डिज़ाइन में नवीन प्रगति। *मैटेरियल्स केमिस्ट्री एंड फिजिक्स* , *326* (129752), 12975 doi:11016/j.matchemphys.202129752

ढींगरा, ए., ठाकुर, ओ.पी., और पांडे, आर. (2024). स्थायी चुम्बकों के लिए हाइड्रोथर्मल विधि द्वारा संश्लेषित एकल डोमेन Al-प्रतिस्थापित स्ट्रोंटियम हेक्साफेराइट (SrFe12−Al O19) के उन्नत चुम्बकीय गुण। *जर्नल ऑफ अलॉयज़ एंड कंपाउंड्स* , *1001* (175132), 17513 doi:11016/j.jallcom.202175132

कुमार, एस., कुमार, ए., गुप्ता, पी., प्रसाद, आर.पी., और कुमार, पी. (2024). फीडबैक सक्रिय नियंत्रण तकनीकों का उपयोग करके आंशिक व्युत्पन्न विश्लेषण के साथ अराजक उपग्रह प्रणालियों का समन्वय। *सममिति* , *16* (10), 131 doi:13390/sym16101319

कुमार, विजय, कुमारी, पी., यादव, एस., कुमारी, के., जगलान, एस., और लाल, के. (2024). डीएनए गाइरेज़ और स्टेरोल 14α-डेमेथिलेज़ के लिए आशाजनक अवरोधकों के रूप में संश्लेषित थियाज़ोल-इसैटिन-1,2,3-ट्रायज़ोल संकरों के आणविक डॉकिंग और आणविक गतिकी सिमुलेशन। *रसायन-विज्ञान और जैव विविधता* , *21* (10), e20240091 doi:11002/cbdv.202400914

यादव, एस., कुमार, डी., चोपड़ा, एच., भट्ट, आई., चौधरी, ए., गब्बा, आर., और सिंह, पी. (2024). SARS-CoV के RNA-निर्भर RNA पॉलीमरेज़ (RdRp) के विरुद्ध 2-एथिलब्यूटाइल-(फेनोक्सी)फॉस्फोरिल-डी-एलानिनेट की क्षमता की जाँच - *रसायन-विज्ञान और जैव विविधता* , *21* (10), e20240090 doi:11002/cbdv.202400904

गोयल, एन., कुमार, पी., और भगत, एस. (2024). पाइराज़ोल, पाइराज़ोलो फ्यूज्ड पाइरीमिडीन और पाइरीडीन के अत्यधिक कुशल संश्लेषण के लिए संक्रमण-धातु-मुक्त रसायन-चयनात्मक C−C/C−N बंध निर्माण अभिक्रिया। *यूरोपियन जर्नल ऑफ ऑर्गेनिक केमिस्ट्री* । doi:11002/ejoc.202400492

गोयल, एन., कुमार, पी., और भगत, एस. (2024). पाइराज़ोल, पाइराज़ोलो फ्यूज्ड पाइरीमिडीन और पाइरीडीन के अत्यधिक कुशल संश्लेषण के लिए संक्रमण-धातु-मुक्त रसायन-चयनात्मक C−C/C−N बंध निर्माण अभिक्रिया। *यूरोपियन जर्नल ऑफ ऑर्गेनिक केमिस्ट्री* । doi:11002/ejoc.202400492

राणा, आई., दीपा, असलम, एम., रंजन, के.आर., सिंह, पी., और कुमारी, के. (2024). जैव चिकित्सा विज्ञान में एक प्राकृतिक प्रोटीन, सिल्क फ़ाइब्रोइन और एमक्सीन/कार्बोनेसियस पदार्थों के मिश्रण के उपयोग पर एक समीक्षा। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स* , *278* (भाग 4), 13510 doi:11016/j.ijbiomac.202135101

कुमार, आर., पांडे, आर., जोआनी, ई., और सावु, आर. (2024). ऊर्जा भंडारण और संवेदन अनुप्रयोगों के लिए ग्राफीन पदार्थों का लेज़र-प्रेरित और उत्प्रेरक-मुक्त निर्माण। *केमिकल इंजीनियरिंग जर्नल (लॉज़ेन, स्विट्ज़रलैंड: 1996)* , *497* (154968), 15496 doi:11016/j.cej.202154968

रज़ा, एम.एम.एच., अली, जे., सादिक, एम., और खान, एफ. (2024). इलेक्ट्रॉन क्षेत्र उत्सर्जन गुणों को बढ़ाने के लिए ग्राफीन के गुच्छों पर कार्बन नैनोट्यूब की वृद्धि हेतु एक इन-सीटू प्रक्रिया। *डायमंड एंड रिलेटेड मैटेरियल्स* , *148* (111478), 11147 doi:11016/j.diamond.202111478

पांडे, आर., सिंह, पी., उपाध्याय, ए.एन., नोखवाल, आर., यादव, ए.के., शाहिद, आर., और सिंह, पी. (2024). K-डोपेड मोनोमेरिक SrSiO3 प्रणाली में परिवहन गतिकी पर संरचनात्मक प्रभाव। *इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री कम्युनिकेशंस* , *168* (112923), 11292 doi:11016/j.inoche.202112923

वर्मा, आर., ढींगरा, जी., सिंह, जी., दुरेजा, एन., और मलिक, ए.के. (2024). जलीय नमूनों में बिस्फेनॉल ए और एल्काइल फिनोल के संवेदनशील परिमाणीकरण के लिए एचपीएलसी के साथ अमीनो-फंक्शनलाइज्ड मेटल ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क-आधारित डिस्पर्सिव माइक्रो-सॉलिड-फेज निष्कर्षण। *सेपरेशन साइंस प्लस* । doi:11002/sscp.202400145

कुमार, एम., देवी, एम., सिंह, डी.वी., गुप्ता, के., कुमार, एम., राज, ए., ... ठाकुर, ओ.पी. (2024). सीसा-रहित FASnI3-आधारित PSC उपकरण की हरित ऊर्जा रूपांतरण दक्षता और इंटरफ़ेसीय इंजीनियरिंग जाँच में प्रगति। *जर्नल ऑफ़ फ़िज़िक्स एंड केमिस्ट्री ऑफ़ सॉलिड्स* , *193* (112139), 11213 doi:11016/j.jpcs.202112139

लालरिंडिकी, एफ., प्रेमजीत सिंह, एन., और मोहनदास सिंह, एन. (2024). बिस्मथ वैनेडेट-आधारित नैनोमटेरियल के संश्लेषण, प्रकाश उत्प्रेरक, प्रकाश-प्रकाशिकरण और जीवाणुरोधी गुणों की समीक्षा। *इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री कम्युनिकेशंस* , *168* (112846), 11284 doi:11016/j.inoche.202112846

वर्मा, ओएन, यादव, ए., पांडे, आर., जीरे एल. हमार, जे., कुमार, वी., और सिंह, पी. (2024). LaAlO3-Ce8Gd2O2-δ मिश्रित ठोस विद्युत अपघट्य में आयनिक चालन के संरचनात्मक निहितार्थ। *सेरामिक्स इंटरनेशनल* , *50* (19), 35337-3534 doi:11016/j.ceramint.2020343

कौरा, आर., और राजपूत, एन. (2024). कमोडिटी बाज़ार में फ़्यूचर-स्पॉट संबंध: भारत में कमोडिटी सेगमेंट में तुलना। *ग्लोबल बिज़नेस रिव्यू* , *25* (5), 1314-133 doi:11177/09721509211017291

कौर, ए., कौर, एच., कुमार, एस., लोटे, जी.एस., सिंह, पी.पी., सिंह, जी., ... बौज़िद, जी. (2024). मेथी द्वारा मध्यस्थता वाले जैवजनित Co3O4 नैनोकणों का उन्नत प्रकाश उत्प्रेरक विघटन और रोगाणुरोधी गतिविधियाँ: स्थायी रणनीतियाँ। *मैटेरियल्स एडवांस* । doi:11039/d4ma00795f

जैन, पारुल, अग्रवाल, एस., एडम, एस., और इमाम, एम. (2024). स्तन कैंसर के निदान के लिए पैरामीट्रिक अनुकूलन और मशीन लर्निंग और डीप लर्निंग एल्गोरिदम का तुलनात्मक अध्ययन। *स्तन रोग* , *43* (1), 257-27 doi:13233/BD-240018

कुमार, विजय, सिंह, एम.बी., सिंह, पी., पॉल, ए.के., और लाल, के. (2024). एंटीमाइक्रोबियल एजेंट के रूप में आइसैटिन आधारित 1,2,3-ट्राईज़ोल व्युत्पन्न: संश्लेषण, सिलिको डॉकिंग और आणविक गतिकी सिमुलेशन। *जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर* , *1312* (138378), 13837 doi:11016/j.molstruc.202138378

गुंजन, कुमार, पी., गोयल, एन., गंजू, एस., यादव, एम., वर्मा, ए.के., और भगत, एस. (2024). समुद्री प्राकृतिक उत्पाद हर्डमैनिन व्युत्पन्नों के ईजीएफआर और एचईआर2 स्तन कैंसर प्रोटीन के लिए बहु-लक्ष्य अवरोधक के रूप में डिज़ाइन, संश्लेषण, आणविक डॉकिंग और *इन विट्रो साइटोटॉक्सिसिटी अध्ययन। केमिस्ट्रीसेलेक्ट* , *9* (34)। doi:11002/slct.202401308

नूनेपल्ले, एच., पलाचारला, वी., दुबे, एस.के., सिंह, ए.के., और स्वर्णकार, एस. (2024). संयोजन फोटोनिक उपकरणों की आकर्षक दुनिया की खोज: एक समीक्षा। *ऑप्टिक* , *311* (171923), 17192 doi:11016/j.ijleo.202171923

विधि, सादिक, एम., सिंह, ए.के., और ठाकुर, ओ.पी. (2024). उन्नत विद्युत-रासायनिक गतिविधि के लिए rGO/TiO2 मिश्रित इलेक्ट्रोड सामग्री का संश्लेषण और सुपरकैपेसिटर में इसके अनुप्रयोग। *आयनिक्स* , *30* (9), 5685-569 doi:11007/s11581-024-05633-y

मिश्रा, एन., गुलाटी, एस., मोरिया, वाई., कुमार, एस., और दुबे, जी. (2024). जैवजनित रूप से संश्लेषित ZnO-संयोजित बहु-दीवार वाले कार्बन नैनोट्यूब (ZnO/MWCNT) नैनोकंपोजिट के साथ दृश्य प्रकाश में खतरनाक रंगों का उन्नत प्रकाश उत्प्रेरक विघटन: उत्प्रेरक निर्माण, प्रदर्शन और यांत्रिक अंतर्दृष्टि। *नैनो-संरचनाएँ और नैनो-ऑब्जेक्ट्स* , *39* (101200), 10120 doi:11016/j.nanoso.202101200

जैन, प्राची, शंकर, एस., और ठाकुर, ओ.पी. (2024b)। हाइड्रोइलेक्ट्रिक सेलों द्वारा हरित बिजली उत्पादन हेतु यिट्रियम-मिश्रित कोबाल्ट फेराइट के संरचनात्मक, लौह-विद्युतीय और लौह-चुंबकीय गुण। *जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक मैटेरियल्स* , *53* (9), 5169-518 doi:11007/s11664-024-11178-7

नुजुद बदावी, एम., अग्रवाल, एन., कुमार, वाई., खान, एम., हतशान, एमआर, अलय्याफ, एए, और आदिल, एसएफ (2024). सेल्यूलोज नैनोकंपोजिट कठोर हाइड्रोजेल: सहक्रियात्मक स्व-उपचार, आसंजक और तनाव-संवेदनशील गुण। *पॉलिमर इंटरनेशनल* , *73* (9), 748-76 doi:11002/pi.6644

जैन, प्राची, शंकर, एस., और ठाकुर, ओ.पी. (2024a)। उच्च-आवृत्ति अनुप्रयोगों के लिए सॉफ्ट स्पिनल फेराइट्स (NiFe2O4) के संरचनात्मक, विद्युतीय और चुंबकीय गुणों पर Mg2+ आयन प्रतिस्थापन का अध्ययन। *जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक मैटेरियल्स* , *53* (9), 5032-504 doi:11007/s11664-024-11072-2

सादिक, एम., खान, एम.ए., रज़ा, एम.एम.एच., ज़ुल्फ़ेक्वार, एम., और अली, जे. (2024). सुपरकैपेसिटर के लिए बायोपॉलिमर कम्पोजिट इलेक्ट्रोलाइट आधारित सेल्यूलोज़ एसीटेट/ज़िंक ऑक्साइड फिलर का बेहतर प्रदर्शन। *ऊर्जा और पर्यावरण* , *35* (6), 2888-291 doi:11177/0958305x231159443

कुमार, प्रदीप, गोयल, एन., और भगत, एस. (2024). इंडोल्स, ऑक्सिंडोल्स और इंडोलाइन्स के लिए ट्राइफ्लोरोमेथिलेशन रणनीतियों में हालिया प्रगति। *केमिस्ट्रीसेलेक्ट* , *9* (32)। doi:11002/slct.202401371

सिंह, एम.बी., शर्मा, यू., सिंह रमन@, ए.पी., जैन, पी., कुमारी, के., और सिंह, पी. (2024). एपीआई के यूटेक्टिक मिश्रण: दवाओं के भौतिक-रासायनिक गुणों और मौखिक जैवउपलब्धता में सुधार का एक तरीका। *केमिस्ट्रीसेलेक्ट* , *9* (31)। doi:11002/slct.202401319

खान, जे., रानी, ए., असलम, एम., महरिया, आर.एस., पांडे, जी., और नंद, बी. (2024). ट्रायज़ोल-आधारित दवाओं की खोज: संश्लेषण, अनुप्रयोग, FDA अनुमोदन और नैदानिक परीक्षण अद्यतन - एक व्यापक समीक्षा। *टेट्राहेड्रॉन* , *162* (134122), 13412 doi:11016/j.tet.202134122

कुमार, ए., खान, ए., और अब्दुल्ला, ए. (2024). डेंगू बुखार के एसआईआर मॉडल को हल करने के लिए फिबोनाची वेवलेट कोलोकेशन विधि। *गणित* , *12* (16), 256 doi:13390/math12162565

मित्तल, एस., कुमार, जी., और त्यागी, बी.के. (2024). स्टार-मेंजर गुण के सापेक्ष संस्करण। *मैथेमेटिका स्लोवाका* , *74* (4), 1001-101 doi:11515/ms-2024-0073

यादव, एस., सेवरिया, एस., सिंह, पी., चंद्रा, आर., जैन, पी., और कुमारी, के. (2024). डाइनोटेफ्यूरान और हीमोग्लोबिन के बीच परस्पर क्रिया को समझने के लिए विश्लेषणात्मक और सिलिको विधियाँ। *रसायन-विज्ञान और जैव विविधता* , *21* (8), e20240049 doi:11002/cbdv.202400495

रानी, ए., असलम, एम., खान, जे., पांडे, जी., सिंह, पी., महारिया, आर.एस., और नंद, बी. (2024). क्रोमीन/पाइरान व्युत्पन्नों में कम्प्यूटेशनल अंतर्दृष्टि: आणविक डॉकिंग, एडीएमईटी अध्ययन, डीएफटी गणनाएँ, और पार्किंसंस रोग के लिए आशाजनक उम्मीदवार के रूप में एमडी सिमुलेशन। *रसायन-विज्ञान और जैव विविधता* , *21* (8), e20240092 doi:11002/cbdv.202400920

असलम, एम., रानी, ए., खान, जे., शर्मा, आर., पंत, बी.एन., सिंह, पी., ... भावना। (2024). मेटालोपॉलिमर में प्रगति: संश्लेषण रणनीतियाँ, उत्प्रेरक अंतर्दृष्टि और पर्यावरणीय उपचार अनुप्रयोग। *सस्टेनेबल केमिस्ट्री एंड फ़ार्मेसी* , *40* (101630), 10163 doi:11016/j.scp.202101630

डिमंगईहवुंगी, ई., कुमार, एम., सिंह, ए.के., पानी, बी., सिंह, ए.के., और सिंह, एम. (2024). लचीले पारदर्शी हीटर के लिए मानक पॉलीओल संश्लेषण के बाद बचे कचरे को पुनर्चक्रित करके सिल्वर नैनोवायर का बहुविध संश्लेषण। *जर्नल ऑफ़ द ताइवान इंस्टीट्यूट ऑफ़ केमिकल इंजीनियर्स* , *161* (105529), 10552 doi:11016/j.jtice.202105529

शर्मा, पी., ठाकुर, डी., कुमार, डी., और यादव, ओ. (2024). विद्युत-रासायनिक विश्लेषण के माध्यम से Ag+-डोपेड MoS2 नैनोशीट का उपयोग करके रोहू मछली में ज़ैंथिन की उपस्थिति का पता लगाना। *एप्लाइड बायोकैमिस्ट्री एंड बायोटेक्नोलॉजी* , *196* (8), 5219-523 doi:11007/s12010-023-04823-0

मेहरोत्रा, एस., गुप्ता, एम., दुजेरिक-स्टीफन, के., कुमार, ए., सिंह, पी., भारती, बी., ... कुमार, वाई. (2024). ऊर्जा भंडारण/रूपांतरण उपकरणों में अनुप्रयोग के लिए डेस्मोस्टैचिया बिपिन्नाटा से प्राप्त कार्यात्मक बायोचार। *बायोमास रूपांतरण और बायोरिफाइनरी* , *14* (15), 17263-1727 doi:11007/s13399-023-03991-7

जैन, पी., शंकर, एस., और ठाकुर, ओ.पी. (2024). जलविद्युत सेल अनुप्रयोगों के लिए कॉपर-यिट्रियम सह-डोप्ड कोबाल्ट फेराइट के बहुलौह, परावैद्युत और प्रतिबाधा गुणों में प्रगति। *जर्नल ऑफ फिजिक्स। कंडेंस्ड मैटर: एन इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स जर्नल* , *36* (29)। doi:11088/1361-648X/ad266c

सिंह, एनपी, और देवी, वाईआर (2024बी)। जल शोधन के लिए विषमांगी अर्धचालक प्रकाश उत्प्रेरक: मूल क्रियाविधि और उन्नत रणनीतियाँ। *उन्नत सामग्री और नैनो प्रणालियाँ: सिद्धांत और प्रयोग (भाग 3)* (पृष्ठ 283-311) में। doi:12174/978981522310112403001 4

सिंह, एनपी, और देवी, वाईआर (2024ए)। श्वेत प्रकाश उत्सर्जक डायोड के निर्माण का परिचय। *एडवांस्ड मैटेरियल्स एंड नैनो सिस्टम्स: थ्योरी एंड एक्सपेरिमेंट (भाग 3)* (पृष्ठ 109-142) में। doi:12174/978981522310112403000 7

नेगी, एम., कौशिक, एन., लामिछाने, पी., जायसवाल, ए., बोरकर, एसबी, पटेल, पी., कौशिक, एनके (2024). जैव-संगत प्लाज्मा-उपचारित द्रव: जठरांत्र-संक्रमण पैदा करने वाले रोगजनकों को कीटाणुरहित करने का एक स्थायी तरीका। *जर्नल ऑफ़ हैज़र्डस मटेरियल्स* , *472* (134562), 13456 doi:11016/j.jhazmat.202134562

पाल, के., मित्तल, ए., और अग्रवाल, आर. (2024). परिवर्तनशील द्रव्यमान वाली प्रतिबंधित चार-पिंड समस्या में स्टोक्स ड्रैग और विकिरण दाब का अध्ययन। *खगोल विज्ञान रिपोर्ट* , *68* (7), 698-72 doi:11134/s1063772924700586

कुमार, अजय, हुसैन, ए., जोसेफ, ए.जे., गोयल, एस., सिंह, एन.एस., और सिंह, यू. (2024). एमपीबी पर 49BiFeO3-20Pb(Mg1/3Nb2/3)O3-31PbTiO3 त्रिक सिरेमिक युक्त यिट्रियम के डाइ-/पाइज़ो-/फेरो-विद्युतीय और चुंबकीय गुण। *जर्नल ऑफ़ मैटेरियल्स साइंस: मैटेरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स* , *35* (21)। doi:11007/s10854-024-13206-y

गुप्ता, ए., कुमार, ए., सुरभि, श्रीवास्तव, एम.पी., और राणा, डी.के. (2024). जिंक ऑक्सीसल्फाइड नैनो पतली फिल्म-आधारित दृश्य प्रकाश प्रकाश संवेदक का हाइड्रोथर्मल विधि द्वारा सुगम विकास। *ईसीएस जर्नल ऑफ सॉलिड स्टेट साइंस एंड टेक्नोलॉजी: जेएसएस* , *13* (7), 07700 doi:11149/2162-8777/ad6036

कुमार, वी., भुकल, ए., रमन, एपीएस, सिंह, पी., और लाल, के. (2024). आइसैटिन शिफ बेस लिंक्ड 1,2,3-ट्राईज़ोल हाइब्रिड्स के संश्लेषण, लक्षण वर्णन, रोगाणुरोधी और सिलिको में अध्ययन। *केमिस्ट्री एंड बायोडायवर्सिटी* , *21* (7), e20240056 doi:11002/cbdv.202400569

शर्मा, आर., बहादुर, आई., कटाटा-सेरू, एल., मोहम्मद, एफ., सिंह, एस.के., सिंह, पी., और कुमार, वी. (2024). एल-वैलीन/ग्लाइसिल-एल-वैलीन और जल + 1-डेसिल-3-मिथाइलइमिडाज़ोलियम ब्रोमाइड के त्रिगुण मिश्रणों की संरचनात्मक व्याख्या: अनंत तनुकरण और प्रसार पर स्पष्ट मोलर गुण। *एशिया-पैसिफिक जर्नल ऑफ केमिकल इंजीनियरिंग* , *19* (4)। doi:11002/apj.3086

शर्मा, एस., कुमार, एम., वीर सिंह, डी., रेमंड हेरेरा, ओ., और सिकिरोस, जेएम (2024). पेरोव्स्काइट सौर सेल हेटरोस्ट्रक्चर की इंटरफेसियल इंजीनियरिंग, स्थिरता और रूपांतरण दक्षता पर कार्बनिक अणु परत का प्रभाव। *मैटेरियल्स लेटर्स* , *366* (136472), 13647 doi:11016/j.matlet.202136472

वर्मा, आर., ढींगरा, जी., सिंह, जी., सिंह, जे., दुरेजा, एन., और मलिक, ए.के. (2024). दूध के नमूनों में डैनोफ्लोक्सासिन का अति तीव्र पता लगाने के लिए कुशल टर्न-ऑन Zr आधारित मेटल ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क फ्लोरोसेंट सेंसर। *जर्नल ऑफ फ्लोरोसेंस* , *34* (4), 1631-164 doi:11007/s10895-023-03379-w

शर्मा, एस., रोजास-जॉर्ज, जी., कुमार, एम., कुमार, पी., कुमार, आर., कुमार, एस., ... हेरेरा, ओरेगॉन (2024). सोल-जेल-संश्लेषित Bi80Ba10Pr10FeO3 नैनोपाउडर के संरचनात्मक, प्रकाशिक और चुंबकीय गुणों पर क्रोमियम अपमिश्रण का प्रभाव। *एसीएस ओमेगा* , *9* (25), 27549-2755 doi:11021/acsomega.4c03032

गुप्ता, आर., राणा, एल., वर्मा, एम., शर्मा, ए., तोमर, एम., और चौधरी, ए. (2024). रासायनिक विलयन निक्षेपण तकनीक का उपयोग करते हुए पीज़ेडटी आधारित द्वि-ऊर्जा संचयक। *जर्नल ऑफ मैग्नेटिज्म एंड मैग्नेटिक मैटेरियल्स* , *600* (172152), 17215 doi:11016/j.jmmm.202172152

कुमार, एम., शर्मा, एस., सिंह, डी.वी., कुमार, पी., हेरेरा, ओ.आर., और सिकीरोस, जे.एम. (2024). द्विपरत पेरोव्स्काइट हेटेरोजंक्शन टैंडम सौर सेल: हरित ऊर्जा रूपांतरण का भविष्य। *मैटेरियल्स लेटर्स* , *365* (136430), 13643 doi:11016/j.matlet.202136430

बोचेट्टा, पी., ओथमैन, ए., गुप्ता, एम., एंड्रियानी, जी., मार्टिन, पी., कुमार, वाई., सुफियान जावेद, एम. (2024). इलेक्ट्रोकेमिकल (जैव) सेंसर में चिटोसन: नैनोस्ट्रक्चरिंग और संश्लेषण के तरीके। *यूरोपीय पॉलिमर जर्नल* , *213* (113092), 11309 doi:11016/j.eurpolymj.202113092

झारवाल, एस., वर्मा, वी.के., और कुमार, ए. (2024). सोल-जेल संश्लेषित नैनोकणों के संरचनात्मक प्रावस्था संक्रमण और चुंबकीय गुणों के बीच सहसंबंध। *ईपीएल (यूरोफिज़िक्स लेटर्स)* , *146* (6), 6600 doi:11209/0295-5075/ad5908

प्रताप सिंह रमन, ए., ठाकुर, जी., पांडे, जी., कुमारी, के., और सिंह, पी. (2024). कीटनाशकों के संवेदन में संवेदनशील पदार्थों के रूप में क्रियाशील ग्रैफीन पर एक अद्यतन समीक्षा। *रसायन-विज्ञान और जैव विविधता* , *21* (6), e20230208 doi:11002/cbdv.202302080

यादव, एस., रमन, एपीएस, सिंह, एमबी, मैसी, आई., सिंह, पी., वर्मा, सी., और अलफंताज़ी, ए. (2024). उन्नत संक्षारण संरक्षण के लिए हरित नैनोकण: वर्तमान परिप्रेक्ष्य और भविष्य की संभावनाएँ। *एप्लाइड सरफेस साइंस एडवांसेस* , *21* (100605), 10060 doi:11016/j.apsadv.202100605

कुमार, अवनीश, गुप्ता, ए., कुमार, ए., सुरभि, शर्मा, एच., कुमार यादव, एम., ... कुमार राणा, डी. (2024). सीबीडी विधि द्वारा WS2/SnS2 मिश्रित पतली फिल्मों के संरचनात्मक और इलेक्ट्रॉनिक गुणों पर एक अध्ययन। *केमिकल फिजिक्स लेटर्स* , *844* (141264), 14126 doi:11016/j.cplett.202141264

सारस्वत, वी., और सिंह, पी. (2024). दवा के क्षरण में कार्बनयुक्त पदार्थों की प्रकाश उत्प्रेरक प्रभावकारिता की खोज: एक समकालीन समीक्षा। *केमिकल पेपर्स* , *78* (9), 5169-519 doi:11007/s11696-024-03442-1

सिंह, एम.बी., भगत, पी., और सिंह, पी. (2024). एचसीएन बंधन के प्रति डीईएस [सीएचसीएल-पीडी] की क्षमता को समझने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन। *आयोनिक्स* , *30* (6), 3661-367 doi:11007/s11581-024-05515-3

तारिक, एच., शाहिद, आर., सिंह, पी., पांडे, आर., और सिंह, पी. (2024). Na+ प्रतिस्थापित ट्राइमेरिक स्ट्रोंटियम सिलिकेट Sr3-3xNa3xSi3O9-δ (00 ≤ x ≤ 20) के संरचनात्मक, आकारिकीय और आयनिक चालन व्यवहार का अध्ययन। *मैटेरियल्स टुडे/ कम्युनिकेशंस* , *39* (108652), 10865 doi:11016/j.mtcomm.202108652

इमाम, एम., एडम, एस., देव, एस., और नेसा, एन. (2024). स्थायी पर्यावरण के लिए सांख्यिकीय शिक्षण मॉडल का उपयोग करके वायु गुणवत्ता निगरानी। *अनुप्रयोगों के साथ बुद्धिमान प्रणालियाँ* , *22* (200333), 20033 doi:11016/j.iswa.202200333

प्रतिभा, शंकर, एस., गौरव, एस., द्विवेदी, वाई., चौबे, आर.के., और कुमार, एस. (2024). उन्नत प्रकाश प्रणालियों में रंग मॉडुलन के लिए डाई-डोप्ड Zn2SiAl2O4 नैनोफ़ॉस्फ़र का संश्लेषण और लक्षण वर्णन। *केमिकल फ़िज़िक्स इम्पैक्ट* , *8* (100469), 10046 doi:11016/j.chphi.202100469

चित्रलेखा, गौरव, एस., कोटनाला, आर.के., शंकर, एस., और सिंह, ए.पी. (2024). हाइड्रोइलेक्ट्रिक सेल अनुप्रयोगों के लिए फेराइट-मैंगनाइट नैनोकंपोजिट में परावैद्युत, प्रतिबाधा, चुंबकीय और चुंबकीय धारिता अन्वेषण। *इमर्जेंट मटेरियल्स* , *7* (3), 1151-117 doi:11007/s42247-023-00621-w

यादव, एस., सेवरिया, एस., बाबू सिंह, एम., सचदेवा, बी., सिंह, पी., चंद्रा, आर., ... कुमारी, के. (2024). जीवाणुरोधी दवा ओफ़्लॉक्सासिन की हीमोग्लोबिन के साथ परस्पर क्रिया की जाँच के लिए

स्पेक्ट्रोस्कोपिक, इलेक्ट्रोकेमिकल और सिलिको अनुसंधान का उपयोग। *केमिस्ट्रीसेलेक्ट* , *9* (20)। doi:11002/slct.202400770

शर्मा, ए.के., शर्मा, आर., पानी, बी., सरकार, ए., और त्रिपाठी, एम. (2024). हाइड्रोजेल से भविष्य की इंजीनियरिंग: ऊर्जा भंडारण उपकरणों और जैव चिकित्सा तकनीकों में प्रगति। *न्यू जर्नल ऑफ केमिस्ट्री* , *48* (23), 10347-1036 doi:11039/d4nj00881b

सिंह, एम.बी., जैन, पी., मोहम्मद, एफ., सिंह, पी., बहादुर, आई., और अबेदिगम्बा, ओ.पी. (2024). कार्यात्मककरण पर ग्राफीन के द्विध्रुव आघूर्ण में उल्लेखनीय वृद्धि: डीएफटी गणनाएँ और आणविक गतिकी सिमुलेशन। *एसीएस ओमेगा* , *9* (14), 16458-1646 doi:11021/acsomega.4c00173

कुब्बा, आर., ज्योति, यादव, ओ., और कुमार, ए. (2024). फॉस्फोरस कोरोल्स: संश्लेषण और अनुप्रयोग। *जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर* , *1301* (137364), 13736 doi:11016/j.molstruc.202137364

इमाम, एम., सैनी, कविता, और सैनी, के. (2024). अनुप्रयोगों और सुरक्षा की समीक्षा: ब्लॉकचेन तकनीक। *ब्लॉकचेन और ईएचआर में* (पृष्ठ 1-20)। नोवा साइंस पब्लिशर्स, इंक. https://www.scopus.com/record/display.uri?eid=2-s0-85196237731&origin=inward&txGid=17767890041d73410772a950679e4bee

तनुज, कुमार, आर., कुमार, एस., कालरा, एन., शर्मा, एस., कुमार, एम., ... हेरेरा, ओरेगॉन (2024). जैव चिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए तनु चुंबकीय प्लाज़्मोनिक-आधारित अर्धचालक नैनोमटेरियल के हरित संश्लेषण में हालिया प्रगति। *हाइब्रिड एडवांसेस* , *5* (100135), 10013 doi:11016/j.hybadv.202100135

गुप्ता, के., ठाकुर, ओ.पी., और कुमार, एम. (2024). इंटरफ़ेसीय इंजीनियरिंग के माध्यम से कुशल और स्थिर पेरोव्स्काइट सौर सेल: प्रयोग और कम्प्यूटेशनल जाँच। *ऑप्टिकल मटेरियल* , *150* (115125), 11512 doi:11016/j.optmat.202115125

नेहा, शर्मा, पी., यादव, पी., राणा, डी.के., पाल, पी.एस., कुमार, एच., और कुमार, एस. (2024). माइक्रोवेव अवशोषण अनुप्रयोगों के लिए कोर-शेल NiO/BFO नैनोकंपोजिट का संश्लेषण। *सेरामिक्स इंटरनेशनल* , *50* (7), 11697-1170 doi:11016/j.ceramint.2020074

असलम, एम., पांडे, जी., देशवाल, एन., कुमार, ए., कुमारी, के., बहादुर, आई., अब्दुल्ला सोलेमान, ए. (2024). फार्मास्युटिकल अवयवों और उनके यूटेक्टिक मिश्रणों की घुलनशीलता का अध्ययन करें: एक गहन घनत्व कार्यात्मक सिद्धांत और आणविक गतिशीलता सिमुलेशन दृष्टिकोण। *जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर लिक्विड्स*, *397* (124070), 12407 doi:11016/j.molliq.202124070

राज, ए., कुमार, एम., सिंह, डी.वी., और अंशुल, ए. (2024). ट्रांज़िशन मेटल डाइचेल्कोजेनाइड्स (टीएमडी) पर एक आलोचनात्मक समीक्षा: पेरोव्स्काइट सौर कोशिकाओं के लिए एक दक्षता वर्धक। *फ्लैटकेम* , *44* (100629), 10062 doi:11016/j.flatc.202100629

कुमार, अरुण, गुप्ता, एस., मुखर्जी, एस., गौरव, एस., शंकर, एस., कुशवाह, के.के., चौबे, आर.के. (2024). रासायनिक स्नान निक्षेपण द्वारा विकसित Ag/ZnS/p-Si/Ag हेटेरोजंक्शन पर आधारित उन्नत प्रदर्शन वाले दृश्यमान-प्रकाश फोटोडिटेक्टर का निर्माण। *मैटेरियल्स टुडे। कम्युनिकेशंस* , *38* (108252), 10825 doi:11016/j.mtcomm.202108252

जैन, पी., शंकर, एस., और ठाकुर, ओ.पी. (2024). अगली पीढ़ी के जलविद्युत सेलों के लिए प्रमुख उत्प्रेरक के रूप में Cu/Er सह-प्रतिस्थापित फेराइट्स के बहुलौह और जल संवेदन व्यवहार की खोज। *मैटेरियल्स केमिस्ट्री एंड फिजिक्स* , *315* (128945), 12894 doi:11016/j.matchemphys.202128945

सिंह, एम.बी., प्रजापत, ए., जैन, पी., कुमार, ए., सिंह, पी., बहादुर, आई., ... कुमारी, के. (2024). नोस्केपाइन की घुलनशीलता बढ़ाने के लिए डीईएस के महत्व की जाँच करें: डीएफटी गणनाएँ, एमडी सिमुलेशन और प्रयोगात्मक दृष्टिकोण। *आयनिक्स* , *30* (3), 1795-181 doi:11007/s11581-023-05359-3

कुमार, एम., पुंडीर, एस.के., सिंह, डी.वी., और कुमार, एम. (2024). मल्टीफेरोइक आधारित पेरोव्स्काइट सौर सेल उपकरणों में 'एर' संशोधन के साथ हरित ऊर्जा रूपांतरण और स्थिरता पर प्रभाव। *मैटेरियल्स टुडे। कम्युनिकेशंस* , *38* (107841), 10784 doi:11016/j.mtcomm.202107841

कुमार, डी., सिंह, आर., और गौतम, एम. (2024). ZnO नैनोकणों की संरचनात्मक, प्रकाशिक और परावैद्युत विशेषताओं पर सर्फेक्टेंट-सहायता प्राप्त संश्लेषण का प्रभाव। *नैनो एक्सप्रेस* , *5* (1), 01500 doi:11088/2632-959x/ad12d8

कुमार, अरविंद, श्रीवास्तव, एन., चौधरी, वी., अतुल, ए.के., झारवाल, एस., नेगी, ए.एस., ... कुमार, जे. (2024). Co2MnSi पूर्ण ह्यूस्लर मिश्रधातु के भौतिक गुणों का अन्वेषण: एक प्रारंभिक सिद्धांत अध्ययन। *ऑप्टिकल और क्वांटम इलेक्ट्रॉनिक्स* , *56* (3)। doi:11007/s11082-023-05970-8

योगी, एस., कुमार, ए., कुमार, पी., कुमार, वी., ज़ुल्फ़ेक्वार, एम., और जैन, वी.के. (2024). RGO/ZnO@SiNWs हेटरोस्ट्रक्चर पर आधारित कक्ष तापमान NH3 गैस सेंसरों की ट्रेस स्तर संवेदनशीलता और चयनात्मकता। *फिजिका. ई., निम्न-आयामी प्रणालियाँ और नैनोस्ट्रक्चर* , *157* (115864), 11586 doi:11016/j.physe.202115864

तारिक, एच., शाहिद, आर., सिंह, पी., सिंह, ए.के., पांडे, आर., और सिंह, पी. (2024). सोडियम और जर्मेनियम द्वि-प्रतिस्थापित ट्राइमेरिक स्ट्रोंटियम सिलिकेट (Sr3-3xNa3xSi3-3yGe3yO9-δ; 0<x<20,y=1) का ठोस विद्युत अपघट्य के रूप में परीक्षण। *जर्नल ऑफ एप्लाइड इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री* , *54* (3), 487-50 doi:11007/s10800-023-01994-w

बाबू सिंह, एम., हिमानी यादव, एस., और सिंह, पी. (2024). हार्मोन पर nCoV के Mpro के प्रभाव को समझने के लिए एक सैद्धांतिक अध्ययन। *केमिस्ट्रीसेलेक्ट* , *9* (8)। doi:11002/slct.202304767

कुमार, अमन, कुमार, वी., सिंह, पी., टिट्टल, आर.के., और लाल, के. (2024). 1,2,3-ट्रायज़ोल के हरित संश्लेषण के लिए आयनिक द्रव: एक व्यवस्थित समीक्षा। *हरित रसायन: एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल और हरित रसायन संसाधन: जीसी* । doi:11039/d3gc04898e

कुमार, अशोक, ठाकुर, वी.एन., कुमार, ए., सिंह, वी., ढाका, ए., और ढाका, आर.एस. (2024). उच्च तापमान पर नियोबियम प्रतिस्थापित लैंथेनम आधारित ऑर्थोवैनाडेट्स का परावैद्युत व्यवहार और प्रतिबाधा स्पेक्ट्रोस्कोपी। *सेरामिक्स इंटरनेशनल* , *50* (4), 6735-674 doi:11016/j.ceramint.2021015

मलिक, पी., दुहान, एस., और मलिक, आर. (2024). 3D छिद्रयुक्त SnO2-एनकैप्सुलेटेड MCM-48 पर आधारित एक उच्च-प्रदर्शन आर्द्रता संवेदक, जो वास्तविक समय में श्वास की निगरानी और संपर्क रहित हावभाव पहचान के लिए है। *मैटेरियल्स एडवांस* , *5* (6), 2510-252 doi:11039/d3ma00866e

विकल, एम., शाह, एस., सिंह, एन., गुप्ता, एम., सिंह, पी., और कुमार, वाई. (2024). आरएचबी डाई अपघटन के लिए सौर प्रकाश सक्रिय ग्रैफाइटिक कार्बन नाइट्राइड/बायोचार नैनोकंपोजिट। *मैक्रोमोलेक्यूलर सिम्पोजिया* , *413* (1)। doi:11002/masy.202300025

बेनीवाल, बी., कुमार, वाई., गुप्ता, एम., और शर्मा, एस. (2024). सुपरकैपेसिटर अनुप्रयोगों के लिए 2N MXene की क्वांटम धारिता । मैक्रोमोलेक्यूलर *सिम्पोजिया* , *413* (1)। doi:11002/masy.202200198

तनेजा, एन., बोचेट्टा, पी., कुमार, ए., गुप्ता, पी., गुप्ता, एम., सिंह, पी., ... कुमार, वाई. (2024). *कैलोट्रोपिस गिगेंटिया* पौधे के लेटेक्स पर आधारित उच्च चालक ठोस बायो-पॉलिमर इलेक्ट्रोलाइट्स पर प्रायोगिक जाँच। *मैक्रोमॉलेक्यूलर सिम्पोजिया* , *413* (1)। doi:11002/masy.202300016

यादव, एस., जैन, पी., और सिंह, पी. (2024, 23 जुलाई)। सौर ऊर्जा सांद्रक अनुसंधान। *सौर ऊर्जा सांद्रक* , पृष्ठ 121-13 doi:11002/978139420453ch6

रमन, एपीएस, असलम, एम., सिंह, पी., पांडे, जी., जैन, पी., और कुमारी, के. (2024). शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन: वर्तमान पद्धतियाँ और भविष्य के दृष्टिकोण। *एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन में* (पृष्ठ 141-157)। doi:11007/978-981-97-0823-9_7

बोराह, एस.जे., गुप्ता, ए., सिंह, पी., और कुमार, वी. (2024). पुनर्चक्रित प्लास्टिक कचरे के लिए प्रगति और वर्तमान दृष्टिकोण। *एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन में* (पृष्ठ 413-427)। doi:11007/978-981-97-0823-9_20

असलम, एम., पांडे, जी., और पंत, बी.एन. (2024). जैविक रूप से सक्रिय ऑक्साज़ोल, आइसोक्साज़ोल और पाइरानोपाइराज़ोल का एक-पॉट संश्लेषण - एक अवलोकन। *ग्रीन अप्रोच इन मेडिसिनल केमिस्ट्री फॉर सस्टेनेबल ड्रग डिज़ाइन* (पृष्ठ 411-431) में। doi:11016/b978-0-443-16166-00018-9

वृंदा, नारंग, जी., पांडे, जी., सिंह, पी., और कुमारी, के. (2024, 2 अप्रैल)। रोगाणुरोधी (कीटाणुनाशक और कीट नियंत्रण) अनुप्रयोगों के रूप में पॉलीफेनोल्स। *पॉलीफेनोल्स का विज्ञान और इंजीनियरिंग* , पृष्ठ 416-43 doi:11002/9781394203393ch16

सरवर, एम., रज़ा, एम.एम.एच., आलम, एस.एम., सादिक, एम., खान, एम.एस., और अली, जे. (2024). गैस सेंसर और क्षेत्र उत्सर्जन उपकरणों में उपयोग हेतु कार्बन नैनोट्यूब की वृद्धि हेतु Fe/cu उत्प्रेरक विलयन का एक-पात्र निर्माण। *स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन फिजिक्स* (पृष्ठ 403-410)। doi:11007/978-981-97-1571-8_48

साहू, बी.बी., मोहराना, एस., और बेहरा, पी.के. (2024). इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों के लिए इलास्टोमेरिक-आधारित मिश्रित सामग्री। *पॉलिमर कंपोजिट्स में* (पृष्ठ 329-355)। doi:11007/978-981-97-2075-0_11

यादव, एस., रमन, एपीएस, लाल, के., जैन, पी., और सिंह, पी. (2024, 28 मार्च)। माइक्रोवेव और अल्ट्रासोनिक सहायता प्राप्त युग्मन अभिक्रियाएँ। *माइक्रोवेव और अल्ट्रासाउंड के साथ हरित रासायनिक संश्लेषण*, पृष्ठ 133-15 doi:11002/9783527844449ch5

चौधरी, ए.के., दास, एस., नारंग, पी., भट्टाचार्जी, ए., और दास, एम.के. (2024). छोटे हार्मोनिक विक्षोभ का उपयोग करके डफिंग प्रणाली में गैर-स्वायत्त अराजकता को नियंत्रित करना। *नेटवर्क्स एंड सिस्टम्स में व्याख्यान नोट्स में । नेटवर्क्स एंड सिस्टम्स में व्याख्यान नोट्स* (पृष्ठ 112-125)। doi:11007/978-3-031-56304-1_7

राजा, एन., गौतम, जी., मौर्य, एस.के., शर्मा, ए., सिंह, एस., सिंह, ए.के., और पांडे, आर. (2024). स्प्रे निर्मित एल्युमीनियम-आधारित पदार्थों का ट्राइबोलॉजी। *स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन मैटेरियल्स में* (पृष्ठ 173-182)। doi:11007/978-981-99-6766-7_15

आर्य, एम., चित्रलेखा, गौरव, एस., और शंकर, एस. (2024). त्रिक तंत्र LCMO-CFO-BT के संरचनात्मक और विद्युतीय गुणों का अध्ययन। *स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन मैटेरियल्स में* (पृष्ठ 35-43)। doi:11007/978-981-99-6766-7_4

गुप्ता, ए., कुमार, ए., श्रीवास्तव, एम.पी., मीना, वी.एस., कुमार, एस., और राणा, डी.के. (2024). रासायनिक स्नान निक्षेपण विधि द्वारा p-Si पर नैनोक्रिस्टलाइन ZnS पतली फिल्म का अभिलक्षणन। *स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन मैटेरियल्स में* (पृष्ठ 227-234)। doi:11007/978-981-99-6766-7_20

सिंह, एस., पांडे, आर., गौतम, जी., सिंह, ए.के., सिंह, बी.पी., धैया, ए., और सिंह, पी. (2024). Y2Ti2O7 पाइरोक्लोर के परावैद्युत और विद्युतीय व्यवहार का अध्ययन। *स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन मैटेरियल्स में* (पृष्ठ 235-244)। doi:11007/978-981-99-6766-7_21

कुमार, अवनीश, कुमार, एस., श्रीवास्तव, एम.पी., यादव, पी., सुरभि, और राणा, डी.के. (2024). चाल्कोजेनाइड WS2 पतली फिल्म के संरचनात्मक और प्रकाशिक गुण। *स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन मैटेरियल्स में* (पृष्ठ 267-274)। doi:11007/978-981-99-6766-7_24

रावत, के., विश्वकर्मा, ए.के., झा, के., और तुली, वी. (2024). बहुरंगी उत्सर्जन के लिए Tm3+/Dy3+/Tb3+ डोप्ड बेरियम ज़िंक फ़ॉस्फ़ेट ग्लास। *स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन मैटेरियल्स में* (पृष्ठ 257-266)। doi:11007/978-981-99-6766-7_23

कुमार, राकेश, राय, पीएम, चौरसिया, एनके, कुमार, एम., सिंह, ए.के., कट्टी, ए., और चौरसिया, आरके (2024). पारदर्शी चालक पेरोव्स्काइट SrNbO3 के इलेक्ट्रॉनिक और प्रकाशिक गुण: प्रारंभिक अध्ययन। *स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन मैटेरियल्स में* (पृष्ठ 155-172)। doi:11007/978-981-99-6766-7_14

चित्रलेखा, शंकर, एस., और सिंह, ए.पी. (2024). पर्यावरण अनुकूल एलएसएमओ:बीटी कम्पोजिट में संरचनात्मक, विद्युतीय और जलविद्युत सेल अन्वेषण। *स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन मैटेरियल्स में* (पृष्ठ 289-296)। doi:11007/978-981-99-6766-7_26

सैनी, पी., तारिक, एच., कुमार, एच., सिंह, ए.के., पांडे, आर., और सिंह, पी. (2024). ठोस इलेक्ट्रोलाइट अनुप्रयोग के लिए षट्कोणीय पेरोव्स्काइट-संबंधित ऑक्साइड का संश्लेषण और लक्षण वर्णन। *स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन मैटेरियल्स में* (पृष्ठ 1-14)। doi:11007/978-981-99-6766-7_1

झारवाल, एस., और कुमार, ए. (2024). सोल-जेल संश्लेषित La88 Sr12CoMnO6 नैनोकणों में फेरोमैग्नेटिक लघु-परासी सहसंबंधों के प्रमाण। *स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन मैटेरियल्स में* (पृष्ठ 15-27)। doi:11007/978-981-99-6766-7_2

उमेश, डी., चौरसिया, आर.के., कट्टी, ए., और प्रशांत, बी.एल. (2024). गॉसियन एपोडाइज्ड सेंट्रो-सिमेट्रिकल नॉन-लीनियर केएलटीएन लैटिस में गैप सॉलिटॉन की उत्पत्ति। *स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन मैटेरियल्स में* (पृष्ठ 297-308)। doi:11007/978-981-99-6766-7_27

स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन मैटेरियल्स में ओलिवाइन संरचित LiFePO की तैयारी और संरचनात्मक जाँच (पृष्ठ 245-255)। doi:11007/978-981-99-6766-7_22

सिंह, जेपी, शर्मा, ए., गुप्ता, आर., तोमर, एम., और चौधरी, ए. (2024). NO2 संवेदन हेतु रासायनिक विधि का उपयोग करके WO3-SnO2 संमिश्र का विकास। *नैनोमटेरियल्स में हालिया प्रगति में* (पृष्ठ 269-273)। doi:11007/978-981-99-4878-9_37

आलम, एस.एम., रज़ा, एम.एम.एच., सरवर, एम., सादिक, एम., अकरम, एम.एफ., और अली, जे. (2024). कार्बन नैनोट्यूब के संरचनात्मक और इलेक्ट्रॉनिक गुणों पर ताँबे के धातु नैनोकणों की सजावट का प्रभाव। *नैनोमटेरियल्स में हालिया प्रगति में* (पृष्ठ 407-413)। doi:11007/978-981-99-4878-9_57

रमन, एपीएस, जैन, पी., और सिंह, पी. (2024, 24 जून)। माइक्रोप्लास्टिक। *माइक्रो और नैनोप्लास्टिक के विषाक्त प्रभाव* , पृष्ठ 125-13 doi:11002/978139423816ch7

असलम, एम., सिंह, एम.बी., सिंह, पी., पांडे, जी., कुमार, ए., सिंह, एस., … कुमारी, के. (2024). आयनिक द्रवों के ऋणायन में क्रियात्मक समूह स्थिति का जलीय घुलनशीलता पर प्रभाव: डीएफटी

गणनाओं के माध्यम से एक अध्ययन। *आयोनिक्स* , *30* (2), 875-88 doi:11007/s11581-023-05305-3

सिंह, जी., कुमार, वाई., और हुसैन, एस. (2024). निकेल फेराइट डोप्ड पॉलीएनिलिन कंपोजिट: एक उच्च-प्रदर्शन सममित छद्म-सुपरकैपेसिटर के लिए संश्लेषण और विश्लेषण। *ऊर्जा भंडारण* , *6* (1). doi:11002/est525

आलम, एस.एम., सरवर, एम., सादिक, एम., और अली, जे. (2024). अमोनिया गैस का पता लगाने के लिए एक अत्यधिक संवेदनशील सतह-संशोधित छिद्रयुक्त कार्बन नैनोट्यूब-आधारित सेंसर। *एसीएस ओमेगा* , *9* (4), 4486-449 doi:11021/acsomega.3c07244

रमन, एपीएस, सिंह, पी., और जैन, पी. (2023)। प्रदूषित पर्यावरण के कायाकल्प में पुनर्योगज ई. कोलाई। *जेनेटिकली इंजीनियर्ड ऑर्गेनिज्म्स इन बायोरेमेडिएशन* (पृष्ठ 106-118) में। doi:11201/9781003188568-7

राज, ए., शर्मा, एस., सिंह, डी.वी., कुमार, ए., चौरसिया, आर.के., सिकीरोस, जे.एम., ... कुमार, एम. (2023)। प्रयोग और सैद्धांतिक गणनाओं के माध्यम से मल्टीफेरोइक पेरोव्स्काइट अवशोषक-आधारित उपकरणों में फोटोवोल्टिक ऊर्जा रूपांतरण। *फिजिका. बी, कंडेंस्ड मैटर* , (415504), 41550 doi:11016/j.physb.202415504

सिंह, जतिंदर पाल, शर्मा, ए., तोमर, एम., और चौधरी, ए. (2024, 20 अक्तूबर)। डाइब्यूटाइल सल्फाइड के संवेदन के लिए यूवी विकिरणित MoO3 पतली फिल्म: एक मस्टर्ड गैस सिमुलेंट। *2024 IEEE सेंसर्स* , 1- 2024 IEEE सेंसर्स, कोबे, जापान में प्रस्तुत। doi:11109/sensors609820210784939

यादव, एस., रमन, एपीएस, लाल, के., जैन, पी., और सिंह, पी. (2024, 28 मार्च)। माइक्रोवेव और अल्ट्रासोनिक सहायता प्राप्त युग्मन अभिक्रियाएँ। *माइक्रोवेव और अल्ट्रासाउंड के साथ हरित रासायनिक संश्लेषण*, पृष्ठ 133-15 doi:11002/978352784449ch5

यादव, एस., सिंह रमन, ए.पी., सिंह, पी., और जैन, पी. (2024). बैटरियों और ऊर्जा भंडारण का परिचय। *बैटरियों के लिए उन्नत सामग्री में* (पृष्ठ 1-17)। doi:11201/9781032631370-1

दास, पी.जे., कुमावत, वी., सिंगला, एम., सिंह, एम.आर., और चंद्र महापात्रा, एस. (2024). सुपरिभाषित पीईओ-आधारित एम्फीफिलिक ट्राई-ब्लॉक कॉपोलिमर का स्व-समुच्चयन व्यवहार और धातु संसूचकों के रूप में उनका अनुप्रयोग। *जर्नल ऑफ मैक्रोमोलेक्युलर साइंस, भाग ए: शुद्ध और अनुप्रयुक्त रसायन-विज्ञान* , 1-1 doi:11080/10601322022431933

राय, जी., सहगल, पी., और पटेल, के. (2024). 8 गीगाहर्ट्ज़ पर ट्रांसमीटर और रिसीवर मॉड्यूल का उपयोग करके विभिन्न एंटेना द्वारा वायरलेस इमेज ट्रांसफर। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ माइक्रोवेव एंड वायरलेस टेक्नोलॉजीज*, *16* (7), 1248-125 doi:11017/s1759078724000618

नैना, सिंह, एमबी, रंजन, केआर, सिंह, एसके, और सिंह, पी. (2024). डीएफटी गणनाओं और एमडी सिमुलेशन के माध्यम से ग्राफीन-मॉर्डेंट रेड कंजुगेट के ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक व्यवहार की जाँच। *स्ट्रक्चरल केमिस्ट्री* । doi:11007/s11224-024-02399-x

कुमार, अमित, और गुप्ता, पी. (2024). असमान टाइट वेवलेट फ़्रेम से संबंधित कुछ परिणामों पर। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एनालिसिस एंड एप्लीकेशन* , *22* , 16 doi:128924/2291-8639-22-2024-166

लुवांग, एनसी, राणा, डीके, यादव, एमके, शर्मा, एच., कुमार, ए., कुमार, एस., और सुरभि। (2024). बीज तकनीक का उपयोग करके सीबीडी और सॉल्वोथर्मल विधि द्वारा ZnO नैनोस्ट्रक्चर का संश्लेषण। *जर्नल ऑफ सोल-जेल साइंस एंड टेक्नोलॉजी* , *112* (3), 728-73 doi:11007/s10971-024-06557-9

कुमार, राजीव, चावला, जे., सैनी, एस., सिंह, पी., और स्वरूप महरिया, आर. (2024). जलीय माध्यम से कैडमियम द्विसंयोजक आयनों के शमन के लिए बॉक्स-बेनकेन डिज़ाइन। *रसायन-विज्ञान और जैव विविधता* , *21* (10), e20240104 doi:11002/cbdv.202401043

सिंह, एस., पांडे, आर., गौतम, जी., सिंह, ए.के., सिंह, बी.पी., धैया, ए., और सिंह, पी. (2023, मार्च)। Y2Ti2O7 पाइरोक्लोर के परावैद्युत और विद्युतीय व्यवहार का अध्ययन। *उन्नत कार्यात्मक सामग्री और उपकरणों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में* (पृष्ठ 235-244)। सिंगापुर: स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर। https://doi.org/11007/978-981-99-6766-7_21

रमन, एपीएस, असलम, एम., अवस्थी, ए., अंसारी, ए., जैन, पी., लाल, के., ... कुमारी, के. (2025)। 1,2,3-/1,2,4-ट्रायज़ोल्स पर एक अद्यतन समीक्षा: संश्लेषण और जैविक क्षमता की विविध श्रेणी। *मॉलिक्यूलर डाइवर्सिटी* , *29* (1), 899-96 doi:11007/s11030-024-10858-0

भुकल, ए., कुमार, वी., रमन, एपीएस, कुमार, ए., सिंह, पी., और लाल, के. (2025)। पाइराज़ोलिन स्पाइरो-ऑक्सिंडोल टेथर्ड 1,2,3-ट्रायज़ोल हाइब्रिड: डिज़ाइन, संश्लेषण, रोगाणुरोधी प्रभावकारिता और आणविक मॉडलैंगिक अध्ययन। *मॉलिक्यूलर डाइवर्सिटी* , *29* (2), 1479-149 doi:11007/s11030-024-10928-3

कुमार, आर., राय, पीएम, चौरसिया, एन.के., कुमार, एम., सिंह, ए.के., कट्टी, ए., और चौरसिया, आर.के. (2024). पारदर्शी चालक पेरोव्स्काइट SrNbO3 के इलेक्ट्रॉनिक और प्रकाशिक गुण: प्रारंभिक अध्ययन। *स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन मैटेरियल्स में* (पृष्ठ 155-172)। doi:11007/978-981-99-6766-7_14

रमन, एपीएस, मिश्रा, वीके, यादव, एस., जैन, पी., सिंह, पी., और कुमारी, के. (2025)। दवाओं/कीटनाशकों का पता लगाने में इलेक्ट्रोकेमिकल नैनो-बायोसेंसर पर एक लघु समीक्षा। *इंडियन जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी*, *65* (1), 216-23 doi:11007/s12088-024-01303-9

सिंह, एम.बी., नारंग, जी., और सिंह, पी. (2025)। डीएफटी गणनाओं और एमडी सिमुलेशन का उपयोग करके गैसों (SO2 और एसिटिलीन) के संवेदन के लिए ग्राफीन का तुलनात्मक अध्ययन। *इंडियन जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी*, *65* (1), 359-37 doi:11007/s12088-024-01289-4

मैसी, आई., यादव, एस., कुमार, डी., महारिया, आर.एस., कुमारी, के., और सिंह, पी. (2025)। आणविक डॉकिंग और आणविक गतिकी सिमुलेशन के माध्यम से करक्यूमिन का उपयोग करके ज़ेब्राफ़िश में चिंतानिवारक और ऐंठन-रोधी प्रभावों के निषेध हेतु एक अंतर्दृष्टि। *मॉलिक्यूलर डाइवर्सिटी* , *29* (1), 439-45 doi:11007/s11030-024-10865-1

सहगल, पी., और पटेल, के. (2024). WLAN/WiMAX/WI-Fi 6 अनुप्रयोगों के लिए ट्राइबैंड डुअल पोर्ट H-SRR MIMO एंटीना। *प्रोग्रेस इन इलेक्ट्रोमैग्नेटिक्स रिसर्च एम* , *123* , 35-4 doi:12528/pierm23102402

स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन मैटेरियल्स में ओलिवाइन संरचित LiFePO की तैयारी और संरचनात्मक जाँच (पृष्ठ 245-255)। doi:11007/978-981-99-6766-7_22

सिंह, जेपी, शर्मा, ए., गुप्ता, आर., तोमर, एम., और चौधरी, ए. (2024). NO2 संवेदन हेतु रासायनिक विधि का उपयोग करके WO3-SnO2 संमिश्र का विकास। *नैनोमटेरियल्स में हालिया प्रगति में* (पृष्ठ 269-273)। doi:11007/978-981-99-4878-9_37

आलम, एस.एम., रज़ा, एम.एम.एच., सरवर, एम., सादिक, एम., अकरम, एम.एफ., और अली, जे. (2024). कार्बन नैनोट्यूब के संरचनात्मक और इलेक्ट्रॉनिक गुणों पर ताँबे के धातु नैनोकणों की सजावट का प्रभाव। *नैनोमटेरियल्स में हालिया प्रगति में* (पृष्ठ 407-413)। doi:11007/978-981-99-4878-9_57

तारिक, एच., शाहिद, आर., सिंह, पी., सिंह, ए.के., पांडे, आर., और सिंह, पी. (2024). ठोस विद्युत अपघट्य के रूप में अनुप्रयोग हेतु जर्मेनियम डोप्ड स्ट्रोंटियम सिलिकेट (Sr3-3xK3xSi3-3yGe3yO9-δ; $0 \leq x \leq 20$, y=1) पर K+ प्रतिस्थापन का प्रभाव। *फिजिका. बी, संघनित पदार्थ* , *672* (415456), 41545 doi:11016/j.physb.202415456

कुमार, ए., लाल, के., मुर्तज़ा, एम., जगलान, एस., रोहिला, वाई., सिंह, पी., ... कुमारी, के. (2024). क्लिक-व्युत्पन्न आइसैटिन-थियोसेमीकार्बाज़ोन-1,2,3-ट्रायज़ोल पर रोगाणुरोधी, एंटीबायोफिल्म, डॉकिंग, डीएफटी और आणविक गतिकी अध्ययन। *जर्नल ऑफ बायोमॉलिक्युलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स* , *42* (19), 9919-993 doi:11080/07391102022253912

रमन, एपीएस, पोंगपाइबून, एस., भाटिया, आर., लाल दबोधिया, के., कुमार, ए., कुमार, डी., ... कुमारी, के. (2024). फिकस कैरिका एल. में जैवसक्रिय यौगिकों की मधुमेह-रोधी और एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि पर सिलिको अध्ययन। *जर्नल ऑफ बायोमॉलिक्युलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स* , *42* (14), 7515-753 doi:11080/07391102022240425

पुस्तकें

कौशिक, ए.एस. (2023)। *कार्यात्मक सामग्रियों और उपकरणों में हालिया प्रगति।* स्प्रिंगर नेचर। आईएसबी.ए.न: 978-981-99-6765-0

सिंह, ए.के. (2023). *कार्यात्मक सामग्रियों और उपकरणों में हालिया प्रगति।* स्प्रिंगर नेचर। आईएसबी.ए.न: 978-981-99-6765-0

झा, बी.के. (2023)। *वित्तीय क्षेत्र में अनधिकृत पहुँच की पहचान और प्रतिबंध के लिए स्वचालित बैंकिंग धोखाधड़ी का पता लगाना।* आईईईई एक्सप्लोर। आईएसबी.ए.न: 978-1-6654-9764-0

माथुर, सी. (2023). *1947 ई. के बाद भारत-पाक संबंध* , विन्शील्ड प्रेस. आईएसबी.ए.न: 978-93-93257-06-2

कामेई, ए. (2023). *मित्र और मित्रता। खंड 2, शेष विश्व (संकलन)।* कवि (अंतर्राष्ट्रीय)। आईएसबी.ए.न: 9798538072590

कामेई, ए. (2023). *विपत्ति। खंड 2 (संग्रह)।* कवि (अंतर्राष्ट्रीय)। आईएसबी.ए.न: 9798496718929

कामेई, ए. (2023). *पोएट्री पी जर्नल: समर (एंथोलॉजी).* पेट्रीसिया मैकगायर (लेखिका). आईएसबी.ए.न: 9798464403000

कामेई, ए. (2023)। *रैंगडेलू के गीत: कविताओं की एक किताब।* ऑथर्सप्रेस. आईएसबी.ए.न: 978-93-5529-012-0

कामेई, ए. (2023). *विंटर्स एंबीवैलेंस: कविताओं और लघु कथाओं का संकलन।* उकियोटो प्रिंट। आईएसबी.ए.न: 978-9354909580

कामेई, ए. (2023). *केलिडोस्कोप: अंतर्राष्ट्रीय कवियों का संकलन.* अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशित कार्य केंद्र (अमेरिका). आईएसबी.ए.न: 9798201397562

कामेई, ए. (2023). *202 सिनफिनएनलाइवन पब्लिशर्स द्वारा अंग्रेजी में सर्वश्रेष्ठ भारतीय कविताओं की स्मृति चिन्ह* । आईएसबी.ए.न: 987-81-956448-4-1

पांडे, ए. (2023). व्यंग्य : नरसंहार और भाषा आभूषण प्रकाशित कार्य हाउस , दिल्ली . आईएसबी.ए.न: 978-93-86817-47-1

पांडे, ए. (2023). व्यंग्य नेता : हरिशंकर परसाई . बयानबाजी प्रकाशन हाउस , दिल्ली . आईएसबी.ए.न: 978-93-86817-47-8

चौबे, जी. (2023). *निम्नलिखित में से कौन: बारहवीं फेल (अनुवाद)।* हार्पर कॉलिन्स इंडिया। आईएसबी.ए.न: 978-9354894428

चौबे, जी. (2023). लोकतंत्र और उसका संस्थान : आंद्रे बेटे (*अनुवाद*)। ऑक्सफोर्ड। आईएसबी.ए.न: 9780190131470

चौबे, जी. (2023)। *यशपाल का विप्लव (खण्ड 4)।* लोकभारती, राजकमल. आईएसबी.ए.न: 978-93-936030-74

चौबे, जी. (2022)। *बिहारी साहित्य की किताब.* हार्पर कॉलिन्स भारत। आईएसबी.ए.न: 9356291470

झा, आई.के. (2023). भारतीय इस्लाम : पहचान की निर्माण और राजनीति . तद्भव . आईएसबी.ए.न: यूपीएचआईएम/2021/81604

झा, आई.के. (2023). निष्क्रिय क्रांति : एक जाँच पड़ताल । सेतु पब्लिकेशंस. आईएसबी.ए.न: 9788119127436

गोपाल, एम. (2023)। *सुपद्म मधुराष्टकविवरणम्।* सुपद्मा नया प्राइवेट लिमिटेड, बैंगलोर। आईएसबी.ए.न: 978-81-95570-47-8

गोपाल, एम. (2023)। *स्वातंत्र्योत्तर भारत में संस्कृत की विकास यात्रा।* सारस्वतम पब्लिकेशंस, पटना। आईएसबी.ए.न: 978-81-953832-07

झा, एन. (2023). *डेटा विश्लेषण के लिए पायथन.* साइंटिफिक इंटरनेशनल पब्लिशिंग हाउस. आईएसबी.ए.न: 978-93-5757-982-7

बरूआ, पी. (2023). *राधा में शहरीकरण और राज्य निर्माण: प्रारंभिक बंगाल का एक उप-क्षेत्र।* स्याही ब्लू पब्लिशर्स। आईएसबी.ए.न: 978-81-953800-9-1

प्रसाद, आर. (2023). कृष्णा विरासत में सुर , मीरा और रस खान . हस्ताक्षर । आईएसबी.ए.न: 978-93-86007-97-1

प्रसाद, आर. (2023). हिंदी भाषा संचार और संचार . हस्ताक्षर . आईएसबी.ए.न: 978-93-86007-74-2

बघेल, एसएस (2023)। *धुआँ: आकाश उज्ज्वल है.* वाणी पब्लिकेशंस. आईएसबी.ए.न: 978-93-5518-151-0

सरस्वती (2023)। *हरियाणा में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग: एक मूल्यांकन।* पब्लिकेशंस। आईएसबी.ए.न: 978-93-91599-23-1

दुबे, एस.एन. (2023)। *लोक प्रशासन पर परिप्रेक्ष्य।* डीडीसीई, दिल्ली विश्वविद्यालय।

मुबीन, जेडएस (2023)। *आधुनिक विश्व का बौद्धिक इतिहास और भारतीय इतिहासलेखन में वाद-विवाद।* सावित्रीबाई पुणे विश्वविद्यालय। आईएसबी.ए.न: 978-93-5453-895-7

मुबीन, जेडएस (2023)। *ऐतिहासिक पद्धति और इतिहासलेखन।* दूरस्थ शिक्षा निदेशालय, बैंगलोर विश्वविद्यालय। आईएसबी.ए.न: 978-93-5338-713-6

मुबिन, जेडएस (2023)। *रूस का इतिहास (1800-1970 तक)।* अल्गप्पा विश्वविद्यालय। आईएसबी.ए.न: 978-93-5453-401-0

मुबीन, जेडएस (2023)। *इतिहास: सिद्धांत, विधि और दृष्टिकोण।* मुक्त शिक्षा विद्यालय, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय। आईएसबी.ए.न: 968-93-5453-220-7

मुबीन, जेडएस (2023)। *1914 ई. से वर्तमान तक अंतर्राष्ट्रीय संबंध।* अल्गप्पा विश्वविद्यालय। आईएसबी.ए.न: 20**CUS**00063

मणि, वीएन (2023)। *प्रतिशोध की संस्कृति और हिंदी कविता।* हंस पब्लिकेशंस. आईएसबी.ए.न: 978-93-911-18-59-4

बघेल, एस.एस. (2023)। *प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, सामाजिक विज्ञान, सतत विकास और मानविकी में उन्नत अनुसंधान।* अलंकार पब्लिशिंग हाउस। आईएसबी.ए.न: 978-93-93646-03-3

तुली, वी. (2023). *कार्यात्मक सामग्रियों और उपकरणों में हालिया प्रगति।* स्प्रिंगर नेचर। आईएसबी.ए.न: 978-981-99-6765-0

मिश्रा, आर. (2023). *कृत्रिम बुद्धिमत्ता का परिचय।* मुक्त शिक्षा विद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय। आईएसबी.ए.न: 978-81-19417-47-6

मिश्रा, आर. (2023). *सपोर्ट वेक्टर मशीन।* मुक्त शिक्षा विद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय। आईएसबी.ए.न: 978-81-19417-47-6

मिश्रा, आर. (2023). *सांख्यिकीय अधिगम और फ़ज़ी लॉजिक.* स्कूल ऑफ़ ओपन लर्निंग, दिल्ली विश्वविद्यालय. आईएसबी.ए.न: 978-81-19417-47-6

मिश्रा, आर. (2023). *कृत्रिम बुद्धिमत्ता और बायेसियन नेटवर्क में संभाव्य तर्क।* मुक्त शिक्षा विद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय। आईएसबी.ए.न: 978-81-19417-47-6

मिश्रा, आर. (2023). *मानव-कंप्यूटर संपर्क और ज्ञान प्रबंधन।* मुक्त शिक्षा विद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय। आईएसबी.ए.न: 978-81-19417-47-6

फुकन, एस. (2023). *पुस्तक समीक्षा: वसंत की अफवाहें: कश्मीर में एक बचपन.* लाइव वायर.

फुकन, एस. (2023). *पुस्तक समीक्षा: स्क्रिप्टिंग बॉलीवुड: हिंदी सिनेमा की महिला पटकथा लेखकों की पृष्ठभूमि.* लाइव वायर.

फुकन, एस. (2023). *पुस्तक समीक्षा: द ब्रेडेड रिवर: वॉकिंग अलोंग द बैंक्स ऑफ़ द ब्रह्मपुत्र.* लाइव वायर.

फुकन, एस. (2023). *पुस्तक समीक्षा: एक लाल गर्दन वाली हरी चिड़िया: अंबाई का अंतर्विषयक नारीवाद.* लाइव वायर.

फुकन, एस. (2023). *पुस्तक समीक्षा: संत पुरुषों का क्रोध: विषाक्त पुरुषत्व के अंदरूनी अंग.* लाइव वायर.

योगी, एस. (2023). *प्लाज्मा तरंगें और रेले-टेलर अस्थिरता: सिद्धांत और अनुप्रयोग.* इंटेकओपन. आईएसबी.ए.न: 978-1-83768-024-5

सुब्रमण्यन, एस.एस. (2024). *टिकाऊ पर्यावरण के लिए उन्नत कार्यात्मक सामग्री।* कैपिटल पब्लिशिंग कंपनी; स्प्रिंगर, चाम, स्विट्ज़रलैंड। आईएसबी.ए.न: 978-3-031-62619-7

विश्वकर्मा, ए.के. (2024). *टिकाऊ पर्यावरण के लिए उन्नत कार्यात्मक सामग्रियाँ।* कैपिटल पब्लिशिंग कंपनी; स्प्रिंगर, चाम, स्विट्ज़रलैंड। आईएसबी.ए.न: 978-3-031-62619-7

कौशिक, ए.एस. (2024). *सतत पर्यावरण के लिए उन्नत कार्यात्मक सामग्री।* कैपिटल पब्लिशिंग कंपनी; स्प्रिंगर, चाम, स्विट्ज़रलैंड। आईएसबी.ए.न: 978-3-031-62619-7

प्रसाद, आर. (2024). *अर्थनीति: नील की खेती और अंग्रेजी सरकार।* वाद - विवाद -संवाद . आईएसबी.ए.न: 2348-8662

प्रसाद, आर. (2024). इक्कीसवीं शतक और राष्ट्रीयता महालय . हस्ताक्षर पब्लिकेशंस . आईएसबी.ए.न: 978-93-86007-74-2

प्रसाद, आर. (2024). *हिंदी भाषा: सम्प्रेषण और संचार।* स्वक्षर पब्लिकेशंस . आईएसबी.ए.न: 978-93-86007-74-2

वर्मा, ए. (2024). *सुपरकैपेसिटर अनुप्रयोगों के लिए **NaCMC**-आधारित बायोपॉलिमर कम्पोजिट इलेक्ट्रोलाइट्स।* कैपिटल पब्लिशिंग कंपनी। आईएसबी.ए.न: 978-93-818891-80-3

अरोड़ा, एपी (2024). *ई-पर्यटन* । जेएसआर पब्लिशिंग हाउस एलएलपी। आईएसबी.ए.न: 978-93-94336-83-4

अरोड़ा, ए.पी. (2024). *किसी व्यवसाय के लिए स्थिरता योजनाएँ विकसित करना।* गलगोटिया पब्लिशिंग कंपनी। आईएसबी.ए.न: 978-93-90980-99-4

कौर, बी. (2024). *ई-पर्यटन* . जेएसआर पब्लिशिंग हाउस एलएलपी. आईएसबी.ए.न: 978-93-94336-83-4

कौर, बी. (2024). *किसी व्यवसाय के लिए स्थिरता योजनाएँ विकसित करना।* गलगोटिया पब्लिशिंग कंपनी। आईएसबी.ए.न: 978-93-90980-99-4

कौर, पी. (2024). *निर्यात-आयात प्रबंधन.* जेएसआर पब्लिशिंग हाउस एलएलपी. आईएसबी.ए.न: 978-93-94336-71-1

बरूआ, पी. (2024). *हाशिये पर महिलाएँ: एक पाठ और संदर्भ।* समकालीन भारत में इतिहास और इतिहासलेखन। आईएसबी.ए.न: 978-93-7033-820-3

कौरा, आर. (2024). *डिजिटल सशक्तिकरण* . जेएसआर पब्लिशिंग हाउस एलएलपी. आईएसबी.ए.न: 978-93-94336-98-8

मणि, वी.एन. (2024). दादू पंथ के शिखर संत . प्रभात पब्लिकेशंस .

संदीप (2024). *ई-पर्यटन* . जेएसआर पब्लिशिंग हाउस एलएलपी. आईएसबी.ए.न: 978-93-94336-83-4

संदीप (2024). *किसी व्यवसाय के लिए स्थिरता योजनाएँ विकसित करना।* गलगोटिया पब्लिशिंग कंपनी। आईएसबी.ए.न: 978-93-90980-99-4

महारिया, आर. (2024). *सुपरकैपेसिटर अनुप्रयोगों के लिए **NaCMC**-आधारित बायोपॉलिमर कम्पोजिट इलेक्ट्रोलाइट्स।* कैपिटल पब्लिशिंग कंपनी। आईएसबी.ए.न: 978-93-818891-80-3

अध्याय

सिंह, ए. (2023)। अध्याय: *भारत के विशेष संदर्भ में ऊर्जा, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण के बीच संबंधों का आकलन। ऊर्जा और पर्यावरण इंजीनियरिंग में हालिया विकास में।* स्प्रिंगर। आईएसबी.ए.न: 978-981-99-1388-6

मीना, बी. (2023)। अध्याय: *जल उपचार हेतु धातु-कार्बनिक ढाँचा स्पंज। ऊर्जा एवं पर्यावरण इंजीनियरिंग में हालिया विकास में।* स्प्रिंगर। आईएसबी.ए.न: 978-3-031-41077-2

बजरंग लाल, पी. (2023)। अध्याय: *गॉसियन एपोडाइज्ड सेंट्रो-सिमेट्रिकल नॉन-लीनियर केएलटीएन लैटिस में गैप सॉलिटॉन की उत्पत्ति। ऊर्जा और पर्यावरण इंजीनियरिंग में हालिया विकास में।* कैपिटल पब्लिशिंग कंपनी। आईएसबी.ए.न: 978-93-81891-803

झा, बी.के. (2023)। अध्याय: *स्टार्ट अप इंडिया पर एक वर्णनात्मक अध्ययन -- विकास की दिशा में प्रगति और नवाचार का उपयोग। सामाजिक विज्ञान में उभरते नवाचार में।* वेसर बुक्स पब्लिकेशंस । आईएसबी.ए.न: 978-3-96492-398-1

झा, बी.के. (2023)। अध्याय: *प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और सेवा क्षेत्र पर एक वैचारिक अध्ययन: एक अवलोकन। सामाजिक विज्ञान में उभरते नवाचार में।* वेसर बुक्स पब्लिकेशंस । आईएसबी.ए.न: 978-3-96492-398-1

पंत, बी.ए.न (2023)। अध्याय: *पादप बायोमास आधारित नैनोमटेरियल के उत्पादन और उपयोग में हालिया विकास -। ऊर्जा और पर्यावरण इंजीनियरिंग में हालिया विकास में।* स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर। आईएसबी.ए.न: 978-981-99-0995-7

कुल्हारी, पी. (2023)। अध्याय: *सैमुअल बेकेट के नाटकों में बेतुकापन, अनिश्चितता और अर्थहीनता: एक भाषाई अध्ययन। सांस्कृतिक अध्ययन के चौराहे पर: चिंतन और आकांक्षाएँ।* भारतीय प्रिंट संस्करण वितरण। आईएसबी.ए.न: 979-8379361600

कामेई, ए. (2023). अध्याय: *ईस्टरीन कीर की "व्हेन द रिवर स्लीप्स" और "सन ऑफ़ द थंडरक्लाउड" का एक पारिस्थितिक-आलोचनात्मक अध्ययन। "कीपर ऑफ़ स्टोरीज़" में: ईस्टरीन कीर के उपन्यासों का आलोचनात्मक पाठ।* हाईलैंडर। आईएसबी.ए.न: 979-8-987-93390-9

कामेई, ए. (2023). अध्याय: *ईस्टरीन कीर की 'एक भयानक मातृसत्ता' की व्याख्या। हाशिये पर पढ़ना।* पीपुल्स पब्लिकेशन। आईएसबी.ए.न: 978-81-934856-6-8

कामेई, ए. (2023). केलिडोस्कोप: अंतर्राष्ट्रीय कवियों का संकलन. अंतर्राष्ट्रीय पब्लिकेशंस केंद्र (अमेरिका). आईएसबी.ए.न: 9798201397562

कामेई, ए. (2023). 202 सिनफिनएनलाइवन प्रकाशकों द्वारा अंग्रेजी में सर्वश्रेष्ठ भारतीय कविताओं की स्मृति चिन्ह। आईएसबी.ए.न: 987-81-956448-4-1

कामेई, ए. (2023). कविता: *धरती माँ की फुसफुसाहटें। 202 सिनफिनएनलाइवन प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित सर्वश्रेष्ठ भारतीय अंग्रेजी कविताओं की स्मृति-पुस्तिकाओं में* । आईएसबी.ए.न: 987-81-956448-4-1

कामेई, ए. (2023). कविताएँ: *फूल, जादू रचते हुए, जंगल, विधवा, राजमार्ग पर लाशें और नदियाँ। केलिडोस्कोप में: अंतर्राष्ट्रीय कवियों का संकलन।* अंतर्राष्ट्रीय पब्लिकेशंस। आईएसबी.ए.न: 979-8200000000

विश्वकर्मा, ए.के. (2023)। *बहुरंगी उत्सर्जन के लिए* ***Tm³⁺/Dy³⁺/Tb³⁺*** *डोप्ड बेरियम ज़िंक फ़ॉस्फ़ेट ग्लास। कार्यात्मक सामग्रियों और उपकरणों में हालिया प्रगति में।* स्प्रिंगर। आईएसबी.ए.न: 978-981-99-6766-7

शर्मा, ए.के. (2023). *सिंथेटिक प्लास्टिक की जैवनिम्नीकरणीयता: प्रभावी विघटन तंत्र.* एल्सेवियर. आईएसबी.ए.न: 978-0-323-89858-4

शर्मा, ए.के. (2023). *हाइड्रोजेल और लिपिड और न्यूक्लियोटाइड के साथ उनका संयोजन* . एल्सेवियर. आईएसबी.ए.न: 978-0-323-917537

शर्मा, ए.के. (2023). परमाणु, अणु और रासायनिक अंकगणित, मॉड्यूल - 2: रसायन-विज्ञान के मूल सिद्धांत। बॉस, सिक्किम।

कदम, ए. (2023). अध्याय: *गूगल ऐड सेंस का उपयोग करते हुए प्रासंगिक विज्ञापन। भारतीय अर्थव्यवस्था में [सुधार और पुनरुद्धार]।* एवन पब्लिशिंग हाउस। आईएसबी.ए.न: 978-93-92632-04-4

अनुश्रुति (2023)। अध्याय: *मणिपुर में सतत विकास लक्ष्य 3: पहाड़ी-घाटी विभाजन की कहानी? पूर्वोत्तर भारत में सतत विकास लक्ष्य: चुनौतियाँ और उपलब्धियाँ।* एजेस। आईएसबी.ए.न: 978-981-19-6477-0

पंत, बी.ए.न (2023)। अध्याय: *फाइटोरेमेडिएशन के लिए नैनोटेक्नोलॉजी की क्षमताएँ और सीमाएँ।* स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग। आईएसबी.ए.न (एचसी): 978-3-031-17987-7; (एससी): 978-3-031-17990-7; (ईबीके): 978-3-031-17988-4

छाया (2023)। अध्याय: *प्रारंभिक चिकित्सा पद्धतियाँ: बौद्ध साहित्यिक एवं पुरातात्विक स्रोतों का अध्ययन। प्राचीन भारतीय बौद्ध धर्म के इतिहास एवं संस्कृति के अध्ययन में।* रिसर्च इंडिया प्रेस। आईएसबी.ए.न: 978-93-5171-198-8

राणा, डी.के. (2023)। *चाल्कोजेनाइड* ***WS_2*** *पतली फिल्म के संरचनात्मक और प्रकाशिक गुण। कार्यात्मक सामग्रियों और उपकरणों में हालिया प्रगति में।* स्प्रिंगर नेचर। आईएसबी.ए.न: 978-981-99-6765-0

चौबे, जी. (2023)। अध्याय: *एक हिंदू तोता (गौतम चौबे द्वारा भोजपुरी से अनुवादित)। बिहारी साहित्य की किताब में.* हार्परकोलिन्स। आईएसबी.ए.न: 9356291470

चौबे, जी. (2023). अध्याय: *भोजपुरी अवकाश: भारतीय लोकप्रिय लेखन में लोकप्रियता, गाली-गलौज और चोरी। भारतीय लोकप्रिय कथा साहित्य में: नई शैलियाँ, उपन्यास के क्षेत्र।* रूटलेज। आईएसबी.ए.न: 978-1003239949

झा, आई.के. (2023)। अध्याय: *भारतीय न्यायपालिका, भारत के सर्वोच्च न्यायालय की बदलती भूमिका और गतिशीलता। भारतीय राजनीति और राजनीतिक प्रक्रियाओं में।* रूटलेज इंडिया। आईएसबी.ए.न: 978-1003434443

गुप्ता, एम. (2023). *चालकता* . डी ग्रुइटर. आईएसबी.ए.न: 978-3-11-079480-9

गुप्ता, एम. (2023). *इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री* . डी ग्रुइटर. आईएसबी.ए.न: 978-3-11-079480-9

आज़ाद, एन. (2023). *यूवी-दृश्य स्पेक्ट्रोस्कोपी.* डी ग्रुइटर. आईएसबी.ए.न: 978-3-11-079480-9

मोइरंगथेम, एन. (2023). *1,3-डायरिलथियोबार्बिट्यूरिक अम्लों* ***(DTBA)*** *से जैविक रूप से सक्रिय पाँच और छह सदस्यीय संलयित वलय पाइरीमिडीन व्युत्पन्नों का निर्माण।* इंटेकओपन। **ISBN:** 978-1-83768-243-3

सिन्हा, पी. (2023)। अध्याय: *उपवास और दावत: हाशिये पर लैंगिक भेद पर अनीता देसाई का एक उपन्यास। साहित्य में महिलाएँ: महिलाओं के लिए या महिलाओं द्वारा।* ऑथर्सप्रेस। आईएसबी.ए.न: 978-93-5529-737-2

सिन्हा, पी. (2023)। अध्याय: *अरविंद अडिगा का उपन्यास "द व्हाइट टाइगर", और उसका रूपांतरण: -वैश्विक मानचित्र पर भारत की एक नई व्याख्या। दक्षिण एशियाई साहित्य में: विस्तार और अन्वेषण।* उपनयन प्रकाशक। आईएसबी.ए.न: 978-93-91467-03-6

सिन्हा, पी. (2023)। *दक्षिण एशियाई साहित्य: विस्तार और अन्वेषण। अरविंद अडिगा का उपन्यास "द व्हाइट टाइगर" और उसका रूपांतरण: -वैश्विक मानचित्र पर भारत की एक नई व्याख्या।* थॉमसन प्रेस इंडिया। आईएसबी.ए.न: 978-93-91467-03-6

सिन्हा, पी. (2023)। अध्याय: *प्रतिरोध और आत्मसात: ज़ोया अख्तर की गली बॉय (2019) और अरविंद अडिगा की द व्हाइट टाइगर का एक आलोचनात्मक अध्ययन। प्रतिरोध और आत्मसात: सबाल्टर्न की आवाज़ें।* भारती पब्लिकेशंस। आईएसबी.ए.न: 978-93-89657-20-3

बरूआ, पी. (2023)। अध्याय: *समता -हरिकेला को उनके राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य में प्रासंगिक बनाना और कामरूप और चीन के साथ विनिमय संबंधों का वर्णन। भारत का आर्थिक इतिहास; इतिहासलेखन संबंधी मुद्दे और परिप्रेक्ष्य।* ब्लूम्सबरी। आईएसबी.ए.न: 978-9354351563

देवी, आर. (2023). अध्याय: तुलसी की लोकलुभावन साधना और रामराज्य । अपरान्तम में कनव तुलसीदास . अचिना । आईएसबी.ए.न: 978-81-88555-92-5

कुमार, ए. (2023). अध्याय: *औपनिवेशिक बिहार में बिरसा मुंडा और राष्ट्रवाद। बिरसा मुंडा के जीवन और आंदोलनों में।* ई- -पुस्तक। आईएसबी.ए.न: 9788192222873336

कुमार, ए. (2023). अध्याय: *सामाजिक न्याय और अछूत: महात्मा गांधी का एक दृष्टिकोण। महात्मा गांधी के 150 वर्षों में।* निर्मल पब्लिशिंग हाउस। आईएसबी.ए.न: 978-93-84783-88-4

कुमार, ए. (2023). अध्याय: *औपनिवेशिक बिहार में अस्पृश्यता। महात्मा: पवित्र कर्मों से अपवित्र मृत्यु तक।* अनु बुक्स। आईएसबी.ए.न: 978-81-947224-7-2

मिश्रा, एन. (2023). *तेल रिसाव को साफ़ करने के लिए नैनोस्पॉन्ज (एनएसपी) के पर्यावरणीय अनुप्रयोग।* स्प्रिंगर। आईएसबी.ए.न: 978-3-031-41076-5

झा, वी.एम. (2023)। अध्याय: *प्रारंभिक भारत के इतिहासलेखन में सांप्रदायिक पहचान: एक प्रारंभिक टिप्पणी। वैकल्पिक तर्कों में।* प्राइमस बुक्स। आईएसबी.ए.न: 978-93-90232-85-7

सिंह, आर. (2023)। अध्याय: *पाइरीडीन और उसके विशेषीकृत व्युत्पन्नों की संक्रमणरोधी कारकों के रूप में भूमिका -। पाइरीडीन के संश्लेषण और अनुप्रयोगों में हालिया विकास में।* एल्सेवियर। आईएसबी.ए.न: 978-0-323-91221-1

तुली, वी. (2023)। *बहुरंगी उत्सर्जन के लिए $Tm^{3+}/Dy^{3+}/Tb^{3+}$ डोप्ड बेरियम ज़िंक फ़ॉस्फ़ेट ग्लास। कार्यात्मक सामग्रियों और उपकरणों में हालिया प्रगति में।* स्प्रिंगर। आईएसबी.ए.न: 978-981-99-6766-7

सिंह, आर. (2023)। अध्याय: *जैव ऊर्जा उत्पादन के लिए खाद्य अपशिष्ट पदार्थ। कृषि और खाद्य अपशिष्ट बायोमास के सतत मूल्यांकन में।* स्प्रिंगर। आईएसबी.ए.न: 978-981-99-0528-7

सिंह, आर. (2023)। अध्याय: *फेरोइलेक्ट्रिक पेरोव्स्काइट पतली फ़िल्में अवाष्पशील कंप्यूटर मेमोरी के रूप में। पेरोव्स्काइट धातु ऑक्साइड: संश्लेषण, गुण और अनुप्रयोग।* एल्सेवियर। आईएसबी.ए.न: 978-0-323-995290

फुकन, एस. (2023)। अध्याय: *उपन्यास में उत्तर-पूर्व से उत्तर-औपनिवेशिकता, प्रतिरोध और विध्वंसक तत्वों की पहचान। उत्तर-औपनिवेशिक द्वंद्व और उससे आगे।* बुक एज पब्लिकेशंस। आईएसबी.ए.न: 978-93-93904-140

फुकन, एस. (2023). अध्याय: *लाल धरती पर महिलाओं का प्रतिरोध: पूर्वोत्तर के साहित्य में हिंसा और संघर्ष। भारतीय नारीवादी पर्यावरण-आलोचना में।* लेक्सिंगटन बुक्स। आईएसबी.ए.न: 978-1-66690-871-1

फुकन, एस. (2023). *पुस्तक समीक्षा: वसंत की अफवाहें: कश्मीर में एक लड़कपन: मृत्यु के घेरे में कश्मीर से एक संस्मरण.* लाइव वायर.

फुकन, एस. (2023). *पुस्तक समीक्षा: स्क्रिप्टिंग बॉलीवुड: हिंदी सिनेमा की महिला पटकथा लेखकों की पृष्ठभूमि.* लाइव वायर.

फुकन, एस. (2023). *पुस्तक समीक्षा: द ब्रेडेड रिवर: वॉकिंग अलोंग द बैंक्स ऑफ़ द ब्रह्मपुत्र.* लाइव वायर.

फुकन, एस. (2023). *भारतीय नारीवादी पर्यावरण-आलोचना: लाल धरती पर महिलाओं का प्रतिरोध: पूर्वोत्तर के साहित्य में हिंसा और संघर्ष - एक पर्यावरण-नारीवादी परिप्रेक्ष्य।* लेक्सिंगटन बुक्स। आईएसबी.ए.न: 978-1-66690-871-8

फुकन, एस. (2023). *पुस्तक समीक्षा: एक लाल गर्दन वाली हरी चिड़िया: अंबाई का अंतर्विषयक नारीवाद.* लाइव वायर.

फुकन, एस. (2023). *पुस्तक समीक्षा: संत पुरुषों का क्रोध: विषाक्त पुरुषत्व के अंदरूनी अंग.* लाइव वायर.

सिंह, एस. (2023). अध्याय: *भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली: प्राचीन काल से आधुनिक काल तक का एक अध्ययन। भारत में शिक्षा में।* नोवा साइंस पब्लिशर। आईएसबी.ए.न: 978-1-53619-442-5

झारवाल, एस. (2023). *सोल-जेल संश्लेषित $La_{1.88}Sr_{0.12}CoMnO_6$ नैनोकणों में फेरोमैग्नेटिक लघु-परासी सहसंबंधों के साक्ष्य।* स्प्रिंगर। आईएसबी.ए.न: 978-981-99-6766-7

कुमार, यू. (2023). अध्याय: कोविड-19 का भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों पर *सामाजिक--आर्थिक प्रभाव।* अकादमिक पब्लिकेशंस । आईएसबी.ए.न: 978-93-83931-19-4

कुमार, वाई. (2023)। अध्याय: *नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में नैनोप्रौद्योगिकियाँ। नवीकरणीय ऊर्जा नवाचार: जैव ईंधन, सौर और अन्य प्रौद्योगिकियाँ।* विले। आईएसबी.ए.न: 978-1-119-78569-9

नंद भास्कर, बी. (2024). *दवा उत्पाद विश्लेषण में जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग।* स्प्रिंगर नेचर। आईएसबी.ए.न: 978-981-97-1147-5

नंद भास्कर, बी. (2024). *जैविक रूप से सक्रिय ऑक्साज़ोल, आइसोक्साज़ोल और पाइरानोपाइराज़ोल्स का एक- पॉट संश्लेषण - एक अवलोकन।* -एल्सेवियर। आईएसबी.ए.न: 978-0-443-16166-7

कुमार, वाई. (2024). सुपरकैपेसिटर अनुप्रयोगों के लिए ***NaCMC*** *-आधारित बायोपॉलिमर कम्पोजिट इलेक्ट्रोलाइट्स।* स्प्रिंगर नेचर। आईएसबी.ए.न: 978-3-031-62619-7

सिंह, ए.के. (2024). सुपरकैपेसिटर अनुप्रयोगों के लिए ***NaCMC*** *-आधारित बायोपॉलिमर कम्पोजिट इलेक्ट्रोलाइट्स*/ स्प्रिंगर नेचर। आईएसबी.ए.न: 978-3-031-62619-7

बजरंग लाल, पी. (2024). सुपरकैपेसिटर अनुप्रयोगों के लिए ***NaCMC*** *-आधारित बायोपॉलिमर कम्पोजिट इलेक्ट्रोलाइट्स*/ स्प्रिंगर नेचर। आईएसबी.ए.न: 978-3-031-62619-7

मोहम्मद, एस. (2024). सुपरकैपेसिटर अनुप्रयोगों के लिए ***NaCMC*** *-आधारित बायोपॉलिमर कम्पोजिट इलेक्ट्रोलाइट्स*/ स्प्रिंगर नेचर। आईएसबी.ए.न: 978-3-031-62619-7

अनुसंधान परियोजनाएँ

भौतिकी विभाग की डॉ. अंजलि शर्मा कौशिक को 'इंडियम सेलेनाइड पतली फिल्म का उपयोग करके थर्मोइलेक्ट्रिक ऊर्जा संचयक का विकास' नामक शोध परियोजना के लिए ₹32,00,000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान एसईआरबी द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि 2023-22 तक है।

गणित विभाग की डॉ. प्रियंका यादव की परियोजना को 'ऑनलाइन विक्षुब्ध बाधाओं के साथ पूर्वानुमानित ऑनलाइन उत्तल अनुकूलन' नामक शोध परियोजना के लिए ₹22,70,000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान SERB-DST द्वारा प्रदान किया गया है और 2022-22 तक की अवधि के लिए है।

रसायन-विज्ञान विभाग की प्रो. सुनीता भगत को 'एरोमैटिक और हेटरोमेट्रिक प्रीकर्सर्स के रीजियोसेलेक्टिव सीएच फंक्शनलाइजेशन के लिए नई रणनीतियाँ' नामक शोध परियोजना के लिए ₹42,44,000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान एसईआरबी-डीएसटी द्वारा प्रदान किया गया है और 2021-22 तक की अवधि के लिए है।

स्वीकृत पेटेंट

डॉ. शंकर सुब्रमण्यन, La**67**Ca**33** MnO**3** नैनोकंपोजिट पर आधारित हाइड्रोइलेक्ट्रिक सेल तैयार करने की प्रणाली, विधि और संरचना। पी. डॉ. शंकर सुब्रमण्यन। पेटेंट संख्या: 55925, 30 जनवरी, 202, भारतीय पेटेंट।

डॉ. अंजलि शर्मा। लिथियम डोप्ड पोटैशियम सोडियम नियोबेट थिन फिल्म बेस्ड मेम्स प्रेशर सेंसर। मोनिका तोमर, अंजलि शर्मा, लोकेश राणा, रीमा गुप्ता, श्वेता शर्मा। 20 दिसंबर, 202। आवेदन संख्या - 20231102320। भारतीय पेटेंट।

डॉ. अंजलि शर्मा। दबाव संवेदन के लिए लैम्ब वेव रेज़ोनेटर उपकरण का भारतीय पेटेंट। मोनिका तोमर, लोकेश राणा, रीमा गुप्ता, अंजलि शर्मा, प्रदीप के. झा, मनीषा भारती, एटी निमल, उपेंद्र मित्तल, 12 जुलाई, 202। आवेदन संख्या - 20231100211। भारतीय पेटेंट।

डॉ. अंजलि शर्मा। नियोबियम लेड ज़िरकोनियम टाइटेनेट (पीएनजेडटी) थिन फिल्म लैम्ब वेव एकॉस्टिक डिवाइस का एकीकरण, भारतीय पेटेंट। मोनिका तोमर, लोकेश राणा, वंदना, रीमा गुप्ता, अंजलि शर्मा,

मनीषा भारती, एटी निमल, उपेंद्र मित्तल, जेम्स अजीत रेमंड। 29 नवंबर, 202 आवेदन संख्या - 20231103661 भारतीय पेटेंट

डॉ. अंजलि शर्मा। पोटेशियम सोडियम नियोबेट (केएनएन) पतली फिल्मों का उपयोग करके लैम्ब वेवर ध्वनिक उपकरण का निर्माण। एटी निमल, उपेंद्र मित्तल, मोनिका तोमर, लोकेश राणा, रीमा गुप्ता, अंजलि शर्मा, श्वेता शर्मा, मनीषा भारती। 14 जून, 202। आवेदन संख्या - 20221107094। भारतीय पेटेंट।

दायर पेटेंट

श्री अमित कुमार, प्रो. महिपाल सिंह, डॉ. वी.के. सचदेव, अंजलि शर्मा, अरिजीत चौधरी, मोनिका तोमर, ईएमआई परिरक्षण हेतु मिश्रित सामग्री निर्माण की एक विधि। आवेदन संख्या - 20251100523, 21 फ़रवरी, 202 को आवेदन किया गया। भारतीय पेटेंट।

जैंदर पाल सिंह, सत्यम गर्ग, अजय कुमार साओ, बबीता शर्मा, काजल जिंदल, रीमा गुप्ता, मल्लिका वर्मा, अंजलि शर्मा, अरिजीत चौधरी, उपेंद्र मित्तल, एटी निमल, मोनिका तोमर भारतीय पेटेंट (): हीरा-जैसे कार्बन (डीएलसी) लेपित सब्सट्रेट तैयार करने की विधि। आवेदन संख्या - 20241106982 16 सितंबर, 2020 को आवेदन किया गया। भारतीय पेटेंट।

आयोजित संगोष्ठियां

गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के सूचना, संचार और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय स्कूल के प्रोफेसर अमित प्रकाश सिंह ने 28 अगस्त, 202 को "**IoT** में अनुसंधान के अवसर" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। प्रोफेसर सिंह ने स्वास्थ्य सेवा, स्मार्ट शहरों और औद्योगिक स्वचालन जैसे क्षेत्रों में **IoT** के परिवर्तनकारी प्रभाव पर प्रकाश डाला, सेंसर नेटवर्क, डेटा एनालिटिक्स और सुरक्षा संवर्द्धन जैसे प्रमुख अनुसंधान क्षेत्रों पर जोर दिया, जबकि एआई एकीकरण जैसे उभरते रुझानों और अंतर-संचालनीयता और स्थिरता सहित चुनौतियों का समाधान करने पर चर्चा की।

प्रो. आर.के.सिंह, वरिष्ठ प्रो., वाणिज्य विभाग, वाणिज्य एवं व्यवसाय संकाय, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 5 अक्तूबर, 202 को "एआई और शिक्षा" विषय पर एक व्याख्यान दिया। प्रो. सिंह की चर्चा इस बात पर केंद्रित थी कि कैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता शैक्षिक परिदृश्य को नया रूप दे रही है, विशेष रूप से सीखने के अनुभवों को वैयक्तिकृत करने, छात्र जुड़ाव में सुधार करने और प्रशासनिक कार्यों को सुव्यवस्थित करने में।

गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के सूचना, संचार एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय स्कूल के प्रो. प्रवीण चंद्रा ने 11 नवंबर, 202 को "पर्यवेक्षित शिक्षण के लिए अनुकूली विधियाँ" विषय पर एक संगोष्ठी में व्याख्यान दिया। प्रो. चंद्रा ने बताया कि कैसे अनुकूली विधियाँ एल्गोरिदम को नए, आने वाले डेटा के साथ तालमेल बिठाने में सक्षम बनाकर शिक्षण प्रक्रिया को बेहतर बनाती हैं। उन्होंने पर्यवेक्षित शिक्षण तकनीकों का एक व्यापक अवलोकन प्रस्तुत किया, विभिन्न क्षेत्रों में उनके महत्व पर

ज़ोर दिया, साथ ही तंत्रिका नेटवर्क और मस्तिष्क जैसी पैटर्न पहचान और पूर्वानुमान क्षमताओं पर भी चर्चा की।

राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र, दिल्ली के प्रिवेंटिव ऑन्कोलॉजी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. इंदु अग्रवाल और मैक्स अस्पताल की सर्जिकल ऑन्कोलॉजी निदेशक डॉ. सतिंदर कौर ने 14 नवंबर, 2024 को "पॉलीसिस्टिक ओवेरियन डिजीज (पीसीओडी)" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

प्रो. सुकृता पॉल कुमार, एक प्रतिष्ठित कवि, आलोचक और साहित्य अकादमी के भारतीय साहित्य के अतिथि संपादक, प्रो. निशात जैदी, प्रो. जयदीप सारंगी, वरिष्ठ कवि और प्रिंसिपल, न्यू अलीपुर महाविद्यालय, कोलकाता, और प्रो. संजीव कौशल ईडीए और संगोष्ठी समिति के संयुक्त उद्यम के तहत कवि केकी एन दारूवाला की स्मृति में 22 अक्तूबर, 202 को "पोस्ट मॉडर्न इंडियन इंग्लिश कविता की जटिलताओं" की खोज के तहत राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी का हिस्सा थे। मुख्य वक्ता सहित प्रतिष्ठित विद्वानों की विशेषता वाली इस संगोष्ठी ने "डिकोलोनाइज्ड म्यूज़" की विकसित प्रकृति और विभूतियाँ को प्रभावी ढंग से समझाया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति-विज्ञान विभाग के प्रोफेसर उज्ज्वल कुमार सिंह ने 25 नवंबर, 2022 को "भारतीय संविधान, तब और अब" विषय पर एक संगोष्ठी दी, जिसमें संविधान के निर्माण के ऐतिहासिक संदर्भ और दशकों में इसकी व्याख्या के विकास पर प्रकाश डाला गया।

मौलाना आज़ाद विश्वविद्यालय, जोधपुर, राजस्थान के अध्यक्ष (कुलपति) पद्मश्री प्रो. अख्तरुल वासे ने 13 फरवरी, 202 को "सूफीवाद - उत्पत्ति, इतिहास, विरासत और प्रासंगिकता" विषय पर व्याख्यान दिया। प्रो. वासे ने तसव्वुफ़ की उत्पत्ति का पता लगाया, इसके सिद्धांतों पर विस्तार से प्रकाश डाला और आधुनिक समय में इसकी स्थायी प्रासंगिकता पर ज़ोर दिया।

अष्टावक्र गीता के पाठ्य अध्ययन पर पंद्रह दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला (14-28 फ़रवरी, 2025)। कार्यशाला के मुख्य उद्देश्यों में उच्च-स्तरीय तार्किक तर्क कौशल का विकास, आध्यात्मिक ज्ञान की परिपक्व समझ, आध्यात्मिक क्षेत्र में पाखंड की पहचान करने की क्षमता और जीवन में निराशा पर विजय पाने की शक्ति प्राप्त करना शामिल था।

"सतत विकास के लिए डेटा विज्ञान: विकसित भारत का मार्ग" (20-21 मार्च, 2025) शीर्षक से आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में प्रमुख संस्थानों के विशेषज्ञों ने भाग लिया, जिन्होंने स्थिरता के संदर्भ में एआई, डेटा एनालिटिक्स और वैज्ञानिक कंप्यूटिंग के बारे में वार्ता की।

आयोजित सम्मेलन

वनस्पति-विज्ञान और प्राणि-विज्ञान विभाग द्वारा **IQAC** के तत्वावधान में, हाइब्रिड मोड में, 19-21 फरवरी, 2025 तक, चिकित्सा निदान में हालिया प्रगति पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (**RAMD-**2025) आयोजित किया गया। सम्मेलन में तीव्र और सटीक निदान के महत्व पर जोर दिया गया और इसमें प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वक्ताओं की एक शानदार सूची शामिल थी। मुख्य भाषण डॉ. प्रज्ञा डी. यादव, प्रभारी निदेशक, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वन हेल्थ, नागपुर; वैज्ञानिक 'एफ'

और ग्रुप लीडर, मैक्सिमम कंटेनमेंट लैबोरेटरी, आईसीएमआर-एनआईवी, पुणे, और हाल ही में राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त द्वारा दिया गया। उन्होंने महामारियों के विरुद्ध भारत की तैयारियों के बारे में अंतर्दृष्टि साझा की। प्रो. वीके चौधरी, एनएएसआई फेलो और राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त अन्य उल्लेखनीय वक्ताओं में डॉ. अमित कुमार यादव (टीएचएसटीआई, फरीदाबाद), डॉ. कुमारदीप चौधरी (आईजीआईबी), डॉ. हिमांशु नारायण सिंह और डॉ. संजय सिंह (यूएसए) शामिल थे, जिन्होंने निदान में हालिया विकास और चुनौतियों पर चर्चा की। एम्स में हेमटोलॉजी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. तुषार सहगल ने स्वास्थ्य देखभाल चुनौतियों पर प्रकाश डाला और एक मेड-इन-इंडिया डायग्नोस्टिक इनोवेशन पेश किया। प्रो. आर. एलंगोवन (आईआईटी दिल्ली) ने एक्स-रे इमेजिंग के क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता साझा की, जबकि प्रो. रूप लाल ने एंटी-ट्यूबरकुलोसिस दवा विकास के लिए आनुवंशिक हेरफेर में अपने 25 वर्षों के अभूतपूर्व शोध को प्रस्तुत किया। डॉ. सोनू गांधी ने भी डायग्नोस्टिक अनुसंधान में अपने योगदान को साझा किया। सोनी इंडिया के डॉ. सचिन कुमार अग्रवाल

हिंदी परिषद और हिंदी संगोष्ठी समिति के संयुक्त तत्वावधान में 20 फरवरी, 2025 को "हिंदी साहित्य के आत्मकथात्मक तत्व एवं विधाएँ" विषय पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें हिब्रू विश्वविद्यालय, येरुशलम, इज़राइल की डॉ. मरीना रिमाशा ने गरिमामयी भागीदारी की। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्रख्यात आलोचक कमलानंद झा ने "काव्य में आत्मकथात्मक तत्व" विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए, जबकि जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के भारतीय भाषा केंद्र के प्रोफेसर देवेंद्र चौबे ने "हिंदी कथा साहित्य में आत्मकथात्मक तत्व" विषय पर अपना व्याख्यान दिया। बजरंग बिहारी तिवारी ने "आत्मकथा में दूसरा" विषय पर व्याख्यान दिया। संगोष्ठी के दौरान कई शोध-पत्र भी प्रस्तुत किए गए।

27-28 फरवरी, 2022 को पीएनबी, एलआईसी इंडिया और चाणक्य आईएएस के सहयोग से 'डिजिटल युग में राजनीति: राज्य, समाज और अर्थव्यवस्था' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में बोलने के लिए कई प्रतिष्ठित वक्ता आए। डॉ. शमिका रवि, सदस्य ईएसी टू पीएम, प्रोफेसर, लॉरेंस लियांग, अंबेडकर विश्वविद्यालय, डॉ. उषा रामनाथन, अंतर्राष्ट्रीय कानूनी शोधकर्ता, प्रो. चारू मल्होत्रा, आईआईपीए, प्रो. पापिया सेन गुप्ता, जेएनयू, प्रो. उज्ज्वल कुमार सिंह, डीयू, प्रो. वशुधा भटनागर, डीयू।

भौतिकी विभाग और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) द्वारा 03-05 मार्च, 2025 को ऑनलाइन माध्यम से “सतत विकास के लिए उन्नत कार्यात्मक सामग्री और उपकरण (एएफएमडी-2025)” पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

संस्कृत वाक्य निर्माण पर पंद्रह दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला (आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के तत्वावधान में संस्कृत सभा द्वारा संस्कृत विभाग के सहयोग से 10-25 अक्तूबर, 2024 के मध्य "संस्कृत वाक्य निर्माण" पर पंद्रह दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का ऑनलाइन आयोजन किया गया)

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

यूनिवर्सिटी ऑफ द फिलीपींस मनीला, 2023, 5 वर्ष, समझौता-ज्ञापन वैश्विक शिक्षा और अंतःविषयक जुड़ाव को मजबूत करने के लिए शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग और संयुक्त पहल को बढ़ावा देता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय, मुक्त शिक्षा विद्यालय (ओपन लर्निंग कैंपस), भाऊराव देवरस सेवा न्यास और आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय, 2023, 5 वर्ष, यह सहयोग बहु-संस्थागत साझेदारी के माध्यम से सामुदायिक आउटरीच, व्यावसायिक शिक्षा और समावेशी शैक्षणिक कार्यक्रमों का समर्थन करता है, समग्र विकास को बढ़ावा देता है और आजीवन सीखने के अवसरों तक पहुंच प्रदान करता है।

आदित्य बिड़ला ट्रस्ट - एमपावर, 2025, प्रथम वर्ष, यह साझेदारी मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता, परामर्श सेवाओं और विशेषज्ञों के नेतृत्व वाले सत्रों और आउटरीच पहलों के माध्यम से छात्रों के बीच लचीलापन निर्माण पर केंद्रित है, जिससे एक सहायक परिसर वातावरण का निर्माण होता है।

विद्या विस्तार योजना (वी2) के तहत राजकीय पीजी महाविद्यालय, बेरीनाग और कर्णप्रयाग, 2021, 5 वर्ष, समझौता-ज्ञापन शैक्षणिक संसाधन साझाकरण, संकाय प्रशिक्षण और डिजिटल सहयोग की सुविधा प्रदान करता है, पाठ्यक्रम वृद्धि और नियमित शैक्षणिक बातचीत के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्रों में शिक्षा को समृद्ध करता है।

एनएसयूटी, 2021, जारी, यह चल रही साझेदारी छात्रों को अनुसंधान, इंटर्नशिप और नवाचार-संचालित परियोजनाओं में अवसर प्रदान करती है, अंतःविषय सीखने और उन्नत तकनीकी बुनियादी ढांचे तक पहुंच को प्रोत्साहित करती है।

राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद, 2021, 5 वर्ष, समझौता-ज्ञापन राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों के साथ संरेखित प्रशिक्षण कार्यक्रमों, अनुसंधान सहयोग और जागरूकता अभियानों के माध्यम से उत्पादकता वृद्धि, गुणवत्ता मानकों और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

अरविंद महिला महाविद्यालय, पटना, 2024, जारी, समझौते का उद्देश्य समग्र छात्र विकास को बढ़ावा देने के लिए शैक्षणिक सहयोग, सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान और सांस्कृतिक, खेल, नवाचार और अनुसंधान गतिविधियों में संयुक्त पहल करना है।

एसडीआरएस, नई दिल्ली, 2018, जारी, यह साझेदारी सतत विकास अनुसंधान, नीति-आधारित अध्ययन और छात्र-नेतृत्व वाली परियोजनाओं का समर्थन करती है जो व्यावहारिक शिक्षण मॉड्यूल के माध्यम से पर्यावरण जागरूकता और ग्रामीण जुड़ाव पर जोर देती हैं।

एनएसएस एआरएसडी और कनेक्टिंग ड्रीम्स फाउंडेशन, 2017, जारी, यह समझौता-ज्ञापन युवा-संचालित सामाजिक नवाचार, नेतृत्व विकास और जमीनी स्तर पर सामुदायिक पहल को सक्षम बनाता है, छात्रों को संरचित, वास्तविक दुनिया की समस्या-समाधान परियोजनाओं के माध्यम से प्रभाव पैदा करने के लिए सशक्त बनाता है।

एमएसएमई मंत्रालय, 2016, जारी, यह सहयोग कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और इनक्यूबेशन लिंकेज के माध्यम से उद्यमशीलता, कौशल विकास और स्टार्टअप समर्थन को बढ़ावा देता है जिसका उद्देश्य नवाचार और आत्मनिर्भरता की संस्कृति को बढ़ावा देना है।

करोसंभव (ई-कचरा प्रबंधन), 2025, प्रथम वर्ष, यह पहल ई-कचरा जागरूकता अभियानों, संग्रह अभियानों और सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के साथ संरेखित शैक्षिक गतिविधियों के माध्यम से पर्यावरणीय स्थिरता का समर्थन करती है।

लर्निंग लिंक्स फाउंडेशन - "एआई में महिलाएं" कार्यक्रम, 2025, जारी
यह समझौता-ज्ञापन महिला छात्रों को एआई से संबंधित प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और उभरती प्रौद्योगिकियों के संपर्क में लाकर सशक्त बनाता है, जिससे कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में लैंगिक समावेशिता को बढ़ावा मिलता है।

एकेएमवी कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, 2025, जारी, यह साझेदारी वित्तपोषण सहायता, हितधारक समन्वय और स्टार्टअप समर्थन, नवाचार प्रबंधन और उद्यमिता विकास के लिए क्षमता निर्माण के माध्यम से संस्थागत इनक्यूबेशन पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करती है।

अन्य सहयोग

संस्कृत वाक्य निर्माण पर पंद्रह दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला (10-25 अक्तूबर, 2024) संस्कृत में वाक्य निर्माण की क्षमता बढ़ाने और संस्कृत वाक्यों के अर्थ को समझने के उद्देश्य से, आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के तत्वावधान में संस्कृत सभा द्वारा संस्कृत विभाग के सहयोग से ऑनलाइन मोड में संस्कृत वाक्य निर्माण पर पंद्रह दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय की ललित कला एवं शिल्प सोसाइटी ने 27 जनवरी, 202 को दिल्ली भर के एमसीडी स्कूलों के सौंदर्यीकरण और पुनरोद्धार के लिए कार्यरत एक समर्पित गैर-सरकारी संगठन, प्रश्रय के साथ सहयोग किया। इस पहल के तहत, छात्रों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का योगदान देकर एंड्रयूजगंज एमसीडी स्कूल को एक जीवंत और स्वागत योग्य स्थान में बदल दिया। रचनात्मक दीवार चित्रों, विषयगत भित्ति चित्रों और रंग-बिरंगी सजावट के माध्यम से, उन्होंने स्कूल के सौंदर्यपरक वातावरण को और निखारा। इस प्रयास ने न केवल छात्रों और कार्मिकों के चेहरे पर मुस्कान ला दी, बल्कि स्कूल समुदाय में गर्व और स्वामित्व की भावना भी जगाई। यह कला के माध्यम से सामुदायिक जुड़ाव की दिशा में एक सार्थक कदम था।

फैक्टशाला कार्यशाला (10 फ़रवरी 2025), पीटीआई, डेटालीड्स और गूगल न्यूज़ इनिशिएटिव के सहयोग से आयोजित की गई। इस सत्र में मीडिया साक्षरता, तथ्य-जांच और डिजिटल जागरूकता पर ध्यान केंद्रित किया गया।

महाविद्यालय की ललित कला एवं शिल्प सोसाइटी ने श्री राम वाणिज्य महाविद्यालय (**SRCC)** में 21-23 फरवरी, 2022 को आयोजित प्रतिष्ठित डीयू लिटरेचर फेस्ट के लिए आधिकारिक भागीदार के रूप में

सहयोग किया। इस साझेदारी के तहत, ललित कला एवं शिल्प सोसाइटी के छात्रों ने व्यापक सौंदर्यीकरण कार्य करके परिसर के माहौल को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कलात्मक प्रदर्शनियों और बैनरों से लेकर साहित्यिक विषयक भित्ति चित्र और सजावटी तत्व बनाने तक, उनके रचनात्मक प्रयासों ने आयोजन स्थल को साहित्य प्रेमियों के लिए एक जीवंत और प्रेरक स्थान में बदल दिया। इस सहयोग ने छात्रों को एक प्रमुख शैक्षणिक आयोजन में सहयोग करते हुए अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत 427(30%)

कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या

कंपनियों का दौरा किया: 42 कंपनियों का दौरा किया (42) जैसे ईवाई इंडिया, स्टोरहिप्पो, कोडिंग निन्जास, डेलोइट यूएसआई, केपीएमजी इंडिया, प्लेसीफाई, कोडयंग, आरएमएसआई, कार्पेल.एआई, पार्क+, इंटर्नशाला, पसंदीदा स्क्वायर, एक्सेंचर, डिट्टो, बिग ओह, नोटेशन, ग्रोटोमेशन, ट्रिपल वन, मायफॉलो, एडवर्क टेक्नोलॉजीज, इंटेक्ट, हाइक एजुकेशन, एकेडेमर, अपिवर, मेन्डेनियस, ज़ॉयिन, बीडीओ राइज, ग्लोलॉजिक्स, कार्स 24, शक्ति लीगल कंप्लायंस इंडिया, गैलीटिक्स, इन्फोलियन सर्विसेज, ज़ोमैटो, सविल्स इंडिया, आईएचसीएल, लेंसकार्ट, एचसीएल टेक, एकोब्लूम, आदित्य बिड़ला, एकेएमवी कंसल्टेंट्स, यूब्रीथ, सिटी यूनियन बैंक, ग्रांटली।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में, एआरएसडी महाविद्यालय ने समृद्ध शैक्षणिक, सामाजिक और आउटरीच गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला का आयोजन किया। विभिन्न विभागों ने शैक्षिक भ्रमणों का आयोजन किया–इलेक्ट्रॉनिक्स के छात्रों ने विद्युत संचरण तकनीकों का अन्वेषण करने के लिए पावरग्रिड अकादमी (मानेसर) का दौरा किया, जबकि वनस्पति-विज्ञान और प्राणी-विज्ञान के छात्रों ने जैविक उपकरणों का प्रदर्शन करते हुए एक स्कूल आउटरीच कार्यक्रम में भाग लिया। भौतिकी विभाग ने राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र और आईयूएसी तथा एएमडी जैसे संस्थानों के भ्रमण की व्यवस्था की, जिससे अंतरिक्ष और परमाणु विज्ञान के बारे में जानकारी बढ़ी। अंग्रेजी विभाग ने इतिहास, साहित्य और कला को एकीकृत करते हुए विभाजन संग्रहालय का दौरा किया। एनेक्टस एआरएसडी ने कलाकारी, अवनि, निरामया, संवेदना और सृजन परियोजनाओं के तहत कार्यशालाओं, आउटरीच और पर्यावरणीय गतिविधियों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और स्थिरता पर केंद्रित प्रभावशाली पहलों का नेतृत्व किया। उल्लेखनीय कार्यक्रमों में मिट्टी के बर्तन और नारियल रीसाइक्लिंग कार्यशालाएं, एक शीतकालीन संग्रह अभियान और गैर सरकारी संगठनों के सहयोग से वृक्षारोपण अभियान शामिल थे। एनएसएस ने कई सामाजिक रूप से प्रेरित गतिविधियों का भी आयोजन किया, जिसमें "प्लास्टिक मुक्त अभियान" के तहत स्वच्छता अभियान, "एक पेड़ माके नाम" के तहत वृक्षारोपण, एक स्वास्थ्य मेला और एक रक्तदान शिविर शामिल हैं। पर्यावरणीय जिम्मेदारी पर जोर देते हुए सफाई के प्रयास यमुना नदी के किनारों और शहर के पार्कों तक विस्तारित हुए। इंटरैक्टिव छात्र जुड़ाव में नैतिक मतदान और स्वच्छता पर समूह चर्चा और सड़क सुरक्षा, मतदान और स्वच्छता पर

पोस्टर बनाने की प्रतियोगिताएं शामिल थीं। योग, आत्मरक्षा और टिकाऊ मिट्टी के बर्तनों पर कार्यशालाओं ने कल्याण और कौशल विकास को और प्रोत्साहित किया। 24 सितंबर, 2024 को सात विभागों को शामिल करते हुए एक प्रमुख आउटरीच कार्यक्रम

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय पुस्तकालय एक व्यापक संसाधन केंद्र के रूप में कार्य करती है, जो 2024-2 में 127,315 पुस्तकों, संदर्भ कार्यों और नव अधिग्रहीत 1,869 पुस्तकों, 23 पत्रिकाओं और 39 पत्रिकाओं सहित मुद्रित और इलेक्ट्रॉनिक सामग्री प्रदान करती है। यह एक विस्तृत उपयोगकर्ता आधार का समर्थन करता है, लगभग 69,053 छात्रों और 1,409 संकायों के दौरे दर्ज करता है, जिसमें 12,348 पुस्तकें जारी की गई हैं और 12,612 वापस की गई हैं। पुस्तकालय दिल्ली विश्वविद्यालय के ई-संसाधनों, एनएलआईएसटी, डेलनेट और ओएनओएस तक पहुंच प्रदान करता है, जिससे दूरस्थ पहुंच संभव होती है। SOUL **0** के माध्यम से स्वचालित, इसमें OPAC और RFID सिस्टम हैं। इसके बुनियादी ढांचे में 35 पीसी, ओपीएसी टर्मिनल और सहायक उपकरणों के साथ एक समर्पित दिव्यांग अनुभाग शामिल हैं। उल्लेखनीय रूप से, इसने दृष्टिबाधित छात्रों के लिए विशेष उपकरण खरीदे हैं, जिससे इसकी सेवाओं में पहुंच और समावेशिता बढ़ी है।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	18
सह-प्राचार्य	66
सहायक प्रोफेसर	105
तदर्थ	2
अतिथि	28
उपयोगित निधियां (₹ करोड़ में)	807500000
आवंटित निधियां (₹ करोड़ में)	797500000

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्गत आत्मा राम सनातन धर्म (एआरएसडी) महाविद्यालय, अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता, दूरदर्शी पहलों और समग्र छात्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता के लिए जाना जाने वाला एक प्रमुख संस्थान है। इस महाविद्यालय ने रोजगारपरकता, उद्यमिता, नवाचार और स्थिरता को अपने मूल मूल्यों में समाहित करके एक विशिष्ट स्थान बनाया है।

एक प्रमुख उपलब्धि नवाचार एवं उद्यमिता नेतृत्व केंद्र (सीआईईएल) और एमएसएमई मंत्रालय द्वारा समर्थित दिल्ली विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों में पहला टेक्नोलॉजी बिज़नेस इन्क्यूबेटर (टीबीआई) की स्थापना है। ये प्लेटफ़ॉर्म छात्रों को अपने विचारों को व्यावहारिक उद्यमों में बदलने के लिए सशक्त

बनाते हैं, जिन्हें विशेषज्ञों द्वारा संचालित कार्यशालाओं, इंटर्नशिप और उद्योग जगत के साथ बातचीत का समर्थन प्राप्त है। निर्यात विकास कार्यक्रम और औद्योगिक प्रेरणा अभियान जैसे आयोजन उद्योग-अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देते हैं।

फ्यूचरस्किल्स प्राइम, एनआईईएसबीयूडी और राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद के साथ महाविद्यालय के सहयोग से डिजिटल साक्षरता, नेतृत्व और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलता है। इसके नियोजन और कौशल विकास प्रकोष्ठों के माध्यम से, 2800 से अधिक छात्रों को कोर्सेरा पाठ्यक्रमों तक पहुँच प्राप्त हुई है, और ईवाई, विप्रो, केपीएमजी और एलएंडटी जैसी भर्ती कंपनियों के साथ रोजगार मेलों ने रोजगार के अवसरों का विस्तार किया है।

भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान (इसरो) के एक नेटवर्क संस्थान के रूप में, एआरएसडी ने सुदूर संवेदन और जीआईएस पर प्रमाणित पाठ्यक्रम संचालित किए हैं। यह ₹94 करोड़ के अनुदान वाला एक डीबीटी स्टार महाविद्यालय भी है, जो प्रबोध योजना और केंद्रीय उपकरण सुविधा (सीआईएफ) के माध्यम से विज्ञान शिक्षा को बढ़ावा देता है, जो आंतरिक अनुसंधान, पेटेंट और अंतर्राष्ट्रीय मान्यता को बढ़ावा देता है।

जीवंत छात्र समाजों–रंगायन (नाट्यकला), एनेक्टस एआरएसडी, और विभिन्न सांस्कृतिक एवं रचनात्मक क्लबों–के माध्यम से समावेशिता और रचनात्मकता फलती-फूलती है, जो नेतृत्व, सामाजिक नवाचार और संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों के साथ संरेखण को प्रोत्साहित करते हैं। एक अनूठा निर्माण-उन्मुख रंगमंच पाठ्यक्रम भी रचनात्मक शिक्षा को समृद्ध बनाता है।

स्थिरता के क्षेत्र में अग्रणी, एआरएसडी को डिस्ट्रिक्ट इको-एसडीजी चैंपियन और ग्रीन कैंपस अवार्ड्स जैसे पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। सौर प्रकाश व्यवस्था, अपशिष्ट प्रबंधन और वर्षा जल संचयन से संबंधित परियोजनाओं और दिव्यांगजनों के लिए समावेशी बुनियादी ढाँचे के माध्यम से, एआरएसडी प्रभाव और परिवर्तन के लिए शिक्षा का एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करता है।

****

भगिनी निवेदिता महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर के निदेशक, प्रोफेसर श्री प्रकाश सिंह, 16 अप्रैल, 2024 को आयोजित वार्षिक दिवस एवं पुरस्कार वितरण समारोह 2023-24 के मुख्य अतिथि थे। पद्मश्री डॉ. नलिनी अस्थाना और डॉ. कमलिनी अस्थाना विशिष्ट अतिथि थीं। महाविद्यालय ने 24 अगस्त, 2024 को अपना स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर, दिल्ली विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति, प्रोफेसर योगेश सिंह ने महाविद्यालय परिसर में भगिनी निवेदिता की प्रतिमा का अनावरण किया। संगीत विभाग, प्रदर्शन एवं ललित कला सोसाइटी और पर्यावरण अध्ययन विभाग ने स्पिक मैके के सहयोग से 17 अक्तूबर, 2024 को प्रसिद्ध ओडिसी नृत्यांगना पद्मश्री विदुषी माधवी मुद्गल द्वारा ओडिसी नृत्य व्याख्यान प्रदर्शन का आयोजन किया। संगीत विभाग ने 5 मार्च, 2025 को प्रतिष्ठित पद्मश्री विदुषी

मालिनी अवस्थी द्वारा संगीतमय गायन की मेजबानी की। राजनीति-विज्ञान विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. पूनम डागर को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा 'आदिवासी समुदायों का सशक्तिकरण: हिमाचल प्रदेश में एक समुदाय आधारित पर्यटन दृष्टिकोण-विकसित भारत के लिए कदम@ 2047' पर एक प्रमुख शोध परियोजना से सम्मानित किया गया। आईक्यूएसी के तत्वावधान में भौतिकी विभाग ने 24-25 मार्च, 2025 को "शोध पद्धति के मूल सिद्धांत: शोध मस्तिष्क को सशक्त बनाना" आयोजित किया।

शिक्षण और शिक्षणेत्तर कार्मिकों के सम्मान/विभूतियाँ

मेजर परमिंदर सहगल, एएनओ को ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी, ग्वालियर में आयोजित रिफ्रेशर कोर्स (15 अप्रैल, 2024 से 4 मई, 2024) में रजत पदक से सम्मानित किया गया।
श्री जीतेंद्र कौशिक, कनिष्ठ सहायक (लेखा) ने वाणिज्य में यूजीसी नेट परीक्षा उत्तीर्ण की और सहायक प्रोफेसर: पद तथा पीएच.डी. में प्रवेश के लिए अर्हता प्राप्त की।

विभूतियाँ प्राप्त छात्र

बी.ए. (कार्यक्रम) द्वितीय वर्ष की छात्रा सुश्री संजना को हाना नानुम फाउंडेशन द्वारा लगभग बयालीस हजार रुपये की प्रतिष्ठित हाना छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

बी.ए. (कार्यक्रम) प्रथम वर्ष (241996) की छात्रा सुश्री प्रभजोत कौर ने दिल्ली में आयोजित 11वीं राष्ट्रीय तांग सू डो-लोबा-फाइटिंग, एयरो स्क्वे, बोर्ड ब्रेकिंग चैंपियनशिप 2024-25 में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उन्होंने काठमांडू, नेपाल में आयोजित छठी त्रि-राष्ट्रीय स्क्वे मार्शल आर्ट्स चैंपियनशिप में भी प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन

जैन, ए. (2025). केंद्रीय बजट 2025-26: स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच बढ़ाना. *कुरुक्षेत्र - ए जर्नल ऑफ़ रूरल डेवलपमेंट* , *73* (5), 28-34.

जैन, ए. (2024). ग्रामीण भारत में कुपोषण से निपटने में पारंपरिक और स्वदेशी ज्ञान की भूमिका. *कुरुक्षेत्र - ए जर्नल ऑफ़ रूरल डेवलपमेंट* , *72* (12), 05-11.

जैन, ए. (2024). अंतर को पाटना: स्वास्थ्य और पोषण जागरूकता के लिए उत्प्रेरक के रूप में ई-लर्निंग। *कुरुक्षेत्र - ए जर्नल ऑफ़ रूरल डेवलपमेंट* , *72* (10), 36-43।

गुप्ता, आर., और मलिक, एस. (2025)। रैंक्ड सेट सैंपलैंगिक के अंतर्गत जनसंख्या माध्य के लिए नए अनुपात और उत्पाद प्रकार अनुमानकों पर अध्ययन। *इंडियन जर्नल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी* , *18* (4), 297-303। doi:10.17485/ijst/v18i4.2367

पुस्तकें

दत्ता, ए (2024). दीन दयाल उपाध्याय और उनकी एकात्म कथा। *दीन दयाल उपाध्याय का स्वराज चिंतन* (पृ 1-10) श्री कला पब्लिकेशंस, नई दिल्ली, आईएसबी.ए.न 9789385329739।

महलवाला, आर. (2025). *सस्टेनेबिलिटी मार्केटिंग के लिए एक सरलीकृत दृष्टिकोण {दिल्ली विश्वविद्यालय के बी.कॉम और बी.कॉम (ऑनर्स) के एनईपी-यूजीसीएफ पाठ्यक्रम के अनुसार},* जेएसआर पब्लिशिंग हाउस एलएलपी, आईएसबी.ए.न 978-93-94336-43-8. (सह-लेखक)
परमार, एस (2024). *भारतीय राजनीतिक चिंतन में विचार और संस्थाएँ* . पीएचआई लर्निंग प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली.

अनुसंधान परियोजनाएँ

राजनीति-विज्ञान विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. पुनम डागर को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा 'आदिवासी समुदायों का सशक्तिकरण: हिमाचल प्रदेश में समुदाय आधारित पर्यटन दृष्टिकोण - विकसित भारत के लिए कदम@2047' पर एक प्रमुख शोध परियोजना प्रदान की गई।

आयोजित संगोष्ठियां

गृह विज्ञान विभाग के कपड़ा एवं परिधान विज्ञान विभाग ने 26 मार्च, 2025 को "एक सतत भविष्य के लिए भारतीय ज्ञान प्रणाली को फैशन में एकीकृत करना" विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का सफलतापूर्वक आयोजन किया। राष्ट्रीय संग्रहालय की पूर्व क्यूरेटर डॉ. अनामिका पाठक ने पारंपरिक वस्त्रों में भारतीय ज्ञान प्रणाली की भूमिका पर एक ज्ञानवर्धक प्रस्तुति दी, जिसमें स्वदेशी शिल्पों में निहित ऐतिहासिक जड़ों और प्रतीकात्मक अर्थों का पता लगाया गया। तरुण तहिलियानी डिज़ाइन में अभिलेखागार प्रमुख डॉ. गुरविंदर कौर गुंडेव ने इस विषय पर व्याख्यान दिया कि कैसे पारंपरिक वस्त्रों ने आधुनिक भारतीय फैशन में नई अभिव्यक्ति पाई है। आईआईटी दिल्ली में सहायक प्रोफेसर: डॉ. वेंकटेशन ने कपड़ा क्षेत्र में स्थिरता पर एक विचारोत्तेजक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत 06

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

वृद्धाश्रम का दौरा: एनएसएस स्वयंसेवकों ने 24-30 अप्रैल तक एक वृद्धाश्रम का दौरा करने का एक सप्ताह का कार्यक्रम चलाया। एनएसएस स्वयंसेवकों ने निवासियों के साथ खेल खेलकर, गाकर और नृत्य करके उत्साह बढ़ाया और उनके अनुभवों से सीखा। पुस्तकालय और कौशल विकास केंद्र का उद्घाटन: एनएसएस इकाई ने बस्ती के बच्चों में पढ़ने की आदत को बढ़ावा देने के लिए 06 मार्च, 2025 को सपेरा बस्ती में एक पुस्तकालय और कौशल विकास केंद्र की स्थापना की और उसका उद्घाटन समारोह आयोजित किया।
पुस्तक दान अभियान: 25 फरवरी, 2025 से 05 मार्च, 2025 तक एक पुस्तक दान अभियान चलाया गया। शिक्षण और शिक्षणेत्तर कार्मिकों और छात्रों द्वारा दान दिया गया। एनएसएस स्वयंसेवकों ने जरूरतमंद लोगों के लिए 300 से अधिक पुस्तकें एकत्र कीं।

पुस्तकालय विकास

संग्रह वृद्धि: महाविद्यालय पुस्तकालय में लगभग 34,499 पुस्तकों का संग्रह है। वर्ष 2024-25 के दौरान लगभग 514 पुस्तकें जोड़ी गईं।

पत्रिकाएँ और समाचार-पत्र: 14 लोकप्रिय समाचार पत्रों के साथ-साथ 44 पत्रिकाओं और पत्रिकाओं की सदस्यता लें। इंटरनेट का उपयोग: पुस्तकालय परिसर के भीतर इंटरनेट आधारित सेवाओं तक पहुँच, अनुसंधान और सीखने की गतिविधियों को सुविधाजनक बनाती है। ऑनलाइन सार्वजनिक एक्सेस कैटलॉग (OPAC): हमारा पुस्तकालय Libsys सॉफ्टवेयर पैकेज से सुसज्जित है। वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ONOS): महाविद्यालय पुस्तकालय वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ONOS) पोर्टल का सदस्य है, जिसमें सूचना और पुस्तकालय नेटवर्क (INFLIBNET) केंद्र द्वारा समन्वित राष्ट्रीय सदस्यता के माध्यम से पत्रिकाओं तक पहुँच प्रदान की जा रही है। साहित्यिक चोरी की जाँच की सुविधा: शैक्षणिक अखंडता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के अनुरूप, हमने टर्निटिन सॉफ्टवेयर सुविधा को लागू किया है

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	12
सह-प्राचार्य:	21
सहायक प्रोफेसर:	0
तदर्थ:	29
अतिथि	26
उपयोगित निधियां (₹ करोड़ में)	269300000
आवंटित निधियां (₹ करोड़ में)	270000000

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

बी.ए. (कार्यक्रम) द्वितीय वर्ष की छात्रा सुश्री संजना को हाना नानुम फाउंडेशन द्वारा लगभग बयालीस हज़ार रुपये की प्रतिष्ठित हाना छात्रवृत्ति प्रदान की गई। बी.ए. (कार्यक्रम) प्रथम वर्ष (241996) की छात्रा सुश्री प्रभजोत कौर ने दिल्ली में आयोजित 11वीं राष्ट्रीय तांग सू डो - लोबा-फाइटिंग, एयरो स्क्वे, बोर्ड ब्रेकिंग चैंपियनशिप 2024-25 में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उन्होंने काठमांडू, नेपाल में आयोजित छठी त्रि-राष्ट्रीय स्क्वे मार्शल आर्ट्स चैंपियनशिप में प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

****

भारती महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

भारती महाविद्यालय को अगस्त 2024 में भारत के माननीय उपराष्ट्रपति की मेजबानी का गौरव प्राप्त हुआ, जहाँ उन्होंने "विकसित भारत में महिलाओं की भूमिका" विषय पर एक प्रेरक संबोधन और संवाद प्रस्तुत किया। शोध को बढ़ावा देने के लिए, महाविद्यालय ने अपनी पत्रिका अर्थवान का दिसंबर 2024 अंक प्रकाशित किया। इसके अतिरिक्त, साहित्यिक चोरी, शोध लेखन और व्यावसायिक विश्लेषण में R के उपयोग सहित प्रमुख शोध विषयों पर पाँच केंद्रित सत्र आयोजित किए गए। अप्रैल 2024 में आयोजित एक आंतरिक शैक्षणिक लेखा परीक्षा ने विभागों को शैक्षणिक प्रथाओं पर विचार करने और उन्हें बेहतर बनाने में सक्षम बनाया।

अपनी बागवानी उत्कृष्टता के सम्मान में, महाविद्यालय को दिल्ली पर्यटन द्वारा आयोजित 37वें उद्यान पर्यटन महोत्सव में प्रशंसा पुरस्कार मिला। वार्षिक विश्वविद्यालय पुष्प प्रदर्शनी में, साल्विया और एंग्लोनेमा की प्रदर्शनी को सर्वश्रेष्ठ चुना गया। इसके अलावा, हमने ट्रे गार्डन श्रेणी में प्रथम पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ लॉन के लिए तृतीय स्थान प्राप्त किया। हमारे छात्र महाविद्यालय की उपलब्धियों के केंद्र में हैं। उनके नवाचार को दिल्ली विश्वविद्यालय की स्टार्टअप प्रतियोगिता में नकद पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। उन्होंने धैर्य सिविल सर्विसेज टाइम्स के शुभारंभ में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। खेलों में, आसिन ने प्रमुख हॉकी चैंपियनशिप में दिल्ली का प्रतिनिधित्व किया, जबकि संस्कृति ने दिल्ली विश्वविद्यालय की अंतर महाविद्यालय ताइक्वांडो चैंपियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

- प्रोफेसर सलोनी गुप्ता को 34वें विश्व पर्यावरण कांग्रेस में पारिस्थितिक शिक्षा पुरस्कार मिला।
- प्रोफेसर सलोनी गुप्ता को नेशनल एडुट्रस्ट ऑफ इंडिया द्वारा इको विजनरी प्रमाणपत्र अवार्ड से सम्मानित किया गया।
- डॉ. अभिषेक पुनीत, डॉ. वंदना यादव, डॉ. भावना सिवन और डॉ. वसुंधरा को विश्व शांति शिक्षा एवं संवर्धन पुरस्कार प्रदान किया गया।
- डॉ. शिल्पी साही को डीएसपीएसआर (आईपी विश्वविद्यालय) और ट्रिनिटी यूनिवर्सिटी ऑफ एशिया, फिलीपींस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित विकसित भारत पर XXVI वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रो. ओम प्रकाश सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र पुरस्कार मिला।
- डॉ. बिंदिया त्रिवेदी को मैत्रेयी महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय और इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड साइंसेज अमेरिका द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित चतुर्थ अंतर्राष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन में उत्कृष्ट शोध-पत्र प्रस्तुतकर्ता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

छात्र

- बी.एससी. ऑनर्स गणित की छात्रा संजना 9.50 सीजीपीए के साथ महाविद्यालय टॉपर रही।
- बी.ए. ऑनर्स अंग्रेजी की अरहामा मलिक को 15 फरवरी, 2025 को शेक्सपियर सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित राष्ट्रीय नाटक प्रतियोगिता में नाटक निर्माण में सर्वाधिक मौलिक अवधारणा का पुरस्कार दिया गया।
- 25 जनवरी 2025 को रिपब्लिका, आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय द्वारा आयोजित इंटर महाविद्यालय भाषण प्रतियोगिता में अंशिका झा को सर्वश्रेष्ठ वक्ता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- बी.ए. ऑनर्स अंग्रेजी की दिव्या मल्होत्रा को 18-19 अप्रैल, 2024 को जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय द्वारा आयोजित यंग स्कॉलर्स नेशनल कॉन्फ्रेंस में उत्कृष्ट शोध-पत्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

शोध प्रकाशित कार्य

- गुप्ता, लवलीन (2024). विकासशील और अविकसित देशों में जीवन प्रत्याशा. *इंडियन इकोनॉमिक जर्नल, 2(विशेष अंक)* 97-109
- गुप्ता, लवलीन और कुमार, शैलेश (2024). भारत में लघु उद्योगों (एसएसआई) के समक्ष चुनौतियाँ और अवसर। *इंडियन इकोनॉमिक जर्नल, 28,* 787-792
- गुप्ता, एस., और देवी, एल. (2022, दिसंबर)। भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में बैंक पूँजी और बैंक तरलता सृजन के बीच संबंधों का एक अनुभवजन्य विश्लेषण। *आईआईएफ अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान सम्मेलन और पुरस्कार शिखर सम्मेलन में प्रस्तुत* । *फाइनेंस इंडिया, XXXVIII* (2), 357-374।
- जैन, प्रिंसी और यादव, वंदना (2024). भारत का ऊर्जा परिवर्तन: आर्थिक बाधाएँ, नीतिगत परिदृश्य और रणनीतिक सुझाव। *इंडियन इकोनॉमिक जर्नल, 5,* 154-161
- जतिन (2024). मध्य पूर्व में राज्य की विफलता, शक्ति विस्तार और शक्ति संतुलन: विफल राज्यों पर संघर्ष। *एशियन अफेयर्स* , *55* (3), 546-547। doi:10.1080/03068374.2024.2413163
- जतिन (2024). उपनिवेशवाद-विरोधी महान सिद्धांत: उत्तर-औपनिवेशिक सत्तामीमांसा, ऐतिहासिक समाजशास्त्र और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में मध्य-स्तरीय सिद्धांत। *पोलिटिकॉन* , *51* (1-2), 92-93। doi:10.1080/02589346.2024.2394340
- जतिन, और पुष्पम, ए. (2025). भारत में आरक्षण नीति: राज्य, सामाजिक न्याय और सकारात्मक कार्रवाई. *एशियन अफेयर्स* , *56* (1), 218-220. doi:10.1080/03068374.2025.2464147

- कटारिया, के. (2025). सिल्वर स्क्रीन पर प्रबंधन: सिनेमा के माध्यम से शिक्षा का रूपांतरण. *इंडियन जर्नल ऑफ एजुकेशनल टेक्नोलॉजी* , *7* (1), 367-375.
- कटारिया, कल्पना और सिंह, अभिषेक कुमार (2025)। एक व्यापक विश्लेषण: आंतरिक लेखापरीक्षा कार्य तत्वों का स्थायित्व लेखापरीक्षा पर प्रभाव। *चार्टर्ड अकाउंटेंट, 73* , 64-70
- कटारिया, कल्पना, ज़रीन, अर्शी और ज़रीन, शफ़क़ (2024). उच्च शिक्षा के विकल्पों में बदलाव: माता-पिता के मार्गदर्शन और प्रभाव का प्रभाव, विशेष रूप से दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों के संदर्भ में। *गुरुकुल बिज़नेस रिव्यू (जीबीआर)* , *20* , 12-19।
- माधवी (2024). भोपाल गैस त्रासदी पर पुनर्विचार: विकलांगता पर एक डिजिटल और सिनेमाई चिंतन. *स्कोप 14* (4), 200-212.
- माधवी (2024). पुस्तक समीक्षा: ए.एच. कजिन्स, ब्रिटिश मध्य अफ्रीका में 1938-1960 के दशक में राजनीतिक शक्ति और औपनिवेशिक विकास। *अफ्रीका समीक्षा, 16,* 441-448।
- पुनीत, अभिषेक (2024). आधुनिक तकनीकी युग में माशीन अनुवाद और मानव अनुवाद के बीच तुलानात्मक अध्ययन। *अपनी माटी, 54* , 241-244
- पुष्पम, अक्षत और जोशी, वैष्णवी (2024) महवारी संबंधित वर्जनाओं को काम करने में सरकारी नीतियों का योगदान: राजस्थान के जयपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्र का अध्ययन, *मेकल मीमांशा 16* (1), 132
- पुष्पम, अक्षत और सिंह, राजीव कुमार (2024). दलितों के विरुद्ध अपराध की प्रकृति और प्रवृत्तियाँ: एनसीआरबी रिपोर्ट का एक अध्ययन। *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 59* (40), 58-64।
- पुष्पम, अक्षत और जतिन (2025). भारत में आरक्षण नीति: राज्य, सामाजिक न्याय और सकारात्मक कार्रवाई. *एशियन अफेयर्स (राउटलेज),56* (1), 218-220.
- यादव, वंदना और जैन, प्रिंसी, (2024). भारत का ऊर्जा परिवर्तन: आर्थिक बाधाएँ, नीतिगत परिदृश्य और रणनीतिक सुझाव। *इंडियन इकोनॉमिक जर्नल, 5* , 154-161
- सिंह, शैलजा, (2025) पुस्तक समीक्षा अदिति मल्होत्रा हिंद-प्रशांत में भारत: दक्षिण-पूर्व और पूर्वी एशिया के प्रति भारत की सुरक्षा अभिविन्यास को समझना। *प्रशांत मामले, 98* (2)।
- शर्मा, माधुरी, (2024). पुस्तक समीक्षा: नंदिनी भट्टाचार्य. असमान उपचार: आधुनिक भारत में दवाइयाँ बनाना. (नशीला इतिहास.) *आईएसआईएस 115* (3), 672-73.

संपादित खंडों में पुस्तकें और अध्याय

- कटारिया, के. (2025). सतत न्यूनतावाद का विरोधाभास: कम उपभोग और आर्थिक विकास के बीच परस्पर क्रिया का विश्लेषण. जेनेरिस पब्लिशिंग.

- सिंह, एस., वर्गीस, पी., बलैया, एस., और सेबेस्टियन, एस. (2025). बदलती दुनिया में भारत और दक्षिण पूर्व एशिया: एक स्थायी भविष्य के लिए संबंधों की संभावनाओं की खोज (संपादक). रूटलेज, टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप.
- जिंगार, जी. (2025). आधुनिकता या परम्परा का समन्वय: माओ के देश में। पी.के. जोशी (सं.) में, यात्रा: वृहत मानव जीवन की तलाश (संदभ: साहित्य, इतिहास या परिवेश), 64-68। वकसुधा पब्लिकेशंस ।
- लेविन, एनआर (2025)। इतिहास की कक्षाओं में आलोचनात्मक शिक्षणशास्त्र क्यों महत्वपूर्ण है? अरुणिमा नैथानी और सुरेश बाबू, जीएस (संपादक), कल्चर्स ऑफ़ लर्निंग, रूटलेज, टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप, 75-88।
- पुष्पम, ए., और जोशी, वी. (2024). डिजिटल युग में लचीलापन: राजस्थान का एक अध्ययन। शांतेश कुमार सिंह (सं.), भारत में स्वास्थ्य लचीलेपन और शासन की परस्पर वास्तविकताएँ: उभरते घरेलू और वैश्विक परिप्रेक्ष्य, स्प्रिंगर नेचर, 365-386।
- पुष्पम, ए. ((2025). जाति के लेंस के माध्यम से मानवाधिकारों का विश्लेषण: भारत में दलित अधिकारों और मानवाधिकारों का कानूनी और संवैधानिक विकास। शांतेश कुमार सिंह (सं.), वसुधैव कुटुम्बकम और मानवाधिकार। मानक पब्लिकेशंस ।
- पुष्पम, ए., और सिंह, आर. (2025)। भारत-अफ़ग़ान संबंध: बौद्ध काल से ऐतिहासिक जड़ों की खोज। आर.के. सिंह और एस.के. सिंह (सं.), भारत-अफ़ग़ानिस्तान संबंधों की उभरती गतिशीलता: क्षेत्रीय सहयोग बनाम वैश्विक भूराजनीति, पैल्ग्रेव स्प्रिंगर नेचर, 15-30।
- पुष्पम, ए., और सिंह, आर. (2025)। राजनीतिक दल और भारतीय संघवाद . वाईएस सिसौदिया, यूएस राजपूत, पीके मिश्रा (संस्करण), समकालीन में भारतीय संघवाद : टीटी अवसर एवं रेयेन रावत पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
- शर्मा, डी. और शर्मा, एस. (2025). एसडीएफ 2030 के समर्थन में सामाजिक वित्तपोषण। एमके जैन, एसके गोयल और वाई. वर्मा (संपादक), विकसित भारत @ 2047: वाणिज्य, प्रबंधन और प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी भूमिका (संस्करण - II), एमजीएम पब्लिशिंग हाउस, 115-121.

अनुसंधान परियोजनाएँ

- आईसीएसएसआर, प्रो. माला रानी, स्वदेशी समुदायों में पारंपरिक खाद्य फसलें और लघु अनाज फसलें: भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में सतत विकास के माध्यम से सामाजिक-आर्थिक समृद्धि के मार्ग, 7,50,000।
- आईसीएसएसआर, डॉ. अनुराधा सिंह, स्वास्थ्य हाशिये पर: दिल्ली की मलिन बस्तियों में स्वास्थ्य देखभाल प्रभावशीलता का एक अध्ययन, 7,50,000।

दायर/स्वीकृत पेटेंट

- सिंह, जे., मावी, एस., शर्मा, ए.के., कसाना, आर., बंसल, आर., रानी, एम., शर्मा, ए., सिंह, आई., और कुमार, ए. सॉफ्टवेयर विश्वसनीयता पूर्वानुमान और विश्लेषण के लिए एकीकृत ढाँचा। पेटेंट आवेदन संख्या: 202411057886 ए.
- मावी, एस., कमल, के., वशिष्ठ, एस., आनंद, पी., वात्स्यायन, एन., और कुमार, एम. कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित अंतर्जलीय ड्रोन (भारतीय डिज़ाइन संख्या 407316-001)। पेटेंट, डिज़ाइन और ट्रेडमार्क महानियंत्रक, भारत।

आयोजित संगोष्ठियां

- श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर राज नेहरू, चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर राज कुमार मित्तल, भारत सरकार के एमईआईटी में निदेशक (योजना और कौशल) आलोक त्रिपाठी, उत्तर प्रदेश के विधान सभा सदस्य संजय शर्मा, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर प्रदीप चौहान (अन्य लोगों के अलावा) 6 अप्रैल 2024 को आयोजित 'भारत@2047: विश्व अर्थव्यवस्थाओं के लिए प्रेरणा' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में वक्ता थे (स्वदेशी शोध संस्थान के सहयोग से)।
- पुरस्कार विजेता स्वतंत्र पत्रकार और लेखिका सुश्री नेहा दीक्षित ने 25 सितंबर, 2024 को “मीडिया में महिलाएं: लैंगिक और मीडिया नैतिकता के अंतर्संबंध की खोज” विषय पर एक व्याख्यान दिया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग की प्रोफेसर सीमा बावा ने 24 फरवरी, 2025 को मथुरा कला में आनंद और अवकाश के विमर्श पर एक व्याख्यान दिया।
- प्रोफेसर जगदीश मुखी (असम, नागालैंड और मिजोरम के पूर्व राज्यपाल), डॉ. प्रसन्ना कुमार पाठक (डीन, कृषि संकाय, असम कृषि विश्वविद्यालय) और डॉ. मार्टिन कामोदोंग, समाजशास्त्र विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया 31 जनवरी, 2025 को (आईसीएसएसआर के सहयोग से) आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में वक्ता थे, जिसका विषय था "विजन विकसित भारत @2047 के लिए समाज और स्थिरता: भारत के उत्तर पूर्व क्षेत्र में सामाजिक-आर्थिक और पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान"।
- श्री प्रदीप राय, मैत्रेयी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 29 जनवरी, 2025 को साहित्यिक चोरी का पता लगाने और हटाने, कोहा सॉफ्टवेयर और उद्धरण प्रबंधन पर एक व्याख्यान दिया।

आयोजित सम्मेलन

- 26 नवंबर, 2024 को “एक राष्ट्र, एक चुनाव” शीर्षक से गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया गया।

- 10-11 फरवरी, 2025 को "षड्यंत्र सिद्धांत: शक्ति, राजनीति और समाज" शीर्षक से स्नातक अंतःविषय सम्मेलन आयोजित किया गया।
- एम. गोर्की विश्व साहित्य संस्थान, रूसी विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली स्थित रूसी संघ के दूतावास और लियो टॉल्स्टॉय संग्रहालय के सहयोग से 24-25 फरवरी, 2025 को "हिंदी और रूसी साहित्य में मातृभूमि की अवधारणा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" शीर्षक से सम्मेलन आयोजित किया गया।
- माता सुंदरी महाविद्यालय और ग्लोबल संस्कृत फोरम के सहयोग से 20-21 मार्च, 2025 को "द्वितीय वैश्विक *विदुषी सम्मेलन" नामक सम्मेलन का आयोजन किया गया।*

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

- 20 जून, 2024 को समर्थ भारत के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। भारती महाविद्यालय की ओर से श्री विमलोक तिवारी एकल संपर्क सूत्र थे। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, छात्रों को नेल आर्ट और बेकरी जैसे कौशल विकास पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित किया जाएगा।
- 12 अप्रैल, 2024 को गूंज के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। भारती महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व प्राचार्य प्रो. सलोनी गुप्ता ने किया। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, भारती महाविद्यालय अब घरेलू उपयोगी सामग्री के संग्रह के लिए एक ड्रॉपिंग सेंटर के रूप में कार्य करता है।
- 10 अप्रैल, 2024 को सलाम बालक ट्रस्ट के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। भारती महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व प्राचार्य प्रो. सलोनी गुप्ता ने किया। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, भारती महाविद्यालय के छात्रों ने अपने शिक्षण अनुभव को सुदृढ़ किया और यूजीसीएफ के अंतर्गत "इंटर्नशिप, अप्रेंटिसशिप और कम्युनिटी आउटरीच" शीर्षक वाले शोध-पत्र की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम हुए।
- 4 अप्रैल, 2024 को न्यूज़रूट के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। भारती महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व प्राचार्य प्रो. सलोनी गुप्ता ने किया। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, भारती महाविद्यालय के छात्रों ने अपने शिक्षण अनुभव को सुदृढ़ किया और यूजीसीएफ के अंतर्गत "इंटर्नशिप, अप्रेंटिसशिप और कम्युनिटी आउटरीच" शीर्षक वाले शोध-पत्र की आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में काम करने में सक्षम हुए।
- 6 अप्रैल, 2024 को लेडी फ्लोरेंस कॉन्वेंट स्कूल के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। भारती महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व प्राचार्या प्रो. सलोनी गुप्ता ने किया। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, भारती महाविद्यालय के छात्रों ने अपने शिक्षण अनुभव को सुदृढ़ किया और यूजीसीएफ के अंतर्गत "इंटर्नशिप, अप्रेंटिसशिप और कम्युनिटी आउटरीच" शोध-पत्र की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रयास करने में सक्षम हुए।

- 7 फरवरी, 2023 को एसओएल (डीयू) और भाऊराव देवरस सेवा न्यास के साथ एक समझौता-ज्ञापन (5 वर्ष की अवधि के लिए) पर हस्ताक्षर किए गए। भारती महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व प्राचार्य प्रो. सलोनी गुप्ता ने किया। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, भारती महाविद्यालय में एक करियर विकास केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव है।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

- 4 फरवरी, 2025 को स्नातक अनुसंधान और परियोजना आधारित शिक्षा पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के क्लस्टर इनोवेशन सेंटर के साथ सहयोग। यह प्रशिक्षण विशेष रूप से दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा हाल ही में एनईपी 2020 के सिद्धांतों के अनुरूप शुरू किए गए स्नातक पाठ्यक्रम ढांचे के प्रकाश में प्रासंगिक था, जो छात्रों को उनके अध्ययन के चौथे वर्ष के दौरान अनुसंधान पहल को प्रोत्साहित करता है।
- 8 अक्तूबर, 2024 को जानवरों की देखभाल पर एक संगोष्ठी के लिए जिग्ली फाउंडेशन के साथ सहयोग।
- 13 सितंबर, 2024 को अपशिष्ट प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए क्लीन टू ग्रीन टीएम सोसाइटी के साथ सहयोग। हमारे समय की पर्यावरणीय चुनौतियों के प्रति संवेदनशीलता के लिए ऐसा प्रशिक्षण आवश्यक है।
- गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा प्रदान करने के लिए एनआईईएलआईटी के साथ सहयोग।
- छात्रों को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करने के लिए कई संस्थानों (रेणुकिरण वेलफेयर फाउंडेशन, पहचान, राष्ट्रीय थैलेसीमिया कल्याण सोसाइटी, स्पर्श सोशल वेलफेयर एंड चैरिटेबल ऑर्गनाइजेशन आदि) के साथ सहयोग जारी है।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 29(34.12%)

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- गाँव गोद लेना और चिकित्सा सहायता: महाविद्यालय ने यूबी.ए. के अंतर्गत पाँच पड़ोसी गाँवों–पोसांगीपुर, तिहाड़, तितारपुर, हस्तवर्ष और चौखंडी–को गोद लिया। आयुष्मान परियोजना के तहत, निवासियों को स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के लिए नियमित चिकित्सा शिविर आयोजित किए गए। मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता पर एक संगोष्ठी के साथ-साथ रक्तदान अभियान भी चलाए गए।
- हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए सहायता: सेवा भारती के सहयोग से, एनएसएस स्वयंसेवकों ने यौनकर्मियों के सामने आने वाली चुनौतियों को समझने के लिए जीबी रोड का दौरा किया और जारी चिकित्सा शिविर में भाग लिया।
- गूंज के साथ साझेदारी: हम एनजीओ गूंज द्वारा घरेलू सामग्रियों के लिए एक संग्रह केंद्र हैं।

- पशुओं के प्रति करुणा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पशुस्नेह परियोजना शुरू की गई। उदाहरण के लिए, परिसर में पानी के गमले लगाए गए।
- आपातकालीन तैयारी प्रशिक्षण: एनएसएस ने एम्स के सहयोग से प्रतिभागियों को आवश्यक जीवन रक्षक तकनीकों का प्रशिक्षण देने के लिए प्रथम प्रतिक्रिया कार्यशाला का आयोजन किया।
- लैंगिक जागरूकता और वकालत: गर्ल अप अग्नि सेल ने कई प्रभावशाली पहलों का नेतृत्व किया है, जिनमें लैंगिक रूढ़िवादिता को चुनौती देने के उद्देश्य से एक डिजिटल अभियान, आगाज़ आई नारी भी शामिल है। उन्होंने महिला सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए सामुदायिक सर्वेक्षण भी किए।
- अंगदान जागरूकता: दधीचि देहदान समिति के सहयोग से, महाविद्यालय ने अंगदान के महत्व को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए।
- LGBTQIA+ समावेशन: आईआरआईएस क्वीर कलेक्टिव ने लैंगिक समावेशन को बढ़ावा देने के लिए संवेदीकरण कार्यशालाओं का आयोजन किया और क्वीर स्वामित्व वाले छोटे व्यवसायों का समर्थन करने के लिए बाई बाज़ार की मेजबानी की।
- नागरिक सहभागिता: विकासशील भारत एम्बेसडर क्लब ने मतदान के महत्व पर जोर देने के लिए एक जन जागरूकता अभियान चलाया।
- ऑडियोब्लॉक पॉडकास्ट: टेक्नोफाइल्स सोसाइटी ऑडियोब्लॉक नामक एक पॉडकास्ट चलाती है जो महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रकाश डालता है। इस वर्ष, इसके एपिसोड में STEM में महिलाओं जैसे विषय शामिल थे।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	: 12
एसोसिएट प्रोफेसर	: 26
सहायक प्रोफेसर	: 81
तदर्थ	: 06
अतिथि	: 16
कुल	**: 141**

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के तत्वावधान में, भारती महाविद्यालय ने परिसर जीवन को बेहतर बनाने और सुरक्षित करने के उद्देश्य से कई पहल की हैं।

दिसंबर 2024 में, दिल्ली अग्निशमन सेवा और आपदा प्रबंधकों के संगठन के सहयोग से आपदा प्रबंधन और अग्नि सुरक्षा पर एक अत्यंत शिक्षाप्रद और सफल प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्वास्थ्य

और स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मान्यता देते हुए, महाविद्यालय को भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) द्वारा "ईट राइट कैंपस" के रूप में प्रमाणित किया गया है।

क्षमता निर्माण के अपने उद्देश्य को आगे बढ़ाते हुए, IQAC ने सामान्य प्रशासन और वित्त पर एक गहन तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया, जो देश भर के विश्वविद्यालयों के पेशेवरों के लिए खुला था। समर्थ भारत के साथ महाविद्यालय का सहयोग, विशेष रूप से नेल आर्ट और बेकरी कौशल पाठ्यक्रमों के माध्यम से, निरंतर फल-फूल रहा है, जिनकी पिछले सत्रों में सफलता के कारण निरंतर मांग देखी गई है।

इंटर्नशिप करने वाले छात्रों की बढ़ती संख्या में भी एक सकारात्मक प्रवृत्ति उभर कर आई है - जिनमें से कई में पूर्णकालिक नियोजन के अवसर बनने की क्षमता है।

इस पूरी अवधि में, महाविद्यालय को विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों और गणमान्य व्यक्तियों की मेज़बानी का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इनमें प्रमुख थे प्रो. जगदीश मुखी, श्री जगदीश यादव, अध्यक्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार, प्रो. वेम्पति कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति, श्री चंद्रशेखरेंद्र सरस्वती महाविद्यालय, कांचीपुरम और प्रो. मुरली मनोहर पाठक, कुलपति, एसएलबी.ए.सएलआर विद्यापीठ, दिल्ली, जिनके आगमन ने संस्थान के शैक्षणिक और सांस्कृतिक वातावरण को समृद्ध किया।

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित निधियां : ₹ 45.01 **करोड़**

उपयोगित निधियां : ₹ 44.74 **करोड़**

****

भास्कराचार्य अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

16 मार्च**, 2025** को अंगदान के महत्व के बारे में छात्रों में जागरूकता पैदा करने के लिए दधीचि देह दान समिति द्वारा महाविद्यालय की सराहना की गई। **4** फरवरी**, 2025** को **2024** यमुना नदी सफाई पहल में सक्रिय भागीदारी के लिए संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा महाविद्यालय को मान्यता दी गई। सीपीडीएचई**,** यूजीसी**-**एमएमएमटीटीसी**,** दिल्ली विश्वविद्यालय ने हमारे महाविद्यालय और कैथोलिकेट महाविद्यालय **(**एमजी विश्वविद्यालय**,** कोट्टायम**)** के सहयोग से **6** से **15** जनवरी**, 2025** तक **"**एनईपी ओरिएंटेशन एंड सेंसिटाइजेशन**"** पर एक ऑनलाइन एफडीपी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में **15** संस्थानों के **16** प्रतिष्ठित वक्ताओं और विभिन्न विषयों के **151** प्रतिभागियों ने भाग लिया। रेड रिबन क्लब के तहत एड्स जागरूकता गतिविधियों के लिए महाविद्यालय को **1** दिसंबर**, 2024** को विश्व एड्स दिवस पर दिल्ली राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी **(**डीएसएसीएस**)** द्वारा सम्मानित किया गया। महाविद्यालय ने नेशनल एडू ट्रस्ट ऑफ इंडिया **(**सूक्ष्म**,** लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय**,** भारत सरकार **(UDYAM-CH-01-0039500)** के तहत पंजीकृत**)** द्वारा अगस्त**-**सितंबर **2024** के दौरान

दिए गए **30-**दिवसीय पर्यावरण चुनौती में भाग लिया और उसे पूरा किया। महाविद्यालय के एनसीसी के सीटीओ को लेफ्टिनेंट का पद प्राप्त हुआ और एनसीसी द्वारा उन्हें एसोसिएट एनसीसी अधिकारी **(**एएनओ**)** के रूप में नामित किया गया है। **2023-24** में**,** महाविद्यालय ने **22** कैडेटों के पहले बैच की भर्ती की और **30** अप्रैल**, 2024** को चार कैडेटों को रैंक प्रदान की गई। दूसरे बैच में**,** एनसीसी कार्यक्रम **2024-25** के पहले वर्ष के लिए **18** छात्रों का चयन किया गया।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

डॉ. अमनदीप कौर ने नेशनल एडू ट्रस्ट ऑफ इंडिया, एनईआई के साथ मिलकर हमारे प्रतिष्ठित महाविद्यालय के छात्रों की सक्रिय भागीदारी के साथ अगस्त-सितंबर 2024 के दौरान 30-दिवसीय पर्यावरण चुनौती को सफलतापूर्वक पूरा किया।

डॉ. नेहा सिंह द्वारा डॉ. तेजपाल सिंह (संकाय, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय) के सहयोग से विकसित एमओओसी "पर्यावरण प्रदूषण और मानव स्वास्थ्य" को 26वें सीईसी, यूजीसी शैक्षिक फिल्म महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ एमओओसी पुरस्कार प्राप्त हुआ।

डॉ. शिखा श्रीवास्तव को 09 अगस्त 2024 को शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भारतीय ज्ञान प्रणाली में मास्टर ट्रेनर के रूप में आधिकारिक रूप से प्रमाणित किया गया है।

छात्र

माइक्रोबायोलॉजिस्ट सोसाइटी**,** इंडिया द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कैलेंडर मेकिंग प्रतियोगिता 2025 में बी.एससी. (ऑनर्स) सूक्ष्म जीव-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) के आर्यन श्रीवास्तव**,** आशीष जयंत**,** अंजलि चौरसिया**,** आकाश कैरा और राजदीप दास ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

आत्मज्योति पांडा ने 6-8 फरवरी**,** 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस स्थित प्राणी-विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: आरबीबी.ए.स-2025 में जैविक विज्ञान में जैव प्रौद्योगिकी की भूमिका शीर्षक से एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स (तृतीय वर्ष) के अविनाश कुमार गुप्ता ने 16-18 नवंबर 2024 को पर्यावरण और सामाजिक विकास संघ (ईएसडीए) द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान एमएफसी प्रौद्योगिकी का उपयोग करके खतरनाक गैस सेंसिंग के लिए बायोसेंसर में माइक्रोबियल समुदाय विश्लेषण में प्रगति शीर्षक से एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

छवि पोडवाल विश्वविद्यालय की टॉपर रहीं तथा उन्हें विश्वविद्यालय पदक से सम्मानित किया गया।

हिमांशु कुमार यादव ने 24 फरवरी**,** 2025 को शहीद राजगुरु महाविद्यालय ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर विमेन में आयोजित फूड-ओ-शार्क टैंक में एक उद्यमी के रूप में द्वितीय पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की इशरा परवीन , 17 सितंबर, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू महाविद्यालय के वनस्पति-विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित "ओजोन: अतीत और वर्तमान परिदृश्य" विषय पर मौखिक प्रस्तुति प्रतियोगिता में तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कुशल दास विश्वविद्यालय के टॉपर रहे और उन्हें विश्वविद्यालय पदक से सम्मानित किया गया।

मीनाक्षी और सोनाक्षी श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता। महाविद्यालय की रंगोली प्रतियोगिता की प्रविष्टियाँ स्नातक वर्ग में राष्ट्रीय रंगोली प्रतियोगिता में शीर्ष 14 महाविद्यालयों में से एक के रूप में चुनी गईं।

प्रदीप कुमार गुप्ता ने 19-20 मार्च, 2025 को दीन दयाल महाविद्यालय में आयोजित "विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवाचार: 2047 में विकसित भारत का एक परिप्रेक्ष्य" विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान माइक्रोबियल ईंधन सेल आधारित बायोसेंसर में प्रगति - विन्यास, संवेदनशीलता और अनुप्रयोगों का तुलनात्मक विश्लेषण शीर्षक से एक शोध-पत्र (मौखिक) में भाग लिया और प्रस्तुत किया।

प्रिंस गुप्ता विश्वविद्यालय के टॉपर रहे तथा उन्हें विश्वविद्यालय पदक से सम्मानित किया गया।

रीना चौधरी ने 14-18 अक्तूबर, 2024 को मिलान, इटली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष यात्री कांग्रेस में अपना शोध-पत्र "अंतरिक्ष निर्माण के लिए प्रोटीन क्रिस्टलीकरण में क्रांतिकारी बदलाव: द्रव गतिकी, प्रायोगिक तकनीकों और जैविक प्रभावों पर माइक्रोग्रैविटी का प्रभाव" प्रस्तुत किया।

बी.एससी. (ऑनर्स) सूक्ष्म जीव-विज्ञान (तृतीय वर्ष) के शाश्वत एस नायर ने 28 फरवरी, 2025 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान में आयोजित पोस्टर प्रस्तुति सत्र में प्रथम पुरस्कार जीता ।

शाश्वत एस नायर ने 18 जनवरी, 2025 को छत्रपति संभाजीनगर के सरकारी विज्ञान संस्थान के सूक्ष्म जीव-विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित क्रॉसवर्ड पहेली प्रतियोगिता माइक्रोबायवर्ड में प्रथम पुरस्कार जीता।

सनी कुमार बी.एससी. (ऑनर्स) खाद्य प्रौद्योगिकी (तृतीय वर्ष) को अखिल भारतीय खाद्य प्रसंस्करण संघ (एआईएफपीए) द्वारा इतालवी तकनीकी सेवा पुरस्कार 2024 के लिए चुना गया है, जिसमें 6 मार्च, 2025 को रजत पदक और उसका प्रमाणपत्र दिया जाता है। उन्हें वर्ष 2024 के लिए प्रोटीन फूड्स एंड न्यूट्रिशन डेवलपमेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा खाद्य विज्ञान और पोषण के स्नातक छात्रों के लिए मेरिट-कम-मीन्स छात्रवृत्ति मेंटरशिप से सम्मानित किया गया।

उदय शर्मा ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "पर्यावरणीय डीएनए का अनुप्रयोग सबस्ट्रेटम और जलीय आक्रामक प्रजातियों का पता लगाने के लिए: जैविक विज्ञान में जैव प्रौद्योगिकी की भूमिका एक स्थायी भविष्य के लिए प्रयास" आरबीबी.ए.स-2025 शीर्षक से एक पोस्टर प्रस्तुत किया, जिसका आयोजन प्राणी-विज्ञान विभाग, मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 6-8 फरवरी, 2025 को किया गया।

उत्सव गोयल ने 06-07 फरवरी, 2025 के दौरान लक्ष्मीबाई महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान "माइक्रोबियल फ्यूल सेल बायोसेंसर: कार्बन मोनोऑक्साइड डिटेक्शन के लिए इलेक्ट्रोएक्टिव सूक्ष्मजीवों का लाभ उठाना" शीर्षक से एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

वैष्णवी भारद्वाज ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पोस्टर प्रस्तुत किया: जैविक विज्ञान में जैव प्रौद्योगिकी की भूमिका, एक सतत भविष्य के लिए प्रयास, आरबीबी.ए.स-2025, प्राणी-विज्ञान विभाग, मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 6-8 फरवरी, 2025 को आयोजित किया गया।

वंशिका को विज्ञान और पर्यावरण पर डॉ. कलाम श्रृंखला के अंतर्गत 7वीं वार्षिक राष्ट्रीय वाद-विवाद प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ हस्तक्षेप के लिए पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता का विषय था "उभरते रुझान अभी ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी की वास्तविक क्षमता को साकार करने के लिए तैयार नहीं हैं"। प्रतियोगिता का आयोजन 21 फरवरी, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के लेडी इरविन महाविद्यालय के विज्ञान विभाग द्वारा किया गया।

प्रकाशन

स्कोपस अनुक्रमित पत्रिकाएँ

अंजलि, मिश्रा, ए., खुराना, एम., पानी, बी., और अवस्थी, एस.के. (2025)। ग्रेफीन ऑक्साइड के क्रियात्मककरण में हालिया प्रगति और उत्प्रेरक कार्बनिक परिवर्तनों में इसकी भूमिका: एक व्यापक समीक्षा (2018-2024)। *केमिस्ट्रीसेलेक्ट* , *10* (5)। https://doi.org/10.1002/slct.202404742

अंजलि, मिश्रा, ए., पानी, बी., और अवस्थी, एस.के. (2024). गुआनिडीन के साथ ग्राफीन ऑक्साइड का क्रियाशीलताकरण: एल्डोल और नोवेनगेल संघनन अभिक्रियाओं में संश्लेषण, लक्षण वर्णन और उत्प्रेरक क्षमता। *केमिस्ट्रीसेलेक्ट* , *9* (38)। https://doi.org/10.1002/slct.202402511

अंजुम, ए., गुप्ता, डी., सिंह, बी., गर्ग, आर., पानी, बी., काशिफ, एम., और जैन, एस. (2024). प्रभावी जल उपचार के लिए क्ले-पॉलीमर नैनोकंपोजिट: अवसर, चुनौतियाँ और भविष्य की संभावनाएँ। *पर्यावरण निगरानी और मूल्यांकन* , *196* (7), 666। https://doi.org/10.1007/s10661-024-12823-8

धनका, ए.के., कोहलरॉश, ई.सी., सामंत्रे, आर., कुमार, वी., पानी, बी., और अगस्ती, एन. (2025)। जल में एंटीबायोटिक के बेहतर प्रकाश उत्प्रेरकीय अपघटन के लिए Ag/CeO2 में दोषों का उपयोग: संरचनात्मक विशेषताएँ, क्रियाविधि पर गहन अंतर्दृष्टि, अपघटन पथ। *केमिकल इंजीनियरिंग जर्नल एडवांसेस* , *21* (100706), 100706। https://doi.org/10.1016/j.ceja.2025.100706

धनखड़, एस., और पानी, बी. (2025)। उपग्रह डेटा का उपयोग करके दक्षिण-पूर्व एशियाई क्षेत्र में फॉर्मेल्डिहाइड का स्थानिक-कालिक विश्लेषण और वायुमंडलीय एवं पर्यावरणीय चरों के साथ इसका संबंध। *पर्यावरण निगरानी और मूल्यांकन* , *197* (2), 185. https://doi.org/10.1007/s10661-025-13617-2

डिमंगईहवुंगी, ई., चांगकाकोटी, पी., सिंह, एम., सिंह, ए.के., पानी, बी., और सिंह, ए.के. (2025)। उच्च प्रदर्शन वाले लचीले पारदर्शी हीटर के रूप में उपयोग के लिए पॉलीइमाइड में एम्बेडेड मोलिब्डेनम ऑक्साइड-आवरित सिल्वर नैनोवायर फ़िल्में। *सरफेसेस एंड इंटरफेसेस* , *56* (105582), 105582। https://doi.org/10.1016/j.surfin.2024.105582

डिमंगईहवुंगी, ई., कुमार, एम., सिंह, ए.के., पानी, बी., सिंह, ए.के., और सिंह, एम. (2024). लचीले पारदर्शी हीटर के लिए मानक पॉलीओल संश्लेषण के बाद बचे कचरे को पुनर्चक्रित करके सिल्वर नैनोवायर का बहुविध संश्लेषण। *जर्नल ऑफ़ द ताइवान इंस्टीट्यूट ऑफ़ केमिकल इंजीनियर्स* , *161* (105529), 105529. https://doi.org/10.1016/j.jtice.2024.105529

डिमंगईहवुंगी, ई., कुमार सिंह, ए., पानी, बी., कुमार सिंह, ए., और सिंह, एम. (2025)। बहु-अनुप्रयोगों के लिए अति-स्थिर लचीले पारदर्शी इलेक्ट्रोड के रूप में पॉलीइमाइड संसेचित सिल्वर नैनोवायर-टाइटेनियम ऑक्साइड कोर-शेल नैनोस्ट्रक्चर। *जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल एंड इंजीनियरिंग केमिस्ट्री* , *142* , 262-271। https://doi.org/10.1016/j.jiec.2024.07.032

दुआ, ए., जिंदल, वी., और बेदी, पी. (2025). एलसी-आईपीएल: एलएसटीएम का उपयोग करके आईपीवी4 हेडर में गुप्त डेटा का पता लगाना। *अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी जर्नल* , *17* (2), 689-702. https://doi.org/10.1007/s41870-024-02284-0

गाहल्यान, पी., चौहान, टी., झाझरिया, पी., पानी, बी., और कुमार, आर. (2025)। कैंसर-रोधी कारकों के रूप में आइसैटिन संकरों की क्षमता का अन्वेषण: हालिया प्रगति और भविष्य की संभावनाएँ। *औषधीय रसायन-विज्ञान अनुसंधान: जैविक रूप से सक्रिय कारकों की क्रियाविधि और डिज़ाइन पर त्वरित संचार के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल* , *34* (4), 827-848। https://doi.org/10.1007/s00044-025-03385-6

इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ मैनेजमेंट साइंस एंड टेक्नोलॉजी (2018)। https://doi.org/10.32804/irjmst

जस्टा, पी., जसवाल, एन., शर्मा, ए.के., कुमार, ए., कुमार, एच., पानी, बी., और कुमार, पी. (2024). आयरन सल्फाइड नैनोकण: संश्लेषण, लक्षण वर्णन, और गोजातीय सीरम एल्ब्यूमिन और मानव सीरम एल्ब्यूमिन के साथ इसकी परस्पर क्रिया का आणविक डॉकिंग अध्ययन। *बायोनैनोसाइंस* , *14* (2), 1362-1369। https://doi.org/10.1007/s12668-024-01352-w

कश्यप, एन. (2024). गुणधर्म (Bgw1) और वेइल प्रकार के प्रमेय. *द मैथमेटिक्स स्टूडेंट* , *93* (3-4), 134-146.

कश्यप शर्मा, एन. (2024). गुणधर्म (Baw1) और वेइल प्रकार के प्रमेय। *गणित और कंप्यूटर विज्ञान के इतिहास* , *25* , 26-32. https://doi.org/10.56947/amcs.v25.360

कौर, एस., अरोड़ा, ए.के., भारद्वाज, ए., और बलूजा, के.एल. (2024). 0.1 eV से 5 keV तक विनाइल एसीटेट के साथ पॉज़िट्रॉन की अन्योन्यक्रियाएँ। *फिजिका स्क्रिप्टा* , *99* (11), 115411. https://doi.org/10.1088/1402-4896/ad878a

कुमार, जे., जस्टा, पी., जसवाल, एन., कुमार, एच., पानी, बी., और कुमार, पी. (2024). प्रशियन ब्लू नैनोकणों की पेरोक्सीडेज जैसी गतिविधि और मेथिलीन ब्लू डाई के दृश्य प्रकाश-मध्यस्थ उत्प्रेरक क्षरण। *केमिकल फिजिक्स इम्पैक्ट* , *8* (100575), 100575. https://doi.org/10.1016/j.chphi.2024.100575

कुमार, जे., मित्तल, ए., मधवाल, डी., कौर, ए., और शर्मा, एस. (2025)। वैश्विक जलवायु परिवर्तन का समाज और जीवन-निर्वाह संसाधनों पर प्रभाव। *मुक्त शब्द जर्नल* , *14* (1), 659। https://doi.org/10.0014.MSJ.2024.V14I1.0086781.262760

कुमार, एम., कुमार, ए., सैनी, आर., भट्ट, जी., और खन्ना, एम.के. (2024). जीई-क्लैड ऑप्टिकल वेवगाइड में सुपरस्ट्रेट परत के प्रभाव का उपयोग करते हुए उच्च विलोपन अनुपात टीई-पास पोलराइज़र। *इंजीनियरिंग रिसर्च एक्सप्रेस* , *6* (3), 035001। https://doi.org/10.1088/2631-8695/ad5e5e

कुमारी सिंह, पी., चोपड़ा, आर., गर्ग, एम., चौहान, के., सिंह, एन., होमरॉय, एस., और त्रिपाठी, ए.डी. (2024). रोज़मेरी अर्क का उपयोग करके ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर संरचित लिपिड की शेल्फ लाइफ बढ़ाना: एक स्थायी दृष्टिकोण। *एसीएस ओमेगा* , *9* (29), 31359-31372। https://doi.org/10.1021/acsomega.3c09584

कुंडू, एस., आकांक्षा, शीतल, ठाकुर, एस., कुमार, वी., पानी, बी., और सिंह, ए.के. (2025)। नैनो फेराइट्स पर एक आलोचनात्मक समीक्षा, जो विभिन्न संक्षारक वातावरणों में विभिन्न धातुओं/मिश्रधातुओं के प्रति संक्षारण अवरोधन में एक क्रांतिकारी बदलाव का नेतृत्व करती है। *जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल केमिकल इंजीनियरिंग* , *13* (1), 115277. https://doi.org/10.1016/j.jece.2024.115277

लूथरा, एम., भारद्वाज, ए., प्रशांत, ए., और बलूजा, के.एल. (2024). पाइरीमिडीन से 5 केवी तक इलेक्ट्रॉन प्रकीर्णन। *ब्राज़ीलियन जर्नल ऑफ़ फ़िज़िक्स* , *54* (4)। https://doi.org/10.1007/s13538-024-01484-0

मैती, एस.के., त्यागी, यू., बिष्ट, पी., सिरोही, एस., पानी, बी., और कुमार, जी. (2024). ग्राफीन नैनोप्लेटलेट को भराव के रूप में उपयोग करके प्राकृतिक बहुलक के भौतिक-रासायनिक और परावैद्युत गुणों का अनुकूलन। *पॉलिमर कम्पोजिट्स* , *45* (15), 14213-14230। https://doi.org/10.1002/pc.28765

मालपोत्रा, एम., गर्ग, एम., सिंह, एन., साधु, एस.डी., चोपड़ा, आर., और शर्मा, बी. (2025)। *हाइग्रोफिला ऑरिकुलेटा* - एक शाकीय औषधीय पौधे - के जैवसक्रिय घटकों और फाइटोफार्मास्युटिकल क्षमताओं का अवलोकन। *फाइटोमेडिसिन प्लस: इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फाइटोथेरेपी एंड फाइटोफार्माकोलॉजी* , *5* (1), 100737। https://doi.org/10.1016/j.phyplu.2025.100737

मुवाल, पी.के., सैनी, ए.के., चौधरी, के., बेनीवाल, वी., पानी, बी., सिरोही, एस., और सिंह, आर. (2025)। जल में आयनों और जैव-अणुओं का चयनात्मक पता लगाने के लिए चक्रीय और अचक्रीय

प्रतिदीप्त रसायन-संवेदकों का विकास। *केमिस्ट्रीसेलेक्ट* , *10* (1)। https://doi.org/10.1002/slct.202404394

प्रजापति, पी., गर्ग, एम., अख्तर, एस., अंसारी, टी.एच., चोपड़ा, आर., आनंद, पी., और आलम, टी. (2025)। भारतीय पनीर के लिए टिकाऊ पैकेजिंग प्रणाली का विकास और अनुकूलन। *जर्नल ऑफ डेयरी, फूड्स एंड होम साइंसेज* । https://doi.org/10.18805/ajdfr.dr-2219

प्रजापति, पी., गर्ग, एम., सिंह, एन., चोपड़ा, आर., मित्तल, ए., और सभरवाल, पी.के. (2024). पादप प्रोटीन को पादप-आधारित मांस विकल्पों में बदलना: चुनौतियाँ और भविष्य की संभावनाएँ। *खाद्य विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी* , *33* (15), 3423-3443। https://doi.org/10.1007/s10068-024-01683-0

प्रजापति, पी., पोरवाल, सी., गर्ग, एम., सिंह, एन., साधु, एस.डी., चोपड़ा, आर., और त्रिपाठी, ए.डी. (2025)। नींबू के छिलके को जैवसक्रिय पदार्थों के एक स्थायी भंडार में बदलना: एक हरित आसमाटिक निर्जलीकरण रणनीति। *खाद्य रसायन-विज्ञान: एक्स* , *25* (102172), 102172। https://doi.org/10.1016/j.fochx.2025.102172

क्वाड्री, टीडब्ल्यू, अकपन, ईडी, एलुगोके, एसई, ओलासुनकानमी, एलओ, शीतल, सिंह, एके, और एबेन्सो, ईई (2025)। संक्षारण अवरोधकों के आणविक समन्वय और अवशोषण तक पहुँचने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग पर अत्याधुनिक प्रगति। *एप्लाइड फिजिक्स रिव्यूज़* , *12* (1)। https://doi.org/10.1063/5.0228503

रितिका, बोरा, बी., इस्माइल, बी.बी., गरबा, यू., मिश्रा, एस., झा, ए.के., और गुप्ता, ए.के. (2024). हिमालयी फल और चक्रीय अर्थव्यवस्था: न्यूट्रास्युटिकल क्षमता, पारंपरिक उपयोग, चुनौतियाँ और अवसर। *खाद्य उत्पादन, प्रसंस्करण और पोषण* , *6* (1)। https://doi.org/10.1186/s43014-023-00220-6

सैनी, के., शर्मा, आर., शर्मा, ए.के., पानी, बी., और सरकार, ए. (2025)। कुशल विद्युत-उत्प्रेरक और प्रकाश-उत्प्रेरक अनुप्रयोगों के लिए α-MoO3 की विषम-नैनो संरचनाओं के अनुकूलन का अन्वेषण। *कैटेलिसिस टुडे* , *445* (115092), 115092। https://doi.org/10.1016/j.cattod.2024.115092

सांगवान, एन., गंगवाल, ए., जैन, पी., लांगत्सो, सी., श्रीवास्तव, एस., धवन, यू., और सिंह, वाई. (2025)। एंथ्रेक्स: संचरण, रोगजनन, रोकथाम और उपचार। *टॉक्सिन्स* , *17* (2)। https://doi.org/10.3390/toxins17020056

सक्सेना, ए., दुआ, ए., कुमार, एम., रॉय, ए., और निगम, ए. (2024). प्रतिरक्षा तंत्र के पुनर्निर्माण में शारीरिक व्यायाम के प्रभाव पर एक लघु समीक्षा। *वर्ल्ड जर्नल ऑफ बायोलॉजी, फार्मेसी एंड हेल्थ साइंसेज* , *18* (2), 349-358। https://doi.org/10.30574/wjbphs.2024.18.2.0264

शीतल, सिंह, ए.के., ऐत मंसूर, ए., ठाकुर, एस., पानी, बी., सिंह, एम., और साल्घी, आर. (2024). विषमचक्रीय यौगिकों की सुगंध और उनका संक्षारण निरोधक गुण: प्रायोगिक और सैद्धांतिक विश्लेषण।

लैंगमुइर: द एसीएस जर्नल ऑफ सरफेसेस एंड कोलाइड्स , *40* (41), 21675-21692। https://doi.org/10.1021/acs.langmuir.4c02707

शीतल, सिंह, ए.के., कुंडू, एस., कौर, डी.एम., ठाकुर, एस., पानी, बी., और सिंह, एम. (2025)। संक्षारण निरोध में चाकोजेन्स की भूमिका: एक व्यापक समीक्षा। *इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री कम्युनिकेशंस* , *175* (114085), 114085। https://doi.org/10.1016/j.inoche.2025.114085

शीतल, सिंह, ए.के., मंसूर, ए.ए., सिंह, एम., ठाकुर, एस., पानी, बी., और साल्घी, आर. (2024). अम्लीय माध्यम में मृदु इस्पात पर एन-एसिलेटेड चिटोसन की एल्काइल श्रृंखला लंबाई और संक्षारण अवरोधन दक्षता का संबंध। *जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल केमिकल इंजीनियरिंग* , *12* (4), 113179। https://doi.org/10.1016/j.jece.2024.113179

शीतल, ठाकुर, एस., पानी, बी., कुमार सिंह, ए., और सिंह, एम. (2024). माइल्ड स्टील/0.5 M H2SO4 विलयन इंटरफेस पर बेंजाइलिडीन चिटोसन व्युत्पन्नों के अधिशोषण व्यवहार का मूल्यांकन। *इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री कम्युनिकेशंस* , *166* (112668), 112668। https://doi.org/10.1016/j.inoche.2024.112668

सिंह, ए., शाक्य, ए., मिश्रा, ए.के., और कौर, ए. (2025)। कम शक्ति वाले बायोसेंसिंग अनुप्रयोगों के लिए सोर्स इंजीनियर्ड टनल FET का व्यापक विश्लेषण। *माइक्रोसिस्टम टेक्नोलॉजीज: सेंसर्स, एक्चुएटर्स, सिस्टम्स इंटीग्रेशन* , *31* (2), 491-507। https://doi.org/10.1007/s00542-024-05760-6

सिंह, एन., त्यागी, एन., सिंह, एम., कुशवाहा, एच.आर., शर्मा, आर.के., श्री, पी., और गर्ग, एम. (2024). कम उपयोग वाले औषधीय पौधों और मिश्रित आटे का लक्षण वर्णन, फाइटोकेमिकल प्रोफाइलैंगिक, एंटीऑक्सीडेंट और साइटोटॉक्सिसिटी। *खाद्य रसायन-विज्ञान* , *456* (139985), 139985. https://doi.org/10.1016/j.foodchem.2024.139985

सिंह, एस., हबीब, एम., मंडल, डी., कुमार, वाई., जान, एस., बशीर, के., और जान, के. (2024). ज्वार के आटे में गामा विकिरण-प्रेरित संरचनात्मक परिवर्तन और निकाले गए स्टार्च के भौतिक-कार्यात्मक, रियोलॉजिकल और तापीय गुणों पर इसका प्रभाव। *जर्नल ऑफ फूड प्रोसेसिंग एंड प्रिजर्वेशन* , *2024* (1)। https://doi.org/10.1155/2024/2228239

सिंह, एस., हबीब, एम., मंडल, डी., ठाकुर, एम., कुमार, वाई., बशीर, के., और जान, के. (2024). ज्वार के आटे के भौतिक-रासायनिक, तापीय, *इन-विट्रो* प्रोटीन पाचनशक्ति, पोषक तत्वों और एंटीऑक्सीडेंट गुणों पर अंकुरण के प्रभाव। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी* , *59* (9), 6513-6521। https://doi.org/10.1111/ijfs.17399

तिवारी, एमके, कौर, ए., शर्मा, एस., मल्होत्रा, एच., और पचौरी, ए. (2025)। किसी भी आसन्न स्थानिक प्रकोप की रोकथाम के लिए कोविड-19 के निदान और उपचार में स्वास्थ्य देखभाल उपकरणों की प्रभावशीलता का अनुभवजन्य अध्ययन। *मुक्त शब्द जर्नल* , *14* (1), 96. https://doi.org/10.0014.MSJ.2024.V14I1.0086781.262709

पुस्तकें

आलम, टी., गर्ग, एम., साधु, एसडी, और मीना पीएल, (2025), *प्रोटोकॉल श्रृंखला: खंड 06, पैकेजिंग तकनीक* निपा, जेनएक्स इलेक्ट्रॉनिक रिसोर्सेज एंड सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड।

बत्रा, वी., और कौर, आई. (2024. *एनालॉग सिस्टम और अनुप्रयोगों पर एक पाठ्यपुस्तक* । भारत: टेकसार प्राइवेट लिमिटेड)

भारद्वाज, एस., और अब्बास, एनएस (2024) *औषधीय पौधे: एनईपी पर आधारित खेती से लेकर अनुप्रयोग तक* , नरोसा प्रकाशक

भारद्वाज, एस., और अब्बास, एन.एस. (2025)। *औषधीय पौधे: एक व्यावहारिक पुस्तिका।* नरोसा प्रकाशक

शर्मा, बी., पानी, बी., शेखर, एस., और ओकोली, जे.ए. (सं.) (2025)। *अभिनव बायोपॉलिमर उत्पादन और अनुप्रयोगों के लिए टिकाऊ 3डी प्रिंटिंग।* जॉन विले एंड संस।

पुस्तक में अध्याय

आलम, ए., एन. प्रिया, आर. सिंह, आकांक्षा, आई. कौर, और वी. बत्रा। 2024. *इन-बिल्ट अलर्ट सिस्टम के साथ वायु प्रदूषण निगरानी और गैस रिसाव का पता लगाना* । सतत पर्यावरण के लिए उन्नत कार्यात्मक सामग्री में, 79-87। स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंड।

गुप्ता, एमके, बालोदी, वी., त्रिपाठी, ए.डी., रिज़वाना, अग्रवाल, ए., और निर्मल, एनपी (2025)। *लेबलैंगिक और प्रमाणन का महत्व: गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करना* । टी. सरकार, एस. स्माऊई और ए.टी. पेटकोस्का (सं.), *फंक्शनल फ़ूड्स और नॉवेल बायोएक्टिव्स की शक्ति को उजागर करना* (पृष्ठ 449-465): एकेडमिक प्रेस।

हबीब, एम., ठाकुर, एम., जान, एस., बशीर, के., और जान, के. (2024). *स्टार्च-आधारित खाद्य पैकेजिंग* । के. बशीर, के. जान, एस. जान, ए.एल. खान और डीजे मैक्लेमेंट्स (सं.), *बायोडिग्रेडेबल और खाद्य खाद्य पैकेजिंग* (पृष्ठ 139-176): एकेडमिक प्रेस।

कौर, ए., और वर्मानी, एस.जी. (2025). *मिशन नर्चर नेचर: जागरूकता से कार्रवाई तक - 30-दिवसीय पर्यावरणीय चुनौती से सबक* . नेशनल एडुट्रस्ट ऑफ इंडिया. आईएसबी.ए.न 978-93-341-8699-4.

केशरवानी, टी., गर्ग, एम. और साधु, एस.डी. *बायोपॉलिमर्स और इसके अनुप्रयोग पर एक समीक्षा* आलम, टी. संपादक, *खाद्य और संबद्ध उद्योग में खाद्य पैकेजिंग और सुरक्षा विनियम, आईएसबी.ए.न संख्या 978-93-5*

कुंडू, एस., ठाकुर, एस., पानी, बी., सिंह, एम., सिंह, एस.के., और सिंह, ए.के. (2025)। *डीईएस का उपयोग संक्षारण अवरोधकों के रूप में कैसे किया जा सकता है। डीप यूटेक्टिक सॉल्वेंट्स में* (पृष्ठ 55-67)। एल्सेवियर। 8877-18-2

कुंडू, एस., और पानी, बी. (2025)। *प्रकाश उत्प्रेरक अनुप्रयोगों के लिए अकार्बनिक हैलाइड पेरोव्स्काइट। सॉल्यूशन-प्रोसेस्ड फ्लेक्सिबल ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए उन्नत नैनोमटेरियल्स: प्रसंस्करण से अनुप्रयोग तक,* 337 सीआरसी प्रेस। टेलर और फ्रांसिस समूह।

रितिका, मानसी, रिज़वाना, कुमार, एच., बोरा, बी., राथर, एम.ए.,गुप्ता, ए.के. (2024). *भूख से मुक्ति पाने के लिए पारंपरिक और कम उपयोग वाले फल और सब्ज़ियाँ।* आर. चक्रवर्ती, पी. माथुर और एस. रॉय (संपादक *), जलवायु परिवर्तन के तहत खाद्य उत्पादन, विविधता और सुरक्षा* (पृष्ठ 89-111)। चैम: स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंड।

शर्मा, आर., वर्मा, एन., देवांगन, आर., शर्मा, ए.के., त्रिपाठी, एम., और पानी, बी. (2025)। *3डी प्रिंटिंग की घटनाओं के माध्यम से टिकाऊ पॉलिमर के निर्माण के लिए प्रयुक्त तकनीकों का विवरण। नवीन बायोपॉलिमर उत्पादन और अनुप्रयोगों के लिए टिकाऊ 3डी प्रिंटिंग* , 25-47। स्क्रिवेनर पब्लिशिंग, विले।

सिंह, एस., वर्मा, एस., चौहान, एस., थतई, एस., जयसीलन, एस., त्रिपाठी, आर., सिरोही, एस., यादव, बीसी और गुप्ता, टीके, (2024) *रसायन-विज्ञान में संश्लेषण और उत्प्रेरक के उभरते रुझानों में एमडब्ल्यूसीएनटी/टीपीयू नैनोकंपोजिट्स-आधारित यूवी फोटोडिटेक्टर,* ईटीएससी 2023 की कार्यवाही, पृष्ठ 181-188। स्प्रिंगर

सिंह, एस., ठाकुर, एम., हबीब, एम., जान, के., और बशीर, के. (2024). *पेय पदार्थों के संरक्षण में क्रांतिकारी बदलाव: विस्तारित शेल्फ-लाइफ और टिकाऊ उद्योग प्रथाओं के लिए गैर-तापीय तकनीकों में गहन अन्वेषण।* एस.के. पटनायक, डी. दत्ता और ए. सिंह (सं.) *फंक्शनल फूड्स का नॉन-थर्मल प्रोसेसिंग। बोका रैटन:* सीआरसी प्रेस।

सिंह, एस., मंडल, डी., ठाकुर, एम., हबीब, एम., जान, के., धर, पी., और बशीर, के. (2024). *न्यूट्रास्युटिकल अनुसंधान में उभरते रुझान: खनिजों की भूमिका* । के. बशीर, के. जान और एफ.जे. अहमद (सं.), *फंक्शनल फ़ूड्स एंड न्यूट्रास्युटिकल्स: केमिस्ट्री, स्वास्थ्य लाभ और आगामी योजना* (पृष्ठ 81-112)। चैम: स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग।

तिवारी, एम., के., और कौर, ए. (2025). *भावनात्मक कल्याण के आयाम और गतिशीलता: महत्व, प्रभाव और भविष्य की दिशाएँ, मानवीय भावनाएँ, सामाजिक संबंध और व्यक्तिगत कल्याण में* , अध्याय 9. नई दिल्ली: द लॉजिकल जंक्शन और एमजेएस पब्लिशिंग हाउस।

अनुसंधान परियोजनाएँ

डॉ. अनिल बराक को "पौधे के अर्क से पर्यावरण-अनुकूल और टिकाऊ प्राकृतिक रंगों का विकास" नामक शोध परियोजना के लिए सह-पीआई के रूप में ₹826,900/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान भारतीय ज्ञान प्रणाली प्रभाग, शिक्षा मंत्रालय @ अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् द्वारा प्रदान किया गया है और दिसंबर 2022 से दिसंबर 2024 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. अंजलि सक्सेना , प्राणि-विज्ञान विभाग को "हृदय स्वास्थ्य और रोगों के लिए नवीन चिकित्सा पद्धतियों का निर्माण: आंत माइक्रोबायोटा की भूमिका" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप

में ₹12,75,000/- स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रदान किया गया है और मार्च 2024 से मार्च 2025 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. अवनीश मित्तल को "SARs-CoV और संबंधित म्यूकोर्मिकोसिस के प्रति संवेदनशीलता को समझने के लिए फुफ्फुसीय माइक्रोबायोम का मेटाजीनोमिक विश्लेषण" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹913,402/- स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है और जून 2022 से जून 2024 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. अवनीश मित्तल को "पौधों के अर्क से पर्यावरण-अनुकूल और टिकाऊ प्राकृतिक रंगों का विकास" नामक शोध परियोजना के लिए सह-पीआई के रूप में ₹826,900/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान भारतीय ज्ञान प्रणाली प्रभाग, शिक्षा मंत्रालय @ अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् द्वारा प्रदान किया गया है और दिसंबर 2022 से दिसंबर 2024 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. बलराम पाणि को "SARs-CoV और संबंधित म्यूकोर्मिकोसिस के प्रति संवेदनशीलता को समझने के लिए फुफ्फुसीय माइक्रोबायोम का मेटाजीनोमिक विश्लेषण" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹913,402/- स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है और जून 2022 से जून 2024 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. एराम एस. राव को "पादप-आधारित खाद्य उत्पादों का विकास" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹50,000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान नैटुर्ज़ बायो कंट्रोल प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रदान किया गया है और जुलाई 2023 से जुलाई 2024 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. इरम एस. राव को "नए यूनानी आहार के लिए खाद्य प्रौद्योगिकी का विकास" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹96,000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रदान किया गया है और जनवरी 2025 से मार्च 2025 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. मीनाक्षी गर्ग को "पादप-आधारित खाद्य उत्पादों का विकास" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹50,000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान नैचुर्ज़ बायो कंट्रोल प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रदान किया गया है और जुलाई 2023 से जुलाई 2024 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. मीनाक्षी गर्ग को "नए यूनानी आहार के लिए खाद्य प्रौद्योगिकी का विकास" नामक शोध परियोजना के लिए सह-पीआई के रूप में ₹96,000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रदान किया गया है और जनवरी 2025 से मार्च 2025 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. सिद्धार्थ सिरोही को "पौधे के अर्क से पर्यावरण-अनुकूल और टिकाऊ प्राकृतिक रंगों का विकास" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹826,900/- स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान भारतीय ज्ञान प्रणाली प्रभाग, शिक्षा मंत्रालय @ अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् द्वारा प्रदान किया गया है और दिसंबर 2022 से दिसंबर 2024 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. उमा चौधरी को "SARs-CoV और संबंधित म्यूकोर्मिकोसिस के प्रति संवेदनशीलता को समझने के लिए पल्मोनरी माइक्रोबायोम का मेटाजीनोमिक विश्लेषण" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹913,402/- स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है और जून 2022 से जून 2024 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. उमा धवन को "रैपिड आई मूवमेंट स्लीप लॉस एसोसिएटेड न्यूरोडीजेनेरेशन में आरएनए-बाइंडिंग प्रोटीन की भूमिका" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹2,854,500/- स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान एसईआरबी-डीएसटी द्वारा प्रदान किया गया है और जनवरी 2023 से जनवरी 2026 तक की अवधि के लिए है।

दायर/स्वीकृत पेटेंट

डॉ. मनोज कुमार तिवारी, डॉ. प्रदुमन प्रसाद सिंह, डॉ. अमनदीप कौर , डॉ. कमल किशोर। टिकाऊपन के लिए सौर-एकीकृत इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन। **6382813. 13** अगस्त **2024.** अंतर्राष्ट्रीय

सुश्री मेघा मालपोत्रा, डॉ. मीनाक्षी गर्ग, सुश्री नेहा सिंह, डॉ. सुस्मिता डे साधु, डॉ. पूर्णिमा आनंद, प्रो. एरम एस. राव, प्रो. अवनीश मित्तल , डॉ. अपर्णा अग्रवाल। स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाला त्वरित खाद्य मिश्रण। पेटेंट **564448. 28** मार्च, **2025.** राष्ट्रीय

सुश्री मेघा मालपोत्रा, डॉ. मीनाक्षी गर्ग, सुश्री नेहा सिंह, डॉ. सुस्मिता डे साधु, डॉ. पूर्णिमा आनंद, प्रो. एरम एस. राव , प्रो. अवनीश मित्तल, डॉ. अपर्णा अग्रवाल। स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाला त्वरित खाद्य मिश्रण। पेटेंट **564448. 28** मार्च, **2025.** राष्ट्रीय

डॉ. मनोज कुमार तिवारी , डॉ. प्रदुमन प्रसाद सिंह, डॉ. अमनदीप कौर, डॉ. कमल किशोर। टिकाऊपन के लिए सौर-एकीकृत इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन। **6382813. 13** अगस्त **2024.** अंतर्राष्ट्रीय

सुश्री मेघा मालपोत्रा, डॉ. मीनाक्षी गर्ग , सुश्री नेहा सिंह, डॉ. सुस्मिता डे साधु, डॉ. पूर्णिमा आनंद, प्रो. एरम एस. राव, प्रो. अवनीश मित्तल, डॉ. अपर्णा अग्रवाल। स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाला त्वरित खाद्य मिश्रण। पेटेंट **564448. 28** मार्च, **2025.** राष्ट्रीय

सुश्री मेघा मालपोत्रा, डॉ. मीनाक्षी गर्ग, सुश्री नेहा सिंह, डॉ. सुस्मिता डे साधु, डॉ. पूर्णिमा आनंद , प्रो. एरम एस. राव, प्रो. अवनीश मित्तल, डॉ. अपर्णा अग्रवाल। स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाला त्वरित खाद्य मिश्रण। पेटेंट **564448. 28** मार्च, **2025.** राष्ट्रीय

सुश्री मेघा मालपोत्रा, डॉ. मीनाक्षी गर्ग, सुश्री नेहा सिंह, डॉ. सुस्मिता डे साधु , डॉ. पूर्णिमा आनंद, प्रो. एरम एस. राव, प्रो. अवनीश मित्तल, डॉ. अपर्णा अग्रवाल। स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाला त्वरित खाद्य मिश्रण। पेटेंट **564448. 28** मार्च, **2025.** राष्ट्रीय

आयोजित संगोष्ठियां

वूमनियम क्वांटम में क्वांटम सॉफ्टवेयर और सॉल्यूशंस प्रमुख और हमारे पूर्व छात्र, भौतिकी विभाग, वरदान सहगल ने 3 मार्च, 2025 को 'क्वांटम कंप्यूटिंग और कैरियर के अवसर' पर एक व्याख्यान दिया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. बीआर अंबेडकर बायोमेडिकल रिसर्च के प्रोफेसर प्रोफेसर लैशराम आर सिंह और सहायक प्रोफेसर: डॉ. मीनाक्षी शर्मा ने 27 फरवरी, 2025 को क्रमशः 'प्रोटीन अपने मूल राज्यों के रास्ते में सड़क दुर्घटनाओं से कैसे बचते हैं' और 'बायोमेडिकल रिसर्च के लिए एक सुंदर कृमि' पर व्याख्यान दिए।

प्रोफेसर काहनू चरण राज, प्लांट हेड, रबर टेक्नोलॉजिस्ट, डिफेल टेक्नोलॉजी लिमिटेड, और प्रोफेसर एपी गुप्ता, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, डीटीयू ने 18 फरवरी, 2025 को क्रमशः 'जहां रबर विश्वसनीयता से मिलता है' और 'पीवीसी: पॉलिमर उद्योगों के लिए एक संभावित सामग्री' पर व्याख्यान दिया।

स्विट्जरलैंड के ईटीएच ज्यूरिख में ईएमबीओ पोस्टडॉक्टरल फेलो के हमारे पूर्व छात्र डॉ. प्रशांत रावत ने 9 जनवरी, 2025 को सेल बायो 2.0: चरण पृथक्करण के सिद्धांत और जैविक समझ को पुनर्परिभाषित करने पर एक व्याख्यान दिया।

प्रो. जेयम सुब्बैया, कृषि विभाग, अर्कांसस विश्वविद्यालय, अमेरिका। प्रो. सुब्बैया ने 10 सितंबर, 2024 को 'खाद्य प्रसंस्करण में उभरते रुझान' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. अनिल कुमार, कार्मिक साइंटिस्ट वी, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी ने 4 सितंबर, 2024 को 'माइक्रोबायोम कनेक्शन: माइक्रोबियल जीवन और मानव को जोड़ना' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया।

आयोजित सम्मेलन

हमारे पूर्व छात्र श्री मनीष कुमार, तकनीकी बिक्री कार्यकारी, जेनटेक मार्केटिंग एंड डिस्ट्रीब्यूशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 'ईईजी और रक्तचाप माप तकनीक' शीर्षक से व्यावहारिक कार्यशाला 18 फरवरी, 2025 को आयोजित की गई।

8-9 फरवरी, 2025 को 'एमओओसी के लिए ई-सामग्री विकास' शीर्षक से व्यावहारिक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

यूजीसी के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी) के अंतर्गत एनईपी 2020 अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम, सीपीडीएचई (यूजीसी एमएमटीटीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 6-15 जनवरी, 2025 तक आयोजित किया गया।

पीएच.डी. चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के सहयोग से 'सभी के लिए भोजन: अमृत पीढी के लिए सतत खाद्य प्रणाली प्राप्त करना' शीर्षक से सम्मेलन 16 अक्तूबर, 2024 को आयोजित किया गया।

पर्यावरण अध्ययन विभाग की सहायक प्रोफेसर: डॉ. स्मिता सुंदरम द्वारा फलों के छिलकों से बायोएंजाइम पर व्यावहारिक प्रशिक्षण 29 अगस्त, 2024 को आयोजित किया गया।

पर्यावरण प्रेमी सुश्री अंजना चारु द्वारा 'माइक्रोग्रीन्स' शीर्षक से कार्यशाला का आयोजन 28 अगस्त, 2024 को किया गया।

भास्कराचार्य अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय के प्रोफेसर इरम एस राव द्वारा डीएस समूह के लिए 'संवेदी विज्ञान और उत्पाद विकास में इसका अनुप्रयोग' शीर्षक से दो दिवसीय औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यशाला 11-12 जून, 2024 को आयोजित की गई।

डॉ. सुरेश नायर, आर्टुरो फलास्की एमेरिटस साइंटिस्ट (सेवानिवृत्त), आईसीजीईबी, नई दिल्ली द्वारा 'एनजीएस के साथ मुलाकात - जीनोमिक्स से प्रोटिओमिक्स तक' शीर्षक से कार्यशाला 9 अप्रैल, 2024 को आयोजित की गई।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

1 जनवरी, 2025 को कैथोलिक महाविद्यालय के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। पॉलिमर विज्ञान विभाग के प्रो. सिद्धार्थ समन्वयक थे। इस सहयोग के परिणामस्वरूप:

क) छात्रों का पारस्परिक आदान-प्रदान अल्प अवधि के लिए हो सकता है।

ख) जागरूकता पैदा करने के लिए संयुक्त अनुसंधान गतिविधियों और परियोजनाओं को प्रोत्साहित किया जाता है।

18 दिसंबर, 2024 को केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरयूएम) के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग के **प्रो. एराम राव** और **डॉ. मीनाक्षी गर्ग** समन्वयक के रूप में कार्यरत थे। इस सहयोग के परिणामस्वरूप:

क) सभी आयु समूहों के बीच उनकी स्वीकार्यता में सुधार लाने के लिए यूनानी आहार-आधारित कार्यात्मक खाद्य पदार्थों का विकास किया गया।

10 दिसंबर, 2024 को स्मार्ट सिटी फाउंडेशन के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। जैव-चिकित्सा विज्ञान विभाग की प्रो. उमा चौधरी समन्वयक के रूप में कार्यरत रहीं। इस सहयोग के परिणामस्वरूप:

क) कौशल विकास कार्यशालाओं की सुविधा प्रदान की जाती है;

ख) छात्र परिवर्तन एजेंटों को मार्गदर्शन सहायता प्रदान की जाती है।

1 फ़रवरी, 2024 को जागृति वेस्ट शोध-पत्र रीसाइक्लिंग सर्विसेज़ (भांती कंसल्टेंसीज़ प्राइवेट लिमिटेड के अधीन) के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। जैव-चिकित्सा विज्ञान विभाग के **डॉ. कपिल रॉय** समन्वयक के रूप में कार्यरत थे। इस सहयोग के परिणामस्वरूप:

क) महाविद्यालय परिसर से नियमित रूप से पुनर्चक्रण के लिए बेकार कागज एकत्र किया जाता है;

(ख) पुनर्नवीनीकृत कागज का उपयोग संस्थागत उपयोग के लिए नोटपैड और ए4 शीट जैसे कागज उत्पादों के उत्पादन में किया जाता है।

29 जनवरी, 2024 को मेसर्स एसएमएस वाटर ग्रेस बी.ए.मडब्ल्यू प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। जैव-चिकित्सा विज्ञान विभाग की **प्रो. उमा धवन** समन्वयक के रूप में कार्यरत रहीं। इस सहयोग के परिणामस्वरूप:

क) महाविद्यालय से नियमित रूप से उचित रूप से पृथक और लेबल किया हुआ जैव-चिकित्सा अपशिष्ट एकत्र किया जाता है;

ख) पर्यावरणीय मानदंडों के अनुरूप जैव-चिकित्सा अपशिष्ट का सुरक्षित एवं अनुपालनपूर्ण निपटान सुनिश्चित करना।

18 सितंबर, 2023 को महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर के सूक्ष्म जीव-विज्ञान विभाग के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। सूक्ष्म जीव-विज्ञान विभाग के **डॉ. पावस गोस्वामी** समन्वयक के रूप में कार्यरत रहे। इस सहयोग के परिणामस्वरूप:

क) जीवन विज्ञान में संयुक्त शैक्षणिक गतिविधियों और सहयोगात्मक अनुसंधान को प्रोत्साहित किया जाता है;

ख) दोनों संस्थानों के संकाय और वैज्ञानिक कार्मिक सहयोगी परियोजनाओं और ज्ञान के आदान-प्रदान में संलग्न होंगे।

14 अगस्त, 2023 को दिल्ली राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। जैव-चिकित्सा विज्ञान विभाग की **प्रो** . उमा धवन इस सहयोग के परिणामस्वरूप:

क) रेड रिबन क्लब की स्थापना युवाओं को एचआईवी/एड्स, एसटीआई और संबंधित मुद्दों पर शिक्षित करने के लिए की गई थी;

(ख) स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों के आयोजन और युवा लामबंदी प्रयासों में सहायता प्रदान की।

8 अगस्त, 2023 को नवतत्व एजुकेयर प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। जैव-चिकित्सा विज्ञान विभाग की प्रो. उमा चौधरी समन्वयक के रूप में कार्यरत रहीं। इस सहयोग के परिणामस्वरूप:

क) शैक्षणिक विभागों में पाठ्यक्रम सामग्री का सक्षम डिजिटलीकरण;

(ख) विद्यार्थियों के सीखने के परिणामों में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी-संवर्धित शिक्षण पद्धति की सुगम डिलीवरी।

3 जून, 2023 को इनोवेटिव पावर सॉल्यूशंस के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। रसायन-विज्ञान विभाग की डॉ. स्वाति गुप्ता समन्वयक के रूप में कार्यरत रहीं। इस सहयोग के परिणामस्वरूप:

क) महाविद्यालय संचार के डिजिटल प्रदर्शन के लिए पूरे परिसर में एलसीडी/एलईडी स्क्रीन स्थापित की गईं;

ख) वास्तविक समय डिजिटल नोटिस बोर्ड के माध्यम से सूचना का बेहतर प्रसार।

1 मई, 2023 को जर्मनी के पॉट्सडैम स्थित लाइबनिज़ इंस्टीट्यूट फॉर एस्ट्रोफिजिक्स पॉट्सडैम (एआईपी) के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। भौतिकी विभाग के डॉ. पार्थ पाल समन्वयक के रूप में कार्यरत थे। इस सहयोग के परिणामस्वरूप:

क) संस्थानों के बीच संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं और शैक्षिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना;

ख) अंतर्राष्ट्रीय ग्रीष्मकालीन स्कूलों, वेबिनार और कार्यशालाओं में सक्षम भागीदारी।

28 जून, 2022 को मुंबई के एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय के सर विट्ठलदास ठाकरसे गृह विज्ञान महाविद्यालय के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग के **प्रो. एराम राव** समन्वयक के रूप में कार्यरत थे। इस सहयोग के परिणामस्वरूप:

क) सहयोगात्मक अनुसंधान और संगोष्ठियों और कार्यशालाओं का संयुक्त आयोजन शुरू किया गया;

ख) शैक्षणिक साझेदारी के माध्यम से छात्रों को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान किए गए।

23 नवंबर, 2021 को विज़न दिव्यांग फ़ाउंडेशन के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। सूक्ष्म जीव-विज्ञान विभाग के डॉ. पावस गोस्वामी समन्वयक के रूप में कार्यरत थे। इस सहयोग के परिणामस्वरूप:

क) लघु अवधि पाठ्यक्रम/प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम/कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

प्लास्टिक कचरे और उसके पर्यावरणीय प्रभाव के बारे में जागरूकता फैलाने, प्लास्टिक एकत्र करने और उसे रिसाइकल करने वालों के पास भेजने के लिए 28 फरवरी, 2025 से पैनासोनिक और फोकलिट के साथ सहयोग।

24 मई, 2024 से दिल्ली को प्लास्टिक मुक्त बनाने के मिशन पर "लक्ष्य" के साथ सहयोग, प्लास्टिक कचरा एकत्र करना और बदले में कपड़े के थैले वितरित करना।

संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की प्राप्ति हेतु **7** मार्च, 2025 से "भारत सोका गक्कई" के साथ सहयोग। इसने 'बी.ए.सजी फॉर एसडीजी' नामक एक केंद्रित पहल के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियाँ शुरू की हैं।

30 दिनों की पर्यावरणीय चुनौतियों में भाग लेने के लिए **5** अगस्त, 2024 से "नेशनल एडू ट्रस्ट ऑफ इंडिया" (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार के तहत पंजीकृत) के साथ सहयोग।

18 फरवरी, 2025 से "ईईजी और रक्तचाप मापन तकनीक" पर व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए "जेनटेक मार्केटिंग एंड डिस्ट्रीब्यूशन प्राइवेट लिमिटेड" के साथ सहयोग

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित छात्रों की संख्या : 14 (3.5%)

कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या : 13

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

महाविद्यालय के इको क्लब के छात्र स्वयंसेवकों ने 28 फरवरी, 2025 को प्लास्टिक कचरे और इसके पर्यावरणीय प्रभाव के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए दौलत राम महाविद्यालय से शुरू होने वाले पैनासोनिक हरित उमंग द्वारा आयोजित ग्रीन वॉकथॉन में भाग लिया।

भौतिकी विभाग के छात्रों ने 28 फरवरी, 2025 को राष्ट्रीय विज्ञान पर खुले दिवस के दौरान आईयूएसी का दौरा किया।

महाविद्यालय ने 4 फरवरी, 2025 को संत निरंकारी फाउंडेशन और संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से 'आओ स्वारे यमुना किनारे' पर एक अंतर-महाविद्यालय परिचयात्मक सत्र का आयोजन किया।

एनएसएस के छात्र स्वयंसेवकों ने 18 जनवरी, 2025 को जिला निर्वाचन अधिकारी, दक्षिण पश्चिम दिल्ली द्वारा आयोजित मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया।

एसईसी पाठ्यक्रम "कृषि और सतत विकास के लिए बायोइनोकुलेंट्स" के छात्रों ने महाविद्यालय के बायोइनोकुलेंट्स प्री (एडीटीसी) का पता लगाने के लिए 18 नवंबर, 2024 को आईएआरआई, नई दिल्ली में सूक्ष्म जीव-विज्ञान विभाग का दौरा किया। उन्होंने 18 अक्तूबर, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय स्टेडियम में "भारत को व्यसन मुक्त बनाना" विषय पर आयोजित मेगा यूथ फेस्ट UDGAAR 2024 में भाग लिया। और एनटीसीपी, दक्षिण पश्चिम जिला, दिल्ली के सहयोग से, 24 सितंबर, 2024 को महाविद्यालय में मादक द्रव्यों के सेवन के खतरों और तंबाकू मुक्त जीवन शैली के महत्व पर प्रकाश डालते हुए एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

एडीटीसी के स्वयंसेवकों ने 31 मई, 2024 को सोसाइटी फॉर टोबैको कंट्रोल (एसटीसी) के सहयोग से आयोजित विश्व तंबाकू निषेध दिवस "बच्चों को तंबाकू उद्योग के हस्तक्षेप से बचाना" के उपलक्ष्य में वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट (वीपीसीआई), दिल्ली विश्वविद्यालय का दौरा किया।

इको क्लब ने “लक्ष्य” के सहयोग से 3 मई, 2024 को दिल्ली को एकल उपयोग प्लास्टिक से मुक्त बनाने के लिए “प्लास्टिक लाओ थैला ले जाओ” अभियान शुरू किया।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में पुस्तकों के 27906 खंड, पत्रिकाओं के 350 जिल्दबंद खंड और कई सीडी/डीवीडी हैं। कुछ पत्रिकाओं, समाचार पत्रों और पत्रिकाओं की इसकी नियमित सदस्यता है और इसने INFLIBNET के N-LIST (नेशनल पुस्तकालय एंड इंफॉर्मेशन सर्विसेज इंफ्रास्ट्रक्चर फॉर स्कॉलरली कंटेंट्स) कार्यक्रम की सदस्यता का नवीनीकरण किया है। यह छात्रों और कार्मिकों को वर्ष भर, 24/7, बड़ी संख्या में ई-संसाधनों तक पहुँच प्रदान करता है। पुस्तकालय ब्लॉक सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में है। पुस्तकालय

समिति हर वर्ष सभी प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए "पुस्तकालय संसाधन जागरूकता कार्यक्रम" पर एक कार्यशाला का आयोजन करती है। इस वर्ष यह 7-9 अक्तूबर तक थी। कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को पुस्तकालय में जारी होने वाली पुस्तकों का उपयोग और खोज करने और KOHA सॉफ्टवेयर में पुस्तक आरक्षित करने के तरीके के बारे में शिक्षित करना है। छात्रों को N-List सॉफ्टवेयर के बारे में जानकारी मिली और वे महाविद्यालय पुस्तकालय में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं से अवगत हुए।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक : **19**

एसोसिएट प्रोफेसर : **18**

सहायक प्रोफेसर : **3**

तदर्थ : **25**

अतिथि : **30**

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित निधियां : **₹ 30,07,24,635.5/-**

उपयोगित अनुदान : **₹ 33,38,75,000/-**

****

कला महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

कला महाविद्यालय ने सरकारी और गैर-सरकारी दोनों संगठनों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग किया, विभिन्न डिज़ाइन और कला परियोजनाओं में योगदान दिया और साथ ही छात्रों की पहलों में भी सहयोग किया। छात्रों ने प्रतिष्ठित कला महाविद्यालयों और पीएच.डी. कार्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त किया और नई दिल्ली क्षय रोग केंद्र के लिए टीबी सील प्रतियोगिता डिज़ाइन जैसे आयोजनों में भाग लिया। उन्होंने कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यशालाओं, प्रदर्शनियों और संगोष्ठियों में भी भाग लिया और अपने कलात्मक ज्ञान को बढ़ाया।

संकाय सदस्यों ने प्रमुख कला प्रदर्शनियों में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया और अन्य संस्थानों में भर्ती प्रयासों में योगदान दिया। महाविद्यालय ने गोंड और मधुबनी कला पर कार्यशालाओं का आयोजन किया, जिनमें प्रसिद्ध कलाकारों ने सत्रों का नेतृत्व किया। छात्रों ने प्रमुख संगठनों में इंटर्नशिप की और दिल्ली विश्वविद्यालय साहित्य उत्सव और इंडिया आर्ट फेयर जैसे आयोजनों में योगदान दिया।

विभाग ने प्रतियोगिताओं में भी उल्लेखनीय पहचान प्राप्त की, जिसमें छात्रों ने पोस्टर-मेकिंग, कार्टूनिंग और अन्य कला रूपों में पुरस्कार जीते। छात्रों ने इंडिया आर्ट फेयर, ललित कला अकादमी और मैक्स

म्यूलर भवन जैसे प्रतिष्ठित मंचों पर अपने काम का प्रदर्शन किया और अंतर्राष्ट्रीय कला, वास्तुकला और डिज़ाइन द्विवार्षिक जैसे वैश्विक पहलों में भाग लिया।

विभाग ने सांस्कृतिक संस्थाओं के साथ सहयोग किया, कौशल विकास कार्यशालाएं आयोजित कीं और समुदाय आधारित परियोजनाओं में भाग लिया, जिससे कलात्मक विकास और व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देने में इसकी भूमिका मजबूत हुई।

शिक्षण और शिक्षणेत्तर कार्मिकों के सम्मान/विभूतियाँ

प्रो. (डॉ.) संजीव कुमार, ललित कला अकादमी, 2025 की राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में सहभागी। AIFACS के कार्यकारी सदस्य। विभिन्न विश्वविद्यालयों में संकाय नियुक्तियों हेतु विषय विशेषज्ञ। विभिन्न विश्वविद्यालयों में BOS के सदस्य। राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों में सहभागिता। SCCE, अम्बेडकर विश्वविद्यालय (जनवरी 2025) में पीएच.डी. साक्षात्कारों के लिए बाह्य पर्यवेक्षक। IGNCA में अतिथि वक्ता।

प्रो. (डॉ.) मीरा सरवनन, एमिटी विश्वविद्यालय में ICIVA 2024 में अतिथि वक्ता। अम्बेडकर विश्वविद्यालय (जनवरी 2025) में SCCE में पीएच.डी. साक्षात्कारों के लिए बाह्य पर्यवेक्षक। ललित कला अकादमी, 2025 में 64वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी (फ़ोटोग्राफ़ी) के लिए चयनित। लाइव मॉडल्स पारिश्रमिक हेतु DSEU समिति की सदस्य। RPSC 2024 के लिए विषय विशेषज्ञ। NGMA विकसित भारत कार्यशाला 2024 में सहभागिता।

प्रो. (डॉ.) अमरगीत चंडोक, का लेख "कला का समाज पर सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव" (2024) में प्रकाशित हुआ। "नारीत्व के प्रतिबिंब" समूह प्रदर्शनी में भाग लिया। आईजीएनसीए के शक्ति पर्व 2024 में वक्ता। भारतीय कला एवं संस्कृति पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया। 64वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी 2025 (चित्रकला) के लिए चयनित। अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी "रिफ्लेक्ट" (मुंबई) और मई 2024 के सम्मेलन में भाग लिया। सीओए वार्षिक प्रदर्शनी की समीक्षा आर्ट एंड डील पत्रिका में प्रकाशित।

अशोक निनावे। राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता (ICCW, सितंबर-अक्तूबर 2024) के निर्णायक। दिल्ली पुलिस द्वारा आयोजित प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में COA प्राचार्य द्वारा चयनित। विभिन्न संस्थानों के विषय विशेषज्ञ।

डॉ. चिर्रावुरी ओंकाराचारी, लिपिकृत भारत और अक्षर महोत्सव में भाग लिया। केरल के अंतर्राष्ट्रीय सुलेख महोत्सव 2024 में भाग लिया। एमवीए प्रैक्टिकल के लिए बाहरी परीक्षक, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर (जुलाई 2024)।

डॉ. रमेश कंडागिरी, समागम आर्ट फेस्ट 2024 में प्रदर्शित और बंगाल बिएनेल में प्रिंट प्रदर्शनी। साक्षात्कार चैब्रेरी यूट्यूब चैनल पर "चेतना, परिवर्तन और कलात्मक निपुणता का संगम" शीर्षक से प्रसारित हुआ।

डॉ. सुमिता कथूरिया, प्रकाशित पुस्तक: संग्रहित निबंध एवं विचार (2025)। लैंगिक संवेदनशीलता कार्यशाला एवं आत्मरक्षा शिविर का आयोजन (सितंबर-अक्तूबर 2024)। आरपीएससी 2024 के लिए

विषय विशेषज्ञ। स्प्रिंगडेल्स स्कूल में चित्रकला प्रतियोगिता में निर्णायक (फरवरी 2025)। 64वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी 2025 (चित्रकला) में चयनित।

डॉ. कुमार जिगीषु, जूरी सदस्य, 64वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी, ललित कला अकादमी। विकसित भारत एम्बेसडर आर्टिस्ट वर्कशॉप (मार्च 2024) के नोडल अधिकारी। एनिमवर्स में अतिथि (नवंबर 2024), एनजीएमए में कला कर्म के लिए जूरी। आईआईएफ फुटवियर फेयर 2024 के लिए जूरी। आईटीपीओ में फोटोग्राफी के लिए पैनल सदस्य। डीआरडीओ और आरपीएससी (2024) के लिए विषय विशेषज्ञ।

डॉ. पुलकित जावा, 64वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी 2025 के लिए चयनित। दिल्ली पुलिस कला कार्यक्रम (2025) के निर्णायक। "शिक्षा के प्रति एक एकीकृत दृष्टिकोण" (2024) के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति।

निधि महाजन शर्मा को रिफ्लेक्ट अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन प्रदर्शनी में पॉल गौगिन पुरस्कार (सामान्य) से सम्मानित किया गया। मूर्तिकला विभाग के छात्रों के लिए कार्यशालाओं का आयोजन किया।

डॉ. नीति जोशी, आरपीएससी 2024 के लिए विषय विशेषज्ञ। राजकीय कला महाविद्यालय, चंडीगढ़ की निर्णायक मंडल सदस्य। एसयूपीवीए, रोहतक में बाह्य परीक्षक। एनटीए, ओखला में विषय विशेषज्ञ। आईसीआईवीए 2024, एमिटी में एनिमेशन पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

अनुपमा कुमारी, जिन्हें फ़ोटोग्राफ़ी में सिल्वर क्लाउड अवार्ड और ऑनरेबल मेंशन (नवंबर 2024) प्राप्त हुआ। जीजीएसआईपीयू में प्रायोगिक परीक्षाओं की विशेषज्ञ। अंतर्राष्ट्रीय वस्त्र कला प्रदर्शनी (फ़रवरी 2025) में शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. करुणेश कुमार कैन, एनसीईआरटी (2024) में ग्राफिक डिज़ाइनर पद चयन और कौशल परीक्षण प्रश्न पत्र के विशेषज्ञ सदस्य। एनईपी ओरिएंटेशन (अगस्त-सितंबर, 2024) में भाग लिया। एमिटी में एमएफए के लिए बाहरी निर्णायक मंडल। आईसीआईवीए 2024 में टाइपोग्राफी और एआई पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

सुश्री नेहा सिंह, एमिटी विश्वविद्यालय में बाह्य परीक्षक। एनटीए में अनुप्रयुक्त कला के लिए आइटम लेखक/संचालक।

डॉ. रिम्सी चोपड़ा, एनईपी ओरिएंटेशन (अगस्त-सितंबर, 2024) में भाग लिया। आईसीआईवीए 2024 में टाइपोग्राफी और एआई पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया। अंबेडकर विश्वविद्यालय (मार्च 2024) में पीएच.डी. परीक्षा का मूल्यांकन किया। भारतीय विद्यापीठ के युवा उत्सव (मार्च, 2024) में निर्णायक। 'नारी' कला प्रदर्शनी में भाग लिया। एनसीईआरटी कक्षा 3 और 6 के लिए पाठ्यक्रम विशेषज्ञ। पीएसी टूल वेटिंग में सदस्य, एनटीए में सीयूईटी आइटम लेखन, एनआईओएस शोध-पत्र सेटर। रायसीना बंगाली स्कूल के लिए कर्मचारी चयन समिति में शिक्षाविद्।

रेशमा, विकसित भारत कार्यशाला में भाग लिया (मार्च 2024)। शारदा उकिल स्कूल में पाठ्यक्रम संशोधन दल की सदस्य (मई 2024)। अल्मोड़ा विश्वविद्यालय कला सम्मेलन में शोध-पत्र प्रस्तुत

किया (मई 2024)। स्प्रिंगडेल्स में प्राथमिक शिक्षक साक्षात्कार के लिए निर्णायक मंडल (जून 2024)। जामिया और एएमयू में बाह्य परीक्षक (मई और दिसंबर 2024)।

प्रदीप कुमार, दृश्य कला पाठ्यक्रम के विषय विशेषज्ञ (डीबी.ए.सई, शारदा उकील)। 64वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी 2025 में चयनित। आईसीसीडब्ल्यू राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता में निर्णायक। जामिया में बाह्य परीक्षक। तकनीकी शिक्षा बोर्ड, दिल्ली की पाठ्यक्रम समिति के सदस्य।

विभूतियाँ प्राप्त छात्र

एमएफए-अनुप्रयुक्त कला (द्वितीय वर्ष) की छात्रा मान्या जोशी, शुभम डंगवाल, सरोज और रतनदीप को दिल्ली के नॉर्थ कैंपस यूनिवर्सिटी के आर्यभट्ट महाविद्यालय में चौथे दलित साहित्य उत्सव 2025 के लिए ओपन एयर स्टेज डिजाइन और स्थापित करने के लिए सम्मानित किया गया।

एमएफए-अनुप्रयुक्त कला (द्वितीय वर्ष) की छात्रा मान्या जोशी और नेहा का चुनाव आयोग में काम करने के लिए चयन हुआ

एमएफए-अनुप्रयुक्त कला (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सरोज ने वेदात्य स्कूल ऑफ डिजाइन में सात दिवसीय डिजाइन रेजीडेंसी कार्यशाला "डिजाइन फॉर इम्पैक्ट" में भाग लिया और पटना हवाई अड्डे के लिए "दुर्गा पूजा" का चित्रण किया।

एमएफए-अनुप्रयुक्त कला (द्वितीय वर्ष) के छात्र हर्ष चौधरी, एक बाल उपन्यास एवं ड्राफ्ट्स कंपनी के लिए काम करते थे।

एमएफए-अनुप्रयुक्त कला (द्वितीय वर्ष) की छात्रा कामिनी साहू ने नवंबर 2024 में दिल्ली एरोसिटी मैगज़ीन के लिए काम किया

एमएफए-अनुप्रयुक्त कला (द्वितीय वर्ष) के छात्र शुभम डंगवाल ने हेलो फ्रेंड्स आर्ट प्रेस ग्रुप में ग्राफिक डिजाइनिंग और इलस्ट्रेशन का कार्य किया।

एमएफए-अनुप्रयुक्त कला (द्वितीय वर्ष) के छात्र शुभम कुमार वत्स ने इकोवाइजर में ग्राफिक डिजाइनिंग की, सुरेश कुमार ने बेंचमार्क ग्राफिक प्राइवेट लिमिटेड में विजुअलाइजिंग की।

एमएफए-अनुप्रयुक्त कला (प्रथम वर्ष) के छात्र अनुज प्रसाद ने अकत्व आर्ट फाउंडेशन और डिजी डॉक्टर्ज़ में ग्राफिक डिजाइनिंग की और कल्याणी कलाकृति में इंटर्नशिप की।

एमएफए-अनुप्रयुक्त कला (प्रथम वर्ष) के छात्र अरविंद सिंह ने कला स्रोत आर्ट गैलरी, लखनऊ में एक समूह प्रदर्शनी में भाग लिया और व्हाइट टेम्पल स्टूडियो में एक कार्यशाला में भाग लिया, प्रिंट पिक्सेल, डिजाइन स्टूडियो और इंडिया आर्ट फेयर 2025 में भाग लिया।

एमएफए-अनुप्रयुक्त कला (प्रथम वर्ष) के छात्र वाग्मिहा सिंह और भरत को दिल्ली के उपराज्यपाल द्वारा दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 में कंटेंट डेवलपर सोशल मीडिया की श्रेणी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ चुनावी प्रथाओं के लिए राज्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया। एमएफए-(प्रथम वर्ष) के

छात्र अनुज प्रसाद ने अकत्व आर्ट फाउंडेशन और डिजी डॉक्टर्ज़ में ग्राफिक डिजाइनिंग की और कल्याणी कलाकृति में इंटर्नशिप की।

एमएफए-अनुप्रयुक्त कला (प्रथम वर्ष) के छात्र दीपांशु राणा ने ग्राफिक डिजाइनिंग की है और टीजी में आर्ट फैसिलिटेटर थे और यूको बैंक द्वारा आयोजित पोस्टर-मेकिंग प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

एकता शर्मा, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, राष्ट्रीय दिव्यांगजन वित्त और विकास निगम (एनडीएफडीसी), ओखला में ग्राफिक डिजाइनर के रूप में प्रशिक्षित हैं।

हरप्रीत सिंह ने एनजीएमए में कला कर्म पर एक कार्यशाला में भाग लिया

हुइड्रोम बिकाश ने मणिपुर युवा महोत्सव में कार्टूनिंग में दूसरा स्थान प्राप्त किया तथा मणिपुर राज्य कला अकादमी, इम्फाल में भाग लिया।

रतनदीप सिंह राठौर को 08 मार्च, 2024 को फिक्की द्वारा महिला सशक्तिकरण में योगदान के लिए मान्यता प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया, उन्होंने नेशनल हॉल ऑफ मॉडर्न आर्ट, नई दिल्ली में पीएम स्मृति चिन्ह परियोजना के लिए ग्राफिक डिजाइनिंग की।

प्रियंका, रिपिका, युक्ता और रेशमी (बी.एफ.ए.-अनुप्रयुक्त कला (तृतीय वर्ष) की छात्रा) ने फोकलॉग स्टूडियो प्राइवेट लिमिटेड, सेक्टर 26 नोएडा में स्टॉप-मोशन में इंटर्नशिप प्रोजेक्ट किया।

बी.एफ.ए.-अनुप्रयुक्त कला (तृतीय वर्ष) की छात्रा रेशमी इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय में थिएटर नाटकों के लिए मेकअप विशेषज्ञ थीं।

बी.एफ.ए.-अनुप्रयुक्त कला (तृतीय वर्ष) की छात्रा श्रुति गोयल की कलाकृतियों को कोलकाता अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी 2025 और भारतीय ललित कला अकादमी, अमृतसर और आईजीएनसीए, नई दिल्ली में सुलेख कला प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया गया।

बी.एफ.ए.-अनुप्रयुक्त कला (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुमैया एजाज ने विकसित भारत कैनवास पेंटिंग में भाग लिया।

बी.एफ.ए.-अनुप्रयुक्त कला (द्वितीय वर्ष) के छात्र अक्षत जैन और गुंजन साहू को भारतीय कला मेला 2025 में प्रशिक्षु के रूप में भर्ती किया गया।

अद्रिका सिंघल, अभिराम कुमार, अनुज कुमार और बी.एफ.ए.-अनुप्रयुक्त कला (द्वितीय वर्ष) के छात्र अंश यादव ने 76वें गणतंत्र दिवस 2025 परेड के लिए झांकी पर काम किया, जिसमें भारत के 10 विभिन्न राज्यों की अनूठी संस्कृति और लोक जनजातियों को प्रदर्शित किया गया।

बी.एफ.ए.-अनुप्रयुक्त कला (द्वितीय वर्ष) के छात्र दीपक कुमार ने वीवाईके चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

श्री गुरु गोबिंद सिंह वाणिज्य महाविद्यालय द्वारा आयोजित मोनोक्रोम और मूवी पोस्टर रीडिजाइन प्रतियोगिता में बी.एफ.ए.-अनुप्रयुक्त कला (द्वितीय वर्ष) के छात्र जगदीश ने प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.एफ.ए.-अनुप्रयुक्त कला (द्वितीय वर्ष) के छात्र अभिराम कुमार ने स्नैप इंडिया फोटोग्राफी प्रतियोगिता में भाग लिया।

बी.एफ.ए.-अनुप्रयुक्त कला (द्वितीय वर्ष) के छात्र अक्षत जैन और देवेश वत्स ने आदिवासी डिजाइन फोरम डिजाइन प्रतियोगिता में भाग लिया और तिथि दास ने गायत्री आर्ट गैलरी, लोधी रोड में तराना आर्ट एंड म्यूजिक द्वारा आयोजित प्रदर्शनी "दिल-ए-आर्ट" में भाग लिया।

बी.एफ.ए.-अनुप्रयुक्त कला (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सारा सिंह जसवाल ने kshitij.org द्वारा आयोजित ऑनलाइन कला प्रतियोगिता-2024 में स्वर्ण पदक जीता।

बी.एफ.ए.-अनुप्रयुक्त कला (द्वितीय वर्ष) की छात्रा मोक्षदा नाइक ने दिल्ली आर्ट सेंटर के साथ साइनोटाइप और स्क्रीन प्रिंटिंग पर कार्यशाला का आयोजन किया।

बी.एफ.ए.-कला इतिहास (तृतीय वर्ष) की छात्रा खुशी शर्मा ने 27-29 सितंबर, 2024 को अर्पणा आर्ट गैलरी में विवक्षा नामक एक समूह शो का आयोजन किया।

बी.एफ.ए.-कला इतिहास (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुहानी कालरा ने त्रिवेणी कला संगम, नई दिल्ली में गोपा त्रिवेदी की एकल प्रदर्शनी गुलिस्तां में इंटर्नशिप की है, तथा राष्ट्रीय शिल्प संग्रहालय और हस्तकला अकादमी, नई दिल्ली में पायल जैन की प्रदर्शनी सोल ऑफ ए वूमन में इंटर्नशिप की है, तथा तमन्ना के साथ गोवा में सेरेन्डिपिटी आर्ट फेस्टिवल, 2024 और इंडिया आर्ट फेयर 2025 में प्रशिक्षु के रूप में काम किया है।

बी.एफ.ए.-कला इतिहास (द्वितीय वर्ष) के छात्र प्रांजल सरकार ने 76वें गणतंत्र दिवस परेड के लिए झांकी पर काम किया, जिसमें भारत के विभिन्न राज्यों की अनूठी संस्कृति और लोक जनजातियों को प्रदर्शित किया गया, और पिंक फेस्ट, जयपुर, 2025 में प्रशिक्षु के रूप में भी काम किया।

बी.एफ.ए.-कला इतिहास (द्वितीय वर्ष) के छात्र वैभव पांडे ने अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर विशेष रूप से सक्षम बच्चों के लिए कला और शिल्प कार्यशाला सृजन में भाग लिया।

बी.एफ.ए.-चित्रकला (द्वितीय वर्ष) के छात्र दिव्यम को वार्षिक रिपोर्ट के लिए चुना गया।

बी.एफ.ए.-चित्रकला (तृतीय वर्ष) के छात्र दिव्यम को वार्षिक रिपोर्ट के लिए चुना गया।

हरीश, छात्र बी.एफ.ए.-चित्रकला (तृतीय वर्ष), पोस्टर को आरबीआई नई दिल्ली द्वारा शॉर्टलिस्ट किया गया।

बी.एफ.ए.-चित्रकला (तृतीय वर्ष) के छात्र सूरज ने संस्कृति मंत्रालय के साथ भारतीय कला, वास्तुकला और डिजाइन द्विवार्षिक के लिए एक कैरिकेचर चित्रकार के रूप में काम किया, और एक कॉफी टेबल बुक, 2024 में योगदान दिया।

ऋषभ गिरी, जुपिंदर सिंह और अंशिका आनंद, एमएफए-पेंटिंग (द्वितीय वर्ष) के छात्र, ने 6-9 फरवरी, 2025 तक इंडिया आर्ट फेयर 2025 में इंटर्नशिप की।

एम.एफ.ए.-चित्रकला (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अंशिका आनंद ने रंग दे नीला की आर्ट फॉर हेल्थ, 2025 और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस प्रदर्शनी, दिल्ली हाट, 2024 के लिए जहांगीर आर्ट गैलरी, मुंबई में प्रदर्शन किया।

गीत जांगिड़, एम.एफ.ए.-चित्रकला (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, ने अमेरिकन सेंटर, दिल्ली में प्राइड पर्सपेक्टिव प्रदर्शनी और एप्रे आर्ट हाउस, मुंबई, 2024 में अल्टरनेट गेज़ में अपनी कलाकृति प्रदर्शित की।

खुशी रावत यशा, राहुल वाही, एम.एफ.ए.-चित्रकला (द्वितीय वर्ष) के छात्र, दक्षिण एशियाई नारीत्व के स्ट्रोक के लिए मार्बल लोटस पर चित्रित, पटनीटॉप में संसार चंद बारू ट्रस्ट द्वारा राष्ट्रीय कलाकार शिविर में भाग लिया, और शिमला कला शिविर, 26-27 अप्रैल, 2024 में भाग लिया।

एम.एफ.ए.-चित्रकला (द्वितीय वर्ष) के छात्र राहुल वाही को हुंडई मोटर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आर्ट फॉर होप ग्रांट प्राप्त हुआ, जिसे त्रिवेणी कला संगम, दिल्ली (27-30 मार्च, 2024) और बॉम्बे आर्ट सोसाइटी, मुंबई (4-6 जून, 2024) में प्रदर्शित किया गया, और टाटा सिब्बल अवार्ड्स, जमशेदपुर (08 सितंबर, 2024) में पुरस्कार प्राप्त हुआ।

एम.एफ.ए.-चित्रकला (द्वितीय वर्ष) की छात्रा मोनी कुमारी ने कलाकक्ष, त्यागी विहार, नांगलोई (11-13 अक्तूबर, 2024) और शैलजा आर्ट गैलरी, गुरुग्राम (25 जनवरी-10 फरवरी, 2025) में प्रदर्शन किया।

एम.एफ.ए.-चित्रकला (द्वितीय वर्ष) के छात्र राजकुमार ने नेरो आर्ट हब, अमृत नगर, नई दिल्ली (7-30 जुलाई, 2024) द्वारा आयोजित एक समूह शो ब्रेकिंग बैरियर्स में भाग लिया।

एम.एफ.ए.-चित्रकला (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुगम गौर ने बंगानी आर्ट फाउंडेशन, देहरादून, 2024 द्वारा बी.ए.एफ पुरस्कार और प्रदर्शनी में काम प्रदर्शित किया।

एम.एफ.ए.-चित्रकला (द्वितीय वर्ष) के छात्र सौरभ कुमार, विशाल, जैसिंथ और सुगम की कलाकृतियाँ, ईज़ल आर्ट स्टोरीज़ गैलरी द्वारा इमेजिन आर्ट फेस्ट में प्रदर्शित की गईं (8-10 नवंबर, 2024)।

एम.एफ.ए.-चित्रकला (द्वितीय वर्ष) के छात्र विशाल ने 32वीं अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन कला प्रदर्शनी और प्रतियोगिता (10-20 अगस्त, 2024) में स्वर्ण पदक जीता और पटनीटॉप में राष्ट्रीय कलाकार शिविर में भाग लिया।

अंशिका आनंद, खुशी रावत, गीत जांगिड़, एम.एफ.ए.-चित्रकला (द्वितीय वर्ष) के छात्र, ने पटनीटॉप में राष्ट्रीय कलाकार शिविर (26 मार्च-1 अप्रैल, 2024) में भाग लिया।

एम.एफ.ए.-चित्रकला (द्वितीय वर्ष) के छात्र सुगम, विशाल, मोनी, खुशी और ओम ने कैमिल आर्ट वर्कशॉप, महाविद्यालय ऑफ आर्ट, 2025 में भाग लिया।

एम.एफ.ए.-चित्रकला (द्वितीय वर्ष) की छात्रा मान्या जोशी और नेहा का चुनाव आयोग में काम करने के लिए चयन

एम.एफ.ए.-चित्रकला (प्रथम वर्ष) की छात्रा अवंतिका त्यागी ने अगस्त 2024 में एआईएफएसीएस में एक समूह प्रदर्शनी में प्रदर्शन किया और मार्च 2024 में रंग धारा द्वारा कला शिविर "शी राइजेज" में भाग लिया।

एम.एफ.ए.-चित्रकला (प्रथम वर्ष) के छात्र दीपक कुमार राय ने जनवरी 2025 में महाराजा छत्रपति स्टेडियम, देहरादून में एक भित्ति चित्र बनाया और फरवरी 2025 में नीरो आर्ट हब गैलरी द्वारा आयोजित समूह प्रदर्शनी "द मास्क वी वेयर" में भाग लिया।

एम.एफ.ए.-चित्रकला (प्रथम वर्ष) की छात्रा देवना राजोरिया ने गोल्डमिन्सन के लिए एक एकल प्रदर्शनी का सह-संचालन किया और नीरो आर्ट हब गैलरी के साथ "द मास्क्स वी वेयर", 2025 में प्रदर्शन किया।

एम.एफ.ए.-चित्रकला (प्रथम वर्ष) के छात्र जुपिंदर सिंह ने 2024 में पेप्सी कंपनी के साथ श्रीलंका में भित्ति चित्र बनाने की परियोजनाओं पर काम किया।

एम.एफ.ए.-चित्रकला (प्रथम वर्ष) के छात्र निखिल दक्ष ने गुजरात एयरपोर्ट और सेंसेक्स कमीशन, खान मार्केट, दिसंबर 2024 के लिए आर्ट डेवलपर, घेवरा के लिए काम किया, और नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा, मंडी हाउस, फरवरी 2025 के लिए इंटरैक्टिव जंक और थर्मल इंस्टॉलेशन डिजाइन और इंस्टॉल किया।

राहुल कुमार, एम.एफ.ए.-चित्रकला (प्रथम वर्ष) के छात्र, कला लघु कला गैलरी, लखनऊ, अप्रैल 2024 में बटोही कला प्रदर्शनी में प्रदर्शित।

एम.एफ.ए.-चित्रकला (प्रथम वर्ष) की छात्रा श्रुति ने दशावतार प्रदर्शनी, 2024 के लिए कला समीक्षक सुषमा के. बहल के लिए कंटेंट राइटिंग की और एनआईएफटी छात्रों के लिए क्यूरेटोरियल वॉकथ्रू, 2024 के लिए एनजीएमए दिल्ली में इंटर्नशिप की।

नंदिनी, सिमर कौर, तुषार, डोली, सिद्धार्थ और धनिष्ठा, बी.एफ.ए.-चित्रकला (तृतीय वर्ष) के छात्र, 10 मार्च, 2024 को एनजीएमए और ललित कला अकादमी द्वारा आयोजित पुराना किला में विकसित भारत कलाकार कार्यशाला में विकसित भारत के राजदूत थे।

बी.एफ.ए.-चित्रकला (तृतीय वर्ष) की छात्रा रानी कुमारी, रिमझिम, रिद्धि गुप्ता और विधिका रॉय ने 1 जून से 31 जुलाई, 2024 तक फोकलॉग स्टूडियोज प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा में इंटर्नशिप की।

बी.एफ.ए.-चित्रकला (तृतीय वर्ष) के छात्र आर. प्रिया, हरीश, अनुराग, डोली और श्याम को 5 फरवरी, 2025 को दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान लाइव स्केच आर्टिस्ट के रूप में तैनात किया गया।

बी.एफ.ए.-चित्रकला (तृतीय वर्ष) के छात्र अक्षित सत्यार्थी, श्रेया द्विवेदी और हरीश ने 6-9 फरवरी, 2025 तक भारतीय कला मेले, नई दिल्ली में इंटर्नशिप की।

बी.एफ.ए.-चित्रकला (तृतीय वर्ष) के छात्र मनन शर्मा ने मैकडॉनल्ड्स, पोर्टर, न्यूजेन, आयशर और एम्ब्रेन, 2025 सहित ब्रांडों के लिए विज्ञापन शूट के लिए सहायक कला निर्देशक के रूप में काम किया।

धनिष्ठा, बी.एफ.ए. की छात्रा-चित्रकला (तृतीय वर्ष), कला संग्रहालय, पंजाब राज्य कला प्रदर्शनी, अमृतसर, 2024 में प्रदर्शित।

बी.एफ.ए.-चित्रकला (तृतीय वर्ष) के छात्र तुषार ने अर्पणा आर्ट गैलरी में आयोजित समूह प्रदर्शनी में भाग लिया, जिसमें विभिन्न पेंटिंग्स प्रदर्शित की गईं।

बी.एफ.ए.-चित्रकला (द्वितीय वर्ष) के छात्र चिराग भंडारी, दीपांशु, देव, खुशी अरोड़ा, मान कौर, प्रभा, प्राची और संजना सोढ़ी ने 5 फरवरी, 2025 को नई दिल्ली जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा आयोजित "चुनाव के दौरान कलाकारों की तैनाती" में भाग लिया।

बी.एफ.ए.-चित्रकला (द्वितीय वर्ष) के छात्र दीपांशु, खुशी अरोड़ा, शिवम, सिमरन और अनिकेत शर्मा ने एनएसडी द्वारा 20-25 जनवरी, 2025 को आयोजित "भारत रंग महोत्सव" वॉल पेंटिंग कार्यक्रम में भाग लिया।

बी.एफ.ए.-चित्रकला (द्वितीय वर्ष) की छात्रा भावना ने 22 अप्रैल, 2024 को इग्नू द्वारा आयोजित पोस्टर-मेकिंग प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बी.एफ.ए.-चित्रकला (द्वितीय वर्ष) की छात्रा हरलीन ने अगस्त 2024 में जेएमआई में टेक्सटाइल कार्टोग्राफी प्रदर्शनी में भाग लिया।

बी.एफ.ए.-चित्रकला (द्वितीय वर्ष) की छात्रा प्राची भारती ने 76$^{वें}$ गणतंत्र दिवस, 2025, भारत की झांकी पर काम किया।

बी.एफ.ए.-पेंटिंग (द्वितीय वर्ष) की छात्रा साम्या जैन ने द कैलीग्राफी फाउंडेशन द्वारा आयोजित सुलेखन कला प्रदर्शनी, अक्षर महोत्सव'24, आईजीएनसीए में 'लिपिकृत भारत' प्रदर्शनी में भाग लिया।

बी.एफ.ए.-चित्रकला (द्वितीय वर्ष) की छात्रा ऐश्वर्या, इशिता, मान कौर और प्रज्ञा ने एनजीएमए विश्व विकलांगता दिवस, दिसंबर 2024 पर विशेष बच्चों के लिए आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में स्वयंसेवा की।

बी.एफ.ए. पेंटिंग (द्वितीय वर्ष) की छात्रा आदिशा ग्रोवर ने गीता प्रेस, कुरुक्षेत्र द्वारा आयोजित दीवार पेंटिंग प्रतियोगिता में सांत्वना पुरस्कार जीता।

बी.एफ.ए.-पेंटिंग (द्वितीय वर्ष) के छात्र शिवम ने ललित कला अकादमी के तहत भारत मंडपम में "परी प्रोजेक्ट" में स्वेच्छा से काम किया।

बी.एफ.ए.-चित्रकला (द्वितीय वर्ष) की छात्रा निकिता ने एनजीएमए, 2024 में पारी परियोजना के लिए भित्ति कलाकार के रूप में काम किया।

एमएफए-प्रिंट मेकिंग (द्वितीय वर्ष) की छात्रा आस्था अरोड़ा ने कत्सुतोशी युसा द्वारा जल-आधारित ब्लॉक प्रिंटमेकिंग कार्यशाला में, पद्मश्री श्याम शर्मा द्वारा एनजीएमए में नभ स्पर्श भारतीय महिला प्रिंटमेकर्स में एक कार्यशाला में, और पुराना किला, 2024 में एनजीएमए और ललित कला अकादमी के साथ विकसित भारत में भाग लिया। इसके अलावा विश्व प्रभाव दिवस पर स्वयंसेवा की, भारत कला

मेला 2025 में इंटर्नशिप की, और पद्मश्री ब्रह्मदेव पंडित, एनजीएमए दिल्ली द्वारा पॉटरी कार्यशाला में भाग लिया।

एमएफए-प्रिंट मेकिंग (द्वितीय वर्ष) के छात्र अभिषेक कुमार ने उपर्युक्त कार्यशालाओं और प्रदर्शनियों में भाग लिया। इसके अलावा, उन्होंने बेंगलुरु प्रिंट एक्सचेंज इंटरनेशनल 2024, 133वीं अखिल भारतीय वार्षिक कला प्रदर्शनी 2025, गणतंत्र दिवस पर भारतीय ललित कला अकादमी, अमृतसर में 89$^{वीं}$ अखिल भारतीय प्रदर्शनी, नई दिल्ली 2025 के लिए फ्लोट मेकिंग में भी भाग लिया और उनकी कलाकृतियाँ 97$^{वीं}$ एआईएफएसीएस प्रदर्शनी, नई दिल्ली के लिए चयनित हुईं ।

एमएफए-प्रिंट मेकिंग (द्वितीय वर्ष) के छात्र विक्रांत, यतिका रानी, कनिष्का अग्रवाल ने ब्लॉक प्रिंटमेकिंग और एनजीएमए कार्यशालाओं और विकसित भारत 2024 में भाग लिया।

एमएफए-प्रिंट मेकिंग (द्वितीय वर्ष) की छात्रा यतिका रानी, नताशा ने पेंट द वॉल 4, अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव, कुरुक्षेत्र, 2024 में तीसरा पुरस्कार जीता ।

एमएफए-प्रिंट मेकिंग (द्वितीय वर्ष) के छात्र तुषार छावरी ने आर्टबज़ स्टूडियो, गोवा द्वारा आयोजित वुडकट कार्यशाला में भाग लिया और जहांगीर आर्ट गैलरी, मुंबई में बॉम्बे आर्ट सोसाइटी की 132वीं अखिल भारतीय वार्षिक प्रदर्शनी और विजुअल आर्ट सेंटर, अहमदाबाद में अबीर स्पेस में फर्स्ट टेक वार्षिक प्रदर्शनी, 2024 में भाग लिया।

एमएफए-प्रिंट मेकिंग (द्वितीय वर्ष) की छात्रा राधिका, मुस्कान गुज्जर की ड्राईपॉइंट कलाकृति को XVII ग्राफिक आर्ट बिएनेल के लिए चुना गया।

एमएफए-प्रिंट मेकिंग (द्वितीय वर्ष) की छात्रा कनिष्का अग्रवाल ने स्टेनलेस आर्ट गैलरी में "ओड टू द सन", दिल्ली आर्ट सेंटर में "हाउस ऑफ द राइजिंग सन" और "बिटवीन द लाइन्स" में भाग लिया।

एमएफए-प्रिंट मेकिंग (प्रथम वर्ष) के छात्र अर्चित कुमार मौर्य, योगिता पांडे, रिकू, प्रिया, मुस्कान, निशा, छवि अग्रवाल, सुषमा ने विकसित भारत में भाग लिया।

एमएफए-प्रिंट मेकिंग (प्रथम वर्ष) की छात्रा मुस्कान ने भी इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय में मधुबनी कला प्रतियोगिता में भाग लिया।

एमएफए-प्रिंट मेकिंग (प्रथम वर्ष) के छात्र कलश यादव ने कुरुक्षेत्र में एक दीवार पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लिया।

बी.एफ.ए.-प्रिंट मेकिंग (तृतीय वर्ष) के छात्र हार्दिक वर्मा ने नोएडा के एडेप्ट आर्ट स्टूडियो में येलो साइनोटाइप कार्यशाला का आयोजन किया; रेड हाउस, ओखला में इरोटिका-द फ्लावर्स ऑफ एविल में भाग लिया; दिल्ली आर्ट सेंटर में प्रिंटमेकर्स एडिट्स एंड नॉवेल विस्टास; दिल्ली के त्रावणकोर पैलेस में रॉयल एनफील्ड के लिए सेरिग्राफी कार्यशाला; और कोलकाता, हैदराबाद और दिल्ली में टोकी के लिए अभियान चलाया।

बी.एफ.ए.-प्रिंट मेकिंग (तृतीय वर्ष) के छात्र हार्दिक वर्मा, कृष्णकांत, विनय ने रॉयल एनफील्ड द्वारा आयोजित जर्नीइंग अक्रॉस द हिमालयाज आर्ट स्टॉल फेस्टिवल में स्वयंसेवा की।

बी.एफ.ए.-प्रिंट मेकिंग (तृतीय वर्ष) के छात्र कृष्णकांत, खुशी राठौर ने सनसिटी स्कूल, गुरुग्राम में लाइव पोर्ट्रेट बनाए।

बी.एफ.ए.-प्रिंट मेकिंग (तृतीय वर्ष) के छात्र विनय, शगुन, चारू गुप्ता, अंजलि, तनु पाल, टीशा गोयल ने पुराना किला 2024 में एनजीएमए और ललित कला अकादमी के साथ विकसित भारत में भाग लिया।

बी.एफ.ए.-प्रिंट मेकिंग (तृतीय वर्ष) की छात्रा शगुन, अंजलि ने प्रगति मैदान में कला और शिल्प कार्यशाला में भाग लिया।

बी.एफ.ए.-प्रिंट मेकिंग (तृतीय वर्ष) की छात्रा तनु पाल ने करण फाइन आर्ट्स अकादमी में वुडकटिंग कार्यशाला में भाग लिया।

बी.एफ.ए.-प्रिंट मेकिंग (तृतीय वर्ष) की छात्रा चारु गुप्ता ने पुस्तकालय महोत्सव, ग्रीष्मकालीन शिविर कार्यशाला और महिला दिवस समारोह में एनजीएमए के लिए स्वयंसेवा की।

बी.एफ.ए.-प्रिंट मेकिंग (तृतीय वर्ष) की छात्रा गुंजन ने कासा बकार्डी, कुतुब मीनार में सेरीग्राफी कार्यशाला और राजकीय सर्वोदय कन्या विद्यालय, पश्चिम विहार द्वारा आयोजित कला एवं शिल्प शिविर में भाग लिया।

बी.एफ.ए.-प्रिंट मेकिंग (तृतीय वर्ष) की छात्रा खुशी राठौर ने हाराजुकू बेकहाउस में सेरीग्राफी कार्यशाला में भाग लिया, विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस, एनजीएमए के लिए स्वयंसेवा की और अर्पणा आर्ट गैलरी में रंग धारा द्वारा कांस्य पुरस्कार जीता।

बी.एफ.ए.-प्रिंट मेकिंग (द्वितीय वर्ष) की छात्रा पूजा धीबर ने दिल्ली आर्ट सेंटर में इंटर्नशिप की और कॉर्पोरेट कार्यालयों और सामाजिक समारोहों में सेरीग्राफी, वुडकट, लिनोकट्स और साइनोटाइप प्रिंटिंग पर कार्यशालाएं आयोजित कीं।

बी.एफ.ए.-प्रिंट मेकिंग (द्वितीय वर्ष) की छात्रा श्रुति बंसल ने क्वीन्स स्टूडियो (ड्राईपॉइंट और वुडकट) में प्रिंटमेकिंग कार्यशाला में भाग लिया।

पूजा धीबर, श्रुति बंसल, भूमि, मानसी नौटियाल, दीपक कुमार चौधरी, प्रियंका तिवारी, सपना कुमारी, कामना, सुमित कुमार, आकाश बाग, दुर्गेश, आंचल, सृष्टि कावत, अर्चना कुमारी, दिव्यांशु कुमार यादव, बी.एफ.ए.-प्रिंट मेकिंग (द्वितीय वर्ष) के छात्रों ने पुराना किला में एनजीएमए और ललित कला अकादमी के साथ विकसित भारत में 2024 में भाग लिया।

एमएफए-मूर्तिकला (द्वितीय वर्ष) की छात्रा प्राची ने बिहार में अर्थशिला द्वारा आयोजित इंडिया स्टूडेंट्स कैंप में भाग लिया। उनकी कृतियाँ चंडीगढ़ में राज्य स्तरीय कला प्रदर्शनी - आर्टस्केप और अमृतसर में अखिल भारतीय कला प्रदर्शनी के लिए चुनी गईं। उन्होंने ऑस्ट्रिया के वियना स्थित एमयूएमओके

संग्रहालय [मॉडर्नर कुन्स्ट स्टिफ्टंग लुडविग विएन] में "अवंत-गार्डे लिबरेशन" में प्रदर्शित विवान सुंदरम की एक मूर्तिकला में भी योगदान दिया।

एमएफए-मूर्तिकला (द्वितीय वर्ष) के छात्र अमित कुमार ने नई दिल्ली में एआईएफएसीएस अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में भाग लिया, जहाँ उनकी कृतियों का चयन हुआ। उन्होंने राजस्थान में मेटल कास्टिंग इंटर्नशिप कार्यक्रम में भी भाग लिया और पद्मश्री प्रो. बिमान बी. दास के 29वें एकल प्रदर्शन में उनकी सहायता की।

एमएफए-मूर्तिकला (द्वितीय वर्ष) की छात्रा शिवानी ने पद्मश्री प्रोफेसर बिमान बी. दास को उनके 29वें एकल शो में सहायता की।

एमएफए-मूर्तिकला (द्वितीय वर्ष) की छात्रा बुलबुल और प्राची की कृतियों का चयन चंडीगढ़ में राज्य स्तरीय कला प्रदर्शनी-आर्टस्केप के लिए किया गया और उन्होंने वियना के एमयूएमओके में "अवंत-गार्डे लिबरेशन" में विवान सुंदरम की मूर्तिकला में योगदान दिया।

एमएफए-विज़ुअल कम्युनिकेशन (द्वितीय वर्ष) के छात्र अरशद ने अंबेडकर महाविद्यालय द्वारा आयोजित पोस्टर-मेकिंग प्रतियोगिता में तीन प्रथम पुरस्कार, अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में फ्लोर पेंटिंग के लिए एक सांत्वना पुरस्कार और क्राइस्ट (डीम्ड टू बी) यूनिवर्सिटी, एनसीआर परिसर द्वारा आयोजित टेक-जेनएक्स 2024 में एक वृत्तचित्र कार्यक्रम में प्रथम पुरस्कार जीता। उन्होंने गुजरात विश्वविद्यालय के प्रचार के लिए उसका भी दस्तावेजीकरण किया।

एमएफए–विज़ुअल कम्युनिकेशन (द्वितीय वर्ष) की छात्रा श्रुति शांडिल्य ने खोज, एफआईसीए और गोएथे इंस्टीट्यूट के कलाकारों के साथ मिलकर समकालीन कला संगठन हेख के लिए कॉल #1 का संकलन किया। उन्होंने क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, एनसीआर परिसर में टेक-जेनएक्स 2024 में आयोजित फोटोग्राफी इवेंट में द्वितीय पुरस्कार भी जीता।

बी.एफ.ए.-विजुअल कम्युनिकेशन (तृतीय वर्ष) की छात्रा वंशिका सिंगला ने दिल्ली विश्वविद्यालय के दयाल सिंह महाविद्यालय में आयोजित स्टोरीबोर्ड प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बी.एफ.ए.-विजुअल कम्युनिकेशन (तृतीय वर्ष) की छात्रा रिया जादु ने 24वें विश्व ओजोन दिवस चित्रकला प्रतियोगिता, टाइम्स ऑफ इंडिया कलर स्प्लैश पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लिया और कार्टून मेकिंग, मोज़ेक टाइल मेकिंग, रंगोली मेकिंग और राजस्थानी लघु कला प्रतियोगिताओं में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.एफ.ए.-विजुअल कम्युनिकेशन (तृतीय वर्ष) की छात्रा मुस्कान चौधरी ने जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में कला कार्यशाला का आयोजन किया।

बी.एफ.ए.-विजुअल कम्युनिकेशन (द्वितीय वर्ष) के छात्र हितेश गुरु ने कुरुक्षेत्र कला समारोह में 17वां स्थान प्राप्त किया, एकल दीवार पेंटिंग के लिए 6,000 रुपये का नकद पुरस्कार जीता, एनएसडी में 26 जनवरी की परेड के लिए वॉकिंग पपेट्स बनाए और विकसित भारत पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लिया।

बी.एफ.ए.-विजुअल कम्युनिकेशन (द्वितीय वर्ष) के छात्र रोहित कुमार महतो ने राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली में क्राफ्ट वर्क में भाग लिया।

बी.एफ.ए.-विजुअल कम्युनिकेशन (द्वितीय वर्ष) की छात्रा तन्नू ने माउंट कार्मेल के जिला स्तरीय कार्यक्रम में मिट्टी के आभूषण बनाने की प्रतियोगिता जीती।

प्रकाशन

कैन, करुणेश कुमार (2024). टाइपोग्राफी और एआई का अंतर्संबंध: अनुकूली उपयोगकर्ता इंटरफ़ेस के लिए गतिशील टाइपफेस की खोज। अनहद लोक, सीमाओं से परे कला, 169-181।

चोपड़ा, रिम्सी (2024). कला शिक्षा का विकास: एक प्रतिमान परिवर्तन अनहद लोक, सीमाओं से परे कला , 182-191.

कुमनार, जिगीशु, (2024). शोध आलेख : ग्रामीण भारत में महिला : पर सामाजिक विज्ञापन का प्रभाव , एक सर्वेक्षक अध्ययन . *साहित्य और समाज का दस्तावेज़ीकरण अपना माटी* .

कुमनार, जिगीशु, (2024). राजनीतिक सक्रियता के रूप में फ़ोटोग्राफ़ी: सामाजिक आंदोलनों में छवियों की भूमिका की खोज. जर्नल ऑफ़ ईस्ट-वेस्ट थॉट 14 (4).

जोशी, नीति. (2024) भारत का उभरता हुआ नया मीडिया कला रूप: एनिमेशन. सीमाओं से परे कला.1-8

आयोजित संगोष्ठियां

डॉ. श्रीनाथ वडापल्ली ने 7 अगस्त, 2024 को कला पर एक संगोष्ठि आयोजित की।

श्री गौतम नरेश, कला और प्रोडक्शन डिज़ाइन पर संगोष्ठी, 8 अगस्त, 2024.

श्री अजय कृष्णा ने 27 सितंबर, 2024 को फोटोग्राफी पर व्याख्यान/संगोष्ठी प्रस्तुति दी।

सुश्री फरज़ानेह बियाज़रान ने 13 नवंबर, 2024 को सुलेख पर कार्यशाला आयोजित की।

सुश्री निर्मला देवी ने 25 सितंबर, 2024 को मधुबनी और गोंड पेंटिंग पर कार्यशाला/संगोष्ठी का आयोजन किया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

स्टोन आर्टिसन पार्क प्रशिक्षण संस्थान अंबाजी गुजरात और महाविद्यालय ऑफ आर्ट, नई दिल्ली के बीच 17 अप्रैल, 2023 को समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, ताकि समग्र रूप से समाज की भलाई के लिए कला और संस्कृति के उत्थान हेतु छात्रों को गुणवत्तापूर्ण ज्ञान और शिक्षा प्रदान करने के लिए कार्यक्रमों और गतिविधियों के संचालन हेतु सहयोग किया जा सके।

21 अप्रैल, 2023 को त्बिलिसी राज्य कला अकादमी और महाविद्यालय ऑफ आर्ट, नई दिल्ली के बीच समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिसका उद्देश्य अपने और एक-दूसरे के देशों और समुदायों में

शिक्षा, अनुसंधान, संस्कृति और प्रशिक्षण के महत्व को पहचानना और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग द्वारा प्रस्तुत व्यापक संभावनाओं से प्रेरित होना है।

समान विचारधारा वाले संस्थानों के साथ नेटवर्क बढ़ाने, युवाओं के बीच भारतीय कला और संस्कृति, विरासत और संस्कृत अध्ययन को बढ़ावा देने में योगदान देने और उनके साथ सार्थक संवाद के लिए जुड़ने के लिए इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र नई दिल्ली और महाविद्यालय ऑफ आर्ट, नई दिल्ली के बीच 02 जून, 2023 को समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

महाविद्यालय ऑफ आर्ट, नई दिल्ली और एनसिस्ट कंसल्टिंग इंडिया के बीच 20 जून, 2023 को कलाकारों का एक बड़ा टैलेंट पूल तैयार करने और उसे भर्तीकर्ताओं के सामने निःशुल्क प्रस्तुत करने के लिए एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इससे भर्तीकर्ताओं को बिना किसी एजेंसी को भुगतान किए नौकरी के लिए सही प्रतिभा खोजने में मदद मिलेगी।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत : 15/70 (22%)

कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या : 8

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

वार्षिक कला प्रदर्शनी 2025 के लिए कंपनियों और संगठनों को मेल भेजा और आमंत्रित किया।

उन संगठनों को व्यक्तिगत निमंत्रण जो पहले से ही महाविद्यालय से जुड़े हुए थे और जिन्होंने उम्मीदवारों को नियुक्त किया था।

छात्रों को अवसरों और प्रस्तावों तथा संगठनों के बारे में जानकारी प्रसारित की गई तथा उसे नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित किया गया।

पुस्तकालय विकास

नई पुस्तकें 134 जोड़ी गईं।

पुस्तकालय का स्वचालन प्रक्रियाधीन है।

बार कोडिंग का कार्य चल रहा है।

छात्र मोबाइल फोन के माध्यम से पुस्तकों तक पहुंच सकते हैं।

टर्निटिन साहित्यिक चोरी का उपयोग शोध प्रकाशन की जांच के लिए किया जाता है।

ई-ग्रन्थालय में दी गई पुस्तकों का स्थान।

पुस्तकालय में 4 विदेशी कला पत्रिकाएं जोड़ी गई हैं।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक : 3

सह-प्राचार्य : 3

सहायक प्रोफेसर : 13

अतिथि : 94

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

यह महाविद्यालय पूरी तरह से दिल्ली सरकार द्वारा वित्त-पोषित है।

****

नर्सिंग महाविद्यालय, आर्मी अस्पताल (अनुसंधान एवं रेफरल)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

06 अगस्त, 2024 को एम्स में स्तनपान सप्ताह समारोह के दौरान, कोन, एएच (आर एंड आर) के छात्रों को 'स्तनपान' पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए नकद पुरस्कार और प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ।

CoN, AH(R&R) के छात्रों ने 06 अगस्त, 2024 को एम्स द्वारा आयोजित अंतर महाविद्यालय वीडियोग्राफी प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

CoN, AH(R&R) के छात्रों ने 01 सितंबर, 2024 को भारतीय नौसेना अस्पताल सेवा, अश्विनी, मुंबई में 'एक्लैम्पसिया प्रबंधन पर प्रसूति अभ्यास' में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

महाविद्यालय ऑफ नर्सिंग, आर्मी हॉस्पिटल (आर एंड आर) को 28 जनवरी, 2025 को सशस्त्र बलों में सर्वश्रेष्ठ नर्सिंग महाविद्यालय के लिए सशस्त्र बल चिकित्सा अनुसंधान सम्मेलन, पुणे में प्रतिष्ठित 'सुश्री बिली और मैरी विलियम' रोलैंगिक ट्रॉफी प्राप्त हुई।

शिक्षण और शिक्षणेत्तर कार्मिकों के सम्मान/विभूतियाँ

मेजर पोर्सेलवी डी को 12 मई, 2024 को कमांडेंट का प्रशंसा पत्र प्राप्त हुआ। लेफ्टिनेंट कर्नल यमुना सीबी, प्रोफेसर, महाविद्यालय ऑफ नर्सिंग, आर्मी हॉस्पिटल (आर एंड आर) को 23 दिसंबर, 2024 को एएमसी सेंटर और महाविद्यालय लखनऊ में 'सर्वश्रेष्ठ वक्ता पुरस्कार' और 'मेधावी अधिकारी' पुरस्कार प्राप्त हुआ।

कर्नल डेचेन चोएडन, एसोसिएट प्रोफेसर, महाविद्यालय ऑफ नर्सिंग, आर्मी हॉस्पिटल (आर एंड आर) को 15 जनवरी, 2025 को चीफ ऑफ आर्मी कार्मिक कमेंडेशन कार्ड प्राप्त हुआ। लेफ्टिनेंट कर्नल यमुना सीबी, प्रोफेसर, महाविद्यालय ऑफ नर्सिंग, आर्मी हॉस्पिटल (आर एंड आर) को भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थान से 'सीवी रमन पुरस्कार-2023' प्राप्त हुआ। लेफ्टिनेंट कर्नल यमुना सीबी, प्रोफेसर, महाविद्यालय ऑफ नर्सिंग, आर्मी हॉस्पिटल (आर एंड आर) को 01 जुलाई, 2024 को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय नर्सिंग और मिडवाइफरी कमीशन (एनएनएमसी) के लिए स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्य के रूप में चुने जाने का

सम्मान मिला है। लेफ्टिनेंट कर्नल यमुना सीबी, प्रोफेसर, महाविद्यालय ऑफ नर्सिंग, आर्मी हॉस्पिटल (आर एंड आर) को एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 'नर्सिंग नेटवर्किंग कॉन्फ्रेंस' 23-25 अप्रैल, 2025 में एक वक्ता के रूप में चुना गया है।

विभूतियाँ प्राप्त छात्र

बी.एससी. (ऑनर्स)-नर्सिंग (चतुर्थ वर्ष) की छात्रा हर्षा सैनी, भूमिका दलाल और तमन्ना ने एम्स में 01 अगस्त, 2024 को इंटर महाविद्यालय क्विज प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स)-नर्सिंग (चतुर्थ वर्ष) की छात्रा भूमिका दलाल, नेहा सेजवाल और तमन्ना ने एक्लम्पसिया, आईएनएचएस असविनी, मुंबई, 01 सितंबर, 2024 को इंटर महाविद्यालय ऑब्स्टेट्रिक ड्रिल में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स)-नर्सिंग (तृतीय वर्ष) की छात्रा तनु यादव ने 18 फरवरी, 2025 को 'जेरिएट्रिक नर्सिंग कॉन्सेप्ट्स-चुनौतियां और आगामी योजना' विषय पर ई-पोस्टर प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार जीता।

अनुसंधान परियोजनाएँ

मेजर पोर्सेलवी डी, मेडिकल सर्जिकल नर्सिंग विभाग, अनुसंधान परियोजना, "चयनित तृतीयक देखभाल अस्पतालों के पोस्ट-ऑपरेटिव पेट की सर्जरी के रोगियों में प्यास की तीव्रता और मुंह के सूखने पर प्यास बंडल बनाम आइस पॉप्सिकल का प्रभाव - बहु-केंद्रित अध्ययन" और 2022 से 2024 तक की अवधि को कवर करता है।

सामुदायिक स्वास्थ्य नर्सिंग विभाग के लेफ्टिनेंट कर्नल यमुना सीबी की शोध परियोजना, "बाल यौन शोषण के संबंध में स्कूल शिक्षकों के ज्ञान का स्तर और भारत के उत्तरी क्षेत्र में सेना के स्कूलों में प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करना" के लिए 50,000 रुपये मंजूर किए गए हैं और इसकी अवधि 2022 से 2025 तक है।

आयोजित संगोष्ठियां

लेफ्टिनेंट कर्नल (डॉ.) सर्वजीत कौर, सचिव आईएनसी ने 12 मई, 2024 को 'हमारी नर्सें हमारा भविष्य-देखभाल की आर्थिक शक्ति' विषय पर व्याख्यान दिया।

लेफ्टिनेंट कर्नल यमुना सीबी, वाइस प्रिंसिपल, सीओएन, एएच (आर एंड आर) ने 12 जून, 2024 को 'रक्तदान के संबंध में नर्सिंग परिप्रेक्ष्य और चुनौतियां' पर एक व्याख्यान दिया।

मेजर जोंटी दास, संकाय चाइल्ड हेल्थ नर्सिंग, सीओएन, एएच (आर एंड आर), ने 21 जुलाई, 2024 को 'नियोनेटोलॉजी में आपातकालीन तैयारी- एनएनएफ 2024' पर एक व्याख्यान दिया।

लेफ्टिनेंट कर्नल यमुना सीबी, वाइस प्रिंसिपल, सीओएन, एएच (आर एंड आर), ने 12 जून, 2024 को 'ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी और इसका प्रबंधन - मेदांता एनेस्थीसिया क्रिटिकल केयर कॉन्क्लेव' पर एक व्याख्यान दिया।

मेजर जोंटी दास, संकाय चाइल्ड हेल्थ नर्सिंग, सीओएन, एएच (आर एंड आर), ने 21 दिसंबर, 2024 को 'नवजात पुनर्जीवन प्रोटोकॉल - ममल्ला शोर्स, तमिलनाडु में नवजात शास्त्रों की रचना' पर एक व्याख्यान दिया।

आयोजित सम्मेलन

कैन सपोर्ट फाउंडेशन के सहयोग से 09-10 अप्रैल, 2024 को 'पैलिएटिव केयर' नामक सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

01 मई, 2024 को 'श्रम और एनआरपी के तंत्र पर गहन प्रशिक्षण मॉड्यूल' शीर्षक से सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

'हमारी नर्सें हमारा भविष्य, देखभाल की आर्थिक शक्ति' शीर्षक से सम्मेलन 11 मई, 2024 को आयोजित किया गया

'एएफएमएस में अनुसंधान पद्धति और अनुसंधान के अवसर' शीर्षक से सम्मेलन 12 सितंबर, 2024 को आयोजित किया गया।

18 सितंबर, 2024 को 'गुर्दे प्रत्यारोपण रोगियों की शल्य चिकित्सा के बाद देखभाल' शीर्षक से कार्यशाला आयोजित की गई।

'एसीएलएस और एसीएमओ' शीर्षक से कार्यशाला 05 मार्च, 2025 को आयोजित की गई।

'हेमोडायनामिक मॉनिटरिंग: इनवेसिव और नॉन-इनवेसिव' शीर्षक से कार्यशाला 05 मार्च, 2025 को आयोजित की गई।

'चिकित्सा आपातस्थितियां और उसका प्रबंधन' शीर्षक से कार्यशाला 10-11 मार्च, 2025 को आयोजित की गई।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

02 अगस्त, 2024 को चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा 'स्तनपान' पर भूमिका-नाटक का प्रदर्शन किया गया।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, नजफगढ़, स्कूल नंबर 1 में तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक स्वास्थ्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मासिक धर्म स्वच्छता पर भूमिका-नाटक के बाद 30 अगस्त, 2024 को बच्चों का सिर से पैर तक संपूर्ण शारीरिक परीक्षण किया गया।

'विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस' पर, बेस अस्पताल, दिल्ली कैंट में छात्रों ने आत्महत्या रोकथाम पर मनोनाटक प्रस्तुत किया। 7 सितंबर, 2024 को मानसिक रोगियों के लिए छात्रों द्वारा माइंडफुलनेस रिलैक्सेशन पर एक सत्र आयोजित किया गया।

18 अक्तूबर, 2024 को काबुल लाइन्स में चतुर्थ वर्ष के छात्रों द्वारा कैंसर जागरूकता पर सामूहिक स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

30 जनवरी, 2025 को आरएचटीसी, नजफगढ़ में चतुर्थ वर्ष बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग छात्रों द्वारा 'कुष्ठ रोग जागरूकता' पर भूमिका-नाटक का प्रदर्शन किया गया।

10 फरवरी, 2025 को बसंतर लाइंस, दिल्ली कैंट में चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा गर्भाशय-ग्रीवा कैंसर जागरूकता पर रोल प्ले का प्रदर्शन किया गया।

15 फरवरी, 2025 को पीएम श्री केवी नंबर 2 स्कूल में चतुर्थ वर्ष के छात्रों द्वारा 'मासिक धर्म स्वच्छता और मासिक धर्म कप के उपयोग' पर भूमिका-नाटक का प्रदर्शन किया गया।

14 फरवरी, 2025 को दिल्ली कैंट स्थित केवी नंबर 2 स्कूल के छात्रों के लिए 'मोबाइल की लत' पर माइम का प्रदर्शन किया गया।

20 फरवरी, 2025 को चतुर्थ वर्ष बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग के छात्रों द्वारा 'त्वचा दान और त्वचा बैंकिंग' पर जागरूकता अभियान चलाया गया।

CoN, AH(R&R) के छात्रों ने 02 अप्रैल, 2025 को 'विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस' पर बेस अस्पताल, दिल्ली कैंट में एक रोल प्ले का प्रदर्शन किया।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में (मेडिकल और नर्सिंग) पुस्तकों के संग्रह में 1000 नई पुस्तकें जोड़ी गई हैं।

पुस्तकालय में संकाय सदस्यों को ऑनलाइन पत्रिकाओं तक पहुंच प्राप्त है।

पुस्तकालय के बुनियादी ढांचे को कंप्यूटर और विशाल वाचन क्षेत्र के साथ उन्नत किया गया है।

सभी संकाय सदस्य वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ONOS) वेबसाइट पर पंजीकृत हैं।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक : 2

सह-प्राचार्य : 3

सहायक प्रोफेसर : 20

तदर्थ : 5

अतिथि : 2

****

व्यावसायिक अध्ययन महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

स्कोपस, एबीडीसी और यूजीसी केयर जैसी पत्रिकाओं और मंचों पर प्रकाशित हुए और प्रमुख सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ दीं। कई प्रोफेसरों को पदोन्नति मिली और उन्होंने बेस्टसेलर पाठ्यपुस्तकें लिखीं। छात्रों ने

100 से ज़्यादा अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, 50 से ज़्यादा पुरस्कार जीते और आईआईटी और बिट्स पिलानी जैसे संस्थानों में शीर्ष स्थान प्राप्त किया।

शिक्षण और शिक्षणेत्तर कार्मिकों के सम्मान/विभूतियाँ

श्री दीपक मिश्रा को ट्रांजेक्शन्स ऑन इमर्जिंग टेलीकम्युनिकेशंस टेक्नोलॉजीज (विली, एससीआई/डब्ल्यूओएस) में प्रकाशित शोध-पत्र "इंटेलिजेंट हेल्थकेयर के लिए एआई-आधारित ब्लॉकचेन सॉल्यूशंस" के लिए सराहनीय अनुसंधान पुरस्कार 2024 प्राप्त हुआ।

प्रकाशन

सत्याल, ए. (2024). सतत विकास लक्ष्य, सतत विकास और पर्यावरण: समस्याएँ और समाधान। समावेशी - कोलकाता समकालीन अध्ययन केंद्र का जर्नल, 2(25), 54-68.

अग्निहोत्री, ए., और राज, II (2024). ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस में गतिशील मूल्य निर्धारण अनुकूलन के लिए उन्नत गहन सुदृढीकरण शिक्षण ढाँचा। 2024 में कंप्यूटिंग संचार और नेटवर्किंग प्रौद्योगिकियों पर 15वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICCCNT) में (पृष्ठ 1-6)। IEEE। https://doi.org/10.1109/icccnt61001.2024.10725071

मिश्रा, डीके, और मेहरा, पीएस (2024). डायबिटिकचेन: रोगी-केंद्रित मधुमेह डेटा प्रबंधन के लिए एक नया ब्लॉकचेन दृष्टिकोण। सुपरकंप्यूटिंग जर्नल, 81(1)। https://doi.org/10.1007/s11227-024-06589-6

राव, ए., देव, डी., खरबंदा, ए., परिहार, जे.एस., और साला, डी. (2024). खनिज नीति और सतत विकास लक्ष्य: वैश्विक दक्षिण के खनिज बाजार में अस्थिरता का पूर्वानुमान। संसाधन नीति, 98(105337), 105337. doi:10.1016/j.resourpol.2024.105337

शर्मा, जी.डी., तिवारी, ए.के., चोपड़ा, आर., और देव, डी. (2024). वित्त में ब्लॉकचेन का अतीत, वर्तमान और भविष्य। जर्नल ऑफ बिज़नेस रिसर्च, 177(114640), 114640. doi:10.1016/j.jbusres.2024.114640

तिवारी, ए.के., शर्मा, जी.डी., राव, ए., हुसैन, एम.आर., और देव, डी. (2024). क्रिस्टल बॉल को समझना: कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की अस्थिरता के पूर्वानुमान के लिए मशीन लर्निंग मॉडल। एनर्जी इकोनॉमिक्स, 134(107608), 107608। doi:10.1016/j.eneco.2024.107608

हुसैन, एम.आर., राव, ए., शर्मा, जी.डी., देव, डी., और खरबंदा, ए. (2024). ऊर्जा परिवर्तन को सशक्त बनाना: हरित नवाचार, डिजिटल वित्त, और हरित वित्त पहलों के माध्यम से सतत समृद्धि का मार्ग। एनर्जी इकोनॉमिक्स, 136(107736), 107736. doi:10.1016/j.eneco.2024.107736

राव, ए., शर्मा, जी.डी., तिवारी, ए.के., हुसैन, एम.आर., और देव, डी. (2025)। कच्चे तेल की कीमतों का पूर्वानुमान: वैश्विक आर्थिक स्थिरता के लिए मशीन लर्निंग का लाभ उठाना। तकनीकी पूर्वानुमान और सामाजिक परिवर्तन, 216(124133), 124133. doi:10.1016/j.techfore.2025.124133

सिंह, एस., शर्मा, जी.डी., परिहार, जे.एस., देव, डी., और बंसल, पी. (2024). वैश्विक संघर्ष के दौरान पर्यावरणीय क्षरण और जलवायु परिवर्तन के बीच संबंध: सीएस-एआरडीएल मॉडल से साक्ष्य। पर्यावरण और स्थिरता संकेतक, 22(100368), 100368। doi:10.1016/j.indic.2024.100368

सिंह, एस., शर्मा, जी.डी., परिहार, जे.एस., देव, डी., और बंसल, पी. (2024). वैश्विक संघर्ष के दौरान पर्यावरणीय क्षरण और जलवायु परिवर्तन के बीच संबंध: सीएस-एआरडीएल मॉडल से साक्ष्य। पर्यावरण और स्थिरता संकेतक, 22, 100368।

तिवारी, ए.के., शर्मा, जी.डी., राव, ए., हुसैन, एम.आर., और देव, डी. (2024). क्रिस्टल बॉल को समझना: कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की अस्थिरता के पूर्वानुमान के लिए मशीन लर्निंग मॉडल। एनर्जी इकोनॉमिक्स, 134, 107608।

हुड्डा, डीएन (2024). एआई-सक्षम भारतीय खुदरा स्टोरों पर कर्मचारी जुड़ाव को प्रभावित करने वाले कारकों के प्रभाव पर एक अध्ययन। अफ़्रीकन जर्नल ऑफ़ बायोमेडिकल रिसर्च, 6732-6745। doi:10.53555/ajbr.v27i3s.5819

शिखा। (2025)। वित्तीय परिसंपत्तियों और पोर्टफोलियो के जोखिम मूल्य के बीच गतिशील सशर्त सहसंबंध का विश्लेषण, जिसमें सोना, अमेरिकी डॉलर और क्रिप्टोकरेंसी शामिल हैं। जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन सिस्टम्स इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, 10(9s), 616-627। doi:10.52783/jisem.v10i9s.1288

नेहा, और गर्ग, एस. (2024). आसियान के भीतर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के निर्धारक: पैनल डेटा विश्लेषण से साक्ष्य. ओरिएंटल इंस्टीट्यूट जर्नल. 73,(3), 938-949.

पुस्तकें

अग्निहोत्री, ए. (2024). *सप्लाई चेन फाइनेंस* . शाइनीक्स पब्लिशर्स.

बहादुर, आर. (2024). *कॉर्पोरेट अकाउंटिंग के मूल सिद्धांत* (30वां संस्करण). स्कॉलर टेक प्रेस (एमकेएम पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड) आईएसबी.ए.न 978-93-87273-50-4

बहादुर, आर. (2024). *बेसिक कॉर्पोरेट अकाउंटिंग* (18वां संस्करण). स्कॉलर टेक प्रेस (एमकेएम पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड). आईएसबी.ए.न 978-93-87273-11-5

बहादुर, आर. (2024). *वित्तीय लेखांकन : अवधारणाएँ और अनुप्रयोग* (40वाँ संस्करण). स्कॉलर टेक प्रेस (एमकेएम पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड). आईएसबी.ए.न 978-81-933917-2-3

गिल, जी. (2024). वाणिज्य, प्रबंधन और प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी भूमिका। *विकसित भारत* @2047 में: *वाणिज्य, प्रबंधन और प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी भूमिका। एमजीएम पब्लिशिंग हाउस,* आईएसबी.ए.न 978-81-981913-3-5 /

पल्लवी (2024). *नाटक और मध्यवर्ती व्याकरण का परिचय.* आईएसबी.ए.न 978-8-19821-706-6

कृष्णा, के.आर. (2024). *महाराजा, व्यापारी और बाज़ार: जयपुर का उदय* . राजस्थानी ग्रंथागार. आईएसबी.ए.न 9788119488476

सिंह, एस. (2024). *प्रबंधन लेखांकन.* किताब महल आईएसबी.ए.न 978-81-971601-2-7.

सिंह, एस. (2025). *लागत और प्रबंधन लेखांकन* . किताब महल. आईएसबी.ए.न 978-81-983551-0-2

आयोजित संगोष्ठियां

'प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी' पर संगोष्ठी तिथि: 1 अक्तूबर, 2024 प्रतिभागियों की संख्या: 70+ कार्यक्रम के बारे में: आईआईटी-आईआईएम के पूर्व छात्र श्री प्रशांत मोंगा ने कैट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए प्रभावी रणनीतियों और आवश्यक कौशल पर एक ज्ञानवर्धक संगोष्ठी का आयोजन किया। (वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित)

चिंता से निपटना और खुशी को अपनाना दिनांक: 22 अक्तूबर, 2024 प्रतिभागियों की संख्या: 100+ छात्र कार्यक्रम के बारे में: डॉ. सीमा गुप्ता, "द हैप्पीनेस एक्सप्लोरर", ने शैक्षणिक चिंता और भावनात्मक कल्याण के प्रबंधन पर एक प्रभावशाली संगोष्ठी का आयोजन किया। उनके ढाँचे, संवादात्मक तरीकों और छात्र जुड़ाव ने समग्र विकास के प्रति सीवीएस की प्रतिबद्धता को बढ़ावा दिया। (प्रबंधन अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित)

संगोष्ठी - शुभम कुमार के साथ एमबी.ए. की तैयारी दिनांक: 20 फ़रवरी, 2025 प्रतिभागियों की संख्या: 100+ कार्यक्रम के बारे में: CAT/XAT 99+ पर्सेंटाइल वाले छात्रों द्वारा एक विशेष सत्र, जिसमें प्रवेश परीक्षा की रणनीतियों और तैयारी तकनीकों के बारे में छात्रों को मार्गदर्शन दिया जाएगा। (TEB द्वारा आयोजित)

प्राणाह 2.0 - मानसिक स्वास्थ्य संगोष्ठी तिथि: 19 फ़रवरी, 2025 प्रतिभागियों की संख्या: 50 आयोजन के बारे में: चिन्मय मांडवगाने के साथ मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक लचीलेपन पर केंद्रित एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (रोटारैक्ट द्वारा आयोजित)

POSH संगोष्ठी तिथि: 5 मार्च, 2025 प्रतिभागियों की संख्या: निर्दिष्ट नहीं कार्यक्रम के बारे में: उत्पीड़न की पहचान और रिपोर्टिंग पर हीना खुराना नागपाल द्वारा संगोष्ठी, जिसमें ICC प्रक्रियाओं की जानकारी दी जाएगी। (आगाज़ द्वारा आयोजित)

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत : 76

कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या : 30

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

कानूनी सेवा क्लिनिक (मार्च 2024 से जारी), डीएलएसए साकेत कोर्ट के सहयोग से एनएसएस कार्यालय में साप्ताहिक कानूनी सहायता प्रदान की जाती है।

एनैक्टस गतिविधियाँ:

विश्वविद्यालय मेट्रो में दान उत्सव (अक्तूबर 2024), डीएमआरसी और भूमि क्लब के सहयोग से दान और सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा दिया गया।

अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस अभियान (नवंबर 2024), खान मार्केट में पुरुषत्व पर जनता को शामिल किया गया और रक्त संजीवनी - रक्तदान शिविर (सितंबर 2024): 35 यूनिट रक्तदान किया गया; 50+ थैलेसीमिया की जांच की गई।

कई स्वास्थ्य शिविर (सितंबर-अक्तूबर 2024), बुजुर्गों और महाविद्यालय समुदाय सहित 200 से अधिक लाभार्थियों तक पहुंचे।

स्वच्छ भारत स्वच्छता अभियान (अक्तूबर 2024), एनजीओ के सहयोग से उत्तरी दिल्ली में आयोजित किया गया।

रक्त संजीवनी - रक्तदान शिविर (सितंबर 2024), 35 यूनिट रक्तदान; 50+ थैलेसीमिया की जांच की गई।

कई स्वास्थ्य शिविर (सितंबर-अक्तूबर 2024), बुजुर्गों और महाविद्यालय समुदाय सहित 200 से अधिक लाभार्थियों तक पहुंचे।

स्वच्छ भारत स्वच्छता अभियान (अक्तूबर 2024), एनजीओ के सहयोग से उत्तरी दिल्ली में आयोजित किया गया।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय के स्टॉक में 64147 पुस्तकें हैं। चालू वित्त वर्ष में इसमें 2017 पुस्तकें जोड़ी गईं। महाविद्यालय पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ताओं के लिए विभिन्न प्रकार के ऑनलाइन राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जर्नल और 12 समाचार-पत्र (हिंदी और अंग्रेजी) भी सब्सक्राइब करती है। पुस्तकालय रीडिंग रूम सोमवार से शुक्रवार प्रातः 8:00 बजे से शाम 8:00 बजे तक और शनिवार को प्रातः 9:00 बजे से शाम 4:30 बजे तक खुला रहता है। हमारी पुस्तकालय देश भर में व्यावसायिक विषयों के अध्ययन और शोध सामग्री के मूल्यवान, दुर्लभ और अद्वितीय संग्रह के लिए प्रसिद्ध है। पुस्तकालय संग्रह के लिए ओपेक खोज सुविधा भी अपने उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध है। शिक्षकों और छात्रों को अपने पाठ्यक्रम की सामग्री, पाठ और पुस्तकालय में बैठकर असाइनमेंट तैयार करने के लिए लैपटॉप कनेक्टिविटी और वाई-फाई से लैस टेबल प्रदान किए गए थे। शिक्षकों और छात्रों को यूजीसी / इनफ्लिबनेट के ई-संसाधनों और विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए गए विभिन्न डेटाबेस तक पहुंच प्रदान की गई थी।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक : 10

सह-प्राचार्य : 14

सहायक प्रोफेसर : 97

तदर्थ : 5

अतिथि : 4

उपयोगित निधियां (₹ करोड़ में) : 433461000

आवंटित निधियां (₹ करोड़ में) : 383800000

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

एक प्रमुख लेकिन कम महत्व दिया गया आकर्षण विभिन्न विषयों में विभागीय पहलों और संकाय उपलब्धियों की गहनता और विविधता है। संकाय सदस्यों ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों (टोक्यो स्थित वासेदा विश्वविद्यालय; यूके स्थित कैम्ब्रिज; और राजस्थान विश्वविद्यालय सहित) में सक्रिय रूप से भाग लिया और स्कोपस, एबीडीसी और यूजीसी-केयर पत्रिकाओं में व्यापक रूप से प्रकाशित हुए। कई विभागों ने औद्योगिक भ्रमणों का आयोजन किया, विशेष रूप से माइक्रोसॉफ्ट, हायर अप्लायंसेज, याकुल्ट।

****

दौलत राम महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

विद्युत क्रय समझौते से परिसर में 240 किलोवाट सौर ऊर्जा उत्पादन सुनिश्चित हुआ, जिससे बिजली बिल में एक तिहाई की कमी आई।

रेखी फाउंडेशन के सहयोग से हैप्पीनेस सेंटर का 25 लाख रुपये की निधि के साथ उद्घाटन किया गया।

महाविद्यालय को ज़ेब्राफिश लैब, ड्रोसोफिला रिसोर्स सेंटर और सजावटी मछली केंद्र के लिए कौशल संवर्धन समिति (डीयू) से 10 लाख रुपये का प्रारंभिक अनुदान प्राप्त हुआ।

डीएसएलएसए के सहयोग से जारी कानूनी साक्षरता जागरूकता एवं सहायता कार्यक्रम के अंतर्गत तीस छात्रों ने प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम पूरा किया।

महाविद्यालय ने अंतःविषय छात्र-संचालित अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए नवधारा परियोजनाएं शुरू कीं।

एनएसएस छात्रा सारिका ने भारत-भूटान युवा शिखर सम्मेलन में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

इन-हाउस एसडीपी ने आत्मनिर्भरता, रोजगारपरकता और सामुदायिक विकास को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया

रीसाइक्लिंग यूनिट ने हरे कचरे से खाद बनाने के लिए एक एरोबिन जोड़ा और प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन के लिए बिसलेरी के साथ सहयोग किया।

एनईपी के अंतर्गत मेंटर-मेंटी योजना ने छात्रों को व्यक्तिगत मार्गदर्शन प्रदान करना जारी रखा।

2024 की परीक्षा में 1414 छात्र शामिल हुए, जिनमें से 1351 उत्तीर्ण हुए, जिससे उत्तीर्ण प्रतिशत 96% रहा।

विदेशी भाषा केंद्र ने विभिन्न अंशकालिक भाषा पाठ्यक्रमों में 496 छात्रों को नामांकित किया। 2024 में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों में 165 प्रमाणपत्र, 139 डिप्लोमा और 103 एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम शामिल हैं।

शिक्षण और शिक्षणेत्तर कार्मिकों के सम्मान/विभूतियाँ

प्रो. सविता रॉय ने 10 मई, 2024 से 18 मई, 2024 तक लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस (एलएसई), लंदन और ब्रिटिश काउंसिल इंडिया के सहयोग से दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक नेतृत्व कार्यक्रम में भाग लिया।

प्रोफेसर सविता रॉय ने लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबी.ए.सएनएए), मसूरी की अकादमिक समिति में विशेषज्ञ सदस्य के रूप में कार्य किया।

माननीय कुलपति द्वारा प्रोफेसर सविता रॉय को अनुचित साधनों के मामलों पर दिशानिर्देशों को संशोधित करने के लिए समिति में नियुक्त किया गया।

प्रोफेसर सविता रॉय ने विश्वविद्यालय के सक्षम प्राधिकारी द्वारा गठित नीलामी समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया, जिसका उद्देश्य विश्वविद्यालय अतिथि गृह में ई-कचरा, लोहे और लकड़ी की वस्तुओं के निपटान.

की देखरेख करना था।

डॉ. पूजा शर्मा को 14 अप्रैल, 2024 को मैत्री मंच द्वारा शैक्षिक उत्कृष्टता में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए सर्वोच्च प्रतिष्ठा वाला राइजिंग वुमन ऑफ इंडिया पुरस्कार प्रदान किया गया।

22 अप्रैल, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद भगत सिंह महाविद्यालय द्वारा आयोजित आईसीएसएसआर-एनआरसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में स्नातक अनुसंधान योग्यता प्रतियोगिता में मार्गदर्शन के लिए प्राणी-विज्ञान विभाग की डॉ. अन्ना सेनरुंग को उत्कृष्टता प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया।

हिंदी विभाग की डॉ. कुसुम लता को हिंदी शिक्षा में उत्कृष्टता के लिए पीएसएम राष्ट्रीय शिक्षा रत्न सम्मान प्रदान किया गया। यह पुरस्कार पृथ्वी अभ्युदय एजुकेटर्स, इंडिया द्वारा 11 मई, 2024 को प्रदान किया गया।

डॉ. पूजा शर्मा को 14 मई, 2024 को मैत्री मंच द्वारा राष्ट्रीय और वैश्विक प्रगति में उत्कृष्ट योगदान के लिए भारत के अग्रणी शिक्षाविद् पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

संगीत विभाग की डॉ. दीप्ति बंसल को 05 सितंबर, 2024 को सांस्कृतिक प्रवक्ता-दिल्ली प्रदेश, भाजपा द्वारा संगीत में योगदान के लिए शिक्षक सम्मान पत्र से सम्मानित किया गया।

राजनीति-विज्ञान विभाग के डॉ. कुणाल कृष्ण ने 16 अक्तूबर, 2024 को भारतीय शिक्षण मंडल द्वारा आयोजित विविभा-2024 राष्ट्रीय शोध-पत्र लेखन प्रतियोगिता में "भारत के उदय का शुभारंभ: @2047 तक विकसित राष्ट्र का संकल्प नित्य एवं चौनौतियां" शीर्षक से अपने शोध के लिए वरिष्ठ वर्ग में सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय शोध-पत्र का पुरस्कार जीता।

डॉ. पूजा शर्मा को 15 दिसंबर, 2024 को साइंस फादर द्वारा ऊर्जा परिवर्तन में उनके कार्य के लिए सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता का पुरस्कार दिया गया।

राजनीति-विज्ञान विभाग के डॉ. चंद्र प्रकाश को 16 दिसंबर, 2024 को युवा प्रशासनिक पुरस्कार के लिए वाग्श्री सम्मान प्रदान किया गया, जिसे विश्व संस्कृत विद्वान संघ सहित भारतीय और अमेरिकी संस्थानों द्वारा संयुक्त रूप से स्थापित किया गया है।

अर्थशास्त्र विभाग की डॉ. पूजा शर्मा को 19 दिसंबर, 2024 को भारतीय लोक प्रशासन संस्थान द्वारा आयोजित पीके उमाशंकर मेमोरियल व्याख्यान में अकादमिक सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

वाणिज्य विभाग की डॉ. अंजलि बेनेट को 22 जनवरी, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री गुरु गोबिंद सिंह महाविद्यालय में आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध-पत्र प्रस्तुत करने के लिए सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

22 जनवरी, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री गुरु गोबिंद सिंह वाणिज्य महाविद्यालय में आयोजित आईसीएसएसआर-प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एमएसएमई और दिव्यांगजन उद्यमियों की समावेशिता पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत करने के लिए सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र पुरस्कार मिला।

श्री विनोद शर्मा (प्रशासन) को 27 मार्च, 2025 को आयोजित महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव पर प्रधानाचार्य के सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

श्री ए.एन. सिंह (प्रयोगशाला) को 27 मार्च, 2025 को आयोजित महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव पर प्रधानाचार्य के सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

विभूतियाँ प्राप्त छात्र

विश्वविद्यालय पद धारक

बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति-विज्ञान की छात्रा यशी वशिष्ठ ने दिल्ली विश्वविद्यालय में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान की छात्रा प्रियांशी जांगड़ा ने दिल्ली विश्वविद्यालय में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र की छात्रा दीपांशी शर्मा ने दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.एससी. (ऑनर्स) जैव-रसायन-विज्ञान की छात्रा गजल सोनी ने दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान (उत्तरी परिसर) प्राप्त किया।

बी.एससी. (ऑनर्स) जैव-रसायन-विज्ञान की छात्रा कुनिका ने दिल्ली विश्वविद्यालय में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.एससी. (ऑनर्स) जैव-रसायन-विज्ञान की छात्रा प्राची शर्मा ने दिल्ली विश्वविद्यालय में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त छात्र

बी.एससी. (ऑनर्स) जैव-रसायन-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा, कैडेट दीया राणा को शैक्षणिक, पाठ्येतर गतिविधियों या खेलों में अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के लिए प्रो. मदन मोहन प्रसाद मेमोरियल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उन्होंने 24,131 फीट की ऊँचाई पर स्थित माउंट आबू गामिन के प्री-एवरेस्ट अभियान में सफलतापूर्वक चढ़ाई की।

महाविद्यालय का सर्वांगीण सर्वश्रेष्ठ छात्र

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा विदुषी श्रीवास्तव को महाविद्यालय की ऑल राउंड बेस्ट स्टूडेंट के रूप में सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

देहल, आर., और पोपली, आर., (2024). सतत विपणन: एक वैश्विक अनिवार्यता. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स , 12 (12).

देहल, आर., और पोपली, आर., (2025). टिकाऊ विपणन: एक सुंदर कल के लिए एक नैतिक अनिवार्यता। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च , 12 (1), f173-f177.

देहल, आर., पोपली, आर., चुग, आई., मेहंदीरत्ता, एच., और कोन्हर, जी. (2024). भावनात्मक बुद्धिमत्ता की वैचारिक समझ। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज़, 11 (4)।

कुमार, सुनील, कुमार, वी., देवी, एन., अत्री, के., और भट्ट, आई.के. (2024). पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में लघु और मध्यम उद्यमों के विकास पथ का अनावरण: एक व्यापक समीक्षा और संभावित अंतर्दृष्टि। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म सिस्टम्स* , *17* (4), 112-126। doi:10.21863/ijhts/2024.17.4.010

महोंगनाओ, एस., शर्मा, पी., अहमद, ए., दोहरे, एन., धमीजा, एन., गर्ग मंगला, ए., और नंदा, एस. (2024). जीवाणु माइक्रोबायोम संरचना का लक्षण वर्णन और जैव-जैविक उर्वरक के रूप में इसके संभावित अनुप्रयोग हेतु पत्ती कूड़े की खाद में लाभकारी प्रजातियों की पहचान। *एनवायरनमेंट एंड पॉल्यूशन टेक्नोलॉजी* , *23* (3), 1301-1317. doi:10.46488/nept.2024.v23i03.005

-----सिंह, पी., अग्रवाल, बी., कौर, जी., और द्विवेदी, आर. (2024). नए सामान्य को नेविगेट करना: स्टार्टअप्स में वित्तीय बाधाएँ - एक ग्रंथसूची विश्लेषण और भविष्य के शोध के लिए रोडमैप। *पर्यावरण एंड सोशल साइकोलॉजी*, *9* (8)। doi:10.59429/esp.v9i8.2840

कुमार, सुमित, अरोड़ा, ए., मैखुरी, वी.के., चौधरी, ए., कुमार, आर., परमार, वी.एस., ... माथुर, डी. (2024). क्रोमोन-आधारित कॉपर (ii) शिफ बेस कॉम्प्लेक्स में प्रगति: संश्लेषण, लक्षण वर्णन, और औषध विज्ञान एवं बायोमिमेटिक कटैलिसीस में बहुमुखी अनुप्रयोग। *आरएससी एडवांसेज* , *14* (24), 17102-17139। doi:10.1039/d4ra00590b

कुमार, सुमित, अरोड़ा, ए., पंत, वी., गुच्छैत, एस., कुमार, आर., माथुर, डी., और सिंह, बी.के. (2024). लिपोफिलिक दवा पैक्लिटैक्सेल के लिए दवा वितरण प्रणालियों में प्रगति: विकास, चुनौतियाँ और अवसर (एक समीक्षा)। *रशियन जर्नल ऑफ बायोऑर्गेनिक केमिस्ट्री* , *50* (5), 1752-1782। doi:10.1134/s106816202405011x

जंजुआ, डी., ठाकुर, के., अग्रवाल, एन., चौधरी, ए., यादव, जे., छोकर, ए., ... भारती, ए.सी. (2024). STAT3 की रोगनिदानात्मक और चिकित्सीय क्षमता: HPV-मध्यस्थ ग्रीवा कार्सिनोजेनेसिस को लक्षित करने के अवसर और चुनौतियाँ। *क्रिटिकल रिव्यूज़ इन ऑन्कोलॉजी/हेमेटोलॉजी* , *197* (104346), 104346। doi:10.1016/j.critrevonc.2024.104346

सेनरुंग, ए., त्रिपाठी, टी., अग्रवाल, एन., जंजुआ, डी., छोकर, ए., यादव, जे., ... भारती, ए.सी. (2024). इन विवो चिकन कोरियोएलैंटोइक झिल्ली मॉडल में ट्रांस-चाल्कोन की एंटी-एंजियोजेनिक क्षमता: अनुमानित रक्त-मस्तिष्क अवरोध पारगम्यता वाला वीईजीएफआर का एक एटीपी प्रतिपक्षी। *कार्डियोवैस्कुलर और हेमेटोलॉजिकल एजेंट इन मेडिसिनल केमिस्ट्री* , *22* (2), 187-211। doi:10.2174/0118715257250417231019102501

यादव, जे., चौधरी, ए., त्रिपाठी, टी., जंजुआ, डी., जोशी, यू., अग्रवाल, एन., ... भारती, ए.सी. (2024). एक्सोसोमल ट्रांसक्रिप्ट कार्गो और एचएनएससीसी रोगियों के जीवित रहने के साथ कार्यात्मक सहसंबंध। *बी.ए.मसी कैंसर* , *24* (1), 1144. doi:10.1186/s12885-024-12759-9

शर्मा, पी., और चक्रवर्ती, ए. (2024). दक्षिण एशिया में ऊर्जा परिवर्तन का विश्लेषण: मुद्दे और चुनौतियाँ। *ग्लोबल साउथ में जलवायु परिवर्तन और क्षेत्रीय सामाजिक-आर्थिक व्यवस्थाओं में* (पृष्ठ 251-279)। doi:10.1007/978-981-97-3870-0_14

मिश्रा, एम., डी लुसेना, ए.जे., और महाराज, बी. (सं.) (2024). *वैश्विक दक्षिण में जलवायु परिवर्तन और क्षेत्रीय सामाजिक-आर्थिक प्रणालियाँ* (2024वाँ संस्करण)। doi:10.1007/978-981-97-3870-0

शर्मा, पी., गुप्ता, एस., और कपूर, डी. (2024). प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की संभावनाएँ और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में इसकी भूमिका। *अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र और आर्थिक नीति* । doi:10.1007/s10368-024-00624-w

सोनी, वी., शर्मा, पी., सिंह, ए., दाश, एपी, और डे, पी.के. (2025)। वैकल्पिक टिकाऊ रणनीतियों और सुधार नीतियों की दिशा में ऊर्जा सुरक्षा के आर्थिक प्रदर्शन का सूचकांक: भारतीय ग्रामीण क्षेत्र से प्राप्त साक्ष्य। *नेक्स्ट रिसर्च* , *2* (1), 100136. doi:10.1016/ j.nexres.2025.100136

येह, के.-एच., टेरपस्ट्रा टोंग, जे., टिंग, आरएस-के., बॉन्ड, एम.एच., खोसला, एम., यादव, वी.पी., सुंदरराजन, एल. (2024). मजबूत संबंधों और कमजोर संबंधों की तर्कसंगतताएँ: रिश्तेदारी की तीव्रता के परिणामों के एक मानसिक मॉडल की ओर। *फ्रंटियर्स इन साइकोलॉजी* , *15* , 1476018। doi:10.3389/fpsyg.2024.1476018

कुमारी, यू., और शर्मा, डी.सी. (2024). गॉसियन फ़ज़ी संख्या का उपयोग करके रीट्रायल मशीन मरम्मत समस्या का फ़ज़ी विश्लेषण। *फिलिस्तीन जर्नल ऑफ़ मैथमेटिक्स* , *13* (3)।

मधु, मारवाह, आर., जैन, ए., और शर्मा, एस. (2024). चीनी, मेथोट्रेक्सेट और हर्बल शील्ड: ड्रोसोफिला में टिनोस्पोरा कॉर्डिफोलिया के प्रजनन सुरक्षा उपायों का अनावरण। बहुविषयक क्षेत्र *में नवीन अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय जर्नल , 10(* 9), 15-23। DOIs:10.2015/IJIRMF/202409001

मंगला, ए.जी., भारद्वाज, पी., शर्मा, ए., तनेजा, जे., मिश्रा, आर., नायडू, के., और जेटली, एस. (2024). भारत में घर पर आइसोलेट किए गए कोविड-19 रोगियों के उपचार के तरीके: सीखे गए सबक। *इंडियन जर्नल ऑफ नेचुरल प्रोडक्ट्स एंड रिसोर्सेज (आईजेएनपीआर) [पूर्व में नेचुरल प्रोडक्ट रेडियंस (एनपीआर)]* , *15* (2), 313-320। doi:10.56042/ ijnpr.v 15i2.11504

मंगला, ए., कौशल, एन., खोसला, एम., और जी. (2024). क्या आशावाद, लचीलापन और सकारात्मक प्रभाव मानसिक स्वास्थ्य पर कथित तनाव के प्रभावों को कम करते हैं? *जर्नल ऑफ द इंडियन एकेडमी ऑफ अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान, 50* (विशेष), 170-179.

गुप्ता, वाई., मित्तल, एम., गिरि, एम., और जग्गी, एन. (2024). एफएमडब्ल्यूसीएनटी/सीयूएस नैनोकंपोजिट के संरचनात्मक, प्रकाशिक और विद्युत गुण। *जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक मैटेरियल्स* , *53* (9), 5184-5192। doi:10.1007/s11664-024-11212-8

जग्गी, एन., जोशी, एस., शर्मा, पी., डागर, के., और गिरी, एम. (2024). फैलाए हुए नारंगी 3-एक एज़ो डाई के इलेक्ट्रॉनिक अवशोषण स्पेक्ट्रम का विश्लेषण। *इलेक्ट्रॉनिक सामग्री जर्नल* , *53* (12), 7509-7514। doi:10.1007/s11664-024-11440-y

शर्मा, पी., महोंगनाओ, एस., गुप्ता, ए., और नंदा, एस. (2024). ऐमारैंथेसी परिवार की किस्मों में संभावित विषाक्त तत्वों के संचय के लिए स्वास्थ्य जोखिम मूल्यांकन और एंटीऑक्सिडेंट और एंटीन्यूट्रिएंट्स के साथ उनका संबंध। *पर्यावरण प्रदूषण और विष विज्ञान के अभिलेखागार* , *87* (2), 187-207। doi:10.1007/s00244-024-01084-8

खोसला, 1. आयुषी भल्ला 2. (2024). उभरते वयस्कों में समस्याग्रस्त इंटरनेट उपयोग: बचपन के आघात और एलेक्सिथिमिया की भूमिका। *जर्नल ऑफ द ओरिएंटल इंस्टीट्यूट, आईएसएसएन:0030-5324 यूजीसी केयर ग्रुप 1* , *73* (4), 801-819। doi:10.8224/ journaloi.v 73i4.534

भल्ला, ए., और खोसला, एम. (एनडी)। उभरते वयस्कों के लिए बी-कॉम हस्तक्षेप के विकास और अनुप्रयोग में विषयवस्तु की वैधता का आकलन। 29 मई 2025 को https://jiaap.in/wp-content/uploads/2024/08/3-Ayushi.pdf से प्राप्त।

जियापुसर (2024, 26 अप्रैल)। क्या आशावाद, लचीलापन और सकारात्मक प्रभाव मानसिक स्वास्थ्य पर कथित तनाव के प्रभावों को कम करते हैं? 29 मई 2025 को JIAAP वेबसाइट से प्राप्त: https://jiaap.in/does-optimism-resilience-positive-affect-buffer-the-effects-of-perceived-stress-on-mental-health/

गुप्ता, आर., भसीन, सी., जोशी, ए., अग्रवाल, एन., अग्रवाल, ए., और मुदगल, पी. (2025)। ज़ेब्राफ़िश लार्वा में बर्बेरीन प्रेरित त्वरित पूँछ पंख पुनर्जनन का ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण। *जीन अभिव्यक्ति पैटर्न: जीईपी* , *55* , 119390। अग्रिम ऑनलाइन पब्लिकेशंस । https://doi.org/10.1016/j.gep.2025.119390

कुमार, एम., गहलावत, एन., सिंह, एस., काला, डी., और पालीवाल, एम. (2024). बिब्लियोमेट्रिक और नेटवर्क विज़ुअलाइज़ेशन विश्लेषण का उपयोग करके ओमनीचैनल शॉपिंग में अनुसंधान के रुझानों को स्पष्ट करना। *अंतर्राष्ट्रीय खुदरा, वितरण और उपभोक्ता अनुसंधान समीक्षा, 35* (2), 182-208। https://doi.org/10.1080/09593969.2024.2372416

कुमार, सुमित, अरोड़ा, ए., माथुर, डी., चौधरी, ए., पंत, वी., गुच्छैत, एस., और सिंह, बी.के. (2025)। चिटोसन और चिटोसन-आधारित बायोनैनोकंपोजिट्स पर एक समीक्षा: स्थायी संक्षारण अवरोधन के लिए आशाजनक जैविक मैक्रोमोलेक्यूल्स। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स* , *301* (140392), 140392। doi:10.1016/j.ijbiomac .2025.140392

रजक, बी.के., सिंह, एस., कुमार, वी., पालीवाल, एम., और डू, एम.एच. (2024). क्या कोविड प्रकोप के दौरान स्मार्टफोन का उपयोग शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित करता है? *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नॉलेज एंड लर्निंग* , *17* (6), 596-614। doi:10.1504/ijkl.2024.141850

मिश्रा, यू., गौतम, बी., कुमारी, पी., माथुर, डी., जैन, पी., प्रीतम, ए., कुमार, आर. (2025)। सल्फोनिल हाइड्रैज़ाइड्स के माध्यम से सीएस बॉन्ड के संश्लेषण में हालिया प्रगति। *जर्नल ऑफ सल्फर केमिस्ट्री* , *46* (1), 94-142। doi:10.1080/17415993.2024.2420796

सेनरुंग, ए., कुमार, डी., भारद्वाज, एन., शर्मा, के., शर्मा, एच., पांडे, एस., ... माथुर, डी. (2024). ग्लियोब्लास्टोमा ट्यूमर वृद्धि दमन के लिए वीईजीएफआर-2 टीकेडी के विरुद्ध एंटी-एंजियोजेनिक गतिविधि प्रदर्शित करने वाले कैथैरैन्थस रोज़ियस में नवीन जैवसक्रिय यौगिकों की खोज। *बायोमेडिकल एंड थेरेप्यूटिक्स लेटर्स* , *11* (2)। doi:10.62110/ sciencein.btl.2024.v11.912

गुप्ता, आर., भसीन, सी., जोशी, ए., अग्रवाल, एन., अग्रवाल, ए., और मुदगल, पी. (2025)। ज़ेब्राफ़िश लार्वा में बर्बेरीन प्रेरित त्वरित पूँछ-पंख पुनर्जनन का ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण। *जीन अभिव्यक्ति पैटर्न: जीईपी* , *55* (119390), 119390. doi:10.1016/j.gep .2025.119390

कुमार, एम., गहलावत, एन., सिंह, एस., काला, डी., और पालीवाल, एम. (2024). बिब्लियोमेट्रिक और नेटवर्क विज़ुअलाइज़ेशन विश्लेषण का उपयोग करके ओमनीचैनल शॉपिंग में अनुसंधान के रुझानों को स्पष्ट करना। *खुदरा वितरण और उपभोक्ता अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय समीक्षा* , 1-27। doi:10.1080/09593969.2024.2372416

कुमार, एम., गहलावत, एन., सिंह, एस., चमोला, पी., काला, डी., और पालीवाल, एम. (2024). बिक्री कार्मिकों की कार्य स्थितियों पर उपभोक्ताओं के शोरूम व्यवहार के प्रभाव की जाँच: भारतीय परिधान खुदरा क्षेत्र से प्राप्त जानकारी। *अमेरिकन जर्नल ऑफ बिज़नेस* , *39* (4), 193-210। doi:10.1108/ajb-11-2023-0190

रजक, बी.के., सिंह, एस., कुमार, वी., पालीवाल, एम., और डू, एम.-एच. (2024). क्या कोविड-19 महामारी के दौरान स्मार्टफोन का उपयोग शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित करता है? *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नॉलेज एंड लर्निंग* , *17* (6), 596-614। https://ideas.repec.org/a/ids/ijklea/v17y2024i6p596-614.html से लिया गया।

सिंह, एस., चौबे, डी.एस., राज, आर., कुमार, वी., पालीवाल, एम., और महलावत, एस. (2024). जीवनशैली श्रेणी के उत्पादों में सोशल मीडिया संचार, उपभोक्ता दृष्टिकोण और खरीदारी का इरादा: एक पीएलएस-एसईएम मॉडलैंगिक। *मार्केटिंग इंटेलिजेंस एंड प्लानिंग* । doi:10.1108/mip-11-2023-0626

सिंह, एस., राज, आर., दाश, बी.एम., कुमार, वी., पालीवाल, एम., और चौहान, एस. (2024). वित्त तक पहुँच और एमएसएमई की परिचालन दक्षता पर इसका प्रभाव: उद्यमी व्यक्तित्व और आत्म-प्रभावकारिता की मध्यस्थ भूमिका। *जर्नल ऑफ स्मॉल बिज़नेस एंड एंटरप्राइज़ डेवलपमेंट* । doi:10.1108/jsbed-01-2024-0053

त्रिपाठी, टी., यादव, जे., जंजुआ, डी., चौधरी, ए., जोशी, यू., सेनरुंग, ए., ... भारती, ए.सी. (2024). फाइटोकेमिकल्स द्वारा गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर स्टेम कोशिकाओं को लक्षित करना। *करंट मेडिसिनल केमिस्ट्री* , *31* (32), 5222-5254। doi:10.2174/0109298673281823231222065616

यादव, जे., त्रिपाठी, टी., चौधरी, ए., जंजुआ, डी., जोशी, यू., अग्रवाल, एन., ... भारती, ए.सी. (2025)। सिर और गर्दन के कैंसर के एक्सोसोम का मैक्रोफेज ध्रुवीकरण पर प्रभाव। साइटोकाइन , 186 (156831), 156831. doi:10.1016/j.cyto.2024.156831

शर्मा, पी. (2024). ऊर्जा संक्रमण में ऊर्जा दक्षता की भूमिका: ऊर्जा उपयोग का एक विघटन विश्लेषण. *सोलर कम्पास* , *12* (100086), 100086. doi : 10.1016/j.solcom.2024.100086

बेस्टा, टी., जुरेक, पी., ओलेच, एम., व्लाडार्कज़िक, ए., कोसाकोव्स्का-बेरेज़ेका, एन., बॉसन, जे.के., ... ज़ादकोव्स्का, एम. (2024). विभिन्न संस्कृतियों में लैंगिक समानता के लिए सामूहिक कार्रवाई के इरादे का मापन। *यूरोपीय मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन जर्नल: यूरोपीय मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन संघ का आधिकारिक अंग* । doi:10.1027/1015-5759/a000857

भारद्वाज, पी., जेटली, एस., यादव, एस., कौशिक, आर., नायडू, के., सलूजा, डी., और तनेजा, जे. (2024). भारत में कोविड-19 की तीन लहरों के दौरान टीकाकृत और टीकाकृत न हुए व्यक्तियों में लक्षणों, गंभीरता और ब्रेकथ्रू संक्रमणों का तुलनात्मक विश्लेषण। *एक्टा वायरोलॉजिका* , *68.* doi:10.3389/av.2024.13536

भारद्वाज, पी., यादव, एस.के., जेटली, एस., सलूजा, डी., और तनेजा, जे. (2024). माता-पिता के दृष्टिकोण का अनावरण: भारत में बच्चों के लिए कोविड-19 टीकाकरण। *जर्नल ऑफ फैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर* , *13* (4), 1481-1487। doi:10.4103/jfmpc.jfmpc _1485_23

पुस्तकें और अध्याय

संकाय द्वारा प्रकाशित पुस्तकें

मल्होत्रा, पी., और जैन, ए. (2023)। ई-कचरे के उपचार के लिए रासायनिक विधियाँ। *विकासशील देशों में अपशिष्ट प्रबंधन और संसाधन पुनर्चक्रण में।* एल्सेवियर पब्लिशिंग।

गुप्ता, ए. (2024). *लिआनास जैव विविधता संरक्षण और जलवायु परिवर्तन।* एफए डिजिटल्स प्रोडक्शंस। आईएसबी.ए.न 978-93-92603-46-4।

भाटिया, एम. (2024). *लिआनास जैव-खाद और खाद: टिकाऊ कृषि की ओर एक रास्ता।* एफए डिजिटल्स प्रोडक्शंस। आईएसबी.ए.न 978-93-92603-05-1.

कुमारी, पी. (2024). *लिआनास जैव-खाद और खाद: टिकाऊ कृषि की ओर एक रास्ता।* एफए डिजिटल्स प्रोडक्शंस। आईएसबी.ए.न 978-93-92603-05-1.

कुमारी, पी. (2024). *वायुजनित जैव-संदूषक और मानव स्वास्थ्य पर उनका प्रभाव: आंतरिक जैव-संदूषकों द्वारा प्रेरित प्रतिरक्षात्मक और आणविक तंत्र।* जॉन विले एंड संस। आईएसबी.ए.न 978-1394178933.

कुमारी, पी. (2024). फाइटोथेरेपी: ग्लियोब्लास्टोमा के उपचार का एक वैकल्पिक तरीका। *औषधीय एवं सुगंधित पौधों में (वर्तमान शोध स्थिति, उनके अपशिष्ट का मूल्यवर्धन, और कृषि-औद्योगिक क्षमता, खंड 1)।* स्प्रिंगर। आईएसबी.ए.न 978-3-031-60117-0।

कुमारी, पी. (2024). मसालों का परिचय, स्रोत और रसायन। *कैंसर रोधी मसाले: स्वास्थ्य के लिए आहार संबंधी जानकारी।* रूटलेज टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप। आईएसबी.ए.न 978-9815129281।

ठाकुर, एस.जे. (2023). *वरिष्ठ माध्यमिक पाठ्यक्रम: मनोविज्ञान (भाग 1).* राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान. आईएसबी.ए.न 978-81-19479-03-0.

यादव, ए. (2024). *लिआनास जैव-खाद और खाद: टिकाऊ कृषि की ओर एक रास्ता।* एफए डिजिटल्स प्रोडक्शंस। आईएसबी.ए.न 978-93-92603-05-1.

राणा, ओ. (2023). निर्वात में रेडियल ध्रुवीकृत लेज़र प्रेरित इलेक्ट्रॉन त्वरण पर चुंबकीय क्षेत्र का प्रभाव। *एआईपी सम्मेलन की कार्यवाही में।* आईएसबी.ए.न 978-0-7354-4634-2.

बोराह, वी. (2024). स्त्री शरीर को उसकी बहुलता में पढ़ना: स्त्री शरीर से पुरुष के निर्माण का किस्सा। *इंटरसेक्शन्स में: साहित्य और अन्य क्षेत्र।* यिंग बुक्स। आईएसबी.ए.न 978-81-96924-2-4।

खोसला, एम. (2024). *सूक्ष्म-क्षणिक भावनात्मक अभिव्यक्तियों को समझना: एक जीवन-काल परिप्रेक्ष्य.* स्प्रिंगर. आईएसबी.ए.न 978-3-031-46348-8.

मंगला, एजी (2023)। 2019 नॉवेल कोरोनावायरस। *उभरते मानव वायरल रोगों में* (खंड 1)। स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर। आईएसबी.ए.न 9819928192।

नाओरेम, डी. (2023). 'युद्ध और मृतक': पूर्वोत्तर भारत में द्वितीय विश्व युद्ध में मारे गए लोगों के अंतिम संस्कार, शोक और स्मरणोत्सव। ए.एस. चक्रवर्ती और पी. सेन (सं.) में, *पूर्वोत्तर भारत में मृत्यु, स्मरणोत्सव और परलोक: एक थानैटोलॉजिकल स्वदेशीता की ओर।* रूटलेज इंडिया। आईएसबी.ए.न 978-1-0323-44225।

नाओरेम, डी. (2024). एक साम्राज्यवादी सीमांत क्षेत्र में 'पीटर द ग्रेट' का निर्माण: मणिपुर में 'मूल निवासियों' को शिक्षित करना और अंग्रेजी भाषा व रोमन लिपि का प्रचलन। ए. चक्रवर्ती एवं अन्य (सं.), *स्वदेशीता, विकास और स्थिरता, जनसांख्यिकीय परिवर्तन और सामाजिक-आर्थिक विकास में।* स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर। आईएसबी.ए.न 978-981-97-1435-3।

अरोड़ा, पी. (2023). भारतीय सिनेमा में 'नई स्त्री'। *भारतीय सिनेमा में बदलते रुझान: आलोचनात्मक प्रतिक्रियाएँ और चिंतन।* परसेप्शन पब्लिशिंग। आईएसबी.ए.न 978-93-95949-65-1.

डंडा, एस. (2024). *लिआनास जैव विविधता संरक्षण और जलवायु परिवर्तन।* एफए डिजिटल्स प्रोडक्शंस। आईएसबी.ए.न 978-93-92603-46-4।

डांडा, एस. (2023). *पारंपरिक कृषि में फसल स्थिरता और बौद्धिक संपदा अधिकार: खाद्य सुरक्षा प्राप्त करने की दिशा में एक स्थायी दृष्टिकोण.* सीआरसी प्रेस, टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप. आईएसबी.ए.न 978-1-77491-319-2.

शर्मा, पी. (2023)। अनुप्रयुक्त आध्यात्मिकता और सतत विकास नीति। *सतत विकास के लिए सार्वजनिक नीति: एक गांधीवादी प्रतिमान।* एमराल्ड पब्लिशिंग। आईएसबी.ए.न 978-1-8375338-17।

शर्मा, पी. (2024). एकीकृत फोटोवोल्टिक प्रणाली के निर्माण में ऊर्जा भंडारण की भूमिका का विश्लेषण: एक तकनीकी-आर्थिक विश्लेषण। *हाइड्रोजन ऊर्जा, नवीकरणीय ऊर्जा और सामग्री पर 9वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही में।* स्प्रिंगर नेचर। https://doi.org/10.1007/978-981-97-3686-7

कौर, आर. (2023). *अंतर्राष्ट्रीय व्यापार.* एमकेएम प्रकाशक. आईएसबी.ए.न 978-93-91720-69-8.

कौर, आर. (2023). *अंतर्राष्ट्रीय व्यापार.* एमकेएम प्रकाशक. आईएसबी.ए.न 978-93-87273-13-9.

कौर, आर. (2024). भारतीय विनिर्माण क्षेत्र के लिए ऑल्टमैन (एमडीए) और ओहल्सन (लॉगिट) मॉडलों का पुनर्मूल्यांकन और अनुप्रयोग। *समावेशी विकास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: विज्ञान, स्थिरता, इंजीनियरिंग और प्रबंधन समाधान (आईसीआईएसएसईएम 2024) की कार्यवाही में।* जीएनआईओटी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज और ग्लोबल कॉन्फ्रेंस हब।

जिंदल, डी. (2023). *अंतर्राष्ट्रीय व्यापार.* एमकेएम प्रकाशक. आईएसबी.ए.न 978-93-91720-69-8.

जिंदल, डी. (2023). *अंतर्राष्ट्रीय व्यापार.* एमकेएम प्रकाशक. आईएसबी.ए.न 978-93-87273-13-9.

कुमारी, के. (2024). *लियाना-सी बकथॉर्न (हिप्पोफे रमनोइड्स एल.): हिमालय के ठंडे रेगिस्तानी क्षेत्र का एक तनाव-प्रतिरोधी और पारिस्थितिक रूप से अनुकूलनीय औषधीय पौधा।* एफए डिजिटल्स प्रोडक्शंस। आईएसबी.ए.न 978-93-92603-05-1.

कृष्णन, आर. (2024). *लियाना-सी बकथॉर्न (हिप्पोफे रमनोइड्स एल.): हिमालय के ठंडे रेगिस्तानी क्षेत्र का एक तनाव-प्रतिरोधी और पारिस्थितिक रूप से अनुकूलनीय औषधीय पौधा।* एफए डिजिटल्स प्रोडक्शंस। आईएसबी.ए.न 978-93-92603-05-1.

गुप्ता, एन. (2023)। *स्वाधीनता आंदोलन में गुरु गोबिंद सिंह का योगदान।* अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना। आईएसबी.ए.न 978-81-956781-9-8.

गुप्ता, एन. (2023)। *अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य।* श्रुति पुस्तकें. आईएसबी.ए.न 978-93-95403-01-6.

गुप्ता, एन. (2023)। *हिंदी कविता.* केएल पचौरी पब्लिकेशंस. आईएसबी.ए.न 978-81-961373-2-8.

गोयल, आई. (2023). नवदृष्टि: आईबीसी पर उभरते विचार। *एमएसएमई के लिए आईबीसी: सफलताएँ और असफलताएँ।* भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड। आईएसबी.ए.न 978-81-947537-3-5।

आर्य, के. (2024). वक्षुधा: पीतिपादित विविध योग और उनके सम्प्रतिक सन्दर्भ। *श्रीमद्भगवद्गीता* में . डॉल्फ़िन प्रिंटोग्राफ़िक्स। आईएसएसएन 2347-6605।

आर्य, के. (2024). चंद्रयान-3. *श्रेष्ठ* में . डब्ल्यूडीसी दौलत राम महाविद्यालय। आईएसबी.ए.न 978-93-92603-06-8.

मधु (2024). पॉलीमरेज़ चेन रिएक्शन का अध्ययन। *पशु जैव प्रौद्योगिकी और प्रतिरक्षा विज्ञान के व्यावहारिक पहलुओं में* । एस्ट्रल। आईएसबी.ए.न 978-93-5919-842-2।

यादव, एस.के. (2024). पॉलीमरेज़ चेन रिएक्शन का अध्ययन। *पशु जैव प्रौद्योगिकी और प्रतिरक्षा विज्ञान के व्यावहारिक पहलुओं में।* एस्ट्रल। आईएसबी.ए.न 978-93-5919-842-2।

शर्मा, एस. (2024). मेरी पहचान: *देवी या नारी। श्रेष्ठ में.* डब्ल्यूडीसी दौलत राम महाविद्यालय। आईएसबी.ए.न 978-93-92603-06-8.

शर्मा, एस. (2023)। *संस्कृत संस्कृति मंजूषा.* आईएसबी.ए.न 978-93-92603-09-9.

शर्मा, एस. (2024). डीएनए फ़िंगरप्रिंटिंग की तकनीक का अध्ययन। *पशु जैव प्रौद्योगिकी और प्रतिरक्षा विज्ञान के व्यावहारिक पहलुओं में।* एस्ट्रल। आईएसबी.ए.न 978-93-5919-842-2।

गुप्ता, ए. (2024). पैरासिटामोल के विष विज्ञान संबंधी आकलन और जीवाणु-मध्यस्थ जैव-अपघटन पथों में हालिया प्रगति। *जैव प्रौद्योगिकी में भविष्यवादी रुझान (खंड 3, पुस्तक 11, भाग 6, अध्याय 3) में।* आईआईपी श्रृंखला। आईएसबी.ए.न 978-93-6252-067-8।

राठौर, पी. (2023)। उष्णकटिबंधीय पौधों का पारिस्थितिक शरीरक्रिया विज्ञान: हाल के रुझान और भविष्य के परिप्रेक्ष्य। *पारिस्थितिक शरीरक्रिया विज्ञान में अगली पीढ़ी की तकनीकें: मेटाबोलोमिक्स, प्रोटिओमिक्स,* एसएआर/क्यूएसएआर। सीआरसी प्रेस, टेलर एंड फ्रांसिस। आईएसबी.ए.न 978-1-003-3-3505-4।

गौतम, एस. (2023)। भारत में बढ़ती जनसंख्या के विविध आयाम। *बढ़ती जनसंख्या तथा गरीबी एवं बेरोजगारी* में । माँ शारदा इंटरप्राइजेज. आईएसबी.ए.न 978-93-95378-08-6.

गौतम, एस. (2023)। भारतीय संस्कृति में पुरुषार्थ चतुष्टय का महत्व। संस्कृत में *संस्कृती मंजूषा।* शिवालिक पब्लिकेशंस. आईएसबी.ए.न 978-93-92603-09-9.

गौतम, एस. (2023)। संस्कृत वांग्मय में विज्ञान: एक परिचय। संस्कृत में *वैज्ञानिक भाषा के रूप।* इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय. आईएसबी.ए.न 978-93-5568-821-7.

चौधरी, वी., और कथल, आर. (2023). *लियाना पर्यावरण: विज्ञान, विधान, राजनीति और नैतिकता।* आईएसबी.ए.न 978-93-92603-05-1.

चौधरी, वी. (2023)। अनमोल सिफ़र. *श्रेष्ठ* में . एफए डिजिटल्स प्रोडक्शंस। आईएसबी.ए.न 978-93-92603-06-8.

विमल, के. (एड.). (2023)। *सम्मेलन की कार्यवाही: संस्कृत-संस्कृति-मंजूषा विष्णु सम्मेलन 2022.* संस्कृत संस्कृति विकास संस्थान। आईएसबी.ए.न 978-93-92603-09-9.

विमल, के. (सं.) (2024). *सम्मेलन की कार्यवाही: आधुनिक समय में वैदिक ज्ञान के नवीन अनुप्रयोग (वेव्स यूएसए का 15वाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और वेव्स इंडिया का 26वाँ भारत सम्मेलन)।* वेव्स यूएसए और वेव्स इंडिया। आईएसबी.ए.न 978-81-7702-523-1.

विमल, के. (एड.). (2023)। *शिक्षा प्रियदर्शिनी: एक अंतरराष्ट्रीय सहकर्मी-समीक्षित बहुभाषी अर्ध-वार्षिक शोध पत्रिका।* संस्कृत संस्कृति विकास संस्थान. आईएसएसएन 2454-1230।

विमल, के. (एड.). (2024). *शिक्षा प्रियदर्शिनी: एक अंतरराष्ट्रीय सहकर्मी-समीक्षित बहुभाषी अर्ध-वार्षिक शोध पत्रिका।* संस्कृत संस्कृति विकास संस्थान. आईएसएसएन 2454-1230।

विमल, के. (2023)। आयुर्वेद का परिचय (भाग I और II)। *आयुर्वेद के मूलभूत सिद्धांत में।* ई-सामग्री, दूरस्थ एवं सतत शिक्षा विभाग (एसओएल), दिल्ली विश्वविद्यालय। आईएसबी.ए.न 978-81-19169-39-9।

विमल, के. (2023)। संस्कृत वान्मय में विज्ञान के प्रमुख आचार्य एवं मानक ग्रन्थ। *रसायन-विज्ञान* में : आचार्य एवं ग्रंथ संस्कृत वान्मय में विज्ञान परम्परा। इग्नू. आईएसबी.ए.न 978-93-5568-821-7.

कांत, पी. (2024). *राजनीति में संवाद: मुख्यमंत्रीयों के नाम नेहरू के पत्र* । संवाद पब्लिकेशंस. आईएसबी.ए.न 978-81-19774-50-0.

गुप्ता, एस. (2023). नवदृष्टि: आईबीसी पर उभरते विचार। *एमएसएमई के लिए आईबीसी: सफलताएँ और असफलताएँ।* भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड। आईएसबी.ए.न 978-81-947537-3-5।

गुप्ता, एस. (2023)। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को प्रभावित करने वाले कारकों और सतत विकास लक्ष्यों पर इसके प्रभावों का विश्लेषण। *सतत व्यावसायिक रणनीतियों, मॉडलों और मूल्यों की कार्यवाही में: एमएनई रणनीति, राष्ट्रीय नीतियों और वैश्विक साझेदारियों की भूमिका* (एमईएसडी'23 का छठा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन)। जर्नल प्रेस इंडिया। आईएसबी.ए.न 978-81-935730-4-4।

अनुसंधान परियोजनाएँ

डॉ. ज्योति तनेजा और डॉ. सुनीता के. यादव, प्राणि-विज्ञान विभाग, को क्रमशः प्रमुख और सह-प्रमुख अन्वेषक के रूप में "बहु-केंद्रित समूह अध्ययन में कोविड-19 के पश्चात-तीव्र परिणामों के नैदानिक स्पेक्ट्रम; स्वास्थ्य प्रक्षेप पथ, घटना और जोखिम कारक की जाँच" शीर्षक वाली एक शोध परियोजना के लिए 30 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान सीएसआईआर-एस्पायर द्वारा प्रदान किया गया है और 3 सितंबर, 2024 से मार्च 2027 तक की अवधि के लिए है।

प्राणि-विज्ञान विभाग की डॉ. मीनाक्षी ठाकुर (पीआई) और डॉ. अन्ना सेनरुंग (सह-पीआई) तथा रसायन-विज्ञान विभाग की डॉ. दिव्या माथुर (सह-पीआई) को "ट्यूमर सूक्ष्म वातावरण के विरुद्ध वीईजीएफआर-2 टीकेडी को लक्षित करने वाले एंजियोजेनेसिस अवरोधकों के रूप में नवीन कौमारिन-पाइरीडीन/क्विनोलिन/क्विनाज़ोलिन संकरों का डिज़ाइन और संश्लेषण" नामक शोध परियोजना के लिए 30 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान सीएसआईआर-एस्पायर ईएमआर II द्वारा प्रदान किया गया है और 2024 से 2027 तक की अवधि के लिए है।

दिल्ली विश्वविद्यालय के दौलत राम महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग की डॉ. पूजा शर्मा को परियोजना निदेशक के रूप में "सौर ऊर्जा परिनियोजन के कारकों, चुनौतियों और आगे के मार्ग का विश्लेषण" नामक एक सहयोगी शोध परियोजना के लिए 12 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान आईसीएसएसआर द्वारा प्रदान किया गया है और 1 जनवरी, 2025 से 1 जनवरी, 2026 तक की अवधि के लिए है।

स्वीकृत पेटेंट

आरती जैन, कविता खटाना, तस्नीम केएच खान, दीक्षा जिंदल, एच. मिहमद कासिम शेल्ट, रानी राजपूत, एन. नागभूसनम। रासायनिक यौगिकों के विश्लेषण के लिए उच्च प्रदर्शन पतली परत क्रोमैटोग्राफी (एचपीटीएलसी)। पेटेंट कार्यालय, भारत सरकार। पेटेंट 423620-001। 26 अगस्त 2024. राष्ट्रीय.

आयोजित संगोष्ठियां

दिल्ली विश्वविद्यालय के दौलत राम महाविद्यालय के वनस्पति-विज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर: डॉ. विधि चौधरी (आईक्यूएसी के तहत) ने एमओई के इनोवेशन सेल (एमआईसी) और संस्थान की इनोवेशन काउंसिल (आईईसी) के सहयोग से 2 मई, 2024 को 'व्यक्तिगत विकास, उद्यमिता और सामुदायिक विकास के लिए कौशल' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

दौलत राम महाविद्यालय के हिंदी विभाग की सहायक प्रोफेसर: डॉ. समला देवी ने हिंदी परिषद के सहयोग से '5 सितंबर 2024 को स्तर हिंदी शिक्षण की चुनौतियाँ ' विश्व हिंदी दिवस ' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

दौलत राम महाविद्यालय के हिंदी विभाग की सहायक प्रोफेसर: डॉ. ज्योति शर्मा ने हिंदी अकादमी के सहयोग से ' हिंदी' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। के प्रसार में सामाजिक मीडिया की भूमिका '20 सितंबर, 2024 को।

दौलत राम महाविद्यालय के गांधी स्टडी सर्कल ने 7 अक्तूबर, 2024 को "गांधी के सपनों का भारत: विकसित भारत@2047" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

दौलत राम महाविद्यालय के संस्कृत विभाग ने वेव्स के सहयोग से 6 दिसंबर, 2024 को “आधुनिक समय में वैदिक ज्ञान परंपरा की प्रासंगिकता” विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

(9) आयोजित सम्मेलन (1 अप्रैल, 2024 से 31 मार्च, 2025 तक कालानुक्रमिक रूप से आयोजित)

दौलत राम महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा 22 अप्रैल, 2024 को 'मुतासिर: वार्षिक युवा सम्मेलन' नामक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

सम्मेलन का शीर्षक, ' एक दिन अंतर्राष्ट्रीय किशोरावस्था (वैश्विक) स्तर पर हिन्दी शिक्षण की दौलत राम महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा 5 सितंबर, 2024 को ' चुनौतियाँ ' का आयोजन किया गया।

दौलत राम महाविद्यालय के प्राणी-विज्ञान विभाग द्वारा 15 नवंबर, 2024 से 17 नवंबर, 2024 तक 'प्रजनन विज्ञान और आणविक चिकित्सा' शीर्षक से अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

दौलत राम महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा 6 मार्च, 2025 को 'मुतासिर: वार्षिक युवा सम्मेलन' नामक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

आयोजित सम्मेलन

दौलत राम महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा 22 अप्रैल, 2024 को 'मुतासिर: वार्षिक युवा सम्मेलन' नामक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

सम्मेलन का शीर्षक, ' एक दिन अंतर्राष्ट्रीय किशोरावस्था (वैश्विक) स्तर पर हिन्दी शिक्षण की दौलत राम महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा 5 सितंबर, 2024 को ' चुनौतियाँ ' का आयोजन किया गया।

दौलत राम महाविद्यालय के प्राणी-विज्ञान विभाग द्वारा 15-17 नवंबर, 2024 तक 'प्रजनन विज्ञान और आणविक चिकित्सा' शीर्षक से अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

दौलत राम महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा 6 मार्च, 2025 को 'मुतासिर: वार्षिक युवा सम्मेलन' नामक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

04 अप्रैल, 2024 को स्थिरता पहलों में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए महाविद्यालय और इको प्रबंध के बीच एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

महाविद्यालय ने परिसर में अमूल पार्लर संचालित करने के लिए 15 अप्रैल, 2024 को एक समझौता किया।

परिणाम: छात्रों और कार्मिकों को स्वस्थ और स्वच्छ पेय पदार्थ उपलब्ध कराना।

महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) ने 17 सितंबर, 2024 को कौशल भवन में "स्वच्छता ही सेवा" कार्यक्रम आयोजित करने हेतु सुलभ स्वच्छता क्लब के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह सहयोग 2 अक्तूबर, 2024 तक स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत स्वच्छता अभियान चलाने तक विस्तारित है।

01 अक्तूबर, 2024 को, महाविद्यालय ने संस्थान के लिए कुशल और तकनीकी आईटी पेशेवरों को सुरक्षित करने के लिए राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईईआईटी) के साथ एक समझौता किया।

परिणाम: महाविद्यालय ने एनआईईआईटी से पेशेवरों को काम पर रखा है जो डेटा को संभाल रहे हैं और उसका प्रसंस्करण कर रहे हैं।

मछली पालन, पोषण और संबंधित प्रथाओं में प्रशिक्षण और पर्यवेक्षण की सुविधा के लिए दौलत राम महाविद्यालय और आनंदपुर गांव के ग्राम प्रधान के बीच 22 अक्तूबर, 2024 को एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

परिणाम: गाँव में एक्वेरियम निर्माण परियोजना ने स्थानीय जलीय प्रजातियों के लिए एक सुरक्षित आवास प्रदान किया है, मछलियों के बारे में जीव-विज्ञान शिक्षा को बढ़ावा दिया है और पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा दिया है। इसने उचित टैंक डिज़ाइन और जल गुणवत्ता प्रबंधन, और टिकाऊ जलीय कृषि प्रथाओं के माध्यम से स्थानीय समुदाय के लिए रोज़गार सृजन में सहायता की है।

03 दिसंबर, 2024 को दौलत राम महाविद्यालय ने स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित करने के लिए वर्धमान महावीर मेडिकल महाविद्यालय और सफदरजंग अस्पताल के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

वांछित परिणाम: प्रजनन और यौन स्वास्थ्य मुद्दों से जुड़े कलंक को कम करने के उद्देश्य से कम लागत वाली जांच उपलब्ध कराना, तथा परामर्श और शैक्षिक सत्र प्रदान करना।

28 नवंबर, 2024 को महाविद्यालय ने निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए टैल्फ रिन्यूएबल प्राइवेट लिमिटेड के साथ पावर परचेज एग्रीमेंट (पीपीए) पर हस्ताक्षर किए।

परिणाम: औसत ऊर्जा खपत में 66% की कमी आई है। सौर ऊर्जा से उत्पन्न अतिरिक्त बिजली ग्रिड में डाली जा रही है। इस पहल के परिणामस्वरूप बिजली की लागत में उल्लेखनीय कमी आई है, जिससे मासिक बिल ₹6 लाख से घटकर ₹2 लाख हो गया है।

22 जनवरी, 2025 को प्रसिद्ध कोरियोग्राफर श्री भोमिक गाबा और महाविद्यालय की वेस्टर्न डांस सोसाइटी जेनिथ के बीच एक समझौता-ज्ञापन पर औपचारिक हस्ताक्षर किए गए।

परिणाम: प्रमुख आईआईटी कार्यक्रमों, डीयू फेस्ट और अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा आयोजित समारोहों में छात्रों के वार्षिक प्रोडक्शन प्रदर्शनों के लिए कोरियोग्राफी करना। प्रशिक्षित महाविद्यालय छात्रों ने कई कार्यक्रमों में प्रदर्शन किया है और प्रमुख पुरस्कार प्राप्त किए हैं।

28 जनवरी, 2025 को ब्यूटी एवं वेलनेस कंपनी प्राइसलेस मोमेंट्स और महाविद्यालय के बीच एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

वांछित परिणाम: कॉस्मेटोलॉजी और सौंदर्य कल्याण में कौशल-आधारित शिक्षा को बढ़ावा देना।

ज़ेब्राफ़िश मॉडल जीव (2022-27) के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान और शिक्षा के लिए संसृति फाउंडेशन के साथ समझौता-ज्ञापन।

परिणाम:

वर्ष के दौरान प्रयोगशाला में काम करने वाले अनुसंधान प्रशिक्षुओं की संख्या: 10

ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण ज़ेब्राफ़िश मॉडल सिस्टम पर 5 दिवसीय कार्यशाला में डीआरसी के 11 छात्रों ने भाग लिया (22-26 जुलाई, 2024)।

पीएच.डी. छात्र = 3

सुश्री गरिमा जिंदल (जामिया हमदर्द, दिल्ली में पंजीकृत)

सुश्री श्राबैता (केएसबी.ए.स, आईआईटी दिल्ली में पंजीकृत)

सुश्री सोनी (दिल्ली विश्वविद्यालय में पंजीकृत)

एक शोध-पत्र प्रकाशित: गुप्ता, आर., भसीन, सी., जोशी, ए., अग्रवाल, एन., अग्रवाल, ए., और मुदगल, पी. (2025)। ज़ेब्राफ़िश लार्वा में बर्बेरीन प्रेरित त्वरित पूँछ पंख पुनर्जनन का ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण। जीन अभिव्यक्ति पैटर्न, 55. https://doi.org/10.1016/j.gep.2025.119390.)

यूट्यूब वीडियो विकसित:

यमुना दिल्ली क्यों छोड़ गई: https://youtu.be/-TUmsU12cB8

ज़ेब्राफ़िश रहस्य: https://youtu.be/puOZFBTwgoI

नोएडा इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (फार्माकोलॉजी महाविद्यालय) के साथ समझौता-ज्ञापन: ज़ेब्राफिश मॉडल जीव के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान और शिक्षा के लिए (2024-25)।

परिणाम: 1. क्षमता निर्माण नोएडा इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (फार्मेसी संस्थान) नोएडा के 2 संकाय और 14 छात्रों के लिए ज़ेब्राफिश मॉडल सिस्टम पर एक दिवसीय कार्यशाला, 28 सितंबर, 2024 को

2. क्षमता निर्माण नोएडा इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (फार्मेसी संस्थान) नोएडा के 10 संकाय और 20 छात्रों के लिए ज़ेब्राफिश मॉडल सिस्टम पर एक दिवसीय कार्यशाला, 01 मार्च, 2024 को।

अन्य सहयोग

एनईपी 2020 के तहत शिक्षकों को आवश्यक आईसीटी कौशल से लैस करने के लिए, दिल्ली विश्वविद्यालय के दौलत राम महाविद्यालय ने यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (जीएडी-एमएमटीटीसी, पूर्व में जीएडी टीएलसी), यूजीसी और शिक्षा मंत्रालय के एक केंद्र के साथ मिलकर। एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 22-27 जुलाई, 2024 तक अपने संकाय के लिए विशेष रूप से आईसीटी आधारित कक्षा शिक्षण: डिजिटल शिक्षाशास्त्र पर एक सप्ताह का अंतःविषय संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया।

दौलत राम महाविद्यालय सात विदेशी भाषाओं में अंशकालिक प्रमाणपत्र, डिप्लोमा और एडवांस्ड डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करता है, और वर्तमान में विदेशी भाषा केंद्र में 496 छात्र नामांकित हैं। इसके अतिरिक्त, दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएसएलएसए) के सहयोग से जारी कानूनी साक्षरता जागरूकता एवं सहायता कार्यक्रम के तहत तीस छात्रों ने अपना प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम पूरा कर लिया है।

14 नवंबर, 2024 को दौलत राम महाविद्यालय ने तीरथ राम शाह अस्पताल के सहयोग से युवा लड़कियों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर और स्वास्थ्य जागरूकता पर एक व्याख्यान का आयोजन किया।

2 मई, 2024 को, दौलत राम महाविद्यालय के वनस्पति-विज्ञान विभाग ने IQAC के अंतर्गत, संस्थान की नवाचार परिषद (IIC) और MOE के नवाचार प्रकोष्ठ (MIC) के सहयोग से, "व्यक्तिगत विकास, उद्यमिता और सामुदायिक विकास के लिए कौशल" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला महाविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों के छात्रों के लिए खुली थी।

6 दिसंबर 2024 को, विभाग ने वेव्स-इंडिया के सहयोग से "आधुनिक समय में वैदिक ज्ञान परंपराओं की प्रासंगिकता" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रवेश संकायाध्यक्ष प्रो. हनीत गांधी, दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. ओम नाथ बिमली और मुख्य वक्ता वेव्स-इंडिया की प्रो. शशि तिवारी सहित कई प्रतिष्ठित वक्ताओं ने भाग लिया।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

नियोजन के लिए पंजीकृत तृतीय वर्ष के छात्रों की संख्या: 325

नियोजन पाने वाले छात्रों की संख्या : 43

नियुक्त छात्रों का प्रतिशत : 13.2%

इंटर्नशिप पाने वाले छात्रों की संख्या (तीनों वर्ष) : 386

कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या

इंटर्नशिप के लिए कंपनियों की संख्या : 48

भर्ती के लिए कंपनियों की संख्या : 34

कुल कंपनियाँ : 82

उच्चतम पैकेज: 9 लाख

न्यूनतम पैकेज: 4.26 लाख

औसत पैकेज: 7.06 लाख

औसत पैकेज: 6.89 लाख

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम (14-15 अक्तूबर, 2024): क्लोव डेंटल और व्हिसल के साथ एनएचई विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में निवारक स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देने के लिए निःशुल्क दंत चिकित्सा, नेत्र और सामान्य स्वास्थ्य जांच की पेशकश की गई।

रक्तदान शिविर (15 जनवरी, 2025): छात्र संघ ने चंद्र लक्ष्मी अस्पताल के सहयोग से 50 से अधिक रक्तदाताओं के साथ एक सफल शिविर का आयोजन किया, जिसमें स्वैच्छिक रक्तदान के महत्व पर जोर दिया गया।

अनुसंधान प्रयोगशाला का शैक्षिक दौरा (13 नवंबर, 2024): बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी के छात्रों ने भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग के अपने दौरे के दौरान प्रयोगशाला तकनीकों और अनुसंधान पद्धतियों की खोज की।

ड्रोसोफिला हैंडलैंगिक कार्यशाला (जून 2024): ड्रोसोफिला रिसोर्स सेंटर द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में छात्रों को उन्नत आनुवंशिक अनुसंधान तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ।

मानसिक स्वास्थ्य दिवस समारोह - "मनोत्सव" (15 अक्तूबर, 2024): इस कार्यक्रम में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए विशेषज्ञ पैनल, थेरेपी कार्यशालाएं और बूथ शामिल थे।

युवा लड़कियों के लिए स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम (14 नवंबर, 2024): तीरथ राम शाह अस्पताल के सहयोग से, कार्यक्रम में गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की रोकथाम, प्रजनन स्वास्थ्य और मासिक धर्म स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित किया गया।

एस्ट्रो वॉक (6 फरवरी, 2025): छात्रों ने एक खगोल विज्ञान कार्यक्रम के दौरान दूरबीनों के माध्यम से शुक्र, मंगल, शनि और बृहस्पति के संरेखण का अवलोकन किया।

डीआरसी ने एनआईआई के साथ बायोई3 नीति कार्यक्रम की सह-मेजबानी की (2 सितंबर, 2024): इस कार्यक्रम में जैव प्रौद्योगिकी विभाग की बायोई3 नीति की शुरुआत की गई, जिसमें टिकाऊ जैव प्रौद्योगिकी प्रगति पर जोर दिया गया।

ग्लोबल बायो-इंडिया 2024 (12 सितंबर, 2024): छात्रों ने इस राष्ट्रीय स्तर के आयोजन में जैव प्रौद्योगिकी नवाचारों की खोज की।

बागवानी कौशल पर कार्यशाला (2 मई, 2024): इस कार्यशाला ने छात्रों को बागवानी कौशल से लैस किया, स्थिरता और उद्यमिता को बढ़ावा दिया।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय का पुस्तकालय ज्ञान के केंद्र के रूप में कार्य करता है, जिसमें एक लाख से अधिक पुस्तकें, 27 पत्रिकाएँ और 11 समाचार-पत्र, साथ ही दुर्लभ पब्लिकेशंस और 13 भाषाओं में श्रीमद्भागवत गीता जैसे संग्रहित संग्रह उपलब्ध हैं। यह ई-संसाधनों के लिए DELNET और NLIST, INFLIBNET तक पहुँच प्रदान करता है और एक पुस्तकालय इंटर्नशिप कार्यक्रम का आयोजन करता है, जिससे 31 छात्र लाभान्वित होते हैं। इसके पहलों में भगवान श्री राम साहित्य पर "श्री रामालय" खंड, स्वदेशी ज्ञान पर राम रसायन पत्रिका और राम चरित मानस का ब्रेल संस्करण शामिल हैं। पुस्तक चर्चा प्रहर और रामायण अध्ययन में शोध सहायता जैसे आयोजन जुड़ाव को बढ़ाते हैं। पुस्तकालय ब्रेल पत्रिकाओं और KIBO सॉफ्टवेयर के माध्यम से समावेशिता को अपनाता है, जिससे दिव्यांग छात्रों के लिए ऑडियो संसाधन सक्षम होते हैं। 803 नई पुस्तकों, 5,125 सदस्यों और लगभग 24,000 वेबसाइट आगंतुकों के साथ, पुस्तकालय अकादमिक उत्कृष्टता की आधारशिला बना हुआ

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	: 16
सह-प्राचार्य	: 23
सहायक प्रोफेसर	: 130
तदर्थ	: 13
अतिथि	: 30
उपयोगित निधियां (₹ करोड़ में)	: 63.01

आवंटित निधियां (₹ करोड़ में) : 63.01

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

महाविद्यालय ने पिछले कुछ वर्षों में मजबूत रैंकिंग बनाए रखी है, तथा एनआईआरएफ रैंकिंग 2024 के अनुसार 'महाविद्यालय' श्रेणी में 72वां स्थान प्राप्त किया है।

इंडिया टुडे रैंकिंग के अनुसार, 2024 में दौलत राम महाविद्यालय ने 'बी.ए.' और 'बी.कॉम' श्रेणियों में 16वां स्थान प्राप्त किया, जबकि 'बी.एससी.' श्रेणी में 9वां स्थान प्राप्त किया।

शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 के लिए कौशल विकास कार्यक्रम (एसडीपी) "आत्मनिर्भरता, रोजगारपरकता और सामुदायिक विकास को बढ़ावा देने हेतु कौशल" विषय के अंतर्गत शुरू किया गया। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को तकनीकी, शैक्षणिक और व्यावसायिक कौशल का प्रशिक्षण प्रदान करना था ताकि उनमें नवीन सोच और रचनात्मकता को बढ़ावा दिया जा सके।

****

दिल्ली कला और वाणिज्य महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

डीयू के कुलपति के पहले दौरे में उन्होंने मीडिया स्टूडियो लैब, अत्याधुनिक संगोष्ठी हॉल और कॉन्फ्रेंस रूम, और 4 कंप्यूटर लैब का उद्घाटन किया और एक वीडियो साक्षात्कार में भाग लिया। स्वदेशी पौधों और जड़ी-बूटियों की किस्मों के साथ राम वाटिका उद्यान का भी उद्घाटन किया गया। महाविद्यालय ने विकसित भारत एंबेसडर क्लब द्वारा आयोजित विकसित भारत रन में भाग लेकर आत्मनिर्भर भारत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। महाविद्यालय ने एक टॉक शो के लिए प्रिंस लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ की मेजबानी की। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस 14 अगस्त को एक फोटोग्राफी प्रदर्शनी के माध्यम से मनाया गया। राइट-ऑफ पुस्तकों का मुफ्त वितरण अक्तूबर में किया गया। महाविद्यालय ने डीयू के सीडीसी की दूसरी वर्षगांठ की मेजबानी की। समर्थ भारत के सहयोग से वीडियो एडिटिंग में एक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम लॉन्च किया गया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर, न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा, दिल्ली उच्च न्यायालय की न्यायाधीश महाविद्यालय ने एनआईआरएफ रैंकिंग में भाग लिया और 97वां स्थान प्राप्त किया तथा नैक के दूसरे चक्र में सफलतापूर्वक भाग लिया। राजनीति-विज्ञान विभाग के प्रो. श्रीकांत पांडे को उप-प्राचार्य नियुक्त किया गया। महाविद्यालय ने 21 से 27 मार्च तक सतत विकास लक्ष्यों और 2047 में विकसित भारत पर सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया।

शिक्षण और शिक्षणेत्तर कार्मिकों के सम्मान/विभूतियाँ

छह शिक्षकों को प्रोफेसरशिप प्राप्त हुई: अर्थशास्त्र विभाग से प्रो. बीर सिंह, वाणिज्य विभाग से प्रो. (कैप्टन) भूपिंदर, राजनीति-विज्ञान विभाग से प्रो. मुकेश बागोरिया, अंग्रेजी विभाग से प्रो. विनीता गुप्ता चतुर्वेदी, राजनीति-विज्ञान विभाग से प्रो. राजेश कुमार और हिंदी विभाग से प्रो. संजीव कुमार।

पांच शिक्षकों को एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया: इतिहास विभाग से श्रीमती प्रेरणा गौतम और श्री अवधेश कुमार साह, अंग्रेजी विभाग से श्री जेरेमिया पमेई और डॉ. शिल्पा चौधरी, तथा वाणिज्य विभाग से डॉ विप्रा कपूर।

दो शिक्षकों को स्टेज-II में पदोन्नत किया गया: वाणिज्य विभाग से डॉ. अंकिता गुप्ता और शारीरिक शिक्षा विभाग से डॉ. मनोज कुमार राठी।

दो संकाय सदस्यों को पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई: राजनीति-विज्ञान विभाग से डॉ. सुधांशु कुमार और पुस्तकालय विज्ञान विभाग से डॉ. पूरम रानी (पुस्तकालयाध्यक्ष)।

विभूतियाँ प्राप्त छात्र

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (द्वितीय वर्ष) की छात्रा देवसेना पाल ने 9.09 सीजीपीए प्राप्त किया ।

बी.कॉम (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा साक्षी ने 9 सीजीपीए प्राप्त किया ।

बी.ए. (प्रो.) (द्वितीय वर्ष) के छात्र तौफान सिंह बुजेटिया ने 9 सीजीपीए प्राप्त किया ।

बी.कॉम (ऑनर्स) (प्रथम वर्ष) की छात्रा सजल पटेल ने 8.965 सीजीपीए प्राप्त किया ।

बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (प्रथम वर्ष) की छात्रा अहाना दास ने 8.73 सीजीपीए प्राप्त किया ।

प्रकाशन

कोहली, ए. (2024). रोज़मर्रा की ज़िंदगी का स्वचालन: स्क्रीन संस्कृतियाँ और युवा वर्ग। *शोधकोश: जर्नल ऑफ़ विज़ुअल एंड परफ़ॉर्मिंग आर्ट्स* , *5* (1). doi:10.29121/ shodhkosh.v5.i 1.2024.1438

दा सिल्वा, एमआरएफ, सूजा, केएस, मोटेरन, एफ., डी अराउजो, एलसीए, सिंह, आर., भदौरिया, आर., और डी ओलिवेरा, एमबी.ए.म (2024). जैव-अपघटन दक्षता की खोज: मुख्य माइक्रोप्लास्टिक-अपघटनकारी जीवाणुओं पर एक व्यवस्थित समीक्षा। *फ्रंटियर्स इन माइक्रोबायोलॉजी*, *15* , 1360844। doi:10.3389/fmicb.2024.1360844

अहमद, आर.ए., महाराणा, पी., शर्मा, ए., और डिमरी, ए.पी. (2025)। पूर्वोत्तर भारत में तापमान का निरूपण: कॉर्डेक्स -कोर मॉडल प्रयोगों के प्रदर्शन का आकलन। *थ्योरेटिकल एंड एप्लाइड क्लीमटोलॉजी* , *156* (2)। doi:10.1007/s00704-024-05336-4

अहमद, आर.ए., माल, एस., महाराणा, पी., और डिमरी, ए.पी. (2025)। मणिपुर, भारत में जलवायु परिवर्तन के बारे में सामुदायिक धारणाएँ। *थ्योरेटिकल एंड एप्लाइड क्लीमटोलॉजी* , *156* (2)। doi:10.1007/s00704-024-05319-5

अहमद, आर.ए., माल, एस., महाराणा, पी., और डिमरी, ए.पी. (2025)। मणिपुर, भारत में जलवायु परिवर्तन के बारे में सामुदायिक धारणाएँ। *थ्योरेटिकल एंड एप्लाइड क्लीमटोलॉजी* , *156* (2)। doi:10.1007/s00704-024-05319-5

यादव, एम., शर्मा, ए., महाराणा, पी., मल, एस., और डिमरी, ए.पी. (2025)। सिंधु-गंगा-ब्रह्मपुत्र पर सतही ऊर्जा संतुलन परिवर्तनों का जल-मौसम संबंधी चरों पर प्रभाव। *थ्योरेटिकल एंड एप्लाइड क्लीमटोलॉजी* , *156* (1)। doi:10.1007/s00704-024-05241-w

महाराणा, पी. (2024). ओडिशा में वर्षा व्यवहार में अनुमानित परिवर्तन। *जर्नल ऑफ वॉटर एंड क्लाइमेट चेंज* । doi:10.2166/wcc.2024.164

रानी, एस., महाराणा, पी., और मल, एस. (2024). भारतीय उपमहाद्वीप में वर्षा योग्य जल वाष्प के मासिक रुझानों का आकलन। *अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ जियोग्राफर्स के इतिहास* , *114* (4), 671-696। doi:10.1080/24694452.2023.2294899

तनेजा, डी., खन्ना, एस., कुमार श्रीवास्तव, एम., दयानी शरण, वी., मदान, वी., और सिंह, एस. (2025)। वित्तीय सेवाओं की क्रांति: बैंकिंग क्षेत्र पर एआई के प्रभाव का विश्लेषण। *सलुद, सिएन्सिया वाई टेक्नोलोजिया - सीरी डे कॉन्फ़ेरेंसियास* , *4* , 1389. doi:10.56294/sctconf20251389

पुस्तकें

ऋषिकेश सिंह, सिंह, वी.के., कुमार, ए., त्रिपाठी, एस., और भदौरिया, आर. (2024). पर्यावरण में नियोनिकोटिनॉइड्स: *मानव स्वास्थ्य और जैव विविधता के लिए उभरती चिंताएँ।* स्प्रिंगर चैम। https://doi.org/10.1007/978-3-031-45343-4

त्रिपाठी, एस., भदौरिया, आर., और गरकोटी, एस.सी. (2024). *पहाड़ों का गर्म होना: आजीविका और स्थिरता पर प्रभाव।* स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग। https://doi.org/10.1007/978-3-031-62197-0

जोशी, पी.के., राव, के.एस., भदौरिया, आर., त्रिपाठी, एस., और सिंह, आर. (2024). *टिकाऊ शहरी बस्तियों के लिए नीला-हरा बुनियादी ढाँचा: जलवायु परिवर्तन के तहत विकासशील देशों पर प्रभाव।* स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंड। https://doi.org/10.1007/978-3-031-62293-9

भदौरिया, आर., त्रिपाठी, एस., सिंह, पी., सिंह, आर., और सिंह, एच.पी. (2024). *जलीय और स्थलीय वातावरण में कार्बनिक सूक्ष्म प्रदूषक।* स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंड। https://doi.org/10.1007/978-3-031-48977-8

सिंह, ए., भदौरिया, आर., त्रिपाठी, एस., मोदी, आर., और गुप्ता, एस. (2025)। *लचीलेपन के माध्यम से भारतीय महिलाओं का सशक्तिकरण: हालिया विकास और भविष्य का परिप्रेक्ष्य।* स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंड। https://doi.org/10.1007/978-981-96-0986-4

जिंगला, एन., और भारद्वाज, डी. (सं.) (2024). *डिजिटल मीडिया और पत्रकारिता की पुस्तिका: अभ्यास और दृष्टिकोण।* गलगोटिया पब्लिशिंग कंपनी।

आर्या, एके (एड.). (2024). *शिवोहम: जागृति का घर।* किताबवाले पब्लिकेशंस ।

आर्या, एके (एड.). (2024). *लोकावलोकन - लोक विचार, लोक व्यवहार, लोक व्यवस्था।* किताबवाले प्रकाशित कार्य।

आर्या, एके (2025)। *कुरान में मानविये मुलाये एवं अधिकार.* किताबवाले पब्लिशिंग. आर्या, एके (एड.). (2024). *परम्पराओं का लोक विमर्श।* किताबवाले प्रकाशित कार्य।

संपादित पुस्तकों में अध्याय

पटेल, के., चौरसिया, एम., सिंह, आर., भदौरिया, आर., और राव, के.एस. (2024). विकासशील देशों के शहरी केंद्रों में सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में ब्लू-ग्रीन इन्फ्रास्ट्रक्चर की भूमिका। पी.के. जोशी, के.एस. राव, आर. भदौरिया, एस. त्रिपाठी, और आर. सिंह (सं.), *सतत शहरी बस्तियों के लिए ब्लू-ग्रीन इन्फ्रास्ट्रक्चर* (पृष्ठ 11-135)। स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंड एजी। https://doi.org/10.1007/978-3-031-62293-9_5

चौरसिया, एम., पटेल, के., सिंह, आर., भदौरिया, आर., और राव, के.एस. (2024). विकासशील देशों में अगली पीढ़ी के शहरी बुनियादी ढाँचे के रूप में ब्लू-ग्रीन का एकीकरण। पी.के. जोशी, के.एस. राव, आर. भदौरिया, एस. त्रिपाठी, और आर. सिंह (सं.), *सतत विकास के लिए ब्लू-ग्रीन बुनियादी ढाँचा।*

शहरी बस्तियाँ (पृष्ठ 57-82)। स्प्रिंगर नेचर स्विट्ज़रलैंड एजी. https://doi.org/10.1007/978-3-031-62293-9_3

सिंह, वी.के., सिंह, आर., त्रिपाठी, एस., और भदौरिया, आर. (2024). सूक्ष्मजीव समुदायों और मृदा एंजाइमों पर नियोनिकोटिनोइड्स का प्रभाव। आर. सिंह एवं अन्य (सं.), *पर्यावरण में नियोनिकोटिनोइड्स: मानव स्वास्थ्य और जैव विविधता के लिए उभरती चिंताएँ* (पृष्ठ 99-108)। स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंड।

आर्या, ए.के. (2024). मीडिया और पर्यावरण सक्रियता: भारतीय संदर्भ में विकास के मानदंड और एजेंडा निर्माण। पी. सिंह एवं अन्य (सं.), *पर्यावरण सक्रियता और मीडिया: वैश्विक मीडिया - अतीत, वर्तमान और भविष्य के परिप्रेक्ष्य* (पृष्ठ 183-204)। स्प्रिंगर स्टडीज़ इन मीडिया एंड पॉलिटिकल कम्युनिकेशन। स्प्रिंगर।

बनर्जी, एस. (2025). नारीवादी दृष्टिकोण: समकालीन लोकप्रिय बंगाली सिनेमा में महिलाएँ और लैंगिक। ए. इकबाल विश्वमोहन (सं.), *समकालीन भारतीय फिल्मों और मीडिया में महिलाएँ: प्रतिनिधित्व और प्रतिक्रियाएँ।* रूटलेज। https://doi.org/4324/9781003583851-10

तनेजा, डी., सिंह, एस.आर., मदान, वी., रॉय, ए., त्यागी, एम., और भटेजा, आर. (2025)। हरित अर्थव्यवस्था के निर्माण हेतु सतत ऊर्जा की आपूर्ति हेतु नैनो तकनीक का कार्यान्वयन। डब्ल्यू.पी. विलियम एट अल. (सं.), *सुलभ हरित नवाचार के माध्यम से सामाजिक समानता को आगे बढ़ाना* (पृष्ठ 283-300)। आईजीआई ग्लोबल। https://doi.org/10.4018/979-8-3693-9471-7.ch018

अग्रवाल, एनपी, और कुमार, ए. (2024). महिला आर्थिक सशक्तिकरण नीतियाँ: चुनौतियाँ और अवसर। ए. सिंह, आर. भदौरिया, एस. त्रिपाठी, आर. मोदी, और एस. गुप्ता (सं.), *लचीलेपन के माध्यम से भारतीय महिलाओं का सशक्तिकरण।* स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-96-0986-4_11

ठाकुर, बी., और कुमार, के. (2025)। आदिवासी महिला सशक्तिकरण: चुनौतियाँ और संभावनाएँ। *लचीलेपन के माध्यम से भारतीय महिलाओं को सशक्त बनाना* । स्प्रिंगर (अंतर्राष्ट्रीय)।

कुमार, के. (2024). डिजिटल नेटवर्क और वित्तीय विकल्प: सोशल मीडिया के युग में निवेश की दिशा। *डिजिटल मीडिया और पत्रकारिता की पुस्तिका: अभ्यास और दृष्टिकोण में।* गलगोटिया पब्लिशिंग कंपनी।

कुमार, पी., और सिंह, पी. (2025)। भारतीय निगमों में स्थिरता रिपोर्टिंग प्रथाओं को बदलने में एआई की भूमिका। *आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस: भविष्य और इसके अनुप्रयोग* (2024वां संस्करण, पृष्ठ 216-232) में। किताब महल पब्लिशर्स।

अनुसंधान परियोजनाएँ

कंप्यूटर विज्ञान विभाग के श्री अमन कुमार पांडे को "डीप लर्निंग एआई एल्गोरिदम का उपयोग करके गैर-सहकारी डॉकिंग/निरीक्षण उपग्रह के लिए दृष्टि आधारित पोज़ अनुमान" नामक शोध परियोजना के लिए सह-पीआई के रूप में ₹34.15 लाख स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि दो वर्ष है।

स्वीकृत पेटेंट

अमन कुमार पांडे, किसी व्यक्ति की शारीरिक स्थिति की निगरानी के लिए एक प्रणाली, पेटेंट 202411094184 ए, 3 जनवरी 2025, राष्ट्रीय।

आयोजित संगोष्ठियां

दिल्ली विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के पूर्व प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सुमन्यु सत्पथी ने 2 अप्रैल, 2024 को पूर्वी भारत में एक नई साहित्यिक संस्कृति के उदय पर एक व्याख्यान दिया, जिसमें संकट के समय और उसके विरुद्ध लेखन के पहलुओं पर गहन चर्चा की गई।

खेल पत्रकार श्री अनुराग दासगुप्ता ने 13 नवंबर, 2024 को भारत में खेल पत्रकारिता पर एक व्याख्यान दिया।

भू-राजनीतिक जोखिम और खुफिया विश्लेषक सुश्री साक्षी जैन ने 9 अप्रैल, 2024 को स्पेनिश विभाग के छात्रों के साथ भू-राजनीति पर एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया।

इंस्टीट्यूट ऑफ होम इकोनॉमिक्स की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. चारु गुप्ता ने 4 अप्रैल, 2024 को भारत की साड़ियां- बदलते परिप्रेक्ष्य पर एक व्याख्यान दिया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के एआरएसडी महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के सहायक प्रोफेसर: डॉ. गौतम चौबे ने 02 अप्रैल, 2024 को 'निराला का जीवन और विचार' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

13 फ़रवरी, 2025 को ओडब्ल्यू डेटालीड्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। डॉ. नेहा जिंगला संयोजक/समन्वयक के रूप में कार्यरत रहीं। इस सहयोग से फैक्टशाला विश्वविद्यालय नेटवर्क कार्यक्रम के अंतर्गत एक मीडिया साक्षरता केंद्र की स्थापना हुई, जो गूगल न्यूज़ इनिशिएटिव द्वारा समर्थित एक मीडिया और सूचना पहल है। डेटालीड्स द्वारा डिज़ाइन और गूगल न्यूज़ इनिशिएटिव द्वारा समर्थित इस पहल का उद्देश्य संकाय सदस्यों और छात्रों को प्रशिक्षण और संसाधन प्रदान करना है ताकि एक सहयोगात्मक शिक्षण वातावरण को बढ़ावा दिया जा सके जो छात्रों, शिक्षकों और हितधारकों को मीडिया और सूचना साक्षरता पहलों में शामिल करे।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत : 40(5%)

कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या : 50

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

दिल्ली महाविद्यालय ऑफ़ आर्ट्स एंड कॉमर्स के एक जीवंत और सामाजिक रूप से जागरूक छात्र संगठन, ENACTUS DCAC ने शैक्षणिक वर्ष में समुदाय में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से कई प्रभावशाली गतिविधियाँ आयोजित कीं। विभिन्न पहलों, सहयोगों और उपलब्धियों के माध्यम से, ENACTUS DCAC ने सामाजिक उद्यमिता और सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की।

प्रोजेक्ट रियात के तहत, ब्रिटेन स्थित एक अनुकूली वस्त्र ब्रांड, चामिया डेवी के साथ एक नया सहयोग शुरू किया गया । संस्थापक ने भारतीय बाज़ार के लिए हमारे उत्पादों को डिज़ाइन करने और संपर्कों का उपयोग करके बिक्री बढ़ाने में मदद करने की पेशकश की। यह ब्रांड कोलकाता स्थित अनुकूली वस्त्र बनाता है।

हमने प्रभाव ट्रस्ट के साथ भी सहयोग किया है जो मानसिक स्वास्थ्य परामर्श सत्र प्रदान करता है और वे हमारे रियात पोर्टल के माध्यम से हमें यह सुविधा प्रदान करने में मदद करते हैं। इसके अतिरिक्त, वे सामुदायिक मान्यता, सामुदायिक आयोजनों और उनके और हमारे बीच एक क्रॉस-रेफ़रल मार्केटिंग प्रणाली स्थापित करने में भी हमारी सहायता करते हैं।

एपीडी हमारा संवेदीकरण शिविर भागीदार बन गया और हमें प्रशिक्षित किया तथा डी.ई. शॉ में एक संवेदीकरण शिविर का आयोजन किया।

जमीनी स्तर पर, हमने पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय शारीरिक विकलांग व्यक्ति संस्थान में 10 दिनों का सर्वेक्षण किया और एकत्रित सभी आंकड़ों को एक व्यवस्थित डेटाबेस में संकलित किया। हम नजफगढ़ स्थित अपनी उत्पादन इकाई - विकलांग परिवार - में गए और तीन उत्पाद तैयार किए।

इसके अतिरिक्त, हमने एपीडी के सहयोग से 3 सुगम्यता अभियान और एक संवेदीकरण शिविर का आयोजन किया।

हमने तीन स्थानों पर पॉप-अप स्टॉल स्थापित करने में सफलता प्राप्त की, जहां एफओडी में विशेष रूप से सक्षम व्यक्तियों द्वारा बनाए गए हस्तशिल्प बेचे गए।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में 6,94563.5 की लागत से 63862 पुस्तकों का समृद्ध संग्रह है। 23 पत्रिकाएँ/पत्रिकाएँ हैं। पुस्तकालय 13 समाचार पत्रों का ग्राहक है। पत्रिकाओं और समाचार पत्रों पर रुपये 1,15194/- खर्च किए गए। पुस्तकालय ने संकाय प्रकाशन, पिछले वर्ष के प्रश्न बैंकों, दुर्लभ पुस्तकों, पत्रकारिता परियोजनाओं, शब्दकोशों, पुस्तक बैंक, धार्मिक पुस्तकों और रचना वली और ग्रंथ वली संग्रह आदि सहित विशेष संग्रहों तक आसान पहुँच के लिए लकड़ी के डिस्प्ले अलमारियाँ और कंप्यूटर पेश किए। पुस्तकालय ने वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ONOS) प्लेटफ़ॉर्म पर सफलतापूर्वक पंजीकरण किया है। लगभग 55179 ई-जर्नल्स और लगभग 613597 ई-पुस्तकों और लगभग 187 डेटाबेस तक पहुँच। महाविद्यालय पुस्तकालय डीस्पेस सॉफ्टवेयर का उपयोग करके क्लाउड पर अपने संस्थागत रिपॉजिटरी की मेजबानी करता है, जो कहीं से भी 24/7 पहुँच प्रदान करता है। 172 लोगों की बैठने की क्षमता वाली इस पुस्तकालय में 30193 लोग आते हैं और 13728 बार जारी/नवीनीकृत/वापसी लेनदेन होते हैं। महाविद्यालय पुस्तकालय ने सभी छात्रों और शिक्षकों को आरएफआईडी स्मार्ट कार्ड जारी किए हैं, जो सुरक्षित और कुशल पहुँच प्रदान करते हैं, निर्बाध प्रवेश और बेहतर उपयोगकर्ता अनुभव सुनिश्चित करते हैं।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक : 23

सह-प्राचार्य : 16

सहायक प्रोफेसर : 63

उपयोगित निधियां (₹ करोड़ में) : 406400000

₹ आवंटित निधियां (करोड़ में) : 458200000

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

महाविद्यालय ने प्रोफेसर राजीव चोपड़ा (मुख्य संपादक) और डॉ अनिमेष महापात्रा (संपादक) के नेतृत्व में अपनी वार्षिक पत्रिका, इंटेलेक्चुअल रेजोनेंस - डीसीएसी जर्नल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी स्टडीज (01-211) का 7वां खंड प्रकाशित किया।

****

दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

महाविद्यालय को विज्ञान महाविद्यालयों में 14वां , वाणिज्य महाविद्यालयों में दिल्ली में 9वां और दिल्ली में 12वां, प्रबंधन महाविद्यालयों में पूरे भारत में 15वां और दिल्ली में चौथा तथा भारत में कला महाविद्यालयों में 40वां स्थान दिया गया है।

शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित एनआईआरएफ इंडिया रैंकिंग 2024 में 3,371 प्रतिभागी महाविद्यालयों में से महाविद्यालय को 26वां स्थान दिया गया है।

विश्वविद्यालय स्तर पर कुलपति इंटर्नशिप योजनाओं के अनुरूप महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिए 'प्रधानाचार्य इंटर्नशिप योजना' शुरू की गई है।

महाविद्यालय को डीबीटी स्टार महाविद्यालय स्टेटस प्रोग्राम (2022-2025) के तहत चुना गया है और इसके लिए 1,61,87,340 रुपये मंजूर किए गए हैं।

महाविद्यालय के संकाय सदस्यों को डीएसटी, सीएसआईआर, एसईआरबी आदि जैसी प्रमुख एजेंसियों द्वारा 1,97,11,917/- रुपये मूल्य की 11 प्रमुख और लघु अनुसंधान परियोजनाएं प्रदान की गईं।

महाविद्यालय द्वारा द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के 246 विद्यार्थियों को 24,60,000/- रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

प्राणी-विज्ञान विभाग को कौशल विकास केंद्र के रूप में मोती, जूप्लैंकटन और सजावटी मछली पालन सुविधा की स्थापना के लिए 3,00,000 रुपये की राशि प्रदान की गई।

वनस्पति-विज्ञान विभाग को कौशल विकास केंद्र के रूप में मशरूम संस्कृति सुविधा की स्थापना के लिए 7,50,000/- रुपये की राशि प्रदान की गई।

शिक्षण और शिक्षणेत्तर कार्मिकों के सम्मान/विभूतियाँ

प्रोफेसर हेम चंद जैन, प्राचार्य को शैक्षणिक प्रशासन में वैश्विक रुझानों पर लिवरपूल विश्वविद्यालय के सहयोग से दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संचालित क्षमता निर्माण कार्यक्रम (चरण III) के लिए नामित किया गया।

भौतिकी विभाग के प्रोफेसर पी.के. झा को शैक्षणिक प्रशासन में वैश्विक रुझानों पर डरहम विश्वविद्यालय के सहयोग से दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संचालित क्षमता निर्माण कार्यक्रम (चरण III) के लिए नामित किया गया।

रसायन-विज्ञान विभाग के प्रोफेसर सचिन मित्तल को शैक्षणिक प्रशासन में वैश्विक रुझानों पर डरहम विश्वविद्यालय के सहयोग से दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संचालित क्षमता निर्माण कार्यक्रम (चरण III) के लिए नामित किया गया।

कंप्यूटर विज्ञान विभाग के प्रोफेसर रामपाल सिंह को दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय से 50,000/- रुपये का यात्रा अनुदान प्रदान किया गया, ताकि वे बैंकॉक, थाईलैंड में

बिजनेस मैनेजमेंट के लिए सूचना प्रणाली पर तीसरे विश्व सम्मेलन में "ट्रांसफार्मर के माध्यम से अल्ट्रावायलेट सूचकांक का स्मार्ट पूर्वानुमान: एक गहन शिक्षण मॉडल" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत कर सकें।

डॉ. सुधीर वर्मा, प्राणि-विज्ञान विभाग को इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर हायलूरोनन साइंसेज (आईएसएचएएस) से 1500.00 अमेरिकी डॉलर का अनुसंधान यात्रा अनुदान-2024 प्रदान किया गया, ताकि वे डॉ. एडम हॉल, वेक फॉरेस्ट यूनिवर्सिटी, उत्तरी कैरोलिना की प्रयोगशाला का दौरा कर सकें, तथा ठोस अवस्था नैनोपोर प्रौद्योगिकी का उपयोग करके हायलूरोनन आकार लक्षण वर्णन कर सकें।

अंग्रेजी विभाग के डॉ. ललित कुमार ने नवंबर 2024 में देहरादून में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कला एवं साहित्य महोत्सव, बनारस लिटरेचर फेस्टिवल बुक अवार्ड्स और वैली ऑफ वर्ड्स अवार्ड्स के प्रतिष्ठित निर्णायक मंडल में कार्य किया।

वाणिज्य विभाग की डॉ. मेघना अग्रवाल ने 19-20 मार्च, 2025 को विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: विकसित भारत का एक परिप्रेक्ष्य@2047 में "वित्तीय समावेशन का भविष्य: क्या डिजिटल यूबीआई अगला कदम है?" शीर्षक वाले शोध-पत्र के लिए सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र प्रस्तुति पुरस्कार जीता।

श्री अश्विनी ठाकुर को वर्ष 2023-24 के लिए सर्वश्रेष्ठ शिक्षणेत्तर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस पुरस्कार में एक प्रशस्ति पत्र, प्रमाणपत्र और 21,000 रुपये की नकद राशि शामिल है।

विभूतियाँ प्राप्त छात्र

101वें वार्षिक दीक्षांत समारोह-2024 में कुलपति का स्वर्ण पदक (शारीरिक रूप से विकलांग छात्र) वाणिज्य स्ट्रीम जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) की छात्रा सुशांकिता श्रीवास्तव ने 22 फरवरी, 2025 को 101वें वार्षिक दीक्षांत समारोह 2024 में बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति-विज्ञान में विश्वविद्यालय पदक जीता।

बी.एम.एस (द्वितीय वर्ष) के छात्र अनमोल बजाज ने रिलायंस फाउंडेशन अंडर ग्रेजुएशन छात्रवृत्ति के रूप में 1,50,000 रुपये की राशि जीती।

बी.एम.एस (द्वितीय वर्ष) के छात्र अल्लूरी गणेशम ने रिलायंस फाउंडेशन अंडर ग्रेजुएशन छात्रवृत्ति के रूप में 1,50,000 रुपये की राशि जीती।

बी.कॉम (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा काश्वी बत्रा, बी.एम.एस (द्वितीय वर्ष) के छात्र रुद्र पांडे, बी.एम.एस (द्वितीय वर्ष) के छात्र सुपार्ष जैन और बी.कॉम (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष) के छात्र गणेश वर्मा ने जुलाई 2024 में आईआईएम बैंगलोर द्वारा आयोजित केस प्रतियोगिता हैवॉक में राष्ट्रीय रैंक 2 प्राप्त की।

बी.कॉम (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) के छात्र आर्यन गुप्ता और बी.कॉम (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष) के छात्र शुभम ने बिट्स हैदराबाद राष्ट्रीय बी-प्लान प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.कॉम (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) के छात्र आर्यन गुप्ता, बी.कॉम (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष) के छात्र देव महाजन और बी.कॉम (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष) के छात्र संभव छाबड़ा ने आईआईएम अहमदाबाद में राष्ट्रीय केस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.कॉम (ऑनर्स) (प्रथम वर्ष) के छात्र प्रियांशु भालोठिया ने 32वीं जूनियर राष्ट्रीय बेसबॉल चैम्पियनशिप (लड़के) में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.एससी. गणित (तृतीय वर्ष) की छात्रा चेतना सिंह ने 40वीं दिल्ली राज्य सीनियर ताइक्वांडो चैम्पियनशिप 2024 में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.कॉम (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष) के छात्र कुणाल नाथ ने अंतर महाविद्यालय भारोत्तोलन प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन

अग्रवाल, सी., मिश्रा, ए., और दुबे, जी. (2023)। एक नया ग्रे-स्केल इमेज वॉटरमार्किंग फ्रेमवर्क, जिसमें कई स्केलैंगिक कारकों के हार्मनी सर्च एल्गोरिथम ऑप्टिमाइज़ेशन का उपयोग किया गया है। *मल्टीमीडिया टूल्स एंड एप्लीकेशन*, *83* (8), 21801-21822। doi:10.1007/s11042-023-15533-4

उच्च शिक्षा संस्थानों पर एनईपी और आईपीआर के प्रभाव का आकलन। (2024). *जर्नल ऑफ इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स*, *29* (2)। doi:10.56042/ jipr.v 29i2.758

अहमद, टी., जिंदल, के., तोमर, एम., और झा, पी.के. (2024). स्पंदित लेज़र निक्षेपण तकनीक द्वारा विकसित SBN60 पतली फिल्मों में Ca प्रतिस्थापन द्वारा संवर्धित विद्युत-ऑप्टिक गुण। *ऑप्टिकल मटेरियल्स*, *157* (116364), 116364. doi:10.1016/j.optmat .2024.116364

आनंद, ए., नारंग, आर., रावल, डी.एस., मिश्रा, एम., सक्सेना, एम., और गुप्ता, एम. (2024a)। AlGaN चैनल HEMT के DC, RF, रैखिकता, इंटरमॉड्यूलेशन और ऑफ-स्टेट ब्रेकडाउन विशेषताओं पर ग्रेडेड AlGaN बफर परत की मोटाई का प्रभाव। *IETE तकनीकी समीक्षा* , *41* (5), 602-611। doi:10.1080/02564602.2024.2315628

आनंद, ए., नारंग, आर., रावल, डी.एस., मिश्रा, एम., सक्सेना, एम., और गुप्ता, एम. (2024b)। फील्ड प्लेट इंजीनियरिंग का उपयोग करके कू-बैंड अनुप्रयोगों के लिए 150 एनएम GaN HEMT का अनुकूलन। *माइक्रो एंड नैनोस्ट्रक्चर्स* , *188* (207773), 207773। doi:10.1016/ j.micrna.2024.207773

अरोड़ा, ए., गुप्ता, आर., और सक्सेना, आर.आर. (2024). असममित पंचकोणीय फ़ज़ी संख्याओं के साथ ट्रांसशिपमेंट समस्या को हल करने की एक तकनीक। *RAIRO ऑपरेशंस रिसर्च* , *58* (4), 3487-3499। doi:10.1051/ro/2024012

बेलवंशी, वी., सेहरा, के., आर्यन, दीक्षित, ए., कस्तूरी, पी., और सक्सेना, एम. (2024). -रे विकिरण के प्रभाव में पीज़ोरेसिस्टिव सेंसर का क्षरण तंत्र। *आईईईई सेंसर जर्नल* , *24* (23), 38740-38747। doi:10.1109/jsen.2024.3467103

भटनागर, एस., और कुमारी, आर. (2024). पुष्प जीव-विज्ञान, परागण जीव-विज्ञान और प्रजनन तंत्र, एक संवेदनशील पादप प्रजाति, बुकाननिया लैंज़न की पुनर्स्थापना के लिए चुनौतियों का खुलासा करते हैं। *फ्लोरा* , *311* (152448), 152448. doi:10.1016/j.flora .2024.152448

भटनागर, एस., कुमारी, आर., और कौर, आई. (2023)। समुद्री शैवाल और एक जैव-नियंत्रण कारक तथा ब्रैसिका जंसिया की वृद्धि और उत्पादन पर उनका प्रभाव: एक स्थायी दृष्टिकोण। *वर्ल्ड जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी* , *40* (1), 16. doi:10.1007/s11274-023-03835-6

भट्ट, वी., सिंह, एम.के., अग्रवाल, ए., झा, पी.के., और भट्टाचार्य, ए.बी. (2024). हाइब्रिड मैग्नोनिकल सेमीकंडक्टर माइक्रोकैविटी में नियंत्रणीय अरैखिक प्रभाव। *जर्नल ऑफ़ द ऑप्टिकल सोसाइटी ऑफ़ अमेरिका। बी, ऑप्टिकल फ़िज़िक्स* , *41* (5), 1187। doi:10.1364/josab.519406

भट्ट, वी., यादव, एस., झा, पी.के., और भट्टाचार्जी, एबी (2024). एसएडब्ल्यू-चालित ऑप्टोमैकेनिकल नैनोस्ट्रक्चर के ऑप्टिकल गुण। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ थियोरेटिकल फिजिक्स* , *63* (10)। doi:10.1007/s10773-024-05809-2

चंचल, जिंदल, के., तोमर, एम., और झा, पी.के. (2024). $_2$ Se3 पतली फिल्मों में प्रयुक्त एक स्व-चयनकर्ता और स्व-सही आवेश-जाल-आधारित प्रतिरोधक स्विचिंग उपकरण। *एसीएस एप्लाइड इलेक्ट्रॉनिक मटेरियल*, 6(5), 3742-3753। doi:10.1021/acsaelm.4c00386

चंचल, फैसल, एम., लैशराम, आर., शर्मिला, कपूर, एस., लोहानी, जे., सक्सेना, एम. (2024). n-प्रकार SiC से ओमिक संपर्क: Au और Ta मध्यवर्ती परतों का प्रभाव। *माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स जर्नल* , *151* (106361), 106361. doi:10.1016/j.mejo .2024.106361

चंचल, कुमारी, वी., रावल, डी.एस., और सक्सेना, एम. (2024). विकिरण-कठोर अनुप्रयोग के लिए रिसेस गेट GaN/AlN p-चैनल HEMTs में एकल-घटना प्रभावों की जाँच। *कम्प्यूटेशनल इलेक्ट्रॉनिक्स जर्नल* । doi:10.1007/s10825-024-02216-y

चंचल, सिंह, जेपी, जिंदल, के., तोमर, एम., और झा, पी.के. (2024). पीएलडी द्वारा विकसित In2Se3 पतली फिल्मों का उपयोग करके एक नवीन प्रकाश-विद्युत-रासायनिक आधारित जल-विभाजन और यूरिक अम्ल जैवसंवेदन। *इलेक्ट्रोकेमिका एक्टा* , *505* (144933), 144933. doi : 10.1016/j.electacta.2024.144933

डागर, वी.एस., मिश्रा, एम., शर्मा, ए., शंकर, एम., गोयल, एस., पाल, आर., और कुमार, एस. (2024). जैव-रासायनिक और सिलिको डॉकिंग अध्ययन के माध्यम से आहारीय एमामेक्टिन बेंजोएट द्वारा हेलिकोवर्पा आर्मिजेरा के लार्वा मध्य-आंत एंजाइमों की क्रियाशीलता में भिन्नता का पता लगाना। केमोस्फीयर, 359(142288), 142288। doi:10.1016/j.chemosphere.2024.142288

जेनवा, एम., सिंह, जे., रानी, ए., यादव, के., और अंगरीश, सी. (2024). स्नातक प्रयोगशाला के लिए प्रकाश-रासायनिक अभिक्रिया को सरल बनाया गया। *जर्नल ऑफ केमिकल एजुकेशन* , *101* (2), 669-674। doi:10.1021/ acs.jchemed.3c01012

गुप्ता, ए., और जैन, डी. (2024a)। ऋणात्मक निरपेक्ष तापमान के बारे में कुछ सकारात्मक विचार। *रेज़ोनेंस* , *29* (3), 361-373। doi:10.1007/s12045-024-0361-5

गुप्ता, ए., और जैन, डी. (2024b). एक पृथक द्वि-स्तरीय प्रणाली में अपकर्ष के प्रभाव का अनावरण: एक स्नातक समस्या। *द फिजिक्स एजुकेटर* । doi:10.1142/s2661339524500148

बाज़ार में मास्टिज मार्केटिंग और मूल देश उपभोक्ताओं को कैसे प्रभावित करते हैं ? एक जाँच। *इंडियन जर्नल ऑफ़ मार्केटिंग* , *54* (11), 26. doi:10.17010/ijom/2024/v54/i11/174629

जैन, वी., सहाय, आर.आर., और नूपुर (2024). उच्चतर आघूर्णों वाले पोर्टफोलियो चयन के लिए बहु-ब्रह्मांड मेटाहेयुरिस्टिक और गहन शिक्षण दृष्टिकोण। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट* , *15* (5), 1956-1970। doi:10.1007/s13198-023-02218-2

कालरा, सी., बंसल, एम., माहौर, सी., पीटर, एस., और कौर, ए. (2024). जलवायु लचीलेपन के लिए रणनीतियों का विश्लेषण: सतत विकास पर केंद्रित एक आईएसएम एमआईसीएमएसी दृष्टिकोण। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल रिसर्च एंड रिव्यू* , *41* (विशेष खंड), 195-205। doi:10.52756/ijerr.2024.v41spl .016

खुराना, एम., उपासना, सक्सेना, एम., और गुप्ता, एम. (2024). यूवीसी विकिरण का पता लगाने के लिए जंक्शन रहित फोटोट्रांजिस्टर की टीसीएडी आधारित जाँच। *ऑप्टिक्स एंड लेजर टेक्नोलॉजी* , *172* (110486), 110486। doi : 10.1016/j.optlastec.2023.110486

कुमार, पी., परवीन, राज, एन., कुमार, एम., फाखरी, केयू, कुमार, एस., ... कपूर, एमके (2024). स्ट्रेप्टोमाइसेस प्रजाति से प्राप्त प्राकृतिक उत्पाद SARS-CoV-2 प्रतिकृति के प्रमुख कारकों (होलोआरडीआरपी और एनएसपी13) के संभावित अवरोधक के रूप में: एक सिलिको दृष्टिकोण। *माइक्रोबायोलॉजी अभिलेखागार* , *206* (2), 88. doi:10.1007/s00203-023-03820-5

कुमार, आर. (2024). भारत में आर्थिक विकास, संरचनात्मक परिवर्तन और रोज़गार संबंध. *अर्थशास्त्र और राजनीति-विज्ञान की समीक्षा* , *9* (4), 346-357. doi:10.1108/reps-07-2022-0051

कुमार, एस., कुब्बा, आर., अगस्ती, एन., सेल्वराज, ए., और कुमार, ए. (2024). पोटेशियम टर्ट-ब्यूटॉक्साइड ने कमरे के तापमान पर एल्डिहाइड से नाइट्राइल के प्रत्यक्ष वन-पॉट संश्लेषण को बढ़ावा दिया। *जर्नल ऑफ केमिकल साइंसेज (बैंगलोर, भारत)* , *136* (2)। doi:10.1007/s12039-024-02282-6

कुमार सिंह, एम., महाजन, एस., भट्ट, वी., यादव, एस., झा, पी.के., और भट्टाचार्जी, एबी (2024). ऑप्टो-मैग्नोमैकेनिकल सिस्टम में ट्यूनेबल बाइस्टेबिलिटी, ऑप्टोमैकेनिकल और मैग्नोमैकेनिकल रूप से प्रेरित पारदर्शिता। *जर्नल ऑफ एप्लाइड फिजिक्स* , *136* (21)। doi:10.1063/5.0229979

कुमारी, एम., जिंदल, के., मुंजाल, एस., तोमर, एम., और झा, पी.के. (2024). BiCoO3 पतली फिल्म में एनालॉग प्रतिरोधक स्विचिंग व्यवहार। *सॉलिड-स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स* , *212* (108831), 108831. doi:10.1016/j.sse .2023.108831

कुमारी, वी., पवन, वाई.पी., गुप्ता, एम., और सक्सेना, एम. (2024). स्लैंट फील्ड प्लेट MISHEMT (SFP-MISHEMT) में रैखिकता और विकिरण विशेषताओं का अन्वेषण। *पदार्थ विज्ञान और अभियांत्रिकी। B, उन्नत प्रौद्योगिकी के लिए ठोस-अवस्था पदार्थ* , *307* (117489), 117489। doi:10.1016/j.mseb .2024.117489

कुमारी, वी., सक्सेना, एम., और गुप्ता, एम. (2024). DG-InAlN/GaN HEMT का उपयोग करके RF प्रदर्शन संवर्धन। *IEEE ट्रांज़ैक्शन ऑन इलेक्ट्रॉन डिवाइसेस* , *71* (9), 5289-5295। doi:10.1109/ted.2024.3430251

मेहरा, वी., अहमद, टी., अग्रवाल, ए., झा, पी.के., नौटियाल, ए., और सेमल्टी, पी.डी. (2024). NaNO3 और K-डोपेड NaNO3 के संरचनात्मक, प्रत्यास्थ, इलेक्ट्रॉनिक, प्रकाशिक और तापभौतिकीय गुणों पर प्रथम-सिद्धांत अध्ययन । फिजिका स्क्रिप्टा , *99* (*6*), 065973। doi:10.1088/1402-4896/ad48e7

मिश्रा, ए., बंसल, एम., और शर्मा, ए. (2023)। ईएलएम-फ़ज़ी-पीएसओ हाइब्रिड स्कीम का उपयोग करके लाइव स्ट्रीम किए गए एमपीईजी-4 फ़्रेमों की वीडियो वॉटरमार्किंग। *मल्टीमीडिया टूल्स और एप्लिकेशन* । doi:10.1007/s11042-023-16994-3

मिश्रा, आर., कविता, राजपाल, ए., भाटिया, वी., राजपाल, एस., अग्रवाल, एम., और कुमार, एन. (2024). आई-एलडीडी: एक व्याख्यायोग्य पत्ती रोग डिटेक्टर। *सॉफ्ट कंप्यूटिंग* , *28* (3), 2517-2533। doi:10.1007/s00500-023-08512-2

मोंडल, एम., वोहरा, एम., सांगवान, जे., वर्मा, एस., कूलसन-थॉमस, वी.जे., चंद्रू, ए., ... तिवारी, ए. (2024). कॉर्नियल उपकला कोशिकाओं पर आँसुओं के कार्य की जाँच के लिए इन विट्रो परख। *बायो-प्रोटोकॉल* , *14* (1), e4910. doi:10.21769/BioProtoc.4910

पंत, जी., और पंत, एस.के. (2024). कुछ प्रकार के अरैखिक अवकल समीकरणों के हलों का अध्ययन। *इंडियन जर्नल ऑफ प्योर एंड एप्लाइड मैथमेटिक्स* , *55* (2), 671-683। doi:10.1007/s13226-023-00398-y

राजपाल, ए., कुमार, एस., शर्मा, एन.के., अब्राहम, ए., मिश्रा, ए., और कुमार, एन. (2024). सीएक्सआरमार्क: ऑनलाइन सीक्वेंशियल रिड्यूस्ड कर्नेल ईएलएम का उपयोग करके छाती के एक्स-रे के लिए एक वॉटरमार्किंग योजना। *सर्किट, सिस्टम और सिग्नल प्रोसेसिंग* , *43* (2), 965-993। doi:10.1007/s00034-023-02491-3

राजपाल, ए., मिश्रा, आर., राजपाल, एस., कविता, भाटिया, वी., और कुमार, एन. (2024). डीप लर्निंग-आधारित पत्ती रोग पहचान की व्याख्या। *सॉफ्ट कंप्यूटिंग* , *28* (20), 12299-12322। doi:10.1007/s00500-024-09939-x

सर्राफ, एम., जनेशमा, ई., आरिफ, एन., यादव, वी., ज़हरा, एन., बूज़ौद, एस., … हसनुज्जमां, एम. (2024). पौधों में धातु/धातु-आवरण तनाव के शमन हेतु बायोचार। *जर्नल ऑफ प्लांट ग्रोथ रेगुलेशन* , *43* (10), 3303-3319। doi:10.1007/s00344-024-11335-6

सेहरा, के., चंचल, मलिक, ए., कुमारी, वी., गुप्ता, एम., मिश्रा, एम., … सक्सेना, एम. (2024). डूबे हुए स्रोत-संबद्ध फ़ील्ड प्लेट आर्किटेक्चर वाले GaN HEMT के एकल-घटना बर्नआउट प्रदर्शन पर। *IEEE ट्रांज़ैक्शन ऑन इलेक्ट्रॉन डिवाइसेस* , *71* (7), 4072-4078। doi:10.1109/ted.2024.3396781

शर्मा, ए., मिश्रा, एम., सामल, आर.आर., डागर, वी.एस., कुमार, एम., शुक्ला, ए., और कुमार, एस. (2024). कैसिया ऑक्सीडेंटलिस की पत्तियों और तने के अर्क का एडीज़ एजिप्टी (लिनियस, 1762) के जीवन मापदंडों पर प्रभाव। *जर्नल ऑफ एप्लाइड एंड नेचुरल साइंस* , *16* (2), 752-761। doi:10.31018/ jans.v 16i2.5642

सिंह, ए., कुमार, डी., गेम्मति, डी., एल्लुर, आर., सिंह, ए., तिसातो, वी., … सिंह, ए. (2024). 64 बहुरूपी एसएसआर मार्करों का उपयोग करके 116 अभिगमों के साहचर्य मानचित्रण से चावल प्रजनन में आनुवंशिक विविधता और जनसंख्या संरचना की जाँच। *क्रॉप्स* , *4* (2), 180-194। doi:10.3390/crops4020014

सिंह, टी., भट्टाचार्य, एम., मावी, ए.के., गुलाटी, ए., राकेश, शर्मा, एन.के., कुमार, यू. (2024). कैंसर कोशिकाओं की प्रतिरक्षाजनकता: एक अवलोकन। *सेलुलर सिग्नलैंगिक* , *113* (110952), 110952। doi : 10.1016/j.cellsig.2023.110952

सिंह, वाई., त्रिपाठी, एस.एन., पांडे, पी., त्रिपाठी, ए., आरिफ, एन., यादव, वी., … चौहान, डी.के. (2024). टैगेटेस इरेक्टा एल. और ज़िननिया एलिगेंस जैक. के पौधों की AgNO3 और ZnSO4 धातुओं और उनके नैनोकणों के प्रति तुलनात्मक शारीरिक और शारीरिक प्रतिक्रियाएँ। *औद्योगिक फसलें और उत्पाद* , *212* (118378), 118378। doi:10.1016/j.indcrop .2024.118378

वर्मा, एस., मोरेनो, आईवाई, गेस्टेरा, टीएफ, और कूलसन-थॉमस, वीजे (2024). रिपोर्टर चूहों में न्यूक्लियर-लोकलाइज्ड जीएफपी की विषाक्तता। *साइंटिफिक रिपोर्ट्स* , *14* (1), 24642। doi:10.1038/s41598-024-75741-2

वर्मा, एस., मोरेनो, आई.वाई., प्रिंहोलाटो दा सिल्वा, सी., सन, एम., चेंग, एक्स., गेस्टेरा, टी.एफ., और कूलसन-थॉमस, वी.जे. (2024). अंतर्जात टीएसजी-6 रासायनिक क्षति के बाद कॉर्निया की सूजन को नियंत्रित करता है। *द ऑक्यूलर सरफेस* , *32* , 26-38। doi:10.1016/ j.jtos.2023.12.007

यादव, एस., भट्ट, वी., भट्टाचर्जी, एबी, और झा, पी.के. (2024). केर-अरैखिकता और आयाम मॉडुलित ड्राइव फ़ील्ड द्वारा सहायता प्राप्त एक हाइब्रिड ऑप्टोमैकेनिकल सिस्टम में ऑप्टिकल प्रतिक्रिया गुण

और द्विभाजक उलझाव। *जर्नल ऑफ़ ऑप्टिक्स (2010)* , *26* (4), 045402. doi:10.1088/2040-8986/ad2b03

परमादी, एन., अकबरी, एसआई, प्रिस्मंतोरो, डी., इंद्रियानी, एनएन, नूरज़मान, एम., अलहसनवी, एएन, ... जुलेहा, ई. (2024). पादप ऊतक संवर्धन में भूरापन नियंत्रण के लिए पारंपरिक और अगली पीढ़ी के तरीके: वर्तमान अंतर्दृष्टि और भविष्य की दिशाएँ। *करंट प्लांट बायोलॉजी* , *38* (100339), 100339। doi:10.1016/j.cpb .2024.100339

देवी आर.एस., ढल पी.बी., त्रिपाठी एस. और भदौरिया आर. (2024). औषधीय एवं सुगंधित पौधों (एमएपी) के मूल्यवर्धन हेतु सतत् पद्धतियाँ और वृत्ताकार अर्थव्यवस्था दृष्टिकोण। *द जर्नल ऑफ प्लांट साइंस रिसर्च 40* (2), 309-316.

भदौरिया, आर., **त्रिपाठी एस.,** सिंह पी., सिंह आर. और सिंह एच.पी. (2024). प्रस्तावना। *जलीय और स्थलीय वातावरण में कार्बनिक सूक्ष्म प्रदूषक* , पृष्ठ 5-8 में।

खुराना, एम., उपासना, सक्सेना, एम., और गुप्ता, एम. (2024). 1550 नैनोमीटर पर कम प्रकाशीय शक्ति संसूचन हेतु पॉकेट डोप्ड Mg2Si/Si हेटेरोजंक्शन Ge गेटेड TFET का प्रभाव। *स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन फिजिक्स* (पृष्ठ 265-273)। doi:10.1007/978-981-97-1571-8_31

दास, एस., सेहरा, के., कुमारी, वी., गुप्ता, एम., और सक्सेना, एम. (2024). LNAs के लिए एकल और द्वि-चैनल AlGaN/GaN HEMTs का तुलनात्मक अध्ययन। *स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन फिजिक्स* (पृष्ठ 127-140)। doi:10.1007/978-981-97-1571-8_15

शर्मा, एम., नारंग, आर., सक्सेना, एम., और गुप्ता, एम. (2024). कम शक्ति अनुप्रयोगों के लिए टेपर्ड एंगल हेटेरो-जंक्शन डोपिंगलेस TFET का RF विश्लेषण। *स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन फिजिक्स* (पृष्ठ 257-263)। doi:10.1007/978-981-97-1571-8_30

चंचल, कुमार, एस., सावल, आर., कुमार, एन., लैशराम, आर., रावल, डी.एस., और सक्सेना, एम. (2024). AlGaN/GaN/SiC HEMTs में SiC शुष्क नक़्क़ाशी के लिए SF6/O2 रसायन-विज्ञान में हीलियम गैस के योग का प्रभाव। *स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन फ़िज़िक्स में* (पृष्ठ 57-63)। doi:10.1007/978-981-97-1571-8_7

आनंद, ए., नारंग, आर., रावल, डी.एस., मिश्रा, एम., सक्सेना, एम., और गुप्ता, एम. (2024). एस-पैरामीटर का उपयोग करके GaN-HEMT का प्रभावी गतिशीलता निष्कर्षण। *स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन फिजिक्स* (पृष्ठ 99-105)। doi:10.1007/978-981-97-1571-8_12

कुमार, आर. (2024). भारत में आर्थिक विकास, संरचनात्मक परिवर्तन और रोज़गार संबंध. *अर्थशास्त्र और राजनीति-विज्ञान की समीक्षा* , *9* (4), 346-357. doi:10.1108/reps-07-2022-0051

ड्रायमारिया कॉर्डेटा की मेटाबोलाइट प्रोफाइलैंगिक, एंटीऑक्सीडेंट, एंटीबैक्टीरियल और कार्बोहाइड्रेट हाइड्रोलाइजिंग एंजाइम अवरोध गतिविधियाँ । *जर्नल ऑफ हर्बमेड फार्माकोलॉजी* , *13* (3), 407-419. doi:10.34172/jhp.2024.48085

बंसल, एम., मिश्रा, ए., और शर्मा, ए. (2024, 22 नवंबर)। चींटी कॉलोनी एल्गोरिथम का उपयोग करके अनुकूलित इमेज वॉटरमार्किंग योजना। *2024 में सॉफ्ट कंप्यूटिंग और मशीन इंटेलिजेंस (ISCMI) पर 11वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन* , 323-327। मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया में सॉफ्ट कंप्यूटिंग और मशीन इंटेलिजेंस (ISCMI) पर 2024 में 11वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत। doi:10.1109/iscmi63661.2024.10851483

कुमार, पी., परवीन, खातून, एस., कुमार, एम., राज, एन., हर्षा, ... कपूर, एमके (2025)। कैंडिडा एल्बिकेंस और एस्परगिलस फ्लेवस के विरुद्ध स्ट्रेप्टोमाइसेस प्रजाति स्ट्रेन 196 का इन विट्रो एंटीफंगल गतिविधि विश्लेषण। *अंतर्राष्ट्रीय सूक्ष्म जीव-विज्ञान : स्पेनिश सोसाइटी फॉर माइक्रोबायोलॉजी का आधिकारिक जर्नल* , *28* (3), 553-562। doi:10.1007/s10123-024-00562-2

कुमार, एम., कुमार, पी., हर्ष, एच., सोलंकी, आर., और कपूर, एम.के. (2024). स्ट्रेप्टोमाइसेस प्रजाति स्ट्रेन 130 से प्राप्त चिटिनेज़ Chi65_1884 के सिलिको और आणविक अध्ययन। *बायोकेमिकल एंड सेल्युलर आर्काइव्स* , *24* (2)। doi:10.51470/bca.2024.24.2.1803

जैन, वी., सहाय, आर.आर., और नूपुर (2025)। पोर्टफोलियो अनुकूलन के लिए XGBOOST और MVO मेटाहेयुरिस्टिक दृष्टिकोण के साथ TODIM। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट* , *16* (2), 595-612। doi:10.1007/s13198-024-02610-6

अग्रवाल, सी., मिश्रा, ए., और दुबे, जी. (2024). सुधार: एक नया ग्रे-स्केल इमेज वॉटरमार्किंग फ्रेमवर्क, जिसमें कई स्केलैंगिक कारकों के हार्मनी सर्च एल्गोरिथम अनुकूलन का उपयोग किया गया है। *मल्टीमीडिया टूल्स एंड एप्लीकेशन* , *83* (8), 21823-21823। doi:10.1007/s11042-024-18292-y

जमीर, आई., एज़ुंग, एल.वाई., मेरी, एल., टिकेंद्र, एल., देवी, आर.एस., और नॉन्गडैम, पी. (2024). भारी धातुओं की सफाई: जैवअवशोषण के लिए कवकों का अनुप्रयोग। *जियोमाइक्रोबायोलॉजी जर्नल* , *41* (3), 201-212। doi:10.1080/01490451.2024.2307899

बिद्यानंद, एन., जमीर, आई., नोवाकोव्स्का, के., वर्टे, वी., वेंड्रामे, डब्ल्यू.ए., देवी, आर.एस., और नोंग्दम, पी. (2024). पादप आनुवंशिक विविधता अध्ययन: डीएनए मार्कर विश्लेषण से अंतर्दृष्टि। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्लांट बायोलॉजी* , *15* (3), 607-640। doi:10.3390/ijpb15030046

चावला, यू., दहिया, डी., कुमार, वाई., बाला, ए., गेनवा, एम., अगस्ती, एन., ... मीना, पी.एल. (2024). ZnO-आधारित लक्षित औषधि वितरण प्रणाली पर एक समीक्षा। *लेटर्स इन ड्रग डिज़ाइन एंड डिस्कवरी* , *21* (3), 397-420। doi:10.2174/1570180820666230222092950

नीशू, दीपांशु, कुमारी, वी., कस्तूरी, पी., और सक्सेना, एम. (2024, 21 नवंबर)। GP-SOI MOSFET के प्रदर्शन और विश्वसनीयता पर विकिरण प्रभाव का अन्वेषण। *IEEE दिल्ली सेक्शन फ्लैगशिप*

कॉन्फ्रेंस (DELCON) का 2024 का तीसरा संस्करण , 1-5। IEEE दिल्ली सेक्शन फ्लैगशिप कॉन्फ्रेंस (DELCON) के 2024 के तीसरे संस्करण, नई दिल्ली, भारत में प्रस्तुत किया गया। doi:10.1109/delcon64804.2024.10867100

कुमारी, वी., गुप्ता, एम., और सक्सेना, एम. (2024, 21 नवंबर)। गॉसियन डोपिंग तकनीक के माध्यम से डीजी-जेएल ट्रांजिस्टर में प्रकाशिक संवेदनशीलता बढ़ाना। *IEEE दिल्ली सेक्शन फ्लैगशिप कॉन्फ्रेंस (DELCON) का 2024 का तीसरा संस्करण* , 1-5। IEEE दिल्ली सेक्शन फ्लैगशिप कॉन्फ्रेंस (DELCON) के 2024 के तीसरे संस्करण, नई दिल्ली, भारत में प्रस्तुत किया गया। doi:10.1109/delcon64804.2024.10866030

कुमार, आर. (2025). नीतिगत चुनौतियाँ और क्षेत्रीय व्यापार एकीकरण की संभावनाओं का परीक्षण - दक्षिण एशिया का एक मामला। *जर्नल ऑफ इकोनॉमिक एंड एडमिनिस्ट्रेटिव साइंसेज* , *41* (1), 149-164. doi:10.1108/jeas-12-2021-0263

गहलौत, एस. (2025). ब्रह्मांडीय दूरी द्वैत संबंध की मॉडल-स्वतंत्र जाँच। *रिसर्च इन एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स*, *25* (2), 025019. doi:10.1088/1674-4527/adae45

पुस्तक में अध्याय

भदौरिया आर., त्रिपाठी एस., सिंह पी., सिंह आर., और सिंह एच.पी. (2024). जलीय और स्थलीय वातावरण में कार्बनिक सूक्ष्म प्रदूषक। *आर्गेनिक माइक्रो पॉलूटेंट्स इन एक्वेटिक एंड टेरेस्ट्रियल एनवायरमेंट्स*, पृष्ठ 356-357 में। https://doi.org/10.1007/978-3-031-48977-8 ।

दीक्षित एम. और शुक्ला पी., (2024). मेटाट्रांसक्रिप्टोमिक्स और प्रोटिओमिक्स दृष्टिकोण का उपयोग करके एंडोग्लूकेनेस उत्पादन का विश्लेषण। *एडवांसेज इन प्रोटीन केमिस्ट्री एंड स्ट्रक्चरल बायोलॉजी* , खंड 138, पृष्ठ 211-231. https://doi.org/10.1016/bs.apcsb.2023.04.005 ।

दुआ ए., सिंह सी. (2024). क्वांटम रसायन-विज्ञान: शास्त्रीय से कम्प्यूटेशनल तक। *क्वांटम केमिस्ट्री: क्लासिकल टू कम्प्यूटेशनल*, पृष्ठ 619-620. https://shorturl.at/tAbLC

कुमार एस., कुमार एन., तिवारी एस. और संदीप (2024). माइक्रोफ्लुइडिक उपकरण-आधारित स्मार्ट सेंसर में नैनो तकनीक की भूमिका। *अगली पीढ़ी के स्मार्ट बायोसेंसिंग: नैनो-प्लेटफ़ॉर्म, नैनो-माइक्रोफ्लुइडिक्स इंटरफ़ेस और क्वांटम सेंसिंग के उभरते अनुप्रयोग* , पृष्ठ 17-42. https://doi.org/10.1016/B978-0-323-98805-6.00005-1 ।

"फाइटोहॉर्मोन्स इन एबियोटिक स्ट्रेस", पृष्ठ 162-169। https://doi.org/10.1201/9781003335788-21 .

सिंह ए., कुमार एस., त्यागी एन. और सिंह ए., (2024). सेमीफ्लेक्सिबल मॉड्यूल अनुप्रयोग में पॉलिमर सामग्री के प्रकाशीय और धारा परिवर्तन का अध्ययन। *स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन मैटेरियल्स*, खंड 27, पृष्ठ 493-499। https://doi.org/10.1007/978-981-99-4878-9_69 ।

त्रिपाठी एस., भदौरिया आर., गरकोटी एस.सी. (2024). गर्म होते पहाड़: चुनौतियाँ और अवसर। त्रिपाठी एस., भदौरिया आर., गरकोटी एस.सी. (सं.), *वार्मिंग माउंटेंस*, स्प्रिंगर, चैम। https://doi.org/10.1007/978-3-031-62197-0_1 .

"हाइड्रोजन परमाणु पर एक नज़दीकी नज़र" में , पृष्ठ 133-147.

सिंह वी.के., सिंह आर., त्रिपाठी एस., भदौरिया आर., (2024). सूक्ष्मजीव समुदायों और मृदा एंजाइमों पर नियोनिकोटिनोइड्स का प्रभाव। *पर्यावरण में नियोनिकोटिनोइड्स: मानव स्वास्थ्य और जैव विविधता के लिए उभरती चिंताएँ* , पृष्ठ 99-108। स्प्रिंगर नेचर, चैम।

संपादित पुस्तक में अध्याय

भदौरिया आर., त्रिपाठी एस., सिंह पी., सिंह आर., और सिंह एच.पी. (2024). *जलीय और स्थलीय वातावरण में कार्बनिक सूक्ष्म प्रदूषक* । स्प्रिंगर, चैम। https://doi.org/10.1007/978-3-031-48977-8.

सिंह ए., भदौरिया आर., त्रिपाठी एस., मोदी आर. और गुप्ता एस. (2024). *लचीलेपन के माध्यम से भारतीय महिलाओं का सशक्तिकरण: हालिया विकास और भविष्य का परिप्रेक्ष्य* . स्प्रिंगर, सिंगापुर. https://doi.org/10.1007/978-981-96-0986-4.

सिंह आर., सिंह वी.के., कुमार ए., त्रिपाठी एस. और भदौरिया आर. (2024). *पर्यावरण में नियोनिकोटिनोइड्स: मानव स्वास्थ्य और जैव विविधता के लिए उभरती चिंताएँ* . स्प्रिंगर, चाम. https://doi.org/10.1007/978-3-031-45343-4.

त्रिपाठी एस., भदौरिया आर., गरकोटी एस.सी. (2024). *पहाड़ों का गर्म होना: आजीविका और स्थिरता पर प्रभाव* . स्प्रिंगर, चाम. https://doi.org/10.1007/978-3-031-62197-0.

अनुसंधान परियोजनाएँ

इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रो. मनोज सक्सेना को "क्यू बैंड अनुप्रयोग हेतु विकिरण कठोर उप-0.15-माइक्रोन गेट लंबाई InAlN/GaN HEMT के उप-माइक्रोन डिज़ाइन, अनुकूलन और निर्माण का IV और CV लक्षण वर्णन" नामक शोध परियोजना के लिए सह-पीआई के रूप में 58,83,108/- रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान SERB-POWER द्वारा प्रदान किया गया है और 2022 से 2025 तक की अवधि के लिए है।

भौतिकी विभाग के प्रो. पी.के. झा को "इंडियम सेलेनाइड पतली फिल्मों का उपयोग करके थर्मोइलेक्ट्रिक ऊर्जा संचयक का विकास" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 31,84,000/- रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान एसईआरबी द्वारा प्रदान किया गया है और 2023 से 2026 तक की अवधि के लिए है।

भौतिकी विभाग के प्रो. पी.के. झा को "क्वांटम उपकरण अनुप्रयोगों के लिए मैग्नॉन गतिकी के प्रकाशीय गुणों का अध्ययन" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 30,00,000/- रुपये स्वीकृत किए

गए हैं। यह अनुदान विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रदान किया गया है और 2024 से 2027 तक की अवधि के लिए है।

भौतिकी विभाग के प्रो. पी.के. झा को "मौसम विज्ञान अनुप्रयोगों हेतु संवेदनशील रिंग लेज़र जाइरोस्कोप की मॉडलैंगिक" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 29,80,000/- रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान सीएसआईआर द्वारा प्रदान किया गया है और 2023 से 2026 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. सुधीर वर्मा, प्राणि-विज्ञान विभाग को "मानव दाता कॉर्निया के हाइपोथर्मिक भंडारण के दौरान लिम्बल एक्स्ट्रासेलुलर मैट्रिक्स (ईसीएम) की विशेषताएँ निर्धारित करना ताकि स्टेम सेल सहायक घटकों के साथ बेहतर भंडारण माध्यम तैयार किया जा सके" नामक शोध परियोजना के लिए सह-पीआई के रूप में 15,000.00 अमेरिकी डॉलर की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान एवरसाइट आई एंड विजन रिसर्च ग्रांट, अमेरिका द्वारा प्रदान किया गया है और 2024 से 2025 तक की अवधि के लिए है।

इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रो. मनोज सक्सेना को "अंतरिक्ष अनुप्रयोगों के लिए विकिरण-प्रतिरोधी एचईएमटी डिज़ाइन और ऊर्जा-कुशल उपकरणों के मॉडलैंगिक और सिमुलेशन में क्षमता निर्माण" नामक शोध परियोजना के लिए सह-पीआई के रूप में 10,00,000/- रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान दिल्ली विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस (IoE) के शोध परियोजना द्वारा प्रदान किया गया है और 2022 से 2025 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. सुधीर वर्मा, प्राणि-विज्ञान विभाग को "कॉर्नियल स्टेम सेल की गुणवत्ता के लिए एक संभावित नैदानिक मार्कर के रूप में हायलूरोनन और प्रत्यारोपण की सफलता में सुधार हेतु संरक्षण माध्यम पूरक" नामक शोध परियोजना के लिए सह-पीआई के रूप में 10,000.00 अमेरिकी डॉलर की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान लायंस फाउंडेशन फॉर साइट, टेक्सास, अमेरिका द्वारा प्रदान किया गया है और 2023 से 2024 तक की अवधि के लिए है।

प्रबंधन अध्ययन विभाग की डॉ. संगीता मोहन को “आदिवासियों में निरक्षरता की भूमिका और विभिन्न सरकारी नीतियों पर इसका प्रभाव” नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 5,00,000/- रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान आईसीएसएसआर द्वारा प्रदान किया गया है और 2022 से 2024 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. सुधीर वर्मा, प्राणि-विज्ञान विभाग को "हायलूरोनन (एचए) युक्त ग्लाइकोकैलिक्स को सह-पीआई के रूप में प्रस्तुत करने वाली क्षणिक प्रवर्धन कोशिकाओं (टीएसी) के पूर्वज-समान गुणों का अभिलक्षणन" नामक शोध परियोजना के लिए 5000.00 अमेरिकी डॉलर की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान एआरवीओ फाउंडेशन फॉर आई रिसर्च और आई बैंक एसोसिएशन ऑफ अमेरिका, यूएसए द्वारा प्रदान किया गया है और 2023 से 2025 तक की अवधि के लिए है।

भौतिकी विभाग के प्रो. पी.के. झा को "स्पिनट्रॉनिक अनुप्रयोग हेतु 2डी सामग्रियों और ऑक्साइड हेटेरो संरचनाओं में डोपिंग और स्ट्रेन इंजीनियरिंग के माध्यम से रश्बा स्पिन-ऑर्बिट इंटरैक्शन और इसकी

ट्यूनेबिलिटी के प्रथम-सिद्धांत अध्ययन" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 3,00,000/- रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान डीडीयू महाविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और 2024 से 2026 तक की अवधि के लिए है।

रसायन-विज्ञान विभाग के प्रो. नित्यानंद अगस्ती को "डोप्ड CeO2 नैनोस्ट्रक्चर का संश्लेषण, लक्षण वर्णन और उत्प्रेरक अनुप्रयोग" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 3,00,000/- रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान डीडीयू महाविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और 2024 से 2026 तक की अवधि के लिए है।

स्वीकृत पेटेंट

डॉ. जया बंसल, डॉ. सोफिया गुप्ता, डॉ. महावीर गेनवा, डॉ. छगन लाल, डॉ. चेतना अंगरीश और डॉ. शालोम अखाई। बहुउद्देशीय चम्मच ब्रश हाइब्रिड। पेटेंट कार्यालय, भारत सरकार। पेटेंट 429913-001। 28 नवंबर, 2024. राष्ट्रीय।

सुरेश कुमार, डॉली कैन, वंदना और अतुल आर्य। पौधे अकिलिया मिलेफोलियम एल से पृथक जीवाणुरोधी यौगिक। पेटेंट कार्यालय, भारत सरकार। पेटेंट 202111025439। 22 जनवरी, 2025. राष्ट्रीय।

ताहिर अहमद, काजल जिंदल, डॉ. मोनिका तोमर, प्रो. प्रदीप के. झा। एसबी.ए.न60 पतली फिल्मों में सीए प्रतिस्थापन द्वारा इलेक्ट्रो-ऑप्टिक संवर्द्धन। पेटेंट कार्यालय, भारत सरकार। आवेदन संख्या: 202511010821। पेटेंट आवेदन की तिथि: 10 फ़रवरी, 2025. राष्ट्रीय

आयोजित संगोष्ठियां

एनएएसआई के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रोफेसर रूप लाल ने 18 सितंबर, 2024 को माइक्रोशेयर-4.0 के तहत अंतर्राष्ट्रीय सूक्ष्मजीव दिवस के अवसर पर संगोष्ठी के दौरान एक व्याख्यान दिया।

नियोस एंजल्स और रिसा आईवीएफ के संस्थापक और सीईओ डॉ. सार्थक बख्शी ने 21 अक्तूबर, 2024 को संगोष्ठी के दौरान एक व्याख्यान दिया।

प्रोफेसर केनेथ टिम्मिस, प्रोफेसर, ब्रंसविक विश्वविद्यालय, जर्मनी और डॉ. मीनाक्षी मुंशी, फुलब्राइट फेलो, यूसी डेविस, यूएसए। विजिटिंग प्रोफेसर, यूपीईएस, देहरादून। सलाहकार, मणिपाल उच्च शिक्षा अकादमी, मणिपाल, पूर्व वैज्ञानिक जी/सलाहकार, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार ने 19 नवंबर, 2024 को "विज्ञान और समाज" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान व्याख्यान दिए।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन स्कूल के मानवाधिकार अध्ययन कार्यक्रम के पूर्व निदेशक प्रोफेसर शांतेश कुमार सिंह ने 12 फरवरी, 2025 को बदलती विश्व व्यवस्था में भारत की विदेश नीति पर संगोष्ठी के दौरान एक व्याख्यान दिया।

सुश्री एकशिता कुमार, जो वर्तमान में अमेज़न में AWS उत्तरी अमेरिका बिक्री के लिए रणनीति प्रमुख के रूप में कार्यरत हैं, ने 19 मार्च, 2025 को आयोजित संगोष्ठी में 'रणनीतियों को वास्तविक बनाना: निर्णय लेने के लिए हितधारकों को प्रभावित करना' शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।

आयोजित सम्मेलन

06-07 जनवरी, 2025 को वाणिज्य विभाग, वाणिज्य और व्यवसाय संकाय के सहयोग से “अमृत काल में शासन पर 10वां वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य सम्मेलन” शीर्षक से सम्मेलन आयोजित किया गया।

11-12 जनवरी, 2025 को दिल्ली स्कूल ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज एंड रिसर्च के सहयोग से “विकसित भारत@2047 पर XXVI वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन” शीर्षक से सम्मेलन आयोजित किया गया।

03-04 मार्च, 2025 को “प्रयाग महाकुंभ 2025 पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन” शीर्षक से सम्मेलन आयोजित किया गया।

19-20 मार्च, 2025 को आईईईई इलेक्ट्रॉन डिवाइस सोसाइटी (ईडीएस) दिल्ली चैप्टर के सहयोग से "विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवाचार: विकसित भारत का एक परिप्रेक्ष्य" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

25 अप्रैल, 2024 को भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) की एक स्वायत्त वैज्ञानिक संस्था, राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (NIELIT), दिल्ली के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रो. अनुराग मिश्रा समन्वयक के रूप में कार्यरत थे। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, NIELIT दिल्ली और DDUC ने DDUC के छात्रों और अधिकारियों के लिए NIELIT द्वारा प्रदान किए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों को शुरू करने के उद्देश्य से एक समझौते पर हस्ताक्षर करने पर सैद्धांतिक रूप से सहमति व्यक्त की है।

18 सितंबर, 2024 को फीक्सजेन प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। डॉ. शैली आनंद, प्राणी-विज्ञान विभाग और डॉ. रेणु सोलंकी, प्राणी-विज्ञान विभाग, समन्वयक के रूप में कार्यरत रहीं। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, फीक्सजेन और डीडीयूसी आपसी हित की गतिविधियों का पता लगाने के लिए मिलकर काम करेंगे, जिनका उद्देश्य अनुसंधान को आगे बढ़ाना, जैव सूचना विज्ञान कौशल में सुधार लाना और दुनिया भर में उनके ज़िम्मेदाराना अनुप्रयोग को बढ़ावा देना है।

दिल्ली विश्वविद्यालय के दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के वाणिज्य एवं व्यवसाय संकाय के वाणिज्य विभाग के साथ 3 दिसंबर, 2024 को एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। वाणिज्य विभाग की डॉ. रेणु अग्रवाल समन्वयक के रूप में कार्यरत रहीं। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, दोनों पक्षों ने अकादमिक जुड़ाव बढ़ाने और शोध चर्चाओं को बढ़ावा देने के एक संयुक्त प्रयास के रूप में, 6-7 जनवरी, 2025 को 'अमृत काल में शासन' विषय पर 10वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य सम्मेलन (10वें एआईसीसी) के आयोजन पर पारस्परिक रूप से सहमति व्यक्त की है।

अन्य सहयोग

संस्कृत वाक्य निर्माण पर पंद्रह दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला (10-25 अक्तूबर, 2024) संस्कृत में वाक्य निर्माण की क्षमता बढ़ाने और संस्कृत वाक्यों के अर्थ को समझने के उद्देश्य से, आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के तत्वावधान में संस्कृत सभा द्वारा संस्कृत विभाग के सहयोग से ऑनलाइन मोड में संस्कृत वाक्य निर्माण पर पंद्रह दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय की ललित कला एवं शिल्प समिति ने 27 जनवरी, 2025 को दिल्ली भर के एमसीडी स्कूलों के सौंदर्यीकरण और पुनरुद्धार के लिए समर्पित एक समर्पित गैर-सरकारी संगठन, प्रश्रय के साथ सहयोग किया। इस पहल के तहत, छात्रों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का योगदान देकर एंड्रयूजगंज एमसीडी स्कूल को एक जीवंत और स्वागत योग्य स्थान में बदल दिया। रचनात्मक दीवार चित्रों, विषयगत भित्ति चित्रों और रंग-बिरंगी सजावट के माध्यम से, उन्होंने स्कूल के सौंदर्यपरक वातावरण को और निखारा। इस प्रयास ने न केवल छात्रों और कार्मिकों के चेहरे पर मुस्कान ला दी, बल्कि स्कूल समुदाय में गर्व और स्वामित्व की भावना भी जगाई। यह कला के माध्यम से सामुदायिक जुड़ाव की दिशा में एक सार्थक कदम था।

फैक्टशाला कार्यशाला (10 फ़रवरी, 2025), पीटीआई, डेटालीड्स और गूगल न्यूज़ इनिशिएटिव के सहयोग से आयोजित की गई। इस सत्र में मीडिया साक्षरता, तथ्य-जांच और डिजिटल जागरूकता पर ध्यान केंद्रित किया गया।

महाविद्यालय की ललित कला एवं शिल्प सोसाइटी ने श्री राम वाणिज्य महाविद्यालय (एसआरसीसी) में 21-23 फरवरी, 2025 को आयोजित प्रतिष्ठित डीयू लिटरेचर फेस्ट के लिए आधिकारिक भागीदार के रूप में सहयोग किया। इस साझेदारी के तहत, ललित कला एवं शिल्प सोसाइटी के छात्रों ने व्यापक सौंदर्यीकरण कार्य करके परिसर के माहौल को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कलात्मक प्रदर्शनियों और बैनरों से लेकर साहित्यिक विषयक भित्ति चित्र और सजावटी तत्वों के निर्माण तक, उनके रचनात्मक प्रयासों ने आयोजन स्थल को साहित्य प्रेमियों के लिए एक जीवंत और प्रेरक स्थान में बदल दिया। इस सहयोग ने छात्रों को एक प्रमुख शैक्षणिक आयोजन में सहयोग करते हुए अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 50 (34%)

कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या: 28

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

21 अप्रैल, 2024: अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी दिवस के अवसर पर “ई-कचरा प्रबंधन और पुनर्चक्रण: एक सतत पृथ्वी की ओर एक मार्ग” विषय पर एक उद्योग अकादमिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

13 सितंबर, 2024: सेमीकॉन इंडिया 2024, नोएडा, उत्तर प्रदेश का एक औद्योगिक दौरा आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों को सेमीकंडक्टर उद्योग और उद्योग के रुझानों में अत्याधुनिक तकनीकों, प्रगति और सफलताओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान किया गया।

22 सितंबर, 2024: एक अनाथालय का क्षेत्रीय दौरा: प्रेरणा निकेतन संघ, प्रथम वर्ष के छात्रों को एसआरसी के मूल मूल्यों से परिचित कराने के लिए, जिससे छात्रों में सकारात्मक प्रभाव पैदा हो और सामाजिक जिम्मेदारी की संस्कृति का पोषण हो।

27 सितंबर, 2024: DIET में एक आउटरीच (समन्वयक: श्री मिथिलेश) - शिक्षकों को सशक्त बनाना का आयोजन किया गया, जिसमें कैनवा में व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया गया।

26 अक्तूबर, 2024: इसरो प्रमुख, प्रख्यात वैज्ञानिक डॉ. एस. सोमनाथ का व्याख्यान सुनने के लिए आकाशवाणी भवन दिल्ली में एक शैक्षिक यात्रा का आयोजन किया गया।

23 नवंबर, 2024: एसआरसी ने ठंड के मौसम में आवारा पशुओं को गर्मी प्रदान करने के लिए आव्या, मिरांडा हाउस, डीयू और एहसास, डीसीएसी, डीयू के सहयोग से जूट बोरी ड्राइव का आयोजन किया।

24 जनवरी, 2025: ग्रामीण आउटरीच कार्यक्रम - हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिले के बानी गाँव के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में बानी स्कूल इनोवेशन कैंप VI (BaSIC VI) का आयोजन किया गया।

01-02 फरवरी, 2025: ईडीसी के तहत छात्रों ने ई-समिट 2025 में भाग लेने के लिए आईआईटी बॉम्बे परिसर का दौरा किया। अनुपम मित्तल, राज शमानी, सोनम वांगचुक आदि जैसे वास्तविक दुनिया के दिग्गजों ने वक्ताओं के रूप में शिखर सम्मेलन की शोभा बढ़ाई।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय ने इस वर्ष पुस्तकों के 1723 खंड जोड़े हैं, जिससे इसका कुल संग्रह 52,560 पुस्तकों का हो गया है। पुस्तकालय ने संबंधित विषय क्षेत्रों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के 44 पत्र-पत्रिकाओं की सदस्यता ली है। इसके अलावा, पुस्तकालय ने 16 राष्ट्रीय समाचार पत्रों की सदस्यता ली है। इसके संग्रह में पत्रिकाओं/पत्रिकाओं के 613 बाउंड खंड और 850 सीडी हैं। पुस्तकालय ने ग्रंथ सूची के दो मुद्दों को संकलित किया है जिसमें वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान प्राप्त नए शीर्षक शामिल हैं, अर्थात् सितंबर-दिसंबर, 2024 और अप्रैल, 2024 - मार्च, 2025. इसने पुस्तकालय में सदस्यता प्राप्त पत्रिकाओं और जर्नलों के सभी मुद्दों की सामग्री पृष्ठों वाली सामग्री तालिका के दो मुद्दों को भी संकलित किया, दो मुद्दों, अप्रैल-सितंबर, 2024 और अक्तूबर-दिसंबर, 2024 के माध्यम पुस्तकालय ने 27 दिसंबर, 2024 को पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया, जिसमें 12 प्रमुख प्रकाशकों ने भाग लिया।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक: 26

सह-प्राचार्य: 52

सहायक प्रोफेसर: 5

तदर्थ: 11

अतिथि: 72

उपयोगित निधियां (₹ करोड़ में): 558693365

आवंटित निधियां (₹ करोड़ में): 558693372

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

जनवरी, 2025 में ऑडिटोरियम के उन्नयन के लिए 22.5 लाख रुपये की लागत वाली अत्याधुनिक ध्वनि प्रणाली और 15 लाख रुपये की लागत वाली एलईडी वीडियो वॉल को मंजूरी दी गई है।

जनवरी, 2025 में कौशल विकास के उद्देश्य से 1,87,00,000/- रुपये की कुल लागत से 220 डेस्कटॉप की खरीद को मंजूरी दी गई है।

खेल अवसंरचना को बढ़ाने के लिए जनवरी, 2025 में 16,00,000 रुपये मूल्य के नए बास्केटबॉल उपकरणों को मंजूरी दी गई है।

जनवरी 2025 में छात्रों के शिक्षण-अधिगम अनुभव को बढ़ाने के लिए 49,65,00,000/- रुपये मूल्य के आईसीटी उपकरण और 13 स्मार्ट-बोर्ड खरीदे जाने हैं।

****

देशबंधु महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

देशबंधु महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय का एक पूर्णतः अनुरक्षित घटक महाविद्यालय है। इसकी स्थापना 1952 में पुनर्वास मंत्रालय द्वारा, वयोवृद्ध स्वतंत्रता सेनानी लाला देशबंधु गुप्ता की स्मृति में की गई थी। इसे दक्षिण दिल्ली का सबसे पुराना और सबसे बड़ा सह-शिक्षा संस्थान होने का गौरव प्राप्त है। आज, यह 18 स्नातक और छह स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रदान करता है, जो प्रतिवर्ष 5000 से अधिक छात्रों को शिक्षा प्रदान करता है।

महाविद्यालय को NAAC ग्रेड A++ से 3.65 CGPA के साथ सम्मानित किया गया है और NIRF 2024 में महाविद्यालयों की श्रेणी में अखिल भारतीय रैंक 16 प्राप्त हुई है। जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा "DBT-स्टार महाविद्यालय योजना" से सम्मानित किया गया, जिसके तहत अंतःविषय अनुसंधान के लिए I-4 केंद्र (छात्र अनुसंधान केंद्र) की स्थापना की गई थी। SCI/SCOPUS/UGC CARE अनुक्रमित पत्रिकाओं में प्रकाशित 100 से अधिक शोध पत्रों और 26 लाख रुपये से अधिक के अनुसंधान अनुदानों के साथ एक मजबूत शोध प्रोफ़ाइल। महाविद्यालय का पुस्तकालय दिल्ली विश्वविद्यालय की सबसे बड़ी पुस्तकालय में से एक है। महाविद्यालय एक हरित कैंपस है जिसमें साठ प्रतिशत से अधिक

ग्रीन कवर, सोलर पैनल (72 किलोवाट की स्थापित क्षमता), प्रयोगशालाओं के लिए PNG, वर्षा जल संचयन, LED लाइटिंग और 5 STAR और VRF एयर कंडीशनिंग और एकीकृत कंपोस्टिंग सुविधा है

शिक्षण और शिक्षणेत्तर कार्मिकों के सम्मान/विभूतियाँ

33 से अधिक संकाय सदस्यों ने स्कोपस और वेब ऑफ साइंस इंडेक्स, यूजीसी केयर सूचीबद्ध और प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय समकक्ष समीक्षा पत्रिकाओं में 33 शोध-पत्र प्रकाशित किए।

5 से अधिक संकाय सदस्यों ने 14 पुस्तकें प्रकाशित कीं।

01 अप्रैल, 2024 से 31 मार्च, 2025 की अवधि के दौरान 5 संकाय सदस्यों को शोध परियोजनाएं प्रदान की गईं।

दिल्ली विश्वविद्यालय से 22 संकायों को अनुसंधान पर्यवेक्षण के रूप में मान्यता प्राप्त है और उनके अधीन 15 छात्र पीएच.डी. स्कॉलर के रूप में पंजीकृत हैं।

विभूतियाँ प्राप्त छात्र

बी.ए. (कार्यक्रम) तृतीय वर्ष के छात्र विशेष लोनियाल ने 27 मार्च, 2025 को विश्वविद्यालय परीक्षा में महाविद्यालय के टॉपर्स के लिए सभी मानविकी और वाणिज्य में शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए 25,000/- रुपये का लाला देशबंधु गुप्ता पुरस्कार प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) संस्कृत, तृतीय वर्ष की छात्रा आयुषी पांडे ने सभी मानविकी और वाणिज्य में अकादमिक उत्कृष्टता के लिए रुपये का लाला देशबंधु गुप्ता ने 27 मार्च 2025 को विश्वविद्यालय परीक्षा में महाविद्यालय के टॉपर्स के लिए 25,000/- रुपये का पुरस्कार प्राप्त किया।

मरियम किदवई, छात्रा बी.एससी.। प्रोग लाइफ साइसेंस, तृतीय वर्ष ने विज्ञान पाठ्यक्रम में अकादमिक उत्कृष्टता के लिए 2025 को विश्वविद्यालय परीक्षा में महाविद्यालय के टॉपर्स के लिए रुपये 25,000/- का लाला देशबंधु गुप्ता पुरस्कार प्राप्त किया। 27 मार्च

बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति-विज्ञान, तृतीय वर्ष की छात्रा प्रीति ने 27 मार्च, 2025 को विश्वविद्यालय परीक्षा में महाविद्यालय के टॉपर्स के लिए विज्ञान पाठ्यक्रम में शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए 25,000/- रुपये का लाला देशबंधु गुप्ता पुरस्कार प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास, तृतीय वर्ष के छात्र एलन कार्की ने 27 मार्च, 2025 को तीन वर्षों के लिए सर्वश्रेष्ठ एनएसएस कार्यकर्ता के लिए 5,000/- रुपये का लाला लाजपत राय स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

बी.एससी. (ऑनर्स) बायो-केमिस्ट्री, तृतीय वर्ष के छात्र प्रणमाया प्रदीप ने 27 मार्च, 2025 को जैव-रसायन-विज्ञान में ऑलराउंडर के लिए 5,000/- रुपये का निर्मल ज्ञान प्रकाश स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन-विज्ञान, प्रथम वर्ष की छात्रा संजीवा ने 27 मार्च, 2025 को रसायन-विज्ञान (ऑनर्स) में प्रथम स्थान के लिए 5,000/- रुपये का श्रीमती गौरी भान स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

बी.कॉम. (ऑनर्स), प्रथम वर्ष की छात्रा मुस्कान ने 27 मार्च, 2025 को महिला टॉपर के लिए 5,000/- रुपये की सीमा सक्सेना कुलश्रेष्ठ मेमोरियल छात्रवृत्ति प्राप्त की।

बी.ए. (ऑनर्स) संस्कृत, प्रथम वर्ष की छात्रा ध्रुवी गोयल ने 27 मार्च, 2025 को संस्कृत (ऑनर्स) प्रथम वर्ष में प्रथम स्थान के लिए 5,000/- रुपये की श्रीमती मनोरमा जोशी छात्रवृत्ति प्राप्त की।

बी.ए. (ऑनर्स) संस्कृत, द्वितीय वर्ष के छात्र क्षितिज श्रीवास्तव ने 27 मार्च, 2025 को संस्कृत (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष में प्रथम स्थान के लिए 5,000/- रुपये की श्री त्रिलोचन दत्त जोशी छात्रवृत्ति प्राप्त की।

बी.ए. संस्कृत (ऑनर्स), तृतीय वर्ष की छात्रा आयुषी पांडे ने 27 मार्च, 2025 को संस्कृत (ऑनर्स) तृतीय वर्ष में प्रथम स्थान के लिए 5,000/- रुपये का श्री अंजन दत्ता स्मृति पुरस्कार प्राप्त किया।

बी.एससी. लाइफ साइंस, तृतीय वर्ष की छात्रा मरियम किडवाल ने 27 मार्च, 2025 को बी.एससी. लाइफ साइंस (प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष का कुल योग) में प्रथम स्थान के लिए 5,000/- रुपये की श्री अवतार कृष्ण धर छात्रवृत्ति प्राप्त की।

बी.कॉम. (ऑनर्स), तृतीय वर्ष की छात्रा रिया धवन ने 27 मार्च, 2025 को बी.कॉम. (ऑनर्स) (प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष का कुल योग) में प्रथम स्थान के लिए 5,000/- रुपये का डॉ. रुचि शर्मा मेमोरियल पुरस्कार प्राप्त किया।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान, तृतीय वर्ष के छात्र देबोपम पॉल ने 27 मार्च, 2025 को बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष का कुल योग) में प्रथम स्थान के लिए 5,000/- रुपये का प्रो. आर.के. माथुर मेमोरियल पुरस्कार प्राप्त किया।

बी.एस.सी. (ऑनर्स) गणित, तृतीय वर्ष के छात्र आशुतोष शिवम ने 27 मार्च, 2025 को बी.एस.सी. (ऑनर्स) गणित (प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष का कुल योग) में प्रथम स्थान के लिए 5,000/- रुपये का श्री दिनेश चंद्र पंत स्मृति पुरस्कार प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र, तृतीय वर्ष की छात्रा तान्या पांडे ने 27 मार्च, 2025 को बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र में प्रथम श्रेणी के साथ महिला टॉपर के लिए 5,000/- रुपये का श्रीमती गणेशी चावला मेमोरियल पुरस्कार प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र, तृतीय वर्ष के छात्र मनित पुनयानी ने 27 मार्च, 2025 को बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष का कुल योग) में प्रथम श्रेणी में टॉप करने पर 5,000/- रुपये का श्रीमती गणेशी चावला मेमोरियल पुरस्कार प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी, तृतीय वर्ष के छात्र इंद्रजीत सिंह ने 27 मार्च, 2025 को बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी (प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष का कुल योग) में प्रथम श्रेणी के साथ टॉपर के लिए 5,000/- रुपये का डॉ. एम.पी. सिंह मेमोरियल पुरस्कार प्राप्त किया।

देशबंधु महाविद्यालय में बी.एससी. (पी.) अनुप्रयुक्त भौतिक-विज्ञान एवं औद्योगिक रसायन-विज्ञान के छात्र चेतन ने शैक्षणिक श्रेणी में प्रथम पुरस्कार जीता, 27 मार्च, 2025

बी.ए. (ऑनर्स), द्वितीय वर्ष की छात्रा ध्रुवी गोयल को देशबंधु महाविद्यालय में 27 मार्च, 2025 को वार्षिक शैक्षणिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

बी.ए. (ऑनर्स), द्वितीय वर्ष की छात्रा ध्रुवी गोयल को देशबंधु महाविद्यालय में 27 मार्च, 2025 को श्रीमती मनोरमा जोशी छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया।

बी.एससी. (ऑनर्स) जैव-रसायन-विज्ञान, द्वितीय वर्ष के छात्र मृणाल खवास को देशबंधु महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव में 27 मार्च, 2025 को वार्षिक शैक्षणिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

बी.एससी. (ऑनर्स) जैव-रसायन-विज्ञान, तृतीय वर्ष की छात्रा बरहा साजिद को देशबंधु महाविद्यालय के वार्षिक दिवस, 27 मार्च, 2025 में वार्षिक शैक्षणिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान, द्वितीय वर्ष के छात्रों संबित आचार्य, श्रेया माथुर और रुत्वी भिष्ट ने एनएसएस, श्री राम वाणिज्य महाविद्यालय द्वारा 27 मार्च, 2025 को आयोजित केस-ओ-कॉज केस स्टडी प्रतियोगिता में एक टीम के रूप में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष के छात्र प्रवीण चौधरी ने मिरांडा हाउस महाविद्यालय में 27-28 मार्च, 2025 को आयोजित इंटर-महाविद्यालय बेस्ट कैडेट प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.एस.सी. (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष के छात्र प्रवीण चौधरी ने लेडी श्री राम महाविद्यालय में आयोजित अंतर-महाविद्यालय सर्वश्रेष्ठ कैडेट प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता, 7 मार्च, 2025.

बी.एस.सी. (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष के छात्र प्रवीण चौधरी ने कालिंदी महाविद्यालय में आयोजित अंतर-महाविद्यालय सर्वश्रेष्ठ कैडेट प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता, 03 मार्च, 2025.

बी.एस.सी. (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष के छात्र प्रवीण चौधरी ने गार्गी महाविद्यालय में आयोजित अंतर-महाविद्यालय सर्वश्रेष्ठ कैडेट प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता, 28 फरवरी, 2025.

ईशान नैथानी, छात्र बी.एससी. (ऑनर्स) गणित, तृतीय वर्ष, ने न्यूटोनियन'25 शतरंज टूर्नामेंट में दूसरा पुरस्कार जीता, किरोड़ीमल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, 24 फरवरी, 2025.

डीएसक्वाड सोसाइटी के बी.ए. (कार्यक्रम), तृतीय वर्ष के छात्र आजम हुसैन ने हंसराज महाविद्यालय में 3 अक्तूबर, 2024 को आयोजित ओपन माइक टैलेंट हंट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.एससी. (ऑनर्स) जैव-रसायन-विज्ञान, तृतीय वर्ष की छात्रा बरहा साजिद को ऋषिहुड विश्वविद्यालय द्वारा 14 सितंबर, 2024 को आयोजित बायोइन्फ्लुएंस बायोहैकथॉन द्वितीय संस्करण में सर्वश्रेष्ठ पिच पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

बी.एससी. (ऑनर्स) जैव-रसायन-विज्ञान, तृतीय वर्ष की छात्रा अदीबा को ऋषिहुड विश्वविद्यालय द्वारा 14 सितंबर, 2024 को आयोजित बायोइन्फ्लुएंस बायोहैकथॉन द्वितीय संस्करण में सर्वश्रेष्ठ पिच पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

बी.एससी. (ऑनर्स) जैव-रसायन-विज्ञान, तृतीय वर्ष की छात्रा रिया बनर्जी को ऋषिहुड विश्वविद्यालय द्वारा 14 सितंबर, 2024 को आयोजित बायोइन्फ्लुएंस बायोहैकथॉन द्वितीय संस्करण में सर्वश्रेष्ठ पिच पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

बी.एससी. (ऑनर्स) जैव-रसायन-विज्ञान, तृतीय वर्ष की छात्रा सुप्रिता वर्मा को ऋषिहुड विश्वविद्यालय द्वारा 14 सितंबर, 2024 को आयोजित बायोइन्फ्लुएंस बायोहैकथॉन द्वितीय संस्करण में सर्वश्रेष्ठ पिच पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

बी.एससी. (ऑनर्स) जैव-रसायन-विज्ञान, तृतीय वर्ष की छात्रा बरहा साजिद ने 03 सितंबर, 2024 को इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय द्वारा आयोजित इंटरमहाविद्यालय पोस्टर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) जैव-रसायन-विज्ञान, तृतीय वर्ष की छात्रा सुप्रिता वर्मा ने 03 अगस्त, 2024 को बायोप्रैक्टिफाई द्वारा आयोजित बायोइन्फॉर्मेटिक्स और डेटा एनालिटिक्स में कौशल विकास कार्यक्रम में शीर्ष प्रदर्शनकर्ता पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) जैव-रसायन-विज्ञान, तृतीय वर्ष के छात्र पैट्रिक न्गुडो खेमाई ने 12 अप्रैल, 2024 को जीसस एंड मैरी महाविद्यालय द्वारा आयोजित सांस्कृतिक नृत्य प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन

तंवर, डी., महला, एस., अहलूवालिया, डी., भुवनेश, एन., जोशी, एच., और कुमार, यू. (2024). क्विनोलिन-व्युत्पन्न एनएनएस दाता लिगैंड युक्त निकल संकुल, ऐल्कोहॉलों के साथ ऐनिलिन के एन-एल्किलीकरण के लिए उत्प्रेरक उत्प्रेरक के रूप में। *केमिस्ट्री, एक एशियाई जर्नल* , *19* (19), e202400557. doi:10.1002/asia.202400557

सिंह, जे., गौतम, एस., सिंह, एम.बी., सिंह, पी., और कुमार, यू. (2024). नए इंडोल-थियोसेमीकार्बाज़ोन लिगैंड और उनके Fe(III), co(II), Ni(II), cu(II) के साथ संकुलों के संश्लेषण, DFT, आणविक डॉकिंग और रोगाणुरोधी अध्ययन। *रसायन-विज्ञान और जैव विविधता* , *21* (12), e202401301. doi:10.1002/cbdv.202401301

कुमार, ए., कौशल, ए., वर्मा, पी.के., गुप्ता, एम.के., चंद्रा, जी., कुमार, यू., ... कुमार, डी. (2024). इमिडाज़ोल आधारित हेट्रोसाइक्लिक यौगिकों में कैंसर-रोधी कारकों के रूप में हाल के विकासों पर एक अंतर्दृष्टि: संश्लेषण, एसएआर और क्रियाविधि। *यूरोपियन जर्नल ऑफ मेडिसिनल केमिस्ट्री* , *280* (116896), 116896। doi :10.1016/j.ejmech.2024.116896

जोड़ना , छोटू राम (2024). हाँ के 1. पर हिंसक राजनीति *, सांस्कृतिक* , (जुलाई - सितंबर)

जोड़ना , छोटू राम , (2024). कथेतर 1. में महामारियाँ , *अनुकृति ,* (जुलाई)

जोड़ना , छोटू राम (2024). यात्रा 1. में पर्यावरण दर्शन - हिमालय के विशेष संदर्भ में , *शोधदृष्टि*

जोड़ना , छोटू राम , (2024). पेट जले तो धर्म न सानिध्ये - स्वामी सत्यदेव , *शोध ऋतु* (अक्तूबर - दिसंबर)

जोड़ना , छोटू राम , (2024). जयपुरी लोरियाँ - पशु और हन संबंध , *अपने माटी - बाल विशेषांक*

सैनी, जे., शर्मा, एम., यादव, एस., और कुआंर, बी.के. (2025)। गार्नेट-आधारित पदार्थों में Bi और Ce सह-डोपिंग का प्रभाव: माइक्रोवेव उपकरण के प्रदर्शन पर प्रभाव। *सेमीकंडक्टर प्रोसेसिंग में सामग्री विज्ञान* , *194* (109545), 109545। doi:10.1016/j.mssp .2025.109545

डबला, एम., शर्मा, एम., और कुआंर, बी.के. (2025)। क्रोमियम के समावेशन द्वारा कठोर से कोमल Co-Ni फेराइट में परिवर्तन: धनायन वितरण और लौहचुंबकीय अनुनाद के बारे में नवीन अंतर्दृष्टि। *जर्नल ऑफ मैग्नेटिज्म एंड मैग्नेटिक मैटेरियल्स* , *614* (172746), 172746। doi:10.1016/j.jmmm .2024.172746

सिंह, एस., शर्मा, एम., अग्रवाल, ए., झा, पी.के., अहमद, टी., और कुआंर, बी.के. (2025)। Co2FeGa नैनोवायर के संरचनात्मक, आकारिकी और चुंबकीय गुणों पर स्टोइकोमेट्रिक प्रभाव: घनत्व कार्यात्मक सिद्धांत का उपयोग करके सत्यापन। *इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक सामग्रियों पर लेनदेन* , *26* (2), 216-225। doi:10.1007/s42341-025-00589-w

बस्सी, एम., यादव, एस., अग्रवाल, ए., मेहरा, वी., अहमद, टी., शर्मा, एम., और कुआंर, बी.के. (2024). Co और Ni सह-डोपित ZnO कणों में कक्ष तापमान पर लौहचुंबकत्व: घनत्व कार्यात्मक सिद्धांत द्वारा सत्यापन। *अनुप्रयुक्त भौतिकी, A, पदार्थ विज्ञान एवं प्रसंस्करण* , *130* (11)। doi:10.1007/s00339-024-08018-0

कुमार झा, एस., यादव, एस., शर्मा, एम., पुरी, एन.के., और कुआंर, बी.के. (2024). विभिन्न ऑक्सीजन वृद्धि दाबों में निक्षेपित 100 नैनोमीटर से कम के एपिटैक्सियल YIG पतली फिल्मों में पारस्परिक और गैर-पारस्परिक विद्युत चुम्बकीय तरंग संचरण। *जर्नल ऑफ मैग्नेटिज्म एंड मैग्नेटिक मैटेरियल्स* , *596* (171972), 171972। doi:10.1016/j.jmmm .2024.171972

शर्मा, एम., कुमार, आर., चौहान, ए., और कुआंर, बी.के. (2025, 24 जून)। स्पिनट्रॉनिक्स और जैव-चिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए फेरोमैग्नेटिक नैनोस्ट्रक्चर की चुंबकीय गतिशीलता। *मल्टीफंक्शनल मटेरियल्स* , पृष्ठ 461-496। doi:10.1002/9781394234134.ch18

यादव, एस., शर्मा, एम., और कुआंर, बी.के. (2024). जीडी-वाईआईजी फेराइट्स से युक्त कॉम्पैक्ट सर्कुलर रिंग एंटीना का निर्माण: फोटॉन-मैग्नॉन इंटरैक्शन। *एआईपी एडवांसेज* , *14* (1)। doi:10.1063/9.0000760

गिरिच, ए., नेदुख, एस., पोलेवॉय, एस., सोवा, के., तारापोव, एस., और वकुला, ए. (2024). गीगाहर्ट्ज़ पर उल्टे स्प्लिट-रिंग रेज़ोनेटर द्वारा फोटॉन-मैग्नॉन युग्मन शक्ति में वृद्धि। *एआईपी एडवांस* , *14* (2)। doi:10.1063/5.0187796

गुप्ता, एसआरआर, सिंह, एस., रुस्तगी, वी., पाहुजा, एम., मंगंगचा, आईआर, रिंचुई, एम., ... सिंह, आईके (2024). टीएनबीसी में टीईएडी4 की रोगसूचक भूमिका: फ्लुफेनामिक एसिड एनालॉग्स द्वारा टीईएडी4-वाईएपी अंतःक्रिया का सिलिको में अवरोध। *सिलिको फार्माकोलॉजी में* , *12* (2), 64. doi:10.1007/s40203-024-00239-8

लॉरेंस, एस., लिन, जे., खुर्शीद, ए., उतामी, डब्ल्यू., सिंघानिया, आर., अशरफ, एस., डी मूर, सीएच (2025)। सिस्टम फ़ार्माकोलॉजी अध्ययन में कॉर्डिसेपिन आमतौर पर ग्रोथ फ़ैक्टर सिग्नल ट्रांसडक्शन को बाधित करता है। *एफईबीएस लेटर्स* , *599* (3), 415-435। doi:10.1002/1873-3468.15046

कुमार, एम., कुमार, ए., सैनी, आर., भट्ट, जी., और खन्ना, एम.के. (2024). जीई-क्लैड ऑप्टिकल वेवगाइड में सुपरस्ट्रेट परत के प्रभाव का उपयोग करते हुए उच्च विलोपन अनुपात टीई-पास पोलराइज़र। *इंजीनियरिंग रिसर्च एक्सप्रेस* , *6* (3), 035001। doi:10.1088/2631-8695/ad5e5e

गुप्ता, एम. (2025). ब्रिटेन में दक्षिण एशियाई प्रवासियों में महिलाओं के बीच बदलते पहचान पैटर्न: पहचान का निर्माण, बातचीत और आत्मसात। *दक्षिण एशियाई प्रवासी* , 1-16. doi:10.1080/19438192.2025.2482305

ध्यानी, ए., शांतनु, के., शर्मा, आर.के., और उनियाल, पी.एल. (2024). पांगी घाटी (हिमाचल प्रदेश, भारत) में काई (ब्रायोफाइटा) की विविधता: उत्तर-पश्चिमी हिमालय का एक अज्ञात क्षेत्र। *जर्नल ऑफ थ्रेटेंड टैक्सा* , *16* (5), 25227-25234। doi:10.11609/jott.8733.16.5.25227-25234

शर्मा, आर.के. (2024). ट्रांस हिमालय की एक संकटग्रस्त औषधीय जड़ी-बूटी, हायोसायमस नाइगर, में सुप्तावस्था लाने से पहले बीजों की कटाई: बीज पूर्व-उपचार के बिना प्रसार के निहितार्थ। *डिस्कवर प्लांट्स* , *1* (1)। doi:10.1007/s44372-024-00013-2

कुमार, वी., शर्मा, एस., शर्मा, आर.के., कुमार, वी., और शर्मा, एस.एस. (2024). सामान्य मुलीन (वर्बस्कम टैप्सस एल.) के बीजों के अंकुरण और शारीरिक विशेषताओं पर बीज पूर्व-उपचार और भंडारण का प्रभाव। *जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च ऑन मेडिसिनल एंड एरोमैटिक प्लांट्स* , *43* (100573), 100573। doi:10.1016/j.jarmap .2024.100573

कुमार, पी., गर्ग, ए., शर्मा, के., नदीम, यू., शर्मा, के., गुप्ता, एन.सी., ... पांडे, ए.के. (2024). भारत के महानगर, दिल्ली में कणिकामय पदार्थ, ब्लैक कार्बन और धातुओं में मौसमी और स्थानिक परिवर्तन। *अर्बन साइंस* , *8* (3), 101. doi:10.3390/urbansci8030101

सिंह, जी., ओझा, पी.के., शर्मा, एस.के., कुमारी, पी., पांडे, ए.के., मिश्रा, ए.के., और कुमार, के. (2024). भारत के हिमालय की तलहटी में स्थित एक शहर की तापीय जलवायु में मौसमी गतिशीलता और दीर्घकालिक रुझानों पर शहरीकरण के प्रभाव। *जर्नल ऑफ जियोविज़ुअलाइज़ेशन एंड स्पैटियल एनालिसिस* , *8* (2)। doi:10.1007/s41651-024-00178-0

लियू, एक्स., थिसलथवेट, एस., खोलिया, आर., पियर्सियानोव्स्की, जे., सलीबा, के.जे., और ऑक्लेयर, के. (2024). एंटीप्लास्मोडियल क्रियाशीलता वाले नवीन पैंटोथेनेट एनालॉग्स का रासायनिक संश्लेषण

और एंजाइमेटिक लेट-स्टेज विविधीकरण। *यूरोपियन जर्नल ऑफ मेडिसिनल केमिस्ट्री* , *280* (116902), 116902. doi : 10.1016/j.ejmech.2024.116902

रावत, एस., ठाकुर, ए., खान, एसआई, खोलिया, आर., टेकवानी, बी.ए.ल, बहुगुणा, ए., और रावत, डीएस (2025)। अमीनोक्विनोलिन-पाइरीमिडीन-आधारित एल्काइल-पाइपरज़ीन टेथर्ड हाइब्रिड: संश्लेषण, एंटीप्लाज़मोडियल गतिविधि और यांत्रिक अध्ययन। *एसीएस ओमेगा* , *10* (12), 11873-11886। doi:10.1021/acsomega.4c08363

सूरज, एम.एस., भूषण, एम., और असिक, एम.सी. (2024). गैर-गोलाकार केंद्रीय प्राथमिक के साथ संरेखीय वृत्ताकार प्रतिबंधित चार-पिंड समस्या में परीक्षण कण की साम्यावस्था गतिकी का एक अध्ययन। *एस्ट्रोनॉमी एंड कंप्यूटिंग* , *48* (100831), 100831. doi:10.1016/ j.ascom.2024.100831

सूरज, एमडी सनम, अबूएलमगद, ईआई, भूषण, एम., और असिक, एमसी (2025)। पाँच पिंडों की विक्षुब्ध समस्या में एक अतिसूक्ष्म पिंड की साम्यावस्था गतिकी का अन्वेषण। कैओस *, सोलिटन्स, और फ्रैक्टल्स* , *191* (115873), 115873। doi:10.1016/j.chaos.2024.115873

स्नातक विज्ञान शिक्षा में शैक्षणिक अनुकूलन की क्षमता का दोहन: एक केस स्टडी। (2024). *जर्नल ऑफ साइंटिफिक टेम्पर* , *12* (4)। doi:10.56042/ jst.v 12i4.13280

त्यागी, यू.पी., सक्सेना, ए., और शर्मा, एम. (2025)। *एनायनिक और कैटायनिक अशुद्धियों से युक्त कैडमियम आयोडाइड के पिघले और विलयन में विकसित क्रिस्टलों में पॉलीटाइपिज़्म का एक व्यवस्थित अध्ययन* । doi:10.57647/J.JTAP .2025.1901.06

शर्मा, एस., भट्ट, यू., शाह, जी., और सोनी, वी. (2024). मूंगफली के जीनोटाइप में एंजाइमेटिक एंटीऑक्सीडेंट और कार्बोहाइड्रेट मेटाबोलिज्म में जलभराव से प्रेरित परिवर्तनों का आकलन। *बायोकैमिस्ट्री एंड बायोफिज़िक्स रिपोर्ट्स* , *39* (101794), 101794. doi:10.1016/j.bbrep .2024.101794

पुस्तक में अध्याय

पांडे, नयन, वी., (2017). *भारत-दक्षिण अफ्रीका संबंधों में सुरक्षा आयाम: द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक* . सुमित एंटरप्राइजेज. (ISBN: 978-81-8420-598-5)

सिंह, ए.पी., (2022)। संकटों से पार पाना: भारत और चीन के बीच आर्थिक संबंध"। येलरी ए., मृदुल एन., टेलस्पिन: भारत-चीन आर्थिक *संबंधों की राजनीति* , रूटलेज प्रेस।

भारतीय परंपराओं का कोष- वैज्ञानिक रूप से मान्य पारंपरिक ज्ञान के माध्यम से एक यात्रा (खंड-१), (सी.लता, एस. कपिल, ए.के. चौधरी, शायरा, के. राजपूत, ट्रांस.), सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर, आईएसबीएन: 978-81-970396-8-3.

करक, एस., गरिमा, बेरी, ई., और चौधरी , ए.के., (2024). जलवायु संकट से निपटने के लिए भारी धातु अपशिष्ट प्रबंधन: पादप-आधारित रणनीतियों और इसके वर्तमान विकास का अवलोकन। *एकीकृत*

अपशिष्ट प्रबंधन: अपशिष्ट से धन तक एक सतत दृष्टिकोण (179-205), स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-97-0823-9_9

पांडे, नयन , वी. (2017)। *भारत का सैन्य आधुनिकीकरण: सुरक्षा चिंताएँ और शक्ति समेकन* । रागी, एस.के., सोंधी, एस., पाठक, वी. (*सं.*), "भारत की एक वैश्विक शक्ति के रूप में कल्पना: संभावनाएँ और चुनौतियाँ", रूटलेज, आईएसबी.ए.न: 978-1-138-10441-9।

पांडे, नयन, वी., (2020). *भारत और दक्षिण अफ्रीका: बदलते समीकरण और बदलते रुझान* । तिवारी, एस.के., (*सं.*), "वैश्विक मामलों में भारत: बदलती गतिशीलता और उभरती भूमिका", पेंटागन प्रेस, आईएसबी.ए.न: 978-81-941634-97.

पांडे, नयन, वी., (2020), *हिंद महासागर की भूराजनीति और भारत की रणनीति एवं प्रतिक्रिया* । कुमार, आर., (*सं.*), "भारत की विदेश नीति: प्रधानमंत्री मोदी के अधीन निरंतरता और परिवर्तन", आईएनएससी पब्लिशिंग हाउस (आईपीएच), आईएसबी.ए.न: 978-81-950826-3-6।

पांडे, नयन, वी., (2022), 21 *वीं सदी में वैश्विक आतंक के बदलते आयाम : भारत की रणनीति और प्रतिक्रिया*। सिंह, पी., सिंह , एस.के., (*संपादक*) "भारत में गैर-पारंपरिक सुरक्षा चिंताएँ: मुद्दे और चुनौतियाँ", पैल्ग्रेव मैकमिलन, आईएसबी.ए.न: 9789811637346।

अनुसंधान परियोजनाएँ

रसायन-विज्ञान विभाग की डॉ. प्रतिभा सिंह को "खाद्य पदार्थों में कीटनाशकों का पता लगाने के लिए स्मार्ट नैनोमटेरियल-आधारित बायोसेंसर का डिज़ाइन और विकास" नामक शोध परियोजना के लिए ₹4,00,000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान ₹4,00,000/- का है और 2021-2024 की अवधि के लिए है।

रसायन-विज्ञान विभाग के डॉ. उमेश कुमार को "एसईआरबी" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹4,50,000/- स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान ₹4,50,000/- का है और 2023-2026 की अवधि के लिए है।

प्राणि-विज्ञान विभाग के प्रो. इंद्रकांत के. सिंह को "स्तन कैंसर के उपचार हेतु हिप्पो पथ के अपस्ट्रीम में कार्य करने वाले यांत्रिक-संवहन पथों के आणविक तंत्र की पहचान" नामक शोध परियोजना के लिए ₹41,26,000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान ₹13,75,333/- की राशि से प्रदान किया गया है और इसकी अवधि 2023-2026 तक है।

प्राणि-विज्ञान विभाग के प्रो. इंद्रकांत के. सिंह को "तपेदिक के इन विट्रो मॉडल में विटामिन ए (रेटिनोइक एसिड) की इम्यूनोथेरेप्यूटिक भूमिका" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹10,00,000/- स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान ₹3,33,000/- का है और 2022-2024 की अवधि के लिए है।

भारतीय दर्शन अनुसंधान परिषद (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा 2024 से भारतीय दार्शनिक दिवस का आयोजन करने वाले डॉ. सुबासिनी बैंक को 40,000/- रुपये का अनुदान।

आयोजित संगोष्ठियां

दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिण परिसर के जैव रसायन विभाग के सहायक प्रोफेसर: डॉ. दाऊ दयाल ने 19 मार्च, 2025 को मॉडल ऑफगैनिज्म और जीन एक्सप्रेशन रेगुलेटर का उपयोग करके रोग पैथोफिज़ियोलॉजी और उनके उपचारों को उजागर करने पर एक व्याख्यान दिया।

श्री टी.डी. धारियाल, पूर्व उप मुख्य आयुक्त, विकलांगता एवं सदस्य सचिव, भारतीय पुनर्वास परिषद, भारत सरकार ने 24 फरवरी, 2025 को जीवन को सशक्त बनाना: दिव्यांग व्यक्तियों के लिए एक समावेशी समाज का निर्माण विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

प्रोफेसर जयकांत सिंह शर्मा, व्याकरण विभाग, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने 13 फरवरी, 2025 को प्रयाग-महाकुंभ की पौराणिकता और उसकी साम्प्रदायिक प्रासंगिकता पर व्याख्यान दिया।

डीयू के संस्कृत विभाग के प्रोफेसर भारतेंदु पांडे ने 30 जनवरी, 2025 को सरलीकरण एवं रसास्वाद पर व्याख्यान दिया।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार के सलाहकार डॉ. सबरीश ने 23 जनवरी, 2025 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस: एक प्रेरक व्यक्तित्व विषय पर व्याख्यान दिया।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. प्रीति राय ने 14 जनवरी, 2025 को अंगदान जागरूकता अभियान पर एक व्याख्यान दिया।

हेलमेट मैन ऑफ इंडिया श्री राघवेन्द्र कुमार ने 28 जनवरी, 2025 को सड़क सुरक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए हर जीवन मायने रखता है विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डीटीयू की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नीलम ने 22 दिसंबर, 2024 को वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान प्रदान करने में गणित के अनुप्रयोग पर एक वेबिनार आयोजित किया।

प्रोफेसर संपदानंद मिश्रा, निदेशक, मानव-विज्ञान केंद्र, राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, सोनीपत ने 18 दिसंबर, 2024 को भारतीय दर्शन की युगों से यात्रा पर एक व्याख्यान दिया।

वनस्पति-विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. दीनबंधु साहू ने 19 नवंबर, 2024 को कक्षा से परे - पर्यावरण शिक्षा से कार्रवाई तक विषय पर व्याख्यान दिया।

अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ) के सलाहकार (वैज्ञानिक जी) प्रोफेसर शशि भूषण पांडे ने 14 नवंबर, 2024 को अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन: कार्यक्रम और संभावनाएं पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

प्रो. (डॉ.) रमेश डावर, एमबीबी.ए.स (एम्स), एमडी, मैरीलैंड, यूएसए, उपाध्यक्ष एवं निदेशक, डीएचआरसी डब्ल्यूओडी पैथोलॉजी एवं ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन- डीएचआरसी ने 18 अक्तूबर, 2024 को हमारा स्वास्थ्य, हमारी शक्ति: कैंसर से बचाव विषय पर एक व्याख्यान दिया।

मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय (सांध्य) के राजनीति-विज्ञान के सेवानिवृत्त प्रोफेसर प्रो. जीएन त्रिवेदी ने 18 अक्तूबर, 2024 को गांधी की समझ: व्यक्तित्व का एक अतिव्यापी आयाम विषय पर व्याख्यान दिया।

टीम ट्रैक्स के संस्थापक अध्यक्ष और प्रसिद्ध सड़क सुरक्षा विशेषज्ञ श्री अनुराग कुलश्रेष्ठ ने 16 अक्तूबर, 2024 को सड़क सुरक्षा जागरूकता पर एक व्याख्यान दिया।

सैयद फ़राज़ हैदर नबी, सहायक महानिदेशक (फिलैटली) डाक विभाग, संचार मंत्रालय, भारत सरकार ने 15 अक्तूबर, 2024 को पशुओं के फिलैटली पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. वंदना मेहता, निदेशक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, एनाटॉमी, वर्धमान महावीर मेडिकल महाविद्यालय ने ध्यान सत्र पर एक व्याख्यान दिया।

सुप्रीम कोर्ट की एडवोकेट मनदीप बैसला ने 04 अक्तूबर, 2024 को कार्यस्थल पर उत्पीड़न के विरुद्ध महिलाओं के कानूनी अधिकारों पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

प्रोफेसर राकेश सिन्हा, पूर्व सांसद, राज्यसभा, ने 08 अक्तूबर, 2024 को शिक्षा, सामाजिक कार्य और राजनीति में मेरी यात्रा पर एक व्याख्यान दिया।

भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद के सदस्य सचिव प्रोफेसर सच्चिदानंद मिश्र ने 23-24 मई, 2024 को महिमा धर्म और दर्शन: रूढ़िवाद से परे परोपकारिता पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

प्रो. गोदावरीषा मिश्रा, नालंदा विश्वविद्यालय, पूर्व सदस्य सचिव आईसीपीआर, ने 04 मई, 2024 को प्रेम की भाषा को समझना: प्रकटीकरण और उपनिषदिक विश्वदृष्टि पर एक व्याख्यान दिया ।

आईआईएलएम विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा की कुलपति डॉ. तरुणा गौतम ने 03 मई, 2024 को उभरते स्टार्ट-अप, नवाचार और डिजाइन थिंकिंग पर एक व्याख्यान दिया।

आयोजित सम्मेलन

04-05 मार्च, 2025 को देशबंधु महाविद्यालय द्वारा आयोजित और राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित, अश्वगंधा पर प्रजाति-विशिष्ट राष्ट्रीय अभियान- एक स्वास्थ्य प्रवर्तक विषय पर सम्मेलन।

पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर: राजमाता से लोकमाता तक की यात्रा नामक सम्मेलन, 25 फरवरी, 2025 को भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र और आईक्यूएसी, देशबंधु महाविद्यालय और इंद्रप्रस्थ अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित और देशबंधु महाविद्यालय द्वारा प्रायोजित।

सम्मेलन शीर्षक, कैंसर जीव-विज्ञान पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, 08 जुलाई, 2024 को अनुसंधान प्रकोष्ठ, भारतीय शिक्षण मंडल के सहयोग से और देशबंधु महाविद्यालय द्वारा प्रायोजित।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

21 अगस्त, 2024 को आबिर बायो-सर्विसेज फाउंडेशन (एबी.ए.सएफ), नोएडा के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। देशबंधु महाविद्यालय में प्राचार्य के रूप में कार्य किया।

19 दिसंबर, 2024 को डॉ. श्रॉफ्स चैरिटी आई हॉस्पिटल, एक ट्रस्ट के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। देशबंधु महाविद्यालय में प्राचार्य के रूप में कार्य किया। मुख्य परिणाम: ग्लूकोमा पहचान मॉडल विकसित करने के लिए एक सॉफ्टवेयर और डायग्नोस्टिक टूल का संयुक्त रूप से विकास।

09 सितंबर, 2024 को वरुणश्री मीडिया सॉल्यूशंस के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, देशबंधु महाविद्यालय के प्राचार्य के रूप में कार्य किया।

5 जनवरी, 2024 को मेसर्स ग्रीन-ओ-टेक इंडिया के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। देशबंधु महाविद्यालय में प्राचार्य के रूप में कार्य किया। प्रमुख परिणाम: महाविद्यालय के कागज़ के कचरे का पुनर्चक्रण और महाविद्यालय को स्टेशनरी उपलब्ध कराना।

06 मार्च, 2023 को पलाकी विश्वविद्यालय ओलोमौक के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। देशबंधु महाविद्यालय में प्राचार्य के रूप में कार्य किया। प्रमुख परिणाम: चिकित्सा और जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में संयुक्त अनुसंधान सहयोग।

04 मार्च, 2023 को सेंट्रो एस्कोलर विश्वविद्यालय, मनीला, फिलीपींस के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। देशबंधु महाविद्यालय में प्राचार्य के रूप में कार्य किया। प्रमुख परिणाम: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और बिग डेटा प्रबंधन के क्षेत्र में संयुक्त अनुसंधान सहयोग।

9 फरवरी, 2021 को मणिपुर विश्वविद्यालय के पेटीग्रेव महाविद्यालय के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। देशबंधु महाविद्यालय में प्राचार्य के रूप में कार्य किया। प्रमुख परिणाम: 20 से अधिक विस्तार और आउटरीच गतिविधियों का आयोजन किया।

7 फरवरी, 2023 को दिल्ली विश्वविद्यालय और मुक्त शिक्षा विद्यालय तथा भाऊराव देवरस सेवा न्यास के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर। देशबंधु महाविद्यालय में प्राचार्य के रूप में कार्यरत। प्रमुख परिणाम: समर्थ भारत के साथ स्टार्ट-अप के लिए कौशल विकास कार्यक्रम।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 551 (33.43%)

कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या: 113

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

पेंटिंग और पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता

रक्तदान शिविर

निर्भया नारी

ध्यान सत्र

साइफल, नियोजन सेल (वार्षिक जॉब फेस्टिवल एस्टरिन 2025)

जामिया हमदर्द का वैज्ञानिक प्रदर्शन दौरा

सड़क सुरक्षा जागरूकता

ताबीर-ए-ख्वाब: जहाँ शास्त्रीयता का पाश्चात्य से मिलन होता है

मन को प्रकाशित करना, भविष्य को प्रज्वलित करना

मेहंदी प्रतियोगिता

प्रदीपन (एनएसएस वार्षिक दिवाली मेला)

कवि सम्मेलन

विद्या विस्तार योजना के अंतर्गत योगासन एवं प्राणायाम पर तीन दिवसीय प्रमाणपत्र कार्यशाला

विद्या विस्तार योजना

भोजन के सूक्ष्मजीवविज्ञानी परीक्षण पर व्याख्यान सह आभासी प्रयोगशाला भ्रमण

भर्ती प्रश्नोत्तरी

महाविद्यालय में यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर चर्चा

जलवायु परिवर्तन और विश्व के भविष्य पर संगोष्ठी

नदी को जानो पर संगोष्ठी

लैंडफिल पर व्याख्यान सह आभासी प्रयोगशाला भ्रमण: एक सार्वजनिक एवं पर्यावरणीय स्वास्थ्य परिप्रेक्ष्य

"भारतीय ज्ञान प्रणाली के प्रतिबिंब: विरासत, संस्कृति, समाज और विज्ञान" पर वेबिनार

"स्वतंत्रता आंदोलन में भगिनी निवेदिता की भूमिका" पर वेबिनार

नेतृत्व श्रृंखला

निवेशक शिक्षा कार्यक्रम

कर्म योग पर कार्यशाला

वन्यजीव सप्ताह: वाइल्ड-ओ-विगस

स्वच्छता अभियान

वृक्षारोपण अभियान

स्वच्छता पखवाड़ा

20 विभागों ने राष्ट्रीय संगोष्ठी सह कार्यशाला सह वार्षिक छात्र समाज उत्सव का आयोजन किया।

पुस्तकालय विकास

पिछले एक वर्ष में महाविद्यालय की पुस्तकालय में बड़े बदलाव और उन्नयन हुए हैं। महाविद्यालय पुस्तकालय ने भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की 'वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन' योजना के लिए महाविद्यालय को पंजीकृत कराया है। पुस्तकालय के फर्श को पूरी तरह से बदल दिया गया है। शिक्षकों के लिए नए वातानुकूलित वाचनालय और एक वातानुकूलित संगोष्ठी कक्ष जोड़ा गया है। पुस्तकालय ने एक वातानुकूलित ई-पुस्तकालय के लिए एक समर्पित स्थान बनाया है, जिसके माध्यम से सभी संकाय और छात्र सभी ऑनलाइन ई-संसाधनों और सब्सक्राइब्ड डेटाबेस तक पहुँच सकते हैं। महाविद्यालय पुस्तकालय ने 1877 नई पुस्तकें खरीदीं और कई पत्रिकाओं और पत्रिकाओं की सदस्यता भी ली। पुस्तकालय ने अतिरिक्त सुरक्षा के लिए सीढ़ियों पर एसएस रेलैंगिक भी लगाई है।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक:	37
सह-प्राचार्य:	39
सहायक प्रोफेसर:	137
तदर्थ:	1
अतिथि:	41
उपयोगित निधियां (₹ करोड़ में):	93.2
₹ आवंटित निधियां (करोड़ में):	89.41

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

एनईपी-2020 का कार्यान्वयन: महाविद्यालय ने एनईपी-2020 के अनुसार दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित नई संरचना और पाठ्यक्रम को पूरी तरह से अपनाया और लागू किया है और कोर, वैकल्पिक, क्षमता संवर्धन, कौशल संवर्धन और मूल्य वर्धित पाठ्यक्रमों जैसे विभिन्न पाठ्यक्रमों के साथ चार वर्षीय डिग्री कार्यक्रम शुरू किया है, जिसमें छात्रों को कोर पाठ्यक्रमों को छोड़कर सभी पाठ्यक्रमों को चुनने का विकल्प दिया गया है और कई प्रवेश और निकास विकल्प भी प्रदान किए गए हैं।

बुनियादी ढांचे का विस्तार और हरित परिसर: यह एक हरित परिसर है और इसने एक सरकारी प्रमाणित एजेंसी से सफलतापूर्वक अपना हरित ऑडिट कराया है और इसे 2018 में विश्व शांति के लिए शिक्षकों के अंतर्राष्ट्रीय संघ (संयुक्त राष्ट्र से संबद्ध) द्वारा "विश्व पारिस्थितिकी पर्यावरण और विकास" पुरस्कार और विश्व शांति के लिए शिक्षकों के अंतर्राष्ट्रीय संघ, भारतीय पारिस्थितिकी और पर्यावरण संस्थान और राष्ट्रीय स्वच्छता शिक्षा और अनुसंधान संस्थान द्वारा "प्लास्टिक मुक्त महाविद्यालय" पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पुस्तकालय: महाविद्यालय पुस्तकालय डीयू में सबसे बड़े और सबसे अच्छी तरह से बनाए रखा पुस्तकालयों में से एक है, जिसे 2020 में डेसीडॉक जर्नल ऑफ पुस्तकालय एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, डीआरडीओ में प्रकाशित एक अध्ययन में विश्वविद्यालय में 'सर्वश्रेष्ठ महाविद्यालय पुस्तकालय' का दर्जा दिया गया है और इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस (संयुक्त राष्ट्र से संबद्ध) द्वारा 'सर्वश्रेष्ठ प्रबंधित पुस्तकालय पुरस्कार -2017' का प्राप्तकर्ता है।

खेल: खेल देशबंधु महाविद्यालय की पहचान माने जाते हैं, जहां के छात्र तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, मुक्केबाजी, कैरम, शतरंज, क्रिकेट, फुटबॉल, जूडो, कबड्डी, पावर लिफ्टिंग, निशानेबाजी, ताइक्वांडो, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन, कुश्ती और योग में ख्याति प्राप्त करते हैं।

****

डॉ. भीम राव अंबेडकर महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

डॉ. भीम राव अंबेडकर महाविद्यालय, भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीम राव रामजी अंबेडकर के जन्म शताब्दी वर्ष के दौरान वर्ष 1991 में अस्तित्व में आया। यह दिल्ली विश्वविद्यालय का एक घटक सह-शिक्षा महाविद्यालय है और दिल्ली सरकार द्वारा शत-प्रतिशत वित्तपोषित है। वर्षों से, हमारा महाविद्यालय सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों के साथ-साथ शिक्षा और ज्ञान का एक महत्वपूर्ण संस्थान बन गया है। 24 फरवरी, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. भीम राव अंबेडकर महाविद्यालय में आयोजित करियर मेला 2025, छात्रों और नौकरी चाहने वालों के लिए उद्योग जगत के पेशेवरों से जुड़ने, विभिन्न करियर अवसरों की जानकारी प्राप्त करने और संभावित रोजगार संभावनाओं का पता लगाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करेगा।

हमारे महाविद्यालय ने 5वें विश्व पर्यावरण शिखर सम्मेलन 2024 का आयोजन 16-17 नवंबर 2024 को एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर, संसद मार्ग, नई दिल्ली में और 18 नवंबर 2024 को हंसराज महाविद्यालय, नॉर्थ कैंपस गलगोटिया विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा में पर्यावरण और सामाजिक विकास संघ (ईएसडीए) दिल्ली, जीडी गोयनका विश्वविद्यालय, एयूएच, गुरुग्राम, डॉ. भीम राव अंबेडकर महाविद्यालय, आरसीसीवी गर्ल्स महाविद्यालय, गाजियाबाद, सीएसआईआर-राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान (नीरी), विला महाविद्यालय मालदीव, त्रिभुवन विश्वविद्यालय नेपाल और जूलॉजिकल सोसाइटी ऑफ बांग्लादेश के सहयोग से भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा किया है।

शिक्षण और शिक्षणेत्तर कार्मिकों के सम्मान/विभूतियाँ

प्रो. राकेश साहनी, (1) सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र पुरस्कार के प्राप्तकर्ता, उनके शोध-पत्र "भारत के ग्रीन बेंचमार्क सूचकांकों के गतिशील एकीकरण की जांच: पारंपरिक क्रूड के वैश्विक समकक्ष", अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया, अदानी विश्वविद्यालय, दिसंबर 11-12, 2024. (2) सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र पुरस्कार "आर्थिक विकास, शहरीकरण, व्यापार, जैव क्षमता और पारिस्थितिक पदचिह्न के बीच संबंध: भारतीय

अनुभव", 7वें द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया एक शोध-पत्र: विजन इंडिया@2047: आर्थिक विकास, स्थिरता और डीकार्बोनाइजेशन में वैश्विक नेता, मार्च 21-22, 2024, श्री गुरु गोबिंद सिंह वाणिज्य महाविद्यालय, पीतमपुरा, नई दिल्ली में। उन्होंने बाहरी मूल्यांकनकर्ता के रूप में भी काम किया है। स्कोपस-इंडेक्स पत्रिकाओं के पत्रों के समीक्षक और एचएसबी जीजेयूएस एंड टी के पीएच.डी. थीसिस के बाहरी मूल्यांकनकर्ता, 02-03 दिसंबर को दयाल सिंह महाविद्यालय, डीयू में 'आर' के साथ समय श्रृंखला कार्यशाला में भाग लिया।

प्रोफेसर नरेंद्र ठाकुर और प्रोफेसर सदा नंद प्रसाद को विश्व पर्यावरण शिखर सम्मेलन 2024 द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "वैश्विक उत्तर और दक्षिण देशों में पर्यावरणीय गिरावट, आय असमानता, गरीबी और बेरोजगारी: सतत विकास और जलवायु कार्रवाई नीतियों के लिए एक अर्थमितीय विश्लेषण" पर सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रो. दीपाली जैन को (1) सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र का पुरस्कार “शहरी राजधानी में पर्यावरण के अनुकूल करदाताओं के लिए सतत कर बचत: एक बहुविधि विश्लेषण दृष्टिकोण” शीर्षक वाले शोध-पत्र के लिए मिला, जिसे वाणिज्य विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय और दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 6-7 जनवरी, 2025 को आयोजित 10वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया। (2) पर्यावरण और सामाजिक विकास संघ (ईएसडीए इंडिया) और डॉ. बीआर अंबेडकर महाविद्यालय, डीयू और अन्य द्वारा 16-18 नवंबर, 2024 को आयोजित 5वें विश्व पर्यावरण शिखर सम्मेलन 2024 में सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र का पुरस्कार मिला।

प्रो. ममता, (1) 10वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य सम्मेलन में प्रस्तुत "शहरी राजधानी में पर्यावरण के अनुकूल करदाताओं के लिए सतत कर बचत: एक बहुविधि विश्लेषण दृष्टिकोण" शीर्षक वाले शोध-पत्र के लिए सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र पुरस्कार की प्राप्तकर्ता। (2) पर्यावरण और सामाजिक विकास संघ (ईएसडीए इंडिया) और डॉ बीआर अंबेडकर महाविद्यालय, डीयू द्वारा आयोजित 5वें विश्व पर्यावरण शिखर सम्मेलन 2024 में सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र पुरस्कार, और 07 मार्च, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय में नारी शक्ति सम्मेलन में सक्रिय भागीदारी के लिए विकसित भारत राजदूत के रूप में कार्य किया।

प्रो. पूनम मित्तल (1) को "शहरी राजधानी में पर्यावरण के अनुकूल करदाताओं के लिए सतत कर बचत: एक बहुविधि विश्लेषण दृष्टिकोण" शीर्षक वाले शोध-पत्र के लिए सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र का पुरस्कार मिला, जो वाणिज्य विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय और दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 6-7 जनवरी, 2025 को आयोजित 10वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया।

डॉ. निशि शर्मा को आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित प्रथम अंतर्राष्ट्रीय व्यावसायिक अनुसंधान एवं नवाचार सम्मेलन (ब्रेन' 24) में सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र प्रस्तुति के लिए प्रशंसा प्रमाणपत्र और पुरस्कार राशि प्रदान की गई, जो 09-10 अगस्त, 2024 को नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रबंधन अध्ययन विभाग में आयोजित किया गया।

प्रो. ऋचा चौधरी को विश्व युवक केंद्र, चाणक्यपुरी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर समाज सेवा के लिए पुरस्कार प्रदान किया गया।

प्रोफेसर तुष्टि भारद्वाज को (1) भारत में कैंसर से पीड़ित रोगियों के लिए आईपीओएस के क्रॉस-सांस्कृतिक सत्यापन के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति पुरस्कार से सम्मानित किया गया, पीओएस परिवार के उपायों के साथ उपशामक और जीवन के अंत की देखभाल में परिणाम माप, सिसली सॉन्डर्स इंस्टीट्यूट, किंग्स महाविद्यालय लंदन, लंदन द्वारा आयोजित आईपीओएस प्रशिक्षण कार्यशाला में 30 अप्रैल -01 मई, 2024 को प्रस्तुत किया गया। (2) पीएम वर्ष के बाजरा योजना के तहत आईसीएसएसआर द्वारा वित्त-पोषित परियोजना को पूरा किया, जिसका शीर्षक था "नियमित आहार में बाजरा के स्वास्थ्य लाभ: दिल्ली एनसीआर में युवाओं में बाजरा के बारे में जागरूकता और खपत का आकलन करने पर एक अध्ययन।"

प्रो बिष्णु मोहन दाश ने जी20, विकसित भारत, उन्नत भारत अभियान के नोडल अधिकारी और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग समिति के संयोजक के रूप में कार्य किया।

डॉ. दीपशिखा चौधरी को विश्व युवक केंद्र, चाणक्यपुरी, दिल्ली से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर समाज सेवा के लिए पुरस्कार मिला।

अखिल भारतीय एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक डॉक्टर्स एसोसिएशन, पूर्वांचल विचार मंच, माया नारायण मेमोरियल ट्रस्ट, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल के डॉक्टर्स एसोसिएशन द्वारा 'सामाजिक कार्य में उत्कृष्टता' के लिए सम्मान प्राप्त हुआ।

विभूतियाँ प्राप्त छात्र

बीबीई तृतीय वर्ष के छात्र आयुष शर्मा, योगेश वार्ष्णेय मेमोरियल गोल्ड मेडल प्राप्तकर्ता।

रोशनी कुमारी, बी.ए. (ऑनर्स) एचजेएमसी की छात्रा, मां लक्ष्मी देवी मेमोरियल गोल्ड मेडल प्राप्तकर्ता।

दिव्यांशु राठौड़, बी.ए. (ऑनर्स) एचजेएमसी के छात्र, शीतल प्रसाद सिंह स्वर्ण पदक प्राप्तकर्ता।

अंकिता सिंह, बी.ए.सडब्ल्यू-तृतीय वर्ष की छात्रा, बापू पीएन सिंह स्वर्ण पदक प्राप्तकर्ता।

बी.सी.एच. तृतीय वर्ष की छात्रा प्रिया अरोड़ा को सुल्तान चंद मेमोरियल गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया।

मोहन कुमार, बी.सी.एच.-तृतीय वर्ष के छात्र, सुल्तान चंद मेमोरियल/द्वितीय स्थान प्राप्तकर्ता।

रितु गुप्ता, बीसीएच-द्वितीय वर्ष की छात्रा, सुल्तान चंद मेमोरियल/द्वितीय स्थान प्राप्तकर्ता

काश्वी ओबेरॉय, बीसीएच-द्वितीय वर्ष की छात्रा, सुल्तान चंद मेमोरियल/द्वितीय स्थान प्राप्तकर्ता

कविता, बी.ए. (पी) प्रथम वर्ष की छात्रा, बीपी मौर्य मेमोरियल मेरिटोरियस अवार्ड की प्राप्तकर्ता।

बी.ए.(पी) द्वितीय वर्ष के छात्र अथर्व गजानन पवार को बीपी मौर्य मेमोरियल मेरिटोरियस अवार्ड से सम्मानित किया गया।

मुस्कान, बी.ए.(पी)-प्रथम वर्ष की छात्रा, जयंत श्रीमती की प्राप्तकर्ता। कमलावती शास्त्री पुरस्कार।

रुबीना बी.ए., (पी)-द्वितीय वर्ष की छात्रा, जयंत कुमार पंडित विमल देव शास्त्री पुरस्कार प्राप्तकर्ता।

रंजीत कुमार मंडल, बी.ए.(पी)-प्रथम वर्ष के छात्र, जयंत मेमोरियल पुरस्कार प्राप्तकर्ता।

मानवती गौतम मेमोरियल गोल्ड मेडल प्राप्तकर्ता, बी.ए. (ऑनर्स) अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान-VI की छात्रा अनघा रागेश।

मीतीकला मोहन बाबू, बी.ए. (ऑनर्स) सोशल वर्क की छात्रा, सीता पतंजलि मेमोरियल पुरस्कार प्राप्तकर्ता।

सूरज, बी.ए. (ऑनर्स) सोशल वर्क तृतीय वर्ष के छात्र, स्वामी सर्वदानंद भिक्षु सर्वश्रेष्ठ मानव सेवा पुरस्कार के प्राप्तकर्ता।

श्री अभिषेक शर्मा (सीडीटी, एनसीसी-नेवी), बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल, द्वितीय वर्ष, सर्वश्रेष्ठ छात्र ट्रॉफी के प्राप्तकर्ता।

बी.कॉम (ऑनर्स)/द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा गुनगुन जैन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.कॉम (ऑनर्स)/द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा पलक ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.कॉम (ऑनर्स)/द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा पलक पांडे ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.कॉम (ऑनर्स)/द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा अयुक्ता गोयल ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.कॉम (ऑनर्स)/द्वितीय वर्ष की छात्रा रितु गुप्ता ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.कॉम (ऑनर्स)/द्वितीय वर्ष की छात्रा काश्वी ओबेरॉय ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.कॉम (ऑनर्स)/तृतीय वर्ष की छात्रा प्रिया अरोड़ा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.कॉम (ऑनर्स)/तृतीय वर्ष के छात्र मोहन कुमार ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.कॉम (पी)/प्रथम वर्ष की छात्रा तनिषा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

27 बी.कॉम (पी)/प्रथम वर्ष के छात्र विनय गुप्ता ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

28 गोविंद जैन, बी.कॉम (पी)/द्वितीय वर्ष के छात्र ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

29 बी.कॉम (पी)/द्वितीय वर्ष की छात्रा निमिषा सिन्हा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

30 बी.कॉम (पी)/तृतीय वर्ष की छात्रा प्रेरणा द्विवेदी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल, प्रथम वर्ष के छात्र आरव पटेल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल, प्रथम वर्ष की छात्रा शगुन मिश्रा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल, द्वितीय वर्ष की छात्रा खुशी कनौजिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

सात्विक धर दीवान, बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल, द्वितीय वर्ष के छात्र, द्वितीय स्थान किया।

बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल, द्वितीय वर्ष के छात्र यश राज ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल, तृतीय वर्ष की छात्रा मौपिया समद्दर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल, तृतीय वर्ष की छात्रा आयुषी कुमारी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास, प्रथम वर्ष की छात्रा अरीबा खान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास, प्रथम वर्ष के छात्र शुभांशु ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास, द्वितीय वर्ष की छात्रा उर्जिला ऐजाज ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास, द्वितीय वर्ष के छात्र हर्षित गुंज ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास, द्वितीय वर्ष के छात्र शिवम शर्मा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास, तृतीय वर्ष के छात्र साहिल खान सलमानी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास, तृतीय वर्ष के छात्र विवेक सेठी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

आर्यन बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास, तृतीय वर्ष ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

आशिका बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी, प्रथम वर्ष ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

शिवम यादव बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी, प्रथम वर्ष ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

अंजलि बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी, द्वितीय वर्ष ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी, द्वितीय वर्ष के छात्र साहिल सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी, द्वितीय वर्ष की छात्रा कंचन पांडे ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी, तृतीय वर्ष के छात्र आदित्य पांडे ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी, तृतीय वर्ष के छात्र नितिन कुमार ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) एचजे एंड एमसी, प्रथम वर्ष की छात्रा प्रगति गुप्ता ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) एचजे एंड एमसी, प्रथम वर्ष की छात्रा सौम्या पटेल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) एचजे एंड एमसी, प्रथम वर्ष की छात्रा रूपाली शर्मा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) एचजे एंड एमसी, द्वितीय वर्ष के छात्र मोहम्मद सैफ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) एचजे एंड एमसी, द्वितीय वर्ष की छात्रा गुनगुन ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) एचजे एंड एमसी, तृतीय वर्ष की छात्रा रोशनी कुमारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) एचजे एंड एमसी, तृतीय वर्ष के छात्र मोहम्मद फिरदौस आलम ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) सोशल वर्क, प्रथम वर्ष की छात्रा शेल टी मैरी जॉन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) सोशल वर्क, प्रथम वर्ष की छात्रा वर्षा झा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) सोशल वर्क, द्वितीय वर्ष की छात्रा अंकिता सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) सोशल वर्क, द्वितीय वर्ष के छात्र आर्य केपी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) सोशल वर्क, तृतीय वर्ष के छात्र सैवी जैन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) सोशल वर्क, तृतीय वर्ष की छात्रा अंजलि गुप्ता ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) बिजनेस इकोनॉमिक्स, प्रथम वर्ष की छात्रा शविया नाज़ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) बिजनेस इकोनॉमिक्स, प्रथम वर्ष की छात्रा रिद्दिमा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) बिजनेस इकोनॉमिक्स, द्वितीय वर्ष के छात्र ऋषभ कपूर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) बिजनेस इकोनॉमिक्स, द्वितीय वर्ष के छात्र शौर्य शर्मा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) बिजनेस इकोनॉमिक्स, तृतीय वर्ष के छात्र आयुष कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) बिजनेस इकोनॉमिक्स के छात्र प्रियांश अग्रवाल ने तृतीय वर्ष में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र, प्रथम वर्ष की छात्रा सृष्टि रॉय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र, प्रथम वर्ष की छात्रा मुस्कान सिंह ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र, द्वितीय वर्ष की छात्रा दीया अलवानी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र, द्वितीय वर्ष की छात्रा पारुल गुप्ता ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र, तृतीय वर्ष के छात्र अभिनव चौहान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र, तृतीय वर्ष की छात्रा आद्या शील ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (पी), प्रथम वर्ष के छात्र प्रिंस राज ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (पी), प्रथम वर्ष की छात्रा पूर्वी यादव ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (पी), प्रथम वर्ष की छात्रा इशिका जिंदल ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (पी), द्वितीय वर्ष की छात्रा शिप्रा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (पी), द्वितीय वर्ष के छात्र कृष्णा भाटिया ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (पी), तृतीय वर्ष की छात्रा प्रज्ञा पाठक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (पी), तृतीय वर्ष की छात्रा दिव्या सिंह ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान, प्रथम वर्ष की छात्रा हर्षिता पुरोहित ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान, प्रथम वर्ष की छात्रा पलक गुप्ता ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान, द्वितीय वर्ष की छात्रा एंजेल नरवाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान, द्वितीय वर्ष के छात्र हर्ष मीणा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान, द्वितीय वर्ष की छात्रा नेहा रौसा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान, तृतीय वर्ष की छात्रा अनघा रागेश ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान, तृतीय वर्ष की छात्रा प्रेरणा बाहरी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन

प्रसाद, एस.एन., और कुमार, आई. (2024). स्कैवेंजर के साथ स्टोकेस्टिक शिकारी-शिकार मॉडल का गतिशील विश्लेषण। *मलेशियाई जर्नल ऑफ़ मैथमेटिकल साइंसेज* , *18* (1), 73-90। doi:10.47836/mjms.18.1.05

प्रसाद, सदा नंद, अब्दुल्ला सिंह, बी., और शालिनी, के. (2024). न्यूटोनियन-पश्चात गतिकी और केर जैसे प्राथमिक ऊर्जाओं के प्रभाव में CR3B समस्या में अरैखिक स्थिरता। *खगोल विज्ञान रिपोर्ट* , *68* (3), 277-293। doi:10.1134/s1063772924700227

यादव, पी., अब्दुल्ला, और प्रसाद, एस.एन. (2024). आवेशित पिंडों के साथ एक नए प्रकार की रोब समस्या। *आधुनिक भौतिकी पत्र A. कण और क्षेत्र, गुरुत्वाकर्षण, ब्रह्मांड विज्ञान, नाभिकीय भौतिकी* , *39* (21n22)। doi:10.1142/s0217732324500950

खोड़ा, पी., पाल बाजिया, वी., और प्रसाद, एस.एन. (2025)। तपेदिक नियंत्रण की दिशा में प्रभावी रणनीतियाँ: इष्टतम नियंत्रण और लागत-प्रभावशीलता विश्लेषण। *यूरोपियन फ़िज़िकल जर्नल प्लस* , *140* (1)। doi:10.1140/epjp/s13360-025-05978-x

शाहनी, आर., और बदाइक, ए. (2024). तीन सतत विकास लक्ष्यों, 'जैव क्षमता' और 'पारिस्थितिक पदचिह्न' को एकीकृत करके ब्रिक्स देशों के लिए पर्यावरणीय स्थिरता गलियारे का आकलन। *व्यावसायिक प्रबंधन की समीक्षा* । doi:10.1177/09728686241286588

शाहनी, आर., बदायिकब, ए., और मिश्रा, ए. (2024). क्या ब्रिक्स देशों में ईएसजी सूचकांकों का कोई गतिशील संबंध है: वर्मा-गार्च स्पिलओवर दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए अनुभवजन्य विश्लेषण। *रामानुजन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एंड रिसर्च* , *9* (1), 67-77। doi:10.51245/ rijbr.v 9i1.2024.1506

साहनी, आर., शर्मा, एन. और सोढ़ी, एस. (2024). क्या ऊर्जा और सतत विकास सूचकांक व्यापक वित्तीय बाजार सूचकांक से अलग होने के संकेत प्रदर्शित करते हैं? द इंडियन एक्सपीरियंस, एम्पिरिकल इकोनॉमिक्स लेटर्स*, 23* (1)

शाहनी, आर., तनेजा, ए., और दास, बी. (2024). भारत में खाद्य और ईंधन बाजारों के बीच गतिशील अंतःक्रिया: क्या भारत वैश्विक दौड़ में शामिल हो गया है? *ग्रीन एंड लॉ-कार्बन इकोनॉमी*, *2* (4), 287-298। doi:10.47852/bonviewglce42021575

शाहनी, आर., और खनेजा, एन. (2024). क्या पर्यावरण क्षरण आर्थिक विकास की पूर्व शर्त है? भारत और चीन का एक उदाहरण। *विज़न द जर्नल ऑफ़ बिज़नेस पर्सपेक्टिव* , *28* (1), 98-110. doi:10.1177/09722629211034090

साहनी, आर. और यादव, ए. (2024) संरचनात्मक विराम की उपस्थिति में कीमती धातुओं के वैश्विक बाजार में गतिशील मूल्य एकीकरण। *एचएसबी रिसर्च रिव्यू, 18* (2)।

ए. अग्रवाल, एस. (2024). भारत में आर्थिक विकास, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और व्यापार खुलेपन के बीच एक आकस्मिक संबंध: एक रेखीय और गैर-रेखीय दृष्टिकोण. *इंडियन जर्नल ऑफ इकोनॉमी डेवलपमेंट*, 20(3), 423-430. https://doi.org/10.35716/IJED-23247

शर्मा, एन., सोढ़ी, एस., और शाहनी, आर. (2024). क्या निफ्टी 500, निफ्टी 100 ईएसजी पर असममित प्रभाव डालता है? ई-गार्च और टी-गार्च का उपयोग करके एक अनुभवजन्य जाँच। *आईयूपी जर्नल ऑफ अकाउंटिंग रिसर्च एंड ऑडिट प्रैक्टिसेस* , *23* (4)।

शर्मा, एन., और कौर, टी. (2024). भारत में ऊर्जा वस्तुओं और शेयर बाजार के मूल्य आंदोलनों के बीच अंतर्संबंधों की अनुभवजन्य जाँच। *अर्थवान* , *7* (1), 1-19। doi:10.71322/arthavaan.vol.7.issue .1.01

शर्मा, एन. (2024). भारतीय शेयर बाजार में स्थिरता और बेंचमार्क सूचकांकों के बीच दीर्घकालिक और कारणात्मक संबंध पर अनुभवजन्य जाँच। अर्थवान, 7(1), 55-68. doi:10.71322/arthavaan.vol.7.issue .1.05

शर्मा, एन. (2024, दिसंबर)। भारतीय शेयर बाजार में स्थिरता और बेंचमार्क सूचकांकों के बीच दीर्घकालिक आकस्मिक संबंध का अनुभवजन्य अन्वेषण । अर्थवान, 7 (1), 55-68।

और उपभोक्ता व्यवहार पर कोविड-19 का प्रभाव , इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, आईटी एंड इंजीनियरिंग (ISSN: 2249-0558) खंड-14 (मार्च 2024)।

पुरुषोत्तम (2024). ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म कैसे B2B ट्रेडिंग में क्रांति ला रहे हैं। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन सोशल साइंसेज़, वॉल्यूम-14* ।

कुमार, एन., भटेजा, ओ., और सिंह, ए.पी. (2024). भगवद् गीता का मनोविज्ञान: दुख और उपचार की गतिशीलता को समझना। *जर्नल ऑफ स्पिरिचुअलिटी इन मेंटल हेल्थ* , 1-19। doi:10.1080/19349637.2024.2364660

कपूर, एस., पांडे, एन. और कुमार, एन. (2024). स्कूल जाने वाले किशोरों के व्यक्तित्व निर्माण में कृतज्ञता की भूमिका: व्यापक अध्ययन. *इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजिकल साइंस, 18* (I).

सरोज, एस.के., भारद्वाज, टी., और कौशिक, ए. (2025)। दिल्ली की शहरी मलिन बस्तियों में वयस्कों में तंबाकू का प्रचलन: एक क्रॉस-सेक्शनल सर्वेक्षण के परिणाम। *मोनाल्डी आर्काइव्स फॉर चेस्ट डिजीज* । doi:10.4081/monaldi.2025.3217

सिंह, एस., राज, आर., दाश, बी.एम., कुमार, वी., पालीवाल, एम., और चौहान, एस. (2024). वित्त तक पहुँच और एमएसएमई की परिचालन दक्षता पर इसका प्रभाव: उद्यमी व्यक्तित्व और आत्म-प्रभावकारिता की मध्यस्थ भूमिका। *जर्नल ऑफ स्मॉल बिज़नेस एंड एंटरप्राइज़ डेवलपमेंट* । doi:10.1108/jsbed-01-2024-0053

प्रसाद, एस., एक्टोविन, ए., दाश, बी.एम., और इंदा, एस. (2024). समाज कार्य पाठ्यक्रम के बदलते रुझान: भारत में चुनिंदा समाज कार्य संस्थानों का एक अध्ययन। *अफ़्रीकन जर्नल ऑफ़ सोशल वर्क* , *14* (2), 100-107. doi:10.4314/ ajsw.v 14i2.6

सत्यम, के., और कुमार, आरआर (2025)। मृतकों के साथ रहना: इंडोनेशिया में तोराजा के संस्कार और अनुष्ठान। *जर्नल लिटबैंग प्रोविंसी जावा तेंगाह* , *22* (2), 219-230। doi:10.36762/ junraljateng.v 22i2.1252

संपादित पुस्तकों में अध्याय

साहनी, आर., गोगिया, एम. (2024). *भारतीय संदर्भ में वैकल्पिक वित्तीय परिसंपत्तियाँ और उनके सह-एकीकरण की दुविधा: क्या क्यूएआरडीएल इसका उत्तर दे सकता है* ? एनालेक्ट्स: रिसर्च इनपुट्स इन सस्टेनेबिलिटी, टेक्नोलॉजी, एंटरप्रेन्योरशिप एंड मैनेजमेंट, (पृष्ठ 14-26), आईएसबी.ए.न: 978-81-19956-61-6.

कुमार, एन. (2024). *एकीकृत ज्ञान: भावनात्मक कल्याण* में पूर्वी और पश्चिमी दृष्टिकोण के माध्यम से भावनात्मक कल्याण: समकालीन दृष्टिकोण और अभ्यास, डेपॉल सेंटर फॉर रिसर्च एंड डेवलपमेंट (डीसीआरडी)।

भारद्वाज टी., सरोज, एस.एस., बोरगोहेन, बी., रेई, बी.ए. और खन्ना एम. (सं.) (2024). *समुदायों का सशक्तिकरण* : छात्र समुदाय आउटरीच और इंटर्नशिप के माध्यम से सामाजिक विकास के लिए एक व्यापक मार्गदर्शिका। एने बुक्स प्राइवेट लिमिटेड।

दाश, बी.एम. (2024). *व्यावसायिक साम्राज्यवाद, औपनिवेशिक विरासत और भारतीय सामाजिक कार्य में संकट: 2018 के बाद नई दिशाएँ* । ऑक्सफ़ोर्ड हैंडबुक ऑफ़ पावर, पॉलिटिक्स एंड सोशल वर्क, ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, http://dx.doi.org/10.1093/oxfordhb/9780197650899.013.36

प्रकाशन

सिंह, ए.पी. और गिरोत्रा, टी. (2024). *एनजीओ के लिए रणनीतिक योजना और धन उगाहना: एक उदाहरणात्मक मार्गदर्शिका* , न्यू रॉयल बुक कंपनी, आईएसबी.ए.न: 978-93-92162-66-4.

कौशिक, ए., पाटिल, आरआर, डैश, बी.ए.म, और प्रसाद, एस. (2024). *सामाजिक कार्य अभ्यास के क्षेत्र* , ब्लूम्सबरी, नई दिल्ली। https://www.bloomsbury.com/in/areas-of-social-work-practice-9789361312427/#

सुबुद्धि, सी. और दाश, बी.एम. (2024). *स्वदेशी सामाजिक कार्य की नींव* , अवधारणा, नई दिल्ली. https://www.flipkart.com/books/bishnu-mohan-dash~contributor/pr?sid=bks

आयोजित संगोष्ठियां

डॉ. अतुल प्रताप सिंह, प्रोफेसर ने 16 अगस्त, 2024 को डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर महाविद्यालय ऑफ सोशल वर्क, मोरेन, धुले, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित 'स्कूली सामाजिक कार्य की आवश्यकता और चिकित्सकों की भूमिका' विषय पर एक दिवसीय वेबिनार में 'स्कूली सामाजिक कार्य: अवसर, चुनौतियां, भूमिकाएं और जिम्मेदारियां' विषय पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया।

डॉ. बिष्णु मोहन दाश, प्रोफेसर ने 6 मार्च, 2024 को एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा में सामाजिक विज्ञान में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एक गतिशील युग में सामाजिक कार्य: विकसित भारत के लिए मार्ग प्रशस्त करना" विषय पर व्याख्यान दिया।

डॉ. दीपाली जैन, प्रोफेसर ने 23 सितंबर, 2024 को आयोजित एनसीवेब के ओरिएंटेशन कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. नवीन कुमार, प्रोफेसर ने 30 जुलाई, 2024 को भारत में चिली के दूतावास, दिल्ली में मानव तस्करी से संबंधित मनोवैज्ञानिक मुद्दों पर मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।

डॉ. तुष्टि भारद्वाज, प्रोफेसर, को 31 जनवरी - 02 फरवरी, 2025 को आयोजित होने वाले इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैलिएटिव केयर (IAPCON 2025) के 32वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए "गुणात्मक अध्ययन से साक्ष्य का मूल्यांकन और नैदानिक अभ्यास में अनुप्रयोग" विषय पर प्रस्तुति देने के लिए आमंत्रित किया गया है।

आयोजित सम्मेलन

5वां विश्व पर्यावरण शिखर सम्मेलन 2024 16-17 नवंबर, 2024 को एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर, संसद मार्ग, नई दिल्ली में और 18 नवंबर, 2024 को हंसराज महाविद्यालय, नॉर्थ कैंपस गलगोटिया विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा में पर्यावरण और सामाजिक विकास संघ (ईएसडीए) दिल्ली, जीडी गोयनका

विश्वविद्यालय, एयूएच गुरुग्राम, डॉ. भीम राव अंबेडकर महाविद्यालय, आरसीसीवी गर्ल्स महाविद्यालय, गाजियाबाद, सीएसआईआर-राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान (नीरी), विला महाविद्यालय मालदीव, त्रिभुवन विश्वविद्यालय नेपाल और जूलॉजिकल सोसाइटी ऑफ बांग्लादेश के सहयोग से और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा समर्थित।

15 अक्तूबर, 2024 को डॉ. भीम राव अंबेडकर महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और केकेएम महाविद्यालय (एसकेएम विश्वविद्यालय), दुमका, झारखंड द्वारा आयोजित 'सामुदायिक विकास के भारतीय मॉडल पर राष्ट्रीय परामर्श'।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

2 नवंबर, 2024 को इंडोनेशिया के पामुलांग विश्वविद्यालय के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। प्रो. बिष्णु मोहन दास (अंतर्राष्ट्रीय सहयोग समिति के संयोजक) इसके समन्वयक थे। इस सहयोग का उद्देश्य दोनों संस्थानों के बीच शैक्षणिक आदान-प्रदान, शोध पहलों और सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देना है। यह सहयोग सार्थक अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक साझेदारियों को बढ़ावा देने के लिए महाविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। समिति छात्र और संकाय विकास के अवसरों को बढ़ाने के लिए अन्य वैश्विक संस्थानों के साथ सहयोग बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. भीम राव अंबेडकर महाविद्यालय के सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम के अंतर्गत 17 दिसंबर, 2024 को सीएसआर, बिसलेरी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड और बॉटल फॉर चेंज कार्यक्रम के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इसका उद्देश्य: "छात्रों में नागरिक भावना का संचार करना और परिसर से प्लास्टिक के ज़िम्मेदारीपूर्ण निपटान के बारे में शिक्षित करना, जिससे लैंडफिल में शून्य प्लास्टिक कचरा पहुँच सके"। प्रो. ऋचा चौधरी (मुख्य समन्वयक), डॉ. दीपशिखा चौधरी (कार्यक्रम समन्वयक), और डॉ. सुकृति चौधरी (कार्यक्रम सह-समन्वयक) प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वय करेंगी। "बॉटल फॉर चेंज" एक प्रमुख अभियान है जिसका उद्देश्य नागरिकों को रीसाइक्लिंग द्वारा प्लास्टिक के उपयोग और निपटान के सही तरीकों के बारे में शिक्षित करना है।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

30% अर्थात हमारे महाविद्यालय के 150 से अधिक छात्रों को तत्काल नियोजन की पेशकश की गई और 50 से अधिक छात्रों को इंटर्नशिप की पेशकश की गई, जिससे यह डॉ. भीम राव अंबेडकर महाविद्यालय में एक ही दिन में की गई भर्ती की सबसे बड़ी संख्या बन गई। कुछ उल्लेखनीय नियोजन की पेशकश इस प्रकार थी: डॉ. भीम राव अंबेडकर महाविद्यालय के तृतीय वर्ष के बी.कॉम (कार्यक्रम) से सुदीक्षा कंधवे को हायर नियोजन एजेंसियों से प्रति वर्ष 12 लाख रुपये का नियोजन ऑफर किया गया, जिससे यह किसी भी उम्मीदवार को दिया गया सबसे बड़ा ऑफर बन गया। डॉ. भीम राव अंबेडकर महाविद्यालय के तृतीय वर्ष के बी.ए. (इको+ओएमएसपी) के शुभम कुमार को एंबिट कलेक्टिव एलएलपी से प्रति वर्ष 6 लाख रुपये का नियोजन ऑफर किया जा रहा है। अदिति महाविद्यालय के तृतीय वर्ष के बी.ए. (ऑनर्स) सोशलवर्क से तान्या आर्य को एंबिट कलेक्टिव एलएलपी से प्रति वर्ष 4.8 लाख रुपये का नियोजन ऑफर किया जा रहा है। डॉ. भीम राव अम्बेडकर महाविद्यालय की बी.कॉम. (कार्यक्रम)

तृतीय वर्ष की छात्रा तनिषा को आईसीआईसीआई बैंक से 4 लाख रुपये प्रति वर्ष का नियोजन ऑफर किया जा रहा है। डॉ. भीम राव अम्बेडकर महाविद्यालय की बी.कॉम. (कार्यक्रम) तृतीय वर्ष की छात्रा प्रिया को हायर नियोजन एजेंसियों से 6 लाख रुपये प्रति वर्ष का नियोजन ऑफर किया जा रहा है।

कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या

26 कंपनियों ने परिसर का दौरा किया। इस मेले में विभिन्न उद्योगों की विविध कंपनियों ने भाग लिया , जिनमें शामिल हैं : 1.माइंड इंटीग्रेटेड सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड 2.ओम लॉजिस्टिक्स 3.कनेक्ट बिज़नेस सॉल्यूशंस लिमिटेड 4.जेनपैक्ट 5.चॉइस कंसल्टेंसी सर्विसेज 6.क्वेस कॉर्प लिमिटेड 7.विप्रो लिमिटेड 8.मैसूर डीप परफ्यूमरी हाउस 9.टेलीपरफॉर्मेंस 10.ट्रांसकॉम (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड 11.सिद्धि इन्फोटेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड 12.आईसीए एडु स्किल्स प्राइवेट लिमिटेड 13.एक्सिस बैंक लिमिटेड 14.आईएफएलएल टीडी 15.पेटीएम 16.आईसीआईसीआई बैंक 17.कोटक महिंद्रा बैंक 18.राइटर इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट सर्विसेज 19.ग्लोबल क्रेडिट सॉल्यूशंस 20.माई मनी मंत्रा 21.जर्मेनियम टेक्नोलॉजीज लिमिटेड 22.एंबिट कलेक्टिव एलएलपी 23.वीपी सॉफ्टवेयर्स प्राइवेट लिमिटेड 24.मैजिक पिन 25.हायर्ड नियोजन एजेंसियां 26.डीबी.ए.स सिक्योरिटीज

पुस्तकालय विकास

24 जनवरी, 2024 तक उपलब्ध कुल पुस्तकें:	48716
01 अप्रैल, 2023 से 17 अप्रैल, 2024 तक खरीदी गई पुस्तकें:	320
पुस्तकालय में उपलब्ध पत्रिकाएँ:	24
अंग्रेजी भाषा में पत्रिकाएँ:	14
हिंदी भाषा की पत्रिकाएँ:	10
अंग्रेजी भाषा में समाचार-पत्र:	12
हिंदी भाषा में समाचार-पत्र:	14
उर्दू भाषा में समाचार-पत्र:	01

पुस्तकालय कम्प्यूटरीकृत है और लिबसिस सॉफ्टवेयर का उपयोग करता है, और दिसंबर 2022 में इसे कोहा सॉफ्टवेयर में स्थानांतरित कर दिया गया। प्रॉपर्टी काउंटर पर टोकन प्रणाली उपलब्ध है। पिछले वर्षों के प्रश्नपत्र सर्कुलेशन काउंटर और महाविद्यालय की वेबसाइट पर भी उपलब्ध हैं। पुस्तकालय में विषयवार और मंजिलवार साइनेज लगाए गए हैं। दिव्यांगजनों को पुस्तकालय द्वारा प्रदान की जाने वाली विशेष सुविधाओं में सुगम्य पुस्तकालय की ऑनलाइन सदस्यता शामिल है, जो निःशुल्क प्रदान की गई है, और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई ब्रेल अध्ययन सामग्री पढ़ने के लिए एक अलग बैठने की जगह निर्धारित की गई है।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक:	41
सह-प्राचार्य:	20
सहायक प्रोफेसर:	0
तदर्थ:	30
अतिथि:	64
उपयोगित निधियां (₹ करोड़ में):	463021874
₹ आवंटित निधियां (करोड़ में):	444103486

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

छात्रों ने अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिताओं के दौरान खेलकूद और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अनेक पुरस्कार और स्थान प्राप्त किए हैं। समाज कार्य विभाग, छात्रों को फील्डवर्क और अन्य इंटर्नशिप के अवसरों के लिए विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों, सरकारी और कॉर्पोरेट संगठनों में निरंतर नियुक्त करता है। संकाय, विभिन्न समितियों का हिस्सा बनकर, संस्थान की बेहतरी और उत्थान के लिए कार्य करते हैं।

****

दुर्गाबाई देशमुख विशेष शिक्षा महाविद्यालय (दृश्य बाधित)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

महाविद्यालय ने सतत पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रमों के अंतर्गत विशेष विद्यालय और समावेशी स्कूलों में कार्यरत सेवारत शिक्षकों के लिए शैक्षणिक वर्ष में दो बार व्यावसायिक विकास कार्यक्रम आयोजित किए। विवरण 'दृश्यबाधित व्यक्तियों की आवश्यकता का आकलन', 'प्रशिक्षण अभिविन्यास और गतिशीलता कौशल' के अंतर्गत हैं। महाविद्यालय द्वारा विभिन्न व्याख्यान आयोजित किए गए। प्रो वंदना सक्सेना, शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने छात्रों के जीवन में शिक्षकों के मूल्य और महत्व के बारे में एक व्याख्यान दिया। इस बिंदु पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, "शिक्षक छात्र के जीवन के मार्गदर्शक प्रकाश हैं", वे हमें सही दिशा देते हैं और एक छात्र के रूप में सही रास्ते पर चलना हमारा कर्तव्य है। हिंदी विभाग के प्रो प्रेम पाल सिंह (पूर्व) ने हमारे महाविद्यालय में 'विकलांगता और समावेश' विषय पर एक अभिविन्यास सत्र दिया। शिक्षण केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं है, बल्कि यह कल के भविष्य के निर्माण की नैतिक ज़िम्मेदारी है। महाविद्यालय ने अपने शिक्षक प्रशिक्षुओं को शैक्षिक भ्रमणों के माध्यम से स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न संस्थानों में गतिविधियों का अनुभव और अवसर भी प्रदान किया।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

- हमारी मूल संस्था, ब्लाइंड रिलीफ एसोसिएशन, दिल्ली द्वारा डॉ. स्वाति सान्याल को पैंतीस वर्षों के उत्कृष्ट सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- हमारे मूल संगठन, ब्लाइंड रिलीफ एसोसिएशन, दिल्ली द्वारा डॉ. सुदीप कुमार दुबे को पंद्रह वर्षों की उत्कृष्ट सेवा के लिए पुरस्कार प्रदान किया गया।
- हमारे मूल संगठन, ब्लाइंड रिलीफ एसोसिएशन, दिल्ली द्वारा श्री शांति भूषण शर्मा को पंद्रह वर्षों की उत्कृष्ट सेवा के लिए पुरस्कार प्रदान किया गया।
- हमारे मूल संगठन, ब्लाइंड रिलीफ एसोसिएशन, दिल्ली द्वारा श्री नरेंद्र कुमार झा को दस वर्षों के उत्कृष्ट सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

छात्र

- बी.एड. स्पेशल एजुकेशन (VI) की छात्रा सुश्री सुरभि सिंह महाविद्यालय टॉपर रहीं और उन्हें विश्वविद्यालय पदक से सम्मानित किया गया।
- बी.एड. विशेष शिक्षा (VI) की छात्रा सुश्री नंदिता ने विश्वविद्यालय वार्षिक परीक्षा में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- बी.एड. विशेष शिक्षा (VI) के छात्र श्री सूरज कुमार ने विश्वविद्यालय वार्षिक परीक्षा में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

आयोजित संगोष्ठियां

- डॉ. सुदीप कुमार दुबे, पाठ्यक्रम निदेशक ने 13 जुलाई, 2024 को भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) द्वारा अनुमोदित सतत पुनर्वास शिक्षा (सीआरई) में ' अभिविन्यास और गतिशीलता का परिचय' विषय पर एक व्याख्यान दिया।
- श्री वीरेंद्र कुमार ने 13 जुलाई, 2024 को भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) द्वारा अनुमोदित सतत पुनर्वास शिक्षा (सीआरई) में 'प्रशिक्षण अभिविन्यास और गतिशीलता कौशल' विषय पर भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) द्वारा अनुमोदित सतत पुनर्वास शिक्षा (सीआरई) में 'सफेद छड़ी के महत्व' पर एक व्याख्यान दिया।
- (सीआरई) में ' प्री केन स्किल्स एंड साइटेड गाइड टेक्निक्स' विषय पर एक व्याख्यान दिया।
- श्री नरेंद्र कुमार झा और श्री रामाश्रय राम ने 13 जुलाई, 2024 को भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) द्वारा अनुमोदित सतत पुनर्वास शिक्षा (सीआरई) में 'गतिशीलता मानचित्र की तैयारी और उपयोग' विषय पर भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) द्वारा अनुमोदित सतत

पुनर्वास शिक्षा (सीआरई) में 'प्रशिक्षण अभिविन्यास और गतिशीलता कौशल' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

- नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड की सुश्री पूनम ने 13 जुलाई, 2024 को भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) द्वारा अनुमोदित सतत पुनर्वास शिक्षा (सीआरई) में 'बधिर दृष्टिहीन व्यक्तियों के लिए अभिविन्यास और गतिशीलता' विषय पर एक व्याख्यान दिया।
- डॉ. सुदीप कुमार दुबे ने 10 जनवरी, 2025 को 'दृष्टिबाधित व्यक्तियों की आवश्यकता आकलन' विषय पर भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) द्वारा अनुमोदित सतत पुनर्वास शिक्षा (सीआरई) में ' विभिन्न क्षेत्रों के आकलन की आवश्यकता और महत्व ' पर एक व्याख्यान दिया।
- श्री नरेन्द्र कुमार झा ने 10 जनवरी, 2025 को 'दृष्टिबाधित व्यक्तियों की आवश्यकता आकलन' विषय पर भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) द्वारा अनुमोदित सतत पुनर्वास शिक्षा (सीआरई) में 'दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए कार्यात्मक कौशल सूची' (एफएसआईबी) पर एक व्याख्यान दिया।
- श्री वीरेंद्र कुमार त्यागी ने 10 जनवरी, 2025 को 'दृष्टिबाधित व्यक्तियों की आवश्यकता का आकलन' विषय पर भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) द्वारा अनुमोदित सतत पुनर्वास शिक्षा (सीआरई) में 'ओ एंड एम और एडीएल आवश्यकताओं का आकलन', दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए कार्यात्मक कौशल सूची' (एफएसआईबी) पर एक भाषण दिया।
- डॉ. सुनीता लुल्ला, निदेशक, एक्वा विजन हॉस्पिटल ने 11 जनवरी, 2025 को 'दृष्टि बाधित व्यक्तियों की आवश्यकता आकलन' विषय पर भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) द्वारा सतत पुनर्वास शिक्षा (सीआरई) में 'कम दृष्टि का नैदानिक आकलन' को मंजूरी दी।
- द ब्लाइंड रिलीफ एसोसिएशन के उप कार्यकारी सचिव श्री ए. डेविड ने 11 जनवरी, 2025 को 'दृष्टि बाधित व्यक्तियों की आवश्यकता आकलन' विषय पर भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) द्वारा अनुमोदित सतत पुनर्वास शिक्षा (सीआरई) में 'सामान्य और विशिष्ट नौकरी कौशल का आकलन' पर एक व्याख्यान दिया।
- सुश्री चंचल गुप्ता ने 10 जनवरी, 2025 को 'दृष्टि बाधित व्यक्तियों की आवश्यकता आकलन' विषय पर भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) द्वारा अनुमोदित सतत पुनर्वास शिक्षा (सीआरई) में 'संवेदी प्रशिक्षण का आकलन' पर एक व्याख्यान दिया।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियुक्त छात्रों का प्रतिशत: 50%

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- महाविद्यालय के छात्रों ने अपने पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में शिक्षा निदेशालय के समावेशी विद्यालयों में विकलांगता संबंधी मुद्दों पर जागरूकता पैदा करने में भाग लिया। वर्ष 2024 में, इसका विषय था, "समावेशी और टिकाऊ भविष्य के लिए विकलांग व्यक्तियों के नेतृत्व को बढ़ावा देना"।
- 15 अक्तूबर, 2024 को हमारे महाविद्यालय के छात्रों ने निकटवर्ती समुदाय में "श्वेत छड़ी दिवस" का आयोजन किया ताकि दृष्टिहीन व्यक्तियों के लिए छड़ी के महत्व का संदेश दिया जा सके। दस्त की रोकथाम हेतु भूमिका-नाटक।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक:	1
एसोसिएट प्रोफेसर:	0
सहायक प्रोफेसर:	3
कुल	**4**

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित निधियां:	₹ 1.02 करोड़
उपयोगित निधियां:	₹ 1.02 करोड़

****

दयाल सिंह महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

दयाल सिंह महाविद्यालय को एनआईआरएफ द्वारा महाविद्यालय श्रेणी में 34वां स्थान दिया गया। संस्थापक दिवस के अवसर पर 'भारतीय ज्ञान प्रणाली: युगों-युगों से ज्ञान और भविष्य का मार्ग' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्मिकों की सहायता के लिए आईटीआर सहायता हेल्प डेस्क की स्थापना की गई। 22 अक्तूबर को अंतर्राष्ट्रीय एआई संगोष्ठी का आयोजन किया गया। 27 फरवरी, 2025 को "विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व हेतु भारतीय युवाओं का सशक्तिकरण" विषय पर विज्ञान दिवस मनाया गया। "भारत का विभाजन और मानवीय रिश्तों के विनाश की दास्तान" विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया । 28 फरवरी, 2025 को ' एक उद्देश्यपूर्ण भविष्य' विषय पर एक प्रेरक वार्ता का आयोजन किया गया। ग्रीष्मकालीन अनुसंधान इंटर्नशिप कार्यक्रम (SRIP-2024), एक IQAC पहल, जून-जुलाई 2024 के महीने में आयोजित किया गया। पर्यावरण पर राष्ट्रीय सम्मेलन 2025 के अवसर पर, महाविद्यालय को राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा 'पर्यावरण संरक्षण और पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं' के लिए सम्मानित

किया गया। महाविद्यालय की ग्रीन ऑडिट रिपोर्ट तैयार की गई। महाविद्यालय ने 21-23 नवंबर, 2024 को इंटर महाविद्यालय बॉक्सिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया। पुरुष वर्ग में हमारे छात्रों ने 8 स्वर्ण और 2 कांस्य और महिला वर्ग ने 1 स्वर्ण, 1 रजत और 2 कांस्य जीते। महाविद्यालय ने पुरुष वर्ग में चैंपियनशिप जीती।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

- प्रोफेसर ए.के. नैन को स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, अमेरिका द्वारा किए गए शोध विश्लेषण के स्कोपस डेटा के आधार पर 2024 में विश्व के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों में स्थान दिया गया है, जिसमें केमिकल इंजीनियरिंग श्रेणी में 79,314 शोधकर्ताओं में से 258 वैश्विक रैंक प्राप्त हुई है।
- प्रो. ए.के. नैन को सभी विषय क्षेत्रों के लगभग 1.7 मिलियन वैज्ञानिकों के गूगल स्कॉलर डेटा पर आधारित एडी साइंटिफिक इंडेक्स 2024 की विश्व रैंकिंग में स्थान मिला है। दिल्ली विश्वविद्यालय में उन्हें 29वाँ स्थान प्राप्त हुआ है।
- प्रो. मीनाक्षी कर 2024 से जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय की वित्त समिति की यूजीसी द्वारा नामित सदस्य हैं।
- डॉ. वंदना तुलस्यान को क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, दिल्ली एनसीआर परिसर में प्रस्तुत शोध-पत्र 'भारत में लिंगानुपात की पहेली' के लिए 'सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र ' का पुरस्कार मिला।
- डॉ. श्वेता रानी को 'लचीले शैक्षिक संस्थानों के लिए अग्नि खतरे की भेद्यता, प्रबंधन रणनीतियों और सतत समाधानों का आकलन: दयाल सिंह महाविद्यालय, नई दिल्ली का एक केस स्टडी' पर सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र पुरस्कार मिला। यह शोध-पत्र सीपीडीसीओएन ईआरए 2024 में प्रस्तुत किया गया - 28-29 सितंबर, 2024 को काउंसिल फॉर टीचर्स प्रोफेशनल डेवलपमेंट (सीटीपीडी) इंडिया द्वारा आयोजित 'शैक्षिक सुधार और उन्नति' पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
- सुश्री निधि गौर ने 'राष्ट्रवाद के लैंगिक दृष्टिकोण: सावरकर, अंबेडकर और गांधी की विचारधाराओं में लैंगिक, सुधार और राष्ट्रवाद के अंतर्संबंध की खोज' शीर्षक वाले शोध-पत्र के लिए सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र का पुरस्कार जीता। यह शोध-पत्र 28 जनवरी, 2025 को वॉलस्टोनक्राफ्ट सोसाइटी के सहयोग से दिल्ली विश्वविद्यालय के श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय द्वारा आयोजित लैंगिक की खोज: अवधारणाएं, बातचीत और परिवर्तन विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी और कार्यशाला में प्रस्तुत किया गया।
- डॉ. मोनू मिश्रा को 17 से 21 जून, 2024 तक यूनाइटेड किंगडम में आयोजित 17वें यूरोपीय वैक्यूम सम्मेलन / 37वें यूरोपीय भूतल विज्ञान सम्मेलन (ईवीसी 17/ईसीओएसएस 37) में शोध कार्य प्रस्तुत करने के लिए अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ), डीएसटी, भारत सरकार की अंतर्राष्ट्रीय यात्रा योजना से वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

छात्र

- बी.ए. (ऑनर्स) (प्रथम वर्ष) की छात्रा कृति तेजस कांत ने इंटर महाविद्यालय बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता और 46-48 किलोग्राम भार वर्ग में अखिल भारतीय विश्वविद्यालय चैंपियनशिप में भाग लिया।
- बी.कॉम (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) के छात्र यश कुमार ने इंटर महाविद्यालय बॉक्सिंग चैंपियनशिप में 48-51 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, दिल्ली सीनियर स्टेट में कांस्य पदक जीता।
- बी.कॉम (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) के छात्र विपुल बिष्ट ने इंटर महाविद्यालय बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता और 51-54 किलोग्राम भार वर्ग में अखिल भारतीय विश्वविद्यालय चैंपियनशिप में भाग लिया।
- बी.ए. (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) के छात्र अनिकेत सिंह ने इंटर महाविद्यालय बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता और 54-57 किलोग्राम भार वर्ग में अखिल भारतीय विश्वविद्यालय चैंपियनशिप में भाग लिया, दिल्ली सीनियर स्टेट में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.कॉम (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष) के छात्र आदित्य बिष्ट ने इंटर महाविद्यालय बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता और 57-60 किलोग्राम वर्ग में अखिल भारतीय विश्वविद्यालय चैंपियनशिप में भाग लिया, दिल्ली सीनियर स्टेट में कांस्य पदक जीता।
- बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) के छात्र देव आर्यन शर्मा ने इंटर महाविद्यालय बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता और 67-71 किलोग्राम भार वर्ग में अखिल भारतीय विश्वविद्यालय चैंपियनशिप में भाग लिया।
- बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (द्वितीय वर्ष) के छात्र सोहित द्राल ने इंटर महाविद्यालय बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता और अखिल भारतीय विश्वविद्यालय चैंपियनशिप में भाग लिया, उन्होंने दिल्ली सीनियर स्टेट में स्वर्ण पदक जीता और सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता और उत्तराखंड में आयोजित राष्ट्रीय खेलों में 75-80 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीता।
- बी.ए. (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) के छात्र आर. प्रवीण कुमार ने इंटर महाविद्यालय बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता और 80-86 किलोग्राम भार वर्ग में अखिल भारतीय विश्वविद्यालय चैंपियनशिप में भाग लिया।
- साक्षी सागर, बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (प्रथम वर्ष), ने इंटर महाविद्यालय बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता और अखिल भारतीय विश्वविद्यालय चैम्पियनशिप में भाग लिया।

- बी.एस.सी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (प्रथम वर्ष) की छात्रा काम्या भारद्वाज ने इंटरमहाविद्यालय तैराकी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल (द्वितीय वर्ष) के छात्र अमन सुचियांग ने पर्यावरण पर राष्ट्रीय सम्मेलन- 2025 के एक भाग के रूप में आयोजित क्विज और एक्सटेम्पोर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन

- अरोड़ा, ए., कुमार, एस., कुमार, एस., दुआ, ए., और सिंह, बी.के. (2024). द्वि-उत्सर्जक क्षार-संशोधित प्रतिदीप्त न्यूक्लियोसाइडों का संश्लेषण, लक्षण-वर्णन और प्रकाशभौतिकीय अध्ययन। ऑर्गेनिक और बायोमॉलिक्युलर केमिस्ट्री , 22 (24), 4922-4939।डोई:10.1039/d4ob00749b
- अब्दुल्ला, और अली, एम. (2024). परिवर्तनशील द्रव्यमान वाले सामान्यीकृत विक्षुब्ध परस्पर क्रियाशील CR3BP में संशोधित विभव और क्वांटम सुधार के प्रभाव। सोलर सिस्टम रिसर्च, 58 (6), 745-758।डोई:10.1134/s0038094624601385
- अब्दुल्ला, और प्रसाद, एस.एन. (2025)। क्षुद्रग्रह बेल्ट के साथ विक्षुब्ध वृत्ताकार प्रतिबंधित चार परस्पर क्रियाशील पिंडों की पहाड़ी समस्या में सामान्यीकृत मानव विभव। आधुनिक भौतिकी पत्र A. कण और क्षेत्र, ग्रेविटेशन, कोस्मोलॉजी, न्यूक्लियर फिजिक्स, 40 (01)। doi:10.1142/s0217732324501888
- अब्दुल्ला (2024). नैनोस्केल के साथ CR3B समस्या में द्रव्यमान परिवर्तन प्रभाव। आधुनिक भौतिकी पत्र A. कण और क्षेत्र, ग्रेविटेशन, कोस्मोलॉजी, न्यूक्लियर फिजिक्स, 39 (17n18)। doi:10.1142/s0217732324500834
- अंजुम, आर., जैन, के., मीना, के., और दुआ, ए. (2024). एस्ट्रोजन रिसेप्टर (ईआर) म्यूटेंट L536S और एनाप्लास्टिक लिंफोमा काइनेज के अवरोधकों के रूप में ट्रायज़ोल व्युत्पन्नों के सिलिको अध्ययन: डीएफटी/टीडी-डीएफटी, आणविक डॉकिंग और एमडी सिमुलेशन। जर्नल ऑफ बायोमॉलिक्युलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स , 1-23। doi:10.1080/07391102.2024.2434688
- अरोड़ा, ए., कुमार, एस., कुमार, एस., सिंह, एस.के., दुआ, ए., और सिंह, बी.के. (2024). प्राकृतिक उत्पाद से प्रेरित शर्करा-व्युत्पन्न पाइरानो[3,2- सी] क्विनोलोन का डायस्टेरियोसेलेक्टिव संश्लेषण और उनके इन-सिलिको अध्ययन। कार्बोहाइड्रेट रिसर्च , 539 (109105), 109105. doi:10.1016/ j.carres.2024.109105
- बक्श, आर., इटू, एस., और अहमद, एम. (2024). स्मार्ट ग्रिड में गोपनीयता-संरक्षण स्मार्ट मीटर डेटा एकत्रीकरण के लिए एक व्यापक और सुरक्षित योजना। सस्टेनेबल एनर्जी ग्रिड्स एंड नेटवर्क्स , 39 (101461), 101461। doi:10.1016/ j.segan.2024.101461

- भिंडवार, एम., वार्ष्णेय, वी., कुमारस्वामी, एस., श्रीमाली, एम.डी., और प्रसाद, ए. (2024). छिपे हुए आकर्षकों की पहचान में यू.पी.ओ. की भूमिका: स्व-उत्तेजित आकर्षकों से तुलना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बाइफर्केशन एंड कैओस इन एप्लाइड साइंसेज एंड इंजीनियरिंग , 34 (08)। doi:10.1142/s0218127424300167
- कुमार चौधरी, एच., सिंह, पी., निवेरिया, के., यादव, एम., मलिक, ए., और कामरा वर्मा, ए. (2024). इंसुलिन के मौखिक वितरण के लिए माइक्रोक्रिस्टलाइन सेलुलोज़ और मेथैक्रिलिक एसिड हाइड्रोजेल का पीएच-संवेदनशील अर्ध-अंतर्विभाजक नेटवर्क। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फ़ार्मास्युटिक्स , 662 (124452), 124452। doi:10.1016/j.ijpharm .2024.124452
- चौधरी, एच.के., सिंह, पी., निवेरिया, के., यादव, एम., मलिक, ए., और वर्मा, ए.के. (2024). मौखिक इंसुलिन वितरण के लिए माइक्रोक्रिस्टलाइन सेलुलोज़ और इटाकोनिक एसिड पीएच-संवेदनशील अर्ध-अंतर्विभाजक नेटवर्क हाइड्रोजेल। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स , 282 (भाग 2), 136804। doi:10.1016/ j.ijbiomac.2024.136804
- चौधरी, एच., दिनाकरन, जे., और राव, के.एस. (2024). बायोचार उत्पादन विधियों का तुलनात्मक विश्लेषण और बायोचार के भौतिक-रासायनिक गुणों और भारी धातुओं के अवशोषण पर उनके प्रभाव। जर्नल ऑफ़ एनवायर्नमेंटल केमिकल इंजीनियरिंग , 12 (3), 113003। doi:10.1016/ j.jece.2024.113003
- चौधरी, वी., और मलिक, ए. (2025)। पॉली-2-एक्रिलामिडो-2-मिथाइलप्रोपेन सल्फोनिक एसिड (एएमपीएस), एक उत्तेजना-प्रतिक्रियाशील बहुलक, के साथ ग्राफ्ट किए गए भिंडी के म्यूसिलेज से प्राप्त हाइड्रोजेल द्वारा घाव भरने की क्षमता में वृद्धि। यूरोपियन पॉलिमर जर्नल , 227 (113748), 113748। doi:10.1016/j.eurpolymj .2025.113748
- दिनाकरन, जे., चंद्रा, ए., चमोली, के.पी., और राव, के.एस. (2024). भारत के हिमालय क्षेत्र की वर्षा आधारित कृषि प्रणाली में मृदा कार्बन संतृप्ति की कमी पर जैविक खाद संशोधनों का मूल्यांकन। कम्यूनिकेशंस इन सोइल साइंस एंड प्लांट एनॉलाइसिस , 1-17। doi:10.1080/00103624.2024.2385597
- गर्ग, एम., और गोयल, ए. (2025)। ऑनलाइन मूल्यांकन में छद्म पहचान को कम करने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण: सत्यनिष्ठा नीति और यादृच्छिक प्रमाणीकरण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनफार्मेशन सिक्योरिटी, 24 (1)। doi:10.1007/s10207-024-00931-y
- घोष, एस., टेकचंदानी, जे. और त्रिपाठी, एन. (2025). भारत में महिला सशक्तिकरण और कन्या श्री प्रकल्प पर विशेष बल के साथ सशर्त नकद हस्तांतरण योजनाएँ. कलकत्ता जर्नल ऑफ ग्लोबल अफेयर्स , 9 (1), 138-148.

- कुमारी, जे., और रानी, एस. (2024). एक पवित्र पर्यटन स्थल के रूप में बोधगया के प्रति पर्यटकों की धारणा और संतुष्टि। एडवांसेज इन ज्योग्राफिकल एंड एनवायर्नमेंटल साइंसेज (पृष्ठ 399-413) में। doi:10.1007/978-981-97-4206-6_20
- ग्रोवर, वी., और बनती, एच. (2024). इमोजी केंद्रित व्यंग्य का पता लगाने के लिए एक ध्यान दृष्टिकोण। हेलियॉन , 10 (17), ई36398। doi:10.1016/j.heliyon .2024.e36398
- जैन, एस., सिंह, ए.पी., मदन, एम., और जैन, पी. (2024). $$\mathbb R^n$$ पर त्रिज्यीय रूप से घटते फलनों और एकस्वर भारों के लिए डंकल-हॉसडॉर्फ संकारक की परिबद्धता। जर्नल ऑफ मैथमेटिकल साइंसेज , 280 (3), 356-373। doi:10.1007/s10958-024-06994-5
- खेतान, एस., कुमारी, ए., सिंह, टी., और कुमार, एस. (2024). शिकारी-शिकार मॉडल पर एली प्रभाव और स्थानिक-कालिक प्रसार का प्रभाव। मैथमेटिक्स इन इंजीनियरिंग, साइंस एंड एयरोस्पेस में गणित (एमईएसए) , 15 (2)।
- कुमार, जे., गुप्ता, आर.के., कार, एस., रंग, एन., और सिंह, एस. (2024). मरोड़-संशोधित गुरुत्वाकर्षण में रीस्नर-नॉर्डस्ट्रॉम स्पेसटाइम: सममितियाँ और उपसौर (पेरिहेलियन) पूर्वगमन। जेनरल रिलेटिविटी एंड ग्रेविटेशन , 56 (10)। doi:10.1007/s10714-024-03315-8
- कुमार, एम., कुमार, ए., त्रिपाठी, वी., प्रभात, ए., और भारद्वाज, एस.के. (2024). मंद रोशनी वाली रातें वयस्क नर ज़ेबरा फ़िंच के व्यवहार को बदल देती हैं और वसा चयापचय पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं। प्रकाश-रासायनिक एवं प्रकाश-जैविक विज्ञान: यूरोपीय प्रकाश-रसायन संघ और यूरोपीय प्रकाश-जैविकी सोसाइटी की आधिकारिक पत्रिका , 23 (12), 2201-2210। doi:10.1007/s43630-024-00659-7
- कुमार, पी., ठाकुर, एस., अश्विनी, अंबरीश, राय, ए., और सैंडिल्या , यू. (2024). दिल्ली, भारत में वर्षा की तीव्रता के बदलते पैटर्न के कारण शहरी जलभराव जोखिम की संवेदनशीलता। एक्टा जियोफिज़िका , 72 (6), 4525-4543। doi:10.1007/s11600-024-01336-0
- कुमार, एस., अरोड़ा, ए., कुमार, एस., मैती, जे., दुआ, ए., और सिंह, बी.के. (2025)। क्षार-संशोधित फ्लोरोसेंट फ्यूरो [3,2-सी] कौमारिन न्यूक्लियोसाइड्स का संश्लेषण और उनके प्रकाशभौतिकीय अध्ययन । जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर , 1321 (139915), 139915। doi:10.1016/j.molstruc.2024.139915
- कुमार, टी., चौधरी, एस., कुमार, के., धनुक, के., और शर्मा, एम.के. (2024). अंतर्ज्ञानवादी टाइप-2 और टाइप-1 फ़ज़ी वातावरण में ट्रांसशिपमेंट लागत को अनुकूलित करने के लिए गतिशील रैंकिंग फ़ंक्शन। सिस्टम और सॉफ्ट कंप्यूटिंग , 6 (200153), 200153। doi:10.1016/ j.sasc.2024.200153

- कुमारी, एम., सिंह, आर., और सिंह, वीबी (2025)। एन्ट्रॉपी-आधारित मापों का उपयोग करके सॉफ़्टवेयर बग्स का प्राथमिकता निर्धारण। *जर्नल ऑफ़ सॉफ़्टवेयर (माल्डेन, एमए)* , *37* (2)। doi:10.1002/smr.2742
- लता, एस., गुप्ता, एस.के., कुमार, जी., यादव, एस., मोहंती, एस.एस., प्रसाद, पी., … सिंह, एच. (2024). भारत में मलेरिया उन्मूलन के लिए गतिशील जनसंख्या एक चुनौती है: भारत के पश्चिमी राजस्थान में पैदल तीर्थयात्रियों में मलेरिया परजीवी संक्रमण का आकलन करने के लिए एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। आईजेआईडी *क्षेत्र (ऑनलाइन)* , *12* (100418), 100418. doi:10.1016/j.ijregi.2024.100418
- मनीषा कुमार, ए., आबिद, एम., अहमदी, एस., मंज़ूर, एन., आलम, आर., और जैन, पी. (2025)। एक द्विदंतुक शिफ़ बेस (E)-4-क्लोरो-2-((2-हाइड्रॉक्सी-3- मेथॉक्सीबेन्ज़िलिडीन)एमिनो)बेंज़ोइक अम्ल के धातु (II) संकुलों का संश्लेषण, लक्षण वर्णन, जैविक क्रियाविधि, DFT, आणविक डॉकिंग और ADME अध्ययन। *जर्नल ऑफ़ डिस्पर्शन साइंस एंड टेक्नोलॉजी* , 1-14. doi:10.1080/01932691.2025.2461124
- मिश्रा, एम., ढाकला, एस., दीनदयाल , पी.के., कुमार, एम., कश्यप, एम.के. (2024). इंडियम सेलेनाइड (InSe) आधारित फोटोडिटेक्टरों में हालिया प्रगति: एक लघु समीक्षा। *इंडियन जर्नल ऑफ प्योर एंड एप्लाइड फिजिक्स* , 62(6)। doi:10.56042/ ijpap.v 62i6.8788
- निधि, और नैन, ए.के. (2024). विभिन्न तापमानों पर 1-ब्यूटाइल-3-मिथाइलइमिडाज़ोलियम हेक्साफ्लोरोफॉस्फेट + एथिल/प्रोपाइल/एन-ब्यूटाइल एसीटेट बाइनरी मिश्रणों में आणविक अंतःक्रियाओं के आयतनात्मक, ध्वनिक और स्पेक्ट्रोस्कोपिक अध्ययन। *द जर्नल ऑफ़ केमिकल थर्मोडायनामिक्स* , *198* (107339), 107339। doi:10.1016/j.jct .2024.107339
- नैन, ए.के. (2025)। परिवेशी तापमान पर ब्यूटाइल एक्रिलेट + बेंजीन, + टोल्यूनि, + o-ज़ाइलीन, + m-ज़ाइलीन, + p-ज़ाइलीन, और + मेसिटिलीन द्विआधारी मिश्रणों में अंतर-आणविक अंतःक्रियाओं का प्रायोगिक और सैद्धांतिक अन्वेषण: पराध्वनिक और विस्कोमेट्रिक विधियाँ। *जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर लिक्विड्स* , *424* (127117), 127117. doi:10.1016/ j.molliq.2025.127117
- नैन, ए.के. और निधि (2025)। विभिन्न तापमानों पर N,N- डाइमिथाइलफॉर्मामाइड + एल्काइल एक्रिलेट्स मिश्रणों में प्रचलित आणविक अंतःक्रियाओं की अंतर्दृष्टि : एक प्रयोगात्मक और सैद्धांतिक जाँच। *द जर्नल ऑफ़ केमिकल थर्मोडायनामिक्स* , *201* (107393), 107393. doi:10.1016/ j.jct.2024.107393
- निधि, और नैन, ए.के. (2025)। विभिन्न तापमानों पर घनत्व, ध्वनि की गति, अतिरिक्त गुणधर्मों और FTIR स्पेक्ट्रा का उपयोग करके एथिल एसीटेट + पॉलीइथाइलीन ग्लाइकॉल 200/300/400/600 द्विआधारी मिश्रणों में अंतर-आणविक अंतःक्रियाओं का अनावरण। *द जर्नल*

ऑफ़ केमिकल थर्मोडायनामिक्स , *201* (107391), 107391। doi:10.1016/j.jct .2024.107391

- नैन, ए., के., निधि, और चौधरी, एन. (2025)। विभिन्न तापमानों पर पॉलीइथाइलीन ग्लाइकॉल 200 + मिथाइल/एथिल मेथैक्रिलेट बाइनरी मिश्रणों के अतिरिक्त ध्वनिक और आयतन गुण: एक प्रायोगिक और सैद्धांतिक अध्ययन। *द जर्नल ऑफ केमिकल थर्मोडायनामिक्स* , *200* (107358), 107358। doi:10.1016/j.jct .2024.107358
- नैन, ए.के., निधि, और चौधरी, एन. (2025)। थर्मोफिजिकल और स्पेक्ट्रोस्कोपिक विधियों द्वारा परिवेशी तापमान पर पॉलीइथाइलीन ग्लाइकॉल 400 + एल्काइल मेथैक्रिलेट मिश्रणों में अंतर-आणविक अंतःक्रियाओं का अन्वेषण। *केमिकल थर्मोडायनामिक्स एंड थर्मल एनालिसिस* , *17* (100155), 100155। doi:10.1016/j.ctta .2024.100155
- नैन, ए.के., और ड्रोलिया , पी. (2025)। बेंज़ोनाइट्राइल + मिथाइल/एथिल/ब्यूटाइल मेथैक्रिलेट बाइनरी सिस्टम के लिए श्यानता, अपवर्तनांक और श्यान प्रवाह की ऊष्मागतिकी की तापमान और संरचना पर निर्भरता: प्रायोगिक और सैद्धांतिक अध्ययन। *रासायनिक ऊष्मागतिकी और तापीय विश्लेषण* , *17* (100157), 100157। doi:10.1016/j.ctta .2024.100157
- रानी, एस., महिमा, और बानो, एस. (2025)। जल विज्ञान विश्लेषण और जल संतुलन की जलवायु परिवर्तनशीलता: दिल्ली महानगरीय क्षेत्र में भू-स्थायित्व का एक अध्ययन। *एडवांस इन ज्योग्राफिकल एंड एनवायर्नमेंटल साइंसेज* (पृष्ठ 177-204) में। doi:10.1007/978-981-97-7993-2_10
- 293.15 से 323.15 K के तापमान पर N,N- डाइमिथाइलएसिटामाइड और कुछ पॉलीइथाइलीन ग्लाइकॉल के द्विआधारी मिश्रणों में आणविक अंतःक्रियाओं का आयतनात्मक और पराध्वनिक अध्ययन। *डिस्कवर केमिस्ट्री* , *1* (1)। doi:10.1007/s44371-024-00008-8
- प्रसाद, एस.एन., अब्दुल्ला, सिंह, बी., और शालिनी, के. (2024). CR3B समस्या में न्यूटोनियन-पश्चात गतिकी और केर जैसे प्राथमिक ऊर्जाओं के प्रभाव में अरैखिक स्थिरता। *खगोल विज्ञान रिपोर्ट* , *68* (3), 277-293। doi:10.1134/s1063772924700227
- राजपाल, ए., मिश्रा, आर., राजपाल, एस., कविता, भाटिया, वी., और कुमार, एन. (2024). डीप लर्निंग-आधारित पत्ती रोग पहचान की व्याख्या। *सॉफ्ट कंप्यूटिंग* , *28* (20), 12299-12322। doi:10.1007/s00500-024-09939-x
- साया, एल., सामल, आर.आर., कुमार, एस., वर्मा, एम., सिंह, डब्ल्यू.आर., और हुड्डा, एस. (2024). एडीज़ एजिप्टी के विरुद्ध ग्रैफीन ऑक्साइड और ग्वार गम-आधारित नैनोमटेरियल की बहुक्रियात्मक गतिविधि का आकलन। *केमोस्फीयर* , *369* (143906), 143906. doi:10.1016/j.chemosphere .2024.143906

- शर्मा, ए., मिश्रा, एम., सामल, आर.आर., डागर, वी.एस., कुमार, एम., शुक्ला, ए., और कुमार, एस. (2024). कैसिया ऑक्सीडेंटलिस की पत्तियों और तने के अर्क का एडीज़ एजिप्टी (लिनियस, 1762) के जीवन मापदंडों पर प्रभाव। *जर्नल ऑफ एप्लाइड एंड नेचुरल साइंस* , *16* (2), 752-761। doi:10.31018/ jans.v 16i2.5642
- शरीर के बल से कई स्टेनोज़्ड धमनियों में रक्त रियोलॉजी के लिए कैसन द्रव मॉडल का गणितीय विश्लेषण। (2024). साइंस, इंजीनियरिंग एंड एयरोस्पेस में गणित (MESA), *15* (2)।
- वेंकटेशन, जे., शंकर, डी.एस., हेमलता, के., और यतीम, वाई. (2013)। स्टेनोज़्ड संकरी धमनियों में रक्त रियोलॉजी के लिए कैसन द्रव मॉडल का गणितीय विश्लेषण। *जर्नल ऑफ़ एप्लाइड मैथमेटिक्स* , *2013* , 1-11. doi:10.1155/2013/583809
- सिंह, ए., वर्मा, यूके, मिश्रा, ए., यादव, के., शर्मा, ए., और वार्ष्णेय, वी. (2024). विद्युत और सिनैप्टिक युग्मन के साथ मल्टीप्लेक्स न्यूरोनल नेटवर्क में उच्च-क्रम-अंतःक्रिया। *कैओस, सोलिटन्स, और फ्रैक्टल्स* , *182* (114864), 114864। doi:10.1016/ j.chaos.2024.114864
- सिंह, भारत, कुमार, डी., कुमार, जी., सरोहा, पी., विक्रम, के., गुप्ता, एस.के., और सिंह, एच. (2024). कीटनाशक पेंट: मच्छर नियंत्रण के लिए एक वैकल्पिक एकीकृत वेक्टर प्रबंधन रणनीति। *प्रक्रिया सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण: रासायनिक इंजीनियर्स संस्थान के लेनदेन, भाग बी* , *186* , 486-494। doi:10.1016/j.psep .2024.03.118
- सिंह, भावना, नंद प्रसाद, एस., और अब्दुल्ला (2025)। एक नए प्रकार के रोब समस्या में अरैखिक स्थिरता। *आधुनिक भौतिकी पत्र A. कण और क्षेत्र, गुरुत्वाकर्षण, ब्रह्मांड विज्ञान, नाभिकीय भौतिकी* , *40* (03)। doi:10.1142/s0217732324502122
- वार्ष्णेय, वी., किंग्स्टन, एस.एल., श्रीनिवासन, एस., और कुमारसामी, एस. (2024). भिन्नात्मक-क्रम असतत मानचित्रों में छिपे हुए आकर्षक। *द यूरोपियन फ़िज़िकल जर्नल। बी* , *97* (10)। doi:10.1140/ epjb /s10051-024-00780-7
- वत्स, टीके, प्रजापति, आर., रावल, वी., अंकुर, निदा, ठाकुर, एलके, और मलिक, एस. (2024). प्लूटेला के विरुद्ध एगेरेटम कोनीज़ोइड्स (एल.) (एस्टेरेसी) अर्क के इमल्सीफायबल कॉन्संट्रेट फॉर्मूलेशन का एंटीफीडेंट प्रभाव ज़ाइलोस्टेला (एल.) (लेपिडोप्टेरा: प्लूटेलिडे)। *रिसर्च जर्नल ऑफ केमिस्ट्री एंड एनवायरनमेंट* , *29* (1), 19-25. doi:10.25303/291rjce019025
- यादव, पी., अब्दुल्ला, और प्रसाद, एस.एन. (2024). आवेशित पिंडों के साथ एक नए प्रकार की रोब समस्या। *आधुनिक भौतिकी पत्र A. कण और क्षेत्र, गुरुत्वाकर्षण, ब्रह्मांड विज्ञान, नाभिकीय भौतिकी* , *39* (21n22)। doi:10.1142/s0217732324500950

पुस्तकें और पुस्तक में अध्याय

पुस्तकें

- आनंद, एस., नागराले , वी., और अभय, आर.के. (2025). *भारत में उभरता भू-स्थिरता परिवर्तन* , स्प्रिंगर , https://www.springerprofessional.de/en/emerging-geosustainability-transformations-in-india/50400172
- गोयल, ए. (2025). *पायथन प्रोग्रामिंग: एक ऑब्जेक्ट-ओरिएंटेड दृष्टिकोण* . यूनिवर्सिटीज़ प्रेस. https://www.orientblackswan.com/details?id=9789393330390
- कुमार, आर., और सिंह, ए. (2024). *मार्केटिंग के सिद्धांत* , विकास पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स
- पाचुंग , पी. (2024). *आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में भविष्य के रुझान,* खंड 3, इटरेटिव इंटरनेशनल पब्लिशर्स (आईआईपी), सेल्फीपेज डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड, https://www.iipseries.org/view-pub-book.php?bookid=72&bookname=futuristic-trends-in-artificial-intelligence-volume-3-book-6

पुस्तक में अध्याय

- अभय, आर.के. (2024). भारत में स्थानीय पारिस्थितिकी प्रणालियों की जल स्थिरता के लिए वर्षा जल संचयन के स्वदेशी तरीकों की भूमिका का मूल्यांकन / एससी राय, पी.के. मिश्रा (संपादक) में, *प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन में पवित्र परिदृश्य, स्वदेशी ज्ञान और नृजातीय संस्कृति: अंडरस्टेंडिंग मल्टीपल पर्सपेक्टिव ऑफ नेचर कंजर्वेशन* (पृष्ठ 121-134), स्प्रिंगर, सिंगापुर, , DOI: 10.1007/978-981-97-4206-6_6
- कुमार, एस., शर्मा, ए. और सामल, आर.आर. (2024). कृषि कीटों का प्रबंधन: रणनीतियाँ और बाधाएँ। कुमार, एस. (सं.) में। *कीट नियंत्रण में कीटनाशक - प्रभाव, चुनौतियाँ और रणनीतियाँ* । इंटेकओपन । doi : 10.5772/intechopen.1003346
- प्रसाद, ए.एस., पांडे, बी.डब्ल्यू., अभय, आर.के., प्रियंका (2024). दिल्ली के उच्च शिक्षण संस्थानों में अग्नि आपदा जोखिम न्यूनीकरण का आकलन। शर्मा, वी.आर., चंद्रकांता (संपादक) में, *भारत को आपदा प्रतिरोधी बनाना।* (पृ.165-184) . स्प्रिंगर, चाम। https://doi.org/10.1007/978-3-031-50113-5_12
- रब्बानी, एज़ेड (2024). कौसर मज़हरी का उसलूब -ए- नक़द . कौसर मज़हरी में *: असरार-ओ-असर* , एजुकेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, आईएसबी.ए.न 978-93-6062-607-5।
- शर्मा, बी., शेखर, एस., कुमार, ए., जैन, पी., और शर्मा, एस. (2025)। फसल रोग प्रबंधन में नैनो तकनीक। ई.के. राधाकृष्णन, आर. असवानी और पी.एम. विशाख (संपादक) *कृषि अनुप्रयोगों*

के लिए नैनो सूत्रीकरण । विले-स्क्रिवेनर पब्लिशिंग एलएलसी। https://doi.org/10.1002/9781119819127.ch6

- शेखर, एस., शर्मा, बी., और कुमार, ए. (2024). ग्रैफ़ीन आधारित चुंबकीय नैनोकण. आई. खान, ए. खान और एमएमए खान (संपादक) *मैग्नेटिक नैनोपार्टिकल्स और पॉलीमर नैनोकंपोजिट्स (पृष्ठ 37-48)*, एकेडमिक प्रेस साइंस डायरेक्ट। एल्सेवियर। https://doi.org/10.1016/B978-0-323-85748-2.00003-7

संपादित पुस्तकें

- आनंद, एस., नागराले , वी., और अभय, आर.के. (2025). *भारत में उभरता भू-स्थिरता परिवर्तन* , स्प्रिंगर, https://www.springerprofessional.de/en/emerging-geosustainability-transformations-in-india/50400172
- कोहले, एम.एल., सिंह, पी. , रानी , एस. और कुमार, पी. (2025) *सतत ऊर्जा की योजना शहरी निर्मित पर्यावरण में प्रणालियाँ* , सीआरसी प्रेस, https://www.appleacademicpress.com/planning-of-sustainable-energy-systems-in-urban-built-environments-/9781779640642#bios
- रानी, एस., सिंह, ए., और हामिद, एम. (2024). *एक टिकाऊ कल की ओर: आपदा तैयारी में अनुसंधान, शिक्षा और प्रौद्योगिकी का एकीकरण* , रेडशाइन पब्लिकेशंस (प्रथम संस्करण) आईएसबी.ए.न: 978-91-41-00133-6। डीओआई: 10.25215/9141001338
- शर्मा, ए. (2025). *इंटरसेक्टिंग नैरेटिव्स: फेमिनिस्ट इनसाइट्स एंड फिलॉसॉफिकल डिस्कोर्स* ; अध्याय पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स।

संपादित पुस्तकों में अध्याय

- अभय, आर.के. (2025). भारत में भू-स्थायित्व परिवर्तन। आनंद, एस., नागराले , वी., अभय, आर.के. (संपादक) भारत में *उभरते भू-स्थायित्व परिवर्तन (* पृष्ठ 3-11) में। स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर, https://www.springerprofessional.de/en/geosustainability-transformations-in-india/50400180
- अभय, आर.के., आनंद, एस., नागराले , वी., और चौरसिया, एस. (2025)। भू-स्थायित्व परिवर्तन: उभरते अनुसंधान के आयाम। आनंद, एस., नागराले , वी., अभय, आर.के. (संपादक) भारत में *उभरते भू-स्थायित्व परिवर्तन। एडवांसेस इन जियोग्राफिकल एंड एनवायरमेंट* (पृष्ठ 477-484), स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://www.springerprofessional.de/en/geosustainability-transformations-emerging-research-frontiers/50400220
- अभय, आर.के., रानी, एस., और सैनी, एस.के. (2024). उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले में भूमि क्षरण की संवेदनशीलता और सतत विकास चुनौतियों का आकलन । एस. कांगा, जी.

मेराज, एस.के. सिंह, एम. फारूक और एम.एस. नाथावत (संपादक) *प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के लिए भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी* (पृष्ठ 393-412), विले: स्क्रिवेनर पब्लिशिंग, डीओआई: 10.1002/9781394167494.ch16

- कुमारी, जे., रानी, एस. (2024). एक पवित्र पर्यटन स्थल के रूप में बोधगया के प्रति पर्यटकों की धारणा और संतुष्टि। राय, एस.सी., मिश्रा, पी.के. (संपादक) में, *प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन में पवित्र परिदृश्य, स्वदेशी ज्ञान और नृजातीय संस्कृति। एडवांसेस इन जियोग्राफिकल एंड एनवायरमेंट साइंसेस* (पृष्ठ 293-313)। स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-97-4206-6_20
- पटेल, ए.एस., मिश्रा, पी., चक्रवर्ती, ए., शर्मा, पी. (2024). *द्वि-आयामी मोलिब्डेनम डाइसल्फ़ाइड नैनोशीट आधारित ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक उपकरण* । अनिल बंसल, एस., खन्ना, वी., बालकृष्णन, एन., गुप्ता, पी. (संपादक) *नवीन नैनोकणों के उभरते अनुप्रयोग। नैनोस्केल विज्ञान और प्रौद्योगिकी में व्याख्यान नोट्स* (खंड 37, पृष्ठ 267-300), स्प्रिंगर, चैम। https://doi.org/10.1007/978-3-031-57843-4_11
- पॉल, जे., अभय, आर.के., और कुमावत, आई.के. (2025)। भारत में उच्च शिक्षा संस्थान और सतत अभ्यास। आनंद, एस., नागराले , वी., अभय, आर.के. (संपादक) भारत में *उभरते भू-स्थायित्व परिवर्तन। भौगोलिक और पर्यावरण विज्ञान में प्रगति* (पृ 375-390) . स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-97-7993-2_21
- रानी, एस., महिमा, बानो, एस. (2025)। जल विज्ञान विश्लेषण और जल संतुलन की जलवायु परिवर्तनशीलता: दिल्ली महानगर क्षेत्र में भू-स्थायित्व का एक अध्ययन। आनंद, एस., नागराले , वी., अभय, आर.के. (संपादक) भारत में *उभरते भू-स्थायित्व परिवर्तन। भौगोलिक और पर्यावरण विज्ञान में प्रगति* (पृष्ठ 177-204)। स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-97-7993-2_10
- सिंह, यू.एस. (2025)। गांधीवादी दर्शन और भारत की स्थिरता: वैश्वीकृत युग में प्रासंगिकता। आनंद, एस., नागराले , वी., अभय, आर.के. (संपादक) *उभरती भू-स्थिरता भारत में परिवर्तन। भौगोलिक और पर्यावरण विज्ञान में प्रगति* (पृष्ठ 13-22)। स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-97-7993-2_2

अनुसंधान परियोजनाएँ

- वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद, प्रो. अलका गुप्ता, नैनो-इमल्सीफाइड आवश्यक तेल और प्लांट मेटाबोलाइट्स आधारित फॉर्मूलेशन का विकास और स्पोडोप्टेरा फ्रूजीपरडा (लेपिडोप्टेरा: नोक्टुइडे) के विरुद्ध उनकी जैव-प्रभावकारिता, 24,43,360।
- कॉनकॉर इंडिया लिमिटेड, प्रो. अरुणा छिकारा, लक्षित कैंसर रोधी चिकित्सा और प्रीक्लिनिकल मूल्यांकन के लिए बायोडिग्रेडेबल नैनोजेल का विकास, 37,43,000.

- भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद , डॉ. दीक्षा बाजपेयी, भारत के प्राचीन राज्य सिक्किम में किशोरों में मादक द्रव्यों का सेवन: सिक्किम के चयनित जिलों का एक केस अध्ययन, 4,00,000।
- भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद , प्रो. मीनाक्षी कर, अन्वेषण भारत में पारंपरिक सूक्ष्म और लघु औद्योगिक समूहों के आत्मनिर्भर व्यवसाय मॉडल: ओडिशा और झारखंड के चुनिंदा समूहों का एक अध्ययन, 7,00,000।
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, डॉ. रमा शंकर, राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के शिल्पी श्री भाऊराव देवरस का जीवनी लेखन ' 5,20,000.
- वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद, डॉ. संजीव मलिक, नैनो-इमल्सीफाइड आवश्यक तेल और प्लांट मेटाबोलाइट्स आधारित फॉर्मूलेशन का विकास और स्पोडोप्टेरा फ्रुगीपरडा (लेपिडोप्टेरा: नोक्टुइडे) के विरुद्ध उनकी जैव-प्रभावकारिता , 24,43,360.

दायर/स्वीकृत पेटेंट

- सुरेश कुमार, डॉली कैन, वंदना, अतुल आर्य। अकिलिया मिलेफोलियम एल से पृथक जीवाणुरोधी यौगिक। पेटेंट कार्यालय, भारत सरकार। 558507। 22 जनवरी, 2025. राष्ट्रीय।
- नवीन कुमार, रश्मि मिश्रा, अंकित राजपाल और शीतल राजपाल। एक व्याख्यात्मक पत्ती रोग पहचान उपकरण (I-LDD)। जर्मन पेटेंट कार्यालय। 202024103925। 20 अगस्त, 2024. अंतर्राष्ट्रीय।

आयोजित संगोष्ठियां

- विभाग और मानवीय रिश्तों का हनन की दास्तां ' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी 18 फरवरी, 2025 को आयोजित हुई।
- 5 अगस्त, 2024 को “भारतीय ज्ञान प्रणाली: युगों के माध्यम से ज्ञान और आगामी योजना” पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।
- श्री गूंजन कुमार ने 18 अक्तूबर, 2024 को 'भारत में एफडीआई: सफलता की कहानी' पर एक व्याख्यान दिया।
- संयुक्त राष्ट्र के आईटीयू में एशिया प्रशांत के निदेशक डॉ. अत्सुको ओकुडा ने 22 अक्तूबर, 2024 को 'एआई के वैश्विक निहितार्थ' पर एक व्याख्यान दिया।
- डॉ. थुआन होआंग , उप प्रमुख, विदेश व्यापार विश्वविद्यालय, डब्ल्यूटीओ चेयर प्रोग्राम, वियतनाम, ने 25 अक्तूबर, 2024 को 'व्यापार रक्षा उपकरण - विकासशील देशों के लिए तलवार या ढाल?' विषय पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

आयोजित सम्मेलन

- अंतर्राष्ट्रीय एआई संगोष्ठी 22 अक्तूबर, 2024 को आयोजित की गई।
- आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित 'आर सॉफ्टवेयर के साथ समय श्रृंखला विश्लेषण' पर राष्ट्रीय कार्यशाला 2-3 दिसंबर, 2024 को आयोजित की गई।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

- 13 फरवरी, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के रामानुजन महाविद्यालय के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इतिहास विभाग के डॉ. उमा शंकर सिंह समन्वयक थे। इस सहयोग के परिणामस्वरूप संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- 20 जनवरी, 2023 को श्रीराम औद्योगिक अनुसंधान संस्थान, दिल्ली के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग के परिणामस्वरूप शिक्षकों और छात्रों को उन्नत व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त होगा। यह सहयोग अनुसंधान और शिक्षा को सुदृढ़ बनाने में भी सहायक होगा।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

- भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के विज्ञान सेतु कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान के साथ सहयोग। यह कार्यक्रम छात्रों को राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान की प्रयोगशालाओं में अनुसंधान प्रशिक्षण प्राप्त करने के अवसर प्रदान करता है।

एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत छात्र

- विज्ञान सेतु कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान के साथ जारी शैक्षणिक सहयोग के हिस्से के रूप में , दस स्नातक छात्रों ने 18 जून से 18 जुलाई, 2024 तक एक महीने के प्रयोगशाला प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। डॉ. नेल्ली द्वारा समन्वित लैसराम द्वारा संचालित इस कार्यक्रम को डीबीटी के विज्ञान सेतु कार्यक्रम के अंतर्गत वित्त-पोषित किया गया।
- दयाल सिंह महाविद्यालय में IQAC के अंतर्गत ग्रीष्मकालीन अनुसंधान इंटर्नशिप कार्यक्रम 2024 के तहत दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के छात्रों सहित 67 छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। 28 मेंटरों की भागीदारी के साथ कुल 16 परियोजनाएँ पूरी की गईं। इस कार्यक्रम ने छात्रों को शोध में रुचि विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 79(19.75%)

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- अद्वेका - पर्यावरण क्लब - ने यमुना घाट, कालिंदी कुंज में यमुना सफाई अभियान का आयोजन किया; ओखला पक्षी अभयारण्य का शैक्षिक दौरा, पंचतत्व: एक प्रमुख कार्यक्रम, अर्थात्: प्रोजेक्ट आकाश, प्रोजेक्ट वायु, प्रोजेक्ट अग्नि, प्रोजेक्ट जल और प्रोजेक्ट पृथ्वी।
- एनैक्टस - कंबल दान अभियान, भोजन दान अभियान, स्टेशनरी दान अभियान, वृक्षारोपण अभियान, पशु कल्याण पहल का आयोजन किया।
- राष्ट्रीय कैडेट कोर (बालक) की गतिविधियों में शामिल हैं: स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण अभियान, राष्ट्रीय समारोह, सेना दिवस कार्यक्रम। इन गतिविधियों के माध्यम से, हमारे कैडेटों ने एनसीसी की सच्ची भावना को कायम रखा है, नेतृत्व, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रदर्शन किया है।
- शिवोहम : जागृति के घंटे, नशा मुक्ति: जागरूकता, रोकथाम और पुनर्वास पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया।
- राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) ने अनेक स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण कार्यक्रम, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, ई-कचरा संग्रहण एवं निपटान अभियान, पुस्तक दान अभियान, कंबल दान अभियान और डिजिटल साक्षरता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर जागरूकता सत्र आयोजित किए। ग्रामीण आउटरीच कार्यक्रमों पर विशेष जोर दिया गया, जहाँ छात्रों ने स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर उनकी चिंताओं का समाधान किया और सकारात्मक बदलाव लाए।
- स्थिरता मंच: स्थिरता मंच टीम ने हरित और स्वच्छ परिसर का प्रबंधन करने और छात्रों को जल, बिजली, ईंधन आदि का संरक्षण करके स्थायी लक्ष्य प्राप्त करने के लिए संवेदनशील बनाने के लिए काम किया। टीम ई-वेस्ट ने व्यक्तियों से इलेक्ट्रॉनिक कचरा एकत्र करने के लिए एक अभियान शुरू किया है।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक:	32
एसोसिएट प्रोफेसर:	71
सहायक प्रोफेसर:	139
तदर्थ:	05
अतिथि:	48
कुल	**295**

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित निधियां: ₹ 106.77 करोड़

उपयोगित निधियां: ₹ 111.9721 करोड़

****

दयाल सिंह सांध्य महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

दिल्ली विश्वविद्यालय के दयाल सिंह सांध्य महाविद्यालय ने शैक्षिक और सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए तीसरे नमस्ते वियतनाम महोत्सव में नाम कैन थो विश्वविद्यालय, वियतनाम के साथ एक ऐतिहासिक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। पारस्परिक रूप से लाभकारी संबंधों के माध्यम से मैत्री और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए इंडोनेशिया के यूनिवर्सिटीस इस्लाम रियाउ के साथ एक और समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। विकसित भारत**@**2047 और संस्कृत विभाग के सहयोग से श्री दीपक कुमार पांडे (आईटीबीपी, नई दिल्ली) द्वारा "संस्कृत में विज्ञान" विषय पर एक उद्घाटन शैक्षणिक व्याख्यान का आयोजन किया गया (6 अगस्त 2024)। **IQAC** ने संकाय सदस्यों के लिए समय पर करियर में उन्नति और पदोन्नति की सुविधा प्रदान की: शैक्षणिक स्तर 10 से स्तर 11 तक सहायक प्रोफेसरों की पदोन्नति सफलतापूर्वक समन्वित की गई। आईक्यूएसी ने तीन दिवसीय अंतर-महाविद्यालय बौद्धिक उत्सव, जिज्ञासा–द क्वेस्ट फेस्ट (15-17 अप्रैल 2025) का आयोजन किया। महाविद्यालय का वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव, रजनीगंधा , का 35वाँ संस्करण 1-3 मई, 2025 तक आयोजित किया गया, जिसमें जीवंत प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया गया।

सम्मान/विभूतियां

संकाय

- डॉ. अमित कुमार ने आईसीएसएसआर द्वारा वित्त-पोषित एक लघु परियोजना पूरी की
- डॉ. अवनी भटनागर ने 26 मार्च, 2025 को गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के मानविकी और सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय स्कूल द्वारा आयोजित संगोष्ठी में बाहरी विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।
- डॉ. अवनी भटनागर ने उड़ान (राष्ट्र को जागृत करने के लिए नाटक और अभिनय का प्रकटीकरण): एक सांस्कृतिक और सामाजिक आंदोलन नामक संगठन के भाषा और संचार वर्टिकल के सदस्य के रूप में कार्य किया।
- डॉ. भावना सुमन आईसीएसएसआर परियोजना: आदिवासी महिलाओं के बीच बाजरा उद्यमी के रूप में सशक्तिकरण (ओडिशा) के लिए सह-प्रमुख अन्वेषक के रूप में काम कर रही हैं।

- प्रो. ब्रती बिस्वास ने 28 अगस्त, 2024, 17 सितंबर, 2024, 3 अक्तूबर, 2024, 13 जनवरी, 2025 और 25 फरवरी, 2025 को गलगोटिया विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा, यूपी के स्कूल ऑफ लिबरल एजुकेशन के लिए अंग्रेजी के डीसी 1 और डीसी 2 के लिए डॉक्टरेट समिति की बैठक के लिए बाहरी विशेषज्ञ सदस्य के रूप में कार्य किया।
- प्रो. ब्रती बिस्वास को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय भाषा समिति द्वारा 10-12 जुलाई, 2024 को बीबी.ए.स कार्यालय विश्वकर्मा भवन गेट: 4 आईआईटी-दिल्ली में आयोजित कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।
- डॉ. धनवती यादव आईसीएसएसआर की प्रमुख परियोजना: आदिवासी महिलाओं के बीच बाजरा उद्यमी के रूप में सशक्तिकरण (ओडिशा) के लिए सह-प्रमुख अन्वेषक के रूप में काम कर रही हैं।
- डॉ. जगबीर सिंह को दिल्ली पब्लिक पुस्तकालय में पुरानी और अप्रयुक्त पठन सामग्री पर बोर्ड को सहायता और सलाह देने के लिए मार्च 2024 तक अंग्रेजी और हिंदी पुस्तकों के लिए निकासी समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया (दिनांक 14 दिसंबर, 2024)।
- 12 जनवरी, 2025 को गलगोटिया विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा, यूपी के स्कूल ऑफ लिबरल एजुकेशन के अंग्रेजी छात्रों की मौखिक परीक्षा के लिए बाहरी विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।
- डॉ. नीतू डबास समावेशी शासन में प्रौद्योगिकी (दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश, ओडिशा) पर आईसीएसएसआर परियोजना के लिए सह-प्रमुख अन्वेषक के रूप में काम कर रही हैं।
- प्रोफेसर पृथ्वी राज थापर को 4 जनवरी, 2025 को वाइस रीगल लॉज के कन्वेंशन हॉल में दिल्ली विश्वविद्यालय फाउंडेशन द्वारा आयोजित समर्पण कार्यक्रम के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह द्वारा सम्मानित किया गया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के सत्यवती महाविद्यालय में **IQAC** सदस्य के रूप में शामिल हुए ।
- डॉ. रवि रंजन चौधरी, आईसीएसएसआर परियोजना के लिए प्रधान अन्वेषक (पीआई): समावेशी शासन में प्रौद्योगिकी की भूमिका (दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश, ओडिशा)। आईसीएसएसआर परियोजना के लिए सह-प्रधान अन्वेषक: कृषि आपूर्ति श्रृंखला में प्रौद्योगिकी अपनाना (अरुणाचल प्रदेश और मेघालय)। आईसीएसएसआर परियोजना के लिए सह-प्रधान अन्वेषक: समावेशी विकासशील भारत **@**2047: बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों का सशक्तिकरण (बिहार, उत्तर प्रदेश, ओडिशा)।
- डॉ. रीना कपूर ने आईसीएचआर की शोध परियोजना "भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की गुमनाम महिला योद्धाएँ: 1900-1947" पर काम किया है।

- प्रो. शिवानी सिंह ने पटना विश्वविद्यालय में पीएच.डी. मौखिक परीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक के रूप में कार्य किया। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय में एक पीएच.डी. अभ्यर्थी का पर्यवेक्षण किया, जिसका शोध प्रबंध "यूपीए शासन के दौरान महिलाओं के लिए प्रमुख नीतियां और कार्यक्रम: गाजियाबाद और मेरठ का तुलनात्मक अध्ययन" था।
- डॉ. सुमाधुरा रॉय अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिबाधित समकक्ष-समीक्षित, मुक्त पहुंच पत्रिका, लैपिस लाजुली-एन इंटरनेशनल लिटरेरी जर्नल **(ISSN-2249-4529)** के एसोसिएट एडिटर के रूप में शामिल हुईं।

छात्र

- बी.ए. **(**कार्यक्रम**)**, द्वितीय वर्ष के छात्र आर्यन वार्ष्णेय ने दुबई में अंतर्राष्ट्रीय शतरंज टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व किया।
- बी.ए. **(**कार्यक्रम**)**, द्वितीय वर्ष के छात्र आर्यन वार्ष्णेय ने नॉर्थ ज़ोन इंटर यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट **(NZIUT)** में स्वर्ण पदक जीता।
- आर्यन वार्ष्णेय , बी.ए. **(**कार्यक्रम**)**, द्वितीय वर्ष के छात्र और अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय टूर्नामेंट **(**एआईआईयू**)** में रजत पदक विजेता।
- बी.ए. (कार्यक्रम) **(**एचआरएम **+** अर्थशास्त्र**)** की छात्रा जोशना सिंह ने नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी फेंसिंग चैंपियनशिप में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।
- बी.ए. (कार्यक्रम) **(**एचआरएम **+** अर्थशास्त्र**)** की छात्रा जोशना सिंह ने **20** से **23** दिसंबर **2022** तक जम्मू विश्वविद्यालय में आयोजित **30**वीं अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय तलवारबाजी चैंपियनशिप में भाग लिया।
- बी.ए. **(**ऑनर्स**)** अंग्रेजी, द्वितीय वर्ष के छात्र हर्ष चौहान ने देहरादून में अंतर-महाविद्यालय शूटिंग प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- बी.ए. **(**ऑनर्स**)** अंग्रेजी, द्वितीय वर्ष के छात्र हर्ष चौहान ने उत्तराखंड राज्य चैम्पियनशिप, देहरादून में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- हर्ष चौहान, बी.ए. **(**ऑनर्स**)** अंग्रेजी, द्वितीय वर्ष के छात्र स्टेट ओलम्पिया, देहरादून में चौथा स्थान प्राप्त किया तथा ऑल इंडिया ओपन में **45**वें स्थान पर रहीं।
- बी.ए. **(**ऑनर्स**)** अंग्रेजी, द्वितीय वर्ष के छात्र हर्ष चौहान ने अंतर-कक्षा वॉलीबॉल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया ।

प्रकाशन

- आनंद, एन. **(2024).** पाठक, विद्रोही, दूरदर्शी: भगत सिंह और सुखदेव का साहित्यिक क्षेत्र. प्राइमस बुक्स.

- कैस्थ , ए. **(2024**ए)। भारतीय मूल्य : वसुधैव कुटुम्बकम .
- कैस्था , ए. **(2024**बी**).** भारतीय सनातन सीटी और **16** संस्कार .
- नीरू. **(2024**ए**).** सुझाव में हिन्दी . हिंदी में के : संदर्भ .
- नीरू. **(2024**बी**).** हिन्दी और रोजगार सृजन की संभावना . में हिन्दी के समकालीन संदर्भ .
- नीरू. **(2025).** रामायण लोकजीवन का काव्य . अंत में सर्वोत्तम राम .
- रॉय, एस. **(2024).** स्वयं का लेखन: उन्नीसवीं सदी का भारत और तोरु दत्त का हमारा कैसुरीना वृक्ष। ए. रे और ए. चंदा **(**सं.**),** अनवीलैंगिक आइडेंटिटीज़: एक्सप्लोरिंग इंडियन राइटिंग इन इंग्लिश **(**पृष्ठ **91-105)**। वर्ल्डव्यू पब्लिकेशंस।
- सवाई, एस. **(2024).** नंदिनी साहू की रचनाओं में लैंगिक मिथकों का रहस्य उजागर करना: वर्जनाएँ, कामुकता और 'छिपी हुई' स्त्री कामोन्माद। नंदिनी साहू की रचनात्मक दुनिया में **(**पृष्ठ **264-267)**। ऑथर्सप्रेस ।
- शेख, ई. **(2025).** कर्कोटा क्रॉनिकल्स: एक प्राचीन राजवंश के भू-सांस्कृतिक ताने-बाने का अवलोकन। यूए कदम **(**सं.**),** मध्यकालीन दक्षिण एशिया में स्मृति, इतिहास और संस्कृति: **8**वीं से **14**वीं शताब्दी **(**पृष्ठ **45-77)** में। स्प्रिंगर नेचर।
- त्रिपाठी, एस . **(2024).** अवधी लोकगीतों में सामाजिक सांस्कृतिक अपना . एन परिहार में **(**सं **.),** लोकगीत की भावधार .
- त्यागी, ए. **(**सं.**). (2025)**। मंडला ध्वनि: मालाश्री लाल के समय के मंडलों का अनुवाद **(**ए. त्यागी, ट्रांस.**)**। हवक्कल द्वारा विन्यास ।

अनुसंधान परियोजनाएँ

- आईसीएसएसआर, डॉ. रवि रंजन चौधरी प्रमुख अन्वेषक, समावेशी शासन में प्रौद्योगिकी की भूमिका **(**दिल्ली, बिहार, यूपी, ओडिशा**)**।
- आईसीएसएसआर, डॉ. रवि रंजन, कृषि आपूर्ति श्रृंखला में तकनीकी अपनाना **(**अरुणाचल प्रदेश और मेघालय**)**।

आयोजित संगोष्ठियां

- ईओसी ने आईक्यूएसी के सहयोग से 6 मार्च, 2025 को "विकलांगता या विशेष योग्यता: विभिन्न दृष्टिकोणों के बदलते पैटर्न" विषय पर एक वार्ता का आयोजन किया ।
- शैक्षणिक योजना समिति ने 1 अप्रैल, 2025 को शोध पद्धति पर एक कार्यशाला का आयोजन किया जिसका उद्देश्य छात्रों को आवश्यक शोध कौशल से तैयार करना था। कार्यशाला में प्रतिष्ठित वक्ताओं के साथ चार सत्र आयोजित किए गए, जिनमें प्रस्ताव लेखन, उद्धरण शैली,

अनुसंधान डिजाइन, एआई-संचालित उपकरण और नैतिक अनुसंधान प्रथाओं जैसे विषयों को शामिल किया गया।

आयोजित सम्मेलन

प्रोफेसर पृथ्वी राज थापर ने 20-21 फरवरी, 2025 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में भाषाओं की भूमिका पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

- दिल्ली विश्वविद्यालय के दयाल सिंह इवनिंग महाविद्यालय ने शैक्षिक और सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए तीसरे नमस्ते वियतनाम महोत्सव में वियतनाम के नाम कैन थो विश्वविद्यालय के साथ एक ऐतिहासिक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के दयाल सिंह इवनिंग महाविद्यालय ने पारस्परिक रूप से लाभकारी संबंधों के माध्यम से मैत्री और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए इंडोनेशिया के यूनिवर्सिटीस इस्लाम रियाउ के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- दयाल सिंह सांध्य महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय ने सतत शिक्षा एवं विस्तार विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित छात्रों की संख्या: 178

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- दयाल सिंह सांध्य महाविद्यालय ने 13 सितंबर, 2024 को लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए अपने महिला विकास प्रकोष्ठ (डब्ल्यूडीसी) का उद्घाटन किया।
- विकसित भारत कार्यक्रम (24 नवंबर, 2024): भारत के संविधान के 75 वर्ष पूरे होने का उत्सव मनाने के लिए "विकसित भारत" कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के दयाल सिंह सांध्य महाविद्यालय ने इस शैक्षणिक वर्ष में पांच प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शुरू किए हैं:
  - बेसिक संस्कृत में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
  - हिंदू अध्ययन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
  - अर्थमिति में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
  - सोशल मीडिया के लिए कंटेंट प्रोडक्शन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
  - अंग्रेजी वार्तालाप में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक:	15
एसोसिएट प्रोफेसर:	04
सहायक प्रोफेसर:	77
तदर्थ:	01
अतिथि:	40
कुल	**137**

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- समिति द्वारा गहन चयन प्रक्रिया के बाद कुल 130 छात्रों को शुल्क में छूट प्रदान की गई।
- 27 मार्च 2025 को महाविद्यालय की वेबसाइट पुनः लॉन्च की जाएगी।

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित निधियां**:** ₹ 3304 **करोड़**

उपयोगित निधियां **:** ₹ 3300 **करोड़**

****

फ्लोरेंस नाइटिंगेल महाविद्यालय ऑफ नर्सिंग

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

महाविद्यालय ने सभी विषयों की शैक्षणिक गतिविधियों को लागू और निगरानी की है और संस्थानों तथा संबद्ध विश्वविद्यालय के उपनियमों के अनुरूप परीक्षाएँ आयोजित की हैं। महाविद्यालय छात्रों के प्रदर्शन पर निरंतर नज़र रखता है और नियमित संकाय विकास कार्यक्रमों का आयोजन करता है। महाविद्यालय ने वर्ष भर खेलकूद और विभिन्न अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया है और छात्रों को पदक और पुरस्कार प्रदान किए हैं।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

- सुश्री हीना, एम्स भोपाल में क्लिनिकल इमरजेंसी नर्सिंग के लिए अकादमी की फेलोशिप 2024 2.
- सुश्री शैली, एम्स भोपाल में क्लिनिकल इमरजेंसी नर्सिंग अकादमी की फेलोशिप 2024

छात्र

- सुश्री छाया , बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, सेमेस्टर 1 में डिस्टिंक्शन।
- सुश्री काजल शुक्ला , बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, सेमेस्टर 1 में डिस्टिंक्शन।
- सुश्री मानसी, बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, सेमेस्टर 1 में डिस्टिंक्शन।
- सुश्री नीतू , बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, सेमेस्टर 1 में डिस्टिंक्शन।
- सुश्री प्रज्ञा दास, बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, सेमेस्टर 1 में डिस्टिंक्शन।
- सुश्री रीति , बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, सेमेस्टर 1 में डिस्टिंक्शन।
- सुश्री टीना , बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, सेमेस्टर 1 में डिस्टिंक्शन।
- सुश्री वंशिका शर्मा, बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, सेमेस्टर 1 में डिस्टिंक्शन।
- सुश्री कनिष्का वर्मा, बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, सेमेस्टर 3 में डिस्टिंक्शन।
- सुश्री खुशी वर्मा, बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, सेमेस्टर 3 में डिस्टिंक्शन।
- सुश्री किरणदीप कौर, बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, सेमेस्टर 3 में डिस्टिंक्शन।
- सुश्री नैना कुमारी, बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, सेमेस्टर 3 में डिस्टिंक्शन।
- सुश्री नेहा कुमारी एस, बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, सेमेस्टर 3 में डिस्टिंक्शन।
- सुश्री रेणुका, बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, सेमेस्टर 3 में डिस्टिंक्शन।
- सुश्री श्रुति गर्ग, बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, सेमेस्टर 3 में डिस्टिंक्शन।
- सुश्री गुरप्रीत कौर , बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, सेमेस्टर 4 में डिस्टिंक्शन।
- सुश्री निकिता , बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, सेमेस्टर 4 में डिस्टिंक्शन।
- सुश्री माही , बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, सेमेस्टर 7 में डिस्टिंक्शन।
- सुश्री ट्विंकल शर्मा, बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, सेमेस्टर 7 में डिस्टिंक्शन।
- सुश्री विदुषी गुप्ता, बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, सेमेस्टर 7 में डिस्टिंक्शन।
- सुश्री निकिता, बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, सेमेस्टर 5 में डिस्टिंक्शन, टीएनएआई से एसएनए स्कॉलरशिप
- एमएस संगीता, बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, 8 वें सेमेस्टर को एफओजीएसआई में प्रथम पुरस्कार मिला -एफओजीएसआई- भारतीय प्रसूति एवं स्त्री रोग सोसाइटी के महासंघ के उत्तर क्षेत्रीय सम्मेलन में युवा 2025 के साथ, केएमओजीएस द्वारा आयोजित।

- सुश्री सिवानी अटवाल, बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, 8 वें सेमेस्टर को एफओजीएसआई में स्लोगन के लिए दूसरा पुरस्कार मिला -एफओजीएसआई- भारतीय प्रसूति एवं स्त्री रोग सोसाइटी महासंघ के उत्तर क्षेत्रीय सम्मेलन युवा 2025 के साथ, केएमओजीएस द्वारा आयोजित।
- खुशी वर्मा , बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, 6 वें सेमेस्टर को एफओजीएसआई में पोस्टर के लिए प्रथम पुरस्कार मिला -एफओजीएसआई- भारतीय प्रसूति एवं स्त्री रोग सोसाइटी महासंघ के उत्तर क्षेत्रीय सम्मेलन युवा 2025 के साथ, केएमओजीएस द्वारा आयोजित।
- सुश्री संध्या, बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, 6 वें सेमेस्टर को एफओजीएसआई में पोस्टर के लिए दूसरा पुरस्कार मिला -एफओजीएसआई- भारतीय प्रसूति एवं स्त्री रोग सोसाइटी महासंघ के उत्तर क्षेत्रीय सम्मेलन युवा 2025 के साथ, केएमओजीएस द्वारा आयोजित।
- सुश्री संध्या, बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, 6 वें सेमेस्टर को एफओजीएसआई में पोस्टर के लिए दूसरा पुरस्कार मिला -एफओजीएसआई- भारतीय प्रसूति एवं स्त्री रोग सोसाइटी महासंघ के उत्तर क्षेत्रीय सम्मेलन युवा 2025 के साथ, केएमओजीएस द्वारा आयोजित।
- सुश्री मुस्कान (आर), बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, 6 वें सेमेस्टर को एफओजीएसआई में पोस्टर के लिए तीसरा पुरस्कार मिला -एफओजीएसआई- भारतीय प्रसूति और स्त्री रोग सोसाइटी के महासंघ के उत्तर क्षेत्रीय सम्मेलन युवा 2025 के साथ, केएमओजीएस द्वारा आयोजित।
- सुश्री डोरस, बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, प्रथम सेमेस्टर को एओजीडी-एओजीडी- एसोसिएशन ऑफ ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजिस्ट ऑफ दिल्ली, 2024 कार्यशाला जीटीबी में पोस्टर के लिए प्रथम पुरस्कार मिला ।
- सुश्री डोरस, बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, प्रथम सेमेस्टर को एओजीडी-एओजीडी- एसोसिएशन ऑफ ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजिस्ट ऑफ दिल्ली, 2024 कार्यशाला जीटीबी में पोस्टर के लिए प्रथम पुरस्कार मिला ।
- सुश्री स्नेहा वर्मा, बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, प्रथम सेमेस्टर को एओजीडी-एओजीडी- एसोसिएशन ऑफ ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजिस्ट ऑफ दिल्ली, 2024 कार्यशाला जीटीबी में पोस्टर के लिए दूसरा पुरस्कार मिला।
- सुश्री प्रिया, बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, प्रथम सेमेस्टर को एओजीडी-एओजीडी- एसोसिएशन ऑफ ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजिस्ट ऑफ दिल्ली, 2024 कार्यशाला जीटीबी में पोस्टर के लिए तीसरा पुरस्कार मिला।
- सुश्री मुस्कान गुप्ता, बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, 8 वें सेमेस्टर को नारची (भारत में प्रजनन और बाल स्वास्थ्य देखभाल के लिए राष्ट्रीय संघ) कार्यशाला विजेताओं में स्लोगन के लिए दूसरा स्थान मिला ।

- सुश्री मुस्कान गुप्ता, बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, 8 वें सेमेस्टर को नारची (भारत में प्रजनन और बाल स्वास्थ्य देखभाल के लिए राष्ट्रीय संघ) कार्यशाला विजेताओं में स्लोगन के लिए दूसरा स्थान मिला ।
- सुश्री संगीता, बी.एससी . (ऑनर्स) नर्सिंग, 8 वें सेमेस्टर को NARCHI - भारत में प्रजनन और बाल स्वास्थ्य देखभाल के लिए राष्ट्रीय संघ कार्यशाला विजेताओं में पोस्टर के लिए प्रथम स्थान मिला ।
- सुश्री साक्षी, बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, 8 वें सेमेस्टर को NARCHI - भारत में प्रजनन और बाल स्वास्थ्य देखभाल के लिए राष्ट्रीय संघ कार्यशाला विजेताओं में दूसरा स्थान मिला ।
- सुश्री खुशी गोला बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, चौथे सेमेस्टर ने विश्व टीबी दिवस (यूसीएमएस) पर ऑनलाइन वीडियो मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- सुश्री अर्चना सिंह और सुश्री कृति शर्मा, बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, चौथे सेमेस्टर ने यूसीएमएस द्वारा आयोजित ऑरम यूसीएमएस स्प्लिट आर्ट प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- सुश्री खुशी शर्मा, बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, चौथे सेमेस्टर ने यूसीएमएस के सूक्ष्म जीव-विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित एंटी-माइक्रोबियल पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- सुश्री खुशी शर्मा, बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, चौथे सेमेस्टर ने यूसीएमएस के सूक्ष्म जीव-विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित एंटी-माइक्रोबियल पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- सुश्री पूजा कुमारा, बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, चौथे सेमेस्टर ने यूसीएमएस के सूक्ष्म जीव-विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित एंटी-माइक्रोबियल पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- सुश्री मानशी, बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, चौथे सेमेस्टर ने यूसीएमएस के सूक्ष्म जीव-विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित एंटी-माइक्रोबियल पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन

- डबास, एच., और शैली (2024). दिल्ली के तृतीयक देखभाल अस्पताल में भर्ती प्राथमिक चिकित्सा प्राप्त माताओं में प्रसवोत्तर देखभाल के बारे में ज्ञान और दृष्टिकोण का वर्णनात्मक अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नर्सिंग डायटेटिक्स , 13 (9)*, 1-6।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियुक्त छात्रों का प्रतिशत: 100%

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- स्वास्थ्य शिविर के आयोजन के साथ पोषण कार्यक्रम।
- एचआईवी/एड्स भूमिका निभाना।
- दस्त की रोकथाम में भूमिका निभाना।
- दुर्घटना रोकथाम नुक्कड़ नाटक।
- नशीली दवाओं और मादक द्रव्यों के सेवन पर प्रदर्शनी।
- बाल दुर्व्यवहार भूमिका निभाना नुक्कड़ नाटक।
- श्वसन पथ संक्रमण रोलप्ले।
- नेत्रदान स्वास्थ्य शिविर।
- टीकाकरण भूमिका निभाना।
- यौन संचारित रोग भूमिका निभाना।
- राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम पर वीडियो प्रतियोगिता।
- एनीमिया की रोकथाम पर परियोजना स्वास्थ्य शिविर भूमिका निभाना।
- मधुमेह की रोकथाम और प्रबंधन पर स्वास्थ्य शिविर परियोजना।

संकाय संख्या

सहायक प्रोफेसर:	21
अतिथि:	10
कुल	**31**

****

गार्गी महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

गार्गी महाविद्यालय ने 2024-25 में उल्लेखनीय प्रगति की और उच्च शिक्षा के एक प्रमुख संस्थान के रूप में अपनी प्रतिष्ठा को मज़बूत किया। महाविद्यालय ने प्रतिष्ठित शैक्षणिक कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिनमें आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित "विकसित भारत@2047" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और क्वांटम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन शामिल हैं, जिसमें देश-विदेश के प्रतिष्ठित विद्वान शामिल हुए। संकाय की उपलब्धियाँ सराहनीय रहीं, कई सदस्यों को पीएच.डी. की उपाधियाँ, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन शिक्षाविद् पुरस्कार जैसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार और आईसीएसएसआर, डीबीटी और एनएमपीबी से प्रतिस्पर्धी परियोजना अनुदान प्राप्त हुए। कई संकाय

सदस्यों को उच्च-प्रभावी स्कोपस और वेब ऑफ़ साइंस पत्रिकाओं में प्रकाशन के लिए सराहना मिली। छात्रों ने अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिताओं, शोध-पत्र प्रस्तुतियों और राष्ट्रीय स्तर के खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिससे महाविद्यालय की समग्र विकास की भावना को बल मिला और उसकी सराहना हुई। एक महत्वपूर्ण उपलब्धि अश्वगंधा अभियान की सफलता रही, जिसके लिए सक्रिय सामुदायिक पहुँच, शोध प्रसार और मीडिया मान्यता मिली। व्यापक वृक्षारोपण अभियानों और जलवायु जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से महाविद्यालय का सतत विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया। नवोन्मेषी अंतःविषयक कार्यशालाओं और कौशल विकास पहलों ने छात्रों को भविष्य के करियर के लिए सशक्त बनाया। ये उपलब्धियाँ गार्गी महाविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान नेतृत्व, सामाजिक प्रभाव और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अटूट समर्पण को रेखांकित करती हैं, जो गतिशील प्रगति और राष्ट्रीय स्तर पर दृश्यता का एक वर्ष है।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

- प्रोफेसर अपराजिता मोहंती**,** वनस्पति-विज्ञान विभाग:
  - जैव सूचना विज्ञान कार्यशाला/प्रशिक्षण (2023-2025) पर डीबीटी द्वारा वित्त-पोषित एक प्रमुख परियोजना के प्रधान अन्वेषक; रुपये 17,49,920/
  - डीबीटी संस्थान, एनआईपीजीआर में एनएनपी-आईआईआईटीडी परियोजना में वरिष्ठ अनुसंधान फेलो (एसआरएफ) साक्षात्कार के लिए चयन समिति में आमंत्रित विशेषज्ञ।
- डॉ. अंजना रुस्तगी, वनस्पति-विज्ञान विभाग:
  - इन विट्रो बायोलॉजी पर विश्व कांग्रेस, यूएसए (2024) में शोध प्रस्तुत करने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रतिस्पर्धी अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान (1,01,086 रुपये) प्रदान किया गया।
  - क्वींसलैंड विश्वविद्यालय और आईआईटी दिल्ली रिसर्च अकादमी में नॉलेज नेक्सस संगोष्ठी श्रृंखला के लिए आमंत्रित वक्ता (फरवरी 2025)।
- डॉ. गीता प्रकाश, वनस्पति-विज्ञान विभाग:
  - सह-पीआई, एनएएसआई परियोजना "संवेदनशीलता, कौशल-प्रशिक्षण और मौजूदा और आगामी सामाजिक मुद्दों के लिए वैज्ञानिक और उद्यमी स्वभाव को बढ़ाना" (मई 2024- मार्च 2025)।
- डॉ. रीमा मिश्रा, वनस्पति-विज्ञान विभाग:
  - जैव सूचना विज्ञान कार्यशाला/प्रशिक्षण (2023-2025) पर डीबीटी द्वारा वित्त-पोषित एक प्रमुख परियोजना के सह-प्रमुख अन्वेषक; रुपये 17,49,920/-
- अपर्णा जोशी, प्रारंभिक शिक्षा विभाग

- ज़ेडएचसीईएस, जेएनयू, नई दिल्ली से शैक्षिक अध्ययन में पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त। थीसिस का शीर्षक: "एनसीईआरटी विज्ञान पाठ्यपुस्तकों में अंतर्निहित मूल्यों का विश्लेषण: राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2005 के बाद"

- डॉ. अरुणिमा दास, अंग्रेजी विभाग:

- विजन विकसित भारत@2047 के अंतर्गत 'असम के स्वर्णिम धागों (मुगा) की संभावनाएं और संभावनाएं: विकसित भारत की ओर एक मार्ग' शीर्षक से एक शोध परियोजना (सहयोगी) प्रदान की गई।

- डॉ. रचना माथुर, अर्थशास्त्र विभाग:

- प्रधान अन्वेषक, आईसीएसएसआर परियोजना 'विकसित भारत@2047' जिसका शीर्षक है 'दिल्ली/एनसीआर में ऊंची आवासीय इमारतों के हरित मानकों की बेंचमार्किंग'।

- डॉ. अलका माइकल, इतिहास विभाग:

- भारतीय संस्कृति के अभिन्न अंग के रूप में अहोम अनुष्ठानों और त्योहारों में परिवर्तन और निरंतरता ' पर आईसीएसएसआर परियोजना।

- डॉ. मनप्रीत कौर, गणित विभाग

- सितंबर 2024 में जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, नोएडा में सूचना सैद्धांतिक तकनीकों का उपयोग करके संभाव्य और साक्ष्य ढांचे में सूचना संलयन प्रक्रियाओं के एक अध्ययन में पीएच.डी. से सम्मानित किया गया।

- प्रो. शशि चावला, सूक्ष्म जीव-विज्ञान विभाग:

- सह-पीआई, एनएएसआई परियोजना "संवेदनशीलता, कौशल-प्रशिक्षण और मौजूदा और आगामी सामाजिक मुद्दों के लिए वैज्ञानिक और उद्यमी स्वभाव को बढ़ाना" (मई 2024- मार्च 2025)।

- डॉ. इंद्रमणि , सूक्ष्म जीव-विज्ञान विभाग:

- माइक्रोबायोलॉजिस्ट सोसाइटी, भारत से वरिष्ठ शिक्षक पुरस्कार-2024.

- सोसाइटी ऑफ केमिकल एंड सिंथेटिक बायोलॉजी, भारत से अगथियार केमिकल बायोलॉजी अवार्ड-2024.

- डॉ. नरेंद्र शर्मा, राजनीति-विज्ञान विभाग:

- 6 फरवरी 2025 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के दीक्षांत समारोह में मध्य एशिया-भारत ऊर्जा सहयोग: कजाकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान का एक अध्ययन (2001-2019) में पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई।

- प्रो. वंदना लूथरा, भौतिकी विभाग:

- "मौजूदा और आगामी सामाजिक मुद्दों के प्रति संवेदनशीलता, कौशल-प्रशिक्षण और वैज्ञानिक एवं उद्यमी मनोवृत्ति में वृद्धि" पर NASI परियोजना (मई 2024- मार्च 2025)। पीआई: प्रो. वंदना लूथरा, सह-पीआई: प्रो. शशि चावला, डॉ. गीता प्रकाश।
- गार्गी महाविद्यालय द्वारा उत्कृष्ट योगदान के लिए विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून, 2024) पर पर्यावरण एवं सतत शिक्षा पुरस्कार प्राप्त किया।
- भौतिकी के लिए मशीन लर्निंग (एमएल) और एमएल के लिए भौतिकी के तहत राष्ट्रीय स्तर की प्रश्नोत्तरी में दूसरा पुरस्कार जीता - भौतिकी और खगोल विज्ञान विभाग, एनआईटी राउरकेला और आईएपीटी द्वारा संयुक्त रूप से 1-5 जून, 2024 तक आयोजित एक राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम।
- डॉ. सोनी जायसवाल, मनोविज्ञान विभाग:
- एआई और न्यू एज टेक्नोलॉजी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र पुरस्कार, सोशल मीडिया की लत, छूट जाने का डर (एफओएमओ) और युवा वयस्कों के मानसिक कल्याण और शैक्षणिक उपलब्धि पर उनके प्रभाव के बीच परस्पर क्रिया की जांच करने वाले शोध-पत्र के लिए (फरवरी 2025)।
- डॉ. जसविंदर कौर, प्राणी-विज्ञान विभाग
- मायोसिलिन प्रोटीन एकत्रीकरण के विरुद्ध कंप्यूटर-सहायता प्राप्त औषधि पुनर्स्थापन रणनीतियों पर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में एक वर्ष तक पोस्ट-डॉक्टरल अनुसंधान पूरा किया।
- डॉ. नीना धीमान, जंतु विज्ञान विभाग:
- वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सूरत, गुजरात, भारत में शोध-पत्र "मानव में बायोफिल्म संक्रमण के विरुद्ध नैनोकंपोजिट की भूमिका" के लिए वेब ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट (डब्ल्यूओएम) सर्वश्रेष्ठ शोध प्रकाशित कार्य पुरस्कार।
- डॉ. ममतेश सिंह, प्राणी-विज्ञान विभाग:
- जैव प्रौद्योगिकी स्कूल, जेएनयू द्वारा आयोजित (नवंबर 2024) जैव प्रौद्योगिकी में नवाचारों पर स्थिरता के लिए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईबी.ए.स-2024) में सर्वश्रेष्ठ रैपिड ओरल और पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार।
- डॉ. रश्मि सैनी, प्राणी-विज्ञान विभाग:
- वेल्ट्रेड फाउंडेशन द्वारा डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राष्ट्रीय शिक्षाविद् पुरस्कार-2024 , कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय, नीति आयोग एनजीओ दर्पण, भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त (25 सितंबर, 2024)।

- प्राणि-विज्ञान में उत्कृष्ट योगदान के लिए भारतीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अकादमी सोसाइटी द्वारा उत्कृष्ट उपलब्धि पुरस्कार-2024 (24 दिसंबर, 2024)।
- डॉ. सुप्रिया सिंह, प्राणी-विज्ञान विभाग:
- ब्रिटेन के लिवरपूल विश्वविद्यालय में कॉमनवेल्थ मास्टर्स स्कॉलर के लिए मेंटर के रूप में मान्यता प्राप्त।
- डॉ. उषा कुमारी, प्राणी-विज्ञान विभाग:
- इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 34वें विश्व पर्यावरण कांग्रेस में "पारिस्थितिक शिक्षा पुरस्कार" से सम्मानित (21 नवंबर, 2024)।

छात्र

- बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (तृतीय वर्ष) के छात्र श्री अवि चौधरी को एस्पायर इंस्टीट्यूट द्वारा एसआईएसएफ (सोशल इम्पैक्ट सीड फंड) राउंड 4 फेलोशिप से सम्मानित किया गया, जिसमें 200 डॉलर का फेलोशिप अनुदान प्राप्त हुआ।
- बी.ए. (ऑनर्स) अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान (प्रथम वर्ष) के छात्र श्री अवि खुराना, विश्वविद्यालय रोल नंबर 23024505016, ने दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रथम रैंक प्राप्त की।
- बी.ए. (ऑनर्स) अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री तान्या, विश्वविद्यालय रोल नंबर 22024505001, ने दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रथम रैंक प्राप्त की।
- बी.ए. (ऑनर्स) अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुश्री खुशी त्रेहान, विश्वविद्यालय रोल नंबर 21024505023, ने दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रथम रैंक प्राप्त की।
- बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुश्री पल्लवी भट्ट ने 9.419 सीजीपीए प्राप्त कर दिल्ली विश्वविद्यालय में तीसरा तथा साउथ कैंपस में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुश्री श्रेया सिंह ने 9.36 सीजीपीए प्राप्त कर दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैंपस में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुश्री रोमल कुशवाहा ने माइक्रोबायोलॉजिस्ट सोसाइटी, इंडिया द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रस्तुति प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुश्री रोमल कुशवाहा, सुश्री ज्योति कुमारी और सुश्री शैली ने 12-13 नवंबर, 2024 को गार्गी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन 'कौशल संवर्धन: आत्मनिर्भर भारत के लिए एक रोडमैप' में पोस्टर प्रस्तुति में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

- बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति-विज्ञान की छात्रा सुश्री रोमल कुशवाहा और सुश्री ज्योति कुमारी को 6 मार्च, 2025 को किरोड़ीमल महाविद्यालय में आयोजित "प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना" विषय पर शोध-पत्र प्रस्तुति प्रतियोगिता में पर्यावरण पर कुलपति की रोलैंगिक शील्ड का विजेता घोषित किया गया।
- बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री अंजलि यादव ने विजन फॉर विकसित भारत (विविभा) 2024 के अंतर्गत आयोजित शोध-पत्र लेखन प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुश्री रोमल कुशवाहा को दिल्ली विश्वविद्यालय वनस्पति सोसाइटी द्वारा आयोजित प्रो. बी.ए.म जौहरी शील्ड प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ वक्ता का पुरस्कार दिया गया।
- बी.ए.पी (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुश्री नीलम ने 13 फरवरी, 2025 को मिरांडा हाउस द्वारा आयोजित आमंत्रण एरोबिक्स इंटर-महाविद्यालय टूर्नामेंट में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- बी.ए.पी (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुश्री नीलम ने 3 अप्रैल, 2025 को कालिंदी महाविद्यालय द्वारा आयोजित आमंत्रण एरोबिक्स अंतर-महाविद्यालय टूर्नामेंट में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- बी.ए.पी (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुश्री नीलम ने 14 फरवरी, 2025 को शहीद राज गुरु महाविद्यालय ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर विमेन द्वारा आयोजित आमंत्रण एरोबिक्स इंटर-महाविद्यालय टूर्नामेंट में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- बी.ए.पी (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुश्री श्रेया मावी ने 13 फरवरी, 2025 को मिरांडा हाउस द्वारा आयोजित आमंत्रण एरोबिक्स इंटर-महाविद्यालय टूर्नामेंट में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- बी.ए.पी (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुश्री श्रेया मावी ने 14 फरवरी, 2025 को शहीद राज गुरु महाविद्यालय ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर विमेन द्वारा आयोजित आमंत्रण एरोबिक्स इंटर-महाविद्यालय टूर्नामेंट में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- बी.एल.एड. (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री नेहा शर्मा ने 3 अप्रैल, 2025 को कालिंदी महाविद्यालय द्वारा आयोजित आमंत्रण एरोबिक्स अंतर-महाविद्यालय टूर्नामेंट में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री सपना ने 21-23 सितंबर, 2024 को जेएलएन स्टेडियम में आयोजित 84वीं दिल्ली राज्य एथलेटिक्स मीट में डिस्कस थ्रो (22.45 मीटर) में कांस्य पदक जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री सपना ने 15-17 नवंबर, 2024 तक शिव नादर विश्वविद्यालय में आयोजित सर्ज शिव नादर एथलेटिक्स स्पोर्ट्स मीट 2024-25 में शॉट पुट में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

- बी.ए.पी (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुश्री हेमा ने 15-17 नवंबर, 2024 तक शिव नादर विश्वविद्यालय में आयोजित सर्ज शिव नादर एथलेटिक्स स्पोर्ट्स मीट 2024-25 में 800 मीटर में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- बी.ए.पी (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुश्री हेमा ने 15-17 नवंबर, 2024 तक शिव नादर विश्वविद्यालय में आयोजित सर्ज शिव नादर एथलेटिक्स स्पोर्ट्स मीट 2024-25 में 4×400 मीटर रिले में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- सुश्री नौरूपा ने 15-17 नवंबर, 2024 तक शिव नादर विश्वविद्यालय में आयोजित सर्ज शिव नादर एथलेटिक्स स्पोर्ट्स मीट 2024-25 में 100 मीटर में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- सुश्री नौरूपा ने 15-17 नवंबर, 2024 तक शिव नादर विश्वविद्यालय में आयोजित सर्ज शिव नादर एथलेटिक्स स्पोर्ट्स मीट 2024-25 में 4×400 मीटर रिले में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री उषा ने दिल्ली एथलेटिक्स (भारतीय एथलेटिक्स महासंघ से संबद्ध) द्वारा 12-13 अप्रैल, 2025 को जेएलएन स्टेडियम में आयोजित दिल्ली ओपन एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में 3000 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री उषा ने 15-17 नवंबर, 2024 तक शिव नादर विश्वविद्यालय में आयोजित सर्ज शिव नादर एथलेटिक्स स्पोर्ट्स मीट 2024-25 में 4×400 मीटर रिले में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री उषा ने 12-13 अप्रैल, 2025 को दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वार्षिक खेलकूद मीट 'आह्वान'25 में 4×400 मीटर रिले में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.ए.पी (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री ज्योति ने दिल्ली एथलेटिक्स (भारतीय एथलेटिक्स महासंघ से संबद्ध) द्वारा 12-13 अप्रैल, 2025 को जेएलएन स्टेडियम में आयोजित दिल्ली ओपन एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में लंबी कूद में कांस्य पदक जीता।
- बी.ए.पी (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री ज्योति ने 15-17 नवंबर, 2024 तक शिव नादर विश्वविद्यालय में आयोजित सर्ज शिव नादर एथलेटिक्स स्पोर्ट्स मीट 2024-25 में लंबी कूद में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.ए.पी (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री ज्योति ने 12-13 अप्रैल, 2025 को दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वार्षिक खेलकूद मीट 'आह्वान'25 में 100 मीटर, 200 मीटर, लंबी कूद, 4×100 मीटर रिले और 4×400 मीटर रिले में स्वर्ण पदक जीते।
- बी.ए.पी (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री ज्योति ने 15-17 नवंबर, 2024 तक शिव नादर विश्वविद्यालय में आयोजित सर्ज शिव नादर एथलेटिक्स स्पोर्ट्स मीट 2024-25 में 400 मीटर में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

- बी.ए.पी (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री ज्योति ने 15-17 नवंबर, 2024 तक शिव नादर विश्वविद्यालय में आयोजित सर्ज शिव नादर एथलेटिक्स स्पोर्ट्स मीट 2024-25 में 4×400 मीटर रिले में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- बी.ए.पी (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री ज्योति ने 4-6 अक्तूबर, 2024 तक आईआईटी कानपुर द्वारा आयोजित उद्घोष खेल महोत्सव में लंबी कूद (4.36 मीटर) में रजत पदक जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री निष्ठा बिष्ट ने 11 नवंबर, 2024 को श्री गुरु गोबिंद सिंह वाणिज्य महाविद्यालय में आयोजित प्रतिष्ठित स्पोर्टीफाई प्रतियोगिता में 100 मीटर दौड़ में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री निष्ठा बिष्ट ने 15-17 नवंबर, 2024 तक शिव नादर विश्वविद्यालय में आयोजित सर्ज शिव नादर एथलेटिक्स स्पोर्ट्स मीट 2024-25 में 400 मीटर में तीसरा स्थान, 200 मीटर में तीसरा स्थान और 4×400 मीटर रिले में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री निष्ठा बिष्ट ने 12-13 अप्रैल, 2025 को दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वार्षिक खेल प्रतियोगिता 'आह्वान'25 में 200 मीटर में रजत पदक और 4×100 मीटर रिले और 4×400 मीटर रिले में स्वर्ण पदक जीते।
- सुश्री भूमिका ने 12-13 अप्रैल, 2025 को दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वार्षिक खेल प्रतियोगिता 'आह्वान'25 में 4×100 मीटर रिले में स्वर्ण पदक जीता।
- सुश्री साक्षी ने 12-13 अप्रैल, 2025 को दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वार्षिक खेल प्रतियोगिता 'आह्वान'25 में 100 मीटर में कांस्य पदक और 4×100 मीटर रिले में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री सुधा ने 15-17 नवंबर, 2024 तक शिव नादर विश्वविद्यालय में आयोजित सर्ज शिव नादर एथलेटिक्स स्पोर्ट्स मीट 2024-25 में 1500 मीटर में दूसरा स्थान और 4×400 मीटर रिले में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- बी.ए. (ऑनर्स) अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री सुधा ने 12-13 अप्रैल, 2025 को दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित वार्षिक खेल प्रतियोगिता 'आह्वान'25 में 4×400 मीटर रिले में स्वर्ण पदक जीता।
- 9-17 जनवरी, 2025 तक गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में आयोजित अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय जूडो चैम्पियनशिप 2024 में -63 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीता।

- बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुश्री प्रीति ने जूडो (-63 किग्रा वर्ग) में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2024-25 के लिए अर्हता प्राप्त की।
- बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुश्री प्रीति ने दिल्ली जूडो परिषद द्वारा आयोजित 39वीं दिल्ली राज्य जूडो चैंपियनशिप में -57 किलोग्राम जूनियर वर्ग में कांस्य पदक जीता, जो 18-21 अप्रैल, 2024 तक आईजी स्टेडियम, दिल्ली में आयोजित की गई।
- बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुश्री प्रीति ने दिल्ली जूडो काउंसिल द्वारा आयोजित 40वीं दिल्ली राज्य जूडो चैंपियनशिप में -63 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, जो 23-26 दिसंबर, 2024 तक आईजी स्टेडियम, दिल्ली में आयोजित की गई।
- बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुश्री प्रीति ने 24 अक्तूबर, 2024 को मल्टीपर्पज हॉल, रग्बी स्टेडियम में दिल्ली विश्वविद्यालय खेल परिषद द्वारा आयोजित दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर-महाविद्यालय जूडो चैंपियनशिप में -63 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुश्री प्रीति ने 12 मई, 2025 को अरावली इंटरनेशनल स्कूल में फरीदाबाद जिला जूडो एसोसिएशन द्वारा आयोजित तीसरी अंतर-राज्यीय जूडो चैंपियनशिप 2024-25 में +52 किग्रा (जूनियर और सीनियर वर्ग) में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुश्री प्रीति ने भारतीय कुराश एसोसिएशन द्वारा आयोजित 12वीं राष्ट्रीय कुराश चैंपियनशिप 2024-25 में -63 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीता, जिसका आयोजन 1-3 अक्तूबर, 2024 तक विद्यावती इंटरनेशनल स्कूल, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश में किया गया।
- बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुश्री प्रीति ने 30 अगस्त से 1 सितंबर, 2024 तक एमडी यूनिवर्सिटी, रोहतक, हरियाणा में आयोजित भारतीय ग्रैपलैंगिक महासंघ द्वारा आयोजित 17वीं जीएफआई राष्ट्रीय ग्रैपलैंगिक चैम्पियनशिप 2024-25 में -64 किग्रा (जीआई इवेंट) और -64 किग्रा (नो-जीआई इवेंट) में स्वर्ण पदक जीता।
- 19-21 नवंबर, 2024 तक मालवीय नगर, नई दिल्ली में आयोजित 16वें स्वाभिमान खेल महोत्सव 2024-25 में -63 किग्रा (जूडो) में स्वर्ण पदक और कुराश में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुश्री प्रीति ने माता सुंदरी महिला महाविद्यालय द्वारा 12-13 फरवरी, 2025 को आयोजित आमंत्रण अंतर-महाविद्यालय जूडो प्रतियोगिता में -63 किग्रा में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुश्री प्रीति ने 25-27 मार्च, 2025 तक लेडी श्री राम महाविद्यालय द्वारा आयोजित आमंत्रण अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिताओं में -63 किग्रा (जूडो) में स्वर्ण पदक और -63 किग्रा (कुराश) में स्वर्ण पदक जीता।

- बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुश्री प्रीति ने 13-16 सितंबर, 2024 तक लिंग्या के ललिता देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंसेज द्वारा आयोजित द्रोणाचार्य श्री गुरुचरण सिंह गोगी मेमोरियल तृतीय ओपन जूडो चैंपियनशिप 2024-25 में -63 किलोग्राम में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.कॉम (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुश्री समीक्षा गुप्ता ने यूनाइटेड वर्ल्ड मार्शल आर्ट्स फेडरेशन एशिया (यूडब्ल्यूएमएएफ-एशिया) द्वारा आयोजित प्रथम राष्ट्रीय मार्शल आर्ट्स चैम्पियनशिप 2024-25 में -78 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता, जो 9 से 11 अगस्त, 2024 तक तालकटोरा इंडोर स्टेडियम, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।
- बी.कॉम (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुश्री समीक्षा गुप्ता ने 24-25 अगस्त, 2024 को मुंबई में शारदा ज्ञानपीठ इंटरनेशनल स्कूल के सहयोग से बॉम्बे जूडो क्लब द्वारा आयोजित जूडो चैंपियनशिप 2024-25 में +78 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता।
- बी.कॉम (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुश्री समीक्षा गुप्ता ने लैंगिकया के ललिता देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंसेज द्वारा 13-16 सितंबर, 2024 तक आयोजित द्रोणाचार्य श्री गुरुचरण सिंह गोगी मेमोरियल तीसरी ओपन जूडो चैंपियनशिप 2024-25 में -70 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता।
- सुश्री सौम्या जैन ने यूनाइटेड वर्ल्ड मार्शल आर्ट्स फेडरेशन एशिया (यूडब्ल्यूएमएएफ-एशिया) द्वारा आयोजित प्रथम राष्ट्रीय मार्शल आर्ट्स चैम्पियनशिप 2024-25 में +78 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, जो 9 से 11 अगस्त, 2024 तक तालकटोरा इंडोर स्टेडियम, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।
- ज्ञानपीठ इंटरनेशनल स्कूल के सहयोग से मुंबई में 24-25 अगस्त, 2024 को आयोजित आमंत्रण मुंबई जूडो चैम्पियनशिप 2024-25 में +78 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता।
- 13-16 सितंबर, 2024 तक लैंगिकया के ललिता देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंसेज द्वारा आयोजित द्रोणाचार्य श्री गुरुचरण सिंह गोगी मेमोरियल तीसरी ओपन जूडो चैंपियनशिप 2024-25 में +78 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री मेघना टोकस ने दिल्ली जूडो काउंसिल द्वारा आयोजित 39वीं दिल्ली राज्य जूडो चैंपियनशिप में -52 किग्रा (जूनियर वर्ग) में कांस्य पदक और -52 किग्रा (वरिष्ठ वर्ग) में रजत पदक जीता, जो 18-21 अप्रैल, 2024 तक आईजी स्टेडियम, दिल्ली में आयोजित की गई।
- बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री मेघना टोकस ने दिल्ली जूडो परिषद द्वारा आयोजित 40वीं दिल्ली राज्य जूडो चैंपियनशिप में -52 किलोग्राम में रजत पदक जीता, जो 23-26 दिसंबर, 2024 तक आईजी स्टेडियम, दिल्ली में आयोजित की गई।

- बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री मेघना टोकस ने 9-17 जनवरी, 2025 तक गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में आयोजित उत्तर क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय जूडो चैम्पियनशिप 2024 में -52 किलोग्राम में कांस्य पदक जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री मेघना टोकस ने 9-17 जनवरी, 2025 तक गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में आयोजित अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय जूडो चैम्पियनशिप 2024 में -52 किलोग्राम में कांस्य पदक जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री मेघना टोकस ने 24 अक्तूबर, 2024 को मल्टीपर्पज हॉल, रग्बी स्टेडियम में दिल्ली विश्वविद्यालय खेल परिषद द्वारा आयोजित दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर-महाविद्यालय जूडो चैंपियनशिप में -52 किलोग्राम में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री मेघना टोकस ने भारतीय कुराश एसोसिएशन द्वारा आयोजित 12वीं राष्ट्रीय कुराश चैंपियनशिप 2024-25 में -52 किलोग्राम में कांस्य पदक जीता, जो 1-3 अक्तूबर, 2024 तक विद्यावती इंटरनेशनल स्कूल, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश में आयोजित की गई।
- बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री मेघना टोकस ने 12 मई, 2025 को अरावली इंटरनेशनल स्कूल में फरीदाबाद जिला जूडो एसोसिएशन द्वारा आयोजित तीसरी अंतर-राज्यीय जूडो चैंपियनशिप 2024-25 में -52 किलोग्राम (जूनियर और सीनियर वर्ग) में स्वर्ण पदक जीता।
- खेलो इंडिया महिला लीग में -52 किलोग्राम (जूनियर और सीनियर वर्ग) में रजत पदक जीता।
- ज्ञानपीठ इंटरनेशनल स्कूल के सहयोग से बॉम्बे जूडो क्लब द्वारा आयोजित आमंत्रण मुंबई जूडो चैम्पियनशिप 2024-25 में -52 किलोग्राम में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री मेघना टोकस ने 19-21 नवंबर, 2024 तक मालवीय नगर, नई दिल्ली में आयोजित 16वें स्वाभिमान खेल महोत्सव 2024-25 में -52 किग्रा (जूडो) और -52 किग्रा (कुराश) में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री मेघना टोकस ने माता सुंदरी महिला महाविद्यालय द्वारा 12-13 फरवरी, 2025 को आयोजित आमंत्रण अंतर-महाविद्यालय जूडो प्रतियोगिता में -52 किलोग्राम में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री मेघना टोकस ने 13-16 सितंबर, 2024 तक लिंग्या के ललिता देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंसेज द्वारा आयोजित द्रोणाचार्य श्री गुरुचरण सिंह गोगी मेमोरियल तीसरी ओपन जूडो चैंपियनशिप 2024-25 में -57 किलोग्राम में रजत पदक जीता।

- बी.ए.पी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री वैशाली टोकस ने दिल्ली जूडो परिषद द्वारा आयोजित 39वीं दिल्ली राज्य जूडो चैम्पियनशिप में -52 किग्रा (जूनियर वर्ग) में कांस्य पदक जीता, जो 18-21 अप्रैल, 2024 तक आईजी स्टेडियम, दिल्ली में आयोजित की गई।
- बी.ए.पी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री वैशाली टोकस ने दिल्ली जूडो परिषद द्वारा आयोजित 40वीं दिल्ली राज्य जूडो चैम्पियनशिप में -57 किलोग्राम में रजत पदक जीता, जो 23-26 दिसंबर, 2024 तक आईजी स्टेडियम, दिल्ली में आयोजित की गई।
- बी.ए.पी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री वैशाली टोकस ने 24 अक्तूबर, 2024 को मल्टीपर्पज हॉल, रग्बी स्टेडियम में दिल्ली विश्वविद्यालय खेल परिषद द्वारा आयोजित दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर-महाविद्यालय जूडो चैंपियनशिप में -57 किलोग्राम में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.ए.पी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री वैशाली टोकस ने 25-27 मार्च, 2025 तक लेडी श्री राम महाविद्यालय द्वारा आयोजित आमंत्रण अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिताओं में -57 किग्रा (कुरैश) में स्वर्ण पदक और -57 किग्रा (जूडो) में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.ए.पी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री वैशाली टोकस ने 28 अप्रैल, 2024 को जिला ओलंपिक संघ, गुरुग्राम और हरियाणा राज्य जूडो संघ द्वारा आयोजित 26वीं डॉ . जिगरो कानो जूडो चैंपियनशिप 2024-25 में -52 किलोग्राम (जूनियर वर्ग) में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.ए.पी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री वैशाली टोकस ने 12 मई, 2025 को अरावली इंटरनेशनल स्कूल में फरीदाबाद जिला जूडो एसोसिएशन द्वारा आयोजित तीसरी अंतर-राज्यीय जूडो चैंपियनशिप 2024-25 में -52 किलोग्राम (जूनियर वर्ग) में रजत पदक जीता।
- बी.ए.पी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री वैशाली टोकस ने यूनाइटेड वर्ल्ड मार्शल आर्ट्स फेडरेशन एशिया (यूडब्ल्यूएमएएफ-एशिया) द्वारा आयोजित प्रथम राष्ट्रीय मार्शल आर्ट्स चैम्पियनशिप 2024-25 में -57 किलोग्राम में स्वर्ण पदक जीता, जो 9 से 11 अगस्त, 2024 तक तालकटोरा इंडोर स्टेडियम, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।
- 24-25 अगस्त, 2024 को मुंबई में शारदा ज्ञानपीठ इंटरनेशनल स्कूल के सहयोग से बॉम्बे जूडो क्लब द्वारा आयोजित आमंत्रण मुंबई जूडो चैम्पियनशिप 2024-25 में -57 किलोग्राम में रजत पदक जीता।
- बी.ए.पी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री वैशाली टोकस ने 30 अगस्त से 1 सितंबर, 2024 तक एमडी यूनिवर्सिटी, रोहतक, हरियाणा में आयोजित भारतीय ग्रैपलैंगिक महासंघ द्वारा आयोजित 17वीं जीएफआई राष्ट्रीय ग्रैपलैंगिक चैम्पियनशिप 2024-25 में -58 किग्रा (जीआई इवेंट) में स्वर्ण पदक और -58 किग्रा (नो-जीआई इवेंट) में रजत पदक जीता।
- बी.ए.पी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री वैशाली टोकस ने माता सुंदरी महिला महाविद्यालय द्वारा 12-13 फरवरी, 2025 को आयोजित आमंत्रण अंतर-महाविद्यालय जूडो प्रतियोगिता में 57 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता।

- बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री निधि प्रजापति ने यूनाइटेड वर्ल्ड मार्शल आर्ट्स फेडरेशन एशिया (यूडब्ल्यूएमएएफ-एशिया) द्वारा आयोजित प्रथम राष्ट्रीय मार्शल आर्ट्स चैम्पियनशिप 2024-25 में -57 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीता, जो 9 से 11 अगस्त, 2024 तक तालकटोरा इंडोर स्टेडियम, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।
- सुश्री टेरीनेट्री ने 26 सितंबर, 2024 को रुद्रपुर में आयोजित सीनियर उत्तराखंड ओलंपिक खेलों में -52 किलोग्राम में रजत पदक जीता।
- सुश्री टेरीनेट्री ने 20 जनवरी, 2025 को देहरादून में आयोजित अंडर-21 खेल महाकुंभ में -52 किलोग्राम में कांस्य पदक जीता।
- सुश्री टेरीनेट्री ने 25-27 मार्च, 2025 तक लेडी श्री राम महाविद्यालय द्वारा आयोजित आमंत्रण अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिताओं में -48 किग्रा (कुरैश) में स्वर्ण पदक और -48 किग्रा (जूडो) में स्वर्ण पदक जीता।
- सुश्री टेरीनेट्री ने माता सुंदरी महिला महाविद्यालय द्वारा 12-13 फरवरी, 2025 को आयोजित आमंत्रण अंतर-महाविद्यालय जूडो प्रतियोगिता में 48 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता।
- सुश्री टेरीनेट्री ने 31 जनवरी, 2025 को देहरादून में आयोजित सीनियर उत्तराखंड राज्य खेलों में -52 किलोग्राम में रजत पदक जीता।
- बी.कॉम (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री जाह्नवी सोनी ने यूनाइटेड वर्ल्ड मार्शल आर्ट्स फेडरेशन एशिया (यूडब्ल्यूएमएएफ-एशिया) द्वारा आयोजित प्रथम राष्ट्रीय मार्शल आर्ट्स चैम्पियनशिप 2024-25 में +78 किग्रा में रजत पदक जीता, जो 9 से 11 अगस्त, 2024 तक तालकटोरा इंडोर स्टेडियम, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।
- बी.कॉम (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री जाह्नवी सोनी ने बॉम्बे जूडो क्लब द्वारा शारदा ज्ञानपीठ इंटरनेशनल स्कूल के सहयोग से मुंबई में 24-25 अगस्त, 2024 को आयोजित आमंत्रण मुंबई जूडो चैम्पियनशिप 2024-25 में -78 किलोग्राम में कांस्य पदक जीता।
- बी.ए.पी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री तनु मान ने 9-17 जनवरी, 2025 तक गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में आयोजित अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय जूडो चैम्पियनशिप 2024 में -48 किलोग्राम में कांस्य पदक जीता।
- बी.ए.पी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री तनु मान ने 25-27 मार्च, 2025 तक लेडी श्री राम महाविद्यालय द्वारा आयोजित आमंत्रण अंतर-महाविद्यालय जूडो प्रतियोगिता में -52 किलोग्राम में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.ए.पी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री तनु मान ने उत्तराखंड जूडो एसोसिएशन के सहयोग से भारतीय जूडो महासंघ द्वारा आयोजित जूनियर राष्ट्रीय जूडो चैम्पियनशिप 2024-25 में -48

किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। यह चैम्पियनशिप 28-31 मार्च, 2025 तक देहरादून के पेस्टल वीड स्कूल में आयोजित की गई।

- बी.ए.पी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री तनु मान ने 9-17 जनवरी, 2025 तक गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में आयोजित उत्तर क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय जूडो चैम्पियनशिप 2024 में -48 किलोग्राम में कांस्य पदक जीता।
- बी.ए.पी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री तनु मान ने -48 किग्रा (जूनियर और सीनियर वर्ग) में स्वर्ण पदक जीता और 40वीं दिल्ली राज्य जूडो चैम्पियनशिप में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार प्राप्त किया। यह चैम्पियनशिप दिल्ली जूडो परिषद द्वारा 23-26 दिसंबर, 2024 तक आईजी स्टेडियम, दिल्ली में आयोजित की गई।
- बी.ए.पी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री तनु मान ने 13-16 सितंबर, 2024 तक लैंगिकया के ललिता देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंसेज द्वारा आयोजित द्रोणाचार्य श्री गुरुचरण सिंह गोगी मेमोरियल तीसरी ओपन जूडो चैंपियनशिप 2024-25 में -52 किलोग्राम में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.ए.पी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री तनु मान ने 24 अक्तूबर, 2024 को मल्टीपर्पज हॉल, रग्बी स्टेडियम में दिल्ली विश्वविद्यालय खेल परिषद द्वारा आयोजित दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर-महाविद्यालय जूडो चैंपियनशिप में -48 किलोग्राम में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.ए.पी (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री कशिश डागर ने उत्तराखंड जूडो एसोसिएशन के सहयोग से भारतीय जूडो महासंघ द्वारा आयोजित जूनियर राष्ट्रीय जूडो चैम्पियनशिप 2024-25 में -70 किग्रा में कांस्य पदक जीता, जो 28-31 मार्च, 2025 तक देहरादून के पेस्टल वीड स्कूल में आयोजित किया गया।
- बी.ए.पी (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री कशिश डागर ने 25-27 मार्च, 2025 तक लेडी श्री राम महाविद्यालय द्वारा आयोजित आमंत्रण अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिताओं में -78 किग्रा (कुरैश) में स्वर्ण पदक और -78 किग्रा (जूडो) में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.ए.पी (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री कशिश डागर ने 9-17 जनवरी, 2025 तक गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में आयोजित उत्तर क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय जूडो चैम्पियनशिप 2024 में -78 किलोग्राम में रजत पदक जीता।
- बी.ए.पी (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री कशिश डागर ने 9-17 जनवरी, 2025 तक गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में आयोजित अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय जूडो चैम्पियनशिप 2024 में -78 किलोग्राम में रजत पदक जीता।
- बी.ए.पी (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री कशिश डागर ने दिल्ली जूडो परिषद द्वारा आयोजित 40वीं दिल्ली राज्य जूडो चैंपियनशिप में -78 किग्रा (जूनियर और सीनियर वर्ग) में स्वर्ण पदक जीता, जो 23-26 दिसंबर, 2024 तक आईजी स्टेडियम, दिल्ली में आयोजित की गई।

- बी.ए.पी (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री कशिश डागर ने 24 अक्तूबर, 2024 को मल्टीपर्पज हॉल, रग्बी स्टेडियम में दिल्ली विश्वविद्यालय खेल परिषद द्वारा आयोजित दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर-महाविद्यालय जूडो चैंपियनशिप में -78 किलोग्राम में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.ए.पी (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री कशिश डागर ने भारतीय कुराश एसोसिएशन द्वारा आयोजित 12वीं राष्ट्रीय कुराश चैंपियनशिप 2024-25 में +70 किग्रा में स्वर्ण पदक जीता, जो 1-3 अक्तूबर, 2024 तक विद्यावती इंटरनेशनल स्कूल, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश में आयोजित की गई।
- बी.ए.पी (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री कशिश डागर ने 19-21 नवंबर, 2024 तक नई दिल्ली के मालवीय नगर में आयोजित 16वें स्वाभिमान खेल महोत्सव 2024-25 में -78 किग्रा में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.ए.पी (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री कशिश डागर ने 13-16 सितंबर, 2024 तक लैंगिकया के ललिता देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंसेज द्वारा आयोजित द्रोणाचार्य श्री गुरुचरण सिंह गोगी मेमोरियल तीसरी ओपन जूडो चैंपियनशिप 2024-25 में -78 किलोग्राम में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री हिमानी कौशिक ने 13-16 सितंबर, 2024 तक लिंग्या के ललिता देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंसेज द्वारा आयोजित द्रोणाचार्य श्री गुरुचरण सिंह गोगी मेमोरियल तीसरी ओपन जूडो चैंपियनशिप 2024-25 में -44 किलोग्राम में कांस्य पदक जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री हिमानी कौशिक ने 25-27 मार्च, 2025 तक लेडी श्री राम महाविद्यालय द्वारा आयोजित आमंत्रण अंतर-महाविद्यालय कुराश प्रतियोगिता में -44 किलोग्राम (कुराश) में रजत पदक जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री हिमानी कौशिक ने 25-27 मार्च, 2025 तक लेडी श्री राम महाविद्यालय द्वारा आयोजित आमंत्रण अंतर-महाविद्यालय जूडो प्रतियोगिता में -44 किग्रा (जूडो) में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री हिमानी कौशिक ने माता सुंदरी महिला महाविद्यालय द्वारा 12-13 फरवरी, 2025 को आयोजित आमंत्रण अंतर-महाविद्यालय जूडो प्रतियोगिता में -44 किलोग्राम में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.ए.पी (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री तन्वी रावत ने माता सुंदरी महिला महाविद्यालय द्वारा 12-13 फरवरी, 2025 को आयोजित आमंत्रण अंतर-महाविद्यालय जूडो प्रतियोगिता में 78 किलोग्राम में स्वर्ण पदक जीता।

- बी.ए.पी (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री तन्वी रावत ने 25-27 मार्च, 2025 तक लेडी श्री राम महाविद्यालय द्वारा आयोजित आमंत्रण अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिताओं में +78 किग्रा (कुरैश) में स्वर्ण पदक और +78 किग्रा (जूडो) में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.ए.पी (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री तन्वी रावत ने 19-21 नवंबर, 2024 तक मालवीय नगर, नई दिल्ली में आयोजित 16वें स्वाभिमान खेल महोत्सव 2024-25 में +78 किग्रा में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री मुस्कान ने 13-16 सितंबर, 2024 तक लिंग्या के ललिता देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंसेज द्वारा आयोजित द्रोणाचार्य श्री गुरुचरण सिंह गोगी मेमोरियल तीसरी ओपन जूडो चैंपियनशिप 2024-25 में -78 किलोग्राम में कांस्य पदक जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री मुस्कान ने माता सुंदरी महिला महाविद्यालय द्वारा 12-13 फरवरी, 2025 को आयोजित आमंत्रण अंतर-महाविद्यालय जूडो प्रतियोगिता में 78 किलोग्राम में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री मुस्कान ने 19-21 नवंबर, 2024 तक मालवीय नगर, नई दिल्ली में आयोजित 16वें स्वाभिमान खेल महोत्सव 2024-25 में -78 किग्रा (कुराश) में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री छवि कुमारी ने 25-27 मार्च, 2025 तक लेडी श्री राम महाविद्यालय द्वारा आयोजित आमंत्रण अंतर-महाविद्यालय कुराश प्रतियोगिता में -52 किलोग्राम (कुराश) में स्वर्ण पदक जीता।
- जाट धर्मशाला, कुरुक्षेत्र, हरियाणा में आयोजित ओपन हरियाणा राज्य सीनियर ताइक्वांडो चैंपियनशिप में -67 किलोग्राम वर्ग (ताइक्वांडो और पूमसे) में 2 स्वर्ण पदक जीते।
- बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री यशिका खुराना ने -67 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता और 10-12 अगस्त, 2024 तक क्षेत्रीय ताइक्वांडो केंद्र , अंबाला में आयोजित 36वीं हरियाणा राज्य सीनियर ताइक्वांडो चैम्पियनशिप में राष्ट्रीय स्तर के लिए अर्हता प्राप्त की।
- बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री यशिका खुराना ने सेक्टर 12 स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, फरीदाबाद में आयोजित 21वीं फरीदाबाद जिला ताइक्वांडो चैंपियनशिप (सीनियर गर्ल्स) में -67 किलोग्राम वर्ग (ताइक्वांडो और पूमसे) में 2 स्वर्ण पदक जीते।
- बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री यशिका खुराना ने 14 अक्तूबर, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के एमपीएस हॉल में आयोजित दिल्ली विश्वविद्यालय खेल परिषद अंतर-महाविद्यालय ताइक्वांडो चैंपियनशिप में -67 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीता।

- बी.एससी. (ऑनर्स) सूक्ष्म जीव-विज्ञान (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री सुहानी ने आईआईटी कानपुर द्वारा आईआईटी परिसर में 4-6 अक्तूबर, 2024 तक आयोजित आमंत्रण टेनिस टूर्नामेंट - उद्घोष'24 में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- 11-13 दिसंबर, 2024 तक हरियाणा के मुरथल विश्वविद्यालय में आयोजित उत्तर क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय टेनिस चैम्पियनशिप 2024 में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- बी.कॉम (ऑनर्स) (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री आशी ने आईआईटी कानपुर द्वारा आईआईटी परिसर में 4-6 अक्तूबर, 2024 तक आयोजित आमंत्रण टेनिस टूर्नामेंट - उद्घोष'24 में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.कॉम (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री विपुला ने आईआईटी कानपुर द्वारा आईआईटी परिसर में 4-6 अक्तूबर, 2024 तक आयोजित आमंत्रण टेनिस टूर्नामेंट - उद्घोष'24 में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.कॉम (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुश्री इशिता ने आईआईटी कानपुर द्वारा आईआईटी परिसर में 4-6 अक्तूबर, 2024 तक आयोजित आमंत्रण टेनिस टूर्नामेंट - उद्घोष'24 में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुश्री प्रीति ने 19 नवंबर, 2024 को विजेंदर कुश्ती अकादमी, नरेला में आयोजित दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर-महाविद्यालय कुश्ती चैंपियनशिप में -59 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुश्री सौम्या जैन ने 19 नवंबर, 2024 को विजेंदर कुश्ती अकादमी, नरेला में आयोजित दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर-महाविद्यालय कुश्ती चैंपियनशिप में -76 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री मेघना टोकस ने 19 नवंबर, 2024 को विजेंदर कुश्ती अकादमी, नरेला में आयोजित दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर-महाविद्यालय कुश्ती चैंपियनशिप में -53 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता।
- बी.ए.पी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री वैशाली टोकस ने 19 नवंबर, 2024 को विजेंदर कुश्ती अकादमी, नरेला में आयोजित दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर-महाविद्यालय कुश्ती चैंपियनशिप में -57 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री छवि कुमारी ने 19 नवंबर, 2024 को विजेंदर कुश्ती अकादमी, नरेला में आयोजित दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर-महाविद्यालय कुश्ती चैंपियनशिप में -50 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीता।
- 19-21 नवंबर, 2024 तक मालवीय नगर, नई दिल्ली में आयोजित 16वें स्वाभिमान खेल महोत्सव 2024-25 में -52 किग्रा (कुराश) में कांस्य पदक जीता।

- बी.ए.पी (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री कविता ने 19 नवंबर, 2024 को विजेंदर कुश्ती अकादमी, नरेला में आयोजित दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर-महाविद्यालय कुश्ती चैंपियनशिप में -55 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता।
- बी.ए.पी (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री कविता ने 19-21 नवंबर, 2024 तक मालवीय नगर, नई दिल्ली में आयोजित 16वें स्वाभिमान खेल महोत्सव 2024-25 में -57 किग्रा (कुराश) में रजत पदक जीता।
- बी.कॉम (ऑनर्स) (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री सुचि शर्मा ने 19 नवंबर, 2024 को विजेंदर कुश्ती अकादमी, नरेला में आयोजित दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर-महाविद्यालय कुश्ती चैंपियनशिप में -62 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.कॉम (ऑनर्स) (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री सुचि शर्मा ने 25-27 मार्च, 2025 तक लेडी श्री राम महाविद्यालय द्वारा आयोजित आमंत्रण अंतर-महाविद्यालय कुराश प्रतियोगिता में -70 किग्रा (कुराश) में कांस्य पदक जीता, और 19-21 नवंबर, 2024 तक मालवीय नगर, नई दिल्ली में आयोजित 16वें स्वाभिमान खेल महोत्सव 2024-25 में -70 किग्रा (कुराश) में रजत पदक जीता।
- बी.एससी. (ऑनर्स) गणित (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुश्री कनिष्का ने 8 दिसंबर, 2024 को इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान में आयोजित रिदमिक योग दिल्ली राज्य चैम्पियनशिप में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. (ऑनर्स) गणित (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुश्री कनिष्का ने 12-13 अप्रैल, 2025 को दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित रिदमिक पेयर योग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.एससी. (ऑनर्स) गणित (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुश्री कनिष्का ने 13 फरवरी, 2025 को शहीद राजगुरु महाविद्यालय ऑफ एप्लाइड साइंस फॉर विमेन द्वारा आयोजित रिदमिक पेयर योग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.एससी. (ऑनर्स) गणित (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुश्री कनिष्का ने 26 मार्च, 2025 को लेडी श्री राम महाविद्यालय द्वारा आयोजित रिदमिक पेयर योग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.एससी. (ऑनर्स) गणित (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुश्री कनिष्का ने 3 अप्रैल, 2025 को कालिंदी महाविद्यालय द्वारा आयोजित रिदमिक पेयर योग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.एससी. (ऑनर्स) गणित (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुश्री कनिष्का ने 14 फरवरी, 2025 को मिरांडा हाउस द्वारा आयोजित रिदमिक पेयर योग प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

- बी.एससी. (ऑनर्स) गणित (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुश्री कनिष्का ने 13 फरवरी, 2025 को शहीद राजगुरु महाविद्यालय ऑफ एप्लाइड साइंस फॉर विमेन द्वारा आयोजित पारंपरिक योग टीम प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. (ऑनर्स) गणित (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री अनु ने 8 दिसंबर, 2024 को इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान में आयोजित रिदमिक योग दिल्ली राज्य चैम्पियनशिप में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. (ऑनर्स) गणित (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री अनु ने 12-13 अप्रैल, 2025 को दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित रिदमिक पेयर योग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.एससी. (ऑनर्स) गणित (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री अनु ने 26 मार्च, 2025 को लेडी श्री राम महाविद्यालय द्वारा आयोजित रिदमिक पेयर योग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.एससी. (ऑनर्स) गणित (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री अनु ने 3 अप्रैल, 2025 को कालिंदी महाविद्यालय द्वारा आयोजित रिदमिक पेयर योग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.एससी. (ऑनर्स) गणित (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री अनु ने 13 फरवरी, 2025 को शहीद राजगुरु महाविद्यालय ऑफ एप्लाइड साइंस फॉर विमेन द्वारा आयोजित रिदमिक पेयर योग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.एससी. (ऑनर्स) गणित (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री अनु ने 13 फरवरी, 2025 को शहीद राजगुरु महाविद्यालय ऑफ एप्लाइड साइंस फॉर विमेन द्वारा आयोजित पारंपरिक योग टीम प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. (ऑनर्स) गणित (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री अनु ने 14 फरवरी, 2025 को मिरांडा हाउस द्वारा आयोजित रिदमिक पेयर योग प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- बी.कॉम (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुश्री रजनी ने 13 फरवरी, 2025 को शहीद राजगुरु महाविद्यालय ऑफ एप्लाइड साइंस फॉर विमेन द्वारा आयोजित पारंपरिक योग टीम प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री नंदिनी पाटीदार ने 13 फरवरी, 2025 को शहीद राजगुरु महाविद्यालय ऑफ एप्लाइड साइंस फॉर विमेन द्वारा आयोजित पारंपरिक योग टीम प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री नंदिनी पाटीदार ने 14 फरवरी, 2025 को मिरांडा हाउस द्वारा आयोजित रिदमिक पेयर योग प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

- बी.एससी. भौतिक-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री कृतिका ने 13 फरवरी, 2025 को शहीद राजगुरु महाविद्यालय ऑफ एप्लाइड साइंस फॉर विमेन द्वारा आयोजित पारंपरिक योग टीम प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. भौतिक-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री कृतिका ने 12-13 अप्रैल, 2025 को दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पारंपरिक योग प्रतियोगिता में कांस्य पदक (व्यक्तिगत श्रेणी) जीता और 14 फरवरी, 2025 को मिरांडा हाउस द्वारा आयोजित लयबद्ध जोड़ी योग प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- बी.ए.पी (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुश्री उपासना ने 13 फरवरी, 2025 को शहीद राजगुरु महाविद्यालय ऑफ एप्लाइड साइंस फॉर विमेन द्वारा आयोजित पारंपरिक योग टीम प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन

- *अंसारी, ए., सिंह, जीपी, सिंह, एम., और सिंह, एच. (2024). सक्रिय तपेदिक में मेज़बान प्रतिरक्षा-संबंधी बायोमार्करों की पहचान: भिन्न रूप से अभिव्यक्त जीनों का एक व्यापक विश्लेषण।* तपेदिक, 148 *, 102538।* https://doi.org/10.1016/j.tube.2024.102538
- *भार्गव, वी., लाहोन , डी., गुप्ता, एस., कौर, जे., और लता, पी. (2024).* स्पाइरोप्लाज्मा *का जीनोम-आधारित पुनर्वर्गीकरण* एट्रिचोपोगोनिस *कोएर्बर एट अल. 2005* स्पाइरोप्लाज्मा के बाद के हेटेरोटाइपिक पर्याय के रूप में मिरम *ट्रुली एट अल. 1982.* इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टमैटिक एंड इवोल्यूशनरी माइक्रोबायोलॉजी , 74 *(11).* https://doi.org/10.1099/ijsem.0.006589
- *बोरूआ, बी., फोगट, पी., और सिंह, ए. (2024). शिक्षक की भागीदारी और किशोरों की व्यवहारिक और भावनात्मक समस्याओं पर उसके प्रभावों का एक मिश्रित-विधि अन्वेषण।* डिस्कवर साइकोलॉजी, 4 *(1)।* https://doi.org/10.1007/s44202-024-00231-5
- *रेजिना, टी., चमोला , ए., और घोष, सी. (2024). कीटों पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव।* पर्यावरण और पारिस्थितिकी, 42 *(4ए), 1774-1782।* https://doi.org/10.60151/envec/dxdr8910
- *चंद्रशेखर, एलबी, आनंदन, एन., मुरुगेश्वरी , ए., सुंदरम, पी.एस., करुणाकरण, एम., और ज्ञानेश्वरी, एम.डी. (2024). Zn1−x−yNiyGdxO नैनोकणों के भौतिक गुणों और उनकी जीवाणुरोधी गतिविधि पर Gd-डोपिंग का प्रभाव।* इंडियन जर्नल ऑफ फिजिक्स, 98 *(13), 4317-4324।* https://doi.org/10.1007/s12648-024-03185-5
- *चौधरी, ए. (2024). सामाजिक भलाई के लिए नवीन सोशल मीडिया रणनीतियाँ: चुनिंदा भारतीय गैर-सरकारी संगठनों से अंतर्दृष्टि।* बीपीएएस जर्नल्स *।* https://doi.org/10.48165/bapas.2024.44.2.1

- *चौधरी, ए. (2024). गैर-लाभकारी क्षेत्र द्वारा सोशल मीडिया के उपयोग का मानचित्रण: एक ग्रंथसूची विश्लेषण और भविष्य का शोध एजेंडा।* बीपीएएस जर्नल्स। https://doi.org/10.48165/bapas.2024.44.2.1
- *चौहान, ए., कालरा, के., और कालरा, एस. (2024). नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर मेटास्टेसिस में टिपिंग पॉइंट का AZIN1-केंद्रित डायनेमिक नेटवर्क बायोमार्कर।* जर्नल ऑफ एप्लाइड बायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी / https://doi.org/10.7324/jabb.2024.171563
- *गर्ग, ए., और जिंदल, आर. (2024). बिस्मथ ट्राई-आयोडाइड की पतली फिल्मों पर गामा विकिरण की कम खुराक का प्रभाव.* एप्लाइड रेडिएशन एंड आइसोटोप्स, 216 , *111598.* https://doi.org/10.1016/j.apradiso.2024.111598
- *जिंदल, आर., त्रिपाठी, ए., मोहन, सी., गर्ग, ए., और वर्मा, आर.एस. (2024). टिकाऊ पर्यावरणीय अनुप्रयोगों के लिए सीसा-रहित हैलाइड डबल पेरोव्स्काइट्स।* केमिकल फिजिक्स इम्पैक्ट, 9 , *100770।* https://doi.org/10.1016/j.chphi.2024.100770
- *कौर, जे., कौर, जे., और निगम, ए. (2024). अंतरिक्ष अन्वेषण में एक्सट्रीमोफाइल्स.* इंडियन जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी , 64 *(2), 418-428.* https://doi.org/10.1007/s12088-024-01297-4
- *कौर, एम., और श्रीवास्तव, ए. (2025)। बुनियादी प्रायिकता निर्धारण के निर्माण हेतु एक नया दृष्टिकोण और डेटा वर्गीकरण में इसके अनुप्रयोग।* ब्रासोव विश्वविद्यालय के " ट्रांसिल्वेनिया " बुलेटिन । श्रृंखला III, गणित और कंप्यूटर विज्ञान , *259-270।* https://doi.org/10.31926/but.mif.2025.5.67.1.19
- *खान, ए.ए., कुमार, वी., प्रसाद, आर., और इदरीसी, एम.जे. (2024). एसजीएके: स्मार्ट ग्रिड नेटवर्क के लिए एक मज़बूत ईसीसी आधारित प्रमाणित कुंजी विनिमय प्रोटोकॉल।* आईईईई एक्सेस, *1.* https://doi.org/10.1109/access.2024.3434532
- *खान, ए., वर्मा, आर., यादव, एम.पी., और नारायण, एन. (2024). क्या शासन की गुणवत्ता शेयर बाजार के विकास को प्रभावित करती है? ब्रिक्स अर्थव्यवस्थाओं की एक अंतर्दृष्टि।* एशिया-प्रशांत वित्तीय बाजार / https://doi.org/10.1007/s10690-024-09462-x
- *कुमार, ए., और गुप्ता, पी. (2024). असमान टाइट वेवलेट फ़्रेम से संबंधित कुछ परिणामों पर।* इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एनालिसिस एंड एप्लीकेशन, 22 , *166.* https://doi.org/10.28924/2291-8639-22-2024-166
- *कौर, जे., वर्मा, एच., कौर, जे., लता, पी., ढींगरा, जी.जी., और लाल, आर. (2024).* स्फिंगोबियम इंडिकम *बी90ए: एक हेक्साक्लोरोसाइक्लोहेक्सेन-अपघटनकारी जीवाणु, की फीलोजेनेटिक और शारीरिक विशेषताओं का सिलिको विश्लेषण।* करेंट माइक्रोबायोलॉजी , 81 *(8)।* https://doi.org/10.1007/s00284-024-03762-1

- *कुमार, पी., और शर्मा, बी. (2023). अर्ध-दक्षता के माध्यम से सतत समय असमतल अनुकूलन।* डिलीटेड जर्नल, 52 *(3), 251-267.* https://doi.org/10.2478/candc-2023-0038
- *कुमार, एस., कुमार, ए., गुप्ता, पी., प्रसाद, आरपी, और कुमार, पी. (2024). फीडबैक सक्रिय नियंत्रण तकनीकों का उपयोग करके आंशिक व्युत्पन्न विश्लेषण के साथ अराजक उपग्रह प्रणालियों का समन्वय।* सममिति, 16 *(10), 1319।* https://doi.org/10.3390/sym16101319
- *कुमार, एस., प्रीतम, ए., श्रीवास्तव, वी., ठाकुर, ओ., और लूथरा, वी. (2024). दुर्लभ-पृथ्वी से बने बेरियम स्टैनेट टाइटेनेट डाइइलेक्ट्रिक पदार्थ के संरचनात्मक, आकारिकीय और विद्युतीय गुणों का गूढ़ ज्ञान।* जर्नल ऑफ एडवांस्ड डाइइलेक्ट्रिक्स / https://doi.org/10.1142/s2010135x24500358
- *कुमार, वी., और मल्होत्रा, एस. (2024). नियंत्रित जी-फ्रेम और उनके जी-डुअल.* फिलिस्तीन जर्नल ऑफ मैथमेटिक्स, 13 *(4), 902-912.* https://pjm.ppu.edu/paper/1903-controlled-g-frames-and-their-g-duals
- *कुमार, वी., हसन, एफ., निषाद, ए.के., प्रसाद, आर., गुप्ता, पी., अमीर, एम., और अहमद, एफ. (2024a)। ईसीसी का उपयोग करके वाहन डिजिटल ट्विन नेटवर्क के लिए सुरक्षित और कुशल ढाँचे का डिज़ाइन।* आईईईई एक्सेस, 1 . https://doi.org/10.1109/access.2024.3511654
- *कुमार, वी., मल्होत्रा, एस., और खन्ना, एन. (2024). ऑपरेटरों के लिए सामान्यीकृत फ़्रेमों की मापनीयता।* जर्नल ऑफ़ फंक्शन स्पेसेस, 2024 *, 1-9।* https://doi.org/10.1155/2024/8358987
- *कुमार, वी., सीमा, एन., कुमार, के., प्रसाद, आर., अलमुतिब , के., और हुसैन, एम.एस. (2024). एसईपीसीवीएन: क्लाउड वाहन नेटवर्किंग के लिए सुरक्षित और कुशल प्रोटोकॉल।* आईईईई एक्सेस, 12 *, 108657-108672।* https://doi.org/10.1109/access.2024.3423717
- *मिगलानी, एन., अग्रवाल, पी., रंजन, आर., मोहंती, ए., और मिश्रा, आर. (2025)। प्रतिलेखन कारक: चावल में परागकोष विकास के प्रमुख नियामक।* जर्नल ऑफ प्लांट ग्रोथ रेगुलेशन *, 1-20।* https://doi.org/10.1007/s00344-025-11687-7
- *मिश्रा, आर., अग्रवाल, पी., शर्मा, ए., मित्तल, एम., गुलाटी, पी., और मोहंती, ए. (2025बी)। इम्यूनोमॉड्यूलेशन में पादप-व्युत्पन्न साइक्लोटाइड्स और उनकी चिकित्सीय क्षमता।* प्रोटीन और पेप्टाइड लेटर्स, *32* https://doi.org/10.2174/0109298665364479250214101422
- *मिश्रा, आर., कौर, पी., सोनी, आर., मदन, ए., अग्रवाल, पी., और सिंह, जी. (2024). अगली पीढ़ी के सनस्क्रीन के लिए प्रकाश-संरक्षण रणनीतियों को समझना और साइनोबैक्टीरियल प्रकाश-संरक्षण मेटाबोलाइट्स, माइकोस्पोरिन -जैसे अमीनो एसिड का उपयोग करना।* प्लांट

फिजियोलॉजी एंड बायोकैमिस्ट्री, 212 , *108744।* https://doi.org/10.1016/j.plaphy.2024.108744

- *मलिक, एन., सिद्दीकी, ए.ए., और लाहमार, ए. (2025)। साझेदार समानता भारत के आर्थिक एकीकरण समझौतों और व्यापार मार्जिन को कैसे प्रभावित करती है? एक अनुभवजन्य विश्लेषण।* सामाजिक एवं आर्थिक विकास जर्नल / https://doi.org/10.1007/s40847-025-00424-1
- *प्रसाद, आर., कुमार, पी., सिंह, ए., सुनील, ए., कुमार, ए., पात्रा, ए., और रजनी, एन. (2024). भारतीय तटरेखा के प्रमुख बंदरगाह स्थानों पर अत्यधिक हवा और लहरों की ऊँचाई का प्रवृत्ति विश्लेषण।* थलासास : समुद्री विज्ञान का एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 41 *(1)।* https://doi.org/10.1007/s41208-024-00762-7
- *शर्मा, ए., वार्ष्णेय, एम.के., शर्मा, ए., चावला, एस., और ग्रोवर, जी. (2024). टाइप 2 मधुमेह रोगी डेटा के विश्लेषण में त्वरित विफलता समय मॉडलैंगिक।* इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम्स एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट / https://doi.org/10.1007/s13198-024-02559-6
- *सिद्धार्थ, जी., और लाकड़ा, ए.जे. (2025)। नेतृत्व की भेद्यता: अवधारणा, उपकरणीकरण और उसकी विषयवस्तु की वैधता के आकलन के लिए एक आधारभूत सिद्धांत दृष्टिकोण।* वर्तमान मनोविज्ञान / https://doi.org/10.1007/s12144-025-07784-1
- *कालानमक चावल की खेती और उपभोग में विविधता, समता, समावेशन और संबद्धता ढाँचा : एक केस स्टडी।* व्यावसायिक दृष्टिकोण और अनुसंधान / https://doi.org/10.1177/22785337241264000
- *सिद्धार्थ, जी., और खान, ए. (2025). क्या शैक्षिक परिणामों में शासन का महत्व है? ब्रिक्स देशों का एक पैनल डेटा विश्लेषण।* प्रशासन और समाज / https://doi.org/10.1177/00953997251321145
- *सिंघवी, एन., तलवार, सी., नागर, एस., वर्मा, एच., कौर, जे., महतो, एन.के., अहमद, एन., मंडल, के., गुप्ता, वी., और लाल, आर. (2024).* डाइनोकोकस जीनस में विकिरण और ऑक्सीडेटिव तनाव तंत्र की जानकारी / कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी एंड केमिस्ट्री, 112 , *108161।* https://doi.org/10.1016/j.compbiolchem.2024.108161
- *तिवारी, एच., कुमार, पी., प्रसाद, आर., साहा, के.के., सिंह, ए., चेरिफी, एच., और रजनी, एन. (2024). जलवायु अंतर को पाटना: आईओडी और ईएनएसओ पूर्वानुमान के लिए व्याख्यात्मक निर्णय लेने के साथ बहु-मॉडल ढाँचा।* आईईईई ट्रांजेक्शन ऑन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस , *1-14।* https://doi.org/10.1109/tai.2024.3489535
- *वर्मा, एच., कौर, जे., ठाकुर, वी., ढींगरा, जी.जी., और लाल, आर. (2024). हैलोएल्केन डीहैलोजनेज (LinB) पर व्यापक समीक्षा: एक β-हेक्साक्लोरोसाइक्लोहेक्सेन (HCH) अपघटक*

एंजाइम। माइक्रोबायोलॉजी अभिलेखागार, 206 *(9)।* https://doi.org/10.1007/s00203-024-04105-1

- *अहिरवार, एम., कृष्णा, कुमारी, ए., और घोष, सी. (2024). पादप-आधारित प्राकृतिक रेशों द्वारा पर्यावरणीय स्थिरता।* इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्लांट एंड एनवायरनमेंट, 10 *(3), 25-35।* https://doi.org/10.18811/ijpen.v10i03.03
- *अरुणाचलम, वी., रेजिना, टी., सिंह, एस., आनंद, एस., चेमजोंग, जे., और कुमार, टी. (2025)। डेंगू रोगवाहक,* एडीज़ एजिप्टी के विरुद्ध कैरिका पपीते के पत्ते के अर्क की अंडनाशक और अंडजनन निवारक गतिविधि / इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ साइंस इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, 15 *, 48-57।* https://doi.org/10.32804/RJSET
- *कुंतल, भार्गव, ए., पटवाल , वी., और यशपाल, एम. (2024). विशेष एवं समावेशी शिक्षा का रोडमैप: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का परिप्रेक्ष्य।* इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज, 12 *(4), 19-26।* https://www.raijmr.com/ijrhs/wp-content/uploads/2024/06/IJRHS_2024_vol12_issue_04_04.pdf
- *बोरूआ, बी., फोगट, पी., और सिंह, ए. (2024). भारतीय स्कूलों में अभिभावक-शिक्षक बैठकों का गुणात्मक अन्वेषण: हितधारक सहभागिता और प्रणालीगत प्रभावकारिता का आकलन।* शिक्षा 3-13 *, 1-18।* https://doi.org/10.1080/03004279.2024.2424260
- *चौधरी, ए. (2025). क्या यह मिशन हरित एजेंडा निर्धारित करता है? भारत में चुनिंदा पर्यावरण गैर-लाभकारी संस्थाओं के डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर मिशन वक्तव्यों का एक अध्ययन।* अफ़्रीकन जर्नल ऑफ़ बायोलॉजिकल साइंसेज, 6 *(SI4), 6037-6058.* https://doi.org/10.48047/AFJBS.6.SI4.2024.6036-6054
- *धीमान, एन.के. (2025)। मानव स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए माइक्रोबायोम मॉड्यूलेशन-आधारित चिकित्सीय हस्तक्षेप।* इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करेंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंसेज, 14 *(1), 72-107।* https://doi.org/10.20546/ijcmas.2025.1401.007
- *धीमान, एन.के., और सैनी, आर. (2025). प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट और महिला प्रजनन स्वास्थ्य पर उनका प्रभाव।* जर्नल ऑफ रिप्रोडक्टिव हेल्थकेयर एंड मेडिसिन, 6 *, 5.* https://doi.org/10.25259/jrhm_31_2024
- *धीमान, एन.के., नारायणन, एच., और दलाल, एम. (2024).* ट्रैकीस्पर्मम *की पत्तियों के अर्क से तैयार सिल्वर नैनोकणों (एजीएनपी) की जीवाणुरोधी क्षमता* अम्मी *(अजवाईन),* फिलैन्थस एम्ब्लिका *(आंवला), और* मुरैना koenigii *(kadhi पट्टा)* ई. कोलाई *और* एस. ऑरियस के विरुद्ध / यूरोपियन जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एंड मेडिकल रिसर्च, 11 *(9), 300-307।*

- *भारत में संगठनों में महिला नेताओं को सक्षम/बाधित करने वाले कारकों की पहचान ।* जेएमसी रिव्यू, 7 *, 166-195.* https://www.jmc.ac.in/uploads/staticfiles/jmcreview/vol7/8_Payal Jain जेएमसी रिव्यू 2023.pdf
- *जायसवाल, एस., और रिज़वी, एसएच (2024). शारीरिक छवि संबंधी समस्याओं और विकारों के लिए स्वीकृति और प्रतिबद्धता चिकित्सा: एक समीक्षा।* इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑल रिसर्च एजुकेशन एंड साइंटिफिक मेथड्स (आईजेएआरईएसएम), 12 *(6), 1199-1208।* https://doi.org/10.56025/IJARESM.2024.1206242071
- *खान, ए., अरोड़ा, डी., और मीना, एमके (2025)। ग्रीन बॉन्ड में रुझानों को उजागर करना: E7 देशों में सतत विकास के अवसरों और चुनौतियों का समाधान।* इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फाइनेंशियल मैनेजमेंट एंड इकोनॉमिक्स, 8 *(1), 81-88।* https://doi.org/10.33545/26179210.2025.v8.i1.453
- *खेरिया , सी. (2024). भारतीय रुपये पर व्यापक आर्थिक प्रभाव: 2001 से 2018 तक विनिमय दर की गतिशीलता का विश्लेषण।* अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा और अनुसंधान जर्नल (आईईआरजे), 10 *(12), 152-158.* https://doi.org/10.21276/IERJ24471542063811
- *खेरिया , सी., और रोहिल्ला , ए. (2024). भारत में वृद्ध व्यक्तियों के मानसिक स्वास्थ्य पर सामाजिक जुड़ाव के प्रभाव का अन्वेषण।* वीथिका-एक अंतर्राष्ट्रीय अंतःविषयक शोध पत्रिका, 10 *(3), 16-28।* https://doi.org/10.48001/veethika.2024.10.03.003
- *कुमार, एन. (2024). भारत और फ़ारस के बीच सांस्कृतिक अंतर्क्रियाओं का ऐतिहासिक प्रक्षेप पथ.* दबीर , 11 *(3-4), 44-49.*
- *कुमार, एन. (2024). जीसीसी देशों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव और उनकी बातचीत के रुझान.* समावेशी, 2 *(25), 1-11.* https://inclusivejournal.in/current-issue-5/
- *कुंतल, बी., चौहान, बी., झा, ए., यशपाल, एम., और कालरा, एस. (2024). आंत के माइक्रोबायोम को बेहतर बनाने में प्रोबायोटिक्स की भूमिका और आईबी.ए.स तथा मानसिक स्थितियों से इसका संबंध।* जर्नल ऑफ बायोरिसोर्सेज, 11 *(2), 32-39।* https://dx.doi.org/10.5281/zenod0.12578114
- *मल्होत्रा, पी., और शर्मा, एन. (2024). भारतीय संविधान और अल्पसंख्यकों के अधिकार: अंबेडकर के विचार.* तीसरी अवधारणा *, 11-15.*
- *पांडे, एमके (2024). माध्यमिक स्तर के स्कूली छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर ई-लर्निंग का प्रभाव।* इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज़ (आईजेआरएआर), 11 *(2)।*

- *नारंग, पी.के., और यशपाल, एम. (2024). सूक्ष्म शैवाल और उनके विविध अनुप्रयोग: एक समीक्षा।* जर्नल ऑफ बायोरिसोर्सेज, 11 *(2), 40-46।* https://doi.org/10.5281/zenod0.12578132
- *पोपली, आर., और देहल, आर. (2025). मार्केटिंग मिश्रण का पुनर्निर्माण: एक स्थिरता अनिवार्यता।* आईजेआरएआर - इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज़ (आईजेआरएआर), 12 *(1), 55-60.*
- *पोपली, आर., और देहल, आर. (2025). टिकाऊ विपणन: एक सुंदर कल के लिए एक नैतिक अनिवार्यता.* इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च (जेईटीआईआर), 12 *(1), 173-177.*
- *पोपली, आर., देहल, आर., चुघ, आई., मेहंदीरत्ता, एच., और कोन्हर , जी. (2024). भावनात्मक बुद्धिमत्ता की वैचारिक समझ।* आईजेआरएआर - इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज़ (आईजेआरएआर), 11 *(4), 642-646।*
- *रैना, जे., और शर्मा, ए. (2024). स्कूलों को सहकर्मी शिक्षा को क्यों प्रोत्साहित करना चाहिए.* द आर्मचेयर जर्नल .
- *रैना, जे., और शर्मा, ए. (2024). प्रकृति से सीखना: रवींद्रनाथ टैगोर का दृष्टिकोण.* द आर्मचेयर जर्नल .
- *रैना, जे., और यादव, ई. (2025). स्कूल कक्षाओं में विविधता और बहिष्कार: एक प्रासंगिक चिंता.* द आर्मचेयर जर्नल .
- *सैनी, आर., शाक्य, एस., और कोन्सोनी, एस.आर. (2024). हाइड्रॉक्सीयूरिया थेरेपी सिकल सेल रोग के रोगियों की रक्त कोशिकाओं में प्रेरित नाइट्रिक ऑक्साइड सिंथेज़ के उपकोशिकीय स्थानीयकरण को बदल देती है: एक इम्यूनोगोल्ड लेबलैंगिक और मॉर्फोमेट्रिक अध्ययन।* इंडियन जर्नल ऑफ नेचुरल साइंस, 15 *(86), 80570-80578।*
- *सिद्धार्थ, जी., और जिया (2024). भारत में भ्रामक खाद्य लेबलैंगिक की पड़ताल: ऑनलाइन खाद्य खरीदारी के संदर्भ में जेनरेशन ज़ेड उपभोक्ताओं का खरीदारी व्यवहार, जागरूकता और दृष्टिकोण।* इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन मार्केटिंग मैनेजमेंट एंड सेल्स, 6 *(2), 50-61।* https://doi.org/10.33545/26633329.2024.v6.i2a.176
- *सिद्धार्थ, जी., चावला, एस., सिंह, जी., सिंह, आर., और गीता सिद्धार्थ। (2025)। भारत में स्नातक छात्रों के बीच एनईपी 2020 के बारे में जागरूकता: एक प्रश्नोत्तरी-आधारित अनुभवजन्य अध्ययन।* इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लिटरेसी एंड एजुकेशन, 5 *(1), 177-184।*
- *सिद्धार्थ, जी., यादव, डी., और सांवरिया , जी. (2024). भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों के छात्रों में उद्यमशीलता की मानसिकता और सूचना प्रसार की गतिशीलता का परीक्षण: दिल्ली*

विश्वविद्यालय के उद्यमोदय कार्यक्रम पर एक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन मैनेजमेंट, 6 *(2), 59-68।* https://doi.org/10.33545/26648792.2024.v6.i2a.199

- *सिंह, ए., चमोला , ए., और घोष, सी. (2024). सतत कृषि: वैश्विक खाद्य सुरक्षा का मार्ग.* इंडियन जर्नल ऑफ नेचुरल साइंसेज, 15 *(87).*

पुस्तकें

- पांडे, एमके (2025). *अनुसंधान डिज़ाइन: गुणात्मक, मात्रात्मक और मिश्रित विधियाँ ।* इंदु बुक सर्विसेज। आईएसबी.ए.न: 978-93-6729-248-8।
- शर्मा, बी. (सं.) (2025). *सशक्तीकरण अनुसंधान: कार्यप्रणाली और अनुप्रयोग* . गलगोटिया पब्लिशिंग कंपनी. आईएसबी.ए.न: 978-93-90980-57-4.
- मणि, आई. (सं.) (2025). *स्वास्थ्य और रोग में न्यूरोरिसेप्टर एंडोसाइटोसिस और सिग्नलैंगिक* (रिसेप्टर्स 2). आईएसबी.ए.न: 978-3-031-81991-9.
- पार्थसारथी , एस., धीमान, एन.के., कुमार, एस.एन.एम., और प्रमाणिक, एन.सी. (सं.) (2025)। *नवीकरणीय एवं सतत ऊर्जा में भविष्य के रुझान* (खंड 3, पुस्तक 6)। आईएसबी.ए.न: 978-93-6252-921-3।
- रोहिल्ला , ए. (2024). *निवेशक भावना और स्टॉक रिटर्न पर उसका प्रभाव - भारतीय शेयर बाजार का एक केस स्टडी* (प्रथम संस्करण) . एके पब्लिकेशन्स, आईएसबी.ए.न: 978-93-88465-70-0
- रोहिल्ला , ए. (2024). *राइडिंग द वेव्स: अंडरस्टैंडिंग वोलैटिलिटी इन फाइनेंशियल मार्केट्स* (प्रथम संस्करण), ए.के. पब्लिकेशंस, आईएसबी.ए.न: 978-93-95033-63-3
- रोहिल्ला , ए. (2024). *वित्तीय प्रबंधन के लिए एक व्यावहारिक और परीक्षा-उन्मुख दृष्टिकोण* (प्रथम संस्करण). एके पब्लिकेशन्स, आईएसबी.ए.न: 978-93-95033-98-5

पुस्तक में अध्याय

- दास, एम. (2025)। विकसित भारत @2047: हरित हाइड्रोजन - औद्योगिक अनुप्रयोगों के संदर्भ में भारत की यात्रा का अवलोकन। एम.के. जैन, एस.के. गोयल, और वाई. वर्मा (सं.), *विकसित भारत @ 2047: वाणिज्य प्रबंधन और प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी भूमिका* (द्वितीय संस्करण, पृष्ठ 1-20)। एमजीएमपीएच। आईएसबी.ए.न 978-81-981913-3-5।
- धीमान, एन.के., और सैनी, आर. (2025). ओमेगा-3 पॉलीअनसेचुरेटेड फैटी एसिड ऑक्सीडेटिव तनाव से प्रेरित डीएनए क्षति को कम करते हैं। *ओमेगा-3 फैटी एसिड: पोषण संबंधी स्वास्थ्य और रोग की कुंजी* (अध्याय 36) में। आईएसबी.ए.न 978-3-031-84199-6.

- धीमान, एन.के., और सैनी, आर. (2025). ओमेगा-3 फैटी एसिड के पादप-संसाधन और इम्यूनोमॉड्यूलेशन में उनकी भूमिका। *ओमेगा-3 फैटी एसिड: पोषण संबंधी स्वास्थ्य और रोग की कुंजी* (अध्याय 37) में। आईएसबी.ए.न 978-3-031-84199-6.
- गुरुरानी, डी., जामवाल, ए., और सैनी, आर. (2024). कृषि के पर्यावरणीय प्रभावों का पता लगाना: एक व्यापक विश्लेषण। *कृषि अभियांत्रिकी एवं खाद्य विज्ञान में भविष्यवादी रुझान* (खंड 3, पुस्तक 2, पृष्ठ 79-86) में। इटरेटिव इंटरनेशनल पब्लिशर्स (आईआईपी) श्रृंखला। ई-आईएसबी.ए.न 978-93-5747-340-8।
- इस्लाम, एफ., शाहिद, डी., सोनी, आर., और सिंह, एन. (2024). अजैविक तनाव में ऑक्सिन। आर. राजू, आर.ए. राजेंद्रन, ए. रामलाल, और वी.पी. सिंह (सं.), *अजैविक तनाव में फाइटोहॉर्मोन* (पृष्ठ 54-63)। सीआरसी प्रेस। ई-बुक आईएसबी.ए.न 9781003335788।
- जैन, के., अरोड़ा, आर., सैनी, ए., और मणि, आई. (2025)। स्वास्थ्य और रोग में न्यूरोरिसेप्टर एंडोसाइटोसिस और सिग्नलैंगिक की अंतर्दृष्टि। *स्वास्थ्य और रोग में न्यूरोरिसेप्टर एंडोसाइटोसिस और सिग्नलैंगिक* (द रिसेप्टर्स 2) में। आईएसबी.ए.न 978-3-031-81991-9।
- जैन, के., महक, मथुरिया, ए., सैनी, ए., और मणि, आई. (2025). ओपिओइड रिसेप्टर एंडोसाइटोसिस और सिग्नलैंगिक। *न्यूरोरिसेप्टर एंडोसाइटोसिस और सिग्नलैंगिक इन हेल्थ एंड डिजीज* (द रिसेप्टर्स 2) में। आईएसबी.ए.न 978-3-031-81991-9.
- जामवाल, ए., गुरुरानी, डी., और सैनी, आर. (2024). कृषि सुधार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की क्षमता। *कृषि अभियांत्रिकी एवं खाद्य विज्ञान में भविष्यवादी रुझान* (खंड 3, पुस्तक 2, पृष्ठ 55-63) में। इटरेटिव इंटरनेशनल पब्लिशर्स (आईआईपी) श्रृंखला। ई-आईएसबी.ए.न 978-93-5747-340-8।
- खान, एम.के., पांडे, ए., हरमनकाया, एम., हमुरकु, एम., आरिफुज्जमां, एम., ट्यूरिन, एमटीएस, रुस्तगी, ए., टोपा, ए., और गेज्गिन, एस. (2025)। गेहूँ की फसलों में लौह और जस्ता की वृद्धि के लिए गेहूँ के जंगली रिश्तेदारों का उपयोग। एम.के. खान एवं अन्य (सं.), *गेहूँ के जंगली रिश्तेदार: जलवायु परिवर्तन के तहत अजैविक तनाव सहनशीलता का विकास* (पृष्ठ 277-299)। एकेडमिक प्रेस (एल्सेवियर की एक छाप)। आईएसबी.ए.न 978-0-443-22090-6।
- मिश्रा, आर., खुराना, आर., मोहंती, ए., और अग्रवाल, पी. (2024). बदलती जलवायु के तहत पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के लिए उभरते खतरे। *पहाड़ों का गर्म होना: आजीविका और स्थिरता पर प्रभाव* (पृष्ठ 25-43)। चैम: स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंड।
- रुस्तगी, ए. (2024). इकाई-10 - प्रोटिओम विश्लेषण की तकनीकें-I. एआर चौधरी (सं.) में, *खंड 3 - प्रोटिओम विश्लेषण की तकनीकें* (पृष्ठ 1-12)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय। आईएसबी.ए.न 9789361067761. http://egyankosh.ac.in//handle/123456789/104514 से लिया गया ।

- रोहिल्ला, ए. (जुलाई, 2024)। शोध चिंतन: एक बहुविषयक दृष्टिकोण। रवि कुमार बोम्मिसेट्टी (प्रथम संस्करण) में, वित्तीय व्युत्पन्न: सामूहिक विनाश का एक हथियार (पृष्ठ 6-17)। लुलु प्रेस इंक., आईएसबी.ए.न: 978-13-04232-41-0

- रुस्तगी, ए. (2024). इकाई-11 - प्रोटिओम विश्लेषण की तकनीकें-II। एआर चौधरी (सं.) में, *खंड 3 - प्रोटिओम विश्लेषण की तकनीकें* (पृष्ठ 13-24)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय। आईएसबी.ए.न 9789361067761. http://egyankosh.ac.in//handle/123456789/104515 से लिया गया ।

- सिद्धार्थ, जी., और अग्रवाल, एस. (2025)। स्वयं सहायता समूह और विकसित भारत @ 2047: भारत में हाशिए पर पड़े स्वदेशी उत्पादों और ज्ञान प्रणालियों में स्वयं सहायता समूहों की चुनौतियों का परीक्षण। एम.के. जैन, एस.के. गोयल, और वाई. वर्मा (सं.), *विकसित भारत @ 2047: वाणिज्य, प्रबंधन और प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी भूमिका* (पृष्ठ 205-218)। एमजीएमपीएच। आईएसबी.ए.न 978-81-981913-3-5।

- सिद्धार्थ, जी., और लाकड़ा, ए.जे. (2025)। विकसित भारत के लिए उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र: भारत में युवाओं के उद्यमिता अनुभव और जुड़ाव का एक अनुभवजन्य अध्ययन। एम.के. जैन, एस.के. गोयल, और वाई. वर्मा (सं.), *विकसित भारत @ 2047: वाणिज्य, प्रबंधन और प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी भूमिका* (पृष्ठ 1-20)। एमजीएमपीएच। आईएसबी.ए.न 978-81-981913-3-5।

- सिंह, ए., मिश्रा, पी., सैनी, आर., और सिंह, एस. (2025)। सीएनएस-न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों में ओमेगा-3 फैटी एसिड के चिकित्सीय निहितार्थ: पूर्व-नैदानिक और नैदानिक निष्कर्षों का पुनर्मूल्यांकन। *ओमेगा-3 फैटी एसिड: पोषण संबंधी स्वास्थ्य और रोग की कुंजी* (अध्याय 20) में। आईएसबी.ए.न 978-3-031-84199-6।

- त्यागी, वी., और सैनी, आर. (2024). कृषि इंजीनियरिंग में वर्तमान प्रगति और भविष्य की संभावनाएँ। *कृषि इंजीनियरिंग और खाद्य विज्ञान में भविष्यवादी रुझान* (खंड 3, पुस्तक 3, पृष्ठ 79-87) में। इटरेटिव इंटरनेशनल पब्लिशर्स (आईआईपी) श्रृंखला। ई-आईएसबी.ए.न 978-93-5747-402-3।

अनुसंधान परियोजनाएँ

- आईसीएसएसआर, डॉ. अलका माइकल, भारतीय संस्कृति के अभिन्न अंग के रूप में अहोम अनुष्ठानों और त्योहारों का परिवर्तन और निरंतरता", ₹13,74,000.

- विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, डॉ. अंजना रुस्तगी, इन विट्रो बायोलॉजी पर विश्व कांग्रेस, यूएसए, ₹1,01,086.

- विजन विकसित भारत@2047, डॉ. अरुणिमा दास, असम के स्वर्णिम धागों (मुगा) की संभावनाएं और संभावनाएं: विकसित भारत की ओर एक मार्ग, ₹12,00,000.

- आईसीएसएसआर, डॉ. रचना माथुर, अर्थशास्त्र विभाग, दिल्ली/एनसीआर में ऊंची आवासीय इमारतों के हरित मानकों की बेंचमार्किंग, ₹18,00,000.
- डीबीटी, प्रो. अपराजिता मोहंती, वनस्पति-विज्ञान विभाग, जैव सूचना विज्ञान कार्यशाला/प्रशिक्षण, ₹17,49,920.
- एनएएसआई, प्रो. वंदना लूथरा, भौतिकी विभाग, संवेदनशीलता, कौशल-प्रशिक्षण और मौजूदा और आगामी सामाजिक मुद्दों के लिए वैज्ञानिक और उद्यमी स्वभाव को बढ़ाना, ₹1,20,000.

आयोजित संगोष्ठियां

- अर्थशास्त्र विभाग द्वारा 4 फरवरी, 2024 को महाविद्यालय के शिक्षण एवं शिक्षणेत्तर कार्मिकों के लिए 'राजभाषा हिंदी का कार्यान्वयन' शीर्षक से कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- 'नैनोबायो लैब कौशल पर कौशल संवर्धन कार्यशाला श्रृंखला: नैनोविज्ञान अनुप्रयोगों के लिए सूक्ष्म जीव-विज्ञान (भाग 1 और भाग 2)' शीर्षक से कार्यशाला, 29 जुलाई, 2024 से 2 अगस्त, 2024 तक प्राणी-विज्ञान और सूक्ष्म जीव-विज्ञान विभागों के सहयोग से आयोजित की जाएगी।
- अर्थशास्त्र विभाग द्वारा महाविद्यालय के शिक्षण एवं शिक्षणेत्तर कार्मिकों के लिए 18 सितंबर, 2024 को 'राजभाषा में प्रौद्योगिकी प्रयोग' शीर्षक से कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- गणित विभाग द्वारा 26 सितंबर, 2024 को "एक्चुरियल साइंस" नामक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस सत्र के वक्ता जेनपैक्ट की एक्चुरियल सलाहकार सुश्री तान्या अग्रवाल और ईवाई की वरिष्ठ एक्चुरियल सलाहकार सुश्री सुरभि हांडा थीं।
- 27 सितंबर, 2024 को “अनुसंधान में निपुणता: अपने कौशल को बढ़ाने के लिए रणनीतियां और उपकरण” शीर्षक से राष्ट्रीय आयोजित संगोष्ठियां की जाएगी, जिसका आयोजन दिल्ली विश्वविद्यालय के गार्गी महाविद्यालय के वनस्पति-विज्ञान और मनोविज्ञान विभागों के सहयोग से अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ द्वारा किया जाएगा।
- 3 दिसंबर, 2024 को गार्गी महाविद्यालय में अर्थशास्त्र विभाग द्वारा संसदीय अध्ययन संस्थान (आईसीपीएस), नई दिल्ली के सहयोग से 'संवैधानिक मूल्यों और मौलिक कर्तव्यों के साथ युवाओं को सशक्त बनाना' शीर्षक से कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- 27 फरवरी, 2025 को आईक्यूएसी के तत्वावधान में गार्गी महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा “खोज और नए आयाम: हड़प्पा सभ्यता तब और अब” शीर्षक से राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा।

आयोजित सम्मेलन

- गार्गी महाविद्यालय द्वारा 19-21 जून, 2024 को छात्रों और कार्मिकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने हेतु 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यशाला' नामक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

- गार्गी महाविद्यालय द्वारा 27 सितंबर, 2024 को वनस्पति-विज्ञान और मनोविज्ञान विभागों के सहयोग से, आरडीसी और आईक्यूएसी के तत्वावधान में, 'अनुसंधान में निपुणता: अपने कौशल को बढ़ाने के लिए रणनीतियाँ और उपकरण' शीर्षक से सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।
- विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर पहला राष्ट्रीय संगोष्ठी: मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना: बेहतर जीवन का निर्माण। मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित, के तत्वावधान में आईक्यूएसी (10 अक्तूबर, 2024)।
- 18 अक्तूबर, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के गार्गी महाविद्यालय के वनस्पति-विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित 'अश्वगंधा: एक स्वास्थ्य प्रवर्तक - खेतों से फार्मेसी तक' शीर्षक से सम्मेलन, राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित।
- आईक्यूएसी के तत्वावधान में 12-13 नवंबर, 2024 को गार्गी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'कौशल संवर्धन पर दूसरा राष्ट्रीय सम्मेलन: आत्मनिर्भर भारत के लिए एक रोडमैप' शीर्षक से सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।
- गार्गी महाविद्यालय के वनस्पति-विज्ञान विभाग द्वारा 17 नवंबर, 2024 से 19 नवंबर, 2024 तक 'एक्सप्लोरिंग जीनोम्स: एम्प्लीफिकेशन टू पॉलीमॉर्फिज्म' शीर्षक से सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।
- 1 मार्च, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के गार्गी महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित 'हरित अर्थव्यवस्था और ऊर्ध्वाधर शहरों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: एक सतत भविष्य के लिए लचीला समाधान' शीर्षक से सम्मेलन, आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित।
- राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत के तत्वावधान में 19-20 मार्च, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के गार्गी महाविद्यालय के भौतिकी विभाग द्वारा 'क्वांटम विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: विकसित भारत के लिए उभरते परिप्रेक्ष्य' शीर्षक से सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

- **मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर (14 अगस्त, 2024 - आगे):** मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) और गार्गी महाविद्यालय के बीच एक समझौता-ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह सहयोग गार्गी महाविद्यालय में योग (योग विज्ञान और कल्याण में फाउंडेशन कोर्स) में एक महीने का मासिक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम की सुविधा प्रदान करता है। 60:40 के आधार पर संरचित वित्तीय साझेदारी, कार्यक्रम की स्थिरता सुनिश्चित करती है। फरवरी 2025 से शुरू होकर, गार्गी महाविद्यालय ने कुछ योग्य छात्रों के लिए पूरे पाठ्यक्रम शुल्क (3000 रुपये) को प्रायोजित करने के लिए प्रतिबद्ध किया है (इस सहयोग में महाविद्यालय द्वारा प्राप्त राशि के अधीन)। इस समझौता-ज्ञापन के

तहत, मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम: योग- दर्शन और अभ्यास के छात्रों के साथ-साथ गार्गी महाविद्यालय के योग टीम के छात्रों

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत : 172 (26.02%)

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- यमुना जैव विविधता पार्क (1 अक्तूबर, 2024): द्वितीय वर्ष के छात्रों ने पादप जैव विविधता का अन्वेषण किया।
- आईएआरआई पूसा संस्थान (7 अक्तूबर, 2024): छात्रों को कृषि अनुसंधान और नवाचारों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ।
- पार्ले-जी फैक्ट्री (15 फरवरी, 2025): तृतीय वर्ष के छात्रों ने एफएमसीजी विनिर्माण में उत्पादन प्रक्रियाओं, स्वचालन और गुणवत्ता नियंत्रण का अवलोकन किया।
- के.आर. मंगलम विश्वविद्यालय (4 सितम्बर, 2024): रसायन-विज्ञान और भौतिकी विभागों के साथ सहयोगात्मक यात्रा, उन्नत प्रयोगशाला अवसंरचना और अनुसंधान अवसरों की खोज।
- होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (14 सितंबर, 2024 और 3 मार्च, 2025): वाणिज्य के छात्रों ने विनिर्माण प्रथाओं और लीन तकनीकों की जानकारी के लिए दौरा किया।
- हेरिटेज वॉक और प्रगतिशील शिक्षा भ्रमण: प्राथमिक शिक्षा के छात्रों ने आनंद निकेतन, वर्धा आश्रम और मीराम्बिका फ्री प्रोग्रेस स्कूल का दौरा किया।
- अन्तर्दृष्टि कार्यशाला (18 फरवरी, 2025): अंग्रेजी विभाग ने विकलांगता अधिकार और समावेशिता पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।
- राष्ट्रीय संग्रहालय एवं पुराना किला (14 दिसंबर, 2024): भारत की सांस्कृतिक और स्थापत्य विरासत का पता लगाने के लिए इतिहास विभाग का दौरा।
- राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान (28 फरवरी, 2025): बी.एससी. जीवन विज्ञान के छात्रों ने अत्याधुनिक प्रतिरक्षा विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान का अन्वेषण किया।
- सूक्ष्म जीव-विज्ञान भ्रमण: विश्व जैव ईंधन दिवस पर आईसीजीईबी, मदर डेयरी प्लांट और बायो-नेस्ट सुविधा में सूक्ष्म जीव-विज्ञान सीखने का अवसर।
- सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम (4 सितंबर, 2024): सर्वोदय विद्यालय में लैंगिक संवेदीकरण, दान अभियान, और अंध विद्यालय में दृष्टिबाधित छात्रों के लिए सहायता।
- लोकायत आर्ट गैलरी (13 अक्तूबर, 2024): छात्रों ने ऑस्ट्रियाई कला प्रदर्शनी, "सबजंक्टिव मूड" में भाग लिया।

- हम ज्ञानम् विज्ञान आउटरीच (26 जनवरी, 2025): वंचित छात्रों को इंटरैक्टिव विज्ञान खेलों और व्यावहारिक पीएच संकेतक प्रदर्शन के साथ जोड़ा गया

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	: 27
एसोसिएट प्रोफेसर	: 68
सहायक प्रोफेसर	: 96
तदर्थ	: 18
अतिथि	: 22
कुल	**: 231**

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

गार्गी महाविद्यालय में शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में उल्लेखनीय संस्थागत विकास, रणनीतिक सहयोग और छात्र-नेतृत्व वाली उपलब्धियां देखी गईं। गूगल के साथ एक ऐतिहासिक साझेदारी ने दो क्रोमबुक लैब, जेमिनी पर एक AI कार्यशाला और एक कॉर्पोरेट यात्रा का निर्माण किया, जिससे महाविद्यालय के डिजिटल शिक्षण वातावरण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। नियोजन सेल ने डेलॉइट, EY, PwC और बैंक ऑफ अमेरिका जैसे शीर्ष भर्तीकर्ताओं के साथ 180 से अधिक नौकरी के प्रस्ताव दर्ज किए; उच्चतम CTC की पेशकश ₹24.8 LPA थी। IQAC ने कौशल संवर्धन पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का नेतृत्व किया, NAAC सुधारों में भाग लिया, और ज़ांस्कर महाविद्यालय, लद्दाख के साथ विद्या विस्तार योजना के तहत समझौता-ज्ञापनों के माध्यम से शैक्षणिक आउटरीच को मजबूत किया। MDNIY के साथ एक कल्याण-उन्मुख समझौता-ज्ञापन एम्पावर हर, संकाय रिट्रीट और माइंडफुल लिविंग सीरीज़ जैसे आयोजनों ने भावनात्मक कल्याण और आत्म-जागरूकता को बढ़ावा दिया। प्रशिक्षुओं ने सामुदायिक सेवा में 200 से अधिक घंटे का योगदान दिया और एक प्रशिक्षु ने अपनी आनंद यात्रा से प्रेरित होकर एक स्व-सहायता पुस्तक प्रकाशित की। नवाचार और उद्यमशीलता को बढ़ावा देते हुए, एनेक्टस गार्गी को एनेक्टस नेशनल्स में प्रतिष्ठित लिगेसी पुरस्कार मिला और उसने आरोहणम, सस्टेनोवेट और विकसित भारत बी-प्लान प्रतियोगिता का आयोजन किया। इन आयोजनों ने स्थायी विचारों को प्रदर्शित किया और छात्रों, उद्योग विशेषज्ञों और नवप्रवर्तकों को एक साथ लाया। रचना, आगा, नीव और विकास जैसी परियोजनाओं ने इको-ब्रिक्स, मानसिक स्वास्थ्य और जमीनी स्तर पर उद्यमिता पर ध्यान केंद्रित किया। खेलों में, गार्गी के छात्रों ने 12 डीयू इंटर-महाविद्यालय और 43 आमंत्रण टूर्नामेंटों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने राजभाषा प्रयोग पर प्रतियोगिताओं, कार्यशालाओं और संकाय विकास के साथ 10 दिवसीय हिंदी उत्सव मनाया।

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित निधियां : ₹ 93.87 करोड़

उपयोगित निधियां : ₹ 93.87 करोड़

****

हंसराज महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

दिल्ली विश्वविद्यालय का हंसराज महाविद्यालय गतिशील शैक्षणिक, खेल, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों का केंद्र रहा है। हंसराज महाविद्यालय विकास निधि समिति ने शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 के दौरान संस्थान के बुनियादी ढाँचे के निरंतर विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस वर्ष इसने शैक्षणिक, आवासीय और प्रशासनिक ढाँचों को बेहतर बनाने, सुरक्षा उपायों को मज़बूत करने और सुविधाओं के आधुनिकीकरण पर ध्यान केंद्रित किया। विकसित भारत युवा कनेक्ट के अवसर पर, केंद्रीय संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री, किरेन रिजिजू ने विकसित भारत अभियान के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। 14-20 सितंबर के बीच मनाए जाने वाले 'हिंदी सप्ताह' के दौरान 'राजभाषा कार्यान्वयन समिति' का उद्घाटन किया गया। हंसराज महाविद्यालय के 77वें स्थापना दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय के उपाध्यक्ष जगदीप धनखड़ उपस्थित थे। उन्होंने राष्ट्रीय विकास पर शिक्षा के व्यावसायीकरण के दुष्प्रभावों पर ज़ोर दिया। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने छात्रों को भारत की वैश्विक स्थिति और 2047 तक एक विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर संबोधित किया। हंसराज महाविद्यालय ने "एक राष्ट्र, एक चुनाव" विषय पर नई दिल्ली संवाद सम्मेलन का आयोजन किया। माननीय अतिथि, भारत के पूर्व राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद ने ऐतिहासिक संदर्भ और पूरे भारत में चुनावों के समकालिक आयोजन के संभावित लाभों पर अपने विचार साझा किए।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

- डॉ. ब्रिजेश राठी, एसोसिएट प्रोफेसर, रसायन-विज्ञान विभाग: 2024 अक्तूबर - नेशनल सेंटर फॉर इंफेक्शियस डिजीज, नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, सिंगापुर द्वारा "एनसीआईडी शॉर्ट-टर्म फ़ेलोशिप", जून 2024 - ब्राजील के शिक्षा मंत्रालय, कोर्डेनाकाओ डी एपेरफीकोमेंटो डी पेसोअल डी निवेल सुपीरियर से "कैप्स-प्रिंट फ़ेलोशिप"।
- डॉ. विधि खंडूजा, सहायक प्रोफेसर:, कंप्यूटर विज्ञान विभाग: 23-24 अप्रैल, 2024 को सीएसई विभाग, एसईएसटी, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली, भारत में आयोजित डिजिटल, स्मार्ट और सतत विकास के लिए आईसीटी पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र पुरस्कार।
- डॉ. मोनिका कौल, प्रोफेसर, वनस्पति-विज्ञान विभाग: महाविद्यालय द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर परिसर में पर्यावरण और स्थिरता के लिए योगदान हेतु 5 सितंबर, 2024 को सम्मानित किया गया।

- डॉ. अर्जुन मित्तल, सहायक प्रोफेसर:, वाणिज्य विभाग: अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार, हंसराज महाविद्यालय।
- डॉ. अनिमेष नस्कर, एसोसिएट प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग: 1 मार्च, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के गार्गी महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "पर्यावरण, ऊर्जा और व्यापार नीतियाँ हरित परिवर्तन के वित्तपोषण को कैसे प्रभावित करती हैं?" शीर्षक वाले शोध-पत्र के लिए तकनीकी सत्र 3 के लिए सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र का पुरस्कार प्राप्त किया।
- हंसराज महाविद्यालय में प्राणी-विज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर: पूजा अरोड़ा को 3 सितंबर 2024 को रिसर्च डेवलपमेंट सेल की ओर से उच्च प्रभाव प्रकाशित कार्य के लिए रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड मिला।
- डॉ. धीरज कुमार, सहायक प्रोफेसर:, प्राणी-विज्ञान विभाग: अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार, हंसराज महाविद्यालय।
- डॉ. सुशील कुमार, प्रोफेसर, भौतिकी विभाग: शोध उत्कृष्टता पुरस्कार, हंसराज महाविद्यालय।
- डॉ. पूजा झा मैती, सहायक प्रोफेसर:, वनस्पति-विज्ञान विभाग: हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार 2024 (शिक्षक दिवस पर)।
- इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के सहायक प्रोफेसर: डॉ. राजेंद्र तिवारी को हंसराज महाविद्यालय में 3 सितंबर, 2024 को रिसर्च डेवलपमेंट सेल से रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड मिला।
- वाणिज्य विभाग के सहायक प्रोफेसर: श्री आशुतोष यादव को हंसराज महाविद्यालय में 3 सितंबर, 2024 को अनुसंधान विकास प्रकोष्ठ द्वारा अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया गया।
- हंसराज महाविद्यालय में कंप्यूटर विज्ञान विभाग की प्रोफेसर बलजीत कौर को 3 सितंबर, 2024 को अनुसंधान विकास प्रकोष्ठ से अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- हंसराज महाविद्यालय में कंप्यूटर विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मनोज अग्रवाल को 3 सितंबर, 2024 को रिसर्च डेवलपमेंट सेल की ओर से रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड प्रदान किया गया।
- वनस्पति-विज्ञान विभाग की प्रोफेसर विजय रानी राजपाल को दिल्ली विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति द्वारा 3 सितंबर, 2024 को हंसराज महाविद्यालय में अनुसंधान विकास प्रकोष्ठ द्वारा अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- हंसराज महाविद्यालय में भौतिकी विभाग के प्रोफेसर सुशील कुमार को 3 सितंबर, 2024 को अनुसंधान विकास प्रकोष्ठ द्वारा अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया गया।

- हंसराज महाविद्यालय में भौतिकी विभाग की सहायक प्रोफेसर: डॉ. ज्ञानेश्वरी गेलंकी को 3 सितंबर, 2024 को अनुसंधान विकास प्रकोष्ठ द्वारा अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया गया।
- हंसराज महाविद्यालय में भौतिकी विभाग की प्रोफेसर डॉ. चेतना जैन को 3 सितंबर, 2024 को रिसर्च डेवलपमेंट सेल की ओर से रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड प्रदान किया गया।
- हंसराज महाविद्यालय में वनस्पति-विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर: डॉ. साहिल मेहता को 3 सितंबर, 2024 को अनुसंधान विकास प्रकोष्ठ द्वारा अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया गया।
- हंसराज महाविद्यालय में भौतिकी विभाग के सहायक प्रोफेसर: डॉ. संजीव कुमार को 3 सितंबर, 2024 को अनुसंधान विकास प्रकोष्ठ द्वारा अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया गया।
- हंसराज महाविद्यालय में रसायन-विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर: डॉ. शैलेंद्र कुमार सिंह को 3 सितंबर, 2024 को अनुसंधान विकास प्रकोष्ठ द्वारा अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया गया।
- हंसराज महाविद्यालय में 3 सितंबर, 2024 को अनुसंधान विकास प्रकोष्ठ द्वारा प्राणी-विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर: डॉ. तेजवीर सिंह को अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया गया।
- हंसराज महाविद्यालय में भौतिकी विभाग के सहायक प्रोफेसर: डॉ. योगेश कुमार को 3 सितंबर, 2024 को अनुसंधान विकास प्रकोष्ठ द्वारा अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया गया।
- इतिहास विभाग के सहायक प्रोफेसर: श्री जस्टिन मैथ्यू को 3 सितंबर, 2024 को हंसराज महाविद्यालय में अनुसंधान विकास प्रकोष्ठ द्वारा अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया गया।
- वाणिज्य विभाग की प्रोफेसर (डॉ.) मनीषा वर्मा को हंसराज महाविद्यालय में 3 सितंबर, 2024 को अनुसंधान विकास प्रकोष्ठ से अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त हुआ।

छात्र

- एम.एस.सी. भूविज्ञान (अंतिम वर्ष) के छात्र अनुकर राजपूत विश्वविद्यालय के स्वर्ण पदक विजेता हैं।
- बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी (तृतीय वर्ष) की छात्रा यशस्वी वशिष्ठ विश्वविद्यालय की स्वर्ण पदक विजेता हैं।
- बी.एससी. (ऑनर्स) मानव-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा सौम्यांजलि मिश्रा विश्वविद्यालय की स्वर्ण पदक विजेता हैं।

- हर्षित पाल, बी.एससी. (पी) (तृतीय वर्ष) ने अंतर महाविद्यालय तीरंदाजी चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता।
- विनीत, बी.कॉम (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) ने अंतर-महाविद्यालय तीरंदाजी चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता।
- इको ऑनर्स (द्वितीय वर्ष) के छात्र ऋषभ ने अंतर महाविद्यालय तीरंदाजी चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता।
- मनस्वी कौशिक इको ऑनर्स (द्वितीय वर्ष) ने अंतर महाविद्यालय तीरंदाजी चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता।
- कृष्णा कुमारी, बी.ए. (पी.) (द्वितीय वर्ष), ने अंतर-महाविद्यालय तीरंदाजी चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता।
- बी.ए. इंग्लिश ऑनर्स (द्वितीय वर्ष) की छात्रा मोइना ने इंटर महाविद्यालय तीरंदाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।
- आर्यन यादव, अंग्रेजी ऑनर्स (प्रथम वर्ष) ने अंतर महाविद्यालय तीरंदाजी चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता।
- धीरज, इको ऑनर्स (प्रथम वर्ष) ने अंतर-महाविद्यालय तीरंदाजी चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता है
- आरुष, बी.एससी. सीएस (ऑनर्स), (प्रथम वर्ष), ने अंतर-महाविद्यालय तीरंदाजी चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता है
- खुशी गुलिया, इको ऑनर्स (प्रथम वर्ष), ने इंटर-महाविद्यालय तीरंदाजी चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।
- खुशी, बी.एससी. (पी) (प्रथम वर्ष), ने अंतर-महाविद्यालय तीरंदाजी चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।
- वंशिका, बी.ए. (पी.) (प्रथम वर्ष), ने अंतर महाविद्यालय तीरंदाजी चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता।
- बॉबी, इंग्लिश ऑनर्स (प्रथम वर्ष), ने इंटर-महाविद्यालय तीरंदाजी चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।
- बॉबी, इंग्लिश ऑनर्स (प्रथम वर्ष), ने अंतर-महाविद्यालय तीरंदाजी प्रतियोगिता में रजत पदक जीता।
- बी.कॉम (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा नेहा ने इंटर महाविद्यालय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता।

- बी.कॉम (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा नेहा ने इंटर महाविद्यालय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में 5000 मीटर दौड़ में रजत पदक जीता।
- तृप्ति राजपूत, बी.ए. (पी.) (तृतीय वर्ष), ने 9वीं यूपी स्टेट पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में लंबी कूद में स्वर्ण पदक जीता है।
- हर्ष, कम्प्यूटर साइंस (द्वितीय वर्ष), ने अंतर महाविद्यालय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में 110 मीटर बाधा दौड़ में स्वर्ण पदक जीता।
- मुकेश कुमार ठाकुर, हिंदी ऑनर्स (द्वितीय वर्ष), ने दिल्ली राज्य एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में 200 मीटर में स्वर्ण पदक जीता।
- मुकेश कुमार ठाकुर, हिंदी ऑनर्स (द्वितीय वर्ष), ने दिल्ली राज्य एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में 400 मीटर में स्वर्ण पदक जीता।
- मुकेश कुमार ठाकुर, हिंदी ऑनर्स (द्वितीय वर्ष), ने अंतर-महाविद्यालय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में 200 मीटर में स्वर्ण पदक जीता।
- मुकेश कुमार ठाकुर, हिंदी ऑनर्स (द्वितीय वर्ष), ने अंतर-महाविद्यालय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में 400 मीटर में स्वर्ण पदक जीता।
- आदित्यांश सिंह, बी.ए. (पी.) (द्वितीय वर्ष), ने अंतर महाविद्यालय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में ऊंची कूद में स्वर्ण पदक जीता।
- आदित्यांश सिंह, बी.ए. (पी.) (द्वितीय वर्ष), ने अंतर-महाविद्यालय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में लंबी कूद में स्वर्ण पदक जीता।
- सिद्धार्थ लोहचब, इतिहास (ऑनर्स) (प्रथम वर्ष), ने इंटर महाविद्यालय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में 110 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक जीता।
- अंश दहिया, कम्प्यूटर साइंस (प्रथम वर्ष), ने अंतर महाविद्यालय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में ऊंची कूद में रजत पदक जीता।
- बी.कॉम (तृतीय वर्ष) के वरुण वार्ष्णेय ने खेलो हंसराज बैडमिंटन चैंपियनशिप में रजत पदक जीता।
- वरुण वार्ष्णेय, बी.कॉम (तृतीय वर्ष), ने आईआईटी दिल्ली बैडमिंटन चैंपियनशिप में रजत पदक जीता है
- वरुण वार्ष्णेय, बी.कॉम (तृतीय वर्ष), ने आईआईटी दिल्ली में क्रिकेट चैम्पियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।
- आर्यन शर्मा, बी.ए. (पी.) (तृतीय वर्ष), ने अंतर महाविद्यालय बैडमिंटन चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।

- अंग्रेजी ऑनर्स (तृतीय वर्ष) के छात्र आरव नागपाल ने इंटर महाविद्यालय बैडमिंटन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।
- गौरव पाल, बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष), ने अंतर महाविद्यालय बैडमिंटन चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।
- मीनल रौतेला, इंग्लिश ऑनर्स (तृतीय वर्ष), ने इंटर महाविद्यालय बैडमिंटन चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता।
- सताक्ष सिंह, बी.कॉम (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष), ने ब्राटिस्लावा, स्लोविकिया (17-20 अप्रैल, 2024) में कावासाकी स्लोवाक इंटरनेशनल ओपन टूर्नामेंट में भाग लिया।
- सताक्ष सिंह, बी.कॉम (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष), ने 2-5 मई, 2024 को लक्जमबर्ग में आयोजित योनेक्स लक्जमबर्ग ओपन में भाग लिया।
- सताक्ष सिंह, बी.कॉम (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष), ने वान्टा, फिनलैंड (25 अप्रैल, 2024) में योनेक्स फिनिश इंटरनेशनल चैंपियनशिप में भाग लिया।
- सताक्ष सिंह, बी.कॉम (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष), ने 20-25 अगस्त, 2024 तक पेकनबारू, इंडोनेशिया में आयोजित बी.ए.नआई इंडोनेशिया इंटरनेशनल चैलेंज में भाग लिया।
- राधा वढेरा, बी.ए. (पी.) (द्वितीय वर्ष), ने अंतर महाविद्यालय बैडमिंटन चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता।
- जयन्तिका राठौर, बी.कॉम (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष), ने इंटर महाविद्यालय बैडमिंटन चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता।
- सुनीति, अंग्रेजी ऑनर्स (द्वितीय वर्ष), ने इंटर महाविद्यालय बैडमिंटन चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता।
- मधुर ढींगरा, बी.कॉम (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष) ने इंटर-महाविद्यालय बैडमिंटन चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।
- वृष्टि जैन, बी.ए. (पी.) (प्रथम वर्ष), ने अंतर महाविद्यालय बैडमिंटन चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।
- एंजेलिना वाल्सन, बी.ए. इंजी (ऑनर्स) (प्रथम वर्ष), ने इंटर-महाविद्यालय बैडमिंटन चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।
- लक्ष्य चावत, बी.कॉम (ऑनर्स) (प्रथम वर्ष), ने इंटर-महाविद्यालय बैडमिंटन चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।
- अध्ययन कक्कड़ इंजी (ऑनर्स) (प्रथम वर्ष) ने इंटर महाविद्यालय बैडमिंटन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।

- गर्व शारदा बी.ए. (पी.) (प्रथम वर्ष) ने बैडमिंटन अंतर महाविद्यालय चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।
- नमन विरमानी, बी.कॉम (तृतीय वर्ष), ने उत्तर अंतर-विश्वविद्यालय खेलों में भाग लिया।
- नमन विरमानी, बी.कॉम (तृतीय वर्ष), ने 38 वें राष्ट्रीय खेलों में भाग लिया।
- नमन विरमानी, बी.कॉम (तृतीय वर्ष), ने अंडर-23 राष्ट्रीय खेलों में भाग लिया।
- नमन विरमानी, बी.कॉम (तृतीय वर्ष), ने महाविद्यालय चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता।
- मृत्युंजय बी.ए. (पी.) (द्वितीय वर्ष) ने राष्ट्रीय तलवारबाजी चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता।
- मृत्युंजय बी.ए. (पी.) (द्वितीय वर्ष) ने जिला तलवारबाजी चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।
- मृत्युंजय बी.ए. (पी.) (द्वितीय वर्ष) ने इंटर-महाविद्यालय चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।
- मृत्युंजय बी.ए. (पी.) (द्वितीय वर्ष), ने अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय तलवारबाजी चैम्पियनशिप में भाग लिया।
- मृत्युंजय बी.ए. (पी.) (द्वितीय वर्ष), ने खेलो इंडिया फेंसिंग लीग में भाग लिया।
- सत्यम, इको (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष) ने इंटर-महाविद्यालय चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.एससी. (ऑनर्स) के छात्र गणेश बंसल ने एक्सएलआरआई जमशेदपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की फोटोग्राफी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.एससी. (ऑनर्स) के छात्र गणेश बंसल ने आईआईएम बोधगया द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की फोटोग्राफी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.एससी. (ऑनर्स) के छात्र गणेश बंसल ने आईआईटी बी.ए.चयू द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की फोटोग्राफी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता।
- हंसराज महाविद्यालय में बी.एससी. (ऑनर्स) के छात्र गणेश बंसल ने पंचतत्व: पर्यावरण सोसाइटी द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय फोटोग्राफी प्रतियोगिता में रजत पदक जीता।
- बी.एससी. (ऑनर्स) के छात्र गणेश बंसल ने नॉर्थ ईस्ट सेल - पूर्वाशा दौलत राम महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय फोटोग्राफी प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता।
- बी.एससी. (ऑनर्स) के छात्र गणेश बंसल ने जीसस एंड मैरी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की फोटो-स्टोरी प्रतियोगिता कार्पे डिएम '25 में रजत पदक जीता।
- सांस्कृतिक परिषद और हंसराज महाविद्यालय द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय अंतर महाविद्यालय ललित कला प्रतियोगिता में रजत पदक जीता।

- एमएसआईटी में मेराकी: द फाइन आर्ट्स सोसाइटी द्वारा आयोजित विश्वविद्यालय स्तरीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता ।
- यशस्वनी महाराज, बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास ने आईआईआईटी दिल्ली द्वारा आयोजित रास रंग प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता।
- निहारिका जैन, बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी, ने रामानुजन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता निरीक्षण में स्वर्ण पदक जीता।
- दक्षिता भार्गव, बी.कॉम (ऑनर्स) अंग्रेजी, ने रामानुजन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता निरीक्षण में स्वर्ण पदक जीता।
- निहारिका जैन, बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी, ने भीम राव अंबेडकर महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता शुभांजलि में रजत पदक जीता।
- दक्षिता भार्गव, बी.कॉम (ऑनर्स), ने भीम राव अंबेडकर महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता शुभांजलि में रजत पदक जीता।
- भीम राव अंबेडकर महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता शुभांजलि में बी.एससी. बॉटनी ऑनर्स की छात्रा ख्याति रावत ने स्वर्ण पदक जीता।
- बी.एससी. बॉटनी ऑनर्स की छात्रा ख्याति रावत ने जाकिर हुसैन महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता नवरंग में रजत पदक जीता।
- बी.एससी. गणित ऑनर्स की छात्रा प्रणवी बंसल ने विवेकानंद महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता पल्लवी'24 में रजत पदक जीता।
- ऑनर्स की छात्रा भव्या गुप्ता ने विवेकानंद महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता पल्लवी'24 में रजत पदक जीता।
- दक्षिता भार्गव, बी.कॉम (ऑनर्स), ने मैत्रेयी महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता प्रत्यंग'24 में रजत पदक जीता।
- दक्षिता भार्गव, बी.कॉम (ऑनर्स), ने श्री अरबिंदो महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता रिदम रंबल'24 में स्वर्ण पदक जीता।
- वृति गुजराल, बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी, ने आई.आई.टी. बॉम्बे द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता नृत्यांजलि में स्वर्ण पदक जीता।
- वृति गुजराल, बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी, ने बिट्स गोवा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता नृत्य कला में रजत पदक जीता।
- शरण्या बिष्ट, बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी, ने बिट्स गोवा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता नृत्य कला में स्वर्ण पदक जीता।

- अरुणिमा रावत, बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी, ने बिट्स पिलानी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता तांडव में रजत पदक जीता।
- वृति गुजराल, बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी, ने बिट्स पिलानी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता तांडव में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.कॉम (ऑनर्स) की दक्षिता भार्गव ने आईआईटी कानपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता अंतराग्नि-युगल में कांस्य पदक जीता।
- वृत्ति गुजराल, बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी, ने आईआईटी कानपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता अंतराग्नि-युगल में कांस्य पदक जीता।
- शरण्या बिष्ट, बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी, ने आईआईटी कानपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता नित्यांगना में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.एससी. बॉटनी ऑनर्स की छात्रा ख्याति रावत ने आईआईटी कानपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता नित्यांगना में रजत पदक जीता।
- अरुणिमा रावत, बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी, ने आईआईटी कानपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता नित्यांगना में कांस्य पदक जीता।
- इप्सा नौटियाल, बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र , ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता भ्रमरा में कांस्य पदक जीता।
- वृति गुजराल, बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी, ने भीम राव अंबेडकर महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता आनंद नतनम में स्वर्ण पदक जीता।
- डॉली धमीजा, बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास, ने आईआईटी गुवाहाटी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता नवरासा में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.एससी. बॉटनी ऑनर्स की ख्याति रावत ने आईआईटी गुवाहाटी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता डांसिंग डुओ में स्वर्ण पदक जीता।
- दक्षिता भार्गव, बी.कॉम (ऑनर्स), ने आईआईटी गुवाहाटी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता डांसिंग डुओ में स्वर्ण पदक जीता।
- शरण्या बिष्ट, बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी, ने सेंट स्टीफंस महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता रक्स में स्वर्ण पदक जीता।
- ख्याति रावत, बी.एससी. बॉटनी ऑनर्स , ने मैत्रेयी महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता प्रत्यंग'25 में स्वर्ण पदक जीता।
- सारांश मिश्रा, बी.एससी. कंप्यूटर विज्ञान ऑनर्स , शिवाजी महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की संसदीय वाद-विवाद प्रतियोगिता के विजेता रहे।

- मयंक मिश्रा, कला स्नातक , शिवाजी महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की संसदीय वाद-विवाद प्रतियोगिता के विजेता रहे।
- लियाकत अली, बी.ए. (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र, मैत्रेयी महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर के फ्रेशर्स संसदीय वाद-विवाद के विजेता रहे।
- विपुल पांडे बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी, हंसराज महाविद्यालय मैत्रेयी महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की फ्रेशर्स संसदीय बहस का विजेता रहा।
- विपुल पांडे बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी, हंसराज महाविद्यालय ने माता सुंदरी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित पारंपरिक बहस में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- ताशु जैन बी.ए. (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र, किरोरीमल महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर के फ्रेशर्स संसदीय बहस के विजेता थे।
- ताशु जैन बी.ए. (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र, किरोड़ीमल महाविद्यालय द्वारा आयोजित पारंपरिक वाद-विवाद श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ वक्ता थे।
- जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय द्वारा आयोजित भारतीय शास्त्रीय एकल प्रतियोगिता में देवांश मिश्रा बी.कॉम (ऑनर्स) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- सेंट स्टीफन महाविद्यालय द्वारा आयोजित भारतीय शास्त्रीय एकल प्रतियोगिता में देवांश मिश्रा बी.कॉम (ऑनर्स) ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- डॉ. अखिलेश दास गुप्ता इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज द्वारा आयोजित भारतीय शास्त्रीय एकल प्रतियोगिता में देवांश मिश्रा बी.कॉम (ऑनर्स) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- मैत्रेयी महाविद्यालय द्वारा आयोजित भारतीय शास्त्रीय एकल प्रतियोगिता में देवांश मिश्रा बी.कॉम (ऑनर्स) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- देवांश मिश्रा बी.कॉम (ऑनर्स) ने गृह अर्थशास्त्र संस्थान द्वारा आयोजित भारतीय शास्त्रीय एकल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- देवांश मिश्रा बी.कॉम (ऑनर्स) ने छंदयान द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगीत प्रतियोगिता द्वारा भारतीय शास्त्रीय एकल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी द्वारा आयोजित जिला प्रतियोगिता में देवांश मिश्रा बी.कॉम (ऑनर्स) ने भारतीय शास्त्रीय एकल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- डिलन बेनेडिक्ट, बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी, ने आईआईटी दिल्ली द्वारा आयोजित भारतीय वाद्य युगल प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- डायलन बेनेडिक्ट, बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी, ने डॉ. अखिलेश दास गुप्ता इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज द्वारा आयोजित भारतीय वाद्य युगल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

- डिलन बेनेडिक्ट, बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी, ने लेडी श्री राम महाविद्यालय में भारतीय वाद्य एकल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- शान मनसुखानी, बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी, ने लेडी श्री राम महाविद्यालय द्वारा आयोजित भारतीय वाद्य युगल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- शान मनसुखानी, बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी, ने आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय द्वारा आयोजित भारतीय वाद्य एकल प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- शान मनसुखानी, बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी, ने दयाल सिंह महाविद्यालय द्वारा आयोजित भारतीय वाद्य एकल प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- शान मनसुखानी, बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी, ने संगीत एवं ललित कला संकाय में अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिता द्वारा आयोजित भारतीय वाद्य एकल प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- भारत भार्गव सीएस (ऑनर्स) तृतीय वर्ष ने इंटर महाविद्यालय फुटबॉल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।
- ध्रुव सिंह बिष्ट इको (ऑनर्स) तृतीय वर्ष ने अंतर महाविद्यालय फुटबॉल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।
- राहुल कुमार बूरा इंजी (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष ने राज्य फुटबॉल चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता।
- राहुल कुमार बूरा इंजी (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष, ने राष्ट्रीय फुटबॉल चैम्पियनशिप में भाग लिया।
- अयोनिका अवस्थी इको (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष ने इंटर महाविद्यालय फुटबॉल चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता।
- राघवेन्द्र सिंह रावत भौतिक-विज्ञान (ऑनर्स) प्रथम वर्ष ने अंतर महाविद्यालय फुटबॉल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।
- सागर यादव हिंदी (ऑनर्स) तृतीय वर्ष, ने अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय हॉकी चैम्पियनशिप में भाग लिया।
- खुश शर्मा बी.कॉम (ऑनर्स) तृतीय वर्ष ने इंटर महाविद्यालय लॉन टेनिस चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता।
- सार्थक प्रधान बी.कॉम (ऑनर्स) तृतीय वर्ष ने इंटर महाविद्यालय लॉन टेनिस चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता।
- अविक शेरान इको (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष, ने पुरुष राष्ट्रीय लॉन टेनिस चैम्पियनशिप लखनऊ (26-30 अगस्त, 2024) में भाग लिया।

- अविक शेरान इको (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष ने इंटर महाविद्यालय लॉन टेनिस चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता।
- ऋषिराज दीवान बी.कॉम (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष ने इंटर महाविद्यालय लॉन टेनिस चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता।
- ओहांश चौधरी बी.ए. (पी.) द्वितीय वर्ष ने अंतर महाविद्यालय लॉन टेनिस चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता।
- सिद्धांत शर्मा बी.ए. इको (ऑनर्स) प्रथम वर्ष ने इंटर महाविद्यालय लॉन टेनिस चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता।
- सिद्धांत शर्मा बी.ए. इको (ऑनर्स) प्रथम वर्ष ने अखिल भारतीय विश्वविद्यालय लॉन टेनिस चैम्पियनशिप में भाग लिया।
- लाभ गोयल बी.कॉम (ऑनर्स) प्रथम वर्ष ने इंटर महाविद्यालय लॉन टेनिस चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता।
- अजेश्वर सिंह चहल (एयर पिस्टल) इको (ऑनर्स) तृतीय वर्ष ने राज्य शूटिंग चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।
- देवांश गुप्ता (एयर पिस्टल) बी.कॉम (ऑनर्स) तृतीय वर्ष ने इंटर महाविद्यालय शूटिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता।
- उमंग यादव (एयर राइफल) इको (ऑनर्स) तृतीय वर्ष, ने राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप में भाग लिया।
- मोहम्मद अरहम खान (शॉटगन) बी.ए. (पी) तृतीय वर्ष, ने इंडिया ओपन 0141 (शॉटगन) चैम्पियनशिप में भाग लिया है और स्कीट जूनियर वर्ग में राष्ट्रीय के लिए अर्हता प्राप्त की है।
- मोहम्मद अरहम खान (शॉटगन) बी.ए. (पी) तृतीय वर्ष, ने 67वीं शॉटगन राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप 2024 में भाग लिया है, और स्कीट जूनियर श्रेणी में प्रसिद्ध निशानेबाज बन गए हैं।
- मान्या (एयर राइफल) बी.कॉम (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष, ने राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप में भाग लिया।
- वंश राणा (एयर पिस्टल) सीएस (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष, ने राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप में भाग लिया।
- सुनिधि कुमारी (एयर राइफल) बी.कॉम (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष, ने 67 वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप में भाग लिया।

- सुनिधि कुमारी (एयर राइफल) बी.कॉम (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष, ने भारतीय टीम के लिए चयन ट्रायल में भाग लिया।
- विनय प्रताप सिंह (शॉटगन ट्रैप) बी.कॉम (ऑनर्स) प्रथम वर्ष, अमीर ग्रां प्री-ट्रैप (19-20 फरवरी, 2025) में अंतर्राष्ट्रीय शूटिंग शॉटगन ट्रैप में भाग लिया।
- कुशल रेड्डी (25 मी.ट. रैपिड फायर पिस्टल) बी.कॉम (ऑनर्स) प्रथम वर्ष ने 25 मी.ट. रैपिड फायर पिस्टल राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में दूसरा स्थान प्राप्त किया है ।
- उत्कर्ष कौशिक (एयर राइफल) बी.एस.सी. रसायन-विज्ञान (ऑनर्स) प्रथम वर्ष ने 67 वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप में भाग लिया।
- उत्कर्ष कौशिक (एयर राइफल) बी.एस.सी. केमिस्ट्री (ऑनर्स) प्रथम वर्ष ने इंटर महाविद्यालय शूटिंग चैंपियनशिप में चौथा स्थान प्राप्त किया है।
- राम (एयर पिस्टल) बी.कॉम (ऑनर्स) प्रथम वर्ष, ने 67 वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप में भाग लिया।
- राम (एयर पिस्टल) बी.कॉम (ऑनर्स) प्रथम वर्ष, ने इंटर-महाविद्यालय शूटिंग चैम्पियनशिप में भाग लिया।
- उन्नति चौधरी (एयर पिस्टल) सीएस (ऑनर्स) प्रथम वर्ष, ने राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप में भाग लिया।
- उन्नति चौधरी (एयर पिस्टल) सीएस (ऑनर्स) प्रथम वर्ष ने राज्य शूटिंग चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।
- सत्यम कुशवाहा (एयर पिस्टल) बी.कॉम (ऑनर्स) प्रथम वर्ष, राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप में भाग ले चुके हैं
- दीक्षा रोहिल्ला (एयर पिस्टल) इंजी (ऑनर्स) प्रथम वर्ष, ने राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप में भाग लिया।
- रोहिल्ला (एयर पिस्टल) इंजी (ऑनर्स) प्रथम वर्ष ने राज्य शूटिंग चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता।
- गुल शर्मा (एयर राइफल) इंजी (ऑनर्स) प्रथम वर्ष, ने राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप में भाग लिया।
- विनय प्रताप सिंह चंद्रावत (ट्रैप) बी.कॉम (ऑनर्स) प्रथम वर्ष ने राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।
- विनय प्रताप सिंह चंद्रावत (ट्रैप) बी.कॉम (ऑनर्स) प्रथम वर्ष, ने अन्तर्राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप में भाग लिया।

- कुशल रेड्डी (रैपिड फायर) बी.कॉम (ऑनर्स) प्रथम वर्ष ने राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप में रजत पदक जीता है
- अविनाश चौधरी इतिहास (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष, ने अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय स्क्वैश चैम्पियनशिप में भाग लिया।
- ऑल इंडिया स्क्वैश यूनिवर्सिटी गेम में दूसरा स्थान प्राप्त किया है ।
- अनुभव मलिक सीएस (ऑनर्स) प्रथम वर्ष ने अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय स्क्वैश चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता।
- नमन अरोड़ा बी.कॉम (ऑनर्स) तृतीय वर्ष ने अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय टेबल टेनिस चैम्पियनशिप में भाग लिया।
- नमन अरोड़ा बी.कॉम (ऑनर्स) तृतीय वर्ष ने इंटर महाविद्यालय टेबल टेनिस चैंपियनशिप में रजत पदक जीता।
- मौली शर्मा बी.ए. इको (ऑनर्स) तृतीय वर्ष ने तृतीय राजस्थान टेबल टेनिस चैम्पियनशिप में भाग लिया है ।
- मौली शर्मा बी.ए. इको (ऑनर्स) तृतीय वर्ष ने डब्ल्यूटीटी यूथ कंटेंडर चैम्पियनशिप दुबई में भाग लिया।
- कनव कौशिक_बी.कॉम (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष के छात्र ने इंटर महाविद्यालय टेबल टेनिस चैंपियनशिप में रजत पदक जीता।
- कनव कौशिक बी.कॉम (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष, राष्ट्रीय टेबल टेनिस चैम्पियनशिप में भाग लिया है
- अकलेश खजूरिया बी.ए. (पी.) द्वितीय वर्ष ने राज्य टेबल टेनिस चैंपियनशिप में रजत पदक जीता।
- अकलेश खजूरिया बी.ए. (पी.) द्वितीय वर्ष ने इंटर महाविद्यालय टेबल टेनिस चैंपियनशिप में रजत पदक जीता।
- अकलेश खजूरिया बी.ए. (पी.) द्वितीय वर्ष, ने राष्ट्रीय टेबल टेनिस चैम्पियनशिप में भाग लिया।
- मान्यता कपूर बी.ए. इको (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष ने नॉर्थ इंटर यूनिवर्सिटी गेम्स में कांस्य पदक जीता।
- मान्यता कपूर बी.ए. इको (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष ने अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय खेलों में अर्हता प्राप्त की है और भाग लिया।

- मान्यता कपूर बी.ए. इको (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष ने खेलो इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी गेम्स के लिए क्वालीफाई कर लिया है।
- युवराज सिंह बी.ए. इको (ऑनर्स) प्रथम वर्ष, ने दिल्ली राज्य और अंतर-जिला टेबल टेनिस चैम्पियनशिप अंडर-19 श्रेणी में भाग लिया।
- युवराज सिंह बी.ए. इको (ऑनर्स) प्रथम वर्ष, ने जिला स्तरीय टेबल टेनिस चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।
- युवराज सिंह बी.ए. इको (ऑनर्स) प्रथम वर्ष, ने इंटर महाविद्यालय चैंपियनशिप में रजत पदक जीता।

प्रकाशन

- *फोगट, पी., बंसल, ए., नैन, एन., खान, एस., सासो, एल., और कुकरेती, एस. (2025)। अंतरिक्ष की खोज: कोशिका-बाह्य भीड़-भाड़ वाले वातावरण में डीएनए, प्रोटीन और लिपिड मैक्रोमोलेक्यूल्स की दृढ़ता।* बायोमॉलिक्युलर कॉन्सेप्ट्स, 16 *(1)।* https://doi.org/10.1515/bmc-2025-0053
- *कुमार, एस., कुमार, डी., उपाध्याय, सी., बंसल, एम., राठी, बी., और सिंह, पी. (2024). एक शक्तिशाली मलेरिया-रोधी यौगिक के साथ सेल्यूलोज़ नैनोक्रिस्टल्स का कार्यात्मककरण: संश्लेषण, लक्षण वर्णन और जैविक अध्ययन।* इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स, 136 *, 660।* https://doi.org/10.1016/j.ijbiomac.2024.136660
- *कुमार, आर., पंवार, एल., पंचाल, डी., जगलान, ए., वर्मा, एस., कुमार, एम., सिंह, पी., और राठी, बी. (2024). हाइड्रो- और ड्यूटेरो-डीहैलोजनीकरण अभिक्रियाएँ: सिद्धांतों और प्रथाओं का अवलोकन।* आणविक उत्प्रेरण, 572 *, 114789।* https://doi.org/10.1016/j.mcat.2024.114789
- *शर्मा, एच., कुमार, एम., भट्ट, पी.आर., सिंह, पी., और राठी, बी. (2024). जलीय माध्यम में 2-(2-ऑक्सो-2-एरिल/एल्काइलएथिल)बेंज़ोनाइट्राइल की अग्रानुक्रम अभिक्रिया द्वारा असुरक्षित अमीनो अम्ल औषधियों का धातु-रहित विविधीकरण।* रसायन-विज्ञान - एक यूरोपीय जर्नल, 30 *(61)।* https://doi.org/10.1002/chem.202402214
- *उपाध्याय, सी., भट्टाचार्य, एस., कुमार, एस., वशिष्ठ, के., झांग, एक्स., गगनॉन, डी., सिंह, पी., झान, पी., रिचर्ड, डी., राठी, बी., सिंह, एपी, और सिंह, पी. (2024). संभावित एंटीप्लास्मोडियल उम्मीदवारों के रूप में फ्लोरिनेटेड पाइपेराज़ीन-हाइड्रॉक्सीएथिलएमाइन एनालॉग्स का संश्लेषण और मूल्यांकन।* केममेडकेम *।* https://doi.org/10.1002/cmdc.202400616

- *सेठी, ए., और राठी, बी. (2024). दवा खोज में कृत्रिम बुद्धिमता: एक मृगतृष्णा या एक नखलिस्तान?* ड्रग डिस्कवरी टुडे, 29 *(6), 103994.* https://doi.org/10.1016/j.drudis.2024.103994

- *जियांग, एक्स., गाओ, जेड., शर्मा, पीपी, कुमार, एस., राठी, बी., जी, एक्स., दाई, जे., ज़ी, एम., डोंग, जी., जू, एस., डी क्लर्क, ई., पैनेकोउके, सी., डिक, ए., झान, पी., और लियू, एक्स. (2024). बेहतर एंटीरेट्रोवाइरल गतिविधि और चयापचय स्थिरता वाले नए एचआईवी कैप्सिड मॉड्यूलेटर के रूप में कम आणविक भार वाले फेनिलएलनिन व्युत्पन्नों की खोज।* जर्नल ऑफ मेडिकल वायरोलॉजी, 96 *(4)।* https://doi.org/10.1002/jmv.29594

- *देवी, के., चंद्रा, ए., कुमार, वी., ओथायोथ, जे., राठी, बी., और गोयल, वी.के. (2024). प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम डाइहाइड्रोफोलेट रिडक्टेस (पीएफ डीएचएफआर) के नए पेप्टाइड अवरोधकों की पहचान: आणविक डॉकिंग और एमडी सिमुलेशन अध्ययन।* जर्नल ऑफ बायोमॉलिक्युलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स , *1-11।* https://doi.org/10.1080/07391102.2024.2335288

- *सिंह, एस., वर्मा, पी., गौर, एम., भाटी, एल., मदन, आर., शर्मा, पीपी, रावत, ए., राठी, बी., और सिंह, एम. (2025)।* माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के विरुद्ध एक नवीन टीएलआर2-मध्यस्थ बहु-एपिटोप वैक्सीन का सिलिको में विकास / सिलिको फार्माकोलॉजी में, 13 *(1)।* https://doi.org/10.1007/s40203-025-00322-8

- *कुमारी, एम., राठी, बी., और सिंह, जी. (2025). स्तन कैंसर में ERK2 को लक्षित करने के लिए एपिकैटेचिन एक संभावित हिट के रूप में: आणविक डॉकिंग, आणविक गतिशील सिमुलेशन अध्ययन।* यूरेकामैग /

- *कुमारी, एम., राठी, बी., और सिंह, जी. (2025)। स्तन कैंसर के उपचार के लिए PARP-1 अवरोधकों का विकास: शक्तिशाली फाइटोकेमिकल्स की सिलिको में जाँच।* जर्नल ऑफ इंटीग्रेटेड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 13 *(3)।* https://doi.org/10.62110/sciencein.jist.2025.v13.1062

- *ज़ाहेदीफ़ार्ड, एफ., बंसल, एम., शर्मा, एन., कुमार, एस., शेन, एस., सिंह, पी., राठी, बी., और ज़ोल्टनर, एम. (2024). फेनोटाइपिक स्क्रीनिंग से एंटीलीशमैनियल गतिविधि वाले एक अत्यधिक चयनात्मक फ़्थैलिमाइड-आधारित यौगिक का पता चलता है।* पीएलओएस नेग्लेक्टेड ट्रॉपिकल डिज़ीज़, 18 *(3), e0012050।* https://doi.org/10.1371/journal.pntd.0012050

- *कुमार, एस., अरोड़ा, एस., कुलश्रेष्ठ, यू., और कुलश्रेष्ठ, डीएस (2025)। गैर-न्यूनतम गुरुत्वाकर्षण में बोसोन तारे।* शास्त्रीय और क्वांटम गुरुत्वाकर्षण / https://doi.org/10.1088/1361-6382/adbed3

- *शर्मा, एस. (2024). संयोजन मॉडल: एक अंतर्राष्ट्रीय तुलना।* मुद्रा जर्नल ऑफ फाइनेंस एंड अकाउंटिंग, 11 *(2), 119-140.* https://doi.org/10.17492/jpi.mudra.v11i2.1122407

- *मिश्रा, जी., और खंडूजा, वी. (2024). कंप्यूटर-सहायता प्राप्त निदान प्रदान करने वाली सुरक्षित टेलीमेडिसिन: एक व्यवस्थित समीक्षा और विश्लेषण।* एसएन कंप्यूटर विज्ञान, 5 *(5)।* https://doi.org/10.1007/s42979-024-02923-0
- *मिश्रा, जी., और खंडूजा, वी. (2024). वैश्विक स्वास्थ्य सेवा परिवर्तन के लिए सुरक्षित और टिकाऊ टेलीमेडिसिन ढाँचा। एम.ए. आलम, एफ. सिद्दीकी, एस. ज़फ़र, और आई. हुसैन (सं.),* डिजिटल, स्मार्ट और सतत विकास के लिए आईसीटी पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआईडीएसएसडी 2024) की कार्यवाही: सतत प्रौद्योगिकियों और कंप्यूटिंग में नवाचार *। स्प्रिंगर, सिंगापुर।* https://doi.org/10.1007/978-981-97-7831-7_27
- *खंडूजा, ए., खंडूजा, वी., और चौधरी, डी. (2024). दृष्टि: स्थायी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग करके दृष्टिबाधितों का सशक्तिकरण। एम.ए. आलम, एफ. सिद्दीकी, एस. ज़फ़र, और आई. हुसैन (सं.),* डिजिटल, स्मार्ट और सतत विकास के लिए आईसीटी पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआईडीएसएसडी 2024) की कार्यवाही: सतत प्रौद्योगिकियों और कंप्यूटिंग में नवाचार *। स्प्रिंगर, सिंगापुर।* https://doi.org/10.1007/978-981-97-7831-7_28
- *जैन, एम., कौर, एच., गुप्ता, बी., गेरा, जे., और कालरा, वी. (2025)। डोमेन-विशिष्ट शब्दावली के गतिशील विकास के लिए वृद्धिशील शिक्षण एल्गोरिथ्म, इसकी स्थिरता और प्लास्टिसिटी विश्लेषण के साथ।* साइंटिफिक रिपोर्ट्स, 15 *(1)।* https://doi.org/10.1038/s41598-024-78785-6
- *प्रजापत, एस., कुमार, डी., और कुमार, पी. (2025)। स्वास्थ्य सेवा नेटवर्क में सुरक्षित संचार के लिए क्वांटम इमेज एन्क्रिप्शन प्रोटोकॉल।* क्लस्टर कंप्यूटिंग, 28 *(3)।* https://doi.org/10.1007/s10586-024-04743-6
- *प्रजापत, एस., कुमार, पी., कुमार, डी., दास, ए.के., हुसैन, एम.एस., और रोड्रिग्स, जे.जे.पी.सी. (2024). ब्लॉकचेन का उपयोग करके चिकित्सा वस्तुओं के इंटरनेट के लिए क्वांटम सुरक्षित प्रमाणीकरण योजना।* आईईईई इंटरनेट ऑफ थिंग्स जर्नल, 11 *(23), 38496-38507।* https://doi.org/10.1109/jiot.2024.3448212
- *गोयल, एस. (2022). ग्रामीण भारत में महिलाओं के काम के पैमाने और प्रकृति पर घरेलू स्तर पर गैर-कृषिकरण का प्रभाव।* इंडियन जर्नल ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स, 65 *(4), 1053-1082.* https://doi.org/10.1007/s41027-022-00416-3
- *रंजन, के., मोरिस, जेएवी, दीक्षित, एम., नून्स, एल.सी., रोड्रिग्स, एफ.पी., म्यूहलमैन, एल.ए., शुक्ला, पी., और पोकास-फोंसेका, एम.जे. (2024).* क्रिप्टोकोकस *और* कैंडिडा प्रजातियों पर फोटोडायनामिक थेरेपी की एंटीफंगल प्रभावकारिता स्ट्रेप्टोमाइसेस *प्रजाति के अर्क द्वारा इन विट्रो में बढ़ाई जाती है ।* लेज़र्स इन मेडिकल साइंस, 39 *(1), 225.* https://doi.org/10.1007/s10103-024-04204-x

- *विनय, एन., बाजपेयी, ए., और कौल, एम. (2025)। भारत के आंध्र प्रदेश जैसे औद्योगिक राज्य में बिजली क्षेत्र में ऊर्जा परिवर्तन का पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन पर प्रभाव: विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए जीवन चक्र मूल्यांकन दृष्टिकोण और नीति दिशा।* नवीकरणीय ऊर्जा, *122909।* https://doi.org/10.1016/j.renene.2025.122909
- *चौधरी, ए., कौर, एच., अवस्थी, एस., कौल, एम., मेहता, एस., और हुसैन, ए. (2024). क्रोमियम के प्रबंधन के लिए तकनीकी प्रगति: पौधों के लिए एक अपरिहार्य प्रदूषक।* बायोकैटेलिसिस और कृषि जैव प्रौद्योगिकी, 63 , *103466।* https://doi.org/10.1016/j.bcab.2024.103466
- *यादव, ए.के., शेखर, एस., नाज़, ए., कौल, एम., यादव, एच.के., कुमार, पी., और चौधरी, ए. (2024). भूजल में संभावित विषैले तत्व: उत्तरी दिल्ली के कुछ हिस्सों में स्वास्थ्य के लिए एक खतरा।* भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की कार्यवाही / https://doi.org/10.1007/s43538-024-00358-y
- *शर्मा, एन., यादव, जी., कौल, एम., जोशी, एन.सी., और मिश्रा, ए. (2024). आर्सेनिक तनाव के तहत पौधों की वृद्धि को बढ़ावा देने में* ज़िहेंगलिउएला प्रजाति आईएसटीपीएल4 द्वारा प्राप्त द्वितीयक उपापचयजों का महत्व। साउथ अफ्रीकन जर्नल ऑफ बॉटनी, 174 , *383-392।* https://doi.org/10.1016/j.sajb.2024.08.051
- *शर्मा, एल., बागड़ी, एच., बुलसारा, एच.पी., और लोडालिया, आर. (2025)। जेनरेशन ज़ेड के सामाजिक उद्यमशीलता के इरादों में व्यक्तित्व लक्षणों की प्रेरणा: लैंगिक की भूमिका।* सोसाइटी एंड बिज़नेस रिव्यू / https://doi.org/10.1108/sbr-04-2024-0116
- *शर्मा, एल., त्रिवेदी, एम., बागड़ी, एच., और बुलसारा, एच.पी. (2024). हरित खाद्य उत्पाद खरीद इरादे पर उत्पाद उपलब्धता और सोशल मीडिया का प्रभाव।* एशिया-प्रशांत जर्नल ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन / https://doi.org/10.1108/apjba-04-2024-0208
- *शर्मा, एल., बागड़ी, एच., और गोस्वामी, जी. (2024). पश्चिमी भारत के सूरत शहर में आजीविका और जीवन की गुणवत्ता पर जल जीवन मिशन के प्रभावों को समझना: एक पीएलएस-एसईएम-आधारित अध्ययन।* इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पब्लिक लॉ एंड पॉलिसी, 1 *(1)।* https://doi.org/10.1504/ijplap.2024.10064003
- *हसनु, एस. (2024). भारत में विमानन: एक ऐतिहासिक अवलोकन.* शोधकोश जर्नल ऑफ विजुअल एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स, 5 *(6), 1894-1898.* https://doi.org/10.29121/shodhkosh.v5.i6.2024.2745
- *कुमार, ए., सावनूर, एमआरएस, सिंह, एस.के., सिंह, जे., भट्टाचार्य, एस., असनानी, के., कुमार, बी., कुमार, एम., और कुमार, एस. (2025)। सिल्वर नैनोकण-उत्प्रेरित अभिक्रियाओं में हालिया प्रगति।* केमिस्ट्रीसेलेक्ट, 10 *(5)।* https://doi.org/10.1002/slct.202403655

- *खान, एमएमए, जीशान, एन., वाधवा, डी., अहमद, एस., और कुमार, एम. (2025)। पॉलीविनाइल क्लोराइड मिश्रित सिलिकॉन कार्बाइड द्वारा अति लवणीय जल का विलवणीकरण: एक संकर बहुक्रियाशील नैनोकोटेड झिल्ली।* जर्नल ऑफ एप्लाइड पॉलिमर साइंस, 18 *, 1-8।* https://doi.org/10.1002/app.57066
- *मीना, ओ.पी., लोहानी, एम., सेन, एस., मिश्रा, डी., और अग्रवाल, आर. (2025)। एक चपटे प्राथमिक के साथ CR3BP में एक परीक्षण कण की गतिकी में फूरियर श्रेणी का अनुप्रयोग।* इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नॉन-लीनियर मैकेनिक्स, 172 *(207), 105030।* https://doi.org/10.1016/j.ijnonlinmec.2025.105030
- *मीना, ओ.पी., सचान, पी., प्रताप, आर., और मीना, पी. (2025)। कोपेनहेगन समस्या में गैर-गोलाकार प्राथमिक कक्षाओं के साथ आवर्ती कक्षाओं की गतिशीलता।* खगोल विज्ञान और कंप्यूटिंग, *100932।* https://doi.org/10.1016/j.ascom.2025.100932
- *मीना, ओ.पी., अग्रवाल, एच., मिश्रा, एच., शॉ, के., और अग्रवाल, आर. (2024). गोलाकार प्राथमिक ग्रहों के साथ CR3BP में आवर्ती कक्षाओं की खोज के लिए फूरियर श्रृंखला पद्धति।* खगोल विज्ञान रिपोर्ट, 68 *(12), 1317-1334।* https://doi.org/10.1134/s1063772924600365
- *पांडे, ए., मित्तल, ए., और सिंह, एम. (2024). ब्राज़ीलियाई प्रतिभूति बाज़ारों के लिए मौसमी विसंगतियों और अस्थिरता के पैटर्न की जाँच।* इंडियन जर्नल ऑफ़ फ़ाइनेंस, 18 *(5), 35-49।* https://doi.org/10.17010/ijf/2024/v18i5/173841
- *मित्तल, ए., मित्तल, ए., दास, एच., जोशी, डी., और शीट, एस. (2024). कच्ची मुद्रा: तेल की कीमतों और विनिमय दरों के बीच अंतर्संबंध पर एक आर्थिक परिप्रेक्ष्य।* अर्थशास्त्र, भारतीय अर्थशास्त्र एवं अनुसंधान जर्नल, 13 *(3), 28-47।* https://doi.org/10.17010/aijer/2024/v13i3/173833
- *शुक्ला, के. (2024). न्यायसूत्र तंत्रयुक्ति नाम .* शोधप्रज्ञा , 23 *(11), 25-32.*
- *पेरीवाल, एन., अरोड़ा, पी., ठाकुर, ए., अग्रवाल, एल., गोयल, वाई., राठौर, ए.एस., आनंद, एच.एस., कौर, बी., और सूद, वी. (2024). प्रभावी फ़ीचर चयन तकनीकों के साथ मशीन लर्निंग का उपयोग करके एंटीप्रोटोज़ोअल पेप्टाइड भविष्यवाणी।* हेलियॉन, 10 *(16), e36163।* https://doi.org/10.1016/j.heliyon.2024.e36163
- *मिश्रा, जी., श्रीवास्तव, के., रईस, जे., दीक्षित, एम., कुमारी सिंह, वी., और चंद्रा मिश्रा, एल. (2024). CRISPR-Cas9: कैंसर के इलाज के लिए एक शक्तिशाली जीन-संपादन उपकरण।* करेंट मॉलिक्यूलर मेडिसिन, 24 *(2), 191-204।* https://doi.org/10.2174/1566524023666230213094308

- *मिश्रा, एल.सी., मेहरा, वी., सिंह, टी., और मिश्रा, जी. (2024). ऑन्कोलॉजी में अनुप्रयोग के लिए रेडियोलेबल मेथियोनीन एनालॉग्स।* अफ्रीकन जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज, 6 *(10), 2124-4135।*
- *दिनोदिया, एम. (2023)। दृश्य प्रकाश-प्रवर्तित कार्बनिक परिवर्तनों पर एक हालिया अद्यतन: एक लघु-समीक्षा।* करेंट ऑर्गेनिक सिंथेसिस, 21 *(8), 965-975।* https://doi.org/10.2174/1570179421666230828103508
- *अंबिका, एन., और सिंह, पीपी (2025). डैबको-आधारित आयनिक द्रव: एन-प्रतिस्थापित 2-नाइट्रोफेनिलएमाइन के संश्लेषण के लिए एक अपरंपरागत उत्प्रेरक।* लेटर्स इन ऑर्गेनिक केमिस्ट्री, *22.* https://doi.org/10.2174/0115701786359672241226141225
- *चौधरी, ए., कुमार, वी., शुक्ला, ए., सिंह, वाई.पी., और त्रिपाठी, टी. (2024). द्रव्यमान 98 < A < 118 में ज्वारीय तरंग व्यवहार का पुनः परीक्षण।* बल्गेरियाई जर्नल ऑफ फिजिक्स, 51 *(4), 411-420।*
- *गंगवार, एस., रावत, सी., कुमार, वाई., जैन, पी., जायसवाल, वी.के., साहा, एस., और शर्मा, पी. (2024). निम्न-क्रम कला तत्वों के संयोजन द्वारा उच्च-क्रम लैगुएरे-गॉसियन किरणों का निर्माण।* इंडियन जर्नल ऑफ प्योर एंड एप्लाइड फिजिक्स, 62 *(8), 638-641।* https://doi.org/10.56042/ijpap.v62i8.10444
- *कुमार, एस., सिंह, एन., और कुमार, एस. (2024). एक्स-बैंड विद्युत चुम्बकीय व्यतिकरण परिरक्षण के लिए लिथियम-प्रतिस्थापित मैग्नीशियम फेराइट-पॉलीएनिलिन नैनोकंपोजिट।* जर्नल ऑफ मैटेरियल्स रिसर्च, 39 *(19), 2674-2683।* https://doi.org/10.1557/s43578-024-01415-4
- *ढींगरा, बी., सैनी, एम., यादव, एम., कुमार, जी., और कुमार, पी. (2025)। आसियान-5, प्रमुख विकसित और विकासशील बाजारों के बीच वैश्विक वित्तीय अंतर-निर्भरता की खोज।* द जर्नल ऑफ इकोनॉमिक एसिमेट्रीज़, 31 *, e00398।* https://doi.org/10.1016/j.jeca.2024.e00398
- *सोलंकी, डी., देवी, पी., दलाल, एच., सेहरावत, एन., कुमार, एम., कुमार, एस., और मलिक, आर.के. (2024). ठोस अवस्था प्रकाश और सुप्त फिंगरप्रिंटिंग अनुप्रयोगों के लिए Dy(III) डोप्ड Ca0.5Bi3P2O10 नैनोफ़ॉस्फ़र के संरचनात्मक और प्रकाशमान गुण।* जर्नल ऑफ़ फ़्लोरोसेंस *।* https://doi.org/10.1007/s10895-024-03863-x
- *सेठी, एस., और दस्तीदार, ए.जी. (2023)। क्या सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में शासन महत्वपूर्ण है? भारतीय राज्यों से साक्ष्य।* ओडिशा इकोनॉमिक जर्नल, 56 *(1), 151-173।*
- *कुमार, एस., कुमार, ए., गुप्ता, पी., प्रसाद, आरपी, और कुमार, पी. (2024). फीडबैक सक्रिय नियंत्रण तकनीकों का उपयोग करके आंशिक व्युत्पन्न विश्लेषण के साथ अराजक उपग्रह*

प्रणालियों का समन्वय। सममिति, 16 *(10), 1319।* https://doi.org/10.3390/sym16101319

- *ओकराम, ए., सिंह, ए.के., और सिंह, एम. (2025)। कुशल प्रकाश उत्प्रेरक अनुप्रयोगों के लिए सिस्टीन और मुर्गी के अंडे की सफेदी से बने सह-आवरण वाले Ag-नैनोक्लस्टर।* जर्नल ऑफ सोल-जेल साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 114 *, 612-624।* https://doi.org/10.1007/s10971-025-06720-w
- *शीतल, एन., सिंह, ए.के., कुंडू, एस., कौर, डी.एम., ठाकुर, एस., पानी, बी., और सिंह, एम. (2025)। संक्षारण निरोध में चाकोजेन्स की भूमिका: एक व्यापक समीक्षा।* इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री कम्युनिकेशंस, 175 *, 114085।* https://doi.org/10.1016/j.inoche.2025.114085
- *कुंडू, एस., आकांक्षा, शीतल, ठाकुर, एस., कुमार, वी., पानी, बी., और सिंह, ए.के. (2025)। नैनो फेराइट्स पर एक आलोचनात्मक समीक्षा, जो विभिन्न संक्षारक वातावरणों में विभिन्न धातुओं/मिश्रधातुओं के प्रति संक्षारण अवरोधन में एक क्रांतिकारी बदलाव का नेतृत्व करती है।* जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल केमिकल इंजीनियरिंग, 13 *(1), 115277.* https://doi.org/10.1016/j.jece.2024.115277
- *डिमंगईहवुंगी, ई., सिंह, ए.के., पानी, बी., सिंह, ए.के., और सिंह, एम. (2025)। बहु-अनुप्रयोगों के लिए अति-स्थिर लचीले पारदर्शी इलेक्ट्रोड के रूप में पॉलीइमाइड संसेचित सिल्वर नैनोवायर-टाइटेनियम ऑक्साइड कोर-शेल नैनोस्ट्रक्चर।* जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल एंड इंजीनियरिंग केमिस्ट्री, 142 *, 262-271।* https://doi.org/10.1016/j.jiec.2024.07.032
- *क़ादरी, टीडब्ल्यू, अकपन, ईडी, एलुगोके, एसई, ओलासुनकनमी, एलओ, शीतल, एन., सिंह, ए.के., पानी, बी., टुटेजा, जे., शुक्ला, एस.के., वर्मा, सी., लागाज़, एच., अनादेबे, वीसी, बारिक, आरसी, गुओ, एल., अल-फ़ंताज़ी, ए., मोथुडी, बी.ए.म, और एबेन्सो, ईई (2025)। आणविक समन्वय और संक्षारण अवरोधकों के अवशोषण तक पहुँचने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग पर अत्याधुनिक प्रगति।* एप्लाइड फ़िज़िक्स रिव्यूज़, 12 *(1), 011302.* https://doi.org/10.1063/5.0228503
- *डिमंगईहवुंगी, ई., चांगकाकोटी, पी., सिंह, एम., सिंह, ए.के., पानी, बी., और सिंह, ए.के. (2025)। उच्च-प्रदर्शन वाले लचीले पारदर्शी हीटर के रूप में उपयोग के लिए पॉलीइमाइड में एम्बेडेड मोलिब्डेनम ऑक्साइड-आवरित सिल्वर नैनोवायर फ़िल्में।* सरफेसेस एंड इंटरफेसेस, 56 *, 105582।* https://doi.org/10.1016/j.surfin.2024.105582
- *शीतल, कुंडू, एस., ठाकुर, एस., सिंह, ए.के., सिंह, एम., पानी, बी., और साजी, वी.एस. (2023)। संक्षारण निगरानी के लिए विद्युत-रासायनिक तकनीकों की समीक्षा - मूल सिद्धांत और शोध अद्यतन।* विश्लेषणात्मक रसायन-विज्ञान में आलोचनात्मक समीक्षा, 55 *(1), 161-186।* https://doi.org/10.1080/10408347.2023.2267671

- *शीतल, एन., सिंह, ए.के., मंसूर, ए.ए., ठाकुर, एस., पानी, बी., सिंह, एम., और साल्घी, आर. (2024). विषमचक्रीय यौगिकों की सुगंध और उनका संक्षारण निरोधक गुण: प्रायोगिक और सैद्धांतिक विश्लेषण।* लैंगमुइर, 40 *(41), 21675-21692।* https://doi.org/10.1021/acs.langmuir.4c02707
- *शीतल, एन., सिंह, ए.के., अनादेबे, वी.सी., सिंह, एम., अरशद, एन., बारिक, आर.सी., कुरैशी, मौर, क़ादरी, टी.डब्ल्यू., अकपन, ई.डी., ओलासुनकनमी, एल.ओ., शुक्ला, एस.के., टुटेजा, जे., ठाकुर, एस., पानी, बी., और एबेन्सो, ई.ई. (2024). चाल्कोन और व्युत्पन्नों का समन्वय रसायन-विज्ञान और संक्षारण अवरोधकों के रूप में उनका उपयोग: एक व्यापक समीक्षा।* समन्वय रसायन-विज्ञान समीक्षा, 517 , *215985।* https://doi.org/10.1016/j.ccr.2024.215985
- *शीतल, एन., ठाकुर, एस., पानी, बी., सिंह, ए.के., और सिंह, एम. (2024). माइल्ड स्टील/0.5 M H2SO4 विलयन इंटरफेस पर बेंजाइलिडीन चिटोसन व्युत्पन्नों के अधिशोषण व्यवहार का मूल्यांकन।* इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री कम्युनिकेशंस, 166 , *112668।* https://doi.org/10.1016/j.inoche.2024.112668
- *डिमंगईहवुंगी, ई., कुमार, एम., सिंह, ए.के., पानी, बी., सिंह, ए.के., और सिंह, एम. (2024). लचीले पारदर्शी हीटर के लिए मानक पॉलीओल संश्लेषण के बाद बचे कचरे को पुनर्चक्रित करके सिल्वर नैनोवायर का बहुविध संश्लेषण।* ताइवान इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल इंजीनियर्स जर्नल, 161 , *105529।* https://doi.org/10.1016/j.jtice.2024.105529
- *सिंह, ए.के. (2024). माइल्ड स्टील/0.5 M H2SO4 इंटरफ़ेस पर एक्सपायर हो चुके आइसोनियाज़िड संशोधित बेंज़ोथियाज़ोल 2-कार्बोक्साल्डिहाइड के संक्षारण अवरोधन व्यवहार की समझ।* मैटेरियल्स केमिस्ट्री एंड फिजिक्स, 319 , *129323।* https://doi.org/10.1016/j.matchemphys.2024.129323
- *अंबेडकर, जी.आर., सिंह, सी., और सरकार, बी. (2024). मुद्रास्फीति और अभावों के तहत माँग में तेज़ी से वृद्धि के लिए दो उत्पादों के प्रतिस्थापन के मॉडल का अनुकूलन।* RAIRO - ऑपरेशन्स रिसर्च, 58 *(5), 4373-4393।* https://doi.org/10.1051/ro/2024081
- *सिंह, सी., अंबेडकर, जी.आर., कोहली, जे., और टिहरी, आर. (2024). दो उत्पादों के प्रतिस्थापन के तहत समय पर निर्भर मांग वाली अपूर्ण वस्तुओं के लिए ईओक्यू मॉडल का विश्लेषण।* यूगोस्लाव जर्नल ऑफ ऑपरेशंस रिसर्च, 00 , *45.* https://doi.org/10.2298/yjor230415045s
- *शर्मा, आर., बहादुर, आई., कटाटा-सेरू, एल., मोहम्मद, एफ., सिंह, एस.के., सिंह, पी., और कुमार, वी. (2024). एल-वैलिन/ग्लाइसिल-एल-वैलिन और जल + 1-डेसिल-3-मिथाइलइमिडाज़ोलियम ब्रोमाइड के त्रिगुण मिश्रणों की संरचनात्मक व्याख्या: अनंत तनुकरण*

और प्रसार पर स्पष्ट मोलर गुण। एशिया-पैसिफिक जर्नल ऑफ केमिकल इंजीनियरिंग, 19 *(4), e3086।* https://doi.org/10.1002/apj.3086

- *गुप्ता, एस., विकास, एस., और माथुर, ए. (2024). पेशेवरों के बीच दूरस्थ कार्य गतिशीलता और कार्य-जीवन संतुलन: भारत में एक अनुभवजन्य अन्वेषण।* INSPA जर्नल ऑफ एप्लाइड एंड स्कूल साइकोलॉजी, 5 *(विशेष अंक), 235-248।*
- *कुमार, के. (2024). भारतीय उपमहाद्वीप की संस्कृतियों में नृत्य कला का विकास.* ĀMNĀYIKĪ, 25 *(2).*
- *कुमार, के. (2024). सोमवंशियों के अधीन राज्य निर्माण (10वीं-12वीं शताब्दी ई.): एक पुरालेखीय अध्ययन.* जूनी ख्यात *, (जनवरी-जून).*
- *कुमार, के. (2024). भारतीय उपमहाद्वीप में शास्त्रीय नृत्य का उद्भव और विकास.* मध्य भारती, 86 *(जनवरी-जून).*
- *कुमार, के. (2024). दक्षिण कोशल के कालकुरियों के अधीन बस्तियों के स्वरूप (10वीं-12वीं शताब्दी ई.): एक पुरालेखीय अध्ययन.* तारीख़ -अदब उर्दू, 6 *(4).*
- *कुमार, के. (2024). प्राचीन धार्मिक ग्रंथों में तीर्थयात्रा और तीर्थ स्थल.* गगनांचल, 47 *(4-5).*
- *सिंह, एस., निराला, एस.के., कुमार, डी., शुक्ला, एस., श्रीवास्तव, एस., और भदौरिया, एम. (2024). प्रोपोलिस अर्क के सिल्वर नैनोकणों का भौतिक-रासायनिक लक्षण वर्णन और इन विट्रो जैविक क्रियाविधि।* बायोनैनोसाइंस, 14 *(3), 2181-2196।* https://doi.org/10.1007/s12668-024-01469-y
- *कौर, जे., अग्रवाल, जे., बेहरा, एम., दहिया, टी.आर., कुमार, डी., और धनिया, एन.के. (2025)। आकार बहिष्करण क्रोमैटोग्राफी: कीट हीमोलिम्फ से hsEV पृथक्करण के लिए एक कुशल उपकरण।* जर्नल ऑफ क्रोमैटोग्राफी बी, *124570।* https://doi.org/10.1016/j.jchromb.2025.124570
- *राहुल, के., मकवाना, पी., इतो, के., सुभद्रा, बी., कुमार, डी., और पप्पाचन, ए. (2025)। इलेक्ट्रॉनिक कचरा: कीटों पर इसका प्रभाव। एम. चौधरी, एस. गोस्वामी, और एस. अग्रवाल (सं.),* इलेक्ट्रॉनिक कचरा: स्वास्थ्य, पशुओं और पर्यावरण पर प्रभाव *(पृष्ठ 72-78)।* https://doi.org/10.1201/9781003582311
- *कुमार, के., कुमार, एस., प्रजापति, डी., समीर, एस., थापा, एस., और कुमार, आर. (2025)। एस-आकार की पसलियों से खुरदुरा सौर तापीय संग्राहक: एएचपी-एमएबी.ए.सी तकनीक का उपयोग करके पैरामीट्रिक अनुकूलन।* द्रव, 10 *(3), 67.* https://doi.org/10.3390/fluids10030067

- *ठाकुर, आर., कश्यप, टी., कुमार, आर., सैनी, आर.के., ली, डी., कुमार, एस., और सिंह, टी. (2024). मिनी, माइक्रो और पिको हाइड्रो टरबाइन पावर स्टेशनों के लिए टिकाऊ हरित ऊर्जा उत्पन्न करने में आर्किमिडीज़ स्क्रू की क्षमता: एक विस्तृत विश्लेषण।* एनर्जी स्ट्रैटेजी रिव्यूज़, 55 *, 101514।* https://doi.org/10.1016/j.esr.2024.101514
- *भाटिया, पी., शर्मा, एस., कुमार, एस., और येलेश्वरपु, सीएस (2024). प्रकाशीय और थर्मोप्लाज़्मोनिक विशेषताओं के लिए द्रव सीएस-कोर पर शैल पदार्थों का प्रभाव: एक सिमुलेशन दृष्टिकोण।* प्लास्मोनिक्स / https://doi.org/10.1007/s11468-024-02653-2
- *कुमार, एस., ठाकुर, आर., कुमार, एस., ली, डी., और कुमार, आर. (2024). एक फोटोवोल्टिक थर्मल सिस्टम की समग्र प्रभावशीलता पर लिक्विड स्पेक्ट्रम फ़िल्टर और सोलर ट्रैकर का प्रभाव: एक प्रायोगिक अध्ययन।* नवीकरणीय ऊर्जा, 226 *, 120390. https://doi.org/10.1016/j.renene.2024.120390*
- *अग्रवाल, एस., कुमार, आर., कुमार, एस., और सिंह, टी. (2024). फिन पदार्थ के गुणों और झुकाव कोण का निर्वातित ट्यूब सौर जल तापक की तापीय दक्षता पर प्रभाव: एक प्रायोगिक अध्ययन।* किंग सऊद विश्वविद्यालय - विज्ञान पत्रिका, 36 *(5), 103186। https://doi.org/10.1016/j.jksus.2024.103186*
- *ठाकुर, ए., कुमार, आर., ली, डी., कुमार, एस., कुमार, पी., आसिफ, एम., और अगबुलुत, यू. (2024). कंपित टर्ब्यूलेटर का उपयोग करके दोहरे मार्ग वाले सौर तापीय संग्राहक के बेहतर प्रदर्शन का मूल्यांकन।* थर्मल साइंस एंड इंजीनियरिंग प्रोग्रेस, 53 *, 102668।* https://doi.org/10.1016/j.tsep.2024.102668
- *शर्मा, पी.एल., कुमार, एस., आशिमा, ए., और धीमान, एन. (2024). 7n के मॉड्यूलो क्रमचय बहुपदों पर.* जर्नल ऑफ डिस्क्रीट मैथमेटिकल साइंसेज एंड क्रिप्टोग्राफी, 27 *(6), 1743-1751.* https://doi.org/10.47974/jdmsc-1671
- *श्रीकला, डी., कौशिक, एस.डी., और वर्मा, एम. (2024). स्पिनल ऑक्साइड पर अवलोकन: संश्लेषण और विभिन्न क्षेत्रों में अनुप्रयोग।* ठोस अवस्था का भौतिकी, 66 *(9), 327-340।* https://doi.org/10.1134/s1063783424601073

पुस्तकें एवं पुस्तक में अध्याय

- त्यागी, जे., मिश्रा, एस.के., और पाराशर, आर. (2025)। विनाइल हैलाइड्स (X = F, Cl, और Br) में CX बंध में मैग्नीशियम के प्रवेश की तुलनात्मक सैद्धांतिक जाँच। रामायण जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 18(1), 108-115।

- कुमार, एस., सिंह, ए.के., कृष्ण, बी., और कक्कड़, ए. (2025)। हिमाचल प्रदेश, भारत में जलवायु परिवर्तन और नकदी फसल की खेती: एक अनुभवजन्य विश्लेषण। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का मूल्यांकन करने के लिए बुद्धिमान समाधान। आईजीआई ग्लोबल साइंटिफिक पब्लिशिंग। https://www.igi-global.com/chapter/climate-change-and-cash-crop-farming-in-himachal-pradesh-india/374830
- शर्मा, एन., यादव, जी., वर्मा, ए., कौल, एम., और मिश्रा, ए. (2024). माइक्रोबियल कंसोर्टियम का उपयोग करके राइजोस्फेरिक मिट्टी से भारी धातुओं का उपचार। सूक्ष्म जीव-विज्ञान -2.0 अपडेट फॉर अ सस्टेनेबल फ्यूचर (पृष्ठ 57-76) में। सिंगापुर: स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर।
- कौल, एम. बांस उत्पादक (योग्यता पैक: संदर्भ आईडी AGR/Q6101) क्षेत्र: कृषि (कक्षा IX) और कक्षा (X) सामग्री लेखक एनसीईआरटी, पीएसएस केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन एनसीईआरटी की एक घटक इकाई) श्यामला हिल्स, भोपाल- 462 002, मध्य प्रदेश, भारत http://www.psscive.ac.in
- अंसारी, एम.ए., कुमार, एम., सिंह, ए., और सत्यनारायण, बी. (2024). ऊष्मागतिकी के मूल सिद्धांत: सिद्धांत और अनुप्रयोग. साइंटिफिक इंटरनेशनल पब्लिशिंग हाउस.
- भटनागर, आर. (2024). बायो-मेडिकल अनुप्रयोगों के लिए पेरोव्स्काइट मल्टीफेरोइक नैनो सामग्री. स्प्रिंगर बुक.1. बायो-मेडिकल अनुप्रयोगों के लिए पेरोव्स्काइट मल्टीफेरोइक नैनो सामग्री.
- सिंह, एस., और दिनोदिया, एम. (2024). अमीनो अम्लों और टेरपेनॉइड्स से काइरल आयनिक द्रव: संश्लेषण और अनुप्रयोग, संपादित पुस्तक "काइरल आयनिक द्रव: रसायन-विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अनुप्रयोग" (पृष्ठ 48-71)। बेंथम साइंस प्रकाशक। https://doi.org/10.2174/9789
- जैन, प्रीति रानी, और जैन, शुगन सी. (2025)। अनेकांतवाद के अनुप्रयोग: जैन बहुलवाद। मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशिंग हाउस। दिल्ली।
- सरिता यादव, यादव, डी., यादव, ए., और सिंह, एस. (प्रकाशित कार्य में)। क्लाउड ऑफ़ थिंग्स के उपयोग में चिंताएँ, खतरे और नैतिक विचार। जे. कुमार, जी.आर. गंगाधरन, ए.के. सिंह और सी.ली (संपादक), क्लाउड ऑफ़ थिंग्स: आधार, अनुप्रयोग और चुनौतियाँ। सीआरसी प्रेस, टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप।
- चौधरी, पीयूष (2025). व्यावसायिक संचार की कला: व्यावसायिक जीवन में सफलता की रणनीतियाँ, कलामोस लिटरेरी सर्विसेज़.
- आशीष कुमार सिंह: डीप यूटेक्टिक सॉल्वेंट्स, आईएसबी.ए.न: 978-0443219634
- आशीष कुमार सिंह: सॉल्यूशन-प्रोसेस्ड ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स के लिए स्तरित नैनोमटेरियल, आईएसबी.ए.न संख्या 9781032834689

- आशीष कुमार सिंह: सॉल्यूशन-प्रोसेस्ड फ्लेक्सिबल ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए उन्नत नैनोमटेरियल्स, आईएसबी.ए.न: 9781032779980
- शैलेन्द्र कुमार सिंह: डीप यूटेक्टिक सॉल्वेंट्स, आईएसबी.ए.न संख्या 978-0-443-21962-7
- सरिता, एन., यादव, डी., यादव, ए., और सिंह, एस. (2024). क्लाउड ऑफ़ थिंग्स के उपयोग में चिंताएँ, खतरे और नैतिक विचार। चैपमैन एंड हॉल/सीआरसी ई-बुक्स में (पृष्ठ 345-364)। https://doi.org/10.1201/9781003390954-20
- डॉ. शालू सैनी: वित्त में कृत्रिम बुद्धिमत्ता: भविष्य के रुझान और संभावनाएँ
- चतुर्वेदी, डी.डी., मित्तल, ए., और मित्तल, ए. (2024). व्यावसायिक अर्थशास्त्र (प्रथम संस्करण). किताब महल. आईएसबी.ए.न: 978-81-971601-4-1.
- चतुर्वेदी, डी.डी., मित्तल, ए., और मित्तल, ए. (2024). व्यावसायिक अर्थशास्त्र (प्रथम संस्करण). किताब महल. आईएसबी.ए.न: 978-81-971601-8-9.
- वर्मा, वी., सिंह, ए., कंसल, एम.के., और सिंह, एन. (2025). उच्च-आवृत्ति विद्युत अनुप्रयोगों के लिए स्पिनल नैनो-फेराइट्स. टेलर एंड फ्रांसिस. https://doi.org/10.1201/9781003568940
- शुक्ला, खुशबू (2024). अद्वैत वेदांत के प्रत्यक्ष में स्वामी विवेकानंद की उत्तर यात्राएँ . स्वामी विवेकानंद के सांस्कृतिक राष्ट्र का समग्र चिंतन , 72-76 आईएसबी.ए.न: 978-81-955846-8-0
- शुक्ला, खुशबू (2024). सिद्धांत चिन्तन की भूमि : मिथिला . संस्कृत ज्ञान परंपरा , 37-4, आईएसबी.ए.न: 978-81-972817-1-6
- शुक्ला, खुशबू (2024). कल्पवास : तीर्थराज प्रयाग में सन्यास आश्रम की जीवन्त संकल्पना . मंदिर एवं तीर्थ प्रबंधन , 171-174, आईएसबी.ए.न: 978-81-957336-6-8
- कुमारी, ए., सोनी, ए., श्रीवास्तव, आर., पांडे, आर., और भारद्वाज, ए. (2025). आरएनएआई परिदृश्यों की खोज: खोज से लेकर उभरती सीमाओं तक। https://doi.org/10.1007/978-981-97-7213-1_1
- रानी, एस., और शालू (2025)। वित्त में कृत्रिम बुद्धिमत्ता: भविष्य के रुझान और संभावनाएँ। ए. यादव, एम. आलम, और के. चौधरी (सं.), वीयूसीए जगत में एआई-संचालित वित्त। टेलर एंड फ्रांसिस समूह।
- रानी, एस., यादव, ए., सिंह, एस., छाबड़ा, एस., और यादव, डी. (2025)। शेयर बाजार और विनिमय दर की अस्थिरता पर आर्थिक नीति अनिश्चितता का प्रभाव: भारत से अनुभवजन्य साक्ष्य। एस. मैती और टी. गुप्ता (सं.), आर्थिक मंदी, बेरोजगारी और मुद्रास्फीति: एक वैश्विक दृष्टिकोण। एप्पल एकेडमिक प्रेस, टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप।

अनुसंधान परियोजनाएँ

- डीबीटी, भारत सरकार, डॉ. बृजेश राठी, गैर-मानव प्राइमेट मॉडल (रीसस बंदर) में मलेरिया-रोधी यौगिक एनआईआई-5डी की विषाक्तता, प्रभावकारिता और फार्माकोकाइनेटिक अध्ययन 99,99,148 रुपये।
- डीबीटी, भारत सरकार, डॉ. बृजेश राठी, दुर्लभ आनुवंशिक विकार चिकित्सा के लिए टीस्मॉल मॉलिक्यूल दवा खोज, 1,02,12,522 रुपये।
- डीआरडीओ, डॉ. बृजेश राठी, ब्रॉड-स्पेक्ट्रम एंटीवायरल थेरेपी के विकास के लिए नोबल मेटाबोलिक पाथवे इनहिबिटर्स को संश्लेषित करने के लिए, रुपये 23,90,774.
- एसईआरबी (आसियान-भारत अनुसंधान एवं विकास परियोजना), डॉ. बृजेश राठी, लक्ष्य आधारित स्क्रीनिंग और हाइड्रोक्सीएथाइलमाइन डेरिवेटिव्स का नवीन मलेरियारोधी के रूप में विकास, रुपये 34,00,000.
- अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ, हंसराज महाविद्यालय, डॉ. मनोज कुमार, 2-नैफ्थॉल, बेंजाइल अल्कोहल, 2-आयोडो एनिलिन और 2 हाइड्रॉक्सी बेंजामाइड का क्वांटम कम्प्यूटेशनल विश्लेषण, सह-पीआई के रूप में 50,000 रुपये।
- अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ, हंसराज महाविद्यालय, डॉ. पूजा अरोड़ा, वायरस और उनके मेजबानों को प्रभावित करने वाले जैव अणुओं को वर्गीकृत करने के लिए मशीन लर्निंग-आधारित दृष्टिकोण का उपयोग, 1,00,000 रुपये।
- आईएनएमएएस, डीआरडीओ, डॉ. लोकेश चंद्र मिश्रा, व्यापक स्पेक्ट्रम एंटीवायरल थेरेपी के विकास के लिए नोबल मेटाबोलिक पाथवे अवरोधकों को संश्लेषित करने के लिए, 23,90,774 रुपये।
- यूजीसी-डीएई-सीएसआर मुंबई, डॉ. दावुलुरी श्रीकला, जीई एमएक्ससीओ2-एक्सओ4 (एम=एनआई/एमजी) स्पिनल यौगिकों में चुंबकीय निराशा की ओर ले जाने वाले चुंबकीय विनिमय पथों का अध्ययन और उनके ऊर्जा बैंडगैप की खोज, रुपये258360 प्रति वर्ष।

दायर/स्वीकृत पेटेंट

- अंसारी, एम.ए., इकबाल, एच., और कुमार, एम. (2025, 6 जनवरी)। अपशिष्ट जल उपचार के लिए कॉम्पैक्ट फ़िल्टरेशन उपकरण (यूके पेटेंट संख्या 6413616)। यूके पेटेंट कार्यालय।
- अंसारी, एम.ए., इकबाल, एच., और कुमार, एम. (2025, 27 फ़रवरी)। एंटी-फाउलैंगिक नैनो-फ़िल्टर मेम्ब्रेन डिवाइस (भारतीय पेटेंट संख्या 441415-001)। पेटेंट कार्यालय, भारत सरकार।
- राठी, बी., शर्मा, एन., और सिंह, पी. (2025, मार्च 20)। एक एंटीपैरासिटिक यौगिक (भारतीय पेटेंट संख्या 202311028096)। भारतीय पेटेंट कार्यालय।

आयोजित संगोष्ठियां

- डॉ. संजय ढल (मैक्स अस्पताल के एक सामान्य चिकित्सक), डॉ. प्रेरणा लखवानी (फोर्टिस अस्पताल की स्त्री रोग विशेषज्ञ और ऑन्कोलॉजिस्ट) ने 9 अक्तूबर, 2024 को 'मन और शरीर के संबंध पर एक इंटरैक्टिव सत्र: मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण पर एक संवाद' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर सुवर्णो चटर्जी ने 22 अक्तूबर, 2024 को कविता, संघर्ष और आघात पर एक व्याख्यान दिया।
- एलिजाबेथ महाविद्यालय में धर्म, दर्शन और एशियाई अध्ययन के प्रोफेसर, प्रोफेसर (डॉ.) जेफरी लॉन्ग ने 6 जनवरी, 2025 को अहिंसा से परे: जैन शिक्षाएं और करुणा के अभ्यास पर एक व्याख्यान दिया।
- श्री आशीष विग (अध्यक्ष, पीएच.डी. चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री); सीए गौरव गर्ग (अध्यक्ष, उत्तरी भारत क्षेत्रीय परिषद, आईसीएआई (2023-24); सीए अनमोल गुप्ता (अध्यक्ष, जीएसटी समिति, प्रगतिशील व्यापार और उद्योग महासंघ); ने 6 मार्च, 2025 को 'ब्रेकिंग डाउन बजट 2025: भारत के विकास के लिए क्या है?' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।
- डॉ. एलिसन एशबी (ग्लोबल स्टूडेंट रिक्रूटमेंट के निदेशक, यूनिवर्सिटी ऑफ एक्सेटर, यूके) ने 7 अप्रैल, 2025 को बिजनेस बियॉन्ड प्रॉफिट पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

आयोजित सम्मेलन

- श्री अरबिंदो महाविद्यालय और हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से 21-25 अक्तूबर, 2024 तक परमाणु भौतिकी और अनुप्रयोगों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन नामक सम्मेलन आयोजित किया गया।
- "प्राकृतिक कृषि नवाचार: हरित कृषि भविष्य के लिए एआई और ड्रोन के साथ मृदा स्वास्थ्य और बीज की गुणवत्ता में वृद्धि" विषय पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 3-5 नवंबर, 2024 को गुजरात प्राकृतिक कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, हलोल; भारतीय आनुवंशिकी और पादप प्रजनन सोसाइटी, नई दिल्ली; कैम्ब्रिज अंतर्राष्ट्रीय कृषि संगठन; आईएएस, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी; अंतर्राष्ट्रीय मक्का और गेहूं सुधार केंद्र, मैक्सिको; शुष्क क्षेत्रों में कृषि अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय केंद्र; और डीवाई पाटिल कृषि और तकनीकी विश्वविद्यालय, तलसांडे के सहयोग से आयोजित किया गया।
- क्वांटम कंप्यूटिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी नामक सम्मेलन 12 नवंबर, 2024 को आयोजित किया गया।
- 5वें विश्व पर्यावरण शिखर सम्मेलन 2024 नामक सम्मेलन ईएसडीए इंडिया, डॉ. बीआर अंबेडकर महाविद्यालय, एमिटी विश्वविद्यालय, आरसीसीवीजी महाविद्यालय, आईसीएमआर नई

दिल्ली, जीडीजीयू गुरुग्राम, विला महाविद्यालय मालदीव, त्रिभुवन विश्वविद्यालय नेपाल, जेडएस बांग्लादेश के सहयोग से 16-18 नवंबर, 2024 तक आयोजित किया गया।

- भारत और विस्तारित दक्षिण (दक्षिण-पूर्व) एशियाई देशों के बीच बढ़ते सहयोग के महत्व पर पाँचवाँ एचएचआरएस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 30-31 जनवरी, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के हिमालयन अध्ययन केंद्र और नेल्सन मंडेला शांति एवं संघर्ष समाधान केंद्र के सहयोग से आयोजित किया गया। इसे राष्ट्रीय सुरक्षा जागरूकता मंच, हंसराज महाविद्यालय, आईसीएसएसआर और हिमालय हिंद महासागर राष्ट्र समूह द्वारा प्रायोजित किया गया।
- गणित में हालिया रुझानों पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 7-8 फरवरी, 2025 को आयोजित किया गया। इसे डीआरडीओ और एएनआरएफ द्वारा प्रायोजित किया गया।
- 15 फरवरी, 2025 को आपदा तैयारी, पुनर्प्राप्ति और अनुसंधान केंद्र (सीडीपीआरआर) के सहयोग से जियोरिस्क 2025- प्राकृतिक आपदा जोखिम प्रबंधन पर एक सम्मेलन आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

- 12 मार्च, 2025 को इंडो-नॉर्डिक वाटर फोरम और हंसराज महाविद्यालय के पर्यावरण के अंतःविषय केंद्र के साथ अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

  मुख्य परिणाम: इस सहयोग का मुख्य उद्देश्य जल संरक्षण संबंधी पहलुओं पर INWF के साथ मिलकर काम करना है। हंसराज महाविद्यालय ने नई दिल्ली के ताज हिल्टन में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वसंत सम्मेलन का समर्थन किया था। इस सम्मेलन में संयोजक के साथ छह छात्रों ने भाग लिया था। हंसराज महाविद्यालय भारत भर के अन्य महाविद्यालयों में जल संरक्षण और जल निकायों में प्रदूषण की रोकथाम पर जागरूकता सत्रों का संचालन करेगा। इसका उद्देश्य स्थानीय निवासियों और विशेष रूप से छात्रों को जल संसाधनों के पुनर्स्थापन के लिए शिक्षित और संलग्न करना है। छात्रों को अनुभवात्मक शिक्षा मिल रही है और हम सबसे महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन, जल के संरक्षण में योगदान दे रहे हैं। वर्ष 2025 के लिए गतिविधियों का कैलेंडर पहले ही तैयार कर लिया गया है।

- विजन दिव्यांग फाउंडेशन के साथ 17 अक्तूबर, 2024 को राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- 2024 से 31 मार्च, 2025 तक सांकेतिक भाषा की मूल बातें पर अतिरिक्त प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम के दो बैचों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।
- रेशम उत्पादन से मूल्यवर्धित उत्पाद विकसित करने और उनके कौशल को बढ़ाने के लिए रेशम किसानों और महिला सशक्तिकरण के लिए काम करने हेतु 27 नवंबर, 2024 को राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

- शोध सहयोग एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा के साथ है। डॉ. मोनिका कौल सूक्ष्म जीव-विज्ञान पर काम कर रहे एक छात्र की सह-पर्यवेक्षक हैं। मार्गदर्शक एक सूक्ष्म जीव विज्ञानी हैं और हम पादप-सूक्ष्मजीव अंतःक्रियाओं का अध्ययन कर रहे हैं और मैं पौधों से संबंधित प्रयोगों में मदद कर रही हूँ।
- डॉ. राजेश कुमार शर्मा ने राष्ट्रीय सहयोग किया। 17 अक्तूबर 2024 को मदन मोहन मालवीय सभागार, हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में "दिव्यांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) के लिए शिक्षा में अवसर और चुनौतियां" शीर्षक से एक दिवसीय सम्मेलन हुआ। यह कार्यक्रम विजन दिव्यांग फाउंडेशन और हंसराज महाविद्यालय के समान अवसर प्रकोष्ठ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था, जिसे भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तहत एक वैधानिक निकाय, भारतीय पुनर्वास परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त है। इसमें दिव्यांगों के शैक्षिक परिणामों को बढ़ाने के लिए मजबूत नीति और सामुदायिक समर्थन की आवश्यकता पर बल दिया गया। इसमें सभी पीडब्ल्यूडी को उनकी उच्च शिक्षा और पाठ्येतर गतिविधियों पर भी जोर दिया गया। इसमें उनके काम और उपलब्धियों के लिए विजन दिव्यांग फाउंडेशन के उद्देश्य पर भी प्रकाश डाला गया।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 171 (93%)

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- हंसराज महाविद्यालय अपनी गतिशील विस्तार गतिविधियों के माध्यम से सामाजिक जागरूकता, सहानुभूति और उत्तरदायित्व की भावना को सक्रिय रूप से पोषित करता है। महाविद्यालय मुख्य रूप से अपनी जीवंत छात्र-नेतृत्व वाली समितियों के माध्यम से छात्रों में टीम वर्क, आलोचनात्मक सोच और नेतृत्व विकास पर ज़ोर देता है। इनमें एनएसएस, एनसीसी, हरितिमा, उड़ान, उत्तर-पूर्व प्रकोष्ठ, महिला विकास प्रकोष्ठ और विभिन्न विभागीय समितियाँ शामिल हैं, जो छात्रों के समग्र व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए हाशिए पर पड़े समुदायों को सशक्त बनाती हैं ।
- ये संस्थाएँ भोजन और वस्त्र दान अभियान, रक्तदान शिविर, प्लॉगिंग गतिविधियाँ, वृक्षारोपण अभियान और मासिक धर्म स्वच्छता जागरूकता सत्र जैसी प्रभावशाली पहलों का नेतृत्व करती हैं। पीएन बाली मशरूम उत्पादन केंद्र और राष्ट्रपति भवन विमर्श संगोष्ठी के उद्घाटन जैसे कार्यक्रम सार्थक सामुदायिक जुड़ाव के प्रति संस्था की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। शोध-पत्र बैग बनाने, पक्षियों के लिए दाना बनाने, जैविक रंग तैयार करने और मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता पर कौशल निर्माण कार्यशालाएँ छात्रों की क्षमताओं को और बढ़ाती हैं और साथ ही स्थिरता और कल्याण को बढ़ावा देती हैं।

- अनाथालयों और वृद्धाश्रमों का दौरा करुणा और सेवा के मूल्यों को बढ़ावा देता है, जिससे समुदाय के साथ गहरा जुड़ाव विकसित होता है। "तनाव से परे एक कदम" जैसे प्रेरक संवाद और मतदान जागरूकता पर नुक्कड़ नाटक जैसे रचनात्मक कार्यक्रम नागरिक उत्तरदायित्व और भावनात्मक लचीलेपन को बढ़ावा देते हैं। इसके अतिरिक्त, नवाचार और उद्यमिता आउटरीच कार्यक्रम जैसी पहल छात्रों को नवाचार और सामाजिक प्रतिबद्धता का मिश्रण करते हुए स्टार्टअप उद्यमों की खोज करने में सक्षम बनाती हैं।
- इन विविध गतिविधियों के माध्यम से, हंसराज महाविद्यालय न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करता है, बल्कि समाज के प्रति जागरूक, सहानुभूतिपूर्ण नेताओं को भी तैयार करता है जो समाज में सार्थक योगदान देने के लिए तैयार हों। महाविद्यालय ऐसे व्यक्तियों को विकसित करने के अपने मिशन में अडिग है जो निष्ठा, करुणा और उद्देश्य की गहरी भावना के साथ नेतृत्व करते हैं। केआर मंगलम विश्वविद्यालय (4 सितंबर, 2024): रसायन-विज्ञान और भौतिकी विभागों के साथ सहयोगात्मक यात्रा, उन्नत प्रयोगशाला अवसंरचना और अनुसंधान के अवसरों की खोज।

संकाय संख्या:

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	: 33
एसोसिएट प्रोफेसर	: 58
सहायक प्रोफेसर	: 142
तदर्थ	: 01
अतिथि	: 20
कुल	**: 254**

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

हंसराज महाविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप एक अग्रणी बहु-विषयक केंद्र बनने का लक्ष्य रखता है। यह संकाय विकास कार्यक्रमों (एफडीपी), संगोष्ठियों और नवीन शिक्षण विधियों के माध्यम से समग्र शिक्षा को बढ़ावा देता है जो रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और निर्णय लेने को बढ़ावा देते हैं।

हंसराज महाविद्यालय छात्रों के कौशल विकास के उद्देश्य से सावधानीपूर्वक डिज़ाइन किए गए कार्यक्रमों के माध्यम से समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। इनमें विशिष्ट आवश्यकताओं वाले छात्रों के लिए विशेष अतिरिक्त पाठ्यक्रम और उपचारात्मक अंग्रेजी और हिंदी कक्षाएं शामिल हैं। छात्रों के साथ घनिष्ठ संपर्क और मार्गदर्शन के लिए महाविद्यालय में एक समर्पित मेंटर-मेंटी कार्यक्रम है।

छात्र शिक्षण केंद्र (एसएलसी) पारंपरिक पाठ्यक्रम से आगे बढ़कर शैक्षणिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह तकनीकी कौशल, व्यावसायिक प्रशिक्षण और रोज़गार क्षमता को

बढ़ाने के लिए अंतःविषय कार्यक्रम और अल्पकालिक पाठ्यक्रम प्रदान करता है। लोकप्रिय पाठ्यक्रमों में मशीन लर्निंग, साइबर सुरक्षा और एथिकल हैकिंग, रोज़गार के लिए भविष्य के कौशल, आईपीआर, स्टार्ट-अप और उद्यमिता शामिल हैं।

कक्षा शिक्षण में टैली, स्टेटा, आर, मैथेमेटिका, साइ-लैब और लैटेक्स जैसे उन्नत सॉफ़्टवेयर शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज जैसे संस्थानों के निर्देशित दौरे सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक अंतर्दृष्टि के साथ सुदृढ़ करते हैं।

रचनात्मक लेखन, रंगमंच, उद्यमिता एवं पर्यटन, वित्तीय प्रबंधन, डिजिटल साक्षरता और फ़ोटोग्राफ़ी जैसे विषयों पर कई नए कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। ये पाठ्यक्रम स्वयं-निर्मित पद्धतियों और इंटरैक्टिव सत्रों के माध्यम से व्यावहारिक शिक्षण पर ज़ोर देते हैं। पीएन बाली मशरूम उत्पादन केंद्र मशरूम उत्पादन में विशेष प्रशिक्षण प्रदान करता है, और इस क्षेत्र में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक समर्पित रेशम उत्पादन प्रयोगशाला भी स्थापित की गई है।

हंसराज महाविद्यालय हिंदी और संस्कृत में स्नातक कार्यक्रमों के माध्यम से भारत की समृद्ध भाषाई विरासत के संरक्षण और संवर्धन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का उदाहरण प्रस्तुत करता है। महाविद्यालय के पुस्तकालय में संस्कृत और उर्दू में लगभग पाँच हज़ार खंडों का प्रभावशाली संग्रह है, जिसमें वेदों और उपनिषदों पर विशेष ज़ोर दिया गया है, जो भाषाविज्ञान में उत्कृष्ट विद्वत्तापूर्ण अध्ययन के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। शोध के लिए अत्याधुनिक भाषा प्रयोगशाला से सुसज्जित भाषाविज्ञान में महात्मा हंसराज अनुसंधान केंद्र (एमआरसी) की स्थापना की गई है।

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित निधियां : ₹ 98.87 करोड़

उपयोगित निधियां : ₹ 110.32 करोड़

****

हिंदू महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

2024-25 में, हिंदू महाविद्यालय ने अपना 126वां स्थापना दिवस शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान की मुख्य अतिथि के रूप में मनाया। महाविद्यालय ने महोत्सव के माध्यम से 125 वर्ष पूरे होने का उत्सव मनाया, जिसमें प्रधानमंत्रियों की बैठक, पूर्व छात्र वाद-विवाद (क्लैश ऑफ टाइटन्स), पद्मश्री प्रह्लाद टिपण्या द्वारा कबीर गायन, राजस्थान की लोक रामलीला, दास्तान-ए-हिंदू जैसे कहानी सत्र और विरासत, संसार में हिंदू और धरोहर का शुभारंभ शामिल था। महाविद्यालय-व्यापी प्रमुख पहलों में कपिला वात्स्यायन अखिल महिला वाद-विवाद, युवा संसद और सुरुचि, स्थानीय विक्रेताओं का समर्थन करने वाला दिवाली मेला शामिल था। एनएसएस ने रक्तदान शिविर, प्रोजेक्ट अक्षर जैसी शिक्षण पहल, शिल्प सत्र और स्वच्छता अभियान आयोजित किए। हिंदू महाविद्यालय ने नए प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शुरू

किए: खुशी का विज्ञान, क्रियाशील सार्वजनिक नीति, और स्थायी सुगंध एवं हरित रसायन-विज्ञान में प्रशिक्षण। राज भार्गव, डॉ. बी.एम. भाटिया और ललित कुमार जैन फेलोशिप सहित कई फेलोशिप के माध्यम से अनुसंधान को आगे बढ़ाया गया। इंडिया टुडे की राष्ट्रीय रैंकिंग में हिंदू महाविद्यालय को एनआईआरएफ 2024 में प्रथम, कला एवं विज्ञान में प्रथम और वाणिज्य में दूसरा स्थान मिला।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

- डॉ. वरुणेंद्र सिंह रावत, डॉ. नीतू, डॉ. दिव्या, डॉ. मोहित कुमार, डॉ. अमान बुनियादी और डॉ. सुदर्शन कुमार को यमुना नदी के किनारे एंटीबायोटिक-प्रतिरोधी जीन पर उनके सहयोगात्मक शोध के लिए डॉ. बी.ए.म भाटिया मेमोरियल रिसर्च फेलोशिप प्राप्त हुई।
- डॉ. ललित कुमार, डॉ. मंजू बाला, डॉ. देवांशी मागू, डॉ. श्रीपर्णा दत्ता और डॉ. दिनेश कुमार को तनाव और चिंता पर ध्यान के प्रभावों पर ईईजी-आधारित अध्ययन के लिए प्रोफेसर एनवी थडानी मेमोरियल रिसर्च फेलोशिप से सम्मानित किया गया।
- डॉ. शंकर कुमार को उनकी पुस्तक द मेवाड़ कॉन्सपिरेसी के विमोचन के दौरान ऐतिहासिक शोध में उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया।
- डॉ. अजय कुमार को उत्तर प्रदेश के एक विश्वविद्यालय से रसायन-विज्ञान में पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई।
- डॉ. आर.के. गोस्वामी को मैक्रोफाइट आधारित आहार का उपयोग करते हुए झींगा शरीरक्रिया विज्ञान पर एक परियोजना के लिए संकाय अनुसंधान कार्यक्रम अनुदान प्राप्त हुआ।

छात्र

- बी.ए. (ऑनर्स) समाजशास्त्र की छात्रा वर्णिका गुप्ता विश्वविद्यालय की टॉपर रहीं और उन्हें विश्वविद्यालय पदक से सम्मानित किया गया।
- बी.एस.सी. (ऑनर्स) गणित के छात्र के. कार्तिक विश्वविद्यालय के टॉपर रहे और उन्हें विश्वविद्यालय पदक से सम्मानित किया गया।
- एमए हिंदी के छात्र आनंद कुमार यादव विश्वविद्यालय टॉपर रहे और उन्हें विश्वविद्यालय पदक से सम्मानित किया गया।
- एमए राजनीति-विज्ञान की छात्रा सुलेखा कुमारी दास विश्वविद्यालय की टॉपर रहीं और उन्हें विश्वविद्यालय पदक से सम्मानित किया गया।
- एम.एस.सी. गणित के छात्र जयंत कुमार गुप्ता विश्वविद्यालय के टॉपर रहे तथा उन्हें विश्वविद्यालय पदक से सम्मानित किया गया।

- छात्र शोधकर्ता मेधा वार्ष्णेय ने 8वें अंतर्राष्ट्रीय आईएनएससीआर सम्मेलन, 2024 में *'उभरते शोधकर्ता' श्रेणी में प्रथम पुरस्कार जीता।*
- भौतिकी विभाग के छात्रों ने आईएपीटी, भारत द्वारा आयोजित कम्प्यूटेशनल भौतिकी में राष्ट्रीय प्रतियोगिता - 2024 (एनसीआईपी) में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- छात्रा एनएसएस स्वयंसेवक नेहा यादव का चयन विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी, जयपुर में आयोजित होने वाले उत्तर क्षेत्र प्री रिपब्लिक डे कैंप, 2024 के लिए किया गया।

प्रकाशन

- बेहरा, एम., सिंह, जी., डे, एस., और घोराई, एस.एम. (2024). एक एंटीफंगल एंजाइम के रूप में एमिडेस_2 एंडोलिसिन डोमेन की आणविक डॉकिंग और आणविक गतिशीलता सिमुलेशन अंतर्दृष्टि। *केमिस्ट्री अफ्रीका, 8* , 487-503 (2025)। https://doi.org/10.1007/s42250-024-01165-0
- खजूरिया, ए., सक्सेना, पी., सोनवानी, एस., और श्रीवास्तव, ए. **(2024).** होली के त्योहार के दौरान पार्टिकुलेट मैटर **(**पीएम$_{10}$ और पीएम$_{2.5}$**)** के साँस के संपर्क में आने से मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव। *इनहेलेशन टॉक्सिकोलॉजी, **36*** **(4), 228-239**। https://doi.org/10.1080/ 08958378. 2024.2341247
- कुमार, एस., और हुसैन, एम.ए. **(2024).** *शोध पद्धति का परिचय* **.** मायशा पब्लिकेशंस.
- मागू, डी., श्रीवास्तव, ए., गुप्ता, एस., जैन, आर., घोराई, एस.एम., डावर, वाई., सेनगुप्ता, एस., और रानी, एस. **(2024).** स्पाइरो-बार्बिट्यूरेट यौगिकों की संश्लेषण रणनीतियों में विकास: एक वर्गीकृत अध्ययन। *ऑर्गेनिक केमिस्ट्री में मिनी-रिव्यू, 21* (2), 246-270**।** https://doi.org/10.2174/1570193x 20666230428112212
- नैन, के., और मलिक, आई. **(2024).** बहुविकल्पीय प्रश्नावलियों के विभिन्न सेटों के कठिनाई सूचकांक के माप। *जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च, **11*** **(9), 496-512**।
- पाठक, के.एम. (2025)। कालिदास भट्टाचार्य। एन.एन. चक्रवर्ती (सं.), *भारतीय दर्शन में नए दृष्टिकोण* (पृष्ठ 153-161)। *जर्नल ऑफ़ इंडियन कौंसिल ऑफ़ फिलोसोफिकल रिसर्च, **42*** **(1)।** https://doi.org/10. 1007/ s40961-024-00342-3
- प्रियंका, एन., यादव, एस., राणा, पी., बंदिछोर, आर., श्रीवास्तव, ए., और शर्मा, आर.के. **(2024).** 5-प्रतिस्थापित 1-H टेट्राज़ोल के एक-पॉट सतत संश्लेषण के लिए एक चुंबकीय $CoFe_2O_4$/Ni-BDC MOF संमिश्र की अज्ञात उत्प्रेरक क्षमता। *केमिकल इंजीनियरिंग जर्नल, **496*** **, 153995**। https:// doi.org/ 10.1016/j.cej.2024.153995
- सक्सेना, ए., अशोक, ए., छिपा, आर., चौधरी, ए., गोदारा, वी., कुमार, पी., और सक्सेना, आर.एस. **(2024).** प्रभावी ऑनलाइन शिक्षण के लिए Arduino UNO® (R3) आधारित स्मार्ट

सिस्टम का अनुकरण। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस रिसर्च एंड इनोवेटिव आइडियाज़ इन एजुकेशन, 10* **(2), 5320-5327**।

- प्रयोगशाला स्थितियों में शोध अध्ययनों के लिए, संक्रमित संग्रहित दालों से दाल भृंग, *कैलोसोब्रुचस चिनेंसिस (कोलॉप्टेरा: ब्रुचिडे) के जीवित वयस्कों को शीघ्रता से हटाने और एकत्रित करने हेतु एक नवीन और प्रभावी जाल का विकास। जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी एंड प्राणी-विज्ञान स्टडीज, 12* **(3), 248-250**। https://doi.org/10.22271/j.ento.2024.v12.i3c.9340
- शर्मा, वी. **(2024).** भिखुनिस: जैसा कि बौद्ध साहित्य में दर्शाया गया है। *शोधसंहिता, 11* **(1).**

पुस्तकें

- अजय कुमार (एनडी) *वॉल्यूमेट्रिक विश्लेषण और अकार्बनिक तैयारी* आयुष एजुकेशन।
- अजय कुमार (एनडी) *अकार्बनिक रसायन-विज्ञान की एक पाठ्यपुस्तक* दिनेश पब्लिकेशंस।
- अजय कुमार (एनडी) *रसायन-विज्ञान की एक पाठ्यपुस्तक* दिनेश पब्लिकेशंस।
- सुदर्शन कुमार (एनडी) *वॉल्यूमेट्रिक विश्लेषण और अकार्बनिक तैयारी* आयुष एजुकेशन।

पुस्तक में अध्याय/संपादित पुस्तकों में अध्याय

- एरन, के., चेतिया, सी., डेका, बी., गिरि, पी., और गोस्वामी, आर.के. (2024). श्वसन रोगों को ट्रिगर करने में परागकणों, (1 → 3)-β-D-ग्लूकेन और एंडोटॉक्सिन की महत्वपूर्ण भूमिका। आर. सिंह और ए. सिंह (सं.), *वायुजनित जैव संदूषक और मानव स्वास्थ्य पर उनका प्रभाव* (पृष्ठ xx-xx)। जॉन विले एंड संस। https://doi.org/10.1002/9781394178964.ch10
- बजाज, डी., यादव, वी., ध्यानी, ए., और वाधवा, एन.के. (2024). बायोरेमेडिएशन में सूक्ष्मजीवी एंजाइमों की खोज। जे. शंकर, पी. वर्मा, और एम.पी. शाह (सं.), *सतत हरित प्रौद्योगिकियों के लिए सूक्ष्मजीवी दृष्टिकोण* (पृष्ठ xx-xx)। सीआरसी प्रेस। आईएसबी.ए.न 9781032526485।
- एडवर्ड्स, पी., जुहोला, एस., सक्सेना, पी., बालागकुतु, टी., बास्टोस, ए., कैपोन, ए., डेक्लर्क, एफ., डेविट, एल., नियामिर, एल., रोको, एल., और सियोन, जी. (2024). *सतत परिवर्तन की ओर: जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता में अनुसंधान प्राथमिकताएँ* । यूरोपीय आयोग के अनुसंधान एवं नवाचार महानिदेशालय, निदेशालय बी - स्वस्थ ग्रह, इकाई बी.3 - जलवायु और ग्रहीय सीमाएँ। https://doi.org/10.2777/591057
- गिरि, पी., दीपिका, एस., गोस्वामी, आर.के., सिंह, ए., कुमारी, पी., तुली, एच.एस., और सिंह, टी. (2024). मसालों का परिचय, स्रोत और रसायन-विज्ञान। एच.एस. तुली (सं.), *कैंसर-रोधी मसालों में* (पृष्ठ xx-xx)। जेनी स्टैनफोर्ड पब्लिशिंग। https://doi.org/10.1201/9781003534662
- गोस्वामी, आर.के., कुमार, एम., चंदन, ए., मंडल, एस., कुमारी, पी., और रावत, वी.एस. (2024). आंतरिक जैव-संदूषकों द्वारा प्रेरित प्रतिरक्षात्मक और आणविक तंत्र। आर. सिंह और ए. सिंह (सं.),

वायुजनित जैव-संदूषक और मानव स्वास्थ्य पर उनका प्रभाव (पृष्ठ xx-xx)। जॉन विले एंड संस। https://doi.org/10.1002/9781394178964.ch13

- रानी, आर., चानू, एस.वाई., शर्मा, जी.एस., मंडल, एन., और मोहंती, डी. (2025)। फलीदार सूक्ष्म हरी सब्जियों का आनुवंशिक संवर्धन: सतत पोषण में एक अग्रणी उपलब्धि। पी. माथुर और ए. गुप्ता (सं.), *कार्यात्मक खाद्य पदार्थों के रूप में फलीदार सूक्ष्म हरी सब्जियों के हालिया रुझान और अनुप्रयोग* (पृष्ठ 361-377)। स्प्रिंगर नेचर। https://doi.org/10.1007/978-3-031-75678-8_17
- सिंह, के.एस., मोहंती, डी., मीना, ए., सिंह, एन., और शर्मा, जी.एस. (2024). प्रोटीन फोल्डिंग इंटरमीडिएट्स पर कार्बनिक ऑस्मोलाइट्स का प्रभाव। एल.आर. सिंह, टी.ए. डार, और के. कुमारी (सं.), *सेलुलर ऑस्मोलाइट्स* (द्वितीय संस्करण, पृष्ठ 17-33) में। स्प्रिंगर। https://doi.org/10.1007/978-981-97-6001-5_2
- श्रीवास्तव, पी.के., प्रधान, एम.एम., जयलक्ष्मी, विश्वान, ए.के., और शर्मा, ए.वी. (2024). मलेरिया: एक अवलोकन। एम. राजा, पी.के. श्रीवास्तव, और एस. सेल्वाकुमार (सं.), *भारत में वेक्टर जनित रोग: जन स्वास्थ्य चुनौती* (पृष्ठ 13-30)। (आईएसबी.ए.न 978-93-341-6546-3s)।

अनुसंधान परियोजनाएँ

- प्रो. एनवी थडानी मेमोरियल रिसर्च फेलोशिप, डॉ. ललित कुमार, ईईजी प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए स्नातक छात्रों में तनाव और चिंता पर ध्यान के प्रभाव, पीआई और सह-पीआई प्रत्येक के लिए 2,00,000 रुपये।
- डॉ. गुरुमयुम सूरज शर्मा, प्राणि-विज्ञान विभाग, को "द ब्रेन मेटाबोलाइट्स, मिथाइलमाइन्स इन मॉड्यूलेटिंग कोलीनर्जिक सिस्टम: अनवीलैंगिक देयर थेराप्यूटिक पोटेंशियल इन डिमेंशिया" नामक शोध परियोजना के लिए सह-पीआई के रूप में ₹5,00,000/- स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान दिल्ली विश्वविद्यालय की आईओई योजना के संकाय अनुसंधान कार्यक्रम अनुदान द्वारा प्रदान किया गया है और 2023 से 2024 तक की अवधि के लिए है।
- *मैक्रोब्रैकियम रोसेनबर्गी* के पाचन फिजियोलॉजी और विकास पर मैक्रोफाइट्स-आधारित फ़ीड का मूल्यांकन, 3,00,000 रुपये।
- आईसीएसएसआर, डॉ. मनीषा पांडे, भारत में समुदाय-आधारित खाद्य सुरक्षा मॉडल: विजन विकसित भारत की दिशा में एक अंतर्विषयक, विकेन्द्रीकृत दृष्टिकोण।
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, श्री किरण कुमार सलाम, डेंगू रोगों का गणितीय मॉडलैंगिक।

दायर/स्वीकृत पेटेंट

- वीरेंद्र कुमार। *फील्ड-पोर्टेबल स्मार्टफोन-आधारित मल्टीमॉडल ऑटो-फ्लोरोसेंस, फ्लोरोसेंस और पोलराइजेशन इमेजिंग और स्पेक्ट्रोस्कोपिक डिवाइस* । FITT, IIT दिल्ली। पेटेंट 524377। 13/03/2024. राष्ट्रीय।
- वीरेंद्र कुमार। *गैर-यांत्रिक ट्रैकिंग सौर सांद्रक* । FITT IIT दिल्ली। पेटेंट 539465। 27/05/2024. राष्ट्रीय।
- वीरेंद्र कुमार। *श्वेत प्रकाश उत्पादन के लिए लेज़र-आधारित ठोस-अवस्था प्रकाश उपकरण और उसकी विधि* । FITT, IIT दिल्ली। पेटेंट 530921। 28/03/2024. राष्ट्रीय।
- वीरेंद्र कुमार। *मैकेनिकल ट्रैकिंग सोलर टावर के लिए आधार* । FITT IIT दिल्ली। पंजीकरण संख्या 343153-001। 27/01/2023। राष्ट्रीय।
- वीरेंद्र कुमार। *दर्पण प्रतिबिंब वाला एकल टॉवर* । FITT IIT दिल्ली। पंजीकरण संख्या 343150-001। 17/03/2023। राष्ट्रीय।
- वीरेंद्र कुमार। *दर्पण प्रतिबिंब वाला दोहरा टॉवर* । FITT IIT दिल्ली। पंजीकरण संख्या 343151-001। 17/03/2023। राष्ट्रीय।
- वीरेंद्र कुमार। *दर्पण प्रतिबिंब वाला ट्रिपल टावर* । FITT IIT दिल्ली। पंजीकरण संख्या 343152-001। 10/03/2023। राष्ट्रीय।
- मनोज पटेल, राहुल कुमार, पंकज सिंह, दिनेश मोहन। *कृषि अवशेषों से बायोचार उत्पादन के लिए पायरोलिसिस रिएक्टर* । भारतीय पेटेंट 380921। अनुदान की तिथि निर्दिष्ट नहीं। राष्ट्रीय।
- पंकज सिंह, अंकुर सारस्वत, दिनेश मोहन। *कृषि अवशेषों से बायोचार उत्पादन के लिए पायरोलिसिस रिएक्टर* । भारतीय पेटेंट 402833। अनुदान की तिथि निर्दिष्ट नहीं। राष्ट्रीय।
- प्राची सिंह, मनोज पटेल, राहुल कुमार, दिनेश मोहन। *कृषि अवशेषों से बायोचार उत्पादन के लिए पायरोलिसिस रिएक्टर* । भारतीय पेटेंट 380921। अनुदान की तिथि निर्दिष्ट नहीं। राष्ट्रीय।
- प्राची सिंह, पंकज सिंह, अंकुर सारस्वत, दिनेश मोहन। *कृषि अवशेषों से बायोचार उत्पादन के लिए पायरोलिसिस रिएक्टर* । भारतीय पेटेंट 402833। अनुदान की तिथि निर्दिष्ट नहीं। राष्ट्रीय।

आयोजित संगोष्ठियां

- 8 अप्रैल, 2024 को *"कोई मेरी बात नहीं सुनता: महाभारत"* विषय पर व्याख्यान दिया।
- 13 मई, 2024 को *"मार्टिन हाइडेगर और प्रौद्योगिकी से संबंधित प्रश्न" विषय* पर व्याख्यान दिया।
- बायोस्ट्रिंगन लैब्स के सलाहकार डॉ. मीत कुमार ने 19 अक्तूबर, 2024 को *"रक्त विकार: एनीमिया, सिकल सेल रोग और थैलेसीमिया" पर एक वक्ता सत्र दिया।*

- आईआईटी गोवा के रसायन-विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ऋषिकेश नारायण ने 8 नवंबर, 2024 को *"ऑक्सीडेटिव कपलैंगिक: स्वच्छ वायु, ऊर्जा और जल के लिए सतत रसायन-विज्ञान" पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।*
- दर्शनशास्त्र के प्रोफेसर भगत ओइनम ने विश्व दर्शन दिवस, 2024 पर *"एक विषय के रूप में दर्शनशास्त्र कितना उपयोगी है?" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।*

आयोजित सम्मेलन

- *'रसायन-विज्ञान, जीव-विज्ञान और वायुमंडलीय पर्यावरण के चौराहे पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: एक आधुनिक संभावना'* शीर्षक से सम्मेलन का आयोजन शैक्षणिक-वैज्ञानिक संगठनों के सहयोग से और दिल्ली विश्वविद्यालय के रसायन-विज्ञान विभाग द्वारा प्रायोजित 26-28 फरवरी, 2024 को किया गया।
- *'माईट्री मॉडल का उपयोग करके जलवायु परिवर्तन शमन पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण'* शीर्षक से सम्मेलन का आयोजन हिंदू महाविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा किया गया था और इसे संयुक्त राज्य वन सेवा द्वारा 14 मार्च, 2024 को समर्थन दिया गया था।
- *'जलवायु कार्रवाई और तालमेल: संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य'* शीर्षक से सम्मेलन का आयोजन हिंदू महाविद्यालय के पर्यावरण अध्ययन केंद्र द्वारा पीएमआरएफ योजना के तहत आईआईटी दिल्ली के सहयोग से 4 अप्रैल से 31 जुलाई, 2024 तक किया गया।
- हिंदू महाविद्यालय द्वारा स्पोकन ट्यूटोरियल-आईआईटी बॉम्बे के सहयोग से 28 सितंबर से 11 अक्तूबर, 2024 तक *'एवोगैड्रो का उपयोग करते हुए रसायन-विज्ञान शिक्षण में ई-लर्निंग और एमओओसी पर एफडीपी'* शीर्षक से सम्मेलन का आयोजन किया गया।
- *'चतुर्थ विश्व वेद विज्ञान सम्मेलन' (वैदिक विज्ञान की चौथी विश्व कांग्रेस)* नामक सम्मेलन का आयोजन 23-25 दिसंबर, 2024 को शास्त्र विश्वविद्यालय, तंजावुर, तमिलनाडु में **IKS** और **VIBHA** के सहयोग से किया गया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

- 5 अक्तूबर, 2024 को डीबीटी स्टार महाविद्यालय योजना के सहयोग से फ्रांसीसी दूतावास और क्लाइमेट फ्रेस्क के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम कार्यालय की प्रो. रीना जैन समन्वयक थीं। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, (1) एक जलवायु कार्रवाई और शिक्षा कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें 100 से अधिक छात्रों को माइंड-मैपिंग और स्थिरता प्रशिक्षण में शामिल किया गया, और (2) छात्रों ने पर्यावरणीय नेतृत्व और जागरूकता को बढ़ावा देने वाली परियोजनाएँ विकसित कीं।
- पीएमआरएफ योजना के अंतर्गत 4 अप्रैल, 2024 को आईआईटी दिल्ली के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। पर्यावरण विज्ञान विभाग की डॉ. प्राची सिंह समन्वयक रहीं। इस

सहयोग के परिणामस्वरूप, (1) अप्रैल से जुलाई 2024 तक " *जलवायु कार्रवाई और तालमेल: संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य" शीर्षक से एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम* आयोजित किया गया, और (2) मूल्यांकन मानदंडों के आधार पर 21 प्रतिभागी छात्रों में से 18 को प्रमाणन प्रदान किया गया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

- 15 जनवरी, 2025 से यशोभूमि, द्वारका में उद्यमिता पर वार्षिक शिखर सम्मेलन की सह-मेजबानी के लिए राइज़ डेल के साथ सहयोग। इस सहयोग का उद्देश्य महाविद्यालय के उद्यमिता प्रकोष्ठ के लिए उद्योग संबंधों का विस्तार करना और अग्रणी स्टार्टअप्स और निवेशकों के साथ बातचीत के माध्यम से छात्रों को उद्यमिता के रुझानों से परिचित कराना है।
- छात्र-नेतृत्व वाले नवाचार और स्टार्टअप इनक्यूबेशन को समर्थन देने के लिए 10 फ़रवरी, 2025 से FOMO (शार्क टैंक द्वारा वित्त-पोषित एक स्टार्टअप) के साथ सहयोग। इस साझेदारी का उद्देश्य छात्रों को मार्गदर्शन, परियोजना-आधारित सहयोग और वास्तविक दुनिया की उद्यमशीलता चुनौतियों पर काम करने के अवसर प्रदान करना है।
- विवरे - द फ़िल्म एंड फ़ोटोग्राफ़ी सोसाइटी के नेतृत्व में एक फ़ोटोवॉक और मीडिया साझेदारी पहल के लिए 29 सितंबर, 2024 से आईआईटी दिल्ली और आईआरआईएस - गार्गी महाविद्यालय के साथ सहयोग। इस सहयोग से संयुक्त रचनात्मक सामग्री निर्माण, अंतःविषय शिक्षण और दृश्य कथावाचन के माध्यम से आउटरीच संभव हुआ।
- 5 अक्तूबर, 2024 से हाई एनवायर्नमेंटल एंड सोशल इम्पैक्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ सहयोग, अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम कार्यालय द्वारा फ्रांसीसी दूतावास के साथ साझेदारी में आयोजित जलवायु कार्रवाई और शिक्षा कार्यशाला का समर्थन करने के लिए। इस सहयोग ने पर्यावरण शिक्षा को बढ़ावा दिया और 100 से अधिक छात्रों को सहभागी शिक्षा के माध्यम से स्थिरता नेतृत्व की खोज करने में सक्षम बनाया।

एक्सचेंज एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत छात्र

- राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) द्वारा समन्वित युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, हिंदू महाविद्यालय और भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली कैडेट सोनिया ने 2024 में किर्गिज़स्तान में एक सांस्कृतिक और शैक्षणिक आदान-प्रदान में भाग लिया। इस कार्यक्रम में युवा नेताओं के साथ बातचीत, रक्षा संस्थानों का अनुभव और संयुक्त सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ शामिल थीं, जिससे राजनयिक और अंतर-सांस्कृतिक जुड़ाव को बढ़ावा मिला। सब-लेफ्टिनेंट प्रो. हरिंदर कुमार द्वारा समन्वित, इस आदान-प्रदान ने भारतीय छात्रों के बीच वैश्विक नेतृत्व और नागरिक मूल्यों पर एनसीसी के ज़ोर को प्रतिबिंबित किया।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 89(37.55%)

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- हिंदू महाविद्यालय की एनसीसी इकाई ने राष्ट्रीय स्तर के शिविरों में सक्रिय रूप से भाग लिया है, जहाँ कैडेट सोनिया ने किर्गिस्तान में युवा विनिमय कार्यक्रम में भारत का प्रतिनिधित्व किया, और कैडेट शुभम सिंह ने प्रतिष्ठित गणतंत्र दिवस परेड शिविर में भाग लिया। इकाई ने स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्वच्छता अभियानों के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता, पर्यावरण संरक्षण और सड़क सुरक्षा पर जागरूकता रैलियों का भी आयोजन किया।
- एनएसएस इकाई ने दिल्ली सरकार के सहयोग से रक्तदान शिविरों, लैंगिक संवेदनशीलता कार्यक्रमों और वृक्षारोपण अभियान के माध्यम से प्रभावशाली प्रचार अभियान चलाया। स्वयंसेवकों ने मासिक धर्म स्वच्छता, सहायक कार्मिकों के लिए डिजिटल बैंकिंग पर जागरूकता सत्र भी आयोजित किए और जी20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया।
- एनेक्टस हिंदू महाविद्यालय ने "श्रेष्ठ" जैसी परियोजनाओं पर काम किया, जो मासिक धर्म संबंधी स्वास्थ्य जागरूकता और टिकाऊ सैनिटरी उत्पादों के वितरण पर केंद्रित थी, और "ऊर्जा", जिसने घर के अंदर के प्रदूषण को कम करने के लिए स्वच्छ खाना पकाने के चूल्हे पेश किए। इन परियोजनाओं ने उद्यमिता और क्षमता निर्माण के माध्यम से वंचित महिलाओं के लिए आजीविका के अवसर पैदा किए।
- समान अवसर प्रकोष्ठ ने सक्षम के साथ साझेदारी में विकलांगता समावेशन कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें सांकेतिक भाषा सत्र, फिल्म स्क्रीनिंग और महाविद्यालय के बुनियादी ढांचे की सुगम्यता समीक्षा शामिल थी।
- नॉर्थ ईस्ट सेल ने जातीय विविधता का उत्सव मनाते हुए वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव "नॉर्थ-ईस्ट फेस्ट" का आयोजन किया और ह्यूमन्स ऑफ हिंदू के साथ मिलकर पहचान और लचीलेपन के विषयों पर एक लघु वृत्तचित्र का निर्माण किया।
- पब्लिक पॉलिसी लैब ने "पॉलिसी इन एक्शन" नामक एक नई आउटरीच पहल शुरू की, जहां छात्रों ने ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया (टीआरआई) के सहयोग से क्षेत्रीय अनुसंधान किया, जिससे सार्वजनिक नीति के साथ जमीनी स्तर पर जुड़ाव को बढ़ावा मिला।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	: 34
एसोसिएट प्रोफेसर	: 50
सहायक प्रोफेसर	: 64
तदर्थ	: 03
अतिथि	: 44
कुल	**: 195**

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

महाविद्यालय के इतिहास के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र, श्री राज भार्गव जी ने 2022 में महाविद्यालय में एक प्रतिष्ठित छात्रवृत्ति की स्थापना की। शुरुआत में यह राशि 1 करोड़ थी और केवल 2 प्राप्तकर्ता थे। आज, छात्रवृत्ति राशि 3 करोड़ है और 12 छात्रों को राज भार्गव फाउंडेशन छात्रवृत्ति के तत्वावधान में उनकी शैक्षणिक यात्रा में सम्मानित होने का सम्मान प्राप्त है। दिसंबर 2024 में स्थापित ललित कुमार जैन मेमोरियल रिसर्च फेलोशिप, हिंदू महाविद्यालय के पूर्व छात्र स्वर्गीय श्री ललित कुमार जैन की उल्लेखनीय विरासत का सम्मान करती है। यह पहल उनके पुत्र, श्री सुबोध कुमार जैन के उदार समर्थन से संभव हुई, जिनका शोध को आगे बढ़ाने का समर्पण उनके पिता के मूल्यों को दर्शाता है। यह फेलोशिप विभिन्न विषयों में नवीन शोध का समर्थन करती है, प्रायोगिक विज्ञान के दो शोधकर्ताओं को ₹2,00,000 प्रत्येक और सामाजिक विज्ञान, अर्थशास्त्र और वाणिज्य के दो विद्वानों को ₹1,00,000 प्रत्येक प्रदान करती है।

व्यावसायिक प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के लिए, महाविद्यालय को दिल्ली विश्वविद्यालय से एक कौशल विकास केंद्र स्वीकृत किया गया है। एक पूर्णतः कार्यात्मक सुगंध और परफ्यूमरी लैब स्थापित की गई है, जबकि एक पॉलिसी लैब और एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लैब का विकास कार्य चल रहा है। 2024 में कई कौशल-आधारित पाठ्यक्रम शुरू किए गए, जिनमें मणिपुर की महिलाओं के लिए "वेलनेस उत्पादों के लिए सुगंध निर्माण में कौशल प्रशिक्षण" नामक एक ग्रीष्मकालीन पाठ्यक्रम, "सस्टेनेबल परफ्यूमरी: सुगंध बनाने और करियर बनाने की कला" और "ग्रीन केमिस्ट्री: हमारे सतत भविष्य को आकार देना" शीर्षक वाले प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शामिल हैं। हमने रेखी फाउंडेशन के सहयोग से "खुशी का विज्ञान" शीर्षक से एक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम भी शुरू किया है, और हाल ही में "पब्लिक पॉलिसी इन एक्शन" नामक एक और पाठ्यक्रम शुरू किया है। ये पाठ्यक्रम सुनिश्चित करते हैं कि हिंदू महाविद्यालय कौशल-उन्मुख और क्षमता-निर्माण शिक्षा में अग्रणी बना रहे।

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित निधियां : ₹ 84.2 करोड़

उपयोगित निधियां : ₹ 78.46 करोड़

****

होली फैमिली नर्सिंग महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

एचआईवी/एड्स परामर्श में कौशल अपडेट। जल उपचार संयंत्र, कुष्ठ मिशन अस्पताल, टीएनएआई नोएडा, एनआईपीसीसीडी आदि जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों का दौरा। विश्व कैंसर दिवस जैसे कई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दिवस मनाए, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर समूह परियोजना, विश्व मौखिक स्वास्थ्य दिवस पर रोल प्ले, डब्ल्यूएचओ दिवस समारोह, विश्व यकृत दिवस, नर्स दिवस आदि। विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों जैसे बुनियादी नर्सिंग प्रक्रिया, प्रसूति में उपयोग की जाने वाली दवाएं आदि पर

एफडीपी। विभिन्न समूह परियोजनाएं। कार्मिकों के लिए हर महीने बी.ए.लएस प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। महाविद्यालय ने सभी छात्रों के लिए होली फैमिली अस्पताल में रोटेशनल पोस्टिंग के माध्यम से व्यापक नैदानिक अनुभव प्रदान किए, जो उनकी विशिष्ट पाठ्यक्रम आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सावधानीपूर्वक तैयार किए गए थे।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

- प्रो. (डॉ.) रमिंदर कालरा, प्राचार्य, डीटीई जीएचएस मानसिक स्वास्थ्य चैंपियन ईसीएचओ टीओटी कार्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा ईसीएचओ इंडिया के सहयोग से 10 जनवरी, 2025 से 11 मार्च, 2025 तक आयोजित किया गया।
- सुश्री कनिका जोशी, नर्सिंग ट्यूटर ने 2 नवंबर, 2024 को बेबी मेमोरियल महाविद्यालय ऑफ नर्सिंग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की शोध-पत्र प्रस्तुति प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- सुश्री प्रियंका बंसल, सहायक प्रोफेसर: ने राजकुमारी अमृत कौर नर्सिंग महाविद्यालय द्वारा 22 जनवरी, 2025 को आयोजित "व्यापक नर्सिंग देखभाल के माध्यम से हृदय संबंधी परिणामों में परिवर्तन" विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला में वैज्ञानिक शोध-पत्र प्रस्तुति में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- सुश्री प्रियंका बंसल, सहायक प्रोफेसर: ने 15-16 नवंबर, 2024 को आयोजित सवोदय अंतर्राष्ट्रीय रोगी अनुभव और सुरक्षा सम्मेलन 2024 में शोध-पत्र प्रस्तुति में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

छात्र

- बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग (चतुर्थ वर्ष) की अंजलि शुक्ला विश्वविद्यालय टॉपर रहीं और 22 फरवरी, 2025 को राष्ट्रपति रजत पदक की प्राप्तकर्ता रहीं।
- पोस्ट बेसिक बी.एससी. नर्सिंग (द्वितीय वर्ष) की पूनम कुमारी जून 2024 में विश्वविद्यालय टॉपर रहीं।
- क्रिटिकल केयर 2024 में नर्स प्रैक्टिशनर की दिव्या को 8 मार्च, 2025 को इंडियन सोसाइटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन (आईएससीसीएम) द्वारा आयोजित क्रिटिकेयर 2025, कोच्चि केरल में हंसराज नैयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

- कैन, यू., कालरा, आर., और तोमर, ए. (2024). नई दिल्ली के चुनिंदा समुदायों में सेवानिवृत्ति के बाद बुज़ुर्गों के जीवन के अनुभव का आकलन करने के लिए एक गुणात्मक अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ नॉवेल रिसर्च एंड डेवलपमेंट, 9* (3), 397-398।

- परेरा, ई.एस., बाबू, सी., और जोस, एस. (2024). मेघालय में घर पर प्रसव कराने वाली खासी जनजाति की महिलाओं में गर्भावस्था, प्रसव और नवजात शिशु की देखभाल से संबंधित सांस्कृतिक मान्यताओं और प्रथाओं का आकलन करने के लिए एक वर्णनात्मक अध्ययन। *वर्ल्ड जर्नल ऑफ एडवांस हेल्थकेयर रिसर्च, 8* (9), 154-159।
- जॉन, जी., तोमर, ए., और टोप्पो, पी. (2024). जयपुर के एक चुनिंदा अस्पताल में हेमोडायलिसिस करवा रहे मरीज़ों में थकान पर फ़ुट रिफ़्लेक्सोलॉजी की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन। *आईओएसआर जर्नल ऑफ़ नर्सिंग एंड हेल्थ साइंस, 13* (4), 42-47।
- शर्मा, एस., देवी, एमजे, और खान, एए (2024). दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के चुनिंदा नर्सिंग महाविद्यालयों में अंतर्मुखी और बहिर्मुखी नर्सिंग छात्रों के बीच तनाव के स्तर और उससे निपटने की रणनीतियों का आकलन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन। *इंडियन जर्नल ऑफ साइकियाट्रिक नर्सिंग, 21* (1), 35-43। https://doi.org/10.4103/iopn.iopn_58_23
- सोलंकी, एस., रेबिका, टी., अलीना, एम., शुक्ला, ए., रवि, डी., जॉर्ज, जे., थॉमस, एम., और थॉमस, एस. (2024). नई दिल्ली के एक चयनित अस्पताल में आईसीयू कार्मिक नर्सों के बीच त्वरित आलैंगिकन बोली के बारे में ज्ञान और अभ्यास का आकलन करने के लिए एक अध्ययन। *जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड मेडिकल रिसर्च, 6* (3)। https://doi.org/10.37191/mapsci-2582-4333-6(3)-159
- राज, पी., बाबू, सी., और जोस, एस. (2024). नई दिल्ली के एक चयनित महाविद्यालय के नर्सिंग छात्रों के बीच ज्ञान और राय के संदर्भ में स्तनपान प्रबंधन पर ई-लर्निंग मॉड्यूल बनाम स्व-निर्देशात्मक मॉड्यूल की प्रभावशीलता की तुलना करने के लिए एक अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज़, 11* (2), 453-460।

आयोजित संगोष्ठियां

- 19 अक्तूबर, 2024 को कॉन्सेप्ट ऑफ लिविंग चैरिटेबल ट्रस्ट के श्री भार्गव द्वारा पॉश एक्ट पर एक संगोष्ठी
- 28 जनवरी, 2025 को मिडवाइफरी प्रैक्टिशनर सुश्री गिल पर्क्स द्वारा सामान्य योनि प्रसव पर सत्र
- 28 मार्च, 2025 को सीसीडीसी दिल्ली की वरिष्ठ अनुसंधान वैज्ञानिक डॉ. आस्था अग्रवाल द्वारा अनुसंधान पद्धति पर सत्र
- 29 मार्च, 2025 को श्री देवेश चंद्र श्रीवास्तव, आईपी द्वारा साइबर अपराध पर जागरूकता कार्यक्रम

- 28 मार्च, 2025 को दोपहर 2 से 4 बजे तक एचएफसीओएन ऑडिटोरियम में "शोध पद्धति" पर एक सत्र आयोजित किया गया। यह सत्र शोध पद्धति के प्रमुख शब्दों पर आधारित था - एक प्रारंभिक पाठ, शोध पद्धति का परिचय और शोध अध्ययन की रूपरेखा, डॉ. आस्था अग्रवाल, वरिष्ठ शोध वैज्ञानिक, सीडीसी, नई दिल्ली द्वारा।

आयोजित सम्मेलन

- "क्रिटिकल केयर नर्सिंग में हालिया प्रगति और सर्वोत्तम प्रथाओं को अनलॉक करना" 18-20 फरवरी, 2025 तक आयोजित किया गया।
- "नर्सिंग अनुसंधान और अभ्यास के एआई उपकरणों का लाभ उठाना" 27 फरवरी, 2025 से 1 मार्च, 2025 तक आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

- दिल्ली राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी और होली फैमिली महाविद्यालय ऑफ नर्सिंग के बीच एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- 31 जुलाई, 2024 को होली फैमिली महाविद्यालय ऑफ नर्सिंग के साथ डेलनेट के एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता-ज्ञापन के परिणामस्वरूप, डेलनेट ने संस्थागत सदस्य को डेलनेट के अभिलेखागार और सेवाओं, यूनियन कैटलॉग और अन्य डेटाबेस का उपयोग करने के लिए गैर-अनन्य लाइसेंस देने पर सहमति व्यक्त की है ताकि तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया जा सके।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

- जर्मन शिक्षा सलाहकार, स्टडी फीड के साथ सहयोग। होली फैमिली महाविद्यालय ऑफ नर्सिंग के छात्रों, प्रशिक्षुओं और नर्सों के लिए भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम का क्रियान्वयन।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 94(100%)

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

महाविद्यालय ने होली फैमिली अस्पताल के सामुदायिक स्वास्थ्य विभाग के साथ सहयोगात्मक साझेदारी के माध्यम से शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य अनुभवों को सुगम बनाया। छात्रों को व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने के लिए डिफेंस कॉलोनी, अली विलेज और चेशायर होम स्थित मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य (एमसीएच) केंद्रों में तैनात किया गया। इसके अलावा, छात्रों ने नजफगढ़ स्थित ग्रामीण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र (आरएचटीसी) और उज्वा के पालम स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य अनुभवों में भाग लिया। इन अनुभवों के माध्यम से, छात्रों ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों और स्वास्थ्य जागरूकता पहलों में सक्रिय रूप से भाग लिया, और समूह पोस्टर

प्रतियोगिताओं, सतत नर्सिंग शिक्षा (सीएनई) सत्रों, परियोजना-आधारित पहलों, नाटकों, भूमिका-नाटकों और नुक्कड़ नाटकों जैसी विभिन्न रणनीतियों का लाभ उठाया।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	: 04
एसोसिएट प्रोफेसर	: 03
सहायक प्रोफेसर	: 08
तदर्थ	: 02
अतिथि	: 06
कुल	**: 23**

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित निधियां : ₹ 0.40 करोड़

उपयोगित निधियां : ₹ 4.22 करोड़

****

इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

प्रशासनिक कार्यो में हिंदी भाषा का प्रयोग 27 मार्च 2025, 21 मार्च 2025 को इंटर हाउस बास्केटबॉल, वॉलीबॉल खो-खो प्रतियोगिता, 5 मार्च 2025 को रक्तदान शिविर, 28 फरवरी 2025 को इंटर हाउस खो-खो और कबड्डी प्रतियोगिता, 21 फरवरी 2025 को इंटर हाउस रस्साकशी प्रतियोगिता, सात दिन हिंदी टंकण प्रशिक्षण कार्यक्रम दिसम्बर 18-27, 2024, दैनिक टीओ में हिंदी भाषा का उपयोग दिसम्बर 27, 2024, चार साहिबजादे शहीदी 27 दिसंबर 2024 को दिवस, 13 नवंबर 2024 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2024, 5 नवंबर 2024 को स्पेशल ओलंपिक भारत के साथ स्वयंसेवक प्रशिक्षण कार्यक्रम, 23 अक्तूबर 2024 को आत्मरक्षा कार्यशाला, 25 अक्तूबर 2024 को फ्रेशर डे कार्यक्रम, 21-24 अक्तूबर 2024 तक सुपर 7 लीग, हिंदी दिन के उपलक्ष्य में कविता 23 सितंबर 2024 को प्रतियोगिता , 3 अगस्त 2024 को स्थापना दिवस और वृक्षारोपण दिवस मनाया जाएगा, 21 जून 2024 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा, 20 जून से 20 जुलाई 2024 तक योग शिक्षा में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, 15 मई से 14 जून 2024 तक ग्रीष्मकालीन कोचिंग शिविर, परिणाम और विकास पाठ्यक्रम के छात्रों पर कार्यशाला, 25 अप्रैल 2024 को वार्षिक दिवस समारोह, 22 अप्रैल 2024 को पृथ्वी दिवस मनाया जाएगा, 10 अप्रैल 2024 को ऊर्जा बचाओ और जल बचाओ जागरूकता कार्यक्रम और 5 अप्रैल 2024 को वार्षिक एथलेटिक मीट।

सम्मान/विभूतियाँ

छात्र

- सौम्या गुप्ता, बी.एस.सी. (पीएच, एचई एंड एस) --- (तृतीय वर्ष) की छात्रा, पद - I अंतिम वर्ष की परीक्षा
- नम्रता कौर, बी.एससी. (पीई, एचई एंड एस) ---(तृतीय वर्ष) की छात्रा, स्थिति - II अंतिम वर्ष की परीक्षा
- किरण, बी.एससी. (पीई, एचई एंड एस) ---(तृतीय वर्ष) की छात्रा, स्थिति - तृतीय अंतिम वर्ष की परीक्षा
- न्गवांग ल्हाडोन, बीपीएड द्वितीय वर्ष, पद-I अंतिम वर्ष परीक्षा के छात्र
- अनिल कुमार बघेल, बीपीएड - द्वितीय वर्ष, पद - द्वितीय अंतिम वर्ष परीक्षा के छात्र
- मोहम्मद रेहान, बीपीएड - द्वितीय वर्ष, पद - तृतीय अंतिम वर्ष परीक्षा के छात्र
- अनिल कुमार, एमपीएड - द्वितीय वर्ष, पद - प्रथम अंतिम वर्ष परीक्षा के छात्र
- अनिल कुमार, एमपीएड - द्वितीय वर्ष, पद - द्वितीय अंतिम वर्ष परीक्षा के छात्र
- निधिश बाबू, एमपीएड - द्वितीय वर्ष, स्थिति - तृतीय अंतिम वर्ष परीक्षा के छात्र
- बीपीएड द्वितीय वर्ष की छात्रा खुशी ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय जूडो चैंपियनशिप 2024-2025, महिला वर्ग में कांस्य पदक प्राप्त किया।
- बीपीएड प्रथम वर्ष की छात्रा गुंजन ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय जूडो चैंपियनशिप 2024-2025, महिला वर्ग में कांस्य पदक प्राप्त किया।
- बीपीएड प्रथम वर्ष की छात्रा गुंजन ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय जूडो चैंपियनशिप 2024-2025, महिला वर्ग में कांस्य पदक प्राप्त किया।
- बी.एससी. प्रथम वर्ष की छात्रा अदिति शर्मा ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय जूडो चैंपियनशिप **2024-2025,** महिला वर्ग में रजत पदक प्राप्त किया।
- बी.एससी. प्रथम वर्ष की छात्रा नीति ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय जूडो चैंपियनशिप 2024-2025, महिला वर्ग में भाग लिया।
- एमपीएड-प्रथम वर्ष के छात्र अनिल कुमार ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय जूडो चैंपियनशिप 2024-2025, पुरुष वर्ग में रजत पदक प्राप्त किया।
- बीपीएड प्रथम वर्ष के छात्र उत्कर्ष सिंह ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय जूडो चैंपियनशिप 2024-2025, पुरुष वर्ग में रजत पदक प्राप्त किया।

- बी.एससी. तृतीय वर्ष के छात्र तुषार कुमार ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय जूडो चैंपियनशिप **2024-2025,** पुरुष वर्ग में रजत पदक प्राप्त किया।
- बी.एससी. द्वितीय वर्ष के छात्र निकुंज ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय जूडो चैंपियनशिप 2024-2025, पुरुष वर्ग में भाग लिया।
- बीपीएड प्रथम वर्ष के छात्र राहुल तोमर ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय जूडो चैंपियनशिप 2024-2025, पुरुष वर्ग में कांस्य पदक प्राप्त किया।
- बी.एससी. द्वितीय वर्ष के छात्र अनुज ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय जूडो चैंपियनशिप **2024-2025,** पुरुष वर्ग में कांस्य पदक प्राप्त किया।
- एमपीएड प्रथम वर्ष की छात्रा श्रुति ने महिला वर्ग में अंतर महाविद्यालय कुश्ती चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
- बीपीएड द्वितीय वर्ष की छात्रा खुशी ने महिला वर्ग में अंतर महाविद्यालय कुश्ती चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
- बी.एससी. प्रथम वर्ष की छात्रा नीति ने महिला वर्ग में अंतर महाविद्यालय कुश्ती चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
- बीपीएड प्रथम वर्ष के छात्र जितेंद्र ने दिल्ली एमेच्योर जिम्नास्टिक लीग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की जिम्नास्टिक चैंपियनशिप में हिस्सा लिया।
- बी.एससी. प्रथम वर्ष के छात्र वासु ध्यानी ने दिल्ली एमेच्योर जिम्नास्टिक लीग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की जिम्नास्टिक चैंपियनशिप में भाग लिया।
- बी.एससी. तृतीय वर्ष के छात्र कृष्णा ने दिल्ली एमेच्योर जिम्नास्टिक लीग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की जिम्नास्टिक चैंपियनशिप में भाग लिया।
- एमपीएड प्रथम वर्ष के छात्र अंकित ने दिल्ली एमेच्योर जिम्नास्टिक लीग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की जिम्नास्टिक चैंपियनशिप में भाग लिया।
- बी.एससी. द्वितीय वर्ष के छात्र मौर्य ने दिल्ली एमेच्योर जिम्नास्टिक लीग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की जिम्नास्टिक चैंपियनशिप में भाग लिया।
- दिल्ली एमेच्योर जिम्नास्टिक लीग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की जिम्नास्टिक चैंपियनशिप में एक्रोबैटिक जिम्नास्टिक (मिश्रित खिलाड़ी) में कांस्य पदक प्राप्त किया।
- बी.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा हर्षलीन कौर ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय एथलेटिक्स 4 x 400 रिले दौड़ में महिला वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा अवनी रावत ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय एथलेटिक्स 4 x 400 रिले दौड़ में महिला वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

- एमपीएड द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा अंकिता चहल ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय एथलेटिक्स 4 x 400 रिले दौड़ में महिला वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा सुमन ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय एथलेटिक्स 4 x 400 रिले दौड़ में महिला वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा नंदिता ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय एथलेटिक्स 4 x 400 रिले दौड़ में महिला वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा भूमिका शर्मा ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय एथलेटिक्स 4 x 400 रिले दौड़ में महिला वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा यशिका सागर ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय एथलेटिक्स 4 x 400 रिले दौड़ में महिला वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा रितिका ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय एथलेटिक्स 4 x 400 रिले दौड़ में महिला वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा श्रेया चौहान ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय एथलेटिक्स 4 x 400 रिले दौड़ में महिला वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा श्रुति ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय एथलेटिक्स 4 x 400 रिले दौड़ में महिला वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा नंदिता ने महिला वर्ग में हाफ मैराथन में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा सुमन ने महिला वर्ग में लंबी कूद में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा तनु ने महिला वर्ग में जेवलिन थ्रो में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा पायल गुप्ता ने इंटर महाविद्यालय बॉक्सिंग में 45-48 किलोग्राम महिला वर्ग में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा रौनक ने इंटर महाविद्यालय बॉक्सिंग में **52-54** किलोग्राम महिला वर्ग में रजत पदक जीता।
- बीपीएड द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा पायल गुप्ता ने महिला वर्ग में दिल्ली राज्य प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता।
- बी.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा रौनक ने महिला वर्ग में दिल्ली राज्य प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता।

- बी.एससी. द्वितीय वर्ष की छात्रा संचिता यादव ने महिला वर्ग में दिल्ली विश्वविद्यालय इंटर महाविद्यालय शतरंज में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. द्वितीय वर्ष की छात्रा संचिता यादव ने सीनियर राष्ट्रीय शतरंज चैंपियनशिप में चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड की छात्रा रितिका रेढू ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय फुटबॉल में महिला वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड की छात्रा लक्ष्मी वर्मा ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय फुटबॉल में महिला वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड की छात्रा भावना यादव ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय फुटबॉल में महिला वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड की छात्रा अंजू ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय फुटबॉल में महिला वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड की छात्रा सोमवती ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय फुटबॉल में महिला वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड की छात्रा पिंकी ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय फुटबॉल में महिला वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड की छात्रा नम्रता कौर ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय फुटबॉल में महिला वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड की छात्रा सरिता कुमारी ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय फुटबॉल में महिला वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड की छात्रा निधि ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय फुटबॉल में महिला वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड की छात्रा शिवानी पटेल ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय फुटबॉल में महिला वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. की छात्रा अर्शरा यादव ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय फुटबॉल में महिला वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. की छात्रा गंगा व्यास ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय फुटबॉल में महिला वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. की छात्रा आरती ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय फुटबॉल में महिला वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

- बी.एससी. की छात्रा प्रिया यादव ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय फुटबॉल में महिला वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. की छात्रा पूर्वी गुप्ता ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय फुटबॉल में महिला वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. की छात्रा साक्षी सैनी ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय फुटबॉल में महिला वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. की छात्रा शाश्वती रॉय ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय फुटबॉल में महिला वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- एमपीएड की छात्रा आकांक्षा (कैप्टन) ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय हैंडबॉल में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड द्वितीय वर्ष की छात्रा भाविका यादव ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय हैंडबॉल में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड प्रथम वर्ष की छात्रा अंजलि रथयाल ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय हैंडबॉल में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड द्वितीय वर्ष की छात्रा तनीषा ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय हैंडबॉल में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. तृतीय वर्ष की छात्रा काजल ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय हैंडबॉल में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. प्रथम वर्ष की छात्रा नीति ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय हैंडबॉल में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. तृतीय वर्ष की छात्रा रुखसार बानो ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय हैंडबॉल में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. तृतीय वर्ष की छात्रा वंशिका सोनी ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय हैंडबॉल में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. द्वितीय वर्ष की छात्रा तनीषा बनर्जी ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय हैंडबॉल में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. तृतीय वर्ष की छात्रा साक्षी ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय हैंडबॉल में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- एमपीएड प्रथम वर्ष की छात्रा सोनम ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय हैंडबॉल में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

- बीपीएड द्वितीय वर्ष की छात्रा विक्की ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय हैंडबॉल में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड द्वितीय वर्ष की छात्रा जया ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय हैंडबॉल में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. तृतीय वर्ष की छात्रा रीना ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय हैंडबॉल में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. प्रथम वर्ष की छात्रा रिया त्यागी ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय हैंडबॉल में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड प्रथम वर्ष की छात्रा खुशबू ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय हैंडबॉल में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड द्वितीय वर्ष की छात्रा तनीषा ने सीनियर नेशनल में द्वितीय स्थान प्राप्त किया
- बीपीएड प्रथम वर्ष की छात्रा खुशबू ने सीनियर नेशनल में द्वितीय स्थान प्राप्त किया
- एमपीएड प्रथम वर्ष की छात्रा कोमल चौहान ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय हॉकी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- एमपीएड द्वितीय वर्ष की छात्रा कंचन परिहार ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय हॉकी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- एमपीएड प्रथम वर्ष की छात्रा अंजलि ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय हॉकी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- एमपीएड प्रथम वर्ष की छात्रा बिंदु ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय हॉकी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड द्वितीय वर्ष की छात्रा हेमा नेगी ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय हॉकी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड द्वितीय वर्ष की छात्रा सोमवती ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय हॉकी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड द्वितीय वर्ष की छात्रा पिंकी ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय हॉकी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड प्रथम वर्ष की छात्रा रचना राणा ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय हॉकी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड प्रथम वर्ष की छात्रा आंचल कुमारी ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय हॉकी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

- एमपीएड प्रथम वर्ष की छात्रा नम्रता कौर ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय हॉकी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- एमपीएड प्रथम वर्ष की छात्रा बबीता यादव ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय हॉकी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड द्वितीय वर्ष की छात्रा भावना यादव ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय हॉकी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड द्वितीय वर्ष की छात्रा रितिका रेढू ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय हॉकी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड प्रथम वर्ष की छात्रा लक्ष्मी वर्मा ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय हॉकी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. द्वितीय वर्ष की छात्रा जागृति उपाध्याय ने महिला वर्ग में अंतर महाविद्यालय हॉकी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड द्वितीय वर्ष की छात्रा सरिता कुमारी ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय हॉकी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड द्वितीय वर्ष की छात्रा श्रुति रौतेला ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय हॉकी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड द्वितीय वर्ष की छात्रा नंदिता प्रेमी ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय हॉकी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड द्वितीय वर्ष की छात्रा खुशी ने दिल्ली विश्वविद्यालय इंटर महाविद्यालय जूडो में महिला वर्ग में कांस्य पदक प्राप्त किया।
- बीपीएड प्रथम वर्ष की छात्रा गुंजन ने दिल्ली विश्वविद्यालय इंटर महाविद्यालय जूडो में महिला वर्ग में कांस्य पदक प्राप्त किया।
- अदिति शर्मा, बी.एससी. प्रथम वर्ष, ने दिल्ली विश्वविद्यालय इंटर महाविद्यालय जूडो में महिला वर्ग में रजत पदक प्राप्त किया।
- बी.एससी. तृतीय वर्ष की छात्रा अंजलि ने इंटर महाविद्यालय कबड्डी महिला वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. प्रथम वर्ष की छात्रा रुखसाना ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय कबड्डी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. प्रथम वर्ष की छात्रा प्रिया ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय कबड्डी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

- बी.एससी. प्रथम वर्ष की छात्रा दीपिका ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय कबड्डी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. प्रथम वर्ष की छात्रा साक्षी सैनी ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय कबड्डी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड द्वितीय वर्ष की छात्रा श्रुति रौतेला ने इंटर महाविद्यालय कबड्डी महिला वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड द्वितीय वर्ष की छात्रा खुशी ने इंटर महाविद्यालय कबड्डी में महिला वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. प्रथम वर्ष की छात्रा हर्षिता धनखड़ ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय कबड्डी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. द्वितीय वर्ष की छात्रा लक्ष्मी वी.एस. ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय कबड्डी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. प्रथम वर्ष की छात्रा दिविशा ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय कबड्डी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. तृतीय वर्ष की छात्रा गंगा व्यास ने इंटर महाविद्यालय कबड्डी महिला वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड द्वितीय वर्ष की छात्रा नंदिता प्रेमी ने इंटर महाविद्यालय कबड्डी महिला वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा नंदिता प्रेमी ने इंटर महाविद्यालय कबड्डी में महिला वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा सोमवती ने इंटर महाविद्यालय कबड्डी में महिला वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा अवनी ने इंटर महाविद्यालय कबड्डी में महिला वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा श्वेता ने इंटर महाविद्यालय कबड्डी में महिला वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बीपीएड द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा शिवानी पटेल ने इंटर महाविद्यालय कबड्डी में महिला वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. छठे सेमेस्टर की छात्रा शाश्वती रॉय ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय कबड्डी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

- बी.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा हिमांशी ने इंटर महाविद्यालय कबड्डी महिला वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा रितिका ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय कबड्डी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा संध्या ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय कबड्डी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा खुशी त्यागी ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय कबड्डी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा पूजा कुमारी ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय कबड्डी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा अर्पिता महतो ने इंटर महाविद्यालय कबड्डी महिला वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा पुष्पांजलि ने इंटर महाविद्यालय कबड्डी महिला वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा दीपांशी ने इंटर महाविद्यालय कबड्डी महिला वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा रुखसाना ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय कबड्डी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. प्रथम वर्ष की छात्रा सिमरन ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय नेटबॉल में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. तृतीय वर्ष की छात्रा कीर्तिका ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय नेटबॉल में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. प्रथम वर्ष की छात्रा मनस्वी शर्मा ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय नेटबॉल में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- एमपीएड द्वितीय वर्ष की छात्रा प्राची ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय नेटबॉल में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. द्वितीय वर्ष की छात्रा ममता शर्मा ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय नेटबॉल में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. द्वितीय वर्ष की छात्रा अर्चिता नेगी ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय नेटबॉल में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

- बी.एससी. द्वितीय वर्ष की छात्रा भूमिका शर्मा ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय नेटबॉल में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. द्वितीय वर्ष की छात्रा तनु तिवारी ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय नेटबॉल में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- एमपीएड द्वितीय वर्ष की छात्रा भूमि चौहान ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय नेटबॉल में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. तृतीय वर्ष की छात्रा आरुषि आर. दत्त ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय नेटबॉल में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. तृतीय वर्ष की छात्रा दीक्षा कुमारी ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय नेटबॉल में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. तृतीय वर्ष की छात्रा मुस्कान ने महिला वर्ग में इंटर महाविद्यालय नेटबॉल में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. प्रथम वर्ष की छात्रा सिमरन ने जूनियर नेशनल नेटबॉल महिला वर्ग में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. प्रथम वर्ष की छात्रा मनस्वी शर्मा ने जूनियर नेशनल नेटबॉल महिला वर्ग में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा हर्षलीन कौर ने 39वीं दिल्ली राज्य शूटिंग चैंपियनशिप में महिला वर्ग में द्वितीय स्थान (25 मीटर) प्राप्त किया।
- बी.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा हर्षलीन कौर ने 39वीं दिल्ली राज्य शूटिंग चैंपियनशिप में महिला वर्ग में तृतीय स्थान (50 मीटर) प्राप्त किया।
- बी.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा हर्षलीन कौर ने 25 मीटर और 50 मीटर पिस्टल के लिए भारतीय टीम चयन ट्रायल के लिए अर्हता प्राप्त की।
- एम.पी.ई.डी. प्रथम वर्ष की छात्रा श्रुति ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय कुश्ती में महिला वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
- बीपीएड द्वितीय वर्ष की छात्रा खुशी ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय कुश्ती में महिला वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
- बी.एससी. प्रथम वर्ष की छात्रा नीति ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय कुश्ती में महिला वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

प्रकाशन

- मीर, एयूएच, तिवारी, एस., और तिवारी, एस. (2024). बेहतर स्वास्थ्य की ओर कदम: उच्च रक्तचाप से ग्रस्त पुरुष वरिष्ठ नागरिकों में हृदय स्वास्थ्य पर 12 सप्ताह तक फुटबॉल खेलने के प्रभाव। *शारीरिक शिक्षा सिद्धांत और पद्धति, 24* (1), 102-109। https://doi.org/10.17309/tmfv.2024.1.13
- सिंह, पी., कुमार, डी., मोर्या, एम., सिंह, आर., और रहमान, एम.एच. (2024). प्रमुख बायोमोटर क्षमताओं का मूल्यांकन: राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शीर्ष टेनिस खिलाड़ियों के बीच तुलना। *शारीरिक शिक्षा सिद्धांत और पद्धति, 24* (6), 897-904। https://doi.org/10.17309/tmfv.2024.6.06
- भूषण, ई., यादव, ए., प्रताप, वी., सिंह, के., और सिंह, ए.आर. (2024). स्कूल जाने वाले बच्चों के रक्तचाप पर योगिक क्रियाओं का प्रभाव। *शैक्षिक प्रशासन: सिद्धांत और व्यवहार, 30* (1), 5035-5041। https://doi.org/10.53555/kuey.v30i1.8587
- सिंह, एम. (2024). दिल्ली विश्वविद्यालय के फुटबॉल और हॉकी खिलाड़ियों के डिफेंडरों के मनोदैहिक कौशल का आकलन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी न्यूट्रिशन एंड फिजिकल एजुकेशन, 9* (2), 141-144. https://doi.org/10.22271/journalofsport.2024.v9.i2c.2957
- सिंह, एम. (2024). फुटबॉल और हॉकी खिलाड़ियों के डिफेंडरों पर आधारभूत कौशल का एक अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन, स्पोर्ट्स एंड हेल्थ, 11* (5), 80-83। https://doi.org/10.22271/kheljournal.2024.v11.i5b.3491
- सिंह, एम. (2024). आईजीआईपीईएसएस और एनएसयूटी क्रिकेट खिलाड़ियों में खेल संबंधी चिंता के स्तर का तुलनात्मक विश्लेषण। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ योगिक ह्यूमन मूवमेंट एंड स्पोर्ट्स साइंसेज, 9* (2), 153-155। https://doi.org/10.22271/yogic.2024.v9.i2c.1629
- सिंह, एम., और कुमार, ए. (2024). दिल्ली विश्वविद्यालय के फुटबॉल खिलाड़ियों के मनोदैहिक कौशल पर एक अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन, स्पोर्ट्स एंड हेल्थ, 11* (5), 84-87। https://doi.org/10.22271/kheljournal.2024.v11.i5b.3492
- सिंह, एम., और कुमार, ए. (2024). विश्वविद्यालय स्तर के फुटबॉल खिलाड़ियों के बीच संज्ञानात्मक कौशल पर एक सर्वेक्षण अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ योगिक ह्यूमन मूवमेंट एंड स्पोर्ट्स साइंसेज, 9* (2), 50-54। https://doi.org/10.22271/yogic.2024.v9.i2a.1632
- सिंह, एम., और कुमार, ए. (2024). महाविद्यालय स्तर के फुटबॉल खिलाड़ियों के मनोवैज्ञानिक-आधारभूत कौशल का मूल्यांकन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी न्यूट्रिशन एंड फिजिकल एजुकेशन, 9* (2), 133-135। https://doi.org/10.22271/journalofsport.2024.v9.i2c.2954

- सिंह, एम., और कुहार, एन. (2024). पदक विजेता और गैर-पदक विजेता पुरुष धावकों के व्यक्तित्व लक्षणों का आकलन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ योगिक ह्यूमन मूवमेंट एंड स्पोर्ट्स साइंसेज, 9* (2), 156-158। https://doi.org/10.22271/yogic.2024.v9.i2c.1630
- डबराल, ए.के., सिंह, एम., तिवारी, एस., और तिवारी, एस. (2024). 9 वर्ष की स्कूल जाने वाली लड़कियों में ऊपरी शरीर की ताकत और पेट की सहनशक्ति के बीच सहसंबंध। *जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल एनालिसिस एंड एप्लीकेशन (JoCAAA), 33* (06), 500-504।
- कुमार, ए., सिंह, एम., तिवारी, एस., और कुमारी, एन. (2024). पुरुष और महिला एथलीटों के बीच प्रतिस्पर्धात्मक स्तरों पर उपलब्धि प्रेरणा का तुलनात्मक विश्लेषण। *अफ्रीकन जर्नल ऑफ बायोमेडिकल रिसर्च, 27* (3s), 5471-5475। https://doi.org/10.53555/ajbr.v27i3s.3346

पुस्तकें

1. प्रताप, वी., यादव, ए., सिंह, के.एस., और शॉ, डी. (2023)। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए शारीरिक शिक्षा की मुख्य शिक्षा। आईआईपी इटरेटिव इंटरनेशनल पब्लिशर। आईएसबी.ए.न: 978-93-5747-058-2।
2. शॉ, डी., यादव, ए., और प्रताप, वी. (2024). अनुसंधान और प्रकाशित कार्य नैतिकता। ईएसएस ईएसएस पब्लिकेशंस। आईएसबी.ए.न: 978-93-92594-99-1.
3. शॉ, डी., और हुसैन, आर. (2024). खुशी: जीवन की तलाश. खेल साहित्य केंद्र. आईएसबी.ए.न: 978-93-5877-406-1.
4. सिंह, एम., और कुमार, ए. (2024). पिच टू पिनेकल: हैंडबुक ऑफ़ क्रिकेट. स्पोर्ट्स पब्लिकेशन (इंडिया). आईएसबी.ए.न: 978-93-48226-50-1.

आयोजित संगोष्ठियां

- 27 दिसंबर, 2024 को प्रशासनिक कार्यों में हिंदी भाषा पर एक दिवसीय व्याख्यान।
- 23 अक्तूबर, 2024 को महिलाओं के लिए आत्मरक्षा कार्यशाला।
- 1 मई, 2024 को राष्ट्रीय स्तर पर खेल इंजीनियरिंग पर कार्यशाला।
- 30 अप्रैल, 2024 को GE शोध-पत्र - परिवार और अंतरंगता पर कार्यशाला।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान और स्पेशल ओलंपिक भारत के बीच समझौता-ज्ञापन।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 140 (100%)

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर समुदाय के लिए एक माह का योग शिविर आयोजित किया गया, जिसमें आस-पास के क्षेत्रों के निवासियों ने भाग लिया और प्रतिदिन योग आसन सीखे/प्रदर्शन किए।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	: 20
एसोसिएट प्रोफेसर	: 04
अतिथि	: 13
कुल	: **37**

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित निधियां	**: ₹** 19.43 करोड़
उपयोगित निधियां	**: ₹** 20.09 करोड़

****

इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

महाविद्यालय की शताब्दी 2024 में मुख्य अतिथि माननीय उपाध्यक्ष जगदीप धनखड़ के साथ मनाई जाएगी; और मल्टीमीडिया और मास कम्युनिकेशन विभाग की रजत जयंती सांसद रवि किशन के साथ अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में मनाई जाएगी। तीन पेटेंट प्रदान/प्रकाशित किए गए। दो शोध केंद्र स्थापित किए गए: हैप्पीनेस-रिसर्च; हिमालयन-स्टडीज। अंतरराष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगठनों के साथ नौ समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। प्रिंसिपल को डॉ. कलाम राष्ट्रीय-समर्पण पुरस्कार मिला; इक्वाडोर के राजदूत द्वारा प्रमाणपत्र ; इक्वाडोर के पूर्व राष्ट्रपति। 5 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (सहयोग में): "योग, यज्ञ, आयुर्वेद, वैदिक विज्ञान" (महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय), "रीसाइक्लिंग ई-वेस्ट" (जेआईटी कंपनी लिमिटेड जापान), 5 राष्ट्रीय सम्मेलन/संगोष्ठी।

प्रमुख कार्यशालाएँ: “हिमालय: पारिस्थितिकी तंत्र, संस्कृतियों और समुदायों का संरक्षक” (हिमालयी अध्ययन केंद्र), “मुद्रित सर्किट-बोर्ड डिजाइन”, “अनुवादिनी सॉफ्टवेयर” (एआईसीटीई);

प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम: “खुशी का विज्ञान और अभ्यास” (रेखी फाउंडेशन), “दार्शनिक परामर्श” (फिलॉसॉफिकल प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया), “भारतीय ज्ञान प्रणालियों में मानव कल्याण” (भारतीय शिक्षण मंडल), “संस्कृत संभाषण” (संस्कृत भारती),
व्याख्यान/वार्ता: श्री एस्ले तोजे (उप-नेता, नोबेल-पुरस्कार समिति, नॉर्वे), डॉ. कोएनराड ईएलएसटी (इंडोलॉजिस्ट, बेल्जियम), श्री आलोक कुमार (दधीचि देह-दान-समिति), प्रो. सूसा-सिल्वेस्ट्रे (कैंपिना-ग्रांडे विश्वविद्यालय, ब्राजील), डॉ. विरमानी (सदस्य, नीति-आयोग);

एफडीपी - एनईपी: अभिविन्यास और संवेदीकरण (एमएमटीटीसी रामानुजन महाविद्यालय)

संस्कृति मंत्रालय, आईसीसीआर, संगीत नाटक अकादमी, डीयू सांस्कृतिक परिषद के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम जिसमें प्रमुख कलाकार शामिल होंगे: पद्मश्री नलिनी, पद्मश्री कमलिनी, ग्रैमी विजेता रिकी केज।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

प्राचार्य प्रो. पूनम कुमरिया

- भारत-इक्वाडोर मैत्री शिखर सम्मेलन में इक्वाडोर के राजदूत महामहिम श्री फर्नांडो बुचेली द्वारा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मान प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।
- 5वें डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम राष्ट्रीय समर्पण पुरस्कार से सम्मानित।
- उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए इक्वाडोर की पूर्व राष्ट्रपति महामहिम श्रीमती रोसालिया आर्टेगा द्वारा सम्मान प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।
- 20 फरवरी, 2025 को गठित दिल्ली विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परिषद की स्थायी समिति के सदस्य।
- सदस्य, शैक्षणिक परिषद, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, 1 अक्तूबर, 2024 को गठित।
- अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों में मुख्य वक्ता।

डॉ. सुलेखा रानी

- 2 स्वीकृत पेटेंट।
- समावेशी शिक्षा और सुगम्यता के लिए प्रदर्शन उपकरण, 13 अक्तूबर, 2023, 6319237, राष्ट्रीय-स्प्रेयर से सुसज्जित सौर घास काटने वाला यंत्र, 411163-001, 21 मार्च, 2024, राष्ट्रीय।

सुश्री सीमा जांगड़ा

- 1 पेटेंट प्रकाशित।
- कपड़ा और शिल्प डिजाइनिंग के लिए AI-संचालित पैटर्न पहचान रोबोट, डिजाइन संख्या 427703-001

डॉ. अनुराधा गोस्वामी

- दिल्ली राज्य पैरा-एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरस्कार जीते।
- शॉट पुट प्रथम पुरस्कार।

- भाला फेंक प्रथम पुरस्कार।
- डिस्कस थ्रो में तीसरा पुरस्कार।

पीएच.डी. उपाधियाँ प्रदान की गईं-सुश्री बिंदू दास, सुश्री जया मिश्रा, सुश्री शुभ्रा सोलंकी।

सुश्री प्रीतिका दुआ

- को-पीआई के रूप में 'कृषि आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में प्रौद्योगिकी अपनाने की भूमिका का आकलन: अरुणाचल प्रदेश और मेघालय का एक केस स्टडी' शीर्षक से आईसीएसएसआर अनुसंधान परियोजना से सम्मानित किया गया।
- टीवी और रेडियो शो में भाग लिया।

सुश्री चेतना गुप्ता

- आई कैन फाउंडेशन द्वारा सामाजिक कार्य शिक्षा पुरस्कार प्राप्त किया।
- सकारात्मक दर्शन और अंतःविषय अध्ययन केंद्र के राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य।
- गीता बाल भारती स्कूल की प्रबंध समिति के मानद सदस्य।
- सदस्य संपादकीय बोर्ड DU 102 वार्षिक रिपोर्ट।
- पाठ्यक्रम समिति के सदस्य।
- प्रोफेसर रूपाली गोयंका, अर्थशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय।
- डॉ. वीना गुप्ता, मनोविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय।

छात्र

शैक्षणिक उपलब्धियां

कृतिका काकोटी, बी.ए. (ऑनर्स) समाजशास्त्र (प्रथम वर्ष) की छात्रा, को 'द अनटोल्ड ऑफ द सोल्स' पुस्तक की सह-लेखिका के रूप में चुना गया, दिसंबर 2024.

तनुष्का कौरव, बी.ए. (ऑनर्स) समाजशास्त्र (प्रथम वर्ष) की छात्रा, रिलायंस फाउंडेशन अंडरग्रेजुएट स्कॉलरशिप ("आरएफ स्कॉलरशिप") के लिए चयनित, 4 जनवरी, 2025.

बी.ए. (ऑनर्स) मल्टीमीडिया एवं मास कम्युनिकेशन (तृतीय वर्ष) की छात्रा वृत्ति मेदिरत्ता ने मई-जून 2024 में आयोजित विश्वविद्यालय परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) मल्टीमीडिया एवं मास कम्युनिकेशन (तृतीय वर्ष) की छात्रा अनन्या शुक्ला ने मई-जून 2024 में आयोजित विश्वविद्यालय परीक्षा में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) मल्टीमीडिया एवं मास कम्युनिकेशन (तृतीय वर्ष) की छात्रा कुहू वर्मा ने मई-जून 2024 में आयोजित विश्वविद्यालय परीक्षा में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) मल्टीमीडिया एवं मास कम्युनिकेशन (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अवलीन कौर ने मई-जून 2024 में आयोजित विश्वविद्यालय परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) मल्टीमीडिया एवं मास कम्युनिकेशन (द्वितीय वर्ष) की छात्रा मान्या शर्मा ने मई-जून 2024 में आयोजित विश्वविद्यालय परीक्षा में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) मल्टीमीडिया एवं मास कम्युनिकेशन (द्वितीय वर्ष) के छात्र शहजर भान ने मई-जून 2024 में आयोजित विश्वविद्यालय परीक्षा में तीसरा स्थान प्राप्त किया

बी.ए. (ऑनर्स) मल्टीमीडिया एवं मास कम्युनिकेशन (प्रथम वर्ष) की छात्रा संगिनी सिंह ने मई-जून 2024 में आयोजित विश्वविद्यालय परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) मल्टीमीडिया एवं मास कम्युनिकेशन (प्रथम वर्ष) की छात्रा अनुष्का कपूर ने मई-जून 2024 में आयोजित विश्वविद्यालय परीक्षा में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) मल्टीमीडिया एवं मास कम्युनिकेशन (प्रथम वर्ष) की छात्रा अनुप्रिया पंड्या ने मई-जून 2024 में आयोजित विश्वविद्यालय परीक्षा में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) मल्टीमीडिया और मास कम्युनिकेशन (तृतीय वर्ष) की छात्रा अवलीन कौर ने जापान फाउंडेशन और जापान एजुकेशनल एक्सचेंजेस एंड सर्विसेज (जेईईएस) से जापानी भाषा में एन5 स्तर का प्रवीणता प्रमाणपत्र प्राप्त किया।

बी.ए. अर्थशास्त्र (ऑनर्स) - (तृतीय वर्ष) की छात्रा वड्डेपल्ली आकांक्षा ने नागार्जुन गवर्नमेंट महाविद्यालय, नलगोंडा, तेलंगाना में "स्थायित्व के लिए प्रौद्योगिकी और नवाचार: डिजिटल प्रौद्योगिकी की भूमिका" विषय पर शोध-पत्र प्रस्तुत किए।

बी.ए. अर्थशास्त्र (ऑनर्स) - (तृतीय वर्ष) की छात्रा वड्डेपल्ली आकांक्षा ने श्री रामकृष्ण महाविद्यालय ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, कोयंबटूर में "लचीली आपूर्ति श्रृंखला: ग्रामीण महिलाओं के लिए शहरी और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों को खोलना" विषय पर शोध-पत्र प्रस्तुत किए।

बी.ए. अर्थशास्त्र (ऑनर्स) - (तृतीय वर्ष) की छात्रा वड्डेपल्ली आकांक्षा ने 31 जनवरी, 2025 को श्री रामकृष्ण महाविद्यालय ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, कोयंबटूर में "लचीली आपूर्ति श्रृंखला: ग्रामीण महिलाओं के लिए शहरी और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों को खोलना" विषय पर शोध-पत्र प्रस्तुत और प्रकाशित किया।

बी.ए. अर्थशास्त्र (ऑनर्स) - (तृतीय वर्ष) की छात्रा वड्डेपल्ली आकांक्षा को श्री विद्या महाविद्यालय ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, विरुधुनगर, तमिलनाडु में "पारंपरिक चिकित्सा के आर्थिक प्रभाव की खोज: आधुनिक अर्थशास्त्र में सांस्कृतिक प्रथाओं और स्वास्थ्य परिणामों का मूल्यांकन" विषय पर प्रस्तुति के लिए सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र पुरस्कार मिला।

बी.ए. अर्थशास्त्र (ऑनर्स) - (द्वितीय वर्ष) की छात्रा मानसी अग्रवाल ने एलएसई समर स्कूल 2024, जून-अगस्त 2024 में भाग लिया।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा जीतीशा शर्मा ने 1 अक्तूबर, 2024 को डिजिटल युग में वृद्धावस्था: सामाजिक परिवर्तन और उससे आगे की यात्रा विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अंशिका छाबड़ा ने 1 अक्तूबर, 2024 को डिजिटल युग में वृद्धावस्था: सामाजिक परिवर्तन और उससे आगे की यात्रा विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा अल्मा अली ने आईआईटी गुवाहाटी में एशिया भर में भारतीय ज्ञान को उजागर करने पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "नवसिखिया ध्यान को समझना: ध्यान और चित्त के ढांचे के भीतर शैक्षणिक विषयों में जागरूकता, असंततता और मन का सिद्धांत" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया और 3-5 अक्तूबर, 2024 को सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति का पुरस्कार जीता।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा अल्मा अली ने 12-15 दिसंबर, 2024 को आईआईटी बॉम्बे के मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित सफल और एसीसीएस सम्मेलन में, "सार्वभौमिकता-आधारित मानव मूल्यों को आकार देने में संज्ञानात्मक सहानुभूति की भूमिका की खोज: एक लैंगिक-संचालित विश्लेषण" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा अल्मा अली ने नेशनल एकेडमी ऑफ साइकोलॉजी (एनएओपी) के वार्षिक सम्मेलन, क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, 18-20 फरवरी, 2025 में “युवा भारतीय वयस्कों में व्यक्तित्व लक्षणों में लैंगिक अंतर: आयाम और आइटम-स्तरीय परिप्रेक्ष्य” शीर्षक से एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा अल्मा अली को एनपीपीए द्वारा 28-29 मार्च, 2025 को सकारात्मक मनोविज्ञान पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "नौसिखिया माइंडफुलनेस में सहानुभूति की नकारात्मक भूमिका: एक न्यूरोबिहेवियरल मिश्रित विधि विश्लेषण" शीर्षक वाले शोध-पत्र के लिए सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र प्रस्तुति से सम्मानित किया गया।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा मनस्वी प्रधान ने, 1 अक्तूबर, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के विवेकानंद महाविद्यालय द्वारा आयोजित डिजिटल युग में वृद्धावस्था: सामाजिक परिवर्तन और उससे आगे की यात्रा विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में, "स्वर्णिम वर्ष, डिजिटल भय: बुजुर्गों में साइबर अपराध पीड़ितों की एक व्यवस्थित समीक्षा" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा कमालिना गोगोई ने, 1 अक्तूबर, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के विवेकानंद महाविद्यालय द्वारा आयोजित डिजिटल युग में वृद्धावस्था: सामाजिक परिवर्तन और उससे आगे की यात्रा विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में, "स्वर्णिम वर्ष, डिजिटल भय: बुजुर्गों में साइबर अपराध पीड़ितों की एक व्यवस्थित समीक्षा" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा बिदिशा दत्ता ने आईआईटी गुवाहाटी द्वारा आयोजित, एशिया भर में भारतीय ज्ञान को उजागर करने पर यूनिका अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में,

“आधुनिक प्रतिकूलता में तितिक्षा: वेदान्तिक दर्शन के लेंस के माध्यम से लचीलेपन की खोज” शीर्षक से 5 अक्तूबर, 2024 को एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा बिदिशा दत्ता ने अक्तूबर 2024 में विवेकानंद महाविद्यालय, डीयू में “एजिंग एंड डिजिटल कनेक्टिविटी: अनवीलैंगिक द इम्पैक्ट ऑफ टेक्नोलॉजी ऑन इंटरजेनेरेशनल कम्युनिकेशन” शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

बी.ए. (ऑनर्स) - (द्वितीय वर्ष) की छात्रा जीतीशा शर्मा ने दिसंबर 2025 में एक सहकर्मी-समीक्षित जर्नल - इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ एंड वेल-बीइंग, खंड 15, पृष्ठ 42-50 में "बुजुर्गों के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए प्रौद्योगिकी की पहुंच, प्रभावशीलता और समावेशिता: एक व्यवस्थित समीक्षा" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रकाशित किया।

बी.ए. (ऑनर्स) - (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अंशिका छाबड़ा ने दिसंबर 2025 में एक सहकर्मी-समीक्षित जर्नल - इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ एंड वेल-बीइंग, खंड 15, पृष्ठ 42-50 में "बुजुर्गों के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए प्रौद्योगिकी की पहुंच, प्रभावशीलता और समावेशिता: एक व्यवस्थित समीक्षा" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रकाशित किया।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा बिदिशा दत्ता ने एक सहकर्मी- समीक्षित पत्रिका में "सकारात्मक मानसिकता का विकास: युवा वयस्कों में प्रतिपक्षभावना को बढ़ावा देने में कृतज्ञता की भूमिका" शीर्षक से शोध-पत्र प्रकाशित किया- इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड इनोवेशन इन सोशल साइंस, खंड VIII अंक XVI, आईएसबी.ए.न/आईएसएसएन संख्या 2454-6186, अक्तूबर 2024.

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा बिदिशा दत्ता ने, “आधुनिक प्रतिकूलता में तितिक्षा: वेदान्तिक दर्शन के लेंस के माध्यम से लचीलेपन की खोज” शीर्षक से शोध-पत्र प्रकाशित किया, जो एक समकक्ष-समीक्षित पत्रिका - इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड इनोवेशन इन सोशल साइंस, खंड VIII अंक XVII ISBN/ISSN नंबर 2454-6186, नवंबर 2024 में प्रकाशित हुआ।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा बिदिशा दत्ता ने एक सहकर्मी-समीक्षित पत्रिका - इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज रिव्यू, खंड 15, दिसंबर 2024 में "एजिंग एंड डिजिटल कनेक्टिविटी: अनवीलैंगिक द इम्पैक्ट ऑफ टेक्नोलॉजी ऑन इंटरजेनेरेशनल कम्युनिकेशन" शीर्षक से शोध-पत्र प्रकाशित किया।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा मनस्वी प्रधान ने एक सहकर्मी की समीक्षा की गई पत्रिका - इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ एंड वेल-बीइंग, वॉल्यूम - 15 (विशेष अंक), 2024, पीपी. 07-14, आईएसबी.ए.न/ आईएसएसएन नंबर पी-2229-5356, ई-2321-3698, दिसंबर 2024 में "गोल्डन इयर्स, डिजिटल फियर्स: ए सिस्टमैटिक रिव्यू ऑफ साइबर क्राइम विक्टिमाइजेशन अमंग द एल्डरली" शीर्षक से शोध-पत्र प्रकाशित किया।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा कमालिना गोगोई ने एक सहकर्मी की समीक्षा की गई पत्रिका - इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ एंड वेल-बीइंग, वॉल्यूम - 15 (विशेष अंक), 2024, पीपी. 07-

14, आईएसबी.ए.न/आईएसएसएन नंबर पी-2229-5356, ई-2321-3698, दिसंबर 2024 में "गोल्डन इयर्स, डिजिटल फियर्स: ए सिस्टमैटिक रिव्यू ऑफ साइबर क्राइम विक्टिमाइजेशन अमंग द एल्डरली" शीर्षक से शोध-पत्र प्रकाशित किया।

वर्ष 2024-2025 के लिए प्रदर्शन कला (गुरु शिष्य परम्परा रिपर्टरी अनुदान) में संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

खेल उपलब्धियां

बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (तृतीय वर्ष) की छात्रा कनिष्क चौधरी ने 7-10 जनवरी, 2025 को अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय नेटबॉल चैम्पियनशिप में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा वंशिका ने 7-14 जनवरी, 2025 को जयपुर, राजस्थान में आयोजित सीनियर राष्ट्रीय वॉलीबॉल चैंपियनशिप में दिल्ली राज्य का प्रतिनिधित्व किया।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा वंशिका चौधरी ने 18-22 सितंबर, 2024 तक 77वीं राष्ट्रीय एक्वाटिक चैम्पियनशिप, वाटर पोलो में भाग लिया और सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा वंशिका चौधरी ने 20 से 21 जनवरी, 2024 तक खेलो इंडिया सीरीज राउंड -1 में तीसरा, चौथा और पांचवां स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा वंशिका चौधरी ने खेलो इंडिया सीरीज़ राउंड - 2, मार्च 29-30, 2024 में पहला, दूसरा और पांचवां स्थान प्राप्त किया।

शतरंज टीम ने समग्र रूप से दूसरा स्थान प्राप्त किया, दिल्ली विश्वविद्यालय खेल परिषद, दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित अंतर महाविद्यालय शतरंज चैंपियनशिप, दिल्ली विश्वविद्यालय के बहुउद्देशीय हॉल में 23-24 अक्तूबर, 2024 को आयोजित की गई।

दिल्ली विश्वविद्यालय खेल परिषद, दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित अंतर महाविद्यालय ताइक्वांडो चैंपियनशिप में ताइक्वांडो टीम ने समग्र रूप से दूसरा स्थान प्राप्त किया, 14 अक्तूबर, 2024.

दिल्ली विश्वविद्यालय खेल परिषद, दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान में 24 फरवरी से 1 मार्च 2025 तक आयोजित इंटर महाविद्यालय टेनिस चैंपियनशिप में टेनिस टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) मल्टीमीडिया और मास कम्युनिकेशन (द्वितीय वर्ष) की छात्रा बानीदीप कौर ने 7-10 मार्च, 2024 को आईआईटी दिल्ली में स्पोर्टेक 24 में लॉन टेनिस (डब्ल्यू) में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बानीदीप कौर, बी.ए. (ऑनर्स) मल्टीमीडिया और मास कम्युनिकेशन (द्वितीय वर्ष) ने आईआईटी दिल्ली में स्पोर्टेक 25 में लॉन टेनिस (डब्ल्यू) में प्रथम स्थान प्राप्त किया, 7 मार्च से 10 मार्च 2025 तक

बानीदीप कौर, बी.ए. (ऑनर्स) मल्टीमीडिया और मास कम्युनिकेशन (द्वितीय वर्ष) ने इंटर दिल्ली यूनिवर्सिटी टेनिस महिला प्रतियोगिता, अप्रैल 2024 में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बानीदीप कौर, बी.ए. (ऑनर्स) मल्टीमीडिया और मास कम्युनिकेशन (द्वितीय वर्ष) ने मार्च 2025 में अंतर दिल्ली विश्वविद्यालय टेनिस महिला प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अनिका सहाय ने 15 अप्रैल, 2024 को हिंदू महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में एनएन अग्रवाल शोध-पत्र प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में "डिजिटल युग में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता: संवैधानिक सिद्धांतों का पुनरीक्षण" शोध-पत्र के लिए दूसरा पुरस्कार जीता।

बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा संस्कृति चौहान, दिल्ली राज्य शूटिंग चैंपियनशिप 2024 श्रेणी-राइफल (5 स्वर्ण पदक), जून-जुलाई 2024 में राज्य स्वर्ण पदक विजेता रहीं।

बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा संस्कृति चौहान, अक्तूबर 2024 में आयोजित नॉर्थ ज़ोन शूटिंग चैंपियनशिप 2024 (4 स्वर्ण पदक) में नॉर्थ ज़ोन स्वर्ण पदक विजेता रहीं।

बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (प्रथम वर्ष) की छात्रा प्राची ने अंतर महाविद्यालय शतरंज प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) - (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अनुजा को एनआईटी राउरकेला में 21-22 मार्च, 2025 को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय शिल्प शिल्प के रचनात्मक आर्थिक भूगोल पर सम्मेलन में सशक्तीकरण सूत्र: शिल्प उद्योग को बनाए रखने और नवाचार करने में महिलाओं की भूमिका को उजागर करने वाले विषय पर शोध-पत्र प्रस्तुति के लिए चुना गया।

अंशिका अग्रवाल, बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, 9 अक्तूबर, 2024 को भारतीय विद्या भवन में एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में 'सतत शहर और स्मार्ट समुदाय: इंदौर का एक केस स्टडी' शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुति।

बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल (द्वितीय वर्ष) की छात्रा प्रिया कनौजिया, 9 अक्तूबर, 2024 को भारतीय विद्या भवन में आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत में कार्बन तटस्थता का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन: डीएमआरसी मुख्यालय का एक केस स्टडी" शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुति देंगी।

बी.ए. भूगोल (ऑनर्स) - (द्वितीय वर्ष) की छात्रा आकृति राव ने 9 अक्तूबर, 2024 को भारतीय विद्या भवन में “सतत शहर और स्मार्ट समुदाय: इंदौर का एक केस स्टडी” विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

बी.ए. (ऑनर्स) - (तृतीय वर्ष) की छात्रा मुस्कान शर्मा ने आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित, 23-24 अप्रैल, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय में एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

बी.ए. ऑनर्स भूगोल (तृतीय वर्ष) की छात्रा श्रेया अनेजा ने 8-9 अप्रैल, 2025 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "जैव विविधता संरक्षण, जलवायु लचीलापन और बहु-डोमेन पारिस्थितिकी प्रणालियों में सतत विकास के लिए भू-स्थानिक नवाचार" में "उत्तराखंड की श्रीनगर घाटी में वन अग्नि संकट: कारण, प्रभाव और शमन रणनीति" पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

बी.ए. ऑनर्स भूगोल (तृतीय वर्ष) की छात्रा श्रेया अनेजा ने 19-22 अगस्त, 2024 को जापान के निगाता विश्वविद्यालय ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम में ऑनलाइन भाग लिया।

पाठ्येतर उपलब्धियाँ

अनुषा लखोटिया, बी.ए. अर्थशास्त्र (ऑनर्स) - (तृतीय वर्ष) की छात्रा, सदस्य, गर्ल अप, दिल्ली विश्वविद्यालय, जून 2024-वर्तमान

बी.ए. अर्थशास्त्र (प्रथम वर्ष) की छात्रा अनन्या सिंह ने 15 जुलाई, 2024 को पीडब्ल्यूसी स्विट्जरलैंड पावर बीआई जॉब सिमुलेशन जीता।

बी.ए. अर्थशास्त्र (ऑनर्स) - (द्वितीय वर्ष) की छात्रा मानसी अग्रवाल को वाईईपी कंट्री प्रेजेंटेशन के लिए एडीजी मेडलियन पुरस्कार मिला, 13 फरवरी, 2025

बी.ए. (ऑनर्स) मल्टी मीडिया एंड मास कम्युनिकेशन (द्वितीय वर्ष) की छात्रा तमन्ना दलाल ने 9 अक्तूबर, 2024 को सांस्कृतिक परिषद, डीयू द्वारा आयोजित अंतर-महाविद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.ए. (ऑनर्स) मल्टीमीडिया और मास कम्युनिकेशन (द्वितीय वर्ष) की छात्रा तमन्ना दलाल ने विकसितभारत युवा संसद 2025 के जिला राउंड में जीत प्राप्त की और विकसितभारत युवा संसद 2025 के राज्य राउंड में 5वां रैंक प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा हर्षी धनखड़ ने युवा मामले एवं खेल मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा 19-20 मार्च, 2025 को आयोजित विकसित भारत युवा संसद में भाग लिया।

बी.ए. (ऑनर्स) समाजशास्त्र (प्रथम वर्ष) की छात्रा गुंजालिका कुमारी गहलोत ने 24 फरवरी, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के ज़ाकिर हुसैन महाविद्यालय में पर्यावरण विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा सान्वी रस्तोगी को भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा 24 जनवरी, 2025 को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुंभ मेले में प्रस्तुति देने के लिए आमंत्रित किया गया।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा सान्वी रस्तोगी को संगीत नाटक अकादमी, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 27 फरवरी, 2024 को अयोध्या के राम मंदिर में आयोजित राम उत्सव में प्रस्तुति देने के लिए आमंत्रित किया गया।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा सान्वी रस्तोगी ने लोटस टेंपल, दिल्ली में प्रस्तुति दी और यह प्रस्तुति राष्ट्रीय टेलीविजन पर डीडी नेशनल पर 22 जनवरी, 2025 को प्रसारित की गई।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सानिया परवेज़ ठाकुर ने हेल्थ वालंटियर्स और यूएन वालंटियर्स, भारत द्वारा आयोजित डिजिटल युग में मानसिक स्वास्थ्य अभियान में भाग लिया, 4-18 अगस्त, 2024.

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा अल्मा अली ने बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी और वेटलैंड्स इंटरनेशनल, दक्षिण एशिया द्वारा 5 जनवरी, 2025 को आयोजित एशियाई जलपक्षी जनगणना 2025 में भाग लिया।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा बिदिशा दत्ता ने भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती के साथ एक स्वयंसेवक के रूप में भारत मंडपम का मंच साझा किया। नेशनल बुक ट्रस्ट के माध्यम से द्रौपदी मुर्मू, फरवरी 2025.

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा बिदिशा दत्ता ने 4-18 अगस्त, 2024 तक संयुक्त राष्ट्र और फ्रांसीसी दूतावास द्वारा मानसिक स्वास्थ्य अभियान में स्वास्थ्य स्वयंसेवक के रूप में स्वयंसेवा की।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा बिदिशा दत्ता ने 10 नवंबर, 2024 को भारतीय मानसिक स्वास्थ्य युवा शिखर सम्मेलन 2024 में स्वयंसेवा की।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा बिदिशा दत्ता ने नृत्यभारती, कला केंद्र के निमंत्रण पर लोक कला मंच में भरतनाट्यम नृत्यांगना के रूप में प्रस्तुति दी, मई 2024.

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा बिदिशा दत्ता को कनेक्ट हट द्वारा आत्महत्या की मूल बातें सिखाई गईं, जनवरी 2025

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा बिदिशा दत्ता, रीइन्वेंटिंग स्कूल्स स्टार्टर प्रोग्राम 2024, टीच फॉर इंडिया, दिसंबर 2024 का हिस्सा थीं।

बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा डारिया खोखलाचेवा ने 7 मार्च, 2025 को एमिटी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एनवीआईडीआईए डीएलआई कार्यक्रम द्वारा संचालित एआईक्राफ्ट 2.1 (अनुसंधान और भविष्य की प्रौद्योगिकियों के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रतियोगिता 2025) में दूसरा पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा भूमि मिश्रा ने 27 फरवरी, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के श्याम लाल महाविद्यालय (सांध्य) की कंप्यूटर विज्ञान सोसाइटी द्वारा आयोजित डिजाइन वर्स - वेबसाइट डिजाइनिंग प्रतियोगिता, एजीओएन 2025 में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा शिवांगी सिंह और श्रद्धा यादव ने 3 अप्रैल, 2025 को श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय की विद्यार्थी परिषद द्वारा आयोजित ब्रेन बजर - क्विज़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी .(तृतीय वर्ष) की छात्रा रश्मि यादव ने वर्ष 2023-2024 के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय में द्वितीय स्थान प्राप्त किया, 9 अप्रैल, 2025.

राधिका, बी.ए. (ऑनर्स) समाजशास्त्र (प्रथम वर्ष) की छात्रा, श्री राम वाणिज्य महाविद्यालय में TEDx वार्ता की विजेता, 16 अप्रैल, 2025.

राधिका, बी.ए. (ऑनर्स) समाजशास्त्र (प्रथम वर्ष) की छात्रा, राष्ट्रीय फाइनलिस्ट (300+ टीमों में से) - शहीद सुखदेव व्यापार अध्ययन महाविद्यालय में बी-प्लान प्रतियोगिता, 9 अप्रैल, 2025.

राधिका, छात्रा, बी.ए. (ऑनर्स) समाजशास्त्र (प्रथम वर्ष), जिला स्तरीय - विकसित भारत युवा संसद, 25 मार्च, 2025.

राधिका, बी.ए. (ऑनर्स) समाजशास्त्र (प्रथम वर्ष) की छात्रा, सर्वश्रेष्ठ शब्दावली वाद-विवादकर्ता - राष्ट्रीय भाषण प्रतियोगिता, भारत - द डिबेटिंग फ़ोरम, 18 मार्च, 2025.

राधिका, बी.ए. (ऑनर्स) समाजशास्त्र (प्रथम वर्ष) की छात्रा, चयनित होने के लिए भारत भर के शीर्ष 70 प्रतिनिधि- राजधानी युवा संवाद, दिल्ली विधानसभा, 6 नवंबर, 2024

बी.ए. (ऑनर्स) संस्कृत (तृतीय वर्ष) की छात्रा नूर सहगल ने मई, 2024 में अंतर्राष्ट्रीय गीता ओलंपियाड में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास (प्रथम वर्ष) की छात्रा दिव्या ने 8 अप्रैल, 2025 को एनएलयूडी में राष्ट्रीय स्तर की वाद-विवाद प्रतियोगिता के लिए क्वार्टर फाइनलिस्ट बनने का गौरव प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अवनी शर्मा ने विकसित भारत युवा संसद जिला स्तरीय चयन, 25 मार्च, 2024 को सफलता प्राप्त की।

बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अवनी शर्मा ने एसआरसीसी, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 23 फरवरी, 2025 को आयोजित डुलिट फेस्ट में वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.ए. (ऑनर्स) संगीत (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, वसुंधरा शास्त्री ने 15-17 जनवरी, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के संगीत संकाय में वार्षिक एकल गायन प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार जीता।

बी.ए. (ऑनर्स) मल्टीमीडिया और मास कम्युनिकेशन (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अदिति स्वरूप को अंजुमन तरग्गी ऑडिटोरियम, उर्दू भवन, नई दिल्ली में आयोजित दूसरे दिव्यांग कला महोत्सव द्वारा शॉर्टलिस्ट किया गया था, फिल्म को 8 मार्च, 2025 को सांसद माननीय मनोज तिवारी की उपस्थिति में प्रदर्शित किया गया।

बी.ए. (ऑनर्स) मल्टीमीडिया और मास कम्युनिकेशन (द्वितीय वर्ष) की छात्रा मान्या श्रीवास्तव को 8 मार्च, 2025 को अंजुमन तरग्गी ऑडिटोरियम, उर्दू भवन, नई दिल्ली में आयोजित दूसरे दिव्यांग कला महोत्सव द्वारा शॉर्टलिस्ट किया गया था, फिल्म को माननीय सांसद श्री मनोज तिवारी (2025) की उपस्थिति में प्रदर्शित किया गया।

बी.ए. (ऑनर्स) मल्टीमीडिया और मास कम्युनिकेशन (तृतीय वर्ष) की छात्रा अनन्या गुप्ता ने दिल्ली विश्वविद्यालय 2024-25 में एआईईएसईसी में सर्वश्रेष्ठ सदस्य का पुरस्कार जीता है।

बी.ए. (ऑनर्स) मल्टीमीडिया और मास कम्युनिकेशन (तृतीय वर्ष) की छात्रा अनन्या गुप्ता सितंबर 2024 से जनवरी 2025 तक दिल्ली विश्वविद्यालय में एआईईएसईसी द्वारा ग्लोबल गोल्स रन 2.0 (एसडीजी को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली स्तरीय मैराथन) के लिए कोर कमेटी की अध्यक्ष थीं।

बी.ए. (ऑनर्स) मल्टी मीडिया एंड मास कम्युनिकेशन (द्वितीय वर्ष) की छात्रा तमन्ना दलाल ने 27-28 अप्रैल, 2024 तक डीटीयू में समिति डब्ल्यूएचओ के लिए इनारा एमयूएन में रिसर्च एसोसिएट के रूप में कार्य किया।

इंटर्नशिप/फेलोशिप/प्रोजेक्ट आदि।

बी.ए. अर्थशास्त्र (ऑनर्स) - (तृतीय वर्ष) की छात्रा अनुषा लखोटिया, मार्च-अप्रैल 2025 में नीति आयोग में अर्थशास्त्र इंटेलिजेंस यूनिट में प्रशिक्षु थीं।

बी.ए. अर्थशास्त्र (ऑनर्स) - (तृतीय वर्ष) की छात्रा अनुषा लखोटिया, जून-जुलाई 2024 में इंटरग्लोब एंटरप्राइजेज में फाइनेंस एसोसिएट इंटर्न थीं।

बी.ए. अर्थशास्त्र (ऑनर्स) - (तृतीय वर्ष) की छात्रा अनुषा लखोटिया, जनवरी 2024-जनवरी 2025 तक GAEE इंडिया में रिसर्च एसोसिएट थीं।

बी.ए. अंग्रेजी (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अनंथा एलबी को वेडिडिट फाउंडेशन के साथ एक महीने की इंटर्नशिप के लिए चुना गया और उन्होंने 03 मार्च, 2025 को इसे पूरा किया।

बी.ए. (ऑनर्स) मल्टीमीडिया और मास कम्युनिकेशन (तृतीय वर्ष) की छात्रा अवलीन कौर को क्योटो विश्वविद्यालय, क्योटो, जापान में 28 फरवरी, 2025 को केयू-स्टार समर रिसर्च इंटर्नशिप प्रोग्राम 2025 के लिए चुना गया।

बी.ए. अर्थशास्त्र (ऑनर्स) - (तृतीय वर्ष) की छात्रा, इशिका बब्बर, 1-31 जुलाई, 2024 को जेएलएल इंडिया के रणनीतिक परामर्श और मूल्यांकन विभाग में प्रशिक्षु थीं।

बी.ए. अर्थशास्त्र (ऑनर्स) - (तृतीय वर्ष) की छात्रा इशिका बब्बर, भारतीय रिज़र्व बैंक के वित्तीय समावेशन और विकास विभाग में 1 अगस्त से 31 अगस्त, 2024 तक प्रशिक्षु थीं।

इशिका बब्बर, बी.ए. अर्थशास्त्र (ऑनर्स) - (तृतीय वर्ष) की छात्रा, संस्थापक कार्यालय | ग्रोथ स्ट्रैटेजिस्ट इंटर्न, किवार्ट, फरवरी-मार्च 2025 थीं।

बी.ए. अर्थशास्त्र (द्वितीय वर्ष) की छात्रा जोया, 7 अक्तूबर से 14 नवंबर, 2024 तक नीति आयोग में प्रशिक्षु थीं।

बी.ए. अर्थशास्त्र (तृतीय वर्ष) की छात्रा हिमानी भंडारी, 1 जुलाई, 2024 से 1 अगस्त, 2024 तक डन एंड ब्रैडस्ट्रीट में अर्थशास्त्र अनुसंधान इंटर्न थीं।

के माधवी, बी.ए. भूगोल (ऑनर्स) - (प्रथम वर्ष) की छात्रा, एआईसीटीई इंटर्नशिप के लिए चयनित, जेनज़ एजुकेट विंग मानव संसाधन, 10 मार्च, 2025.

बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी (तृतीय वर्ष) की छात्रा प्रार्थना सिंह ने शिक्षा मंत्रालय द्वारा 22-31 अगस्त, 2024 को आयोजित कौशल विकास और उद्यमिता में इंटर्नशिप पूरी की।

बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी (तृतीय वर्ष) की छात्रा नैंसी यादव ने शिक्षा मंत्रालय द्वारा 22 अगस्त से 31 अगस्त, 2024 तक आयोजित कौशल विकास एवं उद्यमिता में इंटर्नशिप पूरी की।

बी.कॉम (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) की छात्रा पूजा देवी का चयन एनटायरिटी फाउंडेशन नामक एनजीओ में एचआर इंटर्नशिप के लिए हुआ, 3 जून 2024

अक्षरा मित्तल, बी.कॉम (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, को वाईबीआई फाउंडेशन (सभी के लिए पायथन, शुरुआती लोगों के लिए बिजनेस और डेटा एनालिटिक्स) में बिजनेस एनालिटिक्स इंटर्न के लिए चुना गया है, 18 अक्तूबर 2024 से 18 नवंबर 2024 तक

बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल (तृतीय वर्ष) की छात्रा श्रेया अनेजा ने दिल्ली विश्वविद्यालय की कुलपति इंटर्नशिप योजना 2024, 10 जून से 6 अक्तूबर, 2024 तक की है।

बी.एससी. (ऑनर्स) गणित - (प्रथम वर्ष) की छात्रा धृति सहगल को 1 मार्च से 1 अप्रैल, 2025 तक यूनिफाइड मेंटर प्राइवेट लिमिटेड के साथ डेटा साइंस इंटर्न के रूप में चुना गया है।

बी.एससी. (ऑनर्स) गणित - (तृतीय वर्ष) की छात्रा, ख़ुशी सहदेव ने मार्की इक्विटी, स्टेट्समैन हाउस, बाराखंभा रोड, नई दिल्ली में 06 सितंबर, 2023 से 04 नवंबर, 2024 तक इन्वेस्टमेंट बैंकिंग फेलो के रूप में काम किया।

बी.कॉम (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा महक रावत का जीएमआर-डायल (दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड) में फाइनेंस इंटर्न के लिए चयन, 22 जुलाई, 2024.

अक्षरा मित्तल, बी.कॉम (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, 13 नवंबर, 2024 से 13 मई, 2025 तक सीआईई - शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में वीसीआईएस पार्ट टाइम इंटर्नशिप के लिए चयनित।

बी.कॉम (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा प्रणवी मेहता को कुलपति ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप योजना, 2024 (दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा) के लिए चुना गया, 10 जून, 2024 - 7 अक्तूबर, 2024.

निष्ठा गोयल, बी.कॉम (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, को यूएनएपी के तहत 1 अगस्त, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय में संयुक्त राष्ट्र मिलेनियम फेलो और कैंपस निदेशक के पद के लिए चुना गया।

दिव्या, बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास (प्रथम वर्ष) की छात्रा, दृष्टि मित्र परियोजना के समन्वयक के तहत संकल्प संगठन में इंटर्नशिप के लिए चयनित, 3 सितंबर, 2024.

बी.ए. (ऑनर्स) मल्टीमीडिया और मास कम्युनिकेशन (द्वितीय वर्ष) की छात्रा वंशिका गुलाटी 15 जून, 2024 से 7 जुलाई, 2024 तक पॉज़ नॉन प्रॉफिट फाउंडेशन में इंटर्नशिप करेंगी।

बी.ए. (ऑनर्स) मल्टीमीडिया और मास कम्युनिकेशन (द्वितीय वर्ष) की छात्रा संगिनी सिंह 29 जुलाई, 2024 से 28 फरवरी, 2025 तक निर्गुण ट्रस्ट में ग्राफिक डिजाइन और सोशल मीडिया मैनेजमेंट इंटर्न थीं।

बी.ए. (ऑनर्स) मल्टीमीडिया और मास कम्युनिकेशन (तृतीय वर्ष) की छात्रा मान्या शर्मा जुलाई 2024 से अगस्त 2024 तक द रेपप्रो में ग्राफिक डिजाइन इंटर्न थीं।

बी.ए. (ऑनर्स) मल्टीमीडिया और मास कम्युनिकेशन (द्वितीय वर्ष) की छात्रा बानीदीप कौर 24 जून से 26 जुलाई, 2024 तक ऑल इंडिया रेडियो (एआईआर) में समाचार सेवा प्रभाग की प्रशिक्षु थीं।

बी.ए. (ऑनर्स) मल्टीमीडिया और मास कम्युनिकेशन (द्वितीय वर्ष) की छात्रा बानीदीप कौर, 7 जून से 6 जुलाई, 2024 तक उम्मेद- ए ड्रॉप ऑफ होप (एनजीओ) में सामाजिक कार्य, मानव संसाधन और वित्त के क्षेत्र में प्रशिक्षु थीं।

बी.ए. (ऑनर्स) मल्टीमीडिया एवं मास कम्युनिकेशन (तृतीय वर्ष) की छात्रा अनुश्रुति साहा, तापस फाउंडेशन में कंटेंट एवं डिज़ाइन इंटर्न थीं। वह भारत के पहले कोरियाई स्किनकेयर क्लिनिक, कोरिनमी में मार्केटिंग इंटर्न भी हैं।

बी.ए. (ऑनर्स) मल्टीमीडिया एवं मास कम्युनिकेशन (तृतीय वर्ष) की छात्रा मितांशी सरीन जेड1 टेक में मार्केटिंग समर इंटर्न थीं।

बी.ए. (ऑनर्स) मल्टीमीडिया और मास कम्युनिकेशन (तृतीय वर्ष) की छात्रा अपूर्व वर्मा ने जून 2024 से सितंबर 2025 तक स्पाइन एआई में कंटेंट राइटर इंटर्न के रूप में इंटर्नशिप की।

बी.ए. (ऑनर्स) मल्टीमीडिया और मास कम्युनिकेशन (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अदिति स्वरूप दिसंबर 2024 से जनवरी 2025 तक इनपैक टाइम्स (एशियाना टाइम्स नेटवर्क) में पत्रकारिता इंटर्न थीं।

बी.ए. (ऑनर्स) मल्टीमीडिया और मास कम्युनिकेशन (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अदिति स्वरूप, नवंबर 2024 से फरवरी 2025 तक ऑपैक्स क्वाल्ट्रा में मीडिया और पीआर इंटर्न थीं।

बी.ए. (ऑनर्स) मल्टीमीडिया और मास कम्युनिकेशन (तृतीय वर्ष) की छात्रा अवलीन कौर ने जून 2024 से जुलाई 2024 तक एंडएंड ब्रांड पार्टनर्स में इंटर्नशिप की।

बी.ए. (ऑनर्स) मल्टीमीडिया और मास कम्युनिकेशन (तृतीय वर्ष) की छात्रा अवलीन कौर ने अक्तूबर 2024 से दिसंबर 2024 तक नियोफाइट कंसल्टिंग एजेंसी के साथ इंटर्नशिप की।

बी.ए. (ऑनर्स) मल्टीमीडिया और मास कम्युनिकेशन (तृतीय वर्ष) की छात्रा अवलीन कौर ने जनवरी 2024 से अप्रैल 2024 तक मार्केटिंग मखनी में इंटर्नशिप की।

बी.ए. (ऑनर्स) मल्टीमीडिया और मास कम्युनिकेशन (द्वितीय वर्ष) की छात्रा ईशानवी सिंघल ने 27 जुलाई, 2024 से वर्तमान तक डीयू बीट में ग्राफिक डिज़ाइन इंटर्न के रूप में इंटर्नशिप की।

बी.ए. (ऑनर्स) मल्टीमीडिया और मास कम्युनिकेशन (तृतीय वर्ष) की छात्रा सानिया नमिता किरो ने जून से अगस्त 2024 तक वॉलनट पब्लिकेशन में ग्राफिक डिजाइनर के रूप में इंटर्नशिप की।

बी.ए. (ऑनर्स) मल्टीमीडिया और मास कम्युनिकेशन (तृतीय वर्ष) की छात्रा चेतना ने कर्नलज़ कंस्ट्रक्शन्स में जून 2024-अगस्त 2024 तक सोशल मीडिया इंटर्न के रूप में इंटर्नशिप की।

बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अनिका सहाय ने यंग लीडर्स फॉर एक्टिव सिटिजनशिप फेलोशिप (18 जनवरी 2025 - 18 अप्रैल 2025) पूरी की।

बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अनिका सहाय को जून-जुलाई, 2025 के लिए यूनेस्को (8वन) के तहत फेयर प्रोजेक्ट 2025 के लिए चुना गया है।

बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अनिका सहाय ने दिल्ली विश्वविद्यालय में डॉ. मनीषा तोमर के लिए शोध सहयोगी के रूप में कार्य किया (अक्तूबर 2024-अप्रैल 2025)।

बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अनिका सहाय को एशियाई और अंतर्राष्ट्रीय मामलों के लिए हार्वर्ड प्रोजेक्ट (2024-25) के लिए एक प्रतिनिधि के रूप में चुना गया है।

अनिका सहाय, बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, वर्तमान में जून 2024 से डीयू बीट (भारत की सबसे बड़ी स्वतंत्र छात्र संचालित पत्रिका) के साथ इंटर्नशिप कर रही हैं।

बी.ए. (ऑनर्स) (प्रथम वर्ष) की छात्रा सानिया 12 सितंबर, 2024 से वर्तमान तक पहचान-द स्ट्रीट स्कूल में इंटर्नशिप कर रही हैं।

बी.ए. (ऑनर्स) - (द्वितीय वर्ष) की छात्रा शिवांजलि ने 27 फरवरी से 29 मार्च, 2025 तक प्रश्रय वेलफेयर फाउंडेशन (टीम आश्रय) में सोशल इंटर्नशिप प्रोग्राम पूरा किया।

बी.ए. (ऑनर्स) - (प्रथम वर्ष) की छात्रा रिद्धि टपलू ने एक गैर सरकारी संगठन, द संकल्प ऑर्गनाइजेशन में इंटर्नशिप की।

बी.ए. (ऑनर्स) - (द्वितीय वर्ष) की छात्रा स्नेहा सिंह वर्मा ने 13 अप्रैल, 2025 को तीन महीने की अवधि के लिए पहचान-द स्ट्रीट स्कूल-ट्रस्ट में इंटर्नशिप पूरी की।

बी.ए. (ऑनर्स) - (द्वितीय वर्ष) की छात्रा जीतीशा शर्मा ने 1 अप्रैल, 2025 को पहचान-द स्ट्रीट स्कूल में इंटर्नशिप की।

बी.ए. (ऑनर्स) - (द्वितीय वर्ष) की छात्रा तनिष्का नवंबर 2024 से वर्तमान तक पहचान-द स्ट्रीट स्कूल में इंटर्नशिप कर रही हैं।

बी.ए. (ऑनर्स) - (द्वितीय वर्ष) की छात्रा काव्या कपूर ने 25 मार्च, 2025 को तीन महीने की अवधि के लिए पहचान-द स्ट्रीट स्कूल-ट्रस्ट में इंटर्नशिप पूरी की।

मुस्कान, बी.ए. (ऑनर्स) - (तृतीय वर्ष) की छात्रा, कुलपति इंटर्नशिप योजना (वीसीआईएस), दिल्ली विश्वविद्यालय, नवंबर 2024-मई 2025

सुरभि ठाकुर, बी.ए. (ऑनर्स) - (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, कुलपति इंटर्नशिप योजना (वीसीआईएस), दिल्ली विश्वविद्यालय, नवंबर 2024-मई 2025

बी.ए. (ऑनर्स) - (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुरभि ठाकुर ने जुलाई से नवंबर 2024 तक तीन महीने की अवधि के लिए पहचान-द स्ट्रीट स्कूल-ट्रस्ट में इंटर्नशिप पूरी की।

बी.ए. (ऑनर्स) - (तृतीय वर्ष) की छात्रा श्रेया तेतरवे ने मार्च से जून 2024 तक तीन महीने की अवधि के लिए पहचान-द स्ट्रीट स्कूल-ट्रस्ट में इंटर्नशिप पूरी की।

बी.ए. (ऑनर्स) - (तृतीय वर्ष) की छात्रा श्रेया तेतरवे ने नीति आयोग के तहत पंजीकृत प्रयाण फाउंडेशन में 22 सितंबर, 2023 से अप्रैल 2025 तक इंटर्नशिप पूरी की।

श्रेया तेतरवे, बी.ए. (ऑनर्स) - (तृतीय वर्ष) की छात्रा, 1 सितंबर, 2024 से 9 मई, 2025 तक यूथ इंडिया फाउंडेशन में इंटर्नशिप कर रही हैं

बी.ए. (ऑनर्स) - (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुहानी बंसल ने 21 जून, 2024 से 19 जुलाई, 2024 तक अमहा हेल्थकेयर, दिल्ली में इंटर्नशिप पूरी की।

बी.ए. (ऑनर्स) - (तृतीय वर्ष) की छात्रा हर्षी धनखड़ ने 8 अप्रैल से 8 मई, 2024 तक इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय के इतिहास पर पुनर्विचार विषय पर प्रिंसिपल इंटर्नशिप पूरी की।

बी.ए. (ऑनर्स) - (तृतीय वर्ष) की छात्रा सान्वी रस्तोगी ने 1 जुलाई से 31 अगस्त, 2024 तक मानव व्यवहार एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में इंटर्नशिप की।

बी.ए. (ऑनर्स) - (तृतीय वर्ष) की छात्रा सान्वी रस्तोगी ने 9-25 जून, 2024 तक फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट, गुरुग्राम में इंटर्नशिप की।

बी.ए. (ऑनर्स) - (तृतीय वर्ष) की छात्रा सान्वी रस्तोगी ने 4 दिसंबर से 31 मई, 2024 तक हृदय फाउंडेशन में इंटर्नशिप की।

अंशिका छाबड़ा, बी.ए. (ऑनर्स) - (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, ने फोर्टिस हेल्थकेयर लिमिटेड में इंटर्नशिप की, ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप 1-15 जुलाई, 2024 तक आयोजित की गई।

अंशिका छाबड़ा, बी.ए. (ऑनर्स) - (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, लियो क्लब इटरनिटी सर्विस, एनपीओ की अक्तूबर 2023 से अक्तूबर 2024 तक सदस्य।

सानिया परवेज़ ठाकुर, बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, दिल्ली विश्वविद्यालय में अंशकालिक कुलपति इंटर्नशिप योजना (वीसीआईएस) में नवंबर 2024 से वर्तमान तक इंटर्नशिप कर रही हैं।

सानिया परवेज़ ठाकुर, बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, फोर्टिस मेंटल हेल्थ एडवोकेट में बैच 2025, जनवरी 2025 से वर्तमान तकइंटर्नशिप कर रही हैं, ।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सानिया परवेज़ ठाकुर ने फोर्टिस हेल्थकेयर लिमिटेड में जुलाई 2024 में ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप इंटर्नशिप की।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सानिया परवेज़ ठाकुर ने जुलाई 2024 से नवंबर 2024 तक पहचान-द स्ट्रीट स्कूल में इंटर्नशिप की।

सानिया परवेज़ ठाकुर, बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, परिंदे फाउंडेशन (एनजीओ) में प्रशिक्षु, जुलाई 2024.

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा प्राची डौंडियाल ने 8 अप्रैल से 8 मई, 2024 तक प्रिंसिपल इंटर्नशिप प्रोग्राम (इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय) में भाग लिया।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा प्राची डौंडियाल ने जून से अगस्त 2024 तक दिल्ली विश्वविद्यालय, कुलपति इंटर्नशिप योजना (ग्रीष्मकालीन) में भाग लिया।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा नंदिनी खन्ना ने जुलाई से अक्तूबर 2024 तक तीन महीने की अवधि के लिए पहचान-द स्ट्रीट स्कूल-ट्रस्ट में इंटर्नशिप पूरी की।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा नंदिनी खन्ना ने फोर्टिस हेल्थकेयर लिमिटेड में ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप (क्लिनिकल साइकोलॉजी), जुलाई 2024 में पूरी की।

नंदिनी खन्ना, बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा, यूथ इंडिया फाउंडेशन (भारतीय ट्रस्ट अधिनियम 1882 के तहत पंजीकृत) में जनवरी 2025 से वर्तमान तक इंटर्नशिप कर रही हैं।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अपूर्वा यादव ने 2 जुलाई से 2 अगस्त, 2024 तक फोर्टिस हेल्थकेयर, मानसिक स्वास्थ्य और व्यवहार विज्ञान विभाग में इंटर्नशिप की।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अपूर्वा यादव ने 12 नवंबर से 12 फरवरी, 2025 तक पहचान-द स्ट्रीट स्कूल में इंटर्नशिप की।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अपूर्वा यादव ने 12 मार्च से 12 मई, 2024 तक एक्मेग्रेड: डिजिटल मार्केटिंग में इंटर्नशिप की।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सलोनी चौधरी ने 24 जून से 24 जुलाई, 2024 तक समाधान एनजीओ में इंटर्नशिप की।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सलोनी चौधरी ने 13 दिसंबर से 31 जनवरी, 2025 तक इंटरनेशनल जर्नल ऑफ न्यूरोलिंग्विस्टिक्स एंड गेस्टाल्ट साइकोलॉजी में इंटर्नशिप की।

सलोनी चौधरी, बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, फोर्टिस हेल्थकेयर लिमिटेड में क्लिनिकल साइकोलॉजी में ऑनलाइन इंटर्नशिप, जुलाई 2024इंटर्नशिप कर रही हैं।

सलोनी चौधरी, बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, मैत्री सोसाइटी: इनेबलैंगिक यूनिट, आईपीसीडब्ल्यू, डीयू में अक्तूबर 2023- अक्तूबर 2024 तक इंटर्नशिप की गई।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान - (तृतीय वर्ष) की छात्रा काव्या ने फरवरी से जुलाई 2024 तक रीबूट कंसल्टेंसी एंड सर्विसेज में इंटर्नशिप की।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा काव्या ने मई से अक्तूबर 2024 तक कार्यार्थ कंसल्टेंसी में इंटर्नशिप की।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा काव्या ने 15 जनवरी से 15 अप्रैल, 2025 तक स्केलर, इंटरव्यूबिट सॉफ्टवेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड में इंटर्नशिप की।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा मनस्वी प्रधान ने फोर्टिस हेल्थकेयर के फोर्टिस नेशनल मेंटल हेल्थ प्रोग्राम में 1-15 जुलाई, 2024 तक इंटर्नशिप की।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा बिदिशा दत्ता ने अप्रैल 2024 में सारथी, एनजीओ में सुशिक्षा के रूप में इंटर्नशिप की।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा बिदिशा दत्ता ने अप्रैल से मई 2024 तक संत परमानंद अस्पताल में मनोवैज्ञानिक अनु गोयल के अधीन मनोविज्ञान इंटर्न के रूप में काम किया।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा बिदिशा दत्ता ने फरवरी 2025 में नेशनल बुक ट्रस्ट के माध्यम से विश्व पुस्तक मेला इंटर्न के रूप में काम किया।

प्रकाशन

- बंसल, एन., बाला, एम., और शर्मा, के. (2024). फ़ज़ीबैंडिट: व्याख्यात्मक एआई का उपयोग करते हुए प्रासंगिक मल्टी-आर्म बैंडिट्स पर आधारित एक स्वायत्त वैयक्तिकृत मॉडल। *रक्षा विज्ञान जर्नल, 74* (4), 496-504। https://doi.org/10.14429/dsj.74.19330
- बंसल, एन., बाला, एम., और शर्मा, के. (2025)। वृहद भाषा मॉडल के साथ वेब निजीकरण: चुनौतियाँ और भविष्य के रुझान। एच. मित्तल, एस.जे. नंदा, और एम.एच. लिम (सं.), *संचार, कंप्यूटिंग और डेटा विश्लेषण के प्रतिमानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही: पीसीसीडीए 2024* (पृष्ठ 269-283)। बुद्धिमान प्रणालियों के लिए एल्गोरिदम। स्प्रिंगर। https://doi.org/10.1007/978-981-97-8669-5_21

- बंसल, पी., और रानी, ए. (2024). सम्मानजनक कार्यस्थल नीति: यौन उत्पीड़न पर नीति का एक अध्ययन. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट (आईजेसीआरटी), 12* , 532-544.
- बोराह, जे. (अनुवादक) (2024). बिजॉय शंकर बर्मन की पाँच असमिया कविताएँ. *यपंचित (कला, साहित्य और संस्कृति पर पत्रिका)* , 104-106.
- गौरव, जी., राणा, एस., सिवाच, बी., और पंवार, एम.एस. (2024). भारित अंकगणितीय जल गुणवत्ता सूचकांक और रैखिक समाश्रयण मॉडल का उपयोग करके एक भारतीय हिमालयी नदी में जल गुणवत्ता का आकलन और पूर्वानुमान। *जर्नल ऑफ माउंटेन रिसर्च, 19* (2), 593-604। https://doi.org/10.51220/jmr.v19-i2.62
- गौतम, के., गुप्ता, वी., और विजेता (2025)। अनकही बातों को समझना: इंस्टेंट मैसेजिंग में मौन और अवरोधन को समझना। *साउथ ईस्टर्न यूरोपियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ* , 550-560। https://doi.org/10.70135/seejph.vi.3613
- गुप्ता, सी., और सचदेव, के.एन. (2024). मानवाधिकारों के नैतिक आधार का एक आलोचनात्मक मूल्यांकन: एक बेंथम का दृष्टिकोण। *शैक्षिक प्रशासन: सिद्धांत और व्यवहार, 30* (5), 2327-2330। https://doi.org/10.53555/kuey.v30i5.3286
- गुप्ता, वी., जग्गी, पी., और गौतम, के. (2025)। सोशल मीडिया की लत, व्यक्तित्व और आत्म-सम्मान के बीच संबंध: पीढ़ीगत अंतरों का समाधान। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी, 13* (1), 1877-1891। https://doi.org/25215/1301.175
- जमाल, एस., उपाध्याय, ए., और मोइन, के. (2024). स्थानीय अर्थव्यवस्था के पुनरुद्धार पर भौगोलिक संकेतों का प्रभाव: दार्जिलैंगिक चाय का एक केस स्टडी। *जर्नल ऑफ इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स (जेआईपीआर), 29* (5), 443-456। https://doi.org/10.56042/jipr.v29i5.4456
- जांगड़ा, एस., और पंडित, ए.के. (2024). वाहन विलंब-सहिष्णु नेटवर्क में नया विश्वास-आधारित स्मार्ट डेटा अग्रेषण तंत्र। *जर्नल ऑफ मशीन एंड कंप्यूटिंग* , 830-840। https://doi.org/10.53759/7669/jmc202404077
- जांगड़ा, एस., और पंडित, ए.के. (2024). वाहन विलंब-सहिष्णु नेटवर्क में कुंजी प्रबंधन के साथ सुरक्षित डेटा अग्रेषण। *जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल एनालिसिस एंड एप्लीकेशन (JoCAAA), 33* (07), 1199-1208। https://eudoxuspress.com/index.php/pub/article/view/1196
- झा, एस. (2025). एंथ्रोपोसीन युग में पर्यावरणीय नैतिकता बनाम स्वर्ग: एक उत्तरमानव कथा। *द क्राइटेरियन: एन इंटरनेशनल जर्नल इन इंग्लिश, 16* (1), 1-11. https://doi.org/10.5281/zenodo.14973561
- शांडिल्य, बी., कुमार, जी., और भारती, एस. (द्वितीय)। डिजिटल युग में सार्वजनिक क्षेत्र: डिजिटल सक्रियता के माध्यम से समाजों में परिवर्तन का विश्लेषण। *द एकेडमिक - इंटरनेशनल*

जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च, 2 (7), 537-553। https://theacademic.in/wp-content/uploads/2024/08/49.pdf

- कुमार, पी., और गुप्ता, सी. (2024). पारिवारिक संबंधों को सार्वभौमिक बनाना. *ऑर्गनाइज़र, 77*, 60-63.
- कुमार, पी. (2024). पर्यावरण में सूक्ष्मजीव समुदायों का कैंसर कोशिका गतिशीलता पर प्रभाव. *अफ़्रीकन जर्नल ऑफ़ बायोमेडिकल रिसर्च, 27* , 663-670. https://doi.org/10.53555/ajbr.v27i3s.2087
- पंवार, पी., गौरव, और राणा, एस. (2024). उत्तराखंड में जलवायु परिवर्तन की स्थिति, प्रभाव, अनुकूलन और शमन रणनीतियाँ। डीसी गोस्वामी, एपी सूत्रधार, और ए. पाल (संपादक), *जलवायु परिवर्तन के मुद्दे और चुनौतियाँ* ।
- शर्मा, ए., और पटेल, आर. (2025)। ब्रिक्स देशों में हरित वित्तीय नीतियों का विश्लेषण। *पैरीपेक्स - इंडियन जर्नल ऑफ रिसर्च, 14* (2), 45-58। https://www.doi.org/10.36106/paripex
- राणा, एस., गौरव, और पंवार, पी. (2024). टिहरी गढ़वाल जिले के चमियाला नगर परिषद के प्राकृतिक झरनों पर भारित अंकगणितीय जल गुणवत्ता सूचकांक का अनुप्रयोग। *जर्नल ऑफ इंडियन वाटर वर्क्स एसोसिएशन, 56* , 118-124।
- राणा, एस., गौरव, जी., सिवाच, बी., और पंवार, एम.एस. (2024). भारत के भूजल संसाधनों का आकलन और चुनौतियाँ: वर्तमान स्थिति और स्थिरता उपायों का एक व्यापक अध्ययन। *जर्नल ऑफ माउंटेन रिसर्च, 19* (2), 7-14। https://doi.org/10.51220/jmr.v19-i2.2
- राणा, एस., गौरव, नेगी, डी., और पंवार, पी. (2024). देहरादून जिले में वाहन पंजीकरण और सड़क दुर्घटनाओं के रुझानों का व्यापक अध्ययन। *जर्नल ऑफ इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टाउन प्लानर्स, 21* (1), 59-69।
- रानी, ए. (2025). राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से समाज के सामाजिक रूप से वंचित वर्गों में उद्यमिता की प्राप्ति: उत्तराखंड के अल्मोड़ा के पहाड़ी जिलों का एक अनुभवजन्य अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट (आईजेसीआरटी), 13* (2), 1-17.
- रावल, एस., एंटनी, आर., कुमार, एस., पोट्टक्कल, जे.जी., और लिंडा, ए. (2025)। खुले लैंडफिल के खतरे: धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश, भारत में पर्यावरणीय जोखिम मूल्यांकन पर एक अध्ययन। *पर्यावरण निगरानी और मूल्यांकन, 197* (2)। https://doi.org/10.1007/s10661-024-13530-0

- रे, ए., और सेनगुप्ता, डी. (2024). शैक्षणिक अलगाव और खंडित पहचान: भारतीय उच्च शिक्षा में सांसारिक मानवतावाद पर पुनर्विचार। *वैश्वीकरण, समाज और शिक्षा* , 1-6। https://doi.org/10.1080/14767724.2024.2437798
- शर्मा, आर., शर्मा, के., और बाला, एम. (2024). बेहतर बहु-उद्देश्यीय WOA के साथ हिस्टोपैथोलॉजिकल छवि वर्गीकरण के लिए कुशल विशेषता चयन। *वैज्ञानिक रिपोर्ट, 14* (1)। https://doi.org/10.1038/s41598-024-75842-y
- *फिजीगी मणि* में मैतेई-हिंदुओं और उनके अनुष्ठानों और समारोहों का प्रतिनिधित्व . *गुइनीस जर्नल: नॉर्थ ईस्ट इंडिया स्टडीज़ का एक अंतःविषय जर्नल, 10* , 73-86.
- सिंह, एन.एस. (2024). पूर्वोत्तर भारत से चुनिंदा स्वतंत्रता-पश्चात लेखों में लोकतंत्र और राज्य। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेशन एंड मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च (आईजेआईएमआर), 4* (2), 41-42।
- श्वेता, ए., बाला, एम., और शर्मा, के. (2024). विषमांगी ध्यान तंत्र और अनुकूलित विशेषता चयन के माध्यम से स्तन कैंसर के वर्गीकरण के लिए एक ढाँचा। *बुद्धिमान डेटा विश्लेषण* , 1-36। https://doi.org/10.3233/ida-240334
- श्वेता, एवीएस, बाला, एम., और शर्मा, के. (2024). ब्रेन ट्यूमर की पहचान और वर्गीकरण के लिए एक रैखिक समय संकुचन-एसएल(टी)-वीआईटी दृष्टिकोण। *आईईटीई जर्नल ऑफ रिसर्च, 70* (11), 8300-8322। https://doi.org/10.1080/03772063.2024.2370954
- वर्मा, एम. (2024). स्वामी भगवदाचार्यजी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व . *इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ मैनेजमेंट सोशियोलॉजी एंड ह्यूमैनिटीज, 15* (9)।
- विरमानी, एम. (2025)। एनईपी 2020 में ईसीसीई की प्रासंगिकता। *लैंगलिट, 11* (3), 80-86।
- पाल, एस., पाठक, पी.के., रहमान, एम., और त्रिपाठी, एन. (2024). जोखिम में पुरुष: भारत के चुनिंदा शहरों में पुरुषों के साथ यौन संबंध रखने वाले पुरुषों के विरुद्ध मौखिक, शारीरिक और यौन हिंसा के सहसंबंध। *बी.ए.मसी पब्लिक हेल्थ, 24* (1)। https://doi.org/10.1186/s12889-024-20493-x
- पांडे, बीडब्ल्यू, यादव, जी., त्रिपाठी, एन., और पाठक, पी.के. (2024). भारत के चुनिंदा सशक्त कार्रवाई समूहों वाले राज्यों में प्रजनन और बाल स्वास्थ्य परिवर्तन: एक ज़िला-स्तरीय विश्लेषण। *पीएलओएस वन, 19* (6), e0301587. https://doi.org/10.1371/journal.pone.0301587

अनुसंधान परियोजनाएँ

- आईसीएसएसआर, डॉ. देबजानी सेनगुप्ता, अंग्रेजी, दक्षिण एशिया में विभाजन साहित्य और स्मारकीकरण का कैननाइजेशन, 65,00,000 रुपये।

- बिहार हेरिटेज डेवलपमेंट सोसाइटी (बी.ए.चडीएस), कला, संस्कृति और युवा विभाग, बिहार सरकार, डॉ. विनीता सिन्हा, लोक कथाओं में अंतरसांस्कृतिक निकटता: एक रचनात्मक व्याख्या, 10,00,000 रुपये।

दायर/स्वीकृत पेटेंट

- डॉ. सुलेखा रानी, समावेशी शिक्षा और सुगम्यता के लिए डिस्प्ले डिवाइस, पेटेंट 6319237, 13 अक्तूबर, 2023, राष्ट्रीय।
- डॉ. सुलेखा रानी, स्प्रेयर से सुसज्जित एक सौर घास कटर, पेटेंट 411163-001, 21 मार्च, 2024, राष्ट्रीय।
- शुभम महाजन, राजेंद्र कुमार, सीमा जांगड़ा (2024) - टेक्सटाइल और क्राफ्ट डिजाइनिंग के लिए एआई-संचालित पैटर्न रिकग्निशन रोबोट, डिजाइन नं। 427703-001, 22 अक्तूबर 2024, राष्ट्रीय।

आयोजित संगोष्ठियां

- डॉ. सुरजीत सिंह रंधावा, प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी, एचएमसीओएसटीई, शिमला ने 27-28 अगस्त, 2024 को “भारत को वैश्विक दक्षिण की आवाज़ के रूप में देखना: सीओपी28 पर पुनर्विचार” विषय पर एक संगोष्ठी/वार्ता दी।
- ललित एम. कपूर, डाइट और लाइफस्टाइल कोच, यूसीएलए, ने 11 सितंबर, 2024 को "प्लांट बेस्ड होल फूड डाइट एंड लाइफस्टाइल" पर एक व्याख्यान दिया।
- दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय की प्रोफेसर रविंदर कौर ने 25 सितंबर, 2024 को “रचनात्मकता और पार्श्व सोच के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा देना” विषय पर एक संगोष्ठी/भाषण दिया।
- डॉ. शुभंकर मिश्रा, उप सचिव, विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस, ने 21-22 अक्तूबर, 2024 को “सामाजिक विज्ञान में तकनीकी शब्दों का महत्व” विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के डीन भर्ती एवं प्रोन्नति प्रोफेसर रवि प्रकाश टेकचंदानी ने 21-22 अक्तूबर, 2024 को “सामाजिक विज्ञान में तकनीकी शब्दों के महत्व” पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

आयोजित सम्मेलन

8 अप्रैल, 2024 को भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से *'मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार'* शीर्षक से सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

'टेक्नोलॉजी फॉर टुमॉरो' शीर्षक से सम्मेलन 24 अप्रैल और 2 मई, 2024 को एक पैनल चर्चा के रूप में आयोजित किया जाएगा।

3-4 मई, 2024 को महर्षि दयानंद सरस्वती पीठ (यूजीसी) के सहयोग से *'योग, यज्ञ, आयुर्वेद, वैदिक विज्ञान और प्रबंधन'* विषय पर सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

संस्कृत दिवस नामक सम्मेलन , संस्कृत विभाग द्वारा भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) के विषयों पर आधारित एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

1-2 अगस्त, 2024 को भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद (आईसीएचआर) के सहयोग से *"भारतीय स्वाधीनता संग्राम में लोक भूमिका"* शीर्षक से सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

'भारत को वैश्विक दक्षिण की आवाज़ के रूप में देखना: COP28 पर पुनर्विचार' शीर्षक से सम्मेलन (*प्रकृतिः रक्षति रक्षितः)'* , भूगोल विभाग द्वारा आईसीएसएसआर के सहयोग से 27-28 अगस्त, 2024 को आयोजित किया जाएगा।

ई-कचरा पुनर्चक्रण पर सम्मेलन , जेआईटी ग्रुप कंपनी लिमिटेड, जापान के सहयोग से आयोजित किया गया।

21-22 अक्तूबर, 2024 को वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग (सीएसटीटी) के सहयोग से आयोजित *"सामाजिक विज्ञान में तकनीकी शब्दों का महत्व"* शीर्षक सम्मेलन ।

13 नवंबर, 2024 को भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद के सहयोग से *"भारतीय मूल्यांकन"* नामक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

75वें संविधान दिवस पर सम्मेलन , 25-29 नवंबर, 2024 को डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र के सहयोग से आयोजित पांच दिवसीय कार्यक्रम।

10 जनवरी, 2025 को विश्व हिंदी परिषद के सहयोग से *"हिंदी का वैश्विक परिवेश: विविध आयाम"* शीर्षक सम्मेलन आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

25 अप्रैल, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के हिमालयन अध्ययन केंद्र के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। प्रोफेसर पूनम कुमरिया ने संयोजक के रूप में कार्य किया।

10 मई, 2024 को ग्रीन मेंटर्स, गुजरात के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। प्रोफेसर पूनम कुमरिया ने संयोजक के रूप में कार्य किया।

4 सितंबर, 2024 को समदृष्टि क्षमता विकास एवं अनुसंधान मंडल (सक्षम) के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। प्रोफेसर पूनम कुमरिया ने संयोजक के रूप में कार्य किया।

23 अगस्त, 2024 को नेचर पॉजिटिव यूनिवर्सिटी (एनपीयू) गठबंधन के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय (मॉर्निंग एंड इवनिंग) के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। प्रोफेसर पूनम कुमरिया ने संयोजक के रूप में कार्य किया।

1 अक्तूबर, 2024 को हिंदी शिक्षा परिषद (यूके) के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। प्रोफेसर पूनम कुमरिया ने संयोजक के रूप में कार्य किया।

26 अक्तूबर, 2024 को अपमृत्यु निर्वाण सहाय, गुजरात के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। प्रोफेसर पूनम कुमरिया ने संयोजक के रूप में कार्य किया।

13 जनवरी, 2025 को ज़ेप रिसर्च के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। प्रोफेसर पूनम कुमरिया ने संयोजक के रूप में कार्य किया।

15 जनवरी, 2025 को एक सहयोगी संकाय विकास कार्यक्रम के लिए रामानुजन महाविद्यालय के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। प्रोफेसर पूनम कुमरिया ने संयोजक के रूप में कार्य किया।

30 जनवरी, 2025 को क्रेस्ट कैंपस, यूके के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। प्रोफेसर पूनम कुमरिया ने संयोजक के रूप में कार्य किया।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 64 (25%)

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- 7 दिवसीय एनएसएस विशेष शिविर - गोपालपुर गांव में 50 स्वयंसेवकों के साथ शक्ति संकल्प विषय के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसमें नेतृत्व, सेवा और सामाजिक प्रतिबद्धता पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- उन्नत भारत अभियान प्रकोष्ठ- सामुदायिक पहुंच के लिए दिल्ली में गांवों को गोद लिया।
- प्राथमिक चिकित्सा कार्यशाला- 130 प्रतिभागियों ने भाग लिया, इस सत्र में सीपीआर, जलने के उपचार और उचित पट्टी बांधने की विधियों सहित आवश्यक प्राथमिक चिकित्सा तकनीकों पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- कर्तव्य'24 (24 अप्रैल 2024) में एक वृत्तचित्र प्रदर्शन, महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप (येमाया) पर एक इंटरैक्टिव सत्र और परिसर-व्यापी स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया।
- पर्यावरण पहल विश्व पर्यावरण दिवस पर और एक पेड़ माँ के नाम पहल के तहत वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया।
- निःशुल्क दंत चिकित्सा शिविर (मई 2024) से 250 से अधिक लोग लाभान्वित हुए; इसका उद्देश्य मौखिक स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देना है।

- स्वच्छता अभियान - स्वच्छता पखवाड़ा, स्वच्छता रैली और 21 दिवसीय कैंटीन सफाई अभियान में भागीदारी।
- राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व स्वयंसेवकों ने गणतंत्र दिवस पूर्व परेड शिविर (जयपुर) और राष्ट्रीय एकता शिविर (भिवानी) में भाग लिया।
- संविधान दिवस की गतिविधियों में संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए पदयात्रा, प्रस्तावना वाचन और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता शामिल थी।
- पोषण, अंगदान, रक्तदान शिविर और विश्व विकलांगता दिवस समारोह पर स्वास्थ्य और सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम।
- जल संरक्षण पर जन सहभागिता कार्यक्रम (प्रोजेक्ट अमृत के तहत) और एक ऑनलाइन सड़क सुरक्षा अभियान ने नागरिक जागरूकता को बढ़ाया।
- युवा नेतृत्व और समावेशन

  युवा दिवस (नशा मुक्त भारत के अंतर्गत) मनाया तथा लैंगिक समानता पर साक्षी वैश्विक सम्मेलन में भाग लिया।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	: 10
एसोसिएट प्रोफेसर	: 44
सहायक प्रोफेसर	: 137
अतिथि	: 18
कुल	**: 209**

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

ई-गवर्नेंस को मजबूत करने के लिए, महाविद्यालय ने समर्थ पोर्टल को क्रियान्वित किया, जिससे सभी शिक्षण और शिक्षणेत्तर कार्मिकों के लिए सफलतापूर्वक खाते बनाए गए।

उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए, एक स्टार्ट-अप इकोसिस्टम की स्थापना की गई, जिसमें नवाचार और उद्यम विकास पर बूटकैंप और कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। महाविद्यालय ने एक बाहरी एजेंसी के माध्यम से पर्यावरण, ऊर्जा और हरित ऑडिट भी आयोजित किए, जिसके परिणामस्वरूप उसे पर्यावरण ऑडिट के लिए प्रतिष्ठित प्लेटिनम प्रमाणपत्र के साथ-साथ कुशल ऊर्जा उपयोग और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के लिए भी प्रमाणपत्र प्राप्त हुए।

अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देते हुए, महाविद्यालय ने एक हैप्पीनेस रिसर्च सेंटर और एक हिमालयन स्टडीज़ सेंटर का उद्घाटन किया। सामुदायिक सहभागिता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को

आगे बढ़ाते हुए, उन्नत भारत अभियान (यूबी.ए.) प्रकोष्ठ ने पाँच गाँवों को गोद लिया और सतत ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने के लिए छात्रों को इंटर्नशिप की सुविधा प्रदान की।

महाविद्यालय ने योग, आयुर्वेद, संस्कृत की भूमिका, तथा हिंदी दिवस, संस्कृत दिवस, बसंत पंचमी आदि के आयोजनों पर सम्मेलनों और संगोष्ठियों के माध्यम से भारतीय ज्ञान प्रणालियों (आईकेएस) को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया।

शताब्दी समारोह 7 फरवरी, 2024 को एक भव्य महाविद्यालय दिवस समारोह के साथ शुरू हुआ। भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई, साथ ही विशिष्ट अतिथि डॉ. (श्रीमती) सुदेश धनखड़ और दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह भी उपस्थित थे। माननीय उपराष्ट्रपति ने शताब्दी प्रतीक चिन्ह और एक स्मारक कॉफी टेबल बुक का औपचारिक अनावरण किया।

अपनी राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) 7डीजीबी.ए.न इकाई को पुनर्जीवित करते हुए, महाविद्यालय ने दिल्ली स्थित एनसीसी निदेशालय के अतिरिक्त महानिदेशक मेजर जनरल पी. विश्वासराव के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र की मेजबानी की।

विशिष्ट अतिथियों में डॉ. मूर्ति रेमिला (वरिष्ठ वैज्ञानिक, इसरो), पद्मश्री नलिनी जी और पद्मश्री कमलिनी जी (प्रसिद्ध कथक कलाकार), श्री भूपेंद्र यादव (पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री), प्रो. वी.के. शर्मा (उपाध्यक्ष, एसडीएमए, सिक्किम सरकार), डॉ. सुरजीत रंधावा (प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी, एचएससीओएसटीई), श्री कुणाल सत्यार्थी (संयुक्त सचिव, ग्रामीण विकास मंत्रालय), बंडारू दत्तात्रेय (हरियाणा के माननीय राज्यपाल) और श्री अरुणीश चावला (सचिव, संस्कृति मंत्रालय) शामिल थे।

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित निधियां : ₹ 63 करोड़

उपयोगित निधियां : ₹ 72 करोड़

****

गृह अर्थशास्त्र संस्थान

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

महाविद्यालय ने हाल ही में NAAC के दूसरे चक्र में 'A++' प्रमाणन प्राप्त किया है, जो शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह अनुसंधान को प्राथमिकता देता रहता है, और इसके संकाय सदस्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में निरंतर योगदान देते रहते हैं। इस शैक्षणिक वर्ष के दौरान, संकाय सदस्यों ने 28 शोध-पत्र, 15 पुस्तक में अध्याय और 11 पुस्तकें प्रकाशित कीं।

प्रमुख शोध क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन, लैंगिक अध्ययन, गरीबी, वयस्कों और बच्चों में पोषण, और सूक्ष्मजीवी रंग और वस्त्र उद्योग में उनके अनुप्रयोग शामिल हैं। इसी शैक्षणिक वर्ष में, IHE के संकाय

द्वारा छह नई शोध परियोजनाएँ शुरू की गईं। इन परियोजनाओं को DST, EIAP, MOEFCC-UNDP, ICSSR, TERI और जर्मनी के ICON संस्थान जैसी प्रमुख एजेंसियों से वित्त-पोषण प्राप्त हुआ।

उल्लेखनीय परियोजनाओं में 75.92 लाख रुपये का क्यूरी कोर अनुदान शामिल है, जो जैव रसायन, सूक्ष्म जीव-विज्ञान और खाद्य एवं पोषण एवं खाद्य प्रौद्योगिकी विभागों को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त, विकास संचार, विस्तार एवं पत्रकारिता विभाग को MOEFCC-UNDP द्वारा वित्त-पोषित एक परियोजना के लिए 39.99 लाख रुपये प्राप्त हुए। प्रारंभिक शिक्षा विभाग को एजुकेशन इंटरनेशनल साउथ एशिया पैसिफिक (EIAP) द्वारा समर्थित एक परियोजना के लिए 10 लाख रुपये प्रदान किए गए। संकाय सदस्य शोधार्थियों के मार्गदर्शन में भी सक्रिय भूमिका निभाते हैं। आज तक, विभिन्न विभागों के 25 संकाय सदस्य पंजीकृत पीएच.डी. पर्यवेक्षक हैं।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

- डॉ. रुचि मित्तल, डॉ. कविता रानी और डॉ. दिव्यांशा सहित तीन शिक्षकों को पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई।
- प्रो. निधि गुलाटी ने समकालीन शिक्षा संवाद (सेज) में संपादक के रूप में कार्य किया।
- प्रो. निधि गुलाटी, सदस्य, संपादकीय टीम, होराइजन्स ऑफ एजुकेशन (पोलैंड)।
- प्रो. ज्योति दलाल, सदस्य, शोध अध्ययन बोर्ड, शिक्षा विद्यालय, अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली।
- प्रो. ज्योति दलाल, अध्यक्ष, भारतीय तुलनात्मक शिक्षा सोसाइटी, डब्ल्यूसीसीईएस (विश्व तुलनात्मक शिक्षा सोसाइटी परिषद) से संबद्ध।
- प्रो. ज्योति दलाल, सह-संपादक, तुलनात्मक शिक्षा अध्ययन: सीईएसआई की एक पत्रिका (सहकर्मी समीक्षित, अर्धवार्षिक, मुक्त पहुँच पत्रिका) ।
- डॉ. रुचिरा दास, शिक्षा सलाहकार, हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी)।
- डॉ. रुचिरा दास, उपाध्यक्ष, भारतीय तुलनात्मक शिक्षा सोसाइटी, डब्ल्यूसीसीईएस (विश्व तुलनात्मक शिक्षा सोसाइटी परिषद) से संबद्ध।
- प्रो. चारु गुप्ता, विशेषज्ञ, बीओएस, आईआईएस विश्वविद्यालय, जयपुर।
- प्रो. शिप्रा गुप्ता, सदस्य, अध्ययन बोर्ड, गृह विज्ञान विभाग, बनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान।
- प्रो. शिप्रा गुप्ता, सदस्य, अध्ययन बोर्ड, पोषण एवं आहार विज्ञान विभाग, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, मानव रचना अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान एवं अध्ययन संस्थान (मानद विश्वविद्यालय), फरीदाबाद।

- प्रो. शिप्रा गुप्ता, अंतर्राष्ट्रीय जर्नल "ईरानी जर्नल ऑफ नर्सिंग एंड मिडवाइफरी रिसर्च" और "इंडियन जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन एंड डायटेटिक्स" की सहकर्मी समीक्षक।
- प्रो. बानी तंबर ऐरी, अकादमिक ऑडिट के लिए बाहरी विशेषज्ञ सदस्य, स्कूल ऑफ एलाइड हेल्थ साइंसेज, एमआरआईआईएस, फ़रीदाबाद।
- प्रो. बानी ताम्बर ऐरी, दो वर्षों की अवधि (अर्थात 2024-2025 और 2025-26) के लिए न्यूट्रिशन सोसाइटी ऑफ इंडिया के युवा वैज्ञानिक पुरस्कार सत्र की निर्णायक।
- डॉ. वंदना सभरवाल, तकनीकी सलाहकार, सार्वजनिक स्वास्थ्य पोषण एवं विकास केंद्र (पीएच.डी.सी), नई दिल्ली।
- प्रोफेसर गीता चोपड़ा सदस्य, अध्ययन बोर्ड, वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान।
- प्रो. गीता चोपड़ा सदस्य, अनुसंधान सलाहकार बोर्ड, एनआईपीसीसीडी।
- प्रो. गीता चोपड़ा सदस्य, अध्ययन बोर्ड, आईआईएस विश्वविद्यालय, जयपुर।
- प्रो. वीनू वाधवा, स्कूल और अनौपचारिक शिक्षा विभाग, एनआईईपीए, नई दिल्ली के लिए "टूल फाइनलाइजेशन के लिए परामर्श कार्यशाला" के पैनल पर विशेषज्ञ।
- डॉ. प्रतिमा सिंह अध्यक्ष-सिटी चैप्टर, सोसाइटी फॉर इंडोर एनवायरनमेंट, भारत।
- डॉ. प्रतिमा सिंह, इंडियन सोसाइटी ऑफ हीटिंग, रेफ्रिजरेटिंग एंड एयर कंडीशनिंग इंजीनियर्स के दिल्ली चैप्टर के आई-शेयर पब्लिकेशंस की संपादक।

छात्र

- शिवी भारद्वाज, बी.एससी. (ऑनर्स) गृह विज्ञान (प्रथम वर्ष) की छात्रा, गृह अर्थशास्त्र संस्थान में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए योग्यता प्रमाणपत्र , मई 2024.
- बी.एससी. (ऑनर्स) गृह विज्ञान (प्रथम वर्ष) की छात्रा खुशी कुल्हाड़ ने द्वितीय स्थान प्राप्त करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय, गृह अर्थशास्त्र संस्थान, मई 2024 द्वारा मेधावी पुरस्कार जीता।
- बी.एससी. (ऑनर्स) सूक्ष्म जीव-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा बिसलीन कौर ने माइक्रोबायोलॉजिस्ट सोसाइटी, इंडिया (गुजरात राज्य) द्वारा 14 अक्तूबर, 2024 को आयोजित राष्ट्रीय बायो-पज़ल प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार जीता।
- ओइंड्रिला चटर्जी, बी.एससी. की छात्रा। (ऑनर्स) सूक्ष्म जीव-विज्ञान (प्रथम वर्ष), ने इंटर-महाविद्यालय पोस्टर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार जीता, शहीद राजगुरु महाविद्यालय ऑफ एप्लाइड साइंसेज, 23 अक्तूबर, 2024.

- भव्या मिश्रा, बी.एससी. (ऑनर्स) सूक्ष्म जीव-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा, प्रथम पुरस्कार, माइक्रोबियल रत्न - अंतरमहाविद्यालय रील निर्माण प्रतियोगिता, गार्गी महाविद्यालय, 24 सितंबर, 2024.
- भव्या मिश्रा, बी.एससी. (ऑनर्स) सूक्ष्म जीव-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा, प्रथम पुरस्कार, अंतर-महाविद्यालय पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, गार्गी महाविद्यालय, 24 सितंबर, 2024.
- प्रिया सागर, बी.एससी. (ऑनर्स) सूक्ष्म जीव-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, तृतीय पुरस्कार, इंटर-महाविद्यालय विज्ञापन निर्माण, राम लाल आनंद महाविद्यालय - माइक्रो मैराथन, 12 नवंबर, 2024.
- दमनप्रीत कौर, बी.एससी. (ऑनर्स) सूक्ष्म जीव-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, तृतीय पुरस्कार, इंटर-महाविद्यालय विज्ञापन निर्माण, राम लाल आनंद - माइक्रो मैराथन, 12 नवंबर, 2024.
- शिक्षा सिंह, बी.एससी. (ऑनर्स) सूक्ष्म जीव-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, तृतीय पुरस्कार, डूडल आर्ट इंटरमहाविद्यालय प्रतियोगिता, शहीद राजगुरु महाविद्यालय ऑफ एप्लाइड साइंसेज, 24 अक्तूबर, 2024.
- अन्वेषा सिंह, बी.एससी. (ऑनर्स) सूक्ष्म जीव-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, तृतीय पुरस्कार, अंतर-महाविद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता, शहीद राजगुरु महाविद्यालय ऑफ एप्लाइड साइंसेज, 24 अक्तूबर, 2024.
- अन्वेषा सिंह, बी.एससी. (ऑनर्स) सूक्ष्म जीव-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, तृतीय पुरस्कार, इंटरमहाविद्यालय विज्ञापन निर्माण, राम लाल आनंद - माइक्रो मैराथन, 12 नवंबर, 2024.
- वंशिका दत्ता, छात्रा बी.एससी.। (ऑनर्स) सूक्ष्म जीव-विज्ञान (प्रथम वर्ष), तृतीय पुरस्कार, इंटरमहाविद्यालय पोस्टर प्रस्तुति, शहीद राजगुरु महाविद्यालय ऑफ एप्लाइड साइंसेज, 23 अक्तूबर, 2024.
- मृगाक्षी मल्होत्रा, बी.एससी. (ऑनर्स) सूक्ष्म जीव-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, तृतीय पुरस्कार, इंटर-महाविद्यालय ऑटोसाइकोग्राफी, भास्कराचार्य अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय, 27 फरवरी, 2025.
- द्वितीय वर्ष) की छात्रा प्रिया सागर ने सोसाइटी फॉर इंडोर एनवायरनमेंट, आईआईटी द्वारा 15 फरवरी, 2025 को आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार जीता।
- बी.एससी. (ऑनर्स) सूक्ष्म जीव-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा प्रिया सागर और टीम ने सोसाइटी फॉर इंडोर एनवायरनमेंट, आईआईटी द्वारा 14 फरवरी, 2025 को आयोजित स्किट प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार जीता।

शोध प्रकाशित कार्य

- गिरधर, एम., सेन, ए., निगम, ए., ओसवालिया, जे., कुमार, एस., और गुप्ता, आर. (2024). रोगाणुरोधी प्रतिरोध पर काबू पाने के लिए रोगाणुरोधी पेप्टाइड-आधारित रणनीतियाँ। *माइक्रोबायोलॉजी अभिलेखागार, 206* (10)। https://doi.org/10.1007/s00203-024-04133-x
- पाठक, वी., और ऐरी, बीटी (2024). निष्क्रिय व्यवहार और अवसाद एवं चिंता से इसका संबंध: एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण। *पब्लिक हेल्थ डेवलपमेंट, 22* (3), 305-320। https://doi.org/10.55131/jphd/2024/22032
- सिंगल, ए., साहू, एम.के., कुमार, जी.टी., ऐरी, बी.टी., मनराल, एम., अग्रवाल, ए., और पांडे, एस. (2024). हृदय शल्य चिकित्सा वाले शिशुओं के शल्यक्रिया के बाद के परिणामों पर पूरक माँ के दूध के साथ प्रारंभिक आंत्रीय आहार की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। *एनल्स ऑफ पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी, 17* (4), 320-330। https://doi.org/10.4103/apc.apc_160_24
- छायाराजोरा । (2024). बच्चों की घरेलू भाषा और दिक्षक . *मध्यभारती , 86* , 66-79.
- कटारिया, डी., जैन, आर., सिंह, पी., सिंह, एन., और सोनी, एस. (2024). ब्रेड में खाद्य योजकों का परिवर्तनकारी प्रभाव। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फ़ूड एंड न्यूट्रीशनल साइंसेज* ।
- दलाल, जे. (2024). हम तीनों: दर्द, शोक और देखभाल की एक कोमल गाथा. *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 59* (16).
- वछेर, एम., कौर, के., मारोठिया, एम., बर्मन, ए., दीपांजना, और बंसल, एस. (2025)। गैर-अल्कोहलिक फैटी लिवर रोग में आहार संशोधनों और आंत के डिस्बिओसिस की भूमिका का स्पष्टीकरण। *मानव पोषण और चयापचय, 40* , 200305. https://doi.org/10.1016/j.hnm.2025.200305
- यादव, एस., राणा, एस., मनीष, एम., सिंह, एस., लिन, ए., और माथुर, पी. (2024). फार्माकोफोर मॉडलैंगिक, आणविक गतिकी और मशीन लर्निंग का उपयोग करके ग्लूकोकाइनेज के डीहाइड्रोफेनिलएलनिन युक्त पेप्टाइड एक्टिवेटर्स का सिलिको डिज़ाइन: टाइप 2 मधुमेह में निहितार्थ। *जर्नल ऑफ़ कंप्यूटर-एडेड मॉलिक्यूलर डिज़ाइन, 39* (1)। https://doi.org/10.1007/s10822-024-00583-z
- बंसल, एस., बर्मन, ए., सेन, ए., और वछेर, एम. (2024). नॉन-अल्कोहलिक स्टीटोहेपेटाइटिस (एनएएसएच) और संबंधित हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा (एचसीसी) में ग्लाइकोबायोमार्कर का डिकोडिंग। *करंट प्रोटिओमिक्स, 22* . https://doi.org/10.2174/0115701646341608241025030547
- गुलाटी, एन. (2024). बेर का पेड़. *द बुक रिव्यू, 48* (11).
- गुलाटी, एन. (2024). रांची में विद्रोह. *द बुक रिव्यू, 48* (11), 60.

- गुलाटी, एन. (2024). मैं अपने बाल नहीं धोऊँगा. *द बुक रिव्यू, 48* (8).
- गुलाटी, एन. (2024). शुतुरमुर्ग लड़की. *द बुक रिव्यू, 48* (8).
- मागु, पी. (2024). सार्थक उद्यमिता शिक्षा के माध्यम से बेरोज़गारी वृद्धि और बेरोजगारी का मुकाबला करना। *झारखंड जर्नल ऑफ डेवलपमेंट एंड मैनेजमेंट स्टडीज़, 22* (3), 10385-10398.
- कौर, जे., मागु, पी., और वालिया, ए. (2024). स्कूली बच्चों के बीच पारंपरिक कांथा कढ़ाई को लोकप्रिय बनाने के लिए एक कढ़ाई किट का विकास। *द इंडियन जर्नल ऑफ होम साइंस, 36* (1), 34-44।
- राठी, एस. (2024). द्वारपालों के साथ बातचीत: दिल्ली के एक प्रतिष्ठित निजी स्कूल में फील्डवर्क के लिए पहुँच प्राप्त करने का एक अनुभवात्मक विवरण। *एक्सप्लोरेशन्स, आईएसएस ई-जर्नल, 8* (2)।
- प्रियंका, एन., यादव, एस., राणा, पी., बंदिछोर, आर., श्रीवास्तव, ए., और शर्मा, आर.के. (2024). 5-प्रतिस्थापित 1-H टेट्राज़ोल के एक-पॉट सतत संश्लेषण के लिए चुंबकीय CoFe2O4/Ni-BDC MOF संमिश्र की अज्ञात उत्प्रेरक क्षमता। *केमिकल इंजीनियरिंग जर्नल, 496* , 153995। https://doi.org/10.1016/j.cej.2024.153995
- सेन, ए., ओसवालिया, जे., यादव, एस., वछेर, एम., और निगम, ए. (2024). नैनोज़ाइम अनुसंधान में हालिया रुझान और उनके संभावित चिकित्सीय अनुप्रयोग। *बायोटेक्नोलॉजी में वर्तमान शोध, 7* , 100205। https://doi.org/10.1016/j.crbiot.2024.100205
- शर्मा, ए., शर्मा, एस., यादव, एस., अरोड़ा, बी., दत्ता, एस., दीक्षित, आर., ... शर्मा, आर.के. (2024). सहसंयोजक रूप से क्रियाशील ग्राफीन ऑक्साइड धातु संकुल: कार्बनिक परिवर्तनों के लिए बहुमुखी नैनो उत्प्रेरक। *पदार्थ विज्ञान और इंजीनियरिंग: बी, 310* , 117671। https://doi.org/10.1016/j.mseb.2024.117671
- जेना, बी., और पलटसिंह, टी. (2024). वृद्धों में डिजिटल साक्षरता: भारतीय संदर्भ में एक व्यवस्थित समीक्षा। *एजुकेशनल जेरोन्टोलॉजी, 51* (4), 371-386। https://doi.org/10.1080/03601277.2024.2397428
- शुक्ला, एस. (2024). बच्चों की कक्षा में बातचीत के प्रति धारणा. *थर्ड कॉन्सेप्ट, 38* (446).
- बंसल, एस., बर्मन, ए., सेन, ए., और वछेर, एम. (2024). नॉन-अल्कोहलिक स्टीटोहेपेटाइटिस (एनएएसएच) और संबंधित हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा (एचसीसी) में ग्लाइकोबायोमार्कर का डिकोडिंग। *करंट प्रोटिओमिक्स, 22* . https://doi.org/10.2174/0115701646341608241025030547

- प्रजापति, पी., गर्ग, एम., अख्तर, एस., अंसारी, टी.एच., चोपड़ा, आर., आनंद, पी., साधु, एस.डी., सबलानिया, वी., और आलम, टी. (2024). भारतीय पनीर (पनीर) के लिए टिकाऊ पैकेजिंग प्रणाली का विकास और अनुकूलन। *एशियन जर्नल ऑफ डेयरी एंड फ़ूड रिसर्च* । https://doi.org/10.18805/ajdfr.dr-2219
- यादव, एम., और सचान, टी.के. (2024). मूल्यवर्धित उत्पादों के विकास के लिए मुर्गी के अंडे के छिलके का उपयोग। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजी, फार्मेसी एंड अलाइड साइंसेज, 13* (5), 2219-2232। https://doi.org/10.1016/j.tifs.2020.10.009
- वशिष्ठ, एस., वाधवा, वी., और चंद्रा, आर. (2024). ईसीसीई उत्कृष्टता प्राप्त करना: आगे की शिक्षा पर प्रभाव। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ होम साइंस, 10* (2), 290-294। https://doi.org/10.22271/23957476.2024.v10.i2e.1634

अनुसंधान परियोजनाएँ

- टेरी, प्रो. चारु गुप्ता, विभिन्न वस्त्र सब्सट्रेट पर माइक्रोबियल रंगों का अनुप्रयोग, 1,00,000 रुपये।
- डीएसटी, प्रो. राधिका बख्शी, महिला पीजी महाविद्यालयों के लिए नवाचार और उत्कृष्टता के लिए विश्वविद्यालय अनुसंधान (सीयूआरआईई) कोर अनुदान का समेकन, 75,92,000 रुपये।
- एजुकेशन इंटरनेशनल साउथ एसस एशिया पैसिफिक (ईआईएपी), डॉ. रुचिरा दास, एशिया प्रशांत क्षेत्र में जलवायु शिक्षा नीतियों का एक महत्वपूर्ण आकलन (अंतर्राष्ट्रीय परियोजना, 10,00,000 रुपये।
- एमओईएफसीसी-यूएनडीपी, प्रो. सविता अग्रवाल, जलवायु अनुकूलन में लैंगिक को मुख्यधारा में लाना: जलवायु जोखिमों का आकलन और लैंगिक के दृष्टिकोण से विकास नीतियां, कार्यक्रम और कार्रवाई, 39,99,000 रुपये।
- आईसीओएन इंस्टिट्यूट जीएमबी.ए.च, जर्मनी, डॉ. वंदना सभरवाल, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में जीआईजेड सेनु परियोजना के लिए मात्रात्मक अनुवर्ती सर्वेक्षण के कार्यान्वयन के लिए सह-प्रशिक्षक (व्यक्तिगत परामर्श परियोजना, 6,36,601 रुपये)।
- आईसीएसएसआर, डॉ. युकी आज़ाद, वाणिज्यिक हिंदी एफएम रेडियो चैनलों पर मनोरंजन शिक्षा के माध्यम से सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को बढ़ावा देना, 9,00,000 रुपये।

दायर/स्वीकृत पेटेंट

डॉ. विधु यादव को "मल्टी-इफेक्ट वैक्यूम इवेपोरेशन बेस्ड फ्रूट जूस कंसंट्रेटर" पर पेटेंट प्रदान किया गया, पेटेंट संख्या 6428318, अनुदान की तिथि, 13 मार्च, 2025, अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट।

आयोजित संगोष्ठियां

- यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ डिजाइन एंड इनोवेशन की एसोसिएट प्रोफेसर सुश्री बिंदु रंजन ने 4 अक्तूबर, 2024 को “स्वदेशी बुनाई: लोइन लूम्स” विषय पर एक व्याख्यान दिया।
- डॉ. शालिनी गौर रुद्र, वरिष्ठ वैज्ञानिक, खाद्य विज्ञान और पोस्टहार्वेस्ट प्रौद्योगिकी विभाग, आईसीएआर, दिल्ली ने 18 अक्तूबर, 2024 को “बेहतर जीवन और बेहतर भविष्य के लिए खाद्य पदार्थ: अनुसंधान पहल” पर एक व्याख्यान दिया।
- सुश्री ऐश्वर्या जैन, इंटरवेंशनल विशेषज्ञ- विशिष्ट अधिगम विकलांगता, आरसीआई लाइसेंस प्राप्त ने 23 अक्तूबर, 2024 को "अधिगम विकलांगता" पर एक कार्यशाला आयोजित की।
- बोरलॉग इंस्टीट्यूट फॉर साउथ एशिया के शोधकर्ता डॉ. अनिकेत देव ने 13 नवंबर, 2024 को 'सिस्टेमैटिक लिटरेचर रिव्यू' पर एक व्याख्यान दिया।
- प्रोफेसर नील सरोवर भावेश, समूह नेता, इंटरनेशनल सेंटर फॉर जेनेटिक इंजीनियरिंग एंड बायोटेक्नोलॉजी, नई दिल्ली ने 14 नवंबर, 2024 को 'जीएन रामचंद्रन का जीवन और कार्य: कोलेजन ट्रिपल हेलिक्स, रामचंद्रन प्लॉट और परे' पर एक वार्ता सत्र दिया।
- अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के शिक्षा स्कूल के निदेशक प्रोफेसर अंकुर मदान ने 17 जनवरी, 2024 को 'समावेशी स्कूल संस्कृतियाँ: कक्षा शिक्षक की भूमिका' पर एक व्याख्यान दिया।

आयोजित सम्मेलन

विकास संचार विस्तार एवं पत्रकारिता विभाग और सूक्ष्म जीव-विज्ञान विभाग, गृह अर्थशास्त्र संस्थान के सहयोग से और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, विज्ञान प्रतिभा पहल और एम3एम फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित, 'स्वास्थ्य, लैंगिक और पर्यावरण: सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में अंतर्संबंध' शीर्षक से सम्मेलन 4 अप्रैल, 2025 को आयोजित किया जाएगा।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

- 27 जून, 2024 को रोटरी इंटरनेशनल के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। संचार, विस्तार एवं पत्रकारिता विभाग की प्रो. सविता अग्रवाल समन्वयक के रूप में कार्यरत हैं। एक्टिवा दिल्ली, आईएचई का रोटारैक्ट क्लब सामुदायिक सेवा, नेतृत्व और टीम वर्क के माध्यम से सकारात्मक बदलाव लाने का लक्ष्य रखता है। क्लब के सदस्य स्वास्थ्य एवं प्रजनन स्वास्थ्य, शिक्षा एवं प्रशिक्षण, व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं उद्यमिता, भागीदारी एवं नेतृत्व तथा वृद्धजनों के कल्याण जैसे क्षेत्रों में कार्य करने के लिए समर्पित हैं।
- **6 मई, 2015** को राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान, दिल्ली के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। सूक्ष्म जीव-विज्ञान विभाग की प्रो. सुनीता अग्रवाल समन्वयक के रूप में कार्यरत हैं। एनआईआई-आईएचई विज्ञान सेतु कार्यक्रम का लक्ष्य अधिक से अधिक प्रतिभाशाली युवाओं को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को करियर के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के

राष्ट्रीय लक्ष्य में योगदान देना है। इसका उद्देश्य जैविक विज्ञान में शिक्षण, अधिगम और अनुसंधान की बदलती आवश्यकताओं को पूरा करना है।

नियोजन विवरण

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत: **30 (49.18%).**

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- जैव रसायन विभाग ने 19 नवंबर, 2024 को लक्ष्मीबाई और विवेकानंद महाविद्यालय के बी.एससी. (ऑनर्स) गृह विज्ञान के छात्रों के लिए "जैव अणुओं का जैव रासायनिक विश्लेषण" पर एक व्यावहारिक कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यशाला से इक्कीस प्रतिभागियों को लाभ हुआ।
- विकास संचार, विस्तार और पत्रकारिता विभाग ने 19 नवंबर, 2024 को 'ईच वन इनेबल वन' मेला मनाने के लिए डिजिटल उत्सव का आयोजन किया। इस कार्यक्रम से एक सौ पचास प्रतिभागियों को लाभ हुआ।
- कपड़ा और परिधान विज्ञान विभाग ने 25 अक्तूबर, 2024 को भगिनी निवेदिता महाविद्यालय के छात्रों के लिए एक आउटरीच गतिविधि के रूप में इको-प्रिंटिंग पर एक कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला का उद्देश्य 25 अक्तूबर, 2024 को छात्रों को इको प्रिंटिंग तकनीक से परिचित कराना था, जो पत्तियों, फूलों और अन्य पौधों की सामग्री से प्राकृतिक रंगों को कपड़े पर स्थानांतरित करने की एक स्थायी विधि है। इस कार्यशाला से उनतीस प्रतिभागियों को लाभ हुआ।
- मानव विकास एवं बाल्यावस्था अध्ययन विभाग द्वारा आरंभ नामक एक प्रारंभिक बाल्यावस्था विकास केंद्र की स्थापना की गई है। इस केंद्र के माध्यम से, विभाग बच्चों के लिए सार्थक और सकारात्मक बाल्यावस्था के अनुभव और एक प्रेरक वातावरण का निर्माण करके समग्र बाल विकास और शिक्षा के प्रति अपने दृष्टिकोण को सुदृढ़ करता है। यह केंद्र आस-पड़ोस के समुदाय के लिए डे केयर और स्कूल के बाद की देखभाल की सुविधाएँ प्रदान करता रहा है। इसकी शुरुआत 14 नवंबर, 2015 को हुई थी और यह आज तक सुविधाएँ प्रदान कर रहा है।
- आरंभ केंद्र ने मनोविज्ञान में एमए, परामर्श एवं पारिवारिक चिकित्सा में एम.एससी. और प्रारंभिक बाल्यावस्था एवं देखभाल एवं शिक्षा में डिप्लोमा कर रहे छात्रों को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान किए। जून 2024 से मार्च 2025 तक, छह छात्रों को इस सुविधा का लाभ मिला।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय का पुस्तकालय सूचना के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में कार्य करता है, जो छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और गहन अधिगम को सहयोग प्रदान करता है। शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 के दौरान, पुस्तकालय ने ₹1,21,930 मूल्य की 126 नई पुस्तकें प्राप्त कीं। भौतिक पुस्तकों के साथ-साथ, पुस्तकालय संकाय सदस्यों, शोधार्थियों और छात्रों के लिए ई-संसाधनों की एक विस्तृत श्रृंखला तक पहुँच

भी प्रदान करता है। ये संसाधन दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली (DULS) के माध्यम से प्रदान किए जाते हैं और इनमें ई-डेटाबेस, ई-पुस्तकें और ई-पत्रिकाएँ, साथ ही ई-शोध सिंधु तक पहुँच शामिल है। इसके अतिरिक्त, महाविद्यालय N LIST कार्यक्रम का सदस्य है। पुस्तकालय संसाधनों तक दूरस्थ पहुँच संकाय सदस्यों, शोधार्थियों और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रों को पुस्तकालय की पेशकशों से परिचित कराने के लिए, अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुस्तकालय संकाय और शोधार्थियों के लिए टर्निटिन का उपयोग करके साहित्यिक चोरी का पता लगाने की सेवाएँ भी प्रदान करता है। इसके अलावा, पुस्तकालय वाई-फाई सक्षम है और कंप्यूटर प्रणालियों से सुसज्जित है, जिससे छात्र आसानी से डिजिटल जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	: 18
एसोसिएट प्रोफेसर	: 12
सहायक प्रोफेसर	: 46
अतिथि	: 29
कुल	**: 105**

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित निधियां	: ₹ 41.26 करोड़
उपयोगित निधियां	: ₹ 41.26 करोड़

***

मानव व्यवहार एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान संस्थान

शोध प्रकाशित कार्य

- शर्मा, पी., और धमीजा, आर.के. (2025). पार्किंसंस रोग के बायोमार्करों की खोज: पारंपरिक और उभरते मल्टी-ओमिक्स दृष्टिकोण. , *मॉलिक्यूलर बायोलॉजी रिपोर्ट्स* , *52* (1),. DOI: 10.1007/s11033-025-10929-x
- शर्मा, पी., इनामपुडी, के.के., रॉय, ए., और धमीजा, आर.के. (2025). कोरोनरी धमनी रोग का शीघ्र पता लगाना: गैर-आक्रामक जैव-द्रवों में छोटे बाह्यकोशिकीय पुटिकाओं की मात्रात्मक प्रोटिओमिक प्रोफाइलैंगिक . *एथेरोस्क्लेरोसिस* , *407* , 119810.
  DOI: https://doi.org/10.1016/j.atherosclerosis.2025.119810
- अली , ए., गूजर, एनएम, देउरी, एसपी, और देउरी, एस, के. (2024). आदिवासी जातीयता के स्कूल जाने वाले किशोरों में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं और मादक द्रव्यों के सेवन की

व्यापकता: पूर्वोत्तर भारत का एक प्रारंभिक अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फॉरेंसिक मेंटल हेल्थ* , *20* (1), 18-25।
डीओआई: https://doi.org/10.1177/09731342241239190

- अली, ए., इस्लाम, एस.एन., और पॉल, एफए (2024). सिज़ोफ्रेनिया से पीड़ित व्यक्तियों में आंतरिक कलंक: भारत के पूर्वोत्तर भाग में तृतीयक देखभाल केंद्र द्वारा किया गया एक अध्ययन। *भारतीय मनश्चिकित्सा के इतिहास* । *8* (2), 99-103।
  DOI: 10.4103/aip.aip_34_23
- अली, ए., पॉल, एफए, इकबाल, एस. (2024). झारखंड, भारत के आदिवासी जातीयता वाले स्कूल जाने वाले पुरुष किशोरों के स्वास्थ्य जोखिम व्यवहार: वैश्विक स्कूल-आधारित छात्र स्वास्थ्य सर्वेक्षण। *क्रिस्मेड जर्नल ऑफ हेल्थ एंड रिसर्च* , *11* (4), 172-177।
  DOI: 10.4103/cjhr.cjhr_24_24
- अली, ए., और शर्मा, पी. (2024). 'सॉरी पापा, मैं यह नहीं कर सकता': भारत में उच्च-दांव वाली प्रवेश परीक्षाओं और भारत में किशोरों में आत्महत्याओं से उनके संबंधों पर एक फोकस। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइकियाट्री* । *70* (8), 1552-1553।

  डीओआई: 10.1177/00207640241270836
- एंटनी, एन., चक्रवर्ती, एस., शेखावत, एल., भारद्वाज, टी., और सिंह, यू. (2025)। गंभीर मानसिक विकारों वाले व्यक्तियों में सहायता प्रणाली और आत्महत्या के विचार के बीच संबंध। *इंडियन जर्नल ऑफ साइकियाट्रिक सोशल वर्क, 16* (2), 80-85।
  DOI: https://doi.org/10.29120/IJPSW.2025.v16.i2.685
- सिंह, बी., श्वेता चक्रवर्ती, एस., और सिंह, यू. (2024). सिज़ोफ्रेनिया और ऑब्सेसिव-कंपल्सिव डिसऑर्डर से ग्रस्त व्यक्तियों में विकलांगता और पारिवारिक बोझ। *जर्नल ऑफ़ साइकियाट्री स्पेक्ट्रम, 3* (2), 129-133।
  DOI: 10.4103/jopsys.jopsys_44_23
- सिंह, एस.के., श्वेता, उपाध्याय, आर., सिंह, यू., और चक्रवर्ती, एस. (2024). भारत में कोविड-19 महामारी और प्रवासी श्रमिकों का मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य। *इंडियन जर्नल ऑफ पॉजिटिव साइकोलॉजी, 15* (1), 32-36।
- गोस्वामी, बी.जे., और अली, ए. (2024). शराब निर्भरता सिंड्रोम वाले व्यक्ति में उच्च जोखिम वाली स्थितियों की पहचान और पुनरावृत्ति रोकथाम चिकित्सा: एक केस स्टडी। *जर्नल ऑफ साइकोसोशल रिहैबिलिटेशन एंड मेंटल हेल्थ* । *11* (4), 539-48।
  डीओआई: https://doi.org/10.1007/s40737-024-00422-2

- गोटेवाल, एस., अली ए., और शर्मा, पी. (2024). माता-पिता के दबाव, शैक्षणिक तनाव और अवसाद की मनोसामाजिक गतिशीलता की खोज: एक केस स्टडी विश्लेषण। *इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ सोशल वर्क* । *6* (2), 102-107।
- सिंह, एस., राउत, एनबी, भारद्वाज, ए., और मलिक, वाई.के. (2025). मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों पर मरीज़ की आत्महत्या का प्रभाव. *सीएनएस विकारों के लिए प्राथमिक देखभाल साथी*
- जाधव , एस., सुब्रमण्यम, ए.ए., और राउत एन.बी., और सिंह एस. (2024). ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम विकार वाले बच्चों में भोजन संबंधी समस्याएँ और भोजन के समय का व्यवहार: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। *भारतीय मनश्चिकित्सा के इतिहास* ।
- गोयल ए., सिंह एस., जांगिड़ पी., आर्य एस., कुमार ए., यादव ए., और बत्रा आई. (2025)। मानसिक रोग से ग्रस्त व्यक्तियों में कोविड-19 से संबंधित ज्ञान, दृष्टिकोण और व्यवहार: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। *आरयूएचएस जर्नल ऑफ हेल्थ साइंसेज* , 10.
  डीओआई: http://dx.doi.org/10.37821/ruhsjhs.10.2.2025.781
- सिंह, एस., चंद्रा, एम., दहिया, एस., और राउत, एनबी (2024). चिकित्सा पेशेवरों के विरुद्ध हिंसा का प्रभाव: भारत में चिकित्सकों का एक ऑनलाइन सर्वेक्षण। *नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ़ इंडिया* ।
- सिंह, एस., देबबर्मा, ए., गेहलावत, पी., और कुमार, डी. (2024). एक न्यूरोसाइकियाट्रिक संस्थान में आत्महत्या रोकथाम पर एक संक्षिप्त शैक्षिक कार्यक्रम के बाद नर्सों के ज्ञान, दृष्टिकोण और व्यवहार पर प्रभाव। *इंडियन जर्नल सोशल साइकियाट्री* । *40* (1), 16-20।
- मलिक, वाई.के., रे, ए., सिंह, एस., और गुप्ता, आर. (2024). डिमेंशिया साक्षरता और डिमेंशिया शब्द से परिचितता: एक मनोरोग बाह्य-रोगी सेटिंग से एक खोजपूर्ण अध्ययन। *जर्नल ऑफ न्यूरोसाइंस इन रूरल प्रैक्टिस* । *15* (2), 227-232।
- सिंह, एस. (2024). धार्मिक विश्वास और मनोचिकित्सा की अनिश्चित सीमाएँ. *इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइकियाट्री* . *40* (1), 96-97.
  डीओआई: https://doi.org/10.4103/ijsp.ijsp_239_22
- सुब्रमण्यम, ए., सिंह, एस., और राउत, एनबी (2025)। हल्के न्यूरोकॉग्निटिव डिसऑर्डर के आकलन और प्रबंधन के लिए क्लिनिकल प्रैक्टिस दिशानिर्देश 2024. *इंडियन जर्नल ऑफ साइकियाट्री* । *67* (1), 21-40।

नियोजन विवरण

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 90 (100%)

कैम्पस नियोजन के लिए आई कंपनियों की संख्या: 05

पुस्तकालय विकास

पुस्तकें पाठ्यक्रम के अनुसार उपलब्ध हैं।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	: 13
एसोसिएट प्रोफेसर	: 17
सहायक प्रोफेसर	: 32
तदर्थ	: 00
अतिथि	: 00
कुल	**: 62**

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित निधियां : ₹ 158.257 करोड़

उपयोगित निधियां : ₹ 140.817 करोड़

***

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

महाविद्यालय को शीर्ष सम्मान और कई संस्थागत पुरस्कार मिले हैं। शीर्ष सम्मानों के नाम: नेशनल एडुट्रस्ट ऑफ इंडिया (3 दिसंबर, 2024) द्वारा आयोजित सर्वश्रेष्ठ एक्शन रिसर्च इंस्टीट्यूशन 2024-25 (एचईआई के लिए कौशल-से-उद्यमिता कार्यक्रम) के रूप में राज्य / जिला में पहला स्थान। दिल्ली विश्वविद्यालय (6 अक्तूबर, 2024) द्वारा आयोजित स्किल, स्टार्टअप एंड एंटरप्रेन्योरशिप एक्सपो एंड इंडिया मशरूम डे 2024 में 'बडिंग एंटरप्रेन्योरशिप' श्रेणी में पहला स्थान; पर्यावरण संरक्षण और स्थिरता के लिए उत्कृष्ट प्रतिबद्धता और समर्पण का प्रदर्शन करने के लिए नेशनल एडुट्रस्ट ऑफ इंडिया द्वारा मध्य दिल्ली के लिए जिला पर्यावरण चैम्पियनशिप पुरस्कार 2024-25 (5 जून, 2024); महाविद्यालय ने दिल्ली निदेशालय महाविद्यालय स्तर पर सीनियर विंग (एसडब्ल्यू कोय) श्रेणी में प्रतिष्ठित द्वितीय रनर-अप स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय ने तीन महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए - (क) अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय कार्यक्रम केंद्र (सीआईएनपी) के साथ; शेरुबत्से महाविद्यालय, रॉयल यूनिवर्सिटी ऑफ़ भूटान के साथ; (ख) केलानिया विश्वविद्यालय, कोलंबो के संस्कृत विभाग के साथ; और (ग) बिट्स पिलानी के साथ। ये जेडीएमसी के एक प्रमुख शैक्षणिक संस्थान के रूप में विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पड़ाव हैं।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

- अनुराधा गोयल, वाणिज्य विभाग को, वाणिज्य विभाग, एसबी.ए.स महाविद्यालय, डीयू द्वारा, डीएसई, डीयू के वाणिज्य विभाग के सहयोग से, 1 फरवरी, 2025 को (अंतर्राष्ट्रीय), सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- अमिता चरण, वाणिज्य विभाग को एसईएसडी, सोसाइटी (शैक्षणिक समुदाय द्वारा स्थापित) द्वारा 1 फरवरी, 2025 को (राष्ट्रीय), महिला उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- रविन्द्र मीणा, वाणिज्य विभाग, को मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर द्वारा 1 नवंबर, 2024 को पीएच.डी. उपाधि प्रदान की गई है - शीर्षक: भारतीय रेलवे के उत्तर-पश्चिम रेलवे जोन का सामाजिक अंकेक्षण: वाणिज्यिक और अवसंरचनात्मक गतिविधियों के विशेष संदर्भ में।
- वाणिज्य विभाग की वृंदा कपूर को 1 दिसंबर, 2024 को विश्व शांति के लिए अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक संघ (ECOSOC - संयुक्त राष्ट्र से संबद्ध) द्वारा (अंतर्राष्ट्रीय) विश्व शांति शिक्षा और संवर्धन पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
- अबू अफ़ज़ल तौहीद, अर्थशास्त्र विभाग, को 8 जुलाई, 2024 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई है, जिसका शीर्षक है: भारत में धार्मिक और जातिगत भेदभाव को मापना: विश्वास और नियुक्ति भेदभाव पर एक प्रयोग आधारित अध्ययन।
- अर्थशास्त्र विभाग के अभिनव कुमार को विश्व उच्च शिक्षा एवं विकास अकादमी (W-AHEAD) द्वारा 1 सितंबर, 2024 को GPF-इंडिया, CIU, IIEE, NICER, IAEWP (संयुक्त राष्ट्र से संबद्ध: ECOSOC, DPI) के सहयोग से विकसित भारत @2047 के लिए राजदूत (अंतर्राष्ट्रीय) का पुरस्कार दिया गया है।
- अर्थशास्त्र विभाग की पेइसिनलू गंगमेई को 1 दिसंबर, 2024 को मणिपुर विश्वविद्यालय से पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई है, जिसका शीर्षक है: आर्थिक विकास में महिलाएं: मणिपुर के तामेंगलोंग जिले में महिलाओं का एक अध्ययन।
- साक्षी बंसल, अर्थशास्त्र विभाग, को जामिया मिलिया इस्लामिया से 1 सितंबर, 2024 को पीएच.डी., शीर्षक: मॉडलैंगिक डायनेमिक रिस्क एक्सपोज़र्स इन इंडियन फॉरेन एक्सचेंज मार्केट्स से सम्मानित किया गया है।
- त्रिशा जॉली, अर्थशास्त्र विभाग, को विश्व उच्च शिक्षा और विकास अकादमी (W-AHEAD) द्वारा GPF-इंडिया, CIU, IIEE, NICER, IAEWP (संयुक्त राष्ट्र से संबद्ध: ECOSOC,

DPI) के सहयोग से 1 सितंबर, 2024 को विकसित भारत @2047 के लिए राजदूत (अंतर्राष्ट्रीय) से सम्मानित किया गया है।

- स्वाति पाल (प्रधानाचार्य), अंग्रेजी विभाग, को 5 जून, 2024 को नेशनल एडू ट्रस्ट ऑफ इंडिया द्वारा पर्यावरण उत्कृष्टता के प्रति समर्पण के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रधानाचार्य पुरस्कार (राष्ट्रीय) प्रदान किया गया।
- स्वाति पाल (प्राचार्य), अंग्रेजी विभाग को 12 सितंबर, 2024 को नेशनल एडू ट्रस्ट ऑफ इंडिया द्वारा (राष्ट्रीय), इको विजनरी प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया है।
- स्वाति पाल (प्राचार्य), अंग्रेजी विभाग को 5 अक्तूबर, 2024 को GPF- इंडिया, CIU, IDD, NICER और IAEWP के सहयोग से विश्व उच्च शिक्षा और विकास अकादमी (W-AHEAD) की शासी परिषद द्वारा विकसित भारत @47 के लिए (राष्ट्रीय) वरिष्ठ राजदूत पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- स्वाति पाल (प्रिंसिपल), अंग्रेजी विभाग को 30 नवंबर, 2024 को हिंदी की गूंज पत्रिका द्वारा (अंतर्राष्ट्रीय), जापान हिंदी भूषण सम्मान से सम्मानित किया गया है।
- स्वाति पाल (प्राचार्य), अंग्रेजी विभाग, को 3 दिसंबर, 2024 को नेशनल एडू ट्रस्ट ऑफ इंडिया द्वारा वर्ष 2024-25 के लिए उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए उद्यमिता कौशल कार्यक्रम के अंतर्गत एक्शन रिसर्च प्रोजेक्ट के सफल समापन के दौरान असाधारण नेतृत्व और मार्गदर्शन के लिए (राष्ट्रीय) उत्कृष्ट नेतृत्व का प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।
- स्वाति पाल (प्राचार्य), अंग्रेजी विभाग को 29 दिसंबर, 2024 को विश्व शांति शिक्षा और संवर्धन पुरस्कार में योगदान के लिए अंतर्राष्ट्रीय विश्व शांति शिक्षक संघ (ECOSOC- संयुक्त राष्ट्र से संबद्ध) द्वारा (राष्ट्रीय) प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया है।
- स्वाति पाल (प्रधानाचार्य), अंग्रेजी विभाग को जनवरी 2025 में नेशनल एडू ट्रस्ट ऑफ इंडिया द्वारा कौशल-से-उद्यमिता कार्यक्रम (2024-25) के भाग के रूप में पर्यावरणीय स्थिरता, कौशल-आधारित शिक्षा और युवा सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में उत्कृष्ट योगदान और असाधारण नेतृत्व के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रधानाचार्य का सम्मान पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- दीपक रावत, ईवीएस विभाग को 1 जनवरी, 2025 को नेशनल एडुट्रस्ट ऑफ इंडिया द्वारा (राष्ट्रीय) सर्वश्रेष्ठ नोडल अधिकारी पुरस्कार 2024-25 से सम्मानित किया गया।
- दीपक रावत, ईवीएस विभाग को 1 सितंबर, 2024 को नेशनल एडुट्रस्ट ऑफ इंडिया द्वारा राष्ट्रीय हरित शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
- 14 सितंबर 2024 को प्रनेता साहित्य न्यास, दिल्ली द्वारा दीनदयाल, हिंदी विभाग को (राष्ट्रीय) साहित्य शिरोमणि सम्मान से सम्मानित किया गया।

- 1 दिसंबर, 2024 को हिंदी विभाग, दीनदयाल को आज का प्रहरी द्वारा (राष्ट्रीय), राष्ट्रीय गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया है।
- टीना कोहली, गणित विभाग, को 1 जून, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय से पीएच.डी., शीर्षक: डिस्क्रीट टाइम विल्सन फ्रेम सिस्टम, से सम्मानित किया गया है।
- देबाहुति ब्रह्मचारी, राजनीति-विज्ञान विभाग, को 21 दिसंबर, 2024 को ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी (एनसीसी के तहत) ग्वालियर द्वारा पाठ्यक्रम में अल्फा ग्रेडिंग के साथ ओटीए ग्वालियर में लेफ्टिनेंट के मानद रैंक के साथ (राष्ट्रीय) कमीशन से सम्मानित किया गया है।
- देबाहुति ब्रह्मचारी, राजनीति-विज्ञान विभाग, को 01 जुलाई 2024 को भागीदारी जन सहयोग समिति द्वारा (राष्ट्रीय), राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया है।
- राजनीति-विज्ञान विभाग की देबाहुति ब्रह्मचारी को 13 फरवरी, 2025 को दिल्ली एनसीसी निदेशालय द्वारा (राष्ट्रीय) अतिरिक्त महानिदेशक एनसीसी प्रशंसा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- कर्णिका जैन, राजनीति-विज्ञान विभाग, को 1 फरवरी, 2025 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से पीएच.डी., शीर्षक: बांग्लादेश में आतंकवाद-रोधी रणनीतियाँ: राज्य और नागरिक समाज की प्रतिक्रिया का आकलन, 2001-2020, से सम्मानित किया गया है।
- अहिरराव दिनेश भारत, राजनीति-विज्ञान विभाग, को (राष्ट्रीय), राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार, 2024 से सम्मानित किया गया है

छात्र

- ज्ञान - आईआरडीएआई, भारत सरकार द्वारा बीमा जागरूकता प्रश्नोत्तरी, 01 दिसंबर, 2024.
- बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) की छात्रा राजनंदिनी ने एआरएसडी महाविद्यालय द्वारा आयोजित फ्लैश फिक्शन प्रतियोगिता, वेंट डी'ऑटोमने में प्रथम स्थान प्राप्त किया, 1 दिसंबर, 2024.
- बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) की छात्रा राजनंदिनी ने 27 जुलाई, 2024 को मैत्रेयी महाविद्यालय द्वारा आयोजित कारगिल विजय दिवस पर ओपन माइक में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- बी.कॉम. (ऑनर्स) (प्रथम वर्ष) की छात्रा अदिति आहूजा ने सत्यकाम भवन दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ द्वारा 6 मार्च, 2025 को आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।
- बी.कॉम. (ऑनर्स) (प्रथम वर्ष) की छात्रा अदिति आहूजा ने 2 मार्च, 2025 को डॉ. भीम राव अंबेडकर महाविद्यालय द्वारा आयोजित बैडमिंटन इंटर-महाविद्यालय स्पर्धा में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

- बी.कॉम. (ऑनर्स) (प्रथम वर्ष) की छात्रा अदिति आहूजा ने 28 फरवरी, 2025 को डॉन बॉस्को इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित बैडमिंटन इंटर-महाविद्यालय स्पर्धा में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- बी.कॉम. (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) की छात्रा अस्मिता चतुर्वेदी ने 17 फरवरी, 2025 को गार्गी महाविद्यालय द्वारा आयोजित क्विज़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.ए. अर्थशास्त्र (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा विधि गुप्ता ने 1 मार्च, 2025 को कॉमसोक - श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय द्वारा आयोजित रिवाइव एंड थ्राइव 2.0 - राष्ट्रीय केस प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- बी.ए. अर्थशास्त्र (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा विधि गुप्ता ने 27 फरवरी, 2025 को एग्राटा-एसआरसीसी (एमबी.ए.-जीबीओ) द्वारा आयोजित डिसिप एचआर केस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.ए. अर्थशास्त्र (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा नैना सिंह ने हिंदू महाविद्यालय में अंग्रेजी विभाग के वार्षिक उत्सव - बैचेनिया के तहत 13 अप्रैल, 2024 को आयोजित ऑनलाइन कविता लेखन प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (तृतीय वर्ष) की छात्रा देबलीना अधिकारी ने 25 नवंबर, 2024 को अतुल कृष्ण बिनोदिनी देवी इंटर-महाविद्यालय क्रिएटिव राइटिंग प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा खुशबू मित्तल ने 25 नवंबर, 2024 को अतुल कृष्ण बिनोदिनी देवी अंतर-महाविद्यालय रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता में प्रथम सांत्वना पुरस्कार जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा लक्षिता गांधी ने 23 अप्रैल, 2024 को छात्रों के संगोष्ठी 'री-एंगेजिंग विद शेक्सपियर' में अनीता नाहल सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र प्रस्तुति पुरस्कार जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (तृतीय वर्ष) की छात्रा आफिया अफियात को 4 अप्रैल, 2024 को 2021-2024 बैच के लिए बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए निसिम एजेकील पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुखमनप्रीत कौर ने 24 मार्च, 2025 को जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय के इतिहास विभाग की एसोसिएशन हेरिटेज द्वारा अपने वार्षिक उत्सव गाथा 2025 के भाग के रूप में आयोजित राष्ट्रीय युवा विद्वानों के सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र पुरस्कार जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास (तृतीय वर्ष) की छात्रा अंकिता ने 24 मार्च, 2025 को जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय के इतिहास विभाग की एसोसिएशन हेरिटेज द्वारा अपने वार्षिक उत्सव

गाथा 2025 के भाग के रूप में आयोजित राष्ट्रीय युवा विद्वानों के सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र पुरस्कार जीता।

- मैत्री मदान, छात्रा बी.एससी.। (ऑनर्स) गणित (प्रथम वर्ष) ने 4 मार्च, 2025 को वीआईपीएस महाविद्यालय, नई दिल्ली में अंता प्रेना द्वारा आयोजित अंतर-महाविद्यालय सिनर्जी प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. (ऑनर्स) गणित (द्वितीय वर्ष) की छात्रा दिशिता ने डॉन बॉस्को इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली द्वारा 28 फरवरी से 1 मार्च, 2025 तक आयोजित अंतर-महाविद्यालय वॉलीबॉल टूर्नामेंट में प्रथम पुरस्कार जीता।
- बी.एससी. (ऑनर्स) गणित (द्वितीय वर्ष) की छात्रा दिशिता ने डॉ. अखिलेश दास गुप्ता इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, एफसी-25, नई दिल्ली द्वारा 17-19 फरवरी, 2025 को आयोजित अंतर-महाविद्यालय वॉलीबॉल टूर्नामेंट में प्रथम पुरस्कार जीता।
- बी.एससी. (ऑनर्स) गणित (द्वितीय वर्ष) की छात्रा गुरप्रिया कौर ने सिम्फनी 2025 के अंतर्गत जेडीएमसी के गणित विभाग द्वारा आयोजित अंतर-महाविद्यालय गणित मैशअप प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता, 8 फरवरी, 2025.
- बी.एससी. (ऑनर्स) गणित (प्रथम वर्ष) की छात्रा तान्या ने हिंदी विभाग, जेडीएमसी द्वारा आयोजित अंतर-महाविद्यालय नवगंटुक बाद-भीबाद प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त किया, 12 नवंबर, 2024.
- बी.एससी. (ऑनर्स) गणित (प्रथम वर्ष) की छात्रा दीक्षा ने 18 अक्तूबर, 2024 को जेडीएमसी के वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित अंतर-महाविद्यालय सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. (ऑनर्स) गणित (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुकन्या दत्ता को 28 जुलाई, 2024 को पहल होराइजन एसआरआईपी, 2024 में सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र प्रस्तुति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- बी.ए. (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) की छात्रा अनुजा मलिक ने 27 फरवरी, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के जाकिर हुसैन महाविद्यालय में आयोजित बज़्म-ए-अदब गजल प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।
- बी.ए. (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) की छात्रा अनुजा मलिक ने 24 फरवरी, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के माता सुंदरी महाविद्यालय में महफिल-ए-गजल प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।
- बी.ए. (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) की छात्रा सृष्टि तिवारी ने 27 फरवरी, 2025 को जाकिर हुसैन महाविद्यालय, डीयू में बज़्म ए अदब प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

- बी.ए. (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) की छात्रा सृष्टि तिवारी ने 19 सितंबर, 2024 को विवेकानंद महाविद्यालय, डीयू द्वारा आयोजित लोकगीत प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) समाजशास्त्र (तृतीय वर्ष) की छात्रा राधिका वेंकटरमन ने 27 नवंबर, 2024 को भारतीय सांस्कृतिक परिषद में वाद्य संगीत में दूसरा पुरस्कार जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अरु शर्मा ने 14 फरवरी, 2025 को मिरांडा हाउस के वार्षिक खेल उत्सव एरोबर्न '25 में ताइक्वांडो में रजत पदक प्राप्त किया।
- बी.ए. (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुहाना शर्मा ने 1 फरवरी, 2025 को डीयू के दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र (तृतीय वर्ष) की छात्रा तन्नु लुहेरा ने 27 अप्रैल, 2024 को जेडीएमसी के लोगोस-द लिटरेरी सोसाइटी द्वारा आयोजित पुस्तक कवर डिजाइनिंग प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- बी.ए. (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) की छात्रा हर्षिका जोशी ने 38वें राष्ट्रीय खेलों, उत्तराखंड, 10 फरवरी, 2025 में ताइक्वांडो में कांस्य पदक जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (तृतीय वर्ष) की छात्रा रिद्धि जैन ने अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय नेटबॉल चैम्पियनशिप, जयपुर, 10 जनवरी, 2025 में नेटबॉल में कांस्य पदक जीता।
- बी.कॉम. (तृतीय वर्ष) की छात्रा लावण्या ने 21 नवंबर, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय भारोत्तोलन चैम्पियनशिप में भारोत्तोलन (55 किलोग्राम से कम) में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.एससी. (ऑनर्स) गणित (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अनिका ने 14 अक्तूबर, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय इंटर महाविद्यालय ताइक्वांडो चैंपियनशिप में ताइक्वांडो (73 किलोग्राम से अधिक) में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.ए. (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) की छात्रा हर्षिका ने 14 अक्तूबर, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय इंटर महाविद्यालय ताइक्वांडो चैंपियनशिप में ताइक्वांडो (67 किलोग्राम से कम) में रजत पदक जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) (प्रथम वर्ष) की छात्रा हिमांशी ने 15 दिसंबर, 2024 को दिल्ली राज्य वॉलीबॉल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.ए. (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा मोनिका ने 15 दिसंबर, 2024 को दिल्ली राज्य वॉलीबॉल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।

- बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुबिया और बी.ए. (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा रमा मिश्रा ने 22 अक्तूबर, 2024 को दिल्ली राज्य सीनियर नेटबॉल चैम्पियनशिप में दूसरा स्थान (मिश्रित टीम श्रेणी) जीता।
- बी.एससी. (ऑनर्स) गणित (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अनिका ने 14 फरवरी, 2025 को मिरांडा हाउस के वार्षिक खेल उत्सव, ईरोबर्न 2025 में ताइक्वांडो (73 किलोग्राम से कम) में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.ए. (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) की छात्रा हर्षिका ने 14 फरवरी, 2025 को मिरांडा हाउस के वार्षिक खेल उत्सव ईरोबर्न 2025 में ताइक्वांडो (67 किलोग्राम से कम) में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अरु शर्मा ने 14 फरवरी, 2025 को मिरांडा हाउस के वार्षिक खेल उत्सव ईरोबर्न 2025 में ताइक्वांडो (62 किलोग्राम से कम) में रजत पदक जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (प्रथम वर्ष) की छात्रा प्रीति यादव ने 14 फरवरी, 2025 को मिरांडा हाउस के वार्षिक खेल उत्सव ईरोबर्न 2025 में ताइक्वांडो (57 किलोग्राम से कम) में कांस्य पदक जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास (प्रथम वर्ष) के छात्र नैवेद्य ने 14 फरवरी, 2025 को मिरांडा हाउस के वार्षिक खेल उत्सव ईरोबर्न 2025 में ताइक्वांडो (53 किलोग्राम से कम) में कांस्य पदक जीता।
- बी.कॉम. (ऑनर्स) (प्रथम वर्ष) की छात्रा अनन्या ने 14 फरवरी, 2025 को मिरांडा हाउस के वार्षिक खेल उत्सव ईरोबर्न 2025 में ताइक्वांडो (73 किलोग्राम से कम) में कांस्य पदक जीता।
- मोनिका, छात्रा बी.ए. (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) और हिमांशी, छात्रा बी.ए. (ऑनर्स.) समाजशास्त्र (प्रथम वर्ष) ने अखिल भारतीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट, उत्तराखंड, 28 अक्तूबर, 2024 में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) की छात्रा यशिता शौकीन का चयन हुआ और उन्होंने 1-14 जुलाई, 2024 को दिल्ली में आयोजित भारतीय शूटिंग टीम के लिए भारतीय टीम ट्रायल 5 और 6 में भाग लिया।
- बी.ए. (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) की छात्रा के. हरिता को 5-10 नवंबर, 2024 को भावनगर, गुजरात में आयोजित एएफसी महिला एशियाई चैम्पियनशिप के लिए भारतीय फुटसल टीम का चयन करने हेतु 35 सदस्यीय, 5-दिवसीय चयन शिविर के लिए चुना गया।
- बी.ए. (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) की छात्रा के. हरिता और साक्षी बिष्ट ने 38वें राष्ट्रीय खेलों, उत्तराखंड में 28 जनवरी से 14 फरवरी, 2025 तक आयोजित फुटबॉल में भाग लिया।
- बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (प्रथम वर्ष) की छात्रा गुनगुन मिश्रा ने 28 जनवरी से 14 फरवरी, 2025 तक आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों, उत्तराखंड में नेटबॉल में भाग लिया।

- बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (प्रथम वर्ष) की छात्रा गुनगुन मिश्रा ने 25-28 जुलाई, 2024 को भिवानी, हरियाणा में आयोजित 42वीं सीनियर राष्ट्रीय नेटबॉल चैंपियनशिप 2024-25 में भाग लिया।
- बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) की छात्रा सान्या रावत, बी.ए. (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) की छात्रा कौशल्या एम., बी.ए. (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) की छात्रा के. हरिता, बी.ए. (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) की छात्रा साक्षी बिष्ट और बी.ए. (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) की छात्रा एम. श्रीमालिनी ने 10-15 अक्तूबर, 2024 को जयपुर, राजस्थान में आयोजित 29वीं सीनियर महिला राष्ट्रीय फुटबॉल चैम्पियनशिप में भाग लिया।
- के. हरिता, छात्रा बी.ए. (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष), एम. कौशल्या, छात्रा बी.ए. (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष), साक्षी बिष्ट, छात्रा बी.ए. (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष), एम. श्रीमालिनी, छात्रा बी.ए. (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष), राजेश्वरी पाटिल, छात्रा बी.ए. (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष), आर. यामिनी ने 11-15 अक्तूबर, 2024 को पंजाब में आयोजित उत्तर क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय फुटबॉल चैम्पियनशिप में भाग लिया।
- बी.एससी. (ऑनर्स) गणित (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अनिका मलिक ने 11-15 नवंबर, 2024 को जीएनडीयू अमृतसर में आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय ताइक्वांडो (डब्ल्यू) चैम्पियनशिप 2024 में भाग लिया।
- बी.कॉम. (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा परी कर्णवाल, बी.ए. (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा प्रियांशी कौशिक, बी.ए. (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा आरती, बी.ए. (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) की छात्रा नेहा कौशिक, बी.ए. (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) की छात्रा कोमल और बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (प्रथम वर्ष) की छात्रा अंजलि ने 26-30 नवंबर, 2024 को अमृतसर, पंजाब में उत्तर क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय हॉकी चैम्पियनशिप 2024 में भाग लिया।
- बी.ए. (ऑनर्स) समाजशास्त्र (प्रथम वर्ष) की छात्रा हिमांशी ने 11-15 नवंबर, 2024 को गीता विश्वविद्यालय में आयोजित उत्तर क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय वॉलीबॉल (डब्ल्यू) चैम्पियनशिप में भाग लिया।
- जूही, बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (तृतीय वर्ष) की छात्रा, नेहा पांडे, बी.ए. (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, भानवी, बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, उर्वशी शर्मा, बी.ए. (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, काजल, बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास (प्रथम वर्ष) की छात्रा, ने 28 फरवरी से 3 मार्च, 2025 तक सीआरएसयू, जींद, हरियाणा में आयोजित उत्तर-क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय हैंडबॉल (डब्ल्यू) चैम्पियनशिप 2024-25 में भाग लिया।
- बी.ए. (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा आरती, बी.ए. (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) की छात्रा नेहा कौशिक, बी.ए. (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) की छात्रा कोमल और बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान

(प्रथम वर्ष) की छात्रा अंजलि ने 30 सितंबर से 10 अक्तूबर, 2024 तक जूनियर राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप के लिए दिल्ली महिला हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व किया।

- बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) की छात्रा यशिता शौकीन ने 13 दिसंबर से 5 जनवरी, 2025 तक करणी सिंह शूटिंग रेंज, नई दिल्ली में आयोजित 67वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप में भाग लिया।

- जूही, सुबिया, रिद्धि जैन, रमा मिश्रा, भानवी, नेहा पांडे, उर्वशी और प्रज्ञा, बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (तृतीय वर्ष), बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष), बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (तृतीय वर्ष), बी.ए. (प्रो. प्रो.) (द्वितीय वर्ष), बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (द्वितीय वर्ष), बी.ए. (प्रो. प्रो.) (द्वितीय वर्ष), बी.ए. (प्रो. प्रो.) (प्रथम वर्ष), और बी.ए. (प्रो. प्रो.) (द्वितीय वर्ष) की छात्राओं ने क्रमशः भाग लिया। 45वीं राष्ट्रीय थ्रोबॉल चैम्पियनशिप 2024, 8-11 नवंबर, 2024.

- बी.ए. (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री प्रज्ञा और बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास की छात्रा सुश्री काजल को दिल्ली राज्य द्वारा 26-30 मार्च, 2025 को आयोजित 47वीं जूनियर गर्ल्स नेशनल हैंडबॉल चैंपियनशिप में दिल्ली राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया।

- बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री भानवी को 31 मार्च से 4 अप्रैल, 2025 तक दिल्ली राज्य द्वारा आयोजित 53वीं सीनियर राज्य राष्ट्रीय हैंडबॉल चैम्पियनशिप में दिल्ली राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया।

- बी.ए. (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री के. हरिता, बी.ए. (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री एम. कौशल्या, बी.ए. (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री साक्षी बिष्ट, बी.ए. (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री एम. श्रीमालिनी, बी.ए. (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री राजेश्वरी पाटिल, और बी.ए. (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री आर. यामिनी ने एआईएफएफ द्वारा 19-26 मार्च, 2025 को आयोजित एआईएफएफ डी लाइसेंस प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम में भाग लिया।

- बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुश्री सान्या रावत ने 19-26 मार्च, 2025 को एआईएफएफ द्वारा आयोजित सी-लाइसेंस प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम में भाग लिया।

- बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा इफ़्फ़त औरोज़ ने 8 मार्च, 2025 को भागीदारी जन सहयोग समिति द्वारा आयोजित ड्रग्स के उपयोग की रोकथाम, इसके अधिनियम और प्रवर्तन जागरूकता पर राष्ट्रीय शोध-पत्र प्रस्तुति में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

- बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा इफ़्फ़त ऑरोज़ ने अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित अर्थशास्त्र महोत्सव: शोध-पत्र प्रस्तुति प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया, 30 जनवरी, 2025.

- बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा इफ़्फ़त ऑरोज़ ने 11 नवंबर, 2024 को विकसित भारत द्वारा आयोजित पारंपरिक वाद-विवाद प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

- 8 मार्च, 2025 को एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर द्वारा आयोजित बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा इफ़्फ़त औरोज़ और शाहिदा मुश्ताक को प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता केएल बग्गा मेमोरियल ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।
- बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा इफ़्फ़त ऑरोज़ और शाहिदा मुश्ताक को 5 मार्च, 2025 को नई दिल्ली के कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में फ्रेडरिक एबर्ट स्टिफ्टंग, भारत द्वारा आयोजित "महिलाएं और अर्थव्यवस्था: बीजिंग 30+, स्टॉक लेना और भविष्य की तलाश" सम्मेलन में भाग लेने के लिए प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।
- बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा इफ़्फ़त औरोज़ और शाहिदा मुश्ताक ने 7 दिसंबर, 2024 को दिल्ली विधानसभा द्वारा आयोजित दिल्ली युवा संसद में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति और रोजगार के माननीय मंत्री के रूप में भाग लेने के लिए उल्लेखनीय प्रदर्शन का प्रमाणपत्र जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा इफ़्फ़त अरूज़ और शाहिदा मुश्ताक को 29 दिसंबर, 2024 को विश्व शांति के शिक्षकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय एसोसिएशन द्वारा आयोजित विश्व शांति, शिक्षा और संवर्धन पुरस्कार के लिए अंतर्राष्ट्रीय सम्मान और प्रशंसा से सम्मानित किया गया।
- बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा शाहिदा मुश्ताक ने 8 मार्च, 2025 को भागीदारी जन सहयोग समिति द्वारा आयोजित ड्रग्स के उपयोग की रोकथाम, इसके अधिनियम और प्रवर्तन जागरूकता पर राष्ट्रीय शोध-पत्र प्रस्तुति में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (प्रथम वर्ष) की छात्रा प्रियांसी प्रेख्या पाढ़ी ने पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय, डीयू द्वारा 6 फरवरी, 2025 को आयोजित नो योर रिपब्लिक (संवाद) में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (प्रथम वर्ष) की छात्रा अर्पिता बेहरा को 1 जनवरी, 2025 को मिस टीन दिवा द्वारा आयोजित मिस टीन दिवा 2025 में ओडिशा का प्रतिनिधित्व करने के लिए राष्ट्रीय फाइनलिस्ट के रूप में चुना गया।
- बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा आरती रानी ने 10 जुलाई, 2024 को संसद द्वारा आयोजित राष्ट्रीय युवा संसद के आईपी में शीर्ष 3 पत्रकार (एआईपीपीएम) होने का प्रमाणपत्र जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) समाजशास्त्र (तृतीय वर्ष) की छात्रा कशिश ने 3 मार्च, 2025 को डब्लूडीसी, एआरएसडी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा एआरएसडी महाविद्यालय में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

- बी.ए. (ऑनर्स) समाजशास्त्र (तृतीय वर्ष) की छात्रा कशिश ने 21 फरवरी, 2025 को लेडी श्रीराम महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कुला'25 में भाषण प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) समाजशास्त्र (प्रथम वर्ष) की छात्रा तनीषा खेमका को भारत मंडपम, दिल्ली द्वारा 10-12 जनवरी, 2025 को आयोजित विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग में उनके उल्लेखनीय नेतृत्व और अग्रणी विचारों के लिए प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।
- बी.ए. (ऑनर्स) समाजशास्त्र (द्वितीय वर्ष) की छात्रा स्मृति स्वादिपा साहू ने 29 दिसंबर, 2024 को विश्व शांति के लिए अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक संघ द्वारा आयोजित विश्व शांति शिक्षा और संवर्धन पुरस्कार जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) समाजशास्त्र (द्वितीय वर्ष) की छात्रा आद्या त्रिपाठी ने केशव महाविद्यालय द्वारा 3 जून 2024 को आयोजित पिक्सेल 4.0 में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन

- गोयल, ए. (2024). 15वें वित्त आयोग के अनुरूप वार्षिक वित्तीय विवरण समय पर तैयार करने के लिए चयनित शहरी स्थानीय निकायों की तैयारी का आकलन। *चार्टर्ड अकाउंटेंट, 72* (11), 74-80।
- गौतम, पी., और कौर, सी. (2024). एक कुशल पुनरावृत्तीय योजना के माध्यम से सुजुकी के सामान्यीकृत गैर-विस्तारीय मानचित्र के स्थिर बिंदुओं का सन्निकटन, एक अनुप्रयोग के साथ। *तमकांग जर्नल ऑफ मैथमेटिक्स* । https://doi.org/10.5556/j.tkjm.56.2025.5261
- दीनदयाल। (2024). राम दरश मिश्र के उपन्यासों में। *भाषा, 316* (63).
- जैन, आई. (2024). सामूहिक प्रतिरोध. *थिएटर और प्रदर्शन में अध्ययन, 44* (1), 113-120.
- जैन, आई. (2024). बेटी का ओपेरा: नारीवादी एकजुटता का एक ज्ञानात्मक प्रतिनिधित्व। *थिएटर और प्रदर्शन में अध्ययन, 44* (1), 98-109.
- जैन, आई. (2024). कर्नाड का *हयवदना* : पुनरावृत्ति के माध्यम से एक नारीवादी प्रदर्शनकारी (पुनः)कथन. *डायलॉग, 43* (43), 213-225.
- नागपाल, पी. (2024). भारत खंड. *साहित्य, आलोचना और साम्राज्य आज, 59* (4).
- नागपाल, पी. (2024). कहानी में 'उसका' शब्द का विलोपन: इमायम की ' *शी एंड आई' की समीक्षा* . *द बुक रिव्यू, 48* (12), 163.
- ममता (2024). शिक्षकों की भूमिकाओं और ज़िम्मेदारियों पर चैटजीपीटी का प्रभाव: एआई-संवर्धित कक्षा में शिक्षक कार्यों के विकास का विश्लेषण। *महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ़ बड़ौदा का जर्नल, 58* (2), 8-27।

- ममता (2024). कैशलेस भुगतान विधियों के लिए ग्राहकों की प्राथमिकताओं को समझना: जनसांख्यिकीय रुझानों और उपयोगकर्ता अनुभव विश्लेषण से अंतर्दृष्टि। *जर्नल ऑफ ओरिएंटल रिसर्च मद्रास, 98* (7), 93-99।
- कुमार, एन. (2024). यूक्रेन युद्ध के दौरान कॉर्पोरेट नकदी धारण और कंपनी का प्रदर्शन: एक साहित्य समीक्षा और आगे की राह. *जर्नल ऑफ चाइनीज इकोनॉमिक एंड फॉरेन ट्रेड स्टडीज* .
- गंगमेई, पी. (2024). गैर-लकड़ी वन उत्पादों के माध्यम से आदिवासी महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण। *आर्थिक मामले, 69* (1), 769-775. https://doi.org/10.46852/0424-2513.2.2024.37
- बेवत्रा, पी., खरबंदा, एस., और कामना, एस. (2024). भारत में गिग अर्थव्यवस्था: विकास, चुनौतियाँ और आगामी योजना। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन कल्चर एंड बिज़नेस मैनेजमेंट, 1* (1), 1. https://doi.org/10.1504/ijicbm.2023.10056418
- बंसल, एस. (2024). भारतीय विदेशी मुद्रा बाज़ारों में जोखिम जोखिमों का मॉडलैंगिक और मूल्यांकन. *द इंडियन इकोनॉमिक जर्नल, 6* (विशेष अंक), 701-709.
- चौधरी, एस. (2024). सतत विकास लक्ष्य-4 में भारत के प्रदर्शन में सुधार: शिक्षा असमानता को दूर करने के लिए कुछ अवलोकन और नीतिगत सबक। *द इंडियन इकोनॉमिक जर्नल, 1* (27), 340-363. https://doi.org/10.1086/226550
- चौधरी, एस. (2024). भारत में पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर के सतत विकास लक्ष्य को प्राप्त करना: ईएजी राज्यों के प्रदर्शन और निर्धारकों के महत्व की जाँच। *द इंडियन इकोनॉमिक जर्नल, 4-बी* (27 विशेषांक), 927-939.
- सरमा, आर.डी., और सोनिया, एन. (2025). सामान्यीकृत सदिश परिवर्तनीय असमानताओं के स्थिरता विश्लेषण पर एक नोट। *ऑपरेशन रिसर्च के इतिहास* । https://doi.org/10.1007/s10479-025-06556-1

पुस्तकें

- अग्निहोत्री, एमएस (2025)। *दो शिखंडियों का जीवनचरित्र एवं उनका काल: इतिहास के दर्पण में* । मोतीलाल बनारसीदास।
- अग्निहोत्री, एम.एस. (2025). *इतिहास के दर्पण में दो शिखंडियों का जीवन और समय* . मोतीलाल बनारसीदास।
- दत्ता, ए. (2025). *समकालीन भारत यात्रा लेखन में विवादित इतिहास* . कैम्ब्रिज स्कॉलर्स पब्लिशिंग।
- नागपाल, पी. (2024). *मेमोरी कीपर्स: कविताएँ* . नई दिल्ली: सिग्नेर।

- पाल, एस. (2024). *फ़ॉरएवर योर्स एंड अदर पोएम्स* . हवाकल पब्लिशर्स।
- वशिष्ठ, एन. (2025). *उद्यमिता और नई उद्यम योजना* . स्कॉलर टेक प्रेस।

पुस्तक में अध्याय

- भट्ट, वी. (2025). भारत-जापान संबंध: सांस्कृतिक समन्वय और सभ्यतागत संबंध। वी. भट्ट (सं.), *जी-20 प्रेसीडेंसी और भारत की वैश्विक नेतृत्व भूमिका* । आईसीएसएसआर।
- मौर्य, एस. (2024). कॉर्पोरेट प्रशासन और स्थिरता (ईएसजी) रिपोर्टिंग प्रथाएँ: साहित्य की समीक्षा। वी. वर्मा (सं.), *सतत व्यावसायिक मॉडल - सर्वोत्तम व्यावसायिक प्रथाओं और भविष्य की दिशाओं के लिए एक पुस्तिका* । ज्ञानवी प्रकाशक और वितरक।
- मीना, आर. (2025). मानव संसाधन प्रबंधन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता भारत के रोज़गार परिदृश्य के भविष्य को आकार दे रही है। एम.के. जैन, एस.के. गोयल और वाई. वर्मा (सं.), *विकसित भारत @ 2047: वाणिज्य प्रबंधन और प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी भूमिका* । एमजीएम पब्लिशिंग हाउस।
- पाल, एस. (2024). क्या आप मुझे बताएँगे? टी. रानी (सं.), *द माउंटेन वाज़ अबज़ में* । क्विल पब्लिशर्स।
- पाल, एस. (2024). हमेशा के लिए सूर्यास्त. पी. पटनायक, जे.जे. दास, और पी. बिस्वाल (सं.) में, *द तोशाली एंथोलॉजी ऑफ़ पोएट्री 2025* । शालंडी पुस्तकें।
- पाल, एस. (2024). दिल्ली की थीम पर तीन तंखाएँ। आर. सिरकार और ए. जोसेफ (सं.), *सिटीस्केप्स: एन एंथोलॉजी ऑफ़ पोएट्री* । टीडीडब्ल्यू प्रोडक्शंस एंड पब्लिशिंग।
- रहमान, एस. (2025). मानव संसाधन प्रबंधन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता भारत के रोजगार परिदृश्य के भविष्य को आकार दे रही है। एस. रहमान (सं.), *विकसित भारत @ 2047: वाणिज्य प्रबंधन और प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी भूमिका* । एमजीएम पब्लिशिंग हाउस।
- सेठी, एन. (2024). अस्पष्टता का एक अध्ययन: केवल सूद का *मुर्गीखाना* या *मुर्गीघर* । एच. ठाकुर, *मुर्गीखाना: बेजोड़* । इंदु बुक प्राइवेट सर्विसेज लिमिटेड।
- शीमर, टी. (2024). पारंपरिक दक्षिण एशियाई विचार और विश्वास प्रणालियों में कामुकता। टी. शीमर और जे. त्यागी (सं.), *द कैम्ब्रिज वर्ल्ड हिस्ट्री ऑफ़ सेक्सुअलिटीज़* । कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस।

अनुसंधान परियोजना

- जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय, प्रो. नीरू वशिष्ठ और प्रो. राज्यलक्ष्मी, भारत में महिलाओं के अधिकारों में मील का पत्थर: मिथक या वास्तविकता, 50,000 रुपये।

- जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय, प्रो. शिल्पा चौधरी और प्रो. पद्मा एस. मंडला, मातृ एवं प्रजनन स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक कारक: उत्तर प्रदेश का जिलावार विश्लेषण, 50,000 रुपये।
- जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय, प्रो. निर्मला मुरलीधर और प्रो. प्रेरणा बुट्टा, बच्चों में श्रवण बाधिता: शीघ्र हस्तक्षेप की दिशा में कदम, 50,000 रुपये।
- जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय, प्रो. रूबी भारद्वाज और प्रो. शिल्पा चौधरी, दिल्ली में महिलाओं के बीच मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन का एक अंतर-पीढ़ीगत अध्ययन: एक मिश्रित पद्धति दृष्टिकोण, 50,000 रुपये।
- जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय, प्रो. रूबी भारद्वाज, इंटीग्रेटिव मेडिसिन का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन, 50,000 रुपये।
- जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय, प्रो. अमिता चरण, प्रो. शिल्पा मग्गो, प्रो. एकता बंसल और प्रो. श्वेता गुप्ता, दिल्ली और एनसीआर में विभिन्न श्रेणियों के गिग वर्कर्स पर सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और अन्य लाभों के आर्थिक प्रभाव को मापना, 50,000 रुपये।
- जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय, प्रो. विवेक शर्मा, दिल्ली के प्रसिद्ध 2024, 50,000 रुपये।
- जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय, प्रो. श्वेता सिंह, ट्रेसिंग द लिगेसी: द हिस्ट्री ऑफ इंडियन वीमेन्स इन्वॉल्वमेंट इन साइंस एंड रिसर्च, 50,000 रुपये।.
- जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय, प्रो. वी. राज्यलक्ष्मी और प्रो. डॉ. सना रहमान, यमुना नदी पर अतिक्रमण: प्राकृतिक आपदाओं के कारण परिणाम, 50,000 रुपये।
- जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय, प्रो.दीनदयाल और प्रो.राहुल प्रसाद, रीतिकालीन काव्य में स्त्री विमर्श, 50,000 रुपये।
- जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय, प्रोफेसर मंजरी गुप्ता, रामचरितमानस के आधार पर तुलसीदास का नारी दर्शन, 50,000 रुपये।
- जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय, प्रो. अभिनव कुमार, बिहार के गन्ना खेती में कृषि मजदूरों की कार्य स्थितियों और विकसित गतिशीलता पर एक अध्ययन, 50,000 रुपये।
- जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय, प्रो. नीरू वशिष्ठ, कर और विकास: कर मनोबल और कर अनुपालन, 50,000 रुपये।
- जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय, प्रो. आकांक्षा कुमार, पश्चिमी दिल्ली के रेघरपुरा कॉलोनी से विभाजन की स्मृति: नीचे से विरासत, 50,000 रुपये।

- जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय, प्रो. जुबेर अहमद और प्रो. राजू केसरी, दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन तक पहुँचने में दृष्टिबाधित व्यक्तियों के अनुभव: पहुँच, सामर्थ्य और घृणा हमले, 50,000 रुपये।

आयोजित संगोष्ठियां

- 23 सितंबर, 2024 को भारतीय ज्ञान प्रणालियों पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रोफेसर सच्चिदानंद मिश्रा, सदस्य सचिव आईसीपीआर, प्रोफेसर बालगणपति देवरकोंडा, दर्शनशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रोफेसर चिराश्री घोष, पर्यावरण अध्ययन विभाग संगोष्ठी में वक्ता थे।
- नौवां डॉ. विजय नाथ स्मारक व्याख्यान 26 सितंबर, 2024 को आयोजित किया गया था, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र की प्रोफेसर आर. महालक्ष्मी ने 'महिलाओं और पितृसत्तात्मक मानदंडों के बारे में: प्रारंभिक पुराणों में मिथक' विषय पर वार्ता की।
- जेएनयू के अनौपचारिक क्षेत्र और श्रम अध्ययन केंद्र के सहायक प्रोफेसर: डॉ. प्रदीप के. शिंदे ने 27 सितंबर, 2024 को 'श्रम कानून: एक लैंगिक परिप्रेक्ष्य' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।
- डॉ. जयदीप सारंगी, प्राचार्य, न्यू अलीपुर महाविद्यालय, कोलकाता ने 23 अक्तूबर, 2024 को 'मानचित्र निर्माता: केकी एन. दारूवाला, अन्य भारतीय अंग्रेजी कवियों को याद करना और लैंगिक को प्रासंगिक बनाना' विषय पर व्याख्यान दिया।
- आईआईएसईआर भोपाल की प्रोफेसर निकिता अग्रवाल ने 17 मार्च, 2025 को "द मिस्ट्री ऑफ पाई" पर एक ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया।

आयोजित सम्मेलन

- जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय में विकलांगता समावेशन अध्ययन केंद्र (सीएसडीआई) द्वारा 18-19 अप्रैल, 2024 को "विकलांगता: पहचान, प्रतिनिधित्व और समावेशन" विषय पर दो दिवसीय युवा विद्वानों का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।
- आईक्यूएसी-सेंटर फॉर यूनिवर्सल वैल्यूज़ एंड एथिक्स, जेडीएमसी ने 23-24 अप्रैल, 2024 को आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित "स्वदेशी ज्ञान प्रणालियाँ और समकालीन समय में उनकी प्रासंगिकता" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।
- जेडीएमसी के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा 23-24 सितंबर, 2024 को भारतीय पर्यावास केंद्र में “समकालीन भारत में आर्थिक विकास: सिद्धांत, व्यवहार और अनुभव” शीर्षक से दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन को गवार कंस्ट्रक्शन्स लिमिटेड, केनरा बैंक और दृष्टि आईएएस द्वारा प्रायोजित किया गया।

- जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय द्वारा फ्रेडरिक एबर्ट स्टिफ्टंग (भारत कार्यालय) के सहयोग से 25-26 सितंबर, 2024 को 'भारत में महिलाओं को कार्यबल में बने रहने के लिए प्रोत्साहित करने की नीतियां: अवकाश नीतियां और कार्यस्थल में हिंसा को संबोधित करना' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।
- 30 जनवरी, 2025 को शैक्षणिक प्रथाओं पर एक गोलमेज सम्मेलन का आयोजन राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम केंद्र, जेडीएमसी द्वारा ओरिएंटल विश्वविद्यालय, उज्बेकिस्तान के सहयोग से किया गया, जिसे जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय, डीयू द्वारा प्रायोजित किया गया।
- जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा 6-7 मार्च, 2025 को 'सम्राट अशोक और उनके *धम्म* का भारतीय एवं वैश्विक साहित्य पर प्रभाव' विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

अंतर्राष्ट्रीय

- 19 नवंबर, 2024 को शेरुबत्से महाविद्यालय, रॉयल यूनिवर्सिटी ऑफ भूटान, त्राशीगांग, भूटान के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग के परिणामस्वरूप: (1) शैक्षिक संबंधों को मजबूत करने के लिए शैक्षणिक जानकारी और संसाधनों के आदान-प्रदान की सुविधा, (2) पारस्परिक रूप से लाभकारी शैक्षणिक जुड़ाव के माध्यम से अनुसंधान और विकास में सहयोगात्मक प्रयास शुरू किए गए।
- 07 मार्च, 2025 को केलानिया विश्वविद्यालय, केलानिया, श्रीलंका के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग के परिणामस्वरूप: (1) सूचना, शैक्षिक सामग्री और संयुक्त पहल के आदान-प्रदान के माध्यम से शैक्षणिक सहयोग के लिए एक रूपरेखा स्थापित की गई, (2) शैक्षणिक और अनुसंधान शक्तियों को बढ़ाने के लिए पांच वर्ष की अवधि में संकाय और छात्र विनिमय कार्यक्रमों और सहयोगी अनुसंधान गतिविधियों को सक्षम करने के लिए एक समझौता किया गया

राष्ट्रीय

- 13 फरवरी, 2025 को बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी (बिट्स पिलानी), विद्या विहार, पिलानी - 333031 भारत के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इसका उद्देश्य है: (1) संकाय और अनुसंधान विद्वान आदान-प्रदान, संयुक्त पर्यवेक्षण और सहयोगी अनुसंधान एवं विकास पहल के माध्यम से शैक्षणिक संबंधों को मजबूत करना, (2) दोनों पक्षों पर अनुसंधान क्षमताओं और शैक्षणिक विकास को बढ़ाने के लिए छात्र इंटर्नशिप, उद्यमिता, ऊष्मायन और कौशल विकास के अवसरों का विस्तार करना।
- 25 मार्च, 2025 को जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग का उद्देश्य है: (1) संयुक्त प्रकाशित कार्य और कौशल निर्माण पहल

सहित शिक्षा और अनुसंधान में सहयोग को प्रोत्साहित करना, (2) कार्यशालाओं, सत्रों, एफडीपी और विभिन्न सह-पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियों के माध्यम से छात्र विकास को बढ़ावा देना।

- 10 जनवरी, 2025 को रेखी फाउंडेशन फॉर हैप्पीनेस के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग का उद्देश्य खुशी के विज्ञान के लिए रेखी उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना करना है ताकि कल्याण पर अनुसंधान और शिक्षा को बढ़ावा दिया जा सके और छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए खुशी और कल्याण के प्रशिक्षण और अभ्यास का समर्थन किया जा सके।
- महिंद्रा विश्वविद्यालय और जेडीएमसी के करियर अवसर प्रकोष्ठ के बीच 8 नवंबर, 2024 को एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, उन्होंने अर्थशास्त्र के छात्रों के लिए "फिनटेक का अवलोकन और परिचय" विषय पर एक ऑफ़लाइन आयोजित संगोष्ठियां किया, जिसमें लगभग 100 छात्रों ने भाग लिया। उन्हें वास्तविक दुनिया के फिनटेक अनुप्रयोगों और करियर के अवसरों से परिचित कराया गया।
- लव केयर फाउंडेशन और मानव विकास एवं परिवार सशक्तिकरण विभाग, जेडीएमसी के बीच 10 अक्तूबर, 2024 को एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। सुश्री निमला मुरलीधर (टीआईसी) और सुश्री प्रेरणा बुट्टा समन्वयक के रूप में कार्यरत रहीं। इस सहयोग का उद्देश्य है: (1) सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक अनुप्रयोगों से जोड़कर क्षमता निर्माण को बढ़ावा देना, (2) शिक्षा, अनुसंधान और छात्र विनिमय कार्यक्रमों में सहयोग को बढ़ावा देना।
- रिपुदमन चैरिटेबल ट्रस्ट और मानव विकास एवं परिवार अधिकारिता विभाग, जेडीएमसी के बीच 9 सितंबर, 2024 को समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। सुश्री निमला मुरलीधर (टीआईसी) समन्वयक के रूप में कार्यरत रहीं। इस सहयोग का उद्देश्य है: (1) विविध शैक्षिक और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से क्षमता निर्माण को बढ़ावा देना, और (2) बच्चों में श्रवण दोष का शीघ्र पता लगाने और समावेशन पर ध्यान केंद्रित करना।
- 6 सितंबर, 2024 को संस्कृत भारती महिला आयाम, दिल्ली के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। डॉ. इंदु सोनी समन्वयक के रूप में कार्यरत रहीं। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, उन्होंने संस्कृत और उससे संबंधित सांस्कृतिक अध्ययनों को बढ़ावा देने हेतु एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया, जिससे भारतीय भाषाई विरासत में रुचि और शैक्षिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिला।
- 27 अगस्त, 2024 को सेंट थॉमस गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, मंदिर मार्ग, नई दिल्ली और सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डिसेबिलिटी इंक्लूजन (सीएसडीआई) के बीच समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए: (1) विकलांगता जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्यशालाएं और प्रदर्शनियां आयोजित करना, और (2) संवेदीकरण और समावेशी शिक्षा प्रथाओं के लिए शैक्षिक और अनुसंधान सामग्री साझा करना।

- 27 अगस्त, 2024 को ट्रैक्स एस. सोसाइटी, नई दिल्ली और दर्शनशास्त्र विभाग के बीच समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। डॉ. सुदन्या एन. कुलकर्णी (टीआईसी) समन्वयक के रूप में कार्यरत रहीं। इस सहयोग का उद्देश्य था: (1) "सुरक्षा के लिए युवा अभियान" पहल के माध्यम से सड़क सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देना, (2) व्यावहारिक सुरक्षा गतिविधियों के माध्यम से छात्रों और शिक्षकों की क्षमता निर्माण को सुदृढ़ करना।
- स्प्रिंगडेल्स स्कूल, पूसा रोड, नई दिल्ली और विकलांगता समावेशन अध्ययन केंद्र (सीएसडीआई) के बीच 29 अप्रैल, 2024 को समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए: (1) विकलांगता जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्यशालाएं और प्रदर्शनियां आयोजित करना, और (2) संवेदीकरण और समावेशी शिक्षा प्रथाओं के लिए शैक्षिक और अनुसंधान सामग्री साझा करना।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

- विटास्टा पब्लिशिंग प्राइवेट लिमिटेड के साथ सहयोग, 28 अगस्त 2024 से, कार्य के प्रकाशित कार्य और उसके बाद के सभी संशोधनों के लिए अंग्रेजी और अन्य भाषाओं या प्रारूपों (ऑडियो, वीडियो, फिल्म, मल्टीमीडिया, ई-बुक) में शुरू होगा।
- 2. एडिबल रूट्स के सलाहकार श्री पूरन सिंह नेगी और निष्ठा टेरेस गार्डन के साथ 1 सितंबर, 2024 से 31 अगस्त, 2025 तक सहयोग का उद्देश्य जेडीएमसी किचन गार्डन को डिजाइन करना, कार्यान्वित करना और निगरानी करना है।

नियोजन विवरण

नियोजित छात्रों की संख्या : 51

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- **राष्ट्रीय सेवा योजना**

स्वच्छता एवं मासिक धर्म जागरूकता: मानसरोवर पार्क (12 फरवरी, 2025) और रोहिणी (14 फरवरी, 2025) में सत्र, सैनिटरी पैड वितरण।

मासिक धर्म जागरूकता (25 सितंबर, 2024): जंगपुरा, सिल्वर पार्क स्लम, प्रगति मैदान में संपर्क साथी फाउंडेशन के साथ साझेदारी।

स्वास्थ्य एवं मतदाता शिविर: एनीमिया जाँच (27 जनवरी, 2025), राजीव नगर और तिमारपुर में मतदाता पंजीकरण एवं पहचान पत्र शिविर। स्टेशनरी एवं दस्तावेज़ सहायता: स्थानीय केंद्रों पर स्टेशनरी वितरित की गई, मतदाता पहचान पत्र एवं आभा कार्ड बनाने में सहायता की गई।

- **राष्ट्रीय कैडेट कोर**

सैनिटरी नैपकिन अभियान: यमुना खादर (25 जनवरी, 2025) और विशेज एंड ब्लेसिंग एनजीओ (16 नवंबर, 2024)। बच्चों का दान अभियान (14 नवंबर, 2024): करोल बाग में आवश्यक वस्तुओं का

वितरण। पर्यावरण गतिविधियाँ: स्वच्छता पखवाड़ा (30 सितंबर, 2024), मौन मार्च (23 अगस्त, 2024), प्लास्टिक बैग-मुक्त सप्ताह (3 जुलाई, 2024)।

- **समुदाय प्रथम पहल**

श्रवण विकलांगता जागरूकता (जनवरी-फरवरी 2025): बच्चों में प्रारंभिक पहचान के बारे में जागरूकता। रेटिनोब्लास्टोमा संवेदीकरण (4 फरवरी, 2025): नेत्र कैंसर के बारे में शिक्षा। थाली दान करें (19-30 अक्तूबर, 2024): कौशाम्बी, गाजियाबाद में भोजन वितरण। देने का आनंद सप्ताह (2-8 अक्तूबर, 2024): आरएचए झुग्गी बस्तियों में आवश्यक वस्तुओं का वितरण। मिशन 10एम मील्स (26 अगस्त, 2024): रॉबिनहुड आर्मी को सूखा राशन। रेटिनोब्लास्टोमा जागरूकता (12-18 मई, 2024): विश्व रेटिनोब्लास्टोमा जागरूकता सप्ताह के दौरान संवेदीकरण। समर्थ - सक्षम इकाई

गतिशीलता प्रशिक्षण (14-16 अक्तूबर, 2024): दृष्टिबाधित छात्रों के लिए सक्षम के साथ कार्यशाला। सफेद छड़ी दिवस (14 अक्तूबर, 2024): सफेद छड़ी के आविष्कार का स्मरण। ब्रेल पठन प्रतियोगिता (20 सितंबर, 2024): दृष्टिबाधित छात्रों के लिए प्रतियोगिता। अनुकूली गेमिंग चुनौती (19 अप्रैल, 2024): विकलांग छात्रों के लिए समावेशी खेल

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	: 21
एसोसिएट प्रोफेसर	: 36
सहायक प्रोफेसर	: 91
तदर्थ	: 02
अतिथि	: 20
कुल	**: 170**

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

जेडीएमसी ने 17 पुरस्कार प्राप्त किए, जिनमें दिल्ली विश्वविद्यालय गार्डन शो में दो ट्रॉफियां और चार पुरस्कार शामिल हैं, जिनमें इंद्रप्रस्थ बागवानी सोसाइटी, दिल्ली द्वारा सर्वश्रेष्ठ लॉन के लिए एक पुरस्कार भी शामिल है। खोज, छात्र अनुसंधान प्रकोष्ठ के तत्वावधान में, 49 छात्र-नेतृत्व वाली शोध परियोजनाएं और 29 छात्र-सह-संकाय परियोजनाएं ली गई हैं और इस सत्र में रीइमेजिनिंग फेयरीटेल्स नामक एक अद्भुत पुस्तक प्रकाशित की गई है; इसका विमोचन 15 अप्रैल 2025 को आईआईसी में किया गया। समावेशिता की भावना के निर्माण की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण योगदानों में से एक जेडीएमसी के विकलांगता समावेशन अध्ययन केंद्र (सीएसडीआई) का काम रहा है, जिसने जागरूकता, शिक्षा और समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए। जेडीएमसी के संकाय सदस्यों ने 49 पुरस्कार प्राप्त किए हैं, जिनमें मान्यताएं, सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र पुरस्कार और फेलोशिप

शामिल हैं। 2024-25 में जेडीएमसी के संकाय सदस्यों द्वारा संसाधन व्यक्तियों के रूप में 143 व्याख्यान, शोध-पत्र प्रस्तुतियाँ, सत्रों की अध्यक्षता और कार्यशालाओं का संचालन किया गया है।

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित निधियां : ₹ 61.49 करोड़

उपयोगित निधियां : ₹ 61.49 करोड़

****

जीसस एंड मैरी महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

जीसस एंड मैरी महाविद्यालय ने एनआईआरएफ में 39वीं रैंक प्राप्त की और अपने जलवायु कार्रवाई कार्यक्रम के लिए नई दिल्ली में सर्वश्रेष्ठ महाविद्यालय और कार्यक्रम समन्वयक के रूप में मान्यता प्राप्त की। महाविद्यालय ने 13 विभागों में 67 सदस्यों की स्थायी भर्ती करके अपने संकाय को मजबूत किया।

शैक्षणिक परिदृश्य में नए कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों की शुरुआत हुई, जिनमें प्रारंभिक शिक्षा का एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम, हिंदी के कौशल-आधारित शोध-पत्र ('रचनात्मक लेखन' और 'हिंदी रंगमंच'), इतिहास का 'भारत में व्यापारी और व्यापारिक व्यवहार' एक विषय-विशिष्ट वैकल्पिक विषय के रूप में और 'वस्त्रों का इतिहास' एक सामान्य वैकल्पिक विषय के रूप में, और गणित के मूल्यवर्धन पाठ्यक्रम ('डिजिटल सशक्तिकरण' और 'आयुर्वेद और पोषण') के साथ-साथ 'शुरुआती छात्रों के लिए लैटेक्स टाइपसेटिंग' में एक कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम शामिल हैं। वाणिज्य विभाग ने लगभग 200 छात्रों के लिए इंटर्नशिप की सुविधा प्रदान की।

इतिहास विभाग की एक पहल, ओरल हिस्ट्री आर्काइव (OHA), जो राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, निम्नवर्गीय और बौद्धिक इतिहास के प्रतिमान के अनुरूप साक्षात्कार आयोजित करती है, ने सीसगंज गुरुद्वारा के मुख्य ग्रंथी ज्ञानी हरनाम सिंह जी खालसा और मोंटाना विश्वविद्यालय की प्रोफेसर डॉ. रूथ वनिता के साथ दो सफल साक्षात्कार आयोजित किए। मनोविज्ञान विभाग ने एक मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह का आयोजन किया और एक सहकर्मी-सहायता समूह की शुरुआत की, जिसमें प्रथम वर्ष के छात्रों को वरिष्ठ छात्रों के साथ जोड़ा गया। ये प्रगति महाविद्यालय के शैक्षणिक उत्कृष्टता, व्यावहारिक कौशल विकास और छात्र कल्याण पर केंद्रित होने के महत्व को दर्शाती है।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

- जीसस एंड मैरी महाविद्यालय की प्रिंसिपल प्रोफेसर सैंड्रा जोसेफ को निम्नलिखित पुरस्कार प्राप्त हुए: 1. इंदिरा गांधी प्रौद्योगिकी और चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश और भारतीय पारिस्थितिकी और पर्यावरण संस्थान, दिल्ली द्वारा पारिस्थितिक शिक्षा पुरस्कार।

2. इंदिरा गांधी प्रौद्योगिकी और चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश और भारतीय पारिस्थितिकी और पर्यावरण संस्थान, दिल्ली द्वारा आध्यात्मिक शिक्षा के लिए दिव्य ज्ञान पुरस्कार।

- गणित विभाग की प्रो. अंबिका भंबानी को एमएसएमई, भारत सरकार द्वारा मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 1 सितंबर, 2024 को दो पुरस्कारों से सम्मानित किया गया, 1. अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार 2. शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार
- इतिहास विभाग की डॉ. अमिता पालीवाल को 11 फरवरी, 2025 को दिल्ली इतिहास कांग्रेस के प्रथम वार्षिक सत्र में सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र के लिए ऋचा मल्होत्रा पुरस्कार मिला।
- राजनीति-विज्ञान विभाग की डॉ. बिपाशा रोज़ी लाकड़ा को आईसीएसएसआर से यात्रा अनुदान प्रदान किया गया, ताकि वे नीदरलैंड के अंतर्राष्ट्रीय एशियाई अध्ययन संस्थान, एशियाई विद्वानों के लिए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएएस) लीडेन, इंडोनेशिया के यूनिवर्सिटास एयरलांगा द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (2024) में प्रस्तुति दे सकें।
- वाणिज्य विभाग की डॉ. हेपज़िबाह बेउला जॉन ने 'एआई-संचालित एचआरएम सिस्टम: क्राउडसोर्सिंग एंगेजमेंट और मोटिवेशन के लिए गेमिफिकेशन और प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स' शीर्षक से पेटेंट प्रकाशित किया।
- अंग्रेजी विभाग की डॉ. कशिश दुआ को कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले में फुलब्राइट नेहरू डॉक्टरल फेलोशिप से अंतर्राष्ट्रीय फेलोशिप का अवसर मिला है (मार्च 2024 से अगस्त 2024 तक)।
- वाणिज्य विभाग की डॉ. निम्मी रोज़ जैकब को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एनएचएलएमएल में भर्ती के लिए बाहरी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।
- इतिहास विभाग की डॉ. ऋचा राज को इंडिया सिटी वॉक्स, दिल्ली द्वारा 'ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण और विद्वानों की अंतर्दृष्टि के प्रसार में उत्कृष्ट योगदान' के लिए मान्यता और सम्मान दिया गया।
- पर्यावरण विज्ञान विभाग की डॉ. रुचि मिश्रा को पर्यावरण एवं सतत शिक्षा विभूतियाँ पुरस्कार मिला।
- समाजशास्त्र विभाग की डॉ. सबीहा मजीद को एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए आईसीएसएसआर से यात्रा अनुदान प्राप्त हुआ।
- इतिहास विभाग की डॉ. संघमित्रा राय वर्मन को ऐतिहासिक विरासत के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

छात्र

- बी.कॉम (ऑनर्स) (प्रथम वर्ष) की छात्रा कशिश चौधरी ने निम्नलिखित पुरस्कार जीते:
  - यूनिटी स्ट्रीट्स डांस कॉम्प, महाराजा सूरजमल महाविद्यालय, दिल्ली 2024 में प्रथम स्थान
  - फोटोग्राफी प्रदर्शनी में दूसरा स्थान, आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय 2025
  - पोस्टर मैकेंज़िया में दूसरा स्थान, आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय 2025
  - मर्डर मिस्ट्री में तीसरा स्थान, मैत्रेयी महाविद्यालय 2025
- बी.कॉम (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा आन्या सिंघल ने निम्नलिखित पुरस्कार जीते:
  - निवेश पहेली में प्रथम स्थान (दयाल सिंह महाविद्यालय - मार्च 2025)
  - केस कार्टेल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान (आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय - फरवरी 2025)
  - फोरेंसिक केस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान (श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय - मार्च 2025)
  - व्हार्टन फिनकॉम्प में दूसरा स्थान (दयाल सिंह महाविद्यालय - मार्च 2025)
  - यूरेका में दूसरा स्थान (आर्यभट्ट महाविद्यालय - अप्रैल 2025)
  - अंडरडॉग स्टार्टअप प्रतियोगिता में तीसरा स्थान (मैत्रेयी महाविद्यालय - फरवरी 2025)
  - कोड रेड में तीसरा स्थान (श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय - मार्च 2025)
  - बी-प्लान प्रतियोगिता में तीसरा स्थान (लेडी इरविन महाविद्यालय - मार्च 2025)
- बी.कॉम (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सान्वी अरोड़ा ने निम्नलिखित पुरस्कार जीते:
  - निवेश पहेली में प्रथम स्थान (दयाल सिंह महाविद्यालय - मार्च 2025)
  - केस कार्टेल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान (आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय - फरवरी 2025)
  - फोरेंसिक केस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान (श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय - मार्च 2025)
  - व्हार्टन फिनकॉम्प में दूसरा स्थान (दयाल सिंह महाविद्यालय - मार्च 2025)
  - यूरेका में दूसरा स्थान (आर्यभट्ट महाविद्यालय - अप्रैल 2025)
  - अंडरडॉग स्टार्टअप प्रतियोगिता में तीसरा स्थान (मैत्रेयी महाविद्यालय - फरवरी 2025)
  - कोड रेड में तीसरा स्थान (श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय - मार्च 2025)
  - बी-प्लान प्रतियोगिता में तीसरा स्थान (लेडी इरविन महाविद्यालय - मार्च 2025)

- बी. कॉम (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष) के छात्र विवेट डिसिल्वा ने गार्गी महाविद्यालय क्विज़ फेस्ट हाईक्यू 2024 में (1) फाइन डाइनिंग: फूड, इंटरनेट, नेचर, एंटरटेनमेंट क्विज़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया, (2) आईआईआईटी दिल्ली फेस्ट ओडिसी 2025 में बाफ्टा: बिजनेस, आर्ट, फैशन, टेक, "म्यूजिक सीडी" क्विज़, (3) सेंट स्टीफन महाविद्यालय फेस्ट क्विज़ोटिक 2025 में नीति आयोग के सहयोग से सस्टेनेबल मोबिलिटी: ए ग्रीन क्विज़। और हंसराज महाविद्यालय क्विज़ फेस्ट बिलबोर्ड स्कोरबोर्ड 3.0 में (1) बिलबोर्ड स्कोरबोर्ड: फ्लेम्स क्विज़ में दूसरा स्थान प्राप्त किया, (2) महाराजा क्विज़, महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में मेला क्विज़, फेस्ट एन्कुएस्टा 2025.
- बी.कॉम (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) की छात्रा जेसिका जॉय ने निम्नलिखित पुरस्कार जीते:
  - जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट नोएडा - प्रथम
  - चांदनी चौक युवा उत्सव (ओमैक्स चौक) - दूसरा
  - भीम राव अम्बेडकर महाविद्यालय - तृतीय
  - जेडीएमसी - तीसरा
  - ईशान म्यूजिक महाविद्यालय, नोएडा - तृतीय पुरस्कार
  - एनएसएस आईआईटी दिल्ली - सर्वश्रेष्ठ संगीत
  - एलबी.ए.सआईएम, द्वारका - विशेष उल्लेख
  - आईएचई, मानसिक स्वास्थ्य उत्सव - प्रथम
  - आईआईएफटी, हौज खास - तीसरा
  - शिवाजी - द्वितीय
  - मदारी - सर्वश्रेष्ठ संगीत
  - वीआईपीएस - दूसरा स्थान
  - आईपीसीडब्ल्यू - द्वितीय
  - एलएसआर - विशेष उल्लेख
  - श्री अरबिंदो महाविद्यालय- सर्वश्रेष्ठ कोरस
  - एएनडीसी - सर्वश्रेष्ठ संगीत
  - एनडीआईएम - द्वितीय
- बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (प्रथम वर्ष) की छात्रा एंसिया बेनी ने शास्त्रीय नृत्य समूह प्रतियोगिता में निम्नलिखित स्थान प्राप्त किए:

- आईआईटी कानपुर (अंतराग्नि), बेनेट यूनिवर्सिटी (नृत्यकला), रामानुजन महाविद्यालय (जोश), एआरएसडी महाविद्यालय (इनायत) में प्रथम स्थान।
- एलएसआर महाविद्यालय (मुद्रा), शिव नादर विश्वविद्यालय (विरासत), श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय (तरंग) में दूसरा स्थान।

- बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (प्रथम वर्ष) की छात्रा एंजेल ने एन.ओ.एन.ओ. द्वारा इंटर्नशिप के लिए पुरस्कार जीता, डी.सी.ए.सी. में एन.सी.सी. फेस्ट में ग्रुप डांस में प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा जे.डी.एम.सी. में एन.सी.सी. फेस्ट में ग्रुप डांस में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (प्रथम वर्ष) की छात्रा जिया रहेजा ने इंटर महाविद्यालय फुटबॉल टूर्नामेंट और शिव नादर फुटसल टूर्नामेंट जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (प्रथम वर्ष) की छात्रा समृद्धि गुप्ता ने निम्नलिखित पुरस्कार जीते:
  - एआई टूल्स के लिए हैकाथॉन, प्रथम स्थान, आईआईटी दिल्ली
  - मानव संसाधन इंटर्नशिप, उत्कृष्ट प्रदर्शनकर्ता, सुभांश सेवा ट्रस्ट; नीति आयोग द्वारा प्रमाणित
  - मिनर्वा शोध-पत्र प्रतियोगिता, अंतिम दौर, एसआरसीसी
- बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुहानी जैन ने निम्नलिखित पुरस्कार जीते:
  - उद्यमिता प्रतियोगिता, प्रथम स्थान, मास्टर्स यूनियन
  - ऐप डिज़ाइन प्रतियोगिता, तीसरा स्थान, मास्टर्स यूनियन
- बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (प्रथम वर्ष) की छात्रा जाह्नवी गुलाटी ने 84वीं दिल्ली राज्य एथलेटिक्स चैंपियनशिप (19-22 सितंबर, 2024) में 2 स्वर्ण पदक जीते।
- बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (प्रथम वर्ष) की छात्रा कामाक्षी ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा आयोजित एक्सटेम्पोर प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार और निबंध लेखन में तीसरा पुरस्कार जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (प्रथम वर्ष) की छात्रा वर्तिका राय, विश्व संसद में उप-अध्यक्ष थीं, उन्होंने सिटी मॉन्टेसरी स्कूल के वार्षिक कार्यक्रम, एसीथलॉन का आयोजन किया।
- बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा बेथनी ईव कॉनलन ने अपने डांस क्रू, आउटकास्ट्स के साथ, एलजी द्वारा प्रस्तुत राष्ट्रीय स्तर की नृत्य प्रतियोगिता, अखिल भारतीय के-पॉप प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया, जिसमें उन्होंने देश भर की शीर्ष टीमों के साथ प्रतिस्पर्धा की।
- बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा डेजी कुजूर ने आईसीवाईएम दिल्ली (मिलान) द्वारा आयोजित बाइबिल क्विज में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

- बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा योग्या गुप्ता ने द वायर में एक लेख प्रकाशित किया- https://m.thewire.in/article/livewire/im-just-a-girl-social-media-props-up-lighter-side-of-girlhood-but-what-about-its-dark-side/amp
- बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (तृतीय वर्ष) की छात्रा अनहिता कपूर ने शोध-पत्र प्रेजेंटेशन कॉन्फ्रेंस, कुला 2025, लेडी श्री राम महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय (22 फरवरी, 2025) में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.एल.एड. (प्रथम वर्ष) की छात्रा खुशी डेनियल ने सिम्फनी ऑफ क्राइस्ट में गॉस्पेल गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- माता सुंदरी महाविद्यालय में बाल साहित्य एवं सतत विकास विषय पर आयोजित सम्मेलन में भाग लेने के लिए बी.एल.एड. (द्वितीय वर्ष) की छात्रा आतिका को प्रशंसा प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया।
- बी.एल.एड. (तृतीय वर्ष) की छात्रा निक्की को मिठास सर्विसेज के साथ एक कहानी प्रकाशित करने के लिए चुना गया।
- बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास (2024 बैच) की पूर्व छात्रा अनन्या सिंह को एसएसबी बेंगलुरु द्वारा सीडीएस (ओटीए) प्रवेश के लिए अनुशंसित किया गया।
- बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास (2024 बैच) की पूर्व छात्रा भव्या श्रीवास्तव, पूर्ण छात्रवृत्ति के साथ इटली के बोलोग्ना विश्वविद्यालय से पुरातत्व और विरासत में स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रही हैं।
- बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास (2023 बैच) की पूर्व छात्रा, सृष्टि शर्मा, इरास्मस मुंडस छात्रवृत्ति (2024) की प्राप्तकर्ता हैं। वर्तमान में, वह सेंट्रल यूरोपियन यूनिवर्सिटी, वियना में ऐतिहासिक अध्ययन में स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रही हैं।
- बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास (2023 बैच) की पूर्व छात्रा मंजरी सिंह, छात्रवृत्ति के साथ किंग्स महाविद्यालय, एसओएएस, यूके में अध्ययन कर रही हैं।
- बी.एससी. (ऑनर्स) गणित (तृतीय वर्ष) की छात्रा नंदिनी गुप्ता ने एक्चुरियल परीक्षा उत्तीर्ण की: मॉडलैंगिक के लिए एक्चुरियल गणित (सीएम1)।
- बी.एस.सी. (ऑनर्स) गणित (तृतीय वर्ष) के छात्र विजय भारती ने एडवेंचर में दूसरा स्थान प्राप्त किया : यह एक अंतर महाविद्यालय विज्ञापन प्रतियोगिता थी, जिसका आयोजन छात्र संघ द्वारा एनेक्टस मैत्रेयी के सहयोग से किया गया।
- बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अनारगया एस नायर को दिल्ली विधानसभा में आयोजित राज्य स्तरीय विकसित भारत युवा संसद मार्च 2025 के लिए शीर्ष 10 प्रतिभागियों में चुना गया।

- बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा जैनेल परेरा को एनसीसी में समग्र प्रदर्शन के लिए 13 फरवरी, 2025 को अतिरिक्त महानिदेशक प्रशंसा पुरस्कार एनसीसी दिल्ली से सम्मानित किया गया।
- बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा श्रेया सिंह को आरडीसी'24 और एसयूओ में अनुकरणीय प्रदर्शन के लिए लेफ्टिनेंट जनरल गुरबीरपाल सिंह, एवीएसएम वीएसएम (डीजीएनसीसी) से महानिदेशक पदक से सम्मानित किया गया।
- बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा प्रतिष्ठा डंगवाल ने बी.ए.मयू बास्केटबॉल टूर्नामेंट में दूसरा स्थान, मैत्रेयी बास्केटबॉल टूर्नामेंट में पहला स्थान और वाईएमसीए बास्केटबॉल टूर्नामेंट में तीसरा स्थान प्राप्त किया ।
- बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा अनक्त तुकाराम प्रभु ने 14 सितंबर, 2024 को ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत, हरियाणा में आयोजित जिंदल स्कूल ऑफ साइकोलॉजी एंड काउंसलैंगिक के दूसरे वार्षिक छात्र अनुसंधान सम्मेलन में शोध पोस्टर प्रस्तुति के लिए तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा छवि जैन को अंतर्राष्ट्रीय शिक्षण सम्मेलन (लेडी इरविन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय) में "पारंपरिक ज्ञान प्रणाली और इसकी आधुनिक प्रासंगिकता: लद्दाख की अमूर्त विरासत" शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत करने के लिए प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। "भारतीय ज्ञान प्रणाली पर शैक्षिक दृष्टिकोण" पुस्तक में "पारंपरिक ज्ञान प्रणाली और इसकी आधुनिक प्रासंगिकता: लद्दाख की अमूर्त विरासत" शीर्षक से शोध-पत्र प्रकाशित किया।
- बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा नैना मुखीजा को राजमाताजीजाबाई सीनियर महिला राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की दिल्ली सीनियर महिला फुटबॉल टीम की कप्तान के रूप में चुना गया।
- बी.ए. (ऑनर्स) समाजशास्त्र (प्रथम वर्ष) की छात्रा दृष्टि कुमार ने दौलत राम महाविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर-महाविद्यालय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- बी.ए. (ऑनर्स) समाजशास्त्र (प्रथम वर्ष) की छात्रा शमुन अतीक ने आईपीसीडब्ल्यू द्वारा आयोजित स्नातक शोध संगोष्ठी में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- बी.ए. (ऑनर्स) समाजशास्त्र (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अयाना जैन को कुला'25 के अंतर्गत एलएसआर महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित शोध-पत्र प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान से सम्मानित किया गया।
- बी.ए. (ऑनर्स) समाजशास्त्र (द्वितीय वर्ष) की छात्रा दर्शिका गौतम ने अंतिम परीक्षा में 8.25 सीजीपीए, 78.37% अंक प्राप्त किए।

- बी.ए. (ऑनर्स) समाजशास्त्र (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुकन्या रामचंद्रन ने अंतिम परीक्षा में 8.18 सीजीपीए, 77.71% अंक प्राप्त किए।
- बी.ए. (ऑनर्स) समाजशास्त्र (तृतीय वर्ष) की छात्रा गुंजन ने अंतिम परीक्षा में 8.18 सीजीपीए, 77.71% अंक प्राप्त किए।
- बी.ए. (ऑनर्स) समाजशास्त्र (तृतीय वर्ष) की छात्रा प्रचेता पाराशर ने अंतिम परीक्षा में 8.55 सीजीपीए, 81.22% अंक प्राप्त किए।
- बी.ए. (ऑनर्स) समाजशास्त्र (तृतीय वर्ष) की छात्रा तनु लवानिया ने अंतिम परीक्षा में 8.18 सीजीपीए, 77.71% अंक प्राप्त किए।
- बी.वोक.-हेल्थकेयर मैनेजमेंट (तृतीय वर्ष) की छात्रा भूमि अरोड़ा विश्वविद्यालय की टॉपर रहीं।
- बी.वोक.-हेल्थकेयर मैनेजमेंट (तृतीय वर्ष) की छात्रा वंशिका अरोड़ा विश्वविद्यालय की टॉपर रहीं।
- बी.वोक. - रिटेल मैनेजमेंट एवं आईटी (तृतीय वर्ष) के छात्र प्रांजुल चौधरी विश्वविद्यालय के टॉपर रहे।

प्रकाशन

- सचान, टी., छाबड़ा, डी., और अब्राहम, बी. (2025)। ऑनलाइन गेमिंग समुदायों में सामाजिक पूँजी: आभासी पहचानों की भूमिका की जाँच करती एक व्यवस्थित समीक्षा। *साइबर मनोविज्ञान, व्यवहार और सामाजिक नेटवर्किंग, 28* (3), 147-161। https://doi.org/10.1089/cyber.2024.0375
- डिसूज़ा, एस., और कपूर, बी. (2024). सौदेबाजी की आज़ादी: शहरी भारत में महिलाएँ एजेंसी की भावना का अनुभव कैसे करती हैं. *ह्यूमन एरेनास.* https://doi.org/10.1007/s42087-024-00444-z
- लाकड़ा, बी.आर. (2025). 'चाय जनजाति' या 'अनुसूचित जनजाति'?: असम में आदिवासी पहचान का संकट। *समाजशास्त्रीय बुलेटिन*/ https://doi.org/10.1177/00380229241287342
- लाकड़ा, बी. (2025). 2024 झारखंड विधानसभा चुनाव: आदिवासी एकीकरण, प्रतीकवाद और पहचान की राजनीति. *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 60* (4). https://doi.org/10.71279/epw.v60i4.42732
- पनमेई, डी. (2024). वसुबंधु के योगाचार में आदर्शवाद पर बहस: घटनाविज्ञान के आत्मनिरीक्षण के साथ. *जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च, 11* (8), 642-649.
- वर्गीस, जे., त्रिपाठी, पी., गोरे, आर., और सिंह, वी.ए. (2024). NAAC A++ मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय और गैर-मान्यता प्राप्त राज्य विश्वविद्यालय में अध्ययनरत स्नातक स्तर के

छात्रों के खुशी गुणांक का एक तुलनात्मक अध्ययन। *शैक्षिक प्रशासन: सिद्धांत और व्यवहार, 30* , 4333-4339।

- डुंगडुंग, के. (2024). गैर-लाभकारी वित्तीय स्थिरता पर अंतर-विषयक अंतर्दृष्टि: एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा. *जर्नल ऑफ़ द एशियाटिक सोसाइटी ऑफ़ मुंबई, 98* (10).
- जॉन, एम. (2025). (दिल्ली) विश्वविद्यालय के विचार को भ्रष्ट करना: कॉर्पोरेट पूंजीवाद का तर्क और संचालन। *जर्नल फॉर क्रिटिकल एजुकेशन पॉलिसी स्टडीज़, 22* (3)।
- जॉन, एम., कोटिस्वरन, पी., और दीवान, आर. (2024). कानून, राज्य और समाज में परिवर्तन: नारीवादी चिंतन [महिला अध्ययन की समीक्षा पर विशेष अंक में संपादकीय टिप्पणी]. *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 59* (26-27), 4-7.
- जैकब, एम., और सग्गू, जे.के. (2024). भारत में मासिक धर्म स्वच्छता संबंधी असमानता: एनएफएचएस संकेतकों का उपयोग करते हुए एक अंतर-राज्यीय विश्लेषण। *पारिवारिक अनुसंधान में समकालीन परिप्रेक्ष्य, 26* , 77-95.
- घोष, एन. (2025). भारत में पशु यौन शोषण के लैंगिक-आधारित स्वरूप की ओर. *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 60* (10).
- ठुकराल, आर.एस., और मारवाह, ए. (2024). L2(X) पर गैर-ऋणात्मक r-संभावित ऑपरेटरों के सेमीग्रुप्स की अपघट्यता और संरचना. *फिलोमैट, 38* (11), 3731-3738.
- रॉय, आर. (2024). गैर-लाभकारी स्थिरता और वित्तीय प्रदर्शन: एक ग्रंथसूची और व्यवस्थित साहित्य समीक्षा। *जर्नल ऑफ मैनेजमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप, 18* (4), 107-125.
- अवंगशी, एच.ए., येओन, जी., पेरम्बिली, एस., एलंगोवन, एन., अवंगशी, एस., और वर्गीस, के.जे. (2024). भारत में कोविड-19 के कारण परिसर बंद होने के दौरान व्यक्तिगत कल्याण की अवधारणा का विस्तार: उच्च शिक्षा के सदस्यों के साथ मिश्रित-विधियों के अध्ययन के परिणाम। *एशिया पैसिफिक जर्नल ऑफ एजुकेटर्स एंड एजुकेशन, 39* (1)।
- शर्मा, एन. (2024). लेखांकन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता: स्थिरता और नैतिक विचारों में संतुलन। *चार्टर्ड अकाउंटेंट जर्नल, 73* (8), 104-108.
- शर्मा, एन., और मित्तल, आर. (2024). प्रॉक्सी सलाहकार ढांचा और कंपनी सचिवों की भूमिका. *चार्टर्ड सेक्रेटरी, 54* (8), 82-87.
- जोस, एस. (2024). भारत में ग्रामीण वेतन वृद्धि में गिरावट का दशक. *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 59* (33).

पुस्तकें

- जोस, एस., रॉय, आर. और गुलाटी, ए. (2025). *खाद्य मुद्रास्फीति की गतिशीलता को समझना और इसे नियंत्रित करने की नीतियाँ* । अकादमिक आधार। संपादित पुस्तक। आईएसबी.ए.न: 9789332706637
  https://academicfoundation.org/index.php?route=product/product&product_id=969

पुस्तक में अध्याय

- गोयल, ए. (2024). चुनिंदा एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के शेयर बाज़ार व्यवहार पर कोविड-19 का प्रभाव। *महामारी परिप्रेक्ष्य: व्यवहार, नीति और शिक्षाशास्त्र (2024) में।* रूटलेज: टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप, लंदन और न्यूयॉर्क और केडब्ल्यू पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली। 9781032768922 (DOI: 10.4324/9781003480297)
- गोयल, ए. (2024). भारतीय दवा उद्योग और महामारी: संभावनाओं और संभावनाओं की खोज। *महामारी परिप्रेक्ष्य: व्यवहार, नीति और शिक्षाशास्त्र (2024) में।* रूटलेज: टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप, लंदन और न्यूयॉर्क और केडब्ल्यू पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली। 9781032768922 (DOI: 10.4324/9781003480297)
- मुआंचिंग, डी.वी. (2024). ईस्टरीन कीर की पुस्तक "ए टेरिबल मैट्रिआर्की" में भोजन की भाषा को समझना। डॉ. खारिंगपाम (सं.), " *रिलोकेटिंग नॉर्थईस्ट राइटिंग्स एंड नैरेटिव्स: जेंडर, टेक्स्ट, एंड आइडेंटिटी" में।* एसएलसी इंडिया पब्लिशर्स। 978-8196295677।
- जॉन, एम. (2024). किसी रोग की (अ)ज्ञातता: "स्पेनिश फ़्लू" से लेकर "कोरोना" प्रकोप तक रोग निगरानी। *महामारी परिप्रेक्ष्य में: व्यवहार, नीति और शिक्षाशास्त्र* । नॉलेज वर्ल्ड और रूटलेज। 9781032768922।
- घोष, एन. (2024). कोविड-19 के दौर में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान। *पैंडेमिक पर्सपेक्टिव्स: प्रैक्सिस, पॉलिसी एंड पेडागोजीज़ में* । रूटलेज। 9781032768922।
- पालीवाल, ए. (2025). शाही दरबारी संस्कृति में मुगल महिलाओं की भावनात्मक दुनिया: अवसाद, चिंता, क्रोध और लचीलापन। आर. बतबियाल, एम. रेड्डी और एस. लिडल (संपादक), *समकालीन भारत में इतिहास और इतिहासलेखन: समय, स्रोत और विधियाँ* । प्राइमस पब्लिकेशंस।
- पद्मनाभन, पी.ए. (स्वीकृत और आगामी)। पृष्ठ पलटें! भारत के हास्य दृश्यों का चित्रण। *निबंध संकलन में* । टीबीडी।

संपादित पुस्तक में अध्याय

- मारवाह, आर. (2024). *महामारी परिप्रेक्ष्य: व्यवहार, नीति और शिक्षाशास्त्र (2024).* रूटलेज, यूके; नॉलेज वर्ल्ड. https://doi.org/10.4324/9781003480297

संपादित पुस्तक में अध्याय

- जॉन, एम. (2024). शैक्षिक नीतियाँ और नया सामान्य: बहिष्कार के अनेक रास्ते। सुधांशु भूषण (सं.), *भारत में महामारी के बाद उच्च शिक्षा का विकसित परिदृश्य, नीतियाँ और परिवर्तन* । स्प्रिंगर। https://doi.org/10.1007/978-981-97-9270-2
- वर्मा, एम. (2025)। सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम। बीना एंटनी रेजी और पूजा खन्ना (सं.), *समुदायों का सशक्तिकरण: छात्र आउटरीच और इंटर्नशिप के माध्यम से सामुदायिक विकास* । एएनई पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स एलएलपी: नई दिल्ली। आईएसबी.ए.न: 978-81-976546-2-6।
- प्रीति. (2025)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 महत्त्व, सम्भावना एवं उपादेयता (2025)। प्रगति प्रकाशित कार्य.
- विंसेंट, एस. (2024). औपनिवेशिक केरल में ननहुड और सीरियाई कैथोलिक पहचान का पुनर्गठन। *समकालीन भारत में इतिहास और इतिहासलेखन: विषय, स्रोत और विधियाँ* , (प्रथम संस्करण) में। प्राइमस पब्लिकेशंस।
- जोसेफ, एस. और दुआ, के. (2025). डिजिटल क्रांति, नए युग की शिक्षाशास्त्र और सामाजिक परिवर्तन: भारतीय उच्च शिक्षा में शिक्षण/अधिगम अनुभवों की खोज। *डिजिटल युग में विश्वविद्यालय में* । पीटर लैंग वर्लाग। https://doi.org/10.3726/b22511
- गुलाटी, ए., रॉय, आर., और जोस, एस. (2025)। भारत में खाद्य मुद्रास्फीति को समझना: एक परिचय। एस. जोस, आर. रॉय, और ए. गुलाटी (सं.) में, *खाद्य मुद्रास्फीति की गतिशीलता को समझना और इसे नियंत्रित करने की नीतियाँ* (पृष्ठ 1-26)। अकादमिक फाउंडेशन।
- जोस, एस., प्रसाद, एम.के., चौधरी, एस., और गुलाटी, ए. (2025)। खाद्य मुद्रास्फीति को समझने के लिए पद्धतिगत ढाँचा। एस. जोस, आर. रॉय, और ए. गुलाटी (सं.), *खाद्य मुद्रास्फीति की गतिशीलता को समझना और इसे नियंत्रित करने की नीतियाँ* (पृष्ठ 27-56)। अकादमिक फाउंडेशन।
- जोस, एस., प्रसाद, एम.के., चौधरी, एस., भोई, बी.बी., किशोर, वी., शेखर, एच., और गुलाटी, ए. (2025)। भारत में पशुधन मुद्रास्फीति को समझना: दूध, मुर्गी के मांस और अंडे पर एक अध्ययन। एस. जोस, आर. रॉय, और ए. गुलाटी (सं.), *खाद्य मुद्रास्फीति की गतिशीलता को समझना और इसे नियंत्रित करने की नीतियाँ* (पृष्ठ 57-132)। अकादमिक फाउंडेशन।
- जोस, एस., गुप्ता, एसटी, प्रसाद, एमके, दास, एस., जॉर्ज, एटी, सोना, टीएस, सुगंधी, डी., और गुलाटी, ए. (2025)। भारत में दालों की मुद्रास्फीति: चना, अरहर और मूंग पर एक अध्ययन। एस. जोस, आर. रॉय, और ए. गुलाटी (सं.), *खाद्य मुद्रास्फीति की गतिशीलता को समझना और इसे नियंत्रित करने की नीतियाँ* (पृष्ठ 133-190)। अकादमिक फाउंडेशन।

- गुलाटी, ए., जोस, एस., और रॉय, आर. (2025)। सारांश और आगे की राह। एस. जोस, आर. रॉय, और ए. गुलाटी (सं.) में, *खाद्य मुद्रास्फीति की गतिशीलता को समझना और इसे नियंत्रित करने की नीतियाँ* (पृष्ठ 367-392)। अकादमिक फाउंडेशन।
- वर्मन, एसआर (आगामी)। तबाह मानवता: भारत में महामारियों की ऐतिहासिकता का एक अध्ययन। *अतीत, वर्तमान और भविष्य में: कोविड-19 महामारी के प्रभाव का विश्लेषण* । प्राइमस, नई दिल्ली।

अनुसंधान परियोजनाएँ

- आईसीएसएसआर, डॉ. अमृता शास्त्री, विजन विकसित भारत @2047 पर समतामूलक शिक्षा।
- आईसीएसएसआर, प्रो. रीना मारवाह, एशियाई सुरक्षा के भारतीय और चीनी दृष्टिकोण; सामरिक धैर्य की अवधारणा में अन्वेषण, ₹11,82,500।
- आईसीएसएसआर, डॉ. हेपज़ीबाह बेउला जॉन, सांस्कृतिक जड़ें और पर्यावरणीय सद्भाव: मध्य प्रदेश में जनजातियों (पीवीटीजी) की स्वदेशी प्रथाओं की जांच, ₹10,00,000।

आयोजित संगोष्ठियां

- यूपीएससी सीएसई 2022 में 57वीं रैंक प्राप्त पूर्व छात्रा सुश्री अदिति वार्ष्णेय ने 21 अक्तूबर, 2024 को अपने यूपीएससी सीएसई परीक्षा के अनुभवों को साझा करते हुए एक व्याख्यान दिया।
- दिल्ली उच्च न्यायालय के अधिवक्ता और साइबर लॉ विश्वविद्यालय के अकादमिक अनुसंधान सलाहकार श्री साक्षर दुग्गल ने 6 नवंबर, 2024 को 'साइबर स्वच्छता: एक आधुनिक आवश्यकता' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।
- जंबोरी एजुकेशन के उत्पाद विशेषज्ञ श्री रोहित बागला ने 12 नवंबर, 2024 को 'एमबी.ए. अब्रॉड' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।
- आईआईटी दिल्ली के गणित विभाग के प्रोफेसर और पूर्व प्रमुख प्रोफेसर एस. धर्मराज ने 25 फरवरी, 2025 को 'विज्ञान और प्रौद्योगिकी में गणित की भूमिका' पर एक व्याख्यान दिया।
- आईआईएचएमआर की प्रोफेसर डॉ. आनंदी रामचंद्रन; आईआईएचएमआर की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. दिव्या अग्रवाल ने 24 मार्च, 2025 को 'भारतीय स्वास्थ्य प्रबंधन अनुसंधान संस्थान - आयुष्मान भारत जागरूकता कार्यक्रम' पर एक व्याख्यान दिया।

आयोजित सम्मेलन

- 11 फरवरी, 2025 को मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित और भारतीय विज्ञान संस्थान द्वारा प्रायोजित 'मन और मशीन: कृत्रिम विज्ञान और धर्म के युग में मनोविज्ञान की पुनर्कल्पना' विषय पर एक सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

- TEDxJMC द्वारा 3 मार्च, 2025 को 'क्षितिज: जहां सपने भाग्य से मिलते हैं' शीर्षक से सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

- जीसस एंड मैरी महाविद्यालय और लिवरपूल होप यूनिवर्सिटी
- जीसस एंड मैरी महाविद्यालय और सेंट जेवियर्स पलायमकोट्टई, तमिलनाडु
- जीसस एंड मैरी महाविद्यालय और पेट्रीशियन महाविद्यालय, चेन्नई
- जीसस एंड मैरी महाविद्यालय और जयराज अन्नापैकियम महिला महाविद्यालय
- जीसस एंड मैरी महाविद्यालय और सेंट एलॉयसियस महाविद्यालय, त्रिशूर
- जीसस एंड मैरी महाविद्यालय और सेंट जेवियर्स महाविद्यालय, जलुकी, नागालैंड
- जीसस एंड मैरी महाविद्यालय और सेंट जोसेफ महाविद्यालय फॉर विमेन, इरिंज्यालिकुडा
- जीसस एंड मैरी महाविद्यालय और सेंट ऐनीज़ महाविद्यालय ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, तमिलनाडु
- जीसस एंड मैरी महाविद्यालय और ज्योति निवास महाविद्यालय ऑटोनॉमस, बैंगलोर
- जीसस एंड मैरी महाविद्यालय और होली क्रॉस महाविद्यालय, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

छात्रों को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करने के लिए विभिन्न संगठनों के साथ कई समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए, जैसे:

- जीसस एंड मैरी महाविद्यालय और भारतीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम चैंबर
- जीसस एंड मैरी महाविद्यालय और इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर ह्यूमन वैल्यूज़ (IAHV)
- जीसस एंड मैरी महाविद्यालय और कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन
- जीसस एंड मैरी महाविद्यालय एंड लिटरेसी इंडिया, बजगेढ़ा
- जीसस एंड मैरी महाविद्यालय और सेवा दिल्ली

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 51 (8.6%)

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

जीसस एंड मैरी महाविद्यालय ने अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक सामाजिक उत्तरदायित्व और छात्र सशक्तिकरण पर केंद्रित कई सामुदायिक आउटरीच गतिविधियाँ आयोजित कीं। सामुदायिक सहभागिता

केंद्र (सीईसी) ने बच्चों के ग्रीष्मकालीन शिविरों के साथ-साथ कपड़े के फूल बनाने और फिनाइल उत्पादन के माध्यम से महिलाओं के लिए आय सृजन में सहायता की। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) ने मतदाता जागरूकता अभियान, वृक्षारोपण अभियान और राष्ट्रीय शिविरों में भागीदारी जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से अनुशासन और राष्ट्रीय सेवा पर ज़ोर दिया, जिसमें कैडेटों ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त कीं। जीसस एंड मैरी महाविद्यालय शैक्षिक कार्यक्रम (जेएमसीईपी) ने वंचित बच्चों को शैक्षिक सहायता प्रदान की, दीयों और पुस्तकों के लिए दान अभियान आयोजित किए और रचनात्मक कार्यशालाएँ आयोजित कीं। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) ने स्वच्छता अभियान, दान अभियान और मासिक धर्म स्वास्थ्य एवं पशु कल्याण पर जागरूकता सत्रों के माध्यम से सामुदायिक विकास पर ध्यान केंद्रित किया। अखिल भारतीय कैथोलिक विश्वविद्यालय महासंघ (एआईसीयूएफ) ने रिट्रीट, दान अभियान, वाद-विवाद और महिला नेतृत्व का उत्सव मनाने वाले उत्सवों के माध्यम से सामाजिक उत्तरदायित्व को बढ़ावा दिया। एनेक्टस जेएमसी ने अंदाज़ बाय हयात और दिल्ली पुलिस जैसे संगठनों के साथ मिलकर साबुन रीसाइक्लिंग, इको-ब्रिक निर्माण और शोध-पत्र रीसाइक्लिंग जैसी स्थायी परियोजनाओं को लागू किया। व्यावसायिक अध्ययन विभाग ने विशेष स्कूलों का दौरा, उपहार वितरण अभियान और मासिक धर्म स्वच्छता जागरूकता अभियान आयोजित किए। समाजशास्त्र विभाग ने एहसास के साथ मिलकर संजय कैंप के निवासियों के लिए वस्त्र दान अभियान चलाया, जिसमें गर्मियों के कपड़े उपलब्ध कराने पर ध्यान केंद्रित किया गया। ये पहल सामूहिक रूप से एक न्यायसंगत और समावेशी समाज के निर्माण के लिए महाविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	: 13
एसोसिएट प्रोफेसर	: 26
सहायक प्रोफेसर	: 84
तदर्थ	: 02
अतिथि	: 42
कुल	: **167**

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित निधियां : ₹ 55.72 करोड़

उपयोगित निधियां : ₹ 58.32 करोड़

****

कालिंदी महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

कालिंदी महाविद्यालय ने 2024-25 में उल्लेखनीय उपलब्धियों के साथ अपना 58वां वार्षिक दिवस मनाया। शैक्षणिक रूप से, महाविद्यालय ने अपने पाठ्यक्रमों का विस्तार 21 पाठ्यक्रमों तक किया, जिनमें कंप्यूटर विज्ञान और पत्रकारिता में व्यावसायिक डिग्रियाँ, साथ ही हरित रसायन-विज्ञान और पब्लिक स्पीकिंग जैसे अंतःविषय मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम शामिल हैं। संकाय उत्कृष्टता 17 प्रकाशन, सीएएस 2018 के अंतर्गत 15 पदोन्नति और 17 पीएच.डी. के पर्यवेक्षण के माध्यम से चमकी। एनएएसी A+ मान्यता (2022) और एक्यूएआर 2023-24 की प्रस्तुति ने संस्थागत गुणवत्ता को रेखांकित किया। बुनियादी ढाँचे में प्रगति में एक निर्माणाधीन 240-बेड वाला महिला छात्रावास और 8.25 एकड़ का विशाल हरित परिसर शामिल है। 8,000 किलोग्राम कागज़ के पुनर्चक्रण (151 पेड़ों की बचत) और वृक्षारोपण अभियान जैसी स्थिरता पहलों ने पर्यावरण के प्रति जागरूकता को उजागर किया। 167 शुल्क रियायतों, स्वास्थ्य शिविरों (800+ लाभार्थियों) और रैगिंग विरोधी अभियानों के माध्यम से छात्र कल्याण में वृद्धि हुई। 21 ईसीए क्लबों, लहरें'2025 उत्सव और स्पिक मैके के 'विरासत'25 में कथक प्रस्तुतियों के माध्यम से सांस्कृतिक जीवंतता का संचार हुआ। खेल जगत की उत्कृष्टता में मुक्केबाजी में स्वर्ण पदक और कबड्डी में पुरस्कार शामिल थे। भारत के पहले ट्रांसजेंडर सेल और एनेक्टस कालिंदी की सामाजिक परियोजनाओं (अपशिष्ट प्रबंधन, मैनुअल स्कैवेंजर पुनर्वास) जैसे नवाचारों ने समावेशिता और सामाजिक प्रभाव को प्रतिबिंबित किया। पूर्व छात्र सेल ने पूर्व और वर्तमान के उपलब्धि प्राप्त लोगों के बीच सेतु का काम किया, जबकि प्रवाह पत्रिका और एक समकक्ष-समीक्षित अकादमिक पत्रिका ने बौद्धिक दृढ़ता का प्रदर्शन किया। 4,000 से अधिक छात्रों के साथ, कालिंदी समर्पित संकाय, अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचे और भविष्य के नेताओं को पोषित करने की प्रतिबद्धता द्वारा संचालित समग्र शिक्षा का एक प्रतीक बना हुआ है।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

प्रो. मीना चंद्रा:

• उनके विशिष्ट योगदान के लिए सुकरात सामाजिक अनुसंधान विश्वविद्यालय द्वारा मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित।

• उत्कृष्टता के लिए अंतर्राष्ट्रीय संस्कृति पुरस्कार (30 मार्च, 2024, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, दिल्ली) प्राप्त किया सुकरात सामाजिक अनुसंधान विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक और सामाजिक कार्य।

• उत्कृष्ट सामाजिक और शैक्षणिक प्रभाव के लिए माता सावित्री बाई फुले अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित।

डॉ. संगीता ढल:

• प्रमुख अन्वेषक के रूप में आईसीएसएसआर अनुसंधान परियोजना (अगस्त 2024) को सफलतापूर्वक पूरा किया

शीर्षक: 'क्षमता निर्माण के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण: ग्रामीण ओडिशा में सामान्य सेवा केंद्रों की भूमिका'

अनुदान: ₹4,75,000/- (फाइल संख्या 02/141/2022-2023/आरपी/एमएन)

परिणाम: आईएएसएसआई त्रैमासिक (जनवरी-मार्च 2024, खंड 43[1], पृष्ठ 188-208) में 'ग्रामीण ओडिशा में महिला सशक्तिकरण: एक महत्वपूर्ण प्रवर्तक के रूप में सामान्य सेवा केंद्रों का मानचित्रण' शीर्षक से शोध लेख प्रकाशित। ***लिंक:*** [https://ugccare.unipune.ac.in/Apps1/User/WebA/ViewDetails?JournalId=101000805&flag=Search](https://ugccare.unipune.ac.inISSN: 0970-9061.

छात्र

अंजलि का चयन दिल्ली छात्र कल्याण (डीएसडब्ल्यू), दिल्ली विश्वविद्यालय में वीसीआईएस अंशकालिक इंटर्नशिप के लिए 15 नवंबर, 2024 को हुआ।

बी.ए. राजनीति-विज्ञान (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अंशिका चौधरी ने 2 मार्च, 2025 को कालिंदी महाविद्यालय में अंतर-महाविद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार (नकद पुरस्कार-₹1500) जीता।

अर्पिता सिंह ने 9 मार्च, 2025 को पॉलिसकॉन एमयूएन, पॉलिटिया डिपार्टमेंट ऑफ पॉलिटिकल साइंस में हाई कमेंडेशन जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा दीपिका ने एस.एल. शर्मा मेमोरियल पुरस्कार, कांता सच्चर पुरस्कार, डॉ. वाणी हरदेव पुरस्कार, वेद प्रकाश भगत पुरस्कार, के.एम. सहगल मेमोरियल पुरस्कार, सोमनाथ मेमोरियल पुरस्कार, वनस्पति-विज्ञान शिक्षक पुरस्कार, आर.एस. रॉय मेमोरियल पुरस्कार (शैक्षणिक), कालिंदी महाविद्यालय, 8-24 अप्रैल, 2024 को जीता।

दिव्या तंवर को शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए रोहित मल्होत्रा छात्रवृत्ति, शैक्षणिक पुरस्कार और छात्र संघ पुरस्कार प्राप्त हुआ, कालिंदी महाविद्यालय, 30 दिसंबर, 2004।

बी.ए. (कार्यक्रम) (अर्थशास्त्र + ईएसबी) (तृतीय वर्ष) की छात्रा दिव्यांशा बत्रा ने जीता:

क) *द्वितीय पुरस्कार*-रचनायात्रा, राजधानी महाविद्यालय, 14 अक्तूबर, 2024

ख) *प्रथम पुरस्कार*-अभिव्यक्ति, मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय, 4 मार्च, 2025

बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा गरिमा ने राष्ट्रीय स्तर के दिल्ली पुलिस हैकाथॉन साइबर चैलेंज 2025 में प्रथम पुरस्कार जीता और फाइनलिस्ट टीम का नेतृत्व किया। पुरस्कार: ₹1,00,000, 20 फ़रवरी, 2025.

बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (द्वितीय वर्ष) के छात्र **मनु नागर** ने कई पुरस्कार जीते:

क) तृतीय पुरस्कार-अंतर-महाविद्यालय पेपर लेखन प्रतियोगिता, बीआर अंबेडकर स्टडी सर्कल, 12 अप्रैल, 2024

ख) प्रथम पुरस्कार-अंतर-महाविद्यालय कविता प्रतियोगिता, आई बिजनेस इंस्टीट्यूट, 13 अप्रैल, 2024

ग) प्रथम पुरस्कार - अंतर-महाविद्यालय भाषण, जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय, 24 सितंबर, 2024

घ) प्रथम पुरस्कार-बॉट बैटल (वाद-विवाद), सीएस विभाग, कालिंदी महाविद्यालय, 6 नवंबर, 2024

ङ) द्वितीय पुरस्कार-अंतर-महाविद्यालय भाषण, भूगोल विभाग, कालिंदी महाविद्यालय, 24 फरवरी, 2025

च) प्रथम पुरस्कार-अंतर-महाविद्यालय कविता प्रतियोगिता, गांधी अध्ययन मंडल, राम लाल आनंद महाविद्यालय, 4 मार्च, 2025

छ) सांत्वना पुरस्कार-इंटर महाविद्यालय कविता, काव्यसृष्टि क्लब, कालिंदी महाविद्यालय, 19 मार्च, 2025

ज) तृतीय पुरस्कार-लेख लेखन प्रतियोगिता, कालिंदी महाविद्यालय

मानवी शंखधर ने सा-रे-गा एकल गायन प्रतियोगिता (भारतीय) में तीसरा स्थान प्राप्त किया, कालिंदी महाविद्यालय, 4 मार्च, 2025.

मुस्कान मित्तल ने ग्राफिक डिजाइन इंटर्नशिप पूरी की और 6 अक्तूबर से 6 दिसंबर, 2024 तक डिजिटल डोज़ और सेंटिडा एसेंशियल्स में ग्राफिक डिजाइनर के रूप में फ्रीलांस काम किया।

बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (तृतीय वर्ष) की छात्रा मुस्कान पांडे ने 26 अप्रैल, 2024 को दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म में आयोजित अंतर-महाविद्यालय लेख लेखन प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार जीता।

निकिता ने संपर्क फाउंडेशन में आईस्पार्क के रूप में इंटर्नशिप पूरी की, जिससे उन्हें सरकारी स्कूल के छात्रों को पढ़ाने के लिए नई तकनीकों में शिक्षकों का मार्गदर्शन करने के लिए जमीनी स्तर पर शिक्षा का अनुभव प्राप्त हुआ, 1 जुलाई 2024 से 31 मार्च 2025 तक।

प्रीति को कालिंदी महाविद्यालय वार्षिक दिवस, 8 अप्रैल, 2024 को राम मूर्ति मेमोरियल पुरस्कार मिला।

बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा प्रियंका वर्मा का एलीटब्रोकएज में वेब डेवलपमेंट इंटर्नशिप के लिए चयन, 15 जनवरी, 2025.

बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा प्रियंका वर्मा को शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की गई, 30 मार्च, 2025.

बी.कॉम. (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा रिया कपूर को 6 मार्च, 2025 को कई पुरस्कार प्राप्त हुए:

क) बी.कॉम. (ऑनर्स) प्रथम वर्ष में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए *शैक्षणिक पुरस्कार*
ख) सेमेस्टर I और II में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर *छात्र संघ पुरस्कार*
ग) प्रथम वर्ष में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर *सुल्तान चंद मेमोरियल छात्रवृत्ति*
घ) द्वितीय सेमेस्टर में सर्वोच्च अंक के लिए *डॉ. मिस उषा अग्रवाल ट्रस्ट छात्रवृत्ति।*
ङ) छात्र संघ के सर्वश्रेष्ठ उत्कृष्ट पदाधिकारी के लिए *डॉ. निर्मल कपिल छात्रवृत्ति।*

रितिका सिंह, बी.ए. राजनीति-विज्ञान (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) की छात्रा, अंतर-महाविद्यालय क्विज प्रतियोगिता में उपविजेता, कालिंदी महाविद्यालय, 5 मार्च, 2025.

बी.ए. (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा रितुपर्णा गुप्ता ने जीत प्राप्त की:

क) *द्वितीय पुरस्कार,* शिवाजी महाविद्यालय, 4 फ़रवरी, 2025
ख) *तृतीय स्थान,* आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय, 1 दिसंबर, 2024
ग) *चौथा स्थान,* आर्यभट्ट महाविद्यालय, 5 अप्रैल, 2024
घ) *प्रथम स्थान,* मैत्रेयी महाविद्यालय, 5 अप्रैल, 2024
ङ) *तृतीय स्थान,* कालिंदी महाविद्यालय, 23 अप्रैल, 2024
च) *दूसरा स्थान,* कालिंदी महाविद्यालय, 26 अप्रैल, 2024
छ) *तीसरा स्थान,* राम लाल आनंद महाविद्यालय, 19 जनवरी, 2025.

रूमी मौर्य ने 2 अप्रैल, 2024 को पाठ्यक्रम में द्वितीय सर्वोच्च स्थान के लिए अकादमिक पुरस्कार जीता।

साक्षी ने अंतर-महाविद्यालय कविता प्रतियोगिता (वार्षिक उत्सव लहरे'25 के अंतर्गत) में द्वितीय पुरस्कार जीता, कालिंदी महिला महाविद्यालय, 4 मार्च, 2025.

बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर विज्ञान (प्रथम वर्ष) की छात्रा **स्तुति गुप्ता** को दयाल सिंह महाविद्यालय में 14 जून से 14 जुलाई, 2024 तक ग्रीष्मकालीन शोध इंटर्नशिप के लिए चुना गया है।

तनीषा झांझरिया ने 23 अक्तूबर, 2024 को कालिंदी महाविद्यालय के दिवाली मेला (महिमा'24) में दीया बनाने की प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार जीता।

वंदना बिस्ला को तेजाक्सो टेक्नोलॉजीज में सॉफ्टवेयर डेवलपर इंटर्नशिप के लिए 3 फरवरी, 2025 से 30 अप्रैल, 2025 तक के लिए चुना गया है।

वैष्णवी ने विकसित भारत युवा संसद में भाग लिया और राज्य स्तर के लिए चयनित हुईं, लेकिन 25 मार्च, 2025 को अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण शामिल नहीं हो सकीं।

प्रकाशन

स्कोपस अनुक्रमित पत्रिकाएँ

अंजुम, ए., काशिफ, एम., आलम, जे., इकबाल, एस., सिंह, जे., और मुखर्जी, एम.डी. (2024). उन्नत सुरक्षात्मक कोटिंग्स के लिए टिकाऊ पॉलीयूरेथेन-एमाइड (पीयूए)-ऑर्गेनोक्ले बायो-नैनोकंपोजिट का संश्लेषण और लक्षण वर्णन। *जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर, 1318,* 139187। https://doi.org/10.1016/j.molstruc.2024.139187

बस्सी, एम., यादव, एस., अग्रवाल, ए., मेहरा, वी., अहमद, टी., शर्मा, एम., और कुआंर, बी.के. (2024). Co और Ni सह-डोप्ड ZnO कणों में कक्ष तापमान पर लौहचुंबकत्व: घनत्व कार्यात्मक सिद्धांत द्वारा सत्यापन। *एप्लाइड फिजिक्स ए, 130* (11), 1-18। https://doi.org/10.1007/s00339-024-08018-0

भूषण, एस., डिंका, आई., और शिखा, एस. (2024). भारत के कैमूर वन्यजीव अभयारण्य में स्थानीय आजीविका, सतत वन प्रबंधन और पारिस्थितिक पर्यटन विकास की संभावनाओं का मूल्यांकन। *फ्रंटियर्स फॉर ग्लोबल चेंज, 7,* 1491917। https://doi.org/10.3389/ffgc.2024.1491917

चोपड़ा, एबी, वर्मा, के., और अरोड़ा, पी. (2024). भारत में फर्जी खबरों से निपटने में एआई की भूमिका का मूल्यांकन: एक अध्ययन। *जर्नल ऑफ कम्युनिकेशन एंड मैनेजमेंट, 3* (3), 200-209। https://doi.org/ 10.58966/JCM2024332

गौर, के., और सिंह, के.पी. (2024). जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों और शोधार्थियों के बीच ई-संसाधनों का उपयोग। *लाइब्रेरी हेराल्ड, 62* (3), 384-409।

जामरा, जी., घोष, एस., सिंह, एन., त्रिपाठी, एम.के., अग्रवाल, ए., सिंह, आरडीआर, श्रीवास्तव, ए.के., कुमार, ए., और पांडे, जी.के. (2024). *एल्यूसिन कोराकाना* CAX3 का एक्टोपिक अतिअभिव्यक्ति, यीस्ट और अरेबिडोप्सिस में धातु और आयन तनाव के प्रति सहनशीलता प्रदान करता है। *प्लांट फिजियोलॉजी एंड बायोकेमिस्ट्री: पीपीबी, 211,* 108613। https://doi.org/10.1016/j.plaphy.2024.108613

झा, एस.के., एट अल. (2024). कैनाबिडियोल और न्यूरोडीजेनेरेशन: आणविक तंत्र से लेकर नैदानिक लाभों तक। *एजिंग रिसर्च रिव्यूज़, 100,* 102386। https://doi.org/10.1016/j.arr.2024.102386

झा, एस.के., एट अल. (2024). तंत्रिका संबंधी रोगों में प्यूरारिन के संभावित चिकित्सीय तंत्रों की जाँच। *मॉलिक्यूलर न्यूरोबायोलॉजी, 61* (12), 10747-10769। https://doi.org/10.1007/s12035-024-04222-4

झा, एस.के., एट अल. (2024). अल्ज़ाइमर रोग से संबंधित मनोभ्रंश के लिए साइकेडेलिक्स: चिकित्सीय संभावनाओं और मार्गों का अनावरण। *एजिंग रिसर्च रिव्यूज़, 96,* 102211. https://doi.org/10.1016/j.arr.2024.102211

झा, एस.के., एट अल. (2024). बीबीबी और अल्ज़ाइमर रोग पर उम्र बढ़ने के प्रभाव का खुलासा: कारक और चिकित्सीय निहितार्थ। *एजिंग रिसर्च रिव्यूज़, 98,* 102224। https://doi.org/10.1016/j.arr.2024.102224

झा, एस.के., एट अल. (2025)। FOXO-SIRT1 अक्ष का उपयोग: कोशिकीय तनाव, चयापचय और वृद्धावस्था पर अंतर्दृष्टि। *बायोजेरोन्टोलॉजी, 26* (2), 65. https://doi.org/10.1007/s10522-025-10207-0

झा, एस.के., एट अल. (2024). पादप द्वितीयक उपापचयजों द्वारा Nrf2/Keap1/ARE विनियमन: मस्तिष्क ट्यूमर प्रबंधन में एक नया क्षितिज। *कोशिका संचार और संकेतन: CCS, 22* (1), 497. https://doi.org/10.1186/s12964-024-01878-2

झा, एस.के., एट अल. (2024). कैंसर के आक्रमण और मेटास्टेसिस में ट्यूमर-जनित छोटे बाह्यकोशिकीय पुटिकाएँ: आणविक तंत्र और नैदानिक महत्व। *आणविक कैंसर, 23,* 18. https://doi.org/10.1186/s12943-024-01932-0

झा, एस.के., एट अल. (2024). घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस में रेडियोलॉजिकल परिणामों पर अस्थि मज्जा एस्पिरेशन सांद्र की कोशिकीय खुराक का प्रभाव: एक चरण I खुराक-वृद्धि अध्ययन। *इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स, 58* (8), 1035-1042। https://doi.org/10.1007/s43465-024-01201-8

झा, एस.के., एट अल. (2024). घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए स्ट्रोमल वैस्कुलर अंश की प्रभावकारिता: 2 वर्षों के अनुवर्ती अध्ययन सहित एक संभावित, एकल-केंद्रीय, गैर-यादृच्छिक अध्ययन। *वर्ल्ड जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स, 15* (5), 457-468। https://doi.org/10.5312/wjo.v15.i5.457

झा, एस.के., एट अल. (2024). अस्थि मज्जा एस्पिरेशन सांद्र की बढ़ी हुई कोशिकीय खुराक घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस में नैदानिक प्रभावशीलता में वृद्धि नहीं करती है: एक चरण I

खुराक वृद्धि अध्ययन। *इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स, 58* (8), 1001-1008। https://doi.org/10.1007/s43465-024-01197-1

झा, एस.के., एट अल. (2024). अल्ज़ाइमर रोग के प्रबंधन में आहार पॉलीफेनोल्स और उनके नैनो-फ़ॉर्मूलेशन की संभावित भूमिका की यांत्रिक अंतर्दृष्टि। *बायोमेडिसिन और फार्माकोथेरेपी = बायोमेडिसिन और फार्माकोथेरेपी, 174,* 116376। https://doi.org/10.1016/j.biopha.2024.116376

झा, एस.के., एट अल. (2024). घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए अस्थि मज्जा एस्पिरेशन कॉन्संट्रेट इंजेक्शन से मोटे मरीज़ों को कोई लाभ नहीं होता: 68 मरीज़ों का एक संभावित समूह अध्ययन। *इंडियन जर्नल ऑफ़ ऑर्थोपेडिक्स, 59* (1), 92-100। https://doi.org/10.1007/s43465-024-01305-1

झा, एस.के., एट अल. (2024). ल्यूकेमिया के प्रबंधन में एक्सोसोम्स की थेराग्नोस्टिक प्रगति। *जर्नल ऑफ सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर मेडिसिन, 28* (23), e70052। https://doi.org/10.1111/jcmm.70052

झा, एस.के., एट अल. (2025)। उम्र बढ़ना और जीर्णता: मस्तिष्क ट्यूमर की प्रगति और दवा प्रतिरोध में प्रमुख भूमिकाएँ। *दवा प्रतिरोध अद्यतन: रोगाणुरोधी और कैंसर-रोधी कीमोथेरेपी में समीक्षाएं और टिप्पणियाँ, 81,* 101228। https://doi.org/10.1016/j.drup.2025.101228

झा, एस.के., एट अल. (2025). FOXM1 विनियमन को समझना: ग्लियोब्लास्टोमा में स्टेमनेस और चयापचय अनुकूलन पर प्रभाव। *मेडिकल ऑन्कोलॉजी (नॉर्थवुड, लंदन, इंग्लैंड), 42* (4), 88. https://doi.org/10.1007/s12032-025-02639-y

झा, एस.के., एट अल. (2025). *क्राइसोपोगोन ज़िज़ानियोइड्स में कीटोन्स की खोज* : सी-मेट मॉड्यूलेशन के लिए एक कम्प्यूटेशनल आणविक गतिशील दृष्टिकोण। *आणविक जैव प्रौद्योगिकी।* अग्रिम ऑनलाइन प्रकाशन। https://doi.org/10.1007/s12033-025-01377-w

झा, एस.के., एट अल. (2025)। अल्जाइमर रोग में हर्पीज सिम्प्लेक्स वायरस-1 की भागीदारी का खुलासा: संभावित तंत्र और चिकित्सीय निहितार्थ। *मॉलिक्यूलर न्यूरोबायोलॉजी, 62* (5), 5850-5874। https://doi.org/10.1007/s12035-024-04535-4

कुमार, ए., कुमार, एन., और वत्स, एच.ओ. (2024). सौर विकिरण और रेडियो फ्लक्स का उपयोग करके संक्रमण क्षेत्र और कोरोना के सौर घूर्णन का तुलनात्मक अध्ययन। *सौर भौतिकी, 299,* 130। https://doi.org/10.1007/s11207-024-02375-y

कुमार, के., सविता, और रजनी (2025)। डीप लर्निंग-आधारित एज डिटेक्शन विधियों का उपयोग करके वाहन पंजीकरण संख्याओं की पहचान करने का एक समकालीन तरीका। *IEEE इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कॉग्निटिव कंप्यूटिंग इन इंजीनियरिंग, कम्युनिकेशंस, साइंसेज एंड बायोमेडिकल हेल्थ इंफॉर्मेटिक्स में।*

कुमारी, जी. (2024). भारत के हिमाचल प्रदेश के शिमला ज़िले में गैर-पैरामीट्रिक और बैगिंग REPTree मशीन लर्निंग पद्धतियों का उपयोग करके तापमान और वर्षा की प्रवृत्ति का विश्लेषण और पूर्वानुमान। *जर्नल ऑफ़ एटमॉस्फेरिक एंड सोलर-टेरेस्ट्रियल फ़िज़िक्स, 265,* 106352. https://doi.org/10.1016/j.jastp.2024.106352

कुमारी, जी. (2025). भारत के दीमापुर ज़िले में ग्रामीण समुदायों में आजीविका लचीलेपन का आकलन: नीतिगत निहितार्थ. *स्थानीय विकास और समाज,* 1-18. https://doi.org/10.1080/26883597.2025.2474426

कुमारी, के. (2024). *वैष्णव सम्प्रदाय एवं वैदिक अध्यात्म।* जूनी ख्यात.

कुमार, पी. (2024). वित्तीय साक्षरता से संबंधित अंतर्निहित चरों का विश्लेषण: प्रकाशित रिपोर्टों का परीक्षण. *कम्युनिकेटर, 61* (4), 45-53.

लामिछाने, एस., तोमर, एम., चौधरी, ए., और शर्मा, एस. (2025)। द्विपरत BFO/WO3 पतली फिल्म संरचना की ऊर्जा भंडारण क्षमता पर लेज़र ऊर्जा परिवर्तन की भूमिका। *सेमीकंडक्टर प्रोसेसिंग में सामग्री विज्ञान, 188,* 109218। https://doi.org/10.1016/j.mssp.2024.109218

पांडे, बीडब्ल्यू, यादव, जी., त्रिपाठी, एन., और पाठक, पी.के. (2024). भारत के चुनिंदा सशक्त कार्रवाई समूहों वाले राज्यों में प्रजनन और बाल स्वास्थ्य परिवर्तन: एक ज़िला-स्तरीय विश्लेषण। *पीएलओएस वन, 19* (6), e0301587. https://doi.org/10.1371/journal.pone.0301587

पंचोक, टी. (2025). सुदूर प्राचीन काल में लद्दाख और कश्मीर के बीच प्रतीकात्मक अंतःक्रिया. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ हिस्ट्री.*

रजनी, जयसवाल, आर., राजवंशी, ए., शेख, एम., तिवारी, वी., और अलास्कार, के. (2024). भारत में फार्मास्युटिकल उद्योग में चयनित मानव संसाधन प्रबंधन (एचआरएम) कार्यों पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का प्रभाव। *प्रवासन पत्र, 20* (एस13), 629-646। https://doi.org/10.59670/ml.v20iS13.7493

सहदेव, एस. (2024). नाटो विस्तार की भू-राजनीति: पूर्वी यूरोप में नई सुरक्षा दुविधाओं का एक अध्ययन. *साउथ इंडिया जर्नल ऑफ सोशल साइंस, XXXI* (2), 143-150.

सहदेव, एस. (2025). सड़क परियोजना का सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर प्रभाव: चार धाम का एक अध्ययन. *जर्नल ऑफ़ द एशियाटिक सोसाइटी ऑफ़ मुंबई, 99* (1), 103-118.

सैनी, के.एम., सोलंकी, के., कौशिक, बी., और राणा, पी. (2024). बिना सीमाओं के प्रकाश-उत्प्रेरक: धातु-रहित हाइड्रोजन पेरोक्साइड संश्लेषण में प्रगति का आरेखण। जर्नल ऑफ

एनवायर्नमेंटल *केमिकल इंजीनियरिंग, 114425।* https://doi.org/10.1016/j.jece.2024.114425

शांतनु, के., सोहम, एस., उन्नियाल, पी.एल., मायांगलम्बम, ए., और शर्मा, एम. (2025)। काई की भारी धातु संचय क्षमता का आकलन: भारत के पाँच विभिन्न स्थलों के शहरी और प्राकृतिक क्षेत्रों में कैडमियम पर केंद्रित एक तुलनात्मक विश्लेषण। *जर्नल ऑफ प्लांट साइंस रिसर्च, 41,* 181-191. https://doi.org/10.32381/JPSR.2025.41.01.18

शर्मा, एम., तारकेश्वर, सिंह, ए., कुमार, पी., कुमार, एम., और कपिंदर। (2024). दवा उद्योग में जैव-सामग्री-आधारित पॉलिमर की संभावित भूमिका। *बायोकेमिकल और सेलुलर आर्काइव्स, 24,* 13-24। https://doi.org/10.51470/bca.2024.24.1.13

शर्मा, एस., और बोरकर, एच. (2025). सुपरकैपेसिटर इलेक्ट्रोड के लिए बेकार अखरोट के छिलकों से जिंक ऑक्साइड-वर्धित छिद्रयुक्त सक्रिय कार्बन। *ऊर्जा भंडारण।*

सिंह, ए., कासवान, के.एस., और रजनी (2025)। स्तन कैंसर की भविष्यवाणी के लिए मशीन लर्निंग तकनीकें: तकनीकों और डेटासेट पर एक व्यापक समीक्षा। *कम्युनिकेशन्स ऑन एप्लाइड नॉनलाइनियर एनालिसिस, 32* (9s)। https://doi.org/10.52783/cana.v32.3964

सिंह, ए., कासवान, के.एस., और रजनी, आर. (2025). वीईएलएम: स्तन कैंसर की भविष्यवाणी के लिए एक वोटिंग आधारित एन्सेम्बल लर्निंग मॉडल। *फिजिका स्क्रिप्टा, 100* (2), 026002. https://doi.org/10.1088/1402-4896/ada18d

सिंह, एन., सिन्हा, एस., और सिंह, एल. (2025). पार्किंसंस रोग का पता लगाने के लिए एक नया WO-ANT: व्हेल-चींटी अनुकूलन एल्गोरिथ्म। *अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी जर्नल, 17,* 1873-1881. https://doi.org/10.1007/s41870-024-02058-8

तिवारी, पी., और सिवाच, पी. (2024). भारतीय इतिहास के माध्यम से स्थान का लैंगिक निर्धारण: एक भौगोलिक परिप्रेक्ष्य। *द ओरिएंटल एंथ्रोपोलॉजिस्ट, 24* (2), 322-335। https://doi.org/10.1177/0972558X241277120

तोमर, एम. (2025). समाचार प्रसार का मतदाताओं के दृष्टिकोण पर प्रभाव. *कम्युनिकेशन टुडे.*

तोमर, एम. (2025). भारतीय न्यूज़रूम में लैंगिक शक्ति की गतिशीलता: संपादकीय रूपरेखा और प्रतिनिधित्व पर प्रभाव. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिसर्च कल्चर सोसाइटी.*

त्यागी, एम., और राज, वीबी (2024). Zn/p-NiO शॉट्की बैरियर डायोड में इंटरफ़ेस अवस्थाओं का विश्लेषण। *जर्नल ऑफ़ मैटेरियल्स साइंस: मैटेरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स, 35* (22)। https://doi.org/10.1007/s10854-024-13266-0

वर्मा, आई., और गायत्री (2024). हरित विज्ञापन संशयवाद: एक ग्रंथसूची विश्लेषण। *एकेडेमिया, 14* (11)। https://doi.org/10.5958/2249-7137.2024.00019.4

वर्मा, आई. (2024). हरित विज्ञापन में विश्वसनीयता: एक ग्रंथसूची विश्लेषण और व्यवस्थित साहित्य समीक्षा। *साउथ एशियन जर्नल ऑफ मार्केटिंग एंड मैनेजमेंट रिसर्च (SAJMMR), 14* (11-12)। https://doi.org/10.5958/2249-877X.2024.00008.X

पाठक, आरती. (2024). *विश्वहिन्दी साहित्य, विश्वहिन्दी सचिवालय, हिंदीकी सीटिस चित्रकारी (हिन्दी) व सोया नाम के विशेष संदर्भ)* (पृ. 148-152). मॉरीशस.

पाठक, आरती. (2024). द्यान्व्युत्पत्ति, स्वरूप एवं वर्गीकरण की अवधारणा. *अक्षराता, अंतरराष्ट्रीय रेफ़डाएवं प्री-ररवूदमसक पत्रका,* 23-25.

पाठक, आरती. (2024). भारतीय सिनेमा और नोटाजी. *सैदांमतकी, मल्टीमेडसीस्टप्लैनरी मपयररव्ू बायमलैंगुअल त्रैमामसकपमात्रका,* 132-136.

पाठक, आरती. (2025)। कृष्ण भक्तिसाहित्य उमडया भाषा. *अक्षरा, बहु मैडसिस्टप्लैनरी ररसचामामात्रका, मपयेर ररव्ूएंड ररफ्रेड अंतर्राष्ट्रीयरासचा सामान्य क्षेलइशमू,* 120-128.

पाठक, आरती. (2025)। यांमात्रकी अनुवाद : व्हहार एवंसीमाएँ., *केंद्रीय भाषामहांडी मनदेशालय, उच्चतरमशाला मवभाग, मशाक्षामंत्रालय भारत सरकार,* 137-146

पुस्तकें

सेहरावत, ए. (2024). *भौतिक विज्ञान: रसायन-विज्ञान और भौतिकी का एक व्यावहारिक मैनुअल.* एलीट पब्लिशिंग हाउस.

सहदेव, एस. (2025). *दौलत बेग ओल्डी का भू-रणनीतिक महत्व: सीमा प्रबंधन और अवसंरचना विकास के परिप्रेक्ष्य से एक अध्ययन,* स्प्रिंगर नेचर, https://doi.org/10.1007/978-981-96-0381-7_27

पाठक, आरती (2025). कश्मीर का महंदी सामहत्य एवं संस्कृत (2025), कश्मीरी भाषा का इतिहास, आईएसबी.ए.न-978-93-48639-92-9, पृष्ठ.144-147 सप्तऋषम प्रकाशन, चंडीगढ़

तोमर, एम. (2024). *बिटवीन द लाइन्स: द मीडिया, पॉलिटिक्स, एंड डेमोक्रेसी इन इंडिया",* शोध सागर इंटरनेशनल पब्लिकेशन.

तोमर, एम. (2025). *संचार कौशल और अभ्यास,* आर्चर एंड एलीवेटर्स पब्लिशिंग हाउस,

पुस्तक में अध्याय

दास, सी. (2024). जोबा. बनमल्लिका में, *रिवरसाइड स्टोरीज़: राइटिंग्स फ्रॉम असम।* दिल्ली: जुबान.

कपिंदर, कुमार, ए., दीपिका, दीपांशी, और तारकेश्वर (2025)। आंत संबंधी रोगों में न्यूट्रास्युटिकल फलों की भूमिका। आर.के. केशरवानी, पी. कुमार और आर.के. केशरवानी, *न्यूट्रास्युटिकल्स की प्रकृति, इतिहास, गुण, स्रोत और नैनो तकनीक* (पृष्ठ 97-112) में। यूएसए,

एप्पल एकेडमिक प्रेस, सीआरसी। आईएसबी.ए.न: 9781774917022 (हार्ड), आईएसबी.ए.न: 9781003518969 (ई-बुक)

किरण, एम., सिंह, के.के., सिंह, डीजे, और नल, आर. (2025)। ऊर्जा-कुशल IoT के लिए फ़ेडरेटेड लर्निंग फ्रेमवर्क और एल्गोरिदम। *IoT परिवेशों के लिए फ़ेडरेटेड लर्निंग में ऊर्जा अनुकूलन और सुरक्षा* (पृष्ठ 57-77) में। https://doi.org/doi:10.1049/PBPC072E_ch3

किरण, एम., सिंह, के.के., सिंह, डीजे, और नल, आर. (2025)। हाइपर ऑटोमेशन 2.0 और इकोसिस्टम सहयोग: एससीएम प्रकाशन में प्रतिमान बदलाव: ऊर्जा अनुकूलन और सुरक्षा। *IoT वातावरण के लिए फ़ेडरेटेड लर्निंग में ऊर्जा अनुकूलन और सुरक्षा* (पृष्ठ 57-77)। https://doi.org/doi:10.1049/PBPC072E_ch3

मौर्य, आर., यादव, जी., पांडे, बी.डब्ल्यू., नेगी, वी.एस. (2024). हिमाचल प्रदेश, भारत के किन्नौर जिले के आदिवासी समुदाय की सतत आजीविका सुरक्षा में ईंधन की लकड़ी की भूमिका। *राज सिंह, बी.वी., बटार, ए.के. (संपादक) पर्यावरणीय और सामाजिक स्थिरता के लिए सतत स्थानीय विकास। मानव-पर्यावरण अंतःक्रियाएँ,* खंड 11। स्प्रिंगर, चाम। https://doi.org/10.1007/978-3-031-67303-0_3

सौरभ कुमार झा *एट अल.* (2024). न्यूट्रास्युटिकल्स के माध्यम से क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज की रोकथाम। जाफरी, एस.एम., कुमार झा, एस., कुमार गोस्वामी, वी. (संपादक) न्यूट्रास्युटिकल्स: निवारक चिकित्सा के लिए एक नई सहस्राब्दी दृष्टिकोण। खाद्य जैवसक्रिय तत्व। स्प्रिंगर, चाम। https://doi.org/10.1007/978-3-031-76481-3_8

सौरभ कुमार झा *एट अल.* (2024). न्यूट्रास्युटिकल्स का संक्षिप्त अवलोकन। जाफरी, एस.एम., कुमार झा, एस., कुमार गोस्वामी, वी. (संपादक) न्यूट्रास्युटिकल्स: निवारक चिकित्सा के लिए एक नई सहस्राब्दी दृष्टिकोण। खाद्य जैवसक्रिय तत्व। स्प्रिंगर, चाम। https://doi.org/10.1007/978-3-031-76481-3_1

सौरभ कुमार झा *एवं अन्य* (2024). एस्परगिलस संक्रमण के प्रबंधन में चिकित्सीय रणनीतियाँ और चुनौतियाँ। हमीद, एस., विजयराघवन, पी. (संपादक) मानव कवक रोगों में हालिया प्रगति। स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-97-4909-6_14

संगीता ढल, नचिकेता सिंह और अमीर एम नसरुल्लाह: अध्याय 1: परिचय शासन में नवाचारों की खोज: दक्षिण एशियाई अनुभव, पृष्ठ 1-22 3. अमीर मोहम्मद नसरुल्लाह, संगीता ढल और नचिकेता सिंह: अध्याय 14: शासन में नवाचारों के साथ दक्षिण एशिया का रिश्ता, पृष्ठ 265-275

सक्सेना एन., शर्मा एस., कुमार पी. (2024). सभी धातु ऑक्साइड-आधारित फोटोडिटेक्टर, कुमार, वी., शर्मा, वी., स्वार्ट, एच.सी., दास, एस. *(संपादक) धातु ऑक्साइड, अगली पीढ़ी के*

ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक, फोटोनिक और फोटोवोल्टिक अनुप्रयोगों के लिए धातु ऑक्साइड, एल्सेवियर, 277-300, https://doi.org/10.1016/B978-0-323-99143-8.00012-2

पाठय-पुस्तक

राज, वीबी, चौधरी, ए., शर्मा, एस., और शर्मा, एस. (2025)। अध्याय 8: उच्च शिक्षा में एआई-संचालित शिक्षण विश्लेषण और निर्णय-निर्माण। *शिक्षा 4.0 कक्षा से करियर तक* (प्रथम संस्करण, पृष्ठ 110-127)। साहित्य संस्थान।

शर्मा एस., शर्मा एम., सानिया, राज वीबी (2025)। अध्याय 9: एनईपी 2020 में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग। *शिक्षा 4.0 कक्षा से करियर तक* (प्रथम संस्करण, पृष्ठ 128-147)। साहित्य संस्थान।

सौरभ कुमार झा *एट अल.* "सेल बायोलॉजी द फंडामेंटल्स", रौनक पब्लिकेशन हाउस प्राइवेट लिमिटेड (9 सितंबर 2024); रौनक पब्लिकेशन हाउस प्राइवेट लिमिटेड, आईएसबी.ए.न-13: 7192127922-927 https://amzn.in/d/aVhewRP

यादव, जी. (2024). इकाई 3: पर्यावरणीय स्वास्थ्य: मुद्दे और चुनौतियाँ (खंड 1). नागला, एम. (सं.), *एमआरडीई-202: ग्रामीण स्वास्थ्य देखभाल* (पृष्ठ 33-51) में। इग्नू

संपादित पुस्तक

सौरभ कुमार झा *एट अल.* (2024) न्यूट्रास्युटिकल्स: निवारक चिकित्सा के लिए एक नई सहस्राब्दी दृष्टिकोण, (स्प्रिंगर नेचर पब्लिकेशन), ई-बुक ISBN978-3-031-76481-, https://link.springer.com/book/10.1007/978-3-031-76481-3

संगीता ढल, नचिकेता सिंह और अमीर एम. नसरुल्लाह (संपादक), (2025), मैपिंग गवर्नेंस इनोवेशन: पर्सपेक्टिव्स फ्रॉम साउथ एशिया, रूटलेज, टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप, आईएसबी.ए.न 978-10-32709-47-5, [DOI: 10.4324/9781003506720]

अनुसंधान परियोजनाएँ

बाह्य वित्त-पोषित परियोजनाएँ

डॉ. वर्षा सिंह, प्राणि-विज्ञान विभाग को 'डिम्बग्रंथि कैटेकोलामाइन और स्टेरॉयड के बीच कार्यात्मक अंतःक्रिया: कैटफ़िश हेटेरोप्नेस्टेस जीवाश्मों में डिम्बग्रंथि तंत्रिकाविकृति का प्रभाव' नामक शोध परियोजना के लिए ₹19,80,000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी)- राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण बोर्ड (एसईआरबी) द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि जनवरी 2022 से जनवरी 2025 तक है।

इन-हाउस परियोजनाएं

डॉ. आहना चोपड़ा को 'महाविद्यालय और स्थानीय समुदाय में वस्त्र अपशिष्ट प्रबंधन हेतु संचार मॉडल का विकास एवं कार्यान्वयन' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹11,800/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान दिल्ली विश्वविद्यालय के कालिंदी महाविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और शैक्षणिक सत्र 2024-25 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. अनीता टैगोर को 'दिल्ली विश्वविद्यालय में युवतियों में यौन उत्पीड़न का एक अध्ययन' नामक शोध परियोजना के लिए ₹11,800/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और शैक्षणिक सत्र 2024-25 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. अनीता टैगोर और प्राणि-विज्ञान विभाग की **डॉ. के. वंदना रानी** को 'गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा का मॉडल: दिल्ली के मोहल्ला क्लीनिकों का एक केस स्टडी' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹17,800/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान दिल्ली विश्वविद्यालय के कालिंदी महाविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और शैक्षणिक सत्र 2024-25 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. अपराजिता गौड़ और डॉ. राजेश कुमार मीणा, रसायन-विज्ञान विभाग को 'हाइड्रोथर्मल विधि द्वारा कॉपर ऑक्साइड नैनोकणों का संश्लेषण एवं सतह संशोधन' नामक शोध परियोजना के लिए ₹17,800/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और शैक्षणिक सत्र 2024-25 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. अरविंद कुमार और डॉ. रश्मि मेनन ; गणित विभाग के श्री संजय कुमार को 'प्लाज्मा संवर्धित रासायनिक वाष्प निक्षेपण तकनीक द्वारा निक्षेपित हाइड्रोजनीकृत अनाकार सिलिकॉन पतली फिल्मों के ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक गुण और सतह आकृति विज्ञान' नामक शोध परियोजना के लिए ₹17,800/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और शैक्षणिक सत्र 2024-25 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. चैती दास और सुश्री एल. पावेइन को 'कल्याण की लंबी राह: पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा तक असमान पहुँच के प्रमाण' नामक शोध परियोजना के लिए ₹11,800/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान दिल्ली विश्वविद्यालय के कालिंदी महाविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और शैक्षणिक सत्र 2024-25 तक की अवधि के लिए है।

श्री गुलशन यादव, डॉ. वर्षा सिंह, डॉ. शानूजा बेरी और श्री विकास यादव को 'फेज असंवेदनशील म्यूटेंट का विकास: तुलनात्मक फेनोटाइपिक और जीनोटाइपिक विश्लेषण (पीआई)' नामक शोध परियोजना के लिए ₹17,800/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान कालिंदी महाविद्यालय,

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और शैक्षणिक सत्र 2024-25 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. कंचन बत्रा और डॉ. मायांगलम्बम रोजिना देवी, प्राणि-विज्ञान विभाग को 'बायोइंडिकेटर प्रजाति निगरानी के माध्यम से प्रसाद नगर मीठे पानी की झील की ट्रॉफिक स्थिति और जल गुणवत्ता का आकलन' नामक शोध परियोजना के लिए ₹17,800/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और शैक्षणिक सत्र 2024-25 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. केशव पटेल को 'डिजिटल गिरफ्तारी: डिजिटल युग में कानून प्रवर्तन और मीडिया का अंतर्संबंध' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹11,800/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान दिल्ली विश्वविद्यालय के कालिंदी महाविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और शैक्षणिक सत्र 2024-25 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. के. वंदना रानी, प्राणि-विज्ञान विभाग को 'मछलियों के स्वास्थ्य पर पादप जैवसक्रिय घटकों के प्रभाव पर हिस्टोपैथोलॉजिकल अंतर्दृष्टि' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹17,800/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और शैक्षणिक सत्र 2024-25 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. कृष्णा कुमारी और भौतिकी विभाग की **प्रो. पुनिता** को पीआई के रूप में 'गुरुकुल परंपरा और इस परंपरा में सभी प्रकार के विज्ञान का ज्ञान: एनईपी में इस परंपरा को अपनाने का सिद्धांत' नामक शोध परियोजना के लिए ₹ 15,000/- की राशि स्वीकृत की गई है। अनुदान कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और शैक्षणिक सत्र 2024-25 की अवधि को कवर करता है।

सुश्री ममता को 'रूढ़िवादिता से परे: भारतीय विज्ञापनों में लैंगिक प्रतिनिधित्व के विकास को समझना' नामक शोध परियोजना के लिए ₹6000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान दिल्ली विश्वविद्यालय के कालिंदी महाविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और शैक्षणिक सत्र 2024-25 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. मोनिका बस्सी, डॉ. रश्मि मेनन, डॉ. अरविंद कुमार और सुश्री पूजा देवी को 'निम्न-संकेत सुधार में उच्च निष्ठा प्राप्त करना: अर्ध-तरंग और पूर्ण-तरंग परिशुद्धता दिष्टकारी' नामक शोध परियोजना के लिए ₹17,800/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और शैक्षणिक सत्र 2024-25 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. मोनिका बस्सी, भूगोल विभाग की **प्रो. सीमा सहदेव** और वाणिज्य विभाग की **डॉ. पूनम सचदेवा** को 'यमुना नदी का जल गुणवत्ता मूल्यांकन: प्रदूषण के प्रमुख बिंदुओं की पहचान और

शमन रणनीतियाँ' नामक शोध परियोजना के लिए ₹17,800/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान दिल्ली विश्वविद्यालय के कालिंदी महाविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और शैक्षणिक सत्र 2024-25 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. नीति पांडे को 'कीटों में उपस्थित प्राथमिक अनिवार्य अंतःसहजीवों का सर्वांगीण जीनोम विश्लेषण' नामक शोध परियोजना के लिए ₹17,800/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान दिल्ली विश्वविद्यालय के कालिंदी महाविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और शैक्षणिक सत्र 2024-25 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. प्रतिभा ठाकुर को 'एंजियोस्पर्म की चयनित प्रजातियों के परागकणों में जर्म पोर्स और एक्साइन पैटर्न का अध्ययन' नामक शोध परियोजना के लिए ₹17,800/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और शैक्षणिक सत्र 2024-25 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. प्रियंका वर्मा को 'भारतीय समुद्री शैवालों का पादप-रासायनिक अन्वेषण' नामक शोध परियोजना के लिए ₹17,800/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान दिल्ली विश्वविद्यालय के कालिंदी महाविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और शैक्षणिक सत्र 2024-25 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. पुनीता वर्मा को 'भारी लक्ष्यों से Ag-आयन और Xe-आयन प्रेरित L और M एक्स-रे उत्सर्जन' नामक शोध परियोजना के लिए ₹14,000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और शैक्षणिक सत्र 2024-25 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. पुष्पा बिंदल को 'एकल विधा ऑप्टिकल फाइबर के विकास और विधागत अभिलक्षणों का एक व्यापक अध्ययन' नामक शोध परियोजना के लिए ₹17,000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और शैक्षणिक सत्र 2024-25 तक की अवधि के लिए है।

प्रोफ़ेसर रचना कुमार, प्रोफ़ेसर सीमा गुप्ता और प्रोफ़ेसर पुष्पा बिंदल ; इतिहास विभाग की डॉ. नूतन पांडे को 'प्रारंभिक से उत्तर वैदिक काल तक विज्ञान की भारतीय विरासत' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹13,200/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान दिल्ली विश्वविद्यालय के कालिंदी महाविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और शैक्षणिक सत्र 2024-25 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. साजिद इकबाल और डॉ. मीनाक्षी वर्मा को 'नैनोस्ट्रक्चर्ड लिक्विड मैग्नेट्स का संश्लेषण और अभिलक्षणन (पीआई)' नामक शोध परियोजना के लिए ₹15,000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान दिल्ली विश्वविद्यालय के कालिंदी महाविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और शैक्षणिक सत्र 2024-25 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. संजय कुमार, हिंदी विभाग और **डॉ. प्रियंका वर्मा**, वनस्पति-विज्ञान विभाग को 'हिंदी साहित्य में पर्यावरणीय चेतना' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹17,800/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और शैक्षणिक सत्र 2024-25 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. सविता शर्मा और श्री वी. भास्कर राज ; कंप्यूटर विज्ञान विभाग की डॉ. रीना जैन को 'वास्तविक दुनिया की वैज्ञानिक समस्याओं के लिए एआई-संचालित दृष्टिकोण' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹10,000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और शैक्षणिक सत्र 2024-25 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. शिखा रानी, प्राणि-विज्ञान विभाग को 'मछलियों की आंत एंजाइम गतिविधि में पादप आहार पूरक का प्रभाव' नामक शोध परियोजना के लिए ₹17,800/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और शैक्षणिक सत्र 2024-25 तक की अवधि के लिए है।

प्रो. सुधा गुलाटी को 'दुर्लभ मृदा मिश्रित मैंगनीज फेराइट नैनोकणों को पीआई के रूप में तैयार करना और उनका लक्षण वर्णन' नामक शोध परियोजना के लिए ₹17,800/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और शैक्षणिक सत्र 2024-25 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. तेजेन्द्र कुमार और श्री संजय कुमार को 'भारतीय बीजगणित के इतिहास में महत्वपूर्ण क्षण' नामक शोध परियोजना के लिए ₹10,000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान दिल्ली विश्वविद्यालय के कालिंदी महाविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और शैक्षणिक सत्र 2024-25 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. तारकेश्वर गौतम, डॉ. शानूजा बेरी और डॉ. वर्षा सिंह ; रसायन-विज्ञान विभाग के डॉ. राजेश कुमार मीणा को 'ओसीमम सैंक्टम की पत्ती के अर्क से ZnO नैनोकणों का हरित संश्लेषण और पादप कवक रोगजनकों के विरुद्ध उनका अध्ययन' नामक शोध परियोजना के लिए ₹17,800/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और शैक्षणिक सत्र 2024-25 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. वर्षा, डॉ. सविता शर्मा, डॉ. वी. भास्कर राज और श्री कपिल कुमार को 'ऊर्जा संचयन अनुप्रयोगों हेतु अर्धचालक/धातु क्वांटम डॉट्स का सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक अध्ययन' नामक शोध परियोजना के लिए ₹17,800/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और शैक्षणिक सत्र 2024-25 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. योगेश कुमार शर्मा को 'सर्फेक्टेंट्स का उपयोग करके संक्रमण धातु (Ag, Cu, Fe और Zn) नैनोकणों का सरल संश्लेषण और कैंसर कोशिकाओं पर प्रभाव' नामक शोध परियोजना के लिए ₹17,800/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है और शैक्षणिक सत्र 2024-25 तक की अवधि के लिए है।

आयोजित संगोष्ठियां

डीडी न्यूज की वरिष्ठ समाचार एंकर डॉ. लिपाक्षी खुराना और ऑल इंडिया रेडियो की समाचार वाचक सुश्री चंद्रिका जोशी ने 7 मार्च 2025 को 'कथा और नारी शक्ति' पर व्याख्यान दिया।

प्रोफेसर संजय कुमार शर्मा ने भारतीय ज्ञान प्रणालियों पर एक संगोष्ठी/भाषण दिया और डॉ. सौरभ शर्मा ने 4 मार्च 2025 को अंगदान और प्रत्यारोपण पर एक संगोष्ठी/भाषण दिया।

पर्ल एकेडमी के एसोसिएट प्रोफेसर श्री वरुण दुग्गल ने 20 फरवरी 2025 को 'कालिंदी महाविद्यालय में डिजिटल स्टार्टअप' पर एक व्याख्यान दिया।

प्रोफेसर सोमोसरी होरे ने 25 नवंबर, 2024 को 'देखभाल के परिप्रेक्ष्य के माध्यम से पर्यावरण नैतिकता को समझना' विषय पर एक संगोष्ठी/भाषण दिया।

जेएनयू के प्रोफेसर प्रवीण कुमार पाठक ने 23 अक्तूबर 2024 को 'विकसित भारत के लिए जनसांख्यिकीय परिवर्तन का उपयोग' विषय पर व्याख्यान दिया।

आयोजित सम्मेलन

'पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन-इतिहास विभाग, कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय इतिहास संकलन योजना समिति, दिल्ली प्रांत और स्टडी सर्किल, दिल्ली के सहयोग से और भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित, "पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन 03-04 फरवरी 2025 को किया गया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

कालिंदी महाविद्यालय (अर्थशास्त्र विभाग) का राइज इंडिया ऑर्गनाइजेशन, नई दिल्ली के साथ 19 फरवरी, 2024 को एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग के परिणामस्वरूप:

क) सांस्कृतिक आदान-प्रदान सत्रों को सुविधाजनक बनाने के लिए;

ख) कालिंदी महाविद्यालय के छात्रों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना ताकि चयनित छात्र शिक्षालय में ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कर सकें।

कालिंदी महाविद्यालय (भूगोल विभाग) का किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय बहराइच यूपी के साथ 02 फरवरी 2023 को एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। इस सहयोग के परिणामस्वरूप:

क) संकाय और छात्र विनिमय कार्यक्रम को सुविधाजनक बनाना;

ख) शैक्षणिक इकाइयों के बीच संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं और अनुदेशात्मक सहयोग को बढ़ावा देना और प्रोत्साहित करना।

कालिंदी महाविद्यालय (भूगोल विभाग) का किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय बहराइच यूपी के साथ 02 फरवरी 2023 को एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। इस सहयोग के परिणामस्वरूप:

क) संकाय और छात्र विनिमय कार्यक्रम को सुविधाजनक बनाना;

ख) शैक्षणिक इकाइयों के बीच संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं और अनुदेशात्मक सहयोग को बढ़ावा देना और प्रोत्साहित करना।

कालिंदी महाविद्यालय (पत्रकारिता विभाग) का दिल्ली मेट्रोपॉलिटन एजुकेशन इंस्टीट्यूट (डीएमई) के साथ 14 फरवरी 2025 को एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता-ज्ञापन का प्राथमिक उद्देश्य है:

क) ज्ञान साझा करने, संकाय और छात्र आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करना;

ख) दोनों संस्थानों के बीच संयुक्त शैक्षणिक पहल।

कालिंदी महाविद्यालय (पत्रकारिता विभाग) का संभव फाउंडेशन के साथ 25 अक्तूबर, 2024 को एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। इस समझौता-ज्ञापन का प्राथमिक उद्देश्य है:

क) पत्रकारिता के अंतिम वर्ष के छात्रों को निःशुल्क प्रशिक्षण और नियोजन सहायता प्रदान करना;

ख) छात्रों को मूल्यवान कौशल और कैरियर के अवसरों से सशक्त बनाना।

कालिंदी महाविद्यालय (पत्रकारिता विभाग) और टीआईआईकेएम (श्रीलंका) के बीच 2024 में एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। दिल्ली विश्वविद्यालय के कालिंदी महाविद्यालय का पत्रकारिता विभाग, मीडिया एवं जनसंचार पर 9वें विश्व सम्मेलन 2024 (मेडकॉम 2024) के लिए अकादमिक भागीदार के रूप में कार्य करेगा। यह प्रतिष्ठित कार्यक्रम 9-10 मई 2024 को कोलंबो, श्रीलंका में आयोजित होगा।

कालिंदी महाविद्यालय (पत्रकारिता विभाग) का जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय से संबद्ध महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के साथ 7 नवंबर 2024 को एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। इस समझौता-ज्ञापन का प्राथमिक उद्देश्य हमारे छात्रों और संकाय को सीखने, बढ़ने और नए क्षितिज तलाशने के लिए कई अवसर प्रदान करना है।

कालिंदी महाविद्यालय (भौतिकी विभाग) का गुरुकुल कागदी के साथ 12 नवंबर 2024 को एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। इस समझौता-ज्ञापन का प्राथमिक उद्देश्य है:

क) पतली फिल्म जमाव विधियों के वैज्ञानिक और अनुप्रयोग को आगे बढ़ाने के लिए दोनों संस्थानों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना;

ख) साथ ही संकर सामग्रियों का लक्षण वर्णन भी।

कालिंदी महाविद्यालय (अंग्रेजी विभाग) का प्रोजेक्ट बाला नई दिल्ली के साथ 4 मार्च 2025 को एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। इस समझौता-ज्ञापन का प्राथमिक उद्देश्य है:

क) छात्रों को मासिक धर्म और मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में जागरूक करना;

ख) कालिंदी महाविद्यालय के छात्रों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना, जिससे चयनित छात्र दिल्ली-एनसीआर क्लस्टरों में फील्ड ट्रिप, कार्यशालाएं, चर्चाएं कर सकें।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित छात्रों की संख्या: 18 (1.41%)

कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या: 12

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

प्रोजेक्ट रहमत: इस परियोजना का उद्देश्य लाभार्थियों को लाइसेंस प्राप्त करने और स्वतंत्र उद्यमी बनने में सहायता करके स्थिरता सुनिश्चित करना था।

प्रोजेक्ट वेरान: कृषि अपशिष्ट को कम करने पर केंद्रित। इस वर्ष, संतरे की कैंडी और केले के चिप्स बनाने की विधि में सुधार किया गया। अतिरिक्त संतरों से रस निकालकर कैंडी को कोट करने की एक नई तकनीक लागू की गई, जिससे अपशिष्ट कम हुआ और श्रेणी बी के फलों का प्रभावी उपयोग हुआ।

प्रोजेक्ट राही: "पूना" ब्रांड के तहत अपसाइक्लिंग द्वारा कपड़ों के कचरे का निपटान। 2024-25 में, पुनर्प्रयुक्त कपड़ों से बने कपड़े के झुमके और हेडबैंड पेश किए गए।

प्रोजेक्ट किलकारी: 2025 में, किलकारी ने ऐसी कक्षाएं आयोजित कीं जिनमें आधारभूत शिक्षा, रचनात्मकता, साक्षरता और जीवन कौशल पर जोर दिया गया।

प्रोजेक्ट इनायत: आर्य समाज मंदिर, दयानंद विहार में 7-15 वर्ष आयु वर्ग के लड़कों के लिए लैंगिक समानता जागरूकता अभियान, जिसमें रूढ़िवादिता पर एक नाटक और 'सुरक्षा नायक' बैज प्रदान करना शामिल है।

महिला सशक्तिकरण अभियान, चुनौतियों और अधिकारों पर चर्चा को प्रोत्साहित करना।

कपड़ा दान अभियान, जिसमें कपड़ों को टोट बैग और पाउच में बदलकर बेचा गया। वंचित महिलाओं की मदद के लिए श्याम लाल महाविद्यालय समेत कई स्टॉल्स पर इन्हें बेचा गया।

प्रोजेक्ट इनारा: मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाता है। 2024-25 में उल्लेखनीय कार्यक्रम:

क) 19 अक्तूबर, 2024: छात्रों के लिए मुकाबला करने की रणनीतियों पर सुश्री रूमी शर्मा के साथ संगोष्ठी।

ख) 11 नवंबर, 2024: आरडी फाउंडेशन और सुश्री अर्शिया आनंद के साथ "नेविगेट द नॉइज़" कार्यक्रम, जेन-जेड तनाव प्रबंधन पर केंद्रित।

ग) 20 नवंबर, 2024: लिट हैपन्स के साथ थिच नहत हान द्वारा लिखित द आर्ट ऑफ लिविंग पर पुस्तक चर्चा।

घ) 12 मार्च, 2025: डॉ. तान्या के साथ आंतरिक शांति की कला पर ऑनलाइन संगोष्ठी, आत्म-जागरूकता और मानसिक स्वास्थ्य पर प्रकाश डाला जाएगा।

ङ) स्वास्थ्य प्रथाएं

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय ने अपने संसाधनों में उल्लेखनीय वृद्धि की है, जिससे कुल संग्रह बढ़कर 90,542 पुस्तकों का हो गया है, जिसमें बुक बैंक और छात्र सहायता निधि से प्रकाशित पुस्तकें भी शामिल हैं। इस वृद्धि के अलावा, बुनियादी ढाँचे में भी सुधार किया गया है, जिसमें ई-संसाधनों के लिए एक वेब केंद्र, परामर्श के लिए एक अलग वाचनालय, फोटोकॉपी सुविधाएँ और ओपीएसी-आधारित पुस्तक खोज के लिए दो सूचना कियोस्क शामिल हैं। इसके अलावा, वाचन क्षेत्र में नया फर्नीचर भी जोड़ा गया है। विविध शैक्षणिक रुचियों को बढ़ावा देने के लिए, पुस्तकालय अंग्रेजी और हिंदी में 92 पत्रिकाएँ/जर्नल और 14 समाचार-पत्र खरीदता है।

इसके आधार पर, एनएलआईएसटी, डीईएलएनईटी, डीयू ई-पुस्तकालय और ओएनओएस (INFLIBNET) जैसे प्लेटफॉर्म के माध्यम से डिजिटल पहुँच को प्राथमिकता दी जा रही है, और NCWEB के छात्रों के लिए रिमोट लॉगिन आईडी बनाई जा रही हैं। इसके अतिरिक्त, महाविद्यालय की वेबसाइट पर ओपन-एक्सेस ई-संसाधन, पिछले वर्षों के प्रश्नपत्र और शैक्षिक लिंक उपलब्ध हैं, साथ ही संकाय सदस्यों के लिए जर्नल कंटेंट अलर्ट सेवा भी उपलब्ध है। स्थिरता को और बढ़ावा देने के लिए, कचरे को कम करने के लिए पुनर्चक्रित सामग्री की खरीद जैसी पहल की जा रही हैं। डीयू ब्रेल पुस्तकालय, सुगम्य पुस्तकालय और एनवीडीए स्क्रीन-रीडिंग सॉफ़्टवेयर के माध्यम से मुद्रण-अक्षम छात्रों के लिए भी पहुँच सुनिश्चित की जा रही है। अंत में, शैक्षणिक जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए, प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए नियमित पुस्तकालय उपयोगकर्ता शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक : 16

एसोसिएट प्रोफेसर	: 38
सहायक प्रोफेसर	: 154
तदर्थ	: 25
अतिथि	: 30

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित अनुदान : ₹ 70.58 करोड़

उपयोगित अनुदान : ₹ 70.12 करोड़

****

कमला नेहरू महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

खेल, फिट इंडिया, युवा नेतृत्व और विकसित भारत: केएनसी ने 26 नवंबर, 2024 को विकसित भारत एम्बेसडर युवा कनेक्ट दिल्ली चैप्टर का आयोजन किया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में माननीय केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री और श्रम और रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडावा, दिल्ली विश्वविद्यालय के डीन ऑफ कॉलेजेज प्रो. बलराम पाणि, विशिष्ट अतिथि के रूप में और 2023 की अर्जुन पुरस्कार प्राप्तकर्ता और केएनसी की पूर्व छात्रा सुश्री पिंकी शामिल हुईं। इस कार्यक्रम में युवा आकांक्षाओं और राष्ट्रीय उद्देश्यों के बीच संरेखण पर प्रकाश डाला गया, जिसमें भारत के भविष्य को आकार देने में युवा नेताओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया गया। भारतीय मूल्य प्रणाली और महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देना: लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के दूरदर्शी नेतृत्व और सांस्कृतिक विरासत को श्रद्धांजलि के रूप में, केएनसी ने उनकी 300वीं जयंती के अवसर पर 'लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर: एक शक्ति गाथा' नामक एक नाट्य प्रस्तुति का मंचन किया। श्री ईश्वर शून्य द्वारा निर्देशित इस प्रदर्शन ने विभिन्न विभागों के छात्रों को एक साथ लाया और 27 फरवरी, 2025 को 'लोक लहर' थीम पर आयोजित वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव, उल्लास '25 के भव्य उद्घाटन के रूप में कार्य किया। पर्यावरणवाद और स्थिरता: केएनसी को 5 जून, 2024 को भारतीय पारिस्थितिकी और पर्यावरण संस्थान द्वारा उनके 45वें स्थापना दिवस समारोह और विश्व पर्यावरण दिवस अवलोकन 2024 के हिस्से के रूप में 'पर्यावरण और सतत शिक्षा विभूतियाँ पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

डॉ. अनुराधा गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, हिंदी विभाग ने अपने क्षेत्र में अनुकरणीय सेवा, उपलब्धि और योगदान के लिए 29 सितंबर, 2024 को गोवा, भारत में अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार कार्निवल 2024 से 'अंतर्राष्ट्रीय महिला ग्लोरिया पुरस्कार' जीता।

प्रोफेसर सुषमा चौधरी को शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए अप्रैल 2024 में राष्ट्रीय पुरस्कार, 'स्वर्गीय श्री राम मेहर अहलावत स्मृति पुरस्कार 2024' से सम्मानित किया जाएगा।

प्रोफेसर सुषमा चौधरी ने 10 जून, 2024 को त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू (नेपाल) में अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार, 'इंडो-ग्लोबल रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड 2024' जीता।

प्रोफेसर सुषमा चौधरी को संस्कृत अध्ययन और अनुसंधान को आगे बढ़ाने में उनके योगदान के लिए 14-16 दिसंबर, 2024 को अंतर्राष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार, 'वाग्भूषण सम्मान' से सम्मानित किया जाएगा।

छात्र

बी.ए. (ऑनर्स) समाजशास्त्र (द्वितीय वर्ष) की छात्रा **दिव्या सोनी** को सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज द्वारा आयोजित 'वेटलैंड्स फॉर लाइफ' चित्रकला प्रतियोगिता में उत्कृष्ट कलात्मक उत्कृष्टता के लिए उत्कृष्टता प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ।

काव्या गुप्ता, बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा, विश्वविद्यालय टॉपर रही तथा विश्वविद्यालय पदक प्राप्त किया।

बी.ए. (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा **कथूरी स्नेहा** ने शमा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय में अंतर महाविद्यालय निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

निशा ने अंतर-महाविद्यालय कविता पाठ प्रतियोगिता, सांस्कृतिक परिषद, दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय, 21-23 मार्च, 2025 में प्रथम पुरस्कार जीता।

निशा ने अंतर-महाविद्यालय कहानी लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता, अंबेडकर महाविद्यालय, 31 जनवरी, 2025.

सान्या बल्हारा को विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय राजनीति-विज्ञान सम्मेलन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

शिवांगी कुमार, बी.एससी. (ऑनर्स) गणित (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, को मर्सिडीज बेंज बी विजनियर्स फेलोशिप, मर्सिडीज बेंज बी विजनियर्स के लिए मार्च 2025-अप्रैल 2026 के लिए चुना गया है।

शिवांगी कुमार, बी.एससी. (ऑनर्स) गणित (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, को एचपीएआईआर हार्वर्ड सम्मेलन, एशियाई और अंतर्राष्ट्रीय संबंध के लिए हार्वर्ड महाविद्यालय परियोजना, हार्वर्ड विश्वविद्यालय, 7-9 फरवरी, 2025 के लिए प्रतिनिधि के रूप में चुना गया है।

शिवांगी कुमार, बी.एस.सी. (ऑनर्स) गणित (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, को जून 2024 से जनवरी 2025 तक संयुक्त राष्ट्र शैक्षणिक प्रभाव के सहयोग से मिलेनियम फेलोशिप प्रोजेक्ट, प्रोजेक्ट उत्थान, मिलेनियम कैंपस नेटवर्क के लिए चुना गया है।

बी.ए. (ऑनर्स) पत्रकारिता (तृतीय वर्ष) की छात्रा श्रेया पांडे विश्वविद्यालय टॉपर रहीं और उन्हें विश्वविद्यालय पदक भी मिला।

श्रीजना पुर्यकास्थ, बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, कुलपति इंटर्नशिप योजना (वीसीआईएस), दिल्ली विश्वविद्यालय, जून 2024 के लिए चयनित।

श्रीजना पुर्यकास्थ, बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (प्रथम वर्ष) की छात्रा, को KARM फेलोशिप, KARM ट्रस्ट, 2024-2027 के लिए चुना गया।

बी.कॉम. (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा तनिषा आहूजा ने 3 मई, 2024 को शहीद भगत सिंह महाविद्यालय के उद्यमिता प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित इंटर-महाविद्यालय द ब्रांड वॉयेज प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रकाशन

आरती, और आनंद, एस. (2025). ऊपरी कुमाऊँ हिमालयी क्षेत्र में वर्षा पैटर्न के रुझानों और परिवर्तनशीलता की जाँच। *फ्रंटियर इन* क्लाइमेट, *7.* https://doi.org/10.3389/fclim.2025.1492260

आर्य, आरआर (2024). डार. *हंस, 453,* 34-39.

आर्य, आरआर (2024). माँ बनी तो माँ हमारी भी याद आई-aatmkathy. *नयी धारा, 7-8,* 30-43.

बंसल, एन. (2024). भारतीय पुनर्जागरण या भारत में पुनर्जागरण. *समावेशी, 2* (25), 12-20.

दलुआ, पी. (2024). सह-उद्यमिता, कार्य-परिवार संतुलन और अनौपचारिक लघु व्यवसाय में महिलाएँ: संदर्भ परिप्रेक्ष्य। *आईएएसएसआई क्वार्टरली, 43,* 839-856. https://www.iassi.org/IASSI_quarterly.html

गौतम, पी., और वर्मा, एस. (2024). आयताकार अर्ध-आंशिक b-मीट्रिक स्थान पर ψg-इंटरपोलेटिव हार्डी-रोजर्स प्रकार के संकुचन पर एक अनुप्रयोग के साथ। *फिलोमैट, 38* (22), 7847-7858।

गौतम, पी., और विनीत। (2024). पीवी पुनरावृत्तीय तकनीक का उपयोग करके मैंडलब्रॉट और जूलिया सेट उत्पन्न करना। *अराजकता, सोलिटोन और फ्रैक्टल्स: गैर-रेखीय विज्ञान और गैर-संतुलन और जटिल परिघटनाओं का अंतःविषय जर्नल।*

गौतम, पी., विनीत, एम. अकरम, और रमज़ान, एम.ई. (2025)। सामान्यीकृत औसत गैर-विस्तारीय प्रचालकों के लिए विभिन्न स्थिर-बिंदु पुनरावृत्तियों का अभिसरण दर विश्लेषण। *जर्नल ऑफ नॉनलाइनियर एंड कॉनवेक्स एनालिसिस, 26* (4), 781-796।

कपूर, एस. (2024). बच्चों के मीडिया उपभोग के प्रति घरेलू संरचना, माता-पिता की शैली और उपभोक्ता समाजीकरण प्रथाओं की जाँच। *सेज ओपन जर्नल, 14,* 1-11. https://doi.org/10.1177/21582440241278381

कपूर, एस., खोसला, डी., और शर्मा, टी. (2024). कोविड-19 और ऑनलाइन शिक्षा: सेवा-प्रधान तर्क परिप्रेक्ष्य का लाभ उठाना। *जर्नल ऑफ बिज़नेस एक्सीलेंस, 34,* 1-30।

पडालिया, डी. (2024). भारत में मनोविज्ञान को अपने लक्ष्यों पर पुनर्विचार करना होगा: सिन्हा (1965) पर विचार। *मनोवैज्ञानिक अध्ययन, 69,* 16-19.

प्रसाद, ए. (2024). मिलेनियम सिटी और प्रवासी: गुड़गांव में आधुनिक स्वेटशॉप के अंदर श्रमिकों के जीवन की खोज। *समावेशी, 25* (II), 478-489.

सहरावत, एस. (2024). हाइकु. *साहित्य अमृत, 3,* 55.

सहरावत, एस. (2024). न्यायकी वेदी पर *मधुमती, 12,* 22-26.

शर्मा, सी. (2024). राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर और नागरिकता संशोधन अधिनियम 2019: भारत में नागरिकता सुरक्षा के तर्क का अनुसरण। *जर्नल ऑफ एथनिक एंड माइग्रेशन स्टडीज़, 50* (19), 4850-4866.

सिंह, एस. (2024). पर्यावरणीय स्थिरता और आर्थिक विकास की एक व्यवस्थित समीक्षा। *उद्यमिता, प्रबंधन और सतत विकास की विश्व समीक्षा, 20,* 683-715.

वर्मा, एस., और गौतम, पी. (2024). आयताकार अर्ध-आंशिक b-मीट्रिक स्थान पर ψ-अंतरपोलेटिव हार्डी-रोजर्स प्रकार के संकुचन पर एक अनुप्रयोग के साथ। *फिलोमैट, 38* (22), 7847-7858।

पुस्तकें

गुप्ता, ए. (2025)। हिंदी कहानी और उपन्यास:प्रगति और परिवेश। बावना प्रकाशन.

गुप्ता, ए. और द्विवेदी, एसआर (2024). *लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर: एक गौरवशील यात्रा।* सुरुचि प्रकाशन.

गुप्ता, ए. और द्विवेदी, एसआर (2024). *लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर: एक विस्मृत युगदृष्टा रानी।* सुरुचि प्रकाशन.

कपूर, एस. (2024). *उपभोक्ता मामले और संप्रभुता.* स्कॉलर टेक.

वर्मा, एस., गौतम, पी. और नेगी, के. (2024). *मैक्सिमा के साथ शुरुआत.*

पुस्तक में अध्याय

दलुआ, पी. (2025). *लैंगिक* और विकास। लैंगिक, समाज और विकास: समकालीन मुद्दे। मित्तल प्रकाशन।

अनुसंधान परियोजनाएँ

डॉ. मोनामी सिन्हा को विजन विकसित भारत@2047 के विशेष आह्वान के अंतर्गत, 'बीरभूम, पश्चिम बंगाल की महिला कंथा श्रमिक-एक नृवंशविज्ञान अध्ययन' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 12,00,000 रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएसएसआर, शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा प्रदान किया गया है और सितंबर 2024 से सितंबर 2025 तक की अवधि के लिए है।

आयोजित संगोष्ठियां

श्री राम बहादुर राय, अध्यक्ष, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, नई दिल्ली और पद्म भूषण पुरस्कार 2025 ने 30 जनवरी, 2025 को 'राजनीतिज्ञ गांधी' पर एक व्याख्यान दिया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के प्रोफेसर अमर फारूकी ने 24 अक्तूबर, 2024 को '1857 का विद्रोह: कुछ ऐतिहासिक मुद्दे' पर एक व्याख्यान दिया।

उधमोदय फाउंडेशन के संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. अभिषेक टंडन ने 17 अक्तूबर, 2024 को 'युवा उद्यमियों को सशक्त बनाना: तकनीक, ब्रांडिंग और स्टार्टअप सफलता' विषय पर व्याख्यान दिया।

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर राकेश चंद्र ने 5 सितंबर, 2024 को 'राधाकृष्णन और श्री अरबिंदो का स्मरण: भारतीय दार्शनिक विरासत' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

टेक्सास विश्वविद्यालय की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रितु गैरोला खंडूरी ने 1 मई, 2024 को 'इतिहास का रेखाचित्रण: समय के माध्यम से कार्टून और व्यंग्य की क्षमता को उजागर करना' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

सिम्बायोसिस स्किल्स एंड प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, पुणे के औद्योगिक साझेदार, जीसीसी एम्प्लॉयबिलिटी एंड स्किलैंगिक प्रोग्राम के साथ 18 मार्च, 2025 को एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। गणित विभाग की डॉ. पूजा यादव और इतिहास विभाग की सुश्री जयंतीबाला गुप्ता ने कार्यक्रम समन्वयक के रूप में कार्य किया, जबकि वाणिज्य विभाग की सुश्री स्वप्निल वर्मा ने पाठ्यक्रम संयोजक के रूप में कार्य किया। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, तृतीय वर्ष के स्नातक छात्रों के लिए 'बिजनेस एनालिस्ट' शीर्षक से एक निःशुल्क दस-सप्ताह का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शुरू किया गया, जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों को लॉजिस्टिक्स और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में अत्याधुनिक कौशल और ज्ञान से लैस करना है, जो 18 मार्च, 2025 से 31 मई, 2025 तक चलेगा।

सिम्बायोसिस स्किल्स एंड प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, पुणे के औद्योगिक साझेदार, जीसीसी एम्प्लॉयबिलिटी एंड स्किलैंगिक प्रोग्राम के साथ 18 मार्च, 2025 को एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। गणित विभाग की डॉ. पूजा यादव और इतिहास विभाग की सुश्री जयंतीबाला गुप्ता ने कार्यक्रम समन्वयक के रूप में कार्य किया, जबकि वाणिज्य विभाग की सुश्री स्वप्निल वर्मा ने पाठ्यक्रम संयोजक के रूप में कार्य किया। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, तृतीय वर्ष के स्नातक छात्रों के लिए 'वित्तीय विश्लेषक' शीर्षक से एक निःशुल्क दस-सप्ताह का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शुरू किया गया, जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों को रसद और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में अत्याधुनिक कौशल और ज्ञान से लैस करना है, जो 18 मार्च, 2025 से 31 मई, 2025 तक चलेगा।

4 दिसंबर, 2024 को रेखी फाउंडेशन फॉर हैप्पीनेस के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। मनोविज्ञान विभाग की डॉ. दिव्या पडालिया, डॉ. नीतू दलाल और समाजशास्त्र विभाग की डॉ. रितु शर्मा ने कार्यक्रम समन्वयक के रूप में कार्य किया। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, स्नातक छात्रों के लिए 'खुशी का विज्ञान' शीर्षक से एक निःशुल्क 30 घंटे का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शुरू किया गया, जिसका उद्देश्य 26 मार्च, 2025 से 28 अप्रैल, 2025 तक कल्याण और मानव समृद्धि पर चर्चा में उनकी समझ को बढ़ाना और सार्थक योगदान देना है।

5 मार्च, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के उधमोदय फाउंडेशन के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इतिहास विभाग की सुश्री जयंतीबाला गुप्ता और वाणिज्य विभाग की डॉ. महिमा यादव कार्यक्रम समन्वयक के रूप में कार्यरत रहीं। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, छात्रों की स्टार्टअप्स और इनक्यूबेशन आइडियाज़ की समझ बढ़ेगी।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

आईक्यूएसी, केएनसी ने चौथे वर्ष एनईपी-यूजीसीएफ में शैक्षणिक परियोजनाओं के कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से 6 मार्च, 2024 को 'प्रोजेक्ट आधारित शिक्षा' पर एक दिवसीय क्षमता निर्माण राष्ट्रीय कार्यशाला के लिए क्लस्टर इनोवेशन सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ सहयोग किया।

इतिहास विभाग, केएनसी ने 24 अप्रैल, 2024 को प्रोफेसर प्रदीप वर्मा और टीम, आईआईटी बॉम्बे द्वारा आयोजित 'भारतीय सांस्कृतिक पोर्टल' पर एक कार्यशाला के लिए संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के साथ सहयोग किया।

हिंदी विभाग, केएनसी ने हिंदी अकादमी, दिल्ली, सरकार के साथ सहयोग किया। तुलसी जयंती के उपलक्ष्य में 24 अक्तूबर, 2024 को एक संगोष्ठी के लिए संगोष्ठी का शीर्षक था 'वर्तमान परिवेश की चुनौतियाँ और भक्तिकालीन कविता।'

शारीरिक शिक्षा विभाग, केएनसी ने 16 अप्रैल, 2024 को 'आत्मरक्षा कार्यशाला' के लिए सुरक्षा कल्याण ट्रस्ट के साथ सहयोग किया।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित छात्रों की संख्या : **67** (27.23%)

कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या : **123**

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

एनएसएस, केएनसी ने दधीचि देह दान समिति के सहयोग से 25 फरवरी, 2025 को 'अंगदान जागरूकता अभियान' का आयोजन किया।

एनएसएस ने फोर्टिस एस्कॉर्ट्स अस्पताल के सहयोग से 27 नवंबर, 2024 को शिक्षण, शिक्षणेत्तर कार्मिकों के लिए 'स्वास्थ्य जांच शिविर' का आयोजन किया।

एनएसएस दिवाली मेले के तहत 22-24 अक्तूबर, 2024 तक 'वस्त्र दान अभियान' का आयोजन किया गया।

एनसीसी, केएनसी के कैडेट एक भारत श्रेष्ठ भारत, राष्ट्रीय युद्ध स्मारक शिविर आदि जैसे राष्ट्रीय शिविरों में भाग लेते हैं और उन्हें मान्यता प्राप्त होती है। कैडेटों का चयन मुख्यमंत्री रैली और गणतंत्र दिवस परेड के लिए किया जाता है। एनसीसी, केएनसी दिल्ली विश्वविद्यालय की पहली और एकमात्र महिला बैंड टीम है।

22 अक्तूबर, 2024 को प्रसिद्ध आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. अंबिका धीमान के साथ एक 'आयुर्वेदिक स्वास्थ्य शिविर' का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय के 'नर्चर, इनक्यूबेशन सेल' ने 5 मार्च, 2025 को बिज़नेस कॉन्क्लेव'25 का आयोजन किया, जिसमें उद्योग जगत के दिग्गजों के एक विशेष पैनल ने अपने स्टार्टअप के सफ़र और अनुभवों पर चर्चा की। मुख्य अतिथि डॉ. संजीव साहनी, प्रबंध निदेशक, एएनबी ऑटो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, टेडएक्स वक्ता, उद्यमी और समाजसेवी थे।

नियोजन सेल ने 21 फरवरी, 2025 को अपना वार्षिक कैरियर और इंटर्नशिप मेला, फीनिक्स 6.0 आयोजित किया, ताकि विश्वविद्यालय भर के छात्रों को इंटर्नशिप भूमिकाओं का पता लगाने और उद्योग के प्रदर्शन को बढ़ावा देने के अवसर प्रदान किए जा सकें।

वाणिज्य विभाग ने आयकर विभाग, भारत सरकार के सहयोग से 14 नवंबर, 2024 को 'आईटीआर दाखिल करने' और 'पैन पंजीकरण' पर एक आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया।

महाविद्यालय राज्य और विधानसभा चुनाव प्रक्रिया के लिए अवसंरचनात्मक सहायता प्रदान करके राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय पुस्तकालय (NETTLIB 3.0.3 पुस्तकालय सॉफ्टवेयर) के माध्यम से पूरी तरह से स्वचालित है, जो एक सर्वर और लोकल एरिया नेटवर्क के ग्यारह ग्राहकों से जुड़ी है जो

अधिग्रहण, कैटलॉगिंग, सर्कुलेशन, ओपीएसी, सीरियल कंट्रोल, स्टॉक सत्यापन आदि जैसे हाउसकीपिंग ऑपरेशन को सक्षम करती है। 300 सीटों की क्षमता, एक अलग ऑडियो-विज़ुअल संग्रह अनुभाग के साथ, पुस्तकालय में एक लाख से अधिक किताबें, 394 सीडी, 683 डीवीडी, 77 जर्नल (अंग्रेजी में 62, हिंदी में 15), 11 दैनिक समाचार-पत्र (7 अंग्रेजी, 4 हिंदी) हैं। 16 लैपटॉप, 2 डेस्कटॉप और एक प्रिंटर से लैस संकाय सदस्यों के लिए एक अलग शोध अनुभाग है। संकाय और छात्रों के लिए इलेक्ट्रॉनिक अभिलेखागार तक पहुंचने के लिए इंटरनेट सुविधा के साथ आठ अन्य कंप्यूटर। इसमें 78 ब्रेल पुस्तकों, एक दस्तावेज़ स्कैनर, NVDA (नॉन-विज़ुअल डेस्कटॉप एक्सेस) के साथ दो कंप्यूटर, एक LAX मशीन, एक कैमरा-आधारित स्कैनर और दो एन्जेल्स के साथ एक सक्षम इकाई है।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	**: 15**
एसोसिएट प्रोफेसर	**: 65**
सहायक प्रोफेसर	**: 68**
अतिथि	**: 19**

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित अनुदान	: ₹ 71.05 करोड़
उपयोगित अनुदान	: ₹ 59.08 करोड़

****

केशव महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

उत्कृष्टता के **29** वर्षों का उत्सव मनाते हुए, केशव महाविद्यालय ने शैक्षणिक और सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों, दोनों में एक विशिष्ट प्रतिष्ठा स्थापित की है। हमारी अत्याधुनिक सुविधाएँ–जैसे पुस्तकालय, चिकित्सा कक्ष, कैफेटेरिया, खेल सुविधाएँ और आईसीटी-सक्षम कक्षाएँ–बौद्धिक और व्यक्तिगत उन्नति के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करती हैं। परिसर निर्बाध रूप से जुड़ा हुआ है और मज़बूत वायर्ड और वायरलेस नेटवर्क प्रदान करता है। छात्रों को **100** एमबीपीएस फाइबर ऑप्टिक बैकबोन के साथ हाई-स्पीड इंटरनेट का लाभ मिलता है। इसके अतिरिक्त, महिला छात्रावास में एक सुरक्षित वाई-फाई सुविधा भी उपलब्ध है।

हमारे विशाल महिला छात्रावास में **78** छात्राएँ दो या तीन कमरों वाले साझा कमरों में रह सकती हैं, और एक नया विंग विशेष रूप से अंतर्राष्ट्रीय छात्राओं के लिए बनाया गया है, जिसे उनकी सांस्कृतिक और शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। दिल्ली

विश्वविद्यालय के गैर-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (NCWEB) के एक गौरवशाली केंद्र के रूप में, हम लचीले शिक्षण अवसरों की तलाश करने वाली छात्राओं की शैक्षिक आकांक्षाओं को पूरा करते हैं। केशव महाविद्यालय में, हम छात्राओं को विभिन्न आंतरिक सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ-साथ अंतर-महाविद्यालय और अंतर-विश्वविद्यालय कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से अपने नेतृत्व और प्रबंधकीय कौशल विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। महाविद्यालय की सांस्कृतिक समिति, विभिन्न सांस्कृतिक समाजों की छात्राओं के साथ मिलकर, पूरे वर्ष विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करती है।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

प्रो. विनीता जिंदल ने छात्र अनुसंधान सलाहकार समिति (एसआरएसी), सीएसई, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली-110062, भारत के साथ बाहरी विशेषज्ञ सदस्य के रूप में सहयोग किया है।

प्रोफेसर विनीता जिंदल को जीजीएसआईपीयू विश्वविद्यालय, दिल्ली में पेटेंट आवेदन के मूल्यांकन के लिए तकनीकी/विशेषज्ञ समिति के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में नामित किया गया है।

छात्र

आदर्श मौर्य, अमन सिंह और अनमोल गोयल ने 12 मार्च, 2025 को आईआईटी दिल्ली द्वारा आयोजित ट्रिस्ट 2025 हैकथॉन में अपने एडुगैमिक्स सॉल्यूशन, जो एक गेमीफाइड और व्यक्तिगत शिक्षण मंच है, के साथ क्यूब ऑफ इनोवेशन चैलेंज में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

आदर्श मौर्य, अमन सिंह को उनके ऑटोडॉक प्रोजेक्ट के लिए प्रथम स्थान दिया गया, जो आईआईटी खड़गपुर द्वारा 18-19 जनवरी, 2025 को आयोजित ईस्ट इंडिया ब्लॉकचेन समिट हैकथॉन में सुरक्षित दस्तावेज़ सत्यापन के लिए ब्लॉकचेन और जेडकेप्रूफ का उपयोग करता है।

रिया वर्मा और परी वर्मा ने एनेक्टसकेएमवी, केशव महाविद्यालय द्वारा आयोजित इकोवर्स: द सोशल केस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता, 28 मार्च, 2025.

बी.एस.सी. (कार्यक्रम) गणित विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा **सान्या जैन विश्वविद्यालय की टॉपर रहीं तथा उन्हें विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ।**

वंश सैनी और मनन गर्ग ने क्रोनोस-बिजनेस ऑपरेशंस सिमुलेशन, एक्सएलआरआई दिल्ली में तीसरा पुरस्कार जीता, 16 फरवरी, 2025.

वंश सैनी और मनन गर्ग ने द नेक्सस क्लैश में प्रथम पुरस्कार जीता, दौलत राम महाविद्यालय, 5 अप्रैल, 2025.

वेदांत उंडे और वरुण कुकरेजा ने ई-गुएरा रिटेल और ई-कॉमर्स केस प्रतियोगिता, आईएसबी हैदराबाद, 19 अक्तूबर, 2024 में प्रथम पुरस्कार जीता।

वेदांत उंडे, बी.एम.एस (द्वितीय वर्ष) के छात्र, एक्सचेकर' 24 (राष्ट्रीय वित्तीय श्रृंखला प्रतियोगिता) में राष्ट्रीय फाइनलिस्ट के रूप में चयनित, आईआईएम अहमदाबाद, 13 अक्तूबर, 2024.

प्रकाशन

प्रो. हरप्रीत भाटिया (विभाग: मनोविज्ञान)

शुभम गुप्ता, अज़मत जहाँ, नसीम अहमद, और हरप्रीत भाटिया (2024). सकारात्मक भावनाओं के माध्यम से भावनात्मक असंतुलन का प्रबंधन: एक व्यवस्थित समीक्षा। *जर्नल ऑफ मेंटल हेल्थ एंड एजिंग,* 8(3), 201. http://doi.org/10.35841/aajmha-8.2.201

तनवीर कौर, पीयूष रंजन, जीएस कलोइया, हरप्रीत भाटिया आदि (2024). बॉडी मास इंडेक्स और संज्ञानात्मक कार्यप्रणाली में गिरावट: संबंधों की खोज। *जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड हेल्थ प्रमोशन,* 13 (1), 197-100। https://doi.org/10.4103/jehp.jehp_1458_23

डॉ. निलॉय सरकार (विभाग: ईवीएस)

मेहरा, के., सरकार, एन. (2024). प्लास्टिक कचरे के प्रबंधन के लिए नैनो सामग्री: श्वेत प्रदूषण से निपटने का एक तरीका। *पर्यावरण इंजीनियरिंग के लिए नैनो तकनीक*। 9, 801-815। https://link.springer.com/article/ 10.1007/s41204-024-00396-3

पंकज कुमार, अमित सिंह, निलोय सरकार, महिमा कौशिक (2024). एमिलोराइड लोडेड साइट्रेट फंक्शनलाइज्ड अमोर्फस सिलिका नैनोपार्टिकल्स की डिज़ाइनिंग, ताकि इसकी जीनोटॉक्सिक और साइटोटॉक्सिक क्षमता का पता लगाया जा सके। *मैटेरियल्स टुडे कम्युनिकेशंस*। 41, 110775। https://doi.org/10.1016/j. mtcomm. 2024.110775

प्रो. पद्मसाई अरोड़ा (विभाग: वाणिज्य)

अरोड़ा, पी., अरोड़ा एच. (2025). भारत में लघु वित्त बैंकों की स्थापना, विकास और दक्षता: एक अनुभवजन्य अध्ययन, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सर्विसेज एंड ऑपरेशंस मैनेजमेंट,* 50 (3), 287-304. https://doi.org/10. 1504/ IJSOM.2025.144759

अरोड़ा, पी., मेइतेई, जे., अरोड़ा, एच. (2024). भारत में सरकारी बैंकों की लाभप्रदता के निर्धारक: एक गतिशील पैनल डेटा दृष्टिकोण। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस परफॉर्मेंस मैनेजमेंट,* 25 (6), 761-785। https://doi. org/ 10.1504/IJBPM.2024.141901

परिधि, आर., अरोड़ा, एच., अरोड़ा, पी., सैनी, एन. (2024). स्थिरता की राह खोलना: ईएसजी रिपोर्टिंग अपनाने में कॉर्पोरेट बाधाओं को समझने के लिए एक पदानुक्रमित मॉडल। *जर्नल ऑफ रिस्क एंड फाइनेंशियल मैनेजमेंट,* 17(12), 527. https://doi.org/10.3390/jrfm17120527

प्रो. विनीता जिंदल (विभाग: कंप्यूटर विज्ञान)

अग्रवाल, अनु गुप्ता, संचिता अग्रवाल, और विनीता जिंदल (2025)। ग्राहक समीक्षाओं का उपयोग करके होटलों की रैंकिंग: एक एलडीए-पिक्चर फ़ज़ी टॉप्सिस दृष्टिकोण। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट।* https://doi.org/10.1007/s13198-025-02742-3

दुआ, आरती, विनीता जिंदल, और पूनम बेदी (2024). एलसी-आईपीएल: एलएसटीएम का उपयोग करके आईपीवी4 हेडर में गुप्त डेटा का पता लगाना। *अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी जर्नल।* 17, 689-702। https://doi.org/10.1007/s41870-024-02284-0

गुप्ता, ऋचा; विनीता जिंदल और इंदु कश्यप (2024). फर्जी समीक्षाओं का पता लगाने की नवीनतम तकनीक: एक व्यापक समीक्षा। *नॉलेज इंजीनियरिंग रिव्यू।* 39 (e8), https://doi.org/10.1017/S0269888924000067

एस.बी. तनेजा, सौरभ जायसवाल, संजय बिष्ट, विनीता जिंदल और पूनम बेदी (2025)। एमओपी-एन: गतिशील युद्ध-खेल परिदृश्य में बंदूकों की स्वचालित तैनाती के लिए एक हाइब्रिड एआई मॉडल। *रक्षा विज्ञान जर्नल,* 75 (2), 179-187। https://doi.org/10.14429/dsj.20246

सिया गर्ग, विनीता जिंदल, और राहुल जौहरी (2025)। आरओएपी: संज्ञानात्मक कंप्यूटिंग के साथ क्लाउड इकोसिस्टम में संसाधन अनुकूलन, आवंटन और प्रावधान। *जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन सिस्टम्स इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट।* 10 (8s)। https://doi.org/10.52783/jisem.v10i8s.1112

पुस्तकें

अरोड़ा, आर. और अरोड़ा, एस. (2025). अनिश्चितता के दौर में टिकाऊ पर्यावरण के लिए अनुकूलन तकनीकें (प्रथम संस्करण). स्प्रिंगर सिंगापुर. https://doi.org/10.1007/978-981-96-0389-3

पुस्तक में अध्याय

बेदी, पी., ठुकराल, ए., धीमान, एस. (2024). रोग निदान में व्याख्यात्मक एआई। अलुवालु, आर., मेहता, एम., सियारी, पी. (संपादक) स्वास्थ्य सूचना विज्ञान में व्याख्यात्मक एआई। कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस विधियाँ और अनुप्रयोग (पृष्ठ: 87-111)। स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-97-3705-5_5, प्रिंट ISBN 978-981-97-3704-8 (प्रकाशित: 8 जुलाई 2024)

संपादित पुस्तक में अध्याय

फाउंटेन, वाई. (2019)। शारीरिक गतिविधि वाले खेल। जे. स्टोन और सी.ई. शेफ़र (सं.), *खेल: बच्चों और किशोरों के साथ खेलों का चिकित्सीय उपयोग* (तीसरा संस्करण, पृष्ठ 79-98)। जॉन विले एंड संस।

संपादित पुस्तक में अध्याय

सिंह, ए., अरोड़ा, आर. और अरोड़ा, एस. (2025). एक नई फर्मेंटियन फ़ज़ी परिवहन समस्या का समाधान खोजने पर: एक नया दृष्टिकोण। अनिश्चितता के तहत सतत पर्यावरण के लिए अनुकूलन तकनीकें (प्रथम संस्करण)। (पृष्ठ 149-158)। स्प्रिंगर सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-96-0389-3

सिंह, ए., अरोड़ा, आर. और अरोड़ा, एस. (2025)। वॉल्यूम डिस्काउंट के साथ नॉन-लीनियर न्यूट्रोसोफिक ट्रांसपोर्टेशन समस्या को हल करने का एक तरीका। अनुप्रयुक्त गणित के लिए न्यूट्रोसोफिक और प्लिथोजेनिक इन्वेंटरी मॉडल। (पृष्ठ 219-246)। आईजीआई ग्लोबल साइंटिफिक पब्लिशिंग। doi: 10.4018/979-8-3693-3204-7।

आयोजित संगोष्ठियां

इनोवेटिवव्यू के स्वतंत्र निदेशक, सीए श्री गौरव गर्ग ने 4 फरवरी, 2025 को "केंद्रीय बजट" पर एक व्याख्यान दिया।

प्रोफेसर (डॉ.) राधेश के. सूरी, कुलपति, हैप्पीनेस यूनिवर्सिटी, पूर्व कुलपति मोनाड यूनिवर्सिटी, मनोवैज्ञानिक, मेंटर-टॉकटूएंजेल.कॉम, परिवर्तनकारी कोच, पूर्व निदेशक-आरजीआईपीटी ने 7 नवंबर, 2024 को "न्यूरो-भाषाई प्रोग्रामिंग (एनएलपी) और पारस्परिक प्रभावशीलता" पर एक व्याख्यान दिया।

अक्षय पात्र फाउंडेशन यूएसए की उपाध्यक्ष सुश्री निधि कथूरिया ने 7 अक्तूबर, 2024 को “तकनीकी परिदृश्य में परिवर्तन: भारतीय एवं वैश्विक परिप्रेक्ष्य” विषय पर एक संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।

पर्यावरण अध्ययन विभाग के सहायक प्रोफेसर: डॉ. निलोय सरकार ने 25 सितंबर, 2024 को "स्वच्छ भारत, स्वच्छता का इतिहास और महत्व, सबसे स्वच्छ शहर इंदौर का केस स्टडी" विषय पर एक संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।

पर्यावरण अध्ययन विभाग की सहायक प्रोफेसर: डॉ. भावना त्यागी ने 20 सितंबर, 2024 को “नदी पुनर्ग्रहण का महत्व” विषय पर एक संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के पर्यावरण अध्ययन विभाग के प्रोफेसर राधेश्याम शर्मा ने 22 अप्रैल, 2024 को “विकसित भारत में अपनी जीवन पुस्तक तैयार करने का रोडमैप” विषय पर एक संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।

भारतीय प्रदूषण नियंत्रण संघ (आईपीसीए) के उप प्रबंधक श्री डेन्ज़िल बेसिल ने 22 अप्रैल, 2024 को "एकल-उपयोग प्लास्टिक के उपयोग को कम करना" विषय पर एक संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के ऑपरेशनल रिसर्च के वरिष्ठ प्रोफेसर, प्रो. चंद्र के. जग्गी ने 8 अप्रैल, 2024 को "गणितीय मॉडलैंगिक" पर एक संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।

आयोजित सम्मेलन

'कृत्रिम बुद्धिमत्ता और नेटवर्किंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएआईएन-2024)' शीर्षक से आयोजित सम्मेलन, गुरु तेग बहादुर प्रौद्योगिकी संस्थान (जीटीबीआईटी), जीजीएसआईपीयू, दिल्ली; पोर्टालेग्रे पॉलिटेक्निक विश्वविद्यालय, पुर्तगाल; और चेक गणराज्य के सेस्के बुदेजोविस में प्रौद्योगिकी और व्यवसाय संस्थान के सहयोग से, स्प्रिंगर, मेइटी, डिजिटल इंडिया, एल्सेवियर और विले द्वारा प्रायोजित, 24-25 सितंबर, 2024 को आयोजित किया जाएगा।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित छात्रों की संख्या : **74** (32%)

कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या : **43**

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

प्रोजेक्ट आरोग्य-स्वास्थ्य और कल्याण पर केंद्रित।

परियोजना पर्या-कर्म-पर्यावरणीय स्थिरता और स्वच्छता के लिए समर्पित।

प्रोजेक्ट भारतीय-सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय गौरव को बढ़ावा देने का लक्ष्य।

प्रोजेक्ट मुस्कान-वंचित समुदायों को खुशी और सहायता प्रदान करने के लिए बनाया गया।

आयोजित कार्यक्रम:

21 जून 2024 को केशव महाविद्यालय की एनएसएस इकाई द्वारा शारीरिक शिक्षा विभाग के सहयोग से और IQAC ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत एक शांतिदायक उद्धरण से हुई और इसमें डॉ. अंजलि ठुकराल ने भी हिस्सा लिया। जिन्होंने विभिन्न योग आसन, प्राणायाम और ध्यान तकनीकों का प्रदर्शन किया। प्राचार्य प्रो. मधु प्रुथी ने भी इसमें भाग लिया और शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण के लिए योग के महत्व को रेखांकित किया।

17 सितंबर से 1 अक्तूबर 2024 तक स्वच्छता पखवाड़ा, एक राष्ट्रव्यापी पहल, को बढ़ावा देने के लिए मनाया गया। स्वच्छता, स्वास्थ्य और पर्यावरणीय स्थिरता पर केंद्रित कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान केशव महाविद्यालय ने कई कार्यक्रम आयोजित किए। 26 सितंबर को डॉ. निलॉय सरकार द्वारा स्वच्छता और सफाई पर एक संगोष्ठी और उसके बाद

शपथ सहित कई गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। 30 सितंबर को आयोजित समारोह में प्रतिभागियों ने प्लास्टिक के उपयोग को कम करने जैसे अपशिष्ट निपटान स्थायी तरीकों के प्रति प्रतिबद्धता जताई।

1 अक्तूबर, 2024 को एनएसएस इकाई ने अपशिष्ट पृथक्करण पर एक सत्र आयोजित किया, जिसमें प्रदूषण नियंत्रण में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला गया। संसाधन संरक्षण। इन आयोजनों ने पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी को बढ़ावा दिया और प्रतिभागियों को पर्यावरण के अनुकूल आदतें बदलना, एक स्वच्छ और स्वस्थ भविष्य की दिशा में सामूहिक प्रयास को बढ़ावा देना। एनएसएस इकाई ने इसके लिए आभार व्यक्त किया छात्रों, शिक्षकों और कार्मिकों द्वारा सक्रिय भागीदारी और उत्साह दिखाया गया।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय में एक विशाल, सुसज्जित, दो मंजिला पुस्तकालय है जिसमें एक बड़ा वाचनालय भी है। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, पूरे पुस्तकालय में 32 सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। इसमें विभिन्न वर्गों में 30,000 से ज़्यादा किताबें हैं, जिनमें विभिन्न क्षेत्रों की पाठ्यपुस्तकों, संदर्भ सामग्रियों और विश्वकोशों का एक समृद्ध संग्रह शामिल है। वर्तमान में, पुस्तकालय में 34 पत्रिकाएँ और 16 समाचार-पत्र उपलब्ध हैं।

उपयोगकर्ता ई-ग्रंथालय सॉफ्टवेयर के माध्यम से एनआईसी क्लाउड के माध्यम से पुस्तकालय के ई-संसाधनों तक ऑनलाइन पहुँच प्राप्त कर सकते हैं। महाविद्यालय पुस्तकालय एन-लिस्ट डेटाबेस का भी सदस्य है, जो केशव महाविद्यालय के उपयोगकर्ताओं को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से कभी भी और कहीं भी ई-पुस्तकों और ई-पत्रिकाओं सहित विभिन्न ई-संसाधन उपलब्ध कराता है। इसके अतिरिक्त, पुस्तकालय इंटरनेट के माध्यम से डीयूएलएस द्वारा उपलब्ध हजारों ई-पत्रिकाओं और शोध लेखों तक पहुँच प्रदान करता है। इसके अलावा, पुस्तकालय दृष्टिबाधित उपयोगकर्ताओं के लिए ब्रेल सामग्री प्रदान करता है और लेक्स एयर वीएडी सॉफ्टवेयर, ब्रेल फेस और देवनागरी सॉफ्टवेयर से सुसज्जित है।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	**: 25**
एसोसिएट प्रोफेसर	**: 14**
सहायक प्रोफेसर	**: 6**
तदर्थ	**: 40**
अतिथि	**: 17**

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित अनुदान : ₹ 30.753 करोड़

उपयोगित अनुदान : ₹ 33.198 करोड़

****

किरोड़ीमल महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

किरोड़ीमल महाविद्यालय ने शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जारी रखते हुए, शिक्षकों के बीच एक मज़बूत शोध संस्कृति को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने के लिए अपने संकाय सदस्यों के लिए अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कारों की स्थापना की है। इस पहल के एक सराहनीय विस्तार में, महाविद्यालय ने प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में शोध-पत्र प्रकाशित करने वाले छात्रों के लिए भी पुरस्कार शुरू किए हैं, जो उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों को मान्यता और सम्मान देते हैं। महाविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर, संकाय और छात्रों, दोनों को शोध परियोजनाओं, प्रकाशित पत्रों और पेटेंट के रूप में उनके योगदान के लिए पुरस्कार और प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। बुनियादी ढाँचे के विकास के संदर्भ में, बहुप्रतीक्षित फ्रैंक ठाकुरदास ऑडिटोरियम का निर्माण कार्य निरंतर प्रगति पर है, जो संस्थान के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसके अतिरिक्त, खेल मैदान के बगल में एक नया बास्केटबॉल कोर्ट बनाया गया है, जो महाविद्यालय की जीवंत खेल संस्कृति को और समृद्ध बनाता है। शिक्षण-अधिगम अनुभव को बेहतर बनाने के लिए, महाविद्यालय ने विभिन्न शैक्षणिक स्थानों में इंटरैक्टिव पैनल स्थापित किए हैं। ये डिजिटल उपकरण छात्रों और संकाय को इंटरनेट संसाधनों और आधुनिक शैक्षिक तकनीकों को एकीकृत करने में सक्षम बनाते हैं, जिससे नवीन और प्रभावी शिक्षण का मार्ग प्रशस्त होता है।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

प्रो. शोभा कौर ने भारतीय ज्ञान प्रणाली में अपना चौथा मास्टर्स प्रोग्राम 84.75% अंकों के साथ पूरा किया।

छात्र

आर्यन चंद्रा, बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (तृतीय वर्ष), आईआईटी जैम-2025 (अर्थशास्त्र) में AIR 1, 22 मार्च, 2025

ओम रजीदा, बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (तृतीय वर्ष), आईआईटी जैम-2025 (अर्थशास्त्र) में AIR 7, 22 मार्च, 2025

प्रकाशन

डॉ. बलबीर कौर

सह-प्राध्यापक

वाणिज्य कर विभाग

जैन, के., और कौर, बी. (2024). उच्च शिक्षा में शिक्षकों के जीवन की गुणवत्ता पर सामाजिक-आर्थिक चरों के प्रभाव की जाँच। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेशन एंड मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च,* 4(2), 12-19।

कौर, बी., जैन, के., और मदन, पी. (2024). ग्रामीण पंजाब में महिला स्वयं सहायता समूह सदस्यों द्वारा इंटरनेट बैंकिंग को अपनाना. *जूनी ख्यात,* 13(2), 427-438.

प्रो. दिनेश खट्टर

प्रोफ़ेसर

गणित विभाग

प्राचार्य, किरोड़ीमल महाविद्यालय

दिनेश खट्टर, नाओकांत देव, मुकुल सिरोही, उन्नीस n-आयामी श्रेणी-B अराजक प्रणालियों और इलेक्ट्रॉनिक सर्किट योजनाबद्ध पर नवीन हेक्सा-यौगिक संयोजन तुल्यकालन पर, *फिजिका स्क्रिप्टा। SCIE, SCOPUS।* https://doi.org/10.1088/1402-4896/ad9e3c

दिनेश खट्टर, मुकुल सिरोही, रोहित बंसल, दो नवीन अराजक प्रणालियों का तुलनात्मक विश्लेषण, और सक्रिय-अनुकूली नियंत्रण का उपयोग करके हाइब्रिड फ़ंक्शन प्रोजेक्टिव और पूर्ण सिंक्रनाइज़ेशन का सत्यापन, *फिजिका स्क्रिप्टा। एससीआईई, स्कोपस।* https://doi.org/10.1088/1402-4896/ad8e9a

गोविंद सिंह, दिनेश खट्टर, नेहा अग्रवाल, लोरेंज, रोस्लर, लू और चेन अराजक प्रणालियों का द्वैध द्विघात यौगिक मल्टीस्विचिंग एंटी-सिंक्रोनाइज़ेशन, *द यूरोपियन फिजिकल जर्नल बी. एससीआईई, स्प्रिंगर, स्कोपस.* https://doi.org/10.1140/epjb/s10051-024-00855-5

डॉ. नेहा अग्रवाल

सहायक प्रोफेसर

गणित विभाग

दिनेश खट्टर, गोविंद सिंह, नेहा अग्रवाल, लॉरेंज, रोस्लर, लू और चेन अराजक प्रणालियों का द्वैध द्विघात यौगिक बहुस्विचिंग प्रति-तुल्यकालन, *द यूरोपियन फिजिकल जर्नल बी. एससीआईई, स्प्रिंगर, एससीओपीयूएस.* https://doi.org/10.1140/epjb/s10051-024-00855-5

गोविंद सिंह, नेहा अग्रवाल, एक नवीन 4डी हाइपरकैओटिक प्रणाली का गुणात्मक विश्लेषण और सक्रिय, अनुकूली और स्लाइडिंग मोड नियंत्रण के माध्यम से इसका कैओस सिंक्रोनाइज़ेशन, *इंडियन जर्नल ऑफ़ फ़िज़िक्स। एससीआईई, स्प्रिंगर, स्कोपस।* https://doi.org/10.1007/s12648-024-03140-4

डॉ. नेहा वर्मा

सह-प्राध्यापक

अर्थशास्त्र विभाग

दुआ, पी., वर्मा, एन. (2024) पूँजी प्रवाह और वैश्विक कारकों की गतिशीलता: उभरती अर्थव्यवस्थाओं का मामला। *जर्नल ऑफ क्वांटिटेटिव इकोनॉमिक्स* 22, 945-975।

दुआ, पी., वर्मा, एन., और गोयल, डी. (2024). दक्षिण एशिया में व्यापार, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और उत्सर्जन: वैश्विक और क्षेत्रीय संबंधों की भूमिका. *साउथ एशिया इकोनॉमिक जर्नल,* 25(2), 103-125.

परिहार, एस.एम., वर्मा, एन., और मदन, पी. (2024). वित्तीय सशक्तिकरण के माध्यम से एशिया में लैंगिक मुख्यधारा में आना. *अर्थशास्त्र, भारतीय अर्थशास्त्र एवं अनुसंधान जर्नल,* 13(4), 27-46.

वर्मा, एन., और गोयल, डी. (2024). भारत में मौद्रिक नीति और वित्तीय स्थिरता. *जर्नल ऑफ बिज़नेस थॉट,* 15, 1-10.

डॉ. नीति खंडेलवाल गर्ग

सह-प्राध्यापक

अर्थशास्त्र विभाग

दुआ, पी., और गर्ग, एन.के. (2024). भारत में उत्पादकता वृद्धि पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव. भारतीय आर्थिक समीक्षा, 59 (पूरक 1), 259-286. https://doi.org/10.1007/s41775-024-00229-9

डॉ. प्रवीण कुमार अंशुमान

सह-प्राध्यापक

अंग्रेजी विभाग

अंशुमान, पी.के. (2024). भारतीय पहचान का संरक्षण: अंग्रेज़ी भाषा और भारतीय लोकाचार का एक अध्ययन। *तारीख़-ए-अदब-ए-उर्दू,* 6(4), 318-336. आईएसएसएन: 2582-1229, ई-आईएसएसएन: 2582-9157.

अंशुमन, पीके (2025)। विदुर की स्वीकृति: कुरु वंश के पतन की प्रस्तावना। *तारीख ए अदब ए उर्दू,* 7(1), 472-480। आईएसएसएन: 2582-1229, ई-आईएसएसएन: 2582-9157।

प्रो. रीना सक्सेना

प्रोफ़ेसर

रसायन-विज्ञान विभाग

बावेजा, एस., लोचब, ए., बक्सी, एस., और सक्सेना, आर. (2024). विद्युत-रासायनिक संवेदन अनुप्रयोगों के लिए क्रियाशील बहु-दीवार वाले कार्बन नैनोट्यूब के साथ थैलियम की अन्योन्यक्रियाओं की कम्प्यूटेशनल जाँच। *शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त रसायन-विज्ञान,* 96(3), 421-428। https://doi.org/10.1515/pac-2023-1139

लोचब, ए., बावेजा, एस., जिंदल, के., चौधरी, ए., तोमर, एम., और सक्सेना, आर. (2024). एस्परैगाइन-संशोधित एमडब्ल्यूसीएनटी का उपयोग करके पैरासिटामोल की उपस्थिति में डाइक्लोफेनाक के विद्युत-रासायनिक पता लगाने पर प्रायोगिक और कम्प्यूटेशनल अंतर्दृष्टि। *माइक्रोकेमिकल जर्नल,* 208, लेख 112430। https://doi.org/10.1016/j.microc.2024.112430

लोचब, ए., बावेजा, एस., जिंदल, के., चौधरी, ए., तोमर, एम., और सक्सेना, आर. (2024). क्रियाशील MWCNTs का उपयोग करके पैरासिटामोल का विद्युत-रासायनिक संवेदन: कम्प्यूटेशनल और प्रायोगिक विधियों का एकीकरण। *विश्लेषण और संवेदन,* 4(e202400098), 1-14। https://doi.org/10.1002/ anse.202400098

लोचब, ए., जिंदल, के., चौधरी, ए., तोमर, एम., और सक्सेना, आर. (2024). कैडमियम के विद्युत-रासायनिक पता लगाने के लिए संवेदन मंच के रूप में धातु ऑक्साइड-आधारित कार्बन नैनोकंपोजिट-कम्प्यूटेशनल और प्रायोगिक दृष्टिकोण। *माइक्रोकेमिकल जर्नल,* 198, लेख 110125। https://doi.org/10.1016/j. microc.2024.110125

लोचब, ए., बक्सी, एस., तिवारी, पी., बर्दिया, एस., और सक्सेना, आर. (2024). पर्यावरणीय और जैविक नमूनों में ज्वरनाशक और एंटीबायोटिक दवाओं के निर्धारण के लिए विद्युत-रासायनिक सेंसर। *माइक्रोकेमिकल जर्नल,* 199, लेख 109923। http://dx.doi.org/10.1016/j.microc.2024.109923

मलिक, आर., खत्री, के., सक्सेना, आर., और वारकर, एस.जी. (2024). कार्बोक्सिमिथाइल इमली गिरी गोंद-आधारित हाइड्रोजेल का निर्माण और कृषि विज्ञान के लिए विभिन्न प्रकार की मृदाओं में इसकी प्रयोज्यता। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स,* 280, अनुच्छेद 135616। https://doi.org/10.1016/ j.ijbiomac.2024.135616

डॉ. सीमा मेहरा परिहार

भूगोल विभाग के प्रोफेसर

परिहार, एस.एम., और अन्य (2024). वित्तीय सशक्तिकरण के माध्यम से एशिया में लैंगिक मुख्यधारा में शामिल होना। *अर्थशास्त्र: भारतीय अर्थशास्त्र एवं अनुसंधान जर्नल,* 13(4), 27-46। https://doi.org/10.17010/ 2024/V3i4/174045

डॉ. सुमन दास

सहायक प्रोफेसर

भूगोल विभाग

दास, एस. (2024). मध्य हिमालय की मंदाकिनी घाटी के पहाड़ी भूभाग में उच्च सटीकता के लिए बैंड अनुपात का उपयोग करके भूमि आवरण वर्गीकरण। *जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल एनालिसिस एंड एप्लीकेशन,* 33(08), 616-627. ऑनलाइन। आईएसएसएन संख्या-1572-9206।

दास, एस. (2024). जारी जातीय संघर्ष के परिणाम: मणिपुर राज्य का सामाजिक-आर्थिक विश्लेषण. *पुस्तकालय प्रोग्रेस इंटरनेशनल,* 44(2), 1171-1191. आईएसएसएन संख्या - 2320-317X.

दास, एस. (2024). लोक कला के माध्यम से कला पर्यटन का पूरक: मिथिलांचल (बिहार, भारत) में मिथिला चित्रकला के माध्यम से कला पर्यटन की संभावनाओं का विश्लेषण। *पुस्तकालय प्रोग्रेस इंटरनेशनल,* 44(1), 441-449. आईएसएसएन 2320-317X.

दास, एस. (2024). रोंगमेई नागा जनजातीय समुदाय में पलायन के अंतर्निहित निर्धारकों की जाँच। *फ्रंटियर्स इन हेल्थ इंफॉर्मेटिक्स,* 13(3), 3614-3625. आईएसएसएन 2676-7104.

दास, एस. (2024). समुदाय आधारित आपदा जोखिम प्रबंधन : सेन्डाई 2015-2030 के अंदर आपदा जोखिम न्यूनीकरण को प्राप्त करने का एक प्रयास [समुदाय-आधारित आपदा जोखिम प्रबंधन: सेंडाइ फ्रेमवर्क (2015-2030) के तहत आपदा जोखिम

न्यूनीकरण प्राप्त करने का एक दृष्टिकोण]। *शोधकोश: जर्नल ऑफ विजुअल एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स,* 5(2), 507-511. आईएसएसएन 2582-7472.

डॉ. उत्कर्ष सूद

सहायक प्रोफेसर

प्राणी-विज्ञान विभाग

अब्राहम, जे.एस., सोमसुंदरम, एस., मौर्य, एस., सूद, यू., लाल, आर., टोटेजा, आर. और मखीजा, एस. (2024): उच्च-थ्रूपुट डीएनए मेटाबारकोडिंग के माध्यम से मीठे पानी के सिलिअट विविधता की जानकारी। *एफईएमएस माइक्रोब्स,* 5, xtae003।

कुमार, ए., सूद, यू., गर्ग, जी., लाल, आर. और रावत, सी.डी. (2024): विलियमसिया मरियानेसिस का जीनोम-आधारित पुनर्वर्गीकरण, विलियमसिया मुरलिस के परवर्ती विषमरूपी पर्याय के रूप में। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टमैटिक एंड इवोल्यूशनरी माइक्रोबायोलॉजी,* 74, 006485।

मुलर, एम., बियालास, ई., स्टर्म, आई., सूद, यू., लाल, आर. और बेचथोल्ड, ए. (2024): रिफामाइसिन व्युत्पन्न-उत्पादक एमाइकोलैटोप्सिस मेडिटेरेनी S699 उपभेदों में उन्नत एंटीबायोटिक उत्पादन के लिए जीनोमिक संशोधन: रिफक्यू और रिफो जीन पर ध्यान केंद्रित करते हुए। *फ्रंटियर्स इन एंटीबायोटिक्स,* 3, 1399139।

सोमसुंदरम, एस., अब्राहम, जेएस, मौर्य, एस., सूद, यू., लाल, आर., मखीजा, एस., और टोटेजा, आर. (2024): भारी धातु तनाव से निपटने में टेटमेमेना प्रजाति SeJ-2015 (स्पाइरोट्राइकिया; सिलिओफोरा) के एंटीऑक्सीडेंट एंजाइमों और मेटालोप्रोटीन में कम्प्यूटेशनल अंतर्दृष्टि। *इंडियन जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी,* 1-15।

सूद, यू., गर्ग, जी. और लाल, आर. (2024): सूक्ष्मजीवों के साथ पर्यावरण को संशोधित करने पर विषयगत मुद्दा। *FEMS सूक्ष्मजीव,* 5, xtae021।

सूद, यू., मुलर, एम., लैन, टी., गर्ग, जी., सिंघवी, एन., हीरा, पी., सिंह, पी., निगम, ए., वर्मा, एम., लता, पी., कौर, एच., कुमार, ए., रावत, सी.डी., लाल, एस., एल्ड्रिच, सी., बेचथोल्ड, ए., और लाल, आर. (2024): एमाइकोलैटोप्सिस मेडिटेरेनी: स्ट्रेन पृथक्करण से लेकर कॉम्बिनेटरियल बायोसिंथेसिस द्वारा रिफामाइसिन एनालॉग उत्पादन की इसकी क्षमता को उजागर करने तक की साठ वर्ष की यात्रा। *जर्नल ऑफ नेचुरल प्रोडक्ट्स,* 87, 424-438।

टिम्मिस, के., हॉल्सवर्थ, जे.ई., मैकगेनिटी, टी.जे., आर्मस्ट्रांग, आर., कोलोम, एम.एफ., कराहन, सेर्ना, जे.जी. (2024): अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रासंगिक सूक्ष्म जीव-विज्ञान शिक्षा

और समाज में सूक्ष्म जीव-विज्ञान ज्ञान के प्रचार-प्रसार की एक अवधारणा। *माइक्रोबियल बायोटेक्नोलॉजी,* 17, ई14456।

डॉ. यश मंगला

सहायक प्रोफेसर

वनस्पति-विज्ञान विभाग

झाझरिया, एम., मंगला, वाई., चंद्रा, ए., गोयल, एस., और टंडन, आर. (2024). उप-अंडाकार हिप्पोफे रमनोइड्स में परिवर्तनशील संसाधन आवंटन पैटर्न, पक्षपाती लिंगानुपात और लैंगिक द्विरूपता की सीमा। *पीएलओएस वन,* 19(4), e0302211.ISSN 1932-6203. https://doi.org/10.1371/journal.pone.0302211

मंगला, वाई., और गुप्ता, सी.के. (2025)। वायु प्रदूषक और परागकण: मानव स्वास्थ्य और पादप प्रजनन पर प्रभाव। पांडुलिपि अंतर्राष्ट्रीय पादप एवं पर्यावरण पत्रिका में प्रकाशन हेतु प्रस्तुत।

शर्मा, आर., मंगला, वाई., मगोत्रा, पी., और शर्मा, एन. (2024). ज़ैंथोक्सिलम आर्मेटम, एक संवेदनशील, औषधीय रूप से महत्वपूर्ण द्विलिंगी वृक्ष, का लैंगिक द्विरूपता और परागण तंत्र। *जर्नल ऑफ एशिया-पैसिफिक बायोडायवर्सिटी,* 17(4), 739-747। ऑनलाइन आईएसएसएन: 2287-9544, प्रिंट आईएसएसएन: 2287-884X।

पुस्तकें

डॉ. अमित कुमार सुमन

सहायक प्रोफेसर

इतिहास विभाग

सुमन, ए.के. (2025). *भारत को शिक्षित करना: उपनिवेशवाद और स्वदेशी ज्ञान परंपराएँ, लगभग 1780-1900.* ब्लूम्सबरी.

सुमन, ए.के. (2025). *भूले हुए देशभक्त: औपनिवेशिक शासन और भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के गुमनाम नायक* (प्रथम संस्करण). मनोहर.

डॉ. प्रवीण कुमार अंशुमान

सह-प्राध्यापक

अंग्रेजी विभाग

पुस्तक प्रकाशन (एकमात्र लेखक):

अंशुमन, पीके *राहुल: एक लंबी कथात्मक कविता।* प्रभाकर प्रकाशन (पी) लिमिटेड।

अंशुमन, पीके *काव्य शतक: एक दिव्य स्पंदन।* प्रभाकर प्रकाशन (पी) लिमिटेड।

पुस्तक प्रकाशन (संपादित):

अंशुमन, पीके (2025)। *अभ्युत्थानम: जागने और जागने के लिए* (वार्षिक पुस्तक, खंड 2)। प्रभाकर प्रकाशन (पी) लिमिटेड।

डॉ. रितु वार्ष्णेय गुप्ता

सहायक प्रोफेसर

हिंदी विभाग

पुस्तक प्रकाशन:

गुप्ता, आरवी (2025)। स्त्री विमर्श का समकालीन परिदृष्य। अखंड पब्लिशिंग हाउस: नई दिल्ली।

गुप्ता, आरवी (2025)। शेखर एक जीवनी रूप और सरोकार। नई किताब प्रकाशन: नई दिल्ली।

गुप्ता, आरवी (2025)। चाह (लघुकथा)। पुरवाई: लंदन.

श्री विशाल धवन

सहायक प्रोफेसर

गणित विभाग

पुस्तक प्रकाशन (सह-संपादक):

धवन, वी. (2025). अभ्युत्थानम: किरोड़ीमल महाविद्यालय की वार्षिक पुस्तक (द्वितीय संस्करण).

पुस्तक में अध्याय

नीति खंडेलवाल गर्ग

सह-प्राध्यापक

अर्थशास्त्र विभाग

दुआ, पी., और गर्ग, एन.के. (2025)। ग्लोबल वार्मिंग और भारतीय उत्पादकता वृद्धि के बीच संबंध। एन. कुमार और एस. रॉय (सं.), *एफडीआई, एमएसएमई, डिजिटलीकरण*

और हरित औद्योगीकरण (इंडिया स्टडीज़ इन बिज़नेस एंड इकोनॉमिक्स) में। स्प्रिंगर। https://doi.org/10.1007/978-981-97-8999-3_10

डॉ. उत्कर्ष सूद

सहायक प्रोफेसर

प्राणी-विज्ञान विभाग

ढींगरा, जीजी, कुमार, आर., सूद, यू., हीरा, पी., कौर, जे., और लाल, आर. (2023)। माइक्रोबायोम और मानव स्वास्थ्य: डिस्बायोसिस से चिकित्सीय हस्तक्षेप तक। आर. सोबती, आर.सी. कुहाड़, आर. लाल, और पी. ऋषि (सं.), *सतत विकास में सूक्ष्मजीवों की भूमिका* (स्प्रिंगर) में। https://doi.org/10.1007/978-981-99-3126-2_13

सूद, यू., हीरा, पी., गर्ग, जी., लाल, आर., और शकरद, एम. (2024). मेटाजीनोम-असेम्बल्ड जीनोम, कल्चरोमिक्स और सीक्कोड का उपयोग करके माइक्रोबियल डार्क मैटर को समझना। *जीनोमिक युग में माइक्रोबियल विविधता में* (पृष्ठ 747-757)। अकादमिक प्रेस।

डॉ. यश मंगला

सहायक प्रोफेसर

वनस्पति-विज्ञान विभाग

मंगला, वाई., और गुप्ता, सी.के. (2025)। मृदा स्वास्थ्य और पादप फेनोलॉजी पर इसका प्रभाव। एन.सी. जोशी, टी. ल्यूस्टेक, और पी.के. सिंह (सं.), *मृदा स्वास्थ्य और पोषण प्रबंधन* (सीएबी इंटरनेशनल) में। https://doi.org/10.1079/9781800624597.0012 (प्रकाशन में)

संपादित पुस्तक में अध्याय:

डॉ. नदीम अहमद

सहायक प्रोफेसर

उर्दू विभाग

अहमद, एन. (2025). अभ्युत्थानम: किरोड़ीमल महाविद्यालय की वार्षिक पुस्तक (द्वितीय संस्करण, उर्दू अनुभाग)।

अनुसंधान परियोजनाएँ

डॉ. नेहा वर्मा

सह-प्राध्यापक

अर्थशास्त्र विभाग

26 जुलाई 2024 को भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा स्वीकृत 'विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिप्रेक्ष्य के साथ भारत की महिला सशक्तिकरण एटलस क्षमता निर्माण का क्षेत्रीय कार्यान्वयन और उपयोग' परियोजना के सह-प्रमुख अन्वेषक।

डॉ. प्रवीण कुमार अंशुमान, *एसोसिएट प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग*

श्री विशाल धवन, *सहायक प्रोफेसर:, गणित विभाग*

डॉ. नेहा अग्रवाल, *सहायक प्रोफेसर:, गणित विभाग*

विजन और मिशन का तालमेल: दिल्ली विश्वविद्यालय में एनईपी-यूजीसीएफ में वीएसीएस की खोज, केएमसी रिसर्च प्रोजेक्ट्स, किरोड़ीमल महाविद्यालय द्वारा वित्त-पोषित।

डॉ. सीमा मेहरा परिहार

प्रोफ़ेसर

भूगोल विभाग

भूगोल विभाग की डॉ. सीमा मेहरा परिहार को *"विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिप्रेक्ष्य में भारतीय महिला सशक्तिकरण एटलस क्षमता निर्माण का क्षेत्रीय कार्यान्वयन एवं उपयोग" नामक शोध परियोजना के लिए* प्रधान अन्वेषक (पीआई) के रूप में ₹58,60,499 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रदान किया गया है और 2024 से 2025 तक की अवधि के लिए है।

भूगोल विभाग की डॉ. सीमा मेहरा परिहार, दिल्ली स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ, इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान *में "उच्च शिक्षा में सार्वजनिक स्वास्थ्य में क्षमता निर्माण कार्यक्रम, चिकित्सकों का निर्माण (सीबीपी-एचएचएच: 2023-2025)" नामक परियोजना के लिए* कार्यक्रम समन्वयक के रूप में कार्य कर रही हैं, जो 2024 से 2025 तक की अवधि को कवर करेगी।

डॉ. सुमन दास

सहायक प्रोफेसर

भूगोल विभाग

भूगोल विभाग की डॉ. सुमन दास को "सिक्किम हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियर झील विस्फोट बाढ़ (जीएलओएफ): आपदा प्रबंधन रणनीति (डीएमएस) के लिए भेद्यता, जोखिम और तैयारी का आकलन" नामक शोध परियोजना के लिए सह-पीआई के रूप में मंजूरी दी गई है। यह अनुदान आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित प्रमुख शोध परियोजना

के अंतर्गत स्वीकृत संख्या आईसीएसएसआर/आरपीडी/एमजे/2023-24/जी/48, दिनांक 8 मार्च 2024 के अंतर्गत स्वीकृत किया गया है।

आयोजित संगोष्ठियां

प्रो. रीना सक्सेना, संसाधन व्यक्ति-*फोरेंसिक अनुप्रयोगों में विषाक्त धातु आयनों के विद्युत-रासायनिक पता लगाने हेतु एक संवेदन मंच के रूप में कार्बन नैनोकंपोजिट।* रसायन-विज्ञान और फोरेंसिक संगोष्ठी, रसायन-विज्ञान और फोरेंसिक विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी स्कूल, नॉटिंघम ट्रेंट विश्वविद्यालय, नॉटिंघम, यूके में 2025 फरवरी 12 को आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया जाएगा।

मीतेई, डॉ. लुकराम इंगोचौबा (2025, 7 फ़रवरी)। *सिलिअट जीवविज्ञान एवं अंतःविषयक अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एसएसी का प्रतिनिधित्व* [स्टॉल प्रस्तुति]। आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।

डॉ. सीमा मेहरा परिहार, एसएम, ने स्किल नेशन द्वारा एआई प्रॉम्प्ट, एक्सेल, पीपीटी, पीबीआई, टैब और एसक्यूएल मास्टरी सहित एआई टूल्स सीखने से संबंधित कई कार्यशालाओं/संगोष्ठियों में भाग लिया (मई 2024-दिसंबर 2024)

मीतेई, डॉ. लुकराम इंगोचौबा। (2024, 3-4 अक्तूबर)। *बायोफ्लोक तकनीक पर आमंत्रित व्याख्यान और व्यावहारिक प्रशिक्षण* [आमंत्रित व्याख्यान और प्रशिक्षण]। प्राणि-विज्ञान विभाग, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

2 फरवरी, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के हिमालयन अध्ययन केंद्र के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। भूगोल विभाग की **डॉ. सीमा मेहरा परिहार,** भूगोल विभाग की समन्वयक के रूप में कार्यरत रहीं। इस सहयोग के परिणामस्वरूप:

क) हिमालयी क्षेत्र में अंतःविषयक अनुसंधान और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए "महिला सशक्तिकरण, जलवायु परिवर्तन और भू-स्थानिक विश्लेषण हेतु हिमालयी केंद्र (एचसी-डब्ल्यूजी)" की स्थापना की गई थी।

ख) लैंगिक, जलवायु परिवर्तन और भू-स्थानिक विश्लेषण पर शिक्षा और क्षमता निर्माण को बढ़ाने के लिए संयुक्त पहल शुरू की गई।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित छात्रों की संख्या : **90** (30%)
कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या : **63**

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

अपने व्यापक विस्तार और आउटरीच पहलों के एक भाग के रूप में, किरोड़ीमल महाविद्यालय अपने पूर्व छात्र नेटवर्क को अपने शैक्षणिक और सामाजिक पारिस्थितिकी तंत्र के एक अभिन्न अंग के रूप में शामिल करने पर विशेष बल देता है। एक मज़बूत पूर्व छात्र नेटवर्क किसी भी संस्थान के लिए एक महत्वपूर्ण संपत्ति है, जो न केवल उसके विकास में बल्कि उसकी स्थायी प्रतिष्ठा में भी योगदान देता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए, महाविद्यालय एक वार्षिक पूर्व छात्र मिलन समारोह का आयोजन करता है, जिसमें विभिन्न स्नातक बैचों के सैकड़ों पूर्व छात्र एकत्रित होते हैं। यह आयोजन पुराने संबंधों को पुनर्जीवित करने, नए संबंध बनाने और पूर्व छात्रों और उनके संस्थान के बीच स्थायी जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए एक गतिशील मंच के रूप में कार्य करता है।

किसी भी संस्थान का पूर्व छात्र नेटवर्क उसकी सफलता में अहम भूमिका निभाता है और उसकी प्रतिष्ठा में महत्वपूर्ण योगदान देता है। किरोड़ीमल महाविद्यालय ने छात्रों के लिए नौकरी खोजने की प्रक्रिया को आसान बनाते हुए, उनके लिए संपर्क स्थापित करने में मदद की और 63 से ज़्यादा कंपनियाँ हमारे संस्थान में आईं। महाविद्यालय के नियोजन सेल द्वारा आयोजित वार्षिक जॉब्स और इंटर्नशिप मेले ने छात्रों को करियर के अवसरों से जोड़ने में एक और सफल अध्याय जोड़ा। इस मेले में ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से 100 से ज़्यादा रिक्रूटर्स ने हिस्सा लिया, जिनमें फ्यूचर्स फ़र्स्ट, मुथूट ग्रुप, केवेंटर्स, आउटलुक ग्रुप, अनस्टॉप, मैकडॉनल्ड्स और अन्य जैसे कई प्रतिष्ठित संगठन शामिल थे।

इस वर्ष प्रदान किया गया औसत वार्षिक वेतन (CTC) ₹12.65 लाख प्रति वर्ष था, जिसका औसत वार्षिक वेतन (CTC) ₹10.86 लाख प्रति वर्ष था। उल्लेखनीय रूप से, सबसे अधिक पैकेज ₹23 लाख प्रति वर्ष का था, जिसका सकल वार्षिक वेतन ₹7.61 करोड़ तक पहुँच गया, जो किरोड़ीमल महाविद्यालय के स्नातकों की भारी माँग का संकेत है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि एक प्रमुख शैक्षणिक संस्थान के रूप में हमारी प्रतिष्ठा को और मज़बूत करती है।

पुस्तकालय विकास

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के दौरान, किरोड़ीमल महाविद्यालय पुस्तकालय में छात्रों की पहुँच, शैक्षणिक सहायता और समग्र आराम में सुधार लाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण अवसंरचनात्मक और प्रशासनिक सुधार किए गए। दिल्ली विश्वविद्यालय के कुछ पूर्णतः वातानुकूलित पुस्तकालयों में से एक के रूप में, इसने अपने विस्तारित वाचनालय के समय को प्रातः 8:00 बजे से रात 8:00 बजे तक बनाए रखा, और इसे मध्यरात्रि तक बढ़ाने की योजना है। प्रमुख उन्नयन में वाचनालय, स्टैक हॉल, लॉबी और पुस्तकालय कार्यालय में एयर कंडीशनिंग के साथ-साथ विद्युत और जल निकासी कार्य पूरा करना शामिल था। वाचनालय और ई-लर्निंग कक्षों में दीवार पंखे जोड़े गए, और ऊपरी मंजिलों पर शौचालयों की मरम्मत की गई। तकनीकी सुधारों में ई-लर्निंग कक्ष के लिए नई प्रणालियाँ, पहचान पत्र जारी करना और पुस्तकालय कार्यालय का स्थानांतरण शामिल था।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	:	42
एसोसिएट प्रोफेसर	:	53
सहायक प्रोफेसर	:	130
अतिथि	:	40

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित अनुदान	: ₹ 95.3989221 करोड़
उपयोगित अनुदान	: ₹ 94.212094 करोड़

****

लेडी इरविन महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

एनएएसी मान्यता A+ और NIRF रैंकिंग 23 के साथ लेडी इरविन महाविद्यालय ने प्रभावशाली शैक्षणिक, शोध और आउटरीच पहलों के माध्यम से उत्कृष्टता की अपनी परंपरा को जारी रखा है। प्रमुख शोध परियोजनाएँ–जिनमें यूनिसेफ समर्थित सामाजिक एवं व्यवहार परिवर्तन केंद्र और यूनिसेफ समर्थित रोशनी महिला सामूहिक नेतृत्व वाली सामाजिक कार्रवाई केंद्र, तकनीकी सहायता इकाई, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन शामिल हैं–समुदाय-केंद्रित और सहभागी विकास के प्रति इसकी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

वर्ष के दौरान, 18-23 नवंबर, 2024 को 'शिक्षक के रूप में एक शोधकर्ता' शीर्षक से मूल्य-वर्धित पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। वर्ष का एक अन्य मुख्य आकर्षण भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) को शामिल करते हुए विविध विषयों पर संगोष्ठियों की एक श्रृंखला थी, जैसे कि हथकरघा परंपराएं, फैशन में टिकाऊ प्रथाएं और डिजाइन सोच, का आयोजन किया गया।

संसाधन प्रबंधन एवं डिज़ाइन अनुप्रयोग विभाग ने 20 सितंबर, 2024 को अपने 60वें स्थापना दिवस के महत्वपूर्ण पड़ाव को चिह्नित करते हुए, भारत के सतत विकास लक्ष्यों पर केंद्रित, विकसित भारत 2047 के लिए स्थिरता पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। इसके अतिरिक्त, डिज़ाइन इनोवेशन सेंटर ने "लीफ प्लेट" नामक एक पहल की, जिसका उद्देश्य प्राकृतिक रूप से गिरे हुए मुचकन के पत्तों से बनी बायोडिग्रेडेबल डिस्पोजेबल प्लेटों के विकास पर केंद्रित था। राष्ट्रीय स्तनपान सप्ताह (1-7 अगस्त 2024) और राष्ट्रीय पोषण माह (सितंबर 2024) को कई संगोष्ठियों, एक राष्ट्रीय परामर्श बैठक और विभिन्न अन्य गतिविधियों के साथ मनाया गया।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

श्री आकाश देवांगन

क) एक राष्ट्रीय सम्मेलन में तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा 21 और 22 मार्च, 2025 को विकसित भारत@2047: प्रगति और विकास पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

अंजनी बख्शी

क) आईसीएमआर, केंद्रीय क्षय रोग प्रभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित भारत नवाचार शिखर सम्मेलन-क्षय रोग को समाप्त करने के लिए अग्रणी समाधान द्वारा नवाचार का चयन।

अंजना कुमारी

क) 9 अगस्त, 2024 को भारतीय प्लास्टिक संस्थान, दिल्ली चैप्टर के सहयोग से भास्कराचार्य अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "फ्यूचरिस्टिक पॉलिमर: नवाचार, स्थिरता और कौशल" विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी के दौरान "बेल शेल: नवीन पैकेजिंग का विकास और लक्षण वर्णन" शीर्षक से पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

प्रो. अपर्णा खन्ना

क) 30 जून, 2024 को कला संकुल द्वारा आयोजित 'पर्यावरण की रक्षा में कला का योगदान: सामाजिक और व्यवहारिक परिवर्तन के लिए कुछ नवीन प्रयोग' विषय पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया है।

आरती यादव

क) गृह विज्ञान में नवीन अनुसंधान के लिए कंवलनाथ पद्मबोधिनी अनुसंधान पुरस्कार।

दीपा कन्नूर

क) डॉ. दीपा कन्नूर को शैक्षणिक वर्ष 2024 के लिए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पुरस्कारों में मानव विकास और बाल्यावस्था अध्ययन में निरंतर बेहतर प्रदर्शन के लिए "युवा महिला वैज्ञानिक पुरस्कार", एग्री मीट फाउंडेशन यूपी

ललिता वर्मा

क) सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 के लिए जिला स्तरीय संचालन समिति के सदस्य।

ख) आईसीडीएस/पोषण के अंतर्गत दिल्ली आंगनवाड़ी सेवाओं के अंतर्गत आपूर्ति किए जाने वाले पूरक पोषण कार्यक्रम (एसएनपी) के नए मॉडल के सदस्य।

ग) शिक्षा निदेशालय के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले कुपोषित बच्चों की पहचान के लिए एमडीएम (पीएम-पोषण) योजना की राज्य स्तरीय संचालन सह निगरानी समिति के सदस्य।

घ) शिक्षा निदेशालय के एनजीओ/स्वैच्छिक संगठनों/सेवा प्रदाताओं की नियुक्ति/पैनल में आगे विस्तार की समीक्षा करने के लिए समिति के सदस्य।

डॉ. माधुरी निगम

क) वन प्लैनेट, संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण (राष्ट्रों के जीवन चक्र डेटाबेस निर्माण हेतु सहायता डेस्क पर नामित विशेषज्ञ)

ख) सदस्य, जीवन चक्र पहल, संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम

डॉ. मासोत ज़िंगखाई

क) 24 से 25 जनवरी 2025 तक दिल्ली और उखरुल जिले, मणिपुर के शीर्ष छात्र निकायों, तांगखुल कटमनाओ लॉन्ग दिल्ली (टीकेएलडी) और तांगखुल कटमनाओ सकलोंग (टीकेएस) द्वारा आयोजित दो दिवसीय सीयूईटी (यूजी) जागरूकता कार्यशाला के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ. मीनल जैन

क) सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र पुरस्कार में दूसरा स्थान-नागार्जुन, वी., मित्तल, एम., और जैन, एम. (2024). "सौर अनुसंधान परिदृश्य का पता लगाना: रुझानों और अंतर्दृष्टि का एक ग्रंथसूची संबंधी अवलोकन", संसाधन प्रबंधन एवं डिज़ाइन अनुप्रयोग विभाग, लेडी इरविन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 16 से 18 अक्तूबर 2024 तक, विकसित भारत 2047 के लिए स्थिरता पर राष्ट्रीय सम्मेलन 2024 में।

ख) 4 मार्च 2025 को द टाइम्स ऑफ इंडिया, नवभारत टाइम्स और एनेक्टस के सहयोग से फेडरल बैंक हॉर्मिस मेमोरियल फाउंडेशन द्वारा आयोजित स्पीक फॉर इंडिया-इंटर-महाविद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता, लेडी इरविन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में निर्णायक।

ग) जूरी सदस्य, राष्ट्रीय हरित पृथ्वी चुनौती (एनजीईसी), एक अखिल भारतीय प्रतियोगिता जो छात्रों को हरित भविष्य के लिए अभिनव, टिकाऊ समाधान डिजाइन करने के लिए आमंत्रित करती है (दो विषयों में शीर्ष टीम के लिए 1.5 लाख रुपये के भव्य पुरस्कार सहित कुल 10 लाख रुपये के पुरस्कारों के साथ, इस पहल ने युवा परिवर्तनकर्ताओं को सार्थक प्रभाव डालने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया), प्रेम जैन मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा आयोजित (फरवरी, 2025)।

प्रो. मीनाक्षी मित्तल

क) सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र पुरस्कार में दूसरा स्थान-नागर, वी., मित्तल, एम., और जैन, एम. (2024). "सौर अनुसंधान परिदृश्य का पता लगाना: रुझानों और अंतर्दृष्टि का एक ग्रंथसूची संबंधी अवलोकन", संसाधन प्रबंधन एवं डिज़ाइन अनुप्रयोग विभाग, लेडी इरविन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 16 से 18 अक्तूबर 2024 तक, विकसित भारत 2047 के लिए स्थिरता पर राष्ट्रीय सम्मेलन 2024 में प्रस्तुत किया गया।

प्रीति ऋषि लाल

क) खेल पोषण में पाठ्यक्रम विकास के लिए दिल्ली राज्य विश्वविद्यालय, खेल पोषण अध्ययन बोर्ड के सदस्य को आमंत्रित किया गया।

पुलकित माथुर

क) श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय, इंदौर द्वारा 4 मार्च 2025 को आयोजित फोर्टिफिकेशन पर राष्ट्रीय सम्मेलन-"फोर्टिफाइड खाद्य पदार्थों के माध्यम से कल्याण में वृद्धि: अवसर और चुनौतियां" के पूर्ण सत्र में सत्र की अध्यक्षता।

ख) सदस्य, अध्ययन बोर्ड, गृह विज्ञान-खाद्य एवं पोषण, आईआईएस विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान।

डॉ. रुचिरा अग्रवाल

क) दिल्ली विश्वविद्यालय के 100वें दीक्षांत समारोह के लिए गणमान्य व्यक्तियों हेतु दीक्षांत समारोह वस्त्र डिजाइन टीम के सदस्य।

ख) सदस्य**,** डिज़ाइन टीम**,** स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर**,** नई दिल्ली के दीक्षांत समारोह के लिए गणमान्य व्यक्तियों हेतु दीक्षांत वस्त्र डिज़ाइन।

प्रो. रूपा उपाध्याय

क) सत्यापन के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित GAIN की खाद्य प्रणाली नीति सुसंगतता पर आयोजित कार्यशाला में डायग्नोस्टिक्स टूल 10 तारीख को फरवरी, 2025, आईआईसी, नई दिल्ली।

ख) विश्व सतत विकास शिखर सम्मेलन 2025, 5 मार्च 2025, TERI पर आमंत्रित विशेषज्ञ।

प्रो. सरिता आनंद

क) पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित, राष्ट्रीय परामर्श-लचीले समुदायों का निर्माण: महिलाएँ और टिकाऊ पारिस्थितिकी तंत्र, एनसीडब्ल्यू, संयुक्त राष्ट्र महिला-30 जुलाई 2024.

ख) 7 मार्च, 2025 के अवसर पर IARI, PUSA, नई दिल्ली द्वारा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण में अग्रणी महिला समूहों पर बोलने के लिए एक पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया।

ग) भारत में सभी शिशुओं और छोटे बच्चों (6-23 महीने) के लिए इष्टतम पूरक आहार सुनिश्चित करना विषय पर एफएन विभाग द्वारा आयोजित परामर्श बैठकों में पूरक आहार के लिए बीसीसी-पूरक आहार को बढ़ावा देने के लिए समुदायों को संगठित करने पर अनुभव साझा करने के लिए आमंत्रित, आईआईसी, दिल्ली, नीति आयोग और यूनिसेफ इंडिया के सहयोग से, 1 सितंबर और 24 सितंबर, 2024.

घ) 19 और 20 सितंबर, 2024 को यूनिसेफ, पश्चिम बंगाल के लिए कोलकाता में पोषण पुनर्वास अधिकारियों के रूप में कार्यरत अधिकारियों के लिए एसबीसी प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

ङ) वनस्थली विद्या पीठ, राजस्थान द्वारा सतत विकास के लिए अनुकूली प्रौद्योगिकियों पर बोलने के लिए आमंत्रित, आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी, सतत विकास: वैश्विक समस्याएं, स्थानीय समाधान, 28-29 सितंबर, 2024.

च) ग्रामीण विकास के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकियों पर बोलने के लिए आमंत्रित, द्वितीय पैन हिमालयन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, नेपाल, यूईएसटीसी, चीन द्वारा आयोजित। 2 से 5 अक्तूबर, 2024 तक।

छ) पैनलिस्ट, नरिशिंग साउथ एशिया-दक्षिण एशिया में गर्भाधान-पूर्व पोषण को आगे बढ़ाना, 21-22 नवंबर 2024 नई दिल्ली।

ज) 22 फरवरी, 2025 को एएमयू द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी में लैंगिक और समावेशी विकास पर बोलने के लिए आमंत्रित किया गया।

झ) सीसीएस विश्वविद्यालय, मेरठ और एमएस विश्वविद्यालय बड़ौदा के दो पीएच.डी. छात्रों के लिए क्रमशः अगस्त, 2024, नवंबर, 2024 और फरवरी, 2025 में परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया और उनका वाइवा आयोजित किया गया।

ञ) रोशनी-महिला सामूहिक नेतृत्व वाली सामाजिक कार्रवाई का केंद्र, यूनिसेफ इंडिया द्वारा (एनआरएलएम, ग्रामीण विकास मंत्रालय) के लिए स्थापित एक टीएसयू का नेतृत्व किया।

ट) निम्नलिखित पत्रिकाओं के लिए समीक्षक: *मीडिया एशिया रिव्यू, महिला स्वास्थ्य समीक्षा, जर्नल ऑफ होम साइंस एसोसिएशन ऑफ इंडिया, जर्नल ऑफ कम्युनिटी साइंस, एएमयू*

उपासना यादव

क) गृह विज्ञान में नवीन अनुसंधान के लिए कंवलनाथ पद्मबोधिनी अनुसंधान पुरस्कार।

छात्र

अनीता सर्वोच्च सीजीपीए (8.909) के साथ विश्वविद्यालय में टॉपर रहीं तथा उन्हें विश्वविद्यालय पदक से सम्मानित किया गया।

चंचल शर्मा सर्वोच्च सीजीपीए (8.980) के साथ विश्वविद्यालय में टॉपर रहीं तथा उन्हें विश्वविद्यालय पदक से सम्मानित किया गया।

इशिका तायल सर्वोच्च सीजीपीए (9.240) के साथ विश्वविद्यालय में टॉपर रहीं तथा लक्ष्मी देवी बसंत राय स्वर्ण पदक से सम्मानित हुईं।

प्रगति गुलाटी सर्वोच्च सीजीपीए (9.300) के साथ विश्वविद्यालय में टॉपर रहीं तथा उन्हें बी.जे. पटेल मेमोरियल मेडल से सम्मानित किया गया।

प्रतिभा शर्मा, उच्चतम सीजीपीए (9.620) के साथ विश्वविद्यालय में टॉपर रहीं और विश्वविद्यालय पदक प्राप्त किया।

रितिका बत्रा को विश्वविद्यालय पदक से सम्मानित किया गया।

सोमिरिन खशिमवो सर्वोच्च सीजीपीए (9.300) के साथ विश्वविद्यालय में टॉपर रहीं तथा उन्हें बी.जे. पटेल मेमोरियल मेडल से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

स्कोपस अनुक्रमित पत्रिकाएँ

डॉ. आदित्य नारायण उपाध्याय

पांडे, आर., सिंह, पी., उपाध्याय, ए.एन., नोखवाल, आर., यादव, ए.के., शाहिद, आर., और सिंह, पी. (2024). K-डोपेड में परिवहन गतिशीलता पर संरचनात्मक प्रभाव मोनोमेरिक SrSiO3 प्रणाली। अकार्बनिक रसायन-विज्ञान संचार, 168,112923

अंजनी बख्शी

भाटिया, एन., बख्शी, एन., और बख्शी, ए. (2025)। *तपेदिक रोगियों के लिए घर-आधारित कुपोषण प्रबंधन उपकरण।* टीबी नवाचार के एटलस में-*टीबी को समाप्त करने के लिए अग्रणी समाधान।* भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर)।

चुटानी, ए.एम., और बख्शी, ए. (2024). डिस्लिपिडेमिया के लिए आहार चिकित्सा: नैदानिक परीक्षणों की समीक्षा। *हृदय रोग और पुनर्वास के लिए योग में।* एल्सेवियर, एकेडमिक प्रेस।

प्रो. अर्चना कुमार

धीर, आर., और कुमार, ए. 2024 सोशल नेटवर्किंग साइट्स: महिलाओं के विरुद्ध साइबर अपराध का प्रवेश द्वार। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी एजुकेशनल रिसर्च, खंड 13, 2(2), 104-108.

मुखर्जी, एस. और कुमार, ए. 2024 परिवार नियोजन पहल और प्रभावी रणनीतियों में पुरुषों की भागीदारी के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना: एक व्यवस्थित समीक्षा भारतीय सामाजिक विज्ञान और साहित्य जर्नल (आईजेएसएसएल) सितंबर 2024 खंड 4 (1), DOI:10.54105/ijssl.B1148.04010924, ISSN: 2583-0643.

डॉ. आशिमा आनंद

आनंद, ए., और सेखरी, एस. (2024). भारतीय शहरी युवाओं में पारंपरिक वस्त्रों के प्रति जागरूकता और धारणा. *जर्नल ऑफ आर्ट्स, आईआईएस यूनिवर्सिटी,* 13(3), 296-310. आईएसएसएन: 2319-5339.

बिन्दु

बजरिया, बी., त्रिपाठी, आई., सिंह, ए., और कुमार, पी. (2024). आरटीई खाद्य पदार्थों में कार्यात्मक दृष्टिकोण और उनकी स्थिरता: हाल ही में प्रचलित अनुकूलन। एचएन मिश्रा, पी. कुमार, और ए. सिंह (सं.), *रेडी-टू-ईट खाद्य प्रौद्योगिकी में हालिया प्रगति* (पृष्ठ 85-104)। सीआरसी प्रेस। https://doi.org/10.1201/ 9781032622408-5

दीपा कन्नूर

चौहान, ए., और कन्नूर, डी. (2024). भाई-बहन के रिश्ते का अनुभव: एक गुणात्मक अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च, 6* (3), 1-5।

कन्नूर, डी. (2024). सिद्दी जनजाति के स्कूली बच्चों में संज्ञानात्मक विकास पर हस्तक्षेप अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फ़ूड एंड न्यूट्रिशनल साइंसेज, 13* (4), 115-122.

कन्नूर, डी., और इटागी, एस. (2024). उत्तरी कर्नाटक में रजोनिवृत्ति संबंधी समस्याओं का अनुभव: मिश्रित शोध. *साउथ इंडिया जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज, 22* (1), 95-104.

कनक, आर. (2024). किशोरों में लचीलेपन की समझ. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स, 12* (7), 243-254.

कन्नूर, डी., फ्लोरेंस, डी., और कोमला, एम. (2025)। जेनु कुरुबा आबादी में पाँच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की पोषण स्थिति और विकास। *क्यूरेटियोनेस डी फ़िज़ियोथेरेपी, 54* (3), 5267-5271.

कन्नूर, डी., मुक्तामठ, वी., और फ्लोरेंस, डी. (2025)। उत्तर कर्नाटक में कामकाजी और गैर-कामकाजी मध्यम आयु वर्ग की महिलाओं में वैवाहिक संतुष्टि और रजोनिवृत्ति के प्रति दृष्टिकोण। *द इंडियन जर्नल ऑफ होम साइंस, 37* (1), 430-444.

डॉली फ्लोरेंस मुर्मू

जायसवाल, एस., और मुर्मू, डी.एफ. (2024). मासिक धर्म स्वच्छता प्रथाओं के बारे में युवा लड़कियों की धारणा का अन्वेषण। *द इंडियन जर्नल ऑफ होम साइंस, 36* (1), 449-511।

मुर्मू, डी.एफ. (2024). झारखंड के संथालों के पवित्र उपवन और पारिस्थितिकी का स्वदेशी ज्ञान और सांस्कृतिक महत्व। *समावेशी जर्नल, 2* (25), 1218-1219।

मुर्मू, डी.एफ., और जोशी, पी. (2024). संथाल औषधकोश का नृवंशविज्ञान संबंधी क्षेत्रीय कार्य: क्षेत्रीय कार्य में चुनौतियाँ और बातचीत। *जर्नल ऑफ साउथ एशियन एंथ्रोपोलॉजिस्ट, 24* (2), 150-159।

रियामेई, सीजे, कपूर, एस., और मुर्मू, डीएफ (2024). ग्रामीण मणिपुर में बच्चों (6-12 वर्ष) का जीवन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ होम साइंस, 10* (2), 313-318।

फ्लोरेंस, डी., कन्नूर, डी., और बत्रा, एस. (2025)। दिल्ली-एनसीआर में युवा वयस्कों के बीच लाभ के साथ मित्र (एफडब्ल्यूबी) संबंधों पर एक अध्ययन। *क्यूस्टियोनेस डी फ़िज़ियोथेरेपी, 54* (3), 5212-5221।

मुर्मू, डी.एफ., और कन्नूर, डी. (2025)। संथालों के औषधीय खाद्य पदार्थों की नृवंशविज्ञान संबंधी जाँच और पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान प्रणाली के संरक्षण में संथाल महिलाओं की भूमिका। *जर्नल ऑफ इंडिजिनस नॉलेज स्टडीज़, 12* (3), 1791-1796।

कन्नूर, डी., और मुर्मू, डी.एफ. (2025)। उत्तर कर्नाटक में मध्यम आयु वर्ग की महिलाओं के रजोनिवृत्ति के लक्षणों के अनुभव पर गुणात्मक अध्ययन। *जर्नल ऑफ इंडिजिनस नॉलेज स्टडीज़, 12* (3), 1750-1755।

हेइरांगखोंगजाम मेमथोई देवी

अग्रवाल, के., रुबेका, जैन, एस., हेइरांगखोंगजम, एमडी, और अग्रवाल, ए. (2024). गेलन गम-आधारित फ़िल्में। टी. अमीन, एच.आर. नाइक, एस.जेड. हुसैन, और एस.एम. वानी (सं.), *खाद्य पैकेजिंग के लिए पॉलीसैकेराइड आधारित फ़िल्में: मूल सिद्धांत, गुण और अनुप्रयोग।* स्प्रिंगर।

अग्रवाल, के., अग्रवाल, आई., देवी, एचएम, और अग्रवाल, ए. (2024, अक्तूबर)। फैटी एसिड का सेवन और मस्तिष्क विकास: मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक महत्वपूर्ण संबंध। *न्यूट्रिशन सोसाइटी ऑफ इंडिया, दिल्ली चैप्टर (सं.), न्यूट्रिशन डायलॉग्स:*

न्यूट्रिशन सोसाइटी ऑफ इंडिया, दिल्ली चैप्टर का ई-न्यूज़लेटर (खंड 3, अंक 2, पृष्ठ 17-18) में।

कृतिका

सिंह, डी., कृतिका, कविता, गोदारा, ए.के., और राणा, एम.के. (2024). कृषि विकास के लिए कृषि मेले का उपयोग और किसानों की धारणा। *जर्नल ऑफ कम्युनिटी मोबिलाइज़ेशन एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट, 19* (3), 1-5।

कृतिका, और मलिक, पी. (2024). हरियाणा में स्वास्थ्य सेवा कर्मियों का व्यावसायिक तनाव और संगठनात्मक वातावरण. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड मैनेजमेंट स्टडीज़, 14* (3), 282-284.

ललिता वर्मा

अयूब, एफ., वर्मा, एल., थॉमस, टी., आदि (2024). बच्चों के लिए पूरक पोषण कार्यक्रम के अंतर्गत आहार तैयार करने हेतु एक अनुकूलन उपकरण। *पोषण में वर्तमान विकास, 8* (1), 1-9।

सिंधुजा, एम., वर्मा, एल., और ऋषि, एल. (2024). वज़न घटाने के लिए योगिक हस्तक्षेप: एक विस्तृत समीक्षा। *इंडियन जर्नल ऑफ़ न्यूट्रिशन एंड डायटेटिक्स, 61* (1), 84-99।

वर्मा, ए., वर्मा, एल., और बख्शी, ए. (2024). उत्तर-पूर्वी दिल्ली के स्कूली शिक्षकों में जीवनशैली संबंधी जोखिम कारक और उनसे जुड़ी बीमारियाँ: एक व्यापक अध्ययन। *भारतीय गृह विज्ञान संघ, 36* (1), 286-297।

डॉ. माधुरी निगम

पवित्रा खंडेलवाल और माधुरी निगम, "रेयान फैब्रिक पर जंग रंगाई और इसका मूल्यांकन *जर्नल ऑफ द टेक्सटाइल एसोसिएशन,* 85/2 (जुलाई-अगस्त 2024), 213-220, https://doi.org/10.5281/zenodo.13364257

निहारिका जैन और माधुरी निगम, रंगाई के लिए स्थायी दृष्टिकोण की खोज: एक समीक्षा, *जर्नल ऑफ द टेक्सटाइल एसोसिएशन,* 85/3 (सितंबर-अक्तूबर 2024), 274-281, https://doi.org/10.5281/zenodo.14273608

माधुरी निगम, मिरेइल फिस्ट, मोहम्मद मोशर्रफ हुसैन और मोहम्मद नूर हुसैन, "भारतीय वस्त्र क्षेत्र की जीवन चक्र सूची", *आईजेएनआरडी-इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नोवेल रिसर्च एंड डेवलपमेंट* (www.IJNRD.org), आईएसएसएन: 2456-4184, खंड 9, अंक 7, पृष्ठ संख्या a267-a277, जुलाई-2024, उपलब्ध : https://ijnrd.org/papers/IJNRD2407028.pdf

डॉ. मयंका गुप्ता

गुप्ता, एम., गोयल, एस., और भार्गव, वी. (2025)। वास्तविक और वांछित जीवन गुणवत्ता के बीच की खाई को पाटना: भारत में संस्थागत देखभाल परिवेश में वृद्धों पर एक अध्ययन। *जर्नल ऑफ जेरोन्टोलॉजिकल सोशल वर्क,* 1-22। https://doi.org/10.1080/01634372.2025.2477575

प्रो. मीनाक्षी मित्तल

अरोड़ा, एस., जैन, एम. (संवाददाता लेखक), मित्तल, एम., और स्याल, एस. (2025)। *दिल्ली, भारत के स्कूलों में रूफटॉप सोलर के लिए रेस्को मॉडल का मूल्यांकन। ओआईडीए इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सस्टेनेबल डेवलपमेंट, 18 (5), 65-76।* ओंटारियो इंटरनेशनल डेवलपमेंट एजेंसी, ओंटारियो, कनाडा, आईएसएसएन: 1923:6654 (प्रिंट) और आईएसएसएन: 1923:6662 (ऑनलाइन)

मकोल, एन., गुप्ता, पी., मितल, एम., और स्याल, एम. (2024). वैश्विक कार्बन नीतियों के अनुकूल होना: भारतीय व्यवसायों पर कार्बन सीमा समायोजन तंत्र का आर्थिक प्रभाव। *ओआईडीए इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सस्टेनेबल डेवलपमेंट, 18* (6), 11-20।

मित्तल, एम., गुप्ता, पी., और जैन, एम. (सं.) (2024). सार पुस्तक-विकसित भारत 2047 के लिए स्थिरता पर राष्ट्रीय सम्मेलन। नई दिल्ली (16 अक्तूबर 2024 को जारी)।

डॉ. मीनल जैन

अरोड़ा, एस., जैन, एम. (संवाददाता लेखक), मितल, एम., और स्याल, एस. (2025)। दिल्ली, भारत के स्कूलों में रूफटॉप सोलर के लिए रेस्को मॉडल का मूल्यांकन। ओआईडीए इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सस्टेनेबल डेवलपमेंट, 18(5), 65-76। ओंटारियो इंटरनेशनल डेवलपमेंट एजेंसी, ओंटारियो, कनाडा, आईएसएसएन: 1923:6654 (प्रिंट) और आईएसएसएन: 1923:6662 (ऑनलाइन) (इंडेक्सिंग: स्कोपस, डीओएजे, एसएसआरएन, ईबी.एससी. ओ और एमिकस)

मित्तल, एम., गुप्ता, पी., और जैन, एम. (सं.) (2024). सार पुस्तक-विकसित भारत 2047 के लिए स्थिरता पर राष्ट्रीय सम्मेलन। नई दिल्ली (16 अक्तूबर 2024 को जारी)।

डॉ. नाज़ बानो

बानो, एन., यादव, बी. और कुमारी, एन. (2024). लघु एवं सीमांत कृषक परिवारों की आजीविका सुरक्षा, अपनाई गई पारंपरिक एवं एकीकृत कृषि प्रणाली: एक तुलनात्मक

विश्लेषण। *जर्नल ऑफ कम्युनिटी मोबिलाइज़ेशन एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट,* 19(2), 187-197।

बानो एन., यादव बी. और कुमारी एन. (2024). एकीकृत कृषि प्रणाली के माध्यम से लघु एवं सीमांत कृषक परिवारों की आजीविका सुरक्षा: एक सतत दृष्टिकोण। *भारतीय विस्तार शिक्षा जर्नल,* खंड 60 (3), 1-9

डॉ. नैन्सी रैना

चंद्रा, ए., गुप्ता, वाई., दिनाकरन, जे., रैना, एन., हनीफ, एम., मीना, ए., और राव, केएस (2024). जलवायु हिमालय में परिवर्तन और जैव विविधता: रुझान और धारणा। टी. पुल्लैया द्वारा (सं.), हिमालय का जैव विविधता हॉटस्पॉट (पृष्ठ 439-478)। एएपी इंक. और सीआरसी प्रेस. https://doi.org/978-1-77491-458-8.

प्रो. नीलिमा अस्थाना

अग्रवाल, टी., और अस्थाना, एन. (2025). दिल्ली में ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम विकार से ग्रस्त किशोरों (15-18 वर्ष) का विशिष्ट आहार व्यवहार. द इंडियन जर्नल ऑफ होम साइंस, 37 (1), 375-383.

डॉ. ओकराम जेनिता देवी

देवी, ओ. जेड., मिश्रा, एस., आलम, एस., और ठाकुर, एल.के. (2025). सिंगल-क्वाड गैस मसालों में अवशेष के रूप में कुछ चयनित कीटनाशकों का क्रोमैटोग्राफी आकलन राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में पर्यावरण संबंधी निगरानी और मूल्यांकन, 197 (4), 1-11.

डॉ. पल्ली श्री

सिंह, सी.के., सोढ़ी, के.के., श्री, पी., और नितिन, वी. (2024). रोगाणुरोधी प्रतिरोध के विकास में उत्प्रेरक के रूप में भारी धातुएँ और सह-चयन को रेखांकित करने वाले तंत्र। करेंट माइक्रोबायोलॉजी, 81(6), 148।

सिंह, एन., त्यागी, एन., सिंह, एम., कुशवाहा, एच.आर., शर्मा, आर.के., श्री, पी., और गर्ग, एम. (2024). कम उपयोग किए गए पौधों के लक्षण, फाइटोकेमिकल प्रोफाइलैंगिक, एंटीऑक्सीडेंट और साइटोटॉक्सिसिटी का वर्णन औषधीय पौधे और मिश्रित आटा। खाद्य रसायन-विज्ञान, 456, 139985।

पूनम सिंह

सिंह, पी. (2024). प्रोटीन। पी. माथुर और एल. वर्मा (सं.), बी.एससी. नर्सिंग के लिए अनुप्रयुक्त पोषण और आहार विज्ञान (पृष्ठ 34-47)। आर्य पब्लिशिंग।

प्राची शुक्ला

शुक्ला, पी., सिद्धू, ए., और पीटर्स, एएनसी (2024). टाइप 2 मधुमेह के रोगियों के आहार सेवन पर बेरिएट्रिक सर्जरी का अल्पकालिक प्रभाव। *जर्नल ऑफ ह्यूमन न्यूट्रिशन एंड डायटेटिक्स, 1-12।* https://doi.org/10.1111/jhn.13371

फुगाट, एस., और शुक्ला, पी. (2024). महाविद्यालय के छात्रों में स्मार्टफोन के उपयोग और स्वास्थ्य संबंधी व्यवहारों के बीच संबंध। *न्यूट्रिशन टुडे, 59* (5), 251-254। https://doi.org/10.1097/NT.0000000000000703

मनचंदा, एन., शुक्ला, पी., और जायसवाल, एन. (2024). घर से काम करने के माहौल का विवाहित कामकाजी महिलाओं के आहार सेवन और शारीरिक गतिविधि पर प्रभाव। *द इंडियन जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन एंड डायटेटिक्स, 61* (3), 244-254। https://doi.org/10.21048/IJND.2024.61.3.33992

प्रीति ऋषि लाल

गुप्ता, ए., सचदेव, एच.एस., कपिल, यू., प्रकाश, एस., पांडे, आरएम, और लाल, पी.आर. (2024). भारत में ग्रामीण किशोरियों में हल्के और मध्यम एनीमिया का कारण। *इंडियन जर्नल ऑफ हेमेटोलॉजी एंड ब्लड ट्रांसफ्यूजन: इंडियन सोसाइटी ऑफ हेमेटोलॉजी एंड ब्लड ट्रांसफ्यूजन का एक आधिकारिक जर्नल, 40* (2), 255-260। https://doi.org/10.1007/s12288-023-01707-5

सिंधुजा, एम., वर्मा, एल., गुप्ता, एल., और लाल, पी.आर. (2024). वज़न घटाने के लिए योगिक हस्तक्षेप: एक विस्तृत समीक्षा। *द इंडियन जर्नल ऑफ़ न्यूट्रिशन एंड डायटेटिक्स, 61* (1), 84-99। आईएसएसएन: 0022-3174; ईआईएसएसएन: 2348-621X

डॉ. प्रिया खुराना और सुश्री पूजा त्रिपाठी

श्रीवास्तव, ए., और त्रिपाठी, पी., खुराना, पी., और मिश्रा, जी. (2024). भारती का ज्ञान: आधुनिक उच्च शिक्षा पाठ्यक्रम, शिक्षणशास्त्र और अनुसंधान के साथ भारतीय ज्ञान प्रणाली का एक अन्वेषण। एमएसडब्ल्यू प्रबंधन। 34. 519-529. 10.7492/q7r3b543.

प्रो. पूजा गुप्ता

मित्तल, एम., गुप्ता, पी., और जैन, एम. (सं.) (2024). सार पुस्तक-विकसित भारत 2047 के लिए स्थिरता पर राष्ट्रीय सम्मेलन। नई दिल्ली (16 अक्तूबर 2024 को जारी)।

पुलकित माथुर

माथुर, पी., और मनराल, एस. (2024). विभिन्न वसाओं के पोषण संबंधी गुण: उत्पाद विकास पर प्रभाव. *जर्नल ऑफ लिपिड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 55-56* (1-4), 52-57.

रेड्डी, केडी, और माथुर, पी. (2024). बेकरी उत्पादों में ट्रांस वसा को कम करना: संवेदी गुणों और स्वास्थ्य के लिए चुनौतियाँ और अवसर। *जर्नल ऑफ लिपिड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 55-56* (1-4), 58-64।

यूसुफ, आई., माथुर, पी., और बख्शी, एन. (2024). स्वतंत्र जीवन जीने वाले वयस्कों में संयमित भोजन व्यवहार: दिल्ली, भारत में एक अध्ययन। *जर्नल ऑफ इंटीग्रेटेड हेल्थ साइंसेज, 12* (2), 119-125। https://doi.org/10.4103/jihs.jihs_38_24

अयूब, एफ., माथुर, पी., एट अल. (2024). बच्चों के लिए पूरक पोषण कार्यक्रम के अंतर्गत आहार तैयार करने हेतु एक अनुकूलन उपकरण। *पोषण में वर्तमान विकास, 8* (7), 104409। https://doi.org/10.1016/j.cdnut.2024.104409

डॉ. रजनीश द्विवेदी

माइलस्वामी, एम., प्रकाश, डी., भट्टाचार्य, ए., द्विवेदी, आर., माइलस्वामी, पी., और अज़ीज़, पीए (2024). पक्षी संरक्षण के लिए नीति दस्तावेज़ भारत के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के शहरी परिदृश्य में। ओरिक्स, 58 (3), 289-289।

डॉ. रुचि कौशिक

कौशिक आर., मनीषा और दुआ एस. (2025). कॉर्पोरेट संगठनों में कार्यरत कार्मिकों के बीच यौन उत्पीड़न निवारण (पॉश) अधिनियम, 2013 के बारे में जागरूकता: दिल्ली एनसीआर में एक अध्ययन। *इंडियन जर्नल ऑफ होम साइंस.* 37(1), 147-159. (यूजीसी-सूचीबद्ध जर्नल)

प्रो. रूपा उपाध्याय

अमीर, एम., सिंह, एन., और उपाध्याय, आर. (2024). सोलराइज़्ड आईपीएम नर्सरी स्तर पर टमाटर पर रूट-नॉट नेमाटोड के जैव नियंत्रण के लिए मॉड्यूल जिला जी.बी. नगर, उत्तर प्रदेश। कृषि विज्ञान डाइजेस्ट, 44(3), 518-522।

साक्षी खुराना

जोशी, एम., वर्मा, पी., मागो, पी., अग्रवाल, वाई., गुनवाल, आई., खुराना, एस., तंवर, जे., यादव, यू., और यादव, ए. (2025)। स्तनधारी कोशिकाओं में पुनः संयोजक प्रोटीन अभिव्यक्ति। *पुनः संयोजक प्रोटीन उत्पादन, शुद्धिकरण और लक्षण वर्णन के मूल सिद्धांतों में* (पृष्ठ 79-102)। अकादमिक प्रेस।

प्रो. सरिता आनंद

गुप्ता, वी., और आनंद, एस. (2024). बच्चे और हाथ धोना। ग्रामीण भारत में व्यवहार परिवर्तन संचार हस्तक्षेप से प्राप्त अंतर्दृष्टि। *इंडियन जर्नल ऑफ होम साइंस.* 2024: 36(2), 467-478

प्रो. शांता रानी केरकेट्टा

केरकेट्टा, एसआर, वी. कसाना (2024), "झारखंड के जनजातीय क्षेत्रों में इको-टूरिज्म और इसका विकास," इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च इन इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (आईजेएसआरईएम), खंड-08, अंक-09, सितंबर-2024, आईएसएसएन संख्या 2582-3930।

केरकेट्टा, एसआर, के. पाल (2024), "झारखंड में आदिवासी सहकारी समितियों के माध्यम से सतत आदिवासी आजीविका सृजन और लघु वन उत्पादों का प्रभावी उपयोग," इंटरनेशनल जर्नल फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च (आईजेएफएमआर), ई-आईएसएसएन: 2582-2160।

केरकेट्टा, एसआर (2024), "झारखंड में मत्स्यपालन के लिए परित्यक्त खुले कोयला खनन गड्ढों का सतत उपयोग," इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज़ (आईजेआरएआर), खंड 11, अंक 3, ई- आईएसएसएन 2348-1269।

केरकेट्टा, एसआर (2024), झारखंड की जनजातीय आबादी की वाणिज्यिक गतिविधि को बढ़ावा देने के लिए चार लघु वन उत्पादों (इमली, वर्ष बीज, लाख, चिरौंजी) का मूल्य श्रृंखला विश्लेषण, इंजीनियरिंग और प्रबंधन में वैज्ञानिक अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (आईजेएसआरईएम), खंड-08, अंक-10, अक्तूबर-2024, आईएसएसएन संख्या 2582-3930।

केरकेट्टा, एसआर (2024), महुआ: झारखंड का व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण पर्णपाती वृक्ष, इंटरनेशनल जर्नल फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च (आईजेएफएमआर), अक्तूबर, ई-आईएसएसएन: 2582- 2160।

केरकेट्टा, एसआर (2024), झारखंड की रॉक कला: झारखंड की जनजातियों की स्वदेशीता का प्रमाण, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज़ (आईजेआरएआर), अक्तूबर, खंड 11, अंक 4, ई- आईएसएसएन 2348-1269।

केरकेट्टा, एसआर (2024), सोहराय कला-झारखंड का जनजातीय कला रूप, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नॉवेल रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आईजेएनआरडी), खंड 9, अंक 10, अक्तूबर, आईएसएसएन: 2456-4184।

खरासी, पीओ, एसआर केरकेट्टा, (2024), पूर्वोत्तर क्षेत्र भारत में ग्रामीण महिलाओं के लिए एक स्थायी आजीविका के रूप में एमजीएनआरईजीएस: साहित्य की समीक्षा, "इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज़ (आईजेआरएआर), खंड 11, अंक 3, ई- आईएसएसएन 2348-1269।

केरकेट्टा, एसआर (2024), भारत में एफडीआई और आर्थिक विकास के बीच संबंध। एक समय श्रृंखला दृष्टिकोण, ईपीआरए इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च (आईजेएमआर), खंड 10 (10), अक्तूबर, आईएसएसएन 2455-3662।

डॉ. शीतल चोपड़ा

नितिका जोशी और शीतल चोपड़ा, "गिलोय (*टिनोस्पोरा कॉर्डिफ़ोलिया*) वृक्ष की हवाई जड़ों से रेशों का निष्कर्षण-जैवसक्रिय वस्त्रों के लिए स्थायी स्रोत खोजना", *जर्नल ऑफ़ द टेक्सटाइल एसोसिएशन,* 85/2 (जुलाई-अगस्त 2024), 177-182, https://doi.org/10.5281/zenodo.13292600

सुश्री शेफाली चोपड़ा

चोपड़ा, एस., गुप्ता, पी., और मित्तल, एम. (2024). घर के अंदर की वायु गुणवत्ता और स्वास्थ्य पर उसके प्रभाव का एक अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड होम साइंस, 11,* 21-27।

डॉ. सुनैना दुआ

दुआ एस., कुमारी एस., पॉल पी., सरिता आनंद एस., कुसुमा के.एस., कौशिक आर. (2024). पारस्परिक संचार और व्यवहार परिवर्तन: डॉक्टर-रोगी संबंधों के निर्धारकों का मानचित्रण। *स्वास्थ्य सूचना विज्ञान में सीमाएँ।* 13 (3), 1313-1330।

प्रो. टीजी रूपा

ज़ईम, एम., रूपा, टी.जी. और वाधवा, एस. (2024). *दिल्ली-एनसीआर में सह-कार्यशील स्थानों के उभरते रुझान: हितधारकों का दृष्टिकोण,* इंटरनेशनल जर्नल फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च (आईजेएफएमआर), खंड 6, अंक 4, जुलाई-अगस्त 2024, ई-आईएसएसएन: 2582-2160, पृष्ठ 1-13, प्रभाव कारक: 9.24.

कर्माकर, एल. और रूपा, टी.जी. (2024). *दिल्ली के घरों में जैविक अपशिष्ट प्रबंधन पद्धतियाँ,* इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स (आईजेसीआरटी), खंड 12, अंक 9, सितंबर 2024, आईएसएसएन: 2320-2882, पृष्ठ 110-114, प्रभाव कारक: 7.97, मुक्त पहुँच, समकक्ष समीक्षित, रेफरी जर्नल, यूजीसी क्रमांक 49023 (18)

ज़ईम, एम., रूपा, टी.जी. (2024). *भविष्य के क्षितिज: सामाजिक उद्यमिता भारत के सामाजिक और आर्थिक परिदृश्य को कैसे आकार दे रही है,* इंटरनेशनल जर्नल ऑफ

रिसर्च इन एकेडमिक वर्ल्ड (आईजेआरएडब्ल्यू) में प्रकाशित, खंड 3, अंक 10, अक्तूबर 2024, ई-आईएसएसएन: 2583-1615, पृष्ठ 8-12, प्रभाव कारक (एसजेआईएफ): 6.092। डबल ब्लाइंड पीयर रिव्यूड, रेफरीड, इंडेक्स्ड, ओपन एक्सेस, मल्टीडिसिप्लिनरी जर्नल।

उपासना यादव

यादव, यू., खुराना, एस., रावल, के., अरोड़ा, बी., और यादव, ए. (2025)। खाद्य उद्योग में वास्तविक समय में पहचान के लिए इलेक्ट्रॉनिक भाषा (ई-टंग) के साथ एआई का एकीकरण। *खाद्य उद्योग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता* (पृष्ठ 277-296) में। सीआरसी प्रेस।

गौर, एस.के., प्रधान, पी., और यादव, ए. (2025)। *एस्चेरिचिया कोलाई में पुनः संयोजक प्रोटीन अभिव्यक्ति। पुनः संयोजक प्रोटीन उत्पादन, शुद्धिकरण और लक्षण वर्णन के मूल सिद्धांतों* में (पृष्ठ 39-55)। अकादमिक प्रेस।

रावत, डी., वर्मा, पी., यादव, यू., यादव, डी., कुडांगा, टी., और यादव, ए. (2025)। यीस्ट में पुनः संयोजक प्रोटीन अभिव्यक्ति। *पुनः संयोजक प्रोटीन उत्पादन, शुद्धिकरण और लक्षण वर्णन के मूल सिद्धांतों में* (पृष्ठ 57-78)। अकादमिक प्रेस।

पुस्तक में अध्याय

बख्शी, एन., और बख्शी, ए. (2024). भोजन और पोषण की मूल बातें। आर्य बुक पब्लिशर्स। आईएसबी.ए.न 9789360595654

बिंदु (2024). वसा। बी.एस.सी. नर्सिंग के लिए अनुप्रयुक्त पोषण एवं आहार विज्ञान में (पृष्ठ 27-33)। आर्य प्रकाशक। आईएसबी.ए.न 978-93-6059-169-4

गुप्ता, एम., और दीपा कन्नूर (2024). ग्रामीण वृद्धजनों के कल्याण को बढ़ावा देने के लिए प्रबंधन रणनीतियाँ। स्वास्थ्य सेवा सूचना प्रणाली और प्रशासन पुस्तक श्रृंखला में प्रगति, 209-238। https://doi.org/10.4018/979-8-3693-8552-4.ch007।

जैन, एम., और चौधरी, बी. (2025)। भारत में जैव विविधता: स्तर, वृहद जैव विविधता और हॉटस्पॉट। एम. मित्तल और पी. गुप्ता (सं.), पर्यावरण अध्ययन: संसाधन और स्थिरता। नई दिल्ली, भारत: एलीट पब्लिशिंग हाउस। आईएसबी.ए.न: 978-81-955567-5-5।

जैन, एम., और चौधरी, बी. (2025)। भारत में जैव विविधता: मूल्य, पवित्र उपवन और खतरे। एम. मित्तल और पी. गुप्ता (सं.), पर्यावरण अध्ययन: संसाधन और स्थिरता। नई दिल्ली, भारत: एलीट पब्लिशिंग हाउस। आईएसबी.ए.न: 978-81-955567-5-5।

जैन, एम., और चौधरी, बी. (2025)। जैव विविधता संरक्षण: भारत में रणनीतियाँ और केस स्टडीज़। एम. मित्तल और पी. गुप्ता (सं.), पर्यावरण अध्ययन: संसाधन और स्थिरता। नई दिल्ली, भारत: एलीट पब्लिशिंग हाउस। आईएसबी.ए.न: 978-81-955567-5-5।

जैन, एम., और चौधरी, बी. (2025)। पर्यावरण और स्थिरता। एम. मित्तल और पी. गुप्ता (सं.) में, पर्यावरण अध्ययन: संसाधन और स्थिरता। नई दिल्ली, भारत: एलीट पब्लिशिंग हाउस। आईएसबी.ए.न: 978-81-955567-5-5।

जैन, एम., और चौधरी, बी. (2025)। पर्यावरण अध्ययन की बहुविषयक प्रकृति। एम. मित्तल और पी. गुप्ता (सं.), पर्यावरण अध्ययन: संसाधन और स्थिरता। नई दिल्ली, भारत: एलीट पब्लिशिंग हाउस। आईएसबी.ए.न: 978-81-955567-5-5।

जैन, एम., और नागर, वी. (2025)। पारिस्थितिक तंत्र की अवधारणा। एम. मित्तल और पी. गुप्ता (सं.), पर्यावरण अध्ययन: संसाधन और स्थिरता। नई दिल्ली, भारत: एलीट पब्लिशिंग हाउस। आईएसबी.ए.न: 978-81-955567-5-5।

जैन, एम., और नागर, वी. (2025)। पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएँ। एम. मित्तल और पी. गुप्ता (सं.), पर्यावरण अध्ययन: संसाधन और स्थिरता। नई दिल्ली, भारत: एलीट पब्लिशिंग हाउस। आईएसबी.ए.न: 978-81-955567-5-5।

जैन, एम., और नागर, वी. (2025)। पर्यावरण प्रदूषण का परिचय। एम. मित्तल और पी. गुप्ता (सं.), पर्यावरण अध्ययन: संसाधन और स्थिरता। नई दिल्ली, भारत: एलीट पब्लिशिंग हाउस। आईएसबी.ए.न: 978-81-955567-5-5।

जैन, एम., और नागर, वी. (2025)। परमाणु खतरे और मानव स्वास्थ्य जोखिम। एम. मित्तल और पी. गुप्ता (सं.), पर्यावरण अध्ययन: संसाधन और स्थिरता। नई दिल्ली, भारत: एलीट पब्लिशिंग हाउस। आईएसबी.ए.न: 978-81-955567-5-5।

जैन, एम., और नागर, वी. (2025)। प्रदूषण केस स्टडीज़। एम. मित्तल और पी. गुप्ता (सं.), पर्यावरण अध्ययन: संसाधन और स्थिरता। नई दिल्ली, भारत: एलीट पब्लिशिंग हाउस। आईएसबी.ए.न: 978-81-955567-5-5।

जैन, एम., और नागर, वी. (2025)। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन। एम. मित्तल और पी. गुप्ता (सं.), पर्यावरण अध्ययन: संसाधन और स्थिरता। नई दिल्ली, भारत: एलीट पब्लिशिंग हाउस। आईएसबी.ए.न: 978-81-955567-5-5।

जैन, एम., और नागर, वी. (2025)। पारिस्थितिक तंत्रों के प्रकार। एम. मित्तल, पी. गुप्ता (सं.), पर्यावरण अध्ययन: संसाधन और स्थिरता में। नई दिल्ली, भारत: एलीट पब्लिशिंग हाउस। आईएसबी.ए.न: 978-81-955567-5-5।

जैन, एम., नागर, वी., और गोगिया, पी. (2025)। जलवायु परिवर्तन। एम. मित्तल और पी. गुप्ता (सं.), पर्यावरण अध्ययन: संसाधन और स्थिरता। नई दिल्ली, भारत: एलीट पब्लिशिंग हाउस। आईएसबी.ए.न: 978-81-955567-5-5।

जैन, एम., नागर, वी., और गोगिया, पी. (2025)। भारत में पर्यावरण कानून। एम. मित्तल और पी. गुप्ता (सं.), पर्यावरण अध्ययन: संसाधन और स्थिरता। नई दिल्ली, भारत: एलीट पब्लिशिंग हाउस। आईएसबी.ए.न: 978-81-955567-5-5।

जैन, एम., नागर, वी., और गोगिया, पी. (2025)। अंतर्राष्ट्रीय समझौते और कार्यक्रम। एम. मित्तल और पी. गुप्ता (सं.), पर्यावरण अध्ययन: संसाधन और स्थिरता। नई दिल्ली, भारत: एलीट पब्लिशिंग हाउस। आईएसबी.ए.न: 978-81-955567-5-5।

जैन, एम., नागर, वी., और गोगिया, पी. (2025)। सतत विकास लक्ष्य। एम. मित्तल और पी. गुप्ता (सं.), पर्यावरण अध्ययन: संसाधन और स्थिरता। नई दिल्ली, भारत: एलीट पब्लिशिंग हाउस। आईएसबी.ए.न: 978-81-955567-5-5।

जैन, एम., और सोलंकी, वी. (2025)। ऊर्जा संसाधन। एम. मित्तल और पी. गुप्ता (सं.), पर्यावरण अध्ययन: संसाधन और स्थिरता। नई दिल्ली, भारत: एलीट पब्लिशिंग हाउस। आईएसबी.ए.न: 978-81-955567-5-5।

जैन, एम., और सोलंकी, वी. (2025)। पर्यावरण संचार और जन जागरूकता। एम. मित्तल और पी. गुप्ता (सं.), पर्यावरण अध्ययन: संसाधन और स्थिरता। नई दिल्ली, भारत: एलीट पब्लिशिंग हाउस। आईएसबी.ए.न: 978-81-955567-5-5।

जैन, एम., और सोलंकी, वी. (2025)। पर्यावरण न्याय और दर्शन। एम. मित्तल और पी. गुप्ता (सं.), पर्यावरण अध्ययन: संसाधन और स्थिरता। नई दिल्ली, भारत: एलीट पब्लिशिंग हाउस। आईएसबी.ए.न: 978-81-955567-5-5।

जैन, एम., और सोलंकी, वी. (2025)। मानव जनसंख्या वृद्धि और पर्यावरणीय आंदोलन। एम. मित्तल और पी. गुप्ता (सं.), पर्यावरण अध्ययन: संसाधन और स्थिरता। नई दिल्ली, भारत: एलीट पब्लिशिंग हाउस। आईएसबी.ए.न: 978-81-955567-5-5।

जैन, एम., और सोलंकी, वी. (2025)। भूमि एवं वन संसाधन। एम. मित्तल और पी. गुप्ता (सं.), पर्यावरण अध्ययन: संसाधन एवं स्थायित्व। नई दिल्ली, भारत: एलीट पब्लिशिंग हाउस। आईएसबी.ए.न: 978-81-955567-5-5।

जैन, एम., और सोलंकी, वी. (2025)। जल संसाधन: चुनौतियाँ और समाधान। एम. मित्तल और पी. गुप्ता (सं.), पर्यावरण अध्ययन: संसाधन और स्थिरता। नई दिल्ली, भारत: एलीट पब्लिशिंग हाउस। आईएसबी.ए.न: 978-81-955567-5-5।

कटारिया, डी., कुमारी, ए., अग्रवाल, ए., और बिंदु। (2025)। खाद्य विज्ञान एवं प्रसंस्करण के लिए व्यावहारिक मैनुअल। आईबी.ए.स प्रकाशक। आईएसबी.ए.न 978-93-6729-496-3।

कोरी, सबानाज़ और रूपा, टीजी (2024). हाटों के माध्यम से शहरी शहरों में स्वदेशी शिल्प को बढ़ावा देना: भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) पर शैक्षिक दृष्टिकोण में कारीगरों का दृष्टिकोण, मालवीय, रेणु एट अल (सं.), नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, आईएसबी.ए.न: 978-93-48491-88-6, पृष्ठ 351-362.

मधोक, महक और रूपा, टी.जी. (2024). हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों में स्थानीय और आधुनिक वास्तुकला से जुड़ी निर्माण पद्धतियाँ, शैक्षिक दृष्टिकोण से भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) में, मालवीय, रेणु एवं अन्य (सं.), नई दिल्ली: कनिष्क प्रकाशक, आईएसबी.ए.न: 978-93-48491-88-6, पृष्ठ 319-328.

मित्तल, एम., और गुप्ता, पी. (सं.) (2024). पर्यावरण अध्ययन: संसाधन और स्थिरता। नई दिल्ली, भारत: एलीट पब्लिशिंग हाउस। आईएसबी.ए.न: 978-81-955567-5-5।

मित्तल, एम., गुप्ता, पी., और जैन, एम. (सं.) (2024). सम्मेलन की कार्यवाही-विकसित भारत 2047 के लिए स्थिरता पर राष्ट्रीय सम्मेलन। नई दिल्ली: सतीश ब्रदर्स एंड संस। आईएसबी.ए.न: 978-81-979900-6-9 (18 अक्तूबर 2024 को जारी)।

मित्तल, एम., और जैन, एम. (2024). संसाधन और सतत विकास: एक व्यावहारिक मैनुअल। नई दिल्ली: एलीट पब्लिशिंग हाउस। आईएसबी.ए.न: 978-81-955567-7-9 (20 सितंबर 2024 को जारी)।

ओरिएंट ब्लैकस्वान-अगस्त 2025 में 'एंथोलॉजीज़ इन कम्युनिकेशन' में सरिता आनंद और अर्चना कुमार द्वारा संपादित पुस्तक "डायनैमिक्स ऑफ ह्यूमन कम्युनिकेशन" से अध्याय शामिल किया गया।

सहगल, एस., सिंह, आर., यादव, यू., यादव, वी. (2024). खाद्य रसायन-2, एक व्यावहारिक मैनुअल। एलीट पब्लिशिंग हाउस। आईएसबी.ए.न 978-81-955567-4-8

सेहरावत ए., रमन एस., जेनिता ओ., अग्रवाल एम., यादव एस., केश्वर आर. और सागर एम. (2024). भौतिक विज्ञान-रसायन-विज्ञान और भौतिकी का एक व्यावहारिक मैनुअल। एलीट पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली। आईएसबी.ए.न: 978-81-955567-6-2।

अनुसंधान परियोजनाएँ

विकास संचार एवं विस्तार विभाग की **प्रो. सरिता आनंद को** राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की तकनीकी सहायता इकाई, "रोशनी सेंटर ऑफ वूमेन कलेक्टिव्स लेड सोशल एक्शन" नामक शोध परियोजना के लिए 9924963 रुपये (अप्रैल-दिसंबर 2024 और जनवरी-मार्च 2025) स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान यूनिसेफ द्वारा प्रदान किया गया है।

दायर/स्वीकृत पेटेंट

डॉ. पल्ली श्री

डॉ. कुमार गौतम, डॉ. यज्ञदत्त गोस्वामी, डॉ. बलराम पाणि डॉ. अवनीश मित्तल, डॉ. कृष्ण गोपाल, डॉ. पल्ली श्री, डॉ. रमेश चंद्र पांडा। अल्ट्रासाउंड डायग्नोस्टिक मशीन। डिज़ाइन पेटेंट, जर्नल नंबर 16/2024. 19/04/24.

आयोजित संगोष्ठियां

ग्लोबल अलायंस फॉर टेक्सटाइल सस्टेनेबिलिटी काउंसिल के संस्थापक श्री परविंदर सिंह ने 28 मार्च 2025 को "सर्कुलर फैशन: सस्टेनेबल फ्यूचर के लिए जीरो वेस्ट" विषय पर एक संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।

कॉटन विश्वविद्यालय, असम के महिला अध्ययन केंद्र की सहायक प्रोफेसर: डॉ. पूजा छेत्री ने 7 मार्च, 2025 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस व्याख्यान श्रृंखला के भाग के रूप में "महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी: समानता की ओर एक विकासात्मक दृष्टिकोण रिपोर्ट" पर व्याख्यान दिया।

मिशिगन विश्वविद्यालय के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग की सहायक प्रोफेसर: डॉ. सीता स्याल ने 6 मार्च 2025 को 'स्थायित्व और इसके घटक' पर संगोष्ठी का आयोजन किया।

संगोष्ठी का शीर्षक था, 'प्लांट-बेस्ड फूड्स पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, वैज्ञानिक पोस्टर प्रतियोगिता, प्लांट-बेस्ड फूड्स इंडस्ट्री एसोसिएशन (पीबी.एफ.ए.) और एलआईसीएए के सहयोग से, 5 मार्च, 2025 को।

दिल्ली विश्वविद्यालय के केंद्रीय शिक्षा संस्थान के सहायक प्रोफेसर: डॉ. सुभाष चंदर ने 3 मार्च, 2025 को समावेशी कार्यप्रणाली पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

डॉ. संजीव कुमार ने 27 फरवरी, 2025 को "स्वास्थ्य और पोषण हस्तक्षेप के लिए व्यवहार परिवर्तन संचार हेतु अंतर्दृष्टि और नवाचार" विषय पर व्याख्यान दिया।

लेडी इरविन महाविद्यालय की सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. अंजलि कैपिला ने 25 फरवरी, 2025 को "हिमालयी समुदायों में महिलाओं की पारंपरिक स्वास्थ्य प्रथाएँ: एक गुणात्मक परिप्रेक्ष्य" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

सुश्री सौम्या कम्मार, मानव विकास और परिवार अध्ययन विभाग, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट ने 24 फरवरी 2025 को “डिजिटल उन्नति के संबंध में वृद्धजन कल्याण” विषय पर भाषण दिया।

इग्नू की रिसर्च स्कॉलर और पीएसयू वॉच की पूर्व वरिष्ठ उप-संपादक सुश्री अनुप्रिता चटर्जी ने 20 फरवरी, 2025 को “पब्लिक यूटिलिटी पोर्टल, भारत सरकार: आरटीआई, स्वास्थ्य और शिक्षा” पर एक सत्र आयोजित किया।

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान के विज्ञान और उदार कला विभाग के प्रमुख डॉ. मिहिर भोले ने 19 फरवरी, 2025 को "डिजाइन थिंकिंग: पुनरावृति, नवाचार और उन्नयन" विषय पर एक संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।

लेडी इरविन महाविद्यालय की पीएच.डी. स्कॉलर निधि सिंह ने 14 फरवरी 2025 को शाम 6:00 बजे "फील्डवर्क रिसर्च में व्यावसायिक नैतिकता: अखंडता, सम्मान और व्यावहारिकता को संतुलित करना (एसईसी: लोगों के साथ काम करना)" विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की।

पद्मश्री केएन पंडिता और एमी पुरस्कार विजेता निर्माता/निर्देशक श्री क्रिस शूएलर ने 12 फरवरी, 2025 को “सामाजिक परिवर्तन के लिए वृत्तचित्र: एक क्रॉस-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य” पर एक सत्र लिया।

पद्मश्री केएन पंडिता और एमी पुरस्कार विजेता निर्माता/निर्देशक श्री क्रिस शूएलर ने 11 फरवरी, 2025 को “उद्देश्यपूर्ण मीडिया: सामाजिक परिवर्तन के लिए वृत्तचित्रों का निर्माण” विषय पर एक सत्र आयोजित किया।

डिजीस्वास्थ्य के संस्थापक और सीईओ श्री संदीप कुमार ने 4 फरवरी, 2025 को “प्रभाव के लिए नवाचार: ग्रामीण स्वास्थ्य देखभाल में परिवर्तन” विषय पर एक सत्र का नेतृत्व किया।

गृह अर्थशास्त्र संस्थान की पीएच.डी. स्कॉलर सुश्री स्मृति भाटिया ने 4 फरवरी 2025 को अपराह्न 3:00 बजे "क्षेत्रीय कार्य के लिए प्रभावी योजना और रणनीतिक दृष्टिकोण (एसईसी: लोगों के साथ कार्य करना)" पर एक कार्यशाला आयोजित की।

एसआरएफ फाउंडेशन के दिल्ली क्षेत्र के परियोजना कार्यकारी श्री मोनू कुमार ने 12.2.2025 को आईबी.ए.म कौशल निर्माण कार्यक्रम पर एक व्याख्यान दिया।

आईसीएमआर-एनआईएन की पूर्व निदेशक डॉ. हेमलता ने 31 जनवरी 2025 को "भारतीयों के लिए आहार संबंधी दिशानिर्देश" पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया। (न्यूट्रिशन सोसाइटी ऑफ इंडिया, दिल्ली चैप्टर)

डॉ. मीनल राणा ने 30 जनवरी, 2025 को "सामुदायिक सहभागिता में युवा वयस्क भागीदारी मॉडल" पर एक व्याख्यान दिया।

सुश्री नूपुर बिडला (एनएपीआई, बीपीएनआई) ने 28 जनवरी, 2025 को "पूर्व-पैक, अति प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के खतरे के बारे में जागरूकता और लेबल पढ़ने के महत्व" पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

डॉ. पूजा रायजादा, सहायक प्रोफेसर:, एमबीबी.ए.स डीएनबी (ऑब्स. एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ), ने 21 जनवरी, 2025 को “सर्वाइकल कैंसर जागरूकता सप्ताह” पर एक व्याख्यान दिया।

प्रोफेसर अरविंद सिंघल ने 9 जनवरी, 2025 को “संचार और सामाजिक परिवर्तन पर एक संवाद: मैंने क्या सीखा?” शीर्षक से एक सत्र का नेतृत्व किया।

डॉ. उषा ग्रोवर, निदेशक, राष्ट्रीय विकलांग ट्रस्ट, नई दिल्ली पूर्व संकाय, एनआईईपीआईडी आरसी, नोएडा ने 3 दिसंबर, 2024 को “शिक्षण के लिए सार्वभौमिक डिजाइन” पर एक व्याख्यान दिया।

एमिटी विश्वविद्यालय के एमिटी स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन की सहायक प्रोफेसर: डॉ. रुषा मुदगल ने 25 नवंबर, 2024 को "मीडिया कानून, नीति, अधिकार और गोपनीयता" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. अंशुला गर्ग ने 22 नवंबर, 2024 को भारत सरकार (जीओआई) के सार्वजनिक उपयोगिता पोर्टल: आरटीआई, स्वास्थ्य और शिक्षा पर एक जानकारीपूर्ण सत्र आयोजित किया।

18-23 नवंबर, 2024 को 'शिक्षक के रूप में एक शोधकर्ता (टीएआर-बेसिक 2024)' शीर्षक से मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम (छह दिन, 42 घंटे) आयोजित किया जाएगा।

सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के शिक्षण सहयोगी डॉ. आयुष मिश्रा ने 9 नवंबर, 2024 को "सहभागी शिक्षा और कार्य: सतत विकास के लिए उपकरण और तकनीक" विषय पर व्याख्यान दिया।

राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान की वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. कृतिका मलिक ने 05.11.2024 को वैज्ञानिक अनुसंधान लेखन पर एक व्याख्यान दिया।

प्रोफेसर रजनी चोपड़ा, प्रोफेसर और प्रमुख, एनआईएफटीईएम-कुंडली, ने 18 अक्तूबर, 2024 को भोजन का अधिकार: बेहतर जीवन और बेहतर भविष्य के लिए विषय पर एक व्याख्यान दिया।

सार्वजनिक नीति के संयुक्त निदेशक श्री दीपांकर खरे ने 18 अक्तूबर, 2024 को सुरक्षित, टिकाऊ खाद्य आपूर्ति श्रृंखला के लिए आईसीटी का लाभ उठाने पर एक व्याख्यान दिया।

वेलवर्सड में एनपीडी के एसोसिएट फूड टेक्नोलॉजिस्ट एमडी फिरोज टीएम ने 18 अक्तूबर, 2024 को 'नए उत्पाद विकास: क्या हम वास्तव में खाद्य उद्योग में नवाचार कर रहे हैं' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. शिव धर मिश्रा, प्रधान वैज्ञानिक, सस्य विज्ञान विभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा 18.10.2024 को वर्मीकंपोस्टिंग तकनीक पर कार्यशाला।

सेराफिम कम्युनिकेशन की संस्थापक और सीईओ सुनंदा राव ने 16 अक्तूबर, 2024 को भारतीय विकास में "प्रभावी संचार की भूमिका" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. तरुभी अग्रवाल, सहायक प्रोफेसर:, गवर्नमेंट डिग्री महाविद्यालय, यूपी ने 14 अक्तूबर 2024 को "ऑटिज्म को समझना: समर्थन और समावेशन को बढ़ाना (विकलांग बच्चे)" विषय पर एक संगोष्ठी/भाषण दिया।

एक्सेंचर इंडिया डिलीवरी सेंटर की क्लाउड ट्रांसफॉर्मेशन इंजीनियर सुश्री अन्नू ने 11 अक्तूबर, 2024 को साइबर सुरक्षा पर एक आकर्षक व्याख्यान दिया।

ब्रांड टॉकीज़ की संस्थापक सुश्री सलोनी सूद मेहरा ने 10 अक्तूबर, 2024 को "ब्रांड यू" शीर्षक से एक सत्र आयोजित किया।

अक्षय पात्र फाउंडेशन यूएसए की उपाध्यक्ष सुश्री निधि कथूरिया ने 7 अक्तूबर, 2024 को “तकनीकी परिदृश्य में परिवर्तन: भारतीय एवं वैश्विक परिप्रेक्ष्य” विषय पर एक संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।

प्रोफेसर अरबिंद कुमार झा, शिक्षा विद्यालय, इग्नू, नई दिल्ली ने 7 अक्तूबर, 2024 को 'ज्ञान एक संरचना के रूप में: स्वदेशी, स्थानीय और प्रासंगिक ज्ञान' पर व्याख्यान दिया।

अमृता गुप्ता, सलाहकार मूल्यांकन नीति और अनुसंधान और श्वेता आनंद, सामाजिक नेटवर्क विश्लेषण और एमईएल विशेषज्ञ ने 7 अक्तूबर, 2024 को "सामाजिक नेटवर्क विश्लेषण और परिणाम मानचित्रण: अभिनव एम एंड ई तकनीक" पर एक संगोष्ठी श्रृंखला दी।

शिक्षा प्रशिक्षण सलाहकार, चंदीप मारवाह ने 1 अक्तूबर, 2024 को “विकास कार्य में एआई उपकरण” पर एक सत्र लिया।

राजीब नंदी, सह-संस्थापक, मूल्यांकन समुदाय ऑफ इंडिया ने 1 अक्तूबर, 2024 को "लैंगिक परिवर्तनकारी मूल्यांकन" लिया।

लेडी इरविन महाविद्यालय की निदेशक प्रो. अनूपा सिद्धू ने 28 सितंबर 2024 को पूरक आहार को बढ़ाने की रणनीतियों पर एक व्याख्यान दिया। (भारतीय पोषण सोसाइटी, दिल्ली चैप्टर)

यूट्रेक्ट विश्वविद्यालय के जीसस-रोसेल्स कैरियन और लिस जे. सुआरेज़-विसबल ने 27 सितंबर को "वस्त्र और परिधान मूल्य श्रृंखला में समावेशी और न्यायसंगत वृत्ताकार अर्थव्यवस्था परिवर्तन" विषय पर एक संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।

डॉ. (प्रो.) चिंतामणि, सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली ने 26 सितंबर, 2024 को 'स्तन और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर दो सिक्कों की कहानी' पर व्याख्यान दिया।

पर्यावरण अध्ययन विभाग के सहायक प्रोफेसर: डॉ. निलोय सरकार ने 25 सितंबर, 2024 को "स्वच्छ भारत, स्वच्छता का इतिहास और महत्व, सबसे स्वच्छ शहर इंदौर का केस स्टडी" विषय पर एक संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।

डॉ. आशा सिंह ने 23 सितंबर 2024 को “ईसीसीई में संदर्भ, पाठ्यक्रम और शिक्षाशास्त्र” पर एक कार्यशाला आयोजित की।

पर्यावरण अध्ययन विभाग की सहायक प्रोफेसर: डॉ. भावना त्यागी ने 20 सितंबर, 2024 को “नदी पुनर्ग्रहण का महत्व” विषय पर एक संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।

केनरा बैंक के अधिकारी एवं प्रबंधक श्री अभिषेक सिंह और श्री दीपक कुमार ने 20 सितंबर, 2024 को 'बैंकिंग उत्पाद एवं सेवाएं' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

एएमयू और आईसीएसएसआर के प्रबंधन और अनुसंधान संकाय की परियोजना कार्मिक निधि सिंह ने 20 सितंबर 2024 को "फील्डवर्क रिसर्च में व्यावसायिक नैतिकता: अखंडता, सम्मान और व्यावहारिकता को संतुलित करना (एसईसी: लोगों के साथ काम करना)" पर एक कार्यशाला आयोजित की।

राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला के गैस मेट्रोलॉजी, पर्यावरण विज्ञान और बायोमेडिकल मेट्रोलॉजी प्रभाग के मुख्य वैज्ञानिक और प्रमुख डॉ. शंकर जी. अग्रवाल ने 18.09.2024 को वास्तविक परिदृश्यों में वायुमंडलीय गैसों और कण रसायन-विज्ञान पर एक व्याख्यान दिया।

विकास संचार एवं विस्तार विभाग का 60वाँ स्थापना दिवस समारोह 17 सितंबर, 2024 को आयोजित किया गया। सत्र को तीन पैनल चर्चाओं में विभाजित किया गया था, जहाँ विभाग की पूर्व छात्राओं को अपने इकिगाई पर विचार-विमर्श करने के लिए आमंत्रित किया गया। समारोह का विषय "इकिगाई" या生き甲斐पर केंद्रित था, जो एक जापानी दार्शनिक शब्द है जो "इकी" (जीवित) और "गाई" (मूल्य) को मिलाकर बना है।

खाद्य एवं पोषण तथा खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग ने एम.एससी. और पीजीडीडीपीएचएन (सेम I) ओरिएंटेशन का आयोजन किया। इसका विषय था "हमारी विरासत को समझना और आगे बढ़ना: हमारे सेवानिवृत्त संकाय और युवा पेशेवर पूर्व छात्रों के साथ 13 सितंबर 2024 को संवादात्मक सत्र।

लेडी इरविन महाविद्यालय की पीएच.डी. स्कॉलर सुश्री स्मृति भाटिया ने 13 सितंबर 2024 को "फील्ड वर्क के लिए प्रभावी योजना और रणनीतिक दृष्टिकोण (एसईसी: लोगों के साथ काम करना)" पर एक भाषण दिया।

डॉ. मृदुला सेठ, उपाध्यक्ष, द रिचमंड फेलोशिप सोसाइटी इंडिया (दिल्ली शाखा) और सेवानिवृत्त संकाय, डीसीई विभाग, ने 7 सितंबर, 2024 को "अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस समारोह-थीम 'बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देना: आपसी समझ और शांति के लिए साक्षरता'" पर एक सत्र लिया।

बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन की पोषण प्रमुख डॉ. रुचिका चुघ सचदेवा ने 24 अगस्त 2024 को विश्व स्तनपान सप्ताह मनाने के लिए “सभी शिशुओं के लिए मानव दूध की समान पहुंच सुनिश्चित करना” विषय पर एक वेबिनार आयोजित किया। (भारतीय पोषण सोसाइटी, दिल्ली चैप्टर)

कंजर्व इंडिया की संस्थापक सुश्री अमिता आहूजा ने 8 अगस्त 2024 को "टेक्सटाइल वेस्ट के साथ उद्यमिता की खोज" विषय पर एक संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।

डॉ. विनुथा मुक्तामठ, सहायक प्रोफेसर: और वैज्ञानिक, एआईसीआरपी-डब्ल्यूआईए, एमएआरएस, यूएएस, धारवाड़ ने 8 अगस्त 2024 को "अंतर को पाटना: सभी के लिए स्तनपान समर्थन-बाल विकास में स्तनपान की भूमिका" विषय पर एक वार्ता दी।

डॉ. वंदना भंडारी, डिज़ाइन सलाहकार, हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद, पूर्व डीन, निफ्ट, नई दिल्ली ने 7 अगस्त 2024 को "परंपराओं को कायम रखना: भारत के हथकरघा" विषय पर एक संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।

डॉ. प्रियंका गुप्ता बंसल, वैज्ञानिक ई, आईसीएमआर; डॉ. सुपर्णा घोष, जॉर्ज इंस्टीट्यूट ऑफ ग्लोबल हेल्थ, डॉ. दीप्ति खन्ना, एचयूएल, डॉ. स्वप्ना चतुर्वेदी, एम्स, ने 3 अगस्त 2024 को एफएनएफटी पीजी छात्रों के लिए अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र पर एक ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की।

डॉ. प्रियंका गुप्ता बस्सल, वैज्ञानिक ई, आईसीएमआर, नई दिल्ली; डॉ. सुपर्णा घोष जेरथ, कार्यक्रम प्रमुख, न्यूट्रिशन, जॉर्ज इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ, भारत; डॉ. स्वप्ना चतुर्वेदी, वरिष्ठ आहार विशेषज्ञ, एम्स, नई दिल्ली; डॉ. दीप्ति खन्ना, प्रमुख, एचयूएल, भारत। 3 अगस्त, 2024 को अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्रों पर ऑनलाइन कार्यशाला।

नीति आयोग के डीएमईओ, निदेशक (मूल्यांकन) अविनाश दास ने 9 जुलाई, 2024 को “युवाओं को परिवर्तनकारी मूल्यांकन पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन: सरकार और शिक्षा जगत में युवा सहभागिता प्रथाओं का मानचित्रण” विषय पर एक सत्र लिया।

सर्वोच्च न्यायालय के जलवायु अधिवक्ता श्री मोहम्मद शाकिब ने 5 जून, 2024 को 'स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देने' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

लक्ष्य फॉर डेवलपमेंट के स्थिरता और विपणन प्रमुख श्री मनुज कुमार ने 07.05.2024 को प्लास्टिक अपशिष्ट और परिपत्र अर्थव्यवस्था पर एक व्याख्यान दिया।

30 अप्रैल, 2024 को बाल मनोवैज्ञानिक डॉ. धारणा भारद्वाज द्वारा “साइकोमेट्रिक परीक्षणों द्वारा विकासात्मक डोमेन का आकलन (जीवनकाल विकास)” पर ऑनलाइन कार्यशाला।

कलाकार महुआ शंकर कथक नृत्यांगना और महान पंडित बिरजू महाराज की वरिष्ठ शिष्या ने 29 अप्रैल, 2024 को 'शिक्षा में एक कला के रूप में कथक' विषय पर व्याख्यान दिया।

28 अप्रैल 2024 को डॉ. ऋतुराज शर्मा द्वारा “बाल अधिकारों और सामाजिक संदर्भ को समझना” पर ऑनलाइन व्याख्यान।

27 अप्रैल, 2024 को मानव विकास I पाठ्यक्रम के अंतर्गत डॉ. दीपा कन्नूर द्वारा “विभिन्न डोमेन पर उत्तेजना गतिविधियाँ” पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

27 अप्रैल 2024 को सुश्री निधि सिंह द्वारा “कला चिकित्सा: खिलौना डिजाइन, मन और प्रौद्योगिकी के लिए विकासात्मक गतिविधियाँ” पर कार्यशाला।

सुश्री अनिका पाहवा, इंटीरियर डिज़ाइनर, अल्टस लक्ज़री लिविंग, ने 27 अप्रैल, 2024 को 'रिज्यूमे लेखन और पोर्टफोलियो डिज़ाइनिंग' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

स्वामी विवेकानंद संस्कृति केंद्र, भारतीय दूतावास, तेहरान ईरान के निदेशक और दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के संकाय प्रोफेसर बलराम शुक्ला ने 26 अप्रैल, 2024 को 'यम नचिकेता संबाद में निहत शिक्षा के सूत्र' पर व्याख्यान दिया।

फूड फ्यूचर फाउंडेशन के संस्थापक और सीईओ पवन अग्रवाल; भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के पूर्व अतिरिक्त महानिदेशक डॉ. देवव्रत कानूनगो ने 26 अप्रैल, 2024 को विभाग के 65 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में "सुरक्षा, स्वास्थ्य और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य प्रणालियों में परिवर्तन" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

संचीता घोष, वरिष्ठ शोधकर्ता, लैंगिक और एमईएल विशेषज्ञ, ने 25 अप्रैल 2024 को परिवर्तन के सिद्धांत और तार्किक ढांचे पर एक कार्यशाला आयोजित की। (लेडी इरविन महाविद्यालय, न्यूट्रिशन सोसाइटी ऑफ इंडिया, दिल्ली चैप्टर के सहयोग से)

एलएसडी-II छात्रों के लिए 20 अप्रैल 2024 को डॉ. पूजा पाटिल द्वारा "किशोरों में समग्र विकास के लिए जीवन कौशल पर कार्यशाला" पर वेबिनार।

19 अप्रैल 2024 को जीवन काल विकास-I के लिए डॉ. विनुथा मुक्तामठ द्वारा "शिशु देखभाल और मूल्यांकन पर वेबिनार"।

19 अप्रैल को 'सामाजिक भावनात्मक शिक्षा के साथ माइंडफुलनेस को एकीकृत करना' विषय पर कार्यशाला का आयोजन 'एस्केपेड्स फॉर द सोल' की ओर से सुश्री देबिका मित्रा, माइंडफुलनेस कोच और श्री नबारुण बनर्जी, मेंटर द्वारा किया जाएगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के डॉ. विकास बैनीवाल ने 18 अप्रैल, 2024 को 'शिक्षा, संवाद और स्वतंत्रता' विषय पर व्याख्यान दिया।

13 अप्रैल, 2024 को टाइम्स ग्रुप ऑफ इंडिया के बेनेट विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर: (कानून) डॉ. दिनेश सिंह द्वारा "भारत में महिलाओं और बच्चों से संबंधित कानून और नीतियां" पर वेबिनार।

एम्स के हेमटोलॉजी विभाग की प्रमुख डॉ. तूलिका सेठ ने 6 अप्रैल 2024 को "आयरन की कमी से सिद्धांत से व्यवहार तक, अंतराल और समाधान" विषय पर एक विशेष व्याख्यान दिया (न्यूट्रिशन सोसाइटी ऑफ इंडिया, दिल्ली चैप्टर)

डॉ. सुनैना दुआ द्वारा 2 अप्रैल 2024 को एसईसी- बच्चों के लिए सामग्री विकास और मीडिया पाठ्यक्रम के तहत "कठपुतली के माध्यम से शिक्षा" पर कार्यशाला आयोजित की गई।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के बाल रोग विभाग की प्रोफेसर एवं प्रमुख प्रोफेसर शेफाली गुलाटी ने 2 अप्रैल, 2024 को महाविद्यालय स्तर पर ऑटिज्म और उन्नति पर व्याख्यान दिया।

आयोजित सम्मेलन

18वीं वार्षिक संगोष्ठी, जिसका शीर्षक है, '7वीं वार्षिक नवाचार श्रृंखला के अंतर्गत संगोष्ठी, जिसका शीर्षक है, 'डिजाइन ओडिसी: अवधारणा से सृजन तक नवाचार को आगे बढ़ाना', डिजाइन इनोवेशन सेंटर के सहयोग से डीआईसीडीयू और इको क्लब, लेडी इरविन महाविद्यालय के साथ 27 मार्च, 2025 को वार्ता की।

21 जनवरी, 2025 को प्रेम जैन मेमोरियल ट्रस्ट के सहयोग और प्रायोजन से 'स्थायित्व और पर्यावरण में महिला नेता' शीर्षक से पीजेएमटी पैनल चर्चा का आयोजन किया गया।

विकास संचार और विस्तार विभाग ने 12-13 नवंबर, 2024 को “मनोरंजन से सशक्तिकरण तक: सामाजिक परिवर्तन को आकार देना” शीर्षक से बीसवीं रौशनी देशपांडे स्मृति संगोष्ठी का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस ऐतिहासिक 20वें व्याख्यान के लिए मुख्य वक्ता के रूप में पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीएफआई) की कार्यकारी निदेशक सुश्री पूनम मुत्तरेजा थीं।

अंतर्राष्ट्रीय शिक्षण सम्मेलन 2024-"भारतीय ज्ञान प्रणाली की खोज: परंपरा, आधुनिकता और भविष्य की संभावनाएं" आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित, 8-9 नवंबर, 2024 को आयोजित किया जाएगा।

संसाधन प्रबंधन और डिजाइन अनुप्रयोग विभाग द्वारा आयोजित और एम3एम फाउंडेशन और लेडी इरविन महाविद्यालय एलुमनाई एसोसिएशन (एलआईसीएए) द्वारा प्रायोजित, 'विकसित भारत 2047 के लिए स्थिरता' शीर्षक से राष्ट्रीय सम्मेलन 16-18 अक्तूबर, 2024 को आयोजित किया जाएगा।

14 सितंबर 2024 को ओखला गारमेंट और टेक्सटाइल क्लस्टर के सहयोग से “परिधान और घरेलू वस्त्रों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन” शीर्षक से सम्मेलन आयोजित किया गया।

12 अप्रैल, 2024 को “फैशन और परिधान ऑनलाइन रिटेल में उभरते रुझान” शीर्षक से संजम रंधावा मेमोरियल सम्मेलन आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

दिल्ली विश्वविद्यालय के लेडी इरविन महाविद्यालय के संसाधन प्रबंधन एवं डिज़ाइन अनुप्रयोग विभाग और मिशिगन विश्वविद्यालय के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के बीच नवंबर 2024 में एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। **डॉ. मीनल जैन,** संसाधन प्रबंधन एवं डिज़ाइन अनुप्रयोग विभाग, लेडी इरविन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय ने समन्वयक के रूप में कार्य किया। इस सहयोग के परिणामस्वरूप:

क) संयुक्त शोध कार्य चल रहा है तथा एससीओपीयूएस अनुक्रमित पत्रिकाओं में संयुक्त प्रकाशन की योजना बनाई गई है;

ख) संगोष्ठी/कार्यशाला/सत्र की योजना बनाई गई है।

दिल्ली विश्वविद्यालय के लेडी इरविन महाविद्यालय के संसाधन प्रबंधन एवं डिज़ाइन अनुप्रयोग विभाग और मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी के योजना, डिज़ाइन एवं निर्माण स्कूल के बीच नवंबर 2007 में एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। 2024 में इस समझौता-ज्ञापन का चौथी बार नवीनीकरण किया गया। दिल्ली विश्वविद्यालय के लेडी इरविन महाविद्यालय के संसाधन प्रबंधन एवं डिज़ाइन अनुप्रयोग विभाग की **डॉ. मीनाक्षी मित्तल** समन्वयक थीं। इस सहयोग के परिणामस्वरूप:

क) संयुक्त शोध कार्य चल रहा है तथा एससीओपीयूएस अनुक्रमित पत्रिकाओं में संयुक्त प्रकाशन की योजना बनाई गई है;

ख) वार्षिक टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई है;

ग) सतत विकास पर वार्षिक आयोजित संगोष्ठियां की गई है।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

अंजनी बख्शी

मार्च, 2023 से न्यूट्रिशन सोसाइटी ऑफ इंडिया, दिल्ली चैप्टर के साथ कार्यकारी सदस्य और कोषाध्यक्ष के रूप में सहयोग। इस सहयोग का उद्देश्य दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों के छात्रों के लिए वेबिनार, संगोष्ठी और प्रतियोगिताओं के आयोजन को सुगम बनाना है।

अंजना कुमारी

अक्तूबर 2019 से अब तक लेडी इरविन महाविद्यालय के LICAA FN प्रोफेशनल चैप्टर के साथ कार्यकारी सदस्य और सह-संयोजक के रूप में सहयोग। इस सहयोग का उद्देश्य महाविद्यालय के छात्रों के लिए वेबिनार और आयोजित संगोष्ठियां करना है।

हेइरांगखोंगजाम मेमथोई देवी

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर के साथ 2 जनवरी, 2025 को बी.एससी. खाद्य, पोषण एवं आहार विज्ञान के पाठ्यक्रम संख्या DFS-111 अंतिम सत्र परीक्षा के प्रश्नपत्र तैयार करने हेतु सहयोग। यह सहयोग विश्वविद्यालय की सेमेस्टर परीक्षाओं की शैक्षणिक मूल्यांकन प्रक्रिया में सहयोग प्रदान करता है।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित छात्रों की संख्या: 61 **(12.08%)**

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

परिवर्तन के लिए रैली: सामुदायिक लामबंदी और सामाजिक परिवर्तन के लिए एक विस्तार रणनीति के रूप में 'रैली' का उपयोग 18 अक्तूबर, 2024 को हुआ। बी.एससी. के छात्रों ने

सूचना शिक्षा और संचार (आईईसी) सामग्री तैयार की, और रैली करने के लिए समूह नृत्य, गीत, नाटक, तख्तियां, नारे और बैनर तैयार किए।

लेडी इरविन महाविद्यालय के डी.सी.ई. विभाग की प्रोफेसर सरिता आनंद ने यूनिसेफ, पश्चिम बंगाल के लिए कोलकाता में पोषण पुनर्वास अधिकारियों के रूप में कार्यरत अधिकारियों के लिए एस.बी.सी. प्रशिक्षण आयोजित किया।

अपशिष्ट प्रबंधन और कागज़ पुनर्चक्रण के लिए परियोजनाएँ, लेडी इरविन महाविद्यालय

महाविद्यालय में प्लास्टिक संग्रहण अभियान और 1 दिसंबर, 2023 को बिसलेरी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के साथ एलओए पर हस्ताक्षर

समकालीन शैक्षिक मुद्दों, शिक्षण रणनीतियों, गैर सरकारी संगठनों/तकनीकी कंपनियों के सहयोग से आईसीटी कौशल के उपयोग पर स्कूल शिक्षकों/छात्रों के लिए कार्यशालाएं।

जागरूकता अभियानों के माध्यम से विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए शिक्षा को बढ़ावा देना, कैरियर परामर्श, मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता और शैक्षणिक मार्गदर्शन प्रदान करना।

स्थानीय शैक्षिक चुनौतियों, यौन और प्रजनन स्वास्थ्य, नशीली दवाओं के दुरुपयोग, साइबर धमकी, व्यवहार संबंधी चुनौतियों, लैंगिक पहचान जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों को संबोधित करने वाली कार्रवाई अनुसंधान परियोजनाएं/प्रदर्शनियां।

विश्व पर्यावरण दिवस-5 जून 2024 को "हमारी भूमि, हमारा भविष्य" विषय के अंतर्गत वृक्षारोपण अभियान।

सितंबर 2025 में डॉ. अंजनी बख्शी के मार्गदर्शन में एम.एससी. (फाइनल) क्लिनिकल न्यूट्रिशन ग्रुप के छात्रों द्वारा कैंटीन और छात्रावास रसोई के कार्मिकों के लिए स्वच्छता और सफाई पर एक सत्र आयोजित किया गया।

लेडी इरविन महाविद्यालय की आतिथ्य समिति के छात्रों ने स्वस्थ भोजन विकल्प चुनने पर एक "नुक्कड़ नाटक" का आयोजन किया और 30 सितंबर को महाविद्यालय के लिए इसका मंचन किया।

पुस्तकालय विकास

लेडी इरविन महाविद्यालय पुस्तकालय महाविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और कार्मिकों के शैक्षणिक संवर्धन के साथ-साथ सामाजिक और व्यक्तिगत विकास के लिए अनुकूल अत्याधुनिक पुस्तकालय और सूचना सेवाएं प्रदान करती है। आधुनिक तकनीक के साथ तालमेल रखते हुए, पुस्तकालय अपने सभी उप-प्रणालियों के साथ पूरी तरह से स्वचालित है और जून 2022 से क्लाउड पर नवीनतम पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर अर्थात LIBSYS 10 का उपयोग करता है। पुस्तकालय होल्डिंग्स (पुस्तकें, पत्रिकाएं, और शोध कार्य) लेखक, शीर्षक और कीवर्ड द्वारा खोज के लिए कहीं से भी कभी भी OPAC (ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग) पर ऑनलाइन

उपलब्ध हैं। पुस्तकालय DELNET और N-LIST का सदस्य है जो दिल्ली विश्वविद्यालय के ई-संसाधनों तक दूरस्थ पहुँच प्रदान करता है। पुस्तकालय द्वारा प्रदान की जाने वाली अन्य सेवाओं में संदर्भ सेवाएं, मांग के अनुसार ग्रंथ सूची सेवाएं और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा सब्सक्राइब किए गए डेटाबेस और ई-जर्नल

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक : 23

एसोसिएट प्रोफेसर : 12

सहायक प्रोफेसर : 63

अतिथि : **20**

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित अनुदान : ₹ 96,35,657/-

उपयोगित अनुदान : ₹ 106,49,963/-

****

लेडी श्री राम महिला महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

एलएसआर ने 10 अक्तूबर, 2024 को एक समारोह में तीन छात्रों को सम्मानित किया-कांस्य पदक विजेता सुश्री मनु भाकर; सुश्री रिदम सांगवान और सुश्री माहेश्वरी चौहान, जिन्होंने पेरिस ओलंपिक के दौरान भारत का प्रतिनिधित्व किया था। 26 मार्च, 2025 को, एलएसआर ने अपने निवर्तमान प्रिंसिपल, प्रोफेसर सुमन शर्मा को विदाई दी। इस वर्ष, प्रो। कनिका के आहूजा ने एलएसआर के कार्यवाहक प्रिंसिपल के रूप में पदभार संभाला। दिल्ली विश्वविद्यालय से स्वर्ण पदक विजेता, उनके पास लगभग 23 वर्षों का शिक्षण, अनुसंधान और पेशेवर अनुभव है। उन्हें डीयू के कुलपति से कॉलेजों में सेवारत शिक्षकों के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार मिला है। एलएसआर ने 31 जनवरी, 2025 को ला ट्रोब विश्वविद्यालय के साथ 30 वर्ष की साझेदारी का उत्सव मनाया एससी-एसटी प्रकोष्ठ ने 12 अप्रैल, 2025 को डॉ. बी.आर. आंबेडकर की जयंती मनाई। दिल्ली विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर राज कुमार ने "डॉ. बी.आर. आंबेडकर को समझना" शीर्षक से व्याख्यान दिया। एनेक्टस एलएसआर का यह वर्ष उल्लेखनीय उपलब्धियों से भरा रहा, जिसमें एनेक्टस राष्ट्रीय प्रदर्शनी के दौरान शीर्ष 20 में स्थान प्राप्त करना और 12 वर्षों के प्रभावशाली कार्य के लिए लिगेसी पुरस्कार प्राप्त करना शामिल है।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

शिक्षण कर्मचारी

प्रोफेसर कल्याणी अकालम, 26 नवंबर, 2024 को मालवीय शिक्षक प्रशिक्षण मिशन, यूजीसी एचआरडी केंद्र, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर के तहत आयोजित उच्च शिक्षा में मूल्यांकन, उच्च शिक्षा में वैश्विक रुझान पर सत्र के लिए संकाय विकास कार्यक्रम के लिए एक संसाधन व्यक्ति थीं। वह सीबी.ए.सई, भौतिकी, पाठ्यक्रम समिति की संयोजक/अध्यक्ष और एनआईओएस, अनुसंधान सलाहकार समिति की सदस्य भी हैं।

प्रिंसिपल **डॉ. कनिका के. आहूजा को** दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति से कॉलेजों में सेवारत शिक्षकों के लिए 2024 का उत्कृष्टता पुरस्कार मिला।

लिजाश्री हजारिका को उनके शोध प्रबंध, स्वास्थ्य और शिक्षा में पितृत्ववाद: एक नैतिक जांच, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, अगस्त, 2024 पर पीएच.डी. प्रदान की गई।

डॉ. नितिन तंवर इंडियन जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड डेवलपमेंट के संपादकीय बोर्ड के सदस्य हैं। (स्कोपस अनुक्रमित)

सुश्री सरिता देवी को ऑनलाइन सोशल कॉमर्स प्लेटफॉर्म के संदर्भ में खरीद इरादे पर सामाजिक कारकों के प्रभाव के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार मिला,-8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में नवाचार और कल्पना के लिए वैश्विक प्रगति पर: प्रबंधन और प्रौद्योगिकी के प्रथाओं पर प्रकाश डालना, आदर्श प्रबंधन और प्रौद्योगिकी संस्थान, विवेकानंद महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से, 30 अगस्त, 2024.

डॉ. सेंटीसुंगला लोंगचर को ऑटिज्म के सामाजिक मस्तिष्क पर डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई, जिसका आयोजन प्रोफेसर नंदिता बाबू, मनोविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय की देखरेख में दिसंबर 2024 में किया गया।

डॉ. स्मृति शर्मा ने प्रारंभिक शिक्षा विभाग, एनसीईआरटी, नई दिल्ली द्वारा 10-11 फरवरी, 2025 को हमारे आसपास की दुनिया में ई-सामग्री के विकास पर एक कार्यशाला के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया। वे शिक्षक शिक्षा में बहु-विषयक दृष्टिकोण और अनुसंधान और एनईपी 2020- कक्षाओं में समानता और समावेश सुनिश्चित करना: सामाजिक न्याय शिक्षा के लेंस के माध्यम से एक जांच पर सत्रों के लिए एक संसाधन व्यक्ति भी थीं। यह सत्र डीएवी एमएमटीसी इंदौर द्वारा शिक्षक शिक्षक और एनईपी 2020 (कोर) में एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के लिए मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, डीएवीवी इंदौर में 29-30 अगस्त, 2024 को आयोजित किया गया।

डॉ. थुआनबीना गंगमेई, रयान पब्लिशर्स की पुस्तक "बिल्डिंग ब्रिजेज़: नेविगेटिंग फ़ैमिली रिलेशनशिप्स एंड कम्युनिकेशन" की एसोसिएट एडिटर हैं। आईएसबी.ए.न: 978-93-48615-32-9।

प्रो. तृप्ति बस्सी ने "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: भविष्य का रोडमैप" नामक पुस्तक प्रकाशित की। शिप्रा प्रकाशन। आईएसबी.ए.न 978-93-91978-96-9। प्रो. अरुणिमा रे ने "अनवीलैंगिक आइडेंटिटीज़: एक्सप्लोरिंग इंडियन राइटिंग इन इंग्लिश" नामक पुस्तक का सह-लेखन किया। वर्ल्डव्यू प्रकाशन। आईएसबी.ए.न 978-81-97662-43-0।

डॉ. वर्तिका नंदा के साथ एक विशेष साक्षात्कार मार्च, 2025 में ब्रूट इंडिया द्वारा जारी किया गया था, जिसमें पत्रकारिता के क्षेत्र में उनकी पेशेवर यात्रा का पता लगाया गया था।

शिक्षणेत्तर कर्मचारी

श्री हरदीप सिंह रावत (प्रधानाचार्य के वरिष्ठ निजी सहायक) ने एक सप्ताह का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया दिल्ली विश्वविद्यालय के ग्रुप बी और सी कार्मिकों के लिए प्रशासन एवं प्रबंधन विषय पर आयोजित कार्यक्रम (24 जून, 2024 से 28 जून, 2024) में मुझे ए ग्रेड प्राप्त हुआ है। विधिवत गठित चयन समिति द्वारा उन्हें प्रधानाचार्य का वरिष्ठ निजी सहायक भी चुना गया है।

श्री रमेश कुमार मौर्य (कार्यालय परिचारक, प्रशासन) ने बहु-आयामी प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा किया प्रशासनिक कार्यों का ऑनलाइन आयोजन आईक्यूएसी, श्री अरबिंदो महाविद्यालय, डीयू द्वारा 12 जुलाई से 19 जुलाई 2024 तक किया जाएगा।

श्री संदीप कुमार (कनिष्ठ सहायक, प्रशासन) ने निम्नलिखित पुरस्कार जीते/निम्नलिखित खेलों में भाग लिया घटनाएँ:

क) दूसरी दिल्ली राज्य पैरा पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2024 में कांस्य पदक जीता - 16 दिसंबर, 2024

ख) 23$^{वीं}$ दिल्ली स्टेट आर्म रेसलैंगिक और पैरा आर्म रेसलैंगिक चैंपियनशिप 2024-2025 जनवरी, 10,11,12, 2025, एसएम आर्य पब्लिक स्कूल, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्वर्ण पदक जीता।

ग) अखिल भारतीय पैरा आर्म कुश्ती कप 2025 में रजत और कांस्य पदक जीता-18-19 जनवरी, 2025 अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल के दौरान दिव्यांग खेल प्रशिक्षण केंद्र, ग्वालियर।

घ) इंडियम सॉफ्टवेयर एआईटीए व्हीलचेयर टेनिस चैंपियनशिप फॉर मेन एंड वीमेन 2024 में भाग लिया टेनिस स्टेडियम, नुंगमबक्कम, चेन्नई में 24-27 जुलाई, 2024 को।

ङ) 16 जून, 2024 को दिल्ली से गुरुग्राम तक सड़क एवं यातायात सुरक्षा जागरूकता बाइक राइड में भाग लिया।

छात्र

आयुषी, बी.एससी. (ऑनर्स)- सांख्यिकी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा (क) अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय खेलों और खेलो इंडिया गेम्स के लिए अर्हता प्राप्त की। (ख) दिल्ली में शीर्ष 6 महिला खिलाड़ियों में स्थान प्राप्त किया।

अनिका, बी.ए. (ऑनर्स) की छात्रा, (क) इंटर-महाविद्यालय तीरंदाजी चैंपियनशिप, दिल्ली विश्वविद्यालय (नवंबर 2024) में दूसरा स्थान। (ख) दिल्ली राज्य तीरंदाजी चैंपियनशिप (फरवरी 2025) में भारतीय राउंड में तीसरा स्थान।

अनुष्का जैन, एचएसबीसी इंडिया बिजनेस केस प्रोग्राम में 2000 से अधिक टीमों में से राष्ट्रीय उपविजेता रहीं; हांग लांग में एचएसबीसी एशिया पैसिफिक केस प्रतियोगिता में टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व करने वाली ½ टीमें।

अनुशूया बोराह, बी.ए. (ऑनर्स)-राजनीति-विज्ञान (प्रथम वर्ष) की छात्रा (क) 100 मीटर बैकस्ट्रोक, 4×100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले, 4×100 मीटर मेडले रिले और 4×200 मीटर फ्रीस्टाइल रिले में स्वर्ण पदक। (ख) 50 मीटर बैकस्ट्रोक में रजत पदक। (ग) अखिल भारतीय क्षेत्रीय प्रतियोगिता में शीर्ष छह में स्थान और अखिल भारतीय विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में प्रतिभागी।

अन्या जैकब, बी.ए.पी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा (क) विजेता-महिला एकल, एरोबर्न 2025. (ख) कांस्य पदक विजेता-मिश्रित युगल, एरोबर्न 2025. (ग) रजत पदक विजेता-महिला युगल (काव्या के साथ) और जेएमसी टूर्नामेंट 2025 में महिला एकल में कांस्य।

अपूर्व जैन, बी.कॉम. (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, एचएसबीसी इंडिया बिजनेस केस प्रोग्राम में 2000 से अधिक टीमों में से राष्ट्रीय उपविजेता; हांग लांग में एचएसबीसी एशिया पैसिफिक केस प्रतियोगिता में टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व करने वाली ½ टीमें।

आस्था, बी.ए. (ऑनर्स)- हिंदी (तृतीय वर्ष) की छात्रा (क) डॉ. भरत राम स्पोर्ट्स मीट में कुराश में कांस्य पदक विजेता। (ख) स्वाभिमान (-44 किग्रा) में कांस्य पदक विजेता।

भव्या त्रिपाठी, बी.ए. (ऑनर्स) की छात्रा-मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) (क) प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय ट्रैप शूटर। (ख) दो बार की राष्ट्रीय चैंपियन (2023-24, 2024-25)। (ग) रजत टीम पदक विजेता-एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर। (घ) जूनियर राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा; राज्य चैंपियन (जूनियर और सीनियर)। (ङ) विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व किया-मिस्र, मोरक्को; जूनियर विश्व कप-इटली; जूनियर विश्व चैम्पियनशिप-पेरू। (च) अर्जेंटीना और पेरू में विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए (अप्रैल 2025)।

ध्वनि- इंडियन म्यूजिकल सोसाइटी (एलएसआर) (क) प्रथम पुरस्कार शहीद राजगुरु महाविद्यालय ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर विमेन महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय शिवाजी महाविद्यालय शहीद भगत सिंह (एम) श्री गुरु तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय (ख) दूसरा पुरस्कार-जीसस एंड मैरी महाविद्यालय में सेमी-क्लासिकल सोलो किरोड़ीमल महाविद्यालय हंसराज महाविद्यालय मोती लाल नेहरू सांध्य महाविद्यालय लेडी इरविन महाविद्यालय (ग) तीसरा पुरस्कार गार्गी महाविद्यालय दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (घ) विशेष मान्यता दौलत राम महाविद्यालय आईआईटी कानपुर।

दीया सिंह, बी.ए. (ऑनर्स)-राजनीति-विज्ञान (प्रथम वर्ष) की छात्रा (क) स्वर्ण पदक विजेता-जूनियर शॉटगन श्रेणी, 5वें उत्तराखंड राज्य खेल (2024). (ख) कांस्य पदक विजेता-डीयू इंटर-महाविद्यालय शूटिंग प्रतियोगिता।

दिव्या, बी.ए. (ऑनर्स)- अंग्रेजी (प्रथम वर्ष) की छात्रा, माता सुंदरी अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिता में कांस्य पदक विजेता।

दिव्या महाजन, बी.कॉम. (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा (क) डीयू इंटर-महाविद्यालय प्रतियोगिता में 4×100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले, 4×200 मीटर फ्रीस्टाइल रिले और 4×100 मीटर मेडले रिले में स्वर्ण पदक। (ख) डीयू इंटर-महाविद्यालय प्रतियोगिता में 800 मीटर फ्रीस्टाइल में रजत पदक और 400 मीटर फ्रीस्टाइल में कांस्य पदक।

दिव्या प्रशांत मौंदेकर, बी.ए. (ऑनर्स)-अर्थशास्त्र (द्वितीय वर्ष) की छात्रा (क) जिम्नास्टिक में लगातार असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन किया (ख) अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय चैम्पियनशिप में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने के लिए चयनित (ग) अखिल भारतीय स्तर पर पूर्व पदक विजेता और इस वर्ष भी सफलता जारी रखने का लक्ष्य।

हर्षिका सोलंकी, बी.ए. (ऑनर्स)-इतिहास (तृतीय वर्ष) की छात्रा (क) डॉ. भरत राम स्पोर्ट्स मीट में प्रथम स्थान (ख) हॉब्नोब (जीसस एंड मैरी महाविद्यालय) और जानकी कप (जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय) में द्वितीय स्थान। (ग) दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर-महाविद्यालय फुटबॉल टूर्नामेंट में चौथा स्थान प्राप्त किया।

ईशा खेपर, बी.एससी. (ऑनर्स)-सांख्यिकी (तृतीय वर्ष) की छात्रा, रैंक 4 (भारत और श्रीलंका)-अंतर्राष्ट्रीय सांख्यिकी ओलंपियाड।

जैस्मीन रावत, बी.ए. (ऑनर्स)-अंग्रेजी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा (क) स्वर्ण पदक विजेता-महिला युगल (शिमरीन के साथ) (ख) दूसरा स्थान-जेएमसी टूर्नामेंट 2025 में महिला एकल। (ग) स्वर्ण पदक विजेता और सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी-डॉ. भरत राम स्पोर्ट्स मीट 2025. (घ) अखिल भारतीय विश्वविद्यालय टूर्नामेंट में उत्तर क्षेत्र टीम का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया।

जिया चावला, बी.ए.पी (तृतीय वर्ष) की छात्रा, अमेज़न एडब्ल्यूएस एआई और एमएल स्कॉलर-को 5000 डॉलर की छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

काव्या नय्यर, बी.कॉम. (ऑनर्स) (प्रथम वर्ष) (क) रजत पदक विजेता-मिश्रित युगल और कांस्य-महिला एकल, एरोबर्न 2025. (ख) रजत पदक विजेता-महिला युगल (अन्या के साथ) जेएमसी टूर्नामेंट 2025 में।

कौशिकी, बी.ए. (ऑनर्स)-अर्थशास्त्र (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, डॉ. भरत राम स्पोर्ट्स मीट और स्वाभिमान प्रतियोगिता (-63 किग्रा) में दो कांस्य पदक।

काव्या कथूरिया, बी.कॉम. (ऑनर्स)- कॉमर्स (द्वितीय वर्ष) की छात्रा (क) एसीसीए, वित्तीय प्रबंधन परीक्षा, मार्च 2025 में वैश्विक रैंक धारक। (ख) राष्ट्रीय विजेता- आईआईएम बैंगलोर द्वारा फ्लैगशिप कंसल्टिंग केस प्रतियोगिता। (ग) राष्ट्रीय उपविजेता- इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी) द्वारा सस्टेनेबिलिटी चैलेंज।

ख़ुशी, बी.ए. (ऑनर्स)-राजनीति-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा (क) दिल्ली विश्वविद्यालय इंटर-महाविद्यालय में दो कांस्य पदक (-57 किग्रा)। (ख) लिंगाया इंस्टीट्यूट में सर्वश्रेष्ठ जूडोका पुरस्कार। (ग) डॉ. भरत राम स्पोर्ट्स मीट में स्वर्ण और रजत (घ) जूडो में सर्वश्रेष्ठ कुराश खिलाड़ी ट्रॉफी और रजत, कुराश में स्वर्ण (-57 किग्रा)। (ङ) लिंगाया इंस्टीट्यूट में स्वर्ण पदक; माता सुंदरी में रजत पदक (-63 किग्रा)। (च) स्वाभिमान प्रतियोगिता में स्वर्ण और रजत पदक (-57 किग्रा)।

खुशी बुरडक, बी.ए. (ऑनर्स)-अंग्रेजी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, वार्षिक दौड़ में तीसरा स्थान।

कोमल भारती, बी.ए. (ऑनर्स)-इतिहास (तृतीय वर्ष) की छात्रा (क) डॉ. भरत राम स्पोर्ट्स मीट 2025 में प्रथम स्थान प्राप्त करने में योगदान देने वाली टीम सदस्य। (ख) एफओवाईएस शतरंज प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त करने और डीयू इंटर-महाविद्यालय में शीर्ष 10 में स्थान प्राप्त करने में योगदान दिया।

कृतिका चिमानिया, बी.ए. (ऑनर्स) की छात्रा-(तृतीय वर्ष) (क) दिल्ली राज्य तीरंदाजी चैम्पियनशिप, यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (फरवरी 2025) में ओलंपिक स्पर्धा में तीसरा स्थान। (ख) डॉ. भरत राम स्पोर्ट्स मीट, 2025 में सर्वश्रेष्ठ तीरंदाज ट्रॉफी (महिला वर्ग) की विजेता। (ग) डॉ. भरत राम स्पोर्ट्स मीट, 2025 में भारतीय राउंड में टीम को दूसरे स्थान पर पहुंचाया। (घ) इंटर-महाविद्यालय तीरंदाजी चैम्पियनशिप, दिल्ली विश्वविद्यालय, इंद्रप्रस्थ महाविद्यालय (नवंबर 2024) में टीम को दूसरे स्थान पर पहुंचाया।

क्रेती चावरिया, बी.ए. (ऑनर्स)-इतिहास (प्रथम वर्ष) की छात्रा, कालिंदी महाविद्यालय आमंत्रण मुक्केबाजी टूर्नामेंट में रजत पदक विजेता।

मनस्वी टोकस, बी.ए. (ऑनर्स)-मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, कालिंदी महाविद्यालय आमंत्रण मुक्केबाजी टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक विजेता।

मनजोत, बी.ए. (ऑनर्स)-राजनीति-विज्ञान (प्रथम वर्ष) के छात्र (क) दिल्ली विश्वविद्यालय इंटर-महाविद्यालय (-78 किग्रा) में कांस्य पदक विजेता। (ख) डॉ. भरत राम स्पोर्ट्स मीट और माता सुंदरी महाविद्यालय में रजत पदक। (ग) लिंगाया इंस्टीट्यूट प्रतियोगिता में रजत पदक विजेता।

मान्या चोपड़ा, बी.एल.एड. (प्रथम वर्ष) की छात्रा (क) डॉ. भरत राम स्पोर्ट्स मीट में जूडो और कुराश (-63 किग्रा) में कांस्य पदक। (ख) माता सुंदरी इंटर महाविद्यालय में कांस्य पदक विजेता।

मेघा रानी, वर्षा, वैशाली सिंह, कनक सिंह ने 2025 में एनपीपीए द्वारा आयोजित सकारात्मक मनोविज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

नंदिता नायर, बी.कॉम. (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, एचएसबीसी इंडिया बिजनेस केस प्रोग्राम में 2000 से अधिक टीमों में से राष्ट्रीय उपविजेता; हांग लांग में एचएसबीसी एशिया पैसिफिक केस प्रतियोगिता में टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व करने वाली ½ टीमें।

नूर सहगल, बी.कॉम (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) की छात्रा (क) एनयूएस सिंगापुर द्वारा आयोजित एशियाई अंडरग्रेजुएट शिखर सम्मेलन 2025 में भारत का प्रतिनिधि। (ख) एशियाई और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के लिए हार्वर्ड प्रोजेक्ट में भारत का प्रतिनिधि। (ग) परामर्श में टॉप 20 अंडर 20 महिलाओं के रूप में बैन एंड कंपनी द्वारा सम्मानित। (घ) भारतीय प्रबंधन संस्थान, इंदौर में वार्षिक केस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय विजेता। (ङ) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे में वार्षिक केस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय विजेता। (च) मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय केस प्रतियोगिता में प्रथम रनर अप। (जी) शहीद भगत सिंह महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र में शोध के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर। (ऑनर्स) इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय और हंसराज महाविद्यालय दोनों में राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए शोध-पत्र का चयन।

प्रभजीत कौर, बी.ए. (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) की छात्रा (क) दिल्ली राज्य पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में जेवलिन थ्रो में प्रथम स्थान प्राप्त किया। (ख) दिल्ली राज्य पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में डिस्कस थ्रो में प्रथम स्थान प्राप्त किया। (ग) दिल्ली राज्य पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में शॉटपुट में प्रथम स्थान प्राप्त किया। (घ) दिल्ली पैरा बैडमिंटन चैम्पियनशिप में महिला एकल बैडमिंटन में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

प्रांशु शर्मा, बी.ए. (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) के छात्र, कालिंदी महाविद्यालय आमंत्रण मुक्केबाजी टूर्नामेंट में रजत पदक विजेता।

रूहानी बाखरू, बी.कॉम. (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, एचएसबीसी इंडिया बिजनेस केस प्रोग्राम में 2000 से अधिक टीमों में से राष्ट्रीय उपविजेता; हांग लांग में एचएसबीसी एशिया पैसिफिक केस प्रतियोगिता में टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व करने वाली ½ टीमें।

रिदम सांगवान, बी.ए. (ऑनर्स)- अंग्रेजी (तृतीय वर्ष) की छात्रा (क) 10 मीटर एयर पिस्टल और 25 मीटर पिस्टल स्पर्धाओं में अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाज। (ख) पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत का प्रतिनिधित्व किया। (ग) स्वर्ण पदक विजेता-आईएसएसएफ विश्व कप, काहिरा (2024). (घ) 1 स्वर्ण, 2 रजत, 2 कांस्य-एशियाई चैम्पियनशिप, जकार्ता (2024). (ङ) 1 स्वर्ण, 1 रजत, 1 कांस्य-67वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप, नई दिल्ली (2024-25)।

समीक्षा, बी.एससी. (ऑनर्स)-सांख्यिकी (प्रथम वर्ष) की छात्रा, कालिंदी महाविद्यालय आमंत्रण मुक्केबाजी टूर्नामेंट में रजत पदक विजेता।

सानिया, बी.एल.एड. (प्रथम वर्ष) की छात्रा, वार्षिक दौड़ में प्रथम स्थान।

सानिया, बी.ए.पी. (प्रथम वर्ष) की छात्रा, कालिंदी महाविद्यालय आमंत्रण मुक्केबाजी टूर्नामेंट में रजत पदक विजेता।

शिमरीन अहमद, बी.ए. (ऑनर्स)-मनोविज्ञान (प्रथम वर्ष) स्वर्ण पदक विजेता-जेएमसी टूर्नामेंट 2025 में महिला युगल (जैस्मीन के साथ)।

श्रेया शर्मा, बी.ए. (ऑनर्स)-अर्थशास्त्र (प्रथम वर्ष) की छात्रा (क) उत्तर क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय टूर्नामेंट में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने के लिए चयनित। (ख) होब्नोब, जीसस एंड मैरी महाविद्यालय में सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर पुरस्कार। (ग) टीम के शीर्ष टूर्नामेंट में पहुंचने में प्रमुख योगदानकर्ता।

श्रेया स्नेह, बी.ए. (ऑनर्स)-अर्थशास्त्र (तृतीय वर्ष) की छात्रा (क) एलएसआर शतरंज टीम की कप्तान। (ख) प्रथम शतरंज क्योर ओपन रैपिड टूर्नामेंट 2025 में सर्वश्रेष्ठ महिला शतरंज खिलाड़ी। (ग) डॉ. भरत राम स्पोर्ट्स मीट 2025 में टीम को प्रथम स्थान और सर्वश्रेष्ठ महाविद्यालय टीम ट्रॉफी दिलाई।

श्रेया सिंघानिया, नैन्सी, इशानी, आश्मा, अंकिता, कशिश, स्पल, पारुल, जानकी, आकांक्षा, तहरीम, बी.ए. (ऑनर्स)-अंग्रेजी (तृतीय वर्ष) की छात्रा (क) डॉ. भरत राम स्पोर्ट्स मीट में प्रथम स्थान प्राप्त करने में योगदान दिया। (ख) हॉबनोब और जानकी कप में दूसरे स्थान पर रहने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। (ग) दिल्ली विश्वविद्यालय इंटर-महाविद्यालय टूर्नामेंट में चौथा स्थान प्राप्त किया।

सोनी, बी.ए. (ऑनर्स)-हिंदी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा (क) डॉ. भरत राम स्पोर्ट्स मीट में सर्वश्रेष्ठ जूडोका ट्रॉफी। (ख) जूडो में स्वर्ण और कुराश में स्वर्ण। (ग) लैंगिकया में कांस्य पदक विजेता; माता सुंदरी (-44 किग्रा) में रजत पदक विजेता।

स्टैनज़िन यांगस्किट, बी.एससी. (ऑनर्स)-सांख्यिकी (तृतीय वर्ष) के छात्र (क) महानिदेशालय एनसीसी पट्टिका पुरस्कार (एनसीसी) से सम्मानित। (ख) अतिरिक्त महानिदेशालय दिल्ली निदेशालय प्रशंसा (एनसीसी) से सम्मानित। (ग) अखिल भारतीय थल सैनिक शिविर (राष्ट्रीय स्तर का शिविर) पूरा किया। (घ) कैडेट वेलफेयर सोसाइटी सर्वश्रेष्ठ कैडेट प्रतियोगिता में भाग लिया और दिल्ली निदेशालय में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

सुहानी राहेल शर्मा, बी.ए. (ऑनर्स) की छात्रा-मनोविज्ञान (प्रथम वर्ष) (क) 100 मीटर और 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक, 4×100 मीटर मेडले रिले, 4×100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले और 4×200 मीटर फ्रीस्टाइल रिले में स्वर्ण पदक। (ख) 400 मीटर व्यक्तिगत मेडले और 1500 मीटर फ्रीस्टाइल में रजत पदक।

(ग) सीनियर नेशनल एक्वाटिक चैम्पियनशिप और अखिल भारतीय क्षेत्रीय प्रतियोगिता में एलएसआर का प्रतिनिधित्व किया, शीर्ष छह में स्थान प्राप्त किया।

तनु दहिया, बी.ए. (ऑनर्स)- राजनीति-विज्ञान (तृतीय वर्ष) (क) कांस्य पदक विजेता-दिल्ली ओलंपिक वॉलीबॉल चैम्पियनशिप। (ख) कांस्य पदक विजेता-सीनियर स्टेट वॉलीबॉल चैम्पियनशिप 2025.

तनुजा आर्य, बी.ए. (ऑनर्स)-अंग्रेजी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा, एनसीसी के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तरीय शिविर-गणतंत्र दिवस शिविर 2025 में दिल्ली निदेशालय के लिए चयनित हुई हैं। उन्होंने भारत के उपराष्ट्रपति, रक्षा मंत्री, एयर चीफ मार्शल, थल सेनाध्यक्ष और दिल्ली के मुख्यमंत्री के पायलट के रूप में कार्य किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री की रैली 2025 में भारत के प्रधानमंत्री के पायलट के रूप में कार्य किया है। शिविर में राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ स्टिक ऑर्डली (पायलटिंग) का पुरस्कार जीता है।

तन्वी, बी.ए. (ऑनर्स)-राजनीति-विज्ञान (प्रथम वर्ष) की छात्रा, कालिंदी महाविद्यालय आमंत्रण मुक्केबाजी टूर्नामेंट में कांस्य पदक विजेता।

तेजस्विनी शर्मा, बी.ए. (ऑनर्स)-अर्थशास्त्र (द्वितीय वर्ष) की छात्रा (क) डीयू इंटर-महाविद्यालय प्रतियोगिता में 200 मीटर फ्रीस्टाइल, 4×100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले, 4×200 मीटर फ्रीस्टाइल रिले और 4×100 मीटर मेडले रिले में स्वर्ण पदक। (ख) 100 मीटर फ्रीस्टाइल में रजत पदक।

उर्मिला, बी.एससी. (ऑनर्स)-गणित (प्रथम वर्ष) की छात्रा, कालिंदी महाविद्यालय आमंत्रण मुक्केबाजी टूर्नामेंट में कांस्य पदक विजेता।

वर्षा सिंह, बी.कॉम. (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) की छात्रा (क) स्वर्ण और रजत पदक-विश्व चैम्पियनशिप, मिस्र (10 मीटर एयर पिस्टल और 25 मीटर पिस्टल)। (ख) कांस्य पदक-विश्व कप, जर्मनी। (ग) अखिल भारतीय विश्वविद्यालय, खेलो इंडिया विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता।

वेदिका गुलिया, बी.ए. (ऑनर्स)-राजनीति-विज्ञान (प्रथम वर्ष) की छात्रा, वार्षिक दौड़ में द्वितीय स्थान पर रहीं।

यशिका जैन, बी.ए. (ऑनर्स)-अंग्रेजी (प्रथम वर्ष) की छात्रा (क) एफआईडीई-रेटेड शतरंज प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कार। (ख) दिल्ली विश्वविद्यालय शतरंज टीम में चयनित। (ग) उत्तर क्षेत्र शतरंज चैंपियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम की सदस्य।

प्रकाशन

अभिजीत मैती

मैती, ए., और राय, एस.के. (2024). पारिस्थितिक नरसंहार की मध्यस्थता: 1984 की भोपाल गैस आपदा का फिल्म में रूपांतरण। *मीडिया एशिया, 50* (2), 309-320। http://dx.doi.org/10.1080/ 01296612.2024.2332027

मैती, ए., और राय, एस.के. (2023)। 2018 के बाद के भारतीय सिनेमा में ट्रांसजेंडर का स्ट्रीमिंग मीडिया चित्रण। *मीडिया एशिया, 51* (3), 496-505। http://dx.doi.org/10.1080/01296612.2023.2280798

मैती, ए. (2024). पूर्व-पश्चिम संबंध और एंग्लो-इंडियन अव्यवस्था: रुडयार्ड किपलैंगिक की कहानियों में (उत्तर) औपनिवेशिक विकलांगता का पता लगाना। *अगाथोस: मानविकी और सामाजिक विज्ञान की एक अंतर्राष्ट्रीय समीक्षा, 15* (1), 359-375. 10.5281/zenodo.10968329

मैती, ए. (2024). आधुनिकतावादी परिवर्तनों की समीक्षा: 1910 से 1950 के दशक तक ब्रिटिश और बांग्ला आधुनिकतावादी कथा साहित्य के बीच सांस्कृतिक मुठभेड़ें। *जर्नल ऑफ पोस्टकोलोनियल राइटिंग, 61:2,* 310-311. एनए

मैती, ए. (2024). मीडिया पूंजीवाद और मंदी: फिल्म धक-धक की समीक्षा. *मीडिया एशिया, 52* (2), 321-327. https://doi.org/10.1080/01296612.2024.2304978

मैती, ए., और जैन, जे. (2024). मीडिया द्वारा मुकदमा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता: वेब सीरीज़ "द ट्रायल: प्यार कानून धोखा" की समीक्षा. *मीडिया एशिया,* 1-6. https://doi.org/10.1080/01296612.2024.2320511

मैती, ए., और जैन, जे. (2024). दुष्प्रचार और मीडिया नैतिकता: वेब सीरीज़ द ब्रोकन न्यूज़ की समीक्षा. *मीडिया एशिया,* 1-9. https://www.tandfonline.com/doi/full/10.1080/01296612.2024.2392378

अंजलि भाटिया

भाटिया, ए. (2024). फास्ट फूड रेस्टोरेंट में युवा और सेवा कार्य: कुछ संरचनात्मक और सांस्कृतिक विचार। *एडवांसेज इन सोशल साइंसेज रिसर्च जर्नल, 11* (9), 71-83. https://doi.org/10.14738/assrj.119.17561

भाटिया, ए., और कश्यप, आर. (2024). दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक छात्रों के बीच सुरक्षा का मुद्दा। *एडवांसेज इन सोशल साइंसेज रिसर्च जर्नल, 11* (10), 112-120। https://doi.org/10. 14738/assrj. 1110.17704

भाटिया, ए. (2024). स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए टिफिन तैयार करना: ब्रिलिएंस को खिलाने की समस्या। *बहु-विषयक क्षेत्र में नवीन अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 10* (10), 24-29.https://www.ijirmf.com/ wp-content/uploads/IJIRMF202410005-min.pdf

भाटिया, ए., और कश्यप, आर. (2024). सभ्य कार्य और लैंगिक: शहरी भारत में गिग महिला श्रमिकों का एक अध्ययन। *बहुविषयक क्षेत्र में नवीन अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 10* (10), 89-96। 10.2015/IJIRMF/202410014

भाटिया, ए. (2024). गांधी को सुनना: भोजन, साहस, अहिंसा. *इंटरनेशनल जर्नल फॉर क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स, 12* (10), F635-F644. एनए

भाटिया, ए. (2024). भारत में मैकडॉनल्ड्स परिवार: टेलीविज़न विज्ञापनों का विश्लेषण. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिसर्च एंड एनालिटिक रिव्यूज़, 11* (4), 951-959. एनए

भाटिया, ए. (2024). निरुला के नौ दशक: राष्ट्र, शहर, वर्ग। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड साइंटिफिक इनोवेशन, 11* (10), 960-968. https://doi.org/10.51244/IJRSI.2024.1110073

अंजना सिंह

गांगुली, आर., और सिंह, ए. (2024). जी20 देशों का कोविड-19 आर्थिक लचीलापन और आर्थिक विकास पर लचीलेपन का प्रभाव। *अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा और अनुसंधान जर्नल, 10* (4), 162-168। https://doi.org/10.21276/ IERJ24085125553756

अंशुल कुमार

कुमार, ए., और जैन, एम. (2025)। वर्किंग वेकेशन में अपूर्ण सेवा वाली मल्टी-सर्वर कतार का प्रदर्शन विश्लेषण। *सांख्यिकी में संचार-सिमुलेशन और संगणना,* 1-21। https://doi.org/10.1080/ 03610918. 2025.2476598

अनुराधा

अनुराधा (2024). उच्च क्रम मार्कोव श्रृंखला के लिए विराम समय तक, ठीक k लंबाई वाले रन का वितरण। *सांख्यिकी और अनुप्रयोग, 22* (1), 83-100। https://ssca.org.in/media/6_SA90092022_R2_SA_ 10062023_Anuradha_FINAL_Finally_F.pdf

आरती मिनोचा

मिनोचा, ए. (2024). पंजाबी नज़रिए से रानी विक्टोरिया: हरदेवी का यात्रा लेखन. *विक्टोरियन साहित्य और संस्कृति, 52* (1), 40-60. https://doi.org/10.1017/S1060150323000761

अरुणिमा रे

रे, ए. (2024). जाति और शहरी स्थान: दो समकालीन दलित महिलाओं की रचनाओं में स्थान छोड़ने, बाहर आने और स्थान पुनः प्राप्त करने की राजनीति। *म्यूज़ इंडिया, मानसून अंक, जुलाई-अगस्त, 2024.* एनए

भवनीत कौर

कौर, बी., मीना, एस. शर्मा, आर.के. और अग्रवाल (2024). आर. विक्षुब्ध दीर्घवृत्तीय प्रतिबंधित त्रि-पिंड समस्या की गतिशीलता पर छद्म माध्य गति का प्रभाव। *खगोल विज्ञान रिपोर्ट, 68* (9), 938-947। http://dx.doi.org/ 10.1134/S1063772924700768

भावना देवी

दीपक, एस., देवी, बी., सौम्या, बी., भयाना ए., कपूर, ए., चव्हाण, ए. और मासीवाल, डी. (2024). महाविद्यालय के छात्रों में इंस्टाग्राम के उपयोग के विश्लेषण के माध्यम से वास्तविक और आभासी आत्म की खोज। *इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ एंड वेल-बीइंग, 15* (3), 375-384। एनए

दर्शना धवल

धवल. डी (2024). सुनीता और 'त्यागपत्र' में जैनेंद्र कुमार का नारी चिंतन। *जर्नल ऑफ एजुकेशन, खंड XIV।*

धवल. डी (2024). उभोक्तावादी संस्कृति एवं वर्तमान समाज। *शिक्षा और समाज, खंड XIV।*

धवल. डी (2024). आधुनिक युग का मीडिया और संस्कृत अस्मिता। *अक्षर वार्ता, खंड XXII.*

धवल. डी (2025)। शिक्षा और आर्थिक स्वावलंबन के परामर्श में स्त्री सशक्तीकरण। *साहित्य कुंज, मार्च।* ना

गोपा सभरवाल

सभरवाल, जी. (2024). जीएस घुर्ये और टर्म एथनिक ग्रुप. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिक रिव्यूज़, 11* (4), 28-31. एनए

सभरवाल, जी. (2024). गांधी और गाँव. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स, 12* (11), 605-608. https://www.ijcrt.org/papers/IJCRT2411292.pdf

सभरवाल, जी. (2024). एक विश्वविद्यालय कक्षा के तीन दशक. *अमेरिकन रिसर्च जर्नल ऑफ ह्यूमैनिटीज़ एंड सोशल साइंस, 7* (12), 21-27. एनए

सभरवाल, जी. (2024). काश हर भारतीय रोज़ एक कप चाय पीता! *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स, 12* (12), 838-843. https://ijcrt.org/papers/IJCRT2412754.pdf

सभरवाल, जी. (2024). निर्देशित फील्डवर्क की एक चौथाई सदी. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिक रिव्यूज़, 11* (4), 960-963. एनए

सभरवाल, जी. (2024). एक अवधारणा के रूप में जातीय समूह का महत्व. *बहुविषयक क्षेत्र में नवीन अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 12* (12), 145-149. 10.2015/IJIRMF/202412024

सभरवाल, जी. (2024). समाचार-पत्र एक राजनीतिक एजेंट के रूप में-द डॉन 1947. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव रिसर्च इन टेक्नोलॉजी, 11* (7), 2917-2921. https://ijirt.org/publishedpaper/IJIRT171412_PAPER.pdf

सभरवाल, जी. (2024). उपभोग की संस्कृति का निर्माण-चाय की कहानी. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड इनोवेशन, 11* (12), 93-98. एनए

सभरवाल, जी. (2024). महाभारत, एक कथा: मगध के जरासंध की कहानी का पता लगाना। *बहुविषयक क्षेत्र में नवीन अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 10* (12), 177-182. 10.2015/IJIRMF/202412029

सभरवाल, जी. (2024). चाय उद्योग और मलेरिया. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिक रिव्यूज़, 11* (4), 427-430. एनए

जितेंद्र कुमार पांडे

डॉ. पांडे, जेके, (2024). भारत-रूस संबंध. *राधा कमल चिंतन परम्परा। 26* (2), 84-90.

जोनाकी बी घोष

घोष, जेबी (2024). कम्प्यूटेशनल और गणितीय सोच के बीच सहक्रियात्मक संबंध: स्प्रेडशीट की भूमिका। *शिक्षकों और शिक्षक प्रशिक्षकों की आवाज़ें, 13* (1), 46-56। http://14.139.250.109:8090/ index. php/vtte/article/view/2960

घोष, जेबी (2024). प्रौद्योगिकी द्वारा सक्षम गणितीय अन्वेषण: माध्यमिक विद्यालय में कम्प्यूटेशनल और गणितीय चिंतन को एकीकृत करने का एक समृद्ध संदर्भ। *सुदूर पूर्व गणितीय शिक्षा पत्रिका, 26* (2), 79-98। https://doi.org/10.17654/0973563124009

जोनाथन वर्गीस

वर्गीस, जे.के. (2024). बौद्धिकता का प्रतीक: एडवर्ड सईद, सार्वजनिक क्षेत्र और विश्वविद्यालय। *पब्लिक ह्यूमैनिटीज़, 1* (E28), 1-11. https://doi.org/10.1017/pub.2024.34

वर्गीस, जे.के. (2024). नीन्के बोअर की पुस्तक "द ब्रिनी साउथ: डिस्प्लेसमेंट एंड सेंटिमेंट इन द इंडियन ओशन वर्ल्ड" की समीक्षा। *समाज, पेरिस*/ https://doi.org/10.4000/w8zs

ज्योति दरबारी

शर्मा, आर., कन्नन, डी., दरबारी, जे.डी., और झा, पी.सी. (2024). कृषि-खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में सतत आपूर्तिकर्ता मूल्यांकन हेतु प्रदर्शन संकेतकों के चयन हेतु समूह निर्णय मॉडल। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्रोडक्शन इकोनॉमिक्स,* 109353। https://doi.org/10.1016/j.ijpe.2024.109353

सोलंकी, आर., कन्नन, डी., दरबारी, जे.डी., और झा, पी.सी. (2024). विनिर्माण आपूर्ति श्रृंखला में कार्बन नियामक पर्यावरणीय नीतियों के कार्यान्वयन के लिए प्रेरकों की पहचान और विश्लेषण: एक शून्य कार्बन परिप्रेक्ष्य। *क्लीनर लॉजिस्टिक्स और आपूर्ति श्रृंखला, 11,* 100150।

https://ui.adsabs.harvard.edu/
link_gateway/2024CLSC...1100150S/doi:10.1016/j.clscn.2024.100150

कैलाश कुमार

कुमार, के. कुमार एल., और पवार डी. (2024). मरम्मत वरीयता और मौसम की स्थिति के साथ विशिष्ट उप-प्रणालियों की एक प्रणाली का लागत-प्रभावशीलता विश्लेषण। *जर्नल ऑफ रिलायबिलिटी एंड स्टैटिस्टिकल स्टडीज, 17* (2), 333-350। https://doi.org/10.13052/jrss0974-8024.1724

कल्याणी अकालमकम

कल्याणी, ए., और शर्मा, एस. (2024). सामाजिक-वैज्ञानिक मुद्दा-आधारित शिक्षाशास्त्र के लिए एक रूपरेखा। *जर्नल ऑफ इंडियन एजुकेशन, 50* (2)। एनए

कंचन वर्मा

वर्मा, के. (2024). कहानी का रंगमंच और कृष्णा सोबती, *रंग प्रसंग (एनएसडी),* खंड 55, 25-33।

वर्मा, के. (2024). आसमान के नाम ख़त, माँ के लिए तिरस्कारपूर्ण पंक्तियाँ, किन्फाम सिंग नोंगकिनरिह की कविताओं का अनुवाद, *अनुवाद, भारतीय अनुवाद परिषद, खंड 199-200, अनुदित कथा विशेषांक,* नई दिल्ली। 47-50, आईएसएसएन 0003-6218।

कनिका के. आहूजा

आहूजा, के.के. और पाढ़ी, पी. (2024). उन्होंने क्या कहा, उनका क्या मतलब था और दो वर्ष बाद: कोविड-19 के दौरान घर से काम करने के लिए मजबूरी के दौरान कॉर्पोरेट संचार का एक महत्वपूर्ण विमर्श विश्लेषण। *एससीएमएस जर्नल ऑफ इंडियन मैनेजमेंट, 21,* 19-33। एनए

आहूजा, के.के. (2024). राइट बाइट या लेफ्ट आउट? भारत में लिंक्डइन पर नौकरी चाहने वालों के बीच आत्म-प्रस्तुति में लैंगिक अंतर। *डिस्कवर साइकोलॉजी, 4* (1), 59. https://doi.org/10.1007/s44202-024-00176-9

कुलदीप

कुलदीप, ए.एम. वाज़वाज़ और एल. कौर (2024). समाकलनीय (3 + 1)-आयामी इटो समीकरण के लिए किंक और लम्प अंतःक्रिया समाधान का गतिकीय अन्वेषण। *रोमानियन रिपोर्ट्स इन फिजिक्स, 76,* 111. http://dx.doi.org/10.59277/RomRepPhys.2024.76.111

कुलदीप और एल. कौर (2025)। (2+1)-आयामी द्विदिशात्मक सवादा-कोटेरा समीकरण के विविध समाधानों की खोज के लिए हिरोटा द्विरेखीय दृष्टिकोण। *रोमानियन रिपोर्ट्स इन फिजिक्स, 77,* 105. http://dx.doi.org/ 10.59277/RomRepPhys.2025.77.105

लिजाश्री हजारिका

हज़ारिका, एल. और माइकल बी. (2024). मेशिंग सब-प्लान्स में साझा एजेंसी की अवधारणा. *भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद की पत्रिका, 41,* 83-92. 10.1007/s40961-023-00314-z

हज़ारिका, एल. (2025). लिबर्टेरियन पैटरनालिज़्म या न्यू पैटरनालिज़्म: *इंडियन फिलॉसॉफिकल क्वार्टरली में एक जाँच, 50* (1-2), 149-177. एनए

माया जोशी

जोशी, एम. (2024). दरवेश, खानबादोश, हरफनमौला: एक प्रतिभाशाली कवि की कृतियाँ एक विशाल कैनवास पर. *द बुक रिव्यू, 47* (12), 31-32. एनए

मेघा ढिल्लों

ढिल्लों, एम. (2025). शत्रु के लिए लड़ने वाला भाई: महाभारत के कर्ण को एरिक्सन के दृष्टिकोण से पहचान पर देखना। *देहाती मनोविज्ञान।* https://doi.org/10.1007/S11089-025-01215-5

ढिल्लों, एम., और गुप्ता, ए. (2024). 'अब मैं इसे आत्म-प्रेम कहता हूँ': भारतीय महिलाओं के आत्म-साझेदारी के अनुभव। *एशियन स्टडीज़ रिव्यू, 49* (1), 193-213। http://dx.doi.org/10.1080/10357823. 2024.2368886

हसन, एफ., गार्बेट, के.एम., डाइड्रिक्स, पी.सी., चौधरी, ए., आहूजा, एल., उगलिक-मरुचा, ई., विटोरौ, एस., ढिल्लों, एम., श्रॉफ, एच. और लुईस-स्मिथ, एच., (2024). शहरी भारत में किशोरों में अंग्रेजी में उपयोग के लिए बॉडी इमेज लाइफ डिसएंगेजमेंट प्रश्नावली का अनुकूलन और सत्यापन। *बॉडी इमेज, 48,* पृ.101673। https://doi.org/10.1016/j.bodyim.2023.101673

मिताली मिश्रा

मिश्रा, एम., और सारस्वत, एस. (2025). तूफ़ान की आँख में माताएँ: ललिताम्बिका अंतरजनम की पुस्तक "तूफ़ान में एक पत्ता" में मातृ-द्वैधता और अभिकरण। *भारतीय साहित्य, 69* (1), 146-155. एनए

मिश्रा, एम., के.सी., बी., और मेनन, के. (2024). दफ़न सच की व्याख्या: नारीवादी मातृत्व अध्ययन के नज़रिए से लोकप्रिय ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म पर 'हत्यारी माँ' की छवि को उजागर करना। *चलचित्र समीक्षा, 8* (10), 78-91। एनए

मिश्रा, एम., और सारस्वत, एस. (2024). नुकसान की भरपाई: शोभा राव की "द लॉस्ट रिबन" में शिशुहत्या, द्वैधता और आघात। *आईएएफओआर जर्नल ऑफ आर्ट्स एंड ह्यूमैनिटीज़, 11* (2)। https://doi.org/10. 22492/ijah.11.2.03

मिश्रा, एम., सारस्वत, एस., और मेनन, के. (2024). अमृता प्रीतम की पिंजर में मातृत्व और प्रतिरोध। *मध्य भारती: मानविकी और सामाजिक विज्ञान, 86,* 215-224।

मिश्रा, एम. (2024). (अ) एक राष्ट्र से जुड़ाव: इस्मत चुगताई की जड़ों को पढ़ना। *जर्नल ऑफ रिसर्च इन ह्यूमैनिटीज़ एंड सोशल साइंस, 12* (9), 7-9. https://www.questjournals.org/jrhss/papers/vol12-issue9/12090709.pdf

मिश्रा, एम. (2024). मौन की गूँज: सोरया खान की नूर में युद्ध के आघात और अनकहे का विश्लेषण. *शोध दृष्टि, 15* (8.1), 255-259. एनए

मोनिका सिंह

सिंह, एम., (2024). बीपी(.) वेट्स के साथ वेरिएबल एक्सपोनेंट ग्रैंड लेबेस्ग स्पेस पर एक्सट्रपलेशन परिणाम, *मैथेमेटिशे नचरिचटेन, 297* (9), 3363-3380। http://dx.doi.org/10.1002/mana.202300402

नेहा कुमारी

कुमारी एन. (2025). विज्ञान में स्त्री: सोशल मीडिया का सांस्कृतिक और सामाजिक प्रभाव, 39 (3)।

नितिन तंवर

प्रसाद, एन., वर्मा, एम.के., तंवर, एन. और कुमार, एम. (2024). पूँजी संरचना का फर्म के प्रदर्शन पर प्रभाव: भारत में फार्मास्युटिकल डिटेक्टर का एक अनुभवजन्य अध्ययन। *आर्थिक मामले, 69* (2), 843-848। https://www.researchgate.net/publication/382396998_Capital_Structure_Impact_on_Firm_Performance_An_Empirical_Study_of_the_Pharmaceutical_Sector_in_India

प्रसाद, एन., तंवर, एन. और कुमार, एम. (2024). कार्यशील पूँजी प्रबंधन और लाभप्रदता: राष्ट्रीय स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध कृषि कंपनियों से विशेष साक्ष्य सहित। *भारतीय अर्थशास्त्र और विकास जर्नल, 20* (1), 36-42। https://doi.org/10.35716/IJED-23088

पम्याफी न्गाशांग्वा

न्गाशांग्वा, पी., और बेहेरा। पी. (2024). आत्म-प्रेम या आत्म-व्यस्तता? वैवाहिक संबंधों के संदर्भ में अहं-केंद्रितता की खोज। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी, 12* (3), 1458-1468। 10.25215/1203.142

पंकजा घई कौशिक

घई, पी., और सहगल, एस. (2025). परिवर्तन में बदलाव: महाभारत के शांतिपर्व के आपद्धर्म खंड में क्षत्रिय पुरुषत्व के पहलुओं पर पुनर्विचार। *सामाजिक वैज्ञानिक।* एन.ए.

घई, पी., और सहगल, एस. (2025). महाभारत में क्षत्रिय पुरुषत्व के लैंगिक आधारों की खोज। *पाणिनीय* (प्रकाशन में)। एनए

पारुल बंसल

बिसारिया, वी., और बंसल, पी. (2025). परसंस्कृति-परक अनुसंधान में रुझान और दिशाएँ. *संस्कृति और मनोविज्ञान.* http://dx.doi.org/10.1177/1354067X251315734

घोष, आर. और बंसल, पी. (2025). समकालीन भारत में राष्ट्र-विरोध की एक सामाजिक मनोवैज्ञानिक जाँच-एक मीडिया विश्लेषण. *संस्कृति और मनोविज्ञान.* https://doi.org/10.1177/1354067X241312244

प्रियंका पाढ़ी

आहूजा, के.के. और पाढ़ी, पी. (2024). उनका क्या मतलब था और दो वर्ष बाद: कोविड-19 के दौरान घर से काम करने के लिए मजबूरी के दौरान कॉर्पोरेट संचार का एक महत्वपूर्ण विमर्श विश्लेषण। *एससीएमएस जर्नल ऑफ इंडियन मैनेजमेंट, 21,* 19-33। एनए

पुष्पिता बेहरा

न्गाशांग्वा, पी., और बेहेरा। पी. (2024). आत्म-प्रेम या आत्म-व्यस्तता? वैवाहिक संबंधों के संदर्भ में अहं-केंद्रितता की खोज। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी, 12* (3), 1458-1468। 10.25215/1203.142

दत्ता, ए., सिंह, ए. और बेहरा, पी. (2024). स्टैंड बाई मी: भारत में बाहरी और आवासीय विश्वविद्यालय के छात्रों के व्यक्तिपरक कल्याण, लचीलेपन और आत्म-सम्मान पर सामाजिक समर्थन का प्रभाव, *द इंडियन जर्नल ऑफ पॉजिटिव साइकोलॉजी, 1594,* 402-411। https://journals.indexcopernicus. com/api/ file/viewByFileId/2118566

रेशमी गांगुली

गोयल, एस., गांगुली, आर., और जैन, एस. (2024). ताज नगरी में शहरी अनौपचारिक क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण पर अर्जित कौशल और आय के बीच संबंध की खोज: एक अनुभवजन्य अध्ययन। *अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान और आर्थिक अनुसंधान जर्नल, 9* (3), 897-914। http://dx.doi.org/ 10.46609/IJSSER.2024.v09i03.016

गांगुली, आर., और सिंह, ए. (2024). जी20 देशों का कोविड-19 आर्थिक लचीलापन और आर्थिक विकास पर लचीलेपन का प्रभाव। *अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा और अनुसंधान जर्नल, 10* (4), 162-168। https://doi.org/10.21276/ IERJ24085125553756

साक्षी सोनी

शुक्ला, ए.के., सोनी, एस., और कुमार, के. (2025). एकीकृत हाइब्रिड सेंसर्ड पावर लिंडले वितरण में सांख्यिकीय अनुमान और पूर्वानुमान। *जीवन चक्र विश्वसनीयता और सुरक्षा इंजीनियरिंग,* 1-22.http://dx.doi.org/10.1007/ s41872-024-00295-1

सारिका कालरा

कालरा एस. (2024). वेदः एक संस्कारशील जीवन परिपति। *इंगीत, मध्य भारतीय हिन्दी साहित्य सभा, ग्वालियर,* 2454-6305।

सरिता देवी

जैन, एस., देवी, एस. और कुमार, वी. (2024). दूरस्थ कार्य और उसकी सुविधाप्रद बारीकियाँ: बौद्धिक संरचना की कल्पना और भविष्य के अनुसंधान एजेंडा का निर्धारण। *प्रबंधन अनुसंधान समीक्षा, 47* (5), 689-707। 10.1108/MRR-01-2022-0057

श्वेतांशु भूषण

भूषण, एस. (2024). विरासत और संस्कृति का सामंजस्य: पैतृक सांस्कृतिक जड़ों को बनाए रखने में तान गायन/बैठक गान की भूमिका। *इंडेंचर डायलॉग, 4:3-8,* 3-8. एनए

भूषण, एस. (2024). याज्ञवल्क्य स्मृति के विशेष संदर्भ में भारतीय विधि व्यवस्था का एक समकालीन अध्ययन. *शोधप्रभा.* 602-615. एनए

शिक्षा दीपक

दीपक, एस., देवी, बी., सौम्या, बी., भयाना ए., कपूर, ए., चव्हाण, ए. और मासीवाल, डी. (2024). महाविद्यालय के छात्रों में इंस्टाग्राम के उपयोग के विश्लेषण के माध्यम से वास्तविक और आभासी स्व की खोज। *इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ एंड वेल-बीइंग। 15* (3), 375-384। https://journals.indexcopernicus. com/api/file/viewByFileId/2060607

स्मिता सहगल

सहगल, एस. (2024). आधिपत्यवादी पुरुषत्व पर प्रश्न: महाभारत के शांतिपर्व में युधिष्ठिर और भीष्म का संवाद। *भारतीय इतिहास कांग्रेस की कार्यवाही, अलीगढ़, 82वां सत्र, (वारंगल),* 118-126। एनए

सहगल, एस. और घई, पी. (2024). परिवर्तन में बदलाव: महाभारत के आपद्धर्म खंड में क्षत्रिय पुरुषत्व के पहलू। *सोशल साइंटिस्ट, 52,* 29-44। एनए

स्मृति शर्मा

कल्याणी, ए., और शर्मा, एस. (2024). सामाजिक-वैज्ञानिक मुद्दा-आधारित शिक्षाशास्त्र के लिए एक रूपरेखा। *जर्नल ऑफ इंडियन एजुकेशन, 50* (2)। एनए

सुनील कुमार

श्रीधरन, आर., उपाध्याय, एस.के., यादव, एस.के. (2024). बीजगणितीय मूलभूत समूहों पर कुछ टिप्पणियाँ, 228 (11), 107719. एनए

सुनीता गुरुंग

गुरुंग. एस, (2024). कालिदास की दाल: विचार और संवेदना की अन्विति। *परिकथा, सितंबर-अक्तूबर 2024.*

ट्विंकल सिवाच

सिवाच, टी. (2024). एफआईआर, मीडिया और आपराधिक न्याय प्रणाली: भारत से केस स्टडीज़। *सबवर्जन्स: मीडिया और सांस्कृतिक अध्ययन में उभरते शोध का एक जर्नल, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान।* एनए

वंदना सूरजभान

भान, वी. (2024). काव्यरचना एवं काव्यशास्त्रीय तत्व-साहित्यसुधासिंधु के परिप्रेक्ष्य में। *शब्दार्नव, 19* (1), 62-66.

भान वी. (2024). वैदिक वांग्मय में आदर्श राष्ट्र की परिकल्पना। *वेदांजलि, 21* (1), 33-35.

वर्तिका नंदा

नंदा, वी. (2024). जेल रेडियो जारी करें हरियाणा की करनाल जेल में शिक्षा का प्रसार। *ज्ञान गरिमा सिंधु,* 128-133.

नंदा, वी.(2024): तिहाड़ जेल की बंदिनियां। *साहित्य अमृत,* 92-95.

पुस्तकें

प्रो. (डॉ.) अरुणिमा रे

रे, ए., और चंदा, ए. (2024). *पहचान का अनावरण : अंग्रेजी में भारतीय लेखन की खोज.* वर्ल्डव्यू पब्लिकेशन्स. आईएसबी.ए.न 978-81-97662-43-0.

कार्यवाहक प्राचार्य प्रो. कनिका आहूजा

आहूजा, के.के. (2025) (प्रकाशन में)। *नेविगेटिंग इंटिमेट रिलेशनशिप्स।* रूटलेज।

डॉ. पारुल बंसल

बंसल, पी. (2024). *मनोविज्ञान की पुनर्कल्पना : आदर्शवादी नींव पर बहस.* रूटलेज आईएसबी.ए.न 9781032749938.

डॉ. थुआनबीना गंगमेई

गंगमेई, टी. (2025)। *रिश्तों में दरार पैदा करना : पारिवारिक रिश्तों और संचार को बेहतर बनाना। रयान पब्लिशर्स।* आईएसबी.ए.न: 978-93-48615-32-9।

प्रो. तृप्ति बस्सी

शर्मा, एस. और बस्सी, टी. (सं.) (2024) *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: विषय और परिप्रेक्ष्य। आईसीएसएसआर*-प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, एलएसआर।

शर्मा, एस. और बस्सी, टी. (सं.) (2025). राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: *भविष्य का रोडमैप.* शिप्रा प्रकाशन. आईएसबी.ए.न 978-93-91978-96-9.

पुस्तक में अध्याय

प्रोफ़ेसर (डॉ.) आरती मिनोचा

मिनोचा, ए. (2024). औपनिवेशिक पंजाब में महिलाएँ और मुद्रण संस्कृतियाँ। ए. मल्होत्रा (सं.) में, *पंजाबी सी एंटुरीज़: ट्रेसिंग हिस्टोरीज़ ऑफ़ पंजाब* (पीपी. 110-148)। ओरिएंट ब्लैकस्वान. आईएसबी.ए.न 978-93-5442-804-3।

डॉ. ज्योति दरबारी

आहूजा, एन., दरबारी, जे.डी., और झा, पी.सी. (2024). उद्योग 4.0 युग में ग्राहक-संतुष्टि के आधार पर स्थायी आपूर्तिकर्ताओं के प्रदर्शन के मूल्यांकन, चयन और निगरानी के लिए एक एकीकृत मॉडल। *आपूर्ति श्रृंखला स्थिरता पर उद्योग 4.0 के प्रभाव में* (पृष्ठ 255-2730)। एमराल्ड पब्लिशिंग लिमिटेड। आईएसबी.ए.न 978-1-83797-778-9।

डॉ. करुणा राजीव

राजीव, के. (2024). विकलांगता, संवाद और रूपक। इन एस. सती (सं.), बाहरी व्यक्ति *की विकलांगता को पुनः प्राप्त करना : साहित्य और संस्कृति में विकलांगता का प्रतिनिधित्व (पृष्ठ 59-68)।* ब्लूम्सबरी। आईएसबी.ए.न 978-93-56402-92-8।

राजीव, के. (2024). रोहिंटन मिस्त्री के तैराकी पाठों में कहानी कहने की कला, दृष्टिकोण और पहचान। ए. रे और ए. चंदा (सं.) में, *पहचान का अनावरण : अंग्रेजी में भारतीय लेखन की खोज (* पृष्ठ 98-112)। विश्वदृष्टि। आईएसबी.ए.न 978-81-97662-43-0.

सुश्री मैत्रयी मंडल

मंडल, एम. (2024). कमला दास की कविताओं में 'नारी' : मेरी दादी के घर का एक वाचन और एक परिचय। ए. रे और ए. चंदा (सं.) में, *पहचानों का अनावरण : अंग्रेजी में भारतीय लेखन की खोज (पृष्ठ 59-68*)। वर्ल्डव्यू क्रिटिकल कम्पैनियन। आईएसबी.ए.न 978-81-97662-43-0.

डॉ. मेघा ढिल्लों

एम. ढिल्लों (2024). एशियाई युवाओं में सामाजिक मीडिया और शारीरिक छवि पर इसका प्रभाव। डॉ. ए. कुमार और ए. शर्मा (सं.) में। माइंडफुल मीडिया : डिजिटल युग में मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियाँ (पृष्ठ 191-199)। ब्लूरोज़ पब्लिशर्स। आईएसबी.ए.न 9789364523639।

सुश्री मिताली मिश्रा

मिश्रा, एम. (2024). विभाजन की अनसुनी नायिका : एक अपहृत महिला की बरामदगी में कमला पटेल की गांधीवादी विरासत। डी. जारोंडे (सं.), *ग्रेट वूमेन ऑफ़ इंडिया* (खंड 5, पृष्ठ 34-42) में। रमनशील प्रकाशन। आईएसबी.ए.न 978-93-92310-73-7।

मिश्रा, एम. (2025)। दूसरों को खंडित करना : इस्मत चुगताई की जड़ों में राष्ट्रीय आघात और मातृ प्रतीकवाद। ए. गुप्ता और *एएफएम* मलिक (संपादक), *महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध हिंसा की रोकथाम (* पृष्ठ 309-315)। सनबीम। आईएसबी.ए.न 978-93-48856-15-9।

प्रो. स्मिता सहगल

सहगल, स्मिता (2024). ट्रांसडिसिप्लिनारिटी और भगवद् गीता; प्रैग्मैटिज़्म के साथ नैतिकता का संश्लेषण, गुरप्यारी भटनागर एट अल. (सं.), *साहित्य और ट्रांसडिसिप्लिनारिटी (पृष्ठ 63-74)* मैकमिलियन एजुकेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड.

प्रो. स्मृति शर्मा

शर्मा, एस., और मबूद, ए. (2025). सहानुभूतिपूर्ण श्रवण के माध्यम से बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को बहाल करना। में ***एस.*** शर्मा, पृ. (ई.डी.)। *उपचार के कई तरीके: मानसिक स्वास्थ्य में चिकित्सीय विकल्प।* रूटलेज (पृष्ठ 16-21) आईएसबी.ए.न- 978100350477।

प्रो. तृप्ति बस्सी

बस्सी, टी. (2025). महिला शिक्षा। के.ए. जैकबसन, के. मल्होत्रा, के. मायरवोल्ड और ई. नेस्बिट (सं.) में। *ब्रिल्स इनसाइक्लोपीडिया ऑफ सिखिज्म,* खंड II, लीडेन (पृष्ठ 196-222)। आईएसबी.ए.न 978-90-04-34703-8।

बस्सी, टी (2024). सिख स्कूल में लड़कियों की शिक्षा। आलम ए. (सं.) *भारत में धर्म और शिक्षा।* रूटलेज। आईएसबी.ए.न 978-1-032-50393-6।

***डॉ वंदना* रानी**

V. Rani (2024). भारतीय संस्कृति में आचरण: वैज्ञानिक पक्ष. *Bhartiya sahitya sanskriti aur darshan* (pp.109-116). संस्कृत संस्कृति विकास संस्थान नियास। आईएसबी एन 978-81-977343-0-4।

डॉ. वफ़ा हामिद

हामिद, डब्ल्यू. (2024). घर के भूत. आगा शाहिद अली द्वारा फ़ैज़ अहमद फ़ैज़ और महमूद दरवेश के अनुवादों में। आईसी गोमेज़ और एमएच एस्पलिन (संपादक) द्वारा, *ट्रांसलेटिंग होम इन द ग्लोबल साउथ: माइग्रेशन, बीलोनगिंग, एंड लैंग्वेज जस्टिस* (पृष्ठ 163-185)। रूटलेज। आईएसबी.ए.न 978-1-032-44913-5।

अनुसंधान परियोजनाएँ

प्रो. आरती मिनोचा (अंग्रेजी विभाग, प्रधान अन्वेषक) और जोनाथन वर्गीस (अंग्रेजी विभाग) ' लिमिनल सेंटीमेंट्स एंड द ब्रिटिश कोलोनियल स्टेट ' नामक शोध परियोजना के लिए ₹100,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान किसके द्वारा प्रदान किया गया है? डॉ. भरत राम रिसर्च ग्रांट में कार्यरत हैं और यह दिसंबर 2024 से दिसंबर 2025 तक की अवधि को कवर करता है।

डॉ. ज्योति दरबारी (गणित विभाग, प्रमुख अन्वेषक) और डॉ. उज्जयनी रे (इतिहास विभाग) को ' उच्च शिक्षण संस्थानों में एनईपी के कार्यान्वयन में आने वाली बाधाओं और सक्षमताओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन ' नामक शोध परियोजना के लिए ₹100,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान प्रदान किया गया है: डॉ. भरत राम रिसर्च ग्रांट में और इसकी अवधि दिसंबर 2024 से दिसंबर 2025 तक है।

डॉ. कंचन वर्मा (हिंदी विभाग, प्रधान अन्वेषक) को ' भारत विभाजन का अनुभव: हिंदी, उर्दू और बांग्ला लघु कथाओं में महिलाएँ ' नामक शोध परियोजना के लिए ₹100,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान प्रदान किया गया है: डॉ. भरत राम रिसर्च ग्रांट में कार्यरत हैं और यह दिसंबर 2024 से दिसंबर 2025 तक की अवधि को कवर करता है।

प्रो. कनिका के. आहूजा (मनोविज्ञान विभाग, प्रधान अन्वेषक) और डॉ. प्रियंका पाढ़ी (मनोविज्ञान विभाग) को 'नेवर हैव आई एवर: अ स्टडी ऑन डेटिंग एंड सेक्सुएलिटी स्क्रिप्ट्स इन पैरेंट-चाइल्ड कम्युनिकेशन एंड पॉपुलर मीडिया मैसेजेस अमंग इमर्जिंग एडल्ट्स ' नामक शोध परियोजना के लिए ₹100,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान प्रदान किया गया है: डॉ. भरत राम रिसर्च ग्रांट में कार्यरत हैं और यह दिसंबर 2024 से दिसंबर 2025 तक की अवधि को कवर करता है।

डॉ. महेश एस. पणिक्कर (राजनीति-विज्ञान विभाग, प्रधान अन्वेषक) और डॉ. लेस्ली कुमार (राजनीति-विज्ञान विभाग) को 'डिजाइनिंग फॉर डिफरेंस: एआई और विकलांगता समावेशन, धन की राजनीति' नामक शोध परियोजना के लिए ₹100,000 की राशि मंजूर की गई है। यह अनुदान किसके द्वारा प्रदान किया गया है? डॉ. भरत राम रिसर्च ग्रांट में कार्यरत हैं और यह दिसंबर 2024 से दिसंबर 2025 तक की अवधि को कवर करता है।

डॉ. शाश्वती भट्टाचार्य (समाजशास्त्र विभाग, प्रधान अन्वेषक) और डॉ. अनुराधा जैदका (समाजशास्त्र विभाग) को ' युवा महिलाओं की यौन स्वास्थ्य आवश्यकताएं और सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के भीतर स्वास्थ्य पेशेवरों की धारणाएं: दिल्ली की एक झुग्गी बस्ती में एक खोजपूर्ण अध्ययन ' नामक शोध परियोजना के लिए ₹100,000 की राशि मंजूर की गई है। यह अनुदान किसके द्वारा प्रदान किया गया है? डॉ. भरत राम रिसर्च ग्रांट में और इसकी अवधि दिसंबर 2024 से दिसंबर 2025 तक है।

डॉ. सेंटीसुंगला लोंगचर-प्रमुख अन्वेषक (भारत) डॉ. इंदु दुबे (प्रमुख अन्वेषक, नॉटिंघम विश्वविद्यालय, यूके) के साथ भारत और यूके में पहचान प्रथम भाषा और व्यक्ति प्रथम भाषा की वरीयता पर एक अंतर्राष्ट्रीय शोध सहयोग के लिए।

प्रो. सुशीला मदान (बी.ए. (कार्यक्रम) विभाग, प्रमुख अन्वेषक), डॉ. मेघा खंडेलवाल (बी.ए. (कार्यक्रम) विभाग), डॉ. केएम रितु (बी.ए. (कार्यक्रम) विभाग) को 'मशीन लर्निंग का उपयोग करके उच्च शिक्षा में छात्रों के लिए एक मल्टीमॉडल तनाव जांच मॉडल' नामक शोध परियोजना के लिए ₹100,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान प्रदान किया गया है। डॉ. भरत राम रिसर्च ग्रांट में कार्यरत हैं और यह दिसंबर 2024 से दिसंबर 2025 तक की अवधि को कवर करता है।

आयोजित संगोष्ठियां

भारत के मुख्य सांख्यिकीविद् डॉ. जीपी सामंत ने 5 अप्रैल, 2024 को 'सफलता तालमेल: विचार से लेकर प्रक्षेपण तक के परिप्रेक्ष्य का अनावरण' विषय पर व्याख्यान दिया।

सुश्री मिनिस्थी एस., आईएएस अधिकारी और अनुवादक, भारत और श्री फिरत सुनेल, भारत में तुर्की के राजदूत, लेखक और पटकथा लेखक ने 12 सितंबर, 2024 को 'रीड बियॉन्ड बॉर्डर्स' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की सदस्य डॉ. शमिका रवि ने 19 सितंबर, 2024 को 'राजकोषीय नीतियों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु लैंगिक बजट' विषय पर व्याख्यान दिया।

एसओएएस विश्वविद्यालय, लंदन की प्रोफेसर फ्रांसेस्का ओरसिनी ने 4 अक्तूबर, 2024 को 'भारतीय पत्रिकाओं की दुनिया' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

नीति आयोग के वरिष्ठ सलाहकार एवं कार्यक्रम निदेशक श्री जयंत सिंह और नीति आयोग के उप सलाहकार श्री अमित भारद्वाज ने 6 फरवरी, 2025 को 'पर्यटन एक आर्थिक परिसंपत्ति' विषय पर व्याख्यान दिया।

विश्व बैंक के भारत के कंट्री डायरेक्टर डॉ. ऑगस्टे तानो कौमे ने 26 मार्च, 2025 को 'संतुलन की तलाश: 2047 में वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में भारत' विषय पर व्याख्यान दिया।

आयोजित सम्मेलन

सांख्यिकी विभाग का वार्षिक शैक्षणिक सम्मेलन *(क्षण)* जिसका शीर्षक 'सफलता तालमेल: विचार से लेकर प्रक्षेपण तक के परिप्रेक्ष्य का अनावरण' था, 5-6 अप्रैल, 2024 को आयोजित किया गया।

गणित विभाग का वार्षिक शैक्षणिक सम्मेलन *(एनिग्मा)* 'जेनिथ- सफलता के शिखर तक पहुँचना' शीर्षक से 12-13 अप्रैल, 2025 को आयोजित किया गया।

इतिहास विभाग का वार्षिक शैक्षणिक सम्मेलन *(माज़ी-ओ-मुस्तकबिल)* जिसका शीर्षक 'प्रेम, लालसा और अभिलाषा का इतिहास' था, 25-26 अप्रैल 2024 को आयोजित किया गया।

मनोविज्ञान विभाग का वार्षिक शैक्षणिक सम्मेलन *(ज़ीटगेस्ट)* जिसका शीर्षक 'टेम्पोरल ट्रैजेक्टोरीज़: इंटरवीविंग जेनरेशनल साइकेज़' था, 7-8 फरवरी, 2025 को आयोजित किया गया।

समाजशास्त्र विभाग का वार्षिक शैक्षणिक सम्मेलन *(कुला)* जिसका शीर्षक 'डिकोडिंग आउटलायर्स, डिफाइनिंग आउटकम्स' था, 21-22 फरवरी, 2025 को आयोजित किया गया।

अंग्रेजी विभाग का वार्षिक शैक्षणिक सम्मेलन *(लिटमस)* जिसका शीर्षक था 'फ्रेमिंग द मार्जिन्स: मीडिया एंड द कंस्ट्रक्शन ऑफ वॉयस एंड आइडेंटिटी' 24-25-26 मार्च, 2025 को आयोजित किया गया।

अर्थशास्त्र विभाग का वार्षिक शैक्षणिक सम्मेलन *(इकॉनविस्टा)* जिसका शीर्षक था 'संतुलन का पीछा: भारत 2047 एक वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में' 26-27 मार्च, 2025 को आयोजित किया गया।

राजनीति-विज्ञान विभाग का वार्षिक शैक्षणिक सम्मेलन *(पोलपुरी)* जिसका शीर्षक था 'कथा निर्माण की राजनीति: 21$^{वीं}$ सदी की प्रबंधित वास्तविकताओं की जांच', 28-29 मार्च, 2025 को आयोजित किया गया।

प्रारंभिक शिक्षा विभाग का वार्षिक शैक्षणिक सम्मेलन *(सेहर)* जिसका शीर्षक 'शिक्षा में एआई की शक्ति का दोहन' था, 28-29 मार्च, 2025 को आयोजित किया गया।

संस्कृत विभाग का वार्षिक शैक्षणिक सम्मेलन *(संस्कृति)* जिसका शीर्षक था ' विकसित भारत के निर्माण में महिलाओं की भूमिका: संस्कृत शास्त्र परंपरा के विशिष्ट संदर्भ में ' 29 मार्च और 1 अप्रैल, 2025 को आयोजित किया गया।

एक्सचेंज प्रोग्राम के अंतर्गत छात्र (इनबाउंड/आउटबाउंड)

आउटबाउंड:

एनयूएस, सिंगापुर के साथ चल रहे शैक्षणिक सहयोग के हिस्से के रूप में, विभिन्न विभागों के 10 छात्रों ने 1 जुलाई, 2024 से 13 जुलाई, 2024 तक एनयूएस-एयूएस संगोष्ठी में भाग लिया।

ला ट्रोब विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया के साथ जारी शैक्षणिक सहयोग के हिस्से के रूप में, बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास की छात्रा अन्नया शर्मा ने सितंबर 2024 से जुलाई 2025 तक (गैर-डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए) 2 सेमेस्टर के लिए एक एक्सचेंज में भाग लिया।

साइंसेज पो, फ्रांस के साथ जारी शैक्षणिक सहयोग के हिस्से के रूप में, बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान से टीशा शर्मा ने जुलाई 2024 से जुलाई 2025 तक (गैर-डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए) 2 सेमेस्टर के लिए एक एक्सचेंज में भाग लिया।

एनयूएस, सिंगापुर के साथ जारी शैक्षणिक सहयोग के हिस्से के रूप में, बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान से अनुष्का सलवान ने जुलाई 2024 से जुलाई 2025 तक (गैर-डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए) 2 सेमेस्टर के लिए एक एक्सचेंज में भाग लिया।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित छात्रों की संख्या **: 103** (41%)

कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या **: 51**

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

एनएसएस-एलएसआर ने "स्वच्छ, स्वस्थ और सशक्त गाँव" विषय पर एक सात दिवसीय विशेष शिविर (23-29 मार्च, 2025) का आयोजन किया, जिसमें स्वच्छता और स्वास्थ्य के माध्यम से सामुदायिक सशक्तिकरण के लिए एक संरचित मार्ग अपनाया गया। इस शिविर में जमरूदपुर के बच्चों के साथ एक इंटरैक्टिव हाथ धुलाई सत्र और एक पेपर रीसाइक्लिंग कार्यशाला शामिल थी। अंतिम दिन, स्वयंसेवकों ने जमरूदपुर पार्क की सफाई की और हस्तनिर्मित साबुन वितरित किए।

एलएसआर के स्वैच्छिक एजेंसी नियोजन प्रोग्राम (वीएपीपी) ने एनजीओ जागृति के साथ मिलकर एक बेहद सफल संग्रह अभियान चलाया, जिसमें छात्र समुदाय ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। स्टेशनरी, स्कूल बैग, कपड़े और स्वच्छता किट जैसी सामग्री एकत्र की गई और वंचित बच्चों को वितरित की गई।

महाविद्यालय ने टीच फॉर इंडिया, गांधी फेलोशिप, बनयान इम्पैक्ट फेलोशिप और ब्रेकथ्रू ट्रस्ट जैसे प्रमुख सामाजिक क्षेत्र के संगठनों के साथ कई इंटरैक्टिव सत्रों का आयोजन किया। इन सत्रों में विकास क्षेत्र में करियर के बारे में जानकारी दी गई और छात्रों को फेलोशिप में शामिल होने/सामाजिक कार्य-आधारित भूमिकाएँ निभाने की प्रक्रिया को समझने में मदद मिली।

महाविद्यालय के उद्यमिता प्रकोष्ठ के अंतर्गत दो परियोजनाएँ हैं: क्रिसेंट और कौशल। प्रोजेक्ट क्रिसेंट का उद्देश्य बुंदेलखंड में जमीनी स्तर पर पहुँच और शिक्षा के माध्यम से कुपोषण से निपटना था। प्रोजेक्ट कौशल ने रचनात्मक उद्यमिता के माध्यम से महिलाओं द्वारा संचालित

सूक्ष्म व्यवसायों को उन्नत बनाने के लिए कैपिटल सिटी म्यूज़िक इंस्टीट्यूट के साथ साझेदारी की।

एनेक्टस एलएसआर ने सर्वोदय हेल्थकेयर और प्रोजेक्ट बाला जैसे संगठनों के सहयोग से स्वास्थ्य शिविरों, मासिक धर्म जागरूकता सत्रों और सैनिटरी पैड वितरण के माध्यम से वंचित समुदायों को लाभान्वित करने के लिए पाँच से अधिक सामाजिक पहल शुरू कीं। तरंग 2025 जैसे आयोजनों के दौरान डीएलएफ, सेलेक्ट सिटीवॉक, वर्ल्डमार्क, विभिन्न डीयू कॉलेजों और कॉर्पोरेट साझेदारियों से ₹1.5 लाख की राजस्व राशि प्राप्त हुई। इस निधियां को समुदायों के सशक्तिकरण और विकास को बढ़ावा देने के लिए पुनर्निवेशित किया गया।

पुस्तकालय विकास

एलएसआर पुस्तकालय एक पूर्णतः कम्प्यूटरीकृत, उपयोगकर्ता-अनुकूल डेटा फ़ाइलैंगिक प्रणाली प्रदान करता है और इसमें संसाधनों का एक अमूल्य संग्रह है। इसमें 15 लाख पुस्तकें, 7,666 जिल्दबंद पत्रिकाएँ, 1,432 प्रतिलिपि सामग्री, 381 सीडी और डीवीडी हैं। पुस्तकालय कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं का ग्राहक है। दिल्ली विश्वविद्यालय नेटवर्क, एनएलआईएसटी और डेलनेट के साथ एकीकृत, यह ग्रंथों और शोध सामग्री के विशाल भंडार तक निर्बाध पहुँच प्रदान करता है। पुस्तकालय ईमेल के माध्यम से एक वर्तमान जागरूकता सेवा प्रदान करता है, जो उपयोगकर्ताओं को नई प्राप्ति, अनुक्रमित लेखों और प्रासंगिक समाचार अलर्ट के बारे में सूचित रखता है। ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी) कुशल ब्राउज़िंग और उधार लेने की सुविधा प्रदान करता है, जबकि एक स्वचालित संचलन प्रणाली उपयोगकर्ता की सुविधा को बढ़ाती है। स्वचालन को अपनाने के बावजूद, एक समानांतर मैनुअल पुस्तक अभिगम प्रणाली रिकॉर्ड-कीपिंग में विश्वसनीयता सुनिश्चित करती है। एन-कंप्यूटिंग की शुरुआत ने सुगमता में क्रांति ला दी है। महाविद्यालय की वेबसाइट पर प्रश्न पत्र अपलोड करने और ईमेल के माध्यम से संसाधन लिंक और नोटिस प्रसारित करने जैसी हालिया पहलों ने सूचना सुगमता में उल्लेखनीय सुधार किया है।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	: 19
एसोसिएट प्रोफेसर	: 29
सहायक प्रोफेसर	: 99
तदर्थ	: 3
अतिथि	: 5

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित अनुदान	: ₹ 66.77 करोड़

उपयोगित अनुदान : ₹ 61.64 करोड़

****

लक्ष्मीबाई महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 उल्लेखनीय विकास, चिंतन और उपलब्धि का रहा है। लक्ष्मीबाई महाविद्यालय ने सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में काम करने के अपने वादे को दोहराते हुए यूनेस्को एसोसिएशन गुवाहाटी और संयुक्त राष्ट्र संसाधन केंद्र, गुवाहाटी के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं और इसके बाद कई संकाय सदस्यों को संयुक्त राष्ट्र संसाधन केंद्र, गुवाहाटी के तहत लघु शोध परियोजनाएं प्रदान की गई हैं। संकाय सदस्यों की 11 प्रमुख या लघु परियोजनाएं चल रही हैं। संकाय को 16 राष्ट्रीय और 2 अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए गए हैं। इस वर्ष में कई सम्मेलन (राष्ट्रीय के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय), संगोष्ठी और कार्यशालाएं भी हुईं, जिनमें से 23 कार्यशालाएं महाविद्यालय में आयोजित की गईं। स्कोपस/सहकर्मी समीक्षा/यूजीसी केयर में 44 प्रकाशित पत्र और पुस्तकों में अध्याय, और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में 16 शोध प्रस्तुतियां। लक्ष्मीबाई महाविद्यालय को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि बिनौ कौर घई ने विश्वविद्यालय स्तर पर गृह विज्ञान ऑनर्स में सर्वोच्च अंक प्राप्त किए हैं। उन्हें प्रतिष्ठित भानुमति वर्मा मेमोरियल पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया है। हमारे छात्रों ने खेल, वाद-विवाद और संगीत में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और कई प्रतियोगिताएँ जीती हैं।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

प्राचार्य प्रो. प्रत्यूष वत्सला को सम्मानित किया गया:

क) 5 जून 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस समारोह के दौरान नई दिल्ली में भारतीय पारिस्थितिकी और पर्यावरण संस्थान की 45वीं वर्षगांठ पर पर्यावरण और सतत शिक्षा वितरण पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

ख) विश्व युवा कौशल दिवस 2024 के दौरान राष्ट्रीय अभिनव कौशल प्रशिक्षण पहल पुरस्कार, 15 जुलाई 2024 को विश्व उच्च शिक्षा और पर्यावरण अकादमी और राष्ट्रीय कौशल संस्थान द्वारा आयोजित किया जाएगा।

ग) 25 सितंबर 2024 को नई दिल्ली में संस्कृत संस्कृति विकास संस्थान नयासा की ओर से संस्कृत सामूहिक पुरस्कार।

घ) 5 अक्तूबर, 2024 को नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में विकसित भारत @ 2047 पुरस्कार के लिए वरिष्ठ राजदूत।

ङ) 29-31 दिसंबर, 2024 को 20वें विश्व शांति सम्मेलन के दौरान विश्व शांति के लिए अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक संघ द्वारा शांति शिक्षा में महिलाओं को नेतृत्व पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

च) 12 जनवरी 2025 को विवेकानंद जयंती के दौरान एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा में सामाजिक सुधार और अनुसंधान संगठन द्वारा स्वामी विवेकानंद पुरस्कार।

छ) 13 मार्च, 2025 को नई दिल्ली स्थित भारतीय अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में आयोजित आध्यात्मिक एवं मूल्य शिक्षा शिखर सम्मेलन 2025 में आध्यात्मिक शिक्षा के लिए दिव्य बुद्धि पुरस्कार।

महाविद्यालय द्वारा प्राप्त पुरस्कार

क) दिल्ली निदेशालय, रोहिणी में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान एडीजी द्वारा लक्ष्मीबाई महाविद्यालय को प्रधानमंत्री रैली (पीएमआर) 2025 में सर्वश्रेष्ठ सांस्कृतिक संस्थान का नाम दिया गया।

ख) 7 दिल्ली गर्ल्स बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर ने लक्ष्मीबाई महाविद्यालय को सर्वश्रेष्ठ संस्थान के रूप में मान्यता दी।

संकाय सदस्यों को पुरस्कार

क) एएनओ कैप्टन (प्रो.) सीमा कौशिक शर्मा को एनसीसी में उनके समर्पित योगदान के लिए 7डीजीबी.ए.न के सीओ से प्रशंसा पत्र प्राप्त हुआ।

ख) रत्नाकर कुमार को 5 जून, 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस समारोह के दौरान नई दिल्ली में भारतीय पारिस्थितिकी और पर्यावरण संस्थान से पर्यावरण और सतत शिक्षा विभूतियाँ पुरस्कार प्राप्त हुआ।

ग) डॉ. किरण वरुण को 29-30-31 दिसंबर, 2024 को नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित 20वें विश्व शांति सम्मेलन में समावेशी शिक्षा शांति पुरस्कार प्रदान किया गया।

घ) डॉ. किरण वरुण को 5 अक्तूबर, 2024 को नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में विकसित भारत @2047 पुरस्कार के लिए राजदूत का पुरस्कार प्रदान किया गया।

ङ) प्रोफेसर सीमा कौशिक शर्मा, डॉ. निधि गुप्ता और डॉ. मीनाक्षी आनंद को 13 मार्च, 2025 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित आध्यात्मिक और मूल्य शिक्षा शिखर सम्मेलन 2025 के दौरान आध्यात्मिक शिक्षा के लिए दिव्य ज्ञान पुरस्कार प्राप्त हुआ।

च) डॉ. निधि गुप्ता को 16 से 18 नवंबर, 2024 तक नई दिल्ली के एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित 5वें विश्व पर्यावरण शिखर सम्मेलन 2024 में पर्यावरण और सामाजिक विकास संघ से ईएसडीए युवा वैज्ञानिक पुरस्कार 2024 प्राप्त हुआ।

छ) प्रोफेसर अनिता शर्मा को 20.03.2025 को भारती महाविद्यालय में ग्लोबल संस्कृत फोरम से 'मैत्रेयी इंटरनेशनल विदुषी प्रतिभा समानम' प्राप्त हुआ।

छात्र

बिनौ कौर घई विश्वविद्यालय की टॉपर रहीं और उन्हें ब्लहनुमति वर्मा मेमोरियल पुरस्कार-2024 की प्राप्तकर्ता बनाया गया।

श्रेया बंसल ने बी.ए.चयू द्वारा आयोजित अंतर-महाविद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता, 2024 में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.ए. अर्थशास्त्र (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) की छात्रा श्रेया बंसल ने पैन इंडिया राष्ट्रीय कानूनी वाद-विवाद प्रतियोगिता, 2024 में प्रथम पुरस्कार जीता।

श्रेया और बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) की छात्रा महक खानम ने शिवाजी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा फरवरी, 2025 में आयोजित जीजाबाई मेमोरियल राष्ट्रीय वाद-विवाद में द्वितीय सर्वश्रेष्ठ टीम पुरस्कार जीता।

प्रकाशन

सीलिएक रोग के रोगियों में ग्लूटेन-मुक्त आहार के पालन का आकलन करने के लिए एक उपकरण का विकास और सत्यापन। (2024, 1 दिसंबर)। *अमेरिकन जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, 119* (12), 2501-2509। https://doi.org/10.14309/ajg.0000000000002911।

प्रसवोत्तर महिलाओं में वज़न प्रबंधन के लिए जीवनशैली हस्तक्षेप की प्रभावकारिता: भारत के एक तृतीयक देखभाल केंद्र में एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। (2025, 28 जनवरी)। *मिडवाइफरी, 143,* 104312. https://doi.org/10.1016/j.midw.2025.104312।

गंभीर, वी. (2024). संस्कृति, प्रदर्शन और जुड़ाव: भारतीय आईटी परिदृश्य में संगठनात्मक सफलता के लिए एक त्रिआयामी दृष्टिकोण. *इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजी, 99* (4), अक्तूबर-दिसंबर.

ग्लूटेन-मुक्त खाद्य पदार्थ ग्लूटेन-युक्त खाद्य पदार्थों की तुलना में महंगे और पोषण संबंधी रूप से असंतुलित होते हैं। (2024). *इंडियन जे गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, 43,* 668-678।https://doi.org/10.1007/s12664-024-01519-z

हरनेजा ए. (2024). अन्य खेलों की तुलना में महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2023 का समाचार-पत्र कवरेज विश्लेषण. *श्रीवैष्णवी, 4.*

कालरा, एस., श्रीवास्तव, एन., और गंभीर, वी. (2025)। भारतीय शैक्षिक संदर्भ में मिश्रित शिक्षण प्रभावशीलता और चुनौतियों के पैमाने (बी.ए.लईसीएस) का विकास और सत्यापन। *इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी स्कोप (आईआरजेएमएस), 6* (1), 775-789। https://doi.org/10.47857/ irjms.2025.v06i01.02528

खन्ना, आर.आर., और गंभीर, वी. (2024). डिलीवरी एसोसिएट्स और पैकेज हैंडलर्स के लिए व्यवहारिक योग्यता उपकरण: विकास और साइकोमेट्रिक सत्यापन। *थर्ड कॉन्सेप्ट, 37* (444), 71-76।

लाल, आर., और गंभीर, वी. (2024). कार्य-परिवार संघर्ष और नौकरी की संतुष्टि के बीच संबंधों में स्व-निर्देशित शिक्षण व्यवहार की मध्यस्थ भूमिका की खोज, संगठनात्मक प्रतिबद्धता के प्रत्यक्ष प्रभाव के साथ। *इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी स्कोप, 5* (2), 905-917। https://doi.org/ 10.47857 /irjms.2024.v05i02.0682।

मल्होत्रा, टी., मलिक, एस., और गंभीर, वी. (2024). कॉर्पोरेट क्षेत्र में नेविगेट करना: जेनरेशन-जेड की कार्य अपेक्षाओं और प्राथमिकताओं की खोज। *थर्ड कॉन्सेप्ट, 37* (444), 36-41।

पांडे, ए., श्रीवास्तव, एन., और गंभीर, वी. (2024). संज्ञानात्मक पूर्वाग्रह प्रबंधन में निर्णय लेने की प्रक्रियाओं को प्रभावित करते हैं। *इंडियन जर्नल ऑफ टेक्निकल एजुकेशन, 47* (विशेषांक 2), 300-315।

पांडे, ए., श्रीवास्तव, एन., और गंभीर, वी. (2024). संगठनात्मक निर्णय लेने में संज्ञानात्मक पूर्वाग्रहों को कम करके प्रभावशीलता में सुधार। *जर्नल ऑफ एएसआईएस एंटरप्रेन्योरशिप एंड सस्टेनेबिलिटी, XX* (1), 125-173।

प्रियंका, खोखर, डी., अरोड़ा, एन., और सिडाना, जे. (2024, सितंबर)। मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में आशा: किशोरावस्था के अंतिम चरण के कल्याण पर इसके प्रभाव की खोज। *इंडियन एकेडमी ऑफ अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान का जर्नल* (विशेषांक), 474-482।

रॉय, यू. (2024). बाज़ार संकेंद्रण, प्रवर्तक स्वामित्व और फर्म प्रदर्शन: भारतीय कॉर्पोरेट फर्मों से साक्ष्य। *भारतीय आर्थिक समीक्षा, 59,* 27-85. https://doi.org/10.1007/s41775-024-00217

सरीन एस. (2024, दिसंबर)। डिस्पोजेबल से आगे: पर्यावरण-अनुकूल मासिक धर्म विकल्पों की खोज। *चेलोनियन कंजर्वेशन एंड बायोलॉजी, 19* (01), 2182-2187।

भारत में युवा वयस्कों में मोटापे को समझना: एक फ़ोकस समूह अध्ययन। (2024, सितंबर)। *डायबिटीज़ मेटाबसिंड्रे, 18* (9), 103121। https://doi.org/10.1016/j.dsx.2024.103121।

यादव, आर., यादव, बी.एस., और यादव, आर. (2024). भारत में लौकी (लेगेनेरिया सिसेरिया) फल के जैवसक्रिय यौगिकों और एंटीऑक्सीडेंट क्षमताओं पर विभिन्न पाक उपचारों और निष्कर्षण विलायकों का प्रभाव। *खाद्य उत्पादन, प्रसंस्करण और पोषण, 6* (1)। https://doi.org/10.1186/s43014-023-00189-2।

यादव, आर., यादव, बी.एस., और यादव, आर. (2024). लूफ़ा एक्यूटेंगुला में एंटीऑक्सीडेंट पर तापीय प्रभाव। *जर्नल ऑफ़ फ़ूड मेजरमेंट एंड कैरेक्टराइज़ेशन, 18* (11), 9645-9657। https://doi.org/10.1007/s11694-024-02910-2

पुस्तक में अध्याय

डबास, सोनिया। "उसे सशक्त बनाएँ, राष्ट्र को सशक्त बनाएँ: 2047 के लिए एक दृष्टिकोण।" *विकसित भारत @ 2047: महिलाएँ परिवर्तन की उत्प्रेरक के रूप में,* संस्करण 1. [एमजीएम प्रकाशन], 2025.

गुप्ता, एन. (2024). सतत विकास की ओर: भारत में हरित वित्त के लिए एक नीतिगत ढाँचा। एस. गोयल और वाई. वर्मा, *विकसित भारत @2047: वाणिज्य, प्रबंधन और प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी भूमिका* (पृष्ठ 53-63)। एमजीएम पब्लिशिंग हाउस। आईएसबी.ए.न 978-81-974428-0-3।

नीलू, कुमार, एस., और गायत्री। (2025)। व्यवसायों को सशक्त बनाना और उपभोक्ताओं के लाभों को बढ़ाना। एआर डे, एसएम भोम, एमए शहाणे, और एएस निकम (सं.) में, *भारतीय अर्थव्यवस्था पर जीएसटी का प्रभाव* (पीपी. 1-13)। कृपा दृष्टि प्रकाशन।

भारतीय राष्ट्रवाद के संदर्भ में पूर्वोत्तर क्षेत्र (तुइसेम न्गाकांग, राममाथोट खोंगरेइवो, फ्रैंकी वराह और पामरेइहोर खशिमवो, सं.) दिल्ली: अकादमिक प्रकाशन।

भारतीय राष्ट्र के संदर्भ में पूर्वोत्तर क्षेत्र में "इतिहास और इतिहास-लेखन में राज्यविहीन लोगों की निराशा: नागा मामला," (तुइसेम नगाकांग, राममाथोट खोंगरेइवो, फ्रैंकी वराह और पमरेइहोर खाशिमवो, संस्करण)। दिल्ली: अकादमिक प्रकाशन। आईएसबी.ए.न: 978-81-19680-22-1.

ज़फ़ीर, दीबा. (2024). जाति और शहर: हिंदी दलित लघु कथा साहित्य में शहरी संवेदनाएँ और आकांक्षाएँ. रूटलेज.

ज़फ़ीर, दीबा. (2024). “हिंदी दलित कहानी की क्रांतिकारी अनिवार्यता और नवरिया की 'नई रीति'.” दलित लेखन: एक परिचय. (सं.) बी.

ज़फीर, नगमा और दीबा। (सं.) (2024). हेम्ड बाय फायर: बिल्किस ज़फीरुल हसन की चयनित कविताओं का एक त्रिभाषी खंड। इबारत।

अनुसंधान परियोजनाएँ

डॉ. मुकेश कुमार महतो, ईवीएस परियोजना विभाग को एक शोध परियोजना के लिए ₹ 4,00,000/- की राशि मंजूर की गई है, जिसका शीर्षक है, "अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के लिए टिकाऊ और लागत प्रभावी बायोगैस उत्पादन तकनीकों का कार्यान्वयन", परियोजना मार्गदर्शक के रूप में: प्रो. प्रत्यूष वत्सला, यूनेस्को द्वारा वित्त-पोषित और 6 महीने (मार्च, 2025-सितंबर, 2025) की अवधि को कवर करता है।

डॉ. पवन कुमार सिंह, अर्थशास्त्र विभाग की परियोजना को एक शोध परियोजना के लिए ₹ 15,00,000/- की राशि मंजूर की गई है, जिसका शीर्षक है, ' भारत में सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों को मजबूत करना: 2014 के बाद व्यापक नीति सुधार की समीक्षा के लिए एक

प्रस्ताव: पश्चिमी, मध्य, पूर्वी रोहिलखंड और बुंदेलखंड पर एक अध्ययन, सह-पीआई के रूप में: प्रो. प्रत्यूष वत्सला, डॉ. बाबूलाल मीणा, डॉ. आलोक कुमार पांडे (बी.ए.चयू), डॉ. भारतेंदु कुमार चतुर्वेदी (इलाहाबाद विश्वविद्यालय) आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा वित्त-पोषित और एक (2024-2025) की अवधि को कवर करता है।

डॉ. सुमित कुमार मीना, हिंदी विभाग परियोजना को आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा वित्त-पोषित और दो वर्ष (2025-2027) की अवधि को कवर करने वाली 'घुमंतु गड़िया लुहार समुदाय का सामाजिक और सांस्कृतिक ज्ञान: राजस्थान के आलोक में' नामक शोध परियोजना के लिए ₹ 16,00,000/- की राशि स्वीकृत की गई है।

डॉ. सुनील कुमार मिश्रा, समाजशास्त्र विभाग को "भारत में उभरते मुद्दे, चुनौतियां और समाधान" नामक शोध परियोजना के लिए एनआईएसडी, सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा वित्त-पोषित 2024 के लिए ₹ 3,65,000/- की राशि मंजूर की गई है।

डॉ. सुनील कुमार मिश्रा और डॉ. किरण वरुण, समाजशास्त्र विभाग को "उच्च शिक्षा संस्थान में कल्याण और खुशी: लक्ष्मीबाई महाविद्यालय का एक केस स्टडी" नामक शोध परियोजना के लिए ₹ 50,000/- की राशि मंजूर की गई है, जिसे संयुक्त राष्ट्र गुवाहाटी असम के संसाधन केंद्र द्वारा 2024 तक वित्त-पोषित किया गया है।

आयोजित संगोष्ठियां

भारत के प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की सदस्य डॉ. शमिका रवि ने फरवरी, 2025 में विकसित भारत @2047 पहल के अंतर्गत “सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम: विकसित भारत का मार्ग” विषय पर व्याख्यान दिया।

महामहिम लक्ष्मण प्रसाद आचार्य, राज्यपाल, असम, मुख्य अतिथि के रूप में, तथा प्रो. मुरली मनोहर पाठक, कुलपति, केंद्रीय संस्कृत विद्यापीठ, दिल्ली की गरिमामयी उपस्थिति में "डिजिटल युग में भारतीय भाषाएं और संस्कृति: चुनौतियां और समाधान" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

आयोजित सम्मेलन

विकसित भारत @2047 पहल के तहत, लक्ष्मीबाई महाविद्यालय ने “सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम: विकसित भारत का मार्ग” विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया, जिसमें भारत के प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की सदस्य डॉ. शमिका रवि ने भाग लिया।

महाविद्यालय ने भारतीय भाषा समिति और शिक्षा संस्कृति उत्थान के सहयोग से "डिजिटल युग में भारतीय भाषाएँ और संस्कृति: चुनौतियाँ और समाधान" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में असम के राज्यपाल महामहिम लक्ष्मण प्रसाद आचार्य और केंद्रीय संस्कृत विद्यापीठ, दिल्ली के कुलपति प्रो. मुरली मनोहर पाठक की गरिमामयी उपस्थिति रही।

भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद के सहयोग से 'प्राचीन एवं आधुनिक ऐतिहासिक चिंतन में विदेशनीति पर भारतीय दृष्टिकोण का पुन: दावा' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

संस्कृत उत्सव कार्यक्रम, संस्कृत अकादमी (दिल्ली सरकार) के साथ साझेदारी में आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

लक्ष्मीबाई महाविद्यालय ने सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में काम करने के अपने वादे को दोहराते हुए यूनेस्को एसोसिएशन गुवाहाटी और संयुक्त राष्ट्र संसाधन केंद्र, गुवाहाटी के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए हैं और इसके बाद, कई संकाय सदस्यों को संयुक्त राष्ट्र संसाधन केंद्र, गुवाहाटी के तहत लघु अनुसंधान परियोजनाएं प्रदान की गई हैं।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

इनके साथ सहयोग:

क) यूनेस्को एसोसिएट यूएनआरसी एनईआर, गुवाहाटी

ख) लार्सन एंड टुब्रो

ग) GVRIKSH महिला नवप्रवर्तक

घ) सेवा भारती (एनजीओ)

ङ) ग्लोबल पीस फाउंडेशन

च) जनजातीय अध्ययन केंद्र (सीटीएस)

छ) हिंदू अध्ययन केंद्र (सीएचएस)

ज) लोकतंत्र बहुलवाद और मानवाधिकार केंद्र (सीडीपीएचआर)

झ) राम मनोहर लोहिया अस्पताल, दिल्ली

ञ) ज्ञान पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

ट) शिक्षा एवं आर्थिक विकास सोसाइटी एवं उच्च शिक्षा अध्ययन एवं प्रशिक्षण केंद्र, दिल्ली

ठ) अद्वितीय पुनर्वास एवं अध्ययन केंद्र, दिल्ली।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित छात्रों की संख्या : 50 (3.85%)

कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या : 22

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

स्वच्छता अभियान: लक्ष्मीबाई महाविद्यालय की एनसीसी इकाई ने 1 अक्तूबर, 2024 को इंडिया गेट पर 1 डीजीबी.ए.न और 5 डीजीबी.ए.न के साथ स्वच्छता अभियान चलाया। सफाई के साथ-साथ, हमने स्वच्छता और पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया।

वृक्षारोपण अभियान: लक्ष्मीबाई महाविद्यालय की एनसीसी इकाई ने 5 जून, 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया। कैडेटों ने पहला पौधा लगाया और पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता आयोजित की।

वॉकथॉन और रक्तदान अभियान: 4 अगस्त 2024 को, प्रतिष्ठित एम्स, नई दिल्ली, स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित एक महत्वपूर्ण रक्तदान अभियान का स्थल था, जिसका नेतृत्व लक्ष्मीबाई महाविद्यालय के उत्साही 8 कैडेटों ने किया।

सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान: 18 फरवरी 2025 को एनसीसी और एनएसएस विंग ने दिल्ली यातायात पुलिस के सहयोग से सड़क सुरक्षा, ज़ेबरा क्रॉसिंग, सिग्नल लाइट, सड़क संकेत, हेलमेट की प्रासंगिकता से संबंधित एक इंटरैक्टिव संगोष्ठी का आयोजन किया और यातायात नियमों से संबंधित एमसीक्यू आयोजित किए और दिल्ली यातायात पुलिस द्वारा एनसीसी को पुरस्कार वितरित किए।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में उपयोगकर्ताओं की सुविधा और संसाधनों तक पहुँच बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण विकास कार्य किए गए हैं। लगभग 200 उपयोगकर्ताओं के लिए दूसरी मंजिल पर एक वाचनालय बनाया गया है, जो उन्हें एक शांत और आरामदायक अध्ययन वातावरण प्रदान करता है।

संचलन सेवाओं की दक्षता को सुव्यवस्थित और बेहतर बनाने के लिए, RFID तकनीक को लागू किया गया है। RFID तकनीक ने जारी करने और वापसी की प्रक्रिया को तेज़, अधिक सटीक और उपयोगकर्ता-अनुकूल बना दिया है।

पुस्तकालय में एक अलग ई-संसाधन कक्ष भी स्थापित किया गया है, जिसमें लगभग 20 लैपटॉप हैं। यह सुविधा उपयोगकर्ताओं, विशेषकर शोधकर्ताओं और छात्रों को डिजिटल संसाधनों तक आसानी और कुशलता से पहुँचने में सक्षम बनाती है।

इसके अतिरिक्त, दूसरी मंजिल पर एक संगोष्ठी कक्ष भी बनाया गया है, जिसमें एक बड़ी टच-स्क्रीन एंड्रॉइड टीवी लगी है। इस कक्ष का उपयोग पुस्तकालय अभिविन्यास के लिए किया जाता है।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	: 12
एसोसिएट प्रोफेसर	: 39
सहायक प्रोफेसर	: 114
तदर्थ	: 1
अतिथि	: 11

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित अनुदान	: ₹ 68,40,13,971/-
उपयोगित अनुदान	: ₹ 69,47,00,000/-

****

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में कई सम्मेलनों/संगोष्ठियों का सफल आयोजन और क्रियान्वयन हुआ। गॅरमॅर्टया की वॅरासत: सांस्कृतॅक पररप्रेक्ष्य, 28 सितंबर, 2024 को; परिवर्तन और फर्जी खबरों के प्रभाव पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी: हेरफेर और दुष्प्रचार, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में इवानी जावाखिश्विली त्बिलिसी स्टेट यूनिवर्सिटी, इटली की प्रोफेसर लियाना मार्करियानी थी; उपभोक्ता व्यवहार पर वफादारी कार्यक्रमों के प्रभाव पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डेनिश विशेषज्ञ हेनरी जोर्जेंसन होंगे; 8-9 अक्तूबर, 2024 को 'जाति' के पुनर्परीक्षण पर अंतःविषय राष्ट्रीय सम्मेलन: उत्तर-औपनिवेशिक सिद्धांत और व्यवहार, जिसमें प्रोफेसर अनिल अनेजा और प्रोफेसर राज कुमार के संबोधन होंगे। कई व्याख्यान और वार्ताएँ आयोजित की गईं, जैसे "भौतिक जलाशय कंप्यूटिंग: एज पर बुद्धिमत्ता के लिए एक एआई तकनीक", जिसमें शेफ़ील्ड विश्वविद्यालय, यूके की प्रोफेसर मर्लिन डी सूज़ा शामिल थी। पहल: 'सहस्त्रधारा' ने संकाय, शोधकर्ताओं और विशेष रूप से वीएसी और एसईसी पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत छात्रों के लिए एक सूक्ष्म-शिक्षण स्थल का अनुकूलन किया; अब्दुल कलाम केंद्र (एकेसी) ने विविध विषयों, जैसे बेसिक जर्मन भाषा, नेल आर्ट, डिजिटल मार्केटिंग, आदि पर छह अल्पकालिक पाठ्यक्रम और संकाय द्वारा संचालित 14 छात्र-केंद्रित शोध परियोजनाएँ शुरू कीं। वैश्विक सांस्कृतिक गठबंधन को बढ़ावा देने के लिए 9 सितंबर, 2024 को एक भारत-जॉर्जिया अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

डॉ. एकांशी गुप्ता, वाणिज्य विभाग, को एमिटी विश्वविद्यालय, गुड़गांव से पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई।

सुश्री हिमाली डेका, अंग्रेजी विभाग, को दिल्ली विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग से एम.फिल. की उपाधि प्रदान की गई।

डॉ. सदानंद, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय से पीएच.डी. की उपाधि से सम्मानित।

छात्र

श्री आर्यन शाही को 500 अमेरिकी डॉलर की हाना छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

सुश्री आश्मा राणा को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

बी.ए. (ऑनर्स) पत्रकारिता के छात्र श्री अतुल कुशवाहा को 500 अमेरिकी डॉलर की हाना छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

सुश्री जसमीत कौर को 500 अमेरिकी डॉलर की हाना छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

सुश्री खुशी सिंघल को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

बी.ए. (ऑनर्स) पत्रकारिता के छात्र श्री त्वेश मिश्रा को बिजनेस और आर्थिक पत्रकारिता श्रेणी के तहत लगातार दूसरी बार 100000 रुपये की राशि के रामनाथ गोयनका पुरस्कार 'पत्रकारिता में उत्कृष्टता के लिए' से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

स्कोपस अनुक्रमित पत्रिकाएँ

अग्रवाल, एन., सक्सेना, जी.जे., सिंह, एस., और पुंडीर, ए. (2024). पीपीएमआई ऑनलाइन डेटा का उपयोग करके पार्किंसंस रोग का शीघ्र पता लगाने के लिए व्याख्यात्मक एआई दृष्टिकोण। *न्यूरल कंप्यूटिंग एंड एप्लीकेशन, 36* (30), 19209-19230। https://doi.org/10.1007/s00521-024-10127-z

भनारिया, पी., पांडे, पी.के., और मनीषा (2024). पाथफाइंडिंग प्रदर्शन: संशोधित फायरफ्लाई और मोबाइल रोबोट नेविगेशन के लिए एक एल्गोरिथ्म का तुलनात्मक अध्ययन। *डिजिटल, स्मार्ट और सतत विकास के लिए आईसीटी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में* (पृष्ठ 73-83)।

बुद्धिराजा, आर., कुमार, एम., दास, एम.के., बाफिला, ए.एस., पुंडीर, ए., और सिंह, एस. (2024). MaD-CoRN: कन्वोल्यूशनल रिज़र्वायर नेटवर्क का उपयोग करके डीपफेक का पता

लगाने का एक कुशल और हल्का तरीका। *मल्टीमीडिया टूल्स और एप्लिकेशन,* 1-39। https://doi.org/10.1007/s11042-024-20223-w

चंचल, के.वी., रावल, डी.एस., और सक्सेना, एम. (2024). विकिरण-कठोर अनुप्रयोग के लिए रिसेस गेट GaN/AlN p-चैनल HEMTs में एकल-घटना प्रभावों की जाँच। *जर्नल ऑफ कंप्यूटेशन इलेक्ट्रॉनिक्स (JCE), 23,* 1337-1344। https://doi.org/10.1007/s10825-024-02216-y

गुप्ता, पी., राय, पी., पुंडीर, वी., और भावना (2025)। सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के निवेश से प्रभावित भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि की गतिशीलता की एक अनुभवजन्य जाँच: क्या क्राउडिंग आउट प्रभाव के प्रमाण हैं? *अफ्रीकन जर्नल ऑफ साइंस, टेक्नोलॉजी, इनोवेशन एंड डेवलपमेंट,* 1-16.

जायसवाल, ए., और सिंह, ओ. (2025)। गहन शिक्षण पद्धतियों का उपयोग करके दुर्घटना गंभीरता पूर्वानुमान ढाँचा विभिन्न कारकों के आधार पर दुर्घटनाओं की गंभीरता का आकलन और पूर्वानुमान लगाने के लिए एक मूल्यवान उपकरण हो सकता है। *इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल्स ऑफ मैनेजमेंट साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 16* (2)।

कनौजिया, एल. (2024). इमेज स्टाइल ट्रांसफर और आर्टिस्टिक जेनरेशन के लिए डीप लर्निंग. *इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ मैनेजमेंट साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 15* (8).

कौलधर, आर. (2024). लघु-रूप वीडियो और उसकी क्षमता को समझना. *अफ़्रीकन जर्नल ऑफ़ बायोलॉजिकल साइंसेज़, 6* (7).

कुमारी, वी., गुप्ता, एम., और सक्सेना, एम. (2024). हेवी-आयन वातावरण में कैप लेयर के साथ InAlN HEMT की एकल घटना अपसेट संवेदनशीलता का आकलन। *माइक्रोसिस्ट टेक्नोलॉजी,* 1-13। https://doi.org/10.1007/s00542-024-05723-x

कुमारी, वी., पृथ्वी पवन, वाईवीएसएस, गुप्ता, एम., और सक्सेना, एम. (2024). तिरछी क्षेत्र प्लेट MISHEMT (SFP-MISHEMT) में रैखिकता और विकिरण अभिलक्षणों का अन्वेषण। *मैटेरियल साइंस एंड इंजीनियरिंग बी, 307,* 117489। https://doi.org/10.1016/j.mseb.2024.117489

कुमारी, वी., सक्सेना, एम., और गुप्ता, एम. (2024). DG-InAlN/GaN HEMT का उपयोग करके RF प्रदर्शन संवर्धन। *IEEE ट्रांज़ैक्शन ऑन इलेक्ट्रॉन डिवाइसेस, 71,* 5289-5295। https://doi.org/10.1109/TED.2024.3430251

मेहरा, वी., शुक्ला, यू., अग्रवाल, एन., पुंडीर, ए., सक्सेना, जी.जे., और सिंह, एस. (2024). मृत्युदंड प्राप्त अपराधियों की मौखिक अभिव्यक्ति में निरंतरता: भावनाओं के साथ जीवन का समापन। *फ्रंटियर्स इन कंप्यूटर विज्ञान , 6,* 1463692। https://doi.org/10.3389/fcomp.2024.1463692

मित्तल, ए. (2024). *बिज़नेस इकोनॉमिक्स.* टैक्समैन एलाइड सर्विसेज (प्रा.) लिमिटेड. https://www.taxmann.com/students/product/14002833-business-economics

मित्तल, ए. (2024). समावेशी शिक्षा पर एनईपी 2020 का प्रभाव: प्रगति और चुनौतियाँ। *द इंडियन इकोनॉमिक जर्नल, 3,* 1424-1429. https://indianeconomicsassociation1917.com

पाल, के. (2024). परिवर्तनशील द्रव्यमान वाली प्रतिबंधित चार-पिंड समस्या में स्टोक्स ड्रैग और विकिरण दाब का अध्ययन। *खगोल विज्ञान रिपोर्ट, 68,* 698-727. https://doi.org/10.1134/S1063772924700586

राय, पी., पुंडीर, वी., गुप्ता, पी., और सिंह, एस. भावना। (2024). सार्वजनिक निवेश और निजी निवेश के असममित संबंध का एक अनुभवजन्य विश्लेषण: क्राउडिंग-इन/आउट प्रभाव पर पुनर्विचार। *विज़न- द जर्नल ऑफ़ बिज़नेस पर्सपेक्टिव,* 1-17। https://doi.org/10.1177/09722629241254260

सैनी, आर., और सैनी, आर. (2024). असमान एफजी नैनोबीम का थर्मल बकलैंगिक विश्लेषण: विश्लेषणात्मक और संख्यात्मक समाधान। *जर्नल ऑफ मैकेनिक्स ऑफ मैटेरियल्स एंड स्ट्रक्चर्स, 19* (5), 837-855।

सेहरा, के.सी., मलिक, ए., कुमारी, वी., गुप्ता, एम., मिश्रा, एम., रावल, डी.एस., और सक्सेना, एम. (2024). सनकेन सोर्स-कनेक्टेड फील्ड प्लेट आर्किटेक्चर वाले GaN HEMT के सिंगल-इवेंट बर्नआउट परफॉर्मेंस पर। *IEEE ट्रांजेक्शन ऑन इलेक्ट्रॉन डिवाइसेस, 71,* 4072-4078। https://doi.org/10.1109/TED.2024.3396781

सिन्हा, एम. (2025). नए युग के हिंदी टेलीविज़न धारावाहिकों में मातृत्व: परिवर्तन और निरंतरता पर नज़र। *जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज़ एंड इनोवेटिव रिसर्च, 12* (2)।

वज्रबोल, वी., अग्रवाल, एन., सक्सेना, जी.जे., सिंह, एस., और पुंडीर, ए. (2024). जनरेटिव एआई के युग में एसईओ का रूपांतरण: चुनौतियाँ, अवसर और भविष्य की संभावनाएँ। *एआई-डिजिटल परिदृश्य में क्रांति लाने में* (पृष्ठ 86-100)। https://doi.org/10.4324/9781032688305-6

वज्रबोल, वी., जसीम, ओ.एम., अग्रवाल, एन., पुंडीर, ए., सिंह, एस., और सक्सेना, जी.जे. (2025)। ई-सरकार और विश्वास के लिए ब्लॉकचेन तकनीक के अनुप्रयोग। *साइबर सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और प्रतिवाद के लिए ब्लॉकचेन तकनीक में* (पृष्ठ 174-194)। https://doi.org/10.1201/9781003449515-11

वज्रबोल, वी., सक्सेना, जी.जे., पुंडीर, ए., सिंह, एस., गुप्ता, बी.बी., गौरव, ए., और रहमान, एम. (2025)। मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का उपयोग करके इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) वातावरण में स्पूफिंग हमलों की पहचान करें। *जर्नल ऑफ हाई स्पीड नेटवर्क्स, 31* (1), 61-70। https://doi.org/10.1177/09266801241295886

वज्रबोल, वी., सक्सेना, जी.जे., पुंडीर, ए., सिंह, एस., गौरव, ए., बंसल, एस., अत्तर, आर.डब्ल्यू., रहमान, एम., और गुप्ता, बी.बी. (2025)। कम्प्यूटेशनल मानसिक स्वास्थ्य सेवा में संघीय शिक्षण अनुप्रयोगों पर एक व्यापक सर्वेक्षण। *सीएमईएस-कंप्यूटर मॉडलैंगिक इन इंजीनियरिंग एंड साइंसेज, 142* (1)। https://doi.org/10.32604/ cmes.2024.056500

वज्रबोल, वी., सक्सेना, जी.जे., सिंह, एस., पुंडीर, ए., गुप्ता, बी.बी., गौरव, ए., और ताई चुई, के. (2025)। एक्सप्लेनेबल एआई के साथ एन्सेम्बल मेटा-लर्निंग मॉडल का उपयोग करके एडीएस-बी इंजेक्शन डिटेक्शन के माध्यम से विमानन नियंत्रण सुरक्षा को बढ़ाना। *अलेक्जेंड्रिया इंजीनियरिंग जर्नल, 112,* 63-73। https://doi.org/10.1016/j.aej.2024.10.042

वर्मा, एम. (2024). भारत में मौद्रिक नीति के संचरण का एक व्यापक अध्ययन. *पुस्तकालय प्रोग्रेस इंटरनेशनल, 44* (2s), 2087-2089.

वर्मा, एम. (2024). आर्थिक चुनौतियों का समाधान: अपरंपरागत मौद्रिक नीतियों के लिए भारत की रणनीति. *पुस्तकालय प्रोग्रेस इंटरनेशनल, 44* (3), 25971-25973.

वर्मा, एम. (2024). मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण और मूल्य स्थिरता पर इसका प्रभाव: भारत से अंतर्दृष्टि. *फ्रंटियर्स इन हेल्थ इंफॉर्मेटिक्स, 13* (3), 8167-8169.

पुस्तकें

आर्य, सी., और डेका, एन. (2025). *दलित नारीवादी विमर्श: दलित लेखन में आवाज़ें.* रूटलेज.

मल्होत्रा, एस., नागपाल आर., जॉर्ज एस.एस., और रॉय, एस. (2025). *महामारी का पैनोरमा: एक परिघटना संबंधी जाँच.* रूटलेज.

मित्तल, ए. (2024). *बिज़नेस इकोनॉमिक्स.* टैक्समैन एलाइड सर्विसेज़ (प्रा.) लिमिटेड.

सिंह, एन.के., और मित्तल, एस. (2025). *हिमालय: दुनिया की प्रसिद्ध लेकिन नाज़ुक छत.* आकार बुक्स.

पुस्तक में अध्याय

डेका, एच. (2024). ममांग दाई और तेमसुला आओ की कविताओं में सांस्कृतिक क्षति और स्वदेशी पहचान का प्रतिबिंब। डी. पंत और पी. जोशी (सं.), *हिमालयन सागा: प्रकृति, संस्कृति और साहित्य* (पृष्ठ 139-146) में। इंदु बुक सर्विसेज (प्रा.) लिमिटेड।

गोयल, एस. (2025). नागरिकता संशोधन अधिनियम के विरोध में विरोध कला का विषयवस्तु विश्लेषण। जी. वैजप्पा और ए. दास (संपादक), *भारत में संचार और सामाजिक विकास परिप्रेक्ष्य* (पृष्ठ 153-171)। मैसूर बुक हाउस।

गुप्ता, आई.डी. (2025)। आधुनिक गतिशीलता, स्वास्थ्य संस्कृतियों और सामाजिक-राजनीतिक विन्यासों के संगम पर हिमालय की खोज। एन. सिंह और एस. मित्तल (सं.), *हिमालय: विश्व की प्रसिद्ध किन्तु नाज़ुक छत* (पृष्ठ 73-92)। आकार बुक्स।

गुप्ता, आईडी (2025)। सर्वनाश के बाद की दुनिया में जीवन रक्षा का 'प्रदर्शन': एमिली सेंट मैंडेल के *स्टेशन इलेवन में कला का परीक्षण।* एस. मल्होत्रा, आर. नागपाल, एसएस जॉर्ज और एस. रॉय (सं.), *पैनोरमा ऑफ़ द पैंडेमिक: ए फेनोमेनोलॉजिकल इन्क्वायरी* (पृष्ठ 46-62)। रूटलेज।

झा, ए. (2025). विकलांगता अध्ययन और अनुकूलन की रणनीतियाँ: पाठ और फिल्मों में हेलेन केलर का अध्ययन। ए.के. अनेजा, एन. वत्स (सं.), *साहित्य और दृश्य कला में विकलांगता को अग्रभूमि में रखना* (पृष्ठ 233-244)। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

कुमारी, वी., गुप्ता एम., और सक्सेना एम. (2024). आरएफ मॉडलैंगिक। सी.टी. रोडेनबेक (सं.) द्वारा, *आरएफ और माइक्रोवेव इंजीनियरिंग का विश्वकोश, द्वितीय संस्करण।* जॉन विले एंड संस, इंक. DOI: 10.1002/0471654507.erfme201।

मित्तल, एस. (2025). राहुल सांकृत्यायन का अनुवाद: एक बहु-विलंबित परियोजना। एन.के. सिंह और एस. मित्तल (सं.), *हिमालय: विश्व की प्रसिद्ध किन्तु नाज़ुक छत* (पृष्ठ 93-118)। आकार बुक्स।

नीलू, कुमार, एस., और गायत्री। (2025)। व्यवसायों को सशक्त बनाना और उपभोक्ताओं के लाभों को बढ़ाना। एआर डे, एसएम भोम, एमए शहाणे, और एएस निकम (सं.) में, *भारतीय अर्थव्यवस्था पर जीएसटी का प्रभाव* (पीपी. 1-13)। कृपा दृष्टि प्रकाशन।

ओझा, टीएन, और कुमार, ए. (2024). संस्कृत साहित्य और शास्त्रों में नैतिक और आचार संबंधी विचार (धर्म और उसके सामाजिक आख्यानों के संदर्भ में) (पृष्ठ 19-26)। जी. शर्मा (सं.), *संस्कृत ग्रंथों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी-2।* मान्यता प्रकाशन।

वज्रतिया, वी., अग्रवाल, एन., सक्सेना, जी.जे., सिंह, एस., और पुंडीर ए. (2024). जनरेटिव एआई के युग में एसईओ का रूपांतरण: चुनौतियाँ, अवसर और भविष्य की संभावनाएँ। ए. खांग, पी.के. दत्ता, एस. गुप्ता, एन. आयदी, और एस. चटर्जी (सं.), *एआई-डिजिटल परिदृश्य में क्रांति: मार्केटिंग पेशेवरों के लिए स्थायी तकनीकों की एक मार्गदर्शिका* (पृष्ठ 86-100)। रूटलेज।

अनुसंधान परियोजनाएँ

डॉ. प्रतिभा राय को "प्रबंधन शिक्षा पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के परिवर्तनकारी प्रभाव की जाँच: एक विश्लेषण और कार्यान्वयन ढाँचा" नामक शोध परियोजना के लिए सह-परियोजना अन्वेषक के रूप में 15 लाख रुपये स्वीकृत किए गए थे। इस परियोजना को आईसीएसएसआर द्वारा वित्त-पोषित किया गया था और इसकी अवधि 11 सितंबर 2023 से 15 मई 2024 तक थी।

डॉ. प्रतिभा राय, व्यवसाय अर्थशास्त्र विभाग को पी.आई. के रूप में "भारत में युवा नवप्रवर्तकों के लिए एग्रीटेक स्टार्ट-अप इकोसिस्टम की क्षमता का आकलन: सरकारी पहल के मद्देनजर संभावनाएं और चुनौतियां" नामक शोध परियोजना के लिए 20 लाख रुपये मंजूर किए गए थे। यह अनुदान आईसीएसएसआर द्वारा प्रदान किया गया है और 20 सितंबर 2024 से 19 सितंबर 2025 तक एक वर्ष की अवधि को कवर करता है।

डॉ. प्रतिभा राय, [व्यवसाय अर्थशास्त्र विभाग, को " छत्तीसगढ़" नामक एक शोध परियोजना के लिए 16 लाख रुपये का अनुदान मंजूर किया गया है। के जनजातीय समुदाय के विकास तथा उनका सतत् : के के लिए उनके पारम्परिक और सांस्कृतिक ज्ञान का संपादित करें एवं दस्तावेज़ीकरण " को सह-प्रमुख अन्वेषक के रूप में नियुक्त किया गया है। अनुदान आईसीएसएसआर द्वारा स्वीकृत किया गया है और परियोजना की अवधि 20 सितंबर 2024 से 19 सितंबर 2025 तक है।

प्रो. संजीव तिवारी को "भारत-मध्य एशिया संबंधों के प्रक्षेप पथों का मानचित्रण" नामक शोध परियोजना के लिए परियोजना अन्वेषक के रूप में 7 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यह परियोजना आईसीएसएसआर द्वारा वित्त-पोषित है और मार्च 2022 से 2024 तक की अवधि के लिए है।

दायर/स्वीकृत पेटेंट

पाठक एन.के. पेटेंट का शीर्षक: कुशल जल शोधन के लिए एकल बेसिन प्रतिबिम्बित संकेंद्रित संशोधित सौर ऊर्जा। आवेदन संख्या: 202511022108, *राष्ट्रीय।*

वर्मा एम. पेटेंट दायर किया, "नेकी का डिब्बा :इंसानियत ज़िंदा है "प्रेरणा में केशव बातचीत. .2025 ,14आईएसएसएन-2581-3528, *राष्ट्रीय।*

आयोजित संगोष्ठियां

प्रोफेसर हेनरी जोर्जेंसन, एक डेनिश विशेषज्ञ ने 26 मार्च, 2025 को महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में उपभोक्ता व्यवहार पर वफादारी कार्यक्रमों के प्रभाव पर एक व्याख्यान दिया।

एसआई सौरभ और एसआई शालू,-साइबर अपराध विशेषज्ञ, दिल्ली पुलिस, ने 18 फरवरी, 2025 को महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में "भारतीय न्याय संहिता (बी.ए.नएस 2023)" पर साइबर सुरक्षा पर एक व्याख्यान दिया।

इटली के इवानी जावाखिश्विली त्बिलिसी स्टेट यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर लियाना मार्करियनी ने 9 सितंबर, 2024 को महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'फेक न्यूज का परिवर्तन और प्रभाव: हेरफेर और प्रचार' विषय पर व्याख्यान दिया।

आयोजित सम्मेलन

एपीजे स्कूल ऑफ मैनेजमेंट की एमबी.ए. प्रोफेसरों-डॉ. श्वेता झा और डॉ. इशिता अधिकारी द्वारा संबोधित 'मानव संसाधन में करियर के लिए दक्षताओं का विकास' पर कार्यशाला, 31 जनवरी, 2025, महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय।

"डेटा साइंस" पर कार्यशाला, वक्ता वैशाली गौतम, डेटा साइंस की विशेषज्ञ, 11-15 नवंबर, 2024, महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय।

"जाति' का पुनर्मूल्यांकन: उत्तर-औपनिवेशिक सिद्धांत और व्यवहार" पर अंतःविषयक राष्ट्रीय सम्मेलन, जिसमें प्रतिष्ठित वक्ताओं द्वारा संबोधित किया जाएगा, जिनमें दिल्ली विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर अनिल अनेजा और प्रोफेसर राज कुमार शामिल होंगे, 8-9 अक्तूबर, 2024, महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में।

भारत के पूर्व रग्बी टीम कप्तान श्री गौतम डागर के मार्गदर्शन में “रग्बी कौशल सीखना” पर कार्यशाला, 24-26 सितंबर, 2024, महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय।

07-14 सितम्बर 2024 को आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला में श्री जगदीश राम पौरी (निदेशक, राजभाषा) विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार) ने 'राजभाषा हिन्दी' विषय पर, श्री नरेश कुमार (उप-निदेशक, मध्य) अनुवाद ब्यूरो, भारत सरकार) ने 'कार्यालयी अनुवाद: समस्या और समाधान' विषय पर एवं डॉ. विचारदास (पूर्व निदेशक, केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, भारत सरकार) ने 'राजभाषा हिन्दी: कार्यालयी शब्दावली विषय' पर अपने सारगर्भित विचार प्रस्तुत किए।

प्रसिद्ध योग विशेषज्ञ सुश्री पूजा के मार्गदर्शन में "योग" पर कार्यशाला, 18-21 जून, 2024, महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय।

"पाइथन का उपयोग करके डेटा विज्ञान और मशीन लर्निंग" पर कार्यशाला, वक्ता, ध्रुव गोविल, निदेशक, पिनाकी कंसल्टेंट प्राइवेट लिमिटेड, 5 अप्रैल-4 मई, 2024, महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

मालवीय मिशन-शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएम-टीटीपी), एनआईईपीए के सहयोग से 17-29 मार्च 2025 तक 'शोध पद्धति और अकादमिक लेखन' पर दो सप्ताह का ऑनलाइन बहुविषयक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. अंशु श्रीवास्तव, एनआईईपीए और प्रोफेसर गीतांजलि चावला, एमएसी थे। एमएसी की समन्वय टीम में प्रोफेसर मनीषा, प्रोफेसर प्रवीण कांत पांडे, डॉ मोना सिन्हा, डॉ अनुपमा जयदेव और डॉ इंद्राणी दासगुप्ता शामिल थीं। 72 घंटे, 12 दिन और 48 सत्रों में फैले, 180 उम्मीदवारों ने भाग लिया। पाठ्यक्रम में मात्रात्मक और गुणात्मक अनुसंधान, अनुसंधान के लिए एआई और अन्य सांख्यिकीय उपकरणों के उपयोग, साक्षात्कार तकनीक आदि विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल थी।

पाठ्यक्रम में एमसीक्यू परीक्षण और आईसीटी आधारित सूक्ष्म शिक्षण योजना के माध्यम से प्रतिभागियों का मूल्यांकन भी शामिल था।

एक्सचेंज प्रोग्राम के अंतर्गत छात्र (इनबाउंड/आउटबाउंड)

इंडो-जॉर्जियाई अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक सम्मेलन का आयोजन 9 सितंबर, 2024 को एक गैर सरकारी संगठन- 'सांस्कृतिक विविधता' के सहयोग से किया गया। श्री हर्ष मल्होत्रा, माननीय कॉर्पोरेट मामलों, सड़क परिवहन और राजमार्ग राज्य मंत्री और कॉलेजों के डीन प्रोफेसर बलराम पाणि की उपस्थिति में आयोजित यह जीवंत कार्यक्रम भारत और जॉर्जिया के बीच सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने के लिए एक भव्य आयोजन था, जिसमें दोनों देशों की समृद्ध विरासत और परंपराओं का प्रदर्शन किया गया।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित छात्रों की संख्या	: 105 (20%)
कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या	: 44

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

महाविद्यालय ने कई पहल, गतिविधियाँ और परियोजनाएँ शुरू की हैं जो छात्रों को सामुदायिक विकास, सतत योजनाओं और आउटरीच गतिविधियों में भाग लेने के लिए सक्रिय रूप से प्रोत्साहित करती हैं। एनएसएस विंग:

क) **'समर्थय'** : समान अवसर प्रकोष्ठ ने 3 अप्रैल, 2025 को "डिजिटल प्रौद्योगिकी: सुगम्यता और समावेशिता पर व्याख्यान-प्रदर्शन" का आयोजन किया, दिव्यांग बच्चों को व्हीलचेयर की सुविधा प्रदान की।

ख) **परियोजना एबी.ए.चआई और निस्थोली:** मेवात के बरोजी गांव और निस्थोली गांव को गोद लेना।

ग) **स्वच्छता जागरूकता अभियान:** हरित चेतना को बढ़ावा देने के लिए 'स्वच्छता ही सेवा' 17 सितंबर-3 अक्तूबर, 2024, 'पदयात्रा', 26 नवंबर, 2024, 'एक पेड़ मां केन नाम' 17 सितंबर, 2024 आदि।

घ) **प्रोजेक्ट अक्षर** : छात्र स्वयंसेवकों ने दल्लूपुरा और कोंडली जैसी आस-पास की बस्तियों के 120 बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की, सोमवार से शुक्रवार तक रोज़ाना कक्षाएं, आत्मरक्षा कार्यशालाएँ, बाल दिवस समारोह आदि आयोजित किए और महाविद्यालय परिसर में इन बच्चों के लिए स्वास्थ्य जाँच का आयोजन किया। पर्यावरण प्रकोष्ठ ने विभिन्न प्रकार के कचरे को उचित रूप से अलग करने के लिए प्रोत्साहित करके स्वच्छता बनाए रखने हेतु 'स्वच्छता पखवाड़ा' कार्यक्रम का आयोजन किया। अपशिष्ट पदार्थों से बने उत्पादों की बिक्री के लिए एक प्रदर्शनी स्टॉल लगाया गया। 'चिकित्सा परामर्श शिविर' का आयोजन किया गया।

बालिका एनसीसी ने एक भारत श्रेष्ठ भारत शिविर-अगरतला शिविर, 16-27 दिसंबर, 2024, प्रधानमंत्री रैली शिविर, 3-28 जनवरी, 2025, और संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर, 10-20 सितंबर, 2024 में भाग लिया। एनसीवेब केंद्र में 1297 लड़कियों ने नामांकन कराया। उच्च शिक्षा में करियर के अवसरों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए, ईडीएस दिल्ली चैप्टर ने आईईईई के सहयोग से, 8 अक्तूबर, 2024 को ईस्ट पॉइंट स्कूल, दिल्ली के छात्रों के लिए एक दिवसीय 'महाविद्यालय विभाग आउटरीच कार्यक्रम' का आयोजन किया।

पुस्तकालय विकास

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय के पुस्तकालय ने पुस्तकालय संग्रह को समृद्ध करने के लिए 1267 नई पुस्तकें खरीदीं। चार नई पत्रिकाएँ जोड़ी गईं: ऑर्गनाइज़र (अंग्रेजी), पांचजन्य (हिंदी), एंटरप्रेन्योर (अंग्रेजी), डाउन टू अर्थ (हिंदी), और लाइब्रेरी हेराल्ड (अंग्रेजी)। पुस्तकालय संग्रह में दो नए समाचार-पत्र जोड़े गए: पायनियर (हिंदी); अमर उजाला (हिंदी)। प्रमुख बुनियादी ढाँचे में सुधार किया गया: पुस्तकालय में छात्रों के लिए बैठने की क्षमता में 50 सीटें बढ़ाई गईं, संकाय सदस्यों के लिए एक अलग वाचनालय बनाया गया और पुस्तकालय के कार्मिकों के लिए एक नया कार्य केंद्र स्थापित किया गया। एक मॉड्यूलर संचलन अनुभाग (पुस्तकें जारी करना/वापसी काउंटर) पेश किया गया। पुस्तकालय संसाधन सुरक्षा के लिए 8 अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरों के साथ वाई-फाई सुविधा वाला एक अलग डिजिटल पुस्तकालय अनुभाग स्थापित किया गया।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	: 20
एसोसिएट प्रोफेसर	: 34
सहायक प्रोफेसर	: 5
तदर्थ	: 30
अतिथि	: 24

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित अनुदान	: ₹ 41.68 करोड़
उपयोगित अनुदान	: ₹ 41.78 करोड़

****

महर्षि वाल्मीकि शिक्षा महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

14 अगस्त, 2024 को बी.एड. महाविद्यालय ने ध्वजारोहण, देशभक्तिपूर्ण प्रदर्शनों और स्वतंत्रता व एकता पर जोर देते हुए प्रधानाचार्य के भाषण के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया। 6

सितंबर को शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को उनके सामाजिक भूमिका पर प्रकाश डालते हुए नाटकों, गीतों और नृत्यों से सम्मानित किया गया। 7 अक्तूबर को एक विशेष सभा में महात्मा गांधी, लाल बहादुर शास्त्री और भगत सिंह को याद किया गया, जिसमें उनके मूल्यों पर भाषण और नाटक शामिल थे। 8 नवंबर को उर्दू दिवस कविता और सांस्कृतिक प्रदर्शनों के साथ भाषा की विरासत का उत्सव मनाता है। 16 नवंबर को 29वें स्थापना दिवस पर महाविद्यालय की विरासत पर प्रकाश डाला गया, जिसमें समावेशी शिक्षा पर अतिथि भाषण दिए गए। 18 नवंबर को जल संरक्षण सभा में प्रस्तुतियों और शपथ के माध्यम से स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा दिया गया। इन आयोजनों ने भावी शिक्षकों में देशभक्ति, कृतज्ञता और जिम्मेदारी का संचार किया, तथा जीवंत सभाओं और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से एकता, समावेशिता और स्थिरता के मूल्यों को बढ़ावा दिया।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

डॉ. विनोद कुमार ए को एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर पदोन्नत किया गया।

छात्र

अक्षिता डागर विश्वविद्यालय में तीसरे स्थान पर रहीं।

प्रकाशन

बाली, एनएम (2024). मानवतावादी मनोविज्ञान के मूल्यात्मक पहलू। *इंडियन जर्नल ऑफ स्कूल हेल्थ एंड वेलबीइंग, 10* (3)।

बाली, एनएम (2024). चिंतनशील अभ्यास के रूप में शिक्षा: शिक्षक शिक्षा में एक अनुभव।

बाली, एनएम (2024). अनुभव के रूप में अस्तित्व: इसका शैक्षणिक निहितार्थ। *इंटरनेशनल जर्नल फॉर सोशल डेवलपमेंट, 12* (3), 114-135।

कुमार, ए. (2024). विद्यालयी शौचालय एवं स्वच्छता संबंधित उपबंधों और शिक्षाशास्त्र.इंटरनेशनल *जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज़, 11* (1)।

राज, ए.वी. (2023). सकारात्मक दृष्टिकोण से स्कूल प्रथाओं का विश्लेषण। *आईओएसआर जर्नल ऑफ रिसर्च एंड मेथड इन एजुकेशन, 13* (5), 62-72.

राज, ए.वी. (2023). प्रत्यक्षवाद: एक व्यापक आलोचनात्मक समीक्षा. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमैनिटीज़ एंड सोशल साइंस इन्वेंशन, 10* (4), 384-397.

राज, ए.वी. (2023). स्कूल प्रथाएँ और प्रत्यक्षवाद: एक आलोचनात्मक अन्वेषण. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ ह्यूमैनिटीज़ एंड सोशल साइंस इन्वेंशन, 12* (12), 7-14.

विक्रांत, ए. (2023). प्रत्यक्षवाद: एक व्यापक आलोचनात्मक समीक्षा. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमैनिटीज़ एंड सोशल साइंस इन्वेंशन, 10* (4).

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

मजनू का टीला स्लम क्षेत्र का दौरा:

क) प्रारंभिक झिझक के बाद बच्चों और परिवारों के साथ सार्थक बातचीत शुरू हुई।

ख) अभिभावकों ने विस्थापन से संबंधित चुनौतियों और पुनर्वास के बारे में अनिश्चितता के बारे में बताया।

ग) गरीबी के कारण अवसरों में कमी के बावजूद बच्चों ने उल्लेखनीय प्रतिभा और उत्साह का प्रदर्शन किया।

सामुदायिक सहभागिता गतिविधियाँ:

क) सुरक्षित दिवाली के लिए स्वच्छता और स्वास्थ्य पर जागरूकता सत्र आयोजित किया गया।

ख) बच्चों को शामिल करने और प्रेरित करने के लिए चित्रकला, नृत्य और गायन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

ग) जलपान के साथ समापन हुआ, जिससे सभी के लिए एक गर्मजोशी भरा, आनंदमय वातावरण निर्मित हुआ।

चेतनाल्या एनजीओ के साथ महाविद्यालय टीम का कार्य:

क) प्रशिक्षु शिक्षकों को कक्षा शिक्षण से परे मूल्यवान वास्तविक दुनिया का अनुभव प्रदान किया गया।

ख) वंचित बच्चों की शिक्षा के लिए एनजीओ के प्रयासों के बारे में जाना।

ग) बच्चों से बातचीत कर उनकी आवश्यकताओं और उनके सामने मौजूद संसाधनों की कमी को समझा।

बच्चों के बारे में जानकारी:

क) इनमें से अधिकांश बच्चे गरीब पृष्ठभूमि से आते हैं, जिनके माता-पिता कूड़ा बीनने या दैनिक मजदूरी जैसे काम करते हैं।

ख) वित्तीय कठिनाइयों के बावजूद, बच्चों ने सीखने और अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए मजबूत प्रेरणा दिखाई।

ग) अपने परिवारों के उत्थान के उनके सपने प्रेरणादायक थे।

महाविद्यालय टीम पर प्रभाव:

क) सीमित समय के संवाद से भी बच्चों को बहुमूल्य जानकारी प्राप्त हुई।

ख) सहानुभूति, धैर्य और सामाजिक वास्तविकताओं की गहरी समझ को बढ़ावा दिया।

ग) परिवर्तन लाने में शिक्षा के महत्व और भावी शिक्षकों की भूमिका पर बल दिया।

कुंजी ले जाएं:

क) परिवर्तन लाने और वंचित बच्चों को सहायता प्रदान करने में छोटे प्रयासों के प्रभाव पर प्रकाश डाला।

ख) भविष्य की पहलों में भाग लेने और समाज में सार्थक योगदान देने की प्रेरणा मिली।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय का पुस्तकालय महर्षि वाल्मीकि महाविद्यालय ऑफ एजुकेशन के पारिस्थितिकी तंत्र का एक अभिन्न अंग रहा है। यह इसके छात्रों और शिक्षकों के लिए प्रमुख शैक्षणिक संसाधनों में से एक है। महामारी के बाद के परिदृश्य में, पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं द्वारा इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों की माँग कई गुना बढ़ गई है। महाविद्यालय आज के तकनीक-प्रेमी समाज की बदलती ज़रूरतों को पूरा करता है।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	: 4
एसोसिएट प्रोफेसर	: 4
सहायक प्रोफेसर	: 1
तदर्थ	: 3
अतिथि	: 9

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित अनुदान	: ₹ 10,24,89,440/-
उपयोगित अनुदान	: ₹ 10,38,93,000/-

****

मैत्रेयी महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

मैत्रेयी महाविद्यालय को एनएएसी द्वारा A++ रेटिंग प्राप्त है और NIRF द्वारा 29$^{वीं}$ रैंकिंग प्राप्त है। महाविद्यालय ने कुल 200 कार्यक्रमों का सुचारू रूप से आयोजन किया और 100

वक्ताओं की मेजबानी की। क्योर इंडिया के सहयोग से, महाविद्यालय ने भारत का पहला इनडोर नेविगेशन ऐप-कैनरी ऐप विकसित किया, जिसका शुभारंभ भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के माननीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय दिव्यांगजन संस्थान में किया।

महाविद्यालय को आध्यात्मिक एवं मूल्य शिक्षा शिखर सम्मेलन 2025 में "आध्यात्मिक शिक्षा के लिए दिव्य बुद्धि पुरस्कार", विश्व शांति शिक्षा संवर्धन पुरस्कार और भारतीय पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण संस्थान द्वारा "पर्यावरण सतत शिक्षा विभूतियाँ पुरस्कार" से सम्मानित किया गया। महाविद्यालय को 1 अगस्त, 2024 से 31 जुलाई, 2026 तक की अवधि के लिए FSSAI द्वारा "ईट राइट कैंपस" का पुरस्कार दिया गया और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कौशल, स्टार्टअप और उद्यमिता प्रदर्शनी में "सर्वश्रेष्ठ नवप्रवर्तक" पुरस्कार प्राप्त हुआ।

महाविद्यालय ने 2,000 प्रतिभागियों के साथ ज़िला इंटरैक्ट लीडरशिप असेंबली (DILA) की मेजबानी की। सांस्कृतिक समितियों ने अंतर-महाविद्यालय और अंतर-विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में 184 पुरस्कार जीते। महाविद्यालय ने दिल्ली विश्वविद्यालय के वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी 2025 में 24 पुरस्कार जीते। महाविद्यालय ने 2024 में अंतर-महाविद्यालय नेटबॉल टूर्नामेंट में दूसरा स्थान प्राप्त किया और अंतर-महाविद्यालय भारोत्तोलन में 5 स्वर्ण पदक जीते।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

अनिल छिल्लर (शिक्षणेत्तर) को 03-13 मार्च, 2025 को आयोजित दिल्ली विश्वविद्यालय कार्मिक क्लब टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज का पुरस्कार मिला।

डॉ. अर्चना अग्रवाल एनसीसी में लेफ्टिनेंट के पद पर नियुक्त।

डॉ. अर्चना अग्रवाल को रक्षा मंत्रालय के ओटीए, ग्वालियर से अभ्यास अनुभव, व्याख्यान आईपी और मानचित्र पढ़ने में उत्कृष्टता के तीन प्रमाणपत्र प्राप्त हुए।

प्रो. अतिका चंद्रा, प्रो. पूजा बवेजा और **डॉ. शिखा बधानी** के पास एक-एक पीएच.डी. छात्र हैं।

डॉ. बिजयानी मिश्रा को जनवरी, 2025 में रोजा लक्जमबर्ग फाउंडेशन, जर्मनी के लिए 875 यूरो का यात्रा अनुदान प्राप्त हुआ।

प्रोफेसर ब्रोटोटी रॉय को विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी) द्वारा 'टेलीओस्ट चन्ना पंक्टेटस में नवीन हार्मोन एस्प्रोसिन की पहचान, लक्षण वर्णन और प्रजनन पर इसके प्रभाव' नामक शोध परियोजना के लिए 37.4 लाख रुपये का अनुदान दिया गया।

प्रोफेसर ब्रोटोटी रॉय, प्रोफेसर रितु ढींगरा और **डॉ. सुशील कुमारी** के अधीन क्रमशः एक, दो और तीन पीएच.डी. छात्र पंजीकृत हैं।

डॉ. ज्योत्सना तलरेजा वासन को इंट्राम्यूरल रिसर्च प्रोग्राम, एनएलएम, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ, यूएसए, मैरीलैंड के लिए 1 अप्रैल 2024- 31 जुलाई 2024 की अवधि के लिए $91000/वर्ष के आधार पर पोस्टडॉक्टरल विजिटिंग फेलोशिप प्रदान की गई।

डॉ. ममता धवन को 15 फरवरी, 2025 को एनएसडी में "रंगप्रसन" के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया गया।

प्रो. मीना यादव को फ्रंटियर्स, पीएलओएस वन, साइंसडायरेक्ट और एल्सेवियर से समीक्षक मान्यता प्राप्त हुई।

डॉ. निशु को 20 फरवरी, 2025 को एसआरएम संस्थान द्वारा युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्रदान किया गया।

हमारे संकाय ने 14 पत्रिका लेख और सम्मेलन कार्यवाही में 6 लेख प्रकाशित किए।

डॉ. प्रदीप राय को 2025-2028 की अवधि के लिए भारतीय पुस्तकालय संघ (आईएलए) का अध्यक्ष चुना गया है। यह घोषणा कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, रायचूर में आयोजित 70वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान की गई।

डॉ. पारुल पुरी, सहायक प्रोफेसर:, को 5 सितंबर 2024 को दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू), दिल्ली से अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त हुआ।

डॉ. प्रमोद कुमार सिंह को 21 अगस्त, 2024 को डीयू में छात्र कल्याण (दक्षिण परिसर) के उप डीन के रूप में नियुक्त किया गया।

डॉ. प्रमोद कुमार सिंह को शिक्षक दिवस के अवसर पर डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन पुरस्कार प्रदान किया गया।

डॉ. शिप्रा वर्मा ने जनवरी, 2025 में दिल्ली में आयोजित खो-खो विश्व कप में आयोजन समिति सदस्य के रूप में कार्य किया।

डॉ. शिप्रा वर्मा ने फरवरी, 2025 में बैंकॉक में एशियाई साइक्लिंग परिसंघ कांग्रेस (एसीसी) 2025 में भारतीय साइक्लिंग महासंघ की ओर से भारत का प्रतिनिधित्व किया। वह 45 एशियाई देशों के प्रतिनिधियों में शामिल थीं।

डॉ. श्वेता त्रिपाठी को विकसित भारत 2047 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने के लिए आईसीएसएसआर से 2,50,000 रुपये का वित्त-पोषण प्राप्त हुआ।

डॉ. स्मृति सिंह को अक्तूबर 2024 में रोम, इटली के टोरंटो वेरगाटा विश्वविद्यालय में एक पेपर प्रस्तुत करने के लिए सामाजिक न्याय मंत्रालय से 1,40,000 रुपये का यात्रा अनुदान प्राप्त हुआ।

डॉ. सुशील कुमारी, माननीय कुलपति द्वारा नामित और 'संस्कृत' विषय पर पीएच.डी. साक्षात्कार में उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने हेतु साक्षात्कार पैनल में सदस्य के रूप में आमंत्रित। महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय (एमएसबीयू) भरतपुर, राजस्थान में 25 सितंबर 2024 को आयोजित।

महाविद्यालय की शिक्षणेत्तर क्रिकेट टीम ने अप्रैल, 2024 में डॉ. सविता दत्ता मेमोरियल टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट जीता।

महाविद्यालय की क्रिकेट टीम, जिसमें शिक्षण और शिक्षणेत्तर कर्मचारी शामिल थे और जिसका नेतृत्व प्रशासनिक अधिकारी कर रहे थे, 25 फरवरी, 2025 से 5 मार्च, 2025 तक आयोजित प्रथम डॉ. भीम राव अंबेडकर महाविद्यालय कार्मिक क्रिकेट टूर्नामेंट में उपविजेता रही।

जर्नल:

महाविद्यालय ने वैंटेज: जर्नल ऑफ थीमैटिक एनालिसिस के दो अंक (खंड 5, अंक 1 और खंड 5, अंक 2) प्रकाशित किए, ISSN 2582-7391 के साथ एक अंतरराष्ट्रीय समकक्ष-समीक्षित मुक्त पहुँच वाली बहु-विषयक पत्रिका। प्रधान संपादक: **प्रो. हरितमा चोपड़ा** ; प्रबंध संपादक: **डॉ. गोपी देवदत्त त्रिपाठी, प्रो. ब्रतोति रॉय और प्रो. मीना यादव।**

ई-रिसर्च पत्रिका:

महाविद्यालय ने सहकर्मी-समीक्षित ई-शोध पत्रिका, संवेदना के दो अंक ISSN 2581-9917 के साथ प्रकाशित किए। प्रधान संपादक: **प्रो. हरितमा चोपड़ा** ; उप-प्रधान संपादक: **डॉ. प्राची बागला; संपादक: डॉ. पूजा गुप्ता, डॉ. जगमोहन रॉय और डॉ. अपूर्वा सेतिया।**

छात्र

अहाना तंवर, बी.एससी. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र तृतीय वर्ष को दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान मिला।

आदित्य आर ने एमिटी विश्वविद्यालय में आयोजित एआईयू राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2025 में शास्त्रीय नृत्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कैडेट सार्जेंट **आकांक्षा चंद ने** एनडीए और कोर्स 153 की एनए (I) परीक्षा में एआईआर 72 प्राप्त की।

हमारे महाविद्यालय के शीर्ष पांच छात्र-छात्राएं **मान्या शर्मा,** बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान प्रथम वर्ष (95.90%); **आहना तंवर** बी.एससी. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र तृतीय वर्ष (95.27%); **नेहा बुधानी,** बी.एससी. (ऑनर्स) गणित, द्वितीय वर्ष (94.30%); **ख़ुशी प्रजापति,** बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान तृतीय वर्ष (94.05%); और **तन्नु गहलोत,** बी.एससी. (कंप्यूटर विज्ञान के साथ भौतिक विज्ञान), तृतीय वर्ष (92.23%)।

जागृति मेहता (तृतीय वर्ष, प्राणी-विज्ञान ऑनर्स) और **तान्या बर्डी** (द्वितीय वर्ष, प्राणी-विज्ञान ऑनर्स) ने अंतर्राष्ट्रीय सूक्ष्मजीव दिवस (17 सितंबर, 2024) पर आयोजित माइक्रोस्फीयर 4.0 के अंतर्गत माइक्रो-मैस्ट्रोस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय, डीयू द्वारा आयोजित।

कैडेट **पंजुल सिंह ने** एआईआर 73 के साथ एसएसबी (सीडीएस ओटीए एंट्री) उत्तीर्ण किया।

पूर्व छात्रों की उपलब्धियाँ:

2013 बैच की बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान की छात्रा **हर्षिता शर्मा ने यूपीएससी सीएसई 2023 में AIR 214 रैंक प्राप्त की**

इशिता [बी.ए. (पी) कंप्यूटर एप्लीकेशन की छात्रा] के स्टार्टअप IYRA मीडिया को एक पत्रिका में '10 सर्वश्रेष्ठ' के रूप में सूचीबद्ध किया गया था प्रभावशाली मार्केटिंग स्टार्टअप, 2024'।

जाह्नवी शर्मा ने अपना स्टार्टअप "स्टे-मेंटर" शुरू किया और मैत्रेयी के 85 परिवारों की मदद की महाविद्यालय में, संचार और सहायता के माध्यम से 564 छात्रों और अभिभावकों की सहायता की। उन्होंने 3 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया। 1.8 लाख रुपये का लाभ हुआ।

2020 बैच की बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन-विज्ञान की छात्रा **मनीषा जांघू ने अपने पहले प्रयास में यूपीएससी सीएसई में AIR 247 रैंक प्राप्त की।** अप्रैल 2024.

2021 बैच की बी.एससी. (ऑनर्स) गणित की छात्रा **मानवी चौधरी ने यूपीपीएससी 2023 में AIR 48 रैंक प्राप्त की।**

हमारी पूर्व छात्रा **रिया अग्रवाल** के उन्मोदय फाउंडेशन के राइडिंग रेंजर्स स्टार्टअप को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कौशल, स्टार्टअप और उद्यमिता प्रदर्शनी में सर्वश्रेष्ठ इनोवेटर का पुरस्कार मिला, 4-6 सितंबर, 2024.

कैडेट **रिया मीना ने** दिल्ली निदेशालय द्वारा आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बैच 2016 की छात्रा **स्वाति यादव ने यूपीपीएससी 2023 में 42वां स्थान प्राप्त किया।**

मैत्रेयी महाविद्यालय में बी.ए. (ऑनर्स) समाजशास्त्र की छात्रा **विधि ने अपनी साथी रिया (भारती महाविद्यालय की पूर्व छात्रा) के साथ मिलकर 4 लोगों को नौकरी पर रखा।**

प्रकाशन

स्कोपस अनुक्रमित पत्रिकाएँ:

अब्राहम, जे.एस., सोमसुंदरम, एस., मौर्य, एस., गुप्ता, आर., टोटेजा, आर., और मखीजा, एस. (2024). दिल्ली, भारत के तीन मीठे जल निकायों के भौतिक-रासायनिक मापदंडों और सिलिअट

समुदाय संरचना में स्थानिक-कालिक भिन्नताओं पर एक अध्ययन। *लिम्नोलॉजी,* 25(3), 327-336। doi:10.1007/s10201-024-00747-8

अहमद, एस., सिंह, ए.पी., बानो, एन., रज़ा, के., सिंह, जे., मेडिगेशी, जी.आर., गौतम, एच.के. (2024). एकीकृत विश्लेषण से पता चला है कि इमिड्यूरिया, SARS-CoV-2 और एम. ट्यूबरकुलोसिस से उत्पन्न CD69, CD40, SHP2, लाइसोजाइम, GATA3, cCBL और S-सिस्टीनेज का द्वि-बहु-लक्षित अवरोधक है। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल [1] es,* 270(Pt 2), 132332. doi:10.1016/ j.ijbiomac .2024.132332

अहमदी, ज़ेड., झा, डी., यादव, एस., सिंह, एपी, सिंह, वीपी, गौतम, एच.के., ... कुमार, पी. (2024). घाव भरने के लिए बहुक्रियाशील जैव-सामग्री के रूप में स्व-संयोजित आर्जिनिन-ग्लाइसिन-एस्पार्टिक एसिड मिमिक पेप्टाइड हाइड्रोजेल। *एसीएस एप्लाइड मैटेरियल्स एंड इंटरफेसेस*/ doi:10.1021/acsami.4c14686

अहमद, यू., फहीम, एम., खान, ए., और मनचंदा, जी. (2024). न्यूट्रल डिले डिफरेंशियल इक्वेशन को हल करने के लिए एक लीजेंड्रे वेवलेट कोलोकेशन विधि। *मिस्कॉल्क मैथमेटिकल नोट्स/ मिस्कॉल्क विश्वविद्यालय का एक प्रकाशन,* 25(1), 35. doi:10.18514/mmn.2024.4496

अली, एच., नसरीन, आर., अर्नेजा, एन., और जग्गी, सी.के. (2024). क्षयकारी वस्तुओं के लिए नियंत्रणीय लीड समय और बैक ऑर्डर छूट के साथ आवधिक इन्वेंट्री मॉडल। *ऑप्सर्च/ ऑपरेशनल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया का त्रैमासिक जर्नल,* 61(3), 1441-1471। doi:10.1007/s12597-023-00738-w

एरन, के., चेतिया, टी., गिरि, पी., डेका, बी., और गोस्वामी, आर.के. (2024, 20 अगस्त)। श्वसन रोगों को ट्रिगर करने में परागकणों, (1→3)-β-D-ग्लूकेन और एंडोटॉक्सिन की महत्वपूर्ण भूमिका। *वायुजनित जैव संदूषक और मानव स्वास्थ्य पर उनका प्रभाव,* पृष्ठ 168-195। doi:10.1002/9781394178964.ch10

असलम, एम., सिंह, एम.बी., सिंह, पी., पांडे, जी., कुमार, ए., सिंह, एस., कुमारी, के. (2024). आयनिक द्रवों के ऋणायन में क्रियात्मक समूह स्थिति का जलीय घुलनशीलता पर प्रभाव: डीएफटी गणनाओं के माध्यम से एक अध्ययन। *आयोनिक्स,* 30(2), 875-887। doi:10.1007/s11581-023-05305-3

भंडारी, एम.एस., डबराल, ए., बिष्ट, ए., मिश्रा, जी., मीना, आर.के., कांत, आर., टंडन, आर. (2024). ग्रेविलिया रोबस्टा (प्रोटियासी) में फेनोलॉजिकल पैटर्न, प्रजनन व्यवहार और आउटक्रॉसिंग दर का अनुमान। *द न्यूक्लियस; साइटोलॉजी और संबद्ध विषयों का एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल,* 67(3), 517-530। doi:10.1007/ s13237-024-00517-y

भारद्वाज, एम., मिश्रा, पी., बधानी, एस., और मुट्टू, एस.के. (2024). भारत में कोविड-19 ट्वीट्स का सेंटीमेंट विश्लेषण और विषय मॉडलैंगिक। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट,* 15(5), 1756-1776। doi:10.1007/s13198-023-02082-0

भारती, बी.बी., त्यागी, पी., और बसु, एम. (2024). संभावित घाव भरने के अनुप्रयोगों के लिए एक लागत-प्रभावी अतिशोषक बहुलक यौगिक। *जैव प्रौद्योगिकी और फार्मेसी में वर्तमान रुझान,* 18(4s), 106-120। doi:10.5530/ctbp.2024.4s.9

भूमिका, पाठक, टीके, शर्मा, वी., जौहर, आर., जस्सल, पीएस, और सिंह, आरपी (2025)। अग्नि सुरक्षा अनुप्रयोगों के लिए इनुलिन-संशोधित प्रणोदक का प्रदर्शन मूल्यांकन। *प्रणोदक विस्फोटक आतिशबाज़ी,* 50(3)। doi:10.1002/prep.12024

चौधरी, ए., माथुर, डी., गाबा, आर., पसरीचा, आर., और शर्मा, के. (2024). कैफ़ीन से कार्बनिक अभिक्रियाओं को हरित बनाना: अनुप्रयोग, हालिया विकास और भविष्य की दिशाएँ। *आरएससी एडवांसेज़,* 14(13), 8932-8962। doi:10.1039/d4ra00432a

चौहान, वी. (2024). इष्टतम और लगभग इष्टतम स्थानीय रूप से सुधार योग्य कोडों की कुछ नई रचनाएँ। *परिमित क्षेत्र और उनके अनुप्रयोग,* 101, 102518. https://doi.org/10.1016/j.ffa.2024.102518

चित्रा, अरोड़ा, आई., गर्ग, एस., भंडारी, एच., सागादेवन, एस., और चंद्रा, ए. (2025)। अपशिष्ट जल उपचार के लिए पॉलीएनिलिन-आधारित नैनोकंपोजिट। *मैक्रोमोलेक्यूलर सिम्पोजिया,* 414(1)। doi:10.1002/masy. 202400148

चुफाल, बी., राय, यू., और रॉय, बी. (2024). मादा चन्ना पंकटाटा में प्रजनन चरण-निर्भर एनओडी-जैसे रिसेप्टर्स की अभिव्यक्ति के नियमन में एस्ट्राडियोल की संभावित भूमिका का अन्वेषण। *एक्वाकल्चर इंटरनेशनल: जर्नल ऑफ़ द यूरोपियन एक्वाकल्चर सोसाइटी,* 32(1), 709-724। doi:10.1007/s10499-023-01184-7

चुफाल, बी., सथोरिया, पी., राय, यू., और रॉय, बी. (2024a)। स्पॉटेड स्नेकहेड, चन्ना पंक्टाटा (ब्लोच, 1793) में एलपीएस की प्रतिक्रिया में एनओडी1-आरआईपीके इंटरैक्शन और ट्रांसक्रिप्शनल मॉड्यूलेशन के आणविक लक्षण वर्णन में अंतर्दृष्टि। *फिश एंड शेलफिश इम्यूनोलॉजी,* 154(109916), 109916. doi:10.1016/j.fsi. 2024.109916

चुफाल, बी., सथोरिया, पी., राय, यू., और रॉय, बी. (2024b). एनएलआर ट्रांसक्रिप्ट में लैंगिक द्विरूपता और टेलोस्ट चन्ना पंक्टाटा (ब्लोच, 1793) में इसका डाउनस्ट्रीम सिग्नलैंगिक प्रोटीन IL-1β। *साइंटिफिक रिपोर्ट्स,* 14(1), 1923. doi:10.1038/s41598-024-51702-7

भौतिकी विभाग, मैत्रेयी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत, रोहिला, बी., कौर, एन., और एस.ए. जैन महाविद्यालय, अंबाला शहर, हरियाणा, भारत। (2024). 140Sm में

उच्च स्पिन संरचना। *नाभिकीय भौतिकी और परमाणु ऊर्जा,* 25(4), 331-340। doi:10.15407/jnpae2024.04.331

जंतु विज्ञान विभाग, मैत्रेयी महाविद्यालय, नई दिल्ली, भारत, शर्मा, एल., कौशिक, पी., सिंह, आई., सहगल, एन., और रावत, वी.एस. (2024). टेलियोस्ट, क्लेरियस गैरीपिनस और चन्ना पंक्टेटस के अंडकोशिका परिपक्वता में एक्वापोरिन का विश्लेषण। *एशियन फिशरीज साइंस,* 37(1)। doi:10.33997/j.afs. 2024. 37.1.003

गुलाटी, एस., और ढींगरा, एम. (2024). मैंगनीज फेराइट नैनोकणों के स्पेक्ट्रोस्कोपिक गुणों पर दुर्लभ मृदा Yb3+ डोपेंट का प्रभाव। *जर्नल ऑफ एप्लाइड स्पेक्ट्रोस्कोपी।* doi:10.1007/s10812-024-01796-8

जस्सल, पी.एस., रानी, पी., और जौहर, आर. (2024). उत्तर भारत में यमुना और हिंडन नदियों के जल नमूनों से जिंक आयनों के अवशोषण हेतु चुंबकीय चिटोसन मोतियों और उसके क्रॉस-लिंक्ड व्युत्पन्नों का संश्लेषण। *पॉलिमर बुलेटिन (बर्लिन, जर्मनी),* 81(6), 5295-5311। doi:10.1007/s00289-023-04932-0

झाझरिया, एम., मंगला, वाई., चंद्रा, ए., गोयल, एस., और टंडन, आर. (2024). उप-अंडाकार हिप्पोफे रमनोइड्स में परिवर्तनशील संसाधन आवंटन पैटर्न, पक्षपाती लिंगानुपात और लैंगिक द्विरूपता की सीमा। *प्लॉस वन,* 19(4), e0302211. doi:10.1371/journal.pone.0302211

ज्योत्सना और नेहा (2024). सतत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रवाह पर पर्यावरणीय कारकों की प्रासंगिकता: बिम्सटेक देशों से साक्ष्य. *संक्षारण प्रबंधन,* 34, 146-165.

कौर, जसप्रीत, और कौर, जे. (2024). इडियोमारिना जीनस के सात जीनोमों के तुलनात्मक जीनोमिक्स से तनाव प्रतिक्रिया के लिए महत्वपूर्ण हेलो अनुकूलन और जीन का पता चलता है। *3 बायोटेक,* 14(2), 40. doi:10.1007/s13205-023-03887-3

कौर, जसप्रीत (2024). मेटाजेनोमिक डेटा से फ्लेवोहेमोप्रोटीन की फ़ाइलोजेनी, संरचना और कार्य का सिलिको विश्लेषण। *रूसी विज्ञान अकादमी का जीवविज्ञान बुलेटिन,* 51(4), 1024-1038। doi:10.1134/s 1062359023604391

कौर, जसविंदर, कौर, जे., और निगम, ए. (2024). अंतरिक्ष अन्वेषण में एक्सट्रीमोफाइल्स. *इंडियन जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी,* 64(2), 418-428. doi:10.1007/s12088-024-01297-4

कौर, जसविंदर, वर्मा, एच., कौर, जे., लता, पी., ढींगरा, जी.जी., और लाल, आर. (2024). स्फिंगोबियम इंडिकम B90A: एक हेक्साक्लोरोसाइक्लोहेक्सेन-अपघटनकारी जीवाणु, की फीलोजेनेटिक और शारीरिक विशेषताओं का सिलिको विश्लेषण। *करेंट माइक्रोबायोलॉजी,* 81(8), 233. doi:10.1007/s00284-024-03762-1

2024)। पोडोस्टेमम सबुलैटम (पोडोस्टेमेसी) के प्रजनन जीव-विज्ञान से पूर्व-*पौधे.*

कुमार, डी., कुमार, पी., बोराह, एनएनके, सिद्धार्थ, सिंह, एम., और सिंह, यू. (2025)। पीवीडीएफ और हरित संश्लेषित धातु ऑक्साइड नैनोकम्पोजिट पतली फिल्मों के पीजोइलेक्ट्रिक गुण। *इंडियन जर्नल ऑफ फिजिक्स और इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टिवेशन ऑफ साइंस (2004)।* doi:10.1007/s12648-024-03526-4

कुमार, एम., सिंह, ए.के., कुमार, ए., कुमार, आर., गौतम, वाई.के., दाश, एस.के., और चंद्रा, आर. (2025)। चुंबकीय चरण की टेलरिंग: आरएफ स्पटरिंग द्वारा विकसित को-डोप्ड SiC पतली फ़िल्में। *नेक्स्ट नैनोटेक्नोलॉजी,* 7(100110), 100110. doi:10.1016/j.nxnano.2024.100110

कुमार, राजीव, जौहर, आर., कारुसो, जी., सिंह, एम., चंद्रा, एम., इग्वेगबे, सी.ए., … खंडेल, एस. (2025)। अल्ज़ाइमर रोग का पैथोफिज़ियोलॉजी: दवा विकास और चिकित्सीय नवाचारों में प्रगति। *केमिकल बायोलॉजी लेटर्स,* 12(2)। doi:10.62110/sciencein.cbl.2025.v12.1264

कुमार, रिंकू, कुमार, पी., गुप्ता, एस., पालीवाल, जी., कुमार, एम., और सिंह, एम. (2024). नैनोमटेरियल संश्लेषण, लक्षण वर्णन और अनुप्रयोगों में प्रगति पर एक समीक्षा: स्थायी और नवीन समाधानों की ओर। *ब्राज़ीलियन जर्नल ऑफ़ फ़िज़िक्स,* 54(4)। doi:10.1007/s13538-024-01528-5

कुमार, रिंकू, त्रिपाठी, जे., कुमार, एम., पांडे, के.के., और सिंह, एम. (2024). NiMn2O4 के सुपरकैपेसिटिव गुणों में तापमान-निर्भर वृद्धि और ह्रास। *सेरामिक्स इंटरनेशनल।* doi:10.1016/j.ceramint.2024.12.178

कुमार, एस., अरोड़ा, ए., मैखुरी, वी.के., चौधरी, ए., कुमार, आर., परमार, वी.एस., … माथुर, डी. (2024). क्रोमोन-आधारित कॉपर (ii) शिफ बेस कॉम्प्लेक्स में प्रगति: संश्लेषण, लक्षण वर्णन, और औषध विज्ञान एवं बायोमिमेटिक कटैलिसीस में बहुमुखी अनुप्रयोग। *आरएससी एडवांसेज,* 14(24), 17102-17139। doi:10.1039/ d4ra00590b

कुमार, एस., अरोड़ा, ए., माथुर, डी., चौधरी, ए., पंत, वी., गुच्छैत, एस., और सिंह, बी.के. (2025)। चिटोसन और चिटोसन-आधारित बायोनैनोकंपोजिट्स पर एक समीक्षा: स्थायी संक्षारण अवरोधन के लिए आशाजनक जैविक मैक्रोमोलेक्यूल्स। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स,* 301(140392), 140392। doi:10.1016/j.ijbiomac.2025.140392

मैखुरी, वी.के., माथुर, डी., चौधरी, ए., कुमार, आर., परमार, वी.एस., और सिंह, बी.के. (2024). पाइरीमिडीन का संक्रमण-धातु उत्प्रेरित संश्लेषण: हालिया प्रगति, क्रियाविधि, क्षेत्र और भविष्य के परिप्रेक्ष्य। *टॉपिक्स इन करंट केमिस्ट्री (जर्नल),* 382(1), 4. doi:10.1007/s41061-024-00451-2

मनचंदा, जी. (2023). दीर्घवृत्तीय प्रकृति की अरैखिक सीमा मान समस्याओं के लिए एक सुगठित उच्च विभेदन अर्ध-परिवर्तनीय जाल घातांकीय परिमित अंतर विधि। *जर्नल ऑफ मैथमेटिक्स एंड कंप्यूटर विज्ञान ,* 33(01), 87-107. doi:10.22436/jmcs.033.01.07

मैसी, आई., यादव, एस., कुमार, डी., महारिया, आर.एस., कुमारी, के., और सिंह, पी. (2025)। आणविक डॉकिंग और आणविक गतिकी सिमुलेशन के माध्यम से करक्यूमिन का उपयोग करके ज़ेब्राफ़िश में चिंता-निवारक और ऐंठन-रोधी प्रभावों के निषेध हेतु एक अंतर्दृष्टि। *मॉलिक्यूलर डाइवर्सिटी,* 29(1), 439-455। doi:10.1007/s11030-024-10865-1

महलावत, एस., पांडा, एस., धारीवाल, एन., यादव, पी., कुमार, वी., ठाकुर, ओ.पी., सेंगर, ए. (2024). अगली पीढ़ी के BiOCl/MXene नैनोकंपोजिट: डाई हटाने और सुपरकैपेसिटर अनुप्रयोगों के लिए अनुकूलित। *लैंगमुइर: द एसीएस जर्नल ऑफ सरफेसेस एंड कोलाइड्स,* 40(43), 23018-23032। doi:10.1021/acs. langmuir.4c03215

नेहा और गर्ग, एस. (2024). इंट्रा-आसियान एफडीआई के निर्धारक: पैनल डेटा विश्लेषण से साक्ष्य. *जर्नल ऑफ ओरिएंटल इंस्टीट्यूट,* 73 (3), 938-949

परवेज़, ए., चंद्रा, एस., और यादव, एम. (2024). कोक्सीनेलिड के उच्चतर अवस्था में सगोत्र-नरभक्षण से बचने में संबंध, भोजन की गुणवत्ता और भूख की भूमिका। *आर्थ्रोपोड-प्लांट इंटरैक्शन,* 18(4), 681-692। doi:10.1007/s11829-024-10047-8

परवेज़, ए., चंद्रा एस., और यादव, एम. (2024). कोक्सीनेलिड के उच्चतर अवस्था में सगोत्र-नरभक्षण से बचने में संबंध, भोजन की गुणवत्ता और भूख की भूमिका। *आर्थ्रोपोडा-पादप अंतःक्रियाएँ।* http://dx.doi.org/10.1007/ s11829-024-10047-8

फोगट, पी., बंसल, ए., नैन, एन., खान, एस., सासो, एल., और कुकरेती, एस. (2025)। अंतरिक्ष की खोज: कोशिका-बाह्य भीड़-भाड़ वाले वातावरण में डीएनए, प्रोटीन और लिपिड वृहत् अणुओं की दृढ़ता। *बायोमॉलिक्युलर कॉन्सेप्ट्स,* 16(1)। doi:10.1515/bmc-2025-0053

फोर, एल., कुमार, आर., खन्ना, वी., मेनन, एस.वी., सिंह, ए., सिंह, एम., … चहल, एस. (2025)। ग्रैफीन और सेरियम ऑक्साइड नैनोकंपोजिट: अपशिष्ट जल से कार्बनिक रंगों के अपघटन के लिए अग्रणी प्रकाश उत्प्रेरक। *प्रोसेसेस (बेसल, स्विट्जरलैंड),* 13(3), 720. doi:10.3390/pr13030720

प्रताप सिंह रमन, ए., कुमार, डी., कुमारी, के., जैन, पी., बहादुर, आई., अबेदिगाम्बा, ओ.पी., … सिंह, पी. (2024). डीएफटी गणनाओं और आणविक गतिकी सिमुलेशन के माध्यम से सीएचआईकेवी और हार्मोन के एनएसपी2 और एनएसपी3 के बीच परस्पर क्रिया के लिए कम्प्यूटेशनल अंतर्दृष्टि। *रसायन-विज्ञान और जैव विविधता,* 21(12), e202401241। doi:10.1002/cbdv.202401241

रमन, एपीएस, पोंगपाइबून, एस., भाटिया, आर., लाल दबोधिया, के., कुमार, ए., कुमार, डी., ... कुमारी, के. (2024). फिकस कैरिका एल. में जैवसक्रिय यौगिकों की मधुमेह-रोधी और एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि पर सिलिको अध्ययन। *जर्नल ऑफ बायोमॉलिक्युलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स,* 42(14), 7515-7531। doi:10.1080/ 07391102.2023.2240425

रामलाल, ए., मेहता, एस., नौटियाल, ए., बावेजा, पी., शिवम, शर्मा, डी., ... राजेंद्रन, ए. (2024). सोयाबीन (ग्लाइसिन मैक्स (एल.) मेर.) में एंड्रोजेनेसिस: एक महत्वपूर्ण पुनर्विचार। *इन विट्रो सेलुलर और विकासात्मक जीव-विज्ञान। प्लांट: जर्नल ऑफ द टिशू कल्चर एसोसिएशन,* 60(1), 1-15। doi:10.1007/s11627-023-10402-z

रानी, आर., कुमार, ए., शर्मा, एम., मोहन, बी., कुमार, आर., चंद्रा, आर., और मलिक, वी.के. (2025)। सुपरकैपेसिटर अनुप्रयोगों के लिए Pt-WO3 नैनोकम्पोजिट पतली फिल्मों के विद्युत-रासायनिक गुणों का अध्ययन। *जर्नल ऑफ फिजिक्स एंड केमिस्ट्री ऑफ सॉलिड्स,* 197(112428), 112428। doi:10.1016/j. jpcs.2024.112428

राप्टौ, ई., त्सियामी, ए., नीग्रो, जी., घुरियानी, वी., बावेजा, पी., स्माऊई, एस., और वरज़ाकस, टी. (2024). जेनरेशन ज़ेड की पादप-आधारित आहार अपनाने की इच्छा: ग्रीस, भारत और यूके से अनुभवजन्य साक्ष्य। *फूड्स (बेसल, स्विट्ज़रलैंड),* 13(13), 2076. doi:10.3390/foods13132076

रावत, एन., अंजलि, श्रेयाता, साबू, बी., देवी, पीपी, जामवाल, आर., राजगोपाल, आर. (2025)। एंटीबायोटिक-मुक्त और पारंपरिक चिकन मांस से बहु-औषधि प्रतिरोधी, बहु-एंटीबायोटिक प्रतिरोधी जीन-वाहक गैर-टाइफाइड साल्मोनेला की पुनर्प्राप्ति: दिल्ली, भारत में एक तुलनात्मक अध्ययन। *द माइक्रोब,* 6(100270), 100270. doi:10.1016/j.microb.2025.100270

रावत, वी.एस., नौटियाल, ए., रामलाल, ए., कुमार, जी., सिंह, पी., शर्मा, एम., बावेजा, पी. (2024). शैवाल-प्रवाल सहजीवन: मानवजनित गतिविधियों के कारण नाज़ुकता और बदलती जलवायु प्रवृत्तियों के प्रति अनुकूली प्रतिक्रिया। *पर्यावरण विकास और स्थिरता।* doi:10.1007/s10668-024-04748-6

रिम्पी, आँचल, और ललिता, सी.एस. (2025)। गैर-चिकना बंधित सदिश अनुकूलन में जियोफ्रियन उचित कुशल समाधानों के लिए मज़बूत द्वितीय-क्रम अनुकूलता स्थितियाँ। *ऑपरेशन रिसर्च के इतिहास।* doi:10.1007/ s10479-025-06584-x

रूही, जी., मुरलीधरन, पी., कोहली, एस., मलिक, एन., शकरीन, ए., रीति, ... चोपड़ा, एच. (2024). यमुना नदी में जल प्रदूषण कम करने के लिए स्मार्ट टिकाऊ समाधान। *स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन मैटेरियल्स में* (पृष्ठ 227-241)। doi:10.1007/978-981-97-5169-3_17

सैनी, एन., मोडोलो, एल.वी., देसवाल, आर., सेहरावत, ए., यादव, एन., और सांगवान, एन.एस. (2024). पौधों में अजैविक तनाव के तहत हाइड्रोजन सल्फाइड और नाइट्रिक ऑक्साइड के बीच

क्रॉस-टॉक की भूमिकाओं का विस्तार। *प्लांट फिजियोलॉजी एंड बायोकैमिस्ट्री,* 214(108852), 108852। doi:10.1016/j.plaphy. 2024. 108852

सथोरिया, पी., चुफाल, बी., राय, यू., और रॉय, बी. (2024). एस्प्रोसिन टेलोस्ट्स में पुरुष प्रजनन को नियंत्रित करता है: चन्ना पंक्टाटा में एक इन विट्रो अध्ययन। *द जर्नल ऑफ़ एंडोक्रिनोलॉजी,* 263(3)। doi:10.1530/ JOE-24-0146

शर्मा, एस., और कौर, जे. (2024). मधुमेह उपचारों का विकास: इंसुलिन थेरेपी से सिंथेटिक बायोलॉजी तक। *करेंट साइंस,* 126(6), 662. doi:10.18520/cs/v126/i6/662-670

शौरी, ए., मज़ाहर, एस., और सिंह, ए. (2024). पौधों की भारी धातु फाइटोरेमेडिएशन क्षमता बढ़ाने के लिए जैव-प्रौद्योगिकीय दृष्टिकोण। *पर्यावरण निगरानी और मूल्यांकन,* 196(9), 789। doi:10.1007/s10661-024-12940-4

सिंह, ए.पी., अहमद, एस., रॉय, ए., रज़ा, के., और गौतम, एच.के. (2025)। आरएजीई पर पैलिपेरिडोन के निरोधात्मक प्रभावों की जाँच: डॉकिंग, डीएफटी, एमडी सिमुलेशन, एमएमपीबी.ए.सए, एमटीटी, एपोप्टोसिस और इम्यूनोब्लॉटिंग अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर साइंसेज,* 26(3)। doi:10.3390/ijms26031060

सिंह, एम., कुमार, आर., चौहान, आर., गुप्ता, डी., और यादव, एस. (2024). नैनोमटेरियल के किफायती और पर्यावरणीय पहलू: प्रयोगशाला से उद्योग तक टिकाऊ और लागत प्रभावी नैनोकणों की यात्रा। *औषधि वितरण और चिकित्सा विज्ञान में नैनोकणों के अनुप्रयोग* (पृष्ठ 195-218) में। doi:10.2174/ 9789815256505124010012

सिंह, पी., प्रीति, वाई., पार्षद, बी., यादव, डी., सुष्मिता, और कुमार, एम. (2024). हाइब्रिड ऑर्गेनोमेटेलिक यौगिक शक्तिशाली मलेरिया-रोधी एजेंट के रूप में। *ऑर्गेनोमेटेलिक केमिस्ट्री में हालिया प्रगति में* (पृष्ठ 309-330)। doi:10.1016/b978-0-323-90596-1.00008-0

सिंह, पी., यादव, पी., बाला, एस., और कौर, जे. (2025)। जैवसक्रिय प्रतिस्थापित चाल्कोन्स के संश्लेषण में Eu-AgNPs की आकर्षक भूमिका की जाँच, एक हरित मैट्रिक्स के रूप में और उनकी जैविक क्षमता का अध्ययन। *जर्नल ऑफ ऑर्गेनोमेटेलिक केमिस्ट्री,* (123528), 123528. doi:10.1016/j.jorganchem. 2025.123528

सोनिया, श्रीवास्तव, एम.के., अग्रवाल, वी., कुमारी, एच., शर्मा, एस., मोनिका, चहल, एस. (2024). α-Fe2O3/MgO नैनोकंपोजिट का उपयोग करके रोज़ बंगाल (आरबी) डाई का संश्लेषण, लक्षण वर्णन और उन्नत प्रकाश उत्प्रेरक क्षरण। *जर्नल ऑफ़ इलेक्ट्रॉनिक मटेरियल्स,* 53(9), 5130-5141। doi:10.1007/s11664-024-11176-9

सूद, यू., हीरा, पी., गर्ग, जी., लाल, आर., और शकरद, एम. (2024). मेटाजीनोम-संयोजन जीनोम, कल्चरोमिक्स और सीक्यूकोड का उपयोग करके माइक्रोबियल डार्क मैटर को समझना।

जीनोमिक युग में माइक्रोबियल विविधता (पृष्ठ 747-757)। doi:10.1016/b978-0-443-13320-6.00004-4

सूद, यू., मुलर, एम., लैन, टी., गर्ग, जी., सिंघवी, एन., हीरा, पी., … लाल, आर. (2024). एमाइकोलैटोप्सिस मेडिटेरेनी: स्ट्रेन पृथक्करण से लेकर कॉम्बिनेटरियल बायोसिंथेसिस द्वारा रिफामाइसिन एनालॉग उत्पादन की इसकी क्षमता को उजागर करने तक की साठ वर्ष की यात्रा। *जर्नल ऑफ नेचुरल प्रोडक्ट्स,* 87(2), 424-438। doi:10.1021/acs.jnatprod.3c00686

सोरोखैबम, एस.एस., चंद्रा, ए., बैश्य, आर., बारिक, एस.के., गोयल, एस., और टंडन, आर. (2024). रोडोडेंड्रोन आर्बोरियम एसएम के दो उन्नतीय रूपों में विरोधाभासी पुष्प गुण, परागण समूह और बाह्यसंकरण दर पर उनका प्रभाव। *फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस,* 15, 1355680। doi:10.3389/fpls.2024.1355680

स्वाति, जी., और मिश्रा, एस. (2024). उच्च-विपरीत सुप्त फिंगरप्रिंट विकसित करने के लिए चमकदार नैनोमटेरियल। *नैनोटेक्नोलॉजी,* 36(3), 032001. doi:10.1088/1361-6528/ad84fc

त्यागी, पी., सिंह, ए., शर्मा, एन., और सिंह, एन. (2024). जीनोम संपादन के लिए प्रोग्राम्ड न्यूक्लिऐज़ में हालिया प्रगति। *रिसर्च जर्नल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी,* 19(10), 182-192। doi:10.25303/1910rjbt1820192

वर्मा, ए., पाठक, जी., कुमार, एस., खत्री, वी., छतवाल, आर.जे., और आर्य, डी.के. (2024). जलीय माध्यम में जैव-कार्बनिक उत्प्रेरक का उपयोग करके संरचनात्मक रूप से विविध स्पाइरोहेट्रोसाइकल्स का बहुघटक संश्लेषण। *वर्तमान ऑर्गेनोकैटेलिसिस,* 11(4), 321-329। doi:10.2174/0122133372287369240124062533

वोडवाल, एल., चोपड़ा, एच., गांधी, पी.बी., मोहन, सी., और जैन, ए. (2025)। अंतर-आणविक C (sp2)-C (sp2) बंध निर्माण द्वारा 3-हाइड्रॉक्सीइंडोल्स का एक क्षेत्रीय चयनात्मक संश्लेषण। *रसायन-विज्ञान, अफ्रीका।* doi:10.1007/s42250-025-01271-7

वोडवाल, एस., और वोडवाल, एल. (2024). कोविड-19 के झटके, प्रदर्शन और वित्तीय निर्णय: भारतीय फर्मों से पैनल साक्ष्य. *इंडियन जर्नल ऑफ फाइनेंस,* 18(5), 8. doi:10.17010/ijf/2024/v18i5/173840

वासन, जे.टी., वांग, एच., और झेंग, एच.जे. (2024). रुमेन माइक्रोबायोम के अध्ययन के लिए फ़ाइलोजेनेटिक विश्लेषण में हालिया प्रगति। *करेंट बायोइन्फ़ॉर्मेटिक्स,* 19(3), 250-263। doi:10.2174/ 1574893618666230605120615

यादव, एम., और परवेज़, ए. (2025). कोक्सीनेलिड में इंट्रागिल्ड प्रीडेशन की गतिशीलता: आणविक अंतर्दृष्टि। *आर्थ्रोपोड-प्लांट इंटरैक्शन,* 19(1). doi:10.1007/s11829-024-10128-8

यादव, एम., और राणा, ए. (2025)। एग्ले मार्मेलोस (एल.): एक कम उपयोग किया जाने वाला पौधा जिसमें अविश्वसनीय औषधीय और पोषण संबंधी क्षमता है। *फ़ूड केमिस्ट्री एडवांसेज़,* 6(100935), 100935. doi: 10.1016/j.focha.2025.100935

यादव, पी., ओरांव, पी.के., लेप्चा, डी., चंद्रा, ए., टंडन, आर., छेत्री, ए.,गोयल, एस. (2024). प्रिमुला डेंटिकुलता से जीनोम-वाइड माइक्रोसेटेलाइट्स का विकास और जीनस की विभिन्न प्रजातियों में उनकी उपयोगिता। *सुइड-अफ़्रीकी टाइडस्क्रिफ़ वीर प्लांटकुंडे [दक्षिण अफ़्रीकी जर्नल ऑफ़ बॉटनी],* 165, 384-393। doi:10.1016/j.sajb.2023.12.041

यादव, एस., असलम, एम., प्रजापत, ए., मैसी, आई., नंद, बी., कुमार, डी., अलफंताज़ी, ए. (2024). आणविक डॉकिंग और आणविक गतिकी सिमुलेशन का उपयोग करके स्तनधारियों और ज़ेब्राफ़िश में पाए जाने वाले टीएलआर4 रिसेप्टर प्रोटीन के साथ कीटनाशकों के बंधन की जाँच करें। *साइंटिफिक रिपोर्ट्स,* 14(1), 24504. doi:10.1038/s41598-024-75527-6

यादव, एस., कुमार, डी., चोपड़ा, एच., भट्ट, आई., चौधरी, ए., गब्बा, आर., और सिंह, पी. (2024). SARS-CoV-2 के RNA-निर्भर RNA पॉलीमरेज़ (RdRp) के विरुद्ध 2-एथिलब्यूटाइल-(फेनोक्सी)फॉस्फोरिल-डी-एलानिनेट की क्षमता का अध्ययन। *केमिस्ट्री एंड बायोडायवर्सिटी,* 21(10), e202400904। doi:10.1002/cbdv.202400904

वेब ऑफ साइंस अनुक्रमित:

दिवांशु, कुमार, ए., रोहिला, बी., शर्मा, सी., सुबोध, शर्मा, आई., ... सिंह, आरपी (2025)। 106Cd में बहु-चुंबकीय घूर्णन बैंडों का अध्ययन। *द यूरोपियन फ़िज़िकल जर्नल ए,* 61(3)। doi:10.1140/epja/s10050-025-01525-5

कौर, एस., श्रीवास्तव, एम., और मंगकू, बी. (2024). f(R, T) सिद्धांत में नई होलोग्राफिक डार्क एनर्जी के साथ बल्क विस्कोसिटी विश्लेषण। *कैनेडियन जर्नल ऑफ फिजिक्स।* doi:10.1139/cjp-2024-0109

कौर, एस., श्रीवास्तव, एम., और मंगकू, बी. (2025)। सुधार: f(R, T) सिद्धांत में नई होलोग्राफिक डार्क एनर्जी के साथ बल्क विस्कोसिटी विश्लेषण। *कैनेडियन जर्नल ऑफ फिजिक्स।* doi:10.1139/cjp-2024-0313

कुमार, आर., कुमार, पी., गुप्ता, एस., पालीवाल, जी., कुमार, एम., और सिंह, एम. (2024). नैनोमटेरियल संश्लेषण, लक्षण वर्णन और अनुप्रयोगों में प्रगति पर एक समीक्षा: स्थायी और नवीन समाधानों की ओर। *ब्राज़ीलियन जर्नल ऑफ़ फ़िज़िक्स,* 54(4)। doi:10.1007/s13538-024-01528-5

कुमार, आर., त्रिपाठी, जे., कुमार, एम., पांडे, के.के., और सिंह, एम. (2024). NiMn2O4 के सुपरकैपेसिटिव गुणों में तापमान-निर्भर वृद्धि और ह्रास। *सेरामिक्स इंटरनेशनल।* doi:10.1016/j.ceramint.2024.12.178

ठाकुर, के., सिंह, टी., शर्मा, डी., पाधा, एन., मीर, बी.ए., चंद्रा, ए., और राजपाल, वी.आर. (2024). कैंसर के उपचार में पारंपरिक औषधीय खाद्य पदार्थों की चिकित्सीय क्षमता का अन्वेषण: आणविक साक्ष्य और जैवसक्रियताएँ। *औषधीय रसायन-विज्ञान में वर्तमान विषय,* 24. doi:10.2174/01156802663284 66240829045659

यूजीसी-केयर सूचीबद्ध:

अग्रवाल, ए., गुप्ता, आर., आनंद, एस., सिंह, ए., कौशिक, ए., और कौर, जे. (2024). प्रीमेंस्ट्रुअल सिंड्रोम: जागरूकता और शारीरिक गतिविधियों की भूमिका। *हेल्थ पॉपुल पर्सपेक्टिव इश्यूज़,* 47, 129-44।

आहूजा, आर., और खंडेलवाल जे. (2024). भारत में ऑनलाइन डिग्री के हालिया रुझान: एक छात्र का दृष्टिकोण. *इंडियन जर्नल ऑफ एजुकेशन टेक्नोलॉजी,* 7(1), 345-366.

बघेल, एन. (2024). मनो-शारीरिक चरों के आधार पर पुरुष और महिला धावकों के बीच एक तुलनात्मक अध्ययन। *संशोधनक* (केवल मुद्रित पत्रिका), 44, 132-136.

पुस्तकें/पुस्तक में अध्याय

अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशक (SCOPUS, आदि):

अग्रवाल, टी., संखवार, एस., चौधरी, टी., और सारस्वत, ए. (2024). डीप लर्निंग तकनीकों का उपयोग करके सोशल मीडिया टॉक्सिक-टेक्स्ट विश्लेषण। *कंप्यूटर विज्ञान, सामाजिक सूचना विज्ञान और दूरसंचार इंजीनियरिंग संस्थान के व्याख्यान नोट्स में। कंप्यूटर विज्ञान, सामाजिक सूचना विज्ञान और दूरसंचार इंजीनियरिंग संस्थान के व्याख्यान नोट्स* (पृष्ठ 293-303)। doi:10.1007/978-3-031-66044-3_21

दहिया, वी., सुमन, एस., नौटियाल, ए., और बावेजा, पी. (2024). फाइटोहॉर्मोन्स की हालिया खोजें और संभावनाएँ। *फाइटोहॉर्मोन्स इन एबियोटिक स्ट्रेस* (पृष्ठ 26-40) में। doi:10.1201/9781003335788-4

दीपा, सिंह, एम.बी., कुमार, डी., विश्वकर्मा, वी.के., रंजन, के.आर., और कुमारी, के. (2024). नैदानिक अभ्यास में ग्राफीन ऑक्साइड और ग्राफीन। *कैंसर का शीघ्र पता लगाने के लिए ग्राफीन, ग्राफीन ऑक्साइड और ग्राफीन पर आधारित बायोसेंसर में* (पृष्ठ 226-239)। doi:10.1201/9781003491361-14

दिवांशु, कुमार, ए., रोहिला, बी., शर्मा, सी., सुबोध, शर्मा, आई., ... सिंह, आरपी (2025)। 106Cd में बहु-चुंबकीय घूर्णन बैंडों का अध्ययन। *द यूरोपियन फ़िज़िकल जर्नल ए,* 61(3)। doi:10.1140/epja/s10050-025-01525-5

कौर, एस., श्रीवास्तव, एम., और मंगकू, बी. (2024). f(R, T) सिद्धांत में नई होलोग्राफिक डार्क एनर्जी के साथ बल्क विस्कोसिटी विश्लेषण। *कैनेडियन जर्नल ऑफ फिजिक्स।* doi:10.1139/cjp-2024-0109

कौर, एस., श्रीवास्तव, एम., और मंगकू, बी. (2025)। सुधार: f(R, T) सिद्धांत में नई होलोग्राफिक डार्क एनर्जी के साथ बल्क विस्कोसिटी विश्लेषण। *कैनेडियन जर्नल ऑफ फिजिक्स।* doi:10.1139/cjp-2024-0313

कुमार, रिंकू, सिंह, एम., गुप्ता, डी., और यादव, एस. (2024). स्मार्ट उपकरणों के लिए नैनोमटेरियल का अनुप्रयोग। *नैनोटेक्नोलॉजी: ए क्विक गाइड टू मैटेरियल्स एंड टेक्नोलॉजीज़* (पृष्ठ 1-25) में। doi:10.2174/978981525677212401 0003

मदन, ए., कुमारी, एस., और कुमार, एस. (2024). पुष्प रस माइक्रोबायोम: एक अप्रयुक्त पहलू और बदलते वैश्विक परिदृश्यों में पौधों पर इसका समग्र प्रभाव। *विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार में प्रगति* (पृष्ठ 179-185) में। doi:10.1007/978-3-031-51647-4_15

मंडल, एस., बोराह, डी., बोरुआ, डी., कुमार, एन., श्रीवास्तव, ए.के., और सिंह, ए. (2024). पादप द्वितीयक उपापचयज (पादप द्वितीयक उपापचयज)। *पर्यावरण इंजीनियरिंग और हरित प्रौद्योगिकी में प्रगति* (पृष्ठ 297-318) में। doi:10.4018/979-8-3693-1890-4.ch015

पुनिया, ए., और सिंह, एस.के. (2024). हिमालय में खनन और उत्खनन गतिविधियों के प्रभाव: एक अवलोकन। *एंथ्रोपोसीन में हिमालय* (पृष्ठ 203-217)। doi:10.1007/978-3-031-50101-2_9

सिंह, डीके (2024). ग्रंथों का अभ्यास: दक्षिण भारत में शिक्षा और उपचार। ग्रंथों का अभ्यास: दक्षिण भारत में शिक्षा और उपचार, एंथनी सेरुली द्वारा, बर्कले, कैलिफ़ोर्निया विश्वविद्यालय प्रेस, 2022, 221 पृष्ठ, $34.95 (पेपरबैक), आईएसबी.ए.न 978 052 038354 8. *धर्म,* 1-4. doi:10.1080/0048721x.2024.2362536

सिंह, आर., और सिंह, ए. (सं.) (2024, 20 अगस्त)। *वायुजनित जैव-संदूषक और मानव स्वास्थ्य पर उनका प्रभाव।* doi:10.1002/9781394178964

ठाकुर, के., सिंह, टी., शर्मा, डी., पाधा, एन., मीर, बी.ए., चंद्रा, ए., और राजपाल, वी.आर. (2024). कैंसर के उपचार में पारंपरिक औषधीय खाद्य पदार्थों की चिकित्सीय क्षमता का अन्वेषण: आणविक साक्ष्य और जैवसक्रियताएँ। *औषधीय रसायन-विज्ञान में वर्तमान विषय,* 24. doi:10.2174/011568026632846 6240829045659

त्रिपाठी, जी.डी. (2025). शहीद एक गवाह के रूप में। *दक्षिण एशिया में लैंगिक परिवर्तनकारी पहलों में* (पृष्ठ 185-204)। doi:10.4324/9781003604877-10

यादव, एम., और परवेज़, ए. (2024). भारी धातुओं के संदूषण का मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव। *भारी धातु विषाक्तता में* (पृष्ठ 99-128)। doi:10.1007/978-3-031-56642-4_4

यादव एम (2024). शिकारी कोक्सीनेलिडों में आंत माइक्रोबायोम। *बायोलॉजिकल साइंसेज में नए वर्तमान विषय।* बिडगे प्रकाशन, तुर्की। आईएसबी.ए.न: 978-625-372-398-9 (पृष्ठ 20-38)

यादव एम (2024). पूरक और वैकल्पिक चिकित्सा में कीट: वर्तमान स्थिति और भविष्य की संभावनाएँ। *जीव-विज्ञान के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन और मूल्यांकन में।* सेरुवेन पब्लिशिंग, तुर्किये। आईएसबी.ए.न: 978-625-5955-75-3 (पृष्ठ 75-109)

राष्ट्रीय:

अनिल कुमार और अंकित कुमार राय (2024). *उत्तर हिन्दी साहित्य.* केएल पचौरी प्रकाशन, गाजियाबाद। आईएसबी.ए.न 978-81-980382-3-4.

ए देवी (2024). *भारतीय एवं पाश्चात्य.थे.* श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली। आईएसबी.ए.न 978-93-90915-73-6

ए.देवी और स्नेह लता (2024). *हिन्दी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण.* श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली। आईएसबी.ए.न 978-93-49132-23-8

बब्बर एस., और खुराना के. (2025). *वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और सीमा शुल्क कानून.* स्कॉलर टेक प्रेस, नई दिल्ली. आईएसबी.ए.न 978-93-87273-17-7

गर्ग वी (2024). *एक्सेल अनुप्रयोगों के साथ प्रबंधन लेखांकन।* टैक्समैन प्रकाशन, नई दिल्ली, भारत।

हेमलता रानी (2024 अगस्त)। पुराणों में भौगोलिक सन्दर्भ. इन: *पुराणों में भौगोलिकता की दृष्टि से नदियाँ और पर्वतों का वर्णन.* देवयानी प्रकाशक, रोहिणी 28, दिल्ली। आईएसबी.ए.न 978-93-93751-58-4

एच.रानी (2024 नवंबर)। *संस्कृत व्याकरण.* वर्ड्सविगल प्रकाशन, पटना। आईएसबी.ए.न 978-81-19437-74-0

मीनू कुमारी (2024). *लिपि और संवाद लेख.* केएल पचौरी प्रकाशन, गाजियाबाद। आईएसबी.ए.न 978-81-961378-61

सेहरावत, ए. (2024). *बायोटेक्नोलॉजी में भविष्य के रुझान.* आईआईपी, इटरेटिव इंटरनेशनल पब्लिशर्स, दिल्ली. आईएसबी.ए.न 978-93-6252-983-1.

अनुसंधान परियोजनाएँ

डॉ. ब्रोटोटी रॉय, प्राणि-विज्ञान विभाग, को "टेलीओस्ट चन्ना पंक्टाटा में नवीन हार्मोन एस्प्रोसिन: पहचान, लक्षण वर्णन और प्रजनन पर इसका प्रभाव" नामक शोध परियोजना के लिए ₹37.4 लाख का कोर अनुदान स्वीकृत किया गया है। यह अनुदान डीएसटी-एसईआरबी द्वारा 2024-2027 की अवधि के लिए प्रदान किया गया है।

दायर/स्वीकृत पेटेंट

प्रोफेसर प्रदीप राय को बौद्धिक संपदा, पेटेंट कार्यालय, भारत सरकार द्वारा 25.09.2024 को "पुस्तकालय बुक लोकेटिंग डिवाइस" के लिए पेटेंट (संख्या 431660-001) प्रदान किया गया।

आयोजित संगोष्ठियां

क्षेत्रीय जैव प्रौद्योगिकी केंद्र, फरीदाबाद की अकादमिक सलाहकार डॉ. पूर्ति कठपालिया ने 6 नवंबर, 2024 को मल्टीमीडिया टूल्स के साथ विज्ञान कथावाचन पर एक संगोष्ठी प्रस्तुत की।

एमिटी विश्वविद्यालय की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. योगिता के. अदलखा ने 23 अक्तूबर, 2024 को मानव मस्तिष्क अंतर्दृष्टि: स्टेम कोशिकाओं में आणविक स्विच के रूप में MiRNA का उपयोग विषय पर एक संगोष्ठी प्रस्तुत की।

आईआईआईटी दिल्ली के कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी विभाग के प्रोफेसर गजेंद्र पीएस राघव ने 9 अक्तूबर, 2024 को पांचवें प्रतिमान के युग में सूचना विज्ञान आधारित स्वास्थ्य सेवा पर एक संगोष्ठी प्रस्तुत की।

भारतीय सांख्यिकी संस्थान के एसएमयू की प्रोफेसर शांता लैशराम ने 18 सितंबर, 2024 को सुरक्षित संचार के विज्ञान, संख्या सिद्धांत और क्रिप्टोग्राफी पर एक संगोष्ठी प्रस्तुत की।

डीआरडीओ के वैज्ञानिक श्री भारतेंदु नंदन ने 24 अप्रैल, 2024 को ब्लॉकचेन का परिचय और क्रिप्टो करेंसी में इसके अनुप्रयोग पर एक संगोष्ठी प्रस्तुत की।

आयोजित सम्मेलन

विकसित भारत 2047 पर राष्ट्रीय सम्मेलन: एआई के युग में प्रबंधन और व्यावसायिक प्रथाओं की पुनर्कल्पना (20-21 मार्च 2025)

ब्रह्मांड विज्ञान में साहित्यिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की खोज अंतर्राष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन 2024 (14-16 दिसंबर, 2024)

सेंटर फॉर रिसर्च द्वारा आयोजित 'इक्विनॉक्स 2024' नामक अंतर्राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन (4-6 सितंबर, 2024)

भारत, यूरोप और वैश्विक दक्षिण: पहचान और सामाजिक परिवर्तन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (3 मई 2024)

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

महाविद्यालय ने सामूहिक रूप से राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय श्रेणी के अंतर्गत लगभग 50 समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें से कुछ नीचे सूचीबद्ध हैं:

अंतर्राष्ट्रीय

8-9 अक्तूबर, 2023 को प्रोफेसर हुईरू जेन झेंग, उल्स्टर विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम के साथ 2 वर्षों के लिए अनुसंधान और आदान-प्रदान हेतु समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

राष्ट्रीय

महाविद्यालय खेल मैदान में विशेष एथलीटों के अभ्यास के लिए शिक्षा और खेल में बौद्धिक विकलांग लोगों को शामिल करने के लिए 10 अगस्त, 2023 को तीन वर्ष के लिए स्पेशल ओलंपिक भारत के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

मैत्रेयी महाविद्यालय के विद्यार्थियों की खेल गतिविधियों के लिए एक वर्ष के लिए 16 अगस्त 2023 को न्यू ओरिएंटल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स कंसल्टेंट प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

कथक पर एक अल्पकालिक पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए एक वर्ष के लिए 22 जनवरी, 2024 को फाउंडेशन फॉर कृष्णा कला एंड एजुकेशन (सोसाइटी) के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

महाविद्यालय में 'स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेदिक पोषण' पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए 20 अक्तूबर, 2023 को न्यूट्रीवेल हेल्थ (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के साथ तीन वर्षों के लिए समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

पर्यावरण एवं सतत विकास के प्रति जागरूकता हेतु एचसीएल फाउंडेशन के साथ 11 अगस्त 2023 को एक वर्ष के लिए समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए

खेल गतिविधियों के लिए एक वर्ष के लिए 30 जनवरी, 2024 को खेल फाउंडेशन के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

नैनोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में विकास लाइफकेयर लिमिटेड के साथ 26 मार्च, 2025 को तीन वर्षों के लिए वैध समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

25 नवंबर, 2024 को यूजीसी-एमएमटीटीसी, एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जो संगोष्ठी/वेबिनार/एफडीपी/कार्यशाला आदि जैसे संयुक्त आयोजनों के लिए तीन वर्ष के लिए वैध है। इसके तहत, हमने दो एफडीपी आयोजित किए, अर्थात एनईपी अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम पर एफडीपी, 2-11 दिसंबर, 2024 और एआई के युग में शिक्षाशास्त्र को फिर से स्थापित करने पर एफडीपी: तरीके, दृष्टिकोण और परिप्रेक्ष्य, 16-22 जनवरी, 2025.

03 मई, 2024 को मोतीराम बाबूराम राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नैनीताल के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जो शैक्षणिक, शिक्षा और अनुसंधान तथा प्रशासनिक क्षेत्रों में पांच वर्षों के लिए वैध है।

05 अगस्त, 2020 को टीएचएसटीआई के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

मैत्रेयी महाविद्यालय में एक कार्यक्रम की मेजबानी के लिए डीआईएलए के साथ 05 नवंबर, 2024 को एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जो एक दिन के लिए वैध है।

संयुक्त उद्यम में एक साथ काम करने के लिए फाउंडेशन फॉर कृष्णा कला एंड एजुकेशन (सोसाइटी) के साथ 22 जनवरी, 2024 को एक वर्ष के लिए वैध समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

प्रौद्योगिकी और सुगम्यता के क्षेत्र में क्योरइंडिया के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। उन्होंने रैप्सोडी (अप्रैल, 2024 और मार्च, 2025) के आयोजन और कैनरी ऐप के विकास में सहायता की। वे कौशल विकास कार्यक्रम भी चलाते हैं।

स्कूलों में स्वास्थ्य जांच और इंटरैक्टिव कार्यक्रम आयोजित करने के लिए रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

स्वास्थ्य जाँच के आयोजन हेतु यूथ फॉर सेवा के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। उन्होंने झुग्गी-झोपड़ियों के बच्चों के लिए नवौदित-किड्स कार्निवल के आयोजन में भी सहायता की।

राज्य

महाविद्यालय द्वारा कुल 26 राज्य स्तरीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

विस्टा ने कार्यशालाओं और प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक वर्ष के लिए रिफ्लेक्सियन एआई और मार्कोनो के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

ट्रेंचेंट ने तकनीकी प्रशिक्षण और इंटर्नशिप के लिए लॉजिक लीजन, स्किल वर्टेक्स और स्किल्स सफारी के साथ साझेदारी की, जो 6 महीने से 1 वर्ष तक चली।

अचीवमेंट सेल ने कौशल और स्वास्थ्य कार्यक्रमों (1 वर्ष) के लिए युवा फाउंडेशन और हिंदुस्तान वेलनेस के साथ समझौता किया।

गैलोर ने उन्नति एनजीओ और यूथ एम्पावरमेंट फाउंडेशन के साथ मिलकर कार्यक्रमों का आयोजन किया (अवधि 1 वर्ष)।

मार्केट्रिक्स ने मार्केटिंग, कैरियर विकास और रोजगार कार्यक्रमों के लिए ग्रोथएक्स इंडिया, माईकैप्टन (6 महीने), डिजीपरफॉर्म, एडुब्रिज और आईएमयूएन (अधिकांशतः 1 वर्ष) के साथ साझेदारी की।

एनेक्टस ने रीसायकल इंडिया, सीआरवाई, से अर्थ, स्वेच्छा और अर्थ डे नेटवर्क जैसे संगठनों के साथ 13 समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए, जो स्थिरता और सामाजिक प्रभाव पर केंद्रित थे, जिनमें से अधिकांश समझौता-ज्ञापन 1 वर्ष तक चले।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

संस्कृत विभाग ने इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस साइंसेज (आईएनएडीएस), डार्टमाउथ, मैसाचुसेट्स, यूएसए के सहयोग से एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

मैत्रेयी महाविद्यालय ने संवैधानिक एवं संसदीय अध्ययन संस्थान (आईसीपीएस), नई दिल्ली के सहयोग से युवाओं को संवैधानिक मूल्यों और मौलिक कर्तव्यों से सशक्त बनाने पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

यूजीसी-एमएमटीटीसी, एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय के सहयोग से, मैत्रेयी महाविद्यालय ने दो एफडीपी आयोजित किए, अर्थात् एनईपी अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम पर एफडीपी, 2-11 दिसंबर, 2024 और एआई के युग में शिक्षाशास्त्र को फिर से स्थापित करने पर एफडीपी: तरीके, दृष्टिकोण और परिप्रेक्ष्य, 16-22 जनवरी, 2025.

एक्सचेंज प्रोग्राम के अंतर्गत छात्र (इनबाउंड/आउटबाउंड)

मैत्रेयी महाविद्यालय के छात्र संघ ने 12 दिसंबर 2024 को 12 ऑस्ट्रेलियाई छात्रों के साथ एक सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ऑस्ट्रेलियाई छात्रों को भारतीय संस्कृति से परिचित कराना और उनका परिचय कराना था। आदान-प्रदान करने वाले छात्रों को ॐ, भारत के इतिहास और संस्कृत के बारे में ज्ञान दिया गया, यहाँ तक कि उन्हें अपना नाम संस्कृत में लिखने का प्रशिक्षण भी दिया गया। आदान-प्रदान करने वाले छात्रों ने ऑस्ट्रेलियाई संस्कृति पर प्रस्तुति भी दी। कार्यक्रम की शुरुआत एक रंगारंग सांस्कृतिक उत्सव से हुई, जहाँ पूर्वोत्तर समाज द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिसके बाद कथक और गणेश वंदना प्रस्तुत की गई।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित छात्रों की संख्या	: 448
कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या	: 165

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत, महाविद्यालय ने पांच गोद लिए गए गांवों में स्वच्छता, स्वास्थ्य जागरूकता और पर्यावरणीय स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपनी पहुंच बनाए रखी।

पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी को बढ़ावा देते हुए, कंप्यूटर विज्ञान विभाग ने स्थायी इलेक्ट्रॉनिक कचरे के निपटान को प्रोत्साहित करते हुए एक ई-कचरा संग्रहण अभियान का आयोजन किया। त्वचा की देखभाल पर एक स्वास्थ्य जागरूकता सत्र आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों के स्वास्थ्य पर ज़ोर दिया गया।

पीडब्ल्यूसी के सहयोग से, महाविद्यालय ने महिला सशक्तिकरण संगोष्ठी का आयोजन किया, तथा कानूनी जागरूकता और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए "महिलाएं-अपने अधिकारों को जानें" शीर्षक से एक सत्र आयोजित किया गया।

शैक्षणिक अनुभव को आगे बढ़ाते हुए, अनुभवात्मक शिक्षा को सम्मिलित करने के लिए विभिन्न विभागों द्वारा क्षेत्रीय भ्रमण का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय ने छात्रों के लिए इंटर्नशिप और जॉब फेयर, एनविज़न 6.0 का भी आयोजन किया।

अस्तित्व '24' दिव्यांग व्यक्तियों के लिए एक समावेशी उत्सव है, जिसका आयोजन एनएसएस मैत्रेयी महाविद्यालय द्वारा एनेबलैंगिक यूनिट और स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के सहयोग से 18 अप्रैल 2024 को किया जाएगा।

एनएसएस ने यूथ फॉर सेवा के सहयोग से स्वास्थ्य जांच और झुग्गी-झोपड़ियों के बच्चों के लिए 'नवाउदित'-बच्चों का कार्निवल आयोजित किया।

वार्षिक एनसीसी उत्सव, निष्ठा'25 में 600 से ज़्यादा छात्रों ने हिस्सा लिया और इसके असाधारण आयोजन और युवाओं की भागीदारी की सराहना की गई। एनसीसी इकाई ने वृक्षारोपण अभियान, यमुना बचाओ आंदोलन, खाद्य अपव्यय से निपटने के प्रयासों और स्वच्छता संबंधी पहलों जैसे आउटरीच कार्यक्रमों में भी सक्रिय रूप से भाग लिया, जिससे नागरिक उत्तरदायित्व को बढ़ावा मिला।

एनएसएस मैत्रेयी ने बी.ए.लएस और प्राथमिक चिकित्सा जागरूकता और कैंसर जागरूकता सत्र सहित आउटरीच सत्र आयोजित किए। स्वास्थ्य शिक्षा और सामुदायिक कल्याण को बढ़ावा देना।

नियोजन सेल ने छात्रों के लिए “यूपीएससी-सीएसई कैसे पास करें”, “अपने आंतरिक आत्मविश्वास को जगाएं” और वैश्विक शिक्षा परामर्श जैसे सत्र आयोजित किए।

पुस्तकालय विकास

संग्रह विकास और डिजिटल संसाधन: पुस्तकालय ने अपने संग्रह को बढ़ाकर 102761 कर दिया है। सत्र 2024-2025 के दौरान पुस्तकालय ने 1255 नई पुस्तकें प्राप्त कीं। इसके अतिरिक्त, पुस्तकालय ने 51 पत्रिकाओं की सदस्यता ली है, जिनमें लोकप्रिय पत्रिकाएँ और 16 समाचार-पत्र (23 प्रतियाँ) शामिल हैं। पुस्तकालय ने DELNET (डेवलपिंग पुस्तकालय नेटवर्क) के साथ अपनी सदस्यता जारी रखते हुए; इंट्रानेट पर DSpace सॉफ़्टवेयर का उपयोग करके संस्थागत रिपॉजिटरी तक पहुँच; वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ONOS) और N-LIST कंसोर्टियम की

सदस्यता लेकर; वैश्विक शोध के साथ-साथ दोहरे पुस्तकालय ई-संसाधनों तक पहुँच प्रदान करके; टर्निटिन और ड्रिलबिट सॉफ़्टवेयर द्वारा शोध नैतिकता के आलोक में साहित्यिक चोरी की जाँच करने वाली सॉफ़्टवेयर सुविधा प्रदान करके अपनी डिजिटल उपस्थिति को भी बढ़ाया है।

बुनियादी ढांचे का विकास: हमने एक नया एचपी लेजरजेट प्रिंटर, एक लेमिनेशन मशीन खरीदी, 15 नए यूपीएस सिस्टम, परिसंचरण काउंटर पर दो नए समानांतर मॉनिटर और भंडारण और पहुंच को अनुकूलित करने के लिए 20 धातु शेल्विंग रैक स्थापित किए।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	: 14
एसोसिएट प्रोफेसर	: 47
सहायक प्रोफेसर	: 106
तदर्थ	: 10
अतिथि	: 28

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित अनुदान	: ₹ 74,20,86,000/-
उपयोगित अनुदान	: ₹ 72,55,00,000/-

****

माता सुंदरी महिला महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

महाविद्यालय ने 17 जनवरी 2025 को ब्रिक्स युवा परिषद पूर्व-परामर्श की मेजबानी की, जो वैश्विक नीति संवाद में युवाओं की भागीदारी पर एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम था। भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय के युवा मामलों के विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में ज्ञान भागीदार के रूप में वैश्विक आतंकवाद निरोधक परिषद और संस्थागत भागीदार के रूप में एमएससी के साथ सहयोग देखा गया। लेफ्टिनेंट जनरल केजे सिंह द्वारा उद्घाटन किए गए इस कार्यक्रम में वाकाओ के संस्थापक साईराज धोंड ने सतत नवाचार पर एक मुख्य भाषण दिया। 500 से अधिक पंजीकरणों के साथ, 25 से अधिक टीमों ने एक विचार-आधारित नवाचार चुनौती में प्रतिस्पर्धा की। आईक्यूएसी के वैश्विका-अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक और सांस्कृतिक मामलों के प्रकोष्ठ के तहत, और इंडो-कोरिया बिजनेस कल्चर सेंटर के सहयोग से, महाविद्यालय ने 20 अगस्त 2024 को कोरियाई भाषा में एक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम लॉन्च किया महाविद्यालय ने 10-11 फ़रवरी, 2025 को तुर्की के आर्थिक विकास एवं अनुसंधान संस्थान के साथ मिलकर एआई रुझानों पर केंद्रित ईजेओएन 18वीं अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस की सह-मेजबानी भी की। इसके अतिरिक्त, 25 छात्र बूटअप 360, कनाडा के साथ एक उद्योग अनुसंधान कार्यक्रम में शामिल हुए, जहाँ उन्होंने भारतीय और वैश्विक बाज़ारों में एमएसएमई पर शोध किया।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

डॉ. गुरविंदर कौर

1-2 सितंबर 2024 को एस्टन विश्वविद्यालय, बर्मिंघम, यूके में आयोजित एस्टन इंडिया सेंटर फॉर एप्लाइड रिसर्च: इंडिया एंड द वीयूसीए वर्ल्ड के 6वें वार्षिक सम्मेलन में "कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व से सकारात्मक बाह्यताओं को अधिकतम करने के लिए: श्री गुरु ग्रंथ साहिब से सबक" शीर्षक वाले पेपर के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर रनर-अप पुरस्कार।

प्रोफेसर (डॉ.) हरप्रीत कौर

13 मार्च को आयोजित आध्यात्मिक और मूल्य शिक्षा शिखर सम्मेलन (SAVE) में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा से आध्यात्मिक विश्व नारीत्व शिक्षा के लिए दिव्य बुद्धि पुरस्कार।

8 मार्च 2024 को मोहनजी इंटरनेशनल फाउंडेशन, स्विट्जरलैंड द्वारा आयोजित फेस्टिवल ऑफ वुमनहुड 3 संस्करण, वर्ल्ड वुमनहुड प्रोजेक्ट्स में विविध शिक्षक पुरस्कार।

8 मार्च 2024 को मोहनजी इंटरनेशनल फाउंडेशन, स्विट्जरलैंड द्वारा आयोजित फेस्टिवल ऑफ वुमनहुड तृतीय संस्करण, वर्ल्ड वुमनहुड प्रोजेक्ट्स में अल्पसंख्यक समुदायों की शिक्षा में अग्रणी कार्य के लिए शिक्षा उत्कृष्टता पुरस्कार।

16 दिसंबर 2024 को शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग की एक पहल, विद्यांजलि, स्कूल स्वयंसेवक कार्यक्रम के तहत दिल्ली के सरकारी स्कूलों में गतिविधियों के संचालन के लिए राज्य शिक्षा अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद से प्रशंसा पुरस्कार।

12 सितंबर 2024 को नेशनल एडुट्रस्ट ऑफ इंडिया (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार के तहत पंजीकृत) द्वारा दूरदर्शी नेतृत्व और पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति अटूट समर्पण के सम्मान में इको-विजनरी प्रमाणपत्र।

1-2 सितंबर 2024 को एस्टन विश्वविद्यालय, बर्मिंघम यूके में एस्टन इंडिया सेंटर फॉर एप्लाइड रिसर्च के 6वें वार्षिक सम्मेलन: भारत और वीयूसीए विश्व में 'कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व से सकारात्मक बाह्यताओं को अधिकतम करने के लिए: श्री गुरु ग्रंथ साहिब से सबक' पर पेपर के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार।

डॉ. उज़मा नदीम

भागीदारी जन सहयोग समिति एवं एनएसएस द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शोध प्रस्तुति प्रतियोगिता में विशेष पुरस्कार, गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, 7 मार्च, 2025 को।

30-दिवसीय पर्यावरण अभियान के दौरान अनुकरणीय मार्गदर्शन और अटूट समर्थन के लिए ग्रीन गाइड प्रमाणपत्र चैलेंज 2024, नेशनल एडुट्रस्ट ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित।

छात्र

हरप्रीत कौर ने 9-11 अगस्त 2024 को दिल्ली राज्य प्रतियोगिता में फारी सोती व्यक्तिगत अंडर 19 और शास्त्रीय प्रदर्शन अंडर 19 में रजत पदक जीता।

मिताली ने 1-3 जुलाई 2024 को दिल्ली राज्य शूटिंग चैंपियनशिप में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

ऊर्जा आर्य ने 23-25 दिसंबर 2024 को राष्ट्रीय कुराश चैंपियनशिप-सीनियर (पंजाब) में कांस्य पदक जीता।

प्रकाशन

हस्ती, ए. (2024). हरित अर्थव्यवस्था के लिए एआई तकनीकों को अपनाने में प्रेरक कारकों की खोज। *भंडारकर ओरिएंटल रिसर्च के इतिहास,* 101(10). आईएसएसएन: 0378-1143.

कौर, एच. (2024). राष्ट्रीय एकात्मता एवम् भाषाये। *एनल्स ऑफ द भंडारकर ओरिएंटल रिसर्च,* 101(2)।

कौर, एस. (2024). मेटास्टेटिक स्तन कैंसर (एमबीसी-चरण IV) के निदान के लिए बहु-मोडल अंतर्दृष्टि को स्थानांतरण अधिगम के साथ एकीकृत करना। *अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी जर्नल, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर।*

कुमार, पी., गर्ग, ए., शर्मा, के., नदीम, यू., शर्मा, के., गुप्ता, एन.सी., कुमार, ए., और पांडे, ए.के. (2024). भारत के महानगर, दिल्ली में कणिकामय पदार्थ, ब्लैक कार्बन और धातुओं में मौसमी और स्थानिक परिवर्तन। *शहरी विज्ञान,* 8(3), 101. https://doi.org/10.3390/urbansci8030101

सरन, एस.के. (2024). किशोरों में सामाजिक संपर्क की चिंता और कथित पालन-पोषण शैलियाँ. *INSPA जर्नल ऑफ एप्लाइड एंड स्कूल साइकोलॉजी,* 5(2), 276-284.

सरन, एस.के. (2024). बचपन में घरेलू दुर्व्यवहार देखने का प्रभाव, अब युवा वयस्क उत्तरजीवी के रूप में: अवसाद, चिंता, तनाव, व्यक्तित्व लक्षण और लचीलेपन का आकलन। *INSPA जर्नल ऑफ एप्लाइड एंड स्कूल साइकोलॉजी,* 5(2), 285-295।

सरन, एस.के., और एकता, बी. (2024). युवा वयस्कों में शराब का सेवन और मानसिक स्वास्थ्य. *INSPA जर्नल ऑफ एप्लाइड एंड स्कूल साइकोलॉजी,* 5(विशेष अंक), 133-143.

सुखीजा, एम. (2024). भारत-फ्रांस रक्षा संबंधों के रोडमैप का अनावरण: विरासत से परे एक दृष्टिकोण. *जर्नल ऑफ पॉलिटी एंड सोसाइटी,* 16(2).

विरमानी, के., और टाक, पी. (2024, अक्तूबर)। आगंतुकों की ब्रांड निष्ठा के पूर्ववृत्त: भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले की एक जाँच। *जर्नल ऑफ कन्वेंशन एंड इवेंट टूरिज्म,* 25(5), 378-407। रूटलेज। DOI: 10.1080/15470148.2024.2403550

पुस्तकें

बत्रा, एस.के., बत्रा, के. और कौर, एच. (2024). *पर्यावरण विज्ञान: सिद्धांत और व्यवहार. टैक्समैन पब्लिशर्स.*

गुप्ता, पी., पाठक, एस., और गुप्ता, एस. (2024). पाइथन के आवश्यक तत्व. ऑथर्सप्रेस इंडिया.

कौर, एच., नदीम, यू., और शर्मा डी. (2025). *समृद्धि प्रतिमान: विकसित भारत में आर्थिक सफलता की पुनर्परिभाषा.* चाणक्य प्रकाशन एवं वितरक.

कौर, एच., और सिंह, एच. (सं.). (2025)। *गुरु तेग बहादुर बोलेया.* मनप्रीत प्रकाशन.

कौर, एच., नदीम, यू., (2025)। *तुर्की के आर्थिक विकास और सामाजिक अनुसंधान प्रकाशन संस्थान द्वारा आयोजित कृत्रिम बुद्धिमत्ता के रुझान: सिद्धांत से व्यवहार तक पर एजोंस की 18वीं अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस की कार्यवाही।* आईकेएसएडी प्रकाशन, तुर्की।

कौर, एच., त्रिवेदी, बी.ए.म, कुमार, आर. और शर्मा, के. (2024). *संस्कृत साहित्य में महिलाओ का योगदान: अनसुनि गाथाये (आवाज का अनावरण: संस्कृत साहित्य में महिलाओं का उत्सव मनाना)।* अमृतब्रह्म प्रकाशन.

कौर, एस. (2024). *फ्रंट-एंड वेब डिज़ाइन और डेवलपमेंट में कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम* (सह-लेखक). ऑथर्सप्रेस.

कौर, एच., डे, एम., और दत्ता, पी. (2005). *सार्वजनिक नीति प्रबंधन.* किताब महल.

पांडे, ए., और त्रिपाठी, ए.एम. (2024). *उद्यमिता और नई उद्यम योजना.* जेएसआर पब्लिशिंग हाउस एलएलपी.

शर्मा, पी. (2024). *चुनावी राजनीति में युवा प्रतिनिधित्व: भारतीय चुनाव प्रणाली का विश्लेषण.* गंगा पब्लिशर्स.

सिंह, एच. (सं.). (2025)। *साका 1947: सूरत-बेसूरत* (1947 पर भाई वीर सिंह द्वारा लिखित अप्रकाशित लेख)। नवयुग प्रकाशक.

शर्मा, के. (एड.). (2025)। भगवद्गीता एवं भागवत दर्शन | अमृतब्रह्म प्रकाशन।

शर्मा, वी. (2025)। *तकसीम-ए-हिन्द ते कुलवंत सिंह विर्क.* विश्व पंजाबी फाउंडेशन।

पुस्तक में अध्याय

अरोड़ा, एम. (2024). सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित समूहों की शिक्षा के लिए कला-आधारित हस्तक्षेपों के माध्यम से जिज्ञासा का पोषण। जे. अहमद, आर. फातिमा, ए. खान, और ए. अहमद (सं.), *शिक्षाशास्त्र में नए रुझान: एनईपी 2020 की संभावनाएँ और चुनौतियाँ।* एबी.ए.स बुक्स।

अरोड़ा, एम., पूजा, ए., और फ़ारूक़ी, वाई. (2024). समकालीन शिक्षा के लिए प्राचीन भारतीय विश्वविद्यालयों का पुनरीक्षण। डी. जोशी (सं.), *भारतीय ज्ञान प्रणालियों के नए क्षितिज की खोज* (पृष्ठ 170-181)। वीएल मीडिया सॉल्यूशंस।

बत्रा, एम. (2025)। अनुवादकारी दे ताजुरबेकर: डॉ. हरभजन सिंह। एन. कौर और वी. वंदना (सं.), *पंजाब में, पंजाबी ने पंजाबी विरासत खाई* (पृ. 163)। सप्तऋषि प्रकाशन.

कौर, ए. (2025). भारत में महिलाओं के विरुद्ध साइबर अपराध: चुनौतियाँ और संभावित समाधान। गगनदीप, टी. कौर, और एस. बालमुरुगन (सं.), *द टेक्नो-लीगल डायनेमिक्स ऑफ़ साइबर इन इंडस्ट्री 5.0* (पृष्ठ 265-284) में। स्क्रिवेनर पब्लिशिंग।

कौर, ए. (2025). ग्रामीण भारत में महिला स्वास्थ्य की स्थिति: जननी सुरक्षा योजना का एक अध्ययन। एच. कौर, यू. नदीम, और डी. शर्मा (सं.), *समृद्धि प्रतिमान: विकसित भारत में आर्थिक सफलता की पुनर्परिभाषा* (पृष्ठ 92-113)। चाणक्य प्रकाशन।

कौर, ए. (2025). भारत में सतत शहरी विकास: विकसित भारत के परिप्रेक्ष्य में एक संदर्भ। एच. कौर, यू. नदीम, और डी. शर्मा (सं.), *समृद्धि प्रतिमान: विकसित भारत में आर्थिक सफलता की पुनर्परिभाषा* (पृष्ठ 26-41)। चाणक्य प्रकाशन।

कौर, एस. (2025). टिकाऊ व्यावसायिक संगठन के लिए प्रभावी प्रदर्शन सुधार रणनीतियाँ। एच. कौर, यू. नदीम, और डी. शर्मा (सं.), *समृद्धि प्रतिमान: विकसित भारत में आर्थिक सफलता की पुनर्परिभाषा।* चाणक्य प्रकाशन।

खुराना, एस. (2024). एक विध्वंसक 'संवेदनशील' का निर्माण: दलित लेखन में प्रतिरोध का प्रतीकवाद। ए. मिश्रा और टी. प्रिया (सं.), *21वीं सदी के भारत में दलित और दलित जीवन: एक नई राजनीति की ओर* (पृष्ठ 1-16)। वर्नोन प्रेस।

मलिक, ए., कौर, जी., और मुंजाल, एस. (2024). उपेक्षा और शिक्षाविदों की आवाज़ की वैकल्पिक व्याख्याएँ: अर्थ और GAGA। *ब्रिटिश एकेडमी ऑफ़ मैनेजमेंट कॉन्फ्रेंस 2024,* यूके में प्रस्तुत BAM2024 सम्मेलन की कार्यवाही में।

मेहता, एस. (2025). आधुनिक शांति दूत: पर्यटन के परिप्रेक्ष्य में बौद्ध सांस्कृतिक संबंध। एच. कौर, यू. नदीम, और डी. शर्मा (सं.) में। *समृद्धि और प्रतिमान: विकसित भारत में आर्थिक सफलता की पुनर्परिभाषा।* नई दिल्ली।

निधि, डे, के., साहनी, आर., रॉ, आर.एस., और सिंह, पी. (2024). IoT में मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का उपयोग करके कार मूल्यांकन डेटा पर वर्गीकरण तकनीकों का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन। पी. सिंह, एस. कुमार, एस.के. गुप्ता, ए.के. राय, और ए. सैफ (सं.), *वायरलेस तदर्थ और सेंसर नेटवर्क* (पृष्ठ 340-353) में। सीआरसी प्रेस।

साहनी, आर. (2024). बग पूर्वानुमान में एन्ट्रॉपी-आधारित दृष्टिकोण: ओपन सोर्स परियोजनाओं में सैद्धांतिक और व्यावहारिक अनुप्रयोगों का अवलोकन। *वायरलेस पर्सनल मल्टीमीडिया कम्युनिकेशंस (WPMC) पर 27वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही में* (पृष्ठ 1-4)। IEEE.

सिंह, के., और कौर, एच. (2025)। हरित भवन उद्योग: पर्यावरणीय स्थिरता का सार। ए. चंद्रा, एस. चतुर्वेदी, सी. राजशेखरन, और के.एस. राव (सं.), *जलवायु लचीलापन: पर्यावरण प्रबंधन में चुनौतियाँ और अवसर* (पृष्ठ 139-184)। पर्यावरण एवं विकास सोसाइटी (एसईडी इंडिया)।

सोनी, एच.के. (2025)। एक प्रभावी ईएसजी ढाँचे के घटक। एच. कौर, यू. नदीम, और डी. शर्मा (सं.) में। *समृद्धि प्रतिमान: विकसित भारत में आर्थिक सफलता की पुनर्परिभाषा* (पृष्ठ 41-54)। चाणक्य प्रकाशन।

सरन, एस.के. (2024). अटेंशन डेफिसिट और हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर का परिचय। *भारतीय संदर्भ में न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर: अलग-अलग विकार अलग-अलग कहानियाँ कहते हैं* (पृष्ठ 185-190)। प्रेस्टीज पब्लिकेशंस।

सरन, एस.के. (2024). ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम विकार का परिचय। *भारतीय संदर्भ में न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर में: विभिन्न विकार अलग-अलग कहानियाँ कहते हैं* (पृष्ठ 101-120)। प्रेस्टीज पब्लिकेशंस।

सरन, एस.के. (2024). बौद्धिक अक्षमता का परिचय। *भारतीय संदर्भ में तंत्रिका-विकासात्मक विकारों में: विभिन्न विकार अलग-अलग कहानियाँ कहते हैं* (पृष्ठ 5-48)। प्रेस्टीज पब्लिकेशंस।

सरन, एस.के. (2024). न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर का परिचय। *भारतीय संदर्भ में न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर: अलग-अलग विकार अलग-अलग कहानियाँ कहते हैं* (पृष्ठ 3-12)। प्रेस्टीज पब्लिकेशंस।

दायर/स्वीकृत पेटेंट

डॉ. पारोमिता दत्ता, स्मार्ट पहचान सत्यापन उपकरण। डिज़ाइन संख्या 442780-001, 2 जनवरी 2025. राष्ट्रीय।

डॉ. प्रीति मनानी, बायोफीडबैक के साथ पहनने योग्य मानसिक स्वास्थ्य ट्रैकर। आवेदन संख्या 202511018437, 21 मार्च 2025. राष्ट्रीय।

डॉ. सिरताज कौर, महिला सुरक्षा के लिए एआई आधारित पहनने योग्य उपकरण, डिज़ाइन संख्या 428188-001, 26 अगस्त 2024. राष्ट्रीय

डॉ. सरताज कौर, वायु प्रदूषण मापने के लिए डिजिटल उपकरण। डिज़ाइन संख्या 413265-001, 11 अप्रैल 2024. राष्ट्रीय

आयोजित संगोष्ठियां

डीयू के इतिहास विभाग के प्रोफेसर सैयद ज़हीर हुसैन जाफ़री ने 13 फरवरी 2025 को “बाबा फ़रीद: साहित्यिक योगदान, ऐतिहासिक अंतर्दृष्टि और स्थायी विरासत” शीर्षक से अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।

साहित्य अकादमी के संपादक अनुपम तिवारी, प्रख्यात विद्वान माधुरी चावला और साहित्य अकादमी के पंजाबी सलाहकार बोर्ड के संयोजक रवैल सिंह ने 28 जनवरी 2025 को साहित्य अकादमी और अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के सहयोग से आयोजित "कृत्रिम बुद्धिमत्ता और साहित्य" विषयक संगोष्ठी में व्याख्यान दिए।

स्विट्जरलैंड के शिक्षक शिक्षा विश्वविद्यालय (एचईपी वॉड) की संकाय सदस्य डॉ. सैंड्रिन ब्रेथौप्ट ने 27-31 जनवरी 2025 तक एचईपी, स्विट्जरलैंड के सहयोग से आयोजित "ईएसडी में पारिस्थितिकी, विरासत और साहित्य" शीर्षक वाले अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक व्याख्यान दिया।

प्रोफेसर नरेंद्र मिश्रा, प्रोफेसर, हिंदी विभाग, इग्नू ने 24 सितंबर 2024 को "राजभाषा हिंदी: कार्यालय से बाजार तक" शीर्षक से राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक व्याख्यान दिया।

स्वतंत्र शोधकर्ता और सिख इतिहासकार डॉ. सुखप्रीत सिंह उधोके ने 24 सितंबर 2024 को विरासत सिख धर्म ट्रस्ट के सहयोग से आयोजित भाई घनैया जी को समर्पित संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।

डॉ. रूमा सिन्हा, संकाय सदस्य, राइडर विश्वविद्यालय, यूएसए ने 2-3 मई 2024 को “अनुसंधान का संचालन: सिद्धांत और व्यवहार” शीर्षक से 2 दिवसीय संगोष्ठी में एक व्याख्यान दिया।

आयोजित सम्मेलन

द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय विदुषी सम्मेलन 20 और 21 मार्च 2025 को ग्लोबल संस्कृत फोरम संगठन के सहयोग से आयोजित किया गया।

भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 19 और 20 नवंबर 2024 को "विद्यालय स्तर पर शिक्षण दर्शन: समस्याएं और संभावनाएं" विषय पर दो दिवसीय परामर्श सम्मेलन आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

अमर ज्योति चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में अमर ज्योति स्कूल के साथ 5 मार्च 2025 को समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, मनोविज्ञान के छात्रों को

शैक्षणिक और क्षेत्रीय प्रशिक्षण प्रदान करने का सुझाव दिया गया। हस्तक्षेप डिज़ाइन और व्यवहारिक चिकित्सा का भी सुझाव दिया गया।

3 मार्च 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय, मुक्त शिक्षा विद्यालय और भाऊराव देवरस सेवा न्यास, लखनऊ के बीच समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, डीयू के छात्रों के लाभ के लिए करियर परामर्श, कौशल विकास, रोजगार, उद्यमिता विकास, स्टार्ट-अप समर्थन और मेंटरशिप कार्यक्रम के क्षेत्रों को कवर किया गया।

2 फरवरी 2025 को गिफ्ट-एबल्ड फाउंडेशन, कोरमंगला के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, एमएससीडब्ल्यू की व्यापक वेब एक्सेसिबिलिटी ऑडिट की सुविधा प्रदान की जानी थी और भविष्य के विकास प्रयासों के लिए एक्सेसिबिलिटी की सर्वोत्तम प्रथाओं का सुझाव दिया।

18 नवंबर 2024 को जेआईटी ग्रुप्स कंपनी लिमिटेड (जापान) के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, प्रयुक्त स्याही की बोतलों और प्रिंटर कार्ट्रिज के जिम्मेदार निपटान और पुनर्चक्रण के लिए महाविद्यालय में संग्रह बक्से की स्थापना शुरू की गई।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

ई-कचरा संग्रहण अभियान के लिए 9 अक्तूबर 2024 से 14 नवंबर 2024 तक हरित उमंग, पैनासोनिक इंडिया के साथ सहयोग। एक ई-कचरा संग्रहण केंद्र का उद्घाटन किया गया।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित छात्रों की संख्या : 91 **(17%)**

कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या : 25

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

सहयोग: एक सामुदायिक आउटरीच पहल (2024-25)। सहयोग कार्यक्रम ने जीएचके स्कूल के साथ दो कार्यशालाएँ आयोजित कीं: 17 सितंबर, 2024: "शिक्षण-अधिगम सामग्री का आदान-प्रदान", 17 फ़रवरी, 2025: "दिल्ली के स्मारकों का अवलोकन"। एनएसएस इकाई, परिवर्तन ने कई पहल कीं: पर्यावरणीय स्थिरता: वृक्षारोपण अभियान, स्वच्छता अभियान (2 अक्तूबर, 2024), स्वच्छ यात्रा (25 सितंबर, 2024), स्वास्थ्य एवं कल्याण: स्वास्थ्य जाँच शिविर (5 मई, 2024), मानसिक स्वास्थ्य शिविर (24 सितंबर, 2024) और रक्तदान शिविर (24 नवंबर, 2024 और 31 जनवरी, 2025)। सामुदायिक सहयोग: मासिक धर्म पर चर्चा (28 मई, 2024), पैड वितरण अभियान (18 अक्तूबर, 2024), साझा करें और देखभाल करें (4 अगस्त, 2024), वस्त्र दान अभियान (18 सितंबर, 2024)। एनेक्टस एमएससीडब्ल्यू की परियोजनाएँ स्थिरता, शिक्षा और आजीविका पर केंद्रित थीं: प्रोजेक्ट सिलसिला, रुमाला साहिब को हस्तनिर्मित सागन

लिफाफों और हेयर एक्सेसरीज़ में पुनर्चक्रित किया गया। प्रोजेक्ट विद्या ने वंचित बच्चों और वयस्कों को शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान किया, जिससे उनके कौशल और अवसरों में वृद्धि हुई। प्रोजेक्ट ईसीओएफ: पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देते हुए, एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक को पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों से बदलने के लिए काम किया।

पुस्तकालय विकास

क) पुस्तकों की कुल संख्या : 119862

ख) वर्ष 2024-2025 के दौरान जोड़ी गई पुस्तकें : 1062

ग) पत्रिकाओं और पत्रिकाओं की कुल संख्या : 41

वेबोपैक (ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग) प्रणाली सफलतापूर्वक कार्य कर रही है। पुस्तकालय ने पहली बार संकाय सदस्यों द्वारा लिखित पुस्तकें दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली (डीयूएलएस) द्वारा 21-25 फरवरी, 2025 को डीयू के 101वें वार्षिक दीक्षांत समारोह के अवसर पर आयोजित एक प्रदर्शनी के लिए प्रस्तुत कीं। डेलनेट के माध्यम से अंतर-पुस्तकालय ऋण (आईएलएल) की शुरुआत की गई।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक : 24

एसोसिएट प्रोफेसर : 36

सहायक प्रोफेसर : 101

अतिथि : **16**

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित अनुदान : ₹ 68.11 करोड़

उपयोगित अनुदान : ₹ 69.22 करोड़

****

मिरांडा हाउस

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

मिरांडा ने कई उपलब्धियों के माध्यम से अकादमिक उत्कृष्टता, नवाचार और सामाजिक प्रतिबद्धता की अपनी विरासत को कायम रखा है। एनआईआरएफ रैंकिंग 2024 और इंडिया टुडे की विज्ञान और मानविकी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर रहने के साथ ही इसे स्थायी प्रथाओं के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय का शताब्दी पुरस्कार भी मिला। यह डीएसटी से महिला स्नातकोत्तर कॉलेजों के लिए क्यूरी कोर अनुदान (₹60 लाख) प्राप्त करने वाला डीयू का पहला महाविद्यालय

बन गया। महाविद्यालय ने इंस्पायर इंटर्नशिप कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें 30 स्कूलों के 262 छात्रों ने व्यावहारिक विज्ञान सत्र और विशेषज्ञ वार्ता के लिए मेजबानी की। भारतीय ज्ञान प्रणालियों को आगे बढ़ाते हुए, पुरालेख और पांडुलिपि अध्ययन केंद्र ने प्राचीन लिपियों और प्रतिलेखन में एक पाठ्यक्रम शुरू किया। एक संस्थागत भागीदार के रूप में अपनी विरासत का उत्सव मनाते हुए, इसने डॉ. देवजानी रे द्वारा संपादित "द मिरांडा हाउस क्रॉनिकल्स: डॉटर्स ऑफ़ इंडिपेंडेंस" प्रकाशित किया। सांस्कृतिक गतिविधियों में, महाविद्यालय ने "द अदर साइड ऑफ़ साइलेंस" से प्रेरित होकर "और कितने टुकड़े" का मंचन किया और स्पिक मैके के अंतर्गत पंडित हरिप्रसाद चौरसिया द्वारा एक व्याख्यान-प्रदर्शन का आयोजन किया। ये उपलब्धियाँ उत्कृष्टता और समावेशी प्रगति के प्रति मिरांडा हाउस की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

- मोनिका तोमर ने 4-7 दिसंबर, 2024 को डीएई-कन्वेंशन सेंटर, मुंबई में आयोजित आईएसएमसी-2024 में "एसएमसी सिल्वर मेडल-2024" प्राप्त किया।
- मधु, इतिहास विभाग को 04-06 अप्रैल, 2024 तक 'द कार्नेशन रिवोल्यूशन: ग्लोबल पर्सपेक्टिव्स' नामक सम्मेलन में भाग लेने के लिए मैसाचुसेट्स विश्वविद्यालय, डार्टमाउथ, यूएसए से यात्रा सह आवास अनुदान प्राप्त हुआ।
- प्रियंवदा सिंह को मलेशिया के साइबरजया विश्वविद्यालय में विजिटिंग सहायक प्रोफेसर के रूप में चुना गया।

छात्र

- एम.ए. संस्कृत की छात्रा अंकिता चौधरी को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा डॉ. सीडी देशमुख मेमोरियल गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया।
- एम.ए. संस्कृत की छात्रा अंकिता चौधरी को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा श्रीमती सिवाकमम्मा राधाकृष्णन पदक से सम्मानित किया गया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा एम.ए. संस्कृत की छात्रा अंकिता चौधरी को पंडित रघुबर दयाल मेमोरियल मेडल से सम्मानित किया गया।
- एम.एससी. रसायन-विज्ञान की छात्रा हरसिमर कौर को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रोफेसर आरपी मित्रा स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा एमए अंग्रेजी की छात्रा शेफाली कोहली को प्रिंसिपल बीबी गुप्ता मेमोरियल मेडल से सम्मानित किया गया।
- एम.एससी. मानव-विज्ञान की छात्रा हबीबा हारून को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा एम.एस.सी. मानव-विज्ञान के लिए विश्वविद्यालय पदक से सम्मानित किया गया।

- बी.ए. (ऑनर्स) बंगाली की छात्रा सुनयना संतरा को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा बी.ए. (ऑनर्स) बंगाली के लिए विश्वविद्यालय पदक से सम्मानित किया गया।
- बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान की छात्रा मालविका वी. को दिल्ली विश्वविद्यालयद्वारा बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान के लिए विश्वविद्यालय पदक से सम्मानित किया गया।
- बी.एससी. लाइफ साइंस की छात्रा शंभवी कृष्णा को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा बी.एससी. लाइफ साइंस के लिए विश्वविद्यालय पदक से सम्मानित किया गया।

शोध प्रकाशन

- आलम, एस.एम., सरवर, एम., भट, एम.एन., तोमर, एम., और अली, जे. (2024). टैंटालम ऑक्साइड (Ta2O5) धातु नैनोकणों द्वारा संशोधित उच्च प्रदर्शन वाले रसायन प्रतिरोधी कार्बन-नैनोट्यूब अमोनिया गैस सेंसर सतह। *एमआरएस एडवांसेज, 9* (18), 1454-1459। doi:10.1557/s43580-024- 00941-x
- आलम, एस.एम., सरवर, एम., सादिक, एम., भट, एम.एन., तोमर, एम., और अली, जे. (2025)। धातु नैनोकणों से सजे छिद्रयुक्त बहुदीवार वाले कार्बन नैनोट्यूब में अमोनिया गैस संवेदन गुणों में वृद्धि: Mn की सांद्रता का प्रभाव। *एडवांसेज इन नेचुरल साइंसेज नैनोसाइंस एंड नैनोटेक्नोलॉजी, 16* (1), 015003। doi:10.1088/2043-6262/ada000
- आचार्य, एस., अग्रवाल, ए., एग्लिएरी रिनेला, जी., एग्लिएटा, एल., एग्नेलो, एम., अग्रवाल, एन., अहमद, जेड., अहमद, एस., आह्न, एसयू, आहूजा, आई., अकिंडिनोव, ए., अकिशिना, वी., अल-तुरैनी, एम., अलेक्जेंड्रोव, डी., एलेसेंड्रो, बी., अल्फांडा, एचएम, अल्फारो मोलिना, आर., अली, बी.,... ज़ुर्लो, एन. (2025)। एलएचसी पर पीपी टकरावों में प्रभावी ऊर्जा के साथ अजीब बैरियन वृद्धि का पहला अवलोकन। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2025(3)। https://doi.org/10.1007/jhep03(2025)029
- अग्रवाल, जी. और अग्रवाल, एस. (2024). डिजिटल भुगतान धोखाधड़ी: पहचान और पूर्वानुमान. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेशन एंड मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च, 4* (2), 47-53.
- अग्रवाल, जी., आहूजा, एच., नारंग, एस., और अग्रवाल, एस. (2024). निर्णय लेने में सहायता के लिए बाढ़ भेद्यता सूचकांक। *टेल्कोम्निका (दूरसंचार कंप्यूटिंग इलेक्ट्रॉनिक्स और नियंत्रण), 22* (6), 1431.https://doi.org/ 10.12928/ telkomnika.v22i6.26272
- अग्रवाल, एस. (2024). महिला भेद्यता सूचकांक पर विभिन्न एमसीडीएम तकनीकों और भारांक तंत्रों का प्रभाव. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट सिस्टम्स एंड एप्लीकेशन इन इंजीनियरिंग, 12* (21s), 3291-3299.

- अहमद, टी., जिंदल, के., तोमर, एम., और झा, पी.के. (2024). स्पंदित लेज़र निक्षेपण तकनीक द्वारा विकसित SBN60 पतली फिल्मों में Ca प्रतिस्थापन द्वारा संवर्धित विद्युत-प्रकाशीय गुण। *ऑप्टिकल मटेरियल्स, 157* (116364), 116364. doi:10.1016/j.optmat.2024.116364
- बनर्जी, एस. (2024). फ़ारसी साहित्यकार, इस्लाम और राजनीति: अब्द अल-हक़ देहलवी के ग्रंथों में एक मुसलमान होना. दक्षिण एशिया: जर्नल ऑफ़ साउथ एशियन स्टडीज़, 46(6), 1115-1133.
- बानू, जे. एट अल. (एलिस सहयोग)। (2024). $\sqrt{s_{nn}}$ = 5.02 TeV पर Pb-Pb संघट्टों में रासायनिक विभवों का मापन। भौतिक समीक्षा पत्र, 133, 092301। https://doi.org/10.1103/PhysRevLett.133.092301
- बानू, जे. एट अल. (एलिस सहयोग)। (2024). $\sqrt{s}$ = 13 TeV पर pp टकरावों में आवेशित-कण अंतर-जेट गुणों की बहुलता निर्भरता। यूरोपियन फ़िज़िकल जर्नल C, 84, 1079। https://doi.org/10.1140/epjc/s10052-024-13228-0
- बानू, जे. एट अल. (एलिस सहयोग)। (2024). आकर्षण और प्रकाश-स्वाद वाले मेसॉन के बीच परस्पर क्रिया का अध्ययन। फिजिकल रिव्यू डी, 110, 032004। https://doi.org/10.1103/PhysRevD.110.032004
- बानू, जे., एट अल. (एलिस सहयोग)। (2025)। एलएचसी पर पीपी टकरावों में सामान्य फेम्टोस्कोपिक हैड्रॉन-उत्सर्जन स्रोत। यूरोपियन फिजिकल जर्नल सी, 85, 198। https://doi.org/10.1140/epjc/s10052-025-13793-y
- बानू, जे., एट अल. (एलिस सहयोग)। (2025)। जेट में p-Pb टकरावों में बैरियन उत्पादन और कोणीय सहसंबंधों का उपयोग करके अंतर्निहित घटना की जाँच। भौतिक समीक्षा C, 111, 015201. https://doi.org/10.1103/ PhysRevC.111.015201
- बानू, जे., एट अल. (एलिस सहयोग)। (2025)। $\sqrt{s}$ = 13 TeV पर pp संघट्टों में आवेशित-कण समतलता के फलन के रूप में कण उत्पादन। भौतिक समीक्षा डी, 111, 012010। https://doi.org/10.1103/PhysRevD.111.012010
- बानू, जे., एट अल. (एलिस सहयोग)। (2025)। बहु-विचित्र हैड्रॉन के घटना-दर- घटना उत्पादन द्वारा विचित्रता हैड्रॉनीकरण की जाँच। भौतिक समीक्षा पत्र, 134, 022303। https://doi.org/10.1103/ PhysRev Lett.134.022303
- बंसल, एम., अग्रवाल, एस., अग्रवाल, जी., और गुप्ता, एन. (2024). दंड सहित एकसमान क्षमता वाली सुविधा स्थान समस्या के लिए एक 3-अनुमान एल्गोरिथ्म। *जर्नल ऑफ इलेक्ट्रिकल सिस्टम्स, 20* (7s), 461-468। https://doi.org/ 10.52783/jes.3341

- भाटिया, आर. (2024). लैंगिक को समझने के लिए एक ब्रिकोलर दृष्टिकोण: खेलों में लैंगिक और लैंगिक परीक्षण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव रिसर्च इन टेक्नोलॉजी, 106-118.
- भाटिया, आर. (2024). नारीवादी पद्धति का विश्लेषण. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव रिसर्च इन टेक्नोलॉजी, 10, 1819-1828.
- भाटिया, आर. (2024). भारतीय लोक कथाओं में लैंगिक और हास्य: पंचतंत्र. वैंटेज: जर्नल ऑफ थीमैटिक एनालिसिस, 5(1), 67-77.
- भाटिया, आर. (2024). भारत में हास्य और ऑनलाइन नारीवाद. सार्क जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज, 147-162.
- भाटिया, आर., और कुमार, एम. (2024). बदलते हाशिये: पेरी-अर्बन यमुना किसानों की दृश्यता और अदृश्यता. एचआरसी जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंस, 2(2), 1-16.
- भाटिया, आर., और कुमार, एम. (2024). बदलते हाशिये: पेरी-अर्बन यमुना किसानों की दृश्यता और अदृश्यता. एचआरसी जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंस, 2(2), 1-16.
- भाटिया, आर., और कुमार, एम. (2024). एक नदी का शहरीकरण: यमुना और दिल्ली की जुड़वां कहानियाँ. एक्सप्लोरेशन्स, आईएसएस ई-जर्नल, 8(1), 127- 158.
- चंचल, जिंदल, के., तोमर, एम., और झा, पी.के. (2024). $_2$ Se3 पतली फिल्मों में प्रयुक्त एक स्व-चयनकर्ता और स्व-सही आवेश-जाल-आधारित प्रतिरोधक स्विचिंग उपकरण। *एसीएस एप्लाइड इलेक्ट्रॉनिक मटेरियल, 6 (*5), 3742- 3753। doi: 10.1021/acsaelm.4c00386
- चंचल, एन., सिंह, जे.पी., जिंदल, के., तोमर, एम., और झा, पी.के. (2024). पीएलडी द्वारा विकसित In_2Se_3 पतली फिल्मों का उपयोग करके एक नवीन प्रकाश-विद्युत-रासायनिक आधारित जल-विभाजन और यूरिक अम्ल जैवसंवेदन। इलेक्ट्रोकेमिका एक्टा, 505, 144933. https://doi.org/10.1016/j. electacta. 2024.144933
- चौधरी, जे.एस., धारीवाल, एन., ग्रोवर, के., तोमर, एम., झा, आर., और शर्मा, ए. (2025)। लचीले पीईडीओटी: पीएसएस-आधारित फोटो-थर्मोइलेक्ट्रिक जनरेटर द्वारा उन्नत ऊर्जा संचयन। *एसीएस एप्लाइड एनर्जी मैटेरियल्स, 8* (1), 611-622। doi:10.1021/acsaem.4c02925
- चौधरी, जे.एस., ग्रोवर, के., तोमर, एम., शर्मा, ए., और झा, आर. (2024). एंटीमनी टेल्यूराइड वृद्धि के लिए स्व-संरेखित छाया मास्किंग: एकल-पैर थर्मोइलेक्ट्रिक ऐरे डिज़ाइन में नवीन प्रगति। *मैटेरियल्स केमिस्ट्री एंड फिजिक्स, 326,* 129752। https://doi.org/10.1016/j.matchemphys.2024.129752
- कर्टो, आर.ई., दत्त, जी., और गुप्ता, बी.बी. (2024). एन-टोरस के हार्डी स्पेस पर हैंकेल और टोप्लिट्ज़ ऑपरेटरों की क्रमविनिमेयता। *बुलेटिन डेस साइंसेज मैथमैटिक्स, 194* (103466), 103466। doi:10.1016/j.bulsci. 2024. 103466

- दत्त, जी., और गुप्ता, बी.बी. (2024). तिरछे हैंकेल ऑपरेटरों के कुछ सामान्यीकरणों को प्रेरित करने वाले ऑपरेटर समीकरण। *एक्टा मैथमैटिका सिनिका, अंग्रेज़ी सीरीज़, 40* (8), 2017-2036। doi:10.1007/s10114-024-3084-3
- दीपाली, कुमार, एस., एलंगबाम, जी., शाक्य, आर., कुमारी, आर., नाथ, जी., और अस्थाना, आर.के. (2025)। अंटार्कटिक साइनोबैक्टीरियम नोस्टॉक सीसीसी537: सहक्रियात्मक रूप से सक्रिय जीवाणुरोधी पदार्थों का खजाना। *अफ्रीकन जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज, 7* (1)।
- देवी, एलआर, नाओरेम, बीडी, चौधरी, ए., और शर्मा, एचबी (2024). यांत्रिक ऊर्जा संचयन अनुप्रयोग के लिए लचीले पीवीडीएफ/बी.ए.सटी नैनोकंपोजिट। जर्नल ऑफ अलॉयज़ एंड कंपाउंड्स, 1004, 175762। https:// doi.org/10.1016/j.jallcom.2023.175762
- देवी, एल.आर., नाओरेम, बी., चौधरी, ए., और शर्मा, एच.बी. (2024). Ba1-xSrxTiO3 नैनोपाउडर के संरचनात्मक और विद्युत गुणों पर Sr2+ आयन सामग्री का प्रभाव। *जर्नल ऑफ मैटेरियल्स साइंस: मैटेरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स, 35* (32)। doi:10.1007/s10854-024-13841-5
- गंभीर, एम., देवी, एस., और प्रसाद, वी. (2025)। सतह-अधिशोषित द्विपरमाणुक अणु के माइक्रोवेव-सहायता प्राप्त दिशात्मक और तापीय गुण। रासायनिक भौतिकी, 591, 112598। https://doi.org/10.1016/j. chemphys.2024.112598
- घोष, सी., बिष्ट, के., शैली, ए., और कुमारी, आर. (2024). एक शैक्षणिक संस्थान के छात्रों में आकार-पृथक बायोएरोसोल सांद्रता, निक्षेपण अंश और अंतःश्वसन खुराक का मूल्यांकन: स्वास्थ्य जोखिम मूल्यांकन हेतु एक केस स्टडी। *वायु गुणवत्ता, वायुमंडल और स्वास्थ्य, 17,* 2693-2709। doi:10.1007/s11869-024-01601-7
- ग्रोवर, एम.बी., गुप्ता, आर., जैन, पी.आर., अग्रवाल, एस., अग्रवाल, जी., और खट्टर, ए. (2024). भारत में ऑनलाइन शिक्षा का मूल्यांकन: शिक्षकों की अंतर्दृष्टि। *जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल एनालिसिस एंड एप्लीकेशन (JoCAAA), 33* (7), 374-382।
- ग्रोवर, एम.बी., गुप्ता, आर., जैन, पी.आर., अग्रवाल, एस., अग्रवाल, जी., और खट्टर, ए. (2024). भारत में ऑनलाइन शिक्षा का मूल्यांकन: शिक्षकों की अंतर्दृष्टि। जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल एनालिसिस एंड एप्लीकेशन, 33(7), 374-382।
- ग्रोवर, एम.बी., गुप्ता, आर., जैन, पी.आर., अग्रवाल, एस., अग्रवाल, जी., और खट्टर, ए. (2024). भारत में ऑनलाइन शिक्षा का मूल्यांकन: शिक्षकों की अंतर्दृष्टि। जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल एनालिसिस एंड एप्लीकेशन (JoCAAA), 33(7), 374-382। https://eudoxuspress.com/index.php/pub/article/view/1053

- ग्रोवर, एम.बी., गुप्ता, आर., जैन, पी.आर., अग्रवाल, एस., अग्रवाल, जी., और खट्टर, ए. (2024). भारत में ऑनलाइन शिक्षा का मूल्यांकन: शिक्षकों की अंतर्दृष्टि। जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल एनालिसिस एंड एप्लीकेशन, 33(7), 374-382।
- ग्रोवर, एम.बी., गुप्ता, आर., जैन, पी.आर., अग्रवाल, एस., अग्रवाल, जी., और खट्टर, ए. (2024). भारत में ऑनलाइन शिक्षा का मूल्यांकन: शिक्षकों की अंतर्दृष्टि। जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल एनालिसिस एंड एप्लीकेशन, 33(7), 374-382।
- गुप्ता, ए., यादव, एस., रानी, एन., गुप्ता, के., और सैनी, के. (2024). मेडागास्कर पेरीविंकल पौधे की पत्ती के अर्क द्वारा संश्लेषित ज़िंक ऑक्साइड (ZnO) नैनोकणों के साथ विषाक्त मेथिलीन ब्लू डाई का अपघटन। *बायोमास रूपांतरण और बायोरिफाइनरी।* doi:10.1007/s13399-024-05711-1
- गुप्ता, बी., अग्रवाल, एस., और जोस, एम.एम. (2024). झारखंड, भारत के गिरिडीह जिले का दीर्घकालिक मौसमी और वार्षिक वर्षा प्रवृत्ति विश्लेषण। *एशियन जर्नल ऑफ वॉटर, एनवायरनमेंट एंड पॉल्यूशन, 21* (4), 73-81। https://doi.org/10.3233/AJW240048
- गुप्ता, बी., अग्रवाल, एस., और जोस, एम.एम. (2024बी)। झारखंड, भारत के गिरिडीह जिले में दीर्घकालिक मौसमी और वार्षिक वर्षा प्रवृत्ति विश्लेषण। *एशियन जर्नल ऑफ वाटर एनवायरनमेंट एंड पॉल्यूशन, 21* (4), 73-81। https://doi.org/10.3233/ajw240048
- गुप्ता, बी., जोस, एम.एम., अग्रवाल, एस., और रंजन, ओ. (2024). सिक्किम, भारत में तापमान और वर्षा के पैटर्न के दीर्घकालिक रुझानों का एक व्यापक विश्लेषण। *जर्नल ऑफ क्लाइमेट चेंज, 10* (4), 1-8। https:// doi.org/10.3233/JCC240027
- गुप्ता, बी., जोस, एम.एम., अग्रवाल, एस., और रंजन, ओ. (2024). सिक्किम, भारत में तापमान और वर्षा के पैटर्न के दीर्घकालिक रुझानों का एक व्यापक विश्लेषण। जर्नल ऑफ क्लाइमेट चेंज, 10(4), 1-8। https:// doi.org/10.3233/JCC240027
- गुप्ता, आर., राणा, एल., वर्मा, एम., शर्मा, ए., तोमर, एम., और चौधरी, ए. (2024). रासायनिक विलयन निक्षेपण तकनीक का उपयोग करके पीज़ेडटी-आधारित द्वि-ऊर्जा संचयक। जर्नल ऑफ मैग्नेटिज्म एंड मैग्नेटिक मैटेरियल्स, 600, 172152।
- इदरीसी, एम.एस., यादव, ए., और कुमार, आर. (2025). पीएनटीआरयू: प्रोडक्ट रिंग पर एक सामान्यीकृत एनटीआरयू एन्क्रिप्शन योजना। *एआईपी कॉन्फ्रेंस प्रोसीडिंग्स, 3283,* 030006. https://doi.org/10.1063/ 5.0265580
- जैन, पी.आर., क़ादरी, एस.एम.के., खट्टर, ए., और खट्टर, ए. (2025)। पीएम-वीआईटी: चेहरे के भावों का उपयोग करके मानसिक बीमारी की ओर भावनाओं और प्रवृत्ति की पहचान के लिए एक ढाँचा। *जर्नल ऑफ़ कंप्यूटर साइंस , 21* (3), 479-493। https://doi.org/10.3844/jcssp.2025.479.493

- जैन, पीआर, क़ादरी, एसएमके, खट्टर, ए., और खट्टर, ए. (2025)। पीएम-वीआईटी: चेहरे के भावों का उपयोग करके मानसिक बीमारी की ओर भावनाओं और प्रवृत्ति की पहचान के लिए एक ढाँचा। जर्नल ऑफ़ कंप्यूटर साइंस , 21(3), 479-493। https://doi.org/10.3844/jcssp.2025.479.493
- जैन, पी.आर., क़ादरी, एस., और खट्टर, ए. (2024). ईएम-यूडीए: चेहरे की छवियों के वर्गीकरण के लिए अप्रशिक्षित डोमेन अनुकूलन का उपयोग करके भावनाओं का पता लगाना. *आईईईई एक्सेस,* 1. https://doi. org/10.1109/ access.2024.3467990
- जैन, पी.आर., क़ादरी, एस., और खट्टर, ए. (2024). ईएम-यूडीए: चेहरे की छवियों के वर्गीकरण के लिए अप्रशिक्षित डोमेन अनुकूलन का उपयोग करके भावनाओं का पता लगाना। आईईईई एक्सेस, 1. https://doi. org/10.1109/access.2024.3467990
- जिंगर, सी., जिंदल, के., तोमर, एम., और झा, पी.के. (2025)। पीएलडी तकनीक का उपयोग करके विकसित α-In2Se3 पतली फिल्मों पर आधारित NO2 गैस सेंसर का निर्माण। *जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक मैटेरियल्स*/ doi:10.1007/s11664-025-11807-9
- ज्योत्सना, के., तोमर, एम., और फंजौबाम, एस. (2024). नवीन Na0.5Bi0.5TiO3-BaFe12-2xCoxTixO19 मल्टीफेरोइक कम्पोजिट में प्रबल चुंबकीय विद्युत युग्मन। *सिरेमिक्स इंटरनेशनल, 50* (18), 33189-33202। https://doi.org/10.1016/j.ceramint.2024.06.130
- ज्योत्सना, के., तोमर, एम., और फंजौबाम, एस. (2025)। PVDF-Na0.5Bi0.5TiO3-BaFe12O19 कंपोजिट की चुंबकीय विद्युत और ऊर्जा संचयन क्षमताएँ। *सेरामिक्स इंटरनेशनल*/ doi:10.1016/j.ceramint. 2025.03.259
- कनोजिया, आर. (2024). वैदिक साहित्य और उसके अभिनव योगदान। आधुनिक काल में वैदिक ज्ञान के अभिनव अनुप्रयोग (पृष्ठ 29-36)। प्रतिभा प्रकाशन।
- कनोजिया, आर. (2025). हेगेल के दर्शन में आत्मा (चेतना) की प्रकृति का विश्लेषण। दर्शन के आयाम: प्रोफ़ेसर राघवेंद्र प्रताप सिंह को समर्पित (पृष्ठ 149-162)। डीके प्रिंट वर्ल्ड।
- कौर, एन., और कौर, ए. (2024). वर्ग और श्रम की गतिशीलता: राजस्थान (भारत) में एक अनुदैर्ध्य अध्ययन से साक्ष्य। *जर्नल ऑफ एग्रेरियन चेंज, 24* (4)। https://doi.org/10.1111/joac.12593
- कौशिक, बी., और राजेश्वरी, एस. (2024). एक समावेशी स्कूल में संसाधन कक्ष (आरआर)-क्या, क्यों और कैसे? एडुइंस्पायर-शिक्षक शिक्षा परिषद की एक अंतर्राष्ट्रीय ई-जर्नल, (5)1, 33-38।
- कौशिक, बी., राजेश्वरी, एस., और शौकीन, डी. (2024). समावेशी कक्षाओं के लिए यूडीएल-आधारित सुलभ ई-सामग्री: अंतिम उपयोगकर्ता अनुभव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटेलेक्चुअल डिसेबिलिटी, 5(1), 33-38।

- कुमार, पी., डेका, डी., हुसैन, एम.ए., कुमार, एम., चौधरी, पी., सिंह, एस., बनर्जी, ए. (2025)। हिमाचल प्रदेश, भारत के लाहौल-स्पीति जिले में वर्षा और तापमान का प्रवृत्ति विश्लेषण। *फ्रंटियर्स इन क्लाइमेट, 6.* doi:10.3389/fclim. 2024.1348132
- कुमार, आर., पंवार, एल., पंचाल, डी., जगलान, ए., वर्मा, एस., कुमार, एम., राठी, बी. (2025)। हाइड्रो- और ड्यूटेरो-डीहैलोजनीकरण अभिक्रियाएँ: सिद्धांतों और प्रथाओं का अवलोकन। *आणविक उत्प्रेरण, 572* (114789), 114789। doi:10.1016/j.mcat.2024.114789
- कुमार, एस., कुमार, डी., उपाध्याय, सी., बंसल, एम., राठी, बी., और सिंह, पी. (2024). एक शक्तिशाली मलेरिया-रोधी यौगिक के साथ सेल्यूलोज़ नैनोक्रिस्टल्स का कार्यात्मककरण: संश्लेषण, लक्षण वर्णन और जैविक अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स, 282* (भाग 1), 136660। doi:10.1016/j. ijbiomac.2024.136660
- कुमार, एस., कुमार, डी., उपाध्याय, सी., बंसल, एम., राठी, बी., और सिंह, पी. (2024). एक शक्तिशाली मलेरिया-रोधी यौगिक के साथ सेल्यूलोज़ नैनोक्रिस्टल्स का कार्यात्मककरण: संश्लेषण, लक्षण वर्णन और जैविक अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स,* 136660। https://doi.org/10. 1016 /j.ijbiomac.2024.136660
- कुमारी, ए., सिंह, टी., भट्टाचार्य, एस., कुमार, एस., और ठाकुर, आर.के. (2025)। टैगेटेस पैटुला एल की भारतीय किस्मों से प्राप्त ल्यूटिन के जैविक और पोषण संबंधी महत्व की समीक्षा। *बहु-विषयक क्षेत्र में नवीन अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 11* (4), 29-38.
- कुमारी, ए., सिंह, टी., कुमार, एस., और ठाकुर, आर.के. (2024). सल्फ्यूरिक अम्ल माध्यम में मृदु इस्पात के लिए संक्षारण अवरोधक के रूप में इमिडाज़ोलियम-आधारित आयनिक द्रव के प्रायोगिक और सतही रूपात्मक अध्ययन। *एशियन जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 36* (12), 2946-2950। doi:10.14233/ajchem.2024.32857
- कुमारी, ए., सिंह, टी., कुमार, एस., और ठाकुर, आर.के. (2024). सल्फ्यूरिक अम्ल माध्यम में मृदु इस्पात के लिए संक्षारण अवरोधक के रूप में इमिडाज़ोलियम-आधारित आयनिक द्रव के प्रायोगिक और सतही आकारिकी अध्ययन। *एशियन जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 36* (12), 2946-2950। https://doi.org/10.14233/ ajchem.2024.32857
- लामिछाने, एस., तोमर, एम., चौधरी, ए., और शर्मा, एस. (2024). द्विपरत BFO/WO3 पतली फिल्म संरचना की ऊर्जा भंडारण क्षमता पर लेज़र ऊर्जा परिवर्तन की भूमिका। *सेमीकंडक्टर प्रोसेसिंग में सामग्री विज्ञान, 188,* 109218। https://doi.org/10.1016/j.mssp.2024.109218
- लोचब, ए., बावेजा, एस., जिंदल, के., चौधरी, ए., तोमर, एम., और सक्सेना, आर. (2025)। क्रियाशील MWCNTs का उपयोग करके पैरासिटामोल का विद्युत-रासायनिक संवेदन: कम्प्यूटेशनल और प्रायोगिक विधियों का एकीकरण। *विश्लेषण और संवेदन, 5* (2)। doi:10.1002/anse.202400098

- लोचब, ए., बावेजा, एस., जिंदल, के., चौधरी, ए., तोमर, एम., और सक्सेना, आर. (2024). एस्परैगाइन-संशोधित एमडब्ल्यूसीएनटी का उपयोग करके पैरासिटामोल की उपस्थिति में डाइक्लोफेनाक के विद्युत-रासायनिक पता लगाने पर प्रायोगिक और कम्प्यूटेशनल अंतर्दृष्टि। *माइक्रोकेमिकल जर्नल, 208,* 112430। https://doi.org/10.1016/j.microc.2024.112430
- लूथरा, ए., राणा, ए., शर्मा, एस.के. (2025). भारतीय महिला एथलीटों में डोपिंग उल्लंघनों के परिदृश्य और उनके स्वास्थ्य पर प्रभाव को समझना. श्रीवैष्णवी, 4.
- महलावत, वी., तोमर, एम., और गुप्ता, आर. (2024). सोल-जेल-व्युत्पन्न पीएलजेडटी फिल्मों पर आधारित पायरोइलेक्ट्रिक थर्मल एनर्जी हार्वेस्टर। फिजिका स्टेटस सॉलिडी (क) एप्लीकेशन एंड मैटेरियल्स साइंस, 221(16)। https://doi.org/10.1002/pssa.202400041
- मल्होत्रा, ए.टी. (2024). सेवा-पूर्व शिक्षकों में चिंतनशील व्यवहारियों का विकास। जे. अहमद, ए. खान, और ए. अहमद (सं.), भारत में शिक्षक शिक्षा का पुनरुद्धार: एनईपी 2020 की संभावनाएँ और चुनौतियाँ (पृष्ठ 97-103)। शिप्रा पब्लिकेशंस।
- मल्होत्रा, ए.टी. (2024). एक चिंतनशील गणित शिक्षण पद्धति की ओर: गणित कक्षा में विमर्श का पुनरावलोकन और पुनर्कल्पना। के. किशोर, एच.के. भाटिया, ए.आई. अहमद, एस. बाबू एम., और ए. हैदर (सं.), नीतिगत दृष्टिकोणों के प्रकाश में शिक्षक शिक्षा को अग्रभूमि में रखना (पृष्ठ 218-224)। नामक प्रकाशन।
- मल्होत्रा, एटी, और कौर, जे. (2024) गणित के खेल से गणित संवाद को भदहवा: एक खोजपुराण अध्ययन। एचके दीवान, एच. गांधी, आर. गोस्वामी (संस्करण), गणित और उसकी शिक्षा, (पीपी.324-336)। वाणी प्रकाशन.
- मिश्रा, सी.के. (2024). गुप्तोत्तर कलिन अभिलेखन मेम वाक्यविचार। अन्वेसक, 54(2[VI]), 92-94।
- मिश्रा, सी.के. (2024). स्मृति ग्रंथो मेम् कर व्यवस्था का स्वरूप। सांस्कृतिक अध्ययन और सामाजिक विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 20(23[द्वितीय]), 35-36।
- मिश्रा, सी.के. (2024). उत्तर भारतीय अभिलेखों में अलिखित कर के अध्यक्ष एवं अधिकारी। शोध प्रभा, 49(1[VI]), 10-12।
- मोतीलाल, एस., और कपूर, टी. (2024). किशोर अपराध, किशोर न्याय और सामूहिक सामाजिक भलाई. जर्नल ऑफ एथिक्स, इकोनॉमिक्स एंड कॉमन गुड्स, 21(2), 63-71.
- नाग, एन. (2024). क्रांति की अवधारण और गांधी जी। अंतर्राष्ट्रीय बहुभाषी अनुसंधान जर्नल, 2(117), 129-134।
- नाग, एन. (2024). सूचना संचेतना और इंटरनेट विज्ञान। संवाद पथ, 7(2), 102-106.
- नाग, एन. (2024). स्वत्व की लड़ाई और प्रतिबन्धित साहित्य। विद्या वार्ता, 5(51), 120-125।

- नैन, ए.के., और ड्रोलिया, पी. (2025)। बेंज़ोनाइट्राइल + मिथाइल/एथिल/ब्यूटाइल मेथैक्रिलेट द्विआधारी प्रणालियों के लिए श्यानता, अपवर्तनांक और श्यान प्रवाह की ऊष्मागतिकी की तापमान और संरचना पर निर्भरता: प्रायोगिक और सैद्धांतिक अध्ययन। *रासायनिक ऊष्मागतिकी और तापीय विश्लेषण, 17* (100157), 100157। doi:10.1016/j.ctta.2024.100157
- नैन, ए.के., चौधरी, एन., ड्रोलिया, पी., खुराना, ए., मनचंदा, आर.के., और नायक, डी. (2024). परिवेशी तापमान पर एसिडम एसिटिकम होम्योपैथिक तनुकरणों के भौतिक-रासायनिक व्यवहार का परीक्षण, आयतनमितीय, ध्वनिक और विस्कोमेट्रिक विधियों का उपयोग करके। *ऑर्गेनिक एंड मेडिसिनल केमिस्ट्री इंटरनेशनल जर्नल, 13* (4)।
- नैन, ए.के., चौधरी, एन., द्रोलिया, पी., मनचंदा, आर.के., खुराना, ए., और नायक, डी. (2024). समकक्ष समीक्षा प्राप्त रसायन-विज्ञान पत्रिकाएँ | प्रभाव कारक रैंकिंग। *ऑर्गेनिक एंड मेडिसिनल केमिस्ट्री इंटरनेशनल जर्नल, 13* (4), 1-21। doi:10.19080/OMCIJ.2024.13.555872
- नैन, ए.के., चौधरी, एन., द्रोलिया, पी., मनचंदा, आर.के., खुराना, ए., और नायक, डी. (2024). ध्वनिक, आयतनमितीय और विस्कोमेट्रिक विधियों का उपयोग करके विभिन्न तापमानों पर एसिडम लैक्टिकम होम्योपैथिक तनुकरणों के भौतिक-रासायनिक व्यवहार पर अल्ट्रासोनिक जाँच। *द जर्नल ऑफ़ एकॉस्टिकल सोसाइटी ऑफ़ इंडिया, 51* (4), 238-260
- नैन, ए.के., चौधरी, एन., मनचंदा, आर.के., खुराना, ए., और नायक, डी. (2024). परिवेशी तापमान पर अमोनियम कार्बोनिकम के होम्योपैथिक तनुकरणों का भौतिक-रासायनिक व्यवहार: आयतनमितीय, पराध्वनिक और विस्कोमेट्रिक अध्ययन। *जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर केमिस्ट्री, 4* (2), 698-698।
- नाओरेम, बी.डी., सिंह, जे.पी., शर्मा, बी., गर्ग, एस., अथिरा, शेरिन, एच., बत्रा, एन. (2025)। अभिकर्मक रहित यूरिक अम्ल बायोसेंसर के लिए एक प्लेटफ़ॉर्म के रूप में Mn-डोपेड ZnO पतली फ़िल्में। *केमिकल फ़िज़िक्स इम्पैक्ट, 10* (100823), 100823. doi:10.1016/j.chphi.2025.100823
- नारा, आर., सेहरावत, एन., कुमार, एस., कुमार, ए., उपाध्याय, एस.के., यादव, डी., और यादव, एम. (2024). फ्लेवोनोइड नारिंगिन के रूपांतरण द्वारा खट्टे रसों के डिबिटरिंग के लिए माइक्रोबियल नारिंगिनेज पर हालिया अपडेट। बायोटेक रिसर्च एशिया, 21(4)। http://dx.doi.org/10.13005/bbra/3302
- निशा, एन. (2024). हिमाचल के परम्परागत खेल। कला वसुधा, पीर, 153-156.
- निक्सन, एन., टेपा, के., और संगतम, एस. (2024). प्रतिरोध और भागीदारी के बीच: नागालैंड में चुनावी राजनीति की बदलती गतिशीलता को समझना. इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 59(41), 35-41.

- पाधा, बी., अहमद, ज़ेड., दत्ता, एस., पांडे, ए., पाधा, एन., तोमर, एम., ... आर्य, एस. (2025)। ALD-विकसित ZnO-SiO2/Si पतली फिल्म-आधारित यूवी सेंसर का उपयोग करके अति-संवेदनशील NO2 गैस का पता लगाना। *जर्नल ऑफ अलॉयज़ एंड कंपाउंड्स, 1010* (177673), 177673। doi:10.1016/j.jallcom.2024.177673
- पांडे, वी.के., प्रकाश, एस., गुप्ता, टी.के., राठौर, वी., सिंह, ए., यांग, टी., और राठौर, आर.एस. (2024). IoT और मशीन लर्निंग का उपयोग करके स्मार्ट स्वास्थ्य सेवा के लिए एक कुशल और सुरक्षित ढाँचा। 2022 अंतर्राष्ट्रीय निर्णय सहायता विज्ञान एवं अनुप्रयोग सम्मेलन (DASA), 1-5। https://doi.org/10.1109/ dasa63652.2024.10836569
- पांडे, वी.के., प्रकाश, एस., गुप्ता, टी.के., यांग, टी., सिंह, ए., और राठौर, आर.एस. (2024). डब्ल्यूएसएन में घुसपैठ का पता लगाने के लिए एक कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस से प्रेरित ढाँचा। *2024 अंतर्राष्ट्रीय निर्णय सहायता विज्ञान और अनुप्रयोग सम्मेलन (डीएएसए),* 1-4। doi:10.1109/dasa63652.2024.10836284
- प्रियंका, भट्ट, पी., बेदी, ए.के., बेसिल, एम.वी., शर्मा, एम., और शर्मा, एस. (2025)। युवा व्यक्तियों में सुप्त तपेदिक और विटामिन डी के स्तर का संबंध: एक खोजपूर्ण अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ माइकोबैक्टीरियोलॉजी, 14(1), 66-72। https://doi.org/10.4103/ijmy.ijmy_6_25
- प्रियंका, एस., शर्मा, एम.वी., और शर्मा, एम. (2024). माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के Rv1039c (PPE15) प्रोटीन का सी-टर्मिनल क्षेत्र, मैक्रोफेज एपोप्टोसिस को प्रेरित करने के लिए मेज़बान माइटोकॉन्ड्रिया को लक्षित करता है। एपोप्टोसिस, 29, 1757-1779.
- प्रियंका, शर्मा, एस., और शर्मा, एम. (2024). मेज़बान माइटोकॉन्ड्रिया, ऑक्सीडेटिव तनाव और कोशिका मृत्यु के त्रिक में माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के पीई/पीपीई प्रोटीन की भूमिका। माइक्रोबियल पैथोजेनेसिस, 193, 106757। https://doi.org/10.1016/j.micpath.2024.106757
- प्रियंका शर्मा, एस., जोशी, एच., कुमार, सी., वसीम, आर., और शर्मा, एम. (2024). माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस प्रोटीन PPE15 (Rv1039c) में यूकेरियोट जैसा SH3 डोमेन होता है जो NADPH ऑक्सीडेज संयोजन और रिएक्टिव ऑक्सीजन स्पीशीज़ के उत्पादन में बाधा डालता है। बायोकेमिका एट बायोफिज़िका एक्टा (BBA)-मॉलिक्यूलर सेल रिसर्च, 1871(4), 119702. https://doi.org/10.1016/j.bbamcr. 2024.119702
- पुरी, पी. (2024). ओज़ोन और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड गैस का दिल्ली-भौगोलिक पैटर्न (2019-2021), विशेष रूप से कोविड-19 लॉकडाउन अवधि के संदर्भ में। *एडवांस इन ज्योग्राफिकल एंड एनवायर्नमेंटल साइंसेज* (पृष्ठ 131-145) में। doi:10.1007/978-981-96-0605-4_8

- पुरी, पी. (2024). भारत में शहरी और ग्रामीण महिलाओं में मधुमेह के बारे में भौगोलिक जानकारी: एनएफएचएस-4 और एनएफएचएस-5 डेटाबेस का अन्वेषण। *न्यू फ्रंटियर्स इन रीजनल साइंस: एशियन पर्सपेक्टिव्स* (पृष्ठ 183-195) में। doi:10.1007/978-981-97-8872-9_10
- पुरी, पी. (2024). उल्लेखनीय नवंबर: तमिलनाडु (भारत) में 2015 और 2021 की बाढ़ का भौगोलिक व्यवहार। एकेडेमिया: एक अंतर्राष्ट्रीय बहुविषयक शोध पत्रिका, 14(12), 81-90.
- पुरी, पी. (2024). मिज़ोरम के लिए रिमोट सेंसिंग के माध्यम से फाफस्टेटर कोड आधारित जलग्रहण सीमांकन, भूवैज्ञानिक प्रेक्षण, भूमि आवरण और जनसंख्या घनत्व विश्लेषण: भारत के डिजिटल जलग्रहण एटलस में सहायता और/या सुधार। *एडवांस इन ज्योग्राफिकल एंड एनवायर्नमेंटल साइंसेज* (पृष्ठ 277-294) में। doi:10.1007/978-981-97-2100-9_16
- पुरी, पी. (2024a). हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और भारत के सात सहयोगी राज्यों के लिए जलवायु परिवर्तन के दौर में कोविड-19 लॉकडाउन और वनाग्नि: एक स्थानिक-कालिक व्याख्या (2012-2022)। *ग्लोबल साउथ में जलवायु परिवर्तन और क्षेत्रीय सामाजिक-आर्थिक व्यवस्थाओं में* (पृष्ठ 395-409)। doi:10.1007/978-981-97-3870-0_19
- पुरी, पी. (2025). भू-नैतिकता का उभरता हुआ क्षेत्र—लेकिन क्या यह हमारे लिए नया है? एकेडेमिकिया: एक अंतर्राष्ट्रीय बहुविषयक शोध पत्रिका, 15(1), 16-26.
- पुरी, पी., और पुरी, पी. (2024). जलीय कृषि पद्धतियों में डकवीड की जैव-संसाधन क्षमता: स्कोपस डेटाबेस के माध्यम से एक अद्यतन ग्रंथसूची विश्लेषण। एकेडेमिया: एक अंतर्राष्ट्रीय बहुविषयक शोध पत्रिका, 14(11), 15-28।
- राणा, ए., महापात्रा, ए., देवलाल, जी., कौर, पी., और शर्मा, एस.के. (2025)। किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य पर सोशल मीडिया का मनोवैज्ञानिक प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंस, 10(1)।
- राणा, एस., कुमार, वाई., कौशिक, आर., और कुमार, एल.एस. (2024). जल शोधन के लिए धातु-कार्बनिक ढाँचों में हालिया विकास: एक लघु समीक्षा। *केमिस्ट्रीसेलेक्ट, 9* (35)। doi:10.1002/slct.202403309
- रानी, एन., खान, वाई., यादव, एस., सैनी, के., और मैती, डी. (2024). विभिन्न कार्सिनोमा में धातु ऑक्साइड नैनोकणों का अनुप्रयोग। *जर्नल ऑफ नैनोथेरानोस्टिक्स, 5* (4), 253-272। doi:10.3390/jnt5040015
- साहा, आर., नेहा, ठुकराल, ए., पाल, ए., और सैनी, पी. (2024). फोटोवोल्टिक अनुप्रयोगों के लिए सूर्य के प्रकाश के प्रति संवेदनशील सुपरहाइड्रोफिलिक rGO-TiO2 नैनोकम्पोजिट कोटिंग्स। *डायमंड एंड रिलेटेड मटेरियल्स, 149* (111603), 111603। doi:10.1016/j.diamond.2024.111603

- साहा, आर., नेहा, ठुकराल, ए., पाल, ए., और सैनी, पी. (2025)। तकनीकी अनुप्रयोगों के लिए जीवन-अंत सौर पैनल अपशिष्ट से क्रियाशील सिलिका नैनोकणों के संश्लेषण हेतु एक सरल अपशिष्ट-से-संपदा दृष्टिकोण। *संसाधन, संरक्षण और पुनर्चक्रण, 215* (108059), 108059। doi:10.1016/j. resconrec.2024.108059
- सैनी, के., और शर्मा, एस. (2023)। सोडियम/ग्लूकोज को-ट्रांसपोर्टर 2 अवरोधकों के शक्तिशाली मधुमेह-रोधी औषधि कारकों के रूप में QSAR अध्ययन। *केमिकल इंजीनियरिंग के सैद्धांतिक आधार, 57* (S1), S51-S56। doi:10.1134/s004057952307014x
- सैटो, आरके, हेम्पेल, एम., अलोंसो-गार्सिया, जे., लुकास, पीडब्लू, मिन्निटी, डी., अलोंसो, एस., ज़ोकाली, एम. (2024). विया लैक्टिया एक्सटेंडेड (वीवीवीएक्स) ईएसओ सार्वजनिक सर्वेक्षण में विस्टा वेरिएबल्स: टिप्पणियों और विरासत का समापन। *खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी.* doi:10.1051/0004-6361/ 202450584
- सलीम, एस., हसन, एन., खट्टर, ए., जैन, पीआर, गुप्ता, टीके, और मेहरोत्रा, एम. (2024). DeLTran15: आपदा पोस्ट्स ऑन X के बहु-वर्गीय वर्गीकरण के लिए एक गहन, हल्का ट्रांसफ़ॉर्मर-आधारित ढाँचा। *IEEE Access, 12,* 153676-153693। https://doi.org/10.1109/access.2024.3478790
- सलीम, एस., हसन, एन., खट्टर, ए., जैन, पीआर, गुप्ता, टीके, और मेहरोत्रा, एम. (2024). DeLTran15: आपदा पोस्ट्स ऑन X के बहुवर्गीय वर्गीकरण के लिए एक गहन, हल्का ट्रांसफार्मर-आधारित ढाँचा। IEEE Access, 12, 153676-153693। https://doi.org/10.1109/access.2024.3478790
- सलीम, एस., खट्टर, ए., और मेहरोत्रा, एम. (2024). ADA-DR: आपदा प्रतिक्रिया के लिए एक प्रतिकूल डोमेन अनुकूलन ढाँचा, जो आपदा छवियों के बहु-वर्गीय वर्गीकरण हेतु कोल्ड-स्टार्ट समस्या का समाधान करता है। एसएन कंप्यूटर विज्ञान , 5(8)। https://doi.org/10.1007/s42979-024-03360-9
- सेनगुप्ता, एस., महिलकर सोनकर, एस., और सोनकर, ए. (2025)। सरल हरित ट्रांसएस्टरीफिकेशन: 3,5-डाइनाइट्रोबेंजोएट्स के संश्लेषण के लिए एक स्नातक प्रयोगशाला दृष्टिकोण। *वर्ल्ड जर्नल ऑफ केमिकल एजुकेशन, 13* (1), 17-18। doi:10.12691/wjce-13-1-3
- शाक्य, आर., कुमारी, आर., वर्मा, डी., और गीतांजलि, ई. (2024). एस्टेरेसी से पराग एलर्जी कारकों की रूपात्मक और जैव रासायनिक रूपरेखा: एक प्रायोगिक अध्ययन। *द बॉटनिकल रिव्यू; इंटरप्रेटिंग बॉटनिकल प्रोग्रेस, 90* (4), 345-375। doi:10.1007/s12229-024-09307-2
- शर्मा, बी., गुप्ता, आर., चौधरी, ए., और तोमर, एम. (2024). पंप और प्रोब तकनीक का उपयोग करके Mg प्रतिस्थापित ZnO पतली फिल्मों में प्रकाश अपवर्तन की क्रियाविधि का

अध्ययन। *मैटेरियल्स केमिस्ट्री एंड फिजिक्स, 319,* 129375। https://doi.org/10.1016/j.matchemphys.2024.129375

- शर्मा, बी., गुप्ता, आर., शर्मा, ए., चौधरी, ए., और तोमर, एम. (2025)। गति में शक्ति: केएनएन-पीडीएमएस स्व-पक्षपाती लचीले पीज़ोइलेक्ट्रिक नैनोजनरेटर। मैटेरियल्स टुडे कम्युनिकेशंस, 44, 112140. https://doi.org/ 10.1016/j.mtcomm.2024.112140
- शर्मा, बी., शर्मा, ए., गुप्ता, आर., चौधरी, ए., वर्मा, एम., और तोमर, एम. (2024). सीसा रहित KNN-PVDF कम्पोजिट की लचीली चादरें: एक टिकाऊ पायरोइलेक्ट्रिक ऊर्जा संचयक। *सेरामिक्स इंटरनेशनल, 50* (22)। https://doi.org/10.1016/j.ceramint.2024.09.049
- शर्मा, एच., कुमार, एम., राज भट्ट, पी., सिंह, पी., और राठी, बी. (2024). जलीय माध्यम में 2-(2-ऑक्सो-2-एरिल/एल्काइलएथिल)बेंज़ोनाइट्राइल की अग्रानुक्रम अभिक्रिया द्वारा असुरक्षित अमीनो अम्ल औषधियों का धातु-रहित विविधीकरण। *रसायन-विज्ञान (वेनहाइम एन डेर बर्गस्ट्रास, जर्मनी), 30* (61), e202402214। doi:10.1002/chem.202402214
- शर्मा, एच., वशिष्ठ, एन., सुमन, पी., ठाकुर, ए., और यादव, वाई. (2024). मृदा कीटनाशक संदूषण की प्रतिक्रिया में केंचुओं द्वारा कोकून उत्पादन का आकलन। *करेंट एग्रीकल्चर रिसर्च जर्नल, 12* (2), 836-843। doi:10.12944/carj.12.2.26
- शर्मा, एच., वशिष्ठ, एन., सुमन, पी., ठाकुर, ए., और यादव, वाई. (2024). मृदा कीटनाशक संदूषण की प्रतिक्रिया में केंचुओं द्वारा कोकून उत्पादन का आकलन। *करेंट एग्रीकल्चर रिसर्च जर्नल, 12* (2), 836-843। doi:10.12944/carj.12.2.26.
- शर्मा, एस., मलिक, एस.के., बानो, जेड., और गुप्ता, आर. (2025). उच्च बहुलता घटनाओं में कणों के स्थानिक वितरण के सामान्यीकृत कारकीय आघूर्ण: एक खिलौना मॉडल अध्ययन. न्यूक्लियर फिजिक्स ए, 1053, 122963. https://doi.org/10.1016/j.nuclphysa.2024.122963
- सिंह, ए., महापात्रा, एस., तोमर, एम., चौधरी, ए., और सिंह, वी. (2025)। मेसोपोरस SnO2 द्वारा प्राप्त निम्न तापमान NO2 गैस संवेदन। *जर्नल ऑफ अलॉयज़ एंड कंपाउंड्स, 1013* (178592), 178592। doi:10.1016/j.jallcom. 2025.178592.
- सिंह, ए., वत्स, एम., महापात्रा, एस., तोमर, एम., चौधरी, ए., और सिंह, वी. (2023)। कम तापमान पर NO2 का पता लगाने के लिए टेम्पलेट-सहायता प्राप्त मेसोपोरस SnO2 आधारित गैस सेंसर। *जर्नल ऑफ पोरस मटेरियल्स।* doi:10.1007/s10934-023-01528-x
- सिंह, बी., और गुप्ता, जी. (2024). माइक्रोफ्लुइडिक उपकरणों में प्रवाह प्रतिरोध पर द्रव गुणों का प्रभाव. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी एजुकेशनल रिसर्च (आईजेएमईआर), 13(11(3)), 208-215.

- सिंह, बी., और कुमार, आर. (2024). हवा और पानी में अशांत प्रवाह के लिए प्रवाह दृश्य तकनीकें. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी एजुकेशनल रिसर्च (आईजेएमईआर), 13(11(3)), 80-88.
- सिंह, एच., सुरभि, और सिंह, सी. (2024). पंडिता रमाबाई: पितृसत्ता को चुनौती देने और महिला अधिकारों की वकालत करने में अग्रणी। समाज और राजनीति, 14(1), 38-43.
- सिंह, जे.पी., शर्मा, ए., तोमर, एम., और चौधरी, ए. (2024). NO2 गैस के निम्न-तापमान पता लगाने के लिए WO3 और WO3-SnO2 मिश्रित-आधारित सेंसर। *जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक मैटेरियल्स, 53* (11), 6688-6699। doi:10. 1007/s11664-024-11381-6
- सिंह, जे.पी., शर्मा, ए., वर्मा, एम., तोमर, एम., और चौधरी, ए. (2025)। यूवी-सक्रिय MoO3 लेपित क्वार्ट्ज क्रिस्टल माइक्रोबैलेंस (QCM) सेंसर का उपयोग करके कमरे के तापमान पर डाइब्यूटाइल सल्फाइड (DBS) के ट्रेस-स्तर पर पता लगाने की क्रियाविधि। *सेंसर और एक्चुएटर्स। बी, केमिकल, 426* (137102), 137102। doi:10.1016/j.snb.2024.137102
- सिंह, के., आर्य, पी., वशिष्ठ, एन., राजपति, ए., रैना, ए., सियाग, एच., और बावेजा, वी. (2024). मनोभ्रंश को ठीक करने में करकुमा लोंगा, विथानिया सोम्नीफेरा, जिन्कगो बिलोबा की प्रभावकारिता: एक सहक्रियात्मक फार्माकोथेरेपी। *बायोस्कैन, 19* (1), 01-18।
- सिंह, पी. (2024). अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष 2023 का उत्सव: आज़ादी के बाद से अमृत काल तक भारत में सतत खाद्य सुरक्षा का विश्लेषण बाजरे के दृष्टिकोण से। *भारतीय लोक प्रशासन पत्रिका, 70* (4), 788-800. https://doi.org/10.1177/00195561241251382
- सिंह, एस. (2023). पंचतंत्र में लैंगिक भूमिकाएँ: प्रतिनिधित्व और निर्माण. साउथ इंडिया जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज, 21(8), 167-175.
- सिंह, एस. (2023). पितृसत्तात्मक समाज में संपत्ति और मातृत्व के बीच अंतर्संबंध: प्रारंभिक ऐतिहासिक और प्रारंभिक मध्यकालीन भारत पर एक नज़र. जर्नल ऑफ़ द एशियाटिक सोसाइटी ऑफ़ मुंबई, 96(16), 139-143.
- सिंह, टी., ठकरान, वाई., श्वेता, कुमार, एस., ठाकुर, आर.के., शर्मा, एन.के., और कुमारी, ए. (2024). भारतीय औषधीय पौधों की शक्ति का दोहन: हर्बल चिकित्सा में पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक अनुप्रयोग। *जर्नल ऑफ केमिकल हेल्थ रिस्क, 14* (4), 261-270।
- सिंह, टी., ठकरान, वाई., श्वेता, कुमार, एस., ठाकुर, आर.के., शर्मा, एन.के., और कुमारी, ए. (2024). भारतीय औषधीय पौधों की शक्ति का दोहन: हर्बल चिकित्सा में पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक अनुप्रयोग। *जर्नल ऑफ केमिकल हेल्थ रिस्क, 14* (4), 261-270।
- सिन्हा, आर.वी. (2024). बोधि पाठ प्रदीप की नैतिक शिक्षाएँ: कुछ विचार. जर्नल ऑफ फाउंडेशनल रिसर्च, 32(2), 126-134.

- सिन्हा, आर.वी. (2025). कन्या भ्रूण हत्या के मुद्दे पर नैतिक और दार्शनिक दृष्टिकोण. विद्यावर्त, 53(9), 50-54.
- सिन्हा, आर.वी. (2025). वैदिक दर्शन में पारिस्थितिक चिंतन. प्रिंटिंग एरिया, 123(2), 48-52.
- सिन्हा, आर.वी. (2025)। विवेकानन्द की दृष्टि में धर्म का स्वरूप और मार्ग। वाकसुधा, 43, 117-122.
- सोनकर, एस.एम., सेनगुप्ता, एस., सोनकर, ए., बाहरी, एस., और रॉय, एस.एस. (2025)। शर्करा का ओसाज़ोन निर्माण: स्नातक प्रयोगशाला के लिए एक हरित रसायन-विज्ञान रणनीति। *एशियन जर्नल ऑफ़ ग्रीन केमिस्ट्री, 9* (3), 246-254।
- सोनकर, एस.एम., सेनगुप्ता, एस., सोनकर, ए., बाहरी, एस., और सिन्हा रॉय, एस. (2025)। शर्करा का ओसाज़ोन निर्माण: स्नातक प्रयोगशाला के लिए एक हरित रसायन-विज्ञान रणनीति। *एशियन जर्नल ऑफ ग्रीन केमिस्ट्री, 9(* 3), 246-254।
- ठाकुर, आर.के., शर्मा, एन.के., कुमार, एस., सिंह, एम., सिंह, टी., और कुमारी, ए. (2024). विकिरण-प्रेरित ग्राफ्ट कोपॉलीमराइजेशन द्वारा मिथाइल एक्रिलेट का पॉली(टेट्राफ्लुओरोएथिलीन-को-एथिलीन) फिल्म पर असंतत विधि द्वारा। *अफ्रीकन जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल साइंस, 6* (3)।
- ठाकुर, आर.के., शर्मा, एन.के., कुमार, एस., सिंह, एम., सिंह, टी., और कुमारी, ए. (2024). विकिरण-प्रेरित ग्राफ्ट कोपॉलीमराइजेशन द्वारा मिथाइल एक्रिलेट का पॉली(टेट्राफ्लुओरोएथिलीन-को-एथिलीन) फिल्म पर असंतत विधि द्वारा। अफ्रीकन जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल साइंस, 6(3), 508-523।
- ठुकराल, ए., तुलसीरामन, ए.वी., वुप्पलादियम, ए.के., पटेल, एस.के., जेना, एम.के., शाह, के., सैनी, पी. (2025)। एफआर-2 और एफआर-4 प्रकार के मुद्रित परिपथ बोर्डों का संकर गतिज विश्लेषण: एक तापग्राविमेट्रिक विश्लेषण। सर्कुलर इकोनॉमी, 4(1), 100125. doi:10.1016/j.cec.2024.100125
- त्यागी, एम., राज, वी.बी., और तोमर, एम. (2024). गहरे-पराबैंगनी क्षेत्र में संचालित उच्च-लाभ NiO/ZnO हेटेरोजंक्शन फोटोडायोड। थिन सॉलिड फिल्म्स, 798(140389), 140389। doi:10.1016/j.tsf.2024.140389
- उपाध्याय, सी., भट्टाचार्य, एस., कुमार, एस., वशिष्ठ, के., झांग, एक्स., गगनॉन, डी., ... सिंह, पी. (2025)। संभावित एंटीप्लास्मोडियल उम्मीदवारों के रूप में फ्लोरिनेटेड पाइपेराज़ीन-हाइड्रॉक्सीएथिलएमाइन एनालॉग्स का संश्लेषण और मूल्यांकन। केममेडकेम, 20(4), e202400616. doi:10.1002/cmdc. 202400616

- उपाध्याय, सी., भट्टाचार्य, एस., कुमार, एस., वशिष्ठ, के., झांग, एक्स., गगनॉन, डी., सिंह, पी., झान, पी., रिचर्ड, डी., राठी, बी., सिंह, एपी, और सिंह, पी. (2024). संभावित एंटीप्लास्मोडियल उम्मीदवारों के रूप में फ्लोरिनेटेड पाइपेराज़ीन-हाइड्रॉक्सीएथिलएमाइन एनालॉग्स का संश्लेषण और मूल्यांकन। केममेडकेम। https://doi.org/10.1002/cmdc.202400616

- उपाध्याय, एस.के., बी. बबीता, बी., सिंह, एम., सहरावत, एन., सिंह, आर., पांडे, वाई.पी., और वशिष्ठ, एन. (2024). यमुना नदी, यमुना नगर (हरियाणा), भारत की मछली क्लेरियस बैट्राचस एल. में सेस्टोड्स लिटोसेस्टस हरियाणी के संक्रामक स्वरूप पर घुली हुई ऑक्सीजन का प्रभाव। एशियन जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल एंड लाइफ साइंसेज, 13(2), 376-383। doi:10.5530/ajbls.2024.13.48

- वैशाली, शर्मा, एस., अलवान, ई., वर्मा, एन., जौहरी, एस., ज़हरानी, एल., ... रानी, एस. (2025)। इंडोल व्युत्पन्नों का चुंबकीय नैनोकण-उत्प्रेरित संश्लेषण: एक हरित और टिकाऊ विधि। मोनात्शेफ़्टे फ़ुर केमी, 156(3), 247-277. doi:10.1007/s00706-025-03295-8

- वशिष्ठ, एन., सुमन, पी., यादव, वाई., कुमारी, एस., ज़कारिया, एन और सिंह, एस.के. (2024). ड्रोसोफिला मेलानोगास्टर 'औषधीय पौधों के फाइटोकेमिकल प्रभावों के मूल्यांकन के लिए एक संभावित मॉडल जीव'। जर्नल ऑफ एनवायरनमेंट एंड बायो-साइंस, 38(02), 165. doi:10.59467/jebs.2024.38.165

- यादव, जी., और दुबे, जे.पी. (2024). रिपोर्टों में पर्यावरणीय चिंताओं की अवधारणाओं, प्रथाओं और नीतियों का पता लगाना। वर्तमान विश्व पर्यावरण, 19(2), 790-795। https://doi.org/10.12944/cwe.19.2.22

- यादव, एस., रानी, एन., आरती, और सैनी, के. (2025)। रोजा रूबिजिनोसा पौधे की पंखुड़ियों के अर्क से संश्लेषित ZnO नैनोकणों का उपयोग करके विषाक्त कार्बनिक रंग (मिथाइलीन ब्लू) का प्रकाश उत्प्रेरक विघटन। बायोमास रूपांतरण और बायोरिफाइनरी, 15(9), 13881-13897। doi:10.1007/s13399-024-06175-z

पत्रिकाएं

- आलम, एस.एम., सरवर, एम., भट, एम.एन., तोमर, एम., और अली, जे. (2024). टैंटालम ऑक्साइड (Ta2O5) धातु नैनोकणों द्वारा संशोधित उच्च प्रदर्शन वाले रसायन प्रतिरोधी कार्बन-नैनोट्यूब अमोनिया गैस सेंसर सतह। *एमआरएस एडवांस, 9(18),* 1454-1459। 10.1557/s43580-024-00941-x

- आलम, एस.एम., सरवर, एम., सादिक, एम., भट, एम.एन., तोमर, एम., और अली, जे. (2025)। धातु नैनोकणों से सजे छिद्रयुक्त बहुदीवार वाले कार्बन नैनोट्यूब में अमोनिया गैस

संवेदन गुणों में वृद्धि: Mn की सांद्रता का प्रभाव। *प्राकृतिक विज्ञान में प्रगति: नैनोविज्ञान और नैनोप्रौद्योगिकी, 16(1),* 015003. 10.1088/2043-6262/ada000

- अग्रवाल गीता और अग्रवाल सीमा (2024). डिजिटल भुगतान धोखाधड़ी: पहचान और पूर्वानुमान। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेशन एंड मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च, 4(2),* 47-53। https://ijiamr.cmrie.org/Issue/Detail/2110
- अग्रवाल गीता, अग्रवाल सीमा, आहूजा हरिता, नारंग सुनीता। (2024). निर्णय लेने में सहायता के लिए बाढ़ भेद्यता सूचकांक। *टेल्कोम्निका (दूरसंचार, कंप्यूटिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और नियंत्रण), 22(6),* 1431-1442। http://doi.org/10.12928/ telkomnika.v22i6.26272
- अग्रवाल सीमा, अग्रवाल गीता और बंसल मनीषा (2024). विभिन्न एमसीडीएम तकनीकों और भारांकन तंत्रों का महिला भेद्यता सूचकांक पर प्रभाव। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट सिस्टम्स एंड एप्लीकेशन्स इन इंजीनियरिंग, 12 (21s),* 3291-3299। https://www.ijisae.org/index.php/IJISAE/article/view/6020
- अहमद, टी., जिंदल, के., तोमर, एम., और झा, पी.के. (2024). स्पंदित लेज़र निक्षेपण तकनीक द्वारा विकसित SBN60 पतली फिल्मों में Ca प्रतिस्थापन द्वारा संवर्धित विद्युत-ऑप्टिक गुण। *ऑप्टिकल मटेरियल, 157,* 116364. 10.1016/j.optmat.2024.116364।
- अनीता कुमारी*, तरुणा सिंह, संदीप कुमार, राज कुमार ठाकुर, सल्फ्यूरिक एसिड माध्यम में माइल्ड स्टील के लिए संक्षारण अवरोधक के रूप में इमिडाज़ोलियम-आधारित आयनिक द्रव का प्रायोगिक और सतही रूपात्मक अध्ययन, एशियन जर्नल ऑफ केमिस्ट्री 2946-2950, 12 (2024), |ISSN: 0970-7077. https://doi.org/10.14233/ajchem.2024.32857
- अनीता कुमारी, तरुणा सिंह**,** संदीप कुमार, राज कुमार ठाकुर, सल्फ्यूरिक एसिड माध्यम में माइल्ड स्टील के लिए संक्षारण अवरोधक के रूप में इमिडाज़ोलियम-आधारित आयनिक द्रव का प्रायोगिक और सतही रूपात्मक अध्ययन, एशियन जर्नल ऑफ केमिस्ट्री 2946-2950, 12 (2024), आईएसएसएन: 0975-427X (ऑनलाइन) | आईएसएसएन: 0970-7077. https://doi.org/10.14233/ajchem.2024.32857
- अनीता कुमारी, तरुणा सिंह, शिंजिनी भट्टाचार्य, संदीप कुमार, राज कुमार ठाकुर, टैगेट्स पटुला एल की भारतीय किस्मों से प्राप्त ल्यूटिन के जैविक और पोषण संबंधी महत्व की समीक्षा, बहुविषयक क्षेत्र में नवीन अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ISSN:2455-0620**.** 10.2015/IJIRMF/2025004005.
- बहुगुणा, इंदिरा प्रसाद ट्रांस. "बैलाड ऑफ मढ़ौरा", *भारतीय साहित्य,* संख्या 345, जनवरी-फरवरी, 2025, पृ.81-83 एम. जब्बार आलम और नागेंद्र प्रसाद सिंह ने *मास्टर अजीज के कीर्तन में "गीत नंबर 1" संपादित किया,* विश्व भोजपुरी सम्मेलन, नई दिल्ली: 2003, पृ.42-44.

- बनर्जी, सुष्मिता (2024). फ़ारसी साहित्यकार, इस्लाम और राजनीति: अब्द अल-हक़ देहलवी के ग्रंथों में एक मुसलमान होना. *दक्षिण एशिया: जर्नल ऑफ़ साउथ एशियन स्टडीज़, 46* (6), 1115-1133.
- बंसल मनीषा, अग्रवाल गीता और अग्रवाल सीमा (2024). दंड सहित एकसमान क्षमता वाली सुविधा स्थान समस्या के लिए A3-अनुमान एल्गोरिथ्म। *जर्नल ऑफ इलेक्ट्रिकल सिस्टम्स, 20(7s),* 461-468। https://journal.esrgroups.org/jes/article/view/3341
- भारद्वाज, ए., और रे, डी. (2024). घर और दुनिया: भारतीय चित्र पुस्तकों में सामाजिक-स्थानिक गतिशीलता और पहचान-निर्माण का विश्लेषण। *आईएएफओआर जर्नल ऑफ कल्चरल स्टडीज, 9(2)।*
- भाटिया, आर. (2024, अप्रैल)। भारतीय लोक कथाओं में लैंगिक और हास्य-पंचतंत्र। *वैंटेज: जर्नल ऑफ थीमैटिक एनालिसिस, 5* (1), 67-77। आईएसएसएन: 2582-7391।
- भाटिया, आर. (2024, जुलाई)। लैंगिक को समझने के लिए एक ब्रिकोलर दृष्टिकोण: खेलों में लैंगिक और लैंगिक परीक्षण। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव रिसर्च इन टेक्नोलॉजी,* 106-118। आईएसएसएन: 2349-6002।
- भाटिया, आर. (2024, 29 जून)। भारत में हास्य और ऑनलाइन नारीवाद। *सार्क जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज,* 147-162। आईएसएसएन: 25839950।
- भाटिया, आर. (2024, 12 मई)। नारीवादी पद्धति का विश्लेषण। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव रिसर्च इन टेक्नोलॉजी, 10,* 1819-1828। आईएसएसएन: 2349-6002।
- भाटिया, आर., और कुमार, एम. (2024, अप्रैल-जून)। बदलते हाशिये: पेरी-अर्बन यमुना किसानों की दृश्यता और अदृश्यता। *एचआरसी जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंस, 2* (2), 1-16। आईएसएसएन: 2583 - 8814।
- भाटिया, आर., और कुमार, एम. (2024, अप्रैल)। 'एक नदी का शहरीकरण: यमुना और दिल्ली की जुड़वां कहानियाँ। *एक्सप्लोरेशन, आईएसएस ई-जर्नल, 8* (1), 127-158। आईएसएसएन: 2581-5741.
- भाटिया, आर., एम. कुमार (2024). बदलते हाशिये: पेरी-अर्बन यमुना किसानों की दृश्यता और अदृश्यता। *एचआरसी जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंस 2* (2), 1-16.
- बिक्रम सिंह और गौरव गुप्ता, माइक्रोफ्लुइडिक उपकरणों में प्रवाह प्रतिरोध पर द्रव गुणों का प्रभाव, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी एजुकेशनल रिसर्च (आईजेएमईआर), खंड: 13, अंक: 11 (3), नवंबर: 2024, पृष्ठ 208-215।

- बिक्रम सिंह और रवि कुमार, हवा और पानी में अशांत प्रवाह के लिए प्रवाह दृश्य तकनीक, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी एजुकेशनल रिसर्च (आईजेएमईआर), खंड: 13, अंक: 11 (3), नवंबर: 2024, पृष्ठ 80-88।
- चंचल, एन., जिंदल, के., तोमर, एम., और झा, पी.के. (2024). In2Se3 पतली फिल्मों का उपयोग करके एक स्व-चयनकर्ता और स्व-सही चार्ज-ट्रैप-आधारित प्रतिरोधक स्विचिंग उपकरण। *एसीएस एप्लाइड इलेक्ट्रॉनिक मैटेरियल्स, 6* (5), 3742-3753। 10.1021/acsaelm.4c00386
- चंचल, एन., सिंह, जे.पी., जिंदल, के., तोमर, एम., और झा, पी.के. (2024). पीएलडी द्वारा विकसित In2Se3 पतली फिल्मों का उपयोग करके एक नवीन फोटोइलेक्ट्रोकेमिकल-आधारित जल विभाजन और यूरिक एसिड बायोसेंसिंग। *इलेक्ट्रोकेमिका एक्टा, 505,* 144933।
- चौधरी, जे.एस., धारीवाल, एन., ग्रोवर, के., तोमर, एम., झा, आर., और शर्मा, ए. (2025)। लचीले पीईडीओटी: पीएसएस-आधारित फोटो-थर्मोइलेक्ट्रिक जनरेटर द्वारा उन्नत ऊर्जा संचयन। *एसीएस एप्लाइड एनर्जी मैटेरियल्स, 8* (1), 611-622। 10.1021/acsaem.4c02925
- चौधरी, जे.एस., ग्रोवर, के., तोमर, एम., शर्मा, ए., और झा, आर. (2024). एंटीमनी टेल्यूराइड वृद्धि के लिए स्व-संरेखित छाया मास्किंग: एकल-पैर वाले थर्मोइलेक्ट्रिक ऐरे डिज़ाइन में नवीन प्रगति। *मैटेरियल्स केमिस्ट्री एंड फिजिक्स, 326,* 129752। https://doi.org/10.1016/j.matchemphys.2024.129752
- कर्टो, आर.ई., दत्त, जी., गुप्ता और बी.बी. (2024). एन-टोरस के हार्डी स्पेस पर हैंकेल और टोप्लिट्ज़ ऑपरेटरों की क्रमविनिमेयता। *बुलेटिन डेस साइंसेज मैथमैटिक्स, 194.* 10.1016/j.bulsci.2024.103466
- दत्त, जी., गुप्ता और बी.बी. (2024). तिरछे हैंकल ऑपरेटरों के कुछ सामान्यीकरणों को प्रेरित करने वाले ऑपरेटर समीकरण। *एक्टा मैथमैटिका सिनिका, अंग्रेज़ी श्रृंखला,* 40(8), 2017-2036। 10.1007/s10114-024-3084-3
- दीपाली**,** कुमार, एस., एलंगबाम, जी।, शाक्य, आर।, कुमारी,आर., नाथ, जी., &अस्थाना, आर.के. (2025). अंटार्कटिक साइनोबैक्टीरियम *नोस्टॉक* CCC537: सहक्रियात्मक रूप से सक्रिय जीवाणुरोधी पदार्थों का खजाना। *अफ़्रीकी जे.बायो.एससी.* (स्कोपस इंडेक्स) *7(1)* (2025) *आईएसएसएन: 2663-2187.* https://doi.org/10.48047/AFJBS.7.1.2025.8-28.
- देवी, एल.आर., नाओरेम, बी.डी., चौधरी, ए., शर्मा, एच.बी. (2024) यांत्रिक ऊर्जा संचयन अनुप्रयोग के लिए लचीले पीवीडीएफ/बी.ए.सटी नैनोकंपोजिट। *जर्नल ऑफ अलॉयज़ एंड कंपाउंड्स,* 1004, 175762। http://dx.doi.org/10.2139/ssrn.4839858
- देवी, एलआर, नाओरेम, बीडी., चौधरी, ए., शर्मा, एचबी (2024) Ba1-xSrxTiO3 नैनोपाउडर के संरचनात्मक और विद्युत गुणों पर Sr2+ आयन सामग्री का प्रभाव, *जर्नल ऑफ मैटेरियल्स साइंस: मैटेरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स,* 35, 2089. 10.1007/ s10854-024-13841-5

- डॉ. अमिता राणा, डॉ. अभिनाश महापात्रा, डॉ. गुंजन देवलाल, डॉ. परमिंदर कौर और प्रो. (डॉ.) सीमा कौशिक शर्मा। *किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य पर सोशल मीडिया का मनोवैज्ञानिक प्रभाव।* खंड 10 अंक 1 (2025): इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंस, आईएसएसएन: 2208-2174।
- डॉ. अंजू लूथरा, डॉ. अमिता राणा, डॉ. सीमा कौशिक शर्मा। *भारतीय महिला एथलीटों में डोपिंग उल्लंघनों के परिदृश्य और उनके स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों को समझना।* यूजीसी केयर लिस्टेड-श्रीवैष्णवी (वार्षिक प्रकाशन): भाग 4, आईएसएसएन: 7552-2779।
- घोष, सी., बिष्ट, के., शैली, ए., और कुमारी, आर.* (2024). एक शैक्षणिक संस्थान के छात्रों में आकार-पृथक बायोएरोसोल सांद्रता, निक्षेपण अंश और अंतःश्वसन खुराक का मूल्यांकन: स्वास्थ्य जोखिम मूल्यांकन हेतु एक केस स्टडी। *वायु गुणवत्ता, वायुमंडल और स्वास्थ्य, 17* (11), 2693-2709।
- ग्रोवर एम.बी, गुप्ता आर., जैन पी.आर., अग्रवाल एस., अग्रवाल जी., खट्टर ए.. भारत में ऑनलाइन शिक्षा का मूल्यांकन: शिक्षकों की अंतर्दृष्टि *जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल एनालिसिस एंड एप्लीकेशन, 13(7),* 374-382. https://eudoxuspress.com/index.php/pub/article/view/1053
- ग्रोवर, एम.बी., गुप्ता, आर., जैन, पी.आर**.,** अग्रवाल, एस., अग्रवाल, जी., और खट्टर, ए. (2024). भारत में ऑनलाइन शिक्षा का मूल्यांकन: शिक्षकों की अंतर्दृष्टि। जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल एनालिसिस एंड एप्लीकेशन (JoCAAA), 33(7), 374-382। https://eudoxuspress.com/index.php/pub/article/view/1053
- ग्रोवर, एम.बी., गुप्ता, आर., जैन, पी.आर., अग्रवाल, एस., अग्रवाल, जी., और खट्टर, ए. (2024). भारत में ऑनलाइन शिक्षा का मूल्यांकन: शिक्षकों की अंतर्दृष्टि। *जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल एनालिसिस एंड एप्लीकेशन, 33* (7), 374-382।
- ग्रोवर, एम.बी., गुप्ता, आर., जैन, पी.आर., अग्रवाल, एस., अग्रवाल, जी., और खट्टर, ए. (2024). भारत में ऑनलाइन शिक्षा का मूल्यांकन: शिक्षकों की अंतर्दृष्टि। *जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल एनालिसिस एंड एप्लीकेशन, 33* (7)।
- ग्रोवर, एम.बी., गुप्ता, आर., जैन, पी.आर., अग्रवाल, एस., अग्रवाल, जी., खट्टर, ए. (2024). भारत में ऑनलाइन शिक्षा का मूल्यांकन: शिक्षकों की अंतर्दृष्टि। जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल एनालिसिस एंड एप्लीकेशन, 33 (7), 374-382।
- गुप्ता बी, अग्रवाल एस, जोस एमएम (2024) गिरिडीह ज़िले, झारखंड, भारत का दीर्घकालिक मौसमी और वार्षिक वर्षा प्रवृत्ति विश्लेषण। एशियन जर्नल ऑफ़ वॉटर, एनवायरनमेंट एंड पॉल्यूशन 21:73-81। https://doi.org/10.3233/AJW240048

- गुप्ता बशाबी, अग्रवाल सीमा, जोस एम., मिलू (2024). सिक्किम, भारत में तापमान और वर्षा के पैटर्न के दीर्घकालिक रुझानों का एक व्यापक विश्लेषण। *जर्नल ऑफ क्लाइमेट चेंज, 10 (4),* 1-8। https://doi.org/10.3233/JCC240027
- गुप्ता बशाबी, अग्रवाल सीमा, जोस एम., मिलू (2024). झारखंड, भारत के गिरिडीह जिले का दीर्घकालिक मौसमी और वार्षिक वर्षा प्रवृत्ति विश्लेषण। *एशियन जर्नल ऑफ वाटर एनवायरनमेंट एंड पॉल्यूशन, 21(4),* 73-81। https://doi.org/10.3233/AJW2400
- गुप्ता, ए., यादव, एस., रानी एन., गुप्ता, के., सैनी, के. (2024)। *मेडागास्कर पेरीविंकल* की पत्ती के अर्क द्वारा संश्लेषित जिंक ऑक्साइड (ZnO) नैनोकणों के साथ विषाक्त मेथिलीन ब्लू डाई का अपघटन। *बायोमास रूपांतरण और बायोरिफाइनरी।* https://doi.org/10.1007/s13399-024-05711-1
- गुप्ता, बी., जोस, एम.एम., अग्रवाल, एस., और रंजन, ओ. (2024). सिक्किम, भारत में तापमान और वर्षा के पैटर्न के दीर्घकालिक रुझानों का एक व्यापक विश्लेषण। *जर्नल ऑफ क्लाइमेट चेंज, 10* (4), 1-8। https://doi.org/10.3233/JCC240027
- गुप्ता, बी., जोस, एम.एम., अग्रवाल, एस., और रंजन, ओ. (नवंबर, 2024)। सिक्किम, भारत में तापमान और वर्षा के स्वरूपों के दीर्घकालिक रुझानों का एक व्यापक विश्लेषण। जर्नल ऑफ क्लाइमेट चेंज, 10(4), 1-8। https://doi.org/ 10.3233/JCC240027
- गुप्ता, आर., राणा, एल., वर्मा, एम., शर्मा, ए., तोमर, एम., और चौधरी, ए. (2024). रासायनिक विलयन निक्षेपण तकनीक का उपयोग करके पीज़ेडटी-आधारित द्वि-ऊर्जा संचयक। *जर्नल ऑफ मैग्नेटिज्म एंड मैग्नेटिक मैटेरियल्स, 600,* 172152। https://doi.org/10.1016/j.matchemphys.2024.129375
- जैन, पी.आर., क़ादरी, एस.एम.के., और खट्टर, ए. (2024). ईएम-यूडीए: चेहरे की छवियों के वर्गीकरण के लिए अप्रशिक्षित डोमेन अनुकूलन का उपयोग करके भावनाओं का पता लगाना। *आईईईई एक्सेस।* https://doi.org/10.1109/ ACCESS.2024. 3467990
- जैन, पी.आर., क़ादरी, एस.एम.के., और खट्टर, ए. (2024). ईएम-यूडीए: चेहरे की छवियों के वर्गीकरण के लिए अप्रशिक्षित डोमेन अनुकूलन का उपयोग करके भावनाओं का पता लगाना। आईईईईई एक्सेस। https://doi.org/10.1109/ACCESS.2024.3467990
- जैन, पी.आर., क़ादरी, एस.एम.के., और खट्टर, ए. (2025). पीएम-वीआईटी: चेहरे के भावों का उपयोग करके मानसिक बीमारी के प्रति भावनाओं और प्रवृत्ति की पहचान के लिए एक ढाँचा। *जर्नल ऑफ़ कंप्यूटर साइंस , 21* (3), 479-493. https://doi.org/10.3844/jcssp.2025.479.493
- जैन, पी. आर., क़ादरी, एस.एम.के., खट्टर, ए., और खट्टर, ए. (2025)। पीएम-वीआईटी: चेहरे के भावों का उपयोग करके मानसिक बीमारी की ओर भावनाओं और प्रवृत्ति की पहचान के लिए

एक ढाँचा। जर्नल ऑफ़ कंप्यूटर साइंस , 21(3), 479-493। https://doi.org/10.3844/jcssp.2025.479.493

- जिंगर, सी., जिंदल, के., तोमर, एम., और झा, पी.के. (2025)। पीएलडी तकनीक का उपयोग करके विकसित α-In2Se3 पतली फिल्मों पर आधारित NO2 गैस सेंसर का निर्माण। *जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक मैटेरियल्स,* 135379. 10.1007/s11664-025-11807-9
- जोशी, ए., और रे, डी. (2024). इंद्रधनुष पढ़ना: समकालीन भारतीय चित्र पुस्तकों में विचित्रता को देखना. *मार्जिन, 13,* 147-172.
- ज्योत्सना, के., तोमर, एम., और फंजौबाम, एस. (2024). नवीन Na0.5Bi0.5TiO3-BaFe12-2xCoxTixO19 मल्टीफेरोइक कम्पोजिट में प्रबल चुंबकीय विद्युत युग्मन। *सिरेमिक्स इंटरनेशनल, 50* (18), 33189-33202। https://doi.org/10.1016/j.ceramint.2024.06.130
- ज्योत्सना, के., तोमर, एम., और फंजौबाम, एस. (2025)। PVDF-Na0.5Bi0. 5TiO3-BaFe12O19 कंपोजिट की चुंबकीय विद्युत और ऊर्जा संचयन क्षमताएँ। *सेरामिक्स इंटरनेशनल।* 10.1016/j.ceramint.2025.03.259
- कनोजिया, रीना। 2024. वैदिक साहित्य और उसके अभिनव योगदान। पुस्तक 'आधुनिक समय में वैदिक ज्ञान के अभिनव अनुप्रयोग: 29-36' में, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली। आईएसबी.ए.न-978-81-7702-523-1।
- कनोजिया, रीना. 2025. हेगेल के दर्शन में आत्मा (चेतना) की प्रकृति का विश्लेषण। पुस्तक 'दर्शन के आयाम' में। प्रोफेसर राघवेंद्र प्रताप सिंह को समर्पित : 149-162, डीके प्रिंट वर्ल्ड, नई दिल्ली। आईएसबी.ए.न: 978-81-246-1307-8
- कौर, बलवंत-(यू उठे आह उस गली से हम-विभाग, घर और औरतें) उन आह है उस गली से हम (अक्तूबर-दिसंबर 2024)। शबद पंजाबी जर्नल नंबर-108, 140-158
- कौशिक, बी. और राजेश्वरी, एस. (2024). एक समावेशी स्कूल में संसाधन कक्ष (आरआर)-क्या, क्यों और कैसे? एडुइंस्पायर-शिक्षक शिक्षा के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय ई-जर्नल परिषद, (5) 1.33-38।
- कौशिक, बी. और राजेश्वरी, एस. (2024). समावेशी कक्षाओं के लिए यूडीएल-आधारित सुलभ ई-सामग्री: अंतिम उपयोगकर्ता अनुभव। अंतर्राष्ट्रीय बौद्धिक विकलांगता जर्नल, https://www.rehabilitationjournals.com/intellectual-disability-Journal/archives/2024.v5.i1.A.41
- कुमार पी, डेका डी, हुसैन एम.ए., कुमार एम, चौधरी पी, सिंह एस, कामिल ए और बनर्जी ए. (2025). हिमाचल प्रदेश, भारत के लाहौल-स्पीति जिले में वर्षा और तापमान का प्रवृत्ति विश्लेषण. फ्रंट क्लिम. 6:1348132. 10.3389/fclim.2024.1348132

- कुमार, आर., पंवार, एल., पांचाल, डी., जगलान, ए., वर्मा, एस., कुमार, एम., सिंह, पी., राठी, बी. (2025). हाइड्रो- और ड्यूटेरो-डीहैलोजनीकरण अभिक्रियाएँ: सिद्धांतों और प्रथाओं का अवलोकन। *आणविक कटैलिसीस, 572,* 114789. https://doi.org/10.1016/j.mcat.2024.114789

- कुमार, एस., कुमार, डी., उपाध्याय, सी., बंसल, एम., राठी, बी., सिंह, पी. (2024) बायोएक्टिव स्कैफोल्ड के साथ सेल्यूलोज़ नैनोक्रिस्टल्स का कार्यात्मककरण: संश्लेषण, लक्षण वर्णन और जैविक अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स 282,* 136660. https://doi.org/10.1016/j.ijbiomac. 2024.136660

- लामिछाने, एस., तोमर, एम., चौधरी, ए., और शर्मा, एस. (2025)। द्विपरत BFO/WO3 पतली फिल्म संरचना की ऊर्जा भंडारण क्षमता पर लेज़र ऊर्जा परिवर्तन की भूमिका। *सेमीकंडक्टर प्रोसेसिंग में सामग्री विज्ञान, 188,* 109218। https://doi.org/10.1016/j.mssp.2024.109218

- लोचब, ए., बावेजा, एस., जिंदल, के., चौधरी, ए., तोमर, एम., और सक्सेना, आर. (2025)। क्रियाशील MWCNTs का उपयोग करके पैरासिटामोल का विद्युत-रासायनिक संवेदन: संगणनात्मक और प्रायोगिक विधियों का एकीकरण। *विश्लेषण और संवेदन, 5* (2), e202400098। 10.1002/anse.202400098

- लोचब, ए., बावेजा, एस., जिंदल, के., चौधरी, ए., तोमर, एम., और सक्सेना, आर. (2025)। एस्परैगाइन-संशोधित एमडब्ल्यूसीएनटी का उपयोग करके पैरासिटामोल की उपस्थिति में डाइक्लोफेनाक के विद्युत-रासायनिक पता लगाने पर प्रायोगिक और कम्प्यूटेशनल अंतर्दृष्टि। *माइक्रोकेमिकल जर्नल, 208,* 112430। https://doi.org/10.1016/j.microc.2024.112430

- महलावत, वी., तोमर, एम., और गुप्ता, आर. (2024). सोल-जेल-व्युत्पन्न पीएलजेडटी फिल्मों पर आधारित पायरोइलेक्ट्रिक थर्मल एनर्जी हार्वेस्टर। *फिजिका स्टेटस सॉलिडी (क) एप्लीकेशन एंड मैटेरियल्स साइंस, 221* (16), 2400041।

- मल्होत्रा, ए.टी. सेवा-पूर्व शिक्षकों में चिंतनशील चिकित्सकों का विकास। भारत में शिक्षक शिक्षा का पुनरुद्धार: एनईपी 2020 की संभावनाएँ और चुनौतियाँ (संपादक: जसीम अहमद, एरम खान, अंसार अहमद), 97-103, शिप्रा प्रकाशन, दिल्ली। आईएसबी.ए.न 978-93-91978-73-0।

- मल्होत्रा, ए.टी. एक चिंतनशील गणित शिक्षाशास्त्र की ओर: नीतिगत परिप्रेक्ष्य के प्रकाश में शिक्षक शिक्षा को अग्रभूमि में रखने पर गणित कक्षा में विमर्श का पुनरीक्षण और पुनर्कल्पना (संपादक कौशल किशोर, हरजीत कौर भाटिया, अरशद इकराम अहमद, समीर बाबू एम., अली हैदर):218-224, नामाक प्रकाशन.आईएसबी.ए.न:978-81-985215-0-7.

- मल्होत्रा, ए.टी. एंड कौर, जे. गणित के खेल से गणित संवाद को बढ़ावा: गणित और उसकी शिक्षा में एक खोजपुराण अध्ययन (सं. हृदय कांत दीवान, हनीत गांधी, ऋचा गोस्वामी):324-336, वाणी प्रकाशन। आईएसबी.ए.न: 978-93-5775-736-2.
- मिश्रा, चंदन कुमार,(2024).उत्तर भारतीय अभिलेखों में उल्लेखित कर के अध्यापक एवं अधिकारी। *शोध प्रभा, 49, नंबर 1* (VI), 10-12।
- मिश्रा,चंदन कुमार,(2024).गुप्तोत्तर कालीन अभिलेखों में वाक्य-विचार। *अन्वेसक, 54, नंबर 2* (VI), 92-94..
- मिश्रा,चंदन कुमार,(2024).स्मृति ग्रंथो में कर व्यवस्था का स्वरूप। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कल्चरल स्टडीज एंड सोशल साइंसेज, 20, नंबर 23* (II), 35-36।
- मोहम्मद सारिक इदरीसी, अरविंद यादव और राजीव कुमार, पीएनटीआरयू: उत्पाद रिंग पर एक सामान्यीकृत एनटीआरयू एन्क्रिप्शन योजना। इन: *एआईपी कॉन्फ। प्रोक.* 3283, 030006 (2025)।
- मोनिका गंभीर, सुमना देवी**,** विनोद प्रसाद, *बाह्य क्षेत्र में बाधा रोटर के माइक्रोवेव सहायता प्राप्त दिशात्मक और थर्मल गुण,* रसायन भौतिकी 591**,** 112598 (2025)।
- मोतीलाल, एस. और कपूर, टी. (2024) 'किशोर अपराध, किशोर न्याय और सामूहिक सामाजिक भलाई', जर्नल ऑफ एथिक्स, इकोनॉमिक्स एंड कॉमन गुड्स, 21 (2), पृष्ठ 63-71।
- नाग निशा, स्वत्व की लड़ाई और प्रतिबन्धित साहित्य सहकर्मी समीक्षा, विद्या वार्ता, अंक 51, खंड। 05,जुलाई-सितंबर,2024 पृष्ठ संख्या 120-125,आईएसएसएन-2319 9315।
- नाग निशा, हिमाचल के परम्परागत खेल, कला वसुधा, पीयर रिव्यूड, आईएसएसएन-2348-3660, अक्तूबर-नवंबर,2024, पृष्ठ संख्या 153-156।
- नाग निशा, क्रांति की अवधारणा और गांधी जी, मुद्रण क्षेत्र, अंक-117, खंड-02,2024, पीयर रिव्यू इम्टरनेशनल मल्टीलिंगुअल रिसर्च जर्नल, पेपर नंबर 129-134।
- नाग निशा, सूचना संचेतना और इंटरनेट विज्ञान, संवाद पथ, यूजीसी केयर लिस्ट, आईएसएसएन-2581-7353, खंड 7, अंक-2 जुलाई-24 दिसंबर, पृष्ठ संख्या 102-106।
- नैन, ए.के., ड्रोलिया, पी., (2025). बेंज़ोनाइट्राइल + मिथाइल/एथिल/ब्यूटाइल मेथैक्रिलेट बाइनरी सिस्टम के लिए श्यानता, अपवर्तनांक और श्यान प्रवाह की ऊष्मागतिकी की तापमान और संरचना पर निर्भरता: प्रायोगिक और सैद्धांतिक अध्ययन। *रासायनिक ऊष्मागतिकी और तापीय विश्लेषण,* 17, 100157. https://doi.org/10.1016/j.ctta.2024.100157
- नैन, ए.के., चौधरी, एन., ड्रोलिया, पी. मनचंदा, पी.के., खुराना, ए., नायक, डी. (2024) वॉल्यूमेट्रिक, ध्वनिक और विस्कोमेट्रिक विधियों का उपयोग करके परिवेश के तापमान पर एसिडम एसिटिकम होम्योपैथिक तनुकरण के भौतिक-रासायनिक व्यवहार की जांच, ऑर्गेनिक

और मेडिसिनल केमिस्ट्री, 13 (5) 1-20. https:// juniperpublishers.com/omcij/OMCIJ.MS.ID.555872.php

- नैन, ए.के., चौधरी, एन., ड्रोलिया, पी. मनचंदा, पी.के., खुराना, ए., नायक, डी. (2024) ध्वनिक, आयतनमितीय और विस्कोमेट्रिक विधियों का उपयोग करके विभिन्न तापमानों पर एसिडम लैक्टिकम होम्योपैथिक तनुकरणों के भौतिक-रासायनिक व्यवहार पर अल्ट्रासोनिक जांच, जे. एकॉस्टिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया 51 (4) 238-260. https://pubs.thesciencein.org/journal/index.php/jmc/article/ view/a698
- नंदा बी, रे एन. सामुदायिक स्वास्थ्य परिप्रेक्ष्य में महिला स्वास्थ्य और पोषण सुरक्षा-पोषण वाटिका-हरित से पोषण परियोजना (प्लान इंडिया) का एक केस स्टडी। इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी हेल्थ [इंटरनेट]। 2025 फ़रवरी 28 [उद्धृत 2025 मई 30];37(1):08-14। https://www.iapsmupuk.org/journal/index.php/IJCH/article/view/3205
- नाओरेम, बी.डी., सिंह, जे.पी., शर्मा, बी., गर्ग, एस., अथिरा सी., शेरिन, एच., मोमालिया, एम., मुस्कान, साहू, एस., चौधरी, ए., वर्मा एम., तोमर, एम., बत्रा, एन. (2025) अभिकर्मक रहित यूरिक एसिड बायोसेंसर के लिए एक प्लेटफ़ॉर्म के रूप में Mn-डोपेड ZnO पतली फ़िल्में। *केमिकल फ़िज़िक्स इम्पैक्ट,* 10, 100823. 10.1016/j.chphi.2025.100823
- नार, आर., सहरावत, एन., कुमार, एस., कुमार, ए., उपाध्याय, एस.के., यादव, डी., यादव, एम. (2024). फ्लेवोनोइड नारिंगिन के परिवर्तन द्वारा खट्टे रसों के कड़वेपन को कम करने के लिए माइक्रोबियल नारिंगिनेज पर हालिया अपडेट। *बायोसाइंसेज बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च एशिया,* 21(4), 1265-1276।
- नवप्रीत कौर और अमनप्रीत कौर (2024), "वर्ग और श्रम की गतिशीलता: राजस्थान (भारत) में एक अनुदैर्ध्य अध्ययन से साक्ष्य," *जर्नल ऑफ एग्रेरियन चेंज।* खंड 24, अंक 4। https://doi.org/10.1111/joac.12593
- एनईपी 2020: शिक्षक शिक्षा में सामाजिक मुद्दे, 'इंडियन ई-जर्नल ऑन टीचर एजुकेशन', विशेषांक, अक्तूबर 2024, पृष्ठ 526-536।
- निक्सन, न्गोरू। टेपा, केविलेनुओ। संगतम, सालिक्यु (2024). प्रतिरोध और भागीदारी के बीच: नागालैंड में चुनावी राजनीति की बदलती गतिशीलता को समझना। *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली।* खंड 59, अंक 41, 12 अक्तूबर, 2024.
- पाधा, बी., अहमद, ज़ेड., दत्ता, एस., पांडे, ए., पाधा, एन., तोमर, एम., शर्मा, ए., यादव, आई., और आर्य, एस. (2025)। ALD-विकसित ZnO-SiO2/Si पतली फिल्म-आधारित यूवी सेंसर का उपयोग करके अति-संवेदनशील NO2 गैस का पता लगाना। *जर्नल ऑफ अलॉयज़ एंड कंपाउंड्स, 1010,* 177673. 10.1016/j.jallcom.2024. 177673

- पांडे, वी.के., प्रकाश, एस., गुप्ता, टी.के., राठौर, वी., सिंह, ए., यांग, टी., और राठौर, आर.एस. (2024, दिसंबर)। IoT और मशीन लर्निंग का उपयोग करके स्मार्ट हेल्थकेयर के लिए एक कुशल और सुरक्षित ढाँचा। *2024 इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन डिसीजन एड साइंसेज एंड एप्लीकेशन्स (DASA) में* (पृष्ठ 1-5)। IEEE. 0.1109/DASA63652.2024.10836569

- पांडे, वी.के., प्रकाश, एस., गुप्ता, टी.के., यांग, टी., सिंह, ए., और राठौर, आर.एस. (2024, दिसंबर)। डब्ल्यूएसएन में घुसपैठ का पता लगाने के लिए एक कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस से प्रेरित ढाँचा। *2024 इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन डिसीजन एड साइंसेज एंड एप्लीकेशन्स (डीएएसए) में* (पृष्ठ 1-4)। IEEE.s. 10.1109/dasa63652.2024.10836284

- प्रियंका, एस. शर्मा, एच. जोशी, सी. कुमार, आर. वसीम, और एम. शर्मा (2024). *माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस* प्रोटीन PPE15 (Rv1039c) में यूकेरियोट जैसा SH3 डोमेन होता है जो NADPH ऑक्सीडेज असेंबली और रिएक्टिव ऑक्सीजन स्पीशीज़ के उत्पादन में बाधा डालता है। *बीबी.ए.-मॉलिक्यूलर सेल रिसर्च,* 1871, 119702।

- प्रियंका, एस. शर्मा, और एम. शर्मा (2024). मेजबान माइटोकॉन्ड्रिया, ऑक्सीडेटिव तनाव और कोशिका मृत्यु के त्रिक में माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के पीई/पीपीई प्रोटीन की भूमिका। *माइक्रोबियल पैथोजेनेसिस, 193,* 106757।

- प्रियंका, एस. शर्मा, एम.वी. बेसिल, और एम. शर्मा (2024). माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के Rv1039c (PPE15) प्रोटीन का सी-टर्मिनल क्षेत्र मैक्रोफेज एपोप्टोसिस को प्रेरित करने के लिए मेज़बान माइटोकॉन्ड्रिया को लक्षित करता है। *एपोप्टोसिस, 29,* 1757-1779.

- प्रियंका, पी. भट्ट, ए.के. बेदी, एम.वी. बेसिल, एम. शर्मा**,** और एस. शर्मा (2025)। युवा व्यक्तियों में सुप्त क्षय रोग और विटामिन डी के स्तर का संबंध: एक खोजपूर्ण अध्ययन, *अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ माइकोबैक्टीरियोलॉजी,* 14. 66-72।

- पुरी, पी.-भारत में शहरी और ग्रामीण महिलाओं में मधुमेह के बारे में भौगोलिक जानकारी: एनएफएचएस-4 और एनएफएचएस-5 डेटाबेस की खोज, में मिश्रा, एम., शर्मा, वी.आर., चक्रवर्ती, ए. (संपादक) भारत में उभरते शहरी और अर्ध-शहरी स्थानों की राजनीतिक अर्थव्यवस्था। क्षेत्रीय विज्ञान में नए आयाम: एशियाई परिप्रेक्ष्य, खंड 81. स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-97-8872-9_10.

- पुरी, पी. (2024)-*उल्लेखनीय नवंबर-2015 और 2021 का भौगोलिक व्यवहार तमिलनाडु (भारत) में बाढ़,* एकेडेमिसिया-एक अंतर्राष्ट्रीय बहुविषयक अनुसंधान जर्नल, दक्षिण एशियाई शैक्षणिक अनुसंधान जर्नल (एसएएआरजे), सीडीएल महाविद्यालय ऑफ एजुकेशन, जगाधरी, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से संबद्ध, कुरुक्षेत्र, हरियाणा, भारत, 14 (12), दिसंबर'24 पृष्ठ। 81-90, आईएसएसएन-2249-7137।

- पुरी, पी. (2024). हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और भारत के सात राज्यों के पर्वतीय राज्यों के लिए जलवायु परिवर्तन के दौर में कोविड-19 लॉकडाउन और वनाग्नि: एक स्थानिक-कालिक व्याख्या (2012-2022)। मिश्रा, एम., डी लुसेना, ए.जे., महाराज, बी. (संपादक) वैश्विक दक्षिण में जलवायु परिवर्तन और क्षेत्रीय सामाजिक-आर्थिक प्रणालियाँ। स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-97-3870-0_19
- पुरी, पी. (2024). दिल्ली-ओज़ोन और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड गैस का भौगोलिक प्रतिरूपण (2019-2021), विशेष रूप से कोविड-19 लॉकडाउन अवधि के संदर्भ में। कुमार, एम., कुमार, पी., आनंद, एस., वर्मा, एन.के., त्रिपाठी, डी.के. (संपादक) पर्यावरणीय स्थिरता के भौगोलिक आयाम। आईजीयूटीसी 2022। भौगोलिक और पर्यावरण विज्ञान में प्रगति। स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-96-0605-4_8
- पुरी, पी. (2024). रिमोट सेंसिंग के माध्यम से मिज़ोरम के लिए फाफस्टेटर कोड आधारित जलग्रहण परिसीमन, भूवैज्ञानिक प्रेक्षण, भूमि आवरण और जनसंख्या घनत्व विश्लेषण: भारत के डिजिटल जलग्रहण एटलस में सहायता और/या सुधार। राय, पी.के., सिंह, ए., बींगाछी, बी., सिंह, एस.के. (संपादक) पर्वतीय क्षेत्र में प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और सतत आजीविका। भौगोलिक और पर्यावरण विज्ञान में प्रगति। स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-97-2100-9_16
- पुरी, पी. और पुरी, पी. (2024)- *जलीय कृषि प्रथाओं में डकवीड की जैव-संसाधन क्षमता: स्कोपस डेटाबेस के माध्यम से एक अद्यतन ग्रंथसूची विश्लेषण,* एकेडेमिकिया- एक अंतर्राष्ट्रीय बहुविषयक शोध पत्रिका, दक्षिण एशियाई शैक्षणिक शोध पत्रिकाएँ (SAARJ), सीडीएल महाविद्यालय ऑफ एजुकेशन, जगाधरी, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से संबद्ध, कुरुक्षेत्र, हरियाणा, भारत, 14 (11), नवंबर 2024, पृष्ठ 15-28, आईएसएसएन-2249-7137।
- पुरी, पी. (2025)- भू-नैतिकता का उभरता हुआ क्षेत्र- लेकिन क्या यह हमारे लिए नया है?, एकेडेमिकिया- एक अंतर्राष्ट्रीय बहुविषयक शोध पत्रिका, दक्षिण एशियाई शैक्षणिक शोध पत्रिकाएँ (SAARJ), सीडीएल महाविद्यालय ऑफ एजुकेशन, जगाधरी, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से संबद्ध, कुरुक्षेत्र, हरियाणा, भारत, 15(1), जनवरी 2025, पृष्ठ 16-26, आईएसएसएन-2249-7137।
- राज कुमार ठाकुर, नीरज कुमार शर्मा, संदीप कुमार, महिंदर सिंह, तरुणा सिंह, अनीता कुमारी *, पॉली(टेट्राफ्लुओरोएथिलीन-को-एथिलीन) फिल्म पर मिथाइल एक्रिलेट का विकिरण-प्रेरित ग्राफ्ट कोपॉलीमराइजेशन, असंतत विधि द्वारा। अफ्रीकन जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल साइंस, 508-523, 6 (3) (2024) आईएसएसएन संख्या 2663-2187. c3bd73e13a035385903413d5254744f3.pdf
- राज कुमार ठाकुर, नीरज कुमार शर्मा, संदीप कुमार, महिंदर सिंह, **तरुणा सिंह,** अनीता कुमारी, पॉली(टेट्राफ्लुओरोएथिलीन-को-एथिलीन) फिल्म पर मिथाइल एक्रिलेट का विकिरण-प्रेरित ग्राफ्ट कोपॉलीमराइजेशन, असंतत विधि द्वारा। अफ्रीकन जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल साइंस, 508-523,

6 (3) (2024) **आईएसएसएन संख्या** 2663-2187। c3bd73e13a035385903413d5254744f3.pdf

- राजपूत, एस. (2025). पुस्तक समीक्षा: ऑन शिफ्टिंग ग्राउंड. *एक्सरशन्स.* https://doi.org/10.21428/ 1d6be30e.9d54712d
- राणा, एल. और सिंह, आर. (2024). शहरी फैलाव मॉडलैंगिक और आवागमन पैटर्न- दिल्ली गुड़गांव कॉरिडोर: एक सतत विकास. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंस एंड इकोनॉमिक रिसर्च.* 9, 2200-2264.
- राणा, एस., कुमार, वाई., कौशिक, आर., और कुमार, एल.एस. (2024). जल शोधन के लिए धातु-कार्बनिक ढाँचों में हालिया विकास: एक लघु समीक्षा। *केमिस्ट्रीसेलेक्ट, 9* (35), e202403309। https://doi.org/ 10.1002/slct.202403309
- रानी, एन., खान, वाई., यादव, एस., कलावती सैनी, के. और मैती, डी. (2024). विभिन्न कार्सिनोमा में मेटल ऑक्साइड नैनोकणों का अनुप्रयोग। *जर्नल ऑफ नैनोथेरानोस्टिक्स, 5* (4)**,** 253-272. https://doi.org/10.3390/ jnt5040015
- रे, डी. (2024). सुकुमार रे की बकवास कविताओं में राजनीति का पाठन. *हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय जर्नल (मानविकी और सामाजिक विज्ञान), 12 (1),* 193-208.
- रे, डी. (2024). छोटी लड़कियाँ कहाँ हैं? प्रारंभिक बंगाली बाल पत्रिकाओं में बालिका अवस्था की अवधारणा", *मिज़ोरम विश्वविद्यालय मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान जर्नल (एमजेडयूजेएचएसएस),* X(i).
- रेड्डी, ए.; सरकार, ए.; रानी, चौधरी आर.; दास, ए.; रेड्डी, सी.पी. और स्नेहा, ए.वी. (2024). "भारत में ग्राम स्तर पर कल्याण और विकास योजनाओं का सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) से मिलान"। *सार्क जर्नल ऑफ सोशल साइंस,* 2(1), 27-59।
- ऋचा कुंडू, वाया लैक्टिया विस्तारित (VVVX) ESO सार्वजनिक सर्वेक्षण में VISTA चर: अवलोकनों का समापन और विरासत। 10.1051/0004-6361/202450584
- साहा, आर., नेहा; ठुकराल, ए., पाल, ए. और सैनी, पी. तकनीकी अनुप्रयोगों के लिए जीवन-अंत सौर पैनल अपशिष्ट से कार्यात्मक सिलिका नैनोकणों के संश्लेषण के लिए अपशिष्ट से धन तक का एक सरल दृष्टिकोण। (2025) *संसाधन। संरक्षण। पुनर्चक्रण।, 215,* 108059। https://doi.org/10.1016/j.resconrec.2024.108059
- साहा, आर., नेहा, ठुकराल, ए. पाल, ए. और सैनी, पी. (2025). फोटोवोल्टिक अनुप्रयोगों के लिए सूर्य के प्रकाश के प्रति संवेदनशील सुपरहाइड्रोफिलिक rGO-TiO2 नैनोकम्पोजिट कोटिंग्स, *डायमंड एंड रिलेटेड मटेरियल्स, 49,* 111603. https:// doi.org/10.1016/j.diamond.2024.111603

- साहू, एस (2024). भारत में प्रवासी ईंट भट्ठा मजदूरों का अनिश्चित कार्य, आजीविका का दबाव और स्वास्थ्य, अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन, स्वास्थ्य और सामाजिक देखभाल पत्रिका, 20 (1), 165-179
- एस साहू, पी.के. मेहता (2024). बिहार में मातृ एवं प्रजनन स्वास्थ्य पर प्रभाव, ग्लोबल सोशल वेलफेयर 11 (4), 317-326
- साहू, एस और पी.के. मेहता (2024) नागरिक भागीदारी के माध्यम से सुशासन और सेवा वितरण में सुधार में इसकी भूमिका। जर्नल ऑफ रूरल एंड कम्युनिटी डेवलपमेंट, 19 (1)।
- साहू, एस. साहू, स्मृति रेखा (2025). स्वास्थ्य और पर्यावरण के बीच संबंध: भारत में स्वच्छ ईंधन की पहुँच और क्षय रोग, पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य अनुसंधान 3 (1), 1-21.
- सैनी के., शर्मा एस., (2024). सोडियम/ग्लूकोज को-ट्रांसपोर्टर 2 अवरोधकों पर शक्तिशाली मधुमेह-रोधी औषधि एजेंटों के रूप में QSAR अध्ययन। *रासायनिक इंजीनियरिंग के सैद्धांतिक आधार।* 57 (सप्ल. 1), S51-S56।
- सलीम, एस., हसन, एन., खट्टर, ए., जैन, पीआर, गुप्ता, टीके, और मेहरोत्रा, एम. (2024). DeLTran15: आपदा पोस्ट्स ऑन एक्स के बहु-वर्गीय वर्गीकरण के लिए एक गहन, हल्का, ट्रांसफ़ॉर्मर-आधारित ढाँचा। IEEE एक्सेस, 12, 153676-153693। https://doi.org/10.1109/ACCESS.2024.3478790
- सलीम, एस., हसन, एन., खट्टर, ए., जैन, पीआर, गुप्ता, टीके, और मेहरोत्रा, एम. (2024). DeLTran15: आपदा पोस्ट्स ऑन X के बहुवर्गीय वर्गीकरण के लिए एक गहन, हल्का ट्रांसफार्मर-आधारित ढाँचा। *IEEE एक्सेस।* https://doi.org/10.1109/ACCESS.2024.3478790
- सलीम, एस., खट्टर, ए., और मेहरोत्रा, एम. (2024). ADA-DR: आपदा प्रतिक्रिया के लिए एक प्रतिकूल डोमेन अनुकूलन ढाँचा, जो आपदा छवियों के बहु-वर्गीय वर्गीकरण हेतु कोल्ड-स्टार्ट समस्या का समाधान करता है। *एसएन कंप्यूटर विज्ञान , 5* (8), 1007. https://doi.org/10.1007/s42979-024-03360-9
- सरकार, ए. (2024) " केन्या में अनौपचारिक बस्तियों में जल असुरक्षा से निपटना: क्या स्मार्ट प्रौद्योगिकी एक समाधान हो सकती है?" ट्रायलॉग विशेषांक 'अफ्रीकी शहरों में अनौपचारिक बस्तियों में शहरी प्रौद्योगिकी और सहयोग', ट्रायलॉग ई. वी., विकासशील देशों में योजना और निर्माण पर अनुसंधान के लिए एसोसिएशन, बर्लिन जर्मनी, पृ. 4-12, https://www.trialog-journal.de/en/journals/trialog-150-151-urban-technology-collaboration-in-informal-settlements-in-african-cities/

- सेनगुप्ता, एस., सोनकर, एस.एम., सोनकर, ए. (2025) आसान हरित ट्रांसएस्टरीफिकेशन: 3,5-डाइनाइट्रोबेंजोएट्स के संश्लेषण के लिए एक स्नातक प्रयोगशाला दृष्टिकोण। *वर्ल्ड जर्नल ऑफ केमिकल एजुकेशन,* 13(1), 17-18। 10.12691/wjce-13-1-3
- शाक्य, आर., कुमारी, आर., वर्मा, डी. और एलंगबाम, जी। 2024. रूपात्मक और जैव रासायनिक प्रोफाइल पराग एलर्जी से एस्टेरेसी: ए पायलट अध्ययन। *द बॉटनिकल रिव्यू।* https://doi.org/10.1007/s12229-024-09307-2
- शर्मा, एच., वशिष्ठ, एन., सुमन, पी., ठाकुर, ए., यादव, वाई. (2024). मृदा कीटनाशक संदूषण की प्रतिक्रिया में केंचुओं द्वारा कोकून उत्पादन का आकलन। करेंट एग्रीकल्चर रिसर्च जर्नल, 12(2), 836-843।
- शर्मा, बी., गुप्ता, आर., चौधरी, ए., और तोमर, एम. (2024). पंप और प्रोब तकनीक का उपयोग करके Mg प्रतिस्थापित ZnO पतली फिल्मों में प्रकाश अपवर्तन की क्रियाविधि का अध्ययन। *मैटेरियल्स केमिस्ट्री एंड फिजिक्स, 319,* 129375।
- शर्मा, बी., गुप्ता, आर., शर्मा, ए., चौधरी, ए., और तोमर, एम. (2025). गति में शक्ति: केएनएन-पीडीएमएस स्व-पक्षपाती लचीले पीज़ोइलेक्ट्रिक नैनोजनरेटर। *मैटेरियल्स टुडे कम्युनिकेशंस, 44,* 112140.
- शर्मा, बी., शर्मा, ए., गुप्ता, आर., चौधरी, ए., वर्मा, एम., और तोमर, एम. (2024). सीसा रहित KNN-PVDF कम्पोजिट की लचीली चादरें: एक टिकाऊ पायरोइलेक्ट्रिक ऊर्जा संचयक। *सेरामिक्स इंटरनेशनल, 50* (22), 46982-46992। https://doi.org/10.1016/j.ceramint.2024.09.049
- शर्मा, एच., कुमार, एम., भट्ट, पी.आर., सिंह, पी., राठी, बी. (2024) जलीय माध्यम में 2-(2-ऑक्सो-2-एरिल/एल्काइलएथिल)बेंज़ोनाइट्राइल की अग्रानुक्रम अभिक्रिया द्वारा असुरक्षित अमीनो अम्ल औषधियों का धातु-मुक्त विविधीकरण। *केमिस्ट्री-ए यूरोपियन जर्नल,* e202402214. 10.1002/chem.202402214
- शर्मा, एच., वशिष्ठ एन., सुमन पी., ठाकुर ए., और यादव वाई. (2024). *मृदा कीटनाशक संदूषण के जवाब में केंचुओं द्वारा कोकून उत्पादन का आकलन. 12(* 2), 836-843.
- शीतल शर्मा, सलमान के. मलिक, ज़रीना बानो और रमनी गुप्ता: उच्च बहुलता घटनाओं में कणों के स्थानिक वितरण के सामान्यीकृत फैक्टरियल क्षण: एक टॉय मॉडल अध्ययन: *न्यूक्ल.फिज.ए* 1053 (2025) 122963।
- सिंह, ए., महापात्रा, एस., तोमर, एम., चौधरी, ए., और सिंह, वी. (2025)। मेसोपोरस SnO2 द्वारा प्राप्त निम्न तापमान NO2 गैस संवेदन। *जर्नल ऑफ अलॉयज़ एंड कंपाउंड्स, 1013,* 178592। 10.1016/j.jallcom.2025.178592

- सिंह, ए., वत्स, एम., महापात्रा, एस., तोमर, एम., चौधरी, ए., और सिंह, वी. (2024). कम तापमान पर NO2 का पता लगाने के लिए टेम्पलेट-सहायता प्राप्त मेसोपोरस SnO2 आधारित गैस सेंसर। *जर्नल ऑफ पोरस मटेरियल्स, 31* (2), 545-555। 10.1007/s10934-023-01528-x

- सिंह, हेना, सुरभि, सिंह चंद्रचूड़ (2024). पंडिता रमाबाई: पितृसत्ता को चुनौती देने और महिला अधिकारों की वकालत करने में अग्रणी। समाज और राजनीति, खंड 14/ संख्या 1/ 2024, आईएसएसएन: 2248-9479, 38-43।

- सिंह, जे.पी., शर्मा, ए., तोमर, एम., और चौधरी, ए. (2024). NO2 गैस के निम्न-तापमान पता लगाने के लिए WO3 और WO3-SnO2 मिश्रित-आधारित सेंसर। *जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक मैटेरियल्स, 53* (11), 6688-6699। 10.1007/s11664-024-11381-6

- सिंह, जे.पी., शर्मा, ए., वर्मा, एम., तोमर, एम., और चौधरी, ए. (2025)। यूवी-सक्रिय MoO3 लेपित क्वार्ट्ज क्रिस्टल माइक्रोबैलेंस (QCM) सेंसर का उपयोग करके कमरे के तापमान पर डाइब्यूटाइल सल्फाइड (DBS) के ट्रेस-स्तर पर पता लगाने की क्रियाविधि। *सेंसर्स एंड एक्चुएटर्स बी: केमिकल, 426,* 137102. 10.1016/j.snb. 2024.137102

- सिंह, पुष्पा (2024) अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष 2023 का उत्सव: आज़ादी के बाद से अमृत काल तक भारत में सतत खाद्य सुरक्षा का विश्लेषण, बाजरा के नज़रिए से, http://dx.doi.org/10.1177/00195561241251382

- सिंह, आर., एट अल., (2024). भारत के संदर्भ में मानसून के दौरान स्वदेशी खाद्य प्रणाली. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव साइंस एंड रिसर्च टेक्नोलॉजी, 9(9),2456-2469.*

- सिंह, आर., लाल, वी.सी., और निठारवाल टी. (2024). राजस्थान में मौसमी फसल बाजरा और गेहूँ पर जलवायु परिवर्तनशीलता और वर्षा की प्रवृत्ति। *द डेक्कन जियोग्राफर, 62* (10), 355-366।

- सिंह, के., आर्य पी., वशिष्ठ, एन., राजपति, ए., रैना, ए., सियाग, एच., बावेजा, वी. (2024). डिमेंशिया के इलाज में करकुमा लोंगा, विथानिया सोम्नीफेरा, जिन्कगो बिलोबा, इथानिया सोम्नीफेरा, जिन्कगो बिलोबा की प्रभावकारिता: एक सहक्रियात्मक औषधि चिकित्सा।

- सिन्हा, आर.वी. (2024). बोधिपथप्रदीप की नैतिक शिक्षाएँ: कुछ विचार. *जर्नल ऑफ फाउंडेशनल रिसर्च. 32* (2), 126-134.

- सिन्हा, आर.वी. (2025). कन्या भ्रूण हत्या के मुद्दे पर नैतिक और दार्शनिक दृष्टिकोण. *विद्यावर्त. 53* (9), 50-54.

- सिन्हा, आर.वी. (2025). वैदिक दर्शन में पारिस्थितिक चिंतन. *मुद्रण क्षेत्र. 123* (2), 48-52.

- सिन्हा, आर.वी. (2025)। धर्म का स्वरूप और मार्ग में विवेकानन्द की दृष्टि। *वाकसुधा. 43,* 117-122.
- स्निग्धा सिंह (2023), ' *पंचतंत्र में लैंगिक भूमिकाएँ* : प्रतिनिधित्व और निर्माण', *साउथ इंडिया जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज,* खंड XXI/8:167-175. आईएसएसएन: 0972-8945.
- स्निग्धा सिंह (2023), 'पितृसत्तात्मक समाज में संपत्ति और मातृत्व के बीच अंतर्संबंध: प्रारंभिक ऐतिहासिक और प्रारंभिक मध्यकालीन भारत पर एक नज़र' *जर्नल ऑफ़ द एशियाटिक सोसाइटी ऑफ़ मुंबई,* खंड XCVI/16: 139-143. आईएसएसएन: 0972-0766.
- सोनकर, एस.एम., सेनगुप्ता, एस., सोनकर, ए., बाहरी, एस. और सिन्हा रॉय, एस. (2025)। शर्करा का ओसाज़ोन निर्माण: स्नातक प्रयोगशाला के लिए एक हरित रसायन रणनीति। *एशियन जर्नल ऑफ ग्रीन केमिस्ट्री,* 9(3):246-254। https://www.ajgreenchem.com/article_213343.html
- सोनकर, एस.एम., सेनगुप्ता, एस., सोनकर, ए., बाहरी, एस., सिन्हा रॉय, एस. (2025)। शर्करा का ओसाज़ोन निर्माण: स्नातक प्रयोगशाला के लिए एक हरित रसायन रणनीति। *एशियन जर्नल ऑफ ग्रीन केमिस्ट्री,* 9, 246-254। https://doi. org/10.48309/AJGC.2025.488593.1592
- तरुणा सिंह, यशिका ठकरान, श्वेता, संदीप कुमार, राज कुमार ठाकुर, नीरज कुमार शर्मा, अनीता कुमारी*, भारतीय औषधीय पौधों की शक्ति का दोहन: हर्बल चिकित्सा में पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक अनुप्रयोग। जर्नल ऑफ केमिकल हेल्थ रिस्क, 261-270 14(4), | (2024) आईएसएसएन:2251-6727. https://jchr.org/index.php/JCHR/issue/view/60
- तरुणा सिंह, यशिका ठकरान, श्वेता, संदीप कुमार, राज कुमार ठाकुर, नीरज कुमार शर्मा, अनीता कुमारी, भारतीय औषधीय पौधों की शक्ति का दोहन: हर्बल चिकित्सा में पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक अनुप्रयोग। जर्नल ऑफ केमिकल हेल्थ रिस्क, 261-270 14(4), |(2024) आईएसएसएन:2251-6727. https://jchr.org/index.php/JCHR/issue/view/60
- ठुकराल, ए., थुलसीरमन, ए.वी., वुप्पलदादियाम, ए.के., पटेल, एस.के., जेना, एम.के., शाह, के., गुप्ता, एन., साहा, आर.; **पाल, ए.** और सैनी, पी. एफआर-2 और एफआर-4 प्रकार के मुद्रित सर्किट बोर्डों का हाइब्रिड काइनेटिक विश्लेषण: एक थर्मोग्रैविमेट्रिक विश्लेषण। (2025) *सर्क. इकोन., 4* (1), 100125. https://doi.org/10.1016/j.cec.2024.100125
- त्यागी, एम., राज, वी.बी., और तोमर, एम. (2024). गहरे पराबैंगनी क्षेत्र में संचालित उच्च लाभ वाले NiO/ZnO हेटेरोजंक्शन फोटोडायोड। *थिन सॉलिड फिल्म्स, 798,* 140389। 10.1016/j.tsf.2024.140389
- उपाध्याय, सी., भट्टाचार्य, एस., कुमार, एस., वशिष्ठ, के., झांग, एक्स., गैगनन, डी., सिंह, पी., झान, पी., रिचर्ड, डी., राठी, बी., सिंह, ए.पी., सिंह, पी. (2024) संभावित एंटीप्लास्मोडियल उम्मीदवारों के रूप में फ्लोरिनेटेड पाइपेराज़ीन हाइड्रॉक्सीएथिलएमाइन एनालॉग्स: संश्लेषण,

जैविक परख और औषधीय अध्ययन। *केममेडकेम,* e202400616। https://doi.org/10.1002/cmdc.202400616

- उपाध्याय, एस.के., बबीता, सिंह, एम., शेरावत एन., सिंह, आर., पांडे, वाई.पी., वशिष्ठ, एन. (2024). यमुना नदी, यमुना नगर (हरियाणा), भारत की मछली क्लेरियस बैट्राचस एल. में सेस्टोड्स लिटोसेस्टस हरियाणी के संक्रामक स्वरूप पर घुली हुई ऑक्सीजन का प्रभाव
- वैशाली, शर्मा, एस., इंसाफ़, एस., वर्मा, एन., जौहरी, एस., ज़हरानी, एल., सलामी, एस.ए., रचना, रानी, एन. और रानी, एस. (2025). इंडोल व्युत्पन्नों का चुंबकीय नैनोकण-उत्प्रेरित संश्लेषण: एक हरित और टिकाऊ विधि. *केमी-केमिकल मंथली के लिए मासिक पत्रिका,* 1-31.
- वशिष्ठ एन., सुमन पी., यादव वाई., कुमारी एस., ज़करिया एन., और सिंह एस.के. (2024) *ड्रोसोफिला मेलानोगास्टर "औषधीय पौधों के फाइटोकेमिकल प्रभावों के मूल्यांकन के लिए एक संभावित मॉडल जीव" 38(2),* 165-169।
- वशिष्ठ एन., सुमन पी., यादव वाई., कुमारी एस., ज़करिया एन., सिंह एस.के. (2024) *ड्रोसोफिला मेलानोगास्टर* "औषधीय पौधों के फाइटोकेमिकल प्रभावों के मूल्यांकन के लिए एक संभावित मॉडल जीव"। *जर्नल ऑफ एनवायरनमेंट एंड बायो-साइंसेज खंड 38 (2), दिसंबर 2024: 165-169।*
- वशिष्ठ, एन., सुमन, पी., यादव, वाई., कुमारी, एस., ज़करिया, एन. और सिंह, एस.के. (2024) *ड्रोसोफिला मेलानोगास्टर* औषधीय पौधे के फाइटोकेमिकल प्रभावों के मूल्यांकन के लिए "एक संभावित मॉडल जीव "। *जर्नल ऑफ बायो-साइंस, 38, 1-5।*
- यादव, जी और दुबे, जे.पी. (2024). रिपोर्टों में पर्यावरणीय चिंताओं की अवधारणाओं, प्रथाओं और नीतियों का पता लगाना। वर्तमान विश्व पर्यावरण; 19(2). http://dx.doi.org/10.12944/CWE.19.2.22
- यादव, एस., रानी, एन., आरती, सैनी, के. (2024). *रोज़ा रुबिगिनोसा* पौधे की पंखुड़ियों के अर्क से संश्लेषित ZnO नैनोकणों का उपयोग करके विषाक्त कार्बनिक रंग (मेथिलीन ब्लू) का प्रकाश उत्प्रेरकीय अपघटन। *बायोमास रूपांतरण और बायोरिफाइनरी।* https://doi.org/10.1007/s13399-024-06175-z
- ज़रीना बानो, एलिस सहयोग: 13 TeV पर टकराव में आवेशित-कण समतलता के एक फलन के रूप में कण उत्पादन: *Phys.Rev.D* 111 (2025) 1, 012010. https://inspirehep.net/literature/2830416
- ज़रीना बानो, एलिस सहयोग: एलएचसी में पीपी टकराव में सामान्य फेम्टोस्कोपिक हैड्रॉन-उत्सर्जन स्रोत: *यूरो.फिज.जेसी* 85 (2025) 2, 198. https://inspirehep.net/literature/2725934

- ज़रीना बानो, एलिस सहयोग: जेट में-Pb टकरावों में बैरियन उत्पादन की जांच और कोणीय सहसंबंधों का उपयोग करके अंतर्निहित घटना: *Phys.Rev.C* 111 (2025) 1, 015201. https://inspirehep.net/literature/2791853
- ज़रीना बानो, एलिस सहयोग: 5.02 TeV पर Pb-Pb टकराव में रासायनिक क्षमता का मापन: *Phys.Rev.Lett.* 133 (2024) 9, 092301. https://inspirehep.net/literature/2725426
- ज़रीना बानो, एलिस सहयोग: 13 TeV पर pp टकरावों में आवेशित-कण इंट्रा-जेट गुणों की बहुलता निर्भरता: *Eur.Phys.JC* 84 (2024) 10, 1079. https://inspirehep.net/literature/2725603
- ज़रीना बानो, एलिस सहयोग: 13 TeV पर टकराव में आवेशित-कण समतलता के एक फलन के रूप में कण उत्पादन: *Phys.Rev.D* 111 (2025) 1, 012010. https://inspirehep.net/literature/2811647
- ज़रीना बानो, एलिस सहयोग: मल्टीस्ट्रेंज हैड्रॉन के इवेंट-बाय-इवेंट उत्पादन के साथ स्ट्रेंजनेस हैड्रॉनाइज़ेशन की जांच: *फिज.रेव.लेट.* 134 (2025) 2, 022303. https://inspirehep.net/literature/2791623
- ज़रीना बानो, एलिस सहयोग: आकर्षण और प्रकाश-स्वाद मेसॉन के बीच परस्पर क्रिया का अध्ययन: *Phys.Rev.D* 110 (2024) 3, 032004. https://inspirehep.net/literature/2750983
- ब्लैक होल में स्त्री : भारतीय समाज के अँधेरे पक्ष का उद्घाटन-जनकृति, जनवरी 2025, वर्ष-10, अंक 17, पृष्ठ 33-53, ISSN 2454-2725 अंतर्राष्ट्रीय बहुविषयक सहकर्मी समीक्षित जर्नल

पुस्तकें

- बिजयालक्ष्मी नंदा ' हानि और प्रेम के इकतीस महामारी पत्र**,** हरआनंद प्रकाशन'*,* 2024, आईएसबी.ए.न नंबर 978-81-19798-79-7, हर-आनंद प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड।
- शाश्वती गांगुली. 'प्रियो अमल' आईएसबी.ए.न नं. 978-81-983032-8-8, सृष्टिसुख प्रोकाशन एलएलपी द्वारा प्रकाशित, 2025.
- घोष, एस और मुंसी मोहम्मद यूनुस। 2024. बोधोपयोगी मध्यम, एनसीईआरटी, नई दिल्ली।
- स्मृति एस. (2024) भारत प्रकाशन द्वारा प्रकाशित ' द अल्टीमेट गिफ्ट: ऑर्गन एंड बॉडी डोनेशन'*,* भारत के उपराष्ट्रपति द्वारा विमोचित।
- रे, डी. 2024 (प्रथम संस्करण)। द मिरांडा क्रॉनिकल्स: डॉटर्स ऑफ़ इंडिपेंडेंस*,* हरानंद पब्लिशर्स, दिल्ली।

- सरकार, ए.; बंद्योपाध्याय, एन.; सिंह, एस.; सचान, आर. (2024) (सं.). " जलवायु परिवर्तन के जोखिम, अनिश्चितता और कुअनुकूलन को संबोधित करना: नीति, अभ्यास और केस स्टडीज़" पुस्तक श्रृंखला आपदा जोखिम न्यूनीकरण विधियाँ, दृष्टिकोण और अभ्यास, स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंड एजी, DOI: 10.1007/978-981-99-9474-8. https://link.springer.com/book/10.1007/978-981-99-9474-8.
- एच. सोलोमन, एस. सोलोमन और बी. गुप्ता (2024): ब्रिक्स और जलवायु परिवर्तन: राष्ट्रीय हितों, राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों और वैश्विक पर्यावरणीय स्थिरता में संतुलन, पालग्रेव मैकमिलन, सिंगापुर।
- लघु कथाओं का एक संग्रह. रजनी दिसोदिया, 2025. छोटी बहू , स्वराज प्रकाशन दिल्ली, दरियागंज
- रेणु अरोड़ा-नाट्य व्यक्तित्व धर्मवीर भारती , आईएसबी.ए.न 978-93-6201-696-6, सेतु प्रकाशन, दिल्ली, भारत
- सिंह, पुष्पा (2024) *तुलनात्मक राजनीतिक विश्लेषण: एक पाठक,* पियर्सन, नई दिल्ली, आईएसबी.ए.न: 978-9353285692 (सह-संपादित)।
- सिंह, पुष्पा (2025) *तुलनात्मक राजनीति में विधियाँ और दृष्टिकोण* , रूटलेज, लंदन।
- साहू, एस (2024). राज्य, नागरिक समाज और स्वास्थ्य की राजनीति: भारत में *लैंगिक*, कामुकता और एचआईवी/एड्स की खोज, यूके , टेलर और फ्रांसिस।
- भाटिया, आर. (सं.). (2025). *दक्षिण एशिया में लैंगिक परिवर्तनकारी पहल* (प्रथम संस्करण). रूटलेज. DOI: 10,4324/9781003604877
- उपाध्याय, एस.के., सिंह, एम., यादव, एम., अग्रवाल, डी., यादव, डी., सिंह, आर. 2024 (प्रथम संस्करण)। जीवन विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी में हाल के रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, प्राचीन से आधुनिक तक का पुल-विकसित भारत के लिए पशु, पादप और सूक्ष्मजीव विविधता को स्वदेशी ज्ञान के साथ जोड़ना, पुष्प प्रकाश, नोएडा, उत्तर प्रदेश, भारत। आईएसबी.ए.न 978-93-6056-444-5।
- कौर, जे., जीत, एस., वर्मा, एम. (2025)। जीन के कार्यात्मक विश्लेषण में जैव सूचनात्मक उपकरणों का एकीकरण और रोग निदान में उनका अनुप्रयोग। त्रिपाठी, यू. (संपादक) आणविक एवं कोशिकीय जीव-विज्ञान में जैवरासायनिक और जैवभौतिक विधियाँ। स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-96-2088-3_2।
- पुस्तक में अध्यायरानी, एन., यादव, एस., सैनी, के., मैती डी. 2024. खाद्य रंगों पर बायोसेंसर का प्रभाव: एक समीक्षा, प्रकाशक: रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री (आरएससी), लंडन। DOI: https://doi.org/10.1039/9781837676323-00316

- गुप्ता, यू., सैनी, के., वूलम, एम., अग्रवाल, एम., मैती डी. 2024. मानव स्वास्थ्य पर बायोसेंसर के अनुप्रयोग का एक तुलनात्मक अध्ययन। प्रकाशक: रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री (आरएससी), लुंडन। DOI: https://doi.org/10.1039/97818376 76323-00070
- रानी, एन., यादव, एस. सैनी, के., मैती, डी. 2025. पर्यावरणीय अनुप्रयोगों के लिए बायोमास-व्युत्पन्न कार्बनयुक्त सामग्री। कॉपीराइट © 2025 एल्सेवियर. https://doi.org/10.1016/B978-0-443-29076-3.00004-X अधिकार और सामग्री प्राप्त करें
- रेणु अरोड़ा-नाट्य व्यक्तित्वा भारतेंदु हरिश्चंद्र, अध्याय का शीर्षक-भारत दुर्दशा: वर्तम परिदृष्य, आईएसबी.ए.न 978-93-6201-913-4, सेतु प्रकाशन, दिल्ली, भारत।
- रेनू अरोड़ा-रंग प्रसंग, अध्याय का शीर्षक-कला या कलाकार, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय।
- *वन्स अपॉन ए फॉरेस्ट एंड अदर स्टोरीज, बुलबुल शर्मा द्वारा, द बुक रिव्यू,* वॉल्यूम XLVIII, नंबर 12, दिसंबर 2024, पृष्ठ 47-48 में 'सेलिब्रेटिंग वीमेन रिडिस्कवरी ऑफ लाइफ एंड लव' के रूप में।
- *द यंग अर्थ लवर्स बुक ऑफ नेचर,* दीपा अग्रवाल द्वारा संपादित, *द बुक रिव्यू,* खंड XLVIII, संख्या 11, नवंबर 2024, पृ. 66-67.
- *रेस्क्यूइंग ए रिवर ब्रीज़,* मृणालिनी हरचंद्राय द्वारा, 'पोर्ट्रेट ऑफ़ ए बायगोन एरा' के रूप में, *द बुक रिव्यू,* खंड XLVIII, संख्या 9, सितंबर 2024, पृष्ठ 31-32 में।

संपादित पुस्तक में अध्याय

- प्रो. बिजयालक्ष्मी नंदा और डॉ. नूपुर रे इंडियन स्टडीज रिव्यू 5(1) [2024] 1-20 जर्नल ऑफ सेंटर फॉर स्टडी ऑफ पॉलिटिक्स एंड गवर्नेंस, दिल्ली "उत्तर प्रदेश और हरियाणा के चुनिंदा जिलों में घटते बाल लैंगिक अनुपात और बालिका भेदभाव का अध्ययन-प्रमुख निष्कर्ष और नीति सिफारिशें"। https://www.cspgindia.com/journal/indian-studies-review-volume-5-no-1.
- पाल ए., भाटिया एस.एस., सैनी पी. (2024)। ' पृथक्करण परिघटना के मूल सिद्धांत और अनुप्रयोग'। 'एडवांसेज़ इन सेपरेशन साइंसेज' पुस्तक में। एल्सेवियर द्वारा प्रकाशित। आईएसबी.ए.न: 978-0-323-95292-7
- ओक, एच. 2025. क्या दुनिया सचमुच टिकाऊ बन गई है? 2022 के शीर्ष कार्बन उत्सर्जकों से प्राप्त साक्ष्य। पुस्तक: व्यवसाय, अर्थशास्त्र और शिक्षा में टिकाऊ दृष्टिकोण: सैद्धांतिक और अनुभवजन्य दृष्टिकोण (संपादक वेनेलिन टेरज़ीव): 317-332, पीटर लैंग, बर्लिन, जर्मनी।
- मल्होत्रा, ए.टी. सेवा-पूर्व शिक्षकों में चिंतनशील अभ्यासकर्ताओं का विकास। भारत में शिक्षक शिक्षा का पुनरुद्धार: एनईपी 2020 की संभावनाएँ और चुनौतियाँ (संपादक: जसीम अहमद, एरम खान, अंसार अहमद), 97-103, शिप्रा प्रकाशन, दिल्ली। आईएसबी.ए.न 978-93-91978-73-0

- मल्होत्रा, ए.टी. एक चिंतनशील गणित शिक्षाशास्त्र की ओर: नीतिगत परिप्रेक्ष्य के प्रकाश में शिक्षक शिक्षा को अग्रभूमि में रखने पर गणित कक्षा में विमर्श का पुनरीक्षण और पुनर्कल्पना (संपादक कौशल किशोर, हरजीत कौर भाटिया, अरशद इकराम अहमद, समीर बाबू एम., अली हैदर):218-224, नामाक प्रकाशन.आईएसबी.ए.न:978-81-985215-0-7
- मल्होत्रा, एटी एंड कौर, जे. गणित के खेल से गणित संवाद को बढ़ावा: गणित और उसकी शिक्षा में एक खोजपुराण अध्ययन (सं. हृदय कांत दीवान, हनीत गांधी, ऋचा गोस्वामी):324-336, वाणी प्रकाशन। आईएसबी.ए.न: 978-93-5775-736-2
- झा, एसएस 2024. औपनिवेशिक भारत में तवायफ़ : बदलती आजीविकाएँ और उभरती प्रौद्योगिकियाँ (1790-1920 के दशक)। *दक्षिण एशिया में संस्कृति की* रचनात्मक *अर्थव्यवस्थाएँ: कलाकार और शिल्पकार* (संपादक ए. मोरकॉम और एन. रैना) 8: 219-321, रूटलेज, न्यूयॉर्क और ऑक्सफ़ोर्ड।
- झा, एस.एस. 2024. गीत-पुस्तक से पोस्टकार्ड तक: वेश्याएँ और उनकी विस्मृत सांस्कृतिक विरासत। *गणिका: 19वीं से 20वीं शताब्दी के भारत की दृश्य संस्कृति में* (संपादक एस. भल्ला): अध्याय 5: 92-108। कला और शिल्प संग्रहालय, नई दिल्ली।
- सरकार, ए.; सिंह, एस.; और सचान, आर. (2024). " जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में 'जोखिम', 'अनिश्चितता' और 'अनुकूलन की कमी' का संदर्भीकरण " सरकार एट अल. (संपादक)। जलवायु परिवर्तन के जोखिम, अनिश्चितता और कुरूपता को संबोधित करना: नीति, अभ्यास और केस स्टडीज़", पुस्तक श्रृंखला: आपदा जोखिम न्यूनीकरण विधियाँ, दृष्टिकोण और अभ्यास, स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंड एजी। https://link. springer.com/chapter/10.1007/978-981-99-9474-8_1
- गुप्ता बी, जोस एम.एम. (2024) परस्पर संबद्ध प्राथमिकताएँ: जलवायु परिवर्तन की राजनीति के प्रति भारत का दृष्टिकोण–घरेलू विकास और वैश्विक प्रतिबद्धताएँ। ब्रिक्स और जलवायु परिवर्तन में। पैल्ग्रेव मैकमिलन, सिंगापुर, सिंगापुर, पृष्ठ 97-117
- कुमरिया, पूनम, सिंह, मनजीत, रंजन, ओम जय, और शेखावत, वीपुल (2025)। उत्तराखंड में कोविड-19 प्रबंधन का आकलन। *भौगोलिक और पर्यावरण विज्ञान में प्रगति* (पृष्ठ 80-92)। https://doi.org/10.1007/978-981-96-0381-7_8
- पुरी, पी. (2024). दिल्ली-ओज़ोन और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड गैस का भौगोलिक प्रतिरूपण (2019-2021), विशेष रूप से कोविड-19 लॉकडाउन अवधि के संदर्भ में। कुमार, एम., कुमार, पी., आनंद, एस., वर्मा, एन.के., त्रिपाठी, डी.के. (संपादक) पर्यावरणीय स्थिरता के भौगोलिक आयाम। आईजीयूटीसी 2022। भौगोलिक और पर्यावरण विज्ञान में प्रगति। स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-96-0605-4_8

- पुरी, पी. (2024). रिमोट सेंसिंग के माध्यम से मिज़ोरम के लिए फाफस्टेटर कोड आधारित जलग्रहण परिसीमन, भूवैज्ञानिक प्रेक्षण, भूमि आवरण और जनसंख्या घनत्व विश्लेषण: भारत के डिजिटल जलग्रहण एटलस में सहायता और/या सुधार। राय, पी.के., सिंह, ए., बींगाछी, बी., सिंह, एस.के. (संपादक) पर्वतीय क्षेत्र में प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और सतत आजीविका। भौगोलिक और पर्यावरण विज्ञान में प्रगति। स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-97-2100-9_16
- पुरी, पी.-भारत में शहरी और ग्रामीण महिलाओं में मधुमेह के बारे में भौगोलिक जानकारी: एनएफएचएस-4 और एनएफएचएस-5 डेटाबेस की खोज, में मिश्रा, एम., शर्मा, वी.आर., चक्रवर्ती, ए. (संपादक) भारत में उभरते शहरी और अर्ध-शहरी स्थानों की राजनीतिक अर्थव्यवस्था। क्षेत्रीय विज्ञान में नए आयाम: एशियाई परिप्रेक्ष्य, खंड 81. स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-97-8872-9_10.
- पुरी, पी. (2024). हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और भारत के सात राज्यों के पर्वतीय राज्यों के लिए जलवायु परिवर्तन के दौर में कोविड-19 लॉकडाउन और वनाग्नि: एक स्थानिक-कालिक व्याख्या (2012-2022)। मिश्रा, एम., डी लुसेना, ए.जे., महाराज, बी. (संपादक) वैश्विक दक्षिण में जलवायु परिवर्तन और क्षेत्रीय सामाजिक-आर्थिक प्रणालियाँ। स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-97-3870-0_19
- सिंह, आर., कुमार, एच., रानी, यू., और कुमार, ए. (2025)। राजस्थान के जयपुर शहर में भूजल गुणवत्ता मूल्यांकन की खोज। आनंद, एस., नागराले, वी., अभय, आर.के. (संपादक) भारत में उभरते भू-स्थायित्व परिवर्तन। भौगोलिक और पर्यावरण विज्ञान में प्रगति। स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-97-7993-2_11
- श्रीमंजरी, 2025. जिस नारायणी को मैं जानता हूं। इन: शहर, नागरिक, कक्षाएँ और उससे आगे। नारायणी गुप्ता के लिए निबंध (संस्करण पार्थो दत्ता, मुकुल केसवन, कुमकुम रॉय) 7-10, प्राइमस बुक्स, दिल्ली।
- कुमार, विजय. 2025. 'स्मृतियों को समझना, इतिहास लिखना: 20वीं सदी के मध्य उत्तर प्रदेश में दलित पारिवारिक फ़ोटो संग्रह.' *फ़्रेमिंग पोर्ट्रेट्स, बाइंडिंग एल्बम: फ़ैमिली फ़ोटोग्राफ़्स इन इंडिया,* (संपादक: शिल्पी गोस्वामी और सूर्यनंदिनी नारायण). ज़ुबान पब्लिशर्स, नई दिल्ली.
- मोहम्मद सारिक इदरीसी, अरविंद यादव और राजीव कुमार, पीएनटीआरयू: उत्पाद रिंग पर एक सामान्यीकृत एनटीआरयू एन्क्रिप्शन योजना। इन: *एआईपी कॉन्फ। प्रोक.* 3283, 030006 (2025) https://doi.org/10.1063/5.0265580।
- सिन्हा, आर.वी. 2024. वैदिक दर्शन में राजधर्म: कुछ दार्शनिक चिंतन। आधुनिक काल में वैदिक ज्ञान के अभिनव अनुप्रयोग (संपादक शशि तिवारी), 430-437, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली।

- कनोजिया, रीना. 2025. हेगेल के दर्शन में आत्मा (चेतना) की प्रकृति का विश्लेषण। पुस्तक 'दर्शन के आयाम' में। प्रोफेसर राघवेंद्र प्रताप सिंह को समर्पित : 149-162, डीके प्रिंट वर्ल्ड, नई दिल्ली। आईएसबी.ए.न: 978-81-246-1307-8
- कनोजिया, रीना। 2024. वैदिक साहित्य और उसके अभिनव योगदान। पुस्तक 'आधुनिक काल में वैदिक ज्ञान के अभिनव अनुप्रयोग: 29-36' में, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली। आईएसबी.ए.न-978-81-7702-523-1
- कपूर, टी. 2023 "अद्वैत वेदांत में पर्यावरण नैतिकता के लिए मेटाफिजिकल फाउंडेशन" *नई सहस्राब्दी के लिए सामाजिक दर्शन और योग में* (संस्करण प्रो. बसवराज सिद्धाश्रम, प्रो. के. पुट्टाराजू, डॉ. पी. राघवेंद्र और डॉ. नंदिनी मिश्रा) 119-129, सिद्ध प्रकाशन, धारवर्ड कर्नाटक, भारत।'
- शर्मा, बी., गुप्ता, आर., वर्मा, एम., नाओरेम, बी.डी., तोमर, एम. 2024 यांत्रिक ऊर्जा संचयन के लिए केएनएन-पीवीडीएफ कैंटिलीवर का निर्माण। इन: एडवांस्ड फंक्शनल मैटेरियल्स फॉर सस्टेनेबल एनवायरनमेंट्स (संपादक कोटनाला, आर.के., शर्मा कौशिक, ए., सुब्रमण्यन, एस.एस., विश्वकर्मा, ए.के.) 5: 53-61, स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंड।
- यादव, जी., जिंदल, के., नाओरेम, बी.डी., तोमर, एम. 2024 ड्रॉपलेट आधारित ट्राइबोइलेक्ट्रिक नैनोजेनरेटर (डीबी-टीईएनजी) फोटोवोल्टिक और ट्राइबोइलेक्ट्रिक प्रभाव के संयोजन द्वारा: सतत पर्यावरण के लिए उन्नत कार्यात्मक सामग्री (संपादक कोटनाला, आर.के., शर्मा कौशिक, ए., सुब्रमण्यन, एसएस, विश्वकर्मा, ए.के.) 11: 121-128, स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंड।
- चौधरी, जेएस, अनीशा, गुप्ता, ए., चौधरी, ए., रानी, जी., नाओरेम, बी.डी., वर्मा, एम., तोमर, एम., झा, आर. 2024 थर्मोइलेक्ट्रिक जेनरेशन के लिए एंटीमनी टेलुराइड और बिस्मथ टेलुराइड का एक तुलनात्मक अध्ययन। इन: नैनोमटेरियल्स में हालिया प्रगति (संस्करण खान, जेडएच, जैक्सन, एम., सलाह, एनए) स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन मैटेरियल्स, खंड 27। स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर।
- जरीना बानो और रामनी गुप्ता, ALICE का उपयोग करके √s_NN = 5.44 TeV पर Xe-Xe टकराव में आवेशित कण उत्पादन में स्थानीय बहुलता के उतार-चढ़ाव का एक अध्ययन: *DAE Symp.Nucl.Phys।* 67 (2024) 1151-1152 (योगदान: परमाणु भौतिकी पर 67वीं डीएई संगोष्ठी (डीएई एनपीएसवाईएमपी 2023)
- ज़रीना बानो और रमणी गुप्ता, AMPT मॉडल का उपयोग करके √s_NN = 5.44 TeV पर Xe-Xe टकराव में उत्पन्न आवेशित कणों का आंतरायिक विश्लेषण: *SciPost Phys.Proc.* 15 (2024) 010 (योगदान: 51वीं अंतर्राष्ट्रीय बहुकण गतिकी संगोष्ठी (ISMD2022) में)

- सिंह, पुष्पा (2024). विकासशील देशों में खाद्य सुरक्षा के लिए अभिनव रास्ते: भारत से नोट्स, *विकासशील देशों में खाद्य सुरक्षा: स्थिति, चुनौतियाँ और अवसर,* स्प्रिंगर, चैम. https://doi.org/10.1007/978-3-031-57283-8_5

- सिंह, पुष्पा (2024). "जेंडर और तुलनात्मक राजनीति: तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में महिलाओं का राजनीतिक प्रतिनिधित्व" *तुलनात्मक राजनीतिक विश्लेषण: एक पाठक,* पियर्सन में। (सह-लेखक)।

- सिंह, पुष्पा (2024). "परिचय: तुलनात्मक सरकार और राजनीति को समझना" *तुलनात्मक राजनीतिक विश्लेषण: एक पाठक,* पियर्सन में।

- *तुलनात्मक राजनीतिक विश्लेषण* में "सुरक्षा राज्य" : एक पाठक, पियर्सन. (सह-लेखक).

- सिंह, पी. (2024). राष्ट्रवाद: परिप्रेक्ष्य और प्रतियोगिताएँ, *तुलनात्मक राजनीतिक विश्लेषण: एक पाठक,* पियर्सन में. (सह-लेखक).

- मिथिलेश कुमार झा और कमल नयन चौबे (संपादक), भारतीय राजनीति और राजनीतिक प्रक्रियाएँ: विचार, संस्थाएँ और व्यवहार, लंदन और न्यूयॉर्क: रूटलेज, में लैंगिक और भारतीय राजनीति (2024). DOI: 10.4324/9781003434443, पृष्ठ 342-363।

- सुंदास, बी और प्रधान, डी (2025)। दार्जिलैंगिक में मीडिया, सोशल मीडिया और गोरखालैंड आंदोलन (एमके जेना) संपादक। भारत में मीडिया और हाशिये पर: माध्यम, संदेश और अर्थ, मनोहर पब्लिशर्स, नई दिल्ली। पृष्ठ-181-198।

- भाटिया, आर. (2025)। परिचय। आर. भाटिया (सं.), *दक्षिण एशिया में लैंगिक परिवर्तनकारी पहल* (प्रथम संस्करण, पृष्ठ 1-10) में। रूटलेज। DOI: 10,4324/9781003604877

- प्रियदर्शिनी, एस और दुबे, पी. 2025. डोर टू डोर: शहर में अकेली महिलाओं द्वारा आवास की तलाश का एक अध्ययन। दक्षिण एशिया में लैंगिक परिवर्तनकारी पहल (संपादक आर. भाटिया): 149-170, रूटलेज, न्यूयॉर्क।

अनुसंधान परियोजनाएँ

- बशाबी गुप्ता, भूगोल विभाग को "अव्यक्त को व्यक्त करना: मधुबनी और वारली लोक कला" नामक शोध परियोजना के लिए सह-पीआई के रूप में ₹16 लाख स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान आईसीएसएसआर (प्रमुख शोध परियोजना) द्वारा प्रदान किया गया है और 2025 से 2027 तक की अवधि के लिए है।

- डबशाबी गुप्ता, भूगोल विभाग को "एनईआर अनुसंधान एवं संसाधन केंद्र, मिरांडा हाउस की स्थापना" नामक शोध परियोजना के लिए सह-पीआई के रूप में ₹2.75 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान एनईसी, शिलांग द्वारा प्रदान किया गया है और 2022 से 2025 तक की अवधि के लिए है।

- डॉ. दीपक को "त्रिफला एनकैप्सुलेटेड पॉलीमेरिक नैनोपार्टिकल्स को नवीन और कुशल रोगाणुरोधी एजेंट के रूप में विकसित करना" नामक शोध परियोजना के लिए ₹1,50,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान मिरांडा हाउस के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. अंबुजा भूषण जायसवाल को "संघनित पदार्थ भौतिकी में यादृच्छिक मैट्रिक्स सिद्धांत की खोज: क्वांटम अराजकता और सांख्यिकीय यांत्रिकी का सेतुबंधन" नामक शोध परियोजना के लिए ₹75,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान मिरांडा हाउस के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. अनीता कुमारी को "अम्लीय विलयनों में धातुओं के लिए हरित संक्षारण अवरोधकों के संक्षारण-रोधी गुण" नामक शोध परियोजना के लिए ₹75,000 की राशि स्वीकृत की गई है। पादप मूल के बायोचार का उपयोग करके हरित एवं सतत अपशिष्ट जल उपचार। यह अनुदान मिरांडा हाउस के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. अंकिता मेधी को "ब्रह्मपुत्र नदी बेसिन (बीआरबी) में पारिस्थितिक और पर्यावास मॉडलैंगिक के माध्यम से जलवायु परिवर्तन गतिशीलता का मानचित्रण: काजीरंगा यूनेस्को प्राकृतिक धरोहर स्थल और मानस बायोस्फीयर रिजर्व में आक्रामक प्रजातियों का प्रभाव" नामक शोध परियोजना के लिए ₹1,00,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान मिरांडा हाउस के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. अनुष्का पाल को "कागज़ आधारित डिस्पोजेबल्स की सतत पुनर्चक्रण प्रक्रिया का विकास: अपशिष्ट से धन और वृत्तीय अर्थव्यवस्था दृष्टिकोण के माध्यम से शून्य अपशिष्ट परिसर की ओर एक कदम" नामक शोध परियोजना के लिए ₹1,50,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान मिरांडा हाउस के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. बिलासिनी नाओरेम देवी को "मेटल ऑक्साइड मैट्रिक्स का उपयोग करके अल्जाइमर रोग का शीघ्र पता लगाना और समाज के लिए प्रासंगिक नीतियों की खोज" नामक शोध परियोजना के लिए ₹1,50,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान मिरांडा हाउस के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. दौलती वर्मा को "भारत में 15-19 वर्ष की आयु के किशोरों में एनीमिया की व्यापकता और पूर्वानुमान: एनएचएफएस-5 डेटा का उपयोग" नामक शोध परियोजना के लिए ₹1,00,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान मिरांडा हाउस के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।

- डॉ. दीपाली को "जैव उर्वरकों के प्रयोग से फाइटोरेमेडिएशन द्वारा भारी धातु युक्त मृदा का शोधन: प्रतिमान एवं संभावनाएँ" नामक शोध परियोजना के लिए ₹1,50,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान मिरांडा हाउस के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. दीप्ति रावत को "अपशिष्ट जल से कीटनाशकों के कुशल निष्कासन हेतु दृश्य प्रकाश चालित चुंबकीय रूप से पुनःप्राप्ति योग्य प्रकाश उत्प्रेरक की विषाक्तता की डिज़ाइनिंग, निर्माण और मूल्यांकन" नामक शोध परियोजना के लिए ₹1,50,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान मिरांडा हाउस के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. ज्योति अरोड़ा को "हस्तनिर्मित कागज़ निर्माण में अपशिष्ट प्रबंधन के 4R का कार्यान्वयन: मज़बूती, रंग और विशिष्ट गुणों के लिए हरित नैनोएडिटिव्स का अनुप्रयोग" नामक शोध परियोजना के लिए ₹1,50,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान मिरांडा हाउस के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. एम. कम्मिनथांग, समाजशास्त्र (मिरांडा हाउस) को "कृषि-सांस्कृतिक परिसर: मणिपुर (पूर्वोत्तर भारत) में ज़ू समुदाय के धान की खेती और प्राचीन सखुआ धर्म को समझना" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 4,21,500 रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए), नई दिल्ली द्वारा प्रदान किया गया है और 2018 से 2024 तक की अवधि के लिए है।
- डॉ. ममता सेठी को "प्राथमिक कष्टार्तव (पीडी) को कम करने में अजवाइन (ट्रेकिस्पर्मम अम्मी) की प्रभावकारिता का मूल्यांकन: नैदानिक औषध विज्ञान और पारंपरिक हर्बल औषधियों का एक चरमोत्कर्ष" नामक शोध परियोजना के लिए ₹1,50,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान मिरांडा हाउस के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. मोनिका शर्मा (पीआई) और प्रो. साधना शर्मा (सह-पीआई), प्राणि-विज्ञान विभाग को "मानव पीबी.ए.मसी और माउस मॉडल में माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के अंतिम चरण-विशिष्ट, एंटीजेनिक पीई/पीपीई प्रोटीन से डिज़ाइन किए गए एपिटोप-आधारित टीके की प्रतिरक्षाजनकता और सुरक्षात्मक प्रभावकारिता का मूल्यांकन" नामक शोध परियोजना के लिए 2.39 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान आईसीएमआर द्वारा प्रदान किया गया है और 2024 से 2028 तक की अवधि के लिए है।
- डॉ. मोनिका शर्मा को "मेजबान माइटोकॉन्ड्रियल गड़बड़ी में माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के पीपीई15 (आरवी1039सी) की भूमिका को एक नए विषाणु कारक के रूप में परिभाषित करना" नामक शोध परियोजना के लिए ₹1,00,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान

अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ मिरांडा हाउस द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।

- डॉ. निर्मला सैनी को "उन्नत बायोमेट्रिक्स-आधारित सूचना सुरक्षा प्रणालियों का विकास: अनुसंधान का व्यापक क्षेत्र:" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹1,00,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान मिरांडा हाउस के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. निर्मला सैनी को "उन्नत बायोमेट्रिक्स-आधारित सूचना सुरक्षा प्रणालियों का विकास: अनुसंधान का व्यापक क्षेत्र:" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹1,00,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान मिरांडा हाउस के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. पूजा सुमन को "ड्रोसोफिला मेलानोगास्टर के आंत माइक्रोबायोटा पर अश्वगंधा (विथानिया सोम्नीफेरा) की विषाक्तता का मूल्यांकन" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹1,50,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान मिरांडा हाउस के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. पूनम को "मलेरिया के विरुद्ध स्टैचिटारफेटा कैयेनेन्सिस की फाइटोथेरेप्यूटिक क्षमता" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹1,50,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान मिरांडा हाउस के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. प्रफुलित बिष्ट को "भारत-चीन-नेपाल सीमा के लिम्प्यादुरु त्रि-जंक्शन क्षेत्र में ग्रामीण पलायन से प्रेरित सीमा सुरक्षा भेद्यता" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹1,25,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान मिरांडा हाउस के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. प्रियंवदा सिंह, रसायन-विज्ञान विभाग को " लक्ष्य आधारित स्क्रीनिंग और हाइड्रोक्सीएथाइलमाइन व्युत्पन्नों का नवीन मलेरिया-रोधी के रूप में विकास " नामक शोध परियोजना के लिए सह-पीआई के रूप में ₹28.10 लाख स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान एसईआरबी, भारत सरकार द्वारा प्रदान किया गया है और 1 अप्रैल, 2024 से 31 मार्च, 2026 तक की अवधि के लिए है। प्रस्ताव आईडी: CRD/2022/000580
- डॉ. रविंदर झा को "सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली तक पहुँच: दिल्ली (एनसीआर) में मोहल्ला क्लीनिकों का एक अध्ययन" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹1,00,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान मिरांडा हाउस के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।

- डॉ. रीना कनोजिया को "संस्कृत साहित्य में पारिस्थितिक-नारीवाद की अवधारणा के दार्शनिक अन्वेषण पर केंद्रित अध्ययन" नामक शोध परियोजना के लिए ₹1,00,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान मिरांडा हाउस के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. रेणुका अग्रवाल को "प्लांट-बेस्ड एसेज़ का उपयोग करके शाकनाशियों के साइटोटॉक्सिक, जीनोटॉक्सिक और फिजियोलॉजिकल प्रभावों का आकलन" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹1,50,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान मिरांडा हाउस के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. ऋचा कुंडू को "हेलो क्लस्टर्स के आसपास एक्स्ट्रा-टाइडल स्टार्स" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹1,00,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान मिरांडा हाउस के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. शिप्रा सिंह को "शहरी नियोजन एवं शासन के क्षेत्र में भू-स्थानिक संकेतकों के अंतर्संबंध के माध्यम से एक ताप कार्य योजना (एचएपी) का प्रारूप तैयार करना: गुरुग्राम का एक केस स्टडी" नामक शोध परियोजना के लिए ₹1,00,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान मिरांडा हाउस के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. स्मृति शर्मा भाटिया को "मक्का के पौधों पर Cu नैनोकणों की कम्प्यूटेशनल फाइटोरेगुलेटरी प्रोफाइलैंगिक: इन सिलिको और इन विट्रो तकनीकों का संयोजन" नामक शोध परियोजना के लिए ₹1,00,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान मिरांडा हाउस के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. सोमदत्त सिन्हा रॉय को "अल्टरनेंथेरा फिलोक्सेरोइड्स (मार्टिन) ग्रिसेब पर विशेष ध्यान देते हुए कुछ हाइड्रोफाइट्स की फाइटोरेमेडिएशन क्षमता का अन्वेषण" नामक शोध परियोजना के लिए ₹1,50,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान मिरांडा हाउस के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. सोनाली चितलकर को "शौर्यगाथा-कारगिल युद्ध के पच्चीस वर्ष बाद" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹1,00,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान मिरांडा हाउस के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. सौम्य प्रकाश ढल को "मिरांडा हाउस में सूक्ष्म उल्कापिंड संग्रह सुविधा की स्थापना: उल्कापिंडों की प्रकृति का अन्वेषण" नामक शोध परियोजना के लिए ₹1,50,000 की राशि

स्वीकृत की गई है। यह अनुदान मिरांडा हाउस के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।

- डॉ. सुजाता सेनगुप्ता को "गुणात्मक जैविक विश्लेषण हेतु नवीन हरित विधियों का विकास" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹1,50,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान मिरांडा हाउस के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- डॉ. सुष्मिता बनर्जी को "सोलहवीं और सत्रहवीं शताब्दी में सूफी पाठ्य परंपरा" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹70,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान मिरांडा हाउस के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- मोनिका तोमर, भौतिकी विभाग को "ब्रॉडबैंड डीप यूवी फोटोडिटेक्टर के लिए क्रिस्टलीय एकल-चरण Ga2O3 पतली फिल्म का विकास" नामक शोध परियोजना के लिए ₹10.00 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान सीएसआईआर द्वारा प्रदान किया गया है और अक्तूबर 2023 से 2025 तक की अवधि के लिए है।
- भौतिकी विभाग की डॉ. मोनिका तोमर को "सतही ध्वनिक तरंगों का उपयोग करते हुए यूवी-ए, बी और सी संवेदन हेतु एमएक्सओवाई पतली फिल्म परतों का विकास" नामक शोध परियोजना के लिए ₹181.44743 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान डीआरडीओ द्वारा प्रदान किया गया है और 17 फरवरी 2025 से 16 फरवरी 2028 तक की अवधि के लिए है।
- मोनिका तोमर, भौतिकी विभाग को "बायोएसे डेवलपमेंट: फॉर द फील्ड डायग्नोसिस ऑफ थ्रोम्बोसिस" नामक शोध परियोजना के लिए सह-पीआई के रूप में ₹27.42 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान डीआरडीओ द्वारा प्रदान किया गया है और 21 दिसंबर 2023 से 21 दिसंबर 2024 तक की अवधि के लिए है।
- भौतिकी विभाग की डॉ. मोनिका तोमर को "GaN-आधारित जंक्शनलेस ट्रांजिस्टर के गेट स्टैक में फेरोइलेक्ट्रिक हेफ़नियम-ज़िरकोनियम ऑक्साइड (HZO) को एम्बेड करना" नामक शोध परियोजना के लिए Co-PI के रूप में ₹31.4 स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान DST-SERB द्वारा प्रदान किया गया है और मार्च 2024 से मार्च 2027 तक की अवधि के लिए है।
- मोनिका तोमर, भौतिकी विभाग को "इंडियम सेलेनाइड पतली फिल्मों का उपयोग करके थर्मोइलेक्ट्रिक ऊर्जा संचयक का विकास" नामक शोध परियोजना के लिए सह-पीआई के रूप में ₹32.00 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रदान किया गया है और जनवरी 2023 से 2026 तक की अवधि के लिए है।
- भौतिकी विभाग की डॉ. मोनिका तोमर को "निर्धारित विनिर्देशों के पैकेज्ड उच्च-आवृत्ति वाले SAW उपकरणों का निर्माण" नामक शोध परियोजना के लिए ₹36.29 की राशि स्वीकृत की गई

है। यह अनुदान DRDO द्वारा प्रदान किया गया है और नवंबर 2022 से अप्रैल 2024 तक की अवधि के लिए है।

- भौतिकी विभाग की डॉ. मोनिका तोमर को "ऑटोमोबाइल उद्योग के लिए हैंड-हेल्ड पैकेज्ड हाइड्रोजन गैस सेंसर का विकास" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹41.82 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान डीटी-टीडीपी द्वारा प्रदान किया गया है और नवंबर 2023 से नवंबर 2025 तक की अवधि के लिए है।
- सुश्री प्रीति राय जैन को "कार्बन फुटप्रिंट का आकलन: सतत परिसर के लिए आगे का रास्ता" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹1,00,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान मिरांडा हाउस के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- कलावती सैनी को "एलियम सेपा एल. (प्याज) एक्सट्रेक्ट मीडिएटेड एप्टामर- फंक्शनलाइज्ड मेटल ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स: फेफड़ों के कैंसर से लड़ने के लिए एक नैनोमेडिसिन" नामक शोध परियोजना के लिए ₹1,50,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान मिरांडा हाउस के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- प्रो. मालती शर्मा को "वनस्पति मूल के बायोचार का उपयोग करके हरित एवं सतत अपशिष्ट जल उपचार" नामक शोध परियोजना के लिए ₹1,50,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान मिरांडा हाउस के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- प्रो. मोनिका विज को "शहरी ऊष्मा द्वीप शमन और वनस्पति आवरण के स्थानिक स्वरूपों से इसके संबंध: दिल्ली का एक केस स्टडी" नामक शोध परियोजना के लिए ₹1,00,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान मिरांडा हाउस के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- प्रो. पुष्पा सिंह को "केरल में जलवायु परिवर्तन और कृषि: अनुकूलन एवं शमन रणनीतियों में स्वदेशी ज्ञान की भूमिका की खोज" नामक शोध परियोजना के लिए ₹1,00,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान मिरांडा हाउस के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- प्रो. राखी पारिजात को "जल विज्ञान मॉडल SWAT का उपयोग करते हुए भारत के बसपा नदी बेसिन में भूमि उपयोग/आवरण परिवर्तनों के लिए धारा प्रवाह और गाद परिदृश्य का आकलन" नामक शोध परियोजना के लिए ₹1,25,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ मिरांडा हाउस द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।

- प्रो. रश्मि शाइक्य को "पौधों में लवणता तनाव के शमन हेतु पीजीपीआर-आधारित बीज लेपन का उपयोग" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹1,50,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान मिरांडा हाउस के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- प्रो. रेखा कुमारी को "शहरी क्षेत्रों में जल प्रदूषण और स्वच्छ जल की सुलभता (एसडीजी 6): भौतिक-रासायनिक विशेषताओं का आकलन और सूक्ष्मजीव विविधता का मानचित्रण" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹1,50,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान मिरांडा हाउस के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- प्रो. साधना शर्मा को "छात्रों में सुप्त टीबी और विटामिन डी की स्थिति के बीच संबंध का एक खोजपूर्ण अध्ययन" नामक शोध परियोजना के लिए ₹1,00,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान मिरांडा हाउस के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- प्रो. सलोनी बाहरी को "शहरी-शैक्षणिक क्षेत्र में उत्पन्न खाद का विश्लेषण और सुधार" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹1,25,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान मिरांडा हाउस के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और 2024-2025 की अवधि के लिए है।
- रेखा कुमारी को आईओई, डीयू, 2024-25 में सह-पीआई के रूप में “संश्लेषित पित्त नमक नैनो-माइकेलर असेंबली में करक्यूमिन डेरिवेटिव्स के एंटीमाइक्रोबियल क्षमता और स्पेक्ट्रोस्कोपिक लक्षण वर्णन का अध्ययन” नामक शोध परियोजना के लिए ₹ 6,00,000.00 मंजूर किए गए हैं।

स्वीकृत पेटेंट

- ब्रिजेश राठी, प्रियंवदा सिंह, नेहा शर्मा। "एक एंटीपैरासिटिक यौगिक"। भारतीय पेटेंट आवेदन-2 02311028096. मार्च 20, 2025, राष्ट्रीय।

दायर पेटेंट

- **ब्रिजेश राठी, प्रियंवदा सिंह, संदीप कुमार, कपिल वशिष्ठ, "एक बायोडिग्रेडेबल रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट कैसेट"। भारतीय पेटेंट डॉकेट संख्या 84449, 24 मई 2024 को दायर किया गया। राष्ट्रीय।**
- अमित कुमार, प्रो. महिपाल सिंह, डॉ. वी.के. सचदेव, अंजलि शर्मा, अरिजीत चौधरी, मोनिका तोमर। ईएमआई परिरक्षण के लिए एक मिश्रित सामग्री बनाने की विधि। पेटेंट आवेदन संख्या-202511005230। 21 फ़रवरी, 2025 को दायर। राष्ट्रीय।
- जैंदर पाल सिंह, सत्यम गर्ग, अजय कुमार साओ, बबीता शर्मा, काजल जिंदल, रीमा गुप्ता, मल्लिका वर्मा, अंजलि शर्मा, अरिजीत चौधरी, उपेंद्र मित्तल, एटी निमल, मोनिका तोमर। हीरा-

सदृश कार्बन (डीएलसी) लेपित सब्सट्रेट तैयार करने की विधि। पेटेंट आवेदन संख्या- 202411069825। 16 सितंबर, 2024 को दायर। राष्ट्रीय।

- मोनिका तोमर, अरिजीत चौधरी, काजल जिंदल, गुंजन यादव। स्व-संचालित HfO2 पतली फिल्म आधारित कम लागत वाले सौर ब्लाइंड डीप यूवी फोटोडिटेक्टर का विकास। पेटेंट आवेदन संख्या- 202311010975। 17 फ़रवरी, 2023 को दायर। राष्ट्रीय।
- प्रदीप के. झा, मोनिका तोमर, काजल जिंदल, चंचल। जैविक द्रवों में यूरिक एसिड का पता लगाने के लिए फोटोइलेक्ट्रोकेमिकल जल विभाजन आधारित बायोसेंसर। पेटेंट आवेदन संख्या- 202311040935। 2023 को दायर। राष्ट्रीय।
- मोनिका तोमर, अंजलि शर्मा, लोकेश राणा, रीमा गुप्ता, श्वेता शर्मा। लिथियम डोप्ड पोटैशियम सोडियम नियोबेट थिन फिल्म आधारित MEMS प्रेशर सेंसर। पेटेंट आवेदन संख्या- 202311023209। 29-09-2023 को दायर किया गया। राष्ट्रीय।
- मोनिका तोमर, लोकेश राणा, रीमा गुप्ता, अंजलि शर्मा, प्रदीप के. झा, मनीषा भारती, ए.टी. निमल, उपेंद्र मित्तल। दाब संवेदन के लिए लैम्ब वेव रेज़ोनेटर उपकरण। पेटेंट आवेदन संख्या- 202311002112। 10-01-2023 को दायर। राष्ट्रीय।
- मोनिका तोमर, लोकेश राणा, वंदना, रीमा गुप्ता, अंजलि शर्मा, मनीषा भारती, एटी निमल, उपेंद्र मित्तल, जेम्स अजीत रेमंड। नियोबियम लेड ज़िरकोनियम टाइटेनेट (पीएनजेडटी) थिन फिल्म लैम्ब वेव एकॉस्टिक डिवाइस का एकीकरण। पेटेंट आवेदन संख्या- 202311036612। 5-06-2023 को दायर किया गया। राष्ट्रीय।
- टी. निमल, उपेंद्र मित्तल, मोनिका तोमर, लोकेश राणा, रीमा गुप्ता, अंजलि शर्मा, श्वेता शर्मा, मनीषा भारती। पोटेशियम सोडियम नियोबेट (केएनएन) पतली फिल्मों का उपयोग करके लैम्ब वेव ध्वनिक उपकरण का निर्माण। पेटेंट आवेदन संख्या- 202211070947। 8-12-2022 को दायर किया गया। राष्ट्रीय।

आयोजित संगोष्ठियां

- 5 जुलाई, 2024 को आईआईटी दिल्ली के सहयोग से रसायन-विज्ञान विभाग**,** मिरांडा हाउस द्वारा नैनो जत्था व्याख्यान श्रृंखला रोड शो और प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा।
- राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, राष्ट्रीय शहरी मामलों के संस्थान और दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सहयोग से यूएसआरसी, मिरांडा हाउस में 8-12 जुलाई, 2024 तक “सतत विकास प्राप्त करने के लिए आपदा लचीलापन के लिए शहरों को सक्षम बनाना” पर प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम: अनुसंधान के स्वाद: बहुविषयक संदर्भों में खोजी अनुसंधान, डी.एस. कोठारी विज्ञान शिक्षा में अनुसंधान और नवाचार केंद्र, मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय, 13 जून-25 जुलाई, 2024.

- **INSPIRE** इंटर्नशिप प्रोग्राम 2024, DST द्वारा प्रायोजित, मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, 8-12 जुलाई, 2024.
- आईपीआर में WISE अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद, डीएसटी के सहयोग से मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा किया गया।
- टीबी उन्मूलन पर भारत के 100-दिवसीय गहन अभियान पर टीबी जागरूकता कार्यक्रम", और 27 जनवरी, 2025 को आईसीएमआर द्वारा प्रायोजित।

आयोजित सम्मेलन

- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) पूसा, नई दिल्ली के सहयोग से दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस में 18-20 अप्रैल, 2024 तक आयोजित टेरारियम, हाइड्रोपोनिक्स और एरोपोनिक्स, फ्लोरीकल्चर और लैंडस्केपिंग पर आधारित तीन दिवसीय कौशल विकास कार्यक्रम की संयोजक थीं।
- रसायन-विज्ञान विभाग, मिरांडा हाउस द्वारा 11 और 12 फरवरी, 2025 को रासायनिक, जैविक और पर्यावरण विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2025 (आईयूपीएसी-आईसीसीबीईएस 2025) का आयोजन किया जाएगा। डीबीटी (3,00,000 रुपये) और डीआरडीओ (75,000 रुपये) से वित्त-पोषण।
- 5 जुलाई, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस स्थित रसायन-विज्ञान विभाग में "नैनो-जत्था-2024" नामक सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। यह आईआईटी दिल्ली के रसायन-विज्ञान विभाग के सहयोग से आयोजित किया जाएगा और नैनो एवं मृदु पदार्थ विज्ञान केंद्र (सीईएनएस) बैंगलोर द्वारा प्रायोजित किया जाएगा। यह विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के तहत एक स्वायत्त अनुसंधान संस्थान है। पुरस्कार राशि 50,000 रुपये/- (5 जुलाई, 2024) है।
- "पूर्वोत्तर और देश के अन्य भागों से भारतीय प्रवासी: तुलनात्मक यात्राएँ, पहचान और भारत संपर्क की चुनौतियाँ" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, प्रवासी पहल संगठन (ओडीआई) भारत के सहयोग से उत्तर पूर्व क्षेत्रीय अनुसंधान और संसाधन केंद्र, मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 24-25 अक्तूबर, 2024 को आयोजित किया जाएगा।
- मोदी 3.0 के तहत भारत की विदेश नीति: चुनौतियां और अवसर विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति-विज्ञान विभाग द्वारा दिल्ली स्कूल ऑफ ट्रांसनेशनल अफेयर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित किया गया है और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित किया गया है।
- 4 अक्तूबर, 2024 और 2 अक्तूबर को प्राणी-विज्ञान विभाग, मिरांडा हाउस द्वारा आयोजित और जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा

प्रायोजित "जैव प्रौद्योगिकी: मानव और पर्यावरण विकास के लिए एक उत्प्रेरक" शीर्षक से लोकप्रिय व्याख्यान श्रृंखला के समन्वयक के रूप में। 2024.

- 14 अक्तूबर को प्राणि-विज्ञान विभाग, मिरांडा हाउस द्वारा आयोजित और भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए) द्वारा प्रायोजित “जैव चिकित्सा अनुसंधान में उभरते मोर्चे” शीर्षक से राष्ट्रीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन सचिव के रूप में किया गया।-16, 2024.
- 41वीं एसआरबीसीई बैठक और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन जिसका शीर्षक है “चिकित्सा और प्रौद्योगिकी में प्रजनन विज्ञान और आणविक चिकित्सा नवाचार (आईसीआरएसएमएम-2024)” जिसका आयोजन दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राणी-विज्ञान विभाग द्वारा प्राणी-विज्ञान विभाग, मिरांडा हाउस के सहयोग से किया गया है और डीबीटी, डीएसटी और डीएसआईआर द्वारा 15-17 नवंबर, 2024 को प्रायोजित किया गया है।
- 6-8 फरवरी, 2025 को आईएनएससीआर, एमएमडीयू, जामिया हमदर्द, आईएसएमई, एसवीसी, खालसा, केएमसी के सहयोग से और डीबीटी, एएनआरएफ (डीएसटी), सीएसआईआर द्वारा प्रायोजित, दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस स्थित प्राणी-विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित "जैविक विज्ञान में जैव प्रौद्योगिकी की भूमिका: एक सतत भविष्य के लिए प्रयास" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन सचिव के रूप में।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

- 28 मई, 2024 को एचईआरएस-एसए, केप टाउन, दक्षिण अफ्रीका के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। राजनीति-विज्ञान विभाग की प्रोफेसर हेना सिंह ने समन्वयक के रूप में कार्य किया।
- 19 जून, 2024 को आरआईकेए संस्थान, नई दिल्ली के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। भूगोल विभाग की प्रोफेसर मोनिका विज ने समन्वयक के रूप में कार्य किया।
- 19 जून, 2024 को आसियान युवा संगठन, भारत चैप्टर के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। राजनीति-विज्ञान विभाग की प्रो. हेना सिंह ने समन्वयक के रूप में कार्य किया।
- 30 अगस्त, 2024 को सीजीएलएस फाउंडेशन (एसटीईपी), नई दिल्ली के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। भूगोल विभाग की प्रोफेसर बशाबी गुप्ता ने समन्वयक के रूप में कार्य किया।
- 9 अगस्त, 2024 को मणिपुर विश्वविद्यालय, इम्फाल के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। भौतिकी विभाग की प्रोफेसर मोनिका तोमर ने समन्वयक के रूप में कार्य किया।

- 23 सितंबर, 2024 को हैदराबाद विश्वविद्यालय, तेलंगाना के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। राजनीति-विज्ञान विभाग से प्रो. हेना सिंह और भूगोल विभाग से प्रो. बशाबी गुप्ता ने समन्वयक के रूप में कार्य किया।
- ईट काइंड (मिरांडा हाउस के अंतर्गत एक स्टार्टअप) के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। राजनीति-विज्ञान विभाग की डॉ. सोनाली चितलकर समन्वयक थीं।
- सितंबर, 2024 में सेकंड एक्ट एलएलपी के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। राजनीति-विज्ञान विभाग से प्रो. हेना सिंह और भूगोल विभाग से प्रो. बशाबी गुप्ता ने समन्वयक के रूप में कार्य किया।
- विश्वविद्यालय के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। रसायन-विज्ञान विभाग की डॉ. प्रियंवदा सिंह ने समन्वयक के रूप में कार्य किया।
- 22 अक्तूबर, 2024 को भारत सोका गकाई के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। रसायन-विज्ञान विभाग की डॉ. ममता सेठी ने समन्वयक के रूप में कार्य किया।
- 17 सितंबर, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के हिमालयन अध्ययन केंद्र के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- 4 नवंबर, 2024 को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। संस्कृत विभाग की डॉ. मधु बाला सिंह ने समन्वयक के रूप में कार्य किया।
- 20 नवंबर, 2024 को डीएवी महाविद्यालय, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- 18 दिसंबर, 2024 को एनआरएआई स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। राजनीति-विज्ञान विभाग की प्रोफेसर हेना सिंह ने समन्वयक के रूप में कार्य किया।
- 4 अप्रैल, 2024 को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। संस्कृत विभाग के डॉ. चंदन कुमार मिश्रा ने समन्वयक के रूप में कार्य किया।
- 23 जनवरी, 2025 को यूएनएचयू टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। राजनीति-विज्ञान विभाग की प्रो. नम्रता सिंह ने समन्वयक के रूप में कार्य किया।
- अट्टावारे के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। भूगोल विभाग की प्रो. राखी पारिजात समन्वयक थीं।
- 21 मार्च, 2025 को यूनिवर्सिटी इस्लाम रियाउ, इंडोनेशिया के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग:

- अनुसंधान परियोजनाओं के लिए 15 मई, 2024 से किरोड़ीमल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ सहयोग।
- संयुक्त अनुसंधान पहल के लिए 17 सितंबर, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के हिमालयन अध्ययन केंद्र के साथ सहयोग।

एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत छात्र (इनबाउंड)

पॉलिसी सेंटर जेंडर लैब (पीसीजीएल), मिरांडा हाउस ने विस्कॉन्सिन-ओ क्लेयर विश्वविद्यालय, अमेरिका के सहयोग से 7 से 10 जनवरी, 2025 तक "संस्कृति: भारत का जीवंत चित्रपट" विषय पर चार दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय विसर्जन कार्यक्रम का आयोजन किया। विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय के दस छात्रों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य इतिहास, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, भोजन और परंपराओं के इर्द-गिर्द आकर्षक गतिविधियों और विषयगत सत्रों के माध्यम से भारत की जीवंत सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को प्रदर्शित करना था। मुख्य आकर्षण में लैंगिक, परंपरा और भारतीय नवाचारों पर वक्ता सत्र, लोक कला, मिट्टी के बर्तनों और साड़ी ड्रेपिंग पर इंटरैक्टिव कार्यशालाएं, सांस्कृतिक प्रदर्शन और प्रजनन अधिकार जैसे सामाजिक मुद्दों पर चर्चा शामिल थी। इस कार्यक्रम ने अंतर-सांस्कृतिक आदान-प्रदान, सीखने और सार्थक संवाद को बढ़ावा दिया

एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत छात्र (आउटबाउंड)

नीदरलैंड के उट्रेच में उट्रेच बिजनेस स्कूल के साथ जारी शैक्षणिक सहयोग के एक हिस्से के रूप में, दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस के छह स्नातक छात्रों ने 20 जनवरी से 24 जनवरी, 2025 तक चार दिवसीय विनिमय कार्यक्रम में भाग लिया। छात्रों ने नीदरलैंड के उट्रेच में उट्रेच बिजनेस स्कूल में इंडो-डच सहयोगी कार्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम-ग्लोबल मैनेजमेंट गेम में भाग लिया।

नियोजन विवरण

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत : 252(100%)

कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या: 110

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

मिरांडा हाउस कई अग्रणी केंद्रों और पहलों के माध्यम से नवाचार, समावेशिता और सतत विकास को बढ़ावा देता है। उत्तर पूर्वी परिषद द्वारा वित्त-पोषित उत्तर पूर्व क्षेत्रीय अनुसंधान एवं संसाधन केंद्र (NERRRC), छात्रों को–विशेषकर उत्तर पूर्व के छात्रों को–शोध, कौशल विकास और प्रोजेक्ट ब्लूम तथा उत्कृष्ट मिरांडा जैसी उद्यमशीलता परियोजनाओं के माध्यम से सशक्त बनाता है। यह महिलाओं की आवाज़ और क्षेत्रीय विरासत को बढ़ावा देने के लिए अनपोल्यूट

2024 और हर स्टोरी जैसे सांस्कृतिक और शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन करता है। शहरी अध्ययन एवं अनुसंधान केंद्र (USRC) सतत विकास लक्ष्य 11 के अनुरूप है और NIUA, MoHUA, WRI आदि के साथ अनुसंधान और सहयोग के माध्यम से शहरी चुनौतियों का समाधान करता है। पर्यावरण अध्ययन एवं आपदा प्रबंधन केंद्र (CESDM) प्रशिक्षण कार्यक्रमों, इंटर्नशिप और CESDM क्रॉनिकल जैसे प्रकाशन के माध्यम से स्थिरता और आपदा प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देता है। उन्नत भारत अभियान (UBA) प्रकोष्ठ स्वास्थ्य शिविरों, जागरूकता अभियानों, आत्मरक्षा कार्यशालाओं और ग्लोबल रोटी डे जैसे आयोजनों के माध्यम से सहयोगी गाँवों से जुड़ता है और सामाजिक परिवर्तन को बढ़ावा देता है। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई रक्तदान शिविरों, स्वच्छता अभियानों, शैक्षिक सहायता और राष्ट्रीय एकीकरण शिविरों व युवा उत्सवों में भागीदारी के माध्यम से नागरिक सहभागिता को बढ़ावा देती है। शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग विभिन्न खेलों में पेशेवर प्रशिक्षण, फिटनेस सुविधाओं, योग और एरोबिक्स सत्रों, और वार्षिक खेल महोत्सव 'एरोबर्न' जैसे आयोजनों के माध्यम से स्वास्थ्य और उत्कृष्टता को बढ़ावा देता है। ये पहल समग्र शिक्षा, सशक्तिकरण और राष्ट्र निर्माण के प्रति मिरांडा हाउस की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

पुस्तकालय विकास

मिरांडा हाउस पुस्तकालय एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक केंद्र है, जो 107,861 से अधिक पुस्तकों और 64 पत्रिकाओं के साथ छात्रों और संकाय के बौद्धिक विकास का समर्थन करता है। 2024-25 में, इसने उभरते विषयों के साथ 795 नए शीर्षक जोड़े। दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली के हिस्से के रूप में, यह साहित्यिक चोरी की जाँच के लिए टर्निटिन के साथ ई-पुस्तकों, ई-पत्रिकाओं और डेटाबेस तक निर्बाध पहुँच प्रदान करता है। 30 प्रणालियों वाला वातानुकूलित डिजिटल संसाधन केंद्र (DRC) डिजिटल शिक्षा का समर्थन करता है। अंबा डालमिया डिजिटल रिसोर्स सेंटर (ADDRC), अब 25 सहायक प्रौद्योगिकी-सक्षम कंप्यूटरों के साथ, स्क्रीन रीडर, हेडसेट, एक यू-रीडर डिवाइस, प्रिंटर और वी मैट्रिक्स सर्वर के माध्यम से केंद्रीकृत प्रबंधन के माध्यम से दृष्टिबाधित उपयोगकर्ताओं के लिए समावेशी पहुँच सुनिश्चित करता है यह एक भंडार से कहीं अधिक, एक गतिशील, समावेशी स्थान है जो नवाचार, पहुंच और शैक्षिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देता है।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	: 31
एसोसिएट प्रोफेसर	: 58
सहायक प्रोफेसर	: 93
तदर्थ	: 07
अतिथि	: 70

कुल : 259

उपयोगित निधियां (₹ करोड़ में) : ₹ 9109.73

आवंटित निधियां (₹ करोड़ में) : ₹ 8657

****

मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 के दौरान, मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय ने कई उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त कीं, जो शैक्षणिक और संस्थागत उत्कृष्टता की इसकी निरंतर खोज को दर्शाती हैं। एक महत्वपूर्ण उपलब्धि 25 एसोसिएट प्रोफेसरों को प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत करना था, जो हमारे शैक्षणिक नेतृत्व की मजबूती को दर्शाता है। एक सहायक प्रोफेसर: को भी चरण 1 से चरण 2 में पदोन्नत किया गया, जिससे संकाय विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और मजबूत हुई। प्रशासनिक प्रगति में, दो वरिष्ठ सहायकों की नियुक्ति की गई, जिससे महाविद्यालय की संचालन क्षमता में वृद्धि हुई। हमारे सबसे गौरवशाली क्षणों में से एक 2020-2023 बैच के एक पूर्व छात्र की सफलता थी, जिसने यूपीएससी परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर 52वीं रैंक प्राप्त की, जो एक ऐसी उपलब्धि है जो हमारे लिए अपार गर्व और प्रेरणा का स्रोत है। बुनियादी ढाँचे के मोर्चे पर, हमने एक अत्याधुनिक रसायन-विज्ञान प्रयोगशाला, आधुनिक i7 सिस्टम वाली दो उन्नत कंप्यूटर प्रयोगशालाओं और समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए नवनिर्मित बास्केटबॉल और बैडमिंटन कोर्ट का उद्घाटन किया। इसके अतिरिक्त, एक नए ऑडिटोरियम और स्मार्ट क्लासरूम का निर्माण कार्य चल रहा है, जो शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए आधुनिक सुविधाओं का वादा करता है। ये उपलब्धियां अकादमिक उत्कृष्टता, छात्र सफलता और बुनियादी ढांचे के विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं, जो मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय को सीखने, नवाचार और समग्र विकास के लिए एक जीवंत केंद्र बनाती हैं।

सम्मान/विभूतियाँ

छात्र

- प्रथम वर्ष के छात्र मोहित यादव ने अंतर महाविद्यालय जूडो प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.एससी. (ऑनर्स) प्रथम वर्ष के छात्र जतिन डबास ने अंतर महाविद्यालय जूडो प्रतियोगिता में रजत पदक जीता।
- बी.एससी. (ऑनर्स) प्रथम वर्ष की छात्रा दीया ने अंतर महाविद्यालय जूडो प्रतियोगिता में रजत पदक जीता।

- प्रथम वर्ष के छात्र हर्षित भट्ट ने अंतर महाविद्यालय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में रजत पदक जीता।
- बी.एससी. (ऑनर्स) तृतीय वर्ष की छात्रा भूमिका जंतवाल ने राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में रजत पदक जीता।
- तृतीय वर्ष के छात्र नमन कुमार ने अंतर महाविद्यालय कुश्ती/जूडो प्रतियोगिता में रजत पदक जीता।
- बी.एससी. (पी) प्रथम वर्ष के छात्र नितिन सिंह चौहान ने अंतर महाविद्यालय तैराकी प्रतियोगिता में ब्राउन जीता।
- बी.ए. (पी) तृतीय वर्ष के छात्र कुलदीप ने अंतर महाविद्यालय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में रजत पदक जीता।
- द्वितीय वर्ष के छात्र विनय सिंह ने अंतर महाविद्यालय मुक्केबाजी प्रतियोगिता में रजत पदक जीता।
- प्रथम वर्ष के छात्र ऋषि चौधरी ने अंतर महाविद्यालय मुक्केबाजी प्रतियोगिता में ब्राउन जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) प्रथम वर्ष के छात्र हार्दिक थपलियाल ने अंतर महाविद्यालय शूटिंग प्रतियोगिता में ब्राउन जीता।

प्रकाशन

- राय, पी., और शर्मा, ए. (2025)। समय-निर्भर संवहन-प्रधान विसरण समस्याओं का एक संकर संख्यात्मक उपचार, जिसमें समाकलन सीमा शर्त और वृहद स्थानिक विलंब शामिल हैं। *जर्नल ऑफ़ डिफरेंस इक्वेशन्स एंड एप्लीकेशंस,* 1-33। https://doi.org/10.1080/10236198.2025.2497806
- कुमार, आर., कुमार, डी., और त्यागी, बी.के. (2025, अप्रैल)। (प्रबल रूप से) कोशिकीय-मेंजर स्थानों पर। *एआईपी सम्मेलन कार्यवाही, 3283* (1), 030004। एआईपी पब्लिशिंग एलएलसी। https://doi.org/10.1063/5.0265874
- सोम, एल.के., अहमद, एम., और कुमार, वी. (2025, अप्रैल)। ईसीसी का उपयोग करते हुए वाहन-से-ग्रिड प्रणाली के लिए कुशल और सुरक्षित गोपनीयता-संरक्षण प्रमाणीकरण प्रोटोकॉल। *एआईपी सम्मेलन कार्यवाही, 3283* (1), 040005। एआईपी पब्लिशिंग एलएलसी। https://doi.org/10.1063/5.0265287
- कपूर, एम., अहमद, डब्ल्यू., और शर्मा, पी.के. (2024). आंशिक रूप से क्रमित समुच्चय अनुकूलन समस्याओं के लिए समाधान समुच्चयों की पथ संयोजकता। *जर्नल ऑफ नॉनलाइनियर एंड वेरिएशनल एनालिसिस, 8,* 973-986। (एससीआई)। https://jnva.biemdas.com/archives/2504

- कपूर, एम. (2024). सामान्यीकृत E-उत्तलता वाले शंकुओं पर E-अवकलनीय सदिश अनुकूलन समस्याओं के लिए इष्टतमता और एकीकृत द्वैत। *सांख्यिकी, अनुकूलन और सूचना कंप्यूटिंग, 12* (5), 1352-1363। (SCOPUS)। https://doi.org/10.19139/soic-2310-5070-1779

आयोजित संगोष्ठियां

- डॉ. रोहित श्रीवास्तव ने 15 अप्रैल, 2024 को 'बेसिक रिसर्च मेथोडोलॉजी संगोष्ठी' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। इस सत्र में अनुसंधान डिजाइन, नैतिक प्रथाओं और पीआईसीओ और स्मार्ट उद्देश्यों जैसे उपकरणों के बारे में अंतर्दृष्टि प्रदान की गई, जिससे छात्रों को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के साथ संरचित, प्रभावशाली शोध परियोजनाएं विकसित करने में मदद मिली।
- डॉ. एसबी राठौर ने 13 नवंबर, 2024 को 'आयकर अनुपालन में महारत प्राप्त करना' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। इस सत्र में आयकर प्रक्रियाओं, छूटों और दंडों को सरल बनाया गया, जिसमें पैन पंजीकरण से लेकर आईटीआर फाइलिंग तक के विषयों को शामिल किया गया और छात्रों को कराधान के व्यावहारिक ज्ञान से लैस किया गया।
- प्रतिष्ठित शिक्षाविदों, प्रोफेसर राजेंद्र प्रसाद तुलस्यान और प्रोफेसर अमित कुमार सिंह ने 14 नवंबर, 2024 को 'वित्तीय साक्षरता: वित्तीय सशक्तिकरण के मार्ग का रहस्य उजागर करना' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी में छात्रों को बचत, निवेश और वित्तीय लक्ष्य निर्धारण पर बहुमूल्य ज्ञान प्रदान किया गया, संरचित वित्तीय नियोजन के महत्व पर बल दिया गया और एसजीबी, एसआईपी और पीपीएफ जैसे उपकरणों से परिचय कराया गया।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

अगस्त 2024 और मार्च 2025 के बीच, प्रोजेक्ट उद्यम ने कच्चे माल की डिलीवरी और भुगतान सुविधा के लिए प्रगति मैदान के कई दौरे आयोजित करके अपनी लाभार्थी मीना आंटी का सक्रिय रूप से समर्थन किया। टीम ने मोतीलाल नेहरू, कालिंदी, शहीद भगत सिंह, श्री वेंकटेश्वर और श्याम लाल सहित विभिन्न कॉलेजों में सफल उत्पाद स्टॉल लगाए, जिन्हें उत्साहजनक प्रतिक्रियाएं मिलीं। उन्होंने भविष्य के सर्वेक्षणों के लिए दिल्ली की मलिन बस्तियों पर शोध भी किया और चांदनी चौक और कटरैन मार्केट जैसे स्थानीय बाजारों से गुणवत्तापूर्ण कच्चे माल की खरीद करके टिकाऊ उत्पादन सुनिश्चित किया।

प्रोजेक्ट नमो अस्मि ने अगस्त से नवंबर 2024 तक सार्थक पर्यावरणीय पहलों में भाग लिया। उन्होंने डॉ. रूबी मखीजा और व्हाई वेस्ट वेडनसडे फाउंडेशन के साथ युवा और अपशिष्ट प्रबंधन पर एक वेबिनार का आयोजन किया, जिसमें प्रणालीगत अपशिष्ट सुधारों पर जोर दिया गया। सितंबर में, उन्होंने हरा जीवन एनजीओ के साथ सत्य पार्क में एक स्वच्छता अभियान का नेतृत्व किया, जिसमें बिसलेरी मेंटर के सहयोग से 5 किलो पुनर्चक्रण योग्य कचरा एकत्र किया गया। नवंबर में सुंदर नर्सरी में बी हाइव फाउंडेशन के साथ एक शैक्षिक "मधुमक्खी को जानें"

सत्र का आयोजन किया गया। टीम ने शून्य अपशिष्ट प्रथाओं और एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक, माइक्रोप्लास्टिक और नैनोप्लास्टिक के पर्यावरणीय प्रभाव पर भी गहन शोध किया।

प्रोजेक्ट जज्बात सितंबर 2024 से फरवरी 2025 तक मानसिक स्वास्थ्य पर केंद्रित रहा। कार्यक्रमों में नेहरू पार्क में एक मानसिक स्वास्थ्य दौड़ और सुंदर नर्सरी में एक रचनात्मक कार्यशाला शामिल थी। वेबिनार में अंतरंगता शिक्षा (डॉ. रुचिका गुप्ता), करियर संबंधी चिंताएँ (डॉ. सोनाक्षी भार्गव), शैक्षणिक संतुलन (सुश्री मनहीत कौर) और डिजिटल कल्याण (सुश्री गरिमा शर्मा) जैसे विषयों पर चर्चा की गई, जिससे समग्र मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा मिला।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	: 44
एसोसिएट प्रोफेसर	: 29
सहायक प्रोफेसर	: 88
कुल	**:161**

उपयोगित निधियां (₹ करोड़ में): ₹ 66.04

आवंटित निधियां (₹ करोड़ में) : ₹ 66.51

****

मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय (सांध्य)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

महाविद्यालय ने हाल ही में अपनी एनसीसी इकाई शुरू की है और अप्रैल 2025 में विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित कीं। राजनीति-विज्ञान विभाग ने सूर्यागांव, नैनीताल की एक शैक्षिक यात्रा का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य छात्रों को क्षेत्र अनुसंधान से परिचित कराते हुए सामाजिक-आर्थिक, राजनीतिक और पर्यावरणीय मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। वाणिज्य विभाग ने सोनीपत में याकुल्ट उद्योग के लिए एक औद्योगिक दौरे की भी सुविधा प्रदान की, जिससे प्रोबायोटिक पेय के उत्पादन और विपणन की जानकारी मिली। पूर्व छात्र समिति ने पूर्व छात्र संघ बनाने के लिए अपना पहला चुनाव किया और नवंबर में 'रीकनेक्ट'25' नामक वार्षिक पूर्व छात्र बैठक की मेजबानी की। फरवरी 2025 में, जीएससी सदस्यों ने गांधी आश्रम में 'गांधीवादी विचार' पर एक राष्ट्रीय युवा शिविर में भाग लिया और खजुराहो की यात्रा का आयोजन किया।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

अंग्रेजी विभाग की सुश्री प्रियंका पंवार एनपीटीईएल 'कॉन्टेक्स्टुअलाइजिंग जेंडर' विषय पर कोर्स टॉपर रहीं।

राजनीति-विज्ञान विभाग के प्रो. आरएन त्रिपाठी को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन रत्न सम्मान मिला। लोक उत्थान फाउंडेशन द्वारा 2024 का आयोजन दिल्ली विश्वविद्यालय के देशबंधु महाविद्यालय में किया गया।

राजनीति-विज्ञान विभाग के प्रो. आरएन त्रिपाठी को संस्थागत आचार समिति, उत्तर रेलवे केंद्रीय अस्पताल, रेल मंत्रालय, भारत सरकार में सामाजिक वैज्ञानिक के रूप में नियुक्त किया गया। (26.3.2025)।

डॉ. संजीव रंजन को एक संरक्षक के रूप में नियुक्त किया गया और उन्होंने शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, पीएम-युवा मेंटरशिप योजना 2.0 (2024) के तत्वावधान में "लोकतंत्र की बाधाएं: खाद्य सुरक्षा और संरेखित परेशानियों की एक कहानी" पर एक विद्वान का मार्गदर्शन किया।

छात्र

बी.ए. (कार्यक्रम) तृतीय वर्ष के छात्र रौनक धैया ने अखिल भारतीय अंतर साई कुश्ती टूर्नामेंट, 2024 में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 5 नवंबर-7 नवंबर।

बी.ए. (कार्यक्रम) तृतीय वर्ष के छात्र रौनक धैया ने राष्ट्रीय पुरुष और महिला कुश्ती चैंपियनशिप, 2024 में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 5 जुलाई-7 जुलाई।

बी.ए. (कार्यक्रम) तृतीय वर्ष के छात्र रौनक धैया ने 5 जनवरी से 16 जनवरी तक आयोजित अखिल भारतीय अंतर साई कुश्ती टूर्नामेंट, 2024 में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (कार्यक्रम) द्वितीय वर्ष के छात्र नसर आलम ने अखिल भारतीय विश्वविद्यालय खेलों में दूसरा स्थान प्राप्त किया, [उत्तर पश्चिम क्षेत्र] 21 दिसंबर-23 दिसंबर 3

चेतन्या आहूजा द्वितीय फुटबॉल ए-डिवीजन [दिल्ली राज्य] अगस्त-अक्तूबर, 2024 प्रथम स्थान

बी.ए. इंजी (ऑनर्स) प्रथम वर्ष के छात्र तुषार कुंडू ने 12 जनवरी से 13 जनवरी तक कोर्फबॉल राज्य चैम्पियनशिप में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. राजनीति-विज्ञान (ऑनर्स) के छात्र राज आर्यन ने 28 दिसंबर-29 दिसंबर 2024 को राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग चैम्पियनशिप में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (कार्यक्रम) तृतीय वर्ष के छात्र अंशु कुमार ने 5वीं नई दिल्ली कबड्डी चैंपियनशिप [जिला] 27-28 सितंबर 2024 में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (कार्यक्रम) तृतीय वर्ष की छात्रा फरजाना खाट ने 24-25 अक्तूबर 2024 को इंटर महाविद्यालय जूडो चैंपियनशिप 2024 में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (कार्यक्रम) तृतीय वर्ष के छात्र मुन्ना कुमार ने 5वीं नई दिल्ली कबड्डी चैंपियनशिप [जिला] 27-28 सितंबर, 2024 में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (कार्यक्रम) तृतीय वर्ष के छात्र मुन्ना कुमार ने 5वीं नई दिल्ली कबड्डी चैंपियनशिप [जिला] 27-28 सितंबर, 2024 में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

राजनीति-विज्ञान (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष की छात्रा निकिता जॉर्ज, श्री गौरव गोगोई (लोकसभा) के साथ सोशल मीडिया इंटर्नशिप में लगी हुई हैं।

शोध प्रकाशन

- क्लेर, रजनीश (2025)। बीआरआई में शिक्षा, वित्तीय विकास, घरेलू पूँजी निर्माण, खुलेपन और नवीकरणीय ऊर्जा उपभोग के बीच संबंधों की जाँच। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनर्जी इकोनॉमिक्स एंड पॉलिसी (Q2, स्कोपस इंडेक्स)
- क्लेर, रजनीश (2024). उद्योग 4.0 के विकास हेतु औद्योगिक क्षेत्रों में स्मार्ट विनिर्माण प्रणालियों की पहचान और कार्यान्वयन। मापन: सेंसर, एल्सेवियर (Q2, स्कोपस इंडेक्स)
- राजपूत, मोनिका (2024). बीआरआई में शिक्षा, वित्तीय विकास, घरेलू पूँजी निर्माण के खुलेपन और नवीकरणीय ऊर्जा खपत के बीच संबंधों की जाँच। आईजेईईपी स्कोपस जर्नल।

पुस्तक और अध्याय

- वर्मा, रेणु कुमारी, (2025). *डेटा विश्लेषण, आर.* अमेज़न के साथ. (ISBN: 979 8311587600)
- गुप्ता, दीपक। (2024). नेत्रहीन जीवन मायने रखता है: धर्मवीर भारती के "अंधा युग" में रूपक और भौतिकता। सोमेश्वर सती द्वारा संपादित। *अपंग बाहरी व्यक्ति को पुनः प्राप्त करना: साहित्य और संस्कृति में विकलांगता का प्रतिनिधित्व।* ब्लूम्सबरी प्रकाशन। (ISBN: 978-9356402928)
- दहिया, ज्योति जाखड़. (2024). 'मानसिकताओं' के इतिहास के रूप में साहित्य: हरीश नारंग की "सुनते थे सहर होगी" पढ़ना। एड में. मधुमिता चक्रवर्ती और अन्य। *भाषा, साहित्य, संस्कृति और सिनेमा: प्रोफेसर हरीश के सम्मान में निबंध,* AAKAR पुस्तकें। (आईएसबी.ए.न: 98-93-5002-891-1)

आयोजित संगोष्ठियां

विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, दिल्ली की सहायक प्रोफेसर: डॉ. शिखा शर्मा ने 5 मार्च 2025 को वाणिज्य विभाग के एक संगोष्ठी के एक भाग के रूप में समकालीन डिजिटल मार्केटिंग में सोशल मीडिया की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। वह इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता थीं।

जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, दिल्ली की प्रोफेसर सिमी मल्होत्रा ने 19 मार्च, 2025 को अंग्रेजी विभाग के लिए "सिद्धांत से उत्तर सिद्धांत तक" विषय पर एक व्याख्यान दिया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के प्रोफेसर डॉ. दीपक जयसवाल ने 8 अप्रैल, 2025 को हिंदी विभाग के लिए "समकालीन हिंदी कविता में विमर्श चेतना" विषय पर व्याख्यान दिया।

बिट्स पिलानी, हैदराबाद परिसर के मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. शिल्पा आनंद ने 7 मई 2024 को 'विकलांगता की साहित्यिक संस्कृतियाँ' विषय पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

प्रोफेसर प्रभु प्रसाद महापात्रा (इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त) ने 4 मार्च, 2025 को इतिहास विभाग के संगोष्ठी के एक भाग के रूप में, "ब्रिटिश शासन के तहत भारतीय अर्थव्यवस्था में औपनिवेशिकता क्या थी?: परिप्रेक्ष्य, पुराने और नए" विषय पर एक व्याख्यान दिया।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली के प्रोफेसर चिंतामणि ने 28 मार्च 2025 को राजनीति-विज्ञान विभाग के लिए 'ट्रम्प 2.0-क्या विश्व व्यवस्था उल्टी है' विषय पर एक व्याख्यान दिया। राजनीति-विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रेखा सक्सेना ने सत्र की अध्यक्षता की।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

वाणिज्य विभाग ने फिजिक्सवाला के साथ मिलकर 2 सितंबर, 2024 को यूपीएससी परीक्षा में सफलता पाने के इच्छुक छात्रों के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया। अतिथि वक्ता आईएएस अधिकारी श्री विपिन कुमार सक्सेना थे। फिजिक्सवाला की टीम का नेतृत्व श्री दीपेंद्र ढींगरा ने किया, जिन्होंने यूपीएससी की तैयारी पर एक आकर्षक और जानकारीपूर्ण सत्र प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में 100 छात्रों ने भाग लिया।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

महाविद्यालय की नॉर्थ-ईस्ट स्टूडेंट्स सोसाइटी ने NESSDU और ASUD (अरुणाचल प्रदेश स्टूडेंट यूनियन दिल्ली) के साथ मिलकर 26 और 27 नवंबर 2024 को एक 'गर्म कपड़े दान अभियान' का आयोजन किया है। सभी एकत्रित वस्तुओं को छांटा गया, पैक किया गया और फिर हमारे छात्र स्वयंसेवकों की मदद से श्री किरण वर्मा द्वारा स्थापित सिंपल ब्लड नामक एनजीओ को दिया गया। दिसंबर 2024 में, उदयति- महिला विकास प्रकोष्ठ के मुख्य सदस्यों ने महाविद्यालय के पास की मलिन बस्तियों का एक क्षेत्रीय दौरा किया। इस यात्रा के दौरान, अध्ययन के लिए एक सर्वेक्षण किया गया: (क) पारिवारिक संरचना और आय का स्तर (ख) शैक्षिक पृष्ठभूमि, और (ग) हाशिए के समुदायों में महिलाओं के मुद्दों के बारे में सोच पैटर्न। इस यात्रा ने सदस्यों को सामाजिक चुनौतियों का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान किया, जिससे उन्हें लैंगिक, गरीबी और शिक्षा के प्रतिच्छेदन को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिली

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय के वातानुकूलित पुस्तकालय में इस वर्ष 1,000 से ज़्यादा पुस्तकें जोड़ी गई हैं, जिससे कुल पुस्तकों की संख्या लगभग 80,000 हो गई है। हम 9 प्रिंट जर्नल, 6 पत्रिकाएँ और 13 समाचार-पत्र पढ़ते हैं। हमारा डिजिटल पुस्तकालय 1 करोड़ से ज़्यादा ई-पुस्तकों और हज़ारों ई-जर्नल्स के साथ-साथ दृष्टिबाधित पाठकों के लिए भी संसाधन उपलब्ध कराता है। कुशल सामग्री खोज के लिए एक OPAC सुविधा भी उपलब्ध है।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	: 16
एसोसिएट प्रोफेसर	: 11
सहायक प्रोफेसर	: 70
अतिथि	: 14
कुल	**: 111**

उपयोगित निधियां (₹ करोड़ में) : ₹ 34.85

आवंटित निधि (₹ करोड़ में) **:** ₹ 34.82

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

महाविद्यालय ने एक कौशल विकास केंद्र स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जिसका उद्देश्य नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना, उद्योग सहयोग को बढ़ाना तथा कौशल विकास और अनुसंधान पहल को बढ़ावा देना है।

****

पंडित दीन दयाल उपाध्याय राष्ट्रीय शारीरिक विकलांग संस्थान

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय शारीरिक विकलांग व्यक्ति संस्थान (दिव्यांगजन) का उद्देश्य सभी आयु वर्ग के शारीरिक विकलांग व्यक्तियों की सेवा करना है। विकलांग लोगों की पीड़ा को कम करने के इस प्रयास में, संस्थान ने आर्थिक रूप से कमजोर विकलांग व्यक्तियों के लिए कई आउट-रीच शिविरों का आयोजन किया है। 1 अप्रैल, 2024 से 31 मार्च, 2025 तक की अवधि के लिए आयोजित गतिविधियाँ इस प्रकार हैं: 20 जून, 2024 को संस्थान में भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू की यात्रा का आयोजन; 21 जून, 2024 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया; 15 अगस्त, 2024 को राष्ट्रपति भवन में "एट होम रिसेप्शन" के लिए दिव्यांग आमंत्रितों की सुविधा प्रदान की; 29 अगस्त, 2024 को अमृत उद्यान में 820 दिव्यांग खिलाड़ियों की यात्रा की सुविधा प्रदान की 12 नवंबर, 2024 को दिव्यशक्ति सम्मान और 48$^{वां}$

स्थापना दिवस मनाया गया; 18 और 19 दिसंबर, 2024 को "मैक्सिलो फेशियल कॉस्मेटिक/एस्थेटिक रेस्टोरेशन में व्यावहारिक साक्ष्य आधारित अभ्यास" पर सीआरई कार्यक्रम आयोजित किया गया; वर्ष 2024 से 3 धाराओं में मास्टर ऑफ फिजियोथेरेपी (एमपीटी कोर्स) शुरू किया गया-खेल में एमपीटी, न्यूरोलॉजी में एमपीटी, और मस्कुलोस्केलेटल फिजियोथेरेपी में एमपीटी; और भारतीय पुनर्वास परिषद के साथ संबद्धता में भारतीय सांकेतिक भाषा व्याख्या (डीआईएसएलआई) में डिप्लोमा में एक नया पाठ्यक्रम शुरू किया गया।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

- सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र का पुरस्कार व्यावसायिक चिकित्सा की व्याख्याता सुश्री गुंजन वाधवा को उनके शोध-पत्र "वृद्धों में कार्यात्मक क्षमताओं को बढ़ाने के लिए मोबाइल स्वास्थ्य एप्लिकेशन का डिजाइन और विकास: एक अध्ययन प्रोटोकॉल" के लिए दिया गया है। यह शोध-पत्र 13-15 दिसंबर, 2024 को एनआईएचएफडब्ल्यू, नई दिल्ली में आयोजित एजीआई 2024 के 21वें द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दिया गया।
- 2 फरवरी, 2025 को 28वें ओपीएआई मिडकॉन 2025 सम्मेलन में प्रोस्थेटिक्स एंड ऑर्थोटिक्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा डॉ. अमित कुमार विमल, डेमोंस्ट्रेटर (पी एंड ओ) को सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक पुरस्कार **(**द्वितीय स्थान**)** प्रदान किया गया है।

छात्र

- बीपीओ चतुर्थ वर्ष की छात्रा मीनाक्षी और रेणु ने 1 और 2 फरवरी, 2025 को विशाखापत्तनम, भारत में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन ओपीएआई मिडकॉन में स्पाइनल ऑर्थोटिक्स में सर्वश्रेष्ठ शोध प्रस्तुति के लिए प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बीपीओ चतुर्थ वर्ष के छात्र पंकित और प्रीति ने 1 और 2 फरवरी, 2025 को विशाखापत्तनम, भारत में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन ओपीएआई मिडकॉन में सहायक प्रौद्योगिकी में सर्वश्रेष्ठ शोध प्रस्तुति के लिए तृतीय स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन

- आर्य**,** के.एन., पांडियन, एस., जोशी, ए.के., चौधरी, एन., अग्रवाल, जी.जी., और अहमद, एस.एस. (2024). पक्षाघातग्रस्त और गैर-पक्षाघातग्रस्त ऊपरी अंगों की संवेदी कमियाँ स्ट्रोक के बाद के रोगियों की मोटर रिकवरी से संबंधित हैं। *टॉप स्ट्रोक रिहैबिलिटेशन, 31* (3), 281-292. 10.1080/10749357.2023.2253629.
- आर्य, के.एन., पांडियन, एस., पांडे, डी., अग्रवाल, जी.जी., और चौधरी, एन. (2024). स्ट्रोक के बाद के रोगियों में एकतरफा स्थानिक उपेक्षा के लिए कार्य-आधारित और आवर्धित दर्पण

चिकित्सा: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण के लिए अध्ययन प्रोटोकॉल। *पीएलओएस वन, 19* (1), e0296276. 10.1371/journal.pone. 0296276

- गुप्ता, एम., वत्स, एम., और रामप्रभु, के. (2024). फ्रोज़न शोल्डर से पीड़ित वयस्कों में गति, दर्द और कार्यात्मक क्षमता पर मांसपेशी ऊर्जा और संयुक्त गतिशीलता तकनीकों की प्रभावशीलता: एक व्यवस्थित समीक्षा। *मस्कुलोस्केलेटल केयर, 22* (4), e70000. https://doi.org/10.1002/msc.70000
- गुप्ता टी, पांडे ई, बदोनिया एन, सैनी एस, रावत आर, शर्मा एस, काकरला आरआर, साधु वी, शर्मा एम। थॉमस एस, सैटर-फोरसीन ए, जिबिन द्वारा संपादित पुस्तक "माइक्रो एंड नैनो टेक्नोलॉजीज, हाइब्रिड नैनोफिलर्स फॉर पॉलीमर रीइन्फोर्समेंट" में "नैनोपार्टिकल्स फंक्शनलाइज्ड बायोपॉलिमर कंपोजिट्स एंड देयर बायोमेडिकल एप्लीकेशन्स" शीर्षक वाला अध्याय। एल्सेवियर, 2024, आईएसबी.ए.न 9780323991322, पृष्ठ संख्या 137-178। 10.1016/B978-0-323-99132-2.00004-2। 10.1016/B978-0-323-99132-2.00004-2
- कौशिक, एम., और अहमद, आई. (2024). गतिशील न्यूरोमस्कुलर स्थिरीकरण सहक्रिया को गति नियंत्रण दुर्बलता से संबंधित गैर-विशिष्ट कमर दर्द से जोड़ना: स्कोपिंग समीक्षा। *जर्नल ऑफ मस्कुलोस्केलेटल एंड न्यूरोनल इंटरैक्शन, 24* (4), 420. https://www.ismni.org/jmni
- मोहंती, एम., और कुमार, पी. (2023)। व्यक्तिपरक संज्ञानात्मक गिरावट वाले वृद्ध वयस्कों में शारीरिक, संज्ञानात्मक और मनोसामाजिक हस्तक्षेप: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण प्रोटोकॉल। *जर्नल ऑफ द इंडियन एकेडमी ऑफ जेरिएट्रिक्स, 19* (3)। 10.4103/ijoth.ijoth_70_24
- पांडियन, एस., शर्मा, आर.के., और द्विवेदी, ए. (2024). स्ट्रोक के रोगियों में मोटर रिकवरी की स्थिति और संज्ञानात्मक स्तर: एक क्रॉस-सेक्शनल अवलोकन अध्ययन। *द इंडियन जर्नल ऑफ ऑक्यूपेशनल थेरेपी, 56* (1), 13-18। 10.4103/ijoth.ijoth_21_24
- पांडियन, एस., शर्मा, आर.के., और द्विवेदी, ए. (2025)। स्ट्रोक के बाद हेमिपैरेटिक रोगियों के लिए सिनर्जी-आधारित मोटर थेरेपी: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। *जर्नल ऑफ न्यूरोसाइंसेज इन रूरल प्रैक्टिस, 16* (1), 84-92। 0.25259/JNRP_362_2024
- राठौर ए, शर्मा एस, शर्मा एम. चोक्कारेड्डी आर, कांची एस, रेडी जीजी द्वारा संपादित पुस्तक "संक्रामक रोगों के उपचार और निदान के लिए टिकाऊ नैनोमटेरियल्स" में "संक्रामक रोग प्रबंधन में चुनौतियाँ" शीर्षक वाला अध्याय। विले स्क्रिवेनर पब्लिशिंग एलएलसी: बेवर्ली, मैसाचुसेट्स, यूएसए, 2025, आईएसबी.ए.न 9781394200016 (प्रिंट) 9781394200559 (ऑनलाइन), पृष्ठ संख्या 51-79। 10.1002/9781394200559.ch3
- शर्मा एम, राठौर ए, शर्मा एस, साधु वी, काकरला आर.आर.। चोक्कारेड्डी आर, कांची एस, रेडी जी.जी. द्वारा संपादित पुस्तक "संक्रामक रोगों के उपचार और निदान के लिए टिकाऊ नैनोमटेरियल्स" में "बायोसर्फेक्टेंट्स: उत्पादन विधियाँ, गुण और खाद्य उद्योग में उनके

अनुप्रयोग" शीर्षक वाला अध्याय। विले स्क्रिवेनर पब्लिशिंग एलएलसी: बेवर्ली, मैसाचुसेट्स, यूएसए, 2025, आईएसबी.ए.न 9781394200016 (प्रिंट) 9781394200559 (ऑनलाइन), पृष्ठ संख्या: पृ. 365-392। 10.1002/9781394200559.ch14

- शर्मा एम, गुप्ता टी, गुप्ता एन, रावत आर, बदोनिया एन, पांडे ई, शर्मा एस. रथ एसके, द्विवेदी वी, हुसेन ए, अख्तर एन द्वारा संपादित पुस्तक "ड्रग डिलीवरी और न्यूरोलॉजिकल डिसीज़ मैनेजमेंट के लिए नैनोमटेरियल्स" में "नैनोमटेरियल-आधारित ड्रग डिलीवरी वाहनों का उपयोग करके न्यूरोलॉजिकल विकारों के लिए लक्षित चिकित्सा" शीर्षक वाला अध्याय। स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर 2024 आईएसबी.ए.न978-981-97-0307 (एचबीके); 978-981-97-0310-4 (एसबीके); 978-981-97-0308-1 (ईबीके)। श्रृंखला आईएसएसएन3004-8273; श्रृंखला ई-आईएसएसएन3004-8281 संस्करण 1।
- शर्मा, आर.के., वशिष्ठ, डी., और देवकुमार, जे. निचले अंगों के बाह्यकंकाल के लिए आर्डुइनो आधारित सिमुलेशन और गणितीय मॉडलैंगिक। *अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं अनुसंधान जर्नल,* खंड 14 (4)। https://doi.org/10.52403/ijhsr.20240435

अनुसंधान परियोजनाएँ

- डॉ. अमित कुमार विमल को "मेडियल कम्पार्टमेंट नी ऑस्टियोआर्थराइटिस विद फ्लैट फुट के मरीजों में भार वहन करते समय आंतरिक टिबियल रोटेशन को रोकने के लिए कस्टम मेड फुट ऑर्थोसिस" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई/को-पीआई के रूप में 48,61,633 रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान प्रतिष्ठान (एएनआरएफ), जिसे औपचारिक रूप से एसईआरबी, डीएसटी भारत सरकार कहा जाता है, द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि अक्तूबर 2024 से अक्तूबर 2026 तक है।
- व्यावसायिक चिकित्सा विभाग के डॉ. कमल नारायण आर्य को 'स्ट्रोक के बाद के रोगियों में एकतरफा स्थानिक उपेक्षा के लिए कार्य-आधारित और आवर्धित दर्पण चिकित्सा: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण' नामक शोध परियोजना के लिए 19 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा प्रदान किया गया है और 16 फरवरी 2023 से 15 फरवरी 2026 तक की अवधि के लिए है।

दायर/स्वीकृत पेटेंट

- डॉ. अमित कुमार विमल, प्रदर्शक (पी एंड ओ), डॉ. सुमित सुराल, निदेशक, प्रोफेसर, एलएन अस्पताल, नई दिल्ली। मध्य घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस में टिबियल रोटेशन को रोकने के लिए फुट ऑर्थोसिस। बौद्धिक संपदा भारत 202511046005, दायर की तिथि 27/05/2025.

आयोजित संगोष्ठियां

- डॉ. शेख यासिर इस्लाम ने हीमोफीलिया और महिला स्वास्थ्य पर एक व्याख्यान दिया और यूनिवर्सिटी महाविद्यालय ऑफ फिजियोथेरेपी, फरीदकोट के पीटी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. संदीप कुमार ने हीमोफीलिया निदान और देखभाल में हालिया प्रगति पर एक व्याख्यान दिया।
- डॉ. मृणालनी कोटरू, निदेशक प्रोफेसर, विभागाध्यक्ष, पैथोलॉजी विभाग, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल, नई दिल्ली ने 27 जून, 2024 को मनाए जाने वाले विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर 'वैश्विक स्तर पर सिकल सेल देखभाल को आगे बढ़ाना' पर एक व्याख्यान दिया।
- डॉ. सयोनी रॉय चौधरी, डॉ. सुनील सिंघल और सुश्री संजना गोयल (अध्यक्ष, आईएएमडी), श्री हिमांशु जोशी (एक स्वयंसेवक और आईएएमडी सदस्य) ने 6 सितंबर, 2024 को मनाए जाने वाले विश्व डीएमडी दिवस के अवसर पर 'डीएमडी प्रबंधन में नवीनतम प्रगति और चुनौतियों' पर व्याख्यान दिया।
- प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स के श्री तरुण सैनी ने 4 और 5 अप्रैल, 2024 को भारतीय पुनर्वास परिषद के सहयोग से “ट्रांस रेडियल मायो-इलेक्ट्रिक प्रोस्थेसिस पर व्यावहारिक अभ्यास” पर एक आयोजित संगोष्ठियां किया।
- प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स के श्री संतोष कुमार सिंह ने 18 और 19 दिसंबर 2024 को “मैक्सिलोफेशियल कॉस्मेटिक/एस्थेटिक रेस्टोरेशन में साक्ष्य-आधारित अभ्यास पर व्यावहारिक अभ्यास” पर एक आयोजित संगोष्ठियां किया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

- क्लबफुट के प्रबंधन में व्यावसायिक विकास और अनुसंधान संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए 7 जून, 2024 को पीडीयूएनआईपीपीडी और क्योर इंटरनेशनल इंडिया ट्रस्ट के बीच एक समझौता-ज्ञापन (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए गए।
- मधुमेह संबंधी पैरों के समाधान के लिए विकास और अनुसंधान संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए 10 जुलाई, 2024 को पीडीयूएनआईपीपीडी और पी एंड ओ इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के बीच एक समझौता-ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए गए।
- सामग्री अनुसंधान विकास के लिए 18 जुलाई, 2024 को पीडीयूएनआईपीपीडी और एफडीडीआई, नोएडा के बीच एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- बायोनिक प्रोस्थेटिक समाधान के क्षेत्र में सहयोगात्मक विकास और अनुसंधान पहल के लिए पीडीयूएनआईपीपीडी और एंडोलाइट प्राइवेट लिमिटेड के बीच 19 जुलाई, 2024 को एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

- सहयोगात्मक व्यावसायिक विकास और अनुसंधान संवर्धन के लिए 28 फरवरी, 2025 को पीडीयूएनआईपीपीडी और लोक नायक जय प्रकाश अस्पताल के बीच एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

- संस्थान ने बीपीओ और एमपीओ छात्रों की नियमित मेडिकल कक्षाओं के लिए एमएएमसी, अस्पताल, दिल्ली के साथ सहयोग को नवीनीकृत किया है।
- संस्थान ने बीपीओ और एमपीओ छात्रों की नियमित मेडिकल कक्षाओं के लिए एलएनजेपी अस्पताल, दिल्ली के साथ सहयोग को नवीनीकृत किया है।

नियोजन विवरण

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत : व्यावसायिक चिकित्सा विभाग में 56 (100%), और प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स विभाग में 30 (100%)

कैम्पस भर्ती के लिए आई कम्पनियों की संख्या : व्यावसायिक चिकित्सा विभाग में 17 संगठन, तथा प्रोस्थेटिक्स एवं ऑर्थोटिक्स विभाग में 4 संगठन कैम्पस भर्ती के लिए आए।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- संबंधित जिला प्रशासन और स्थानीय स्तर पर सक्रिय गैर-सरकारी संगठनों की मदद से दूर-दराज और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले आर्थिक रूप से कमजोर दिव्यांगजनों के लिए आउटरीच शिविर आयोजित किए गए हैं।
- दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र (एसआरसी), सिकंदराबाद (आंध्र प्रदेश), लखनऊ और श्रीनगर में समग्र क्षेत्रीय केंद्र, तथा राजस्थान राज्य में जिला विकलांगता पुनर्वास केंद्र (डीडीआरसी) की स्थापना और संचालन के माध्यम से विकलांग व्यक्तियों के लिए संस्थागत व्यापक पुनर्वास सेवाओं का विस्तार प्रदान किया गया है।

पुस्तकालय विकास

संस्थान में एक सुसज्जित पुस्तकालय है जो व्यावसायिक चिकित्सा, फिजियोथेरेपी, प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स के छात्रों और शिक्षकों की साहित्यिक और शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करता है। छात्र, पेशेवर, डॉक्टर और दिव्यांगजनों के लिए काम करने वाले व्यक्ति भी संदर्भ सदस्य बनकर पुस्तकालय की सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं।

पुस्तकालय में कुल 15857 पुस्तकों का संग्रह है, जिनमें वर्ष 2024-25 में खरीदी गई 323 व्यावसायिक और गैर-व्यावसायिक पुस्तकें शामिल हैं। अधिग्रहण प्रक्रिया LIBMAN सॉफ्टवेयर का उपयोग करके पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत है। पुस्तकालय ने ई-पत्रिकाओं और ई-पुस्तकों के लिए ONOS (वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन) और DELNET, पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं के लिए 12 समाचार-पत्र (6-हिंदी और 6-अंग्रेजी), 23 पत्रिकाएँ (11-हिंदी और 12-अंग्रेजी) की सदस्यता

ली है। पुस्तकालय सेवाएं जैसे- संचलन सेवा, संदर्भ सेवा, रिप्रोग्राफिक सेवाएं, प्रिंटआउट, इंटरनेट सुविधा, सीडी और डीवीडी के लिए खुली पहुंच सुविधा, विकलांगता और संबद्ध विषयों से संबंधित समाचार-पत्र की कतरनें और पिछले वर्ष के प्रश्न पत्र संस्थान की वेबसाइट पर अपलोड किए गए हैं।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	: 1
एसोसिएट प्रोफेसर	: 2
सहायक प्रोफेसर	: 6
अतिथि	: 55
कुल	**: 64**

****

पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

दिल्ली विश्वविद्यालय के पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय के लिए 2024-25 शैक्षणिक वर्ष बहुत अच्छा रहा, जिसमें शिक्षा, खेल, छात्र प्रशासन और सांस्कृतिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां रहीं।

महाविद्यालय की खेल टीमों ने प्रथम स्वामी दयानंद क्रिकेट टूर्नामेंट और सेंट स्टीफंस क्रिकेट टूर्नामेंट 2024 जीतकर असाधारण प्रदर्शन किया है। फुटबॉल टीम ने एथलीमा 2024 टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता और 2024 में रिलायंस यूथ कप भी जीता। यशिका टोकस ने इंटर-महाविद्यालय डीयू बॉक्सिंग चैंपियनशिप और खेलो इंडिया यूथ गेम्स में स्वर्ण पदक जीते। इसके अतिरिक्त, छह छात्रों का चयन अखिल भारतीय विश्वविद्यालय सीएसबीबी.ए.सयू और पंजाब में उत्तर पश्चिम क्षेत्र विश्वविद्यालय टीमों के लिए हुआ।

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए छात्र संघ चुनाव सफलतापूर्वक आयोजित किए गए, जिससे महाविद्यालय प्रशासन में छात्रों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहन मिला।

महाविद्यालय ने प्रशासन की कार्यप्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए विभिन्न पदों पर 16 शिक्षणेत्तर कार्मिकों की भर्ती प्रक्रिया पूरी कर ली है।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

- 18 मार्च, 2025 को, पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय ने दधीचि देहदान समिति के सहयोग से अंगदान जागरूकता अभियान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. कृष्णा शर्मा, उप-

प्राचार्य प्रो. दरविंदर कुमार, समिति की संस्थापक एवं उपाध्यक्ष श्रीमती मंजू प्रभा, प्रो. अवनीजेश अवस्थी, दक्षिण दिल्ली की सह-संयोजक सुश्री रजनी छाबड़ा की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संकाय सदस्य और छात्र शामिल हुए। इस जागरूकता अभियान का उद्देश्य अंगदान के महत्व और जीवन रक्षा पर इसके गहन प्रभाव के बारे में जागरूकता फैलाना था। यह कार्यक्रम अत्यधिक जानकारीपूर्ण साबित हुआ और सभी प्रतिभागियों पर एक सार्थक और अमिट छाप छोड़ गया।

- अप्रैल 2025 में आयोजित वार्षिक पूर्व छात्र सम्मेलन के दौरान, पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय ने सेवानिवृत्त शिक्षक और शिक्षणेत्तर कार्मिकों को उनकी समर्पित सेवा के लिए सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में प्रथम प्रो. देवेंद्र स्वरूप स्मृति सम्मान 2025 प्रदान किया गया, जो प्रो. आर.के. भाटिया जी को प्रदान किया गया। तत्पश्चात एक सांस्कृतिक कार्यक्रम और दोपहर के भोजन का आयोजन किया गया।

छात्र

- बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर विज्ञान (तृतीय वर्ष) के छात्र तुषार कत्याल ने महाविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. (ऑनर्स) गणित (तृतीय वर्ष) के छात्र रूपक कुमार झा ने महाविद्यालय में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- प्रीक्षा अग्रवाल बी.एससी. (ऑनर्स) सांख्यिकी (तृतीय वर्ष) ने महाविद्यालय में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

शोध प्रकाशन

- गुप्ता, पी., मोलापाटा, एच.के., जी. मधु सूदन, जी., कलापर्थी, एन.के., कुमार, डी., और करी, एस. (2024). नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) स्टॉक मूल्य पूर्वानुमान के लिए सांख्यिकीय मॉडल तुलना। कम्युनिकेशन्स ऑन एप्लाइड नॉनलाइनियर एनालिसिस, 32(3), 130-141। https://doi.org/10.52783/cana.v32.1924
- जोनवाल, आर., गुप्ता, एस., और पाहुजा, एस. (2024). क्या सामाजिक रूप से उत्तरदायी सूचकांक पारंपरिक सूचकांकों से बेहतर प्रदर्शन करते हैं? कोविड-19 की शुरुआत से पहले और बाद के साक्ष्य। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और पर्यावरण प्रबंधन, 31(5), 4995-5011। https://doi.org/10.1002/csr.2839
- जोनवाल, आर., गुप्ता, एस., और पाहुजा, एस. (2024). भारत में सामाजिक रूप से उत्तरदायी निधियों के प्रदर्शन मूल्यांकन की तुलना उनके बेंचमार्क सूचकांक से: कोविड-19 संकट से प्राप्त साक्ष्य। एशिया-प्रशांत वित्तीय बाजार। https://doi.org/10.1007/s10690-024-09460-z

- कुमार, डी. (2024). आपदा, प्रतिक्रिया, राज्य-निर्भर सेवा और पर्यावरण परिवर्तन के साथ एक कतार प्रणाली। फिजियोथेरेपी के उपाय, 53(3)।
- कुमार, डी. (2024). फीडबैक, आपदा, राज्य-निर्भर इनपुट पैरामीटर और यादृच्छिक रूप से बदलती अवस्थाओं वाली एक कतार प्रणाली। पैनअमेरिकन मैथमेटिकल जर्नल, 35(1s), 355-369. https://doi.org/ 10.52783/ pmj.v35.i1s.4719
- कुमार, डी. (2024). फीडबैक, बेतरतीब ढंग से बदलती अवस्थाओं और आपदाओं के प्रभावों को शामिल करते हुए कतार प्रणाली का क्षणिक विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट सिस्टम्स एंड एप्लीकेशन इन इंजीनियरिंग, 12(23एस), 2589-2604.
- कुमार, डी. (2024). फीडबैक, आपदाओं और राज्य-निर्भर पर्यावरणीय परिवर्तन पैरामीटर के साथ कतार प्रणाली का क्षणिक विश्लेषण। जर्नल ऑफ इलेक्ट्रिकल सिस्टम्स, 20, 4469-4481.
- कुमार, डी., और बुरा, जी.एस. (2024). पर्यावरणीय, विनाशकारी और पुनर्स्थापन प्रभावों वाली दो समरूप सर्वर मार्कोवियन कतार प्रणाली का क्षणिक समाधान। अंतर्राष्ट्रीय गणित और सांख्यिकी अध्ययन पत्रिका, 12(1), 45-53। https://doi.org/10.37745/ijmss.13/vol12n14553
- शर्मा, आर. (2024). ताम्र श्रमिक और उनकी तकनीक: छोटानागपुर क्षेत्र का एक सर्वेक्षण. इतिहास दर्पण.
- शर्मा, आर. (2024). छोटानागपुर क्षेत्र में प्राचीन ताम्र कार्यों का अध्ययन. भारतीय ऐतिहासिक अध्ययन, 20(2), 17-31.

संपादित खंडों में पुस्तकें और अध्याय

- कुमार, पवन (2025)। पुस्तक का शीर्षक; हिंदी: स्वरूप, संचयन और इतिहास; प्रणेता सहज काव्य संकलन में प्रकाशित।
- बागड़ी, नितीश (2024). सह-लेखक: “उपभोक्ता मामले और संप्रभुता” (यूजीसीएफ) (आईएसबी.ए.न:978-93-94336-46-9) 2024-2025. जेएसआर पब्लिशिंग हाउस (एलएलपी) द्वारा प्रकाशित।
- कुमार रमेश, (2024). CNN-BiGRU आधारित मॉडल का उपयोग करके आपूर्ति श्रृंखला जोखिम न्यूनीकरण और चपलता के पूर्वानुमानित विश्लेषण के लिए एक नवीन विधि। हाइब्रिड एंड एडवांस्ड टेक्नोलॉजीज़ में प्रकाशित। www.taylorfrancis.com/chapters/oa-it/10.1201/9781003559115-99
- सेंगर, निशा (2024) "एक गतिशील दुनिया में भू-विरासत के प्रबंधन के लिए स्थायी रणनीतियाँ", "दुनिया भर में भूवैज्ञानिक विरासत: महत्व, संरक्षण और भविष्य की दिशाएँ" प्रकाशक: स्प्रिंगर नेचर। DOI: https://doi.org/10.1007/978-981-96-3817-8।

आयोजित संगोष्ठियां

- डीयू की वित्तीय साक्षरता संवर्धन समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर आरपी तुलस्यान ने 25 अप्रैल, 2024 को वित्तीय साक्षरता पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।
- श्रीमती बीनू, आईआरएस, अतिरिक्त आयकर आयुक्त ने 29 अप्रैल, 2024 को विकसित भारत में सिविल सेवकों की भूमिका पर एक व्याख्यान दिया।
- डॉ. धर्मचंद चौबे, प्रोफेसर एवं प्रमुख, क्षेत्र अध्ययन एवं बृहत्तर भारत, आईजीएनसीए, नई दिल्ली ने 29 अप्रैल, 2024 को क्रांतिकारी नायकों का उत्सव मनाने पर एक व्याख्यान दिया।
- स्किलशेयर इंडिया की संस्थापक और सीईओ सुश्री मोनिका कपूर ने 12 सितंबर, 2024 को "छात्रों को पोक्सो और पॉश के बारे में शिक्षित करने" पर एक व्याख्यान दिया।
- प्रोफेसर महेश रेंगुंटवार, अध्यक्ष नियोजन और वित्त आईएसबी एंड एम शैक्षणिक और उद्योग विशेषज्ञ, ने 14 अक्तूबर, 2024 को छात्र विकास कार्यक्रम पर एक व्याख्यान दिया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

- 25 मार्च, 2025 को 3 वर्ष की अवधि के लिए सरकारी डिग्री महाविद्यालय, बंजार, हिमाचल प्रदेश के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- 19 जुलाई, 2024 को नेपल्स विश्वविद्यालय के साथ 5 वर्षों के लिए एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

- एसओएल: पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय का मुक्त शिक्षा विद्यालय सेंटर, कामकाजी छात्रों को उच्च शिक्षा के अपने सपने को साकार करने के लिए अनूठे अवसर प्रदान करता है और उन्हें अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाता है। महाविद्यालय अपने स्तर पर एसओएल केंद्र का प्रबंधन करता है, जिसमें शिक्षकों की व्यवस्था, समय-सारिणी आदि शामिल हैं। ये कक्षाएं एसओएल द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रविवार और सार्वजनिक अवकाश के दिनों में आयोजित की जाती हैं। केंद्र रविवार और छुट्टियों के दौरान शैक्षणिक, प्रशासनिक और लॉजिस्टिक्स सहायता प्रदान करता है। विभिन्न पाठ्यक्रमों के हजारों से अधिक छात्र इस केंद्र में अध्ययन कर रहे हैं। एसओएल छात्रों के लिए परीक्षाएँ भी महाविद्यालय परिसर में आयोजित की जाती हैं।
- एनसीवेब: पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय का ज़ोर न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता पर, बल्कि समग्र विकास पर भी है। महाविद्यालय छात्रों को सांस्कृतिक कार्यक्रमों, खेलकूद, प्रतियोगिताओं, वाद-विवाद, संगोष्ठियों और सामुदायिक सेवा पहलों जैसी पाठ्येतर और पाठ्येतर गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। ये गतिविधियाँ छात्रों में नेतृत्व कौशल, रचनात्मक टीमवर्क और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने में मदद करती हैं। कुल

मिलाकर, पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय और एनसीवेब शिक्षा के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय एक प्रतिष्ठित संस्थान है जो छात्रों को उनके शैक्षणिक लक्ष्यों को प्राप्त करने और उनके चुने हुए क्षेत्र में एक सफल करियर के लिए तैयार होने हेतु एक अनुकूल शिक्षण वातावरण प्रदान करता है, जिससे वे अपने ज्ञान और कौशल को बढ़ा सकें और अंततः अपनी सामाजिक और आर्थिक स्थिति में सुधार कर सकें।

- इग्नू: पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय में इग्नू अध्ययन केंद्र-07174 की स्थापना अगस्त, 2013 में उन गरीब और जरूरतमंद छात्रों की मांगों को पूरा करने के लिए की गई थी, जो किसी न किसी कारण से नियमित छात्र के रूप में अपनी पढ़ाई जारी नहीं रख सके।

नियोजन विवरण

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 50 (4%)

कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या: 49

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में, दिल्ली विश्वविद्यालय के पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय की एनएसएस इकाई ने स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छता, पर्यावरणीय स्थिरता, वित्तीय साक्षरता, महिला सशक्तिकरण और राष्ट्रीय एकीकरण जैसे प्रमुख सामाजिक मुद्दों को संबोधित करते हुए 28 सामुदायिक सेवा गतिविधियों का सफलतापूर्वक संचालन किया।
- 1,172 स्वयंसेवकों और 136 संकाय सदस्यों सहित कुल 1,308 प्रतिभागियों ने योगदान दिया। इकाई ने 58 यूनिट रक्त एकत्र किया, केंद्रीय बजट पर दो वित्तीय साक्षरता सत्र आयोजित किए, और POCSO तथा POSH अधिनियमों के तहत कानूनी सुरक्षा पर एक जागरूकता सत्र आयोजित किया।
- महाविद्यालय के भीतर और बाहर 28 सामुदायिक सेवा गतिविधियों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया, जिससे 500 सामुदायिक सदस्यों और 1,308 महाविद्यालय हितधारकों को लाभ मिला।

इन प्रयासों के माध्यम से, एनएसएस इकाई ने छात्रों में जिम्मेदारी, सामाजिक सेवा और राष्ट्रीय विकास की भावना को बढ़ावा देने के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया, जो एनएसएस के आदर्श वाक्य को साकार करता है: मैं नहीं, बल्कि आप।

पुस्तकालय विकास

पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय पुस्तकालय परिसर में शैक्षणिक गतिविधि के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य करती है, जो संकाय और छात्रों को एक साथ काम करने, संसाधनों से सीखने और उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ अद्यतन रहने के लिए एक स्थान प्रदान करती है। इस रिपोर्ट में

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के दौरान लागू किए गए विभिन्न संग्रह, सेवाओं और संवर्द्धन का उल्लेख किया गया है। हमारी पुस्तकालय पुस्तकालय सेवाओं का लाभ उठाते समय अवसंरचनात्मक विकास और संरक्षक आराम पर उच्च मूल्य रखती है। पूरी तरह से वातानुकूलित रीडिंग हॉल और पुस्तकालय का आमंत्रित माहौल पूरे वर्ष छात्रों की उच्च संख्या को देखता है। महाविद्यालय में छात्रों के लिए एक समर्पित कंप्यूटर लैब, पढ़ाई का समर्थन करने और ई-संसाधनों के उपयोग को अधिकतम करने और शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए इंटरनेट ब्राउज़िंग की सुविधा के लिए कार्य कर रही है। संदर्भ अनुभाग सह सम्मेलन कक्ष शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए खुला है।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	: 29
एसोसिएट प्रोफेसर	: 44
सहायक प्रोफेसर	: 100
अतिथि	: 44
कुल	**: 217**

उपयोगित निधियां (₹ करोड़ में) : ₹ 65.74

आवंटित निधियां (₹ करोड़ में) : ₹ 65.74

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

शैक्षणिक वर्ष 2024-25, दिल्ली विश्वविद्यालय के पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय (मॉर्निंग) की विरासत में एक उल्लेखनीय अध्याय रहा। महाविद्यालय ने कई मोर्चों पर उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया-शैक्षणिक, खेल, सांस्कृतिक गतिविधियाँ, छात्र प्रशासन और सतत विकास पहल। प्रतिष्ठित पुरस्कारों से लेकर अवसंरचनात्मक विकास और जीवंत छात्र जुड़ाव तक, पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय ने समग्र विकास और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रतिबद्ध एक गतिशील और दूरदर्शी संस्थान के रूप में अपनी स्थिति को और मजबूत किया है।

****

पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय (सांध्य)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

वर्ष **2024** में**,** पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय सांध्य को भारत भर के **743** प्रतिभागी कॉलेजों में से 21$^{वीं}$ इंटर्नशाला अखिल भारतीय वार्षिक रैंकिंग प्राप्त हुई**,** और उत्तरी क्षेत्र के **185** प्रतिभागी कॉलेजों में से 8$^{वीं}$ क्षेत्रीय रैंकिंग भी प्राप्त हुई। पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय **(**सांध्य**)** भारतीय

मानक ब्यूरो से प्रतिष्ठित और अत्यंत दुर्लभ ISO21001 और ISO14001 प्रमाणन प्राप्त करने वाला विश्वविद्यालय का पहला महाविद्यालय बन गया।

पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय **(**सांध्य**)** को नेशनल एडू ट्रस्ट ऑफ इंडिया द्वारा दक्षिण**-**पूर्वी दिल्ली में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए उत्कृष्टता प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस 2024 के सम्मान में**,** पर्यावरणीय स्थिरता और संरक्षण के लिए असाधारण समर्पण प्रदर्शित करने के लिए नेशनल एडू ट्रस्ट ऑफ इंडिया **(**सूक्ष्म**,** लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय और भारत सरकार के तहत पंजीकृत**)** द्वारा पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय **(**सांध्य**)** जिला पर्यावरण चैम्पियनशिप पुरस्कार 2024-2025 दिया गया है।

यूजीसी में वृक्षारोपण अभियान**:** स्वच्छता पखवाड़ा मनाते हुए**,** पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय **(**सांध्य**)** को **12** सितंबर**,** 2024 को वृक्षारोपण अभियान के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग**,** नई दिल्ली में आमंत्रित किया गया। यूजीसी के अध्यक्ष प्रो**.** एम**.** जगदीश कुमार**,** यूजीसी के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ यूजीसी मुख्यालय परिसर में महाविद्यालय के छात्रों के साथ पौधे लगाए।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

- विश्व युवा कौशल दिवस 2024 के अवसर पर, विश्व उच्च शिक्षा एवं विकास अकादमी, भारतीय पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण संस्थान और राष्ट्रीय कौशल विकास संस्थान ने संयुक्त रूप से पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय (सांध्य) के प्राचार्य प्रो. आरके गुप्ता को महाविद्यालय के छात्रों के बीच व्यावसायिक कौशल विकास के क्षेत्र में उनके असाधारण प्रदर्शन के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय अभिनव कौशल प्रशिक्षण पहल पुरस्कार से सम्मानित किया है।
- पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय (सांध्य) को उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए कौशल से उद्यमिता कार्यक्रम में नंबर 1 प्रदर्शनकर्ता के रूप में मान्यता दी गई है, जिसे राष्ट्रीय स्तर पर नेशनल एडुट्रस्ट ऑफ इंडिया (एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार के तहत पंजीकृत) द्वारा आयोजित किया गया।
- काशी भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव पुरस्कार KIIFFA-2024, शिक्षा के साहित्य में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रोफेसर आर.के. गुप्ता (प्राचार्य पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय (सांध्य) को प्रशंसा पुरस्कार, 2024.
- महाविद्यालय के छात्रों के व्यावसायिक कौशल विकास के लिए शिक्षा और विकास, भारतीय पारिस्थितिकी और पर्यावरण संस्थान और राष्ट्र द्वारा प्रतिष्ठित राष्ट्रीय अभिनव कौशल प्रशिक्षण पहल पुरस्कार प्रोफेसर आर.के. गुप्ता (पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय सांध्य के प्राचार्य) को प्रदान किया गया।

- डॉ. अनीता बजाज को 21 नवंबर 2024 को भारतीय पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण संस्थान द्वारा आयोजित 34वें विश्व पर्यावरण कांग्रेस के इकोफिलॉसफी शिखर सम्मेलन में शिक्षा और प्रशिक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए पारिस्थितिक शिक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
- सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के तहत पंजीकृत नेशनल एडुट्रस्ट ऑफ इंडिया, सर्वश्रेष्ठ शिक्षक के लिए सम्मान पुरस्कार यह प्रमाणपत्र डॉ. मयंक पांडे को प्रदान किया गया।
- रमेश कुमार को साइंटिफिक इंटरनेशनल पब्लिशिंग हाउस द्वारा अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- रमेश कुमार को अंतर्राष्ट्रीय संगठित अनुसंधान संस्थान, मोहाली पंजाब द्वारा सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार 2024-25 से सम्मानित किया गया।
- इकोफिलॉसफी शिखर सम्मेलन और 34वें विश्व पर्यावरण कांग्रेस (21 नवंबर 2024) के अवसर पर नई दिल्ली में विश्व शांति के लिए अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक संघ की परिषद और राष्ट्रीय स्वच्छता शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान से डॉ. जयपाल पारिस्थितिक शिक्षा पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- डॉ. नागेंद्र शर्मा, निर्वाचित सदस्य, भारतीय इतिहास कांग्रेस 2024-25

छात्र

- एसजीटी आयुष, बी.ए. (ऑनर्स), तृतीय वर्ष के छात्र, ने स्क्वाड ड्रिल प्रतियोगिता, आर्मी अटैचमेंट कैंप, 4 नवंबर-15 नवंबर, 2024 में दूसरा पुरस्कार जीता।
- एसजीटी गगन कुमार, (बी.ए. ऑनर्स) द्वितीय वर्ष के छात्र, ने क्वार्टर गार्ड प्रतियोगिता, आर्मी अटैचमेंट कैंप, 4 नवंबर-15 नवंबर, 2024 में प्रथम पुरस्कार जीता।
- सीपीएल गौतम शर्मा, बी.ए. (ऑनर्स), द्वितीय वर्ष के छात्र, ने स्क्वाड ड्रिल प्रतियोगिता, आर्मी अटैचमेंट कैंप, 4 नवंबर-15 नवंबर, 2024 में दूसरा पुरस्कार जीता।
- सीपीएल हरीश, बी.कॉम (कार्यक्रम), द्वितीय वर्ष के छात्र, ने बास्केटबॉल प्रतियोगिता, आर्मी अटैचमेंट कैंप, 4 नवंबर-15 नवंबर, 2024 में दूसरा पुरस्कार जीता।
- सीपीएल यशविंदर, बी.ए. (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष के छात्र, ने पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, आर्मी अटैचमेंट कैंप, 4 नवंबर-15 नवंबर, 2024 में प्रथम पुरस्कार जीता।
- सीपीएल यशविंदर, बी.ए. (ऑनर्स), द्वितीय वर्ष के छात्र, ने पुस्तक समीक्षा प्रतियोगिता, आर्मी अटैचमेंट कैंप, 4 नवंबर-15 नवंबर, 2024 में दूसरा पुरस्कार जीता।
- सीडीटी हरीश सिंह, बी.ए. (कार्यक्रम) तृतीय वर्ष के छात्र, ने क्विज प्रतियोगिता, अखिल भारतीय यूपी ट्रेक-I, 9 नवंबर-18 नवंबर, 2024 में प्रथम पुरस्कार जीता।

- बी.एससी. (ऑनर्स) तृतीय वर्ष के छात्र सीडीटी वीरेंद्र सिंह ने एनआईएपी प्रतियोगिता, एसएनआईसी, 2 अक्तूबर-13 अक्तूबर, 2024 में प्रथम पुरस्कार जीता।
- बी.एससी. (ऑनर्स), तृतीय वर्ष के छात्र सीडीटी वीरेंद्र सिंह ने एसएनआईसी, 2 अक्तूबर-13 अक्तूबर, 2024 को आयोजित रस्साकशी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।
- सीडीटी धीरज कुमार, बी.ए. (कार्यक्रम) द्वितीय वर्ष के छात्र, ने स्क्वाड ड्रिल प्रतियोगिता, आर्मी अटैचमेंट कैंप, 4 नवंबर-15 नवंबर, 2024 में दूसरा पुरस्कार जीता।
- सीडीटी दिव्या प्रकाश, बी.एससी. (ऑनर्स), द्वितीय वर्ष की छात्रा, ने पुस्तक समीक्षा प्रतियोगिता, आर्मी अटैचमेंट कैंप, 4 नवंबर-15 नवंबर, 2024 में दूसरा पुरस्कार जीता।
- बी.ए. (कार्यक्रम), चौथे सेमेस्टर के छात्र रजनीश शुक्ला ने अंतर-महाविद्यालय भाषण प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता, हंस राज महाविद्यालय, 23 अगस्त, 2024.
- बी.ए. (कार्यक्रम), चौथे सेमेस्टर के छात्र रजनीश शुक्ला ने अंतर-महाविद्यालय, वाद-विवाद प्रतियोगिता, दयाल सिंह महाविद्यालय, 19 अक्तूबर, 2024 में प्रथम पुरस्कार जीता।

शोध प्रकाशन

- डॉ. निशा सेंगर (जून 2024) कामकाजी महिलाओं के स्वास्थ्य संघर्षों की व्याख्या: मधुमेह के कारणों का विश्लेषणात्मक अन्वेषण, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड रिसर्च (आईजेएसआर), खंड 13, अंक 6, पृष्ठ: 1519-1524। पूर्णतः रेफरी द्वारा संचालित, ओपन एक्सेस, डबल ब्लाइंड पीयर रिव्यूड जर्नल, पेपर आईडी: SR2464000324.
- डॉ. सोनिका नागपाल, (2024), 'ओमनी चैनल शॉपर्स को क्या प्रेरित करता है? उनके चैनल चयन और खरीदारी व्यवहार पर एक अंतर्दृष्टि' विषय पर एक शोध-पत्र, आईपीई जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, खंड 14, अंक 1, आईएसएसएन 2249-9040 में प्रकाशित। यूजीसी केयर सूचीबद्ध।
- डॉ. सोनिका नागपाल, (2023), 'उच्च शिक्षा में प्रवेश चैटबॉट की प्रभावशीलता: पीएलएस-एसईएम विश्लेषण से अंतर्दृष्टि' पर एक शोध-पत्र, बी.ए.चयू मैनेजमेंट रिव्यू, खंड 11, अंक 2, आईएसएसएन 2231-0142 में प्रकाशित। यूजीसी केयर सूचीबद्ध।
- रमेश कुमार, (2025) भारत में फर्म मूल्य सृजन पर पर्यावरण, सामाजिक और शासन प्रथाओं के प्रभाव की जांच: ऑटोमोबाइल उद्योग का एक अध्ययन प्रकाशित, खंड 78. यूजीसी केयर इंडियन जर्नल ऑफ कॉमर्स।
- रमेश कुमार, (2024), बिज़नेस और इंडस्ट्री में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उदय", जर्नल ऑफ इंफॉर्मेटिक्स एजुकेशन एंड रिसर्च, खंड 4, अंक 2, पृष्ठ 869-875 में प्रकाशित। *(ISSN: **1526-4726**)। http://jier.org/index.php/journal*
- रमेश कुमार (2024), वित्तीय प्रबंधन में एआई-आधारित भविष्य कहनेवाला विश्लेषण", युगाटो जर्नल में प्रकाशित, खंड 76(1), पृष्ठ 744-751, प्रकाशक ग्लोबल जर्नल पुस्तकालय, जापान,

(ISSN: 0387-5695)।
https://www.researchgate.net/publication/380296589_AIBASED_PREDICTIVE_ANALYTICS_IN_FINANCIAL_MANAGEMENT

- रमेश कुमार, (2024), वित्तीय सेवाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग। सोशियो इकोनॉमिक चैलेंजेस, *8* (1) में प्रकाशित, पृष्ठ 218-223, प्रकाशक एआर एंड पी (*आईएसएस:2520-662)।*
https://socioeconomicchallenges.com/index.php/SEC/article/view/127

- रमेश कुमार, (2024) धन प्रबंधन सेवाओं पर एआई-संचालित रॉब सलाहकारों के प्रभाव का अध्ययन करें। पोर्टफोलियो प्रबंधन, जोखिम मूल्यांकन और व्यक्तिगत निवेश रणनीतियों में उनकी प्रभावशीलता का मूल्यांकन करें। शैक्षिक प्रशासन: सिद्धांत और व्यवहार, 30(5), पृष्ठ 13478-13486 ***(ISBN: 2148-2403) में प्रकाशित।***
https://kuey.net/index.php/kuey/article/view/5819

- रमेश कुमार, वाणिज्य में व्यावसायिक जानकारी तक पहुँच बढ़ाने के लिए अभिनव डिजिटल पुस्तकालय समाधान, पुस्तकालय प्रोग्रेस इंटरनेशनल में प्रकाशित, 44(3), 17704-17711. (ISSN 2320 317X)। **https://bpasjournals.com/library-science/index.php/journal/article/view/1164/2228 - *स्कोपस इंडेक्स***

- रमेश कुमार (2024), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में स्टॉक ट्रेडिंग ऐप्स के प्रति निवेशकों का व्यवहार, दर्शन-इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट (DIJM), खंड 4 अंक II (***ISSN: 2583-1682***) में प्रकाशित। https://ij.darshan.ac.in

- रमेश कुमार (2024), भारत में सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में पर्यावरणीय नीतियों की जाँच, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च पब्लिकेशन एंड रिव्यूज़ (IJRPR) में प्रकाशित, खंड 5 अंक 7, पृष्ठ 1951-1956। https://doi.org/10.55248/gengpi.5.0724.1758. https://ijrpr.com/uploads/V5ISSUE7/IJRPR31461.pdf

- रमेश कुमार, (2024), भारत में गोल्ड ईटीएफ के प्रदर्शन मूल्यांकन पर अध्ययन, जूनिख्यात यूजीसी केयर खंड 14(7), संख्या 5, पृष्ठ 85-92 में प्रकाशित, http://doi.org/10.36893/JK.2024.V14I07N05.085-092, http://junikhyatjournal.in/no_1_Online_24/32_online_july.pdf

- रमेश कुमार, (2024), "गोल्ड में निवेश": खुदरा निवेशकों के दृष्टिकोण का एक अध्ययन, द एशियन मैन, खंड 18, अंक 1 और 2, जनवरी-दिसंबर 2024 में प्रकाशित, प्रकाशक: इंडियन जर्नल.कॉम, पृष्ठ 71-79 (ISSN: 0974-6366 ऑनलाइन ISSN: 0975-6884)। DOI 10.5958/0975-6884.2024.00006.7.
https://www.indianjournals.com/ijor.aspx?target=ijor:am&volume=18&issue=1and

2&article=006 रमेश कुमार (2025), एआई संचालित प्रतिभा प्रबंधन प्रणालियाँ: व्यक्तिगत विकास और प्रतिधारण रणनीतियाँ, एशियाई और प्रशांत आर्थिक समीक्षा खंड 17 अंक 2 में प्रकाशित https://asparev.net/index.php/APE/article/view/91

- सौरभ शर्मा, अंजुम सिंघल, वेलुस्वामी वेंकटरमणन, पवन वर्मा, **मयंक पांडे** (2024) वायु गुणवत्ता में परिवर्तनशीलता, वीओसी द्वारा ओज़ोन निर्माण क्षमता और दिल्ली के निवासियों के लिए संबद्ध वायु प्रदूषण के कारण स्वास्थ्य जोखिम। पर्यावरण विज्ञान: वायुमंडल, 4, 897-910. **(आईएफ 2.8)।** https://doi.org/10.1039/D4EA00064A

पुस्तकें

- कुमार, पवन.(2025). प्रणेता सहज काव्य संग्रह में "हिन्दी: स्वरूप, रचना और इतिहास" नामक पुस्तक प्रकाशित।
- बागड़ी. नितीश (2024). सह-लेखक "उपभोक्ता मामले और संप्रभुता" (यूजीसीएफ) (आईएसबी.ए.न: 978-93-94336-46-9) 2024-2025. जेएसआर पब्लिशिंग हाउस (एलएलपी) द्वारा प्रकाशित।

संपादित पुस्तक में अध्याय

- कुमार रमेश, (2024). CNN-BiGRU आधारित मॉडल का उपयोग करके आपूर्ति श्रृंखला जोखिम न्यूनीकरण और चपलता के पूर्वानुमानित विश्लेषण के लिए एक नवीन विधि। हाइब्रिड एंड एडवांस्ड टेक्नोलॉजीज़ में प्रकाशित। www.taylorfrancis.com/chapters/oa-it/10.1201/9781003559115-99
- सेंगर. निशा. ((2024) "एक गतिशील दुनिया में भू-विरासत के प्रबंधन के लिए स्थायी रणनीतियाँ", "दुनिया भर में भूवैज्ञानिक विरासत: महत्व, संरक्षण और भविष्य की दिशाएँ" प्रकाशक: स्प्रिंगर नेचर. DOI: https://doi.org/10. 1007/978-981-96- 3817-8.

अनुसंधान परियोजनाएँ

- डॉ. मयंक पांडे को "जम्मू, कश्मीर और लद्दाख में पर्यावरण शासन" नामक शोध परियोजना के लिए ₹9,940,00/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएसएसआर द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि 15.01.2024 से 14.01.2025 तक है।
- डॉ. निशा सेंगर, राजनीति-विज्ञान विभाग को “रक्षा उद्योग की राजनीतिक अर्थव्यवस्था भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद” नामक शोध परियोजना के लिए ₹ 9,50000/- की राशि मंजूर की गई है। यह अनुदान आईसीएसएसआर द्वारा प्रदान किया गया है और 2024 से 2025 तक की अवधि को कवर करता है।

दायर/स्वीकृत पेटेंट

- श्री रमेश कुमार, डॉ. सुमुखा पीएस, डॉ. सुभद्रा पीएस, डॉ. वी. कोकिला, डॉ. वेंकटसलम, डॉ. डी. पॉल दिनाकरण, सुश्री एम. राजलक्ष्मी, केएस खरीदारी के दौरान उपभोक्ता मनोविज्ञान का विश्लेषण करने वाला उपकरण, 411390-001, 22/03/2024, राष्ट्रीय।

आयोजित संगोष्ठियां

- डॉ. गौरव गुप्ता, निदेशक, इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्रालय भारत सरकार, संगोष्ठी, "राष्ट्रीय सुरक्षा में साइबर जागरूकता की भूमिका", 21 फरवरी, 2024 को।
- डॉ. कोएनराड एल्स्ट (वक्ता प्रसिद्ध बेल्जियम लेखक, प्राच्यविद् और इंडोलॉजिस्ट हैं) ने 21 मार्च, 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक अध्ययन केंद्र (आईसीसीएस) के सहयोग से 'भारतीय संस्कृति का प्रभाव: एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य' विषय पर एक व्याख्यान दिया।
- प्रो. संध्या सिंह, प्राचार्य प्रोफेसर एनसीईआरटी नई दिल्ली, एक संगोष्ठी, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020: हिंदी भाषा की स्थिति, बहुभाषावाद, प्रौद्योगिकी, रोजगार के अवसर" 25 मार्च, 2025.
- श्री अतुल कोठारी, "भारतीय ज्ञान परंपरा: कार्यान्वयन और प्रसार", 16 अगस्त, (शुक्रवार), 2024 शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के संयुक्त तत्वावधान में।
- डॉ. विजेन्द्र मसिजीवी ने 11 सितंबर, 2024 को 'सफलता की कहानियों से परे' विषय पर एक व्याख्यान सत्र दिया।
- डॉ. आर.एस. शर्मा, प्रोफेसर, पर्यावरण अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 30 सितंबर, 2024 को 'विकसित भारत के लिए भारतीय ज्ञान प्रणाली से पारिस्थितिक ज्ञान' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

आयोजित सम्मेलन

- *"वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भारतीय मूल्यों का वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं प्रासंगिकता"* डॉ. धर्मेश शास्त्री, संस्कृत विभाग, श्री गुरु नानक देव खालसा महाविद्यालय, देव नगर, 29 अगस्त, 2024.
- *"विज्ञान और प्रौद्योगिकी, प्रबंधन और पर्यावरण पर प्रभाव सहित शिक्षा से संबंधित भारतीय पारंपरिक ज्ञान का एकीकरण",* मुख्य अतिथि: प्रो. विशाल जैन, सीएसई विभाग, शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा, 16 नवंबर 2024 को।
- *"भाषा संगम-भारतीय भाषाएँ और विकसित भारत"।* डॉ. सच्चिदानंद जोशी, अखिल भारतीय अध्यक्ष, भारतीय शिक्षण मंडल, 4 जनवरी, 2025 को भारतीय भाषा समिति (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा वित्त-पोषित।
- भाषाई कौशल और भारतीय ज्ञान पर केंद्रित, महाविद्यालय के अरुंधति सेंटर फॉर भारतीय प्राचीन ज्ञान केंद्र (आईकेएस सेंटर) ने हिंदी विभाग और आईकेएस सेंटर, माउंट कार्मेल

महाविद्यालय (स्वायत्त), बेंगलुरु और दिल्ली हिंदी साहित्य सम्मेलन के सहयोग से 23 जनवरी से 24 जनवरी, 2025 तक दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन हाइब्रिड मोड में आयोजित किया।\

- पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय, सांध्य, रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल, आईक्यूएसी और वाणिज्य विभाग महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज संयुक्त रूप से 10 मार्च से 16 मार्च, 2025 तक अनुसंधान पद्धति पर एक सप्ताह का ऑनलाइन छात्र विकास कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

- टर्निंग स्टोन्स एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड: 01 अप्रैल, 2024.
- वॉयस डेटा टेलीकॉम: 01 अप्रैल, 2024.
- माउंट कार्मेल महाविद्यालय: 30 जून, 2024.
- आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड: 03 अगस्त, 2024.
- डीएन टेक्नोलॉजी (डीएनटी): 07 अगस्त, 2024.
- मेसर्स आइडियाज इंक. मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड: 04 अक्तूबर, 2024.
- एवियर टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड: 20 नवंबर, 2024.

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

- पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय सांध्य**,** गुजरात विश्वविद्यालय के सहयोग से 14 नवंबर, 2024 से भारतीय पांडुलिपि विज्ञान में 6 महीने का डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। यह पाठ्यक्रम हाइब्रिड मोड में संचालित होता है। इस पाठ्यक्रम में शामिल महत्वपूर्ण लिपियाँ और विषय नीचे दिए गए हैं**:**

1. सिंधु लिपि

2. ब्राह्मी लिपि

3. खरोष्ठी लिपि

4. प्राचीन नागरी लिपि

5. शारदा लिपि

6. ग्रंथ लिपि

7. पांडुलिपियों का संरक्षण**,** इसके प्रकार**,** कार्यप्रणाली और प्रबंधन

8. पांडुलिपियों का संरक्षण और भारतीय पांडुलिपि विज्ञान के सभी प्रासंगिक पहलू।

- पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय (सांध्य**),** दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय शिक्षण मंडल**,** दिल्ली प्रांत **(**गुरुकुल प्रकल्प**)** के सहयोग से 29 अगस्त, 2024 (गुरुवार) को आयोजित एक संगोष्ठी में, विषय: वर्तमान संदर्भ में भारतीय मूल्यों का वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं प्रासंगिकता;

श्री गुरु नानक देव खालसा महाविद्यालय के संस्कृत विभाग के डॉ. धर्मेश शास्त्री। डॉ. शास्त्री ने गुरुकुल व्यवस्था और मूल्यों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर विस्तार से चर्चा की।

- संस्कृत विभाग की संस्कृत परिषद एवं संस्कृत भारती, दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में दस दिवसीय संस्कृत सम्भाषण शिविर का उद्घाटन शिविर प्रशिक्षक डॉ. कृष्णकांत एवं सुश्री निकिता द्वारा 10 अक्तूबर 2024 को किया गया।

- शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास एवं पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय (पूर्वा.) के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 16 अगस्त (शुक्रवार), 2024 को महाविद्यालय सभागार में "भारतीय ज्ञान परम्परा: क्रियान्वयन एवं प्रसार" शीर्षक से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर माननीय श्री अतुल कोठारी जी ने अपने आशीर्वचन एवं संबोधन में 'प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा' के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार व्यक्त किए।

- पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय (सांध्य) ने दिल्ली विश्वविद्यालय की संस्कृति परिषद के सहयोग से 8 और 9 अक्तूबर, 2024 को एक प्रतिष्ठित अंतर-महाविद्यालय साहित्यिक प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के प्रतिभाशाली छात्र एक साथ आए। प्रतिभागियों ने बौद्धिक रूप से प्रेरक प्रतियोगिताओं की एक श्रृंखला में भाग लिया, जिसमें उनके ज्ञान और विश्लेषणात्मक सोच का परीक्षण किया गया।

नियोजन विवरण

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत : 22

कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या : 45

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- संस्पर्श पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय (सांध्य) की एक संस्था है जिसके अंतर्गत हमारे महाविद्यालय ने महाविद्यालय के बरामदे में एक दान पेटी लगाई है। संस्कृत सोसाइटी ने नई दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित सहयोग एनजीओ के साथ सहयोग किया है। सहयोग एनजीओ अखिल भारतीय दयानंद सेवाश्रम ट्रस्ट द्वारा शुरू की गई एक परियोजना है। 21 मई, 2024 को संस्कृत ने सहयोग एनजीओ को कपड़ों से भरे 11 डिब्बे दान किए।

- सृष्टि ने जलाधिकार फाउंडेशन, स्किल काउंसिल फॉर ग्रीन जॉब्स और सेफ वाटर नेटवर्क इंडिया के सहयोग से 24 अक्तूबर, 2024 से 25 नवंबर, 2024 तक जल उद्यमिता पर तीसरा प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (40 घंटे) आयोजित किया।

- सृष्टि-पर्यावरण सोसाइटी, कौशल, नवाचार और उद्यमिता सेल (एसआईईसी), आईक्यूएसी और उद्योग संस्थान संपर्क सेल (आईआईआईसी) ने संयुक्त रूप से 03 मार्च, 2025 को नरोरा परमाणु ऊर्जा स्टेशन, नरोरा, जिला बुलंदशहर (यूपी) का औद्योगिक दौरा आयोजित किया।

- वर्ष 2024 के लिए, सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024 28 अक्तूबर से 03 नवंबर, 2024 तक मनाया गया, जिसका विषय था राष्ट्र की समृद्धि के लिए अखंडता की संस्कृति।
- वाणिज्य संघ ने दृश्यम सोसाइटी के सहयोग से छात्रों को सोशल मीडिया के लिए लघु, आकर्षक वीडियो बनाने में व्यावहारिक कौशल प्राप्त करने में मदद करने के लिए एक रील मेकिंग बूटकैंप का आयोजन किया।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय पूरी तरह से वातानुकूलित और वाई-फाई से सुसज्जित है। पुस्तकालय स्वचालन प्रणाली के एक भाग के रूप में, सभी पुस्तकालय कार्य स्मार्ट आई-कार्ड का उपयोग करके किए जाते हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली और INFLIBNET द्वारा दी जाने वाली सभी ऑनलाइन सेवाएँ महाविद्यालय पुस्तकालय में उपलब्ध हैं। 28 मार्च, 2025 तक, पुस्तकालय में विभिन्न विषयों की 58,706 पुस्तकें थीं। वाचनालय में नियमित रूप से संस्कृत, हिंदी और अंग्रेजी में 62 दैनिक, साप्ताहिक और मासिक प्रकाशन और पत्रिकाएँ उपलब्ध रहती हैं। संकाय सदस्यों के शोध कार्य की गुणवत्ता की जाँच के लिए पुस्तकालय में टर्निटिन प्लेगियरिज्म सॉफ्टवेयर उपलब्ध है। पुस्तकालय दोपहर 1:30 बजे से रात 8:30 बजे तक खुला रहता है, और परीक्षाओं से एक महीने पहले इसका समय प्रातः 9:00 बजे तक बढ़ा दिया जाता है। इसके अतिरिक्त, पुस्तकालय विकलांग छात्रों के लिए विशेष सहायता प्रदान करता है, जिसमें डिजिटल सामग्री तक पहुँचने के लिए सात डेज़ी प्लेयर शामिल हैं। पुस्तकालय में महाविद्यालय के इतिहास का एक संग्रह भी है, जिसमें 1958 के बाद के रिकॉर्ड और सीडी संग्रहीत हैं।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	: 12
एसोसिएट प्रोफेसर	: 19
सहायक प्रोफेसर	: 45
तदर्थ	: 2
अतिथि	: 13
कुल	**: 91**

उपयोगित निधियां (₹ करोड़ में): ₹ 346290000

आवंटित निधियां (₹ करोड़ में) : ₹ 350400000

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय (सांध्य) क्रिकेट टीम के सदस्य बी.ए. (कार्यक्रम) द्वितीय वर्ष के आर्यन धैया ने सत्र 2024-25 के लिए नॉर्थ ज़ोन इंटर यूनिवर्सिटी क्रिकेट टूर्नामेंट में दिल्ली

विश्वविद्यालय क्रिकेट टीम का प्रतिनिधित्व किया। दिल्ली विश्वविद्यालय की टीम ने इस टूर्नामेंट में प्रथम स्थान (स्वर्ण पदक) प्राप्त किया। नेशनल एडुट्रस्ट ऑफ इंडिया द्वारा 30 दिनों का पर्यावरण चुनौती कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें महाविद्यालय के छात्रों को 01 अगस्त से 31 अगस्त, 2024 तक दैनिक आधार पर अलग-अलग कार्य दिए गए थे। छात्रों ने सभी कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया। पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय (सांध्य) की ओलंपिक वेटलिफ्टिंग टीम ने ऑल दिल्ली यूनिवर्सिटी इंटर महाविद्यालय वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2024 में तृतीय स्थान प्राप्त किया। टीम ने प्रतियोगिता में तीन रजत पदक और दो कांस्य पदक जीते। पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय (सांध्य) के एसयूओ रौनक कुमार सिंह को एनसीसी दिल्ली निदेशालय में पैरा बेसिक कोर्स और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिल्ली निदेशालय के एडीजी मेजर जनरल संजय पी. विश्वासराव द्वारा एडीजी प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया। सीडीटी करण मीणा को अखिल भारतीय थल सैनिक शिविर में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए दिल्ली निदेशालय के ग्रुप बी के ग्रुप कमांडर द्वारा एडीजी पदक भी मिला। ओजोन परत के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस (विश्व ओजोन दिवस-16 सितंबर) के अवसर पर, पर्यावरण समिति और अन्य सोसाइटी के सहयोग से 16 सितंबर, 2024 को भारत में मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के कार्यान्वयन पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। भारत सरकार के पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के ओजोन सेल के निदेशक श्री आदित्य नारायण सिंह इस कार्यक्रम के दौरान वक्ता थे।

****

राजधानी महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

60वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में महाविद्यालय का लोगो जारी किया गया। राजधानी महाविद्यालय, डीयू के 60 वर्ष पूरे होने पर राजधानी महाविद्यालय की कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया गया।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

- प्रो. सुमन कुमार **(**राजनीति-विज्ञान विभाग**):**
- ज्ञान गरिमा सिंधु के संपादकीय बोर्ड के सदस्य, संख्या 81-82, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के यूजीसी केयर सूचीबद्ध जर्नल, 02.12.2024 से 06.12.2024.
- मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा अनुसंधान प्रोत्साहन योजना 2024-25 के अंतर्गत अनुसंधान परियोजनाओं के मूल्यांकन हेतु विशेषज्ञ।

- महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा मार्च 2025 में प्रकाशित इंडियन जर्नल ऑफ सोशल इंक्वायरी के लिए सहकर्मी समीक्षक।
- 2024-25 में चार कॉलेजों के एनएएसी मान्यता के लिए सदस्य समन्वयक।
- डॉ. सस्मिता मोहंती (राजनीति-विज्ञान विभाग) प्रवासी पहल संगठन (ओडीआई), भारत की कार्यकारी समिति की सदस्य हैं।
- डॉ. उमेश कुमार (गणित विभाग) केन्द्रीय विद्यालय, टैगोर गार्डन, दिल्ली की विद्यालय प्रबंधन समिति के शिक्षाविद् सदस्य हैं।
- श्री आनंद कुमार (रसायन-विज्ञान विभाग) दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के कार्यकारी सदस्य हैं।

शोध प्रकाशन

- डॉ. अक्षता राजन तायल, अरोड़ा, के., गुप्ता, वी., राजन, ए., कुमार, एल., मुंजाल, पी., जैन, आर., और श्रीवास्तव, ए. (2025)। CA 15-3 का पता लगाने के लिए NiO पर आधारित इलेक्ट्रोकेमिकल इम्यूनोसेंसर और उपचार अनुकूलन हेतु एजेंट-आधारित मॉडलैंगिक। इलेक्ट्रोकेमिका एक्टा, 515, 145708। प्रभाव कारक: 5.5। https://doi.org/10.1016/j.electacta.2025.145708
- प्रो. अमित जैन, कुमार, ए., कुमार, पी., लाल, एम., लैशराम, आर., रावत, जे.एस., और जैन, ए. (2025)। निलंबित Si/SiO2 संरचनाओं पर स्थानांतरित 2D ग्राफीन फिल्म का उन्नत उपकरण प्रदर्शन। रासायनिक भौतिकी प्रभाव, 100852। प्रभाव कारक: 3.8। https://doi.org/10.1016/j.chphi.2025.100852
- डॉ. अनामिका परिहारी, कुमार, सी., गोनिका, गहलोत, जे., शेरपा, पी., परिहारी, ए., कुंडलिया, के., और नाथ, एस. (2025)। Si 28+ Ce 140, 142 में संलयन गतिकी पर दुर्बल चैनलों के प्रभाव की जाँच। *भौतिक समीक्षा C, 111* (3), 034621। प्रभाव कारक: 3.2। https://doi.org/10.1103/PhysRevC.111.034621
- डॉ. आनंद प्रकाश, प्रकाश ए., शर्मा ए., यादव ए., और शर्मा आर.के. (2024). कार्बनिक रंगों के कुशल अवशोषण के लिए ज़िरकोनियम-आधारित मिश्रित लिगैंड धातु-कार्बनिक ढाँचा। *जर्नल नैनोपार्ट रिसर्च,* 26, 220। प्रभाव कारक: 2.1। https://doi.org/10.1007/s11051-024-06133-w।
- डॉ. जसवीर दलाल, महाजन, एम., कुमार, एस., गौर, जे., कौशल, एस., दलाल, जे., सिंह, जी., और अहलावत, डी.एस. (2025)। जस्टिसिया अधाटोडा का उपयोग करके मैलाकाइट ग्रीन के प्रकाश उत्प्रेरकीय अपघटन और 4-नाइट्रोफेनॉल के अपचयन के लिए ZnO नैनोकणों का हरित

संश्लेषण। *आरएससी एडवांस, 15* (4), 2958-2980। प्रभाव कारक: 3.9। *https://doi.org/10.1039/D4RA08632E*

- डॉ. कृष्ण गोपाल, कुमार, आर., दिव्या, एस., सिंह, एस., सिंह, ए.पी., और गोपाल, के. (2025)। टक्कर प्लाज़्मा में अनुनाद द्वारा संचालित टेराहर्ट्ज़ क्षेत्र उत्सर्जन: चिरप्ड लेज़र पल्स का प्रभाव। जर्नल ऑफ़ ऑप्टिक्स, 1-8। प्रभाव कारक: 2। *https://link.springer.com/article/10.1007/s12596-025-02489-x#:~:text=DOI-,https%3A//doi.org/10.1007/s12596%2D025%2D02489%2Dx,- कीवर्ड*

- प्रो मेघा अग्रवाल, वानी, आई.ए., और अग्रवाल, एम. (2024). सूक्ष्म वित्त और महिला सशक्तिकरण का तुलनात्मक ग्रंथसूची-संबंधी और विषयगत विश्लेषण: भारत बनाम विश्व। *अंतर्राष्ट्रीय भारतीय संस्कृति और व्यवसाय प्रबंधन जर्नल, 31* (3), 342-369। प्रभाव कारक 1.1। https://doi.org/10.1504/IJICBM.2024.137280

- प्रो राजेश गिरि, त्रिवेदी, बी., दहिया, बी., मान, ए., गिरि, आर., और प्रसाद, वी. (2024). डेटाबेस खोज व्यवहार: सूचना पुनर्प्राप्ति प्रथाओं के एक सर्वेक्षण से अंतर्दृष्टि। *इंटेलिजेंट सूचना प्रबंधन, 16* (5), 195-218। प्रभाव कारक: 2.9। https://doi.org/10.4236/iim.2024.165012

- प्रो रतन देव शर्मा, सरमा, आर.डी. (2025)। सामान्यीकृत सदिश परिवर्तनीय असमानताओं के स्थायित्व विश्लेषण पर एक नोट। *ऑपरेशन रिसर्च के इतिहास,* 1-11। प्रभाव कारक: 4.4। https://doi.org/10.1007/s10479-025-06556-1

- डॉ. रितु मलिक, मलिक, आर., खत्री, के., सक्सेना, आर., और वारकर, एस.जी. (2024). कार्बोक्सिमिथाइल इमली गिरी गोंद-आधारित हाइड्रोजेल का निर्माण और कृषि विज्ञान के लिए विभिन्न प्रकार की मृदाओं में इसकी प्रयोज्यता। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स, 280,* 135616। प्रभाव कारक: 7.7। *https://doi.org/10.1016/j.ijbiomac.2024.135616*

- प्रो. एस.के. ढाका, आनंद, ए., इमासु, आर., ढाका, एस.के., और पात्रा, पी.के. (2025)। उच्च-रिज़ॉल्यूशन सेंटिनल-2 अवलोकनों का उपयोग करके छोटे कृषि जले हुए क्षेत्र का पता लगाने के लिए डीप लर्निंग सेगमेंटेशन मॉडल का डोमेन अनुकूलन और फ़ाइन-ट्यूनिंग: पंजाब, भारत का एक केस स्टडी। *रिमोट सेंसिंग, 17* (6), 974। प्रभाव कारक: 4.9। https://doi.org/10.3390/rs17060974

- डॉ. स्मिया कोरपाल, कुमारी, एस., शर्मा, के., कोरपाल, एस., दलाल, जे., कुमार, ए., कुमार, एस., और दुहान, एस. (2024). प्रकाश उत्प्रेरक पर एक व्यापक अध्ययन: पदार्थ और अनुप्रयोग। *क्रिस्टल इंजीनियरिंग/* प्रभाव कारक: 2.6। https://doi.org/10.1039/D4CE00630E

- डॉ. तपस्या, तोमर, टी. और कत्याल, डी. (2024). शहरी क्षेत्रों में भूजल भेद्यता के आकलन के लिए जीआईएस आधारित जीओडी मॉडल, गोया जर्नल, 17(9), 597-606 प्रभाव कारक: 6.3। https://goyajournal.com/index.php/volume-17-issue-09-2024/

- डॉ. उमेश, कुमार, एस., सिंह, वी., और कुमार, यू. (2024). मॉर्गन वॉयस बहुपदों के अनुप्रयोगों के साथ भिन्नात्मक अवकल समीकरणों की सुलझनीयता। *फिजिका स्क्रिप्टा, 99* (7), 075234। प्रभाव कारक: 2.6। https://iopscience.iop.org/article/10.1088/1402-4896/ad5385/meta#:~:text =10.1088/ 1402% 2D4896/ad5385

- डॉ. विनय, कुमार, वी., हिचमैन, एम.एच., डू, डब्ल्यू., ढाका, एस.के., और योडेन, एस. (2024). यूरेशिया और उत्तरी अमेरिका में अर्ध-द्विवार्षिक दोलन का बोरियल शीतकालीन सतही जलवायु से संबंध। *कम्युनिकेशंस अर्थ एंड एनवायरनमेंट, 5* (1), 251। प्रभाव कारक: 8.2। *https://doi.org/10.1038/s43247-024-01422-7*

- डॉ. अज़हर उद्दीन सहजी, सहजी, अज़हर उद्दीन (2024). अनुवाद के रूप में परिचय: विलियम रैडिस के *गीतांजलि के परिचय का एक महत्वपूर्ण अध्ययन* (2011)। *अनुवाद आज,* खंड 17, अंक 2, 75-87। प्रभाव कारक: *DOI: 10.46623/tt/2023.17.2.ar4.*

अनुसंधान परियोजनाएँ

- राजनीति-विज्ञान विभाग के प्रो. सुशील दत्त को "कौशल भारत मिशन: प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना" नामक शोध परियोजना के लिए ₹130000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएसएसआर द्वारा प्रदान किया गया है और 2023 से 2024 तक की अवधि के लिए है।

- अंग्रेजी विभाग के प्रो. बरुण कुमार मिश्रा को "अल्पकालिक अनुभवजन्य शोध परियोजना" नामक शोध परियोजना के लिए ₹ 600000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएसएसआर द्वारा प्रदान किया गया है और 2023 से 2024 तक की अवधि के लिए है।

- गणित विभाग के डॉ. उमेश कुमार को ₹605000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान एसईआरबी द्वारा प्रदान किया गया है और 2022 से 2025 तक की अवधि के लिए है।

- अर्थशास्त्र विभाग की डॉ. गणिता भूपाल को "प्लेटफ़ॉर्म कार्य और भारतीय युवा अनिश्चितता एवं भेद्यता" नामक शोध परियोजना के लिए ₹460000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएसएसआर द्वारा प्रदान किया गया है।

- इतिहास विभाग के डॉ. अनिल कुमार को "स्वदेश, स्वराज, स्वभाषा और स्वधर्म: नए भारत के लिए महर्षि दयानंद सरस्वती का ऐतिहासिककरण" नामक शोध परियोजना के लिए ₹200000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएचआर द्वारा प्रदान किया गया है और 2022 से 2024 तक की अवधि के लिए है।

पुस्तकें/संपादित पुस्तकें:

- कुमार, बंटी और कौशिक, शिखा (2025)। *प्रैक्टिकल ऑर्गेनिक और जैव-रसायन-विज्ञान का परिचय।* मैनाकिन प्रेस प्राइवेट लिमिटेड। आईएसबी.ए.न: 978-93-92062-84-1।
- जैन, अमित (2024). *नैनोमटेरियल्स: संश्लेषण और अनुप्रयोग,* कैम्ब्रिज स्कॉलर्स पब्लिशिंग ISBN: 1-0364-1717-4, ISBN13: 978-1- 0364-1717-8.
- गुप्ता, अंजू (2024). सम्मेलन पुस्तक- *नैनोमटेरियल्स-संश्लेषण और अनुप्रयोग।* कैम्ब्रिज स्कॉलर्स पब्लिशिंग। आईएसबी.ए.न संख्या 978-1-0364-1717-8।
- अरोरा, उर्वशी (2024). *ज्योतिर्गमय।* प्राचार्य, राजधानी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय। आईएसबी.ए.न नंबर 9788197346330।
- शुक्ल, वेद मित्र (2024). *अलंकार, रीति और वक्रोति: अलंकार परंपरा से परे.* थिंक पेन पब्लिकेशन, नई दिल्ली. आईएसबी.ए.न 978-93-48013-13-2.
- शुक्ला, वेद मित्र (2024). *दरिया की बातें पत्थरों से* (हिन्दी ग़ज़ल संग्रह)। सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली। आईएसबी.ए.न 978-93-48013-12-5.
- शुक्ला, वेद मित्र (2024 *)। हम हैं सैनिक भारत के* (101 देशभक्तिपूर्ण बाल कविताएँ)। सर्व भाषा ट्रस्ट एवं हेल्प फाउंडेशन, नई दिल्ली एवं बहराईच। आईएसबी.ए.न 978-93-48552-90-7.
- बैरवा, गिरिराज प्रसाद (2025). *अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए कल्याणकारी योजनाएँ (एक केस स्टडी).* पैराडाइज़ पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली. आईएसबी.ए.न संख्या: 978-81-19497-25-6.

संपादित पुस्तक में अध्याय:

- **चौधरी, मानसी वाई.** (2024). **पुस्तक में ब्रह्मांड और इलेक्ट्रॉनों का नृत्य-*प्राचीन ज्ञान भंडार के साथ भारत का सशक्तिकरण। अतीत, वर्तमान और भविष्य को जोड़ना।* आईएसबी.ए.न**: 978-81-965225-9-9।

- मोहंती, सस्मिता (2024). सामाजिक विज्ञान में कैरियर के अवसर. अरोरा में, उर्वशी (एड,) *ज्योतिर्गमय।* प्राचार्य, राजधानी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय। आईएसबी.ए.न नंबर: 978-81-973463-30.
- गुप्ता, अंजू (2024). भौतिकी में कैरियर के अवसरों के माध्यम से बदलाव। अरोरा में, उर्वशी (एड,) *ज्योतिर्गमय।* प्राचार्य, राजधानी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय। आईएसबी.ए.न नंबर: 978-81-973463-30.
- मलिक, रितु (2024). रसायन-विज्ञान में कैरियर यात्रा की रूपरेखा तैयार करना। अरोरा में, उर्वशी (सं.) *ज्योतिर्गमय।* प्राचार्य, राजधानी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय। आईएसबी.ए.न नंबर: 978-81-973463-30.

- पांडे, दर्शन (2024). सामाजिक सरोकार और सब्दों का देश। उपाध्याय में, करुणा शंकर (सं.) *कुछ शब्द और कुछ सपने।*
- पांडे, दर्शन (2024). लक्ष्मण चरित्र पर एक संपादित पुस्तक *राममय भारत.*
- पांडे, दर्शन (2024). वैश्विक स्टार प्रति हिंदी की दशा और दिशा एक संपादित पुस्तक- *हिंदी के वैश्विक संदर्भ में।*
- पांडे, दर्शन (2024). स्त्री और परिवार: एक अबोलकन एक संपादित पुस्तक *कुटुंब प्रबोधन में।*
- अरोड़ा, उर्वशी (2024). गणित में नवीनतम शोध रुझान, खंड-6। इंटीग्रेटेड पब्लिकेशंस नई दिल्ली। (आईएसबी.ए.न 978-93-5834-148-5)
- कुमार, उमेश (2024). वित्तीय गणित: आकर्षक करियर अवसरों वाला एक विषय। अरोड़ा, उर्वशी (सं.) *ज्योतिर्गमय।* राजधानी महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय)।
- जसवीर (2024). चिकित्सा वस्त्र उद्योग में अग्रणी नवाचार और औद्योगिक संभावनाएँ। पुस्तक *नैनोमटेरियल्स: संश्लेषण और अनुप्रयोग में प्रकाशित।* कैम्ब्रिज स्कॉलर्स। पृष्ठ 240-262।

स्वीकृत पेटेंट

- डॉ. जसवीर, "स्ट्रोंटियम नैनोकणों का हरित संश्लेषण और अपशिष्ट जल उपचार में उनका अनुप्रयोग"। पेटेंट आवेदन संख्या- 2023110256. 15 जुलाई, 2024, राष्ट्रीय।
- डॉ. जसवीर, "नैनोकंपोजिट सामग्री का उपयोग करने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए ईएमआई शील्डिंग कोटिंग उपकरण"। पेटेंट आवेदन संख्या- 422979-001। 3 अक्तूबर, 2024, राष्ट्रीय।
- डॉ. जसवीर, "सेमीकंडक्टर कम्पोजिट फोटोकैटेलिसिस डिवाइस"। पेटेंट आवेदन संख्या- 429317-00। 10 अक्तूबर, 2024, राष्ट्रीय।
- डॉ. जसवीर, "मिश्रित सामग्री के उत्पादन हेतु उपकरण"। पेटेंट आवेदन संख्या- 433344-001। 16 जनवरी, 2025, राष्ट्रीय।
- डॉ. जसवीर, “वाहनों के लिए सौर ऊर्जा चार्जिंग स्टेशन”। पेटेंट आवेदन संख्या- 435004-001। 23 दिसंबर, 2024, राष्ट्रीय।

दायर पेटेंट

- हरित-संश्लेषित मेथी-मध्यस्थ Co3O4 नैनोकण "। पेटेंट आवेदन संख्या- 202511034902. 9 अप्रैल, 2025, राष्ट्रीय।

आयोजित संगोष्ठियां

- "भारतीय संविधान की यात्रा: विचार, मुद्दे, संस्थान और प्रभाव" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी; डीएआईसी, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार में; 25 से 29 नवंबर 2024. संसाधन व्यक्ति हैं प्रो. रेखा सक्सेना, विभागाध्यक्ष, राजनीति-विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. शिव पूजन प्रसाद पाठक, एसोसिएट प्रोफेसर, डीएआईसी, श्री आकाश पाटिल, निदेशक, डीएआईसी/डीएएनएम।
- 19 फरवरी 2025 को राजधानी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय की पर्यावरण और संबंधित मुद्दों पर समिति द्वारा “रिमोट सेंसिंग और पर्यावरण” पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संसाधन व्यक्ति हैं प्रो. किरणमय सरमा, विश्वविद्यालय स्कूल ऑफ एनवायरनमेंट मैनेजमेंट, जीजीएसआईपीओ, द्वारका, दिल्ली, प्रो. राधेश्याम शर्मा, संयुक्त निदेशक, दिल्ली स्कूल ऑफ क्लाइमेट चेंज एंड सस्टेनेबिलिटी, इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय।
- 6-7 मार्च 2025 को राजधानी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा "आइए सिनेमा को देखें" पर एक वार्ता आयोजित की गई। संसाधन व्यक्ति यूनुस खान, फिल्म निर्देशक, मुंबई, डॉ. विभावरी, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, यूपी के संकाय, डॉ. किंगसुक गुप्ता, मिहिर पंड्या, नीरा जलछत्री और मनीष पंडित हैं।
- 7 मार्च, 2025 को राजधानी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में “अभिलेखीय स्रोतों/सामग्रियों का संरक्षण-चुनौतियाँ और रणनीतियाँ” पर एक वार्ता। संसाधन व्यक्ति हैं: श्री एस. बालासुब्रमण्यन, वैज्ञानिक अधिकारी, भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार।
- 23 अप्रैल 2025 को IQAC, राजधानी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "भारतीय संदर्भ में मानवाधिकार परिप्रेक्ष्य" पर वार्ता। संसाधन व्यक्ति हैं डॉ. बरुण गुलाटी, एसोसिएट प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली और ओम प्रकाश व्यास, अध्यक्ष, सीडब्ल्यूसी, एनसीटी दिल्ली सरकार, अध्यक्ष, भीम।

आयोजित सम्मेलन

- अंतर्मन: योग और ध्यान समिति और विस्तार व्याख्यान श्रृंखला समिति, राजधानी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "नाद योग और वैश्विक न्याय" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, दिल्ली की नवयोग सूर्योदय सेवा समिति के साथ सीसीआरवाईएन (आयुष मंत्रालय), भारत सरकार द्वारा समर्थित, 4 और 5 सितंबर 2024 को आयोजित किया गया।
- 26 नवंबर 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के राजधानी महाविद्यालय के संस्कृत विभाग के सहयोग से अंतर्मन: योग और ध्यान समिति के संयोजक के रूप में “दैनिक जीवन में योग और आयुर्वेद का महत्व” पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संसाधन व्यक्ति हैं डॉ.

अजय शास्त्री, जेएनयू, नई दिल्ली में योग विशेषज्ञ, डॉ. राजेश बत्रा, योग संस्कृति उत्थान पीठ, अशोक विहार, दिल्ली के अध्यक्ष और संस्थापक और डॉ. महेश गुरुदत्त, गौड़ ब्राह्मण आयुर्वेदिक महाविद्यालय, रोहतक, हरियाणा के सहायक प्रोफेसर:।

- समान नागरिक संहिता: आगे का रास्ता विषय पर आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन 30-31 जनवरी 2025 को राजधानी महाविद्यालय में आयोजित किया जाएगा।
- 3 मार्च 2025 को अंतर्मन: योग और ध्यान समिति के संयोजक के रूप में "योग, दर्शन और व्यक्तित्व का समग्र विकास" पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। संसाधन व्यक्ति हैं प्रो. सुधीर कुमार, पूर्व डीन और जेएनयू, नई दिल्ली के वर्तमान मुख्य प्रॉक्टर, प्रो. सरस्वती, संस्कृत विभाग, जाकिर हुसैन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और डॉ. उधम सिंह, सहायक प्रोफेसर:, योग विज्ञान संकाय, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार, उत्तराखंड।
- "नैनोमटेरियल और नैनो टेक्नोलॉजी में प्रगति" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 05-06 मार्च 2025, भौतिकी विभाग, राजधानी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा राजधानी महाविद्यालय, डीयू में आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

- डीटीयू इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन फाउंडेशन और राजधानी महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय) के बीच समझौता-ज्ञापन। यह समझौता-ज्ञापन 23 फरवरी 2024 को डीटीयू-आईआईएफ में किया गया है। समझौता-ज्ञापन समन्वयक प्रोफेसर राजेश गिरि (राजधानी महाविद्यालय के प्राचार्य) थे।
- भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान (ICAI) और राजधानी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के बीच समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। यह समझौता-ज्ञापन 27 अक्तूबर 2023 को नई दिल्ली में किया गया। समझौता-ज्ञापन के समन्वयक प्रोफेसर राजेश गिरि (राजधानी महाविद्यालय के प्राचार्य) थे।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत : 35 (19.12%)

कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या : 183

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- एनएसएस सोसाइटी द्वारा एनएसएस गतिविधियाँ।
- राजनीति-विज्ञान विभाग और बी.ए. (कार्यक्रम) सोसाइटी द्वारा भारतीय निर्वाचन आयोग के अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं चुनाव प्रबंधन संस्थान (IIIDEM) का अध्ययन दौरा/शैक्षणिक दौरा। राजधानी महाविद्यालय, IIIDEM का शैक्षणिक दौरा करने वाला दिल्ली विश्वविद्यालय का पहला महाविद्यालय है।

- इतिहास एसोसिएशन और बी.ए. (कार्यक्रम) सोसाइटी द्वारा राखीगढ़ी **(**सिंधु घाटी सभ्यता स्थल**)** का शैक्षणिक दौरा।
- इतिहास विभाग द्वारा शिल्प संग्रहालय**,** प्रगति मैदान**,** नई दिल्ली का शैक्षणिक दौरा।
- इतिहास विभाग और बी.ए. (कार्यक्रम) सोसाइटी द्वारा भोपाल के भीमवेटका**,** सांची और जनजातीय संग्रहालय का शैक्षणिक दौरा।
- वाणिज्य विभाग द्वारा याकुल्ट**,** सोनीपत**,** हरियाणा का औद्योगिक दौरा।

पुस्तकालय विकास

राजधानी महाविद्यालय पुस्तकालय महाविद्यालय के भीतर शैक्षणिक गतिविधि के लिए एक जीवंत केंद्र के रूप में कार्य करना जारी रखती है, जो एक ऐसा स्थान प्रदान करती है जहाँ छात्र और संकाय सहयोग कर सकते हैं, शैक्षिक सामग्री का पता लगा सकते हैं और नवीनतम तकनीकी रुझानों से अपडेट रह सकते हैं। यह रिपोर्ट पिछले शैक्षणिक वर्ष में शुरू की गई विभिन्न सेवाओं, संग्रहों और सुधारों की रूपरेखा प्रस्तुत करती है। पुस्तकालय संसाधन: पुस्तकालय में शैक्षणिक सामग्री का एक समृद्ध और विविध संग्रह है, जिसमें विभिन्न विषयों पर 1.48 लाख से अधिक पुस्तकें हैं। अनुसंधान और सीखने का समर्थन करने के लिए, यह 33 समाचार पत्रों और लगभग 60 पत्रिकाओं तक पहुँच प्रदान करता है, जो हमारे उपयोगकर्ताओं के ज्ञान के आधार में महत्वपूर्ण योगदान देता है। तकनीकी एकीकरण, डिजिटल प्रगति के साथ तालमेल रखते हुए, पुस्तकालय ONOS, DELNET और UGC-INFLIBNET के तहत N-LIST कार्यक्रम से संबद्ध है।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	: 37
एसोसिएट प्रोफेसर	: 40
सहायक प्रोफेसर	: 43
तदर्थ	: 25
अतिथि	: 36
कुल	**: 181**

उपयोगित निधियां (₹ करोड़ में): ₹685700000

आवंटित निधियां (₹ करोड़ में) : ₹685700000

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

इतिहास विभाग, हिंदी विभाग, अंग्रेजी विभाग, बी.ए. (कार्यक्रम) सोसाइटी, वाणिज्य विभाग, रसायन-विज्ञान विभाग, भौतिकी विभाग, अंतर्मन: योग और ध्यान समिति और हर घर ध्यान समिति, शोध मामले समिति, विस्तार व्याख्यान श्रृंखला, दधीचि सोसाइटी, अंबेडकर स्टडी सर्कल, गांधी स्टडी सर्कल और पुस्तकालय क्लब, रंगत: आर्ट एंड क्राफ्ट सोसाइटी, चैतन्य: द डिबेटिंग सोसाइटी, महिला विकास सेल, एनेक्टस, वित्त और विपणन सोसाइटी, उद्यमिता सेल, स्वास्थ्य और स्वच्छता समिति द्वारा आयोजित व्याख्यान श्रृंखला और कार्यशालाएं (बूंद दान शिविर और स्वास्थ्य शिविर), काव्यांजलि: रचनात्मक लेखन सोसाइटी, एनसीसी और एनएसएस ने विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम और संग्रह ड्राइव का आयोजन किया, उत्तर पूर्व छात्र कल्याण सेल, नियोजन और इंटर्नशिप सेल, क्वेस्ट: क्विज़िंग सोसाइटी, राजभाषा कार्यान्वयन समिति, तस्वीर: फोटोग्राफी सोसाइटी ने छात्रों के लिए विभिन्न वार्ता और प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए, टेडएक्स, युवा: सामाजिक कल्याण और युवा विकास सोसाइटी, इग्नू, एनसीवेब केंद्र ने विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए।

****

राजकुमारी अमृत कौर नर्सिंग महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

राजकुमारी अमृत कौर नर्सिंग महाविद्यालय पिछले 77 वर्षों से गुणवत्तापूर्ण नर्सिंग शिक्षा प्रदान कर रहा है। महाविद्यालय नियमित कार्यक्रम अर्थात बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग और एम.एससी नर्सिंग प्रदान करता है। वर्तमान में सेमेस्टर सिस्टम के तहत बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग और एम.एससी नर्सिंग दोनों के लिए संशोधित पाठ्यक्रम चल रहा है। छावला गाँव में ग्रामीण क्षेत्र शिक्षण केंद्र उद्देश्य उन्मुख सामुदायिक स्वास्थ्य अनुभव प्रदान कर रहा है। महाविद्यालय को 'नर्सों के लिए राष्ट्रीय आपातकालीन जीवन समर्थन' के लिए मास्टर प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए MoHFW के सहयोग से नामित किया गया है। पोस्ट बेसिक बी.एससी. नर्सिंग प्रोग्राम के संचालन के लिए इग्नू और आरएके महाविद्यालय ऑफ नर्सिंग के बीच समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। नए शैक्षणिक ब्लॉक और हॉस्टल ब्लॉक का वर्चुअल उद्घाटन माननीय डॉ. मनसुख मंडाविया, केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण और रसायन और उर्वरक मंत्री, भारत सरकार द्वारा किया गया नर्सिंग शिक्षा में उत्कृष्टता केंद्र के रूप में महाविद्यालय को विकसित करने के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए भारत सरकार से अनुरोध किया गया है।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

सुश्री अर्चना माजू, एम.एस.सी. नर्सिंग में विभूतियाँ, 2024.

सुश्री दीप्ति लूथरा अरोड़ा, एम.एससी. नर्सिंग में डिस्टिंक्शन, 2024.

छात्र

- सुश्री तापसी मंडल, सुश्री अर्चना माजू, श्री जतीश केएस, एम.एससी. में विभूतियाँ। नर्सिंग द्वितीय वर्ष।
- सुश्री दिव्या और सुश्री रितु रानी, एम.एस.सी. नर्सिंग प्रथम वर्ष में विभूतियाँ।
- सुश्री श्रुति माल्याण, सुश्री शिवांगी, सुश्री विधि, बी.एससी. में विभूतियाँ। (ऑनर्स) नर्सिंग प्रथम वर्ष।
- सुश्री सीमा, सुश्री अनुश्री, सुश्री अन्नू, बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग द्वितीय वर्ष में विभूतियाँ।
- सुश्री निहारिका, सुश्री नियति, सुश्री नैंसी, सुश्री रेणु यादव, डिस्टिंक्शन बी.एस.सी. (ऑनर्स) नर्सिंग तृतीय वर्ष।
- सुश्री तापसी मंडल को वर्ष 2024 में एम.एस.सी. नर्सिंग में अकादमिक उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

शोध प्रकाशन

- थॉमस डेज़ी एट अल**.,** राष्ट्रीय टीबी एवं श्वसन रोग संस्थान, नई दिल्ली में पल्मोनरी टीबी रोगियों के एनटीईपी के घटकों के प्रति दृष्टिकोण और अनुपालन का निर्धारण करने के लिए एक वर्णनात्मक सहसंबंध सर्वेक्षण। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑल रिसर्च एजुकेशन एंड साइंटिफिक मेथड्स, 13, 5 मई 2024.*
- सुश्री शोकंधा सरिता, एवं अन्य, नवजात शिशुओं में कम वज़न वाले जन्म के लिए एआई संचालित पूर्वानुमान मॉडल। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स एंड नियोनेटोलॉजी, 7, 1-नवंबर 2024.*
- डे मधुमिता, एट अल, दिल्ली, भारत के चयनित वृद्धाश्रमों में उच्च रक्तचाप वाले बुजुर्गों में तनाव और औसत धमनी दबाव पर विश्राम तकनीकों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन, *इंटरनेशनल ऑफ ऑल रिसर्च एजुकेशन एंड साइंटिफिक मेथड्स, 13, जनवरी-2025.*
- डे मधुमिता, एट अल, सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली के बाल विकास केंद्र में आने वाले विकासात्मक विकलांगता वाले बच्चों में संवेदी संवेदनशीलता और व्यवहारिक भोजन समस्याओं का आकलन करने के लिए एक अध्ययन, *ग्रैडिवा रिव्यू जर्नल।*

अनुसंधान परियोजनाएँ

राष्ट्रीय क्षय रोग एवं श्वसन रोग संस्थान (एनआईटीआरडी), नई दिल्ली के अंतर्गत डॉट्स केंद्रों में संवेदनशील दवा क्षय रोग रोगियों के बीच डॉट्स थेरेपी के अनुपालन को प्रभावित करने वाले कारकों का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।

दिल्ली के दक्षिण-पश्चिम जिले के चयनित पेट्रोल पंपों के पेट्रोल पंप कार्मिकों में श्वसन संबंधी रुग्णता से जुड़ी व्यापकता, ज्ञान और जोखिम कारकों का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।

सफदरजंग अस्पताल की हेमोडायलिसिस इकाई में हेमोडायलिसिस से गुजर रहे क्रोनिक किडनी रोग के रोगियों में तनाव के कारकों का आकलन करने के लिए एक गुणात्मक अध्ययन सफदरजंग अस्पताल के नर्सिंग अधिकारियों के बीच प्रसवकालीन अवधि के दौरान सम्मानजनक मातृत्व देखभाल प्रदान करने में ज्ञान, दृष्टिकोण और बाधाओं का आकलन करने के लिए एक अध्ययन

नई दिल्ली के एबीवीआईएमएस और डॉ. आरएमएल अस्पताल में कार्यरत नर्सिंग अधिकारियों के बीच कथित तनाव और बर्नआउट का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।

आयोजित सम्मेलन

"आपदा प्रबंधन में लचीलापन बनाना" (25-/11/2024 to 29/11/2024)

"व्यापक नर्सिंग देखभाल के माध्यम से हृदय संबंधी परिणामों में परिवर्तन" (20-/01/2025 to 24/01/2025)

ECHO इंडिया वर्चुअल प्रशिक्षण कार्यक्रम-नर्सिंग पेशेवरों के लिए क्षमता निर्माण ECHO (जनवरी 2025 से मार्च 2025 तक)

भारत के विभिन्न राज्यों में विभिन्न संस्थानों में एनईएलएस प्रशिक्षण (कुल 11 टीओटी सत्र) आयोजित किए गए।

टीएनएआई दिल्ली राज्य शाखा ने आरएके महाविद्यालय ऑफ नर्सिंग के सहयोग से 16 thऔर 17 th जनवरी 2025 को ऑन्कोलॉजी नर्सिंग के लिए एक समग्र दृष्टिकोण, कैन-केयर पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

- नेल्स, ईसीएचओ इंडिया और आरएके महाविद्यालय ऑफ नर्सिंग, नई दिल्ली ने एक समझौता-ज्ञापन के माध्यम से साझेदारी को औपचारिक रूप दिया है, जिसके तहत स्तन और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की रोकथाम, शीघ्र पहचान और जागरूकता फैलाने में नर्स की विशेषज्ञता बढ़ाने के लिए अभिनव क्षमता निर्माण कार्यक्रम शुरू किया जाएगा।

- पोस्ट बेसिक नर्सिंग प्रोग्राम के लिए इग्नू और आरएके महाविद्यालय ऑफ नर्सिंग के बीच समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

नियोजन विवरण

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत : 100

कैम्पस भर्ती के लिए आई कम्पनियों की संख्या : 1 (अपोलो अस्पताल, नई दिल्ली)

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- ग्रामीण शिक्षण केंद्र की स्थापना 1950 में छात्रों को उद्देश्यपरक ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। यह लगभग 23,000 की आबादी को कवर करता है और महाविद्यालय से 35 किलोमीटर दूर स्थित है।
- यह केंद्र समुदाय को एकीकृत व्यापक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सेवा प्रदान करता है।
- केंद्र में टीबी और एमडीआर रोगियों की जांच और उपचार के लिए डॉट्स और माइक्रोस्कोपिक सेंटर भी हैं।
- 20 अप्रैल 2024 को छावला में स्कूल शिक्षकों के लिए एम.एससी. अंतिम वर्ष के छात्रों द्वारा कम्प्रेशन ओनली लाइफ सपोर्ट पर इन-सर्विस शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- 1 मई 2024 को महाविद्यालय के सभी कार्यालय कार्मिकों के लिए COLS प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- 14 से 27 नवंबर, 2024 तक आईआईटीएफ, प्रगति मैदान में आईईसी गतिविधियों में भागीदारी।
- स्वर्णिम वर्ष, स्वर्णिम मन: स्वस्थ वृद्धावस्था और मानसिक लचीलापन का पोषण विषय पर समूह परियोजना 24 फरवरी 2025 को आयोजित की गई।
- फरवरी 2025 में एम.एससी. प्रथम वर्ष के छात्रों द्वारा स्टैनफोर्ड ब्रिटिश स्कूल में स्वास्थ्य मूल्यांकन किया गया।
- विश्व टीबी दिवस, भारतीय अंगदान दिवस, योग दिवस, हिंदी दिवस, हेपेटाइटिस दिवस और कई अन्य दिवस मनाए गए।
- मार्च 2025 में आरएफटीसी छावला में महिलाओं के बीच जोखिम कारकों का आकलन और स्तन कैंसर की रोकथाम और शीघ्र पहचान पर स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय की पुस्तकालय में कुल 22,106 पुस्तकें, 16 विदेशी जर्नल, 9 भारतीय जर्नल, 6 समाचार-पत्र और 7 पत्रिकाएँ हैं। छात्रों और कार्मिकों के लिए ज़ेरॉक्स, वाई-फ़ाई और उधार देने की सुविधाएँ उपलब्ध हैं। महाविद्यालय की पुस्तकालय में सीबी.ए.स प्रकाशक, पीवी बुक्स और एआईटीबी.ए.स बुक्स की विभिन्न विषयों की निःशुल्क पुस्तकें भी उपलब्ध हैं। पुस्तकालय ने जर्नल और शोध लेखों तक डिजिटल पहुँच के लिए एनएमएल-नेशनल मेडिकल पुस्तकालय के साथ सहयोग किया है।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	: 1
एसोसिएट प्रोफेसर	: 2
सहायक प्रोफेसर	: 2
तदर्थ	: 5
कुल	**: 10**

उपयोगित निधियां (₹ करोड़ में) : ₹28,28,56,591

आवंटित निधियां (₹ करोड़ में) : ₹29,54,00,000

****

रामानुजन महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

रामानुजन महाविद्यालय में यह वर्ष सांस्कृतिक, शैक्षणिक और खेल गतिविधियों के एक गतिशील मिश्रण द्वारा चिह्नित था। दिवाली मेला उज्ज्वल, वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव जोश, वार्षिक खेल दिवस तेजस और 12$^{वें}$ स्थापना दिवस समारोह जैसे जीवंत कार्यक्रमों ने परिसर की रौनक बढ़ा दी। संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, विशेषज्ञ वार्ताओं और क्षेत्रीय दौरों की एक विस्तृत श्रृंखला ने विषय-विशिष्ट विषयों, समसामयिक मुद्दों, करियर की तैयारी और समुदाय-निर्माण पहलों पर चर्चा की। एनईपी 2020 के दृष्टिकोण के अनुरूप, महाविद्यालय ने कई नई नीतियों को लागू किया। अपने संस्थान की नवाचार परिषद के तहत, बौद्धिक संपदा अधिकारों और स्टार्टअप इनक्यूबेशन पर नई नीतियों को शुरू किया गया ताकि मेंटरशिप, अवसंरचनात्मक सहायता और आवश्यकता-आधारित वित्तीय सहायता के माध्यम से छात्र उद्यमिता को बढ़ावा दिया जा सके। दो छात्र-नेतृत्व वाले उपक्रमों–कोरनलैब्स और एक्सआर विजन लैब्स–को इनक्यूबेशन और प्री-इनक्यूबेशन के लिए चुना गया। तीन अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं –5G और अगली पीढ़ी की कनेक्टिविटी लैब, संवर्धित और आभासी वास्तविकता लैब, और मृदा परीक्षण

लैब–के उद्घाटन से उभरती प्रौद्योगिकियों में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कौशल विकास केंद्र ने तीन नए मूक-आधारित प्लेटफ़ॉर्म लॉन्च किए, जिनमें स्वदेशी और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों पर केंद्रित 64 कलाएँ और अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों पर केंद्रित अन्य प्लेटफ़ॉर्म शामिल हैं, साथ ही ईएसजी, कराधान, लॉजिस्टिक्स आदि पर विभिन्न प्रमाणपत्र कार्यक्रम भी शामिल हैं। संकाय अनुसंधान को समर्थन देने के लिए, पंडित दीनदयाल उपाध्याय अनुसंधान परियोजना योजना शुरू की गई, जिसके तहत संकाय द्वारा संचालित नौ प्रस्तावों को कठोर मूल्यांकन के बाद वित्त-पोषण के लिए अनुमोदित किया गया। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और संगोष्ठियों में प्रस्तुति देने वाले संकायों को सहायता प्रदान करने के लिए एक यात्रा अनुदान योजना को संस्थागत रूप दिया गया।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

- इस वर्ष संकाय सदस्यों को उनके शोध परियोजनाओं के लिए पीआई (कई अन्य लोगों के साथ सह-पीआई) के रूप में विभिन्न योजनाओं जैसे रामानुजन महाविद्यालय की पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध परियोजना योजना, आईसीएसएसआर आदि के माध्यम से वित्त-पोषण प्रदान किया गया।
- डॉ. शिखा सिंह, शारीरिक शिक्षा विभाग ने "अल्फा" ग्रेड के साथ 75 दिवसीय SW-111 PRCN पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया, 21 दिसंबर, 2024 को कमीशन किया गया।

छात्र

- बी.एससी. ऑनर्स स्टैटिस्टिक्स (2024) के छात्र अशोक अग्रवाल ने अनस्टॉप के साथ काम किया है और यूट्यूब पर 7.7k सब्सक्राइबर और इंस्टाग्राम पर 300k+ फॉलोअर्स के साथ खुद को एक कंटेंट क्रिएटर के रूप में भी स्थापित किया है।
- बी.एससी. ऑनर्स सांख्यिकी (2026) की छात्रा नितिशा अग्रवाल और रश्मि बिष्ट ने आईआईएम लखनऊ द्वारा केओईडी लर्निंग के सहयोग से आयोजित डेटावर्स: डेटा एनालिटिक्स केस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. ऑनर्स सांख्यिकी के छात्र अनमोल गुप्ता, अर्पिता अरोड़ा, अक्षत गुप्ता और जसकीरत सिंह ने जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर-महाविद्यालय एसएलएएम रणनीति केस स्टडी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. ऑनर्स सांख्यिकी (2026) की छात्रा नितिशा अग्रवाल और रश्मि बिष्ट ने एनएसयूटी द्वारा आयोजित डेटा एनालिटिक्स इवेंट डेटावर्स में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.कॉम (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सैली कुमारी को दक्षिण दिल्ली जिला खो-खो प्रतियोगिता में कांस्य पदक से सम्मानित किया गया।

- बी.कॉम (ऑनर्स) (प्रथम वर्ष) के छात्र ध्रुव शर्मा ने खो-खो जोनल और बैडमिंटन जोनल जीते और दिल्ली राज्य ओलंपिक में 5वां स्थान प्राप्त किया।
- बी.वोक. सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट (द्वितीय वर्ष) के छात्र बिट्टू कुमार यादव ने 7 जनवरी 2025 को दक्षिण पूर्वी दिल्ली में मेरा युवा भारत द्वारा आयोजित ब्लॉक स्तरीय कबड्डी टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.कॉम (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष) के छात्र रितिक ने 5 सिख लाइट इन्फैंट्री के साथ आर्मी अटैचमेंट कैंप में एनसीसी गार्ड कमांडर के रूप में कार्य किया, और आर्मी अटैचमेंट कैंप में 2 स्वर्ण पदक, संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में क्वार्टर गार्ड में 1 स्वर्ण पदक और एनसीसी तक्ष इवेंट में खो-खो में 1 स्वर्ण पदक जीता।
- अनमोल काल्टा, बी.कॉम (द्वितीय वर्ष), एक पेशेवर क्रिकेटर हैं, जिन्होंने हिमाचल प्रदेश के लिए अंडर-14, अंडर-16, अंडर-19 और अंडर-23 शिविरों में खेला है, और हाल ही में उन्हें 2026 सीज़न के लिए दिल्ली कैपिटल्स के लिए नेट बॉलर के रूप में चुना गया है।
- बी.कॉम एच (द्वितीय वर्ष) के छात्र सैयद वकार मोहम्मद काज़मी ने 4 मार्च को इंटर-महाविद्यालय क्रॉनिकल जीसस एंड मैरी महाविद्यालय संसद में दूसरा स्थान (उच्च प्रशंसा) प्राप्त किया, और 5-7 मार्च को इंटर-महाविद्यालय स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय लिबर्टास 5.0 एआईपीपीएम एमयूएन में दूसरा स्थान (उच्च प्रशंसा) प्राप्त किया।
- तृतीय वर्ष के छात्र शिवम कुमार को भारत सरकार से एनएसपी मेरिट छात्रवृत्ति प्राप्त हुई।
- तृतीय वर्ष की छात्रा रागिनी उपाध्याय ने हंसराज महाविद्यालय में अंतर-महाविद्यालय भाषण प्रतियोगिता (राष्ट्रीय युवा दिवस पर छात्र संघ द्वारा आयोजित) और निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।
- ईवीएस (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) के छात्र श्री लक्ष्मण राज ने कृषि मंत्री, इसरो अध्यक्ष, पद्म पुरस्कार विजेता, एनएएसी, एनईटीएफ अध्यक्ष से प्रकृति मित्र सम्मान 2025 जीता, विश्वविद्यालय एनएएसी रैंकिंग 2024 में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया, प्रारंभिक स्तर केरल पद्मश्री-केरल पुरस्कारम 2024 (राज्य) में चुना गया, दिल्ली विश्वविद्यालय की आधिकारिक द्विवार्षिक सांस्कृतिक परिषद 24 प्रतियोगिता में शास्त्रीय नृत्य में प्रथम पुरस्कार जीता, हिंदू महाविद्यालय और आईएलईएपीएस, यूके द्वारा नासा, मिशिगन स्टडीज, पुत्रा यूनिवर्सिटी मलेशिया और अमेजोनियन रिसर्च इंस्टीट्यूट ब्राजील के साथ वायुमंडलीय विज्ञान और जलवायु विज्ञान के मूल सिद्धांतों में तीसरा रैंक प्राप्त किया
- पर्यावरण विज्ञान ऑनर्स (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुश्री सरिता ने महाराष्ट्र के सोलहपुर में आयोजित सरित सड़क फेडरेशन कप का राष्ट्रीय टूर्नामेंट जीता।

- ईवीएस के छात्र श्री मनीष कुमार, ईबर्ड साइट पर रामानुजन महाविद्यालय को पंजीकृत करने वाले पहले व्यक्ति बने और **15** जनवरी **2025** को रामानुजन महाविद्यालय को ईबर्ड साइट पर एवियन हॉटस्पॉट के रूप में पंजीकृत किया गया।

- बी.ए. (ऑनर्स) अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान की द्वितीय वर्ष की छात्रा लक्षिका रावत ने त्रिची, तमिलनाडु (जुलाई 2024) में इंटर डायरेक्टोरेट स्पोर्ट्स शूटिंग चैम्पियनशिप (आईडीएसएससी-24) में रजत पदक और डीजी एनसीसी प्रशंसा जीती, नई दिल्ली (अक्तूबर 2024) में 43वीं नॉर्थ ज़ोन शूटिंग चैम्पियनशिप-24 में दो रजत पदक, तिरुवनंतपुरम, केरल (नवंबर 2024) में अखिल भारतीय जीवी मावलंकर शूटिंग चैम्पियनशिप-24 में तीन कांस्य पदक, भोपाल, मध्य प्रदेश (दिसंबर 2024) में अखिल भारतीय **67**वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप में इंडिया टीम ट्रायल के लिए क्वालीफाई किया, और मोहाली, पंजाब (जनवरी 2025) में अखिल भारतीय विश्वविद्यालय शूटिंग चैम्पियनशिप 2025 में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया,

- बी.ए. अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सान्वी त्यागी ने 11 मई 2024 को श्री अरबिंदो महाविद्यालय द्वारा आयोजित श्री अरबिंदो वाद-विवाद प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ टीम का पुरस्कार जीता, 14 नवंबर 2024 को आचार्य नरेंद्र महाविद्यालय द्वारा आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त किया, और 30 सितंबर को विवेकानंद महाविद्यालय द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में डिजिटल युग में एजिंग पर एक पेपर प्रस्तुत करने के लिए सम्मानित किया गया, 21 फरवरी 2025 को डॉन बॉस्को इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, सुखदेव विहार द्वारा आयोजित पारंपरिक वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जिसका विषय था "एआई और पूर्वाग्रह-क्या हम एक असमान दुनिया में नैतिक एल्गोरिदम का निर्माण कर सकते हैं?"

- आदित्य कुमार यादव ने 9 अक्तूबर, 2024 को पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय (सांध्य) में दिल्ली विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक परिषद द्वारा आयोजित पारंपरिक वाद-विवाद प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

- बी.ए. (ऑनर्स) अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान (तृतीय वर्ष) के छात्र आशीष डूडी को 2 अगस्त 2024 को वायुसेना अधिकारी द्वारा तक्ष इंटर ट्रूप ड्रिल प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ कमांडर पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

- बी.ए. (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र (प्रथम वर्ष) के छात्र आदित्य के बीनू ने ड्रीमहैक एक्स कॉमिक कॉन, हैदराबाद में आयोजित ओमेन वैलोरेंट कैंपस क्वेस्ट सीजन 2 में तीसरा रनर-अप स्थान प्राप्त किया।

- बी.ए. (ऑनर्स) अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अनन्या असवाल ने महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय द्वारा आयोजित तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान और पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय (सांध्य) द्वारा आयोजित रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

- बी.ए. (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र (द्वितीय वर्ष) के छात्र आलोक यादव ने अपना शोध-पत्र "कुंग फू पांडा त्रयी का दर्शन" शीर्षक से इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड सोशल साइंस (आईजेएएसएस) में प्रकाशित किया, जो एक अंतरराष्ट्रीय डबल-ब्लाइंड पीयर-रिव्यूड जर्नल है, जिसका प्रभाव कारक 5.993 है।
- बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (प्रथम वर्ष) के छात्र हरीश उरांव ने जनजातीय अध्ययन केंद्र (मानव-विज्ञान विभाग), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 14 नवंबर 2024 को मानव-विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय (उत्तरी परिसर) में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (प्रथम वर्ष) के छात्र अनिकेत राज को जूनियर प्रो कबड्डी में स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया और दिल्ली स्थित मंत्रालय भवन में भारत सरकार के 21वें केंद्रीय कपड़ा मंत्री श्री गिरि राज सिंह द्वारा शॉल देकर सम्मानित किया गया।
- बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) के छात्र गौरव सिंह ने पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय (सांध्य) में आयोजित पारंपरिक योग आसन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।
- बी.एससी. (ऑनर्स) गणित के छात्र विशाल शर्मा को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इंटर महाविद्यालय वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में रजत पदक से सम्मानित किया गया।
- बी.एससी. (ऑनर्स) गणित के छात्र आमोद सिंह को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इंटर महाविद्यालय वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में रजत पदक से सम्मानित किया गया।
- बी.एससी. (ऑनर्स) सांख्यिकी के छात्र अश्विनी कुमार ने इंटर महाविद्यालय वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक और दिल्ली राज्य वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी के छात्र नवीन गहलोत ने दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इंटर महाविद्यालय वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर विज्ञान के छात्र वैदंत सोनकर ने इंटर महाविद्यालय वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता।
- बी.वोक. (बैंकिंग) के छात्र कमलेश सामंत को इंटर महाविद्यालय वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में रजत पदक से सम्मानित किया गया।
- बी.कॉम (कार्यक्रम) के छात्र मुदित सेजवाल ने इंटर महाविद्यालय वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक और दिल्ली राज्य वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में रजत पदक जीता।
- बी.ए. (कार्यक्रम) के छात्र धीरज कुमार यादव ने इंटर महाविद्यालय वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक और दिल्ली राज्य वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में रजत पदक जीता।

- बी.ए. (कार्यक्रम) के छात्र जहीर खान ने इंटर महाविद्यालय वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक और ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र के छात्र रोहित ने इंटर महाविद्यालय वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में रजत पदक और दिल्ली राज्य वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी के छात्र चिराग ने इंटर महाविद्यालय वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.ए. (कार्यक्रम) के छात्र साहिल यादव ने दिल्ली राज्य भारोत्तोलन चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी के छात्र हर्षित ने इंटर महाविद्यालय ताइक्वांडो चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता, राजस्थान में आयोजित अखिल भारतीय इंटर यूनिवर्सिटी ताइक्वांडो चैंपियनशिप में भाग लिया और राजस्थान में आयोजित सीनियर नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.ए. (कार्यक्रम) के छात्र एम.डी. हाजिक ने इंटर महाविद्यालय जूडो चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता, कानपुर में आयोजित अखिल भारतीय विश्वविद्यालय जूडो चैंपियनशिप और उत्तर पूर्व क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय जूडो चैंपियनशिप में भाग लिया।
- बी.ए. (कार्यक्रम) की छात्रा नेहा ने राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक और ओपन दिल्ली स्टेट ताइक्वांडो चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता।
- बी.ए. (कार्यक्रम) के छात्र रामबीर ने दिल्ली राज्य ताइक्वांडो चैंपियनशिप में रजत पदक जीता।
- बी.ए. (कार्यक्रम) के छात्र मानस बरडिया ने इंटर महाविद्यालय ताइक्वांडो चैंपियनशिप में रजत पदक जीता।
- बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर विज्ञान के छात्र अमेघ पी ने इंटर महाविद्यालय ताइक्वांडो चैंपियनशिप में रजत पदक जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान की छात्रा वंशिका दहिया ने दिल्ली राज्य एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान की छात्रा अंशिका रावत ने इंटर महाविद्यालय वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक और दिल्ली स्टेट वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान की छात्रा स्वर्णिमा सिंह ने दिल्ली राज्य जूडो चैंपियनशिप में रजत पदक जीता।

- बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान की छात्रा नगमा परवीन ने तेलंगाना में आयोजित सीनियर नेशनल नेटबॉल चैंपियनशिप में कांस्य पदक और हरियाणा में आयोजित 15वीं फेडरेशन कप नेटबॉल चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता।

शोध प्रकाशन

- कुमार**,** एस., कुमार, ए., और संजय (2024). भारत में सरकारी नौकरियों के प्रति लोगों की धारणा: दिल्ली का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन। यूरोपियन जर्नल ऑफ थियोरेटिकल एंड एप्लाइड साइंसेज, 2(5), 31-39। https://doi.org/10.59324/ejtas.2024.2(5).03
- गुप्ता ए, जोरा एन. (2025). हरित मानव संसाधन प्रबंधन प्रथाओं के प्रति कार्मिकों की धारणा। यूरोपीय आर्थिक पत्र (ईईएल), 15(1), 96-102. https://doi.org/10.52783/eel.v15i1.2369
- शुक्ला, ए.के., सोनी, एस., और कुमार, के. (2025). एकीकृत हाइब्रिड सेंसर्ड पावर लिंडले वितरण में सांख्यिकीय अनुमान और भविष्यवाणी। जीवन चक्र विश्वसनीयता और सुरक्षा इंजीनियरिंग, 1-22. https://doi.org/10.1007/s41872-024-00295-1
- कुमार बी, तोमर एस, शुक्ला ए.के., (2024) "भारत में कोविड-19 की संचयी मृत्यु दर के लिए पूर्वानुमान मॉडलैंगिक दृष्टिकोण" फ्रंटियर्स इन हेल्थ इंफॉर्मेटिक्स (SCOPUS) ISSN-ऑनलाइन: 2676-7104, खंड 13: अंक 3 5724-5742। https://doi.org/10.1007/s11117-024-01105-9
- इकबाल, बी.ए., यादव, ए., और फान, क्यू.एन. (2024). भारत-वियतनाम द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंध: एक अनुभवजन्य विश्लेषण। रूसी वियतनामी अध्ययन पत्रिका, खंड 8(2)। https://doi.org/10.54631/ VS. 2024.82-634105
- जोशी, वी.आर., त्रिपाठी, के.एन., जैन, ए., ट्विंकल, शर्मा, ए., और कुमारी, ए. (2024). एक स्वचालित गहन शिक्षण आधारित वाक्-भावना पहचान प्रणाली। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, 5(S6)। आईएसएसएन 2633-4828। https://romanpub.com/resources/ijaetv5-s6-oct-dec-2023-15.pdf
- जोशी, वी.आर., त्रिपाठी, के.एन., जैन, ए., ट्विंकल, शर्मा, ए., और कुमारी, ए. (2024). हृदय रोग की भविष्यवाणी के लिए मशीन लर्निंग और डीप लर्निंग का एकीकरण। स्टोकेस्टिक मॉडलैंगिक और कम्प्यूटेशनल साइंसेज, 3(2I), 2752-3829। https://romanpub.com/resources/smc-v3-2-i-2023-10.pdf
- जैन, ए., और कुमार, टी. (2024). स्वचालित सॉफ़्टवेयर दोष पूर्वानुमान के लिए एनसेंबल-आधारित मशीन लर्निंग दृष्टिकोण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ कम्युनिकेशन नेटवर्क्स एंड इंफॉर्मेशन सिक्योरिटी, 16(1, विशेषांक), 869-881। https://ijcnis.org/index.php/ijcnis/article/view/691

- गर्ग केसी, बेबी बी, सिंह आरके. कोलनेट जर्नल ऑफ़ साइंटोमेट्रिक्स एंड इन्फ़ॉर्मेशन मैनेजमेंट और जर्नल ऑफ़ साइंटोमेट्रिक रिसर्च की ग्रंथसूची संबंधी विशेषताओं का एक तुलनात्मक अध्ययन। जर्नल ऑफ़ साइंटोमेट्रिक रिसर्च [इंटरनेट]। 2024 अगस्त 22;13(2):636-50. http://dx.doi.org/10.5530/jscires.13.2.50

- कुमार, आर., कुमार, टी., और कुमार, बी. (2024). सामान्यीकृत फर्मेटियन फ़ज़ी संख्या-आधारित घातांकीय भारित चल औसत नियंत्रण चार्ट। अंतर्राष्ट्रीय उत्पादकता एवं गुणवत्ता प्रबंधन जर्नल, 43(4), 526-547. (SCOPUS)। https://doi.org/10.1504/IJPQM.2024.143222

- कुमार बी, तोमर एस, शुक्ला ए.के., "भारत में कोविड-19 की संचयी मृत्यु दर के लिए पूर्वानुमान मॉडलैंगिक दृष्टिकोण" फ्रंटियर्स इन हेल्थ इंफॉर्मेटिक्स (एससीओपीयूएस) आईएसएसएन-ऑनलाइन: 2676-7104, खंड 13: अंक 3 5724-5742, (2024) एससीओपीयूएस में। https://doi.org/10.1007/s11117-024-01105-9

- अग्रवाल, एस., ज्योति, हीना, कुमार, बी., अंतिम, यशोदा, और तंवर, एन. (2024). भारत में म्यूचुअल फंड निवेशकों को प्रभावित करने वाले कारक: एक समीक्षा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर एक्सटेंशन एंड सोशल डेवलपमेंट, 7(8एस), 106-110। https://doi.org/10.33545/26180723.2024.v7.i8Sb.941

- दिनकर सिंह, आचार्य शुक्ल का सैद्धान्तिक चिंतन, खंड 40, क्रमांक 1, सितंबर 2023 के अंक में प्रकाशित, लेकिन यह अंक अगस्त 2024 में प्रकाशित हुआ। आईएसएसएन: 2348-8425, यूजीसी केयर लिस्टेड।

- बरहादिया, जी., पुरकायस्थ, जे., साहा, ए.के. शहरी दिल्ली, भारत में साँपों के संपर्क का स्थानिक और लौकिक मूल्यांकन। विज्ञान रिपोर्ट 14, 5506 (2024). https://doi.org/10.1038/s41598-023-50373-0

- बरहादिया, जी., और घोष, सी. (2024). भारत के केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली से चोंचदार कृमि साँप, ग्रिपोटाइफ्लॉप्स एक्यूटस (डुमेरिल और बिब्रॉन 1844) का पहला अभिलेख। सरीसृप और उभयचर, 31(1), e21216। https://doi.org/10.17161/randa.v31i1.21216

- बरहादिया, जी., पांडे, पी., सुल्ताना, ए., महापात्रा, पीपी, और दास, एसके (2025)। शहरी दिल्ली, भारत का बिच्छू जीव। भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के रिकॉर्ड, 125(1), 57-62। https://doi.org/10.26515/rzsi/ v125/i1/ 2025/172690

- गंगवानी, आई. (2024). भारत के विनिर्माण क्षेत्र में उद्योग व्यापार जोखिम और रोजगार की गुणवत्ता. जर्नल ऑफ एशियन एंड अफ्रीकन स्टडीज, 0(0). https://doi.org/10.1177/00219096241287529

- गुप्ता, आई. (2024). (wl-4080)-भारत के कोविड-पश्चात आर्थिक सुधार में ग्रामीण-शहरी विचलन। इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 59(26-27). https://www.epw.in/journal/2024/26-27/commentary/rural-urban-divergence-indias-post-कोविड-19.html
- प्रो. मधु कौशिक(2025), लहरों के राजहंस में द्वंद्व का प्रश्न, अंतिम इमरोज़, वर्ष-14, अंक-01, जनवरी 2025 (आईएसएसएन 2321-1105) पेज न0.13-19। *https://acrobat.adobe.com/id/urn:aaid:sc:AP:1b7eceb9-d071-4060-879b-d14ee6828fcf*
- बीना मीना/प्रो. मधु कौशिक(2024), विज्ञान जगत का खुरदरा यथार्थ (एक ज़मीन अपनी उपन्यास के सन्दर्भ में), संवाद पथ, खण्ड-7 अंक-3 अक्तूबर-दिसम्बर। 2024 यूजीसी-केयर सूची, आईएसएसएन 2581-7353, पृष्ठ संख्या 32-37।
- सेनगुप्ता, आर., त्यागी, एम., और सेनगुप्ता, सी. (2024).स्वतंत्रता-पूर्व भारत में पत्रकारिता और मीडिया में उपनिवेशवाद-विरोधी मोड़: चंपारण, दांडी और धरसाना आंदोलनों पर विदेशी और भारतीय समाचार पत्रों की कवरेज ने गांधी को कैसे घर-घर में जाना जाने लगा। पत्रकारिता इतिहास, 51(1), 71-89। https://doi.org/ 10.1080/00947679.2024.241437
- लाहकर, मीनाक्षी (2025), "रणनीतिक संचालन: एक स्नातक बहुभाषी कक्षा में भाषा शिक्षण।" फ़ोर्टेल, अंक 50, पृष्ठ 67-79। जनवरी। आईएसएसएन: प्रिंट 2229-6557, ऑनलाइन 2394-9244। यूजीसी केयर सूचीबद्ध। https://www.fortell.org/wp-content/uploads/2025/04/January-2025-67-79.pdf
- यादव ए, गोयल डी, राउत्रे टी, कर्मकार ए, त्यागी एस, सैनी सी और यादव एन (अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग, रामानुजन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)। वयस्कता के उत्तरार्ध पर प्रौद्योगिकी का प्रभाव: एक गुणात्मक विश्लेषण। भारतीय स्वास्थ्य एवं कल्याण पत्रिका, विशेषांक, दिसंबर 2024, खंड 15, 2024. https://iahrw.org/product/impact-of-technology-on-late-adulthood-a-qualitative-analysis/
- जीवन सिंह एट अल., (2024). "प्राचीन काल से हिमाचली जनजातियों की अपनी जड़ी-बूटियों के साथ सांस्कृतिक त्रुटिहीनता-एक केस स्टडी", भंडारकर ओरिएंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट के इतिहास, सीवी (5):150-161, आईएसएसएन: 0378-1143 (पीओ), प्रभाव कारक: 6.5, यूजीसी समूह 1।
- नवाब सिंह, पेपर का शीर्षक-'ठाकुरी बाबा: मानवीय सहनुभूति और सामाजिक संवेदना' पीयर-रिव्यूड इंटरनेशनल जर्नल वाद-संवाद, त्रैमासिक पत्रिका, अंक-44, वर्ष-अक्तूबर-दिसंबर 2024, पेज नंबर 161-175, आईएसएसएन नंबर 2348-8662, इम्पैक्ट फैक्टर-8.76,
- पप्पू, रस्तोगी, एस. और श्रीवास्तव, एस. अंतिम सकारात्मकता, गड़बड़ी और विलंबित अर्धसमूह। *सकारात्मकता* 29**,** 12 (2025). https://doi.org/10.1007/s11117-024-01105-9

- आनंद, प्रबुद्ध। "जाति और धर्म की कठोरता पर प्रश्न: अरविंद मालागट्टी के 'सरकारी ब्राह्मण' का एक अध्ययन"। लिटरेरी हेराल्ड: एक अंतर्राष्ट्रीय रेफरीड और समकक्ष समीक्षित अंग्रेजी ई-जर्नल। खंड: 10, अंक: 1 (जून 2024), आईएसएसएन: 24543365, पृष्ठ: 256-264। http://tlhjournal.com/uploads/products/34.prabuddh-ananda-article.pdf
- आनंद, प्रबुद्ध। "मेरी दुनिया में जीवित रहते हुए दलित पहचान की आवाज़: बंगाल में दलितों का विकास"। रिसर्च जर्नल ऑफ इंग्लिश (आरजेओई): एक अंतर्राष्ट्रीय समकक्ष समीक्षित और रेफरीड जर्नल। ओरे पब्लिकेशंस, खंड: 9, अंक: 2 (जून 2024), आईएसएसएन: 24562696, पृष्ठ: 340-348।
- आनंद, प्रबुद्ध। "जाति, धर्म और दलित मुक्ति: सुजाता गिडला की पुस्तक 'एंट्स अमंग एलिफेंट्स' का एक पाठ"। लिटरेरी हेराल्ड: एक अंतर्राष्ट्रीय रेफरीड और समकक्ष समीक्षित अंग्रेजी ई-जर्नल। खंड: 9, अंक: 6 (अप्रैल 2024), आईएसएसएन: 24543365, पृष्ठ: 270-276।
- सिंह, ए.के., बंसल, पी., और लता, के. (2025)। लीवरेज निर्धारकों की बदलती गतिशीलता: भारत में सूचीबद्ध फर्मों का एक व्यापक अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ फाइनेंस, 19(2), 8-26। स्कोपस इंडेक्स्ड Q3, ABDC सूचीबद्ध (C श्रेणी)। http://dx.doi.org/10.17010/ijf%2F2025%2Fv19i2%2F174768
- गोयल, ए.के., गर्ग, आर., कुंडू, ए., और चक्रवर्ती, बी.एन. (2024). भारतीय कंपनियों के वित्तीय प्रदर्शन पर इंड एएस अपनाने का प्रभाव। आईआईटीएम जर्नल ऑफ बिजनेस स्टडीज, 209-217। https://iitmjp.ac.in/wp-content/uploads/2024/11/Final-PDF-Special-issue_22-10-2024.pdf
- कुंडू, ए., चक्रवर्ती, बी.एन., गोयल, ए.के., और गर्ग, आर. (2024). मुद्रास्फीति की गतिशीलता और बजटीय अंतरालों और मौद्रिक विस्तार का कारणात्मक संबंध: बांग्लादेश के लिए एआरडीएल मॉडलैंगिक के साथ एक समय श्रृंखला विश्लेषण। आईआईटीएम जर्नल ऑफ बिजनेस स्टडीज, 218-236। https://iitmjp.ac.in/wp-content/uploads/2024/11/Final-PDF-Special-issue_22-10-2024.pdf
- सिंह, आर., दास, एल., और चौधरी, डी. (2025)। इंटरनेट ऑफ व्हीकल्स में प्रमाणित डेटा ट्रेडिंग के लिए ब्लॉकचेन-सक्षम क्वांटम-सेफ बैच एग्रीगेट सिग्नेचर एल्गोरिथम। उभरती दूरसंचार तकनीकों पर लेनदेन, 36(2), e70054। https://doi.org/10.1002/ett.70054
- साहू एन, नयन आर, पांडा ए, वरुण ए, केशरवानी आर, दास पी, कुमार ए, मलिक एसके, मिश्रा एमएम, सैनी ए, अग्रवाल एसपी और नायक एस आदि। भारत में दार्जिलैंगिक चाय के उत्पादन पर वर्षा और तापमान में परिवर्तन का प्रभाव। जर्नल एटमॉस्फियर, खंड-16, अंक-01, जनवरी 2025, ऑनलाइन आईएसएसएन: 2073-4433, पृष्ठ संख्या-1-20, प्रभाव कारक- 2.5। https://doi.org/10.3390/atmos16010001

- नयन, राजीव और आर एंड डी, सगुनथला और वर्गीस, सोनी और दास, सप्तोर्षी और गायकर, विलास। (2025)। वित्तीय समावेशन बढ़ाने में एटीएम नेटवर्क की भूमिका की जाँच। कंप्यूटिंग संचार और नेटवर्किंग प्रौद्योगिकियों पर 15वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICCCNT), IEEE, खंड-13(2), नवंबर 2024. http://dx.doi. org/ 10.1109/ICCCNT61001.2024.10724056।
- के.जे. सिंह, टी रस्तोगी, आर नयन ग्राहक वफादारी और संतुष्टि के निर्माण में स्थिरता की भूमिका: बैंकिंग क्षेत्र में विश्वास के मध्यस्थ प्रभाव की जांच जर्नल ऑफ कॉमर्स एंड अकाउंटिंग रिसर्च, 2024. http://dx.doi.org/ 10.21863/ jcar/2024.13.2.002.
- सैनी, एस., गर्ग, आर., तिवारी, एन., और स्वरूप, सी. (2024). प्रगतिशील प्रथम-विफलता सेंसर किए गए नमूनों के अंतर्गत पावर लिंडले वितरण के साथ बहुघटक प्रतिबल-शक्ति विश्वसनीयता का शास्त्रीय और बायेसियन आकलन। जर्नल ऑफ़ स्टैटिस्टिकल कंप्यूटेशन एंड सिमुलेशन, 94(15), 3341-3374. (स्कोपस/वेब ऑफ़ साइंस, एससीआईई इंडेक्स्ड)। https://doi.org/10.1080/00949655.2024.2383989
- सैनी, एस., पटेल, जे., और गर्ग, आर. (2024). कुमारस्वामी वितरण से उत्तरोत्तर सेंसर किए गए डेटा का उपयोग करके, गैर-समान घटक शक्तियों के साथ बहुघटक प्रतिबल-शक्ति विश्वसनीयता पर सांख्यिकीय अनुमान। सॉफ्ट कंप्यूटिंग, 28(17), 9317-9339। (स्कोपस/वेब ऑफ साइंस, एससीआईई इंडेक्स्ड)। https://doi.org/10.1007/s00500-024-09674-3
- गर्ग, आर., कुमारी, एम., साहू, आर.के., और कुमारी, ए. (2024). व्युत्क्रम पैरेटो वितरण से असमान शक्ति घटकों वाले बहुघटक तंत्र का प्रतिबल-शक्ति विश्वसनीयता आकलन। जीवन चक्र विश्वसनीयता और सुरक्षा इंजीनियरिंग, 13(3), 351-363. (स्कोपस/वेब ऑफ साइंस, एससीआईई इंडेक्स्ड)। https://doi.org/10.1007 /s41872-024-00258-6
- कुमार बी, तोमर एस, शुक्ला ए.के., "भारत में कोविड-19 की संचयी मृत्यु दर के लिए पूर्वानुमानात्मक मॉडलैंगिक दृष्टिकोण" फ्रंटियर्स इन हेल्थ इंफॉर्मेटिक्स (SCOPUS) ISSN-ऑनलाइन: 2676-7104, खंड 13: अंक 3 5724-5742, (2024). https://doi.org/10.1007/s11117-024-01105-9
- एक्ज़िम नीति और मेक इन इंडिया: तालमेल और नीतिगत टकरावों का विश्लेषण। जर्नल ऑफ़ द इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन, खंड 2, भाग 1, संख्या 29, दिसंबर 2024, ISSN 0019-4462 (सह-लेखक)। यूजीसी-केयर
- सुरभि (2024). दैनिक जीवन में आत्म-स्मरण। विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के अभिनव अनुसंधान का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। खंड 13, अंक 10। https://www.ijirset.com/upload/2024/october/31_Self.pdf

- डॉ. वेम्बनन गुनासेकरन और डॉ. ज़फर इमाम, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 में उर्दू भाषा के प्रचार की संभावनाएं, तारीख ए अदब ए उर्दू, खंड 6, अंक-3, जुलाई-सितंबर, 2024, पृष्ठ 328-343, ऑनलाइन आईएसएसएन-2582-9157, यूजीसी केयर।
- " भारतीय 1. परम्परा में ब्रह्मसूत्र के शारीरिकभाष्य एवं श्रीभाष्य का वैशिष्ट्य ", दर्शनिकी, वर्ष-20, पृष्ठ संख्या-48-58, जुलाई 2023-जून 2024, यूजीसी केयर।

संपादित पुस्तक में अध्याय

- टोपनो, आर.सी. (2024). व्यावसायिक परामर्श। ए. कुमार और एम. मिश्रा (सं.), एमपीसी-073 पुनर्वास मूल्यांकन और परामर्श (पृष्ठ 309-330)। भारत, गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय। आईएसबी.ए.न 978-93-6106-293-3
- संगीत, ओ. (2024). पारिवारिक स्तर पर हस्तक्षेप। ए. कुमार और एम. मिश्रा (सं.), एमपीसी-073 पुनर्वास मूल्यांकन और परामर्श (पृष्ठ 289-306)। भारत, गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय। आईएसबी.ए.न 978-93-6106-293-3
- यादव, एन. (2025). हस्तक्षेप दृष्टिकोणों का परिचय। ए. कुमार (सं.) में। एमपीसी-073 पुनर्वास मूल्यांकन और परामर्श। इग्नू। पृष्ठ: 161-182। आईएसबी.ए.न- 978-93-6106-293-3।
- यादव, ए., यादव, पी. और लता, के. (2024). व्यवसाय और वित्तीय प्रणाली में ई-समावेशीपन: एक आर्थिक परिप्रेक्ष्य। गोयल, आर., सिंह, टी., रहमान, एम.एम., इस्लाम, क्यू.टी. और बराल, एस.के. (सं.), समृद्धि के मार्ग बनाना (गरीबी उन्मूलन के सतत दृष्टिकोणों में एमराल्ड अध्ययन), एमराल्ड पब्लिशिंग लिमिटेड, लीड्स, पृष्ठ 99-116। https://doi.org/10.1108/978-1-83549-121-820241008
- यादव, ए., यादव, पी. और लता, के. (2024). व्यवसाय और वित्तीय प्रणाली में ई-समावेशीपन: एक आर्थिक परिप्रेक्ष्य। गोयल, आर., सिंह, टी., रहमान, एम.एम., इस्लाम, क्यू.टी. और बराल, एस.के. (सं.), समृद्धि के मार्ग बनाना (गरीबी उन्मूलन के सतत दृष्टिकोणों में एमराल्ड अध्ययन), एमराल्ड पब्लिशिंग लिमिटेड, लीड्स, पृष्ठ 99-116। https://doi.org/10.1108/978-1-83549-121-820241008
- आनंद, पी. (2024). भाषा, साहित्य, संस्कृति और सिनेमा में दलित आत्मकथाओं में सामाजिक यथार्थ का प्रतिनिधित्व। चक्रवर्ती, एम., घोष ए. और रंजन, एम. (संपादक)। प्रोफेसर हरीश नारंग के सम्मान में निबंध। आकार बुक्स, नई दिल्ली, आईएसबी.ए.न: 9789350028911, पृष्ठ: 160-170।
- सिंह, एन. (2024). ठकुरी बाबा: महादेवी वर्मा। दास, बी. और मंडल, डी. (सं.) में। अन्य गद्य विधाएँ। बी.ए. (कार्यक्रम), हिंदी माइनर पेपर के साथ, सेमेस्टर-IV, डीएससी-7। दिल्ली विश्वविद्यालय के मुक्त शिक्षण परिसर/मुक्त शिक्षण विद्यालय के तत्वावधान में दूरस्थ एवं सतत शिक्षा विभाग। आईएसबी.ए.न संख्या- 978-81-19417-95।

- सिंह, डी. (2024). हिंदी में राष्ट्रभाषा के रूप. एनईपी पाठ्यक्रम में "राजभाषा और राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी" शीर्षक बी.ए. (कार्यक्रम) के लिए निर्धारित किया गया है। प्रमुख हिंदी के साथ, सेमेस्टर पांचवां, एसओएल, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2024.
- कुमार, ए. (2024). समकालीन भारत में अम्बेडकरवाद। शर्मा, एस.के. (सं.) में। आधुनिक भारत में राजनीतिक विचार। सान्निध्य बुक्स: भारतीय राजनीति-विज्ञान संघ। आईएसबी.ए.न: 978-93-94224-52-0।
- यादव, डी.के., सिंह, यू., बाला, आई., कुमार, बी. (2023)। स्वास्थ्य सेवा में इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) की भूमिका: अनुप्रयोग और कार्यान्वयन। यादव, डी.के., गुलाटी, ए. (संपादक) स्वास्थ्य सेवा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग। स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-99-6472-7_4.

पुस्तक में अध्याय

- जोरा, एन. और गुप्ता, ए. (2024). राजनीति में महिलाओं का सशक्तिकरण: लैंगिक समानता और वास्तविक लोकतंत्र की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम। अन्वी बुक्स एंड पब्लिशर्स की पुस्तक "रीडिफाइनिंग विमेन एम्पावरमेंट इन कंटेम्पररी इंडिया" में, आईएसबी.ए.न: 978-93-90856-59-6।
- नयन, आर. (2025). डीसीएनएन फ्रेमवर्क का कार्यान्वयन–धान की फसल और संसाधन प्रबंधन प्रणाली में विभिन्न तनावों की स्वतः पहचान और वर्गीकरण। सतत कृषि के लिए बुद्धिमान प्रणालियों में प्रगति। तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईसीआईएसए 2024 की कार्यवाही। स्प्रिंगर। प्रिंट आईएसबी.ए.न 978-981-97-9838-4, ऑनलाइन आईएसबी.ए.न 978-981-97-9839-1, पृष्ठ 287-301, डीओआई: 10.1007/978-981-97-9839-1_18।
- नयन, आर. (2024). कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क का उपयोग करके उन्नत विद्युत माँग पूर्वानुमान के लिए हाइब्रिड आनुवंशिक अनुकूलन और कण झुंड अनुकूलन। इंटरनेट ऑफ़ थिंग्स के साथ टिकाऊ स्मार्ट घर और इमारतें। विले ऑनलाइन प्रकाशन, ई-बुक प्रकाशन, अध्याय-15, मुद्रित ISBN:9781394231485 | ऑनलाइन ISBN:9781394231522। पृष्ठ:86-93, DOI:10.1002/9781394231522।
- नयन, आर. (2024). प्रौद्योगिकी-संचालित व्यावसायिक नैतिकता: एक दार्शनिक विमर्श। कृत्रिम बुद्धिमत्ता-सक्षम व्यवसाय। विले ऑनलाइन प्रकाशन, प्रिंट ISBN:9781394233977 | ऑनलाइन ISBN:9781394234028. पृष्ठ: 371-389. DOI:10.1002/9781394234028.

संपादित पुस्तकें

- यादव, एन., यादव, एस.के., शर्मा, एम., ऐठानी, डी., धनकर, एस. (2024). पारिस्थितिकी तंत्र में रसायन.Notionpress.com आईएसबी.ए.न:979-8-89519-847-6

अनुसंधान परियोजनाएँ

- डॉ. मोइरांगथेम जीवन सिंह को 'दिल्ली और एनसीआर में जल निकायों के जीर्णोद्धार और संरक्षण के लिए व्यवहार्यता पर सर्वेक्षण' नामक शोध परियोजना के लिए 1.5 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। उन्हें पीआई और डॉ. संदीप ठाकुर और श्री किला अनिल कुमार को सह-पीआई के रूप में नियुक्त किया गया है। यह अनुदान पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध परियोजना योजना के तहत प्रदान किया गया है और इसकी अवधि 11.03.2025 से 12.03.2026 तक है (छह महीने तक विस्तार योग्य)।

- राजनीति-विज्ञान विभाग के डॉ. वी. गुणसेकरन को 'एनईपी 2020 के तहत कौशल संवर्धन पाठ्यक्रमों की धारणा: दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्गत कॉलेजों का एक अध्ययन' नामक शोध परियोजना के लिए 1.5 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। पीआई के रूप में और डॉ. तेनजिन ठाकुर और श्री पंकज गुप्ता को सह-पीआई के रूप में। यह अनुदान पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध परियोजना योजना द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि 11.03.2025 से 12.03.2026 तक है (छह महीने तक विस्तार योग्य)।

- सांख्यिकी विभाग के डॉ. सचिन तोमर को 'प्रसव आयु की महिलाओं का व्यापक स्वास्थ्य आकलन: प्रभावकारी कारक, अंतर्संबंध और सुधार की रणनीति' नामक शोध परियोजना के लिए 2 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। वे पीआई के रूप में और डॉ. बिरजेश कुमार और सुश्री शीतल सिंह को सह-पीआई के रूप में नियुक्त किया गया है। यह अनुदान पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध परियोजना योजना के तहत प्रदान किया गया है और इसकी अवधि 11.03.2025 से 12.03.2026 तक है (छह महीने तक बढ़ाया जा सकता है)।

- सांख्यिकी विभाग के डॉ. आशीष कुमार शुक्ला को एक शोध परियोजना के लिए 2 लाख रुपये की राशि मंजूर की गई है, जिसका शीर्षक है, 'डायग्नोस्टिक विश्वसनीयता, उपचार परिणामों और स्वास्थ्य देखभाल पहुंच के टेलीमेडिसिन और इन-पर्सन केयर प्रेडिक्टिव मॉडलैंगिक का एक क्रॉस-डिसिप्लिनरी तुलना', पीआई के रूप में और डॉ. अभिषेक और डॉ. अरुण अग्रवाल को सह-पीआई के रूप में। यह अनुदान पंडित दीनदयाल उपाध्याय अनुसंधान परियोजना योजना द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि 11.03.2025 से 12.03.2026 तक है (छह महीने तक विस्तार योग्य)।

- राजनीति-विज्ञान विभाग की डॉ. नेहा सिंह को 'अनुष्ठानों और त्योहारों का दर्शन और इसका सामाजिक आर्थिक प्रभाव' नामक शोध परियोजना के लिए 1.5 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है, जिसमें पीआई और डॉ. नीतांजलि खारी और सुश्री वंदना राठौर को सह-पीआई के रूप में नियुक्त किया गया है। यह अनुदान पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध परियोजना योजना द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि 11.03.2025 से 12.03.2026 तक है (छह महीने तक विस्तार योग्य)।

- वाणिज्य विभाग की डॉ. आरती यादव को 'सतत परिवर्तन के लिए उच्च शिक्षा में भारतीय ज्ञान प्रणाली का एकीकरण' नामक शोध परियोजना के लिए 1.5 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है, जिसमें पीआई और डॉ. पारुल यादव तथा डॉ. श्रुति जैन को सह-पीआई बनाया गया है। यह अनुदान पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध परियोजना योजना के तहत प्रदान किया गया है और इसकी अवधि 11.03.2025 से 12.03.2026 तक है (छह महीने तक बढ़ाया जा सकता है)।
- प्रोफेसर रवर्ष सिंह, प्राचार्य को एक शोध परियोजना के लिए 2 लाख रुपये की राशि मंजूर की गई है, जिसका शीर्षक है, 'वैदिक सिद्धांत पारिस्थितिक संकट की रोकथाम के लिए: दिल्ली और वाराणसी का एक घटनात्मक और सैद्धांतिक अध्ययन', पीआई के रूप में और डॉ. जैरू निशा और डॉ. अर्चना जमातिया सह-पीआई के रूप में। अनुदान पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध परियोजना योजना द्वारा प्रदान किया गया है और 11.03.2025 से 12.03.2026 तक की अवधि को कवर करता है (छह महीने तक विस्तार योग्य)
- डॉ. निखिल कुमार राजपूत, कंप्यूटर विज्ञान विभाग को 'स्वदेशी सेमीकंडक्टर अनुप्रयोगों के लिए आरआईएससी-वी आर्किटेक्चर का विकास' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में और श्री विपिन कुमार रत्ती और सुश्री शिप्रा यादव को सह-पीआई के रूप में 2 लाख रुपये की राशि मंजूर की गई है। यह अनुदान पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध परियोजना योजना द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि 11.03.2025 से 12.03.2026 तक है (छह महीने तक विस्तार योग्य)
- वाणिज्य विभाग के डॉ. राजीव नयन को 'समकालीन शासन में कौटिल्य का अर्थशास्त्र: एक मूल्यांकनात्मक अध्ययन' नामक शोध परियोजना के लिए 1.5 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। वे पीआई के रूप में और डॉ. विशाखा शर्मा और श्री प्रखर वाधवा सह-पीआई के रूप में कार्य करेंगे। यह अनुदान पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध परियोजना योजना द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि 11.03.2025 से 12.03.2026 तक है (छह महीने तक विस्तार योग्य)।
- राजनीति-विज्ञान विभाग की डॉ. नेहा सिंह को 'समकालीन विश्व में जाति और नस्ल के प्रकटीकरण को समझना' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 11,00,000/- रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएसएसआर द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि 15.02.2024-14.02.2026 है।

आयोजित संगोष्ठियां

- नाटककार और थिएटर कलाकार श्री प्रताप सहगल ने 12 अप्रैल, 2024 को *'साहित्यकार से बातें' नामक एक सत्र दिया।*

- डिजीपरफॉर्म के प्रशिक्षण प्रमुख श्री सचिन वशिष्ठ और डेटा साइंस ट्रेनर श्री असीम चौधरी ने 16 अप्रैल, 2024 को *'एआई-संचालित डिजिटल मार्केटिंग और डेटा साइंस' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।*
- उद्योग पेशेवर सुश्री स्वाति गनौती ने 20 सितंबर, 2024 को *'स्टार्टअप संस्कृति और प्रबंधन परामर्श' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।*
- दिल्ली विश्वविद्यालय के विधि संकाय की प्रोफेसर (डॉ.) वागेश्वरी देसवाल ने 13 फरवरी, 2025 को *'समकालीन भारतीय समाज में महिलाओं की भूमिका की पुनर्कल्पना' विषय पर व्याख्यान दिया।*
- 20 फरवरी, 2025 को *'बियॉन्ड द बैज: माई जर्नी एज़ एन आईपीएस ऑफिसर'* विषय पर व्याख्यान दिया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

- दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री अरबिंदो महाविद्यालय के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए**,** जिसमें प्रबंधन अध्ययन विभाग के श्री अखिल राज समन्वयक रहे। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी)-रामानुजन महाविद्यालय द्वारा 05/08/24 से 14/8/2024 तक ऑनलाइन माध्यम से एनईपी: अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- डॉल्फिन (पीजी) इंस्टीट्यूट ऑफ बायोमेडिकल एंड नेचुरल साइंसेज, देहरादून के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। कंप्यूटर विज्ञान विभाग के डॉ. निखिल कुमार राजपूत समन्वयक के रूप में कार्यरत रहे। परिणामस्वरूप, एमएमटीटीसी-रामानुजन महाविद्यालय के अंतर्गत 09/09/24 से 14/09/2024 तक 29 प्रतिभागियों के साथ हाइब्रिड मोड में एक अल्पकालिक पाठ्यक्रम संचालित किया गया।
- एमएमटीटीसी-रामानुजन महाविद्यालय और एसपीएम महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के बीच एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। वाणिज्य विभाग की डॉ. मधु मोंगा ने समन्वयक की भूमिका निभाई। परिणामस्वरूप, 14/10/24 से 19/10/2024 तक "खाद्य प्रौद्योगिकी" पर एक लघु अवधि पाठ्यक्रम ऑनलाइन आयोजित किया गया, जिसमें 164 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया गया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. भीम राव अंबेडकर महाविद्यालय के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। वाणिज्य विभाग की डॉ. मधु मोंगा समन्वयक रहीं। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, एमएमटीटीसी-रामानुजन महाविद्यालय के अंतर्गत 05/08/24 से 14/8/2024 तक ऑनलाइन मोड में एनईपी: ओरिएंटेशन एवं सेंसिटाइजेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

- दिल्ली विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट महाविद्यालय के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। गणित विभाग की डॉ. दीपाक्षी शर्मा समन्वयक रहीं। परिणामस्वरूप, एमएमटीटीसी-रामानुजन महाविद्यालय के अंतर्गत 64 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण देते हुए, 14/11/24 से 20/11/2024 तक हाइब्रिड मोड में गणित पर एक अल्पकालिक पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।

- दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री अरबिंदो महाविद्यालय के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। वाणिज्य विभाग की सुश्री चारु जैन समन्वयक रहीं। परिणामस्वरूप, एमएमटीटीसी-रामानुजन महाविद्यालय के अंतर्गत 19/12/24 से 26/12/2024 तक ऑनलाइन मोड में बिजनेस एनालिटिक्स पर एक अल्पकालिक पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। इस पाठ्यक्रम में 147 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- देहरादून स्थित एसजीआरआरयू महाविद्यालय के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। डॉ. नेहा समन्वयक रहीं। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, एमएमटीटीसी-रामानुजन महाविद्यालय के अंतर्गत 20/01/25 से 29/01/2025 तक ऑनलाइन मोड में एनईपी: अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

- दिल्ली विश्वविद्यालय के आईपी महाविद्यालय के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। वाणिज्य विभाग की डॉ. सुनीता पूनिया समन्वयक रहीं। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, एमएमटीटीसी-रामानुजन महाविद्यालय के अंतर्गत 02/04/25 से 13/2/2025 तक ऑनलाइन मोड में एनईपी: अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

- एमएमटीटीसी-रामानुजन महाविद्यालय मानव-विज्ञान केंद्र और ऋषिहुड विश्वविद्यालय के बीच एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। वाणिज्य विभाग की प्रो. के. लता ने समन्वयक की भूमिका निभाई। परिणामस्वरूप, एमएमटीटीसी-रामानुजन महाविद्यालय के अंतर्गत 02/07/25 से 20/2/2025 तक ऑनलाइन माध्यम से भगवद् गीता पर एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 388 प्राध्यापक शामिल हुए।

- दिल्ली विश्वविद्यालय के केएम महाविद्यालय के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। हिंदी विभाग की प्रो. मधु कौशिक समन्वयक रहीं। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, एमएमटीटीसी-रामानुजन महाविद्यालय के अंतर्गत 14/02/2025 से 22/2/2025 तक ऑनलाइन मोड में एनईपी: अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

- दिल्ली विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग के श्री कुमार उज्ज्वल समन्वयक रहे। परिणामस्वरूप, एमएमटीटीसी-रामानुजन महाविद्यालय के अंतर्गत "उच्च शिक्षा संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण" विषय पर 10/03/25 से 24/3/2025 तक एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

- सहयोग, 14 नवंबर, 2024 को पर्यावरण और जैव-चिकित्सा तकनीकों पर एक व्यावहारिक कार्यशाला के लिए। इस पहल ने द्वितीय वर्ष के पर्यावरण अध्ययन के छात्रों को डीएनए के स्पेक्ट्रोफोटोमेट्रिक परिमाणीकरण और जल गुणवत्ता विश्लेषण में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। इसने पर्यावरण निगरानी और वैज्ञानिक अनुसंधान से संबंधित अंतःविषय अनुभव और कौशल विकास को सक्षम बनाया।
- बजाज फाउंडेशन के साथ सहयोग, 18 अक्तूबर, 2024 को ई-कचरा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के लिए। इस साझेदारी का उद्देश्य छात्रों को अनुचित ई-कचरा निपटान के पर्यावरणीय खतरों के बारे में शिक्षित करना और उन्हें वर्तमान पुनर्चक्रण प्रथाओं और उद्योग जगत के दिग्गजों से परिचित कराना था। इसने छात्रों की स्थायी अपशिष्ट प्रबंधन और पर्यावरण नीति के वास्तविक अनुप्रयोगों की समझ को मजबूत किया।
- जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के पर्यावरण विज्ञान संकाय के सहयोग से, 3 अक्तूबर, 2024 को भूविज्ञान-केंद्रित शैक्षिक क्षेत्र भ्रमण का आयोजन किया गया। जेएनयू संकाय के मार्गदर्शन में, इस भ्रमण ने छात्रों को चट्टानों की संरचनाओं, मृदा विकास और अरावली क्षेत्र की भूवैज्ञानिक समयरेखा से परिचित कराया। इसने पाठ्यपुस्तकीय ज्ञान को वास्तविक भूवैज्ञानिक परिदृश्यों के संदर्भ में ढालने में मदद की, जिससे छात्रों का ज्ञान समृद्ध हुआ।
- किंग्स महाविद्यालय लंदन, संगत, वाईएमएच, ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी और ब्राइटन एंड ससेक्स मेडिकल स्कूल के साथ 17 सितंबर, 2024 को युवा मानसिक स्वास्थ्य पर मेट्रोपोलिस अंतर्राष्ट्रीय शोध परियोजना के लिए सहयोग। इस साझेदारी ने सहकर्मी-संचालित मानसिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप, परिसर में सहभागिता और शोध एकीकरण को सुगम बनाया। इसने छात्रों को सुलभ मनोवैज्ञानिक सहायता और सहभागी शोध विधियों में वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं से भी जोड़ा।

नियोजन विवरण

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत : 356 (85%)

कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या : 174

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- रामानुजन महाविद्यालय की कॉमर्स सोसाइटी ने आउटरीच प्रोग्राम कमेटी के सहयोग से 10-14 फ़रवरी, 2025 तक पाँच दिवसीय दान अभियान, प्रोजेक्ट लिटिल स्माइल्स का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य वंचित बच्चों के लिए कपड़े, भोजन और स्वच्छता संबंधी आवश्यक वस्तुएँ एकत्रित करना था। 15 फ़रवरी, 2025 को, दोनों सोसाइटियों के प्रतिनिधियों ने एकत्रित वस्तुओं को वितरित करने के लिए डॉन बॉस्को अस्यालम का दौरा किया। इस यात्रा ने बच्चों के साथ बातचीत और खेलों के माध्यम से सार्थक संवाद को भी बढ़ावा दिया।

- अंत्योदय आउटरीच कार्यक्रम समिति समाज में बदलाव का वाहक बनने के लिए प्रतिबद्ध है। इसने कई प्रभावशाली कार्य किए हैं। अक्तूबर-नवंबर 2024 में, समिति ने ट्रांजिट कैंप, गोविंदपुरी में एक शिक्षण पहल शुरू की, जिसके सदस्य वंचित पृष्ठभूमि के बच्चों को पढ़ाने के लिए स्वेच्छा से आगे आए। समिति के दो सदस्य प्रतिदिन दोपहर 3:30 बजे से शाम 5:00 बजे तक विभिन्न कक्षाओं में व्यक्तिगत पाठ पढ़ाने के लिए आते थे। इस पहल का उद्देश्य शैक्षिक असमानताओं को दूर करना और बच्चों के लिए एक पोषणकारी शिक्षण वातावरण बनाना था।
- छात्रों को कई आउटरीच यात्राओं में शामिल होने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया, जिनमें गोविंदपुरी स्थित पंचवटी वृद्धाश्रम (22 नवंबर, 2024), खुशी रेनबो हाउस (21 जनवरी, 2025) और जंगपुरा स्थित फ्रेंडिकोज़ एनिमल शेल्टर (31 जनवरी, 2025) का दौरा शामिल है।
- मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए अंत्योदय समिति ने सदाय सदेव एनजीओ के सहयोग से 7 नवंबर को मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया।
- शिवरंजनी महाविद्यालय संगीत समिति ने भी संगीत के माध्यम से सामाजिक सरोकार को अपनाया। 25 अगस्त, 2024 को, सदस्यों ने रोटारैक्ट क्लब ऑफ़ वर्वे के सहयोग से रोज़ावनम वृद्धाश्रम में प्रस्तुति दी।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय ने समसामयिक विषयों पर बातचीत और चर्चा की एक संस्कृति को बढ़ावा दिया है जिसमें छात्रों को बोलने, गंभीरता से सोचने और अपने दृष्टिकोण साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। 26 नवंबर को, पुस्तकालय ने रंगनाथन रिसर्च सर्कल के सहयोग से "शैक्षणिक पुस्तकालयों में नई प्रौद्योगिकी का समावेश: मुद्दे और चुनौतियाँ" विषय पर एक अर्ध-दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया। पुस्तकालय में संविधान दिवस, गाँधी जयंती, महिला दिवस आदि विशेष अवसरों पर पुस्तकें भी प्रदर्शित की गईं। इसके अलावा, रीडिंग हॉल में स्क्रीन पर विभिन्न प्रकार के वीडियो/पीपीटी भी चलते रहते हैं जैसे पुस्तकालय के नियम, पुस्तकालय का उपयोग कैसे करें, पुस्तकालय में नई पुस्तकें और यदि छात्रों से संबंधित कोई जानकारी है, तो वह भी प्रदर्शित होती है।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	: 10
एसोसिएट प्रोफेसर	: 43
सहायक प्रोफेसर	: 97
तदर्थ	: 3
अतिथि	: 11
कुल	**: 164**

उपयोगित निधियां (₹ करोड़ में): ₹ 42.69

आवंटित निधियां (₹ करोड़ में) : ₹ 43.66

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

इस वर्ष, रामानुजन महाविद्यालय ने शैक्षणिक उन्नति, संकाय विकास, स्थिरता और संस्थागत प्रशासन में महत्वपूर्ण प्रगति की। आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) के तत्वावधान में, 69 संकाय पदोन्नतियां प्रदान की गईं, जिनमें 51 सहायक प्रोफेसर: (चरण-1 से चरण-2), 3 सहायक प्रोफेसर: (चरण-2 से चरण-3), 6 सहायक प्रोफेसर: से एसोसिएट प्रोफेसर और 8 एसोसिएट प्रोफेसर से प्रोफेसर शामिल हैं। मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र ने देश भर में संकाय दक्षताओं को मजबूत करना जारी रखा, विभिन्न संकाय प्रेरण कार्यक्रमों (FIP), पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों और संकाय विकास कार्यक्रमों (FDP) के माध्यम से लगभग 2,500 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया। सतत विकास के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए, TAPAS: द मिनी जंगल पहल ने परिसर के एक हिस्से को तितली उद्यान, ड्रैगनफ्लाई आवास और देशी लिली तालाबों वाले एक जीवंत पारिस्थितिक आश्रय में बदल दिया मूल्य-आधारित प्रथाओं को बनाए रखने के लिए, महाविद्यालय के कार्यक्रमों के आयोजन हेतु नए दिशानिर्देश जारी किए गए हैं, जिनमें यह अनिवार्य किया गया है कि सभी आधिकारिक समारोह डीयू कुलगीत से शुरू हों और राष्ट्रगान के साथ समाप्त हों ताकि एक एकीकृत संस्थागत संस्कृति को बढ़ावा मिले। इसके अतिरिक्त, अतिथि स्मृति चिन्हों को महाविद्यालय पुस्तकालय से किसी पुस्तक या ब्रशस्ट्रोक्स, ललित कला संस्था के सदस्यों द्वारा बनाई गई कलाकृति के रूप में पुनर्परिभाषित किया गया है। विनम्रता और सेवाभाव पर ज़ोर देते हुए, यह निर्णय लिया गया कि प्राचार्य और संकाय कार्यक्रम समन्वयकों को आयोजनों के दौरान मेज़बान माना जाएगा और उनका सम्मान नहीं किया जाएगा। महाविद्यालय एक व्यापक स्वास्थ्य नीति को भी अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है, जिसे एक सहभागी और परामर्शी दृष्टिकोण के माध्यम से विकसित किया गया है, जिसका उद्देश्य छात्रों, शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कार्मिकों, सभी के कल्याण को बढ़ावा देना है।

****

रामजस महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के दौरान, रामजस महाविद्यालय को एनएएसी सहकर्मी टीम के दौरे के पहले चक्र में ग्रेड 'A' (ग्रेड पॉइंट 3.17) प्रदान किया गया है। रामजस महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अजय कुमार अरोड़ा की पहल और प्रयासों तथा दिल्ली विश्वविद्यालय की परीक्षा शाखा के सहयोग से, रामजस महाविद्यालय ने वनस्पति-विज्ञान, प्राणि-विज्ञान, सांख्यिकी और संक्रियात्मक अनुसंधान नामक चार पाठ्यक्रमों के लिए एक मूल्यांकन केंद्र शुरू किया है। उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन समय पर सफलतापूर्वक पूरा किया गया। 18.10.2024 को दिल्ली

विश्वविद्यालय इंडोर स्टेडियम में आयोजित UDGAAR 2024 (भारत को व्यसन मुक्त बनाना) में रामजस महाविद्यालय को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। UDGAAR 2024 में रामजस महाविद्यालय के युवाओं की सर्वोच्च भागीदारी के लिए प्राचार्य महोदय ने श्री वीरेंद्र कुमार (सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री) और परम पूज्य गुरु प्रसाद स्वामी (उपाध्यक्ष, इस्कॉन जीबीसी) से ट्रॉफी ग्रहण की। रामजस महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय ने CPDHE, MMTTC, दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ मिलकर 17-27 दिसंबर, 2024 तक 'NEP अभिविन्यास एवं संवेदीकरण' पर एक ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया। 2021-2024 बैच के बी.कॉम. (ऑनर्स) के आरुष अम्बष्ट ने सोसाइटी जेनरल के कॉर्पोरेट एवं निवेश बैंकिंग संचालन विभाग में पूर्णकालिक पद प्राप्त किया है। इसके अलावा, उन्होंने ड्यूक विश्वविद्यालय के फुक्वा स्कूल ऑफ बिजनेस में भी प्रवेश लिया है।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

- रामजस महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अजय कुमार अरोड़ा को 5 मार्च, 2025 को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम राष्ट्रीय समर्पण पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया।
- रामजस महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अजय कुमार अरोड़ा ने बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति-विज्ञान की छात्रा सुश्री तनु रावल के साथ मिलकर 29 मार्च, 2025 को रामजस महाविद्यालय में सतत प्रथाओं को अपनाने और बढ़ावा देने के लिए विज्ञान भवन में भारत के माननीय उपराष्ट्रपति से पुरस्कार प्राप्त किया।
- प्रोफेसर भारती चौधरी को वीनस इंटरनेशनल फाउंडेशन, चेन्नई, तमिलनाडु, भारत द्वारा औषधीय पौधों में प्रतिष्ठित महिला शोधकर्ता: वीनस इंटरनेशनल महिला पुरस्कार 2025 प्राप्त हुआ।
- प्रोफेसर सुरेश कुमार को हर्बल प्लांट रिसर्च और उद्योग में उत्कृष्ट योगदान के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड (2025) मिला।
- प्रतिष्ठित संकाय सदस्य डॉ. शाफ़ इलाही को उनके प्रभावशाली शोध योगदान (2024-25) के लिए स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय और एल्सेवियर द्वारा विश्व भर के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों में शामिल किया गया है।

छात्र

- बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति-विज्ञान तृतीय वर्ष की छात्रा अदिति बर्थवाल विश्वविद्यालय टॉपर रहीं तथा उन्हें विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ।
- बी.ए. (ऑनर्स) पर्कशन म्यूजिक तृतीय वर्ष के छात्र ऋषि राज मिश्रा विश्वविद्यालय टॉपर रहे और उन्हें विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक मिला।

- बी.ए. (ऑनर्स) कर्नाटक संगीत तृतीय वर्ष के छात्र एम श्रीधर विश्वविद्यालय टॉपर रहे और उन्हें विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक मिला।
- अनितेज ठाकुर, बी.ए. (ऑनर्स) हिन्दुस्तानी संगीत तृतीय वर्ष को कुमारी बीना शर्मा मेमोरियल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- उमंग रावत, एम.एस.सी. भौतिकी को डॉ. के.एस. कृष्णन स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।
- एमए हिंदुस्तानी संगीत के छात्र अखिलेश भुंजन को तुषार पंडित मेमोरियल गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया।
- एमए राजनीति-विज्ञान के छात्र उन्मीलन कलिता को करण सिंह पदक और प्रो. सीजे चाको पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- बी.कॉम (कार्यक्रम) द्वितीय वर्ष की छात्रा मुस्कान संदूजा ने एनेक्टस, श्याम लाल महाविद्यालय (प्रातः और शाम) द्वारा आयोजित अन्वेषा 2025 में बिड-मैग्नेट (बी-प्लान प्रतियोगिता) में प्रथम स्थान प्राप्त किया और ₹50,000 के नकद पुरस्कार जीते।
- रामजस महाविद्यालय की बी.कॉम (ऑनर्स) तृतीय वर्ष की छात्रा अनन्या अनामिका ने 9 मार्च से 11 मार्च, 2025 तक मोहाली में आयोजित उत्तर क्षेत्र की अंतर-विश्वविद्यालय शतरंज चैंपियनशिप जीती।
- रामजस महाविद्यालय के बी.कॉम (ऑनर्स) बैच 2020-2023 के गौरव यादव ने यूपीएससी संयुक्त रक्षा सेवा परीक्षा 2024 में अखिल भारतीय रैंक 187 प्राप्त की है।
- एसयूओ नंदिनी रावत ने असाधारण प्रतिभा और दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए तीन चुनौतीपूर्ण खेलों: खो-खो, वॉलीबॉल और रस्साकशी में रजत पदक प्राप्त किए। 28 नवंबर से 6 दिसंबर, 2024 तक। जेयूओ पुनीत कौशिक ने 22 झारखंड बटालियन द्वारा आयोजित अखिल भारतीय ट्रैकिंग शिविर, पतरातू, झारखंड में भाग लिया और वॉलीबॉल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता।

शोध प्रकाशन

- डॉ. देवी लाल, वी यकुंतराजू के गौड़ा, वरुणवेंकट एम श्रीनिवासन, उद्धव वी किन्हाल, सहाना एम श्रीनिवास, हिमानी पांडे, नागराजा एम फानी, पवित्रा धायलन, देवी लाल (2025) डीपीएच2-संबंधित विकार के फेनोटाइपिक स्पेक्ट्रम का विस्तार। अमेरिकन जर्नल ऑफ़ मेडिकल जेनेटिक्स: भाग ए 0:e64061। https://onlinelibrary. wiley.com/doi/10.1002/ajmg.a.6406 1?af=R/
- डॉ. देवी लाल, व्यकुंताराजू के गौड़ा, वरुणवेंकट एम श्रीनिवासन, अमीना नैयर, हिमानी पांडे, देवी लाल। (2025)। एक नए PCDH12 वैरिएंट वाले दो भाई-बहनों में नैदानिक और न्यूरोइमेजिंग परिवर्तनशीलता: एक केस रिपोर्ट। क्लिनिकल डिस्मॉर्फोलॉजी, 10.1097। https://journals.lww.com/ clindysmorphol/_layouts/ 15/oaks.journals/downloadpdf

- डॉ. देवी लाल, हिमानी पांडे, डेरिल डब्ल्यूटी टैंग, सनी एच वोंग, देवी लाल (2025)। सूजन आंत्र रोग के वैकल्पिक उपचार में कृमि। इंटेस्ट रिसर्च 23(1):8-22। https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/39916482/
- प्रो. हरदीप कौर, वाधवा, के., कपूर, एन., हरदीप कौर, अबू-सीर, ईए, तारिक, एम., सिद्दीकी, एस., यादव, नियाज़ी, पी., कुमार, पी., अलगामदी, एस. (2024) फंगल सेकेंडरी मेटाबोलाइट्स की विविधता और स्वास्थ्य सेवा और पर्यावरण में उनके उभरते अनुप्रयोगों की एक व्यापक समीक्षा, माइकोबायोलॉजी, 52(6), 335-387. https://doi.org/10.1080/12298093.2024.2416736
- प्रोफ़ेसर हरदीप कौर, जैन, के., वांग, वाई., जैन, पी., कलिता, बी., शिवरात्रि आर., चौहान, एम., हरदीप कौर, चौहान., एन., जू, जे., और चौधरी, ए. (2025) जीनोमिक विश्लेषण से दिल्ली, भारत में एक नवजात गहन देखभाल इकाई में पिचिया कुद्रियावज़ेवी की उच्च विविधता और तेज़ विकास का पता चलता है, एंटीमाइक्रोबियल एजेंट और कीमोथेरेपी 69(3), 1-17. https://doi.org/10.1128/aac.01709-24
- प्रो. हरदीप कौर, जैन, के., मिश्रा, बी., तिवारी, ए., सिद्दीकी, एसआई, अरीशी, एमवाई, हक, एस., चौधरी, ए., हरदीप कौर (2025) बहुऔषधि प्रतिरोधी *कैंडिडा ऑरिस* और *पिचिया कुद्रियावज़ेवी के विरुद्ध समुद्री डायटम से प्राप्त जैवसंश्लेषित सिल्वर नैनोकणों की एंटीफंगल क्षमता,* केमिस्ट्री सेलेक्ट 10(3), 1-11. https://www.researchgate.net/publication/388110564_Antifungal_Potency_of_Biosynthesized_Silver_Nanoparticles_Derived_from_Marine_Diatoms_Against_Multidrug-Resistant_Candida_auris_and_ Pichia_kudriavzevii
- प्रो. हरदीप कौर, शर्मा, एम., सविता, एस., वाधवा, के., मिश्रा, वी., जावेद, एस., रंजन के.आर., राठी, ए.के., हरदीप कौर (2025) पैरा-बेंजोक्विनोन और बेंज़िमिडाज़ोल के पाइरीडीन आधारित जैविक रूप से सक्रिय एंटी-फंगल दवा व्युत्पन्न का प्रायोगिक, स्पेक्ट्रोस्कोपिक विश्लेषण, डीएफटी और आणविक डॉकिंग अध्ययन, जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर वॉल्यूम 1338, 1-13. https://www.sciencedirect.com/ science/article/abs/ pii/S0022286025008968
- डॉ. पूनम द्विवेदी, एल्हम ए. अलज़हरानी1, पूनम द्विवेदी1, बुशरा फातिमा, सुम्बुल हफ़ीज़, शार्फ़ इलाही सिद्दीकी*, सेउंगडे ओह* (2024) डाई क्षरण के लिए Cu-Zn युग्मित हेटेरोजंक्शन फोटोकैटलिस्ट: क्वांटम उपज और योग्यता के आंकड़े के आधार पर प्रदर्शन मूल्यांकन। एल्हम ए. अलज़हरानी1, पूनम द्विवेदी1, बुशरा फातिमा, सुम्बुल हफ़ीज़, शार्फ़ इलाही सिद्दीकी*, सेउंगडे ओह*जर्नल ऑफ़ सऊदी केमिकल सोसाइटी, 28 (3) 101858। https://www.researchgate.net/publication/380166192_Cu-Zn_coupled_heterojunction_

photocatalyst_for_dye_degradation_Performance_evaluation_आधारित_on_the_quantum_yield_and_figure_of_merit

- डॉ. पूनम द्विवेदी, शाहनवाज़ अहमद भट1, सुजीत के. मिश्रा1*, विजय कुमार1, पूनम द्विवेदी1, बुशरा यासीन, यशिका गांधी, हेमंत रावत, चौधरी वेंकट नरसिम्हाजी (2024) एक पुष्प क्रांति: द्विधात्विक नैनोफूलों की क्षमता और उत्प्रेरक प्रतिभा का अनावरण: जर्नल ऑफ क्लस्टर साइंस, खंड 35, 1643-1665. https://link.springer. com/article/10.1007/s10876-024-02629-6
- डॉ. पूनम द्विवेदी, गोयल, एस., रागुई, पी., यादव, ए., रानी, एस., द्विवेदी, पी*., और शर्मा, आरके* (2024) कांगो रेड के प्रभावी निष्कासन के लिए द्विधात्विक Ni/Co-BTC खोखले MOFs का एक सरल संश्लेषण। पृथक्करण विज्ञान और प्रौद्योगिकी, 1-14। https://www.tandfonline.com/doi/full/ 10.1080/ 01496395.2024.2366901
- डॉ. पूनम द्विवेदी, नौफ़ल कोम्बी अब्दुल्ला, एल्हम ए. अलज़हरानी, पूनम द्विवेदी, श्रुति गोयल, मिहिर कुलबे, शर्फ इलाही सिद्दीकी, सेउंगडे ओह* (2024) अमरूद के पत्तों पर MnO2 की सजावट: मेथिलीन ब्लू डाई हटाने के लिए एक टिकाऊ और किफ़ायती सामग्री। हेलिओन 10, e34267। https://www.sciencedirect.com/ science/article/pii/S2405844024102988
- डॉ. पूनम द्विवेदी, राबिया अहमद, एल्हम ए. अलज़हरानी, पूनम द्विवेदी*, सुम्बुल हाफ़िज़, ज्योति देसवाल, बुशरा फातिमा, शार्फ़ इलाही सिद्दीकी और सेउंगडे ओह* (2024) जल उपचार के लिए बायोडिग्रेडेबल एसिड-आधारित Fe2MnO4 नैनोकण। अणु, 29, 3867. https://www.mdpi.com/1420-3049/29/16/3867
- डॉ. पूनम द्विवेदी, नुसरत तारा, एल्हम ए. अलज़हरानी, नाहा मेस्लेट अलसेबाई, पूनम द्विवेदी, अज़्ज़ा ए. अल-गामदी, रीमा एच. अल्दाहिरी, हीप टी. गुयेन, सेउंगडे ओह* और सैफ अली चौधरी* (2025) उपन्यास हाइब्रिड rGO-BC@ZrO2 कम्पोजिट: मेथिलीन ब्लू सोखने के लिए एक सामग्री, पानी, 17, 627. https://www. mdpi.com/2073-4441/17/5/627
- प्रो. सुरेश कुमार, महावर, सचिन; आर्य, अतुल; सिंह, हर्ष; कुमार, सुरेश, यूरोलिथियासिस में प्रयुक्त पूर्वोत्तर भारत के औषधीय पौधों की एक व्यापक समीक्षा, 2024, 9(5). 293-309. https://journals.lww.com/jdra/fulltext/2024/09050/a_comprehensive_review_of_medicinal_plants_of.3.aspx
- प्रो. सुरेश कुमार, सिंह, हर्ष; कुमार, सुरेश और आर्य, अतुल (2024) अजुगा इंटीग्रिफोलिया बुच-हैम पत्तियों के अर्क के जीसी/एमएस विश्लेषण के जीवाणुरोधी, एंटीऑक्सीडेंट और सूजनरोधी गुणों का मूल्यांकन, वैज्ञानिक रिपोर्ट, (2024) 14:16754, 2045-2322, वैज्ञानिक रिपोर्ट, 14:16754. https://www.nature.com/articles/ s41598-024-67133-3

- प्रो. सुरेश कुमार, आर्य, अतुल, कुमार, सुरेश; कैन, डॉली; वंदना, मिकाव्लॉन्ग, खालैंगिक (2024) ड्राइमारिया कॉर्डेटा की मेटाबोलाइट प्रोफाइलैंगिक, एंटीऑक्सीडेंट, एंटीबैक्टीरियल और कार्बोहाइड्रेट हाइड्रोलाइजिंग एंजाइम अवरोध गतिविधियाँ, जर्नल ऑफ हर्बमेड फार्माकोलॉजी, 13(3) 407-419. https://herbmedpharmacol. com/PDF/jhp-13-407.pdf

संपादित पुस्तकों में अध्याय

- चौधरी, बी. (2024). अल्ज़ाइमर और पार्किंसंस रोग में कुछ पारंपरिक भारतीय औषधीय पौधों की तंत्रिका-सुरक्षात्मक क्षमता। एस. मुखर्जी, ए. रामकृष्ण और ए. भट्टाचार्य (सं.), *पादप-आधारित खाद्य पदार्थ और मस्तिष्क स्वास्थ्य पर उनके प्रभाव* (पृष्ठ 112-125)। सीआरसी प्रेस।
- भारद्वाज, ए.आर. और चौधरी, बी. (2025)। गेहूँ के जंगली रिश्तेदार: गेहूँ में शीत सहनशीलता में सुधार के लिए एक अप्रयुक्त आनुवंशिक संसाधन। एम.के. खान, ए. पांडे, एम. हमुरकु और एस. गेजगिन (सं.), *जलवायु परिवर्तन के तहत अजैविक तनाव सहनशीलता विकसित कर रहे गेहूँ के जंगली रिश्तेदार* (पृष्ठ 141-160)। एकेडमिक प्रेस।
- खान, एम.के., पांडे, ए., हमुरकु, एम., ज़रगर, एस.एम., चौधरी, बी. टोपाल, ए. और गेज्गिन, एस. (2025)। आधुनिक गेहूँ में लवणता सहनशीलता में सुधार के लिए गेहूँ की जंगली प्रजातियों की क्षमता। एम.के. खान, ए. पांडे, एम. हमुरकु और एस. गेज्गिन (सं.), *जलवायु परिवर्तन के तहत अजैविक तनाव सहनशीलता विकसित कर रहे गेहूँ के जंगली रिश्तेदार* (पृष्ठ 205-215)। एकेडमिक प्रेस।

अनुसंधान परियोजनाएँ

- प्रोफेसर सुमनजीत को एक शोध परियोजना के लिए 19,00,000/- रुपये की राशि मंजूर की गई है, जिसका शीर्षक है, 'उत्तराखंड और जम्मू और कश्मीर में महिलाओं के डिजिटल समावेशन को बढ़ावा देने में आने वाली बाधाओं का समाधान करना, पीआई, आईसीएसएसआर, 2024-2026।
- डॉ. सत्येन्द्र शुक्ला, हिंदी विभाग को 'विकसित भारत@2047: हिमाचल प्रदेश में पर्यटन उद्यमिता और ग्रामीण महिला सशक्तिकरण-पीआई, आईसीएसएसआर, 2024-2025 के रूप में एक अनुभवजन्य अध्ययन' नामक शोध परियोजना के लिए 12,00,000/- रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

दायर/स्वीकृत पेटेंट

- प्रो. सुरेश कुमार, 'पौधे अकिलिया मिलेफोलियम एल से पृथक जीवाणुरोधी यौगिक' भारतीय पेटेंट कार्यालय, 28 जनवरी 2025, 202111025439, राष्ट्रीय।

आयोजित संगोष्ठियां

- गौधन रिसर्च लैब द्वारा 7 नवंबर 2024 को डॉ. रमाकांत गोयल और डॉ. शुचि वर्मा, रसायन विभाग की अध्यक्षता में *बायो ई 3* (अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और रोजगार) और पंचगव्य पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
- प्रोफेसर हरदीप कौर ने 6-7 फरवरी, 2025 को INSCR और महाविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ऑफ इंडियन नेटवर्क फॉर सॉइल कंटैमिनेशन रिसर्च (INSCR)-2025 और इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन सिलिएट बायोलॉजी (ISCB)-2025 में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

आयोजित सम्मेलन

- दिल्ली विश्वविद्यालय के रामजस महाविद्यालय के रसायन-विज्ञान विभाग ने वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग (सीएसटीटी), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 22-23 नवंबर, 2024 को "सतत विज्ञान और पर्यावरण शब्दावली: पर्यावरण-अनुकूल और तकनीकी भाषा विकास की दिशा में एक कदम" विषय पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया।
- वनस्पति-विज्ञान विभाग द्वारा 20-21 मार्च, 2025 को प्रोफेसर सुरेश कुमार के संयोजकत्व में 'औषधीय पौधों के वैश्विक परिप्रेक्ष्य: पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली से नैनोमेडिसिन तक' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

नियोजन विवरण

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत : 96 (23%)

कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या : 109

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- बिसलेरी के सहयोग से उत्तरी परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें 23 अप्रैल, 2024 को 13.8 किलोग्राम वजन के 15 बैग कचरा एकत्र किया गया।
- जून माह में स्टेशनरी और वस्त्र दान अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें 100 से अधिक लोगों ने भाग लिया।
- जीटीबी नगर स्थित बस्ती के निवासियों को स्टेशनरी का सामान और 150 से अधिक कपड़े दान किए गए।
- 9 अगस्त 2024 को तुलसी वाटिका में वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया, जहां पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए रामजस महाविद्यालय परिसर में तुलसी के पौधे लगाए गए।

- साक्षरता अभियान नवंबर 2024 से मार्च 2025 तक आयोजित किया गया, जहां एनएसएस स्वयंसेवकों ने ट्यूटर सत्रों के माध्यम से वंचित बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच प्राप्त करने में मदद करने की पहल की।
- 31 जनवरी, 2025 को गवर्नमेंट बॉयज सीनियर सेकेंडरी स्कूल, आजादपुर, नई दिल्ली में कैंसर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहां एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा एक नाटक के माध्यम से सिगरेट, तंबाकू और शराब के हानिकारक प्रभावों पर प्रकाश डाला गया, तथा छात्रों को कैंसर के लक्षणों और निवारक उपायों के बारे में जानकारी प्रदान की गई।
- फरवरी, 2025 के महीने में संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा प्रोजेक्ट अमृत: जल संरक्षण पर आयोजित संगोष्ठियां किया गया था और इसमें 100 से अधिक रामजस छात्रों ने भाग लिया और उन्हें जल निकायों के संरक्षण और सतत उपयोग के महत्व, दिल्ली में पानी की कमी के प्रभावों के बारे में जानकारी दी गई।
- मार्च 2025 के प्रथम सप्ताह में, रामजस महाविद्यालय परिसर में छात्रों, शिक्षण कार्मिकों और शिक्षणेत्तर कार्मिकों के लिए तीन दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर लगाया गया। 600 से अधिक लोगों ने निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच कराई।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय का समय सोमवार से शुक्रवार तक प्रातः 9 बजे से रात 8 बजे तक बढ़ा दिया गया है। रामजस पुस्तकालय ने एसओएल, दिल्ली विश्वविद्यालय और इग्नू से बी.ए.लआईएस और एमएलआईएस कर रहे 30 छात्रों को प्रशिक्षित किया है। इंटर्नशिप कार्यक्रम के दौरान यूजी और पीजी छात्रों के लिए एनएएसी और महाविद्यालय पुस्तकालय सेवाओं पर कार्यशालाएं आयोजित की गईं। पुस्तकालय आगंतुकों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है और छात्र अब डीयू ई-पुस्तकालय पर ई-पुस्तकों और ई-पत्रिकाओं के विशाल संग्रह तक पहुँच सकते हैं। महाविद्यालय द्वारा प्रदान की गई रिमोट लॉगिन ईमेल आईडी के माध्यम से बड़ी संख्या में ई-पुस्तकों और ई-पत्रिकाओं तक पहुँच प्रदान करने के लिए एनएलआईएसटी की सदस्यता ली गई थी। संगठन के सीएसआर अनुदान के तहत ओएनजीसी ने पुस्तकालय के जीर्णोद्धार के लिए धन उपलब्ध कराया है और यह 26 मार्च, 2024 से शुरू होगा।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	: 28
एसोसिएट प्रोफेसर	: 33
सहायक प्रोफेसर	: 153
तदर्थ	: 2
अतिथि	: 50

उपयोगित निधियां (₹ करोड़ में) : ₹ 972520340

आवंटित निधियां (₹ करोड़ में) : ₹ 1037295657

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

दो छात्राओं सुश्री कुसुम जैन और सुश्री अनामिका यादव ने प्रो. हरदीप कौर के कुशल मार्गदर्शन में प्राणि-विज्ञान में अपनी पीएच.डी. थीसिस प्रस्तुत की है। एक अन्य छात्र, डॉ. अतुल आर्य को 22 फरवरी, 2025 को आयोजित दिल्ली विश्वविद्यालय के 101वें दीक्षांत समारोह में प्रो. सुरेश कुमार के मार्गदर्शन में वनस्पति-विज्ञान में पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई। रामजस महाविद्यालय के प्राणि-विज्ञान विभाग द्वारा 10-19 जुलाई, 2024 तक 'कीट पारिस्थितिकी और प्रलेखन' विषय पर छात्र इंटर्नशिप 2024 का आयोजन किया गया। रामजस महाविद्यालय की बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणि-विज्ञान की छात्रा चंचल शर्मा ने जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल मैनेजमेंट (इम्पैक्ट फैक्टर: 8) में समान प्रथम लेखक के रूप में अपना शोध प्रकाशित किया।

78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, विकसित भारत @2047 ने 1-15 अगस्त, 2024 तक लाल किला, दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस शिविर का आयोजन किया, जिसमें रामजस महाविद्यालय के सात कैडेटों ने भाग लिया और उन्होंने स्वतंत्रता के 77 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में लाल किले में हो रही तैयारियों में पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। एनसीसी कैडेटों का संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (सीएटीसी) 2024, एनसीसी भवन, रोहिणी में 15 जुलाई, 2024 से 24 जुलाई, 2024 तक पूरे उत्साह के साथ आयोजित किया गया, जो रोमांच, आनंद और कड़ी मेहनत से भरपूर था। कुल मिलाकर, रामजस एनसीसी के 45 कैडेट और हमारी सीटीओ डॉ. हिमानी डेम इस यात्रा में शामिल हुईं। पूरे शिविर के दौरान, कैडेटों ने कई कार्यक्रमों में भाग लिया और कई प्रतियोगिताएं जीतीं। शिविर के व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियां शामिल थीं, जिनमें पोस्टर निर्माण, स्क्वाड ड्रिल, सर्वश्रेष्ठ कैडेट, वृक्षारोपण, टेंट लगाना, फायरिंग, योग व्याख्यान, सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल थे, जिनका उद्देश्य विशिष्ट कौशल और दक्षताओं का विकास करना था।

****

राम लाल आनंद महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

2024-25 में, 14 यूजी कार्यक्रमों में 904 छात्रों, 7 पीजी (हिंदी) छात्रों और 2 पीएच.डी. उम्मीदवारों को कुल मिलाकर 2,533 छात्र (34% महिला प्रतिनिधित्व) में प्रवेश दिया गया। संकाय ने 30 शोध लेख, 5 पुस्तकें और 22 अध्याय प्रकाशित किए, 30 प्रस्तुतियाँ/संगोष्ठी दिए। महाविद्यालय को दिल्ली विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम के अनुसार चीनी और जापानी भाषाओं में यूजी, पीजी (हिंदी), और अंशकालिक प्रमाणपत्र और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए आईएसओ 21001:2018 और आईएसओ 9001:2015 के रूप में सफलतापूर्वक प्रमाणित किया

गया। जीनोमिक्स, सूचना और प्रौद्योगिकी और भूविज्ञान के क्षेत्र में तीन नए कौशल विकास केंद्र स्थापित किए गए। भारतीय ज्ञान प्रणाली, हिमालयन अध्ययन, साइबर सुरक्षा और फोरेंसिक केंद्र में नए केंद्र स्थापित किए गए। आईटी अवसंरचना को 100 नवीनतम डेस्कटॉप, 1 नई भाषा प्रयोगशाला और 11 नए स्मार्ट बोर्ड (कुल 29) के साथ उन्नत किया गया है। वर्ष 2024-25 में, संकायों को पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से 184.53650 लाख, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद से 97.06484 लाख और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से 46.08 लाख रुपये की बाह्य अनुसंधान निधि की स्वीकृति प्राप्त हुई है। वर्तमान में, महाविद्यालय में लगभग 395.17 लाख रुपये की कुल निधि के साथ 4 शोध परियोजनाएँ चल रही हैं।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

- डॉ. अनुभा, प्रबंधन अध्ययन विभाग-18 दिसंबर, 2024 को 15वें अंतर्राष्ट्रीय वार्षिक अनुसंधान सम्मेलन टेक्नोलॉजी एंड बियॉन्ड: बिजनेस सॉल्यूशंस फॉर वन वर्ल्ड एंड वन फ्यूचर में सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट, पुणे द्वारा सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार से सम्मानित।
- डॉ. कीर्ति पुनिया, प्रबंधन अध्ययन विभाग-9-10 अगस्त, 2024 को आयोजित बिजनेस रिसर्च एंड इनोवेशन ब्रेन'24 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एनएसआईटी), नई दिल्ली द्वारा सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार से सम्मानित।
- डॉ. प्रतीक कुमार, इतिहास विभाग-को 1 अगस्त, 2022 से 31 जुलाई, 2024 तक प्रधान मंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय, नई दिल्ली द्वारा फेलोशिप प्रदान की गई।
- डॉ. राजेश कुमार, हिंदी विभाग - 12 मार्च, 2025 को उत्तर प्रदेश पंजाबी अकादमी, लखनऊ द्वारा साहित्य पुरस्कार से सम्मानित।
- डॉ. रौशन लाल मीणा, हिंदी विभाग - को उनके विपुल लेखन और साहित्यिक योगदान के लिए 29 सितंबर, 2024 को निर्मला स्मृति हिंदी साहित्य विशिष्ट पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।
- डॉ. रीना, हिंदी विभाग-25-26 जुलाई, 2024 को एनडीएमसी केंद्र, नई दिल्ली में विश्व हिंदी परिषद द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन श्री अरविंद घोष के साहित्य में राष्ट्रीय चेतना* में सर्वश्रेष्ठ शोध प्रस्तुति पुरस्कार से सम्मानित।
- डॉ. श्यामजीत यादव, इतिहास विभाग-24 फरवरी, 2024 को पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई। थीसिस का शीर्षक: "मध्य भारत की धार्मिक संरचना, संस्थान एवं संप्रदाय का अध्ययन: ग्वालियर एवं बुंदेलखंड के विशेष संदर्भ में (600 से 1200 Iswi)"।

- डॉ. विकास कुमार, इतिहास विभाग-23 दिसंबर, 2024 को पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई। थीसिस का शीर्षक: "गांधीवादी प्रतिमान: दक्षिण अफ्रीका और भारत में जनता की भूमिका-विमर्श को पुनर्स्थापित करना"।
- श्री ताहा यासीन, अंग्रेजी विभाग-न्यू लिटरेरिया-मानविकी में अंतःविषय अध्ययन के एक अंतरराष्ट्रीय जर्नल द्वारा इतिहास, मानविकी और समाज विभाग, रोम विश्वविद्यालय, टोर वेरगाटा, इटली और अंग्रेजी विभाग, कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय, भारत के सहयोग से 4-5 अक्तूबर, 2024 को आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में "धर्मनिरपेक्षता की धर्मनिरपेक्षता और एक धर्मनिरपेक्षता-विरोधी लोकतंत्र" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत करने के लिए प्रशंसा प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।

छात्र

- आकांक्षा रावत, विश्वविद्यालय टॉपर और स्वर्ण पदक 2024 प्राप्तकर्ता, बी.एससी. (ऑनर्स) भूविज्ञान, तृतीय वर्ष की छात्रा।
- बी.एससी. (ऑनर्स) भूविज्ञान तृतीय वर्ष के छात्र अश्विनी कुमार सिंह ने विश्वविद्यालय 2024 में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- बी.एससी. (ऑनर्स) भूविज्ञान-प्रथम वर्ष के छात्र मानसी राणा, आर्यवेंद्र प्रताप और साहिल कुमार ने पृथ्वी 2025 में वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रतिष्ठित स्वर्ण पदक जीता, जो कि भारत का सबसे बड़ा पृथ्वी विज्ञान संगोष्ठी है, जिसका आयोजन 22 मार्च, 2025 को आईआईटी खड़गपुर के भूविज्ञान और भूभौतिकी विभाग द्वारा किया गया।
- कवीन्द्र सिंह मेहता, छात्र बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर विज्ञान --- द्वितीय वर्ष ने 27 दिसंबर, 2024 से 30 जनवरी, 2025 तक करिअप्पा परेड ग्राउंड पर प्रधानमंत्री की रैली में प्रदर्शन किया।
- मानवी चौहान ने 4-23 अक्तूबर, 2024 तक राष्ट्रपति भवन में भारत की एनएसएस इकाई का प्रतिनिधित्व करते हुए कर्तव्य पथ पर मार्च करके महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।
- बी.एम.एस द्वितीय वर्ष की छात्रा नंदिनी उदयवाल ने अकादमिक परामर्श केस स्टडी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता, मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय, 18 अप्रैल, 2024.
- बी.कॉम (ऑनर्स)-प्रथम वर्ष के छात्र ईशान दुबे ने द लार्क इंटरनेशनल एमयूएन, भोपाल, 18-20 अक्तूबर 2024 में प्रथम पुरस्कार जीता।
- ध्रुव गौतम ने फोटोग्राफी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता, राजधानी महाविद्यालय, 19 मार्च 2025.
- सांख्यिकी (ऑनर्स) तृतीय वर्ष के छात्र आयुष शर्मा ने ऑन द स्पॉट फोटोग्राफी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता, बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय, 10 मार्च, 2025.

- गणित (ऑनर्स) प्रथम वर्ष के छात्र ध्रुव ने ऑन द स्पॉट फोटोग्राफी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता, राजधानी महाविद्यालय, 19 मार्च, 2025.
- इतिहास (ऑनर्स) तृतीय वर्ष की छात्रा समृद्धि चौधरी ने ऑन द स्पॉट फोटोग्राफी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता, मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय, 12 अप्रैल, 2025.
- बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास-तृतीय वर्ष के छात्र दिग्विजय आयुष ने पारंपरिक टीम योगासन प्रतियोगिता, राज्य योग और खेल संघ, 8 दिसंबर, 2024 में प्रथम पुरस्कार जीता।
- बी.एससी. (ऑनर्स) प्रथम वर्ष की छात्रा शुभी सिंह ने राज्य योग एवं खेल संघ द्वारा आयोजित लयबद्ध योगासन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता, 8 दिसंबर 2024.
- शेखर सुमन, बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास-प्रथम वर्ष, ने प्रयास 100 मीटर दौड़ में प्रथम पुरस्कार जीता, किरोड़ीमल महाविद्यालय, 4 दिसंबर, 2024.
- बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास-प्रथम वर्ष के छात्र शेखर सुमन ने निबंध लेखन में प्रथम पुरस्कार जीता, एआरएसडी महाविद्यालय, 25 फरवरी, 2025.
- भूविज्ञान (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष के छात्र अर्पित शुक्ला ने दांडी मार्च रोलैंगिक ट्रॉफी के लिए अंतर महाविद्यालय भाषण प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता, गांधी दर्शन, राजघाट, 16 अप्रैल, 2025.
- माइक्रोबायोलॉजी (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष के छात्र उज्जवलकांत सिंह ने 15-17 नवंबर, 2024 को एसजीटी यूनिवर्सिटी में रिसर्च स्कॉलर्स के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रशंसा प्रमाणपत्र जीता।
- माइक्रोबायोलॉजी (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष की छात्रा नियति सभरवाल ने मौखिक प्रस्तुति में दूसरा पुरस्कार जीता, गृह अर्थशास्त्र संस्थान, 4 अप्रैल, 2025.
- बी.कॉम (पी) तृतीय वर्ष के छात्र ऋषभ कुमार और साहिल ने एशियन एजुकेशन ग्रुप, 27 फरवरी-1 मार्च, 2025 में खो-खो में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.कॉम (पी) तृतीय वर्ष के छात्र ऋषभ कुमार और साहिल ने खो-खो, प्रतिस्पर्धा, शहीद राजगुरु महाविद्यालय ऑफ एप्लाइड साइंस में 13-14 फरवरी 2024 को स्वर्ण पदक जीता।
- शेखर सुमन, बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास के छात्र, ने प्रयास 100 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता, किरोड़ीमल महाविद्यालय, 12 अप्रैल, 2025.

शोध प्रकाशन

- अवस्थी, एम.पी., पंत, आर.आर., बिश्वकर्मा, के., राउत, जी.के., पौडेल, जी., काफले, एस., और सिंह, वी.बी. (2025)। कीर्तिपुर नगर पालिका, काठमांडू, नेपाल के तालाब पारिस्थितिकी तंत्र में जल गुणवत्ता मूल्यांकन के लिए बहुभिन्नरूपी सांख्यिकीय तकनीकों और भू-रासायनिक सूचकांकों

का एकीकरण। *सतत जल संसाधन प्रबंधन, 11* (2)। https://doi.org/10.1007/s40899-024-01182-4

- भारद्वाज, एच., और अदलखा, एन. (2025). एक टी लिम्फोसाइट कोशिका में द्वि-आयामी परस्पर निर्भर Ca2+ और IP3 गतिकी. *यूरोपियन फिजिकल जर्नल प्लस, 140* (3). https://doi.org/10.1140/epjp/ s13360-025-06185-4
- चंदा, के., और जैन, एम.आर. (2024). मार्केटिंग में अंतर्ज्ञान का एक ग्रंथसूची विश्लेषण: सहज ब्रांड स्पष्टता का उपयोग करके एक ब्रांड संचार ढाँचा विकसित करना। *भंडारकर ओरिएंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट के इतिहास।* 1, 75-93।
- चंदा, के., और जैन, आर. (2024). दिल्ली-एनसीआर में प्रभावशाली मार्केटिंग पर पीआर एजेंसी के दृष्टिकोण की खोज। *शोधकोश: जर्नल ऑफ विजुअल एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स, 5(5)।* https://doi.org/10.29121/ shodhkosh.v5.i5.2024.4716
- डी ले, एनआर, वर्मा, एन., सिन्हा, डी., गैरेट, ए., ओस्टरबर्ग, एम.के., पोर्टर, डी., विंकलर, एमई (2024). स्ट्रेप्टोकोकस न्यूमोनिया के पाँच समजातीय सीआईएआर-नियंत्रित सीसीएन एसआरएनए, Zn-प्रतिरोध को नियंत्रित करते हैं। *पीएलओएस पैथोजेन्स, 20* (10), e1012165. https://doi.org/10.1371/ journal. ppat.1012165
- गुप्ता, एम., भाटिया, एस., शर्मा, एन., वर्मा, एन., शर्मा, एस.के., और सिंह, आरबी (2025)। रोग की स्थिति के साथ सहसंबंध स्थापित करने के लिए एक अनुकूलित गहन शिक्षण तकनीक का उपयोग करके ब्रेन ट्यूमर का वर्गीकरण। *बायोमेडिकल एंड फार्माकोलॉजी जर्नल, 18* (1), 983-997। https://doi.org/10.13005/ bpj/ 3147
- गुप्ता, एम., वर्मा, एन., शर्मा, एन., सिंह, एस.एन., ब्रोजेन सिंह, आर.के., और शर्मा, एस.के. (2025)। स्तन कैंसर ट्यूमर हिस्टोपैथोलॉजी वर्गीकरण में सटीकता के लिए डीप ट्रांसफर लर्निंग हाइब्रिड तकनीकें। *स्वास्थ्य सूचना विज्ञान और प्रणालियाँ, 13(1),* 20. https://doi.org/10.1007/s13755-025-00337-7
- जैन, एम.आर., और राव, एम. (2024). उच्च शिक्षा में मिश्रित शिक्षा के कार्यान्वयन में प्रयुक्त प्रमुख उपकरण। *शहरी भारत,* 44(1), 38-57।
- जैन, आर., और राव, एम. (2024). उच्च शिक्षा में डिजिटल मार्केटिंग के प्रभाव का एक ग्रंथसूची विश्लेषण। *द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी ऑर्गनाइजेशनल स्टडीज,* 19(1), 123-148। https://doi.org/ 10. 18848/2324-7649/CGP/v19i01/123-148
- खन्ना, एसटी (2024). स्वास्थ्य सेवा में मौखिक कैंसर रोग का पता लगाने और उपचार पद्धति के लिए व्याख्यात्मक एआई एकीकृत फ़ज़ी नियम-आधारित मशीन लर्निंग और अरैखिक भिन्नता असमानताएँ। *अरैखिक भिन्नता असमानताओं में प्रगति। एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 28(1s),* 362-376। https://doi.org/10. 52783/ anvi.v28.2439

- किशोर, एल., शर्मा, ए., और त्रिपाठी, ए.एस. (2025)। मिर्गी महामारी विज्ञान पर एक समीक्षा, कोविड-19 महामारी की शुरुआत से पहले 2010-2019 तक इसके उपायों, डेटा स्रोतों और रोग के वैश्विक बोझ पर केंद्रित है। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फार्मा एंड बायो साइंसेज, 16(1),* 1-12। https://doi.org/10.22376/ ijpbs. 2025.16.1.p1-12
- कुमार शर्मा, एन., शाहिद, एस., कुमार, एस., शर्मा, एस., कुमार, एन., गुप्ता, टी., और कुमार गुप्ता, आर. (2024). XAI-VSDoA: संज्ञाहरण की गहराई का आकलन करने के लिए महत्वपूर्ण संकेतों का उपयोग करके एक व्याख्यात्मक AI-आधारित योजना। *IEEE एक्सेस: प्रैक्टिकल इनोवेशन, ओपन सॉल्यूशंस, 12,* 119185-119206। https://doi.org/10.1109/access.2024.3449704
- कुमारी, एस.पी., पोडिया, एम., हुड्डा, एस., दीवान, पी., और गुप्ता, आर.के. (2025)। मेटाजीनोमिक्स के लिए बायोएरोसोल से जीवाणु डीएनए को अलग करने की एक प्रभावी विधि। *एरोसोल विज्ञान और प्रौद्योगिकी: द जर्नल ऑफ़ द अमेरिकन एसोसिएशन फ़ॉर एरोसोल रिसर्च, 59(5),* 595-607। https://doi.org/10. 1080/ 02786826.2024.2410037
- मल्होत्रा, पी., जैन, एस., शर्मा, आर., पाहुजा, ए., गोयल, आर., शर्मा, ए., और कपूर, जी. (2025)। बाल कैंसर से बचे लोगों में फुफ्फुसीय शिथिलता के पैटर्न और जोखिम कारकों का एक केस-कंट्रोल विश्लेषण: निम्न-मध्यम आय वर्ग में एक एकल केंद्र अध्ययन। *बाल चिकित्सा रक्त विज्ञान और ऑन्कोलॉजी, 42* (2), 104-114. https://doi.org/10.1080/08880018.2025.2456934
- मोदी, डी., जोशी, पी., अंतिल, एम., गुप्ता, आर.के., और गुप्ता, वी. (2024). चिकित्सीय हस्तक्षेपों के लिए ESKAPE रोगजनकों के काइनेजों की अंतर्दृष्टि। *औषधीय रसायन-विज्ञान में हृदय और रक्त संबंधी एजेंट,* 22(3), 276-297। https://doi.org/10.2174/0118715257267497231128093529
- मुखर्जी, पी., शर्मा, आर.एस., रावत, डी., शर्मा, यू., कर्माकर, एस., यादव, ए., और मिश्रा, वी. (2024). सूक्ष्मजीव समुदाय जल-तलछट प्रणाली में अम्लीय नारंगी 7 और क्रिस्टल वायलेट रंगों के प्रवाह को संचालित करते हैं। *जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल मैनेजमेंट,* 351(119699), 119699। https://doi.org/10.1016/ j.jenvman.2023.119699
- सपरा, डी., खन्ना, एसटी, तंगरी, वी., जौहरी, ए., और गुप्ता, जी. (2024). युवाओं पर ओवर-द-टॉप (ओटीटी) प्लेटफॉर्म के प्रभाव का आकलन: एक सर्वेक्षण प्रश्नावली अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट सिस्टम्स एंड एप्लीकेशन इन इंजीनियरिंग,* 12(4), 3122-3135।
- सिंह, वीबी, पंत, एनसी, बिस्वाल, के., यादव, एस.के., और कमल, वी. (2025)। पश्चिमी हिमालय, भारत के गग्लू ग्लेशियर के जलग्रहण क्षेत्र में जल-भू-रसायन, CO2 उपभोग दर और

निलंबित तलछट प्रवाह का आकलन। *भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की कार्यवाही।* 1-18। https://doi.org/10.1007/s43538-025-00426-x

- वर्मा, एस., और शरण, ए. (2024). बायोमार्कर का अनावरण: कैंसर के प्रमुख लक्षणों की पहचान। ईएआई *समर्थित व्यापक स्वास्थ्य और प्रौद्योगिकी लेनदेन, 10,(1)।* https://doi.org/10.4108/eetpht.10.5649
- यादव, पी., कुमारी, एस.पी., हुड्डा, एस., गुप्ता, आर.के., और दीवान, पी. (2024). शॉटगन विधि का उपयोग करके दिल्ली, भारत में स्थित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट के इनफ्लुएंट और एफ्लुएंट के माइक्रोबायोम और रेसिस्टोम का तुलनात्मक मूल्यांकन। *जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल मैनेजमेंट, 369* (122342), 122342। https://doi.org/10.1016/j.jenvman.2024.122342
- यासीन, टी. (2024) 'बोली से परे और दृश्य से परे-'एकजुटता' एक भाषा और सत्य दोनों है: मीनल डेव की "दुःस्वप्न" पढ़ना। *पुस्तकालय प्रोग्रेस इंटरनेशनल,* 44(3), 27279-27285

पुस्तकें/अध्याय

- कुहाड़, यू., पाल, ए., कुमार, एस., और कुहाड़, आरसी (2024). अनुसन्धान के अपरिहर्य तत्व (भारतीय ज्ञान परम्परा के आलोक में)। वैदिक वाग ज्योति, आईएसएसएन 2277-4351, 12 (22)। 74. https://www.gkv.ac.in/wp-content/uploads/2024/09/Vag-Jyotih-DP-23.pdf
- भारद्वाज, डी. (2025)। मेघा मजूमदार और अखिल शर्मा। एम. जैदका, टी.एन. धर, और एन. वशिष्ठ (सं.) में, प्रवासी भारतीय अंग्रेजी लेखन का विश्वकोश शब्दकोश (978-981-96-0045-8)। स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर। https://link.springer.com/book/9789819600441
- कुमार, जे. (2024). प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के तहत भारत-इजरायल संबंध। प्रधान, प्रशांत और चिनॉय, सुजन (सं.) में, पश्चिम एशिया के प्रति भारत की नीति: मोदी युग। पेंटागन प्रेस, भारत। आईएसबी.ए.न 978-81-968722-2-9. https://www.idsa.in/publisher/book/indias-policy-towards-west-asia-the-modi-era/
- वर्मा, एस., अहमद, ओ., और शरण, ए. (2024). बायोमेडिकल डोमेन में मल्टीलेबल टेक्स्ट वर्गीकरण। बायोमेडिकल डेटा के लिए टेक्स्ट माइनिंग दृष्टिकोण में (पृष्ठ 299-326)। सिंगापुर: स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-97-3962-2_14
- वर्मा, एस., और गुप्ता, वाई. (2024). बायोमेडिकल टेक्स्ट डेटा विज़ुअलाइज़ेशन. बायोमेडिकल डेटा के लिए टेक्स्ट माइनिंग दृष्टिकोण में (पृष्ठ 105-114). सिंगापुर: स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर. https://doi.org/10.1007/ 978- 981-97-3962-2_6
- वाधवा, एम., गुप्ता, एन., और माद्रिया, एस. (2023, नवंबर)। यूएवी के लिए ऑनलाइन डायनेमिक पाथ प्लानर। मोबाइल और सर्वव्यापी प्रणालियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में:

कंप्यूटिंग, नेटवर्किंग और सेवाएँ (पृष्ठ 294-315)। चैम: स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंड। https://doi.org/10.1007/978-3-031-63992-0_20

- खन्ना, एसटी, खत्री, एसके, और शर्मा, एनके (2024, जुलाई)। EXAIOC: मौखिक कैंसर के निदान और निदान के लिए व्याख्यात्मक AI-शीघ्र पहचान और उपचार योजना के लिए एक अनुप्रयोग-केंद्रित दृष्टिकोण। इंटेलिजेंट और फ़ज़ी सिस्टम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में (पृष्ठ 223-237)। चैम: स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंड। https:// doi.org/ 10.1007/978-3-031-70018-7_25
- रैना, डी., कुमार, डी., खासा, ए.एस., मारवाह, एम., हुड्डा, एस., और स्वामी, एस. (2025)। पर्वतीय जल संसाधन: जलवायु चुनौतियों के बीच सूक्ष्मजीवीय गतिशीलता, पारिस्थितिक लचीलापन और सतत प्रबंधन रणनीतियों को समझना। पर्वतीय क्षेत्रों में जल संसाधन प्रबंधन, 181-206। https://doi.org/10.1002/ 9781394249619.ch10
- दास, एस., वर्मा, ए., शर्मा, एस.के. और वर्मा, एन. (2025)। भारतीय हिमालयी क्षेत्रों में जल संसाधनों का जैव-भू-रासायनिक लक्षण वर्णन। पर्वतीय क्षेत्रों में जल संसाधन प्रबंधन में (संपादक वी.बी. सिंह, एस. माधव, आर.के. गुप्ता, पी. दीवान और ए. कुमार), 161-180। https://doi.org/10.1002/9781394249619.ch9
- कपूर, एस., वर्मा, एन., चरक, एच., दत्ता, के., गुप्ता, ए., और गुप्ता, वी. (2024). लचीली फफूंद सामग्री: एक औद्योगिक परिप्रेक्ष्य। सतत हरित प्रौद्योगिकियों के लिए माइक्रोबियल दृष्टिकोण में (पृष्ठ 154-175)। सीआरसी प्रेस। https://doi.org/10.1201/9781003407683-8
- पात्रा, एस., वर्मा, एन., प्रिया, एस., गुप्ता, ए., और गुप्ता, वी. (2024). सतत विकास के लिए जैव-नियंत्रण कारक के रूप में सूक्ष्मजीव। सतत हरित प्रौद्योगिकियों के लिए माइक्रोबियल दृष्टिकोण में (पृष्ठ 196-218)। सीआरसी प्रेस। http://dx.doi.org/10.1201/9781003407683-10
- पांडे, पी. (2025)। भू-विरासत और भू-विविधता के संरक्षण के लिए एक सतत दृष्टिकोण: उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले के पटिया गाँव समूह का एक केस स्टडी। भारत के भू-संरक्षण और भू-पर्यटन क्षमता में, त्रिपाठी एस, पंत एनसी और राजोरा एस. (संपादक)। स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंड। https://link.springer.com/book/ 9783031810169#overview
- लाल, आर. (2025). भू-विरासत और भू-पर्यटन के संदर्भ में लद्दाख की झीलें और पुरा-झीलें। भारत के भू-संरक्षण और भू-पर्यटन की संभावनाओं में, त्रिपाठी एस., पंत एन.सी. और राजोरा एस. (सं.)। स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंड। https://link.springer.com/book/9783031810169#overview
- सिंह, पी., मजूमदार, एम.डी., और बाबू, एस. (2024). प्रोजेक्टिव ज्योमेट्री का उपयोग करके मैप करने योग्य लगभग ऑर्थोगोनल ऐरे: एक गणितीय दृष्टिकोण, गणित और कंप्यूटर विज्ञान

में: समकालीन विकास खंड 1, पृष्ठ 52-67, अल-सईद मोहम्मद और अबू-दहाब खेदरी (संपादक), 1, 52-67. https://doi.org/10.9734/bpi/ mcscd/v1/728

पुस्तकें: (5)

- सिंह, वीबी, माधव, एस., गुप्ता, आर.के., दीवान, पी., और कुमार, ए. (सं.) (2025). पर्वतीय क्षेत्रों में जल संसाधन प्रबंधन. जॉन विले एंड संस. https://onlinelibrary.wiley.com/doi/book/10.1002/9781394249619
- सिंह, वीबी, माधव, एस., पंत, एनसी, और शेखर, आर. (सं.) (2024). प्राकृतिक वातावरण में अपक्षय और अपरदन प्रक्रियाएँ। जॉन विले एंड संस। https://onlinelibrary.wiley.com/doi/book/ 10.1002/ 9781394157365
- दत्ता, एस., और डॉ. अनुभा सैनी, ए. (सं.). (2024). HEIs में अनुसंधान का भविष्य: विकसित भारत का एक रोडमैप। भारती प्रकाशन. https://doi.org/10.70381/978-93-48059-89-5.2024
- आनंद, एस. (सं.) (2025). कविता की ज़िद. बुकलीफ़ पब्लिशिंग. https://onlinelibrary.bookleafpublishing/ kavitakizid/book/9367398808
- कुमार, आर. (2024). प्राचीन विश्व में सामाजिक संरचनाएँ: मानव विकास से लेकर यूनानी सभ्यता तक. टेलर एंड फ़्रांसिस. https://www.routledge.com/Social-Formations-in-the-Ancient-World/9781032625164

अनुसंधान परियोजनाएँ

- डॉ. निधि वर्मा को "डिकोडिंग द ब्रेन माइक्रोबायोम कनेक्शन: एक्सप्लोरिंग द इंटरप्ले ऑफ गट माइक्रोबायोटा एंड माइटोकॉन्ड्रियल डिसफंक्शन फॉर डेवलपमेंट ऑफ नोवल बायोमार्कर्स फॉर पार्किंसंस डिजीज" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹9706000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि 5 मार्च, 2025 से 4 मार्च, 2028 तक है।
- माइक्रोबायोलॉजी विभाग की सुश्री साक्षी को "उपयोगकर्ता-केंद्रित मानव खतरा खुफिया विश्लेषण के लिए साइबर-फोरेंसिक ढाँचा" नामक शोध परियोजना के लिए सह-पीआई के रूप में ₹4608000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि 23 दिसंबर 2024 से 22 दिसंबर 2026 तक है।
- इतिहास विभाग के प्रो. राकेश कुमार को “पिथौरागढ़ और कुमाऊँ हिमालय के पड़ोसी जिलों में सतत भू-पर्यटन और वैश्विक भू-पार्क का विकास” नामक शोध परियोजना के लिए ₹18529840 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु

परिवर्तन मंत्रालय द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि 21 मार्च 2025 से 20 मार्च 2028 तक है।

दायर/स्वीकृत पेटेंट

- सुश्री मनीषा वाधवा, सुश्री साक्षी। डिजिटल मार्केटिंग के लिए एआई आधारित उपकरण। सुश्री मनीषा वाधवा, सुश्री साक्षी। 415884-001। 24/06/2024. राष्ट्रीय
- डॉ. अनुभा, सुश्री सुप्रिया कामना। मेटावर्स मार्केटिंग डेटा विश्लेषण के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता-आधारित प्रणाली। 436097-001। 11/12/2024. राष्ट्रीय
- प्रो. राकेश कुमार गुप्ता, प्रो. प्रेरणा दीवान, डॉ. सुनीला। बायोएरोसोल से मेटाजीनोमिक डीएनए निकालने की एक विधि। 202411010372। राष्ट्रीय

आयोजित संगोष्ठियां

- "स्वायत्तता और अनुरूपता: विक्टोरियन साहित्य में इच्छा, अपराध और महिला अनुभव" पर राष्ट्रीय संगोष्ठीमुख्य वक्ता आर्यभट्ट महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर बी. मंगलम थे।
- 24 फरवरी 2025 को भारतीय ज्ञान प्रणाली केंद्र द्वारा आयोजित संगोष्ठी; प्रो. फणीन्द्र चौधरी ने 'पंचांग का वैज्ञानिक स्वरूप' पर व्याख्यान दिया।
- साइबर सुरक्षा एवं फोरेंसिक केंद्र ने 21 मार्च 2025 को एक साइबर सुरक्षा जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया; एसीपी मनोज कुमार, एसीपी, आईएफएसओ दिल्ली पुलिस ने एक व्याख्यान दिया और छात्रों और शिक्षकों के साथ बातचीत की।
- गणित विभाग ने 3 अक्तूबर, 2024 को 'एआई के साथ रोजमर्रा की चुनौतियों को सुलझाने वाला इंटेलिजेंस समीकरण' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया; डेटा विज्ञान और एआई/एमएल के निदेशक डॉ. रंजन गुप्ता ने व्याख्यान दिया।
- जामिया मिलिया इस्लामिया के गणित विभाग ने 21 अक्तूबर, 2025 को एक संगोष्ठी का आयोजन किया; जामिया मिलिया इस्लामिया के गणित विभाग के सहायक प्रोफेसर: डॉ. इज़हार उद्दीन ने 'मेट्रिक स्पेस का एक बुनियादी परिणाम और इसके अनुप्रयोग' पर एक व्याख्यान दिया।

आयोजित सम्मेलन

- "प्रवासी साहित्य: पहचान और संवेदना" नामक सम्मेलन 21-22 मार्च, 2025 तक आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

- एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, सांख्यिकी विभाग की प्रोफेसर सीमा गुप्ता ने समन्वयक के रूप में कार्य किया।

- 1 अगस्त, 2024 को हेल्दी एजिंग इंडिया के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। सांख्यिकी विभाग की डॉ. रीता जैन ने सामुदायिक आउटरीच के लिए समन्वयक के रूप में कार्य किया।
- 1 अगस्त, 2024 को लाडली फाउंडेशन के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें सांख्यिकी विभाग की डॉ. रीता जैन को सामुदायिक आउटरीच के लिए समन्वयक बनाया गया।
- 16 अक्तूबर 2024 को आईआईटी दिल्ली के वर्चुअल लैब्स के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। कंप्यूटर विज्ञान विभाग की सुश्री साक्षी तारेश खन्ना नोडल अधिकारी थीं। इस सहयोग के परिणामस्वरूप 16 अक्तूबर को वर्चुअल लैब्स पर एक कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें 130 छात्रों ने भाग लिया।
- 2024 को सेंट एडमंड्स महाविद्यालय, शिलांग के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। माइक्रोबायोलॉजी विभाग की प्रो. प्रेरणा दीवान समन्वयक के रूप में कार्यरत हैं। इस समझौता-ज्ञापन के उद्देश्य हैं: 1. अनुसंधान परियोजनाओं में सहयोग, विचारों का आदान-प्रदान, सम्मेलन और संगोष्ठी का आयोजन, 2. संकाय और छात्रों का आदान-प्रदान।
- 2024 को नॉर्थ ईस्ट कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, गुवाहाटी, असम के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। माइक्रोबायोलॉजी विभाग की प्रो. प्रेरणा दीवान समन्वयक के रूप में कार्यरत हैं। एमओयू के उद्देश्य हैं: 1. अनुसंधान परियोजनाओं में सहयोग, विचारों का आदान-प्रदान, सम्मेलन और संगोष्ठी का आयोजन, 2. संकाय और छात्रों का आदान-प्रदान।

नियोजन विवरण

- नियोजन जारी हैं और 2024-25 की नवीनतम जानकारी के अनुसार, 150 में से 89 इंटर्नशिप हुईं (59%) और 21 में से 7 नियोजन हुए (33.3%)
- कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या: 90

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- स्पिक मैके आरएलएसी चैप्टर के विरासत 2025 में तीन मनमोहक प्रस्तुतियों–पंडित पार्थो सरोथी द्वारा सरोद, पं. राजेंद्र गंगानी द्वारा कथक, और उस्ताद अनवर खान लंगा द्वारा राजस्थानी लोक नृत्य–के माध्यम से भारतीय कला और संस्कृति का उत्सव मनाया गया। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता श्री चंद्र भूषण कुमार द्वारा मधुबनी कला कार्यशाला, एक प्रेरणादायक व्याख्यान, चार्ली चैपलिन की प्रतिष्ठित फिल्म "मॉडर्न टाइम्स" का प्रदर्शन और एक हेरिटेज वॉक ने इस कार्यक्रम को समृद्ध बनाया और भारत की पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों की गहरी समझ प्रदान की।

- सरकार के प्रमुख प्रयास उन्नत भारत अभियान के तहत, महाविद्यालय ने अपनी आउटरीच पहल के तहत अल्मोड़ा ज़िले के पाँच गाँवों–पिल्खा, कोट्युरा, पाटिया, भटगाँव और कसून–को गोद लिया है, जहाँ करियर मार्गदर्शन, संचार कौशल, पर्यावरण-पर्यटन, भू-विरासत संरक्षण और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता को बढ़ावा दिया जाएगा। इन गतिविधियों में सत्ताईस छात्रों और चार संकाय सदस्यों ने भाग लिया।
- महाविद्यालय ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी के साथ 11 से अधिक कार्यशालाओं, सम्मेलनों और संगोष्ठियों का आयोजन किया, जिससे शैक्षणिक संवाद समृद्ध हुआ। अनुभवात्मक शिक्षण में 300 छात्रों के लिए क्षेत्रीय भ्रमण शामिल थे, जैसे कि भूविज्ञान के छात्रों द्वारा खनिज अध्ययन के लिए नारनौल-खेतड़ी और अल्मोड़ा की यात्रा, परमाणु खनिज निदेशालय का दौरा और राष्ट्रपति भवन में भूविज्ञान पुरस्कार समारोह में भाग लेना। राजनीति-विज्ञान के छात्रों ने प्रधानमंत्री पुस्तकालय एवं संग्रहालय का दौरा किया।
- एनएसएस, एनसीसी और अन्य समितियों के तहत, स्वच्छता, स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य पर जागरूकता अभियान चलाए गए, जिनमें 500 से ज़्यादा छात्रों ने वृक्षारोपण, सामग्री दान अभियान और स्वच्छता ही सेवा जैसे अभियानों में भाग लिया। एनएसएस ने जैसलमेर में एक विशेष शिविर आयोजित किया, जबकि एनसीसी कैडेट सीपीएल साक्षी ने अंतर-महाविद्यालयीय प्रतियोगिताओं में प्रशंसा अर्जित की। ये प्रयास समग्र विकास और सामुदायिक सहभागिता के प्रति महाविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

पुस्तकालय विकास

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए पुस्तकों हेतु 12,97,000/- रुपये आवंटित किए गए। कुल 1511 नई पुस्तकें (पाठ्य और संदर्भ) खरीदी गईं, जिनकी कुल राशि 11,88,655/- रुपये है। विभिन्न ई-संसाधनों तक पहुँच के लिए प्रत्येक छात्र को एन-सूची सदस्यता प्रदान की गई है। पुस्तकालय द्वारा नियमित रूप से 40 पत्रिकाएँ और 16 समाचार-पत्र खरीदे जाते हैं। जरूरतमंद छात्रों के लिए मुख्य पाठ्यक्रमों के लिए पुस्तकों/पाठ्यसामग्री का पूरा सेट उपलब्ध कराने हेतु एक बुक बैंक सुविधा विकसित की गई है। दिव्यांग छात्रों के लिए सुगम पुस्तकालय की सदस्यता भी प्रदान की जाती है।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	: 17
एसोसिएट प्रोफेसर	: 10
सहायक प्रोफेसर	: 79
अतिथि	: 10
कुल	: **116**

उपयोगित निधियां (₹ करोड़ में): ₹ 45.07

आवंटित निधियां (₹ करोड़ में) : ₹ 43.73

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

राम लाल आनंद महाविद्यालय ने विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों के माध्यम से नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देना जारी रखा। महाविद्यालय ने अपने एंटरप्रेन्योरशिप एंड टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट सेंटर के तहत कई स्टार्टअप को बढ़ावा दिया और उभरते उद्यमियों को ज़रूरी सहायता और संसाधन उपलब्ध कराए। 'केस और अनुमानों को सुलझाना', डिजिटल मार्केटिंग और डेटा एनालिटिक्स, मधुबनी आर्ट, सेल्फ-डिफेंस, भावनात्मक और मानसिक स्वास्थ्य, आदिवासी और समलैंगिक कहानियों के माध्यम से लैंगिक चर्चा में भेदभाव को समझना और ई-फाइलैंगिक जैसे विभिन्न विषयों पर कुल 11 कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। ये कार्यशालाएँ संस्थान की छात्रों के सर्वांगीण विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। प्रिंसिपल प्रो. राकेश कुमार गुप्ता को 13-19 जनवरी, 2025 को आयोजित प्रतिष्ठित खो-खो वर्ल्ड कप में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था, जहाँ उन्हें विजेताओं को पदक प्रदान करने का सम्मान मिला। इसके अलावा, राम लाल आनंद महाविद्यालय की ड्रामा सोसाइटी 'हसरतईन' ने 3 फरवरी, 2025 को आईआईटी गुवाहाटी के वार्षिक उत्सव अल्चेरिंगा के दौरान आयोजित नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता हल्ला बोल में दूसरा स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। उनकी वार्षिक स्ट्रीट प्रोडक्शन 'मैं ना सहता' (2024-25) ने अपनी प्रभावशाली कहानी और शानदार प्रदर्शन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और देश की कुछ बेहतरीन थिएटर टीमों में से एक के रूप में उभरी।

****

सत्यवती महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

महाविद्यालय को "पर्यावरण-अनुकूल महाविद्यालय पुरस्कार" से सम्मानित किया गया है। पर्यावरण अध्ययन विभाग को समग्र पर्यावरण शिक्षा एवं जागरूकता पुरस्कार (2024-25) प्राप्त हुआ। केंद्रीय संस्कृत एवं संस्कृत भारती के सहयोग से 15 से 17 नवंबर, 2024 तक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संस्कृत महिला बुद्धिजीवी सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में 200 से अधिक विद्वानों ने भाग लिया।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

डॉ. अनुपम सनी को 2004 में “द ग्रीन गाइड अवार्ड” से सम्मानित किया गया।

वाणिज्य विभाग की प्रो. सीए आभा माथुर को कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के वेलफ्रेड फाउंडेशन द्वारा 10 दिसंबर, 2024 को "सावित्री बाई फुले लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड" से सम्मानित किया गया है। उन्हें बिज़नेस स्कूल मामलों के विभाग द्वारा 22 नवंबर, 2024 को "डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राष्ट्रीय शिक्षाविद् पुरस्कार, 2024" और "सर्वाधिक प्रभावशाली प्रोफेसर पुरस्कार" तथा देवांग मेहता राष्ट्रीय शैक्षिक नेतृत्व पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है।

छात्र

विनमका ने अंतर महाविद्यालय मेहंदी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.ए. (ऑनर्स)- (प्रथम वर्ष) की छात्रा दिव्यांजलि मिश्रा ने श्रद्धा तरंग 2025 में ओडिसी नृत्य में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.कॉम. (ऑनर्स)-(तृतीय वर्ष) की छात्रा दीया नागपाल ने एनएसएस में मोनोएक्ट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

शोध प्रकाशन

भाटिया, टी. (2024). महिलाओं द्वारा नई कृषि तकनीकों को अपनाना: स्थिरता के मार्ग. अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक अनुप्रयुक्त वैज्ञानिक अनुसंधान जर्नल.

डैन, आई. (2024). भारत के सतत विकास के लिए एक दृष्टिकोण. वैज्ञानिक दृष्टिकोण.

ढींगरा, ए. (2024). सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने में संविधान की भूमिका. योजना जर्नल

ढींगरा, ए. (2024). राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भाषा अस्मिता विमर्श। गवेष्णा जर्नल।

गोस्वामी, ए. (2024). भारतीय शेयर बाजार में खुदरा निवेशकों के व्यवहारिक पूर्वाग्रहों के सैद्धांतिक ढाँचे का अनुप्रयोग। जर्नल ऑफ एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन: थ्योरी एंड प्रैक्टिस

महाजन, डी. (2025). सीटी छवियों में फेफड़ों के नोड्यूल के सटीक विभाजन के लिए एक 3डी अवशिष्ट नेटवर्क-आधारित दृष्टिकोण। जर्नल ऑफ रेडिएशन रिसर्च एंड एप्लाइड साइंसेज।

रुकनुद्दीन, एमडी (2025)। साबिर गुदार: मॉरीशस में उर्दू ज़बान ओ अदब का अंधेरा सितारा। तरजीहाट

सेठ, ए. (2024). शिक्षाप्रियदर्शिनी, अंतर्राष्ट्रीय सहकर्मी-समीक्षित बहुभाषी अर्ध-वार्षिक शोध पत्रिका, 19, आईएसएसएन: 2454-1230.

सेठ, ए. (2024). शिक्षाप्रियदर्शिनी, अंतर्राष्ट्रीय समकक्ष-समीक्षित बहुभाषी अर्धवार्षिक शोध पत्रिका, 21, आईएसएसएन: 2454-1230.

शाहीन, बी. (2025)। ज़बान और हिंदुस्तानी मुश्तरका तहज़ीब। तरजीहाट

सिंह, वी.एन. (2024). मॉरीशस राष्ट्र निर्माण में भारतीय प्रवासी. पुस्तकालय ऑफ़ प्रोग्रेस-पुस्तकालय साइंस, सूचना प्रौद्योगिकी और कंप्यूटर, 44 (3).

सनी, ए., सिंह, पी., दिवाकर, एस., और शर्मा, जी.पी. (2024). देशी और विदेशी पादप प्रजातियों से ओइकेन्थस इंडिकस के पुकारने के पैटर्न का वर्णन। पीयरजे, 11, ई16153।

अनुसंधान परियोजनाएँ

डॉ. अनुपम सनी को 'कार्यस्थल में पर्यावरणीय चेतना' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹ 8,00,000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएसएसआर द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि अप्रैल 2025 से अप्रैल 2026 तक है।

पर्यावरण विज्ञान विभाग के डॉ. अनुपम सनी को 'प्रकृति के साथ सक्रिय जुड़ाव के माध्यम से स्थिरता को बढ़ावा देना' नामक शोध परियोजना के लिए CO-PI के रूप में ₹ 1,00,000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान SGGSCC, दिल्ली विश्वविद्यालय; P.Code: COE-305; 2024 द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि अप्रैल 2024 से अप्रैल 2025 तक है।

इतिहास विभाग की डॉ. स्वस्ति अल्पना को 'अव्यक्त की अभिव्यक्ति: मधुबनी और वारली लोक कला' नामक शोध परियोजना के लिए सह-प्रमुख के रूप में ₹16,00,000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएसएसआर द्वारा प्रदान किया गया है और अप्रैल 2025 से अप्रैल 2027 तक की अवधि के लिए है।

इतिहास विभाग के डॉ. चंदन कुमार को "मध्य एशिया में भारतीय ज्ञान प्रणाली (बुद्ध धम्म) का विस्तार" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹9,00,000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएसएसआर द्वारा प्रदान किया गया है और अप्रैल 2025 से अप्रैल 2026 तक की अवधि के लिए है।

पुस्तकें

- राज, डी. (2025). *इमोशनल इंटेलिजेंस.* गलगोटिया पब्लिशिंग कंपनी. दरियागंज, नई दिल्ली
- राज, डी. (2025). *सोशल मीडिया मार्केटिंग.* गलगोटिया पब्लिशिंग कंपनी. दरियागंज. नई दिल्ली
- माथुर, ए. (2024). *बिज़नेस ऑर्गनाइज़ेशन एंड मैनेजमेंट* (दूसरा संस्करण). टैक्समैन
- माथुर, ए. (2024). *बिज़नेस ऑर्गनाइज़ेशन एंड मैनेजमेंट* (दूसरा संस्करण). टैक्समैन
- मीना, ए.आर. (2024). *प्रेम और सशक्तिकरण की कविता* (प्रथम संस्करण). बुकलीफ़ पब्लिशिंग
- मीना, ए.आर. (2024). *एक युग की शुरुआत.* लेखक की जेब

- अहमद, ए. (2024). *बकियात-ए-शकीलुर्रहमान।* NCPUL
- सिंह, एस. (2024). *अयोध्या राम मंदिर: भारत की राम-राज्य की खोज* (प्रथम संस्करण). रूपा पब्लिकेशंस इंडिया
- सिंह, एस. (2024). *मोदीवादी सहमति: भारत की पुनर्खोज.* ब्लूऑन इंक प्राइवेट लिमिटेड

आयोजित संगोष्ठियां

- सहायक प्रोफेसर: डॉ**.** अनुपम सनी ने अगस्त **2024** में **'**एनईपी को समझना-क्रेडिट और मूल्यांकन**'** विषय पर एक संगोष्ठी**/**भाषण दिया।
- सहायक प्रोफेसर: डॉ. अनुपम सनी ने 1 अक्तूबर 2024 को 'आक्रामक विदेशी प्रजातियां: प्रकृति के बिन बुलाए अतिथि ' विषय पर एक संगोष्ठी/भाषण दिया।
- सहायक प्रोफेसर: डॉ. अनुपम सनी ने 6 अगस्त 2024 को 'एनईपी के तहत मूल्यांकन' पर एक संगोष्ठी/वार्ता दी।
- डॉ. अनुपम सनी, सहायक प्रोफेसर:, ने 7 अक्तूबर 2024 को "मूक आक्रमणकारी: आक्रामक प्रजातियां और शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आवास विनाश को तेज करने में उनकी भूमिका" विषय पर एक संगोष्ठी/भाषण दिया।
- डॉ. चैना मीना, सहायक प्रोफेसर ने 5 जुलाई, 2024 को 'हिन्दी आत्मकथाएँ और महिला साहित्यकार' विषय पर एक संगोष्ठी/वार्ता दी।
- डॉ. चैना मीना, सहायक प्रोफेसर ने 30 दिसंबर 2024 को 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति और हिंदी का संदर्भ' विषय पर एक संगोष्ठी/वार्ता दी।
- डॉ. फ़ैयाज़ आलम, सहायक प्रोफेसर: ने 21 नवंबर, 2024 को 'उर्दू ग़ज़ल समत ओ रफ़्तार' पर एक संगोष्ठी/वार्ता दी।
- डॉ**.** मुनेश कुमार यादव**,** सहायक प्रोफेसर: ने 10 मार्च 2024 को 'सामाजिक विमर्श एवं हिंदी सिनेमा' पर एक संगोष्ठी/वार्ता दी।
- डॉ**.** मुनेश कुमार यादव**,** सहायक प्रोफेसर: ने 7 मार्च 2025 को 'साहित्य, विमर्श और सिनेमा' विषय पर एक संगोष्ठी/वार्ता दी।
- डॉ. तनुजा**,** सहायक प्रोफेसर ने 20 दिसंबर को 'हिंदी सिनेमा में विजयदान देथा की कहानियां' विषय पर संगोष्ठी/वार्ता दी। 2024.
- डॉ. तनुजा, सहायक प्रोफेसर:, ने 12 अगस्त 2024 को 'लोकसाहित्य और भाषा' पर एक संगोष्ठी/वार्ता दी।

आयोजित सम्मेलन

- 15 से 17 नवंबर 2024 तक केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय और संस्कृत भारती के सहयोग से "अंतर्राष्ट्रीय संस्कृत महिला बौद्धिक सम्मेलन" शीर्षक से सम्मेलन।
- 23 से 24 जनवरी तक " प्राचीन भारत में जनपद प्रणाली और सुशासन प्रथाएँ" विषय पर सम्मेलन आयोजित किया गया।
- 13 से 14 नवंबर तक " बदलते वैश्विक परिदृष्य में दर्शनशास्त्र की भूमिका" शीर्षक सम्मेलन।

नियोजन विवरण

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत : 140

कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या : 35

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- एनएसएस ने एनसीसी इकाई के साथ मिलकर आज़ादपुर क्षेत्र के वंचित समुदायों की सहायता के लिए एक दान अभियान चलाया। दोनों विज्ञानों के स्वयंसेवक आवश्यक वस्तुएँ एकत्र करने और वितरित करने के लिए एक साथ आए।
- नॉर्थ-ईस्ट सोसाइटी ने ठंड के मौसम में हाशिए पर रहने वाले समुदायों को गर्म कपड़े और आवश्यक आपूर्ति दान करके सहायता प्रदान करने के लिए 27 नवंबर, 2024 को शीतकालीन दान अभियान का आयोजन किया।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय बजट (2024-25) : ₹13,83,840

व्यय : ₹12,03,270

नई पुस्तकें खरीदी गईं : 1080

कुल पुस्तकें : 82100

पत्रिकाएँ और जर्नल : 35

पुस्तकालय परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। पुस्तकालय के लिए 01 कियोस्क खरीदा गया है।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक : 19

एसोसिएट प्रोफेसर : 45

सहायक प्रोफेसर : 88

तदर्थ	: 1
अतिथि	: 29
कुल	**:182**

उपयोगित निधियां (₹ करोड़ में) : ₹ 66.46

आवंटित निधियां (₹ करोड़ में) : ₹ 65.51

****

सत्यवती महाविद्यालय (सांध्य)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

महाविद्यालय ने एक अंतर्राष्ट्रीय और एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफलतापूर्वक आयोजन किया है। एक संकाय सदस्य ने हार्वर्ड, प्रिंसटन, येल, कोलंबिया और वेंडरबिल्ट सहित अमेरिका के कई प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों का दौरा किया और हार्वर्ड में एक संवादात्मक सत्र भी आयोजित किया। इसी संकाय सदस्य ने नए शोध क्षेत्रों की खोज के लिए सिंगापुर के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय का भी दौरा किया। एक अन्य उल्लेखनीय शैक्षणिक योगदान में एक संकाय सदस्य द्वारा भारतीय शिक्षा बोर्ड के लिए कक्षा 6 से आगे की स्कूली पुस्तकों का संपादन शामिल है। इसके अतिरिक्त, दो संकाय सदस्यों को आईसीएसएसआर अनुसंधान परियोजनाएँ प्रदान की गई हैं, जो महाविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता और शोध में संलग्नता को और उजागर करती हैं।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

प्रो. अनामिका को 2024 में हिंदी साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

डॉ. नीता सिंह, अर्थशास्त्र विभाग: अर्थशास्त्र विभाग, क्राइस्ट (मान्य विश्वविद्यालय), दिल्ली एनसीआर परिसर द्वारा लुइसियाना मोनरो विश्वविद्यालय और भारतीय आर्थिक संघ के सहयोग से आयोजित 'अर्थशास्त्र को आगे बढ़ाना: सतत भविष्य के लिए समकालीन चुनौतियों का समाधान (आईसीएई 2024)' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत 'भारत में लिंगानुपात की पहेली' पेपर के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार।

डॉ. बबीता सिंह को भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के तहत भारतीय राष्ट्रीय शिक्षा ट्रस्ट द्वारा "ग्रीन-गाइड पुरस्कार" प्राप्त हुआ।

डॉ. मांडवी चौधरी को निम्नलिखित पुरस्कार और अनुदान प्राप्त हुए:

1. भारत गुड टाइम्स द्वारा राइजिंग वुमन अवार्ड (2025) प्रदान किया गया।

2. भारतीय साहित्य एवं कला सोसाइटी द्वारा कविता एवं शिक्षा में भारतीय साहित्य पुरस्कार (2025)।

3. कविता संकलन**,** ए फीनिक्स इन द मेकिंग के लिए एमिली डिकिंसन पुरस्कार (2024).

4. दिल्ली के लिए शहर उत्कृष्टता पुरस्कार (2024)

5. पूनम अकादमिक अनुसंधान मंच द्वारा अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार (2024).

6. फेमटाइम्स द्वारा प्रेरणादायक महिला पुरस्कार (2024).

शोध प्रकाशन

चहल**,** एस., आर., पी., सिंह, बी.पी., गौतम #, एस.के. मिट्टी में बोरॉन विषाक्तता का मूल्यांकन और प्रभावित करने वाले कारक: पानीपत, भारत की क्षारीय मिट्टी का एक केस अध्ययन। पर्यावरण निगरानी और मूल्यांकन 197, 8 (2025)। प्रभाव कारक-2.9। आईएसएसएन 1573-2959। https://doi.org/10.1007/s10661-024-13480-7

कामेई, जनैलुंग एफ. (2021). 'स्थानांतरित खेती: मणिपुर के तामेंगलोंग ज़िले के विशेष संदर्भ में', सेविथया सी. और स्वाति सक्सेना (संपादक), 'ग्रीन चैनल लॉजिस्टिक्स एंड एनालिटिक्स', खंड 1, द नेटिव ट्राइब पब्लिकेशंस, कर्नाटक, आईएसबी.ए.न संख्या-9788195096374. DOI 10.17605/OSF.IO/N2BVS (स्कोपस)

कामेई, जनैलुंग एफ. (2020) 'उच्च शिक्षा में पाठ्यक्रमों और संस्थानों के चयन की समस्याएँ: मणिपुर का एक केस स्टडी', रंजीत सिंघा और सुरजीत सिंघा (संपादक), 'भारत की नई शिक्षा नीति 2020 का परिप्रेक्ष्य, खंड 1, द नेटिव ट्राइब पब्लिकेशन, बेंगलुरु, कर्नाटक, पृ.11-30. www.TheNativeTribe.org DOI 10.17605OSF.IO9Q8XB (स्कोपस)।

कामेई, जनैलुंग एफ. (2015). 'उच्च शिक्षा का सैद्धांतिक ढाँचा और उसकी समस्याएँ: मणिपुर में ज़ेलियानग्रोंग समुदायों का एक केस स्टडी', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इंडिजिनस एंड मार्जिनलाइज़्ड अफेयर्स, सीएसआईएमए पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली, पृष्ठ 22-36. स्कोपस.

कामेई, जनैलुंग एफ. (2015). 'यूजीसी: भारत में उच्च शिक्षा का वित्तपोषण', जर्नल ऑफ इंडियन एजुकेशन, एनसीईआरटी प्रकाशन, नई दिल्ली, पृष्ठ 28-48. यूजीसी केयर सूचीबद्ध.

कामेई, जनैलुंग एफ. (2016). 'प्रवास के निर्धारक: मणिपुर में उच्च शिक्षा का एक केस स्टडी', यूनिवर्सिटी न्यूज़, उच्च शिक्षा का एक साप्ताहिक जर्नल, भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) प्रकाशन, खंड 54, संख्या 18, पृष्ठ 12-24. http://www.aiu.ac.in यूजीसी केयर सूची.

कामेई, जनैलुंग एफ. (2014). 'भारत में उच्च शिक्षा पर सार्वजनिक व्यय: समस्याएँ और संभावनाएँ', यूनिवर्सिटी न्यूज़, ए वीकली जर्नल ऑफ़ हायर एजुकेशन, एआईयू पब्लिकेशंस, नई दिल्ली, पृ. 44-51. http://www.aiu.ac.in यूजीसी केयर लिस्ट.

कथूरिया, के. (2024). फूरियर नॉनलाइनियर क्वांटाइल यूनिट रूट टेस्ट का उपयोग करके भारत की प्रमुख विनिमय दरों की गतिशीलता का परीक्षण। एशिया-प्रशांत वित्तीय बाजार, 1-16. https://doi.org/10.1007/ s10690-024-09473-8

कथूरिया, के. (2024). डिजिटल अर्थव्यवस्था, प्रौद्योगिकी और शहरी कार्बन उत्सर्जन संबंध: सीमा प्रभाव और मध्यस्थता प्रभाव परीक्षणों का उपयोग करके एक जाँच। फ्रंटियर्स इन एनवायर्नमेंटल साइंस, 12, 1454256. 10.3389/fenvs.2024.1454256.

मित्तल, पी. मित्तल (2024). उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रौद्योगिकी अपनाने के माध्यम से एकाधिकार-भारत से साक्ष्य, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल रिसर्च एंड रिव्यू, 41 (विशेष खंड), 168-179 स्कोपस। https://doi.org/10.52756/ijerr.2024.v41spl.014

मित्तल, पी. मित्तल (2024). अनुसंधान के लिए सांख्यिकीय परीक्षण के चयन हेतु बड़े भाषा मॉडल का मूल्यांकन: एक पायलट अध्ययन, क्लिनिकल रिसर्च में परिप्रेक्ष्य, स्कोपस इंडेक्स्ड वोल्टर्स क्लूवर हेल्थ, पीएमसी. https://doi.org/10.4103/picr.picr_275_23

मित्तल, पी. मित्तल (2024). विशेष आर्थिक क्षेत्रों के निकट समुदायों में सामाजिक-आर्थिक विकास का तुलनात्मक विश्लेषण: एक वैश्विक और भारतीय परिप्रेक्ष्य, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल रिसर्च एंड रिव्यू, 41 (विशेष खंड), 146-157 स्कोपस। https://doi.org/10.52756/ijerr.2024.v41spl.012

शमीम, ए., और अग्रवाल, टी. (2024). वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने वाले कारक: एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा दृष्टिकोण के माध्यम से अनुरेखण। एससीएमएस जर्नल ऑफ इंडियन मैनेजमेंट, 21(1)। https://openurl.ebsco.com/EPDB%3Agcd%3A3%3A11835539/detailv2?sid=ebsco%3Aplink%3Ascholar&id=ebsco%3Agcd%3A180509539&crl=c&link_origin=scholar.google.com

"सिंह, नीता और वंदना तुलस्यान। 'भारत में लिंगानुपात की पहेली,' यूजीसी

पुस्तकें और अध्याय

- प्रो. अनामिका, अनामिका। (2024). एडेला एड्रिफ्ट इन इंडिया। हरीश त्रिवेदी (सं.), ए पैसेज टू इंडिया के 100 वर्ष। ओरिएंट ब्लैकस्वान।
- प्रो. अनामिका, सिन्हा, वी., एवं अनामिका (सं.). (2025)। फणीश्वर नाथ रेनू को याद करते हुए। साहित्य अकादमी.
- प्रो राजीव कुमार वर्मा, वर्मा, आरके (2024). तिब्बती बौध कैनन। सांकल्य, 2(अप्रैल-जून), 94-99। (सह-लेखक).

- प्रो. भारत सिंह मेहता, बी.एस., और सिंह, बी. (2024). प्रौद्योगिकी और कार्य का भविष्य: कार्यस्थल का नया स्वरूप। रूटलेज/टेलर और फ्रांसिस।
- डॉ. नीता सिंह, सिंह, एन., और तुलस्यान, वी. (2024). भारत में लिंगानुपात की पहेली। इंडियन इकोनॉमिक जर्नल, 4ए (विशेषांक), दिसंबर। आईएसएसएन 0019-4662।
- प्रो. प्रभात मित्तल, पी. मित्तल (2024). उच्च शिक्षा में स्थायी प्रथाओं के लिए सामुदायिक सहभागिता: जागरूकता से कार्रवाई तक। स्प्रिंगर। https://doi.org/10.1007/978-3-031-63980-7
- डॉ. मनोरमा मिश्रा, मिश्रा, एम. (2024). संस्कृति के आयाम. नेशनल बुक ट्रस्ट ऑफ इंडिया.
- डॉ. मेधा, आचार्य, एन. (सं.). (2024). मन दर्पण मलाई न होई: ललयाद, कबीरियत और भक्ति आंदोलन की विरासत पर चर्चा। वाणी प्रकाशन. आईएसबी.ए.न 978-93-287-9974-4.
- तारिका, तारिका (ट्रांस.)। (2025)। सपनों की गूँज. नमक प्रकाशन।
- डॉ. मांडवी चौधरी, चौधरी, एम. (2025). एक फीनिक्स बनने की राह पर. बुकलीफ पब्लिशिंग हाउस.
- अनुकृति अशोक, अशोक, ए. (2025). जब हमिंगबर्ड गाता है. बुकलीफ़ 77 पब्लिशिंग हाउस.
- डॉ. वेद ब्यास पांडे, पांडे, वीबी (2024). बौद्ध साहित्य में ज्ञानसम्पदा। जैन बौद्ध एवं भाषा साहित्य में। इग्नू. आईएसबी.ए.न 978-93-6106-504-0।
- डॉ. तुइसेम नगाकांग, नगाकांग, टी. (सह-सं.). (2025)। भारतीय राष्ट्रीयता के संदर्भ में पूर्वोत्तर क्षेत्र। अकादमिक प्रकाशन. आईएसबी.ए.न 978-81-19680-22-1.
- सुश्री निशा, निशा और चंचल (2025)। ग्रीन मार्केटिंग पर सोशल मीडिया का प्रभाव। विकसित भारत @2047 में: वाणिज्य, प्रबंधन और प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी भूमिका (पृष्ठ 139-148)। https://doi.org/10.62823/MGM/2025/9788198191335

अनुसंधान परियोजनाएँ

- प्रो. प्रभात मित्तल, वाणिज्य विभाग। 'स्वदेशी समुदायों में पारंपरिक खाद्य फसलें और लघु अनाज फसलें: भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में सतत विकास के माध्यम से सामाजिक-आर्थिक समृद्धि के मार्ग'। यह अनुदान आईसीएसएसआर द्वारा प्रदान किया गया है। एफ. संख्या 159/वीवीबी@2047/2024-1507/ एनआरएंडआरडी-ए/एससीडी, दिल्ली।
- डॉ. सोनाली अग्रवाल, वाणिज्य विभाग, 'सतत कृषि के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग: किसानों पर पीएम कुसुम योजना के प्रभाव का मूल्यांकन: दिल्ली और अलवर में आय और पर्यावरणीय स्थिरता' विषय पर। यह अनुदान आईसीएसएसआर द्वारा प्रदान किया गया है। अवधि: 1 जनवरी 2025 से एक वर्ष।

आयोजित संगोष्ठियां

- प्रोफेसर मंजू तंवर. ' राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति और लक्ष्य ' 13 सितंबर 2024.
- 'व्यक्तिगत साक्षात्कार और रिज्यूमे निर्माण में अच्छा प्रदर्शन कैसे करें', 14 नवंबर, 2024
- प्रो. रेखा सक्सेना, राजनीति-विज्ञान विभागाध्यक्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय, 'भारतीय संविधान की गौरवशाली यात्रा: भारत के लिए समकालीन चुनौतियां और अवसर', एक युवा शोधकर्ता संगोष्ठी 25 नवंबर, 2024.
- डॉ. आर.के. नायर, भारत के हरित नायक। मेरा ग्रह, मेरा गौरव और वृक्षारोपण, हरित खाद, 17, 2025.
- राजदूत प्रो. अनिल सूकलाल, दक्षिण अफ्रीका के उच्चायुक्त, डॉ. पुष्कर मिश्रा, रज़ा पुस्तकालय के निदेशक, प्रो. अजय दुबे, वरिष्ठ प्रोफेसर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, 'बंधुआ मजदूरी से प्रभाव तक: गिरमिटिया और वैश्विक भारतीय प्रवासी', 5 मार्च, 2025.
- श्रीमान. कपिल खन्ना, प्रोफेसर निरंजन कुमार, डीन प्लानिंग, दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रोफेसर अवनिजेश अवस्थी, पूर्व संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय, श्रीमान सुरेश जैन, राष्ट्रीय संगठन मंत्री, भारत विकास परिषद, 'विकसित भारत@2047 और भारतीय भाषाएँ', 28 मार्च, 2025.

आयोजित सम्मेलन

- श्री सोहेल हाशमी, इतिहासकार और विरासत संरक्षणवादी, श्री प्रदीप श्रीवास्तव, पुलिस महानिदेशक, चंडीगढ़ (सेवानिवृत्त), 'द सॉन्ग्स ऑफ स्टोन'
- सतत विकास के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण: सामुदायिक भागीदारी और लैंगिक समानता पहल की एक व्यवस्थित समीक्षा। यूजीसी।
- 'पूर्वोत्तर भारत के सामाजिक-सांस्कृतिक ताने-बाने की खोज', 11 नवंबर, 2024.
- 'सतत विकास और सामुदायिक सहभागिता: भागीदारी और सशक्तिकरण को समझना।' आईसीएसएसआर। 27 नवंबर, 2024.
- 'कैंपस से समुदाय तक: अकादमिक जगत के भीतर और बाहर महिलाएँ अभियानों का नेतृत्व कर रही हैं।' आईसीएसएसआर। 27 मार्च, 2025.

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

सत्यवती महाविद्यालय (सांध्य) ने 28 अगस्त 2024 को नेचर पॉजिटिव यूनिवर्सिटीज़ इनिशिएटिव्स के तहत दिल्ली विश्वविद्यालय के आईपी महाविद्यालय फॉर विमेन के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से, संस्थान अपने छात्रों और समुदायों के लिए एक हरित और अधिक टिकाऊ भविष्य बनाने की दिशा में काम करेगा।

नियोजन विवरण

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत	: 594 (**इंटर्नशिप**) (22%)
कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या	: 17

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- एनएसएस ने पोषण और खाद्य सुरक्षा के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए कश्मीरी गेट से कला संकाय तक मार्च निकालकर ग्लोबल रोटी दिवस का आयोजन किया। सड़क और फुटपाथ पर रहने वालों को भी भोजन वितरित किया गया।
- आस-पास के क्षेत्रों में भी स्वच्छता अभियान चलाया गया।
- ई-सेल "उद्योगमुख" द्वारा एक उद्यमशीलता प्रशिक्षण कार्यक्रम और आईबी.ए.स गुड़गांव का दौरा आयोजित किया गया।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में 87,500 पुस्तकों का संग्रह है। शैक्षणिक सत्र 2024-25 के दौरान, संग्रह को और समृद्ध बनाने के लिए 1,553 अतिरिक्त पुस्तकें खरीदी गईं। पुस्तकालय ने एन-लिस्ट (इनफ्लिबनेट कार्यक्रम) की भी सदस्यता ली है, जिससे 6,150 ई-पत्रिकाओं और 31,64,309 ई-पुस्तकों तक पहुँच प्राप्त हुई है, जिससे छात्रों और शिक्षकों के लिए उपलब्ध डिजिटल संसाधनों का उल्लेखनीय विस्तार हुआ है।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	: 14
एसोसिएट प्रोफेसर	: 7
सहायक प्रोफेसर	: 96
तदर्थ	: 1
अतिथि	: 22
कुल	**: 140**

उपयोगित निधियां (₹ करोड़ में): ₹38.99

आवंटित निधियां (₹ करोड़ में) : ₹33.28

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

महाविद्यालय अगले शैक्षणिक सत्र से बी.ए. [ऑनर्स] गणित शुरू करने की योजना बना रहा है। महाविद्यालय परिसर में उन्नत भारत प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है। महाविद्यालय स्नातक स्तर

की पढ़ाई के चौथे वर्ष की शुरुआत के लिए पूरी तरह तैयार है। महाविद्यालय की कंप्यूटर लैब ने NEP 2020 के तहत छात्रों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए 40 नए कंप्यूटर भी जोड़े हैं। विकसित भारत, उन्नत भारत अभियान, एनएसएस और लैंगिक संवेदीकरण समिति ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। महाविद्यालय का IQAC विभिन्न विषयों के सहायक प्रोफेसरों की पदोन्नति पूरी करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। महाविद्यालय की एनसीसी शाखा (6वीं दिल्ली बटालियन) अच्छा प्रदर्शन कर रही है।

****

मुक्त शिक्षा विद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

मुक्त शिक्षा विद्यालय (एसओएल) में बुनियादी ढांचे का विकास एक प्रमुख प्राथमिकता रही, जिसमें ताहिरपुर में एक नए ईस्ट स्टडी सेंटर की स्थापना के साथ-साथ शैक्षणिक और प्रशासनिक वातावरण को बढ़ाने के लिए एक आधुनिक संगोष्ठी रूम और कार्मिक रूम का निर्माण किया गया। एसओएल ने एसएलएम की डोरस्टेप डिलीवरी शुरू की, जिससे सभी शिक्षार्थियों के लिए अध्ययन सामग्री तक समय पर और समावेशी पहुंच सुनिश्चित हुई। ऑनलाइन व्याख्यान, डिजिटल सामग्री और मल्टीमीडिया टूल्स ने दूरस्थ शिक्षा को समृद्ध किया, जबकि छात्र समर्थन को परामर्श, बायोडाटा कार्यशालाओं और नियमित नियोजन सत्रों के माध्यम से मजबूत किया गया। कई प्रतिष्ठित कंपनियां एसओएल के साथ जुड़कर रोजगार के अवसर प्रदान कर रही हैं। विशेष रूप से, दिव्यांग छात्रों के लिए समर्थनम ट्रस्ट फॉर द डिसेबल्ड के सहयोग से एक विशेष नियोजन ड्राइव आयोजित किया गया, जिससे पेशेवर अवसरों के लिए समावेशी रास्ते तैयार हुए। संस्थान ने कौशल, स्टार्टअप एवं उद्यमिता एक्सपो और इंडिया मशरूम डेज़, 2024 का भी आयोजन किया, जिससे छात्रों और स्टार्टअप्स को उद्योग जगत के दिग्गजों से जुड़ने के अवसर मिले। संस्थान की नवाचार परिषद (आईआईसी) की स्थापना शिक्षा मंत्रालय की पहल के तहत एसओएल में की गई थी। सीआईक्यूए के सहयोग से, इसने कई विशेषज्ञ वार्ताएँ, वेबिनार और कार्यशालाएँ आयोजित कीं।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय (शिक्षण)

- सुश्री विद्युत सिंह, सहायक प्रोफेसर: (मनोविज्ञान) को 13.12.2024 को डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करने वाले सर्वश्रेष्ठ शिक्षक श्रेणी में PAAI महर्षि दयानंद सरस्वती उत्कृष्टता पुरस्कार 2024 प्राप्त हुआ।

छात्र

- एमबी.ए. (द्वितीय वर्ष) के छात्र श्री नरेन्द्र सिंह विश्वविद्यालय के टॉपर रहे और उन्हें जनवरी 2025 में प्रो. ए. दास गुप्ता स्वर्ण पदक और डॉ. वी.के.आर.वी. राव पदक से सम्मानित किया गया।
- एमए इतिहास (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री रितिका विश्वविद्यालय की टॉपर रहीं और उन्हें जनवरी 2025 में प्रो. वेंकटसुब्रमण्यन स्वर्ण पदक और प्रो. लाला राम मोहन पुरस्कार नामक विश्वविद्यालय पदक प्राप्त हुआ।
- एम.कॉम (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुश्री विधि जैन विश्वविद्यालय की टॉपर रहीं और उन्हें जनवरी 2025 में ममता गुप्ता मेमोरियल गोल्ड मेडल और जयनारायण वैश्य पुरस्कार नामक विश्वविद्यालय पदक से सम्मानित किया गया।
- एम.लिब. विज्ञान (द्वितीय सेमेस्टर) के छात्र श्री कुणाल कुमार विश्वविद्यालय के टॉपर रहे और उन्हें जनवरी 2025 में प्रो. एस. दास गुप्ता स्वर्ण पदक नामक विश्वविद्यालय पदक प्राप्त हुआ।

प्रकाशन (पुस्तकें/पुस्तक में अध्याय)

पुस्तकें

सिन्हा.बीसी, शर्मा.एन, शुक्ला बी.शर्मा.यू,(2025), मैनेजमेंट डायनेमिक्स (प्रथम संस्करण-2025), आरजी इंटरनेशनल पब्लिकेशन, आईएसबी.ए.न-978-93-48151-64-3

पुस्तक में अध्याय

ओम प्रकाश (2024). वेदांत की दृष्टि से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की समीक्षा। राम नाथ झा और प्रवीण कुमार द्विवेदी (सं.) में, *संस्कृत ज्ञान परंपरा: प्रो. अनीता स्वामी स्मारक ग्रंथमाला भाग-1* (पृ. 136-139)। ऋषिकुल प्रकाशन, प्रयागराज।

सिन्हा.बीसी, कुमारी.ए, शर्मा.एन, लड्ढू.एस, गुप्ता.एस, शुक्ला.बी, शर्मा.यू, कर्मचारी प्रतिधारण और भर्ती के लिए सतत प्रबंधन अभ्यास, *भारत के बहुराष्ट्रीय कंपनियों में भर्ती प्रक्रिया पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के प्रभाव में,* आईजीआई ग्लोबल साइंटिफिक पब्लिशिंग, आईएसबी.ए.न 9798369386798 (हार्डकवर) आईएसबी.ए.न 9798369386804 (पेपरबैक) | आईएसबी.ए.न 9798369386811 (ईबुक)

विजय, ए., और जामवाल बी. (2025). वित्तीय नवाचार और जोखिम प्रबंधन के लिए मशीन लर्निंग और एआई में अनुसंधान दिशाएँ : *वित्तीय विश्लेषण में एआई और मशीन लर्निंग का उपयोग।* 10.4018/979-8-3693-8507-4.ch007

जर्नल लेख

- बजाज, एन., कौर, आर. और गोसाईं, एन. (2024). भारतीय प्राचीन कला रूपों को एकीकृत करके कार्यस्थल के तनाव और विषाक्तता का मुकाबला: दिल्ली-एनसीआर कार्यस्थल पर एक

अध्ययन। *इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजिकल साइंस, 16* (2), 117-124। https://www.napsindia.org/wp-content/uploads/ 2024/12/COMBATING-WORKPLACE-STRESS-TOXICITY-BY-INTEGRATING-INDIAN-ANCIENT-ART-FORMS-A-STUDY-ON-DELHI-NCR-WORKPLACES.pdf

- भारद्वाज शुक्ला, डी. (2024). दिल्ली-एनसीआर के उच्च शिक्षा संस्थानों के संदर्भ में अंशकालिक कार्य करने की प्रवृत्ति और संकाय सदस्यों, प्रमुख नियोक्ता और प्राथमिक रोज़गार पर इसके प्रभाव। *पुस्तकालय प्रोग्रेस इंटरनेशनल,* 44(06), 101-117। https://doi.org/10.1016/j.pacfin.2024.102304
- चौधरी, एन., और कुमारी, डी. (2024). बैंक कार्बन जोखिम का मूल्य निर्धारण कैसे करते हैं? भारत से साक्ष्य। *पैसिफिक-बेसिन फाइनेंस जर्नल, 84* (102304), 1-21। https://doi.org/10.1016/j. pacfin.2024.102304
- गेरा, जे., मारवाह, ई.बी., थरेजा, आर., थरेजा, आर., गुप्ता, एस., और जैन, ए. (2024). एआई का उपयोग करके मनोसामाजिक पहलुओं के संबंध में छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन का विश्लेषण। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग ट्रेंड्स एंड टेक्नोलॉजी,* 72(1), 243-251। https://doi.org/10.14445/22315381/IJETT-V72I1P124
- गोसाईं, एन., और राव, आर.के. (2024). वृद्धावस्था के मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण: एक भारतीय अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स, 12* (6), 107-115। https://www.ijcrt.org/papers/ IJCRT24A6128.pdf\
- मुरासिंह, डीएमएस, तिवारी, डीएसके, कुमारी, बी., मिश्रा, डीए, और शुक्ला, डीबी (2025)। समावेशी शिक्षा के प्रति शिक्षकों का दृष्टिकोण और दिव्यांग छात्रों के लिए उपलब्ध सुविधाएँ। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एशियन इकोनॉमिक लाइट,* 13-17। https://doi.org/10.36713/epra20263
- मित्तल, आर., कालिया, आर., और श्रीवास्तव, एस. (2024). बहुसंख्यक अधिग्रहण बनाम अल्पमत अधिग्रहण: भारतीय दवा कंपनियों का अधिग्रहण-पूर्व और अधिग्रहण-पश्चात वित्तीय विश्लेषण। *आईआईटीएम जर्नल ऑफ बिजनेस स्टडीज, 5* (विशेष अंक), 82-96। https://doi.org/10.48165/iitmjbs.2024.SI.5
- मित्तल, आर., शर्मा, आई., यादव, एस., और यादव, ए. (2024). विदेशी पोर्टफोलियो निवेश, सेवा व्यापार, मुद्रा मूल्य और आर्थिक विकास के बीच कारणात्मक अंतःक्रिया: भारत का एक अनुभवजन्य अध्ययन। *वित्त और बैंकिंग की समीक्षा,* 16(2), 217-230। http://dx.doi.org/10.24818/rfb.24.16.02.03

- मित्तल, आर., शीतल, और सोरिया, एस. (2025). आईटी और डिजिटलीकरण के माध्यम से भारतीय एमएसएमई की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देना। *विकास के लिए सूचना प्रौद्योगिकी,* 1-24. https://doi.org/10.1080/02681102.2025.2453211
- ओम प्रकाश. (2024). मानव शरीर रचना और भ्रू-विकास का वैदिक विज्ञान। *वेदविज्ञानभास्वति। 4* (6-7), 77-86.
- सैन, ए., और काशीरामका, एस. (2024). क्या कॉर्पोरेट प्रशासन तंत्र और ईएसजी प्रकटीकरण उभरती अर्थव्यवस्था में बैंक के प्रदर्शन और स्थिरता में सुधार करते हैं? *जर्नल ऑफ एडवांसेज इन मैनेजमेंट रिसर्च,* 21(4), 530-555। https://doi.org/10.1108/JAMR-12-2022-0253
- सेमवाल, वीपी (2024). वेदोपनिषद्दर्शितो राष्ट्रबोधः। *व्युत्पत्ति, 1,* 6-13.
- सेमवाल, वीपी (2024). पुराणेषु प्रदर्शितो राष्ट्रबोधः। *संस्कृत रत्नाकर, 11* (6), 17-19.
- शर्मा, पी. (2024). भारत में बैंकिंग क्षेत्र के विलय और अधिग्रहण पर एनपीए का प्रभाव. *इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ मैनेजमेंट सोशियोलॉजी एंड ह्यूमैनिटीज़, 15* (6), 221-232. https://doi.org/10.32804/IRJMSH
- शर्मा, एस., साहनी, एस., और एंटोनियाक, एस. (2025)। ठोस ट्यूमर के रोगियों में थ्रोम्बोटिक जटिलताओं की भविष्यवाणी करने के लिए स्कोरिंग सिस्टम। *हेमटोलॉजी में वर्तमान राय,* 32(3), 168-175। https://doi.org/10.1097/MOH.0000000000000862
- सिंह, एल., और राणा, एम. (2024). आक्रामक पादप प्रजातियों के पारिस्थितिक प्रभाव का आकलन। *जर्नल ऑफ एग्रोइकोलॉजी एंड नेचुरल रिसोर्स मैनेजमेंट, 11* (4), 6-9।
- सिन्हा, बी.सी., शर्मा, एन., शर्मा, पी., शर्मा, ए., सिन्हा, एच.एस., शुक्ला, बी., शर्मा, यू., हिनेह, पी.जे., और कुमारी, ए. (2025)। भारत में नियुक्ति पेशेवरों के बीच कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग टूल्स का उपयोग करके प्रतिभा अधिग्रहण प्रक्रिया का विश्लेषण। *बहु-विषयक समीक्षा*। https://doi.org/10.31893/multirev.2024xxx
- थरेजा, जी.आर., थरेजा, आर., और गुप्ता, एस. (2024). उच्च शिक्षा नीति में सुधारों के लिए भारत कौशल रिपोर्ट 2024 की समीक्षा, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर ध्यान केंद्रित किया गया है। *भंडारकर ओरिएंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट के इतिहास, 10* (सीएल), 86-98
- थरेजा, जी.आर., थरेजा, आर., और गुप्ता, एस. (2024, 21 नवंबर)। सोयाबीन की खेती में खरपतवार का पता लगाने के लिए सीएनएन। *IEEE दिल्ली सेक्शन फ्लैगशिप कॉन्फ्रेंस (DELCON) का 2024 का तीसरा संस्करण,* 1-6। IEEE दिल्ली सेक्शन फ्लैगशिप कॉन्फ्रेंस (DELCON) के 2024 के तीसरे संस्करण, नई दिल्ली, भारत में प्रस्तुत किया गया। https://doi.org/10.1109/delcon64804.2024.10867255

दायर/स्वीकृत पेटेंट

- शुक्ला, भारद्वाज। *कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित मानव संसाधन प्रबंधन उपकरण।* पेटेंट कार्यालय, भारत सरकार। पेटेंट डिज़ाइन संख्या-431276-001। 22-09-2024. राष्ट्रीय।
- शर्मा, पंकज, आदि। *नैतिक निवेश और वित्तीय बाज़ारों पर इसका प्रभाव।* पेटेंट नियंत्रक, पेटेंट कार्यालय, भारत सरकार। पेटेंट 19-11-2024 को दायर किया गया। अनुदान प्रतीक्षित। राष्ट्रीय।

आयोजित संगोष्ठियां

- डोलूप डिजिटल के संस्थापक, सीईओ और अशोका विश्वविद्यालय में प्रैक्टिस के प्रोफेसर प्रो. गौरव रस्तोगी ने 23 अक्तूबर, 2024 को "स्टार्टअप्स और जेन एआई के साथ नवाचार रणनीति" पर एक व्याख्यान दिया।
- गंगाधर मेहर विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर: डॉ. मुकेश के शर्मा ने 28 नवंबर 2024 को "कैरियर के अवसर के रूप में उद्यमिता और नवाचार" विषय पर एक व्याख्यान दिया।
- गोसाईं, नूपुर। *आयोजन समिति सदस्य,* 11वीं अंतर्राष्ट्रीय और 13वीं भारतीय मनोवैज्ञानिक विज्ञान कांग्रेस। मनोविज्ञान विभाग, सीसीएसयू, मेरठ और एनएपीएस चंडीगढ़। 29-30 दिसंबर, 2024.
- आरजीएनआईआईपीएम नागपुर में पेटेंट और डिजाइन के सहायक नियंत्रक श्री कुमार राजू ने 25 फरवरी 2025 को "बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) और पेटेंट और डिजाइन फाइलैंगिक" पर एक व्याख्यान दिया।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत) : 147

कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या : 8

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- अपनी आउटरीच और उद्यमिता प्रदर्शन पहल के एक भाग के रूप में, एसओएल के एक छात्र और संकाय प्रतिनिधिमंडल ने स्टार्टअप महाकुंभ 2024 का दौरा किया, और भारत के उभरते स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र और नवाचार परिदृश्य के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्राप्त की।

पुस्तकालय विकास

- जोड़ी गई पुस्तकों की कुल संख्या : 2550 पुस्तकें (खंड)
- कुल पत्रिकाओं/जर्नलों की संख्या : 17
- कुल समाचार पत्रों की संख्या : 25

संकाय संख्या

कुल: 66-(प्रोफेसर-7 एसोसिएट प्रोफेसर-5 और सहायक प्रोफेसर:-54)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- दिल्ली विश्वविद्यालय वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी में प्रतिष्ठित वी.पी. सिंह कप का विजेता।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी में थीम आधारित सेल्फी प्वाइंट प्रतियोगिता के लिए प्रथम पुरस्कार।
- दिल्ली विश्वविद्यालय वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी में वर्टिकल गार्डन श्रेणी में तीसरा पुरस्कार।
- 5-6 अप्रैल 2024 को सीईएमसीए के सहयोग से मुक्त शिक्षा विद्यालय, ओपन लर्निंग डेवलपमेंट सेंटर, डीडीसीई, सीओएल, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा विजनिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया।

****

शहीद भगत सिंह दिवस महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

दिल्ली विश्वविद्यालय का एक घटक महाविद्यालय, शहीद भगत सिंह महाविद्यालय, पिछले पाँच दशकों से वाणिज्य, मानविकी और सामाजिक विज्ञान में उच्च शिक्षा प्रदान कर रहा है। हमारे महाविद्यालय में, हम अपने सभी छात्रों के समग्र विकास के लिए एक जीवंत छात्र-केंद्रित शिक्षण और वातावरण प्रदान करने का प्रयास करते हैं, जो शैक्षणिक, पाठ्येतर गतिविधियों, खेल, एनसीसी और सामाजिक कार्य जैसे घटकों पर ध्यान केंद्रित करता है। वर्ष 2024-25 हमारे कई संकाय सदस्यों के लिए विशेष था, क्योंकि इस वर्ष कई पदोन्नतियाँ की गईं। संस्थान हमारे योग्य संकाय सदस्यों को समय पर और उपयुक्त पुरस्कार प्रदान करने के सिद्धांत का समर्थन करता है। इस वर्ष शिक्षण में विभिन्न स्तरों पर कुल 49 पदोन्नतियाँ की गईं। हमने 1 प्रोफेसर, 8 एसोसिएट प्रोफेसर और 5 पदोन्नतियाँ/नियोजन सहायक प्रोफेसर (शैक्षणिक स्तर-12) और 35 पदोन्नतियाँ/नियोजन सहायक प्रोफेसर (शैक्षणिक स्तर-11) के रूप में कीं। इस यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण क्षण दिल्ली विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह तथा अन्य सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों का आगमन था, जिन्होंने 22 जुलाई, 2024 को इन परियोजनाओं का उद्घाटन करने के लिए अपनी गरिमामयी उपस्थिति से महाविद्यालय को गौरवान्वित किया।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

- प्रोफेसर रुचि गुप्ता ने IIMBx डिजिटल लर्निंग फाउंडेशन, IIM बैंगलोर और इंजीनियर जयकर सोडागिरी (शहीद भगत सिंह महाविद्यालय) के सहयोग से SWAYAM पोर्टल पर "अंतर्राष्ट्रीय विपणन की अनिवार्यताएं" पाठ्यक्रम का सह-निर्माण किया है।

छात्र

- बी.एससी. गणित (ऑनर्स) (2024) से लेफ्टिनेंट स्वर्णिम का चयन भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून के लिए हुआ
- बी.कॉम (कार्यक्रम) (2024) से फ्लाइंग ऑफिसर रिशांक भदौरिया का चयन वायु सेना अकादमी, हैदराबाद के लिए हुआ।
- अर्थशास्त्र (ऑनर्स) से अरिजीत दास, अंशिता बांका, कुंवर जॉली, आर्यन अग्रवाल और वरुण डोगरा को सेंट जेवियर महाविद्यालय, जयपुर द्वारा सीड मनी के साथ अनुमोदित छात्र अनुसंधान परियोजना के लिए चुना गया है।

प्रकाशन (शोध लेख)

- चौधरी, एस., पांडे, बी.डब्ल्यू., और चांदना, वी. (2024). *उत्तराखंड के देवप्रयाग के कंडी गाँव में झरनों की जल उपलब्धता में कमी का सामाजिक-आर्थिक प्रभाव: एक जन-धारणा दृष्टिकोण। जर्नल ऑफ द एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया.* 73(2). https://doi.org/10.1177/2277436X241262853

- चौधरी, आर. (2025). *भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में उपभोक्ता धारणाओं की भूमिका: वित्तीय प्रोत्साहन, रेट्रोफिटिंग और पर्यावरणीय चिंताएँ। जर्नल ऑफ इंफॉर्मेटिक्स एजुकेशन एंड रिसर्च. 5* (1), 3115-3130 https://doi.org/10.52783/jier.v5i1.2315

- चौधरी, आर. (एनडी)। *डिजिटल मूल निवासियों द्वारा टिकाऊ फ़ैशन-साझाकरण प्रथाओं को अपनाने में मूल्यों और सामाजिक मानदंडों का संगम। स्थिरता और जलवायु परिवर्तन। (वेब लिंक/DOI उपलब्ध नहीं है)*

- लैंगिकदोह, एस.डब्ल्यू. (2024). *सेवानिवृत्ति के लिए परिसंपत्ति आवंटन का एक ग्रंथसूची विश्लेषण. जर्नल ऑफ रिटायरमेंट, 12* (1), 61-83. https://doi.org/10.3905/jor.2024.1.158

- मलिक, एस.के., साहू, एन., दास, पी., मैती, बी., वरुण, ए., कुमार, ए., केशरवानी, आर., सैनी, ए., और रुद्र, एस. (2024). *दिल्ली में शहरी विकास और उसके उपनगरीय वातावरण का शहरी ताप जोखिम पर प्रभाव। शहरी जलवायु, 56,* 102010, 1-15. https://doi.org/10.1016/j.uclim.2024.102010

- रुद्र, एस., दास, पी., मलिक, एस.के., मैती, बी., साहू, एन., और खान, यू. (2025)। *संभावित शहरी निर्मित क्षेत्र विकास के लिए स्थल उपयुक्तता विश्लेषण में भू-स्थानिक और भू-सांख्यिकीय तकनीकों का अनुप्रयोग। पर्यावरण, विकास और स्थिरता,* 1-29। https://doi.org/10.1007/s10668-024-05928-0

- साहू, एन., केशरवानी, आर., दास, पी., कुमार, ए., वरुण, ए., सैनी, ए., मलिक, एस.के., और मिश्रा, एम.एम. (2025)। *भारत में चावल की खेती की स्थानिक-कालिक गतिशीलता।*

उष्णकटिबंधीय पारिस्थितिकी। 66, 152-167। https://doi.org/10.1007/s42965-025-00368-x

- साहू, एन., मलिक, एस.के., दास, पी., सैनी, ए., सायमा, टी., वरुण, ए., कुमार, ए., केशरवानी, आर., और ठाकुर, पी.के. (2024). *भारतीय हिमालय में वसंत ऋतु के लुप्त होने पर जलवायु संबंधी प्रभाव। जियोमैटिक्स। प्राकृतिक खतरे और जोखिम। 15* (1), 1-26।https://doi.org/10.1080/ 19475705.2024.2433115
- साहू, एन., नयन, आर., पांडा, ए., वरुण, ए., केशरवानी, आर., दास, पी., कुमार, ए., आदि (2024). *भारत में दार्जिलैंगिक चाय के उत्पादन पर वर्षा और तापमान में परिवर्तन का प्रभाव। वायुमंडल, 16* (1), 1-20. https://doi.org/10.3390/atmos16010001

प्रकाशन (पुस्तकें/पुस्तक में अध्याय)

पुस्तकें

गुप्ता, आर. (2025 संस्करण)। विज्ञापन और व्यक्तिगत बिक्री। स्कॉलर टेक प्रेस

कौर, पी. और असवाल, सी. (2024). निर्यात आयात प्रबंधन. जेएसआर पब्लिशिंग हाउस.

नैयर, पी. और कौर, जे. (2025). सामाजिक और भावनात्मक शिक्षा. जेएसआर पब्लिशिंग हाउस.

राणे, जे., मलिक, एस.के., काया, ओ., और राणे, एन. (2024). उद्योग 4.0 और 5.0 में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए भविष्य के अनुसंधान के अवसर। डीप साइंस (ISBN: 978-81-981271-0-5 https://doi.org/10.70593/978-81-981271-0-5

राणे, एनएल, मलिक, एस.के., काया, ओ, और राणे, एन. (2024). एप्लाइड मशीन लर्निंग और डीप लर्निंग: आर्किटेक्चर और तकनीक। डीप साइंस पब्लिशिंग। https://doi.org/10.70593/978-81-981271-4-3

राणे, एनएल, मलिक, एस.के., राणे, जे., पांडे, सी.बी. (2024). एप्लाइड मशीन लर्निंग और डीप लर्निंग: आर्किटेक्चर और तकनीकें। डीप साइंस (ISBN: 978-81-981271-4-3) https://doi.org/10.70593/978-81-981271-4-3 (2024)

शर्मा, वी.आर., मिश्रा, एम. और चक्रवर्ती, ए. (2024). भारत में उभरते शहरी और अर्ध-शहरी स्थानों की राजनीतिक अर्थव्यवस्था: पर्यावरणीय और सामाजिक स्थिरता की दिशा में एक रोडमैप, स्प्रिंगर, स्विट्जरलैंड, आईएसबी.ए.न: 978-981-97-8871.

पुस्तकों के अध्याय

गुप्ता, आर. (2024). क्वांटम मार्केटिंग और विघटनकारी प्रौद्योगिकियाँ: सोशल मीडिया के माध्यम से उपभोक्ता खरीद इरादों को आकार देना। अनंत, सी., अनबझगन, एन., गोह, एम. और इस्लाम,

एमएन, क्वांटम कंप्यूटर और मशीन इंटेलिजेंस के वास्तविक-विश्व अनुप्रयोग, (अध्याय 21, पृष्ठ 277-320) में। आईजीआई ग्लोबल। 10.4018/979-8-3693-3601-4.

कुमार, जी (2025)। घातक खेल: महामारी में खेलना। एस. मल्होत्रा, आर. नागपाल, एसएस जॉर्ज और एस. रॉय (सं.), *पैनोरमा ऑफ़ द पैनडेमिक: ए फेनोमेनोलॉजिकल इन्क्वायरी।* रूटलेज।

कुमार, जी (2025)। वृत्ताकार यात्राएँ: राजस्थानी महिला गीतों में 'चक्कर'। ए. रे (सं.), *डीकोलोनियल ट्रैवल: वर्नाक्युलर मोबिलिटीज़ इन इंडिया* (पृष्ठ 127-142) में। रूटलेज (2025)।

जर्नल लेख

- सहाय, ए. और प्रसाद, एस. और बजाज, ए. (2024). विरासत संरक्षण के लिए खतरों की सांस्कृतिक भू-आकृति विज्ञान का विकास: भारत के माजुली द्वीप से विचार। *फेनिया।* 202(1), 142-151। https://doi.org/ 10.11143/fennia.140862
- बनर्जी, आई., बजाज, ए., और साहा, ए. (2024). विभिन्न आकार-वर्गों के भारतीय शहरों में टिकाऊ परिवहन अवसंरचना: एक शोध और नीतिगत एजेंडे की ओर। *अनुप्रयुक्त भूगोल में शोध-पत्र ,* 1-19। https://doi.org/ 10.1080/23754931.2024.2414458
- बनर्जी, आई., बजाज, ए., और साहा, ए. (2025)। सिलीगुड़ी शहर में झुग्गी-झोपड़ियों के घरों की गतिशीलता प्रथा: शहरी भारत में गतिशीलता, गरीबी और मानवीय अनुकूलन के बीच संबंधों का विश्लेषण। *द ओरिएंटल एंथ्रोपोलॉजिस्ट, 25* (1), 43-66। https://doi.org/10.1177/0972558X241313155
- सिंह, जी., खट्टर, डी., और अग्रवाल, एन. (2025). लोरेंज, रोस्लर, लू और चेन अराजक प्रणालियों का द्वैध चतुर्भुज यौगिक बहुस्विचिंग प्रति-तुल्यकालन. *द यूरोपियन फ़िज़िकल जर्नल बी.* 98(11). https://doi.org/10.1140/epjb/s10051-024-00855-5.
- अग्रवाल, के. (2024). द्रौपदी के (पुनः)प्रस्तुतिकरण में मनोजीवनी और लेखकीय आत्मनिष्ठता: महाभारत के चुनिंदा पुनर्कथनों में एक नारीवादी मिथक की ओर। भट्टाचार्य, ए. और सरकार, डी. (सं.), महाभारत आख्यान की समकालीनता (पृष्ठ 153-169)। रूटलेज इंडिया। https://doi.org/10.4324/9781003516408-12
- शर्मा, पी., एस.चौधरी, ए., आनंद, एस., श्रीवास्तव, ए., मोहंती, ए., और प्रकाश कोकने, पी. (2024). भारत के उत्तर-पूर्वी दिल्ली में शहरी सूक्ष्म जलवायु को प्रभावित करने में भूमि उपयोग, भूमि आवरण, सामान्यीकृत अंतर वनस्पति सूचकांक और भूमि सतह के तापमान के बीच संबंध का मापन। *द साइंटिफिक टेम्पर,* 15(03), 2748-2755। https://doi.org/10.58414/SCIENTIFICTEMPER.2024.15.2.48

- डे, बी., और शर्मा, पी. (2024). स्लूथ मॉडल का उपयोग करते हुए शहरी विकास अध्ययनों और भविष्यवाणियों की एक व्यापक समीक्षा। *द साइंटिफिक टेम्पर,* 15(02), 2333-2341। https://doi.org/10.58414/SCIENTIFICTEMPER.2024.15.3.44
- कुमार, आर. (2024). 21वीं सदी में भारत और चीन के बीच भू-राजनीतिक गतिशीलता. *डेक्कन जियोग्राफर.* 62, पृ. 210-221.
- कुमार, एस., बिस्वास, के., और पांडे, ए.के. (2024). पुनर्विश्लेषण डेटा का उपयोग करके उष्णकटिबंधीय चक्रवात के निर्माण का पूर्वानुमान। *आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग में प्रगति, 04* (03), 2718-2730। https://doi.org/10.54364/aaiml.2024.43158
- आनंद, वी., एस. कुमार एवं अन्य (2024). चंडीगढ़ में वनस्पति आवरण और भूमि उपयोग में परिवर्तन के जवाब में शहरी ऊष्मा द्वीपों की गतिशीलता की जाँच। भारतीय *राष्ट्रीय भूगोल संघ के इतिहास*/ 44(2), 430-446। https://doi.org/10.32381/ATNAGL2024.44.02.12
- मन्ना, एच., मलिक, एस.के., सरकार, एस., और रॉय, एस.के. (2025)। पूर्वी भारत के औद्योगिक शहरों में शहरी पुनरुद्धार के लिए निर्मित स्थल की उपयुक्तता के आकलन पर निर्णय लेने की रूपरेखा विकसित करना। *साइंटिफिक रिपोर्ट्स, 15* (1), 5708। https://doi.org/10.1038/s41598-025-90408-2
- रुद्र, एस., दास, पी., मलिक, एस.के., मैती, बी., साहू, एन., और खान, यू. (2025). संभावित शहरी निर्मित क्षेत्र विकास के लिए स्थल उपयुक्तता विश्लेषण में भू-स्थानिक और भू-सांख्यिकीय तकनीकों का अनुप्रयोग. *पर्यावरण विकास और स्थिरता.* https://doi.org/10.1007/s10668-024-05928-0
- मैती, बी., रुद्र, एस., मलिक, एस.के., और प्रमाणिक, एम. (2025)। एक औद्योगिक शहर में शहरी ऊष्मा द्वीप की तीव्रता और बाहरी तापीय आराम की निगरानी: स्थायी शहरी ताप न्यूनीकरण की दिशा में एक अध्ययन। *भारतीय सुदूर संवेदन सोसाइटी की पत्रिका*। https://doi.org/10.1007/s12524-024-02088-6
- मलिक, एस.के., साहू, एन., दास, पी., मैती, बी., वरुण, ए., कुमार, ए., रुद्र, एस. (2024). दिल्ली में शहरी विकास और इसके उप-नगरीय वातावरण का शहरी ताप जोखिम पर प्रभाव। *शहरी जलवायु, 56* (102010), 102010। https://doi.org/10.1016/j.uclim.2024.102010
- साहू, एन., मलिक, एस.के., दास, पी., सैनी, ए., सायमा, टी., वरुण, ए., ठाकुर, पी.के. (2024). भारतीय हिमालय में वसंत ऋतु के लुप्त होने पर जलवायु संबंधी प्रभाव। *जियोमैटिक्स प्राकृतिक खतरे और जोखिम, 15* (1)। https://doi.org/10.1080/19475705.2024.2433115
- सरकार, एस., मलिक, एस.के., मन्ना, एच., और रॉय, एस.के. (2024). शहरीकरण-प्रेरित भूमि उपयोग गतिशीलता और भारत के औद्योगिक शहरों में वर्तमान और भविष्य की शहरी

पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं पर इसका प्रभाव। *पृथ्वी प्रणालियाँ और पर्यावरण।* https://doi.org/10.1007/s41748-024-00440-x

- मलिक, एस.के. (2024). पेरी-अर्बन इंटरफ़ेस: स्थानिक नियोजन और प्रबंधन में चुनौतियाँ और अवसर। *मॉडर्न कार्टोग्राफी में। मॉडर्न कार्टोग्राफी सीरीज़* (पृष्ठ 529-542)। https://doi.org/10.1016/b978-0-443-15832-2.00023-x
- दास, पी., रुद्र, एस., मैती, बी., मलिक, एस.के., शिकारी, सी., और साहू, एन. (2024). शहरी विकास, माँग-आपूर्ति गतिशीलता और जलवायु लचीलेपन का मॉडलैंगिक: पूर्वी भारत के एक प्रथम श्रेणी के शहर का अध्ययन। *शहरी स्थिरता में* (पृष्ठ 107-130)। https://doi.org/10.1007/978-981-97-9658-8_6
- अब्दो, एचजी, विश्वकर्मा, डीके, अलसफादी, के., बिंदाजम, एए, मलिक, जे., मलिक, एसके, हिसा, ए. (2024). पूर्वी भूमध्य सागर में सतत संसाधन प्रबंधन के लिए संभावित भूजल पुनर्भरण क्षेत्रों के निर्धारण हेतु जीआईएस-आधारित बहु-मानदंड निर्णय प्रक्रिया: एक केस स्टडी। *एप्लाइड वाटर साइंस, 14* (7)। https://doi.org/10.1007/s13201-024-02217-z
- साहू, एन., नयन, आर., पांडा, ए., वरुण, ए., केशरवानी, आर., दास, पी., नायक, एस. (2024). भारत में दार्जिलैंगिक चाय के उत्पादन पर वर्षा और तापमान में परिवर्तन का प्रभाव। *वायुमंडल, 16* (1), 1. https://doi.org/10.3390/atmos16010001
- साहू, एन., दास, पी., रत्ना, एस.बी., सैनी, ए., मलिक, एस.के., कुमार, ए., और महापात्रा, एम. (2024). भारतीय ग्रीष्मकालीन मानसून परिवर्तनशीलता का एक ग्रंथसूची विश्लेषण। *स्थानिक सूचना अनुसंधान।* https://doi.org/10.1007/s41324-024-00587-9
- सिंह, एस., दहिया, वी., और सिंह, बी. (2024). महिला उद्यमिता प्रवृत्ति पर एक अध्ययन: विज़ुअलाइज़ेशन और बिब्लियोमेट्रिक विश्लेषण। *आईपीई जर्नल ऑफ मैनेजमेंट,* 14(9), 40-51।
- चौहान, के., सिंह, एस., दहिया, वी., और सिंह, बी. (2024). ईसीएम, ई-सेवा गुणवत्ता और संबंध गुणवत्ता के क्रमिक रूप से मध्यस्थता संयोजन के माध्यम से परिकल्पित वित्तीय परिणाम: आधुनिक खुदरा बैंकिंग में डिजिटलीकरण का एक पहलू। जोखिम प्रशासन और नियंत्रण। *वित्तीय बाजार और संस्थान।* खंड 14(4), पृष्ठ 68-77। https://doi.org/10.22495/rgcv14i4p7।
- कुमार, वी., ज़ोथांसांगा, ए. और कुमार, आर. (2024). बैनच स्पेस में पुनरावृत्त पीजी-फ़्रेम पर एक नोट। *पॉइनकेयर जर्नल ऑफ़ एनालिसिस एंड एप्लीकेशन्स।* 11(2), 253-261। https://doi.org/10.46753/ pjaa.2024.v011i02.013
- कुमार, वी. और मल्होत्रा, एस. (2024). नियंत्रित जी-फ्रेम और उनके जी-द्वैत. *फिलिस्तीन जर्नल ऑफ मैथमेटिक्स.* 13(4), 902-912. https://pjm.ppu.edu/paper/1903-controlled-g-frames-and-their-g-duals

- गोयल, पी., कुमार, एस., आयुष्मान, और आर्य, वी.वी. (2024). मूल्य प्रासंगिकता और शेयर मूल्य गतिशीलता: भारतीय बहुराष्ट्रीय निगमों का एक अनुभवजन्य विश्लेषण। *द इंडियन इकोनॉमिक जर्नल: द क्वार्टरली जर्नल ऑफ़ द इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन, 72* (5), 807-815। https://doi.org/10.1177/ 00194662241277265

- देबनाथ, पी., दास, के., गोयल, ए., सिंह, वी., भुयान, ए.के., देबी, एच., और साहा, ए. (2024). उभरती अर्थव्यवस्था के बैंकिंग क्षेत्र में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व प्रकटीकरण रणनीति और प्रथाओं का रहस्य उजागर करना। *कॉर्पोरेट और व्यावसायिक रणनीति समीक्षा, 5* (3), 189-198। https://doi.org/ 10.22495/cbsrv5i3art18

- साहनी, ए.के., गुप्ता, जी., आनंद, एस., शर्मा, वी.आर., सिंह, आर., कामिल, ए., कुमार, एच., गगन, ए., मायाला, वी.के., मिश्रा, ए.पी., जायसवाल, एस., और आनंद, जे. (2025)। दक्षिण अफ्रीका में स्वदेशी ज्ञान और जल संरक्षण पद्धतियाँ: एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा। *जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल एंड अर्थ साइंसेज।* 7(2), 248-261। https://doi.org/10.30564/jees.v7i2.7988

- सानू, एस.के., और शर्मा, वी.आर. (2024). दिल्ली, भारत में अनाज मंडी अग्निकांड के एक केस स्टडी के साथ शहरी आग के अंतर्निहित कारणों का अध्ययन। *नगरलोक, 56* (2), 234-249। https://doi.org/10. 32381/nl.2024.56.02.7

अनुसंधान परियोजनाएँ

- डॉ. नेहा नैनवाल को 'कृषि आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में प्रौद्योगिकी अपनाने की भूमिका का आकलन: अरुणाचल प्रदेश और मेघालय का एक केस स्टडी' नामक शोध परियोजना के लिए ₹ 15,00,000/- की राशि मंजूर की गई है, जिसकी अवधि सितंबर 2024 से अगस्त 2025 तक है।

- डॉ. युवराज कुमार को “भारत में स्वदेशी राजनीति; स्वदेशी जागरण मंच की 2014 से अब तक की गतिविधियों और रणनीतियों के विशेष संदर्भ में” नामक शोध परियोजना के लिए ₹ 5,54,000/- की राशि मंजूर की गई है, जो सितंबर 2024 से अगस्त 2025 तक की अवधि को कवर करती है।

आयोजित संगोष्ठियां

- सामाजिक विकास परिषद के प्रोफेसर मनोरंजन मोहंती ने 1 अक्तूबर 2024 को "गांधी की सत्याग्रह की अवधारणा: आज के समय में प्रासंगिकता" पर एक व्याख्यान दिया।
- डॉ. ग्रेगरी वाई गोल्डिंग (साहित्यिक) प्रोफेसर, दक्षिण एशिया 8 विभाग) और डॉ सुनील कुमार वर्मा (अंग्रेज़ी) प्रोफ़ेसर, हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय), ने " वैश्विक" विषय पर एक संगोष्ठी दिया स्तर पर हिंदी शिक्षण : दशा और दिशा ” 4 अक्तूबर 2024 को।

- कमला नेहरू महाविद्यालय के राजनीति-विज्ञान विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नूपुर रे ने 7 अक्तूबर 2024 को "द जेंडर लेंस: अप्रोच एंड प्रैक्सिस" पर एक व्याख्यान दिया।
- 8 नवंबर 2024 को “हॉब्स और आधुनिक राजनीतिक समुदाय” पर एक व्याख्यान दिया।
- 12 नवंबर 2024 को "शोध लेख लिखना: चरणों का पता लगाना" विषय पर व्याख्यान दिया।
- 12 नवंबर 2024 को "एआई का इससे क्या लेना-देना है: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के वादों, खतरों और उद्देश्यों पर एक व्यापक कार्यशाला" विषय पर व्याख्यान दिया।
- लिंक्डइन कंटेंट क्रिएटर सुश्री वर्तिका रावत ने 15 नवंबर, 2024 को " *लिंक्डइन एज: ग्रोथ के लिए रणनीतिक नेटवर्किंग " विषय पर एक संगोष्ठी/भाषण दिया।*
- जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के आर्थिक अध्ययन एवं योजना केंद्र के सहायक प्रोफेसर: डॉ. सुरजीत दास ने 15 नवंबर, 2024 को “केंद्रीय बजट 2025-26” पर एक संगोष्ठी/वार्ता दी।
- प्रसिद्ध खोजी पत्रकार श्री सौरव दास ने 23 नवंबर 2024 को "भारतीय न्यायपालिका और आसन्न सुधार, उप-मुख्यमंत्री चंद्रचूड़ के कार्यकाल के विशेष मूल्यांकन के साथ" विषय पर व्याख्यान दिया।
- वरिष्ठ ओ सुधा सिंह (हिन्दी) विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय), सिक्ता देव (एन. डी. टी. वी पत्रकार) और नीलू रंजन (विशेष सामने दैनिक भगवन), ने " हिन्दी" विषय पर एक संगोष्ठी दिया मीडिया और लोकतंत्र ” 24 नवंबर 2024 को।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति-विज्ञान विभाग के डॉ. संजय कुमार एच.एम. ने 4 जनवरी 2025 को "शारीरिक रूप से विकलांग छात्रों की पहुंच और अधिकार" पर व्याख्यान दिया।
- जामिया मिलिया इस्लामिया के एक प्रसिद्ध प्रोफेसर, प्रोफेसर मनसफ आलम ने 1 फरवरी 2025 को “गणित और हालिया प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हुए एआई” पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।
- राजनीतिक रणनीतिकार और नीतितंत्र के संस्थापक श्री ऋत्विक मेहता ने 3 फरवरी 2025 को "नीति अनुसंधान" पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. लक्ष्मी कुमार टीवी, एसोसिएट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ एनवायरनमेंटल साइंस, जेएनयू, ने 4 फरवरी, 2025 को "जलवायु परिवर्तन और चरम" विषय पर एक संगोष्ठी/भाषण दिया।
- सीए अर्चित अग्रवाल ने 4 फरवरी, 2025 को "जलवायु परिवर्तन और चरम" विषय पर एक संगोष्ठी/भाषण दिया।
- श्री पारस मदान, एआई इंजीनियर और डेटा वैज्ञानिक, ने 4 फरवरी, 2025 को “जेनरेटिव एआई” पर एक संगोष्ठी/भाषण दिया।
- महिंद्रा विश्वविद्यालय में प्रैक्टिस के प्रोफेसर, प्रोफेसर संजय मनसबदार ने 13 फरवरी 2025 को "वित्तीय सेवाओं में ब्लॉकचेन की भूमिका" पर एक व्याख्यान दिया।
- प्रोफेसर चंद्र कुमार सिंह, डीन (अकादमिक) टेरी, नई दिल्ली ने 13 मार्च, 2025 को “ भारत की अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और सतत विकास ” पर एक संगोष्ठी/वार्ता दी।

- इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमेटिक्स एंड एप्लीकेशन (यूके) की फेलो प्रोफेसर रश्मि भारद्वाज ने 17 फरवरी 2025 को "नॉनलाइनियर डायनेमिक्स एंड मैथमेटिकल मॉडलैंगिक" पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।
- प्रो. स्वाति श्वेता (प्रोफेसर, हिंदी) विभाग, गार्गी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय) और डॉ ज्योति राइसा (साहित्यिक) प्रोफेसर, इग्नू, नई दिल्ली), ने " बाजार " विषय पर एक संगोष्ठी दिया और स्त्री मुक्ति का प्रश्न " 21 फरवरी 2025 को।
- डॉ. उमाशंकर चौधरी (सुप्रसिद्ध) लेखक, वास्तुकार प्रोफेसर, स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय) और डॉ. प्रवीण कुमार (सुप्रसिद्ध) कथाकार, कथाकार प्रोफ़ेसर, हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, " " रचना पर एक संगोष्ठी दिया प्रक्रिया और लेखक से मुलाकात " 3 मार्च 2025 को।
- श्री सुधीर प्रताप सिंह चारण, आईपीएस, ने 6 मार्च 2025 को “भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए चुनौतियां” विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।
- डॉ. केमिली बुआट, पोस्ट रिसर्च फेलो, सेंटर फॉर मॉडर्न इंडियन स्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ गोटिंगेन, जर्मनी ने 19 मार्च, 2025 को " 20वीं सदी के भारत में प्रवासन: औपनिवेशिक और उत्तर-औपनिवेशिक अनुभव" केंद्रीय बजट 2025-26" पर एक संगोष्ठी/वार्ता दी।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की प्रोफेसर सुधा सिंह ने " स्त्री" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। वर्गीकरण : और अवसर ”, 22 मार्च 2025 को।
- यूपीएससी के पूर्व मुख्य परीक्षक श्री संजय ओबराय ने 26 मार्च 2025 को “यूपीएससी-सीएसई में सफलता का मार्ग खोलना” विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

आयोजित सम्मेलन

- **आईजीयू के सहयोग से** 'शहरी विकास मिशन, स्थानों का पुनर्गठन और नए शहरीकरण का उदय' शीर्षक से सम्मेलन 15-16 दिसंबर 2024 को आयोजित किया जाएगा।
- 18-19 फरवरी, 2025 को दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के वाणिज्य विभाग के सहयोग से 'सतत व्यवसाय परिवर्तन: प्रौद्योगिकी के माध्यम से नवाचार और प्रभाव को बढ़ावा देना' शीर्षक से सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

- सतत विकास, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों और तकनीकी प्रगति पर अंतर्दृष्टि साझा करने के लिए 15 जुलाई, 2024 से मेलबर्न विश्वविद्यालय के साथ सहयोग। इस साझेदारी का उद्देश्य वैश्विक शिक्षा प्रवृत्तियों, अनुसंधान के अवसरों और अंतर-सांस्कृतिक शिक्षा को बढ़ावा देना है। इस सहयोग का उद्देश्य सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं के अवसरों को समझना भी है।

एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत छात्र

- शहीद भगत सिंह महाविद्यालय के एनएसएस स्वयंसेवक अर्का मंडल ने 12 से 21 सितंबर तक कश्मीर में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर 2024 में गर्व से भाग लिया।

- साहिल कुमार (शहीद भगत सिंह महाविद्यालय) को चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, हरियाणा द्वारा आयोजित एनआईसी 2024 में एक समृद्ध अनुभव प्राप्त हुआ। 6 से 12 नवंबर तक आयोजित इस शिविर में योग, रचनात्मक गतिविधियाँ, वाद-विवाद और स्वच्छ भारत अभियान शामिल थे।
- 3 से 9 जनवरी, 2025 तक जम्मू के जीसीडब्ल्यू महाविद्यालय में आयोजित एनएसएस राष्ट्रीय एकता शिविर एकता और संस्कृति का एक जीवंत उत्सव था। शहीद भगत सिंह महाविद्यालय के एक स्वयंसेवक मोहित यादव ने इस शिविर में भाग लिया। इस शिविर में राजस्थान, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, हरियाणा और दिल्ली की संस्कृतियों को एक साथ लाते हुए टीम वर्क, परंपरा और विविधता पर प्रकाश डाला गया।
- शहीद भगत सिंह महाविद्यालय के सात एनएसएस स्वयंसेवकों ने 18 से 25 मार्च तक आयोजित खेलो इंडिया गेम्स में सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने खिलाड़ियों के पंजीकरण, व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन और मैदानी सहयोग में सहायता की, जिससे आयोजन का सुचारू संचालन सुनिश्चित हुआ।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

262 और 32%

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- शहीद भगत सिंह महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई ने 2024-2025 सत्र के दौरान राष्ट्रीय एकीकरण, सामाजिक जिम्मेदारी और युवा जुड़ाव पर जोर देते हुए गतिशील गतिविधियों और आउटरीच कार्यक्रमों की एक श्रृंखला शुरू की।
- वर्ष की शुरुआत कश्मीर में एडवेंचर कैंप (12-21 सितंबर, 2024) से हुई, जहाँ स्वयंसेवक अर्का मंडल ने रस्सी बनाने, ट्रैकिंग और जीवन रक्षा प्रशिक्षण में भाग लिया, जिससे विभिन्न संस्कृतियों के बीच सीखने को बढ़ावा मिला। इसके बाद "स्वच्छता ही सेवा" अभियान (24 सितंबर-2 अक्तूबर, 2024) शुरू हुआ, जिसमें स्वच्छता और पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए सफाई अभियान, पोस्टर प्रतियोगिताएँ और नुक्कड़ नाटक आयोजित किए गए।
- स्वयंसेवकों ने दो राष्ट्रीय एकता शिविरों में भाग लिया-पहला चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, हरियाणा में (6-12 नवंबर, 2024), जहां योग, वाद-विवाद और स्वच्छ भारत अभियान जैसी गतिविधियां शामिल थीं; और दूसरा जीसीडब्ल्यू महाविद्यालय, जम्मू में (3-9 जनवरी, 2025), जहां प्रदर्शनों और प्रतियोगिताओं के माध्यम से सांस्कृतिक एकता का उत्सव मनाया गया।
- एनएसएस स्वयंसेवकों ने विशेष ओलंपिक उद्घाटन समारोह (19 नवंबर, 2024), राष्ट्रीय युवा महोत्सव (9-12 जनवरी, 2025) और खेलो इंडिया गेम्स (18-27 मार्च, 2025) जैसे राष्ट्रीय आयोजनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें रसद सहायता प्रदान की गई और समावेशिता और युवा भागीदारी को प्रोत्साहित किया गया।

- अन्य उल्लेखनीय पहलों में राष्ट्रीय मतदाता जागरूकता कार्यक्रम (23 जनवरी, 2025), दिल्ली यातायात पुलिस के सहयोग से सड़क सुरक्षा कार्यशाला (20 फरवरी, 2025) और महाविद्यालय के नए शैक्षणिक सभागार का उद्घाटन (17 फरवरी, 2025) शामिल हैं।
- कुल मिलाकर, इन गतिविधियों ने एनएसएस के आदर्श वाक्य, "मैं नहीं, बल्कि आप" को प्रतिबिंबित किया, जिससे छात्रों में स्वयंसेवा, नागरिक भावना और सामुदायिक सेवा की भावना को बढ़ावा मिला।

पुस्तकालय विकास

- 2024-25 में, पुस्तकालय ने विभिन्न विषयों में 2,008 नए शीर्षकों और प्रतियोगी परीक्षा पुस्तकों, वार्षिक पुस्तकों, रिपोर्टों और एटलस सहित 285 संदर्भ शीर्षकों के साथ अपने संग्रह का विस्तार किया। 25 वर्षों से अधिक समय तक की गई छंटाई के बाद, कुल प्राप्त खंडों की संख्या 97,963 तक पहुँच गई है, जिनमें से 70,747 उपयोगी प्रतियाँ हैं। पुस्तकालय वर्तमान में 74 पत्रिकाओं–39 जर्नल और 35 पत्रिकाओं–की सदस्यता लेता है और DULS और INFLIBNET के माध्यम से 5 लाख से अधिक ई-संसाधनों तक पहुँच प्रदान करता है।
- इस वर्ष की एक प्रमुख उपलब्धि KOHA क्लाउड-आधारित पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ़्टवेयर में स्थानांतरण था, जो वेब-ओपीएसी, ईमेल अलर्ट, ऑनलाइन आरक्षण और पुस्तक सुझाव जैसी उन्नत सेवाएँ प्रदान करता है। यह उपयोगकर्ता-अनुकूल प्रणाली उपयोगकर्ताओं के साथ बेहतर पहुँच और संचार सुनिश्चित करती है।
- इसके अतिरिक्त, रीडिंग हॉल का समय रात्रि 10:00 बजे तक बढ़ा दिया गया है, जिससे प्रतिदिन 150 से अधिक छात्र समृद्ध संसाधनों और सेवाओं से लाभान्वित होंगे।

संकाय संख्या

कुल: 170-(प्रोफेसर-22, एसोसिएट प्रोफेसर-42 और सहायक प्रोफेसर-97, तदर्थ - 0, अतिथि-9)

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित अनुदान : ₹ 694264000/-

उपयोगित अनुदान : ₹ 639400000/-

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- 1967 में अपनी स्थापना के बाद से, शहीद भगत सिंह महाविद्यालय बौद्धिक उत्कृष्टता, राष्ट्र सेवा और समावेशिता पर आधारित विश्वस्तरीय शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। अपने नाम की क्रांतिकारी भावना से प्रेरित होकर, महाविद्यालय ने हाल ही में छात्रों और शिक्षकों की बदलती ज़रूरतों को पूरा करने के लिए बड़े बुनियादी ढाँचे में बदलाव किए हैं।
- 2024-25 में, महाविद्यालय ने दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह सहित गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में कई प्रमुख परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इनमें शहीद भगत सिंह की प्रतिमा का पुनर्निर्माण, लिफ्टों की स्थापना, एक विशाल वातानुकूलित कार्मिक

रूम, एक उच्च तकनीक वाला वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष और शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए डिज़ाइन किया गया एक आधुनिक ओपन-एयर ऑडिटोरियम शामिल हैं।

- डिजिटल बुनियादी ढाँचे से सुसज्जित स्मार्ट कक्षाएँ, नई कंप्यूटर लैब और उन्नत संगोष्ठी हॉल, डिजिटल सशक्तिकरण के प्रति महाविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। ज्ञान प्रसार केंद्र, एक समर्पित यूट्यूब चैनल के साथ, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और परीक्षा तैयारी संसाधनों तक पहुँच को लोकतांत्रिक बनाता है।
- एक महत्वपूर्ण उपलब्धि अकादमिक सभागार (क्षमता: 230) का उद्घाटन था, जिसमें सम्मेलनों और सहयोगों को बढ़ावा देने के लिए उन्नत सुविधाएँ उपलब्ध हैं। एनईपी 2020 के चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम को सहयोग प्रदान करने के लिए, और अधिक स्मार्ट कक्षाएँ, गतिविधि कक्ष और कंप्यूटर लैब जोड़े गए। पुनर्निर्मित पुस्तकालय वाचनालय, जो अब दिल्ली विश्वविद्यालय के सबसे बड़े पुस्तकालयों में से एक है, सुलभ, वातानुकूलित है और लंबे समय तक खुला रहता है।
- अन्य विकास कार्यों में बेहतर परिसर प्रकाश व्यवस्था, एक नया पैदल मार्ग, पूर्ण वातानुकूलित कक्षाओं के लिए एक पूर्ण विद्युत सबस्टेशन, और एक आंतरिक परामर्शदाता के माध्यम से स्वास्थ्य सहायता शामिल है। बहुउद्देशीय हॉल, ईसीए कॉम्प्लेक्स और वातानुकूलित कैंटीन जैसी आगामी परियोजनाएँ महाविद्यालय के भविष्य-उन्मुख दृष्टिकोण को दर्शाती हैं।
- ये पहल महाविद्यालय के मिशन को मूर्त रूप देती हैं, जिसमें एक ऐसा पोषणकारी वातावरण तैयार करना है, जहां शैक्षिक उत्कृष्टता, समावेशिता और नवाचार पनपें-एक ऐसे भविष्य का निर्माण करना जहां छात्रों को नेतृत्व करने और सेवा करने का अधिकार प्राप्त हो।

****

शहीद भगत सिंह सांध्य महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

वर्ष के दौरान महाविद्यालय द्वारा किए गए महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे के विकास कार्यों में से एक ई ब्लॉक की कक्षाओं का विस्तार था। इस विस्तार का उद्देश्य छात्रों की बढ़ती संख्या को समायोजित करना और समग्र शैक्षणिक वातावरण को बेहतर बनाना था। अतिरिक्त कक्षाओं ने शिक्षण और सीखने की गतिविधियों के लिए बेहतर स्थान प्रदान किया है, जो संस्थान की निरंतर वृद्धि और शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

प्रकाशन (शोध लेख)

मलिक, एस.के., साहू, एन., दास, पी., मैती, बी., वरुण, ए., कुमार, ए., केशरवानी, आर., सैनी, ए., और रुद्र, एस. (2024). *दिल्ली में शहरी विकास और उसके उपनगरीय वातावरण का शहरी ताप जोखिम पर प्रभाव। शहरी जलवायु, 56,* 102010, 1-15. https://doi.org/10.1016/j.uclim.2024.102010

रुद्र, एस., दास, पी., मलिक, एस.के., मैती, बी., साहू, एन., और खान, यू. (2025)। *संभावित शहरी निर्मित क्षेत्र विकास के लिए स्थल उपयुक्तता विश्लेषण में भू-स्थानिक और भू-सांख्यिकीय तकनीकों का अनुप्रयोग। पर्यावरण, विकास और स्थिरता,* 1-29। https://doi.org/10.1007/s10668-024-05928-0

साहू, एन., केशरवानी, आर., दास, पी., कुमार, ए., वरुण, ए., सैनी, ए., मलिक, एस.के., और मिश्रा, एम.एम. (2025)। *भारत में चावल की खेती की स्थानिक-कालिक गतिशीलता। उष्णकटिबंधीय पारिस्थितिकी।* 66, 152-167। https://doi.org/10.1007/s42965-025-00368-x

साहू, एन., मलिक, एस.के., दास, पी., सैनी, ए., सायमा, टी., वरुण, ए., कुमार, ए., केशरवानी, आर., और ठाकुर, पी.के. (2024). *भारतीय हिमालय में वसंत ऋतु के लुप्त होने पर जलवायु संबंधी प्रभाव। जियोमैटिक्स। प्राकृतिक खतरे और जोखिम। 15* (1), 1-26। https://doi.org/10.1080/19475705.2024.2433115

साहू, एन., नयन, आर., पांडा, ए., वरुण, ए., केशरवानी, आर., दास, पी., कुमार, ए., आदि (2024). *भारत में दार्जिलैंगिक चाय के उत्पादन पर वर्षा और तापमान में परिवर्तन का प्रभाव। वायुमंडल, 16* (1), 1-20. https://doi.org/10.3390/atmos16010001

लैंगिकदोह, एस.डब्ल्यू. (2024). *सेवानिवृत्ति के लिए परिसंपत्ति आवंटन का एक ग्रंथसूची विश्लेषण. जर्नल ऑफ रिटायरमेंट, 12* (1), 61-83. https://doi.org/10.3905/jor.2024.1.158

चौधरी, आर. (एनडी)। *डिजिटल मूल निवासियों द्वारा टिकाऊ फ़ैशन-साझाकरण प्रथाओं को अपनाने में मूल्यों और सामाजिक मानदंडों का संगम। स्थिरता और जलवायु परिवर्तन। (वेब लिंक/DOI उपलब्ध नहीं है)*

चौधरी, आर. (2025). *इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में उपभोक्ता धारणाओं की भूमिका: भारत में वित्तीय प्रोत्साहन, रेट्रोफिटिंग और पर्यावरणीय चिंताएँ। जर्नल ऑफ इंफॉर्मेटिक्स एजुकेशन एंड रिसर्च. 5* (1), 3115-3130 https://doi.org/10.52783/jier.v5i1.2315

चौधरी, एस., पांडे, बी.डब्ल्यू., और चांदना, वी. (2024). *उत्तराखंड के देवप्रयाग के कंडी गाँव में झरनों की जल उपलब्धता में कमी का सामाजिक-आर्थिक प्रभाव: एक जन-धारणा दृष्टिकोण। जर्नल ऑफ द एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया.* 73(2). https://doi.org/10.1177/2277436X241262853

अनुसंधान परियोजनाएँ

प्रो. अनुपमा एम. हसीजा ने परियोजना निदेशक के रूप में "उत्तराखंड के जौनसार-बावर क्षेत्र में स्वदेशी प्रथाओं के माध्यम से आदिवासी निवासियों को मजबूत करने के लिए सतत विकास रणनीति: बावर क्षेत्र का एक केस स्टडी" नामक शोध परियोजना पूरी कर रिपोर्ट प्रस्तुत की है। अनुदान आईसीएसएसआर द्वारा प्रदान किया गया था और परियोजना 21 मार्च 2025 को प्रस्तुत की गई थी।

प्रो. अमित सोनी, "मेटा-विश्लेषण के माध्यम से भारतीय ज्ञान प्रणाली और सामाजिक सुरक्षा के एकीकरण की अनिवार्यताएँ" नामक चल रही शोध परियोजना में सह-प्रमुख अन्वेषक के रूप में कार्यरत हैं। यह परियोजना आईसीएसएसआर द्वारा वित्त-पोषित है। [परियोजना की अवधि निर्दिष्ट नहीं है।]

प्रोफेसर वनीता चांदना ने मार्च 2025 में आईसीएसएसआर को परियोजना सह-निदेशक के रूप में "उत्तराखंड के जौनसार-बावर बेल्ट में स्वदेशी प्रथाओं के माध्यम से जनजातीय ताकत को मजबूत करने के लिए सतत विकास रणनीति: बावर क्षेत्र का एक केस स्टडी" शीर्षक से एक शोध परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत किया है।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

273(87%), कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या: 176

पुस्तकालय विकास

वर्ष के दौरान, पुस्तकालय ने अपने संग्रह में 1,075 नई पुस्तकें जोड़कर अपने संसाधनों में उल्लेखनीय वृद्धि की। ये पुस्तकें विविध विषयों से संबंधित हैं, जिनका उद्देश्य छात्रों और संकाय सदस्यों, दोनों की शैक्षणिक और शोध संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करना है। वर्तमान शैक्षणिक सामग्री तक पहुँच को और समृद्ध बनाने के लिए, पुस्तकालय ने 85 पत्रिकाओं और पत्रिकाओं की सदस्यता भी ली, जिससे विभिन्न विषयों में अद्यतन साहित्य और विकास की उपलब्धता सुनिश्चित हुई।

संकाय संख्या

कुल: 129 (प्रोफेसर -12, एसोसिएट प्रोफेसर-13 और सहायक प्रोफेसर- 71, तदर्थ - 1 अतिथि - 32)

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित अनुदान: ₹ 347900000/-

उपयोग किए गए अनुदान: ₹ 347900000/-

****

शहीद राजगुरु महिला अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

- अभिविन्यास समारोह (20 सितंबर 2024)

नए बैच के लिए ओरिएंटेशन दिवस 20 सितंबर 2024 को आयोजित किया गया, जिसमें नए छात्रों और उनके अभिभावकों का हमारे महाविद्यालय परिवार में आधिकारिक स्वागत किया गया।

- फ्रेशर्स पार्टी (27 सितंबर 2024)

- तकनीकी उत्सव'24 (23-24 अक्तूबर 2024)

दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद राजगुरु महाविद्यालय ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर विमेन का वार्षिक टेक फेस्ट 2024, 23 और 24 अक्तूबर 2024 को आयोजित किया गया। छात्र परिषद के नेतृत्व में, सभी 14 विभागों के समन्वित प्रयासों से इस फेस्ट का कुशलतापूर्वक आयोजन किया गया।

- दिवाली मेला: उज्जवल'24 (25 अक्तूबर 2024)
- भारतीय संविधान दिवस (26 नवंबर 2024) पर शपथ ग्रहण कार्यक्रम
- साइबर सुरक्षा पर वार्ता सत्र (18 दिसंबर 2024)
- वीर बाल दिवस (26 दिसंबर 2024)
- गणतंत्र दिवस समारोह एवं शपथ ग्रहण समारोह (24 जनवरी 2025)
- सरस्वती पूजा उत्सव (3 फरवरी 2025)
- कारवां'25-वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव

महाविद्यालय के सबसे बहुप्रतीक्षित कार्यक्रमों में से एक, कारवां 25, 24 और 25 फरवरी 2025 को आयोजित दो दिवसीय भव्य आयोजन था। दिल्ली-एनसीआर के छात्र बहुप्रतीक्षित वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव का हिस्सा बनने के लिए आए थे।

- रंगोत्सव '25: एक रंगीन होली उत्सव (7 मार्च 2025)

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय (शिक्षण)

डॉ. प्रो. पायल मागो ने एक पुस्तक प्रकाशित की

- मागो, पी., मेहरोत्रा, आर., शर्मा, आर., जैन, टी., और झाम जे., (2024). मशटेल्स मशरूम रेसिपीज़: द अल्टीमेट मशरूम रेसिपी कुकबुक (प्रथम संस्करण)। बीपीआई इंडिया प्राइवेट लिमिटेड।

डॉ. रेशमा सिन्हा

- 10 मार्च, 2025 को इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग में पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई, जिसका शोध प्रबंध शीर्षक था, "स्पिनट्रॉनिक्स-आधारित चुंबकीय सुरंग जंक्शन डिवाइस का प्रदर्शन संवर्धन"।

- डॉ. उर्मिल ने दिसंबर 2024 में कंप्यूटर विज्ञान में “सर्वरलेस एप्लिकेशन डिजाइन करने के लिए फ्रेमवर्क” शीर्षक से शोध के साथ सफलतापूर्वक पीएच.डी. पूरी की।

डॉ. (प्रो.) रेखा मेहरोत्रा को 29 सितंबर 2024 को माइक्रोबायोलॉजी के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों और उल्लेखनीय योगदान के लिए केटीके आउटस्टैंडिंग अचीवर्स एंड एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा "सर्वश्रेष्ठ शिक्षाविद् पुरस्कार" प्रदान किया गया।

- पिछले कई वर्षों से पर्यावरण संरक्षण और स्थिरता में उत्कृष्ट योगदान के लिए "ग्रीन एजुकेटर अवार्ड" प्राप्त हुआ। यह पुरस्कार पर्यावरण जागरूकता और स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देने, एक हरित भविष्य बनाने और छात्रों व समुदाय को प्रेरित करने के प्रयासों के लिए शिक्षक दिवस, 5 सितंबर 2024 के अवसर पर दिया गया।
- महाविद्यालय को 30-दिवसीय पर्यावरण चुनौती के दौरान अनुकरणीय मार्गदर्शन और अटूट सहयोग के लिए "ग्रीन गाइड प्रमाणपत्र" प्रदान किया गया। महाविद्यालय ने वर्ष 2024 में पर्यावरण संरक्षण और प्रतिबद्धता के लिए एक मानक स्थापित करते हुए इस चुनौती को सफलतापूर्वक पूरा किया।
- वर्ष 2024 में माइक्रोबायोलॉजी के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों और उल्लेखनीय योगदान के लिए केटीके आउटस्टैंडिंग अचीवर्स एंड एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा "भारत गौरव पुरस्कार" प्राप्त किया।
- वर्ष 2024 में पर्यावरण शिक्षा को शामिल करने और छात्रों को पर्यावरण चेतना को अपनाने के लिए प्रेरित करने में अनुकरणीय समर्पण और नेतृत्व के लिए नेशनल एडुट्रस्ट ऑफ इंडिया (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के तहत पंजीकृत) द्वारा "सर्वश्रेष्ठ शिक्षक के लिए सम्मान का पुरस्कार" प्राप्त किया।

छात्र

- बी.एस.सी. (ऑनर्स) माइक्रोबायोलॉजी (तृतीय वर्ष) की छात्रा अनुषा जटली विश्वविद्यालय में टॉपर रहीं तथा उन्हें विश्वविद्यालय पदक भी मिला।
- बी.एस.सी. (ऑनर्स) फूड टेक्नोलॉजी (तृतीय वर्ष) की छात्रा ईशा कौशिक विश्वविद्यालय में टॉपर रहीं तथा उन्हें विश्वविद्यालय पदक भी मिला।
- बी.एस.सी. (ऑनर्स) बायोमेडिकल साइंस (तृतीय वर्ष) की छात्रा वंशिका माकोल विश्वविद्यालय में टॉपर रहीं तथा उन्हें विश्वविद्यालय पदक से सम्मानित किया गया।
- बैचलर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (तृतीय वर्ष) की छात्रा नित्या ने दिल्ली में 43वीं उत्तर क्षेत्र प्रतियोगिता शूटिंग चैंपियनशिप में 50 मीटर प्रोन में भाग लिया और 40वें स्थान पर रहीं।
- प्रबंधन अध्ययन स्नातक (तृतीय वर्ष) की छात्रा इस्माइल बंसल ने राष्ट्रीय शतरंज रैंकिंग में भाग लिया और उच्च स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन (पुस्तकें/पुस्तक में अध्याय)

पुस्तकें

मागो, पी., मेहरोत्रा, आर., शर्मा, आर., जैन, टी., और झाम, जे. (2024). मुश्टेल्स मशरूम रेसिपीज़: द अल्टीमेट मशरूम रेसिपी कुकबुक (प्रथम संस्करण). बीपीआई इंडिया प्राइवेट लिमिटेड.

रिज़वाना, और सभरवाल, पी.के. (2025). मांस, मुर्गी और अंडे की तकनीक. नई दिल्ली प्रकाशक.

गर्ग, एम., चतुर्वेदी, एस., सभरवाल, पी.के., सचान, टी., बिंदु, और सबलानिया, वी. (2025)। खाद्य पैकेजिंग. नई दिल्ली प्रकाशक.

जोशी, डी., और सभरवाल, पी.के. (2024). डेयरी प्रसंस्करण की पुस्तिका. नई दिल्ली प्रकाशक.

सभरवाल, पी.के., और गुप्ता, एस. (2024). खाद्य अपशिष्ट और उपोत्पाद उपयोग की पुस्तिका. नई दिल्ली प्रकाशक.

हांडा, डी. (2024). कार्यबल विविधता: पाठ और मामले. गलगोटिया पब्लिशिंग कंपनी.

बजाज, डी. (2024). दस्तावेज़ तैयारी और प्रस्तुति सॉफ़्टवेयर (प्रथम संस्करण). ऑथर्सप्रेस. आईएसबी.ए.न 978-93-6095-115-3.

भारती, यू. (2024). बिग डेटा एनालिटिक्स - I (प्रथम संस्करण). ऑथर्सप्रेस. आईएसबी.ए.न 978-93-6095-451-2.

भारती, यू. (2024). बिग डेटा एनालिटिक्स - II (प्रथम संस्करण). ऑथर्सप्रेस. आईएसबी.ए.न 978-93-6095-426-0.

गर्ग, एम., चतुर्वेदी, एस., सबलानिया, एस., बिंदु, और राव, एस.ई. (2024). खाद्य इंजीनियरिंग का व्यावहारिक मैनुअल-I (प्रथम संस्करण)। इंदु बुक सर्विस प्राइवेट लिमिटेड।

पुस्तक में अध्याय

काबरा, एस., और गर्ग, एन. (2024). GaN HEMTs में किंक प्रभाव और धारा पतन का मॉडलैंगिक। डी. निर्मल और जे. अजयन (सं.), AlGaN/GaN उच्च इलेक्ट्रॉन गतिशीलता ट्रांजिस्टर का मॉडलैंगिक (पृष्ठ 191-205)। स्प्रिंगर सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-97-7506-4_8

सिंह, एम., सभरवाल, पी.के., सिंह, आर., और सचान, टी.के. (2024). बार्नयार्ड बाजरा: जीव-विज्ञान, कार्यात्मक क्षमता और सतत उपयोग: गौण बाजरा। बाजरा: खाद्य स्थिरता के लिए बहु-अनाज प्रतिमान (पृष्ठ 135-150) में। स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंड।

सिंह, एम., सभरवाल, पी.के., सिंह, आर., और सचान, टी.के. (2024). बार्नयार्ड मिलेट: जीव-विज्ञान, कार्यात्मक क्षमता और सतत उपयोग। एम. ठाकुर (सं.), मिलेट्स: खाद्य स्थिरता के लिए बहु-अनाज प्रतिमान (पृष्ठ 135-150) में। स्प्रिंगर। https://doi.org/10.1007/978-3-031-64237-1_9

चोपड़ा, आर. (2025). फ़ज़ी सेट और न्यूट्रोसॉफ़िक सेट के सूचकांकों के बीच संबंध। न्यूट्रोसॉफ़िक सिद्धांत और अनुप्रयोग, 4, 62-78. न्यूट्रोसॉफ़िक साइंस इंटरनेशनल एसोसिएशन (एनएसआईए) पब्लिशिंग हाउस।

भावना, और ववविलाला, पी. (2024). अनियंत्रित ऑन्कोजेनिक सिग्नलैंगिक मार्ग(मार्ग) और वैकल्पिक स्प्लिसिंग। एम.ए. माचा, ए.ए. भट, और एस.के. बत्रा (सं.), वैकल्पिक स्प्लिसिंग और कैंसर (पृष्ठ 81-94)। सीआरसी प्रेस। https://doi.org/10.1201/9781003260394

जर्नल लेख

प्रो(डॉ.) पायल मागो

- मैगो पी., प्रिया ए, दश्ती एम, (2024) फेफड़ों के कैंसर के लिए संभावित नियामक तंत्र और चिकित्सीय लक्ष्यों की पहचान, फरवरी 2024.
- मैगो पी., अश्विनी आर, अवनीश एस, अलका वाई, उर्विंदर के, आलोक के (2024) विशिष्ट आंत माइक्रोबियल संरचना और कार्डियो मेटाबोलिक रोग में इसके कार्यात्मक महत्व को स्पष्ट करने के लिए एक व्यापक पायलट अध्ययन, मई 2024. बायोकेमिकल जेनेटिक्स (springer.com)
- मैगो पी., मोल एन., प्रिया ए., सिंह ए.के., शालीमार, रे ए.के. (2024) पशु मॉडलों में हृदय स्वास्थ्य पर जलवायु संबंधी गर्मी की घटनाओं के प्रभावों का पता लगाना। पर्यावरण अनुसंधान, मई 2024. खंड 248, पृष्ठ 118315
- आंत माइक्रोबायोम और कार्डियो-मेटाबोलिक की त्रिपक्षीय अंतःक्रिया को समझना। जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल मैनेजमेंट, मार्च 2025.

डॉ. अंजीता रानी

- रानी, ए., सिंधु, ए., चेन, एच.-जे., झा, आई., हॉर्न्ग, जे.-सी., और वेंकटेश, पी. (2024). सरल अंत संशोधनों के साथ कोलीन क्लोराइड और कोलेजन मिमेटिक पेप्टाइड के बीच परस्पर क्रिया का पता लगाना: ग्लाइ-ग्लाइ-(प्रो-हाइप-ग्लाइ)$_8$-ग्लाइ-ग्लाइ का एक केस स्टडी। *जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर लिक्विड्स, 407,* 125196। एल्सेवियर

प्रो. डॉ. जसजीत कौर

- कौर, जे., और सोढ़ी, जी.एस. (2024). सीज़न क्रैकिंग: एक ऐसी घटना जिसके कारण भारतीय छावनियों में गोला-बारूद का विघटन हुआ। *करेंट साइंस,* 127(7), 869-870.
- वालिया, एम., जोशी, बी., कौर, जे., सोढ़ी, जी.एस., और वर्मा, के. (2024). पानी में डूबे हुए अव्यक्त फिंगरप्रिंट विकसित करने में छोटे कण अभिकर्मक की प्रभावकारिता की एक व्यापक समीक्षा: एक अनुभवजन्य विश्लेषण। *रिसर्च जर्नल ऑफ फार्मेसी एंड टेक्नोलॉजी, 17* (8), 4110-4116।

डॉ. श्रुति भंसवाल

- *सिनोरहिज़ोबियम मेलिलोटी* में एक नए प्यूरीन ऑक्सोट्रोफ़ का अनावरण : दोषपूर्ण एक्सोपॉलीसेकेराइड उत्पादन की अंतर्दृष्टि। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ साइंटिफिक रिसर्च एंड रिव्यूज़, 13,* 4009-4015।

- एक्सोपॉलीसेकेराइड उत्पादन में दोषपूर्ण *सिनोरहिज़ोबियम मेलिलोटी प्लियोट्रोपिक म्यूटेंट* द्वारा उत्पन्न नोड्यूल्स के टीईएम अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लाइफ साइंसेज रिसर्च, 12* (2), 46-55।
- बंसवाल, एस., प्रकाश, एम., ज्योतिर्मयी, पी., और गुप्ता, एस.सी. (2024). परिपक्व वृक्ष नोडल एक्सप्लांट के माध्यम से बहुउद्देशीय काष्ठीय फलीदार *बबूल ऑरिकुलिफॉर्मिस का पुनर्जनन। पादप ऊतक संवर्धन और जैव प्रौद्योगिकी, 33* (1), 1-9।

<u>डॉ. इंदु अरोड़ा</u>

- अरोड़ा, आई. (2024). पैलेडियम नैनोकण और फेफड़ों का स्वास्थ्य: चूहों में आकारिकी-निर्भर उप-तीव्र विषाक्तता का आकलन और नारिंगिन द्वारा विषाक्तता मॉड्यूलेशन-स्वच्छ वाहन उत्सर्जन का मार्ग प्रशस्त करना। *एसीएस ओमेगा, 9* (77)।

<u>डॉ. वर्षा मेहरा</u>

- मिश्रा, एल.सी., मेहरा, वी., सिंह, टी., और मिश्रा, जी. (2024). ऑन्कोलॉजी में अनुप्रयोगों के लिए रेडियोलेबल मेथियोनीन एनालॉग्स की भूमिका। *अफ्रीकन जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज, 10* (6), 4124-4135।

<u>डॉ. रेशमा सिन्हा</u>

- सिन्हा, आर., और कौर, जे. (2024). ट्रांज़िशन मेटल डाइचेल्कोजेनाइड-आधारित डबल-बैरियर मैग्नेटिक टनल जंक्शन के उन्नत परिवहन पैरामीटर. *जर्नल ऑफ़ इलेक्ट्रॉनिक मैटेरियल्स.*

<u>डॉ. सुनील कुमार</u>

- रघुवंशी, के.के., कुमार, एस., कुमार, एस., और कुमार, एस. (2024). डीएनए एन्कोडिंग और सीएनएन पर आधारित इमेज एन्क्रिप्शन एल्गोरिथम। *एक्सपर्ट सिस्टम्स विद एप्लीकेशन्स, 252* (भाग बी), 124287।

अनुसंधान परियोजनाएं

- इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग की डॉ. स्नेहा काबरा को "औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए फ्लोटिंग गेट फील्ड इफेक्ट ट्रांजिस्टर आधारित विषाक्त गैस सेंसर का डिज़ाइन, वर्चुअल फैब्रिकेशन और कैरेक्टराइजेशन" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹29,90,900 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान एसईआरबी (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा प्रदान किया गया है और 2021 से 2025 तक की अवधि के लिए है।

आयोजित संगोष्ठियां

- रसायन-विज्ञान विभाग ने 21-22 अक्तूबर 2024 को रसायन-विज्ञान विभाग, एसआरसीएएसडब्ल्यू में "रसायन-विज्ञान में हरित विधियों पर संकाय सदस्यों के लिए दो दिवसीय व्यावहारिक कार्यशाला" का आयोजन किया।

आयोजित सम्मेलन

- इंडिया मशरूम डेज़ और स्किल, स्टार्ट-अप्स और उद्यमिता एक्सपो 2024, 4 से 6 अक्तूबर, 2024 उद्योग मिल्की वे स्पॉन लिमिटेड के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

- दिल्ली विश्वविद्यालय और डरहम विश्वविद्यालय यूके के बीच "क्षमता निर्माण" पर सहयोग, जिसके तहत हमारे संकाय सदस्यों का चयन चरण 1,2 और 3 में किया जाता है।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

31(5.4%)

कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या

9

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए एनेक्टस कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। बेकरी, जैम/जेली तैयार करना, सिलाई, मशरूम की खेती आदि क्षेत्रों में कौशल विकास और सहायता प्रदान की जा रही है।

- एनेक्टस इंडिया 2024 नेशनल्स में, जहाँ हमने प्रोजेक्ट ग्रीनहेवन और प्रोजेक्ट पहचान को परिपक्व चरण में प्रस्तुत किया, हमें गर्व है। हमारी टीम की कड़ी मेहनत और लगन का फल हमें मिला और हमने शीर्ष 4 में स्थान प्राप्त किया।

- एसआरसीएएसडब्ल्यू में एनसीसी इकाई को 54 वरिष्ठ विंग कैडेटों वाली एक प्लाटून स्वीकृत की गई है

- महाविद्यालय परिसर के आस-पास के क्षेत्रों के वंचित बच्चों के लिए कंप्यूटर साक्षरता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

पुस्तकालय विकास

शहीद राजगुरु महाविद्यालय ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर विमेन का पुस्तकालय प्रशासनिक ब्लॉक में तीन मंजिला इमारत में स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 585.80 वर्ग मीटर है और इसमें 250 लोगों के बैठने की क्षमता है। महाविद्यालय पुस्तकालय RFID (रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन सिस्टम) से

लैस है, जिसका उपयोग पुस्तकालय के हाउसकीपिंग संचालन के लिए किया जा रहा है। RFID प्रणाली में सेल्फ-सर्कुलेशन डेस्क, कार्मिक वर्क स्टेशन, सुरक्षा द्वार, बुक ड्रॉप बॉक्स, RFID रीडर, पुस्तकों के लिए RFID स्टिकर, RFID सक्षम सदस्य कार्ड, प्रत्येक पुस्तक लेनदेन में SMS और ई-मेल सेवाएँ शामिल हैं। महाविद्यालय पुस्तकालय में 20,500 से अधिक मुद्रित पुस्तकें और लगभग 1,35,000 ई-पुस्तकें, 11 मुद्रित पत्रिकाएँ और कई वैज्ञानिक विश्वकोश और पत्रिकाएँ हैं जो मौलिक विज्ञान के सभी पहलुओं को कवर करती हैं। डिजिटलीकरण की प्रक्रिया में, पुस्तकालय के संस्थागत भंडारों में डिजिटल सामग्री भी उपलब्ध है, जैसे खाद्य प्रौद्योगिकी के तृतीय वर्ष के छात्र द्वारा किया गया नया उत्पाद विकास।

संकाय संख्या

कुल: 119-(प्रोफेसर-8 एसोसिएट प्रोफेसर-11 और तदर्थ -55, अतिथि-45)

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित अनुदान: ₹ 35.08/-

उपयोगित अनुदान: ₹ 28.82/-

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

महाविद्यालय में हरित परिसर बना हुआ है तथा नियमित रूप से पर्यावरण ऑडिट किया जाता है।

छात्रावास सुविधा अन्य शहरों से आने वाली छात्राओं को सुरक्षित शिक्षण और विकास का वातावरण प्रदान करती है।

महाविद्यालय सांस्कृतिक, खेल और सामाजिक गतिविधियों और समाजों के साथ समग्र विकास पर बहुत जोर देता है।

महाविद्यालय का वातावरण समानता, शिक्षा और छात्रों के सर्वांगीण विकास के मूल्यों को बढ़ावा देता है।

****

शहीद सुखदेव व्यापार अध्ययन महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

शहीद सुखदेव व्यापार अध्ययन महाविद्यालय के छात्र मेलबर्न विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ग्लोबल माइक्रोफाइनेंस केस प्रतियोगिता में वैश्विक विजेता रहे। वे एचएसबीसी इंडिया केस प्रतियोगिता (2024 और 2025), एक्सेंचर स्ट्रैटेजी कनेक्ट में राष्ट्रीय विजेता रहे। उन्होंने फिन-ओ-क्राइसिस और स्टॉक रन तथा क्लोज द लूप में राष्ट्रीय रैंक 1 प्राप्त की। EY CAFTA केस प्रतियोगिता और ब्रेनवार्स में राष्ट्रीय रैंक 2, मार्केटिंग मेहेम में राष्ट्रीय विजेता, डिज़ाइन फ़ॉरवर्ड में राष्ट्रीय उपविजेता, पोर्टफोलियो प्रबंधन और स्ट्रेटेजीम में राष्ट्रीय रैंक 1, स्ट्रैट-जैक और ऑप-माइंड्स

में राष्ट्रीय रैंक 2, एलिवेटर पिच में राष्ट्रीय रैंक 2, एम एंड ए प्रतियोगिता में राष्ट्रीय रैंक 3। ये जीतें वित्त (माइक्रोफाइनेंस, पोर्टफोलियो प्रबंधन, एम एंड ए), रणनीति (एचएसबीसी, एक्सेंचर, स्ट्रैट-जैक), स्थिरता (स्टॉक रन, क्लोज़ द लूप), डेटा एनालिटिक्स (ब्रेनवार्स), मार्केटिंग (मार्केटिंग मेहेम), रियल एस्टेट (कंसल्टिंग चैलेंज), और नवाचार (डिज़ाइन फ़ॉरवर्ड, व्यूह) में फैली हुई हैं। 15 से ज़्यादा प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय का प्रभुत्व वास्तविक दुनिया की व्यावसायिक चुनौतियों को हल करने में विश्वस्तरीय प्रशिक्षण को दर्शाता है, जो दायरे और प्रभाव में हार्वर्ड, आईआईएम और मेलबर्न विश्वविद्यालय जैसे शीर्ष वैश्विक संस्थानों को टक्कर देता है।

सम्मान/विभूतियाँ

छात्र

- 1-15 मार्च, 2025 को पूरी तरह से प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय विनिमय कार्यक्रम के तहत कोबे विश्वविद्यालय, जापान में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित 15-दिवसीय उद्यमिता सम्मेलन में भाग लेने के लिए चुना गया है।

प्रकाशन (पुस्तकें/पुस्तक में अध्याय)

पुस्तकें

- गुप्ता, पी., पाठक, एस., और गुप्ता, एस. (2024). पाइथन के आवश्यक तत्व (आईएसबी.ए.न 978-93-6095-601-1)._भारत में कम दामों पर ऑनलाइन खरीदें 'एसेंशियल्स ऑफ पायथन' पुस्तक | 'एसेंशियल्स ऑफ पायथन' समीक्षाएं और रेटिंग-Amazon.in
- गौर, एच., और गुप्ता, एस. (2024). पायथन के साथ एनालिटिक्स. (आईएसबी.ए.न 978-93-6095-236-5).पायथन के साथ एनालिटिक्स: हनी गौर और डॉ. शिखा गुप्ता भारत में कम कीमतों पर ऑनलाइन खरीदें|
- सहाय, आर.आर., और कुमार, एस. (2023). बिज़नेस एनालिटिक्स का परिचय (आईएसबी.ए.न 978-81-19169-84-9). मुक्त शिक्षा विद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा मुद्रित (संपादित पुस्तक)
- वर्मा, एम. (2024). सांख्यिकीय सॉफ़्टवेयर पैकेज (ISBN 978-93-6095-736-0). https://amzn. in/d/8uyOqr9

एक संपादित पुस्तक में अध्याय

- परिधि, मोनिका, रितिका (2024). नवाचार और उत्तरदायित्व में संतुलन: प्रौद्योगिकी और स्थिरता के संबंध की खोज। सिंह, पी., डागा, एस., यादव, के. (संपादक) नडिंग ग्रीन: व्यवहारिक अर्थशास्त्र और पर्यावरणीय स्थिरता। विश्व स्थिरता श्रृंखला। स्प्रिंगर, चैम। https://doi.org/10.1007/978-3-031-65972-0_9

- अभिमन्यु, गुरजीत (2024). उद्योग परिवर्तन और आर्थिक विकास पर एआई का प्रभाव: भारतीय डिजिटल अर्थव्यवस्था में मॉडल-आधारित और डेटा-आधारित दृष्टिकोणों का तुलनात्मक अवलोकन। गोयल के.एस., वर्मा वाई. (संपादक) में: विकसित भारत @ 2047: वाणिज्य प्रबंधन और प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी भूमिका। (पृष्ठ 64-76)। एमजीएम पब्लिशिंग हाउस। आईएसबी.ए.न: 978-81-974428-0-3 https://doi.org/10.62823/MGM/2024/978-81-974428-0-3

जर्नल लेख

- लाल, एम., कुमार, आर., कौसर, ए., और कुमार, आर. (2024). मानसिक स्वास्थ्य में सामाजिक उद्यमिता: मानसिक स्वास्थ्य कार्रवाई ट्रस्ट (एमएचएटी) पर केंद्रित भारत में समुदाय-संचालित प्रणालियों पर एक अध्ययन। *साउथ ईस्टर्न यूरोपियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ,* 25(एस1), 852-863। https:// doi.org/10.70135/seejph.vi.1901
- हसन, ए., कौसर, ए., और जग्गी, सी.के. (2024). बहु-शिपमेंट नीति वाली बंद लूप आपूर्ति श्रृंखला पर चक्रीयता सूचकांक के प्रभाव की जाँच। *जर्नल ऑफ क्लीनर प्रोडक्शन,* 470, 143368। https://doi.org/ 10.1016/j.jclepro.2024.143368
- गुप्ता, ए., गुप्ता, एस., दास, एस., प्रकाश, ए., गर्ग, के., और सरकार, एस. (2024). समय श्रृंखला मॉडल के साथ बिटकॉइन और ऑल्टकॉइन की कीमतों का अनुमान लगाने के लिए ऐतिहासिक मूल्यों और सोशल मीडिया की भावनाओं का उपयोग-एक व्यापक सर्वेक्षण। *जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी रिव्यू, 17* (4), 136-144। https://doi.org/10.25103/jestr.174.16
- गुप्ता, ए. और गुप्ता, ए. (2025)। क्रिप्टोकरेंसी का विकास: बिटकॉइन से उन्नत ब्लॉकचेन समाधानों तक। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेशन एंड साइंटिफिक रिसर्च,* 77(1), 116-128। क्रिप्टोकरेंसी का विकास: बिटकॉइन से उन्नत ब्लॉकचेन समाधान तक
- प्रियदर्शी, ए., प्रसाद, डी., और केसरी, एन. (2025)। नियोजित व्यवहार परिप्रेक्ष्य के सिद्धांत के माध्यम से सार्क देशों में फिनटेक उपयोगकर्ता व्यवहार और इरादे का निर्धारण। *जर्नल ऑफ कॉमर्स एंड अकाउंटिंग रिसर्च,* 14 (2), 100-110। https://doi.org/10.21863/jcar/2025.14.2.003
- केसरी, एन., और प्रसाद, डी. (2024). दिल्ली में कराधान नीतियों के बारे में जनता की धारणा और जागरूकता: निवेशकों के दृष्टिकोण का गुणात्मक विश्लेषण। *शैक्षिक प्रशासन: सिद्धांत और व्यवहार,* 30(1), 40186 - 40198। https://doi.org/10.53555/kuey.v30i1.7860
- सिंह, ओ., जायसवाल, ए., कुमार, एन., और कुमार, एन. (2025). रद्द करने योग्य बायोमेट्रिक्स के लिए यादृच्छिक क्रमपरिवर्तन-आधारित रैखिक समाश्रयण. *विशेषज्ञ प्रणालियाँ, 42* (2). https://doi.org/10.1111/exsy.13652

- सिंह, ओ., जायसवाल, ए., कुमार, एन., और कुमार, एन. (2025)। आइजेनफ़ीचर रेगुलराइज़ेशन का उपयोग करके रद्द करने योग्य बायोमेट्रिक टेम्प्लेट जनरेशन। *इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी टेक्नोवेशन,* 7(1), 17-32। https://doi.org/10.54392/irjmt2512
- परिधि, और रितिका (2025)। कॉर्पोरेट वित्तीय प्रदर्शन पर ईएसजी खुलासे का प्रभाव: भारतीय फर्मों का एक उद्योग-विशिष्ट विश्लेषण। *बिज़नेस स्ट्रैटेजी एंड डेवलपमेंट,* 8(1)। https://doi.org/10.1002/bsd2.70055
- परिधि, रितिका, अरोड़ा, एच., अरोड़ा, पी., और सैनी, एन. (2024). स्थिरता का मार्ग प्रशस्त करना: ईएसजी रिपोर्टिंग अपनाने में कॉर्पोरेट बाधाओं को समझने के लिए एक पदानुक्रमित मॉडल। *जर्नल ऑफ रिस्क एंड फाइनेंशियल मैनेजमेंट,* 17(12)। https://doi.org/10.3390/jrfm17120527
- परिधि, रितिका, और कुमार, आर. (2024). उभरते बाज़ारों की स्वास्थ्य सेवा कंपनियों में ईएसजी प्रथाएँ और वित्तीय स्थिरता: कोविड-19 महामारी के बीच अंतर्दृष्टि। *थंडरबर्ड इंटरनेशनल बिज़नेस रिव्यू,* 66(5), 505-524। https://doi.org/10.1002/tie.22398
- परिधि, मोनिका, और रितिका (2024). नवाचार और ज़िम्मेदारी में संतुलन: तकनीक और स्थिरता के बीच संबंध की खोज। *विश्व स्थिरता श्रृंखला में* (पृष्ठ 161-187)। https://doi.org/10.1007/978-3-031-65972-0_9
- लाल, एम., कुमार, आर., कौसर, ए., और कुमार, आर. (2024). मानसिक स्वास्थ्य में सामाजिक उद्यमिता: मानसिक स्वास्थ्य कार्रवाई ट्रस्ट (एमएचएटी) पर केंद्रित भारत में समुदाय-संचालित प्रणालियों पर एक अध्ययन। *साउथ ईस्टर्न यूरोपियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ,* 25(एस1), 852-863। https://doi.org/10.70135/seejph.vi.1901
- कुमार, आर., और चौधरी, आई.आर. (2024). भारत में महिलाओं और बच्चों की अधूरी स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं में असमानता: स्वास्थ्य में सतत विकास लक्ष्यों की राह में एक बाधा। *सतत विकास, 32* (6), 6595-6613। https://doi.org/10.1002/sd.3042
- परिधि, रितिका, और कुमार, आर. (2024). उभरते बाज़ारों की स्वास्थ्य सेवा कंपनियों में ईएसजी प्रथाएँ और वित्तीय स्थिरता: कोविड-19 महामारी के बीच अंतर्दृष्टि। *थंडरबर्ड इंटरनेशनल बिज़नेस रिव्यू,* 66(5), 505-524। https://doi.org/10.1002/tie.22398
- कुमार, आर. (2024). वृद्ध होती अर्थव्यवस्थाएँ और सामाजिक समस्याएँ। *द पैल्ग्रेव हैंडबुक ऑफ़ ग्लोबल सोशल प्रॉब्लम्स में* (पृष्ठ 1-19)। https://doi.org/10.1007/978-3-030-68127-2_452-1
- जैन, वी., सहाय, आर.आर., और नूपुर (2025)। पोर्टफोलियो अनुकूलन के लिए XGBOOST और MVO मेटाहेयुरिस्टिक दृष्टिकोण के साथ TODIM। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम*

एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, 16(2), 595-612। https://doi.org/10.1007/s13198-024-02610-6

- फियालोके, एस., त्रिपाठी, वी., ठकराल, एस., धवन, ए., माजहान, वी., और गर्ग, आर. (2024). योग निद्रा अभ्यास के दौरान ध्यान करने वालों और नौसिखियों में कार्यात्मक संयोजकता में परिवर्तन। *साइंटिफिक रिपोर्ट्स,* 14(1), 12957। https://doi.org/10.1038/s41598-024-63765-7
- गुप्ता, ए., गुप्ता, एस., दास, एस., प्रकाश, ए., गर्ग, के., और सरकार, एस. (2024). समय श्रृंखला मॉडल के साथ बिटकॉइन और ऑल्टकॉइन की कीमतों का अनुमान लगाने के लिए ऐतिहासिक मूल्यों और सोशल मीडिया की भावनाओं का उपयोग-एक व्यापक सर्वेक्षण। *जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी रिव्यू,* 17(4)। https://doi.org/10.25103/jestr.174.16
- गुप्ता, ए., और गुप्ता, एस. (2024). हाइब्रिड डेटा-स्तर, लागत-संवेदनशील और एनसेंबल विधियों का उपयोग करके असंतुलित चिकित्सा डेटासेट का उन्नत वर्गीकरण। *इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी टेक्नोवेशन,* 6(3), 58-76। https://doi.org/10.54392/irjmt2435
- अग्रवाल, एस., गुप्ता, एस., और राज, आर. (2024). बायोइन्फॉर्मेटिक्स विश्लेषण का उपयोग करके पैपिलरी, फॉलिक्युलर और एनाप्लास्टिक थायरॉइड कार्सिनोमा में संभावित लक्षित जीन की पहचान। *एंडोक्राइन,* 86(1), 255-267। https://doi.org/10.1007/s12020-024-03836-x
- गुप्ता, एस., देशमुख, एस., और कुमार, एन. (2024). मंटारे-प्रोम: एक कुशल प्रक्रिया मॉडल खोज एल्गोरिथम. *एआई कम्युनिकेशंस,* 37(4), 505-524. https://doi.org/10.3233/AIC-220219
- देशमुख, ए.एस., गुप्ता, बी.एस., और कुमार, सी.एन. (2024). व्यावसायिक प्रक्रिया मॉडल की खोज के लिए पैरामीटर ट्यूनिंग के साथ बहुउद्देशीय बाइनरी विभेदक दृष्टिकोण: MoD-ProM. *द साइंटिफिक वर्ल्ड जर्नल,* 2024(1), 9545184। https://doi.org/10.1155/2024/9545184
- गुप्ता, एस., और कुमार, ए. (2024). विद्वानों के लेखों के लेखकों की रैंकिंग के लिए पेजरैंक-आधारित उद्धरण मीट्रिक, प्रभाव कारक और एच-इंडेक्स में भावना-जागरूक सुधार। *कंप्यूटर विज्ञान,* 25(2), 173-209. https://doi.org/10.7494/csci.2024.25.2.6042

अनुसंधान परियोजनाएं

- एसएससीबी.ए.स के प्रबंधन अध्ययन विभाग की डॉ. अमरीना कौसर को 'क्लोज्ड-लूप सप्लाई चेन के अंतर्गत अपूर्ण उत्पादन प्रणाली में सर्कुलरिटी इंडेक्स के प्रभाव का आकलन' नामक शोध परियोजना के लिए सह-पीआई के रूप में ₹5,00,000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह

अनुदान इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस (IoE) डीयू द्वारा प्रदान किया गया है और सितंबर 2024 से मार्च 2025 तक की अवधि के लिए है।

आयोजित संगोष्ठियां

- दिल्ली पुलिस के पुलिस आयुक्त श्री संजय अरोड़ा, आईपीएस ने 26 मार्च, 2025 को "प्रोजेक्ट चैलेंज (रोटारैक्ट एसएससीबी.ए.स द्वारा आयोजित)" पर एक संगोष्ठी/वार्ता दी।

आयोजित सम्मेलन

- 14-15 फरवरी, 2025 को एनआईटी पटना और स्पेन के वलाडोलिड विश्वविद्यालय के सहयोग से और स्व-वित्तपोषित द्वारा प्रायोजित, 'आईसीआईसीसी 2025' नामक सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

- 10 अप्रैल, 2024 को वैंकूवर द्वीप विश्वविद्यालय, कनाडा के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, सहयोगात्मक शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त अनुसंधान पहल और शैक्षणिक प्रकाशन साझा करने के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए छात्र और संकाय विनिमय कार्यक्रम स्थापित किए गए।
- 2024 को एकेडमी ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड मास स्पोर्ट्स (एपीईएमएस), कजाकिस्तान और कजाक कुरैसी एसोसिएशन ऑफ इंडिया के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, द्विपक्षीय शैक्षिक विकास को बढ़ावा देने के लिए शैक्षणिक और खेल-संबंधी आदान-प्रदान शुरू किए गए, जबकि शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान में संयुक्त सम्मेलन, अनुसंधान परियोजनाएं और डबल-डिग्री कार्यक्रम विकसित किए गए।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर विज्ञान : नियोजित छात्रों की संख्या = 18 कुल पंजीकृत छात्र = 20 प्रतिशत = 90% बीबी.ए. (एफआईए): नियोजित छात्रों की संख्या = 81 कुल पंजीकृत छात्र = 90 प्रतिशत = 90% बी.एम.एस: नियोजित छात्रों की संख्या = 168 कुल पंजीकृत छात्र = 195 प्रतिशत = 86.15%

कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या :

81

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- विस्तार गतिविधियाँ (1,285+ लोग लाभान्वित):
- वस्त्र दान अभियान (31 मार्च 2025): 300 से अधिक वंचित व्यक्तियों को वस्त्र प्रदान किए गए, जिससे उनकी आवश्यक आवश्यकताएं पूरी हुईं।

- वृक्षारोपण अभियान (16 दिसंबर 2024): सरस्वती बाल मंदिर के साथ आयोजित; 200 से अधिक छात्रों को प्रेरित किया गया, और 40 से अधिक पेड़ लगाए गए।
- त्रिवेणी वृद्धाश्रम में उत्सव-ए-स्नेह (24 अक्तूबर 2024): खेलों और भोजन दान के माध्यम से 75 बुजुर्ग निवासियों के साथ खुशी के पल साझा किए।
- प्रॉमिस डे और थम्ब पेंटिंग (फरवरी 2025): 250 से अधिक महाविद्यालय छात्रों के साथ चिंतन, रचनात्मकता और भावनात्मक बंधन को बढ़ावा दिया गया।
- रंग दे (20 सितंबर 2024): रचनात्मक भित्ति चित्र गतिविधि और भोजन वितरण, जिससे 150 वंचित बच्चों को लाभ मिलेगा।
- टेडी और चॉकलेट दिवस (फरवरी 2025): 100 बच्चों के लिए मौज-मस्ती, चित्रकारी और उपहारों के साथ वेलेंटाइन सप्ताह मनाया जाएगा।
- आउटरीच गतिविधियाँ (4,550+ लोग लाभान्वित):
- रैन बसेरा भ्रमण (4 अक्तूबर 2024): एनजीओ पीपीटी के सहयोग से 300 से अधिक सामुदायिक सदस्यों को स्वास्थ्य मार्गदर्शन और भोजन सहायता प्रदान की गई।
- कागज अपशिष्ट जागरूकता सत्र (फरवरी-मार्च 2025): कई स्कूलों में आयोजित; 1,500 से अधिक छात्रों को स्थिरता पर शिक्षित किया गया।
- पुस्तक वितरण (24 अक्तूबर 2024): पहचान एनजीओ के माध्यम से 400 से अधिक झुग्गी-झोपड़ियों के छात्रों को शैक्षिक सामग्री वितरित की गई।
- अभिव्यक्ति-सामाजिक बी-प्लान प्रतियोगिता (मार्च 2025): 1,000 से अधिक प्रतिभागियों को शामिल किया गया, 28,000 से अधिक ऑनलाइन इंप्रेशन उत्पन्न किए गए, और युवा-नेतृत्व वाले सामाजिक नवाचार को बढ़ावा दिया गया।

पुस्तकालय विकास

- पुस्तकालय की सभी गतिविधियाँ, जैसे संचलन, तकनीकी प्रसंस्करण, क्रम नियंत्रण और सिस्टम प्रशासन, क्लाउड आधारित ओपन सोर्स सॉल्यूशन, अर्थात KOHA - संस्करण 24.05.03.000 का उपयोग करके स्वचालित हैं। यह कहीं से भी, कभी भी, OPAC तक आसान पहुँच प्रदान करता है और उनके व्यक्तिगत खातों तक पहुँच प्रदान करके सभी लेन-देन में पारदर्शिता भी बनाए रखता है। इसके अतिरिक्त, पुस्तकालय छात्रों को ऑनलाइन नवीनीकरण की सुविधा भी प्रदान करता है।

- पुस्तकालय दो मंजिलों में फैला हुआ है और इसका क्षेत्रफल लगभग 1161 वर्ग मीटर है तथा इसमें 218 विद्यार्थियों के लिए वाचनालय तथा संकाय सदस्यों के लिए शोध अनुभाग के लिए स्थान निर्धारित है।

  आवंटित निधियां - 0.10 करोड़

- पुस्तकालय पर उपयोग-पुस्तकालय ने निम्नलिखित संसाधनों की खरीद पर कुल 0.8 करोड़ रुपये खर्च किए हैं:

- पुस्तकें : 0.3 करोड़ रुपये
- पत्रिकाएँ/जर्नल : 0.2 करोड़ रुपये
- समाचार-पत्र : 0.03 करोड़
- आकस्मिकता : 0.1 करोड़ रुपये

संकाय संख्या

कुल: 54-(प्रोफेसर-4 एसोसिएट प्रोफेसर-11 और सहायक प्रोफेसर:-11, तदर्थ -2, अतिथि-26)

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित अनुदान: ₹ 21.2/- करोड़ रुपये

उपयोगित अनुदान: ₹ 20/- करोड़ रुपये

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- प्रो. अनामिका गुप्ता तीन प्रतिष्ठित पत्रिकाओं के लिए संपादक के रूप में कार्य करती हैं: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग में प्रगति (स्कोपस और ईएससीआई इंडेक्स्ड, आईएसएसएन: 2582-9793, स्रोत आईडी: 21101164612), ज्ञान-आधारित प्रणालियों में प्रगति, डेटा विज्ञान और साइबर सुरक्षा, जर्नल ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑटोनॉमस इंटेलिजेंस।
- डॉ. निधि केसरी ग्लोबल एकेडमी ऑफ डॉक्टरेट की कोषाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं।
- डॉ. अमरीना कौसर ने महत्वपूर्ण अकादमिक योगदान दिया है: बिजनेस एनालिटिक्स और मैनेजमेंट साइंसेज में उभरते रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (बी.ए.एमएस-ओआरएसआई 2024, आईआईटी बॉम्बे, 12-14 दिसंबर, 2024) में सत्र अध्यक्ष के रूप में कार्य किया, सतत आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में नवाचारों और प्रगति पर ओपीएसईआरसीएच के एक विशेष अंक के लिए अतिथि संपादक के रूप में कार्य किया।
- डॉ. सोनिका ठकराल ने एसआरएम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान में एक शोध छात्र के लिए डॉक्टरल समिति के सदस्य के रूप में प्रमुख शैक्षणिक जिम्मेदारियां निभाई हैं।
- डॉ. मधु तोतला ने दिल्ली विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग में पीएच.डी. रिसर्च स्कॉलर्स के अनुसंधान सलाहकार सदस्य के रूप में अकादमिक सलाहकार के रूप में योगदान दिया है।
- नेशनल एडू ट्रस्ट ऑफ इंडिया द्वारा सर्वश्रेष्ठ ग्रीन कैंपस पहल पुरस्कार 2024-25।

****

शिवाजी महाविद्यालय

महाविद्यालय की प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

दिल्ली विश्वविद्यालय के शिवाजी महाविद्यालय ने एनआईआरएफ रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार के साथ 2024-25 के दौरान उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की, 49वां स्थान (2024 में रैंक 70) प्राप्त किया। महाविद्यालय ने सहयोग से तीन अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित), एक राष्ट्रीय सम्मेलन, दो राष्ट्रीय संगोष्ठी, छह संस्थागत स्तर के संगोष्ठी और आठ कार्यशालाएं आयोजित कीं। महाविद्यालय ने महाविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों के लिए छह समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। शैक्षणिक सत्र 2024-25 में, नौ अंतःविषय और अंतर-महाविद्यालय ऐड-ऑन पाठ्यक्रम पूरे किए गए। संकाय सदस्य और छात्र ₹1,00,000 प्रत्येक के वित्त-पोषण के साथ 5 इंट्राम्यूरल परियोजनाओं और चार एक्स्ट्राम्यूरल शोध में शामिल हैं। शिवाजी महाविद्यालय ने एक बहु-विषयक पत्रिका शिवराज 350 भी शुरू की है। शिवाजी महाविद्यालय ने कई अनूठी पहल की हैं, जैसे प्रिंसिपल इंटर्नशिप स्कीम 2024-25, पानी की बर्बादी कम करने के लिए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना, और संस्थान में 25 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले कार्मिकों के लिए शिवराज भूषण पुरस्कार की स्थापना। नवनिर्मित जीजाबाई ब्लॉक के सभागारों का नाम पेशवा बाजीराव, छत्रपति संभाजी, तानाजी मालुसरे और समर्थ गुरु रामदास के नाम पर रखा गया है और पुराने सभागार का नाम बदलकर चाणक्य सभागार कर दिया गया है।

शिक्षण कार्मिक के सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

डॉ. अनुराग मौर्य को 18 अक्तूबर, 2024 को गार्गी महाविद्यालय, सिरी फोर्ट रोड, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'अश्वगंधा: एक स्वास्थ्य प्रवर्तक-खेतों से फार्मेसी तक' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में मौखिक प्रस्तुति के लिए द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. अश्विनी शर्मा को सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार, स्वदेशी कृषि ज्ञान को लागू करने में चुनौतियों को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों की पहचान करना: एएचपी का एक अनुप्रयोग, सोसाइटी फॉर पाथवेज फॉर सस्टेनेबिलिटी और जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर राजस्थान द्वारा आयोजित सतत विकास और परिपत्र अर्थव्यवस्था पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर के लिए।

प्रोफेसर खुर्शीद खान को 24 फरवरी, 2025 को हेनरी मार्टिन इंस्टीट्यूट, हैदराबाद द्वारा डॉक्टर ऑफ डिविनिटी की मानद उपाधि से सम्मानित किया जाएगा।

प्रोफेसर रुचिरा ढींगरा को 16 फरवरी, 2025 को लायंस क्लब दिल्ली वेज और नारी शक्ति एक नारी पहल फाउंडेशन द्वारा 'महिला प्रतिष्ठा पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

प्रो. कुमारी प्रियंका को विद्वान, विशेषज्ञ डेटाबेस और राष्ट्रीय शोधकर्ता नेटवर्क (आईडी: 470162) द्वारा 10/10 अंक प्रदान किया गया।

डॉ. किरण बामेल को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ICCEAMHS-2024 में 'वैश्विक महिला सशक्तिकरण पुरस्कार' 2024 से सम्मानित किया गया।

डॉ. स्मिता त्रिपाठी को 18 अक्तूबर, 2024 को गार्गी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "अश्वगंधा: एक स्वास्थ्य प्रवर्तक-खेतों से फार्मेसी तक" विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुति में द्वितीय स्थान से सम्मानित किया गया, जिसे राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया।

छात्र

बी.कॉम. (कार्यक्रम) के छात्र आशुतोष विश्वविद्यालय के टॉपर थे और 22 फरवरी, 2025 को "दिल्ली विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक" के प्राप्तकर्ता थे।

बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) के छात्र अमन जैनवाल ने रणजी ट्रॉफी, हिमाचल प्रदेश में भाग लिया।

बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) की छात्रा तेजस्वी ने दिल्ली प्रीमियर लीग और अंडर 23 राज्य, दिल्ली में भाग लिया।

बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (तृतीय वर्ष) के छात्र कृष यादव ने दिल्ली प्रीमियर लीग और अंडर 23 स्टेट, दिल्ली में भाग लिया।

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र की छात्रा विनयिका बैजल ने शिव नादर विश्वविद्यालय में आयोजित प्रतिष्ठित फोटोग्राफी प्रतियोगिता फोटोथॉन 2025 में ₹1,00,000 का प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) की छात्रा प्रतिभा ने "काशी हिन्दू विश्वविद्यालय" द्वारा आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बी.एससी. (ऑनर्स) जैव-रसायन-विज्ञान के छात्र प्रियांशु ने आईआईटी-जैम में एआईआर 18 और गेट में एआईआर 10 उत्तीर्ण किया।

शोध प्रकाशन

कोरान्ने, ए., तुराखिया, एस., झा, वी.के., गुप्ता, एस., रवि, आर., मिश्रा, ए., और झा, ए.के. (2023)। मिज़ोरोकी-हेक अभिक्रिया द्वारा स्थानीय रूप से उत्पन्न एल्कीनों और एरिल हैलाइडों के बीच: प्रतिस्थापित ओलेफ़िनों के लिए क्रॉस-युग्मन मार्ग। आरएससी एडवांस, 13(32), 22512-22528। https://doi.org/10.1039/D3RA03533F

कौर जे., कौर जे. और निगम ए. (2024) अंतरिक्ष अन्वेषण में एक्सट्रीमोफाइल्स, इंडियन जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी, खंड 64(2), 418-428. DOI: 10.1007/s12088-024-01297-4

श्रीवास्तव, ए.के. (20 नवंबर, 2024)। स्थिरता और आध्यात्मिकता: भारत की परंपराएँ आज पहले से कहीं ज़्यादा महत्वपूर्ण क्यों हैं। न्यूज़18। राय | स्थिरता और आध्यात्मिकता: भारत की परंपराएँ आज पहले से कहीं ज़्यादा महत्वपूर्ण क्यों हैं-न्यूज़18

उपाध्याय, अंशुला, और गुलाटी, वी. (2025)। विकलांगता और पारिस्थितिकी की पुनर्कल्पना: भारतीय परंपराओं को पारिस्थितिक चिंतन और समाहित ज्ञान से जोड़ना। क्यूस्टियोनेस डी फ़िज़ियोथेरेपी, 54(2), 2750-2781। मुखपृष्ठ/ अभिलेखागार/ खंड 54 अंक 2 (2025): वर्ष 2025, खंड 54, अंक 2/ लेख। https://doi.org/10.48047/aegx0825

गुलाटी, वरुण, अंशुला उपाध्याय और पूनम। "न्याय धर्म के रूप में: भारत की सत्तामूलक और नैतिक विरासत को पुनः प्राप्त करना।" पुस्तकालय प्रोग्रेस इंटरनेशनल, खंड 44, संख्या 5, जुलाई-दिसंबर 2024, पृष्ठ 1-12। https://doi.org/10.48165/bapas.2024.44.2.1।

अपर्णा जैन, इफ़्फ़त जहान, एल-जाली में अधिकतम आदर्श और प्रमुख आदर्श, फ़ज़ी सूचना और इंजीनियरिंग, खंड 16(3), 2024; 244-263. https://doi.org/10.26599/FIE.2024.9270044

अपर्णा जैन, इफ़्फ़त जहान, एल-जाल का एल-उत्तल उप-जाल और एल-सेट का पूरक, यूरोपियन जर्नल ऑफ़ प्योर एंड एप्लाइड मैथमेटिक्स, खंड 18(1), 2025; संख्या 5532. https://doi.org/10.29020/nybg.ejpam.v18i1.5532

रत्नू, बी. (2024). पुगल क्षेत्र में जैव विविधता पर सौर पैनलों के प्रभावों का आकलन: एक व्यापक विश्लेषण। शोधकोश, 5(4). https://doi.org/10.29121/shodhkosh.v5.i4.2024.1951

पांडे, डी. "रामधारी सिंह दिनकर की काव्य संवेदना" यूजीसी केयर लिस्टेड जर्नल "अक्षरा" अंक 239, फरवरी 2025, आईएसएसएन नंबर 2456-7167 में प्रकाशित।

पांडे, डी. "सामाजिक सरोकार और शब्दों का देश" 'कुछ शब्द कुछ सपने' नामक संपादित पुस्तक में प्रकाशित, संपादक- करुणा शंकर उपाध्याय, अनामिका प्रकाशन, प्रयागराज द्वारा प्रकाशित, आईएसबी.ए.न नं. 978-93-95966-98-6, वर्ष 2024.

पांडे, डी. "रामधारी सिंह दिनकर की काव्य संवेदना" यूजीसी केयर लिस्टेड जर्नल "अक्षरा" अंक 239, फरवरी 2025, आईएसएसएन नंबर 2456-7167 में प्रकाशित

राठी यू., प्रभावती, मीना डी.एस., बामेल के. (2024); डीएनए बारकोडिंग में बदलाव को समझना: एक व्यवस्थित समीक्षा। प्लांट साइंस टुडे (स्वीकृत)। https://doi.org/10.14719/pst.4942

लीसांगथेम, जी. (2024). लाई(रेन) की विद्या: मूल उत्पत्ति, सामूहिक (अ)चेतन, और मणिपुर में पखांगबा परंपरा। जर्नल ऑफ द इंडियन एंथ्रोपोलॉजिकल सोसाइटी, 59(2), 98-121. आर्ट2_गीतारानी देवी.cdr

बहु-विषयक समीक्षाएं (स्कोपस इंडेक्स्ड), 03 जुलाई, 2024 'भारत में जीएसटी गतिशीलता: राज्य राजस्व प्रवृत्तियों, जीडीपी प्रभाव और आर्थिक लचीलापन की खोज' पर https://doi.org/10.31893/multirev.2024221

पुस्तकालय प्रोग्रेस इंटरनेशनल, खंड 44 अंक 3, जुलाई-दिसंबर 2024: पृ.1647-1659, 'भारत में वस्तु एवं सेवा कर: एक दीर्घकालिक प्रवृत्ति और विकास विश्लेषण' पर, 1Iti+Dandona.pdf

जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स, रवींद्र भारती विश्वविद्यालय (यूजीसी केयर, पीयर रिव्यूड एंड रेफरीड जर्नल), वॉल्यूम XVII, जुलाई 2024 'भारत में वस्तु एवं सेवा कर: केंद्र और राज्य वित्त पर प्रभाव' पर, आईएसएसएन: 0975-802X।

सिंह एस., यादव यू., खरबंदा एस., भारद्वाज ए., गुप्ता एस., ठाकुर वी., अग्रवाल श्री, अग्रवाल एसपी, सिमरन एस., कुमारी एस., आनंद एस., अनुषा, ठाकुर जे. (2025) युवा भारतीय वयस्कों की स्वास्थ्य स्थिति का तुलनात्मक अध्ययन पारंपरिक भारतीय आहार प्रथाओं का सकारात्मक प्रभाव, दक्षिण पूर्वी यूरोपीय जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, वॉल्यूम XXVI (S2), 96-107। https://doi.org/10.70135/seejph.vi.4257

शर्मा, जे., "वैदिक युग से वर्तमान युग तक महिलाओं की यात्रा", एमपीआईएसएसआर में जून 2024 में प्रकाशित शोध-पत्र

शर्मा, जे., “क्रोएशिया में हिंदी शिक्षण”, अन्वेषक जर्नल में अगस्त 2024 में प्रकाशित शोध-पत्र।

शर्मा, जे., "गुरु की महिमा अनत है" लेख उद्गीत पत्रिका सितंबर 2024 में प्रकाशित

सैनी, डी., चौधरी, पी.के., चौधरी, जे.के., कौर, एच., वर्मा, जी.के., प्रमाणिक, एस.डी., रॉय, पी., मिर्ज़ा-शरीफ़, ए.ए., और प्रसाद, आर. (2024). एमसीएफ7 और टी24 कैंसर कोशिका वंशों में आवश्यक तेल के सक्रिय घटकों के एंटीप्रोलिफेरेटिव और प्रो-एपोप्टोटिक प्रभावों के आणविक तंत्र: प्रोएपोप्टोटिक जीन उत्पाद-यौगिक अंतःक्रियाओं का इन विट्रो अंतर्दृष्टि और सिलिको मॉडलैंगिक। एपोप्टोसिस: प्रोग्राम्ड सेल डेथ पर एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 10.1007/s10495-024-02065-x। अग्रिम ऑनलाइन प्रकाशन। पीएमआईडी: 39738801। https://doi.org/10.1007/s10495-024-02065-x

चौधरी, जे.के., डांगा, ए.के., कुमारी, ए., भारद्वाज, ए., और रथ, पी.सी. (2024). उम्र बढ़ने और उम्र से संबंधित बीमारियों में कीमोकाइन्स की भूमिका। उम्र बढ़ने और विकास के तंत्र, 223, 112009। अग्रिम ऑनलाइन प्रकाशन। पीएमआईडी: 39631472। https://doi.org/10.1016/j.mad.2024.112009

चौधरी, जे.के., अहमद, एन. और रथ, पी.सी. (2024) चूहे के अस्थि मज्जा से प्राप्त मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं (एम.एससी.) में इंटरफेरॉन नियामक कारकों आईआरएफ-1 और आईआरएफ-2 की भिन्न अभिव्यक्ति देखी गई। मोल बायोल रिपोर्ट (एमओएलई) 51, 97 (2024). पीएमआईडी: 38194130. https://doi.org/10.1007/s11033-023-09025-9

“त्रिकोणीय फ़ज़ी संख्याओं के रूप में भुगतान के साथ मैट्रिक्स गेम में द्वैत” को स्कोपस अनुक्रमित जर्नल में प्रकाशन के लिए स्वीकार कर लिया गया है। https://doi.org/10.1063/5.0265174।

"IoT के लिए सहयोगात्मक इंटेलिजेंस: विकेंद्रीकृत नेट सुरक्षा और गोपनीयता"। जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट सिस्टम्स एंड इंटरनेट ऑफ थिंग्स, खंड 13, अंक 2, 2024, पृष्ठ 202-211। https://doi.org/10.54216/JISIoT.130216

"इंटरनेट ऑफ़ थिंग्स अनुप्रयोगों के लिए एक डेटा सुरक्षा मॉडल।" अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ़ फ़िज़िक्स कॉन्फ्रेंस सीरीज़। खंड 2853. संख्या 1. 2024. https://doi.org/10.1063/5.0198041

खान, के. (2024); इरफ़ान ए. उमर द्वारा लिखित पुस्तक "पैगंबर अल-खिद्र: बिटवीन द कुरानिक टेक्स्ट एंड इस्लामिक कॉन्टेक्स्ट" का समीक्षा लेख। इंडोनेशियाई जर्नल ऑफ थियोलॉजी, खंड 12(2), 296-299। https://indotheologyjournal.org/index.php/home/article/view/564

रानी एन., बामेल के.*, गर्ग एस., नाथ आर.ए., मिश्रा आई., भट्ट वी., गुप्ता एस. (2024); फल आयतन आकलन के लिए गैर-विनाशकारी गणितीय मॉडलैंगिक तकनीकें: एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण, भारतीय कृषि अनुसंधान जर्नल। https://arccjournals.com/journal/indian-journal-of-agricultural-research/A-6311

राठी यू., प्रभावती, मीना डी.एस., बामेल के.* (2024); डीएनए बारकोडिंग में बदलाव को समझना: एक व्यवस्थित समीक्षा। प्लांट साइंस टुडे। https://doi.org/10.14719/pst.4942

राणा, एल. (2024). शहरी फैलाव मॉडलैंगिक और आवागमन पैटर्न: दिल्ली-गुड़गांव कॉरिडोर–एक सतत विकास. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंस एंड इकोनॉमिक रिसर्च, 9(7), 2200-2264. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंस एंड इकोनॉमिक रिसर्च

सिंह, आर., मीना, एम.एल., सचान, एस., और मीना, एम.के. (2024). उत्तर प्रदेश के ग्रामीण सीतापुर जिले में स्वास्थ्य सेवा सुविधाओं के उपयोग पर शिक्षा का प्रभाव। भौगोलिक जर्नल, 27, 15-20।

अभिराम एस वरियार, निधि गर्ग, सुनीता गुप्ता और पीयूष तिवारी। 2024. कोलंबा प्रजाति के विकासवादी वंशवृक्ष पर। WNOFNS। (57) 240-255। EISSN 2543-5426। bwmeta1.element.psjd-978da2b8-8431-44cb-9aa7-7ef01c491cf7

डी. कुमार, पी. नीलरतन, नीरू शर्मा एट अल. कार्बन-आधारित धातु-ऑक्साइड और रासायनिक/ईंधन में कुशल CO2 का पता लगाने/घटाने के लिए MOF, "मटेरियल्स टुडे सस्टेनेबिलिटी" 28, दिसंबर 2024, 1000952. https://doi.org/10.1016/j.mtsust.2024.100952

नीतू रानी, किरण बामेल, सविता गर्ग, राघव ए. नाथ, इशिता मिश्रा, वैभव भट्ट और स्नेहा गुप्ता; 2024; फल आयतन आकलन के लिए गैर-विनाशकारी गणितीय मॉडलैंगिक तकनीकें: एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण; भारतीय कृषि अनुसंधान जर्नल; A-6311:1-11.

सविता गर्ग और नीतू रानी; 2024; कॉइल शॉप की रखरखाव रणनीतियों का अनुकूलन: एक विभेदक समीकरण दृष्टिकोण; विभेदक समीकरणों और नियंत्रण प्रक्रियाओं में प्रगति;31(4):487-509. https://doi.org/10.17654/0974324324026

नीतू रानी, सविता गर्ग, किरण बामेल, वैभव भट्ट, सौरभ शर्मा, शाश्वत कुमार मिश्रा, नितेश सैनी और सलोनी; 2024; गैर-विनाशकारी फल परिपक्वता जांच तकनीकों की एक व्यवस्थित समीक्षा और तुलनात्मक मेटा-विश्लेषण; पादप विज्ञान आज; 11(1):418-32. https://doi.org/10.14719/pst.2844

"कनेक्ट या डिस्कनेक्ट: सोशल नेटवर्किंग एक जीवंत वास्तविकता के रूप में' इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज एंड रिसर्च, वॉल्यूम 13, नंबर 4 (अक्तूबर-दिसंबर 2024) आईएसएसएन नंबर 2278-8654।

लैशराम साय, रतनदीप, बिपासा आर्य, कंजिका रस्तोगी, मनीषा वर्मा, संजीता रानी, प्रशांत कुमार साहू, एम. रामानंद सिंह, डब्लू. रमेश्वर सिंह, सुनीता हुडा। (2024) विविध नैनोमटेरियल-आधारित रासायनिक सेंसर का उपयोग करके डीएमएमपी मॉडल सिमुलेंट के माध्यम से विषाक्त तंत्रिका एजेंटों को समझने में हालिया प्रगति। टैलंटा वॉल्यूम 272, 125785। https://doi.org/10.1016/j.talanta.2024.125785

तारिशा गुप्ता, रतनदीप, माधव दत्त, बिक्रमजीत कौर, सृष्टि पुनिया, सुहानी शर्मा, प्रशांत कुमार साहू, पूजा, लैशराम साया। (2024) कीटनाशकों के पर्यावरणीय शमन के लिए संभावित उम्मीदवारों के रूप में ग्राफीन-आधारित नैनोमटेरियल्स। तलंता खंड 272, 125748. https://doi.org/10.1016/j.talanta.2024.125748

राठी यू., प्रभावती, मीना डी.एस., बामेल के. (2024); डीएनए बारकोडिंग में बदलाव को समझना: एक व्यवस्थित समीक्षा। प्लांट साइंस टुडे। https://doi.org/10.14719/pst.4942

कुमार, एस., अंशु, तिवारी, पी., और पांडे, वी.के. (2024). पूर्वी हिमालय के तवांग में स्वदेशी कृषि पद्धतियाँ और फसल उत्पादन में बाधाएँ। द डेक्कन जियोग्राफर, 62(7)।

कुमार, एस., सिंह, पी.के., अंशु, और तिवारी, पी. (2024). अरुणाचल प्रदेश में साक्षरता पिछड़ेपन और लैंगिक असमानताओं का विश्लेषण: तवांग जिले का एक व्यापक विश्लेषण. शिक्षा और समाज, 48(1).

मधुशानी, जेएटी, विथानागे, एनसी, मिश्रा, पीके, मेराज, जी., किबेबे, सीजी, और कुमार, पी. (2025)। 2004-2024 के दौरान दक्षिण एशिया में रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली-

आधारित बाढ़ आपदा अध्ययनों की विषयगत और ग्रंथसूची संबंधी समीक्षा। सस्टेनेबिलिटी, 17(1), 217. https://doi.org/10.3390/su17010217

जयसिंघे, सीबी, विथानागे, एनसी, मिश्रा, पीके, अब्देलरहमान, के., और फनैस, एमएस (2024). रिमोट-सेंसिंग सूचकांकों का उपयोग करके एक उष्णकटिबंधीय देश के बढ़ते शहर में शहरी ऊष्मा द्वीपों की गतिशीलता और पर्यावरणीय गंभीरता का मूल्यांकन: श्रीलंका के मटारा शहर का उदाहरण। सस्टेनेबिलिटी, 16(23), 10635. https://doi.org/10.3390/su162310635

विजेसिंघे दिलनु, सी., विथानागे नील चामिंडा, डब्ल्यू., मिश्रा, पी.के., फ्रेनांडो, डब्ल्यू.एस., अब्देलरहमान, के., और फनैस, एम.एस. (2024). दक्षिणी श्रीलंका में एक बढ़ते शहर के शहरी सतही तापमान और ऊष्मा द्वीप निर्माण पर भूदृश्य संरचना परिवर्तनों का प्रभाव। फ्रंटियर्स इन एनवायर्नमेंटल साइंस, 12. https://doi.org/10.3389/fenvs.2024.1474742

सिंह, आर., राय, एस.सी., मिश्रा, पी.के., अब्देलरहमान, के., और फनैस, एम.एस. (2024). सीए-मार्कोव मॉडल का उपयोग करते हुए भारत के हिंडन नदी बेसिन में भूमि उपयोग और भूमि आवरण परिवर्तनों का विश्लेषण और भविष्य के अनुमान। सस्टेनेबिलिटी, 16(23), 10722. https://doi.org/10.3390/su162310722

विजेसिंघे, डीसी, विथानागे, एनसी, मिश्रा, पीके, रानागाले, एम; अब्देलरहमान, के., फनैस, एमएस, (2024). उष्णकटिबंधीय द्वीप में, शुष्क क्षेत्र के ज़िले में सूखे की निगरानी के लिए सुदूर संवेदन व्युत्पन्न सूचकांकों का अनुप्रयोग, पारिस्थितिक संकेतक, 167, 112681। https://doi.org/10.1016/j.ecolind.2024.112681

नवाज़ुज्जोहा, एम., राशिद, एम.एम., मिश्रा, पी.के., अब्देलरहमान, के., फ़नाइस, एम.एस., और नक़वी, एच.आर. (2024). आरयूएसएलई और एसवाईआई का उपयोग करते हुए मृदा हानि और उपज का अनुभवजन्य मॉडलैंगिक: दक्षिण सिक्किम, तीस्ता बेसिन में एक भू-स्थानिक अध्ययन। भूमि, 13(10), 1621. https://doi.org/10.3390/land13101621

विथानागे, एनसी, गुनाथिलाका, केएल, मिश्रा, पीके, अब्देलरहमान, के., विजेसिंघे, डीसी, मिश्रा, वी., आदि (2024). जीआईएस बहु-मानदंड निर्णय विश्लेषण तकनीकों का उपयोग करके श्रीलंका के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए जीवन गुणवत्ता सूचकांक। पीएलओएस वन, 19(9), e0308077।

मुताले, बी., विथानागे, एन.सी., मिश्रा, पी.के., शेन, जे., अब्देलरहमान, के., और फनैस, एम.एस. (2024). स्थानिक-कालिक भूमि उपयोग-भूमि आवरण गतिकी का अनुमान लगाने के लिए रैंडम फ़ॉरेस्ट, कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क और सपोर्ट वेक्टर मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का प्रदर्शन मूल्यांकन: लुसाका और कोलंबो का एक मामला। फ्रंटियर्स इन एनवायर्नमेंटल साइंस, 12, 1431645। https://doi.org/10.3389/fenvs.2024.1431645

विथानागे, एनसी, मिश्रा, पी.के., अब्देलरहमान, के., और सिंह, आर. (2024). भू-स्थानिक तकनीकों का उपयोग करके संरक्षित क्षेत्र की परिधि में वनों की कटाई, वन स्वास्थ्य और

पर्यावरणीय संकट की निगरानी। पीयरजे, 12, e17714। https://doi.org/10.7717/peerj.17714

विथानागे, एनसी, विजेसिंघे, डीसी, मिश्रा, पीके, अब्देलरहमान, के., मिश्रा, वी., और फनैस, एमएस (2024). जीआईएस-बहु-मानदंड निर्णय विश्लेषण तकनीकों का उपयोग करके एक विश्व धरोहर शहर के लिए एक पारिस्थितिक पर्यटन उपयुक्तता सूचकांक। हेलियॉन, 10(11), e31585. https://doi.org/10.1016/j.heliyon.2024.e31585

मौर्य, एस.के., सिंह, वी., चंद, के., और मिश्रा, पी.के. (2024). हिमाचल प्रदेश, भारत की व्यास घाटी में स्वदेशी मृदा संरक्षण उपायों की धारणाएँ और अभ्यास। जियोजर्नल, 89, 87। https://doi.org/10.1007/s10708-024-11068-9

मौर्य, एस.के., सिंह, वी., चंद, के., और मिश्रा, पी.के. (2024). हिमाचल प्रदेश के कुल्लू स्थित व्यास घाटी में मृदा अपरदन का आकलन: उत्तरी भारत में पश्चिमी हिमालयी भूदृश्य का एक अध्ययन। मृदा विज्ञान वार्षिक, 75(1), 185558. https://doi.org/10.37501/soilsa/185558

विथानागे, डब्ल्यूकेएनसी, मिश्रा, पीके, और जयसिंघे, बीसी (2024). श्रीलंका के कुरुनागला जिले में कुलियापिटिया पश्चिम संभागीय सचिवालय प्रभाग में लैंडसैट समय श्रृंखला डेटा (2008-2022) का उपयोग करके स्थानिक-कालिक भूमि उपयोग/भूमि आवरण गतिशीलता का आकलन। जर्नल ऑफ जियोस्पेशियल सर्वेइंग, 4(1), 12-23। https://doi.org/10.4038/jgs.v4i1.52

उपाध्याय, ए., निगम, एन.के., मिश्रा, पी.के., और राय, एस.सी. (2024). भारत के सिक्किम हिमालय में पैनल डेटा विश्लेषण का उपयोग करके जलवायु परिवर्तनशीलता और स्वदेशी कृषि प्रणाली पर इसका प्रभाव। पर्यावरण निगरानी और मूल्यांकन, 196(1), 33। https://doi.org/10.1007/s10661-023-12193-7

मिश्रा, वी., मलिक, के., अग्रवाल, वी., मिश्रा, पी.के., और जैन, के. (2024). रिमोट सेंसिंग का उपयोग करके हिमालय में असंवहनीय हवाई अड्डे के विकास के प्रभाव का आकलन: सिक्किम, भारत के पाकयोंग हवाई अड्डे का एक केस स्टडी। क्वाटरनरी साइंस एडवांसेज, 13, 100144। https://doi.org/10.1016/j.qsa.2023.100144

सिंह, आर. (2024). असम-अराकान घाटी में भू-आकृतिक सूचकांकों और आकारिकी सूचकांकों से सापेक्ष सक्रिय विवर्तनिकी का जीआईएस-आधारित मूल्यांकन। शैक्षिक प्रशासन: सिद्धांत और व्यवहार, 30(1). https://doi.org/10.53555/kuey.v30i1.4424

सिंह, आर. (2024). भौगोलिक संकेत, लुप्तप्राय परंपराओं को पुनर्जीवित करने और आजीविका को बनाए रखने के एक उपकरण के रूप में। शैक्षिक प्रशासन: सिद्धांत और व्यवहार, 30(2), 1071-1081. https://doi.org/10.53555/kuey.v30i2.4408

सिंह, आर., विथानागे, एन.सी., मिश्रा, पी.के., और अब्देलरहमान, के. (2024). भू-स्थानिक तकनीकों का उपयोग करके संरक्षित क्षेत्र की परिधि में वनों की कटाई, वन स्वास्थ्य और

पर्यावरणीय संकट की निगरानी। पीयरजे, 12, e17714। https://doi.org/10.7717/peerj.17714

झा, अबध किशोर, शंकर कुमार, रंगनाथ रवि, साहिल रॉय, विकेश कुमार झा, संगीता गुप्ता, पूनम यादव, अक्षय कुमार रौता और अनिल के अग्रवाल। "सिक्का धातु-उत्प्रेरित या एरेन्स की मध्यस्थता ऑक्सीडेटिव हेटेराइलेशन।" चतुष्फलकीय अक्षर (2024): 155249. https://doi.org/10.1016/j.tetlet.2024.155249

आकांक्षा, अजय के. सिंह, अनुपमा अस्थाना, रंगनाथ रवि, और अबध किशोर झा। "N-टॉसिलहाइड्राज़ोन का C-H/हेटेरोएटम-H बंधों वाले यौगिकों के साथ धातु-उत्प्रेरित युग्मन।" एशियन जर्नल ऑफ ऑर्गेनिक केमिस्ट्री 13, अंक 9 (2024): e202400232। https://doi.org/10.1002/ajoc.202400232

चौधरी आर, आयुषी, राजेंद्रन वी, रंगराजन, टीएम (2025) "ऑक्सीम फंक्शनलाइज्ड चाल्कोन्स: संस्कृति में प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम के रक्त-चरणों के विरुद्ध शक्तिशाली एंटीप्लास्मोडियल गतिविधि के साथ चाल्कोन्स की एक नई श्रेणी का अनावरण" बायोऑर्गेनिक और मेडिसिनल केमिस्ट्री लेटर्स में। https://doi.org/10.1016/j.bmcl.2025.130143

कुमार आर, गुप्ता एस, अधाना एस, खन्ना ए, साहू एस, फैज़ा एम, बावेजा आर, पांडे ए, मित्तल ए, चौधरी यू. ग्लूटामेट रेसमेज़ के संभावित अवरोधकों के रूप में प्राकृतिक यौगिकों की जाँच और पहचान, जो खाद्य रोगजनक ई. कोलाई O157:H7 का एक उभरता हुआ औषधि लक्ष्य है: बढ़ती औषधि प्रतिरोध से निपटने के लिए एक इन-सिलिको दृष्टिकोण। संक्रमण विकार औषधि लक्ष्य। 2024 अगस्त 2016। https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/39161148/

सांगवान, एन., गंगवाल, ए., जैन, पी., लांगत्सो, सी., श्रीवास्तव, एस., धवन, यू., बावेजा, आर., और सिंह, वाई. (2025)। एंथ्रेक्स: संचरण, रोगजनन, रोकथाम और उपचार। टॉक्सिन्स, 17(2), 56. https://doi.org/10.3390/toxins17020056

अरोड़ा आर., चहल वी., इस्सर यू., नागपाल एम., वशिष्ठ वी.के., मित्तल ए. (2024); विषैले Hg(II) आयन के लिए फ्लोरोसेंट सेंसर और कलरिमेट्रिक सेंसर के रूप में नैनोमटेरियल: एक समीक्षा, आयोनिक्स, खंड 30, 6811-6833. http://dx.doi.org/10.1007/s11581-024-05757-1

मदन, आर. (2025). संत पुरुषों और आवारा लड़कियों के बारे में: शरणार्थी शहर में सामाजिक कार्यकर्ता के साहसिक कार्य। समकालीन दक्षिण एशिया, 1-13. https://doi.org/10.1080/09584935.2024.2439895

'समकालीन कहानियों में बदलते मूल्य और संवेदना', पुरवाई कथा यूके, 16 नवंबर, 2024.

'सामाजिक आवाम राष्ट्रीय परिदृश्य में छायावादी काव्य', पुरवाई कथा यूके, 17 अगस्त, 2024.

'पितृ सातात्मक रूपो की सेनाकथा और होमवती देवी की कहानियाँ, पुरवाई कथा यूके, 18 मई, 2024.

'समकालीन कहानियों में बदलते मूल्य और संवेदना', पुरवाई कथा यूके, 16 नवंबर, 2024 को प्रकाशित।

लाल एस., भटनागर एस., (2025), अपशिष्ट जल निकायों से क्रोमियम हटाने के लिए टिकाऊ सामग्री के रूप में चिटोसन बायोपॉलिमर। करंट मैटेरियल साइंसेज, 18, (2), 149 - 167। https://doi.org/10.2174/0126661454248025230919055029

जैन, एकता, धनपाल सिंह, और एसडी राम। "कमजोर गुरुत्वाकर्षण वाली सामान्यीकृत चैप्लिगिन गैस में समतल पिस्टन समस्या।" चाइनीज़ जर्नल ऑफ़ फ़िज़िक्स 91 (2024): 130-139। https://doi.org/10.1016/j.cjph.2024.07.014

राहुल कुमार चतुर्वेदी, नीलम वेंकट कोटेश्वरराव, एसडी राम, एलपी सिंह, छोटे ठोस धूल कणों के साथ वैन डेर वाल्स प्रतिक्रिया गैस में शॉक तरंगों के विकास पर, जनवरी 2025 को स्वीकृत। https://doi.org/10.1007/s12648-025-03559-3

खरबंदा, एस., 'भारत में गिग अर्थव्यवस्था: विकास, चुनौतियाँ और आगे का रास्ता', वेब ऑफ़ साइंस इंडेक्स्ड जर्नल 'इंडियन कल्चर एंड बिज़नेस मैनेजमेंट' में सुमन खरबंदा, पूनम बेवत्रा और सुप्रिया कामना। ऑनलाइन प्रकाशित: 25 सितंबर, 2024 पृष्ठ 47-65। https://doi.org/10.1504/IJICBM.2024.141580

खरबंदा, एस., 'युवा भारतीय वयस्कों की स्वास्थ्य स्थिति का तुलनात्मक अध्ययन पारंपरिक भारतीय आहार पद्धति के सकारात्मक प्रभाव को दर्शाता है' स्कोपस इंडेक्स्ड "साउथ ईस्टर्न यूरोपियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ" खंड XXVI, S2, 2025, पृष्ठ 96-107. https://www.seejph.com/index.php/seejph/article/view/4257

"कोलंबा प्रजाति के विकासवादी फाइलोजेनी पर" 17 अक्तूबर, 2024 को एक अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिका "वर्ल्ड न्यूज ऑफ नेचुरल साइंसेज" में प्रकाशित। WNOFNS 57 (2024) 240-255, EISSN 2543-5426।

सिंह एस (2025), माता : समाज और सीटी की मजबूत आधारशिलाएं WDC कॉफी टेबल बुक “मदरहुड अनबाउंड” (पृष्ठ 30-35), कीपॉइंट मीडिया एलएलपी प्रकाशक, नई दिल्ली, आईएसबी.ए.न 978-81-975766-4-5 में प्रकाशित।

चौधरी आईजे, चौहान आर., काले एसएस, गोसावी एस., राठौर डी., द्विवेदी वी. सिंह एस., यादव वीके (2025) भूजल नाइट्रेट संदूषण और मानव स्वास्थ्य पर इसका प्रभाव: एक समीक्षा, जल संरक्षण विज्ञान और इंजीनियरिंग, खंड 10, 33. http://dx.doi.org/10.1007/s41101-025-00359-y

सिंह एस., यादव यू., खरबंदा एस., भारद्वाज ए., गुप्ता एस., ठाकुर वी., अग्रवाल श्री, अग्रवाल एसपी, सिमरन एस., कुमारी एस., आनंद एस., अनुषा, ठाकुर जे. (2025) युवा भारतीय वयस्कों की स्वास्थ्य स्थिति का तुलनात्मक अध्ययन और पारंपरिक भारतीय आहार प्रथाओं का सकारात्मक प्रभाव, साउथ ईस्टर्न यूरोपियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, खंड XXVI (S2), 96-107. https://doi.org/10.70135/seejph.vi.4257

हाहिन आर., यादव आर.के., वर्मा आर.के., सिंह एस., गुप्ता एन.के., सिंह एस., किम जे., बेग जे.ओ. (2025) 3,5-डाइफेनिल 1,2,4-थियाडियाज़ोल व्युत्पन्नों और सहकारक एनएडीएच पुनर्जनन इंजीनियरिंग के संश्लेषण के लिए बहुक्रियाशील विषम सहक्रियात्मक फोटोकैटेलिस्ट के रूप में नवीन बोरॉन-फ्लोरीन क्रियाशील एसजीसीएन, जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर, वॉल्यूम 1323, 140728. http://dx.doi.org/10.1016/j.molstruc.2024.140728

मिश्रा ए., यादव आर.के., मिश्रा एस., शाहीन आर., सिंह एस., गुप्ता ए.के., सिंघल आर., गुप्ता एन.के., बैग जे.ओ., एल-हिती जी.ए. यादव आर.के. और सिंह एस. (2024) सूर्य-संचालित संश्लेषण: α-कीटोग्लूटारेट से सौर-संचालित एल-ग्लूटामेट उत्पादन के लिए एक एकीकृत फोटोकैटलिटिक-बायोकैटलिटिक प्रणाली में मल्टीवॉल कार्बन नैनोट्यूब-ईबी फोटोकैटलिटिक जादू का उपयोग, कार्बन लेटर्स, https://doi.org/10.1007/s42823-024-00780-8

सिंह एम और सिंह एस (2024) नैनोफॉर्मूलेशन के लिए आइजेनर्जी और फ्रिकोहेसिटी। केम इंजीनियरिंग प्रोसेस टेक 9(2): 1090. नैनोफॉर्मूलेशन के लिए आइजेनर्जी और फ्रिकोहेसिटी

लाल आर., सिंह एस. और पांडे एम. (2024) ए549 कोशिका रेखाओं पर फ़िकस ऑरिकुलेटा फल के अर्क की एंटीप्रोलिफ़ेरेटिव क्षमता: जीन अभिव्यक्ति विश्लेषण से अंतर्दृष्टि, जर्नल ऑफ़ फ़ार्माकोग्नॉसी एंड फ़ाइटोकेमिस्ट्री, खंड 13 (3), 279-90. https://doi.org/10.22271/phyto.2024.v13.i3d.14968

वर्तिका खंडेलवाल, पीयूष सिरोहा, एस. सतपथी, बिजेंदर, चरणजीत सिंह, अशोक कुमार, सुरेंद्र कुमार, एसके मजूमदार, रामोवतार, नीरज पंवार, (2024): Ba0.92Ca0.08Zr0.09Ti0.91O3 और Ba0.92Ca0.08Sn0.09Ti0.91O3 पाईज़ोसिरैमिक्स के डाइइलेक्ट्रिक, फेरोइलेक्ट्रिक, पीज़ोइलेक्ट्रिक, ऊर्जा भंडारण, इलेक्ट्रोकैलोरिक और पीज़ोकैटेलिटिक गुणों की गहन तुलना", सेरामिक्स इंटरनेशनल, खंड 50, 50118. https://doi.org/10.1016/j.ceramint.2024.09.358

मीनाक्षी, संजय सैनी, नीरज पंवार, रामोवतार, सुरेंद्र कुमार (2025): क्रायोजेनिक तापमान रेंज में जीडी-आधारित डबल पेरोव्स्काइट यौगिकों के विशाल मैग्नेटोकैलोरिक गुण", जर्नल ऑफ मैग्नेटिज्म एंड मैग्नेटिक मैटेरियल्स, खंड 614, 172766. https://doi.org/10.1016/j.jmmm.2024.172766

मीनाक्षी, आर कपूर, एस दाश, आर बंसल, ए विज, एचके चौरसिया, एन कुमार, रामोवतार और एस कुमार, (2025): Dy3+ प्रतिस्थापन के माध्यम से EuCrO3 ऑर्थोक्रोमाइट्स के

संरचनात्मक, चुंबकीय और ऑप्टिकल गुणों को ट्यून करना, बुलेटिन ऑफ मैटेरियल्स साइंस, खंड 48, 1. https://doi.org/10.1007/s12034-024-03376-0

तरूण, ' रामचंद्र शुक्ल और हज़ारी प्रसाद डड की दृष्टि में प्रेमचंद ' यूजीसी केयर लिस्टेड जर्नल LAMHI में प्रकाशित (सं.) वेंकटेश कुमार, जुलाई-दिसंबर 2024, ISSN:2278-554X

चंदेल, पी., सिंह, डी., आनंद, एस., कुमार, एच., गगन, ए., रानी, यू., कुमार, पी., और निशित (2024). भू-स्थानिक तकनीक का उपयोग करके पारिस्थितिक लचीलेपन के लिए बहुउद्देशीय ग्रीनवे नेटवर्क की पहचान: भारत में दक्षिणी दिल्ली जिले का केस स्टडी। पर्यावरण समीक्षा, 6(4)। https://doi.org/10.30564/re.v6i4.7721

आबिद, सिंह, वी., रानी, यू., कुमार, एच., सच्चर, पी., और कुमार, वी. (2024). दिल्ली-फरीदाबाद कॉरिडोर के साथ-साथ शहरी फैलाव के स्थानिक पैटर्न का विश्लेषण। मध्यभारती-मानविकी और सामाजिक विज्ञान, 87. https://doi.org/10.20896/saci.v12i2.1476

मायाला, वी.के., रानी, एस., और आनंद, एस. (2024). मनरेगा-राजस्थान पर विशेष ध्यान देते हुए एक सिंहावलोकन। भंडारकर ओरिएंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट के इतिहास, सीआई (11)। https://doi.org/10.5281/zenodo.10817994

गगन, एट अल. (2024). उत्तर प्रदेश में कचरा बीनने वालों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति का विश्लेषण. अंतरिक्ष और संस्कृति, भारत, 12(2), 90.

रानी, यू. (2024). भारत के उत्तर प्रदेश के कई ज़िलों में चुनौतीपूर्ण पर्यावरणीय परिस्थितियों में काम करने वाले कूड़ा बीनने वालों में अवसाद और चिंता के स्तर की जाँच। पर्यावरण विज्ञान अभिलेखागार, 3(1), 95-102.

सिंह एस., यादव यू., खरबंदा एस., भारद्वाज ए., गुप्ता, ठाकुर वी., अग्रवाल श्री, अग्रवाल एसपी, सिमरन एस., कुमारी एस., आनंद एस., अनुषा, ठाकुर जे. (2025) युवा भारतीय वयस्कों की स्वास्थ्य स्थिति का तुलनात्मक अध्ययन पारंपरिक भारतीय आहार प्रथाओं का सकारात्मक प्रभाव, साउथ ईस्टर्न यूरोपियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, वॉल्यूम XXVI (S2), 96-107. https://www.seejph.com/index.php/seejph/article/view/4257

चड्ढा, वी., 'भारतीय शेयर बाजारों में महीने-दर-महीने के प्रभाव की जांच', इंडरसाइंस जर्नल (स्कोपस इंडेक्स्ड)-इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पब्लिक सेक्टर परफॉर्मेंस मैनेजमेंट, खंड 14, संख्या 1, पृष्ठ 78-101, 09 जुलाई, 2024 को प्रकाशित। https://doi.org/10.1504/IJPSPM.2024.139876

शंकर, ए., कौशिक, एन.के., कुमार, वी., मलिक, वी., सिंह, डी., कुमार, वी., और सिंह, बी. (2024). मलेरिया-रोधी गतिविधि प्रदर्शित करने वाले चांदी के नैनोकणों का हरित माइकोसिंथेसिस। तैयबा विश्वविद्यालय विज्ञान पत्रिका, 18(1)। https://doi.org/10.1080/16583655.2024.2381286

पुस्तक में अध्याय

- कुमार, पी., शर्मा, एम., शांतनु, के., सोहम, एस., और मंगला, ए.जी. (2025)। *पादप रक्षा में माइक्रोआरएनए की भूमिका। एल्सेवियर ई-बुक्स में।* https://doi.org/10.1016/b978-0-443-21682-4.00006-3
- हांग्जो, एस. (2024). *पालने को हिलाना: पाइते लोक लोरियों में स्त्रीत्व से पूछताछ।* पूर्वोत्तर लेखन और आख्यानों का पुनर्स्थापन: लैंगिक, पाठ और पहचान। एसएलसी इंडिया पब्लिशर्स।
- हांग्जो, एस. (2024) सियाम्पू और धर्मग्रंथ के बीच पैइट सोसाइटी के धर्म में लैंगिक पर बातचीत।" *भारत में जनजाति और धर्मों की रूटलेज हैंडबुक: आध्यात्मिकता, विश्वास और पहचान पर समकालीन रीडिंग।* (424-435 पीपी) रूटलेज।
- लीसांगथेम, जी. (2024). ईस्टरीन कीर की *मारी में जीवन लेखन, इतिहास स्मरण।* एम. चतुर्वेदी (सं.), *जीवन लेखन, प्रतिनिधित्व और पहचान* (पृष्ठ 21-36) में। रूटलेज।
- लीसांगथेम, जी. (2024). जयपुर की गंध। एस. सेनगुप्ता, सी. चारी, और यू. अयंगर (सं.) में, *चोर का अंतिम संस्कार: लघु कथाओं का पुस्तक समीक्षा संकलन* (पृष्ठ 64-75)। एलेफ बुक कंपनी।
- मदन, आर. (2025). पंजाबी शरणार्थी महिलाएँ शहरी क्षेत्रों में _झूठा सच" में। एस. साहनी और के. मैकलीन (संपादक) *यशपाल: लैंगिक और क्रांतिकारी विचार पर।* ओरिएंट ब्लैकस्वान: नई दिल्ली। (पृष्ठ 134-148)।
- पॉल, डी (2025) *गोरखविजय और नेपाल के धार्मिक उत्सव: हिमालयी देश और बंगाल के बीच सांस्कृतिक संबंधों का पता लगाना,* एन.के. सिंह और एस. मित्तल (संपादक) *हिमालय: दुनिया की प्रसिद्ध लेकिन नाज़ुक छत,* आईएसबी.ए.न-978-50002-892-6 आकार बुक्स द्वारा।
- *आरण्यक* के माध्यम से भारतीय ग्राफिक उपन्यास के ट्रांसडिसिप्लिनरी स्कोप को अपनाना " मैकमिलन एजुकेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की पुस्तक लिटरेचर एंड ट्रांसडिसिप्लिनरी में। आईएसबी.ए.न 93-5666-707-1
- सिंह, एस., मिश्रा, पी.के., मिश्रा, वी.एन. (2024). भू-स्थानिक तकनीकों का उपयोग करके वन अग्नि की गंभीरता का मानचित्रण: भारत के बांदीपुर आरक्षित वन के एक भाग का एक केस स्टडी। शर्मा, वी.आर., चंद्रकांता (संपादक) में: *भारत को आपदा प्रतिरोधी बनाना।* स्प्रिंगर, चैम। https://doi.org/10.1007/978-3-031-50113-5_10
- मिश्रा, वी., तिवारी, ए., मिश्रा, पी.के. (2024). HECRAS मॉडल और भू-स्थानिक तकनीकों का उपयोग करके बाढ़ के मैदान का मानचित्रण-वाराणसी शहर का एक केस स्टडी। शर्मा, वी.आर., चंद्रकांता (संपादक) *मेकिंग इंडिया डिजास्टर रेजिलिएंट।* स्प्रिंगर, चैम। https://doi.org/10.1007/978-3-031-50113-5_5

- मिश्रा, पी.के. और झा, ए.के. (2024) भौगोलिक शिक्षा में पारंपरिक पारिस्थितिक ज्ञान को शामिल करना: कार्रवाई का आह्वान, *पुस्तकालय और अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन ढांचा और वकालत में,* (पृष्ठ 153-162), सोसाइटी पब्लिकेशन्स, कनाडा।
- गर्ग एस. और रानी एन. (2025) नए युग में अनुकूलन: सतत भविष्य में गणितीय मार्ग; अनिश्चितता के तहत सतत पर्यावरण के लिए अनुकूलन तकनीकें; स्प्रिंगर नेचर; आईएसबी.ए.न: 978-981-96-0388-6
- दीप्ति (2024), पुस्तक में अध्याय: अनुसंधान में डिजिटल साक्षरता: उपकरण, तकनीक और सर्वोत्तम अभ्यास; *उच्च शिक्षा संस्थानों में अनुसंधान का भविष्य: विकसित भारत का रोडमैप* (पृष्ठ 1-6)। आईएसबी.ए.न: 9789348059895
- त्यागी, एन. (2024) नैनोकणों का जैविक संश्लेषण, "नैनोमटेरियल का संश्लेषण, लक्षण वर्णन और बहु-कार्यात्मक अनुप्रयोग।" आईएसबी.ए.न-13 के साथ साक्ष्य प्रकाशन: 978-9363556089
- यादव, डी., त्यागी, एन. और वाहिंदे, ए. (2024). नैनोकणों का जैविक संश्लेषण, नैनोमटेरियल का संश्लेषण, लक्षण वर्णन और बहु-कार्यात्मक अनुप्रयोग। एविडेंसपब पब्लिशिंग (प्रथम संस्करण)। नई दिल्ली, आईएसबी.ए.न-13: 978-9363556089।
- चौधरी, जेके और रथ, पीसी (2025) केमोकाइन्स, साइटोकाइन्स और एजिंग, बायोकैमिस्ट्री और सेल बायोलॉजी ऑफ एजिंग, जेआर हैरिस और वीआई कोरोलचुक (संपादक), *भाग VI बायोसाइंस और क्लिनिकल साइंस* EISSN2542-8810. *स्प्रिंगर नेचर* www.springer.com/series/6515
- शर्मा, जे. (2024) स्विट्जरलैंड में हिंदी के रंग विश्व पाताल पर हिंदी, भाषा पर शांति, शुभम् प्रकाशन, यूपी। आईएसबी.ए.न-978-81-19699-49-0

पुस्तकें

- गिरि एन.जी., सलूजा पी. और शुक्ला एस.के. (2025)। कार्बनिक नाम अभिक्रिया क्रियाविधि और रूपांतरण (उन्नत संश्लेषण रणनीतियों के मूल सिद्धांत) एएनई पब्लिकेशंस एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स एलएलपी। आईएसबी.ए.न संख्या-978-81-981440-0-3
- मातृत्व असीम. (2025)। वी. भारद्वाज, आर. मदन, डी. पॉल, पी. चकप्रान, जी. कुमारी बबली, रूपेश, यदुवंशी, वी. तोमर (एड्स) कीप्वाइंट मीडिया एलएलपी, नई दिल्ली, आईएसबी.ए.न 978-81-975766-4-5।
- शर्मा एम. (2025) उद्यमिता और नई उद्यम योजना, एनईपी बी.कॉम, सेमेस्टर-IV, डीएससी-4.1, दिल्ली विश्वविद्यालय पर आधारित यूजीसीएफ के पाठ्यक्रम के साथ संरेखित" (आईएसबी.ए.न: 978-93-49178-36-6)
- चड्ढा, वी 'बिजनेस एनालिटिक्स' आईएसबी.ए.न 978-93-94336-67-4 के साथ जेएसआर पब्लिशिंग हाउस एलएलपी द्वारा प्रकाशित, एनईपी बी.कॉम (ऑनर्स) सेमेस्टर VI, दिल्ली विश्वविद्यालय पर आधारित यूजीसीएफ के पाठ्यक्रम के अनुरूप।

- राय एस.सी., और मिश्रा पी.के. (2024) पवित्र परिदृश्य, स्वदेशी ज्ञान और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन में नृजातीय संस्कृति प्रकृति संरक्षण के विविध दृष्टिकोणों को समझना स्प्रिंगर सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-97-4206
- शर्मा, विकास और जैमिनी, एस.. "राजभाषा और राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी" आईएसबी.ए.न नंबर- 978-93-90915-66-प्रथम संस्करण 2025, प्रकाशक-श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली।
- शर्मा, वी., "भाषा दक्षता और तकनीकी" आईएसबी.ए.न नंबर 978-93-4913214-6 प्रथम संस्करण, 2025, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली।

अनुसंधान परियोजनाएँ

- जैव रसायन विभाग की डॉ. सुनीता सिंह और डॉ. जयिता ठाकुर को 'फेनिलकीटोनुरिया के उपचार हेतु स्व-प्रवर्धित mRNA मध्यस्थ एंजाइम प्रतिस्थापन चिकित्सा का मूल्यांकन' नामक शोध परियोजना के लिए क्रमशः PI और Co-PI के रूप में ₹ 1,03,30,101 (एक करोड़ तीन लाख तीस हज़ार एक सौ एक रुपये) की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) द्वारा प्रदान किया गया है और जून 2024 से जून 2027 तक की अवधि के लिए है।
- शिवाजी महाविद्यालय के वनस्पति-विज्ञान विभाग की प्रो. प्रभावती, डॉ. किरण बामेल और डॉ. देवेंद्र सिंह मीणा को 'भारत में (यूनानी) औषधीय पौधों के लिए डीएनए बारकोड का विकास' नामक शोध परियोजना के लिए क्रमशः पीआई और सह-पीआई के रूप में ₹ 19,89,624 (उन्नीस लाख अस्सी हजार छह सौ चौबीस) की राशि मंजूर की गई है। यह अनुदान केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी, आयुष मंत्रालय), भारत सरकार द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि सितंबर 2022 से मार्च 2025 तक है।
- डॉ. दीपिका यादव, डॉ. राकेश रोशन (प्राणी-विज्ञान विभाग) डॉ. निधि त्यागी (भौतिकी विभाग), शिवाजी महाविद्यालय को 'विज्ञान के इतिहास' पर क्रमशः पीआई और सह-पीआई के रूप में 'उत्तराखंड के राजी जनजाति में स्वदेशी जूथेरेप्यूटिक प्रथाओं और इसकी समकालीन स्थिति पर एक व्यापक अध्ययन' नामक एक शोध परियोजना के लिए लगभग ₹ 12,00,000 की राशि मंजूर की गई है। यह अनुदान भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (INSA) द्वारा प्रदान किया गया है और अगस्त 2023 से अगस्त 2026 तक की अवधि को कवर करता है।
- शिवाजी महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग की डॉ. मोनिका को 'भारतीय ज्ञान प्रणाली का पुनर्स्थापन एवं एकीकरण: भगवद्गीता का एक परिप्रेक्ष्य' नामक शोध परियोजना के लिए ₹1,00,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान शिवाजी महाविद्यालय अनुसंधान एवं नवाचार प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और फरवरी, 2025 से फरवरी, 2026 तक की अवधि के लिए है।
- शिवाजी महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग की डॉ. देबोस्मिता पॉल और सुश्री अंशुला उपाध्याय को 'कला और साहित्य के माध्यम से भारत विभाजन का पुनरावलोकन' नामक शोध परियोजना के

लिए ₹1,00,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान शिवाजी महाविद्यालय अनुसंधान एवं नवाचार प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और फरवरी, 2025 से फरवरी, 2026 तक की अवधि के लिए है।

- शिवाजी महाविद्यालय के भूगोल विभाग की डॉ. उषा रानी को 'मध्य प्रदेश के चित्रकूट जिले में कोल जनजाति के सामाजिक-आर्थिक विकास और सांस्कृतिक पहचान का विश्लेषण' नामक शोध परियोजना के लिए ₹1,00,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान शिवाजी महाविद्यालय अनुसंधान एवं नवाचार प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और फरवरी, 2025 से फरवरी, 2026 तक की अवधि के लिए है।
- शिवाजी महाविद्यालय के जैव रसायन विभाग की डॉ. रेणु बावेजा और प्राणि-विज्ञान विभाग के डॉ. जितेंद्र कुमार चौधरी को ' बेसिलस एंथ्रेसीस और उसके नॉकआउट म्यूटेंट बीजाणुओं की खोज: सुरक्षित एंथ्रेक्स वैक्सीन की ओर एक मार्ग' नामक शोध परियोजना के लिए ₹1,00,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान शिवाजी महाविद्यालय अनुसंधान एवं नवाचार प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और फरवरी, 2025 से फरवरी, 2026 तक की अवधि के लिए है।
- शिवाजी महाविद्यालय के रसायन-विज्ञान विभाग के डॉ. योगेश कुमार और प्रो. अनिल के. अग्रवाल को 'माइक्रोवेव सहायता प्राप्त कुशल और सुविधाजनक संश्लेषण ऑफ प्यूरीन एनालॉग्स एंड पोस्ट-फंक्शनलाइज़ेशन' नामक शोध परियोजना के लिए ₹1,00,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान शिवाजी महाविद्यालय अनुसंधान एवं नवाचार प्रकोष्ठ द्वारा प्रदान किया गया है और फरवरी, 2025 से फरवरी, 2026 तक की अवधि के लिए है।

दायर/स्वीकृत पेटेंट

- श्री राकेश यादव और डॉ. कृष्ण कांत गौतम, कंप्यूटर विज्ञान विभाग, "एआई-एन्हांस्ड प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स डेस्क" शीर्षक से पेटेंट प्रदान किया गया, पेटेंट संख्या 429572-001, 24 अक्तूबर, 2024
- श्री राकेश यादव और डॉ. कृष्ण कांत गौतम, कंप्यूटर विज्ञान विभाग, पेटेंट प्रकाशित शीर्षक “आईओटी नेटवर्क में खतरों का पता लगाने के लिए एक प्रणाली और उसकी विधि”, आवेदन संख्या: 202141061667, 30 दिसंबर, 2021।
- डॉ. प्रियंका कुमारी, डॉ. नीरज कुमारी, डॉ. चंद्र मोहन, डॉ. अनूप यादव, एक बीज कोटिंग बायोफिल्म संरचना, इसके तैयार करने की प्रक्रिया और इसके उपयोग, आवेदन संख्या 202411051315 ए, 12 जुलाई, 2024.
- डॉ. नीरू शर्मा, भौतिकी विभाग, लैंथेनम फेराइट नैनोप्लम्स के संश्लेषण और उसके उत्पाद की एक अत्यधिक कुशल और सरल विधि, आवेदन संख्या 202411093505 ए, प्रकाशन तिथि: 03 जनवरी, 2025.
- डॉ. मोनिका, वाणिज्य विभाग, “मेटावर्स मार्केटिंग डेटा विश्लेषण के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रणाली” के लिए पेटेंट पंजीकृत, पेटेंट कार्यालय डिजाइन संख्या 436097-001, 29 अक्तूबर, 2024.

आयोजित संगोष्ठियां

- प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रेखा सक्सेना और नई दिल्ली स्थित पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय के भारतीय उन्नत अध्ययन संस्थान के अकादमिक निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. ईश्वरन श्रीधरन ने 1 मई, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के शिवाजी महाविद्यालय के राजनीति-विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित 'तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में भारत में राजनीतिक वित्त' विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- डॉ. अनिल कुमार, कार्मिक साइंटिस्ट, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी, नई दिल्ली, और डॉ. जोगेश्वर एस. पुरोहित, एसोसिएट प्रोफेसर, क्लस्टर इनोवेशन सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय, और अकादमिक मामलों के डिप्टी डीन (2021-23), ने 22 अक्तूबर, 2024 को '21वीं सदी में स्वास्थ्य और पर्यावरणीय स्थिरता' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।
- प्रोफेसर शांतेश कुमार सिंह, प्रोफेसर, अंतर्राष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केंद्र, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन स्कूल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने 25 अक्तूबर, 2024 को '21वीं सदी में संयुक्त राष्ट्र: वैश्विक चुनौतियों और अवसरों का मार्गदर्शन' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर अनन्या घोष दस्तीदार ने 12 नवंबर, 2024 को 'विकसित भारत और समावेशी विकास' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।
- प्रोफेसर सुदेशना मजूमदार-लीटन, प्रोफेसर, लीटन ने 3 मार्च, 2025 को 'विकसित भारत वी: प्लांट बायोटिक इंटरैक्शन और सतत विकास' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

आयोजित सम्मेलन

- 25-26 अप्रैल, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के शिवाजी महाविद्यालय के जैव रसायन विभाग द्वारा आयोजित और सीएसआईआर द्वारा प्रायोजित, 'आरएनए आधारित चिकित्सा विज्ञान: खोज से क्लिनिक तक' शीर्षक से सम्मेलन।
- 24 सितंबर, 2024 को हिंदी अकादमी दिल्ली, हिंदी विभाग और राजभाषा कार्यान्वयन समिति, शिवाजी महाविद्यालय के सहयोग से 'भाषा संस्कृति की वाहक है' शीर्षक सम्मेलन आयोजित किया गया।
- 4 मार्च, 2025 को वाणिज्य विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारतीय वाणिज्य संघ, दिल्ली एनसीआर चैप्टर और सेंट जोसेफ महाविद्यालय ऑफ कॉमर्स, बैंगलोर के सहयोग से 'विकसित भारत @ 2047: वैश्विक संदर्भ में समावेशी और सतत विकास के लिए रणनीतियां' शीर्षक से सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।
- शैक्षिणक फाउंडेशन, एबीआरएसएम और राष्ट्रीय सिंधी भाषा संवर्धन परिषद (एनसीपीएसएल) के सहयोग से 'स्वदेशी ज्ञान प्रणाली और सतत विकास' शीर्षक पर सम्मेलन 9-10 मार्च, 2025 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा।

- शिवाजी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और केआर मंगलम विश्वविद्यालय द्वारा आईएएएम (स्वीडन) और विज्ञान भारती (विभा) के सहयोग से, और डीआरडीओ और अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन के समर्थन से, 20-21 मार्च, 2025 को 'ग्रीन केमिस्ट्री और सतत पर्यावरण के लिए उन्नत सामग्री' (एएमजीएसई 2025) शीर्षक से सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

- एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, 20-2 मार्च, 2025 तक 'हरित रसायन और सतत पर्यावरण के लिए उन्नत सामग्री' (एएमजीएसई 2025) पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।
- अगस्त 2024 में 'समर्थ भारत' परियोजना के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय, मुक्त शिक्षा विद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और भाऊराव देवरस सेवा न्यास के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग का उद्देश्य एक संपूर्ण, परिणाम-केंद्रित कार्यान्वयन ढाँचा तैयार करके भारत में कौशल विकास प्रयासों का विस्तार करना है, जो नियोक्ताओं की एक सुप्रशिक्षित, कुशल कार्यबल की माँगों को भारतीय नागरिकों की स्थायी आजीविका की आकांक्षाओं के साथ संरेखित करता है। समर्थ भारत के सहयोग से, फ़्लटर का उपयोग करके 40 घंटे का 'ऐप डेवलपमेंट प्रोग्राम' पूरा किया गया।
- 29 जुलाई, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज महाविद्यालय स्थित महात्मा हंसराज मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। वाणिज्य विभाग की डॉ. मोनिका समन्वयक के रूप में कार्यरत रहीं। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, 18 से 28 सितंबर, 2024 तक एक ऑनलाइन एनईपी अभिविन्यास एवं संवेदीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- 3 दिसंबर, 2024 को सेंट जोसेफ महाविद्यालय ऑफ कॉमर्स, बेंगलुरु के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। वाणिज्य विभाग की प्रो. सुमन खरबंदा समन्वयक के रूप में कार्यरत रहीं। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, पारस्परिक भागीदारी में शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार हेतु नवीन पाठ्यक्रम, छात्र और संकाय विनिमय कार्यक्रम, संगोष्ठी, कार्यशाला, एफडीपी, शोध गतिविधियाँ, परियोजनाएँ और प्रकाशन आयोजित किए गए।
- 3 फरवरी, 2025 को स्टर्लिंग ग्लोबल यूनिवर्सिटी, हरियाणा के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। वाणिज्य विभाग की प्रो. सुमन खरबंदा समन्वयक के रूप में कार्यरत रहीं। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, पारस्परिक भागीदारी में शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार हेतु नवीन पाठ्यक्रम, छात्र और संकाय विनिमय कार्यक्रम, संगोष्ठी, कार्यशाला, एफडीपी, शोध गतिविधियाँ, परियोजनाएँ और प्रकाशन आयोजित किए गए।

- 25 मार्च, 2025 को सामाजिक एवं पर्यावरण विकास संस्था लक्ष्य के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। वनस्पति-विज्ञान विभाग की डॉ. गुंजन सिरोही समन्वयक के रूप में कार्यरत रहीं। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, महाविद्यालय परिसर में प्रयुक्त पीईटी प्लास्टिक की बोतलों को एकत्रित करने के लिए रिवर्स वेंडिंग मशीन लगाई जाएगी।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

- TedX के साथ सहयोग, अनुसंधान करने और "प्रसारित करने योग्य विचारों" की खोज के लिए 29 दिसंबर, 2024 से यह लाइसेंस TEDxShivajiCollege को ऐसे उत्साही व्यक्तियों द्वारा TED वार्ताओं का आयोजन जारी रखने में मदद करेगा जो नए विचारों को उजागर करना चाहते हैं और अपने स्थानीय क्षेत्रों में नवीनतम शोध को साझा करना चाहते हैं जिससे उनके समुदायों में चर्चा शुरू हो सके।
- ज्ञान भागीदार स्पोकन ट्यूटोरियल प्रोग्राम, आईआईटी, बॉम्बे के साथ सहयोग के साथ, 11 अक्तूबर, 2024 से शिवाजी महाविद्यालय अब आधिकारिक तौर पर स्पोकन ट्यूटोरियल, आईआईटी, बॉम्बे का एक अकादमिक भागीदार बन गया है। इस साझेदारी का उद्देश्य आईटी साक्षरता का प्रसार करना, एक ऑडियो-वीडियो शिक्षण उपकरण, अर्थात 'स्पोकन ट्यूटोरियल' के माध्यम से मुक्त एवं मुक्त स्रोत सॉफ़्टवेयर (FOSS) के शिक्षण और उपयोग को बढ़ावा देना है।

नियोजन विवरण

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत : 64 (13.1%)

कैम्पस भर्ती के लिए आई कम्पनियों की संख्या : 24

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- उद्यमशीलता प्रकोष्ठ और एनेक्टस की संयुक्त पहल, उद्यमशीलता समिति, जो परिसर में उद्यमशीलता और सामाजिक प्रभाव को बढ़ावा देने वाली प्रमुख संस्थाएं हैं, कई सामाजिक पहलों का नेतृत्व कर रही है, जिनमें सना (मासिक धर्म शिक्षा के साथ वंचित महिलाओं को सशक्त बनाना), तहारत (डिटर्जेंट उद्योग में क्रांति लाने के लिए अनानास के कचरे का उपयोग करना) और करित्री (सामुदायिक सशक्तीकरण को बढ़ावा देते हुए पारंपरिक कला रूपों को संरक्षित करना) शामिल हैं।
- 26 जुलाई, 2024 को एनसीसी इकाई वृक्षारोपण अभियान।
- एनसीसी इकाई ने 24 सितंबर, 2024 को विश्व नदी दिवस का आयोजन किया।
- एनएसएस इकाई ने 25 अक्तूबर, 2024 को अंग दान महा दान" (अंग दान) का आयोजन किया।

- एनएसएस इकाई ने 24 नवंबर, 2024 को रोगाणुरोधी प्रतिरोध पर नुक्कड़ नाटक और 29 जनवरी, 2025. से 19 फरवरी, 2025 तक क्षय रोग पर जागरूकता अभियान का आयोजन किया।
- एनएसएस इकाई ने 16 जनवरी, 2025 को कैनकिड्स का फील्ड विजिट आयोजित किया।
- एनएसएस इकाई द्वारा 25 नवंबर 2024 को संविधान दिवस पर पदयात्रा का आयोजन।
- एनएसएस इकाई ने 3 अक्तूबर, 2024 को "मानव स्वास्थ्य पर पोषण के महत्व" और 21 अक्तूबर, 2024. को "स्वास्थ्य और फिटनेस" के लिए जागरूकता फैलाने के लिए एक मानव श्रृंखला बनाई।
- एनएसएस इकाई 23 सितंबर, 2024 से 28 सितंबर, 2024 तक महाविद्यालय परिसर स्वच्छता अभियान और 2 अक्तूबर, 2024 को स्वच्छता दिवस मनाएगी।
- एनएसएस इकाई एकल उपयोग प्लास्टिक बैग के उपयोग को कम करने के लिए 1 अक्तूबर, 2024 को कपड़े के बैग वितरण अभियान चलाएगी।
- एनएसएस इकाई ने 19 मार्च, 2025 को सैनिटरी पैड वितरण और जागरूकता अभियान का आयोजन किया।

पुस्तकालय विकास

शिवाजी महाविद्यालय पुस्तकालय (भूषण ग्रंथालय) कोहा सॉफ्टवेयर का उपयोग करके पूरी तरह से स्वचालित है और आरएफआईडी तकनीक से लैस है, जिससे उपयोगकर्ता स्वयं पुस्तकें जारी कर सकते हैं और वापस कर सकते हैं और कैंपस ओपीएसी के माध्यम से शीर्षक खोज सकते हैं। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में, पुस्तकालय ने 1,386 नई पुस्तकों को जोड़कर अपने संग्रह का विस्तार किया, जिससे कुल पुस्तकों की संख्या 83,983 और विषय-संबंधित 744 सीडी हो गई। वर्तमान में, पुस्तकालय 7 पत्रिकाओं, 18 पत्रिकाओं और 15 समाचार पत्रों का ग्राहक है, जिनमें से कई की कई प्रतियाँ शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने और उपयोगकर्ताओं को वर्तमान घटनाक्रमों से अवगत रखने के लिए उपलब्ध हैं। पुस्तकालय परिसर में और दिल्ली विश्वविद्यालय ई-पुस्तकालय, एनएलआईएसटी, डेलनेट और ओएनओएस के माध्यम से दूरस्थ रूप से कई इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों तक मुफ्त पहुँच प्रदान करता है। दिव्यांग उपयोगकर्ताओं की सहायता के लिए, पुस्तकालय में 304 ब्रेल पुस्तकें और 33 सीडी, 9 आईपॉड और 33 एंजेल्स ऑडियो प्लेयर उपलब्ध हैं, जो शैक्षिक सामग्री और सेवाओं तक समावेशी पहुँच सुनिश्चित करते हैं। पुस्तकालय में छत्रपति शिवाजी महाराज पर पुस्तकों के लिए समर्पित एक नया खंड भी है।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	: 25
एसोसिएट प्रोफेसर	: 42
सहायक प्रोफेसर	: 110

तदर्थ	: 2
अतिथि	: 21
कुल	**: 200**

उपयोगित निधियां (₹ करोड़ में): ₹ 79.97

आवंटित निधियां (₹ करोड़ में) : ₹ 24.00

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

महाविद्यालय ने वर्ष के दौरान कई अवसंरचनात्मक उन्नयन और विकास में उल्लेखनीय प्रगति की है। जीजाबाई शैक्षणिक ब्लॉक में जैव रसायन, रसायन-विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान विभागों को नवीनतम अत्याधुनिक कंप्यूटरों के साथ नई प्रयोगशालाएँ सौंपी गईं और प्राणि-विज्ञान विभाग को भी। एक नए वॉलीबॉल कोर्ट के साथ खेल के बुनियादी ढांचे को बढ़ाया गया है और हमारे छात्रों के लिए सर्वोत्तम सुविधाएँ सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण नवीनीकरण भी पूरे किए गए हैं। आईटी अवसंरचना में कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए। दस नए वाई-फाई राउटर स्थापित किए गए और जीजाबाई ब्लॉक की दूसरी और तीसरी मंजिल पर लैन कनेक्टिविटी भी सक्षम की गई, जिससे पूरे परिसर में बेहतर इंटरनेट पहुँच सुनिश्चित हुई। इसके अतिरिक्त, कक्षाओं को आईसीटी-सक्षम बनाने के लिए कई प्रोजेक्टर और 10 नई स्क्रीन लगाई गईं। इक्कीस नए कंप्यूटर लगाए जाने की प्रक्रिया में हैं। शिवाजी महाविद्यालय ने एमएच-एमएमटीटीसी के सहयोग से यूजीसी करियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत एक ऑनलाइन एनईपी ओरिएंटेशन प्रोग्राम और आईआईटी बॉम्बे के स्पोकन ट्यूटोरियल के साथ मूडल एलएमएस पर एक सप्ताह का राष्ट्रीय स्तर का एफडीपी आयोजित किया। शिवाजी महाविद्यालय एलुमनाई एसोसिएशन (एससीएए) को आधिकारिक तौर पर 17 सितंबर, 2024 को सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के तहत पंजीकृत किया गया।

****

श्री राम वाणिज्य महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

- मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, श्री राम वाणिज्य महाविद्यालय (एमएमटीटीसी, एसआरसीसी) की स्थापना 2024 में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी) के अंतर्गत संकाय सदस्यों, प्रशासन और शोधार्थियों के प्रशिक्षण एवं विकास हेतु की गई थी। अपने उद्घाटन वर्ष में, एमएमटीटीसी, एसआरसीसी ने 24 राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रमों, 2 संकाय प्रेरण कार्यक्रमों (गुरु दक्षिता), 5 अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों (एसटीपी) और 5 पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों में 2021 प्रतिभागियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया है। इंडिया टुडे-एमडीआरए 2024 सर्वश्रेष्ठ महाविद्यालय, द वीक और हंसा रिसर्च सर्वश्रेष्ठ महाविद्यालय सर्वेक्षण 2024,

और आउटलुक-आईकेयर सर्वश्रेष्ठ महाविद्यालय सर्वेक्षण 2024 जैसे प्रतिष्ठित सर्वेक्षणों में वाणिज्य शिक्षा में सर्वश्रेष्ठ महाविद्यालय का दर्जा प्राप्त।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

- प्रो. सिमरित कौर: शिक्षा के प्रचार-प्रसार में उत्कृष्ट योगदान के लिए राजस्थान रत्नाकर द्वारा प्रदान किया गया श्री भगवान दास मोरीजा वाला मेमोरियल पुरस्कार प्राप्त किया और 8 सितंबर, 2024 को केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री माननीय श्री गजेंद्र सिंह शेखावत द्वारा प्रदान किया गया।
- प्रो. संतोष कुमारी:

- वीनस इंटरनेशनल फाउंडेशन द्वारा 10वें महिला पुरस्कार-VIWA 2025 में शैक्षिक नेतृत्व में उत्कृष्ट महिला शोधकर्ता का पुरस्कार दिया गया
- 22 नवंबर 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ शिक्षक का पुरस्कार दिया जाएगा।

छात्र

- बैच 2021-2024 के लिए बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र के छात्र संगीत जे प्रमोद को बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र के लिए विश्वविद्यालय टॉपर और स्वर्ण पदक विजेता होने के लिए विद्यावती और सोहन लाल नैयर स्वर्ण पदक के साथ-साथ रानाडे पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- बी.कॉम. (ऑनर्स) बैच 2021-24 के छात्र आदित्य यादव को शारीरिक रूप से विकलांग वाणिज्य छात्र 2023-24 के लिए माननीय कुलपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन (शोध लेख)

- अरोड़ा, एच., और वराह, एफ. (2025). ऊर्जा-कुशल उपकरणों को अपनाने के लिए उपभोक्ताओं की मंशा: प्रौद्योगिकी स्वीकृति मॉडल और नियोजित व्यवहार के सिद्धांत का एकीकरण। ऊर्जा दक्षता, 18(11). doi:https://doi.org/10.1007/s12053-025-10298-1
- हुड्डा, ए., जैन, आर., और झा, ए. (2024). मोबाइल फ़ोन स्थान-आधारित विज्ञापन (एमएलबी.ए.): उद्भव, आधार और भविष्य का शोध एजेंडा। बहु-विषयक समीक्षाएँ, 7(11) doi:https://doi.org/10.31893/ multirev.2024276
- कौर, एस., और सरना, के.के. (2024). भारत में असुरक्षित वाश के स्वास्थ्य जोखिमों का आकलन: एक व्यवस्थित समीक्षा और नीति पर इसके प्रभाव। डेमोग्राफी इंडिया, 53(2), 122-146

- कौर, एस., और सरना, के.के. (2024). भारतीय घरों में पेट संबंधी बीमारियों पर वाश प्रथाओं का प्रभाव: एक सार्वजनिक नीति परिप्रेक्ष्य। अर्थशास्त्र, भारतीय अर्थशास्त्र एवं अनुसंधान जर्नल, 13(4), 8-26
- कुमार, एस., कुमार, वी., और देवी, एन. (2024). डिजिटल साक्षरता: ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक मार्ग. वैश्विक ज्ञान, स्मृति और संचार. https://doi.org/10.1108/gkmc-08-2023-0295
- सिंह, पी., सिंह, वी.के., और कनौजिया, ए. (2024). वेब ऑफ साइंस, स्कोपस और आयामों में प्रकाशन मेटाडेटा क्षेत्रों की खोज: साइंटोमेट्रिक विश्लेषण की संभावनाएँ और आसानी। जर्नल ऑफ साइंटोमेट्रिक रिसर्च, 13(3), 715-731 https://doi.org/10.5530/jscires.20041144

प्रकाशन (पुस्तकें/पुस्तक में अध्याय)

पुस्तकें

झा, ए., और भाटिया, ए.वी. (2024). *ऑडिटिंग.* नई दिल्ली: टैक्समैन्स पब्लिकेशन्स.

झा, ए., और भाटिया, ए.वी. (2024). *कॉर्पोरेट गवर्नेंस.* नई दिल्ली: टैक्समैन्स पब्लिकेशन.

झा, ए., और भाटिया, ए.वी. (2024). *लेखापरीक्षा के तत्व।* दिल्ली: टैक्समैन्स पब्लिकेशन।

कुमार, ए. (2024). *टैली प्राइम के साथ कम्प्यूटरीकृत लेखा प्रणाली.* दिल्ली: सिंघल पब्लिकेशन.

वराह, एफ. (2024). *पर्यावरण मनोविज्ञान.* दिल्ली: अकादमिक प्रकाशन.

वराह, एफ. (2024). *भारतीय राष्ट्रीयता के संदर्भ में पूर्वोत्तर क्षेत्र.* दिल्ली: अकादमिक प्रकाशन.

पुस्तक में अध्याय

छोकर, वी. (2024). भारत में वित्तीय साक्षरता। जी. गुप्ता और ए. कलसी, *आधुनिक युग में विपणन और वित्त।* दिल्ली: नई दिल्ली प्रकाशक।

चौधरी, पी.के., और कुमार, ए. (2024). भारत में शिक्षक शिक्षा का वित्तपोषण। पी. पांडा, *भारत में शिक्षक शिक्षा परिदृश्य, शासन और गुणवत्ता प्रबंधन* (पृष्ठ 20)। दिल्ली: रूटलेज इंडिया।

कुमार, एस., कुमार, वी., देवी, एन., और भट्ट, आई.के. (2024). पर्यटन और आतिथ्य उद्योग पर मेटावर्स का प्रभाव। एम. वैलेरी और ए. अल्बाटैट, *मेटावर्स और पर्यटन के आभासी वास्तविकता पर पुनर्विचार के निहितार्थ* (पृष्ठ 15) में। लंदन: रूटलेज।

कुमारी, एम., कुमार, एस., और देवी, एन. (2024). आतिथ्य व्यवसाय मॉडल पर सेवा स्वचालन और रोबोटिक्स का प्रभाव। ज़ेड. हुसैन, ए. खान, एम.यू. मजीद, और ए. अलबत्तात, *एसएमई में मेटावर्स और सतत व्यवसाय मॉडल* (पृष्ठ 317-338)। दिल्ली: आईजीआई ग्लोबल।

मलिक, एस., सिंह, आर., और एहिगियामुसो, जी. (2024). एमएसएमई के लिए फिनटेक और निवेशक के रूप में उनके रिटर्न को बेहतर बनाने में एमएसएमई के लिए वित्तीय शिक्षा की भूमिका। आर. गोयल, वी. गर्ग, और एम. फ्लोरिस, *बिज़नेस और फ़ाइनेंस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अनुप्रयोग 5.0* (पृष्ठ 19) में। न्यूयॉर्क: एप्पल एकेडमिक प्रेस।

अनुसंधान परियोजनाएँ

- भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR), डॉ. अभय जैन, डॉ. शिखा गुप्ता और डॉ. शिवांगी कौशिक, वित्तीय, आर्थिक और विपणन निर्णय लेने का तंत्रिका आधार: एक प्रायोगिक अध्ययन, 17,50,000

आयोजित संगोष्ठियां

- श्री राम वाणिज्य महाविद्यालय के ग्लोबल बिजनेस ऑपरेशंस (जीबीओ) प्रोग्राम ने 27 फरवरी से 1 मार्च, 2025 तक अपने प्रमुख वार्षिक प्रबंधन सम्मेलन, युगांतर 2025 के तीसरे संस्करण का आयोजन किया। वैश्विक दृष्टिकोण, स्थानीय प्रभाव-भविष्य के लिए व्यवसाय का पुनर्निर्धारण, इस सम्मेलन का मुख्य विषय शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों, उद्यमियों और छात्रों के बीच संवाद के लिए एक गतिशील मंच के रूप में कार्य किया। इसमें विचारोत्तेजक पैनल चर्चाएँ, प्रतिस्पर्धी कार्यक्रम, विशेषज्ञ सत्र, प्रदर्शनियाँ और सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ शामिल थीं, जो रणनीतिक अंतर्दृष्टि और अनुभवात्मक शिक्षा को एक साथ जोड़ती थीं।
- 05 नवंबर, 2024 को 'अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय अनुसंधान विश्लेषक' (आईएफआरए) कार्यक्रम पर संगोष्ठी/चर्चा श्री ऋषि मेहरा, कंट्री हेड, आईएफआरए हेड, भारत द्वारा दी गई।
- 18 मार्च, 2025 को ईएडीए बिजनेस स्कूल, स्पेन के डीन और महानिदेशक डॉ. जोर्डी डियाज़ द्वारा 'विघटनकारी नवाचार' पर संगोष्ठी/वार्ता दी गई।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

वर्ष 2024-25 के दौरान, कैलिफ़ोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे अल्पकालिक विसर्जन कार्यक्रमों, संयुक्त अनुसंधान और संकाय-नेतृत्व वाले संगोष्ठियों के लिए रास्ते खुलेंगे। यूके के एक्सेटर विश्वविद्यालय के साथ भी एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जो एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो जलवायु वित्त, अर्थशास्त्र और सतत व्यावसायिक प्रथाओं के क्षेत्रों में सहयोगात्मक अनुसंधान और आदान-प्रदान को सक्षम बनाता है।

एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत छात्र

- गेडू महाविद्यालय ऑफ बिजनेस स्टडीज, रॉयल यूनिवर्सिटी ऑफ भूटान, भूटान के साथ जारी शैक्षणिक सहयोग के एक हिस्से के रूप में, श्री राम महाविद्यालय ऑफ महाविद्यालय के छात्रों ने 21-26 अक्तूबर, 2024 तक एक सप्ताह तक चलने वाले गेडू बिजनेस लिटरेरी फेस्टिवल

प्रोग्राम में भाग लिया। कार्यक्रम के माध्यम से, छात्रों ने एक वित्तीय रूप से साक्षर समुदाय का निर्माण करना सीखा जो स्थायी उद्यमिता को बढ़ावा देता है।

- मार्च 2025 के महीने में, अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम कार्यालय (ओआईपी), एसआरसीसी और जॉर्ज मेसन यूनिवर्सिटी-कॉस्टेलो महाविद्यालय ऑफ बिजनेस ने "स्थानीय से वैश्विक तक: भारत के बिजनेस डीएनए को समझना" विषय पर एक सप्ताह का भारत-अमेरिका सहयोगात्मक कार्यक्रम आयोजित किया।
- इस कार्यक्रम के दौरान, दोनों संस्थानों के छात्रों और संकाय सदस्यों ने विचारों, परियोजनाओं, अतिथि व्याख्यानों और औद्योगिक एवं ऐतिहासिक स्थलों के भ्रमण के लिए सांस्कृतिक आदान-प्रदान में सहयोग किया।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

यूजी के लिए 446 (40%) और पीजी के लिए 60 (75%) (नियोजन सीजन अभी भी जारी है)

कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या

यूजी के लिए 60 और पीजी के लिए 66 (नियोजन सीजन अभी भी जारी है)

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- आईसीएलएस अकादमी, भारतीय कॉर्पोरेट मामलों के संस्थान, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार के साथ समझौता-ज्ञापन के तहत आईसीएलएस अकादमी में भारतीय कॉर्पोरेट कानून सेवा (आईसीएलएस) के नवनियुक्त अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम
- आरबीआई अकादमी दिल्ली में आरबीआई ग्रेड बी अधिकारियों के लिए एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम
- कनेक्टिंग ड्रीम फाउंडेशन (सीडीएफ-एसआरसीसी चैप्टर): प्रोजेक्ट आरोग्य, प्रोजेक्ट अर्पण, प्रोजेक्ट ड्रीम पुस्तकालय, प्रोजेक्ट रिवायत
- राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) एसआरसीसी: प्रोजेक्ट संस्कार, प्रोजेक्ट विश्वास, अंगदान
- ENACTUS, SRCC चैप्टर: प्रोजेक्ट विरासत, प्रोजेक्ट लहर, प्रोजेक्ट अमल
- ग्रीन इनिशिएटिव्स सेंटर, सीजीआई एसआरसीसी: लंग केयर फाउंडेशन, वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड के साथ सहयोग
- विट्ठशाला, एसआरसीसी: प्रोजेक्ट आशा, प्रोजेक्ट सहाय, प्रोजेक्ट उम्मीद, प्रोजेक्ट खुशहाली, प्रोजेक्ट उत्तरा, प्रोजेक्ट सशक्त, प्रोजेक्ट समर्थ, प्रोजेक्ट उत्थान, प्रोजेक्ट पहल

पुस्तकालय विकास

- महाविद्यालय पुस्तकालय आईटी डेटाबेस और सॉफ्टवेयर का उन्नयन
- अनुसंधान सॉफ्टवेयर पीएलएस को एसआरसीसी पुस्तकालय के संग्रह में जोड़ा गया

संकाय संख्या

प्रोफेसर	: 13
एसोसिएट प्रोफेसर	: 33
सहायक प्रोफेसर	: 75
अतिथि	: 60
कुल	**:** 181

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित अनुदान	: ₹ 36.31/-
उपयोगित अनुदान	: ₹ 36.31/-

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

21-23 फरवरी, 2025 तक दिल्ली विश्वविद्यालय साहित्य महोत्सव 2025 की मेजबानी

****

श्याम लाल महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

श्याम लाल महाविद्यालय (एसएलसी) ने दूसरे चक्र में एनएएसी से A++ मान्यता प्राप्त करते हुए महत्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त की हैं। महाविद्यालय इनोवेशन काउंसिल को भी मिनिस्ट्री ऑफ इनोवेशन एंड एजुकेशन, MOE द्वारा 3 स्टार से सम्मानित किया गया। महाविद्यालय के पास ICSSR, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् और MOE जैसी एजेंसियों से 11 प्रमुख शोध परियोजनाएं हैं, जिनका कुल अनुदान ₹ 1,27,00,00/- से अधिक है। महाविद्यालय ने चार प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों, चार राष्ट्रीय कार्यशालाओं और छात्रों और कार्मिक सदस्यों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया है। महाविद्यालय ने आईआईटी दिल्ली और आईयूएसी नई दिल्ली जैसे प्रीमियम संस्थानों के सहयोग से छात्रों के बीच अनुसंधान के माहौल और कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए सेमीकंडक्टर्स पर राष्ट्रीय समर स्कूल का सफलतापूर्वक आयोजन भी किया है। एसएलसी ने स्कोपस, वेब ऑफ साइंस, एससीआई और यूजीसी केयर लिस्टेड पत्रिकाओं, पुस्तकों और पुस्तक अध्यायों में 100 से अधिक प्रकाशन के साथ अनुसंधान में भी उत्कृष्टता प्राप्त की एसएलसी, राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय के जर्मनिक्स एवं रोमांस अध्ययन विभाग और पूर्वी एशियाई अध्ययन विभाग के सहयोग से छात्रों के बीच कौशल विकास और विदेशी भाषाओं के लिए 9 डिप्लोमा, प्रमाणपत्र और अतिरिक्त पाठ्यक्रम संचालित करता है। एसएलसी ने प्रधानमंत्री की 'प्लांट4मदर' पहल और पर्यावरण मंत्रालय के साथ मिलकर 'प्लांट फॉर मदर' अभियान का भी आयोजन किया।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

- श्री वी.एस. जग्गी, शारीरिक शिक्षा विभाग को खेल एवं शिक्षा परिषद द्वारा खेलों में 6वां डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम राष्ट्रीय समर्पण पुरस्कार 2025 प्रदान किया गया।
- प्रोफेसर कुशा तिवारी, अंग्रेजी विभाग, वर्तमान में बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर (केंद्रीय) विश्वविद्यालय, लखनऊ में 2022 से विजिटर नॉमिनी के रूप में कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त, उन्हें मानव रचना अंतर्राष्ट्रीय शोध एवं अध्ययन संस्थान की वित्त समिति में यूजीसी नॉमिनी नियुक्त किया गया है। वे यूजीसी-एलओसीएफ समिति में अंग्रेजी विषय की विशेषज्ञ भी हैं।
- एसएलसी के प्राचार्य, प्रो. रबी नारायण कर, वर्तमान में ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विजिटर के नामिती के रूप में कार्यरत हैं। वे भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद और एनआईईपीए में सीपीआरएचई की कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में भी कार्यरत हैं। वे अमेरिका के जॉर्जिया टेक स्थित शेलर महाविद्यालय ऑफ बिजनेस के अंतर्राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (सीआईबीईआर) में प्रतिष्ठित संकाय फेलो भी हैं। प्रो. कर यूजीसी-एलओसीएफ समिति के सदस्य भी हैं।

छात्र

- बी.एससी. (ऑनर्स) गणित (तृतीय वर्ष) के छात्र राहुल शर्मा ने फर्जी निवेशक प्रतियोगिता, आईआईटी बी.ए.चयू में प्रथम पुरस्कार जीता
- बी.एससी. (भौतिकी विज्ञान रसायन) (द्वितीय वर्ष) के छात्र अभिषेक ने ई-कैनवस प्रतियोगिता, एनआईईएलआईटी दिल्ली में द्वितीय पुरस्कार जीता।
- अभिनाश दास, स्वप्निल सिंह और अंशिका कुमारी को उनकी प्रस्तुति "समस्या सी: सिमियोड में एक विशालकाय जानवर के विरुद्ध खड़े होना" के लिए मेरिटोरियस पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- विनीत कुमार सिंह, तनिष्का शर्मा और रिशव मावी ने सिमियोड में समस्या ए: स्वीट टूथ और हेवी मेटल के लिए मेरिटोरियस पुरस्कार जीता।
- विनीत कुमार सिंह ने अंतर्राष्ट्रीय युवा गणित चुनौती के 2024 के अंतिम दौर में सफलतापूर्वक भाग लेने के लिए कांस्य सम्मान जीता।
- अभिनाश दास ने 2024 के फाइनल राउंड में गोल्ड ऑनर जीता। अंतर्राष्ट्रीय युवा गणित चुनौती में।
- कमलदीप भट्ट ने 2024 के फाइनल राउंड में सिल्वर ऑनर जीता। अंतर्राष्ट्रीय युवा गणित चुनौती में।
- नताशा चौहान ने ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता, दौलत राम महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, 19 फरवरी, 2025.

- लक्ष्य कांत ने व्हिस्पर्स एंड वंडर्स- कविता प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, 28 फरवरी, 2025.
- ज्योति शर्मा ने ऑन-द-स्पॉट पेंटिंग प्रतियोगिताओं में तीसरा पुरस्कार जीता, दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय, डीयू, 6 मार्च, 2025.
- बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) के छात्र विशाल ने सीनियर नेशनल बेसबॉल चैंपियनशिप, संगरूर, पंजाब, 2024-2025 में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- बी.ए. (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) के छात्र नवीन बिधूड़ी को सीनियर राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप, चेन्नई, 2024-2025 में भाग लेने के लिए दिल्ली हॉकी टीम के लिए चुना गया।
- प्रियांशु रावत, बी.ए. (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) के छात्र, जूनियर राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप, जालंधर, पंजाब, 2024-2025 में भाग लेने के लिए दिल्ली हॉकी टीम के लिए चयनित

प्रकाशन (पुस्तकें/पुस्तक में अध्याय)

पुस्तकें

अत्री, ए.के., और यादव, एस.के. (2025). विभेदक ज्यामिति. विज़डम प्रेस.

बोध, आर., प्रसाद, आर., और कुमार, वी. (2024). कंप्यूटर विज्ञान के लिए पृथक गणित। उदिति प्रकाशन इंटरनेशनल।

गर्ग, एम., मीना, पी.एल., साधु, एस.डी., और आलम, टी. (2025). पैकेजिंग तकनीकें: प्रोटोकॉल श्रृंखला (खंड 06). एनआईपीए, जेनएक्स इलेक्ट्रॉनिक रिसोर्सेज एंड सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड.

कर, आरएन (2024). एनईपी 2020: वाणिज्य एवं व्यवसाय में पाठ्यक्रम और विषय-वस्तु के लिए अंतर्दृष्टि। रिसर्च इंडिया प्रेस के सहयोग से वीबीयूएसएस, आईएसबी.ए.न: 978-81-971796-2-4।

कुमार, ए., पुरी, ए., बाशा, एस.एफ., और साहू, एस.सी. (2024). विश्लेषणात्मक रसायन-विज्ञान और इंस्ट्रूमेंटेशन। जाह्नविका टेक्नोलॉजीज़ पब्लिशिंग हाउस।

सिंह, एस. (2024). पॉसबिस्ट विश्वसनीयता सिद्धांत और उसके अनुप्रयोगों पर अध्ययन. स्कॉलर्स प्रेस.

तिवारी, के. (2025)। एनईपी 2020: अंग्रेजी में पाठ्यक्रम और सामग्री के लिए अंतर्दृष्टि। विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान और पाठक प्रकाशक और वितरक।

तिवारी, के. (2024). भारतीय ज्ञान परम्परा: विमर्श और परंपराएँ. दिल्ली: रिसर्च इंडिया प्रेस.

वर्मा, आर., और दलाल, वी. (2025). मीट्रिक स्पेस का परिचय. नरोसा पब्लिशिंग हाउस.

पुस्तकों के अध्याय

डाका, एन. (2025). पहाड़ियों में जीवन: रस्किन बॉन्ड के चुनिंदा लेखों का एक पर्यावरण-आलोचनात्मक अध्ययन। एन.के. सिंह और एस. मित्तल (संपादक), *हिमालय: दुनिया की प्रसिद्ध, फिर भी नाज़ुक छत।* आकार बुक्स। आईएसबी.ए.न: 978-93-5002-892-6।

गुप्ता, बी., और गुगलानी, एस. (2024). आधुनिक कैलकुलस अनुप्रयोगों के लिए वैदिक गणित का पुनरुद्धार। के. तिवारी (सं.), *भारतीय ज्ञान परंपरा: प्रवचन और परंपराएँ* (पृष्ठ 30-48)। रिसर्च इंडिया प्रेस।

हसन, एफ., कुमार, वी., और निषाद, ए.के. (2024). नेटवर्क प्रणालियों के लिए डिजिटल ट्विन्स तकनीक के साथ वाहन संचार का एकीकरण। *आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सूचना प्रौद्योगिकी में* (पृष्ठ 1-7)। सीआरसी प्रेस। https://doi.org/10.1201/9781032700502-1

जैन, एम. (2024). वस्त्र और परिधानों पर ध्यान केंद्रित करते हुए बांग्लादेश के अनौपचारिक विनिर्माण क्षेत्र का विश्लेषण। एम.के. पाल और पी. दास (सं.), *अनौपचारिक विनिर्माण और पर्यावरणीय स्थिरता* (पृष्ठ 293-304) में। एमराल्ड पब्लिशिंग लिमिटेड। https://doi.org/10.1108/978-1-83549-998-620241021

कुंभार, एस. (2024). भारत की जी-20 अध्यक्षता: भारतीय सभ्यतागत मूल्यों के माध्यम से वैश्विक समाधानों की कल्पना। ए. द्विवेदी (सं.), *जी-20 में भारत की बढ़ती भूमिका, अवसर और चुनौतियाँ* (पृष्ठ 74-95)। डीपीएस पब्लिशिंग हाउस। आईएसबी.ए.न: 978-81-972860-3-2।

कुरियाकोस, एस., और मोंगा, वाई. (2024). एआई प्रणालियों को अनुकूलित करने के लिए नियामक ढाँचा और मानक: एआई और पर्यावरण नीतियों के बीच परस्पर क्रिया। एस. गुलाटी (सं.), *अपशिष्ट जल उपचार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का अनुप्रयोग* (पृष्ठ 265-279)। स्प्रिंगर। https://doi.org/10.1007/978-3-031-69433-2_11

शर्मा, डी., और गुगलानी, एस. (2024). प्राचीन भारतीय परंपरा: समकालीन भारत में रामायण और महाभारत की प्रासंगिकता। के. तिवारी (सं.), *भारतीय ज्ञान परंपरा: प्रवचन और परंपराएँ* (पृष्ठ 76-89)। रिसर्च इंडिया प्रेस।

संपादित पुस्तक

- कुमार, वी., मित्तल, एम., और कुमारी, ए. (2024). *निर्णय लेने और सूचना सुरक्षा के लिए अनुकूलन तकनीकें.* बेन्थम साइंस पब्लिशर्स. https://doi.org/10.2174/9789815196320124010 1

जर्नल लेख

- अग्रवाल, एन. (2024). सौर फोटोवोल्टिक प्रणालियों में इलेक्ट्रॉनिक विनियमन: प्रकार, कार्यक्षमता और डिज़ाइन पहलू। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग रिसर्च एंड एप्लीकेशन,* 14(7), 163-167. https://doi.org/10.9790/9622-1407163167

- अग्रवाल, एन. (2025). मौसमी बदलाव और आंशिक छायांकित परिस्थितियों के संयुक्त प्रभाव में पारंपरिक और संशोधित सौर फोटोवोल्टिक सरणी विन्यास का प्रदर्शन. *जर्नल ऑफ एनर्जी सिस्टम्स,* 9(1), 52-67. https://doi.org/10.30521/jes.1523575
- अग्रवाल, एन., (2025) लैम्बर्ट डब्ल्यू फ़ंक्शन आधारित तकनीक आंशिक रूप से छायांकित श्रृंखला-समानांतर और कुल-क्रॉस-टाईड कॉन्फ़िगर पीवी सरणी के प्रदर्शन का अनुमान लगाने और तुलना करने के लिए।" *नवीकरणीय ऊर्जा अनुसंधान और अनुप्रयोग,* 6(1), 61-73। https://doi.org/10.22044/rera.2024.13624.1251
- अरोड़ा, आर., चहल, वी., इस्सर, यू., नागपाल, एम., वशिष्ठ, वी.के., और मित्तल, ए. (2024). विषैले Hg(II) आयन के लिए फ्लोरोसेंट सेंसर और कलरिमेट्रिक सेंसर के रूप में नैनोमटेरियल: एक समीक्षा. *आयनिक्स.* https://doi.org/10.1007/s11581-024-05757-1
- दास, पी., गुप्ता, वी., ढींगरा, एस., अरोड़ा, आर., कटारिया, पी., और कुमार, ए. (2024). ट्वीट्स का उपयोग करके अपराध दर का अनुमान लगाने और वर्गीकृत करने के लिए एक गहन शिक्षण मॉडल। *जर्नल ऑफ डिस्क्रीट मैथमेटिकल साइंसेज एंड क्रिप्टोग्राफी,* 27(8), 2255-2271। https://doi.org/10.47974/jdmsc-1822
- इंट्रामोलिक्युलर ऑक्सीडेटिव C–H बॉन्ड एमिनेशन के माध्यम से बेंज़ोफ्यूरो[3,2- *b]इंडोल ढांचे* का कॉपर-उत्प्रेरित संश्लेषण। *एशियन जर्नल ऑफ ऑर्गेनिक केमिस्ट्री।* https://doi.org/10.1002/ajoc.202400702
- गुप्ता, ए., गुप्ता, आर., और शर्मा, आर.के. (2025)। एरियोक्रोम साइनाइन आर ने एम्बरलाइट XAD-2 को स्थिर करके Fe(III) के कुशल पृथक्करण और पूर्व-सांद्रण का कार्य किया। *करेंट एनालिटिकल केमिस्ट्री, 21*। https://doi.org/10.2174/0115734110360802250117054416
- हसन, एफ., कुमार, वी., निषाद, ए.के., और कुमारी, ए. (2024). ब्लॉकचेन का उपयोग करके क्लाउड-आधारित डिजिटल ट्विन वातावरण के लिए गोपनीयता-संरक्षण संचार योजना का डिज़ाइन।
- हसन, एफ., कुमार, वी., निषाद, ए.के., शर्मा, एम.के., और दास, पी. (2025)। ईसीसी का उपयोग करके स्वायत्त वाहन और डिजिटल ट्विन के लिए एक उपयुक्त कुंजी समझौता प्रोटोकॉल। *जर्नल ऑफ डिस्क्रीट मैथमेटिकल साइंसेज एंड क्रिप्टोग्राफी,* 28(1), 217-237। https://doi.org/10.47974/jdmsc-2140
- हसन, एफ., कुमार, वी., निषाद, ए.के., शर्मा, एम.के., और दास, पी. (2025)। ईसीसी का उपयोग करके स्वायत्त वाहन और डिजिटल ट्विन के लिए एक उपयुक्त कुंजी समझौता प्रोटोकॉल। *जर्नल ऑफ डिस्क्रीट मैथमेटिकल साइंसेज एंड क्रिप्टोग्राफी,* 28(1), 217-237। https://doi.org/10.47974/jdmsc-2140
- *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन,* 186(42), 1-6. https://doi.org/10.5120/ijca2024924022

- जैन, एन. (2024). वित्तीय गणित में अरैखिक समीकरणों को हल करने के लिए टोपोलॉजिकल विधियाँ। *एप्लाइड अरैखिक विश्लेषण पर संचार,* 31(2s), 113-117. https://doi.org/10.52783/cana.v31.602
- कलिता, आर., कुमार, ए., गुप्ता, पी., राणा, बी., सरदार, बी., चौहान, एम., … मन्ना, के. (2025)
- कलिता, आर., मोंगा, वाई., और मन्ना, के. (2025). बाइपिरिडाइल धातु-कार्बनिक ढाँचे द्वारा समर्थित कोबाल्ट उत्प्रेरक द्वारा एनिलिन व्युत्पन्नों का एन-एल्किलीकरण। न्यू जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 49(6), 2071-2078. https://doi.org/10.1039/d4nj04561k
- कर, आरएन, तिवारी, के., और भंडारी, वी. (2024). पीएमजेडीवाई के मानवीय दृष्टिकोण को उजागर करना: राजस्थान और मध्य प्रदेश से साक्ष्य। *इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजिकल साइंस,* 18(1), 197-218। https://doi-ds.org/doilink/04.2024-16528667/IJPS/NAPS/January/2024/Vol.18(1)/गुंजन
- कुमार, आर., गोयल, ए., और सिंह, एन. (2024). एनआईआई में बादल से ज़मीन तक बिजली की तीव्रता और सक्रिय गैलेक्टिक नाभिक निषिद्ध नीहारिका रेखाओं के फ्लक्स अनुपात का विश्लेषण। *इंडियन जर्नल ऑफ फिजिक्स और इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टिवेशन ऑफ साइंस की कार्यवाही*/ https://doi.org/10.1007/s12648-024-03288-z
- कुमार, एस., हरि प्रताप, कुमार, एम., सिंह, जी., और नीति अग्रवाल (2024). प्रतिबंधित कुंजी त्रुटियों का पता लगाना और उनका स्थान निर्धारण। *जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल एनालिसिस एंड एप्लीकेशन (JoCAAA), 33* (2), 955-962। https://eudoxuspress.com/index.php/pub/article/view/1570
- कुमारी, डी., (2024) एक तरफ संकट, दूसरी तरफ अवसर: श्रीलंकाई संकट भारतीय चाय और कपड़ा निर्यात में उछाल। *साउथ एशियन जर्नल ऑफ मैनेजमेंट रिसर्च,* 14, 82-96। https://siberindia.edu.in/journals/SAJMR/Paper6-Nov-24.html
- कुरियाकोस, एस., और मोंगा, वाई. (2024). एआई प्रणालियों को अनुकूलित करने के लिए नियामक ढाँचा और मानक: एआई और पर्यावरण नीतियों के बीच परस्पर क्रिया। *अपशिष्ट जल उपचार में कृत्रिम बुद्धिमता का अनुप्रयोग* (पृष्ठ 265-279)। https://doi.org/10.1007/978-3-031-69433-2_11
- मीना, आर.आर., पंवार, एस., यादव, आर., और विजय, ए. (2024). प्लाज़्मा में उच्च-तीव्रता लेज़र मार्गदर्शन: आयाम मॉडुलन प्रभाव. *जर्नल ऑफ़ ऑप्टिक्स,* 53(2), 1210-1214. https://doi.org/10.1007/s12596-023-01261-
- मित्तल, ए., नागपाल, एम., शर्मा, एस., दास, डी.के., जोगेंद्र, अंकित, और वशिष्ठ, वी.के. (2024). प्राकृतिक और सर्फेक्टेंट-संशोधित जिओलाइट्स और उनके अनुप्रयोगों की एक व्यापक समीक्षा। (2024). *लेटर्स इन एप्लाइड नैनोबायोसाइंस, 13* (4), 188। https://doi.org/10.33263/lianbs134.188

- नागपाल, एम., मित्तल, ए., और विनोद (2025)। अकार्बनिक नैनोकणों के हरित संश्लेषण में बायोसर्फेक्टेंट्स का अनुप्रयोग। *बायोनैनोसाइंस, 15* (1)। https://doi.org/10.1007/s12668-024-01628-1
- नागपाल, एम., शर्मा, एन., और मित्तल, ए. (2025)। मेसोपोरस मैग्नीशियम ऑक्साइड-चिटोसन कम्पोजिट का उपयोग करके हानिकारक एनायनिक रंगों का चयनात्मक अधिशोषक निष्कासन और पृथक्करण। *हाइब्रिड एडवांसेस, 9* (100393), 100393। https://doi.org/10.1016/j.hybadv.2025.100393
- नागपाल, एम., सिद्दीकी, एम.ए., शर्मा, के., शर्मा, एन., और मित्तल, ए. (2024). कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से अपशिष्ट जल उपचार का अनुकूलन: हालिया प्रगति और भविष्य की संभावनाएँ। *जल विज्ञान और प्रौद्योगिकी,* 90(3), 731-757। https://doi.org/10.2166/wst.2024.259
- राघवेंद्र, एम. (2025) जीवाणुरोधी एजेंटों के रूप में नए ट्राइक्लोसन-लिंक्ड-1,2,3-ट्रायज़ोल स्कैफोल्ड्स का डिज़ाइन और संश्लेषण। *आर्किवोक* (5) 202512351, पृष्ठ 012, 351 https://doi.org/10.24820/ark.5550190
- रघुवंशी, के.के., कुमार, एस., कुमार, एस., और कुमार, एस. (2024). डीएनए एन्कोडिंग और सीएनएन पर आधारित इमेज एन्क्रिप्शन एल्गोरिथम। *एक्सपर्ट सिस्टम्स विद एप्लीकेशन्स,* 252, 124287। https://doi.org/10.1016/j.eswa.2024.124287
- धातु-कार्बनिक ढाँचे-सीमित मोनो-बाइपिरिडाइल आयरन (III) उत्प्रेरक द्वारा एरेन्स का रीजियोसेलेक्टिव ऑक्सीडेटिव ब्रोमीनेशन। *डाल्टन ट्रांज़ैक्शन्स* (कैम्ब्रिज, इंग्लैंड: 2003), 54(17), 6812-6821। https://doi.org/10.1039/d5dt00443h
- सैनी, के.एम., सोलंकी, के., कौशिक, बी., और राणा, पी. (2024). बिना सीमाओं के प्रकाश उत्प्रेरक: धातु-रहित हाइड्रोजन पेरोक्साइड संश्लेषण में प्रगति का आरेखण। *जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल केमिकल इंजीनियरिंग, 12* (6), 114425। https://doi.org/10.1016/j.jece.2024.114425
- शर्मा, पी.के., कछरा, सी., लैहनुना, एन., और केडिया, एस. (2024). प्राचीन और टाइटेनियम युक्त Mg2Si के प्रत्यास्थ यांत्रिक ऊष्मागतिकीय और ऊष्माविद्युत गुण: एक घनत्व कार्यात्मक सिद्धांत अध्ययन। *जर्नल ऑफ फिजिक्स। संघनित पदार्थ: एक इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स जर्नल,* 37(2), 025701। https://doi.org/10.1088/1361-648X/ad84a9
- शर्मा, एस., कुमार, टी., दास, डी.के., मित्तल, ए., वर्मा, एन., और विनोद (2025)। मिट्टी में भारी धातुओं का पादप-उपचार-अवधारणाएँ, प्रगति और भविष्य की दिशाएँ। *जर्नल ऑफ सॉइल साइंस एंड प्लांट न्यूट्रिशन, 25* (1), 1253-1280। https://doi.org/10.1007/s42729-024-02199-6
- शर्मा, एस., शर्मा, वी., मित्तल, ए., दास, डी.के., सेठी, एस., यादव, एस., वशिष्ठ, वी.के. (2024). अपशिष्ट जल और पेयजल में रेडियोधर्मी तत्व: स्रोत, प्रभाव, और विश्लेषण एवं

निष्कासन के तरीके। *जल पर्यावरण अनुसंधान: जल पर्यावरण संघ का एक शोध प्रकाशन, 96* (8), e11106। https://doi.org/10.1002/wer.11106

- शर्मा, एस.के., वीरेंद्र और कौशिक, एस.के., (2024) क्वाटरनियोनिक हिल्बर्ट स्पेस के ढांचे में रीज़ बेस पर एक नोट। *पॉइनकेयर जर्नल ऑफ़ एनालिसिस एंड एप्लीकेशन,* 11(1), 95-105। https://doi.org/10.53555/AJBR.v27i3S.3763
- तिवारी, ए., चौधरी, के., बोध, आर., और राजोरिया, वाई.के. (2024). मौजूदा विधि और नई प्रस्तावित विधियों द्वारा अधिकतमीकरण असाइनमेंट मॉडल का तुलनात्मक अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑपरेशनल रिसर्च,* 51(4), 469-490। https://doi.org/10.1504/ijor.2024.143341
- वैशाली, शर्मा, एस., भटरोला, के., इरफ़ान, ए., देवी, एन., मिश्रा, के., वशिष्ठ, वी.के. (2024). इमिडाज़ोल का हरित संश्लेषण: चुंबकीय नैनोकणों की उत्प्रेरक प्रभावकारिता। *टेट्राहेड्रोन, 167* (134246), 134246। https://doi.org/10.1016/j.tet.2024.134246
- वर्मा, आर., वर्मा, ए., दास, पी., और विशाल, सी. (2025)। जटिल पाइथागोरस फ़ज़ी वातावरण में परिवहन समस्याओं के अनुकूलन के लिए एक नया स्कोर फ़ंक्शन। नियंत्रण विज्ञान अभिलेखागार। पोलिश विज्ञान अकादमी। *स्वचालित नियंत्रण और रोबोटिक्स समिति,* 155-199। https://doi.org/10.24425/acs.2025.153962
- विनोद, शर्मा, एस., पुल्लभोटला, आर.वी.एस.आर., और मित्तल, ए. (2025). एनेंटियोसेलेक्टिव विश्लेषण और व्युत्पन्नीकरण दृष्टिकोण के माध्यम से दो β-ब्लॉकर्स का पृथक्करण। *चिरैलिटी, 37* (1), e70010. https://doi.org/10.1002/chir.70010
- यादव, ओ.एस., (2024) अम्लीय वातावरण में हल्के स्टील पर काला बांस पत्ती के अर्क के संक्षारण अवरोधन पर गुणों की जांच, *पुर्तगालिया इलेक्ट्रोकेमिका एक्टा* 44, 27-45 https://doi.org/10.4152/pea.2026440103
- यादव, आर. (2025). एफएमसीजी उद्योग में उपभोक्ता खरीद व्यवहार पर सीएसआर पहलों का प्रभाव: एक अनुभवजन्य विश्लेषण. *जर्नल ऑफ इंफॉर्मेटिक्स एजुकेशन एंड रिसर्च,* 5(2). https://doi.org/10.52783/jier.v5i2.2494

अनुसंधान परियोजनाएँ

- वाणिज्य विभाग के प्रो. रबी नारायण कर को 'भारत में वित्तीय सशक्तिकरण और आजीविका परिवर्तन में प्रधानमंत्री जन धन योजना की प्रभावशीलता: मध्य प्रदेश और राजस्थान का एक अध्ययन' नामक शोध परियोजना के लिए 14,00,000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएसएसआर द्वारा प्रदान किया गया है और सितंबर 2023 से मार्च 2024 तक की अवधि के लिए है।
- अंग्रेजी विभाग की प्रो. कुशा तिवारी को 'उच्च शिक्षा संस्थानों के लाभ के लिए आश्रमों और गुरुकुलों के महान भारतीय ज्ञान नेटवर्क की खोज और संयोजन: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अधिदेश के अनुसार एक कार्यशील मॉडल' नामक शोध परियोजना के लिए 8,00,000/- की राशि

स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएसएसआर द्वारा प्रदान किया गया है और मार्च 2023 से फरवरी 2025 तक की अवधि के लिए है।

- वाणिज्य विभाग के डॉ. वरुण भंडारी को 'सामाजिक सुरक्षा वृद्ध जनसंख्या की भूमिका: चुनिंदा भारतीय राज्यों का पीआई के रूप में एक अध्ययन' नामक शोध परियोजना के लिए 20,00,000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएसएसआर द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि सितंबर 2024 से अगस्त 2025 तक है।
- कंप्यूटर विज्ञान विभाग की डॉ. नीलम डबास को 'मेटा विश्लेषण का उपयोग करते हुए भारतीय ज्ञान प्रणाली और सामाजिक सुरक्षा के एकीकरण की अनिवार्यताएँ' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में 10,00,000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएसएसआर द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि सितंबर 2024 से अगस्त 2025 तक है।
- डॉ. राजकुमार प्रसाद, हिंदी विभाग को ' मधकायलीन ' नामक शोध परियोजना के लिए 16,00,000/- की राशि स्वीकृत की गई है। पेमयमयन मेन्म्श भयर्यी संस्, सत्य-संरचनय और लैगक अरष-संदभ् कय अध्ययन " को पीआई के रूप में रखा गया है। यह परियोजना आईसीएसएसआर द्वारा प्रदान की गई है और इसकी अवधि मार्च 2025 से फरवरी 2027 तक है।
- राजनीति-विज्ञान विभाग के डॉ. सीताराम कुंभार को 'शहरी स्थानीय निकायों का पुनरीक्षण: भारत में शहरी शासन की स्थानीय भागीदारी और चुनौतियों का एक अध्ययन' नामक शोध परियोजना के लिए 19,00,000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएसएसआर द्वारा प्राप्त किया गया है और मार्च 2025 से फरवरी 2027 तक की अवधि के लिए है।
- वाणिज्य विभाग की डॉ. रोमासा शुक्ला को 'सूक्ष्म एवं लघु उद्योग के माध्यम से जम्मू-कश्मीर की अखंडता की पुनर्स्थापना: पर्यावरण-अनुकूल एवं सतत आर्थिक विकास पर एक केन्द्रित अध्ययन' नामक शोध परियोजना के लिए सह-पीआई के रूप में 15,00,000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएसएसआर द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि दिसंबर 2023 से नवंबर 2025 तक है।
- डॉ. कविता यादव, रसायन-विज्ञान विभाग को सह-पीआई के रूप में 'योग और आयुर्वेद में साक्ष्य-आधारित शिक्षण कौशल को बढ़ावा देने और स्थापित करने हेतु एक व्यापक शोध प्रस्ताव' शीर्षक से 15,10,000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएसएसआर द्वारा प्रदान किया गया है और मार्च 2025 से फरवरी 2026 तक की अवधि के लिए है।
- राजनीति-विज्ञान विभाग के श्री विवेकानंद नर्तम को 'पूर्वी भारत में जनजातीय आबादी के स्वास्थ्य पर जीवनशैली की आदतों और आपदाओं का प्रभाव' नामक शोध परियोजना के लिए सह-पीआई के रूप में 8,00,000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएसएसआर द्वारा प्रदान किया गया है और जुलाई 2022 से जून 2024 तक की अवधि के लिए है।
- भौतिकी विभाग के डॉ. प्रदीप कुमार शर्मा को "MgAgSb, Bi2Te3 और Sb2Te3 आधारित पदार्थों के तापविद्युत गुणों पर आयन किरण विकिरण का प्रभाव" नामक शोध परियोजना के

लिए 2,00,000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान कोहिमा विज्ञान महाविद्यालय, नागालैंड सरकार द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि मई 2022 से अप्रैल 2025 तक है।

- गणित विभाग के डॉ. अनुज कुमार शर्मा को 'प्राचीन से आधुनिक भारत तक भारतीय गणितज्ञ: वसुधैव कुटुम्बकम की भावना में योगदान' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में एनए की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान एआईसीटीई द्वारा प्रदान किया गया है और फरवरी 2024 से जनवरी 2025 तक की अवधि के लिए है।

दायर/स्वीकृत पेटेंट

- सौभाग्यलक्ष्मी सिंह, स्मार्ट शहरों में पर्यावरण निगरानी के लिए एआई और डीप लर्निंग आधारित ड्रोन प्रणाली", पेटेंट संख्या- 202441040389, 31.05.2024, राष्ट्रीय
- सौभाग्यलक्ष्मी सिंह, भाषा अनुवाद उपकरण"- डिज़ाइन संख्या- 416580-001, 22.11.2024, राष्ट्रीय
- अनुज कुमार शर्मा, सॉफ्टवेयर विश्वसनीयता भविष्यवाणी और विश्लेषण के लिए एकीकृत ढांचा" 16 अगस्त, 2024 को बौद्धिक संपदा भारत में।
- राहुल बोध एट अल., इम्युनोग्लोबुलिन जी (आईजीजी) का पता लगाने के लिए सतही प्लाज़मोन अनुनाद के निर्माण की संरचना और विधि। दक्षिण अफ्रीकी पेटेंट स्वीकृत: आईडी संख्या 2024/04653। 2025, राष्ट्रीय
- सीमा गुगलानी, एआई आधारित सॉफ्टवेयर चेकिंग डिवाइस, 434375-001, 2025, राष्ट्रीय

आयोजित संगोष्ठियां

- अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ, एसएलसी ने आईआईटी दिल्ली और आईयूएसी नई दिल्ली के सहयोग से 10-19 जुलाई, 2024 तक स्नातक छात्रों के लिए सेमीकंडक्टर पर राष्ट्रीय ग्रीष्मकालीन स्कूल: व्यावहारिक प्रशिक्षण का आयोजन किया।
- 29 अक्तूबर 2024 को 'आयुर्वेद और पोषण' पर एक व्याख्यान दिया।
- 11 फरवरी 2025 को स्थिरता, फैशन और वाणिज्य के महत्वपूर्ण अंतर्संबंध पर एक व्याख्यान दिया।
- आईसीएसआई के एनआईआरसी की क्षेत्रीय परिषद सदस्य डॉ. सीएस प्रीति ग्रोवर ने 4 मार्च 2025 को 'वित्तीय साक्षरता' पर एक व्याख्यान दिया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर अनिल अनेजा और दिल्ली विश्वविद्यालय के विकलांगता अध्ययन केंद्र के निदेशक ने 8 अप्रैल 2025 को 'साहित्य और फिल्मों में पढ़ने की विकलांगता' पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

आयोजित सम्मेलन

- 'सतत जीवन के लिए रासायनिक विज्ञान में वर्तमान रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन' शीर्षक से सम्मेलन 4-5 अप्रैल, 2024 को आयोजित किया गया।

- 15-16 अप्रैल, 2024 को 'भारतीय अर्थव्यवस्था की गतिशीलता पर अंबेडकर के दृष्टिकोण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: विकसित भारत की दिशा में एक रास्ता @2047' शीर्षक से सम्मेलन आयोजित किया गया।
- 10-11 मार्च, 2025 को 'स्थायित्व, प्रौद्योगिकी और शिक्षा: विकसित भारत@2047 की ओर अग्रसर' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।
- 7-8 फरवरी, 2025 को 'भारतीय दर्शन और भक्तिवाद' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।
- 18 मार्च, 2025 को "उच्च शिक्षा संस्थानों के लाभ के लिए आश्रमों और गुरुकुलों के महान भारतीय ज्ञान नेटवर्क को जोड़ना: एनईपी 2020 के अधिदेश के अनुसार एक कार्यशील मॉडल" शीर्षक से संगोष्ठी का आयोजन किया गया है।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

- 02 सितंबर, 2021 को कालाहांडी विश्वविद्यालय, भवानीपटना, ओडिशा के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। रसायन-विज्ञान विभाग के डॉ. आशु गुप्ता समन्वयक के रूप में कार्यरत थे। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, (1) दोनों संस्थानों के बीच ज्ञान और सुविधाओं के आदान-प्रदान के लिए संयुक्त कार्यक्रम शुरू किए गए हैं।
- 02 नवंबर, 2021 को राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (NIELIT) के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। वाणिज्य विभाग की प्रो. कविता अरोड़ा समन्वयक के रूप में कार्यरत रहीं। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, (1) ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए कई अतिरिक्त पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं।
- 12 सितंबर, 2024 को आरई सस्टेनेबिलिटी आईडब्ल्यूएम सॉल्यूशंस लिमिटेड (आरईएसआईडब्ल्यूएमएसएल), हैदराबाद के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। श्री अतुल जैन, प्रशासनिक अधिकारी, श्याम लाल महाविद्यालय, समन्वयक के रूप में कार्यरत रहे। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, (1) समझौता-ज्ञापन के तहत प्रदान की जाने वाली सेवाएँ परिसर में अपशिष्ट का विश्लेषण, संग्रहण, परिवहन, उपचार और निपटान हैं।
- 12 जुलाई, 2017 को दिल्ली स्थित एज़्योर सोलर सॉल्यूशन के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। श्याम लाल महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी, श्री अतुल जैन, समन्वयक के रूप में कार्यरत थे। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, (1) एसएलसी परिसर अब पूरी तरह से सौर ऊर्जा से संचालित है।
- 13 जून, 2023 को इनोवेटिव पावर सॉल्यूशंस, दिल्ली के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। श्री अतुल जैन, प्रशासनिक अधिकारी, श्याम लाल महाविद्यालय ने समन्वयक की भूमिका निभाई। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, (1) संस्थान के बुनियादी ढाँचे को समृद्ध बनाने के लिए महाविद्यालय परिसर में 30 सोलर लाइटें लगाई गई हैं।

- 1 नवंबर, 2021 को डेलनेट, दिल्ली के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। श्री अतुल जैन, प्रशासनिक अधिकारी, श्याम लाल महाविद्यालय, समन्वयक के रूप में कार्यरत रहे। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, (1) संस्थागत सदस्यों को शैक्षणिक संवर्धन हेतु डेलनेट अभिलेखागार, यूनियन कैटलॉग और अन्य ऑनलाइन डेटाबेस का उपयोग करने हेतु लाइसेंस प्रदान किया गया है।
- 23 सितंबर, 2022 को हॉलपार्टी प्लेटफॉर्म्स प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। श्री अतुल जैन, प्रशासनिक अधिकारी, श्याम लाल महाविद्यालय, समन्वयक के रूप में कार्यरत रहे। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, (1) छात्रों को बहुउद्देशीय पहचान पत्र प्रदान किए गए हैं।
- 27 फरवरी, 2025 को डायमंड सिक्योरिटी पर्सनल, दिल्ली के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। श्री अतुल जैन, प्रशासनिक अधिकारी, श्याम लाल महाविद्यालय, समन्वयक के रूप में कार्यरत रहे। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, (1) सुरक्षा कर्मियों का ठेका डायमंड सिक्योरिटी पर्सनल को दिया गया है।

एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत छात्र

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली और आईयूएसी, नई दिल्ली के साथ जारी शैक्षणिक सहयोग के एक भाग के रूप में, एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय, भगिनी निवेदिता महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के दो स्नातक छात्रों ने 10 जुलाई, 2024 से 19 जुलाई, 2024 तक आयोजित 10 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला "सेमीकंडक्टर: स्नातक छात्रों के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण" में भाग लिया। छात्रों ने डॉ. नीति अग्रवाल और डॉ. प्रदीप कुमार शर्मा द्वारा समन्वित सतत ऊर्जा पर केंद्रित प्रशिक्षण और प्रयोगशाला-आधारित अनुसंधान में भाग लिया। छात्रों ने अपनी अंतर-सांस्कृतिक समझ को बढ़ाया और सेमीकंडक्टर तकनीक से संबंधित मूल्यवान अनुसंधान कौशल विकसित किए।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

170 (36%)

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)
- महाविद्यालय परिसर में कपड़ा दान अभियान शुरू किया।
- स्वच्छ भारत अभियान विशेष अभियान 2.0 और स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) अभियान के तहत स्वच्छता अभियान का शुभारंभ किया
- जनवरी 2025 में पोस्टर मेकिंग, डिजिटल पोस्टर मेकिंग और रचनात्मक लेखन सहित प्रभावशाली प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, साथ ही मतदान जागरूकता पदयात्रा भी आयोजित की जाएगी।

- इको-क्लब भारत सरकार के पर्यावरण विभाग द्वारा प्रायोजित है और पर्यावरण के संरक्षण एवं सुरक्षा में योगदान देता है।
- वृक्षारोपण और प्लास्टिक संग्रह अभियान
- 'माँ के लिए पौधा लगाओ' अभियान शुरू किया
- इको-क्लब ने उत्तर प्रदेश के जावली गाँव का दौरा किया
- इको-क्लब एसएलसी ने नारा लेखन प्रतियोगिता और वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया
- महिला विकास केंद्र (डब्ल्यूडीसी) का गठन छात्राओं और शिक्षकों को लैंगिक समानता, बालिका शिक्षा, महिला स्वास्थ्य और स्वच्छता आदि के मुद्दों के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए किया गया है।
- महिला विकास केंद्र ने "महिलाएं और पर्यावरणीय मुद्दे" विषय पर एक वार्ता का आयोजन किया
- महिला विकास केंद्र ने आयोजित की एक्सटेम्पोर प्रतियोगिता
- एनेक्टस एक अंतर्राष्ट्रीय गैर-लाभकारी संगठन है जो छात्रों को उनके उद्यमशीलता के प्रयासों के माध्यम से विश्व को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करने के लिए समर्पित है।
- एनैक्टस एसएलसी ने कुत्तों के लिए भोजन अभियान चलाया
- प्रोजेक्ट पॉ-शाक के लिए दान अभियान
- कौशल विकास केंद्र छात्रों के कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करता है और छात्रों को विभिन्न कौशल-आधारित पाठ्यक्रम प्रदान करके उन्हें सीखने का अनुभव प्रदान करता है।
- एसएलसी ने न्यू हॉलैंड फिएट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का औद्योगिक दौरा आयोजित किया
- विदेशी भाषाओं में अतिरिक्त पाठ्यक्रम
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम
- "स्टॉक ट्रेडिंग और ब्रेकआउट रणनीति" पर कार्यशाला

पुस्तकालय विकास

श्याम लाल महाविद्यालय में एक विशाल पुस्तकालय है जो छात्रों, शिक्षकों और कार्मिकों के लिए एक जीवंत और समृद्ध बौद्धिक वातावरण बनाने का प्रयास करता है। हमारा पुस्तकालय पूरी तरह से केंद्रीयकृत है जिसमें पुस्तकों के समृद्ध संग्रह के साथ-साथ पूर्ण स्वचालन, रिप्रोग्राफी और कोहा सेवाओं के साथ पत्रिकाएँ और पत्रिकाएँ भी हैं। पुस्तकालय के पास DELNET और UGC के N-LIST कार्यक्रम की संस्थागत सदस्यता है। दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली द्वारा सदस्यता प्राप्त ई-जर्नल्स और अन्य ई-संसाधनों को दिल्ली-विश्वविद्यालय-व्यापी-नेटवर्क के माध्यम से पुस्तकालय में एक्सेस किया जाता है। नए छात्रों को परिचित कराने के लिए एक पुस्तकालय अभिविन्यास और सूचना साक्षरता कार्यक्रम, पुस्तक प्रदर्शनी नियमित रूप से आयोजित की जाती है। पुस्तकालय में Pwd छात्रों के लिए एक निर्दिष्ट सुविधा भी है और Pwd छात्रों को शिक्षा प्रदान करने में सुगमता प्रदान करती है। पुस्तकालय ने सुगम्य पुस्तकालय की सदस्यता के लिए भी आवेदन किया है

संकाय संख्या

कुल: 157-(प्रोफेसर-12 एसोसिएट प्रोफेसर-25 और सहायक प्रोफेसर:-120)

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित अनुदान : ₹ 561100000/-

उपयोगित अनुदान : ₹ 553000000/-

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

भारतीय भाषा उत्सव का उत्सव

- सरस्वती आईकेएस केंद्र ने आईक्यूएसी के सहयोग से 11 दिसंबर, 2024 को प्रख्यात तमिल कवि, समाज सुधारक और राष्ट्रवादी श्री सुब्रमण्यम भारती की जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय भाषा उत्सव का आयोजन किया। यूजीसी सचिव प्रो. मनीष आर. जोशी ने इस अवसर पर अपनी उपस्थिति से इस उत्सव की शोभा बढ़ाई और ज्ञान प्रसार एवं विरासत संरक्षण में भारतीय भाषाओं के योगदान पर एक भावपूर्ण भाषण दिया।

  एक राष्ट्र एक चुनाव

- एसएलसी ने "एक राष्ट्र एक चुनाव" शीर्षक से एक संगोष्ठी का आयोजन किया। डॉ. अनिर्बान गांगुली ने अपनी उपस्थिति से इस अवसर की शोभा बढ़ाई। हरित अधिकरण के पूर्व अध्यक्ष और भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति आदर्श गोयल इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे।

  रसायनिका

- रसायन-विज्ञान विभाग ने 16-17 अप्रैल, 2025 को अपना वार्षिक उत्सव रसायनिका का आयोजन किया। स्लोवेनिया की राजदूत सुश्री माटेगा वोडेम घोष ने अपनी उपस्थिति से इस अवसर की शोभा बढ़ाई।

  10 सितंबर से 20 दिसंबर, 2024 के बीच दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के पर्यावरण विभाग के साथ सहयोग। यह साझेदारी ओजोन संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और कार्रवाई को प्रेरित करने के उद्देश्य से छात्र-केंद्रित कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

****

श्याम लाल महाविद्यालय (सांध्य)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

- श्याम लाल महाविद्यालय (सांध्य) ने इस शैक्षणिक वर्ष के दौरान उल्लेखनीय प्रगति प्रदर्शित की है, जो महत्वपूर्ण गतिविधियों और उपलब्धियों की एक श्रृंखला द्वारा चिह्नित है। महाविद्यालय ने विभिन्न कार्यक्रमों में उत्कृष्ट परिणामों के साथ अकादमिक रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन किया,

विशेष रूप से बी.कॉम (ऑनर्स) के दूसरे वर्ष और अर्थशास्त्र में बी.ए. (ऑनर्स) में 100% पास दर प्राप्त की। आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ ने शैक्षणिक चर्चा को बढ़ावा देते हुए "विकसित भारत@2047" पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और "हिंदी काव्य-आलोचना" पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी की सुविधा प्रदान की। संकाय सदस्यों ने उल्लेखनीय प्रशंसा प्राप्त की, जिसमें एसएलसीई के प्रिंसिपल प्रो नचिकेता सिंह शामिल हैं, जिन्हें शिक्षा में उनके योगदान के लिए लाइफ एक्सप्रेस आइकन ऑफ इंडिया अवार्ड मिला। श्रीमती रानी देवी और श्री जगदीश प्रसाद उपाध्याय की विरासत का सम्मान करने के लिए स्मारक पुरस्कारों की स्थापना इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय सेवा योजना ने छात्रों में सामाजिक उत्तरदायित्व को बढ़ावा देते हुए प्रभावशाली सामुदायिक पहलों का सफलतापूर्वक आयोजन किया। कुल मिलाकर, ये प्रयास महाविद्यालय द्वारा अपने छात्रों के लिए उत्कृष्टता और समग्र विकास हेतु निरंतर प्रयास को दर्शाते हैं।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

- प्रधानाचार्य प्रो. नचिकेता सिंह को भारतीय शिक्षा जगत में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए 1 मार्च 2025 को 'लाइफ एक्सप्रेस आइकन ऑफ इंडिया अवार्ड' से सम्मानित किया गया।

छात्र

- बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) की छात्रा कनक शर्मा, जून 2024 में डिस्टिंक्शन होल्डर रहीं।
- दीपिका जैन, बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) की छात्रा, जून 2024 में डिस्टिंक्शन होल्डर रहीं।
- बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) की छात्रा अदिति कोहली को जून 2024 में डिस्टिंक्शन होल्डर बनाया गया।
- बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) की छात्रा हर्षिता जैन, जून 2024 में डिस्टिंक्शन होल्डर रहीं।
- बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) के छात्र मोहम्मद नबील शम्सी को जून 2024 में डिस्टिंक्शन होल्डर चुना गया।
- बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) की छात्रा नंदिनी राज, जून 2024 में डिस्टिंक्शन होल्डर रहीं।
- बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) की छात्रा अनन्या तिवारी को जून 2024 में डिस्टिंक्शन होल्डर चुना गया।
- बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) की छात्रा आस्था सिंह, जून 2024 में डिस्टिंक्शन होल्डर रहीं।
- बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) की छात्रा मनमीत कौर को जून 2024 में डिस्टिंक्शन होल्डर चुना गया।
- बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) के छात्र शुभम सिंह, जून 2024 में डिस्टिंक्शन होल्डर रहे।

- बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) की छात्रा आयुषी सिन्हा, जून 2024 में डिस्टिंक्शन होल्डर रहीं।
- बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) के छात्र अखिलेश कुमार वर्मा, जून 2024 में डिस्टिंक्शन होल्डर रहे।
- बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) की छात्रा विदुषी श्रीवास्तव, जून 2024 में डिस्टिंक्शन होल्डर रहीं।
- बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) के छात्र हर्ष वाधवा, जून 2024 में डिस्टिंक्शन होल्डर रहे।
- कनिष्क धामा, बी.ए. (कार्यक्रम) के छात्र। (तृतीय वर्ष), डिस्टिंक्शन होल्डर था, जून 2024
- बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) के छात्र देव चौधरी, जून 2024 में डिस्टिंक्शन होल्डर रहे।
- बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) के छात्र एमडी अफजल को जून 2024 में डिस्टिंक्शन होल्डर चुना गया।
- बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) के छात्र रोहन शर्मा, जून 2024 में डिस्टिंक्शन होल्डर रहे।
- बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) की छात्रा अंजलि पांडे, जून 2024 में डिस्टिंक्शन होल्डर रहीं।
- मुस्कान ध्यानी, छात्रा बी.ए. प्रो. (तृतीय वर्ष), डिस्टिंक्शन होल्डर था, जून 2024
- बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) के छात्र विशाल को जून 2024 में डिस्टिंक्शन होल्डर चुना गया।
- बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी (तृतीय वर्ष) की छात्रा सरोज जून 2024 में डिस्टिंक्शन होल्डर थीं।
- मंथन सुधीर तराले, बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी (तृतीय वर्ष) के छात्र, डिस्टिंक्शन होल्डर थे, जून 2024
- बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा स्नेहल सिन्हा को जून 2024 में डिस्टिंक्शन होल्डर चुना गया।
- बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (तृतीय वर्ष) के छात्र तुषार दुबे, जून 2024 में डिस्टिंक्शन होल्डर रहे।
- बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा कृति को जून 2024 में डिस्टिंक्शन होल्डर चुना गया।
- बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (तृतीय वर्ष) के छात्र मनु तोमर, जून 2024 में डिस्टिंक्शन होल्डर रहे।
- बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा रानी को जून 2024 में डिस्टिंक्शन होल्डर बनाया गया।
- बी.कॉम. (तृतीय वर्ष) के छात्र मनप्रीत सिंह को जून 2024 में डिस्टिंक्शन होल्डर चुना गया।
- बी.कॉम. (तृतीय वर्ष) की छात्रा मेघा जैन, जून 2024 में डिस्टिंक्शन होल्डर रहीं।

- आरुषि चौधरी, छात्रा बी.कॉम। (तृतीय वर्ष), डिस्टिंक्शन होल्डर था, जून 2024
- बी.कॉम. (तृतीय वर्ष) की छात्रा रिद्धि सिंह, जून 2024 में डिस्टिंक्शन होल्डर रहीं।
- बी.कॉम. (तृतीय वर्ष) के छात्र हर्ष चौहान, जून 2024 में डिस्टिंक्शन होल्डर रहे।
- बी.कॉम. (तृतीय वर्ष) के छात्र अभिषेक प्रजापति को जून 2024 में डिस्टिंक्शन प्राप्त हुआ।
- बी.कॉम. (तृतीय वर्ष) के छात्र दिव्यांशु राजपूत, जून 2024 में डिस्टिंक्शन होल्डर रहे।
- बी.कॉम. (तृतीय वर्ष) की छात्रा मानसी सिंह, जून 2024 में डिस्टिंक्शन होल्डर रहीं।
- बी.कॉम. (तृतीय वर्ष) की छात्रा भव्या जैन, जून 2024 में डिस्टिंक्शन होल्डर रहीं।
- बी.कॉम. (तृतीय वर्ष) की छात्रा काव्या शर्मा, जून 2024 में डिस्टिंक्शन होल्डर रहीं।
- बी.कॉम. (तृतीय वर्ष) के छात्र रुमित जैन को जून 2024 में डिस्टिंक्शन होल्डर चुना गया।
- बी.कॉम. (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) के छात्र शिवम गौड़, जून 2024 में डिस्टिंक्शन होल्डर रहे।
- बी.कॉम. (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) के छात्र यश को जून 2024 में डिस्टिंक्शन होल्डर चुना गया।
- बी.कॉम. (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) के छात्र विश्वनाथ कुमार, जून 2024 में डिस्टिंक्शन होल्डर रहे।

प्रकाशन (शोध लेख)

प्राचार्य प्रो नचिकेता सिंह

- ढल, एस., सिंह, एन., और नसीरुल्लाह, ए.एम. (2025), मैपिंग गवर्नेंस इनोवेशन: पर्सपेक्टिव्स फ्रॉम साउथ एशिया (सं.), रूटलेज टेलर एंड फ्रांसिस, लंदन, एनवाई. 1 जनवरी, 2025.

प्रो. आदित्य पी त्रिपाठी

- सिंह, ए.के., त्रिपाठी, ए.पी., जगवानी, पी., और अग्रवाल, एन. (2024). कोविड-19 टीकाकरण: सरकारी संचार के प्रति सोशल मीडिया के वैश्विक उपयोगकर्ताओं के दृष्टिकोण का विश्लेषण। इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, खंड 70, अंक (2), पृष्ठ 318-331 https://doi.org/10.1177/00195561231221805
- जगवानी, पी., त्रिपाठी, ए.पी., और कुमार, एम. (2024). मशीन लर्निंग के माध्यम से वित्तीय धोखाधड़ी का पूर्वानुमान: भारतीय परिप्रेक्ष्य का एक अध्ययन। थर्ड कॉन्सेप्ट, खंड 38, संख्या 450, पृष्ठ 53-56

डॉ. अमित सिंह

- सिंह, अमित, सामाजिक आदर्श का प्रतिपादक तुलसी का राम राज्य। भारत बोध, संयुक्त, खंड 5-6, संस्करण-2, दिसंबर-मार्च 2025 में प्रकाशित।

- सिंह, अमित, लोकधर्मिता या नाटक कर भारतेंदु, भाषा, केंद्रीय हिंदी निदेशालय, खंड 318 मार्च-अप्रैल 2025
- सिंह, अमित, मीडिया, साहित्य और राष्ट्रहित का भाव, हिंदी अनुशीलन, भारतीय हिंदी परिषद, प्रयागराज, जनवरी-मार्च 2025

प्रो. अनिल कुमार राय

- राय.ए. 'रविदास के काव्य की प्रसंगिका' 'चौमासा' (जनजातिय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी, मध्य प्रदेश संस्कृति परिषद, भोपाल। नवंबर 2024-फरवरी 2025

डॉ. अनिल वर्मा

- वर्मा. ए, 'भारतीय विपणन ज्ञान: प्राचीन रणनीतियाँ', तृतीय अवधारणा, खंड 37, आईएसएसएन 0970-7247, पृष्ठ 29-31, 2024

डॉ. दीपिका वर्मा

- वर्मा, डी., दलित स्त्री जीने की जिद्दी सार, कथाक्रम, खंड-101, पृष्ठ संख्या 85-89, जुलाई-सितंबर 2024, यूजीसी केयर लिस्टेड।
- वर्मा, डी., लोक रंग में डूबी कूची:हबीब तनवीर, अपनी माटी, खंड-01, पृष्ठ संख्या-289-295, जुलाई-सितंबर 2024, यूजीसी केयर लिस्टेड।

सुश्री दीपिका जाजोरिया

- जाजोरिया, डी., जाटव, एम., और मिश्रा, आर. (2024). भारत में बाल एवं किशोर श्रम के रुझान, पैटर्न और सामाजिक-आर्थिक निर्धारक: राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के आंकड़ों का उपयोग करके अनुभवजन्य विश्लेषण। जर्नल ऑफ इंटरनेशनल डेवलपमेंट, 36:1647-1674 (DOI: https://doi.org/10.1002/jid.3874)।
- जाटव, एम., सेन, एस., और जाजोरिया, डी. (2025)। पुरुषों द्वारा चयनात्मक पलायन और महिलाओं में निर्णय लेने की प्रक्रिया: भारत के कुमाऊँ हिमालय के चुनिंदा गाँवों का एक केस स्टडी। जर्नल ऑफ एशियन एंड अफ्रीकन स्टडीज़, 60(2), 1085-1104 (https://doi.org/10.1177/00219096231186379)। एच-इंडेक्स (स्कोपस के अनुसार): 3

डॉ. रोली रघुवंशी

- रघुवंशी आर, शर्मा टी, रेना आर, राय आर (2024), ब्रिक्स अर्थव्यवस्थाओं में स्मार्ट सिटी विकास के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता: अवसर और चुनौतियाँ, पुस्तक में अध्याय: मक्कड़, एस., रवींद्रन, जी., चक्रवर्ती, आर.के., और पाल, ए. (सं.) (2024). स्मार्ट सिटी विकास के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता की पुस्तिका: प्रबंधन प्रणालियाँ और तकनीकी चुनौतियाँ (प्रथम संस्करण)। टेलर एंड फ्रांसिस, सीआरसी प्रेस, स्कोपस इंडेक्स्ड

- रश्मि राय, के. लक्ष्मीप्रिया, पल्लवी कुदाल, रोली रघुवंशी, अध्याय 5-प्रवासी और बेघर: शहरी भारत में सड़कों पर जीवन, संपादक: उदय चटर्जी, राजीब शॉ, लक्ष्मी शिवरामकृष्णन, जेनिया मुखर्जी, रक्तिमा घोष, होमलेसनेस टू होप, एल्सेवियर, 2024, पेज 75-98, आईएसबी.ए.न 9780443140525, स्कोपस इंडेक्सेड
- रोली रघुवंशी (2024). भारत-ऑस्ट्रेलिया मुक्त व्यापार समझौता-व्यापार सहयोग का नया अध्याय, इंडो-एशियन जर्नल ऑफ फाइनेंस एंड अकाउंटिंग खंड-5(1) पृष्ठ 1-8.

डॉ. सारिका त्यागी

- त्यागी एस. "ए.के. रामानुजन की कृति, 'ए फ्लावरिंग ट्री', सांस्कृतिक विमर्श में महिलाओं और पारिस्थितिकी के बीच समानताओं को उजागर करती है।" यह पुस्तक टीजेईएलएलएस (अंग्रेजी भाषा और साहित्यिक अध्ययन पत्रिका) में "प्रकृति, संस्कृति, साहित्य: समकालीन परिप्रेक्ष्य" विषय पर प्रकाशित हुई है। आईएसएसएन 2249-2151, खंड 2, मार्च-अप्रैल, 2024. पृष्ठ संख्या 605-610।

सुश्री सोनिया सिंह

- सिंह, एस., और गुप्ता, एन. (2024). स्व-संगठित मानचित्रों पर आधारित रूटिंग एल्गोरिथम के माध्यम से वायरलेस सेंसर नेटवर्क में सेवा की गुणवत्ता में सुधार। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग में प्रगति, 4(2), 2338-2357। आईएसएसएन: 2582-9793।
- सिंह, एस., और गुप्ता, एन. (2024). IoT-सक्षम वायरलेस सेंसर नेटवर्क में कुशल डेटा क्लस्टरिंग के लिए एक संवर्धित फ़ज़ी सी-मीन्स एल्गोरिथम। नैनोटेक्नोलॉजी परसेप्शन्स, 20(S8), 821-838। आईएसएसएन: 1660-6795।
- सिंह, एस., और गुप्ता, एन. (स्वीकृत)। फ़ज़ी सी-मीन्स और स्पेक्ट्रल पार्टिशनिंग का उपयोग करके केंद्रीकृत और विकेन्द्रीकृत क्लस्टरिंग का संकरण। कूफ़ा जर्नल ऑफ़ इंजीनियरिंग। आईएसएसएन: 2071-5528।

प्रो. सुमित्रा मेहरोल

- महरोल, एस, 'चुकती संवेदनाओं के बीच अकेली', समय संज्ञान, अंक 6, दिल्ली, 2024
- महरोल, एस, प्रकाशित "त्रिशंकु" (दलित कहानियाँ पुस्तक), संपादक बजरंग बिहारी तिवारी, राजपाल एंड संस, दिल्ली, मार्च 2025.

प्रकाशन (पुस्तकें/पुस्तक में अध्याय)

पुस्तकें

ढल, एस., सिंह, एन., और नसीरुल्लाह, ए.एम. (सं.) (2025)। *शासन नवाचारों का मानचित्रण: दक्षिण एशिया के परिप्रेक्ष्य। रूटलेज,* टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप।

पुस्तकों के अध्याय

रघुवंशी, आर., शर्मा, टी., रेना, आर., और राय, आर. (2024). ब्रिक्स अर्थव्यवस्थाओं में स्मार्ट सिटी विकास के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता: अवसर और चुनौतियाँ। एस. मक्कड़, जी. रवींद्रन, आर.के. चक्रवर्ती, और ए. पाल (सं.) में, *स्मार्ट सिटी विकास के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता की पुस्तिका: प्रबंधन प्रणालियाँ और तकनीकी चुनौतियाँ* (प्रथम संस्करण)। टेलर एंड फ्रांसिस, सीआरसी प्रेस।

राय, आर., लक्ष्मीप्रिया, के., कुदाल, पी., और रघुवंशी, आर. (2024). प्रवासी और बेघर: शहरी भारत में सड़कों पर जीवन। यू. चटर्जी, आर. शॉ, एल. शिवरामकृष्णन, जे. मुखर्जी, और आर. घोष (सं.), *बेघर होने से आशा की ओर* (पृष्ठ 75-98)। एल्सेवियर।

अनुसंधान परियोजनाएँ

- वाणिज्य विभाग के डॉ. अनिल कुमार को 'स्मार्ट शहरों में पर्यटकों की खुशी पर स्मार्ट पर्यटन प्रौद्योगिकी का प्रभाव' (हिमाचल प्रदेश का एक अध्ययन) नामक शोध परियोजना के लिए ₹800000 की राशि आवंटित की गई है। यह अनुदान आईसीएसएसआर द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी अवधि दिसंबर 2023 से जनवरी 2025 तक है।

आयोजित संगोष्ठियां

- 19 अप्रैल, 2024 को *"भारत और समकालीन विश्व: विकसित भारत के विदेश नीति लक्ष्यों के नए आयाम" विषय* पर व्याख्यान दिया।
- *13 सितंबर, 2025 को* 'हिंदी: संभावनाओं के विविध आयाम' विषय पर व्याख्यान दिया।
- 6 नवंबर, 2024 को ' *नैतिकता और शासन पर पुनर्विचार: आचार संहिता, नियम और प्रक्रियाएं'* विषय पर व्याख्यान दिया।
- 26 नवंबर, 2024 को '*भारतीय संविधान में अंबेडकर के योगदान का उत्सव: समकालीन समय में महत्व और प्रासंगिकता'* विषय पर व्याख्यान दिया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के हिमालयन अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रोफेसर दीनबंधु साहू ने 27 अगस्त 2024 को "युवाओं में पर्यावरण चेतना और पारिस्थितिक जागरूकता" पर एक व्याख्यान दिया।

आयोजित सम्मेलन

- डीएसपीएसआर, श्याम लाल महाविद्यालय (सांध्यकालीन) और दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से 11-12 जनवरी, 2025 को *"विकसित भारत @ 2047"* पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।
- *"हिंदी काव्यलोचना: तब और अब"* विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 28-29 मार्च, 2025 को श्याम लाल महाविद्यालय (सांध्य), श्यामा प्रसाद मुखर्जी महिला महाविद्यालय और मिरांडा हाउस के हिंदी विभागों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

- 14 नवंबर, 2024 को सलाम बालक ट्रस्ट के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें राजनीति-विज्ञान विभाग के श्री गजेंद्र समन्वयक के रूप में कार्यरत थे। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, (1) रचनात्मकता और अभिव्यक्ति को बढ़ावा देने के लिए कला और शिल्प कार्यशालाओं का आयोजन (2) बच्चों के साथ घनिष्ठ संबंध स्थापित करना ताकि उनके अनुभवों और आकांक्षाओं को बेहतर ढंग से समझा जा सके।
- 17 दिसंबर, 2024 को दिल्ली स्कूल ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज एंड रिसर्च (DSPSR) के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। प्रो. आदित्य कुमार त्रिपाठी, वाणिज्य विभाग। इस सहयोग के परिणामस्वरूप (1) चर्चाओं में शासन, स्थिरता, प्रौद्योगिकी (2) वैश्विक अर्थव्यवस्था शामिल थी, जो मजबूत शैक्षणिक जुड़ाव और विविध दृष्टिकोणों को दर्शाती है।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

- श्याम लाल महाविद्यालय (सांध्य) और रेस्पेक्ट इंडिया के बीच 6 मार्च, 2025 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में "प्राइड ऑफ द नेशन एक्सीलेंस अवार्ड 2025" के लिए हुआ सहयोग, लैंगिक समानता, सामाजिक न्याय और समावेशी उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए संस्थान के समर्पण को दर्शाता है। इस सहयोग का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के अनुकरणीय योगदान को मान्यता देना और उनका सम्मान करना है, जिससे राष्ट्र निर्माण में महिला सशक्तिकरण के महत्व को बल मिलता है।

- 29 अगस्त, 2024 को सलाम बालक ट्रस्ट के साथ एक सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम के लिए सहयोग। इस दिन की गतिविधियाँ सलाम बालक ट्रस्ट, दिल्ली, एक गैर-सरकारी संगठन जो अनाथ और वंचित बच्चों की सहायता करता है, के वंचित बच्चों से जुड़ने के लिए समर्पित थीं। सलाम बालक ट्रस्ट के दस बच्चे श्याम लाल महाविद्यालय आए, जहाँ हमारे प्राचार्य प्रो. नचिकेता सिंह और महाविद्यालय समुदाय ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, बच्चों को महाविद्यालय के मणिकर्णिका उदयन से पौधे भेंट किए गए। महाविद्यालय के प्रथम वर्ष के छात्र भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए और उन्होंने प्राचार्य और अतिथि के प्रेरक शब्दों को सुना। छात्रों और बच्चों ने मिलकर महाविद्यालय परिसर में पौधे लगाए और पर्यावरण में अपने योगदान को दर्शाया।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- आंबेडकर अध्ययन मंडल का उद्घाटन: संविधान दिवस पर शुरू किए गए इस मंडल का उद्देश्य छात्रों को सामाजिक न्याय और समानता में डॉ. बी.आर. आंबेडकर के योगदान के बारे में शिक्षित करना है। आंबेडकर स्मारक के भ्रमण से छात्रों की उनकी विरासत के बारे में समझ और गहरी हुई।
- एनएसएस पहल: राष्ट्रीय सेवा योजना ने गणतंत्र दिवस पर स्वच्छता अभियान, विश्व जल दिवस के लिए जल जागरूकता अभियान और लड़कियों के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर

सहित कई कार्यक्रम आयोजित किए, जिससे सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देते हुए छात्रों को सशक्त बनाया गया।

- खेलो इंडिया पैरा गेम्स का दौरा: छात्रों ने विकलांग खिलाड़ियों के लिए खेलों में समावेशिता को देखने, विविध क्षमताओं के प्रति जागरूकता और सम्मान को बढ़ावा देने के लिए खेलो इंडिया पैरा गेम्स का दौरा किया।
- एक पेड़ मां के नाम अभियान: प्रधानमंत्री की पहल के अनुरूप, महाविद्यालय ने दस दिवसीय वृक्षारोपण अभियान चलाया, जिसमें छात्रों और शिक्षकों को पर्यावरणीय स्थिरता के प्रयासों में शामिल किया गया और पारिस्थितिक जिम्मेदारी के महत्व पर बल दिया गया।
- चुनाव आयोग कैम्पस एम्बेसडर: चयनित विद्यार्थियों ने एसवीईईपी गतिविधियों में भाग लिया, जिसमें चुनावी जागरूकता बढ़ाने तथा सहपाठियों में नागरिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देने के लिए अंतर-महाविद्यालय ओपन माइक और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन भी शामिल था।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय का पुस्तकालय एक जीवंत ज्ञान केंद्र है, जिसमें विविध विषयों पर आधारित 54,396 से अधिक पुस्तकों का समृद्ध संग्रह है, जो छात्रों और शिक्षकों दोनों की शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करता है। 15 हिंदी और अंग्रेजी समाचार पत्रों, 16 पत्रिकाओं और 5 जर्नलों की सदस्यता के साथ, पुस्तकालय यह सुनिश्चित करता है कि उपयोगकर्ताओं को विभिन्न क्षेत्रों की अद्यतन जानकारी और शोध तक पहुँच प्राप्त हो। पुस्तकालय ई-संसाधन सुविधाएँ प्रदान करता है जो छात्रों और कार्मिकों को डीयूएलएस, ई-जर्नल और ई-पुस्तकों सहित ढेर सारे डेटाबेस तक पहुँचने की अनुमति देता है, जिससे शोध का अनुभव बेहतर होता है।

पुस्तकालय की स्वचालित प्रणाली, जिसमें बारकोड वाली पुस्तकें और सदस्यता कार्ड शामिल हैं, उधार लेने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करती है और प्रकाशकों के साथ नियमित परामर्श के कारण यह सुनिश्चित करती है कि वर्तमान शीर्षक आसानी से उपलब्ध हों। खुली पहुँच सुविधाएँ अध्ययन और सहयोग के लिए एक आकर्षक वातावरण बनाती हैं, जबकि सीसीटीवी निगरानी सभी उपयोगकर्ताओं के लिए एक सुरक्षित वातावरण बनाए रखती है। पाठक उपस्थिति के लिए फ़ुटफ़ॉल सॉफ़्टवेयर की शुरुआत पुस्तकालय के अपने कार्यों को आधुनिक बनाने और उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

संकाय संख्या

कुल: 93-(प्रोफेसर-7, एसोसिएट प्रोफेसर-27 और सहायक प्रोफेसर:-10, तदर्थ -16, अतिथि-33)

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित अनुदान : ₹ 336322000/-

उपयोगित अनुदान : ₹ 308322000/-

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- श्याम लाल महाविद्यालय (सांध्यकालीन) ने शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के दौरान शैक्षणिक उत्कृष्टता और समग्र विकास के लिए दृढ़ प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है। महाविद्यालय ने विभिन्न कार्यक्रमों में प्रभावशाली शैक्षणिक परिणाम प्राप्त किए हैं, जिसमें बी.कॉम. और बी.ए. दोनों विषयों में उल्लेखनीय उत्तीर्णता दर शामिल है। आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) ने शैक्षिक गुणवत्ता में निरंतर सुधार पर ज़ोर देते हुए कई संगोष्ठी और सम्मेलन आयोजित किए। संकाय सदस्य अपने कार्यों को प्रकाशित करके और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय दोनों कार्यक्रमों में भाग लेकर सक्रिय रूप से शोध में कार्यरत हैं, जिनमें से कुछ अपने-अपने क्षेत्रों में पीएच.डी. उम्मीदवारों का पर्यवेक्षण भी कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, दो संकाय सदस्य शिक्षा मंत्रालय के शैक्षिक संचार संघ में लाइव व्याख्यान दे रहे हैं।
- महाविद्यालय ने लैंगिक संवेदनशीलता और समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए महिला विकास प्रकोष्ठ की स्थापना की। डिबेटिंग सोसाइटी और एनएसएस सहित विभिन्न संस्थाओं ने वाद-विवाद, कार्यशालाएँ और सामुदायिक सेवा पहल जैसे प्रभावशाली कार्यक्रम आयोजित किए। पुस्तकालय ने अपने संसाधनों का विस्तार किया और छात्रों की पहुँच बढ़ाने के लिए स्वचालित प्रणालियाँ शुरू कीं। इसके अलावा, नियोजन सेल ने कार्यशालाओं और सफल नियोजन मेलों के माध्यम से करियर विकास में मदद की, जिससे कई छात्रों को इंटर्नशिप और नौकरी के प्रस्ताव मिले। महाविद्यालय ने पर्यावरण संबंधी पहलों में भी भाग लिया, जिसमें "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान भी शामिल है, जो वृक्षारोपण और जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से स्थिरता को बढ़ावा देता है। कुल मिलाकर, महाविद्यालय ने एक गतिशील और जीवंत शैक्षणिक वातावरण का प्रदर्शन किया, जिसने अपने छात्रों के बौद्धिक और व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा दिया।
- महाविद्यालय चौथे वर्ष के स्नातक कार्यक्रम के कार्यान्वयन की तैयारी कर रहा है। शिक्षकों को अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम पढ़ाने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है।
- महाविद्यालय ने अपनी नई वेबसाइट शुरू की है, जो आधुनिक डिजाइन, बेहतर नेविगेशन, उन्नत सुविधाएं और छात्रों, शिक्षकों, कार्मिकों और भावी छात्रों के लिए सूचना तक बेहतर पहुंच प्रदान करती है।
- इसके अलावा, महाविद्यालय ने नए सोशल मीडिया चैनल, फेसबुक, इंस्टाग्राम, लिंक्डइन, ट्विटर और यूट्यूब, लॉन्च किए हैं, जिनका उद्देश्य जुड़ाव और संचार को बेहतर बनाना है। ये प्लेटफ़ॉर्म रीयल-टाइम अपडेट प्रदान करेंगे, बातचीत को सुगम बनाएंगे और छात्रों, कार्मिकों और समुदाय के बीच संबंध को मज़बूत करेंगे।

****

श्यामा प्रसाद मुखर्जी महिला महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय को एनएएसी द्वारा 2024 में अपने दूसरे चक्र में B+ ग्रेड से मान्यता प्राप्त है और NIRF द्वारा 300 से 400 के बीच रैंक किया गया है। IQAC द्वारा निर्देशित, महाविद्यालय ने संकाय विकास कार्यक्रम (FDP), सहयोगी संगोष्ठी, सम्मेलन और साहित्यिक उत्सवों सहित कई तरह की गतिविधियाँ आयोजित की हैं। संकाय सदस्यों ने स्कोपस-इंडेक्स पत्रिकाओं सहित 58 से अधिक प्रकाशन और विभिन्न सम्मेलनों में प्रस्तुत 40 से अधिक शोध पत्रों के साथ महत्वपूर्ण अकादमिक योगदान दिया है, जिनमें से कई ने तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता भी की है। महाविद्यालय ने शैक्षणिक और पाठ्येतर जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए पूरे वर्ष में 90 से अधिक कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया। कई संकाय सदस्यों- डॉ. अमूल्य साहू, डॉ. अनुराग सिंह, डॉ. अभिनंदन पांडे, डॉ. नाजिया तलत, डॉ. मानशी जैन और डॉ. रजनी बाला डॉ. आमना मिर्ज़ा, डॉ. चयनिका उनियाल, डॉ. अनुजा झा, डॉ. विकास मलिक, डॉ. वंदना, डॉ. नाज़िया तलत, डॉ. रश्मि गोयल और डॉ. उर्मिल वत्स जैसे संकाय सदस्यों को प्रतिष्ठित पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए, साथ ही डॉ. आमना मिर्ज़ा को "ई-गवर्नेंस पार्टिसिपेशन डिवाइस" के लिए पेटेंट भी प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त, नौ संकाय सदस्यों को विभिन्न वित्त-पोषण एजेंसियों से अनुसंधान अनुदान प्राप्त हुआ, जो शैक्षणिक उत्कृष्टता, नवाचार और समग्र विकास के प्रति महाविद्यालय की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय (शिक्षण)

- डॉ. आमना मिर्ज़ा को 12 अगस्त 2024 को लैब एकेडेमिया रिसर्च एंड पब्लिकेशन सेंटर द्वारा 'उत्कृष्टता पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।
- डॉ. अनुजा झा को शिक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राष्ट्रीय शिक्षाविद् पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान वेलरेड फाउंडेशन द्वारा प्रदान किया गया, जिसे कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय और भारत सरकार के नीति आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त है। वह 'ए' ग्रेड की आकाशवाणी कलाकार हैं।
- डॉ. अविनाश कुमार को आकाशवाणी, दिल्ली द्वारा 'ए' ग्रेड कलाकार का सम्मान प्राप्त है। डॉ. कुमार ने दिल्ली, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब सहित विभिन्न राज्यों में अपनी कला का प्रदर्शन किया है और अपनी कला के लिए प्रशंसा अर्जित की है। उन्हें प्रतिष्ठित जी20 कार्यक्रम में भी प्रस्तुति देने के लिए आमंत्रित किया गया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने संगीत नाटक अकादमी के लिए भारतीय शास्त्रीय संगीत की रिकॉर्डिंग भी की है।
- डॉ. चयनिका उनियाल को 24 जनवरी 2025 को मरुदेश संस्थान, सुजानगढ़ द्वारा संतोष व्यास स्मृति सृजन सेवा सम्मान पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुरस्कार में ₹11,000 की राशि, एक अभिनंदन पत्र, एक शॉल, एक प्रतीकात्मक स्मृति चिन्ह और साहित्यिक कृतियाँ शामिल हैं।

- डॉ. गतिकृष्ण नायक ने 16 से 26 जनवरी, 2025 तक गुजरात भर में पांच स्थानों पर नाट्य कथा संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत किए। यह दौरा आईजीएनसीए के बैनर तले, गुजरात राज्य पर्यटन और संस्कृति विभागों के सहयोग से आयोजित किया गया था, और पद्म विभूषण पुरस्कार विजेता और पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. सोनल मानसिंह के साथ जुड़ा था।
- डॉ. कविता वत्स को 18 से 21 जनवरी, 2025 तक गुरु काशी विश्वविद्यालय (भटिंडा), पंजाब में आयोजित उत्तर क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय कबड्डी (महिला) टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय कबड्डी (महिला) टीम का प्रबंधक नियुक्त किया गया।
- डॉ. कुमारी सीमा को 24 से 27 दिसंबर, 2024 तक केआईआईटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में आयोजित अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय तीरंदाजी टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय तीरंदाजी (पुरुष और महिला) टीम का प्रबंधक नियुक्त किया गया। टीम ने पुरुष व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।
- डॉ. उर्मिल वत्स ने दिल्ली, भारत में मानव सुरक्षा और वैश्विक शासन पर आयोजित IIHSG दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2024 में सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र का पुरस्कार जीता। यह कार्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग, चटगाँव विश्वविद्यालय (बांग्लादेश), रक्षा एवं सामरिक अध्ययन विभाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय (शिमला), ET, SVG वाज़े महाविद्यालय (मुंबई), और सेंटर फॉर फील्ड लर्निंग (अहमदाबाद) के सहयोग से अक्तूबर 2024 में आयोजित किया गया।
- डॉ. विकास मलिक को हरियाणा इतिहास कांग्रेस, 2024 में एक शोध-पत्र के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर के लिए प्रो. केसी यादव मेमोरियल पुरस्कार मिला।
- डॉ. वंदना ने हिंदी दिवस 2024-25 के अवसर पर राजकमल प्रकाशन समूह द्वारा आयोजित लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया

छात्र

- हिमांशी, बी.ए. (पी) तृतीय वर्ष ने 6 अक्तूबर, 2024 को होटल ताज एम्बेसडर, दिल्ली में सोसाइटी ऑफ इंडियन बेकर्स और यूएसए ब्लूबेरीज़ द्वारा आयोजित रेसिपी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान द्वितीय वर्ष की छात्रा सुश्री कनक शर्मा ने ओपन एथलेटिक्स टूर्नामेंट, 2025 में डिस्कस थ्रो में कांस्य पदक जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान द्वितीय वर्ष की छात्रा सुश्री कनक शर्मा ने फरवरी 2025 में दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय एथलेटिक्स टूर्नामेंट में शॉटपुट में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान द्वितीय वर्ष की छात्रा सुश्री कनक शर्मा ने ओपन एथलेटिक्स टूर्नामेंट, 2025 में शॉटपुट में रजत पदक जीता।
- सुश्री ख़ुशी अवाना, बी.एससी (ऑनर्स) गणित द्वितीय वर्ष, ने फरवरी 2025 में दिल्ली विश्वविद्यालय इंटर महाविद्यालय एथलेटिक्स टूर्नामेंट में 1500 मीटर में कांस्य पदक जीता।
- सुश्री ख्याति वसून, बी.ए. (ऑनर्स) अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान ने दिल्ली विश्वविद्यालय परीक्षा में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

- बी.ए. (कार्यक्रम) प्रथम वर्ष की छात्रा सुश्री संजू ने जूनियर नेशनल सॉफ्टबॉल चैंपियनशिप 2024 में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया और प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- सुश्री शेनाज रहमान, बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल, ने शहीद भगत सिंह महाविद्यालय में आयोजित अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिता में "सर्वश्रेष्ठ वाद-विवादकर्ता" का पुरस्कार जीता।
- सुश्री सोनम, बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल, ने शहीद भगत सिंह महाविद्यालय द्वारा आयोजित फेस पेंटिंग प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार जीता।
- क्रिकेट में, तन्नू यादव ने अंतर-विश्वविद्यालय स्तर पर खेला।
- हर्षिता रावत ने अंतर-विश्वविद्यालय स्तर पर टीम का प्रतिनिधित्व किया।

प्रकाशन (पुस्तकें/पुस्तक में अध्याय)

पुस्तकें

अरोड़ा, एस. (2024). जेंडर बाइनरी से परे: जेंडर विविधता वाले बच्चे को समझना। रंगनाथन, एन. (सं.) में। बचपन और किशोरावस्था पर समकालीन दृष्टिकोण। (प्रथम संस्करण: पृष्ठ 212-229) रूटलेज, भारत। इसके लिए लिंक: https://www.taylorfrancis.com/books/edit/10.4324/9781003505501/contemporary-perspectives-childhood-adolescence-namita-ranganathan

मीना, एस.डी. (2024). आदिवासी महिलाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए संवैधानिक प्रावधान और सरकारी नीतियाँ। एएफएम मलिक और सी. दास (सं.), मानवाधिकार और सामाजिक न्याय (पृष्ठ 46) में। सनबीम। आईएसबी.ए.न 978-93-93092-59-5

पुस्तकों के अध्याय

गुलाटी, एन. (2024). शून्य बिंदु से यात्रा: नंदिनी साहू की कविता में पहचान, भावना और सशक्तिकरण। वी. कुमार (सं.), *नंदिनी साहू का रचनात्मक संसार* (पृष्ठ 91-105)। ऑथर्स प्रेस।

वाधवा, टी. (2024). गुणात्मक शोध में शोधकर्ताओं की स्थिति: सामाजिक विज्ञान शोधों में व्यक्तिपरकता। एससी दास (सं.) द्वारा *भारत में सामाजिक विज्ञान विषयों में शोध वातावरण।* रिलायंस।

वाधवा, टी. (2025)। आत्म और पहचान की धारणाओं का विखंडन। एन. रंगनाथन (सं.), *समकालीन परिप्रेक्ष्य बचपन और किशोरावस्था पर: विकास, विविधता और समावेशन।* रूटलेज। (आईएसबी.ए.न 9781032826608) https://doi.org/10.4324/9781003505501

जर्नल लेख

- भाटिया, एस. (2024). स्कूली लड़कियों में पालन-पोषण की धारणा और संज्ञानात्मक विकृतियाँ. जर्नल ऑफ द इंडियन एकेडमी ऑफ अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान, 50(2), 103-110.

- भाटिया, एस. (2024). महाविद्यालय के छात्रों में टालमटोल: व्यक्तित्व लक्षणों और कथित पालन-पोषण के साथ संबंध. जर्नल ऑफ द इंडियन एकेडमी ऑफ अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान, 50(2), 67-74.
- डोगरा, के., कुमार, एम., सिंह, एस., और बहुखंडी, के.डी. (2025)। माइक्रोप्लास्टिक्स, पॉलीफ्लोरोएल्काइल पदार्थों और अंतःस्रावी विघटनकर्ताओं के बीच परस्पर क्रिया को समझना: सोखना गतिकी और विषाक्तता। केमिकल इंजीनियरिंग में वर्तमान राय, 48, 101126। https://doi.org/10.1016/j.coche.2025.101126
- हुसैन, एम.ए. (2025). हिमाचल प्रदेश, भारत के लाहौल-स्पीति ज़िले में वर्षा और तापमान का प्रवृत्ति विश्लेषण। फ्रंटियर्स इन क्लाइमेट, 6, 1348132. https://doi.org/10.3389/fclim.2024.1348132
- जैन, एम., कौर, एच., गुप्ता, बी., गेरा, जे., और कालरा, वी. (2025)। डोमेन-विशिष्ट शब्दावली के गतिशील विकास के लिए वृद्धिशील शिक्षण एल्गोरिथ्म, इसकी स्थिरता और प्लास्टिसिटी विश्लेषण के साथ। साइंटिफिक रिपोर्ट्स, 15(1), 1-16। https://doi.org/10.1038/s41598-024-78785-6
- कुमार, एम., और कुमार, एस. (2024). बिहार में जाति और चुनावी राजनीति के बदलते आयाम. शोधकोश: जर्नल ऑफ़ विज़ुअल एंड परफ़ॉर्मिंग आर्ट्स, 5(1), 1047-1052. https://doi.org/10.29121/shodhkosh.v5.i1.2024.2627
- कुमार, पी. (2024). भू-स्थानिक तकनीक का उपयोग करके पारिस्थितिक लचीलेपन के लिए बहुउद्देशीय ग्रीनवे नेटवर्क की पहचान: भारत में दक्षिणी दिल्ली जिले का केस स्टडी. पारिस्थितिकी में अनुसंधान, 6(4).
- कुमार, पी. (2025). पटना शहरी समूह में क्षेत्रीय पारिस्थितिकी को प्रभावित करने वाले भूमि उपयोग और भूमि आवरण परिवर्तनों का स्थानिक-कालिक मूल्यांकन। पारिस्थितिकी में अनुसंधान, 7(1)।
- कुमार, पी., कुमार, एस., और शर्मा, डी. (2024). बिहार में जातीय पहचान और चुनावी राजनीति: आज़ादी से लेकर मंडल की राजनीति तक। शोधकोश: दृश्य और प्रदर्शन कला पत्रिका, 5(2), 541-546। https://doi.org/10.29121/shodhkosh.v5.i2.2024.2613
- कुमार, एस. (2024). नीति अनुसंधान और डेटा संग्रह की चुनौतियाँ: भारत के उत्तरी हिंदी पट्टी से एक क्षेत्रीय दृष्टिकोण. मध्य प्रदेश जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज, 29(1).
- कुमार, एस. (2024). भारत की संविधान सभा: आम सहमति की प्रधानता और असहमति के लिए जगह. इंडियन जर्नल ऑफ पॉलिटिकल साइंस, 85(1).
- कुमार, एस. (2024). साइबर अंतरिक्ष, किशोर 1. में महिला उत्तर, संस्था चुनौतियाँ और उपाय : दिल्ली और : एन सी आर क्षेत्रों का एक अध्ययन. लोक प्रशाशन, 15(2),
- मिश्रा, एम.एम. (2025). भारत में दार्जिलैंगिक चाय के उत्पादन पर वर्षा और तापमान में परिवर्तन का प्रभाव। एटमॉस्फियर, 16(1). https://doi.org/10.3390/atmos16010001

- साहू, एन., केशरवानी, आर., दास, पी., कुमार, ए., वरुण, ए., सैनी, ए., मलिक, एस.के., और मिश्रा, एम.एम. (2025)। भारत में चावल की खेती की स्थानिक-कालिक गतिशीलता। ट्रॉपिकल इकोलॉजी, 66(1), 152-167। https://doi.org/10.1007/s42965-025-00368-x
- रमन, ई. (2025). पटना शहरी समूह में क्षेत्रीय पारिस्थितिकी को प्रभावित करने वाले भूमि उपयोग और भूमि आवरण परिवर्तनों का स्थानिक-कालिक मूल्यांकन। पारिस्थितिकी में अनुसंधान, 7(1)।
- सलमान, एम., और दास, आर. (2024). एक सदिश के सापेक्ष बहु-संवेदनशील गैर-स्वायत्त प्रणालियों की गतिशीलता. मलेशियाई गणितीय विज्ञान सोसाइटी का बुलेटिन, 47(2). https://doi.org/10.1007/s40840-023-01644-6
- शाह, एन. (2024). परंपराओं को जोड़ना: औपनिवेशिक भारत में मालवीय और विज्ञान का एकीकरण। जर्नल ऑफ साइंटिफिक टेम्पर, 12(4), 114-124. https://doi.org/10.56042/jst.v12i4.12371
- शाह, एन. (2024). आजीवन शिक्षा का अधिकार और सतत विकास लक्ष्य: एक अवलोकन. इंडियन जर्नल ऑफ एडल्ट एजुकेशन, 85(2), 51-61.
- शाह, एन. (2024). कक्षा में विश्व इतिहास पढ़ाना: दायरा और प्रासंगिकता. भारतीय ऐतिहासिक अध्ययन, 21(1).
- सिंह, एमके, अहमद, जे., रघुवंशी, केके, और आलम, एमए (2024). इंडडीपफेक: एक बहुविध प्रतिकूल नेटवर्क के माध्यम से भारत में गलत सूचना के प्रसार को कम करना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट सिस्टम्स एंड एप्लीकेशन इन इंजीनियरिंग, 12(1), 81-97।
- सिंह, एमके, अहमद, जे., रघुवंशी, केके, और आलम, एमए (2025)। फर्जी खबरों का पता लगाने के लिए एक नया एन्सेम्बल मॉडल भारतऑथेंटिकनेट: प्रयोग और प्रदर्शन विश्लेषण। अरेबियन जर्नल फॉर साइंस एंड इंजीनियरिंग। https://doi.org/10.1007/s13369-025-09975-1
- सिंह, एस.के. (2024). स्मार्ट ग्रिड में नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण के लिए बुद्धिमान नियंत्रण प्रणालियों का डिज़ाइन और अनुकूलन। नैनोटेक्नोलॉजी परसेप्शन, 20(S8)। https://doi.org/10.62441/nano-ntp.vi.2462
- सिंह, एस.के. (2024). हृदय-फुफ्फुसीय स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण का प्रभाव: आणविक तंत्र और निवारक रणनीतियाँ। अफ़्रीकन जर्नल ऑफ़ बायोमेडिकल रिसर्च, 27. https://doi.org/10.53555/AJBR.v27i3.4333
- सिंह, एस.के. (2025). सांस्कृतिक परिदृश्य और सतत पर्यटन विकास: संरक्षण और आर्थिक विकास में संतुलन। जर्नल ऑफ एप्लाइड बायोएनालिसिस, 11(1)।
- सिंघल, ए., और बेदी, पी. (2024). यूएसटेग-डीएसई: डेंसनेट का उपयोग करके स्क्वीज़ और एक्साइटेशन नेट के साथ विलयित सार्वभौमिक मात्रात्मक स्टेग्नालिसिस ढाँचा। सिग्नल प्रोसेसिंग: इमेज कम्युनिकेशन, 128, 117171। https://doi.org/10.1016/j.image.2024.117171

- तिवारी, सी., भटनागर, एस., और कुमारी, आर. (2025)। आजीविका चलाना: यह समझना कि चक्रीय अर्थव्यवस्था दीर्घकालिक पारिस्थितिकी तंत्र पुनर्स्थापन और जैव विविधता संरक्षण में कैसे योगदान दे सकती है। पी. सिंह, पी. श्रीवास्तव, और ए. सोरोकिन (सं.), सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में प्रकृति-आधारित समाधान। स्प्रिंगर, चाम। https://doi.org/10.1007/978-3-031-76128-7_9
- उनियाल, सी. (2024). जेंडर बजटिंग के माध्यम से महिला सशक्तिकरण: भारत का एक केस स्टडी. जूनी ख्यात
- वत्स, यू. (2025). सतत विकास और जलवायु परिवर्तन: सभ्यता के लिए एक ख़तरा-दिल्ली का एक केस स्टडी. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ ऑल रिसर्च एजुकेशन एंड साइंटिफिक मेथड्स, 13(1).
- वत्स, यू. (2024). गांधीवादी दृष्टिकोण में सतत विकास और समग्र दृष्टिकोण. थर्ड कॉन्सेप्ट: एन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ आइडियाज़, 38(445).
- वत्स, यू. (2025)। सतत विकास: महिला और विकसित भारत-एक समग्र दृष्टिकोण। जूनी ख्यात.

अनुसंधान परियोजनाएं

- ईवीएस विभाग के डॉ. चंद्रांशु को विजन विकसित भारत@2047 के लिए विशेष आह्वान के तहत ₹10,00,000/- स्वीकृत किए गए हैं, जो भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त-पोषित है।
- भूगोल विभाग के डॉ. मार्तंड एम. मिश्रा को एक लघु शोध परियोजना, "भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में वेक्टर जनित रोगों की जलवायु परिवर्तनशीलता और सुभेद्यता आकलन" के लिए प्रधान अन्वेषक के रूप में ₹450,000/- स्वीकृत किए गए हैं। यह परियोजना दिल्ली विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस द्वारा वित्त-पोषित है।
- भूगोल विभाग की डॉ. मुनेश कुमारी को एक शोध परियोजना, "हरियाणा में भूजल जल-रसायन-विज्ञान और स्वास्थ्य जोखिम मूल्यांकन में भूमि-उपयोग/आवरण परिवर्तन का प्रभाव" के लिए प्रधान अन्वेषक के रूप में ₹800,000/- स्वीकृत किए गए हैं। यह परियोजना भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR), भारत सरकार द्वारा वित्त-पोषित है।
- डॉ. नमिता कुमारी को "पूर्वोत्तर में अवसंरचना विकास और भूटान एवं बांग्लादेश के साथ संबंधों के परिप्रेक्ष्य" शीर्षक से एक शोध परियोजना सौंपी गई है, जो 2025-27 की अवधि के लिए प्रधान अन्वेषक के रूप में कार्यरत हैं। इस परियोजना को आईसीएसएसआर द्वारा ₹18,00,000/- की स्वीकृत राशि से वित्त-पोषित किया गया है।
- डॉ. नमिता कुमारी, “भारत में उच्च शिक्षा सामाजिक उत्तरदायित्व: चार केंद्रीय विश्वविद्यालयों का तुलनात्मक अध्ययन” नामक परियोजना की प्रमुख अन्वेषक हैं, जिसे वर्ष 2024-25 के लिए आईसीएसएसआर द्वारा ₹9,50,000/- की स्वीकृत राशि के साथ वित्त-पोषित किया गया है।
- ईवीएस विभाग की डॉ. नाजिया तलत को वर्ष 2024-25 के लिए सौर ऊर्जा और स्थिरता पर सहयोगात्मक अनुभवजन्य अनुसंधान के लिए आईसीएसएसआर के आह्वान के तहत एक

परियोजना शीर्षक: "भारत में सौर अपशिष्ट प्रबंधन के लिए नीतिगत अनिवार्यताएं" से सम्मानित किया गया है।

- डॉ. संजीव कुमार को वर्ष 2025-26 के लिए "अहिल्याबाई होल्कर के विचारों में सामंजस्य और विकास के मॉडल: चयनित उत्तरी भारतीय राज्यों में उनके दृष्टिकोण और कार्यों का दस्तावेजीकरण" शीर्षक से एक शोध परियोजना स्वीकृत की गई है। यह परियोजना भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), दिल्ली द्वारा ₹7,50,000/- (प्रगतिशील) की अनुदान राशि से वित्त-पोषित है।
- डॉ. संजीव कुमार को आईसीएसएसआर, दिल्ली द्वारा वित्त-पोषित, “भारत के दक्षिणी राज्यों में धर्मांतरित लोगों के कानून, जीवन-जगत और सीमांतता को समझना” (एफ. सं. आईसीएसएसआर/आरपीडी/एमजे/2023-24/एसटी/44) शीर्षक से एक शोध परियोजना प्रदान की गई है, जिसमें वर्ष 2024-25 (चालू) के लिए कुल ₹14,00,000/- का अनुदान दिया जाएगा।
- डॉ. संजीव कुमार को आईसीएसएसआर द्वारा वर्ष 2024-25 के लिए ₹14,00,000/- की अनुदान राशि के साथ, “सहकारी संघवाद और शिक्षा तक पहुंच: भारत में चयनित 'आकांक्षी जिलों' का एक अध्ययन” (एफ. सं. आईसीएसएसआर/आरपीडी/एमजे/2023-24/जी/33) नामक एक परियोजना प्रदान की गई है।
- एम. सलमान, गणित विभाग, को वर्ष 2024-25 के लिए इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस साइंस, दिल्ली विश्वविद्यालय के संकाय अनुसंधान कार्यक्रम के अंतर्गत सह-प्रमुख अन्वेषक के रूप में लघु अनुसंधान अनुदान के लिए ₹500,000/- की राशि स्वीकृत की गई है।

दायर/स्वीकृत पेटेंट

- डॉ. आमना मिर्ज़ा ई-गवर्नेंस भागीदारी उपकरण, आवेदन संख्या: 441392-001 सीबीआर संख्या: 223685 सीबीआर तिथि: 20/12/2024 16:27:25, पेटेंट, डिज़ाइन और ट्रेडमार्क महानियंत्रक

आयोजित संगोष्ठियां

- पांडिचेरी विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के डॉ. राघव ने 5 नवंबर, 2024 को “आयुर्वेद: दक्षिण भारत में परंपरा” पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली के सहायक प्रोफेसर: डॉ. ऋषभ मिश्रा ने 29 अगस्त, 2024 को “स्कूल को अनुसंधान के क्षेत्र के रूप में तलाशने के लिए डेटा संग्रह की तकनीक” पर एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया।
- परामर्श मनोवैज्ञानिक और ग्राफोलॉजिस्ट सुश्री राधिका सेठी शर्मा ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के सम्मान में 9 अक्तूबर, 2024 को “कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना” विषय पर एक व्याख्यान दिया।

- प्रोफेसर जया त्यागी, सुश्री बी रॉलेट और सुश्री एकता कुमार, प्रसिद्ध स्तंभकार, वक्ता और कलाकार, ने 28 जनवरी, 2025 को "लैंगिक की खोज: अवधारणाएं, बातचीत और परिवर्तन" पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी और कार्यशाला आयोजित की।
- जामिया मिलिया इस्लामिया के भूगोल विभाग के प्रोफेसर अतीकुर रहमान ने 15 जनवरी, 2025 को "एलयूएलसी परिवर्तन, शहरी फैलाव और वनस्पति आवरण निगरानी और मॉडलैंगिक के लिए पृथ्वी अनुसंधान उपग्रह डेटासेट का अनुप्रयोग" पर एक व्याख्यान दिया।

आयोजित सम्मेलन

- *"जवाहरलाल नेहरू पर पुनर्विचार"* शीर्षक से एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में नेहरू की धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र और राष्ट्रीय एकता की स्थायी विरासत पर विचार-विमर्श किया गया, साथ ही 1962 के चीन-भारतीय युद्ध के दौरान उनके नेतृत्व और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की उनकी रक्षा पर भी चर्चा की गई।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

- 7 फरवरी 2025 को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीसीएनए) के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। सहयोग के परिणामस्वरूप, महाविद्यालय में 5-6 मार्च, 2025 को दो दिवसीय साहित्य महोत्सव का आयोजन किया गया।
- 13 जनवरी, 2025 को दीया दिल्ली फाउंडेशन के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। समझौता-ज्ञापन के तहत, 11 महीने की अवधि के लिए ऑनलाइन संभवम काउचिंग क्लास शुरू की गई।
- मार्च 2025 में डीयू.टुडे और कनेक्ट कान्स के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। समझौता-ज्ञापन के तहत, डीयू.टुडे ने महाविद्यालय सांस्कृतिक उत्सव सृजन '25 से कनेक्ट करो प्लेटफॉर्म पर मीडिया आउटरीच, डिजिटल जुड़ाव और जैविक सत्यापित उपयोगकर्ता वृद्धि की सुविधा प्रदान करने पर सहमति व्यक्त की।
- 8 जनवरी, 2025 को गिव मी ट्रीज़ ट्रस्ट के साथ एक समझौता-ज्ञापन। समझौता-ज्ञापन के तहत, अपशिष्ट प्रबंधन का उपयोग करते हुए टिकाऊ पर्यावरण और उद्यमिता पर एक अभिनव कार्यक्रम शुरू किया गया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

- सीएसटीटी (वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग) के साथ सहयोग, जिसके तहत डॉ. चारु गोयल ने मार्च 2025 में दो दिवसीय कार्यशाला के संयोजक के रूप में कार्य किया। इस साझेदारी का उद्देश्य हिंदी तकनीकी शब्दावली के मानकीकरण को बढ़ावा देना और भाषा पेशेवरों और शिक्षकों के बीच अकादमिक नेटवर्किंग को बढ़ावा देना है।

- महाविद्यालय में अंगदान जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन के लिए दधीचि देहदान समिति और WUS-DUC के सहयोग से। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को अंगदान के महत्व और प्रक्रिया के बारे में शिक्षित करना था।
- 15 नवंबर, 2024 को राजीव गांधी फाउंडेशन और राजीव गांधी स्टडी सर्किल के साथ मिलकर "जवाहरलाल नेहरू पर पुनर्विचार" शीर्षक से एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस शैक्षणिक साझेदारी का उद्देश्य नेहरू की धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र और राष्ट्रीय एकता की स्थायी विरासत पर विचार-विमर्श करना था, साथ ही 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान उनके नेतृत्व और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की उनकी रक्षा पर भी चर्चा की जाएगी।
- 14 अक्तूबर से 19 अक्तूबर, 2024 तक रामानुजन महाविद्यालय के साथ सहयोग करते हुए, "सतत खाद्य विकास: भारतीय परंपराओं में सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक दृष्टिकोणों का एकीकरण" विषय पर एक अल्पकालिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य भारतीय परंपराओं और समकालीन चुनौतियों के परिप्रेक्ष्य में सतत खाद्य प्रणालियों का अन्वेषण करना और विभिन्न विषयों में संवाद को प्रोत्साहित करना था। भारत भर के विश्वविद्यालयों के कुल 140 संकाय सदस्यों ने इसमें भाग लिया, जो कार्यक्रम की राष्ट्रीय पहुँच और शैक्षणिक प्रासंगिकता को दर्शाता है।
- मार्च 2024 में श्याम लाल महाविद्यालय (सांध्यकालीन) के साथ मिलकर "हिंदी रंगमंच परंपरा: विविधता और विकास" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इस शैक्षणिक साझेदारी का उद्देश्य विद्वानों, शिक्षकों और छात्रों को हिंदी रंगमंच के ऐतिहासिक विकास और समकालीन प्रासंगिकता पर चर्चा हेतु एक साझा मंच प्रदान करना है। इस सहयोग से अंतःविषय संवाद को बढ़ावा मिला और शोध-पत्र प्रस्तुतियों और पैनल चर्चाओं के माध्यम से ज्ञान का आदान-प्रदान हुआ।

एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत छात्र

- श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के साथ राजस्थान विश्वविद्यालय और राजस्थान शिक्षा ट्रस्ट के बीच एक समझौता-ज्ञापन के तहत, 19 से 20 अक्तूबर, 2024 तक एक व्याख्यान सह शैक्षणिक आदान-प्रदान कार्यक्रम, प्रदर्शनी और हेरिटेज वॉक का आयोजन किया गया। बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास के 18 छात्र राजस्थान गए और ऐतिहासिक शिक्षा, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दो दिवसीय व्याख्यान सह शैक्षणिक आदान-प्रदान कार्यक्रम, प्रदर्शनी और हेरिटेज वॉक में भाग लिया।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

29 (.02)

कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या:

63

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- परिवार परामर्श केंद्र (एफसीसी) ने जागरूकता बढ़ाने, आशा को बढ़ावा देने और मानसिक स्वास्थ्य को कलंकमुक्त करने के लिए 11 सितंबर, 2024 को एक नुक्कड़ नाटक के साथ आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया।
- एफसीसी ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में अक्तूबर, 2024 को "अपने मानसिक स्वास्थ्य का पोषण स्वयं करें" कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें बागवानी और प्रकृति से जुड़ाव के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता और आत्म-देखभाल पर प्रकाश डाला गया।
- एनएसएस स्वयंसेवकों ने 19 दिसंबर, 2024 को शिवाजी पार्क स्लम्स में कपड़े और स्टेशनरी वितरण अभियान का आयोजन करके आवश्यक आवश्यकताओं को पूरा किया।
- एनएसएस स्वयंसेवक 5 फरवरी, 2025 को एसडीएम कार्यालय, तिलक नगर में मतदान दिवस ड्यूटी पर रहेंगे और लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए मतदाता जागरूकता अभियान चलाएंगे।
- एनएसएस स्वयंसेवकों ने 20 सितंबर, 2024 को सैनिटरी पैड वितरण अभियान का आयोजन किया, एक पैड मशीन का उद्घाटन किया और शिक्षा का प्रसार करने तथा स्वच्छता उत्पादों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए मासिक धर्म स्वच्छता जागरूकता सत्रों का नेतृत्व किया।
- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, 8 मार्च, 2025 को शकूर बस्ती में पैड वितरित किए गए, जिससे मासिक धर्म संबंधी वर्जनाओं को तोड़ा गया और महिलाओं की भलाई को बढ़ावा दिया गया।
- शिक्षा को बढ़ावा देते हुए एनएसएस स्वयंसेवकों ने 28 फरवरी, 2025 को डिलाइट पब्लिक स्कूल, द्वारका में पुस्तकालय अभियान, पुस्तक प्रदर्शनी और स्वास्थ्य शिक्षा कार्यशालाओं का आयोजन किया, जिसमें प्राथमिक विद्यालय के छात्रों को स्वच्छता और स्वस्थ आदतों के बारे में बताया गया।
- एनएसएस इकाई ने प्रोजेक्ट उड़ान के माध्यम से 1 फरवरी से 23 फरवरी, 2025 तक मादीपुर स्लम क्षेत्रों के वंचित बच्चों को शिक्षा और आवश्यक जीवन कौशल से सशक्त बनाया।
- एनएसएस स्वयंसेवकों ने 20 अक्तूबर, 2025 को वैश्विक रोटी दिवस के अवसर पर जागरूकता अभियान चलाया और वंचित बच्चों को भोजन, किताबें और शैक्षिक संसाधन वितरित किए।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय पुस्तकालय में 88,015 खंडों का एक विशाल संग्रह है, जिसमें खरीदी और दान की गई पुस्तकें, जर्नल और पत्रिकाएँ शामिल हैं। पुस्तकालय सक्रिय रूप से 21 जर्नल, 39 पत्रिकाएँ और 10

समाचार-पत्र खरीदती है। दूरस्थ पहुँच के महत्व को समझते हुए, पुस्तकालय एन-लिस्ट, डीयू ई-पुस्तकालय और ओएनओएस के माध्यम से ई-संसाधनों की एक विस्तृत श्रृंखला तक पहुँच प्रदान करती है। एन-लिस्ट कई ई-पुस्तकों, ई-जर्नल्स और ई-डेटाबेस तक ऑनलाइन पहुँच प्रदान करता है। डीयू ई-पुस्तकालय लाखों संसाधनों तक पहुँच प्रदान करती है, जिसमें 25,000 से अधिक ई-जर्नल्स और 88,000 ई-पुस्तकें शामिल हैं, जो कभी भी और कहीं भी उपलब्ध हैं। वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ओएनओएस) पहल के माध्यम से, उपयोगकर्ता 30 प्रकाशकों की 13,000 से अधिक पत्रिकाओं तक पहुँच सकते हैं। दृष्टिबाधित छात्रों की पहुँच बढ़ाने के लिए, पुस्तकालय ने किबो डिवाइस सॉफ्टवेयर की सदस्यता ली है। किबो डिवाइस विभिन्न भारतीय भाषाओं में मुद्रित, हस्तलिखित और डिजिटल पाठ को पढ़ और अनुवाद कर सकता है। पुस्तकालय समिति ने महाविद्यालय परिसर में पुस्तक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया।

संकाय संख्या

कुल: 209-(प्रोफेसर-21 एसोसिएट प्रोफेसर-29 और सहायक प्रोफेसर:-132, तदर्थ -9, अतिथि-18)

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित अनुदान : ₹ 70.65/-

उपयोगित अनुदान : ₹ 68.77/-

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- संगीत विभाग के विद्यार्थियों को डीआरडीओ, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, दिल्ली में 'सितार सिम्फनी' प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया है।
- 20 से 24 फरवरी, 2025 तक दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय हॉकी (महिला) टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा।
- 17 से 21 फरवरी, 2025 तक दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय कबड्डी (महिला) टूर्नामेंट का आयोजन
- दिल्ली पुलिस के साथ आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया (14-25 अक्तूबर 2024)।
- एनसीसी महाविद्यालय इकाई ने वर्ष 2024-25 में विभिन्न राष्ट्रीय शिविरों और अंतर-महाविद्यालयी स्पर्धाओं में 50 से अधिक ट्रॉफियाँ जीतीं। कैडेटों ने अखिल भारतीय थल सैनिक शिविर और उन्नत नेतृत्व शिविर जैसे प्रतिष्ठित शिविरों में स्क्वाड ड्रिल, क्वार्टर गार्ड, रस्साकशी, समूह नृत्य, बाधा दौड़ और भाषण जैसी स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।
- एसपीएमसी हॉकी टीम ने डीयू इंटर-महाविद्यालय टूर्नामेंट में दूसरा स्थान, श्याम लाल महाविद्यालय टूर्नामेंट में तीसरा स्थान और स्टेट व ओपन स्टेट दोनों टूर्नामेंट में प्रथम स्थान

प्राप्त किया। हॉकी खिलाड़ी अंशु, पूजा, अंजलि और तारा का चयन दिल्ली विश्वविद्यालय हॉकी टीम में हुआ और उन्होंने इंटर-यूनिवर्सिटी हॉकी खेली।

- एसपीएमसी कबड्डी टीम ने अखिल भारतीय ओपन राष्ट्रीय टूर्नामेंट में तीसरा स्थान, डीयू इंटर महाविद्यालय टूर्नामेंट में दूसरा, राज्य स्तर पर तीसरा और ओपन स्टेट टूर्नामेंट में पहला स्थान प्राप्त किया, जिसमें खिलाड़ी कुकुम, नैन्सी और अंशुल ने अंतर-विश्वविद्यालय स्तर पर टीम का प्रतिनिधित्व किया।
- एसपीएमसी खो-खो टीम ने डीयू इंटर महाविद्यालय टूर्नामेंट में तीसरा स्थान, ओपन टूर्नामेंट में पहला स्थान और जिला स्तर पर दूसरा स्थान प्राप्त किया, जिसमें प्रिया और काजल ने इंटर यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट में खेला।
- एसपीएमसी वॉलीबॉल टीम ने ओपन टूर्नामेंट में प्रथम स्थान जीता।
- एसपीएमसी योग टीम ने ओपन स्टेट योग चैंपियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त कर गौरव बढ़ाया।

****

श्री अरबिंदो महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

श्री अरबिंदो महाविद्यालय ने कई महत्वपूर्ण पहलों और उपलब्धियों के साथ एक घटनापूर्ण और गतिशील शैक्षणिक वर्ष का अनुभव किया। 20 नवंबर 2024 को "साझा भविष्य, संयुक्त कार्य: 21वीं सदी के लिए दृष्टिकोण" विषय पर एक आदर्श संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन आयोजित किया गया, जिससे छात्रों में वैश्विक जागरूकता और कूटनीति को बढ़ावा मिला। रसायन-विज्ञान और अंग्रेजी विभागों ने छात्रों के बीच शोध को बढ़ावा देने के लिए ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला आयोजित की। वाणिज्य विभाग ने दो संकाय विकास कार्यक्रमों (एफडीपी) का आयोजन किया, जिनमें एनईपी पर एक राष्ट्रीय अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (5-14 अगस्त 2024) और "व्यावसायिक विश्लेषण और अनुसंधान पद्धति" पर एक सप्ताह का एफडीपी (19-26 दिसंबर 2024) शामिल है। दोनों कार्यक्रम यूजीसी-एमएमटीटीपी योजना के तहत रामानुजन महाविद्यालय के सहयोग से आयोजित किए गए। लर्निंग लिंक्स फ़ाउंडेशन के साथ साझेदारी में "पावर बीआई और पायथन का उपयोग करके डेटा एनालिटिक्स" पर पाँच दिवसीय प्रमाणन पाठ्यक्रम (4-8 नवंबर 2024) ने छात्रों को आवश्यक तकनीकी कौशल से सुसज्जित किया। महाविद्यालय ने दिल्ली विश्वविद्यालय के भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग के साथ परमाणु भौतिकी और अनुप्रयोगों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन-ICNPA 2024 (21-25 अक्तूबर 2024) की सह-मेजबानी भी की। दस दिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर (12-22 अप्रैल, 2024) ने भारत की भाषाई विरासत को बढ़ावा दिया। इंटर्नशिप मेले NEEV ने 70 से अधिक पेशेवर प्रोफ़ाइल वाली 47 से अधिक कंपनियों को आकर्षित किया, जबकि उद्यमिता प्रकोष्ठ द्वारा विज़नएक्स पॉडकास्ट श्रृंखला ने नवाचार को प्रेरित किया।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

- प्रोफेसर नमिता राजपूत: 28 मार्च, 2025 को उच्च शिक्षा में अकादमिक लीडर और जेंडर इक्विटी चैंपियन के रूप में मान्यता प्रमाणपत्र ।
- प्रोफेसर नमिता राजपूत: सीपीडी प्रमाणपत्र-प्रशिक्षक को प्रशिक्षित करें-लैंगिक संवेदीकरण, विविधता, यौन उत्पीड़न की रोकथाम, प्रोटचप्रो सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 6 अप्रैल, 2024 को।

छात्र

- रिया तोमर: 2023 बैच, अंग्रेजी ऑनर्स, यूपीएससी सीडीसीएस में अखिल भारतीय 22वां स्थान प्राप्त किया, तथा एसएसबी में पूरे भारत में तीसरा सर्वोच्च अंक प्राप्त किया।
- दिलीप कुमार: 2023 बैच, अंग्रेजी ऑनर्स, यूपीएससी सीडीसीएस में अखिल भारतीय रैंक 43 प्राप्त की।
- प्रियंका (बी.एससी लाइफ साइंसेज): अखिल भारतीय रैंक 503 प्राप्त की, और आईआईटी जेएएम-2025 बायोटेक्नोलॉजी के लिए अर्हता प्राप्त की।
- आयुष राव (बी.ए. (कार्यक्रम)): 1) अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय तीरंदाजी चैम्पियनशिप, भुवनेश्वर में स्वर्ण पदक, 2) गुवाहाटी में आयोजित प्रथम राष्ट्रीय रैंकिंग तीरंदाजी टूर्नामेंट में तीसरा स्थान, 3) कोलकाता में आयोजित 2025 के लिए एशिया कप स्टेज 1 ट्रायल में 5वां स्थान, 4) आईपी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित अंतर-महाविद्यालय तीरंदाजी प्रतियोगिता में दूसरा स्थान, 5) 38वीं हरियाणा राज्य तीरंदाजी चैम्पियनशिप में 3 स्वर्ण पदक और 1 कांस्य पदक, 6) खेलो हरियाणा खेलों में रजत और स्वर्ण पदक।
- ओम जी राय: 1) राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में रजत पदक, 2) राज्य मुक्केबाजी चैम्पियनशिप (दिल्ली और यूपी) में स्वर्ण पदक, 3) जिला चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक, 4) उत्तर क्षेत्र चैम्पियनशिप में रजत पदक।
- रोहित बिष्ट: 1) इंटरकॉलेजिएट जूडो चैंपियनशिप में रजत पदक, 2) कुश्ती इंटरकॉलेजिएट चैंपियनशिप में रजत पदक, 3) 40वीं दिल्ली राज्य कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक।
- तेजस शर्मा: अंतर-महाविद्यालय तलवारबाजी चैंपियनशिप में रजत पदक
- मनीष सिंह रावत: राष्ट्रीय जिम्नास्टिक चैंपियनशिप में रजत पदक
- बी.एससी. लाइफ साइंसेज प्रथम वर्ष के छात्रों ने आईएमएस गाजियाबाद द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में सर्वश्रेष्ठ शोध लेख के लिए दो पुरस्कार जीते!

- बी.एससी. लाइफ साइंसेज द्वितीय वर्ष के छात्रों ने 20-21 मार्च, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के रामजस महाविद्यालय के वनस्पति-विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित "औषधीय पौधों के वैश्विक परिप्रेक्ष्य: पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली से नैनोमेडिसिन तक" (आईसीजीपीएमपी-2025) विषय पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुति (यूजी श्रेणी) में तीसरा पुरस्कार प्राप्त किया।
- *बोधि इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन ह्यूमैनिटीज, आर्ट्स एंड साइंस* में "बियॉन्ड मॉन्स्टर्स: ह्यूमैनिटी इन फ्रैंकेनस्टाइन्स क्रिएचर एंड मिल्टन्स सैटन" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रकाशित किया।
- नम्रता सारस्वत: 2024 बैच, अंग्रेजी ऑनर्स, ने सहकर्मी-समीक्षित, रेफरीड और त्रैमासिक *बोधि इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन ह्यूमैनिटीज, आर्ट्स एंड साइंस में "द कलर पर्पल* के संबंध में *द कलर पर्पल की आलोचनात्मक प्रशंसा" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रकाशित किया।*
- लता बडोनी: 2024 बैच, अंग्रेजी ऑनर्स, ने सहकर्मी-समीक्षित, रेफरी और त्रैमासिक *बोधि इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन ह्यूमैनिटीज, आर्ट्स एंड साइंस* में "पौराणिक कथाओं में महिलाओं का खलनायकीकरण" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रकाशित किया।
- नव्या शुक्ला: 2024 बैच, अंग्रेजी ऑनर्स, ने सहकर्मी-समीक्षित, रेफरी और त्रैमासिक *बोधि इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन ह्यूमैनिटीज, आर्ट्स एंड साइंस में "द बर्डन ऑफ बीइंग: ग्रेपलैंगिक विद एक्सिस्टेंस एंड आइडेंटिटी इन मिसेज डैलोवे " शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रकाशित किया।*
- स्वप्निल शाश्वत: 2024 बैच, अंग्रेजी ऑनर्स, ने सहकर्मी-समीक्षित, रेफरी और त्रैमासिक *बोधि इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन ह्यूमैनिटीज, आर्ट्स एंड साइंस में "कॉमर्स, ईसाई धर्म और संस्कृति के चौराहे पर शाइलॉक" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रकाशित किया।*
- प्रीति शर्मा: 2024 बैच, अंग्रेजी ऑनर्स, ने सहकर्मी-समीक्षित, रेफरीड और त्रैमासिक *बोधि इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन ह्यूमैनिटीज, आर्ट्स एंड साइंस में " जेन आइरे टू वाइड सरगासो सी : ट्रांजिशन ऑफ कैरेक्टर ऑफ बर्था मेसन" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रकाशित किया।*
- वानिया सैयद: 2024 बैच, अंग्रेजी ऑनर्स, ने सहकर्मी-समीक्षित, रेफरी और त्रैमासिक *बोधि इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन ह्यूमैनिटीज, आर्ट्स एंड साइंस* में "विलियम वर्ड्सवर्थ की कविता में प्रकृति" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रकाशित किया।

प्रकाशन

- अग्रवाल, आर. (2024). परिवर्तनशील द्रव्यमान वाली प्रतिबंधित चार-पिंड समस्या में स्टोक्स ड्रैग और विकिरण दाब का अध्ययन। खगोल विज्ञान रिपोर्ट, 68, 698-727. https://doi.org/10.1134/S1063772924700586

- अग्रवाल, आर. (2024). एक नया अरैखिक SAZIQHR महामारी संचरण मॉडल: गणितीय मॉडलैंगिक, सिमुलेशन और इष्टतम नियंत्रण। फिजिका स्क्रिप्टा, 100(1). https://doi.org/10.1088/1402-4896/ad8700
- अग्रवाल, आर. (2024). विक्षुब्ध दीर्घवृत्तीय प्रतिबंधित त्रि-पिंड समस्या की गतिशीलता पर छद्म माध्य गति का प्रभाव। खगोल विज्ञान रिपोर्ट, 68, 938-947. https://doi.org/10.1134/S1063772924700768
- अग्रवाल, आर. (2025). शराब के सेवन पर सामाजिक जागरूकता के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए एक आंशिक क्रम आयु-संरचित मॉडल। फिजिका स्क्रिप्टा, 100(4). https://doi.org/10.1088/1402-4896/adbb91
- अग्रवाल, आर. (2025, मार्च)। गोलाकार प्राथमिक ग्रहों के साथ CR3BP में आवर्ती कक्षाओं की खोज के लिए फूरियर श्रृंखला पद्धति। खगोल विज्ञान रिपोर्ट, 68, 1317-1334। https://doi.org/10.1134/S1063772924600365
- अग्रवाल, आर. (2025, मई)। चपटे प्राथमिक के साथ CR3BP में एक परीक्षण कण की गतिकी में फूरियर श्रेणी का अनुप्रयोग। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नॉन-लीनियर मैकेनिक्स, 172. https://doi.org/10.1016/j.ijnonlinmec.2025.105030
- बोराह, डी., होजैसा, एस., सरमा, आई., मावी, ए.के., सिंह, टी., गुलाटी, ए., गोस्वामी, आर.के., और मारू, एस. (2025)। सीएआर-टी कोशिका चिकित्सा: कैंसर उपचार में अग्रणी इम्यूनोथेरेपी प्रतिमान। करंट फार्मास्युटिकल बायोटेक्नोलॉजी, 26. https://doi.org/10.2174/0113892010330322241113062555
- चौहान, ए., और क्वात्रा, वाई. (2025)। पोंटेडेरिया क्रैसिप्स (जलकुंभी) फीडस्टॉक के बायोएथेनॉल किण्वन पर तीन यीस्ट स्ट्रेन का तुलनात्मक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च, 12(2), 415-422।
- गुप्ता, एम., शर्मा, वी., और राजपूत, एन. (2024). नए उद्यमियों के उद्यमशीलता संबंधी इरादों पर उद्यमिता शिक्षा का प्रभाव। अभिज्ञान, 41(4), 15-27। https://doi.org/10.56401/Abhigyan_41.4.2023.15-27
- जैन, पी. (2024). निम्न क्रम के कला तत्वों के संयोजन से उच्च क्रम के लैगुएरे-गॉसियन किरणों का निर्माण। इंडियन जर्नल ऑफ प्योर एंड एप्लाइड फिजिक्स, 62, 638-641। https://doi.org/10.56042/ijpap.v62i8.10444
- जैन, पी. (2024). द्रव्यमान $98 \leq A \leq 118$ में ज्वारीय तरंग व्यवहार का पुनर्परीक्षण। बल्गेरियाई जर्नल ऑफ फिजिक्स, 51, 411-420. https://doi.org/10.55318/bgjp.2024.51.4.411

- कनौजिया, एस., और गुप्ता, एस. (2024). भारत के दिवाला संहिता का एक अनुभवजन्य विश्लेषण: पूर्व-पश्चात आर्थिक दक्षता पर आधारित परिप्रेक्ष्य। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लॉ एंड मैनेजमेंट। https://doi.org/10.1108/ijlma-04-2024-0107
- कनौजिया, आर., हुड्डा, एस., आर्य, बी., जोशी, ए., मिश्रा, एन., हिमांशु, सिंह, एमआर, यादव, एस., कौल, एस., और धीर, एन. (2025)। H2SO4 वातावरण में मृदु इस्पात के संक्षारण नियंत्रण हेतु 1-(पाइरिडाइल-2-एज़ो)-नैफ्थॉल-2 के विद्युत-रासायनिक और सैद्धांतिक अध्ययन। पर्यावरण के लिए सतत रसायन-विज्ञान, 9, 100202। https://doi.org/10.1016/j.scenv.2024.100202
- कौरा, आर., और राजपूत, एन. (2024). कमोडिटी बाज़ार में फ़्यूचर-स्पॉट संबंध: भारत में कमोडिटी सेगमेंट में तुलना. ग्लोबल बिज़नेस रिव्यू, 25(5), 1314-1335. https://doi.org/10.1177/09721509211017291
- कुमार, पी. (2024). फेनिल ग्लाइऑक्सल से संश्लेषित शिफ़ क्षारों की एंटीऑक्सीडेंट, रोगाणुरोधी और साइटोटॉक्सिक गतिविधियों का व्यापक मूल्यांकन: आणविक डॉकिंग और एडीएमईटी विश्लेषण से प्राप्त अंतर्दृष्टि। केमिस्ट्री सेलेक्ट, 9(37)। https://doi.org/10.1002/slct.202402450
- कुमार, पी. (2024). न्यूक्लियोसाइड डाइफॉस्फेट काइनेज के संभावित अवरोधक के रूप में शिफ बेस का इन विट्रो एंटीबैक्टीरियल मूल्यांकन और सिलिको डॉकिंग। इंडियन जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, 58(2s), S521-S531। https://doi.org/10.5530/ijper.58.2s.54
- कुमार, आर., कुमार, एम., राज, एस., रचना, आर., मिश्रा, जे., दुबे, एस.एम., कुमार, एस., अरिशम, डी.के., गौतम, जी., और मावी, ए.के. (2024). क्विटलाइन सेवाओं के माध्यम से तंबाकू छोड़ना: भारत में प्रभाव। मोनाल्डी आर्काइव्स फॉर चेस्ट डिजीज। https://doi.org/10.4081/monaldi.2024.2976
- लाहिरी, एस. (2024). क्या बैरेट समीकरण फेरोइलेक्ट्रिक्स और फेरोइलेक्ट्रिक पतली फिल्मों के परावैद्युतांक की व्याख्या के लिए सार्वभौमिक रूप से लागू है? जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च, 16(2), 517-526. https://doi.org/10.3329/jsr.v16i2
- मल्होत्रा, बी., राजपूत, एन., और भाटिया, एस.पी. (2024). कार्य मूल्यों, कार्य निष्पादन और कार्य संतुष्टि में पीढ़ीगत अंतर: उच्च शिक्षा क्षेत्र से अनुभवजन्य साक्ष्य। अनुभवजन्य अर्थशास्त्र पत्र, 23(6), 173-190। https://doi.org/10.5281/zenodo.13126942
- मगर, ए.वी., श्रीवास्तव, जी., राजपूत, एन., साहू, ए., कुमार, बी., प्रमाणिक, एस., और पांडे, डी. (2024). सुधारोत्तर काल में भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की लागत और लाभ दक्षताओं

की तुलना। एडवांसेज इन फाइनेंस, अकाउंटिंग एंड इकोनॉमिक्स (पृष्ठ 14-30) में। आईजीआई ग्लोबल। https://doi.org/10.4018/979-8-3693-1182-0.ch002

- मावी, ए.के. (2024). भारत की ग्रामीण आबादी में बायोमास ईंधन का दहन और क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज. द इंडियन जर्नल ऑफ चेस्ट डिजीज एंड अलाइड साइंसेज, 66(1), 11007-0108. https://doi.org/10.5005/jp-journals-11007-0108
- मावी, ए.के. (2024, अक्तूबर)। पादप रसायन-विज्ञान और पौधों में इसकी भूमिका। हंस शोध सुधा, 2(5), 26-45।
- मावी, ए.के. (2025). पर्यावरणीय पक्षियों के संपर्क से संबंधित अतिसंवेदनशीलता न्यूमोनाइटिस में कबूतरों के लटकने और पंखों में घर की धूल के प्रोटीन का स्तर: एक प्रायोगिक अध्ययन। लंग इंडिया, 42(1), 11-15. https://doi.org/10.4103/lungindia.lungindia_205_24
- मावी, ए.के. (2025, जनवरी)। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में एआई का उभरता प्रभाव: एक समीक्षा। यूरोपियन जर्नल ऑफ एनवायरनमेंट एंड पब्लिक हेल्थ, 9(1)। https://doi.org/10.29333/ejeph/15905
- निशा, पुरी, एन., राजपूत, एन., और सिंह, एच. (2024). विकल्प मूल्य निर्धारण मॉडल के आधार और रुझान: ग्रंथसूची विश्लेषण पर आधारित 45-वर्षीय वैश्विक परीक्षण। वित्तीय बाजारों में गुणात्मक अनुसंधान, 16(5), 880-914। https://doi.org/10.1108/QRFM-05-2022-0092
- राजपूत, एन. (2024). विविधता, समानता और समावेशन के माध्यम से संगठनात्मक स्थिरता को बढ़ाना: संगठनात्मक व्यवहार और मानव संसाधन विकास प्रथाओं की समीक्षा. जर्नल ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, 20, 53-61.
- राजपूत, एन. (2024). फिनटेक का वैश्विक अंगीकरण। फिनटेक की क्रांतिकारी चुनौतियाँ और अवसर (पृष्ठ 13-32) में। एप्पल एकेडमिक प्रेस। https://doi.org/10.1201/9781003428718-2
- राजपूत, एन., चोपड़ा, के., और खट्टर, के. (2024). भारत में चुनिंदा सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों में हरित बैंकिंग पहल का विश्लेषण। रवींद्र भारती पत्रिका, 27(7)।
- राजपूत, एन., मल्होत्रा, बी., और भाटिया, एस.पी. (2024). दिल्ली/एनसीआर में शिक्षाविदों की विभिन्न पीढ़ियों में नौकरी की संतुष्टि के स्तर का आकलन। मध्य भारती-मानविकी और सामाजिक विज्ञान, 87।
- सेनगुप्ता, सी. (2024). पुस्तक समीक्षा: ब्रिटेन में मुस्लिम प्रवासी: दक्षिण एशियाई मुस्लिम समुदायों में पहचान और अंतर्राष्ट्रीयता, सबा खान द्वारा। प्रवासी अध्ययन, 17(4), 427-430. https://doi.org/10.1163/09763457-bja10130

- सेनगुप्ता, सी., एवं सह-लेखक। (2024). स्वतंत्रता-पूर्व भारत में पत्रकारिता और मीडिया में उपनिवेशवाद-विरोधी मोड़: चंपारण, दांडी और धरसाना आंदोलनों पर विदेशी और भारतीय समाचार पत्रों की कवरेज ने गांधी को कैसे एक जाना-पहचाना नाम बना दिया। पत्रकारिता इतिहास, 51(1), 71-89। https://doi.org/10.1080/00947679.2024.2414372
- शर्मा, एम. (2024). पीवीडीएफ/पीएमएमए आधारित पीज़ोइलेक्ट्रिक झिल्ली पर सिल्वर-नाइट्रेट का प्रभाव। एआईपी सम्मेलन कार्यवाही, 2962(1), 020051. https://doi.org/10.1063/5.0192233
- सिंह, एम. (2025). रासायनिक अभिक्रिया द्वारा द्वि-फैलावदार छिद्रयुक्त माध्यम में विलयन-संचालित संवहन: ब्रिंकमैन मॉडल. ऊष्मा स्थानांतरण. https://doi.org/10.1002/htj.23333
- तागेजा, एन., मिश्रा, डी., चतुर्वेदी, वी., और राजपूत, एन. (2024). साइबर स्लैकिंग के पीछे क्या है? कार्यस्थल पर नौकरी के तनाव और नैतिक माहौल के प्रभावों की जाँच। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पब्लिक सेक्टर परफॉर्मेंस मैनेजमेंट, 14(3-4), 530-544। http://dx.doi.org/10.1504/IJPSPM.2024.10056214
- वर्मा, एस. (2024, मई)। महाकाव्य कथाओं की पुनर्कल्पना: वाल्मीकि और विवेकानंद द्वारा रचित रामायण का तुलनात्मक अध्ययन। रवींद्र भारती पत्रिका, 5(27), 144-148।

पुस्तकें/पुस्तक में अध्याय :

पुस्तकें

राजपूत, एन. (2024). *बिज़नेस से परे: आध्यात्मिकता से प्रेरित कार्यस्थल का विकास.* भारती प्रकाशन. आईएसबी.ए.न: 978-81-977655

राजपूत, एन. (एनडी). *सतत विकास के लिए हरित बैंकिंग रणनीतियाँ.* भारती प्रकाशन. आईएसबी.ए.न: 978-81-972897-9-8

राजपूत, एन. (एनडी)। *व्यावसायिक संगठन और प्रबंधन।* किताब महल प्रकाशक। आईएसबी.ए.न: 978-93-92080-99-9

राजपूत, एन. (एनडी)। *मानव विकास सिद्धांत: सिद्धांत से व्यवहार तक* [किंडल संस्करण]। ASIN: B0DR68WSL3

राजपूत, एन. (एनडी)। *इथियोपिया: उत्पत्ति की भूमि* (प्रथम संस्करण)। ऑरेंजबुक्स प्रकाशन। आईएसबी.ए.न-13: 978-93-5621-502-3

राजपूत, एन. (2024). *परिवर्तनकारी शिक्षा.* डीसी बुक्स. आईएसबी.ए.न: 9789362548184

राजपूत, एन. (2024). *क्वीर टेपेस्ट्री: पहचान, संस्कृति और अधिकारों पर वैश्विक और भारतीय दृष्टिकोण* [किंडल संस्करण]। विंसा पब्लिशिंग। ASIN: B0DHW5W1NG/ B0DHXT5771

सेनगुप्ता, सी. (2024, मई)। *मध्यकालीन भारत के हिंदू नायक-प्रतिरोध और वीरता: 8वीं-16वीं शताब्दी।* गरुड़ प्रकाशन। आईएसबी.ए.न: 979-8885751360

पुस्तक में अध्याय

प्रो. नमिता राजपूत

राजपूत, एन. (2024). फिनटेक का वैश्विक अंगीकरण। *फिनटेक की क्रांतिकारी चुनौतियाँ और अवसर* (पृष्ठ [पृष्ठ डालें]) में। टेलर एंड फ्रांसिस।

राजपूत, एन. (2024). चिकित्सा आँकड़ों से रोगों की भविष्यवाणी के लिए कुशल तकनीकें। *औद्योगिक स्थिरता के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुप्रयोगों की पुस्तिका में: अवधारणाएँ और व्यावहारिक उदाहरण* (पृष्ठ [पृष्ठ डालें])। सीआरसी प्रेस।

राजपूत, एन. (2024). सुधारोत्तर काल में भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की लागत और लाभ दक्षताओं की तुलना। *नए मीडिया युग में डिजिटल पूंजीवाद में* (पृष्ठ [पृष्ठ डालें])। आईजीआई ग्लोबल।

राजपूत, एन. (2024). साइबर स्लैकिंग के पीछे क्या है? कार्यस्थल पर नौकरी के तनाव और नैतिक माहौल के प्रभावों की जाँच। *नए मीडिया युग में डिजिटल पूंजीवाद में* (पृष्ठ [पृष्ठ डालें])। आईजीआई ग्लोबल।

प्रो. प्रविता कुमार

कुमार, पी. (2024). इन्फ्लुएंजा ए वायरस H11N9 के लिए नए सिरे से दवा डिजाइनिंग, न्यूरामिनिडेस अवरोधकों के लिए अग्रणी। *बायोटेक्नोलॉजी में भविष्यवादी रुझानों में* (पृष्ठ [पृष्ठ डालें])। इटरेटिव इंटरनेशनल पब्लिशर्स (सेल्फीपेज डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड)। https://doi.org/ [यदि उपलब्ध हो]

ई-आईएसबी.ए.न : 978-93-6252-103-3

डॉ. अनिल कुआर मावी

मावी, ए.के. (2024, अप्रैल)। एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस में जेनेटिक मॉड्यूलेटर। *तंत्रिका संबंधी विकारों की क्रियाविधि और आनुवंशिक संवेदनशीलता में* (पृष्ठ [पृष्ठ डालें])। स्प्रिंगर नेचर।

मावी, ए.के. (2024, जुलाई)। न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों में नैनोमेडिसिन का थेरानोस्टिक अनुप्रयोग: वर्तमान और भविष्य के परिप्रेक्ष्य। *निदान और चिकित्सा के लिए नैनोथेरानोस्टिक्स में* (पृष्ठ [पृष्ठ डालें])। स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर।

मावी, ए.के. (अगस्त 2024)। वायुजनित प्रदूषकों से होने वाले स्वास्थ्य प्रभावों का निदान और उपचार। *वायुजनित जैव-संदूषक और मानव स्वास्थ्य पर उनका प्रभाव* (पृष्ठ [पृष्ठ डालें]) में। जॉन विले एंड संस, इंक.

मावी, ए.के. (2024, सितंबर)। लिम्फोसाइटिक कोरियोमेनिन्जाइटिस वायरस (एलसीएमवी): तंत्रिका संबंधी रोगों का कारक और मानव वायरसों के अध्ययन के लिए मॉडल। *उभरते मानव वायरल रोग, खंड II: मस्तिष्क ज्वर, जठरांत्रीय और प्रतिरक्षा-अक्षमता वायरल संक्रमण* (पृष्ठ [पृष्ठ डालें])। स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर।

मावी, ए.के. (2024, सितंबर)। एस्ट्रोवायरस: अवलोकन और उभरती हुई बीमारी। *उभरते मानव वायरल रोग, खंड II: मस्तिष्क ज्वर, जठरांत्रीय और प्रतिरक्षा-अक्षमता वायरल संक्रमण* (पृष्ठ [पृष्ठ डालें])। स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर।

मावी, ए.के. (2024, अक्तूबर)। लक्षित दवा वितरण के लिए मोनोक्लोनल एंटीबॉडी। *कैंसर थेरानोस्टिक्स में नैनोकणों में* (पृष्ठ [पृष्ठ डालें])। सीआरसी प्रेस।

मावी, ए.के. (2024, अक्तूबर)। वायरल-संबंधी कैंसर के लिए इम्यूनोथेरेपी में नैनोकणों का उपयोग। *कैंसर थेरानोस्टिक्स में नैनोकणों में* (पृष्ठ [पृष्ठ डालें])। सीआरसी प्रेस।

डॉ. नितिन चौहान

चौहान, एन. (2025, फ़रवरी)। सतत विकास लक्ष्यों में माइक्रोबियल नैनोटेक्नोलॉजी का योगदान। *सतत विकास के लिए नैनो-माइक्रोबायोलॉजी में* (पृष्ठ [पृष्ठ डालें])। स्प्रिंगर।

चौहान, एन. (2024, अप्रैल)। जीवाणु जैव ईंधन उत्पादन: अपशिष्ट/अपशिष्ट जल के मूल्यांकन और चक्रीय अर्थव्यवस्था में मशीन लर्निंग तकनीकों का मूल्यांकन। *कचरा या खजाना: अपशिष्ट प्रबंधन में उद्यमशीलता के अवसर* (पृष्ठ [पृष्ठ डालें])। स्प्रिंगर।

दायर/स्वीकृत पेटेंट

पेटेंट:

- नमिता राजपूत। *कर्मचारी दक्षता के लिए मशीन लर्निंग-आधारित मापक उपकरण।* यूकेआईपीओ। पेटेंट 6367813। 31-05-2024. अंतर्राष्ट्रीय।
- अनिल कुमार मावी। *हर्बल पौधों के जैवसक्रिय यौगिकों के विश्लेषण हेतु उपकरण।* भारतीय पेटेंट कार्यालय। पेटेंट 415877-001। 15-10-2024. राष्ट्रीय।
- अनिल कुमार मावी। *न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों में जीन साइलेंसिंग के लिए आरएनए इंटरफेरेंस अणुओं का डिज़ाइन और संश्लेषण।* भारतीय पेटेंट कार्यालय। पेटेंट 202511007153A। 14-02-2025. राष्ट्रीय।

कॉपीराइट:

- नमिता राजपूत. *कालक्रम का सिद्धांत.* एल-160046/2025. 28-01-2025. राष्ट्रीय।
- नमिता राजपूत। *धीरज और रणनीति: वुका युग में प्रबंधन।* एल-160078/2025. 28-01-2025. राष्ट्रीय।

- नमिता राजपूत। *संगठनात्मक प्रदर्शन के लिए तालमेल सिद्धांत।* L-160690/2025. 13-02-2025. राष्ट्रीय।
- नमिता राजपूत। *प्रबंधन का सहक्रियात्मक सिद्धांत।* L-160700/2025. 13-02-2025. राष्ट्रीय।
- नमिता राजपूत। *इको-फाइनेंस नेक्सस: वित्तीय कल्याण के लिए एक मॉडल।* L-162962/2025. 27-02-2025. राष्ट्रीय।
- नमिता राजपूत। *प्रत्याशित भावनात्मक मूल्यांकन (AEA) का एकीकरण: उपभोक्ता क्रय व्यवहार ढाँचा।* L-162374/2025. 07-03-2025. राष्ट्रीय।

आयोजित सम्मेलन

परमाणु भौतिकी और अनुप्रयोगों पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन-आईसीएनपीए 2024 (21-25 अक्तूबर 2024) का आयोजन श्री अरबिंदो महाविद्यालय के भौतिकी विभाग और भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग (डीयू) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत छात्र

- गेडू महाविद्यालय ऑफ बिजनेस स्टडीज, रॉयल यूनिवर्सिटी ऑफ भूटान, भूटान के साथ जारी शैक्षणिक सहयोग के एक हिस्से के रूप में, श्री राम महाविद्यालय ऑफ महाविद्यालय के छात्रों ने 21-26 अक्तूबर, 2024 तक एक सप्ताह तक चलने वाले गेडू बिजनेस लिटरेरी फेस्टिवल प्रोग्राम में भाग लिया। कार्यक्रम के माध्यम से, छात्रों ने एक वित्तीय रूप से साक्षर समुदाय का निर्माण करना सीखा जो स्थायी उद्यमिता को बढ़ावा देता है।
- मार्च 2025 के महीने में, अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम कार्यालय (ओआईपी), एसआरसीसी और जॉर्ज मेसन यूनिवर्सिटी-कॉस्टेलो महाविद्यालय ऑफ बिजनेस ने "स्थानीय से वैश्विक तक: भारत के बिजनेस डीएनए को समझना" विषय पर एक सप्ताह का भारत-अमेरिका सहयोगात्मक कार्यक्रम आयोजित किया।
- इस कार्यक्रम के दौरान, दोनों संस्थानों के छात्रों और संकाय सदस्यों ने विचारों, परियोजनाओं, अतिथि व्याख्यानों और औद्योगिक एवं ऐतिहासिक स्थलों के भ्रमण के लिए सांस्कृतिक आदान-प्रदान में सहयोग किया।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजन: 35 (35%); इंटर्नशिप: 110 (55%), विज़िट की गई कंपनियां: 47

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस):

- स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाया गया तथा वृद्धाश्रमों और मानसिक स्वास्थ्य गृहों का दौरा किया गया।

- रॉबिन हुड आर्मी के सहयोग से संविधान दिवस वॉकथॉन और दान अभियान का आयोजन किया गया।
- रेड क्रॉस सोसाइटी और एलजी ग्रुप के साथ रक्तदान शिविर का आयोजन किया।
- पंच प्रण और युवा बजट चर्चा जैसी चर्चाओं ने नागरिक सहभागिता को प्रोत्साहित किया।
- पोषण माह के तहत स्वच्छता और पोषण जागरूकता को बढ़ावा दिया गया।
- शक्ति उत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से नारी शक्ति का उत्सव मनाया गया।
- सामाजिक परियोजनाओं में शामिल हैं: परियोजना किलकारी-वंचित बच्चों के लिए सहायता। वी-हील-मानसिक स्वास्थ्य कार्यशालाएं। परियोजना सेवियर-महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता। नशे पर कार्रवाई-मादक द्रव्यों के सेवन की शिक्षा। परियोजना वसुंधरा-वृक्षारोपण और पशु देखभाल के माध्यम से स्थिरता। परियोजना सहयोग-विशेष रूप से सक्षम छात्रों के लिए साक्षरता सहायता। समन्वय-विशेष रूप से सक्षम प्रतिभाओं का उत्सव मनाने वाला समावेशी उत्सव।

  पाखी (महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ):

- शैटरिंग स्टिग्मास का आयोजन किया गया-मानसिक स्वास्थ्य और लड़कियों को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर एक सत्र।
- संजय कैंप स्लम्स में स्तन कैंसर जागरूकता वेबिनार और सैनिटरी पैड दान अभियान का आयोजन किया गया।
- संवेदना (लैंगिक संवेदीकरण मंच):
- संपर्क और सर्वेक्षण के लिए ट्रांसजेंडर आश्रय स्थल, गरिमा गृह का दौरा किया।
- दिल्ली पुलिस के सहयोग से 10 दिवसीय आत्मरक्षा कार्यशाला का आयोजन किया गया।

  एनैक्टस:

- प्लास्टिक बैगों को पर्यावरण अनुकूल उत्पादों में बदलने, महिला कारीगरों को सशक्त बनाने और स्थिरता का समर्थन करने के लिए वन स्टेप ग्रीनर और एटाशा फाउंडेशन के साथ साझेदारी की गई।

संकाय संख्या

कुल: 167- (प्रोफेसर-21, एसोसिएट प्रोफेसर-21 और सहायक प्रोफेसर:-111, अतिथि-14)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

श्री अरबिंदो महाविद्यालय 'उन्नत भारत अभियान' का नोडल महाविद्यालय है। इस पहल के तहत, हम ग्रामीण भारत की ज़रूरतों के लिए आवश्यक अनुसंधान और प्रशिक्षण गतिविधियों में संलग्न होकर परिवर्तनकारी ग्रामीण विकास के दृष्टिकोण के लिए प्रतिबद्ध हैं।

****

श्री अरबिंदो महाविद्यालय (सांध्य)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री अरबिंदो महाविद्यालय (सांध्यकालीन) ने 15 फरवरी, 2025 को अपने बहुप्रतीक्षित दीक्षांत समारोह-सह-पूर्व छात्र मिलन समारोह, "यादगार 2025" का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में सम्मानित अतिथियों, संकाय सदस्यों और पूर्व छात्रों ने एक साथ आकर पुनर्मिलन और शैक्षणिक विरासत की भावना का उत्सव मनाया। दीक्षांत समारोह में श्री गजेंद्र यादव (माननीय विधायक, महरौली, दिल्ली), प्रो. रूपम कपूर (अध्यक्ष, शासी निकाय) और प्रो. अनन्या घोष दस्तीदार (कोषाध्यक्ष) सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। महाविद्यालय ने 1-2 अप्रैल को दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम "मल्हार 2025" का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि, दिल्ली प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष श्री वीरेंद्र सचदेवा और अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्वलित करने के साथ हुई। श्री अरबिंदो महाविद्यालय (सांध्य) में लैंगिक संवेदीकरण समिति (जीएससी) ने महाविद्यालय के रंगमंच सोसाइटी के सहयोग से 9 और 10 सितंबर, 2024 को आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम "आईआरआईएस: सशक्तिकरण का विजन" का आयोजन किया। संयोजक डॉ. गरिमा अग्रवाल और सह-संयोजक डॉ. सुरुचि सिंह के नेतृत्व में इस कार्यक्रम का ध्यान लैंगिक पहचान, सशक्तिकरण और सामाजिक समानता की खोज पर केंद्रित था। स्वच्छता और सफाई को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करते हुए, 1 से 15 सितंबर, 2024 तक स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान महाविद्यालय में स्वच्छता जागरूकता अभियान मनाया गया। अभियान ने ध्यान आकर्षित करने, कार्रवाई को प्रेरित करने और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के संदेश को सुदृढ़ करने के लिए शक्तिशाली उद्धरणों का उपयोग किया।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय (शिक्षण)

महाविद्यालय के निम्नलिखित संकाय सदस्यों को एसोसिएट प्रोफेसर से प्रोफेसर स्केल पर पदोन्नत किया गया:

- प्रो. विकास कुमार जोशीया, वाणिज्य विभाग
- प्रो. अमनदीप नाहर, वाणिज्य विभाग

निम्नलिखित संकाय सदस्यों को सहायक प्रोफेसर: स्केल I से सहायक प्रोफेसर: स्केल II में पदोन्नत किया गया:

- डॉ. ज्योति कुलश्रेष्ठ, अंग्रेजी विभाग
- डॉ. मर्सी जिल जिल, अंग्रेजी विभाग
- श्री रविकांत, अंग्रेजी विभाग
- डॉ. डी.ए. एस्तेर, अंग्रेजी विभाग

- डॉ. अब्दुल कलाम, पर्यावरण विभाग
- डॉ. रमन कुमार, संस्कृत विभाग
- डॉ. अजीत कुमार, राजनीति-विज्ञान विभाग
- श्री स्वागत राव, अर्थशास्त्र विभाग
- श्री राजीव वर्मा, अर्थशास्त्र विभाग
- श्री राकेश कुमार, अर्थशास्त्र विभाग
- वाणिज्य विभाग के प्रोफेसर वर्मा ने जनवरी 2025 में आईआईएम नागपुर में आईवी केस प्रतियोगिता में प्रोजेक्ट एक्स-संस्कृति में क्रॉस कल्चरल मुद्दों पर एक केस स्टडी प्रस्तुत की।

संकाय (शिक्षणेतर)

- श्रीमती आरती गुप्ता को 11 सितंबर, 2024 से प्रशासनिक अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया।

छात्र

कोई नहीं

प्रकाशन (पुस्तकें/पुस्तक में अध्याय)

पुस्तकें

डडवाल, एस., आर्य पी. और राव, एस. (2024). खुश रहने की कला. जेएसआर पब्लिशिंग हाउस. आईएसबी.ए.न: 978-93-94336-87-2.

डडवाल, एस., आर्य पी. और राव, एस. (2025). मानव संसाधन विकास. जेएसआर पब्लिशिंग हाउस. आईएसबी.ए.न: 978-93-94336-75-9.

वर्मा, एस. (2025). अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के मूल सिद्धांत, (छठा संस्करण). पियर्सन एजुकेशन.

पुस्तकों के अध्याय

कुलश्रेष्ठ, जे. (2024). सलिल देसाई की 'आशीष कर्वे की हत्या: एक इंस्पेक्टर सरलकर रहस्य' में प्रयुक्त रेड हेरिंग। *स्पेक्ट्रा ऑफ़ इंडियन इंग्लिश लिटरेचर में।* राधिका बुक्स। आईएसबी.ए.न: 978-93-9181986-6।

पांडे, ए. (2025). संस्कृति और सामाजिक भावनाएँ: विकासात्मक और शैक्षिक निहितार्थ। दत्ता, गीतिका, मिश्रा, गिरीश्वर, और गुप्ता, शालिनी (सं.), *सकारात्मक मनोविज्ञान और भारतीय विचार प्रणालियों की पुस्तिका: कल्याण और प्रसन्नता के लिए शिक्षा का रूपांतरण,* (2025). स्प्रिंगर नेचर, सिंगापुर।

जोशीया, वी.के. (2024). सतत भारत के लिए ई-कॉमर्स। *भविष्य में सतत विकास की दिशा में डिजिटल परिवर्तन में* (पृष्ठ 211-217)। ओमनी प्रकाशन। आईएसबी.ए.न; 9788197249020।

जर्नल लेख

- बाग, एस.के. (2024). ओडिशा का इतिहास, संस्कृति और राजनीति: एक ऐतिहासिक पुनरावलोकन. इतिहास और संस्कृति में अध्ययन, 2(2), 1-8.
- बैग, एस.के. (2024). उत्तर-उपनिवेशवाद: एक वैकल्पिक विमर्श सिद्धांत. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नॉवेल रिसर्च एंड डेवलपमेंट, 9(4), b586-b591.
- बैग, एस.के. (2024). ओडिशा के नीलगिरि राज्य में लोकप्रिय आंदोलन: 1938-1939. जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च, 11(8), b578-b586.
- बाग, एस.के. (2024). ओडिशा के ढेंकनाल राज्य में राष्ट्रवादी आंदोलन और लोकप्रिय विरोध: 1938-39. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नॉवेल रिसर्च एंड डेवलपमेंट, 9(8), c97-c103.
- आकांक्षा, वर्मा, एच., और राव, एस. (2024). पंचकोश और त्रिगुण सिद्धांत का उपयोग करते हुए कार्मिकों का व्यक्तित्व. इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ कॉमर्स, आर्ट्स एंड साइंस, 15(5).
- छाबड़ा, एल. (2024). पर्यावरणीय जोखिम और ऋण वित्तपोषण की लागत: एक व्यवस्थित समीक्षा. एशियन जर्नल ऑफ मैनेजमेंट एंड कॉमर्स, 5(2), 610-613.
- अग्रवाल, ए., और धनखड़, एन. (2024). ARMA, सममित और असममित GARCH और TGARCH मॉडल का उपयोग करके पूर्वानुमानित प्रतिफल पर अस्थिरता क्षय के प्रभाव का विश्लेषण। यूरोपीय आर्थिक पत्र, 14(1s), 33-43। https://doi.org/10.52783/eel.v14i1s.1344
- अग्रवाल, एस.के., अग्रवाल, ए., अग्रवाल, ए. (2024). एआरआईएमए का उपयोग करके भारत के सकल घरेलू उत्पाद का पूर्वानुमान: भारत के विकास में योगदान देने वाले कारक", जर्नल ऑफ इंफॉर्मेटिक्स एजुकेशन एंड रिसर्च, 4(3)।
- अग्रवाल, ए., धनखड़, एन., और मेहला, एस. (2024). डीसीसी-जीएआरसीएच मॉडल और डाइबोल्ड यिलमाज़ पद्धति का उपयोग करके अमेरिका, चीन, जर्मनी, जापान और भारत के शेयर बाजारों के बीच अंतर्संबंध और स्पिलओवर प्रभाव। कोलंबो बिज़नेस जर्नल, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ थ्योरी एंड प्रैक्टिस, 15(2), 162-189। doi:10.4038/cbj.v15i2.197
- अग्रवाल, एस.के., अग्रवाल, ए. (2024). भारत का इटली के साथ व्यापार: ऑटोरिग्रैसिव डिस्ट्रिब्यूटेड लैग (एआरडीएल) मॉडल का उपयोग करके व्यापार और आर्थिक विकास के बीच सह-एकीकरण का विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन कॉमर्स, मैनेजमेंट एंड सोशल साइंस, 7(4(I)), 163-170.

- अग्रवाल, ए. (2024). भारत-ईएफटीए टीईपीए: एआरडीएल मॉडलैंगिक का उपयोग करके विकास की संभावनाओं का विश्लेषण करना। अर्थवान, 7(1), 28-38. doi:10.71322/अर्थवान.vol.7.अंक.1.03.
- अग्रवाल, ए. (2024). एआरडीएल मॉडल का उपयोग करके भारत और नीदरलैंड के बीच व्यापार वृद्धि संबंधों का विश्लेषण", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन, मॉडर्न मैनेजमेंट, एप्लाइड साइंस एंड सोशल साइंस, 6(4(II)), 187-194
- अग्रवाल, ए. (2024). 2050 में भारत: ऑटोरिग्रैसिव इंटीग्रेटेड मूविंग एवरेज (ARIMA) मॉडल का उपयोग करके भारत के सकल घरेलू उत्पाद का पूर्वानुमान। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेशन एंड रिसर्च एनालिसिस, 4(4(I)), 233-239.
- कुलश्रेष्ठ, जे. (2024). सलिल देसाई द्वारा आशीष कर्वे की हत्या में प्रयुक्त रेड हेरिंग: एक इंस्पेक्टर सरलकर रहस्य। स्पेक्ट्रा ऑफ़ इंडियन इंग्लिश लिटरेचर, राधिका बुक्स में।
- कुमार, ए. (2025). विश्व कल्याण में भारतीय शिक्षा प्रणाली का महत्व और योगदान. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक डेवलपमेंट एंड रिसर्च, 10(3), 96-106.
- जोशीया, वी.के. (2024). टिकाऊ भारत के लिए ई-कॉमर्स। भविष्य में सतत विकास की दिशा में डिजिटल परिवर्तन में (पृष्ठ 211-217)।
- कांत, आर. (2025). फिल्म निर्माण और पारिस्थितिक चिंताएँ: भारतीय लोकप्रिय फिल्मों "भेड़िया" और "कंतारा" का तुलनात्मक पाठ्य पठन। द एक्सप्रेशन: एक अंतर्राष्ट्रीय बहुविषयक ई-जर्नल, 11(1), 69-77.

दायर/स्वीकृत पेटेंट

- डॉ. दिनेश चंद्र अग्रवाल, डॉ. सपना डेडवाल, डॉ. प्रभा आर्य और सुश्री संध्या राव-"एआई-संचालित बुद्धिमान विकेन्द्रीकृत डेटा भंडारण और पुनर्प्राप्ति प्रणाली" महानियंत्रक पेटेंट, डिजाइन और ट्रेडमार्क कार्यालय, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, आवेदन संख्या-202411098059, प्रकाशन तिथि-03/01/2025.

आयोजित सम्मेलन

- श्री अरबिंदो महाविद्यालय (सांध्य) में लैंगिक संवेदीकरण समिति (जीएससी) ने लैंगिक भूमिकाओं की खोज: समावेशी समाज के मार्ग पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 4 मार्च, 2025 को किया, संयोजक डॉ. गरिमा अग्रवाल और डॉ. सुरुचि सिंह थे।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- प्रोजेक्ट एक्स-कल्चर परियोजना एक बड़े पैमाने पर अनुभवात्मक शिक्षण सहयोगात्मक अभ्यास है

- उत्तरी कैरोलिना विश्वविद्यालय, अमेरिका द्वारा शुरू की गई इस परियोजना के लिए 2013 से श्री अरबिंदो महाविद्यालय (सांध्य) के छात्रों का चयन प्रोफेसर सुमति वर्मा के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।
- प्रोफ़ेसर सुमति वर्मा को इस परियोजना में उनके योगदान के लिए चालू वर्ष में ग्लोबल एजुकेटर अवार्ड से सम्मानित किया गया। वे 2014 से प्रोजेक्ट एक्स-कल्चर के सलाहकार बोर्ड की सदस्य हैं। प्रोफ़ेसर वर्मा ने जनवरी 2025 में आईआईएम नागपुर में आयोजित आईवी केस प्रतियोगिता में प्रोजेक्ट एक्स-कल्चर में अंतर-सांस्कृतिक मुद्दों पर एक केस स्टडी प्रस्तुत की।
- पिछले वर्ष महाविद्यालय के 11 छात्रों ने छह महाद्वीपों के 40 देशों के 125 विश्वविद्यालयों के कुल 6500 छात्रों के साथ इस परियोजना में भाग लिया। उन्होंने 1289 वैश्विक वर्चुअल टीमों में काम किया, जिनमें से प्रत्येक में लगभग 6 सदस्य थे, और प्रत्येक टीम अलग-अलग देशों से थी।
- आंजनेय मित्तल ने मई 2024 में थाईलैंड के माई फाह लुआंग विश्वविद्यालय में आयोजित एक्स कल्चर वैश्विक संगोष्ठी में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। वह 7 दिवसीय सम्मेलन के लिए चुने गए 150 छात्रों में शामिल थे और उन्होंने वहां प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- यह परियोजना छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय आभासी सहयोग का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने का अवसर प्रदान करने के लिए डिज़ाइन की गई है। वैश्विक आभासी टीमों में काम करते हुए, छात्रों ने साझेदार के रूप में आधा दर्जन अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों में से एक के लिए एक व्यावसायिक प्रस्ताव तैयार किया और उस विचार को लागू करने के लिए एक विस्तृत योजना प्रस्तुत की।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय के पुस्तकालय में लगभग सभी प्रासंगिक विषयों की 50,000 से अधिक पुस्तकें उपलब्ध हैं। पुस्तकालय में विभिन्न विषयों पर संदर्भ पुस्तकें, विश्वकोश, साहित्य का उत्कृष्ट संग्रह और शब्दकोश उपलब्ध हैं। पुस्तकालय वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन का भी सदस्य है और दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली के माध्यम से प्रसिद्ध प्रकाशकों की ई-पत्रिकाओं और ई-पुस्तकों की दूरस्थ पहुँच सुविधा प्रदान करता है।

पुस्तकालय क्लाउड आधारित सॉफ्टवेयर, अर्थात् ई-ग्रंथालय 4.0 सॉफ्टवेयर का उपयोग कर रहा है, जिसे एनआईसी द्वारा विकसित किया गया।

एकीकृत पुस्तकालय की सहायता से उपयोगकर्ताओं को कम्प्यूटरीकृत पुस्तकालय सेवाएं प्रदान करना, सॉफ्टवेयर और मोबाइल ऐप आधारित वेब ओपीएसी, एसएमएस और ईमेल सुविधा भी प्रदान करना।

एक राष्ट्र एक के माध्यम से दूरस्थ लाखों ई-संसाधनों तक सदस्यता और डीयू ई-पुस्तकालय पहुंच की सुविधा प्रदान करना।

पुस्तकालय गतिविधि: पुस्तक प्रदर्शनी 18 अक्तूबर 2024 को महाविद्यालय परिसर में आयोजित की गई।

संकाय संख्या

प्रोफेसर : 14

एसोसिएट प्रोफेसर : 18

सहायक प्रोफेसर : 4

अतिथि : 4

कुल : 76

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित अनुदान: ₹ 28.62/-

उपयोगित अनुदान: ₹ 31.26/-

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- छात्रों को उनके व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास में सहायता करने के लिए, श्री अरबिंदो महाविद्यालय (सांध्य) का नियोजन, इंटर्नशिप और प्रशिक्षण प्रकोष्ठ:
  निम्नलिखित सत्र सफलतापूर्वक आयोजित किए गए:
- लिंक्डइन एन्हांसमेंट संगोष्ठी, प्रतिष्ठित संकाय सदस्य डॉ. संध्या राव के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें प्रोफ़ाइल अनुकूलन और पेशेवर नेटवर्किंग पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- महाविद्यालय की फोटोग्राफी सोसाइटी के अध्यक्ष प्रिंस कश्यप के नेतृत्व में कैनवा कार्यशाला में छात्रों को डिजाइन और सामग्री निर्माण के मूल सिद्धांतों से परिचित कराया गया।
- प्रीति अग्रवाल द्वारा वित्तीय साक्षरता पर वेबिनार, व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान करता है।

  बजट बनाना, बचत करना और निवेश करना।-राहुल अग्रवाल द्वारा एक्सेल कार्यशाला, प्रतिभागियों को डेटा संगठन और बुनियादी विश्लेषणात्मक कौशल में निपुणता प्राप्त करने में सक्षम बनाना।
- 4. इंस्पिरस 4.0-वार्षिक नौकरी और इंटर्नशिप मेला 1 से 5 अप्रैल, 2025 तक आयोजित किया गया। इस पांच दिवसीय कार्यक्रम में संगोष्ठी, कार्यशालाओं, भर्ती अभियानों और इंटरैक्टिव सत्रों का एक आकर्षक मिश्रण शामिल था, जो छात्रों को कॉर्पोरेट दुनिया के लिए तैयार करने के लिए डिज़ाइन किया गया।
- श्री अरबिंदो महाविद्यालय का महिला विकास प्रकोष्ठ, समता, महिलाओं और बच्चों के सशक्तिकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ है। 2024-25 के पूरे सत्र में, हमने विभिन्न

ऑफ़लाइन पहलों और ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से महिलाओं के मुद्दों की वकालत करने के लिए लगन से काम किया है। हमारा पैड वितरण अभियान, "पंख", इस सत्र के दौरान संजय कैंप, रैन बसेरा में तीन बार आयोजित किया गया, जहाँ हमने 500 से अधिक सैनिटरी नैपकिन वितरित किए। इन आयोजनों के लिए हमारे सहयोगी पिंकिशी और अर्था फ़ाउंडेशन थे। इस पहल का उद्देश्य हाशिए पर रहने वाले समुदायों की महिलाओं में मासिक धर्म संबंधी स्वच्छता संबंधी ज़रूरतों को पूरा करना और मासिक धर्म संबंधी स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाना था।

- 11 जुलाई, 2024 को, श्री अरबिंदो महाविद्यालय (ई.वी.) की एनएसएस इकाई, टीम समर्पण ने विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में वृक्षारोपण और पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की पहल "एक पेड़ माँ के नाम" कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वृक्षारोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित करना था।

****

श्री गुरु गोबिंद सिंह वाणिज्य महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

महाविद्यालय ने एमएचआरडी, भारत सरकार द्वारा एनआईआरएफ रैंकिंग में 39वीं रैंक प्राप्त की है, जो अकादमिक उत्कृष्टता के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। एसजीजीएससीसी को दिल्ली विश्वविद्यालय के वार्षिक पुरस्कार समारोह 2024 में महाविद्यालय श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ वेबसाइट का पुरस्कार दिया गया है, जो 17 अक्तूबर, 2024 को कन्वेंशन हॉल, वाइस रीगल लॉज में आयोजित किया गया। एसजीजीएससीसी ने दिल्ली विश्वविद्यालय के 67वें वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी में गर्व से भाग लिया, जिसमें स्थिरता और हरित नवाचार उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया गया। सर्वश्रेष्ठ हरित प्रथाओं की श्रेणी में प्रतिस्पर्धा करते हुए, महाविद्यालय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जर्नल ऑफ बिजनेस थॉट, एबीडीसी (सी-रैंक) का वॉल्यूम 15, डबल-ब्लाइंड पीयर-रिव्यू, रेफरीड, महाविद्यालय का वार्षिक प्रकाशन दिसंबर, 2024 में जारी किया गया। नवीनीकरण ने इस जगह को एक आधुनिक, पूरी तरह से सुसज्जित स्थल में बदल दिया है जो विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक और पाठ्येतर गतिविधियों की मेजबानी करने में सक्षम है। इसके अतिरिक्त, एक समावेशी परिसर बनाने के हमारे प्रयास में, हम लिफ्ट लगाने पर काम कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि दिव्यांग छात्र परिसर में आसानी और सम्मान के साथ घूम सकें।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

डॉ. गुरमिंदर कौर अरोड़ा एमएमटीटीसी, रामानुजन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ऑनलाइन लघु अवधि कार्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति थीं।

प्रोफ़ेसर रेणु गुप्ता ने एमिटी यूनिवर्सिटी के एमिटी बिज़नेस स्कूल के प्रबंधन विभाग से “कर्मचारी कल्याण को बढ़ावा देना: मानव संसाधन रणनीतियों, प्रथाओं और कर्मचारी प्रदर्शन पर एक अध्ययन” विषय पर एक शोध विद्वान को पीएच.डी. की उपाधि के लिए सफलतापूर्वक निर्देशित किया। उन्हें आईसीएसएसआर से परियोजना समन्वयक के रूप में एक शोध परियोजना से सम्मानित किया गया है, जिसका शीर्षक है “विकसित भारत के निर्माण के लिए समावेशी और समग्र शिक्षा तक पहुँच सुनिश्चित करना: दिल्ली-एनसीआर में उच्च शिक्षा में विकलांग छात्रों का एक अध्ययन” विज़न विकसित भारत@2047 के विशेष आह्वान के तहत। उन्होंने “प्रशासकों के लेंस के माध्यम से समावेशी शिक्षा की खोज: दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में उच्च शिक्षा संस्थानों के विशेष संदर्भ में एक गुणात्मक अध्ययन” शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया, जिसके लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार मिला। उन्हें अप्रैल 2024 में एपीजे स्कूल ऑफ मैनेजमेंट द्वारा आयोजित दूसरे विश्व पेटेंट कॉन्क्लेव में सर्वश्रेष्ठ शोध का पुरस्कार मिला।

दिल्ली विश्वविद्यालय के श्याम लाल महाविद्यालय के छात्र विकास कार्यक्रम में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) पर दो सत्रों के संचालन हेतु सुश्री रसलीन कौर को संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया है। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के बी.कॉम (ऑनर्स) और बी.कॉम के छात्रों के लिए "वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और सीमा शुल्क कानून" नामक पुस्तक के 8वें संस्करण का सफलतापूर्वक विमोचन भी किया है। (आईएसबी.ए.न 978-93-87273-17-7)।

डॉ. हनीशा भगत ने दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन संकाय से अपनी डॉक्टरेट की डिग्री सफलतापूर्वक पूरी की।

प्रोफेसर निर्मल सिंह ने एलीमेंट्री इकोनॉमिक डेवलपमेंट, किताब महल, आईएसबी.ए.न 978-81-983551-5-7; ग्रोथ एंड डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स, किताब महल; और इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स, किताब महल नामक पुस्तकों का सह-लेखन किया है।

डॉ. हरप्रीत कौर को विज़न विकसित भारत@2047 के विशेष आह्वान के तहत, सह-परियोजना निदेशक के रूप में "विकसित भारत के निर्माण हेतु समावेशी एवं समग्र शिक्षा तक पहुँच सुनिश्चित करना: दिल्ली-एनसीआर में उच्च शिक्षा में दिव्यांग छात्रों का एक अध्ययन" शीर्षक से एक शोध परियोजना प्रदान की गई। उन्हें दिल्ली विश्वविद्यालय के रामानुजन महाविद्यालय द्वारा आयोजित एमएमटीटीपी पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के अंतर्गत एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। उन्होंने भारतीय स्वास्थ्य अर्थशास्त्र एवं नीति संघ के 12वें वार्षिक सम्मेलन में तकनीकी सत्र की अध्यक्षता भी की।

डॉ. काजलीन कौर अब राष्ट्रीय दैनिक समाचार-पत्र, द पायनियर में एक नियमित स्तंभकार हैं और उन्होंने विविध प्रासंगिक सामाजिक-आर्थिक विषयों पर 9 लेख लिखे हैं। उन्हें आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित, विकसित भारत की ओर 2047 की यात्रा में दिव्यांगजनों के समावेश पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, सह-लेखक के रूप में लिखे गए शोध-पत्र के लिए सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र का पुरस्कार मिला।

डॉ. वैभव पुरी ने IHEPA के 12वें वार्षिक सम्मेलन में एक तकनीकी सत्र की सह-अध्यक्षता की। जुलाई 2024 में, उन्हें दिल्ली विश्वविद्यालय के शैक्षणिक मामलों के डीन कार्यालय के अंतर्गत शैक्षणिक पैनल का सदस्य नियुक्त किया गया। वे माननीय कुलपति की अध्यक्षता में दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए

संस्थागत विकास योजना तैयार करने वाली समिति का हिस्सा थे। इस योजना को विश्वविद्यालय के एनएएसी चक्र II के दौरे के लिए प्रस्तुत किया गया था और बाद में कार्यान्वयन के लिए अनुमोदित किया गया। वर्तमान में, वे विश्वविद्यालय में NEP के अंतर्गत वाणिज्य, अर्थशास्त्र और प्रबंधन विषयों में विषय-वस्तु के ओवरलैप का पूर्वानुमान लगाने वाली समिति का हिस्सा हैं। उन्हें दिसंबर 2025 तक दिल्ली विश्वविद्यालय की 102वीं वार्षिक रिपोर्ट समिति का सदस्य और महाविद्यालय के इग्नू लर्नर सपोर्ट सेंटर का सहायक समन्वयक नियुक्त किया गया है।

डॉ. कृति चड्ढा को 22 फरवरी, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के 101वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में सफलतापूर्वक डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई।

डॉ. अंकिता अग्रवाल को 19 दिसंबर, 2024 को वाणिज्य और प्रबंधन के क्षेत्र में दर्शनशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधि से सफलतापूर्वक सम्मानित किया गया।

प्रो. मंजीत कौर ने उनकी पीएच.डी. का सफलतापूर्वक मार्गदर्शन किया। अपने डॉक्टरेट थीसिस को पूरा करने के लिए विद्वान जिसका शीर्षक था "भाई वीर सिंह के गद्य का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन (श्री गुरु नानक चमत्कार, श्री अष्ट गुरु चमत्कार और श्री कलगीधर चमत्कार के विशेष संदर्भ में)।"

डॉ. तरविंदर कौर ने 2024 में माता सुंदरी महिला महाविद्यालय में वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित राजनीति-विज्ञान (पंजाबी भाषा) की मौलिक शब्दावली पर एक विशेषज्ञ के रूप में एक कार्यशाला में भाग लिया। उन्हें पंजाबी में साहित्य अकादमी अनुवाद पुरस्कार 2024 के लिए जूरी सदस्य के रूप में नामित किया गया है।

डॉ. दीपा कुमार अब लेफ्टिनेंट के रूप में सेवारत हैं, उन्होंने एनसीसी अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी, ग्वालियर में सफलतापूर्वक अपना प्रशिक्षण पूरा किया है, जहां उन्हें व्याख्यान व्यक्तिगत प्रदर्शन में उत्कृष्टता पुरस्कार मिला, जिसमें उनकी विशेषज्ञता और युवा कैडेटों को प्रेरित करने की क्षमता को मान्यता दी गई।

डॉ. वंदना कालरा को एसजीजीएससीसी में आयोजित आईसीएसएसआर सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार मिला।

डॉ. रचना सेठी को जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली के कंप्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा “हेल्थकेयर अनुप्रयोगों के लिए अनुशंसा प्रणाली” शीर्षक वाली उनकी थीसिस पर डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई है।

सुश्री उशवीन कौर ने "थ्री-टियर IoT स्ट्रक्चर: सिक्योरिटी प्रोटोकॉल्स एंड कंसीडरेशन्स" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया और स्प्रिंगर सम्मेलन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड नेटवर्किंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICAIN 2024) में सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार जीता।

डॉ. मेघा उम्मत को नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एफडीपी में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ. सुप्रीत कौर साही ने "कॉम्प्रिहेंसिव गाइड टू डेटा साइंस एसेंशियल्स" नामक पुस्तक लिखी है। उन्होंने एसजीजीएससीसी में आयोजित आईसीएसएसआर सम्मेलन में "सहायक प्रौद्योगिकी में नवाचार: एनईपी 2020 के तहत समावेशी शिक्षा में गतिशीलता में क्रांति और स्वतंत्रता को बढ़ावा देना" शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया, जिसके लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र का पुरस्कार मिला।

डॉ. गुरदीप कौर ने ओप-एड लेख लिखे जो द पायनियर अखबार में प्रकाशित हुए, जिनके शीर्षक थे "बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार अनुमान से कहीं अधिक व्याप्त है" 24 मई, 2024 को; "नागरिक भावना का विकास: बेहतर समाज का मार्ग" 17 जुलाई, 2024 को; "लैंगिक अधिकार और वास्तविकता: अंतर को पाटना" 10 अगस्त, 2024 को; और "रील्स का आकर्षण और प्रभाव: एक दोधारी तलवार" 23 दिसंबर, 2024 को प्रकाशित हुआ।

छात्र

बी.ए. (ऑनर्स) पंजाबी (तृतीय वर्ष) की छात्रा रसमीत कौर ने बी.ए. (ऑनर्स) पंजाबी परीक्षा में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए प्रतिष्ठित दिल्ली विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक (सरदार मोहन सिंह मेमोरियल स्वर्ण पदक) प्राप्त किया।

बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सौम्या शेखर को दिल्ली विश्वविद्यालय में कुलपति प्रशिक्षु के रूप में चुना गया है।

बी.कॉम (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) की छात्रा तान्या त्यागी ने 30 जनवरी, 2024 को अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिता में एडीजी प्रशंसा पुरस्कार जीता।

बी.कॉम (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा ऋषिका ने 26 मार्च, 2024 को अग्निवीर कैडर, अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.कॉम (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) की छात्रा तान्या त्यागी ने 20 मई, 2024 को आयोजित अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिता सीएटीसी 2024 में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.एम.एस (तृतीय वर्ष) की छात्रा हिमानी ने 26 जून, 2024 को एसएनआईसी श्रीनगर 2024, राष्ट्रीय प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार जीता।

बी.कॉम (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) की छात्रा तान्या त्यागी ने पैरा बेसिक कोर्स, राष्ट्रीय प्रतियोगिता, 1 सितंबर, 2024 में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.कॉम (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) के छात्र हरजी सिंह ने अंतर-महाविद्यालय गायन प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार जीता, आईएमटी गाजियाबाद, 15 सितंबर, 2024.

बी.कॉम (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) की छात्रा जपजीत कौर ने 21 फरवरी, 2025 को ट्रिनिटी इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज में आयोजित अंतर-महाविद्यालय गायन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा मनप्रीत कौर ने 6 मार्च, 2025 को दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय में अंतर-महाविद्यालय गायन प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार जीता।

बी.कॉम (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) की छात्रा जपजीत कौर ने 20 मार्च, 2025 को इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय में आयोजित अंतर-महाविद्यालय गायन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.कॉम (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) की छात्रा जपजीत कौर ने अंतर-महाविद्यालय गायन प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार जीता, विवेकानंद महाविद्यालय, 26 मार्च, 2025.

बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा मनप्रीत कौर ने श्री गुरु तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय में 29 मार्च, 2025 को आयोजित अंतर-महाविद्यालय गायन प्रतियोगिता में सांत्वना पुरस्कार जीता।

बी.कॉम (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) के छात्र गुरजोत सिंह ने 15 अक्तूबर, 2024 को कमला नेहरू महाविद्यालय में सोलो फैशन प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार जीता।

बी.कॉम (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) के छात्र गुरजोत सिंह ने मैत्रेयी महाविद्यालय में 24 अक्तूबर, 2024 को आयोजित फैशन शो में सर्वश्रेष्ठ पुरुष मॉडल का पुरस्कार जीता।

अर्थशास्त्र (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष) के छात्र अक्षत गुप्ता ने राजकोषीय सीमांत (भारतीय बजट 2024-25 पर प्रश्नोत्तरी), राष्ट्रीय सेवा योजना, एसजीजीएससीसी, 21 अगस्त, 2024 में प्रथम पुरस्कार जीता।

अर्थशास्त्र (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष) के छात्र समकित जैन और बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर विज्ञान (द्वितीय वर्ष) के छात्र प्रणय गुप्ता ने चक्रव्यूह (भारतीय संस्कृति और प्राचीन किंवदंतियों पर प्रश्नोत्तरी) में तीसरा पुरस्कार जीता, आईआईटी दिल्ली, 7 अक्तूबर, 2024.

बी.कॉम (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) के छात्र कृष्णा अग्रवाल ने 8 अक्तूबर, 2024 को सेंट स्टीफन महाविद्यालय में आयोजित इकोबिज क्विज में तीसरा पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर विज्ञान (द्वितीय वर्ष) के छात्र प्रणय गुप्ता ने भगवद् गीता क्विज़ में प्रथम पुरस्कार जीता, आईआईटी दिल्ली, 8 जनवरी, 2025.

बी.एम.एस (प्रथम वर्ष) की छात्रा हंसदीप कौर ने अंतर-महाविद्यालय पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता, श्री गुरु नानक देव खालसा महाविद्यालय, 23 जनवरी, 2025.

बी.कॉम (ऑनर्स) (प्रथम वर्ष) के छात्र नवनीत सिंह ने अंतर-महाविद्यालय भाषण प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार जीता, श्री गुरु नानक देव खालसा महाविद्यालय, 23 जनवरी, 2025.

अर्शप्रीत कौर और सुखसिमरत सिंह ने अंतर-महाविद्यालय गुरु नानक पेपर रीडिंग प्रतियोगिता, माता सुंदरी महाविद्यालय, 24 फरवरी, 2025 में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.एम.एस (तृतीय वर्ष) के छात्र हरनेक सिंह ने अंतर-महाविद्यालय भाषण प्रतियोगिता, जीटीबीआईटी, 16 अप्रैल, 2025 में प्रथम पुरस्कार जीता।

सदजाप सिंह और जसकीरत सिंह ने 23 जनवरी, 2025 को श्री गुरु नानक देव खालसा महाविद्यालय में अंतर-महाविद्यालय गुरमत क्विज़ प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा मनप्रीत कौर ने अंतर-महाविद्यालय गुरबानी कीर्तन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता, श्री गुरु नानक देव खालसा महाविद्यालय, 23 जनवरी, 2025.

बी.कॉम (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा गुरलीन कौर ने श्री गुरु नानक देव खालसा महाविद्यालय में आयोजित अंतर-महाविद्यालय पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में सांत्वना पुरस्कार जीता।

बी.कॉम (ऑनर्स) (प्रथम वर्ष) के छात्र सदजाप सिंह ने माता सुंदरी महाविद्यालय में 23 अक्तूबर, 2024 को आयोजित अंतर-महाविद्यालय बानी कंठ प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार जीता।

बी.कॉम (ऑनर्स) (प्रथम वर्ष) के छात्र जस्सीमर सिंह ने अंतर-महाविद्यालय बनी कंठ प्रतियोगिता, माता सुंदरी महाविद्यालय, 23 अक्तूबर, 2024 में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.कॉम (ऑनर्स) (प्रथम वर्ष) की छात्रा पुनीत कौर ने माता सुंदरी महाविद्यालय में 23 अक्तूबर, 2024 को आयोजित अंतर-महाविद्यालय आखरकारी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

हरनेक सिंह और अशप्रीत कौर ने अंतर-महाविद्यालय भाषण प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता, माता सुंदरी महाविद्यालय फॉर विमेन, 23 अक्तूबर, 2024.

बी.कॉम (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) के छात्र गुरकीरत सिंह ने 2 अप्रैल, 2025 को जीटीबी खालसा महाविद्यालय में अंतर-महाविद्यालय भाषण प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार जीता।

बी.कॉम (ऑनर्स) (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुखप्रीत कौर ने श्री गुरु तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय में 2 अप्रैल, 2025 को आयोजित अंतर-महाविद्यालय बानी कंठ प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार जीता।

बी.कॉम (ऑनर्स) (प्रथम वर्ष) की छात्रा पुनीत कौर ने 16 अप्रैल, 2025 को जीटीबीआईटी में आयोजित अंतर-महाविद्यालय आखरकारी प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार जीता।

बी.कॉम (ऑनर्स) (प्रथम वर्ष) के छात्र जसकीरत सिंह ने इंटर-महाविद्यालय बानी कंठ प्रतियोगिता, जीटीबीआईटी, 16 अप्रैल, 2025 में प्रथम पुरस्कार जीता।

पंजाबी (ऑनर्स) (प्रथम वर्ष) के छात्र जसकीरत सिंह ने इंटर-महाविद्यालय बानी कंठ प्रतियोगिता, जीटीबीआईटी, 16 अप्रैल, 2025 में दूसरा पुरस्कार जीता।

प्रभलीन कौर (टीम सदस्य) ने 13 अप्रैल, 2025 को रंगली वैसाखी 2.0 में दूसरा पुरस्कार जीता।

हरलीन कौर (टीम सदस्य) ने 13 अप्रैल, 2025 को रंगली वैसाखी 2.0 में तीसरा पुरस्कार जीता।

टीम मिस्बा डांस क्रू ने अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता, गृह अर्थशास्त्र संस्थान, 8 अप्रैल, 2024.

बी.कॉम (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) के छात्र गुनवीर सिंह धीर ने 21-22 जून, 2024 को अंतर्राष्ट्रीय उहुरू वर्ल्ड्स संसदीय वाद-विवाद में ईएसएल रिजर्व टीम जीती।

माता सुंदरी महाविद्यालय में बी.ए. (ऑनर्स) पंजाबी (तृतीय वर्ष) की छात्रा अशप्रीत कौर थरेजा और बी.कॉम (ऑनर्स) (प्रथम वर्ष) की छात्रा सुखसिमरत सिंह ने गुरु नानक पेपर रीडिंग प्रतियोगिता (सारंग 2025) में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.ए. (ऑनर्स) पंजाबी (तृतीय वर्ष) की छात्रा अशप्रीत कौर थरेजा ने दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री गुरु तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय में श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के जीवन पर अंतर-महाविद्यालय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

प्रकाशन

सामग्री

जिंदल, डी., गुजराल, एच.के., और गुप्ता, आर. (2024). प्रदर्शन के मार्ग: नौकरी से संबंधित तत्वों, मानव संसाधन प्रथाओं और कर्मचारी कल्याण की जाँच। जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन एंड ऑप्टिमाइजेशन साइंसेज, 45(7), 1931-1947। https://doi.org/10.47974/JIOS-1744

शर्मा, आर., और अग्रवाल, ए. (2024). हाइब्रिड कार्य पद्धतियों में स्थायी सफलता का निर्माण-कार्य जीवन की गुणवत्ता और नौकरी की संतुष्टि एवं नेतृत्व समर्थन के मध्यस्थ प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल रिसर्च एंड रिव्यू, 43 (विशेष खंड), 176-189। https://doi.org/10.52756/ijerr.2024.v43spl.013

कौर, पी., अरोड़ा, जी.के., और अग्रवाल, ए. (2024). कोविड-19 के दौरान स्वास्थ्य सेवा कर्मियों के कार्य-जीवन संतुलन को प्रभावित करने वाले कारक: मॉडरेशन-मीडिएशन मॉडल का उपयोग करते हुए निजी-सार्वजनिक अस्पतालों का बहु-समूह विश्लेषण। मार्जिन, 17(3-4), 315-342। https://doi.org/10.1177/00252921241262656

कौर, एच., और कौर, पी. (2024). घरेलू अपशिष्ट पृथक्करण व्यवहार को निर्धारित करने वाले कारक: एक भारतीय केस स्टडी। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल रिसर्च एंड रिव्यू, 41 (विशेष खंड), 83-95। https://doi.org/10.52756/ijerr.2024.v41spl.007

कौर, के., कौर, एच., कौर, जे., और मेहरा, वाई.एस. (2024). दिल्ली-एनसीआर के उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों में तनाव को प्रभावित करने वाले कारकों का आकलन और विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल रिसर्च एंड रिव्यू, 41 (विशेष खंड), 305-321। https://doi.org/10.52756/ijerr.2024.v41spl.025

मित्तल, ए., सिंह, एन., चतुर्वेदी, पी. (डॉ. डी., और सिंह, पी.के. (2024). प्रौद्योगिकी स्वीकृति मॉडल (टीएएम) के माध्यम से मोबाइल-आधारित टैक्सी ऐप्स के लिए ग्राहकों की अनुकूलनशीलता पर डिजिटल मार्केटिंग संचार (डीएमसी) का प्रभाव: एक क्रमिक मध्यस्थता दृष्टिकोण। जर्नल ऑफ कंटेंट, कम्युनिटी एंड कम्युनिकेशन, 21(10), 12-20। 10.31620/JCCC.12.24/03

कालरा, वी., कौर साही, एस., और कौर, एम. (2024). सामाजिक-आर्थिक कारकों का विश्लेषण करके खुशी बढ़ाना। इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी स्कोप (आईआरजेएमएस), 5(4), 835-846। https://doi.org/10.47857/irjms.2024.v05i04.01445

जैन, एम., कौर, एच., गुप्ता, बी., आदि (2025)। डोमेन-विशिष्ट शब्दावली के गतिशील विकास के लिए वृद्धिशील शिक्षण एल्गोरिथ्म, इसकी स्थिरता और प्लास्टिसिटी विश्लेषण के साथ। साइंटिफिक रिपोर्ट्स, 15, 272। https://doi.org/10.1038/s41598-024-78785-6

साही, एस.के., कालरा, वी., और खुराना, एम.एस. (2025)। एप्पल के बाज़ार नेतृत्व में डिज़ाइन थिंकिंग, क्रिटिकल थिंकिंग और इनोवेशन की भूमिका। जर्नल ऑफ़ इन्फ़ॉर्मेशन सिस्टम्स इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, 10(10s), 1-4। https://doi.org/10.52783/jisem.v10i10s.1335

कालरा, वी., साही, एस.के., और कालरा, एस. (2025). संगठनों में बुद्धिमान ज्ञान प्रबंधन के लिए एनएलपी का संयोजन: एआई-संचालित निर्णय समर्थन के लिए एक ढाँचा। जर्नल ऑफ़ इन्फ़ॉर्मेशन सिस्टम्स इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, 10(10s), 24-28. https://doi.org/10.52783/jisem.v10i10s.1337

गुप्ता, एम., अग्रवाल, पी.के., और गुप्ता, आर. (2024). फोरेंसिक अकाउंटिंग को पुनर्जीवित करना: डेटा एनालिटिक्स का उपयोग करके वित्तीय जोखिम को कम करने पर एक खोजपूर्ण अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल रिसर्च एंड रिव्यू, 41 (विशेष खंड), 227-238। https://doi.org/10.52756/ijerr.2024.v41spl.019

घोष, एस., कौर, जे., थियानेश्वरन, सी., स्वैन, डी.डी., गनी, यू., और रजनी (2025)। वित्तीय प्रदर्शन पर सामाजिक और पर्यावरणीय स्थिरता के प्रभाव का आकलन: भारत में निजी क्षेत्र के बैंकों पर एक अनुभवजन्य अध्ययन। जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन सिस्टम्स इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, 10(5s)। https://doi.org/10.52783/jisem.v10i5s.609

कौर, यू. (2025). बिग मार्ट डेटासेट भविष्यवाणियों को बेहतर बनाने के लिए मेटा-ऑप्टिमाइज़ेशन का अनुप्रयोग। जर्नल ऑफ़ इन्फ़ॉर्मेशन सिस्टम्स इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, 10(30s), 476-480. https://doi.org/10.52783/jisem.v10i30s.4864

जैन, आर., और राव, एम. (2024). उच्च शिक्षा में डिजिटल मार्केटिंग के प्रभाव का एक ग्रंथसूची विश्लेषण। द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी ऑर्गनाइजेशनल स्टडीज, 19(1), 123-148। https://doi.org/10.18848/2324-7649/CGP/v19i01/123-148

मल्होत्रा, आर., सिंह, एम., और खन्ना, एम. (2025)। दोषपूर्ण वर्गों की भविष्यवाणी करने के लिए बहु-उद्देश्यीय खोज एल्गोरिदम का सत्यापन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, 16, 893-913। https://doi.org/10.1007/s13198-025-02717-4

जैन, आर., और राव, एम. (2024). शहरी भारत: उच्च शिक्षा में मिश्रित शिक्षा के कार्यान्वयन में प्रयुक्त प्रमुख साधन। 44, 38-55.

शर्मा, आर., और सक्सेना, ए. (2024). सतत अर्थव्यवस्था और व्यवसाय: श्री रामचरितमानस के दृष्टिकोण से एक पूर्वव्यापी विश्लेषण। जर्नल ऑफ बिजनेस थॉट, 15, 111-120. https://doi.org/10.18311/jbt/2024/46262

नंदा, ए. (2024). कल्याणकारी योजनाओं के स्त्रीकरण के माध्यम से गरीबी से निपटना. भारतीय लोक प्रशासन जर्नल, 70(4), 901-907. https://doi.org/10.1177/00195561241248123

कौर, टी. (2025)। गुरु नानक देव जी दुआरा रचित बानी पहर विच मानुखी जीवन दा फलसफा। आबरू, 24(1-3).

सिंह, एसबीपी (2024). मानवी रिश्तेयां दा दुखांत सिरजदा उपन्यास: मरही दा दिवा। आबरू, 23.

कौर, यू. (2024). IoT और संवर्धित/मिश्रित वास्तविकता का अभिसरण: एक मुक्त स्रोत ढाँचा. हेरिटेज जर्नल.

पुस्तकें और पुस्तक में अध्याय

सिंह, एन. (2024) (अन्य लेखक), प्राथमिक आर्थिक विकास। किताब महल।

सिंह, एन. (2024) (अन्य लेखक), ग्रोथ एंड डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स, किताब महल।

सिंह, एन. (2024) (अन्य लेखक), अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र, किताब महल।

साही, एस.के., खुराना, एम.एस. (2024). डेटा साइंस एसेंशियल्स के लिए व्यापक गाइड। आईआईपी इटरेटिव इंटरनेशनल पब्लिशर्स।

बब्बर, एस., कौर, आर., खुराना, के., (2025). वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और सीमा शुल्क कानून. स्कॉलर टेक प्रेस.

अरोड़ा, जी.के. (2024). भारत में वित्तीय रिपोर्टिंग मानकों का विकास, व्यवसाय, प्रबंधन और अर्थशास्त्र में समकालीन शोध, बीपी इंटरनेशनल।

गुप्ता, आर., कौर, एच., कौर, एम. (2025). पारंपरिक भारतीय ज्ञान: समकालीन शिक्षा प्रणाली में विकास और समावेश (एनईपी-2020). भारतीय ज्ञान प्रणाली, रीडर्स पैराडाइज़.

सेठी, आर., मेहरोत्रा, एम., अग्रवाल, एन. (2025). टाइप 2 डायबिटीज़ के लिए योग चिकित्सा: एक प्रभावी उपचार पद्धति (पृष्ठ 135-148). भारतीय ज्ञान प्रणाली, रीडर्स पैराडाइज़.

नंदा, ए. (2025). एक सुदृढ़ ज्ञान प्रणाली-सभ्यता की रीढ़-वेदों से आभासी शिक्षा तक (पृष्ठ 21-27). भारतीय ज्ञान प्रणाली, पाठकों का स्वर्ग।

कौर, जी. (2025). भक्ति परंपरा में सामाजिक समरसता की खोज: कबीर दास और गुरु नानक के योगदान की खोज। भारतीय ज्ञान प्रणाली, रीडर्स पैराडाइज़।

कौर, टी. (2024). बलदेव सिंह दे उपन्यास जियोना मोड़ विच नायक दा संकल्प। बलदेव सिंह दा नवल जियोना मोड़: इक मुलांकन, सादिक प्रकाशन, बठिंडा।

कौर, जे., कौर, एच., मेहरा, वाई.एस. (2025). भारत में शिक्षा नीतियों के विकास का अनुरेखण: विचार, नियम और व्यवहार (पृष्ठ 197-212). भारतीय ज्ञान प्रणाली, रीडर्स पैराडाइज़.

सजीव, ए., कौर, एच., (2025) सतत तालमेल: भारत के लिए ऊर्जा संक्रमण और आर्थिक विकास के पर्यावरणीय परिदृश्य की खोज (पृष्ठ 356-386), सतत व्यावसायिक प्रथाओं के लिए ईएसजी फ्रेमवर्क, आईजीआई ग्लोबल साइंटिफिक पब्लिशिंग।

पत्रिकाएं

महाविद्यालय ने जर्नल ऑफ बिजनेस थॉट का 15वां संस्करण प्रकाशित किया।

अनुसंधान परियोजनाएँ

वाणिज्य विभाग की प्रोफेसर रेणु गुप्ता को विजन विकसित भारत@2047 के विशेष आह्वान के तहत 'विकसित भारत के निर्माण के लिए समावेशी और समग्र शिक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करना: दिल्ली एनसीआर में उच्च शिक्षा में विकलांग छात्रों का एक अध्ययन' नामक शोध परियोजना के लिए ₹ 16,00,000 की राशि मंजूर की गई है।

अर्थशास्त्र विभाग की प्रो. परमजीत कौर को 'दिल्ली में घरेलू कामगारों की सामाजिक-आर्थिक और कार्य स्थितियों का व्यापक विश्लेषण' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹1,00,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान एसजीजीएससीसी के उत्कृष्टता केंद्र द्वारा प्रदान किया गया है और मार्च 2024 से जुलाई 2025 तक की अवधि के लिए है।

वाणिज्य विभाग की प्रो. कवल गिल को 'युवा भारत की डिजिटल क्षमता-पूर्ववर्ती और परिणाम' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹1,00,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान एसजीजीएससीसी के उत्कृष्टता केंद्र द्वारा प्रदान किया गया है और मार्च 2024 से जुलाई 2025 तक की अवधि के लिए है।

कंप्यूटर विज्ञान विभाग की डॉ. वंदना कालरा को 'कल्याण में सामंजस्य: सामाजिक सुख की खेती और मानव जीवन संतुष्टि को बढ़ाने की रणनीतियाँ' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹1,00,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान एसजीजीएससीसी के उत्कृष्टता केंद्र द्वारा प्रदान किया गया है और मार्च 2024 से जुलाई 2025 तक की अवधि के लिए है।

कंप्यूटर विज्ञान विभाग की डॉ. मेघा उम्मत को 'एनसेंबल लर्निंग एल्गोरिदम का उपयोग करके सॉफ़्टवेयर परिवर्तन पूर्वानुमान: एक अनुभवजन्य जाँच' नामक शोध परियोजना के लिए ₹1,00,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान एसजीजीएससीसी के उत्कृष्टता केंद्र द्वारा प्रदान किया गया है और मार्च 2024 से जुलाई 2025 तक की अवधि के लिए है।

पर्यावरण अध्ययन विभाग की डॉ. नेहा गोयल को 'प्रकृति के साथ सक्रिय जुड़ाव के माध्यम से स्थिरता को बढ़ावा देना' नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹1,00,000 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान एसजीजीएससीसी के उत्कृष्टता केंद्र द्वारा प्रदान किया गया है और मार्च 2024 से जुलाई 2025 तक की अवधि के लिए है।

दायर/स्वीकृत पेटेंट

प्रो. रेणु गुप्ता और डॉ. हरप्रीत कौर, बैंकिंग सुधार और प्रतिस्पर्धा: भारतीय बैंकिंग उद्योग में कुशल आचरण परिकल्पना का परीक्षण।

डॉ. मीनू गुप्ता, 'मानव संसाधन विश्लेषण मूल्यांकन उपकरण', पेटेंट कार्यालय, भारत सरकार द्वारा दिनांक 30 जुलाई, 2024 को प्रदान किया गया।

आयोजित संगोष्ठियां

सुखप्रीत सिंह उदोके ने 18 सितंबर, 2024 को पंजाब की सैन्य विरासत और गुरमत विचारधारा में इसके महत्व पर एक सत्र दिया।

सुश्री श्रुति मलिक, एडोब ने 4 अक्तूबर, 2024 को “नेटवर्क टू सक्सेस” पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

भारती एयरटेल के प्रिंसिपल आर्किटेक्ट श्री सुशील सिंह ने 7 अक्तूबर, 2024 को “साइबर सुरक्षा की मूल बातें और फ़िशिंग रोकथाम” पर एक सत्र दिया।

श्री जगदीश राम पहाड़ी, निदेशक (राजभाषा), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने 13 फरवरी, 2025 को “भारत की राजभाषा नीति और उसका कार्यान्वयन” विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

भारतीय योजना आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. मोंटेक सिंह अहलूवालिया ने 18 फरवरी, 2025 को “मनमोहन सिंह: वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के माध्यम से भारत का नेतृत्व” विषय पर व्याख्यान दिया।

आयोजित सम्मेलन

सीआईआईएल, मैसूर और साहित्य अकादमी, दिल्ली के सहयोग से और आनंद प्रकाश द्वारा प्रायोजित, “डिजिटल युग में भाषा और साहित्य” शीर्षक से सम्मेलन 8 नवंबर, 2024 को आयोजित किया गया।

आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित "विकसित भारत@2047 की यात्रा में दिव्यांगजनों का समावेश" शीर्षक से सम्मेलन 22 जनवरी, 2025 को आयोजित किया गया।

7 $^{वां}$ द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 27 मार्च, 2025 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

4 सितंबर, 2024 को अर्थशास्त्र और नीति में महिलाएं (WiEP) के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, WiEP छात्रों को रोल मॉडल से परिचित कराने और

अर्थशास्त्र में करियर और शैक्षणिक ट्रैक के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए कार्यशालाओं और सत्रों का आयोजन करेगा, और WiEP महिलाओं की शैक्षिक और कैरियर की प्रगति का समर्थन करने के लिए सहकर्मी नेटवर्क के निर्माण की सुविधा प्रदान करेगा और एक मेंटरशिप कार्यक्रम को लागू करेगा।

29 नवंबर, 2024 को लुम्बिनी बनिज्या परिसर के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, दोनों पक्ष शैक्षणिक और छात्र/संकाय आदान-प्रदान को बढ़ावा देकर अपनी साझेदारी को मजबूत करने का इरादा रखते हैं और इसमें शैक्षणिक सहयोग, छात्र विनिमय कार्यक्रम, व्यावसायिक विकास, अनुसंधान सहयोग और ज्ञान और संसाधनों का आदान-प्रदान भी शामिल है।

23 दिसंबर, 2024 को मार्क्वेट यूनिवर्सिटी (एमयू) का प्रतिनिधित्व करने वाले इंटरनेशनल पार्टनरशिप ऑफ एजुकेशन रिसर्च एंड कम्युनिकेशन (आईपीईआरसी) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, एसजीजीएससीसी, डीयू के छात्र एमयू में डिग्री चाहने वाले छात्रों के रूप में नामांकन कर सकते हैं, एसजीजीएससीसी, डीयू में पूरा किया गया कोर्सवर्क संभावित रूप से स्थानांतरण क्रेडिट के रूप में लागू किया जा सकता है, और आईपीईआरसी क्रेडिट के हस्तांतरण की सुविधा प्रदान करेगा और आवेदन और नामांकन प्रक्रिया के माध्यम से छात्रों का समर्थन करेगा।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

24 दिसंबर, 2024 को रेखी फाउंडेशन फॉर हैप्पीनेस के साथ एक सहयोग किया गया। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, छात्रों और शिक्षकों के लिए अनुसंधान, प्रशिक्षण, शिक्षा और कल्याण के अभ्यास को बढ़ावा देने के लिए "खुशी के विज्ञान के लिए रेखी उत्कृष्टता केंद्र" की स्थापना की जाएगी।

2 जुलाई, 2024 को एवी फाइनेंशियल एक्सपर्ट्स नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड (फिनएक्स) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, संस्थान और फिनएक्स संयुक्त रूप से स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम शुरू करेंगे, और छात्रों को संस्थान और फिनएक्स से संयुक्त प्रमाणन प्राप्त होगा।

24 जनवरी, 2025 को आईडीपी एजुकेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, संस्थान अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा नियोजन सेवाओं और आईईएलटीएस परीक्षणों में रुचि रखने वाले छात्रों को आईडीपी के लिए संदर्भित करेगा, और दोनों पक्षों ने संदर्भित छात्रों के लिए छात्रवृत्ति, छूट और लाभ पर सहमति व्यक्त की।

भारतीय स्वास्थ्य अर्थशास्त्र एवं नीति एसोसिएशन (आईएचईपीए) के साथ 26 नवंबर, 2011 को एक सहयोग किया गया। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, श्री गुरु गोबिंद सिंह वाणिज्य महाविद्यालय आईएचईपीए के 12 वें वार्षिक सम्मेलन की सह-मेजबानी करेगा और एक पूर्व-सम्मेलन कार्यशाला का आयोजन करेगा, तथा महाविद्यालय सम्मेलन के लिए संकाय सदस्यों को वक्ताओं के रूप में नामित करेगा।

एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत छात्र

गेस्टियन एट मैनेजमेंट, यूनिवर्सिटी जीन मौलिन ल्योन 3 और दिल्ली विश्वविद्यालय के बीच समझौता-ज्ञापन के तहत, फ्रांस के एक स्नातक छात्र एंटोनी गाजारोसियन ने अगस्त 2024 से मई 2025 तक डीयू का दौरा किया। इस आदान-प्रदान ने सार्थक शैक्षणिक संवाद और सांस्कृतिक विसर्जन को बढ़ावा दिया, जिससे एंटोनी गाजारोसियन के बैचलर ऑफ मैनेजमेंट अध्ययन कार्यक्रम में योगदान मिला।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 310 (78.09%)

कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या: 124

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- महाविद्यालय ने एक समावेशी रोजगार मेले का आयोजन किया, जिसमें 200 से अधिक दिव्यांगजनों को रोजगार के अवसर प्रदान किए गए।
- एक निःशुल्क बहु-विशिष्ट स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 150 से अधिक व्यक्तियों को चिकित्सा परामर्श प्रदान किया गया।
- हैदरपुर में स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।
- प्रोजेक्ट सुरक्षा के अंतर्गत, महाविद्यालय ने मासिक धर्म स्वच्छता, यौन उत्पीड़न की रोकथाम और प्लास्टिक-मुक्त दृष्टिकोण के माध्यम से स्थिरता पर अभियान शुरू किया।
- छात्रों ने करुणा और सामाजिक बंधन को बढ़ावा देने के लिए बाल दिवस पर एक अनाथालय का दौरा किया।
- एनसीसी बालक इकाई ने एक भारत श्रेष्ठ भारत शिविर, अखिल भारतीय थल सैनिक शिविर, गणतंत्र दिवस शिविर और मुख्यमंत्री रैली में भाग लिया।
- स्वदेशी 2.0, एक दिवाली मेला, ने पर्यावरण-अनुकूल स्टालों और हस्तनिर्मित उत्पादों के माध्यम से भारतीय शिल्प कौशल को बढ़ावा दिया।
- रक्तदान अभियान, स्वच्छता अभियान, सड़क सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण सहित सामाजिक सेवा पहलों का नेतृत्व एनसीसी गर्ल्स कैडेटों द्वारा किया गया।
- दृश्य हानि और समावेशी प्रतिनिधित्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए व्हाइट केन दिवस और विश्व विकलांगता दिवस मनाया गया।

- एनेक्टस ने स्थायी परियोजनाएं क्रियान्वित कीं, जिनमें शामिल हैं-'नीरसा', जिसका ध्यान दूषित जल निकायों को बहाल करने पर था, तथा 'निवारन', जिसका लक्ष्य जलकुंभी को उपयोगी उत्पादों में परिवर्तित करना था।
- वैश्विक रोटी दिवस के दौरान वंचितों की सहायता के लिए 1,000 से अधिक भोजन वितरित किए गए।
- महिलाओं के लिए विशेष पुलिस इकाई ने छात्राओं को आत्मरक्षा तकनीक का प्रदर्शन किया तथा उन्हें वास्तविक दुनिया की चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार किया।
- "बेसिक लाइफ सपोर्ट और सीपीआर" पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसमें जीवन-संकट की स्थितियों में तत्काल चिकित्सा हस्तक्षेप की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय ने क्यूआर कोड बनाया और अपने उपयोगकर्ताओं के लिए पुस्तकालय के भीतर और बाहर प्रमुख स्थानों पर रखा, ताकि उन्हें पुस्तकालय की पुस्तकों को खोजने और पुस्तकालय की वेबसाइट तक सहजता से पहुंचने में सुविधा हो। पुस्तकालय के उन्नयन के लिए, राष्ट्रीय विज्ञान पुस्तकालय (सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर) का दौरा किया गया। महाविद्यालय के बौद्धिक उत्पादन की दृश्यता बढ़ाने के प्रयास में, पुस्तकालय ने हमारे महाविद्यालय के संकाय सदस्यों द्वारा लिखित 135 पुस्तकों को प्रदर्शनी में प्रदर्शन के लिए भेजकर दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली द्वारा आयोजित “पीएच.डी. थीसिस और पुस्तकों की प्रदर्शनी” में भाग लिया। सीखने के लिए दूसरों के लिए हमारे पुस्तकालय के दरवाजे खोलने के लिए, पुस्तकालय ने पुस्तकालय विज्ञान के छात्रों के लिए एक महीने की पुस्तकालय इंटर्नशिप प्रोग्राम (अवैतनिक आधार) की पहल शुरू की।

संकाय संख्या

- वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक : 12
- एसोसिएट प्रोफेसर : 25
- सहायक प्रोफेसर : 34
- तदर्थ : 2
- अतिथि : 21

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित अनुदान: ₹ 32.65 करोड़

उपयोगित अनुदान: ₹ 32.04 करोड़

****

श्री गुरु नानक देव खालसा महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

महाविद्यालय प्रशासनिक कार्यों को स्वचालित करने के लिए अपने एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी) सिस्टम को लगातार अपग्रेड कर रहा है। इस केंद्रीकृत प्लेटफॉर्म को उपस्थिति रिकॉर्ड, आंतरिक मूल्यांकन और निरंतर मूल्यांकन के प्रबंधन के लिए अपग्रेड किया गया। पहली बार, लड़कियां विजयंत एनसीसी में शामिल हुईं, जिससे समावेशिता और सशक्तिकरण के एक नए युग की शुरुआत हुई। ईओसी ने 5 मार्च, 2025 को विशेष रूप से विकलांग छात्रों के लिए एक अंतर-राज्यीय लता मंगेशकर राष्ट्रीय संगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया। खेलों में, युगराज मान ने अंडर 23 दिल्ली राज्य कुश्ती चैंपियनशिप, अंडर 20 दिल्ली राज्य कुश्ती चैंपियनशिप में तीसरा पुरस्कार और इंटर महाविद्यालय कुश्ती चैंपियनशिप में पहला स्थान जीता। लक्ष्य शर्मा ने दिल्ली राज्य कोर्फबॉल चैंपियनशिप में पहला पुरस्कार और इंटर महाविद्यालय शॉट पुट चैंपियनशिप में तीसरा स्थान जीता। भावित टाक को ओपन दिल्ली राज्य हाई जंप चैंपियनशिप में दूसरा पुरस्कार और वार्षिक दिल्ली राज्य चैंपियनशिप में तीसरा पुरस्कार मिला। इसमें आर1 आरसीएम, डिट्टो इंश्योरेंस, ईजमाईट्रिप और आईजीटी सॉल्यूशंस जैसी कई कंपनियों ने भाग लिया।

अंग्रेजी विभाग ने 26 मार्च, 2025 को भारत में सिद्धांत: उत्पत्ति, परंपराएं और प्रभाव विषय पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। भांगड़ा, गिद्दा और फोटोबग सोसाइटियों ने कई विश्वविद्यालय कॉलेजों में कई पुरस्कार जीते हैं।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

हिंदी विभाग की डॉ. अंजू बाला एक शोधार्थी का मार्गदर्शन कर रही हैं।

डॉ. आशीष थॉमस को सोसाइटास यूरोपिया हर्पेटोलॉजिका द्वारा प्रकाशित स्कोपस अनुक्रमित क्यू3 जर्नल, हर्पेटोलॉजी नोट्स के एसोसिएट एडिटर का पुरस्कार दिया गया।

डॉ. आशीष थॉमस ने राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, दिल्ली से पर्यावरण विधि केंद्र, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया के सहयोग से एक वर्षीय 'पर्यावरण विधि एवं नीति में स्नातकोत्तर डिप्लोमा' सफलतापूर्वक पूरा किया और यह डिग्री 8 जनवरी, 2025 को प्रदान की गई।

हिंदी विभाग की डॉ. दीप माला और डॉ. रेणु दुग्गल दो शोधार्थियों का मार्गदर्शन कर रही हैं।

सुश्री गरिमा मल्होत्रा को जीडी गोयनका विश्वविद्यालय, गुरुग्राम से "बैंकिंग लेनदेन में डिजिटलीकरण को अपनाना: भारतीय उपभोक्ता व्यवहार का एक खोजपूर्ण अध्ययन" विषय पर अर्थशास्त्र में पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई।

डॉ. राज कुमार को 8 नवंबर, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री गुरु गोबिंद सिंह वाणिज्य महाविद्यालय में सर्वश्रेष्ठ शोध प्रस्तुति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

सुश्री सौम्या चतुर्वेदी ने 23 मई, 2024 को इंस्टीट्यूट ऑफ इनोवेशन इन टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट द्वारा आयोजित प्रबंधन में प्रौद्योगिकी एकीकरण: दक्षता और नवाचार को बढ़ाना (आईसीटीआईएम) पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत में बैंकों के प्रदर्शन पर कॉर्पोरेट प्रशासन का प्रभाव" शीर्षक वाले पेपर के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति पुरस्कार जीता।

पंजाबी विभाग की डॉ. विनयनीत कौर तीन विद्वानों का मार्गदर्शन कर रही हैं।

प्रकाशन

सामग्री

आहूजा, ममता (2024) "व्यापारिक क्षितिज: भारत और चयनित लैटिन अमेरिकी देशों के बीच व्यापार की शर्तों का विश्लेषण", यूपीयूईए आर्थिक पत्रिका, एक द्विवार्षिक- द्विभाषी डबल ब्लाइंड पीयर रिव्यूड रेफरीड जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स, वॉल्यूम-19 (ग) सम्मेलन संख्या-19 (खंड 3) राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) आईएसएसएन-0975-2382 द्वारा समर्थित।

आहूजा, ममता (2024) भारत और चयनित लैटिन अमेरिकी देशों के बीच व्यापार गतिशीलता: सतत विकास के लिए निहितार्थ (विशेष अंक, अक्तूबर 2024), द इंडियन इकोनॉमिक जर्नल (यूजीसी केयर सूची- समूह 1 के तहत), जर्नल ऑफ द इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन, आईएसएसएन- 0019-4662।

आहूजा, ममता (2024) एक्जिम नीति और भारतीय उद्योग: निर्यात वृद्धि और वैश्विक एकीकरण के लिए एक रणनीतिक ढांचा" (2024), द इंडियन इकोनॉमिक जर्नल (यूजीसी केयर सूची- समूह 1 के अंतर्गत), जर्नल ऑफ द इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन, आईएसएसएन- 0019-4662

बैरवा, घनश्याम (2024), "भारत में वृद्ध जनसंख्या का कर राजस्व, सरकारी व्यय और गरीबी पर प्रभाव: एक अर्थमितीय विश्लेषण", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यू, खंड 11/4, पृष्ठ-ISSN: 2349-5138। पृष्ठ संख्या 185-191।

बैरवा, घनश्याम (2024), "पंजाब के किसानों की वित्तीय यात्रा: 2002 से 2019 तक ऋण स्रोतों का मूल्यांकन", जर्नल ऑफ सोशल रिव्यू एंड डेवलपमेंट, खंड संख्या 3(2), आईएसएसएन 2583-2816, पृष्ठ संख्या 22-30।

बैरवा, घनश्याम (2024), “ओडिशा के किसानों की बदलती किस्मत: 2002-2019 तक ऋणग्रस्तता और आर्थिक स्थिति का तुलनात्मक विश्लेषण”, जर्नल ऑफ सोशल रिव्यू एंड डेवलपमेंट, खंड 3(1), आईएसएसएन 2024: 2583-2816, पृष्ठ संख्या- 23-29।

बैरवा, घनश्याम (2024), "पंजाब की कृषि अर्थव्यवस्था: दो दशकों में किसान समृद्धि और ऋण पर नज़र रखना", आईएमपी इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्रोग्रेसिव रिसर्च इन इंजीनियरिंग मैनेजमेंट एंड साइंस (आईजेप्रेम्स), खंड 04, अंक 09, सितंबर 2024, ई-आईएसएसएन: 25831016, पृष्ठ संख्या 282-289।

बैरवा, घनश्याम; सिंह, मीना (2024), “भारतीय कृषि परिवर्तन: प्रवृत्तियों, पैटर्न और नीति तत्वों का एक व्यापक आर्थिक विश्लेषण”, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यू, खंड 11/4, पी-आईएसएसएन: 2349-5138, पृष्ठ संख्या 668-673।

बैरवा, घनश्याम; सिंह, मीना (2024). “गुजरात में किसानों के बीच आर्थिक और ऋण बदलावों पर नज़र: एक तुलनात्मक अध्ययन,” इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिसर्च पब्लिकेशन एंड रिव्यूज़, खंड 5, संख्या 11, आईएसएसएन: 2582-7421, पृष्ठ संख्या 270-280

चतुर्वेदी, एस., और मारवाह, ए. (2024). शासन और प्रदर्शन: भारतीय बैंकों में स्वामित्व संरचनाओं के प्रभाव। शहरी भारत, यूजीसी केयर जर्नल, खंड 44, अंक संख्या 2, आईएसएसएन 0970-9045, पृष्ठ संख्या 136-149

चतुर्वेदी, एस., और मारवाह, ए. (2024). भारत में बैंकों के प्रदर्शन पर कॉर्पोरेट प्रशासन का प्रभाव॥ आईआईटीएम जर्नल ऑफ बिजनेस स्टडीज (जेबी.ए.स), यूजीसी केयर जर्नल, विशेष अंक, आईएसएसएन 2393-9451, पृष्ठ संख्या 168-182

चतुर्वेदी, डीडी, सिंह, एच., जैन, ए और चतुर्वेदी, एस. (2024)-भारत में युवा निवेशकों के निवेश व्यवहार पर वित्तीय साक्षरता का प्रभाव: आईआईटीएम जर्नल ऑफ बिजनेस स्टडीज (जेबी.ए.स) में एक अनुभवजन्य अध्ययन, यूजीसी केयर जर्नल, विशेष अंक, आईएसएसएन 2393-9451, पृष्ठ संख्या 15-31

चतुर्वेदी, डीडी, सिंह, एन. और चतुर्वेदी, एस. (2024)-शेयर बाजार ट्रेडिंग की दक्षता और प्रभावशीलता में सुधार करने में तकनीकी प्रगति की भूमिका: चार्टर्ड अकाउंटेंट में एक विश्लेषणात्मक परिप्रेक्ष्य, यूजीसी केयर जर्नल, खंड 72 संख्या 12, आईएसएसएन 0009-188X, पृष्ठ संख्या 79-82

कौर, अमरिंदर (2024), " जलवायु लचीलेपन के लिए रणनीतियों का विश्लेषण: सतत विकास पर ध्यान देने के साथ एक आईएसएम एमआईसीएमएसी दृष्टिकोण", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल रिसर्च एंड रिव्यू, आईएसएसएन: 2455-4855

दया प्रकाश सिन्हा द्वारा साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता हिंदी नाटक 'सम्राट अशोक' में कुमार, सतीश का हिंदी से पंजाबी में अनुवाद, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली 2024.

शैलजा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और गदर आंदोलन: विशेष संदर्भ प्रवासी भारतीय, केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा में अप्रैल से जून 2024

असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, गुवाहाटी द्वारा सितंबर 2024 में शैलजा हिंदी साहित्य में ग्राम्य जीवन

शर्मा, राज कुमार (2024) "बदलते वैश्विक परिदृष्य माई प्रवासी भारतीयों का योगदान", शोध समालोचन", जुलाई-सितंबर 2024, पीयर रिव्यू, आईएसएसएन 2348-5639, पृष्ठ संख्या-200-204।

शर्मा, राज कुमार (2024) "भोजपुरी लोक गीतन एम वर्णित पट्टी जीवन", द्विभाषी राष्ट्रसेवक", जून-जुलाई 2024, केयर सूची, आईएसएसएन 2321-4945, पृष्ठ संख्या 32-37

शर्मा, राज कुमार (2024) "विवेकी राय के निबंधों में निहित व्यंगात्मक यथार्थ" लेख, "बोहल शोध मंजूषा", मार्च 2025 पीयर रिव्यू, आईएसएसएन 2235-2758, पृष्ठ संख्या 134-139।

चतुर्वेदी, एस., और मारवाह, ए. (2024). वित्तीय परिणामों में परिवर्तन: भारतीय बैंकिंग पुनर्जागरण में स्वामित्व संरचना का रणनीतिक प्रभाव, संगठन विकास जर्नल, स्कोपस इंडेक्स्ड, खंड 42 संख्या 2, आईएसएसएन: 0889-6402.

मित्तल, ए., चतुर्वेदी, डी.डी., चतुर्वेदी, एस., और सिंह, पी.के. (2024) कृत्रिम बुद्धिमत्ता के नकारात्मक पहलुओं का ग्राहक खरीद इरादे पर प्रभाव: ऑनलाइन खुदरा ग्राहकों का एआई-सक्षम ई-रिटेल प्लेटफ़ॉर्म के प्रति एक अनुभवजन्य अध्ययन। व्यवसाय में एआई के अंधकारमय पक्ष का रहस्य उजागर करना, आईजीआई ग्लोबल, स्कोपस अनुक्रमित, आईएसबी.ए.न 13: 9798369307243, पृष्ठ संख्या 159-173।

पुस्तकें और पुस्तक में अध्याय

कौर, अमरजीत. मित्रो मरजानी : स्त्री अस्मिता और आज़ादी का साहसिक संवाद, शोध सार्थ (रास्ता जर्नल) वॉल्यूम। 11, अंक 43, जुलाई से सितंबर 2024

कौर, अमरजीत. अतीत की परछाइयां और आधुनिक दृष्टिकोण, शोध संचार (जर्नल) वॉल्यूम। 14, अंक 55, जुलाई से सितम्बर 2024

कौर, अमरजीत. मित्रो मरजानी : भाषा की कहानी, शोध सार्थ (रास्ता जर्नल) वॉल्यूम। 11, अंक 44, अक्तूबर से दिसंबर 2024

कौर, अमरजीत. माध्यम बनाम संस्कृति (पुस्तक में अध्याय) पुस्तक का नाम-माध्यम : अंतर्ज्ञान संवाद, जुलाई 2024, आरसी प्रकाशन, दिल्ली।

सूरी, दीक्षा। हिंदी सिनेमा में महिला देखभालकर्ताओं के माध्यम से साझा विकलांगता का प्रतिनिधित्व, साहित्य और दृश्य कला में विकलांगता अध्ययन को अग्रभूमि में रखना, (2025), ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस। आईएसबी.ए.न-978-93-6275-913-9

सूरी, दीक्षा. प्रबंधन शिक्षा में साहित्य की रचनात्मक भूमिका, साहित्य और ट्रांसडिसिप्लिनारिटी, (2024), मैकमिलन एजुकेशन. आईएसबी.ए.न-978-93-5666-707-5

सेठी, एसके (2024)पुस्तक (संपादित), (बलदेव सिंह द्वारा लिखित), "सड़कनामा दा नवल जियोना मोड़: इक मुलांकन", सड़क प्रकाशन, बठिंडा, पंजाब

सेठी, एसकेबुक (संपादित), (एसएसवंजारा बेदी द्वारा लिखित), "नवेन आलोचन दी नज़र विच" (2024), सड़क प्रकाशन, बठिंडा, पंजाब

आयोजित संगोष्ठियां

श्री केवीएस राव, डीयू के इतिहास विभाग से डॉ. विकास गुप्ता, सीआईसी, डीयू से डॉ. आशु मिश्रा, केएनसी, डीयू से डॉ. नरेश अरोड़ा और प्रबंध सलाहकार मिस नेहल बोहरा ने 4 मार्च, 2025 को 'दिव्यांगता का विचार' शीर्षक से एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

स्कूल ऑफ ग्लोबल अफेयर (अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली) के प्रोफेसर प्रवीण सिंह ने 8 नवंबर को "पर्यावरणीय वैश्वीकरण और संप्रभुता" पर एक व्याख्यान दिया। 2024.

संगोष्ठी के मुख्य वक्ता जेएनयू के संस्कृत और इंडिक अध्ययन स्कूल के प्रोफेसर रजनीश कुमार मिश्रा, देवत्व संकाय (ऑनलाइन) में विश्वविद्यालय के वरिष्ठ व्याख्याता डॉ. अंकुर बरुआ और ओपी जिंदल विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर: डॉ. कुमुद रंजन ने 26 मार्च, 2025 को भारत में सिद्धांत: उत्पत्ति, परंपराएं और प्रभाव विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

डॉ. स्वाति नरूला, एसोसिएट प्रोफेसर, वीआईपीएस ने 13 फरवरी, 2025 को केंद्रीय बजट और महिलाओं पर इसके प्रभाव पर एक व्याख्यान दिया।

तिब्बती शरणार्थी, कार्यकर्ता और लेखक श्री तेनज़िन त्सुन्दुए ने 11 अक्तूबर, 2024 को लेखन और सक्रियता पर एक व्याख्यान दिया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान संकाय के राजनीति-विज्ञान विभाग के प्रोफेसर उज्ज्वल सिंह ने 7 मार्च, 2025 को “भारत में आधुनिक राज्य और लोकतंत्र” पर एक व्याख्यान दिया।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 33 (28%)

कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या: 25

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- महाविद्यालय की एनएसएस इकाई ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून, 2024) पर एक योग एवं स्वास्थ्य सत्र का आयोजन किया। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में, इकाई ने एक वर्चुअल पेंटिंग प्रतियोगिता (14 अगस्त, 2024), और हर घर तिरंगा अभियान (15 अगस्त, 2024) का आयोजन किया। अक्तूबर में, एनएसएस ने शरीर और आत्मा के लिए योग पर एक सत्र आयोजित किया, जिसमें स्वास्थ्य को बढ़ावा दिया गया। इकाई ने स्वच्छता अभियान-स्वच्छता से समृद्धि (11 नवंबर, 2024) और सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत जागरूकता पहल भी आयोजित की। स्थिरता प्रयासों में एक वृक्षारोपण अभियान-एक वृक्ष माँ के नाम शामिल था।
- महाविद्यालय की बिस्मान एवं अप्रमपार सोसाइटी ने गुरु नानक देव जी के प्रकाशोत्सव एवं स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में चाय सेवा का आयोजन किया। बिस्मान सोसाइटी ने स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी से गुरुद्वारा श्री रकाब गंज साहिब में रुख एवं लंगर सेवा अभियान का भी आयोजन किया।

- महाविद्यालय के प्रोजेक्ट सेवा ने एक वृद्धाश्रम का दौरा आयोजित किया और वहाँ रहने वाली लड़कियों से बातचीत की और उनके साथ अच्छा समय बिताया। प्रोजेक्ट सेवा ने बच्चों की भलाई के लिए गोल्डन लायनेस क्लब के साथ मिलकर काम किया। दोनों ने मिलकर फ्लैग चिल्ड्रन होम में एक दिन बिताया और छोटी बच्चियों को मासिक धर्म संबंधी स्वास्थ्य के बारे में खुलकर बातचीत करने का मार्गदर्शन दिया।
- युवा ने संतुलित और सफल जीवन के लिए माइंडफुलनेस पर एक कार्यशाला और अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया। यह वंचितों को खुशियाँ देने के लिए दान अभियान भी चला रहा है-दिवाली के आसपास एक विशेष दान अभियान और स्टेशनरी व कपड़ों के लिए एक दान अभियान चलाया गया। सोसाइटी ने राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय का एक ज्ञानवर्धक भ्रमण भी आयोजित किया।

पुस्तकालय विकास

भाई गुरदास पुस्तकालय महाविद्यालय के एक प्रमुख शैक्षणिक संसाधन के रूप में कार्य करता है, जिसमें पुस्तकों, पत्रिकाओं और पत्रिकाओं का एक विशाल संग्रह है। आधुनिकीकरण की दिशा में एक कदम बढ़ाते हुए, पुस्तकालय ने मैन्युअल लॉग बुक से कोहा सॉफ्टवेयर का उपयोग करके डिजिटल फुटफॉल रिकॉर्डिंग प्रणाली में परिवर्तन किया है। इस प्रगति ने डेटा संगठन और छात्र गतिविधि ट्रैकिंग में उल्लेखनीय सुधार किया है। इसके अतिरिक्त, कोहा सॉफ्टवेयर की स्थापना ने कैटलॉगिंग, सर्कुलेशन और ओपीएसी सेवाओं सहित पुस्तकालय के कुशल संचालन को सुगम बनाया है। अब संकाय और छात्र दोनों ही पुस्तकालय तक ऑनलाइन पहुँच प्राप्त कर सकते हैं। पुस्तकालय INFLIBNET और DELNET का एक पंजीकृत सदस्य भी है, जो इसके संसाधन नेटवर्क को और समृद्ध बनाता है। 2024-2025 में खरीदी गई पुस्तकों की कुल संख्या: 862

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	: 4
एसोसिएट प्रोफेसर	: 20
सहायक प्रोफेसर	: 53
तदर्थ	: 1
अतिथि	: 10

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित अनुदान: ₹ 37.59 करोड़

उपयोगित अनुदान: ₹ 34.83 करोड़

****

श्री गुरु तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

शैक्षणिक सत्र 2024-25 में, महाविद्यालय ने सांस्कृतिक समृद्धि के साथ-साथ शैक्षणिक और खेलकूद में उत्कृष्टता को प्राथमिकता दी। मई 2024 में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया जाएगा जिसमें 29 सोसाइटियों के 1,075 छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया जाएगा और शैक्षणिक स्तर पर अव्वल रहने वाले 105 छात्रों को पुरस्कार/छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। प्रसिद्ध लेखक की साहित्यिक विरासत का सम्मान करने के लिए नवंबर 2024 में एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी "साहित्य की शताब्दी उपस्थिति: रामदरश मिश्र" का आयोजन किया जाएगा। अक्तूबर 2024 में गणितीय विज्ञान और उसके अनुप्रयोगों पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICMSA 2024) आयोजित किया जाएगा, जिसमें DRDO, ISI, NEHU, VIT-भोपाल, JMIU और डीयू के प्रख्यात गणितज्ञों ने भाग लिया।

अगस्त 2024 में, हमारे छात्रों ने समाचार चैनल CNN-News-18 द्वारा शुरू किए गए अभियान #FreedomToMeIs में अपने विचार साझा किए, जो उनके प्रोजेक्ट "अनेक आवाज़ें-स्वतंत्रता का एक गान" के अंतर्गत था। शारीरिक शिक्षा विभाग ने अक्तूबर 2024 में खेल-उत्सव - एक अंतर्विभागीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया। साहिबज़ादा ज़ोरावर सिंह और साहिबज़ादा फ़तेह सिंह टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का 23-दिवसीय 11वाँ सीज़न फरवरी 2025 में आयोजित किया गया। फरवरी 2025 में, हमने 'बसंत' - संगीत समारोह का आयोजन किया, जिसमें प्रतिभाशाली संगीतकार और उत्साही दर्शक एक साथ आए। हमने भारत के विभाजन के बहुआयामी प्रभावों का पता लगाने के लिए 21 मार्च, 2025 को "विभाजन पर पुनर्विचार - 1947: ऐतिहासिक, समाजशास्त्रीय, सांस्कृतिक और राजनीतिक परिप्रेक्ष्य" विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

पंजाबी भाषा और पंजाबी संस्कृति के प्रचार-प्रसार में उनके अमूल्य योगदान के लिए जगत पंजाबी सभा कनाडा द्वारा विरासत-ए-खालसा, श्री आनंदपुर साहिब में उप-प्रधानाचार्य डॉ. हरबंस सिंह को सम्मानित किया गया।

प्रधानाचार्य डॉ. गुरमोहिंदर सिंह को 25 मार्च, 2025 को शहीद भगत सिंह अंतर्राष्ट्रीय गौरव रत्न पुरस्कार-2025 से सम्मानित किया गया।

राजनीति-विज्ञान विभाग के डॉ. नचिकेता सिंह को दिल्ली विश्वविद्यालय के श्याम लाल महाविद्यालय (ईवी) का प्राचार्य नियुक्त किया गया। 31 जुलाई, 2024.

डॉ. परमिंदर कौर नारंग को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता द्वारा 7 मार्च, 2025 को प्रधानमंत्री संग्रहालय में फीम फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक समारोह में "राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान के लिए महिलाओं के सम्मान और मान्यता" से सम्मानित किया गया।

यूजीसी-एमएमटीटीसी, एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय के निदेशक डॉ. विमल राढ़ को एनपीटीसी महाविद्यालय, वेल्स, यूनाइटेड किंगडम द्वारा शिक्षक प्रशिक्षण में यूके-भारत कार्यक्रमों का नेतृत्व और समन्वय करने के लिए भारत समन्वयक नियुक्त किया गया है।

डॉ. विमल राढ़, यूजीसी-एमएमटीटीसी, एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय को स्किल्स एंड एजुकेशन ग्रुप, यूनाइटेड किंगडम द्वारा "शिक्षा और प्रशिक्षण में लेवल 3 पुरस्कार" के लिए भारत समन्वयक नियुक्त किया गया है।

छात्र

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (द्वितीय वर्ष) की आराध्या खुराना ने वर्धमान महावीर मेडिकल महाविद्यालय द्वारा आयोजित एकल गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया-20 अक्तूबर, 2024 (भारतीय शास्त्रीय एकल)

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (द्वितीय वर्ष) की आराध्या खुराना ने श्री गुरु गोबिंद सिंह वाणिज्य महाविद्यालय द्वारा आयोजित एकल गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया-4 अप्रैल 2025 (बॉलीवुड सोलो)

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (द्वितीय वर्ष) की आराध्या खुराना ने डॉ. भीम राव अंबेडकर महाविद्यालय द्वारा आयोजित एकल गायन प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया-31 जनवरी, 2025 (अर्ध-शास्त्रीय एकल)

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (द्वितीय वर्ष) की आराध्या खुराना ने मौलाना आज़ाद मेडिकल महाविद्यालय द्वारा आयोजित एकल गायन प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया-9 सितंबर, 2024 (सेमी-क्लासिकल सोलो)

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (द्वितीय वर्ष) की आराध्या खुराना ने दयाल सिंह महाविद्यालय द्वारा आयोजित एकल गायन प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया-6 मार्च, 2025 (अर्ध-शास्त्रीय एकल)

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (द्वितीय वर्ष) की आराध्या खुराना ने भारतीय विद्यापीठ डीम्ड विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एकल गायन प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया-28 मार्च, 2025

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (द्वितीय वर्ष) की आराध्या खुराना ने वर्धमान महावीर मेडिकल महाविद्यालय द्वारा आयोजित एकल गायन प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया-20 अक्तूबर, 2025.

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (द्वितीय वर्ष) की आराध्या खुराना ने दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित स्वरांग-एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय की संगीत सोसाइटी का प्रतिनिधित्व करते हुए भारतीय शास्त्रीय गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया-21 मार्च, 2025.

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (द्वितीय वर्ष) की आराध्या खुराना ने 9 सितंबर, 2024 को मौलाना आज़ाद मेडिकल महाविद्यालय द्वारा आयोजित अर्ध-शास्त्रीय युगल गायन प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (द्वितीय वर्ष) की आराध्या खुराना ने वर्धमान महावीर मेडिकल महाविद्यालय द्वारा आयोजित सेमी-क्लासिकल युगल गायन प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया-20 अक्तूबर, 2024.

बी.कॉम (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) के छात्र आर्यन सपिया ने हरियाणा राज्य का प्रतिनिधित्व किया और चंडीगढ़ में आयोजित नॉर्थ जोन इंटर स्टेट चैंपियनशिप में मिश्रित युगल में प्रथम स्थान और पुरुष टीम चैंपियनशिप में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.कॉम (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) के छात्र आर्यन सपिया ने 2024 में बैंगलोर में आयोजित अखिल भारतीय सीनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट में मिश्रित युगल वर्ग में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बी.कॉम (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) के छात्र आर्यन सपिया और बी.कॉम (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) के छात्र ईशान चावला ने दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया और उत्तर क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय बैडमिंटन चैम्पियनशिप, 2024 में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.एस.सी. (ऑनर्स) वनस्पति-विज्ञान (प्रथम वर्ष) के छात्र अभिषेक यादव ने अखिल भारतीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया, सर्वश्रेष्ठ कैडेट प्रतियोगिता, महानिदेशालय एनसीसी, 29 जनवरी, 2025.

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (तृतीय वर्ष) की छात्रा अचिंत कौर ने नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया में आर्थिक अनुसंधान और नीति प्रशिक्षु रेड बुल के साथ छात्र विपणक के रूप में इंटर्नशिप पूरी की है-उन्हें भूटान के रॉयल थिम्पू महाविद्यालय में रीथिंकिंग इकोनॉमिक्स फेस्टिवल 2024 के लिए एक प्रतिनिधि के रूप में चुना गया है।

बी.कॉम (ऑनर्स) (प्रथम वर्ष) के छात्र आदित्य शर्मा ने 22 फरवरी, 2025 को श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय द्वारा आयोजित मर्डर मिस्ट्री सांख्यिकी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) के छात्र आदित्य शर्मा ने बनारसीदास चांदीवाला सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित अंतर महाविद्यालय नृत्य प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार जीता, 7 मार्च, 2025.

बी.कॉम (ऑनर्स) (प्रथम वर्ष) के छात्र आदित्य शर्मा ने मैत्रेयी महाविद्यालय द्वारा मार्च 2025 में आयोजित ट्रेजर हंट में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (द्वितीय वर्ष) के छात्र अगम दीप सिंह ने 17-19 जनवरी, 2025 को मोनार्की बाय आईआईटी रुड़की द्वारा आयोजित मॉडल यूनाइटेड नेशंस में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (द्वितीय वर्ष) के छात्र अगम दीप सिंह ने बिट्स पिलानी एमयूएन द्वारा 29-30 मार्च, 2025 को आयोजित मॉडल यूनाइटेड नेशंस में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (द्वितीय वर्ष) के छात्र अगम दीप सिंह ने एआरएसडी द्वारा 18 फरवरी, 2025 को आयोजित परितंत्रिका द्वारा आयोजित मॉडल यूनाइटेड नेशंस में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (द्वितीय वर्ष) के छात्र अगम दीप सिंह ने डीआरसी एमयूएन द्वारा 16 नवंबर, 2024 को आयोजित मॉडल यूनाइटेड नेशंस में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (द्वितीय वर्ष) के छात्र अगम दीप सिंह ने 7-8 अप्रैल, 2025 को डॉ. भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय द्वारा आयोजित मॉडल यूनाइटेड नेशंस में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (द्वितीय वर्ष) के छात्र अगम दीप सिंह ने एमिटी नोएडा मुन 2025 द्वारा आयोजित मॉडल यूनाइटेड नेशंस में प्रथम पुरस्कार जीता-17-19 जनवरी, 2025.

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (द्वितीय वर्ष) के छात्र अगम दीप सिंह ने 4-5 अप्रैल, 2025 को सिम्बायोसिस नोएडा द्वारा आयोजित मॉडल यूनाइटेड नेशंस में दूसरा पुरस्कार जीता।

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (द्वितीय वर्ष) के छात्र अगम दीप सिंह ने 29-30 जनवरी, 2025 को वीएसएलएलएस एमयूएन विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज द्वारा आयोजित मॉडल यूनाइटेड नेशंस में दूसरा पुरस्कार जीता।

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (द्वितीय वर्ष) के छात्र अगम दीप सिंह ने रामजस विकसित भारत द्वारा आयोजित मॉडल यूनाइटेड नेशंस में दूसरा पुरस्कार जीता-27 नवंबर, 2024.

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (द्वितीय वर्ष) के छात्र अगम दीप सिंह ने जयपुरिया बिजनेस स्कूल नोएडा द्वारा आयोजित मॉडल यूनाइटेड नेशंस में 9-10 नवंबर, 2024 को दूसरा पुरस्कार जीता।

बी.कॉम (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) के छात्र अक्षत गुप्ता ने फन्र्स एंड पेटल्स में 29 जुलाई-28 अगस्त 2024 तक काम किया।

बी.एससी. (कार्यक्रम) भौतिक विज्ञान (प्रथम वर्ष) के अक्षय पंवार ने दिल्ली विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद द्वारा आयोजित अंतर महाविद्यालय जूडो प्रतियोगिता में 80 किलोग्राम भार वर्ग में तृतीय स्थान प्राप्त किया। शिव नादर विश्वविद्यालय और बेनेट विश्वविद्यालय के क्रमशः सर्ज और स्पोर्टिकॉन (खेल उत्सव) में प्रथम स्थान प्राप्त किया। लेडी श्री राम महाविद्यालय अंतर महाविद्यालय खेल उत्सव जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) के छात्र अमन ठाकुर ने डीएस कोठारी सेंटर फॉर रिसर्च एंड इनोवेशन इन साइंस एजुकेशन, मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 13 जून-25 जुलाई, 2024 को आयोजित ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम में भाग लिया।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) के छात्र अमन ठाकुर ने शिवाजी महाविद्यालय द्वारा 17 जनवरी से 20 जनवरी, 2025 तक आयोजित शिवाजी भोसले अंग्रेजी संसदीय वाद-विवाद 2025 की नौसिखिया श्रेणी में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) के छात्र अमन ठाकुर ने दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय द्वारा 21 जनवरी से 23 जनवरी, 2025 तक आयोजित ब्रिटिश संसदीय वाद-विवाद प्रतियोगिता, विटर्क 2025 की नौसिखिया श्रेणी में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) के छात्र अमीश नेहरा ने दिल्ली एथलेटिक्स एसोसिएशन द्वारा सितंबर, 2024 में आयोजित 84वीं दिल्ली राज्य वार्षिक एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 800 मीटर और 1500 मीटर में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अनन्या सोनी और बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा दमनदीप कौर ने माइक्रोमास्ट्रोस प्रतियोगिता (सूक्ष्मजीवों का मानवीकरण) में दूसरा स्थान प्राप्त किया, दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय), 17 सितंबर, 2024.

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (प्रथम वर्ष) की छात्रा अनुन्या अगस्त्य का चयन जूनियर एचआरबीपी इंटर्नशिप प्रोग्राम, आईफोर्टिस वर्ल्डवाइड, फरवरी-अप्रैल 2025 के लिए हुआ है।

बी.कॉम (ऑनर्स) (प्रथम वर्ष) के छात्र अर्श छाबड़ा ने भारतीय विद्यापीठ महाविद्यालय द्वारा 28 मार्च, 2025 को आयोजित सुर सम्राट प्रतियोगिता में वादक (संगतकार) के रूप में द्वितीय पुरस्कार जीता।

बी.एस.सी. (ऑनर्स) वनस्पति-विज्ञान (प्रथम वर्ष) की छात्रा अर्शमीत कौर ने 28 मार्च, 2025 को आयोजित इंटर-महाविद्यालय इवेंट नेचर पैलेट: लीफ पेंटिंग प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार जीता।

बी.ए. (तृतीय वर्ष) के छात्र अर्पित गुप्ता को वर्ष 2024-25 के लिए बी.वाई.पी.एल. सशक्त छात्रवृत्ति के माध्यम से 324,180/- रुपये की राशि प्राप्त हुई।

बी.ए. (ऑनर्स) पंजाबी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अर्शज्योत कौर ने दयाल सिंह सांध्य महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 20-21 फरवरी, 2025 को आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भाषा की भूमिका: चुनौतियां और प्रतिक्रियाएं विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दूसरा पुरस्कार जीता।

बी.कॉम (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) के छात्र अर्थ मनुजा का दिल्ली विश्वविद्यालय (महाविद्यालय शाखा-I) की कुलपति इंटर्नशिप योजना के लिए चयन, नवंबर 2024-मई 2024.

आर्य अग्रवाल, बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (प्रथम वर्ष) की छात्रा, आदित्य बिड़ला कैपिटल में मार्केटिंग इंटर्न के लिए चयनित, 1 जनवरी 2025-मार्च 2025. गुरलीन्स

बी.एससी. (ऑनर्स) गणित (तृतीय वर्ष) की छात्रा आर्य अग्रवाल ने 180डीसी एसआरसीसी संकट परामर्श, मार्च, 2025 में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) गणित (तृतीय वर्ष) की छात्रा आर्य अग्रवाल ने एसआरसीसी एफआईसी, एम एंड ए अप्रैल, 2025 में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.कॉम (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) के छात्र आशीष गर्ग ने बैंगलोर में आयोजित अखिल भारतीय जूनियर रैंकिंग टूर्नामेंट में मिश्रित डबल अंडर-19 वर्ग में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बी.कॉम (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) के छात्र आशीष गर्ग ने विभिन्न राष्ट्रीय चैंपियनशिप में दिल्ली टीम का प्रतिनिधित्व किया और भुवनेश्वर में आयोजित 47वीं जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में लड़कों की टीम चैंपियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.कॉम (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) के छात्र अतिशय मारिया ने 19 दिसंबर, 2024 को भारतीय प्रबंधन संस्थानों (आईआईएम) द्वारा आयोजित कॉमन एडमिशन टेस्ट (कैट) 99.76 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण किया।

बी.ए. (ऑनर्स) पंजाबी (तृतीय वर्ष) की छात्रा अवनीत कौर ने भाई वीर सिंह यादगारी लेख मुकाबला, 2024, भाई वीर सिंह साहित्य सदन, 9 जून, 2024 में दूसरा पुरस्कार जीता।

बी.ए. (ऑनर्स) पंजाबी (तृतीय वर्ष) की छात्रा अवनीत कौर ने मोती लाल नेहरू महाविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर महाविद्यालय लोकगीत प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

बी.कॉम (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) के छात्र बिरकरण सिंह ने स्प्रेड स्माइल फाउंडेशन में 15 जून 2024 से 15 जुलाई 2025 तक इंटर्नशिप की।

बी.कॉम (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) के छात्र बिरकरण सिंह ने नवंबर-फरवरी में टीसी ग्रुप कंपनी टेकक्यूरेटर्स में इंटर्नशिप की।

दानिश अहमद, बी.ए. (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष) के छात्र, आरंभ संगठन में जुलाई-दिसंबर, 2024 में इंटर्नशिप के लिए चयनित।

बी.ए. पंजाबी (ऑनर्स) पंजाबी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा दिशा ने दयाल सिंह सांध्य महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 20-21 फरवरी, 2025 को आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भाषा की भूमिका: चुनौतियां और प्रतिक्रियाएं विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दूसरा पुरस्कार जीता।

दीपिका कंवर, बी.एससी. रसायन-विज्ञान (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) की छात्रा, को रसायन-विज्ञान विभाग, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा, भारत में वेट केमिकल रिडक्शन के माध्यम से डिथियोकार्बामेट्स का उपयोग करके डिस्क्रीट कॉपर हाइड्राइड नैनोक्लस्टर के संश्लेषण नामक परियोजना में प्रशिक्षु के रूप में चुना गया है, 18 जून-18 जुलाई, 2024.

बी.एससी. (ऑनर्स) गणित (तृतीय वर्ष) की छात्रा दिव्या शर्मा का कुलपति इंटर्नशिप योजना-ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप 2024 के लिए चयन हुआ।

दिव्या शर्मा, बी.एससी. (ऑनर्स) गणित (तृतीय वर्ष) की छात्रा, 20 जुलाई, 2024-16 सितंबर, 2024 तक एसईईडी ग्लोबल एजुकेशन में इंटर्नशिप के लिए चयनित।

दिव्या शर्मा, छात्रा बी.एससी. । (ऑनर्स) गणित (तृतीय वर्ष), फेस पेंटिंग प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार जीता, किरोड़ीमल महाविद्यालय, 21 मार्च, 2024.

बी.ए. (ऑनर्स) बिजनेस इकोनॉमिक्स की छात्रा डॉली गर्ग विश्वविद्यालय की टॉपर रहीं और बी.ए. ऑनर्स के लिए विश्वविद्यालय पदक की प्राप्तकर्ता रहीं।

इतिका शर्मा, बी.एससी. प्राणी-विज्ञान (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा, प्राणी-विज्ञान विभाग में अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार प्रथम स्थान, 16 मई, 2024

फरहत रईस, बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (तृतीय वर्ष) के छात्र, नीति आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त आरंभ संगठन में एलओआर के साथ इंटर्नशिप, सितंबर 2024.

फरहत रईस, छात्रा बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (तृतीय वर्ष), बायोलिटिका क्विज़ में प्रथम पुरस्कार जीता, मैत्रेयी महाविद्यालय, 1 अप्रैल, 2025.

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा फरहत रईस ने मिस्टिकवर्ड्स प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता, कालिंदी महाविद्यालय, 8 मार्च, 2025.

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा फरहत रईस ने दयाल सिंह महाविद्यालय में बॉटनी क्विज में द्वितीय पुरस्कार जीता, 25 मार्च, 2025.

फरहत रईस, छात्रा बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (तृतीय वर्ष), एनएसएस क्विज़ में तीसरा पुरस्कार जीता, जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय, 8 अप्रैल, 2024.

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा फरहत रईस ने दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय में 1 मार्च, 2025 को आयोजित साइंस क्विजथॉन में तीसरा पुरस्कार जीता।

बी.कॉम (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) के छात्र गुनीत सिंह कालरा ने नेवरओन्ड में 7 मार्च 2025 से 6 जून 2025 तक इंटर्नशिप की।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा गुरलीन कौर ने 'फाइटोपैथोलॉजिकल स्टडीज: अंडरस्टैंडिंग द रोल ऑफ इंसेक्ट वेक्टर इन ट्रांसमिशन ऑफ बैक्टीरियल इंफेक्शन इन ट्री वेजिटेशन' शीर्षक से शोध परियोजना पूरी की, दिल्ली विश्वविद्यालय, उत्तरी परिसर, शैक्षणिक वर्ष 2024.

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा गुरलीन कौर ने द अल्टीमेट ओमनीसिएंट, जूलॉजिकल सोसाइटी ऑफ कालिंदी महाविद्यालय, 2024 में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा गुरलीन कौर ने पोस्टर प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया, एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय, 4 अक्तूबर, 2024.

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा गुरलीन कौर ने सस्टेनाफिएस्टा, भूमि इको क्लब, किरोड़ीमल महाविद्यालय, 2024 में इको-क्वोशंट चैलेंज में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा गुरलीन कौर ने दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय, 2024 में द अल्टीमेट क्विज़थॉन में तीसरा पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा गुरलीन कौर ने पोस्टर प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया, एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय, 4 अक्तूबर, 2024.

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (प्रथम वर्ष) के छात्र हार्दिक, डीओई द्वारा मान्यता प्राप्त वाणिज्य स्ट्रीम में जिला टॉपर (उत्तर) थे और छात्र उत्कृष्टता पुरस्कार 2024 के प्राप्तकर्ता थे।

बी.ए. (तृतीय वर्ष) की छात्रा हरलीन कौर को वर्ष 2024-25 के लिए बीवाईपीएल सशक्त छात्रवृत्ति के माध्यम से 30,000/- रुपये की राशि प्राप्त हुई।

बी.कॉम (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) के छात्र हितेश कुमार गर्ग को बीबी.ए.सआर एंड एसोसिएट्स, गुरुग्राम में इंटर्नशिप मिली, 3 मार्च 2025-वर्तमान।

बी.कॉम (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) की छात्रा जपजी कौर ने पहचान- द स्ट्रीट स्कूल में 3 महीने, 22 अक्तूबर 2024 तक काम किया।

बी.कॉम (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) के छात्र जसकरन सिंह बख्शी ने डेलॉइट यूएसआई में 15 जुलाई 2024 से 9 अगस्त 2024 तक इंटर्नशिप की।

जसकीरत सिंह, बी.ए. (ऑनर्स)--- राजनीति-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) के छात्र, को व्हाइट रेबल्स में कंटेंट राइटिंग इंटर्नशिप के लिए चुना गया, 11 नवंबर-31 दिसंबर, 2024.

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा जसलीन कौर ने 21 मार्च, 2024 को इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय द्वारा आयोजित समूह लोक नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा जसलीन कौर ने 24 फरवरी, 2025 को माता सुंदरी महाविद्यालय फॉर विमेन द्वारा आयोजित समूह लोक नृत्य प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा जसलीन कौर ने 7 मार्च, 2025 को पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय द्वारा आयोजित समूह लोक नृत्य प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) पंजाबी (वर्ष) की छात्रा जसलीन कौर ने माता सुंदरी महाविद्यालय फॉर विमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सारंग 2025 में लोक श्रेणी के अंतर्गत तीसरा पुरस्कार प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (प्रथम वर्ष) की छात्रा जैस्मीन कौर मकान को 2 अप्रैल, 2025 को निस्वार्थ सेवा एनजीओ के सोशल मीडिया विभाग में स्वयंसेवक के रूप में इंटर्नशिप के लिए चुना गया।

बी.ए. (ऑनर्स) पंजाबी (द्वितीय वर्ष) के छात्र जसप्रीत सिंह ने 26 मार्च, 2025 को श्री गुरु तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय में अंतर-महाविद्यालय गतका प्रतियोगिता में व्यक्तिगत रूप से और साथ ही टीम में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.ए. (ऑनर्स) पंजाबी (प्रथम वर्ष) के छात्र जसप्रीत सिंह ने 9वीं दिल्ली राज्य गतका प्रतियोगिता, तालकटोरा स्टेडियम, 09 से 11 अगस्त, 2024 में तीसरा पुरस्कार जीता।

बी.ए. (ऑनर्स) पंजाबी (प्रथम वर्ष) के छात्र जसप्रीत सिंह ने अंतर-महाविद्यालय गतका प्रतियोगिता में व्यक्तिगत रूप से और साथ ही टीम में तीसरा पुरस्कार जीता, श्री गुरु गोबिंद सिंह वाणिज्य महाविद्यालय, 09 मार्च, 2024.

बी.ए. (ऑनर्स) पंजाबी (द्वितीय वर्ष) के छात्र जसप्रीत सिंह ने अंतर-महाविद्यालय गतका प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार जीता, श्री गुरु गोबिंद सिंह वाणिज्य महाविद्यालय, 05 मार्च, 2025.

बी.कॉम (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) के छात्र कमल प्रीत सिंह ने आदित्य बिड़ला कैपिटल लिमिटेड, पीतमपुरा, दिल्ली में 1 फरवरी 2025 से 31 मार्च 2025 तक इंटर्नशिप की।

बी.कॉम (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) की छात्रा कवनदीप कौर ने 13 अक्तूबर 2024 से 12 नवंबर 2024 तक गोपिका क्रिएशन्स में इंटर्नशिप की।

बी.कॉम (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) की छात्रा कवंदीप कौर ने पंजाब गतका एसोसिएशन और अकाल महाविद्यालय काउंसिल द्वारा 24-27 अगस्त, 2024 को आयोजित 8वीं राष्ट्रीय गतका चैंपियनशिप में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा खुशी सलूजा ने 04-10 जुलाई, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के शिवाजी महाविद्यालय के रसायन-विज्ञान विभाग में "विश्लेषणात्मक उपकरण और तकनीक" पर अंतर-महाविद्यालय ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया।

कोमलप्रीत कौर, बी.एससी. रसायन-विज्ञान (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) की छात्रा, जीईएमए एजुकेशन टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड- जर्मन संपादक, नई दिल्ली, भारत, 27 जनवरी-25 फरवरी, 2025.

बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (प्रथम वर्ष) के छात्र मनन परमार ने 24 फरवरी, 2024 को दौलत राम महाविद्यालय में इंटर-महाविद्यालय मेला क्विज़ प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार जीता।

मन्नी ज्योत कौर बस्सी, बी.एससी. रसायन-विज्ञान (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) की छात्रा, इंटर्नशिप कार्यक्रम "तीसरी पीढ़ी के ट्यूब्युलिसिन व्युत्पन्न ट्यूब 06 का संवर्द्धित एंटी ट्यूबुलिन गतिविधि के साथ संश्लेषण" के लिए चयनित, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर, 18 जुलाई, 2024.

मनप्रीत कौर, बी.एससी. रसायन-विज्ञान (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) की छात्रा, पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी), शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत गुरु अंगद देव शिक्षण अधिगम केंद्र (जीएडी-टीएलसी), एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में इंटर्नशिप के लिए चयनित, 15 सितंबर, 2024.

बी.कॉम. (ऑनर्स) (प्रथम वर्ष) के छात्र मयंक शर्मा ने नॉर्थ ज़ोन इंटर यूनिवर्सिटी टेनिस चैंपियनशिप 2024 में दिल्ली विश्वविद्यालय कैप्टन के रूप में प्रतिनिधित्व किया और गुरुग्राम में आयोजित एआईटीए पुरुष राष्ट्रीय टूर्नामेंट (एकल) में प्रथम स्थान प्राप्त किया। चंडीगढ़ में एआईटीए पुरुष राष्ट्रीय टूर्नामेंट (युगल) में प्रथम स्थान, लखनऊ में एआईटीए पुरुष राष्ट्रीय टूर्नामेंट (युगल) में द्वितीय स्थान,

पानीपत में आयोजित एआईटीए पुरुष राष्ट्रीय टूर्नामेंट (एकल) में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। दिल्ली में सर्वश्रेष्ठ 5वीं रैंक और अखिल भारतीय स्तर पर 62वीं रैंक (एआईटीए रैंकिंग)।

बी.ए. (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) के छात्र मयंक ने दिल्ली एथलेटिक्स एसोसिएशन द्वारा सितंबर, 2024 में आयोजित 84वीं दिल्ली राज्य वार्षिक एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 3000 मीटर में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.एससी. (ऑनर्स) गणित (तृतीय वर्ष) के छात्र नमन टैगर को वर्ष 2024-25 के लिए बीवाईपीएल सशक्त छात्रवृत्ति के माध्यम से 30,000/- रुपये की राशि प्राप्त हुई।

बी.ए. (ऑनर्स) बिजनेस इकोनॉमिक्स (तृतीय वर्ष) की छात्रा नवप्रीत कौर को वर्ष 2024-25 के लिए बीवाईपीएल सशक्त छात्रवृत्ति के माध्यम से 30,000/- रुपये की राशि प्राप्त हुई।

बी.कॉम (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) की छात्रा नवनीत कौर ने एनएक्सपर्ट्स कंसल्टिंग ग्रुप में 20 मई 2024 से 21 जुलाई 2024 तक इंटर्नशिप की।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा निधि राणा ने 27 जून से 11 जुलाई, 2024 तक दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय) के प्राणी-विज्ञान विभाग में रिकॉम्बिनेंट डीएनए टेक्नोलॉजी के मूल सिद्धांतों पर ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप-सह-हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण कार्यक्रम (एसआईटीपी'24) में भाग लिया।

बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास (तृतीय वर्ष) की छात्रा निहारिका सिंह सोढ़ा को स्मारक अनुसंधान एवं विधिक कानून इंटर्नशिप, राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, अगस्त-अक्तूबर 2024 के लिए इंटर्नशिप के लिए चुना गया है।

पर्व गौर, बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (प्रथम वर्ष) के छात्र, आदित्य बिड़ला कैपिटल में मार्केटिंग इंटर्न के लिए चयनित, 1 फरवरी, 2025-वर्तमान।

बी.कॉम (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) के छात्र पीयूष जैन ने 27 मार्च, 2025 को रिफाइन द्वारा आयोजित एमएआईटी के जेनिथ आधिकारिक ई-शिखर सम्मेलन में केसिस्ट के रूप में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.कॉम (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) की छात्रा प्रिंकी राजपूत को डीयू के उध्मोध्या फाउंडेशन के तहत जुलाई-दिसंबर 2024 में वीसी इंटर्नशिप के लिए चुना गया।

बी.कॉम (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) की छात्रा प्रिंकी राजपूत ने साइबर सेल, दौलत राम महाविद्यालय, डीयू द्वारा आयोजित इन्वेस्ट2प्रोटेक्ट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया, 5 अप्रैल, 2025

राजवीर आर्य, बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (तृतीय वर्ष) के छात्र, सीएफए लेवल 1 उत्तीर्ण, आनंद राठी वेल्थ में वेल्थ मैनेजमेंट इंटर्न, एनएक्सपर्ट्स कंसल्टिंग में फाइनेंस इंटर्न।

बी.कॉम (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष) के छात्र रमनीत सिंह ने भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली भारत द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन क्विज में स्थान प्राप्त किया, 11 मार्च, 2025.

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (तृतीय वर्ष) के छात्र रणदीप सिंह ने आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा इप्सोस को सौंपी गई परियोजना के लिए रिसर्च रियल्म में रिसर्च एसोसिएट इंटर्न के रूप में इंटर्नशिप पूरी की।

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (प्रथम वर्ष) के छात्र रेहत को अल्फा हॉकी में सह-विपणन प्रमुख के लिए चुना गया।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (तृतीय वर्ष) के छात्र रिधम सिंह ने 4 सितंबर, 2024 को आईबी.ए.स (आईसीएफएआई बिजनेस स्कूल) द्वारा आयोजित कार्यक्रम में संदेश प्रतियोगिता जीती।

सलोनी बोहरा, बी.एससी. प्राणी-विज्ञान (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) की छात्रा, प्राणी-विज्ञान विभाग में अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार द्वितीय स्थान, 16 मई, 2024.

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (प्रथम वर्ष) के छात्र समन्यु शशिकुमार मुगुलुरे का चयन एचबीसीएसई-टीआईएफआर, मुंबई में एनआईयूएस (स्नातक छात्रों के लिए राष्ट्रीय पहल) जीवविज्ञान के लिए 6 नवंबर, 2024 को हुआ।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (प्रथम वर्ष) के छात्र समन्यु शशिकुमार मुगुलुरे को 8 अप्रैल, 2025 को भारतीय वन्यजीव संस्थान, जैसलमेर के तहत ग्रेट इंडियन बस्टर्ड रिकवरी प्रोग्राम में इंटर्नशिप के लिए चुना गया।

बी.ए. (ऑनर्स)---राजनीति-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सेहज कौर का आम आदमी पार्टी में कंटेंट राइटिंग हेड के लिए चयन, 08 मई, 2024.

बी.ए. राजनीति-विज्ञान (ऑनर्स) (प्रथम वर्ष) की छात्रा सेजल को शमूज़ प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलुरु द्वारा शमूज़ इंटर्नशिप के लिए चुना गया, 8 अप्रैल, 2025.

बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (प्रथम वर्ष) की छात्रा सेजल ने एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय में अंतर-वाद-विवाद प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय बास्केटबॉल टीम ने दिल्ली विश्वविद्यालय के गुरु गोबिंद सिंह महाविद्यालय ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित स्पॉटिफाई- इंटर महाविद्यालय स्पोर्ट्स फेस्टिवल जीता।

एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय बास्केटबॉल टीम ने वाईएमसीए, दिल्ली द्वारा आयोजित वाईएमसीए बास्केटबॉल टूर्नामेंट 2024 जीता।

एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय क्रिकेट टीम ने दिल्ली विश्वविद्यालय के गुरु गोबिंद सिंह महाविद्यालय ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित स्पॉटिफाई- इंटर महाविद्यालय स्पोर्ट्स फेस्टिवल जीता।

एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय ने अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया। हमने 4 स्वर्ण (4x400 मीटर रिले, 800 मीटर, 1500 मीटर और 5 किमी), 3 रजत (200 मीटर, 1500 मीटर और 400 मीटर) और 1 कांस्य (लंबी कूद) पदक जीतकर चैंपियनशिप बरकरार रखी। निपुण,

मयंक, अमीश नेहरा, अक्षज बलकार, कपीश महाजन, मोहम्मद तैफ, निरॉय चड्ढा और कन्हैया कुमार ने अलग-अलग स्पर्धाओं में स्थान प्राप्त किए।

एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय अर्बन भांगड़ा गर्ल्स टीम ने 21 मार्च, 2025 को इंद्रप्रस्थ महाविद्यालय फॉर विमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित उमंग वार्षिक उत्सव श्रुति-मृदंग- द इंडियन डांस सोसाइटी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय वॉलीबॉल टीम ने लेडी श्री राम महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वॉलीबॉल टूर्नामेंट में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति-विज्ञान (तृतीय वर्ष) के छात्र शशांक जैन ने हिंदू महाविद्यालय में आयोजित अंतर-महाविद्यालय नीति प्रस्ताव प्रतियोगिता में तृतीय पुरस्कार जीता, 22 अप्रैल, 2024

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (तृतीय वर्ष) के छात्र शिवम कटियार ने 'फाइटोपैथोलॉजिकल अध्ययन: वृक्ष वनस्पति में जीवाणु संक्रमण के संचरण में कीट वेक्टर की भूमिका को समझना' शीर्षक से शोध परियोजना पूरी की, दिल्ली विश्वविद्यालय, उत्तरी परिसर, शैक्षणिक वर्ष 2024.

शिवम कटियार, छात्र बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (तृतीय वर्ष), एनएसएस क्विज़ में तीसरा पुरस्कार जीता, जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय, 8 अप्रैल, 2024.

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सिंजिनी दत्ता ने 13 जून से 25 जुलाई, 2024 तक डीएस कोठारी सेंटर फॉर रिसर्च एंड इनोवेशन इन साइंस एजुकेशन, मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम में भाग लिया।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सिंजिनी दत्ता ने डॉ. निशा वशिष्ठ, डॉ. रीतुपर्णा बसाक, डॉ. भावना चुफाल के मार्गदर्शन में "ए-सर्वेक्षण आधारित अनुभवजन्य अनुसंधान ऑन सर्वाइकल कैंसर: जागरूकता, टीकाकरण और नीतिगत प्रभाव" विषय पर एक परियोजना की और डीएस कोठारी सेंटर फॉर रिसर्च एंड इनोवेशन इन साइंस एजुकेशन, मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 13 जून-25 जुलाई, 2024 को आयोजित ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम में इस पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सिंजिनी दत्ता ने विश्व पशु दिवस के उपलक्ष्य में आकृति-एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय की जूलॉजिकल सोसाइटी द्वारा 4 अक्तूबर, 2024 को आयोजित अंतर-महाविद्यालय पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा सिरजन कौर ने 11 अप्रैल, 2024 को एलवाईसी में हॉस्पिटैलिटी इंटर्नशिप सफलतापूर्वक पूरी की।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा सिरजन कौर को मजार्स (आईटी) में इंटर्नशिप के लिए चुना गया, मजार्स, 11 अप्रैल, 2024.

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा सिरजन कौर को 11 अप्रैल, 2024 को विज्ञान मेरिटोरियस पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

सोमिल कुमार, बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) के छात्र, रीकॉम्बिनेंट डीएनए टेक्नोलॉजी के मूल सिद्धांतों पर ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप सह-हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण कार्यक्रम (एसआईटीपी'24) के लिए चयनित, प्राणी-विज्ञान विभाग, दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय), 27 जून-11 जुलाई, 2024.

सुखलीन कौर, बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा, ग्लोबल टाइगर डे सत्र के लिए चयनित, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया, 23 जुलाई, 2024.

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुखलीन कौर का सोशल मीडिया इंटर्नशिप के लिए चयन, शीदपीपल टीवी, 9 सितंबर, 2024

सुखलीन कौर, बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा, प्लेज ए स्माइल फाउंडेशन में स्वयंसेवक/प्रशिक्षु के रूप में चयनित, 6 सितंबर, 2024

सुखलीन कौर, बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा, मानव संसाधन, सामाजिक कार्य और वित्त के क्षेत्र में इंटर्नशिप के लिए चयनित, उम्मीद-एक बूंद आशा की, 29 जुलाई, 2024

बी.एससी. रसायन-विज्ञान (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुजल शर्मा को कंटेंट राइटिंग के लिए चुना गया, इनएमिगोस फाउंडेशन, 3 फरवरी, 2025.

बी.एससी. रसायन-विज्ञान (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुजल शर्मा को धन उगाहने के लिए चुना गया, पावज़ फाउंडेशन, 25 फरवरी, 2025.

बी.एससी. रसायन-विज्ञान (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) की छात्रा सुजल शर्मा को स्नातक (उम्मीदवार आईडी: 2022109893), (2023-24) की पढ़ाई के लिए योग्यता के आधार पर एआईसीटीई द्वारा प्रधानमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना (पीएमएसएसएस) से सम्मानित किया गया।

बी.कॉम (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) के छात्र सूरज सिंह कंबोज ने डेलॉइट इंडिया में 30 सितंबर 2024 से 14 नवंबर 2025 तक इंटर्नशिप की।

बी.कॉम (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) के छात्र सूरज सिंह कंबोज ने ग्रांट थॉर्नटन में फरवरी 2025-मार्च 2025 तक इंटर्नशिप की।

बी.कॉम (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) के छात्र सूरज सिंह कंबोज को 25 छात्रों में से एक के रूप में जर्मनी, ऑग्सबर्ग विश्वविद्यालय में ग्रीष्मकालीन स्कूल के लिए यूरोपीय और अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक कानून में चयनित किया गया।

बी.कॉम (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) के छात्र तनय तुलस्यान ने डेलॉइट इंडिया में 15 जुलाई 2024 से 9 अगस्त 2025 तक इंटर्नशिप की।

बी.कॉम (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) के छात्र उदय राज सिंह को जनवरी 2025-मार्च 2025 तक ऑफ़िगा में इंटर्नशिप के लिए चुना गया।

उदय राज सिंह, बी.कॉम (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) के छात्र, सेंट जेवियर्स महाविद्यालय, कोलकाता द्वारा आयोजित कॉग्निक्वेस्ट प्रतियोगिता के राष्ट्रीय विजेता, एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए, 8-10 अप्रैल, 2024.

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (प्रथम वर्ष) के छात्र यश मेहरा ने एफआईसी, एसआरसीसी द्वारा अप्रैल, 2025 में आयोजित श्री राम एम एंड ए कॉन्क्वेस्ट 2025 में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (प्रथम वर्ष) के छात्र यश मेहरा ने कॉमसोक, एसजीटीबीकेसी (फरवरी, 2025) द्वारा आयोजित केसिटिफाई में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.कॉम (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) के छात्र यशराज तिवारी ने भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली भारत द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन क्विज में स्थान प्राप्त किया, 11 मार्च, 2025.

प्रकाशन

लेख

गुप्ता, ए., और जैन, डी. (2024). एक पृथक द्वि-स्तरीय प्रणाली में पतनशीलता के प्रभाव का अनावरण: एक स्नातक समस्या। सैद्धांतिक और व्यावहारिक शिक्षा, 6(4), 2450014

https://doi.org/10.1142/S2661339524500148

मोखा, ए.के., और कुमार, पी. (2024). ग्राहक अनुभव और ग्राहक संतुष्टि की क्रमिक मध्यस्थता के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक ग्राहक संबंध प्रबंधन (ई-सीआरएम) और ग्राहक निष्ठा को जोड़ना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजमेंट, 14(2), 103-127।

https://doi.org/10.1504/IJECRM.2024.138642

अंशु, कुमार, पी., और मोखा, ए.के. (2024). शिक्षकों के शिक्षण-अधिगम कौशल पर व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों का प्रभाव। बिहार जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, 22(2), 909-926। https://www.researchgate.net/publication/388360752।

मोखा, ए.के., और कौर, जे. (2024). बैंकिंग से परे: ग्राहक विश्वास की मध्यस्थ भूमिका के माध्यम से भारतीय बैंकों में निरंतर निष्ठा के लिए ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाना। मंथन: जर्नल ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट, 11(2), 141-162. https://doi.org/10.17492/jpi.manthan.v11i2.1122408

कौर, जे., और मोखा, एके (2024). भारत में उच्च शिक्षा का डिजिटल परिवर्तन। विद्या सागर पत्रिका, 6(1), 104-110 https://www.researchgate.net/publication/383201540_Digital_Transformation_of_Higher_Education_in_India

बजाज डी.एस. और दत्त जी., वेरिएबल एक्सपोनेंट लेबेसग स्पेस पर कंपोज़िशन ऑपरेटर, एनालिटिकल मैथमेटिक्स, 50(2) (2024), 345-366. https://doi.org/10.1007/s10476-024-00015-y

दत्त जी., बजाज डी.एस. और फियोरेंजा ए., वेरिएबल एक्सपोनेंट लेबेसग स्पेस पर भारित संरचना ऑपरेटर, एडवांस्ड ऑपर. थ्योरी, 9, लेख संख्या 68, (2024). https://doi.org/10.1007/s43036-024-00366_1

दत्त जी., बजाज डी.एस. और फियोरेंजा ए., परिवर्तनीय घातांक लेबेसग स्पेस पर गुणन और संरचना प्रेरित ऑपरेटरों का आरोहण और अवरोहण, रेंड. सर्क. मैट. पलेर्मो, II. सेर 74(1) (2025)। https://doi.org/10.1007/s12215-024-01121-4

शर्मा, डी. (2024). मानव विकास-क्षमता दृष्टिकोण के माध्यम से पोषण: संकल्पनात्मक ढाँचा और उसका अनुप्रयोग। ग्लोबल जर्नल ऑफ़ हेल्थ साइंस, 16(12), 13-22। कैनेडियन सेंटर ऑफ़ साइंस एंड एजुकेशन। http://dx.doi.org/10.5539/gjhs.v16n12p13

सिंह, एन., मित्तल, एच., भगत, के., सिंह, आई., और अरुण, पी. (2024). मूल्यांकित माध्यम में ध्वनि का वेग। भौतिकी शिक्षक, दिसंबर 2024. https://doi.org/10.1142/S2661339524500185

आहूजा, जी., कौर, आई., लांबा, पी.एस., विरमानी, डी., जैन, ए., चक्रवर्ती, एस., और मलिक, एस. (2024). मशीन लर्निंग का उपयोग करके प्रोस्टेट कैंसर का पूर्वानुमान: उत्तरजीविता विश्लेषण विधियों की एक आलोचनात्मक समीक्षा। पैथोलॉजी-रिसर्च एंड प्रैक्टिस, 155687. https://doi.org/10.1016/j.prp.2024.155687

कौर, आई., गुलाटी, ए., लांबा, पी.एस., जैन, ए., तनेजा, एच., और स्याल, जे.एस. (2024). मशीन लर्निंग का उपयोग करके जल गुणवत्ता मूल्यांकन: जल में कोलीफॉर्म पूर्वानुमान पर ध्यान केंद्रित। एशियन जर्नल ऑफ वॉटर, एनवायरनमेंट एंड पॉल्यूशन, 21(5), 19-26। https://doi.org/10.3233/AJW240056

कौर, जे. (2024). भारतीय बीमा का रूपांतरण: "बीमासुगम" का डिजिटल विघटन, इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली (एंगेज), 59(38), 104-110. (ISSN संख्या: 2349-8846) [स्कोपस] https://www.epw.in/engage/article/transforming-indian-insurance-digital-disruption

कौर, जे., और मोखा, एके (2024). भारत में उच्च शिक्षा का डिजिटल परिवर्तन। विद्या सागर पत्रिका, 6(1), 104-110। (आईएसएसएन नंबर: 2583-746एक्स) [यूजीसी केयर लिस्टेड] https://www.researchgate.net/publication/383201540_Digital_Transformation_of_Higher_Education_in_India

मोखा, ए.के., और कौर, जे. (2024). बैंकिंग से परे: ग्राहक विश्वास की मध्यस्थ भूमिका के माध्यम से भारतीय बैंकों में निरंतर निष्ठा के लिए ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाना। मंथन: जर्नल ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट, 11(2), 141-162। [यूजीसी केयर लिस्टेड] https://doi.org/10.17492/jpi.manthan.v11i2.1122408

कौर, जे. (2024). कौशल विकास और एनईपी 2020: एक प्रगतिशील भारत का निर्माण, अर्थवान, 7(1), 25-40. (ISSN संख्या: 2455-0353) http://arthavaan.org/Home/Reader/84

कौर, जे., और नैयर, पी. (2024). सतत वित्त के उत्प्रेरक के रूप में डिजिटल बैंकिंग: भारत में ईएसजी सिद्धांतों को बढ़ावा देना, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंप्यूटर ऑडिटिंग, 6(1), 25-40. https://doi.org/10.53106/256299802024120601003 (ISSN संख्या: 2562-9999)

नैयर, पी., और कौर, जे. (2024). भारत में सीबीडीसी की उत्पत्ति: जारी करने और प्रबंधन की संभावनाएँ और चुनौतियाँ। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन कॉमर्स, मैनेजमेंट एंड सोशल साइंस, 07(04(I)), 222-228। https://doi.org/10.62823/IJARCMSS/7.4(I).7078 (ISSN :2581-7930)

कौर, आर., सिंह, एस., झाम्ब, आई., सिंह, एन., और कुमार, के. (2024). बाह्य विक्षोभों की उपस्थिति में तारा निर्माण का गणितीय मॉडल। द बुल्गेरियन जर्नल, 41. chrome-extension://efaidnbmnnnibpcajpcglclefindmkaj/https://astro.bas.bg/AIJ/issues/n41/RKaur.pdf

सिंह, सी.के., और सोढ़ी, के.के. (2024). पर्यावरण और नैदानिक परिस्थितियों में एंटीबायोटिक-प्रतिरोधी जीनों के प्रसार और प्रसार का अध्ययन करने के लिए जैव सूचना विज्ञान उपकरणों को लक्षित करना। माइक्रोबायोलॉजी में महत्वपूर्ण समीक्षा, 1-19। (समान प्रथम लेखक) https://doi.org/10.1080/1040841X.2024.2429603

सिंह, सी.के., सोढ़ी, के.के., श्री, पी., और नितिन, वी. (2024). रोगाणुरोधी प्रतिरोध के विकास में उत्प्रेरक के रूप में भारी धातुएँ और सह-चयन के आधारभूत तंत्र। करेंट माइक्रोबायोलॉजी, 81(6), 148. (समान प्रथम लेखक) https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/38642082/

नितिन, वी., आनंद, टी., सिंह, सी.के., और सोढ़ी, के.के. (2024). विभिन्न रोगों के लक्षित उपचारों में ऑर्गेनोमेटेलिक कॉम्प्लेक्स की भूमिका: संक्रामक रोग, कैंसर और तंत्रिका-अपक्षयी रोग। जर्नल ऑफ ऑर्गेनोमेटेलिक केमिस्ट्री, 123389। (समान प्रथम लेखक) ttps://linkinghub.elsevier.com/retrieve/pii/S0022328X2400384X

इरफ़ान, ए., जेम्स, ए., सोढ़ी, के.के., बजाज, डी., बुनियादी, ए., वाधवा, एन.के., और कुमार, एम. (2024). एंटीबायोटिक प्रतिरोध के संचरण में पर्यावरण की भूमिका पर एक परिप्रेक्ष्य। वैंटेज: जर्नल ऑफ थीमैटिक एनालिसिस। https://www.researchgate.net/publication/386732291_A_perspective_on_the_role_of_the_environment_in_the_transmission_of_antibiotic_resistance

गोस्वामी, वी., सोढ़ी, के.के., और सिंह, सी.के. (2025)। अस्थमा के इलाज के लिए नवीन दृष्टिकोण: नैनोपार्टिकल तकनीक का उपयोग। डिस्कवर नैनो, 20(1), 1-21। (समान प्रथम लेखक) https://doi.org/10.1186/s11671-025-04211-z

भारद्वाज, एच., दहिया, एम., दत्ता, एस., और गोयल, ए. (2024). एक निष्क्रिय 2HDM में W-द्रव्यमान और म्यूऑन g-2, एक एकल जटिल स्केलर द्वारा विस्तारित। भौतिक समीक्षा डी, 110(11), 115040। https://doi.org/10.1103/PhysRevD.110.115040

बंसल, एम., (2024). —गरीबों के लिए स्वास्थ्य बीमा के ज्ञान परिदृश्य के मानचित्रण का दृष्टिकोण: एक ग्रंथसूची समीक्षा, पुस्तकालय प्रोग्रेस इंटरनेशनल। https://doi.org/10.48165/bapas.2024.44.2.1

बंसल, एम., (2024).-ग्राहक संतुष्टि और स्थिरता के प्रति दृष्टिकोण: स्वास्थ्य बीमा में विपणन रणनीतियों पर एक तुलनात्मक अध्ययन, पुस्तकालय प्रोग्रेस इंटरनेशनल। https://doi.org/10.48165/bapas.2024.44.2.1

सागर, पी., सिन्हा, एन., शुक्ला, एम., यादव, टी., और कुमार, बी. (2025)। मानव शरीर की गतिविधियों का पता लगाने और पहनने योग्य इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए एनडी-जेडएनएस नैनोप्लेट्स पर आधारित लचीला पीज़ोइलेक्ट्रिक नैनोजनरेटर। जर्नल ऑफ अलॉयज़ एंड कंपाउंड्स, 1010, 178035। https://doi.org/10.1016/j.jallcom.2024.178035

सागर, पी., सिन्हा, एन., और कुमार, बी. (2024). बायोमैकेनिकल ऊर्जा संचयन, पोर्टेबल इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य निगरानी के लिए GO नैनोशीट-रैप्ड ZnS-नैनोप्लेट-आधारित अत्यधिक कुशल पहनने योग्य पीज़ोइलेक्ट्रिक नैनोजनरेटर। ACS एप्लाइड नैनो मटेरियल्स। https://doi.org/10.1021/acsanm.4c04145

यादव, टी., सिन्हा, एन., शुक्ला, एम., सागर, पी., और कुमार, बी. (2024). ऊर्जा प्राप्ति और संचयन के लिए कमरे के तापमान के निकट R-T प्रावस्था सीमा स्थापित करने हेतु बहुघटक संशोधित पेरोव्स्काइट सीसा-रहित KNN सिरेमिक। जर्नल ऑफ मैटेरियल्स साइंस: मैटेरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स, 35, 1765। https://doi.org/10.1007/s10854-024-13519-y

शुक्ला, एम., सिन्हा, एन., यादव, टी., सागर, पी., भुक्कल, एस., और कुमार, बी. (2024). संशोधित ज़ोक्राल्स्की तकनीक द्वारा इमिडाज़ोल के बड़े आकार के एकल क्रिस्टल को विकसित करने का एक कुशल तरीका और इसके प्रकाशिक एवं यांत्रिक गुणों का अध्ययन। ऑप्टिकल मटेरियल्स, 156, 115964। https://doi.org/10.1016/j.optmat.2024.115964

कुमार, आर., शुक्ला, एम., सिन्हा, एन., सागर, पी., यादव, टी., और कुमार, बी. (2024). कार्बनिक रंग-मिश्रित धातु-समन्वित एकल क्रिस्टल का व्यापक विश्लेषण: संरचनात्मक, प्रकाशिक, तापीय, परावैद्युत, दाब-विद्युत और यांत्रिक विशेषताओं का एक अध्ययन। अकार्बनिक रसायन संचार, 169, 113065। https://doi.org/10.1016/j.inoche.2024.113065

शुक्ला, एम., सिन्हा, एन., सागर, पी., यादव, टी., कुमार, आर., और कुमार, बी. (2024). शुद्ध और क्रोमियम-मिश्रित एल-एस्पेरेजिन मोनोहाइड्रेट एकल क्रिस्टलों के संरचनात्मक, प्रकाशिक और यांत्रिक व्यवहार का अध्ययन। स्पेक्ट्रोकेमीका एक्टा भाग ए, 321, 124722। https://doi.org/10.1016/j.saa.2024.124722

कुमार, आर., सिन्हा, एन., और कुमार, बी. (2024). द्विसंयोजी धातु आयनों के अपमिश्रण द्वारा एन्थ्रासीन क्रिस्टलों में संरचनात्मक, रमन और प्रकाशिक गुणों में परिवर्तन के परिणाम और विश्लेषण। जर्नल ऑफ मैटेरियल्स साइंस: मैटेरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स, 35, 639। https://doi.org/10.1007/s10854-024-12374-1

सागर, पी., सिन्हा, एन., यादव, टी., शुक्ला, एम., कुमार, आर., और कुमार, बी. (2024). लचीले पीज़ोइलेक्ट्रिक नैनोजनरेटरों के निर्माण हेतु ZnS माइक्रोस्फीयर का गैर-सेंट्रोसिमेट्रिक नैनोप्लेट्स में रूपांतरण: आउटपुट प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए इलेक्ट्रोड सतह क्षेत्र संशोधन। जर्नल ऑफ अलॉयज़ एंड कंपाउंड्स, 985, 174074। https://doi.org/10.1016/j.jallcom.2024.174074

सागर, पी., सिन्हा, एन., और कुमार, बी. (2024). ऊर्जा संचयन और संवेदन अनुप्रयोगों के लिए हाइड्रोथर्मल रूप से विकसित शुद्ध और Er-मिश्रित ZnS नैनोक्रिस्टल-आधारित लचीला पीज़ोइलेक्ट्रिक नैनोजनरेटर। जर्नल ऑफ़ क्रिस्टल ग्रोथ, 632, 127646। https://doi.org/10.1016/j.jcrysgro.2024.127646

सिंह, एन., मित्तल, एच., भगत, के., सिंह, आई., और अरुण, पी. (2024). मूल्यांकित माध्यम में ध्वनि का वेग। भौतिकी शिक्षक, दिसंबर 2024. https://doi.org/10.1142/S2661339524500185

कौर, आर., सिंह, एस., झाम्ब, आई., सिंह, एन., और कुमार, के. (2024). बाह्य विक्षोभों की उपस्थिति में तारा निर्माण का गणितीय मॉडल। द बुल्गेरियन जर्नल, 41. chrome-extension://efaidnbmnnnibpcajpcglclefindmkaj/https://astro.bas.bg/AIJ/issues/n41/RKaur.pdf

लांबा, पी., कौर, ए., और भाटिया, बी., (2024) क्विक कॉमर्स: इंस्टेंट डिलीवरी ऐप्स का विश्लेषण और जन स्वास्थ्य पर इसका प्रभाव। फ्रंटियर इन हेल्थ इंफॉर्मेटिक्स, खंड 13, अंक 3। https://healthinformaticsjournal.com/index.php/IJMI/article/view/1028/951

सिंह, एन., मित्तल, एच., भगत, के., सिंह, आई., और अरुण, पी. (2024). मूल्यांकित माध्यम में ध्वनि का वेग। भौतिकी शिक्षक, दिसंबर 2024. https://doi.org/10.1142/S2661339524500185

आहूजा, जी., कौर, आई., लांबा, पी.एस., विरमानी, डी., जैन, ए., चक्रवर्ती, एस., और मलिक, एस. (2024). मशीन लर्निंग का उपयोग करके प्रोस्टेट कैंसर का पूर्वानुमान: उत्तरजीविता विश्लेषण विधियों की एक आलोचनात्मक समीक्षा। पैथोलॉजी-रिसर्च एंड प्रैक्टिस, 155687. https://doi.org/10.1016/j.prp.2024.155687

कौर, आई., गुलाटी, ए., लांबा, पी.एस., जैन, ए., तनेजा, एच., और स्याल, जे.एस. (2024). मशीन लर्निंग का उपयोग करके जल गुणवत्ता मूल्यांकन: जल में कोलीफॉर्म पूर्वानुमान पर ध्यान केंद्रित। एशियन जर्नल ऑफ वॉटर, एनवायरनमेंट एंड पॉल्यूशन, 21(5), 19-26। https://doi.org/10.3233/AJW240056

लांबा, पी.एस., जैन, ए., तनेजा, एच., प्रियदर्शी, पी., पंवार, ए., और दुबे, ए.के. (2024, नवंबर)। Bi-LSTM और CNN का उपयोग करके एनसेंबल सेंटीमेंट विश्लेषण। 2024 में इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग में उन्नति पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (AECE) में (पृष्ठ 575-579)। IEEE। http://dx.doi.org/10.1109/AECE62803.2024.10911211

सरीन आर (2024) कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न: एक ग्रंथसूची विश्लेषण। एशियन जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, 15(2), 103-123, आईएसएसएन संख्या 2321-5763। https://doi.org/10.52711/2321-5763.2024.00030

सरीन आर. और ढींगरा एस. (2024) भारत में पॉश अधिनियम: प्रगति, कमियाँ और आगे का रास्ता, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांसेज इन सोशल साइंसेज, आईएसएसएन संख्या 2454-2679. http://dx.doi.org/10.52711/2454-2679.2024.00009

कौर, आर., सिंह, एस., झाम्ब, आई., सिंह, एन., और कुमार, के. (2024). बाह्य विक्षोभों की उपस्थिति में तारा निर्माण का गणितीय मॉडल। द बुल्गेरियन जर्नल, 41. chrome-extension://efaidnbmnnnibpcajpcglclefindmkaj/https://astro.bas.bg/AIJ/issues/n41/RKaur.pdf

माथुर आर. भल्ला (2025), पंजाबी साहित्य: लैला मजनू के क़िस्से, इंटरनेशनल जर्नल फ़ॉर रिसर्च ट्रेंड्स एंड इनोवेशन, खंड 10, अंक 3, आईएसएसएन-2456-3315, पृष्ठ-245-250। प्रभाव कारक 8.14 https://www.ijrti.org/papers/IJRTI2503029.pdf

सिंह, एस.के., चौहान, एच., वर्धन, वाई., और कौर, एस. (2024). शिकार-शिकारी वास्तविकताएँ: प्रतिस्पर्धा, सहयोग और आश्रय गतिशीलता का अनावरण। यूरोपियन फ़िज़िकल जर्नल प्लस, 139(392)। https://doi.org/10.1140/epjp/s13360-024-05171-6

कौर, एस., अरोड़ा, ए.के., भारद्वाज, ए., और बलूजा, के.एल. (2024). 0.1 eV से 5 keV तक विनाइल एसीटेट के साथ पॉज़िट्रॉन की अन्योन्यक्रियाएँ। फिजिका स्क्रिप्टा, 99, 115411. https://doi.org/10.1088/1402-4896/ad878a

भारद्वाज, एच., दहिया, एम., दत्ता, एस., और गोयल, ए. (2024). एक निष्क्रिय 2HDM में W-द्रव्यमान और म्यूऑन g-2, एक एकल जटिल स्केलर द्वारा विस्तारित। भौतिक समीक्षा डी, 110(11), 115040। https://doi.org/10.1103/PhysRevD.110.115040

सिंह, एस.के., चौहान, एच., वर्धन, वाई., और कौर, एस. (2024). शिकार-शिकारी वास्तविकताएँ: प्रतिस्पर्धा, सहयोग और आश्रय गतिशीलता का अनावरण। यूरोपियन फ़िज़िकल जर्नल प्लस, 139(392)। https://doi.org/10.1140/epjp/s13360-024-05171-6

भूमिका, त्रिभुवन कुमार पाठक, वंदना शर्मा, रजनी जौहर, प्यार सिंह जस्सल, राज पाल सिंह; "अग्नि सुरक्षा अनुप्रयोगों के लिए इनुलिनसंशोधित प्रणोदक का प्रदर्शन मूल्यांकन", प्रणोदक, विस्फोटक, आतिशबाज़ी बनाने की विद्या, 2025, 50(3), 1-13 https://doi.org/10.1002/prep.12024

श्रुतिका सिंगला, विमल राढ़, ज्योति सिंह। फोरेंसिक मामलों से संबंधित जैविक मैट्रिक्स से एंटी-कन्वल्सेंट दवाओं की पहचान और मात्रा निर्धारण के तरीके। इंडियन जर्नल ऑफ फोरेंसिक मेडिसिन एंड पैथोलॉजी (2024);17(4): 249-258

पुस्तकें और पुस्तक में अध्याय

बंसल, एम., लांबा, पी., और कौर, ए. (2024). डिजिटल मार्केटिंग (द्वितीय संस्करण). दिल्ली: जेएसआर पब्लिशिंग हाउस एलएलपी. आईएसबी.ए.न: 978-93-94336-33-9

बंसल, एम., लांबा, पी., और कौर, ए. (2025). विज्ञापन (द्वितीय संस्करण). दिल्ली: जेएसआर पब्लिशिंग हाउस एलएलपी. आईएसबी.ए.न: 978-93-94336-80-3

कौर, जे., और मोखा, ए.के. (2024). सभी के लिए वित्त। दिल्ली: गलगोटिया पब्लिशिंग हाउस। आईएसबी.ए.न: 978-93-90980-96-3

लांबा, पी., और कौर, ए. (2024). विपणन के सिद्धांत (तीसरा संस्करण). दिल्ली: जेएसआर पब्लिशिंग हाउस एलएलपी. आईएसबी.ए.न: 978-93-94336-34-6

मोखा, ए.के., और कुमार, पी. (2024). इलेक्ट्रॉनिक ग्राहक संबंध प्रबंधन: बैंकिंग उद्योग में ग्राहक निष्ठा पर प्रभाव। दिल्ली: राइटर्स चॉइस पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड। आईएसबी.ए.न: 978-81-967373-6-8

मोखा, ए.के., और कौर, जे. (2024). डिजिटल मार्केटिंग: एक व्यावहारिक दृष्टिकोण. दिल्ली: गलगोटिया पब्लिशिंग हाउस. आईएसबी.ए.न: 978-93-90980-59-8

नैयर, पी., और कौर, जे. (2025). सामाजिक और भावनात्मक शिक्षा. दिल्ली: जेएसआर पब्लिशिंग हाउस. आईएसबी.ए.न: 978-93-49178-15-1

कौर, जी., शर्मा, एस., और सरीन, आर. (2025). व्यावसायिक सांख्यिकी (प्रथम संस्करण). नई दिल्ली: टैक्समैन. आईएसबी.ए.न: 978-936-4-55075-8

बेदी, आरके (एड.). (2024). सलाहियत (खंड 3, संख्या 11)।

भट्टाचार्जी, आर., और दत्ता, एस. (सं.) (2025). भारत में सांस्कृतिक का पुनः-कालिकीकरण. ब्लूम्सबरी एकेडमिक इंडिया. आईएसबी.ए.न 9789356404120.

बेदी, आरके (2024). गुरु तेग बहादुर: बानी अध्यन। एचके सागू (सं.), गुरु तेग बहादुर साहिब: जीवन ते विचारधारा (पृ. 119) में। मनप्रीत प्रकाशन. आईएसबी.ए.न 81-87654-121-एक्स।

सुरा, जीके (2025)। चन्फ मेरे वि नेः निराशा विच आशा दा दीप। जे. कौर (सं.) में, सुरिंदर गीत रचित साहित: चिंतानी परिपेख (पृ. 24-34)। नई दिल्ली: रीथिंक बुक्स। आईएसबी.ए.न: 978-93-48092-67-0

अनुसंधान परियोजनाएँ

डॉ. ममता दहिया, (भौतिकी विभाग) को "छोटे और बड़े पैमाने पर नए भौतिकी हस्ताक्षर" नामक शोध परियोजना के लिए सह-पीआई के रूप में ₹56,27,383/- स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान प्रतिष्ठान (एएनआरएफ) [अनुदान संख्या सीआरजी/2023/008234] द्वारा प्रदान किया गया है और अक्तूबर 2024 से सितंबर 2027 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. निधि सिन्हा, (भौतिकी विभाग) को "ऊर्जा संचयन अनुप्रयोगों के लिए पीज़ोइलेक्ट्रिक नैनोकण" नामक शोध परियोजना के लिए सह-पीआई के रूप में ₹ 6,00,000/- स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान दिल्ली विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस (IoE) योजना [संदर्भ संख्या IoE/2024-25/12/FRP दिनांक 06-09-2024] के FRP के अंतर्गत प्रदान किया गया है और इसकी अवधि सितंबर 2024 से फरवरी 2025 तक है।

डॉ. निधि सिन्हा, (भौतिकी विभाग) को "पीएमएन-पीटी पाउडर संश्लेषण के अनुकूलन पर अध्ययन" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹9.9 लाख स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ)-एसएसपीएल कार्स परियोजना [परियोजना संख्या 115/टीएस/एसपीएल/कार्स-101/2023] द्वारा प्रदान किया गया है, और इसकी अवधि जून 2023 से जून 2024 तक है।

डॉ. सुकांत दत्ता, (भौतिकी विभाग) को "छोटे और बड़े पैमाने पर नए भौतिकी हस्ताक्षर" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹56,27,383/- स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान प्रतिष्ठान (एएनआरएफ) [अनुदान संख्या सीआरजी/2023/008234] द्वारा प्रदान किया गया है और अक्तूबर 2024 से सितंबर 2027 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. सुकांत दत्ता, (भौतिकी विभाग) को "क्वांटम एल्गोरिदम के साथ क्वांटम दोलनों का अनुकरण" नामक शोध परियोजना के लिए सह-पीआई के रूप में ₹ 5,00,000/- स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान दिल्ली विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस (IoE) योजना [संदर्भ संख्या IoE/2024-25/12/FRP दिनांक 06-09-2024] के FRP के अंतर्गत प्रदान किया गया है और इसकी अवधि सितंबर 2024 से फरवरी 2025 तक है।

डॉ. विमल राढ़ (रसायन-विज्ञान विभाग) को "यूजीसी-एमएमटीटीसी" नामक एक प्रमुख परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹77.10 लाख स्वीकृत किए गए हैं। यह अनुदान यूजीसी द्वारा भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की 'मालविवा मिशन- शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम' योजना के अंतर्गत प्रदान किया गया है और इसकी अवधि 01 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक है।

दायर/स्वीकृत पेटेंट

डॉ. जसलीन कौर। फ़ॉग कंप्यूटिंग समर्थित एआई-आधारित विद्युत वितरण मशीन। डिज़ाइन संख्या: 407572-001। 24 अप्रैल, 2024.

डॉ. कुशनीत कौर सोढ़ी, डॉ. मोहित कुमार, प्रो. दिलीप कुमार सिंह। संश्लेषित एमोक्सिसिलिन-आयरन कॉम्प्लेक्स की उन्नत जीवाणुरोधी गतिविधि। भारत सरकार, पेटेंट कार्यालय, नई दिल्ली। पेटेंट संख्या: 543712। 28 जून, 2024.

आयोजित संगोष्ठियां

एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय के प्रिंसिपल डॉ. गुरमोहिंदर सिंह ने 05 अक्तूबर, 2024 को इंडियन कैंसर सोसाइटी, दिल्ली के सहयोग से जीएडी-टीएलसी, एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय द्वारा आयोजित "कैंसर जागरूकता" पर राष्ट्रीय वेबिनार में 'कैंसर जागरूकता के लिए सामुदायिक जुड़ाव में उच्च शिक्षा की भूमिका' पर एक व्याख्यान दिया।

एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय के उप-प्राचार्य डॉ. हरबंस सिंह ने 21 मार्च, 2025 को राष्ट्रीय संगोष्ठी, '1947 के विभाजन पर पुनर्विचार: ऐतिहासिक, सामाजिक-सांस्कृतिक और राजनीतिक परिप्रेक्ष्य' में 'विभाजन में शहीदों की भूमिका और सांप्रदायिक पहचान के कई आयाम' पर एक व्याख्यान दिया।

हिंदी विभाग की प्रोफेसर डॉ. स्मिता मिश्रा ने 12-13 नवंबर, 2024 को एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी "साहित्य की सार्थक उपस्थिति: रामदरश मिश्र" का सह-आयोजन किया।

एस. तरलोचन सिंह, चेयरमैन, एस.जी.टी.बी. खालसा महाविद्यालय ने 21 मार्च, 2025 को राष्ट्रीय संगोष्ठी, '1947 के विभाजन पर पुनर्विचार: ऐतिहासिक, सामाजिक-सांस्कृतिक और राजनीतिक परिप्रेक्ष्य' में 'उपमहाद्वीप का ऐतिहासिक मूल्यांकन और राजनीतिक समझ' पर व्याख्यान दिया।

डॉ. विमल राढ़, प्रोफेसर, रसायन-विज्ञान विभाग ने 05 अक्तूबर, 2024 को भारतीय कैंसर सोसाइटी, दिल्ली के सहयोग से जीएडी-टीएलसी, एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय द्वारा आयोजित "कैंसर जागरूकता" पर राष्ट्रीय वेबिनार में 'मेंटरशिप-इंटर्नशिप मॉडल के माध्यम से कैंसर जागरूकता के लिए उच्च शिक्षा की भूमिका' पर एक व्याख्यान दिया।

आयोजित सम्मेलन

15-17 अक्तूबर, 2024 को “गणितीय विज्ञान और इसके अनुप्रयोग” (आईसीएमएसए 2024) शीर्षक से अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

16 अप्रैल, 2024 को जीएडी-टीएलसी, एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय द्वारा भारतीय कैंसर सोसाइटी, दिल्ली और रसायन-विज्ञान विभाग, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र के सहयोग से "कैंसर जागरूकता" शीर्षक से राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

28 अप्रैल, 2024 को संत अतुलानंद कॉन्वेंट स्कूल (एसएसीएस), वाराणसी के सहयोग से जीएडी-टीएलसी, एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय द्वारा 'एनईपी-2020 के अनुसार योग्यता-आधारित मूल्यांकन डिजाइन करना' शीर्षक से राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

वाजीराम एवं रवि संस्थान के सहयोग से 'एक्यूमेन'25- यूपीएससी की तैयारी में महत्वाकांक्षी सिविल सेवकों का मार्गदर्शन' शीर्षक से कार्यशाला 22 मार्च, 2025 को आयोजित की गई।

10 अक्तूबर, 2024 को एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय के पंजाबी और अंग्रेजी विभागों द्वारा साहित्यिक अनुवाद पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

20 नवंबर, 2024 को 'देवताओं का आह्वान: भारतीय साहित्य में पौराणिक कथाओं की व्याख्या और उसका विकास' विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

29 नवंबर, 2024 को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के डॉ. सुखवीर सिंह समन्वयक के रूप में कार्यरत थे। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुँच बढ़ाने, आजीवन सीखने को बढ़ावा देने, छात्र सहायता सेवाओं में सुधार करने, कौशल-आधारित कार्यक्रमों के माध्यम से रोजगार क्षमता बढ़ाने और शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक शिक्षण सहायता केंद्र की स्थापना की जाएगी, जिससे शिक्षार्थियों और संकाय दोनों को लाभ होगा और साथ ही समावेशी और लचीले शिक्षण अवसरों का समर्थन होगा।

22 जनवरी, 2025 को जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गुरजादा, विजयनगरम के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यूजीसी-एमएमटीटीसी, एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय के निदेशक, प्रो. विमल राढ़ ने समन्वयक के रूप में कार्य किया। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, सहयोगी संस्थान के 104 लाभार्थियों के साथ 4-14 फरवरी, 2025 को एनईपी अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

5 अक्तूबर, 2024 को क्रिस्टू जयंती महाविद्यालय, स्वायत्तशासी (केजेसी), बेंगलुरु के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय के यूजीसी-एमएमटीटीसी के निदेशक, प्रो. विमल राढ़ ने समन्वयक के रूप में कार्य किया। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, सहयोगी संस्थान के 49 लाभार्थियों के साथ 9-20 दिसंबर, 2024 को परिणाम आधारित शिक्षा, एमओओसी और अनुसंधान पद्धति (आमने-सामने मोड में) पर बहु-विषयक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।

25 नवंबर, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के मैत्रेयी महाविद्यालय के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय के यूजीसी-एमएमटीटीसी के निदेशक प्रो. विमल राढ़ ने समन्वयक के रूप में कार्य किया। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, सहयोगी संस्थान के 37 लाभार्थियों के साथ 2-11 दिसंबर, 2024 तक एनईपी अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

2 जनवरी, 2025 को प्रधानमंत्री उत्कृष्टता महाविद्यालय शासकीय माधव कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, उज्जैन के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय के यूजीसी-एमएमटीटीसी के निदेशक प्रो. विमल राढ़ ने समन्वयक की भूमिका निभाई। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, सहयोगी संस्थान के 59 लाभार्थियों के साथ 7-17 जनवरी, 2025 तक एनईपी अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

19 जुलाई, 2024 को सर पदमपत सिंघानिया विश्वविद्यालय, उदयपुर के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय के यूजीसी-एमएमटीटीसी के निदेशक, प्रो. विमल राढ़ ने समन्वयक के रूप में कार्य किया। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, सहयोगी संस्थान के 22 लाभार्थियों के साथ 15-25 अक्तूबर, 2025 को एनईपी अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

जीएडी-एमएमटीसी, एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय ने 1 अप्रैल, 2023 से 31 मार्च, 2025 तक एनटीपीसी ग्रुप ऑफ कॉलेजेज, वेल्स, यूनाइटेड किंगडम के साथ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग किया है। इस साझेदारी का उद्देश्य उच्च शिक्षा में शिक्षण, सीखने और मूल्यांकन की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाना और शिक्षण-सीखने की प्रक्रिया में नियोजित नई तकनीकों के साथ शिक्षकों को प्रशिक्षित करना है।

जीएडी-एमएमटीसी, एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय ने 1 अप्रैल, 2023 से 31 मार्च, 2025 तक यूके अवार्ड्स यूनाइटेड किंगडम, स्किल्स एंड एजुकेशन ग्रुप (एसईजी), नॉटिंघम, यूनाइटेड किंगडम के साथ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग किया है। इस साझेदारी का उद्देश्य शिक्षा का समर्थन करना और अपने शिक्षार्थियों में पेशेवर विकास को सुविधाजनक बनाना है।

एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत छात्र

आउटबाउंड स्टूडेंट एक्सचेंज-भूटान: रॉयल थिम्पू महाविद्यालय, भूटान और भारत-भूटान फाउंडेशन के साथ शैक्षणिक सहयोग के हिस्से के रूप में, दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री गुरु तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय के छह छात्रों को भारत के अर्थशास्त्र के दस स्नातक छात्रों के एक प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनने के लिए चुना गया, जिसने 10 अक्तूबर, 2024 से 14 अक्तूबर, 2024 तक 4-दिवसीय कार्यक्रम "रीथिंकिंग इकोनॉमिक्स फेस्टिवल" में भाग लिया। छह छात्र-सुश्री इशिता भगत, सुश्री पश्मीन कौर कालरा, सुश्री अचिंत कौर, श्री आकर्षित सिन्हा और श्री रोहन पापड़ेजा-बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र के तीसरे वर्ष के छात्र हैं। प्रतिभागियों ने दोनों देशों के स्थायी भविष्य के लिए आवश्यक सहयोगात्मक कार्यों और साझेदारी पर ध्यान केंद्रित किया। इस कार्यक्रम में भारत और भूटान के अर्थशास्त्री, नीति निर्माता और अर्थशास्त्र के छात्र एक साथ आए

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत : 70 (25%)

कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या: 58

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- सीडीएफ (कनेक्टिंग ड्रीम्स फाउंडेशन): परियोजना किलकारी: वंचित बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा; परियोजना रामायत: गौतम बुद्ध नगर और लखनऊ में महिला कारीगरों को सशक्त बनाना; परियोजना सर्वांगीण: वंचितों और व्यावहारिक ज्ञान के बीच की खाई को पाटना; परियोजना

स्वश्रय: महिला सशक्तीकरण और स्थायी आजीविका का समर्थन करने के लिए तारे ज़मीन फाउंडेशन के साथ सहयोग करना।

- लक्ष्य-सक्षम इकाई: अभ्यास स्कूल का दौरा किया और ज्ञानोदय नामक अंतर महाविद्यालय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें दृष्टिबाधित छात्रों और प्रतिभागियों के लिए गतिविधियां शामिल थीं; सराहाना-इकाई का प्रमुख कार्यक्रम-दृष्टिबाधित छात्रों के लिए एक क्रिकेट मैच का आयोजन किया और समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए बुलज़ आई और डिश डिकोडर जैसे खेल स्टॉल लगाए।
- एनसीसी यूनिट: कारगिल विजय दिवस पर कैम्पस वृक्षारोपण अभियान, 26 जुलाई, 2025
- एनएसएस इकाई: कई सरकारी-केंद्रित पहलों में सक्रिय रूप से शामिल रही, जिनमें शामिल हैं- एक पेड़ माँ के नाम, स्वच्छता ही सेवा; दान उत्सव के अंतर्गत संगोष्ठी, मतदाता जागरूकता अभियान और कई परियोजनाएँ शुरू कीं, जिनमें उल्लेखनीय हैं: विश्व पशु संरक्षण संगठन के सहयोग से प्रोजेक्ट जीव द्वारा एक विस्तृत सर्वेक्षण के माध्यम से पहचाने गए आवारा कुत्तों को 50 जैकेट वितरित किए गए; प्रोजेक्ट धारा द्वारा कचरा पृथक्करण, स्वच्छता और खाद बनाने के अभियान, जागरूकता कार्यशालाओं के माध्यम से स्वच्छता को बढ़ावा दिया गया। प्रोजेक्ट ख्वाहिश-रोज़ उड़ान बालिका गृह का दौरा किया गया, जहाँ वंचित और अनाथ लड़कियों को खेलों, प्रश्नोत्तरी और इंटरैक्टिव सत्रों में शामिल किया गया, ताकि उन्हें प्रेरित और उत्साहित किया जा सके और साथ ही सहानुभूति, सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व के मूल्यों को बढ़ावा दिया जा सके।
- रोटोरैक्ट क्लब: सहाय कपड़ा दान अभियान और सैनिटरी पैड वितरण अभियान; इंद्रलोक मलिन बस्तियों में सामुदायिक विकास पहल; पुस्तकों और स्टेशनरी के साथ वंचित छात्रों की मदद करने के लिए प्रोजेक्ट मुस्कान; स्कूली बच्चों के लिए सॉफ्ट स्किल्स बढ़ाने के लिए एक व्यावसायिक कार्यक्रम, प्रोजेक्ट प्रारम्भ।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय पुस्तकालय को वर्ष 2024-2025 के लिए 13.65 लाख रुपये का बजट स्वीकृत किया गया। इस वर्ष कुल 1230 पुस्तकें खरीदी गईं, जिससे पुस्तकों की कुल संख्या बढ़कर 1,47,163 हो गई। इस सत्र में पुस्तकालय में पाँच नए डेस्कटॉप लगाए गए हैं। दिव्यांग छात्रों के लिए पुस्तकालय के भूतल पर एक अलग कमरा आवंटित किया गया है। पुस्तकालय में दिल्ली विश्वविद्यालय के LEX सॉफ्टवेयर की सदस्यता है जो दिव्यांग छात्रों को ई-पुस्तकों को पीडीएफ में बदलने की अनुमति देता है, जिसे अध्ययन सामग्री के लिए डाउनलोड किया जा सकता है। पुस्तकालय उपयोगकर्ता वेबसाइट पर पुस्तकालय टैब के अंतर्गत पिछले और वर्तमान वर्ष के पाठ्यक्रम/प्रश्न पत्रों तक पहुँच सकते हैं। विभिन्न संकाय सदस्यों और छात्रों को INFLIBNET के एन-लिस्ट कार्यक्रम के माध्यम से ई-संसाधनों तक पहुँचने के लिए यूजर-आईडी और पासवर्ड दिए गए हैं। पुस्तकालय में एक सुरक्षा जांच प्रणाली है

जिसमें निगरानी के लिए 32 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। पुस्तकालय की पूर्ण एयर कंडीशनिंग का कार्य प्रगति पर है।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक : 32

एसोसिएट प्रोफेसर : 37

सहायक प्रोफेसर : 67

तदर्थ : 2

अतिथि : 26

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित अनुदान : ₹ 79.87 करोड़

उपयोगित अनुदान : ₹ 89.58 करोड़

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय में, हमारे पास यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (यूजीसी-एमएमटीटीसी/जीएडी-एमएमटीटीसी) है, जो यूजीसी और शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार का एक केंद्र है, जो एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय के रसायन-विज्ञान विभाग के प्रोफेसर विमल राढ़ के मार्गदर्शन में काम कर रहा है। केंद्र को एनईपी-2020 के कार्यान्वयन के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अगले चरण के लिए चुना गया है। हमारा महाविद्यालय उन 4 कॉलेजों में से एक है जिन्हें भारत के लगभग 45,000 कॉलेजों में से ये केंद्र दिए गए हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रमों का वर्तमान चरण मालवीय मिशन-शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी) के अंतर्गत है। यूजीसी-एमएमटीटीसी ने उच्च गुणवत्ता और सबसे अधिक मांग वाले कार्यक्रम प्रदान करते हुए अधिकतम लाभार्थियों के साथ अधिकतम संख्या में कार्यक्रम आयोजित करके सभी 144 केंद्रों में से पहला स्थान प्राप्त किया है।

इस केंद्र को ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड में विभिन्न कार्यक्रम संचालित करने का अधिदेश प्राप्त है जो उच्च शिक्षा शिक्षकों की सीएएस पदोन्नति आवश्यकताओं के लिए मान्य हैं। प्रमुख कार्यक्रम "एनईपी अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम" नियमित रूप से संचालित किया जा रहा है। अन्य कार्यक्रमों में उच्च शिक्षा प्रशासकों, शिक्षकों और शोधार्थियों के लिए संकाय प्रेरण कार्यक्रम, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (मुख्य विषय और अंतःविषय में), कार्यशालाएँ, सम्मेलन आदि शामिल हैं। केंद्र शिक्षणेत्तर कार्मिकों के लिए उनकी करियर प्रगति आवश्यकताओं हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करता है। इनमें से कुछ कार्यक्रम यूजीसी द्वारा पूर्ण/आंशिक रूप से प्रायोजित हैं।

वर्ष 2024-25 में, यूजीसी-एमएमटीटीसी (जीएडी-एमएमटीटीसी) द्वारा और विभिन्न संस्थानों/संगठनों के सहयोग से 50 कार्यक्रम (ऑनलाइन, ऑफलाइन और हाइब्रिड मोड) आयोजित किए गए, जिनमें देश भर से 8329 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

****

श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय शिक्षा और खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखे हुए है, 2024 में एनआईआरएफ द्वारा भारत में 21वीं रैंकिंग और 2024-25 के लिए एजुकेशन वर्ल्ड द्वारा 'गैर-स्वायत्त महाविद्यालय' श्रेणी में 8वां स्थान प्राप्त किया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को अपनाते हुए, महाविद्यालय ने अपनी सफलता सुनिश्चित करने के लिए बुनियादी ढांचे और संसाधनों का अनुकूलन किया है। हाल ही में, यूजीसी के अध्यक्ष प्रोफेसर जगदीश कुमार ने एनईपी 2020 पर छात्रों के साथ बातचीत करने के लिए दौरा किया। महाविद्यालय ने अपने पूर्व छात्रों की उपलब्धियों का भी उत्सव मनाया, पेरिस पैरालिंपिक में स्वर्ण पदक विजेता श्री नवदीप सिंह अपनी यात्रा और अपनी सफलता में महाविद्यालय के योगदान को साझा करने के लिए लौटे। प्रमुख कार्यक्रम, एसवीसी एमयूएन 2024, ने गतिशील वैश्विक नीति चर्चाओं के लिए विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधियों को एक साथ लाया। शैक्षणिक क्षेत्र में, महाविद्यालय एफडीपी, कार्यशालाएँ, संगोष्ठी और सम्मेलन आयोजित करता है, जबकि संकाय नियमित रूप से पुस्तकें, शोध-पत्र और पेटेंट प्रकाशित करते हैं। बहुप्रतीक्षित वार्षिक उत्सव **नेक्सस का** उद्घाटन सुश्री गीता चंद्रन और श्री पीएस गंगाधर ने किया, जिसमें प्रसिद्ध गायक जावेद अली ने एक शानदार लाइव प्रस्तुति दी।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

डॉ. टी. वसंत को हर्ष मनचंदा युवा वैज्ञानिक पुरस्कार-2024 से सम्मानित किया गया। भारतीय थर्मोडायनामिक सोसाइटी (आईटीएस) द्वारा सम्मानित, थर्मल विश्लेषण और कैलोरीमेट्री पर 18वीं अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस, 02-07 सितंबर 2024, आईआईटी मद्रास, चेन्नई, भारत।

डॉ. टी. वसंत को “आध्यात्मिक शिक्षा के लिए दिव्य बुद्धि पुरस्कार” (अंतर्राष्ट्रीय सम्मान) से सम्मानित किया गया-2025 आध्यात्मिक और मूल्य शिक्षा शिखर सम्मेलन, नई दिल्ली, डॉ. केसव बलिराम हेडगेवार विश्व हिंदू विद्यापीठ, भारतीय शैक्षिक मानक और परीक्षण परिषद, विश्व शांति के लिए अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक संघ, आईजीटीएमएसयू, आईआईईई, अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, नागालैंड द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित

वनस्पति-विज्ञान विभाग के प्रयोगशाला परिचारक अनिल कुमार ने महाविद्यालय में 3 अक्तूबर, 2024 को आयोजित हिंदी पखवाड़ा 2024 में हिंदी टिप्पण-प्रारूपण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। (नकद पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्राप्त)

प्रकाशन

बोहरा, एन., दत्त, जी., और पाल, आर. (2024). φ-सामान्य हार्मोनिक मैपिंग के लिए लैप्पन का पांच-बिंदु प्रमेय। *गणित के लिए मोनात्शेफ़्टे।* https://doi.org/10.1007/s00605-024-02013-6

बुद्धिराजा, एस., ठाकुर, एम., और यादव, एम. (2024). विलय और अधिग्रहण के दौरान मानव संसाधन प्रबंधन प्रथाओं का लाभ उठाना: एक ग्रंथसूची विश्लेषण और भविष्य का शोध एजेंडा। *बेंचमार्किंग: एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 31* (7), 2439-2468। https://doi.org/10.1108/BIJ-11-2022-0696

बुद्धिराजा, एस., यादव, एम., और राठी, एन. (2024). शिक्षण संगठन के बहु-स्तरीय परिणाम: एक ग्रंथसूची विश्लेषण और भविष्य का शोध एजेंडा। *जर्नल ऑफ़ ऑर्गनाइज़ेशनल इफ़ेक्टिवनेस: पीपल एंड परफॉर्मेंस, 11* (2), 282-306। https://doi.org/10.1108/JOEPP-02-2023-0039

चेंगलरायुलु, पी., और अन्य। (2025)। आंध्र प्रदेश में हथकरघा बुनकरों की समस्याएं: रायलसीमा क्षेत्र का एक विशेष संदर्भ। *टेक्निशे सिचेरहाइट, 25* (1), 153-169। https://technikwissen.eu/volume-25-issue-1-2025/ DOI:22.8342.TSJ.2025.V25.1.0178458

गरिमा, एस., सुरभि, ए., रश्मी, बी., बरवकर, वीटी, गोडबोले, आरसी, कुमार, वी., नारायणसामी, एन., और माथुर, वी. (2024). *कर्कुमा लोंगा* एंडोफाइट्स की औषधीय क्षमता। *द माइक्रोब, 5,* 100187. https://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S2950194624001547

हारिस, एच., कुमार, पी., भारद्वाज, वी., टार्टलिया, एस., मल्होत्रा, वी., और नारायणसामी, एन. (2024). *बकरी की आंतों की उलटी थैलियों का उपयोग करके हिस्टिडीन के झिल्ली परिवहन का प्रदर्शन: स्नातक छात्रों के लिए एक अनुभवात्मक शैक्षणिक उपकरण। जर्नल ऑफ विज़ुअलाइज्ड एक्सपेरिमेंट्स, (212),* e66882. https://dx.doi.org/10.3791/66882

जननी, बी.बी., रविचंद्रन, वी., और बोहरा, एन. (2025)। कापलान वर्गों से संबंधित फलनों के लिए विश्लेषणात्मक फलनों के विभिन्न उपवर्गों से संबद्ध उत्तलता त्रिज्याएँ। *हैसेटेपे जर्नल ऑफ़ मैथमेटिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स।* https://doi.org/10.15672/hujms.1471427

कुमार, ए., कुमार, एस., बोहरा, एन., और अन्य। (2024). एक चुंबकीय-विद्युत-प्रत्यास्थ वृत्ताकार छड़ में (1 + 1)-आयामी अनुदैर्ध्य तरंग समीकरण के सॉलिटॉन विलयनों और रोचक तरंग-रूप पैटर्नों की खोज। *ऑप्टिकल और क्वांटम इलेक्ट्रॉनिक्स, 56,* 1029। https://doi.org/10.1007/s12648-024-03409-8

महाजन, ए., ठाकुर, आर., और दास, आर. (2024). फ़र्स्टनबर्ग परिवारों के माध्यम से हाइपरस्पेशियल और उत्पाद प्रणालियों में संवेदनशीलता। *टोपोलॉजी और उसके अनुप्रयोग, 349,* 108907. https://doi.org/10.1016/j.topol.2024.108907.

नाइक, आरजे, कुमार, पीए, अलेख्या, जी., सुब्बारेड्डी, वाई., कंद्रेगुला, जीआर, और मंडल, एस. (2024). अम्लीय इलेक्ट्रोलाइट में *मणिलकारा ज़पोटा के बीजों से प्राप्त छिद्रयुक्त सक्रिय कार्बन से उच्च वोल्टेज और ऊर्जा सघन सुपरकैपेसिटर का निर्माण। इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री कम्युनिकेशंस, 164,* 112365। https://doi.org/10.1016/j.inoche.2024.112365

नारायणसामी, एन., और जोस्युला, एल. (2024). निर्माण श्रमिकों में वायु प्रदूषकों के व्यावसायिक संपर्क और सीओपीडी का उच्च जोखिम: एक मेटा-विश्लेषण अध्ययन। *इंडियन जर्नल ऑफ ऑक्यूपेशनल एंड एनवायर्नमेंटल मेडिसिन, 28* (4), 313-318। https://doi.org/10.4103/ijoem.ijoem_329_23

पंडित, एम., नारायणसामी, एन., और लता, एन. (2025)। कम्प्यूटेशनल दृष्टिकोणों का उपयोग करके पराग एलर्जेन बेट v 1 के संरचनात्मक और बंधन अध्ययनों में अंतर्दृष्टि। *सिलिको फार्माकोलॉजी में, 13* (14)। https://doi.org/10.1007/s40203-024-00303-3

परजुली, डी., मुरली, एन., और वेमुरी, आर. (2025)। सिल्वर डोप्ड स्ट्रोंटियम हेक्साफेराइट्स: संरचनात्मक, रूपात्मक, चुंबकीय और परावैद्युत गुण। *इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री कम्युनिकेशंस, 176,* 114191.स्कोपस https://doi.org/10.1016/j.inoche.2025.114191

रेड्डी, एनपी, नाइक, आरजे, माचेरला, एन., जोसेफ, डीपी, जाफरी, आरआई, आहन, सीएच, सिद्दीकी, एमआर, गोनुगुंटला, वी., और पार्क, एस.-एच. (2025)। कुशल सममित सुपरकैपेसिटर के लिए हेटेरोएटम-डोपिंग (एन/एस) के साथ जैव अपशिष्ट-व्युत्पन्न पदानुक्रमित सक्रिय छिद्रित कार्बन: एक गोमूत्र दृष्टिकोण। *जर्नल ऑफ एनर्जी स्टोरेज,115,115964।* https://doi.org/10.1016/j.est.2025.115964

रेड्डी, वाईएस, रोट्टे, एनके, सुधाकर, बीके, चांद, एनआर, नाइक, आरजे, मंडल, एस., और चंद्रा, एमआर (2024). बायोमास से प्राप्त टिकाऊ मेसोपोरस सक्रिय कार्बन, खतरनाक रंगों के अवशोषण के लिए एक कुशल और पुनर्चक्रण योग्य अवशोषक के रूप में। *हाइब्रिड एडवांस, 6,* 100218। https://doi.org/10.1016/j.hybadv.2024.100218

ठाकुर, एम., और यादव, एम. (2025)। विलय और अधिग्रहण के दौरान संगठनात्मक परिवर्तनों को सुगम बनाने में विलय के बाद की पहचान के प्रेरकों का पता लगाना। *जर्नल ऑफ चेंज मैनेजमेंट, 1* (1), 1-24। https://doi.org/10.1080/14697017.2025.2467063

वराला, आर., कामसाली, एमएमए, सीला, आर., और आलम, एम.एम. (2025)। डाइ-टर्ट-ब्यूटाइल पेरोक्साइड (डीटीबीपी)-प्रवर्तित हेट्रोसाइक्लिक रिंग निर्माण। *करंट ऑर्गेनिक केमिस्ट्री, 29* (4), 274-300। https://www.eurekaselect.com/article/142887

वराला, आर., सीमा, वी., कमसाली, एमएमए, हुसैन, एम., और आलम, एमएम (2025)। कार्बनिक संश्लेषण में सेलेक्टफ्लोर के अनुप्रयोग: एक चतुर्भुज अद्यतन। *करेंट ऑर्गेनिक केमिस्ट्री, 29* (15), 1197-1207। https://www.eurekaselect.com/article/145234

वराला, आर., सीमा, वी., कमसाली, एमएमए, हुसैन, एम., आलम, एम.एम., और दुबासी, एन. (2025)। ट्रिस(पेंटाफ्लोरोफेनिल)बोरेन [B(C6F5)3]-उत्प्रेरित कार्बनिक परिवर्तन: एक त्रैवार्षिक अद्यतन (2021 से आगे)। *करेंट ऑर्गेनिक केमिस्ट्री, 29* (13),989-1041। https://www.eurekaselect.com/article/146014

वराला, आर., कमसाली, एमएमए, हुसैन, एम., आलम, एम.एम., और सीला रामनैया। (2024). कार्बनिक संश्लेषण में सीज़ियम कार्बोनेट (Cs_2CO_3): एक षष्ठवर्षीय अद्यतन (2018 से अब तक)। *करेंट ऑर्गेनिक केमिस्ट्री, 29* (1), 2-18। https://www.eurekaselect.com/article/141970

पुस्तक/पुस्तक में अध्याय

कौल, ए. (2024). *संगठनात्मक व्यवहार के मूल सिद्धांत.* गलगोटिया प्रकाशन कंपनी. आईएसबी.ए.न संख्या: 978-93-90980-47-5

कौल, ए. (2024). *संगठनात्मक व्यवहार की पाठ्यपुस्तक.* गलगोटिया प्रकाशन कंपनी. आईएसबी.ए.न संख्या: 978-93-90980-69-7

कौल, ए. (2024). *मानव संसाधन प्रबंधन* (तृतीय संस्करण). गलगोटिया पब्लिशिंग कंपनी. आईएसबी.ए.न संख्या: 978-93-90980-97-0

सिंघल, एन. (2024). *ऑडिटिंग और कॉर्पोरेट गवर्नेंस.* स्कॉलर टेक प्रेस, आईएसबी.ए.न: 978-93-91720-67-4

सिंघल, एन. (2024). *व्यावसायिक संगठन और प्रबंधन.* स्कॉलर टेक प्रेस, आईएसबी.ए.न: 978-93-87273-57-3

कुशवाहा, एन. (2024). *संगठनात्मक व्यवहार की पाठ्यपुस्तक.* गलगोटिया पब्लिशिंग कंपनी. आईएसबी.ए.न: 978-93-90980-69-7

कुशवाह, एन. (2024). *मानव संसाधन प्रबंधन।* गलगोटिया प्रकाशन कंपनी। आईएसबी.ए.न:978-93-90980-97-0

यादव, आरके (2024). हिंदी गद्य और विकास (क), हिंदी गद्य और विकास (ख), हिंदी गद्य और विकास (ग), जनपदीय साहित्य, हिंदी की मौलिक और लोक साहित्य परंपरा, हिंदी गद्य विकास के विविध चरण (क), हिंदी गद्य विकास के विविध चरण (ख), हिंदी गद्य विकास के विविध चरण (ग)।

भारत, एम. (2024). कश्मीरी उपन्यास में हाशिए पर और बेदखली: मिर्ज़ा वहीद के उपन्यास 'द कोलैबोरेटर' पर एक नज़र, 'फ़्रॉम कैनन टू कोविड: ट्रांसफ़ॉर्मिंग इंग्लिश लिटरेरी स्टडीज़ इन इंडिया' में, संपादक: एंजेली मुल्तानी एट अल., ऑक्सफ़ोर्ड/न्यूयॉर्क: रूटलेज, 2024, पृष्ठ 212-222. आईएसबी.ए.न: 978-0-367-76834-8 (एचबीके), 978-1-032-50843-6 (पीबीके), 978-1-003-39992-6 (ईबीके)।

भारत, एम. (2024). पश्चिमी भारतीय उपन्यासों में पितृहीनता और नाजायज़ यौन शोषण: "बच्चों के बाहर" होने का आघात, युद्ध, यौन शोषण और विकलांगता के संदर्भ में बचपन के आघात को व्यक्त

करते हुए, संपादक: कामायनी कुमार, ऑक्सफ़ोर्ड/न्यूयॉर्क: रूटलेज, 2024, पृष्ठ 121-132. आईएसबी.ए.न: 978-1032-02291-8 (एचबीके), 978-1-032-70529-3 (पीबीके), 978-1-032-71060-0 (ईबीके)।

भारत, एम. (2024). द डायलेक्टिक ऑफ़ ट्रांसनेशनल अडेप्टेशन: क्वेश्चनिंग द वेब अडेप्टेशन ऑफ़ अ सूटेबल बॉय, इन अडेप्टिंग टेलीविज़न एंड लिटरेचर, संपादक: ब्लाइथ वर्थी एंड पॉल शीहान, स्विट्ज़रलैंड: पैल्ग्रेव मैकमिलन, स्प्रिंगर नेचर, 2024, पृष्ठ 131-248. आईएसएसएन 2634-629x आईएसबी.ए.न 978-3-031-50831-8 आईएसबी.ए.न 978-3-031-5082-5 (ईबुक) पुस्तक: न्यू फ्रेंड्स, नई दिल्ली: एनबीटी, 2023. नया संस्करण और पुनर्मुद्रण 2024.

कपूर, वी. (2024). *21वीं सदी की शिक्षा में प्रौद्योगिकी की भूमिका: शिक्षण पद्धति में एक क्रांतिकारी बदलाव।* सतत शिक्षा: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और सतत विकास लक्ष्य 2030 के साथ तालमेल, डी. कंसल, पी. शारदा (संपादक), मोहिंद्रा पब्लिशिंग हाउस, चंडीगढ़ (भारत) 2023, पृष्ठ 310-318। मुद्रित संस्करण: आईएसबी.ए.न: 978-93-90758-86-9

के. प्रसाद, ए. रवि किरण, ब्रूस डेजोंग (2024). *पलनी हिल्स, तमिलनाडु के ऑर्किड-एक सचित्र गाइड।* अंबिका प्रसाद रिसर्च फाउंडेशन, कटक, ओडिशा।

मंडल, एस., सलूजा, एस. और तायल, पी. (2024). मिट्टी से तांबे (Cu) के फाइटोरेमेडिएशन में माइक्रोराइज़ा की क्षमता का उपयोग। फाइटोरेमेडिएशन; स्प्रिंगर, पृष्ठ 207-224।

माथुर, वी.*, सिन्हा, पीजी, और नूर, एसए (2024). सह-विकासवादी शस्त्र दौड़ का खुलासा: पौधों, कीटों और संबंधित जीवों के गतिशील अंतर्क्रिया की अंतर्दृष्टि। प्रमुख फसलों में कीटों के प्रति पादप प्रतिरोध में (पृष्ठ 13-36)। सिंगापुर: स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर।

कौर, के., बराठे, पी., रेड्डी, एस., माथुर, वी., कुमार, वी. (2024). रोगाणुरोधी प्रतिरोध से निपटने के लिए एक स्वास्थ्य दृष्टिकोण। कुमार, वी., श्रीराम, वी., डे, ए. (संपादक) औषधीय पौधे और रोगाणुरोधी चिकित्सा। स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-99-7261-6_1

अग्रवाल, एस., शर्मा, जी., माथुर, वी.* (2024). पादप अंतःपादप: रोगाणुरोधी यौगिकों का खजाना। कुमार, वी., श्रीराम, वी., डे, ए. (संपादक) औषधीय पौधे और रोगाणुरोधी चिकित्सा। स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-99-7261-6_5

अनुसंधान परियोजनाएँ

अल्बुगो कैंडिडा के विरुद्ध वाणिज्यिक और प्रतिरोधी *ब्रैसिका जंसिया* से एंडोफाइट्स की जैव-नियंत्रण क्षमता का अन्वेषण : जैव-रासायनिक, आणविक और जीन अभिव्यक्ति तंत्रों में अंतर्दृष्टि" नामक शोध परियोजना के लिए ₹51,29,696 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी) द्वारा प्रदान किया गया है और 2024 से 2027 तक की अवधि के लिए है।

प्राणि-विज्ञान विभाग की प्रो. वर्तिका माथुर को "क्या औषधीय पौधों के एंडोफाइट्स अपने पोषक पौधों के समान द्वितीयक उपापचयजों का जैवसंश्लेषण करते हैं?" नामक शोध परियोजना के लिए ₹15,000 यूरो की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान मैक्स प्लैंक सोसाइटी, जर्मनी के मोबिलिटी ग्रांट द्वारा प्रदान किया गया है और 2024 से 2027 तक की अवधि के लिए है।

प्राणि-विज्ञान विभाग की प्रो. वर्तिका माथुर को "इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर कीटों के व्यवहार की जाँच" नामक शोध परियोजना के लिए पीआई के रूप में ₹13,27,160 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान होंडा कार्स प्राइवेट लिमिटेड, भारत द्वारा प्रदान किया गया है और 2022 से 2025 तक की अवधि के लिए है।

प्राणि-विज्ञान विभाग की प्रो. वर्तिका माथुर को भारतीय पीआई के रूप में "ट्रेल-फॉलोइंग फेरोमोन का निर्धारण और दीमकों के आंत माइक्रोबायोम के कार्य की क्रियाविधि " नामक शोध परियोजना के लिए ₹9,17,400 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (डीएसटी) द्वारा प्रदान किया गया है और 2021 से 2024 तक की अवधि के लिए है।

दायर/स्वीकृत पेटेंट

प्रो. कोठंडारमन रामानुजम, श्री कंद्रेगुला गणपति राव और श्री रामावथ जनराज नाइक, मेटल ऑक्सीनाइट्राइड आधारित फोटो-रिचार्जेबल सुपरकैपेसिटर, द्वारा सम्मानित किया गया भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, 556350, दिनांक 12 दिसंबर, 2024.

आयोजित संगोष्ठियां

डॉ. हेमवती नंदन, प्रोफेसर और प्रमुख, भौतिकी विभाग, एचएनबीजीयू, श्रीनगर, यूके ने 27 फरवरी, 2025 को 'रायचौधरी समीकरण: एक परिचय' पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. टीआर शेषाद्रि, प्रोफेसर, भौतिकी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, उत्तरी परिसर, नई दिल्ली ने 28 फरवरी, 2025 को 'संवहन के ऊष्मागतिकी' पर एक व्याख्यान दिया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

05 फरवरी, 2024 को फेरोबैंक टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, जेएंडके के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, प्राणि-विज्ञान विभाग की प्रो. वर्तिका माथुर ने समन्वयक के रूप में कार्य किया। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, (1) प्रो. वर्तिका माथुर द्वारा "कीट-पौधे-सूक्ष्मजीव अंतःक्रिया" पर वार्ता, उसके बाद 16 अप्रैल, 2024 को SKUAST-K में पीएच.डी. विद्वानों (एंटोमोलॉजी) के साथ बातचीत। (2) इनक्यूबेशन सेंटर, डिस्कवरी बिल्डिंग, SKUAST-K का दौरा। (3) SKUAST-K में केंद्रीय इंस्ट्रूमेंटेशन सुविधा, गुणवत्ता नियंत्रण लैब का दौरा। (4) कुलपति, SKUAST-K के साथ बैठक। (5) डॉ. बरकत हुसैन, मुख्य वैज्ञानिक, एंटोमोलॉजी विभाग की अध्यक्षता वाली लैब का दौरा।

3 अक्तूबर, 2024 को दक्षिण कोरिया के चुंग-आंग विश्वविद्यालय के खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय की ओर से

प्राचार्य प्रो. वजाला रवि ने इस समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौता-ज्ञापन का उद्देश्य अनुसंधान और क्षमता निर्माण के माध्यम से वैज्ञानिक सहयोग स्थापित करना है। इसकी अवधि 5 वर्ष है।

5 फरवरी, 2024 को ईरान के मशहद स्थित फिरदौसी विश्वविद्यालय के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें प्राणि-विज्ञान विभाग की प्रो. वर्तिका माथुर समन्वयक के रूप में कार्यरत रहीं। इस समझौता-ज्ञापन का उद्देश्य मानव संसाधन प्रशिक्षण, वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देना है। इसकी अवधि 4 वर्ष है।

25 मार्च, 2023 को रोमानिया के क्लुज-नोपाका स्थित बेब्स बोल्याई विश्वविद्यालय के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इतिहास विभाग के डॉ. प्रवीण वर्मा समन्वयक के रूप में कार्यरत थे। इस समझौता-ज्ञापन का उद्देश्य शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में आपसी सहयोग को बढ़ावा देना है। इसकी अवधि 5 वर्ष है।

12 जुलाई, 2022 को स्पेन के बर्गोस स्थित यूनिवर्सिडैड डी बर्गोस के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें अंग्रेजी विभाग की डॉ. रीना रामदेव समन्वयक के रूप में कार्यरत रहीं। इस समझौते का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा और विनिमय कार्यक्रमों में सहयोग के अवसरों का पता लगाने हेतु शैक्षिक यात्राओं को बढ़ावा देना है। इसकी अवधि 4 वर्ष है।

श्रीराम औद्योगिक अनुसंधान संस्थान के साथ 23 मार्च, 2022 को एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें रसायन-विज्ञान विभाग की प्रो. शारदा पसरीचा समन्वयक के रूप में कार्यरत रहीं। इस समझौते का उद्देश्य संयुक्त अनुसंधान के अवसरों और आउटरीच गतिविधियों की खोज करना है। इसकी अवधि 5 वर्ष है।

08 जुलाई, 2022 को इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन एंड एलाइड साइंसेज, ब्रिगेडियर एस.के. मजूमदार मार्ग, दिल्ली के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। गणित विभाग के प्रो. स्वर्ण सिंह समन्वयक के रूप में कार्यरत थे। इस समझौते का उद्देश्य दोनों संस्थानों के बीच मौजूदा अनुसंधान सुविधाओं और उपलब्ध विशेषज्ञता को साझा करना है। इसकी अवधि 10 वर्ष है।

31 मार्च, 2022 को राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान (एनआईआई), नई दिल्ली, भारत के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें जैव रसायन विभाग की डॉ. अंजू कैकर समन्वयक के रूप में कार्यरत रहीं। इस समझौते का उद्देश्य छात्रों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी को करियर विकल्प के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। इसकी अवधि 3 वर्ष है।

8 फरवरी, 2022 को ग्रीन ओ टेक इंडिया, भारत के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें पर्यावरण विज्ञान विभाग के डॉ. पंकज ठाकुर समन्वयक के रूप में कार्यरत थे। इस समझौते का उद्देश्य कागज़ का पुनर्चक्रण करना है। यह समझौता-ज्ञापन अभी प्रगति पर है।

वर्ष 2022 में विज्ञान अकादमी, ताशकंद, उज़्बेकिस्तान के जैव-कार्बनिक रसायन संस्थान के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. वजाला रवि ने इस

समझौते का प्रतिनिधित्व किया। इस समझौते का उद्देश्य संयुक्त अनुसंधान गतिविधियों, शैक्षणिक आदान-प्रदान और अनुसंधान इंटर्नशिप के माध्यम से वैज्ञानिक सहयोग स्थापित करना है। इसकी अवधि 5 वर्ष है।

18 जनवरी, 2022 को केजे सोमैया महाविद्यालय ऑफ साइंस एंड कॉमर्स, मुंबई के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें प्राणि-विज्ञान विभाग की प्रो. वर्तिका माथुर समन्वयक के रूप में कार्यरत रहीं। इस समझौते का उद्देश्य शैक्षणिक, अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों के माध्यम से सहयोग स्थापित करना है। इसकी अवधि 5 वर्ष है।

30 दिसंबर, 2021 को पीईएस के मॉडर्न महाविद्यालय ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स, गणेशखिंड, पुणे, भारत के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। प्राणी-विज्ञान विभाग की प्रो. वर्तिका माथुर समन्वयक के रूप में कार्यरत रहीं। इस समझौते का उद्देश्य अनुसंधान, क्षमता निर्माण और शैक्षणिक सहयोग के माध्यम से वैज्ञानिक सहयोग स्थापित करना है। इसकी अवधि 5 वर्ष है।

11 अगस्त, 2020 को एचएफएम रूफ टॉप एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. वजाला रवि ने इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस समझौते का उद्देश्य महाविद्यालय में रूफ-टॉप सोलर सिस्टम की स्थापना, रखरखाव और बिजली खरीद है। इसकी अवधि 25 वर्ष है।

29 सितंबर, 2020 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें प्राणि-विज्ञान विभाग की प्रो. वर्तिका माथुर समन्वयक के रूप में कार्यरत रहीं। इस समझौते का उद्देश्य पर्यावरण और स्वास्थ्य संबंधी पहलों के लिए है: कैंसर जीव-विज्ञान और चूजे के भ्रूण विकास के क्षेत्र में हरित विद्यालय पहल और अनुसंधान परियोजना। इसकी अवधि 5 वर्ष है।

25 सितंबर, 2020 को स्वीडन, नॉर्वे, फ़िनलैंड, डेनमार्क और आइसलैंड के 19 विश्वविद्यालयों के एक संघ, नॉर्डिक सेंटर के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इतिहास विभाग के प्रो. निर्मल कुमार समन्वयक थे। इस समझौते का उद्देश्य संयुक्त अनुसंधान गतिविधियों, शैक्षणिक आदान-प्रदान और शोध इंटर्नशिप के माध्यम से सहयोगात्मक संबंध स्थापित करना है। इसकी अवधि 5 वर्ष है।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

11 जून, 2024 से नॉर्वे के विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान के साथ सहयोग, एआई का उपयोग करके ई-नोज़ विकसित करने के लिए, जो खाद्य उत्पादों की रासायनिक संरचना में सूक्ष्म परिवर्तनों का पता लगा सकता है और खाद्य क्षय की पहचान कर सकता है।

1 मई, 2024 से कोरिया गणराज्य के ग्योंगसान, 38541 स्थित युंगनाम विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के साथ एक सहयोग समझौता। इसका उद्देश्य क्षारीय माध्यम में मेथनॉल विद्युत-ऑक्सीकरण दक्षता बढ़ाने हेतु एक गैर-स्टोइकोमेट्रिक त्रि-आयामी गोलाकार $Cu_3Mo_2O_9@CoMoO_4$ विषमसंरचना

विकसित करना है। इस साझेदारी में सतत ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने के लिए पदार्थ संश्लेषण और विद्युत-रासायनिक विश्लेषण में विशेषज्ञता को शामिल किया गया है।

1 जुलाई, 2024 को, खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, ग्रीनटेक-आधारित खाद्य सुरक्षा अनुसंधान समूह (BK21 फोर), चुंग-आंग विश्वविद्यालय, अनसियोंग, 17546, कोरिया गणराज्य के साथ समुद्री जैवविषों, विशेष रूप से सैक्सिटॉक्सिन का पता लगाने हेतु नैनोज़ाइम-सहायता प्राप्त आणविक रूप से अंकित बहुलक-आधारित अप्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी एलिसा विकसित करने हेतु एक सहयोग समझौता किया गया। इस अभिनव दृष्टिकोण का उद्देश्य खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक संवेदनशील, लागत-प्रभावी विधि प्रदान करना था।

एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत छात्र

वैश्विक अध्ययन विभाग, भारतीय और दक्षिण एशियाई अध्ययन, आरहूस विश्वविद्यालय, डेनमार्क और के बीच समझौता-ज्ञापन **के** तहत नॉर्डिक सेंटर ऑफ इंडिया (एनआईसी), श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय, दिल्ली **विश्वविद्यालय** के **अनुसार,** डेनमार्क के एक स्नातक छात्र ने 2 जनवरी से 30 मई तक डीयू का दौरा किया। 2025. इस आदान-प्रदान का समन्वय प्रोफेसर निर्मल कुमार ने **किया।** और सतत विकास एवं पर्यावरण नीति पर केंद्रित रही। उन्होंने मुख्य व्याख्यानों में भाग लिया, पर्यावरण-अनुकूल शहरी परियोजनाओं और नवीकरणीय ऊर्जा केंद्रों के क्षेत्रीय दौरों में भाग लिया, और एक सहयोगी शोध परियोजना पूरी की। इस आदान-प्रदान ने सार्थक शैक्षणिक संवाद और सांस्कृतिक तल्लीनता को बढ़ावा दिया, जिसने उनके अंतःविषय पर्यावरण अध्ययन कार्यक्रम में योगदान दिया।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 103(24.34%)

कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या: 55

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- सितंबर 2024 में पर्यावरण संबंधी पहल की गईं, जिनमें अपशिष्ट कागज़ संग्रहण और पुनर्चक्रण अभियान, और पारिस्थितिक जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए ओज़ोन दिवस पर एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी शामिल है। पर्यावरण मंथन, स्वच्छता पखवाड़ा और पशु पोषण जैसे आयोजनों ने पर्यावरण जागरूकता, युवाओं की भागीदारी और पशु कल्याण को और प्रोत्साहित किया।
- डिम्बग्रंथि कैंसर जागरूकता, महिलाओं के लिए आत्मरक्षा कार्यशाला और सड़क सुरक्षा कार्यशाला जैसे सत्रों के माध्यम से स्वास्थ्य और सुरक्षा पर चर्चा की गई, जिससे प्रतिभागियों को आवश्यक ज्ञान और जीवन रक्षक कौशल से लैस किया गया।
- पोषण सप्ताह में पोषण और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा दिया गया। सामाजिक संपर्क पर विशेष ध्यान दिया गया, जिसमें जागृति, आशा मेगा वितरण अभियान और आश्रय जैसे

कार्यक्रमों का उद्देश्य वंचित समुदायों का उत्थान करना था। प्रोजेक्ट तत्व और उन्नति ने रचनात्मक और सांस्कृतिक माध्यमों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण और शिक्षा में युवाओं की भागीदारी पर प्रकाश डाला।

- अन्य उल्लेखनीय पहलों में स्थानीय चुनौतियों को समझने के लिए पहल सर्वेक्षण, रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए कलाकृति, तथा युवाओं को डीआरडीओ के वैज्ञानिकों और राष्ट्रीय अभियानों से जोड़ने के लिए इंस्पायरिंग माइंड्स शामिल हैं।

पुस्तकालय विकास

श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय पुस्तकालय अकादमिक उत्कृष्टता के लिए समर्पित है और इसका उल्लेखनीय विस्तार हुआ है, जिसमें 1,10,315 से अधिक पुस्तकें, 27 जर्नल, 33 पत्रिकाएँ, 15 समाचार-पत्र और डिजिटल संग्रह तक पहुँच शामिल है। पुस्तकालय ने अक्तूबर 2024-25 में ₹2,30,100 की लागत से अपनी एकीकृत पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली को LIBSYS में उन्नत किया। पुस्तकों की खरीद और सदस्यता पर वार्षिक व्यय ₹13,50,577/85 था। पुस्तकालय ने 2024-25 में एन-लिस्ट के लिए ₹13,570 और ₹5900 का डेलनेट सब्सक्रिप्शन भी लिया है। पुस्तकालय ने प्रमुख गतिविधियों का आयोजन किया जैसे कि 27 अप्रैल, 2024 को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के सहयोग से हाइब्रिड मोड में आयोजित "शैक्षणिक पुस्तकालयों के लिए डिजिटल परिवर्तन" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, 28 नवंबर, 2024 को पुस्तक प्रदर्शनी, जिसमें नए और उल्लेखनीय शीर्षक प्रदर्शित किए गए और 22 मार्च, 2025 को समान अवसर सेल के सहयोग से दृष्टिबाधित छात्रों के लिए "सहायक तकनीकों के साथ बिना देखे सीखना" पर कार्यशाला आयोजित की गई।

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक : 21

एसोसिएट प्रोफेसर : 36

सहायक प्रोफेसर : 141

अतिथि : 36

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित अनुदान: ₹ 95.13 करोड़
उपयोगित अनुदान: ₹ 87.85 करोड़

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

पिछले वर्ष, श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त कीं, बुनियादी ढाँचे का विकास किया और शैक्षणिक सुधार किया। एनईपी ढाँचे के भीतर बहु-विषयक कार्यक्रमों को लागू करके, संस्थान ने अपनी शैक्षणिक पेशकशों में सुधार किया और लचीली व सर्वव्यापी शिक्षा को बढ़ावा दिया। राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग ढाँचे (एनआईआरएफ) में उच्च रैंकिंग प्राप्त करके, इसने उत्कृष्टता के लिए अपनी उत्कृष्ट प्रतिष्ठा बनाए रखी और भारत के शीर्ष संस्थानों में से एक के रूप में अपनी स्थिति को सुदृढ़

किया। एक महत्वपूर्ण उपलब्धि इसके वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम, नेक्सस का प्रभावी संचालन था, जिसने दृश्य कला, नृत्य, संगीत और रंगमंच में छात्रों की प्रतिभा को प्रदर्शित किया और विभिन्न कॉलेजों से भागीदारी को आकर्षित किया। शोध के संदर्भ में, छात्रों और शिक्षकों ने आईसीएसएसआर और डीएसटी जैसे राष्ट्रीय संगठनों द्वारा समर्थित पहलों पर मिलकर काम किया, जिसके परिणामस्वरूप कई समकक्ष-समीक्षित प्रकाशन प्रकाशित हुए।

स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए, महाविद्यालय ने सौर पैनल लगाकर और अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों का विस्तार करके अपनी हरित गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया। नियोजन सेल ने छात्रों के लिए इंटर्नशिप और रोज़गार के अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि की, जिसके परिणामस्वरूप उनमें से कुछ को प्रतिष्ठित कंपनियों और शोध संगठनों में नौकरी मिली। उद्यमिता सेल ने कई कार्यशालाओं और प्रतियोगिताओं का आयोजन करके नवाचार और स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा दिया। परामर्श सत्रों और जागरूकता अभियानों के माध्यम से, महाविद्यालय ने मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण पर भी ज़ोर दिया। इन उपलब्धियों के साथ, श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय ने इस दौरान सामाजिक उत्तरदायित्व और शैक्षणिक सफलता के केंद्र के रूप में अपने विकास को बनाए रखा, जिससे एक गतिशील, स्वागतयोग्य और प्रगतिशील शिक्षण वातावरण का निर्माण हुआ।

****

सेंट स्टीफंस महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

वर्ष 2024-2025 के शैक्षणिक परिणाम: महाविद्यालय के छात्रों ने शैक्षणिक स्तर पर अच्छा प्रदर्शन जारी रखा। वर्ष 2024-2025 के लिए प्रवेश CUET के आधार पर आयोजित किए गए। सामान्य उम्मीदवारों के लिए महाविद्यालय में प्रवेश दिल्ली विश्वविद्यालय के माध्यम से हुआ, जबकि ईसाई अल्पसंख्यक आवेदकों का प्रवेश महाविद्यालय में ऑनलाइन साक्षात्कार के साथ हुआ, जो माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के दिनांक 12.09.2022 के WP(C) संख्या 8814/2022 सेंट स्टीफंस महाविद्यालय बनाम दिल्ली विश्वविद्यालय एवं अन्य के निर्णय के अनुसार था।

महाविद्यालय ने दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा अपनाई गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) का पालन करना जारी रखा।

दूसरा यंग लीडर्स नेबरहुड-फर्स्ट फेलोशिप कार्यक्रम 30 मई 2023 को समाप्त हुआ। सात विभिन्न देशों के 21 प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के विदेश मंत्रालय की सहायता से आयोजित किया गया था।

महाविद्यालय अनेक विदेशी विश्वविद्यालयों के लिए पसंदीदा संस्थान बना हुआ है। बैठकें और दौरे आयोजित किए और महाविद्यालय ने जापान, संयुक्त राज्य अमेरिका और कोरिया सहित अन्य देशों के विश्वविद्यालयों के साथ उपयोगी सहयोग किया।

खेल जगत में, अंग्रेजी तृतीय वर्ष की **पायल खत्री**, एक अंतरराष्ट्रीय स्तर की निशानेबाज, ने बहुमूल्य विश्व कप और चैंपियनशिप स्वर्ण पदक सहित कई पदक जीते हैं। बी.ए. तृतीय वर्ष की **संदीप्ति सिंह राव** ने ब्रिक्स टेनिस खेलों में कांस्य पदक जीता। बी.ए. तृतीय वर्ष के **अनुराग सिंह** ने विश्व विश्वविद्यालय खेलों और विश्व कप चैंपियनशिप सहित कई अंतरराष्ट्रीय तैराकी स्पर्धाओं में भाग लिया।

सेंट स्टीफंस महाविद्यालय का पूर्व छात्र संघ लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और अब इसने विदेशों में भी शाखाएँ पंजीकृत कर ली हैं।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

प्रोफेसर जॉन वर्गीस महाविद्यालय के प्राचार्य हैं। अध्यापन सहित अपने नियमित कार्यों के अलावा, प्रोफ़ेसर वर्गीज़ पूरे भारत में व्याख्यान देते हैं, एक केंद्रीय विश्वविद्यालय की कार्यकारी समिति और दो विश्वविद्यालयों की अकादमिक परिषदों में कार्यरत हैं और उनके एक डॉक्टरेट छात्र ने उत्तर-मानवतावादी साहित्य पर शोध किया है।

डॉ. चिंखानलुन गुइटे महाविद्यालय के बर्सर और महाविद्यालय के जन सूचना अधिकारी हैं। वे AIACHE के कोषाध्यक्ष और सेंट पॉल इंस्टीट्यूट चुराचांदपुर, मणिपुर स्थित अटल टिंकरिंग लैब के सलाहकार भी हैं।

फादर डॉ. रेनिश गीवरगीस अब्राहम पूर्व छात्र संबंध विभाग के डीन हैं।

वरिष्ठ ट्यूटर डॉ. विभा शर्मा ने विज्ञान संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय (2022 से-वर्तमान) सदस्य के रूप में कार्य किया।

डॉ. मलय नीरव अकादमिक (इतिहास विभाग) डीन हैं।

डॉ. गीतांजलि सेठी, एसोसिएट प्रोफेसर, भौतिकी विभाग को 16 अप्रैल 2025 से डीन, अनुसंधान के रूप में नियुक्त किया गया है।

डॉ. एकता कुंद्रा अरोड़ा और डॉ. शमीम अहमद प्रवेश के लिए ट्यूटर थे, आईक्यूएसी के समन्वयक हैं और नोडल अधिकारी, एनआईआरएफ और एआईएसएचई सर्वेक्षण के रूप में भी कार्य करते हैं।

डॉ. सानिल उन्नीकृष्णन अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के डीन हैं।

डॉ. आदित्य प्रताप देव संपादकीय बोर्ड, भारतीय उन्नत अध्ययन संस्थान, शिमला के सदस्य हैं और IQAC के समन्वयक भी हैं।

डॉ. एकता कुंद्रा अरोड़ा ने दिल्ली विश्वविद्यालय में बी.एससी., कार्यक्रम फिजिकल साइंस और लाइफ साइंस के लिए यूजीसीएफ के तहत पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया।

श्री संजीव कुमार ग्रेवाल अर्थशास्त्र विभाग की पाठ्यक्रम समिति के सदस्य रहे हैं और सामाजिक विज्ञान संकाय के सदस्य हैं।

डॉ. जसप्रीत कौर मार्च 2022 से अब तक गणितीय विज्ञान संकाय की पाठ्यक्रम समिति की सदस्य रही हैं।

डॉ. हरीश कुमार यादव राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) पर आधारित स्नातक पाठ्यचर्या रूपरेखा (यूजीसीएफ) के अंतर्गत बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी और बी.एससी. (कार्यक्रम) की पाठ्यक्रम निर्माण समिति के सदस्य हैं और विश्वविद्यालय की अंतिम परीक्षाओं के लिए भौतिकी के प्रश्नपत्रों के मॉडरेशन हेतु समिति के सदस्य भी हैं।

डॉ. संगीता सचदेवा दिल्ली विश्वविद्यालय के बी.एससी. (भौतिकी) ऑनर्स/कार्यक्रम के लिए भौतिकी पाठ्यक्रम समिति की सदस्य रही हैं। वे दिल्ली विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अंतर्गत स्नातक पाठ्यचर्या रूपरेखा (यूजीसीएफ) के लिए पाठ्यक्रम डिजाइनिंग टीम की भी सदस्य रही हैं। डॉ. सचदेवा ने दिल्ली विश्वविद्यालय में मई/जून 2023 में होने वाली बी.एससी. (ऑनर्स)/ कार्यक्रम परीक्षा के लिए भौतिकी की मॉडरेशन समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया।

डॉ. अभिनव गुप्ता, एनईपी के लिए पाठ्यक्रम तैयार करने हेतु पाठ्यक्रम समिति के सदस्य हैं।

डॉ. शमीम अहमद, दिल्ली विश्वविद्यालय शासी निकाय, दिल्ली शिक्षा सोसाइटी, उर्दू विभाग, पाठ्यक्रम समिति के सदस्य हैं। वे क्रिसेंट स्कूल दरियागंज, नई दिल्ली के प्रबंधक (मानद) और क्रिसेंट एजुकेशन सोसाइटी, नई दिल्ली के सदस्य भी हैं। डॉ. शमीम अहमद, दिल्ली सरकार की उर्दू अकादमी दिल्ली के सोशल मीडिया अकाउंट्स की सामग्री की जाँच के लिए फ्यूजन कॉर्पोरेट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड में सलाहकार के रूप में कार्य करते हैं। वे एससीईआरटी में डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन (डी.एल.एड.) के

लिए भाषा शिक्षा (उर्दू) के सलाहकार भी हैं। डॉ. शमीम अहमद ने कक्षा 1 से 8 के लिए 8 पुस्तकों की एक श्रृंखला - परवाज़, लिखी है, जिसे DIET, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद द्वारा प्रकाशित किया गया है और उन्होंने विश्वविद्यालय में योगदान दिया है।

डॉ. ज्योतिर्मय मैती, रसायन विज्ञान विभाग के तदर्थ संकाय ने 5 शोध-पत्र प्रकाशित किए, दो सम्मेलनों में भाग लिया और एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

दिव्या सिंह, अर्थशास्त्र विभाग की तदर्थ संकाय ने प्रोफेसर सौम्यब्रत चौधरी द्वारा 'इच्छा की व्याख्या: पूंजीवाद और उपभोक्तावाद की राजनीति' विषय पर एक व्याख्यान का संचालन किया। उन्होंने 25-27 अक्तूबर 2023 तक दिल्ली के आर्थिक विकास संस्थान में आरबीआई की अध्यक्षता में आयोजित 'समष्टि अर्थशास्त्र में उन्नत विषय' पर एक कार्यशाला में भी भाग लिया।

श्री नवीन जॉन पनिकर, अंग्रेजी विभाग के तदर्थ संकाय ने जर्नल ऑफ लैंग्वेज, लिटरेचर एंड इंटरडिसिप्लिनरी स्टडीज में एक शोध-पत्र प्रकाशित किया।

'सुश्री. अपूर्व डिमरी, अंग्रेजी विभाग के तदर्थ संकाय ने IACLALS अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'मेट्रोपोलिस एंड मार्जिन्स: शिफ्टिंग पर्सपेक्टिव्स इन लिटररी एंड लैंग्वेज स्टडीज' में "द मार्जिन्स विदिन द मेट्रोपोलिस: ए रीडिंग ऑफ मंटोज रिप्रेजेंटेशन ऑफ बॉम्बे" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

श्री वैभव द्विवेदी, अंग्रेजी विभाग के तदर्थ संकाय ने दो निबंध प्रकाशित किए, दो व्याख्यान दिए और ग्लासगो विश्वविद्यालय, स्कॉटलैंड में ग्लासगो इंटरनेशनल फैंटेसी कॉन्क्लेव (GIFCon) में प्रस्तुतकर्ता के रूप में भाग लिया। वे सेंटर फॉर जेंडर, कल्चर एंड सोशल प्रोसेसेस द्वारा आयोजित 'ट्रांसलेटिंग सेक्सुएलिटीज' सम्मेलन की आयोजन समिति के सदस्य थे।

डॉ. अभिषेक मिश्रा, हिंदी विभाग के तदर्थ संकाय ने 'NEP-2020 के मूल तत्व, NAAC, QS वर्ल्ड रैंकिंग 25-07-2023 को सत्यवती महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय) में' पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. सुदीप्तो बसु, इतिहास विभाग के तदर्थ संकाय ने एक शोध-पत्र प्रकाशित किया।

गणित विभाग की तदर्थ प्राध्यापक डॉ. मनीषा अग्रवाल ने इस अवधि के दौरान 2 पुस्तकें और 4 शोध-पत्र प्रकाशित किए।

गणित विभाग के तदर्थ प्राध्यापक श्री पीयूष बंसल ने 2 शोध-पत्र प्रकाशित किए और 11 पुस्तकों के सह-लेखक रहे। उन्होंने 2 शोध-पत्र भी प्रस्तुत किए और 3 सम्मेलनों में भाग लिया।

गणित विभाग की तदर्थ प्राध्यापक सुश्री रजनी गुप्ता ने एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम और एक एफडीपी कार्यक्रम में भाग लिया।

दर्शनशास्त्र विभाग की तदर्थ प्राध्यापक डॉ. अल्फी गीवर ने इस अवधि के दौरान अपनी डॉक्टरेट की उपाधि पूरी की। उन्हें 3 वार्ताओं के लिए वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया, उन्होंने एक शोध-पत्र प्रकाशित किया, एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

भौतिकी विभाग की तदर्थ प्राध्यापक डॉ. रेखा ने एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया और एक सम्मेलन में भाग लिया।

भौतिकी विभाग की तदर्थ प्राध्यापक डॉ. श्रुति ठाकुर को 2 वार्ताओं के लिए वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया और उन्होंने 2 सम्मेलनों में भाग लिया।

भौतिकी विभाग के तदर्थ प्राध्यापक डॉ. अक्षय राणा ने भारतीय विज्ञान संघ की आजीवन सदस्यता प्राप्त की। सापेक्षता और गुरुत्वाकर्षण। वे 6 व्याख्यानों के लिए आमंत्रित वक्ता और 3 कार्यशालाओं के लिए संसाधन व्यक्ति थे। इस अवधि के दौरान उन्होंने एक शोध-पत्र प्रकाशित किया और 2 सम्मेलनों में भाग लिया।

संस्कृत विभाग के तदर्थ प्राध्यापक डॉ. अभय सिंह ने 3 शोध-पत्र और एक राष्ट्रीय संगोष्ठी प्रकाशित की। उन्हें आकाशवाणी द्वारा 2024 के लिए संस्कृत युवा कवि पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

विभूति प्राप्त छात्र

बी.एससी. भौतिक विज्ञान की तृप्ति गर्ग ने अपने पाठ्यक्रम के लिए एम. माखन लाल स्वर्ण पदक और विश्वविद्यालय पदक जीते।

एम.ए. अंग्रेजी की अनमोल शर्मा ने डॉ. एन.एस. प्रधान स्मारक पदक जीता।

बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी की हिबा मुनीर ने अपने पाठ्यक्रम के लिए डॉ. सरूप सिंह स्वर्ण पदक और एन.वी. थडानी स्मारक पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी के मणि गुप्ता ने अपने पाठ्यक्रम के लिए विश्वविद्यालय पदक जीते।

बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास की मयूखी घोष ने दीप चंद स्मारक पुरस्कार जीता।

बी.ए. (ऑनर्स) संस्कृत के धर्मेंद्र कुमार ने शारीरिक रूप से विकलांग वर्ग में कुलपति का स्वर्ण पदक जीता।

आयोजित संगोष्ठियां

डॉ. वायलेट आर. मैकवान ने एक्सेल कौशल, तनाव प्रबंधन और विश्राम तकनीकों पर सत्र आयोजित किए; जिसमें 24-25 सितंबर, 2024 को एक रचनात्मक पेंटिंग भी शामिल थी।

फोरेंसिक विज्ञान के विशेषज्ञ, सेवानिवृत्त प्रो. जी.एस. सोढ़ी ने 4 अक्तूबर, 2024 को फोरेंसिक तकनीकों और आपराधिक जाँच में उनके अनुप्रयोगों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया।

डॉ. एन. पी. एश्ले ने 11 अक्तूबर, 2024 को जाति और केरल के सिनेमाई शेक्सपियर पर संकाय सेमिनार श्रृंखला का संचालन किया, जिसका संचालन आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ और अंग्रेजी साहित्य समिति द्वारा किया गया।

आयोजित सम्मेलन

सीजीसीएसपी के सहयोग से 23-26 अक्तूबर, 2024 तक 10वां वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय रिंग्स सम्मेलन आयोजित किया गया।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

प्रो. एस.वी. ईश्वरन ने 17 सितंबर से 6 अक्तूबर, 2024 तक "नैनोटेक्नोलॉजी और बायोटेक्नोलॉजी में अंतर्दृष्टि" शीर्षक से शोध पद्धति, नैनोटेक्नोलॉजी और बायोटेक्नोलॉजी पर व्याख्यान दिए, जिससे नवीन सोच को प्रेरणा मिली।

प्रो. बालाजी राव जागीरदार (आईआईएससी बैंगलोर) ने 25 मार्च, 2025 को अकार्बनिक और भौतिक रसायन विज्ञान के क्षेत्र में व्याख्यान दिया।

डॉ. नंदना सेनगुप्ता, सहायक प्रोफेसर, स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी, आईआईटी दिल्ली ने "ए फुट इन द डोर: फीमेल एंट्री इन एलीट इंजीनियरिंग एजुकेशन इन इंडिया" विषय पर 16 अक्तूबर, 2024 को व्याख्यान दिया।

अशोका विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग एवं त्रिवेदी स्कूल ऑफ बायोसाइंसेज के प्रोफेसर गौतम आई. मेनन ने 12-14 नवंबर, 2024 तक "एक भौतिक विज्ञानी का विकास" विषय पर व्याख्यान दिया।

एरिज़ोना विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रिचर्ड एम. ईटन ने "उत्तरी बनाम दक्षिणी दक्कन: प्रवेशद्वार, बारूद और चालुक्य विरासत" विषय पर 6 जनवरी, 2025 को आयोजित आई. एच. कुरैशी स्मृति व्याख्यान में व्याख्यान दिया।

डॉ. शिल्पी राजपाल ने 3 अप्रैल, 2024 को आयोजित "भारत में स्वदेशी विश्वास प्रणालियों, औपनिवेशिक आधुनिकता और मनोचिकित्सा के अंतर्संबंधों (1920-1980 के दशक)" पर "बीसवीं सदी के आरंभ में स्वदेशी परंपराएँ, आधुनिकता और पागलपन" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।

डॉ. रंजना साहा ने 12 अप्रैल, 2024 को आयोजित "आधुनिक मातृत्व: औपनिवेशिक कलकत्ता में स्तनपान के बारे में चिकित्सा सलाह" शीर्षक से "20वीं सदी के आरंभ में कलकत्ता में मातृत्व के परीक्षित चिकित्साकरण और औपनिवेशिक स्वास्थ्य विमर्श" पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. पी.के. विजयन ने 19 अप्रैल, 2024 को हिंसा के अन्वेषित दार्शनिक और सांस्कृतिक आयामों: प्रतीकात्मक, संरचनात्मक और ज्ञानमीमांसा पर "हिंसा पर कुछ अटकलें" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।

प्रो. प्रदीप दत्ता ने 25 अप्रैल, 2024 को फिलिस्तीन संघर्ष के ऐतिहासिक, राजनीतिक और मानवीय आयामों के आलोचनात्मक विश्लेषण पर "गाजा के बाद फिलिस्तीन मुद्दे पर पुनर्विचार" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।

पिया बेके ने 26 सितंबर, 2024 को "मोबाइल नारीवाद: विज्ञान कथा से सोशल मीडिया तक" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया, जिसमें काल्पनिक कथाओं से लेकर डिजिटल मीडिया तक नारीवादी अभिव्यक्ति का पता लगाया गया, जिसमें सामाजिक मंचों पर सक्रियता पर प्रकाश डाला गया।

श्री बेन्स्टन जॉन ने 7-9 नवंबर, 2024 को आयोजित 8वीं वार्षिक सीईसीएफईई अनुसंधान और नीति कार्यशाला में जलवायु अनुकूलन पर 'कूल रूफ के प्रभाव' शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

श्री बेन्स्टन जॉन ने 16-19 दिसंबर को आयोजित तीसरे विकास सम्मेलन, आईजीआईडीआर, मुंबई 2024 में जलवायु अनुकूलन पर प्रस्तुति दी।

श्री बेन्स्टन जॉन ने 19-21 दिसंबर, 2024 को आईएसआई दिल्ली में आयोजित आर्थिक वृद्धि और विकास पर 19वें वार्षिक सम्मेलन में पायलट अध्ययन प्रस्तुत किया।

प्रो. जोनार्डन गनेरी ने 18 अक्तूबर, 2024 को फिलॉसॉफिकल सोसाइटी में आयोजित आर्टिफैक्ट माइंड्स एंड सिंथेटिक सेल्फ्स पर एसके बोस मेमोरियल व्याख्यान दिया।

डॉ. विल्सन सैमुअल ने 24 मार्च, 2025 को आयोजित फिलॉसॉफिकल एंड म्यूजिक सोसाइटीज़ में संगीत दर्शन और सौंदर्यशास्त्र पर म्यूजिक सोसाइटी के सहयोग से एक व्याख्यान दिया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

तमिलनाडु मॉडल स्कूल सोसाइटी, तमिलनाडु सरकार के बीच समझौता ज्ञापन 2025-28

क्राइस्ट डीम्ड यूनिवर्सिटी के बीच समझौता ज्ञापन 2023-2026]

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

महाविद्यालय ने अखिल भारतीय प्रबंधन संघ (AIIMA) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

एक्सचेंज कार्यक्रम के तहत छात्र

नीदरलैंड से 2 छात्र

जापान से 2 छात्र

महाविद्यालय से जापान जाने वाला 1 छात्र

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 48

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

महाविद्यालय की सोशल सर्विस लीग ने अपनी विस्तार गतिविधियाँ जारी रखा, जिसमें आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि के बच्चों को पढ़ाना, गैर-शिक्षण कर्मचारियों की गतिविधियों में सहयोग देना और रक्तदान शिविर शामिल हैं।

सेंट स्टीफंस सेंटर फॉर एडवांस्ड लर्निंग स्नातकों और सार्वजनिक नीति, वित्तीय साक्षरता, अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति और डेटा के क्षेत्रों में कार्यरत और रुचि रखने वाले लोगों के लिए प्रमाणपत्र स्तर के कार्यक्रम प्रदान करता रहता है।

संकाय संख्या

कुल: 72

स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

महाविद्यालय ने 2024-25 के दौरान शैक्षणिक, शोध और पाठ्येतर गतिविधियों में प्रगति की है, जिससे सभी हितधारकों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्धता जताई है। प्रमुख उपलब्धियों में एनएएसी मान्यता और NIRF के लिए डेटा प्रस्तुत करना शामिल है। संस्थान ने 47 संकाय सदस्यों को पदोन्नत

करके और 12 नए सदस्यों की नियुक्ति करके शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ाया है। बुनियादी ढाँचे के विकास में सघन वैन 2 और 3 की स्थापना, एक फुटबॉल मैदान का निर्माण, 4,000 पौधे लगाना और परिसर में एक एटीएम की स्थापना शामिल है। संकाय सदस्यों ने 82 प्रकाशन में योगदान दिया, 90 सम्मेलनों में भाग लिया, 138 FDP, 24 पुनश्चर्या कार्यक्रम, 22 कार्यशालाएँ, 2 पेटेंट, 3 शोध परियोजनाएँ पूरी कीं और पीएच.डी. विद्वानों का मार्गदर्शन किया।

नियोजन के संदर्भ में, 15 कंपनियों ने 70 छात्रों को नौकरियों की पेशकश की। छात्रों ने शिक्षा, खेल, एनसीसी, एनएसएस और सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिनमें से 82 ने विशिष्ट योग्यताएँ अर्जित कीं। एनसीसी इकाई ने 13 प्रमुख गतिविधियों में भाग लेकर उत्कृष्ट प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया, जबकि 1 दिल्ली नौसेना इकाई और 2 दिल्ली गर्ल्स बटालियन ने राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट योग्यताएँ अर्जित कीं। एनएसएस इकाई ने स्वास्थ्य जांच, योग शिविरों और पर्यावरणीय पहलों के माध्यम से समाज कल्याण में सक्रिय योगदान दिया। इको क्लब ने जल संरक्षण संगोष्ठियों, दान अभियानों और वृक्षारोपण कार्यक्रमों के माध्यम से स्थिरता को बढ़ावा दिया। उल्लेखनीय रूप से, चार छात्रों का चयन आईपीएल 2025 की नीलामी के लिए हुआ और हर्षित राणा ने भारत के लिए वनडे मैच खेलकर इतिहास रच दिया।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

डॉ. आंचल सेठी (शिक्षण कार्मिक, रसायन-विज्ञान विभाग) को 4-5 अप्रैल, 2024 को श्याम लाल महाविद्यालय द्वारा आयोजित सतत जीवन के लिए रासायनिक विज्ञान में वर्तमान रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में तीसरा सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार मिला।

क्लेरिवेट-एल्सेवियर इंडेक्सिंग शोधकर्ताओं की सूची के अनुसार, डॉ. अविजित महाला (शिक्षण कार्मिक, भूगोल विभाग) को चालू वर्ष में भूगोल के क्षेत्र में शीर्ष दो प्रतिशत शोधकर्ताओं में सूचीबद्ध किया गया।

डॉ. बिपिन कुमार (शिक्षण कार्मिक, प्राणि-विज्ञान विभाग) को 20-21 मार्च, 2025 को रामजस महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित औषधीय पौधों के वैश्विक परिप्रेक्ष्य: पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली से नैनो-चिकित्सा तक के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रथम सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त हुआ।

डॉ. कविंद्र कुमार (शिक्षण कार्मिक, भौतिकी विभाग) को जून से अगस्त 2024 तक टीएए आईआईटी खड़गपुर द्वारा आयोजित दृष्टि मेंटरशिप कार्यक्रम के दूसरे समूह का मार्गदर्शन करने के लिए स्टार्टअप मेंटर प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया, जिसमें आईआईटी खड़गपुर के पूर्व छात्रों द्वारा स्थापित 12 शीर्ष स्टार्टअप शामिल थे।

डॉ. मधुलिका सिंह (शिक्षण कार्मिक, वनस्पति-विज्ञान विभाग) को वर्ष 2023 के दौरान उनके उत्कृष्ट शोध योगदान के लिए दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दिल्ली से सराहनीय अनुसंधान पुरस्कार प्राप्त हुआ।

छात्र

बी.कॉम (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) के छात्र आदित्य राज ने 2 फरवरी, 2025 को आईआईटी गुवाहाटी द्वारा आयोजित एमयूएन लोकसभा समिति बहस में उच्च प्रशस्ति (द्वितीय पुरस्कार) जीता।

स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय और भारती महाविद्यालय द्वारा आयोजित ओपन माइक प्रतियोगिता, 2025 में लाइफ साइंस (III) की छात्रा आशना भाटिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) के छात्र आदित्य मांझी ने 4 अक्तूबर, 2024 को स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय द्वारा आयोजित डॉक्यूमेंट्री मेकिंग चैलेंज में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) के छात्र आदित्य मांझी ने नवंबर 2024 में मीडिया मंथन (प्री विमर्श) द्वारा आयोजित फोटोग्राफी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी (द्वितीय वर्ष) के छात्र अमन कांत ने स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय द्वारा आयोजित प्रथम शैक्षणिक वर्ष में द्वितीय पुरस्कार जीता, 5 मार्च, 2025.

बी.एससी. (ऑनर्स) माइक्रोबायोलॉजी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अंकिता कुमारी गुप्ता ने 5 मार्च, 2025 को अकादमिक में द्वितीय पुरस्कार जीता; और 3 अक्तूबर, 2024 को एम. ट्यूबरकुलोसिस पर माइक्रो क्विज में द्वितीय पुरस्कार जीता।

बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी (द्वितीय वर्ष) के छात्र अंकुश ने भारती महाविद्यालय (बालिका दिवस) में एकल नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान, एडीजीआईपीएस महाविद्यालय में एकल लोक नृत्य में प्रथम स्थान, हंसराज महाविद्यालय में एकल लोक नृत्य में तृतीय स्थान, डॉ. बीआर अंबेडकर महाविद्यालय में सर्वश्रेष्ठ नर्तक में प्रथम स्थान प्राप्त किया; शहीद राजगुरु महाविद्यालय ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर विमेन के निर्णायक पैनल से प्यार का टोकन प्राप्त किया।

बी.एससी. लाइफ साइंस (तृतीय) के छात्र अनूप यादव ने मंत्रणा में तृतीय पुरस्कार जीता, अंतर महाविद्यालय ओपन माइक कविता प्रतियोगिता, हिंदी साहित्य सभा, शहीद भगत सिंह महाविद्यालय (प्रातः), 22 मार्च, 2025.

बी.ए. हिंदी ऑनर्स (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अंशु ने 5 मार्च, 2025 को स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय द्वारा आयोजित 58वें वार्षिक पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में अकादमिक क्षेत्र में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (कार्यक्रम) भौतिक विज्ञान रसायन-विज्ञान के साथ (प्रथम वर्ष) के छात्र अनुराग सिंह ने 5 मार्च, 2025 को स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय द्वारा आयोजित अकादमिक में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) माइक्रोबायोलॉजी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा अनुष्का सिंह ने पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया, स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय, 27 जनवरी, 2025.

बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा अपर्णा ने 6 मार्च, 2025 को स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय में आयोजित इंटर महाविद्यालय एनवायरो क्विज में तृतीय पुरस्कार जीता ; 4 अक्तूबर, 2024 को स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय में आयोजित वीडियो मेकिंग प्रतियोगिता (पर्यावरण

विभाग और इको क्लब) में तृतीय पुरस्कार जीता; तथा 4 मार्च, 2025 को स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय में आयोजित 58वें वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में अकादमिक क्षेत्र में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

बी.कॉम (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) के छात्र अर्चित अग्रवाल को अकादमिक क्षेत्र में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। 58वें वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह, स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय, 4 मार्च, 2025.

बी.कॉम (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) के छात्र अर्पित गुप्ता को 5 मार्च, 2025 को स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय द्वारा आयोजित 58वें वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में शैक्षणिक क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) के छात्र अरुण ने ऑन-द-स्पॉट फोटोग्राफी में प्रथम पुरस्कार जीता, बीआर अंबेडकर महाविद्यालय, 31 जनवरी, 2025.

बी.एससी. लाइफ साइंस (द्वितीय वर्ष) के छात्र आर्यन सिंह ने 19-20 अक्तूबर, 2024 को पीआईआई मॉडल यूनाइटेड नेशंस 2.0 में यूएनजीए डीआईएसईसी समिति में माननीय उल्लेख प्राप्त किया।

बी.एससी. (ऑनर्स) माइक्रोबायोलॉजी (द्वितीय वर्ष) के छात्र आशुतोष सिंह कंवल ने ऑन-द-स्पॉट फोटोग्राफी, लेंसेशन, स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय, 10 अप्रैल, 2024 में तृतीय पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) माइक्रोबायोलॉजी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा आस्था जे तिवारी ने 5 मार्च, 2025 को स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय में अकादमिक में प्रथम पुरस्कार जीता ; और 3 अक्तूबर, 2024 को स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय में माइक्रो क्विज (सिम्पोजियम) में द्वितीय पुरस्कार जीता।

बी.ए. इतिहास (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष) के छात्र आयुष रंजन ने संत फाउंडेशन द्वारा 7 नवंबर, 2024 को आयोजित एआईपीपीएम समिति मॉडल यूनाइटेड नेशंस में उच्च प्रशंसा पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) के छात्र बिटकेश्वर कुमार ने 31 जनवरी, 2025 को डॉ. भीम राव अंबेडकर महाविद्यालय द्वारा आयोजित ऑन-द-स्पॉट फोटोग्राफी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (द्वितीय वर्ष) के छात्र ब्रज किशोर ने स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय द्वारा आयोजित प्रथम वर्ष में अकादमिक में द्वितीय पुरस्कार जीता, 5 मार्च, 2025.

बी.एससी. (कार्यक्रम) एप्लाइड लाइफ साइंस (प्रथम वर्ष) के छात्र दीपक पाठक ने स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय द्वारा 7 मार्च, 2025 को आयोजित अभिव्यक्ति मंच में लघु कहानी लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (कार्यक्रम) लाइफ साइंसेज (तृतीय वर्ष) की छात्रा इशिता परुथी को 8 अप्रैल, 2024 को स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय द्वारा आयोजित 57वें वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

बी.एससी. (कार्यक्रम) लाइफ साइंसेज (तृतीय वर्ष) की छात्रा इशिता परुथी ने 9 अप्रैल, 2024 को स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय में कॉमेनिया सोसाइटी द्वारा आयोजित मिस्टर एंड मिसेज ऑकुलस में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास (द्वितीय वर्ष) की छात्रा काव्या सेठी ने 15 अप्रैल, 2024 को स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय की इंग्लिश सोसाइटी: एक्लेसिया द्वारा आयोजित "स्पार्क" बुक कवर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. इतिहास (ऑनर्स) (द्वितीय वर्ष) की छात्रा खुशबू ने स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय द्वारा आयोजित 58वें वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में अकादमिक क्षेत्र में द्वितीय पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा खुशी पटियाल ने अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त किया और दूसरा स्थान प्राप्त किया, स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय, 5 मार्च, 2025.

कुमार शम्भवाम, बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी (द्वितीय वर्ष) के छात्र, ने अकादमिक में द्वितीय पुरस्कार जीता, 58वां वार्षिक पुरस्कार वितरण, स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय, 4 मार्च, 2025.

बी.एससी. (ऑनर्स) माइक्रोबायोलॉजी (द्वितीय वर्ष) के छात्र लक्ष्य प्रशांत ने पोस्टर मेकिंग (तपेदिक संगोष्ठी) में द्वितीय पुरस्कार जीता, स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय, 3 अक्तूबर, 2024.

बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल (तृतीय वर्ष) के छात्र माधव ने अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त किया और प्रथम स्थान प्राप्त किया, 58वां वार्षिक पुरस्कार वितरण, स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय, 5 मार्च, 2025.

बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी (तृतीय वर्ष) के छात्र महिम सिंह को 8 अप्रैल, 2024 को स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय द्वारा आयोजित 57वें वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा मनस्वी गौड़ ने निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता, स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय, 14 फरवरी, 2025.

बी.कॉम (ऑनर्स) (प्रथम वर्ष) के छात्र मंथन दत्ता ने 8 अप्रैल, 2025 को स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय द्वारा आयोजित 58वें वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास (तृतीय वर्ष) की छात्रा मान्या श्रोत्रिय को 5 मार्च, 2025 को स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय द्वारा आयोजित 58वें वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास (तृतीय वर्ष) की छात्रा मान्या श्रोत्रिय को 8 अप्रैल, 2024 को स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय द्वारा आयोजित 57वें वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार में द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

बी.ए. ऑनर्स अंग्रेजी (द्वितीय वर्ष) की छात्रा मारिया को 5 मार्च, 2025 को स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय द्वारा आयोजित 58वें वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

बी.ए. ऑनर्स इंग्लिश (तृतीय वर्ष) की छात्रा मारिया को 5 मार्च, 2025 को एक्लेसिया सोसाइटी, स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय द्वारा आयोजित स्पार्धा कविता लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

बी.ए. ऑनर्स अंग्रेजी (तृतीय वर्ष) की छात्रा मारिया को एक्लेसिया सोसाइटी, स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय द्वारा 7 मार्च, 2025 को आयोजित पेटल प्रोफाइल कैरेक्टर सिल्हूट्स लेखन प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

बी.ए. (कार्यक्रम) अर्थशास्त्र + इतिहास (द्वितीय वर्ष) के छात्र मयंक यादव को 5 मार्च, 2025 को स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय द्वारा आयोजित 58वें वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

बी.कॉम (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) के छात्र मितुल रोहतगी ने 5 मार्च, 2025 को स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय द्वारा आयोजित द्वितीय वर्ष के लिए शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार में द्वितीय पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) माइक्रोबायोलॉजी (द्वितीय वर्ष) के छात्र मोहम्मद कैफ अख्तर ने 6 मार्च, 2025 को स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय में एनवायरो क्विज में प्रथम पुरस्कार जीता ; और 3 अक्तूबर, 2024 को स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय में संगोष्ठी में तृतीय पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति-विज्ञान (तृतीय वर्ष) की छात्रा नैन्सी राठौर ने इंटर महाविद्यालय एनवायरो क्विज में तीसरा पुरस्कार जीता, स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय, 6 मार्च, 2025 ; और अकादमिक में दूसरा रैंक दिया गया, 58वां वार्षिक पुरस्कार वितरण, स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय, 4 मार्च, 2025.

बी.एससी. (कार्यक्रम) एप्लाइड लाइफ साइंस (द्वितीय वर्ष) की छात्रा नेहा कुमारी ने स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय द्वारा आयोजित प्रथम वर्ष में अकादमिक में द्वितीय पुरस्कार जीता, 5 मार्च, 2025.

बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) की छात्रा रिंकू चोपड़ा ने 27 मार्च, 2025 को आरएसडीयू (सीपीडीएचई सेंटर) द्वारा आयोजित 'राजरस'25' नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) की छात्रा रिंकू चोपड़ा ने एनएसएस'25, स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय द्वारा 6 मार्च, 2025 को आयोजित एकल लोक और शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) के छात्र रुद्र शर्मा ने 9 अप्रैल, 2025 को शहीद भगत सिंह महाविद्यालय (सांध्य) द्वारा आयोजित सिनेनॉयर फिल्म निर्माण प्रतियोगिता में विशेष उल्लेख जीता।

बी.ए. (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) के छात्र साहिल गौतम ने केपीएमयूएन विंटर एडिशन 2024 द्वारा आयोजित एआईपीपीएम में सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि का पुरस्कार जीता।

बी.ए. (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) के छात्र साहिल गौतम ने आईआईटी दिल्ली द्वारा 8-9 फरवरी, 2025 को आयोजित चौपाल x काइज़न एनएसएस आईआईटी दिल्ली एमयूएन 2025 में सर्वश्रेष्ठ सांसद का पुरस्कार जीता।

बी.ए. (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) के छात्र साहिल गौतम ने 11-12 जनवरी, 2025 को एलीसियम मॉडल यूनाइटेड नेशंस 1.0 द्वारा आयोजित एआईपीपीएम में सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि का पुरस्कार जीता।

बी.ए. (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) के छात्र साहिल गौतम ने इग्नाइट मॉडल यूनाइटेड नेशंस द्वारा 28-29 सितंबर, 2024 को आयोजित एआईपीपीएम में सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि पुरस्कार जीता।

बी.ए. (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) के छात्र साहिल गौतम ने 26-27 अक्तूबर, 2024 को ईथरियल मॉडल यूनाइटेड नेशंस 2024 द्वारा आयोजित एआईपीपीएम में उच्च प्रशंसा प्राप्त की।

बी.ए. (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) के छात्र साहिल गौतम ने 12-13 अक्तूबर, 2024 को एएसएआर डिबेट एंड डिस्कशन फोरम द्वारा आयोजित राष्ट्रीय युवा संसद और एमयूएन में एआईपीपीएम (राज्यसभा) में उच्च प्रशंसा प्राप्त की।

बी.ए. (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) के छात्र साहिल गौतम ने 1 दिसंबर, 2024 को डेलकोर संस्करण 1.0 मॉडल संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोजित एआईपीपीएम में माननीय उल्लेख जीता।

बी.ए. (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) के छात्र साहिल गौतम ने समन्वय एमयूएन, आईआईआईटी दिल्ली द्वारा आयोजित एआईपीपीएम में वर्बल मेंशन जीता।

अक्षरमंच, अंतर महाविद्यालय हिंदी कहानी लेखन प्रतियोगिता, स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय, 7 मार्च, 2025 में तृतीय पुरस्कार जीता।

बी.कॉम (कार्यक्रम) (प्रथम वर्ष) की छात्रा सानिका एस ने 29 जनवरी, 2025 को राष्ट्रीय खेलों, उत्तराखंड में कलारीपयट्टू में कांस्य पदक जीता।

बी.कॉम (ऑनर्स) (तृतीय वर्ष) के छात्र सत्यम ने स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय द्वारा 5 मार्च, 2025 को आयोजित द्वितीय वर्ष में अकादमिक में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.ए. (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) के छात्र शत्रुघ्न सिंह ने ऑन-द-स्पॉट फोटोग्राफी में प्रथम पुरस्कार जीता, बीआर अंबेडकर महाविद्यालय, 31 जनवरी, 2025 ; ऑन-द-स्पॉट फोटोग्राफी में द्वितीय पुरस्कार जीता, डीटीयू, 23 मार्च, 2025 ; लघु फिल्म निर्माण में विशेष उल्लेख प्राप्त किया, शहीद भगत सिंह महाविद्यालय, 9 अप्रैल, 2024 ; और इतिहास ज्ञान प्रतियोगिता में सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया, स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय, 2024.

बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास (प्रथम वर्ष) के छात्र शुभम कौशल ने 5 मार्च, 2025 को स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय द्वारा आयोजित 58वें वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में अकादमिक क्षेत्र में प्रथम पुरस्कार जीता।

एबीवीपी एसएसएनसी इकाई द्वारा आयोजित युवा संसद में बी.ए. (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) के छात्र सिद्धांत पांडे ने सर्वश्रेष्ठ वक्ता का पुरस्कार जीता।

बी.ए. (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) के छात्र सिद्धांत पांडे ने 11-12 जनवरी, 2025 को एलीसियम मॉडल यूनाइटेड नेशंस द्वारा आयोजित एआईपीपीएम में उच्च प्रशंसा प्राप्त की।

बी.ए. (प्रो.) (द्वितीय वर्ष) के छात्र सिद्धांत पांडे ने अर्थशास्त्र एआईपीपीएम में उच्च प्रशस्ति जीती।

बी.ए. (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) के छात्र सिद्धांत पांडे ने 15 नवंबर, 2024 को लिबर्टास एमयूएन, प्रावाद (एसएसएनसी) द्वारा आयोजित एआईपीपीएम में माननीय उल्लेख जीता।

बी.ए. (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) के छात्र सिद्धांत पांडे ने 28-29 दिसंबर, 2024 को आर्य एमयूएन द्वारा आयोजित अखिल भारतीय राजनीतिक पार्टी मीट में विशेष उल्लेख जीता।

बी.ए. (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) के छात्र सिद्धांत पांडे ने 12-13 अक्तूबर, 2024 को एएसएआर डिबेट और चर्चा मंच द्वारा आयोजित राष्ट्रीय युवा संसद और एमयूएन में राज्यसभा में विशेष उल्लेख जीता।

बी.ए. (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) के छात्र सिद्धांत पांडे ने समन्वय एमयूएन, आईआईआईटी दिल्ली द्वारा आयोजित एआईपीपीएम में वर्बल मेंशन जीता।

बी.एससी. (कार्यक्रम) एप्लाइड लाइफ साइंस (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सोफिया ने भारतीय शिक्षण मंडल के तहत 15-17 नवंबर, 2024 को एसजीटी विश्वविद्यालय, हरियाणा में आयोजित सम्मेलन में शोध-पत्र चयन में पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) माइक्रोबायोलॉजी (द्वितीय वर्ष) के छात्र सौम्यो डे ने 30 अप्रैल, 2024 को स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय में आयोजित अंतर महाविद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता में विशेष उल्लेख प्राप्त किया; 24 अक्तूबर, 2024 को एसआरसीएएसडब्ल्यू में आयोजित अंतर महाविद्यालय वैज्ञानिक पोस्टर प्रस्तुति में द्वितीय पुरस्कार जीता ; और 25 फरवरी, 2025 को एसआरसीएएसडब्ल्यू में आयोजित अंतर महाविद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार जीता।

बी.ए. (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) के छात्र सुमित कुमार साह ने हिंदी विभाग, स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय द्वारा 14 फरवरी, 2025 को आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता में सांत्वना पुरस्कार जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान (द्वितीय वर्ष) की छात्रा सुरभि सैनी ने मोनोमिस्टीक कला प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता, स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय, 5 मार्च, 2025.

बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) के छात्र स्वप्निल पाठक ने स्पार्क एमयूएन समिति द्वारा 22-23 नवंबर, 2024 को आयोजित स्पार्क एमयूएन में उप-अध्यक्ष के रूप में प्रमुख भूमिका निभाई।

बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) के छात्र स्वप्निल पाठक ने श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 3-4 मई, 2024 को आयोजित एआईआईपीएम युवा मंथन एमयूएन एसवीसी चैप्टर 2024 में उच्च प्रशंसा प्राप्त की।

बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) के छात्र स्वप्निल पाठक ने संसद-राष्ट्रीय युवा संसद, 24-25 फरवरी, 2024 में माननीय उल्लेख जीता।

बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) के छात्र स्वप्निल पाठक ने 13 अप्रैल, 2024 को शहीद भगत सिंह महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एआईआईपीएम में उच्च प्रशंसा प्राप्त की।

बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) के छात्र स्वप्निल पाठक को 4-5 नवंबर, 2023 को इंदिरापुरम पब्लिक स्कूल प्रताप विहार, गाजियाबाद द्वारा आयोजित आईपीएसपीवीएमयूएन'25 में सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि का पुरस्कार दिया गया।

बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) के छात्र स्वप्निल पाठक ने डॉन बॉस्को स्कूल, दिल्ली द्वारा 30 नवंबर-1 दिसंबर, 2024 को आयोजित डॉन बॉस्को मॉडल यूनाइटेड नेशंस में सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि का पुरस्कार जीता।

बी.ए. (प्रो.) (तृतीय वर्ष) के छात्र स्वप्निल पाठक ने लोक संवाद '25 में लोकसभा समिति में उच्च प्रशस्ति प्राप्त की।

बी.ए. (कार्यक्रम) (तृतीय वर्ष) के छात्र स्वप्निल पाठक ने श्रद्धा तरंग 2024 के दौरान स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय में प्रवाद डिबेटिंग सोसाइटी द्वारा आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बी.एससी. (कार्यक्रम) एप्लाइड लाइफ साइंस (III) की छात्रा तनु पटेल ने स्क्रिप्ट लेखन प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार जीता, स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय, 5 अप्रैल, 2025.

बी.कॉम (तृतीय वर्ष) के छात्र वैभव राय ने मानसिक स्वास्थ्य पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त किया, स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय, 27 जनवरी, 2025.

बी.कॉम. (कार्यक्रम) (द्वितीय वर्ष) के छात्र विकास यादव ने 11 अप्रैल, 2025 को नई दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, दिल्ली में ऑन-द-स्पॉट फोटोग्राफी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल (द्वितीय वर्ष) की छात्रा जैनब ने एबीवीपी एसएसएनसी इकाई द्वारा आयोजित एआईपीपीएम में उच्च प्रशंसा प्राप्त की।

प्रकाशन

आँचल सेठी, रावत, पी., सेठी, ए., किम, जे.एच., और राइ, जे.एस. (2024). Ba8.0Cu1.0Ni2.5Ga10Si33.5 क्लैथ्रेट का एकल क्रिस्टल संश्लेषण और भौतिक गुण। हेलियॉन, 10(5), e27134।https://doi.org/10.1016/j.heliyon.2024.e27134

अभिषेक चंद्र राव, वीएस, यादव, एन., बाघर, एस., चंद्रा, ए., और राव, केएस (2024). पर्यावरणीय स्थिरता के लिए जलवायु स्मार्ट ढांचा। https://doi.org/10.70497/B978-81-975795-5-4-01

चंद्रा, ए., गुप्ता, वाई., दिनाकरन, जे., रैना, एन., हनीफ, एम., मीना, ए., और राव, के.एस. (2024). हिमालय में जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता: रुझान और अवधारणा। टी. पुलैया (सं.), हिमालय के जैव विविधता हॉटस्पॉट (पृष्ठ xx-xx) में। टेलर एंड फ्रांसिस समूह के अंतर्गत एप्पल एकेडमिक प्रेस (सीआरसी प्रेस)https://www.appleacademicpress.com/biodiversity-hotspot-of-the-himalaya-/9781774914588

चंद्रा, ए., चतुर्वेदी, एस., राजशेखरन, सी., और राव, के.एस. (2024). जलवायु लचीलापन: पर्यावरण प्रबंधन में चुनौतियाँ और अवसर (प्रथम संस्करण)। पर्यावरण एवं विकास सोसाइटी (एसईडी इंडिया)। http://sedindia.in/books/CR2024/

सैनी, ए. (2024). बैंक स्वामित्व गतिशीलता: बैंक-विशिष्ट चरों के माध्यम से ऋण वृद्धि पर प्रभाव का विश्लेषण. प्रज्ञान, खंड 8III, अंक 2 https://www.nibmindia.org/static/ documents/Summary_ Vol_LIII_No_2.pdf

ए. कुमार, शिवानी शर्मा, एस., और कुमार, ए. (2024). आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और इसके समकालीन क्षेत्रों के बीच तालमेल की खोज। कैहियर्स मैगेलैनेस-एनएस, 6(2), 3089-3099 DOI 10.6084/m9.figshare. 2632574 http://magellanes.com

कुमार, आर., शर्मा, एस., कुमारी, आर., और कुमार, ए. (2023)। हिमाचल प्रदेश में नगर निगमों के वित्तीय प्रदर्शन का मूल्यांकन: शिमला नगर निगम के विशेष संदर्भ में। जर्नल फॉर रीअटैच थेरेपी एंड डेवलपमेंटल डायवर्सिटीज़, 2(6), 462-468 DOI: 10.53555/jrtdd.v6i2s.2959

कुमारी, आर., शर्मा, एस., और कुमार, ए. (2024). भारत में मानव संसाधन लेखांकन प्रकटीकरण प्रथाएँ: हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) का एक केस स्टडी. शैक्षिक प्रशासन: सिद्धांत और व्यवहार, 30(5), 11416-11423.https://doi.org/10.53555/kuey.v30i5.4950

कुमार, आर., शर्मा, एस., कुमारी, आर., और कुमार, ए. (2024). शिमला नगर निगम द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न सुविधाओं के प्रति उत्तरदाताओं की धारणा के प्रति जागरूकता, सहभागिता और संतुष्टि के अंतर्संबंध को समझना: संरचनात्मक समीकरण मॉडलैंगिक से अंतर्दृष्टि। पुस्तकालय प्रोग्रेस इंटरनेशनल, 44(3), 21122-21129। DOI: https://doi.org/10.48165/bapas.2024.44.2.1

प्रसाद, वी., यादव, सी., विधानी, बी., अरोड़ा, एम., त्यागी, ए., और दहिया, बी. (2024). लेज़र-परमाणु अंतःक्रिया के कारण परिहार्य क्रॉसिंग पर क्वांटम एंट्रोपिक विनिमय। फिजिका ए: सांख्यिकीय यांत्रिकी और इसके अनुप्रयोग, 643, 129826। https://doi.org/10.1016/j.physa.2024.129826

नौटियाल, वी.वी., साल्वाडोर, ई.ई.पी., ब्राना, एक्स.आर.ओ., शास्त्री, आर., सिंह, वी., त्यागी, ए., विधानी, बी., और प्रसाद, वी. (2025)। अनुशासन-संस्कृति ढाँचे और संज्ञानात्मक शिक्षुता के माध्यम से

हाई स्कूल के छात्रों की क्वांटम यांत्रिकी के प्रति समझ और दृष्टिकोण को बढ़ाना। यूरोपियन फिजिकल जर्नल क्वांटम टेक्नोलॉजी। (स्वीकृत) https://doi.org/10.21203/rs.3.rs-5323874/v1

कुमार, ए., गुप्ता, एच., कुमार, ए., कुमार, ए., शर्मा, एस.के., लाल, बी., और इरम, एन. (2024). Sb डोप्ड GaAs के ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक गुण: DFT जाँच.https://doi.org/10.1007/s12648-024-03273-6

कुमार, आर., सिंह, बी., गहल्यान, पी., वर्मा, ए., भंडारी, एम., कक्कड़, आर., और पानी, बी. (2024). Cu^{2+} आयनों के चयनात्मक पता लगाने के लिए एक अभिनव शिफ़-आधारित वर्णमिति रसायन संवेदक और इसके अनुप्रयोग। आरएससी एडवांस, 14, 23083-23094। https://doi.org/10.1039/D4RA03097D

लांबा, आर., युक्ता, वाई., मंडल, जे., कुमार, आर., पानी, बी., और सिंह, बी. (2024). कार्बन डॉट्स: संश्लेषण, लक्षण वर्णन, और बायोमेडिकल, ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स, सेंसिंग और कैटेलिसिस अनुप्रयोगों में हालिया प्रगति। एसीएस एप्लाइड बायो मैटेरियल्स, 7(4), 2086-2127। https://doi.org/10.1021/acsabm.4c00004

मंडल, जे., लांबा, आर., युक्ता, वाई., यादव, आर., कुमार, आर., पानी, बी., और सिंह, बी. (2024). सेमीकंडक्टर क्वांटम डॉट्स में प्रगति: ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स, विश्लेषणात्मक संवेदन, बायोमेडिसिन और कैटेलिसिस में सीमाओं का विस्तार। जर्नल ऑफ मैटेरियल्स केमिस्ट्री सी, 12(28), 10330-10389। https://doi.org/10.1039/D4TC01396D

सिंह, एम., शर्मा, जे.जी., और गिरि, बी. (2024). फसल पौधों में अजैविक तनाव को कम करने में मृदा सूक्ष्मजीवों की बहुमुखी भूमिकाओं की अंतर्दृष्टि: एक समीक्षा। पर्यावरण और प्रायोगिक वनस्पति-विज्ञान, 228, 106010।

हे, टी., लिन, डब्ल्यू., यांग, एस., डू, जे., गिरी, बी., फेंग, सी., गिलियम, एफएस, झांग, एफ., झांग, एक्स., और झांग, एक्स. (2024). आर्बस्कुलर माइकोराइजल कवक जड़ गुणों और मृदा विनाइट्रीकरण समुदाय संरचना में परिवर्तन करके मृदा N_2O उत्सर्जन को कम करते हैं। संपूर्ण पर्यावरण विज्ञान, 933, 173065। अर्बुस्कुलर माइकोराइजल कवक जड़ गुणों और मृदा विनाइट्रीकरण समुदाय संरचना में परिवर्तन करके मृदा N 2 O उत्सर्जन को कम करते हैं

प्रिया, सिंह, बी., शर्मा, जे.जी., और गिरि, बी. (2024). फ़ीड योज्य के रूप में क्षमता के लिए ठोस अवस्था किण्वन में पेनिसिलियम ऑक्सालिकम द्वारा फाइटेज़ उत्पादन का अनुकूलन। प्रिपेरेटिव बायोकैमिस्ट्री एंड बायोटेक्नोलॉजी, 54, 819-829।http://dx.doi.org/10.1080/10826068.2023.2297688

सिंह, एम., शर्मा, जे.जी., और गिरि, बी. (2024). गेहूँ में लवणता-प्रतिरोध सहनशीलता बढ़ाने में माइकोराइज़ल संघ की सहक्रियात्मक क्षमता का पता लगाना, शारीरिक, उपापचयी, पोषक और अतिसंरचनात्मक विशेषताओं को उन्नत करके। जर्नल ऑफ सॉइल साइंस एंड प्लांट न्यूट्रिशन, 24, 3714-3734। https://doi.org/10.1007/s42729-024-01793-y

शुक्ला, एस., यादव, एस., और कुमार, बी. ग्राफीन नैनोकणों के साथ एंटीबायोटिक दवाओं का मजबूत निरोधात्मक प्रभाव।https://doi.org/10.33472/AFJBS.6.9.2024.300-311

त्रिवेदी, बी., दहिया, बी., मान, ए., गिरि, आर., और प्रसाद, वी. (2024). डेटाबेस खोज व्यवहार: सूचना पुनर्प्राप्ति प्रथाओं के एक सर्वेक्षण से अंतर्दृष्टि। इंटेलिजेंट इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट, 16(5), 195-218। https://doi.org/10.4236/iim.2024.165012

प्रसाद, वी., यादव, सी., विधानी, बी., अरोड़ा, एम., त्यागी, ए., और दहिया, बी. (2024). लेज़र-परमाणु अंतःक्रिया के कारण परिहार्य क्रॉसिंग पर क्वांटम एंट्रोपिक विनिमय। फिजिका ए: सांख्यिकीय यांत्रिकी और इसके अनुप्रयोग, 643, 129826। https://doi.org/10.1016/j.physa.2024.129826

चंचल, और निशा (2025)। अध्याय संपादित: ग्रीन मार्केटिंग पर सोशल मीडिया का प्रभाव। विकसित भारत @2047 में वाणिज्य, प्रबंधन और प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी भूमिका (पृष्ठ 139-148)। आईएसबी.ए.न: 978-81-981913-3-5। https://doi.org/10.62823/MGM/2025/9788198191335

मिश्रा, जी., श्रीवास्तव, के., रईस, जे., दीक्षित, एम., सिंह, वी.के., और मिश्रा, एल.सी. (2024). CRISPR-Cas9: कैंसर के उपचार के लिए एक शक्तिशाली जीन-संपादन उपकरण। करेंट मॉलिक्यूलर मेडिसिन, 24(2), 191-204। https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/36788695/

मिश्रा, एल.सी., मेहरा, वी., सिंह, टी., और मिश्रा, जी. (2024). ऑन्कोलॉजी में अनुप्रयोग के लिए रेडियोलेबल मेथियोनीन एनालॉग्स। अफ्रीकन जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज, 6(10), 2124-4135। https://www.afjbs.com/uploads/paper/05096b488e97ae34169d741a90f7da2b.pdf

पार्षद, बी., कृष्णा, एम., कुमारी, के., कौशिक, के., पान, वाई., अचाज़ी, के., और शर्मा, एस.के. (2025)। बहु-उभयचर बहुलक संरचनाओं के स्व-संयोजन और द्वि-उत्तेजना-अनुक्रियात्मक व्यवहार पर अध्ययन। बहुलक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी।

https://doi.org/10.1021/polymscitech.5c00004

चनाना, के.सी. (2024). आर. राज राव की पुस्तक "द गैंग रेप" में नेक्रोफिलिया के माध्यम से समलैंगिकता का विखंडन। साहित्य और सौंदर्यशास्त्र, 34(2), 57-67. [ISSN: 2200-0437]। https://openjournals.library.sydney.edu.au/LA/article/view/20283

चनाना, के.सी. (2024). 'अकथनीय' बोलना: हिजड़ा भाषा की क्रांतिकारी क्षमता। लिटरेरी वॉइस, 1(23), 307-315. [ISSN: 2277-4521]। https://literaryvoice.in/wp-content/uploads/2025/03/LV-Sep-2024-1.pdf

चनाना, के.सी. (2024). मुख्यधारा के ट्रांसजेंडर हिंदी सिनेमा में ट्रांसफ़ोबिया और ट्रांसलिबरेशन का ओवरलैपिंग: चंडीगढ़ करे आशिक़ी. भारतीय साहित्य, 341, 163-175. [ISSN: 19580-4]. https://philportal.de/records/edsjsr/27309360

अरोड़ा, एस., सिंह, एच.पी., सहोता, एल., अरोड़ा, एम.के., राय, आई., चौहान, एस., और कुमारी, आर. (2024). CO_2 न्यूनीकरण, ऊर्जा मैट्रिक्स, और CQD नैनोकणों का उपयोग करके जल/विद्युत सह-उत्पादन हेतु N-निकासी ट्यूब संग्राहक (ETC)-एकीकृत संशोधित सौर डिस्टिलर का प्रदर्शन विश्लेषण। जर्नल ऑफ एनर्जी एंड एनवायरनमेंट। https://doi.org/10.1177/0958305X241280954

दास, एस., अग्रवाल, पी., सहोता, एल., मीना, वाई.के., सिंह, एम., और गिल, बी.एस. (2024). कार्बन क्वांटम डॉट नैनोकणों का उपयोग करके विभिन्न एकीकरणों को जोड़ने वाली संशोधित सौर आसवन प्रणालियों का आर्थिक और प्रदर्शन विश्लेषण: सामान्यीकृत तापीय मॉडल। जर्नल ऑफ सोलर एनर्जी इंजीनियरिंग, 146, 041008-1। https://doi.org/10.1115/1.4064774।

सिंह, एम., शर्मा, जे.जी., और गिरि, बी. (2024). गेहूँ में लवणता-प्रतिरोध सहनशीलता बढ़ाने में माइकोराइज़ल संघ की सहक्रियात्मक क्षमता का पता लगाना, शारीरिक, उपापचयी, पोषक और अतिसंरचनात्मक विशेषताओं को उन्नत करके। जर्नल ऑफ सॉइल साइंस एंड प्लांट न्यूट्रिशन, 24, 3714-3733। https://doi.org/10.1007/s42729-024-01793-y

कुमार, वी., शर्मा, आर.के., सिंह, एस.के., अरोड़ा, के., जोशी, एम.सी., रावत, पी., और सिंह, एम. (2024). एकोनिटम बाल्फोरी की आकृति विज्ञान, रासायनिक संरचना और जैविक गतिविधियाँ: महत्वपूर्ण हिमालयी और अत्यधिक शोषित औषधीय पौधों की एक व्यापक समीक्षा। वेजिटोस, 37(5), 1690-1704। https://doi.org/10.1007/s42535-024-00995-0

सिंह, एम., सिंह, एम., और सिंह, एस.के. (2024). भारत में नगरपालिका ठोस अपशिष्ट संकट से निपटना: अत्याधुनिक तकनीकों और जोखिम मूल्यांकन की अंतर्दृष्टि। संपूर्ण पर्यावरण विज्ञान, 917, 170453। https://doi.org/10.1016/j.scitotenv.2024.170453

कुमार, एस., अरोड़ा, ए., सिंह, एम., सिंह, बी.के., मुखर्जी, सी., और सिंह, एस.के. (2024). डाइहाइड्रोपाइरीमिडिनोन-संलग्न β-अमीनो अल्कोहल का कीमो-एंजाइमेटिक, रीजियोसेलेक्टिव संश्लेषण और उनकी सूजनरोधी और एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि का मूल्यांकन। सिंथेटिक कम्युनिकेशंस, 54(18), 1564-1578। https://doi.org/10.1080/00397911.2024.2396500

सिंह, एम., सिंह, एस.के., शर्मा, जे.जी., और गिरि, बी. (2024). फसल पौधों में अजैविक तनाव को कम करने में मृदा सूक्ष्मजीवों की बहुमुखी भूमिकाओं की अंतर्दृष्टि: एक समीक्षा। पर्यावरण और प्रायोगिक वनस्पति-विज्ञान, 28, 106010।https://doi.org/10.1016/j.envexpbot.2024.106010

कुमार, एम., और पटनायक, ए. (2024). टिकाऊ कृषि के लिए भारत का स्मार्ट ऊर्जा समाधान: सौर सिंचाई प्रणालियाँ। भारत में उभरते भू-स्थायित्व परिवर्तनों में (पृष्ठ 341-352)। सिंगापुर: स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर। http://dx.doi.org/10.1007/978-981-97-7993-2_19

कुमार, एम., और सिंह, एस.के. (2024). मिनी प्लाज्मा अपशिष्ट संयंत्र: कोविड-19 जैव-चिकित्सा अपशिष्ट का समाधान। अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण एवं अपशिष्ट प्रबंधन जर्नल, 33(1), 74-85। 10.1504/IJEWM.2024.135876

सिंह, एस., शर्मा, एन.डी., वर्मा, एम.के., सिंह, आर., और सिंह, डी. (2024). कार्बनिक संदूषकों को प्रभावी ढंग से हटाने के लिए अत्यधिक पुनर्चक्रणीय और बहुमुखी La0.5Nd0.2Ca0.3MnO3 और La0.5Nd0.2Ca0.25K0.05MnO3 पेरोव्स्काइट उत्प्रेरक। केमिस्ट्रीसेलेक्ट, 9(28), e202400092। https://doi.org/10.1002/slct.202400092

सिंह, एस., वर्मा, एम.के., और सिंह, डी. (2024). पेरोव्स्काइट मैंगनाइट La0.8Ca0.15Na0.05Mn0.8 Fe0.2O3 का संश्लेषण और चुंबकीय गुण. https://doi.org/10.56042/ijc.v63i5.8279

अलओबैद, एए, शेख, जेडए, वर्मा, एमके, मीर, क्यूए, बीआई, डब्ल्यू., और भट, एए (2025)। उन्नत फोटोकैटेलिटिक अनुप्रयोगों के लिए NiO@W2C मिश्रित हाइब्रिड नैनोस्ट्रक्चर में क्वांटम कन्फाइनमेंट और फोटोल्यूमिनेसेंस की खोज। ऑप्टिकल मैटेरियल्स, 162, 116848।http://dx.doi.org/10.1016 /j.optmat.2025.116848

बदावी, एन., अग्रवाल, एन., लुकमान, एम., रमेश, एस., रमेश, के., खान, एम., और आदिल, एस.एफ. (2025)। बैटरियों में विकास और चुनौतियाँ, और भविष्य के ईंधन के रूप में हाइड्रोजन, तथा भंडारण और वाहक उपकरण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हाइड्रोजन एनर्जी, 105, 1242-1260।https://doi.org/10.1016 /j.ijhydene.2024.10.367

बदावी, एन., बट्टू, के.एम., और अग्रवाल, एन. (2025). सुपरकैपेसिटर-आधारित कार्बन पदार्थों और सुचालक पॉलिमर के लिए कपास और सेल्यूलोज़, अकार्बनिक रसायन संचार, 171, 113482. https://doi.org/10.1016/j.inoche.2024.113482

बदावी, एन., भुयान, एम., अग्रवाल, एन., और कुमार, वाई. (2024). बायोमेडिसिन, सुपरकैपेसिटर और सेंसर में एमएक्सीन का संश्लेषण, तकनीकी संभावनाएँ और अनुप्रयोग: एक समीक्षा। नैनोमटेरियल का लक्षण वर्णन और अनुप्रयोग, 7(2), 6348। https://doi.org/10.24294/can.v7i2.6348

बदावी, एमएन, अग्रवाल, एन., कुमार, वाई., खान, एम., हतशान, एमआर, अलय्याफद, एए, और आदिल, एसएफ (2024). सेल्यूलोज नैनोकंपोजिट कठोर हाइड्रोजेल: सहक्रियात्मक स्व-उपचार, आसंजक और तनाव-संवेदनशील गुण। पॉलिमर इंटरनेशनल। https://doi.org/10.1002/pi.6644

तनेजा, एन., बोचेट्टा, पी., कुमार, ए., गुप्ता, पी., गुप्ता, एम., सिंह, पी., बेनीवाल, बी., अग्रवाल, एन., और कुमार, वाई. (2024). कैलोट्रोपिस गिगेंटिया पौधे के लेटेक्स पर आधारित उच्च चालक ठोस बायो-पॉलीमर इलेक्ट्रोलाइट्स पर प्रायोगिक जाँच। मैक्रोमोलेक्यूलर सिम्पोजिया, 413, 2300016। https://doi.org/10.1002/masy.202300016

वशिष्ठ, वी.के., बाला, आर., मित्तल, ए., पुल्लभोटला, आर.वी.एस.आर., यादव, एस., और वर्मा, एन. (2024). स्पाइक्ड मानव प्लाज्मा में आइसोप्रोटेरेनॉल का स्टीरियोसेलेक्टिव विश्लेषण और एनेंटियोसेपरेशन। केम. पैप., 2024, 78, 613-622। https://link.springer.com/article/10.1007/s11696-023-03185-5

शर्मा, एस., कुमार, टी., दास, डी.के., मित्तल, ए., वर्मा, एन., और विनोद। (2025)। मृदा में भारी धातुओं का पादप-उपचार-अवधारणाएँ, प्रगति और भविष्य की दिशाएँ। जर्नल ऑफ सॉइल साइंस एंड प्लांट न्यूट्रिशन, 25, 1253-1280। https://link.springer.com/article/10.1007/s42729-024-02199-6

दिनाकरन, जे., चंद्रा, ए., चमोली, के.पी., और राव, के.एस. (2024). भारत के हिमालय क्षेत्र की वर्षा आधारित कृषि प्रणाली में मृदा कार्बन संतृप्ति की कमी पर जैविक खाद संशोधनों का मूल्यांकन। मृदा विज्ञान और पादप विश्लेषण में संचार, 55, 3204-3220। https://doi.org/10.1080/00103624.2024.2385597

वर्मा, एन., कुमार, टी., वशिष्ठ, वी.के., दास, डी.के., और जंग-मुक्त निर्माण सामग्री के लिए फ्लेवोनोइड्स के संक्षारण-रोधी गुण: एक समीक्षा। संक्षारण समीक्षा, 2024, संक्षारण समीक्षा CORROSRE.2024.0024.R1। स्वीकृत।https://www.degruyterbrill.com/document/doi/10.1515/corrrev-2024-0024/html?lang=en

अंबिका, और सिंह, पीपी (2025)। डैबको-आधारित आयनिक द्रव: एन-प्रतिस्थापित 2-नाइट्रोफेनिलएमाइन के संश्लेषण के लिए एक अपरंपरागत उत्प्रेरक। लेटर्स इन ऑर्गेनिक केमिस्ट्री (प्रकाशन में)। [ISSN (ऑनलाइन): 1875-6255]। https://www.benthamscience.com/article/145745

राणा, प्रतिभा. (2024). ' आचरण की संस्कृति ' निबंध की उत्पाद. भारत मन्थन बहु-विषयक पीर रिव्यूड अनुसंधान जर्नल, 4(1), 40-44। आईएसएसएन: 2583-634एक्स। https://mail.google.com/mail/u/0?ui= 2&ik=f967aaac4a&attid=0.1&permmsgid=msg-f:1800296501012761902&th=18fbf021193e8d2e&view=att&disp=inline&realattid=f_lwqbu1sm0&zw

राणा, प्रतिभा. (2024). ' उत्तर कबीर नंगा फ़कीर ' उपन्यास के विचार में कबीर और गांधी. अक्षरा यू बिटकॉइन देखभाल पत्रिका, 69-73.https://drive.google.com/file/d/1083EsJK43teOYH_BUZR75pR2hEac78b9/view?usp=gmail

राणा, प्रतिभा. (2024). नाटक और रंगमंच में ट्रांट्रैक्टला का महत्व. अपने माटी यू बिटकॉइन देखभाल पत्रिका, 54, 268-275.https://mail.google.com/mail/u/0?ui=2&ik= f967aaac4a&attid=0.1&permmsgid=msg-f:1812492657082301679&th=19274477f764fcef&view=att&disp=inline&realattid=1927444f9f750208c261&zw

राणा, प्रतिभा. (2024). दिल्ली की हिंदी रंग-रंग. उदगीत पीर रिव्यूड अनुसंधान जर्नल, 2, 45-50.https://drive.google.com/file/d/1np2v2RLN3V34fmfSm3pZd1XAdTcFR9so/view?usp=drive_link

राणा, प्रतिभा. (2025)। दुर्गा भाभी : वीरांगना, देशभक्त, क्रांतिकारी। साहित्य अमृत यू बिटकॉइन देखभाल पत्रिका, 34-37. https://drive.google.com/file/d/1njxv5f-vHnBGtTJ5pKRHaApnJgDnFTg_/view?usp=drive_link

राणा, प्रतिभा. (2025)। राष्ट्र, राष्ट्रीयता और ' श्री गुरुजी ' गोलवलकर जी. भारत मन्थन बहु-विषयक पीर रिव्यूड अनुसंधान जर्नल, 45-53. आईएसएसएन: 2583-634एक्स।

https://mail.google.com/mail/u/0?ui=2&ik=f967aaac4a&attid=0.1&permmsgid=msg-f:1827909299662297303&th=195e09d2c80118d7&view=att&disp=inline&realattid=f_m8tu77c60&zw

कुमार, पी., कुमार, एम., शर्मा, एस., कुमार, के., सच्चर, पी., और मिश्रा, ए.के. (2024). भौगोलिक सूचना प्रणाली के आधार पर वेनियार नदी बेसिन की कृषि स्थिरता के लिए उपयुक्त भूमि का निर्धारण। पर्यावरणीय और सामाजिक स्थिरता के लिए सतत स्थानीय विकास में (पृष्ठ 171-183)। चैम: स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग। https://doi.org/10.1007/978-3-031-67303-0_11

सिंह, ए.के., श्रीवास्तव, आर.के., और हरजाई, पी. (2024). मीडिया की धारणा और आईपीओ प्रदर्शन को आकार देने में इसकी भूमिका। एफआईआईबी बिज़नेस रिव्यू, 23, 97145241279670https://doi.org/10.1177/23197145241279670\

सुमन, एस., कुमार, आर., और श्रीवास्तव, ए. (2024). अत्यंत कम ऊर्जा वाले चिप अनुप्रयोगों के लिए उल्टे टी-आकार के सुरंग क्षेत्र-प्रभाव ट्रांजिस्टर। 2024 IEEE 24वें अंतर्राष्ट्रीय नैनोटेक्नोलॉजी सम्मेलन (NANO), गिजोन, स्पेन, 2024, पृष्ठ 219-223 में।https://doi.org/10.1109/NANO61778.2024.10628635

गुप्ता, आर., शर्मा, एस.सी., और गुप्ता, आर. (2024). कोलिजनल बीम प्लाज़्मा सिस्टम में कम आवृत्ति वाले विद्युतचुंबकीय मोड के प्रसार अभिलक्षण। इंडियन जर्नल ऑफ फिजिक्स, 98, 4207-4215। https://doi.org/10.1007/s12648-024-03164-w

पांडे, एएन, सागर, आर., सागर, एसके, और कपूर, एन. (2024). एमसीडी, दिल्ली के सिटी सदर पहाड़गंज (एसपी) जोन में डेंगू वेक्टर एडीज मच्छर के लार्वा की एंटोमोलॉजिकल निगरानी। संचारी रोग जर्नल, 56, 62-65। https://doi.org/10.24321/0019.5138.202450

पांडे, ए.एन., सागर, आर., सागर, एस.के., सिंह, एस., और कपूर, एन. (2025)। दक्षिण दिल्ली, भारत के निवासियों में डेंगू के बारे में ज्ञान, दृष्टिकोण और व्यवहार (केएपी) का आकलन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मॉस्किटो रिसर्च, 12, 14-18।https://www.doi.org/10.22271/23487941.2025.v12.i2a.828

पांडे, ए.एन., सागर, आर., सागर, एस.के., और कपूर, एन. (2024). 2024 में दिल्ली के विभिन्न अस्पतालों में एडीज़ मच्छर के लार्वा की व्यापकता। एपिडेमियोलॉजी इंटरनेशनल, 9, 1-4।https://doi.org/10.24321/2455.7048.202406

अग्रवाल, एस., और मारवाड़ी, सी.आर. (2024). कॉर्पोरेट प्रकटीकरण के उभरते क्षेत्रों की खोज: एक ग्रंथसूची विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, इकोनॉमिक्स एंड कॉमर्स, 1(2), 112-127। https://doi.org/10.62737/6q1w4y02

अग्रवाल, एस., और मारवाड़ी, सी.आर. (2024). भारत की महारत्न और नवरत्न कंपनियों की स्वैच्छिक प्रकटीकरण प्रथाओं का तुलनात्मक अध्ययन। थर्ड कॉन्सेप्ट जर्नल (यूजीसी-केयर), 38(446), 24. https://www.thirdconceptjournal.com/archives.html

लोकेशा, ई., जाधव, एस.ई., अडेराव, जी.एन., चौधरी, पी., गुप्ता, एस.के., दत्ता, एन., और सिंह, जी. (2024). उच्च आहारीय जिंक, गर्मी से तनावग्रस्त चूहों में प्रमुख ट्रांसपोर्टर जीन, एसओडी1, और एचएसपी70 अभिव्यक्ति के मॉड्यूलेशन के माध्यम से इसके इष्टतम अवशोषण को बढ़ावा देता है।- बायोलॉजिकल ट्रेस एलिमेंट रिसर्च, 22, 1-10। https://doi.org/10.1007/s12011-024-04447-3

सिंह, एस., एन., राजू, जे., महमूद, जी., गुप्ता, एस.के., और अहमद, एस. (2024). भारत में मल-अपंजन प्रबंधन (एफएसएम) के वर्तमान परिदृश्य और सर्वोत्तम संभावित समाधान की समीक्षा। सतत विकास के लिए भूजल, 27, 101346। सिंह, एस., एन., राजू, जे., महमूद, जी., गुप्ता, एस.के., और अहमद, एस. (2024). भारत में मल-अपंजन प्रबंधन (एफएसएम) के वर्तमान परिदृश्य और सर्वोत्तम संभावित समाधान की समीक्षा। सतत विकास के लिए भूजल, 27, 101346।

यादव, ए.एन., उपाध्याय, एस., सिंह, ए.के., और सिंह, के. (2024). विद्युत चुम्बकीय व्यतिकरण परिरक्षण अनुप्रयोग के लिए सीडीएसई क्वांटम डॉट्स-सज्जित रिड्यूस्ड ग्रेफीन ऑक्साइड में कुशल इलेक्ट्रॉन स्थानांतरण। बुलेटिन ऑफ मैटेरियल्स साइंस, 47, 119। https://doi.org/10.1007/s12034-024-03240-1

यादव, ए.एन., सिंह, पी., उपाध्याय, एस., त्यागी, यू.पी., सिंह, ए.के., सिंह, पी., और श्रीवास्तव, ए. (2024). उत्कृष्ट जीवाणुरोधी क्रिया के लिए आंवला (एम्ब्लिका ऑफिसिनेलिस) से प्राप्त बायोनैनोसिल्वर (एजी एनपीएस)। प्लास्मोनिक्स, 20(4), 1877-1888। https://doi.org/10.1007/s11468-024-02410-5

शुक्ला, एस., यादव, एस., और कुमार, बी. ग्रैफीन नैनोकणों के साथ एंटीबायोटिक दवाओं का मजबूत निरोधात्मक प्रभाव। https://doi.org/10.33472/AFJBS.6.9.2024.300-311

शुक्ला, एस., यादव, एस., और कुमार, बी. ग्रैफीन नैनोकणों के साथ एंटीबायोटिक दवाओं का मजबूत निरोधात्मक प्रभाव। https://doi.org/10.33472/AFJBS.6.9.2024.300-311

बिजला, एम., सैनी, एस.के., पाठक, ए.के., भारद्वाज, के.पी., सुखावासी, के., पाटिल, ए., सैनी, डी., यादव, आर., सिंह, एस., लीवेनबर्ग, सी., और कुमार, पी. (2024, 1 मई)। मायोकार्डियल इन्फार्क्शन के विकास में विभिन्न जोखिम कारकों के साथ माइक्रोबायोम की परस्पर क्रिया। एक्सपेरिमेंटल जेरोन्टोलॉजी, 189, 112409। https://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S0531556524000512

कुमार, यू. (2024). प्राचीन भारतीय इतिहास में प्राचीन स्रोतों की प्रवृत्तियाँ। मध्य भारती, 87, 99-104. यूजीसी केयर I. https://dhsgsu.edu.in/index.php/en/editorial-board

कुमार, यू. (2024). भारत में सतत पर्यटन: प्रगति और चुनौती. पुस्तकालय प्रोग्रेस इंटरनेशनल, 44(6), 1118-1123. स्कोपस.https://bpasjournals.com/library-science/index.php/journal

यादव, सी., दहिया, बी., और प्रसाद, वी. (2024). एस-अवस्थाओं में सतत धारा की संभावना. साइंटिफिक रिपोर्ट्स, 14(1), 13166.https://doi.org/10.1038/s41598-024-63838-7

क्रूज़, ई., एक्विनो, एन., प्रसाद, वी., और फ्लोरेस-रिवेरोस, ए. (2024). एक स्थिर विद्युत क्षेत्र की उपस्थिति में एक वृत्त में परिबद्ध एक द्वि-आयामी हार्मोनिक दोलक: एक सूचनात्मक दृष्टिकोण। द यूरोपियन फ़िज़िकल जर्नल डी, 78(6), 71। https://doi.org/10.1140/epjd/s10053-024-00861-3

त्रिवेदी, बी., दहिया, बी., मान, ए., गिरि, आर., और प्रसाद, वी. (2024). डेटाबेस खोज व्यवहार: सूचना पुनर्प्राप्ति प्रथाओं के एक सर्वेक्षण से अंतर्दृष्टि। इंटेलिजेंट इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट, 16(5), 195-218। https://doi.org/10.4236/iim.2024.165012

गंभीर, एम., देवी, एस., और प्रसाद, वी. (2025)। सतह-अधिशोषित द्विपरमाणुक अणु के माइक्रोवेव-सहायता प्राप्त दिशात्मक और तापीय गुण। रासायनिक भौतिकी, 591, 112598। https://doi.org/10.1016/j.chemphys.2024.112598

प्रसाद, वी., यादव, सी., विधानी, बी., अरोड़ा, एम., त्यागी, ए., और दहिया, बी. (2024). लेज़र-परमाणु अंतःक्रिया के कारण परिहार्य क्रॉसिंग पर क्वांटम एंट्रोपिक विनिमय। फिजिका ए: सांख्यिकीय यांत्रिकी और इसके अनुप्रयोग, 643, 129826। https://doi.org/10.1016/j.physa.2024.129826

लकाल, के., पेरेज़, एल.एम., क्रिया, एम., हमदौई, जे.ई., एडेट, सी.ओ., प्रसाद, वी., लारोज़, डी., और फेड्डी, ई. (2024). क्वांटम डॉट्स के ऊष्मागतिकीय और चुंबकीय गुणों पर इलेक्ट्रॉन-फोनन युग्मन और रश्बा स्पिन-ऑर्बिट अंतःक्रिया के प्रभाव। चाइनीज़ जर्नल ऑफ फिजिक्स, 89, 390-403। https://doi.org/10.1016/j.cjph.2023.10.045

पुस्तकें और पुस्तक में अध्याय

अग्रवाल, एन. (2024). हाइड्रोलिसिस विधि द्वारा संश्लेषित पाइपरिडीन आधारित Fe_3O_4 नैनोकणों के चुंबकीय गुणों पर मोलरता का प्रभाव। भौतिक एवं रासायनिक विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में हालिया अनुप्रयुक्त अनुसंधान में (पृष्ठ 42-57)। एमकेएसईएस प्रकाशक (भारत) लखनऊ-226012। आईएसबी.ए.न 978-93-91248-94-9।

अली, आर. (2024). धन और बैंकिंग. सोध सागर इंटरनेशनल पब्लिकेशन. आईएसबी.ए.न 978-81-983551-9-5.

अर्चना, ए. (2025). सतत विकास लक्ष्यों में माइक्रोबियल नैनोटेक्नोलॉजी का योगदान। वाई.के. मोहंता, बी. मिश्रा, आर.एन. पुडके, (संपादक) सतत विकास के लिए नैनो-माइक्रोबायोलॉजी (पृष्ठ 1-23) में।

स्प्रिंगर, चाम। https://doi.org/10.1007/978-3-031-78845-1_1 ; आईएसबी.ए.न 978-3-031-78845-1.

बंसल, एम., और बब्बर, एम. (2025). मानव संसाधन प्रबंधन. स्कॉलर टेक प्रेस. आईएसबी.ए.न 978-93-917208-72.

बब्बर, एम., मजीद, एम., हुसैन, एम.एम., और घोष, एन. (2025)। व्यवसाय और प्रबंधन में उभरते डिजिटलीकरण के रुझान: उद्योग 5.0 का रोडमैप। एप्पल एकेडमिक प्रेस/टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप। आईएसबी.ए.न 978-1-00350335-4।

टेकचंद, डी. (2007). अनुवादक: एस. बाला. मिडवाइफ (2024). एसएलसी पब्लिशर्स. आईएसबी.ए.न 978-81-974209-3-1.

भारद्वाज, पी. (2024). व्यावसायिक संगठन और प्रबंधन. शोध सागर इंटरनेशनल पब्लिकेशन. आईएसबी.ए.न 978-81-977801-4-1.

भारद्वाज, पी. और नितिका। (2024). व्यवसाय संगठन एवं प्रबंधन. शोध सागर अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन। आईएसबी.ए.न 978-81-977801-4-1.

चंचल, और निशा (2025). ग्रीन मार्केटिंग पर सोशल मीडिया का प्रभाव, विकसित भारत@2047: वाणिज्य, प्रबंधन और प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी भूमिका (पृष्ठ 139-148), आईएसबी.ए.न: 978-81-981913-3-5, डीओआई: 10.62823/एमजीएम/2025/9788198191335.

चंद्रा, ए., चतुर्वेदी, एस., राजशेखरन, सी., और राव, के.एस. (2024). जलवायु लचीलापन: पर्यावरण प्रबंधन में चुनौतियाँ और अवसर (प्रथम संस्करण)। पर्यावरण एवं विकास सोसाइटी (एसईडी इंडिया)। आईएसबी.ए.न 978-81-975795-5-4।

चंद्रा, ए., गुप्ता, वाई., दिनाकरन, जे., रैना, एन., हनीफ, एम., मीना, ए., और राव, के.एस. (2024). हिमालय में जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता: रुझान और धारणा। टी. पुल्लैया (सं.) में, हिमालय का जैव विविधता हॉटस्पॉट। एप्पल एकेडमिक प्रेस (सीआरसी प्रेस)। आईएसबी.ए.न 9781774914588।

दिनाकरन, जे., गुप्ता, वाई., चंद्रा, ए., और राव, के.एस. (2024). हिमालयी क्षेत्र में मृदा जैव विविधता की स्थिति: एक समीक्षा। टी. पुल्लैया (सं.), हिमालय के जैव विविधता हॉटस्पॉट में। एप्पल एकेडमिक प्रेस (सीआरसी प्रेस)। आईएसबी.ए.न 9781774914588।

गुप्ता, आर. (2024). हाइड्रोलिसिस विधि द्वारा संश्लेषित पाइपरिडीन आधारित Fe_3O_4 नैनोकणों के चुंबकीय गुणों पर मोलरता का प्रभाव। भौतिक एवं रासायनिक विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में हालिया अनुप्रयुक्त अनुसंधान में (पृष्ठ 42-57)। एमकेएसईएस प्रकाशक (भारत) लखनऊ-226012, आईएसबी.ए.न 978-93-91248-94-9।

जोशी, एम., वर्मा, पी., मागो, पी., अग्रवाल, वाई., गुनवाल, आई., खुराना, एस., तंवर, जे., यादव, यू., और यादव, ए. (2025)। स्तनधारी कोशिकाओं में पुनर्योगज अभिव्यक्ति। पुनर्योगज प्रोटीन उत्पादन,

शुद्धिकरण और लक्षण वर्णन के मूल सिद्धांतों में। अकादमिक प्रेस। आईएसबी.ए.न 978-0-323-98388-4।

कुमार, पी., कुमार, एम., शर्मा, एस., कुमार, के., सच्चर, पी., और मिश्रा, ए.के. (2024). भौगोलिक सूचना प्रणाली के आधार पर वेनियार नदी बेसिन की कृषि स्थिरता के लिए उपयुक्त भूमि का निर्धारण। पर्यावरण और सामाजिक स्थिरता के लिए सतत स्थानीय विकास (खंड 11) (पृष्ठ 171-183) में। स्प्रिंगर। आईएसबी.ए.न 978-3-031-67302-3।

कुमार, एम. (2024). टिकाऊ कृषि के लिए भारत का स्मार्ट ऊर्जा समाधान: सौर सिंचाई प्रणालियाँ। भौगोलिक और पर्यावरण विज्ञान में प्रगति में (पृष्ठ 341-352)। स्प्रिंगर। आईएसबी.ए.न 978-981-97-7992-5।

कुमारी, वी. (2024). भारत में ज्ञान विज्ञान परम्परा। जेपी पब्लिशिंग हाउस। (प्रथम संस्करण) आईएसबी.ए.न: 978-93-878271-89।

पधान, बी.के. (2025)। महिमा धर्म की साहित्यिक विरासत: ओड़िया लेखन में आध्यात्मिक रहस्यवाद और सामाजिक परिवर्तन की खोज। के. धनबलकृष्णन और एस. सुंदरलैंगिकम (सं.) में, भक्ति और भारतीय ज्ञान प्रणाली के अंतर्संबंध की खोज: एक साहित्यिक विश्लेषण (पृष्ठ 104-114)। मल्टी स्पेक्ट्रम प्रकाशन। आईएसबी.ए.न: 978-81-981681-0-8।

पधान, बी.के. (2025)। अंग्रेजी भाषा शिक्षण में डिजिटल संचार नैतिकता: ऑनलाइन शिक्षण वातावरण में पेशेवर आचरण को बनाए रखना। एम. डे और जे. डोले (सं.), ब्रिजिंग लैंग्वेज एंड टेक्नोलॉजी: इंजीनियरिंग और प्रबंधन पेशेवरों के लिए प्रभावी संचार (पृष्ठ 45-54)। एशियन प्रेस बुक्स। आईएसबी.ए.न: 978-93-5788-528-7।

पधान, बी.के. (2025)। सरला दास की रामायण: उड़िया विरासत और साहित्य में इसकी भूमिका का एक आलोचनात्मक अन्वेषण। पी. चौधरी और डी. कुमारी (सं.), भारतीय धर्मग्रंथों पर आधुनिक चिंतन (पृष्ठ 12-29)। दोआबा हाउस। आईएसबी.ए.न: 978-8-19-756911-1।

सेठी, ए. (2024). अपशिष्ट जल उपचार के लिए कार्बन आधारित नैनोमटेरियल। एच. कौर, आर.के. फांदेन, आर.के. सिंह, और बी.एस. सिकरवार (सं.) में, नैनोमटेरियल की खोज, विघटन और भविष्य के निहितार्थ (पृष्ठ 459-496)। आईजीआई ग्लोबल साइंटिफिक पब्लिशिंग। आईएसबी.ए.न 9798369343975. https://doi.org/10.4018/979-8-3693-4397-5.ch014.

शर्मा, एस. (2024). भौगोलिक सूचना प्रणाली के आधार पर वेनियार नदी बेसिन की कृषि स्थिरता के लिए उपयुक्त भूमि का निर्धारण। ह्यूमन एनवायरनमेंट इंटरेक्शन्स (खंड 11, अध्याय 11, पृष्ठ 171-183) में। स्प्रिंगर।

सिंह, एस.के., और सिंह, एम. (2024). वैश्विक पर्यावरण परिवर्तन के प्राकृतिक और मानवजनित कारण। एस. शर्मा (सं.), जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय सतत विकास (पृष्ठ 85-102) में। दिल्ली, भारत: एसबीडब्ल्यू प्रकाशक।

श्रीवास्तव, आर.के. (2024). सेमीरिंग में फ़ज़ी कमज़ोर आंतरिक आदर्श। फ़ज़ी टोपोलॉजी में (अध्याय 11, पृष्ठ 186-207)। विकास पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स।

उपाध्याय, एस. (2024). हाइड्रोलिसिस विधि द्वारा संश्लेषित पाइपरिडीन आधारित Fe_3O_4 नैनोकणों के चुंबकीय गुणों पर मोलरता का प्रभाव। सी. बालालक्ष्मी, एस.के. सिंह, एचएल जादौन, एन. सिंह, और सी.के. दीक्षित (सं.), भौतिक एवं रासायनिक विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में हालिया अनुप्रयुक्त अनुसंधान (पृष्ठ 42-57), एमकेएसईएस प्रकाशक (भारत) लखनऊ-226012। आईएसबी.ए.न 978-93-91248-94-9।

अनुसंधान परियोजनाएँ

भूगोल विभाग के डॉ. अविजित महाला को *"समावेशी विकसित भारत में 2047 तक कोई भी पीछे न छूटे: बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों के सशक्तिकरण, सामाजिक समावेशन और समानता की रणनीतियों का एक व्यापक और अनुभवजन्य अध्ययन-बिहार, उत्तर प्रदेश और ओडिशा का एक केस स्टडी"* नामक शोध परियोजना के लिए ₹22,00,000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएसएसआर द्वारा प्रदान किया गया है और सितंबर 2024 से सितंबर 2025 तक की अवधि के लिए है।

"स्वच्छ भारत मिशन का सामाजिक-आर्थिक प्रभाव: चार राज्यों (उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा, मध्य प्रदेश) का तुलनात्मक अध्ययन" नामक शोध परियोजना के लिए सह-पीआई (निदेशक) के रूप में ₹ 15,00,000/- की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएसएसआर द्वारा प्रदान किया गया है और सितंबर 2023 से सितंबर 2024 तक की अवधि के लिए है।

वनस्पति-विज्ञान विभाग के प्रो. परवीन गर्ग को *"वैदिक काल से हिमाचल प्रदेश के आदिवासियों की सांस्कृतिक उत्कृष्टता, वनस्पतियों के संदर्भ में" नामक शोध परियोजना के लिए ₹6,00,000/- की राशि स्वीकृत की गई है।* यह अनुदान आईसीएसएसआर द्वारा 1 जुलाई, 2022 से प्रदान किया जाएगा।

दायर/स्वीकृत पेटेंट

छगन लाल, *बहु-कार्यात्मक चम्मच ब्रश हाइब्रिड।* डिज़ाइन पेटेंट, कक्षा 07-03, पेटेंट संख्या 429913-001, 10/09/2024, राष्ट्रीय (भारत)।

निशांत वर्मा, *अल्जाइमर रोग में लक्षित वितरण के लिए पॉलिमरिक मिसेल्स की तैयारी के लिए उपकरण,* बौद्धिक संपदा कार्यालय यूके, पेटेंट संख्या 6338264, 18/01/2024, अंतर्राष्ट्रीय (यूके)।

आयोजित संगोष्ठियां

3 अक्तूबर, 2024 को *"क्षय रोग के रोगजनन और निदान"* पर एक संगोष्ठी के दौरान व्याख्यान दिए।

आरजीसीआईएंडआरसी की वरिष्ठ सलाहकार डॉ. शशि रखेजा ने 8 अक्तूबर, 2024 को *"स्तन कैंसर जागरूकता" पर एक व्याख्यान दिया।*

हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के सहायक प्रोफेसर: डॉ. अतुल सैनी ने अक्तूबर 2024 को *"मानसून पैटर्न और जलवायु परिवर्तन" पर एक व्याख्यान दिया।*

माया एकेडमी ऑफ एडवांस्ड क्रिएटिविटी के क्षेत्रीय शैक्षणिक प्रमुख (उत्तर) श्री दीपक पंत ने 14 नवंबर, 2024 को *"एवीजीसी: अपनी रचनात्मक यात्रा को सशक्त बनाएं" विषय पर एक व्याख्यान दिया।*

दिल्ली विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के प्रोफेसर टी.आर. शेषाद्रि और इसरो के वैज्ञानिक श्री अंकुश राज ने 30 अगस्त, 2024 को *"चंद्रमा को छूते हुए जीवन को छूना" विषय पर एक व्याख्यान दिया।*

आयोजित सम्मेलन

एमआईईटी कुमाऊं के सहयोग से आयोजित *'एसटीईएम और स्वास्थ्य में उभरते रुझानों पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन-सतत विकास के लिए कृषि विज्ञान'* शीर्षक से सम्मेलन 24-25 फरवरी, 2025 को एमआईईटी कुमाऊं, हल्द्वानी, नैनीताल (यूके) में आयोजित किया गया।

'मृदा संदूषण अनुसंधान के लिए भारतीय नेटवर्क का 8वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएनएससीआर-2024) और सिलिएट बायोलॉजी पर 4वां अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (आईएससीबी-2024)' शीर्षक से सम्मेलन 3 अप्रैल से 5 अप्रैल, 2024 तक आयोजित किया गया।

'समावेशी विकसित भारत में 2047 में कोई भी पीछे न छूटे: सशक्तीकरण, सामाजिक समावेशन और समानता के लिए रणनीति' विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

अटरिया सोलर पावर (सौर ऊर्जा संयंत्र) के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

भांती कंसल्टेंसीज़ प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

प्रोस्कूल स्किल डेवलपमेंट के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए-

ब्रेकथ्रू के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए

महात्मा हंसराज मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ 2 नवंबर, 2024 को एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। मानव विकास एवं विकास (एचजीडी) समिति के संयोजक डॉ. लक्षण महाजन ने इस सहयोग के समन्वयक के रूप में कार्य किया। इस साझेदारी के परिणामस्वरूप, 16 से 20 दिसंबर, 2024 तक "प्रभावी शिक्षण-अधिगम वातावरण के लिए मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना" शीर्षक से एक सप्ताह का ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया। आर्ट ऑफ लिविंग ने इस समृद्ध शैक्षणिक पहल के लिए ज्ञान भागीदार के रूप में कार्य किया।

23 जुलाई, 2024 को आर्ट ऑफ़ लिविंग (TAOL) और स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस पहल का समन्वयन एचजीडी समिति के संयोजक डॉ. लक्षण महाजन ने किया। इस सहयोग का उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों, दोनों के कल्याण और व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देना था। परिणामस्वरूप, TAOL ने छात्रों के लिए युवा सशक्तिकरण और कौशल (YES+) कार्यक्रम, शिक्षण और शिक्षणेत्तर कार्मिकों के लिए संकाय विकास

कार्यक्रम (FDP), और मन प्रबंधन, तनाव प्रबंधन, मानवीय मूल्यों, सीखने में उत्कृष्टता और जीवन कौशल पर केंद्रित संगोष्ठियों की एक श्रृंखला आयोजित करने की प्रतिबद्धता जताई।

29 सितंबर, 2023 को नई दिल्ली स्थित सामाजिक एवं पर्यावरण विकास संस्था, लक्ष्य के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। पर्यावरण अध्ययन विभाग की डॉ. नीतू शर्मा, जो इको क्लब की संयोजक हैं, ने समन्वयक की भूमिका निभाई। इस सहयोग का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक जागरूकता को बढ़ावा देना था। इसके परिणामस्वरूप, संरक्षण प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न पर्यावरण-अनुकूल गतिविधियाँ आयोजित की गईं, और छात्रों और निवासियों को पर्यावरण संरक्षण में शामिल करने के लिए कई सामुदायिक कल्याण कार्यक्रम और जागरूकता अभियान आयोजित किए गए।

23-24 अप्रैल, 2024 को व्हिसल एंड स्माइल के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। डॉ. जे.के. पांडे इस पहल के लिए एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। इस सहयोग का मुख्य परिणाम एक दंत चिकित्सा जाँच शिविर का आयोजन था। इस शिविर ने बड़ी संख्या में शिक्षण कार्मिकों, शिक्षणेत्तर कार्मिकों और छात्रों को निःशुल्क दंत चिकित्सा परामर्श और मौखिक स्वास्थ्य देखभाल के बारे में जागरूकता प्रदान करके लाभान्वित किया।

24-25 फरवरी, 2024 को डेंटल क्लोव के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। डॉ. आशुतोष कुमार झा ने एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी के रूप में कार्य किया। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, महाविद्यालय समुदाय के लिए दंत स्वास्थ्य जाँच शिविरों का आयोजन किया गया। इस पहल से कई शिक्षण और शिक्षणेत्तर कार्मिकों के साथ-साथ छात्रों को भी निःशुल्क दंत परामर्श और मौखिक स्वच्छता संबंधी सलाह का लाभ मिला।

28 मार्च, 2024 को वी केयर मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। डॉ. आशुतोष कुमार झा ने एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी के रूप में कार्य किया। इस साझेदारी का मुख्य परिणाम महाविद्यालय परिसर में एक रक्तदान शिविर का सफल आयोजन था। इस कार्यक्रम में शिक्षण और शिक्षणेत्तर कार्मिकों, छात्रों और अलीपुर गाँव के निवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे एक महत्वपूर्ण कार्य में योगदान मिला और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को बढ़ावा मिला।

11 मार्च, 2025 को "गिव मी ट्रीज़ ट्रस्ट" के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। डॉ. रोहित चौधरी, डॉ. अभिषेक और डॉ. सुरभि सिंघल समन्वयक के रूप में कार्यरत रहे। इस साझेदारी का मुख्य परिणाम महाविद्यालय परिसर में सघन वन-3 वृक्षारोपण अभियान का सफल आयोजन था। इस कार्यक्रम में शिक्षण और शिक्षणेत्तर कार्मिकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, और छात्रों ने एक पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम में योगदान दिया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

23 नवंबर, 2024 को भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के सहयोग से, डॉ. आशुतोष कुमार झा ने नागरिक सहभागिता और जागरूकता पर ध्यान केंद्रित किया। इसके परिणामस्वरूप, अलीपुर गाँव में एक मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहाँ छात्रों और ग्रामीणों को मतदान के महत्व और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के बारे में शिक्षित किया गया।

सक्षम एनजीओ ने 25 अक्तूबर, 2024 को डॉ. आशुतोष कुमार झा (एसएसएनसी) के साथ मिलकर इस पहल के लिए एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी के रूप में कार्य किया। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, अलीपुर गाँव में एक नेत्र जाँच शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस पहल के तहत स्थानीय निवासियों की निःशुल्क नेत्र जाँच की गई और नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को बढ़ावा दिया गया।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 70 (46%)

कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या: 15

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- कैडेट लक्ष्य शर्मा एनसीसी ने मिलिट्री बेस हॉस्पिटल, दिल्ली में प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण प्राप्त किया (21-31 अगस्त)।
- कॉर्पोरल लक्ष्य शर्मा एनसीसी ने 6 से 15 अगस्त, 2024 तक मुख्यमंत्री की रैली में भाग लिया।
- नवंबर 2024 में, 26 एनसीसी कैडेटों ने सेना अटैचमेंट प्रशिक्षण पूरा किया, जिसमें रस्साकशी, स्क्वाड ड्रिल, पोस्टर-मेकिंग में प्रथम स्थान और पुस्तक समीक्षा और संगीन लड़ाई में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- जेयूओ रवि और सीडीटी देवेश एनसीसी ने ईबी.ए.सबी डिब्रूगढ़ में अच्छा प्रदर्शन किया।
- एनएसएस स्वयंसेवकों ने 14 अगस्त, 2024 को भारत मंडपम में "विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस" में भाग लिया, तथा 1947 के विभाजन और बचे लोगों पर इसके प्रभाव के बारे में जानकारी प्राप्त की।
- एनएसएस स्वयंसेवकों ने 20 अक्तूबर, 2024 को वैश्विक रोटी दिवस में भाग लिया और विशालाक्षी फाउंडेशन के माध्यम से वंचित बच्चों के लिए भूख से राहत के प्रयासों का समर्थन किया।
- 29 जनवरी, 2025 को एनएसएस स्वयंसेवकों ने अपना घर आश्रम, बुधपुर का दौरा किया, बुजुर्ग महिलाओं से बातचीत की और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए।

- 25 नवंबर को, एनएसएस स्वयंसेवकों ने 75वें संविधान दिवस के उपलक्ष्य में मेजर ध्यानचंद स्टेडियम से इंडिया गेट तक 6.6 किलोमीटर की पदयात्रा में भाग लिया।
- 26 सितंबर को 100 से अधिक एनएसएस स्वयंसेवकों ने स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत अलीपुर में सफाई अभियान चलाया, जिसमें राम तालाब क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया गया।
- एसजीटी अंशु एनसीसी ने ईबी.ए.सबी त्रिपुरा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए फुटबॉल में प्रथम और रस्साकशी में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- सार्जेंट विनीत एनसीसी ने रॉक क्लाइम्बिंग प्रशिक्षण शिविर में 'ए' ग्रेड अर्जित किया।
- एसयूओ देव वैश्य, विनय और रजनीश एनसीसी ने 13-23 नवंबर, 2024 तक आगरा में एडवांस लीडरशिप कैंप में भाग लिया।
- नवंबर 2024 में दो एनसीसी कैडेट बिहार में और तीन महाराष्ट्र में ट्रैकिंग शिविर में शामिल हुए।

पुस्तकालय विकास

SOUL 3.0 और LIMS सॉफ्टवेयर से स्वचालित, पूरी तरह से वातानुकूलित महाविद्यालय पुस्तकालय, शिक्षण और सीखने में सहायक एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक संसाधन के रूप में कार्य करता है। इसमें 1,13,647 से अधिक पुस्तकों का व्यापक संग्रह है, जिसमें पाठ्यपुस्तकें, संदर्भ, पत्रिकाएँ और ब्रेल सामग्री के साथ-साथ 27 समाचार पत्रों और 24 पत्रिकाओं की सदस्यता भी शामिल है। बारकोड वाले पहचान पत्र सुव्यवस्थित पहुँच और उधार लेने को सुनिश्चित करते हैं, जबकि एक लॉगबुक उपयोगकर्ता के आने-जाने वालों को ट्रैक करती है। पुस्तकालय वेब-आधारित OPAC पहुँच प्रदान करता है और INFLIBNET NLIST कंसोर्टियम और दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली के माध्यम से 2 लाख से अधिक ई-पुस्तकें और 6,000 से अधिक ई-जर्नल प्रदान करता है। सुविधाओं में दोनों परिसरों में वाचनालय, संचलन और अंतर-पुस्तकालय ऋण सेवाएँ, संदर्भ और रेफरल सहायता, और एक उपयोगकर्ता हेल्पडेस्क शामिल हैं। दृष्टिबाधित छात्रों को सहायक उपकरणों के साथ सहायता प्रदान की जाती है

संकाय संख्या

वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक	: 24
एसोसिएट प्रोफेसर	: 40
सहायक प्रोफेसर	: 109
तदर्थ	: 6
अतिथि	: 61

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित अनुदान : ₹ 73.34 करोड़

उपयोगित अनुदान : ₹ 92.06 करोड़

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए एनईपी-यूजीसीएफ के अंतर्गत आगामी चौथे वर्ष के लिए हमारा महाविद्यालय निम्नानुसार तैयारियां कर रहा है: स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय के नए परिसर में एक नए शैक्षणिक ब्लॉक का निर्माण किया जा रहा है। एनईपी-यूजीसीएफ के चौथे वर्ष के कारण शैक्षणिक भार बढ़ेगा। अतिरिक्त कक्षाओं, प्रयोगशालाओं और ट्यूटोरियल रूम आदि की आवश्यकता होगी। नया भवन इन अतिरिक्त कक्षाओं और प्रयोगशालाओं की आवश्यकताओं को पूरा करेगा। विभिन्न विभागों और सोसायटियों द्वारा आयोजित किए जाने वाले विभिन्न वार्ताओं/संगोष्ठियों की सुविधा के लिए, नए शैक्षणिक ब्लॉक में आधुनिक सुविधाओं से युक्त अतिरिक्त संगोष्ठी हॉल तैयार किया जाएगा। चौथे वर्ष में विशेष रूप से छात्रों को शोध परियोजनाएं करने की आवश्यकता होती है। छोटी और बड़ी परियोजनाओं के लिए छात्रों को शोध सुविधाओं की आवश्यकता होगी। नए भवन की दूसरी मंजिल पर एक शोध प्रयोगशाला तैयार की जा रही है। इस शोध प्रयोगशाला के लिए अतिरिक्त शोध उपकरण जैसे थर्मोसाइक्लर, डबल बीम यूवी-विजिबल स्पेक्ट्रोफोटोमीटर इससे छात्रों के शोध अनुभव में वृद्धि होगी और शोध कौशल को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही, हमारा महाविद्यालय NEP-UGCF में प्रस्तावित विभिन्न SEC (कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम) के माध्यम से रोजगारपरक कौशल को बढ़ावा देने के लिए कौशल संवर्धन केंद्र भी बना रहा है।

***

विवेकानंद महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

आईक्यूएसी और ई-सेल, विवेकानंद महाविद्यालय ने बुरामी विश्वविद्यालय, ओमान और दिल्ली मेट्रोपॉलिटन एजुकेशन (डीएमई), जीजीएसआईपीयू के सहयोग से दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग ने सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तहत आईक्यूएसी और राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान (एनआईएसडी) के सहयोग से "डिजिटल युग में उम्र बढ़ने" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। एनईपी 2020 में उल्लिखित गाइड मैप के अनुरूप, अनुवाद और अनुवाद अध्ययन केंद्र की स्थापना की गई और उद्घाटन समारोह के रूप में एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। और हिंदी विभाग ने राष्ट्रभाषा समिति के सहयोग से दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। राजनीति-विज्ञान विभाग ने 6 प्रख्यात वक्ताओं की विशेषता वाली 2 दिवसीय बहु-विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया राष्ट्रीय महत्व के दिवस मनाए गए: सप्ताह भर चलने वाला स्वतंत्रता दिवस (विषय: अंगदान), अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस, हिंदी अकादमी के सहयोग से हिंदी सप्ताह, 'जनजातीय गौरव दिवस'। लेखा एवं प्रशासन ने समर्थ पोर्टल का उपयोग शुरू कर दिया है।

सम्मान/विभूतियाँ

संकाय

डॉ प्रतिभा कुमारी जयमिनी को ' सुकरात सामाजिक अनुसंधान विश्वविद्यालय ' अंतरराष्ट्रीय मानक एकजुटता पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया।

पर्यावरण विज्ञान विभाग की डॉ. सीमा शर्मा को नेशनल एडुट्रस्ट ऑफ इंडिया द्वारा सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक द्वारा सतत शहर एवं समुदाय नेता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित 10वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य सम्मेलन में सुश्री सौम्या शर्मा को सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

सामग्री

कुमार, ए. (2024). हार्लेम पुनर्जागरण: आम जनता का आंदोलन, या सिर्फ़ 'कुछ प्रतिभाशाली लोगों' का? जर्नल ऑफ़ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज़ एंड इनोवेटिव रिसर्च (जेईटीआईआर)। https://www.jetir.org

कुमारी, ए. (2024). मुक्त और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के संबंध में अफ्रीका में भारत-जापान साझेदारी: एक व्यापक विश्लेषण और भविष्य की संभावनाएँ. जापान अंतर्राष्ट्रीय मामलों का संस्थान. https://www.jiia-jic.jp/en/news/japan-information-center-organizes-short-term-fellowship-program-for-young-overseas-researchers-1.html

पी. ड्रुबोविट्ज़ और बी. बर्गून द्वारा लिखित पुस्तक " जियोपॉलिटिक्स एंड डेमोक्रेसी: द वेस्टर्न लिबरल ऑर्डर फ्रॉम फाउंडेशन टू फ्रैक्चर" की समीक्षा]। इंडियन स्टडीज़ रिव्यू, 5(1), 2024. https://www.cspgindia.com/journal/indian-studies-review-volume-5-no-1

बेनीवाल, ए. (2024). *आंतरिक उथल-पुथल: अनीता देसाई की पुस्तक क्राई, द पीकॉक में चिंता और दमन का एक फ्रायडियन विश्लेषण। डिजिटल युग में अंग्रेजी साहित्य में* (पृष्ठ 239-245)। रुद्र प्रकाशन। ASIN: B0DB61LW9X

बेनीवाल, ए. (2024). 'सम्मान की संस्कृतियों' को समझना: भारतीय संदर्भ से अंतर्दृष्टि। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज रिव्यू, 12* (2), 260-264. आईएसएसएन: 2347-3797 (प्रिंट संस्करण)

बेनीवाल, ए., सोंधी, वी., और बानिक, एन.डी. (2024). *भारत में घरेलू हिंसा का एक गुणात्मक अध्ययन और पीड़ितों के दृष्टिकोण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज रिव्यू, 12* (2), 223-230। आईएसएसएन: 2347-3797 (प्रिंट संस्करण)

बेनीवाल, ए., सोंधी, वी., और बानिक, एन.डी. (2024). *चुप्पी तोड़ना: घरेलू हिंसा के खुलासे में आने वाली बाधाओं पर सामाजिक कार्यकर्ता। इंडियन जर्नल ऑफ पॉजिटिव साइकोलॉजी।* आईएसएसएन: 2229-4937 (प्रिंट संस्करण), आईएसएसएन: 2321-368X (इलेक्ट्रॉनिक संस्करण)

बेनीवाल, ए., सोंधी, वी., और भारद्वाज, ए. (2024). *पेशेवर मनोवैज्ञानिक सहायता चाहने वालों के आत्म-कलंक में आयु-अंतर की प्रारंभिक जाँच। अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा और प्रबंधन अध्ययन जर्नल।* आईएसएसएन: 2231-5632 (मुद्रित संस्करण)आईएसएसएन: 2321-3671 (इलेक्ट्रॉनिक संस्करण)

बेनीवाल, ए., सोंधी, वी., और मिश्रा, ए. (2024). *ग्रामीण स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं में स्वास्थ्य की धारणा। इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ एंड वेल-बीइंग, 15 (2),* 289-293. आईएसएसएन: 2229-5356 (प्रिंट संस्करण)आईएसएसएन: 2321-3698 (इलेक्ट्रॉनिक संस्करण)

सिंह, एम., और बेनीवाल, ए. (2024). *उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्ध में स्त्री प्रश्न: जागृति। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नॉवेल रिसर्च एंड डेवलपमेंट,* 9 (4), 101-106। आईएसएसएन: 2456-4184 https://www.ijnrd.org/viewpaperforall.php?paper=IJNRD2404910

जैन, अगुरला, वी., शर्मा, एम., पावसे, पीए, शम्स, आर., इंगले, ओएस, और डैश, केके (2024). जैवसक्रिय घटकों के भंडार के रूप में चिया बीजों के निष्कर्षण, कार्यक्षमता और अनुप्रयोग पर एक समीक्षा। मापन: खाद्य, 100185। https://doi.org/10.1016/j.measurementfood.2024.100185

भनोट, डी., वर्मा, एस.के., शरद, एस., भारती, बी.के., सिंह, टी., मित्तल, एस., और तुशीर, बी. (2025)। कोविड-19 कलंक का सामाजिक मनोविज्ञान। ए. परवीन और आर. वर्मा (सं.) में, भारत में कोविड-19 के बाद आम जनता की मानसिक, भावनात्मक और व्यवहारिक ज़रूरतें: गुणात्मक और मात्रात्मक अध्ययनों के निष्कर्ष। रूटलेज। आईएसबी.ए.न 9781032748429

मित्तल, एस., सिंह, टी., कौर, एच., वर्मा, आर., दास, एस., आर्य, वाई.के., वर्मा, एस.के., शरद, एस., भनोट, डी., मेरवाल, यू., जायसवाल, ए., भारती, बी.के., और तुषिर, बी. (2025)। विवाहित महिलाओं पर कोविड-19 और सामाजिक दूरी के उपायों का प्रभाव: एक गुणात्मक जाँच। आर. वर्मा (सं.), *भारत में कोविड-19 के बाद विशिष्ट जनसंख्या की मानसिक, भावनात्मक और व्यवहारिक स्वास्थ्य आवश्यकताएँ* (पृष्ठ 43-60)। रूटलेज। आईएसबी.ए.न 9781032748429

मुखर्जी, सी. (2025, 3 मार्च)। उपन्यासकार और उनके अनिश्चित/अनिश्चित शब्द: हारुकी मुराकामी की पुस्तक द सिटी एंड इट्स अनसर्टेन वॉल्स" की समीक्षा। भारत में नारीवाद। https://feminisminindia.com/2025/03/03/the-city-and-its-uncertain-walls-by-haruki-murakami-the-novelist-and-his-un-certain-words/

मुखर्जी, सी. (2024). आलीशान खिलौनों की निगरानी: सामंता श्वेब्लिन की " लिटिल आइज़" में तकनीकी डायस्टोपिया। ए. भट्टाचार्य (सं.), द आईएसीएलएएलएस जर्नल (खंड 7, पृष्ठ 86-95) में। आईएसएसएन: 2395-1206। आईएसएसएन: 2395-1206।

लालमुआनपुइया, सी., और सेलो, ज़ेड. (2024). मिज़ो अदरक की खोज: विभूतियाँ, औषधीय मूल्य और बाज़ार का भविष्य। शीआन यूनिवर्सिटी ऑफ़ आर्किटेक्चर एंड टेक्नोलॉजी का जर्नल, 16(10), 45-53. https://doi.org/10.37896/JXAT16.10/34903

कक्कड़, डी., सहाय, एम., और अग्रवाल, एस. (2025)। बिक्री संवर्धन (पहला संस्करण)। गलगोटिया प्रकाशन। आईएसबी.ए.न: 978-93-90980-79-6.

सेनगुप्ता, जी. (सं.) (2024). इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ एंड वेलबीइंग (खंड 15, विशेषांक, दिसंबर 2024)। आईएसएसएन: 2229-5356 (प्रिंट), 2321-3698 (ऑनलाइन)। समकक्ष-समीक्षित (रेफरीड) और अनुक्रमित। आईएसएसएन: 2229-5356 (प्रिंट), 2321-3698 (ऑनलाइन)।

नंदराजोग, एच. (सं.) (2024). एक जगह जिसे घर कहते हैं: सुषम बेदी की कहानियाँ. साहित्य अकादमी. आईएसबी.ए.न 978-93-6183-799-9.

नंदराजोग, एच. (2024). वर्तमान के रूप में इतिहास: सम्राट अशोक। दया प्रकाश सिन्हा में : नाट्य-सृष्टि एवं दृष्टि (पृ. 199-206)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए)। आईएसबी.ए.न 978-81-19380-86-2.

एल्हांस, जे. (2024). अमिताव घोष की द शैडो लाइन्स : प्रतीकों और रूपांकनों का एक अध्ययन. समकालीन सामाजिक विज्ञान जर्नल, 33 (1), 44-58. https://doi.org/10.62047/CSS.2024.03.31.44

एल्हांस, जे. (2024). घूंघट के पार: प्राचीन यूनानी समाज में स्त्री पहचान की खोज। जर्नल ऑफ नेशनल डेवलपमेंट, 37 (1)। https://doi.org/10.62047/JND.2024.06.30.54

एल्हांस, जे. (2025). भारत में सदियों से भाषाओं और बोलियों का विकास: एक परिप्रेक्ष्य. समकालीन सामाजिक विज्ञान, 34 (1). https://doi.org/10.62047/CSS.2025.03.31.143

एल्हांस, जे. (2025). सोफोक्लीज़ के ओडिपस और एंटीगोन में भाग्य बनाम स्वतंत्र इच्छा. समकालीन सामाजिक विज्ञान, 34 (1). https://doi.org/10.62047/CSS.2025.03.31.194

एल्हांस, जे. (2025). अनिश्चितता की निश्चितता-भावनात्मक कल्याण के लिए जीवन की निरंतर उभरती कहानी को अपनाना। इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, सोशियोलॉजी एंड ह्यूमैनिटीज़, 16 (मार्च)। आईएसएसएन 2277 - 9809 (ऑनलाइन) 2348-9359 (प्रिंट)। http://www.irjmsh.com/

एल्हेंस, जे. (2024). चेरी ब्लॉसम डेज़ ["चेरी फूलों वाले दिन"] (आर. सेठी और एच. नंदराजोग, एड., पीपी. 37-46)। घर कहलाने वाली जगह में. साहित्य अकादमी. आईएसबी.ए.न: 978-93-6183-799-9.

एल्हेंस, जे. (2024). तीसरी आंख ["तीसरी आंख"] (आर. सेठी और एच. नंदराजोग, एड., पीपी. 108-120)। एक जगह में जिसे घर कहा जाता है। साहित्य अकादमी.आईएसबी.ए.न:978-93-6138-799-9.

चंद्रा, के. (2024). जापान में 1. : की वराति. गगनचुंला। आईएसएसएन 0971-1430

एम. शर्मा, अधिकारी, पी., चेतिया, जे., शर्मा, एम., और बडवाइक, एल.एस. (2025)। नींबू के छिलके से प्राप्त फाइटोकंपाउंड युक्त ज़िंक ऑक्साइड नैनोकणों को चिटोसन कोटिंग द्वारा सुदृढ़ करके अंगूरों की शेल्फ लाइफ बढ़ाई गई। साइंटिया हॉर्टिकल्चर, 342, 114018। https://doi.org/10.1016/j.scienta.2024.114018

अरशद, पीएम, शर्मा, एन., मैबाम, बीडी, और शर्मा, एम. (2024). पादप मैट्रिक्स से प्राप्त गैर-डेयरी स्रोतों की शेल्फ-लाइफ़ विस्तार पर नवीन तकनीकों के प्रभाव की समीक्षा। फ़ूड केमिस्ट्री एडवांसेज़, 100781. https://doi.org/10.1016/j.fca.2024.100781

भसीन, ए., मैबाम, बी.डी., और शर्मा, एम. (2024). रागी (एल्यूसिन कोराकाना एल.) पर समीक्षा: पोषण संरचना, परिवर्तन, भौतिक-रासायनिक, संरचनात्मक, कार्यात्मक गुणों पर इसका प्रभाव और इसके अनुप्रयोग। जर्नल ऑफ फूड कंपोजिशन एंड एनालिसिस, 106623. https://doi.org/10.1016/j.jfca.2024.106623

फैबिल, एम., दुबे, पी.के., रॉय, एस., और शर्मा, एम. (2024). कटहल के बीजों का मूल्यांकन: पोषण क्षमता, मूल्य संवर्धन और औद्योगिक अनुप्रयोगों की एक व्यापक समीक्षा। खाद्य और मानवता, 100406। https://doi.org/10.1016/j.foohum.2024.100406

कटारिया, पी., गुप्ता, आर.के., गुप्ता, ए.के., कौर, आर., शर्मा, एम., झा, ए.के., और कौर, एस. (2025)। खाद्य इलेक्ट्रॉनिक्स पर एक अत्याधुनिक समीक्षा: जैव-संगत और अंतर्ग्रहणीय उपकरणों के लिए अगली पीढ़ी की तकनीकें। खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी के रुझान, 104880। https://doi.org/10.1016/j.tifs.2024.104880

माहे, पी., शर्मा, एम., सोनटक्के, एम., गुप्ता, ए.के., झा, ए.के., और खान, जे.एम. (2025)। अनानास के रस और बोगनविलिया स्पेक्टेबिलिस फूल के पाउडर का उपयोग करके कार्यात्मक पेय का विकास: गुणवत्ता और भंडारण स्थिरता पर प्रभाव। जर्नल ऑफ स्टोर्ड प्रोडक्ट्स रिसर्च, 112, 102587 https://doi.org/10.1016/j.jspr.2024.102587

मनोहरन, एस., दुबे, पी.के., और शर्मा, एम. (2024). तेल अवशोषण को कम करने के लिए पूर्व-उपचार और खाद्य कोटिंग के माध्यम से डीप-फैट फ्राइंग में हालिया प्रगति। जर्नल ऑफ फूड प्रोसेस इंजीनियरिंग, 47(8), e14706। https://doi.org/10.1111/jfpe.14706

विभिन्न विधियों के संयोजन का उपयोग करके अनार (पुनिका ग्रेनाटम एल.) के छिलके से फाइटोकेमिकल यौगिक निकालने की नवीन तकनीकों की समीक्षा। बायोमास रूपांतरण और बायोरिफाइनरी, 1-21। https://doi.org/10.1007/s13399-024-04715-2

राहुल, पीबी, तिवारी, आरके, दाश, केके, और शर्मा, एम. (2024). अनार के छिलके के अर्क और दीवार सामग्री के संयोजन के एनकैप्सुलेशन में हालिया प्रगति: खाद्य उद्योग में एनकैप्सुलेशन तकनीकों, विशेषताओं और अनुप्रयोगों की समीक्षा। सतत खाद्य प्रौद्योगिकी। https://doi.org/10.1007/s44193-024-00073-z

रोड्रिग्ज, एस., कौर, के., और शर्मा, एम. (2025). अनार के छिलकों से निष्कर्षण विधियाँ और जैवसक्रिय यौगिक: टिकाऊ पैकेजिंग अनुप्रयोगों के लिए एक व्यापक समीक्षा. खाद्य जैव वृहत् अणु. https://doi.org/10.1016/j.foodbio.2025.100115

शुक्ला, एम., घरोटे, ए.एस., और शर्मा, एम. (2024). संवेदी तकनीकों में हालिया प्रगति। खाद्य उत्पादन में संवेदी विज्ञान के अनुप्रयोग (पृष्ठ 197-223)। आईजीआई ग्लोबल। https://doi.org/10.4018/978-1-6684-9433-2.ch011

कपूर, गांधी, एन. (2024, अक्तूबर-दिसंबर)। भारत और ऑस्ट्रेलिया में बहुसंस्कृतिवाद का तुलनात्मक विश्लेषण: चुनौतियाँ और सामाजिक न्याय। शोध सरिता: एक अंतर्राष्ट्रीय द्विभाषी समकक्ष-समीक्षित रेफरीड शोध पत्रिका, 11(44), आईएसएसएन: 2348-2397।

नेहा (2024). भारत के संदर्भ में केले की उत्पादकता को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक। भंडारकर ओरिएंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट के इतिहास, आईएसएसएन: 0378-1143।

गुप्ता, पी. (2024). भारत में सूक्ष्म वित्त संस्थानों की कुल कारक उत्पादकता का विश्लेषण। मंथन: द जर्नल ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट, 11 (2), जुलाई-दिसंबर। आईएसएसएन: 2347-4440. https://doi.org/10.17492/jpi.manthan.v11i2.1122410

गुप्ता, आर. (2024). छत्रपति शिवाजी महाराज और उनका लोक प्रशासन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कल्चरल स्टडीज एंड सोशल साइंसेज, जनवरी-जून 2024. https://acrobat.adobe.com/id/urn:aaid:sc:AP:4dbcc5ff-19d7-4c22-a9e6-e6741509b10d?comment_id=92c6837c-cf3c-443e-a7e7-6ee51d0d6de3

गुप्ता, आर. (2024, दिसंबर)। शारीरिक शिक्षा और राष्ट्र निर्माण - भारतीय शिक्षामित्र के शारीरिक शिक्षा पर विचार. राजभाषा भारती. गृह मंत्रालय. ISSN:0970-9398. https://rajbhasha.gov.in/hi/official-journals-articles

सेठ, एस. (2024). आत्म और आंतरिक विकास: पूर्वी दृष्टिकोण और परंपराएँ. कॉन्सेप्ट पब्लिशर्स. आईएसबी.ए.न 93-6344-505-4.

सेठ, एस. (सं.) (2024). विशेषांक - इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ एंड वेल-बीइंग (खंड 15). आईएसएसएन प्रिंट: 2229-5356; इलेक्ट्रॉनिक: 2321-3698.

वर्मा, एस.के., भट्टाचार्य, एस., और सिंह, टी. (2024). परस्पर निर्भर समाज में पारिवारिक गतिशीलता और अंतर-पीढ़ीगत संबंध: एक भारतीय परिप्रेक्ष्य। वी. चंद्रा और एस.एल. ब्लेयर (सं.), भारतीय परिवार: समकालीन पारिवारिक संरचनाएँ और गतिशीलता (परिवार अनुसंधान में समकालीन परिप्रेक्ष्य, खंड 26, पृष्ठ 97-125)। एमराल्ड पब्लिशिंग। https://doi.org/10.1108/S1530-353520240000026006

भनोट, डी., और वर्मा, एस.के. (2024). जातिगत कलंक के अनुभव: स्वास्थ्य और कल्याण. मनोवैज्ञानिक अध्ययन. https://doi.org/10.1007/s12646-023-00780-0

पांडे, जे., भारती, पी., वर्मा, एस.के., और अन्य (2024). कलंक और हाशिए पर डालना: भारत में विभिन्न कलंकित समूहों की तुलना। मनोवैज्ञानिक अध्ययन। https://doi.org/10.1007/s12646-024-00803-4

भारती, पी., पांडे, जे., वर्मा, एस.के., और सिंह, टी. (2024). भारतीय संदर्भ में सामाजिक कलंक पैमाने का विकास, मनोवैज्ञानिक अध्ययन। https://doi.org/10.1007/s12646-024-00787-1

राज, एस., घोष, डी., और वर्मा, एस.के. (2024). भारतीय ग्रामीण परिवेश में आत्महत्या की कम रिपोर्टिंग पर सामुदायिक धारणाओं का अन्वेषण: एक मनोसामाजिक और सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य। मानसिक स्वास्थ्य और रोकथाम। https://doi.org/10.1016/j.mhp.2024.200343

भारती, पी., वर्मा, एस.के., और बाजपेयी, ए. (2024). कलंक से निपटना: भारतीय संदर्भ में पैमाने का विकास और प्रारंभिक सत्यापन. मनोवैज्ञानिक अध्ययन. https://doi.org/10.1007/s12646-024-00801-6

मित्तल, एस., सिंह, टी., कौर, एच., वर्मा, आर., दास, एस., आर्य, वाई.के., वर्मा, एस.के., शरद, एस., भनोट, डी., मेरवाल, यू., जायसवाल, ए., भारती, वी.के., और तुषिर, बी. (2025)। विवाहित महिलाओं पर कोविड-19 और सामाजिक दूरी के उपायों का प्रभाव: एक गुणात्मक जाँच। आर. वर्मा (सं.), भारत में कोविड-19 के बाद विशिष्ट आबादी की मानसिक, भावनात्मक और व्यवहारिक स्वास्थ्य आवश्यकताएँ: गुणात्मक और मात्रात्मक अध्ययनों के निष्कर्ष (पृष्ठ 43-60)। रूटलेज। आईएसबी.ए.न: 9781032833682

बेगम, एस. (2024, सितंबर)। उर्दू में चांद अहम मंज़ूम तारीख़ाई। कौमी ज़बान [यूजीसी केयर-सूचीबद्ध जर्नल]। आईएसएसएन 2321-4627.

बेगम, एस. (2024, अक्तूबर)। उर्दू में तारीख निगारी की तारीख़ इब्तेदा और इर्तेक़ा, अथर्वी सदी से लेकर 1947. आईएसबी.ए.न 978-93-5156-107-1

कालरा, एस. (2024). मशीन लर्निंग पद्धतियों का उपयोग करके आईपीओ पूर्वानुमान: डिजिटल युग में वित्तीय बाज़ारों की एक व्यवस्थित समीक्षा. अर्थशास्त्र: इंडियन जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड रिसर्च, 13 (2), अप्रैल-जून. https://doi.org/10.17010/aijer/2024/v13i2/173502

कालरा, एस. (2024). भारतीय आईपीओ की सफलता पर कोविड-19 के डर के प्रभाव का खुलासा: एक व्यापक परीक्षण। मुद्रा: जर्नल ऑफ फाइनेंस एंड अकाउंटिंग, 11 (1), जनवरी-जून। https://doi.org/10.17492/jpi.mudra.v11i1.1112402

शरद, एस. (2024). भावनात्मक रचनात्मकता: कुछ व्यावहारिक चिंताएँ। जी. मिश्रा और आई. मिश्रा (सं.), सांस्कृतिक संदर्भ में भावनाएँ। स्प्रिंगर। प्रिंट आईएसबी.ए.न: 978-3-031-46348-8; ऑनलाइन आईएसबी.ए.न: 978-3-031-46349-5। https://doi.org/10.1007/978-3-031-46349-5_23

शरद, एस., एट अल. (2024). रूढ़िवाद रचनात्मकता की नकारात्मक भविष्यवाणी करता है: 28 देशों में एक अध्ययन. जर्नल ऑफ क्रॉस-कल्चरल साइकोलॉजी. https://doi.org/10.1177/00220221241238321

शर्मा, एस., चौधरी, पी., और डावर, वी. (2025)। भारत में आय प्रबंधन पर कार्यकारी वेतन और कार्यकारी शक्ति का प्रभाव। एनएमआईएमएस प्रबंधन समीक्षा। आईएसएसएन: 0971-1023। ऑनलाइन आईएसएसएन: 3049-5040। https://doi.org/10.1177/09711023251323399

शर्मा, एस. कौर, जी., और सरीन, आर. (2025). व्यावसायिक सांख्यिकी (2025 संस्करण). टैक्समैन पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड. आईएसबी.ए.न: 9789364550758.

शर्मा, एस और शर्मा, एस.के. (2025). बिज़नेस एनालिटिक्स (प्रथम संस्करण). स्कॉलर टेक प्रेस (एमकेएम पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड). आईएसबी.ए.न: 978-93-91720-30-8.

सिंह, एस., सूरी, एस., और सिंह, आर. (2024). ब्राउनटॉप बाजरा अनाज पेस्ट और साबुत ब्राउनटॉप बाजरा आटे के पेस्ट की श्यानता का निर्धारण। करंट न्यूट्रिशन एंड फ़ूड साइंस, 20(9), 1138-1144। https://doi.org/10.2174/1573401319666220414151056

सूरी, एस., और सिंह, एस. (2024). वैश्विक अलसी खाद्य बाज़ार और हालिया तकनीकी प्रगति। अलसी में (पृष्ठ 119-137)। अकादमिक प्रेस। https://doi.org/10.1016/B978-0-443-19838-9.00014-3

चौधरी, एस.आर. (2024, अगस्त)। ब्रिटिश आर्थिक नीतियाँ और भारत के दमित उद्योग। भारतीय ज्ञान प्रणाली का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 1. आईएसएसएन (ऑनलाइन): 3048-7315।

सोंधी, वी., धवन, डी., और माथुर, ए. (2024). मनोवैज्ञानिक संरचनाओं को बेहतर बनाने में बुद्ध के लोटस सूत्र का प्रभाव। इंटीग्रेटिव हेल्थ केयर में स्वास्थ्य मनोविज्ञान (प्रथम संस्करण, पृष्ठ 8) में। रूटलेज।

https://doi.org/10.4324/9781003596806

हमीद, एस., और सोंधी, वी. (2024). सीलिएक रोग से ग्रस्त बच्चों के अनुभव। जर्नल ऑफ इंडियन एसोसिएशन फॉर चाइल्ड एंड एडोलसेंट मेंटल हेल्थ, 20(4),314-322। https://journals.sagepub.com/doi/full/10.1177/09731342241277425

बेनीवाल, ए., सोंधी, वी., और बानिक, एन.डी. (2024). भारत में घरेलू हिंसा और पीड़ितों के दृष्टिकोण का एक गुणात्मक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज रिव्यू, 12 (2), 223-230। आईएसएसएन: 2347-3797 (प्रिंट संस्करण)

बेनीवाल, ए., सोंधी, वी., और बानिक, एन.डी. (2024). चुप्पी तोड़ना: घरेलू हिंसा के खुलासे में आने वाली बाधाओं पर सामाजिक कार्यकर्ता। इंडियन जर्नल ऑफ पॉजिटिव साइकोलॉजी। आईएसएसएन: 2229-4937 (प्रिंट संस्करण), आईएसएसएन: 2321-368X (इलेक्ट्रॉनिक संस्करण)

बेनीवाल, ए., सोंधी, वी., और भारद्वाज, ए. (2024). पेशेवर मनोवैज्ञानिक सहायता चाहने वालों के आत्म-कलंक में आयु-अंतर की प्रारंभिक जाँच। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड मैनेजमेंट स्टडीज़। आईएसएसएन: 2231-5632 (प्रिंट संस्करण) आईएसएसएन: 2321-3671 (इलेक्ट्रॉनिक संस्करण)

पुस्तकें और पुस्तक में अध्याय

कुमारी, ए., और मणि, एस. (2025)। लैंगिक और शासन: भारत के चुनावी परिदृश्य में महिलाओं का बढ़ता प्रभाव। भारतीय संविधान की यात्रा: विचार, मुद्दे, संस्थाएँ और प्रभाव (खंड II, पृष्ठ 315-332) में। डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार।

कुमारी, ए. (2024). इसकी प्रकृति और लक्षण-चित्रण पर वैकल्पिक परिप्रेक्ष्य। वैश्वीकरण: रूपरेखाएँ और रुझान (पृष्ठ 111-131) में। पिनेकल लर्निंग।

कुमार, ए., मुलजकर, ए.ए., और हेज़ेला, बी. (2025). क्रिप्टोग्राफी और सुरक्षा में रुझान. साइंटिफिक इंटरनेशनल पब्लिशिंग हाउस.

कक्कड़, डी., सहाय, एम., और अग्रवाल, एस. (2025)। बिक्री संवर्धन (पहला संस्करण)। गलगोटिया प्रकाशन।

सेठी, आर., और नंदराजोग, एच. (सं.) (2024). एक जगह जिसे घर कहते हैं: सुषम बेदी की कहानियाँ. साहित्य अकादमी.

नंदराजोग, एच. (2024). वर्तमान के रूप में इतिहास: सम्राट अशोक। दया प्रकाश सिन्हा में : नाट्य-सृष्टि एवं दृष्टि (पृ. 199-206)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए)।

एल्हांस, जे. (2024). चेरी ब्लॉसम डेज़ (अनुवादक). एच. नंदराजोग और आर. सेठी (संपादक), अ प्लेस कॉल्ड होम (पृष्ठ 37-46) में। साहित्य अकादमी।

एल्हांस, जे. (2024). तीसरी आँख (अनुवादक). एच. नंदराजोग और आर. सेठी (सं.), अ प्लेस कॉल्ड होम (पृष्ठ 108-120) में। साहित्य अकादमी।

शुक्ला, एम., घरोटे, ए.एस., और शर्मा, एम. (2024). संवेदी तकनीकों में हालिया प्रगति। खाद्य उत्पादन में संवेदी विज्ञान के अनुप्रयोग (अध्याय 10, पृष्ठ 197-223)। आईजीआई ग्लोबल। https://doi.org/10.4018/979-8-3693-2121-8.ch010

नागपाल, आर., और यादव, ए. (2025). जटिल विश्लेषण के आवश्यक तत्व (टीसी-1305). सुल्तान चंद एंड संस.

सेठ, एस., और चड्ढा, एन.के. (2025). आत्म और आंतरिक विकास: पूर्वी दृष्टिकोण और परंपराएँ. कॉन्सेप्ट पब्लिशर्स.

बेगम, एस. (2024). उर्दू में तारीख निगारी की तारीख: इब्तेदा और इर्तेक़ा, अथरवी सदी से लेकर 1947 तक। प्रिंट टेक.

कुमारी, ए., और मणि, एस. (2025)। लैंगिक और शासन: भारत के परिदृश्य में महिलाओं का बढ़ता प्रभाव। भारतीय संविधान की यात्रा: विचार, मुद्दे, संस्थाएँ और प्रभाव (खंड 2, पृष्ठ 315-332) में। डॉ. अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय।

शर्मा, एस.के., और शर्मा, एस. (2025). बिज़नेस एनालिटिक्स (प्रथम संस्करण). स्कॉलर टेक प्रेस (एमकेएम पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड).

कौर, जी., शर्मा, एस., और सरीन, आर. (2025). व्यावसायिक सांख्यिकी (2025वां संस्करण). टैक्समैन पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड.

वर्मा, एस.के., भट्टाचार्य, एस., और सिंह, टी. (2024). परस्पर निर्भर समाज में पारिवारिक गतिशीलता और अंतर-पीढ़ीगत संबंध: एक भारतीय परिप्रेक्ष्य। वी. चंद्रा और एस.एल. ब्लेयर (सं.), भारतीय परिवार: समकालीन पारिवारिक संरचनाएँ और गतिशीलता (परिवार अनुसंधान में समकालीन परिप्रेक्ष्य, खंड 26, पृष्ठ 97-125)। एमराल्ड पब्लिशिंग। https://doi.org/10.1108/S1530-353520240000026006

मित्तल, एस., सिंह, टी., कौर, एच., वर्मा, आर., दास, एस., आर्य, वाई.के., वर्मा, एस.के., शरद, एस., भनोट, डी., मेरवाल, यू., जायसवाल, ए., भारती, वी.के., और तुषिर, बी. (2025)। विवाहित महिलाओं पर कोविड-19 और सामाजिक दूरी के उपायों का प्रभाव: एक गुणात्मक जाँच। आर. वर्मा (सं.), भारत में कोविड-19 के बाद विशिष्ट आबादी की मानसिक, भावनात्मक और व्यवहारिक स्वास्थ्य आवश्यकताएँ: गुणात्मक और मात्रात्मक अध्ययनों के निष्कर्ष (पृष्ठ 43-60)। रूटलेज।

सोंधी, वी., धवन, डी., और माथुर, ए. (2024). मनोवैज्ञानिक संरचनाओं को बेहतर बनाने में बुद्ध के लोटस सूत्र का प्रभाव। एकीकृत स्वास्थ्य देखभाल में स्वास्थ्य मनोविज्ञान (प्रथम संस्करण, पृष्ठ 8) में। रूटलेज।

कालिया, योजना. (2024). हिंदी कहानी. अक्षर प्रकाशन एवं वितरक।

अनुसंधान परियोजनाएँ

डॉ. सीमा शर्मा को 30 मई, 2024 को राजनगर एक्सटेंशन सोसाइटीज़ के महासंघ द्वारा प्रायोजित "उच्च शिक्षा में सामुदायिक भागीदारी: बेहतर पर्यावरण, समाज और शासन के लिए राजनगर एक्सटेंशन में स्थानीय मुद्दों पर शोध" शीर्षक से एक परियोजना प्रदान की गई।

आयोजित संगोष्ठियां

प्रो. जीजेवी प्रसाद, प्रो. निशात जैदी ने प्लेनरी सत्र दिया, जिसके बाद रूटलेज पब्लिकेशन हाउस के संपादकों के बीच एक पैनल चर्चा हुई और 17 अक्तूबर, 2024 को एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया।

आयोजित सम्मेलन

आईक्यूएसी और ई-सेल, विवेकानंद महाविद्यालय ने बुरामी विश्वविद्यालय, ओमान और दिल्ली मेट्रोपॉलिटन एजुकेशन (डीएमई), जीजीएसआईपीयू के सहयोग से 12-13 फरवरी, 2025 को दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग ने 30 सितंबर से 1 अक्तूबर, 2024 तक सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत आईक्यूएसी और राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान (एनआईएसडी) के सहयोग से "डिजिटल युग में वृद्धावस्था" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 7

कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या: 10

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- सामाजिक आउटरीच और सामुदायिक विकास समिति द्वारा शाहदरा जिला दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सहयोग से कानूनी जागरूकता पर 30 घंटे का अतिरिक्त प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- 'मस्ती की पाठशाला (वॉयस ऑफ वीमेन फाउंडेशन)' के सहयोग से, एसओसीडीसी द्वारा झिलमिल कॉलोनी स्थित झुग्गी बस्ती में गांधी जयंती समारोह का आयोजन किया गया।
- 'स्लम स्वराज फाउंडेशन' के सहयोग से स्वयंसेवकों ने एसओसीडीसी द्वारा झिलमिल कॉलोनी के बच्चों के साथ दिवाली मनाई।
- डीएलएसए के सहयोग से, एसओसीडीसी द्वारा एक आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षक श्री आचार्य राकेश कुमार, मुख्य कराटे प्रशिक्षक एवं मिशन महिला सुरक्षा, निर्भया ज्योति ट्रस्ट के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी थे।
- विवेकानंद महाविद्यालय की टीम एनेक्टस ने प्रोजेक्ट ईकोउचर-कचरे से अलमारी तक के तहत "फैशन के लिए प्यार" थीम के साथ प्रभा 3.0 प्रस्तुत किया और टिकाऊ और नैतिक फैशन को श्रद्धांजलि दी।
- ईको क्लब ने श्री सत्य साईं सेवा संगठन (एसएसएसएसओ), दिल्ली-एनसीआर के सहयोग से परिसर में एक वृक्षारोपण अभियान चलाया। इस दौरान कुल 108 पेड़ लगाए गए।
- एनएसएस दिवस के अवसर पर, एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में छात्रों और कार्मिकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और जीवन बचाने के लिए रक्तदान किया।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय ने विभिन्न विषयों से 565 नई पुस्तकें प्राप्त कीं। अब संग्रह का कुल योग 68236 है। 13 समाचार-पत्र और 23 पत्रिकाएँ पुस्तकालय द्वारा सब्सक्राइब की गई हैं। ई-डेटाबेस डीयूएलएस के माध्यम से सुलभ हैं। पुस्तकालय ने संरक्षक रिकॉर्डिंग सॉफ्टवेयर में लगभग 23248 लेनदेन रिकॉर्ड किए। इसके अतिरिक्त, DELNET के माध्यम से अंतर-पुस्तकालय ऋण सहित 10656 संचलन लेनदेन, पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर (LSease) और RFID सॉफ्टवेयर (KSmart) का उपयोग करके संसाधित किए गए थे। इस वर्ष के लिए पुस्तकालय की सदस्यता के लिए लगभग 720 प्रथम वर्ष के छात्रों को पंजीकृत किया गया। इसे किसी भी इंटरनेट ब्राउज़र के माध्यम से इसकी वेबसाइट URL का उपयोग करके एक्सेस किया जा सकता है। संग्रह और सेवाएँ QR कोड के माध्यम से सुलभ हैं। पुस्तकालय ने छंटनी की गई पुस्तकों की एक प्रदर्शनी का आयोजन किया, जहाँ छात्रों को मुफ्त में किताबें लेने का अवसर दिया गया

संकाय संख्या

- वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक: 8
- एसोसिएट प्रोफेसर: 22
- सहायक प्रोफेसर: 77
- अतिथि: 13

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित अनुदान: ₹ 42.80 करोड़

उपयोगित अनुदान: ₹ 42.65 करोड़

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- शुल्क रियायत: कुल 62 प्रार्थनाएँ पत्र प्राप्त हुए, जिसमें से नौ 8 को 100% (13500 रु) एवं 48 लड़कियां 50 % (7500 रु) प्रदान किया जाता है के गए।
- उद्यमिता प्रकोष्ठ और आईक्यूएसी ने आइडियल इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, दिल्ली और बुरामी विश्वविद्यालय, ओमान के सहयोग से दिल्ली विश्वविद्यालय के विवेकानंद महाविद्यालय में 'ई-शिखर सम्मेलन 2025' का आयोजन किया।
- वाणिज्य विभाग ने "एक्सप्लोरा-वार्षिक वाणिज्य महोत्सव" का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न हिस्सों से 2000-2500 स्नातक छात्रों ने भाग लिया।
- छात्र संघ सलाहकार समिति ने अपना वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव, पल्लवी 2025, आयोजित किया, जिसके पहले दो दिनों में 19 अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं।

अंतिम दिन एक शानदार कार्यक्रम हुआ, जिसमें पंजाबी गायक प्रभ गिल विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

****

ज़ाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

ज़ाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय (ZHDC) ने 2024-25 में एक गतिशील और उपलब्धियों से भरा शैक्षणिक वर्ष देखा। प्राचार्य प्रो. नरेंद्र सिंह ने 15-19 जुलाई, 2024 को हेलसिंकी, फ़िनलैंड में आयोजित संलयन विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए परमाणु, आणविक और प्लाज्मा-पदार्थ अंतःक्रिया डेटा पर IAEA दशकीय बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व करके संस्थान को गौरवान्वित किया। इस अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व ने ZHDC के बढ़ते शैक्षणिक और शोध प्रभाव को रेखांकित किया। स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के तहत, महाविद्यालय ने एक प्रभावशाली ई-कचरा अभियान चलाने के लिए कारो संभव के साथ भागीदारी की, जिसके परिणामस्वरूप पुनर्नवीनीकरण ई-कचरे से कुर्सियों और मेजों का निर्माण हुआ–जो नवाचार और पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी का प्रदर्शन था। ZHDC ने सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों में उत्कृष्टता प्राप्त की,

दिल्ली विश्वविद्यालय की आईएपीसी योजना के तहत इंटर्नशिप, अप्रेंटिसशिप और आउटरीच पहलों के माध्यम से छात्रों की सहभागिता बढ़ाने के लिए महाविद्यालय ने विभिन्न संस्थानों के साथ 13 समझौता-ज्ञापनों पर भी हस्ताक्षर किए। यूजीसी-एमएमटीटीसी के सहयोग से, 21 जनवरी से 4 फरवरी, 2025 तक "भारतीय ज्ञान परंपरा, नैतिकता और मानवीय मूल्य" पर 15-दिवसीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।

इसके अलावा, कौशल विकास शिक्षण केंद्र (एसडीएलसी) ने आरओ सर्विसिंग; एआई ऑप्टिमाइजेशन; परामर्श कौशल में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शुरू किए; और समग्र, भविष्य के लिए तैयार शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन थिंकिंग और इनोवेशन पर एक कार्यशाला-इनोक्वेस्ट की मेजबानी की।

सम्मान/विभूतियाँ

प्राचार्य प्रो. नरेंद्र सिंह ने 15-19 जुलाई, 2024 को हेलसिंकी, फ़िनलैंड में आयोजित संलयन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के लिए परमाणु, आणविक और प्लाज्मा-पदार्थ अंतःक्रिया डेटा पर IAEA दशकीय बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व करके संस्थान का नाम रोशन किया। इस अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व ने ZHDC के बढ़ते शैक्षणिक और शोध प्रभाव को रेखांकित किया।

प्रकाशन

लेख

कुमार आर.; सिंह एन.; गोयल ए. (2024). इलेक्ट्रॉन प्रभाव एकल आयनीकरण क्रॉस-सेक्शन और टंगस्टन आयनों W64+-W71+ के एल-शेल के मैक्सवेलियन दर-गुणांक. विकिरण भौतिकी और रसायन-विज्ञान, 220. https://doi.org/10.1016/j.radphyschem.2024.111672

यादव एफ.; गोयल ए.; सिंह एन. (2024). घने प्लाज्मा के तहत Fe IV का स्पेक्ट्रोस्कोपिक अध्ययन और Fe III आयनों का फोटोआयनीकरण. भौतिकी पत्र, खंड ए: सामान्य, परमाणु और ठोस अवस्था भौतिकी, 523(). https://doi.org/10.1016/j.physleta.2024.129765

यादव एफ.; गोयल ए.; सिंह एन.; मोहन एम. (2024). Cr VIII की मूल और उत्तेजित अवस्थाओं का प्रकाश आयनीकरण, जिसमें शामिल अनुनादों का रिडबर्ग श्रेणी विश्लेषण शामिल है. इंडियन जर्नल ऑफ फिजिक्स, 98(5),1573-1582. https://doi.org/10.1007/s12648-023-02955-x

कुमार आर.; गोयल ए.; सिंह एन. (2025). एनआईआई में बादल से ज़मीन पर गिरने वाली बिजली की तीव्रता और सक्रिय गैलेक्टिक नाभिक निषिद्ध नेबुलर रेखाओं के फ्लक्स अनुपात का विश्लेषण. इंडियन जर्नल ऑफ फिजिक्स, 99(2), 725-739. https://doi.org/10.1007/s12648-024-03288-z

गौतम एल.; वारकर एस.जी.; जैन एम. (2024). पॉलीविनाइल अल्कोहल के भौतिक-रासायनिक गुणों पर क्रॉसलिंकर के रूप में डाइकार्बोक्सिलिक एसिड के विषम-सम प्रभाव का प्रभाव. जर्नल ऑफ एप्लाइड पॉलिमर साइंस, 141 (40). https://doi.org/10.1002/app.56046 खेरवाल एम.; कुमार वी.; कांत आर.; तेजस्वी एस.; गोयल वी.के. (2024). अपशिष्ट प्रबंधन में उद्यमियों के लिए एक अवसर. एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन: अपशिष्ट से धन तक एक स्थायी दृष्टिकोण, (),395-411. https://doi.org/10.1007/978-981-97-0823-9_19

सिंह जे.; वज़ीर एम.; वर्मा एम.; वर्मा एच. (2024). डायटोमिक अणुओं की घूर्णी ऊर्जा और बोल्ट्ज़मैन जनसंख्या के लिए पायथन कोड. रेज़ोनेंस,29(9),1195-1209. https://doi.org/10.1007/s12045-024-1195-x

कुमार टी.; कुमार भार्गव ए.; शर्मा एम.के.; धीमान एन.; नैन एन. (2024). अस्थमा रोग में टाइप-2 फ़ज़ी इन्फ़रेंस सिस्टम और पीएसओ का हाइब्रिड दृष्टिकोण. क्लिनिकल ई-हेल्थ, 7,15-26. https://doi.org/10.1016/j.ceh.2024.01.001

मिर्ज़ा पी. (2024). आविष्कारशील भारतीय: उत्तर औपनिवेशिक भारत में तकनीकी कल्पनाएँ और पेटेंटिंग गतिविधियाँ (1911-48). दक्षिण एशिया: जर्नल ऑफ साउथ एशिया स्टडीज़, 47(2),319-338. https://doi.org/10.1080/00856401.2023.2269698

कुमार वी.; अग्रवाल आर.; मैरिग एस.के. (2024). चुंबकीय बाइनरी प्रणालियों में आकर्षित करने वाले क्षेत्रों की जटिलताओं का अनावरण: युकावा सुधार के प्रभाव की जांच. खगोल विज्ञान और कंप्यूटिंग, 46. https://doi.org/10.1016/j.ascom.2023.100783

अख़्तर एस.; चौहान वी.एस. (2024). सेवानिवृत्ति के बाद कर्मचारी देखभाल: समावेशी संगठनात्मक विकास की ओर एक कदम. संगठन, उद्देश्य और मूल्य: विविधता, समानता और समावेशन का एकीकरण, 276-290. https://doi.org/10.4324/9781003501374-19

भट्टाचार्जी एस.बी.; गंगवार एस.; कुमार एम.; सैनी के.; सैनी आर.; चौहान एस.; पांडे के.; एस्सा आर.; गोयल एन. (2024). IoT वातावरण में ब्लॉकचेन का उपयोग करके सुरक्षित डेटा ट्रांसमिशन के लिए एक कुशल ढांचा. जर्नल ऑफ ऑटोनॉमस इंटेलिजेंस, 7(2). https://doi.org/10.32629/jai.v7i2.1073

एंट्ज़क टी.; शुक्ला के. (2024). स्थानीय शंकु सन्निकटन के माध्यम से केवी-प्रकार I फ़ंक्शनों के साथ गैर-चिकनी वेक्टर अनुकूलन समस्याओं के लिए इष्टतमता और द्वैत परिणाम. ऑपरेशनल रिसर्च में गणित का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 28(3), 374-395. https://doi.org/10.1504/IJMOR.2024.140071

कृष्णा एस.; मलिक आर.पी. (2024). हॉज सिद्धांत के लिए एक क्वांटम यांत्रिक उदाहरण. एनल्स ऑफ फिजिक्स, 464. https://doi.org/10.1016/j.aop.2024.169657

यादव पी.; अंसारी एमडब्ल्यू; गिल आर.; टुटेजा एन.; गिल एसएस (2024). आर्सेनिक परिवहन, विषहरण, और शमन के लिए हाल की प्रौद्योगिकियां: एक प्रणालीगत समीक्षा। प्लांट फिजियोलॉजी और बायोकैमिस्ट्री, 213। https://doi.org/10.1016/j.plaphy.2024.108848

चौहान वी.एस.; अख्तर एस. (2024). संकट के समय में संगठनात्मक सामंजस्य: गुरुग्राम स्थित संगठनों से नूह अशांति कथाओं का केस स्टडी. संगठन, उद्देश्य और मूल्य: विविधता, समानता और समावेशन को एकीकृत करना, 554-563. https://doi.org/10.4324/9781003501374-41

वीर आर.; जेहान टी.; भट के.वी.; लखनपॉल एस. (2024). विग्ना सावी वंश के उपजाति सेराटोट्रोपिस के मुंगो-रेडियाटा समूह की प्रजातियों में आनुवंशिक विविधता का आकलन। प्रवर्धित खंड लंबाई बहुरूपता (एएफएलपी) का उपयोग करके। वेजिटोस, 37(4), 1443-1456। https://doi.org/10.1007/s42535-023-00683-5

सिंह डी.के.; भट्ट एच. (2024). बायेसियन मॉडल का उपयोग करके कोविड-19 मामलों के लिए पैरामीटर अनुमान. मोंटेस टॉरस जर्नल ऑफ प्योर एंड एप्लाइड मैथमेटिक्स, 6(2),99-108. https://mtjpamjournal.com/wp-content/uploads/2024/12/MTJPAM-D-24-00010.pdf

कुमार पी.; पिंकी; नसीब; यादव ए.; दुबे केके (2024). माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण: स्रोत, नियति, प्रभाव, पहचान और पर्यावरण से निष्कर्षण पर एक परिप्रेक्ष्य। विषाक्त और खतरनाक रसायनों का जैव-अपघटन: उपचार और संसाधन पुनर्प्राप्ति, 162-177। https://doi.org/10.1201/9781003391487-11

रावत के.; झा के.; शिशोदिया जी.; शिशोदिया पी.के. (2024). सौर सेल अनुप्रयोगों के लिए CuInSe2 पतली फिल्मों में 120 MeV Ag9+ आयन विकिरण प्रेरित संशोधन. इलेक्ट्रॉनिक सामग्री जर्नल. https://doi.org/10.1007/s11664-024-11661-1

खजूरिया ए.; सक्सेना पी.; सोनवानी एस.; श्रीवास्तव ए. (2024). होली के त्यौहार के दौरान पार्टिकुलेट मैटर (पीएम10 और पीएम2.5) के साँस के माध्यम से संपर्क में आने से मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव. इनहेलेशन टॉक्सिकोलॉजी, 36(4),228-239. https://doi.org/10.1080/08958378.2024.2341247

प्रकाश एच.; चहल एस.; सिंधु जे.; त्यागी पी.; शर्मा डी.; गुइन एम.; श्रीवास्तव एन.; सिंह के. (2024). डायस्टेरोमेरिक शुद्ध पाइराज़ोलिल-इंडोलिल डायहाइड्रोफ्यूरन्स: इन विट्रो और इन सिलिको अंतर्दृष्टि के माध्यम से जीवाणुरोधी क्रिया में आइसोमेरिक चयनात्मकता का अनावरण. बायोऑर्गेनिक और मेडिसिनल केमिस्ट्री लेटर्स,114. https://doi.org/10.1016/j.bmcl.2024.130005

भटनागर पी.; बंसल आर.; विश्वकर्मा वीके; यादव एचएन; डिंडा ए.के.; गुप्ता वाईके (2024). कैंसर कोशिकाओं के विरुद्ध डॉक्सोरूबिसिन और रीटा से युक्त पीएच-अनुक्रियाशील डेक्सट्रान नैनोकण: सहक्रियात्मक निरोधात्मक प्रभाव। जर्नल ऑफ नैनोपार्टिकल रिसर्च, 26 (6)। https://doi.org/10.1007/s11051-024-06032-0

यादव पी.; अंसारी एमडब्ल्यू; सैनी एस.; पुनिया एस.; कौला बीसी; रानी वी.; गिल एसएस; टुटेजा एन. (2024). औषधीय और सुगंधित पौधों में अजैविक तनाव और सहनशीलता रणनीतियों के प्रभाव की समीक्षा और भविष्य की संभावनाएँ. रेविस्टा ब्रासीलीरा डी बोटानिका,47(3),683-701. https://doi.org/10.1007/s40415-024-01004-z

जोरवाल पी.; आरिफ; कुमार डी. (2024). तीन विश्लेषणात्मक विधियों का उपयोग करके (2 þ 1)-आयामी विस्तारित उथले जल तरंग समीकरण के लिए सोलिटन समाधानों की एक विशाल विविधता. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मॉडर्न फिजिक्स बी, 38 (7). https://doi.org/10.1142/S0217979224501042

समीक्षा; बिष्ट के.के.; गुप्ता ए.; कांत आर.; कुमार आर. (2024). औद्योगिक खतरनाक और गैर-खतरनाक कचरे का रासायनिक प्रबंधन. एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन: कचरे से धन तक एक स्थायी दृष्टिकोण, 119-139. https://doi.org/10.1007/978-981-97-0823-9_6

चतुर्वेदी एम. (2024). जीवन लेखन, प्रतिनिधित्व और पहचान: वैश्विक परिप्रेक्ष्य. जीवन लेखन, प्रतिनिधित्व और पहचान: वैश्विक परिप्रेक्ष्य, 1-264. https://doi.org/10.4324/9781003422921

शर्मा एम.के.; धीमान एन.; शर्मा ए.; कुमार टी. (2024). क्षय रोग और अल्ज़ाइमर रोग के लिए आईओएमटी त्सुकामोटो टाइप-2 फ़ज़ी विशेषज्ञ प्रणाली. क्लिनिकल ई-हेल्थ, 7,77-91. https://doi.org/10.1016/j.ceh.2024.05.002

कुमार ए.; खान ए.; अब्दुल्ला ए. (2024). डेंगू बुखार एसआईआर मॉडल को हल करने के लिए फिबोनाची वेवलेट कोलोकेशन विधि. गणित,12(16). https://doi.org/10.3390/math12162565

रावत एस.; रावत एएस; डबास एस.; कोरंगा बी.ए.स (2024). क्वाटरनियन स्पेस में सुपरसिमेट्री ब्रेकिंग। इंडियन जर्नल ऑफ फिजिक्स, 98 (5), 1857-1863। https://doi.org/10.1007/s12648-023-02949-9

कुमारी ए.; हुड्डा बी.; पंघाल ए.; कटारिया एन.; धीमान आर.; दलाल आर.; कुमार एम.; कुमार एस. (2024). एलईडी फ्लोरीमीटर का उपयोग करके भारत के हरियाणा के चरखी दादरी जिले के भूजल में यूरेनियम सांद्रता. जर्नल ऑफ रेडियोएनालिटिकल एंड न्यूक्लियर केमिस्ट्री, 333(11), 5823-5829. https://doi.org/10.1007/s10967-024-09531-5

मिसरा एम. (2024). प्रतिरोध की आवाज़ें: मियाह कविता में लैंगिक, नागरिकता और अधिकार.एशियाटिक,18(2),31-50. https://doi.org/10.31436/asiatic.v18i2.3419

राठौर एल.; सिंह वी.; शर्मा एमके; धीमान एन.; मिश्रा वीएन (2024). कोविड-19 महामारी में फ़ज़ी लॉजिक विश्लेषण की समीक्षा और कोविड-19 के विश्लेषण में विस्तारित हेक्सागोनल अंतर्ज्ञानवादी फ़ज़ी संख्या के माध्यम से एक नई तकनीक। नियंत्रण और अनुकूलन में परिणाम,17. https://doi.org/10.1016/j. rico.2024.100498

मिश्रा एम.; ढकला एस.; दीनदयाल पी.के.; कुमार एम.; कश्यप एम.के. (2024). इंडियम सेलेनाइड (InSe) आधारित फोटोडिटेक्टरों में हालिया प्रगति: एक लघु समीक्षा. इंडियन जर्नल ऑफ प्योर एंड एप्लाइड फिजिक्स, 62 (6), 517-521. https://doi.org/10.56042/ijpap.v62i6.8788

मदन ए.; कुमारी एस.; कुमार एस. (2024). पुष्प रस माइक्रोबायोम: एक अप्रयुक्त पहलू और बदलते वैश्विक परिदृश्यों में पौधों पर इसका समग्र प्रभाव. विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार में प्रगति, भाग F2519,179-185. https://doi.org/10.1007/978-3-031-51647-4_15

शर्मा एन.के.; रतन जे.; गांधी एन.; अली एस.; श्रीवास्तव ए.के. (2024). भारी धातु अवशोषण के लिए अधिशोषक के रूप में कुशल कार्बनिक-एमजीओ मैट्रिक्स: स्पेक्ट्रोस्कोपिक, अधिशोषण समतापी, गतिज और ऊष्मागतिक विश्लेषण. इंडियन जर्नल ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, 31(4), 622-630. https://doi.org/10. 56042/ijct.v31i4.8734

कुमार वाई.; जैन पी.; बंगोत्रा पी.; सिंह डी.वी.; कुमार वी.; राजौरिया एस.के. (2024). बड़े पैमाने पर परमाणु टकराव में परिमित रासायनिक क्षमता पर डाइफोटोन का द्रव्यमान स्पेक्ट्रा. ब्राज़ीलियन जर्नल ऑफ़ फ़िज़िक्स, 54 (1). https://doi.org/10.1007/s13538-023-01384-9

महंत जी. (2024). यूरेशिया के साथ भारत का संपर्क: आईएनएसटीसी और भारत-ईरान-अफगानिस्तान-मध्य एशिया परिवहन और पारगमन गलियारा. भारत और आंतरिक एशिया: वाणिज्य, संस्कृति और संपर्क, 169-183. https://doi.org/10.4324/9781003171560-16

कुमार वी.; कुमार एन. (2024). फोटोग्रैविटेशनल फोर-बॉडी प्रॉब्लम में आकर्षण क्षेत्रों की जाँच: कोरिओलिस और सेंट्रीफ्यूगल बलों में क्षुद्रग्रह बेल्ट और छोटे विक्षोभों के प्रभाव. आकाशीय पिंडों की गतिकी और भौतिकी, 40(2), 88-104. https://doi.org/10.3103/S0884591324020065

गुप्ता आर.; राणा एल.; वर्मा एम.; शर्मा ए.; तोमर एम.; चौधरी ए. (2024). रासायनिक विलयन निक्षेपण तकनीक का उपयोग करते हुए पीजेडटी आधारित दोहरी ऊर्जा हार्वेस्टर. जर्नल ऑफ मैग्नेटिज्म एंड मैग्नेटिक मैटेरियल्स, 600. https://doi.org/10.1016/j.jmmm.2024.172152

कुमार ए.; गुप्ता एन.; कुमार ए.; त्यागी एस.; कुमार वी.(2024).ऑन फ़ेरी एज ग्रेसफुल लेबलैंगिक.IAENG इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एप्लाइड मैथमेटिक्स,54(11),2484-2490। https://www.iaeng.org/IJAM/issues_v54/issue_11/IJAM_54_11_35.pdf

शिशोदिया जी.; गुप्ता एस.; पाहवा एन.; शिशोदिया पीके (2024). सोल-जेल विधि द्वारा संश्लेषित ZrO2 नैनोकण: पीएच और एनीलैंगिक तापमान पर आकार की निर्भरता. जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक मटेरियल, 53(9), 5159-5168. https://doi.org/10.1007/s11664-024-11185-8

गुप्ता एस.; शिशोदिया जी.; शिशोदिया पी.के. (2024). फोटोवोल्टिक अनुप्रयोगों के लिए ZrS2/MoS2 हेटरोस्ट्रक्चर का मॉडलैंगिक. जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक मैटेरियल्स, 53(9), 4997-5006. https://doi.org/10.1007/s11664-024-11086-w

चतुर्वेदी एम. (2024). दूसरे शब्दों में: एलेना पोनियाटोवस्का की पुस्तक हियर इज़ टू यू में सहयोग और उसकी (अ)विषयवस्तु, जीसस. जीवन लेखन, प्रतिनिधित्व और पहचान: वैश्विक परिप्रेक्ष्य, 37-48. https://doi.org/10.4324/9781003422921-4

जैन एम.; सक्सेना पी.; सोनवानी एस. (2024). उत्तरी भारत में वायु गुणवत्ता पर थार रेगिस्तान के धूल भरे तूफानों की विशेषताएं, गतिशीलता और प्रभाव। प्राकृतिक खतरे। https://doi.org/10.1007/s11069-024-07003-3

गोस्वामी वी.; दीपिका एस.; शर्मा पी.; कोथमासी डी. (2024). कृषि में उर्वरक के रूप में स्टील स्लैग का पुनर्चक्रण एक अच्छी चक्रीय अर्थव्यवस्था है, लेकिन यह मिट्टी में पौधों के सूक्ष्मजीवों के सहजीवन को बाधित करती है. संपूर्ण पर्यावरण का विज्ञान, 954. https://doi.org/10.1016/j.scitotenv.2024.176750

गौतम एल.; वारकर एस.जी.; जैन एम. (2024). संतृप्त और असंतृप्त डाइकारबॉक्सिलिक एसिड के साथ क्रॉसलिंक्ड पॉलीविनाइल अल्कोहल फिल्मों का भौतिक-रासायनिक मूल्यांकन: एक तुलनात्मक अध्ययन. पॉलिमर इंजीनियरिंग एंड साइंस, 64(8), 3703-3715. https://doi.org/10.1002/pen.26806

तोमर डी.; चौरसिया एम.; रघुवंशी वाई.; स्वामी आर.; गोपाल एस.; छिकारा ए.; चंद्रा एस.(2024).संश्लेषण, लक्षण वर्णन, सैद्धांतिक अध्ययन और सह(II), Ni(II) और Cu(II) शिफ बेस कॉम्प्लेक्स का बी.ए.सए बाइंडिंग। ईरानी जर्नल ऑफ साइंस,48(5),1161-1174। https://doi.org/10.1007/s40995-024-01641-9

टुटेजा जी.एस.; लाल टी. (2024). आइसबर्ग परिघटना सहित संशोधित एसआईआर मॉडल का उपयोग करके सुपर-स्प्रेडर्स के साथ कोविड-19 की वृद्धि का एक अध्ययन. जर्नल ऑफ द नाइजीरियन सोसाइटी ऑफ फिजिकल साइंसेज, 6(2). https://doi.org/10.46481/jnsps.2024.1828

सक्सेना पी.; सोनवानी एस.; जुहोला एस.; लुईस एफ. (2024). संपादकीय: 2030 की ओर: सतत विकास लक्ष्य 13 को प्राप्त करने पर एक स्थायी शहरों का परिप्रेक्ष्य-जलवायु कार्रवाई. सतत शहरों में सीमाएँ, 6. https://doi.org/10.3389/frsc.2024.1466952

आरिफ एम.; कांत एल.; कुमार जे. (2024). फोटोग्रेविटेशनल मैग्नेटिक-बाइनरी समस्या में आकर्षण के आधार, चपटेपन और अपव्यय के साथ. स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन फिजिक्स, 315 एसपीपी, 171-187. https://doi.org/10.1007/978-3-031-69134-8_12

कुमार वाई.; जैन पी.; बंगोत्रा पी.; कुमार वी.; सिंह डीवी; राजौरिया एसके (2024). क्यूजीपी अवस्था समीकरण पर समय-भिन्न चुंबकीय क्षेत्र की भूमिका। उच्च ऊर्जा भौतिकी में प्रगति, 2024. https://doi.org/10.1155/2024/1870528

गौतम एल.; जैन एम.; वारकर एस.जी. (2024). पॉलीविनाइल अल्कोहल का डाइ, ट्राइ और टेट्राकार्बोक्सिलिक एसिड के साथ क्रॉसलिंकिंग: एक प्रायोगिक जाँच. कोलाइड और पॉलिमर साइंस, 302(12), 1867-1879. https://doi.org/10.1007/s00396-024-05313-3

सैनी एस.; कुमार पी.; गुप्ता पी.; कांत आर.; खन्ना एमके; झाझरिया पी.; कुआंर बीके; कुमार वी. (2025). भविष्य को सुरक्षित रखना: विद्युत चुम्बकीय हस्तक्षेप शमन में नवीन सामग्रियों की भूमिका. जर्नल ऑफ अलॉयज़ एंड कंपाउंड्स, 1022. https://doi.org/10.1016/j.jallcom.2025.179969

प्रकाश एच.; चहल एस.; त्यागी पी.; शर्मा डी.; मंगयान एमआर; श्रीवास्तव एन.; सिंधु जे.; सिंह के. (2025). इन विट्रो, डीएफटी और सिलिको दृष्टिकोण का उपयोग करके पाइराज़ोलिल-डाइहाइड्रोफ्यूरन्स के विन्यासात्मक आइसोमर्स में जैविक असमानताओं को उजागर करना. जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर, 1319. https://doi.org/10.1016/j.molstruc.2024.139437

रितु; कुमार टी.; जाह्नवी; कुमार के.; धीमान एन.; शर्मा एमके (2025)। फ़ज़ी परिवहन मॉडल को अनुकूलित करने के लिए नोवेल पाइथागोरस फ़ज़ी स्कोर फ़ंक्शन। इंजीनियरिंग में परिणाम, 25. https://doi.org/10.1016/j.rineng.2025.104048

कुमार एम.; गौतम एम.के.; सिंह के.; हूर एसएच (2025)। एमएक्सीन-पीएएनआई नैनोहाइब्रिड्स की एक व्यापक समीक्षा: सुपरकैपेसिटर अनुप्रयोगों के लिए तैयारी, लक्षण वर्णन और विद्युत रासायनिक प्रदर्शन। जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल एंड इंजीनियरिंग केमिस्ट्री, 142,141-156। https://doi.org/10.1016/j.jiec.2024.08.016

सिंह एसए (2025)। द ह्यूमन एंड द पोस्टह्यूमन: मार्गरेट एटवुड की द हार्ट गोज़ लास्ट में अनिश्चित जीवन। मार्गरेट एटवुड का सौंदर्यशास्त्र: द आर्टपॉलिटिकल, 34-42। https://doi.org/10.4324/9781003450559-3

दुबे के.के.; यादव ए.; शाह एम.पी. (2025)। बायोरेमेडिएशन में चुनौतियाँ और स्थायी समाधान। बायोरेमेडिएशन में चुनौतियाँ और स्थायी समाधान, 1-191। https://doi.org/10.1201/9781003407317

सिंह डी.के.; ग्रोवर एस. (2025). विविधता सूचकांक से संबंधित योग रूप कार्यात्मक समीकरण पर. डेमोन्स्ट्रेटो मैथमेटिका, 58 (1).

सिंह एच.; कुमार एस.; आर्य ए. (2025). बायोरेमेडिएशन में चुनौतियाँ: पर्यावरणीय और तकनीकी बाधाओं पर काबू पाना. बायोरेमेडिएशन में चुनौतियाँ और स्थायी समाधान, 143-162. https://doi.org/10.1201/ 9781003407317-9

कुमार एम.; तोमर डी.; चौरसिया एम.; कुमारी ए.; जोगेंदर; चंद्रा एस. (2025). एक नए बेंज़ोथियाज़ोल-आधारित लिगैंड के साथ Co(II), Ni(II) और Cu(II) कॉम्प्लेक्स का संश्लेषण, स्पेक्ट्रोस्कोपिक लक्षण वर्णन, DFT-D2 विश्लेषण और BSA बाइंडिंग अध्ययन. संक्रमण धातु रसायन. https://doi.org/10.1007/ s11243-025-00632-y

कैन डी.; आर्य ए. (2025). भारी धातुओं के शमन हेतु फाइटोरेमेडिएशन के जैवरासायनिक और आणविक पहलू. बायोरेमेडिएशन में चुनौतियाँ और स्थायी समाधान, 74-85. https://doi.org/10.1201/9781003407317-5

वज़ीर एम.; वर्मा एच.; सिंह जे.; सिंह पी.; पासी एस. (2025). प्राकृतिक मिठास की लड़ाई: मोंक फ्रूट और स्टीविया के लिए एक व्यापक मार्गदर्शिका. पोषण और खाद्य विज्ञान में वर्तमान शोध,13(1),24-45. https://doi.org/10.12944/CRNFSJ.13.1.2

रावत के.; झा के.; शिशोदिया जी.; शिशोदिया पीके (2025)। सौर सेल अनुप्रयोगों के लिए CuInSe2 पतली फिल्मों में 120 MeV Ag9+ आयन विकिरण प्रेरित संशोधन में सुधार (जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक मटीरियल्स, (2024), https://doi.org/10.1007/s11664-024-11661-1)।जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक मटीरियल्स। https://doi.org/10.1007/s11664-024-11714-5

यादव पी.; नेहरा ए.; कलवान जी.; भारद्वाज डी.; यशेश्वर; रानी वी.; अग्रवाल एन.; टुटेजा एन.; गिल आर.; अंसारी एमडब्ल्यू; गिल एसएस (2025)। फसल के पौधों में अजैविक तनाव लचीलेपन के लिए जैस्मोनेट, सैलिसिलेट और सूक्ष्मजीव तालमेल का उपयोग। जर्नल ऑफ प्लांट ग्रोथ रेगुलेशन, 44(1),40-61। https://doi.org/10.1007/s00344-023-11218-2

नकवी आई.; बंद्योपाध्याय ए.; पांडा ए.; हरेरामदास बी. (2025). पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम: मल्टी-ओमिक्स विश्लेषण की समीक्षा. प्रजनन विज्ञान, 32(3), 618-646. https://doi.org/10.1007/s43032-025-01789-8

शुक्ला ए.के.; कुमार ए.; अनामिका; कुमार पी.; यादव ए. (2025). बायोरेमेडिएशन में कम्प्यूटेशनल मॉडलैंगिक: नवाचार और भविष्य की दिशाएँ. बायोरेमेडिएशन में चुनौतियाँ और स्थायी समाधान, 86-98. https://doi.org/10.1201/9781003407317-6

चौहान वी.; राय यू.; त्रिपाठी एम.; कुमार एस. (2025). मौसमी प्रजनन करने वाले सरीसृप, हेमिडैक्टाइलस फ्लेविविरिडिस में नर प्रजनन कार्यों के चौराहे पर न्यूरोपेप्टाइड वाई. तुलनात्मक जैव

रसायन और फिजियोलॉजी-भाग ए: आणविक और एकीकृत फिजियोलॉजी, 303. https://doi.org/10.1016/j.cbpa.2025.111826

शर्मा एम.; महाजन पी.; अलसुबाई एएस; खन्ना वी.; चहल एस.; ठाकुर ए.; यादव ए.; आर्य ए.; सिंह ए.; सिंह जी. (2025). अगली पीढ़ी के नैनोमटेरियल-आधारित बायोसेंसर: उभरते पर्यावरण प्रदूषकों का पता लगाने के लिए वास्तविक समय बायोसेंसिंग उपकरण. मैटेरियल्स टुडे सस्टेनेबिलिटी, 29. https://doi.org/10.1016/j.mtsust.2024.101068

त्यागी जे.; मिश्रा एस.के.; पाराशर आर. (2025). विनाइल हैलाइड्स (X = F, Cl, AND Br) में CX बॉन्ड में मैग्नीशियम के प्रवेश की तुलनात्मक सैद्धांतिक जांच. रसायन जर्नल ऑफ केमिस्ट्री,18(1),108-115. https://doi.org/10.31788/RJC.2025.1819063

पुस्तकें और पुस्तक में अध्याय

अब्दुल मलिक. *अल-हल अल मुदल लाल अला अल-दारिमी।* एस. अहमद हुसैन जाफ़ी द्वारा संपादित। नई दिल्ली: अज़रा बुक ट्रेडर्स, पीपी. 15-57, 2024. आईएसबी.ए.न: 978-93-95041-71-3।

सेन, एस. "सुनंदा भट्टाचार्य गैल्पो--छंचटोले रोडे आदि।" *उत्तर-पुरबंचलर बांग्ला गैल्पो* में : बिशाये बिस्लेशेन, नित्यानंद दास द्वारा संपादित, पृष्ठ 159-168, 2024. आईएसबी.ए.न: 978-819-6-726-966।

हाउलादर, एचएस *डुमुर फुलेर माला।* कोलकाता: कथोपकथन प्रकाशन, 2024. आईएसबी.ए.न: 978-93-94040-61-8।

हाउलेडर, एचएस *उरंता प्रजापति।* कोलकाता: कथोपकथन प्रकाशन, 2024. आईएसबी.ए.न: 978-93-94040-83-0।

हाउलेडर, एचएस *अंबाशर चंद।* कोलकाता: कथोपकथन प्रकाशन, 2024. आईएसबी.ए.न: 978-93-94040-35-9।

अंसारी, एमडब्ल्यू "आरओएस सिग्नलैंगिक और जैविक और अजैविक तनाव में शामिल प्लांट पेप्टाइड।" *एक्सप्लोरिंग प्लांट पेप्टाइड पोटेंशियल्स: ए कॉम्प्रिहेंसिव गाइड,* सरकार ए., सिंह पी., रकवाल आर. और अग्रवाल जीके द्वारा संपादित, पृष्ठ 380. एल्सेवियर साइंस, नीदरलैंड, 2024. आईएसबी.ए.न: 9780443156533.

कुमार, एस. “फ्लोरल नेक्टर माइक्रोबायोम: एक अप्रयुक्त पहलू और बदलते वैश्विक परिदृश्यों में पौधों पर इसका समग्र प्रभाव।” *जलवायु परिवर्तन के तहत खाद्य उत्पादन, विविधता और सुरक्षा में,* राखी चक्रवर्ती, पीयूष माथुर और स्वर्णेंदु रॉय द्वारा संपादित, पृष्ठ 179-185। स्प्रिंगर-एस्टी, 2024. आईएसबी.ए.न: 978-3-031-51646-7।

अंकुश। *बायोरेमेडिएशन में चुनौतियाँ और स्थायी समाधान।* सीआरसी प्रेस, प्रथम संस्करण, 2025. आईएसबी.ए.न: 9781032525815।

अंकुश। *बायोरेमेडिएशन में कम्प्यूटेशनल मॉडलैंगिक: नवाचार और भविष्य की दिशाएँ।* सीआरसी प्रेस, प्रथम संस्करण, पृष्ठ 13, 2025. आईएसबी.ए.न: 9781003407317।

आर्य, ए. “भारी धातुओं के शमन हेतु फाइटोरेमेडिएशन के जैवरासायनिक और आणविक पहलू।” *बायोरेमेडिएशन में चुनौतियाँ और स्थायी समाधान।* सीआरसी प्रेस, पृष्ठ 12, 2025. आईएसबी.ए.न: 9781003407317.

आर्य, ए. “बायोरेमेडिएशन में चुनौतियाँ: पर्यावरणीय और तकनीकी बाधाओं पर विजय।” *बायोरेमेडिएशन में चुनौतियाँ और स्थायी समाधान।* सीआरसी प्रेस, पृष्ठ 20, 2025. आईएसबी.ए.न: 9781003407317.

आर्य, ए. *मेडिसिनल बॉटनी.* कोजो प्रेस, 2025. आईएसबी.ए.न: 978-8119525638.

रतन, जे. *फंडामेंटल्स ऑफ केमिस्ट्री।* जेनिक बुक्स पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, सितंबर 2024. आईएसबी.ए.न: 978-81-973025-2-7।

जैन, एम.के. (सं.). *विकसित भारत@2047 - वाणिज्य, प्रबंधन और प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी भूमिका* (संस्करण-II). एमजीएम पब्लिशिंग हाउस, 2025. आईएसबी.ए.न: 978-81-981913-3-5.

सिंह, एस.ए. "मानव और मानवोत्तर: मार्गरेट एटवुड की पुस्तक *द हार्ट गोज़ लास्ट में अनिश्चित जीवन।*" *मार्गरेट एटवुड की सौंदर्यशास्त्र: द आर्टपॉलिटिकल में,* डुंजा एम. मोहर और कर्स्टन सैंडरॉक द्वारा संपादित, पृष्ठ 34-42। रूटलेज, 2025. आईएसबी.ए.न: 9781032585499।

हमीद, एपीए *नादुथोप्पिल अब्दुल्ला का अकबर शाकाका पक्षिप्पाट्टू: अनुवाद और अध्ययन* (संशोधित दूसरा संस्करण), 2025.

अपर्णा। "पात्रों का साहित्यिक और मनोवैज्ञानिक विश्लेषण: *कल और कल और कल।*" *विकास शर्मा की काल्पनिक दुनिया में एक अंतर्दृष्टि में,* डी. शिवाजी सरगर और रिया देशवाल द्वारा संपादित। ऑथर्स प्रेस, 2025.

ए हाउस ऑफ़ मिस्टर बिस्वास और *इन ए फ्री स्टेट का* एक आलोचनात्मक अध्ययन।" *पोस्टकोलोनियल एम्बिवेलेंस एंड बियॉन्ड II में,* देब दुलाल हलदर द्वारा संपादित।

सोनवानी, एस. "फ़ॉग केमिस्ट्री पर परिप्रेक्ष्य: विशेषताएँ, परिवर्तनशीलता, और इसकी अपमार्जन क्षमता।" *फ़ॉग: निर्माण, रसायन-विज्ञान, गतिकी, प्रभाव और अपव्यय में,* सक्सेना, पी., गुप्ता ए., और सोरी, आर. स्प्रिंगर सिंगापुर द्वारा संपादित, 2025. आईएसबी.ए.न: 978-981-96-4421-6.

तिवारी, डी. “भारतीय ज्ञान प्रणाली में धर्म की अवधारणा की खोज।” *एथिक्स एंड रिलिजन: एक्सप्लोरिंग धर्म एंड ह्यूमन कंटिन्जेन्सीज़ इन इंडियन फिलॉसफी में,* अभिषेक कुमार द्वारा संपादित। स्प्रिंगर सिंगापुर (प्रकाशनाधीन)।

तिवारी, डी. “उपनिषदिक और आइंस्टीनियन दर्शन का तुलनात्मक विश्लेषण।” *ऑनटू परफेक्शन में,* 2025. आईएसबी.ए.न: 9788184542707.

त्रिवेदी, एस. (सं.). *एकात्म मानववाद: दीनदयाल उपाध्याय और जैक्स मैरिटेन के दृष्टिकोण।* मोतीलाल बनारसीदास, 2025. आईएसबी.ए.न: 9788197917783.

मिर्ज़ा, पी. "घर और विदेश में: बीसवीं सदी में भारतीय शाही परिवार (1900-1948)।" *ग्लोबल रॉयल फैमिलीज़: उन्नीसवीं और बीसवीं सदी में अंतर्राष्ट्रीय राजशाही की संस्कृतियाँ,* रॉबर्ट एल्ड्रिच और सिंडी मैकक्रीरी द्वारा संपादित। ओयूपी: लंदन, 2024.

अग्रवाल, आर. "अंडाल की भक्ति भावना।" *[शीर्षक अनिर्दिष्ट]* में। इंशा प्रकाशन, पीपी. 61-64, 2025.

रागेश, पी.आर. "निपाह वायरस के प्रकोप पर वनों की कटाई और पर्यावरणीय क्षरण का प्रभाव: एक आलोचनात्मक समीक्षा।" *विज्ञान और इंजीनियरिंग के लिए कम्प्यूटेशनल विधियों और मॉडलैंगिक में प्रगति में।* मॉर्गन कॉफ़मैन (एल्सेवियर), पृष्ठ 269-276, 2025. आईएसबी.ए.न: 9780443300127

कुमार, एस. "निपाह वायरस के प्रकोप पर वनों की कटाई और पर्यावरणीय क्षरण का प्रभाव: एक आलोचनात्मक समीक्षा।" *विज्ञान और इंजीनियरिंग के लिए कम्प्यूटेशनल विधियों और मॉडलैंगिक में प्रगति में।* मॉर्गन कॉफ़मैन (एल्सेवियर), पृष्ठ 269-276, 2025. आईएसबी.ए.न: 9780443300127

अनुसंधान परियोजनाएँ

नामक शोध परियोजना के लिए ₹7.5 लाख की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान आईसीएसएसआर द्वारा प्रदान किया गया है और 15 जनवरी, 2024 से 15 जनवरी, 2025 तक की अवधि के लिए है।

डॉ. अनुभा दास, प्राणि-विज्ञान विभाग, को "युवा विज्ञान मीडिया अनुसंधान एवं आउटरीच युवा विज्ञान मीडिया चुनौती" नामक शोध परियोजना के लिए प्रधान अन्वेषक (पीआई) के रूप में ₹37,64,066 की राशि स्वीकृत की गई है। यह अनुदान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा प्रदान किया गया है और 2022 से 2024 तक की अवधि के लिए है।

दायर/स्वीकृत पेटेंट

मोनिका तोमर, लोकेश राणा, रीमा गुप्ता, अंजलि शर्मा, श्वेता शर्मा, आर्चीबाल्ड थियोडोर निमल, उपेंद्र मित्तल और मनीषा भारती: पोटेशियम सोडियम नियोबेट (केएनएन) पतली फिल्म का उपयोग करके लैम्ब वेव ध्वनिक उपकरण का निर्माण। पेटेंट *202211070947,* दिनांक 8 दिसंबर, 2025.

मोनिका तोमर, लोकेश राणा, रीमा गुप्ता, अंजलि शर्मा, प्रदीप कुमार झा, आर्चीबाल्ड थियोडोर निमल, उपेन्द्र मित्तल, मनीषा भारती। प्रेशर सेंसिंग के लिए लैम्ब वेव रेज़ोनेटर डिवाइस। पेटेंट *202311002112,* जनवरी 01,2025.

मोनिका तोमर, लोकेश राणा, वंदना, अंजलि शर्मा, रीमा गुप्ता, मनीषा भारती, आर्चीबाल्ड थियोडोर निमल, उपेंद्र मित्तल, अजीत रेमंड जेम्स। लैम्ब वेव एकॉस्टिक डिवाइस में नियोबियम डोप्ड लेड ज़िरकोनियम टाइटेनेट थिन फिल्म का निर्माण। पेटेंट *202311036612,* दिनांक 26 मई, 2025.

मोनिका तोमर, लोकेश राणा, रीमा गुप्ता, अंजलि शर्मा, श्वेता शर्मा। लिथियम डोप्ड पोटैशियम सोडियम नियोबेट थिन फिल्म आधारित MEMS प्रेशर सेंसर। पेटेंट *202311023209* दिनांक *3 मार्च 2023।*

सुरेश कुमार, डॉली कैन, वंदना, अतुल आर्य। अकिलिया मिलेफोलियम पौधे से पृथक जीवाणुरोधी यौगिक। पेटेंट *558507. 22 जनवरी,* 2025. अंतर्राष्ट्रीय।

आयोजित संगोष्ठियां

टाइम के वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रमुख श्री अमित पोद्दार ने 18 अक्तूबर, 2024 को "पब्लिक स्पीकिंग और केस स्टडी" पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

जामिया मिलिया इस्लामिया के अरबी विभाग के पूर्व प्रमुख प्रोफेसर (डॉ.) जुबैर अहमद फारूकी ने 27 नवंबर, 2024 को "प्रो. एम. सुलेमान अशरफ: जीवन और शैक्षणिक योगदान" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

श्री नवनीत आनंद, एमबी.ए. बिजनेस हेड-दिल्ली, कैरियर लॉन्चर, ने 21 फरवरी, 2025 को एमबी.ए. प्रवेश परीक्षाओं के लिए तार्किक तर्क पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

श्री आयुष टंडन ने 27 फरवरी, 2025 को 'डिजिटल मार्केटिंग' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

आईएमएस प्रोस्कूल प्राइवेट लिमिटेड की कॉर्पोरेट रिलेशंस और नियोजन की सहायक प्रबंधक सुश्री गजल मुंजाल ने 21 मार्च, 2025 को "लेट्स क्रैक एन इंटरव्यू" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

आयोजित सम्मेलन

'मेकिंग सेंस ऑफ ओमिक्स: प्रोटिओमिक्स, ट्रांसक्रिप्टोमिक्स, एंड मॉलिक्यूलर ड्रग डिज़ाइन (हाइब्रिड मोड)' शीर्षक से सम्मेलन 23-24 अप्रैल, 2024 को आयोजित किया गया।

आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित 'नेतृत्व और विरासत: महिला सशक्तिकरण के लिए एक मॉडल के रूप में अहिल्याबाई होल्कर का दूरदर्शी प्रशासन' शीर्षक से सम्मेलन 22 जनवरी, 2025 को आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

22 अगस्त, 2024 को मेंटल हेल्थ फाउंडेशन के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। प्रो. नरेंद्र जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय के प्राचार्य, डॉ. सिंह इसके अध्यक्ष रहे। इसका उद्देश्य प्रशिक्षुता के अवसर प्रदान करना, छात्रों को मानसिक स्वास्थ्य देखभाल में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने, जागरूकता बढ़ाने और मनोवैज्ञानिक सहायता एवं कल्याणकारी पहलों में कौशल विकसित करने का अवसर प्रदान करना है।

13 सितंबर, 2024 को एक्शन फॉर ऑटिज़्म के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। ज़ाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय के प्राचार्य, प्रो. नरेंद्र सिंह इसके अध्यक्ष थे। यह इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप की सुविधा प्रदान करता है, ऑटिज़्म देखभाल के क्षेत्र में छात्रों के लिए समावेशिता और कौशल विकास को बढ़ावा देता है, शैक्षणिक प्रशिक्षण को वास्तविक दुनिया के अनुभव के साथ जोड़ता है और पेशेवर परिवेश में तंत्रिका विविधता का समर्थन करता है।

11 सितंबर, 2024 को अद्वितीय पुनर्वास एवं शिक्षण केंद्र के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। ज़ाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय के प्राचार्य, प्रो. नरेंद्र सिंह इसके अध्यक्ष थे। इसका उद्देश्य छात्रों को इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप के अवसर प्रदान करना, पुनर्वास और विशेष शिक्षा में व्यावहारिक शिक्षा को बढ़ावा देना, साथ ही विकलांगता सहायता क्षेत्र में समावेशी शिक्षा और व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देना है।

5 सितंबर, 2024 को सेवा भारती के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। ज़ाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. नरेंद्र सिंह इसके अध्यक्ष थे। इसका उद्देश्य आउटरीच गतिविधियों में छात्रों की भागीदारी बढ़ाना, सामुदायिक जुड़ाव, सामाजिक उत्तरदायित्व और जमीनी स्तर की पहलों और सेवा-उन्मुख परियोजनाओं में सार्थक भागीदारी के माध्यम से अनुभवात्मक शिक्षा को बढ़ावा देना है।

5 सितंबर, 2024 को स्वदेशी शोध संस्थान के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। ज़ाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. नरेंद्र सिंह इसके अध्यक्ष थे। इसका उद्देश्य छात्रों को इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप के अवसर प्रदान करना, स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों और राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों के अनुरूप अनुसंधान, कौशल विकास और अनुभवात्मक शिक्षा को बढ़ावा देना है।

24 सितंबर, 2024 को साधना प्राइम न्यूज़ के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। ज़ाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. नरेंद्र सिंह इसके अध्यक्ष थे। इसका उद्देश्य छात्रों को मीडिया और पत्रकारिता में इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करना, व्यावहारिक कौशल में वृद्धि, उद्योग जगत में अनुभव और समाचार रिपोर्टिंग, सामग्री निर्माण और मीडिया नैतिकता में अनुभवात्मक शिक्षा प्रदान करना है।

16 जनवरी, 2025 को करो संभव के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। ज़ाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय के प्राचार्य, प्रो. नरेंद्र सिंह इसके अध्यक्ष थे। इसका उद्देश्य पर्यावरणीय स्थिरता पर केंद्रित आउटरीच और विस्तार गतिविधियों को बढ़ावा देना, ई-कचरा प्रबंधन में छात्रों की भागीदारी को प्रोत्साहित करना, जागरूकता अभियान चलाना और एक वृत्ताकार एवं उत्तरदायी अर्थव्यवस्था के लिए समुदाय-संचालित पहलों को बढ़ावा देना है।

लैंडस्केप न्यू के साथ 18 फ़रवरी, 2025 को समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। ज़ाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय के प्राचार्य, प्रो. नरेंद्र सिंह इसके अध्यक्ष थे। इसका उद्देश्य आउटरीच और विस्तार गतिविधियों को सुगम बनाना, छात्रों को पर्यावरण जागरूकता, सतत विकास परियोजनाओं और सामुदायिक पहलों में शामिल होने में सक्षम बनाना, और सक्रिय भागीदारी के माध्यम से व्यावहारिक शिक्षा और सामाजिक उत्तरदायित्व को बढ़ावा देना है।

18 फ़रवरी, 2025 को अभिनंदन एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। ज़ाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय के प्राचार्य, प्रो. नरेंद्र सिंह इसके अध्यक्ष थे। इसका उद्देश्य आउटरीच और विस्तार गतिविधियों को बढ़ावा देना, छात्रों को शैक्षिक और कल्याणकारी

पहलों में शामिल करना, समावेशी सामुदायिक विकास को बढ़ावा देना और सामाजिक जुड़ाव के माध्यम से अनुभवात्मक शिक्षा को बढ़ावा देना है।

18 फ़रवरी, 2025 को पूर्वोत्तर अध्ययन केंद्र के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। ज़ाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय के प्राचार्य, प्रो. नरेंद्र सिंह इसके अध्यक्ष थे। इसका उद्देश्य पूर्वोत्तर क्षेत्र पर केंद्रित आउटरीच और विस्तार गतिविधियों को बढ़ावा देना, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, क्षेत्रीय जागरूकता और समावेशी विकास पहलों में छात्रों की भागीदारी को प्रोत्साहित करना है।

18 फ़रवरी, 2025 को न्यूरोमेट्रिक्स लैब के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। ज़ाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय के प्राचार्य, प्रो. नरेंद्र सिंह इसके अध्यक्ष थे। इसका उद्देश्य छात्रों को तंत्रिका विज्ञान, डेटा विश्लेषण और मानसिक स्वास्थ्य में अनुभवात्मक शिक्षा को बढ़ावा देते हुए प्रशिक्षुता के अवसर प्रदान करना है, साथ ही सामुदायिक जुड़ाव और अंतःविषयक अनुसंधान को बढ़ावा देना है।

18 फरवरी, 2025 को लघु उद्योग भारती के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। ज़ाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. नरेंद्र सिंह इसके अध्यक्ष थे। इसका उद्देश्य छात्रों को एमएसएमई क्षेत्र में इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करना, उद्यमिता को बढ़ावा देना, कौशल विकास और लघु-स्तरीय औद्योगिक संचालन एवं व्यावसायिक पारिस्थितिकी तंत्र का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है।

3 मार्च, 2025 को सामर्थ्यभूमि फाउंडेशन के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। ज़ाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय के प्राचार्य, प्रो. नरेंद्र सिंह इसके अध्यक्ष थे। इसका उद्देश्य आउटरीच और विस्तार गतिविधियों में छात्रों की भागीदारी को बढ़ाना है, जो ज़मीनी स्तर पर पर्यावरणीय और सामाजिक विकास पहलों में भागीदारी के माध्यम से स्थिरता, सामुदायिक जुड़ाव और अनुभवात्मक शिक्षा पर केंद्रित है।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

ZHDC ने 21 जनवरी, 2025 से यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (MMTTC), जेएनयू के साथ मिलकर "भारतीय ज्ञान परंपरा, नैतिकता और मानवीय मूल्यों" पर दो सप्ताह का पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (IDC) आयोजित करने पर सहमति व्यक्त की है। इस सहयोग का उद्देश्य संकाय सदस्यों को भारत की समृद्ध बौद्धिक विरासत और नैतिक परंपराओं की गहरी समझ प्रदान करना और समकालीन शिक्षा में मानवीय मूल्यों और उनकी प्रासंगिकता की गहरी समझ को बढ़ावा देना है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों को आधुनिक शैक्षणिक पद्धतियों में एकीकृत करना और समग्र एवं मूल्य-आधारित शिक्षण दृष्टिकोणों को प्रोत्साहित करना है।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत : 226(18.83)

कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या: 48

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

- विकसित भारत दौड़ (8 मई, 2024): छात्रों और शिक्षकों ने विकसित भारत दौड़ में सक्रिय रूप से भाग लिया और राष्ट्रीय एकता, फिटनेस और नागरिक भागीदारी के प्रति अपने उत्साह का प्रदर्शन किया।
- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून, 2024): विकसित भारत टीम (संकाय और छात्र) दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह में शामिल हुए, तथा पारंपरिक योग प्रथाओं के माध्यम से शारीरिक कल्याण, मानसिक स्वास्थ्य और माइंडफुलनेस को बढ़ावा दिया।
- स्वच्छता अभियान (28 मार्च, 2025): अरण्य सोसाइटी ने पर्यावरणीय जिम्मेदारी को बढ़ावा देते हुए सक्षम भूमि फाउंडेशन के सहयोग से आईटीओ छठ घाट सफाई अभियान में भाग लिया।
- विकसित भारत युवा संसद (25-26 मार्च, 2024): "एक राष्ट्र, एक चुनाव" विषय पर आयोजित इस जीवंत मंच में 145 से अधिक छात्रों ने भाग लिया, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और नेतृत्व के बारे में जागरूकता बढ़ी।
- आईएपीसी योजना के अंतर्गत आउटरीच: दिल्ली विश्वविद्यालय की आईएपीसी योजना के तहत सेवा भारती के माध्यम से छात्रों ने सामुदायिक सेवा और सामाजिक सशक्तिकरण में योगदान दिया।
- करो संभव और बिसलेरी के साथ प्लास्टिक और ई-कचरा अभियान: छात्रों ने एक पर्यावरण-अनुकूल पहल में भाग लिया, कचरा एकत्र किया और ई-कचरे से बनी कुर्सियां और मेजें प्राप्त कीं, जिससे स्थिरता और वृत्तीय अर्थव्यवस्था के सिद्धांतों को बढ़ावा मिला।
- वृक्षारोपण अभियान (14 अगस्त, 2024): अरण्य सोसाइटी ने गार्डन और ग्रीनिंग कमेटी के साथ मिलकर "एक पेड़ माँ के नाम" शीर्षक से वृक्षारोपण अभियान चलाया, जिससे परिसर का हरित आवरण बढ़ा।
- क्षेत्र भ्रमण-भौतिकी विभाग: छात्रों ने राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय का दौरा किया, जहां उन्होंने इंटरैक्टिव प्रदर्शनों और वैज्ञानिक अन्वेषण के माध्यम से व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्राप्त की और जिज्ञासा जगाई।
- ग्रीन वॉकथॉन (28 फरवरी, 2025): अरण्य सोसाइटी ने प्लास्टिक के पुन: उपयोग, पुनर्चक्रण और पर्यावरणीय स्थिरता जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए ग्रीन वॉकथॉन में भाग लिया।

पुस्तकालय विकास

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के दौरान, जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय पुस्तकालय ने गुणवत्तापूर्ण सेवाएं और संसाधन प्रदान करने में उत्कृष्टता जारी रखी। कुल 708 पुस्तकें प्राप्त की गईं और उनका प्रसंस्करण किया गया। पुस्तकालय ने कई भाषाओं में 23 समाचार पत्रों और 6 पत्रिकाओं की सदस्यता ली, जिसमें दृष्टिबाधित उपयोगकर्ताओं के लिए 3 ब्रेल पत्रिकाएं शामिल हैं। 2017 से LibSys 10

ILMS का उपयोग करके पूरी तरह से स्वचालित मोड में काम करते हुए, पुस्तकालय मूल लिपि में बहुभाषी पुस्तक प्रविष्टि भी सुनिश्चित करती है। सख्त नियंत्रण के कारण स्टॉक सत्यापन पूरा हो गया और कोई नुकसान नहीं हुआ।
राष्ट्रीय लाइब्रेरियन दिवस 12 अगस्त, 2024 को राष्ट्रीय स्तर की प्रश्नोत्तरी के साथ मनाया गया, जिसमें 217 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

संकाय संख्या

- वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक : 25
- एसोसिएट प्रोफेसर : 57
- सहायक प्रोफेसर : 121
- तदर्थ : 11
- अतिथि : 13

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित अनुदान : ₹ 97.3956 करोड़

उपयोगित अनुदान : ₹ 96.32 करोड़

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- मधुमक्खी कार्यशाला (5 दिसंबर, 2024): अरण्य सोसाइटी ने गोल्डन हाइव फाउंडेशन के सहयोग से सुंदर नर्सरी में मधुमक्खियों के पारिस्थितिक महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक मधुमक्खी कार्यशाला का आयोजन किया। छात्रों ने मधुमक्खियों के व्यवहार का अवलोकन किया और परागण एवं पारिस्थितिकी तंत्र संतुलन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जाना, जिससे वैज्ञानिक जिज्ञासा और पर्यावरणीय संरक्षण को बढ़ावा मिला।
- पक्षी घोंसला निर्माण कार्यशाला (4 अप्रैल, 2025): आईक्यूएसी के तत्वावधान में, अरण्य सोसाइटी ने विशेषज्ञ घोंसला वास्तुकार श्री सतीश सागर के नेतृत्व में एक व्यावहारिक पक्षी घोंसला निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया। विज्ञान खंड के निकट आयोजित इस कार्यशाला में छात्रों को पक्षी संरक्षण और आवास निर्माण के बारे में सिखाया गया, जिससे रचनात्मकता और जैव विविधता संरक्षण को बढ़ावा मिला।
- विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस (14 अगस्त, 2024): जेडएचडीसी के छात्रों और शिक्षकों ने विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाने के लिए भारत मंडपम में एक समारोह में भाग लिया, जिसमें ऐतिहासिक आघात पर विचार किया गया और प्रभावित लोगों की स्मृति का सम्मान किया गया।

- संस्थागत सहयोग: शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में, महाविद्यालय ने इंटर्नशिप, अप्रेंटिसशिप, आउटरीच और कौशल विकास पहलों के माध्यम से छात्र जुड़ाव के अवसरों का विस्तार करने के लिए विभिन्न संगठनों के साथ 13 नए समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए।
- जॉब फेयर 2025: नियोजन सेल, ZHDC ने डॉ. धीरज कुमार सिंह के संयोजकत्व में 26 मार्च, 2025 को VRITI'25 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। 45 से ज़्यादा कंपनियों ने 1200 से ज़्यादा छात्रों को विविध इंटर्नशिप और नौकरियों की पेशकश की। इस मेले ने शिक्षा और उद्योग के बीच सेतु का काम किया, सार्थक नेटवर्किंग, पेशेवर अनुभव और करियर के अवसरों को संभव बनाया, जिससे यह एक बेहद प्रभावशाली आयोजन बन गया।
- 'सु विज्ञान' विज्ञान महोत्सव 2024 में विकसित भारत @2047 के अनुरूप वैज्ञानिक नवाचार और अंतःविषय सहयोग का उत्सव मनाया गया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में अंतर-विभागीय प्रतियोगिताएँ, विशेषज्ञ वार्ताएँ और पुरस्कार समारोह आयोजित किए गए। इसने वैज्ञानिक जिज्ञासा को बढ़ावा दिया, शैक्षणिक उत्कृष्टता को सम्मानित किया और छात्रों में नवाचार की भावना को बढ़ावा दिया।
- उड़ान कार्यशाला जेडएचडीसी की ललित कला सोसाइटी और उड़ान ने 15 दिवसीय कार्यशाला के माध्यम से भारतीय वैज्ञानिकों को श्रद्धांजलि स्वरूप 3-पैनल वाली दीवार कला बनाई।

****

ज़ाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय (सांध्य)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

दिल्ली विश्वविद्यालय का ज़ाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय (सांध्यकालीन), 2024-2025 सत्र के दौरान शैक्षणिक और सांस्कृतिक उत्कृष्टता का एक सक्रिय केंद्र बना रहा। अरबी विभाग के अल-नादी अल-अरबी (अरबी क्लब) ने भारत में अरबी भाषा और साहित्य पर एक व्याख्यान दिया। महाविद्यालय ने जीएल बजाज संस्थान के साथ मिलकर प्रबंधन शिक्षा 5.0 पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। अर्थशास्त्र विभाग ने विलय और अधिग्रहण पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया, और अंग्रेजी विभाग ने भारतीय लेखन और डिजिटल कल्याण पर व्याख्यान प्रस्तुत किए। इको क्लब ने स्माइलैंगिक ड्रीम्स फाउंडेशन के सहयोग से सुंदर नर्सरी में पुष्प भ्रमण का आयोजन किया। हिंदी विभाग ने प्रकृति पर एक निबंध और कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया। संकट और संरक्षण विभाग ने फतेहपुर सीकरी के लिए एक अध्ययन भ्रमण का आयोजन किया। अंजुमन-ए-फ़ारसी ने अमीर खुसरो पर एक व्याख्यान आयोजित किया। राजनीति-विज्ञान सोसाइटी ने अपना वार्षिक उत्सव सियासत आयोजित किया और संस्कृत विभाग ने शोध पद्धति पर एक आयोजित संगोष्ठियां की। ईबी.ए.सबी शिविर एनसीसी के संरक्षण में आयोजित किया गया। गांधी अध्ययन मंडल ने गांधी दर्शन पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया और एनएसएस इकाई ने प्रतियोगिताओं के साथ विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। डॉ. प्रभात रंजन को कलैंगिक साहित्य महोत्सव पुस्तक पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया।

सम्मान/विभूतियाँ

डॉ. प्रभात रंजन को फिक्शन (हिंदी) श्रेणी में कलिंगा लिटरेरी फेस्टिवल बुक अवार्ड्स 2024 द्वारा प्रदत्त प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

डॉ. राजकुमारी, सहायक प्रोफेसर:, हिंदी विभाग 28 जुलाई 2025 को आशा किरण समृद्धि फाउंडेशन द्वारा आयोजित अखिल भारतीय कायस्थ महासभा जयपुर में अभाकाम संस्थान द्वारा मुंसी प्रेमचंद साहित्य रत्न पुरस्कार प्राप्त हुआ।

सामग्री

आलिया, डी. (2023)। विकसित भारत 2047: तरक्की-पसंद हिंदुस्तान के लिए एक नजरिया का आगाज़। शमा-ए-हयात. (2022-23, 2023-24 अंक; यूजीसी केयर सूचीबद्ध)

आलिया, डी. (2024). क्या मीर की ग़ज़ल सवाना है? उर्दू दुनिया, 26(7).

आसिफ, एम. (2025). विभिन्न तकनीकों का उपयोग करके भिन्नात्मक-क्रम अरैखिक गतिकीय प्रणालियों का विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड एंड कम्प्यूटेशनल मैथमेटिक्स, खंड 11, अनुच्छेद 47. https://doi.org/10.1007/s40819-025-01865-2.

चक्रवर्ती, एम. (2024). सीमस हेनी की चुनिंदा रचनाओं में स्थान और स्पेस की काव्यशास्त्र और राजनीति, *आईयूपी जर्नल ऑफ इंग्लिश स्टडीज, 19(2), 0973-3728.*

चक्रवर्ती, एम. (2024). अतीत, वर्तमान और भविष्य के बीच अंतर्संबंध: अरुण कोलटकर की चुनिंदा कृतियों में मिथक और स्मृति के विचारों की खोज, शैक्षिक प्रशासन: सिद्धांत और व्यवहार, 30(5). https://doi.org/10.53555/kuey.v30i5.3602

चक्रवर्ती, एम. (2025). गंगूबाई काठियावाड़ी (2022) में (अ)मानवीकृत महिला प्रतिनिधित्व: शारीरिक राजनीति, अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार और संवैधानिक अध्ययन जर्नल, 12(2), 156-167. https://dx.doi.org/10.1504/IJHRCS.2025.145269

शोएब, एम. (2024). परिवर्तनशील दुनिया में अंतर्राष्ट्रीय संबंध: निरंतरता, परिवर्तन और प्रतिस्पर्धा को समझना। वारसॉ, पोलैंड में अंतर्राष्ट्रीय संबंधों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में।

सिंह, एस. (2024). इस्लामी विचार में विकलांगता की खोज: न्यायशास्त्र, आध्यात्मिकता और सामाजिक एकीकरण. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लिटरेचर एंड सोशल साइंसेज, 9(2), मार्च-अप्रैल.

तबस्सुम, एस. (2025). भारत की डिजिटल कूटनीति: विकास का प्रतिमान: भारत और उत्तर पूर्व, जी-20 के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठा रहे हैं। एस. पाथी (सं.), न्यू (पृष्ठ 96-108) में। प्रमुख प्रकाशक और वितरक। आईएसबी.ए.न 978-93-94080-51-5.

तबस्सुम, एस. (2024). भारत का भ्रष्टाचार-विरोधी लोकपाल: एक विश्लेषण. इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, 70(1), 55-62. https://doi.org/10.1177/00195561231204936

यादव, एस. (2025). डिजिटल भुगतान प्रणाली के उपयोग से उपभोक्ताओं की संतुष्टि और संतुष्टि. यूरोपियन इकोनॉमिक लेटर्स, 15(1). आईएसएसएन 2323-5233

यादव, एस. (2024). डिजिटल भुगतान प्रणाली: एक समीक्षा. जर्नल ऑफ इंफॉर्मेटिक्स एजुकेशन एंड रिसर्च, 4(2). आईएसएसएन 1526-4726.

पुस्तकें और पुस्तक में अध्याय

चक्रवर्ती, मधुमिता, अनुराधा घोष और मुकेश रंजन (2024). *भाषा, साहित्य, संस्कृति और सिनेमा: प्रोफेसर हरीश नारंग के सम्मान में निबंध।* आकार बुक्स, आईएसबी.ए.न 978-9350028919

राजकुमारी (2024) उपनाम (उपन्यास) देवसाक्षी प्रकाशन, हनुमान गढ़, राजस्थान, आईएसबी.ए.न 978-93-92607-73-8

राजकुमारी (2024) (संपादित). शब्द पुल (काव्य संकलन), देवसाक्षी प्रकाशन, हनुमान गढ़, राजस्थान, आईएसबी.ए.न: 978-93-92607-431

आलिया. (2024). *चीनरों के साये में (जम्मू कश्मीर और लद्दाख के मुंतखब अफसाने),* नमक प्रकाशन, ओखला, नई दिल्ली-110025 आईएसबी.ए.न: 978-81-978476-3-9

आयोजित संगोष्ठियां

दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के प्रोफेसर डॉ. विपुल सिंह ने 4 मार्च, 2025 को जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा आयोजित 'पृथ्वी को आकार देना: मानव-प्रकृति मुठभेड़ की कहानियां' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

ओपी जिंदल विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सोनल दुआ ने 8 मार्च, 2025 को जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय इवनिंग के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित 'भारत में विलय और अधिग्रहण को क्या प्रेरित करता है?' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

मानव रचना अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान एवं अध्ययन संस्थान के प्रोफेसर एवं निदेशक डॉ. आनंदजीत गोस्वामी ने 'पर्यावरण अर्थशास्त्र से जैव अर्थशास्त्र तक के विकास के चौराहे पर' विषय पर व्याख्यान दिया। 8 मार्च, 2025 को जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय इवनिंग के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित किया जाएगा।

जेएनयू के एलईसी में सहायक प्रोफेसर: डॉ. संदेशा रायप्पा और सोशल मीडिया रणनीतिकार और इंस्टाग्राम कोच सुश्री प्रकृति मदान ने 20 मार्च, 2025 को जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय इवनिंग के अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित 'डिजिटल डिटॉक्स 101: डिजिटल युग में स्वस्थ रहना' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के फारसी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अलीम अशरफ खान ने 27 फरवरी, 2025 को जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय के अंजुमन-ए-फारसी द्वारा आयोजित 'अमीर खुसरो: अपने समय की एक प्रतिभा' पर एक व्याख्यान दिया।

आयोजित सम्मेलन

'अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन प्रबंधन शिक्षा 5.0: एनईपी एजेंडा को डिजिटलीकरण और वैश्विक प्रथाओं के साथ संरेखित करना' शीर्षक से सम्मेलन 18-19 अक्तूबर, 2024 को आयोजित किया गया।

23 अक्तूबर, 2024 को 'महिलाओं और धर्म पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन' शीर्षक से सम्मेलन आयोजित किया गया।

7 मार्च, 2025 को 'महिलाओं और स्थानों पर राष्ट्रीय सम्मेलन: उपस्थिति और संभावनाओं को पुनर्परिभाषित करना' शीर्षक से सम्मेलन आयोजित किया गया।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत : 0

कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या : 0

पुस्तकालय विकास

शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 में, ज़ाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय (सांध्य) का पुस्तकालय एक आवश्यक शैक्षणिक केंद्र बना रहा। पाठ्य पुस्तक अनुभाग में 30,716 पुस्तकें दर्ज की गईं, जबकि सामान्य अनुभाग में 2023-2024 तक 67,055 पुस्तकें थीं, इस सत्र के दौरान 481 और जोड़ी गईं। पुस्तकालय ने मासिक, पाक्षिक और साप्ताहिक मुद्दों सहित अंग्रेजी, हिंदी, उर्दू, अरबी और बंगाली में 23 पत्रिकाओं की सदस्यता ली। इसने अंग्रेजी (5), हिंदी (4), उर्दू (2), और बंगाली (1) में 12 समाचार-पत्र भी पेश किए। डिजिटल पहुंच में सुधार के लिए, पुस्तकालय की वेबसाइट और ई-संसाधनों तक आसान पहुंच के लिए पुस्तकालय नोटिस बोर्ड पर एक क्यूआर स्कैनर स्थापित किया गया। इसके अतिरिक्त, वेब-ओपीएसी सेवाओं ने उपयोगकर्ताओं को कहीं से भी 24x7 ऑनलाइन पुस्तकों को खोजने में सक्षम बनाया

संकाय संख्या

- वरिष्ठ प्रोफेसर/प्रोफेसर/निदेशक : 17
- एसोसिएट प्रोफेसर : 22
- सहायक प्रोफेसर : 56

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित अनुदान : ₹ 41.5335 करोड़

उपयोगित अनुदान : ₹ 37.18 करोड़

****

1 अप्रैल, 2024 से 31 मार्च, 2025 की अवधि के लिए कॉलेजों/विभागों/केंद्रों के सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियों से संबंधित विवरण नीचे दिए गए क्यूआर कोड में उपलब्ध हैं:-

सामान्य सुविधाएं

पूर्व-छात्र संबंधित

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व-छात्रों ने शासन, कॉर्पोरेट क्षेत्र, नौकरशाही, न्यायपालिका, साहित्य, खेल, उद्यमिता, शिक्षा, संस्कृति, विज्ञान आदि सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है, जिससे जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में विश्वविद्यालय की छाप स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। विश्वविद्यालय अपने विकास में पूर्व-छात्रों को एक महत्वपूर्ण घटक मानता है और सार्थक पूर्व-छात्र जुड़ाव में विश्वास रखता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय पूर्व-छात्र संघ (डीयूएए) एक वैधानिक विश्वविद्यालय निकाय है और संघ के साथ पंजीकृत पूर्व-छात्र विभिन्न निर्णयकारी निकायों में अपनी भागीदारी के माध्यम से कॉर्पोरेट जीवन और शासन में योगदान करते हैं तथा विश्वविद्यालय प्रशासन में विश्वविद्यालय कोर्ट, कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद, वित्त समिति और अन्य निकायों जैसे वैधानिक निकायों के माध्यम से सक्रिय रूप कार्य कर रहे हैं। अनेक पूर्व छत्र विश्वविद्यालय से संबद्ध/घटक कॉलेजों के शासी निकायों में सेवा कर रहे हैं। 5 वर्ष की अवधि अर्थात 2013-2028 के लिए डीयू कोर्ट में डीयूएए के प्रतिनिधि डॉ जेएल गुप्ता, श्री अनिल सरदाना, श्री अमन कुमार, प्रो जय गोपाल शर्मा, डॉ संजीव कुमार सिंघल, श्री सिद्धार्थ मिश्रा, डॉ एलएस चौधरी, श्री राजेश बी मंगला, श्री अनिल कुमार और डॉ नरेंद्र कुमार चड्ढा शामिल हैं। डीयूएए की सदस्यता बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास जारी हैं। सदस्यता के लिए सुविधा प्रदान करने हेतु समर्थ पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन सदस्यता पंजीकरण शुरू हो गया है। नई सदस्यता और डीयूएए का नवीनीकरण नियमों के अनुसार किया गया है। समर्थ पोर्टल पर पंजीकृत पूर्व-छात्रों की संख्या 163398 है।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

विभिन्न शैक्षणिक विभागों के अपने पूर्व-छात्र संघ हैं जो शैक्षणिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करके, प्लेसमेंट, इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करके और उद्योग जगत से जुड़कर अपने संस्थान में योगदान देते हैं। हमारे पूर्व-छात्र खेल जगत में विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश को गौरवान्वित करके अपनी विशिष्ट पहचान बना चुके हैं। विभिन्न क्षेत्रों के कई प्रतिष्ठित पूर्व-छात्र विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेकर अपने संस्थान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और जुड़ाव प्रदर्शित करते हैं। विशेष रूप से, उन्होंने अक्टूबर 2024 में एनएएसी सहकर्मी समीक्षा दल के विश्वविद्यालय दौरे के दौरान ज़बरदस्त समर्थन का प्रदर्शन किया।

छात्रों, संकायों और संस्थानों के विकास के लिए शुभचिंतकों, पूर्व-छात्रों, परोपकारी लोगों और उद्योगों से दान, धन और योगदान जुटाने के उद्देश्य से, दिल्ली विश्वविद्यालय ने प्रोफेसर योगेश सिंह, माननीय कुलपति की अध्यक्षता में दिल्ली विश्वविद्यालय एंडोमेंट फंड बोर्ड (डीयूईएफ) का गठन किया है। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय ने "विश्वविद्यालय विकास फाउंडेशन" नामक एक सेक्शन 8 कंपनी शुरू की है, जो विश्वविद्यालय के पूर्व-छात्र शताब्दी सम्मेलन में शामिल थी। पूर्व-छात्र कार्यालय और कंपनी विश्वविद्यालय की प्रगति के लिए एक एंडोमेंट फंड बनाने हेतु धन जुटाने में घनिष्ठ साझेदारी में काम करते हैं। पूर्व-छात्रों ने विश्वविद्यालय की सशक्तिकरण और आउटरीच पहलों, जैसे प्रोजेक्ट सशक्त बेटी और प्रोजेक्ट ई-दृष्टि, में सहयोग का वचन देकर अनेक परोपकारी कार्य किए हैं। इन पहलों के अंतर्गत दिल्ली विश्वविद्यालय के घटक महाविद्यालयों/संकायों/विभागों/केंद्रों/संस्थानों की अनाथ छात्राओं, एकल-अभिभावक छात्राओं और दृष्टिबाधित छात्राओं को लैपटॉप और टैबलेट दान किए गए। कुल पूर्व-छात्रों द्वारा प्रदान की गई वित्तीय सहायता 26,51,000/- रुपये की तुलना में 2024 में बढ़कर 78,52,000 रुपये हो गई। पूर्व-छात्रों की भागीदारी को और मज़बूत करने के लिए प्रयास और योजनाएँ निरंतर जारी हैं।

***

सांस्कृतिक परिषद

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

सांस्कृतिक परिषद ने पांच मुख्य श्रेणियों में अंतर-कॉलेज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया, अर्थात:

साहित्यिक:

वाद-विवाद

भाषण

प्रश्नोत्तरी

लोक एवं जनजातीय नृत्य:

समूह नृत्य

एकल नृत्य

ललित कलाएँ:

ऑन दि स्पॉट पेंटिंग

कोलाज

पोस्टर निर्माण

कार्टूनिंग

रंगोली

स्पॉट फोटोग्राफी

मेहँदी

संगीत:

शास्त्रीय गायन

शास्त्रीय तालवाद्य

तार वाद्य वादन

समूह गायन (देशभक्ति और लोकगीत)

पश्चिमी एकल गायन

पश्चिमी वाद्य वादन

लोक वाद्य वादन समूह प्रदर्शन

हिंदुस्तानी सुगम गायन संगीत

रंगमंच:

माइम

मिमिक्री

सम्मान/विभूतियां

सांस्कृतिक परिषद ने 38वें एआईयू अंतर-विश्वविद्यालय उत्तर-पश्चिम क्षेत्र युवा महोत्सव में 16 पुरस्कार जीते तथा संगीत श्रेणी में समग्र ट्रॉफी और साहित्य श्रेणी में दूसरा स्थान हासिल किया।

सांस्कृतिक परिषद ने 38वें एआईयू अंतर-विश्वविद्यालय राष्ट्रीय युवा महोत्सव में 14 श्रेणियों में 13 पुरस्कार जीते और समग्र रूप से तीसरा स्थान भी हासिल किया।

सांस्कृतिक परिषद ने शिक्षा मंडल, वर्धा, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित 49वीं कमलनयन बजाज स्मृति राष्ट्रीय वाक्-कला प्रतियोगिता में वाक्-कला और प्रश्नोत्तरी श्रेणियों में क्रमशः प्रथम और तृतीय पुरस्कार जीते। यह प्रतियोगिता दुनिया भर में सबसे प्रतिष्ठित वाक्-कला प्रतियोगिताओं में से एक है और कमलनयन बजाज की स्मृति में 1975 में स्थापित की गई थी।

राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर विभिन्न श्रेणियों में प्राप्त पुरस्कारों और विशिष्टयों में शामिल हैं:

संगीत:

शास्त्रीय गायन एकल

सुगम गायन एकल

शास्त्रीय वाद्य एकल

पश्चिमी गायन एकल

पश्चिमी वाद्य एकल

समूह गान

नृत्य:

शास्त्रीय नृत्य

साहित्यिक:

प्रश्नोत्तरी

वाद-विवाद

भाषण

रंगमंच:

मिमिक्री

ललित कला:

स्पॉट फ़ोटोग्राफ़ी

स्पॉट पेंटिंग

कार्टूनिंग

कोलाज

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

एनएएसी टीम ने 23-25 अक्टूबर, 2024 तक दिल्ली विश्वविद्यालय का दौरा किया। इस अवसर पर, एनएएसी के समग्र मूल्यांकन मानदंडों के तहत, 23 अक्टूबर, 2024 को आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन की महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी सांस्कृतिक परिषद को सौंपी गई। इस अवसर पर सांस्कृतिक परिषद द्वारा कुल आठ प्रस्तुतियाँ प्रस्तुत की गईं-जिनमें एक तबला वादन, दो एकल नृत्य प्रस्तुतियाँ, चार समूह नृत्य प्रस्तुतियाँ और अंतर्राष्ट्रीय छात्र द्वारा प्रस्तुत बॉलीवुड नृत्य प्रस्तुति शामिल थी।

संविधान दिवस समारोह के अवसर पर, सांस्कृतिक परिषद के तत्वावधान में डीयू के छात्रों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ पेश कीं। यह कार्यक्रम 25 नवंबर, 2024 को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम और मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में आयोजित किया गया।

सांस्कृतिक परिषद और प्रज्ञा प्रवाह, दिल्ली ने संयुक्त रूप से 26-27 फरवरी, 2025 को राजघाट के सत्याग्रह मंडप में 'शिवोहम' जागरण का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में भारत की जीवंत सांस्कृतिक विविधता को उजागर करते हुए चार सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ प्रस्तुत की गईं।

भुगतान एवं निपटान प्रणाली विभाग, आरबीआई ने 10 से 16 मार्च, 2025 तक डिजिटल भुगतान जागरूकता सप्ताह 2025-ऑनलाइन क्विज़ का आयोजन किया। सांस्कृतिक परिषद कार्यालय के माध्यम से दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों के छात्रों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और विभिन्न पुरस्कार जीते।

***

डीन छात्र कल्याण

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

रोजगार मेला, प्लेसमेंट और इंटर्नशिप: केंद्रीय प्लेसमेंट सेल (सीपीसी) शैक्षणिक संस्थान और उद्योग के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करता है। यह विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए भर्ती अभियान, इंटर्नशिप, क्षमता निर्माण कार्यक्रम और कौशल संवर्धन सत्र जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करता है।

वित्तीय सहायता योजना (एफएसएस) 2024-25: शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 के लिए वित्तीय सहायता योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से वंचित छात्रों को परीक्षा और छात्रावास शुल्क को छोड़कर, शुल्क में छूट प्रदान करके सहायता प्रदान करना है।

कुलपति इंटर्नशिप योजना (वीसीआईएस) 2024-25: दिल्ली विश्वविद्यालय वीसीआईएस पहल के तहत महत्वपूर्ण इंटर्नशिप अवसर प्रदान करता रहेगा। यह कार्यक्रम दो प्रकार की इंटर्नशिप प्रदान करता है: अंशकालिक और ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप।

आचारशाला: इसे बौद्धिक जुड़ाव और कौशल विकास के लिए एक मंच के रूप में डिज़ाइन किया गया है। सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोगों के बीच की खाई को पाटकर, आचारशाला ने दिल्ली विश्वविद्यालय में समग्र छात्र विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में अपनी पहचान बनाई है।

ऑर्फन कोटा: दिल्ली विश्वविद्यालय अपने सभी कार्यक्रमों में ऑर्फन कोटे के माध्यम से समावेशिता के लिए प्रतिबद्ध है। इस पहल के तहत, अनाथ छात्रों को शैक्षणिक और छात्रावास शुल्क में पूरी छूट दी जाती है।

***

दिल्ली विश्वविद्यालय कंप्यूटर केंद्र

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

भविष्योन्मुखी वाई-फाई नेटवर्क को पूरे विश्वविद्यालय में, जिसमें कॉलेज और छात्रावास आदि भी शामिल हैं, स्थापित किया जा रहा है।

उन्नत नेटवर्क अवसंरचना: इसे 100 किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर पर एक सुदृढ़ त्रि-स्तरीय हाइब्रिड टोपोलॉजी में अपग्रेड किया गया है, जो 15,000 से अधिक वायर्ड उपकरणों और 1.5 लाख से अधिक वाई-फाई उपयोगकर्ताओं को सहायता प्रदान करता है।

समर्थ ई-गवर्नेंस का कार्यान्वयन: प्रशासनिक, शैक्षणिक और शासन प्रक्रियाओं को स्वचालित करना, जिससे विश्वविद्यालय एक डिजिटल-फ़र्स्ट संस्थान में परिवर्तित हो गया है।

कैंपस-व्यापी वाई-फाई एक्सेस: उत्तर और दक्षिण परिसर में एएए-प्रमाणित वाई-फाई का विस्तार, जिसमें 6000 से अधिक उपयोगकर्ता सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं।

डीयू क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर: क्लाउड पर 150 से अधिक विभागीय वेबसाइट, प्रवेश पोर्टल (स्नातक/स्नातकोत्तर/पीएचडी), परीक्षा और लाइब्रेरी सर्वर, और अन्य महत्वपूर्ण एप्लिकेशन होस्ट किए गए।

MyDU का GSuite के साथ एकीकरण: शैक्षणिक निरंतरता के लिए गूगल क्लासरूम, मीट, ड्राइव, शीट्स आदि तक निर्बाध एक्सेस उपलब्ध कराई गई।

साइबर सुरक्षा पहलकदम: अनेक संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) और जागरूकता अभियान चलाए गए।

लाइव वेबकास्टिंग: वार्षिक दीक्षांत समारोह, स्थापना दिवस, सम्मेलन आदि सहित प्रमुख विश्वविद्यालय कार्यक्रमों की रीयल-टाइम स्ट्रीमिंग सक्षम बनाई गई।

डीयू वेबसाइट और डिजिटल सेवाएँ: द्विभाषी और सुलभ डीयू पोर्टलों का रखरखाव किया गया और उन्हें अद्यतन बनाया गया, जिससे सूचना पारदर्शिता और सुगमता में महत्वपूर्ण योगदान प्राप्त हुआ।

साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाले उपकरण का उपयोग: 1500 से अधिक संकाय सदस्यों और शोधकर्ताओं द्वारा उपयोग किए जाने वाले टर्निटिन सॉफ़्टवेयर के माध्यम से शैक्षणिक अखंडता को सुकर बनाया गया।

सम्मान/विभूतियां

डीयूसीसी को भारतीय विश्वविद्यालयों में सबसे डिजिटल रूप से उन्नत कंप्यूटर केंद्रों में से एक माना जाता है। इसकी आईटी टीम भारत में राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) बैंडविड्थ के शीर्ष उपयोगकर्ताओं में से एक है, जिसके दोनों परिसरों में निरंतर 10 जीबीपीएस उपयोग होता है। डीयू वेबसाइट ने ओडब्ल्यूएएसपी के शीर्ष 10 मानकों के आधार पर एसटीक्यूसी सुरक्षा प्रमाणन प्राप्त किया है। डीयूसीसी की साइबर सुरक्षा जागरूकता पहलों और कार्यशालाओं ने भागीदारी और सराहना अर्जित की है।

सुविधाएं

10 Gbps एनकेएन बैकबोन और फ़ेलओवर के साथ उच्च गति नेटवर्क अवसंरचना।

वेबसाइटों, शैक्षणिक पोर्टलों और प्रशासनिक प्रणालियों का समर्थन करने वाली व्यापक क्लाउड होस्टिंग सेवाएँ।

MATLAB, SPSS, AMOS, NVivo, COMSOL, Adobe Creative Suite और अनुसंधान के लिए अनेक अन्य शैक्षणिक सॉफ़्टवेयर सहित सॉफ़्टवेयर एक्सेस और लाइसेंसिंग।

दूरस्थ स्थानों से विश्वविद्यालय के ई-संसाधनों तक एक्सेस बनाने के लिए संकाय के लिए वीपीएन सुविधा।

सभी विभागों, अनुसंधान केंद्रों, छात्रावासों और परियोजनाओं के लिए केंद्रीकृत वेब होस्टिंग सेवाएँ।

समर्थ ई-गवर्नेंस केंद्र फ़ोन, व्हाट्सएप, ईमेल और वॉक-इन के माध्यम से मल्टी-चैनल हेल्पडेस्क सहायता प्रदान करता है।

विश्वविद्यालय की बैठकों और बड़े पैमाने पर लाइव वेबकास्ट के लिए कंप्यूटिंग और नेटवर्किंग सहायता सहित आयोजनों के लिए तकनीकी अवसंरचना।

साइबर सुरक्षा, समर्थ ई-गवर्नेंस उपयोग, सॉफ़्टवेयर, साहित्यिक चोरी उपकरण और प्लेसमेंट गतिविधियों के साथ अन्य कौशल विकास सत्रों में व्यावहारिक कार्यशालाएँ और एफडीपी प्रदान करने वाली प्रशिक्षण सुविधाएँ।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण: डीयूसीसी ने साइबर सुरक्षा, अनुसंधान उपकरण और समर्थ पोर्टल पर 20 से अधिक कार्यक्रमों में 1900 से अधिक प्रतिभागियों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया।

समर्थ ईआरपी मॉड्यूल स्थापित किए गए: शैक्षणिक और छात्र जीवनचक्र, मानव संसाधन प्रबंधन, वित्त, शासन, अवकाश, छात्रावास, आरटीआई, कानूनी प्रणालियाँ।

डिजिटल सुगम्यता पहल: ऑनलाइन ब्रेल लाइब्रेरी, डीयू ओपीएसी और बहुभाषी वेब पोर्टलों को समर्थन।

ई-प्रोक्योरमेंट की सुविधा: जीईएम पर 142 विभागों के 988 उपयोगकर्ताओं और ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर 63 विभागों और 42 कॉलेजों के 624 उपयोगकर्ताओं को समर्थन।

नोडल आईटी एजेंसी के रूप में डीयूसीसी: नीति और कार्यान्वयन पहलों के लिए शिक्षा मंत्रालय, एनआईसी, सर्टिफिकेट-इन और एसटीक्यूसी सहित शैक्षणिक, प्रशासनिक और बाहरी हितधारकों के साथ सक्रिय रूप से समन्वय किया।

***

दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

प्रमुख बाधानिवारक प्रौद्योगिकीय पहलकदम:

दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली (डीएलयूएस) ने अपनी डिजिटल अवसंरचना के आधुनिकीकरण और उसके संवर्धन में महत्वपूर्ण प्रगति की है। डीयू ई-लाइब्रेरी पोर्टल (यूआरएल: https://duelibrary.in) 2,04,505 ई-पुस्तकें, शीर्ष-रेटेड राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशकों के 44 डेटाबेस, ओपन-एक्सेस प्रकाशन प्लेटफ़ॉर्म और 87 व्यक्तिगत ई-जर्नल प्रदान करता है। यह भारत और विदेश के 1000 से अधिक विश्वविद्यालयों से ई-थीसिस और शोध प्रबंध भी प्रदान करता है।

डीयूएलएस वेबसाइट (यूआरएल: duls.du.ac.in) को ड्रूपल 11 का उपयोग करके नया रूप दिया गया है और इसमें अधिक जानकारी शामिल की गई है।

डीयूएलएस के अंतर्गत सभी प्रमुख पुस्तकालयों का ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी) (यूआरएल: opac.duls.du.ac.in): डीयूएलएस ने उन्नत ओपन-सोर्स एकीकृत पुस्तकालय प्रणाली, कोहा का उपयोग करके सभी प्रमुख पुस्तकालयों के कैटलॉग को एक ही प्लेटफ़ॉर्म पर केंद्रीकृत किया है। यह प्लेटफ़ॉर्म एक एकीकृत ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी) प्रदान करता है, जिससे उपयोगकर्ता संपूर्ण डीयूएलएस संग्रह को सहजता से खोज सकते हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय प्रकाशन (यूआरएल: dup.du.ac.in) शैक्षणिक पत्रिकाओं के डिजिटल प्रकाशन की सुविधा के लिए ओपन जर्नल सिस्टम (ओजेएस) का लाभ उठाता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय का ई-संसाधन प्रबंधन सॉफ़्टवेयर और अनुसंधान डैशबोर्ड

छात्र अपने दूरस्थ लॉगिन क्रेडेंशियल का उपयोग करके ब्रेल लाइब्रेरी वेबसाइट से ऑडियो पुस्तकों और ई-पाठ की सुविधा का लाभ उठा सकते हैं

सम्मान/विभूतियां

आईएलए-कॉला सर्वश्रेष्ठ पुस्तकालयाध्यक्ष पुरस्कार - 2024: यह प्रतिष्ठित व्यक्तिगत पुरस्कार डॉ. राजेश सिंह को उनके विशिष्ट नेतृत्व, रणनीतिक दृष्टि और डीयूएलएस में शैक्षणिक पुस्तकालय सेवाओं में बदलाव लाने में अग्रणी पहल के लिए प्रदान किया गया। यह पुरस्कार आईएलए द्वारा किसी कार्यरत पुस्तकालयाध्यक्ष के उत्कृष्ट योगदान के सम्मान में प्रदान किया जाता है।

सुविधाएं

दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली (डीयूएलएस) ने अपने संग्रह का विस्तार करने में उल्लेखनीय प्रगति की है और पूंजीगत संपत्ति बजट के माध्यम से पुस्तकों के 9,755 नए खंड जोड़े हैं। 31 मार्च, 2025 तक, डीयूएलएस संग्रह में पुस्तकों की कुल संख्या 17,35,082 हो गई है, जो उल्लेखनीय है। इसके अतिरिक्त, डीयूएलएस 531 मुद्रित पत्रिकाओं का भी सदस्य है, जिनका सदस्यता-अनुरक्षण अनुदान के माध्यम से प्रतिवर्ष नवीनीकरण किया जाता है। पुस्तकालय में 50,146 शोध-प्रबंधों और शोध-प्रबंधों का एक विस्तृत और सुव्यवस्थित संग्रह भी है, जो अनुसंधान और शैक्षणिक विकास के लिए अमूल्य संसाधन प्रदान करता है।

डीयूएलएस विश्वविद्यालय समुदाय के लिए इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों तक पहुँच बढ़ाने के लिए भी प्रतिबद्ध है। पिछले वर्ष, पुस्तकालय ने 59,186 ई-पुस्तकें जोड़ीं, जिससे कुल ई-पुस्तक संग्रह 2,04,505 तक पहुँच गया। इसके अलावा, पुस्तकालय विभिन्न विषयों की 87 ई-पत्रिकाओं की सदस्यता लेता है, साथ ही 44 डिजिटल अभिलेखागार और 43 ऑनलाइन डेटाबेस तक पहुँच भी प्रदान करता है। डीयूएलएस विषय पोर्टल, साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाले उपकरण, संदर्भ प्रबंधन उपकरण, कार्यशालाएँ और सूचना साक्षरता कार्यक्रमों के माध्यम से शोध सहायता सेवाएँ भी प्रदान करता है।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

केंद्रीय पुस्तकालय परिसर भवन का निरंतर विस्तार

इलेक्ट्रो-मैग्नेटिक लाइब्रेरी सर्विलांस सिस्टम और पैट्रन ट्रैफिक कंट्रोल (पीटीसी) तथा ओपीएसी कियोस्क: केंद्रीय संदर्भ पुस्तकालय और अन्य प्रमुख पुस्तकालयों, जैसे केंद्रीय विज्ञान पुस्तकालय, रतन टाटा पुस्तकालय और दक्षिण परिसर पुस्तकालय, में आधुनिक पैट्रन ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम की सफल स्थापना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रही, जिससे आगंतुकों के प्रवेश और निकास की कुशल निगरानी और प्रबंधन संभव हुआ। इसके अतिरिक्त, ओपीएसी (ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग) कियोस्क भी स्थापित किए गए, जिससे उपयोगकर्ताओं को पुस्तकालय कैटलॉग तक त्वरित और आसान पहुँच प्राप्त हुई।

डीयूएलएस में मानव संसाधन विकास: भर्ती प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और इस वर्ष, 2024 में 6 उप-पुस्तकालयाध्यक्ष और 35 सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष सफलतापूर्वक कार्यभार ग्रहण कर चुके हैं।

मनाने गए महत्वपूर्ण दिवसों में विश्व पुस्तक दिवस (23 अप्रैल, 2024), वृक्षारोपण अभियान (30 जुलाई, 2024), पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस (12 अगस्त, 2024), अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च, 2025), मातृभाषा दिवस (21 फ़रवरी, 2025) और डॉक्टरेट अनुसंधान की वार्षिक दीक्षांत प्रदर्शनी (21 फ़रवरी, 2025) शामिल हैं।

***

दिल्ली विश्वविद्यालय सामाजिक केंद्र सह-शिक्षा विद्यालय

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

हमारे छात्रों ने खेल, कला और सांस्कृतिक कार्यक्रमों, मानसिक गणित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (क्षेत्रीय स्तर पर) सहित विभिन्न पाठ्येतर गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया।

सुविधाएं

सामान्य सुविधाओं में सुसज्जित विज्ञान प्रयोगशाला और कंप्यूटर प्रयोगशाला शामिल हैं।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

वर्ष का मुख्य आकर्षण विद्यालय का स्वतंत्रता दिवस था जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी श्री गिरीश रंजन मुख्य अतिथि थे और कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के चेयरमैन प्रो. हेमेन्द्र डांगी ने की। इस कार्यक्रम में अनेक सह-पाठ्यचर्या गतिविधियां, छात्रों द्वारा नृत्य प्रदर्शन, हमारे नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा फैंसी ड्रेस इत्यादि शामिल थे। श्री गिरीश रंजन ने कंप्यूटर लैब का उद्घाटन किया और हमारे नए भवन के निर्माणाधीन स्थल का दौरा किया।

शिक्षक दिवस के अवसर पर, विद्यालय के अध्यक्ष द्वारा आईएएस श्री आर.एन. शर्मा, शिक्षा निदेशक का मुख्य अतिथि के रूप में स्वागत किया गया। उन्होंने शिक्षकों को सम्मानित किया तथा अभिभावकों

और छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने नए भवन के निर्माणाधीन स्थल का दौरा किया और विद्यालय के उन्नयन का वायदा किया।

***

दिल्ली विश्वविद्यालय खेल परिषद

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिताएं निम्नलिखित खेलों/क्रीड़ाओं में आयोजित की गईं:-

तीरंदाजी (पुरुष एवं महिला), एथलेटिक्स (पुरुष एवं महिला), बैडमिंटन (पुरुष एवं महिला), बेसबॉल (पुरुष), बास्केटबॉल (पुरुष एवं महिला), मुक्केबाजी (पुरुष एवं महिला), शतरंज (पुरुष एवं महिला), क्रिकेट (पुरुष एवं महिला), फुटबॉल (पुरुष एवं महिला), हैंडबॉल (पुरुष एवं महिला), हॉकी (पुरुष एवं महिला), जूडो (पुरुष एवं महिला), कबड्डी (पुरुष एवं महिला), खो-खो (पुरुष एवं महिला), नेटबॉल (महिला), निशानेबाजी (पुरुष एवं महिला), सॉफ्टबॉल (महिला), तैराकी (पुरुष एवं महिला), टेबल टेनिस (पुरुष एवं महिला), ताइक्वांडो (पुरुष एवं महिला), टेनिस (पुरुष एवं महिला), वॉलीबॉल (पुरुष एवं महिला), भारोत्तोलन (पुरुष एवं महिला) और कुश्ती (पुरुष एवं महिला)।

दिल्ली विश्वविद्यालय चयन ट्रायल निम्नलिखित खेलों/क्रीड़ाओं में आयोजित किए गए:-
तलवारबाजी (पुरुष एवं महिला), जिम्नास्टिक (पुरुष एवं महिला) और स्क्वैश (पुरुष एवं महिला)।

दिल्ली विश्वविद्यालय की टीमों ने निम्नलिखित खेलों/क्रीड़ाओं में उत्तर क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय टूर्नामेंट में भाग लिया:-बैडमिंटन (पुरुष एवं महिला), बास्केटबॉल (पुरुष एवं महिला), शतरंज (पुरुष एवं महिला), क्रिकेट (पुरुष एवं महिला), फुटबॉल (महिला), हैंडबॉल (पुरुष एवं महिला), हॉकी (पुरुष एवं महिला), कबड्डी (पुरुष एवं महिला), खो-खो (पुरुष एवं महिला), टेबल-टेनिस (पुरुष एवं महिला), टेनिस (पुरुष एवं महिला) और वॉलीबॉल (पुरुष एवं महिला) जो भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा आयोजित किया गया।

दिल्ली विश्वविद्यालय की टीमों ने निम्नलिखित खेलों/क्रीड़ाओं में उत्तर-पूर्व क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय टूर्नामेंट में भाग लिया:-भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा आयोजित जूडो (पुरुष एवं महिला) और तैराकी (पुरुष एवं महिला)।

दिल्ली विश्वविद्यालय टीम ने निम्नलिखित खेलों/क्रीड़ाओं में उत्तर-पश्चिम क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय टूर्नामेंट में भाग लिया:-भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा आयोजित फुटबॉल (पुरुष)।

ल्ली विश्वविद्यालय की टीमों ने निम्नलिखित खेलों/क्रीड़ाओं में अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय टूर्नामेंट में भाग लिया:-तीरंदाजी (पुरुष एवं महिला), एथलेटिक्स (पुरुष), बैडमिंटन (पुरुष), मुक्केबाजी (पुरुष एवं महिला), शतरंज (पुरुष एवं महिला), क्रिकेट (पुरुष), तलवारबाजी (पुरुष एवं महिला), जूडो (पुरुष एवं महिला), खो-खो (महिला), नेटबॉल (महिला), शूटिंग (पुरुष एवं महिला), सॉफ्टबॉल (महिला), स्क्वैश (पुरुष एवं महिला), तैराकी (पुरुष एवं महिला), टेबल-टेनिस (महिला) ताइक्वांडो (पुरुष एवं महिला), टेनिस (महिला), भारोत्तोलन (पुरुष एवं महिला) और कुश्ती (पुरुष एवं महिला) जिसे भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा आयोजित किया गया था।

सम्मान/विभूतियां

अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं/टूर्नामेंटों में स्थान/प्रतिभागिता:

- रिदम सांगवान ने पेरिस (फ्रांस) में 26 जुलाई, 2024 से 11 अगस्त, 2024 तक आयोजित XXXIII ओलंपिक खेलों में भाग लिया।
- रमिता जिंदल ने पेरिस (फ्रांस) में 26 जुलाई, 2024 से 11 अगस्त, 2024 तक आयोजित XXXIII ओलंपिक खेलों में भाग लिया।
- हर्षित राणा जिम्बाब्वे में 6 जुलाई, 2024 से 14 जुलाई, 2024 तक आयोजित टी-20 के लिए भारतीय क्रिकेट टीम का हिस्सा थे। भारतीय टीम इस श्रृंखला में विजयी रही।
- हर्षित राणा श्रीलंका में 2 अगस्त, 2024 से 7 अगस्त, 2024 तक आयोजित एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला के लिए भारतीय क्रिकेट टीम का हिस्सा थे। भारतीय टीम इस श्रृंखला में विजयी रही।
- साइना सलोनिका उस भारतीय विश्वविद्यालय टीम का हिस्सा थीं जिसने एंटेबे (युगांडा) में 25 से 30 जून, 2024 तक आयोजित एफआईएसयू विश्वविश्वविद्यालय चैम्पियनशिप माइंड स्पोर्ट्स में रजत पदक जीता था।
- आयुष राव उस भारतीय विश्वविद्यालय टीम का हिस्सा थे जिसने ताइपे (चीनी ताइपे) में 30 अगस्त, 2024 से 1 सितंबर, 2024 तक आयोजित द्वितीय एशियाई विश्वविद्यालय तीरंदाजी चैम्पियनशिप में भाग लिया था।
- यश डबास 25 नवंबर, 2024 से 6 दिसंबर, 2024 तक भुवनेश्वर और मुंबई में आयोजित ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालय क्रिकेट टीम के खिलाफ द्विपक्षीय श्रृंखला के लिए भारतीय विश्वविद्यालय टीम का हिस्सा थे।

उत्तर क्षेत्र/उत्तर-पूर्व क्षेत्र/उत्तर-पश्चिम क्षेत्र/अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं/टूर्नामेंटों में स्थान

उत्तर क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं/टूर्नामेंट में स्थान:टीम

- तनिष्क पाराशर, आकर्षित शर्मा, आयुष कपूर, आर्यन शर्मा, आर्यन सपिया, ईशान चावला और कुश वत्स की बैडमिंटन (पुरुष) टीम ने पंजाब के चितकारा विश्वविद्यालय में 30 अक्टूबर, 2025 से 3 नवंबर, 2025 तक आयोजित उत्तर क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय बैडमिंटन (पुरुष) टूर्नामेंट 2024-25 में रजत पदक जीता।
- आर्यन वार्ष्णेय, नमितबीर सिंह वालिया, अमन बलाना, गर्व गौड़, आदित्य ढींगरा और सिद्धांत नाथ झा की शतरंज (पुरुष) टीम ने ओम स्टर्लिंग ग्लोबल यूनिवर्सिटी, हिसार में 20 से 23 फरवरी, 2025 तक आयोजित उत्तर क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय शतरंज (पुरुष) टूर्नामेंट 2024-25 में स्वर्ण पदक जीता।
- यशिका जैन, अनन्या अनामिका, अंजिता कृष्णा कुमार, नव्या तायल, वर्षिता जैन और संचिता यादव की शतरंज (महिला) टीम ने रयात-बाहरा यूनिवर्सिटी, मोहाली में 10 से 12 मार्च, 2025 तक आयोजित उत्तर क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय शतरंज (महिला) टूर्नामेंट 2024-25 में स्वर्ण पदक जीता।
- यशवर्धन ओबेरॉय, आर्यन शर्मा, अंश कश्यप, कौशल सुमन, आर्यन दहिया, प्रिंस राणा, आदित्य चौधरी, निशांत आर्य, अर्जुन रापरिया, सुमित
- छिकारा, प्रतीक, अजय यादव, जसमीत नैन, विपुल, कबीर बिश्नोई और यशजीत की क्रिकेट (पुरुष) टीम ने दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 10 से 19 फरवरी, 2025 तक आयोजित उत्तर क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय क्रिकेट (पुरुष) टीम टूर्नामेंट 2024-25 में स्वर्ण पदक जीता।
- आशीष जायसवाल, महताब, अजय, श्रवण, मदन, मतलुम, राजेश कुमार, मनन कुमार, सोशल कुमार यादव, विकास, दीपेंद्र, समे आलम, एमडी मिराजुल, आदित्य मौर्य और मोहित की खो-खो (पुरुष) टीम ने छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर (यूपी) में 25 फरवरी, 2025 से 1 मार्च, 2025 तक आयोजित उत्तर क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय खो-खो (पुरुष) टूर्नामेंट 2024-25 में स्वर्ण पदक जीता।
- जैस्मीन, प्रिया, सुहानी गौड़, आर. लक्ष्मी गौड़ा की टेनिस (महिला) टीम ने दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल (हरियाणा) में 12 से 15 नवंबर, 2025 तक आयोजित उत्तर क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय टेनिस (महिला) टूर्नामेंट 2024-25 में स्वर्ण पदक जीता।

उत्तर-पूर्व क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं/टूर्नामेंट में स्थान:व्यक्तिगत

- साहिल सिंह ने गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, पंजाब में 9 से 12 जनवरी, 2025 तक आयोजित उत्तर-पूर्व क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय जूडो (पुरुष) टूर्नामेंट 2024-25 में जूडो (पुरुष) व्यक्तिगत वर्ग में 66 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीता।
- यश तंवर ने गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, पंजाब में 9 से 12 जनवरी, 2025 तक आयोजित उत्तर पूर्व क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय जूडो (पुरुष) टूर्नामेंट 2024-25 में जूडो (पुरुष) व्यक्तिगत वर्ग में 100 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीता।
- हितेश कुमार ने गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, पंजाब में 9 से 12 जनवरी, 2025 तक आयोजित उत्तर-पूर्व क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय जूडो (पुरुष) टूर्नामेंट 2024-25 में जूडो (पुरुष) व्यक्तिगत वर्ग में 73 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीता।
- मेघना टोकस ने गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, पंजाब में 9 से 12 जनवरी, 2025 तक आयोजित उत्तर-पूर्व क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय जूडो (महिला) टूर्नामेंट 2024-25 में जूडो (महिला) व्यक्तिगत वर्ग में 52 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीता।
- कशिश डागर ने गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, पंजाब में 9 से 12 जनवरी, 2025 तक आयोजित उत्तर पूर्व क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय जूडो (महिला) टूर्नामेंट 2024-25 में जूडो (महिला) व्यक्तिगत वर्ग में 78 किग्रा भार वर्ग में रजत पदक जीता।
- तनु मान ने गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, पंजाब में 9 से 12 जनवरी, 2025 तक आयोजित उत्तर पूर्व क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय जूडो (महिला) टूर्नामेंट 2024-25 में जूडो (महिला) व्यक्तिगत वर्ग में 48 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीता।

उत्तर-पश्चिम क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं/टूर्नामेंट में स्थान:टीम

- अर्पित नेगी, रक्षित जुनेजा, सुमित कुमार, दक्ष चौधरी, पूरव शर्मा, निशांत शाह, विशाल चौधरी, जिस जोसेफ, सुहैल अली, सात्विक पांडे, कमल दीप सिंह रावत, अर्श यादव, संजीव कुमार, तुषार कुमार सिंह, आदि चौहान, गंगा प्रसाद, यूसुफ हुसैन, अभ्युदय रावत, विकास वर्मा, सूर्यांश त्यागी, अमन कुमार, नसर आलम की फुटबॉल (पुरुष) टीम ने प्रताप यूनिवर्सिटी, जयपुर, राजस्थान में 17 से 23 दिसंबर, 2025 तक आयोजित उत्तर-पश्चिम अंतर-विश्वविद्यालय फुटबॉल (पुरुष) टूर्नामेंट 2024-25 में कांस्य पदक जीता।

अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं/टूर्नामेंट में स्थान:टीम

- आर्यन वार्ष्णेय, नमितबीर सिंह वालिया, अमन बलाना, गर्व गौड़, आदित्य ढींगरा और सिद्धांत नाथ झा की शतरंज (पुरुष) टीम ने मारवाड़ी यूनिवर्सिटी, राजकोट, गुजरात में 2 से 5 अप्रैल,

2025 तक आयोजित अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय शतरंज (पुरुष) टूर्नामेंट 2024-25 में स्वर्ण पदक जीता।

- यशवर्धन ओबेरॉय, आर्यन शर्मा, अंश कश्यप, कौशल सुमन, आर्यन दहिया, प्रिंस राणा, आदित्य चौधरी, निशांत आर्य, अर्जुन रापरिया, सुमित छिकारा, प्रतीक, अजय यादव, जसमीत नैन, विपुल, कबीर बिश्नोई और यशजीत की क्रिकेट (पुरुष) टीम ने दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 24 मार्च, 2025 से 2 अप्रैल, 2025 तक आयोजित अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय क्रिकेट (पुरुष) टूर्नामेंट 2024-25 में स्वर्ण पदक जीता।
- लकी शेखावत, नीलम चंद, कनिष्का चौधरी, खुशी सिंह, मयूरी रावत, साक्षी सिंह, महिमा बेनीवाल, विधि, एकता शर्मा, रिद्धि जैन, चाहत सोलंकी और पलक की नेटबॉल (महिला) टीम ने दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 7 से 9 जनवरी, 2025 तक आयोजित अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय नेटबॉल (महिला) टूर्नामेंट 2024-25 में कांस्य पदक जीता।
- हर्ष गुप्ता, अग्नेय कौशिक और करण चौहान की शूटिंग (पुरुष) टीम ने पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में 8 से 18 जनवरी, 2025 तक आयोजित अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय शूटिंग (पुरुष) टूर्नामेंट 2024-25 में रजत पदक जीता।
- कुशी सक्सेना, अंशिका गुप्ता और राशि मित्तल की शूटिंग (महिला) टीम ने पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में 8 से 18 जनवरी, 2025 तक आयोजित अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय शूटिंग (महिला) टूर्नामेंट 2024-25 में रजत पदक जीता।
- ईशान जैन, लक्ष्य ग्वाला, अंश त्रिपाठी, राजस्मिन शर्मा, कविन सूद और अनुभव मलिक की स्क्वैश (पुरुष) टीम ने सोमैया विद्याविहार विश्वविद्यालय, मुंबई में 18 से 20 फरवरी, 2025 तक आयोजित अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय स्क्वैश (पुरुष) टूर्नामेंट 2024-25 में रजत पदक जीता।

अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं/टूर्नामेंट में स्थान:व्यक्तिगत

- आयुष राव ने कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (केआईआईटी), भुवनेश्वर, ओडिशा में 24 से 28 दिसंबर, 2024 तक आयोजित अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय तीरंदाजी (पुरुष) टूर्नामेंट 2024-25 में 50 मीटर कंपाउंड राउंड तीरंदाजी (पुरुष) व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

- रक्षित टोकस ने गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, पंजाब में 15 से 17 जनवरी, 2025 तक आयोजित अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय जूडो (पुरुष) टूर्नामेंट 2024-25 में 90 किलोग्राम भार वर्ग में जूडो (पुरुष) व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक जीता।
- हितेन बुद्धिराजा ने कांस्य पदक जीता। गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, पंजाब में 15 से 17 जनवरी, 2025 तक आयोजित अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय जूडो (पुरुष) टूर्नामेंट 2024-25 में जूडो (पुरुष) व्यक्तिगत वर्ग में 81 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीता।
- यश तंवर ने गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, पंजाब में 15 से 17 जनवरी, 2025 तक आयोजित अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय जूडो (पुरुष) टूर्नामेंट 2024-25 में जूडो (पुरुष) व्यक्तिगत वर्ग में 100 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीता।
- मेघना टोकस ने गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, पंजाब में 15 से 17 जनवरी, 2025 तक आयोजित अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय जूडो (महिला) टूर्नामेंट 2024-25 में जूडो (महिला) व्यक्तिगत वर्ग में 52 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीता।
- प्रीति ने गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, पंजाब में 15 से 17 जनवरी, 2025 तक आयोजित अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय जूडो (महिला) टूर्नामेंट 2024-25 में जूडो (महिला) व्यक्तिगत वर्ग में 63 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीता।
- कशिश डागर ने गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, पंजाब में 15 से 17 जनवरी, 2025 तक आयोजित अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय जूडो (महिला) टूर्नामेंट 2024-25 में जूडो (महिला) व्यक्तिगत वर्ग में 78 किग्रा भार वर्ग में रजत पदक जीता।
- तनु मान ने गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, पंजाब में 15 से 17 जनवरी, 2025 तक आयोजित अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय जूडो (महिला) टूर्नामेंट 2024-25 में जूडो (महिला) व्यक्तिगत वर्ग में 88 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीता।
- तेजस्वनी ने पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में 8 से 18 जनवरी, 2025 तक आयोजित अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय शूटिंग (महिला) टूर्नामेंट 2024-25 में स्पोर्ट्स पिस्टल इन शूटिंग (महिला) व्यक्तिगत वर्ग में 25 मीटर वर्ग में रजत पदक जीता।

सुविधाएं

बहुउद्देशीय हॉल: बैडमिंटन (पुरुष एवं महिला), बास्केटबॉल (पुरुष एवं महिला), शतरंज (पुरुष एवं महिला), तलवारबाजी (पुरुष एवं महिला), जूडो (पुरुष एवं महिला), कबड्डी (पुरुष एवं महिला), नेटबॉल (महिला), टेबल टेनिस (पुरुष एवं महिला) और ताइक्वांडो (पुरुष एवं महिला) की खेल सुविधाएँ।

विश्वविद्यालय पोलो-ग्राउंड: एथलेटिक्स (पुरुष एवं महिला), बेसबॉल (पुरुष), फुटबॉल (पुरुष एवं महिला), हैंडबॉल (पुरुष एवं महिला) और सॉफ्टबॉल (महिला) की खेल सुविधाएँ।
रग्बी स्टेडियम: बेसबॉल (पुरुष), फुटबॉल (पुरुष एवं महिला), हैंडबॉल (पुरुष एवं महिला), कबड्डी (पुरुष एवं महिला) और सॉफ्टबॉल (महिला) की खेल सुविधाएँ।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- *उत्तर क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय टूर्नामेंट* 2024-2025 *में पुरुष और महिला वर्ग में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने वाले छात्र इस प्रकार हैं:-*

बैडमिंटन (पुरुष): (i) तनिष्क पाराशर (ii) आकर्षित शर्मा (iii) आयुष कपूर (iv) आर्यन शर्मा (v) आर्यन सपैया (vi) ईशान चावला (vii) कुश वत्स।
बैडमिंटन (महिला): (i) इशानी वाल्डिया (ii) स्तुति (iii) मीनल रौतेला (iv) हिमानी सरदार।

बास्केटबॉल (पुरुष): (i)नितिन (ii) नमन विरमानी (iii) दक्ष चौधरी (iv) साहिल माथुर (v) लक्ष्य कपूर (vi) ओम मेहता (vii) सिद्धार्थतुशिर (viii) जयवीर (ix) रचित तोमर (x) रोहित तेवतिया (xi) हार्दिक शर्मा (xii) प्रिंस यादव।
बास्केटबॉल (महिला): (i) दीक्षिता (ii) पर्णिका श्रीवास्तव (iii) सिमरन त्यागी (iv) अर्शिया डबास (v) सौम्या मान (vi) कोमल (vii) श्रेया मलिक (viii) अनिका अग्रवाल (ix) विपासना शर्मा (x) अनावि विद्याआनंद (11) तन्वी सिंह (12) मैरियट थंकाचन।

शतरंज (पुरुष): (i) आर्यन वार्ष्णेय (ii) नमितबीर सिंह वालिया (iii) अमन बलाना (iv) गर्व गौड़ (v) आदित्य ढींगरा (vi) सिद्धांत नाथ झा।
शतरंज (महिला): (i) यशिका जैन (ii) अनन्या अनामिका (iii) अंजिता कृष्णकुमार (iv) नव्या तायल (v) वर्षिता जैन (vi) संचिता यादव।

क्रिकेट (पुरुष): (i) यशवर्धन ओबरॉय (ii) आर्यन शर्मा (iii) अंश कश्यप (iv) कौशल सुमन (v) आर्यन दहिया (vi) प्रिंस राणा (vii) आदित्य चौधरी (viii) निशांत आर्य (ix) अर्जुन राप्रिया (x) सुमित छिकारा (xi) प्रतीक (xii) अजय यादव (xiii) जसमीत नैन (xiv) विपुल (xv) कबीर बिश्नोई (xvi) यशजीत।
क्रिकेट (महिला): (i) दीक्षा शर्मा (ii) रिया शौकीन (iii) अक्षिता जैन (iv) भारती (v) हिमांशी (vi) शिवानी यादव (vii) नीलांचल (viii) शिवी शर्मा (ix) मोनिका (x) तन्नू यादव (xi) हंशु राज (xii) अरमीत कौर (xiii) शिवांगी त्यागी (xiv) अंतरा शर्मा (xv) लकी (xvi) प्रियंका।

फुटबॉल (महिला): (i) भावना यादव (ii) रितिका रेधु (iii) लक्ष्मी वर्मा (iv) यामिनी आर (v) साक्षी बिष्ट (vi) श्रीमालिनी एम (vii) कौसल्या एम (viii) दीप्राघई (ix) श्वेता कंडवाल (x) निधा अशरफ (xi) दिव्या

खंड (xii) अनन्या शर्मा (xiii) शिवांशी (xiv) ईशा जोशी (xv) शिक्षा (xvi) नैना मुखीजा (xvii) नेहा राठी (xviii) अनुष्का सिंह कुशवाह (xix) श्रेया शर्मा (xxx) वेदिका गुलिया।

हैंडबॉल (पुरुष): (i) विकास राय (ii) मोक्ष गुप्ता (iii) शगुन डबास (iv) पवन कुमार (v) बब्लू यादव (vi) जन्मेजय वत्स (vii) अक्षय पंवार (viii) वरुण कुमार (ix) अवनीश कुमार यादव (x) सहदेव (xi) कुणाल (xii)

मोहम्मद सादिक (xiii) मोहनीश कुमार (xiv) रजनीश कुमार (xv) अमन पुनिया (xvi) उमेश सिंह।
हैंडबॉल (महिला): (i) अंजलि रथ्याल (ii) तनीषा (iii) आकांशा (iv) खुशबू (v) रुखसार बानो (vi) रिया त्यागी (vii) तनीषा बनर्जी (viii) श्वेता (ix) हर्षिता रावत (xxx) काजल सिंह (xi) उर्वशी शर्मा (xii) भानवी (xiii) नेहा पांडे (xiv) जूही (xv) प्राची डागर (xvi) वंशिका गर्ग।

हॉकी (पुरुष): (i) मो. अरबाज सिद्दीकी (ii) राहुल शर्मा (iii) फरमान अंसारी (iv) अचिंत्य सिंह (v) अमन कुमार झा (vi) दीपक (vii) प्रत्यूष सिंह जग्गी (viii) प्रियांशु (ix) आशीष कुमार गुप्ता (x) मोहम्मद दानिश अंसारी (xi) मनमोहन कुमार सिंह (xii) कमल (xiii) सागर यादव (xiv) सौरभ (xv) सिद्धार्थ रावत (xvi) आयुष पांडे (xvii) नवीन बिधूड़ी (xviii) रोहित डांगी।
हॉकी (महिला): (i) मान्या हरसाना (ii) अक्षिता मीना (iii) कोमल (iv) अंजलि (v) अंजलि (vi) अंशू (vii) हेमा नेगी (viii) पूजा (ix) एकता (x) पिंकी (xi) प्रियांशी कौशिक (xii) नेहा कौशिक (xiii) सोमवती (xiv) आरती (xv) नेहा बिष्ट (xvi) श्वेता भाटिया (xvii) परी कर्णवाल (xviii) तारा।

कबड्डी (पुरुष): (i) राहुल (ii) इशांत मलिक (iii) तुषार (iv) शिवम रावत (v) विजय कुमार मंडल (vi) प्रिंस (vii) अभिषेक (viii) निशांत (ix) हर्ष (x) नितेश जाखड़ (xi) करेंद्र (xii) शशि राज।
कबड्डी (महिला): (i) डिंपल सिंह (ii) अंजलि (iii) साक्षी (iv) कुमकुम (v) अंशुल (vi) वंशिका शर्मा (vii) नैन्सी (viii) इशू (ix) शनाया (x) श्रुति रौतेला (xi) दीपिका (xii) रुखसाना खातून।

खो-खो (पुरुष): (i) आशीष जायसवाल (ii) महताब (iii) अजय (iv) श्रवण (v) मदन (vi) मैटलूम (vii) राजेश कुमार (viii) मनन कुमार (ix) सोशल कुमार यादव (x) विकास (xi) दीपेंद्र (xii) समे आलम (xiii) एमडी मिराजुल (xiv) आदित्य मौर्य (xv) मोहित।
खो-खो (महिला): (i) नीतू कुमारी (ii) अंतरा सिंह (iii) अंजलि मिश्रा (iv) प्रिया कुमारी (v) काजल कुमारी (vi) सानिया (vii) अनन्या मित्तल (viii) कुमारी अर्पिता महतो (ix) प्रिया (x) ज्योति (xi) आयशा (xii) दिव्या (xiii) श्वेता कुमारी (xiv) तनिष्का कोली (xv) मनु।

टेबल-टेनिस (पुरुष): (i) कनव कौशिक (ii) अक्षत त्यागी (iii) नमन अरोड़ा (iv) धैर्य सिंघल (v)आदित्य जैन।

टेबल-टेनिस (महिला): (i) अतुलिया रावत (ii) मान्यता कपूर (iii) काव्या यादव (iv) याशिका शर्मा (v) आयुषी।

टेनिस (पुरुष): (i) तुषार मित्तल (ii) मयंक शर्मा (iii) पीयूष प्रियदर्शी (iv) निशांत (v) सिद्धांत शर्मा।
टेनिस (महिला): (i) जैस्मीन (ii) प्रिया (iii) सुहानी गौड़ (iv) लक्ष्मी गौड़ा।

वॉलीबॉल (पुरुष): (i)आदित्य अनिल (ii) तुषार शर्मा (iii) मधुर त्यागी (iv) कुशल (v) नितप्रीत सिंह (vi) अभय कुमार (vii) शौर्य राणा (viii) मयंक कुमार तिवारी (ix) यश (x) हेमंत सोरौत (xi) प्रतीक अहलावत (xii) दियान पार्की।
वॉलीबॉल (महिला): (i) निक्की कुमारी (ii) हिमांशी (iii) संजू (iv) तनु (v) प्रीति (vi) काली (vii) काजल (viii) गरिमा बिष्ट (ix) साजिया खातून (x) वंशिका (xi) सानिया (xii) श्रेया यादव।

- *उत्तर-पूर्व क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय टूर्नामेंट* 2024-2025 *में पुरुष और महिला वर्ग में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने वाले छात्र इस प्रकार हैं:-*

जूडो (पुरुष): (i) मोहित यादव (ii) हितेश कुमार गुलिया (iii) रक्षित टोकस (iv) रौनक शर्मा (v) हितेन बुद्धिराजा (vi) साहिल सिंह (vii) यश तंवर।
जूडो (महिला): (i) मेघना टोकस (ii) प्रीति (iii) कशिश डागर (iv) तनु मान (v) काजल (vi) वैशाली टोकस (vii) तज़ीम फैयाज़।

तैराकी (पुरुष): (i) उत्कर्ष सरकार (ii) अर्जुन टोकस (iii) भाग्य गहलौत।
तैराकी (महिला): (i) काम्या भारद्वाज (ii) इशिता सिंह (iii) कृति अरोड़ा (iv) सुहानी राचेल शर्मा (v) अनुशुया बोरा।

- *उत्तर-पश्चिम क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय टूर्नामेंट 2024-2025 में पुरुष वर्ग में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने वाले छात्र इस प्रकार हैं:-*

फुटबॉल (पुरुष): (i) अर्पित नेगी (ii) रक्षित जुनेजा (iii) सुमित कुमार (iv) दक्ष चौधरी (v) पूरव शर्मा (vi) निशांत शाह (vii) विशाल चौधरी (viii) जिस जोसेफ (ix) सुहेल अली (x) सात्विक पांडे (xi) कमल दीप सिंह रावत (xii) अर्श यादव (xiii) संजीव कुमार (xiv) तुषार कुमार सिंह (xv) आदी चौहान (xvi) गंगा प्रसाद (xvii) यूसुफ हुसैन (xviii) अभ्युदय रावत (xix) विकासवर्मा (xx) सूर्यांश त्यागी (xxi) अमन कुमार (xxii) नसर आलम।

- *अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय टूर्नामेंट* 2024-2025 *में पुरुष और महिला वर्ग में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने वाले छात्र इस प्रकार हैं:-*

तीरंदाजी (पुरुष): (i) अमित कुमार (ii) हिमांशु सोनी (iii) साई प्रसाद सुना (iv) आयुष राव (v) शिवम यादव (vi) आर्यन यादव (vii) देव शौकीन (viii) आदित्य गुलिया (ix) हर्षित पाल (x) अंकित कुमार।
तीरंदाजी (महिला): (i) मारिया खानम (ii) तुलसी (iii) बॉबी (iv) वंशिका सोनी (v) अंशू डागर (vi) नेहा कुमारी (vii) समीक्षा मनकतला (viii) मोहिका माथुर (ix) यशी कौशिक (x) मोइना (xi) शीतल कुमारी।

एथलेटिक्स (पुरुष): (i) अभिषेक (ii) मुकेश कुमार ठाकुर (iii) निपुण (iv) चंद्र शेखर (v) मोहम्मद तैफ।

बैडमिंटन (पुरुष): (i) तनिष्क पाराशर (ii) आकर्षित शर्मा (iii) आयुष कपूर (iv) आर्यन शर्मा (v) आर्यन सपैया (vi) ईशान चावला (vii) कुश वट।

मुक्केबाजी (पुरुष): (i)अनिकेत सिंह (ii) आर. परवीन कुमार (iii) कृति तेजस कांत (iv) जयन सैनी (v) विपुल बिष्ट (vi) आदित्य बिष्ट (vii) संजू शर्मा (viii) सोहित ड्राल (ix) दीपांशु (x) देव आर्यन शर्मा (xi) प्रशांत यादव (xii) सिद्धार्थ
मुक्केबाजी (महिला): (i) राशि बिड़ला (ii) रिया (iii) काजल (iv) याशिका टोकस (v) मनस्वी टोकस (vi) सिया (vii) आशिमा कनौजिया (viii) साक्षी सागर (ix) पायल गुप्ता (x) तानिया चौहान (xi) अंशिका सिरोही (xii) तन्मयता चौधरी

शतरंज (पुरुष): (i) आर्यन वार्ष्णेय (ii) नमितबीर सिंह वालिया (iii) अमन बलाना (iv) गर्व गौड़ (v) आदित्य ढींगरा (vi) सिद्धांतनाथ झा।
शतरंज (महिला): (i) यशिका जैन (ii) अनन्या अनामिका (iii) अंजिता कृष्णा कुमार (iv) नव्या तायल (v) वर्षिता जैन (vi) संचिता यादव।

तलवारबाजी (पुरुष): (i) विवेक कुमार (ii) तेजस शर्मा (iii) मृत्युंजय (iv) अभिमन्यु (v) ध्रुव (6) राहुल (vii) हितेशी बंसल।
तलवारबाजी (महिला): (i) मानसी (ii) हिमांशी बडवाल (iii) नेहा कृपलानी (iv) आवेशी डबास।

फुटबॉल (पुरुष): (i) अर्पित नेगी (ii) रक्षित जुनेजा (iii) सुमित कुमार (iv) दक्ष चौधरी (v) पूरव शर्मा (vi) निशांत शाह (vii) विशाल चौधरी (viii) जिस जोसेफ (ix) सुहैल अली (x) सात्विक पांडे (xi) कमल दीप सिंह रावत (xii) अर्श यादव (xiii) संजीव कुमार (xiv) तुषार कुमार सिंह (xv) आदी चौहान (xvi) गंगा प्रसाद (xvii) यूसुफ हुसैन (xviii) अभ्युदय रावत (xix) विकास वर्मा (xx) सूर्यांश त्यागी (xxi) अमन कुमार (xxii) नसर आलम।

जूडो (पुरुष): (i) मोहित यादव (ii) हितेश कुमार गुलिया (iii) रक्षित टोकस (iv) रौनक शर्मा (v) हितेन बुद्धिराजा (vi) साहिल सिंह (vii) यश तंवर।

जूडो (महिला): (i) मेघना टोकस (ii) प्रीति (iii) कशिश डागर (iv) तनु मान (v) काजल (vi) वैशाली टोकस (vii) ताज़ीम फ़याज़।

खो-खो (पुरुष): (i) आशीष जायसवाल (ii) महताब (iii) अजय (iv) श्रवण (v) मदन (vi) मतलूम (vii) राजेश कुमार (viii) मनन कुमार (ix) सोशल कुमार यादव (x) विकास (xi) दीपेंद्र (xii) समे आलम (xiii) एमडी मिराजुल (xiv) आदित्य मौर्य (xv) मोहित।

शूटिंग (पुरुष): (i) देवांश गुप्ता (ii) हिमांशु सिंघानिया (iii) शिव प्रताप सिंह चौहान (iv) करण चौहान (v) हर्ष गुप्ता (vi) आग्नेय कौशिक (vii) शीर्ष आदित्य कश्यप (viii) युवराज सिंह राणा।
शूटिंग (महिला): (i) राशि मित्तल (ii) तेजस्वनी (iii) सुमेधा शर्मा (iv) परिशा गुप्ता (v) अंशिका गुप्ता (vi) कुशी सक्सेना (vii) रिया गुप्ता (viii) संस्कृति चौहान (ix) लक्षिका रावत (x) रिदम सांगवान (xi) भव्या त्रिपाठी (xii) अनन्या यदुवंशी।

सॉफ्टबॉल (महिला): (i) अनुष्का (ii) प्राची कुमार (iii) सरोज शर्मा (iv) पूजा (v) हिमांशी (vi) दीक्षा (vii) पायल शर्मा (viii) प्रेमा बिष्ट (ix) प्रीति कुमारी (x) अबीगैल ब्रेंडा सेबेस्टियन (xi) अनीता (xii) काजल कुमारी (xiii) कुमारी संजना (xiv) कोमल पांडे (xv) दीपांशी (xvi) श्रुति कुमारी।

स्क्वैश (पुरुष): (i) ईशान जैन (ii) लक्ष्य ग्वाला (iii) अंशत्रिपाठी (iv) राजस्मिन शर्मा (v) कविन सूद (vi) अनुभव मलिक।
स्क्वैश (महिला): (i) स्वाति मल्होत्रा (ii) प्रिया सिंह (iii) मंशा बोहरा (iv) चित्रांगदा गोयल (v) देवांशी गहलोत (vi) तृप्ति सुसन सैमुअल।

तैराकी (पुरुष): (I) अर्जुन टोकस।
तैराकी (महिला): (**I**) काम्या भारद्वाज (**II**) इशिता सिंह (**III**) अनुशुया बोरा।

ताइक्वांडो (पुरुष): (**I**) आयुष पाहवा (**II**) शाहिल सिंह नरुका (**III**) लगन सिंह (**IV**) रोनित (**V**) नितिन सिंह (**VI**) दक्ष गोदारा (**VII**) विनीत डबास (**VIII**) मनीष कुमार।
ताइक्वांडो (महिला): (**I**) काजल चौधरी (**II**) अनिका (**III**) स्नेहा प्रधान (**IV**) पायल (**V**) अक्षिता बिष्ट (**VI**) शगुन चौहान (**VII**) प्रियंका महर (**VIII**) कल्पना गरिया।

टेबल-टेनिस (महिला): (**I**) अतुलिया रावत (**II**) मान्यता कपूर (**III**) काव्या यादव (**IV**) याशिका शर्मा (**V**) आयुषी।
टेनिस (महिला): (**I**) जैस्मीन (**II**) प्रिया (**III**) सुहानी गौड़ (**IV**) लक्ष्मी गौड़ा।

भारोत्तोलन (महिला): (**I**) सरिता खटाना।

कुश्ती (पुरुष): (I) रौनक (II) विवेक भार्गव (III) साहिल सिंह (IV) कार्तिक बावरा (V) प्रतीक दलाल (VI) अक्ष त्यागी (VII) रियाज (VIII) अवधेश चौधरी (IX) युगराज सुजीत मान (X) सूरज डबास

कुश्ती (महिला): (I) श्रुति कुमारी (II) अंजलि शर्मा (III) कृतिका (IV) शुचि शर्मा (V) प्रीति (VI) नीति (VII) खुशी (VIII) आदित्य डी (IX) सिमरन पवार (X) प्रीति

***

दिल्ली विश्वविद्यालय महिला संघ

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

तनाव प्रबंधन कार्यशाला-2 अप्रैल, 2024

कैंसर सर्वाइवर पर कार्यशाला-15 अप्रैल, 2024

ग्रीष्मकालीन शिविर-7 मई से 13 जून, 2024

शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला-27 अप्रैल, 2024

योग दिवस-21 जून, 2024

पाक कला प्रतियोगिता-24 जुलाई, 2024

अभिविन्यास कार्यक्रम-27 जुलाई, 2024

सावन महोत्सव-8 अगस्त, 2024

'राष्ट्र प्रथम'-14 अगस्त, 2024

गीता सार-23 अगस्त, 2024

समावेशी शिक्षा-5 सितंबर, 2024

हिंदू दिवस-14 सितंबर, 2024

वरिष्ठ नागरिक दिवस-1 अक्टूबर,2024

एनजीओ की प्रदर्शनी-16 अक्टूबर, 2024

एनएएसी प्रस्तुति-24 अक्टूबर, 2024

स्थापना दिवस - 14 नवंबर, 2024

म्यूजिकल नाइट-16 नवंबर, 2024

हीरक जयंती, डीयूडब्ल्यूए-10 दिसंबर, 2024

विंटर कार्निवल-20 दिसंबर, 2024

उपचारात्मक कक्षाएँ 'सहयोग'-1 जनवरी, 2025

स्वास्थ्य शिविर-21 जनवरी, 20 25

'हमारे राष्ट्र का सम्मान करें'-24 जनवरी, 2025

सरस्वती पूजा-31 जनवरी 2025

'हमारी लोक संस्कृति'-15 फरवरी, 2025

डीयूडब्ल्यूए स्टॉल, डीयू दीक्षांत समारोह-22 फ़रवरी, 2025

फन एंड फ़िटनेस-23 फ़रवरी, 2025

डीयूडब्ल्यूए फ़ूड स्टॉल (पुष्प प्रदर्शनी)-11 मार्च, 2025

'भारत के रंग'-13 मार्च, 2025

स्नातक दिवस-15 मार्च, 2025

सम्मान और विशिष्टताएं

प्राप्त पुरस्कार:

- महिला नेतृत्व विकास पुरस्कार
- अनुकरणीय सेवा, समर्पण और योगदान के लिए विश्वविद्यालय पुरस्कार
- सावित्रीबाई फुले पुरस्कार
- महिला नेतृत्व विकास पुरस्कार-अप्रैल, 2024
- अंतर्राष्ट्रीय रतन श्री पुरस्कार-मार्च 2025

सुविधाएं

सामान्य सुविधाओं में शामिल हैं:

डे केयर सेंटर

प्ले स्कूल

डीयू के संकाय, गैर-शिक्षण कर्मचारियों और छात्रों के लिए होम्योपैथी/प्राकृतिक चिकित्सा/परामर्श सेवाएँ।

डीयू के संकाय के लिए कामकाजी महिलाओं का छात्रावास

शोधार्थी छात्रावास

डीयू स्मारिका दुकान

सहयोग-वंचित बच्चों के लिए उपचारात्मक कक्षाएँ

हॉबी और विदेशी कक्षाएँ

कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम

शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम और अन्य चिकित्सा सुविधाएँ

संगीत और चित्रकला कक्षाएँ

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

दिल्ली विश्वविद्यालय महिला संघ (डीयूडब्ल्यूए) एक सामाजिक कल्याण संगठन है और इसे 31 अक्टूबर, 1964 को दिल्ली संघ राज्यक्षेत्र तक विस्तारित सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के तहत पंजीकृत किया गया था। संघ का उद्देश्य दिल्ली विश्वविद्यालय और उसके संबद्ध कॉलेजों की महिला संकाय सदस्यों/गैर-शिक्षण कर्मचारियों और उनके बच्चों के लाभ के लिए सामाजिक, सांस्कृतिक, मनोरंजक, कल्याणकारी, शैक्षिक और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देना और उन्हें संचालित करना है। इस संगठन का अनुरक्षण पूरी तरह से दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा किया जाता है। तथापि, यह आत्मनिर्भर है और बाहरी फंडिंग एजेंसियों से अनुदान नहीं लेता है। इसके सभी सदस्य स्वैच्छिक रूप से काम करते हैं। डीयूडब्ल्यूए का शुभारंभ सामाजिक कार्यकर्ता, महान दूरदर्शी और तत्कालीन कुलपति प्रो. सी.डी. देशमुख की पत्नी डॉ. दुर्गाबाई देशमुख द्वारा सभी महिलाओं को सशक्त बनाने के दृष्टिकोण के साथ किया गया था।

***

हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के उन विद्यार्थियों के लिए, जो हिंदी को अपनी शिक्षा का माध्यम चुनते हैं, मुख्यतः सामाजिक विज्ञान और मानविकी विषयों में, हिंदी में उच्च स्तरीय पाठ्य पुस्तकें प्रकाशित करता है। हमने अब तक इतिहास, राजनीति विज्ञान, शिक्षा, भूगोल, वाणिज्य, विधि, खेल एवं शारीरिक शिक्षा, अर्थशास्त्र, दर्शनशास्त्र, भूगोल, साहित्य, संगीत, शब्दकोष आदि सहित विभिन्न विषयों पर लगभग 280 पुस्तकें प्रकाशित की हैं।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

निदेशालय के पास चार नए शीर्षक, पाँच संशोधित संस्करण और सौ से ज़्यादा पुनर्मुद्रण प्रकाशन के लिए तैयार हैं। इनमें से 17 पुस्तकें मुद्रण के लिए भेजी जा चुकी हैं, जिनमें चार नए शीर्षक शामिल हैं। निदेशालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार नई पुस्तकें तैयार करने में भी लगा हुआ है। डीएचएमआई में एक बिक्री अनुभाग है जहाँ से छात्र 15% की एक समान छूट पर पुस्तकें खरीद सकते हैं। यहाँ बेची जाने वाली पुस्तकें "न लाभ न हानि" के आधार पर हैं। पुस्तकों के निर्माण और मुद्रण के लिए निदेशालय को वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार से अनुदान प्राप्त होता है।

***

समान अवसर प्रकोष्ठ

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

समावेशी विश्वविद्यालय के दृष्टिकोण और दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने के मिशन के प्रति प्रतिबद्ध विश्वविद्यालय के समान अवसर प्रकोष्ठ ने अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक ऐसे छात्रों के लिए विभिन्न सुविधाओं में सुधार की दिशा में प्रयास करना जारी रखा है।

समान अवसर प्रकोष्ठ शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए दिव्यांग छात्रों को आवश्यकता-आधारित स्वयंसेवी सहायता प्रदान करता है। अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक, स्वयंसेवकों ने इन छात्रों की सहायता के लिए कुल 10,212 घंटे का योगदान दिया। यह सहायता अत्यंत लाभकारी रही है, जिससे दिव्यांग छात्रों को पढ़ने, लिखने, पुस्तकों की स्कैनिंग, पाठ्य-पुस्तकों का ई-रूपांतरण, ऑनलाइन/ऑफ़लाइन फ़ॉर्म भरने आदि में मदद मिली है।

पठन सामग्री को सुगम्य स्वरूप में परिवर्तित करना: दृष्टिबाधित छात्रों के अध्ययन के लिए सुगम्य स्वरूप में सामग्री की उपलब्धता अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस प्रकार, इस वर्ष सुगम्य पठन सामग्री के हमारे संग्रह में लगभग एक लाख पृष्ठ जोड़े गए। समान अवसर प्रकोष्ठ ने केआईबीओ कैमरा-स्कैनर की सहायता से यह कार्य किया। इस उपकरण की सहायता से अब हिंदी और कुछ अन्य भारतीय भाषाओं की पुस्तकों को तेज़ गति से ई-पाठ स्वरूप में परिवर्तित करना संभव हो सकेगा।

सुविधाएं

विश्वविद्यालय का समान अवसर प्रकोष्ठ, दिव्यांग छात्रों की सहायता के लिए कंप्यूटर, इंटरनेट और उन्नत तकनीकों से सुसज्जित एक सुगम्य कम्प्यूटरीकृत अध्ययन केंद्र प्रदान करता है। यह केंद्र सुगम्य फार्मेटों में अध्ययन सामग्री तैयार करने की सुविधा के साथ-साथ समर्पित वाचनालय की सुविधा भी प्रदान करता है।

प्रत्येक वर्ष, समान अवसर प्रकोष्ठ प्रवेश प्रक्रिया के दौरान दिव्यांग छात्रों को आवश्यक सहायता और परामर्श प्रदान करता है। पिछले वर्षों की तरह, 2024-25 के प्रवेशों के दौरान, समान अवसर प्रकोष्ठ ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में नामांकित छात्रों को व्यक्तिगत रूप से मार्गदर्शन प्रदान करके उन्हे सहायता प्रदान की। यह सहायता उनके अभिभावकों को भी प्रदान की गई, जिससे उन्हें अपनी शंकाओं का समाधान करने और आने वाली किसी भी चुनौती का सामना करने में मदद मिली।

***

विदेशी छात्र रजिस्ट्री

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

एफएसआर को 93 देशों से विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए तीन हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए। इसमें आईसीसीआर और स्व-भुगतान करने वाले डीयू पोर्टल दोनों शामिल थे। यूजी पाठ्यक्रमों में छात्रों की संख्या 396 थी, पीजी पाठ्यक्रमों में यह संख्या 228 थी और सर्टिफिकेट/डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में 27 छात्र थे। पहली बार हमने एक शैक्षणिक सत्र में पीएच॰डी॰ कार्यक्रमों में दाखिला लेने वालों की संख्या को 50 के पार कर लिया (कुल 57)। एफएसआर ने उन्हें योग्यता के अनुसार कॉलेज और विभाग आवंटित करने के लिए अथक प्रयास किया। यह उल्लेखनीय है कि स्नातकोत्तर प्रवेश (मास्टर्स और पीएच॰डी॰ दोनों) संबंधित विभागों द्वारा प्रशासित हैं। छात्रावास के कमरे न केवल आईएसएच और आईएसएचडब्ल्यू में बल्कि अन्य कैंपस छात्रावासों में भी पूरी क्षमता से आवंटित किए गए थे। यह वर्ष हमारे लिए अनूठा था क्योंकि हमने दक्षिण अमेरिका में गहरी पैठ बनाई। एफएसआर में वर्तमान में 2000 से अधिक विदेशी छात्र तथा एक जेएसीटी भी नामांकित है।

***

गांधी भवन

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

'संविधान: विकसित भारत की राह करे आसन' पर कवि सम्मेलन: 15 अप्रैल, 2024

पर्यावरण दिवस: 5 जून, 2024

'स्वयं और समाज के लिए योग' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन: 21 जून, 2024

'कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ज्ञान प्रबंधन: शैक्षणिक उद्योग शिखर सम्मेलन 2024 (एआईकेएम 2024) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, इंडिया हैबिटेट सेंटर और शारदा रंगनाथन एंडोमेंट फॉर लाइब्रेरी साइंसेज के सहयोग से: 12-14 अगस्त, 2024

अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस-गांधी जयंती: 2 अक्टूबर, 2024

'आधुनिक शिक्षा और प्रबंधन में भगवद गीता के मूल्यों का एकीकरण' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, गोडिया वेदांत ट्रस्ट और अदिति महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से: 18 नवंबर, 2024

पीजी पुरुष छात्रावास, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से मकर संक्रांति का आयोजन: 14 जनवरी, 2025

शहीद दिवस मनाया गया: 30 जनवरी, 2025

सम्मान/विभूतियां

गांधी भवन के निदेशक को निम्नलिखित पुरस्कार और विशिष्टताएँ प्राप्त हुईं:

आईएमएसपीएसएस-अंतर्राष्ट्रीय सावित्रीबाई फुले पुरस्कार 2025

कॉलनेट-विश्व पुस्तकालय नेतृत्व पुरस्कार 2024

डीएलआईएस@डीयू-विशिष्ट संकाय पुरस्कार 2024

आद्य जागनीपीठ श्री 5 महामंगलपुरी धाम, सूरत-शिक्षा के संत 2024

विश्वविद्यालय पुष्प प्रदर्शनी में गांधी भवन को उद्यान (मध्यम श्रेणी) के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

सुविधाएं

गीता पर प्रवचन: प्रत्येक रविवार सुबह 10:30 बजे से 11:30 बजे तक, रामकृष्ण मिशन, नई दिल्ली के स्वामी जी द्वारा।

योग-ध्यान प्रायोगिक कक्षाएँ/अभ्यास सत्र: सोमवार से शुक्रवार सुबह 7:00 बजे से 8:00 बजे तक।

योग-ध्यान प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम:
अवधि: तीन महीने, कक्षाएँ: प्रत्येक मंगलवार सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक (महिला उम्मीदवारों के लिए)।
प्रत्येक शुक्रवार दोपहर 3:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक (पुरुष उम्मीदवारों के लिए)।

चरखा कताई में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम:
अवधि: 24 घंटे (साप्ताहिक 2 घंटे कक्षा)
प्रत्येक गुरुवार: दोपहर 3:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक।

खड्डी में सर्टिफिकेट कोर्स:
अवधि: तीन महीने
प्रत्येक गुरुवार सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

विश्वविद्यालय समुदाय, विशेषकर कॉलेज के युवाओं को गांधीवादी विचारों और कार्यों से अवगत कराने के लिए विभिन्न कॉलेजों में गांधी अध्ययन मंडलियाँ स्थापित की गई हैं। गांधी भवन ने कॉलेज के

युवाओं के साथ सीधा संवाद स्थापित करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों में गांधी अध्ययन मंडलियों का एक नेटवर्क बनाने की पहल की है। ये अध्ययन मंडलियाँ युवाओं के मन में गांधीवादी मूल्यों को आत्मसात करने के लिए विभिन्न शैक्षणिक और क्रियाशील कार्यक्रम आयोजित करती हैं। अब तक 56 कॉलेजों ने गांधी अध्ययन मंडलियों के रूप में नामांकन कराया है। ये कॉलेज और छात्र गांधी अध्ययन मंडलियों की विभिन्न गतिविधियों में प्रत्यक्ष रूप से शामिल होते हैं। इन इकाइयों के बेहतर संचालन के लिए, समय-समय पर एनसीसी, एनएसएस और महिला विकास अध्ययन केंद्रों को भी इसमें शामिल किया जा रहा है।

हिंदी प्रसार केंद्र: हिंदी अकादमी, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा हिंदी में टाइपिंग एवं आशुलिपि प्रशिक्षण, अवधि: एक वर्ष, समय: सोमवार से शुक्रवार सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक।

गांधी भवन गांधीवादी दर्शन और विचारों के प्रचार-प्रसार के लिए शैक्षणिक संस्थानों, जैसे दिल्ली विश्वविद्यालय के विभागों और महाविद्यालयों तथा अन्य शैक्षणिक संस्थानों के साथ भी सहयोग करता है। इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक गतिविधियाँ भी शामिल हैं।

***

उद्यान समिति

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व से प्रेरित होकर, #एक पेड़ माँ के नाम और #Plant4Mother अभियान के अंतर्गत, विविध वर्गिकीय पादप परिवारों के 1783 पादपों सहित देशी वृक्षों और बड़े, मध्यम एवं छोटे पौधों का सामूहिक वृक्षारोपण किया गया। इस अभियान की शुरुआत एक उद्घाटन समारोह के साथ हुई जहाँ माननीय कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने पहला पौधा लगाया। उद्यान समिति ने उत्तर और दक्षिण परिसर में वृक्षारोपण अभियान शुरू करते हुए पूरे विश्वविद्यालय समुदाय को संगठित किया। सभी विभागों, छात्रावासों, महाविद्यालयों और संस्थानों को इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। इस विस्तारित प्रयास का समर्थन करने के लिए, उद्यान समिति ने पौधे प्रदान किए ताकि वे अपने स्थानीय क्षेत्रों में वृक्षारोपण अभियान चला सकें।

विश्वविद्यालय के लगभग 16 महाविद्यालयों, 14 विभागों और 3 छात्रावासों ने वृक्षारोपण अभियान 2024 में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

उद्यान समिति ने एक प्रमुख पर्यावरण संगठन, ग्रीन यात्रा के सहयोग से सघन शहरी वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के लिए एक पहल शुरू की और दिल्ली विश्वविद्यालय के सत्यकाम भवन के सामने 300 वर्ग मीटर क्षेत्र में मियावाकी तकनीक (छोटे स्थानों में घने, तेज़ी से बढ़ने वाले वन बनाने की एक विश्वव्यापी मान्यताप्राप्त विधि) को लागू किया। इस क्षेत्र में 41 विभिन्न प्रजातियों के लगभग 841 पौधे लगाए गए।

सम्मान/विभूतियां

बोनसाई और गुलदाउदी प्रतियोगिता में प्रतिस्पर्धा के लिए 6 दिसंबर, 2024 को 7 ट्रॉफियाँ तथा दिल्ली पर्यटन द्वारा गार्डन ऑफ फाइव सेंसेस में 21 फरवरी, 2025 को आयोजित शीतकालीन मौसम वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी में लॉन, उद्यान, औषधीय, फल, सब्जी, फूल, गमलों और हैंगिंग बास्केट में उगाए गए पत्तेदार पौधों जैसी विभिन्न श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा के लिए में 4 ट्रॉफियाँ प्राप्त हुईं।

सुविधाएं

विश्वविद्यालय उद्यान समिति के 'मालियों' और कर्मचारियों ने दीक्षांत समारोह तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह के दौरान आयोजित सेमिनारों, सम्मेलनों और व्याख्यानों जैसे विभिन्न आधिकारिक समारोहों/गतिविधियों में सजावट और पुष्प सज्जा में सहयोग प्रदान किया।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

'वनस्पति और वस्त्र' विषय पर आधारित दिल्ली विश्वविद्यालय की 67वीं वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी 28 फरवरी, 2025 को गौतम बुद्ध शताब्दी उद्यान (वाइस-रीगल लॉज के सामने), दिल्ली विश्वविद्यालय उत्तरी परिसर में आयोजित की गई। इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्रोफेसर योगेश त्यागी, माननीय कुलपति द्वारा डॉ. विकास गुप्ता, रजिस्ट्रार; प्रोफेसर श्रीप्रकाश सिंह, दक्षिणी परिसर के निदेशक; प्रोफेसर रजनी अब्बी, प्रॉक्टर, पुष्प प्रदर्शनी की अध्यक्ष तथा विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं अन्य आमंत्रित गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया गया। विश्वविद्यालय उद्यान पुष्प प्रदर्शों, रसस पौधों, कैक्टि, पत्तेदार पादपों, बोनसाई आदि से सुशोभित हो रहा था। पुष्प प्रदर्शनी में दिल्ली विश्वविद्यालय के 37 कॉलेजों, 6 संस्थानों और 13 छात्रावासों की ओर से उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई और 54 रोलिंग शील्ड्स, कप और ट्रॉफियाँ प्रदान की गईं। इस कार्यक्रम में पंजाब के खेती विरासत मिशन की पहल, ट्रिंजन द्वारा लगाए गए स्टॉलों पर जैविक कपास के रेशों का भव्य प्रदर्शन किया गया। फुलकारी कारीगर पद्मश्री श्रीमती लाजवंती रविंदर ने विभिन्न रेशों का उपयोग करके सुंदर फुलकारी आकृतियाँ बनाने के हुनर का प्रदर्शन किया। प्रसिद्ध हथकरघा बुनकर श्री प्रवीण कुमार तिवारी ने शिक्षकों और छात्रों को जूट, कपास और ऊन जैसे टिकाऊ रेशों का उपयोग करके बुनाई की कला का

प्रदर्शित की। उत्तर प्रदेश के ब्लॉक प्रिंटिंग कारीगर श्री सुजीत कुमार ने भी पादप आधारित रंगों का उपयोग करके छपाई की तकनीक का प्रदर्शन किया। राष्ट्रपति भवन से एक विशेष शोकेस और एक शैक्षिक स्टाल ने इस कार्यक्रम में जैविक सब्जियों और विदेशी फूलों को प्रदर्शित किया। हैंडलूम ड्रैपिंग प्रतियोगिता एक बड़ी सफलता थी और इसमें भारी भीड़ जुटी क्योंकि 25 युवा पुरुषों और महिलाओं ने समकालीन शैलियों में हैंडलूम को ड्रैप करने की अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। फ्लावर शो में फोटोग्राफी प्रतियोगिता, सेल्फी प्वाइंट सजावट जैसी दिलचस्प प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं, जिनमें कॉलेजों के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। एक अन्य बड़ा आकर्षण आठ राज्यों (सेवेन-सिस्टर्स एंड ब्रदर) की पारंपरिक पोशाकें प्रदर्शित करने वाला स्टॉल था। छात्रों ने इन राज्यों की पारंपरिक पोशाकें पहनीं और भांग, केला, बांस आदि जैसे प्राकृतिक पादपों के रेशों से वस्त्र निर्माण प्रदर्शित किया।

***

अंतर्राष्ट्रीय अतिथि गृह

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

खानपान व्यवस्था: विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों के विभागों एवं अन्य शैक्षणिक/प्रशासनिक समितियों की बैठकों से प्राप्त छह सौ चौरासी (684) बुकिंग अनुरोधों के लिए विशेष खानपान व्यवस्था की गई।

आवासीय सुविधा: इस अवधि के दौरान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों द्वारा आमंत्रित अतिथियों के आवास एवं भोजन हेतु 1565 अतिथि कक्ष उपलब्ध कराए गए। अतिथियों ने अपनी पूर्ण संतुष्टि व्यक्त की और आई.जी.एच. के कर्मचारियों द्वारा प्रदान की गई सेवाओं की सराहना की।

सुविधाएं

खरीद: उच्च शिक्षा की आवश्यकता के अनुसार नीचे उल्लिखित वस्तुओं की खरीद करना और वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय के अतिथियों को बेहतर गुणवत्ता वाली सेवाएं प्रदान करना:

लिनेन मदें: डोर मैट, बाथ टावल, हैंड टावल, मेज़पोश, चादरें और कालीन आदि।
रसोई के बर्तन: क्रॉकरी और रसोई के बर्तन आदि।
अतिथि कक्ष: सात 43-इंच एलईडी टीवी, तीन विंडो एयर कंडीशनर, दो सोफ़ा सेट, तीन कुर्सियाँ, तीन मेज़, एक स्प्लिट एयर कंडीशनर, एक 70 इंच एलईडी टीवी, तीन टेबल लैंप, एक ड्रेसिंग टेबल, दो स्टूल, एक डबल बेड, एक एयर प्यूरीफायर, तीन रेफ्रिजरेटर, दो गीज़र, आदि।
कार्यालय: दो ऑल इन वन पीसी।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

मरम्मत और रखरखाव: वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय के अतिथियों को आवश्यकतानुसार आरामदायक और गुणवत्तापूर्ण प्रवास प्रदान करने के लिए आई.जी.एच. के अधोउल्लिखित उपकरणों, फर्नीचर और भवन की मरम्मत और रखरखाव:

नियमित मरम्मत और रखरखाव कार्य: अग्निशामक यंत्रों को फिर से भरना, रसोई में कीट नियंत्रण,

अतिथि कक्षों की विद्युत फिटिंग, सैनिटरी फिटिंग, अतिथि कक्षों का एयर कंडीशनर, रसोई उपकरण, अतिथि कक्षों की कुर्सियाँ, सम्मेलन कक्ष और समिति कक्ष तथा कुकिंग स्टेशन आदि की मरम्मत/बदलना।

मरम्मत एवं नवीनीकरण कार्य: प्रबंधक कार्यालय, कमरा संख्या 106-डी आदि का पूर्ण नवीनीकरण कार्य।

नई सुविधाएँ: वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय के अतिथियों को भोजन सेवाओं की सुरक्षा और गुणवत्ता प्रदान करने हेतु आई.जी.एच. की आवश्यकता के अनुसार ये सुविधाएँ भी जोड़ी गईं: आधुनिक तकनीक वाली बैठक सुविधाएँ प्रदान करने के लिए प्रथम तल स्थित समिति कक्ष में स्पीकर/कैमरा आदि के साथ टच सुविधा युक्त नए इंटरैक्टिव पैनल की स्थापना।

***

राष्ट्रीय कैडेट कोर

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध विभिन्न कॉलेजों के एनसीसी कैडेटों ने दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों और राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया। पायलटों और एस्कॉर्टों के रूप में उनकी उत्कृष्टता विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों के आगमन के दौरान स्पष्ट रूप से दिखाई दी जैसे भारत के संविधान के 75वें वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित 'कर्तव्यम्-विश्वविद्यालय व्याख्यान श्रृंखला' के उद्घाटन सत्र में माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़; दिल्ली विश्वविद्यालय के समर्पण समारोह और वार्षिक दीक्षांत समारोह में माननीय शिक्षा मंत्री, भारत सरकार श्री धर्मेंद्र प्रधान का आगमन, आदि।

एनसीसी कैडेटों ने अनेक राष्ट्रीय समारोहों में भी भाग लिया जैसे सड़क सुरक्षा कार्यक्रमों, गणतंत्र दिवस परेड, स्वतंत्रता दिवस, संविधान दिवस, संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर, विशेष राष्ट्रीय एकता शिविर, गणतंत्र-पूर्व शिविर, ईबीएसबी शिविर, सेना अटैचमेंट शिविर, आरडी शिविर, सीएम रैली और अमर

जवान के औपचारिक दौरे आदि। कैडेटों ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, अहिंसा कार्यक्रम, खेल पुरस्कार वितरण समारोह और वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी, पुस्तक लोकार्पण, विकसित भारत दौड़ जैसे कार्यक्रमों में भाग लिया। इस वर्ष का एक प्रमुख आकर्षण स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण समारोह में माननीय कुलपति प्रो. योगेश सिंह जी को दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर था, जो अनुशासन और औपचारिक उत्कृष्टता के प्रति कैडेट की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सम्मान/विभूतियां

एनसीसी कैडेटों ने एनसीसी विशेष प्रवेश योजना के माध्यम से राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए), संयुक्त रक्षा सेवा (सीडीएस) और ओटीए में चयनित होकर दिल्ली विश्वविद्यालय और एनसीसी निदेशालय का नाम रोशन किया है। समय-समय पर कैडेटों की कड़ी मेहनत के लिए उन्हें एनसीसी निदेशालय और दिल्ली विश्वविद्यालय के अधिकारियों से सराहना प्राप्त हुई है।

सुविधाएं

दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों में एनसीसी इकाइयों को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई संरचित सहायता का लाभ प्राप्त हुआ है। इनमें विभिन्न वार्षिक प्रशिक्षण शिविरों, राष्ट्रीय एकीकरण शिविरों और गणतन्त्र-पूर्व शिविरों आदि तक पहुँच भी शामिल थी। हाइब्रिड और डे कैंप फार्मेटों ने व्यापक भागीदारी और निरंतर जुड़ाव सुनिश्चित किया। कॉलेजों/दिल्ली विश्वविद्यालय ने कसरत के लिए मैदान, सैद्धांतिक सत्रों के लिए कक्षाएँ और शारीरिक स्वस्थता के लिए अवसंरचना के साथ प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान की। संस्थागत सहायता ने सुनिश्चित किया कि कैडेट औपचारिक कर्तव्यों, सार्वजनिक कार्यक्रमों और रक्षा सेवाओं के लिए चयन प्रक्रियाओं के लिए अच्छी तरह तैयार हों। कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और एनसीसी निदेशालय द्वारा परेडों/शिविरों के दौरान कैडेटों के लिए नियमित रूप से जलपान की व्यवस्था की जाती है।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

दिल्ली विश्वविद्यालय में एनसीसी छात्रों के चरित्र निर्माण, नेतृत्व विकास और राष्ट्रीय एकता के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता रहेगा। शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 में, कैडेटों ने भारत के माननीय उपराष्ट्रपति और केंद्रीय मंत्रियों सहित उच्च पदस्थ गणमान्य व्यक्तियों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेकर असाधारण प्रतिबद्धता का परिचय दिया। राष्ट्रीय समारोहों और विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों में उनकी प्रत्यक्ष उपस्थिति नागरिक जुड़ाव और देशभक्ति के प्रति उनके समर्पण को दर्शाती है।

मूल्यवर्धित पाठ्यक्रमों के माध्यम से शैक्षणिक ढांचे में एनसीसी का एकीकरण एनईपी यूजीसीएफ 2022 के अनुरूप है और इसका उद्देश्य नागरिक उत्तरदायित्व और राष्ट्रीय गौरव को सुदृढ़ करना है। यह

पाठ्यक्रम संवर्धन कैडेटों को पारंपरिक प्रशिक्षण से परे ज्ञान और कौशल से सुसज्जित करता है जिससे वे सिविल और रक्षा सेवाओं, दोनों में भूमिकाओं के निर्वहन के लिए तैयार होते हैं। संस्थागत रूप से, प्रशिक्षण अवसंरचना, कार्यक्रमों में भागीदारी और औपचारिक जिम्मेदारियों के माध्यम से कैडेटों को दिया जाने वाला समर्थन, भविष्य के नेताओं और अधिकारियों को संपोषित करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भविष्य में, शैक्षणिक संस्थानों के भीतर एनसीसी का निरंतर विकास अनुशासित, सक्षम और सेवा-उन्मुख युवाओं की एक ऐसी पीढ़ी के निर्माण का वादा करता है जो "एकता और अनुशासन" की सच्ची भावना को साकार करते हैं।

***

राष्ट्रीय सेवा योजना

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

मतदाता भागीदारी के लिए वोटथॉन-रन: 7 अप्रैल, 2024
संविधान अमृत महोत्सव समारोह: 15 अप्रैल, 2024
विकसित भारत रन: 8 मई, 2024
अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस: 21 जून, 2024
एक पेड़ माँ के नाम अभियान: 2 जुलाई, 2024
मेरा भारत प्रशिक्षण कार्यक्रम: 11 जुलाई, 2024
दान उत्सव पर कार्यशाला: 22 अगस्त, 2024
राष्ट्रीय साहसिक शिविर: 1-10 सितंबर, 2024
राष्ट्रीय साहसिक शिविर: 12-21 सितंबर, 2024
राष्ट्रीय एकता शिविर: 11-17 अक्टूबर, 2024
स्वच्छता ही सेवा अभियान: 17 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2024
राष्ट्रीय एकता शिविर: 21-27 अक्टूबर 2024
राष्ट्रीय एकता दिवस: 31 अक्टूबर, 2024
राष्ट्रीय एकता शिविर: 6-12 नवंबर, 2024
संविधान दिवस समारोह: 26 नवंबर, 2024
राष्ट्रीय एकता शिविर: 5-11 दिसंबर, 2024
राष्ट्रीय एकता शिविर: 3-9 जनवरी, 2025
बिम्सटेक 2025: 20-24 फरवरी, 2025
विकसित भारत युवा संसद 2025: मार्च 2025

राष्ट्रीय एकता शिविर, हिसार: 21-27 मार्च, 2025

एनएसएस विशेष शिविर: नवंबर 2024-मार्च 2025

***

नॉन-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

एनसीवेब प्रवेश 2024-25 पर एक वेबिनार 19 जून 2024 को आयोजित किया गया। प्रवेश प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन रही। पंजीकरण और प्रवेश फॉर्म ऑनलाइन भरे गए।

स्नातकपूर्व पाठ्यक्रमों (2024-2025) में कुल प्रवेश: 11,334

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों (2024-2025) में कुल प्रवेश: 427

शैक्षणिक प्रदर्शन (परिणाम का विवरण) 2023-2024:

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम-परीक्षा में सम्मिलित: 409 (उत्तीर्ण: 316, प्रथम श्रेणी: 230)

बी.कॉम-परीक्षा में सम्मिलित: 2626 (उत्तीर्ण: 2243, प्रथम श्रेणी: 1839)

बी.ए. प्रोग्राम-परीक्षा में सम्मिलित: 8637 (उत्तीर्ण: 7245, प्रथम श्रेणी: 5941)

प्लेसमेंट आंकड़े: आईसीटी अकादमी ने डीयूसीसी के सहयोग से एनसीवेब के छात्रों के लिए 100% छात्रवृत्ति के साथ "छात्र सशक्तिकरण कार्यक्रम" पर एक सर्टिफिकेट कोर्स का आयोजन किया। 24 मार्च, 2025 को पाठ्यक्रम पूरा होने के बाद एनसीवेब के 41 छात्रों को प्रमाण-पत्र भी दिए गए। प्लेसमेंट अभियान में कुल 27 उम्मीदवारों का चयन किया गया और सभी चयनित उम्मीदवारों का प्रशिक्षण 1 अप्रैल, 2025 से शुरू हुआ।

एनआईआईटी फाउंडेशन ने एनसीवेब के छात्रों के लिए 100% छात्रवृत्ति के साथ "डिजिटल मार्केटिंग और ग्लोबल सर्विस डेस्क" (3 महीने) ऑनलाइन पाठ्यक्रम आयोजित किया और पाठ्यक्रम पूरा होने के बाद, 30 छात्रों को ई-प्रमाणपत्र दिए गए। एचआर द्वारा प्लेसमेंट अभियान में अब तक 10 छात्रों का चयन किया गया है।

सुविधाएं

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक सत्र 2023-24 के दौरान 413 जरूरतमंद और योग्य छात्रों को ₹ 3000/- की वित्तीय सहायता प्रदान की गई, जिसकी कुल राशि लगभग ₹ 12,39,000 है।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

एनसीवेब ने स्नातकपूर्व और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए 8 अप्रैल 2024 को सत्यावती कॉलेज (प्रात:), दिल्ली विश्वविद्यालय के सत्या ऑडिटोरियम में अपना 79वां वार्षिक दिवस समारोह आयोजित किया जिसमें 700 छात्रों ने भाग लिया।

एनसीवेब द्वारा 20 अप्रैल, 2024 को एक-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "भारत मंथन" का आयोजन किया गया (प्रतिभागी: 700 और प्रस्तुत किए गए शोधपत्र: 131) विषय: "एक पुनरुत्थानशील भारत के समक्ष चुनौतियाँ और उनके समाधान"

20 अप्रैल, 2024 को पीजी छात्रों के लिए विदाई और नए छात्र-छात्राओं के स्वागत समारोह में 500 छात्रों ने भाग लिया।

9 मई, 2024 को पीजी छात्रों के लिए एक-दिवसीय सेमिनार "उठो और नेतृत्व करो: युवा महिलाएं प्रौद्योगिकी, व्यवसाय और सार्वजनिक जीवन में अग्रणी" का आयोजन किया गया, स्थान: दिल्ली विश्वविद्यालय का सम्मेलन केंद्र (भागीदारी: 500)।

राष्ट्रीय महिला आयोग और साइबर पीस फाउंडेशन ने 9 जुलाई, 2024 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली से 'डिजिटल शक्ति' के पाँचवें चरण का शुभारंभ किया। (छात्रों की भागीदारी: 650 से अधिक)। एनसीवेब के छात्रों ने इसमें बड़ी संख्या में भाग लिया, जिससे उन्हें अपने डिजिटल ज्ञान को बढ़ाने में मदद मिली।

दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय के एनसीवेब शिक्षण केंद्र द्वारा आयोजित पाँच-दिवसीय पायथन पाठ्यक्रम, 8-12 जुलाई, 2024 (भागीदारी: 76 छात्र)।

एशिया फाउंडेशन और दिल्ली विश्वविद्यालय के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के तहत स्किल्स2वर्क कार्यक्रम का आयोजन जिसका उद्देश एनसीडब्ल्यूईबी के स्नातक छात्रों को कौशल और क्षमता विकास में सहायता प्रदान करना और उनके रोजगार संभावनाओं को बेहतर बनाना था। कार्यक्रम में लगभग 100 छात्र उपस्थित थे। 24 जुलाई, 2024 को एशिया फाउंडेशन के सहयोग से एनसीडब्ल्यूईबी द्वारा छह एनसीडब्ल्यूईबी शिक्षण केंद्रों में "स्किल्स @ वर्क-21वीं सदी के जीवन कौशल के माध्यम से युवतियों का सशक्तिकरण" नामक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। (प्रशिक्षित उम्मीदवारों की कुल संख्या: 351 छात्र)

इसके अलावा, एनसीवेब शिक्षण केंद्र, भगिनी निवेदिता महाविद्यालय के माध्यम से 10 मार्च, 2025 को 106 विद्यार्थियों को आत्म-आकांक्षा पर 5 घंटे का प्रशिक्षण दिया गया।

अब तक, कुल 1057 विद्यार्थियों ने कार्य-कौशल पाठ्यक्रम में भाग लिया है।

राजमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर, 27 एनसीवेब शिक्षण केंद्रों ने समारोह/कार्यक्रम आयोजित किए। एनसीवेब स्नातकोत्तर केंद्र ने लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर पर एक व्याख्यान का आयोजन किया, जिसका शीर्षक था: लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती। 18 एनसीवेब शिक्षण केंद्रों ने लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें लगभग 3000 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

'साइबर कल्याण के लिए युवा' विषय पर राष्ट्रीय साइबर मनोविज्ञान संगोष्ठी, एनसीवेब, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा रिस्पॉन्सिबल नेटिज़्म के सहयोग से आयोजित की गई। दिनांक: 14 जनवरी, 2025, प्रतिभागी: दिल्ली के 27 एनसीवेब केन्द्रित कॉलेजों के 400 छात्र और प्राध्यापक।

राष्ट्रीय महिला आयोग ने 24 जनवरी, 2025 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में सुशासन, सामाजिक कल्याण और मानवीय कार्यों के साथ-साथ शैक्षिक और सांस्कृतिक सुधारों के लिए विख्यात महारानी अहिल्याबाई होल्कर के जीवन और कार्यों पर एक-दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया। एनसीवेब के छात्रों ने इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

एनसीवेब द्वारा मिरांडा हाउस एनसीवेब शिक्षण केंद्र के सहयोग से 2 फरवरी, 2025 को 'मतदाता जागरूकता एवं उत्तरदायित्व' कार्यक्रम का आयोजन किया गया (छात्रों की संख्या: 700)। यह कार्यक्रम छात्रों में मतदाता जागरूकता एवं उत्तरदायित्व की भावना का प्रसार करने के लिए आयोजित किया गया था।

एनसीवेब शिक्षण केंद्र में 8 मार्च, 2025 को ई-लाइब्रेरी संसाधनों तक पहुँच हेतु क्षमता निर्माण कार्यशाला आयोजित की गई।

एनसीवेब शिक्षा के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर कार्यरत है और अपने छात्रों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

***

विश्वविद्यालय अतिथि गृह

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

अतिथि गृह में विश्वविद्यालय की लगभग 250 शैक्षणिक/गैर-शैक्षणिक बैठकें आयोजित की गईं तथा विश्वविद्यालय के लगभग 2430 अतिथियों (शोधकर्ता, विद्वान, विजिटिंग प्रोफेसर) को भोजन और आवास की सुविधा भी प्रदान की गई।

सुविधाएं

अतिथि गृह में 33 कमरे हैं। सभी कमरों में संलग्न शौचालय, टेलीफोन, टेलीविजन, गीजर, इलेक्ट्रिक केतली आदि की सुविधा उपलब्ध है। यह सभी अतिथियों को वाई-फाई की सुविधा भी प्रदान करता है। गेस्ट हाउस की रसोई सभी अतिथियों को सुरक्षित, स्वस्थ, स्वच्छ और स्वादिष्ट भोजन प्रदान करती है। इसमें एक साफ-सुथरा और विशाल भोजन कक्ष है जिसमें 40 लोगों के बैठने की क्षमता है। अतिथि गृह में 80 लोगों के बैठने की क्षमता वाला एक लाउंज है जिसमें माइक और प्रेजेंटेशन की सुविधा है। विश्वविद्यालय अतिथि गृह में 12 लोगों के बैठने की क्षमता वाला एक छोटा समिति कक्ष है।

***

विश्व विश्वविद्यालय सेवा स्वास्थ्य केंद्र

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

कर्मचारियों और छात्रों को त्वरित और चौबीसों घंटे स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना।

स्वास्थ्य जागरूकता संबंधी जानकारी का प्रसार करना।

दिल्ली विश्वविद्यालय और कॉलेजों में आयोजित कार्यक्रमों में स्वास्थ्य सेवाओं का कवरेज प्रदान करना।

सुविधाएं

डब्ल्यू.यू.एस. स्वास्थ्य केंद्र (उत्तरी परिसर):

न्यूरोलॉजी (सप्ताह में एक बार),

मनोचिकित्सा (सप्ताह में एक बार)

हृदय रोग (सप्ताह में तीन बार),

हड्डी रोग (सप्ताह में पाँच दिन),

बाल रोग (सप्ताह में चार दिन)

त्वचा रोग (सप्ताह में चार दिन)

नेत्र रोग (सप्ताह में तीन बार)

आयुर्वेद (सप्ताह में छह दिन)

दंत चिकित्सा (दो घंटे, सप्ताह में छह दिन सुबह और तीन दिन शाम को)

फिजियोथेरेपी

प्रयोगशाला

ड्रेसिंग रूम

मेडिकल स्टोर

फार्मेसी

नर्सिंग

एम्बुलेंस सेवाएँ

डब्ल्यू.यू.एस. स्वास्थ्य केंद्र (दक्षिण परिसर):

हृदय रोग (सप्ताह में तीन बार)

हड्डी रोग (सप्ताह में दो बार)

नेत्र रोग (सप्ताह में तीन बार)

दंत रोग (सप्ताह में दो बार)

फिजियोथेरेपी ड्रेसिंग

मेडिकल स्टोर

फार्मेसी

नर्सिंग

एम्बुलेंस सेवाएँ

***

छात्रावास

अम्बेडकर-गांगुली महिला छात्रावास

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

अम्बेडकर-गांगुली महिला छात्रावास अक्तूबर 2003 में शुरू किया गया था। यह कुल मिलाकर दिल्ली विश्वविद्यालय की स्नातकोत्तर छात्राओं के लिए एक आत्मनिर्भर आवास है। इसमें सौ निवासी और दो अतिथि निवासी रह सकते हैं। शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए, प्रवेश प्रक्रिया अगस्त 2024 में शुरू हुई और 31.03.2025 तक 81 निवासी और 14 अतिथि निवासियों को प्रवेश दिया गया।

1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक छात्रावास में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कुछ कार्यक्रमों का विवरण इस प्रकार है:

15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस राष्ट्रीय ध्वज फहराने, राष्ट्रगान गाने और मिठाई बांटने के साथ मनाया गया।

7 अक्तूबर 2024 को छात्रावासियों ने डांडिया नाइट मनाई।
31 अक्तूबर 2024 को पारंपरिक तरीके से दिवाली मनाई गई।
28 नवंबर 2024 को फ्रेशर्स पार्टी का भव्य आयोजन किया गया।
क्रिसमस दिवस कैरोल गाकर और छात्रों के साथ केक काटकर मनाया गया।
26 जनवरी को राष्ट्रीय ध्वज फहराकर, राष्ट्रगान गाकर और मिठाइयाँ बाँटकर गणतंत्र दिवस मनाया गया।
2 मार्च 2025 को खेल दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया।
14 मार्च 2025 को रंगों के साथ होली मनाई गई।

छात्रों की संख्या

स्नातकोत्तर छात्र

85

एम.फिल./पीएच.डी.

10

सर्वोत्तम प्रथाएं

शून्य अपशिष्ट प्रबंधन को अपनाना

पर्यावरण अनुकूल प्रथाएँ

सुरक्षित और सहायक वातावरण

पठन कक्ष तक 24 घंटे पहुँच

शीघ्र शिकायत निवारण

खाद्य संरक्षण के प्रति जागरूकता

खाद गड्ढा

सुविधाएँ

दिव्यांगजनों के अनुकूल शौचालय

दिव्यांगजनों के लिए रैंप

कॉमन रूम (टीवी और प्रोजेक्टर)

कंप्यूटर रूम (वातानुकूलित)

पुस्तकालय (वातानुकूलित)

मेस (वातानुकूलित)

जिमनेज़ियम (हृदय-संवहनी उपकरण)

लॉन्ड्री (पूरी तरह से स्वचालित वाशिंग मशीन)

सौर ऊर्जा से चलने वाला वॉटर हीटर

हर मंजिल के हर विंग में फ्रिज, माइक्रोवेव और हॉट प्लेट

वाटर प्यूरीफायर

निवासियों के कमरों और कॉमन एरिया की सफाई के लिए सफाई कर्मचारी

सुबह और शाम की सैर के लिए विशाल लॉन

बैडमिंटन कोर्ट

सीसीटीवी निगरानी

सैनिटरी नैपकिन डिस्पोज़ल मशीन

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

छात्रावास निवासियों ने 17.11.2024 को एसजीटी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम, हरियाणा में आयोजित राष्ट्रीय शोध विद्वानों के सम्मेलन "विविभा 2024" में भाग लिया।

छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, वर्ष 2024-25 की अवधि के दौरान छात्रावास निवासियों के लिए निम्नलिखित खरीदारी/सुविधाएँ की गई हैं और प्रदान की गई हैं:

एलईडी टीवी– 1 यूनिट

वाशिंग मशीन– 1 यूनिट

डाइनिंग हॉल के लिए एयर कंडीशनर– 2 यूनिट

क्रॉस ट्रेनर– 1 यूनिट

ट्रेडमिल– 1 यूनिट

स्टडी टेबल– 50 यूनिट

सैनिटरी नैपकिन डिस्पोज़ल मशीन– 1 यूनिट

कंप्यूटर– 4 यूनिट

वाटर कूलर– 6 यूनिट

हॉट प्लेट– 3 यूनिट

कीटनाशक– 2 यूनिट

म्यूजिक सिस्टम– 1 यूनिट

गीज़र– 6 यूनिट

आरओ वाटर प्यूरीफायर– 1 यूनिट

रेफ्रिजरेटर– 1 यूनिट

सीसीटीवी कैमरे– 14 यूनिट

***

अरावली स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

छात्रावास में गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस छात्रों की अत्यधिक भागीदारी के साथ मनाया गया।
छात्रों की संख्या

स्नातकोत्तर छात्र

65

एम.फिल./पीएच.डी. छात्र

22

सर्वोत्तम प्रथाएं

शुल्क संग्रहण को सरल बनाने के लिए, छात्रावास ने एसबीआई कलेक्ट के माध्यम से ऑनलाइन शुल्क संग्रहण को अपनाया।

सुविधाएँ

प्रत्येक कमरे में एक बिस्तर, गद्दा, अध्ययन मेज, अध्ययन कुर्सी, पर्दे, एलईडी लाइट, पंखा, आरामकुर्सी और एक सफेद लेमिनेटेड बोर्ड है। छात्रावास में एक डबल अधिभोग अतिथि कक्ष है जो एयर कंडीशनर और हीट कन्वेक्टर से सुसज्जित है, साथ ही डेजर्ट कूलर के साथ एक उपयोगिता कक्ष भी है। छात्रावास में कॉमन रूम है जो डी2एच सेवा के साथ उच्च परिभाषा टीवी सेट से सुसज्जित है। छात्रावास में दर्जनों समाचार पत्रों और पत्रिकाओं के साथ एक वाचनालय भी है और साथ ही टेबल टेनिस, शतरंज और कैरम आदि जैसे इनडोर खेलों के लिए उत्कृष्ट खेल सुविधाएं भी हैं। निवासियों को सुचारू और तेज़ इंटरनेट सेवा के लिए वाई-फाई सुविधा प्रदान की गई है। निवासियों के लिए कपड़े धोने की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। छात्रावास निवासियों को 24/7 सुरक्षा और गार्ड के साथ पार्किंग सुविधा प्रदान करता है।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

अरावली छात्रावास ने छात्रावास के चारों ओर हरियाली और सुंदर परिदृश्य को भी बनाए रखा है।

***

केंद्रीय शिक्षा संस्थान छात्रावास

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

इस वर्ष छात्रावास में प्रकृति भ्रमण का आयोजन किया गया और होली, ईद-उल-फितर, दशहरा, दिवाली और क्रिसमस जैसे त्यौहार छात्रावास में मनाए गए। हम छात्रावास में रहने वालों की विविधता को ध्यान में रखते हुए सभी सांस्कृतिक उत्सव मनाते हैं। इस वर्ष हमने छात्रावास और उनके अध्ययन पाठ्यक्रम से संबंधित तात्कालिक समस्याओं के समाधान हेतु निवासियों के लिए साप्ताहिक/मासिक परामर्श/चर्चा सत्रों का भी आयोजन किया।

छात्रों की संख्या

स्नातकोत्तर छात्र

42

एम.फिल./पीएच.डी. छात्र

03

सर्वोत्तम प्रथाएं

हमारे छात्रावास में, भोजन की गुणवत्ता की निगरानी और वार्डन/रेजिडेंट ट्यूटर के परामर्श से मेनू तैयार करने के लिए हम एक मेस समिति का गठन करते हैं। हर महीने एक नई मेस समिति का गठन किया जाता है ताकि सभी निवासियों को, प्रत्येक अध्ययन पाठ्यक्रम के छात्रों को, अनुभव प्रदान किया जा सके। इससे उनमें अपनेपन और ज़िम्मेदारी की भावना का विकास होता है।

सुविधाएँ

छात्रावासों में ठंडे पानी के लिए तीन वाटर कूलर लगाए गए हैं, एक-एक पुरुष और महिला आवास में तथा तीसरा छात्रावास मेस डाइनिंग हॉल में, छात्रावास में वाटर कूलर के साथ तीन आरओ वाटर प्यूरीफायर सिस्टम लगाए गए हैं, छात्रावासों में चार वाशिंग मशीन लगाई गई हैं, दो-दो पुरुष और महिला आवास में, छात्रावास में निवासियों के लिए गर्म पानी के लिए पांच गीजर लगाए गए हैं, डिश के साथ एलईडी टीवी, आगंतुक कक्ष के अतिथि, निवासियों के लिए चार समाचार-पत्र, हिंदी और अंग्रेजी में दो-दो, निवासियों के लिए चौबीसों घंटे सुरक्षा, छात्रावासों की प्रतिदिन झाड़-पोंछ और सफाई तथा छात्रावास के प्रत्येक कमरे में डस्टबिन रखे गए हैं, निवासियों द्वारा सामना की जा रही दिन-प्रतिदिन की विद्युत समस्याओं के लिए अंशकालिक इलेक्ट्रिशियन, सभी निवासियों के लिए मामूली शुल्क पर विश्वविद्यालय महिला छात्रावास स्वास्थ्य केंद्र की सदस्यता अनिवार्य है।

***

डी.एस. कोठारी छात्रावास

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

निवासियों को भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की संस्कृति से परिचित कराने के लिए सभी राष्ट्रीय दिवस और त्यौहार मनाए गए। सभी राष्ट्रीय छुट्टियों के साथ-साथ सरस्वती पूजा, लोहड़ी और ईद जैसे लोकप्रिय छात्रावास त्योहारों पर रंगारंग समारोह हुए, जिससे विभिन्न समुदायों के निवासियों के बीच सौहार्दपूर्ण माहौल बना रहा। सहायक उपकरण के साथ कंप्यूटर, कुर्सी और मेज, कुर्सी के साथ मेस टेबल, एलईडी टीवी, एसी, स्क्रीन के साथ प्रोजेक्टर, दीवार कैबिनेट, कुर्सी के साथ टेबल कैबिनेट, पीतल का लैंप, स्टैंड के साथ हैंडीकैम, स्टैंड के साथ बोर्ड, मेस में चिमनी की स्थापना, आगंतुक लाउंज, तेल हीटर, अग्निशामक यंत्र, कूलर, स्टडी टेबल, लोहे की रैक, सारेगामा कारवा, ब्लाइंड रोलर, पर्दा, समाचार-पत्र स्टैंड, म्यूजिक सिस्टम, जिम उपकरण और ब्रश कटर खरीदे गए। सत्र 2024-25 के लिए प्रवेश की अधिसूचना वेबसाइट पर प्रदर्शित की गई।

छात्रों की संख्या

स्नातक-पूर्व छात्र

7

स्नातकोत्तर छात्र

68

एम.फिल./पीएच.डी. छात्र

18

सुविधाएँ

छात्रावास में एक भोजन कक्ष (50 कुर्सियां, एक्वा गार्ड), समिति कक्ष, कॉमन रूम, टीवी कक्ष, कंप्यूटर कक्ष, वाई-फाई और इंटरनेट सुविधाएं, वाचनालय (16 लोगों के बैठने की व्यवस्था), जिम, बैडमिंटन कोर्ट, दिव्यांगजन सुविधाएं (कुर्सी, दृष्टिबाधितों के लिए स्पर्शनीय फ़र्श और दृष्टिबाधितों के लिए हेडफोन) और आधुनिक सुविधाएं जैसे वाशिंग मशीन (6), गीजर (9), सीसीटीवी कैमरा (26) के साथ सुरक्षा, आगंतुक लाउंज और अच्छी तरह से बनाए रखा उद्यान, आपातकालीन द्वार और आरओ के साथ वाटर कूलर उपलब्ध हैं।

***

गीतांजलि छात्रावास

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

इस वर्ष छात्रावास ने अपना वार्षिक दिवस "मृदंग" 29 मार्च, 2025 को मनाया। छात्रावास के निवासियों ने उत्साह और उमंग के साथ इसमें भाग लिया। इसके अलावा, छात्रावास ने 15 अगस्त, 2024 को स्वतंत्रता दिवस और 26 जनवरी, 2025 को गणतंत्र दिवस का भी आयोजन किया। ध्वजारोहण और मिष्ठान वितरण के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए।

छात्रों की संख्या

स्नातक-पूर्व छात्र

0

स्नातकोत्तर छात्र

90

एम.फिल./पीएच.डी. छात्र

30

सर्वोत्तम प्रथाएं

छात्रावास के निवासियों को रात्रि 10 बजे तक आने की अनुमति है। यदि उन्हें प्रयोगशाला या पुस्तकालय से संबंधित कोई काम है, तो उन्हें विशेष अनुमति लेनी होगी और छात्रावास भवन के द्वार पर लगे आरएफआईडी सिस्टम के ज़रिए छात्रावास में प्रवेश कर सकते हैं।

रात्रि 8 बजे के बाद छात्रावास में रहने वालों को केवल आरएफआईडी सिस्टम के ज़रिए ही प्रवेश की अनुमति है।

सुविधाएँ

हैंड सैनिटाइज़र

सुसज्जित जिम और खेल उपकरण

कॉमन रूम में टेलीविज़न

स्पीकर के साथ म्यूजिक सिस्टम

पठन कक्ष

सैनिटरी पैड डिस्पेंसिंग मशीन

सामान्य पढ़ने के लिए कुछ पुस्तकों के साथ पुस्तकालय

रेफ्रिजरेटर

प्रत्येक मंजिल के लिए इंडक्शन कुकटॉप

माइक्रोवेव

वाशिंग मशीन

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

छात्रावास परिसर में पर्याप्त रोशनी से सुरक्षित और संबंधित क्षेत्रों में चार सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। चार सुरक्षा गार्डों की ड्यूटी में फेरबदल किया गया है ताकि उनकी कार्यकुशलता अधिकतम हो सके। छात्रावास के मेस में रैगिंग विरोधी, मादक द्रव्यों के सेवन विरोधी और नैतिक खान-पान संबंधी पोस्टर लगे हैं। छात्रावास परिसर का नियमित रूप से सैनिटाइजेशन किया जाता है। मच्छर भगाने वाले स्प्रे का नियमित रूप से इस्तेमाल किया जाता है। आगंतुकों और कर्मचारियों के लिए दीवारों पर हैंड सैनिटाइज़र डिस्पेंसर लगाए गए हैं। निवासियों को शौचालयों में सैनिटाइज़र उपलब्ध कराए जाते हैं।

***

ग्वेयर हॉल

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

छात्रावास में अंबेडकर जयंती, होली, दिवाली, नव वर्ष, लोहारी, सरस्वती पूजा आदि उत्सव मनाए गए। ग्वायर हॉल ने 67वें वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी 2025 में द्वितीय पुरस्कार और विभिन्न श्रेणियों में चौदह अन्य पुरस्कार जीते।

ग्वेयर हॉल ने निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए।

बुद्ध प्रतिमा का अनावरण कार्यक्रम 28 फरवरी 2025 को आयोजित किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संयुक्त महासचिव डॉ. कृष्ण गोपाल जी मुख्य अतिथि थे और कुलपति प्रो. योगेश सिंह विशिष्ट अतिथि थे।

छात्रों की संख्या

स्नातक-पूर्व छात्र

09

स्नातकोत्तर छात्र

55

एम.फिल./पीएच.डी. छात्र

66

सर्वोत्तम प्रथाएं

समिति

होली महोत्सव के लिए अनुशासन समितियाँ

होली महोत्सव के लिए अनुशासन समितियाँ

डॉ. के.एन. तिवारी, वार्डन, ग्वायर हॉल- अध्यक्ष

श्री गोविंद सिंह, जे.ए./कार्यवाहक - सदस्य

श्री विभव कुमार तिवारी, निवासी-सदस्य

श्री संजय कुमार, निवासी- सदस्य

क्रय समिति में निम्नलिखित सदस्य शामिल हैं।

डॉ. के. एन. तिवारी- वार्डन

श्री गोविंद सिंह- कनिष्ठ सहायक/केयरटेकर

यौन उत्पीड़न विरोधी समिति

डॉ. आकाश दीप नागल, रेजिडेंट ट्यूटर, संयोजक

श्री एच. सी. सिंह, अनुभाग अधिकारी (ऑफलाइन), सदस्य

श्री सौहार्द चटर्जी, सदस्य

श्री बिस्वरूप घोष, सदस्य

धूम्रपान विरोधी एवं मादक द्रव्यों के सेवन विरोधी औषधि समिति

डॉ. के. एन. तिवारी वार्डन, संयोजक

श्री गोविंद सिंह रावत, जे.ए./केयरटेकर, सदस्य

श्री संजय कुमार, सदस्य

श्री चंदन कुमार, सदस्य

रैगिंग विरोधी एवं अनुशासन समिति

डॉ. के.एन. तिवारी, वाडेन, अध्यक्ष

श्री एच. सी. सिंह, अनुभाग अधिकारी (कार्यालय) सदस्य

श्री वैभव कुमार तिवारी, सदस्य

श्री मयंक सिंह, सदस्य।

उत्तर पूर्वी छात्र

डॉ. के. एन. तिवारी, वार्डन, संयोजक

श्री गोविंद सिंह रावत, जे.ए./केयरटेकर, सदस्य

श्री तेनज़िन ज़ाम्बा, सदस्य

श्री कंधासामी, सदस्य

सुविधाएँ

वातानुकूलित कंप्यूटर कक्ष, कॉमन रूम और वाचनालय

सभी निवासियों के लिए शुद्ध पेयजल

निवासियों के लिए निःशुल्क वाशिंग मशीन

दिव्यांगजन सुविधाएँ

रसोई में ऑनलाइन गैस कनेक्शन स्थापित

कर्मचारी आवासों का नवीनीकरण

मेस में डक सिस्टम बदला गया

20 हैलोजन स्ट्रीट लाइटों को एलईडी फ्लड स्ट्रीट लाइटों में परिवर्तित किया गया

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

ग्वायर हॉल को 67वें वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी 2025 में दूसरे सर्वोच्च अंक के लिए कालीचरण अग्रवाल पुरस्कार मिला।

ग्वायर हॉल को पुष्प प्रदर्शनी में निम्नलिखित पुरस्कार भी मिले:

लेडी इरविन कॉलेज कप-II

लेडी इरविन कॉलेज कप-III

विश्वविद्यालय आर्किटेक्ट कप

वेद प्रकाश कप

गार्डन कमेटी कप

स्वर्ण जयंती वर्ष कप

हीरक जयंती कप

दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स कप

***

अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

भारत सरकार के "स्वच्छ भारत अभियान" के अनुरूप, अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास ने 1 से 15 सितंबर 2024 तक स्वच्छता पखवाड़ा का सक्रिय रूप से आयोजन किया। इस पहल में प्रोवोस्ट, वार्डन, रेजिडेंट ट्यूटर, कर्मचारियों और निवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने स्वच्छता बनाए रखने की सामूहिक शपथ ली, जिसके बाद पूरे परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। तब से, समय-समय पर स्वच्छता अभियान जारी है, जिससे एक स्वच्छ, हरित और स्वस्थ वातावरण को बढ़ावा मिल रहा है।

22 मार्च 2025 को, अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास ने अपने 59वें स्थापना दिवस को अपने प्रमुख वार्षिक उत्सव-माइलस्टोन 2025 के साथ मनाया। इस समारोह में पूर्व छात्र मिलन समारोह, पुरस्कार वितरण और भारत, नेपाल, श्रीलंका, फिजी और इथियोपिया सहित 15 से अधिक देशों के छात्रों और कलाकारों द्वारा जीवंत सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ शामिल थीं। इस कार्यक्रम में 21 अंतर्राष्ट्रीय स्टॉल लगाए गए थे, जो सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित कर रहे थे। दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों और 19 देशों के राजनयिकों ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई और वैश्विक एकता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के प्रतीक के रूप में अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास की भूमिका पर प्रकाश डाला। एक विशेष रात्रिभोज ने शाम को और भी गर्मजोशी और सौहार्दपूर्ण बना दिया।

सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए, आईएसएच यूनियन ने दिसंबर में शीतकालीन राहत अभियान का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसमें वंचित लोगों को गर्म कपड़े, कंबल और आवश्यक वस्तुएं वितरित की गईं-जिससे समुदाय के भीतर करुणा, नेतृत्व और एकजुटता का प्रदर्शन हुआ।

छात्रों की संख्या

स्नातक-पूर्व छात्र

7

स्नातकोत्तर छात्र

10

एम.फिल./पीएच.डी. छात्र

20

सर्वोत्तम प्रथाएं

स्वच्छता पखवाड़ा और सफ़ाई अभियान: छात्रावास में नियमित सफ़ाई अभियान और स्वच्छता पखवाड़ा आयोजित किए जाते हैं, प्रत्येक विंग में सफ़ाई और रखरखाव के लिए एक प्रतिनिधि नियुक्त किया जाता है।

सांस्कृतिक एकीकरण: विविध राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय त्योहारों का उत्सव आपसी समझ और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है।

सुरक्षा और संरक्षण: अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास परिवार का प्रत्येक सदस्य छात्रावास के दिशानिर्देशों का पालन करता है, जिससे सुरक्षा में योगदान मिलता है, और 24/7 सीसीटीवी निगरानी सुरक्षित रहने का वातावरण सुनिश्चित करती है।

डिजिटल पहुँच: दिल्ली विश्वविद्यालय कंप्यूटर केंद्र द्वारा निर्बाध शैक्षणिक और व्यक्तिगत उपयोग के लिए हाई-स्पीड वाई-फ़ाई प्रदान किया जाता है।

शैक्षणिक सहायता: विश्वविद्यालय नेटवर्क पहुँच वाले वातानुकूलित पठन और कंप्यूटर कक्ष शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देते हैं।

स्वास्थ्य: एक सुसज्जित व्यायामशाला और खेल सुविधाएँ शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देती हैं।

पर्यावरण के प्रति जागरूक व्यवहार: स्थायी जीवन के लिए आरओ वाटर प्यूरीफायर और पर्यावरण-अनुकूल पहल लागू की जाती हैं।

आत्मनिर्भरता: अर्ध-स्वचालित वाशिंग मशीन और अतिथि कक्ष निवासियों के आराम प्रदान करते हैं।

पौष्टिक भोजन और जलपान: विविध आहार संबंधी ज़रूरतों के लिए इन-हाउस कैंटीन और मेस, जहाँ निवासियों को मेनू योजना और दैनिक संचालन में शामिल किया जाता है।

सामुदायिक सहभागिता: सर्दियों की आवश्यक वस्तुओं के वितरण सहित सामाजिक आउटरीच पहल, करुणा और नागरिक ज़िम्मेदारी को बढ़ावा देती हैं।

छात्रावास सहायता और पर्यावरण: अधिकारी 24/7 उपलब्ध रहते हैं, जिससे सभी निवासियों के लिए एक आरामदायक और सहायक रहने का वातावरण सुनिश्चित होता है।

सुविधाएँ

अंतर्राष्ट्रीय छात्र भवन अपने निवासियों के आरामदायक और समृद्ध प्रवास को सुनिश्चित करने के लिए अनेक सुविधाएं प्रदान करता है। इनमें इनडोर खेलों से सुसज्जित सुसज्जित कॉमन रूम, टाटा स्काई कनेक्शन वाला एक बड़ा स्क्रीन वाला टीवी, मनोरंजन और जागरूकता के लिए समाचार-पत्र और पत्रिकाएँ शामिल हैं। एक वातानुकूलित वाचनालय अध्ययन के लिए एक शांत स्थान प्रदान करता है, जबकि विश्वविद्यालय नेटवर्क से जुड़ा कंप्यूटर कक्ष शैक्षणिक उपयोग के लिए इंटरनेट की सुविधा प्रदान करता है। निवासियों के लिए अर्ध-स्वचालित वाशिंग मशीन उपलब्ध हैं, साथ ही एक कैंटीन भी है जहाँ नियमित भोजन के अलावा जलपान भी उपलब्ध है। ट्रेडमिल, वज़न उठाने वाले उपकरण और साइकिलों

से सुसज्जित एक सुसज्जित व्यायामशाला निवासियों के स्वास्थ्य और फिटनेस बनाए रखती है। अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास शतरंज, कैरम और टेबल टेनिस जैसे इनडोर खेलों के साथ-साथ क्रिकेट, फुटबॉल और बैडमिंटन जैसे आउटडोर खेलों के लिए भी खेल सुविधाएँ प्रदान करता है, जिसमें एक विशाल खेल के मैदान तक पहुँच भी शामिल है। एक अतिथि कक्ष विशेष रूप से वास्तविक निवासियों के माता-पिता और बहनों (यदि माता-पिता के साथ हों) के लिए उपलब्ध है। पूरा परिसर वाई-फाई से सुसज्जित है और दिल्ली विश्विद्यालय कंप्यूटर केंद्र के माध्यम से 24/7 इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है। चौबीसों घंटे सुरक्षा और सीसीटीवी निगरानी से सुरक्षा सुनिश्चित की जाती है। सर्दियों में गर्म पानी के लिए हर बाथरूम में गीज़र लगे हैं, और नियमित निगरानी में आर.ओ. वाटर कूलर से साफ़ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जाता है।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

अन्तर्राष्ट्रीय छात्रावास के बारे में: अन्तर्राष्ट्रीय छात्रावास की स्थापना 1964 में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, विदेश मंत्रालय द्वारा विदेशी और स्नातकोत्तर भारतीय छात्रों के आवास के लिए की गई थी। इस छात्रावास में 98 सिंगल-सीट कमरे हैं, जो अंतर्राष्ट्रीय और भारतीय संस्कृतियों का अनूठा मिश्रण प्रस्तुत करते हैं। अपनी विविधतापूर्ण और वैश्विक प्रकृति के कारण, अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रावास प्रणाली में एक विशिष्ट स्थान रखता है।

***

अन्तर्राष्ट्रीय महिला छात्रावास

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

अंतर्राष्ट्रीय महिला छात्रावास विश्वविद्यालय के ढाका परिसर में स्थित है। 3 जून, 2002 को स्थापित, अंतर्राष्ट्रीय महिला छात्रावास का बहु-सांस्कृतिक स्वरूप छात्रावास द्वारा आयोजित सभी गतिविधियों का केंद्रबिंदु है। 34 से अधिक देशों के निवासी संयुक्त रूप से अपने सांस्कृतिक उत्सव और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय उत्सव मनाते हैं।

सत्र की शुरुआत ईद-उल-फितर 11-04-2024, योग दिवस 21-06-2024, स्वतंत्रता दिवस 15-08-2024 को ध्वजारोहण, मिठाइयों और विशेष नाश्ते के साथ हुई। दिवाली समारोह 30-10-2024 से 31-10-2024 के एक दिन पहले छात्रावास को रोशनी से सजाया गया। रोशनी और दीयों से सजी औपचारिक पार्टी के बाद एक भव्य रात्रिभोज का आयोजन किया गया; निवासियों ने पारंपरिक भारतीय पोशाक पहनी और उत्सव का आनंद लिया। फ्रेशर्स पार्टी-नए आने वाले निवासी 23-11-2024। क्रिसमस 25-12-2024, नया साल 31-12-2024, लोहड़ी 13-01-2024, गणतंत्र दिवस 26-01-2025 कार्यक्रम में विभिन्न दूतावासों के गणमान्य व्यक्तियों और दिल्ली विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने भाग लिया। अंतर्राष्ट्रीय महिला छात्रावास ने 28-02-2025 के वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी में सर्वश्रेष्ठ माली का पुरस्कार जीता। 14-03-2025 को रंगों की धूम के साथ होली मनाई गई। 20-04-2025 को वार्षिक पिकनिक का आयोजन किया जाएगा। अप्रैल 2025 में,

घर छोड़ने वाले निवासियों के लिए विदाई समारोह आयोजित किया जाएगा, जिन्होंने घर में बिताए अपने अद्भुत समय को याद किया।

छात्रों की संख्या

स्नातक-पूर्व छात्र

26

स्नातकोत्तर छात्र

45

पीएच.डी. छात्र

23

सर्वोत्तम प्रथाएं

छात्रावास में छात्र-संबंधी सभी समितियाँ हैं, जैसे सांस्कृतिक समिति, खेल समिति, पुस्तकालय समिति, गृह-व्यवस्था समिति, भोजनालय समिति, रैगिंग विरोधी समिति और अनुशासन समिति, लैंगिक संवेदनशीलता समिति, यौन उत्पीड़न समिति, धूम्रपान विरोधी समिति, होली समिति, जाति-आधारित भेदभाव समिति, छात्रावास नशामुक्ति समिति, पूर्वोत्तर छात्र समिति। सभी समितियाँ आदि उचित स्थानों पर रैगिंग विरोधी समिति से संबंधित सूचना-पट्ट प्रदर्शित करती हैं।

सुविधाएँ

इसमें 98 सुसज्जित कमरे जिनमें एक सिंगल बेड, अलमारी, गद्दा, पर्दा, अध्ययन मेज, कुर्सी आदि हैं। पूरा हाउस परिसर सीसीटीवी से सुसज्जित है ताकि निवासियों को सुरक्षित वातावरण प्रदान किया जा सके।

इसमें आगंतुक लॉबी, समिति कक्ष, चिकित्सा कक्ष, डाइनिंग हॉल, पुस्तकालय, वाचनालय, लाउंज रूम (संगीत प्रणाली सहित), बैडमिंटन कोर्ट, इंटरनेट कक्ष, टीवी रूम, व्यायामशाला हैं। हर मंजिल पर पैंट्री हैं। बाथरूम गर्म पानी के लिए गीजर से सुसज्जित हैं। पूरा हाउस परिसर वाई-फाई कनेक्शन से सुसज्जित है। हाउस अपने निवासियों को वाई-फाई सुविधा प्रदान करता है। सभी मंजिलों पर आरओ वाटर कूलर उपलब्ध हैं। इलेक्ट्रिक हीटर, माइक्रोवेव, वाटर डिस्पेंसर, इलेक्ट्रिक केतली और दो फ्रिज के साथ पूरी तरह सुसज्जित पैंट्री, एक शाकाहारी और दूसरा मांसाहारी निवासियों के लिए सभी चार मंजिलों पर है। निवासियों के कपड़े धोने का काम लॉन्ड्री अटेंडेंट द्वारा लॉन्ड्री रूम, ग्राउंड फ्लोर में किया जाता है जिसमें पांच पूरी तरह से स्वचालित वाशिंग मशीन हैं। पहली-तीसरी मंजिल पर अलग इस्त्री कक्ष उपलब्ध है छात्रों को चौबीसों घंटे सुरक्षा प्रदान की जाती है। प्राथमिक चिकित्सा किट उपलब्ध है। निवासी विश्वविद्यालय महिला छात्रावास स्वास्थ्य केंद्र दिल्ली विश्वविद्यालय के सदस्य हैं।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

छात्रों और कर्मचारियों दोनों के लिए छात्रावास जीवन को सुगम बनाने के लिए निम्नलिखित सुनिश्चित किया जाता है:

छात्रावास के निवासियों और कर्मचारियों के साथ मासिक मिलन समारोह और विशेष रात्रिभोज का आयोजन। इससे निवासियों, कर्मचारियों और छात्रावास अधिकारियों के बीच घनिष्ठता बढ़ी है।

योग दिवस में कर्मचारियों और निवासियों की भागीदारी।

"विकासशील भारत के लिए दृष्टिकोण" (विबिभा) शीर्षक से भारतीय शिक्षा मंडल द्वारा नियमित संवाद का आयोजन किया गया।

***

जुबली हॉल

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

यह हॉल प्रोवोस्ट-प्रो. सुनील कुमार शर्मा, वार्डन-प्रो. सुभाष आनंद और रेजिडेंट ट्यूटर-डॉ. आदित्य कुमार गुप्ता और डॉ. महिपाल के अधीन संचालित होता है। सद्भाव और 'अनेकता में एकता' के अपने मूल स्वरूप को बनाए रखने के लिए, हॉल में सभी त्योहार जैसे सरस्वती पूजा, होली, ईद, स्वतंत्रता दिवस, दीपावली और क्रिसमस बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाए जाते हैं।

छात्रों की संख्या

स्नातक-पूर्व छात्र

6

स्नातकोत्तर छात्र

57

एम.फिल./पीएच.डी. छात्र

45

सुविधाएँ

मेस: हॉल में मेस, प्रोवोस्ट, वार्डन और रेजिडेंट ट्यूटर की देखरेख में एक मेस समिति द्वारा "लाभ-हानि रहित" के आधार पर चलाया जाता है। कॉमन रूम: हॉल में एक कॉमन रूम है जो मनोरंजन के विभिन्न साधनों जैसे 65 इंच का एलईडी टीवी, टेबल टेनिस और कैरम से सुसज्जित है। विभिन्न दैनिक समाचार-पत्र (अंग्रेजी, हिंदी) और विभिन्न क्षेत्रों की पत्रिकाएँ भी वहाँ उपलब्ध हैं। कंप्यूटर रूम: हॉल में निवासियों को इंटरनेट से जुड़े कंप्यूटर और प्रिंटर की सुविधा उपलब्ध है। जिम्नेजियम: हॉल में एक बड़ा जिम्नेजियम है जो सभी प्रकार की आधुनिक शारीरिक रखरखाव मशीनों से सुसज्जित है। "अभिभावकों का अतिथि कक्ष" हॉल में एक पूरी तरह से सुसज्जित

वातानुकूलित अभिभावक अतिथि कक्ष है जो मामूली शुल्क पर निवासियों के माता-पिता के लिए उपलब्ध है। कैंटीन: हॉल में एक कैंटीन है जो जेएचएसयू और हॉल प्रशासन की देखरेख में निवासियों को गुणवत्ता वाला भोजन प्रदान करने के लिए अनुबंध के आधार पर चलती है। रीडिंग रूम: हॉल में एक वातानुकूलित रीडिंग रूम है जिसमें एक समय में 202-5 निवासियों की बैठने की क्षमता है। कपड़े धोने की सुविधा: न्यूनतम रखरखाव शुल्क के साथ निवासियों के उपयोग के लिए हॉल के प्रत्येक तल पर 12 अर्ध स्वचालित मशीनें स्थापित हैं।

***

मानसरोवर छात्रावास

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस के अवसर पर, प्रोवोस्ट प्रो. सुरेंद्र सिंह ने ध्वजारोहण किया। छात्रावास के सभी निवासी, कर्मचारी और अतिथि उपस्थित थे। छात्रावास परिसर में दशहरा, दिवाली, लोहड़ी, होली, सुंदरकांड पाठ, शिवरात्रि पूजा, इफ्तार पार्टी, ईद, सरस्वती पूजा, क्रिसमस, गांधी जयंती और अंबेडकर जयंती जैसे त्यौहार भी मनाए गए। छात्रावास निवासी संघ ने शपथ समारोह, फ्रेशर पार्टी, विदाई पार्टी और नव वर्ष का आयोजन किया। छात्रावास के निवासियों ने वर्ष भर विभिन्न आउटडोर और इनडोर खेलों में भाग लिया। छात्रावास निवासियों ने: समर्थ विषय, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, शारीरिक दंड, भारतीय लोक नृत्य में अंतर और एसिड के उपयोग और एसिड अटैक सर्वाइवर्स के साथ भेदभाव के विरुद्ध कार्यक्रम आयोजित किए।

छात्रों की संख्या

स्नातक-पूर्व छात्र

4

स्नातकोत्तर छात्र

114

एम.फिल./पीएच.डी. छात्र

31

सर्वोत्तम प्रथाएं

छात्रावासों में, हम सुरक्षा को प्राथमिकता देते हैं, स्पष्ट नीतियाँ विकसित करते हैं, और स्वचालन एवं सुव्यवस्थित संचालन के लिए तकनीक का उपयोग करते हैं, जो एक सकारात्मक निवासी और प्रबंधन अनुभव के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

हम एक स्वच्छ और स्वास्थ्यकर वातावरण भी बनाए रखते हैं, सामुदायिक भावना को बढ़ावा देते हैं, और एक समृद्ध छात्रावास वातावरण में योगदान देने के लिए सुलभ सहायता सेवाएँ प्रदान करते हैं।

हम पृष्ठभूमि या पहचान की परवाह किए बिना सभी निवासियों के लिए एक स्वागत योग्य वातावरण भी बनाते हैं और चिंताओं का समाधान करने और छात्रावास के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए खुले संचार और प्रतिक्रिया चैनलों को बढ़ावा देते हैं।

इसके अलावा, हम यह सुनिश्चित करते हैं कि निवासियों को कपड़े धोने की सुविधा, रसोई, इंटरनेट और मनोरंजन क्षेत्र जैसी आवश्यक सुविधाओं तक पहुँच प्राप्त हो।

इसके अलावा, हम निवासियों को, विशेष रूप से उन लोगों को जो छात्रावास जीवन में नए हैं या चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, खुला संचार बनाए रखते हुए मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करते हैं।

यह निवासियों के साथ नियमित रूप से संवाद करके, उनकी चिंताओं का समाधान करके और उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित करके किया जाता है।

सुविधाएँ

छात्रावास अपने निवासियों को उनके आरामदायक प्रवास के लिए कई सुविधाएँ प्रदान करता है। इसमें एक डाइनिंग हॉल है। डाइनिंग हॉल अपने निवासी सदस्यों के लिए गुणवत्तापूर्ण शाकाहारी और मांसाहारी भोजन प्रदान करता है। इसमें एक वाचनालय भी है। एक पर्याप्त रोशनी वाला सुसज्जित एसी कमरा अध्ययन/पठन के लिए है। इसमें एक अच्छी तरह से सुसज्जित कंप्यूटर/इंटरनेट कक्ष है। इंटरनेट सुविधा वाला कंप्यूटर सभी निवासियों के लिए उपलब्ध है। इसमें एक कॉमन रूम भी है। कॉमन रूम केबल कनेक्शन के साथ बड़े स्क्रीन वाले टीवी सेट से सुसज्जित है। इसमें एक न्यूज पेपर रूम है। निवासियों के लिए समाचार-पत्र और पत्रिकाएँ उपलब्ध हैं। हमारे पास एक व्यायामशाला है। एक व्यायामशाला कई आधुनिक मशीनों से सुसज्जित है, जो निवासियों को व्यायाम करने और खुद को फिट और स्वस्थ रखने में मदद करती हैं। इसमें एक अतिथि कक्ष भी है। छात्रावास में एक सुसज्जित अतिथि कक्ष है। अतिथि कक्ष से चेकआउट का समय दोपहर 12 बजे से पहले होगा। छात्रावास में एक सुसज्जित आगंतुक कक्ष है। इसमें एक कैफ़ेटेरिया भी है।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

इसमें एक लॉन्ड्री है। हॉल के सभी शौचालयों में निवासियों के उपयोग के लिए अर्ध-स्वचालित वाशिंग मशीनें हैं। छात्रावास परिसर में एक टेलीफोन/फैक्स/फोटोस्टेट की दुकान है जो सभी प्रकार की दैनिक उपयोग की वस्तुएँ प्रदान करती है: स्टेशनरी/प्रिंटेबल/स्कैनिंग/लेमिनेशन और फोटोकॉपी सेवाएँ। इसमें एक जनरेटर कक्ष भी है। छात्रावास में जनरेटर की सुविधा है जिसका उपयोग आपात स्थिति में किया जाता है। इसमें स्वास्थ्य केंद्र में सुविधाएँ उपलब्ध हैं। छात्रावास के निवासियों को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विश्व विश्वविद्यालय सेवा स्वास्थ्य केंद्र के सदस्य के रूप में नामांकित होने का अवसर मिलता है। विश्वविद्यालय महिला छात्रावास सभी प्रकार के बुनियादी और आपातकालीन स्वास्थ्य उपचार की सुविधा नगण्य लागत पर प्रदान करता है।

***

मेघदूत छात्रावास

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

शैक्षणिक सत्र 2024-25 के दौरान, मेघदूत छात्रावास ने विभिन्न त्योहार मनाए और जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मेजबानी की, जिससे इसके निवासियों के बीच सद्भाव, समावेशिता और व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा मिला।

छात्रों की संख्या

स्नातकोत्तर छात्र

73

एम.फिल./पीएच.डी. छात्र

13

सर्वोत्तम प्रथाएं

छात्रावास में पूरे शैक्षणिक वर्ष के दौरान रेजिडेंट्स, प्रोवोस्ट, वार्डन और रेजिडेंट ट्यूटर के साथ सांस्कृतिक और राष्ट्रीय समारोहों की एक जीवंत श्रृंखला आयोजित की गई। स्वतंत्रता दिवस 15.08.2024 को देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत किया गया, जिसमें एक विशिष्ट अतिथि ने सभी को गौरव और एकता के विचारों से प्रेरित किया। रक्षा बंधन 19.08.2024 को, छात्रों ने प्रेम और भाईचारे के बंधन का जश्न मनाते हुए मिठाइयों और राखियों का आदान-प्रदान किया। जन्माष्टमी (26.08.2024) पर भक्ति गीतों और सुंदर रूप से सजाए गए स्थानों ने आध्यात्मिक वातावरण प्रदान किया। शिक्षक दिवस (05.09.2024) पर छात्रों ने अपने गुरुओं के प्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की। दिवाली और फ्रेशर्स पार्टी 'मेघस्पंदन' (19.11.2023) रोशनी, रंगोली, नृत्य और पारंपरिक दावतों के साथ मनाई गई। लोहड़ी और मकर संक्रांति 14.01.2025 को लोकगीतों और मिठाइयों के साथ होलिका दहन किया गया। गणतंत्र दिवस 26.01.2025 को राष्ट्रीय ध्वज पूरे सम्मान के साथ फहराया गया। मेघदूत छात्रावास ने 28.02.2025 को पुष्प प्रदर्शनी में भाग लिया, जिसमें पर्यावरण-अनुकूल रचनात्मकता का प्रदर्शन किया गया। होली 14.03.2025 रंगों, संगीत और मिठाइयों के माध्यम से खुशियाँ लेकर आई। छात्रावास के निवासियों ने 18.03.2025 को "द टैमिंग ऑफ द श्रू" नाटक का प्रदर्शन किया, जिससे उनकी नाट्य प्रतिभा की प्रशंसा हुई। इफ्तार पार्टी (26.03.2024) में सांस्कृतिक सौहार्द का जश्न मनाया गया, जबकि रामनवमी (06.04.2025) और हनुमान जन्मोत्सव (12.04.2025) श्रद्धापूर्वक मनाए गए। वर्ष का समापन छात्रावास नाइट 'मेंटरंग' (11.04.2025) के साथ हुआ, जिसमें जीवंत प्रदर्शन और भावभीनी विदाई शामिल थी।

सुविधाएँ

छात्रावास में टीवी कक्ष, डाइनिंग हॉल, कंप्यूटर लैब, कपड़े धोने का कमरा, सुरक्षा कक्ष, चिकित्सा कक्ष, अध्ययन कक्ष, पीडब्ल्यूडी अध्ययन कक्ष, कॉमन रूम, जिम और व्यापक सीसीटीवी निगरानी की सुविधा उपलब्ध है।

इन सुविधाओं का उद्देश्य व्यक्तिगत, शैक्षणिक और मनोरंजक विकास के लिए संतुलित वातावरण प्रदान करना है।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद टीम का दौरा

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद की टीम ने अपनी मूल्यांकन प्रक्रिया के तहत मेघदूत छात्रावास का दौरा किया। इस बातचीत के दौरान छात्रावास समुदाय ने अपनी जीवंत गतिविधियों, सर्वोत्तम प्रथाओं और सुविधाओं का प्रदर्शन किया।

मेघदूत छात्रावास ने भी 67वें पुष्प प्रदर्शनी में भाग लिया तथा कप और प्रमाणपत्र प्राप्त किए।

***

पूर्वोत्तर महिला छात्रावास

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

वर्ष के दौरान, निवासियों द्वारा स्वतंत्रता दिवस, फ्रेशर नाइट, क्रिसमस, लोहड़ी, गणतंत्र दिवस, होली, खेल दिवस और वार्षिक अतिथि रात्रि समारोह मनाए गए। मेघालय के सांसद श्री सलेंग ए. संगमा मुख्य अतिथि थे और दिल्ली विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग की अध्यक्ष प्रो. नीरा अग्निमित्रा विशिष्ट अतिथि थीं।

15-17 नवंबर, 2024 के दौरान, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा एसजीटी विश्वविद्यालय, गुड़गांव में आयोजित "विकसित भारत के लिए दृष्टिकोण" सम्मेलन और प्रदर्शनी में भाग लेने के लिए एक यात्रा का आयोजन किया गया था। 15 नवंबर, 2024 को, 27 रेजिडेंट, प्रोवोस्ट, वार्डन, रेजिडेंट ट्यूटर और कार्यालय कर्मचारियों के साथ, हमारे छात्रावास ने सम्मेलन में भाग लेने के लिए दौरा किया।

छात्रों की संख्या

स्नातकोत्तर छात्र

101

सर्वोत्तम प्रथाएं

छात्रावास परिसर और उसके आसपास यथासंभव हरियाली बनाए रखने का प्रयास किया जाता है।

कर्मचारियों द्वारा मल्चिंग और कम्पोस्टिंग के माध्यम से जैविक खाद तैयार की जाती है।

रासायनिक उर्वरकों का उपयोग नहीं किया जाता है।

हमारे छात्रावास का माली जैविक खाद के लैंडफिल को प्रभावी ढंग से संभाल रहा है।

छात्रावास के निवासियों और अधिकारियों ने प्लास्टिक कचरे को विशिष्ट प्लास्टिक कूड़ेदान में डालने का निश्चय किया है।

कचरे को आरंभिक चरण में ही अलग-अलग करना, कचरा पृथक्करण की संस्कृति को बढ़ावा देता है।

सुविधाएँ

छात्रावास अपने निवासियों को निम्नलिखित सुविधाएँ प्रदान करता है:

एलईडी टीवी और संगीत प्रणाली से सुसज्जित वातानुकूलित कॉमन रूम

चार पूर्णतः स्वचालित वाशिंग मशीनों से सुसज्जित लॉन्ड्री रूम

प्रत्येक मंजिल पर एक हॉट प्लेट, रेफ्रिजरेटर, माइक्रोवेव और वाटर कूलर

इंटरनेट सुविधा से युक्त वातानुकूलित कंप्यूटर कक्ष

नवीनतम पत्रिकाओं और समाचार पत्रों से युक्त वातानुकूलित वाचनालय

पीने के पानी के लिए प्रमुख आरओ सिस्टम

बैडमिंटन कोर्ट

सीसीटीवी निगरानी

गर्म पानी के लिए सौर ऊर्जा से चलने वाला वॉटर हीटर और गीजर

व्यायामशाला (हृदय-संवहनी उपकरण)

सुबह और शाम की सैर के लिए विस्तृत लॉन

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

हमारे छात्रावास ने 67वें वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी में भाग लिया। इस आयोजन में, हमारे छात्रावास के निवासियों ने पूर्वोत्तर के आठ राज्यों के अपने अनूठे और विविध पारंपरिक हथकरघा उत्पादों का प्रदर्शन किया। इसमें उस क्षेत्र के लोग पारंपरिक रूप से जो पट्टियाँ, शॉल और बैग पहनते हैं, वे शामिल थे। प्रदर्शन के साथ-साथ, हमारे निवासियों ने उन आगंतुकों की भी मदद की जो इन पट्टियों को आज़माना चाहते थे और उनके साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। हमारे छात्रावास ने पूर्वोत्तर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रचार और लोगों को शिक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है—पट्टियों के प्रदर्शन से लेकर लोगों को इससे जुड़ी लोककथाओं के बारे में बताने तक।

***

स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

छात्रावास ने अप्रैल 2024 में इफ्तार पार्टी और राम नवमी पूजा का आयोजन किया। छात्रावास प्रशासन, कर्मचारी और निवासियों ने "विकसित भारत दौड़" में बड़ी संख्या में भाग लिया। निवासी परिषद का चुनाव जुलाई 2024 और दिसंबर 2024 में हुआ। स्वतंत्रता दिवस 15/08/2024 को ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया गया। छात्रावास में 16/11/2024 को देव दीपावली और गुरु नानक जयंती का उत्सव मनाया गया। छात्रावास के निवासियों ने 25/12/2024 को क्रिसमस मनाया। स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास और गांधी भवन ने संयुक्त रूप से 14/01/2025 को मकर संक्रांति महोत्सव और लोहड़ी का आयोजन किया। गणतंत्र दिवस 26/01/2025 को ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया गया। छात्रावास में निवासियों द्वारा 03/02/2025 को सरस्वती पूजा का आयोजन किया गया।

छात्रों की संख्या

स्नातक-पूर्व छात्र

7

स्नातकोत्तर छात्र

74

एम.फिल./पीएच.डी. छात्र

18

सर्वोत्तम प्रथाएं

छात्रावास में समारोह/त्योहारों के आयोजन तथा खेल गतिविधियों के आयोजन के लिए गठित विभिन्न समितियों का उल्लेख नीचे किया गया है:

कॉमन रूम: कॉमन रूम की गतिविधियों का आयोजन करना।

सांस्कृतिक: सांस्कृतिक गतिविधियों और कार्यक्रमों का आयोजन करना।

स्वास्थ्य एवं स्वच्छता: छात्रावास की साफ-सफाई का ध्यान रखना।

खेलकूद: मेस मेनू और कच्चे माल की खरीद का प्रबंध करना।

रैगिंग विरोधी और अनुशासनात्मक: रैगिंग से बचना और रैगिंग से संबंधित मुद्दों का समाधान करना।

होली: छात्रावास में होली के दौरान होने वाली हुड़दंगियों से निपटना।

धूम्रपान विरोधी: छात्रावास परिसर में धूम्रपान से बचना।

सुविधाएँ

इस छात्रावास में एक वातानुकूलित पुस्तकालय, इंटरनेट से जुड़े कंप्यूटर, प्रिंटर, स्कैनर और एक सभ्य आधुनिक जिम के साथ एक कंप्यूटर लैब, अर्ध स्वचालित और पूरी तरह से स्वचालित वाशिंग मशीन, सौर जल गीजर, एक समाचार-पत्र कक्ष, एक पत्रिका कक्ष, दो बैडमिंटन कोर्ट के साथ एक कपड़े धोने का कमरा है।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

छात्रावास ने 3 और 4 जुलाई 2024 को छात्रावास के निवासियों और कर्मचारियों के लाभ के लिए एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया।

***

राजीव गांधी बालिका छात्रावास

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

आरजीएचजी छात्रावास भारत की विविधता में एकता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करता है और यहाँ के निवासी वर्ष भर विभिन्न उत्सवों का आनंद लेते हैं, जिनमें स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्वों पर ध्वजारोहण समारोह भी शामिल है। छात्रावास में कई त्यौहार बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाए जाते हैं। होली, दिवाली, क्रिसमस, ईद, लोहड़ी, डांडिया और सरस्वती पूजा जैसे त्यौहार यहाँ बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाए जाते हैं।

रागाज़ (वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव): यह आयोजन 5 मई 2024 को आयोजित किया गया था और इसमें डीयू प्रशासन, विभिन्न छात्रावास अधिकारियों, छात्रों और उनके अतिथियों सहित 1000 से अधिक लोगों ने भाग लिया। गीत, नृत्य, फ़ैशन शो, कविता पाठ आदि सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने हमारी भारतीय संस्कृति की सच्ची भावना को प्रदर्शित किया।

खेल, फिटनेस और स्वास्थ्य के महत्व पर जागरूकता पैदा करने के लिए 07 मार्च, 2025 को छात्रावास में खेल दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें निवासियों द्वारा रस्साकशी, बैडमिंटन, बास्केटबॉल आदि जैसे कई खेलों का आनंद लिया गया।

कपड़ा दान अभियान: दिल्ली विश्वविद्यालय के लॉ सेंटर II के एनएसएस स्वयंसेवकों और राजीव गांधी बालिका छात्रावास के निवासियों ने 11 से 14 दिसंबर, 2024 तक कपड़ा दान अभियान चलाया। अच्छी गुणवत्ता वाले पर्याप्त कपड़े एकत्र किए गए और दिल्ली की मलिन बस्तियों में वंचितों को वितरित किए गए।

छात्रों की संख्या

स्नातक-पूर्व छात्र

शून्य

स्नातकोत्तर छात्र

489

एम.फिल./पीएच.डी. छात्र

31

सर्वोत्तम प्रथाएं

एमसीडी द्वारा कार्यशाला: 29 जून 2024 को अपशिष्ट प्रबंधन पर एक शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। शिविर में हमारे सफाई कर्मचारियों और छात्रावास कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान, एमसीडी के विशेषज्ञों ने विभिन्न प्रकार के अपशिष्टों के उचित निपटान पर बहुमूल्य जानकारी प्रदान की। शिविर का उद्देश्य हमारे कर्मचारियों को प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन के महत्व और स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण बनाए रखने पर इसके महत्वपूर्ण प्रभाव के बारे में शिक्षित और जागरूक करना था।

स्वास्थ्य ध्यान: ब्रह्माकुमारीज़, वैंकूवर, कनाडा की समन्वयक, सिस्टर बी.के. क्लाउडिया द्वारा 1 फ़रवरी 2025 को छात्रावास परिसर में एक आध्यात्मिक और आत्म-विकास सत्र आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रावासवासियों में आध्यात्मिक शिक्षाओं और ध्यान के माध्यम से आंतरिक शांति, सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना और तनाव प्रबंधन करना था।

2023 में, छात्रावास ने जैविक कचरे के स्थायी प्रबंधन के लिए एक अपशिष्ट खाद बनाने वाली मशीन स्थापित की। इस पहल का उद्देश्य अपशिष्ट को कम करना, पोषक तत्वों से भरपूर खाद बनाना और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देना है।

छात्रावास ने सितंबर 2024 में सैनिटरी नैपकिन डिस्पेंसर और इंसिनरेटर स्थापित किए हैं। इस पहल का उद्देश्य महिला निवासियों के लिए सैनिटरी नैपकिन की स्वच्छता, सुविधा और सुरक्षित निपटान को बढ़ावा देना है।

सुविधाएँ

छात्रावास में दो कॉमन रूम और एक आगंतुक कक्ष है। अन्य सुविधाओं में एक टक शॉप, एक विशाल वातानुकूलित वाचनालय और कॉमन रूम शामिल हैं। छात्रावास खाली करते समय सामान रखने के लिए प्रत्येक क्लस्टर में एक स्टोर रूम उपलब्ध है। प्रत्येक क्लस्टर के प्रत्येक तल पर इंडक्शन प्लेट उपलब्ध है। आर.ओ. युक्त वाटर कूलर भी लगाए गए हैं। निवासियों के लिए पीने के पानी के लिए चार डिस्पेंसर भी उपलब्ध हैं। चौबीसों घंटे सुरक्षा प्रदान की जाती है। निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए छात्रावास परिसर में महत्वपूर्ण स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

किसी भी चिकित्सा आपात स्थिति में, मरीज़ को नज़दीकी अस्पताल ले जाया जाता है और स्थानीय अभिभावक को उनके वार्ड की देखभाल करने के लिए सूचित किया जाता है। इसके अलावा, प्राथमिक उपचार सुविधाओं से सुसज्जित एक चिकित्सा कक्ष भी मौजूद है।

जिम कक्ष: बुनियादी व्यायाम उपकरण-साइकिल, डम्बल, क्रॉस ट्रेनर, एरोबिक स्टेप्स आदि।

छात्रावास में एक सुव्यवस्थित भोजन कक्ष, दो भंडारण कक्ष और स्वच्छ खाना पकाने की सुविधाओं व स्वच्छ पेयजल से युक्त एक स्वतंत्र रसोईघर है। छात्रावास का मेस सबसे बड़े मेस में से एक है, जिसमें एक समय में 320 निवासियों के बैठने की क्षमता है। मेस में प्रत्येक निवासी के लिए स्वस्थ और स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराया जाता है।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

छात्रावास ने 28 फरवरी, 2025 को आयोजित 67वें वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी में भाग लेकर फूलों और लॉन की विभिन्न प्रविष्टियाँ देकर अपनी योग्यता साबित की और इसे प्रथम पुरस्कार-"डॉ. रमाला भर कप" से सम्मानित किया गया।

यह छात्रावास अन्य विश्वविद्यालयों या संस्थानों से सम्मेलनों में भाग लेने आए छात्रों को आवास प्रदान करता है।

नुक्कड़ नाटक: 10 मार्च 2025 को महिला दिवस सप्ताह के अवसर पर प्रगतिशील नाट्य मंच द्वारा एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। 14 लड़कियों की एक टीम ने लड़कियों में जागरूकता पैदा करने के लिए महिलाओं के सामने आने वाले विभिन्न मुद्दों पर एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। इस नाटक में उन्होंने घरेलू हिंसा, बस में छेड़छाड़, बालिकाओं के साथ होने वाले भेदभाव और नारी गौरव जैसे विभिन्न विषयों पर प्रस्तुति दी।

पौधारोपण अभियान: पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने और निवासियों में स्थिरता को प्रोत्साहित करने के लिए 13-08-2024 को छात्रावास परिसर में एक पौधारोपण अभियान सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

रैगिंग विरोधी सप्ताह: छात्रावास ने 12-18 अगस्त 2025 तक रैगिंग विरोधी सप्ताह सफलतापूर्वक मनाया, जिसमें 15 अगस्त 2025 को रैगिंग विरोधी दिवस पर विशेष ध्यान दिया गया। इस कार्यक्रम में निवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्रावास अधिकारियों ने इस अवसर पर रैगिंग मुक्त वातावरण बनाए रखने के महत्व पर ज़ोर दिया और छात्रों को किसी भी प्रकार की रैगिंग से दूर रहने का निर्देश दिया।

***

सारामती स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

छात्रावास में गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस छात्रों की बड़ी भागीदारी के साथ मनाया गया।

छात्रों की संख्या

स्नातकोत्तर छात्र

122

एम.फिल./पीएच.डी. छात्र

126

सर्वोत्तम प्रथाएं

सारामती स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास ने छात्रावास शुल्क के संग्रह के लिए ऑनलाइन शुल्क भुगतान (एसबीआई कलेक्ट) को अपनाया।

सुविधाएँ

इसमें 130 छात्रों को दो लोगों के साथ साझा करने की क्षमता है। छात्रावास में प्रत्येक निवासी को एक बिस्तर, गद्दा, अध्ययन मेज, कुर्सी, सफेद लेमिनेटेड बोर्ड, अलमारी, पंखा, एलईडी लाइट, जूता रैक और पर्दे उपलब्ध हैं। छात्रावास में एक मनोरंजन कक्ष है जिसमें हाई-डेफिनिशन एलईडी टीवी और डीटीएच सेवा उपलब्ध है। साथ ही, दर्जनों समाचार-पत्रों और पत्रिकाओं के साथ एक साझा पढ़ने की जगह भी है। छात्रावास में व्यायामशाला और टेबल टेनिस, शतरंज, कैरम-बोर्ड आदि जैसे इनडोर खेलों के लिए खेल सुविधाएँ भी उपलब्ध हैं। छात्रावास में क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन और कई अन्य खेलों के लिए उपकरण भी उपलब्ध हैं। निवासियों को सुचारू और तेज़ इंटरनेट सेवा प्रदान करने के लिए छात्रावास आधुनिक वाई-फाई सुविधा से सुसज्जित है।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

सारामती स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास की स्थापना पूर्वोत्तर परिषद, गृह मंत्रालय, भारत सरकार और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा की गई है। यह दिल्ली विश्वविद्यालय में अध्ययनरत देश के पूर्वोत्तर भागों के छात्रों के साथ-साथ शैक्षणिक कार्यक्रमों में अध्ययनरत अन्य छात्रों और दक्षिणी परिसर के मूल छात्रों को आवासीय सुविधा प्रदान करता है। यह विश्वविद्यालय के साधारण और सुसज्जित छात्रावासों में से एक है। दिल्ली विश्वविद्यालय और पूर्वोत्तर परिषद, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुसार, 70% सीटें पूर्वोत्तर राज्यों के छात्रों के लिए आरक्षित हैं। हालाँकि, यदि पूर्वोत्तर राज्यों के छात्रों के लिए आरक्षित सीटें रिक्त रहती हैं, तो ये सीटें अन्य छात्रों के लिए उपलब्ध कराई जाती हैं।

***

सामाजिक कार्य छात्रावास

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

छात्रावास ने सुरक्षा गार्डों के उपयोग हेतु एक सुरक्षा गार्ड कक्ष का निर्माण एवं उद्घाटन किया गया।

अनुपयोगी अप्रचलित वस्तुओं के भंडारण हेतु एक भण्डार कक्ष का निर्माण किया गया।

छात्रों की संख्या

स्नातकोत्तर छात्र

45

एम.फिल./पीएच.डी. छात्र

3

सर्वोत्तम प्रथाएं

हम स्वच्छता मानकों को बनाए रखते हैं और सभी स्थानीय स्वास्थ्य नियमों और दिशानिर्देशों का पालन करते हैं।

सुविधाएँ

यहाँ 49 कमरे हैं; छात्रों द्वारा प्रबंधित एक मेस जिसमें सुसज्जित रसोई और भोजन की सुविधाएँ हैं; रिवर्स ऑस्मोसिस फ़िल्टरिंग सुविधाओं के साथ तीन पेयजल पॉइंट; एक वातानुकूलित कॉमन रूम; दो रोगी/अलगाव कक्ष (प्रत्येक विंग में एक); एक बैठक कक्ष; कार्यालय कक्ष; वार्डन का निवास; हरे-भरे लॉन; उपवन और उद्यान; नगरपालिका जल आपूर्ति के अलावा एक बोरवेल; सुरक्षा सेवाओं के अलावा सीसीटीवी निगरानी; कॉमन रूम में डीटीएच सेवाओं के साथ टीवी; और कई समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ और पत्रिकाएँ। डीएसडब्ल्यू छात्रावास की अपनी वेबसाइट http://dswh.du.ac.in है जो छात्रावास के बारे में जानकारी प्रदान करती है। विभाग परिसर में पूरे दिन सुरक्षा का प्रावधान है।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

छात्रावास निवासियों के लिए वी-बी नेटवर्क सेवा के संवर्धन हेतु सामाजिक कार्य छात्रावासों के विकास में किए गए कार्य के लिए दो और राउटर स्थापित किए गए हैं।

***

स्नातक महिला छात्रावास

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

इस वर्ष, एमसीडी की बैठक 1 अप्रैल, 2024 को आयोजित की गई। शिक्षा विभाग की डॉ. सुनीता सिंह द्वारा छात्रावास में रैगिंग विरोधी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 15 अगस्त, 2024 को प्रोवोस्ट, वार्डन और रेजिडेंट ट्यूटर द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए फ्रेशर पार्टी का आयोजन 19 अक्तूबर, 2024 को किया गया। 31 अक्तूबर, 2024 को दिवाली समारोह का आयोजन किया गया। सौर ऊर्जा उत्पादन प्रणाली का उद्घाटन महाविद्यालयों के डीन प्रो. बलराम पाणि द्वारा किया गया।

लोहड़ी 13 जनवरी 2025 को मनाई गई। दिल्ली नगर निगम के सहयोग से डीएमएसडब्ल्यूएसएल द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर सूचना शिक्षा और संचार व्यवहार परिवर्तन संचार (बीसीसी) प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसे रामकी फाउंडेशन द्वारा 16 जनवरी 2025 को क्रियान्वित किया गया। केशव दास बी.टेक, आईआईटी कानपुर, सुंदर गोपाल दास दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र और विश्वव्यापी कीर्तनिया और विपिन बिहारी दास ग्लोबल हेड ऑफ सेल्स एंड सैगेसियस रिसर्च द्वारा 18 जनवरी 2025 को छात्रावास में आध्यात्मिकता के साथ अपने जीवन को अनलॉक करें कार्यक्रम का

आयोजन किया गया। 26 जनवरी, 2025 को प्रोवोस्ट, वार्डन और रेजिडेंट ट्यूटर द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम, तरंगिनी सप्ताह 26 फरवरी से 28 फरवरी 2025 तक सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

छात्रों की संख्या

स्नातक-पूर्व छात्र

558

सर्वोत्तम प्रथाएं

हरे-भरे लॉन और फूलों की क्यारियाँ निवासियों का स्वागत करती हैं। दीवारों पर भारत की समृद्ध विरासत को जीवंत करते हुए चित्र सजे हैं। छात्रों की सुरक्षा के लिए कॉमन एरिया और गेट पर सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। दिव्यांगों के अनुकूल शौचालय और रैंप हैं। सभी शुल्क ऑनलाइन जमा किए जाते हैं। मेस में दिन में चार बार भोजन मिलता है, जिसमें पैक्ड लंच की सुविधा भी शामिल है। छात्रावास में पर्यावरण के अनुकूल तरीके अपनाए जाते हैं, जैसे कचरे का पृथक्करण, बगीचे के कचरे से खाद बनाना, पर्यावरण के अनुकूल एलईडी लाइटिंग, कागज़ का न्यूनतम उपयोग और एक भूमिगत पानी की टंकी का निर्माण आदि।

सुविधाएँ

कॉमन रूम, कंप्यूटर लैब, दो वाचनालय, व्यायामशाला, खेल कक्ष, पुस्तकालय, आगंतुक कक्ष, चिकित्सा सुविधाओं सहित चिकित्सा कक्ष, जिसमें प्रतिदिन नर्स और सप्ताह में तीन बार डॉक्टर की विजिट शामिल है, दो टीवी कक्ष, छात्रावास में अच्छी तरह हवादार भोजन कक्ष, कपड़े धोने का कमरा, टक शॉप, बैडमिंटन कोर्ट, बास्केट बॉल कोर्ट और टेबल टेनिस कोर्ट भी हैं।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

वर्ष 2024-25 की अवधि के दौरान, निम्नलिखित समितियों का गठन किया गया: धूम्रपान विरोधी समिति, यौन उत्पीड़न विरोधी समिति, रैगिंग विरोधी समिति, नस्लीय भेदभाव समिति, उत्तर-पूर्व के लिए नोडल अधिकारी, होली समिति, तंबाकू मुक्त परिसर के लिए नोडल अधिकारी।

***

विश्वविद्यालय महिला छात्रावास

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां:

वर्ष 1973 में स्थापित, विश्वविद्यालय महिला छात्रावास दिल्ली विश्वविद्यालय का एक महत्वपूर्ण स्थल है। 320 सीटों की क्षमता वाला यह छात्रावास भारत और विदेश की स्नातकोत्तर और शोधरत छात्राओं को शिक्षा प्रदान करता है। यह छात्रावास एक जीवंत वातावरण प्रदान करता है, जो व्यक्तिगत विकास और नारीत्व की भावना को पोषित करने के भरपूर अवसर प्रदान करता है।

छात्रों की संख्या:

स्नातकोत्तर छात्र

130

एम.फिल./पीएच.डी. छात्र

87

सर्वोत्तम प्रथाएं

विश्वविद्यालय महिला छात्रावास (यूएचडब्ल्यू) ने पूरे वर्ष विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों और समारोहों की मेजबानी करने की अपनी परंपरा जारी रखी है, जिनमें शामिल हैं:

त्यौहार समारोह:

दिवाली, क्रिसमस की पूर्व संध्या, नव वर्ष की पूर्व संध्या, लोहड़ी, होली और इफ्तार पार्टी: ये त्यौहार बड़े उत्साह के साथ मनाए गए, जिससे निवासियों के बीच एकता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की भावना को बढ़ावा मिला।

राष्ट्रीय त्यौहार और चेतना जागृति गतिविधियाँ:

स्वतंत्रता दिवस-15 अगस्त 2024: निवासी और कर्मचारी देशभक्ति की भावना के साथ भारत के स्वतंत्रता दिवस का जश्न मनाने के लिए एक साथ आए और राष्ट्रगान और अन्य देशभक्ति गीत गाए।

गणतंत्र दिवस-26 जनवरी 2025: इस दिन की शुरुआत राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुई, जिसके बाद राष्ट्रगान और देशभक्ति के भावपूर्ण प्रदर्शन हुए और अंत में मिठाइयाँ बाँटी गईं। निवासियों के लिए इस पल को कैद करने के लिए एक "विकसित भारत" सेल्फी पॉइंट भी बनाया गया था।

महिला दिवस समारोह-**8** मार्च **2025:** इस दिन महिलाओं के सम्मान में समारोह आयोजित किए गए, जिसमें निवासियों, छात्रावास कर्मचारियों और अधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर की मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय महिला छात्रावास की प्रतिष्ठित पूर्व निवासी प्रो. रत्नोत्तमा दास थीं, जिन्होंने अपने विचार और अनुभव साझा किए।

सुविधाएँ:

महिलाओं के लिए विश्वविद्यालय छात्रावास में सुविधाएँ।

कॉमन रूम: आराम, सामाजिक मेलजोल और अनौपचारिक गतिविधियों के लिए एक साझा स्थान।

वाचनालय: अध्ययन और ध्यान केंद्रित करके सीखने के लिए एक शांत जगह।

आगंतुक कक्ष: मेहमानों या परिवार के सदस्यों से मिलने के लिए एक निजी स्थान।

रोगी कक्ष: बीमार होने पर अस्थायी चिकित्सा सहायता या आराम के लिए एक कमरा।

निवासी संघ कक्ष: निवासी संघ द्वारा आयोजित बैठकों और कार्यक्रमों के लिए एक स्थान।

लॉन्ड्रोमैट: वाशिंग मशीन और ड्रायर के साथ एक स्व-सेवा कपड़े धोने की सुविधा।

कॉमन रेफ्रिजरेटर: निवासियों के लिए जल्दी खराब होने वाले भोजन को संग्रहीत करने के लिए एक साझा रेफ्रिजरेटर।

कॉमन टेलीविजन: समूह देखने और मनोरंजक गतिविधियों के लिए एक साझा टीवी।

बहुउद्देशीय हॉल: कार्यशालाओं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सामाजिक समारोहों के लिए एक लचीला स्थान।

बैडमिंटन कोर्ट: बैडमिंटन और शारीरिक गतिविधियों के लिए एक मनोरंजक कोर्ट।

ओपन जिम: नियमित कसरत के लिए व्यायाम मशीनों वाला एक आउटडोर फिटनेस क्षेत्र।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

समितियाँ:

क) अनुशासन समितियाँ:

रैगिंग विरोधी समिति

धूम्रपान विरोधी समिति

लेंगिकता संवेदीकरण समिति

यौन उत्पीड़न विरोधी समिति और अनुशासन समिति

पूर्वोत्तर छात्रों के लिए समिति

ख) मेस समिति:

मेस सचिव के नेतृत्व में एक समर्पित मेस समिति के साथ, निवासी मेस प्रबंधन में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं।

ग) निवासी संघ:

फरवरी 2025 में रेजिडेंट एसोसिएशन के चुनाव आयोजित किए गए, जिसमें निवासियों द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों का चुनाव किया गया।

***

वी.के.आर.वी. राव छात्रावास

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां:

राष्ट्रीय दिवस देशभक्ति के साथ मनाए गए।

छात्रावास के निवासियों ने स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस जैसे प्रमुख राष्ट्रीय दिवसों को सक्रिय रूप से मनाया।

विविध संस्कृतियों को समेटे जीवंत उत्सव:

दीपक जलाकर, छात्रावास परिसर की सजावट और पारंपरिक पूजा समारोहों के साथ दिवाली मनाई गई।

होली रंग और खुशियाँ लेकर आई, जहाँ निवासियों ने रंग-गुलाल उड़ाने, संगीत और नृत्य में भाग लिया।

लोहड़ी का त्यौहार अलाव जलाकर, लोकगीत गाकर और पारंपरिक नाश्ते के साथ मनाया गया।

सरस्वती पूजा भक्तिभाव से की गई।

सांस्कृतिक कार्यक्रम: नए छात्रों के स्वागत से लेकर विदाई तक:

छात्रावास का सांस्कृतिक कार्यक्रम नए छात्रों के भव्य स्वागत के साथ शुरू हुआ, जहाँ नए छात्रों को छात्रावास की परंपराओं से परिचित कराया गया।

शैक्षणिक सत्र के दौरान, विभिन्न सांस्कृतिक, साहित्यिक और खेलकूद कार्यक्रम आयोजित किए गए।

सत्र का समापन नए छात्रों के लिए भावभीनी विदाई के साथ हुआ।

वार्षिक समारोह 'उमंग-25':
इस वर्ष, छात्रावास ने अपने बहुप्रतीक्षित वार्षिक समारोह 'उमंग-25' का आयोजन किया, जिसे सभी निवासियों की भागीदारी और उत्साह के साथ मनाया गया।
इस कार्यक्रम में संगीत, नृत्य, नाटक और साहित्यिक प्रतियोगिताओं जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल थे।

वार्षिक समारोह का समापन एक भव्य पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ।
छात्रावास के अधिकारियों और छात्रावास के अध्यक्ष ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाणपत्र वितरित किए।

छात्रों की संख्या:

स्नातकोत्तर छात्र

77

एम.फिल./पीएच.डी. छात्र

4

सुविधाएँ:

छात्रावास अपने निवासियों के जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने और सेवाओं और संसाधनों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है।

निवासियों के मेहमानों के लिए अतिथि सुविधाएँ

केवल माता-पिता के लिए अतिथि कक्ष

चिकित्सा सुविधाएँ

मेस और डाइनिंग हॉल

कैंटीन

कंप्यूटर, इंटरनेट और वाई-फाई सुविधाएँ

कॉमन रूम

जिम और खेल आयोजन

प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स

पुस्तक बैंक

कपड़े धोने की सेवाएँ

वाचनालय

आगंतुक कक्ष

सीसीटीवी कैमरों सहित छात्रावास सुरक्षा

दिव्यांगजनों के अनुकूल संसाधन

***

विश्वविद्यालय महिला छात्रावास

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां:

विश्वविद्यालय महिला छात्रावास में पीएच.डी. छात्राओं, विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अतिथि शिक्षकों और पोस्ट-डॉक्टरल शोधकर्ताओं के रहने की व्यवस्था है। इसकी क्षमता 18 कमरों की है। इस छात्रावास को 1990 में वर्ल्ड यूनिवर्सिटी सर्विसेज से विश्वविद्यालय ने अपने अधीन ले लिया था।

छात्रों की संख्या:

एम.फिल./पीएच.डी. छात्र

18

सुविधाएँ:

निवासियों को निम्नलिखित सुविधाएँ प्रदान की जाती हैं:

आगंतुक कक्ष (एसी)

दोनों मंजिलों और रसोई में रेफ्रिजरेटर

सीसीटीवी

वाशिंग मशीन

यहाँ के निवासी दिवाली, सरस्वती पूजा, क्रिसमस, होली, नव वर्ष आदि जैसे विभिन्न त्यौहार मनाते हैं। मेस का संचालन निवासियों द्वारा सहकारी आधार पर किया जाता है। हालाँकि, मेस सुविधा के लिए बुनियादी ढाँचा छात्रावास द्वारा प्रदान किया जाता है।

***

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2025 तक का तुलन पत्र

धनराशि करोड़ में

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष	गत वर्ष
निधियों के स्रोत			
समग्र/पूंजीगत निधि	1	(2361.18)	(2396.11)
नामोद्दिष्ट/उद्दिष्ट/अक्षय निधियां	2	1425.55	1269.10
चालू देयताएं और प्रावधान	3	4356.68	4406.53
HEFA से असुरक्षित ऋण	3 (d)	46.93	-----
कुल		**3467.98**	**3279.52**
निधियों के अनुप्रयोग			
मूर्त परिसंपत्तियां	4	750.67	759.37
अमूर्त परिसंपत्तियां	4	0.04	0.44
पूंजी वर्क इन प्रोग्रेस	4	121.21	48.70
उद्दिष्ट/अक्षय निधियों से निवेश	5	1233.22	1174.82
निवेश – अन्य	6	-----	-----
चालू परिसंपत्तियां	7	1048.91	1036.86
ऋण, अग्रिम और जमा	8	313.94	259.33
कुल		**3467.98**	**3279.52**
महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां	23		
आकस्मिक देयताएं और लेखों पर टिप्पणियाँ	24		

दिनांक: 10 जून, 2025

दिल्ली विश्वविद्यालय

वर्ष 2024-25 के वार्षिक लेखे

सूचकांक

क्रमांक	विवरण का नाम	पृष्ठ संख्या
	क. दिल्ली विश्वविद्यालय	
1	तुलन पत्र	1
2	आय तथा व्यय लेखा	2
3	अनुसूची जो तुलन पत्र का भाग है: अनुसूची 1,2,3,4,5,6,7,8	3 से 27
4	अनुसूची जो आय तथा व्यय का भाग है: अनुसूची 9,10,11,12,13,14,15,16,17,18,19,20,21,22	28 से 43
5	महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ: अनुसूची 23	44 से 50
6	आकस्मिक देयताएं तथा लेखों पर टिप्पणियाँ: अनुसूची 24	51 से 57
7	प्राप्ति और भुगतान लेखा	58 से 59
	ख. भविष्य निधि लेखा	
8	तुलन पत्र	60
9	आय तथा व्यय लेखा	61
10	प्राप्ति और भुगतान लेखा	62
	ग. नई पेंशन निधि	
11	तुलन पत्र	63
12	आय तथा व्यय लेखा	64
13	प्राप्ति और भुगतान लेखा	65
	घ. हॉल तथा छात्रावास	
14	समेकित तुलन पत्र	66
15	समेकित आय तथा व्यय लेखा	67
16	समेकित प्राप्ति और भुगतान लेखा	68

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2025 को समाप्त हुए वर्ष का आय तथा व्यय लेखा

धनराशि करोड़ में

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष	गत वर्ष
आय			
शैक्षणिक प्राप्तियां	9	292.42	195.57
अनुदान/आर्थिक सहायता	10	792.69	927.66
निवेशों से आय	11	18.18	11.86
अर्जित ब्याज	12	1.85	1.07
अन्य आय	13	11.00	11.38
पूर्व अवधि आय	14	----	17.21
स्टॉक में वृद्धि		----	5.13
कुल (क)		**1116.14**	**1169.88**
व्यय			
स्टाफ भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)	15	797.10	731.06
शैक्षणिक व्यय	16	110.11	92.21
प्रशासनिक और सामान्य व्यय	17	158.66	143.40
परिवहन व्यय	18	1.06	1.59
मरम्मत एवं रखरखाव	19	23.98	22.34
वित्तीय लागत	20	0.01	0.00
मूल्यह्रास	4	36.23	37.07
अनुदानों, आर्थिक सहायताओं इत्यादि पर खर्च	21	17.52	171.30
पूर्व अवधि व्यय	22	36.28	30.46
स्टॉक में कमी		1.14	
कुल (ख)		**1182.09**	**1229.43**
आय पर व्यय के आधिक्य/(व्यय का आय पर आधिक्य) का शेष (क-ख)		(65.96)	(59.55)
नामोद्दिष्ट निधि समग्र/पूंजीगत निधि से/का स्थानांतरण (अनुसूची 1)			
अधिशेष/(कमी) के रूप में शेष का समग्र/पूंजीगत निधि में शामिल		**(65.96)**	**(59.55)**
महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां	23		
आकस्मिक देयताएं और लेखों पर टिप्पणियाँ	24		

दिनांक: 10 जून, 2025

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च 2025 तक का तुलन पत्र

धनराशि ₹ में

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष	गत वर्ष
निधियों के स्रोत			
समग्र/पूंजीगत निधि	1	(23611805569)	(23961121933)
नामोद्दिष्ट/उद्दिष्ट/अक्षय निधियां	2	14255506906	12691000029
चालू देयताएं और प्रावधान	3	43566745004	44065344541
HEFA से असुरक्षित ऋण	3 (d)	469335000	-----
कुल		**34679781341**	**32795222637**
निधियों के अनुप्रयोग			
अचल परिसंपत्तियां			
मूर्त परिसंपत्तियां	4	7506665869	7593779903
अमूर्त परिसंपत्तियां	4	353190	4373281
पूंजी वर्क इन प्रोग्रेस	4	1212105334	486953324
उद्दिष्ट/अक्षय निधियों से निवेश	5	12332195450	11748212124
निवेश - अन्य	6	-----	-----
चालू परिसंपत्तियां	7	10489076552	10368560361
ऋण, अग्रिम और जमा	8	3139384946	2593343643
कुल		**34679781341**	**32795222637**
महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां	23		
आकस्मिक देयताएं और लेखों पर टिप्पणियाँ	24		

दिनांक: 10 जून, 2025

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च 2025 को समाप्त हुए वर्ष का आय तथा व्यय लेखा

धनराशि ₹ में

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष	गत वर्ष
आय			
शैक्षणिक प्राप्तियां	9	2924234396	1955684572
अनुदान/आर्थिक सहायता	10	7926932551	9276555987
निवेशों से आय	11	181832518	118570538
अर्जित ब्याज	12	18381793	10720946
अन्य आय	13	109983354	113802487
पूर्व अवधि आय	14	------	172050731
स्टॉक में वृद्धि		------	51397839
कुल (क)		**11161364612**	**11698783100**
व्यय			
स्टाफ भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)	15	7971015234	7310619278
शैक्षणिक व्यय	16	1101138097	922130688
प्रशासनिक और सामान्य व्यय	17	1586599466	1433992765
परिवहन व्यय	18	10550714	15850771
मरम्मत एवं रखरखाव	19	239838667	223444102
वित्तीय लागत	20	75178	41942
मूल्यह्रास	4	362325242	370717209
अनुदानों, आर्थिक सहायताओं इत्यादि पर खर्च	21	175160658	1713006026
पूर्व अवधि व्यय	22	362814965	304555831
स्टॉक में कमी		11431172	------
कुल (ख)		**11820949393**	**12294358612**
आय पर व्यय के आधिक्य/(व्यय का आय पर आधिक्य) का शेष (क-ख)		(659584781)	(595575512)
नामोद्दिष्ट निधि समग्र/पूंजीगत निधि से/का स्थानांतरण			
अधिशेष/(कमी) के रूप में शेष का पूंजीगत निधि में शामिल		**(659584781)**	**(595575512)**
महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां	23		
आकस्मिक देयताएं और लेखों पर टिप्पणियाँ	24		

दिनांक: 10 जून, 2025

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2025 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

धनराशि ₹ में

अनुसूची 1 - समग्र/पूंजीगत निधि		चालू वर्ष		गत वर्ष
वर्ष के प्रारंभ में शेष		(23961121933)		(23883612378)
जोड़ें: यू.जी.सी., भारत सरकार और राज्य सरकार से प्राप्त अनुदान का पूंजीगत व्यय हेतु एक सीमा तक उपयोग किया गया				
(क) योजना / ओबीसी अनुदान इत्यादि	43686735		119443909	
(ख) पूंजीगत संपति \ पूंजीगत संपत्ति (ई डब्ल्यू एस)	174123884		160370084	
(ग) ई डब्ल्यू एस के तहत जमा आधार पर चल रहे निर्माण कार्य के लिए सी पी डब्ल्यू डी को राशि जारी की गई	266000000	483810619	35000000	314813993
जोड़ें: उद्दिष्ट निधि में से क्रय की गई परिसंपत्तियां				
(क) विविध लेखा	2635307		8204266	
(ख) अन्य उद्दिष्ट निधि	379075473		159981584	
(ग) अक्षय निधि	-----	381710780	2674871	170860721
जोड़ें: दान/उपहार स्वरूप प्राप्त परिसंपतियां	286		1647	
जोड़ें: बंद परियोजना द्वारा प्राप्त परिसंपतियां	28140940	28141226	34116621	34118268
जोड़े: शिक्षा मंत्रालय से HEFA अनुदान प्राप्त हुआ		117598500		
जोड़े: वर्ष के दौरान निपटाई गई परिसंपत्तियां		(2359980)		(1727025)
जोड़ें: व्यय पर आय के आधिक्य को आय और व्यय खाते से अंतरण कर दिया गया		(659584781)		(595575512)
वर्ष के अंत में शेष		**(23611805569)**		**(23961121933)**

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2025 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची 2 - नामोद्दिष्ट/उद्दिष्ट/अक्षय निधिया

धनराशि ₹ में

वितरण	निधिवार ब्योरा			कुल	
	वितिध लेखा	अक्षय निधियां	अन्य उद्दिष्ट	चालू वर्ष	गत वर्ष
क.					
क) प्रारम्भिक शेष	1339488056	1214148612	10137363361	12691000029	11999545279
घटाएँ : चालू देयताओं में खाता स्थानातरण	....	....	....	....	(367494147)
ख) वर्ष के दौरान परिवर्धन					
(i) निधियो से किए गए निवेशो से आय	54435505	54133183	445256636	553825324	519346365
(ii)) निवेशो/अंगिमो पर प्रोद्भूत ब्याज	37428663	36808551	311860183	386097397	656970943
(iii) बचत बैंक खाता पर ब्याज	413085	1047846	4124437	5585368	4289042
(iv) अन्य परिवर्धन (प्रकृति निर्दिष्ट करे)	....	....	....	....	975912995
क) छात्रो से फीस	30046455	....	880944309	910990764	
ख) अन्य प्राप्तियां	39836957	34538768	711869046	786244771	....
कुल (क)	1501648721	1340676960	12491417972	15333743653	13788570477
ख.					
निधियो के प्रयोजनार्थ उपयोगिता/व्यय					
ii) पूंजीगत व्यय	2635307	....	379075473	381710780	170860721
iii) राजस्व व्यय	345601527	7300251	343624189	696525967	926709727
कुल (ख)	348236834	7300251	722699662	1078236747	1097570448
वर्ष के अंत मे अंतिम शेष (क-ख)	1153411887	1333376709	11768718310	14255506906	12691000029
प्रस्तुतकर्ता					
नकद और बैंक शेष					
बचत खाता	18632371	109074458	347334514	475041343	301356622
सावधि जमा	1086945890	1182580000	10059669560	12329195450	11745212124
प्रोद्भूत ब्याज लेकिन देय नही	37522913	36808551	311860183	386191647	3445898 79
शयस	....	....	3000000	3000000	3000000
अन्य कर्जो/अंगिमो	226877	....	32919289	33146166	148894229
विद्युत जमा	.	.	9409500	9409500	9409500
स्रोत पर कर कटौती की वापसी	10983836	4913700	105617511	121515047	123537675
आईसीआईसीआई (परीक्षा) खाते से प्राप्य राशि	....	....	32027494	32027494	....
पूंजीगत परिसंपत्ति से प्राप्य राशि	....	....	7500000	7500000	15000000
जीएसटी आरसीएम प्राप्य	....	....	3780259	3780259	.....
इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस को ऋण	....	....	220000000	220000000	.....
उपरिव्यय मे विश्वविद्यालय का हिस्सा	(900000)	....	635600000	634700000	.....
कुल	1153411887	1333376709	11768718310	14255506906	12691000029

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2025 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची - 2 क अक्षय निधि

धनराशि ₹ में

1.क्रमांक	2.अक्षय निधि का नाम	प्रारंभिक शेष		वर्ष के दौरान परिवर्धन		कुल			अंत शेष		कुल
		3.अक्षय निधि	4.संचित ब्याज	5.अक्षय निधि (विविध रसीदें)	6.ब्याज	7.अक्षय निधि (3+5)	8.संचित ब्याज (4+6)	9. वर्ष के दौरान वस्तु पर व्यय	10. अक्षय निधि	11.संचित ब्याज	कुल (10+11)
1	डीयू अक्षय निधि	16010195	1665298	31536468	1707499	47546663	3372797	177	47546663	3372620	50919283
2	पुस्तक अनुदान आर.टी.एल.	331154273	112058835	1260500	33784526	332414773	145843361	2955017	332414773	142888344	475303117
3	क्लस्टर इनोवेशन सेंटर समग्र निधि	123718809	75871933	0	14754337	123718809	90626270	2275475	123718809	88350795	212069604
4	भारतीय स्टेट बैंक छात्रवृत्ति (अग्रिम आर. पी. ए. छात्रवृत्ति)	2964755	576418		230666	2964755	807084	1062	2964755	806022	3770777
5	डी यू समग्र निधि	100000	6299		2892	100000	9191	0	100000	9191	109190
6	डीयू एस.ओ सामान्य निधि	472369152	77652646	1741800	41509660	474110952	119162306	2068520	474110952	117093786	591204738
		946317184	**267831429**	**34538768**	**91989580**	**980855952**	**359821009**	**7300251**	**980855952**	**352520758**	**1333376709**

टिप्पणियां

1. कॉलम 3 और 4 का कुल, तुलनपत्र के फर्मिंग भाग के उद्दिष्ट निधि की अनुसूची-2 में अक्षय निधि कॉलम में प्रारंभिक शेष के रूप में दर्शाया जाएगा।

2. कॉलम संख्या 9 का कुल सामान्यत: कॉलम सं.8 के कुल से कम होना चाहिए क्योंकि अक्षय निधियों (चेयर्स हेतु अक्षय निधि को छोड़कर) की वस्तु पर व्यय हेतु उपयोग किया जाने वाला केवल ब्याज है।

3. अनुसूची में साधारणत: नामे शेष नहीं होना चाहिए। यदि किसी विशिष्ट मामले में, किसी उद्दिष्ट निधि के प्रति नामे शेष है तो वह अनुसूची-8 ऋण, अग्रिम जमा के रूप में तुलनपत्र की परिसंपत्तियों में 'प्राप्तियों' में दर्शाया जाएगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2025 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

धनराशि ₹ में

अनुसूची-3 - चालू देयताएं और प्रावधान	चालू वर्ष	गत वर्ष
क. चालू देयताएं		
1. विविध लेनदार		
क) वस्तुओं हेतु	3934563	3848390
2. जमा-ठेकेदार सुरक्षा (ई.एम.डी., प्रतिभूति जमा सहित)	35430990	28500510
3. सांविधिक देयताएं (जी.पी.एफ., टी.डी.एस., डब्ल्यू.सी. टैक्स, सी.पी.एफ., जी.आई.एस., एन.पी.एस.)		
क) वेतन से कटौती	44798323	50043855
ख) ड्यूटीज एव टैक्सेस (आयकर एवं श्रम उपकर)	53977497	46208102
4. अन्य चालू देयताएं		
क) वेतन	223710820	195972328
ख) प्रायोजित परियोजनाओं के प्रति प्राप्तियां	3054853327	3158142680
ग) प्रायोजित अध्येतावृति/छात्रवृत्तियों के प्रति प्राप्तियां	126921533	123202445
घ) अनुसूची-10 के अनुसार यूजीसी अप्रयुक्त अनुदान	558330055	1836450955
ङ.) वापस किया जाने वाला ब्याज	3225442067	3938440026
च) यू.जी.सी को वापस की जाने वाली धनराशि (सी.पी.एफ. योगदान)	136337553	143119728
छ) अन्य निधियां	1054530576	659276359
ज) अन्य देयताएं	2919661	41397552
झ) पुस्तकालय प्रतिभूति और अवधान राशि	12599615	37361463
ट) डॉ. बी.आर. अम्बेडकर अनुसंधान सेंटर - अप्रयुक्त अनुदान	166714381	155891895
कुल (क)	**8700500961**	**10417856288**
ख. प्रावधान		
1. उपदान	1338027388	1291152976
2 अर्धवर्षिता पेंशन	31320631769	30374064169
3. संचित छुट्टी का नकदीकरण	1903714406	1743520312
4. अन्य-देय खर्च	303870480	238750796
कुल (ख)	**34866244043**	**33647488253**
कुल (क+ख)	**43566745004**	**44065344541**

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2025 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची-3 (क) प्रायोजित परियोजनाएं

धनराशि ₹ में

1	2	3	4	5	6	7	8	9	
क्रमांक	परियोजना का नाम	प्रारंभिक शेष		वर्ष के दौरान प्राप्तियां/वसूलियां	कुल	वर्ष के दौरान व्यय	उपरिव्यय विश्वविद्यालय हिस्सा निर्धारित निधि में स्थानांतरित किया गया	अंत शेष	
		क्रेडिट	डेबिट					क्रेडिट	डेबिट
1	अनुसंधान योजना लेखा	574943536		123088265	698031801	102700848	478500000	116830953	0
2	आई.ए.एस.ई. योजना लेखा (शैक्षिक)	806370		0	806370	649		805721	0
3	अनुसंधान योजना लेखा (एस.डी.सी.)	849507585		514072947	1363580532	229313405		1134267127	0
4	बी.आर.ए. परियोजना लेखा	59608503		19410667	79019170	18588384		60430786	0
5	युवा अनुसंधान वैज्ञानिक लेखा	167507123		24789149	192296272	20595497	148100000	23600775	0
6	सी.ई.एम.डी.ई.\जैव विविधता पार्क (डी.डी.ए.)	31838095		144143669	175981764	121612015		54369749	0
7	इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस	1470007783		1557602034	3027609817	1363179663		1664430154	0
8	डॉ. अम्बेडकर सेंटर फॉर एक्सीलेंस यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली	11635		487694	499329	488343		10986	0
9	दिल्ली विश्वविद्यालय टी आर आई ई.सी.ई. योजना 15025 LC2RP010	0		4207	4207	4207		0	0
10	दिल्ली विश्वविद्यालय बी.आर.डी. योजना PR23640 BOTRP001	0		4599159	4599159	4599159		0	0
11	दिल्ली विश्वविद्यालय DST विज्ञान धारा योजना	0		1505379	1505379	1505379		0	0
12	दिल्ली विश्वविद्यालय अनुसंधान एवं विकास योजना RFBR394 PHYRP008	0		28567753	28567753	28567753		0	0
13	दिल्ली विश्वविद्यालय REACHOUT योजना 95 GEORP011	0		4027911	4027911	4027911		0	0
14	दिल्ली विश्वविद्यालय निधि योजना 2014PN1 DIC051	0		1536877	1536877	1536877		0	0
15	दिल्ली विश्वविद्यालय STHICB सी.एस.आर.आई. I 62G ANTRP009	3912050		28541172	32453222	32346146		107076	0
16	दिल्ली विश्वविद्यालय एस.डी.सी. डी.बी.टी	0		76883976	76883976	76883976		0	0
17	एन.एम.ई.आई.सी.टी. समर्थ परियोजना यू.डी.एस.सी. खाता	0		474300000	474300000	474300000		0	0
18	यू.एस.डी.सी. स्टार्स प्रोजेक्ट्स लेखा	0		995600	995600	995600		0	0
19	डी.एस.टी. योजना (एस.डी.सी.)	0		10018167	10018167	10018167		0	0
20	पी.एम.आर.एफ. लेखा (एस.डी.सी.)	0		3060106	3060106	3060106		0	0
21	जैव पौद्योगिकी अनुसंधान और विकास (ए.सी.डी.आर.)	0		5554810	5554810	5554810		0	0
22	विज्ञान एवं पौद्योगिकी संस्थान और मानव क्षमता निर्माण (ए.सी.बी.आर.)	0		758632	758632	758632		0	0
23	यूजीएसी सीएसआईआर योजना	0		2318874	2318874	2318874		0	0
24	दिल्ली विश्वविद्यालय SPARC योजना	0		951022	951022	951022		0	0
25	दिल्ली विश्वविद्यालय ईआरडीपी 4150	0		3425153	3425153	3425153		0	0
कुल		3158142680		3030643223	6188785903	2507332576	626600000	3054853327	0
गत वर्ष (2023-24)		1842961104		3294660278	5137621382	1979478702	------	3158142680	0

1 प्रत्येक एजेंसी हेतु उप-कुल सहित परियोजनाओं को एजेंसीवार सूचीकृत किया जाए।

2 कॉलम 8 (क्रेडिट) का कुल तुलनपत्र (अनुसूची 3) की देयताओं की ओर उपर्युक्त शीर्षक के अंतर्गत दर्शाया जाए।

3 कॉलम 9 (डेबिट) का कुल तुलनपत्र में परिसंपत्तियों की ओर अनुसूची 8 ऋण, अग्रिम और जमा में 'प्राप्तियों' के रूप में दर्शाया जाए।

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2025 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची 3 (ख) प्रायोजित अध्येतावृत्तियां और छात्रवृत्तियां

धनराशि ₹ में

क्रमांक	प्रायोजक का नाम	01.04.24 को प्रारंभिक शेष		वर्ष के दौरान लेनदेन		उपरिव्यय विश्वविद्यालय हिस्सा निर्धारित निधि में स्थानांतरित किया गया	अंत शेष
1	2	3	4	5	6		7
		क्रेडिट	डेबिट	क्रेडिट	डेबिट		क्रेडिट
1	सी.एस.आई.आर. अध्येतावृत्ति	55360563		4148819	38239		59471143
2	यू.जी.सी. अध्येतावृत्ति	15187634		5987575	3299122	400000	17476087
3	डीयू सेमिनार ग्रीष्मकालीन संस्थान (अन्य निकाय छात्रवृत्ति)	45377532		39747327	34060623	7700000	43364236
4	सी.एस.आई.आर. अध्येतावृत्ति (एस.डी.सी.)	1083314		0	1083314	0	0
5	यू.जी.सी. अध्येतावृत्ति (एस.डी.सी.)	5124650		354292	649	0	5478293
6	सी.एस.आई.आर. अध्येतावृत्ति	1068752		63022	0	0	1131774
कुल		**123202445**		**50301035**	**38481947**	**8100000**	**126921533**
गत वर्ष (2023-24)		**105994165**		**43700755**	**26492475**	-----	**123202445**

टिप्पणी:

1. कॉलम 7 (क्रेडिट) का कुल तुलनपत्र (अनुसूची 3) की देयताओं की ओर उपर्युक्त शीर्षक के अधीन दर्शाया जाएगा।
2. कॉलम 8 (डेबिट) का कुल अनुसूची 8 (ऋण, अग्रिम और जमाएं) में तुलनपत्र में परिसंपत्तियों की और "प्राप्तियों" में दर्शाया जाएगा।

31.03.2025 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची 3 (सी) यू.जी.सी., भारत सरकार और राज्य सरकारों से प्राप्त अप्रयुक्त अनुदान

धनराशि ₹ में

		चालू वर्ष	गत वर्ष
क. विशिष्ट योजना के लिए यूजीसी से अनुदान			
अधोनीत शेष		(5229399)	16439332
एस.ए.पी. और अन्य अनुदानों के लिए पिछले वर्ष की अव्ययित शेष राशि		-----	-----
		35272824	49135933
	कुल (क)	30043425	65575265
घटाएं: निधीरित निधि मे अतरित		60449	-----
घटाएं: प्रतिदाय		99425	16439332
घटाएं: राजस्व व्यय हेतु प्रयुक्त		30165414	54365332
घटाएं: पूंजीगत व्यय हेतु प्रयुक्त		-----	-----
	कुल (ख)	30325288	70804664
अप्रयुक्त अगेनीत (क-ख)		(281863)	(5229399)
ख. पूंजीगत संपत्ति के लिए यूजीसी से अनुदान			
अधोनीत शेष		136980449	154923786
जोडे: वर्ष के दौरान प्राप्तिया		100000000	100000000
	कुल (ग)	236980449	254923786
घटाएं: पिछले वर्ष मे उपयोग किया गया अब पूंजीगत निधि में स्थानांतरित		-----	-----
घटाएं: प्रतिदाय		-----	-----
घटाएं: छात्रावास को पूंजीगत व्यय हेतु अनुदान		799898	1373252
		16000000	
घटाएं: पूंजीगत व्यय हेतु प्रयुक्त		95323884	116570085
	कुल (घ)	112123782	117943337
अप्रयुक्त अगेनीत (ग-घ)		124856667	136980449

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2025 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

ग. ओ.बी.सी./उत्कृष्टता/योजना के लिए यूजीसी से अनुदान			
अधोनीत शेष		1399022446	4928035399
लेखापरीक्षा अवलोकन के अनुसार ब्याज राशि अनुसूची-3 चालू देनदारियों में स्थानांतरित कर दी गई		-----	(3535526399)
जोड़े: कॉलेजों द्वारा वापस की गई अप्रयुक्त शेष राशि		27425000	6513446
जोड़े: वर्ष के दौरान प्राप्तियां		-----	-----
	कुल (इ)	1426447446	1399022446
घटाएं: प्रतिदाय		1137700000	-----
घटाएं: राजस्व व्यय हेतु प्रयुक्त		-----	-----
घटाएं: पूंजीगत व्यय हेतु प्रयुक्त		-----	-----
	कुल (च)	1137700000	0
अप्रयुक्त अगेनीत (इ-च)		288747446	1399022446
घ. ई.डब्ल्यू.एस. अनुदान			
अधोनीत शेष		144725942	147152739
जोड़े: वर्ष के दौरान प्राप्तियां		328800000	78800000
	कुल (छ)	473525942	225952739
घटाएं: प्रतिदाय		-----	-----
घटाएं: जमा कार्य के लिए सी.पी.डब्ल्यू.डी. को दिया गया अग्रिम भुगतान		250000000	35000000
घटाएं: राजस्व व्यय हेतु प्रयुक्त		-----	2426797
घटाएं: पूंजीगत व्यय हेतु प्रयुक्त		78800000	43800000
	कुल (ज)	328800000	81226797
अप्रयुक्त शेष अगेनीत (छ-ज)		144725942	144725942
ङ. सी.पी.एफ. से जी.पी.एफ. के लिए कॉलेजों को यू.जी.सी. अनुदान			
अधोनीत शेष		119754879	-----
जोड़े: कॉलेजो द्वारा वापस की गई अप्रयुक्त शेष राशि		16496381	
जोड़े: वर्ष के दौरान प्राप्तियां		-----	1690212724

	कुल (झ)	136251260	1690212724
घटाएं: यूजीसी को धन वापसी		136251260	-----
घटाएं: राजस्व व्यय हेतु प्रयुक्त		-----	1570457845
घटाएं: पूंजीगत व्यय हेतु प्रयुक्त		-----	-----
	कुल (ज)	136251260	1570457845
अप्रयुक्त शेष अग्रेनीत (झ-ज)		**0**	**119754879**
च) वेतन और आवर्ती के लिए यूजीसी अनुदान			
अधोनीत शेष		**35967239**	-----
जोड़े: वर्ष के दौरान प्राप्तियां		7860000000	7683900000
	कुल (ट)	**7895967239**	**7683900000**
घटाएं: राजस्व व्यय हेतु प्रयुक्त		7895967239	7647932761
घटाएं: पूंजीगत व्यय हेतु प्रयुक्त		-----	-----
	कुल (ठ)	**7895967239**	**7647932761**
अप्रयुक्त शेष अग्रेनीत (ट-ठ)		**0**	**35967239**
छ) HEFA ऋण के पुनर्भुगतान के लिए सहायता अनुदान			
अधोनीत शेष			
जोडे: वर्ष के दौरान प्राप्तिया		117598500	-----
	कुल (ड)	**117598500**	**0**
घटाएं: राजस्व व्यय हेतु प्रयुक्त		0	
घटाएं: HEFA ऋण की चुकौती		117598500	-----
घटाएं: पूंजीगत व्यय हेतु प्रयुक्त		-----	-----
	कुल (ढ)	**117598500**	**0**
अप्रयुक्त शेष अग्रेनीत (ड-ढ)		**0**	**0**
कुल योग (क+ख+ग+घ+ड़+च+छ)		**558048192**	**1831221556**

टिप्पणी:

- पूंजीगत खाते पर अग्रिम सहित अप्रयुक्त अनुदान
- अप्रयुक्त अनुदानों को बैंक बैलेंस, बैंकों के साथ अल्पकालिक जमा और पूंजीगत खाते पर अग्रिम द्वारा परिसंपत्तियों की ओर दर्शाया जाता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2025 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

धनराशि ₹ में

अनुसूची-3(d) - असुरक्षित ऋण (HEFA)	चालू वर्ष	गत वर्ष
क. HEFA से ऋण		
वर्ष की शुरुआत में शेष राशि	0	-----
जोड़ें: वर्ष के दौरान जारी HEFA ऋण	600000000	-----
घटाएँ: शिक्षा मंत्रालय से प्राप्त अनुदान से ऋण की चुकौती (90% शेयर)	117598500	-----
घटाएँ: विश्वविद्यालय की आंतरिक प्राप्तियों से ऋण की चुकौती (10% शेयर)	13066500	-----
कुल (क)	469335000	-----

अनुसूची 8 - स्थायी परिसंपत्तियां

धनराशि ₹ में

क्रमांक	परिसंपत्तियां शीर्ष	सकल ब्लॉक						वर्ष 31.03.2025 के लिए मूल्यह्रास						शुद्ध ब्लॉक	
		मूल्यह्रास की दर	प्रारंभिक शेष 01.04.2024	परिवर्धन	पूर्व अवधि जोड़	कटौतियां	पूर्व अवधि समायोजन	समापन शेष 31.03.2025	मूल्यह्रास प्रारंभिक शेष	पूर्व अवधि मूल्यह्रास जोड़	वर्ष में मूल्यह्रास	कटौतियां	पूर्व अवधि समायोजन	कुल मूल्यह्रास	31.03.2025	31.03.2024
1	भूमि															
	मुक्त धारणाधिकार	0%	19716827	0	0	0	0	19716827	0	0	0	0	0	0	19716827	19716827
	पट्टाधृति (स्थायी)	0%	65	0	0	0	0	65	0	0	0	0	0	0	65	65
2	स्थल विकास लघु कार्य	0%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
3	भवन	2%	6898582927	5896335	0	0	0	6904479262	741868636	0	116237672	0	0	858106309	6046372953	6156714291
4	सड़क और पुल	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
5	नलकूप और जल आपूर्ति	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
6	सीवरेज और जलनिकासी	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
7	विद्युत संस्थापनाएं और उपकरण	5%	41042599	6741813	0	0	0	47784412	13328492	0	2409993	0	0	15738485	32045926	27714107
8	संयंत्र और मशीनरी	5%	688673718	120000000	0	61892	0	700811826	248678827	0	35385646	61872	0	284002601	416809225	440194891
9	वैज्ञानिक और प्रयोगशाला उपकरण	8%	940741642	42087441	76777304	78108252	8672197	990170331	512528491	52177085	79460257	77227751	8617141	575555223	414615108	428213151
10	कार्यालय उपकरण	7.50%	135695457	42166280	3148444	27677279	151096	153483998	27089723	1993114	16474947	26764805	151094	18944073	134539925	108605734
11	दृश्य श्रव्य उपकरण	7.50%	7140675	0	0	0	0	7140675	2757105	0	536969	0	0	3294073	3846602	4383570
12	कम्प्यूटर एवं पेरीफेरल्स	20%	2051321233	57026562	4601780	37448985	41959	2075542949	1913442709	2987185	53342519	37436715	(1463937)	1930871752	144671197	137878533
13	फर्नीचर, फिक्चर और फिटिंग्स	7.50%	334961009	54694875	1334597	4347496	281258	386924243	168833865	772966	28507931	3792399	210940	194533302	192390941	166127144
14	खेल सामग्री	10%	215434	0	0	0	0	215434	213956	0	1475	0	0	215431	3	1478
15	वाहन	10%	9853969	7201450	4517179	4514479	0	17058119	2319833	4517177	1176853	4514461	0	3499402	13558717	7534136
16	पुस्तकालयों की पुस्तकें और वैज्ञानिक जर्नल्स	10%	309921444	15821793	636541	5649	0	325974129	215637205	428978	24441278	5649	0	240501811	85472318	93884240
17	खोड़े उपकरण (कम मूल्य की परिसंपत्तियां)	10%	289985	91160	0	0	0	381145	43498	0	28586	0	0	72084	309061	246487
18	कलाकृति	7.50%	3310000	0	0	0	0	3310000	744750	0	248250	0	0	993000	2317000	2565250
कुल (क)			11441260984	243727700	81015845	152163832	9146510	11032893416	3847487079	62876505	358252375	149803651	7515238	4126327546	7500065869	7593773903
19	पूंजीगत कार्य-इन-प्रोग्रेस (ख)		486953324	725152010		0		1212105334	0	0	0	0		0	1212105334	486953324

क्रमांक	अमूर्त परिसंपत्तियां	मूल्यह्रास की दर	प्रारंभिक शेष 01.04.2024	परिवर्धन	पूर्व अवधि जोड़	कटौतियां	पूर्व अवधि समायोजन	समापन शेष 31.03.2025	मूल्यह्रास प्रारंभिक शेष	पूर्व अवधि मूल्यह्रास जोड़	वर्ष के लिए परिशोधन	कटौती/समायोजन/पूर्व अवधि	पूर्व अवधि समायोजन	कुल परिशोधन / समायोजन	31.03.2025	31.03.2024
20	कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	39580620	51175	8000	0	0	39639795	39134950	6400	158815	0	0	39300165	339630	445670
21	ई जर्नल्स	40%	52293852	0		0	0	52293852	48385642		3908210	0	0	52293852	0	3908210
22	पेटेंट्स	9 वर्ष	84135	0		0	0	84135	64734		5842	0	0	70576	13559	19401
कुल (ग)			91958807	51175	8000	0	0	92017782	87585326	6400	4072867	0	0	91664593	353190	4373281
कुल योग (क+ख+ग)			12020178815	968930884	81023845	152163832	9146510	12937116532	3935072405	62882905	362325242	149803651	7515238	4217992139	8719124394	8085106509
गतवर्ष (2023-24)			11230898611	821208964	30311437	76408737	5230640	12020178915	3583098727	30311437	370717209	74730712	24784744	3935072405	8085106509	

टिप्पणी वैपाटल लेखे इन प्रोग्रेस शीर्ष के प्रति सकल ब्लाक के तहत 'कटौतियां' कालम में आंकड़े वर्ष के दौरान लेखे इन प्रोग्रेस से अंतरण दर्शाता है।

परिसंपत्तियां 1 से 22 के प्रति सकल ब्लाक के तहत वर्ष के दौरान जोड़ कालम में आंकड़ों में वर्ष के दौरान लेखे इन प्रोग्रेस के साथ वर्ष के दौरान अंगी अधिग्रहण से अंतरण शामिल है।

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2025 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची 4 क-योजनागत

धनराशि ₹ में

क्रमांक	परिसंपत्तियां शीर्ष	सकल ब्लॉक						वर्ष 31.03.2025 के लिए मूल्यह्रास						शुद्ध ब्लॉक	
		मूल्यह्रास की दर	प्रारंभिक शेष 01.04.2024	परिवर्धन	पूर्व अवधि जोड़	कटौतियां	पूर्व अवधि समायोजन	समापन शेष 31.03.2025	मूल्यह्रास प्रारंभिक शेष	पूर्व अवधि मूल्यह्रास जोड़	वर्ष में मूल्यह्रास	कटौतियां	पूर्व अवधि समायोजन	कुल मूल्यह्रास	31.03.2025	31.03.2024
1	भूमि														
	मुक्त स्वामित्व	0%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	पट्टाधृति (30वर्ष)	0%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
2	स्थल विकास/ लघु कार्य	0%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
3	भवन	3%	2987920596	0	0	0	0	2987920596	372884421	0	59758412	0	0	432642833	2555277763	2615036175
4	सड़क और पुल	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
5	नलकूप और जल आपूर्ति	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
6	सीवरेज और जलनिकासी	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
7	विद्युत संस्थापनाएं और उपकरण	5%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
8	संयंत्र और मशीनरी	5%	401553150	0	0	0	0	401553150	147701184	0	20077658	0	0	167778842	233774309	253851966
9	वैज्ञानिक और प्रयोगशाला उपकरण	8%	424872642	0	0	0	8672197	433544839	303467877	0	33997491	0	8617141	346082510	87462329	121404765
10	कार्यालय उपकरण	7.50%	65908	0	0	0	151096	217004	64260	0	0	0	151094	215354	1650	1648
11	दृश्य श्रव्य उपकरण	7.50%	1567898	0	0	0	0	1567898	947956	0	117592	0	0	1065548	502350	619942
12	कम्प्यूटर एवं पैरीफेरल्स	20%	1712693264	0	0	0	41959	1712735223	1706706039	0	7493103	0	1469937	1712735205	18	5987225
13	फर्नीचर, फिक्चर और फिटिंग	7.50%	7466430	0	0	0	281258	7945888	5267795	0	562041	0	210940	5810576	1643512	2198858.16
14	खेल सामग्री	10%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
15	वाहन	10%	976781	0	0	0	0	976781	976779	0	0	0	0	976779	2	2
16	पुस्तकालयों की पुस्तकें और वैज्ञानिक जरनल्स	10%	31787129	0	0	0	0	31787129	26182135	0	2179865	0	0	28362000	3425129	5604994
17	खोई उपकरण (कम मूल्य की परिसंपत्तियां)	10%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
18	कलाकृति	7.50%	1310000	0	0	0	0	1310000	294750	0	98250	0	0	393000	917000	1015250
कुल (क)			5637411998	0	0	0	9146510	5646558508	2611904196	0	129343312	0	7515238	2748782748	2897775762	3025507802
19	पूंजीगत वर्क-इन-प्रोग्रेस (ख)		33068077	34540225	0	0	0	67609302	0	0	0	0	0	0	67609302	33068077

क्रमांक	अमूर्त परिसंपत्तियां	मूल्यह्रास की दर	प्रारंभिक शेष 01.04.2024	परिवर्धन	पूर्व अवधि जोड़	कटौतियां	पूर्व अवधि समायोजन	समापन शेष 31.03.2025	मूल्यह्रास प्रारंभिक शेष	पूर्व अवधि मूल्यह्रास जोड़	वर्ष के लिए परिशोधन	कटौतियां	पूर्व अवधि समायोजन	कुल परिशोधन / समायोजन	31.03.2025	31.03.2024
20	कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
21	ई-जरनल्स	40%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
22	पेटेंट्स	9 वर्ष	19360	0	0	0	0	19360	17207	0	2153	0	0	19360	0	2153
कुल (ग)			19360	0	0	0	0	19360	17207	0	2153	0	0	19360	0	2153
कुल योग (क+ख+ग)			5670500435	34540225	0	0	9146510	5714187170	2611921403	0	129345465	0	7515238	2748782108	2965405064	3058578032
गतवर्ष (2023-24)			5551056526	119443909	0	0	0	5670500435	2467807714	0	130482878	0	13630810	2611921403	3058578032	

टिप्पणी: कॉलम नं. 5 में प्रोग्रेस शीर्ष के प्रति सकल ब्लॉक के तहत कटौतियां कालम में आकड़े वर्ष के दौरान वर्क इन प्रोग्रेस से अंतरण दर्शाता है।

परिसंपत्तियां 1 से 22 के प्रति सकल ब्लॉक के तहत वर्ष के दौरान जोड़ कालम में आकड़ी में वर्ष के दौरान वर्क इन प्रोग्रेस के साथ वर्ष के दौरान आयी अधिग्रहण से अंतरण शामिल है।

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2025 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप मे अनुसूचियाँ

अनुसूची 4 ख(1)

धनराशि ₹ मे

क्रमांक	परिसंपत्तियां शीर्ष	सकल ब्लॉक						वर्ष 31.03.2025 के लिए मूल्यह्रास						शुद्ध ब्लॉक		
		मूल्यह्रास की दर	प्रारंभिक शेष 01.04.2024	परिवर्धन	पूर्व अवधि जोड़	कटौतियां	पूर्व अवधि समायोजन	समापन शेष 31.03.2025	मूल्यह्रास प्रारंभिक शेष	पूर्व अवधि मूल्यह्रास जोड़	वर्ष में मूल्यह्रास	कटौतियां	पूर्व अवधि समायोजन	कुल मूल्यह्रास	31.03.2025	31.03.2024
1	भूमि															
	मुक्त होल्डहोल्ड	0%	19716827	0	0	0	0	19716827	0	0	0	0	0	0	19716827	19716827
	पट्टाधृति (लीजहोल्ड)	0%	65	0	0	0	0	65	0	0	0	0	0	0	65	65
2	स्थल विकास/ लघु कार्य	0%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
3	भवन	2%	407708561	0	0	0	0	407708561	80809074	0	8154171	0	0	88963245	318745319	326899489
4	सड़क और पुल	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
5	नलकूप और अन्य आपूर्ति	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
6	सीवरेज और जलनिकासी	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
7	विद्युत संस्थापनाएं और उपकरण	5%	20600069	0	0	0	0	20600069	9276698	0	1052417	0	0	10329135	10270934	11323371
8	यंत्र और मशीनरी	5%	92908809	0	0	61892	0	92846417	38247002	0	5405342	61872	0	43590472	49255945	54661807
9	वैज्ञानिक और प्रयोगशाला उपकरण	8%	65658272	2710014	0		0	68368286	24291100	0	8025029		0	32316129	36052157	41367172
10	कार्यालय उपकरण	7.50%	25656886	3465148	0		0	29122154	3344526	0	2692902		0	6037428	23084726	22312360
11	रोग्य सेवा उपकरण	7.50%	1955434	0	0	0	0	1955434	731208	0	148076		0	879283	1076151	1224226
12	फर्नीचर एवं फीक्सचर्स	20%	64928175	14545.89	0	37486585	0	28934129	63512928	0	2710489	37436715	0	28786702	147427	1415247
13	गाड़ियां, वाहन और नावें	7.50%	118716389	5721367	0	4447496	0	120110260	76801187	0	9615686	1792899	0	82624474	37485787	41935207
14	पैन सामग्री	10%	214690	0	0	0	0	214690	213215	0	1475		0	214690	0	1475
15	अन्य	10%	89706	0	4514479	4514479	0	89706	0	4514479	5026	4514461	0	5045	84661	89706
16	पुस्तकालयों की पुस्तकें और वैज्ञानिक जरनल्स	10%	216800719	21658	0	5649	0	216818728	171679449	0	14759556	5649	0	186433356	30385372	45121270
17	खोई उपकरण (कम मूल्य की परिसंपत्तियां)	10%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
18	कलाकृति	7.50%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल (क)			1034974024	13374928	4514479	46378100	0	1005485329	468908387	4514479	52570180	45811096	0	480176950	525308379	566065638
19	पूंजीगत कार्य-कुल-प्रोफोर्मा (ख)		13067530	15761030	0	0		28828560	0	0	0	0		0	28828560	13067530

क्रमांक	अमूर्त परिसंपत्तियां	मूल्यह्रास की दर	प्रारंभिक शेष 01.04.2024	परिवर्धन	पूर्व अवधि जोड़	कटौतियां	पूर्व अवधि समायोजन	समापन शेष 31.03.2025	मूल्यह्रास प्रारंभिक शेष	पूर्व अवधि मूल्यह्रास जोड़	वर्ष के लिए परिशोधन	कटौतियां	पूर्व अवधि समायोजन	कुल परिशोधन / समायोजन	31.03.2025	31.03.2024
20	कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	13826801	0	0	0	0	13826801	13817646	0	7156	0	0	13824802	1999	9155
21	ई जर्नल्स	40%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
22	पेटेन्ट	9.09	31575	0	0	0	0	31575	31573	0	0	0	0	31575	0	2
कुल (ग)			13858376	0	0	0	0	13858376	13849219	0	7156	0	0	13856378	2000	9157
कुल योग (क+ख+ग)			1061899930	29135958	4514479	46378100	0	1049162285	482758605	4514479	52577345	45811096	0	484036335	565125820	579144325
गतवर्ष (2023-24)			1110586730	22569297	0	78486737	5230840	1061899930	491056396	0	81139237	74739712	5280884	482755805	579144325	

टिप्पणी: कोष्टक के कुल प्रोफोर्मा शीर्ष के प्रति सकल ब्लॉक के तहत कटौतियां कॉलम में अगली वर्ष के दौरान उसे कुल प्रोफोर्मा से अंतरण दर्शाता है।

परिसंपत्तियां 1 से 22 के प्रति सकल ब्लॉक के तहत वर्ष के दौरान जोड़ कॉलम में अगली मे वर्ष के दौरान उसे कुल प्रोफोर्मा के साथ वर्ष के दौरान आगे अधिग्रहण से अंतरण शामिल है।

31.03.2025 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची 4 ख(2) पूंजीगत संपत्ति

धनराशि ₹ में

क्रमांक	परिसंपत्तियां शीर्ष	मूल्यह्रास की दर	सकल ब्लॉक: प्रारंभिक शेष 01.04.2024	परिवर्धन	पूर्व अवधि जोड़	कटौतियां	पूर्व अवधि समायोजन	समापन शेष 31.03.2025	वर्ष में मूल्यह्रास: प्रारंभिक शेष	पूर्व अवधि मूल्यह्रास जोड़	वर्ष में मूल्यह्रास	कटौतियां	पूर्व अवधि समायोजन	कुल मूल्यह्रास	शुद्ध ब्लॉक: 31.03.2025	31.03.2024
1	भूमि															
	मुक्त होल्डमेन्ट	0%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	पट्टाधृति (स्थायी)	0%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
2	स्थल विकास नपु कार्य	0%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
3	भवन	2%	307888962	5896335	0	0	0	366885297	1719462	0	725018	0	0	2444480	314240817	29806950
4	सड़क और पुल	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
5	नलकूप और जल आपूर्ति	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
6	सीवरेज और जलनिकासी	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
7	विद्युत संस्थापनाएं और उपकरण	5%	9194534	0	0	0	0	9194534	1387763	0	459727	0	0	1847490	7347044	7806771
8	संयंत्र और मशीनरी	5%	42972634	12000000	0	0	0	54972634	8601926	0	2748632	0	0	11350557	43622077	34370708
9	वैज्ञानिक और प्रयोगशाला उपकरण	8%	131024291	38646175	0	0	0	169670766	33697055	0	12629092	0	0	46326147	123344618	97327236
10	कार्यालय उपकरण	7.50%	95349829	35951941	0	13838640	0	117463130	15900542	0	8969318	13382402	0	11487458	105975673	7944928
11	दृश्य श्रव्य उपकरण	7.50%	2915226	0	0	0	0	2915226	707532	0	218642	0	0	926174	1989052	2207694
12	कम्प्यूटर एवं परिधिकरण	20%	164815541	44487340	0	0	0	209302881	96436363	0	32724673	0	0	129161036	80141845	68379178
13	फर्नीचर, फिक्चर और फिटिंग	7.50%	60085169	14021872	0	0	0	74107041	9497460	0	5020315	0	0	14517774	59589267	50587709
14	खेल सामग्री	10%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
15	वाहन	10%	6112611	7201450	0	0	0	13314061	1343054	0	1171826	0	0	2514880	10799181	4769557
16	पुस्तकालयों की पुस्तकें और वैज्ञानिक जर्नल्स	10%	47114247	15786011	0	0	0	62900258	10486522	0	6290026	0	0	16776548	46123711	36627725
17	सभी उपकरण (कम मूल्य की परिसंपत्तियां)	10%	289985	91160	0	0	0	381145	43498	0	28586	0	0	72084	309061	246487
18	कलाकृतियां	7.50%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल (क)			580883029	174082584	0	13838640	0	760908973	170821177	0	70985853	13382402	0	237424628	513482345	410841852
19	पूंजीगत कार्य-इन-प्रोग्रेस (ख)		348976241	349429763	0	0	0	698406004	0	0	0	0	0	0	698406004	348976241

क्रमांक	अमूर्त परिसंपत्तियां	मूल्यह्रास की दर	सकल ब्लॉक: प्रारंभिक शेष 01.04.2024	परिवर्धन	पूर्व अवधि जोड़	कटौतियां	पूर्व अवधि समायोजन	समापन शेष 31.03.2025	वर्ष में मूल्यह्रास: प्रारंभिक शेष	पूर्व अवधि मूल्यह्रास जोड़	वर्ष के लिए परिशोधन	कटौतियां	पूर्व अवधि समायोजन	कुल परिशोधन / समायोजन	31.03.2025	31.03.2024
20	कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	1276104	41300	0	0	0	1317404	936416	0	50255	0	0	986671	330733	339688
21	ई-जर्नल्स	40%	52293852	0	0	0	0	52293852	48385642	0	3908210	0	0	52293852	0	3908210
22	पेटेंट्स	9 वर्ष	24400	0	0	0	0	24400	8133	0	2711	0	0	10844	13556	16267
कुल (ग)			53594356	41300	0	0	0	53635656	49330191	0	3961175	0	0	53291368	344290	4264185
कुल योग (क+ख+ग)			993233626	523553647	0	13838640	0	1502948833	229151368	0	74947029	13382402	0	290715984	1212232839	764082258
गतवर्ष (2023-24)			510018857	474214769	0	0	0	993233626	152822974	0	78328394	0	0	229151368	764082258	

टिप्पणी: कैपिटल वर्क-इन-प्रोग्रेस शीर्ष के तहत सकल ब्लॉक के तहत 'कटौतियां' कॉलम में आकड़ें वर्ष के दौरान वर्क इन प्रोग्रेस से अंतरण दर्शाता है।

परिसंपत्तियां 1 से 22 के तहत सकल ब्लॉक के तहत वर्ष के दौरान 'जोड़' कॉलम में आकड़ों में वर्ष के दौरान वर्क इन प्रोग्रेस के साथ वर्ष के दौरान आयी प्राप्तिग्रहण से अंतरण शामिल है।

पूंजीगत परिसंपत्तियां (ई इक्विटी एस)	40445112
वर्क इन प्रोग्रेस (ई इक्विटी एस)	0
वर्क इन प्रोग्रेस	277166844
पूंजीगत परिसंपत्तियां ग्रांट्स	133678772
कुल (क)	451290728
वर्क इन प्रोग्रेस (DEFA)	72262919
कुल (ख)	72262919
कुल योग	523553647

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2025 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची 4 ग- अमूर्त संपत्ति

धनराशि ₹ में

क्रमांक	परिसंपतियां शीर्ष	प्रारंभिक शेष 01.04.2024	परिवर्धन	पूर्व अवधि जोड़	कटौतियां	पूर्व अवधि समायोजन	समापन शेष 31.03.2025	मूल्यह्रास प्रारंभिक शेष	पूर्व अवधि मूल्यह्रास जोड़	वर्ष के लिए परिशोधन	कटौतियां	पूर्व अवधि समायोजन	कुल परिशोधन / समायोजन	31.03.2025	31.03.2024
1	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	39580620	51175	0	0	8000	39639795	39134950	0	158815	0	6400	39300165	339630	445670
2	ई-जरनल्स	52293852	0	0	0	0	52293852	48385642	0	3908210	0	0	52293852	0	3908210
3	पेटेंट्स एवं कॉपीराइट्स	84135	0	0	0	0	84135	64733	0	5842	0	0	70576	13559	19402
कुल		91958607	51175	0	0	8000	92017782	87585325	0	4072867	0	6400	91664592	353190	4373281
गतवर्ष (2023-24)		91648957	309650	0	0	0	91958607	70269346	0	17315980	0	0	87585326	4373281	

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2025 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची 4(ग) (i) पेटेंट और कॉपीराईट्स

धनराशि ₹ में

विवरण	प्रारंभिक शेष	जोड़	सकल	ऋण परिशोधन	निवल ब्लॉक 20.....	निवल ब्लॉक 20.....
क. स्वीकृत पेटेंट्स						
1. वर्ष 2024-25 में प्राप्त पेटेंटों का दि.31.03.25 को बैलेंस	----	----	----	----	----	----
(वास्तविक मूल्य रु. .....)	----	----	----	----	----	----
2. वर्ष 2024-25 में प्राप्त पेटेंटों का दि.-31.03.25 को	----	----	----	----	----	----
(वास्तविक मूल्य रु. .....)	----	----	----	----	----	----
3. वर्ष 2024-25 में प्राप्त पेटेंटों का दि. 31.03.25 को	----	----	----	----	----	----
(वास्तविक मूल्य रु. .....)	----	----	----	----	----	----
4. चालू वर्ष के दौरान स्वीकृत पेटेंट	----	----	----	----	----	----
कुल	----	----	----	----	----	----

विवरण	प्रारंभिक शेष	जोड़	सकल	स्वीकृत/ अस्वीकृत	निवल ब्लॉक 20.....	निवल ब्लॉक 20.....
ख. पेटेंट के संबंध में लंबित पेटेंट के लिए आवेदन	----	----	----	----	----	----
1. वर्ष ..... से ..... के दौरान किए गए व्यय	----	----	----	----	----	----
2. वर्ष ..... के दौरान वहन किए गए व्यय	----	----	----	----	----	----
3. वर्ष ..... के दौरान वहन किए गए व्यय	----	----	----	----	----	----
कुल	----	----	----	----	----	----
ग. कुल योग (क+ख)	----	----	----	----	----	----

अनुसूची 4 घ- अन्य

धनराशि ₹ में

क्रमांक	परिसंपत्तियां शीर्ष	सकल ब्लॉक				वर्ष 31.03.2025 के लिए मूल्यह्रास						शुद्ध ब्लॉक		
		मूल्यह्रास की दर	प्रारंभिक शेष 01.04.2024	परिवर्धन	पूर्व अवधि जोड़	कटौतियां	पूर्व अवधि समायोजन	समापन शेष 31.03.2025	मूल्यह्रास प्रारंभिक शेष	पूर्व अवधि मूल्यह्रास जोड़	वर्ष में मूल्यह्रास	कटौतियां	पूर्व अवधि समायोजन	कुल मूल्यह्रास	31.03.2025	31.03.2024
1	भूमि															
	मुक्त स्वामित्व	0%	0		0	0	0	0	0		0	0	0	0	0	0
	पट्टापूर्ति (स्थायी)	0%	0		0	0	0	0	0		0	0	0	0	0	0
2	स्थल विकास/ लघु कार्य	0%	0		0	0	0	0	0			0	0	0	0	0
3	भवन	2%	3472164805		0	0	0	3472164805	286455680		47600071	0	0	334055751	3138109054	3185709125
4	सड़क और पुल	2%	0		0	0	0	0	0		0	0	0	0	0	0
5	नलकूप और जल आपूर्ति	2%	0		0	0	0	0	0		0	0	0	0	0	0
6	सीवरेज और जलनिकासी	2%	0		0	0	0	0	0		0	0	0	0	0	0
7	विद्युत संस्थापनाएं और उपकरण	5%	11247996	6741813	0	0	0	17989809	2664031		897830	0	0	3561860	14427949	8583965
8	संयंत्र और मशीनरी	5%	151439625		0	0	0	151439625	54128715		7154015	0	0	61282730	90156895	97310910
9	वैज्ञानिक और प्रयोगशाला उपकरण	8%	319186437	730952	76777304	78108252	0	318586441	151072458	52177085	24808644	77227751	0	150830437	167756004	168113980
10	कार्यालय उपकरण	7.50%	14622914	2748991	3148444	13838640	0	6681709	7780395	1993114	4812727	13382402	0	1203833	5477876	6842519
11	दृश्य श्रव्य उपकरण	7.50%	702117			0	0	702117	370409	0	52659	0	0	423068	279049	331708
12	कम्प्यूटर एवं पेरीफेरल्स	20%	108884253	11084683	4601780	0	0	124570716	46787369	2987185	10414254	0	0	60188809	64381907	62096883
13	फर्नीचर, फिक्चर और फिटिंग	7.50%	81474821	34951636	1334597	0	0	117761054	29856424	772966	8250989	0	0	38880379	78880675	51618397
14	खेल सामग्री	10%	744		0	0	0	744	741	0	0	0	0	741	3	3
15	वाहन	10%	2674871		2700	0	0	2677571	0	2698	0	0	0	2698	2674873	2674871
16	पुस्तकालयों की पुस्तकें और वैज्ञानिक जर्नल्स	10%	13819350	12124	635511	0	0	14468015	7289099	428978	1211831	0	0	8929908	5538107	6530250
17	खाई उपकरण (कम मूल्य की परिसंपत्तियां)	10%	0			0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
18	कलाकृति	7.50%	2000000			0	0	2000000	450000		150000	0	0	600000	1400000	1550000
कुल (क)			4178217932	58270199	88501388	91946892	0	4229042605	588855321	58302026	105353020	90610153	0	659960214	3569082392	3591362612
19	पूंजीगत कार्य-इन-प्रोग्रेस (ख)		91840478	325430992		0	0	417271468	0	0	0	0	0	0	417271468	91840478

क्रमांक	अमूर्त परिसंपत्तियां	मूल्यह्रास की दर	प्रारंभिक शेष 01.04.2024	परिवर्धन	पूर्व अवधि जोड़	कटौतियां	पूर्व अवधि समायोजन	समापन शेष 31.03.2025	मूल्यह्रास प्रारंभिक शेष	पूर्व अवधि मूल्यह्रास जोड़	वर्ष के लिए परिशोधन	कटौतियां	पूर्व अवधि समायोजन	कुल परिशोधन / समायोजन	31.03.2025	31.03.2024
20	कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	24477715	9875	8600	0	0	24495590	24380888	6400	101404	0	0	24488692	6898	96827
21	ई जर्नल्स	40%	0		0	0	0	0	0		0	0	0	0	0	0
22	पेटेंट्स	9 वर्ष	8800		0	0	0	8800	7821		979	0	0	8800	0	979
कुल (ग)			24486515	9875	8600	0	0	24504390	24388709	6400	102383	0	0	24497492	6898	97806
कुल योग (क+ख+ग)			4294544923	381711068	86509388	91946892	0	4870818403	811244031	58308426	105455403	90610153	0	684457707	3986388758	3883300893
गतवर्ष (2023-24)			4059254497	204978989	30311437	0	0	4294544923	472311044	30311437	102760700	0	5854250	811244031	3083300893	

टिप्पणी: कैपिटल वर्क इन प्रोग्रेस शीर्ष के प्रति सकल ब्लॉक के तहत कटौतियां कॉलम में अगले वर्ष के दौरान वर्क इन प्रोग्रेस में अंतरण दर्शाता है।

परिसंपत्तियां 1 से 22 के प्रति सकल ब्लॉक के तहत वर्ष के दौरान जोड़ कॉलम में अगली से वर्ष के दौरान वर्क इन प्रोग्रेस के स्वयं वर्ष के दौरान अंतिम अधिग्रहण में अंतरण शामिल है।

वर्ष के दौरान परिवर्धन में निम्नलिखित का परिवर्धन शामिल है

उपहार पुस्तकें	286
वृद्ध परियोजनाएं (एन सी + एस सी)	28140940
विविध निधियां	2635307
एन डी एफ	0
अन्य डेडिकेटेड निधियां	379075473
अक्षय निधि	
कुल	409852006

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2025 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

धनराशि ₹ में

अनुसूची 5: उद्दिष्ट/अक्षय निधियों से निवेश	चालू वर्ष	गत वर्ष
1. केंद्र सरकार प्रतिभूतियों में	-----	-----
2. राज्य सरकार प्रतिभूतियों में	-----	-----
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-----	-----
4. शेयरों	3000000	3000000
5. डिबेंचर और बॉन्ड्स	-----	-----
6. बैंकों में सावधि जमा	12329195450	11745212124
7. अन्य (उद्दिष्ट निधि)	-----	-----
कुल	12332195450	11748212124

अनुसूची 5 (क) उद्दिष्ट/अक्षय निधि से निवेश (निधिवार)

धनराशि ₹ में

क्रमांक	निधियां	चालू वर्ष	गत वर्ष
1	अक्षय निधि- सरकारी प्रतिभूतियां	-----	-----
2	**बैंकों में सावधि जमा**		
i	विविध खाता (उत्तरी परिसर)	677600000	884600000
ii	विविध खाता (दक्षिण परिसर)	409345890	331680095
iii	डीयू अक्षय निधि	22500000	-----
iv	पुस्तक अनुदान आर.टी.एल.	427500000	425100000
v	सीआईसी कॉर्पस निधि	199000000	182010000
vi	भारतीय स्टेट बैंक छात्रवृत्ति (अग्रिम आरपीए छात्रवृत्ति)*	1080000	1080000
vii	डीयू एस.ओ. सामान्य निधि (धारा-80-जी(2)(ए)iiiएफ के तहत दान)	532500000	528582167
viii	वीसी छात्र कोष	420010000	292000000
ix	एचबीए कन्तेयन्स/कप्यूटर अग्रिम खाता	75200000	69400000
x	एचबीए हाउस बिल्डिंग अग्रिम	939000000	893200000
xi	रॉयल्टी खाता अंग्रेजी	5700000	6300000
xii	डीएचएमआईबी परिक्रामी खाता	182000000	170000000
xiii	राजीव गांधी छात्रावास	154100000	142674783
xiv	राष्ट्रमंडल खेल	383800000	355392992
xv	विदेशी मुद्रा खाता	32000000	26000000
xvi	राष्ट्रीय सेवा योजना	55259560	85841393
xvii	सेमिनार वीएमकालीन संस्थान	27500000	-----
xviii	विश्वविद्यालय विकास निधि	6071000000	5824573518
xix	विदेशी छात्र रजिस्ट्री	569200000	491000000
xx	डीयू संसाधन सृजन	1025000000	952577176
xxi	वीसी राहत कोष	5000000	4700000
xxii	पुस्तकालय विकास निधि	64900000	58500000
xxiii	ईडब्ल्यूएस सहायता निधि	50000000	20000000
		12329195450	11745212124
3	**विश्वविद्यालय विकास निधि - शेयर (दिल्ली विश्वविद्यालय फाउंडेशन और उधमोदय फाउंडेशन)**	3000000	3000000
	कुल	12332195450	11748212124

नोट: इस उप सूची में कुल अनुसूची 5 में कुल से सहमत होंगे।

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2025 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

धनराशि ₹ में

अनुसूची-6 निवेश - अन्य	चालू वर्ष	गत वर्ष
1. केंद्र सरकार प्रतिभूतियों में	-----	-----
2. राज्य सरकार प्रतिभूतियों में	-----	-----
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-----	-----
4. शेयर्स	-----	-----
5. डिबेंचर और बॉन्ड्स	-----	-----
6. अन्य (निर्दिष्ट किया जाएगा)	-----	-----
कुल	-----	-----

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2025 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

धनराशि ₹ में

अनुसूची 7 - चालू परिसंपत्तियां		चालू वर्ष		गत वर्ष
1. स्टॉक				
क. लेखन सामग्री		20255264		18220051
ख. रसायन और कांच के बने पदार्थ		1486020		2682975
ग. दवाएं और औषधियां		11302128		15617993
घ. उत्तर पत्रिका		43303061		51256626
2. विविध देनदार				
क छह माह से अधिक अवधि से बकाया देनदार	3717198		5407331	
ख. अन्य	1266816	4984014	1072798	6480129
3. नकद और बैंक बैलेंस				
क. अनुसूचित बैंकों के साथ				
- चालू खाते में		816707		818005
- सावधि जमा खाते में		8611522098		8925350319
- बचत खाते में		1794884359		1347204444
ख. गैर-अनुसूचित बैंकों के साथ				
- सावधि जमा खाते मे		-----		-----
- बचत खाते मे		-----		-----
ग. स्थायी अग्रिम		522900		929820
4. डाकघर बचत खाते		-----		-----
कुल		**10489076552**		**10368560361**

नोट: अनुबंध 'क' बैंक खातों / सावधि जमा खातों के विवरण दर्शाता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2025 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

संलग्नक-'क'

धनराशि ₹ में

I	चालू बैंक खाता	चालू वर्ष	गत वर्ष
1	**प्रायोजित परियोजना बैंक खाता**		
i	डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र दिल्ली विश्वविद्यालय	10986	11635
ii	आईएएसई योजना (शिक्षा)	805721	806370
	कुल-I	**816707**	**818005**
II	**बचत बैंक खाते**		
1	बी.आर. अम्बेडकर सेंटर सामान्य निधि खाता	3413	33128
2	एस.बी.आई. सामान्य निधि खाता	443515	56231246
3	यू.जी.सी. को प्रतिदेय सी.पी.एफ. खाता	14775972	101024902
4	आईसीआईसीआई बैंक पर छात्रो से वसूला ऑनलाइन शुल्क	213383413	19291437
5	आवर्ती खाता (38010936321)	135914305	189307665
6	आई.सी.आई.सी.आई.(परीक्षा) खाता-004318	35294757	3464380
7	पूंजीगत संपत्ति खाता (38010936467)	1251457	7798316
8	दिल्ली विश्वविद्यालय सुविधाएं एवं सेवाएं बैंक खाता	-----	2388776
9	दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र कल्याण निधि बैंक खाता	-----	328652
10	वेतन खाता (38010911307)	390625843	374549448
11	ए.सी.बी.आर. (एम.एस.सी. फीस) बचत खाता	-----	2134995
12	एस.बी.आई. रखरखाव खाता 1541 (B46)	6056787	5178095
13	वेतन खाता 7086 (एस.डी.सी.)	30268356	2020863
14	ए.सी.बी.आर. (योजना) बचत बैंक खाता	2675267	648375
15	**प्रायोजित परियोजना बैंक खाता**		
i	अनुसंधान योजना खाता	9725688	59442
ii	अनुसंधान योजना खाता (एसडीसी)	189747461	57043019
iii	डॉ. भीम राव अंबेडकर परियोजना खाता	44036355	45207208
iv	युवा शोध वैज्ञानिक खाता	2452325	16644841
v	सीईएमडीई / जैव विविधता पार्क (डीडीए)	53303976	30928858
vi	उत्कृष्ट संस्थान	96976252	42756953
		396242057	**192640321**
16	**प्रायोजित अध्येतावृत्ति एवं छात्रवृत्ति**		
i	सीएसआईआर अध्येतावृत्ति	2428195	2637701
ii	यूजीसी अध्येतावृत्ति	17645122	14955396
iii	डीयू रोमिनार ग्रीष्मकालीन संस्थान (अन्य निकाय छात्रवृत्ति)	17736806	4304 1995
iv	सीएसआईआर अध्येतावृत्ति (एसडीसी)	-----	1083314
v	यूजीसी अध्येतावृत्ति (एसडीसी)	5478293	5124650
vi	सीएसआईआर अध्येतावृत्ति 112290	1131774	1068752
		44420190	**67911808**

17	योजना बचत खाता		
i	उत्तरी परिसर	31741308	8856427
ii	दक्षिण परिसर	970102	1089346
		32711410	9945773
18	उद्दिष्ट निधि (एस.ए.)		
i	विविध खाता (उत्तरी परिसर)	16489788	14339199
ii	विविध खाता (दक्षिण परिसर)	2142583	38245924
iii	डीयू अक्षय निधि	26152767	16010195
iv	पुस्तक अनुदान आर.टी.एस.	35477701	5682104
v	सीआईसी कॉर्पस निधि	6016964	10795108
vi	भारतीय स्टेट बैंक छात्रवृत्ति (अंशिम आरपीए छात्रवृत्ति)	2660579	2433969
vii	डीयू कॉर्पस निधि	109191	106299
viii	डीयू एस.ओ. सामान्य निधि (धारा-80-जी(2)(ए)iiiएफ के तहत दान)	38657256	1852116
ix	वीसी छात्र कोष	3843762	77698792
x	एचबीए कन्वेयन्स/कंप्यूटर अंशिम खाता	719192	605759
xi	एचबीए हाउस बिल्डिंग अंशिम	17816195	4414796
xii	सॉयल्टी खाता अंबेजी	1641573	311963
xiii	डीएचएमआईबी परिक्रमी खाता	5155516	3738340
xiv	राजीव गांधी छात्रावास	355081	334310
xv	राष्ट्रमंडल खेल	406328	144535
xvi	विदेशी मुद्रा खाता	8135401	11750779
xvii	राष्ट्रीय सेवा योजना	51515275	9443381
xviii	समूह बीमा योजना	10060307	9147904
xix	सेमिनार ग्रीष्मकालीन/संगोष्ठी/कार्यशाला	12624613	35375648
xx	विश्वविद्यालय विकास निधि	184839700	2189150
xxi	विदेशी छात्र रजिस्ट्री	1787553	13204731
xxii	डीयू संसाधन सृजन (एआरजीएफ)	14771706	10557820
xxiii	एसीबीआर पोलारॉइड खाता	1502393	1462587
xxiv	वीसी राहत कोष	368578	251882
xxv	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान पत्रिका	656672	602800
xxvi	एसबीआई विभागीय रसीट खाता (एलडीएफ)	80035	1184976
xxvii	ईडब्ल्यूएस सहायता निधि	23626291	22232572
xxviii	सीपीडीएचई	7428343	7238985
		475041343	301356624
19	बचत बैंक खाता (पुस्तकालय प्रतिभूति और अवधान राशि)		
i	विज्ञान अवधान राशि	-----	47177
ii	पुस्तकालय जमा खाता	5103156	733710
iii	एसडीसी पुस्तकालय जमा खाता	301291	308936
		5404447	1089823

20	बचत बैंक खाता (ठेकेदार प्रतिभूति)			
i	ठेकेदार प्रतिभूति (उत्तरी परिसर)		6909046	6237347
ii	ठेकेदार प्रतिभूति (दक्षिण परिसर)		3462782	3622474
			10371828	9859821
		कुल-II	1794884359	1347204444
III	भारतीय रिजर्व बैंक- टीएसए	कुल-III	0	0
IV	एमएमटीटीसी बैंक खाता	कुल-IV	0	0
V	सावधि जमा खाते			
1	यू.जी.सी. को प्रतिदेय खाता से सावधि जमा		120000000	160000000
2	ए.सी.बी.आर. खाता से सावधि जमा		1305715	1305715
3	योजना खाता से सावधि जमा		3105000000	4877500000
4	पूंजीगत संपत्ति खाता से सावधि जमा		135000000	150000000
5	एसबीआई सामान्य निधि बचत खाता से सावधि जमा		1520000000	690000000
6	आई.सी.आई.सी.आई ऑनलाइन शुल्क (एफ.डी.आर.)		850300000	570000000
7	वेतन खाता से सावधि जमा		440000000	493686253
8	छात्र कल्याण निधि से सावधि जमा		-----	49000000
9	एफ डी. (ए.सी.बी.आर. योजना)		156967149	147262314
10	एफ डी (पुस्तकालय प्रतिभूति और अवधान राशि)		6000000	34000000
11	एफडीआर-आवर्ती		220000000	-----
12	एफ.डी. (ठेकेदार प्रतिभूति उत्तरी परिसर)		23000000	16000000
13	प्रायोजित परियोजना बैंक खाता (मार्जिन मनी सहित)			
i	अनुसंधान योजना खाता		550000000	540000000
ii	अनुसंधान योजना खाता (एसडीसी)		906709497	741451965
iii	बी.आर.ए. परियोजना खाता		15737544	14544630
iv	युवा शोध वैज्ञानिक खाता		159000000	147342960
v	उत्कृष्ट संस्थान		316002193	239765827
vi	दिल्ली विश्वविद्यालय STHICB सी.एस.आर.आई. I 62G ANTRP009		-----	3480655
			1947449234	1686586037
14	प्रायोजित अध्येतावृत्ति एवं छात्रवृत्ति			
i	सीएसआईआर अध्येतावृत्ति		54000000	50010000
ii	डीयू सेमिनार शीष्मकालीन संस्थान खाता		32500000	-----
			86500000	50010000
		कुल-V	8611522098	8925350319
		कुल योग (I+II+III+IV+V)	10407223164	10273372768

31.03.2025 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

धनराशि ₹ में

अनुसूची 8 - ऋण, अग्रिम एवं जमा		चालू वर्ष		गत वर्ष
1. कर्मचारियों के लिए अग्रिम (गैर-सब्याज)				
क) छुट्टी यात्रा रियायत		290000		1186455
2. कर्मचारी हेतु दीर्घावधि अग्रिम (सब्याज)				
क) वाहन ऋण/कम्प्युटर		308700		327500
ख) आवास ऋण/गृह निर्माण अग्रिम		16873269		7990820
3. नकद में वसूली योग्य अग्रिम और अन्य धनराशि अथवा अन्य प्रकार से अथवा मूल्य में प्राप्त की जाए				
क) उद्दिष्ट निधियों में से अन्य अग्रिम		226877		25272118
ख) आवर्ती/पूंजीगत परिशोधित अनुदान खाते से अन्य अग्रिम				
i) परीक्षा के लिए अग्रिम		1975073		6204347
ii) विभागों को अग्रिम		20553035		27213123
iii) चल रही बुनियादी द्वारा परियोजनाओं के लिए अग्रिम				
सी.पी.डब्ल्यू.डी. को अग्रिम	790065304		315819590	
एनबीसीसी को अग्रिम	1249416811		1115507804	
मेससे राइट्स लिमिटेड को अग्रिम	170118749	2209600864	203922447	1635249841
ङ) प्रायोजित परियोजना में से अन्य अग्रिम		582921		29363606
छ) अन्य ((टी.डी.एस. वापसी योग्य)		198157671		200371877
4. पूर्व प्रदत्त व्यय				
क) सामान्य और तात्विक रखरखाव शुल्क के लिए		15025530		33127221
5. जमा				
क) विद्युत		20810300		20805300
ख) डी.ई.एस.यू. (प्रतिभूति)		4795		4795
ग) अन्य		202373		202373
6. प्रोद्भूत आय				
क) उद्दिष्ट/अक्षय निधि से निवेश पर		386191647		344589879
ख) ए.सी.बी.आर. से निवेश पर		178484		97636
ग) यू.जी.सी. को प्रतिदेय खाता से निवेश पर		1551774		1681052
घ) प्रायोजित योजना से निवेश पर		79538349		64113338
ङ) प्रायोजित अध्येतावृत्ति एवं छात्रवृत्ति से निवेश पर		2697999		4045970
च) योजना से निवेश पर		136705385		173406212
छ) अन्य निधि से निवेश पर		31229941		5184447
ज) अर्जित ब्याज (ए.सी.बी.आर. योजना)		5995122		6008391
झ) अर्जित ब्याज (अवधान राशि पुस्तकालय प्रतिभूति)		356062		1123508
ञ) अर्जित ब्याज (ठेकेदार प्रतिभूति)		1642187		140148
7. अन्य - यू.जी.सी./प्रयोजित परियोजनाओं में प्राप्य चालू परिसंपत्तियां				
क) यूजीसी से प्राप्य अनुदान		281863		5229399
8. प्राप्य दावा				
क) अन्य प्राप्य		8404726		404288
कुल		3139384946		2593343643

नोट: यदि परिक्रामी धनराशि कर्मचारियों के लिए आवास निर्माण, कंप्यूटर और वाहन अग्रिम हेतु निर्मित की गई है, तो

अग्रिम उद्दिष्ट/अक्षय निधियों के हिस्से के रूप में दिखाई देगी। इन सब्याज अग्रिमों के प्रति बैलेंस इस अनुसूची में दिखाई नहीं देगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2025 तक के आय और व्यय के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

धनराशि ₹ में

अनुसूची 9 - शैक्षणिक प्राप्तियाँ	चालू वर्ष	गत वर्ष
छात्रों से फीस		
शैक्षणिक	86553348	55287418
1. शिक्षा शुल्क	15710804	2011348
2. प्रवेश शुल्क	4890368	12303122
3. नामांकन शुल्क	1892561	2032440
4. पुस्तकालय प्रवेश शुल्क एवं प्रयोगशाला शुल्क	2454400	3598840
5. खेल एवं एथलेटिक एसोसिएशन शुल्क	137351125	122237418
6. पंजीकरण शुल्क	179073934	96686060
7. दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र कल्याण कोष	977802344	334038066
8. सकाय/विभाग/केंद्र/सुविधाएं एवं सेवाएं शुल्क	74011	16701000
9. स्नातक/स्नातकोत्तर प्रवेश रद्दीकरण शुल्क	51915298	32361662
10. अन्य शुल्क	**1457718193**	**677257374**
कुल (क)		
परीक्षा	1426979250	1240097515
1. वार्षिक परीक्षा शुल्क	39431802	38230933
2. अंकपत्र, प्रमाणपत्र शुल्क	105150	98750
3. प्रवेश परीक्षा शुल्क	**1466516203**	**1278427198**
कुल (ख)		
अन्य शुल्क	-----	-----
1. पहचान पत्र शुल्क	-----	-----
2. जुर्माना/विविध शुल्क	-----	-----
3. चिकित्सा शुल्क	-----	-----
कुल (ग)	-----	-----
प्रकाशनों की बिक्री	-----	-----
कुल (घ)		
अन्य शैक्षणिक प्राप्तियां	-----	-----
1. कार्यशाला, कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण शुल्क	-----	-----
2. पंजीकरण शुल्क (शैक्षणिक स्टाफ कॉलेज)	0	0
कुल (ङ.)	**2924234396**	**1955684572**
कुल योग (क+ख+ग+घ+ङ.)		

अनुसूची 10 - अनुदान/सब्सिडी (प्राप्त लावसूल अनुदान) धनराशि ₹ में

विवरण	यू.जी.सी.									
	अन्य पिछड़ा वर्ग/उत्कृष्टता/योजना	HEFA ऋण के लिए सहायता अनुदान	एफ.आर.पी. अनुदान	अन्य (एस.ए.पी./एफ.आर.पी./सी. पी.डी.एच.ई.)	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (पूंजीगत/आवर्ती/वेतन)	पूंजीगत सम्पत्ति	कॉलेजों को सीपीएफ से जीपीएफ के लिए अनुदान	आवर्ती/वेतन अनुदान	चालू वर्ष का कुल	पिछला वर्ष का कुल
अर्जनीत शेष	1399022446		(2218005)	(3011394)	144725942	136980449	119754879	35967239	1831221556	5246551256
अत्यधिक उत्कृष्टता/योजना अनुदान	.....		.....	.....	.....			.....	0	.....
लेखापरीक्षा अवलोकन के अनुसार ब्याज राशि अनुसूची-3 चालू देनदारियों में स्थानांतरित	.....		.....	.....	.....	.....	.....	.....	0	(3535526399)
जोड़ें: वर्ष के दौरान की प्राप्तियां	.....	117598500	13776086	21496738	328800000	100000000		7860000000	8441671324	9602048657
जोड़ें: कॉलेजों द्वारा वापस की गई अप्रयुक्त शेष राशि	27425000		.....	.....	.....	.....	16496381		43921381	6513446
कुल	1426447446	117598500	11558081	18485344	473525942	236980449	136251260	7895967239	10316814261	11319586960
घटाएं: परियोजित परियोजना में स्थानांतरण	0		0	60449	0	0	0	0	60449	0
घटाएं: यू.जी.सी. शेष की वापसी	1137700000		0	99425	0	0	136251260	0	1274050685	16439332
घटाएं: जमा कार्य के लिए सीपीडब्ल्यूडी को दिया गया अग्रिम भुगतान	0		0	0	250000000	16000000	0	0	266000000	35000000
घटाएं: पूंजीगत व्यय के लिए प्रयुक्त (क)	0	117598500	0	0	78800000	95323884	0	0	291722384	160370085
शेष	288747446	0	11558081	18325470	144725942	125656565	0	7895967239	8484980743	11107777543
घटाएं: राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त (ख)	0	0	11810906	18354508	0	0	0	7895967239	7926132653	9275182735
घटाएं: छात्रावासों को पूंजीगत व्यय हेतु जारी अनुदान	0	0	0	0	0	799898	0	0	799898	1373252
कुल(ख)	0	0	11810906	18354508	0	799898	0	7895967239	7926932551	9276555987
शेष धनराशि सी/एफ (ग)	288747446	0	(252825)	(29038)	144725942	124856667	0	0	558048192	1831221556

क) वर्ष के दौरान पूंजी निधि के परिवर्धन के साथ-साथ अचल सम्पत्तियों के परिवर्धन के रूप में प्रतीत होता है।

ख) आय और व्यय खाते में आय के रूप में प्रतीत होती है।

ग) (i) तुलनपत्र में चालू देनदारियों के तहत प्रतीत होता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2025 तक के आय और व्यय के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

धनराशि ₹ में

अनुसूची 11 - निवेश से आय	उद्दिष्ट/अक्षय निधि		अन्य निवेश	
	चालू वर्ष	गत वर्ष	चालू वर्ष	गत वर्ष
1. ब्याज				
क. सरकारी प्रतिभूतियों पर	-----	-----	-----	-----
ख. अन्य बॉन्ड्स/डिबेंचर	-----	-----	-----	-----
2. सावधि जमा पर ब्याज	553825324	519346365	152037770	114527180
3. प्रादभूत आय लेकिन कर्मचारियों के सावधि जमा धनराशियों/सब्याज अग्रिमों पर देय नहीं	386097397	656970943	29794748	4043358
4. बचत बैंक खातों पर ब्याज	5585368	4289042	-----	-----
5. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-----	-----	-----	-----
कुल	**945508089**	**1180606350**	**181832518**	**118570538**
उद्दिष्ट/अक्षय निधि फंड हेतु अंतरण किया गया	**945508089**	**1180606350**	-----	-----
शेष	**NIL**	**NIL**	-----	-----

नोट: प्रोदभूत ब्याज लेकिन एच.बी.ए. निधि वाहन अग्रिम निधि और कंप्यूटर अग्रिम निधि से सावधि जमा पर देय नहीं है और कर्मचारियों के सब्याज अग्रिम यहां (मद 3) शामिल होंगे, ऐसे अग्रिमों हेतु केवल जहां परिक्रामी निधियों (इ.एम.एफ.) की स्थापना की गई।

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2025 तक के आय और व्यय के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

धनराशि ₹ में

अनुसूची 12: अर्जित ब्याज	चालू वर्ष	गत वर्ष
1. अनुसूचित बैंकों में बचत खातों पर	18381793	10720946
2. ऋण पर		
क) कर्मचारी/स्टाफ	------	------
ख) अन्य	------	------
3. देनदार और अन्य प्राप्यों पर	------	------
कुल	18381793	10720946

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2025 तक के आय और व्यय के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची 13 - अन्य आय

धनराशि ₹ में

	चालू वर्ष	गत वर्ष
क. भूमि एवं भवन से आय		
1. भवन/ भूमि से किराया इत्यादि	18293490	20493036
2. आवास के लिए कर्मचारियों से लिया गया लाइसेंस शुल्क	14455090	14621542
3. सभागार/खेल का मैदान/सम्मेलन केंद्र इत्यादि के किराया शुल्क	-----	-----
4. वसूल - बिजली शुल्क	-----	-----
5. वसूल - जल शुल्क	-----	-----
कुल (क)	**32748580**	**35114578**
ख. संस्थान के प्रकाशनों की बिक्री	-----	-----
ग. धारित परिसंपतियों से आय		
1. वार्षिक समारोह/खेलकूद आनंदोत्सव निवल से सकल प्राप्तियां	-----	-----
घटाएं: वार्षिक समारोह/खेलकूद आनंदोत्सव पर वहन किए गए प्रत्यक्ष व्यय	-----	-----
2. उत्सवों से सकल प्राप्तियां	-----	-----
घटाएं: उत्सवों पर वहन किए गए प्रत्यक्ष व्यय	-----	-----
3. शैक्षिक पर्यटन हेतु सकल प्राप्तियां	-----	-----
घटाएं: पर्यटन पर वहन किए गए प्रत्यक्ष व्यय	-----	-----
4. अन्य (विनिर्दिष्ट एवं अलग से दिखाया जाए)	-----	-----
कुल (ग)	**0**	**0**
घ. अन्य		
1. आर.टी.आई. शुल्क	17680	16336
2. विविध प्राप्तियां (निविदा फार्म, रद्दी कागज इत्यादि की बिक्री)	1749556	1143232
3. परिसंपतियों की बिक्री/निपटान से लाभ		
क) निजी परिसंपतियां	18338834	5198093
ख) नि:शुल्क प्राप्त परिसंपतियां	-----	-----
4. स्वास्थ्य केंद्र के लिए योगदान	45346279	57805255
5. अन्य (निर्दिष्ट करें)	11782425	14524993
कुल (घ)	**77234774**	**78687909**
कुल योग (क+ख+ग+घ)	**109983354**	**113802487**

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2025 तक के आय और व्यय के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची 14 - पूर्व अवधि आय

धनराशि ₹ में

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
1. शैक्षणिक प्राप्तियां	-----	63102209
2. ठेकेदार सुरक्षा खाते पर अर्जित ब्याज	-----	98092047
3. अन्य आय	-----	10856475
कुल	0	172050731

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2025 तक के आय और व्यय के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची 15 - कर्मचारियों को भुगतान और लाभ (स्थापना व्यय)

धनराशि ₹ में

विवरण	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	यू.जी.सी./अन्य योजना	यूजीसी वेतन	कुल	यू.जी.सी./अन्य योजना	यूजीसी वेतन	कुल
क) वेतन और मजदूरी						
शिक्षक	20632464	2869942694	2890575158	3981843	2588795928	2592777771
गैर-शिक्षक	0	958342053	958342053	13228569	918495581	931724150
ख) सेवानिवृत्ति और सेवांत हितलाभ	----	3672576642	3672576642	----	3428623180	3428623180
ग) छुट्टी यात्रा रियायत सुविधा	172165	25404774	25576939	72125	25583532	25655657
घ) चिकित्सा सुविधा	638958	388739474	389378432	1124612	308571365	309695977
ङ) संतान शिक्षा भत्ता	86067	30874339	30960406	81000	16841250	16922250
झ) मानदेय	0	3605604	3605604	212480	5007813	5220293
कुल	**21529654**	**7949485580**	**7971015234**	**18700629**	**7291918649**	**7310619278**

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2025 तक के आय और व्यय के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची 15 क - कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति और सेवांत हितलाभ

धनराशि ₹ में

	पेंशन	उपदान	छुट्टी नकदीकरण	कुल	गत वर्ष
क) 01.04.24 को प्रारंभिक शेष	**30374064169**	**1291152976**	**1743520312**	**33408737457**	**32564479747**
जोड़ें: अन्य संगठनों से प्राप्त अंशदान का पूंजीकृत मूल्य	4782663	4106810	5540492	**14429965**	**24405594**
कुल (क)	**30378846832**	**1295259786**	**1749060804**	**33423167422**	**32588885341**
ख) घटाएं: वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान	2245745454	157760823	129744224	**2533250501**	**2608471064**
ग)=(क-ख) उपलब्ध शेष	**28133101378**	**1137498963**	**1619316580**	**30889916921**	**29980414277**
घ) बीमांकन मूल्य निर्धारण के अनुसार अपेक्षित प्रावधान	**31320631769**	**1338027388**	**1903714406**	**34562373563**	**33408737457**
क. चालू वर्ष में प्रावधान किया जाए (घ-ग)	3187530391	200528425	284397826	**3672456642**	**3428323180**
ख. नई पेंशन योजना के लिए अंशदान	0	0	0	0	0
ग. सेवानिवृत्ति कर्मचारियों की चिकित्सा प्रतिपूर्ति	0	0	0	0	0
घ. सेवानिवृत्ति पर गृहनगर की यात्रा	0	0	0	0	0
ड. जमा लिंक्ड बीमा भुगतान	0	0	0	120000	300000
कुल (क+ख+ग+घ+ड.)	**3187530391**	**200528425**	**284397826**	**3672576642**	**3428623180**

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2025 तक के आय और व्यय के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

धनराशि ₹ में

अनुसूची 16 - शैक्षणिक व्यय	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	यू.जी.सी./अन्य योजना	यूजीसी आवर्ती	कुल	यू.जी.सी./अन्य योजना	यूजीसी आवर्ती	कुल
क) रसायन और कांच के बने पदार्थ	----	19831648	19831648	----	17410260	17410260
ख) प्रयोगशाला उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव	----	1811932	1811932	----	1084287	1084287
ग) सेमीनारों/कार्यशालाओं/सम्मेलन व्यय	4507037	16690686	21197723	3146929	8694112	11841041
घ) पुरस्कार तथा छात्रावृत्तियां	----	83168241	83168241	----	79163055	79163055
ङ) परीक्षा	----	643057758	643057758	----	531801084	531801084
च) वार्षिक सदस्यता शुल्क	----	12937438	12937438	----	5704180	5704180
छ) प्रवेश परीक्षा	----	19705569	19705569	----	14033759	14033759
ज) प्रकाशनों	----	901275	901275	----	1017303	1017303
झ) पत्रिकाएं एवं जरनल	----	66021340	66021340	----	40648604	40648604
ञ) शिक्षण कर्मचारी का वेतन (तदर्थ/अतिथि संकाय)	----	205454301	205454301	----	204228083	204228083
ट) छात्रों को लैपटॉप के लिये अनुदान/सब्सिडी	----	19486798	19486798	----	15199032	15199032
ठ) क्षेत्र कार्य/यात्रा	----	2591012	2591012	----	----	----
ड) एनएएसी व्यय	----	4973062	4973062	----	----	----
कुल	**4507037**	**1096631060**	**1101138097**	**3146929**	**918983759**	**922130688**

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2025 तक के आय और व्यय के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

धनराशि ₹ में

अनुसूची 17 - प्रशासनिक तथा सामान्य व्यय	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	यू.जी.सी./अन्य योजना	यूजीसी आवर्ती	कुल	यू.जी.सी./अन्य योजना	यूजीसी आवर्ती	कुल
क) आधारिक संरचना						
क) बिजली एवं पावर	----	317797695	317797695	----	241586244	241586244
ख) जल प्रभार	----	----	----	----	12291834	12291834
ग) संपत्ति कर	----	54880527	54880527	----	57474157	57474157
ख) संचार						
ग) डाक और टेलीफोन	----	4484157	4484157	----	4380455	4380455
घ) नेटवर्क संबंधी खर्चे	----	46406319	46406319	----	35855852	35855852
ग) अन्य						
ङ) मुद्रण तथा लेखन सामग्री (उपभोग)	----	14288588	14288588	----	17505102	17505102
च) विधिक एवं पेशेवर हेतु प्रभार	----	8330245	8330245	----	10916120	10916120
छ) विज्ञापन एवं प्रचार	----	1029020	1029020	----	----	----
ज) पहरेदारों की सेवाएँ	----	217523394	217523394	----	185716511	185716511
झ) गृह व्यवस्था के खर्चे	----	169338447	169338447	----	143769381	143769381
ञ)) खेलकूद तथा स्पोर्ट्स	----	11284903	11284903	----	9157155	9157155
ट) चिकित्सा खर्चे	----	50218261	50218261	----	50127696	50127696
ठ) अन्य/आकस्मिकता	----	60755386	60755386	4022669	60509267	64531936
घ) संविदा/तदर्थ स्टाफ वेतन						
ड) गैर-शिक्षण कर्मचारी	----	365421952	365421952	----	376482159	376482159
ड) नियोक्ता का योगदान						
ढ) भविष्य निधि में योगदान (सीपीएफ)	----	1739387	1739387	----	2618789	2618789
ण) नई पेंशन योजना में योगदान	1724903	252865883	254590786	937625	220641749	221579374
न) ईपीएफ में योगदान	----	8510400	8510400	----	----	----
कुल	**1724903**	**1584874563**	**1586599466**	**4960294**	**1429032471**	**1433992765**

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2025 तक के आय और व्यय के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

धनराशि ₹ में

अनुसूची 18 - परिवहन व्यय	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	यू.जी.सी./अन्य योजना	यूजीसी आवर्ती	कुल	यू.जी.सी./अन्य योजना	यूजीसी आवर्ती	कुल
1. वाहन (संस्थान के स्वामित्व में)						
क) परिचालन (रनिंग) व्यय	----	1076881	1076881	----	1457296	1457296
ख) मरम्मत और अनुरक्षण	----	457212	457212	----	454920	454920
ग) बीमा व्यय	----	194854	194854	----	140992	140992
2. भाड़े/पट्टे पर लिए गए वाहन						
क) भाड़ा/पट्टा हेतु व्यय	----	----	----	----	----	----
3. किराये के वाहन (टैक्सी) हेतु व्यय	----	2636691	2636691	----	4230283	4230283
4. यात्रा एवं परिवहन हेतु व्यय	----	6185076	6185076	----	9567280	9567280
कुल	**----**	**10550714**	**10550714**	**----**	**15850771**	**15850771**

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2025 तक के आय और व्यय के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

धनराशि ₹ में

अनुसूची 19 - मरम्मत और अनुरक्षण	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	यू.जी.सी./अन्य योजना	यूजीसी आवर्ती	कुल	यू.जी.सी./अन्य योजना	यूजीसी आवर्ती	कुल
क) भवन	----	196076873	196076873	----	185570743	185570743
ख) फर्नीचर एवं फिक्सचर	----	6209968	6209968	----	4406082	4406082
ग) संयत्र और मशीनरी	----	865073	865073	----	1766950	1766950
घ) कार्यालय उपकरण	----	15766718	15766718	----	15174514	15174514
ङ) कंप्यूटर्स	----	5102396	5102396	----	4049996	4049996
च) बागवानी	----	15817639	15817639	----	12475817	12475817
कुल	**0**	**239838667**	**239838667**	**0**	**223444102**	**223444102**

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2025 तक के आय और व्यय के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

धनराशि ₹ में

अनुसूची 20 - वित्त लागत	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	यू.जी.सी./अन्य योजना	यूजीसी आवर्ती	कुल	यू.जी.सी./अन्य योजना	यूजीसी आवर्ती	कुल
क) बैंक प्रभार	----	75178	75178	----	41942	41942
ख) अन्य (निर्दिष्ट करें)	----	----	----	----	----	----
कुल	0	75178	75178	0	41942	41942

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2025 तक के आय और व्यय के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

धनराशि ₹ में

अनुसूची 21 - अनुदानों, आर्थिक सहायताओ इत्यादि पर खर्च	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	यू.जी.सी./अन्य योजना	यूजीसी आवर्ती	कुल	यू.जी.सी./अन्य योजना	यूजीसी आवर्ती	कुल
क) अशोध्य और संदिग्ध ऋणों/अग्रिमों हेतु प्रावधान	----	----	----	----	----	----
ख) लावसूल शेष को बट्टे खाते में डालें	----	----	----	----	----	----
ग) हॉल और हॉस्टल/अन्य संगठनों को अनुदान/सब्सिडी	----	175160658	175160658	----	142548181	142548181
घ) कॉलेजों को सीपीएफ से जीपीएफ में परिवर्तन पर पेंशन के बकाया के लिए अनुदान	----	----	0	----	1570457845	1570457845
ड़) अन्य (निर्दिष्ट करें)	----	----	----	----	----	----
कुल	----	175160658	175160658	----	1713006026	1713006026

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2025 तक के आय और व्यय के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

धनराशि ₹ में

अनुसूची 22 : पूर्व अवधि के खर्चे	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	यू.जी.सी./अन्य योजना	यूजीसी आवर्ती	कुल	यू.जी.सी./अन्य योजना	यूजीसी आवर्ती	कुल
1. स्थापना व्यय	1758394	1750585	3508979	618303	3220937	3839240
2. शैक्षणिक व्यय	----	42993254	42993254	----	80100517	80100517
3. प्रशासनिक व्यय	----	63049612	63049612	----	28104490	28104490
4. गैर-शिक्षण को मानदेय (N.C.W.E.B.)	----	91774425	91774425	----	61926850	61926850
5. मरम्मत एवं रखरखाव	----	153619146	153619146	----	110960630	110960630
6. यात्रा व्यय	----	354311	354311	----	70000	70000
7. पूर्व अवधि से संबन्धित ह्रास मूल्य	----	7515238	7515238	----	19554104	19554104
कुल	**1758394**	**361056571**	**362814965**	**618303**	**303937528**	**304555831**

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2025 तक के आय और व्यय के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

धनराशि ₹ में

स्टॉक में वृद्धि/कमी	चालू वर्ष	गत वर्ष
क) अंतिम स्टॉक		
लेखन सामग्री	20255264	18220051
दवाएं और औषधियां	11302128	15617993
रसायन और कांच के बने पदार्थ	1486020	2682975
उत्तर पुस्तिका	43303061	51256626
कुल (क)	**76346473**	**87777645**
ख) घटाये: आरंभिक स्टॉक	87777645	36379806
कुल (ख)	**87777645**	**36379806**
अधिशेष/(कमी) (क-ख)	**(11431172)**	**51397839**

31 मार्च 2025 को समाप्त हुए वर्ष हेतु लेखा का हिस्सा बनी अनुसूचियां

अनुसूची 23: महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

1 लेखा तैयार करने हेतु आधार:

वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत परिपाटी के आधार पर और आमतौर पर लेखांकन की प्रोद्भवन पद्धति के आधार पर तैयार किए जाते हैं, जब तक अन्यथा न कहा जाए।

2 राजस्व मान्यता:

2.1 विद्यार्थियों से फीस तथा बचत बैंक खातों पर ब्याज का नकदी आधार पर लेखा- जोखा किया जाता है।

2.2 भूमि, भवन, अन्य संपत्ति से आय और निवेश पर ब्याज का प्रोद्भवन आधार पर लेखा-जोखा किया जाता है।

2.3 गृह-निर्माण और कम्प्यूटरों की खरीदी के लिए कर्मचारियों हेतु सब्याज अग्रिमों का प्रत्येक वर्ष प्रोद्भवन आधार पर लेखा-जोखा किया जाता हैं यद्यपि ब्याज की वास्तविक वसूली मूलधन की पूरी चुकौती के बाद शुरू होगी।

3 अचल संपत्ति एवं मूल्यह्रास:

3.1 अचल संपत्तियों का मूल्यांकन अधिग्रहण की लागत पर किया जाता है, जिसमें आवक भाड़ा, शुल्क, कर, अधिग्रहण, स्थापना और कमीशनिंग से संबंधित आकस्मिक प्रत्यक्ष व्यय, मूल्यह्रास घटाकर शामिल हैं। विश्वविद्यालय द्वारा बिना किसी प्रतिफल के प्राप्त अचल संपत्तियों को वित्तीय विवरण में अंकित मूल्य पर, अर्थात प्रति संपत्ति 1 रुपये (एक) की दर से पूंजीकृत किया जाता है।

3.2 उपहार / दान स्वरूप प्राप्त परिसंपत्तियों को अंकित मूल्य अर्थात रु 1 (एक) प्रति परिसंपत्ति पर निर्धारित किए जाते हैं।

3.3 उपहार के रूप में प्राप्त पुस्तकों का अंकित मूल्य अर्थात रु 1/- (एक) प्रति परिसंपत्ति पर निर्धारित किया जाता है।

3.4 विश्वविद्यालय ने निर्धारित दरों के अनुसार मूल्यह्रास की सीधी रेखा पद्धति को अपनाया है:

मूर्त परिसंपतियां:

क्रमांक	संपत्ति के प्रकार	एस.एल.एम. के अनुसार दरें
1	भूमि	0%
2	साइट का विकास	0%
3	भवन	2%
4	सडकें और पुल	2%
5	नलकूप और पानी की आपूर्ति	2%
6	सीवरेज और ड्रेनेज	2%
7	विद्युत स्थापना और उपकरण	5%
8	संयंत्र एवं मशीनरी	5%
9	वैज्ञानिक और प्रयोगशाला उपकरण	8.0%
10	कार्यालय उपकरण	7.5%
11	श्रव्य दृश्य उपकरण	7.5%
12	कंप्यूटर और बाह्य उपकरणों	20%
13	फर्नीचर, स्थिरता और फिटिंग	7.5%
14	खेल उपकरण	10%
15	वाहनों	10%
16	पुस्तकालय पुस्तकें और वैज्ञानिक पत्रिकाएं	10%
17	कलाकृति	7.5%

अमूर्त परिसंपत्तियां (परिशोधन):

1	ई-पत्रिकाओं (सतत)	40%
2	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%
3	पेटेंट और कॉपीराइट	9 वर्ष

3.5 वर्ष के दौरान अचल संपत्तियों के लिए परिवर्धन के संबंध में पूरे वर्ष के लिए मूल्यह्रास प्रदान की गई है। अचल संपत्तियों से बिक्री/ कटौतियों के संबंध मे कोई मूल्यह्रास शुल्क नहीं लगाया गया है। जिन संपतियों का निपटान किया गया है, उन्हे वर्ष के दौरान कटौती के रूप मे दिखाया गया है। बकाया अग्रिमों के विरुद्ध, जो परिसपतियॉ पिछले वित्तीय वर्ष मे अर्जित की गई हैं, उनके मूल्यह्रास को पूर्व अवधि के मूल्यह्रास के रूप मे लिया गया है। अग्रिम भुगतान के बाद, पिछले वित्तीय वर्ष के व्यय को भी पूर्व अवधि के व्यय में लिया गया है।

3.6 उद्दिष्टधा निधियों से सृजित परिसंपत्तियां, जहां ऐसी परिसंपत्तियों का स्वामित्व विश्वविद्यालय में निहित होता है, पूंजीगत निधि में क्रेडिट द्वारा स्थापित की जाती है और विश्वविद्यालय की स्थायी परिसंपत्तियों के साथ विलय कर दी जाती है । शिक्षा मंत्रालय(एम.ओ.ई.) के संशोधित प्रारूप में निर्धारित अनुसार संबंधित परिसंपत्तियों पर लागू दरों पर मूल्यह्रास प्रभारित किया जाता है। बाहरी एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित परियोजना से खरीदी गई संपत्ति परियोजना बंद होने तक संबंधित वित्त पोषित एजेंसी की संपत्ति बनी रहती है। परियोजना के बंद होने के बाद, संबंधित स्थायी परिसंपत्तिया खाते को डेबिट करके और पूंजीगत निधि खाते को क्रेडिट करके संबंधित परिसंपत्तियों पर लागू दरों पर मूल्यह्रास प्रभारित होने के बाद परियोजना परिसंपत्तियों को विश्वविद्यालय की स्थायी परिसंपत्तियों के साथ विलय कर दिया जाता है।

3.7 परिसंपत्तिया, जिनमे से प्रत्येक की मूल्य रू.2000/- अथवा उससे कम (पुस्तकालय की पुस्तकों और रसोई उपकरण को छोड़कर) छोटी मूल्य की संपत्ति, जिस वर्ष इन्हें खरीदा जाता है, उस वर्ष मे 100% मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है। हालांकि भौतिक लेखाकन और नियंत्रण जैसी परीसंपत्तियाँ धारको द्वारा जारी रखी जायेगी।

3.8 खेल उपकरण मूल्यह्रास दर निर्धारित प्रारूप में प्रदान नही की गई है। 10 वर्षों के अनुमानित उपयोगी जीवन को ध्यान मे रखते हुए, मूल्यह्रास 10% की दर से लगाया गया है।

3.9 विश्वविद्यालय के पास 15 संपत्तियां हैं और 15 संपत्तियों में से 8 फ्रीहोल्ड हैं, 5 लीजहोल्ड हैं (लीजहोल्ड या तो मुफ्त या 1 रुपये प्रति एकड़; वार्षिक भूमि किराये के रूप मे केवल एक भूमि) और 2 संपत्तिया मुकदमेबाजी के अधीन हैं।

4 **अमूर्त परिसंपत्तियाँ**: पेटेंट और कॉपीराइट्स, ई जर्नल तथा कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर अमूर्त परिसंपत्तियों के अंतर्गत समूहीकृत हैं।

4.1 पेटेंट: पेटेंट प्राप्त करने के लिए समय-समय पर वहन किये गए व्यय (आवेदन शुल्क, कानूनी खर्च इत्यादि) पूंजीकृत तथा तुलन-पत्र में अमूर्त परिसंपत्ति के हिस्से के रूप मे दर्शाए जाते है। यदि पेटेंट हेतु आवेदन पत्र खारिज हो जाता है तो विशिष्ट पेटेंट पर वहन किए गए संचयी व्यय को आवेदन के अस्वीकृत होने वाले वर्ष में ही आय और व्यय के बट्टे खाते में लिखा जाता है।
प्रदत्त एकस्व (पेटेंट) पर खर्च एक कंजर्वेटिव आधार पर 9 वर्ष की अवधि के बाद बट्टे खाते में डाल दिया जाता है।

4.2 **इलेक्ट्रॉनिक जर्नलस**

(क) सतत: - इलेक्ट्रॉनिक जर्नल (ई-जर्नल) मूर्त रूप मे नही हैं, लेकिन अस्थायी रूप से पूंजीकृत हैं और व्यय की मात्रा और अकादमिक और अनुसंधान कर्मचारियों द्वारा अर्जित सतत ज्ञान के संदर्भ मे प्राप्त लाभ को देखते हुए, पुस्तकालय की पुस्तकों के संबंध मे प्रदान किए गए 10% के मूल्यह्रास की तुलना मे ई-जर्नल्स के संबंध मे 40% की उच्च दर पर मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है।

(ख) गैर-स्थायी: - ई-जर्नल्स/पत्रिकाओं पर खर्च की गई राशि को चालू वर्ष में उपयोग किए गए लाभों की सीमा तक राजस्व व्यय के रूप में माना जाता है और शेष राशि को प्रीपेड खर्चों के रूप मे संचय के आधार पर खाते की किताबों मे दर्ज किया जाता है।

4.3 सॉफ्टवेयर के अर्जन पर व्यय को कम्प्यूटर तथा बाह्य उपकरणों से अलग किया गया, अमूर्त संपत्ति होने के अलावा, इनके संबंध में अप्रचलन की दर बहुत अधिक है। सॉफ्टवेयर के संबंध में मूल्यह्रास सीधी रेखा विधि पर 40% की दर से चार्ज हो रहा है, जबकि कंप्यूटर और पेरिफेरल्स के संबंध में 20% मूल्यह्रास प्रदान किया गया है।

5 **स्टॉक्स:**

वर्ष के अंत में स्टॉक का मूल्यांकन लागत पर किया जाता है।

6 **सेवा- निवृत्ति लाभ:**

सेवा-निवृत्ति लाभ जैसे पेंशन, ग्रैचुइटी और छुट्टी-भुगतान को बीमांकिक मूल्यन लेखा मानक-15 के आधार पर हिसाब में लिया गया है। विश्वविद्यालय के कर्मचारियों जिन्हे विश्वविद्यालय में अवशोषित किया गया है के पिछले नियोक्ताओं से प्राप्त पेंशन, उपदान और अर्जित-छुट्टी का पूंजीकृत मूल्य उनके संबंधित प्रावधान खातों मे जोड़ा गया है। प्रतिनियुक्ति पर कर्मचारियो के संबंध में प्राप्त पेंशन और छुट्टी वेतन को भी संबंधित प्रावधान खातों में जोड़ा गया है।

7 **निवेश:**

निधियों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त निधियों को समय-समय पर बैंक खातो मे सावधि जमा के रूप मे रखा जाता है। अन्य निवेश जो पहले पिछले वर्षों मे किए गए है उन्हे उनकी लागत/अंकित मूल्य पर शामिल किया गया है।

8 **उद्दिष्ट/अक्षय निधि:**

निर्धारित निधि मे गृह निर्माण निधि, परिवहन निधि, पुस्तकालय विकास निधि (कंप्यूटर अग्रिम और अन्य ऐसी निधिओं सहित) शामिल है, यह दीर्घकालिक निधि है और विशिष्ट उद्देश्यो के लिए निर्धारित है। प्रत्येक निधियों का एक अलग बैंक खाता है। जिनमे अधिक शेष राशि है उन्होंने बैंकों में सावधि जमा मे भी निवेश किया है। निवेश/अग्रिम से प्राप्त आय (गृह-निर्माण, वाहन, कम्प्यूटर, पुस्तकालय विकास कोष) को प्रोद्भूत आधार पर तथा बचत बैंक खातों पर ब्याज को नकदी आधार पर संबंधित निधि मे जमा किया जाता है। व्यय तथा अग्रिम (गृह-निर्माण और वाहन, कम्प्यूटर, पुस्तकालय विकास कोष के मामले में) संबंधित निधियों मे डेबिट किए जाते हैं।

8.1 संबंधित निधियो की शेष राशि, तुलन-पत्र की देनदारी की तरफ मे अयोनीत किया जाता है तथा जिसे तुलन-पत्र मे परिसंपत्ति की तरफ बैंक बैलेन्स, अग्रिमों, सावधि जमा तथा निवेश द्वारा दर्शाया जाता है।

8.2 जहां विश्वविद्यालय में निहित स्वामित्व होता है, वहाँ उद्दिष्ट निधियो में से क्रय की गई/बनाई गई परिसंपत्तियाँ, संबंधित परिसंपत्ति खाते से डेबिट तथा पूंजीगत निधि खाते से क्रेडिट द्वारा विश्वविद्यालय की अचल परिसंपत्ति मे मिलाया जाता है। मूल्यह्रास, संबंधित परिसंपत्तियों के लिए लागू दरो पर प्रभारित किया जाता है।

प्रत्येक अक्षय निधि के निवेश से होने वाली आय को निधि में जोड़ा जाता है। पदकों और पुरस्कारों पर होने वाले व्यय को संबंधित अक्षय निधि के निवेश से अर्जित ब्याज से वहन किया जाता है, तथा शेष राशि अगले वर्ष अग्रेनीत की जाती है।

शेष राशि को सावधि जमा में निवेश तथा सभी निधियों के लिए सामान बचत बैंक खाता में शेष राशि तथा निवेशों पर प्रोद्भूत ब्याज द्वारा दर्शाए जाते हैं।

8.4 विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित निम्नलिखित अक्षय निधि में अलग-अलग समर्पित राशियाँ हैं जिनमें कुछ समय से धनराशि जमा हुई थी, लेकिन लंबे समय से उसका उपयोग नहीं किया जा रहा था। बैंक खातों की संख्या को युक्तिसंगत बनाने के लिए, इन निधियों की संचित शेष राशि को वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान निम्नलिखित विवरण के अनुसार विश्वविद्यालय के एस.ओ सामान्य निधि खाते में स्थानांतरित कर दिया गया है:

क्रम संख्या	अक्षय निधि का नाम	राशि
1	सर शंकर लाल संगीत संस्थान	34,48,534
2	भौतिकी में श्री राम चेयर	1,29,33,174
3	रसायन विज्ञान में सर शंकर लाल चेयर	1,30,06,386
4	प्रबंधन अध्ययन संकाय में आईएफसी चेयर	1,32,40,407
5	एसपी जैन उन्नत प्रबंधन अनुसंधान	35,50,225
6	पंडित मन मोहन नाथ धर	23,28,722
7	अर्थशास्त्र में डीयू प्रोफेसरशिप	2,41,75,530
8	ओरिएंट इन्सेक्ट का डीयू प्रकाशन	9,78,598
9	डीयू अक्षय निधि	35,83,80,807
10	पंडित मन मोहन कृष्ण कौल	27,84,344
11	उद्यम विकास में डीयू एमवे प्रोफेसरशिप	2,06,15,851
12	एमएचआरडी आईपीआर चेयर	8,071
	कुल	45,54,50,649

9 सरकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अनुदान:

9.1 वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान विश्वविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और शिक्षा मंत्रालय से कई योजनाओं के अंतर्गत अनुदान प्राप्त हुआ है, जिनका विवरण नीचे दिया गया है: -

क) 3,13,00,00,000/- रुपये का आवर्ती अनुदान

ख) 4,73,00,00,000/- रुपये का वेतन अनुदान

ग) 10,00,00,000/- रुपये का पूंजी अनुदान

ii) 32,88,00,00,000/- रुपये का पूंजीगत संपत्ति (ईडब्ल्यूएस) अनुदान

iii) 11,75,98,500/- रुपये का शिक्षा मंत्रालय से HEFA ऋण के पुनर्भुगतान के लिए अनुदान।

9.2 पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग की गई सीमा तक, यूजीसी अनुदान को पूंजीगत निधि में स्थानांतरित कर दिया जाता है।

9.3 राजस्व व्यय को पूरा करने के लिए उपयोग की गई सीमा तक, यूजीसी अनुदान को उस वर्ष की आय माना जाता है जिसमें वे प्राप्त हुए हैं।

9.4 विश्वविद्यालय द्वारा वाणिज्यिक बैंक में प्राप्त अनुदान जो अप्रयुक्त रह जाता है, उसे तुलन-पत्र में अनुसूची -3 (वर्तमान देनदारियां और प्रावधान) में देयता के रूप में दिखाया गया है।

9.5 हॉट स्पॉट वाई-फाई कैंपस कनेक्ट (अतिरिक्त अनुदान XII योजना) की स्थापना के लिए अप्रयुक्त अनुदान 0.2240 करोड़ रुपये, उत्कृष्टता अनुदान (2008-2017) 34.75 करोड़ रुपये, विश्वविद्यालय विभागों के लिए ओबीसी विस्तार अनुदान 76.75 करोड़ रुपये, कॉलेजों के लिए ओबीसी विस्तार अनुदान 1.32 करोड़ रुपये और एनसीवेब के लिए ओबीसी विस्तार अनुदान 0.7243 करोड़ रुपये ब्याज सहित, कुल 113.77 करोड़ रुपये अनुदान पर ब्याज सहित 103.82 करोड़ रुपये वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान यूजीसी को वापस कर दिए गए हैं।

10 उद्दिष्ट निधि निवेश और ऐसे निवेशों पर उपार्जित ब्याज:

ऐसी निधियों के प्रति उपलब्ध धनराशि एक सीमा तक किंतु तत्काल खर्च करना अपेक्षित नहीं हैं, उसे बैंकों में निश्चित अवधि के लिए जमा किया जाता है, शेष राशि बचत बैंक खाता में रहेगी।

इस तरह के निवेश पर अर्जित ब्याज, प्रोद्भूत ब्याज और देय तथा प्रोद्भूत ब्याज किंतु बिना देय को संबंधित निधियों में जोड़ दिया जाता है और जो संस्था की आय के रूप में नहीं समझी जाती हैं।

11 प्रायोजित परियोजनाएं:

11.1 चल रही प्रायोजित परियोजनाओं के संबंध में, प्रायोजकों से प्राप्त राशि को 'वर्तमान देनदारियां और प्रावधान- वर्तमान देनदारियां - "प्रायोजित परियोजनाओं के खिलाफ रसीद" शीर्षक में जमा किया जाता है। जब भी ऐसी परियोजना के लिए किए गए व्यय/अग्रिम का भुगतान किया जाता है, या संबंधित परियोजना खाते को आवंटित ओवरहेड शुल्क के साथ डेबिट किया जाता है, तो देयता खाता डेबिट हो जाता है। 31.03.2025 को अप्रयुक्त अनुदान को तुलन-पत्र की अनुसूची - 3 में देयता के रूप में दिखाया गया है।

11.2 यूजीसी द्वारा जारी अध्येतावृत्ति के लिए धनराशि के अतिरिक्त, विभिन्न संगठनों द्वारा भी अध्येतावृत्ति और छात्रवृत्ति प्रायोजित किया जाता है। इन्हें प्रायोजित परियोजना की तरह लेखाबद्ध किया जाता है सिवाय इसके कि व्यय आमतौर पर केवल अध्येतावृत्ति और छात्रवृत्ति के वितरण पर हो, जिसमें फेलो तथा विद्वानों के आकस्मिक व्यय हेतु भत्ते शामिल होते हैं।

11.3 संस्थान स्वयं भी अध्येतावृत्ति तथा छात्रवृत्ति प्रदान करता है, जोकि शैक्षणिक खर्च मे लेखाबद्ध किए जाते हैं।

11.4 बाहरी ऐजंसियों द्वारा वित्त पोषित परियोजना से खरीदी गई परिसपत्तियाँ परियोजना के बंद होने तक संबंधित वित्तपोषित ऐजेंसी की संपत्ति होती है। परियोजना बंद होने के बाद, संबंधित स्थायी परिसपत्ति खाते को डेबिट करके और पूंजीनिधि खाते को क्रेडिट करके संबंधित परिसंपत्तियों पर लागू दरों पर मूल्यह्रास शुल्क के बाद परियोजना परिसंपत्तियो को विश्वविद्यालय की स्थायी परिसंपत्तियों के साथ विलय कर दिया जाता है।

11.5 चालू अनुसधान परियोजनाओं, अवधि समाप्त परियोजनाओं और विश्वविद्यालय के ओवरहेड परियोजना खाते के हिस्से की संचित निधि एक अलग परियोजना खाते मे थी, जिसकी वास्तविक देयता का पता नही लगाया जा सका। इसलिए, लेखापरीक्षा अवलोकन के अनुसार, लगभग 10 करोड़ रुपये की अप्रयुक्त परियोजना राशि को चालू देयताओं मे लिया गया है और शेष राशि को अनुसधान परियोजना दिशानिर्देशों के अनुसार उचित उपयोग हेतु अनुसधान ओवरहेड परियोजना के लिए निर्धारित निधि के रूप मे दर्शाया गया है। इसके अतिरिक्त, अनुसंधान ओवरहेड परियोजना खाते का एक अलग समर्पित खाता खोला गया है।

12 आयकर:

संस्था की आय आयकर अधिनियम के सेक्शन 10(23)(*c*) (iiiab) के तहत आयकर मुक्त होती है। इसलिए खातों मे कर के किए कोई प्रावधान नहीं होता है।

दिनांक: 10 जून, 2025

31 मार्च 2025 को समाप्त हुए वर्ष हेतु लेखा का हिस्सा बनी अनुसूचियां

अनुसूची 24: आकस्मिक देयताएं और लेखों पर टिप्पणियाँ

1 आकस्मिक देयताएं:

(क) विश्वविद्यालय के वर्तमान/पूर्व कर्मचारियों द्वारा दायर किए गए विभिन्न दावे औद्योगिक न्यायाधिकरणों और माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित हैं। दावों की मात्रा सुनिश्चित नहीं है। 31.03.2025 तक कुल 236 मामले निर्णय हेतु लंबित हैं।

(ख) कॉमनवेल्थ गेम्स से संबंधित मामला अभी तक न्यायालय में विचाराधीन है, इसलिए आज की तिथि तक ब्याज सहित 43.19 करोड़ रुपये की राशि को आगे की अनिश्चित देनदारियों को पूरा करने के लिए उद्दिष्ट/अक्षय निधि में रखा गया है।

(ग) राजीव गांधी छात्रावास से संबंधित मामला अभी तक न्यायालय में विचाराधीन है, इसलिए आज की तिथि तक ब्याज सहित 15.92 करोड़ रुपये की राशि को आगे की अनिश्चित देयताओं को पूरा करने के लिए उद्दिष्ट/अक्षय निधि में रखा गया है।

(घ) उत्कृष्ट संस्थान की ओर से बैंक द्वारा स्थापित ऋण पत्र और 31.03.2025 को बकाया रु. 31,60,02,193/-

2 पूंजी प्रतिबद्धता: विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित चल रही परियोजनाएं निम्नलिखित हैं

धनराशि करोड़ में

क्रम संख्या	परियोजना का नाम	कार्यान्वयन एजेंसी का नाम	अनुमानित लागत	HEFA द्वारा स्वीकृत ऋण	31.03.2025 तक जारी निधि		जमा पर ब्याज	प्रतिबद्ध देयताएं
					HEFA	विश्वविद्यालय/आई.ओ.ई.		
(क)	HEFA के तहत वित्त पोषित परियोजनाएं							
1	सूरजमल विहार में नए शैक्षणिक भवन का निर्माण	सी.पी.डब्ल्यू.डी.	373.00	120.00	25.00	2.19	Nil	345.81
2	रोशनपुरा, नजफगढ़ में कॉलेज/शैक्षणिक भवन का निर्माण	सी.पी.डब्ल्यू.डी.	140.10	100.00	15.00	1.16	Nil	123.94
3	द्वारका में नए शैक्षणिक भवन का निर्माण	सी.पी.डब्ल्यू.डी.	107.18	95.00	20.00	3.53	Nil	83.65
4	दिल्ली विश्वविद्यालय के ढाका आवासीय परिसर में बालिका छात्रावास का निर्माण	सी.पी.डब्ल्यू.डी.	161.00	161.00	Nil	0.10	Nil	160.90

5	दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स कॉम्प्लेक्स में दो शैक्षणिक ब्लॉक का निर्माण	सी.पी.डब्ल्यू.डी.	246.80	201.00	Nil	Nil	Nil	246.80
6	वाई-फाई कनेक्टिविटी और विस्तार	सी.पी.डब्ल्यू.डी.	65.71	65.71	Nil	Nil	Nil	65.71
7	प्रौद्योगिकी संकाय के लिए नए भवन का निर्माण	मेसर्स एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड	166.00	195.62	Nil	14.72	0.12	151.16
		कुल (क)	**1259.79**	**938.33**	**60.00**	**21.70**	**0.12**	**1177.97**
(ख)	**शिक्षा मंत्रालय के अनुदान से आई.ओ.ई. द्वारा वित्त पोषित परियोजनाएँ**							
1	उत्तरी परिसर में केंद्रीय संदर्भ पुस्तकालय का विस्तार	सी.पी.डब्ल्यू.डी.	109.43			10.45	Nil	98.98
2	उत्तरी परिसर में डब्ल्यूयूएस स्वास्थ्य केंद्र के लिए भवन का निर्माण	सी.पी.डब्ल्यू.डी.	36.43			15.36	Nil	21.07
3	उत्तरी परिसर में सम्मेलन केंद्र भवन का ऊर्ध्वाधर विस्तार	सी.पी.डब्ल्यू.डी.	23.80			4.76	Nil	19.04
4	ढाका कॉम्प्लेक्स में छात्रों के आवास के लिए भवन का निर्माण	मेसर्स एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड	318.20			64.69	5.77	247.74
5	मॉरिस नगर-फेज-1 में प्रतिष्ठित भवन का निर्माण	मेसर्स एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड	282.76			43.43	2.79	203.31
6	मॉरिस नगर-फेज-2 में प्रतिष्ठित भवन का निर्माण	मेसर्स एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड				32.33	0.90	
		कुल (ख)	**770.62**	**Nil**	**Nil**	**171.02**	**9.46**	**590.14**
(ग)	**अन्य परियोजनाएँ**							
1	मॉरिस नगर में सामाजिक केंद्र स्कूल भवन का क्षैतिज विस्तार	सी.पी.डब्ल्यू.डी.	27.21			10.44	Nil	16.77
2	उत्तरी परिसर में कम्प्यूटर केंद्र के नए भवन का निर्माण	सी.पी.डब्ल्यू.डी.	87.29			44.23	Nil	43.06

3	उत्तरी परिसर में बहुमंजिला विज्ञान ब्लॉक के भवन का ऊर्ध्वाधर विस्तार	सी.पी.डब्ल्यू.डी.	38.85			20.97	Nil	17.88
4	उमंग भवन इमारत में एयर कंडीशनिंग सिस्टम उपलब्ध कराना	सी.पी.डब्ल्यू.डी.	9.47			7.14	Nil	2.33
5	डीएसई कॉम्प्लेक्स में भवन (ए.ई.आर.सी.) का ऊर्ध्वाधर विस्तार	सी.पी.डब्ल्यू.डी	29.73			5.95	Nil	23.78
		कुल (ग)	192.55	Nil	Nil	88.73	Nil	103.82
		कुल (क+ख+ग)	2222.96	938.33	60.00	281.45	9.58	1871.93

3 **प्रगति पर कार्य एवं अग्रिम:**

3.1. सीपीडब्ल्यूडी, राइट्स लिमिटेड और एनबीसीसी, जमा राशि के आधार पर कार्य निष्पादित कर रहे हैं। 31 मार्च, 2025 तक, उपरोक्त एजेंसियों द्वारा उपलब्ध कराए गए कार्य प्रगति विवरण के आधार पर, 121,21,05,334/- रुपये की राशि को पूंजीगत कार्य प्रगति (अनुसूची-4) के रूप में दर्शाया गया है।

3.2. 31 मार्च, 2025 तक चल रही निर्माण परियोजनाओं के लिए अग्रिम राशि का विवरण निम्नानुसार है:

I. इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस से एनबीसीसी लिमिटेड को अग्रिम = रु. 124,94,16,811/-

II. इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस से सीपीडब्ल्यूडी को अग्रिम = रु. 21,88,29,048/-

III. यूडीएफ से सीपीडब्ल्यूडी को अग्रिम = रु. 1,57,14,913/-

IV. एआरजीएफ से सीपीडब्ल्यूडी को अग्रिम = रु. 22,407/-

V. पूंजीगत परिसंपत्तियों/ईडब्ल्यूएस से सीपीडब्ल्यूडी को अग्रिम = रु 2,63,12,915/-

VI HEFA से सीपीडब्ल्यूडी को अग्रिम = रु. 52,77,37,081/-

VII. आयती से सीपीडब्ल्यूडी को अग्रिम = रु. 14,48,940/-

VIII. योजना खाते से राइट्स लिमिटेड को अग्रिम = रु. 17,01,18,749/-

कुल = रु. 220,96,00,864/-

4 **अचल परिसंपत्तियां:**

4.1 अनुसूची 4 में अचल संपत्तियों में वर्ष में वृद्धि, पूंजीगत संपत्ति रु. 52,35,53,647/- (रु. 34,94,29,763/- प्रगतिरत कार्य सहित), योजना खाता रु. 3,46,51,536/- (रु. 3,45,40,225/- प्रगतिरत कार्य सहित), उद्दिष्ट/अक्षय निधि रु. 40,98,52,006/- (रु. 32,54,30,992/- प्रगतिरत कार्य सहित) जिसमें बंद प्रायोजित परियोजनाओं से खरीदी गई परिसंपत्तियां रु. 2,81,40,940/-, पुस्तकालय की किताबें और अन्य संपत्तियां रु. 286/- शामिल हैं और दिल्ली विश्वविद्यालय को उपहार में दी गई, अंकित मूल्य रु. 1/- पर दिखाया गया है। परिसंपत्तियों की स्थापना पूंजी निधि में क्रेडिट द्वारा की गई है। इसके अलावा, आंतरिक संसाधन सृजन से रु. 2,91,25,956/- (रु. 1,57,51,030/- के प्रगतिरत कार्य सहित) की वृद्धि हुई।

4.2. अनुसूची-4 मे, दर्शाई गई परिसपत्तियों में चल रही प्रायोजित परियोजना निधि में से खरीदी गई परिसंपत्तियां शामिल नहीं हैं, जो विश्वविद्यालय द्वारा संघटित और उपयोग की गई है, क्योंकि परियोजना करार मे शर्त शामिल हैं कि परियोजना निधि में से खरीदी गई ऐसी परिसंपत्तियां प्रायोजको की परिसंपत्तियां रहेंगी जब तक प्रोजेक्ट बंद नही हो जाते।

ऐसी परिसंपत्तियों का विवरण निम्नानुसार है:

संपत्ति	31.03.2025 तक की मूल लागत	काल्पनिक मूल्यह्रास (रु.)	31.03.2025 को कुल बही मूल्य
कार्यालय उपकरण	12,93,29,701	96,99,728	11,96,29,973
कप्यूटर	17,35,71,236	3,47,14,247	13,88,56,989
फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	5,30,71,147	39,80,336	49,09,0811
प्रयोगशाला/ वैज्ञानिक उपकरण	69,29,48,116	5,54,35,849	63,75,12,267
वाहन	2,700	270	2,430
कप्यूटर सॉफ्टवेयर	4,41,41,930	1,76,56,772	2,64,85,158
ई-पुस्तकें	77,37,54,992	30,95,01,997	46,42,52,995
पूंजीगत कार्य-प्रगति (आई.ओ.ई.)	46,44,27,497	----	46,44,27,497
कुल	**233,12,47,319**	**43,09,89,199**	**190,02,58,120**

5 सीपीडब्ल्यूडी, एनबीसीसी लिमिटेड और राइट्स लिमिटेड के पास लंबे समय से बकाया अग्रिमों को संबंधित एजेंसियों द्वारा प्रस्तुत उपयोगिता प्रमाणपत्र/व्यय विवरण के आधार पर समायोजित किया गया है। पीएमसी शुल्क से संबंधित मेसर्स ई.आई.एल. की अपुष्ट देयता है।

6 **उद्दिष्ट/अक्षय निधि से निवेश**

विश्वविद्यालय ने दिल्ली विश्वविद्यालय के नाम पर 100% इक्विटी के साथ दिल्ली विश्वविद्यालय फाउंडेशन और उधोमइया फाउंडेशन नाम से दो कंपनियां (सेक्शन-8) बनाई हैं और प्रत्येक कंपनी के 1,50,000 इक्विटी शेयर सब्सक्राइब किए हैं।

7 **जमा देयताएँ:**

कोई भी बयाना राशि/सुरक्षा जमा राशि राजस्व खाते मे हस्तांतरित नहीं की गई है।

8 **विदेशी मुद्रा में व्यय:**

भुगतान/ प्राप्ति की तिथि को प्रचलित विनिमय दर पर विदेशी मुद्रा में लेन-देन का अभिधान किया गया है।

9 **चालू परिसंपत्तियां, ऋण और अग्रिम और जमाएँ:**

प्रबंधन की राय में, चालू परिसंपत्तियों, ऋणों और अग्रिमों का मूल्य सामान्य तौर पर वसूली पर होता है, जो कम से कम तुलन पत्र में दर्शाई गई कुल राशि के बराबर होता है। चूंकि पिछले 10-15 वर्षों से भी अधिक समय से अग्रिम राशि बकाया थी; अधिकांश अग्रिमों का निपटान उपलब्ध अभिलेखों/दस्तावेजों के आधार पर किया गया है।

10 **बैंक शेष:**

बैंक में बचत खाते, चालू खाते और मियादी जमा खाते में शेष का विवरण चालू परिसंपत्तियों की अनुसूची 'क' में संलग्न हैं।

• वेतन खाता, पूंजी परिसंपत्ति खाता और ऑटो स्वीप सुविधा खाता (फ्लेक्सी जमा) के साथ आवर्ती खाता को छोड़कर सभी बचत बैंक खाते, उस अवधि के लिए सावधि जमा पर लागू दर पर ब्याज उत्पन्न करते हैं जिसके लिए निधियों को "फ्लेक्सी जमा खाता" में रखा जाता है। ऐसे बचत बैंक खातों में ब्याज आय का लेखा-जोखा प्रोद्भवन आधार पर किया जाता है।

11 जहां आवश्यक था, गत वर्ष के आंकड़ो को पुनः समूहित/पुन:गठित किया गया है।

12 अंतिम लेखों के आंकड़ों को निकटतम रुपये में पूर्णांकित (राउंड ऑफ) किया गया है।

13 अनुसूची 1 से 24 को 31 मार्च 2025 तक की तुलन पत्र और 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाते के साथ संलग्न किया गया है और उसका अभिन्न अंग बनाया गया है।

14 **भविष्य निधि खाता:**

भविष्य निधि खाते केवल सदस्यों की निधियाँ हैं, उन्हें विश्वविद्यालय की लेखा पुस्तकों में नहीं लिया गया था। हालांकि, वर्ष 2024-25 के लिए प्राप्तियां और भुगतान खाते, आय और व्यय खाता (प्रोद्भवन आधार पर) और भविष्य निधि खातों के तुलन-पत्र के साथ-साथ राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) को विश्वविद्यालय के खातों से संलग्न कर दिए गए हैं।

15 **वेतन:**

वर्ष के वेतन पर व्यय में मार्च 2025 माह के वेतन का प्रावधान शामिल है।

15 **पूर्व अवधि आय और व्यय:**

पिछले वर्षों से संबंधित आय और व्यय को संबंधित अनुसूची में पूर्व अवधि की आय और पूर्व अवधि के व्यय के रूप में लिया गया है।

16 हाल्स और छात्रावास:

चूंकि हॉल और हॉस्टल अलग-अलग रिपोर्टिंग संस्थाएं हैं, इसलिए उनके वार्षिक खाते दिल्ली विश्वविद्यालय के खातों से अलग तैयार किए जाते हैं। हालाँकि, एक समेकित प्राप्ति और भुगतान खाता, समेकित आय और व्यय खाता और सभी हॉल और हॉस्टल और गेस्ट हाउस की एक समेकित तुलन पत्र दिल्ली विश्वविद्यालय के खाते से जोड़े गए हैं।

17 उत्कृष्ट संस्थान: -

केंद्र सरकार ने अधिकार प्राप्त विशेषज्ञ समिति (ई.ई.सी) और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी) की सिफारिशों पर अधिसूचना संख्या एफ.11/9/2019-यू3(ए) दिनांकित 2 मार्च,2020 के जारी होने से दिल्ली विश्वविद्यालय को "उत्कृष्ट संस्थान माना जाने वाला विश्वविद्यालय" घोषित किया। इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस अकाउंट को दिल्ली विश्वविद्यालय के वार्षिक खातों की अनुसूची-3 (ए) यानि प्रायोजित परियोजनाओं में परियोजना खातों के रूप में शामिल किया गया है। आई.ओ.ई द्वारा अलग से जमा किए गए खातों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2024-25 में रु. 147.00 करोड़ आरंभिक शेष ले लिया गया और वर्ष के दौरान रु. 146.99 करोड़ का अनुदान और रु. 8.77 करोड़ ब्याज/अन्य आय प्राप्त हुए हैं, आईओई द्वारा प्रस्तुत खातों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान पूंजीगत व्यय के लिए 82.07 करोड़ रुपये (12.04 करोड़ रुपये प्रगतिरत कार्य सहित) और राजस्व व्यय के लिए 54.25 करोड़ रुपये का उपयोग किया गया।

18 अंतर्राष्ट्रीय गेस्ट हाउस: -

अंतर्राष्ट्रीय गेस्ट हाउस के एक कर्मचारी द्वारा रु.9,67,325/- के गबन की राशि के विरुद्ध, रु. 2,88,383/- की वसूली पहले ही की जा चुकी है और शेष रु.6,78,942/- हटाए गए कर्मचारी को देय वेतन के बकाया से वसूली की जाएगी, लेकिन कर्मचारी अदालत में चला गया है, इसलिए मामला न्यायालय में विचाराधीन है।

19 HEFA ऋण: - विश्वविद्यालय HEFA ऋण की विंडो-III योजना के अंतर्गत आता है, जिसमें 90% हिस्सा शिक्षा मंत्रालय द्वारा और शेष 10% विश्वविद्यालय द्वारा अपने आंतरिक संसाधनों से देय है। विश्वविद्यालय को शिक्षा मंत्रालय के अनुमोदन पत्र संख्या F.No. 4-5/2022 (CU-11) दिनांक 11 अक्टूबर, 2022 के अनुसार HEFA से निम्नलिखित सात (7) परियोजनाओं के लिए 938.33 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत किया गया है: -

1. प्रौद्योगिकी संकाय के लिए नए भवन का निर्माण	- रु. 195.62 करोड़
2. सूरजमल विहार में नए शैक्षणिक भवन का निर्माण	- रु. 120.00 करोड़
3. रोशनपुरा, नजफगढ़ में कॉलेज/शैक्षणिक भवन का निर्माण	- रु. 100.00 करोड़
4. द्वारका में नए शैक्षणिक भवन का निर्माण	- रु. 95.00 करोड़
5. दिल्ली विश्वविद्यालय के ढाका आवासीय परिसर में बालिका छात्रावास का निर्माण	- रु. 161.00 करोड़
6. दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स परिसर में दो शैक्षणिक ब्लॉक का निर्माण	- रु. 201.00 करोड़
7. वाई-फाई कनेक्टिविटी और विस्तार	- रु. 65.71 करोड़
	कुल - रु. 938.33 करोड़

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान निम्नलिखित परियोजनाओं के क्रियान्वयन हेतु HEFA द्वारा 60 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है: -

1. सूरजमल विहार में नए शैक्षणिक भवन का निर्माण	- रु. 25 करोड़
2. रोशनपुरा, नजफगढ़ में कॉलेज/शैक्षणिक भवन का निर्माण	- रु. 15 करोड़
3. द्वारका में नए शैक्षणिक भवन का निर्माण	- रु. 20 करोड़
	कुल - रु. 60 करोड़

HEFA ऋण पर ब्याज का कोई प्रावधान खातों में नहीं किया गया है क्योंकि HEFA ऋण पर ब्याज शिक्षा मंत्रालय द्वारा वहन किया जाएगा।

दिनांक: 10 जून, 2025

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2025 को समाप्त हुए वर्ष का प्राप्तियां और भुगतान लेखा

धनराशि ₹ में

प्राप्तियां		चालू वर्ष	गत वर्ष	भुगतान	चालू वर्ष	गत वर्ष
I. प्रारंभिक शेष				I. व्यय		
क. नकद शेष		.....	.....	क. संस्थापन व्यय	6801786256	6411012488
ख. बैंक शेष				ख. शैक्षणिक व्यय	1023082453	874808431
- चालू खाते में		839498	26499075	ग. प्रशासनिक व्यय	1568581024	1426036657
- बचत खाते में		1347182951	1272820930	घ. परिवहन व्यय	10516545	15920529
- जमा खाते में				ङ. मरम्मत और अनुरक्षण	264832307	255932964
I) अनुसूची-5 के अनुसार		11745212124	10385053831	च. वित्तीय प्रभार	75178	41942
II) अनुसूची-7 के अनुसार		8925350319	7802125575	छ. अनुदान से व्यय	175160658	1713006026
ग. स्थायी पेशगी		929820	540000	ज. पूर्व अवधि की वस्तुएँ	359736452	280565101
II. प्राप्त अनुदान						
क. भारत सरकार से		.....	.....	II. उद्दिष्ट/अक्षय निधि के प्रति भुगतान	673525967	942235886
ख. राज्य सरकार से		.....	.....			
ग. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से				III. प्रायोजित परियोजनाओं/ योजनाओं के प्रति भुगतान	2668314355	2510509202
i) पूंजीगत व्यय के लिए अनुदान	100000000					
ii) वेतन / राजस्व व्यय के लिए अनुदान	7860000000			IV. प्रायोजित अध्येतावृत्ति/ छात्रवृत्ति के प्रति भुगतान	38481947	26492475
iii) ई.डब्ल्यू.एस. के लिए अनुदान	328800000					
iv) HEFA ऋण के पुनर्भुगतान के लिए सहायता अनुदान	117598500			VI. किए गए निवेश और जमा		
iv) कालेजों द्वारा सीपीएफ से जीपीएफ के लिए अप्रयुक्त अनुदान वापस किया गया	16496381			VII. अनुसूची बैंकों में सावधि जमा		
घ. यूजीसी की विशिष्ट योजनाओं से	35272824	8458167705	9602048657	VIII. स्थायी परिसंपत्तियां और पूंजीगत वर्क-इन-प्रोग्रेस पर व्यय	767752569	384115607
III. शैक्षणिक प्राप्तियां						
क) शुल्क एवं अभिदान		2924234396	1955684572	IX. HEFA ऋण की चुकौती		
IV. उद्दिष्ट/अक्षय निधि के प्रति प्राप्तियां		1030508041	905407694	शिक्षा मंत्रालय से प्राप्त अनुदान से HEFA ऋण का पुनर्भुगतान (90% हिस्सा)	117598500	.....
V. प्रायोजित परियोजनाओं/योजनाओं के प्रति प्राप्तियां		2881628145	2475318715	विश्वविद्यालय की आंतरिक प्राप्तियों से HEFA ऋण का पुनर्भुगतान (विश्वविद्यालय का 10% हिस्सा)	13066500	.....
VI. अप्रयुक्त अनुदान अन्य पिछड़ा वर्ग अनुदान महाविद्यालय द्वारा वापसी योग्य						
अप्रयुक्त अनुदान		27425000	6513446			
अप्रयुक्त राशि पर ब्याज		97380108				

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2025 को समाप्त हुए वर्ष का प्राप्तियां और भुगतान लेखा

VII. प्रयोजित अध्येतावृत्ति और छात्रवृत्ति के प्रति प्राप्तियां	43790160	37082181	X. अनुदानों का प्रतिदाय		
VIII. निम्न के निवेश पर आय			क) अनुदान	1274050685	29427325
क. उद्दिष्ट/आक्षय निधि	905928949	1094297513	ख) ब्याज	1059573942	
ख. योजना खाता	313011788	316461323	XI. अन्य भुगतान	76863456	273140033
ग. प्रायोजित परियोनाओ	132195196	106112322	XII. अंतिम शेष		
घ. अध्येतावृत्ति और छात्रवृत्ति	7690169	5563645	क. हाथ रोकड़	....	....
IX. निम्न पर प्राप्त ब्याज			ख. बैंक शेष		
क. बैंक जमा	154083187	133949311	- चालू खाते में	816707	839498
ख. ऋण और अग्रिम	....	....	- बचत खाते मे	1794884359	1347182951
ग. बचत बैंक खाता	18381793	10720946	- जमा खाते में		
X. निवेश भुनाना	....	635100000	I) अनुसूची-5 के अनुसार	12329195450	11745212124
XI. अनुसूची बैंकों में सावधि जमा	....	....	II) अनुसूची-7 के अनुसार	8611522098	8925350319
XII. अन्य आय (पूर्व आवधिक आय सहित)	140541751	102309679	ग. स्थायी पेशगी	522900	929820
XIII. यूजीसी को वापस किया जाने वाला ब्याज	22180580	....			
XIV. विविध प्राप्तियां	....	5949738			
XV. कोई अन्य प्राप्तियां	453278528	283200224			
कुल	39629940209	37162759377	कुल	39629940209	37162759377

दिल्ली विश्वविद्यालय

भविष्य निधि खाता

31 मार्च, 2025 तक का तुलन पत्र

धनराशि 31.03.24	देयताएं		धनराशि 31.03.25	धनराशि 31.03.24	परिसंपत्तियां		धनराशि 31.03.25
	सामान्य भविष्य निधि						
4667288871	आरंभिक शेष	4496689758		4785000000	जमा खाता (एफडी) अनुसूचित बैंक में		4320003000
425088104	जोड़ें: वर्ष में अभिदान और अंशदान के अग्रिम का भुगतान	405077612					
310065251	जोड़ें: ब्याज जमा किया गया	296669413		152664756	31.03.2025 को प्रोद्‌धभूत ब्याज		142964657
(905587719)	घटाएं: अग्रिम/ निकासी/अंतिम भुगतान	(1034376694)					
(164749)	घटाएं: गत वर्ष से संबंधित समायोजन	(208156)			कर पर स्रोत कटौती प्राप्य :		
4496689758	अंत शेष		4163851933	187498	-- सीपीएफ खाता	133308	
				465633	-- जीपीएफ खाता	465633	598941
	अंशदायी भविष्य निधि			653131			
111792462	आरंभिक शेष	96769601					
6303490	जोड़ें: वर्ष में अभिदान और अंशदान के अग्रिम का भुगतान	5583220			भारतीय स्टेट बैंक में बचत खातो में शेष राशि		
6021488	जोड़ें: ब्याज जमा किया गया	5669892		175054596	--जीपीएफ	345958286	
(27347839)	घटाएं: अग्रिम/ निकासी/अंतिम भुगतान	(38884423)		7463686	--सीपीएफ	23066318	369024604
-	घटाएं: गत वर्ष से संबंधित समायोजन	(47573)		182518282			
96769601	अंत शेष		69090717				
	ब्याज रिजर्व						
467920834	आरंभिक शेष	527376810					
59455976	जोड़ें: व्यय पर आय का आधिक्य	72271742					
527376810	अंत शेष		599648552				
	मार्च 2025 माह के लिए सदस्यता एवं अंशदान का प्रावधान				मार्च 2025 माह के लिए सदस्यता एव अंशदान प्राप्य		
34029907	--जीपीएफ	30716123		34029907	--जीपीएफ	30716123	
479010	--सीपीएफ	344700		479010	--सीपीएफ	344700	31060823
34508917			31060823	34508917			
5155345086	कुल		4863652025	5155345086			4863652025

दिल्ली विश्वविद्यालय

भविष्य निधि खाता

31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष हेतु आय और व्यय खाता

(धनराशि/रुपए)

धनराशि 31.03.24	व्यय	धनराशि 31.03.25	धनराशि 31.03.24	आय	धनराशि 31.03.25
	क्रेडिट ब्याज:		358951342	निवेश और बचत बैंक खाते पर अर्जित ब्याज	384055464
310065251	जीपीएफ खाता	296669413	152664756	वर्ष के दौरान प्रोद्भूत ब्याज	142964657
6021488	सीपीएफ खाता	5669892	164749	गत वर्ष से संबंधित समायोजन (ब्याज)	255729
76	बैंक प्रभार	47	(136238056)	गत वर्ष हेतु प्रोद्भूत ब्याज	(152664756)
59455976	व्यय पर आय का आधिक्य	72271742			
375542791	कुल	374611094	375542791	कुल	374611094

दिल्ली विश्वविद्यालय

भविष्य निधि खाता

31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्तियाँ एवं भुगतान खाता

(धनराशि/रुपए)

प्राप्तियां	धनराशि	भुगतान	धनराशि
01/04/24 को आरंभिक शेष			
जीपीएफ खाता सं. 10851298435	175054596	जीपीएफ अग्रिम/निकासी/अंतिम निपटान	1034376694
सीपीएफ खाता सं. 10851298457	7463686	सीपीएफ अग्रिम/निकासी/अंतिम निपटान	38884423
जीपीएफ अभिदान	405077612	वर्ष के दौरान निवेश	4360003000
सीपीएफ अभिदान और विश्वविद्यालय अंशदान	5583220	बैंक प्रभार	47
भुनाया गया निवेश	4825000000	**अंत शेष**	
		जीपीएफ खाता सं. 10851298435	345958286
प्राप्त ब्याज	384055464	सीपीएफ खाता सं. 10851298457	23066318
टीडीएस रिफंड प्राप्त हुआ	54190		
कुल	**5802288768**	कुल	**5802288768**

दिल्ली विश्वविद्यालय

एनपीएस टीयर-I खाता

31 मार्च, 2025 तक का तुलन पत्र

(धनराशि/रुपए)

	धनराशि 31.03.24	देयताएं		धनराशि 31.03.25	धनराशि 31.03.24	परिसंपतियां	धनराशि 31.03.25
		एनपीएस टीयर-I खाता					
2766699		आरंभिक शेष	0		6220000	निवेश	6870000
372225691		जोड़े: अभिदान और विश्वविद्यालय अंशदान	406160438		113957	पोदभूत ब्याज लेकिन देय नहीं	97382
374992390			406160438				
(372225691)		घटाएं: एनएसडीएल को हस्तांतरित की गई अभिदान और विश्वविद्यालय अंशदान की राशि	(405060075)		25383	फ्लेक्सी सावधि जमा और सावधि जमा पर काटा गया टीडीएस	25383
(2766699)	0	घटाएं: यूजीसी वापसीयोग्य खाते मे राशि स्थानातरण	0				
		अंत शेष		1100363			
	3444 7468	मार्च 2025 माह के लिए सदस्यता और अंशदान का प्रावधान		44411648	34447468	मार्च 2025 के लिए प्राप्य सदस्यता और योगदान	44411648
		आरक्षित ब्याज					
5883754		आरंभिक शेष	6401807				
518053	6401807	जोड़े: व्यय की तुलना में आय की अधिकता	643631	7045438	42467	बचत बैंक खाते मे शेष	1153036
	40849275	कुल		52557449	40849275	कुल	52557449

दिल्ली विश्वविद्यालय

एनपीएस टीयर-I खाता

31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष हेतु आय और व्यय खाता

(धनराशि/रुपए)

धनराशि 31.03.24	व्यय	धनराशि 31.03.25	धनराशि 31.03.24	आय	धनराशि 31.03.25
102	बैंक प्रभार	47	891927	निवेश पर प्राप्त ब्याज	660253
518053	व्यय पर आय का आधिक्य	643631	(487729)	वर्ष 2023-24 हेतु प्रोद्भूत ब्याज परंतु जो वर्ष 2024-25 के दौरान प्राप्त हुआ।	(113957)
			113957	जोड़ें: प्रोद्भूत ब्याज लेकिन देय नहीं	97382
518155	कुल	643678	518155	कुल	643678

दिल्ली विश्वविद्यालय

एनपीएस टीयर-I खाता

31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्तियाँ एवं भुगतान खाता

(धनराशि/रुपए)

धनराशि 31.03.24	प्राप्तियां	धनराशि 31.03.25	धनराशि 31.03.24	भुगतान	धनराशि 31.03.25
4691666	01/04/24 को आरंभिक शेष	42467	13220000	निवेश	6870000
372225691	स्वः अभिदान और विश्वविद्यालय अंशदान	406160438	372225691	एनएसडीएल को भेजी गई/निकासी की गई धनराशि	405060075
805833	निवेश से प्राप्त ब्याज	569096	2766699	यूजीसी वापसीयोग्य खाते में राशि स्थानातरण	0
86094	बचत बैंक खाता पर ब्याज	91157	102	बैंक प्रभार	47
2675	टीडीएस रिफंड प्राप्त हुआ	0			
10443000	निवेश भुनाया गया (एफ.डी.)	6220000	42467	31.03.2025 को अंत शेष	1153036
388254959	कुल	413083158	388254959	कुल	413083158

दिल्ली विश्वविद्यालय

हॉल और छात्रावास

31 मार्च 2025 तक का तुलन पत्र

धनराशि रु. में

निधियों के स्रोत	चालू वर्ष	गत वर्ष
समग्र/पूंजीगत निधि	438690859	410598023
नामोद्दिष्ट/उद्दिष्ट/अक्षय निधियां	78270313	75441461
चालू देयताएं और प्रावधान	85963465	72671010
कुल	**602924637**	**558710494**
निधियों के अनुप्रयोग		
अचल परिसंपत्तियां		
मूर्त परिसंपत्तियां	49227979	39688091
अमूर्त परिसंपत्तियां	4829	14
पूंजी वर्क इन प्रोग्रेस	-----	-----
उद्दिष्ट/अक्षय निधियों से निवेश		
दीर्घकालिक	-----	-----
अल्पकालिक	16753444	15943193
निवेश - अन्य	92357419	87947204
चालू परिसंपत्तियां	424753077	397466854
ऋण, अग्रिम और जमा	19827889	17719362
विविध खर्चे	-----	(54224)
कुल	**602924637**	**558710494**

दिल्ली विश्वविद्यालय

हॉल और छात्रावास

31 मार्च, 2025 को समाप्त हुए वर्ष का आय तथा व्यय लेखा

धनराशि रु. में

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
(क) आय		
शैक्षणिक प्राप्तियां	73946103	95304930
अनुदान/आर्थिक सहायता	172244760	154128531
निवेशों से आय	28461446	23113381
अर्जित ब्याज	1304171	1928118
अन्य आय	82773138	56301870
पूर्व अवधि आय	4610612	33970
कुल (क)	**363340230**	**330810800**
(ख) व्यय		
स्टाफ भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)	98982420	100199151
शैक्षणिक व्यय	-----	-----
प्रशासनिक और सामान्य व्यय	211927735	185188314
परिवहन व्यय	343673	296811
मरम्मत एव रखरखाव	14489752	12733833
वित्तीय लागत	74859	66638
मूल्यह्रास	6233656	5009349
अन्य खर्चे	6090	0
पूर्व अवधि खर्चे	5354278	0
कुल (ख)	**337412463**	**303494096**
आय पर व्यय के आधिक्य का शेष (क-ख)	25927767	27316704
अधिशेष/(कमी) के रूप में शेष का पूंजीगत निधि में शामिल	25927767	27316704

दिल्ली विश्वविद्यालय

हॉल और छात्रावास

31 मार्च, 2025 को समाप्त हुए वर्ष का प्राप्तियां और भुगतान लेखा

धनराशि रु. में

प्राप्तियां	चालू वर्ष	गत वर्ष		भुगतान	चालू वर्ष	गत वर्ष
I प्रारंभिक शेष				I. व्यय		
- नकद शेष	21079	21085		क. संस्थापन व्यय	115298544	123936550
- बैंक शेष	96980560	90225949		ख. शैक्षणिक व्यय	----	----
- अग्रदाय	125779	139694		ग. प्रशासनिक व्यय	182502069	154758400
- जमा खाता	356601591	319958491		घ. परिवहन व्यय	367373	319711
				ड. मरम्मत और अनुरक्षण	14120374	12401980
II. अन्य बैंक बकाया / एफ डी आर	28418496	22927902		च. पूर्व अवधि के खर्चे	75997	17500521
III. प्राप्त अनुदान	172844670	138983274		II. (क) उद्दिष्ट निधि के प्रति भुगतान	98148643	59714189
IV. शैक्षणिक प्राप्तियां	72294679	88534182		(ख) परियोजनाओं के प्रति भुगतान	0	68601
V. उद्दिष्ट/अक्षय निधि के प्रति प्राप्तिया	102517354	89185033		III. किए गए निवेश और जमा	614147	758861
VI. प्राप्त ब्याज	8200424	6665827		IV. स्थायी परिसंपतियां और पूंजीगत वर्क-इन-प्रोग्रेस पर व्यय	16613111	8304296
VII. निवेश से आय	20477701	13451914				
VIII. अन्य आय	81866120	61069512		V. वित्त प्रभार	74858	65875
IX. जमा और अग्रिम	13728187	21201028		VI. जमा और अग्रिम	10414038	9383072
X. कोई अन्य प्राप्तियॉ	20489565	18424112		VII. अन्य भुगतान	21420169	29846938
				VIII. अंत शेष		
				- नकद शेष	41524	21079
				- बैंक शेष	99118217	96980560
				- अग्रदाय	100200	125779
				- जमा खाता	415656941	356601591
कुल	**974566205**	**870788003**		कुल	**974566205**	**870788003**



दिल्ली विश्वविद्यालय